अंगपविट्ठ सुत्ताणि

भाग १

[illegible]

अ. भा. सा. जैन सं. र. संघ साहित्य रत्नमाला का ६४ वाँ रत्न

अंगपविट्ठ सुत्ताणि

एक्कारसंगसंजुओ

सम्पादक–

रतनलाल डोशी
पारसमल चण्डालिया

प्रकाशक–

अखिल भारतीय साधुमार्गी
जैन संस्कृति-रक्षक संघ
सैलाना [म. प्र.]

द्रव्य-सहायक

श्रीमान् जसवंतलाल भाई शाह   बंबई

प्राप्ति स्थान –

अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संस्कृति-रक्षक संघ
सैलाना (म. प्र.)

शाखा–१ " एदुन बिल्डिंग धोबी तलाव लेन
बम्बई–४०০০০२

२ " " सराफा बाजार, जोधपुर (राज.)

मूल्य ६०–००

प्रथमावृत्ति
१०००

विक्रम संवत् २०३८
वीर संवत् २५०८
दिनांक ५–१–८२

मुद्रक–श्री जैन प्रिंटिंग प्रेस, सैलाना (म. प्र.)

निवेदन

'अंगपविठ्ठसुत्ताणि' धर्मप्रिय स्वाध्यायशील पाठकों के करकमलों में पहुँचाते हमें हर्ष हो रहा है। इसका प्रथम विभाग जुलाई १९७९ में प्रकाशित हुआ था, दूसरा अगस्त १९८० में और तीसरा दिसम्बर १९८१ में प्रकाशित हुआ। इन तीनों विभागों की हजार-हजार प्रतियाँ प्रकाशित हुई और १००० प्रतियों का यह संयुक्त ग्रंथ प्रकाशित हो रहा है।

कार्य की रूप रेखा बनाते समय, समय का जो अनुमान लगाया गया था, वह हम साध नहीं सके। अनेक प्रकार की बाधाएँ आईं, साधन-सामग्री प्राप्त करना इस युग में कितना कठिन है? फिर प्रेस मशिनरी बिजली के आधीन होने से देश के सभी प्रेस कठिनाई में पड़ गए। काम करते-करते बिजली रूठ कर चली जाती है और यन्त्र स्थिर हो जाते हैं। किसी प्रकार जिनागमों के ११ सूत्रों का अंग विभाग पूरा कर के प्रकाशित किया जा रहा है।

अब जनवरी १९८२ में ही शेष सूत्रों का मुद्रण प्रारंभ किया जा रहा है। हमारा प्रयत्न तो सदैव की भाँति शीघ्र प्रकाशन का रहेगा।

एकादशांग के अपने अध्ययन पर से एक विस्तृत प्रस्तावना लिखने का विचार हुआ था, परंतु समय न मिलने और शारीरिक प्रतिकूलता के कारण

वैसा नहीं हो सका। यदि अनुकूलता रही, तो सम्यग्दर्शन में लेखमाला चालू करने की भावना रखता हूँ।

मैं विद्वान नहीं हूँ। विद्वानों की अनुसंधान पूर्ण प्रस्तावना जैसी तो मैं नहीं लिख सकता, अन्य साहित्य के साथ तुलनात्मक अध्ययन पूर्वक प्रस्तुत नहीं कर सकता, परंतु अपने आगमों, उसके विधि-विधानों की विशेषता आदि तथा परिचयात्मक अध्ययन प्रस्तुत कर सकता हूँ।

मुझ पर कार्य भार कुछ विशेष ही रहा और साहित्य सामग्री भी कम ही उपलब्ध हुई, अपनी अल्प पढ़ाई भी बाधक रही। इन कारणों से मैं उतना नहीं कर सकता, जितना करना चाहता हूँ। इस समय जो कुछ किया जा सका, वह प्रस्तुत है। इस प्रकार यह प्रकाशन सामान्य स्वाध्यायियों के लिये विशेष उपयोगी होगा।

जिनधर्मोपासक संघ-संरक्षक दानवीर महानुभावों की उदारतापूर्ण सहायता-सहयोग से ही यह आगमसेवा बन सकी है। उन सभी महानुभावों का मैं हृदय से आभारी हूँ।

दिनांक ५-१-१९८२ —रतनलाल डोशी
सैलाना

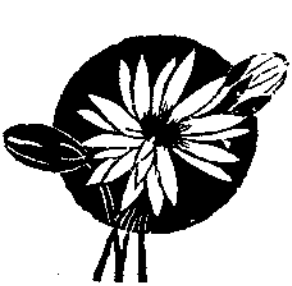

अस्वाध्याय

निम्नलिखित चौंतीस कारण टाल कर स्वाध्याय करना चाहिये।

आकाश सम्बधी १० अस्वाध्याय-कालमर्यादा

१ बड़ा तारा टूटे तो	एक प्रहर
२ दिशा-दाह+	जब तक रहे
३ अकाल में मेघगर्जना हो तो	दो प्रहर
४ " बिजली चमके तो	एक प्रहर
५ " बिजली कड़के तो	दो प्रहर
६ शुक्ल पक्ष की १-२-३ की रात	प्रहर रात्रि तक
७ आकाश में यक्ष का चिन्ह हो	जब तक दिखाई दे
८-९ काली और सफेद धूंअर	जब तक रहे
१० आकाश मण्डल धूलि से आच्छादित हो	"

+ आकाश में किसी दिशा में नगर जलने या अग्नि की लपटें उठने जैसा दिखाई दे, और प्रकाश हो तथा नीचे अन्धकार हो, वह दिशा-दाह है।

औदारिक सम्बन्धी १० अस्वाध्याय

११–१३ हड्डी, रक्त और मांस, ये तिर्यंच के ६० हाथ के भीतर हो। मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर हो। मनुष्य की हड्डी यदि जली या धुली न हो तो १२ वर्ष तक।

१४ अशुचि की दुर्गंध आवे या दिखाई दे तब तक

१५ श्मशान भूमि– सौ हाथ से कम दूर हो तो।

१६ चन्द्रग्रहण–खंड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण हो तो १२ प्रहर।

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा का अवसान होने पर, जब तक नया राजा घोषित न हो।

१९ युद्ध स्थान के निकट– जब तब युद्ध चले।

२० उपाश्रय में पंचेंद्रिय का शव पड़ा हो, जब तक पडा रहे।

२१–२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक और चैत्र की पूर्णिमा दिन रात।

२६–३० इन पूर्णिमा के बाद की प्रतिपदा "

३१–३४ प्रातः, मध्यान्ह, संध्या और अर्द्ध रात्रि १–१ मुहूर्त।

उपरोक्त अस्वाध्याय को टाल कर स्वाध्याय करना चाहिए। खुले मुंह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं बांचना चाहिए।

नोट—मेघ गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वाति के बाद का माना गया है।

शुद्धि-पत्र

पृ.	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२	३	विरूवरूवेहिं	विरूवरूहिं सत्थेहिं
५	१८	चयावचइयं	चओवचइयं
११	१६	विइत्ता	संधिं विदित्ता
१२	२१	छणं	छणं छणं
१७	६	संवेहाए	संपेहाए
१९	२६	बेइया	बुइया
१९	२६	उण्णयबामे	उण्णयमाणे
२०	५	आट्टीयं	आउट्टिकयं
२०	११	पव्वं	पुव्वं
२१	४	चेहपडिबुद्धजीवी	चेयमडिबुद्धजीवी
२१	२२	ण लवणे	०
२३	३	एवं	एवं से
२३	१९	सइं	सूइं
२४	३	अणुद्वाणो	अणुद्वाणे
२४	१७	णायबाले	णाम बाले
२४	२१	वरस	पस्स
२५	१२	संगइं	संगं ति
३४	८	विहरित्था	०
३८	११	पट्टगंसि	पट्टणंसि
३८	१६	दिज्जाणं	दिज्जमाणं
३९	१२	तत्थे० सामुदाणियं	तत्थे० कुलेहिं सामु०
३९	१३	पडिवायं	०
४१	१४	सक्कुलिं वा, पूयं वा	सक्कुलिं वा, फाणियं वा, पूयं वा
४२	५	अणंयर	अणंतर
४३	२	यं	य

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
४८	५	अफासु	अफासुयं
४८	७	पिलक्खुमंथु	पिलुंक्खुमंथुं
५२	३	तहप्पगारं	तहप्पगारं पडिग्गाहेगं
५२	१३	वसमाणे	वसमाणे वा
५२	१८	तहेव तं	(तहेव तं)
५२	१८	जहेव तं	(जहेव तं)
५७	१६	जं पच्छाकम्मं तं	तं पच्छाकम्मं जं
५८	६	उवरए	उवचरए
६०	२२	परिभुत्तव्वा	परिभुत्तपुव्वा
६४	२४	अच्छे	उंच्छे
६६	७	सिवा	सिया
६८	३	छायए	धायाए
७४	१६	तेमयावि	ते यावि
८२	८	महद्धणब्रंधाइं	महद्धणब्रंधणाइं
८३	२१	अवट्टु	अवहट्टु
८४	१६	अणुण्णविय	अणणुण्णविय
८४	२०	वासामो	वसामो जाव
९१	१९	चुण्णगवणंसि	०
९६	२	गंडं वा	गंडं वा जाव
१०८	१७	रसमस्साउं	रसमणासाउं
१०८	२०-२१	णो रज्जेजा णो सज्जेजा	णो सज्जेजा णो रज्जेजा
११०	१८	करायं	कारयं
१३८	२३	पव्वईए	ते पव्वईए
१४०	२३	पुच्छए	तुच्छए
१४६	१३	णियहसत्तू	णिहयसत्तू
१५४	१०	वण्णेहिं	अण्णेहिं

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१५५	अंतिम	वियंति	वेयंति
१५६	९	दण्डमादाणे अणट्ठदंडवत्तिए	दण्डसमादाणे अणट्ठादंड-वत्तिए
१५६	२०	मेत्ता	भेत्ता
१५९	८	अण्णे णिहरावेइ	अण्णेण णिहरावेइ
१६०	७	पढमसए	पढमसमए
२५३	२५	सुसमसुसमाए	सुसमसुसमाए
२५८	६	रयणामाया	रयणामया
२५८	१३	गोथूमा	गोथूमा
२८८	१३	खित्तइत्तं	खित्तइत्तं दित्तइत्तं
३०९	१९	चरित्तविरण	चरित्तविणए
३४५	३	ण	णं
३४७	अंतिम	णेरइयाणं	०
३५८	२६	वलायमरणे	वलयमरणे
४३०	१	तिण्णि	पच्छिमा तिण्णि
४८६	७	संहेपेत्ता	संपेहेत्ता
४८८	२२	मुम्मुरभावा	मुम्मुरभूया
४८८	२३	.....भयो	.....भूयं
४८८	२५	....भये	....भूयं
५३२	१६	गोयमा !	पुच्छा । गोयमा !
५३७	८	सवसा	तवसा
५३९	२०	जाव	जाव ओसप्पिणीइ वा
६५०	१६	हवा	अहवा
६५५	२३	एएणं	एएणं कमेणं
७३५	१०	महासुविणा....	महासुविणा बावत्तरिं सव्व-सुविणा

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
७१५	११	वा	वा चक्कवट्टि मायरो वा
७२६	१७	समवाणोसया	समणोवासया
७४२	४	वेमासाणियावासा	वेमाणियावासा
७७७	२२	अम्म......	कम्म....
७९७	१६	तंदु.....	तंतु.....
८४८	१०	पाचलेइ०	पचालेइ०
८५०	२५	सलेसस्सस सरीरस्स	सलेसस्स ससरीरस्स
८५५	१७-१८	समसरीरा	०
८५८	१०	असण्णी	णो असण्णी
८७९	२१	सेरीरं	सरीरं
११२०	१५	आयरियवउज्झा...	आयरियउवज्झा...
११२१	२	णट्टटल्लगं	णट्टुल्लगं
११२३	१६	परलो	परलोए
११३५	२३	च	च से
११३९	१२	वड्डाए	वड्डावए
११५३	२	विगयभुग्गाभुमय	विगयभुग्गभग्गभुमय
११८१	२	णावसक्खयि	णावयक्खसि
११९३	१३	सोहेमाणो य सासोमाणी य	पेच्छमाणो य सोहेमाणो य
११९५	२५	पुव्ववजाइं	पुव्वजाइं
११९९	४	आग्गहोमं करेइ २ त्ता	अग्गिहोमं करेइ २ त्ता पाणिग्गहणं करेइ २ त्ता
१२१२	२७	गेहइ	गहेइ
१२१६	७	......भावा....	...भावा जाव...
१२१८	४	मुहुत्तंमित्त	मुहुत्तमित्तं
१२२८	४	ण्हाया	मज्जणघरं अणुपविसई २ त्ता ण्हाए

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१२२८	२२	लावण्ण	...गुणलावण्ण...
१२३१	२७	एवं	एवं खलु
१२४१	१५	पंचवा	पंच पंढवा
१२४२	२८	अदिट्ठवेसगा	अदिट्ठसेवगा
१२४३	१६–१८	पव्वयाओ	पव्वयामो
१२६९	२१	पढमस्सधम्मकहाणं	धम्मकहाणं पढमस्स
१२६९	२४	अज्झयणा	अज्झयणा पण्णत्ता
१२७५	२१	मतेसु	मंतेसु य
१२९७	९	चुल्लसयगस्स	चुल्लसयगस्स समणोवासयस्स
१३०६	अंतिम	पण्णवाणाहि	पण्णवणाहि
१३०७	२६	णीणेणा	णीणेत्ता
१३११	१८	दोच्चं	दोच्चे
१३४२	२३	जत्थि	अत्थि
१३५०	१६	आइल्लाणं	आइल्लाणं
१३५२	१३	भगवं	समणं भगवं
१३६०	५	णंते !	णं भंते !
१३७२	५	...चंमुयंतघणडवेग....	मुयंतघणचंडवेग....
१३७५	१३	वज्झयाभीया	वज्झपाणभीया
१३८०	१४	....रुप्पुचंच.....	रुप्पुरचंच....
१३९१	४	अयमिणं..	वयमिणं
१३९२	१३	पीलाकरं	पीलाकरं सावज्जं
१३९६	१२	सव्वं	भव्वं
१४२५	२५	..याइं...	याइं मयकिच्चाइं
१४५७	१	पुव्वपुच्छा	पुव्वभवपुच्छा

नोट:—पृ. ५४ पंक्ति १६ सूत्रांक ६५४ के बाद कुछ प्रतियों में निम्न पाठ भी मिलता है–" से भिक्खू वा० से जं पुण उ० बहवे समणवणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तं चेव भाणियव्वं ।........."

अंग-पविट्ठ सुत्ताणि

आयारो

पढमं अज्झयणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ इह-मेगेसिं णो सण्णा भवइ, तंजहा पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ? दाहिणाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, पच्चत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उत्तराओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, उड्ढाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि ? अहो दिसाओ वा आगओ अहमंसि ? अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि ? एवमेगेसिं णो णायं भवइ, अत्थि मे आया उववाइए, णत्थि मे आया उववाइए के अहं आसि ? के वा इओ चुओ इह पेच्चा भविस्सामि ॥ २ ॥ से जं पुण जाणेज्जा सहसंमइयाए परवागरणेणं, अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा, तंजहा—पुरत्थिमाओ वा दिसाओ आगओ अहमंसि, जाव अण्णयरीओ वा दिसाओ अणुदिसाओ वा आगओ अहमंसि, एवमेगेसिं जं णायं भवइ, अत्थि मे आया उववाइए, जो इमाओ-दिसाओ अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ जो आगओ अणुसंचरइ सोहं । से आयावाई, लोयावाई, कम्मावाई, किरियावाई ॥ ३ ॥ अकरिस्सं चऽहं कारवेसुं चऽहं करओ यावि समणुण्णे भविस्सामि; एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ४ ॥ अपरिण्णायकम्मे खलु अयं पुरिसे, जो इमाओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा अणुसंचरइ, सव्वाओ दिसाओ सव्वाओ अणुदिसाओ सहेइ, अणेगरूवाओ जोणिओ संधेइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥ ५ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया ॥ ६ ॥ इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जाईमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं ॥ ७ ॥ एयावंति सव्वावंति लोगंसि कम्मसमारंभा परिजाणियव्वा भवंति ॥ ८ ॥ जस्सेते लोगंसि कम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे-त्ति बेमि ॥९॥ **पढमं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥**

अट्टे लोए परिजुण्णे दुस्संबोहे अविजाणए अस्सिं लोए पव्वहिए तत्थ तत्थ पुढो पास, आतुरा परितावेंति ॥ १० ॥ संति पाणा पुढोसिया, लज्जमाणा पुढो पास ॥ ११ ॥ अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं पुढविकम्मसमारंभेणं पुढविसत्थं समारंभेमाणे अन्ने अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १२ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया । इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव पुढविसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा पुढविसत्थं समारंभावेइ । अण्णेवा पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणइ । तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥ १३ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए; इहमेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं पुढविकम्मसमारंभेण पुढविसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ १४ ॥ से बेमि—अप्पेगे अंधमब्भे, अप्पेगे अंधमच्छे; अप्पेगे पायमब्भे, अप्पेगे पायमच्छे, अप्पेगे गुप्फमब्भे, अप्पेगे गुप्फमच्छे, अप्पेगे जंघमब्भे, अप्पेगे जंघमच्छे, अप्पेगे जाणुमब्भे, अप्पेगे जाणुमच्छे, अप्पेगे उरुमब्भे, अप्पेगे उरुमच्छे, अप्पेगे कडिमब्भे, अप्पेगे कडिमच्छे, अप्पेगे णाभिमब्भे, अप्पेगे णाभिमच्छे, अप्पेगे उयरमब्भे, अप्पेगे उयरमच्छे, अप्पेगे पासमब्भे, अप्पेगे पासमच्छे, अप्पेगे पिट्ठमब्भे, अप्पेगे पिट्ठमच्छे, अप्पेगे उरमब्भे, अप्पेगे उरमच्छे, अप्पेगे हिययमब्भे, अप्पेगे हिययमच्छे, अप्पेगे थणमब्भे, अप्पेगे थणमच्छे, अप्पेगे खंधमब्भे, अप्पेगे खंधमच्छे, अप्पेगे बाहुमब्भे, अप्पेगे बाहुमच्छे, अप्पेगे हत्थमब्भे, अप्पेगे हत्थमच्छे, अप्पेगे अंगुलिमब्भे, अप्पेगे अंगुलिमच्छे, अप्पेगे णहमब्भे, अप्पेगे णहमच्छे, अप्पेगे गीवमब्भे, अप्पेगे गीवमच्छे, अप्पेगे हणुमब्भे, अप्पेगे हणुमच्छे, अप्पेगे होट्ठमब्भे, अप्पेगे होट्ठमच्छे, अप्पेगे दंतमब्भे, अप्पेगे दंतमच्छे, अप्पेगे जिब्भमब्भे, अप्पेगे जिब्भमच्छे, अप्पेगे तालुमब्भे, अप्पेगे तालुमच्छे, अप्पेगे गलमब्भे, अप्पेगे गलमच्छे, अप्पेगे गंडमब्भे, अप्पेगे गंडमच्छे, अप्पेगे कण्णमब्भे, अप्पेगे कण्णमच्छे, अप्पेगे णासमब्भे, अप्पेगे णासमच्छे, अप्पेगे अच्छिमब्भे, अप्पेगे अच्छिमच्छे, अप्पेगे भमुहमब्भे, अप्पेगे भमुहमच्छे, अप्पेगे णिडालमब्भे, अप्पेगे णिडालमच्छे, अप्पेगे सीसमब्भे, अप्पेगे सीसमच्छे,

अप्पेगे संपमारए, अप्पेगे उद्दवए ॥ १५ ॥ इत्थं सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ १६ ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं पुढवि सत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं पुढविसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे पुढविसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा । जस्स एए पुढविकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ १७ ॥ **पढमं अज्झयणं बीयो उद्देसो ।**

से बेमि, से जहावि अणगारे उज्जुकडे, णियायपडिवण्णे अमायं कुव्वमाणे वियाहिए, जाए सद्धाए णिक्खंतो, तमेव अणुपालिया वियहित्तु विसोत्तियं–॥१८॥ पणया वीरा महावीहिं, लोगं च आणाए अभिसमेच्चा अकुओभयं ॥ १९ ॥ से बेमि–णेव सयं लोगं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा । जे लोयं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोयं अब्भाइक्खइ ॥२०॥ लज्जमाणा पुढो, पास अणगारा मो त्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२१॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव उदयसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा उदयसत्थं समारंभावेइ, अन्ने उदयसत्थं समारंभंते समणुजाणइ तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥२२॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ, एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं उदयकम्मसमारंभेणं उदयसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥२३॥ से बेमि–संति पाणा उदयनिस्सिया जीवा अणेगे, इह च खलु भो ! अणगाराणं उदयजीवा वियाहिया । सत्थं चेत्थं अणुवीइ पासा । पुढो सत्थं पवेइयं ॥२४॥ अदुवा अदिण्णादाणं ॥२५॥ कप्पइ णे कप्पइ णे पाउं, अदुवा विभूसाए, पुढो सत्थेहिं विउट्टंति एत्थऽवि तेसिं णो णिकरणाए ॥२६॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेते आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं उदयसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं उदयसत्थं समारंभावेज्जा उदय-

सत्थं समारंभतेऽवि अण्णे ण समणुजाणेज्जा, जस्सेते उदयसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥२७॥ **पढमं अज्झयणं तइओद्देसो** ।

से बेमि-णेव सयं लोयं अब्भाइक्खेज्जा, णेव अत्ताणं अब्भाइक्खेज्जा, जे लोगं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ, जे अत्ताणं अब्भाइक्खइ, से लोगं अब्भाइक्खइ ॥२८॥ जे दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे असत्थस्स खेयण्णे, से दीहलोगसत्थस्स खेयण्णे ॥२९॥ वीरेहिं एयं अभिभूय दिट्ठं, संजएहिं सया जतेहिं सया अप्पमत्तेहिं ॥३०॥ जे पमत्ते गुणट्ठिए से हु दंडे त्ति पवुच्चइ । तं परिण्णाय मेहावी इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासी पमाएणं ॥३१॥ लज्जमाणा पुढो पास-अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे, अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥३२॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणणपूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव अगणिसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा अगणिसत्थं समारंभावेइ अण्णेवा अगणिसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ । तं से अहियाए तं से अबोहिए ॥३३॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा, खलु भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं अगणिकम्मसमारंभेणं अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥३४॥ से बेमि, संति पाणा, पुढविणिस्सिया, तणणिस्सिया, पत्तणिस्सिया, कट्ठणिस्सिया, गोमयणिस्सिया; कयवरणिस्सिया; सन्ति संपाइमा पाणा, आहच्च संपयंति । अगणिं च खलु पुट्ठा, एगे संघायमावज्जंति, जे तत्थ संघायमावज्जंति ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति ते तत्थ उद्दायंति ॥३५॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥३६॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं अगणिसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं अगणिसत्थं समारंभावेज्जा, अगणिसत्थं समारंभमाणे अण्णे न समणुजाणेज्जा । जस्सेते अगणिकम्मसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥३७॥ **चउत्थोद्देसो** ।

तं णो करिस्सामि समुट्ठाए मंत्ता मइमं, अभयं विइत्ता, तं जे णो करए, एसो-

वरए, एत्थोवरए, एस अणगारे त्ति पवुच्चइ ॥ ३८ ॥ जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे ॥ ३९ ॥ उड्ढं-अहं-तिरियं-पाईणं पासमाणे रूवाइं पासइ, सुणमाणे सद्दाइं सुणइ, उड्ढं-अहं-तिरियं पाईणं मुच्छमाणे रूवेसु मुच्छति, सद्देसु यावि एस लोगे वियाहिए । एत्थ अगुत्ते अणाणाए पुणो पुणो गुणासाए वंकसमायारे पमत्तेऽगार-मावसे ॥ ४० ॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४१ ॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया । इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण, माणण, पूयणाए, जाइमरण मोयणाए दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ, तं से अहियाए, तं से अबोहिए ॥ ४२ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इह मेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए । इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइकम्मसमारंभेणं वणस्सइसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ४३ ॥ से बेमि—इमंपि जाइधम्मयं, एयंपि जाइधम्मयं, इमंपि वुड्ढिधम्मयं एयंपि वुड्ढिधम्मयं; इमंपि चित्तमंतयं एयंपि चित्तमंतयं; इमंपि छिण्णं मिलाति, एयंपि छिण्णं मिलाति; इमंपि आहारगं, एयंपि आहारगं; इमंपि अणिच्चयं, एयंपि अणिच्चयं; इमंपि असासयं, एयंपि असासयं; इमंपि चयावचइयं, एयंपि चयावचइयं; इमंपि विपरिणामधम्मयं, एयंपि विपरिणामधम्मयं ॥ ४४ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति । एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति । तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वणस्सइसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं वणस्सइसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वणस्सइसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेते वणस्सइसत्थ-समारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ४५ ॥

पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो ॥

से बेमि, संतिमे तसा पाणा, तंजहा—अंडया, पोयया, जराउया, रसया, संसेयया, संमुच्छिमा, उब्भियया, उववाइया, एस संसारेत्ति पवुच्चइ, मंदस्सावियाणओ ॥ ४६ ॥ णिज्झाइत्ता पडिलेहित्ता पत्तेयं परिणिव्वाणं, सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं,

सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं अपरिणिव्वाणं, महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥४७॥ तसंति पाणा पदिसोदिसासुय। तत्थ-तत्थ पुढो पास, आउरा परितावेंति संति पाणा पुढोसिया ॥४८॥ लज्जमाणा पुढो पास अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकायसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥४९॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया। इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं, से सयमेव तसकायसत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा तसकायसत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा तसकायसत्थं समारंभमाणे समणुजाणइ; तं से अहियाए, तं से अबोहीए ॥५०॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाय सोच्चा भगवओ, अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ-एस खलु गंथे, एस खलु मोहे; एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए; जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं तसकायसमारंभेणं तसकाय-सत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५१॥ से बेमि—अप्पेगे अच्चाए वहंति, अप्पेगे अजिणाए वहंति अप्पेगे मंसाए वहंति, अप्पेगे सोणियाए वहंति, एवं हिययाए, पित्ताए वसाए-पिच्छाए-पुच्छाए-बालाए-सिंगाए-विसाणाए-दंताए-दाढाए-णहाए-ण्हारुणीए-अट्ठीए-अट्ठीमिंजाए-अट्ठाए-अणट्ठाए- अप्पेगे हिंसिंसु मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसंति मेत्ति वा वहंति, अप्पेगे हिंसिस्संति मेत्ति वा वहंति ॥५२॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेइ आरंभा अपरिण्णाया भवंति एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेइ आरंभा परिण्णाया भवंति ॥५३॥ तं परिण्णाय मेहावी णेवसयं तसकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं तसकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे तसकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा, जस्सेए तसकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥५४॥ **इइ छठ्ठोद्देसो ।**

पहू एजस्स दुगंछणाए,आयंकदंसी अहियंति णच्चा। जे अज्झत्थं जाणइ,से बहिया जाणइ, जे बहिया जाणइ, से अज्झत्थं जाणइ। एयं तुलमण्णेसिं। इह संतिगया दविया णावकंखंति जीविउं ॥५५॥ लज्जमाणा पुढो पास, अणगारा मोत्ति एगे पवयमाणा; जमिणं विरूवरूवेहिंसत्थेहिं, वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥५६॥ तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेइया, इमस्स चेव जीवियस्स परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाइमरणमोयणाए दुक्खपडिघायहेउं, से

सयमेव वाउसत्थं समारंभइ,अण्णेहिं वा वाउसत्थं समारंभावेइ अण्णे वा वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणइ, तं से अहियाए तं से अबोहीए ॥ ५७ ॥ से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए सोचा भगवओ अणगाराणं वा अंतिए इहमेगेसिं णायं भवइ—एस खलु गंथे, एस खलु मोहे, एस खलु मारे, एस खलु णरए। इच्चत्थं गढिए लोए, जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वाउकम्मसमारंभेणं वाउसत्थं समारंभमाणे अण्णे अणेगरूवे पाणे विहिंसइ ॥ ५८ ॥ से बेमि, संति संपाइमा पाणा, आहच संपयंति य फरिसं च खलु पुट्ठा एगे संघायमावज्जंति। जे तत्थ संघायमावज्जंति, ते तत्थ परियावज्जंति, जे तत्थ परियावज्जंति, ते तत्थ उद्दायंति ॥ ५९ ॥ एत्थ सत्थं समारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा अपरिण्णाया भवंति। एत्थ सत्थं असमारंभमाणस्स इच्चेए आरंभा परिण्णाया भवंति ॥ ६० ॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं वाउसत्थं समारंभेज्जा णेवण्णेहिं वाउसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे वाउसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए वाउसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६१ ॥ एत्थं पि जाण उवाईयमाणा जे आयारे ण रमंति, आरंभमाणा विणयं वयंति, छंदोवणीया, अज्झोववण्णा, आरंभसत्ता पकरंति संगं ॥ ६२ ॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं णो अण्णेसिं॥६३॥तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभेज्जा, णेवण्णेहिं छज्जीवणिकायसत्थं समारंभावेज्जा, णेवण्णे छज्जीवणिकायसत्थं समारंभंते समणुजाणेज्जा। जस्सेए छज्जीवणिकायसत्थसमारंभा परिण्णाया भवंति, से हु मुणी परिण्णायकम्मे त्ति बेमि ॥ ६४ ॥ **सत्तमोद्देसो ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ लोगविजओ णामं बीयं अज्झयणं ॥

जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे, इइ से गुणट्ठी महया परियावेणं पुणो पुणो वसे पमत्ते, तंजहा—माया मे, पिया मे, भाया मे, भइणी मे, भज्जा मे, पुत्ता मे, धूया मे, सुण्हा मे, सहि-सयण-संगंथ-संथुया मे, विवित्तोवगरण-परियट्टण-भोयण-च्छायणं मे, इच्चत्थं गढिए लोए वसे पमत्ते ॥ ६५ ॥ अहो य राओ य परितप्पमाणे, कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ सत्थे पुणो पुणो ॥ ६६ ॥ अप्पं च खलु आउयं इहमेगेसिं माणवाणं, तंजहा—सोयपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, चक्खुपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, घाणपरिण्णाणेहिं

परिहायमाणेहिं, रसणापरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, फासपरिण्णाणेहिं परिहायमाणेहिं, अभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए तओ से एगया मूढभावं जणयइ ॥६७॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ, तेविणं एगया णियगा पुव्विं परिव्वयंति। सो वा ते णियगे पच्छा परिवएज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा, सरणाए वा। से ण हासाए, ण किड्डाए, ण रइए, ण विभूसाए ॥६८॥ इच्चेवं समुट्ठिए अहोविहाराए अंतरं च खलु इमं संपेहाए धीरो मुहुत्तमवि णो पमायए। वओ अच्चेइ जोव्वणं व ॥६९॥ जीविए इह जे पमत्ता। से हंता, छेत्ता, भेत्ता, लुंपित्ता, विलुंपित्ता, उद्दवित्ता, उत्तासइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे ॥७०॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं पोसेंति, सो वा ते णियगे पच्छा पोसिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा। तुमंपि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७१॥ उवाइयसेसेण वा संणिहिसंणिचओ किज्जइ, इहमेगेसिं असंजयाणं भोयणाए। तओ से एगया रोगसमुप्पया समुप्पज्जंति ॥७२॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ ते वा णं एगया णियगा तं पुव्विं परिहरंति, सो वा ते णियगे पच्छा परिहरिज्जा। णालं ते तव ताणाए वा सरणाए वा तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥७३॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं, अणभिक्कंतं च खलु वयं संपेहाए खणं जाणाहि पंडिए ॥७४॥ जाव सोयपण्णाणा अपरिहीणा, णेत्तपण्णाणा अपरिहीणा, घाणपण्णाणा अपरिहीणा, जीहपण्णाणा अपरिहीणा, फरिसपण्णाणा अपरिहीणा, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं पण्णाणेहिं अपरिहायमाणेहिं आयट्ठं सम्मं समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥७५॥ **पढमोद्देसो समत्तो** ॥

अरइं आउट्टे से मेहावी; खणंसि मुक्के ॥ ७६ ॥ अणाणाए पुट्ठा वि एगे णियट्टंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ७७ ॥ "अपरिग्गहा भविस्सामो" समुट्ठाए लद्धे कामे अभिगाहइ, अणाणाए मुणिणो, पडिलेहंति, एत्थं मोहे पुणो-पुणो सण्णा, णो हव्वाए णो पाराए ॥ ७८ ॥ विमुत्ता हु ते जणा, जे जणा पारगामिणो लोभं अलोभेण दुगंछमाणे लद्धे कामे णाभिगाहइ, विणावि लोभं णिक्खम्म एस अकम्मे जाणइ पासइ। पडिलेहाए णावकंखइ, एस अणगारित्तिपवुच्चइ ॥ ७९ ॥ अहोयराओ परितप्पमाणे कालाकालसमुट्ठाई, संजोगट्ठी, अट्ठालोभी, आलुंपे, सहसाकारे, विणिविट्ठचित्ते एत्थ, सत्थे पुणो-पुणो ॥ ८० ॥ से आयबले, से णाइबले, से सयणबले,

से मित्तबले, से पिच्चबले, से देवबले, से रायबले, से चोरबले, से अतिहिबले., से किविणबले, से समणबले, इच्चेएहिं विरूवरूवेहिं कज्जेहिं दंडसमायाणं संपेहाए भया कज्जइ। पावमुक्खुत्ति मण्णमाणे अदुवा आसंसाए ॥८१॥ तं परिण्णाय मेहावी, णेव सयं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभिज्जा, णेवण्णं एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभाविज्जा, एएहिं कज्जेहिं दंडं समारंभंतंवि अण्णं ण समणुजाणिज्जा ॥८२॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहेत्थ कुसले णोवलिंपिज्जासि त्ति बेमि ॥८३॥ **बीअं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

से असइं उच्चागोए, असइं णीयागोए। णो हीणे, णो अइरित्ते णोऽपीहए, इइ संखाए को गोयावाई? को माणावाई? कंसि वा एगे गिज्झे?॥८४॥ तम्हा पंडिए णो हरिसे, णो कुप्पे, भूएहिं जाण पडिलेह सायं, समिए एयाणुपस्सी, तंजहा—अंधत्तं, बहिरत्तं, मूयत्तं, काणत्तं, कुंटत्तं, खुज्जत्तं, वडभत्तं, सामत्तं, सबलत्तं सहपमाएणं, अणेगरूवाओ जोणीओ, संधायइ, विरूवरूवे फासे पडिसंवेदेइ ॥८५॥ से अबुज्झमाणे हओवहए जाइमरणमणुपरियट्टमाणे ॥८६॥ जीवियं पुढो पियं इहमेगेसिं माणवाणं खित्तवत्थुममायमाणाणं॥८७॥ आरत्तं विरत्तं मणिकुंडलं, सह हिरण्णेण इत्थियाओ परिगिज्झ तत्थेव रत्ता ॥८८॥ "ण इत्थ तवो वा, दमो वा, णियमो वा, दिस्सइ," संपुण्णं बाले जीवितकामे लालप्पमाणे मूढे विप्परियासमुवेइ ॥८९॥ इणमेव णावकंखंति, जे जणा धुवचारिणो; जाइमरणं परिण्णाय, चरे संकमणे दढे ॥९०॥ णत्थि कालस्स णागमो ॥९१॥ सव्वे पाणा पियाउया, सुहसाया, दुक्खपडिकूला, अप्पियवहा, पियजीविणो, जीविउकामा ॥९२॥ सव्वेसिं जीवियं पियं ॥९३॥ तं परिगिज्झ दुपयं चउप्पयं अभिजुंजिया णं, संसिंचियाणं, तिविहेण जा वि से तत्थ मत्ता भवइ—अप्पा वा बहुगा वा से तत्थ गढिए चिट्ठइ, भोयणाए ॥९४॥ तओ से एगया विविहं परिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवइ। तंपि से एगया दायाया वा विभयंति, अदत्तहारो वा से अवहरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥९५॥ इइ से परस्सअट्ठाए कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण संमूढे विप्परियासमुवेइ ॥९६॥ मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥९७॥ अणोहंतरा एए, णोय ओहं तरित्तए, अतीरंगमा एए, णोयतीरं गमित्तए। अपारंगमा एए णोय पारं गमित्तए

॥ ९८ ॥ आयाणिज्जं च आयाय, तंमि ठाणे ण चिट्ठइ। वितहं पप्पऽखेयण्णे तंपि ठाणंमि चिट्ठइ ॥ ९९ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १०० ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि। ॥ १०१ ॥ **बीअं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥**

तओ से एगया रोगसमुप्पाया समुप्पज्जंति ॥ १०२ ॥ जेहिं वा सद्धिं संवसइ, ते वा णं एगया णियया पुव्विं परिवयंति। सो वा ते णियगे पच्छा परिवइज्जा, णालं ते तव ताणाए वा, सरणाए वा, तुमं पि तेसिं णालं ताणाए वा सरणाए वा ॥ १०३ ॥ जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ १०४ ॥ भोगा मे व अणुसोयंति इहमेगेसिं माणवाणं, तिविहेण, जावि से तत्थ मत्ता भवइ—अप्पा वा, बहुगा वा, से तत्थ गढिए चिट्ठइ; भोयणाए ॥१०५॥ तओ से एगया विपरिसिट्ठं संभूयं महोवगरणं भवइ, तंपि से एगया दायाया विभयंति, अदत्तहारो वा से हरइ, रायाणो वा से विलुंपंति, णस्सइ वा से, विणस्सइ वा से, अगारदाहेण वा से डज्झइ ॥१०६॥ इइ से बाले परस्स अट्ठाए कूराणि कम्माणि पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ ॥१०७॥ आसं च छंदं च विगिंच धीरे ॥१०८॥ तुमं चेव तं सल्लमाहट्टु ॥१०९॥ जेण सिया तेण णो सिया ॥११०॥ इणमेव णाव-बुज्झंति, जे जणा मोहपाउडा ॥१११॥ थीभिलोए पव्वहिए ते भो वयंति— "एयाइं आययणाइं ॥११२॥ से दुक्खाए-मोहाए-माराए-णरगाए-णरगतिरिक्खाए ॥११३॥ सततं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥११४॥ उदाहु वीरे, अप्पमाओ महामोहे ॥११५॥ अलं कुसलस्स पमाएणं, संति मरणं संपेहाए, भेउरधम्मं संपेहाए ॥११६॥ णालं पास अलं तव एएहिं, एयं पास मुणी ! महब्भयं ॥११७॥ णाइवाइज्ज कंचणं ॥११८॥ एस वीरे पसंसिए जे ण णिविज्जइ आयाणाए ॥११९॥ "ण मे देइ" ण कुप्पिज्जा, थोवं लद्धुं ण खिंसए, पडिसेहिओ परिणमिज्जा ॥१२०॥ एयं मोणं समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥१२१॥ **बीअं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं लोगस्स कम्मसमारंभा कज्जंति, तंजहा—अप्पणो से पुत्ताणं, धूयाणं, सुण्हाणं णाईणं, धाईणं, राईणं, दासाणं, दासीणं, कम्मकराणं

कम्मकरीणं, आएसाए, पुढो पहेणाए, सामासाए, पायरासाए, संणिहि-संणिचओ कज्जइ, इह मेगेसिं माणवाणं भोयणाए ॥१२२॥ समुट्ठिए अणगारे आरिए आरियपण्णे, आरियदंसी, अयंसंधित्ति, अदक्खु, से णाइए, णाइआवए, णाइयंते समणुजाणइ ॥१२३॥ सव्वामगंधं परिण्णाय णिरामगंधो परिव्वए ॥१२४॥ अदिस्समाणे कयविक्कएसु; से ण किणे, ण किणावए, किणंतं ण समणुजाणइ ॥१२५॥ से भिक्खु कालण्णे-बलण्णे-मायण्णे-खेयण्णे-खणयण्णे-विणयण्णे-ससमयण्णे-परसमयण्णे-भावण्णे-परिग्गहं अममायमाणे, कालाणुट्ठाई, अपडिण्णे दुहओ छेत्ता, णियाइ ॥१२६॥ वत्थं-पडिग्गहं-कंबलं-पायपुंछणं-उग्गहं च कडासणं, एएसु चेव जाणेज्जा ॥१२७॥ लद्धे आहारे, अणगारो मायं जाणेज्जा से जहेयं भगवया पवेइयं ॥१२८॥ लाभुत्ति ण मज्जिज्जा, अलाभुत्ति ण सोइज्जा, बहुंपि लद्धुं ण णिहे, परिग्गहाओ अप्पाणं अवसक्किज्जा, अण्णहा णं पासए परिहरिज्जा ॥१२९॥ एस मग्गे आयरिएहिं पवेइए, जहित्थ कुसले णोवलिंपिज्जासित्ति बेमि ॥१३०॥ कामा दुरइक्कमा, जीवियं दुप्पडिवूहणं; कामकामी खलु अयं पुरिसे, से सोयइ, जूरइ, तिप्पइ, पिड्डइ; परितप्पइ ॥१३१॥ आययचक्खू लोगविपस्सी लोगस्स अहो भागं जाणइ, उड्ढं भागं जाणइ, तिरियंभागं जाणइ ॥१३२॥ गढिए लोए अणुपरियट्टमाणे, विइत्ता इह मच्चिएहिं, एस वीरे पसंसिए जे बद्धे पडिमोयए ॥१३३॥ जहा अंतो तहा बाहिं जहा बाहिं तहा अंतो ॥१३४॥ अंतो-अंतो पूइदेहंतराणि पासइ पुढोवि सवंताइं पंडिए पडिलेहाए ॥१३५॥ से मइमं परिण्णाय माय हु लालं पच्चासी, मा तेसु तिरिच्छमप्पाणमावायए ॥१३६॥ कासंकासे खलु अयं पुरिसे, बहुमाई, कडेण मूढे, पुणो तं करेइ लोहं वेरं वड्ढेइ अप्पणो ॥१३७॥ जमिणं परिकहिज्जइ इमस्स चेव पडिवूहणयाए अमरायइ महासड्ढी अट्टमेयं तु पेहाए ॥१३८॥ अपरिण्णाए कंदइ से तं जाणह जमहं बेमि ॥१३९॥ ते इच्छं पंडिए पवयमाणे, से हंता, छित्ता, भित्ता, लुंपइत्ता, विलुंपइत्ता उद्दवइत्ता, अकडं करिस्सामित्ति मण्णमाणे, जस्सवि य णं करेइ, अलं बालस्स संगेणं, जे वा से कारइ बाले, ण एवं अणगारस्स जायइत्ति बेमि ॥१४०॥

बीअं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥

से तं संबुज्झमाणे आयाणीयं समुट्ठाए तम्हा पावकम्मं णेव कुज्जा, ण कार-

वेज्जा ॥१४१॥ सिया तत्थएगयरं विप्परामुसइ, छसु अण्णयरंसि, कप्पइ ॥१४२॥ सुहट्ठी लालप्पमाणे सएण दुक्खेण मूढे विप्परियासमुवेइ । सएण विप्पमाएण पुढो वयं पकुव्वइ, जं सि मे पाणा पव्वहिया, पडिलेहाए णो णिकरणयाए एस परिण्णा पवुच्चइ कम्मोवसंती ॥१४३॥ जे ममाइयमइं जहाइ से चयइ ममाइयं से हु दिट्ठपहे मुणी जस्स, णत्थि ममाइयं ॥१४४॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं वंता लोगसण्णं से मइमं परिक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१४५॥ णारइं सहते वीरे, वीरे णो सहते रइं जम्हा अविमणे वीरे, तम्हा वीरे ण रज्जइ ॥१४६॥ सद्दे फासे अहियासमाणे, णिव्विंद णंदिं इह,जीवियस्स ॥१४७॥ मुणी मोणं समायाय, धुणे कम्मसरीरगं; पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥१४८॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते, विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥१४९॥ दुव्वसुमुणी अणाणाए, तुच्छए गिलाइ वत्तए ॥१५०॥ एस वीरे पसंसिए, अच्चेइ लोयसंजोयं, ॥१५१॥ एस णाए पवुच्चइ, जं दुक्खं पवेइयं इह माणवाणं, तस्स दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति ॥१५२॥ इइ कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥१५३॥ जे अणण्णदंसी से अणण्णारामे, जे अणण्णारामे से अणण्णदंसी ॥१५४॥ जहा पुण्णस्स कत्थइ तहा तुच्छस्स कत्थइ जहा तुच्छस्स कत्थइ तहा पुण्णस्स कत्थइ ॥१५५॥ भविय हणे अणाइयमाणे । एत्थंपि जाण, सेयंति णत्थि ॥१५६॥ केयं पुरिसे कं च णए ! एस वीरे पसंसिए, जे बद्धे पडिमोयए, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु ॥१५७॥ से सव्वओ सव्वपरिण्णाचारी ण लिप्पइ छणपएण, वीरे ॥१५८॥ से, मेहावी अणुग्घायणस्सखेयण्णे जे य बंधपमुक्खमण्णेसी ॥१५९॥ कुसले पुण णो बद्धे, णो मुक्के ॥ १६० ॥ से जं च आरभे जं च णारभे । अणारद्धं च ण आरभे ॥ १६१ ॥ छणं परिण्णाय लोगसण्णं च सव्वसो ॥ १६२ ॥ उद्देसो पासगस्स णत्थि ॥ १६३ ॥ बाले पुण णिहे कामसमणुण्णे असमियदुक्खे दुक्खी दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरियट्टइ त्ति बेमि ॥ १६४ ॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥ लोगविजय णाम बीअमज्झयणं समत्तं ॥**

—सीओसणिज्जं णाम तइयं अज्झयणं—

सुत्ता अमुणी सया मुणिणो सया जागरंति ॥१६५॥ लोयंसि जाण अहियाय

दुक्खं ॥ १६६ ॥ समयं लोगस्स जाणित्ता, इत्थ सत्थोवरए ॥ १६७ ॥ जस्सिमे सद्दा य-रूवा य-गंधा य-रसा य-फासा य-अभिसमण्णागया भवंति, से आयवं-णाणवं-वेयवं-धम्मवं-बंभवं-पण्णाणेहिं परियाणइ लोयं मुणीत्ति वच्चे धम्मविउत्ति अंजू आवट्ट-सोए संगमभिजाणइ सीउसिणच्चाई, से णिग्गंथे, अरइरइसहे फरुसयं णो वेएइ जागर-वेरोवरए-वीरे एवं दुक्खा पमुक्खसि ॥ १६८ ॥ जरामच्चुवसोवणीए णरे सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥१६९॥ पासिय आउरे पाणे अप्पमत्तो परिव्वए ॥१७०॥ मंता एयं; मइमं-पास ॥१७१॥ आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, माई पमाई पुण-एइ गब्भं; उवेहमाणो सद्दरूवेसु अंजू, माराभिसंकी मरणा पमुच्चइ ॥१७२॥ अप्पमत्तो कामेहिं, उवरओ पावकम्मेहिं, वीरे आयगुत्ते जे खेयण्णे ॥१७३॥ जे पज्जवजायस-त्थस्स खेयण्णे, से असत्थस्स खेयण्णे; जे असत्थस्स खेयण्णे, से पज्जवजाय सत्थस्स खेयण्णे ॥१७४॥ अकम्मस्स ववहारो ण विज्जइ, कम्मुणा उवाही जायइ ॥१७५॥ कम्मं च पडिलेहाए, कम्ममूलं च जं छणं ॥१७६॥ पडिलेहिय, सव्वं समायाय दोहिं अंतेहिं अदिस्समाणे ॥१७७॥ तं परिण्णाय मेहावी विइत्ता लोगं, वंता लोगसण्णं से मइमं परक्कमिज्जासित्ति बेमि ॥१७८॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जाइं च वुड्ढिं च इहज्ज पासे, भूएहिं सायं पडिलेह जाणे। तम्हाऽतिविज्जो परमंति णच्चा, संमत्तदंसी ण करेइ पावं ॥१७९॥ उम्मुंच पासं इह मच्चिएहिं, आरंभजीवी उभयाणुपस्सी। कामेसु गिद्धा णिचयं करंति। संसिच्चमाणा पुणरिंति गब्भं ॥१८०॥ अवि से हासमासज्ज, हंता णंदीति मण्णइ। अलं बालस्स संगेणं वेरं वड्ढेइ अप्पणो॥१८१॥तम्हा–तिविज्जो परमंति णच्चा, आयंकदंसी ण करेइ पावं ॥१८२॥ अग्गं च मूलं च विगिंच धीरे, पलिच्छिंदिया णं णिक्कम्मदंसी ॥१८३॥ एस मरणा पमुच्चइ से हु दिट्ठभए मुणी, लोयंसी परमदंसी विवित्तजीवी उवसंते समिए सहिए सयाजए कालकंखी परिव्वए ॥१८४॥ बहुं च खलु पावकम्मं पगडं, सच्चंमि धिइं कुव्वहा, एत्थोवरए मेहावी सव्वं पावकम्मं झोसेइ ॥१८५॥ अणेगचित्ते खलु अयं पुरिसे से केयणं अरिहए पुरइत्तए से अण्णवहाए, अण्ण-परियावाए, अण्णपरिग्गहाए, जणवयवहाए, जणवयपरियावाए, जणवयपरि-ग्गहाए ॥१८६॥आसेवित्ता एयमट्ठं इच्चेवेगे समुट्ठिया, तम्हा तं बिइयं णो सेवे णिस्सारं पासिय णाणी ॥१८७॥ उववायं चवणं णच्चा, अणण्णं चर माहणे ॥१८८॥ से ण छणे ण छणावए, छणंतं णाणुजाणए ॥१८९॥ णिव्विंद णंदिं अरए पयासु

अणोमदंसी णिसण्णे पावेहिं कम्मेहिं ॥१९०॥ कोहाइमाणं हणिया य वीरे लोभस्स पासे णिरयं महंतं। तम्हा य वीरे विरए वहाओ, छिंदिज्ज सोयं लहुभूय गामी ॥१९१॥गंथं परिण्णाय इहज्ज वीरे, सोयं परिण्णाय चरिज्ज दंते। उम्मज्ज लद्धुं इह माणवेहिं, णो पाणिणं पाणे समारभिज्जासि—त्ति बेमि ॥ १९२॥

तइयं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥

संधिं लोगस्स जाणित्ता ॥ १९३ ॥ आयओ बहिया पास, तम्हा ण हंताण-विघायए ॥१९४॥ जमिणं अण्णमण्णवितिगिच्छाए पडिलेहाए ण करेइ पावं कम्मं किं तत्थ मुणी कारणं सिया ? समयं तत्थुवेहाए अप्पाणं विप्पसायए ॥१९५॥ अणण्णपरमं णाणी णो पमाए कयाइवि। आयगुत्ते सया धीरे, जायामायाइ जावए ॥१९६॥ विरागं रूवेहिं गच्छिज्जा महया खुड्डएहिं वा ॥१९७॥ आगइं गइं परिण्णाय दोहिंवि अंतेहिं अदिस्समाणेहिं से ण छिज्जइ, ण भिज्जइ, ण डज्जइ ण हम्मइ कंचणं सव्वलोए ॥१९८॥ अवरेण पुव्विं ण सरंति एगे, किमस्सतीतं ? किंवाऽऽगमिस्सं ? भासंति एगे इह माणवाओ, जमस्सतीतं तं आगमिस्सं ॥१९९॥ णाईयमट्ठं णय आगमिस्सं, अट्ठं णिअच्छंति तहागया उ; विहूयकप्पे एयाणुपस्सी; णिज्झोसइत्ता खवए महेसी ॥२००॥ का अरई ? के आणंदे ? एत्थंपि अग्गहे चरे। सव्वं हासं परिच्चज्ज, अलीणगुत्तो परिव्वए ॥२०१॥ पुरिसा ! तुममेव तुमं मित्तं, किं बहिया मित्तमिच्छसि ? ॥२०२॥ जं जाणिज्जा उच्चालइयं तं जाणिज्जा दूरालइयं, जं जाणिज्जा दूरालइयं तं जाणेज्जा उच्चालइयं ॥२०३॥ पुरिसा ! अत्ताणमेवं अभिणिगिज्झ एवं दुक्खा पमुच्चसि ॥ २०४ ॥ पुरिसा ! सच्चमेव समभिजाणाहि, सच्चस्साणाए से उवट्ठिए मेहावी मारं तरइ सहिओ धम्ममायाय सेयं समणुपस्सइ ॥ २०५ ॥ दुहओ, जीवियस्स परिवंदणमाणणपूयणाए, जंसि एगे पमायंति ॥२०६॥ सहिओ दुक्खमत्ताए पुट्ठो णो झंझाए; पासिमं दविए लोए लोयालोयपवंचाओ मुच्चइ त्ति बेमि ॥ २०७ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

से वंता कोहं च, माणं च, मायं च, लोभं च, एयं पासगस्स दंसणं, उवरयसत्थस्स पलियंतकरस्स आयाणं सगडब्भि ॥ २०८ ॥ जे एगं जाणइ से सव्वं जाणइ, जे सव्वं जाणइ से एगं जाणइ ॥२०९॥ सव्वओ पमत्तस्स भयं, सव्वओ अप्पमत्तस्स णत्थि भयं ॥२१०॥ जे एगं णामे से बहुं णामे,

जे बहु णामे से एगं णामे ॥२११॥ दुक्खं लोगस्स जाणित्ता, वंता लोगस्स संजोगं, जंति वीरा महाजाणं, परेण परं जंति णावकंखंति जीवियं ॥२१२॥ एगं विगिंचमाणे पुढो विगिंचइ पुढोविगिंचमाणे एगं विगिंचइ ॥ २१३ ॥ सड्ढी आणाए मेहावी ॥२१४॥ लोगं च आणाए अभिसमेच्चाअकुओभयं ॥ २१५ ॥ अत्थि सत्थं परेण परं, णत्थि असत्थं परेण परं ॥ २१६ ॥ जे कोहदंसी सेमाणदंसी, जे माणदंसी से मायादंसी, जे मायादंसी से लोभदंसी, जे लोभदंसी से पिज्जदंसी, जे पिज्जदंसी से दोसदंसी, जे दोसदंसी से मोहदंसी, जे मोहदंसी से गब्भदंसी जे गब्भदंसी से जम्मदंसी, जे जम्मदंसी से मारदंसी, जे मारदंसी से णरयदंसी, जे णरयदंसी से तिरियदंसी, जे तिरियदंसी से दुक्खदंसी ॥२१७॥ से मेहावी अभिणिवट्टिज्जा, कोहं च-माणं च-मायं च-लोहं च-पिज्जं च-दोसं च-मोहं च-गब्भं च-जम्मं च-मरणं च-णरयं च-तिरियं च-दुक्खं च एयं पासगस्स दंसणं उवरयसत्थस्सपलियंतकरस्स ॥२१८॥ आयाणं णिसिद्धा सगडब्भि ॥२१९॥ किमत्थि ओवाही पासगस्स ? ण विज्जइ ? णत्थि त्ति बेमि ॥२२०॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सीओसणीयं णाम तइयज्झयणं समत्तं ॥**

॥ सम्मत्तं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से बेमि—जे य अईया, जे य पडुप्पण्णा, जेय आगमिस्सा अरहंता भगवंतो ते सव्वे, एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णविंति, एवं परूविंति—सव्वे पाणा, सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा ण परियावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा ॥२२१॥ एस धम्मे सुद्धे, णिइए-सासए-समिच्च लोयं खेयण्णेहिं पवेइए, तंजहा—उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा, उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा, उवरयदंडेसु वा, अणुवरयदंडेसु वा, सोवहिएसु वा, अणुवहिएसु वा, संजोगरएसु वा, असंजोगरएसु वा॥२२२॥तच्चं चेयं तहा चेयं अस्सिं चेयं पवुच्चइ ॥२२३॥ तं आइत्तु ण णिहे ण णिक्खिवे, जाणित्तु धम्मं जहा तहा ॥२२४॥ दिट्ठेहिं णिव्वेयं गच्छिज्जा ॥२२५॥ णो लोगस्सेसणं चरे ॥२२६॥ जस्स णत्थि इमा णाई अण्णा तस्स कओ सिया ? ॥२२७॥ दिट्ठं सुयं मयं विण्णायं, जं एयं परिकहिज्जइ ॥२२८॥ समेमाणा पलेमाणा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति ॥२२९॥ अहो य राओ य जयमाणे धीरे सया आगयपण्णाणे, पमत्ते बहिया पास अप्पमत्ते सया परक्कमिज्जासि त्ति

बेमि ॥ २३० ॥ **चउत्थं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

जे आसवा ते परिस्सवा, जे परिस्सवा ते आसवा ॥ २३१ ॥ जे अणासवा ते अपरिस्सवा, जे अपरिस्सवा ते अणासवा ॥ २३२ ॥ एए पए संबुज्झमाणे लोयं च आणाए अभिसमिच्चा पुढो पवेइयं ॥ २३३ ॥ आघाइ णाणी इह माणवाणं संसारपडिवण्णाणं संबुज्झमाणाणं विण्णाणपत्ताणं, अट्टावि संता अदुवा पमत्ता, अहा सच्चमिणंत्ति—बेमि ॥ २३४ ॥ णाणागमो मच्चुमुहस्स अत्थि । इच्छापणीया वंकाणिकेया कालग्गहीआ णिचयणिविट्ठा पुढो पुढो जाइं पकप्पयंति ॥ २३५ ॥ इहमेगेसिं तत्थ-तत्थ संथवो भवइ । अहोववाइए फासे पडिसंवेदयंति ॥ २३६ ॥ चिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं, चिट्ठं परिचिट्ठइ; अचिट्ठं कूरेहिं कम्मेहिं णो चिट्ठं परिचिट्ठइ ॥२३७॥ एगे वयंति अदुवावि णाणी, णाणी वयंति अदुवावि एगे ॥ २३८ ॥ आवंती केयावंती लोयंसि समणा य माहणा य पुढो विवायं वयंति, "से दिट्ठं च णे, सुयं च णे, मयं च णे, विण्णायं च णे, उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सुपडिलेहियं च णे सव्वे पाणा, सव्वे जीवा, सव्वे भूया, सव्वे सत्ता हंतव्वा-अज्जावेयव्वा-परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा । एत्थं पि जाणह, णत्थित्थ दोसो ।" अणारियवयणमेयं ॥२३९॥ तत्थ जे ते आरिया, ते एवं वयासी—"से दुद्दिट्ठं च भे, दुस्सुयं च भे, दुम्मयं च भे, दुव्विण्णायं च भे, उड्ढं अहे तिरियंदिसासु सव्वओ दुप्पडिलेहियं च भे; जं णं तुब्भे एवमाइक्खह, एवं भासह, एवं पण्णवेह एवं परूवेह सव्वे पाणा सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वेसत्ता, हंतव्वा, अज्जावेयव्वा, परिघेतव्वा-परियावेयव्वा-उद्दवेयव्वा एत्थवि जाणह णत्थित्थ दोसो।" अणारियवयणमेयं।२४०। वयं पुण एवमाइक्खामो एवं भासामो, एवं पण्णवेमो, एवं परूवेमो, "सव्वे पाणा, सव्वे जीवा, सव्वे भूया, सव्वे सत्ता, ण हंतव्वा, ण अज्जावेयव्वा, ण परिघेतव्वा, ण परियावेयव्वा, ण उद्दवेयव्वा, एत्थवि जाणइ, णत्थित्थ दोसो ।" आरियवयणमेयं ॥ २४१ ॥ पुव्वं णिकायसमयं, पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो, हं भो पवादुया ! किं भे सायं दुक्खं उदाहु असायं ? समिया पडिवण्णे यावि एवं बूया—सव्वेसिं पाणाणं, सव्वेसिं भूयाणं, सव्वेसिं जीवाणं, सव्वेसिं सत्ताणं, असायं, अपरिणिव्वाणं महब्भयं दुक्खं त्ति बेमि ॥२४२॥ **चउत्थं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

उवेहे णं बहिया य लोयं, से सव्वलोयंमि जे केइ विण्णू ॥२४३॥ अणुवीइ

पास, णिक्खित्तदंडा जे केइ सत्ता पलियं चयंति, णरे मुयच्चा धम्मविउत्ति अंजू; आरंभजं दुक्खमिणंति णच्चा, एवमाहु संमत्तदंसिणो ॥२४४॥ ते सव्वे पावाइया दुक्खस्स कुसला परिण्णमुदाहरंति, इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो ॥२४५॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, एगमप्पाणं संपेहाए धुणे सरीरं ॥२४६॥ कसेहि अप्पाणं, जरेहि अप्पाणं ॥२४७॥ जहा जुण्णाइं कट्ठाइं हव्ववाहो पमत्थइ, एवं अत्तसमाहिए अणिहे ॥२४८॥ विगिंच कोहं अविकंपमाणे, इमं णिरुद्धाउयं संपेहाए ॥२४९॥ दुक्खं च जाण अदुवागमेस्सं, पुढो फासाइं च फासे, लोयं च पास, विप्फंदमाणं ॥२५०॥ जे णिव्वुडा, पावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥२५१॥ तम्हाऽतिविज्जो णो पडिसंजलिज्जासि त्ति बेमि ॥२५२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

आवीलए पवीलए णिप्पीलए, जहित्ता पुव्वसंजोगं हिच्चा उवसमं ॥२५३॥ तम्हा अविमणे वीरे, सारए समिए सहिए सया जए ॥२५४॥ दुरणुचरो मग्गो वीराणं अणियट्टगामीणं ॥२५५॥ विगिंच मंससोणियं, एस पुरिसे दविए वीरे आयाणिज्जे वियाहिए, जे धुणाइ समुस्सयं वसित्ता बंभचेरंसि ॥२५६॥ णित्तेहिं पलिछिण्णेहिं आयाणसोयगढिए बाले, अव्वोच्छिण्णबंधणे अणभिक्कंतसंजोए। तमंसि अवियाणओ आणाए लंभो णत्थि-त्ति बेमि ॥२५७॥ जस्स णत्थि पुरा पच्छा, मज्झे तस्स कुओ सिया? ॥२५८॥ से हु पण्णाणमंते बुद्धे आरंभोवरए, सम्ममेयंति पासह, जेण बंधं वहं घोरं परितावं च दारुणं ॥२५९॥ पलिछिंदिय बाहिरगं च सोयं, णिक्कम्मदंसी इह मच्चिएहिं ॥२६०॥ कम्माणं सफलं दट्ठूण तओ णिज्झाइ वेयवी ॥२६१॥ जे खलु भो! वीरा ते समिया सहिया सयाजया संघडदंसिणो आओवरया अहातहं लोगमुवेहमाणा पाईणं पडीणं दाहीणं उईणं इय सच्चंसि परिचिट्ठिंसु ॥२६०॥ साहिस्सामो णाणं वीराणं समियाणं सहियाणं, सयाजयाणं संघडदंसिणं आओवरयाणं अहातहा लोगसमुवेहमाणाणं किमत्थि उवाही? पासगस्स ण विज्जइ णत्थि त्ति बेमि ॥२६३॥ **चउत्थं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥ सम्मत्तं णाम चउत्थमज्झयणं समत्तं ॥**

लोकसार णाम पंचमं अज्झयणं

आवंती केयावंती लोयंसि विप्परामुसंति अट्ठाए अणट्ठाए वा। एएसु चेव विप्परामुसंति, गुरु से कामा, तओ से मारस्स अंतो जओ से मारस्स अंतो तओ

से दूरे, णेव से अंतो णेव से दूरे ॥२६४॥ से पासइ फुसियमिव कुसग्गे पणुण्णं णिवइयं वाएरियं, एवं बालस्स जीवियं मंदस्स अवियाणओ ॥ २६५॥ कूराइं कम्माइं बाले पकुव्वमाणे तेण दुक्खेण मूढे विपरियासमुवेइ; मोहेण गब्भं मरणाइ एइ एत्थ मोहे पुणो पुणो ॥ २६६ ॥ संसयं परियाणओ संसारे परिण्णाए भवइ, संसयं अपरियाणओ संसारे अपरिण्णाए भवइ ॥ २६७॥ जे छेए से सागरियं ण सेवए ॥ २६८ ॥ कट्टु एवं अवियाणओ बिइया मंदस्स बालया ॥ २६९ ॥ लद्धा हुरत्था पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥ २७० ॥ पासह एगे रूवेसु गिद्धे परिणिज्जमाणे, एत्थ फासे पुणो पुणो, आवंती केयावंती लोयंसि आरंभजीवी ॥ २७१ ॥ एएसु चेव आरंभजीवी, एत्थवि बाले परिपच्चमाणे रमइ पावेहिं कम्मेहिं असरणे सरणंत्ति मण्णमाणे ॥२७२॥ इहमेगेसिं एगचरिया भवइ, से बहुकोहे-बहुमाणे-बहुमाए-बहुलोहे-बहुरए-बहुणडे-बहुसढे-बहुसंकप्पे, आसवसक्की पलिउच्छण्णे उट्ठियवायं पवयमाणे "मा मे केइ अदक्खू" अण्णाणपमायदोसेणं, सययं मूढे धम्मं णाभिजाणइ ॥ २७३ ॥ अट्टा पया माणव ! कम्मकोविया जे अणुवरया अविज्जाए पलिमुक्खमाहु आवट्टमेव अणुपरियट्टंति त्ति बेमि ॥ २७४॥

पंचमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥

आवंती केयावंती लोयंसी अणारंभजीविणो एएसु चेव अणारंभ जीविणो ॥२७५॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे "अयं संधीति" अदक्खु, जे इमस्स विग्गहस्स अयं खणेत्ति अण्णेसी ॥ २७६ ॥ एस मग्गे आरिएहिं पवेइए, उट्ठिए णो पमायए, जाणित्तु दुक्खं पत्तेयं सायं ॥ २७७ ॥ पुढो छंदा इह माणवा, पुढो दुक्खं पवेइयं से अविहिंसमाणे अणवयमाणे, पुट्ठो फासे विप्पणोल्लए। एस समिया परियाए वियाहिए ॥ २७८ ॥ जे असत्ता पावेहिं कम्मेहिं उदाहु ते आयंका फुसंति इइ उदाहु धीरे ते फासे पुट्ठो अहियासए ॥ २७९ ॥ से पुव्वं पेयं, पच्छापेयं भेउरधम्मं विद्धंसणधम्मं अधुवं अणिइयं असासयं चयावचइयं विप्परिणामधम्मं, पासह एयं रूवसंधिं ॥ २८० ॥ समुप्पेहमाणस्स इक्काययणरयस्स इह विप्पमुक्कस्स णत्थि मग्गे विरयस्स त्ति बेमि ॥ २८१ ॥ आवंती केयावंती लोगंसि परिग्गहावंती;—से अप्पं वा, बहुयं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, एएसु चेव परिग्गहावंती ॥२८२॥ एवमेवेगेसिं महब्भयं भवइ, लोगवित्तं च णं उवेहाए ॥२८३॥ एए

संगे अवियाणओ से सुपडिबद्धं सूवणीयंति णच्चा, पुरिसा ! परमचक्खू विप्परिक्कमा, एएसु चेव बंभचेरं त्ति बेमि॥२८४॥से सुयं च मे, अज्झत्थयं च मे, बंधपमुक्खो अज्झत्थेव ॥२८५॥ इत्थ विरए अणगारे दीहरायं तितिक्खए ॥२८६॥ पमत्ते बहिया पास, अप्पमत्तो परिव्वए ॥२८७॥ एयं मोणं सम्मं अणुवासिज्जासित्ति बेमि॥ २८८ ॥ **पंचमं अज्झयणं बीयोद्देसो समत्तो ॥**

आवंती केआवंती लोयंसि अपरिग्गहावंती एएसु चेव अपरिग्गहावंती सुच्चा वई मेहावी, पंडियाण णिसामिया ॥२८९॥ समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए बहित्थ मए संधी झोसिए एवमण्णत्थ संधी दुज्झोसए भवइ तम्हा बेमि णो णिण्हवेज्ज वीरियं ॥२९०॥ जे पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, जे पुव्वुट्ठाई पच्छाणिवाई, जे णो पुव्वुट्ठाई णो पच्छाणिवाई, सेऽवि तारिसीए सिया, जे परिण्णाय लोगमण्णेसयंति, एयं णियाय मुणिणा पवेइयं ॥२९१॥ इह आणाकंखी पंडिए अणिहे, पुव्वावररायं जयमाणे सया सीलं संपेहाए ॥२९२॥ सुणिया भवे अकामे अझंझे ॥२९३॥ इमेणं च्चेव जुज्झाहि, किं ते जुज्झेण बज्झओ ? जुद्धारिहं खलु दुल्लहं ॥२९४॥ जहित्थ कुसलेहिं परिण्णाविवेगे भासिए, चुए हु बाले गब्भाइसु रज्जइ ॥ २९५ ॥ अस्सिं चेयं पव्वुचइ, रूवंसि वा छणंसि वा ॥ २९६ ॥ से हु एगे संविद्धपहे मुणी अण्णहा लोगमुवेहमाणे ॥२९७॥ इति कम्मं परिण्णाय सव्वसो से ण हिंसइ, संजमइ णो पगब्भइ, उवेहमाणो पत्तेयं सायं॥ २९८ ॥ वण्णाएसी णारंभे कंचणं सव्वलोए, एगप्पमुहे विदिसप्पइण्णे णिव्विण्णचारी अरए पयासु ॥२९९॥ से वसुमं सव्वसमण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं अकरणिज्जं पावकम्मं तं णो अण्णेसी ॥३००॥ जं सम्मं ति पासहा तं मोणं ति पासहा, जं मोणं ति पासहा तं सम्मं ति पासहा, ॥३०१॥ ण इमं सक्कं सिढिलेहिं अद्दिज्जमाणेहिं गुणासाएहिं वंकसमायारेहिं पमत्तेहिं गारमावसंतेहिं ॥३०२॥ मुणी मोणं समायाए, धुणे कम्मसरीरगं, पंतं लूहं सेवंति, वीरा संमत्तदंसिणो ॥ एस ओहंतरे मुणी, तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥३०३॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥**

गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स दुज्जायं दुप्परक्कंतं भवइ अवियत्तस्स भिक्खुणो ॥३०४॥ वयसावि एगे बेइया कुप्पंति माणवा, उण्णयमाणे य णरे महया मोहेण मुज्झइ संबाहा बहवे भुज्जो २ दुरइक्कमा अजाणओ, अपासओ, एयं ते मा होउ,

एयं कुसलस्स दंसणं॥३०५॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे जयं विहारी चित्तणिवाई पंथणिज्झाई पलिबाहिरे, पासिय पाणे गच्छिज्जा। से अभिक्कममाणे पडिक्कममाणे संकुचमाणे पसारेमाणे विणिवट्टमाणे संपलिमज्जमाणे ॥३०६॥ एगया गुणसमियस्स रीयओ कायसंफासं समणुचिण्णा एगइया पाणा उद्दायंति; इहलोगवेयणवेज्जावडियं जं आउट्टीयं कम्मं तं परिण्णाय विवेगमेइ, एवं से अप्पमाएणं विवेगं किट्टइ वेयवी ॥३०७॥ से पभूयदंसी पभूयपरिण्णाणे उवसंते समिए सहिए सयाजए, दट्ठुं विप्पडिवेएइ अप्पाणं, "किमेस जणो करिस्सइ ? एस से परमारामो जाओ लोगंमि इत्थीओ", मुणिणा हु एयं पवेइयं ॥३०८॥ उब्बाहिज्जमाणे गामधम्मेहिं अवि णिब्बलासए, अवि ओमोयरियं कुज्जा, अवि उड्ढं ठाणं ठाइज्जा, अवि गामणुगामं दूइज्जिज्जा, अवि आहारं वुच्छिदिज्जा, अवि चए इत्थीसु मणं ॥३०९॥ पुव्वं दंडा पुच्छा फासा, पुव्वं फासा पच्छा दंडा, इच्चेए कलहासंगकरा भवंति। पडिलेहाए आगमित्ता आणविज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि ॥३१०॥ से णो कहिए, णो पासणिए, णो संपसारए णो मामए णो कयकिरिए, वइगुत्ते; अज्झप्पसंवुडे, परिवज्जए सया पावं, एयं मोणं समणुवासिज्जासि–त्ति बेमि॥३११॥ **पंचमं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से बेमि—तंजहा, अवि हरए पडिपुण्णे समंसि भोमे चिट्ठइ उवसंतरए सारक्खमाणे, से चिट्ठइ सोयमज्झगए, से पास, सव्वओ गुत्ते, पास लोए महेसिणो, जे य पण्णाणमंता पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह; कालस्स कंखाए परिव्वयंति त्ति बेमि ॥३१२॥ वितिगिच्छासमावण्णेणं अप्पाणेणं णो लभइ समाहिं ॥३१३॥ सिया वेगे अणुगच्छंति, असिया वेगे अणुगच्छंति, अणुगच्छमाणेहिं अणणुगच्छमाणे कहं ण णिव्विज्जे, तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥३१४॥ सड्ढिस्स णं समणुण्णस्स संपव्वयमाणस्स समियंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ समियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ असमयंति मण्णमाणस्स एगया समिया होइ असमियंति मण्णमाणस्स एगया असमिया होइ ॥३१५॥ समियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, समिया होइ उवेहाए ॥३१६॥ असमियंति मण्णमाणस्स समिया वा, असमिया वा, असमिया होइ उवेहाए ॥३१७॥ उवेहमाणो अणुवेहमाणं बूया—"उवेहाहि समियाए इच्चेवं तत्थ संधी झोसिओ भवइ" ॥३१८॥ से

उद्वियस्स ठियस्स गई समणुपासह, इत्थवि बालभावे अप्पाणं णो उवदंसेज्जा ॥३१९॥ तुमंसि णाम सच्चेव, जं हंतव्वंति मण्णसि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं अज्जावेयव्वंति मण्णासि, तुमंसि णाम सच्चेव, जं परियावेयव्वंति मण्णसि, एवं जं परिघेत्तव्वंति मण्णसि, जं उद्दवेयव्वंति मण्णसि। अंजू चेहपडिबुद्धजीवी तम्हा ण हंता, ण विघायए; अणुसंवेयणमप्पाणेणं जं हंतव्वं णाभिपत्थए ॥३२०॥ जे आया से विण्णाया, जे विण्णाया से आया, जेण वियाणइ से आया, तं पडुच्च पडिसंखाए, एस आयावाई समियाए परियाए वियाहिए त्ति बेमि ॥३२१॥ **पंचम अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

अणाणाए एगे सोवट्ठाणा आणाए एगे णिरुवट्ठाणा एयं ते मा होउ, एयं कुसलस्स दंसणं ॥ ३२२ ॥ तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए तप्पुरक्कारे तस्सण्णी तण्णिवेसणे, अभिभूय अदक्खू, अणभिभूए पभू णिरालंबणयाए; जे महं अबहिंमणे ॥३२३॥ पवाएणं पवायं जाणिज्जा, सहसम्मइयाए, परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा ॥३२४॥ णिद्देसं णाइवट्टेज्जा मेहावी सुपडिलेहिय सव्वओ सव्वयाए सम्ममेव समभिजाणिया ॥३२५॥ इह आरामं परिण्णाय अल्लीणगुत्तो परिव्वए, णिट्ठियट्ठी वीरे आगमेण सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥३२६॥ उड्ढं सोया, अहे सोया, तिरियं सोया वियाहिया; एए सोया वियक्खाया, जेहिं संगंति पासहा ॥३२७॥ आवट्टं तु उवेहाए, एत्थ विरमिज्ज वेयवी ॥३२८॥ विणइत्तु सोयं णिक्खम्म एसमहं अकम्मा जाणइ, पासइ, पडिलेहाए णावकंखइ, इह आगइं गइं परिण्णाय अच्चेइ जाइमरणस्स वट्टमग्गं विक्खायरए ॥३२९॥ सव्वे सरा णियट्टंति, तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिया, ओए अप्पइट्ठाणस्स खेयण्णे ॥३३०॥ से ण दीहे ण हस्से ण वट्टे ण तंसे ण चउरंसे ण परिमंडले, ण किण्हे, ण णीले, ण लोहिए, ण हालिद्दे ण सुक्किले ण सुरहिगंधे ण दुरहिगंधे ण तित्ते ण कडुए, ण कसाए, ण अंबिले, ण महुरे, ण लवणे, ण कक्खडे ण मउए ण गुरुए ण लहुए ण सीए ण उण्हे ण णिद्धे ण लुक्खे ण काऊ ण रुहे ण संगे ण इत्थी ण पुरिसे ण अण्णहा परिण्णे सण्णे ॥३३१॥ उवमा ण विज्जए, अरूवी सत्ता, अपयस्स पयं णत्थि ॥३३२॥ से ण सद्दे ण रूवे ण गंधे ण रसे ण फासे इच्चेयावंति त्ति बेमि ॥३३३॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो ॥**

॥ लोगसार णाम पंचमज्झयणं समत्तं ॥

धूताक्खं णाम छट्ठं अज्झयणं

ओबुज्झमाणे इह माणवेसु आघाइ से णरे, जस्सिमाओ जाइओ सव्वओ सुपडिलेहियाओ भवंति, आघाइ से णाणमणेलिसं ॥ ३३४॥ से किट्टइ तेसिं समुट्ठियाणं णिक्खित्तदंडाणं समाहियाणं पण्णाणमंताणं इह मुत्तिमग्गं, एवं एगे महावीरा विप्परक्कमंति, पासह एगे अविसीयमाणे अणत्तपण्णे ॥३३५॥ से बेमि–से जहावि कुम्मे हरए विणिविट्ठचित्ते पच्छण्णपलासे उम्मग्गं से णो लहइ ॥ ३३६ ॥ भंजगा इव सण्णिवेसं णो चयंति, एवं एगे अणेगरूवेहिं कुलेहिं जाया, रूवेहिं सत्ता, कलुणं थणंति, णियाणओ ते ण लहंति मुक्खं ॥ ३३७॥ अह पास तेहिं कुलेहिं आयत्ताए जाया ॥ ३३८॥ गंडी अहवा कोढी, रायंसी अवमारियं। काणियं झिमियं चेव, कुणियं खुज्जियं तहा ॥ उदरिं पास मूयं च, सूणिअं च गिलासिणिं, वेवइं पीढसप्पिं च, सिलिवयं महुमेहणिं सोलस एए रोगा, अक्खाया अणुपुव्वसो, अह णं फुसंति आयंका, फासा य असमंजसा ॥ मरणं तेसिं संपेहाए, उववायं चवणं च णच्चा; परियागं च संपेहाए, तं सुणेह जहा तहा ॥ ३३९ ॥ संति पाणा अंधा तमंसि वियाहिया; तामेव सइं असइं अइ अच्च उच्चावयफासे पडिसंवेएइ, बुद्धेहिं एवं पवेइयं ॥ ३४० ॥ संति पाणा वासगा, रसगा उदए उदएचरा आगासगमिणो पाणा पाणे किलेसंति ॥ ३४१ ॥ पास लोए महब्भयं ॥ ३४२॥ बहुदुक्खाहु जंतवो ॥ ३४३ ॥ सत्ता कामेसु माणवा, अबलेण वहं गच्छंति सरीरेणं पभंगुरेण ॥ ३४४ ॥ अट्टे से बहुदुक्खे, इइ बाले पकुव्वइ; एए रोगा बहु णच्चा, आउरा परियावए ॥ ३४५ ॥ णालं पास, अलं तवेएहिं। एयं पास मुणी ! महब्भयं, णाइवाएज्ज कंचणं ॥३४६॥ आयाण भो ! सुस्सूस भो ! धूयवायं पवेदइस्सामि इह खलु अत्तत्ताए तेहिं-तेहिं कुलेहिं अभिसेएण, अभिसंभूया, अभिसंजाया, अभिणिव्वट्टा, अभिसंवुड्ढा, अभिसंबुद्धा अभिणिक्कंता अणुपुव्वेणं महामुणी ॥ ३४७॥ तं परक्कमंतं परिदेवमाणा माणेचयाहि इइ ते वयंति; "छंदोवणीया अज्झोववण्णा," अक्कंदकारी जणगा रुयंति। अतारिसे मुणी णय ओहंतरए, जणगा जेण विप्पजढा ॥ ३४८॥ सरणं तत्थ णो समेइ कहं णु णाम से तत्थ रमइ ? एयं णाणं सया समणुवासिज्जासि त्ति बेमि ॥ ३४९ ॥ **छट्ठं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

आउरं लोयमायाए चइत्ता पुव्वसंजोगं, हिच्चा उवसमं, वसित्ता बंभचेरंमि,

वसु वा अणुवसु वा जाणित्तु धम्मं जहा तहा, अहेगे तमच्चाइ कुसीला, वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं विउसिज्जा, अणुपुव्वेण अणहियासेमाणा परीसहे दुरहियासए, कामे ममायमाणस्स, इयाणिं वा मुहुत्तेण वा अपरिमाणाए भेओ एवं अंतराएहिं कामेहिं आकेवलिएहिं अवइण्णा चेए ॥३५०॥ अहेगे धम्ममायाय आयाणप्पभिइसु पणिहिए चरे अप्पलीयमाणे दढे ॥३५१॥ सव्वं गिद्धिं परिण्णाय एस पणए महामुणी ॥३५२॥ अइअच्च सव्वओ संगं "णमहं अत्थित्ति इइ एगोहमंसि" जयमाणे एत्थ विरए, अणगारे, सव्वओ मुंडे, रीयंते, जे अचले परिवुसिए संचिक्खइ ओमोयरियाए ॥३५३॥ से आकुट्ठे वा, हए वा, लुंचिए वा, पलियं पकत्थ, अदुवा पकत्थ, अतहेहिं सद्दफासेहिं, इइ सखाए एगयरे अण्णयरे अभिण्णाय तितिक्खमाणे परिव्वए, जे य हिरी जे य अहिरीमाणा, चिच्चा सव्वं विसोत्तियं संफासे फासे समियदंसणे ॥३५४॥ एते भो णगिणा वुत्ता, जे लोयंसि अणागमणधम्मिणो, ॥३५५॥ "आणाए मामगं धम्मं" एस उत्तरवाए इह माणवाणं वियाहिए ॥३५६॥ एत्थोवरए तं झोसमाणे, आयाणिज्जं परिण्णाय परियाएणं विगिंचइ ॥३५७॥ इह मेगेसिं एगचरिया होइ, तत्थियरा इयरेहिं कुलेहिं सुद्धेसणाए सव्वेसणाए से मेहावी परिव्वए, सुब्भि अदुवा दुब्भि अदुवा तत्थ भेरवा पाणापाणे किलेसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासेज्जासि त्ति बेमि ॥३५८॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

एयं खु मुणी आयाणं सया सुअक्खायधम्मे विधूयकप्पे णिज्झोसइत्ता ॥३५९॥ जे अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स णो एवं भवइ परिजुण्णे मे वत्थं जाइस्सामि, सुत्तं जाइस्सामि, सूइं जाइस्सामि, संधिस्सामि, सीविस्सामि, उक्कसिस्सामि वोकसिस्सामि, परिहिस्सामि पाउणिस्सामि ॥३६०॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ, अचेले, लाघवं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवइ ॥३६१॥ जहेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिज्जा एवं तेसिं महावीराणं चिरराइं पुव्वाइं वासाणि रीयमाणाणं दवियाणं पास, अहियासियं ॥३६२॥ आगयपण्णाणाणं किसा बाहा भवंति, पयणुए य मंससोणिए, विस्सेणिं कट्टु परिण्णाए, एस तिण्णे मुत्ते विरए वियाहिएत्ति बेमि ॥३६३॥ विरयं भिक्खुं रीयंतं चिरराओसियं अरई तत्थ

किं विआरए ॥३६४॥ संधेमाणे समुट्ठिए, जहासे दीवे असंदीणे ॥३६५॥ एवं से धम्मे आयरियपदेसिए ॥३६६॥ ते अणवकंखमाणा, पाणे अणइवाएमाणा दइया मेहाविणो पंडिया ॥३६७॥ एवं तेसिं भगवओ अणुट्ठाणे जहा से दियापोए एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइय त्ति बेमि ॥३६८॥ **छट्ठं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥**

एवं ते सिस्सा दिया य राओ य अणुपुव्वेण वाइया तेहिं महावीरेहिं पण्णाणमंतेहिं तेसिमंतिए पण्णाणमुवलब्भ हिच्चा उवसमं फारुसियं समाइयंति ॥३६९॥ वसित्ता बंभचेरंसि आणं तं णो त्ति मण्णमाणा ॥३७०॥ आघायं तु सोच्चा णिसम्म "समणुण्णा जीविस्सामो" एगे णिक्खमंते असंभवंता विडज्झमाणा कामेहिं गिद्धा अज्झोववण्णा समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेव फरुसं वयंति ॥ ३७१ ॥ सीलमंता उवसंता संखाए रीयमाणा "असीला" अणुवयमाणस्स बिइया मंदस्स बालया ॥३७२॥ णियट्टमाणा वेगे आयारगोयरमाइक्खंति ॥३७३॥ णाणभट्ठा दंसणलूसिणो णममाणा एगे जीवियं विप्परिणामंति ॥ ३७४॥ पुट्ठावेगे णियट्टंति जीवियस्सेव कारणा, णिक्खंतंपि तेसिं दुण्णिक्खंतं भवइ ॥३७५॥ बालवयणिज्जा हु ते णरा पुणो पुणो जाइं पकप्पंति अहे संभवंता विद्दायमाणा अहमंसि ति विउक्कसे उदासीणे फरुसं वयंति, पलियं पकत्थे अदुवा पकत्थे अतहेहिं तं मेहावी जाणिज्जा धम्मं ॥३७६॥ अहम्मट्ठी तुमंसि णायबाले, आरंभट्ठी अणुवयमाणे "हणपाणे" घायमाणे, हणओयावि समणुजाणमाणे "घोरे धम्मे उदीरिए" उवेहइ णं अणाणाए एस विसण्णे वियद्दे वियाहिए त्ति बेमि ॥ ३७७ ॥ किमणेणं भो ! जणेण करिस्सामि त्ति मण्णमाणे एवं एगे वइत्ता, मायरं पियरं हिच्चा, णायओ य परिग्गहं वीरायमाणा समुट्ठाए अविहिंसा सुव्वया दंता, वरस दीणे उप्पइए पडिवयमाणे ॥३७८॥ वसट्टा कायरा जणा लूसगा भवंति ॥३७९॥ अहमेगेसिं सिलोए पावए भवइ. से समणो भवित्ता समणे-विब्भंते २ ॥३८०॥ पासहेगे समण्णागएहिं सह असमण्णागए, णममाणेहिं अणममाणे विरएहिं अविरए दविएहिं अदविए ॥३८१॥ अभिसमेच्चा पंडिए मेहावी णिट्ठियट्ठे वीरे आगमेणं सया परक्कमेज्जासि त्ति बेमि ॥३८२॥ **छट्ठं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से गिहेसु वा, गिहंतरेसु वा, गामेसु वा, गामंतरेसु वा, णगरेसु वा णगरंतरेसु

वा, जणवएसु वा, जणवयंतरेसु वा, गामणयरंतरे वा, गामजणवयंतरे वा, णगर-जणवयंतरे वा, संतेगइया जणा लूसगा भवंति, अदुवा फासा फुसंति, ते फासे पुट्ठो धीरो अहियासए ओए समियदंसणे ॥३८३॥ दयं लोगस्स, जाणित्ता पाईणं पडीणं, दाहिणं, उदीणं, आइक्खे; विभए, किट्टे वेयवी ॥३८४॥ से उट्ठिएसु वा, अणुट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिं, विरइं, उवसमं, णिव्वाणं, सोयं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवत्तियं ॥३८५॥ सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं सत्ताणं अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खेज्जा ॥३८६॥ अणुवीइ भिक्खू धम्ममाइक्खमाणे णो अत्ताणं आसाइज्जा, णो परं आसाइज्जा, णो अण्णाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं आसाएज्जा ॥३८७॥ से अणासायए अणासायमाणे वज्झमाणाणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं, जहा से दीवे असंदीणे एवं से भवइ सरणं महामुणी ॥३८८॥ एवं से उट्ठिए ठियप्पा अणिहे अचले चले अबहिल्लेस्से परिव्वए ॥३८९॥ संखाय पेसलं धम्मं, दिट्ठिमं परिणिव्वुडे ॥३९०॥ तम्हा संगइं पासह, गंथेहिं गढिया णरा विसण्णा कामक्कंता, तम्हा लूहाओ णो परिवित्तसेज्जा ॥३९१॥ जस्सिमे आरंभा सव्वओ सव्वप्पयाए सुपरिण्णाया भवंति जेसिमे लूसिणो णो परिवित्तसंति से वंता कोहं च माणं च मायं च लोभं च, एस तुट्टे वियाहिए त्ति बेमि ॥३९२॥ कायस्स वियाघाए एस संगामसीसे वियाहिए, से हु पारंगमे मुणी, अविहम्ममाणे फलगावयट्ठी कालोवणीए कंखेज्जकालं जाव सरीरभेउत्ति बेमि ॥३९३॥ **॥ धूतावखं णाम छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥**

॥ महापरिण्णा णाम सत्तमज्झयणं वोच्छिण्णं ॥

विमोक्ख णाम अट्ठमं अज्झयणं

से बेमि समणुण्णस्स वा असमणुण्णस्स वा असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा; वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंछणं वा णो पाएज्जा, णो णिमंतिज्जा णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे त्ति बेमि ॥ ३९४ ॥ धुवं चेयं जाणेज्जा असणं वा जाव पायपुंछणं वा, लभिया णो लभिया, भुंजिया णो भुंजिया पंथं विउत्ता विउकम्म विभत्तं धम्मं जोसे माणे समेमाणे चलेमाणे पाएज्जा वा णिमंतेज्जा वा कुज्जा वेयावडियं परं अणाढायमाणे त्ति बेमि ॥३९५॥ इहमेगेसिं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, ते इह आरंभट्ठी अणुवयमाणा "हण पाणा" घायमाणा हणओ यावि समणुजाणमाणा अदुवा अदिण्णमाययंति, अदुवा वायाउ विउब्जंति; तंजहा—अत्थि लोए णत्थि लोए धुवे लोए अधुवे लोए साइए लोए अणाइए लोए सपज्जवसिए लोए अपज्जवसिए लोए सुकडेत्ति वा दुक्कडेत्ति वा कल्लाणेत्ति वा पावेत्ति वा साहुत्ति वा असाहुत्ति वा, सिद्धीत्ति

वा, असिद्धीत्ति वा, णिरएत्ति वा अणिरएत्ति वा ॥ ३९६॥ जमिणं विप्पडिवण्णा "मामगं धम्मं" पण्णवेमाणा, इत्थवि जाणह अकम्हा। एवं तेसिं णो सुअक्खाए धम्मे णो सुपण्णत्ते धम्मे भवइ, से जहेयं भगवया पवेइयं आसुपण्णेण जाणया पासया, अदुवा गुत्ती वओगोयरस्स त्ति बेमि ॥३९७॥ सव्वत्थ संमयं पावं, तमेव उवाइकम्म, एस महं विवेगे वियाहिए ॥३९८॥ गामे वा अदुवा रण्णे; णेव गामे णेव रण्णे, धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मईमया॥३९९॥ जामा तिण्णि उदाहिया, जेसु आयरिया संबुज्झमाणा समुट्ठिया ॥४००॥ जे णिव्वुयापावेहिं कम्मेहिं अणियाणा ते वियाहिया ॥४०१॥ उड्ढं अहं तिरियं दिसासु सव्वओ सव्वावंति च णं पाडियक्कं जीवेहिं कम्मसमारंभे णं ॥४०२॥ तं परिण्णाय मेहावी णेव सयं एएहिं काएहिं दंडं समारंभेज्जा, णेवण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभावेज्जा, णेवण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभंतेवि समणुजाणेज्जा ॥४०३॥ जेयण्णे एएहिं काएहिं दंडं समारंभंति तेसिंपि वयं लज्जामो ॥४०४॥ तं परिण्णाय मेहावी तं वा दंडं अण्णं वा दंडं णो दंडभी, दंडं समारंभेज्जासि त्ति बेमि ॥४०५॥ **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू परक्कमेज्ज वा, चिट्ठेज्ज वा, णिसीएज्ज वा, तुयट्टेज्ज वा, सुसाणंसि वा सुण्णागारंसि वा, गिरिगुहंसि वा, रुक्खमूलंसि वा, कुंभारायणंसि वा, हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई बूया आउसंतो समणा! अहं खलु तव अट्ठाए असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, वत्थं वा, पडिग्गहं वा, कंबलं वा, पायपुंछणं वा, पाणाइं भूयाइं जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं, पामिच्चं अच्छिज्जं, अणिसिट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेएमि, आवसहं वा समुस्सिणामि, से भुंजह, वसह ॥४०६॥आउसंतो समणा! भिक्खू तं गाहावइं समणसं सवयसं पडियाइक्खे आउसंतो गाहावई! णो खलु ते वयणं आढामि, णो खलु ते वयणं परिजाणामि, जो तुमं मम अट्ठाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं वा, ४ जाव समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं, अच्छिज्जं, अणिसट्ठं, अभिहडं आहट्टु चेएसि, आवसहं वा समुस्सिणासि, से विरओ आउसो! गाहावई! एयस्स अकरणयाए॥४०७॥ से भिक्खुं परिक्कमेज्ज वा जाव हुरत्था वा कहिंचि विहरमाणं तं भिक्खुं उवसंकमित्तु गाहावई आयगयाए पेहाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं ४ जाव आहट्टु चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ तं भिक्खुं परिघासिउं, तं च भिक्खू जाणेज्जा सह संमइयाए परवागरणेणं अण्णेसिं वा अंतिए सोच्चा "अयं खलु गाहावई! मम अट्ठाए असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाणाइं वा ४ समारब्भ जाव चेएइ आवसहं वा समुस्सिणाइ तं च भिक्खू संप-

डिलेहाए आगमेत्ता आणवेज्जा अणासेवणाए त्ति बेमि।।४०८।।भिक्खुं च खलु पुट्ठा वा अपुट्ठा वा जे इमे आहच्च गंथा वा फुसंति से हंता! "हणह खणह छिंदह दहह पयह आलुंपह विलुंपह सहसा कारेह विप्परामुसह" ते फासे धीरो पुट्ठो अहियासए अदुवा आयारगोयरमाइक्खे तक्कियाणमणेलिसं अदुवा वइगुत्तिए गोयरस्स अणुपुव्वेण सम्मं पडिलेहाए आयगुत्ते बुद्धेहिं एयं पवेइयं।।४०९।।से समणुण्णे असमणुण्णस्स असणं वा ४ वत्थं वा ४ णोपाएज्जा णोणिमंतेज्जा, णो कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणेत्ति बेमि ।।४१०।। धम्ममायाणह पवेइयं माहणेण मइमया समणुण्णे समणुण्णस्स असणं वा ४ वत्थं वा ४ पाएज्जा णिमंत्तेज्जा कुज्जा वेयावडियं परं आढायमाणे त्ति बेमि ।।४११।। **अट्ठं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ।।**

मज्झिमेणं वयसावि एगे संबुज्झमाणा समुट्ठिया।।४१२।।सोच्चा मेहावी वयणं पडियाणं णिसामित्ता ।।४१३।। समियाए धम्मे आरिएहिं पवेइए ।।४१४।। ते अणवकंखमाणा अणइवाएमाणा अपरिग्गहेमाणा णो परिग्गहावंति सव्वावंति च णं लोगंसि। णिहाय दंडं पाणेहिं पावं कम्मं अकुव्वमाणे एस महं अगंथे वियाहिए, ओए जुइमस्स खेयण्णे उववायं चवणं च णच्चा ।।४१५।। आहारोवचया देहा, परिसह पभंगुरा। पासहेगे सव्विंदिएहिं परिगिलायमाणेहिं ।।४१६।। ओए दयं दयइ ।। ४१७ ।। जे संणिहाणसत्थस्स खेयण्णे से भिक्खू कालण्णे बलण्णे मायण्णे खणण्णे विणयण्णे समयण्णे परिग्गहं अममायमाणे कालेणुट्ठाइ अपडिण्णे दुहओ छेत्ता णियाइ ।।४१८।। तं भिक्खुं सीयफासपरिवेवमाणगायं उवसंकमित्तु गाहावई बूया, "आउसंतो समणा! णो खलु ते गामधम्मा उव्वाहंति" आउसंतो गाहावई! णो खलु मम गामधम्मा उव्वाहंति सीयफासं च णो खलु अहं संचाएमि अहियासित्तए। णो खलु मे कप्पइ अगणिकायं उज्जालेत्तए पज्जालेत्तए वा कायं आयावेत्तए पयावेत्तए वा, अण्णेसिं वा वयणाओ ।।४१९।। सिया से एवं वयंतस्स परो अगणिकायं उज्जालेत्ता पज्जालेत्ता कायं आयावेज्जा वा पयावेज्जा वा, तं च भिक्खू पडिलेहाए आगमेत्ता आणविज्जा, अणासेवणाए त्ति बेमि ।४२०।। **तइओद्देसो समत्तो ।।**

जे भिक्खू तिहिं वत्थेहिं परिवुसिए पायचउत्थेहिं तस्स णं णो एवं भवइ "चउत्थं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा णो रएज्जा णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा, अपलिउंचमाणे, गामंतरेसु, ओमचेलिए, एयं खु वत्थधारिस्स सामग्गियं ।। ४२१ ।। अह पुण एवं जाणेज्जा; उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे अहापरिजुण्णाइं वत्थाइं

परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संत्तरुत्तरे, अदुवा ओमचेले, अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ। जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा,सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया।४२२। जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ पुट्ठो खलु अहमंसि, णालमहमंसि सीय फासं अहियासित्तए,से वसुमं सव्व-समण्णागयपण्णाणेणं अप्पाणेणं केइ अकरणयाए आउट्टे, तवस्सिणो हु तं सेयं जमेगे विहमाइए तत्थावि तस्स कालपरियाए,से वि तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहाय-यणं हियंसुहंखमंणिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि।४२३। **चउत्थोद्देसो समत्तो।**

से भिक्खू दोहिं वत्थेहिं परिवुसिए पायतइएहिं, तस्स णं णो एवं भवइ तइयं वत्थं जाइस्सामि, से अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, जाव एवं खलु तस्स भिक्खुस्स साम-ग्गियं ॥४२४॥ अह पुण एवं जाणेज्जा, उवाइक्कंते खलु हेमंते, गिम्हे पडिवण्णे, अहा परिजुण्णाइं वत्थाइं परिट्ठवेज्जा २ अदुवा संत्तरुत्तरे, अदुवा ओमचेले अदुवा एगसाडे, अदुवा अचेले, लाघवियं आगममाणे, तवे से अभिसमण्णागए भवइ, जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजा-णिया ॥४२५॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, पुट्ठो अबलो अहमंसि, णालमहमंसि गिहंतरसंकमणं भिक्खायरियं गमणाए, से एवं वयंतस्स परो अभिहडं असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसंतो गाहावई! णो खलु मे कप्पइ अभिहडं असणं वा ४ भोत्तए वा, पायए वा, अण्णे वा एयप्पगारे ॥ ४२६ ॥ जस्सणं भिक्खुस्स अयं पगप्पे; अहं च खलु पडिण्णत्तो अपडिण्णत्तेहिं गिलाणो अगिलाणेहिं अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि। अहं वावि खलु अपडिण्णत्तो पडिण्णत्तस्स अगिलाणो गिलाणस्स, अभिकंख साहम्मि-अस्स कुज्जा वेयावडिअं करणाए ॥४२७॥ आहट्टु परिण्णं अणुक्खिस्सामि, आहडं च साइज्जिस्सामि १ आहट्टु परिण्णं आणक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि २ आहट्टु परिण्णं,णो आणक्खेस्सामि,आहडं च साइज्जिस्सामि ३ आहट्टु परिण्णं णो आणक्खेस्सामि, आहडं च णो साइज्जिस्सामि ४ एवं से अहाकिट्टियमेव, धम्मं सम-हिजाणमाणे संते विरए सुसमाहियलेसे तत्थावि तस्स कालपरियाए, से तत्थ विअंतिकारए, इच्चेयं विमोहाययणं हियं सुहं खमं णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ॥४२८॥ **अट्ठं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

जे भिक्खू एगेण वत्थेण परिवुसिए पायबिइएण, तस्सणं णो एवं भवइ, "बिइयं वत्थं जाइस्सामि" से अहेसणिज्जं वत्थं जाएज्जा, अहापरिग्गहियं वा वत्थं धारेज्जा

जाव गिम्हे पडिवण्णे अहा परिजुण्णं वत्थं परिट्ठवेज्जा २ त्ता अदुवा एग साडे अदुवा अचेले लाघवियं आगममाणे, जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया, जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ एगे अहमंसि ण मे अत्थि कोइ ण याहमवि कस्स वि, एवं से एगागिणमेव अप्पाणं समभिजाणिज्जा लाघवियं आगममाणे तवे से अभिसमण्णागए भवइ जाव समभिजाणिया ॥४२९॥से भिक्खू वा भिक्खुणी वा असणं वा ४ आहारेमाणे णो वामाओ हणुयाओ दाहिणं हणुयं संचारेज्जा आसाएमाणे, दाहिणाओ वा हणुयाओ वामं हणुयं णो संचारेज्जा आसाएमाणे से अणासायमाणे लाघवियं आगममाणे, तवेसे अभिसमण्णागए भवइ । जमेयं भगवया पवेइयं तमेव अभिसमेच्चा सव्वओ सव्वत्ताए सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥ ४३० ॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, से गिलामि च खलु अहं इमंमि समए णो संचाएमि इमं सरीरगं अणुपुव्वेण परिवहित्तए,से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा अणुपुव्वेण आहारं संवट्टित्ता, कसाए पयणुए किच्चा,समाहियच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे अणुपविसित्ता गामं वा, णयरं वा, खेडं वा,कव्वडं वा, मंडबं वा, पट्टणं वा, दोणमुहं वा, आगरं वा, आसमं वा, संणिवेसं वा, णिगमं वा,रायहाणिं वा, तणाइं जाएज्जा,तणाइं जाइत्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए-अप्प-हरिए-अप्पोसे-अप्पोदए-अप्पुत्तिंग-पणग-दग मट्टियमक्कडासंताणए पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तणाइं संथरेज्जा तणाइं संथरेत्ता एत्थवि समए इत्तरियं कुज्जा ॥४३१॥ तं सच्चं सच्चवाई ओए तिण्णे, छिण्णकहंकहे, आईयट्ठे अणाईए चिच्चाण भिउरं कायं संविहूय विरूवरूवे परिसहो वसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे,तत्थावि तस्स कालपरियाए जाव अणुगामियं त्ति बेमि ॥४३२॥ **छट्ठोद्देसो समत्तो** ॥

जे भिक्खू अचेले परिवुसिए तस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ चाएमि अहं तणफासं अहियासित्तए, सीयफासं अहियासित्तए, तेउफासं अहियासित्तए, दंसमसगफासं अहियासित्तए, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासित्तए हिरिपडिच्छायणं चऽहं णो संचाएमि अहियासित्तए, एवं से कप्पइ कडिबंधणं धारित्तए ॥४३३॥ अदुवा तत्थ परक्कमंतं भुज्जो अचेलं तणफासा फुसंति, सीयफासा फुसंति, तेउफासा फुसंति, दंसमसगफासा फुसंति, एगयरे अण्णयरे विरूवरूवे फासे अहियासेइ अचेले लाघवियं आगममाणे जाव समभिजाणिया ॥४३४॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु दलइस्सामि, आहडं च साइ-ज्जिस्सामि १ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४

आहट्टु दलइस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि २ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ; अहं च खलु असणं वा ४ आहट्टु णो दलइस्सामि आहडं च साइज्जिस्सामि ३ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं असणं वा ४ आहट्टु णो दलइस्सामि आहडं च णो साइज्जिस्सामि ॥४॥ अहं च खलु तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा ४ अभिकंख साहम्मियस्स कुज्जा वेयावडियं करणाए, अहं वावि तेण अहाइरित्तेणं अहेसणिज्जेणं अहापरिग्गहिएणं असणेणं वा ४ अभिकंख साहम्मिएहिं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जिस्सामि लाघवियं आगममाणे जाव सम्मत्तमेव समभिजाणिया ॥४३५॥ जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ से गिलामि च खलु अहं इमम्मि समए इमं सरीरगं अणुपुव्वेणं परिवहित्तए, से अणुपुव्वेणं आहारं संवट्टेज्जा, संवट्टइत्ता कसाए पयणुए किच्चा समाहिअच्चे फलगावयट्ठी उट्ठाय भिक्खू अभिणिव्वुडच्चे, अणुपविसित्ता गामं वा णयरं वा जाव रायहाणिं वा तणाइं जाएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमेत्ता अप्पंडे जाव तणाइं संथरेज्जा, इत्थवि समए कायं च, जोगं च, इरियं च, पच्चक्खाएज्जा ॥४३६॥ तं सच्चं सच्चावाई ओए तिण्णे छिण्णकहंकहे आईयट्ठे अणाईए चेच्चाण भिउरं कायं संविहूणिय विरूवरूवे परिसहोवसग्गे अस्सिं विसंभणयाए भेरवमणुचिण्णे तत्थावि तस्सकालपरियाए से तत्थ विअंतिकारए इच्चेयं विमोहायतणं हियं, सुहं, खमं, *णिस्सेसं आणुगामियं त्ति बेमि ।४३७।*

अट्ठमं अज्झयणं सत्तमोद्देसो समत्तो ॥

अणुपुव्वेण विमोहाइं, जाइं धीरा समासज्ज; वसुमंतो, मइमंतो सव्वं णच्चा अणेलिसं ॥४३८॥दुविहंपि विइत्ताणं, बुद्धा धम्मस्स पारगा; अणुपुव्वीए संखाए, आरंभाओ तिउट्टइ ।४३९।कसाए पयणूए किच्चा,अप्पाहारो तितिक्खए;अह भिक्खू गिलाएज्जा, आहारस्सेव अंतियं ॥४४०॥ जीवियं णाभिकंखेज्जा, मरणं णोवि पत्थए; दुहओवि ण सज्जेज्जा, जीविए मरणे तहा ॥ मज्झत्थो णिज्जरापेही, समाहिमणुपालए; अंतो बहिं विउस्सिज्ज, अज्झत्थं सुद्धमेसए ॥४४१॥ जं किंचुवक्कमं जाणे, आउक्खेमस्स अप्पणो; तस्सेव अंतरद्धाए, खिप्पं सिक्खेज्ज पंडिए ॥४४२॥ गामे वा अदुवा रण्णे, थंडिलं पडिलेहिया; अप्पपाणं तु विण्णाय, तणाइं संथरे मुणी ॥४४३॥ अणाहारो तुअट्टेज्जा, पुट्ठो तत्थऽहियासए; णाइवेलं उवचरे,माणुस्सेहिं वि पुट्ठवं।४४४।संसप्पगा य जे पाणा, जे उ उड्ढमहेचरा; भुंजंति मंससोणियं, ण छणे ण पमज्जए ॥४४५॥पाणा देहं विहिंसंति, ठाणाओ ण वि उब्भमे; आसवेहिं विवित्तेहिं, तिप्पमाणोऽहियासए ॥४४६॥ गंथेहिं विवित्तेहिं, आउकालस्स पारए; पग्गहियतरगं चेयं, दवियस्स विया-

णओ।४४७। अयं से अवरे धम्मे, णायपुत्तेण साहिए; आयवज्जं पडीयारं, विजहिज्जा तिहा तिहा।४४८। हरिएसु ण णिवज्जेज्जा, थंडिलं मुणिआ सए; विउस्सिज्ज अणाहारो पुट्ठो तत्थऽहियासए।४४९। इंदिएहिं गिलायंतो, समियं आहारे मुणी; तहावि से अगरिहे, अचले जे समाहिए।४५०। अभिक्कमे पडिक्कमे, संकुचए पसारए; काय-साहारणट्ठाए, इत्थं वा वि अचेयणे।४५१। परिक्कमे परिकिलंते, अदुवा चिट्ठे अहा-यए; ठाणेण परिकिलंते, णिसिइज्जाय अंतसो।४५२। आसीणेऽणेलिसं मरणं, इंदि-याणि समीरए; कोलावासं समासज्ज, वितहं पाउरेसए।४५३। जओ वज्जं समुप्पज्जे, ण तत्थ अवलंबए; तओ उक्कसे अप्पाणं, फासे तत्थ अहियासए।४५४। अयं चाय-यतरे सिया, जो एवं अणुपालए; सव्वगायणिरोहेवि, ठाणाओ ण विउब्भमे।४५५। अयं से उत्तमे धम्मे, पुव्वट्ठाणस्स पग्गहे; अचिरं पडिलेहित्ता, विहरे चिट्ठ माहणे।४५६। अचित्तं तु समासज्ज, ठावए तत्थ अप्पगं; वोसिरे सव्वसो कायं, ण मे देहे परीसहा।४५७। जावज्जीवं परीसहा, उवसग्गा इय संखया; संवुडे देहभेयाए इय पण्णेऽहियासए॥४५८॥ भेउरेसु ण रज्जेज्जा, कामेसु बहुयरेसु वि; इच्छा लोभं ण सेवेज्जा, धुववण्णं सपेहिया।४५९। सासएहिं णिमंतेज्जा, दिव्वमायं ण सद्दहे; तं पडि-बुज्झ माहणे, सव्वं णूमं विहूणिया।४६०। सव्वट्ठेहिं अमुच्छिए, आउकालस्स पारए; तितिक्खं परमं णच्चा, विमोहण्णयरं हियं त्ति बेमि।४६१। **अट्ठमोद्देसो समत्तो**॥

॥ उवहाण-सुयं णाम नवमं अज्झयणं ॥

अहासुयं वइस्सामि, जहा से समणे भगवं उट्ठाए; संखाए तंसि हेमंते, अहुणा पव्व-इए रीइत्था।४६२। णो चेविमेण वत्थेण, पिहिस्सामि तंसि हेमंते; से पारए आव-कहाए, एवं खु अणुधम्मियं तस्स।४६३। चत्तारि साहिए मासे, बहवे पाणजाइया आगम्म; अभिरुज्झकायं विहरिंसु, आरुसियाणं तत्थ हिंसिंसु।४६४। संवच्छरं साहियं मासं, जं ण रिक्कासि वत्थगं भगवं; अचेलए तओ चाई, तं वोसिरिज्ज वत्थमणगारे।४६५। अदु पोरिसिं तिरियंभित्तिं, चक्खुमासज्ज अंतसो झायइ; अह चक्खुभीया संहिया, ते हंता २ बहवे कंदिंसु।४६६। सयणेहिं वितिमिस्सेहिं, इत्थीओ तत्थ से परिण्णाय; सागारियं ण सेवेइ य से सयं पवेसिया झाइ।४६७। जे के इमे अगारत्था, मीसीभावं पहाय से झाइ; पुट्ठो वि णाभिभासिंसु, गच्छइ णाइवत्तइ अंजू॥४६८॥ णो सुकरमेयमेगेसिं, णाभिभासे अभिवायमाणे हयपुव्वे तत्थ दंडेहिं, लूसियपुव्वे अप्पपुण्णेहिं॥४६९॥ फरुसाइं दुत्तितिक्खाइं, अइअच्च मुणी परक्कममाणे; आघाय-णट्टगीयाइं, दंडजुज्झाइं मुट्ठिजुज्झाइं।४७०। गढिए मिहो कहासु, समयंमि णायसुए

विसोए अदक्खू; एयाइं सो उरालाइं, गच्छइ णायपुत्ते असरणाए ।४७१। अविसाहिए दुवे वासे, सीओदं अभोच्चा णिक्खंते; एगत्तगए पिहियच्चे, से अहिण्णायदंसणे-संते ॥४७२॥ पुढविं च आउकायं, तेउकायं च; वाउकायं च; पणगाइं बीयहरियाइं तसकायं च सव्वसो णच्चा, एयाइं संति पडिलेहे, चित्तमंताइं से अभिण्णाय;परिवज्जिय विहरित्था, इइ संखाय से महावीरे ॥४७३॥ अदु थावरा तसत्ताए, तसजीवा य थावरत्ताए; अदुवा सव्वजोणिया, सत्ता कम्मुणा कप्पिया पुढो बाला ॥४७४॥ भगवं च एवमण्णेसिं, सोवहिए हु लुप्पई बाले; कम्मं च सव्वसो णच्चा, तं पडियाइक्खे पावगं भगवं ।४७५। दुविहं समिच्च मेहावी, किरियमक्खायमणेलिसं णाणी; आयाण-सोयमइवायसोयं जोगं च सव्वसोणच्चा ॥४७६॥ अइवत्तियं अणाउट्टिं, सयमण्णेसिं अकरणयाए; जस्सित्थिओ परिण्णाया, सव्वकम्मावहाओ से अदक्खू ।४७७। अहा-कडं ण से सेवे, सव्वसो कम्मुणा य अदक्खू; जं किंचि पावगं भगवं; तं अकुव्वं वियडं भुंजित्था ॥४७८॥ णो सेवइ य परवत्थं, परपाएवि से ण भुंजित्था; परिवज्जियाण ओमाणं गच्छइ संखडिं असरणयाए ॥४७९॥ मायण्णे असणपाणस्स, णाणुगिद्धे रसेसु अपडिण्णे; अच्छिंपि णो पमज्जिज्जा णोवि य कंडूयए मुणी गायं ॥४८०॥ अप्पं तिरियं पेहाए, अप्पं पिट्ठओ व पेहाए; अप्पं बुइए ऽपडिभाणी, पंथपेही चरे जयमाणे ।४८१। सिसिरंसि अद्धपडिवण्णे, तं वोसिज्ज वत्थमणगारे; पसारित्तु बाहूं परक्कमे, णो अवलंबिया ण खंधंसि ।४८२। एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मइमया; बहुसो अप्प-डिण्णेण, भगवया एवं रियंति त्ति बेमि ।४८३। **पढमोद्देसो समत्तो ॥**

चरियासणाइं सेज्जाओ, एगइयाओ जाओ बुइयाओ; आइक्खताइं सयणासणाइं, *जाइं सेवित्था से महावीरो ॥४८४॥ आवेसण-सभा-पवासु; पणियसालासु, एगया* वासो; अदुवा पलियट्ठाणेसु, पलालपुंजेसु एगया वासो ॥४८५॥ आगंतारे आरा-मागारे तह य णगरे वि एगया वासो; सुसाणे सुण्णगारे वा, रुक्खमूले वि एगया वासो ॥४८६॥ एएहिं मुणी सयणेहिं, समणे आसी पतेरसवासे; राइं दियं पि जयमाणे, अप्पमत्ते समाहिए झाइ ॥४८७॥ णिद्दंपि णो पगामाए, सेवइ भगवं उट्ठाए; जग्गावई य अप्पाणं, ईसिं साइ य अपडिण्णे ॥४८८॥ संबुज्झमाणे पुणरवि, आसिंसु भगवं उट्ठाए; णिक्खम्म एगया राओ, बहिं चंकमिया मुहुत्तागं ॥४८९॥ *सयणेहिं तत्थुवसग्गा, भीमा आसी अणेगरूवाय;* संसप्पगाय जे पाणा, अदुवा जे पक्खिणो उवचरंति ॥४९०॥ अदु कुचरा उवचरंति गामरक्खाय सत्तिहत्थाय; अदुगामिया उवसग्गा इत्थी एगइया पुरिसो य ॥४९१॥ इहलोइ-याइं परलोइयाइं भीमाइं अणेगरूवाइं; अवि सुब्भिदुब्भिगंधाइं सद्दाइं अणेगरूवाइं

अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं अरइं रइं अभिभूय, रीयइ माहणे अबहुवाई॥४९२॥स जणेहिं तत्थ पुच्छिसु, एगचरा वि एगया राओ; अव्वाहिए कसाइत्था, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे ॥ ४९३ ॥ अयमंतरंसि को एत्थ, अहमंसित्ति भिक्खू आहट्टु; अयमुत्तमे से धम्मे तुसिणीए कसाइए झाइ ॥४९४॥ जंसिप्पेगे पवेयंति, सिसिरे मारुए पवायंते; तंसिप्पेगे अणगारा, हिमवाए णिवायमेसंति ॥४९५॥ संघाडिओ पवेसिस्सामो, एहा य समादहमाणा, पिहिया वा सक्खामो, अइदुक्खे हिमगसंफासा ॥४९६॥ तंसि भगवं अपडिण्णे, अहे वियडे अहियासए दविए, णिक्खम्म एगया राओ ठाइए भगवं समियाए ॥४९७॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मइमया; बहुसो अपडिण्णेण, भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥ ४९८ ॥ **णवमं अज्झयणं बीओद्देसो समत्तो ॥**

तणफासे, सीयफासे, तेउफासे य, दंसमसगे य; अहियासए सया समिए, फासाइं विरूवरूवाइं ॥ ४९९ ॥ अह दुच्चरलाढमचारी, वज्जभूमिं च सुब्भभूमिं च; पंतं सेज्जं सेविंसु, आसणगाणि चेव पंताणि॥५००॥लाढेहिं तस्सुवसग्गा, बहवे जाणवया लूसिंसु; अह लूहदेसिए भत्ते, कुक्कुरा तत्थ हिंसिंसु णिवइंसु ॥ ५०१ ॥ अप्पे जणे णिवारेइ, लूसणए सुणए दसमाणे; छुछुकारंति आहंसु 'समणं कुक्कुरा दसंतु' त्ति ॥५०२॥ एलिक्खए जणे भुज्जो, बहवे वज्जभूमि फरुसासी; लट्ठिं गहाय णालियं, समणा तत्थ य विहरिंसु॥५०३॥एवं पि तत्थ विहरंता, पुट्ठपुव्वा अहेसि सुणएहिं; संलुंचमाणा सुणएहिं, दुच्चरगाणि तत्थ लाढेहिं ॥५०४॥ णिहाय दंडं पाणेहिं, तं कायं वोसिज्जमणगारे॥ अह गामकंटए भगवं, ते अहियासए अभिसमेच्चा ॥५०५॥ णाओ संगामसीसे वा, पारए तत्थ से महावीरे। एवं पि तत्थ लाढेहिं, अलद्धपुव्वो वि एगया गामो ॥५०६॥ उवसंकमंतमपडिण्णं, गामंतियंपि अप्पत्तं; पडिणिक्खमित्तु लूसिंसु, एयाओ परं पलेहित्ति ॥ ५०७ ॥ हयपुव्वो तत्थ दंडेण, अदुवा मुट्ठिणा, अदु कुंताइफलेणं; अदु लेलुणा कवालेणं, हंता हंता बहवे कंदिंसु ॥५०८॥ मंसाइ छिण्णपुव्वाइं,उट्ठंभिया एगया कायं; परीसहाइं लुंचिंसु,अदुवा पंसुणा उवकरिंसु ॥ ५०९ ॥ उच्चालइय णिहणिंसु, अदुवा आसणाओ खलइंसु; वोसट्ठकाए पणयासी, दुक्खसहे भगवं अपडिण्णे ॥५१०॥ सूरो संगामसीसे व, संवुडे तत्थ से महावीरे, पडिसेवमाणे फरुसाइं, अचेले भगवं रीइत्था ॥५११॥ एस विही अणुक्कंतो, माहणेण मईमया; बहुसो अपडिण्णेण भगवया एवं रीयंति, त्ति बेमि ॥५१२॥

णवमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ॥

ओमोयरियं चाएइ, अपुट्ठेवि भगवं रोगेहिं; पुट्ठो वा से अपुट्ठो वा, णो से साइ-ज्जइ तेइच्छं ॥५१३॥ संसोहणं च वमणं च, गायब्भंगणं च सिणाणं च; संबा-हणं ण से कप्पे, दंतपक्खालणं च परिण्णाए ॥५१४॥ विरए य गामधम्मेहिं रीयइ माहणो अबहुवाई; सिसिरंमि एगया भगवं, छायाए झाइ आसी य ॥५१५॥ आयावई य गिम्हाणं अच्छइ उक्कुडुए अभितावे । अदु जावइत्थ लूहेणं, ओयणमंथुकुम्मासेणं ॥५१६॥ एयाणि तिण्णि पडिसेवे, अट्ठमासे य; जावयं भगवं; अवि इत्थ एगया भगवं, अद्धमासं अदुवा मासंपि ॥५१७॥ अविसाहिए दुवे मासे, छप्पिमासे अदुवा अपिवित्ता । रायोवरायं विहरित्था अपडिण्णे अण्णगिलायमेगया भुंजे ॥५१८॥ छट्ठेण एगया भुंजे, अदुवा अट्ठमेणं दसमेणं; दुवालसमेण एगया भुंजे, पेहमाणे समाहिं अपडिण्णे॥५१९॥णच्चा णं से महावीरे, णोवि य पावगं सयमकासी ॥ अण्णेहिं वा ण कारित्था, कीरंतंपि णाणुजाणित्था ॥५२०॥ गामं पविस्स णयरं वा, घासमेसे कडं परट्ठाए; सुविसुद्धमेसिया भगवं, आययजोगयाए सेवित्था ॥५२१॥ अदु वायसा दिगिंछित्ता, जे अण्णे रसेसिणो सत्ता; घासेसणाए चिट्ठंति, सययं णिवइए य पेहाए ॥५२२॥ अदु माहणं व समणं वा, गामपिंडोलगं च अइहिं वा; सोवागं मूसियारं वा, कुक्कुरं वा विट्ठियं पुरओ ॥५२३॥वित्तिच्छेयं वज्जंतो, तेसिमप्पत्तियं परिहरंतो; मंदं परक्कमे भगवं, अहिंसमाणो घासमेसित्था ॥५२४॥ अविसूइयं वा सुक्कं वा, सीयपिंडं पुराणकुम्मासं; अदु बुक्कसं पुलागं वा, लद्धे पिंडे अलद्धए दविए ॥५२५॥ अवि झाइ से महावीरे, आसणत्थे अकुक्कुए झाणं; उड्ढमहेयं तिरियं च, पेहमाणे समाहिमपडिण्णे ॥५२६॥ अकसाई विगयगेही य, सद्दरूवेसु अमुच्छिए झाइ; छउमत्थो वि परक्कममाणो ण पमायं सइंपि कुव्वित्था ॥५२७॥ सयमेव अभिसमागम्म, आययजोगमायसोहीए । अभिणिव्वुडे अमाइल्ले आवकहं भगवं समिआसी ॥ एस विही अणुक्कंतो माहणेण मईमया; बहुसो अपडि-ण्णेण भगवया एवं रीयंति त्ति बेमि ॥५२८॥ **चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

उवहाणसुयं णवमज्झयणं समत्तं ॥

॥बंभचेर णाम पढमो सुयक्खंधो समत्तो॥

बिइये सुयक्खंधे

पिंडेसणा णाम पढमं अज्झयणं

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जं पुणजाणेज्जा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पाणेहिं वा पणएहिं वा बीएहिं वा, हरिएहिं वा, संसत्तं, उम्मिस्सं, सीओदएण वा ओसित्तं, रयसा वा परिघासियं, तहप्पगारं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा, परहत्थंसि वा परपायंसि वा, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभेवि संतं णो पडिगाहेज्जा ॥ ५२९ ॥ से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया से तं आयाय एगंतमवक्कमेज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडे-अप्पपाणे-अप्पबीए, अप्पहरिए, अप्पोसे अप्पोदए, अप्पुत्तिंग-पणग-दग-मट्टियमक्कडासंताणए विगिंचिय विगिंचिय उम्मीसं विसोहिय विसोहिय तओ संजयामेव भुंजिज्ज वा, पीइज्ज वा, जं च णो संचाइज्जा भोत्तए वा पायए वा, से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता, अहे झामथंडिलंसि वा, अट्ठिरासिंसि वा, किट्टरासिंसि वा, तुसरासिंसि वा, गोमयरासिंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव परिट्ठविज्जा ॥ ५३० ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे, से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा कसिणाओ सासिआओ अविदलकडाओ अतिरिच्छच्छिण्णाओ, अव्वोच्छिण्णाओ तरुणियं वा छिवाडिं अणभिक्कंतभज्जियं पेहाए, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ५३१ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जाओ पुण ओसहीओ जाणेज्जा, अकसिणाओ असासियाओ, विदलकडाओ, तिरिच्छच्छिण्णाओ, वोच्छिण्णाओ, तरुणिअं वा छिवाडिं अभिक्कंतं भज्जियं पेहाए फासुयं एसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते पडिगाहेज्जा ॥५३२॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिहुयं वा बहुरयं वा, भुज्जियं वा, मंथुं वा, चाउलं वा, चाउलपलंबं वा, सइं संभज्जियं, अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५३३॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा असइं भज्जियं दुक्खुत्तो वा भज्जियं तिक्खुत्तो वा भज्जियं फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥५३४॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे णो अण्णउत्थिएण वा

गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएणं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५३५॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, बहिया वियारभूमिं वा, विहारभूमिं वा, णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा, णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण वा सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५३६॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा, परिहारिओ अपरिहारिएण वा, सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५३७॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से णो अण्णउत्थियस्स वा गारत्थियस्स वा परिहारिओ वा अपरिहारिअस्स वा असणं पाणं खाइमं साइमं वा देज्जा अणुपदेज्जा वा ॥ ५३८ ॥ से भिक्खू वा भिक्खुणी वा जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ अस्संपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं, भूयाइं, जीवाइं, सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिचं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तं तहप्पगारं असणं वा ४ पुरिसंतरकडं अपुरिसंतरकडं वा बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अत्तट्ठियं वा अणत्तट्ठियं वा, परिभुत्तं वा अपरिभुत्तं वा आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५३९॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगा साहम्मिणी, बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ॥५४०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं वा ४ जाव समारब्भ आसेवियं वा अणासेवियं वा अफासुयं अणेसणिज्जंति मण्णमाणे लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स पाणाइं ४ जावआहट्टु चेएइ, तं तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं अबहिया णीहडं अणत्तट्ठियं अपरिभुत्तं अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४२॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं बहिया णीहडं अत्तट्ठियं परिभुत्तं आसेवियं फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा॥५४३॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिउ कामे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, इमेसु खलु कुलेसु णिइए पिंडे दिज्जइ, णिइए अग्गपिंडे दिज्जइ, णिइए भाए दिज्जइ, अवड्ढभाए दिज्जइ, तहप्पगाराइं कुलाइं णिइयाइं णिइउमाणाइं, णो

भत्ताए वा णो पाणाए वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५४४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५४५ ॥ **पढमं अज्झयणं पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ अट्ठमिपोसहिएसु वा, अद्धमासिएसु वा, मासिएसु वा, दोमासिएसु वा, तिमासिएसु वा; चाउमासिएसु वा पंचमासिएसु वा, छमासिएसु वा उऊसु वा, उऊसंधीसु वा, उउपरियट्टेसु वा, बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगे एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, तिहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, चउहिं उक्खाहिं परिएसिज्जमाणे पेहाए, कुंभीमुहाओ वा कलोवाइओ वा, संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव अणासेवियं अफासुयं अणेसणिज्जं णो पडिगाहिज्जा ॥५४६॥ अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव आसेवियं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५४७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा; तंजहा—उग्गकुलाणि वा, भोगकुलाणि वा, राइण्णकुलाणि वा, खत्तियकुलाणि वा, इक्खागकुलाणि वा, हरिवंसकुलाणि वा, एसियकुलाणि वा, वेसियकुलाणि वा, गंडागकुलाणि वा, कोट्टागकुलाणि वा, गामरक्खकुलाणि वा, बोक्कसालियकुलाणि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु कुलेसु अदुगुंछिएसु अगरहिएसु वा, असणं वा ४ फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५४८ ॥ से भिक्खू वा २ गाहवइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ समवाएसु वा, पिंडणियरेसु वा, इंदमहेसु वा, खंदमहेसु वा, रुद्दमहेसु वा, मुगुंदमहेसु वा, भूयमहेसु वा, जक्खमहेसु वा, णागमहेसु वा, थूभमहेसु वा, चेइय महेसुवा, रुक्खमहेसु वा, गिरिमहेसु वा, दरिमहेसु वा, अगडमहेसु वा, तडागमहेसु वा, दहमहेसु वा, णईमहेसु वा, सरमहेसु वा, सागरमहेसु वा, आगरमहेसु वा, अण्णयरेसु वा, तहप्पगारेसु विरूवरूवेसु महामहेसु वट्टमाणेसु, बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए एगाओ उक्खाओ परिएसिज्जमाणे पेहाए, दोहिं जाव संणिहिसंणिचयाओ वा परिएसिज्जमाणे पेहाए तहप्पगारं असणं वा ४ अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५४९॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, दिण्णं जं तेसिं

दायव्वं, अह तत्थ भुंजमाणे पेहाए गाहावइभारियं वा, गाहावइभगिणिं वा, गाहावइपुत्तं वा, गाहावइधूयं वा, सुण्हं वा, धाई वा, दासं वा, दासिं वा, कम्मकरं वा, कम्मकरिं वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसि त्ति वा भगिणित्ति वा, दाहिसि मे इत्तो अण्णयरं भोयणजायं ? से सेवं वयंतस्स परो असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं असणं वा ४ सयं वा पुण जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥ ५५० ॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए संखडिं णच्चा संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५५१॥ से भिक्खू वा २ पाईणं संखडिं णच्चा पडीणं गच्छे अणाढायमाणे पडीणं संखडिं णच्चा पाईणं गच्छे अणाढायमाणे दाहिणं संखडिं णच्चा उदीणं गच्छे अणाढायमाणे, उदीणं संखडिं णच्चा दाहिणं गच्छे अणाढायमाणे ॥५५२॥ जत्थेव सा संखडी सिया, तंजहा गामंसि वा, णगरंसि वा, खेडंसि वा, कव्वडंसि वा, मडंबंसि वा, पट्टणंसि वा, दोणमुहंसि वा, आगरंसि वा, णिगमंसि वा, आसमंसि वा, संणिवेसंसि वा, जाव रायहाणिंसि वा, संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ॥५५३॥ संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेमाणे आहाकम्मियं वा उद्देसियं, मीसजायं वा, कीयगडं वा, पामिच्चं वा, अच्छेज्जं वा, अणिसट्ठं वा, अभिहडं वा, आहट्टु दिज्जमाणं भुंजिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए, खुड्डियदुवारियाओ महल्लियदुवारियाओ कुज्जा, महल्लियदुवारियाओ खुड्डियदुवारियाओ कुज्जा, समाओ सिज्जाओ विसमाओ कुज्जा, विसमाओ सिज्जाओ समाओ कुज्जा, पवायाओ सिज्जाओ णिवायाओ कुज्जा, णिवायाओ सिज्जाओ पवायाओ कुज्जा, अंतो वा, बहिं वा उवस्सयस्स हरियाणि छिंदिय २ दालिय २ संथारगं संथारिज्जा एस विलुंगयामो सिज्जाए अक्खाए तम्हा से संजए णियंठे अण्णयरं वा तहप्पगारं पुरे संखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्ज गमणाए ॥ ५५४ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सयाजए त्ति बेमि ॥ ५५५ ॥ **बीओद्देसो समत्तो ॥**

से एगइओ अण्णयरं संखडिं आसित्ता पिवित्ता छड्डेज्ज वा वमेज्ज वा, भुत्ते वा से णो सम्मं परिणमिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोयातंके समुपज्जिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५६॥ इह खलु भिक्खू गाहावईहिं वा, गाहावइणीहिं वा, परिवा-

यएहिं वा, परिवाइयाहिं वा, एगज्जं सद्धिं सोंडं पाउं भो! वइमिस्सं हुरत्था वा, उवस्सयं पडिलेहेमाणे णो लभिज्जा, तमेव उवस्सयं संमिस्सिभावमावज्जिज्जा अण्णमण्णे वा से मत्ते विप्परियासियभूए इत्थिविग्गहे वा किलीवे वा तं भिक्खुं उवसंकमित्तु बूया 'आउसंतो समणा! अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, राओ वा, वियाले वा, गामधम्मणियंतियं कट्टु, रहस्सियंमेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टामो' तं चेवेगइओ साइज्जिज्जा, अकरणिज्जं चेयं संखाए। एए आययणाणि संति संचिज्जमाणा पच्चवाया भवंति, तम्हा से संजए णियंठे तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा, संखडिं संखडिसंपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५५७॥ से भिक्खू वा २ अण्णयरिं संखडिं वा सोच्चा णिसम्म संपरिहावइ उस्सुयभूयेणं अप्पाणेणं 'धुवा संखडी' णो संचाएइ, तत्थ इयरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारेत्तए, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, से तत्थ कालेण अणुपविसित्ता तत्थेयरेयरेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा॥५५८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संखडि सिया तंपि य गामं वा जाव रायहाणिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए, केवली बूया आयाणमेयं ॥५५९॥ आइण्णा अवमा णं संखडिं अणुपविस्समाणस्स पाएण वा पाए अक्कंतपुव्वे भवइ, हत्थेण वा हत्थे संचालियपुव्वे भवइ, पाएण वा पाए आवडियपुव्वे भवइ, सीसेण वा सीसे संघट्टियपुव्वे भवइ, काएण वा काए संखोभियपुव्वे भवइ, दंडेण वा अट्ठीणा वा मुट्ठिणा वा लेलुणा वा कवालेण वा अभिहयपुव्वे भवइ, सीओदएण वा उसित्तपुव्वे भवइ, रयसा वा परिघासियपुव्वे भवइ, अणेसणिज्जेण वा परिभुत्तपुव्वे भवइ, अण्णेसिं वा दिज्जमाणे पडिगाहियपुव्वे भवइ, तम्हा से संजए णिग्गंथे तहप्पगारं आइण्णाऽवमा णं संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारिज्जा गमणाए ॥५६०॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ एसणिज्जे सिया अणेसणिज्जे सिया वितिगिच्छसमावण्णेणं अप्पाणेणं असमाहडाए लेस्साए तहप्पगारं असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५६१॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पविसिउ कामे सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज

वा ॥५६२॥ से भिक्खू वा २ बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा सव्वं भंडगमायाए बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा ॥५६३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे सव्वं भंडगमायाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५६४॥ से भिक्खू वा २ अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासेमाणं पेहाए, तिव्वदेसियं महियं संणिचयमाणं पेहाए महावाएण वा रयं समुद्धुयं पेहाए तिरिच्छसंपाइमा वा तसा पाणा संथडा सण्णिचयमाणा पेहाए, से एवं णच्चा णो सव्वं भंडगमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा बहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥५६५॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण कुलाइं जाणिज्जा, तंजहा—खत्तियाण वा, राईण वा, कुराईण वा, रायपेसियाण वा, रायवंसट्ठियाण वा अंतो वा बहिं वा गच्छंताण वा संणिविट्ठाण वा णिमंतेमाणाण वा अणिमंतेमाणाण वा असणं वा ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा त्ति बेमि ॥५६६॥ **पढमं अज्झयणं तइओद्देसो समत्तो ।**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा मंसाइयं वा मच्छाइयं वा मंसखलं वा मच्छखलं वा आहेणं वा पहेणं वा, हिंगोलं वा, संमेलं वा हीरमाणं संपेहाए अंतरा से मग्गा बहुपाणा, बहुबीया, बहुहरिया, बहुओसा, बहुउदया, बहुउत्तिंगपणगदगमट्टियमक्कडासंताणगा, बहवे तत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागता उवागमिस्संति तत्थाइण्णावित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए, णो पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए, सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥५६७॥ से भिक्खू वा २ गाहवइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, मंसाइयं वा जाव संमेलं वा हीरमाणं पेहाए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समणमाहण जाव उवागमिस्संति, अप्पाइण्णावित्ती पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए पण्णस्स वायणपुच्छणपरियट्टणाणुपेहधम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं पुरेसंखडिं वा पच्छासंखडिं वा संखडिं संखडिपडियाए अभिसंधारेज्ज गमणाए ॥५६८॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे से जं पुण जाणेज्जा, खीरिणियाओ गावीओ खीरिज्जमाणीओ पेहाए असणं वा ४

उवसंखंडिज्जमाणं पेहाए पुरा अप्पजूहिए सेवं णच्चा णो गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमिज्ज वा पविसिज्ज वा से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, एगंतमवक्कमित्ता अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा खीरिणीओ गावीओ खीरियाओ पेहाए, असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए पुराए जूहिए से एवं णच्चा तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा ॥५६९॥ भिक्खागाणामेगे एवमाहंसु समाणा वा वसमाणा वा; गामाणुगामं दूइज्जमाणे खुड्डाए खलु अयं गामे संणिरुद्धाए णो महालए से हंता, भयंतारो बाहिरगाणि गामाणि भिक्खायरियाए वयह ॥५७०॥ संति तत्थेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे-संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा—गाहावई वा, गाहावइणीओ वा गाहावइपुत्ता वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, धाईओ वा, दासा वा, दासीओ वा, कम्मकरा वा, कम्मकरीओ वा, तहप्पगाराइं कुलाइं पुरे संथुयाणि वा पच्छासंथुयाणि वा, पुव्वामेव भिक्खायरियाए अणुपविसिस्सामि अवि य इत्थ लभिस्सामि, पिंडं वा लोयं वा, खीरं वा, दधिं वा, णवणीयं वा घयं वा, गुलं वा, तेल्लं वा, महुं वा मज्जं वा मंसं वा सक्कुलिं वा, पूयं वा, सिहरिणिं वा, तं पुव्वामेव भुच्चा पिच्चा पडिग्गहं संलिहिय संमज्जिय तओ पच्छा भिक्खूहिं सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसिस्सामि णिक्खमिस्सामि वा, माइट्ठाणं संफासे, तं णो एवं करेज्जा, से तत्थ भिक्खूहिं सद्धिं कालेण अणुपविसित्ता, तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं पडिगाहित्ता आहारं आहारिज्जा ॥५७१॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५७२॥ **पढमं अज्झयणं चउत्थोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अग्गपिंडं उक्खिप्पमाणं पेहाए, अग्गपिंडं णिक्खिप्पमाणं पेहाए अग्गपिंडं हीरमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभाइज्जमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिभुंजमाणं पेहाए, अग्गपिंडं परिट्ठविज्जमाणं पेहाए, पुरा असिणाइ वा, अवहाराइ वा पुरा जत्थण्णे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा खद्धं खद्धं उवसंकमंति, से हंता अहमवि खद्धं २ उवसंकमामि, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥५७३॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा,

अग्गलपासगाणि वा सइ परक्कमे संजयामेव, परक्कमिज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५७४॥ से तत्थ परक्कममाणे पयलिज्ज वा, पक्खलेज्ज वा पवडिज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पक्खलेज्जमाणे वा पवडमाणे वा, तत्थ से काए उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणेण वा, वंतेण वा पित्तेण वा, पूएण वा, सुक्केण वा, सोणिएण वा, उवलित्ते सिया, तहप्पगारं कायं णो अणंतर-हियाए पुढवीए णो ससिणिद्धाए पुढवीए, णो ससरक्खाए पुढवीए, णो चित्तमंताए सिलाए, णो चित्तमंताए लेलूए, कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे जाव संताणए, णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा, संलिहिज्ज वा, विलिहिज्ज वा, उव्व-लिज्ज वा, उवट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा, पयाविज्ज वा, से पुव्वामेव अप्पससरक्खं तणं वा, पत्तं वा, कट्ठं वा, सक्करं वा, जाइज्जा, जाइत्ता से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा, २ अहे झामथंडिलंसि वा, जाव अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥५७५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा गोणं वियालं पडिपहे पेहाए, महिसं वियालं पडिपहे पेहाए एवं मणुस्सं आसं हत्थिं सीहं वग्घं विगं दीवियं अच्छं तरच्छं परिसरं सियालं विरालं सुणयं कोलसुणयं कोकंतियं चित्ताचेल्लडयं वियालं पडिपहे पेहाए सइपरक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥ ५७६ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे अंतरा से ओवाओ वा, खाणू वा, कंटए वा, घसी वा, भिलुगा वा विसमे वा विज्जले वा, परियावज्जिज्जा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५७७॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलस्स दुवार-बाहं कंटकबोंदियाए परिपिहियं पेहाए तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणणुण्णविय अपडि-लेहिय अपमज्जिय णो अवंगुणिज्ज वा, पविसिज्ज वा, णिक्खमिज्ज वा, तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव अवंगुणिज्ज वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥५७८॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, समणं वा, माहणं वा, गामपिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा, केवली बूया आयाणमेयं ॥५७९॥ पुरा पेहाए तस्सट्ठाए परो असणं वा, ४ आहट्टु दलएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस उवएसो, जं णो तेसिं संलोए सपडिदुवारे चिट्ठेज्जा से

तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा ॥५८०॥ से परो अणावायमसंलोए चिट्ठमाणस्स असणं वा ४ आहट्टु दलएज्जा से यं वएज्जा "आउसंतो समणा ! इमे भे असणं वा ४ सव्वजणाए णिसिट्ठे, तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" तं चेगइओ पडिगाहेत्ता तुसिणीओ उवेहेज्जा, अवियाइं एयं ममभेव सिया एवं माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा २ से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा ! इमे भे असणं वा ४ सव्व जणाए णिसिट्ठे तं भुंजह च णं परिभाएह च णं" सेवं वयंतं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा ! तुमं चेव णं परिभाएहि, से तत्थ परिभाएमाणे णो अप्पणो खद्धं २ डायं २ ऊसढं २ रसियं २ मणुण्णं २ णिद्धं २ लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे, बहुसममेव, परिभाएज्जा ॥५८१॥ से णं परिभाएमाणं परो वएज्जा 'आउसंतो समणा ! मा णं तुमं परिभाएहि सव्वे वेगइया ठिया उ भोक्खामो वा पाहामो वा" से तत्थ भुंजमाणे णो अप्पणो खद्धं २ जाव लुक्खं २ से तत्थ अमुच्छिए ४ बहुसममेव भुंजिज्ज वा पीइज्ज वा ॥ ५८२ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, समणं वा, माहणं वा, गामपिंडोलगं वा, अतिहिं वा, पुव्वपविट्ठं पेहाए णो ते उवाइकम्म पविसेज्ज वा ओभासेज्ज वा से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा, पडिसेहिए वा दिण्णे वा तओ तंमि णियत्तिए संजयामेव पविसिज्ज वा ओभासिज्ज वा ॥५८३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५८४॥ **पढमं अज्झयणं पंचमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, रसेसिणो बहवे पाणा घासेसणाए संथडे संणिवइए पेहाए तंजहा—कुक्कुडजाइयं वा, सूयरजाइयं वा अग्गपिंडंसि वा वायसा संथडा संणिवाइया पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छिज्जा ॥५८५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे णो गाहावइकुलस्स दुवारसाहं अवलंबिय २ चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स दगच्छड्डणमत्तए चिट्ठिज्जा, णो गाहावइकुलस्स चंदणिउयए चिट्ठेज्जा, णो गाहावइकुलस्स सिणाणस्स वा वच्चस्स वा संलोए सपडिदुवारे चिट्ठिज्जा णो गाहावइकुलस्स आलोयं वा थिग्गलं वा संधिं वा दगभवणं वा बाहाउ पगिज्झिय २ अंगुलियाए वा उद्दिसिय २

उण्णमिय २ अवणमिय २ णिज्झाइज्जा णो गाहावइं अंगुलियाए उद्दिसिय २ जाइज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए चालिय२ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए तज्जिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं अंगुलियाए उक्खुलंपिय २ जाएज्जा, णो गाहावइं वंदिय २ जाएज्जा, णो वयणं फरुसं वइज्जा॥५८६॥ अह तत्थ कंचि भुंजमाणं पेहाए, तंजहा— गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोइज्जा, "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं भोयणजायं" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा मत्तं वा दव्विं वा, भायणं वा सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति, वा भइणित्ति वा, मा एयं तुमं हत्थं वा, मत्तं वा, दव्विं वा, भायणं वा, सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेहि वा, पहोवेहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो हत्थं वा ४ सीओदगवियडेण वा २ उच्छोलेत्ता पहोइत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारेण पुरे कम्मकएणं हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा णो पुरेकम्मएणं उदउल्लेणं तहप्पगारेणं वा उदउल्लेणं (ससिणिद्धेण) वा हत्थेण वा ४ असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, अह पुण एवं जाणेज्जा णो उदउल्लेणं ससिणिद्धेणं सेसं तं चेव, एवं ससरक्खे उदउल्ले ससिणिद्धे मट्टिया, ऊसे हरियाले, हिंगुलए, मणोसिला, अंजणे, लोणे, गेरुय, वण्णिय, सेढिय, सोरट्ठिय पिट्ठ कुक्कस उक्कुट्ठ संसट्ठेणं ॥५८७॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, णो असंसट्ठे, संसट्ठे तहप्पगारेण संसट्ठेण हत्थेण वा ४ असणं वा ४ फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥५८८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणेज्जा पिहुयं वा बहुरयं वा जाव चाउलपलंबं वा, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव मक्कडासंताणाए कुट्टिंसु वा, कुट्टिंति वा, कुट्टिस्संति वा, उप्फणिंसु वा ३ तहप्पगारं पिहुयं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ५८९ ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं, असंजए भिक्खुपडियाए चित्तमंताए सिलाए जाव संताणाए भिंदिसु वा, भिंदंति वा, भिंदिस्संति वा, रुचिंसु वा ३ बिलं वा लोणं उब्भियं वा लोणं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९०॥ से भिक्खू वा जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ अगणिणिक्खित्तं तहप्पगारं

असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया, "आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए उस्सिंचमाणे वा, णिस्सिंचमाणे वा, आमज्जमाणे वा, पमज्जमाणे वा, ओयारेमाणे वा, उव्वत्तमाणे वा, अगणिजीवे हिंसिज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा, एस हेऊ, एस कारणे, एसुवएसे, जं तहप्पगारं असणं वा, ४ अगणिणिक्खित्तं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९१॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥५९२॥

पढमं अज्झयणं छट्ठोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ खंधंसि वा थंभंसि वा, मंचंसि वा, मालंसि वा, पासायंसि वा, हम्मियतलंसि वा, अण्णयरंसि वा, तहप्पगारंसि अंतलिक्खजायंसि उवणिक्खित्ते सिया, तहप्पगारं मालोहडं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, केवली बूया "आयाणमेयं" असंजए भिक्खुपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा, उदूहलं वा, आहट्टु उस्सविय दुरुहेज्जा, से तत्थ दुरुहमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा, पायं वा, बाहुं वा, उरुं वा, उदरं वा, सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसिज्ज वा, पाणाणि वा, भूयाणि वा, जीवाणि वा, सत्ताणि वा, अभिहणिज्ज वा, वित्तासिज्ज वा, लेसिज्ज वा, संघसिज्ज वा, संघट्टिज्ज वा, परियाविज्ज वा, किलामिज्ज वा, ठाणाओ ठाणं संकामिज्ज वा, तं तहप्पगारं मालोहडं असणं वा, ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९३॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ कुट्ठियाओ वा कोलेज्जाओ वा, असंजए भिक्खुपडियाए, उक्कुज्जिय अवउज्जिय ओहरिय, आहट्टु, दलइज्जा, तहप्पगारं असणं वा, ४ मालोहडंति णच्चा लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९४॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ मट्टिओलित्ते तहप्पगारं असणं वा ४ जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा। केवली बूया 'आयाणमेयं' असंजए भिक्खूपडियाए मट्टिओलित्तं असणं वा ४ उब्भिदमाणे पुढवीकायं समारंभिज्जा, तहा आउ-तेऊ-वाऊ-वणस्सइ-तसकायं समारंभिज्जा पुणरवि ओलिंपमाणे पच्छाकम्मं करिज्जा। अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारं मट्टिओलित्तं असणं वा, ४ लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥५९५॥

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा असणं वा ४ पुढविकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९६॥ से भिक्खू वा भिक्खूणी वा से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ आउकायपइट्ठियं तह चेव एवं अगणिकायपइट्ठियं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, 'केवलीबूया' "आयाणमेयं" असंजए भिक्खूपडियाए अगणिं उस्सक्किय २ णिसक्किय २ ओहरिय २ आहट्टु दलएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा ४ अच्चुसिणं असंजए भिक्खुपडियाए, सुप्पेण वा, विहुयणेण वा, तालियंटेण वा, पत्तेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकण्णेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, फुमिज्ज वा, वीएज्ज वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणि त्ति वा, मा एयं तुमं, असणं वा, ४ अच्चुसिणं सुप्पेण वा जाव फुमाहि वा, वीयाहि वा, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहिं" से सेवं वयंतस्स परो सुप्पेण वा जाव वीइत्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥५९८॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणेज्जा, असणं वा ४ वणस्सइकायपइट्ठियं तहप्पगारं असणं वा ४ वणस्सइकायपइट्ठियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, एवं तसकाएवि ॥ ५९९ ॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा उस्सेइमं वा, संसेइमं वा, चाउलोदगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं, अहुणाधोयं, अणंबिलं, अवोक्कंतं, अपरिणयं अविद्धत्थं, अफासुयं, अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६००॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चिराधोयं, अबिलं, वुक्कंतं, परिणयं विद्धत्थं, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा ॥६०१॥ से भिक्खू वा, २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणेज्जा, तंजहा–तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा, आयामं वा; सोविरं वा, सुद्धवियडं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भगिणित्ति वा, दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पाणगजायं!" से सेवं वयंतं परो *वएज्जा "आउसंतो समणा! तुमं चेवेयं पाणगजायं पडिग्गहेण वा उस्सिंचियाणं* ओयत्तियाणं गिण्हाहि" तहप्पगारं पाणगजायं सयं वा गिण्हिज्जा, परो वा से दिज्जा,

फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥६०२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण पाणगं जाणेज्जा अणंतरहियाए पुढवीए जाव संताणए ओहट्टु णिक्खित्ते सिया असंजए भिक्खुपडियाए, उदउल्लेण वा, ससिणिद्धेण वा, सकसाएण वा, मत्तेण वा सीओदएण वा, संभोएत्ता आहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६०४॥ **सत्तमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा–अंबपाणगं वा, अंबाडगपाणगं वा, कविट्ठपाणगं वा, माउलिंगपाणगं वा मुद्दियापाणगं वा, दाडिमपाणगं वा, खज्जूरपाणगं वा, णालिएरपाणगं वा, करीर–पाणगं वा, कोलपाणगं वा, आमलगपाणगं वा, चिंचापाणगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पाणगजायं सअट्ठियं सकणुयं सबीयगं असंजए भिक्खुपडियाए छब्बेण वा दूसेण वा, वालगेण वा, आवीलियाण वा, पवीलियाण परिसाइयाण आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पाणगजायं अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०५॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे, से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा, परियावसहेसु वा, अण्णगंधाणि वा, पाणगंधाणि वा, सुरभिगंधाणि वा, अग्घाय २ से तत्थ आसायपडियाए मुच्छिए, गिद्धे, गढिए, अज्झोववण्णे 'अहो गंधो २' णो गंधमाघाइज्जा ॥६०६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, से जं पुण जाणेज्जा, सालुयं वा, विरालियं वा, सासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६०७॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पिप्पलिं वा, पिप्पलिचुण्णं वा, मिरियं वा, मिरियचुण्णं वा, सिंगबेरं वा, सिंगबेरचुण्णं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६०८॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण जाणेज्जा, पलंबजायं तंजहा अंबपलंबं वा, अंबाडगपलंबं वा, ताल पलंबं वा, झिज्झिरिपलंबं वा, सुरभिपलंबं वा, सल्लइपलंबं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं पलंबजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६०९॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे से जं पुण पवालजायं जाणिज्जा, तंजहा–असोत्थपवालं वा णग्गोह-

पवालं वा, पिलुंखुपवालं वा, णीपूरपवालं वा, सल्लइपवालं वा, अण्णयरं तहप्पगारं पवालजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१० ॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण सरडुयजायं जाणिज्जा, तंजहा—अंबसरडुयं वा, कविट्ठसरडुयं वा, दाडिमसरडुयं वा, बिल्लसरडुयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं सरडुयजायं आमगं असत्थपरिणयं अफासु जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६११॥ से भिक्खू वा २ जाव पविट्ठे समाणे, से जं पुण मंथुजायं जाणिज्जा, तंजहा—उंबरमंथुं वा, णग्गोहमंथुं वा, पिलक्खुमंथुं वा, आसोत्थमंथुं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं मंथुजायं आमयं दुरुक्कं साणुबीयं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१२॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, आमडागं वा, पूइपिण्णागं वा, महुं वा मज्जं वा सप्पिं वा, खोलं वा पुराणं एत्थ पाणा अणुप्पसूया, एत्थ पाणा जाया, एत्थ पाणा संवुड्ढा, एत्थ पाणा अवुक्कंता, एत्थ पाणा अपरिणया, एत्थ पाणा अविद्धत्था जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१३॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुमेरगं वा अंककरेलुयं वा, कसेरुगं वा, सिंघाडगं वा, पूइआलुगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमगं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा; उप्पलं वा, उप्पल णालं वा, भिसं वा, भिसमुणालं वा, पोक्खलं वा, पोक्खलविभंगं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं, जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१५॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे, से जं पुण जाणिज्जा, अग्गबीयाणि वा, मूलबीयाणि वा, खंधबीयाणि वा, पोरबीयाणि वा, अग्गजायाणि वा, मूलजायाणि वा, खंधजायाणि वा, पोरजायाणि वा, णण्णत्थ तक्कलिमत्थएण वा, तक्कलिसीसेण वा, णालिएरमत्थएण वा, खज्जूरमत्थएण वा, तालमत्थएण वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, उच्छुं वा, काणगं, अंगारियं संमिस्सं, विगदूसियं वेत्तग्गं वा, कंदलीऊसयं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६१७॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, लसुणं वा, लसुणपत्तं वा, लसुणणालं वा, लसुणकंदं वा, लसुणचोयं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थ परिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा॥६१८॥ से भिक्खू वा, २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, अच्छिअं

वा, कुंभिपक्कं, तिंदुगं वा, विल्लुयं वा, पलगं वा, कासवणालियं वा, अण्णयरं वा तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६१९॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा, कणं वा कणकुंडगं वा, कणपूयलियं वा, चाउलं वा, चाउलपिट्ठं वा, तिलं वा, तिलपिट्ठं वा तिलपप्पडगं वा, अण्णयरं वा, तहप्पगारं आमं असत्थपरिणयं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२०॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६२१॥ **अट्ठमोद्देसो समत्तो ॥**

इह खलु पाईणं वा, पडीणं वा, दाहिणं वा, उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति, गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा; तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ जे इमे भवंति समणा, भगवंतो, सीलमंता, वयमंता, गुणमंता, संजया, संवुडा, बंभचारी, उवरया मेहुणाओ धम्माओ, णो खलु एएसिं कप्पइ आहाकम्मिए असणं वा ४ भोइत्तए वा पाइत्तए वा; से जं पुण इमं अम्हं अप्पणो अट्ठाए णिट्ठियं, तंजहा--असणं वा ४ सव्वमेयं समणाणं णिसिरामो, अवियाइं वय पच्छावि अप्पणो अट्ठाए असणं वा ४ चेइस्सामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं अणेसणिज्जं जाव लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२२॥ से भिक्खू वा २ समाणे वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे से जं पुण जाणिज्जा, गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा संतेगइयस्स भिक्खुस्स पुरे संथुया वा पच्छासंथुया वा परिवसंति, तंजहा--गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तहप्पगाराइं कुलाइं णो पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं'। पुरा पेहाए तस्स परो अट्ठाए असणं वा ४ उवकरेज्ज वा, उवक्खडेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा ४ जं णो तहप्पगाराइं कुलाइं पुव्वामेव भत्ताए वा पाणाए वा पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा। से तमायाय एगंतमवक्कमिज्जा २ अणावायमसंलोए चिट्ठेज्जा, से तत्थ कालेणं अणुपविसिज्जा २ तत्थियरेयरेहिं कुलेहिं सामुदाणियं एसियं वेसियं पिंडवायं एसित्ता आहारं आहारिज्जा ॥६२३॥ सिया से परो कालेण अणुपविट्ठस्स आहाकम्मियं असणं वा ४ उवकरेज्ज वा उवक्खडेज्ज वा, तं चेगइओ तुसणीओ उवेहेज्जा, 'आहडमेव पच्चाइक्खिस्सामि' माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, से पुव्वामेव आलोएज्जा 'आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मियं असणं

वा ४ भोत्तए वा पायए वा, मा उवकरेहि, मा उवक्खडेहि, से सेवं वयंतस्स परो आहाकम्मियं असणं वा ४ उवक्खडावित्ता आहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं असणं वा ४ अफासुयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥६२४॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण जाणिज्जा मंसं वा मच्छं वा भज्जिज्जमाणं पेहाए तेल्लपूयं (यं) वा आएसाए उवक्खडिज्जमाणं पेहाए णो खद्धं २ उवसंकमित्तु ओभासेज्जा णण्णत्थ गिलाणणीसाए ॥६२५॥ से भिक्खू वा जाव समाणे अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहित्ता सुब्भि-सुब्भि भोच्चा दुब्भि-दुब्भि परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा, सुब्भि वा दुब्भि वा सव्वं भुंजिज्जा णो किंचिवि परिट्ठविज्जा ॥६२६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे अण्णयरं वा पाणयजायं पडिगाहित्ता पुप्फं २ आवीइत्ता कसायं २ परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा, पुप्फं पुप्फेइ वा कसायं कसाएत्ति वा सव्वमेयं भुंजिज्जा णो किंचिवि परिट्ठवेज्जा ॥६२७॥ से भिक्खू वा २ बहुपरियावण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता बहवे साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया, समणुण्णा अपरिहारिया, अदूरगया तेसिं अणालोइया अणामंतिया परिट्ठवेइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से तमायाय तत्थ गच्छेज्जा २ से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसंतो समणा! इमे मे असणं वा ४ बहुपरियावण्णे, तं भुंजह च णं" से सेवं वयंतं परो वएज्जा "आउसंतो समणा! आहारमेयं असणं वा ४ जावइयं २ परिसडइ तावइयं २ भोक्खामो वा, पाहामो वा, सव्वमेयं परिसडइ, सव्वमेयं भोक्खामो वा पाहामो वा" ॥६२८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, परं समुद्दिस्स बहिया णीहडं तं परेहिं असमणुण्णायं अणिसिट्ठं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा, तं परेहिं समणुण्णायं संणिसिट्ठं फासुयं लाभे संते जाव पडिगाहिज्जा ॥६२९॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६३०॥ **नवमोद्देसो समत्तो ॥**

से एगइओ साहारणं वा पिंडवायं पडिगाहित्ता, ते साहम्मिए अणापुच्छित्ता जस्स-जस्स इच्छइ तस्स-तस्स खद्धं-खद्धं दलयइ, माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा २ पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसंतो समणा! संति मम पुरे-संथुया वा पच्छासंथुया वा, तंजहा—आयरिए वा, उवज्झाए वा, पवित्ती वा, थेरे वा, गणी वा, गणहरे वा, गणावच्छेइए वा, अवियाइं एएसिं खद्धं-खद्धं

दाहामि'' से सेवं वयंतं परो वएज्जा, कामं खलु आउसो! अहापज्जत्तं णिसिराहि जावइयं २ परो वयइ तावइयं २ णिसिरेज्जा, सव्वमेयं परो वयइ सव्वमेयं णिसिरेज्जा ॥६३१॥ से एगइओ मणुण्णं भोयणजायं पडिगाहित्ता पंतेण भोयणेण पलिच्छाएइ "मामेयं दाइयं संतं दट्ठूणं सयमायए, आयरिए वा जाव गणावच्छेइए वा, णो खलु मे कस्सइ किंचिवि दायव्वं सिया'' माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा, २ पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे पडिग्गहं कट्टु "इमं खलु इमं खलु त्ति'' आलोएज्जा, णो किंचिवि णिगूहेज्जा ॥६३२॥ से एगइओ अण्णयरं भोयण-जायं पडिगाहित्ता, भद्दयं भद्दयं भोच्चा, विवण्णं विरसमाहरइ, माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करिज्जा ॥६३३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छियं वा, उच्छुगंडियं वा, उच्छुचोयगं वा, उच्छुमेरगं वा, उच्छुसालगं वा, उच्छुडालगं वा, सिंबलिं वा, सिंबलिथालगं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे सिया भोयण-जाए, बहुउज्झियधम्मिए तहप्पगारं अंतरुच्छुयं जाव सिंबली थालगं वा अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥ ६३४ ॥ से भिक्खु वा २ से जं पुण जाणिज्जा, बहु अट्ठियं वा मंसं वा मच्छं वा बहुकंटगं अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पेसिया भोयणजाए बहुउज्झियधम्मिए-तहप्पगारं बहु अट्ठियं वा मंसं वा, मच्छं वा बहुकंटगं लाभे संते जाव णो पडिगाहिज्जा ॥६३५॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे, सिया णं परो बहु अट्ठिएणं वा मंसेण वा मच्छेण वा उवणिमंतेज्जा "आउसंतो समणा अभिकंखसि! बहुअट्ठियं मंसं पडिगाहित्तए?'' एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा भइणित्ति वा, णो खलु मे कप्पइ से बहुअट्ठियं मंसं पडिगाहित्तए, अभिकंखसि मे दाउं, जावइयं तावइयं पुग्गलं दलयाहि, मा य अट्ठियाइं'' से सेवं वयंतस्स परो अभिहट्टु अंतो पडि-ग्गहगंसि बहुअट्ठियं मंसं परिभाएत्ता णिहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं पडिग्गहगं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा, से आहच्च पडिगाहिए सिया तं णोहि त्ति वएज्जा, णो अणहित्ति वएज्जा, से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा २ अहे आरामंसि वा, अहे उवस्सयंसि वा, अप्पंडए जाव अप्पसंताणए, मंसगं मच्छगं भुच्चा अट्ठियाइं कंटए गहाय से तमायाए एगंतम-वक्कमिज्जा २ अहे ज्झामथंडिलंसि वा, जाव पमज्जिय २ तओ संजयामेव

परिट्ठविज्जा ॥६३६॥ से भिक्खू वा २ जाव समाणे सिया परो अभिहट्टु अंतो पडिग्गहए बिलं वा लोणं, उब्भियं वा लोणं, परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा, तहप्पगारं परहत्थंसि वा, परपायंसि वा अफासुयं अणेसणिज्जं जाव णो पडिगाहिज्जा से आहच्च पडिग्गाहिए सिया तं च णाइदूरगए जाणिज्जा, से तमायाए तत्थ गच्छिज्जा २ पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो त्ति वा, भइणि त्ति वा, इमं ते किं जाणया दिण्णं उदाहु अजाणया ? सो य भणेज्जा, णो खलु मे जाणया दिण्णं, अजाणया दिण्णं, कामं खलु आउसो ! इदाणिं णिसिरामि तं भुंजह च णं परिभाएह च णं, तं परेहिं समणुण्णायं समणुसिट्ठं तओ संजयामेव, भुंजेज्ज वा पीएज्ज वा, जं च णो संचाएइ भोत्तए वा पायए वा साहम्मिया तत्थ वसंति संभोइया समणुण्णा अपरिहारिया अदूरगया तेसिं अणुपयायव्वं, सिया णो जत्थ साहम्मिया सिया जहेव बहुपरियावण्णे कीरइ तहेव कायव्वं सिया ॥६३७॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६३८॥ **दसमोद्देसो समत्तो** ॥

भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु समाणे वा वसमाणे गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता "से य भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह से य भिक्खू णो भुंजिज्जा आहरिज्जा तुमं चेव णं भुंजिज्जासि" से एगइओ भोक्खामित्ति कट्टु पलिउंचिय २ आलोएज्जा, तंजहा–इमे पिंडे इमे लोए इमे तित्तए इमे कडुए इमे कसाए इमे अंबिले इमे महुरे णो खलु एत्तो किंचि गिलाणस्स सयइत्ति माइट्ठाणं संफासे, णो एवं करेज्जा तहाठियं तहेव तं आलोएज्जा जहाठियं जहेव तं गिलाणस्स सयइत्ति, तंजहा–तित्तयं तित्तएत्ति वा, कडुयं कडुएत्ति वा, कसायं कसाएत्ति वा, अंबिलं अंबिलेत्ति वा, महुरं महुरेत्ति वा ॥६३९॥ भिक्खागा णामेगे एवमाहंसु, समाणे वा वसमाणे वा, गामाणुगामं दूइज्जमाणे मणुण्णं भोयणजायं लभित्ता से भिक्खू गिलाइ से हंदह णं तस्साहरह सेय भिक्खू णो भुंजिज्जा, आहरेज्जा, से णं णो खलु मे अंतराए आहरिस्सामि इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥६४०॥ अह भिक्खू जाणिज्जा सत्त पिंडेसणाओ सत्त पाणेसणाओ तत्थ खलु इमा पढमा पिंडेसणा असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते तहप्पगारेण असंसट्ठेण हत्थेण वा मत्तेण वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से दिज्जा, फासुयं जाव पडिगाहिज्जा, पढमा पिंडेसणा ॥६४१॥ अहावरा दोच्चा पिंडेसणा, संसट्ठे हत्थे

संसट्ठे मत्तए तहेव दोच्चा पिंडेसणा ॥ ६४२ ॥ अहावरा तच्चा पिंडेसणा, इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया सड्ढा भवंति गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं अण्णयरेसु विरूवरूवेसु भायणजाएसु उवणिक्खित्तपुव्वे सिया तंजहा थालंसि वा, पिढरंसि वा सरगंसि वा, परगंसि वा, वरगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा, असंसट्ठे हत्थे संसट्ठे मत्ते, संसट्ठे वा हत्थे असंसट्ठे मत्ते से य पडिग्गहधारी सिया पाणिपडिग्गहिए वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसोत्ति वा, भगिणि त्ति वा, एएणं तुमं असंसट्ठेण हत्थेण संसट्ठेण मत्तेण संसट्ठेण वा हत्थेण असंसट्ठेण मत्तेण अस्सिं पडिग्गहगंसि वा पाणिंसि वा णिहट्टु उचित्तु दलयाहि" तहप्पगारं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा । तच्चा पिंडेसणा ॥६४३॥ अहावरा चउत्था पिंडेसणा, से भिक्खू वा, २ से जं पुण जाणिज्जा, पिहुअं वा, जाव चाउलपलंबं वा, अस्सिं खलु पडिग्गाहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे अप्पे पज्जवजाए, तहप्पगारं पिहुयं वा जाव चाउलपलंबं वा सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा जाव पडिगाहिज्जा । चउत्था पिंडेसणा ॥६४४॥ अहावरा पंचमा पिंडेसणा से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, जाव समाणे, उग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, तंजहा—सरावंसि वा, डिंडिमंसि वा, कोसगंसि वा, अह पुण एवं जाणिज्जा बहुपरियावण्णे पाणीसु उदगलेवे तहप्पगारं असणं वा ४ सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा । पंचमा पिंडेसणा ॥६४५॥ अहावरा छट्ठा पिंडेसणा, से भिक्खू वा २ पग्गहियमेव भोयणजायं जाणिज्जा, जं च सयट्ठाए पग्गहियं जं च परट्ठाए पग्गहियं तं पायपरियावण्णं तं पाणिपरियावण्णं फासुयं जाव पडिगाहिज्जा । छट्ठा पिंडेसणा ॥६४६॥ अहावरा सत्तमा पिंडेसणा, से भिक्खू वा २ जाव समाणे बहु उज्झियधम्मियं भोयणजायं जाणिज्जा, जं चऽण्णे बहवे दुपय-चउप्पय-समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमगा णावकंखंति तहप्पगारं उज्झियधम्मियं भोयणजायं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से दिज्जा जाव फासुयं पडिगाहिज्जा । सत्तमा पिंडेसणा ॥ इच्चेयाओ सत्त पिंडेसणाओ ॥६४७॥ अहावराओ सत्त पाणेसणाओ, तत्थ खलु इमा पढमा पाणेसणा, असंसट्ठे हत्थे असंसट्ठे मत्ते तं चेव भाणियव्वं, णवरं चउत्थाए णाणत्तं, से भिक्खू वा २ जाव समाणे से जं पुण पाणगजायं जाणिज्जा, तंजहा—तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा,

आयामं वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा, अस्सिं खलु पडिग्गहियंसि अप्पे पच्छाकम्मे, तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥६४८॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पिंडेसणाणं सत्तण्हं पाणेसणाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे णो एवं वएज्जा "मिच्छापडिवण्णा खलु एए भयंतारो अहमेगे सम्मं पडिवण्णे, जे एए भयंतारो एयाओ पडिमाओ पडिवज्जित्ताणं विहरंति, जो य अहमंसि एय पडिमं पडिवज्जित्ताणं विहरामि सव्वेऽवि ते उ जिणाणाए उवट्ठिया अण्णोण्णसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥६४९॥ एवं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ६५०॥ **एगारसमोद्देसो। बिइयसुयक्खंधस्स पिंडेसणा णामं पढमज्झयणं समत्तं॥**

॥ सेज्जा णाम बीयं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा, उवस्सयं एसित्तए, से अणुपविसेत्ता गामं वा जाव रायहाणिं वा ॥६५१॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, सअंडं जाव ससंताणयं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, अप्पंडं अप्पपाणं जाव अप्पसंताणयं तहप्पगारे उवस्सए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५३॥ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टु चेएइ तहप्पगारे उवस्सए पुरिसंतरगडे वा अपुरिसंतरगडे वा जाव अणासेविए वा णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा। एवं बहवे साहम्मिया एगं साहम्मिणी बहवे साहम्मिणीओ ॥६५४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समण-माहण-अतिहि-किवण-वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं जाव चेएइ तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६५५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कडिए वा, उक्कंबिए वा, छण्णे वा, लित्ते वा, घट्ठे वा, मट्ठे वा, संमट्ठे वा, संप-

धूमिए वा, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए, णो ठाणं वा, सेज्जं वा, णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए, पडिलेहित्ता पमज्जित्ता, तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए खुड्डियाओ दुवारियाओ महल्लियाओ कुज्जा, जहा पिंडेसणाए जाव संथारगं संथारिज्जा, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव अणासेविए णो ठाणं वा, सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव आसेविए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता तओ संजयामेव जाव चेएज्जा ॥६५७॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए उदगप्पसूयाणि वा, कंदाणि वा, मूलाणि वा, पत्ताणि वा, पुप्फाणि वा, फलाणि वा, बीयाणि वा, हरियाणि वा, ठाणाओ ठाणं साहरइ, बहिया वा णिण्णक्खु तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा। अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५८॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, असंजए भिक्खूपडियाए पीढं वा फलगं वा णिस्सेणिं वा उदूहलं वा ठाणाओ ठाणं साहरइ बहिया वा णिण्णक्खु, तहप्पगारे उवस्सए अपुरिसंतरगडे जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरगडे जाव चेएज्जा ॥६५९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तंजहा खंधंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा हम्मियतलंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि, अंतलिक्खजायंसि, णण्णत्थ आगाढागाढेहिं कारणेहिं, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६०॥ से आहच्च चेइए सिया णो तत्थ सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, हत्थाणि वा, पायाणि वा, अच्छीणि वा, दंताणि वा, मुहं वा, उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा, णो तत्थ ऊसढं पगरेज्जा, तंजहा—उच्चारं वा पासवणं वा, खेलं वा, सिंघाणं वा, वंतं वा, पित्तं वा, पूयं वा, सोणियं वा, अण्णयरं वा सरीरावयवं केवली बूया "आयाणमेयं" से तत्थ ऊसढं पगरेमाणे पयलेज्ज वा, पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे पवडेमाणे वा हत्थं वा, जाव सीसं वा अण्णयरं वा कायंसि इंदियजायं लूसेज्ज वा पाणाणि वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा एस पइण्णा जाव जं तह-

प्पगारे उवस्सए अंतलिक्खजाए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा सइत्थियं सखुड्डं सपसुभत्तपाणं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइकुलेण सद्धिं संवसमाणस्स अलसए वा विसूइया वा छड्डी वा उव्वाहिज्जा अण्णयरे वा से दुक्खे रोगायंके समुप्पज्जेज्जा असंजए कलुणवडियाए तं भिक्खुस्स गायं तेल्लेण वा, घएण वा, णवणीएण वा, वसाए वा उव्वट्टणेण वा अब्भंगेज्ज मक्खेज्ज वा, सिणाणेण वा, कक्केण वा, लोद्देण वा, वण्णेण वा, चुण्णेण वा, पउमेण वा, आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा, उव्वलेज्ज वा, उवट्टेज्ज वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पच्छोलेज्ज वा, पहोएज्ज वा, सिणाविज्ज वा, सिंचिज्ज वा, दारुणा वा, दारुपरिणामं कट्टु, अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालिज्ज वा, उज्जालित्ता २ कायं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥६६२॥आयाणमेयं भिक्खुस्स सागारिए उवस्सए वसमाणस्स इह खलु गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा पहंति वा रुंभंति वा उद्दविंति वा अह भिक्खूणं उच्चावयं मणं णियंछेज्जा एए खलु अण्णमण्णं उक्कोसंतु वा मा वा उक्कोसंतु जाव मा वा उद्दविंतु । अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६३॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइ अप्पणो सअट्ठाए अगणिकायं उज्जालेज्ज वा पज्जालेज्ज वा विज्झावेज्ज वा अह भिक्खू उच्चावयं मणं णियंछेज्जा, एए खलु अगणिकायं उज्जालेंतु वा जाव मा वा विज्झावेंतु अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा॥ ६६४ ॥ आयाणमेयं भिक्खुक्स्स गाहावईहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स कुंडले वा, गुणे वा मणी वा, मोत्तिए वा, हिरण्णे वा, सुवण्णे वा, कडगाणि वा, तुडियाणि वा, तिसरगाणि वा, पालंबाणि वा, हारे वा, अद्धहारे वा, एगावली वा, मुत्तावली वा, कणगावली वा, रयणावली वा, तरुणियं वा कुमारिं अलंकियविभूसियं पेहाए,

अह भिक्खू उच्चावयं मणं, णियंछेज्जा, "एरिसिया वा सा णो वा एरिसिया" इइ वा णं बूया, इइ वा णं मणं साएज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा ४ जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६६५॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइणीओ वा, गाहावइधूयाओ वा, गाहावइसुण्हाओ वा, गाहावइधाईओ वा, गाहावइदासीओ वा, गाहावइकम्मकरीओ वा, तासिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो जाव उवरया मेहुणधम्माओ णो खलु एएसिं कप्पइ मेहुणंधम्मं परियारणाए आउट्टित्तए जा य खलु एएहिं सद्धिं मेहुणधम्मं परियारणाए आउट्टाविज्जा पुत्तं खलु सा लभेज्जा, ओयस्सिं तेयस्सिं वच्चस्सिं जसस्सिं संपराइयं आलोयणदरिसणिज्जं," एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तासिं च णं अण्णयरी सड्ढी तं तवस्सिं भिक्खुं मेहुणधम्मपरियारणाए आउट्टावेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे सागारिए उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६६६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६६७॥ **सेज्जाज्झयणस्स**

पढमोद्देसो समत्तो ॥

गाहावइ णामेगे सुइसमायारा भवंति से भिक्खू य असिणाणाए मोयसमायारे से तग्गंधे दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, जं पुव्वकम्मं, जं पच्छाकम्मं तं पच्छाकम्मं तं पुव्वकम्मं तं भिक्खुपडियाए वट्टमाणे करेज्जा वा णो करेज्जा वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा।६६८। आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइहिं सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सअट्ठाए विरूवरूवे भोयणजाए उवक्खडिए सिया अह पच्छा भिक्खुपडियाए असणं वा ४ उवक्खडेज्ज वा उवकरेज्ज वा तं च भिक्खू अभिकंखेज्जा भोत्तए वा पायए वा वियट्टित्तए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं चेएज्जा ॥६६९॥ आयाणमेयं भिक्खुस्स गाहावइणा सद्धिं संवसमाणस्स इह खलु गाहावइस्स अप्पणो सयट्ठाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिण्णपुव्वाइं भवंति, अह पच्छा भिक्खुपडियाए विरूवरूवाइं दारुयाइं भिंदेज्ज वा, किणेज्ज वा पामिंचेज्ज वा, दारुणा वा दारुपरिणामं कट्टु अगणिकायं उज्जालेज्ज वा, पज्जालेज्ज वा, तत्थ भिक्खू अभिकंखेज्ज वा आयावेत्तए वा, पयावेत्तए वा, वियट्टित्तए वा,

अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं चेएज्जा ॥६७०॥ से भिक्खू वा २ उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे राओ वा वियाले वा, गाहावइकुलस्स दुवारबाहं अवंगुणेज्जा तेणे य तस्संधिचारी अणुपविसेज्जा, तस्स भिक्खुस्स णो कप्पइ एवं वदित्तए "अयं तेणे पविसइ वा णो वा पविसइ, उवल्लियइ वा णो वा उवल्लियइ, आवयइ वा णो वा आवयइ, वयइ वा णो वा वयइ, तेण हडं अण्णेण हडं, तस्स हडं अण्णस्स हडं, अयं तेणे अयं उवरए, अयं हंता, अयं एत्थमकासी," तं तवस्सिं भिक्खुं अतेणं तेणं ति संकइ, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव चेएज्जा ॥ ६७१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा तणपुंजेसु पलालपुंजेसु वा, सअंडे जाव ससंताणए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६७२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, तणपुंजेसु वा, पलालपुंजेसु वा अप्पंडे जाव चेएज्जा ॥ ६७३ ॥ से आगंतारेसु वा, आरामागारेसु वा, गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अभिक्खणं अभिक्खणं साहम्मिएहिं ओवयमाणेहिं णो उवएज्जा ॥ ६७४ ॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुबद्धियं वासावासियं वा कप्पं उवाइणित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो! कालाइक्कंतकिरिया वि भवइ ॥६७५॥ से आगंतारेसु वा जाव परियावसहेसु वा, जे भयंतारो उडुबद्धियं वा वासावासियं वा, कप्पं उवाइणावित्ता तं दुगुणा दु(ति)गुणेण वा अपरिहरित्ता तत्थेव भुज्जो भुज्जो संवसंति, अयमाउसो! इत्तरा उवट्ठाणकिरिया यावि भवइ ॥ ६७६ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहीणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति तंजहा गाहावइ वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ तं सद्दहमाणेहिं, तं पत्तियमाणेहिं, तं रोयमाणेहिं बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तंजहा—आएसणाणि वा आयथणाणि वा देवकुलाणि वा सहाओ वा पवाणि वा पणियगिहाणि वा पणियसालाओ वा जाणगिहाणि वा जाणसालाओ वा सुहाकम्मंताणि वा दब्भकम्मंताणि वा बद्धकम्मंताणि वा,वक्कयकम्मंताणि वा वणकम्मंताणि वा इंगालकम्मंताणि वा कट्ठकम्मंताणि वा सुसाणकम्मंताणि वा संतिकम्मंताणि वा सुण्णागारकम्मंताणि वा गिरिकम्मंताणि वा कंदराकम्मंताणि वा सेलोवट्ठाणकम्मंताणि

वा भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं ओवेयमाणेहिं ओवयंति, अयमाउसो ! अभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥६७७॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए समुद्दिस्स, तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति, तंजहा—आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तेहिं अणोवयमाणेहिं ओवयंति अयमाउसो ! अणभिक्कंतकिरिया या वि भवइ ॥ ६७८ ॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति, तंजहा—गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ, "जे इमे भवंति समणा भगवंतो सीलमंता जाव उवरया मेहुणधम्माओ, णो खलु एएसिं भयंताराणं कप्पइ आहाकम्मिए उवस्सए वत्थए, से जाणि इमाणि अम्हं अप्पणो सअट्ठाए चेइयाइं भवंति, तंजहा आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, सव्वाणि ताणि समणाणं णिसिरामो अवियाइं वयं पच्छा अप्पणो सअट्ठाए चेइस्सामो तंजहा—आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति उवागच्छित्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो ! वज्जकिरिया या वि भवइ ॥६७९॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा, संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तेसिं च णं आयारगोयरे णो सुणिसंते भवइ, जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समण जाव वणीमए पगणिय २ समुद्दिस्स तत्थ २ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति तंजहा--आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति २ इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति अयमाउसो ! महावज्जकिरिया वि भवइ ॥६८०॥ इह खलु पाईणं वा पडीणं दाहिणं वा उदीणं वा संतेगइया सड्ढा भवंति जाव तं रोयमाणेहिं बहवे समणजाए समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति—तंजहा आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति २ त्ता इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति, अयमाउसो ! सावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६८१॥ इह खलु पाईणं वा जाव उदीणं वा संते-

गइया सड्ढा भवंति तंजहा—गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा तेसिं च णं आयार-गोयरे णो सुणिसंते भवइ जाव तं रोयमाणेहिं एक्कं समणजायं समुद्दिस्स तत्थ तत्थ अगारीहिं अगाराइं चेइयाइं भवंति,तंजहा-आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढवीकायसमारंभेणं एवं महया आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-तसकायसमारंभेणं महया संरंभेणं महया समारंभेणं महया आरंभेणं महया विरूवरूवेहिं पावकम्मेहिं तंजहा छायणओ,लेवणओ, संथारदुवारपिहणओ,सीतोदए वा परिट्ठवियपुव्वे भवइ, अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ, जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति दुपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो ! महासावज्जकिरिया या वि भवइ ॥६८२॥ इह खलु पाईणं वा जाव तं रोयमाणेहिं अप्पणो सअट्ठाए तत्थ २ अगारीहिं जाव भवणगिहाणि वा, महया पुढविकायसमारंभेणं जाव अगणिकाए वा उज्जालियपुव्वे भवइ जे भयंतारो तहप्पगाराइं आएसणाणि वा जाव भवणगिहाणि वा उवागच्छंति इयराइयरेहिं पाहुडेहिं वट्टंति एगपक्खं ते कम्मं सेवंति अयमाउसो ! अप्पसावज्जा किरिया या वि भवइ ॥ ६८३ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥६८४॥ **सेज्जाज्झयणस्स बीओद्देसो समत्तो ॥**

"से य णो सुलभे फासुए उंछे अहेसणिज्जे णो य खलु सुद्धे इमेहिं, पाहुडेहिं, तंजहा—छायणओ, लेवणओ संथारदुवारपिहणओ पिंडवाएसणाओ से य भिक्खू चरियारए ठाणरए णिसीहियारए सेज्जासंथारपिंडवाएसणारए" संति भिक्खुणो एव मक्खाइणो उज्जुया णियागपडिवण्णा अमायं कुव्वमाणा वियाहिया ॥६८५॥ संतेगइआ पाहुडिया उक्खित्तपुव्वा भवइ एवं णिक्खित्तपुव्वा भवइ परिभाइयपुव्वा भवइ परिभुत्तपुव्वा भवइ परिट्ठवियपुव्वा भवइ एवं वियागरेमाणे समियाए वियागरेइ ? हंता भवइ ॥६८६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा खुड्डियाओ खुड्डदुवारियाओ णीयाओ संनिरुद्धाओ भवंति, तहप्पगारे उवस्सए राओ वा विआले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पुरा हत्थेण वा पच्छा पाएण वा तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, केवली बूया, 'आयाणमेयं' जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा छत्तए वा मत्तए वा दंडए वा लट्ठिया वा

भिसिया वा णालिया वा चेले वा चिलिमिली वा चम्मए वा चम्मकोसए वा चम्म-छेदणए वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले भिक्खू य राओ वा वियाले वा णिक्खममाणे वा पविसमाणे वा पयलिज्ज वा पवडेज्ज वा, से तत्थ पयलेमाणे वा पवडेमाणे वा, हत्थं वा पायं वा जाव इंदियजायं वा लूसेज्ज वा, पाणाणि जाव सत्ताणि वा, अभिहणेज्ज वा जाव ववरोवेज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारे उवस्सए पुरा हत्थेणं पच्छा पाएणं तओ संजयामेव णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥ ६८७ ॥ से आगंतरेसु वा अणुवीइ उवस्सयं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए, ते उवस्सयं अणुण्णवेज्जा, कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वसिस्सामो जाव आउसंतो जाव आउसंतस्स उवस्सए जाव साहम्मियाए तओ उवस्सयं गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ६८८ ॥ से भिक्खू वा २ जस्सुवस्सए संवसिज्जा तस्स पुव्वामेव णामगोयं जाणिज्जा तओ पच्छा तस्स गिहे णिमंतेमाणस्स अणिमंतेमाणस्स वा असणं वा ४ अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ६८९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा ससा-गारियं सागणियं सउदयं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसणाए, णो पण्णस्स वायण जाव धम्माणुओग चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झं मज्झेणं गंतुं पंथए पडिबद्धं णो पण्णस्स णिक्खमण जाव चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥ ६९१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्ण-मण्णमक्कोसंति वा जाव उद्दवेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा, वसाए वा अब्भंगेंति वा मक्खेंति वा णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९३॥ से भिक्खू वा, २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा, अण्णमण्णस्स गायं सिणाणेण वा कक्केण वा लोद्धेण वा वण्णेण वा चुण्णेण वा पउमेण वा, आघंसंति वा पघंसंति वा उव्वलेंति वा उव्वट्टेंति वा णो पण्णस्स णिक्खमण जाव

चिंताए तहप्पगारे उवस्सए णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णस्स गायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेंति वा पधोवेंति वा सिंचंति वा सिणावेंति वा णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९५॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा णिगिणा ठिआ, णिगिणा उल्लीणा मेहुणधम्मं विण्णवेंति रहस्सियं वा मंतं मंतेंति णो पण्णस्स जाव णो ठाणं वा जाव चेएज्जा ॥६९६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उवस्सयं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खं णो पण्णस्स जाव चिंताए जाव णो ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा ॥६९७॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारगं एसित्तए ॥ ६९८ ॥ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ६९९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं गरुयं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं अपाडिहारियं तहप्पगारं सेज्जा संथारयं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारगं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं णो अहाबद्धं तहप्पगारं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ७०२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण संथारयं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं लहुयं पाडिहारियं अहाबद्धं तहप्पगारं संथारयं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा ॥ ७०३ ॥ इच्चेयाइं आययणाइं उवाइक्कम्म अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं चउहिं पडिमाहिं संथारगं एसित्तए तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा;—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय उद्दिसिय संथारगं जाएज्जा, तंजहा—इक्कडं वा कढिणं वा जंतुयं वा परगं वा मोरगं वा तणं वा सोरगं वा कुसं वा कुच्चगं वा पव्वगं वा पिप्पलगं वा पलालगं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो ! त्ति वा भगिणी ! त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ? तहप्पगारं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं जाव लाभे संते पडिगाहिज्जा । पढमा पडिमा ॥७०४॥ अहावरा दोच्चा पडिमा, से भिक्खू वा २ पेहाए संथारगं जाएज्जा, तंजहा—गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो ! त्ति वा भगिणि ! त्ति वा

दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं संथारगं ?" तहप्पगारं संथारगं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं एसणिज्जं जाव पडिगाहिज्जा। दोच्चा पडिमा ॥ ७०५ ॥ अहावरा तच्चा पडिमा, से भिक्खू वा २ जस्सुवस्सए संवसेज्जा जे तत्थ अहासमण्णागए तंजहा— इक्कडेइ वा जाव पलालेइ वा तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णिसज्जिए वा विहरेज्जा। तच्चा पडिमा ॥ ७०६ ॥ अहावरा चउत्था पडिमा, से भिक्खू वा २ अहा संथडमेव संथारगं जाइज्जा तंजहा—पुढविसिलं कट्ठसिलं वा, अहासंथडमेव तस्स लाभे संते संवसेज्जा, अलाभे उक्कुडुए वा णिसज्जिए वा विहरेज्जा। चउत्था पडिमा ॥७०७॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं पडिवज्जमाणे तं चेव जाव अण्णोण्णसमाहीए एवं च णं विहरंति ॥ ७०८ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारं पच्चप्पिणित्तए से जं पुण संथारगं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं णो पच्चप्पिणिज्जा ॥ ७०९ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा संथारगं पच्चप्पिणित्तए, से जं पुण संथारगं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तहप्पगारं संथारगं पडिलेहिय २ पमज्जिय २ आयाविय २ विहुणिय २ तओ संजयामेव पच्चप्पिणेज्जा ॥ ७१० ॥ से भिक्खू वा २ समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुव्वामेव णं पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहिज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' अपडिलेहियाए उच्चारपासवणभूमिए भिक्खू वा भिक्खुणी वा राओ वा वियाले वा उच्चारपासवणं परिट्ठवेमाणे, पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा से तत्थ पयलेमाणे पवडमाणे वा हत्थं वा पायं वा जाव लूसिज्जा पाणाणि वा ४ जाव ववरोवेज्जा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं पुव्वामेव पण्णस्स उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेज्जा ॥ ७११ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा सेज्जासंथारगभूमिं पडिलेहित्तए णण्णत्थ आयरिएण वा उवज्झाएण वा जाव गणावच्छेएण वा बालेण वा वुड्ढेण वा सेहेण वा गिलाणेण वा आएसेण वा अंतेण वा मज्झेण वा समेण वा विसमेण वा पवाएण वा णिवाएण वा तओ संजयामेव पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव बहुफासुयं सिज्जासंथारगं संथरिज्जा ॥ ७१२ ॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुयं सेज्जासंथारगं संथरित्ता अभिकंखेज्जा, बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहित्तए ॥ ७१३ ॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुए सेज्जासंथारए दुरुहमाणे से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जिय २

तओ संजयामेव बहुफासुए सिज्जासंथारगे दुरुहिज्जा दुरुहित्ता तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥७१४॥ से भिक्खू वा २ बहुफासुए सेज्जा संथारए सयमाणे णो अण्णमण्णस्स हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा, से अणासायमाणे तओ संजयामेव बहुफासुए सेज्जासंथारए सएज्जा ॥७१५॥ से भिक्खू वा २ उस्सासमाणे वा णीसासमाणे वा कासमाणे वा छीयमाणे वा जंभायमाणे वा उड्डुए वा वायणिसग्गे वा करेमाणे पुव्वामेव आसयं वा पोसयं वा पाणिणा परिपिहित्ता तओ संजयामेव ऊससेज्ज वा जाव वायणिसग्गं वा करेज्जा ॥७१६॥ से भिक्खू वा २ समा वेगया सेज्जा भवेज्जा, विसमा वेगया सेज्जा भवेज्जा, पवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिवाया वेगया सेज्जा भवेज्जा, ससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा अप्पससरक्खा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अप्पदंसमसगा वेगया सेज्जा भवेज्जा,सपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, अपरिसाडा वेगया सेज्जा भवेज्जा, सउवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, णिरुवसग्गा वेगया सेज्जा भवेज्जा, तहप्पगाराहिं सेज्जाहिं संविज्जमाणाहिं पग्गहियतरागं विहारं विहरेज्जा, णो किंचिवि गिलाएज्जा ॥ ७१७ ॥ एस खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७१८ ॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ सेज्जाणामबिइयमज्झयणं समत्तं ॥**

॥ इरिया णाम तइयं अज्झयणं ॥

"अब्भुवगए खलु वासावासे अभिपवुट्ठे बहवे पाणा अभिसंभूया, बहवे बीया अहुणुब्भिण्णा, अंतरा से मग्गा, बहुपाणा बहुबीया, जाव संताणगा, अणभिक्कंता पंथा णो विण्णाया मग्गा" सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा, तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७१९॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा णो महई विहारभूमि णो महई वियारभूमि, णो सुलभे पीढफलगसेज्जासंथारए णो सुलभे फासुए अच्छे अहेसणिज्जे बहवे जत्थ समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा उवागया उवागमिस्संति य अच्चाइण्णा वित्ती णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसाए जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारं गामं वा णगरं वा जाव रायहाणिं वा णो वासावासं उवल्लिएज्जा

॥७२०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा गामं वा जाव रायहाणिं वा, इमंसि खलु गामंसि वा रायहाणिंसि वा महई विहारभूमी महई वियारभूमी सुलभे जत्थ पीढफलगसेज्जासंथारए सुलभे फासुए उंच्छे अहेसणिज्जे णो जत्थ बहवे-समण जाव उवागया उवागमिस्संति य अप्पाइण्णा वित्ती जाव रायहाणिं वा तओ संजयामेव वासावासं उवल्लिएज्जा ॥७२१॥ अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासावासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंचदसरायकप्पे परिवुसिए अंतरा से मग्गा बहुपाणा जाव संताणगा णो जत्थ बहवे समण जाव उवागया उवागमिस्संति य सेवं णच्चा णो गामाणुगामं दूइज्जेज्जा॥७२२॥अह पुण एवं जाणिज्जा चत्तारि मासा वासा वासाणं वीइक्कंता हेमंताण य पंच-दस-रायकप्पे परिवुसिए, अंतरा से मग्गा अप्पंडा जाव असंताणगा बहवे जत्थ समण जाव उवागमिस्संति य सेवं णच्चा तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥ ७२३ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे पुरओ जुगमायं पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पायं रीएज्जा साहट्टु पायं रीएज्जा उक्खिप्पपायं रीएज्जा तिरिच्छं वा कट्टु पायं रीएज्जा सइ परक्कमे संजयामेव परिक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदए वा मट्टिया वा अविद्धत्थे सइ परक्कमे जाव णो उज्जुयं गच्छेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२५ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विरूवरूवाणि पच्चंतिगाणि दस्सुगाययणाणि मिलक्खूणि अणायरियाणि दुस्सण्णप्पाणि दुप्पण्णवणिज्जाणि अकालपडिबोहीणि अकालपरिभोईणि सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्जा गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला "अयं तेणे अयं उवचरए अयं तओ आगए" त्ति कट्टु तं भिक्खुं अक्कोसेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा भिंदेज्ज वा अवहरिज्ज वा, परिट्ठविज्ज वा, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा पइण्णा जाव जं णो तहप्पगाराणि विरूवरूवाणि पच्चंतियाणि दस्सुगाययणाणि जाव विहारवत्तियाए णो पवज्जेज्जा गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२६ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से अरायाणि वा, गणरायाणि वा, जुवरायाणि वा, दोरज्जाणि वा, वेरज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, सइ लाढे विहाराए संथरमाणेहिं जणवएहिं णो विहारवत्ति-

थाए पवज्जेज्जगमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' ते णं बाला 'अयं तेणे' तं चेव जाव विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७२७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, एगाहेण वा, दुयाहेण वा, तियाहेण वा, चउयाहेण वा, पंचाहेण वा, पाउणिज्ज वा, णो पाउणिज्ज वा, तहप्पगारं विहं अणेगाहगमणिज्जं सइ लाढे जाव णो विहारवत्तियाए पवज्जेज्ज गमणाए, केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतरा से वासे सिया, पाणेसु वा, पणएसु वा, बीएसु वा, हरिएसु वा, उदएसु वा, मट्टियाएसु वा अविद्धत्थाए, अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा जाव जं तहप्पगारं अणेगाहगमणिज्जं जाव गमणाए, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥ ७२८ ॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से णावासंतारिमे उदए सिया, से जं पुण णावं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए किणेज्ज वा, पामिच्चेज्ज वा, णावाए वा णावं परिणामं कट्टु थलाओ वा णावं जलंसि ओगाहेज्जा, जलाओ वा णावं थलंसि उक्कसेज्जा, पुण्णं वा णावं उस्सिंचेज्जा, सण्णं वा णावं उप्पीलावेज्जा, तहप्पगारं णावं उड्ढगामिणिं वा, अहेगामिणिं वा, तिरियगामिणिं वा, परं जोयणमेराए अद्धजोयणमेराए अप्पतरो वा, भुज्जतरो वा, णो दुरुहेज्ज गमणाए ॥ ७२९ ॥ से भिक्खू वा २ पुव्वामेव तिरिच्छसंपातिमं णावं जाणिज्जा जाणित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमिज्जा, २ त्ता भंडगं पडिलेहिज्जा, पडिलेहित्ता एगओ भोयणभंडगं करेज्जा २ ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता सागारंभत्तं पच्चक्खाएज्जा पच्चक्खाइत्ता एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव णावं दुरुहेज्जा ॥७३०॥ से भिक्खू वा २ णावं दुरुहमाणे णो णावाए पुरओ दुरुहेज्जा, णो णावाए अग्गओ दुरुहेज्जा, णो णावाए मज्झओ दुरुहेज्जा, णो बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय अंगुलिए उवदंसिय २ ओणमिय २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा ॥७३१॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं उक्कसाहि वा वोक्कसाहि वा खिवाहि वा रज्जूए वा गहाय आकसाहि" णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा॥७३२॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! णो संचाएसि णावं उक्कसित्तए वा वोक्कसित्तए वा खिवित्तए वा रज्जुयाए वा गहाय आकसित्तए आहार एयं णावाए रज्जूयं सयं चेव णं वयं णावं उक्कसिस्सामो वा जाव रज्जूए वा गहाय आकसि-

स्सामो'' णो से तं परिण्णं परिजाणेज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३३॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावं आलित्तेण वा, पीढेण वा वंसेण वा वलएण वा अवलुएण वा वाहेहि णो से यं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३४॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं णावाए उदयं हत्थेण वा पाएण वा मत्तेण वा पडिग्गहेण वा णावा उस्सिचणेण वा उस्सिचाहि।" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३५॥ से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, आउसंतो समणा ! एयं तो तुमं णावाए उत्तिंगं हत्थेण वा पाएण वा बाहुणा वा उरुणा वा उदरेण वा सीसेण वा काएण वा णावा उस्सिचणेण वा चेलेण वा मट्टियाए वा कुसपत्तएण वा कुरुविंदेण वा पिहेहि।" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३६॥ से भिक्खू वा २ णावाए उत्तिंगेणं उदयं आसवमाणं पेहाए उवरुवरिं णावं कज्जलावेमाणिं पेहाए णो परं उवसंकमित्तु एवं बूया, "आउसंतो गाहावइ ! एयं ते णावाए उदयं उत्तिंगेणं आसवइ, उवरुवरिं वा णावा कज्जलावेइ" एयप्पगारं मणं वा वायं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से एगंतगएणं अप्पाणं विउसेज्ज समाहीए, तओ संजयामेव णावासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७३७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ७३८ ॥ **इरियाज्झयणे**

पढमोद्देसो समत्तो ॥

से णं परो णावागओ णावागयं वएज्जा, "आउसंतो समणा ! एयं ता तुमं छत्तगं वा जाव चम्मछेयणगं वा गिण्हाहि, एयाणि तुमं विरूवरूवाणि सत्थजायाणि धारेहि, एयं ता तुमं दारगं वा पज्जेहि।" णो से तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा ॥७३९॥ से णं परो णावागए णावागयं वएज्जा एसणं समणे णावाए भंडभारिए भवइ से णं बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह, एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से य चीवरधारी सिया खिप्पामेव चीवराणि उव्वेढिज्ज वा णिव्वेढिज्ज वा उप्फेसं वा करिज्जा ॥७४०॥ अह पुण एवं जाणिज्जा अभिक्कंत-कूरकम्मा खलु बाला बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा से पुव्वामेव वएज्जा 'आउसंतो गाहावई ! मा मेत्तो बाहाए गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिवह

सयं चेव णं अहं णावाओ उदगंसि ओगाहिस्सामि,' से णेवं वयंतं परो सहसा बलसा बाहाहिं गहाय णावाओ उदगंसि पक्खिविज्जा तं णो सुमणे सिया णो दुम्मणे सिया णो उच्चावयं मणं णियंछिज्जा, णो तेसिं बालाणं छायए वहाए समुट्ठिज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहिए तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जिज्जा ॥७४१॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे णो हत्थेण हत्थं पाएण पायं काएण कायं आसाएज्जा, से अणासायणाए अणासायमाणे तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥ ७४२ ॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे णो उम्मुग्गणिम्मुग्गियं करिज्जा, मामेयं उदगं कण्णेसु वा अच्छीसु वा णक्कंसि वा मुहंसि वा परियावज्जिज्जा, तओ संजयामेव उदगंसि पविज्जा ॥७४३॥ से भिक्खू वा २ उदगंसि पवमाणे दोब्बलियं पाउणिज्जा खिप्पामेव उवहिं विगिंचिज्ज वा विसोहिज्ज वा, णो चेव णं साइज्जिज्जा अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठिज्जा ॥७४४॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा कायं णो आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा संलिहिज्ज वा णिल्लिहिज्ज वा उव्वलिज्ज वा उव्वट्टिज्ज वा, आयाविज्ज वा पयाविज्ज वा, अह पु० विगओदओ मे काए छिण्णसिणेहे काए तह० कायं आम० जाव पयाविज्ज वा० तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७४५॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो परेहिं सद्धिं परिजविय परिजविय गामाणुगामं दूइज्जिज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७४६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जंघासंतारिमे उदए सिया से पुव्वामेव ससीसोवरियं कायं पाए य पमज्जेज्जा पमज्जित्ता जाव एगं पायं जले किच्चा एगं पायं थले किच्चा तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७४७॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो हत्थेण वा हत्थं पाएण वा पायं काएण वा कायं आसाएज्जा, से अणासायए अणासायमाणे तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा ॥७४८॥ से भिक्खू वा २ जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीयमाणे णो सायावडियाए णो परिदाहवडियाए महइमहालयंसि उदगंसि कायं विउसिज्जा, तओ संजयामेव जंघासंतारिमे उदए अहारियं रीएज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पारए सिया उदगाओ तीरं पाउणित्तए तओ संजयामेव उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएण उदगतीरे चिट्ठेज्जा ॥७४९॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा कायं ससि-

णिद्धं वा कायं णो आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा, अह पुण एवं जाणिज्जा विगओदए मे काए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं कायं आमज्जेज्ज वा जाव पयावेज्ज वा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५०॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो मट्टियामएहिं पाएहिं हरियाणि छिंदिय २ विकुज्जिय २ विफालिय २ उम्मग्गेणं हरियवहाए गच्छेज्जा "जहेयं पाएहिं मट्टियं खिप्पामेव हरियाणि अवहरंतु" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करेज्जा से पुव्वामेव अप्पहरियं मग्गं पडिलेहेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५१॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, तोरणाणि वा, अग्गलाणि वा, अग्गलपासगाणि वा, गड्डाओ वा, दरीओ वा, सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा, णो उज्जुयं गच्छेज्जा केवली बूया 'आयाणमेयं' से तत्थ परक्कममाणे पयलेज्ज वा पवडेज्ज वा ॥ ७५२ ॥ से तत्थ पयलमाणे वा, पवडेमाणे वा, रुक्खाणि वा, गुच्छाणि वा, गुम्माणि वा, लयाओ वा, वल्लीओ वा, तणाणि वा, गहणाणि वा, हरियाणि वा, अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, जे तत्थ पाडिपहिया उवागच्छंति, ते पाणी जाएज्जा, तओ संजयामेव अवलंबिय २ उत्तरेज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से जवसाणि वा, सगडाणि वा, रहाणि वा, सचक्काणि वा, परचक्काणि वा, से णं वा विरूवरूवं संणिविट्ठं पेहाए सइ परक्कमे संजयामेव परक्कमेज्जा णो उज्जुयं गच्छेज्जा ॥७५४॥ से णं परो सेणागओ वएज्जा, आउसंतो एस णं समणे सेणाए अभिणिवारियं करेइ, से णं बाहाए गहाय आगसह सेणं परो बाहाहिं गहाय आगसेज्जा, तं णो सुमणे सिया जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५५॥ से भिक्खू वा २ अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा तेणं पाडिवहिया एवं वएज्जा आउसंतो! समणा! केवइए एस गामे वा जाव रायहाणी वा ? केवइया एत्थ आसा हत्थी गामपिंडोलगा मणुस्सा परिवसंति ? से बहुभत्ते बहुउदए बहुजणे बहुजवसे ? से अप्पुदए अप्पभत्ते अप्पजणे अप्पजवसे ? एयप्पगाराणि पसिणाणि पुट्ठो णो आइक्खेज्जा, एयप्पगाराणि पसिणाणि णो पुच्छेज्जा ॥७५६॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणिए वा सामग्गियं ॥७५७॥ **इरियाज्झयणे बीओद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, पागाराणि वा, जाव दरीओ वा, कूडागाराणि वा, पासादाणि वा, णूमगिहाणि वा, रुक्खगिहाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, रुक्खं वा चेइयकडं, थूभं वा चेइयकडं आएसणाणि वा, जाव भवणगिहाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ अंगुलियाए उद्दिसिय २ ओ० २ उण्णमिय २ णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५८॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से कच्छाणि वा, दवियाणि वा, णूमाणि वा, वलयाणि वा, गहणाणि वा, गहण-विदुग्गाणि वा, वणाणि वा, वणविदुग्गाणि वा, पव्वयाणिवा पव्वयविदुग्गाणि वा, पव्वयगिहाणि वा, अगडाणि वा, तलागाणि वा, दहाणि वा, णईओ वा, वावीओ वा, पुक्खरणीओ वा, दीहियाओ वा, गुंजालियाओ वा, सराणि वा, सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, केवली बूया 'आयाण-मेयं जे तत्थ मिगा वा, पसू वा, पक्खी वा, सिरीसिवा वा, सीहा वा, जलचरा वा, थलचरा वा, खहचरा वा सत्ता, ते उत्तसेज्ज वा, वित्तसेज्ज वा, वाडं वा सरणं वा कंखेज्जा, "चारित्ति मे अयं समणे" अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं णो बाहाओ पगिज्झिय २ जाव णिज्झाएज्जा, तओ संजयामेव आय-रिय उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७५९॥ से भिक्खू वा २ आयरिय-उवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जमाणे, णो आयरियउवज्झायस्स हत्थेण वा हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव आयारियउवज्झाएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६०॥ से भिक्खू वा २ आयरियउवज्झाएहिं सद्धिं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया से एवं वएज्जा "आउसंतो ! समणा ! के तुब्भे ! कओ वा एह ! कहिं वा गच्छिहिह ? जे तत्थ आयरिए वा उवज्झाए वा से भासेज्ज वा, वियागरेज्ज वा, आयरियोवज्झायस्स भासमाणस्स वा वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं करेज्जा, तओ संजयामेव अहाराइणिए दूइ-ज्जेज्जा ॥७६१॥ से भिक्खू वा २ अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जमाणे णो राइणियस्स हत्थेण हत्थं जाव अणासायमाणे तओ संजयामेव अहाराइणियं गामाणुगामं दूइज्जिज्जा॥७६२॥से भिक्खू वा २ अहाराइणियं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा, आउसंतो ! समणा !

के तुब्भे ? कओ वा एह ? कहिं वा गच्छिहिह ? जे तत्थ सव्वराइणिए से भासेज्ज वा वागरेज्ज वा राइणियस्स भासमाणस्स वियागरेमाणस्स वा णो अंतराभासं भासेज्जा तओ संजयामेव अहाराइणियाए गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया आगच्छेज्जा, ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिवहे पासह तंजहा–मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा पसुं वा पक्खिं वा, सिरीसिवं वा, जलयरं वा से आइक्खह दंसेह" तं णो आइक्खेज्जा णो दंसेज्जा णो तेसिं तं परिण्णं परिजाणिज्जा, तुसिणीओ उवेहेज्जा, जाणं वा, णो जाणंति वएज्जा, तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७६४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया आगच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा "आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिवहे पासह उदगपसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा उदगं वा संणिहियं अगणिं वा संणिक्खित्तं, सेसं तं चेव से आइक्खह, जाव दूइज्जेज्जा ॥७६५॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया उवागच्छेज्जा ते णं पाडिवहिया एवं वएज्जा, आउसंतो समणा ! अवियाइं एत्तो पडिवहे पासह, जवसाणि वा, जाव से णं वा, विरूवरूवं संणिविट्ठं, से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥७६६॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया जाव "आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामे वा जाव रायहाणी वा से आइक्खह जाव दूइज्जिज्जा ॥७६७॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से पाडिवहिया जाव "आउसंतो समणा ! केवइए एत्तो गामस्स णगरस्स वा जाव रायहाणीए वा मग्गे, से आइक्खह तहेव जाव दूइज्जिज्जा ॥७६८॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से गोणं वियालं पडिपहे पेहाए जाव चित्तचिल्लडं वियालं पडिपहे पेहाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, णो मग्गाओ उम्मग्गं संकमिज्जा, णो गहणं वा वणं वा दुग्गं वा अणुपविसेज्जा, णो रुक्खंसि दुरुहेज्जा, णो महइमहालयंसि उदयंसि कायं विउसेज्जा, णो वाडं वा सरणं वा सेणं वा सत्थं वा कंखेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहिए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥७६९॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण

विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा उवगरणपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा, णो तेसिं भीओ उम्मग्गेण गच्छेज्जा, जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७७०॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा संपिंडिया गच्छेज्जा ते णं आमोसगा एवं वएज्जा, आउसंतो समणा! आहर एयं वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं देहि णिक्खिवाहि, तं णो देज्जा णो णिक्खिवेज्जा, णो वंदिय २ जाएज्जा, णो अंजलिं कट्टु जाएज्जा, णो कलुणवडियाए जाएज्जा, धम्मियाए जायणाए जाएज्जा, तुसिणीयभावेण वा उवेहिज्जा ते णं आमोसगा 'सयं करणिज्जं' त्ति कट्टु, अक्कोसंति वा जाव उवद्दवंति वा वत्थं वा पायं वा कंबलं वा पायपुंछणं अच्छिंदेज्ज वा, जाव परिट्ठवेज्ज वा, तं णं णो गामसंसारियं कुज्जा, णो रायसंसारियं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु बूया, आउसंतो गाहावई! एए खलु मे आमोसगा उवगरणपडियाए सयं करणिज्जं त्ति कट्टु अक्कोसंति वा जाव परिट्ठवेंति वा, एयप्पगारं मणं वा वयणं वा णो पुरओ कट्टु विहरेज्जा, अप्पुस्सुए जाव समाहीए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥७७१॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७७२॥ **तइओद्देसो समत्तो ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भासज्जायं णाम चउत्थं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ इमाइं वयायाराइं सोच्चा णिसम्म इमाइं अणायाराइं अणायरियपुव्वाइं जाणिज्जा, जे कोहा वा वायं विउंजंति माणा वा वायं विउंजंति मायाए वा वायं विउंजंति लोहा वा वायं विउंजंति, जाणओ वा फरुसं वयंति, अजाणओ वा फरुसं वयंति, सव्वमेयं सावज्जं वज्जेज्जा, विवेगमायाए ॥७७३॥ धुवं चेयं जाणिज्जा, अधुवं चेयं जाणिज्जा, असणं वा ४ लभिय णो लभिय, भुंजिय णो भुंजिय, अदुवा आगए णो आगए, अदुवा एइ णो एइ, अदुवा एहिइ णो एहिइ, एत्थवि आगए णो आगए, एत्थवि एइ णो एइ, एत्थवि एहिइ णो एहिइ ॥७७४॥ अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासेज्जा, तंजहा—एगवयणं, दुवयणं, बहुवयणं, इत्थिवयणं, पुरिसवयणं, णपुंसगवयणं, अज्झत्थवयणं, उवणीयवयणं, अवणीयवयणं, उवणीयावणीयवयणं, अवणियोवणीयवयणं, तीयवयणं,

पडुप्पण्णवयणं, अणागयवयणं, पच्चक्खवयणं, परोक्खवयणं ॥७७५॥ से एगवयणं वइस्सामीइ एगवयणं वएज्जा, जाव परोक्खवयणं वइस्सामीइ परोक्खवयणं वएज्जा, इत्थी वेस पुरिसो वेस, णपुंसगं वेस, एवं वा चेयं, अण्णं वा चेयं, अणुवीइ णिट्ठाभासी, समियाए संजए भासं भासिज्जा, इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥७७६॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चत्तारि भासज्जायाइं, तंजहा–सच्चमेगं पढमं भासज्जायं, बीयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, जं णेव सच्चं णेव मोसं णेव सच्चामोसं "असच्चामोसं" णाम तं चउत्थं भासज्जायं ॥७७७॥ से बेमि जे अईया जे य पडुप्पण्णा जे य अणागया अरहंता भगवंतो सव्वे ते एयाइं चेव चत्तारि भासाज्जायाइं भासिंसु वा भासंति वा भासिस्संति वा, पण्णविंसु वा, पण्णवेंति वा, पण्णविस्संति वा, सव्वाइं च णं एयाइं अचित्ताणि वण्णमंताणि गंधमंताणि रसमंताणि फासमंताणि चओवचइयाइं विपरिणामधम्माइं भवंतीति समक्खायाइं ॥७७८॥से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० पुव्विं भासा अभासा भासमाणा भासा भासा, भासासमयविइक्कंता च णं भासिया भासा अभासा ॥७७९॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा, जा य भासा मोसा, जा य भासा सच्चामोसा, जा य भासा असच्चामोसा, तहप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं कक्कसं कडुयं णिट्ठुरं फरुसं अण्हयकरिं छेयणभेयणकरिं परियावणकरिं उद्दवणकरिं भूओवघाइयं अभिकंख भासं णो भासेज्जा ॥७८०॥ से भिक्खू वा २ से जं पु० जाणि० जा य भासा सच्चा सुहुमा जा य भासा असच्चामोसा तहप्पगारं भासं असावज्जं अकिरियं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासं भासेज्जा, से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणं णो एवं वएज्जा, होले त्ति वा गोले त्ति वा वसुले त्ति वा कुपक्खे त्ति वा घडदासे त्ति वा साणे त्ति वा तेणे त्ति वा चारिए त्ति वा माई त्ति वा मुसावाई त्ति वा एयाइं तुमं ते जणगा वा एयप्पगारं भासं सावज्जं सकिरियं जाव अभिकंख णो भासेज्जा ॥७८१॥ से भिक्खू वा २ पुमं आमंतेमाणे आमंतिए वा अपडिसुणेमाणे एवं वएज्जा, अमुगे त्ति वा आउसोत्ति वा आउसंतारो त्ति वा सावगे त्ति वा उपासगेत्ति वा धम्मिएत्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभूओवघाइयं अभिकंख भासेज्जा ॥७८२॥ से भिक्खू वा २ इत्थिं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं णो एवं वएज्जा,

होली इ वा गोली इ वा इत्थीगमेणं णेयव्वं ॥७८३॥ से भिक्खू वा २ इत्थियं आमंतेमाणे आमंतिए य अपडिसुणेमाणीं एवं वएज्जा, आउसो त्ति वा भगिणि त्ति वा भगवइ त्ति वा साविगे त्ति वा उवासिए त्ति वा धम्मिए त्ति वा धम्मपियेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासेज्जा ॥७८४॥ से भिक्खू वा २ णो एवं वएज्जा, णभोदेवेत्ति वा गज्जदेवेत्ति वा विज्जुदेवे त्ति वा पवुट्ठदेवेत्ति वा णिवुट्ठदेवेत्ति वा पडउ वा वासं मा वा पडउ णिप्फज्जउ वा सस्सं मा वा णिप्फज्जउ विभाउ वा रयणी मा वा विभाउ उदेउ वा सूरिए मा वा उदेउ, सो वा राया जयउ मा वा जयउ, णो एयप्पगारं भासं भासिज्जा पण्णवं ॥७८५॥ से भिक्खू वा २ अंतलिक्खेत्ति वा गुज्झाणुचरिएत्ति वा संमुच्छिए वा णिवइए वा पओवएज्जा वा वुट्ठबलाहगेत्ति वा ॥ ७८६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥७८७॥ **भासाज्झयणस्स पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—गंडी गंडीइ वा, कुट्ठी कुट्ठीइ वा, जाव महुमेहुणीत्ति वा, हत्थछिण्णं हत्थछिण्णेत्ति वा, एवं पाद-णक्क-कण्ण-उट्ठच्छिण्णेत्ति वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं बुइया बुइया कुप्पंति माणवा, तेसयावि तहप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख णो भासेज्जा ॥ ७८८ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासिज्जा तहावि ताइं एवं वएज्जा तंजहा—ओयंसी ओयंसीइ वा, तेयंसी तेयंसीइ वा, वच्चंसी वच्चंसीइ वा, जसंसी जसंसीइ वा, अभिरूवं अभिरूवेइ वा पडिरूवं पडिरूवेइ वा, पासाइयं पासाइएइ वा दरिसणिज्जं दरिसणीएइ वा, जे यावण्णे तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं बुइया बुइया णो कुप्पंति माणवा, तेयावि तहप्पगारा एयप्पगाराहिं भासाहिं अभिकंख भासिज्जा। तहप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७८९ ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा, तहावि ताइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥ ७९० ॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं रूवाइं पासेज्जा, तंजहा—वप्पाणि वा जाव भवणगिहाणि वा तहावि ताइं एवं

वएज्जा, तंजहा—आरंभकडेइ वा सावज्जकडे इ वा पयत्तकडे इ वा पासाइयं पासाइएत्ति वा दरिसणीयं दरिसणीएत्ति वा अभिरूवं अभिरूवेत्ति वा पडिरूवं पडिरूवेत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९१ ॥ से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए तहाविहं तं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुकडे इ वा सुट्ठुकडे इ वा साहुकडे इ वा कल्लाणे इ वा करणिज्जे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा॥७९२॥से भिक्खू वा २ असणं वा ४ उवक्खडियं पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा —आरंभकडे त्ति वा सावज्जकडे त्ति वा पयत्तकडेत्ति वा भद्दयं भद्दए त्ति वा ऊसढं ऊसढे त्ति वा रसियं रसिए त्ति वा मणुण्णं मणुण्णे त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ७९३ ॥ से भिक्खू वा २ मणुस्सं वा गोणं वा महिसं वा मिगं वा पसुं वा पक्खिं वा सरिसिवं वा जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए णो एवं वएज्जा थूले इ वा पमेइले इ वा वट्टे इ वा वज्झे इ वा पाइमे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९४ ॥ से भिक्खू वा २ मणुस्सं जाव जलयरं वा से त्तं परिवूढकायं पेहाए एवं वएज्जा, परिवूढकाएत्ति वा, उवचियकाए त्ति वा थिरसंघयणेत्ति वा उवचियमंससोणिए त्ति वा बहुपडिपुण्णइंदिएत्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासिज्जा ॥ ७९५ ॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—गाओ दोज्झाओ त्ति वा दम्मेत्ति वा गोरहत्ति वा वाहिमत्ति वा रहजोग्गत्ति वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव अभिकंख णो भासिज्जा ॥ ७९६ ॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाओ गाओ पेहाए एवं वएज्जा.तंजहा—जुवंगवेत्ति वा धेणु त्ति वा रसवइ त्ति वा हस्से इ वा महल्लए इ वा महव्वए इ वा संवहणि त्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९७ ॥ से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाइं वणाणि वा रुक्खा महल्ला पेहाए णो एवं वएज्जा, तंजहा—पासायजोग्गा इ वा तोरणजोग्गाइ वा गिहजोग्गा इ वा फलिहजोग्गाइ वा अग्गल-णावा-उदगदोणि-पीढ-चंगबेर-णंगल-कुलिय-जंतलट्ठी-णाभि-गंडी-आसण-सयण-जाण-उवस्सय-जोग्गा इ वा, एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ७९८ ॥ से भिक्खू वा २ तहेव गंतुमुज्जाणाइं पव्वयाणि वणाणि य रुक्खा महल्ला पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—जाइमंता इ वा दीहवट्टा इ वा महालया

इ वा पयायसाला इ वा विडिमसाला इ वा पासाइया इ वा जाव पडिरूवा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव अभिकंख भासिज्जा ॥ ७९९ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूया वणफला पेहाए तहावि ते णो एवं वएज्जा तंजहा—पक्का इ वा पायक्खज्जाइ वा वेलोइयाइ वा टालाइ वा वेहिया इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासिज्जा ॥ ८०० ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयावणफला अंबा पेहाए एवं वएज्जा, तंजहा—असंथडा इ वा बहुणिवट्टिमफला इ वा बहुसंभूया इ वा भूयरूवित्ति वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥ ८०१ ॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि ताओ णो एवं वएज्जा, तंजहा—पक्का इ वा णीलिया इ वा छवीइ वा लाइमा इ वा भज्जिमा इ वा बहुखज्जा इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा ॥८०२॥ से भिक्खू वा २ बहुसंभूयाओ ओसहीओ पेहाए तहावि एवं वएज्जा,तंजहा—रूढा इ वा बहुसंभूया इ वा थिरा इ वा ऊसढा इ वा गब्भिया इ वा पसूया इ वा ससारा इ वा एयप्पगारं भासं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०३॥ से भिक्खू वा २ जहा वेगइयाइं सद्दाइं सुणेज्जा, तहावि एयाइं णो एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दे इ वा दुसद्दे इ वा एयप्पगारं भासं सावज्जं जाव णो भासेज्जा, तहावि ताइं एवं वएज्जा, तंजहा—सुसद्दं सुसद्दे त्ति वा दुसद्दं दुसद्दे त्ति वा एयप्पगारं असावज्जं जाव भासेज्जा ॥८०४॥ एवं रूवाइं कण्हे त्ति वा ५ गंधाइं सुब्भिगंधे त्ति वा २ रसाइं तित्ताणि वा ५ फासाइं कक्खडाणि वा ८ ॥ ८०५ ॥ से भिक्खू वा २ वंता कोहं च माणं च मायं च लोहं च अणुवीइ णिट्ठाभासी णिसम्म भासी अतुरियभासी विवेगभासी समियाए संजए भासं भासेज्जा ॥ ८०६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स वा भिक्खुणीए वा सामग्गियं ॥ ८०७ ॥ **बीओद्देसो समत्तो । चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ वत्थेसणा णाम पंचमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं एसित्तए, से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, तंजहा—जंगियं-भंगियं-साणयं-पोत्तयं-खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं ॥८०८॥ जे णिग्गंथे तरुणे जुगवं बलवं अप्पायंके थिरसंघयणे से एगं वत्थं धारेज्जा

णो बिइयं, जा णिग्गंथी सा चत्तारि संघाडीओ धारेज्जा, एगं दुहत्थवित्थारं, दो तिहत्थवित्थाराओ, एगं चउहत्थवित्थारं, एएहिं वत्थेहिं असंधिज्जमाणेहिं अह पच्छा एगमेगं संसीविज्जा ॥८०९॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए वत्थ-पडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥८१०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अस्सिं पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाई जहा पिंडेसणाए ॥८११॥ एवं बहवे साहम्मिया, एगं साहम्मिणिं, बहवे साहम्मिणीओ, बहवे समणमाहणा, तहेव पुरिसंतरकडं जहा पिंडेसणाए ॥ ८१२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, असंजए भिक्खुपडियाए कीयं वा धोयं वा रत्तं वा घट्ठं वा मट्ठं वा संसट्ठं वा संपधूमियं वा तहप्पगारं वत्थं अपुरिसंतरकडं जाव णो पडिगाहेज्जा, अह पुण एवं जाणिज्जा पुरिसंतरकडं जाव पडिगाहेज्जा ॥ ८१३ ॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण वत्थाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणमोल्लाइं तंजहा—आइणगाणि वा, सहिणाणि वा, सहिणकल्लाणाणि वा, आयाणि वा, कायकाणि वा, खोमियाणि वा, दुगुल्लाणि वा, पट्टाणि वा, मलयाणि वा, पत्तुण्णाणि वा, अंसुयाणि वा, चिणंसुयाणि वा, देसरागाणि वा, अमिलाणि वा, गज्जलाणि वा, फालियाणि वा, कयहाणि वा, कंबलगाणि वा, पावरणाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं वत्थाइं महद्धणमोल्लाइं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥८१४॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण आईणपाउरणाणि वत्थाणि जाणिज्जा, तंजहा—उद्दाणि वा पेसाणि वा, पेसलाणि वा किण्हमिगाईणगाणि वा णीलमिगाईणगाणि वा गोरमिगाईणगाणि वा कणगाणि वा कणगकंताणि वा कणगपट्टाणि वा कणगखइयाणि वा कणगफुसियाणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा आभरणाणि वा आभरणविचित्ताणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि आईणपाउरणाणि वत्थाणि लाभे संते णो पडिगाहिज्जा ॥ ८१५ ॥ इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू जाणिज्जा, चउहिं पडिमाहिं वत्थं एसित्तए ॥ ८१६ ॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—जंगियं वा भंगियं वा साणयं वा पोत्तयं वा खोमियं वा तूलकडं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा णं देज्जा, फासुयं एसणीयं लाभे संते पडिगाहिज्जा, पढमा पडिमा ॥ ८१७ ॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ पेहाए २ वत्थं जाएज्जा, तंजहा—गाहावई

वा जाव कम्मकरी वा, से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो इ वा भगिणि इ वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं वत्थं ? तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा, जाव फासुयं 'एसणीयं' लाभे संते पडिगाहिज्जा । दोच्चा पडिमा ॥८१८॥ अहावरा तच्चा पडिमा--से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा तंजहा--- अंतरिज्जगं वा उत्तरिज्जगं वा तहप्पगारं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा जाव पडिगाहिज्जा । तच्चा पडिमा ॥ ८१९ ॥ अहावरा चउत्था पडिमा--से भिक्खू वा २ उज्झियधम्मियं वत्थं जाएज्जा, जं च८ण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं उज्झियधम्मियं वत्थं सयं वा णं जाएज्जा परो वा से देज्जा फासुयं जाव पडिगाहेज्जा । चउत्था पडिमा ॥ ८२० ॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अहा पिंडेसणाए ॥८२१॥ सिया णं एयाए एसणाए एसमाणं परो वएज्जा आउसंतो समणा ! एज्जाहि तुमं मासेण वा दसराएण वा पंचराएण वा सुए वा सुयतरे वा तो ते वयं आउसो ! अण्णयरं वत्थं दाहामो ।" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो इ वा भइणि इ वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगार-वयणे पडिसुणेत्तए अभिकंखसि मे दाउं ? इयाणिमेव दलयाहि, से णेवं वयंतं परो वएज्जा आउसंतो समणा ! अणुगच्छाहि तो ते वयं अण्णयरं वत्थं दाहामो से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे संगारवयणे पडिसुणेत्तए, अभिकंखसि मे दाउं ? इयाणिमेव दलयाहि ।" से सेवं वयंतं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं समणस्स दाहामो अवियाइं वयं पच्छावि अप्पणो सयट्ठाए पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारब्भ समुद्दिस्स जाव चेइस्सामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥८२२॥ सिया णं परो णेया वएज्जा "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं वत्थं सिणाणेण वा ४ जाव आघंसित्ता वा पघंसित्ता वा समणस्स णं दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा मा एयं तुमं वत्थं सिणाणेण वा जाव पघंसाहि वा अभिकंखसि मे दाउं ? एमेव दलयाहि" से सेवं वयंतस्स परो सिणाणेण वा जाव पघंसित्ता वा दलएज्जा, तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥८२३॥ से णं परो णेया वएज्जा, "आउसो त्ति

वा भइणि त्ति वा आहर एयं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेत्ता वा पहोलेत्ता वा समणस्स णं दाहामो एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो इ वा भइणि इ वा मा एयं तुमं वत्थं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेहि वा पहोलेहि वा अभिकंखसि सेसं तहेव जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८२४ ॥ से णं परो णेया वएज्जा "आउसो इ वा भइणि इ वा आहरेयं वत्थं कंदाणि वा जाव हरियाणि वा विसोहित्ता समणस्स णं दाहामो" एयप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जाव "भइणि इ वा मा एयाणि तुमं कंदाणि वा जाव विसोहेहि णो खलु मे कप्पइ एयप्पगारे वत्थे पडिग्गाहित्तए" से सेवं वयंतस्स परो कंदाणि वा जाव हरियाणि वा विसोहित्ता दलएज्जा तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८२५॥ सिया से परो णेया वत्थं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा "आउसो इ वा भइणि इ वा तुमं चेव णं संतियं वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जिस्सामि" केवली बूया आयाणमेयं वत्थंतेण उबद्धे सिया कुंडले वा गुणे वा हिरण्णे वा सुवण्णे वा मणी वा जाव रयणावली वा पाणे वा बीए वा हरिए वा अह भिक्खूणं पुव्वोवदिट्ठा जाव जं पुव्वामेव वत्थं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥ ८२६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा सअंडं जाव संताणगं तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥ ८२७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अणलं अथिरं अधुवं अधारणिज्जं रोइज्जंतं ण रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८२८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण वत्थं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव संताणगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं रोइज्जंतं रुच्चइ तहप्पगारं वत्थं फासुयं जाव पडिग्गाहेज्जा। से भिक्खू वा २ णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा जाव पघंसेज्जा ॥ ८२९ ॥ से भिक्खू वा २ णो णवए मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सीओदगवियडेण वा जाव पहोएज्जा ॥८३० ॥ से भिक्खू वा २ दुब्भिगंधे मे वत्थे त्ति कट्टु णो बहुदेसिएण सिणाणेण वा तहेव सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा आलावओ ॥ ८३१ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं णो अणंतरहियाए पुढवीए णो ससिणद्धाए पुढवीए जाव संताणए आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३२ ॥ से भिक्खू

वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए वा पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं थूणंसि वा गिहेलुगंसि वा उसुयालंसि वा कामजलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३३ ॥ से भिक्खू वा अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारं वत्थं कुलियंसि वा भित्तिंसि वा सिलंसि वा लेलुंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३४ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा वत्थं आयावेत्तए पयावेत्तए वा तहप्पगारे वत्थे खंधंसि वा मंचंसि-मालंसि-पासायंसि-हम्मियतलंसि वा अण्णयरे वा तहप्पगारे अंतलिक्खजाए जाव णो आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३५ ॥ से तमायाय एगंतमवक्कमेज्जा २ अहे झामथंडिलंसि वा जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव वत्थं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा ॥ ८३६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं सया जइज्जासि त्ति बेमि ॥ ८३७ ॥

वत्थेसणाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा भिक्खुणी वा, अहेसणिज्जाइं वत्थाइं जाएज्जा, अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं धारेज्जा, णो धोएज्जा, णो रएज्जा, णो धोयरत्ताइं वत्थाइं धारेज्जा अपलिउंचमाणे गामंतरेसु ओमचेलिए, एयं खलु वत्थधारिस्स सामग्गियं ॥ ८३८ ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइ कुलं पिंडवायपडियाए पविसिउकामे सव्वं चीवरमायाए गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा, एवं बहिया वियारभूमिं विहारभूमिं वा गामाणुगामं वा दूइज्जेज्जा । अह पुण एवं जाणिज्जा तिव्वदेसियं वा वासं वासमाणं पेहाए जहा पिंडेसणाए णवरं सव्वं चीवरमायाए ॥ ८३९ ॥ से भिक्खू वा २ एगइओ मुहुत्तगं २ पाडिहारियं बीयं वत्थं जाएज्जा, जाव एगाहेण वा दुयाहेण वा तिया-चउ-पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छेज्जा, तहप्पगारं वत्थं णो अप्पणा गिण्हेज्जा, णो अण्णमण्णस्स देज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा, णो वत्थेण वत्थपरिणामं करेज्जा, णो परं उवसंकमित्ता एवं वएज्जा "आउसंतो समणा! अभिकंखसि वत्थं धारेत्तए परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिंदिय २ परिट्ठवेज्जा, तहप्पगारं ससंधियं वत्थं तस्स चेव णिसिरेज्जा, णो अत्ताणं साइज्जेज्जा ॥ ८४० ॥ से एगइओ तहप्पगारं णिग्घोसं सोच्चा णिसम्म जे भयंतारो तहप्पगाराणि

वत्थाणि ससंधियाणि मुहुत्तगं २ जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय विप्पवसिय उवागच्छंति, तहप्पगाराणि वत्थाणि णो अप्पणा गिण्हंति णो अण्णमण्णस्स दलयंति अणुवयंति, तं चेव जाव णो साइज्जंति बहुवयणेण भासियव्वं॥८४१॥से हंता "अहमवि मुहुत्तं पाडिहारियं वत्थं जाइत्ता जाव एगाहेण वा जाव पंचाहेण वा विप्पवसिय २ उवागच्छिस्सामि, अवियाइं एयं ममेव सिया" माइट्ठाणं संफासे णो एवं करिज्जा ॥८४२॥ से भिक्खू वा २ णो वण्णमंताइं वत्थाइं विवण्णाइं करेज्जा, णो विवण्णाइं वत्थाइं वण्णमंताइं करेज्जा, "अण्णं वा वत्थं लभिस्सामि त्ति" कट्टु णो अण्णमण्णस्स दिज्जा, णो पामिच्चं कुज्जा णो वत्थेण वत्थपरिणामं कुज्जा, णो परं उवसंकमित्तु एवं वएज्जा, "आउसंतो समणा! अभिकंखसि मे वत्थं धारित्तए वा परिहरित्तए वा" थिरं वा णं संतं णो पलिच्छिदिय २ परिट्ठविज्जा, जहा मेयं वत्थं पावगं परो मण्णइ, परं च णं अदत्तहारिं पडिपहे पेहाए तस्स वत्थस्स णिदाणाए णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा जाव अप्पुस्सुए तओ संजयामेव गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८४३॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से विहं सिया से जं पुण विहं जाणिज्जा, इमंसि खलु विहंसि बहवे आमोसगा वत्थपडियाए संपिंडिया गच्छेज्जा णो तेसिं भीओ उम्मग्गेणं गच्छेज्जा, जाव गामाणुगामं दूइज्जेज्जा ॥८४४॥ से भिक्खू वा २ गामाणुगामं दूइज्जमाणे अंतरा से आमोसगा पडियागच्छेज्जा, ते णं आमोसगा एवं वएज्जा "आउसंतो समणा! आहरेयं वत्थं देहि णिक्खिवाहि" जहा इरियाए णाणत्तं वत्थपडियाए॥८४५॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासित्ति बेमि ॥८४६॥

बीओद्देसो समत्तो । पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥

॥ पाएसणा णाम छट्ठं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखिज्जा पायं एसित्तए, से जं पुण पायं जाणिज्जा तंजहा अलाउयपायं वा दारुपायं मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं जे णिग्गंथे तरुणे जाव थिरसंघयणे से एगं पायं धारेज्जा णो बीयं ॥८४७॥ से भिक्खू वा २ परं अद्धजोयणमेराए पायपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥८४८॥से भिक्खू वा २ से जं पुण पायं जाणिज्जा अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं ४ जहा पिंडेसणाए चत्तारि आलावगा, पंचमे बहवे समणमाहणा पगणिय २ तहेव ॥८४९॥

से भिक्खू वा २ असंजए भिक्खुपडियाए बहवे समणमाहणा वत्थेसणाऽऽलावओ ॥८५०॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा विरूवरूवाइं महद्धण-मुल्लाइं तंजहा अयपायाणि वा तउ० तंबपायाणि वा सीसग-हिरण्ण-सुवण्ण-रीरिअ-हारपुड-पायाणि वा मणि-काय-कंस-संख-सिंग-दंत-चेल-सेल-पायाणि वा चम्म-पायाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महद्धणमुल्लाइं पायाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८५१॥ से भिक्खू वा २ से जाइं पुण पायाइं जाणिज्जा, विरूवरूवाइं महद्धणबंधणाइं तं० अयबंधणाणि वा जाव चम्मबंधणाणि वा अण्ण-यराइं तहप्पगाराइं महद्धणबंधाइं अफासुयाइं जाव णो पडिग्गाहेज्जा, इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥८५२॥ अह भिक्खू जाणिज्जा चउहिं पडिमाहिं पायं एसित्तए, तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा—से भिक्खू वा २ उद्दिसिय २ पायं जाएज्जा, तंजहा अलाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, जाव पडिगाहिज्जा । पढमा पडिमा ॥८५३॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ पेहाए पायं जाएज्जा, तंजहा—गाहावइं वा जाव कम्मकरिं वा से पुव्वामेव आलोएज्जा, "आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा दाहिसि मे एत्तो अण्णयरं पायं, तंजहा लाउयपायं वा" जाव तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाएज्जा, परो वा से देज्जा जाव पडिगाहेज्जा । दोच्चा पडिमा ॥८५४॥ अहावरा तच्चा पडिमा—से भिक्खू वा २ से जं पुण वा जाणिज्जा, संगइयं वा वेजइयंतियं वा तहप्पगारं पायं सयं वा जाव पडिगाहिज्जा । तच्चा पडिमा ॥८५५॥ अहावरा चउत्था पडिमा—से भिक्खू वा २ उज्झियधम्मियं पायं जाएज्जा, जं चऽण्णे बहवे समणमाहणा जाव वणीमगा णावकंखंति, तहप्पगारं पायं सयं वा णं जाव पडिगाहिज्जा । चउत्था पडिमा ॥८५६॥ इच्चेयाणं चउण्हं पडिमाणं अण्णयरं पडिमं, जहा पिंडेसणाए ॥ ८५७ ॥ से णं एयाए एसणाए एसमाणं पासित्ता परो वएज्जा, "आउसंतो समणा ! एज्जासि तुमं मासेण वा जाव" जहा वत्थेसणाए ॥८५८॥ से णं परो णेया वएज्जा, आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा आहरेयं पायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा अब्भंगेत्ता वा तहेव सिणाणाइ तहेव सीओदगाइंकंदाइं तहेव ॥८५९॥ से णं परो णेया वएज्जा "आउसंतो समणा ! मुहुत्तगं २ अच्छाहि जाव ताव अम्हे असणं वा ४ उवकरेंसु

उवक्खडेसु वा, तो ते वयं आउसो ! सपाणं सभोयणं पडिग्गहगं दाहामो, तुच्छए पडिग्गहए दिण्णे समणस्स णो सुट्ठु साहु भवइ" से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा, णो खलु मे कप्पइ आहाकम्मिए असणे वा पाणे वा खाइमे वा साइमे वा भोत्तए वा पायए वा मा उवकरेहि मा उवक्खडेहि, अभिकंखसि मे दाउं एमेव दलयाहि से सेवं वयंतस्स परो असणं वा जाव उवकरित्ता उवक्खडित्ता, सपाणगं सभोयणं पडिग्गहगं दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं अफासुयं जाव णो पडिगाहेज्जा ॥८६०॥ सिया से परो उवणेत्ता पडिग्गहं णिसिरेज्जा से पुव्वामेव आलोएज्जा आउसो त्ति वा भइणि त्ति वा तुमं चेव णं संतियं पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिस्सामि ॥८६१॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहंसि पाणाणि वा बीयाणि वा हरियाणि वा अह भिक्खूणं एस पइण्णा जाव जं पुव्वामेव पडिग्गहगं अंतोअंतेणं पडिलेहिज्जा ॥८६२॥ सअंडाइ सव्वे आलावगा भाणियव्वा जहा वत्थेसणाए, णाणत्तं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा सिणाणाइ जाव अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव आमज्जिज्जा ॥८६३॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिएहिं सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥८६४॥ **पत्तेसणाज्झयणे**

पढमोद्देसो समत्तो ॥

से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे समाणे, पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहगं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवाय पडियाए णिक्खमेज्ज वा पविसेज्ज वा ॥८६५॥ केवली बूया 'आयाणमेयं' अंतो पडिग्गहगंसि पाणे वा बीए वा हरिए वा परियावज्जेज्जा अह भिक्खूणं पुव्वोवइट्ठा एस पइण्णा जाव जं पुव्वामेव पेहाए पडिग्गहं अवहट्टु पाणे पमज्जिय रयं तओ संजयामेव गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविसेज्ज वा णिक्खमेज्ज वा ॥८६६॥ से भिक्खू वा २ गाहावइ० जाव० समाणे सिया से परो आहट्टु अंतो पडिग्गहगंसि सीओदगं परिभाएत्ता णीहट्टु दलएज्जा तहप्पगारं पडिग्गहं परहत्थंसि वा परपायंसि वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहेज्जा ॥८६७॥ से य आहच्च पडिग्गाहिए सिया से खिप्पामेव उदगंसि साहरिज्जा, से पडिग्गहमायाए पाणं परिट्ठवेज्जा, ससणिद्धाए च णं भूमिए णियमिज्जा ॥८६८॥ से भिक्खू वा २ उदउल्लं वा ससिणिद्धं वा

पडिग्गहं णो आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥८६९॥ अह पुण एवं जाणिज्जा विगओदए मे पडिग्गहए छिण्णसिणेहे तहप्पगारं पडिग्गहं तओ संजयामेव आमज्जिज्ज वा जाव पयाविज्ज वा ॥ ८७० ॥ से भिक्खू वा २ गाहावइकुलं जाव पविसिउकामे से पडिग्गहमायाए गाहा० पिंडवायपडियाए पविसिज्ज वा णिक्खमिज्ज वा एवं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा गामाणुगामं दूइज्जिज्जा ॥८७१॥ तिव्वदेसियाए जहा विइयाए वत्थेसणाए णवरं एत्थ पडिग्गहे ॥८७२॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स भिक्खुणीए वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं समिए सहिए सया जएज्जासि त्ति बेमि ॥८७३॥ **बीओद्देसो समत्तो। छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ ओग्गह-पडिमा णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

समणे भविस्सामि अणगारे अकिंचणे अपुत्ते अपसू परदत्तभोई पावं कम्मं णो करिस्सामि त्ति समुट्ठाए सव्वं भंते ! अदिण्णादाणं पच्चक्खामि ॥ ८७४ ॥ से अणुपविसित्ता गामं वा जाव० णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हावेज्जा, णेवण्णेणं अदिण्णं गिण्हंतं समणुजाणेज्जा । जेहिंवि सद्धिं संपव्वइए तेसिं पि जाइ छत्तगं वा मत्तगं वा दंडगं वा जाव चम्मछेयणगं वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं अणुण्णविय अपडिलेहिय २ अपमज्जिय २ णो गिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा तेसिं पुव्वामेव उग्गहं जाइज्जा अणुण्णविय पडिलेहिय २ पमज्जिय २ तओ संजयामेव उगिण्हिज्ज वा पगिण्हिज्ज वा ॥ ८७५ ॥ से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए ते उग्गहं अणुण्णवेज्जा कामं खलु आउसो ! अहालंदं अहापरिण्णायं वासामो आउसो जाव आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मिया एइ ताव उग्गहं उगिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८७६ ॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि ? जे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवागच्छेज्जा, जे तेण सयमेसित्तए असणं वा ४ तेण ते साहम्मिया संभोइया समणुण्णा उवणिमंतेज्जा, णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७७ ॥ से आगंतारेसु वा ४-जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ साहम्मिया अण्णसंभोइया समणुण्णा उवा-

गच्छेज्जा जे तेणं सयमेसित्तए पीढे वा फलए वा सेज्जा वा संथारए वा, तेण ते साहम्मिए अण्णसंभोइए समणुण्णे उवणिमंतेज्जा णो चेव णं परवडियाए उगिज्झिय २ उवणिमंतेज्जा ॥ ८७८ ॥ से आगंतारेसु वा ४ जाव से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सूई वा पिप्पलए वा कण्णसोहणए वा णहच्छेयणए वा तं अप्पणो एगस्स अट्ठाए पाडिहारियं जाइत्ता णो अण्णमण्णस्स देज्ज वा अणुपएज्ज वा सयं करणिज्जं त्ति कट्टु से तमायाए तत्थ गच्छेज्जा गच्छित्ता पुव्वामेव उत्ताणए हत्थे कट्टु भूमीए वा ठवेत्ता 'इमं खलु इमं खलु' त्ति आलोएज्जा, णो चेव णं सयं पाणिणा परपाणिंसि पच्चप्पिणेज्जा ॥ ८७९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा अणंतरहियाए पुढवीए ससणिद्धाए पुढवीए जाव संताणाए तहप्पगारं उग्गहं णो उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा थूणंसि वा ४ तहप्पगारे अंतलिक्खजाए दुब्बद्धे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा पगिण्हेज्ज वा ॥ ८८१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा कुलियंसि वा जाव णो उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८२॥ से भिक्खू वा २ खंधंसि वा ४ अण्णयरे वा तहप्पगारे जाव णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा ससागारियं सागणियं सउदयं सइत्थि सखुड्डं सपसुं सभत्तपाणं णो पण्णस्स णिक्खमणपवेसे जाव धम्माणुओगचिंताए सेवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए ससागारिए जाव सखुड्डु-पसु-भत्तपाणे णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८४ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गंतुं पंथे पडिबद्धं वा णो पण्णस्स जाव चिंताए से एवं णच्चा तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥ ८८५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा जाव कम्मकरीओ वा अण्णमण्णं अक्कोसंति वा तहेव तेल्ल-सिणाण-सीओदगवियडादि णिगिणाइ य जहा सिज्जाए आलावगा णवरं उग्गहवत्तव्वया ॥८८६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण उग्गहं जाणिज्जा आइण्णसंलिक्खे णो पण्णस्स जाव चिंताए, तहप्पगारे उवस्सए णो उग्गहं उगिण्हेज्ज वा २ ॥८८७॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥८८८॥ **उग्गहपडिमाज्झयणे पढमोद्देसो समत्तो ॥**

से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा, जे तत्थ ईसरे समहिट्ठाए

ते उग्गहं अणुण्णविज्जा कामं खलु आउसो! अहालंदं अहा परिण्णायं वसामो जाव आउसो! आउसंतस्स उग्गहे जाव साहम्मियाए ताव उग्गहं उग्गिण्हिस्सामो तेण परं विहरिस्सामो ॥ ८८९ ॥ से किं पुण तत्थ उग्गहंसि एवोग्गहियंसि जे तत्थ समणाण वा माहणाण वा दंडए वा छत्तए वा जाव चम्मछेदणए वा तं णो अंतोहिंतो बाहिं णीणेज्जा, बहियाओ वा णो अंतो पवेसेज्जा, णो सुत्तं वा णं पडिबोहेज्जा, णो तेसिं किंचिवि अप्पत्तियं पडिणीयं करेज्जा ॥ ८९० ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जे तत्थ समहिट्ठाए से उग्गहं अणुजाणावेज्जा, कामं खलु जाव विहरिस्सामो ॥८९१॥ से किं पुण तत्थोग्गहंसि एवोग्गहियंसि अह भिक्खू इच्छेज्जा अंबं भोत्तए वा से जं पुण अंबं जाणिज्जा सअंडं जाव ससंताणं तहप्पगारं अंबं अफासुयं जाव णो पडिगाहिज्जा ॥८९२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा, अप्पंडं जाव अप्पसंताणगं अतिरिच्छछिण्णं अवोच्छिण्णं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥८९३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अंबं जाणिज्जा अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छच्छिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥८९४॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा अंबभित्तगं वा अंबपेसियं वा अंबचोयगं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा भोत्तए वा पायए वा से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव अंबडालगं वा सअंडं जाव संताणगं अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा, अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं अतिरिच्छच्छिण्णं वा अवोच्छिण्णं वा अफासुयं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण जाणिज्जा अंबभित्तगं वा जाव, अप्पंडं जाव संताणगं तिरिच्छछिण्णं वोच्छिण्णं फासुयं जाव पडिग्गाहिज्जा ॥ ८९७ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा उच्छुवणं उवागच्छित्तए जे तत्थ ईसरे जाव एव उग्गहंसि० ॥ ८९८ ॥ अह भिक्खू इच्छेज्जा उच्छुं भोत्तए वा पायए वा से जं उच्छुं जाणिज्जा, सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा। अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव, तिरिच्छच्छिण्णे वि तहेव ॥ ८९९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण अभिकंखेज्जा अंतरुच्छुयं उच्छुगंडियं वा उच्छुचोयगं वा उच्छुसालगं वा उच्छुडालगं वा भोत्तए वा पायए वा ॥९००॥ से जं पुण जाणिज्जा, अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा सअंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा ॥ ९०१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण

जाणिज्जा अंतरुच्छुयं वा जाव डालगं वा अप्पंडं जाव णो पडिग्गाहिज्जा, अतिरिच्छच्छिण्णं तहेव ॥९०२॥ तिरिच्छच्छिणं तहेव पडिग्गाहिज्जा ॥९०३॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ल्हसुणवणं उवागच्छित्तए, तहेव तिण्णि वि आलावगा णवरं ल्हसुण ॥९०४॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ल्हसुणं वा, ल्हसुण-कंदं वा, ल्हसुण-चोयगं वा, ल्हसुण-णालगं वा भोत्तए वा, पायए वा। सेज्जं पुण जाणेज्जा—ल्हसुण वा जाव ल्हसुण बीयं वा सअंडं जाव णो पडिगाहेज्जा। एवं अतिरिच्छच्छिण्णे वि तिरिच्छच्छिण्णे जाव पडिगाहेज्जा ॥९०५॥ से भिक्खू वा २ आगंतारेसु वा ४ जाव उग्गहियंसि जे तत्थ, गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म ॥९०६॥ अह भिक्खू जाणिज्जा इमाहिं सत्तहिं पडिमाहिं उग्गहं उगिण्हित्तए ॥९०७॥ तत्थ खलु इमा पढमा पडिमा— से आगंतारेसु वा ४ अणुवीइ उग्गहं जाएज्जा जाव० विहरिस्सामो। पढमा पडिमा ॥९०८॥ अहावरा दोच्चा पडिमा—जस्स णं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं भिक्खूणं उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि। दो० प० ॥९०९॥ अहा० तच्चा पडिमा—जस्सणं भिक्खुस्स एयं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए णो उवल्लिस्सामि।" त० प० ॥९१०॥ अहा० चउत्था पडिमा—जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ "अहं च खलु अण्णेसिं भिक्खूणं अट्ठाए उग्गहं णो उगिण्हिस्सामि अण्णेसिं च उग्गहे उग्गहिए उवल्लिस्सामि।" च० प० ॥९११॥ अहा० पंचमा पडिमा—जस्सणं भिक्खुस्स एवं भवइ, "अहं च खलु अप्पणो अट्ठाए उग्गहं उगिण्हिस्सामि, णो दोण्हं, णो तिण्हं, णो चउण्हं णो पंचण्हं।" पं० प० ॥९१२॥ अहा० छट्ठा पडिमा—से भिक्खू वा २ जस्सेव उग्गहे उवल्लिएज्जा, जे तत्थ अहा समण्णागए, तंजहा—इक्कडे वा जाव पलाले वा तस्स लाभे संवसेज्जा, तस्स अलाभे उक्कुडुए वा णेसज्जिए वा विहरेज्जा। छ० प० ॥९१३॥ अहा० सत्तमा पडिमा—से भिक्खू वा २ अहासंथडमेव उग्गहं जाएज्जा, तंजहा—पुढविसिलं वा, कट्ठसिलं वा अहासंथडमेव तस्स लाभे संवसेज्जा तस्स अलाभे उक्कुडुओ वा णेसज्जिओ वा विहरेज्जा। सत्तमा प० ॥९१४॥ इच्चेयासिं सत्तण्हं पडिमाणं अण्णयरं, जहा पिंडेसणाए ॥९१५॥ सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं इह खलु थेरेहिं

भगवंतेहिं पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा—देविंदोग्गहे, रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे ॥ ९१६ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं ॥ ९१७ ॥ **बीओद्देसो समत्तो । सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ ठाण-सत्तिक्कयं णाम अट्ठमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा ठाणं ठाइत्तए से अणुपविसिज्जा, गामं वा णगरं वा, जाव सण्णिवेसं वा, से अणुपविसित्ता, गामं वा जाव सण्णिवेसं वा, से जं पुण ठाणं जाणिज्जा, सअंडं जाव मक्कडासंताणयं तं तहप्पगारं ठाणं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो पडिगाहिज्जा,' एवं सेज्जागमेण णेयव्वं जाव उदयपसूयाइं ति॥९१८॥इच्चेयाइं आययणाइं उवाइकम्म अह भिक्खू इच्छेज्जा, चउहिं पडिमाहिं ठाणं ठाइत्तए ॥९१९॥ तत्थिमा पढमा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । प० प० ॥९२०॥ अहा० दोच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा अवलंबेज्जा काएण विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । दो० प० ॥ ९२१ ॥ अहा० तच्चा पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा णो अवलंबेज्जा णो काएण, विपरिकम्माइं णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति । त० प० ॥९२२॥ अहा० चउत्था पडिमा—अचित्तं खलु उवसज्जेज्जा, णो अवलंबेज्जा णो काएण, णो विपरिकम्माइ णो सवियारं ठाणं ठाइस्सामि त्ति वोसट्ठकाए वोसट्ठकेसमंसुलोमणहे संणिरुद्धं वा ठाणं ठाइस्सामि त्ति । च० प० ॥९२३॥ इच्चेयासिं चउण्हं पडिमाणं जाव पग्गहियतरायं विहरेज्जा, णो तत्थ किंचिवि वएज्जा ॥९२४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ ९२५ ॥ **अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ णिसीहिया-सत्तिक्कयं णाम णवमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा णिसीहियं फासुयं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा, सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं अफासुयं अणेसणिज्जं लाभे संते णो चेइस्सामि ॥ ९२६ ॥ से भिक्खू वा २ अभिकंखेज्जा णिसीहियं गमणाए से जं पुण णिसीहियं जाणिज्जा अप्पंडं अप्पपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारं णिसीहियं फासुयं एसणिज्जं लाभे संते चेइस्सामि एवं सेज्जागमेणं

णेयव्वं जाव उदयप्पसूयाइं ॥ ९२७ ॥ जे तत्थ दुवग्गा जाव पंचवग्गा वा अभिसंधारेंति णिसीहियं गमणाए ते णो अण्णमण्णस्स कायं आलिंगेज्ज वा विलिंगेज्ज वा चुंबेज्ज वा दंतेहिं णहेहिं वा अच्छिंदेज्ज वा वुच्छिंदेज्ज वा ॥९२८॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जएज्जा सेयमिणं मण्णिज्जासि त्ति बेमि ॥९२९॥ **णवमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ उच्चारपासवणं णाम दसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ उच्चारपासवणकिरियाए उब्बाहिज्जमाणे सयस्स पायपुंछणस्स असईए तओ पच्छा साहम्मियं जाएज्जा ॥ ९३० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा सअंडं सपाणं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अप्पपाणं अप्पबीयं जाव मक्कडासंताणयं तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३२॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे साहम्मिया समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए एगं साहम्मिणिं समुद्दिस्स अस्सिं पडियाए बहवे साहम्मिणीओ समुद्दिस्स अस्सिंपडियाए बहवे समणमाहणवणीमया पगणिय पगणिय समुद्दिस्स पाणाइं ४ जाव उद्देसियं चेएइ, तहप्पगारं थंडिलं पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३३॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, बहवे समणमाहणकिवणवणीमगअतिही समुद्दिस्स पाणाइं ४ जाव उद्देसियं चेएइ, तहप्पगारं थंडिलं अपुरिसंतरकडं जाव बहिया अणीहडं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३४ ॥ अह पुण एवं जाणिज्जा, पुरिसंतरकडं जाव बहिया णीहडं वा अण्णयरंसि तहप्पगारंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अस्सिंपडियाए कयं वा कारियं वा पामिच्चियं वा छण्णं वा घट्ठं वा मट्ठं वा लित्तं वा समट्ठं वा संपधूमियं वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३६ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा मूलाणि वा जाव हरियाणि वा अंतराओ

वा बाहिं णीहरंति बहियाओ वा अंतो साहरंति अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, खंधंसि वा पीढंसि वा मंचंसि वा मालंसि वा अट्टंसि वा पासायंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९३८॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अणंतरहियाए पुढवीए ससिणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए मट्टियामक्कडाए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलुयाए कोलावासंसि वा दारुयंसि वा जीवपइट्ठियंसि वा जाव मक्कडासंताणयंसि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९३९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा कंदाणि वा जाव बीयाणि वा परिसाडेंसु वा परिसाडिंति वा परिसाडिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४०॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्ता वा सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा तिलाणि वा कुलत्थाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा पइरिंसु वा पइरिंति वा पइरिस्संति वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४१॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आमोयाणि वा घसाणि वा भिलुयाणि वा विज्जलयाणि वा खाणुयाणि वा कडयाणि वा पगडाणि वा दरीणि वा पदुग्गाणि वा समाणि वा विसमाणि वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४२ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, माणुसरंधणाणि वा, महिसकरणाणि वा, वसहकरणाणि वा, अस्सकरणाणि वा, कुक्कुडकरणाणि वा मक्कडकरणाणि वा लावयकरणाणि वा, वट्टयकरणाणि वा, तित्तिरकरणाणि वा, कवोयकरणाणि वा, कविंजलकरणाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४३ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, वेहाणसट्ठाणेसु वा, गिद्धपिट्ठट्ठाणेसु वा, तरुपडणट्ठाणेसु वा, मेरुपडणट्ठाणेसु वा, विसभक्खणट्ठाणेसु वा, अगणिपडणट्ठाणेसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४४॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वण-

संडाणि वा, देवकुलाणि वा, सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४५ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥९४६॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउमुहाणि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४७ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, इंगालडाहेसु वा, खारडाहेसु वा, मडयडाहेसु वा, मडयथूभियासु वा, मडयचेइएसु वा अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४८ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा णइयाययणेसु वा, पंकाययणेसु वा, ओघाययणेसु वा, सेयणवहंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९४९ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, णवियासु वा, मट्टियखाणियासु णवियासु गोप्पलिहियासु वा, गवाणीसु वा, खाणीसु वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५० ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, डागवच्चंसि वा, सागवच्चंसि वा, मूलगवच्चंसि वा हत्थंकरवच्चंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५१ ॥ से भिक्खू वा २ से जं पुण थंडिलं जाणिज्जा, असणवणंसि वा, सणवणंसि वा, धायइवणंसि वा, केयइवणंसि वा, अंबवणंसि वा, असोगवणंसि वा, णागवणंसि वा, पुण्णागवणंसि वा, चुण्णगवणंसि वा, अण्णयरेसु वा तहप्पगारेसु वा पत्तोवेएसु वा, पुप्फोवेएसु वा, फलोवेएसु वा, बीओवेएसु वा, हरिओवेएसु वा णो उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा ॥ ९५२ ॥ से भिक्खू वा २ सयपायं वा परपायं वा गहाय से तमायाए एगंतमवक्कमेज्जा, अणावायंसि असंलोइयंसि अप्पपाणंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा उवस्सयंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं वोसिरेज्जा, उच्चारपासवणं वोसिरित्ता से तमायाए एगंतमवक्कमे अणावायंसि जाव मक्कडासंताणयंसि अहारामंसि वा, ज्झामथंडिलंसि वा, अण्णयरंसि वा तहप्पगारंसि थंडिलंसि अचित्तंसि तओ संजयामेव उच्चारपासवणं परिट्ठवेज्जा ॥ ९५३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥९५४॥ **दसममज्झयणं समत्तं ॥**

।। सद्द-सत्तिक्कयं णाम एगारसमं अज्झयणं ।।

से भिक्खू वा २ मुइंगसद्दाणि वा, णंदीसद्दाणि वा, झल्लरीसद्दाणि वा, अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं वितताइं सद्दाइं कण्णसोयणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५५ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वीणासद्दाणि वा, विपंचीसद्दाणि वा पिप्पीसगसद्दाणि वा, तूणयसद्दाणि वा, पणयसद्दाणि वा तुंबवीणियसद्दाणि वा, ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं विततोइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५६ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तालसद्दाणि वा, कंसतालसद्दाणि वा, लत्तियसद्दाणि वा, गोहियसद्दाणि वा, किरिकिरियसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं तालसद्दाइं-कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९५७ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—संखसद्दाणि वा, वेणुसद्दाणि वा, वंससद्दाणि वा, खरमुहीसद्दाणि वा पिरिपिरियसद्दाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं झुसिराइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९५८।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—वप्पाणि वा, फलिहाणि वा, जाव सराणि वा, सागराणि वा सरपंतियाणि वा, सरसरपंतियाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९५९।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—कच्छाणि वा, णूमाणि वा, गहणाणि वा, वणाणि वा, वणदुग्गाणि वा, पव्वयाणि वा, पव्वयदुग्गाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं सद्दाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।।९६०।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—गामाणि वा, णगराणि वा, णिगमाणि वा, रायहाणिआसमपट्टणसंणिवेसाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९६१ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—आरामाणि वा, उज्जाणाणि वा, वणाणि वा, वणसंडाणि वा, देवकुलाणि वा सभाणि वा, पवाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ।। ९६२ ।। से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—अट्टाणि वा, अट्टालयाणि वा, चरियाणि

वा, दाराणि वा, गोपुराणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६३ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा—तियाणि वा, चउक्काणि वा, चच्चराणि वा, चउम्मुहाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ ९६४ ॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--महिसकरणट्ठाणाणि वा वसभकरणट्ठाणाणि वा, अस्सकरणट्ठाणाणि वा, हत्थिकरणट्ठाणाणि वा जाव कविंजलकरणट्ठाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६५॥ से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--महिसजुद्धाणि वा, वसभजुद्धाणि वा, अस्सजुद्धाणि वा, हत्थिजुद्धाणि वा जाव कविंजलजुद्धाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥९६६॥से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं सद्दाइं सुणेइ तंजहा--जूहियट्ठाणाणि वा, हयजूहियट्ठाणाणि गयजूहियट्ठाणाणि वा अण्णयराइं तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६७॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा—अक्खाइयट्ठाणाणि वा, माणुम्माणियट्ठाणाणि वा, महयाऽऽहयणट्टगीयवाइयतंतितलतालतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९६८॥ से भिक्खू वा २ जाव सुणेइ तंजहा—कलहाणि वा, डिंबाणि वा, डमराणि वा, दोरज्जाणि वा, वेररज्जाणि वा, विरुद्धरज्जाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं सद्दाइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए॥९६९॥से भिक्खू वा २ जाव सद्दाइं सुणेइ तंजहा खुड्डियं दारियं परिभुत्तमंडियालंकियणिवुज्झमाणिं पेहाए एगं पुरिसं वा वहाए णीणिज्जमाणं पेहाए अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९७०॥ से भिक्खू वा २ अण्णयराइं विरूवरूवाइं महासवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा बहुसगडाणि वा, बहुरहाणि वा, बहुमिलक्खूणि वा, बहुपच्चंताणि वा, अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं महासवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥९७१॥ से भिक्खू वा २ विरूवरूवाइं महुस्सवाइं एवं जाणिज्जा तंजहा—इत्थीणि वा, पुरिसाणि वा, थेराणि वा, डहराणि वा, मज्झिमाणि वा, आभरणविभूसियाणि वा, गायंताणि वा, वायंताणि वा, णच्चंताणि वा, हसंताणि वा, रमंताणि वा, मोहंताणि वा विउलं असणपाणखाइमसाइमं परिभुंजंताणि वा, परिभाइंताणि वा, विच्छड्डियमाणाणि वा, विगोवयमाणाणि वा, अण्णयराइं वा तहप्प-

गाराइं विरूवरूवाइं महुस्सवाइं कण्णसोयपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ १७२ ॥ से भिक्खू वा २ णो इहलोइएहिं सद्देहिं णो परलोइएहिं सद्देहिं, णो सुएहिं सद्देहिं, णो असुएहिं सद्देहिं, णो दिट्ठेहिं सद्देहिं णो अदिट्ठेहिं सद्देहिं, णो कंतेहिं सद्देहिं सज्जिज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा ॥ १७३ ॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जाव जएज्जासि त्ति बेमि ॥ १७४ ॥ **एयारहममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ रूव-सत्तिक्कयं णाम बारसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अहावेगइयाइं रूवाइं पासइ तंजहा—गंथिमाणि वा, वेढिमाणि वा, पूरिमाणि वा, संघाइमाणि वा, कट्ठकम्माणि वा, पोत्थकम्माणि वा, चित्तकम्माणि वा, मणिकम्माणि वा, दंतकम्माणि वा, पत्तच्छेज्जकम्माणि वा, विविहाणि वा वेढिमाइं जाव अण्णयराइं वा तहप्पगाराइं विरूवरूवाइं चक्खुदंसणपडियाए णो अभिसंधारेज्जा गमणाए ॥ १७५॥ एवं णायव्वं जहा सद्दपडियाए सव्वा वाइत्तवज्जा रूवपडियाए वि ॥१७६॥ **दुवालसममज्झयणं समत्तं ॥**

परकिरिया-सत्तिक्कयं णाम तेरसमं अज्झयणं ॥

परकिरियं अज्झत्थियं संसेसियं णो तं सायए णो तं णियमे ॥ १७७ ॥ सिया से परो पाए आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं फुसेज्ज वा रएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो पायाइं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण विलेवणजाएण आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाइं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो पायाओ खाणुं वा कंटयं वा णिहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे । सिया से परो

पायाओ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९७८॥ सिया से परो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्धेण वा संवाहेज्ज वा पलिमद्दिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे सिया से परो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पहोएज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायं अण्णयरेणं विलेवण-जाएणं आलिंपेज्ज वा, विलिंपेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परो कायं अण्णयरेण धूवणजाएण धूवेज्ज वा, पधूवेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे ॥ ९७९ ॥ सिया से परो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भंगिज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि वणं लोद्देण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा उव्वलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि वणं सीओदग-वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८०॥ से सिया परो कायंसि वणं अण्णयरेणं विलेवणजाएणं आलिं-पेज्ज वा विलिंपेज्ज वा णो तं २। सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं धूवण-जाएणं धूवेज्ज वा प० णो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अण्णयरेणं सत्थ-जाएणं अच्छिंदिज्ज वा विच्छिंदिज्ज वा प० णो तं० २। सिया से परो कायंसि वणं अण्ण० सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा विच्छिंदित्ता वा पूयं वा सोणियं वा णीहरिज्ज वा वि० णो तं० २। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, आमज्जेज्ज वा, पमज्जेज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा, अरइयं वा, पुलइयं वा, भगंदलं वा, संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा, णो तं सायए णो तं णियमे, सिया से परो कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा वसाए वा मक्खेज्ज वा अब्भिंगेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से कायंसि गंडं वा जाव भगंदलं वा, लोद्देण वा,

कक्केण वा चुण्णेण वा, वण्णेण वा उल्लोढिज्ज वा, उव्वलेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे। सिया से परो कायंसि गंडं वा भगंदलं वा, सीओदगवियडेण वा, उसिणोदगवियडेण वा, उच्छोलेज्ज वा, पधोवेज्ज वा, णो तं सायए, णो तं णियमे। सिया से परोकायंसि गंडंवा जाव भगंदलं वा अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदेज्ज वा विच्छिंदेज्ज वा, सिया से परो अण्णयरेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता वा २ पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८१॥ सिया से परो कायाओ सेयं वा जल्लं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८२॥ सिया से परो अच्छिमलं, कण्णमलं वा, दंतमलं वा णहमलं वा, णीहरिज्ज वा विसोहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८३॥सिया से परो दीहाइं वालाइं दीहाइं रोमाइं दीहाइं भमुहाइं, दीहाइं कक्खरोमाइं दीहाइं वत्थिरोमाइं, कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८४॥सिया से परो सीसाओ लिक्खं वा जूयं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८५॥सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता पायाइं आमज्जिज्ज वा पमज्जिज्ज वा एवं हिट्ठिमो गमो पायाइ भाणियव्वो, सिया से परो अंकंसि वा पलियंकंसि वा तुयट्टावित्ता, हारं वा अद्धहारं वा उरत्थं वा, गेवेयं वा, मउडं वा, पालंबं वा सुवण्णसुत्तं वा, अविहिज्ज वा, पिणहिज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८६॥ सिया से परो आरामंसि वा, उज्जाणंसि वा, णीहरित्ता वा पविसित्ता वा पायाइं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं सायए णो तं णियमे ॥९८७॥ एवं णेयव्वा अण्णमण्णकिरिया वि ॥ ९८८ ॥ सिया से परो सुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे सिया से परो असुद्धेणं वइबलेणं तेइच्छं आउट्टे, सिया से परो गिलाणस्स सचित्ताणि कंदाणि वा मूलाणि वा तयाणि वा हरियाणि वा खणित्तु वा कड्ढित्तु वा कड्ढावित्तु वा तेइच्छं आउट्टाविज्जा णो तं सायए णो तं णियमे॥९८९॥कडुवेयणा पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेइंति ॥९९०॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जं सव्वट्ठेहिं सहिए समिए सया जए सेयमिणं मण्णेज्जासि त्ति बेमि ॥९९१॥ **तेरहममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ अण्णुण्णकिरिया-सत्तिक्कयं णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

से भिक्खू वा २ अण्णमण्णकिरियं अज्झत्थियं संसेइयं णो तं सायए णो तं णियमे ॥९९२॥ सिया से अण्णमण्णं पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा णो तं

सायए णो तं णियमे ॥९९३॥ सेसं तं चेव ॥९९४॥ एयं खलु तस्स भिक्खुस्स २ वा सामग्गियं जइज्जासि त्ति बेमि ॥९९५॥ **चउद्दसममज्झयणं समत्तं ॥**

॥ भावणा णाम पणरहमं अज्झयणं ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, तंजहा—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं सव्वओ सव्वत्ताए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, हत्थुत्तराहिं कसिणे पडिपुण्णे अव्वाघाए णिरावरणे अणंते अणुत्तरे केवल-वरणाणदंसणे समुप्पण्णे, साइणा भगवं परिणिव्वुए ॥९९६॥ समणे भगवं महावीरे, इमाए ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए वीइक्कंताए सुसमाए समाए वीइक्कंताए, सुसमदुसमाए समाए वीइक्कंताए दुसमसुसमाए समाए बहुवीइक्कंताए, पण्णहत्तरीए वासेहिं मासेहिं य अद्धणवमेहिंसेसेहिं, जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे, आसाढसुद्धे, तस्स णं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं, महाविजयसिद्धत्थपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयदिसासोवत्थियवद्धमाणाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमाइं आउयं पालइत्ता, आउक्खएणं, ठिइक्खएणं भवक्खएणं चुए चइत्ता इह खलु जंबुद्दीवेणं दीवे, भारहे वासे, दाहिणड्ढभरहे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंमि उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगोत्तस्स देवाणंदाए माहणीए जालंधरस्स गुत्ताए सीहुब्भवभूएणं अप्पाणेणं कुच्छिंसि गब्भं वक्कंते, समणे भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, चइस्सामित्ति जाणइ चुएमित्ति जाणइ, चयमाणे ण जाणेइ, सुहुमे णं से काले पण्णत्ते। तओ णं समणे भगवं महावीरे हियाणुकंपएणं देवेणं जीयमेयं त्ति कट्टु जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं बासीहिं राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स परियाए वट्टमाणे दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसाओ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसंसि णायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स तिसलाए खत्तियाणिए वासिट्ठसगुत्ताए असुभाणं पुग्गलाणं अवहारं करित्ता, सुभाणं पुग्गलाणं पक्खेवं करित्ता कुच्छिंसि गब्भं साहरइ, जेवि य से तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे तंपि य दाहिणमाहणकुंडपुरसंणिवेसंसि उसभ.....को.....देवा....जालंधरायणगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भं साहरइ ॥९९७॥ समणे

भगवं महावीरे तिण्णाणोवगए यावि होत्था, साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिएमित्ति जाणइ साहरिज्जमाणे वि जाणइ समणाउसो! ॥ ९९८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तिसलाए खत्तियाणीए अह अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं वीइक्कंताणं जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्सणं चित्तसुद्धस्स तेरसीपक्खेणं, हत्थुत्तराहिं जोगमुवागएणं समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया ॥९९९॥ जं णं राइं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं राइं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहि य देवीहि य उवयंतेहि य उप्पयंतेहि य एगे महं दिव्वे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवकहक्कहे उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥१०००॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया तं णं रयणिं बहवे देवा य देवीओ य एगं महं अमयवासं च, गंधवासं च, चुण्णवासं य, पुप्फवासं च, हिरण्णवासं च, रयणवासं च वासिंसु ॥ १००१ ॥ जं णं रयणिं तिसला खत्तियाणी समणं भगवं महावीरं आरोयारोयं पसूया, तं णं रयणिं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स सूइकम्माइं तित्थयराभिसेयं च करिंसु ॥ १००२ ॥ जओ णं पभिइ भगवं महावीरे तिसलाए खत्तियाणिए कुच्छिंसि गब्भं आगए तओ णं पभिइ तं कुलं विपुलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ, तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो एयमट्ठं जाणित्ता णिव्वत्तदसाहंसि वोक्कंतंसि सूचिभूयंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं उवणिमंतेंति उवणिमंतेत्ता बहवे समणमाहणकिवणवणिमगाहिं भिच्छुंडगपंडरगाईण विच्छड्डेंति विग्गोवेंति विस्साणेंति दातारेसु णं दाणं पज्जभाइंति विच्छड्डित्ता विग्गोवित्ता विस्साणित्ता दायारेसु णं दाणं पज्जभाइत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं भुंजावेंति भुंजावेत्ता मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गेण इमेयारूवं णामधेज्जं कारवेंति, जओ णं पभिइ इमे कुमारे तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भे आहूए तओ णं पभिइ इमं कुलं, विउलेणं हिरण्णेणं सुवण्णेणं धणेणं धण्णेणं माणिक्केणं मोत्तिएणं संखसिलप्पवालेणं अईव २ परिवड्ढइ तं होउ णं कुमारे "वद्धमाणे" ॥ १००३ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पंचधाइपरिवुडे तंजहा—खीरधाईए-मज्जणधाईए-

मंडावणधाइए खेल्लावणधाइए-अंकधाईए अंकाओ अंकं साहरिज्जमाणे रम्मे मणि-कोट्टिमतले गिरिकंदरस्समल्लीणे विव चंपयपायवे अहाणुपुव्वीए संवड्ढइ ॥ १००४॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे विण्णायपरिणये विणियत्तबालभावे अणुस्सुयाइं उरालाइं माणुस्सगाइं पंचलक्खणाइं कामभोगाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं परियारेमाणे एवं च णं विहरइ ॥१००५॥ समणे भगवं महावीरे कासवगोत्ते तस्स णं इमे तिण्णि णाम धेज्जा एवमाहिज्जंति, अम्मापिउसंतिए "वद्धमाणे," सहसम्मुइए "समणे" भीमभयभेरवं उरालं अचेलयं परिसहं सहइ त्ति कट्टु देवेहिं से णामं कयं "समणे भगवं महावीरे" ॥१००६॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पिया कासवगोत्तेणं तस्स णं तिण्णि णामधेज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा—सिद्धत्थे इ वा, सेज्जंसेइ वा, जसंसे इ वा ॥१००७॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मा वासिट्ठसगोत्ता तीसेणं तिण्णि णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति तंजहा—तिसला इ वा, विदेहदिण्णा इ वा, पियकारिणी इ वा ॥१००८॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तियए 'सुपासे' कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठे भाया णंदिवद्धणे कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जेट्ठा भइणी सुदंसणा कासवगोत्तेणं, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स भज्जा जसोया कोडिण्णा गोत्तेणं समणस्स भगवओ महावीरस्स धूया कासवगोत्तेणं, तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—आणोज्जा इ वा, पियदंसणा इ वा, समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णत्तुई कोसियगोत्तेणं तीसेणं दो णामधेज्जा, एवमाहिज्जंति, तंजहा—सेसवई इ वा, जसवई इ वा ॥१००९॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पासावच्चिज्जा, समणोवासगा यावि होत्था, ते णं बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पालइत्ता, छण्हं जीवणिकायाणं संरक्खणणिमित्तं आलोइत्ता णिंदित्ता गरहित्ता पडिक्कमित्ता अहारिहं उत्तरगुणपायच्छित्तं पडिवज्जित्ता कुससंथारं दुरुहित्ता, भत्तं पच्चक्खाइंति, भत्तं पच्चक्खाइत्ता अपच्छिमाए मारणंतियाए संलेहणाए झुसियसरीरा कालमासे कालं किच्चा तं सरीरं विप्पजहित्ता अच्चुए कप्पए देवत्ताए उववण्णा, तओणं आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चुए चइत्ता महाविदेहवासे चरिमेणं उस्सासेणं सिज्झिस्संति, बुज्झिस्संति, मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति, सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १०१० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे णाए णायपुत्ते णायकुलणिव्वत्ते विदेहे

विदेहदिण्णे विदेहजच्चे विदेहसूमाले तीसं वासाइं विदेहंसि त्ति कट्टु अगारमज्झे वसित्ता अम्मापिऊहिं कालगएहिं देवलोगमणुपत्तेहिं समत्तपइण्णे चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं, चिच्चा बलं, चिच्चा वाहणं, चिच्चा धणधण्णकणयरयणसंतसारसावइज्जं, विच्छड्डेत्ता, विगोवित्ता, विस्साणित्ता, दायारेसु दाणं दाइत्ता परिभाइत्ता, संवच्छरं दाणं दलइत्ता, जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमीपक्खेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं अभिणिक्खमणाभिप्पाए यावि होत्था ॥ १०११ ॥ संवच्छरेण होहिंति अभिणिक्खमणं तु जिणवरिंदस्स, तो अत्थि संपयाणं, पव्वत्तई पुव्वसूराओ ॥१०१२॥ एगा हिरण्ण-कोडी, अट्ठेव अणूणया सयसहस्सा, सूरोदयमाईयं दिज्जइ जा पायरासोत्ति॥१०१३॥ तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ, असिइं च सयसहस्सा, एवं संवच्छरे दिण्णं ॥१०१४॥ वेसमणकुंडलधरा, देवा लोगंतिया महिड्ढिया। बोहिंति य तित्थयरं,पण्णरससु कम्मभूमिसु॥१०१५॥बंभंमि य कप्पंमि य बोद्धव्वा कण्हराइणो मज्झे; लोगंतिया विमाणा, अट्ठसु वत्था असंखेज्जा ॥१०१६॥ एए देवणिकाया, भगवं बोहिंति जिणवरं वीरं, सव्वजगजीवहियं, अरहं तित्थं पवत्तेहि ॥१०१७॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अभिणिक्खमणाभिप्पायं जाणेत्ता भवणवइ-वाणमंतरजोइसियविमाणवासिणो देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं, सएहिं सएहिं णेवत्थेहिं, सएहिं सएहिं चिंधेहिं, सव्विड्ढीए सव्वजुईए, सव्वबलसमुदएणं, सयाइं सयाइं जाणविमाणाइं दुरुहंति सयाइं २ जाणविमाणाइं दुरुहित्ता, अहा बायराइं पोग्गलाइं परिसाडेंति परिसाडित्ता, अहासुहुमाइं पोग्गलाइं परियाइंति परियाइत्ता, उड्ढं उप्पयंति उड्ढं उप्पइत्ता, ताए उक्किट्ठाए सिग्घाए चवलाए तुरियाए दिव्वाए देवगईए अहेणं उवयमाणा २ तिरिएणं असंखेज्जाइं दीवसमुद्दाइं वीइक्कममाणा २ जेणेव जंबुद्दीवे दीवे तेणेव उवागच्छंति उवा-गच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता, जेणेव उत्तरखत्तियकुंडपुर संणिवेसस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तेणेव झत्तिवेगेण उवट्ठिइया ॥१०१८॥ तओ णं सक्के देविंदे देवराया सणियं सणियं जाणविमाणं-पठवेइपठवेत्ता, सणियं २ जाणविमाणाओ पच्चोत्तरइ, पच्चोत्तरित्ता एगंतमवक्कमेइ एगंतमवक्कमेत्ता, महया वेउव्विएणं समुग्घाएणं समोहणइ, महया वेउव्विएणं

समुग्घाएणं समोहणित्ता, एगं महं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं देवच्छंदयं विउव्वइ, तस्सणं देवच्छंदयस्स बहुमज्झदेसभाए एगं महं सपायपीढं सीहासणं णाणामणिकणयरयणभत्तिचित्तं सुभं चारुकंतरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता समणं भगवं महावीरं गहाय जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता, सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयावेइ णिसीयावेत्ता सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भंगेइ अब्भंगेत्ता गंधकासाइएहिं उल्लोलेइ उल्लोलित्ता, सुद्धोदएणं मज्जावेइ मज्जावित्ता, जस्स णं मुल्लं सयसहस्सेणं तिपडोलतित्तिएणं साहिएणं सीएणं गोसीसरत्तचंदणेणं अणुलिंपइ अणुलिंपित्ता ईसिंणिस्सासवायवोज्झं वरणयरपट्टणुग्गयं कुसलणरपसंसियं अस्सलालापेलवं छेयायरियकणगखचियंतकम्मं हंसलक्खणं, पट्टजुयलं णियंसावेइ, णियंसावेत्ता हारं अद्धहारं उरत्थं णेवत्थं एगावलिं पालंबसुत्तं पट्टमउडरयणमालाओ आविंधावेइ आविंधावेत्ता गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं मल्लेणं कप्परुक्खमिव समलंकरेइ २ दोच्चंपि महया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ, समोहणित्ता एगं महं चंदप्पहं सिवियं सहस्सवाहिणिं विउव्वइ तंजहा— ईहामियउसभतुरगणरमकरविहगवाणरकुंजररुरुसरभचमरसद्दुलसीहवणलयपउमलयभत्तिचित्तलयविचित्तविज्जाहरमिहुणजुयलजंतजोगजुत्तं, अच्चीसहस्समालिणीयं सुणिरूवियं मिसिमिसिंतरूवगसहस्सकलियं, ईसिंभिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं, मुत्ताहलमुत्तजालंतरोवियंतवणीयपवरलंबूसगपलंबंतमुत्तदामं, हारद्धहारभूसणसमोणयं अहियपिच्छणिज्जं पउमलयभत्तिचित्तं, असोककुंदणाणालयभत्तिचित्तं विरइयं सुभं चारुकंतरूवं णाणामणिपंचवण्णघंटापडायपरिमंडियग्गसिहरं पासाईयं दरिसणीयं सुरूवं ॥ १०१९ ॥ सीया उवणीया जिणवरस्स जरमरणविप्पमुक्कस्स; ओसत्तमल्लदामा, जलथलयदिव्वकुसुमेहिं ॥ १ ॥ सिवियाइ मज्झयारे, दिव्वं वररयणरूवचिंचइयं; सीहासणं महरिहं सपायपीढं जिणवरस्स ॥ २ ॥ आलइयमालमउडो भासुरबोंदी वराभरणधारी; खोमियवत्थणियत्थो, जस्स य मोल्लं सयसहस्सं ॥ ३ ॥ छट्ठेण उ भत्तेणं अज्झवसाणेण सोहणेण जिणो, लेसाहि विसुज्झंतो, आरुहइ उत्तमं सीयं ॥ ४ ॥ सीहासणे णिविट्ठो सक्कीसाणा य दोहिं

पासेहिं, वीयंति चामराहिं मणिरयणविचित्तदंडाहिं ॥ ५ ॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्टरोमपुलएहिं, पच्छा वहंति देवा, सुरअसुरगरुलणागिंदा ॥ ६ ॥ पुरओ सुरा वहंती असुरा पुण दाहिणंमि पासंमि। अवरे वहंति गरुला, णागा पुण उत्तरे पासे ॥ ७ ॥ वणसंडं व कुसुमियं, पउमसरो वा जहा सरयकाले; सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ८ ॥ सिद्धत्थवणं व जहा, कणियारवणं व चंपयवणं वा, सोहइ कुसुमभरेणं, इय गगणयलं सुरगणेहिं ॥ ९ ॥ वरपडह-भेरिज्झल्लरिसंखसयसहस्सिएहिं तूरेहिं। गयणयले धरणियले तूरणिणाओ परम-रम्मो ॥ १० ॥ ततविततं घणझुसिरं आउज्जं चउव्विहं बहुविहीयं; वायंति तत्थ देवा, बहुहिं आणट्टगसएहिं ॥ ११ ॥ १०२० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे, मग्गसिरबहुले, तस्सणं मग्गसिरबहुलस्स दसमी-पक्खेणं, सुव्वएणं दिवसेणं, विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराणक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए बिइयाए पोरिसीए छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं, एगसाडगमा-याए, चंदप्पहाए सिवियाए सहस्सवाहिणीए सदेवमणुयासुराएपरिसाए समणिज्ज-माणे २ उत्तरखत्तियकुंडपुरसंणिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिगच्छइ णिगच्छित्ता जेणेव णायसंडे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ईसिंरयणिप्पमाणं अच्छोप्पेणं भूमिभागेणं सणियं २ चंदप्पहं सिवियं सहस्सवाहिणिं ठवेइ ठवेत्ता सणियं २ चंदप्प-हाओ सिवियाओ सहस्सवाहिणीओ पच्चोयरइ, पच्चोयरित्ता सणियं २ पुरत्थाभिमुहे सीहासणे णिसीयेइ, आभरणालंकारं ओमुयइ, तओ णं वेसमणे देवे जण्णुव्वायपडिए समणस्स भगवओ महावीरस्स हंसलक्खणेणं पडेणं आभरणालंकारं पडिच्छइ; तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेइ, तओ णं सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स जण्णुव्वायपडिए वयरामयेणं थालेणं केसाइं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता "अणुजाणेसि भंते" त्ति कट्टु खीरोयसायरं साहरइ, तओ णं समणे भगवं महावीरे दाहिणेणं दाहिणं वामेणं वामं पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता सिद्धाणं णमोक्कारं करेइ करेत्ता, "सव्वं मे अकरणिज्जं पावकम्मं" त्ति कट्टु सामाइयं चरित्तं पडिवज्जइ, सामाइयं चरित्तं पडिवज्जित्ता देवपरिसं मणुय-परिसं च आलिक्ख चित्तभूयमिव ठवेइ ॥१०२१॥ दिव्वो मणुस्सघोसो, तुरियणि-णाओ य सक्कवयणेण, खिप्पामेव णिलुक्को, जाहे पडिवज्जइ चरित्तं ॥१॥ पडिवज्जित्तु

चरित्तं अहोणिसिं सव्वपाणभूयहियं; साहट्टु लोमपुलया, सव्वे देवा णिसामिंति ।२॥१०२२॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सामाइयं खओवसमियं चरित्तं पडिवण्णस्स मणपज्जवणाणे णामं णाणे समुप्पण्णे, अड्ढाइज्जेहिं दीवेहिं दोहिं य समुद्देहिं सण्णीणं पंचेंदियाणं पज्जत्ताणं वियत्तमणसाणं मणोगयाइं भावाइं जाणेइ ॥१०२३॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे पव्वइए समाणे मित्तणाइसयणसंबंधिवग्गं पडिविस-ज्जेइ, पडिविसज्जित्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, "बारसवासाइं वोसट्ठकाए चत्तदेहे जे केइ उवसग्गा समुप्पज्जंति, तंजहा—दिव्वा वा, माणुस्सा वा, तेरिच्छिया वा, ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे सम्मं सहिस्सामि, खमिस्सामि अहिया-सइस्सामि" ॥१०२४॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे इमेयारूवं अभिग्गहं अभि-गिण्हित्ता वोसट्ठकाए चत्तदेहे दिवसे मुहुत्तसेसे कुम्मारगामं समणुपत्ते ॥ १०२५॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे वोसट्ठचत्तदेहे अणुत्तरेणं आलएणं, अणुत्तरेणं विहा-रेणं, एवं संजमेणं, पग्गहेणं, संवरेणं तवेणं, बंभचेरवासेणं, खंतीए, मोत्तीए, समि-ईए, गुत्तीए, तुट्ठीए, ठाणेणं, कम्मेणं, सुचरियफलणिव्वाणमुत्तिमग्गेणं, अप्पाणं भावे-माणे विहरइ ॥१०२६॥ एवं वा विहरमाणस्स जे केइ उवसग्गा समुपज्जंति दिव्वा वा माणुस्सा वा तेरिच्छिया वा ते सव्वे उवसग्गे समुप्पण्णे समाणे अणाउले अव्व-हिए अदीणमाणसे तिविहमणवयणकायगुत्ते सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १०२७॥ तओ णं समणस्स भगवओ महावीरस्स एएणं विहारेणं विहरमाणस्स बारसवासा वीइक्कंता, तेरसमस्स वासस्स परियाए वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे, तस्सणं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं हत्थुत्तराहिं णक्खत्तेणं जोगोवगएणं पाईणगामिणीए छायाए वियत्ताए पोरिसीए जंभियगामस्स णगरस्स बहिया णईए उज्जुवालियाए उत्तरे कूले, सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि वेयावत्तस्स चेइयस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सालरुक्खस्स अदूरसामंते उक्कुडुयस्स गोदोहियाए आयावणाए आया-वेमाणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं उड्ढंजाणुअहोसिरस्स धम्मज्झाणकोट्ठोवगयस्स सुक्कज्झाणंतरियाए वट्टमाणस्स णिव्वाणे, कसिणे, पडिपुण्णे, अव्वाहए, णिरावरणे, अणंते, अणुत्तरे, केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ १०२८ ॥ से भयवं अरहा जिणे जाए, केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी, सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पज्जाए

जाणइ, तंजहा—आगइं गइं ठिइं चयणं, उववायं भुत्तं पीयं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं लवियं कहियं मणोमाणसियं सव्वलोए सव्वजीवाणं, सव्वभावाइं जाणमाणे पासमाणे एवं च णं विहरइ ॥ १०२९ ॥ जण्णं दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स णिव्वाणे कसिणे जाव समुप्पण्णे, तण्णं दिवसं भवणवइवाणमंतरजोइसियविमाणवासिदेवेहिं य देवीहि य उवयंतेहिं य जाव उप्पिंजलगभूए यावि होत्था ॥ १०३० ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णवरणाणदंसणधरे अप्पाणं च लोगं च अभिसमिक्ख पुव्वं देवाणं धम्ममाइक्खइ तओ पच्छा मणुस्साणं ॥ १०३१ ॥ तओ णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाणदंसणधरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वयाइं सभावणाइं छज्जीवणिकायाइं आइक्खइ, भासइ, परूवेइ, तंजहा—पुढविकाए जाव तसकाए ॥ १०३२ ॥ पढमं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि, सव्वं पाणाइवायं से सुहुमं वा बायरं वा तसं वा थावरं वा णेव सयं पाणाइवायं करेज्जा ३ जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा, तस्स भंते ! पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १०३३ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०३४ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, इरियासमिए से णिग्गंथे, णो अणइरियासमिए त्ति, केवली बूया अणइरियासमिए से णिग्गंथे, पाणाइं ४ अभिहणेज्ज वा, वत्तेज्ज वा, परियावेज्ज वा, लेसेज्ज वा, उद्दवेज्ज वा, इरियासमिए से णिग्गंथे, णो इरियाअसमिए त्ति पढमा भावणा ॥ १०३५ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे, जे य मणे पावए सावज्जे सकिरिए अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे अहिकरणिए पाउसिए, परियाविए पाणाइवाइए, भूओवघाइए तहप्पगारं मणं णो पधारेज्जा, मणं परिजाणाइ से णिग्गंथे जे य मणे अपावए त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०३६ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई पाविया सावज्जा सकिरिया जाव भूओवघाइया तहप्पगारं वइं णो उच्चारिज्जा, जे वइं परिजाणाइ से णिग्गंथे जा य वई अपाविय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०३७ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे, णो अणायाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए णिग्गंथे केवली बूया, आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए से णिग्गंथे पाणाइंभूयाइंजीवाइं सत्ताइं अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए से णिग्गंथे णो

आयाणभंडमत्तणिक्खेवणाअसमिए त्ति चउत्था भावणा ॥ १०३८ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणालोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पाणाई वा ४ अभिहणेज्ज वा जाव उद्दवेज्ज वा, तम्हा आलोइयपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो अणालोइयपाण-भोयणभोई त्ति पंचमा भावणा ॥ १०३९ ॥ एयावत्ता (पढमे) महव्वए सम्मं काएण फासिए पालिए तीरिए किट्टिए अवट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ ॥ १०४० ॥ पढमे भंते ! महव्वए पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १०४१ ॥ अहावरं दोच्चं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मुसावायं वइदोसं से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, णेव सयं मुसं भासेज्जा, णेवण्णेणं मुसं भासावेज्जा, अण्णं पि मुसं भासंतं ण समणुजाणेज्जा, तिविहं तिविहेणं मणसा वयसा कायसा तस्स भंते ! पडिक्कमामि जाव वोसिरामि ॥ १०४२ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०४३ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइभासी से णिग्गंथे णो अणणुवीईभासी; केवली बूया अणणुवीइभासी से णिग्गंथे समावज्जिज्ज मोसं वयणाए, अणुवीइभासी से णिग्गंथे, णो अणणुवीइभासि त्ति पढमा भावणा ॥१०४४॥ अहावरा दोच्चा भावणा, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो कोहणे सिया, केवली बूया, कोहपत्ते कोहत्तं समा-वएज्जा मोसं वयणाए, कोहं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णय कोहणे सियत्ति दोच्चा भावणा ॥ १०४५ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, लोभं परिजाणाइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सिया, केवली बूया; लोभपत्ते लोभी समावएज्जा मोसं वयणाए, लोभं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य लोभणए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०४६ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, भयं परिजाणाइ से णिग्गंथे णो भयभीरुए सिया; केवली बूया, भयप्पत्ते भीरू समावएज्जा मोसं वयणाए, भयं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो भयभीरुए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०४७ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिया, केवली बूया, हासप्पत्ते हासी समा-वएज्जा मोसं वयणाए, हासं परिजाणइ से णिग्गंथे, णो य हासणए सिय त्ति पंचमा भावणा ॥ १०४८ ॥ एयावत्ता दोच्चे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आणाए आराहिए या वि भवइ। दोच्चे भंते ! महव्वए० ॥ १०४९ ॥ अहा-वरं तच्चं भंते ! महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं अदिण्णादाणं; से गामे वा, णगरे वा,

अरण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं अदिण्णं गिण्हिज्जा, णेवण्णेहिं अदिण्णं गेण्हावेज्जा अण्णंपि अदिण्णं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए जाव वोसिरामि ॥ १०५० ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति तत्थिमा पढमा भावणा, अणुवीइ मिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे केवली बूया अणणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे अदिण्णं गिण्हेज्जा अणुवीइमिउग्गहं जाई से णिग्गंथे णो अणणुवीइमिउग्गहं जाई त्ति पढमा भावणा ॥ १०५१ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई, केवली बूया, अणणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, अदिण्णं भुंजेज्जा, तम्हा अणुण्णवियपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो अणणुण्णवियपाणभोयणभोई त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०५२ ॥ अहावरा तच्चा भावणा, णिग्गंथे णं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं उग्गहंसि अणुग्गहियंसि एतावताव अणुग्गहणसीले अदिण्णं उगिण्हेज्जा णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि एतावताव उग्गहणसीलए सियत्ति तच्चा भावणा ॥ १०५३ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ अणोग्गहणसीले अदिण्णं गिण्हेज्जा णिग्गंथे उग्गहंसि उग्गहियंसि अभिक्खणं २ उग्गहणसीलए सिय त्ति चउत्था भावणा ॥ १०५४ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई, केवली बूया, अणणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु अदिण्णं उगिण्हेज्जा, अणुवीइमिउग्गहजाई से णिग्गंथे साहम्मिएसु णो अणणुवीइमिउग्गहजाई इइ पंचमा भावणा ॥ १०५५ ॥ एतावताव तच्चे महव्वए सम्मं जाव आणाए आराहिए यावि भवइ, तच्चं भंते ! महव्वयं ॥ १०५६ ॥ अहावरं चउत्थं महव्वयं पच्चक्खामि सव्वं मेहुणं, से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, णेव सयं मेहुणं गच्छेज्जा तं चेव अदिण्णादाणवत्तव्वया भाणियव्वा, जाव वोसिरामि ॥ १०५७ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति ॥ १०५८ ॥ तत्थिमा पढमा भावणा, णो णिग्गंथे अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहेमाणे

संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलीपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथेणं अभिक्खणं २ इत्थीणं कहं कहित्तए सिय त्ति पढमा भावणा ॥ १०५९ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएमाणे णिज्झाएमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव धम्माओ भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं मणोहराइं २ इंदियाइं आलोएत्तए णिज्झाइत्तए सिय त्ति दोच्चा भावणा ॥ १०६० ॥ अहावरा तच्चा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सुमरित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथे णं इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलियाइं सरित्तए सिय त्ति तच्चा भावणा ॥ १०६१ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, णाइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे णो पणीयरसभोयणभोई, केवली बूया, अइमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे पणीयरसभोयणभोई य संतिभेया जाव भंसेज्जा, णोऽतिमत्तपाणभोयणभोई से णिग्गंथे, णो पणीयरसभोयणभोई त्ति चउत्था भावणा, ॥ १०६२ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सिया, केवली बूया, णिग्गंथेणं इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवेमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा, णो णिग्गंथे इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्तए सियत्ति पंचमा भावणा ॥ १०६३ ॥ एतावताव चउत्थे महव्वए सम्मं काएण फासिए जाव आराहिए या वि भवइ, चउत्थं भंते! महव्वयं० ॥ १०६४ ॥ अहावरं पंचमं भंते! महव्वयं सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाभि, से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, णेव सयं परिग्गहं गिण्हेज्जा, णेवण्णेहिं परिग्गहं गिण्हाविज्जा, अण्णंपि परिग्गहं गिण्हंतं ण समणुजाणिज्जा, जाव वोसिरामि ॥ १०६५ ॥ तस्सिमाओ पंच भावणाओ भवंति। तत्थिमा पढमा भावणा, सोयओणं जीवे मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ, मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथेणं मणुण्णामणुण्णेहिं सद्देहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०६६ ॥ ण सक्का ण सोउं सद्दा, सोयविसयमागया; रागदोसा उ जे

तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०६७ ॥ सोयओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं सद्दाइं सुणेइ त्ति प. भा. ॥ १०६८ ॥ अहावरा दोच्चा भावणा, चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं णो सज्जेज्जा, णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं रूवेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०६९ ॥ णो सक्का रूवमदट्ठुं चक्खुविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥१०७०॥ चक्खूओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रूवाइं पासइ त्ति दो. भा. ॥१०७१॥ अहावरा तच्चा भावणा, घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, मणुण्णामणुण्णेहिं गंधेहिं सज्जमाणे रज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया संतिविभंगा जाव भंसेज्जा ॥ १०७२ ॥ णो सक्का गंधमग्घाउं णासाविसयमागयं, रागदोसा उ जे तत्थ ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७३ ॥ घाणओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं गंधाइं अग्घायइ त्ति त. भा. ॥ १०७४ ॥ अहावरा चउत्था भावणा, जिब्भाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं णो सज्जेज्जा णो रज्जेज्जा, जाव णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं रसेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे संतिभेया जाव भंसेज्जा ॥ १०७५ ॥ णो सक्का रसमस्साउं जीहाविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७६ ॥ जीहाओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं रसाइं अस्साएइ त्ति च. भा. ॥ १०७७ ॥ अहावरा पंचमा भावणा, फासओ जीवो मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ, मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं णो रज्जेज्जा, णो सज्जेज्जा, णो गिज्झेज्जा, णो मुज्झेज्जा, णो अज्झोववज्जेज्जा, णो विणिग्घायमावज्जेज्जा, केवली बूया, णिग्गंथे णं मणुण्णामणुण्णेहिं फासेहिं सज्जमाणे जाव विणिग्घायमावज्जमाणे, संतिभेया संतिविभंगा, संतिकेवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा ॥ १०७८ ॥ णो सक्का फासमवेएउं फासविसयमागयं; रागदोसा उ जे तत्थ, ते भिक्खू परिवज्जए ॥ १०७९ ॥ फासओ जीवा मणुण्णामणुण्णाइं फासाइं पडिसंवेएइ त्ति पं. भा. ॥ १०८० ॥ एतावताव पंचमे महव्वए सम्मं काएण फासिएपालिएतीरिएकिट्टिए अहिट्ठिए आणाए आराहिए यावि भवइ, पंचमं

भंते ! महव्वयं ॥ १०८१ ॥ इच्चेएहिं पंचमहव्वएहिं पणवीसाहिं य भावणाहिं संपण्णे अणगारे अहासुयं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएण फासित्ता, पालित्ता, तीरित्ता, किट्टित्ता, आणाए आराहित्ता यावि भवइ ॥ १०८२ ॥ **पणरहमं अज्झयणं समत्तं ॥**

॥ विमुत्ती णाम सोलसमं अज्झयणं ॥

अणिच्चमावासमुवेंति जंतुणो, पलोयए सुच्चमिदं अणुत्तरं; विऊसिरे विण्णु अगार-बंधणं, अभीरु आरंभपरिग्गहं चए ॥ १०८३ ॥ तहागयं भिक्खुमणंतसंजयं, अणेलिसं विण्णु चरंतमेसणं; तुदंति वायाहिं अभिद्दवं णरा, सरेहिं संगामगयं व कुंजरं ॥ १०८४ ॥ तहप्पगारेहिं जणेहिं हीलिए, ससद्दफासा फरुसा उईरिया; तितिक्खए णाणि अदुट्ठचेयसा, गिरिव्व वाएण ण संपवेयए ॥ १०८५ ॥ उवेहमाणे कुसलेहिं संवसे, अकंतदुक्खी तसथावरा दुही; अलूसए सव्वसहे महामुणी, तहा हि से सुस्समणे समाहिए ॥ १०८६ ॥ विऊ णए धम्मपयं अणुत्तरं, विणीयतण्हस्स मुणिस्स ज्झायओ; समाहियस्सऽग्गिसिहा व तेयसा, तवो य पण्णा य जसो य वड्ढइ ॥ १०८७ ॥ दिसोदिसिंऽणंतजिणेण ताइणा, महव्वया खेमपया पवेइया; महागुरू णिस्सयरा उईरिया, तमेव तेऊत्तिदिसं पगासया ॥ १०८८ ॥ सिएहिं भिक्खू असिए परिव्वए, असज्जमित्थीसु चएज्ज पूयणं; अणिस्सिओ लोगमिणं तहा परं, णमिज्जइ कामगुणेहिं पंडिए ॥ १०८९ ॥ तहा विमुक्कस्स परिण्णचारिणो धिईमओ दुक्खखमस्स भिक्खुणो; विसुज्झई जंसि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ १०९० ॥ से हु प्परिण्णा समयंमि वट्टइ, णिरासंसे उवरय मेहुणा चरे; भुयंगमे जुण्णतयं जहा जहे, विमुच्चइ से दुहसेज्ज माहणे ॥ १०९१ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारयं, महासमुद्दं व भुयाहिं दुत्तरं; अहे य णं परिजाणाहि पंडिए, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०९२ ॥ जहा हि बद्धं इह माणवेहिं, जहा य तेसिं तु विमोक्ख आहिओ; अहा तहा बंधविमोक्ख जे विऊ, से हु मुणी अंतकडे त्ति वुच्चइ ॥ १०९३ ॥ इमंमि लोए परए य दोसुवि, ण विज्जइ बंधणं जस्स किंचिवि; से हु णिरालंबणमप्पइट्ठिए, कलंकली भावपहं विमुच्चइ त्ति बेमि ॥ १०९४ ॥ **सोलसमं विमुत्तिज्झयणं समत्तं ॥ सदाचार णाम बीओ सुयक्खंधो संपुण्णो ॥**

❋ इइ आयारो ❋

सूयगडो

पढमो सुयक्खंधो

समयज्झयणे पढमे

बुज्झिज्ज त्ति तिउट्टिज्जा बन्धणं परिजाणिया। किमाह बंधणं वीरो किं वा जाणं तिउट्टइ ? ॥१॥ चित्तमंतमचित्तं वा परिगिज्झ किसामवि। अण्णं वा अणुजाणाइ एवं दुक्खा ण मुचई ॥२॥ सयं तिवायए पाणे अदुवाऽण्णेहि घायए। हणंतं वाऽणुजाणाइ वेरं वड्ढइ अप्पणो ॥३॥ जस्सिं कुले समुप्पण्णे जेहिं वा संवसे णरे। ममाइ लुप्पई बाले अण्णे अण्णेहिं मुच्छिए ॥४॥ वित्तं सोयरिया चेव, सव्वमेयं ण ताणइ। संखाए जीवियं चेव, कम्मुणा उ तिउट्टइ ॥५॥ एए गंथे विउक्कम्म एगे समणमाहणा। अयाणंता विउस्सित्ता सत्ता कामेहि माणवा ॥६॥ संति पंच महब्भूया इहमेगेसिमाहिया। पुढवी आउ तेऊ वा वाउ आगासपंचमा ॥७॥ एए पंच महब्भूया तेब्भो एगो त्ति आहिया। अह तेसिं विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥ ८ ॥ जहा य पुढवीथूभे एगे णाणाहि दीसइ। एवं भो! कसिणे लोए विण्णू णाणाहि दीसइ ॥९॥ एवमेगे त्ति जम्पंति मंदा आरम्भणिस्सिया। एगे किच्चा सयं पावं तिव्वं दुक्खं णियच्छइ ॥ १० ॥ पत्तेयं कसिणे आया जे बाला जे य पण्डिया। संति पिच्चा ण ते संति णत्थि सत्तोववाइया ॥११॥ णत्थि पुण्णे व पावे वा णत्थि लोए इओवरे। सरीरस्स विणासेणं विणासो होइ देहिणो ॥१२॥ कुव्वं च करायं चेव सव्वं कुव्वं ण विज्जई। एवं अकारओ अप्पा एवं ते उ पगब्भिया ॥१३॥ जे ते उ वाइणो एवं लोए तेसिं कओ सिया। तमाओ ते तमं जंति मंदा आरम्भणिस्सिया ॥१४॥ संति पंच महब्भूया इहमेगेसि आहिया। आयछट्ठा पुणो आहु आया लोगे य सासए ॥१५॥ दुहओ ण विणस्संति णो य उप्पज्जए असं। सव्वे वि सव्वहा भावा णियत्तीभावमागया ॥१६॥ पंच खंधे वयंतेगे बाला उ खणजोइणो। अण्णो अणण्णो णेवाहु हेउयं च अहेउयं ॥१७॥ पुढवी आउ तेऊ य तहा वाऊ य एगओ। चत्तारि धाउणो रूवं एवमाहंसु आवरे ॥१८॥ अगार-मावसंता वि अरण्णा वा वि पव्वया। इमं दरिसणमावण्णा सव्वदुक्खा

विमुच्चई ॥१९॥ ते णावि संधिं णच्चा णं ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते ओहंतराऽऽहिया ॥२०॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्म विऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते संसारपारगा ॥२१॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते गब्भस्स पारगा ॥२२॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते जम्मस्स पारगा ॥२३॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते दुक्खस्स पारगा ॥२४॥ ते णावि संधिं णच्चा णं, ण ते धम्मविऊ जणा। जे ते उ वाइणो एवं ण ते मारस्स पारगा ॥२५॥ णाणाविहाइं दुक्खाइं अणुहोंति पुणो पुणो। संसारचक्कवालम्मि मच्चुवाहिजराकुले ॥ २६ ॥ उच्चावयाणि गच्छंता गब्भमेस्संति णंतसो। णायपुत्ते महावीरे एवमाह जिणुत्तमे ॥ २७ ॥ त्ति बेमि।

॥ बीओ उद्देसो ॥

आघायं पुण एगेसिं उववण्णा पुढो जिया। वेदयंति सुहं दुक्खं अदु वा लुप्पंति ठाणओ ॥१॥ ण तं सयं कडं दुक्खं कओ अण्णकडं च णं। सुहं वा जइ वा दुक्खं सेहियं वा असेहियं ॥२॥ सयं कडं ण अण्णेहिं वेदयंति पुढो जिया। संगइयं तं तहा तेसिं इहमेगेसिमाहियं ॥३॥ एवमेयाणि जम्पंता बाला पण्डियमाणिणो। णिययाणिययं संतं अयाणंता अबुद्धिया ॥४॥ एवमेगे उ पासत्था ते भुज्जो विप्पगब्भिया। एवं उवट्ठिया संता ण ते दुक्खविमोक्खया ॥ ५ ॥ जविणो मिगा जहा संता परियाणेण वज्जिया। असंकियाइं संकंति संकियाइं असंकिणो ॥६॥ परियाणियाणि संकंता पासियाणि असंकिणो। अण्णाणभयसंविग्गा संपलिंति तहिं तहिं॥७॥ अह तं पवेज्ज वज्झं अहे वज्झस्स वा वए। मुच्चेज्ज पयपासाओ तं तु मंदे ण देहई ॥ ८ ॥ अहियप्पाऽहियपण्णाणे विसमंतेणुवागए। स बद्धे पयपासेणं तत्थ घायं णियच्छइ ॥९॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। असंकियाइं संकंति संकियाइं असंकिणो ॥१०॥ धम्मपण्णवणा जा सा तं तु संकंति मूढगा। आरम्भाइं ण संकंति अवियत्ता अकोविया ॥११॥ सव्वप्पगं विउक्कस्सं सव्वं णूमं विहूणिया। अप्पत्तियं अकम्मंसे एयमट्ठं मिगे चुए ॥१२॥ जे एयं णाभिजाणंति मिच्छदिट्ठी अणारिया। मिगा वा पासबद्धा ते घायमेस्संति णंतसो ॥१३॥ माहणा समणा एगे सव्वे णाणं सयं वए। सव्वलोगे वि जे पाणा, ण ते जाणंति किंचण ॥१४॥

मिलक्खू अमिलक्खुस्स जहा वुत्ताणुभासए ण हेउं से वियाणाइ भासियं तऽणुभासए ॥१५॥ एवमण्णाणिया णाणं वयंता वि सयं सयं । णिच्छयत्थं ण जाणंति मिलक्खु व्व अबोहिया ॥ १६ ॥ अण्णाणियाणं वीमंसा अण्णाणे ण णियच्छइ । अप्पणो य परं णालं कुतो अण्णाणुसासिउं ॥ १७ ॥ वणे मूढे जहा जंतू मूढे णेयाणुगामिए । दो वि एए अकोविया तिव्वं सोयं णियच्छई ॥ १८ ॥ अंधो अंधं पहं णेंतो दूरमद्धाणुगच्छइ । आवज्जे उप्पहं जंतू अदुवा पंथाणुगामिए ॥ १९ ॥ एवमेगे णियागट्ठी धम्ममाराहगा वयं । अदुवा अहम्ममावज्जे ण ते सव्वज्जुयं वए ॥ २० ॥ एवमेगे वियक्काहिं णो अण्णं पज्जुवासिया । अप्पणो य वियक्काहिं अयमंजू हि दुम्मई ॥२१॥ एवं तक्काइ साहेंता धम्माधम्मे अकोविया । दुक्खं ते णाइउट्टंति सउणी पंजरं जहा ॥ २२ ॥ सयं सयं पसंसंता गरहंता परं वयं । जे उ तत्थ विउस्संति संसारं ते विउस्सिया ॥ २३ ॥ अहावरं पुरक्खायं किरियावाइदरिसणं । कम्मचिंतापणट्ठाणं संसारस्स पवड्ढणं ॥ २४ ॥ जाणं काएणऽणाउट्टी अबुहो जं च हिंसइ । पुट्ठो संवेयइ परं अवियत्तं खु सावज्जं ॥ २५ ॥ संतिमे तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । अभिकम्मा य पेसा य मणसा अणुजाणिया ॥ २६ ॥ एए उ तउ आयाणा जेहिं कीरइ पावगं । एवं भावविसोहीए णिव्वाणमभिगच्छई ॥ २७ ॥ पुत्तं पिया समारब्भ आहारेज्ज असंजए । भुज्जमाणो य मेहावी कम्मुणा णोवलिप्पइ ॥ २८ ॥ मणसा जे पउस्संति चित्तं तेसिं ण विज्जइ । अणवज्जमतहं तेसिं ण ते संवुडचारिणो ॥ २९ ॥ इच्चेयाहि य दिट्ठीहिं सायागारवणिस्सिया । सरणं ति मण्णमाणा सेवंती पावगं जणा ॥ ३० ॥ जहा अस्साविणिं णावं जाइअंधो दुरूहिया । इच्छई पारमागंतुं अंतरा य विसीयई ॥ ३१ ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया । संसारपारकंखी ते, संसारं अणुपरियट्टंति ॥ ३२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइओ उद्देसो ॥

जं किंचि उ पूइकडं सड्ढीमागंतुमीहियं । सहस्संतरियं भुंजे दुपक्खं चेव सेवइ ॥ १ ॥ तमेव अवियाणंता विसमंसिअकोविया । मच्छा वेसालिया चेव उदगस्सऽभियागमे ॥ २ ॥ उदगस्स पहावेणं सुक्कंसिग्घं तमेंति उ । ढंकेहि य कंकेहि य आमिसत्थेहिं ते दुही ॥ ३ ॥ एवं तु समणा एगे वट्टमाणसुहेसिणो । मच्छा वेसालिया चेव घायमेस्संति णंतसो ॥ ४ ॥ इणमण्णं तु अण्णाणं इहमेगेसिमाहियं ।

देवउत्ते अयं लोए बम्भउत्ते इ आवरे ॥ ५ ॥ ईसरेण कडे लोए पहाणाइ तहावरे। जीवाजीवसमाउत्ते सुहदुक्खसमण्णिए ॥ ६ ॥ सयंभुणा कडे लोए इइ वुत्तं महे-सिणा। मारेण संथुया माया तेण लोए असासए ॥ ७ ॥ माहणा समणा एगे आह अण्डकडे जए। असो तत्तमकासी य अयाणंता मुसं वए ॥ ८ ॥ सएहिं परियाएहिं लोगं बूया कडे त्ति य। तत्तं ते ण वियाणंति ण विणासी कयाइ वि ॥ ९ ॥ अमणुण्णसमुप्पायं दुक्खमेव वियाणिया। समुप्पायमयाणंता कहं णायंति संवरं ? ॥ १० ॥ सुद्धे अपावए आया इहमेगेसिमाहियं। पुणो किड्डापदोसेणं सो तत्थ अवरज्झई ॥ ११ ॥ इह संवुडे मुणी जाए पच्छा होइ अपावए। वियडम्बु जहा भुज्जो णीरयं सरयं तहा ॥ १२ ॥ एयाणुवीइ मेहावी बम्भचेरेण ते वसे। पुढो पावाउया सव्वे अक्खायारो सयं सयं ॥ १३ ॥ सए सए उवट्ठाणे सिद्धिमेव ण अण्णहा। अहो इहेव वसवत्ती सव्वकामसमप्पिए ॥ १४ ॥ सिद्धा य ते अरोगा य इहमेगेसिमाहियं। सिद्धिमेव पुरो काउं सासए गढिया णरा ॥ १५ ॥ असंवुडा अणाईयं भमिहिंति पुणो पुणो। कप्पकालमुवज्जंति ठाणा आसुरकिब्बिसिया ॥१६॥ त्ति बेमि ॥

॥ पढमं अज्झयणं चउत्थो उद्देसो ॥

एए जिया भो ! ण सरणं बाला पण्डियमाणिणो। हिच्चा णं पुव्वसंजोयं सिया किच्चोवएसगा ॥ १ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय वियं तेसु ण मुच्छए। अणुक्कस्से अप्पलीणे मज्झेण मुणि जावए ॥ २ ॥ सपरिग्गहा य सारम्भा इहमेगेसिमाहियं अपरिग्गहा अणारम्भा भिक्खू ताणं परिव्वए ॥ ३ ॥ कडेसु घासमेसेज्जा विऊ दत्तेसणं चरे। अगिद्धो विप्पमुक्को य ओमाणं परिवज्जए ॥ ४ ॥ लोगवायं णिसामेज्जा इहमेगेसिमाहियं। विवरीयपण्णसंभूयं अण्णउत्तं तयाणुयं ॥५॥ अणंते णिइए लोए सासए ण विणस्सई। अंतवं णिइए लोए इइ धीरोऽतिपासई ॥६॥ अपरिमाणं वियाणाइ इहमेगेसिमाहियं। सव्वत्थ सपरिमाणं इइ धीरोऽतिपासई ॥ ७ ॥ जे केइ तसा पाणा चिट्ठंति अदु थावरा। परियाए अत्थि से अंजू जेण ते तसथावरा ॥८॥ उरालं जगओ जोगं विवज्जासं पलेंति य। सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे अहिंसिया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ किंचणं। अहिंसासमयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ वुसिए य विगयगेही आयाणं

सम्म रक्खए । चरियासणसेज्जासु भत्तपाणे य अंतसो ॥ ११ ॥ एएहिं तिहिं ठाणेहिं संजए सययं मुणी । उक्कसं जलणं णूमं मज्झत्थं च विगिंचए ॥ १२ ॥ समिए उ सया साहू पंचसंवरसंवुडे । सिएहिं असिए भिक्खू आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ १३ ॥ त्ति बेमि ।

वेयालिए णाम बीअं अज्झयणं पढमो उद्देसो

संबुज्झह किं ण बुज्झह संबोही खलु पेच्च दुल्लहा । णो हूवणमंति राइओ णो सुलभं पुणरावि जीवियं ॥ १ ॥ डहरा बुड्ढा य पासह गब्भत्था वि चयंति माणवा । सेणे जह वट्टयं हरे एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ २ ॥ मायाहि पियाहि लुप्पई णो सुलहा सुगई य पेच्चओ । एयाइ भयाइ पेहिया आरम्भा विरमेज्ज सुव्वए ॥ ३ ॥ जमिणं जगई पुढो जगा कम्मेहिं लुप्पंति पाणिणो । सयमेव कडेहि गाहई णो तस्स मुच्चेज्जऽपुट्ठयं ॥ ४ ॥ देवा गंधव्वरक्खसा असुरा भूमिचरा सरीसिवा । राया णरसेट्ठिमाहणा ठाणा ते वि चयंति दुक्खिया ॥ ५ ॥ कामेहि य संथवेहि गिद्धा कम्मसहा कालेण जंतवो । ताले जह बंधणच्चुए एवं आउखयम्मि तुट्टई ॥ ६ ॥ जे यावि बहुस्सुए सिया धम्मिय माहण भिक्खुए सिया । अभिणूमकडेहि मुच्छिए तिव्वं ते कम्मेहिं किच्चई ॥ ७ ॥ अह पास विवेगमुट्ठिए अवितिण्णे इह भासई धुवं । णाहिसि आरं कओ परं वेहासे कम्मेहिं किच्चई ॥ ८ ॥ जइ वि य णगिणे किसे चरे जइ वि य भुंजिय मासमंतसो । जे इह मायाइ मिज्जई आगंता गब्भाय णंतसो ॥ ९ ॥ पुरिसोरम पावकम्मुणा पलियंतं मणुयाण जीवियं । सण्णा इह काममुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा ॥ १० ॥ जययं विहराहि जोगवं अणुपाणा पंथा दुरुत्तरा । अणुसासणमेव पक्कमे वीरेहिं सम्मं पवेइयं ॥ ११ ॥ विरया वीरा समुट्ठिया कोहकायरियाइपीसणा । पाणे ण हणंति सव्वसो पावाओ विरयाऽभिणिव्वुडा ॥ १२ ॥ ण वि ता अहमेव लुप्पए लुप्पंती लोगंसि पाणिणो । एवं सहिएहिं पासए अणिहे से पुट्ठेऽहियासए ॥ १३ ॥ धुणिया कुलियं व लेववं किसए देहमणासणाइहिं । अविहिंसामेव पव्वए अणुधम्मो मुणिणा पवेइओ ॥ १४ ॥ सउणी जह पंसुगुण्डिया विहुणिय धंसयई सियं रयं । एवं दविओवहाणवं कम्मं खवइ तवस्सि माहणे ॥ १५ ॥ उट्ठियमणगारमेसणं समणं ठाणठियं तवस्सिणं । डहरा बुड्ढा य पत्थए अवि सुस्से ण य तं लभेज्ज णो ॥ १६ ॥ जइ कालुणियाणि कासिया जइ

रोयंति य पुत्तकारणा । दवियं भिक्खुं समुट्ठियं णो लब्भंति ण संठवित्तए ॥ १७ ॥ जइ वि य कामेहि लाविया जइ णेज्जाहि ण बंधिउं घरं । जइ जीविय णावकंखए णो लब्भंति ण संठवित्तए ॥ १८ ॥ सेहंति य णं ममाइणो माय पिया य सुया य भारिया । पोसाहि ण पासओ तुमं लोग परं पि जहासि पोसणो ॥ १९ ॥ अण्णे अण्णेहि मुच्छिया मोहं जंति णरा असंवुडा । विसमं विसमेहि गाहिया ते पावेहिं पुणो पगब्भिया ॥ २० ॥ तम्हा दवि इक्ख पंडिए पावाओ विरएऽभिणिव्वुडे । पणए वीरं महाविहिं सिद्धिपहं णेयाउयं धुवं ॥ २१ ॥ वेयालियमग्गमागओ मण-वयसा काएण णिव्वुडो । चिच्चा वित्तं च णायओ आरम्भं च सुसंवुडे चरे ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ।

॥ बीअं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

तयसं व जहाइ से रयं इइ संखाय मुणी ण मज्जई । गोयण्णतरेण माहणे अह-सेयकरी अण्णेसि इंखिणी ॥ १ ॥ जो परिभवई परं जणं संसारे परिवत्तई महं । अदु इंखिणिया उ पाविया इइ संखाय मुणी ण मज्जई ॥ २ ॥ जे यावि अणायगे सिया जे वि य पेसगपेसए सिया । जे मोणपयं उवट्ठिए णो लज्जे समयं सया चरे ॥ ३ ॥ सम अण्णयरम्मि संजमे संसुद्धे समणे परिव्वए । जे आवकहा समाहिए दविए कालमकासि पंडिए ॥ ४ ॥ दूरं अणुपस्सिया मुणी तीयं धम्ममणागयं तहा । पुट्ठे फरुसेहिं माहणे अवि हण्णू समयम्मि रीयइ ॥ ५ ॥ पण्णसमत्ते सया जए समताधम्ममुदाहरे मुणी । सुहुमे उ सया अलूसए णो कुज्झे णो माणि माहणे ॥ ६ ॥ बहुजणणमणम्मि संवुडो सव्वट्ठेहिं णरे अणिस्सिए । हरए व सया अणा-विले धम्मं पादुरकासि कासवं ॥ ७ ॥ बहवे पाणा पुढो सिया पत्तेयं समयं समी-हिया । जे मोणपयं उवट्ठिए विरइं तत्थ अकासि पंडिए ॥ ८ ॥ धम्मस्स य पारए मुणी आरम्भस्स य अंतए ठिए । सोयंति य णं ममाइणो णो लब्भंति णियं परिग्गहं ॥ ९ ॥ इहलोगदुहावहं विऊ परलोगे य दुहं दुहावहं । विद्धंसणधम्ममेव तं इइ विज्जं को गारमावसे ॥ १० ॥ महयं पलिगोव जाणिया जा वि य वंदण-पूयणा इहं । सुहुमे सल्ले दुरुद्धरे विउमंतापयहिज्ज संथवं ॥ ११ ॥ एगे चर ठाण-मासणे सयणे एग समाहिए सिया । भिक्खू उवहाणवीरिए वइगुत्ते अज्झत्त-संवुडो ॥ १२ ॥ णो पीहे ण यावपंगुणे दारं सुण्णघरस्स संजए । पुट्ठे ण उदाहरे

वयं ण समुच्छे णो संथरे तणं ॥ १३ ॥ जत्थत्थमिए अणाउले समविसमाई मुणीऽहियासए । चरगा अदु वा वि भेरवा अदु वा तत्थ सरीसिवा सिया ॥१४॥ तिरिया मणुया य दिव्वगा उवसग्गा तिविहा हियासिया । लोमादीयं ण हारिसे सुण्णागारगओ महामुणी ॥ १५ ॥ णो अभिकंखेज्ज जीवियं णो वि य पूयणपत्थए सिया । अब्भत्थमुवेंति भेरवा सुण्णागारगयस्स भिक्खुणो ॥ १६ ॥ उवणीयतरस्स ताइणो भयमाणस्स विविक्कमासणं । सामाइयमाहु तस्स जं जो अप्पाण भए ण दंसए ॥ १७ ॥ उसिणोदगतत्तभोइणो धम्मठियस्स मुणिस्स हीमतो । संसग्गि असाहु राइहिं असमाही उ तहागयस्स वि ॥ १८ ॥ अहिगरणकडस्स भिक्खुणो वयमाणस्स पसज्झ दारुणं । अट्ठे परिहायई बहू अहिगरणं ण करेज्ज पण्डिए ॥ १९ ॥ सीओदग पडि दुगुंछिणो अपडिण्णस्स लवावसप्पिणो । सामाइय माहु तस्स जं जो गिहिमत्तेऽसणं ण भुंजई ॥२०॥ णय संखय माहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई । बाले पावेहि मिज्जई इइ संखाय मुणी ण मज्जई ॥ २१ ॥ छंदेण पले इमा पया बहुमाया मोहेण पाउडा । वियडेण पलेंति माहणे सीउण्हं वयसा हियासए ॥२२॥ कुजए अपराजिए जहा अक्खेहिं कुसलेहिं दीवयं । कडमेव गहाय णो कलिं णो तीयं णो चेव दावरं ॥ २३ ॥ एवं लोगम्मि ताइणा बुइए जे धम्मे अणुत्तरे । तं गिण्ह हियं ति उत्तमं कडमिव सेसऽवहाय पण्डिए ॥ २४ ॥ उत्तर मणुयाण अहिया गामधम्म इइ मे अणुस्सुयं । जंसी विरया समुट्ठिया कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २५ ॥ जे एय चरंति आहियं णाएण महया महेसिणा । ते उट्ठिय ते समुट्ठिया अण्णोण्णं सारेंति धम्मओ ॥ २६ ॥ मा पेह पुरा पणामए अभिकंखे उवहिं धुणित्तए । जे दूमण एहि णो णया ते जाणंति समाहिमाहियं ॥ २७ ॥ णो काहिए होज्ज संजए पासणिए ण य संपसारए । णच्चा धम्मं अणुत्तरं कयकिरिए ण यावि मामए ॥ २८ ॥ छण्णं च पसंस णो करे ण य उक्कोस पगास माहणे । तेसिं सुविवेगमाहिए पणया जेहि सुजोसियं धुयं ॥ २९ ॥ अणिहे सहिए सुसंवुडे धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । विहरेज्ज समाहिइंदिए अयहियं खु दुहेण लब्भइ ॥ ३० ॥ ण हि णूण पुरा अणुस्सुयं अदु वा तं तह णो समुट्ठियं । मुणिणा सामाइ आहियं णाएणं जगसव्वदंसिणा ॥ ३१ ॥ एवं मत्ता महंतरं धम्ममिणं सहिया बहू जणा । गुरुणो छंदाणुवत्तगा विरया तिण्ण महोघमाहियं ॥ ३२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ बीअं अज्झयणं तइओ उद्देसो ॥

संवुडकम्मस्स भिक्खुणो जं दुक्खं पुट्ठं अबोहिए । तं संजमओऽवचिज्जई मरणं हेच्च वयंति पण्डिया ॥ १ ॥ जे विण्णवणाहिऽजोसिया संतिण्णेहि समं वियाहिया । तम्हा उड्ढं ति पासहा अदक्खु कामाइं रोगवं ॥ २ ॥ अग्गं वणिएहि आहियं धारेन्ती राईणिया इहं । एवं परमा महव्वया अक्खाया उ सराइभोयणा ॥ ३ ॥ जे इह सायाणुगा णरा अज्झोववण्णा कामेहि मुच्छिया । किवणेण समं पगब्भिया ण वि जाणंति समाहिमाहियं ॥ ४ ॥ वाहेण जहा व विच्छए अबले होइ गवं पचोइए । से अंतसो अप्पथामए णाइवहे अबले विसीयइ ॥५॥ एवं कामेसणं विऊ अज्ज सुए पयहेज्ज संथवं । कामी कामे ण कामए लद्धे वा वि अलद्ध कण्हुई ॥ ६ ॥ मा पच्छ असाहुया भवे अच्चेही अणुसास अप्पगं । अहियं च असाहु सोयई से थणई परिदेवई बहुं ॥ ७ ॥ इह जीवियमेव पासहा तरुणे वा समयस्स तुट्टई । इत्तरवासे य बुज्झह गिद्ध णरा कामेसु मुच्छिया ॥ ८ ॥ जे इह आरम्भणिस्सिया आयदण्ड एगंतलूसगा । गंता ते पावलोगयं चिररायं आसुरियं दिसं ॥९॥ ण य संखयमाहु जीवियं तह वि य बालजणो पगब्भई ॥ पच्चुप्पण्णेण कारियं को दट्ठुं परलोगमागए ॥ १० ॥ अदक्खुव दक्खुवाहियं (तं) सद्दहसु अदक्खुदंसणा । हंदि हु सुणिरुद्धदंसणे मोहणिएण कडेण कम्मुणा ॥ ११ ॥दुक्खी मोहे पुणो पुणो णिव्विंदेज्ज सिलोगपूयणं । एवं सहिएऽहिपासए आयतुलं पाणेहि संजए ॥ १२ ॥ गारं पि य आवसे णरे अणुपुव्वं पाणेहि संजए । समया सव्वत्थ सुव्वए देवाणं गच्छे सलोगयं ॥ १३ ॥ सोच्चा भगवाणुसासणं सच्चे तत्थ करेज्जुवक्कमं । सव्वत्थ विणीयमच्छरे उंछं भिक्खु विसुद्धमाहरे ॥ १४ ॥ सव्वं णच्चा अहिट्ठए धम्मट्ठी उवहाणवीरिए । गुत्ते जुत्ते सया जए आयपरे परमायतट्ठिए ॥१५॥ वित्तं पसवो य णाइओ तं बाले सरणं ति मण्णई । एए मम तेसु वी अहं णो ताणं सरणं ण विज्जई ॥ १६ ॥ अब्भागमियम्मि वा दुहे अहवा उक्कमिए भवंतिए एगस्स गई य आगई विदुमंता सरणं ण मण्णई ॥ १७ ॥ सव्वे सयकम्मकप्पिया अवियत्तेण दुहेण पाणिणो । हिण्डंति भयाउला सढा जाइजरामरणेहिऽभिद्दुया ॥१८॥ इणमेव खणं वियाणिया णो सुलभं बोहिं च आहियं । एवं सहिएऽहिपासए आह जिणे इणमेव सेसगा ॥ १९ ॥ अभविंसु पुरा वि भिक्खुवो आएसा वि

भवंति सुव्वया । एयाइं गुणाइं आहु ते कासवस्स अणुधम्मचारिणो ॥ २० ॥ तिविहेण वि पाण मा हणे आयहिए अणियाण संवुडे । एवं सिद्धा अणंतसो संपइ जे य अणागयावरे ॥ २१ ॥ एवं से उदाहु अणुत्तरणाणी अणुत्तरदंसी अणुत्तर-णाणदंसणधरे । अरहा णायपुत्ते भगवं वेसालिए वियाहिए ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

उवसग्गपरिण्णा णाम तइयं अज्झयणं पढमो उद्देसो

सूरं मण्णइ अप्पाणं जाव जेयं ण पस्सई । जुज्झंतं दढधम्माणं सिसुपालो व महारहं ॥ १ ॥ पयाया सूरा रणसीसे संगामम्मि उवट्ठिए । माया पुत्तं ण जाणाइ जेएण परिविच्छए ॥ २ ॥ एवं सेहे वि अप्पुट्ठे भिक्खायरियाअको-विए । सूरं मण्णइ अप्पाणं जाव लूहं ण सेवए ॥ ३ ॥ जया हेमंतमासम्मि सीयं फुसइ सव्वगं । तत्थ मंदा विसीयंति रज्जहीणा व खत्तिया ॥ ४ ॥ पुट्ठे गिम्हाहिता-वेणं विमणे सुपिवासिए । तत्थ मंदा विसीयंति मच्छा अप्पोदए जहा ॥ ५ ॥ सया दत्तेसणा दुक्खा जायणा दुप्पणोल्लिया । कम्मत्ता दुब्भगा चेव इच्चाहंसु पुढोजणा ॥ ६ ॥ एए सद्दे अचायंता गामेसु णगरेसु वा । तत्थ मंदा विसीयंति संगामम्मि व भीरुया ॥ ७ ॥ अप्पेगे खुहियं भिक्खुं सुणी डंसइ लूसए । तत्थ मंदा विसीयंति तेउपुट्ठा व पाणिणो ॥ ८ ॥ अप्पेगे पडिभासंति पडिपंथियमागया । पडियारगया एए जे एए एवजीविणो ॥ ९ ॥ अप्पेगे वइ जुंजंति णगिणा पिण्डोलगाहमा । मुण्डा कण्डूविणट्ठंगा उज्जल्ला असमाहिया ॥ १० ॥ एवं विप्पडिवण्णेगे अप्पणा उ अजाणया । तमाओ ते तमं जंति मंदा मोहेण पाउडा ॥ ११ ॥ पुट्ठो य दंस-मसगेहिं तणफासमचाइया । ण मे दिट्ठे परे लोए जइ परं मरणं सिया ॥ १२ ॥ संतत्ता केसलोएणं बम्भचेरपराइया । तत्थ मंदा विसीयंति मच्छा विद्धा व केयणे ॥ १३ ॥ आयदण्डसमायारे मिच्छासंठियभावणा । हरिसप्पओसमावण्णा केई लूसंतिऽणारिया ॥ १४ ॥ अप्पेगे पलियंतेसिं चारो चोरो त्ति सुव्वयं । बंधंति भिक्खुयं बाला कसायवयणेहि य ॥ १५ ॥ तत्थ दण्डेण संवीए मुट्ठिणा अदु फलेण वा । णाईणं सरई बाले इत्थी वा कुद्धगामिणी ॥ १६ ॥ एए भो कसिणा फासा फरुसा दुरहियासया । हत्थी वा सरसंवित्ता कीवावस गया गिहं ॥ १७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइयं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

अहिमे सुहुमा संगा भिक्खूणं जे दुरुत्तरा । जत्थ एगे विसीयंति ण चयंति

जवित्तए ॥ १ ॥ अप्पेगे णायओ दिस्स रोयंति परिवारिया । पोस णे ताय पुट्ठो सि कस्स ताय जहासि णे ॥ २ ॥ पिया ते थेरओ ताय ससा ते खुड्डिया इमा । भायरो ते सगा ताय सोयरा किं जहासि णे ? ॥ ३ ॥ मायरं पियरं पोस एवं लोगो भविस्सइ । एवं खु लोइयं ताय जे पालेंति य मायरं ॥ ४ ॥ उत्तरा महुरुल्लावा पुत्ता ते ताय खुड्डया । भारिया ते णवा ताय मा सा अण्णं जणं गमे ॥ ५ ॥ एहि ताय घरं जामो मा य कम्म सहा वयं । बिइयं पि ताय पासामो जामु ताव सयं गिहं ॥ ६ ॥ गंतुं ताय पुणो गच्छे ण तेणासमणो सिया । अकामगं परिक्कम्मं को ते वारिउमरिहइ ॥ ७ ॥ जं किंचि अणगं ताय तं पि सव्वं समीकयं । हिरण्णं ववहाराइ तं पि दाहामु ते वयं ॥ ८ ॥ इच्चेव णं सुसेहंति कालुणीयसमुट्ठिया । विबद्धो णाइसंगेहिं तओऽगारं पहावइ ॥ ९ ॥ जहा रुक्खं वणे जायं मालुया पडिबंधइ । एवं णं पडिबंधंति णायओ असमाहिणा ॥ १० ॥ विबद्धो णाइसंगेहिं हत्थी वा वि णवग्गहे । पिट्ठओ परिसप्पंति सुय गो व्व अदूरए ॥ ११ ॥ एए संगा मणूसाणं पायाला व अतारिमा । कीवा जत्थ य किस्संति णाइसंगेहि मुच्छिया ॥ १२ ॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सव्वे संगा महासवा । जीवियं णावकंखिज्जा सोच्चा धम्ममणुत्तरं ॥ १३ ॥ अहिमे संति आवट्टा कासवेणं पवेइया । बुद्धा जत्थावसप्पंति सीयंति अबुहा जहिं ॥ १४ ॥ रायाणो रायऽमच्चा य माहणा अदुव खत्तिया । णिमंतयंति भोगेहिं भिक्खुयं साहुजीविणं ॥ १५ ॥ हत्थस्सरहजाणेहिं विहारगमणेहि य । भुंज भोगे इमे सग्घे महरिसी पूजयामु तं ॥ १६ ॥ वत्थगंधमलंकारं इत्थीओ सयणाणि य । भुंजाहिमाइं भोगाइं आउसो ! पूजयामु तं ॥ १७ ॥ जो तुमे णियमो चिण्णो भिक्खु भावम्मि सुव्वया । अगारमावसंतस्स सव्वो संविज्जए तहा ॥ १८ ॥ चिरं दूइज्जमाणस्स दोसो दाणिं कुओ तव ? । इच्चेव णं णिमंतेंति णीवारेण व सूयरं ॥ १९ ॥ चोइया भिक्खचरियाए अचयंता जवित्तए । तत्थ मंदा विसीयंति उज्जाणंसि व दुब्बला ॥ २० ॥ अचयंता व लूहेणं उवहाणेण तज्जिया । तत्थ मंदा विसीयंति उज्जाणंसि जरग्गवा ॥ २१ ॥ एवं णिमंतणं लद्धुं मुच्छिया गिद्ध इत्थिसु । अज्झोववण्णा कामेहिं चोइज्जंता गया गिहं ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइयं अज्झयणं तइओ उद्देसो ॥

जहा संगामकालम्मि पिट्ठओ भीरु वेहइ । वलयं गहणं णूमं को जाणइ परा-

अयं ॥ १ ॥ मुहुत्ताणं मुहुत्तस्स मुहुत्तो होइ तारिसो पराजियाऽवसप्पामो इइ भीरू उवेहई ॥ २ ॥ एवं उ समणा एगे अबलं णच्चाण अप्पगं। अणागयं भयं दिस्स अवकप्पंतिमं सुयं ॥ ३ ॥ को जाणइ विऊवायं इत्थीओ उदगाउ वा। चोइज्जंता पवक्खामो ण णो अत्थि पकप्पियं ॥४॥ इच्चेव पडिलेहंति वलया पडिलेहिणो। वितिगिच्छसमावण्णा पंथाणं च अकोविया ॥५॥ जे उ संगामकालम्मि णाया सूरपुरंगमा। णो ते पिट्ठमुवेहिंति किं परं मरणं सिया? ॥ ६ ॥ एवं समुट्ठिए भिक्खू वोसिज्जागारबंधणं। आरम्भं तिरियं कट्टु अत्तत्ताए परिव्वए ॥७॥ तमेगे परिभासंति भिक्खुयं साहुजीविणं। जे एवं परिभासंति अंतए ते समाहिए ॥ ८ ॥ संबद्धसमकप्पा उ अण्णमण्णेसु मुच्छिया। पिण्डवायं गिलाणस्स जं सारेह दलाह य ॥ ९ ॥ एवं तुब्भे सरागत्था अण्णमण्णमणुव्वसा। णट्ठसप्पहसब्भावा संसारस्स अपारगा ॥ १० ॥ अह ते परिभासेज्जा भिक्खु मोक्खविसारए। एवं तुब्भे पभासंता दुपक्खं चेव सेवह ॥११॥ तुब्भे भुंजह पाएसु गिलाणो अभिहडम्मि य। तं च बीओदगं भोच्चा तमुद्दिस्सादि जं कडं ॥१२॥ लित्ता तिव्वाभितावेणं उज्झिया असमाहिया। णाइकण्डूइयं सेयं अरुयस्सावरज्झई ॥१३॥ तत्तेण अणुसिट्ठा ते अपडिण्णेण जाणया। ण एस णियए मग्गे असमिक्खा वई किई ॥ १४ ॥ एरिसा जा वई एसा अग्गवेणु व्व करिसिया। गिहिणो अभिहडं सेयं भुंजिउं ण उ भिक्खुणं ॥ १५ ॥ धम्मपण्णवणा जा सा सारम्भा ण विसोहिया। ण उ एयाहि दिट्ठीहिं पुव्वमासिं पगप्पियं ॥ १६ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं अचयंता जवित्तए। तओ वायं णिराकिच्चा ते भुज्जो वि पगब्भिया ॥१७॥ रागदोसाभिभूयप्पा मिच्छत्तेण अभिद्दुया। आउसे सरणं जंति टंकणा इव पव्वयं ॥ १८ ॥ बहुगुणप्पगप्पाइं कुज्जा अत्तसमाहिए। जेणण्णे ण विरुज्झेज्जा तेण तं तं समायरे ॥ १९ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २० ॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे। उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥२१॥ त्ति बेमि ॥

॥ तइयं अज्झयणं चउत्थो उद्देसो ॥

आहंसु महापुरिसा पुव्विं तत्ततवोधणा। उदएण सिद्धिमावण्णा तत्थ मंदो विसीयइ ॥ १ ॥ अभुंजिया णमी विदेही रामगुत्ते य भुंजिया। बाहुए उदगं भोच्चा

तहा णारायणे रिसी ॥ २॥ आसिले देविले चेव दीवायण महारिसी। पारासरे दगं भोच्चा बीयाणि हरियाणि य ॥ ३॥ एए पुव्वं महापुरिसा आहिया इह संमया। भोच्चा बीयोदगं सिद्धा इइ मेयमणुस्सुयं ॥४॥ तत्थ मंदा विसीयंति वाहच्छिण्णा व गद्दभा। पिट्ठओ परिसप्पंति पिट्ठसप्पी य संभमे ॥ ५॥ इहमेगे उ भासंति सायं साएण विज्जई। जे तत्थ आरियं मग्गं परमं च समाहियं ॥ ६॥ मा एयं अवमण्णंता अप्पेणं लुम्पहा बहुं। एयस्स उ अमोक्खाए अयोहारि व्व जूरह ॥ ७॥ पाणाइवाए वट्टंता मुसावाए असंजया। अदिण्णादाणे वट्टंता मेहुणे य परिग्गहे ॥ ८॥ एवमेगे उ पासत्था पण्णवेंति अणारिया। इत्थीवसं गया बाला जिणसासणपरंमुहा ॥ ९॥ जहा गण्डं पिलागं वा परिपीलेज्ज मुहुत्तगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ १०॥ जहा मंधादणे णाम थिमियं भुंजई दगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥ ११॥ जहा विहंगमा पिंगा थिमियं भुंजई दगं। एवं विण्णवणित्थीसु दोसो तत्थ कओ सिया ? ॥१२॥ एवमेगे उ पासत्था मिच्छदिट्ठी अणारिया। अज्झोववण्णा कामेहिं पूयणा इव तरुणए ॥१३॥ अणागयमपस्संता पच्चुप्पण्णगवेसगा। ते पच्छा परितप्पंति खीणे आउम्मि जोव्वणे ॥ १४॥ जेहिं काले परिक्कंतं ण पच्छा परितप्पए। ते धीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ १५॥ जहा णई वेयरणी दुत्तरा इह संमया। एवं लोगंसि णारीओ दुत्तरा अमईमया ॥ १६॥ जेहिं णारीण संजोगा पूयणापिट्ठओ कया। सव्वमेयं णिराकिच्चा ते ठिया सुसमाहिए ॥ १७॥ एए ओघं तरिस्संति समुद्दं ववहारिणो। जत्थ पाणा विसण्णासि किच्चंती सयकम्मुणा ॥ १८॥ तं च भिक्खू परिण्णाय सुव्वए समिए चरे। मुसावायं च वज्जिज्जा अदिण्णादाणं च वोसिरे ॥ १९॥ उड्ढमहे तिरियं वा जे केई तसथावरा। सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ २०॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। कुज्जा भिक्खू गिलाणस्स अगिलाए समाहिए ॥ २१॥ संखाय पेसलं धम्मं दिट्ठिमं परिणिव्वुडे। उवसग्गे णियामित्ता आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२॥ त्ति बेमि ॥

॥ इत्थिपरिण्णा णाम चउत्थं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

जे मायरं च पियरं च विप्पजहाय पुव्वसंजोगं। एगे सहिए चरिस्सामि आरयमेहुणो विवित्तेसु ॥ १॥ सुहुमेणं तं परिक्कम्म छण्णपएण इत्थिओ मंदा।

उव्वायं पि ताउ जाणंसु जहा लिस्संति भिक्खुणो एगे ॥ २ ॥ पासे भिसं णिसी-यंति अभिक्खणं पोसवत्थं परिहिंति । कायं अहे वि दंसंति बाहू उद्धट्टु कक्ख-मणुव्वजे ॥ ३ ॥ सयणासणेहिं जोगेहिं इत्थिओ एगया णिमंतंति । एयाणि चेव से जाणे पासाणि विरूवरूवाणि ॥ ४ ॥ णो तासु चक्खु संधेज्जा णो वि य साहसं समभिजाणे । णो सहियं पि विहरेज्जा एवमप्पा सुरक्खिओ होइ ॥ ५ ॥ आमंतिय उस्सविया भिक्खुं आयसा णिमंतंति । एयाणि चेव से जाणे सद्दाणि विरूवरूवाणि ॥ ६ ॥ मणबंधणेहिं णेगेहिं कलुणविणीयमुवगसित्ताणं । अदु मंजुलाइं भासंति आणवयंति भिण्णकहाहिं ॥ ७ ॥ सीहं,जहा व कुणिमेणं णिब्भयमेगचरं ति पासेणं । एवित्थियाउ बंधंति संवुडं एगइयमणगारं ॥ ८ ॥ अह तत्थ पुणो णमयंति रहकारो व णेमि आणुपुव्वीए । बद्धे मिए व पासेणं फंदंते वि ण मुच्चए ताहे ॥ ९ ॥ अह सेऽणुतप्पई पच्छा भोच्चा पायसं व विसमिस्सं । एवं विवेगमायाय संवासो ण वि कप्पए दविए ॥ १० ॥ तम्हा उ वज्जए इत्थी विसलित्तं व कण्टगं णच्चा । ओए कुलाणि वसवत्ती आघाए ण से वि णिग्गंथे ॥ ११ ॥ जे एयं उंछं अणुगिद्धा अण्णयरा होंति कुसीलाणं । सुतवस्सिए वि से भिक्खू णो विहरे सह णमि-त्थीसु ॥१२॥ अवि धूयराहि सुण्हाहिं धाईहिं अदुव दासीहिं । महईहि वा कुमारीहिं संथवं से ण कुज्जा अणगारे ॥१३॥ अदु णाइणं च सुहीणं वा अप्पियं दट्ठु एगया होइ । गिद्धा सत्ता कामेहिं रक्खणपोसणे मणुस्सोऽसि ॥१४॥ समणं पि दट्ठुदासीणं तत्थ वि ताव एगे कुप्पंति । अदु वा भोयणेहि णत्थेहिं इत्थीदोसं संकिणो होंति ॥ १५ ॥ कुव्वंति संथवं ताहिं पब्भट्ठा समाहिजोगेहिं । तम्हा समणा ण समेंति आयहियाए संणिसेज्जाओ ॥१६॥ बहवे गिहाइं अवहट्टु मिस्सीभावं पत्थुया य एगे । धुवमग्ग-मेव पवयंति वायावीरियं कुसीलाणं ॥ १७ ॥ सुद्धं रवइ परिसाए अह रहस्स-म्मि दुक्कडं करेंति । जाणंति य णं तहाविऊ माइल्ले महासढेऽयं ति ॥ १८ ॥ सयं दुक्कडं च ण वयइ आइट्ठो वि पकत्थइ बाले । वेयाणुवीइ मा कासी चोइ-ज्जंतो गिलाइ से भुज्जो ॥१९॥ ओसिया वि इत्थिपोसेसु पुरिसा इत्थिवेयखेयण्णा । पण्णासमण्णिया वेगे णारीणं वसं उवकसंति ॥ २० ॥ अवि हत्थपायछेयाए अदु वा वद्धमंसउक्कंते । अवि तेयसाभितावणाणि तच्छिय खारसिंचणाइं य ॥२१॥ अदु कण्णणासच्छेयं कण्ठच्छेयणं तिइक्खंती । इइ एत्थ पावसंतत्ता ण बेंति पुणो ण

काहिंति ॥ २२ ॥ सुयमेयमेवमेगेसिं इत्थीवेय त्ति हु सुयक्खायं । एयं पि ता वइत्ताणं अदु वा कम्मुणा अवकरेंति ॥ २३ ॥ अण्णं मणेण चिंतेंति वाया अण्णं च कम्मुणा अण्णं । तम्हा ण सद्दहे भिक्खू बहुमायाओ इत्थिओ णच्चा ॥ २४ ॥ जुवई समणं बूया विचित्तलंकारवत्थगाणि परिहित्ता । विरया चरिस्सहं रुक्खं धम्ममाइक्ख णे भयंतारो ॥ २५ ॥ अदु साविया पवाएणं अहमंसि साहम्मिणी य समणाणं । जउकुम्भे जहा उवज्जोई संवासे विऊ विसीएज्जा ॥ २६ ॥ जउकुम्भे जोइउवगूढे आसुभितत्ते णासमुवयाइ । एवित्थियाहिं अणगारा संवासेण णासमुवयंति ॥ २७ ॥ कुव्वंति पावगं कम्मं पुट्ठा वेगेवमाहिंसु । णोऽहं करेमि पावं ति अंकेसाइणी ममेस त्ति ॥ २८ ॥ बालस्स मंदयं बीयं जं च कडं अवजाणई भुज्जो । दुगुणं करेइ से पावं पूयणकामो विसण्णेसी ॥ २९ ॥ संलोकणिज्जमणगारं आयगयं णिमंतणेणाहंसु । वत्थं च ताइ पायं वा अण्णं पाणगं पडिग्गाहे ॥३०॥ णीवारमेवं बुज्झेज्जा णो इच्छे अगारमागंतुं । बद्धे विसयपासेहिं मोहमावज्जइ पुणो मंदे ॥ ३१ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ चउत्थं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

ओए सया ण रज्जेज्जा भोगकामी पुणो विरज्जेज्जा । भोगे समणाणं सुणेह जह भुंजंति भिक्खुणो एगे ॥ १ ॥ अह तं तु भेयमावण्णं मुच्छियं भिक्खुं काममइवट्टं । पलिभिंदिया णं तो पच्छा पादुद्धट्टु मुद्धि पहणंति ॥ २ ॥ जइ केसिया णं मए भिक्खू णो विहरे सह णमित्थीए । केसाणविहं लुंचिस्सं णण्णत्थ मए चरेज्जासि ॥ ३ ॥ अह णं से होइ उवलद्धो तो पेसंति तहाभूएहिं । अलाउच्छेयं पेहेहि वग्गुफलाइं आहराहि त्ति ॥ ४ ॥ दारुणि सागपागाए पज्जोओ वा भविस्सई राओ । पायाणि य मे रयावेहि एहि ता मे पिट्ठओमद्दे ॥ ५ ॥ वत्थाणि य मे पडिलेहेहि अण्णं पाणं च आहराहि त्ति । गंधं च रओहरणं च कासवगं च मे समणुजाणाहि ॥ ६ ॥ अदु अंजणिं अलंकारं कुक्कययं मे पयच्छाहि । लोद्धं च लोद्धकुसुमं च वेणुपलासियं च गुलियं च ॥ ७ ॥ कुट्ठं तगरं च अगरुं संपिट्ठं सम्मं उसिरेणं । तेल्लं मुहभिंजाए वेणुफलाइं संणिहाणाए ॥ ८ ॥ णंदीचुण्णगाइं पाहराहि छत्तोवाणहं च जाणाहि । सत्थं च सूवच्छेज्जाए आणीलं च वत्थयं रयावेहि ॥ ९ ॥ सुफणिं च सागपागाए आमलगाइं दगाहरणं च । तिलगकरणिमंजणसलागं घिंसु मे विहू-

णयं विजाणेहि ॥ १० ॥ संडासगं च फणिहं च सीहलिपासगं च आणाहि । आयं-सगं च पयच्छाहि दंतपक्खालणं पवेसाहि ॥ ११ ॥ पूयफलं तंबोलयं सूई सुत्तगं च जाणाहि । कोसं च मोयमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च ॥ १२ ॥ चंदालगं च करगं च वच्चघरं च आउसो ! खणाहि । सरपाययं च जायाए गोरहगं च सामणेराए ॥ १३ ॥ घडियं च सडिण्डिमयं च चेलगोलं कुमारभूयाए । वासं समभिआवण्णं आवसहं च जाण भत्तं च ॥ १४ ॥ आसंदियं च णवसुत्तं पाउल्लाइं संकमट्ठाए । अदु पुत्तदोहलट्ठाए आणप्पा हवंति दासा वा ॥ १५ ॥ जाए फले समुप्पण्णे गेण्हसु वा णं अहवा जहाहि । अह पुत्तपोसिणो एगे भारवहा हवंति उट्टा वा ॥ १६ ॥ राओ वि उट्ठिया संता दारगं च संठवंति धाई वा । सुहिरामणा वि ते संता वत्थधोवा हवंति हंसा वा ॥ १७ ॥ एवं बहुहिं कयपुव्वं भोगत्थाए जेऽभियावण्णा । दासे मिए व पेसे वा पसुभूए व से ण वा केई ॥ १८ ॥ एवं खु तासु विण्णप्पं संथवं संवासं च वज्जेज्जा । तज्जातिया इमे कामा वज्जकरा य एवमक्खाए ॥ १९ ॥ एयं भयं ण सेयाए इइ से अप्पगं णिरुम्भित्ता । णो इत्थिं णो पसुं भिक्खू णो सयं पाणिणा णिलिज्जेज्जा ॥ २० ॥ सुविसुद्धलेसे मेहावी परकिरियं च वज्जए णाणी । मणसा वयसा काएणं सव्वफाससहे अणगारे ॥ २१ ॥ इच्चेवमाहु से वीरे धुयरए धुयमोहे से भिक्खू । तम्हा अज्झत्थविसुद्धे सुविमुक्के आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २२ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ णरयविभत्ती णाम पंचमं अज्झयणं पढमो उद्देसो ॥

पुच्छिस्सहं केवलियं महेसिं कहं भिताबा णरगा पुरत्था ? । अजाणओ मे मुणि बूहि जाणं कहिं णु बाला णरयं उवेंति ॥१॥ एवं मए पुट्ठे महाणुभावे इणमोऽब्बवी कासवे आसुपण्णे । पवेयइस्सं दुहमट्ठदुग्गं आईणियं दुक्कडिणं पुरत्था ॥ २ ॥ जे केइ बाला इह जीवियट्ठी पावाइं कम्माइं करेंति रुद्दा । ते घोररूवे तमिसंधयारे तिव्वाभितावे णरए पडंति ॥ ३ ॥ तिव्वं तसे पाणिणो थावरे य जे हिंसई आयसुहं पडुच्चा । जे लूसए होइ अदत्तहारी ण सिक्खई सेयवियस्स किंचि ॥ ४ ॥ पागब्भि पाणे बहुणं तिवाइ अणिव्वुए घायमुवेइ बाले । णिहो णिसं गच्छइ अंतकाले अहोसिरं कट्टु उवेइ दुग्गं ॥ ५ ॥ हण छिंदह भिंदह णं दहेह सद्दे सुणेंता परहम्मियाणं । ते णारगाओ भयभिण्णसण्णा कंखंति कं णाम दिसं वयामो ॥ ६ ॥ इंगाल-

रासिं जलियं सजोइं तत्तोवमं भूमिमणुक्कमंता । ते डज्झमाणा कलुणं थणंति अरहस्सरा तत्थ चिरट्ठिईया ॥ ७ ॥ जइ ते सुया वेयरणी भिदुग्गा णिसिओ जहा खुर इव तिक्खसोया । तरंति ते वेयरणी भिदुग्गं उसुचोइया सत्तिसु हम्ममाणा ॥ ८ ॥ कीलेहि विज्झंति असाहुकम्मा णावं उवेंते सइविप्पहूणा । अण्णे उ सूलाहि तिसूलियाहिं दीहाहि विद्धूण अहे करेंति ॥ ९ ॥ केसिं च बंधित्तु गले सिलाओ उदगंसि बोलेंति महालयंसि । कलंबुयावालुयमुम्मुरे य लोलंति पच्चंति य तत्थ अण्णे ॥१०॥ असूरियं णाम महाभितावं अंधंतमं दुप्पतरं महंतं । उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु समाहिओ जत्थगणी झियाइ ॥ ११ ॥ जंसी गुहाए जलणेऽतिउट्टे अविजाणओ डज्झइ लुत्तपण्णो । सया य कलुणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं ॥१२॥ चत्तारि अगणीओ समारभेत्ता जहिं कूरकम्माऽभितवेंति बालं । ते तत्थ चिट्ठंतऽभितप्पमाणा मच्छा व जीवंतु व जोइपत्ता ॥ १३ ॥ संतच्छणं णाम महाभितावं ते णारया जत्थ असाहुकम्मा । हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं फलगं व तच्छंति कुहाडहत्था ॥ १४ ॥ रुहिरे पुणो वच्चसमुस्सियंगे भिण्णुत्तमंगे परिवत्तयंता । पयंति णं णेरइए फुरंते सजीवमच्छे व अयोकवल्ले ॥ १५ ॥ णो चेव ते तत्थ मसीभवंति ण मिज्जई तिव्वभिवेयणाए । तमाणुभागं अणुवेययंता दुक्खंति दुक्खी इह दुक्कडेणं ॥ १६ ॥ तहिं च ते लोलणसंपगाढे गाढं सुतत्तं अगणिं वयंति । ण तत्थ सायं लहई भिदुग्गे अरहियाभितावा तह वी तवेंति ॥ १७ ॥ से सुव्वई णगरवहे व सद्दे दुहोवणीयाणि पयाणि तत्थ । उदिण्णकम्माण उदिण्णकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहेंति ॥ १८ ॥ पाणेहि णं पाव वियोजयंति तं भे पवक्खामि जहातहेणं । दण्डेहि तत्था सरयंति बाला सव्वेहि दण्डेहि पुराकएहिं ॥ १९ ॥ ते हम्ममाणा णरगे पडंति पुण्णे दुरूवस्स महाभितावे । ते तत्थ चिट्ठंति दुरूवभक्खी तुट्टंति कम्मोवगया किमीहिं ॥ २० ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । अंदूसु पक्खिप्प विहत्तु देहं वेहेण सीसं सेऽभितावयंति ॥ २१ ॥ छिंदंति बालस्स खुरेण णक्कं उट्ठे वि छिंदंति दुवे वि कण्णे । जिब्भं विणिक्कस्स विहत्थिमेत्तं तिक्खाहि सूलाहि भितावयंति ॥ २२ ॥ ते तिप्पमाणा तलसंपुडं व राइंदियं तत्थ थणंति बाला । गलंति ते सोणियपूयमंसं पज्जोइया खारपइद्धियंगा ॥ २३ ॥ जइ ते सुया लोहियपूयपाई बालागणी तेअगुणा परेणं । कुम्भी महंताहियपोरुसीया समूसिया

लोहियपूयपुण्णा ॥ २४ ॥ पक्खिप्प तासुं पययंति बाले अट्टस्सरे ते कलुणं रसंते । तण्हाइया ते तउतम्बतत्तं पज्जिज्जमाणट्टयरं रसंति ॥ २५ ॥ अप्पेण अप्पं इह वंचइत्ता भवाहमे पुव्वसए सहस्से । चिट्ठंति तत्था बहुकूरकम्मा जहा कडं कम्म तहासि भारे ॥ २६ ॥ समज्जिणित्ता कलुसं अणज्जा इट्ठेहि कंतेहि य विप्पहूणा । ते दुब्भिगंधे कसिणे य फासे कम्मोवगा कुणिमे आवसंति ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ पंचमं अज्झयणं बीओ उद्देसो ॥

अहावरं सासयदुक्खधम्मं तं भे पवक्खामि जहातहेणं । बाला जहा दुक्कडकम्मकारी वेयंति कम्माइं पुरेकडाइं ॥ १ ॥ हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं उयरं विकत्तंति खुरासिएहिं । गिण्हित्तु बालस्स विहत्तु देहं वद्धं थिरं पिट्ठउ उद्धरंति ॥ २ ॥ बाहू पकत्तंति य मूलओ से थूलं वियासं मुहे आडहंति । रहंसि जुत्तं सरयंति बालं आरुस्स विज्झंति तुदेण पिट्ठे ॥ ३ ॥ अयं व तत्तं जलियं सजोइ तऊवमं भूमिमणुक्कमंता । ते डज्झमाणा कलुणं थणंति उसुचोइया तत्तजुगेसु जुत्ता ॥ ४ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमंता पविज्जलं लोहपहं च तत्तं । जंसीऽभिदुग्गंसि पवज्जमाणा पेसे व दण्डेहि पुरा करेंति ॥ ५ ॥ ते संपगाढंसि पवज्जमाणा सिलाहि हम्मंति णिपातिणीहिं । संतावणी णाम चिरट्ठिईया संतप्पई जत्थ असाहुकम्मा ॥ ६ ॥ कंदूसु पक्खिप्प पयंति बालं तओ वि दड्ढा पुण उप्पयंति । ते उड्ढकाएहिं पखज्जमाणा अवरेहिं खज्जंति सणप्फएहिं ॥ ७ ॥ समूसियं णाम विधूमठाणं जं सोयतत्ता कलुणं थणंति । अहोसिरं कट्टु विगत्तिऊणं अयं व सत्थेहि समोसवेंति ॥ ८ ॥ समूसिया तत्थ विसूणियंगा पक्खीहि खज्जंति अओमुहेहिं । संजीवणी णाम चिरट्ठिईया जंसी पया हम्मइ पावचेया ॥ ९ ॥ तिक्खाहि सूलाहि णिवाययंति वसोगयं सावययं व लद्धं । ते सूलविद्धा कलुणं थणंति एगंतदुक्खं दुहओ गिलाणा ॥ १० ॥ सया जलं णाम णिहं महंतं जंसी जलंतो अगणी अकट्ठो । चिट्ठंति बद्धा बहुकूरकम्मा अरहस्सरा केइ चिरट्ठिईया ॥ ११ ॥ चिया महंतीउ समारभित्ता छुब्भंति ते तं कलुणं रसंतं । आवट्टई तत्थ असाहुकम्मा सप्पी जहा पडियं जोइमज्झे ॥ १२ ॥ सया कसिणं पुण घम्मठाणं गाढोवणीयं अइदुक्खधम्मं । हत्थेहि पाएहि य बंधिऊणं सत्तुव्वदण्डेहि समारभंति ॥ १३ ॥ भंजंति बालस्स वहेण पुट्ठी सीसं पि भिंदंति अयोघणेहिं । ते भिण्णदेहा फलगं व तच्छा तत्ताहि आराहि णियोजयंति ॥ १४ ॥

अभिंजुजिया रुद्द असाहुकम्मा उसुचोइया हत्थिवहं वहंति । एगं दुरूहित्तु दुवे तओ वा आरुस्स विज्झंति ककाणओ से ॥ १५ ॥ बाला बला भूमिमणुक्कमंता पविज्जलं कंटइलं महंतं । विवद्धतप्पेहि विवण्णचित्ते समीरिया कोट्टबलिं करेंति ॥ १६ ॥ वेयालिए णाम महाभितावे एगायए पव्वयमंतलिक्खे । हम्मंति तत्था बहुकूरकम्मा परं सहस्साण मुहुत्तगाणं ॥ १७ ॥ संबाहिया दुक्कडिणो थणंति अहो य राओ परितप्पमाणा । एगंतकूडे णरए महंते कूडेण तत्था विसमे हया उ ॥ १८ ॥ भंजंति णं पुव्वमरीसरोसं समुग्गरे ते मुसले गहेउं । ते भिण्णदेहा रुहिरं वमंता ओमुद्धगा धरणितले पडंति ॥ १९ ॥ अणासिया णाम महासियाला पागब्भिणो तत्थ सयायकोवा । खज्जंति तत्था बहुकूरकम्मा अदूरगा संकलियाहि बद्धा ॥ २० ॥ सयाजला णाम णई भिदुग्गा पविज्जलं लोहविलीणतत्ता । जंसी भिदुग्गंसि पवज्जमाणा एगायताणुक्कमणं करेंति ॥ २१ ॥ एयाई फासाइं फुसंति बालं णिरंतरं तत्थ चिरट्ठिईयं । ण हम्ममाणस्स उ होइ ताणं एगो सयं पच्चणुहोइ दुक्खं ॥ २२ ॥ जं जारिसं पुव्वमकासि कम्मं तमेव आगच्छइ संपराए । एगंतदुक्खं भवमज्जणित्ता वेयंति दुक्खी तमणंतदुक्खं ॥ २३ ॥ एयाणि सोच्चा णरगाणि धीरे ण हिंसए किंचण सव्वलोए । एगंतदिट्ठी अपरिग्गहे उ बुज्झिज्ज लोगस्स वसं ण गच्छे ॥२४॥ एवं तिरिक्खेमणुयासु(म)रेसुं चउरंतणंतं तयणुव्विवागं । स सव्वमेयं इइ वेयइत्ता कंखेज्ज कालं धुयमायरेज्ज ॥ २५ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ महावीरत्थुई णाम छट्ठं अज्झयणं ॥

पुच्छिस्सु णं समणा माहणा य अगारिणो या परतित्थिया य । से केई णेगंतहियं धम्ममाहु अणेलिसं साहुसमिक्खयाए ॥ १ ॥ कहं च णाणं कह दंसणं से सीलं कहं णायसुयस्स आसि । जाणासि णं भिक्खू जहातहेणं अहासुयं बूहि जहा णिसंतं ॥ २ ॥ खेयण्णए से कुसलासुपण्णे अणंतणाणी य अणंतदंसी । जसंसिणो चक्खुपहे ठियस्स जाणाहि धम्मं च धिइं च पेहि ॥ ३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । से णिच्चणिच्चेहि समिक्ख पण्णे दीवे व धम्मं समियं उदाहु ॥ ४ ॥ से सव्वदंसी अभिभूयणाणी णिरामगंधे धिइमं ठियप्पा । अणुत्तरे सव्वजगंसि विज्जं गंथा अईए अभए अणाऊ ॥५॥ से भूइपण्णे अणिए-अचारी ओहंतरे धीरे अणंतचक्खू । अणुत्तरं तप्पइ सूरिए वा वइरोयणिंदे व

तमं पगासे ॥ ६ ॥ अणुत्तरं धम्ममिणं जिणाणं णेया मुणी कासव आसुपण्णे । इंदे व देवाण महाणुभावे सहस्सणेया दिवि णं विसिट्ठे ॥ ७ ॥ से पण्णया अक्खयसागरे वा महोदही वा वि अणंत पारे । अणाइले वा अकसाइ मुक्के सक्के व देवाहिवई जुईमं ॥ ८ ॥ से वीरिएणं पडिपुण्णवीरिए सुदंसणे वा णगसव्वसेट्ठे । सुरालए वा सि मुदागरे से विरायए णेगगुणोववेए ॥ ९ ॥ सयं सहस्साण उ जोयणाणं तिकंडगे पंडगवेजयंते । से जोयणे णवणवते सहस्से उद्धुस्सियो हेट्ठ सहस्समेगं ॥ १० ॥ पुट्ठे णभे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए जं सूरिया अणुपरिवट्टयंति । से हेमवण्णे बहुणंदणे य जंसी रइं वेययई महिंदा ॥११॥ से पव्वए सद्दमहप्पगासे विरायई कंचणमट्ठवण्णे । अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे गिरीवरे से जलिए व भोमे ॥ १२ ॥ महीइ मज्झम्मि ठिए णगिंदे पण्णायए सूरियसुद्धलेसे । एवं सिरीए उ स भूरिवण्णे मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥ सुदंसणस्सेव जसो गिरिस्स पवुच्चई महओ पव्वयस्स । एओवमे समणे णायपुत्ते जाईजसोदंसणणाणसीले ॥१४॥ गिरीवरे वा णिसहाऽऽययाणं रुयए व सेट्ठे वलयाययाणं । तओवमे से जगभूइपण्णे मुणीण मज्झे तमुदाहु पण्णे ॥१५॥ अणुत्तरं धम्ममुईरइत्ता अणुत्तरं झाणवरं झियाइं । सुसुक्कसुक्कं अपगंडसुक्कं संखिंदुएगंतवदायसुक्कं ॥ १६ ॥ अणुत्तरग्गं परमं महेसी असेसकम्मं स विसोहइत्ता । सिद्धिं गए साइमणंतपत्ते णाणेण सीलेण य दंसणेण ॥ १७ ॥ रुक्खेसु णाए जह सामली वा जस्सिं रइं वेययई सुवण्णा । वणेसु वा णंदणमाहु सेट्ठं णाणेण सीलेण य भूइपण्णे ॥ १८ ॥ थणियं व सद्दाण अणुत्तरे उ चंदो व ताराण महाणुभावे । गंधेसु वा चंदणमाहु सेट्ठं एवं मुणीणं अपडिण्णमाहु ॥ १९ ॥ जहा सयंभू उदहीण सेट्ठे णागेसु वा धरणिंदमाहु सेट्ठे । खोओदए वा रस वेजयंते तवोवहाणे मुणि वेजयंते ॥ २० ॥ हत्थीसु एरावणमाहु णाए सीहो मियाणं सलिलाण गंगा । पक्खीसु वा गरुले वेणुदेवो णिव्वाणवादीणिह णायपुत्ते ॥ २१ ॥ जोहेसु णाए जह वीससेणे पुप्फेसु वा जह अरविंदमाहु । खत्तीण सेट्ठे जह दंतवक्के इसीण सेट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥ दाणाण सेट्ठं अभयप्पयाणं सच्चेसु वा अणवज्जं वयंति । तवेसु वा उत्तमं बम्भचेरं लोगुत्तमे समणे णायपुत्ते ॥ २३ ॥ ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा सभा सुहम्मा व सभाण सेट्ठा । णिव्वाणसेट्ठा जह सव्वधम्मा ण णायपुत्ता परमत्थि

णाणी ॥ २४ ॥ पुढोवमे धुणइ विगयगेही ण संणिहिं कुव्वइ आसुपण्णे । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं अभयंकरे वीर अणंतचक्खू ॥ २५ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं-लोभं चउत्थं अज्झत्तदोसा । एयाणि वंता अरहा महेसी ण कुव्वई पाव ण कारवेइ ॥ २६ ॥ किरियाकिरियं वेणइयाणुवायं अण्णाणियाणं पडियच्च ठाणं । से सव्ववायं इह वेयइत्ता उवट्ठिए संजमदीहरायं ॥ २७ ॥ से वारिया इत्थि सराइभत्तं उवहाणवं दुक्खखयट्ठयाए । लोगं विदित्ता आरं परं च सव्वं पभू वारिय सव्ववारं ॥२८॥ सोच्चा य धम्मं अरहंतभासियं समाहियं अट्ठपदोवसुद्धं । तं सद्दहाणा य जणा अणाऊ इंदा व देवाहिव आगमिस्संति ॥२९॥ त्ति बेमि ॥

॥ कुसीलपरिभासियं णाम सत्तमं अज्झयणं ॥

पुढवी य आऊ अगणी य वाऊ तण-रुक्ख बीया य तसा य पाणा । जे अंडया जे य जराउ पाणा संसेयया जे रसयाभिहाणा ॥ १ ॥ एयाइं कायाइं पवेइयाइं एएसु जाणे पडिलेह सायं । एएण काएण य आयदंडे एएसु या विप्परियासुवेंति ॥ २ ॥ जाईपहं अणुपरिवट्टमाणे तसथावरेहिं विणिघायमेइ । से जाइ जाइं बहुकूरकम्मे जं कुव्वई मिज्जइ तेण बाले ॥ ३ ॥ अस्सिं च लोए अदु वा परत्था सयग्गसो वा तह अण्णहा वा । संसारमावण्ण परं परं ते बंधंति वेयंति य दुण्णियाणि ॥ ४ ॥ जे मायरं वा पियरं च हिच्चा समणव्वए अगणिं समारभिज्जा । अहाहु से लोए कुसीलधम्मे भूयाइं जे हिंसइ आयसाए ॥ ५ ॥ उज्जालओ पाण णिवायएज्जा णिव्वावओ अगणिं णिवायएज्जा । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं ण पंडिए अगणिं समारभिज्जा ॥ ६ ॥ पुढवी वि जीवा आऊ वि जीवा पाणा य संपाइम संपयंति । संसेयया कट्ठसमस्सिया य एए दहे अगणिं समारभंते ॥ ७ ॥ हरियाणि भूयाणि विलम्बगाणि आहार देहा य पुढो सियाइ । जे छिंदई आयसुहं पडुच्च पागब्भि पाणे बहुणं तिवाई ॥ ८ ॥ जाइं च वुड्ढिं च विणासयंते बीयाइ अस्संजय आयदंडे । अहाहु से लोए अणज्जधम्मे बीयाइ से हिंसइ आयसाए ॥ ९ ॥ गब्भाइ मिज्जंति बुयाबुयाणा णरा परे पंचसिहा कुमारा । जुवाणगा मज्झिम थेरगा य चयंति ते आउखए पलीणा ॥ १० ॥ संबुज्झहा जंतवो माणुसत्तं दट्ठुं भयं बालिसेणं अलम्भो । एगंतदुक्खे जरिए व लोए सकम्मुणा विप्परियासुवेइ ॥ ११ ॥ इहेग मूढा पययंति मोक्खं आहारसंपज्जणवज्जणेणं । एगे य सीओदग-

सेवणेणं हुएण एगे पवयंति मोक्खं ॥ १२ ॥ पाओसिणाणाइसु णत्थि मोक्खो खारस्स लोणस्स अणासणेणं । ते मज्जमंसं लसुणं च भोच्चा अण्णत्थ वासं परिकप्पयंति ॥ १३ ॥ उदगेण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं उदगं फुसंता । उदगस्स फासेण सिया य सिद्धी सिज्झिसु पाणा बहवे दगंसि ॥१४॥ मच्छा य कुम्मा य सिरीसिवा य मग्गू य उट्टा दगरक्खसा य । अट्ठाणमेयं कुसला वयंति उदगेण जे सिद्धिमुदाहरंति ॥ १५ ॥ उदगं जई कम्ममलं हरेज्जा एवं सुहं इच्छामित्तमेव । अंधं व णेयारमणुस्सरित्ता पाणाणि चेवं विणिहंति मंदा ॥ १६ ॥ पावाइं कम्माइं पकुव्वओ हि सिओदगं ऊ जइ तं हरेज्जा । सिज्झिसु एगे दगसत्तघाई मुसं वयंते जलसिद्धिमाहु ॥१७॥ हुएण जे सिद्धिमुदाहरंति सायं च पायं अगणिं फुसंता । एवं सिया सिद्धि हवेज्ज तम्हा अगणिं फुसंताण कुकम्मिणं पि ॥१८॥ अपरिक्ख दिट्ठं ण हु सिद्धीएहिंति ते घायमबुज्झमाणा । भूएहिं जाणं पडिलेह सायं विज्जं गहायं तसथावरेहिं ॥१९॥ थणंति लुप्पंति तसंति कम्मी पुढो जगा परिसंखाय भिक्खू । तम्हा विऊ विरओ आयगुत्ते दट्ठुं तसे या पडिसंहरेज्जा ॥२०॥ जे धम्मलद्धं विणिहाय भुंजे वियडेण साहट्टु य जे सिणाइं । जे धोवई लूसयई व वत्थं अहाहु से णागणियस्स दूरे ॥ २१ ॥ कम्मं परिण्णाय दगंसि धीरे वियडेण जीवेज्ज य आदिमोक्खं । से बीयकंदाइ अभुंजमाणे विरए सिणाणाइसु इत्थियासु ॥२२॥ जे मायरं च पियरं च हिच्चा गारं तहा पुत्तपसुं धणं च । कुलाइं जे धावइ साउगाइं अहाहु से सामणियस्स दूरे ॥ २३ ॥ कुलाइं जे धावइ साउगाइं आघाइ धम्मं उयराणुगिद्धे । अहाहु से आयरियाण सयंसे जे लावएज्जा असणस्स हेऊ ॥२४॥ णिक्खम्म दीणे परभोयणम्मि मुहमंगलीए उयराणुगिद्धे । णीवारगिद्धे व महावराहे अदूरए एहिइ घायमेव ॥२५॥ अण्णस्स पाणस्सिह लोइयस्स अणुप्पियं भासइ सेवमाणे । पासत्थयं चेव कुसीलयं च णिस्सारए होइ जहा पुलाए ॥ २६ ॥ अण्णायपिण्डेणऽहियासएज्जा णो पूयणं तवसा आवहेज्जा । सद्देहिं रूवेहिं असज्जमाणं सव्वेहि कामेहि विणीय गेहिं ॥ २७ ॥ सव्वाइं संगाइं अइच्च धीरे सव्वाइं दुक्खाइं तितिक्खमाणे । अखिले अगिद्धे अणिएयचारी अभयंकरे भिक्खू अणाविलप्पा ॥ २८ ॥ भारस्स जाआ मुणि भुंजएज्जा कंखेज्ज पावस्स विवेग भिक्खू । दुक्खेण पुट्ठे धुयमाइएज्जा संगामसीसे व परं दमेज्जा ॥ २९ ॥ अवि हम्ममाणे फलगावयट्ठी समागमं कंखइ

अंतगस्स । णिधूय कम्मं ण पवंचुवेइ अक्खक्खए वा सगडं त्ति बेमि ॥ ३० ॥

वीरियं णाम अट्ठमं अज्झयणं

दुहा वेयं सुयक्खायं वीरियं ति पवुच्चई । किं णु वीरस्स वीरत्तं कहं चेयं पवुच्चई ॥ १ ॥ कम्ममेगे पवेदेंति अकम्मं वा वि सुव्वया । एएहिं दोहि ठाणेहिं जेहिं दीसंति मच्चिया ॥ २ ॥ पमायं कम्ममाहंसु अप्पमायं तहावरं । तब्भावादेसओ वा वि बालं पण्डियमेव वा ॥ ३ ॥ सत्थमेगे तु सिक्खंता अइवायाय पाणिणं । एगे मंते अहिज्जंति पाणभूयविहेडिणो ॥ ४ ॥ मायिणो कट्टु माया य कामभोगे समारभे । हंता छेत्ता पगब्भित्ता आयसायाणुगामिणो ॥ ५ ॥ मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो । आरओ परओ वा वि दुहा वि य असंजया ॥ ६ ॥ वेराई कुव्वइ वेरी तओ वेरेहि रज्जई । पावोवगा य आरम्भा दुक्खफासा य अंतसो ॥ ७ ॥ संपरायं णियच्छंति अत्तदुक्कडकारिणो । रागदोसस्सिया बाला पावं कुव्वंति ते बहुं ॥ ८ ॥ एयं सकम्मविरियं बालाणं तु पवेइयं । इत्तो अकम्मविरियं पण्डियाणं सुणेह मे ॥९॥ दविए बंधणुम्मुक्के सव्वओ छिण्णबंधणे। पणोल्ल पावगं कम्मं सल्लं कंतइ अंतसो ॥ १० ॥ णेयाउयं सुयक्खायं उवायाय समीहए । भुज्जो भुज्जो दुहावासं असुहत्तं तहा तहा ॥ ११ ॥ ठाणी विविहठाणाणि चइस्संति ण संसओ । अणियए अयं वासे णायएहि सुहीहि य ॥ १२ ॥ एवमायाय मेहावी अप्पणो गिद्धिमुद्धरे । आरियं उवसंपज्जे सव्वधम्ममगोवियं ॥१३॥ सहसंमइए णच्चा धम्मसारं सुणेत्तु वा । समुवट्ठिए उ अणगारे पच्चक्खायपावए ॥ १४ ॥ जं किंचुवक्कमं जाणे आउक्खेमस्स अप्पणो । तस्सेव अंतरा खिप्पं सिक्खं सिक्खेज्ज पण्डिए ॥ १५ ॥ जहा कुम्मे सअंगाइं सए देहे समाहरे । एवं पावाइं मेहावी अज्झप्पेण समाहरे॥१६॥साहरे हत्थपाए य मणं पंचिंदियाणि य । पावगं च परीणामं भासादोसं च तारिसं॥१७॥ अणु माणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए । सायागारवणिहुए उवसंते णिहे चरे ॥ १८ ॥ पाणे य णाइवाएज्जा अदिण्णं पि य णायए । साइयं ण मुसं बूया एस धम्मे वुसीमओ ॥ १९ ॥ अइक्कम्मंति वायाए मणसा वि ण पत्थए । सव्वओ संवुडे दंते आयाणं सुसमाहरे ॥ २० ॥ कडं च कज्जमाणं च आगमिस्सं च पावगं । सव्वं तं णाणुजाणंति आयगुत्ता जिइंदिया ॥ २१ ॥ जे याऽबुद्धा महाभागा वीरा असमत्तदंसिणो । असुद्धं तेसिं परक्कंतं सफलं होइ सव्वसो ॥ २२ ॥ जे य बुद्धा महाभागा वीरा

सम्मत्तदंसिणो। सुद्धं तेसिं परक्कंतं अफलं होइ सव्वसो ॥ २३ ॥ तेसिं पि ण तवो सुद्धो णिक्खंता जे महाकुला। जं णेवण्णे वियाणंति ण सिलोगं पवेज्जए ॥ २४ ॥ अप्पपिण्डासि पाणासि अप्पं भासेज्ज सुव्वए। खंतेऽभिणिव्वुडे दंते वीयगिद्धी सया जए ॥ २५ ॥ झाणजोगं समाहट्टु कायं विउसेज्ज सव्वसो। तितिक्खं परमं णच्चा आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ २६ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ धम्मो णाम णवमं अज्झयणं ॥

कयरे धम्मे अक्खाए माहणेण मईमया। अंजु धम्मं जहातच्चं जिणाणं तं सुणेह मे ॥ १ ॥ माहणा खत्तिया वेस्सा चण्डाला अदु बोक्कसा। एसिया वेसिया सुद्दा जे य आरम्भणिस्सिया ॥ २ ॥ परिग्गहणिविट्ठाणं पावं तेसिं पवड्ढई। आरम्भसंभिया कामा ण ते दुक्खविमोयगा ॥ ३ ॥ आघायकिच्चमाहेउं णाइओ विसएसिणो। अण्णे हरंति तं वित्तं कम्मी कम्मेहि किच्चई ॥ ४ ॥ माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा। णालं ते तव ताणाय लुप्पंतस्स सकम्मुणा ॥ ५ ॥ एयमट्ठं सपेहाए परमट्ठाणुगामियं। णिम्ममो णिरहंकारो चरे भिक्खू जिणाहियं ॥ ६ ॥ चिच्चा वित्तं च पुत्ते य णाइओ य परिग्गहं। चिच्चा णं अंतगं सोयं णिरवेक्खो परिव्वए ॥७॥ पुढवी उ अगणी वाऊ तणरुक्ख सबीयगा। अण्डया पोयजराऊ रससंसेयउब्भिया ॥ ८ ॥ एएहिं छहिं काएहिं तं विज्जं परिजाणिया। मणसा कायवक्केणं णारम्भी ण परिग्गही ॥ ९ ॥ मुसावायं बहिद्धं च उग्गहं च अजाइया। सत्थादाणाइं लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ १० ॥ पलिउंचणं च भयणं च थंडिल्लुस्सयणाणि य। धूणादाणाइं लोगंसि तं विज्जं परिजाणिया ॥ ११ ॥ धोयणं रयणं चेव वत्थीकम्मं विरेयणं। वमणंजणपलीमंथं तं विज्जं परिजाणिया ॥१२॥ गंधमल्लसिणाणं च दंतपक्खालणं तहा। परिग्गहित्थिकम्मं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १३ ॥ उद्देसियं कीयगडं पामिच्चं चेव आहडं। पूयं अणेसणिज्जं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १४ ॥ आसूणिमक्खिरागं च गिद्धुवघायकम्मगं। उच्छोलणं च कक्कं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १५ ॥ संपसारी कयकिरिए पसिणाययणाणि य। सागारियं च पिण्डं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १६ ॥ अट्ठावयं ण सिक्खिज्जा वेहाईयं च णो वए। हत्थकम्मं विवायं च तं विज्जं परिजाणिया ॥ १७ ॥ पाणहाओ य छत्तं च णालीयं वालवीयणं। परकिरियं अण्णमण्णं च तं विज्जं परिजाणिया ॥१८॥

उच्चारं पासवणं हरिएसु ण करे मुणी । वियडेण वा वि साहट्टु णावमज्जे कयाइ वि ॥ १९ ॥ परमत्ते अण्णपाणं ण भुंजेज्ज कयाइ वि । परवत्थं अचेलो वि तं विज्जं परिजाणिया ॥ २० ॥ आसंदी पलियंके य णिसिज्जं च गिहंतरे । संपुच्छणं सरणं वा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २१ ॥ जसं किर्त्ति सिलोयं च जा य वंदणपूयणा । सव्वलोयंसि जे कामा तं विज्जं परिजाणिया ॥ २२ ॥ जेणेहं णिव्वहे भिक्खू अण्णपाणं तहाविहं । अणुप्पयाणमण्णेसिं तं विज्जं परिजाणिया ॥ २३ ॥ एवं उदाहु णिग्गंथे महावीरे महामुणी । अणंतणाणदंसी से धम्मं देसितवं सुयं ॥ २४ ॥ भासमाणो ण भासेज्जा णेव वम्फेज्ज मम्मयं । माइट्ठाणं विवज्जेज्जा अणुचिंतिय वियागरे ॥ २५ ॥ तत्थिमा तइया भासा जं वइत्ताणुतप्पई । जं छण्णं तं ण वत्तव्वं एसा आणा णियण्ठिया ॥ २६ ॥ होलावायं सहीवायं गोयावायं च णो वए । तुमं तुमं ति अमणुण्णं सव्वसो तं ण वत्तए ॥ २७ ॥ अकुसीले सया भिक्खू णेव संसग्गियं भए । सुहरूवा तत्थुवसग्गा पडिबुज्झेज्ज ते विऊ ॥ २८ ॥ णण्णत्थ अंतराएणं परगेहे ण णिसीयए । गामकुमारियं किड्डुं णाइवेलं हसे मुणी ॥ २९ ॥ अणुस्सुओ उरालेसु जयमाणो परिव्वए । चरियाए अप्पमत्तो पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३० ॥ हम्ममाणो ण कुप्पेज्ज वुच्चमाणो ण संजले । सुमणे अहियासेज्जा ण य कोलाहलं करे ॥ ३१ ॥ लद्धे कामे ण पत्थेज्जा विवेगे एवमाहिए । आयरियाइं सिक्खेज्जा बुद्धाणं अंतिए सया ॥ ३२ ॥ सुस्सूसमाणो उवासेज्जा सुप्पण्णं सुतवस्सियं । वीरा जे अत्तपण्णेसी धिइमंता जिइंदियां ॥ ३३ ॥ गिहे दीवमपासंता पुरिसादाणिया णरा । ते वीरा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ३४ ॥ अगिद्धे सद्दफासेसु आरम्भेसु अणिस्सिए । सव्वं तं समयाईयं जमेयं लवियं बहु ॥ ३५ ॥ अइमाणं च मायं च तं परिण्णाय पंडिए । गारवाणि य सव्वाणि णिव्वाणं संधए मुणि ॥ ३६ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ समाही णाम दसमं अज्झयणं ॥

आघं मईमं अणुवीइ धम्मं अंजू समाहिं तमिमं सुणेह । अपडिण्ण भिक्खू उ समाहिपत्ते अणियाण भूएसु परिव्वएज्जा ॥ १ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । हत्थेहि पाएहि य संजमित्ता अदिण्णमण्णेसु य णो गहेज्जा ॥२॥ सुयक्खायधम्मे वितिगिच्छतिण्णे लाढे चरे आयतुले पयासु । आयं ण

कुज्जा इह जीवियट्ठी चयं ण कुज्जा सुतवस्सि भिक्खू ॥ ३ ॥ सव्विंदियाभिणिव्वुडे पयासु चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के । पासाहि पाणे य पुढो वि सत्ते दुक्खेण अट्टे परितप्पमाणे ॥ ४ ॥ एएसु बाले य पकुव्वमाणे आवट्टई कम्मसु पावएसु । अइवायओ कीरइ पावकम्मं णिउंजमाणे उ करेइ कम्मं ॥ ५ ॥ आदीणवित्तीव करेइ पावं मंता उ एगंतसमाहिमाहु । बुद्धे समाहीय रए विवेगे पाणाइवाया विरए ठियप्पा ॥ ६ ॥ सव्वं जगं तू समयाणुपेही पियमप्पियं कस्सइ णो करेज्जा । उट्ठाय दीणो य पुणो विसण्णो संपूयणं चेव सिलोयकामी ॥ ७ ॥ आहाकडं चेव णिकाममीणे णियामचारी य विसण्णमेसी । इत्थीसु सत्ते य पुढो य बाले परिग्गहं चेव पकुव्वमाणे ॥८॥ वेराणुगिद्धे णिचयं करेइ इओ चुए से इहमट्ठदुग्गं । तम्हा उ मेहावि समिक्ख धम्मं चरे मुणी सव्वउ विप्पमुक्के ॥ ९ ॥ आयं ण कुज्जा इह जीवियट्ठी असज्जमाणो य परिव्वएज्जा । णिसम्मभासी य विणीयगिद्धिं हिंसण्णियं वा ण कहं करेज्जा ॥१०॥ आहाकडं वा ण णिकामएज्जा णिकामयंते य ण संथवेज्जा । धुणे उरालं अणुवेहमाणे चिच्चा ण सोयं अणवेक्खमाणो ॥११॥ एगत्तमेयं अभिपत्थएज्जा एवं पमुक्खो ण मुसं ति पासं । एसप्पमोक्खो अमुसे वरे वि अकोहणे सच्चरए तवस्सी ॥ १२ ॥ इत्थीसु या आरय मेहुणाओ परिग्गहं चेव अकुव्वमाणे । उच्चावएसु विसएसु ताई णिस्संसयं भिक्खू समाहिपत्ते ॥१३॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू तणाइफासं तह सीयफासं । उण्हं च दंसं चऽहियासएज्जा सुब्भिं व दुब्भिं व तितिक्खएज्जा ॥ १४ ॥ गुत्तो वईए य समाहिपत्तो लेसं समाहट्टु परिव्वएज्जा गिहं ण छाए ण वि छायएज्जा संमिस्सभावं पयहे पयासु ॥ १५ ॥ जे केइ लोगम्मि उ अकिरियआया अण्णे ण पुट्ठा धुयमादिसंति । आरम्भसत्ता गढिया य लोए धम्मं ण जाणंति विमोक्खहेउं ॥ १६ ॥ पुढो य छंदा इह माणवा उ किरियाकिरीयं च पुढो य वायं । जायस्स बालस्स पकुव्व देहं पवड्ढई वेरमसंजयस्स ॥१७॥ आउक्खयं चेव अबुज्झमाणे ममाइ से साहसकारि मंदे अहो य राओ परितप्पमाणे अट्टेसु मूढे अजरामरेव्व ॥ १८ ॥ जहाहि वित्तं पसवो य सव्वं जे बंधवा जे य पिया य मित्ता । लालप्पई से वि य एइ मोहं अण्णे जणा तंसि हरंति वित्तं ॥ १९ ॥ सीहं जहा खुड्डमिगा चरंता दूरे चरंति परिसंकमाणा । एवं तु मेहावि समिक्ख धम्मं दूरेण पावं परिवज्जएज्जा ॥२०॥ संबुज्झमाणे उ णरे मईमं पावाउ

अप्पाण णिवट्टएज्जा। हिंसप्पसूयाइं दुहाइं मत्ता वेराणुबंधीणि महब्भयाणि ॥२१॥ मुसं ण बूया मुणि अत्तगामी णिव्वाणमेयं कसिणं समाहिं। सयं ण कुज्जा ण य कारवेज्जा करंतमण्णं पि य णाणुजाणे ॥ २२ ॥ सुद्धे सिया जाए ण दूसएज्जा अमुच्छिए ण य अज्झोववण्णे। धिइमं विमुक्के ण य पूयणट्ठी ण सिलोयगामी य परिव्वएज्जा ॥ २३ ॥ णिक्खम्म गेहाउ णिरावकंखी कायं विउस्सेज्ज णियाण-छिण्णे। णो जीवियं णो मरणाभिकंखी चरेज्ज भिक्खू वलया विमुक्के ॥ २४ ॥ ॥ त्ति बेमि ॥

मग्गे णाम एगारसमं अज्झयणं

कयरे मग्गे अक्खाए माहणेणं मईमया। जं मग्गं उज्जु पाविसा ओहं तरइ दुत्तरं ? ॥१॥ तं मग्गं णुत्तरं सुद्धं सव्वदुक्खविमोक्खणं। जाणासि णं जहा भिक्खू तं णो बूहि महामुणी ॥ २ ॥ जइ णो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसिं तु कयरं मग्गं आइक्खेज्ज कहाहि णो ॥ ३ ॥ जइ वो केइ पुच्छिज्जा देवा अदुव माणुसा। तेसिमं पडिसाहेज्जा मग्गसारं सुणेह मे ॥ ४ ॥ अणुपुव्वेण महाघोरं कासवेण पवेइयं। जमायाय इओ पुव्वं समुद्दं ववहारिणो ॥ ५ ॥ अतरिंसु तरंतेगे तरिस्संति अणागया। तं सोच्चा पडिवक्खामि जंतवो तं सुणेह मे ॥ ६ ॥ पुढवी-जीवा पुढो सत्ता आउजीवा तहाऽगणी। वाउजीवा पुढो सत्ता तणरुक्खा सबीयगा ॥ ७ ॥ अहावरा तसा पाणा एवं छक्काय आहिया। एयावए जीवकाए णावरे कोइ विज्जई ॥ ८ ॥ सव्वाहिं अणुजुत्तीहिं मइमं पडिलेहिया। सव्वे अक्कंतदुक्खा य अओ सव्वे ण हिंसया ॥ ९ ॥ एयं खु णाणिणो सारं जं ण हिंसइ कंचण। अहिंसा समयं चेव एयावंतं वियाणिया ॥ १० ॥ उड्ढं अहे य तिरियं जे केइ तस-थावरा। सव्वत्थ विरइं कुज्जा संति णिव्वाणमाहियं ॥ ११ ॥ पभू दोसे णिराकिच्चा ण विरुज्झेज्ज केणइ। मणसा वयसा चेव कायसा चेव अंतसो ॥ १२ ॥ संवुडे से महापण्णे धीरे दत्तेसणं चरे। एसणासमीए णिच्चं वज्जयंते अणेसणं ॥ १३ ॥ भूयाइं च समारम्भ तमुद्दिस्सा य जं कडं। तारिसं तु ण गिण्हेज्जा अण्णपाणं सुसंजए ॥ १४ ॥ पूईकम्मं ण सेवेज्जा एस धम्मे वुसीमओ। जं किंचि अभिकंखेज्जा सव्वसो तं ण कप्पए ॥ १५ ॥ हणंतं णाणुजाणेज्जा आयगुत्ते जिइंदिए। ठाणाइं संति सड्ढीणं गामेसु णगरेसु वा ॥ १६ ॥ तहा गिरं समारब्भ अत्थि पुण्णं ति णो

वए। अहवा णत्थि पुण्णं ति एवमेयं महब्भयं ॥ १७॥ दाणट्ठया य जे पाणा हम्मंति तसथावरा। तेसिं सारक्खणट्ठाए तम्हा अत्थि त्ति णो वए ॥ १८॥ जेसिं तं उवकप्पंति अण्णपाणं तहाविहं। तेसिं लाभंतरायं ति तम्हा णत्थि त्ति णो वए ॥ १९ ॥ जे य दाणं पसंसंति वहमिच्छंति पाणिणं। जे य णं पडिसेहंति वित्तिच्छेयं करंति ते ॥ २० ॥ दुहओ वि ते ण भासंति अत्थि वा णत्थि वा पुणो। आयं रयस्स हेच्चा णं णिव्वाणं पाउणंति ते ॥ २१ ॥ णिव्वाणं परमं बुद्धा णक्खत्ताण व चंदिमा। तम्हा सया जए दंते णिव्वाणं संधए मुणी ॥ २२ ॥ वुज्झमाणाण पाणाणं किच्चंताण सकम्मुणा। आघाइ साहु तं दीवं पइट्ठेसा पवुच्चई ॥२३॥ आयगुत्ते सया दंते छिण्णसोए अणासवे। जे धम्मं सुद्धमक्खाइ पडिपुण्णमणेलिसं। २४॥तमेव अवियाणंता अबुद्धा बुद्धमाणिणो बुद्धा मो त्ति य मण्णंता अंत एए समाहिए ॥२५॥ ते य बीओदगं चेव तमुद्दिस्सा य जं कडं। भोच्चा झाणं झियायंति अखेयण्णाऽसमाहिया ॥२६॥ जहा ढंका य कंका य कुलला मग्गुका सिही। मच्छेसणं झियायंति झाणं ते कलुसाधमं॥२७॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। विसएसणं झियायंति कंका वा कलुसाहमा ॥ २८ ॥ सुद्धं मग्गं विराहित्ता इहमेगे उ दुम्मई। उम्मग्गगया दुक्खं घायमेसंति तं तहा ॥ २९ ॥ जहा आसाविणिं णावं जाइअंधो दुरूहिया। इच्छई पारमागंतुं अंतरा य विसीयइ॥ ३० ॥ एवं तु समणा एगे मिच्छदिट्ठी अणारिया। सोयं कसिणमावण्णा आगंतारो महब्भयं ॥ ३१ ॥ इमं च धम्ममायाय कासवेण पवेइयं। तरे सोयं महाघोरं अत्तत्ताए परिव्वए ॥ ३२ ॥ विरए गामधम्मेहिं जे केई जगई जगा। तेसिं अत्तुवमायाए थामं कुव्वं परिव्वए ॥३३॥ अइमाणं च मायं च तं परिण्णाय पण्डिए। सव्वमेयं णिराकिच्चा णिव्वाणं संधए मुणी ॥३४॥ संधए साहुधम्मं च पावधम्मं णिराकरे। उवहाणवीरिए भिक्खू कोहं माणं ण पत्थए ॥३५॥ जे य बुद्धा अइक्कंता जे य बुद्धा अणागया। संति तेसिं पइट्ठाणं भूयाणं जगई जहा॥३६॥ अह णं वयमावण्णं फासा उच्चावया फुसे। ण तेसु विणिहण्णेज्जा वाएण व महागिरी ॥ ३७ ॥ संवुडे से महापण्णे धीरे दत्तेसणं चरे। णिव्वुडे कालमाकंखी एवं केवलिणो मयं ॥ ३८ ॥ ति बेमि ॥

॥ समोसरणं णाम बारसमं अज्झयणं ॥

चत्तारि समोसरणाणिमाणि पावादुया जाइं पुढो वयंति। किरियं अकिरियं

विणयं ति तइयं अण्णाणमाहंसु चउत्थमेव ॥ १ ॥ अण्णाणिया ता कुसला वि संता असंथुया णो वितिगिच्छतिण्णा । अकोविया आहु अकोवियेहिं अणाणुवीइत्तु मुसं वयंति-॥ २ ॥ सच्चं असच्चं इति चिंतयंता असाहु साहु त्ति उदाहरंता । जेमे जणा वेणइया अणेगे पुट्ठा वि भावं विणइंसु णाम ॥ ३ ॥ अणोवसंखा इइ ते उदाहु अट्ठे स ओभासइ अम्ह एवं । लवावसंकी य अणागएहिं णो किरियमाहंसु अकिरियवाई ॥ ४ ॥ संमिस्सभावं च गिरा गहीए से मुम्मुई होइ अणाणुवाई । इमं दुपक्खं इममेगपक्खं आहंसु छलाययणं च कम्मं ॥ ५ ॥ ते एवमक्खंति अबुज्झमाणा विरूवरूवाणि अकिरियवाई । जे मायइत्ता बहवे मणूसा भमंति संसारमणोवदग्गं ॥ ६ ॥ णाइच्चो उएइ ण अत्थमेइ ण चंदिमा वड्ढइ हायई वा । सलिला ण संदंति ण वंति वाया वंझो णियओ कसिणे हु लोए ॥ ७ ॥ जहा हि अंधे सह जोइणा वि रूवाई णो पस्सइ हीणणेत्ते । संतं पि ते एवमकिरियवाई किरियं ण पस्संति णिरुद्धपण्णा ॥ ८ ॥ संवच्छरं सुविणं लक्खणं च णिमित्तदेहं च उप्पाइयं च । अट्ठंगमेयं बहवे अहित्ता लोगंसि जाणंति अणागयाइं ॥ ९ ॥ केई णिमित्ता तहिया भवंति केसिंचि तं विप्पडिएइ णाणं । ते विज्जभावं अणहिज्ज-माणा आहंसु विज्जा परिमोक्खमेव ॥ १० ॥ ते एवमक्खंति समिच्च लोगं तहा तहा समणा माहणा य । सयंकडं णण्णकडं च दुक्खं आहंसु विज्जाचरणं पमोक्खं ॥ ११ ॥ ते चक्खु लोगंसिह णायगा उ मग्गाणुसासंति हियं पयाणं । तहा तहा सासयमाहु लोए जंसी पया माणव ! संपगाढा ॥ १२ ॥ जे रक्खसा वा जमलोइया वा जे वा सुरा गंधव्वा य काया । आगासगामी य पुढोसिया जे पुणो पुणो विप्परियासुवेंति ॥ १३ ॥ जमाहु ओहं सलिलं अपारगं जाणाहि णं भवगहणं दुमोक्खं । जंसी विसण्णा विसयंगणाहिं दुहओऽवि लोयं अणुसंचरंति ॥ १४ ॥ ण कम्मुणा कम्म खवेंति बाला अकम्मुणा कम्म खवेंति धीरा । मेहाविणो लोभमया-वईया संतोसिणो णो पकरेंति पावं ॥१५॥ ते तीयउप्पण्णमणागयाइं लोगस्स जाणंति तहागयाइं । णेयारो अण्णेसि अणण्णणेया बुद्धा हु ते अंतकडा भवंति ॥१६॥ ते णेव कुव्वंति ण कारवेंति भूयाहिसंकाइ दुगुंछमाणा । सया जया विप्पणमंति धीरा विण्णत्ति धीरा य हवंति एगे ॥१७॥ डहरे य पाणे वुड्ढे य पाणे ते अत्तओ पासइ सव्वलोए । उव्वेहईलोगमिणं महंतं बुद्धेऽपमत्तेसु परिव्वएज्जा ॥१८॥ जे आयओ

परओ वा वि णच्चा अलमप्पणो होति अलं परेसिं । तं जोइभूयं च सयावसेज्जा जे पाउकुज्जा अणुवीइधम्मं ॥१९॥ अत्ताण जो जाणइ जो य लोगं गइं च जो जाणइ णागइं च । जो सासयं जाण असासयं च जाइं च मरणं च जणोववायं ॥ २० ॥ अहो वि सत्ताण विउट्टणं च जो आसवं जाणइ संवरं च । दुक्खं च जो जाणइ णिज्जरं च सो भासिउमरिहइ किरियवायं ॥ २१ ॥ सद्देसु रूवेसु असज्जमाणे गंधेसु रसेसु अदुस्समाणे । णो जीवियं णो मरणाहिकंखी आयाणगुत्ते वलया विमुक्के ॥२२॥ त्ति बेमि ॥

आहत्तहीयं णाम तेरसमं अज्झयणं

आहत्तहीयं तु पवेयइस्सं णाणप्पकारं पुरिसस्स जायं । सओ य धम्मं असओ असीलं संतिं असंतिं करिस्सामि पाउं ॥ १ ॥ अहो य राओ य समुट्ठिएहिं तहागएहिं पडिलब्भ धम्मं । समाहिमाघायमजोसयंता सत्थारमेवं फरुसं वयंति ॥ २ ॥ विसोहियं ते अणुकाहयंते जे आयभावेण वियागरेज्जा । अट्ठाणिए होइ बहूगुणाणं जे णाणसंकाइ मुसं वएज्जा ॥ ३ ॥ जे यावि पुट्ठा पलिउंचयंति आयाणमट्ठं खलु वंचइत्ता । असाहुणो ते इह साहु माणी मायण्णि एस्संति अणंतघायं ॥ ४ ॥ जे कोहणे होइ जयट्ठभासी विओसियं जे उ उदीरएज्जा । अंधे व से दंडपहं गहाय अविओसिए धासइ पावकम्मी ॥ ५ ॥ जे विग्गहीए अण्णायभासी ण से समे होइ अझंझपत्ते । उवायकारी य हिरीमणे य एगंतदिट्ठी य अमाइरूवे ॥ ६ ॥ से पेसले सुहुमे पुरिसजाए जच्चण्णिए चेव सुउज्जुयारे । बहुं पि अणुसासिए जे तहच्चा समे हु से होइ अझंझपत्ते ॥ ७ ॥ जे यावि अप्पं वसुमं ति मत्ता संखाय वायं अपरिक्ख कुज्जा । तवेण वाहं सहिउ त्ति मत्ता अण्णं जणं पस्सइ बिम्बभूयं ॥ ८ ॥ एगंत-कूडेण उ से पलेइ ण विज्जई मोणपयंसि गोत्ते । जे माणणट्ठेण विउक्कसेज्जा वसु-मण्णतरेण अबुज्झमाणे ॥ ९ ॥ जे माहणे खत्तियजायए वा तहुग्गपुत्ते तह लेच्छई वा । पव्वईए परदत्तभोई गोत्ते ण जे थब्भइ माणबद्धे ॥ १० ॥ ण तस्स जाई व कुलं व ताणं णण्णत्थ विज्जाचरणं सुचिण्णं । णिक्खम्म से सेवइऽगारिकम्मं ण से पारए होइ विमोयणाए ॥ ११ ॥ णिक्किंचणे भिक्खु सुलूहजीवी जे गारवं होइ सिलोगकामी । आजीवमेयं तु अबुज्झमाणो पुणो पुणो विप्परियासुवेंति ॥ १२ ॥ जे भासवं भिक्खु सुसाहुवाई पडिहाणवं होइ विसारए य । आगाढपण्णे सुविभावि-

यप्पा अण्णं जणं पण्णया परिहवेज्जा ॥ १३ ॥ एवं ण से होइ समाहिपत्ते जे पण्णवं भिक्खू विउक्कसेज्जा । अहवा वि जे लाहमयावलित्ते अण्णं जणं खिंसइ बालपण्णे ॥ १४ ॥ पण्णामयं चेव तवोमयं च णिण्णामए गोयमयं च भिक्खू । आजीवगं चेव चउत्थमाहु से पंडिए उत्तमपोग्गले से ॥ १५ ॥ एयाइं मयाइं विगिंच धीरा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा । ते सव्वगोत्तावगया महेसी उच्चं अगोत्तं च गइं वयंति ॥ १६ ॥ भिक्खू मुयच्चे तह दिट्ठधम्मे गामं च णगरं च अणुप्पविस्सा । से एसणं जाणमणेसणं च अण्णस्स पाणस्स अणाणुगिद्धे ॥ १७ ॥ अरइं रइं च अभिभूय भिक्खू बहूजणे वा तह एगचारी । एगंतमोणेण वियागरेज्जा एगस्स जंतो गइरागई य ॥ १८ ॥ सयं समेच्चा अदुवा वि सोच्चा भासेज्ज धम्मं हिययं पयाणं । जे गरहिया सणियाणप्पओगा ण ताणि सेवंति सुधीरधम्मा ॥१९॥ केसिंचि तक्काइ अबुज्झ भावं खुद्दं पि गच्छेज्ज असद्दहाणे । आउस्स कालाइयारं वघाए लद्धाणुमाणे य परेसु अट्ठे ॥ २० ॥ कम्मं च छंदं च विगिंच धीरे विणइज्ज ऊ सव्वउ आयभावं । रूवेहि लुप्पंति भयावहेहिं विज्जं गहाया तसथावरेहिं ॥ २१ ॥ ण पूयणं चेव सिलोयकामी पियमप्पियं कस्सइ णो करेज्जा । सव्वे अणट्ठे परिवज्जयंते अणाउले या अकसाई भिक्खू ॥ २२ ॥ आहत्तहीयं समुपेहमाणे सव्वेहिं पाणेहिं णिहाय दंडं । णो जीवियं णो मरणाहिकंखी परिव्वएज्जा वलया विमुक्के ॥ २३ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ गंथो णाम चउद्दसमं अज्झयणं ॥

गंथं विहाय इह सिक्खमाणो उट्ठाय सुबम्भचेरं वसेज्जा । ओवायकारी विणयं सुसिक्खे जे छेय से विप्पमायं ण कुज्जा ॥ १ ॥ जहा दियापोयमपत्तजायं सावासगा पविउं मण्णमाणं । तमचाइयं तरुणमपत्तजायं ढंकाइ अव्वत्तगमं हरेज्जा ॥ २ ॥ एवं तु सेहं पि अपुट्ठधम्मं णिस्सारियं बुसिमं मण्णमाणा । दियस्स छायं व अपत्तजायं हरिंसु णं पावधम्मा अणेगे ॥ ३ ॥ ओसाणमिच्छे मणुए समाहिं अणोसिए णंतकरिं ति णच्चा । ओभासमाणे दवियस्स वित्तं ण णिक्कसे बहिया आसुपण्णो ॥४॥ जे ठाणओ य सयणासणे य परक्कमे यावि सुसाहुजुत्ते । समिईसु गुत्तीसु य आयपण्णे वियागरिं ते य पुढो वएज्जा ॥ ५ ॥ सद्दाणि सोच्चा अदु भेरवाणि अणासवे तेसु परिव्वएज्जा । णिद्दं च भिक्खू ण पमाय कुज्जा कहंकहं वा वितिगिच्छतिण्णे

॥६॥ डहरेण वुड्ढेणऽणुसासिए उ राइणिएणावि समव्वएणं। सम्मं तयं थिरओ णाभिगच्छे णिज्जंतए वावि अपारए से॥७॥ विउट्ठिएणं समयाणुसिट्ठे डहरेण वुड्ढेण उ चोइए य। अच्चुट्ठि याए घडदासिए वा अगारिणं वा समयाणुसिट्ठे ॥८॥ ण तेसु कुज्झे ण य पव्वहेज्जा ण यावि किंची फरुसं वएज्जा। तहा करिस्सं ति पडिस्सुणेज्जा सेयं खु मेयं ण पमाय कुज्जा॥९॥ वणंसि मूढस्स जहा अमूढा मग्गाणुसासंति हियं पयाणं। तेणेव मज्झं इणमेव सेयं जं मे बुहा समणुसासयंति ॥ १० ॥ अह तेण मूढेण अमूढगस्स कायव्व पूया सविसेसजुत्ता। एओवमं तत्थ उदाहु वीरे अणुगम्म अत्थं उवणेइ सम्मं ॥ ११ ॥ णेया जहा अंधकारंसि राओ मग्गं ण जाणाइ अपस्समाणे। से सूरियस्स अब्भुग्गमेणं मग्गं वियाणाइ पगासियंसि ॥१२॥ एवं तु सेहे वि अपुट्ठधम्मे धम्मं ण जाणाइ अबुज्झमाणे। से कोविए जिण-वयणेण पच्छा सूरोदए पासइ चक्खुणेव ॥१३॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा। सया जए तेसु परिव्वएज्जा मणप्पओसं अविकम्पमाणे ॥ १४ ॥ कालेण पुच्छे समियं पयासु आइक्खमाणो दवियस्स वित्तं। तं सोयकारी य पुढो पवेसे संखा इमं केवलियं समाहिं ॥ १५ ॥ अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण तायी एएसु या संति णिरोहमाहु। ते एवमक्खंति तिलोगदंसी ण भुज्जमेयंति पमाय-संगं ॥ १६ ॥ णिसम्म से भिक्खू समीहियट्ठं पडिभाणवं होइ विसारए य। आयाणअट्ठी वोदाणमोणं उवेच्च सुद्धेण उवेइ मोक्खं ॥ १७ ॥ संखाइ धम्मं च वियागरंति बुद्धा हु ते अंतकरा भवंति। ते पारगा दोण्ह वि मोयणाए संसोधियं पण्हमुदाहरंति ॥ १८ ॥ णो छायए णो वि य लूसएज्जा माणं ण सेवेज्ज पगासणं च। ण यावि पण्णे परिहास कुज्जा ण याऽऽसियावाय वियागरेज्जा ॥ १९ ॥ भूया-भिसंकाइ दुगुंछमाणे ण णिव्वहे मंतपएण गोयं। ण किंचिमिच्छे मणुए पयासुं असाहुधम्माणि ण संवएज्जा ॥ २० ॥ हासं पि णो संधइ पावधम्मे ओए तहीयं फरुसं वियाणे। णो पुच्छए णो य विकंथइज्जा अणाइले या अकसाइ भिक्खू ॥२१॥ संकेज्ज याऽसंकियभाव भिक्खू विभज्जवायं च वियागरेज्जा। भासादुयं धम्मसमु-ट्ठिएहिं वियागरेज्जा समयासुपण्णे ॥ २२ ॥ अणुगच्छमाणे वितहं विजाणे तहा तहा साहु अकक्कसेणं। ण कत्थई भास विहिंसइज्जा णिरुद्धगं वावि ण दीहइज्जा ॥ २३ ॥ समालवेज्जा पडिपुण्णभासी णिसामिया समियाअट्ठदंसी। आणाइ सुद्धं

वयणं भिउंजे अभिसंधए पावविवेग भिक्खू ॥ २४ ॥ अहाबुइयाई सुसिक्खएज्जा जइज्जया णाइवेलं वएज्जा । से दिट्ठिमं दिट्ठि ण लूसएज्जा से जाणइ भासिउं तं समाहिं ॥ २५ ॥ अलूसए णो पच्छण्णभासी णो सुत्तमत्थं च करेज्ज ताई । सत्थारभत्ती अणुवीइवायं सुयं च सम्मं पडिवाययंति ॥ २६ ॥ से सुद्धसुत्ते उवहाणवं च धम्मं च जे विंदइ तत्थ तत्थ । आएज्जवक्के कुसले वियत्ते स अरिहइ भासिउं तं समाहिं ॥ २७ ॥ त्ति बेमि ॥

॥ जमईए णाम पण्णरसमं अज्झयणं ॥

जमईअं पडुप्पण्णं आगमिस्सं च णायओ । सव्वं मण्णइ तं ताई दंसणावरणंतए ॥ १ ॥ अंतए वितिगिच्छाए से जाणइ अणेलिसं । अणेलिसस्स अक्खाया ण से होइ तहिं तहिं ॥ २ ॥ तहिं तहिं सुयक्खायं से य सच्चे सुआहिए । सया सच्चेण संपण्णे मेत्तिं भूएहिं कप्पए ॥ ३ ॥ भूएहिं ण विरुज्झेज्जा एस धम्मे वुसीमओ । वुसिमं जगं परिण्णाय अस्सिं जीवियभावणा ॥ ४ ॥ भावणाजोगसुद्धप्पा जले णावा व आहिया । णावा व तीरसंपण्णा सव्वदुक्खा तिउट्टइ ॥ ५ ॥ तिउट्टई उ मेहावी जाणं लोगंसि पावगं । तुट्टंति पावकम्माणि णवं कम्ममकुव्वओ ॥ ६ ॥ अकुव्वओ णवं णत्थि कम्मं णाम विजाणइ । विण्णाय से महावीरे जेण जाई ण मिज्जई ॥ ७ ॥ ण मिज्जई महावीरे जस्स णत्थि पुरेकडं । वाउ व्व जालमच्चेइ पिया लोगंसि इत्थियो ॥ ८ ॥ इत्थियो जे ण सेवंति आइमोक्खा हु ते जणा । ते जणा बंधणुम्मुक्का णावकंखंति जीवियं ॥ ९ ॥ जीवियं पिट्ठओ किच्चा अंतं पावंति कम्मुणं । कम्मुणा संमुहीभूया जे मग्गमणुसासई ॥ १० ॥ अणुसासणं पुढो पाणी वसुमं पूयणासु ते । अणासए जए दंते दढे आरयमेहुणे ॥ ११ ॥ णीवारे व ण लीएज्जा छिण्णसोए अणाविले । अणाइले सया दंते संधिं पत्ते अणेलिसं ॥ १२ ॥ अणेलिसस्स खेयण्णे ण विरुज्झेज्ज केणइ । मणसा वयसा चेव कायसा चेव चक्खुमं ॥ १३ ॥ से हु चक्खू मणुस्साणं जे कंखाए य अंतए । अंतेण खुरो वहई चक्कं अंतेण लोट्टई ॥ १४ ॥ अंताणि धीरा सेवंति तेण अंतकरा इह । इह माणुस्सए ठाणे धम्ममाराहिउं णरा ॥१५॥ णिट्ठियट्ठा व देवा वा उत्तरीए इयं सुयं। सुयं य मेयमेगेसिं अमणुस्सेसु णो तहा ॥१६॥ अंतं करंति दुक्खाणं इहमेगेसिमाहियं । आघायं पुण एगेसिं दुल्लभेऽयं समुस्सए

॥१७॥इओ विद्धंसमाणस्स पुणो संबोहि दुल्लहा। दुल्लहाओ तहच्चाओ जे धम्मट्ठं वियागरे ॥१८॥ जे धम्मं सुद्धमक्खंति पडिपुण्णमणेलिसं। अणेलिसस्स जं ठाणं तस्स जम्मकहा कओ॥ १९॥ कओ कयाइ मेहावी उप्पज्जंति तहागया। तहागया अप्पडिण्णा चक्खू लोगस्सणुत्तरा॥ २०॥ अणुत्तरे य ठाणे से कासवेण पवेइए। जं किच्चा णिव्वुडा एगे णिट्ठं पावंति पंडिया॥ २१॥ पंडिए वीरियं लद्धुं णिग्घायाय पवत्तगं धुणे पुव्वकडं कम्मं णवं वा वि ण कुव्वई ॥२२॥ ण कुव्वई महावीरे अणुपुव्वकडं रयं। रयसा संमुहीभूया कम्मं हेच्चाण जं मयं॥ २३॥ जं मयं सव्वसाहूणं तं मयं सल्लगत्तणं। साहइत्ताण तं तिण्णा देवा वा अभविंसु ते॥ २४॥ अभविंसु पुरा धीरा आगमिस्सा वि सुव्वया। दुण्णिबोहस्स मग्गस्स अंतं पाउकरा तिण्णे॥ २५॥ त्ति बेमि॥

॥ गाहा णाम सोलसमं अज्झयणं ॥

अहाह भगवं—एवं से दंते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा १ समणे त्ति वा २ भिक्खु त्ति वा ३ णिग्गंथे त्ति वा ४। पडिआह–भंते! कहं णु दंते दविए वोसट्ठकाए त्ति वच्चे माहणे त्ति वा समणे त्ति वा भिक्खू त्ति वा णिग्गंथे त्ति वा। तं णो बूहि महामुणी॥ इइ विरए सव्वपावकम्मेहिं पिज्जदोसकलह० अब्भक्खाण० पेसुण्ण० परपरिवाय० अरइरइ० मायामोस० मिच्छादंसणसल्लविरए समिए सहिए सया जए णो कुज्झे णो माणी माहणे त्ति वच्चे॥ १॥ एत्थ वि समणे अणिस्सिए अणियाणे आयाणं च अइवायं च मुसावायं च बहिद्धं च कोहं च माणं च मायं च लोहं च पिज्जं च दोसं च इच्चेव जओ जओ आयाणं अप्पणो पद्दोसहेऊ तओ तओ आयाणाओ पुव्वं पडिविरए पाणाइवाया सिआ दंते दविए वोसट्ठकाए समणे त्ति वच्चे॥ २॥ एत्थ वि भिक्खू अणुण्णए विणीए णामए दंते दविए वोसट्ठकाए संविधुणीय विरूवरूवे परीसहोवसग्गे अज्झप्पजोगसुद्धादाणे उवट्ठिए ठिअप्पा संखाए परदत्तभोई भिक्खू त्ति वच्चे॥ ३॥ एत्थ वि णिग्गंथे एगे एगविऊ बुद्धे संछिण्णसोए सुसंजए सुसमिए सुसामाइए आयवायपत्ते विऊ दुहओ वि सोयपलिछिण्णे णो पूयणसक्कारलाभट्ठी धम्मट्ठी धम्मविऊ णियागपडिवण्णे समियं चरे दंते दविए वोसट्ठकाए णिग्गंथे त्ति वच्चे॥ ४॥ से एवमेव जाणह जमहं भयंतारो॥ त्ति बेमि॥ **पढमे सुयक्खंधे समत्ते॥**

सुयगडो—बीओ सुयक्खंधो

पोंडरीए णाम पढमं अज्झयणं

सुयं मे आउसं तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु पोण्डरीए णामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते । से जहाणामए पुक्खरिणी सिया बहुउदगा बहुसेया बहु-पुक्खला लद्धट्ठा पुण्डरिकिणी पासाइया दरिसणिया अभिरूवा पडिरूवा । तीसे णं पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया बुइया, अणु-पुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला वण्णमंता गंधमंता रसमंता फासमंता पासाइया दरि-सणिया अभिरूवा पडिरूवा । तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए, अणुपुव्वुट्ठिए ऊसिए रुइले वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते पासादीए जाव पडिरूवे । सव्वावंति च णं तीसे पुक्खरिणीए तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे पउमवरपोण्डरीया बुइया अणुपुव्वुट्ठिया ऊसिया रुइला जाव पडिरूवा । सव्वावंति च णं तीसे णं पुक्खरिणीए बहुमज्झदेसभाए एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए अणुपुव्वुट्ठिए जाव पडिरूवे ॥१॥ अह पुरिसे पुरित्थि-माओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं ऊसियं जाव पडिरूवं । तए णं से पुरिसे एवं वयासी—अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू । अहमेयं पउमवरपोंडरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ बुया से पुरिसे अभिक्कमेइ तं पुक्खरिणिं । जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे पढमे पुरिसजाए ॥ २ ॥ अहावरे दोच्चे पुरिसजाए । अह पुरिसे दक्खिणाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं पासाइयं जाव पडिरूवं । तं च एत्थ एगं पुरिसजायं पासइ पहीण-तीरं अपत्तपउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णं । तए णं से पुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसे अखेयण्णे

अकुसले अपण्डिए अवियत्ते अमेहावी बाले णो मग्गट्ठे णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एस पुरिसे। अहमंसि खेयण्णे कुसले जाव पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि। णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एस पुरिसे मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ बुया से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमेइ तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे दोच्चे पुरिसजाए ॥ ३ ॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए। अह पुरिसे पच्चत्थिमाओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं एगं महं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ दोण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी-अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा अकुसला अपण्डिया अवियत्ता अमेहावी बाला णो मग्गट्ठा णो मग्गविऊ णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे—अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे कुसले पण्डिए वियत्ते मेहावी अबाले मग्गट्ठे मग्गविऊ मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू अहमेयं पउमवर-पोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ बुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए जाव अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे तच्चे पुरिसजाए ॥ ४ ॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए। अह पुरिसे उत्तराओ दिसाओ आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं अणुपुव्वुट्ठियं जाव पडिरूवं। ते तत्थ तिण्णि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव सेयंसि णिसण्णे। तए णं से पुरिसे एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं णं एए पुरिसा एवं मण्णे—अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि पुरिसे खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू, अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं एवं

उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से पुरिसे अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं। जावं जावं च णं अभिक्कमे तावं तावं च णं महंते उदए महंते सेए जाव णिसण्णे चउत्थे पुरिस ज्ञाए ॥ ५ ॥ अह भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव गइपरिक्कमण्णू अण्णयराओ दिसाओ वा अणुदिसाओ वा आगम्म तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा पासइ तं महं एगं पउमवरपोण्डरीयं जाव पडिरूवं। ते तत्थ चत्तारि पुरिसजाए पासइ पहीणे तीरं अपत्ते जाव पउमवरपोण्डरीयं णो हव्वाए णो पाराए अंतरा पुक्खरिणीए सेयंसि णिसण्णे। तए णं से भिक्खू एवं वयासी—अहो णं इमे पुरिसा अखेयण्णा जाव णो मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू जं एए पुरिसा एवं मण्णे अम्हे एयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामो, णो य खलु एयं पउमवरपोण्डरीयं एवं उण्णिक्खेयव्वं जहा णं एए पुरिसा मण्णे। अहमंसि भिक्खू लूहे तीरट्ठी खेयण्णे जाव मग्गस्स गइपरिक्कमण्णू अहमेयं पउमवरपोण्डरीयं उण्णिक्खिस्सामि त्ति कट्टु इइ वुच्चा से भिक्खू णो अभिक्कमे तं पुक्खरिणिं तीसे पुक्खरिणीए तीरे ठिच्चा सद्दं कुज्जा—उप्पयाहि खलु भो पउमवरपोण्डरीया ! उप्पयाहि। अह से उप्पइए पउमवरपोण्डरीए॥६॥ किट्टिए णाए समणाउसो ! अट्ठे पुण से जाणियव्वे भवइ। भंते ! त्ति समणं भगवं महावीरं णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—किट्टिए णाए समणाउसो ! अट्ठं पुण से ण जाणामो समणाउसो त्ति। समणे भगवं महावीरे ते य बहवे णिग्गंथे य णिग्गंथीओ य आमंतेत्ता एवं वयासी—हंत समणाउसो ! आइक्खामि विभावेमि किट्टेमि पवेएमि सअट्ठं सहेउं सणिमित्तं भुज्जो भुज्जो उवदंसेमि से बेमि॥७॥ लोयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! पुक्खरिणी बुइया। कम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से उदए बुइए। कामभोगे य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से सेए बुइए। जणजाणवयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! ते बहवे पउमवरपोण्डरीए बुइए। रायाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से एगे महं पउमवरपोण्डरीए बुइए। अण्णतित्थिया य खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! ते चत्तारि पुरिसजाया बुइया। धम्मं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से भिक्खू बुइए। धम्मतित्थं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से तीरे बुइए। धम्मकहं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से सद्दे बुइए। णिव्वाणं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो ! से उप्पाए

बुइए। एवमेयं च खलु मए अप्पाहट्टु समणाउसो! से एवमेयं बुइयं॥८॥इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोगं उववण्णा। तंजहा--आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे रहस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं मणुयाणं एगे राया भवइ महया हिमवंतमलयमंदरमहिंदसारे अच्चंतविसुद्धरायकुलवंसप्पसूए णिरंतररायलक्खणविराइयंगमंगे बहुजणबहुमाण-पूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुदिए मुद्धाभिसित्ते माउपिउसुजाए दयप्पिए सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे मणुस्सिंदे जणवयपिया जणवयपुरोहिए सेउ-करे केउकरे णरपवरे पुरिसपवरे पुरिससीहे पुरिसआसीविसे पुरिसवरपोण्डरीए पुरिसवरगंधहत्थी अड्ढे दित्ते वित्ते विच्छिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदास-गोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णकोसकोट्ठागाराउहागारे बलवं दुब्बलपच्चामित्ते ओहयकण्टयं णिहयकण्टयं मलियकण्टयं उद्धियकण्टयं अकण्टयं ओहयसत्तू णियहसत्तू मलियसत्तू उद्धियसत्तू णिज्जियसत्तू पराइयसत्तू ववगयदुब्भिक्खमारिभयविप्पमुक्कं (रायवण्णओ जहा उववाइए) जाव पसंतडिम्बडमरं रज्जं पसाहेमाणे विहरइ। तस्स णं रण्णो परिसा भवइ उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता इक्खागाइ इक्खागाइ-पुत्ता णाया णायपुत्ता कोरव्वा कोरव्वपुत्ता भट्टा भट्टपुत्ता माहणा माहणपुत्ता लेच्छइ लेच्छइपुत्ता पसत्थारो पसत्थपुत्ता सेणावई सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा वा माहणा वा संपहारिंसु गमणाए। तत्थ अण्णयरेणं धम्मेणं पण्णत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। तं जहा—उड्ढं पायतला अहे केसग्गमत्थया तिरियं तयपरियंते जीवे एस आयापज्जवे कसिणे एस जीवे जीवइ, एस मए णो जीवए, सरीरे धरमाणे धरइ विणट्ठम्मि य णो धरइ। एयं तं जीवियं भवइ, आदहणाए परेहिं णिज्जइ, अगणिझामिए सरीरे कवोयवण्णाणि अट्ठीणि भवंति आसंदीपंचमा पुरिसा गामं पच्चागच्छंति, एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं असंते असंविज्जमाणे तेसिं तं सुयक्खायं भवइ--अण्णो भवइ जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते एवं णो विपडिवे-देंति-अयमाउसो! आया दीहे त्ति वा हस्से त्ति वा परिमण्डले त्ति वा वट्टे त्ति वा तंसे

त्ति वा चउरंसे त्ति वा आयए त्ति वा छलंसिए त्ति वा अट्ठंसे त्ति वा किण्हे त्ति वा णीले त्ति वा लोहियहालिद्दे त्ति वा सुक्किले त्ति वा सुब्भिगंधे त्ति वा दुब्भिगंधे त्ति वा तित्ते त्ति वा कडुए त्ति वा कसाए त्ति वा अम्बिले त्ति वा महुरे त्ति वा कक्खडे त्ति वा मउए त्ति वा गुरुए त्ति वा लहुए त्ति वा सीए त्ति वा उसिणे त्ति वा णिद्धे त्ति वा लुक्खे त्ति वा। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ–अण्णो जीवो अण्णं सरीरं, तम्हा ते णो एवं उवलब्भंति। से जहाणामए–केइ पुरिसे कोसीओ असिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! असी अयं कोसी, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मुंजे इयं इसियं, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे मंसाओ अट्ठिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! मंसे अयं अट्ठी, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे करयलाओ आमलकं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! करयले अयं आमलए, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे उवदंसेत्तारो अयमाउसो! आया इयं सरीरं। से जहाणामए केइ पुरिसे दहीओ णवणीयं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! णवणीयं अयं तु दही, एवमेव णत्थि केइ पुरिसे जाव सरीरं। जे जहाणामए–केइ पुरिसे तिलेहिंतो तेल्लं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो तेल्लं अयं पिण्णाए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए--केइ पुरिसे इक्खूओ खोयरसं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! खोयरसे अयं छोए, एवमेव जाव सरीरं। से जहाणामए–केइ पुरिसे अरणीओ अग्गिं अभिणिव्वट्टित्ता णं उवदंसेज्जा अयमाउसो! अरणी अयं अग्गी, एवमेव जाव सरीरं। एवं असंते असंविज्जमाणे। जेसिं तं सुयक्खायं भवइ तं जहा--अण्णो जीवो अण्णं सरीरं। तम्हा ते मिच्छा॥ से हंता तं हणह खणह छणह डहह पयह आलुम्पह विलुम्पह सहसक्कारेह विपरामुसह, एयावया जीवे णत्थि परलोए। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा–किरिया इ वा अकिरिया इ वा सुक्कडे इ वा दुक्कडे इ वा कल्लाणे इ वा पावए इ वा साहु इ वा असाहु इ वा सिद्धी इ वा असिद्धी इ वा णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति

भोयणाए ॥ एवं एगे पागब्भिया णिक्खम्म मामगं धम्मं पण्णवेंति । तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा साहु सुयक्खाए समणे त्ति वा माहणे त्ति वा कामं खलु आउसो ! तुमं पूययामि, तं जहा–असणेण वा पाणेण वा खाइमेण वा साइमेण वा वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुंछणेण वा । तत्थेगे पूयणाए समाउट्टिंसु तत्थेगे पूयणाए णिकाइंसु ॥ पुव्वमेव तेसिं णायं भवइ–समणा भविस्सामो अणगारा अकिंचणा अपुत्ता अपसू परदत्तभोइणो भिक्खुणो पावं कम्मं णो करिस्सामो समुट्ठाए । ते अप्पणा अप्पडिविरया भवंति, सयमाइयंति अण्णे वि आइयावेंति अण्णं वि आययंतं समणुजाणंति एवमेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववण्णा लुद्धा रागदोसवसट्टा । ते णो अप्पाणं समुच्छेदेंति ते णो परं समुच्छेदेंति ते णो अण्णाइं पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समुच्छेदेंति, पहीणा पुव्वसंजोगं आयरियं मग्गं असंपत्ता इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा । इइ पढमे पुरिसजाए तज्जीवतच्छरीरए त्ति आहिए ॥ ९ ॥

अहावरे दोचे पुरिसजाए पंचमहब्भूइए त्ति आहिज्जइ । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववण्णा, तं जहा–आरिया वेगे अणारिया वेगे एवं जाव दुरूवा वेगे । तेसिं च णं महं एगे राया भवइ महया एवं चेव णिरवसेसं जाव सेणावइपुत्ता । तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए । तत्थ अण्णयरेणं धम्मेणं पण्णत्तारो वयं इमेणं धम्मेणं पण्णवइस्सामो से एवमायाणह भयंतारो ! जहा मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपण्णत्ते भवइ । इह खलु पंचमहब्भूया जेहिं णो विज्जइ किरिया त्ति वा अकिरिया त्ति वा सुकडे त्ति वा दुक्कडे त्ति वा कल्लाणे त्ति वा पावए त्ति वा साहु त्ति वा असाहु त्ति वा सिद्धि त्ति वा असिद्धि त्ति वा णिरए त्ति वा अणिरए त्ति वा अवि अंतसो तणमायमवि ॥ तं च पिहुद्देसेणं पुढोभूयसमवायं जाणेज्जा । तं जहा पुढवी एगे महब्भूए, आऊ दुच्चे महब्भूए, तेऊ तच्चे महब्भूए, वाऊ चउत्थे महब्भूए, आगासे पंचमे महब्भूए । इच्चेए पंच महब्भूया अणिम्मिया अणिम्माविया अकडा णो कित्तिमा णो कडगा अणाइया अणिहणा अवंझा अपुरोहिया सतंता सासया आयछट्ठा । पुण एगे एवमाहु–सओ णत्थि विणासो असओ णत्थि संभवो । एयावया व जीवकाए एयावया व अत्थिकाए एयावया व सव्वलोए, एयं मुहं लोगस्स

करणयाए, अवि अंतसो तणमायमवि। से किणं किणावेमाणे हणं घायमाणे पयं पया- चेमाणे अवि अंतसो पुरिसमवि कीणित्ता घायइत्ता एत्थं पि जाणाहि णत्थित्थ दोसो। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा—किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारंभेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए। एव- मेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। दोच्चे पुरिसजाए पंचमहब्भूइए त्ति आहिए ॥१०॥ अहावरे तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति अणुपुव्वेणं लोयं उववण्णा। तं जहा— आरिया वेगे जाव तेसिं च णं महंते एगे राया भवइ जाव सेणावइपुत्ता। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य पहारिंसु गमणाए जाव जहा मए एस धम्मे सुयक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। इह खलु धम्मा पुरिसाइया पुरिसोत्तरिया पुरिसप्पणीया पुरिससंभूया पुरिसपज्जोइया पुरिसमभिसमण्णागया पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—गण्डे सिया सरीरे जाए सरीरे संवुड्ढे सरीरे अभिसमण्णागए सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—अरई सिया सरीरे जाया सरीरे संवुड्ढा सरीरे अभिसमण्णागया सरीरमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरि- साइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति से जहाणामए—वम्मिए सिया पुढविजाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति, से जहाणामए—रुक्खे सिया पुढवि- जाए पुढविसंवुड्ढे पुढविअभिसमण्णागए पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—पुक्खरिणी सिया पुढविजाया जाव पुढविमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। से जहाणामए—उदगपुक्खले सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभिभूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभि भूय चिट्ठंति। से जहाणामए—उदगबुब्बुए सिया उदगजाए जाव उदगमेव अभि- भूय चिट्ठइ, एवमेव धम्मा वि पुरिसाइया जाव पुरिसमेव अभिभूय चिट्ठंति। जं पि य इमं समणाणं णिग्गंथाणं उद्दिट्ठं पणीयं वियंजियं दुवालसंयं गणिपिडगं, तं

जहा--आयारो सूयगडो जाव दिट्ठिवाओ, सव्वमेवं मिच्छा, ण एयं तहियं ण एयं आहातहियं, इमं सच्चं इमं तहियं इमं आहातहियं। ते एवं सण्णं कुव्वंति, ते एवं सण्णं संठवेंति, ते एवं सण्णं सोवट्ठवयंति। तमेवं ते तज्जाइयं दुक्खं णाइउट्टंति सउणी पंजरं जहा। ते णो एवं विप्पडिवेदेंति तं जहा--किरिया इ वा जाव अणिरए इ वा, एवामेव ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारम्भंति भोयणाए। एवामेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा एवं सद्दहमाणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए, अंतरा कामभोगेसु विसण्णे त्ति, तच्चे पुरिसजाए ईसरकारणिए त्ति आहिए॥ ११॥ अहावरे चउत्थे पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ६ तहेव जाव सेणावइपुत्ता वा। तेसिं च णं एगइए सड्ढी भवइ, कामं तं समणा य माहणा य संपहारिंसु गमणाए जाव मए एस धम्मे सुअक्खाए सुपण्णत्ते भवइ। इह खलु दुवे पुरिसा भवंति--एगे पुरिसे किरियमाइक्खइ एगे पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ। जे य पुरिसे किरियमाइक्खइ जे य पुरिसे णोकिरियमाइक्खइ दो वि ते पुरिसा तुल्ला एगट्ठा कारणमावण्णा। बाले पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे--अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा अहमेयमकासि, परो वा जं दुक्खइ वा सोयइ वा जूरइ वा तिप्पइ वा पीडइ वा परितप्पइ वा परो एवमकासि। एवं से बाले सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे। मेहावी पुण एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे--अहमंसि दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा, णो अहं एवमकासि। परो वा जं दुक्खइ वा जाव परितप्पइ वा णो परो एवमकासि, एवं से मेहावी सकारणं वा परकारणं वा एवं विप्पडिवेदेंति कारणमावण्णे। से बेमि पाईणं वा ६ जे तसथावरा पाणा ते एवं संघायमागच्छंति ते एवं विप्परियासमावज्जंति ते एवं विवेगमागच्छंति ते एवं विहाणमागच्छंति ते एवं संगइयंति उवेहाए। णो एवं विप्पडिवेदेंति, तं जहा--किरिया इ वा जाव णिरए इ वा अणिरए इ वा। एवं ते विरूवरूवेहिं कम्मसमारम्भेहिं विरूवरूवाइं कामभोगाइं समारभंति भोयणाए। एवमेव ते अणारिया विप्पडिवण्णा तं सद्दहमाणा जाव इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा कामभोगेसु विसण्णा। चउत्थे पुरिसजाए णियइवाइए त्ति आहिए॥ इच्चेए चत्तारि पुरिसजाया णाणापण्णा णाणा-

छंदा णाणासीला णाणादिट्ठी णाणारुई णाणारम्भा णाणाअज्झवसाणसंजुत्ता पहीण-पुव्वसंजोगा आरियं मग्गं असंपत्ता इइ ते णो हव्वाए णो पाराए अंतरा काम-भोगेसु विसण्णा ॥१२॥ से बेमि पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा—आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे । तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाणि भवंति, तं जहा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा । तेसिं च णं जणजाणवयाइं परिग्गहियाइं भवंति, तं जहा अप्पयरा वा भुज्जयरा वा; तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म अभिभूय एगे भिक्खायरियाए समुट्ठिया । सओ वा वि एगे णायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया । असओ वा वि एगे णायओ (अणायओ) य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया । [जे ते सओ वा असओ वा णायओ य अणायओ य उवगरणं च विप्पजहाय भिक्खायरियाए समुट्ठिया] पुव्वमेयं तेहिं णायं भवइ । तं जहा—इह खलु पुरिसे अण्णमण्णं ममट्ठाए एवं विप्पडिवेदेंति । तं जहा--खेत्तं मे वत्थू मे हिरण्णं मे सुवण्णं मे धणं मे धण्णं मे कंसं मे दूसं मे विपुलधणकणगरयणमणि-मोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएयं मे । सद्दा मे रूवा मे गंधा मे रसा मे फासा मे । एए खलु मे कामभोगा अहमवि एएसिं । से मेहावी पुव्वामेव अप्पणो एवं समभिजाणेज्जा । तं जहा—इह खलु मम अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुण्णे अमणामे दुक्खे णो सुहे । से हंता भयंतारो ! कामभोगाइं मम अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयह अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं दुक्खं णो सुहं । ताऽहं दुक्खामि वा सोयामि वा जूरामि वा तिप्पामि वा पीडामि वा परितप्पामि वा इमाओ मे अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ पडिमोयह अणिट्ठाओ अकंताओ अप्पियाओ असुभाओ अमणुण्णाओ अमणामाओ दुक्खाओ णो सुहाओ । एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । इह खलु कामभोगा णो ताणाए वा णो सरणाए वा । पुरिसे वा एगया पुव्विं कामभोगे विप्पजहइ, कामभोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहंति । अण्णे खलु कामभोगा अण्णो अहमंसि । से किमंग पुण वयं अण्णमण्णेहिं कामभोगेहिं मुच्छामो ? इइ संखाए णं वयं च कामभोगेहिं विप्पजहिस्सामो । से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं इणमेव उवणीययरागं । तं जहा-

माया मे पिया मे भाया मे भगिणी मे भज्जा मे पुत्ता मे धूया मे पेसा मे णत्ता मे सुण्हा मे सुहा मे पिया मे सहा मे सयणसंगंथसंथुया मे । एए खलु मम णायओ अहमवि एएसिं । एवं से मेहावी पुव्वामेव अप्पणा एवं समभिजाणेज्जा । इह खलु मम अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव दुक्खे णो सुहे । से हंता भयंतारो णायओ इमं मम अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयह अणिट्ठं जाव णो सुहं । ताऽहं दुक्खामि वा सोयामि वा जाव परितप्पामि वा, इमाओ मे अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएह अणिट्ठाओ जाव णो सुहाओ, एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । तेसिं वा वि भयंताराणं मम णाययाणं अण्णयरे दुक्खे रोयायंके समुप्पज्जेज्जा अणिट्ठे जाव णो सुहे, से हंता अहमेएसिं भयंताराणं णाययाणं इमं अण्णयरं दुक्खं रोयायंकं परियाइयामि अणिट्ठं जाव णो सुहं, मा मे दुक्खंतु वा जाव मा मे परितप्पंतु वा, इमाओ णं अण्णयराओ दुक्खाओ रोयायंकाओ परिमोएमि अणिट्ठाओ जाव णो सुहाओ, एवमेव णो लद्धपुव्वं भवइ । अण्णस्स दुक्खं अण्णो ण परियाइयइ अण्णेण कडं अण्णो णो पडिसंवेदेइ पत्तेयं जायइ पत्तेयं मरइ पत्तेयं चयइ पत्तेयं उववज्जइ पत्तेयं झंझा पत्तेयं सण्णा पत्तेयं मण्णा एवं विण्णू वेयणा । इइ खलु णाइसंजोगा णो ताणाए वा णो सरणाए वा । पुरिसे वा एगया पुव्विं णाइसंजोगे विप्पजहइ, णाइसंजोगा वा एगया पुव्विं पुरिसं विप्पजहंति, अण्णे खलु णाइसंजोगा अण्णो अहमंसि, से किमंग पुण वयं अण्णमण्णेहिं णाइसंजोगेहिं मुच्छामो ? इइ संखाए णं वयं णाइसंजोगं विप्पजहिस्सामो । से मेहावी जाणेज्जा बहिरंगमेयं, इणमेव उवणीययरागं । तं जहा—हत्था मे पाया मे बाहा मे उरू मे उयरं मे सीसं मे सीलं मे आऊ मे बलं मे वण्णो मे तया मे छाया मे सोयं मे चक्खू मे घाणं मे जिब्भा मे फासा मे ममाइज्जइ, वयाउ पडिजूरइ । तं जहा—आउसो ! बलाओ वण्णाओ तयाओ छायाओ सोयाओ जाव फासाओ । सुसंधिओ संधी विसंधीभवइ, वलियतरंगे गाए भवइ, किण्हा केसा पलिया भवंति । तं जहा—जं पि य इमं सरीरगं उरालं आहारोवइयं एयं पि य अणुपुव्वेणं विप्पजहियव्वं भविस्सइ । एयं संखाए से भिक्खू भिक्खायरियाए समुट्ठिए दुहओ लोगं जाणेज्जा, तं जहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसा चेव थावरा चेव ॥ १३ ॥ इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे तसा थावरा

पाणा ते सयं समारभंति अण्णेण वि समारम्भावेंति अण्णं पि समारभंतं समणु-
जाणंति। इह खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया, समणा माहणा वि
सारम्भा सपरिग्गहा, जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते सयं परि-
गिण्हंति अण्णेण वि परिगिण्हावेंति अण्णं पि परिगिण्हंतं समणुजाणंति । इह
खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा,
अहं खलु अणारम्भे अपरिग्गहे, जे खलु गारत्था सारम्भा सपरिग्गहा, संतेगइया
समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, एएसिं चेव णिस्साए बम्भचेरवासं वसि-
स्सामो। कस्स णं तं हेउं ? जहा पुव्वं तहा अवरं जहा अवरं तहा पुव्वं, अंजू
एए अणुवरया अणुवट्ठिया पुणरवि तारिसगा चेव। जे खलु गारत्था सारम्भा
सपरिग्गहा, संतेगइया समणा माहणा वि सारम्भा सपरिग्गहा, दुहओ पावाइं
कुव्वंति इति संखाए दोहि वि अंतेहिं अदिस्समाणो इति भिक्खू रीएज्जा। से बेमि
पाईणं वा ६ जाव एवं से परिण्णायकम्मे, एवं से ववेयकम्मे, एवं से विअंतकारए
भवइ त्ति मक्खायं॥ १४ ॥ तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता।
तं जहा—पुढवीकाए जाव तसकाए। से जहाणामए—मम असायं दण्डेण वा
मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आउट्टिज्जमाणस्स वा हम्ममाणस्स वा तज्जिज्ज-
माणस्स वा ताडिज्जमाणस्स वा परियाविज्जमाणस्स वा किलामिज्जमाणस्स वा उद्द-
विज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि,
इच्चेवं जाण सव्वे जीवा सव्वे भूया सव्वे पाणा सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण
वा आउट्टिज्जमाणा वा हम्ममाणा वा तज्जिज्जमाणा वा ताडिज्जमाणा वा परिया-
विज्जमाणा वा किलामिज्जमाणा वा उद्दविज्जमाणा वा जाव लोमुक्खणणमायमवि
हिंसाकारगं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं णच्चा सव्वे पाणा जाव सत्ता ण हंतव्वा
ण अज्जावेयव्वा ण परिघेयव्वा ण परितावेयव्वा ण उद्दवेयव्वा। से बेमि जे य
अईया जे य पडुप्पण्णा जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एवमाइक्खंति
एवं भासंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता ण हंतव्वा ण परि-
घेयव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परितावेयव्वा ण उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे णीइए
सासए समिच्च लोगं खेयण्णेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाईवायाओ
जाव विरए परिग्गहाओ णो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा णो अंजणं णो वमणं

णो धूवणे णो तं परिआविएज्जा ॥ से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे अमाणे अमाए अलोहे उवसंते परिणिव्वुडे णो आसंसं पुरओ करेज्जा इमेण मे दिट्ठेण वा सुएण वा मएण वा विण्णाएण वा इमेण वा सुचरियतवणियमबम्भचेरवासेण इमेण वा जायामायावुत्तिएणं धम्मेणं इओ चुए पेच्चा देवे सिया कामभोगाण वस-वत्ती सिद्धे वा अदुक्खमसुभे एत्थ वि सिया एत्थ वि णो सिया। से भिक्खू सद्देहिं अमुच्छिए रूवेहिं अमुच्छिए गंधेहिं अमुच्छिए रसेहिं अमुच्छिए फासेहिं अमुच्छिए विरए कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खा-णाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ इति से महओ आया णाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू। जे इमे तसथावरा पाणा भवंति ते णो सयं समारम्भइ णो वण्णेहिं समारम्भावेइ अण्णे समारम्भंते वि ण समणुजाणइ इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए से भिक्खू जे इमे कामभोगा सचित्ता वा अचित्ता वा ते णो सयं परिगिण्हंति णो अण्णेणं परिगिण्हावेंति अण्णं परिगिण्हंतंपि ण समणुजाणंति इति से महओ आया-णाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरओ से भिक्खू। जं पि य इमं संपराइयं कम्मं किज्जइ, णो तं सयं करेइ णो अण्णाणं कारवेइ अण्णं पि करेंतं ण समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू जाणेज्जा असणं वा ४ अस्सिं पडियाए एगं साहम्मियं समुद्दिस्स पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं समारम्भ समुद्दिस्स कीयं पामिच्चं अच्छिज्जं अणिसट्ठं अभिहडं आहट्टुद्देसियं तं चेइयं सिया तं णो सयं भुंजइ णो अण्णेणं भुंजावेइ अण्णं पि भुंजंतं ण समणुजाणइ, इति से महओ आयाणाओ उवसंते उवट्ठिए पडिविरए। से भिक्खू अह पुण एवं जाणेज्जा तं विज्जइ तेसिं परक्कमे। (जस्सट्ठा ते चेइयं सिया तंजहा अप्पणो पुत्ताइ-णट्ठाए जाव आएसाए पुढो पहेणाए सामासाए पायरासाए संणिहिसंणिचओ किज्जइ इह एएसिं माणवाणं भोयणाए) तत्थ भिक्खू परकडं परणिट्ठियमुग्गमुप्पाय-णेसणासुद्धं सत्थाईयं सत्थपरिणामियं अविहिंसियं एसियं वेसियं सामुदाणियं पत्तमसणं कारणट्ठा पमाणजुत्तं अक्खोवंजणवणलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहारेज्जा अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले। से भिक्खू मायण्णे अण्णयरं दिसं

अणुदिसं वा पडिवण्णे धम्मं आइक्खे विभए किट्टे उवट्ठिएसु वा अणुवट्ठिएसु वा सुस्सूसमाणेसु पवेयए, संतिविरइं उवसमं णिव्वाणं सोयवियं अज्जवियं मद्दवियं लाघवियं अणइवाइयं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं जाव सत्ताणं अणुवाइं किट्टए धम्मं । से भिक्खू धम्मं किट्टमाणे णो अण्णस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो पाणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो वत्थस्स हेउं, धम्ममाइक्खेज्जा, णो लेणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो सयणस्स हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, णो अण्णेसिं विरूवरूवाणं कामभोगाणं हेउं धम्ममाइक्खेज्जा, अगिलाए धम्ममाइक्खेज्जा, णण्णत्थ कम्मणिज्जरट्ठाए धम्ममाइक्खेज्जा । इह खलु तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया । जे तस्स भिक्खुस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म सम्मं उट्ठाणेणं उट्ठाय वीरा अस्सिं धम्मे समुट्ठिया ते एवं सव्वोवगया ते एवं सव्वोवरया ते एवं सव्वोवसंता ते एवं सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि । एवं से भिक्खू धम्मट्ठी धम्मविऊ णियागपडिवण्णे से जहेयं बुइयं अदुवा पत्ते पउमवरपोण्डरीयं, अदुवा अपत्ते पउमवरपोण्डरीयं, एवं से भिक्खू परिण्णायकम्मे परिण्णाय संगे परिण्णायगेहवासे उवसंते समिए सहिए सयाजए । सेयं वयणिज्जे तं जहा—समणे त्ति वा माहणे त्ति वा खंते त्ति वा दंते त्ति वा गुत्ते त्ति वा मुत्ते त्ति वा इसि त्ति वा मुणि त्ति वा कइ त्ति वा विउ त्ति वा भिक्खू त्ति वा लूहे त्ति वा तीरट्ठि त्ति वा चरणकरणपारविउ त्ति बेमि ।। १५ ।।

।। किरियाठाण णाम बीअं अज्झयणं ।।

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु किरियाठाणे णामज्झयणे पण्णत्ते, तस्स णं अयमट्ठे । इह खलु संजूहेणं दुवे ठाणे एवमाहिज्जंति । तं जहा । धम्मे चेव अधम्मे चेव उवसंते चेव अणुवसंते चेव । तत्थ णं जे से पढमस्स ठाणस्स अहम्मपक्खस्स विभंगे तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते । इह खलु पाईणं वा ६ संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा—आरिया वेगे आणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुव्वण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे । तेसिं च णं इमं एयारूवं दण्डसमादाणं संपेहाए । तं जहा--णेरइएसु वा तिरिक्खजोणिएसु वा मणुस्सेसु वा देवेसु वा जे यावण्णे तहप्पगारा पाणा विण्णू वेयणं वियंति ।। तेसिं पि य णं इमाइं तेरस किरियाठाणाइं भवंतीतिमक्खायं ।

तं जहा--अट्ठादण्डे १, अणट्ठादण्डे २, हिंसादण्डे ३, अकम्हादण्डे ४ दिट्ठिविपरिया-सियादण्डे ५, मोसवत्तिए ६, अदिण्णवत्तिए ७, अज्झत्थवत्तिए ८, माणवत्तिए ९, मित्तदोसवत्तिए, १०, मायावत्तिए ११, लोभवत्तिए १२, इरियावहिए १३ ॥ १ ॥ पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहाणामए-केइ पुरिसे आयहेउं वा णाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा मित्तहेउं वा णागहेउं वा भूयहेउं वा जक्खहेउं वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव णिसिरइ अण्णेण वि णीसिरावेइ अण्णं पि णिसिरंतं समणुयाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । पढमे दण्डसमादाणे अट्ठादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ २ ॥ अहावरे दोच्चे दण्डमादाणे अणट्ठदण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ । से जहाणामए–केइ पुरिसे जे इमे तसा पाणा भवंति ते णो अच्चाए णो अजिणाए णो मंसाए णो सोणियाए एवं हिययाए पित्ताए वसाए पिच्छाए पुच्छाए वालाए सिंगाए विसाणाए दंताए दाढाए णहाए ण्हारुणिए अट्ठीए अट्ठिमंजाए णो हिंसिंसु मे त्ति णो हिंसंति मे त्ति णो हिंसिस्संति मे त्ति णो पुत्तपोसणाए णो पसुपोसणाए णो अगारपरिवूहण-याए णो समणमाहणवत्तणाहेउं णो तस्स सरीरगस्स किंचि विप्परियाइत्ता भवंति । से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे । से जहाणामए केइ पुरिसे जे इमे थावरा पाणा भवंति । तं जहा–इक्कडा इ वा कडिणा इ वा जंतुगा इ वा परगा इ वा मोक्खा इ वा तणा इ वा कुसा इ वा कुच्छगा इ वा पव्वगा इ वा पलाला इ वा, ते णो पुत्तपोसणाए णो पसुपोसणाए णो अगारपरिवूहणयाए णो समणमाहणपोसणयाए णो तस्स सरीर-गस्स किंचि विपरियाइत्ता भवंति । से हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता उज्झिउं बाले वेरस्स आभागी भवइ अणट्ठादण्डे ॥ से जहाणामए केइ पुरिसे कच्छंसि वा दहंसि वा उदगंसि वा दवियंसि वा वलयंसि णूमंसि वा गहणंसि वा गहणविदुग्गंसि वा वणंसि वा वणविदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वय विदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय ऊसविय सयमेव अगणिकायं णिसिरइ अण्णेण वि अगणिकायं णिसिरावेइ अण्णं पि अगणिकायं णिसिरंतं समणुजाणइ अणट्ठादण्डे । एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ । दोच्चे दण्डसमादाणे अणट्ठादण्ड-वत्तिए त्ति आहिए ॥ ३ ॥ अहावरे तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति

आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे ममं वा ममिं वा अण्णं वा अण्णिं वा हिंसिंसु वा हिंसइ वा हिंसिस्सइ वा तं दण्डं तसथावरेहिं पाणेहिं सयमेव णिसिरइ अण्णेण वि णिसिरावेइ अण्णं पि णिसिरंतं समणुजाणइ हिंसादण्डे, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। तच्चे दण्डसमादाणे हिंसादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ४ ॥ अहावरे चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवत्तिए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिय त्ति काउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए उसुं आयामेत्ता णं णिसिरेज्जा, स मियं वहिस्सामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा चडगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविं वा कविंजलं वा विंधित्ता भवइ, इह खलु से अण्णस्स अट्ठाए अण्णं फुसइ अकम्हादण्डे। से जहाणामए केइ पुरिसे सालीणि वा वीहीणि वा कोद्दवाणि वा कंगूणि वा परगाणि वा रालाणि वा णिलिज्जमाणे अण्णयरस्स तणस्स वहाए सत्थं णिसिरेज्जा, से सामगं तणगं कुमुदुगं वीहीऊसियं कलेसुयं तणं छिंदिस्सामि त्ति कट्टु सालिं वा वीहिं वा कोद्दवं वा कंगुं वा परगं वा रालयं वा छिंदित्ता भवइ। इति खलु से अण्णस्स अट्ठाए अण्णं फुसइ अकम्हादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं आहिज्जइ। चउत्थे दण्डसमादाणे अकम्हादण्डवत्तिए आहिए ॥५॥ अहावरे पंचमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भगिणीहिं वा भज्जाहिं वा पुत्तेहिं वा धूयाहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे मित्त अमित्तमेव मण्णमाणे मित्ते हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। से जहाणामए—केइ पुरिसे गामघायंसि वा णगरघायंसि वा खेडघायंसि कब्बडघायंसि मडंबघायंसि वा दोणमुहघायंसि वा पट्टणघायंसि वा आसमघायंसि वा संणिवेसघायंसि वा णिग्गमघायंसि वा रायहाणिघायंसि वा अतेणं तेणमिति मण्णमाणे अतेणे हयपुव्वे भवइ दिट्ठिविपरियासियादण्डे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। पंचमे दण्डसमादाणे दिट्ठिविपरियासियादण्डवत्तिए त्ति आहिए ॥ ६ ॥ अहावरे छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे आयहेउं वा णाइहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा सयमेव मुसं वयइ अण्णेण वि मुसं वाएइ मुसं वयंतं पि अण्णं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। छट्ठे किरियट्ठाणे मोसावत्तिए

त्ति आहिए॥७॥अहावरे सत्तमे किरियट्ठाणे अदिण्णादाणवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे आयहेउं वा जाव परिवारहेउं वा सयमेव अदिण्णं आदियइ अण्णेणं वि अदिण्णं आदियावेइ अदिण्णं आदियंतं अण्णं समणुजाणइ, एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। सत्तमे किरियट्ठाणे अदिण्णादाणवत्तिए त्ति आहिए ॥८॥ अहावरे अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे णत्थि णं केइ किंचि विसंवादेइ सयमेव हीणे दीणे दुट्ठे दुम्मणे ओहयमणसंकप्पे चिंतासोगसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियाइ, तस्स णं अज्झत्थया आसंसइया चत्तारि ठाणा एवमाहिज्जंति। तं जहा—कोहे माणे माया लोहे। अज्झत्थमेवं कोहमाणमायालोहे। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। अट्ठमे किरियट्ठाणे अज्झत्थवत्तिए त्ति आहिए ॥९॥ अहावरे णवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे जाइमएण वा कुलमएण वा बलमएण वा रूवमएण वा तवमएण वा सुयमएण वा लाभमएण वा इस्सरियमएण वा पण्णामएण वा अण्णयरेण वा मयट्ठाणेणं मत्ते समाणे परं हीलेइ णिंदेइ खिंसइ गरहइ परिभवइ अवमण्णेइ, इत्तरिए अयं, अहमंसि पुण विसिट्ठजाइकुलबलाइगुणोववेए। एवं अप्पाणं समुक्कस्से, देहच्चुए कम्मबिइए अवसे पयाइ। तं जहा—गब्भाओ गब्भं ४ जम्माओ जम्मं माराओ मारं णरगाओ णरगं चण्डे थद्धे चवले माणी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। णवमे किरियट्ठाणे माणवत्तिए त्ति आहिए ॥१०॥ अहावरे दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिज्जइ। से जहाणामए—केइ पुरिसे माईहिं वा पिईहिं वा भाईहिं वा भइणीहिं वा भज्जाहिं वा धूयाहिं वा पुत्तेहिं वा सुण्हाहिं वा सद्धिं संवसमाणे तेसिं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ। तं जहा—सीओदगवियडंसि वा कायं उच्छोलित्ता भवइ, उसिणोदगवियडेण वा कायं ओसिंचित्ता भवइ, अगणिकायेणं कायं उवडहित्ता भवइ, जोत्तेण वा वेत्तेण वा णेत्तेण वा तयाइ वा [कण्णेण वा छियाए वा] लयाए वा (अण्णयरेण वा दवरएण) पासाइं उद्दालित्ता भवइ, दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा कायं आउट्टित्ता भवइ। तहप्पगारे पुरिसजाए संवसमाणे दुम्मणा भवइ, पवसमाणे सुमणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दण्डपासी

दण्डगुरुए दण्डपुरक्कडे अहिए इमंसि लोगंसि अहिए परंसि लोगंसि संजलणे कोहणे पिट्ठिमंसी यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दसमे किरियट्ठाणे मित्तदोसवत्तिए त्ति आहिए ॥ ११ ॥ अहावरे एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिज्जइ। जे इमे भवंति—गूढायारा तमोकसिया उलुगपत्तलहुया पव्वयगुरुया ते आरिया वि संता अणारियाओ भासाओ वि पउज्जंति, अण्णहासंतं अप्पाणं अण्णहा मण्णंति, अण्णं पुट्ठा अण्णं वागरंति, अण्णं आइक्खियव्वं अण्णं आइक्खंति। से जहाणामए केइ पुरिसे अंतोसल्ले तं सल्लं णो सयं णिहरइ णो अण्णे णिहरावेइ णो पडिविद्धंसेइ, एवमेव णिण्हवेइ, अविउट्टमाणे अंतोअंतो रियइ, एवमेव माई मायं कट्टु णो आलोएइ णो पडिक्कमेइ णो णिंदइ णो गरहइ णो विउट्टइ णो विसोहेइ णो अकरणाए अब्भुट्ठेइ णो अहारिहं तवोकम्मं पायच्छित्तं पडिवज्जइ, माई अस्सिं लोए पच्चायाइ माई परंसि लोए पुणो पुणो पच्चायाइ णिंदइ गरहइ पसंसइ णिच्चरइ ण णियट्टइ णिसिरियं दण्डं छाएइ, माइ असमाहडसुलेस्से यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। एक्कारसमे किरियट्ठाणे मायावत्तिए त्ति आहिए ॥ १२ ॥ अहावरे बारसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिज्जइ। जे इमे भवंति, तं जहा—आरण्णिया आवसहिया गामंतिया कण्हुईरहस्सिया णो बहुसंजया णो बहुपडिविरया सव्वपाण-भूयजीवसत्तेहिं ते अप्पणो सच्चामोसाइं एवं विउंजंति। अहं ण हंतव्वो, अण्णे हंतव्वा, अहं ण अज्जावेयव्वो, अण्णे अज्जावेयव्वा, अहं ण परिघेयव्वो, अण्णे परिघेयव्वा, अहं ण परितावेयव्वो, अण्णे परितावेयव्वा, अहं ण उद्दवेयव्वो, अण्णे उद्दवेयव्वा, एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया गरहिया अज्झोववण्णा जाव वासाइं चउपंचमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा भुंजित्तु भोगभोगाइं कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु आसुरिएसु किब्बिसिएसु ठाणेसु उववत्तारो भवंति। तओ विप्पमुच्चमाणे भुज्जो भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए जाइमूयत्ताए पच्चायंति। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ। दुवालसमे किरियट्ठाणे लोभवत्तिए त्ति आहिए। इच्चेयाइं दुवालस किरियट्ठाणाइं दविएणं समणेण वा माहणेण वा सम्मं सुपरिजाणियव्वाइं भवंति ॥ १३ ॥ अहावरे तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। इह खलु अत्तत्ताए संवुडस्स अणगारस्स

इरियासमियस्स भासासमियस्स एसणासमियस्स आयाणभण्डमत्तणिक्खेवणासमियस्स उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमियस्स मणसमियस्स वयसमियस्स कायसमियस्स मणगुत्तस्स वयगुत्तस्स कायगुत्तस्स गुत्तिंदियस्स गुत्तबम्भयारिस्स आउत्तं गच्छमाणस्स आउत्तं चिट्ठमाणस्स आउत्तं णिसीयमाणस्स अउत्तं तुयट्ट-माणस्स आउत्तं भुंजमाणस्स आउत्तं भासमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कम्बलं पायपुंछणं गिण्हमाणस्स वा णिक्खिवमाणस्स वा जाव चक्खुपम्हणिवायमवि अत्थि विमाया सुहुमा किरिया इरियावहिया णाम कज्जइ। सा पढमसमए बद्धा पुट्ठा बिईयसमए वेइया तइयसमए णिज्जिण्णा सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया णिज्जिण्णा सेयकाले अकम्मे यावि भवइ। एवं खलु तस्स तप्पत्तियं सावज्जं ति आहिज्जइ, तेरसमे किरियट्ठाणे इरियावहिए त्ति आहिज्जइ। से बेमि जे य अईया जे य पडुप्पण्णा जे य आगमिस्सा अरिहंता भगवंता सव्वे ते एयाइं चेव तेरस किरिय-ट्ठाणाइं भासिंसु वा भासेंति वा भासिस्संति वा पण्णविंसु वा पण्णवेंति वा पण्ण-विस्संति वा, एवं चेव तेरसमं किरियट्ठाणं सेविंसु वा सेवंति वा सेविस्संति वा ॥१४॥

अदुत्तरं च णं पुरिसविजयं विभंगमाइक्खिस्सामि। इह खलु णाणापण्णाणं णाणा-छंदाणं णाणासीलाणं णाणादिट्ठीणं णाणारुईणं णाणारम्भाणं णाणाज्झवसाणसंजुत्ताणं णाणाविहपावसुयज्झयणं एवं भवइ। तं जहा—भोमं उप्पायं सुविणं अंतलिक्खं अंगं सरं लक्खणं वंजणं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं मेण्ढलक्खणं कुक्कुडलक्खणं तित्तिरलक्खणं वट्टगलक्खणं लावयलक्खणं चक्क-लक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं दण्डलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागि-णिलक्खणं सुभगाकरं दुब्भगाकरं गब्भाकरं मोहणकरं आहव्वणिं पागसासणिं दव्व-होमं खत्तियविज्जं चंदचरियं सूरचरियं सुक्कचरियं बहस्सइचरियं उक्कापायं दिसा-दाहं मियचक्कं वायसपरिमण्डलं पंसुवुट्ठिं केसवुट्ठिं मंसवुट्ठिं रुहिरवुट्ठिं वेयालिं अद्ध-वेयालिं ओसोवणिं तालुग्घाडणिं सोवागिं सोवारिं दामिलिं कालिंगिं गोरिं गंधारिं ओवयणिं उप्पयणिं जम्भणिं थम्भणिं लेसणिं आमयकरणिं विसल्लकरणिं पक्कमणिं अंतद्धाणिं आयमिणिं, एवमाइयाओ विज्जाओ अण्णस्स हेउं पउंजंति पाणस्स हेउं पउंजंति वत्थस्स हेउं पउंजंति लेणस्स हेउं पउंजंति सयणस्स हेउं पउंजंति, अण्णेसिं वा विरूवरूवाणं कामभोगाण हेउं पउंजंति। तिरिच्छं ते विज्जं सेवंति, ते अणारिया

विप्पडिवण्णा कालमासे कालं किच्चा अण्णयराइं आसुरियाइं किब्बिसियाइं ठाणाइं उववत्तारो भवंति। तओ वि विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूययाए तमअंधयाए पच्चायंति ॥ १५ ॥ से एगइओ आयहेउं वा णायहेउं वा सयणहेउं वा अगारहेउं वा परिवारहेउं वा णायगं वा सहवासियं वा णिस्साए अदुवा अणुगामिए १ अदुवा उवचरए २ अदुवा पडिपहिए ३ अदुवा संधिच्छेयए ४ अदुवा गण्ठिच्छेयए ५ अदुवा उरब्भिए ६ अदुवा सोवरिए ७ अदुवा वागुरिए ८ अदुवा साउणिए ९ अदुवा मच्छिए १० अदुवा गोघायए ११ अदुवा गोवालए १२ अदुवा सोवणिए १३ अदुवा सोवणियंतिए १४। एगइओ आणुगामियभावं पडिसंधाय तमेव अणुगामियाणुगामियं हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उवचरयभावं पडिसंधाय तमेव उवचरियं हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ। इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ पाडिपहियभावं पडिसंधाय तमेव पडिपहे ठिच्चा हंता छेत्ता भेत्ता लुम्पइत्ता विलुम्पइत्ता उद्दवइत्ता आहारं आहारेइ, इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ संधिच्छेदगभावं पडिसंधाय तमेव संधिं छेत्ता भेत्ता जाव इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गण्ठिच्छेयगभावं पडिसंधाय तमेव गण्ठिं छेत्ता भेत्ता जाव इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ उरब्भियभावं पडिसंधाय उरब्भं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। (एसो अभिलावो सव्वत्थ) से एगइओ सोयरियभावं पडिसंधाय महिसं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ वागुरियभावं पडिसंधाय मियं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सउणियभावं पडिसंधाय सउणिं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ मच्छियभावं पडिसंधाय मच्छं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गोघायभावं पडिसंधाय तमेव गोणं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ गोवालभावं पडिसंधाय तमेव गोवालं वा परिजविय परिजविय हंता जाव उव-

कलाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियभावं पडिसंधाय तमेव सुणगं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ सोवणियंतियभावं पडिसंधाय तमेव मणुस्सं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव आहारं आहारेइ इइ से महया पावेहिं कम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ॥ १६॥ से एगइओ परिसामज्झाओ उट्ठित्ता अहमेयं हणामि त्ति कट्टु तित्तिरं वा वट्टगं वा लावगं वा कवोयगं वा कविंजलं वा अण्णयरं वा तसं पाणं हंता जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं सस्साइं झामेइ अण्णेण वि अगणिकाएणं सस्साइं झामावेइ अगणिकाएणं सस्साइं झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ कप्पंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा गोणसालाओ वा घोडगसालाओ वा गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाए पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ अण्णेण वि झामावेइ झामंतं पि अण्णं समणुजाणइ, इइ से महया जाव भवइ। से एगइओ केणइ आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा कुण्डलं वा मणिं वा मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ अण्णेण वि अवहरावेइ अवहरंतं पि अण्णं समणुजाणइ इइ से महया जाव भवइ॥ से एगइओ केणइ वि आयाणेणं विरुद्धे समाणे अदुवा खलदाणेणं अदुवा सुराथालएणं समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा भण्डगं वा मत्तगं वा लट्ठिं वा भिसिगं वा चेलगं वा चिलिमिलिगं वा चम्मयं वा छेयणगं वा चम्मकोसियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ, इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ॥ से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा सयमेव अगणिकाएणं ओसहीओ झामेइ जाव अण्णं पि झामंतं समणुजाणइ, इति से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा—गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टाण वा गोणाण वा घोडगाण वा गद्दभाण वा सयमेव घूराओ कप्पेइ अण्णेण वि कप्पावेइ अण्णं पि कप्पंतं समणुजाणइ। से एगइओ

णो विइगिंछइ, तं जहा--गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा उट्टसालाओ वा जाव गद्दभसालाओ वा कण्टकबोंदियाहिं पडिपेहित्ता सयमेव अगणिकाएणं झामेइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ, तं जहा--गाहावईण वा गाहावइपुत्ताण वा जाव मोत्तियं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। से एगइओ णो विइगिंछइ तं जहा--समणाण वा माहणाण वा छत्तगं वा दण्डगं वा जाव चम्मछेयणगं वा सयमेव अवहरइ जाव समणुजाणइ। इइ से महया जाव उवक्खाइत्ता भवइ। से एगइओ समणं वा माहणं वा दिस्सा णाणाविहेहिं पावकम्मेहिं अत्ताणं उवक्खाइत्ता भवइ, अदुवा णं अच्छराए आफालित्ता भवइ, अदुवा णं फरुसं वदित्ता भवइ, कालेण वि से अणुपविट्ठस्स असणं वा पाणं वा जाव णो दवावेत्ता भवइ, जे इमे भवंति बोणमंता भारक्कंता अलसगा वसलगा किवणगा समणगा णिउक्कमा वणगा पव्वयंति ते इणमेव जीवियं धिज्जीवियं संपडिबूहेंति, णाइ ते परलोगस्स अट्ठाए किंचि वि सिलीसंति, ते दुक्खंति ते सोयंति ते जूरंति ते तिप्पंति ते पिट्टंति ते परितप्पंति ते दुक्खणजूरणसोयणतिप्पणपिट्टणपरितिप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। ते महया आरम्भेण ते महया समारम्भेण ते महया आरम्भसमारम्भेण विरूवरूवेहिं पावकम्मकिच्चेहिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजित्तारो भवंति। तं जहा--अण्णं अण्णकाले पाणं पाणकाले वत्थं वत्थकाले लेणं लेणकाले सयणं सयणकाले सपुव्वावरं च णं ण्हाए कयबलिकम्मे, कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सिरसा ण्हाए कण्ठेमालाकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियमालामउली पडिबद्धसरीरे वग्घारियसोणिसुत्तगमल्लदामकलावे अहयवत्थपरिहिए चंदणोक्खित्तगायसरीरे महइमहालियाए कूडागारसालाए महइमहालयंसि सीहासणंसि इत्थीगुम्मसंपरिवुडे सव्वराइएणं जोइणा झियायमाणेणं महयाहयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तस्स णं एगमवि आणवेमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति। भणह देवाणुप्पिया किं करेमो? किं आहरेमो? किं उवणेमो? किं आचिट्ठामो? किं भे हियं इच्छियं? किं भे आसगस्स सयइ? तमेव पासित्ता अणारिया एवं वयंति--देवे खलु अयं पुरिसे, देवसिणाए खलु अयं पुरिसे, देवजीवणिज्जे खलु अयं पुरिसे, अण्णे वि य णं उवजीवंति। तमेव पासित्ता आरिया वयंति--अभिक्कंत-

कूरकम्मे खलु अयं पुरिसे अइधुए अइयायरक्खे दाहिणगामिए णेरइए कण्ह-पक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहियाए यावि भविस्सइ। इच्चेयस्स ठाणस्स उट्ठिया वेगे अभिगिज्झंति अणुट्ठिया वेगे अभिगिज्झंति अभिझंझाउरा वेगे अभि-गिज्झंति। एस ठाणे अणारिए अकेवले अप्पडिपुण्णे अणेयाउए असंसुद्धे असल्ल-गत्तणे असिद्धिमग्गे अमुत्तिमग्गे अणिव्वाणमग्गे अणिज्जाणमग्गे असव्वदुक्खपहीण-मग्गे एगंतमिच्छे असाहु। एस खलु पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए॥ १७॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा पडीणं वा उदीणं वा दाहिणं वा संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा--आरिया वेगे अणारिया वेगे उच्चागोया वेगे णीयागोया वेगे कायमंता वेगे हस्समंता वेगे सुवण्णा वेगे दुवण्णा वेगे सुरूवा वेगे दुरूवा वेगे। तेसिं च णं खेत्तवत्थूणि परिग्गहियाइं भवंति, एसो आलावगो जहा पोण्डरीए तहा णेयव्वो, तेणेव अभिलावेण जाव सव्वोवसंता सव्वत्ताए परिणिव्वुडे त्ति बेमि॥ एस ठाणे आरिए केवले जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहु। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए॥१८॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। जे इमे भवंति आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया कण्हुईरह-स्सिया जाव ते तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमूयत्ताए तमूयत्ताए पच्चायंति। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू। एस खलु तच्चस्स ठाणस्स मिस्सगस्स विभंगे एवमाहिए॥ १९॥ अहावरे पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति–गिहत्था महिच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अधम्मिया अधम्माणुया अधम्मिट्ठा अधम्मक्खाई अधम्मपायजीविणो अधम्मपलोई अधम्मपलज्जणा अधम्मसीलसमुदायारा अधम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति। हण छिंद भिंद विगत्तगा लोहियपाणी चण्डा रुद्दा खुद्दा साहस्सिया उक्कुंचणवंचणमायाणियडि-कूडकवडसाइसंपओगबहुला दुस्सीला दुव्वया दुप्पडियाणंदा असाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडि-विरया जावज्जीवाए सव्वाओ कोहाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया, सव्वाओ ण्हाणुम्मद्दणवण्णगंधविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लालंकाराओ अप्पडि-

डिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसियासंदमाणिया-सयणासणजाणवाहणभोगभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया, जावज्जीवाए सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधण्णमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ आरम्भसमारम्भाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ करणकारावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ पयणपयावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए सव्वाओ कुट्टणपिट्टणतज्जणताडणवहबंधपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए। जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता परपाणपरियावणकरा जे अणारिएहिं कज्जंति तओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए। से जहाणामए केइ पुरिसे कलममसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगपलिमंथगमादिएहिं अयंते कूरे मिच्छादण्डं पउंजंति, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए तित्तिरवट्टगलावगकवोयकविंजलमियमहिसवराहगाहगोहकुम्मसिरिसिवमाइएहिं अयंते कूरे मिच्छादण्डं पउंजंति जा वि य से बाहिरिया परिसा भवइ, तं जहा—दासे इ वा पेसे इ वा भयए इ वा भाइल्ले इ वा कम्मकरए इ वा भोगपुरिसे इ वा तेसिं पि य णं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ। तं जहा—इमं दण्डेह इमं मुण्डेह इमं तज्जेह इमं तालेह इमं अदुयबंधणं करेह इमं णियलबंधणं करेह इमं हडिबंधणं करेह इमं चारगबंधणं करेह इमं णियलजुयलसंकोचियमोडियं करेह इमं हत्थच्छिण्णयं करेह इमं पायच्छिण्णयं करेह, इमं कण्णछिण्णयं करेह इमं णक्कओट्ठसीसमुहच्छिण्णयं करेह वेयगच्छहियं अंगच्छहियं पक्खाफोडियं करेह इमं णयणुप्पाडियं करेह इमं दंसणुप्पाडियं वसणुप्पाडियं जिब्भुप्पाडियं ओलम्बियं करेह घसियं करेह घोलियं करेह सूलाइयं करेह सूलाभिण्णयं करेह खारवत्तियं करेह वज्झवत्तियं करेह सीहपुच्छियगं करेह वसभपुच्छियगं करेह दवग्गिदड्ढयंगं कागणिमंसखावियंगं भत्तपाणणिरुद्धगं इमं जावज्जीवं वहबंधणं करेह इमं अण्णयरेणं असुभेणं कुमारेणं मारेह। जा वि य से अब्भितरिया परिसा भवइ, तं जहा—माया इ वा पिया इ वा भाया इ वा भगिणी इ वा भज्जा इ वा पुत्ता इ वा धूया इ वा सुण्हा इ वा, तेसिं पि य णं अण्णयरंसि अहालहुगंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दण्डं णिवत्तेइ, सीओदगवियडंसि

उच्छोलित्ता भवइ जहा मित्तदोसवत्तिए जाव अहिए परंसि लोगंसि। ते दुक्खंति सोयंति जूरंति तिप्पंति पिट्टंति परितप्पंति ते दुक्खणसोयणजूरणतिप्पणपिट्टण-परितप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववण्णा जाव वासाइं चउपंचमाइं छद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा कालं भुंजित्तु भोगभोगाइं पविसुइत्ता वेरायवणाइं संचिणित्ता बहूइं पावाइं कम्माइं उस्सण्णाइं संभारकडेण कम्मुणा से जहाणामए अयगोले इ वा सेलगोले इ वा उदगंसि पक्खित्ते समाणे उदगयलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ, एवमेव तहप्पगारे पुरिसजाए वज्जबहुले धूयबहुले पंकबहुले वेरबहुले अप्पत्तियबहुले दम्भबहुले णियडिबहुले साइबहुले अयसबहुले उस्सण्णतसपाणघाई कालमासे कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे णरगयलपइट्ठाणे भवइ॥ २०॥ ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया णिच्चंधकारतमसा ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खिललित्ताणुलेवणयला असुई वीसा परमदुब्भिगंधा कण्हा अगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा णरगा असुभा णरएसु वेयणाओ॥ णो चेव णरएसु णेरइया णिद्दायंति वा पयलायंति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभंते ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कडुयं कक्कसं चण्डं दुक्खं दुग्गं तिव्वं दुरहियासं णेरइया वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति॥ २१॥ से जहाणामए रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूले छिण्णे अग्गे गरुए जओ णिण्णं जओ विसमं जओ दुग्गं तओ पवडइ, एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं णरगाओ णरगं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिए णेरइए कण्हपक्खिए आगमिस्साणं दुल्लहबोहिए यावि भवइ। एस ठाणे अणारिए अकेवले जाव असव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू। पढमस्स ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए॥ २२॥ अहावरे दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया धम्मिट्ठा जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा सुसाहू सव्वाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए जाव जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता

परपाणपरियावणकरा कज्जंति तओ वि पडिविरया जावज्जीवाए ॥ से जहाणामए— अणगारा भगवंतो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभण्डमत्तणिक्खेवणासमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिया मणसमिया वयसमिया कायसमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिंदिया गुत्तबम्भयारी अकोहा अमाणा अमाया अलोभा संता पसंता उवसंता परिणिव्वुडा अणासवा अग्गंथा छिण्णसोया णिरुवलेवा कंसपाइ व्व मुक्कतोया संखो इव णिरंजणा जीव इव अपडिहयगई गगणतलं पिव णिरालम्बणा वाउरिव अपडिबद्धा सारदसलिलं व सुद्धहियया पुक्खरपत्तं व णिरुवलेवा कुम्मो इव गुत्तिंदिया विहग इव विप्पमुक्का खग्गिविसाणं व एगजाया भारण्डपक्खी व अप्पमत्ता कुंजरो इव सोण्डीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा मंदरो इव अप्पकम्पा सागरो इव गम्भीरा चंदो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया जच्चकंचणगं व जायरूवा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणो विय तेयसा जलंता । णत्थि णं तेसिं भगवंताणं कत्थ वि पडिबंधे भवइ । से पडिबंधे चउव्विहे पण्णत्ते । तं जहा—अण्डए इ वा पोयए इ वा उग्गहे इ वा पग्गहे इ वा जं णं जं णं दिसं इच्छंति तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धा सुइभूया लहुभूया अप्पग्गंथा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ तेसिं णं भगवंताणं इमा एयारूवा जायामायावित्ती होत्था । तं जहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउदसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए तिमासिए चउम्मासिए पंचमासिए छम्मासिए अदुत्तरं च णं उक्खित्तचरया णिक्खित्तचरया उक्खित्तणिक्खित्तचरया अंतचरगा पंतचरगा लूहचरगा समुदाणचरगा संसट्ठचरगा असंसट्ठचरगा तज्जायसंसट्ठचरगा दिट्ठलाभिया अदिट्ठलाभिया पुट्ठलाभिया अपुट्ठलाभिया भिक्खलाभिया अभिक्खलाभिया अण्णायचरगा उवणिहिया संखादत्तिया परिमियपिण्डवाइया सुद्धेसणिया अंताहारा पंताहारा अरसाहारा विरसाहारा लूहाहारा तुच्छाहारा अंतजीवी पंतजीवी आयम्बिलिया पुरिमड्ढिया णिव्विगइया अमज्जमंसासिणो णो णियामरसभोई ठाणाइया पडिमाठाणाइया उक्कडुआसणिया णेसज्जिया वीरासणिया दण्डायइया लगंडसाइणो अप्पाउडा अगत्तया अकण्डुया अणिट्ठुहा (एवं जहोववाइए) धुयकेसमंसुरोमणहा सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्का चिट्ठंति । ते णं एएणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं

वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ बहुबहु आबाहंसि उप्पण्णंसि वा अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं पच्चक्खंति पच्चक्खाइत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति, अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुण्डभावे अण्हाणभावे अदंतवणगे अछत्तए अणोवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बम्भचेरवासे परघरपवेसे लद्धावलद्धे माणावमाणणाओ हीलणाओ णिंदणाओ खिंसणाओ गरहणाओ तज्ज-णाओ तालणाओ उच्चावया गामकण्टगा बावीसं परीसहोवसग्गा अहियासिज्जंति तमट्ठं आराहेंति तमट्ठं आराहित्ता चरमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं अणंतं अणुत्तरं णिव्वाघायं णिरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवलवरणाणदंसणं समुप्पाडेंति, समुप्पाडित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणं अंतं करंति। एगच्चाए पुण एगे भयंतारो भवंति, अवरे पुण पुव्वकम्मावसेसेणं कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। तं जहा—महड्ढिएसु महज्जुइएसु महापरक्कमेसु महाजसेसु महाबलेसु महाणुभावेसु महासुक्खेसु। ते णं तत्थ देवा भवंति महड्ढिया महज्जुइया जाव महासुक्खा हारविराइयवच्छा कडगतु-डियथम्भियभुया अंगयकुण्डलमट्ठगण्डयलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्त-मालामउलिमउडा कल्लाणगंधपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलम्बवणमालाधरा दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चाए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दया यावि भवंति। एस ठाणे आयरिए जाव सव्वदुक्खपहीणमग्गे एगंतसम्मे सुसाहू। दोच्चस्स ठाणस्स धम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २३ ॥ अहावरे तच्चस्स ठाणस्स मीस-गस्सविभंगे एवमाहिज्जइ। इह खलु पाईणं वा ४ संतेगइया मणुस्सा भवंति। तं जहा—अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा साहू एगच्चाओ पाणाइ-वायाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अप्पडिविरया जाव जे यावण्णे तहप्प-गारा सावज्जा अबोहिया कम्मंता परपाणपरितावणकरा कज्जंति तओ वि एगच्चाओ अप्पडिविरया। से जहाणामए समणोवासगा भवंति अभिगयजीवाजीवा उवलद्ध-

पुण्णपावा आसवसंवरवेयणाणिज्जराकिरियाहिगरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरणागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं णिग्गंथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा, इणमेव णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया णिक्कंखिया णिव्विइगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता । अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे उसियफलिहा अवंगुयदुवाराअचियत्तंतेउरपरघरपवेसा चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे णिग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुंछणेणं ओसहभेसज्जेणं पीठफलगसेज्जासंथारएणं पडिलाभेमाणा बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति पाउणित्ता आबाहंसि उप्पण्णंसि वा, अणुप्पण्णंसि वा बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए पच्चक्खाएत्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तं जहा– महड्ढिएसु महज्जुइएसु जाव महासुक्खेसु सेसं तहेव जाव एसट्ठाणे आयरिए जाव एगंतसम्मे साहू । तच्चस्स ठाणस्स मीसगस्स विभंगे एवमाहिए ॥ २४ ॥ अविरइं पडुच्च बाले आहिज्जइ विरइं पडुच्च पंडिए आहिज्जइ विरयाविरइं पडुच्च बालपंडिए आहिज्जइ तत्थणं जा सा सव्वओ अविरई एसट्ठाणे आरंभट्ठाणे अणारिए जाव असव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतमिच्छे असाहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरई एसट्ठाणे अणारंभट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू, तत्थणं जा सा सव्वओ विरयाविरई एसट्ठाणे आरंभणोआरंभट्ठाणे एसट्ठाणे आरिए जाव सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे एगंतसम्मे साहू ॥२५॥ एवमेव समणुगम्ममाणा इमेहिं चेव दोहिं ठाणेहिं समोअरंति, तं जहा–धम्मे चेव अधम्मे चेव, उवसंते चेव अणुवसंते चेव, तत्थणं जे से पढमट्ठाणस्स अधम्मपक्खस्स विभंगे एवमाहिए तस्सणं इमाइं तिण्णितेवट्ठाइं पावादुयसयाइं भवंतीति मक्खायाइं तं जहा–किरियावाईणं अकिरियावाईणं अण्णाणियवाईणं वेणइयवाईणं तेवि परिणिव्वाणमाहंसु तेवि परिमोक्खमाहंसु तेवि लवंति सावगा

तेवि लवंति सावइत्तारो ॥ २६ ॥ ते सव्वे पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा णाणाछंदा णाणासीला णाणादिट्ठी णाणारुई णाणारंभा णाणाज्झवसाणसंजुत्ता एगं महं मंडलिबंधं किच्चा सव्वे एगओ चिट्ठंति ॥ २७॥ पुरिसे य सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं अउमएणं संडासएणं गहाय ते सव्वे पावाउए आइगरे धम्माणं णाणापण्णे जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ते एवं वयासी--हंभो! पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता! इमं ताव तुब्भे सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं गहाय मुहुत्तयं २ पाणिणा धरेह णो बहुसंडासगं संसारियं कुज्जा, णो बहुअग्गिथंभणियं कुज्जा णो बहु साहम्मियवेयावडियं कुज्जा णो बहु परधम्मियवेयावडियं कुज्जा, उज्जुया णियागपडिवण्णा अमायं कुव्वमाणा पाणिं पसारेह इइ वुच्चा से पुरिसे तेसिं पावादुयाणं तं सागणियाणं इंगालाणं पाइं बहुपडिपुण्णं अउमएणं संडासएणं गहाय पाणिंसु णिसिरइ तएणं ते पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता पाणिं पडिसाहरंति तएणं से पुरिसे ते सव्वे पावाउए आइगरे धम्माणं जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ते एवं वयासी हंभो! पावाउया आइगरा धम्माणं णाणापण्णा जाव णाणाज्झवसाणसंजुत्ता! कम्हाणं तुब्भे पाणिं पडिसाहरह? पाणिं णो डहिज्जा, दड्ढे किं भविस्सइ दुक्खं? दुक्खं ति मण्णमाणा पडिसाहरह एस तुला एसपमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे तत्थणं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति, जाव परूवेंति सव्वे पाणा जाव सत्ता हंतव्वा अज्जावेयव्वा परिघेयव्वा परियावेयव्वा किलामेयव्वा उद्दवेयव्वा ते आगंतु छेयाए ते आगंतु भेयाए जाव ते आगंतु जाइजरामरणजोणिजम्मणसंसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति। ते बहूणं दंडणाणं बहूणं मुंडणाणं तज्जणाणं तालणाणं अंदुबंधणाणं जाव घोलणाणं माइमरणाणं पिइमरणाणं भाइमरणाणं भगिणीमरणाणं भज्जापुत्तधूयासुण्हामरणाणं दारिद्दाणं दोहग्गाणं अप्पियसंवासाणं पियविप्पओगाणं बहूणं दुक्खदोम्मणस्साणं आभागिणो भविस्संति अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो अणुपरियट्टिस्संति ते णो सिज्झिस्संति णो बुज्झिस्संति जाव णो सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति एस तुला एस पमाणे एस समोसरणे पत्तेयं तुला पत्तेयं पमाणे पत्तेयं समोसरणे। तत्थ णं जे ते समणा माहणा एवमाइक्खंति जाव परूवेंति। सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता ण हंतव्वा ण अज्जावेयव्वा ण परिघेयव्वा ण उद्-

वेयव्वा ते णो आगंतुच्छेयाए ते णो आगंतुभेयाए जाव जाइजरामरणजोणिजम्मण-संसारपुणब्भवगब्भवासभवपवंचकलंकलीभागिणो भविस्संति, जाव अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं भुज्जो भुज्जो णो अणुपरियट्टिस्संति, ते सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति॥ २८॥ इच्चेएहिं बारसहिं किरिया-ठाणेहिं वट्टमाणा जीवा णो सिज्झिसु णो बुज्झिसु णो मुच्चिसु णो परिणिव्वाईसु जाव णो सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा णो करेंति वा णो करिस्संति वा । एयंसि चेव तेरसमे किरियाठाणे वट्टमाणा जीवा सिज्झिसु बुज्झिसु मुच्चिसु परिणिव्वाईसु जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा । एवं से भिक्खू आयट्ठी आयहिए आयगुत्ते आयजोगे आयपरक्कमे आयरक्खिए आयाणुकम्पए आयणि-प्फेडए आयाणमेव पडिसाहरेज्जासि त्ति बेमि ॥ २९ ॥

॥ आहारपरिण्णा णाम तइयं अज्झयणं ॥

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं । इह खलु आहारपरिण्णा णामज्झयणे तस्स णं अयमट्ठे । इह खलु पाईणं वा ४ सव्वओ सव्वावंति य णं लोगंसि चत्तारि-बीयकाया एवमाहिज्जंति । तं जहा--अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया । तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढवीसंभवा पुढवी-वुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणा-विहजोणियासु पुढवीसु रुक्खत्ताए विउट्टंति ॥ ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउसरीरं तेउसरीरं वाउसरीरं वणस्सइसरीरं । णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं । तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणयं सारूवियकडं संतं । अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा णाणारसा णाणाफासा णाणासंठाणसंठिया णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंतीति मक्खायं ॥ १ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा पुढवीजोणिएहिं रुक्खेहिं रुक्खत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं पुढवी-जोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउ-वणस्सइसरीरं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परि-विद्धत्थं । सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विप्परिणामियं सारूवियकडं संतं । अवरे

वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा णाणारसा णाणाफासा णाणासंठाणसंठिया णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंतीति मक्खायं ॥२॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति, पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइ-सरीरं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरं पुव्वाहारियं तयाहारियं विपरिणामियं सारूवियकडं संतं अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव ते जीवा कम्मोववण्णगा भवंति त्ति मक्खायं ॥३॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु रुक्खेसु मूलत्ताए कंदत्ताए खंधत्ताए तयत्ताए सालत्ताए पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं आउतेउवाउवणस्सइं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरं अचित्तं कुव्वंति परिविद्धत्थं तं सरीरगं जावं सारूवियकडं संतं अवरेवियणं तेसिं रुक्खजोणियाणं मूलाणं कंदाणं खंधाणं तयाणं सालाणं पवालाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जाव णाणाविहसरीरपुग्गलविउव्विया ते जीवा कम्मो-ववण्णगा भवंति त्ति मक्खायं ॥४॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता रुक्खजोणिया रुक्खसंभवा रुक्खवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोववण्णगा कम्मणिया-णेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं रुक्खाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारू-वियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारुहाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं ॥५॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसं-भवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा रुक्खजोणिएसु अज्झारोहेसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणि-याणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं॥६॥अहावरं पुरक्खायं इहेगइया

सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं आउसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥७॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता अज्झारोहजोणिया अज्झारोहसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा अज्झारोहजोणिएसु अज्झारोहेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं अज्झारोहजोणियाणं अज्झारोहाणं सिणेहमाहारेंति जाव अवरेवि य णं तेसिं अज्झारोहजोणियाणं मूलाणं जाव बीयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ ८ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढविजोणिया पुढविसंभवा जाव णाणाविहजोणियासु पुढवीसु तणत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति जाव ते जीवा कम्मोववण्णा भवंति त्ति मक्खायं–एवं पुढविजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति जाव मक्खायं–एवं तणजोणिएसु तणेसु तणत्ताए विउट्टंति तणजोणियं तणसरीरं च आहारेंति, जाव मक्खायं–एवं तणजोणिएसु तणेसु मूलत्ताए जाव बीयत्ताए विउट्टंति ते जीवा जाव एवमक्खायं–एवं ओसहीणं वि चत्तारि आलावगा–एवं हरियाणवि चत्तारि आलावगा ॥ ९–१० ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता पुढवीजोणिया पुढविसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणियासु पुढवीसु आयत्ताए वायत्ताए कायत्ताए कूहणत्ताए कंदुकत्ताए उव्वेहणियत्ताए णिव्वेहणियत्ताए सछत्ताए छत्तगत्ताए वासाणियत्ताए कूरत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं पुढवीणं सिणेहमाहारेंति। ते वि जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं पुढविजोणियाणं आयत्ताणं जाव कूराणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। एगो चेव आलावगो सेसा तिण्णि णत्थि। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणिएसु उदएसु रुक्खत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं रुक्खाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। जहा पुढविजोणियाणं रुक्खाणं चत्तारि गमा अज्झारुहाण वि तहेव, तणाणं ओसहीणं

हरियाणं चत्तारि आलावगा भाणियव्वा एक्केक्के, अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसम्भवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए अवगत्ताए पणगत्ताए सेवालत्ताए कलम्बुगत्ताए हडत्ताए कसेरुगत्ताए कच्छभाणियत्ताए उप्पलत्ताए पउमत्ताए कुमुयत्ताए णलिणत्ताए सुभगत्ताए सोगंधियत्ताए पोण्डरीयमहापोण्डरीयत्ताए सयपत्तत्ताए सहस्सपत्तत्ताए एवं कल्हारकोंकणयत्ताए अरविंदत्ताए तामरसत्ताए भिसभिसमुणालपुक्खलत्ताए पुक्खलच्छिभगत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं णाणाविहजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं एगो चेव आलावगो ॥ ११ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता तेसिं चेव पुढवी-जोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, रुक्खजोणिएहिं अज्झारोहेहिं अज्झारोहजोणिएहिं अज्झारोहेहिं, अज्झारोहजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं, पुढविजोणिएहिं तणेहिं, तणजोणिएहिं तणेहिं तणजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं । एवं ओसहीहि वि तिण्णि आलावगा एवं हरिएहि वि तिण्णि आलावगा । पुढविजोणिएहि वि आएहिं काएहिं जाव कूरेहिं उदगजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं रुक्खेहिं, रुक्खजोणिएहिं मूलेहिं जाव बीएहिं एवं अज्झारुहेहि वि तिण्णि । तणेहिं वि तिण्णि आलावगा । ओसहीहिं वि तिण्णि, हरिएहिं वि तिण्णि, उदगजोणिएहिं उदएहिं अवएहिं जाव पुक्खलच्छिभएहिं तसपाणत्ताए विउट्टंति ॥ ते जीवा तेसिं पुढवीजोणियाणं उदगजोणियाणं रुक्ख-जोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहीजोणियाणं हरियजोणियाणं रुक्खाणं अज्झारुहाणं तणाणं ओसहीणं हरियाणं मूलाणं जाव बीयाणं आयाणं कायाणं जाव कुरवाणं [कूराणं] उदगाणं अवगाणं जाव पुक्खलच्छिभगाणं सिणेह-माहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढवीसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं रुक्खजोणियाणं अज्झारोहजोणियाणं तणजोणियाणं ओसहिजोणियाणं हरियजोणियाणं मूलजोणियाणं कंदजोणियाणं जाव बीयजोणियाणं आयजोणियाणं कायजोणियाणं जाव कूरजोणियाणं उदगजोणियाणं अवगजोणियाणं जाव पुक्खलच्छिभगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं ॥ १२ ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणा-

विहाणं मणुस्साणं । तं जहा—कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खुयाणं । तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणिए एत्थ णं मेहुणवत्तियाए (व) णामं संजोगे समुप्पज्जइ । ते दुहओ वि सिणेहं संचिणंति । तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए णपुंसगत्ताए विउट्टंति, ते जीवा माउउयं पिउसुक्कं तं तदुभयं संसट्ठं कलुसं किव्विसं तं पढमत्ताए आहारमाहारेंति तओ पच्छा जं से माया णाणाविहाओ रसविहीओ आहारमाहारेंति तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेण वुड्ढा पलिपागमणुपवण्णा तओ कायाओ अभिणिवट्टमाणा इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा ओयणं कुम्मासं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं मणुस्सगाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं आरियाणं मिलक्खूणं सरीरा णाणावण्णा जाव भवंति त्ति मक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं जलचराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तं जहा—मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स य कम्म तहेव जाव तओ एगदेसेणं ओयमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा पलिपागमणुपवण्णा तओ कायाओ अभिणिवट्टमाणा अंडं वेगया जणयंति पोयं वेगया जणयंति, से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगया जणयंति, पुरिसं वेगया जणयंति, णपुंसगं वेगया जणयंति, ते जीवा डहरा समाणा आउसिणेहमाहारेंति, अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मच्छाणं जाव सुंसुमाराणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तं जहा—एगखुराणं दुखुराणं गंडीपयाणं सणप्फयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिएपुरिसस्स य कम्म जाव मेहुणवत्तिए णामं संजोगे समुप्पज्जइ ते दुहओ वि सिणेहं संचिणंति तत्थणं जीवा इत्थित्ताए पुरिसत्ताए जाव विउट्टंति ते जीवा माउउयं पिउसुक्कं एवं जहा मणुस्साणं जाव इत्थिं वेगया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि ते जीवा डहरा समाणा माउक्खीरं सप्पिं आहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं

जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एगखुराणं जाव सणप्फयाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तंजहा--अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए पुरिसस्स जाव एत्थणं मेहुणे एवं तं चेव णाणत्तं अंडं वेगइया जणयंति पोयं वेगइया जणयंति से अंडे उब्भिज्जमाणे इत्थिं वेगइया जणयंति पुरिसंपि णपुंसगंपि, ते जीवा डहरा समाणा वाउकायमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरपाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्ख० अहीणं जाव महोरगाणं सरीरा णाणावण्णा णाणागंधा जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तं जहा--गोहाणं णउलाणं सिहाणं सरडाणं सल्लाणं सरवाणं खराणं घरकोइलियाणं विस्संभराणं मुसगाणं मंगुसाणं पयलाइयाणं बिरालियाणं जोहाणं चउप्पाइयाणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थिए पुरिसस्स य जहा उरपरिसप्पाणं तहा भाणियव्वं जाव सारूवियकडं संतं अवरेवि य णं तेसिं णाणाविहाणं भुयपरिसप्पपंचिंदियथलयरतिरिक्खाणं तं० गोहाणं जावमक्खायं ॥ अहावरं पुरक्खायं णाणाविहाणं खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, तंजहा---चम्मपक्खीणं लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं विततपक्खीणं तेसिं च णं अहाबीएणं अहावगासेणं इत्थीए जहा उरपरिसप्पाणं णाणत्तं ते जीवा डहरा समाणा माउगायसिणेहमाहारेंति अणुपुव्वेणं वुड्ढा वणस्सइकायं तसथावरे य पाणे ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं णाणाविहाणं खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चम्मपक्खीणं जाव मक्खायं ॥१३॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया णाणाविहसंभवा णाणाविहवुक्कमा तज्जोणिया तस्संभवा तदुवक्कमा कम्मोवगा कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पोग्गलाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अणुसूयत्ताए विउट्टंति । ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति । ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं । अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अणुसूयगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं । एवं दुरूवसंभवत्ताए । एवं खुरदुगत्ताए ॥ १४ ॥ अहावरं पुरक्खायं इहे-

गइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा तं सरीरगं वायसंसिद्धं वा वायसंगहियं वा वायपरिग्गहियं उड्ढवाएसु उड्ढभागी भवइ, अहेवाएसु अहेभागी भवइ, तिरियवाएसु तिरियभागी भवइ। तं जहा—ओसा हिमए महिया करए हरतणुए सुद्धोदए। ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं उस्साणं जाव सुद्धोदगाणं सरीरा णाणावण्णा जावमक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणिया उदगसंभवा जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा तसथावरजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं उदगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु उदगत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता उदगजोणियाणं जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा उदगजोणिएसु उदएसु तसपाणत्ताए विउट्टंति। ते जीवा तेसिं उदगजोणियाणं उदगाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं उदगजोणियाणं तसपाणाणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं॥ १५॥ अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा अगणिकायत्ताए विउट्टंति ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति। ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं। अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं अगणीणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं। सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं। अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणियाणं जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा वाउकायत्ताए विउट्टंति। जहा अगणीणं तहा भाणियव्वा चत्तारि गमा॥१६॥

अहावरं पुरक्खायं इहेगइया सत्ता णाणाविहजोणिया जाव कम्मणियाणेणं तत्थवुक्कमा णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सरीरेसु सचित्तेसु वा अचित्तेसु वा पुढवित्ताए सक्करत्ताए वालुयत्ताए। इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ–" पुढवी य सक्करा वालुया य उवले सिला य लोणूसे। अय तउ य तम्ब सीसग रुप्प सुवण्णे य वइरे य(१)हरियाले हिंगुलए, मणोसिला सासगंजणपवाले, अब्भपडलब्भवालुय, बायरकाए मणिविहाणा(२)गोमेज्जए य रुयए, अंके फलिहे य लोहियक्खे य, मरगयमसारगल्ले भुयमोयगइंदणीले य (३) चंदणगेरुयहंसगब्भ, पुलए सोगंधिए य बोद्धव्वे, चंदप्पभवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य (४)" एयाओ एएसु भाणियव्वाओ गाहाओ जाव सूरकंतत्ताए विउट्टंति, ते जीवा तेसिं णाणाविहाणं तसथावराणं पाणाणं सिणेहमाहारेंति, ते जीवा आहारेंति पुढविसरीरं जाव संतं अवरे वि य णं तेसिं तसथावरजोणियाणं पुढवीणं जाव सूरकंताणं सरीरा णाणावण्णा जाव मक्खायं, सेसा तिण्णि आलावगा जहा उदगाणं ॥ १७ ॥ अहावरं पुरक्खायं सव्वे पाणा सव्वे भूया, सव्वे जीवा, सव्वे सत्ता, णाणाविहजोणिया, णाणाविहसंभवा, णाणाविहवुक्कमा, सरीरजोणिया, सरीरसंभवा, सरीरवुक्कमा, सरीराहारा, कम्मोवगा, कम्मणियाणा, कम्मगइया, कम्मठिइया, कम्मणा चेव विप्परियासमुवेंति ॥१८॥ से एवमायाणह से एवमायाणित्ता आहारगुत्ते सहिए समिए सयाजए त्ति बेमि ॥ १९ ॥

पच्चक्खाणकिरिया णाम चउत्थं अज्झयणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु पच्चक्खाणकिरियाणामज्झयणे तस्सणं अयमट्ठे पण्णत्ते, आया अपच्चक्खाणीयावि भवइ, आया अकिरिया कुसलेयावि भवइ, आया मिच्छासंठिएयावि भवइ, आया एगंतदंडेयावि भवइ, आया एगंतबालेयावि भवइ, आया एगंतसुत्तेयावि भवइ, आया अवियारमणवयणकायवक्केयावि भवइ, आया अप्पडिहयअपच्चक्खायपावकम्मेयावि भवइ, एस खलु भगवया अक्खाए, असंजए, अविरए, अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, सकिरिए, असंवुडे, एगंतदंडे, एगंतबाले, एगंतसुत्ते से बाले, अवियारमणवयणकायवक्के, सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥ १ ॥ तत्थ चोयए पण्णवगं एवं वयासी, असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स, अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणविम

अपस्सओ पावे कम्मे णो कज्जइ कस्सणं तं हेउं ? चोयए एवं बवीइ अण्णयरेणं मणेणं पावएणं मणवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अण्णयरीए वईए पावियाए वइवत्तिए पावे कम्मे कज्जइ, अण्णयरेणं काएणं पावएणं कायवत्तिए पावेकम्मे कज्जइ, हणंतस्स समणक्खस्स सवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि पासओ, एवं गुणजाईयस्स पावेकम्मे कज्जइ, पुणरवि चोयए, एवं बवीइ तत्थणं जे ते एवमाहंसु असंतएणं मणेणं पावएणं असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तत्थ णं जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु ॥ तत्थ पण्णवए चोयगं एवं वयासी–तं सम्मं जं मए पुव्वं वुत्तं असंतएणं मणेणं पावएणं, असंतियाए वईए पावियाए, असंतएणं काएणं पावएणं, अहणंतस्स अमणक्खस्स अवियारमणवयणकायवक्कस्स सुविणमवि अपस्सओ पावे कम्मे कज्जइ, तं सम्मं कस्स णं तं हेउं ? आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया छज्जीवणिकायहेऊ पण्णत्ता, तंजहा पुढविकाइया जाव तसकाइया इच्चेएहिं छहिं जीवणिकाएहिं आया अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, णिच्चं पसढविउवायचित्तदंडे, तंजहा पाणाइवाए जाव परिग्गहे, कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ २ ॥ आयरिय आह-तत्थ खलु भगवया वहए दिट्ठंते पण्णत्ते । से जहाणामए–वहए सिया गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि संपहारेमाणे से किं णु हु णाम से वहए तस्स गाहावइस्स वा गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि, पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ ? एवं वियागरेमाणे समियाए बियागरे चोयए–हंता भवइ । आयरिय आह–जहा से वहए तस्स गाहावइस्स वा तस्स गाहावइपुत्तस्स वा रण्णो वा रायपुरिसस्स वा खणं णिद्दाय पविसिस्सामि खणं लद्धूणं वहिस्सामि त्ति पहारेमाणे दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे, एवमेव बाले वि सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे । तं जहा–पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले ।

एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदण्डे एगंतबाले एगंतसुत्ते यावि भवइ। से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि ण पस्सइ पावे य से कम्मे कज्जइ। जहा से वहए तस्स वा गाहावइस्स जाव तस्स वा रायपुरिसस्स पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ, एवमेव बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे भवइ॥३॥ णो इणट्ठे समट्ठे [चोयए]। इह खलु बहवे पाणा० जे इमेणं सरीरसमुस्सएणं णो दिट्ठा वा सुया वा णाभिमया वा विण्णाया वा जेसिं णो पत्तेयं पत्तेयं चित्तसमायाए दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्तभूए मिच्छासंठिए णिच्चं पसढविउवायचित्तदण्डे। तं जहा पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले॥४॥ आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया दुवे दिट्ठंता पण्णत्ता। तं जहा—सण्णिदिट्ठंते य असण्णिदिट्ठंते य। से किं तं सण्णिदिट्ठंते? जे इमे सण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा एएसिं णं छज्जीवणिकाए पडुच्च, तं जहा—पुढवीकायं जाव तसकायं। से एगइओ पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ—एवं खलु अहं पुढवीकाएणं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि, णो चेव णं से एवं भवइ—इमेण वा इमेण वा से एएणं पुढवीकाएणं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। से णं तओ पुढवीकायाओ असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे यावि भवइ। एवं जाव तसकाए त्ति भाणियव्वं। से एगइओ छज्जीवणिकाएहिं किच्चं करेइ वि कारवेइ वि। तस्स णं एवं भवइ—एवं खलु छज्जीवणिकाएहिं किच्चं करेमि वि कारवेमि वि। णो चेव णं से एवं भवइ—इमेहिं वा २, से य तेहिं छहिं जीवणिकाएहिं जाव कारवेइ वि। से य तेहिं छहिं जीवणिकाएहिं असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, तं जहा—पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एस खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सुविणमवि अपस्सओ। पावे य से कम्मे कज्जइ। से तं सण्णिदिट्ठंते॥ से किं तं असण्णिदिट्ठंते? जे इमे असण्णिणो पाणा, तं जहा—पुढवीकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा वेगइया तसा पाणा, जेसिं णो तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणा इ वा वई इ वा सयं वा

करणाए अण्णेहिं वा कारवेत्तए करंतं वा समणुजाणित्तए, ते वि णं बाले सव्वेसिं पाणाणं जाव सव्वेसिं सत्ताणं दिया वा राओ वा सुत्ते वा जागरमाणे वा अमित्त- भूया मिच्छासंठिया णिच्चं पसढविउवायचित्तदंडा तं० पाणाइवाए जाव मिच्छा- दंसणसल्ले। इच्चेव जाव णो चेव मणो णो चेव वई पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खण- याए सोयणयाए जूरणयाए तिप्पणयाए पिट्टणयाए परितप्पणयाए। ते दुक्खण- सोयण जाव परितप्पणवहबंधणपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति। इइ खलु से असण्णिणो वि सत्ता अहोणिसिं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति जाव अहोणिसिं परिग्गहे उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति [एवं भूयवाई]। सव्वजोणिया वि खलु सत्ता सण्णिणो हुच्चा असण्णिणो होंति असण्णिणो हुच्चा सण्णिणो होंति, होच्चा सण्णी अदुवा असण्णी, तत्थ से अविविचित्ता अविधूणित्ता असंमुच्छित्ता अणणुतावित्ता असण्णिकायाओ वा सण्णिकाए संकमंति सण्णिकायाओ वा असण्णि- कायं संकमंति, सण्णिकायाओ वा सण्णिकायं संकमंति असण्णिकायाओ वा असण्णि- कायं संकमंति। जे एए सण्णि वा असण्णि वा सव्वे ते मिच्छायारा णिच्चं पसढविउ- वायचित्तदण्डा। तं जहा—पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले। एवं खलु भगवया अक्खाए असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंत- दण्डे एगंतबाले एगंतसुत्ते से बाले अवियारमणवयणकायवक्के सुविणमवि ण पासइ पावे य से कम्मे कज्जइ ॥५॥ चोयए—से किं कुव्वं किं कारवं कहं संजयविरय- प्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे भवइ ? आयरिय आह—तत्थ खलु भगवया छज्जीव- णिकायहेऊ पण्णत्ता, तं जहा—पुढवीकाइया जाव तसकाइया। से जहाणामए मम अस्सायं दण्डेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलूण वा कवालेण वा आतोडिज्जमाणस्स वा जाव उवद्दविज्जमाणस्स वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेमि, इच्चेवं जाण सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता दण्डेण वा जाव कवालेण वा आतोडिज्जमाणे वा हम्ममाणे वा तज्जिज्जमाणे वा तालिज्जमाणे वा जाव उवद्दविज्जमाणे वा जाव लोमुक्खणणमायमवि हिंसकारं दुक्खं भयं पडिसंवेदेंति। एवं णच्चा सव्वे पाणा जाव सव्वे सत्ता ण हंतव्वा जाव ण उद्दवेयव्वा। एस धम्मे धुवे णिइए सासए समिच्च लोगं खेयण्णेहिं पवेइए। एवं से भिक्खू विरए पाणाइवायाओ जाव मिच्छा- दंसणसल्लाओ। से भिक्खू णो दंतपक्खालणेणं दंते पक्खालेज्जा, णो अंजणं णो वमणं

णो धूवणित्तपि आइए। से भिक्खू अकिरिए अलूसए अकोहे जाव अलोभे उवसंते परिणिव्वुडे। एस खलु भगवया अक्खाए संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपण्डिए भवइ त्ति बेमि॥ ६॥

आयारसुयं णाम पंचमं अज्झयणं

आदाय बम्भचेरं च आसुपण्णे इमं वई। अस्सिं धम्मे अणायारं णायरेज्ज कयाइ वि॥ १॥ अणाईयं परिण्णाय अणवदग्गे त्ति वा पुणो। सासयमसासए वा इइ दिट्ठिं ण धारए॥ २॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए॥ ३॥ समुच्छिहिंति सत्थारो सव्वे पाणा अणेलिसा। गंठिगा वा भविस्संति सासयं ति व णो वए॥ ४॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए॥ ५॥ जे केइ खुद्दगा पाणा अदुवा संति महालया। सरिसं तेहिं वेरं ति असरिसं ति य णो वए॥ ६॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए॥ ७॥ अहाकम्माणि भुंजंति, अण्णमण्णे सकम्मुणा। उवलित्ते त्ति जाणिज्जा अणुवलित्ते त्ति वा पुणो॥ ८॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए॥ ९॥ जमिदं ओरालमाहारं कम्मगं च तहेव य। सव्वत्थ वीरियं अत्थि णत्थि सव्वत्थ वीरियं॥१०॥ एएहिं दोहिं ठाणेहिं ववहारो ण विज्जई। एएहिं दोहिं ठाणेहिं अणायारं तु जाणए॥ ११॥ णत्थि लोए अलोए वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि लोए अलोए वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १२॥ णत्थि जीवा अजीवा वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि जीवा अजीवा वा एवं सण्णं णिवेसए॥१३॥ णत्थि धम्मे अधम्मे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि धम्मे अधम्मे वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १४॥ णत्थि बंधे व मोक्खे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि बंधे व मोक्खे वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १५॥ णत्थि पुण्णे व पावे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि पुण्णे व पावे वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १६॥ णत्थि आसवे संवरे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि आसवे संवरे वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १७॥ णत्थि वेयणा णिज्जरा वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि वेयणा णिज्जरा वा एवं सण्णं णिवेसए॥ १८॥ णत्थि किरिया अकिरिया वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि किरिया अकिरिया वा एवं सण्णं णिवेसए॥१९॥ णत्थि कोहे व माणे वा णेवं सण्णं णिवेसए। अत्थि कोहे व माणे वा एवं

सण्णं णिवेसए ॥ २० ॥ णत्थि माया व लोभे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि माया व लोभे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २१ ॥ णत्थि पेज्जे व दोसे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि पेज्जे व दोसे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २२ ॥ णत्थि चाउरंते संसारे णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि चाउरंते संसारे एवं सण्णं णिवेसए ॥ २३ ॥ णत्थि देवो व देवी वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि देवो व देवी वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २४ ॥ णत्थि सिद्धी असिद्धी वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि सिद्धी असिद्धी वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २५ ॥ णत्थि सिद्धी णियं ठाणं णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि सिद्धी णियं ठाणं एवं सण्णं णिवेसए ॥ २६ ॥ णत्थि साहू असाहू वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि साहू असाहू वा एवं सण्णं णिवेसए ॥ २७ ॥ णत्थि कल्लाण पावे वा णेवं सण्णं णिवेसए । अत्थि कल्लाण पावे वा एवं सण्णं णिवेसए ॥२८॥ कल्लाणे पावए वा वि ववहारो ण विज्जइ । जं वेरं तं ण जाणंति समणा बालपण्डिया ॥ २९ ॥ असेसं अक्खयं वावि सव्वदुक्खे इ वा पुणो । वज्झा पाणा ण वज्झ त्ति इइ वायं ण णीसरे ॥ ३० ॥ दीसंति समियायारा भिक्खुणो साहुजीविणो । एए मिच्छोवजीवंति इइ दिट्ठिं ण धारए ॥ ३१ ॥ दक्खिणाए पडिलम्भो अत्थि वा णत्थि वा पुणो । ण वियागरेज्ज मेहावी संतिमग्गं च वूहए ॥ ३२ ॥ इच्चेएहिं ठाणेहिं जिणदिट्ठेहिं संजए । धारयंते उ अप्पाणं आमोक्खाए परिव्वएज्जासि ॥ ३३ ॥ त्ति बेमि ॥

अद्दइज्जं णाम छट्ठं अज्झयणं

पुराकडं अद्द ! इमं सुणेह मेगंतयारी समणे पुरासी । से भिक्खुणो उवणेत्ता अणेगे आइक्खएण्हिं पुढो वित्थरेणं ॥ १ ॥ साऽऽजीविया पट्ठवियाऽथिरेणं सभागओ गणओ भिक्खुमज्झे । आइक्खमाणो बहुजण्णमत्थं ण संधयाई अवरेण पुव्वं ॥ २ ॥ एगंतमेवं अदुवा वि एण्हिं दोऽवण्णमण्णं ण समेइ जम्हा । पुव्विं च एण्हिं च अणागयं वा एगंतमेवं पडिसंधयाइ ॥ ३ ॥ समिच्च लोगं तसथावराणं खेमंकरे समणे माहणे वा । आइक्खमाणो वि सहस्समज्झे एगंतयं सारयई तहच्चे ॥ ४ ॥ धम्मं कहंतस्स उ णत्थि दोसो खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स । भासाय दोसे य विवज्जगस्स गुणे य भासाय णिसेवगस्स ॥ ५ ॥ महव्वए पंच अणुव्वए य तहेव पंचासव संवरे य । विरइं इह स्सामणियम्मि पण्णे लवावसक्की समणे त्ति

बेमि ॥ ६ ॥ सीओदगं सेवउ बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एगंतचारिस्सिह अम्ह धम्मे तवस्सिणो णाभिसमेइ पावं ॥७॥सीओदगं वा तह बीयकायं आहायकम्मं तह इत्थियाओ । एयाइं जाणं पडिसेवमाणा अगारिणो अस्समणा भवंति ॥८॥ सिया य बीओदगइत्थियाओ पडिसेवमाणा समणा भवंतु । अगारिणो वि समणा भवंतु सेवंति ऊ ते वि तहप्पगारं ॥९॥ जे यावि बीओदगभोइ भिक्खू भिक्खं विहं जायइ जीवियट्ठी । ते णाइसंजोगमविप्पहाय कायोवगा णंतकरा भवंति ॥ १० ॥ इमं वयं तु तुम पाउकुव्वं पावाइणो गरिहसि सव्व एव । पावाइणो पुढो किट्टयंता सयं सयं दिट्ठि करेंति पाउ॥११॥ते अण्णमण्णस्स उ गरहमाणा अक्खंति भो समणा माहणा य । सओ य अत्थी असओ य णत्थि गरहामु दिट्ठिं ण गरहामु किंचि ॥ १२ ॥ ण किंचि रूवेणऽभिधारयामो सदिट्ठिमग्गं तु करेमु पाउं । मग्गे इमे किट्टिए आरिएहिं अणुत्तरे सप्पुरिसेहिं अंजू ॥ १३ ॥ उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु तसा य जे थावर जे य पाणा । भूयाहिसंकाभिदुगुंछमाणा णो गरहई बुसिमं किंचि लोए ॥ १४ ॥ आगंतगारे आरामगारे समणे उ भीए ण उवेइ वासं । दक्खा हु संती बहवे मणुस्सा ऊणाइरित्ता य लवालवा य ॥ १५ ॥ मेहाविणो सिक्खिय बुद्धिमंता सुत्तेहि अत्थेहि य णिच्छयण्णा । पुच्छिसु मा णे अणगार अण्णे इइ संकमाणो ण उवेइ तत्थ ॥ १६ ॥ णो कामकिच्चा ण य बालकिच्चा रायाभिओगेण कुओ भएणं ? वियागरेज्ज पसिणं ण वा वि सकामकिच्चेणिह आरियाणं ॥१७॥ गंता च तत्था अदुवा अगंता वियागरेज्जा समियासुपण्णे । अणारिया दंसणओ परित्ता इइ संकमाणो ण उवेइ तत्थ ॥ १८ ॥ पण्णं जहा वणिए उदयट्ठी आयस्स हेउं पगरेइ संगं । तओवमे समणे णायपुत्ते इच्चेव मे होइ मई वियक्का ॥ १९ ॥ णवं ण कुज्जा विहुणे पुराणे चिच्चाऽमई ताइ य साह एवं । एयावया बम्भवइ त्ति वुत्ता तस्सोदयट्ठी समणे त्ति बेमि ॥ २० ॥ समारभंते वणिया भूयगामं परिग्गहं चेव ममायमाणा । ते णाइसंजोगमविप्पहाय आयस्स हेउं पगरेंति संगं ॥ २१ ॥ वित्तेसिणो मेहुणसंपगाढा ते भोयणट्ठा वणिया वयंति । वयं तु कामेसु अज्झोववण्णा अणारिया पेमरसेसु गिद्धा ॥ २२ ॥ आरम्भगं चेव परिग्गहं च अविउस्सिया णिस्सिय आयदण्डा । तेसिं च से उदए जं वयासी चउरंतणंताय दुहाय णेह ॥२३॥ णेगंति णच्चंति य ओदए सो वयंति ते दो वि गुणोदयम्मि । से उदए साइमणंतपत्ते

तमुदयं साहयइ ताइ णाई ॥ २४ ॥ अहिंसयं सव्वपयाणुकम्पी धम्मे ठियं कम्मविवेगहेउं । तमायदण्डेहिं समायरंता अबोहिए ते पडिरूवमेयं ॥२५॥ पिण्णागपिण्डीमवि विद्ध सूले केई पएज्जा पुरिसे इमे त्ति । अलाउयं वा वि कुमारए त्ति स लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥ २६ ॥ अहवा वि विद्धूण मिलक्खु सूले पिण्णागबुद्धीइ णरं पएज्जा । कुमारगं वा वि अलाबुयं ति ण लिप्पई पाणिवहेण अम्हं ॥२७॥ पुरिसं च विद्धूण कुमारगं वा सूलंमि केई पए जायतेए । पिण्णागपिण्डं सइमारुहेत्ता बुद्धाण तं कप्पइ पारणाए ॥ २८ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए भिक्खुयाणं । ते पुण्णखंधं सुमहं जिणित्ता भवंति आरोप्प महंत सत्ता ॥२९॥ अजोगरूवं इह संजयाणं पावं तु पाणाण पसज्झ काउं । अबोहिए दोण्ह वि तं असाहु वयंति जे यावि पडिस्सुणंति॥३०॥उड्ढं अहे यं तिरियं दिसासु विण्णाय लिंगं तसथावराणं । भूयाभिसंकाइ दुगुंछमाणे वए करेज्जा व कुओ विहऽत्थि ? ॥३१॥ पुरिसे त्ति विण्णत्ति ण एवमत्थि अणारिए से पुरिसे तहा हु । को संभवो ? पिण्णगपिण्डियाए वाया वि एसा बुइया असच्चा ॥ ३२ ॥ वायाभियोगेण जमावहेज्जा णो तारिसं वायमुदाहरेज्जा । अट्ठाणमेयं वयणं गुणाणं णो दिक्खिए बूय मुरालमेयं ॥ ३३ ॥ लद्धे अट्ठे अहो एव तुब्भे जीवाणुभागे सुविचिंतिए व । पुव्वं समुद्दं अवरं च पुट्ठे उलोइए पाणितले ठिए वा ॥३४॥ जीवाणुभागं सुविचिंतयंता आहारिया अण्णविहीए सोहिं । ण वियागरे छण्णपओपजीवी एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥३५॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए भिक्खुयाणं । असंजए लोहियपाणि से ऊ णियच्छई गरिहमिहेव लोए॥३६॥थूलं उरब्भं इह मारियाणं उद्दिट्ठभत्तं च पगप्पएत्ता । तं लोणतेल्लेण उवक्खडेत्ता सपिप्पलीयं पगरंति मंसं ॥ ३७ ॥ तं भुंजमाणा पिसियं पभूयं णो उवलिप्पामु वयं रएणं । इच्चेवमाहंसु अणज्जधम्मा अणारिया बाल रसेसु गिद्धा ॥३८॥ जे यावि भुंजंति तहप्पगारं सेवंति ते पावमजाणमाणा । मणं ण एयं कुसला करेंति वाया वि एसा बुइया उ मिच्छा ॥३९॥ सव्वेसि जीवाण दयट्ठयाए सावज्जदोसं परिवज्जयंता । तस्संकिणो इसिणो णायपुत्ता उद्दिट्ठभत्तं परिवज्जयंति ॥ ४० ॥ भूयाभिसंकाए दुगुंछमाणा सव्वेसि पाणाण णिहाय दण्डं । तम्हा ण भुंजंति तहप्पगारं एसोऽणुधम्मो इह संजयाणं ॥ ४१ ॥ णिग्गंथधम्मम्मि इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा अणिहे चरेज्जा । बुद्धे मुणी सीलगुणोववेए

अचत्थयं पाउणई सिलोगं ॥ ४२ ॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए माहणाणं । ते पुण्णखंधे सुमहऽज्जणित्ता भवंति देवा इइ वेयवाओ ॥४३॥ सिणायगाणं तु दुवे सहस्से जे भोयए णियए कुलालयाणं। से गच्छइ लोलुवसंपगाढे तिव्वाभितावी णरगाभिसेवी ॥ ४४ ॥ दयावरं धम्म दुगुंछमाणा वहावहं धम्म पसंसमाणा । एगं पि जे भोययई असीलं णिवो णिसं जाइ कुओऽसुरेहिं ॥ ४५ ॥ दुहओ वि धम्मम्मि समुट्ठियामो अस्सिं सुट्ठिच्चा तह एसकालं । आयारसीले वुइएह णाणी ण संपरायम्मि विसेसमत्थि ॥ ४६ ॥ अव्वत्तरूवं पुरिसं महंतं सणातणं अक्खयमव्वयं च । सव्वेसु भूएसु वि सव्वओ से चंदो व ताराहि समत्तरूवे ॥४७॥ एवं ण मिज्जंति ण संसरंति ण माहणा खत्तिय वेस पेसा । कीडा य पक्खी य सरीसिवा य णरा य सव्वे तह देवलोगा ॥ ४८ ॥ लोयं अयाणित्तिह केवलेणं कहंति जे धम्ममजाणमाणा । णासंति अप्पाण परं च णट्ठा संसार घोरम्मि अणोरपारे ॥ ४९ ॥ लोगं विजाणंतिह केवलेणं पुण्णेण णाणेण समाहिजुत्ता । धम्मं च समत्तं च कहंति जे उ तारंति अप्पाण परं च तिण्णा ॥ ५० ॥ जे गरहियं ठाणमिहावसंति जे यावि लोए चरणोववेया । उदाहडं तं तु समं मईए अहाउसो विप्परियासमेव ॥ ५१ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं बाणेण मारेउ महागयं तु । सेसाण जीवाण दयट्ठयाए वासं वयं वित्ति पकप्पयामो ॥ ५२ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणंता अणियत्तदोसा । सेसाण जीवाण वहेण लग्गा सिया य थोवं गिहिणो वि तम्हा ॥ ५३ ॥ संवच्छरेणावि य एगमेगं पाणं हणंता समणव्वएसु । आयाहिए से पुरिसे अणज्जे ण तारिसे केवलिणो भवंति ॥ ५४ ॥ बुद्धस्स आणाए इमं समाहिं अस्सिं सुठिच्चा तिविहेण ताई । तरिउं समुद्दं व महाभवोघं आयाणवं धम्ममुदाहरेज्जा ॥ ५५ ॥ त्ति बेमि ॥

णालंदइज्जं णाम सत्तमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था रिद्धित्थिमियसमिद्धे (वण्णओ) जाव पडिरूवे । तस्स णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं णालंदा णामं बाहिरिया होत्था अणेगभवणसयसंणिविट्ठा जाव पडिरूवा । तत्थ णं णालंदाए बाहिरियाए लेवे णामं गाहावई होत्था अड्ढे दित्ते वित्ते वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णे बहुधणबहुजायरूवरजए आओ-

गपओगसंपउत्ते विच्छड्डियपउरभत्तपाणे बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था ॥ १ ॥ से णं लेवे णामं गाहावई समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए णिव्विइगिच्छे लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगहियट्ठे अट्ठिमिंजापेमाणुरागरत्ते । अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अयं अट्ठे, अयं परमट्ठे, सेसे अणट्ठे, उस्सियफलिहे अप्पावयदुवारे चियत्तंतेउरप्पवेसे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे णिग्गंथे तहाविहेणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे बहूहिं सीलव्वयगुणविरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणे एवं च णं विहरइ ॥ २ ॥ तस्स णं लेवस्स गाहावइस्स णालंदाए बाहिरियाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं सेसदविया णामं उदगसाला होत्था अणेगखम्भसयसंणिविट्ठा पासादीया जाव पडिरूवा । तीसे णं सेसदवियाए उदगसालाए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए एत्थ णं हत्थिजामे णामं वणसण्डे होत्था किण्हे (वण्णओ वणसण्डस्स) ॥ ३ ॥ तस्सिं च णं गिहपदेसम्मि भगवं गोयमे विहरइ, भगवं च णं अहे आरामंसि । अहे णं उदए पेढालपुत्ते भगवं पासावच्चिज्जे णियंठे मेयज्जे गोत्तेणं जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता भगवं गोयमं एवं वयासी—आउसंतो गोयमा ! अत्थि खलु मे केइ पदेसे पुच्छियव्वे तं च आउसो ! अहासुयं अहादरिसियं मे वियागरेहि सवायं ? भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—अवियाइ आउसो ! सोच्चा णिसम्म जाणिस्सामो सवायं । उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी ॥४॥ आउसो गोयमा ! अत्थि खलु कुमारपुत्तिया णाम समणा णिग्गंथा तुम्हाणं पवयणं पवयमाणा गाहावइं समणोवासगं उवसंपण्णं एवं पच्चक्खावेंति—णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं । एवं ण्हं पच्चक्खंताणं दुप्पच्चक्खायं भवइ, एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं दुपच्चक्खावियव्वं भवइ, एवं ते परं पच्चक्खावेमाणा अइयरंति सयं पइण्णं । कस्स णं तं हेउं ? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जंति । तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं ॥५॥ एवं ण्हं पच्चक्खंताणं सुपच्चक्खायं भवइ ।

एवं ण्हं पच्चक्खावेमाणाणं सुपच्चक्खावियं भवइ। एवं ते परं पच्चक्खावेमाणा णाइयरंति सयं पइण्णं णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गहणविमोक्खणयाए तसभूएहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं। एवमेव सइ भासाए परक्कमे विज्जमाणे जे ते कोहा वा लोहा वा परं पच्चक्खावेंति अयं पि णो उवएसे णो णेयाउए भवइ। अवियाइ आउसो गोयमा! तुब्भे पि एवं रोयइ? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—आउसंतो उदगा! णो खलु अम्हे एवं रोयइ। जे ते समणा वा माहणा वा एवमाइक्खंति जाव परूवेंति णो खलु ते समणा वा णिग्गंथा वा भासं भासंति, अणुतावियं खलु ते भासं भासंति, अब्भाइक्खंति खलु ते समणे समणोवासए वा जेहिं वि अण्णेहिं जीवेहिं पाणेहिं भूएहिं सत्तेहिं संजमयंति ताण वि ते अब्भाइक्खंति। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसावि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा थावरकायंसि उववज्जंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा तसकायंसि उववज्जंति, तेसिं च णं तसकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं अघत्तं ॥ ७ ॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—कयरे खलु ते आउसंतो गोयमा! तुब्भे वयह तसा पाणा तसा आउ अण्णहा? सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—आउसंतो उदगा! जे तुब्भे वयह तसभूया पाणा तसा ते वयं वयामो तसा पाणा, जे वयं वयामो तसा पाणा ते तुब्भे वयह तसभूया पाणा। एए संति दुवे ठाणा तुल्ला एगट्ठा। किमाउसो! इमे भे सुप्पणीयतराए भवइ तसभूया पाणा तसा, इमे भे दुप्पणीयतराए भवइ—तसा पाणा तसा। तओ एगमाउसो! पडिकोसह एक्कं अभिणंदह। अयं पि भेदो से णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु—संतेगइया मणुस्सा भवंति, तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ—णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। सावयं ण्हं अणुपुव्वेणं गुत्तस्स लिसिस्सामो। ते एवं संखवेंति ते एवं संखं ठवयंति ते एवं संखं ठावयंति णण्णत्थ अभिओएणं गाहावइचोरग्गाहणविमोक्खणयाए तसेहिं पाणेहिं णिहाय दण्डं। तं पि तेसिं कुसलमेव भवइ ॥ ८ ॥ तसा वि वुच्चंति तसा तससंभारकडेणं कम्मुणा णामं च णं अब्भुवगयं भवइ, तसाउयं च णं पलिक्खीणं भवइ, तसकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहंति। ते तओ आउयं विप्पजहित्ता थावरत्ताए पच्चायंति।

थावरा वि वुच्चंति। थावरा थावरसंभारकडेणं कम्मुणा णामं च णं अब्भुवगयं भवइ थावराउयं च णं पलिक्खीणं भवइ। थावरकायट्ठिइया ते तओ आउयं विप्पजहंति तओ आउयं विप्पजहित्ता भुज्जो परलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणावि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ॥९॥ सवायं उदए पेढालपुत्ते भयवं गोयमं एवं वयासी—आउसंतो गोयमा! णत्थि णं से केइ परियाए जं णं समणोवासगस्स एगपाणाइवायविरए वि दण्डे णिक्खित्ते। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जंति, तेसिं च णं थावरकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं घत्तं। सवायं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी—णो खलु आउसो! अम्हाकं वत्तव्वएणं तुब्भं चेव अणुप्पवाएणं अत्थि णं से परियाए जे णं समणोवासगस्स सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते भवइ। कस्स णं तं हेउं? संसारिया खलु पाणा, तसा वि पाणा थावरत्ताए पच्चायंति, थावरा वि पाणा तसत्ताए पच्चायंति, तसकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे थावरकायंसि उववज्जंति, थावरकायाओ विप्पमुच्चमाणा सव्वे तसकायंसि उववज्जंति तेसिं च णं तसकायंसि उववण्णाणं ठाणमेयं अघत्तं। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते चिरट्ठिइया। ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ। से महया तसकायाओ उवसंतस्स उवट्ठियस्स पडिविरयस्स जं णं तुब्भे वा अण्णो वा एवं वयह—णत्थि णं से केइ परियाए जंसि समणोवासगस्स एगपाणाए वि दण्डे णिक्खित्ते। अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ ॥ १० ॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छियव्वा। आउसंतो! णियण्ठा इह खलु संतेगइया मणुस्सा भवंति। तेसिं च एवं वुत्तपुव्वं भवइ—जे इमे मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए एसिं च णं आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। जे इमे अगारमावसंति एएसिं णं आमरणंताए दण्डे णो णिक्खित्ते। केई च णं समणा जाव वासाइं चउपचमाइं छद्दसमाइं अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जित्ता अगारमावसेज्जा? हंता वसेज्जा। तस्स णं तं गारत्थं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे भंगे भवइ? णो इणट्ठे समट्ठे। एवमेव समणो-

वासगस्स वि तसेहिं पाणेहिं दण्डे णिक्खित्ते, थावरेहिं पाणेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते। तस्स णं तं थावरकायं वहमाणस्स से पच्चक्खाणे णो भंगे भवइ। से एवमायाणह णियण्ठा! से एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसंतो! णियण्ठा इह खलु गाहावई वा गाहावइपुत्तो वा तहप्पगारेहिं कुलेहिं आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हंता उवसंकमेज्जा। तेसिं च णं तहप्पगाराणं धम्मं आइक्खियव्वे? हंता आइक्खियव्वे। किं ते तहप्पगारं धम्मं सोच्चा णिसम्म एवं वएज्जा इणमेव णिग्गंथं पावयणं सच्चं अणुत्तरं केवलियं पडिपुण्णं संसुद्धं णेयाउयं सल्लकत्तणं सिद्धिमग्गं मुत्तिमग्गं णिज्जाणमग्गं णिव्वाणमग्गं अवितहमसंदिद्धं सव्वदुक्खप्पहीणमग्गं।'एत्थ ठिया जीवा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंति। तमाणाए तहा गच्छामो तहा चिट्ठामो तहा णिसीयामो तहा तुयट्टामो तहा भुंजामो तहा भासामो तहा अब्भुट्ठामो तहा उट्ठाए उट्ठेमो त्ति पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमामो त्ति वएज्जा? हंता वएज्जा। किं ते तहप्पगारा कप्पंति पव्वावित्तए? हंता कप्पंति किं ते तहप्पगारा कप्पंति मुण्डावित्तए? हंता कप्पंति। किं ते तहप्पगारा कप्पंति सिक्खावित्तए? हंता कप्पंति। किं ते तहप्पगारा कप्पंति उवट्ठावित्तए? हंता कप्पंति। तेसिं च णं तहप्पगाराणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते? हंता णिक्खित्ते। से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा जाव वासाइं चउपंचमाइं छद्दसमाइं वा अप्पयरो वा भुज्जयरो वा देसं दूइज्जेत्ता अगारं वएज्जा? हंता वएज्जा। तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते? णो इणट्ठे समट्ठे। से जे से जीवे जस्स परेणं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स आरेणं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते। से जे से जीवे जस्स इयाणिं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते भवइ, परेणं असंजए आरेणं संजए, इयाणिं असंजए, असंजयस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सत्तेहिं दण्डे णो णिक्खित्ते भवइ। से एवमायाणह णियण्ठा? से एवमायाणियव्वं॥ भगवं च णं उदाहु णियण्ठा खलु पुच्छियव्वा-आउसंतो! णियण्ठा इह खलु परिव्वाइया वा परिव्वाइयाओ वा अण्णयरेहिंतो तित्थाययणेहिंतो आगम्म धम्मं सवणवत्तियं उवसंकमेज्जा? हंता उवसंकमेज्जा। किं तेसिं तहप्पगारेणं धम्मे आइ-

क्खियव्वे ? हंता आइक्खियव्वे । तं चेव उवट्ठावित्तए जाव कप्पंति ? हंता कप्पंति । किं ते तहप्पगारा कप्पंति संभुंजित्तए ? हंता कप्पंति । ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणा तं चेव जाव अगारं वएज्जा ? हंता वएज्जा । ते णं तहप्पगारा कप्पंति संभुंजित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से जे से जीवे जे परेणं णो कप्पंति संभुंजित्तए । से जे से जीवे आरेणं कप्पंति संभुंजित्तए । से जे से जीवे जे इयाणिं णो कप्पंति संभुंजित्तए । परेणं अस्समणे आरेणं समणे, इयाणिं अस्समणे, अस्समणेणं सद्धिं णो कप्पंति समणाणं णिग्गंथाणं संभुंजित्तए । से एवमायाणह ? णियण्ठा से एवमायाणियव्वं ॥ ११ ॥ भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ--णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । वयं णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णिमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा विहरिस्सामो । थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो, एवं थूलगं मुसावायं थूलगं अदिण्णादाणं थूलगं मेहुणं थूलगं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो । इच्छा-परिमाणं करिस्सामो, दुविहं तिविहेणं । मा खलु ममट्ठाए किंचि करेह वा करावेह वा तत्थ वि पच्चक्खाइस्सामो । ते णं अभोच्चा अपिच्चा असिणाइत्ता आसंदीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता, ते तहा कालगया किं वत्तव्वं सिया--सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चंति ते तसा वि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया । ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ । ते अप्पयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अपच्चक्खायं भवइ । इइ से महयाओ जं णं तुब्भे वयह तं चेव जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति । तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ--णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वइत्तए । णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठ-मुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जाव अणुपालेमाणे विहरित्तए । वयं णं अपच्छिममारणंतियं संलेहणाजूसणाजूसिया भत्तपाणं पडियाइक्खिया जाव कालं अणवकंखमाणा विहरिस्सामो । सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खाइस्सामो जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खाइस्सामो तिविहं तिविहेणं मा खलु ममट्ठाए किंचि वि जाव आसंदीपेढियाओ पच्चोरुहित्ता एए तहा कालगया, किं वत्तव्वं सिया सम्मं कालगय त्ति ? वत्तव्वं सिया । ते पाणा वि वुच्चंति जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ ॥ भगवं च णं उदाहु संते-

गइया मणुस्सा भवंति । तं जहा—महइच्छा महारम्भा महापरिग्गहा अहम्मिय जाव दुप्पडियाणंदा जाव सव्वाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दंडे णिक्खित्ते ते तओ आउगं विप्पजहंति तओ भुज्जो सगमायाए दुग्गइगामिणो भवंति, ते पाणावि वुच्चंति ते तसावि वुच्चंति ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते बहुयरगा आयाणसो इइ से महयाओ णं जण्णं तुब्भे वयह तं चेव अयंपि भेदे से णो णेयाउए भवइ–भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा–अणारम्भा अपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया जावज्जीवाए, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते, ते तओ आउगं विप्पजहंति, ते तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवंति । ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति तं जहा—अप्पिच्छा अप्पारम्भा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया जाव एगच्चाओ परिग्गहाओ अप्पडिविरया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते । ते तओ आउगं विप्पजहंति, तओ भुज्जो सगमायाए सोग्गइगामिणो भवंति । ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु संतेगइया मणुस्सा भवंति । तं जहा–आरण्णिया आवसहिया गामणियंतिया, कण्हुईरहस्सिया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते भवइ । णो बहुसंजया णो बहुपडिविरया पाणभूयजीवसत्तेहिं अप्पणा सच्चामोसाइं एवं विप्पडिवेदेंति–अहं ण हंतव्वो अण्णे हंतव्वा जाव कालमासे कालं किच्चा अण्णयराइं आसुरियाइं किव्विसियाइं जाव उववत्तारो भवंति, तओ विप्पमुच्चमाणा भुज्जो एलमुयत्ताए तमोरूवत्ताए पच्चायंति । ते पाणा वि वुच्चंति जाव णो णेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा दीहाउया जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ । ते पुव्वामेव कालं करेंति करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति । ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति । ते महाकाया ते चिरट्ठिइया ते दीहाउया ते बहुयरगा, पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ । भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा समाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ । ते सयमेव कालं करेंति,

करित्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते समाउया ते बहुयरगा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया पाणा अप्पाउया, जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए जाव दण्डे णिक्खित्ते भवइ। ते पुव्वामेव कालं करेंति, करेत्ता पारलोइयत्ताए पच्चायंति। ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा वि वुच्चंति, ते महाकाया ते अप्पाउया ते बहुयरगा पाणा जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, जाव णो णेयाउए भवइ। भगवं च णं उदाहु संतेगइया समणोवासगा भवंति। तेसिं च णं एवं वुत्तपुव्वं भवइ—णो खलु वयं संचाएमो मुण्डा भवित्ता जाव पव्वइत्तए। णो खलु वयं संचाएमो चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं अणुपालित्तए। णो खलु वयं संचाएमो अपच्छिमं जाव विहरित्तए वयं च णं सामाइयं देसावगासियं पुरत्था पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा एयावया जाव सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं दण्डे णिक्खित्ते सव्वपाणभूयजीवसत्तेहिं खेमंकरे अहमंसि। तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते। तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो जाव तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे जाव णेयाउए भवइ ॥ १२ ॥ तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए दण्डे णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जाव थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए दण्डे णिक्खित्ते, ते पाणा वि वुच्चंति, ते तसा ते चिरट्ठिइया जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसा थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तेसु पच्चायंति, तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं चेव जे तसा पाणा जेहिं

समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... तेसु पच्चायंति, तेसु समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ, ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से...। तत्थ जे ते आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए णिक्खित्ते ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता ते तत्थ आरेणं चेव जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणट्ठाए ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो...। तत्थ जे ते आरेणं थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते, अणट्ठाए णिक्खित्ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ परेणं जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे तसा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए..... तेसु पच्चायंति। तेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो णेयाउए भवइ। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो 'आमरणंताए.... ते तओ आउं विप्पजहंति विप्पजहित्ता तत्थ आरेणं जे थावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए दण्डे अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स अट्ठाए अणिक्खित्ते अणट्ठाए णिक्खित्ते जाव ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो....। तत्थ जे ते परेणं तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए... ते तओ आउं विप्पजहंति, विप्पजहित्ता ते तत्थ परेणं चेव जे तसथावरा पाणा जेहिं समणोवासगस्स आयाणसो आमरणंताए० तेसु पच्चायंति, जेहिं समणोवासगस्स सुपच्चक्खायं भवइ। ते पाणा वि जाव अयं पि भेदे से णो...। भगवं च णं उदाहु ण एयं भूयं ण एयं भव्वं ण एयं भविस्सइ जं णं तसा पाणा वोच्छिज्जिहिंति थावरा पाणा भविस्संति, थावरा पाणा वि वोच्छिज्जिहिंति तसा पाणा भविस्संति। अवोच्छिण्णेहिं तसथावरेहिं पाणेहिं जं णं तुब्भे वा अण्णो वा एवं वयह—णत्थि णं से केइ परियाए जाव णो णेयाउए भवइ॥ १२॥ भगवं च णं उदाहु आउसंतो उदगा! जे खलु समणं वा माहणं वा परिभासेइ मित्ति मण्णंति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु पर-

लोगपलिमंथत्ताए चिट्ठइ, जे खलु समणं वा माहणं वा णो परिभासइ मित्ति मण्णंति आगमित्ता णाणं आगमित्ता दंसणं आगमित्ता चरित्तं पावाणं कम्माणं अकरणयाए से खलु परलोगविसुद्धीए चिट्ठइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं अणाढायमाणे जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पहारेत्थ गमणाए। भगवं च णं उदाहु आउसंतो उदगा! जे खलु तहाभूयस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म अप्पणो चेव सुहुमाए पडिलेहाए अणुत्तरं जोगखेमपयं लम्भिए समाणे सो वि ताव तं आढाइ परिजाणेइ वंदइ णमंसइ सक्कारेइ सम्माणेइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—एएसिं णं भंते! पदाणं पुव्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं अमुयाणं अविण्णायाणं अब्बोगडाणं अविगूढाणं अविच्छिण्णाणं अणिसिट्ठाणं अणिवूढाणं अणुवहारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहियं णो पत्तियं णो रोइयं। एएसिं णं भंते! पदाणं एण्हिं जाणयाए सवणयाए बोहिए जाव उवहारणयाए एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेव से जहेयं तुब्भे वयह। तए णं भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं एवं वयासी सद्दहाहि णं अज्जो! पत्तियाहि णं अज्जो! रोएहि णं अज्जो! एवमेयं जहा णं अम्हे वयामो। तए णं से उदए पेढालपुत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी—इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए॥ तए णं से भगवं गोयमे उदयं पेढालपुत्तं गहाय जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करित्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे उदयं एवं वयासी—अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेहि। तए णं से उदए पेढालपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ त्ति बेमि॥ १४॥

॥ सूयगडं समत्तं॥

ठाणं

पढमं ठाणं

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एव मक्खायं—एगे आया ॥१॥ एगे दंडे ॥ २ ॥ एगा किरिया ॥ ३ ॥ एगे लोए ॥ ४ ॥ एगे अलोए ॥ ५ ॥ एगे धम्मे ॥ ६ ॥ एगे अहम्मे ॥ ७ ॥ एगे बंधे ॥ ८ ॥ एगे मोक्खे ॥ ९ ॥ एगे पुण्णे ॥ १० ॥ एगे पावे ॥ ११ ॥ एगे आसवे ॥ १२ ॥ एगे संवरे ॥ १३ ॥ एगा वेयणा ॥ १४ ॥ एगा णिज्जरा ॥ १५ ॥ एगे जीवे पाडिक्कएणं सरीरएणं ॥ १६ ॥ एगा जीवाणं अपरियाइत्ता विगुव्वणा ॥ १७ ॥ एगे मणे ॥ १८ ॥ एगा वई ॥ १९ ॥ एगे कायवायामे ॥ २० ॥ एगा उप्पा ॥ २१ ॥ एगा वियई ॥ २२ ॥ एगा वियच्चा ॥ २३ ॥ एगा गई ॥ २४ ॥ एगा आगई ॥ २५ ॥ एगे चयणे ॥ २६ ॥ एगे उववाए ॥ २७ ॥ एगा तक्का ॥ २८ ॥ एगा सण्णा ॥ २९ ॥ एगा मण्णा ॥ ३० ॥ एगा विण्णू ॥ ३१ ॥ एगा वेयणा ॥ ३२ ॥ एगा छेयणा ॥ ३३ ॥ एगा भेयणा ॥३४॥ एगे मरणे अंतिमसारीरियाणं ॥३५॥ एगे संसुद्धे अहाभूए पत्ते ॥ ३६ ॥ एगे दुक्खे जीवाणं ॥ ३७ ॥ एगे भूए ॥ ३८ ॥ एगा अहम्मपडिमा जं से आया पडिकिलेसइ ॥ ३९ ॥ एगा धम्मपडिमा जं से आया पज्जवजाए ॥ ४० ॥ एगे मणे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगा वई देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे कायवायामे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि, एगे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे देवासुरमणुयाणं तंसि तंसि समयंसि ॥४१॥ एगे णाणे ॥ ४२ ॥ एगे दंसणे ॥ ४३ ॥ एगे चरित्ते ॥ ४४ ॥ एगे समए ॥ ४५ ॥ एगे पएसे ॥ ४६ ॥ एगे परमाणू ॥ ४७ ॥ एगा सिद्धी ॥ ४८ ॥ एगे सिद्धे ॥ ४९ ॥ एगे परिणिव्वाणे ॥ ५० ॥ एगे परिणिव्वुए ॥ ५१ ॥ एगे सद्दे ॥ ५२ ॥ एगे रूवे ॥ ५३ ॥ एगे गंधे ॥ ५४ ॥ एगे रसे ॥ ५५ ॥ एगे फासे ॥ ५६ ॥ एगे सुब्भिसद्दे, एगे दुब्भिसद्दे ॥ ५७ ॥ एगे सुरूवे एगे दुरूवे ॥ ५८ ॥ एगे दीहे एगे हस्से ॥ ५९ ॥ एगे वट्टे, एगे तंसे, एगे चउरंसे, एगे पिहुले, एगे

परिमंडले ॥६०॥ एगे किण्हे, एगे णीले, एगे लोहिए, एगे हालिद्दे, एगे सुक्किले ॥ ६१ ॥ एगे सुब्भिगंधे, एगे दुब्भिगंधे ॥६२॥ एगे तित्ते एगे कडुए एगे कसाए एगे अंबिले-एगे महुरे ॥ ६३ ॥ एगे कक्खडे-जाव एगे लुक्खे॥६४॥एगे पाणाइवाए जाव एगे परिग्गहे ॥ एगे कोहे जाव एगे लोहे, एगे पेज्जे एगे दोसे, जाव एगे परपरिवाए, एगा अरइ-रइ, एगे मायामोसे एगे मिच्छादंसणसल्ले ॥६५॥ एगे पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, एगे कोहविवेगे, जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे ॥६६॥ एगा ओसप्पिणी एगा सुसमसुसमा जाव एगा दुसमदुसमा, एगा उस्सप्पिणी, एगा दुसमदुसमा जाव एगा सुसमसुसमा ॥६७॥ एगा णेरइयाणं वग्गणा, एगा असुरकुमाराणं वग्गणा, चउवीसदंडओ जाव एगा वेमाणियाणं वग्गणा ॥६८॥ एगा भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव एगा भवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा एगा अभवसिद्धियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥ ६९ ॥ एगा सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एगा सम्मदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जाव थणियकुमाराणं, एगा मिच्छदिट्ठियाणं पुढवीकाइयाणं वग्गणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, एगासम्मदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एगा मिच्छदिट्ठियाणं बेइंदियाणं वग्गणा, एवं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं वि सेसा जहा णेरइया, जाव एगा सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वेमाणियाणं वग्गणा ॥७०॥ एगा कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा सुक्कपक्खियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं चउवीसदंडओवि भाणियव्वो ॥ ७१ ॥ एगा कण्हलेस्साणं वग्गणा, एगा णीललेस्साणं वग्गणा, एवं जाव सुक्कलेस्साणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं णेरइयाणं वग्गणा, जाव काउलेस्साणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जइ लेस्साओ, भवणवइवाणमंतरपुढविआउवणस्सइकाइयाणं च चत्तारि लेस्साओ तेऊवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं तिण्णिलेस्साओ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं छल्लेस्साओ, जोइसियाणं एगा तेउलेस्सा, वेमाणियाणं तिण्णिउवरिमलेस्साओ एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धि-

याणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु दो दो पयाणि भाणियव्वाणि, एगा कण्हलेस्साणं भवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं अभवसिद्धियाणं णेरइयाणं वग्गणा, एवं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तइयाओ भाणियव्वाओ, जाव वेमाणियाणं। एगा कण्हलेस्साणं सम्मदिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं मिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा एगा कण्हलेस्साणं सम्ममिच्छदिट्ठियाणं वग्गणा, एवं छसु वि लेस्सासु जाव वेमाणियाणं जेसिं जइ दिट्ठीओ। एगा कण्हलेस्साणं कण्हपक्खियाणं वग्गणा, एगा कण्हलेस्साणं सुक्कपक्खियाणं वग्गणा, जाव वेमाणियाणं, जस्स जइ लेस्साओ, एए अट्ठ चउवीसदंडया ॥७२॥ एगा तित्थसिद्धाणं वग्गणा, एगा अतित्थसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव एगा एक्कसिद्धाणं वग्गणा, एगा अणिक्कसिद्धाणं वग्गणा, एगा पढमसमयसिद्धाणं वग्गणा, एवं जाव अणंतसमयसिद्धाणं वग्गणा॥७३॥ एगा परमाणुपोग्गलाणं वग्गणा, एवं जाव एगा अणंतपएसियाणं खंधाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जपएसोगाढाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जसमयठिइयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा एगगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, जाव एगा असंखेज्जगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा। एगा अणंतगुणकालयाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एवं वण्णगंधरसफासा भाणियव्वा जाव एगा अणंतगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा, एगा जहण्णपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा उक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एगा अजहण्णुक्कोसपएसियाणं खंधाणं वग्गणा, एवं जहण्णोगाहणगाणं, उक्कोसोगाहणगाणं, अजहण्णुक्कोसोगाहणगाणं, जहण्णठिइयाणं, उक्कोसठिइयाणं, अजहण्णुक्कोसठिइयाणं, जहण्णगुणकालगाणं, उक्कोसगुणकालगाणं, अजहण्णुक्कोसगुणकालगाणं, एवं वण्णगंधरसफासाणं वग्गणा भाणियव्वा, जाव एगा अजहण्णुक्कोसगुणलुक्खाणं पोग्गलाणं वग्गणा ॥ ७४ ॥ एगे जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव अद्धंगुलगं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं ॥७५॥ एगे समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरमतित्थयरे सिद्धे बुद्धे मुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ७६ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं एगा रयणी उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ७७ ॥ अद्दाणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते, चित्ताणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते, साईणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते ॥ ७८ ॥ एगपएसोगाढा पोग्गला

अणंता पण्णत्ता, एवमेगसमयठिइया, एगगुणकालगा पोग्गला अणंता पण्णत्ता, जाव एगगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ७९ ॥

बीअं ठाणं पढमो उद्देसो

जयत्थि णं लोए तं सव्वं दुपडोयारं, तं जहा—जीवा चेव अजीवा चेव, तसे चेव थावरे चेव, सजोणिया चेव अजोणिया चेव, साउया चेव अणाउया चेव, सइंदिया चेव अणिंदिया चेव, सवेयगा चेव अवेयगा चेव, सरूवि चेव अरूवि चेव, सपोग्गला चेव अपोग्गला चेव, संसारसमावण्णगा चेव असंसारसमावण्णगा चेव, सासया चेव असासया चेव, आगासे चेव णो आगासे चेव, धम्मे चेव अधम्मे चेव, बंधे चेव मोक्खे चेव, पुण्णे चेव पावे चेव, आसवे चेव संवरे चेव, वेयणा चेव, णिज्जरा चेव ॥ १ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—जीवकिरिया चेव अजीवकिरिया चेव। जीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—सम्मत्तकिरिया चेव मिच्छत्तकिरिया चेव। अजीवकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—इरियावहिया चेव संपराइया चेव ॥ २ ॥ दोकिरियाओ प० तं जहा—काइया चेव अहिगरणिया चेव । काइया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—अणुवरयकायकिरिया चेव, दुप्पउत्तकायकिरिया चेव । अहिगरणियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—संजोयणाहिगरणिया चेव णिवत्तणाहिगरणिया चेव ॥ ३ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा—पाउसिया चेव पारियावणिया चेव । पाउसिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—जीवपाउसिया चेव अजीवपाउसिया चेव, पारियावणियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सहत्थपारियावणिया चेव परहत्थपारियावणिया चेव ॥ ४ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा—पाणाइवायकिरिया चेव, अपच्चक्खाणकिरिया चेय । पाणाइवायकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—सहत्थपाणाइवायकिरिया चेव, परहत्थपाणाइवायकिरिया चेव । अपच्चक्खाणकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—जीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव, अजीवअपच्चक्खाणकिरिया चेव ॥ ५ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा—आरंभिया चेव परिग्गहिया चेव । आरंभिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—जीवआरंभिया चेव अजीवआरंभिया चेव, एवं परिग्गहियावि ॥ ६ ॥ दो किरियाओ प० तं जहा—मायावत्तिया चेव, मिच्छादंसणवत्तिया चेव । मायावत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—आयभाववंकणया चेव परभाववंकणया चेव । मिच्छादंसणवत्तियाकिरिया

दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—ऊणाइरित्तमिच्छादंसणवत्तिआ चेव तव्वइरित्तमिच्छादंसण वत्तिआ चेव ॥७॥ दो किरियाओ प० तंजहा—दिट्ठिया चेव पुट्ठिया चेव। दिट्ठियाकिरिया दुविहा प० तंजहा—जीवदिट्ठिया चेव अजीवदिट्ठिया चेव, एवं पुट्ठियावि ॥ ८ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पाडुच्चिया चेव सामंतोवणिवाइया चेव। पाडुच्चियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—जीवपाडुच्चिया चेव अजीवपाडुच्चिया चेव, एवं सामंतोवणिवाइयावि ॥९॥ दो किरियाओ प० तंजहा—साहत्थिया चेव, णेसत्थिया चेव। साहत्थियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—जीवसाहत्थिया चेव, अजीवसाहत्थिया चेव, एवं णेसत्थियावि ॥ १० ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—आणवणिया चेव वेयारणिया चेव, जहेव णेसत्थिया ॥ ११ ॥ दो किरियाओ प० तंजहा—अणाभोगवत्तिया चेव। अणवकंखवत्तिया चेव। अणाभोगवत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—अणाउत्तआइयणया चेव, अणाउत्तपमज्जणया चेव। अणवकंखवत्तिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—आयसरीरअणवकंखवत्तिया चेव, परसरीरअणवकंखवत्तिया चेव ॥ १२॥ दो किरियाओ प० तंजहा—पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव। पेज्जवत्तियाकिरिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—मायावत्तिया चेव, लोहवत्तिया चेव। दोसवत्तिया किरिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—कोहे चेव माणे चेव ॥ १३ ॥ दुविहा गरिहा पण्णत्ता, तं जहा—मणसावेगे गरिहइ वयसावेगे गरिहइ, अहवा गरिहा दुविहा प० दीहं एगे अद्धं गरिहइ, रहस्सं एगे अद्धं गरिहइ ॥ १४ ॥ दुविहे पच्चक्खाणे, मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, अहवा पच्चक्खाणे दुविहे, दीहं एगे अद्धं पच्चक्खाइ, रहस्सं एगे अद्धं पच्चक्खाइ ॥ १५ ॥ दोहिं ठाणेहिं अणगारे संपण्णे अणाइयं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तं जहा—विज्जाए चेव, चरणेण चेव ॥ १६ ॥ दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए, तं जहा—आरंभे चेव परिग्गहे चेव। दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं बोहिं बुज्झेज्जा तं० आरंभे चेव परिग्गहे चेव। दो ठाणाइं अपरियाइत्ता आया णो केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइज्जा, तं जहा—आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं णो केवलं बंभचेरवासमावसेज्जा णो केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, णो केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, णो केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, एवं सुयणाणं, ओहिणाणं, मणपज्जवणाणं,

केवलणाणं ॥ १७ ॥ दो ठाणाई परियाइत्ता आया केवलीपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, तं जहा–आरंभे चेव परिग्गहे चेव, एवं जाव केवलणाणमुप्पाडेज्जा ॥ १८ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं जहा— सोच्चा चेव, अभिसमेच्चा चेव, जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥ १९ ॥ दो समाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—उस्सप्पिणिसमा चेव, ओसप्पिणिसमा चेव ॥ २० ॥ दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तं जहा—जक्खाएसे चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं, तत्थणं जे से जक्खाएसे से णं सुहवेयतराए चेव सुहविमोयतराए चेव, तत्थणं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, से णं दुहवेयतराए चेव दुहविमोयतराए चेव ॥२१॥ दो दंडा पण्णत्ता, तं जहा–अट्ठादंडे चेव, अणट्ठादंडे चेव, णेरइयाणं दो दंडा पण्णत्ता तं जहा–अट्ठादंडे चेव अणट्ठादंडे य एवं चउवीसदंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २२ ॥ दुविहे दंसणे० सम्मद्दंसणे चेव, मिच्छाद्दंसणे चेव । सम्मदंसणे दुविहे० णिसग्गसम्मद्दंसणे चेव, अभिगमसम्मद्दंसणे चेव । णिसग्गसम्मद्दंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव अपडिवाई चेव। अभिगमसम्मदंसणे दुविहे०, पडिवाई चेव, अपडिवाई चेव । मिच्छाद्दंसणे दुविहे० तं जहा–अभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव, अणभिग्गहियमिच्छादंसणे चेव । अभिग्गहियमिच्छादंसणे दुविहे० सपज्जवसिए चेव, अपज्जवसिए चेव, एवमणभिग्गहियमिच्छादंसणेवि ॥२३॥ दुविहे णाणे० पच्चक्खे चेव, परोक्खे चेव। पच्चक्खणाणे दुविहे० केवलणाणे चेव, णो केवलणाणे चेव। केवलणाणे दुविहे० भवत्थकेवलणाणे चेव सिद्धकेवलणाणे चेव । भवत्थकेवलणाणे दुविहे० सजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव अजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव । सजोगिभवत्थकेवलणाणे दुविहे० पढमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अपढमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अहवा चरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव, अचरिमसमयसजोगिभवत्थकेवलणाणे चेव। एवं अजोगिभवत्थकेवलणाणे वि । सिद्धकेवलणाणे दुविहे०, अणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव, परंपरसिद्धकेवलणाणे चेव । अणंतरसिद्धकेवलणाणे दुविहे० एक्काणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव, अणेक्काणंतरसिद्धकेवलणाणे चेव । परंपरसिद्धकेवलणाणे दुविहे० एक्कपरंपरसिद्धकेवलणाणे चेव, अणेक्कपरंपरसिद्धकेवलणाणे चेव। णो केवलणाणे दुविहे० ओहिणाणे चेव, मणपज्जवणाणे चेव । ओहिणाणे दुविहे० भवपच्चइए चेव, खओवसमिए चेव । दोण्हं भवपच्चइए० देवाणं चेव, णेरइयाणं

चेव। दोण्हं खओवसमिए० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। मणपज्जवणाणे दुविहे० उज्जुमई चेव, विउलमई चेव। परोक्खणाणे दुविहे० आभिणिबोहियणाणे चेव, सुयणाणे चेव। आभिणिबोहियणाणे दुविहे० सुयणिस्सिए चेव असुयणिस्सिए चेव। सुयणिस्सिए दुविहे० अत्थोग्गहे चेव, वंजणोग्गहे चेव। असुयणिस्सिए वि एवमेव। सुयणाणे दुविहे० अंगपविट्ठे चेव, अंगबाहिरे चेव। अंगबाहिरे दुविहे० आवस्सए चेव आवस्सयवइरित्ते चेव। आवस्सयवइरित्ते दुविहे० कालिए चेव, उक्कालिए चेव ॥ २४ ॥ दुविहे धम्मे० सुयधम्मे चेव, चरित्तधम्मे चेव। सुयधम्मे दुविहे० सुत्तसुयधम्मे चेव, अत्थसुयधम्मे चेव। चरित्तधम्मे दुविहे० अगारचरित्तधम्मे चेव, अणगारचरित्तधम्मे चेव। संजमे दुविहे० सरागसंजमे चेव, वीयरागसंजमे चेव। सरागसंजमे दुविहे० सुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव बादरसंपरायसरागसंजमे चेव। सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव। अहवा चरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव, अचरिमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे चेव। अहवा सुहुमसंपरायसरागसंजमे दुविहे० संकिलेसमाणए चेव, विसुज्झमाणए चेव। बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे अपढमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा चरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अचरिमसमयबादरसंपरायसरागसंजमे, अहवा बादरसंपरायसरागसंजमे दुविहे० पडिवाइए चेव, अपडिवाइए चेव। वीयरागसंजमे दुविहे० उवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, खीणकसायवीयरागसंजमे चेव। उवसंतकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव, अचरिमसमयउवसंतकसायवीयरागसंजमे चेव। खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे चेव, केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे चेव। छउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे। सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयराग-

संजमे, अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे। बुद्धबोहियछउमत्थ-खीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयराग-संजमे, अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसम-यबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागसंजमे अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीण-कसायवीयरागसंजमे। केवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० सजोगिकेवलिखीणक-सायवीयरागसंजमे, अजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे। सजोगिकेवलिखीण-कसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे अपढ-मसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलिखी-णकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे। अजो-गिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे दुविहे० पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवी-यरागसंजमे, अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अहवा चरिम-समयअजोगिकेवलिखीणकसायवीयरागसंजमे, अचरिमसमयअजोगिकेवलिखीणकसाय-वीयरागसंजमे ॥ २५ ॥ दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमा चेव, बायरा चेव, एवं जाव दुविहा वणस्सइकाइया पण्णत्ता तंजहा—सुहुमा चेव, बायरा चेव। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता—पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता, तंजहा—परिणया चेव अपरिणया चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा दव्वा० परिणया चेव अपरिणया चेव। दुविहा पुढविकाइया पण्णत्ता तंजहा—गइसमावण्णगा चेव अगइसमावण्णगा चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया। दुविहा दव्वा पण्णत्ता तंजहा—गइसमावण्णगा चेव अगइसमाव-ण्णगा चेव। दुविहा पुढविकाइया० अणंतरोगाढगा चेव परंपरोगाढगा चेव, जाव दव्वा ॥२६॥ दुविहे काले० ओसप्पिणीकाले चेव, उस्सप्पिणीकाले चेव ॥ २७ ॥ दुविहे आगासे० लोगागासे चेव, अलोगागासे चेव ॥ २८ ॥ णेरइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव। अब्भंतरए कम्मए, बाहिरए वेउव्विए, एवं देवाणं भाणियव्वं। पुढविकाइयाणं दो सरीरगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव। अब्भंतरए कम्मए, बाहिरगे उरालिए, जाव वणस्सइकाइयाणं। बेइंदियाणं दोसरीरगा० अब्भंतरए चेव बाहिरए चेव। अब्भंतरए कम्मए अट्ठिमंससोणिय-बद्धे बाहिरए उरालिए, जाव चउरिंदियाणं। पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं दो सरी-

रगा० अब्भंतरगे चेव, बाहिरगे चेव, अब्भंतरगे कम्मए, अट्ठिमंससोणियण्हारुच्छिराबद्धे, बाहिरए उरालिए, मणुस्साणंवि एवं चेव विग्गहगइसमावण्णगाणं णेरइयाणं दो सरीरगा० तेयए चेव कम्मए चेव, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं दोहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया, तं० रागेणं चेव, दोसेणं चेव, जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं दुट्ठाणणिव्वत्तिए सरीरगे० रागणिव्वत्तिए चेव, दोसणिव्वत्तिए चेव, जाव वेमाणियाणं ॥ २९ ॥ दो काया० तसकाए चेव, थावरकाए चेव। तसकाए दुविहे पण्णत्ते० भवसिद्धिए चेव, अभवसिद्धिए चेव, एवं थावरकाए वि ॥ ३० ॥ दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा, णिग्गंथीणं वा, पव्वावित्तए, पाईणं चेव, उदीणं चेव, एवं मुंडावित्तए, सिक्खावित्तए, उवट्ठावित्तए, संभुंजित्तए, संवसित्तए, सज्झायं उद्दिसित्तए, सज्झायं समुद्दिसित्तए, सज्झायमणुजाणित्तए, आलोइत्तए, पडिक्कमित्तए, णिंदित्तए, गरिहित्तए, विउट्टित्तए, विसोहित्तए, अकरणयाए अब्भुट्ठित्तए, अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जित्तए, दो दिसाओ अभिगिज्झ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा, अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणा झूसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगयाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए, तं जहा—पाईणं चेव उदीणं चेव ॥ ३१ ॥

बीयं ठाणं बीयो उद्देसो

जे देवा उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा, विमाणोववण्णगा, चारोववण्णगा, चारट्ठिइया, गइरइया, गइसमावण्णगा, तेसिं देवाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, णेरइयाणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ तत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। मणुस्साणं सयासमियं जे पावे कम्मे कज्जइ, इहगयावि एगइया वेयणं वेयंति अण्णत्थगयावि एगइया वेयणं वेयंति, मणुस्सवज्जा सेसा एक्कगमा ॥ ३२ ॥ णेरइया दुगइया दुयागइया प० तं० णेरइए णेरइएसु उववज्जमाणे मणुस्सेहिंतो वा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से णेरइए णेरइयत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं असुरकुमारावि, णवरं से चेवणं से असुरकुमारत्तं विप्पजहमाणे मणुस्सत्ताए वा तिरिक्खजोणियत्ताए

वा गच्छेज्जा, एवं सव्वदेवा, पुढविकाइया दुगइया दुयागइया प० तं०—पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा णो पुढविकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेवणं से पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा णो पुढविकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा, एवं जाव मणुस्सा॥३३॥ दुविहा णेरइया प० तं० भवसिद्धिया चेव, अभवसिद्धिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० अणंतरोववण्णगा चेव परंपरोववण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० गइसमावण्णगा चेव, अगइसमावण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० पढमसमयउववण्णगा चेव, अपढमसमयउववण्णगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० आहारगा चेव, अणाहारगा चेव, एवं जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया पण्णत्ता तं०, उस्सासगा चेव णोउस्सासगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० पज्जत्तगा चेव, अपज्जत्तगा चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० सण्णी चेव, असण्णी चेव, एवं जाव पंचिंदिया सव्वे विगलिंदियवज्जा, जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया प० तं० भासगा चेव अभासगा चेव, एवमेगेंदियवज्जा सव्वे। दुविहा णेरइया प० तं० समदिट्ठिया चेव मिच्छदिट्ठिया चेव, एगिंदियवज्जा सव्वे। दुविहा णेरइया प० तं० परित्तसंसारिया चेव, अणंतसंसारिया चेव जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० संखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव असंखेज्जकालसमयट्ठिइया चेव, एवं पंचिंदिया, एगिंदिया विगलिंदियवज्जा जाव वाणमंतरा। दुविहा णेरइया प० तं० सुलभबोहिया य दुल्लभबोहिया य जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० कण्हपक्खिया चेव सुक्कपक्खिया चेव, जाव वेमाणिया। दुविहा णेरइया प० तं० चरिमा चेव अचरिमा चेव, जाव वेमाणिया॥ ३४॥ दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तं० समोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, असमोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, आहोहि समोहयासमोहएणं चेव अप्पाणेणं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, एवं तिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं। दोहिं ठाणेहिं आया अहे लोगं जाणइ पासइ, तं जहा—विउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, अविउव्विएणं चेव अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, आहोहि विउव्वियाविउव्विएणं चेव

अप्पाणेणं आया अहेलोगं जाणइ पासइ, एवं तिरियलोगं उड्ढलोगं केवलकप्पं लोगं ॥ ३५ ॥ दोहिं ठाणेहिं आया सद्दाइं सुणेइ, तं जहा–देसेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, सव्वेणवि आया सद्दाइं सुणेइ, एवं रुवाइं पासइ, गंधाइं आघायइ, रसाइं आसाएइ, फासाइं पडिसंवेएइ, दोहिं ठाणेहिं आया ओभासइ, तंजहा–देसेणवि आया ओभासइ, सव्वेण वि आया ओभासइ। एवं पभासइ, विउव्वइ, परियारेइ, भासं भासइ, आहारेइ, परिणामेइ, वेएइ, णिज्जरेइ, दोहिं ठाणेहिं देवे सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–देसेणवि देवे सद्दाइं सुणेइ, सव्वेण वि देवे सद्दाइं सुणेइ, जाव णिज्जरेइ ॥ ३६ ॥ मरुया देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव, बिसरीरी चेव। एवं किण्णरा, किंपुरिसा, गंधव्वा, णागकुमारा, सुवण्णकुमारा, अग्गिकुमारा, वाउकुमारा। देवा दुविहा प० तं० एगसरीरी चेव बिसरीरी चेव ॥ ३७ ॥

बीयं ठाणं तइओ उद्देसो

दुविहे सद्दे प० तं० भासासद्दे चेव णोभासासद्दे चेव। भासासद्दे दुविहे प० तं० अक्खरसंबद्धे चेव, णोअक्खरसंबद्धे चेव। णोभासासद्दे दुविहे प० तं० आउज्जसद्दे चेव, णोआउज्जसद्दे चेव। आउज्जसद्दे दुविहे प० तं० तते चेव, वितते चेव। तते दुविहे प० तं० घणे चेव, झुसिरे चेव, एवं विततेवि। णोआउज्जसद्दे दुविहे प० तं० भूसणसद्दे चेव, णोभूसणसद्दे चेव। णोभूसणसद्दे दुविहे प० तं० तालसद्दे चेव लत्तियासद्दे चेव। दोहिं ठाणेहिं सद्दुप्पाए सिया तंजहा–साहण्णंताणं चेव, पुग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया भिज्जंताणं चेव पोग्गलाणं सद्दुप्पाए सिया ॥३८॥ दोहिं ठाणेहिं पोग्गला साहण्णंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला साहण्णंति परेण वा पोग्गला साहण्णंति। दोहिं ठाणेहिं पोग्गला भिज्जंति, तंजहा–सयं वा पोग्गला भिज्जंति, परेण वा पोग्गला भिज्जंति। दोहिं ठाणेहिं पोग्गला परिसडंति, सयं वा पोग्गला परिसडंति, परेण वा पोग्गला परिसाडिज्जंति, एवं परिपडंति, विद्धंसंति ॥३९॥ दुविहा पोग्गला प० तं० भिण्णा चेव अभिण्णा चेव। दुविहा पोग्गला प०तं० भिउरधम्मा चेव णोभिउरधम्मा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० परमाणुपोग्गला चेव णोपरमाणुपोग्गला चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० सुहुमा चेव, बायरा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० बद्धपासपुट्ठा चेव णोबद्धपासपुट्ठा चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० परियाइयच्चेव, अपरियाइयच्चेव। दुविहा पोग्गला प० तं० अत्ताच्चेव अणत्ताच्चेव। दुविहा पोग्गला प० तं०

इट्ठा चेव, अणिट्ठा चेव, एवं कंता, पिया, मणुण्णा, मणामा। दुविहा सद्दा प० तं० अत्ता चेव, अणत्ता चेव एवं इट्ठा जाव मणामा। दुविहा रूवा प० तं० अत्ता चेव अणत्ता चेव, जाव मणामा, एवं गंधा, रसा, फासा, एवमिक्किक्के छआलावगा भाणियव्वा॥ ४० ॥ दुविहे आयारे प० तं० णाणायारे चेव णो णाणायारे चेव। णोणाणायारे दुविहे प० तं० दंसणायारे चेव, णोदंसणायारे चेव। णोदंसणायारे दुविहे पण्णत्ते तं०, चरित्तायारे चेव, णो चरित्तायारे चेव। णो चरित्तायारे दुविहे प० तं० तवायारे चेव, वीरियायारे चेव॥ ४१ ॥ दो पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा चेव, उवहाणपडिमा चेव। दो पडिमाओ प० तं० विवेगपडिमा चेव, विउसग्गपडिमा चेव। दोपडिमाओ प० तं० भद्दा चेव, सुभद्दा चेव। दो पडिमाओ प० तं० महाभद्दा चेव सव्वतोभद्दा चेव। दो पडिमाओ प० तं० खुड्डिया चेव मोयपडिमा, महल्लिया चेव मोयपडिमाओ। दोपडिमाओ प० तं० जवमज्झे चेव चंदपडिमा, वइरमज्झे चेव चंदपडिमा॥ ४२ ॥ दुविहे सामाइए प० तं० अगारसामाइए चेव, अणगारसामाइए चेव॥ ४३ ॥ दोण्हं उववाए प० तं० देवाणं चेव, णेरइयाणं चेव। दोण्हं उव्वट्टणा प० तं० णेरइयाणं चेव, भवणवासीणं चेव। दोण्हं चयणे प० तं० जोइसियाणं चेव, वेमाणियाणं चेव। दोण्हं गब्भवक्कंती प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं गब्भत्थाणं आहारे प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं गब्भत्थाणं वुड्ढी प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। एवं णिव्वुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे आयाइ मरणे। दोण्हं छविपव्वा प० तं० मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दो सुक्कसोणिअसंभवा, प० तं० मणुस्सा चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चेव, दुविहा ठिई, कायठिई चेव, भवट्ठिई चेव, दोण्हं कायट्ठिई, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं भवट्ठिई, देवाणं चेव णेरइयाणं चेव। दुविहे आउए, अद्धाउए चेव, भवाउए चेव। दोण्हं अद्धाउए, मणुस्साणं चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव। दोण्हं भवाउए देवाणं चेव णेरइयाणं चेव। दुविहे कम्मे, पएसकम्मे चेव, अणुभावकम्मे चेव। दो अहाउयं पालेंति, देवचेव णेरइयचेव। दोण्हं आउयसंवट्टए प० तं० मणुस्साणं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं चेव॥ ४४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे

मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा बहुसमउल्ला अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभसंठाणपरिणाहेणं, तं जहा—भरहे चेव, एरवए चेव। एवमेएणं अहिलावेणं णेयव्वं, हेमवए चेव हेरण्णवए चेव, हरिवरिसे चेव, रम्मयवरिसे चेव ॥ ४५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं दो खित्ता, बहुसमउल्ला अविसेस जाव पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव ॥ ४६ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोकुराओ, बहुसमउल्लाओ अविसेसा जाव देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव । तत्थ णं दो महइ महालया महादुमा, बहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता अण्णमण्णं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेहसंठाणपरिणाहेणं तं जहा—कूडसामली चेव, जंबू चेव सुदंसणा । तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव महासोक्खा, पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा—गरुले चेव वेणुदेवे अणाढिए चेव जंबूद्दीवाहिवई ।।४७।। जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासहरपव्वया बहुसमउल्ला, अविसेसमणाणत्ता, अण्णमण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभुच्चत्तोव्वेह-संठाणपरिणाहेणं, तं जहा—चुल्लहिमवंतेचेव सिहरी चेव । एवं महाहिमवंते चेव, रुप्पी चेव, एवं णिसढे चेव, णीलवंते चेव ॥ ४८ ॥ जंबूमंदरस्सपव्वयस्स उत्तर-दाहिणेणं हेमवएरण्णवएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला, अविसेसमणा-णत्ता जाव सद्दावाई चेव वियडावाई चेव, तत्थणं दो देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा—साई चेव पभासे चेव ॥ ४९ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहिणेणं हरिवासरम्मएसु वासेसु दोवट्टवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला, जाव गंधा-वाई चेव, मालवंतपरियाए चेव, तत्थणं दोदेवा महिड्ढिया, जाव पलिओवम-ट्ठिइया परिवसंति, तं जहा—अरुणे चेव, पउमे चेव ॥ ५० ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं देवकुराए पुव्वावरे पासे, एत्थणं आसक्खंधगसरिसा, अद्धचंदसंठाण-संठिया दोवक्खारपव्वया, बहुसमउल्ला जाव, सोमणसे चेव विज्जुप्पभे चेव । जंबू-मंदरस्स उत्तरेणं उत्तरकुराए पुव्वावरे पासे एत्थणं आसक्खंधगसरिसा अद्धचंद-संठाणसंठिया दो वक्खारपव्वया प० तं० बहु० जाव, गंधमायणे चेव, मालवंते चेव ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोदीहवेयड्ढपव्वया, बहुसमउल्ला जाव भारहे चेव दीहवेयड्ढे एरावए चेव दीहवेयड्ढे । भारहेणं दीहवेयड्ढे दोगुहाओ बहु-समउल्लाओ अविसेसमणाणत्ताओ अण्णमण्णं णाइवट्टंति आयामविक्खंभुच्चत्तसंठाण-

परिणाहेणं, तं जहा—तिमिसगुहा चेव, खंडगप्पवायगुहा चेव । तत्थणं दो देवा महि-
ड्डिया, जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तं जहा—कयमालए चेव, णट्टमालए
चेव । एरावए णं दीहवेयड्ढे दोगुहा, जाव कयमालए चेव णट्टमालए चेव ॥५१॥
जंबूमंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला,
जाव विक्खंभुच्चत्तसंठाणपरिणाहेणं, तं जहा—चुल्लहिमवंतकूडे चेव वेसमणकूडे
चेव । जंबूमंदरस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला
जाव महाहिमवंतकूडे चेव, वेरुलियकूडे चेव । एवं णिसढे वासहरपव्वए दोकूडा,
बहुसमउल्ला जाव० णिसढकूडे चेव, रुयगप्पभे चेव । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं णील-
वंते वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० णीलवंतकूडे चेव, उवदंसणकूडे
चेव । एवं रुप्पिम्मि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला जाव० तंजहा रुप्पिकूडे
चेव, मणिकंचणकूडे चेव । एवं सिहरिम्मि वि वासहरपव्वए दोकूडा, बहुसमउल्ला
तंजहा—सिहरिकूडे चेव, तिगिच्छिकूडे चेव ॥ ५२ ॥ जंबूमंदरस्स उत्तरदाहि-
णेणं चुल्लहिमवंतसिहरीसु वासहरपव्वएसु दो महद्दहा, बहुसमउल्ला, अविसेसमणा-
णत्ता अण्णं मण्णं णाइवट्टंति, आयामविक्खंभउव्वेहसंठाणपरिणाहेणं, तंजहा—पउ-
मद्दहे चेव, पुंडरीयद्दहे चेव । तत्थणं दो देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवम-
ट्ठिइयाओ परिवसंति, तं० सिरी चेव लच्छी चेव । एवं महाहिमवंतरुप्पीसु
वासहरपव्वएसु दो महद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव महापउमद्दहे चेव, महा-
पोंडरीयद्दहे चेव । देवयाओ हिरिचेव बुद्धिचेव । एवं णिसहणीलवंतेसु तिगि-
च्छिद्दहे चेव, केसरिद्दहे चेव, देवयाओ धिई चेव कित्तिचेव ॥ ५३ ॥ जंबूमंदर-
दाहिणेणं महाहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ महापउमद्दहाओ दो महाणईओ
पवहंति तंजहा रोहियचेव हरिकंतचेव । एवं णिसहाओ वासहरपव्वयाओ तिगिच्छि-
द्दहाओ दोमहाणईओ पवहंति तं० हरिचेव, सीतोअचेव । जंबूमंदरस्स उत्तरेणं
णीलवंताओ वासहरपव्वयाओ केसरिद्दहाओ दो महाणईओ पवहंति तं० सीता चेव,
णारिकंता चेव । एवं रुप्पिवासहरपव्वयाओ महापोंडरीयद्दहाओ दोमहाणईओ पव-
हंति, तंजहा णरकंता चेव रुप्पकूला चेव । जंबूमंदरदाहिणेणं भरहेवासे दोपवाय-
द्दहा प० तं० बहुसमउल्ला जाव गंगप्पवायद्दहे चेव, सिंधुप्पवायद्दहे चेव । एवं
हेमवएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला तं० रोहियप्पवायद्दहे चेव, रोहियंसप्प-

वायद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणे णं हरिवासे वासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला तं० हरिप्पवायद्दहे चेव हरिकंतप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरदाहिणेणं महाविदेहे वासे दोपवायद्दहा प० तं० बहुसमउल्ला जाव० सीयप्पवायद्दहे चेव, सीओयप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरउत्तरेणं रम्मएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव णरकंतप्पवायद्दहे चेव णारिकंतप्पवायद्दहे चेव। एवं हेरण्णवएवासे दोपवायद्दहा प० बहुसमउल्ला जाव० सुवण्णकूलप्पवायद्दहे चेव, रुप्पकूलप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदर-उत्तरेणं एरवएवासे दोपवायद्दहा, प० बहुसमउल्ला जाव० रत्तप्पवायद्दहे चेव रत्तावईप्पवायद्दहे चेव। जंबूमंदरदाहिणेणं भरहेवासे दोमहाणईओ प० बहुसमउल्ला गंगा चेव, सिंधू चेव। एवं जहा प्पवायद्दहा एवं णईओ भाणियव्वाओ। जाव एरवए वासे दोमहाणईओ प० बहुसमउल्लाओ जाव रत्ता चेव रत्तवई चेव ॥५४॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसुऽतीयाए उस्सप्पिणीए सुसमदुसमाए समाए दो सागरोवमकोडाकोडीओ काले होत्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव प० एवं आगमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए मणुया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, दोण्णियपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था। एवमिमीसे ओसप्पिणीए जाव पालइत्था। एवमागमिस्साए उस्सप्पिणीए जाव पालइस्संति ॥५५॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगसमए एगजुगे दो अरहंतवंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं चक्कवट्टिवंसा, दसारवंसा। जंबूभरहेरवएसु एगसमए दोअरिहंता उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, एवं चक्कवट्टि एवं बलदेवा एवं वासुदेवा, जाव उपज्जिस्संति वा ॥५६॥ जंबू० दोसु कुरासु मणुया सया सुसमसुसमुत्तमिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—देवकुराए चेव, उत्तरकुराए चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया सया सुसममुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति तंजहा—हरिवासे चेव रम्मगवासे चेव। जंबू० दोसु वासेसु मणुया सया सुसमदुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—हेमवए चेव एरण्णवए चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु खित्तेसु मणुया सया दुसमसुसमुत्तममिड्ढिं पत्ता पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—पुव्वविदेहे चेव अवरविदेहे चेव। जंबुद्दीवे दीवे दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपिकालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तं जहा—भरहे चेव, एरवए चेव

॥५७॥ जंबुद्दीवे २ दोचंदा पभासिंसु वा, पभासंति वा, पभासिस्संति वा, दोसूरिआ तवइंसु वा, तवंति वा, तविस्संति वा । दो कत्तियाओ, दो रोहिणीओ दो मियसिराओ, दो अद्दाओ एवं भाणियव्वं ॥ कत्तियरोहिणिमियसिर अद्दा य पुणव्वसू य पुस्सो य । तत्तोवि अस्सलेसा,महा य दो फग्गुणीओ य ।१। हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होंति अणुराहा, जेट्ठा मूलो पुव्वा य, आसाढा उत्तरा चेव ।२। अभिई सवण धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया । रेवइ अस्सिणि भरणी, णेयव्वा अणुपुव्वीए । ३ । एवं गाहाणुसारेण णायव्वं जाव दो भरणीओ। दो अग्गी दो पयावई दोसोमा दोरुद्दा दोअइई दोबहस्सई दोसप्पी दोपिई दोभगा दोअज्जमा दोसविया दोतट्ठा दोवाऊ दोइंदग्गी दोमित्ता दोइंदा दोणिरई दोआऊ दोविस्सा दोबम्हा दोविण्हू दोवसू दोवरुणा दोअया दोविविद्धी दोपुस्सा दोअस्सा दोयमा । दोइंगालगा दोवियालगा दोलोहियक्खा दोसणिच्चरा दोआहुणिया दोपाहुणिया दोकणा दोकणगा दोकणकणगा दोकणगवियाणगा दोकणगसंताणगा दोसोमा दोसहिया दोआसासणा दोकज्जोवगा दोकब्बडगा दोअयकरगा दोदुंदुभगा दोसंखा दोसंखवण्णा दोसंखवण्णाभा दोकंसा दोकंसवण्णा दोकंसवण्णाभा दोरुप्पी दोरुप्पाभासा दोणीला दोणीलोभासा दोभासा दोभासरासी दोतिला दोतिलपुप्फवण्णा दोदगा दोदगपंचवण्णा दोकाका दोकक्कंधा दोइंदग्गी दोधूमकेऊ दोहरी दोपिंगला दोबुहा दोसुक्का दोबहस्सई दोराहू दोअगत्थी दोमाणवगा दोकासा दोफासा दोधुरा दोपमुहा दोवियडा दोविसंधी दोणियल्ला दोपइल्ला दोजडियाइलगा दोअरुणा दोअग्गिल्ला दोकाला दोमहाकालगा दोसोत्थिया दोसोवत्थिया दोवद्धमाणगा दोपूसमाणगा दोअंकुसा दोपलंबा दोणिच्चालोगा दोणिच्चुज्जोया दोसयंपभा दोओभासा दोसेयंकरा दोखेमंकरा दोआभंकरा दोपभंकरा दोअपराजिया दोअरया दोअसोगा दोविगयसोगा दोविमला दोवितत्ता दोवितत्था दोविसाला दोसाला दोसुव्वया दोअणियट्टी दोएगजडी दोदुजडी दोकरकरिगा दोरायग्गला दोपुप्फकेऊ दोभावकेऊ ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स वेइआ दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, लवणेणं समुद्दे दोजोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेण प० लवणस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥५९॥ धायईखंडेणं दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा, बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव, एरवए चेव । एवं जहा जंबूद्दीवे तहा एत्थ वि भाणियव्वं,

जाव दोसु वासेसु मणुया छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–भरहे चेव एरवए चेव, णवरं कूडसामली चेव, धायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे सुदंसणे चेव। धायईसंडदीवपच्चत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमतुल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुभवमाणा विहरंति। णवरं कूडसामली चेव महाधायईरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव वेणुदेवे पियदंसणे चेव। धायईसंडेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं दोहिमवयाइं दो हेरण्णवयाइं दोहरिवासाइं दोरम्मगवासाइं, दोपुव्वविदेहाइं दोअवरविदेहाइं दोदेवकुराओ दोदेवकुरुमहादुमा, दोदेवकुरुमहादुमावासी देवा दोउत्तरकुराओ दोउत्तरकुरुमहादुमा दोउत्तरकुरुमहादुमावासी देवा। दोचुल्लहिमवंता दोमहाहिमवंता दोणिसढा दोणीलवंता दोरुप्पी दोसिहरी। दोसद्दावाई दोसद्दावाईवासी साई देवा, दोवियडावाई दोवियडावाईवासी पभासा देवा दोगंधावाई दोगंधावाईवासी अरुणादेवा दोमालवंतपरियागा दोमालवंतपरियागावासी पउमादेवा। दोमालवंता दोचित्तकूडा दोपम्हकूडा दोणलिणकूडा दोएगसेला दोतिकूडा दोवेसमणकूडा दोअंजणा दोमातंजणा दोसोमणसा दोविज्जुप्पभा दोअंकावई दोपम्हावई दोआसीविसा दोसुहावहा दोचंदपव्वया दोसूरपव्वया दोणागपव्वया दोदेवपव्वया दोगंधमायणा दोउसुगारपव्वया दोचुल्लहिमवंतकूडा दोवेसमणकूडा दोमहाहिमवंतकूडा दोवेरुलियकूडा दोणिसहकूडा दोरुयगकूडा दोणीलवंतकूडा दोउवदंसणकूडा दोरुप्पिकूडा दोमणिकंचणकूडा दोसिहरिकूडा दोतिगिच्छिकूडा दोपउमद्दहा, दोपउमद्दहवासिणीओ सिरीदेवीओ दोमहापउमद्दहा दोमहापउमद्दहवासिणीओ हिरीओ एवं जाव दोपुंडरीयद्दहा दोपुंडरीयद्दहवासिणीओ लच्छीओ देवीओ। दोगंगप्पवायद्दहा जाव दोरत्तवईप्पवायद्दहा दोरोहियाओ जाव दोरुप्पकूलाओ दोगाहावईओ दोदहवईओ दोपंकवईओ दोतत्तजलाओ दोमत्तजलाओ दोउम्मत्तजलाओ दोखीरोयाओ दोसीहसोयाओ दोअंतोवाहिणीओ दोउम्मिमालिणीओ दोफेणमालिणीओ दोगंभीरमालिणीओ। दोकच्छा दोसुकच्छा दोमहाकच्छा दोकच्छगावई दोआवत्ता दोमंगलावत्ता दोपुक्खला दोपुक्खलावई, दोवच्छा दोसुवच्छा दोमहावच्छा दोवच्छगावई दोरम्मा दोरम्मगा दोरमणिज्जा दोमंगलावई, दोपम्हा दोसुपम्हा दोमहापम्हा दोपम्हगावई दोसंखा दोणलिणा दोकुमुया दोसलिलावई, दोणलिणावई दोवप्पा

दोसुवप्पा दोमहावप्पा दोवप्पगावई दोवग्गू दोसुवग्गू दोगंधिला दोगंधिलावई। दोखेमाओ दोखेमपुरीओ दोरिट्ठाओ दोरिट्ठपुरीओ दोखग्गीओ दोमंजूसाओ दो-ओसहीओ दोपुण्डरीगिणीओ दोसुसीमाओ दोकुंडलाओ दोअपराइआओ दोप्प-भंकराओ दोअंकावईओ दोपम्हावईओ दोसुभाओ दोरयणसंचयाओ, दोआसपुराओ दोसीहपुराओ दोमहापुराओ दोविजयपुराओ दोअवराजियाओ दोअवराओ दो-असोयाओ दोविगयसोयाओ, दोविजयाओ दोवेजयंतीओ दोजयंतीओ दोअपरा-जियाओ दोचक्कपुराओ दोखग्गपुराओ दोअवज्झाओ दोअउज्झाओ। दोभद्द-सालवणा दोणंदणवणा दोसोमणसवणा दोपंडगवणा दोपंडुकंबलसिलाओ दोअति-पंडुकंबलसिलाओ दोरत्तकंबलसिलाओ दोअइरत्तकंबलसिलाओ दोमंदरा दोमंदर-चूलियाओ, धायइखंडस्सणं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता, कालोदस्सणं समुद्दस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। पुक्खरवरदीवद्ध-पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० बहुसमउल्ला जाव भरहे चेव एरवए चेव जाव दोकुराओ पण्णत्ताओ देवकुरा चेव उत्तरकुरा चेव। तत्थणं दोमहइमहालया महद्दुमा प० तं० कूडसामली चेव, पउमरुक्खे चेव; देवा गरुले चेव वेणुदेवे पउमे चेव, जाव छव्विहंपि कालं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति। पुक्खरवरदीवद्धपच्चत्थिमद्धेणं मंदरपव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं दोवासा प० तं० तहेव णाणत्तं कूडसामली चेव, महापउमरुक्खे चेव, देवा गरुले चेव, वेणुदेवे पुंडरीए चेव। पुक्खरवरदीवद्धेणं दीवे दोभरहाइं दोएरवयाइं जाव दोमंदरा दोमंद-रचूलाओ, पुक्खरवरस्स णं दीवस्स वेइया दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० सव्वेसिं पि णं दीवसमुद्दाणं वेइयाओ दोगाउयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ताओ ॥ ६० ॥ दोअसुर-कुमारिंदा प० तं० चमरे चेव, बली चेव। दोणागकुमारिंदा प० तं० धरणे चेव, भूयाणंदे चेव। दोसुवण्णकुमारिंदा प० तं० वेणुदेवे चेव, वेणुदाली चेव। दोविज्जु-कुमारिंदा प० तं० हरी चेव हरिस्सहे चेव। दोअग्गिकुमारिंदा प० तं० अग्गिसिहे चेव अग्गिमाणवे चेव। दोदीवकुमारिंदा प० तं० पुण्णे चेव, विसिट्ठे चेव। दोउदहि-कुमारिंदा प० तं० जलकंते चेव जलप्पभे चेव। दोदिसाकुमारिंदा प० तं० अमियगई चेव, अमियवाहणे चेव। दोवाउकुमारिंदा प० तं० वेलंबे चेव पभंजणे चेव। दोथणिय-कुमारिंदा प० तं० घोसे चेव महाघोसे चेव। दोपिसायइंदा प० तं० काले चेव महा-

काले चेव । दोभूयइंदा प० तं० सुरूवे चेव पडिरूवे चेव। दोजक्खिंदा प० तं० पुण्णभद्दे चेव माणिभद्दे चेव । दोरक्खसिंदा प० तं० भीमे चेव महाभीमे चेव । दोकिण्णरिंदा प० तं० किण्णरे चेव किंपुरिसे चेव । दोकिंपुरिसिंदा प० तं० सप्पुरिसे चेव महापुरिसे चेव। दोमहोरगिंदा प० तं० अइकाए चेव महाकाए चेव । दोगंधव्विंदा प० तं० गीयरई चेव गीयजसे चेव। दोअणपण्णिंदा प० तं० संणिहिए चेव, सामण्णे चेव । दोपणपण्णिंदा प० तं० धाए चेव विहाए चेव । दोइसिवाइंदा प० तं० इसि चेव इसिवालए चेव। दोभूयवाइंदा प० तं० इस्सरे चेव महिस्सरे चेव । दोकंदिंदा प० तं सुवच्छे चेव विसाले चेव । दोमहाकंदिंदा प० तं० हस्से चेव हस्सरई चेव। दोकुभंडिंदा प० तं० सेए चेव महासेए चेव । दोपयइंदा प० तं० पयए चेव पयगवई चेव । जोइसियाणं देवाणं दोइंदा प० तं० चंदे चेव सूरे चेव । सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० सक्के चेव ईसाणे चेव । एवं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु दोइंदा प० तं० सणंकुमारे चेव माहिंदे चेव । बंभलोयलंतएसु णं दोइंदा प० तं० बंभे चेव लंतए चेव । महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु दोइंदा पण्णत्ता तंजहा--महासुक्के चेव सहस्सारे चेव । आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु दोइंदा प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥६१॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा दुवण्णा प० तं० हालिद्दा चेव सुक्किला चेव, गेविज्जगाणं देवाणं दो रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ६२ ॥

बीयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

समयाइ वा आवलियाइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ । आणापाणूइ वा, थोवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ । खणाइ वा लवाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ । एवं मुहुत्ताइ वा, अहोरत्ताइ वा, पक्खाइ वा, मासाइ वा, उऊइ वा, अयणाइ वा, संवच्छराइ वा, जुगाइ वा, वाससयाइ वा, वाससहस्साइ वा, वाससयसहस्साइ वा, वासकोडीइ वा, पुव्वंगाइ वा, पुव्वाइ वा, तुडियंगाइ वा तुडियाइ वा अडडंगाइ वा अडडाइ वा, अववंगाइ वा, अववाइ वा हूहूअंगाइ वा, हूहूयाइ वा, उप्पलंगाइ वा, उप्पलाइ वा, पउमंगाइ वा, पउमाइ वा, णलिणंगाइ वा, णलिणाइ वा, अच्छणिउरंगाइ वा, अच्छणिउराइ वा, अउअंगाइ वा अउआइ वा, णउअंगाइ वा, णउआइ वा, पउअंगाइ वा, पउयाइ वा, चूलिअंगाइ

वा चूलियाइ वा, सीसप्पहेलिअंगाइ वा, सीसप्पहेलियाइ वा, पलिओवमाइ वा, सागरोवमाइ वा उस्सप्पिणीइ वा, ओसप्पिणीइ वा, जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ ६३ ॥ गामाइ वा, णगराइ वा, णिगमाइ वा, रायहाणीइ वा, खेडाइ वा, कब्बडाइ वा, मडंबाइ वा, दोणमुहाइ वा, पट्टणाइ वा, आगराइ वा, आसमाइ वा, संवाहाइ वा, संणिवेसाइ वा, घोसाइ वा, आरामाइ वा, उज्जाणाइ वा, वणाइ वा, वणखंडाइ वा, वावीइ वा, पुक्खरणीइ वा, सराइ वा, सरपंतीइ वा, अगडाइ वा, तडागाइ वा, दहाइ वा, णदीइ वा, पुढवीइ वा, उदहीइ वा, वातखंधाइ वा, उवासंतराइ वा, वलयाइ वा, विग्गहाइ वा, दीवाइ वा, समुद्दाइ वा, वेलाइ वा, वेइयाइ वा, दाराइ वा, तोरणाइ वा, णेरइयाइ वा, णेरइयावासाइ वा, जाव वेमाणियावासाइ वा, कप्पाइ वा, कप्पविमाणवासाइ वा, वासाइ वा, वासहरपव्वयाइ वा, कूडाइ वा, कूडागाराइ वा, विजयाइ वा, रायहाणीइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ ६४ ॥ छायाइ वा, आतवाइ वा, जोसिणाइ वा, अंधगाराइ वा, ओमाणाइ वा, पमाणाइ वा, उम्माणाइ वा, अइयाणगिहाइ वा, उज्जाणगिहाइ वा, अवलिम्बाइ वा, सणिप्पवायाइ वा जीवाइ वा अजीवाइ वा पवुच्चइ ॥ ६५ ॥ दो रासी प० तं० जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव । दुविहे बंधे प० तं० पेज्जबंधे चेव, दोसबंधे चेव । जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं बंधंति तं० रागेण चेव, दोसेण चेव । जीवाणं दोहिं ठाणेहिं पावकम्मं उदीरेंति तं० अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए एवं । वेदेंति एवं णिज्जरेंति अब्भोवगमियाए चेव वेयणाए उवक्कमियाए चेव वेयणाए । दोहिं ठाणेहिं आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ तं० देसेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ सव्वेणवि आया सरीरं फुसित्ताणं णिज्जाइ, एवं फुरित्ताणं एवं फुडित्ताणं एवं संवट्टित्ताणं णिव्वट्टित्ताणं । दोहिं ठाणेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए तंजहा–खएण चेव उवसमेण चेव । एवं जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा तं० खएण चेव उवसमेण चेव ॥ ६६ ॥ दुविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे चेव सागरोवमे चेव । से किं तं पलिओवमे ? पलिओवमे–जं जोयणविच्छिण्णं पल्लं एगाहियप्परूढाणं होज्ज णिरंतरणिचियं भरियं वालग्गकोडीणं ।१। वाससए वाससए एक्केक्के, अवहडंमि जो कालो; सो कालो बोद्धव्वो, उवमा एगस्स पल्लस्स ।२। एएसिं पल्लाणं कोडाकोडी

हवेज्ज दसगुणिया; तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाणं ॥ ३ ॥ ६७ ॥ दुविहे कोहे प० तं० आयपइट्ठिए चेव, परपइट्ठिए चेव। एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव मिच्छादंसणसल्ले ॥ ६८ ॥ दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० तसा चेव, थावरा चेव। दुविहा सव्वजीवा प० तं० सिद्धा चेव असिद्धा चेव। दुविहा सव्वजीवा प० तं० सइंदिया चेव, अणिंदिया चेव। एवं एसा गाहा फासेयव्वा जाव ससरीरी चेव असरीरी चेव। सिद्धसइंदियकाए, जोगे वेए कसायलेसा य, णाणुवओगाहारे भासगचरिमे य ससरीरी (१) ॥ ६९ ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णो णिच्चं वण्णियाइं कित्तियाइं णो णिच्चं बुइयाइं णो णिच्चं पसत्थाइं णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० वलयमरणे चेव, वसट्टमरणे चेव, एवं णियाणमरणे चेव, तब्भवमरणे चेव, गिरिपडणे चेव, तरुपडणे चेव, जलप्पवेसे चेव, जलणप्पवेसे चेव, विसभक्खणे चेव, सत्थोवाडणे चेव। दोमरणाइं जाव णो णिच्चं अब्भणुण्णायाइं भवंति, कारणेणं पुण अप्पडिकुट्ठाइं तंजहा– वेहाणसे चेव गिद्धपिट्ठे चेव ॥ ७० ॥ दोमरणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० पाओवगमणे चेव भत्तपच्चक्खाणे चेव। पाओवगमणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव अणीहारिमे चेव, णियमं अप्पडिकम्मे। भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प० तं० णीहारिमे चेव, अणीहारिमे चेव, णियमं सप्पडिकम्मे ॥ ७१ ॥ के अयं लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव, के अणंतालोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव। के सासया लोए? जीवच्चेव अजीवच्चेव ॥ ७२ ॥ दुविहा बोही, णाणबोही चेव, दंसणबोही चेव। दुविहा बुद्धा णाणबुद्धा चेव दंसणबुद्धा चेव, एवं मोहे मूढा ॥ ७३ ॥ णाणावरणिज्जे कम्मे दुविहे पण्णत्ते तं० देसणाणावरणिज्जे चेव, सव्वणाणावरणिज्जे चेव। दंसणावरणिज्जे कम्मे एवं चेव वेयणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० सायावेयणिज्जे चेव असायावेयणिज्जे चेव। मोहणिज्जे कम्मे दुविहे प० तं० दंसणमोहणिज्जे चेव चरित्तमोहणिज्जे चेव। आउकम्मे दुविहे प० तं० अद्धाउए चेव, भवाउए चेव। णामकम्मे दुविहे प० तं० सुभणामे चेव असुभणामे चेव। गोत्तकम्मे दुविहे प० तं० उच्चागोए चेव णीयागोए चेव। अंतराइएकम्मे दुविहे प० तं० पडुप्पण्णविणासिए चेव पिहियआगामिपहं ॥ ७४ ॥ दुविहा मुच्छा प० तं० पेज्जवत्तिया चेव, दोसवत्तिया चेव। पेज्जवत्तियामुच्छा

दुविहा प० तं० माए चेव लोहे चेव । दोसवत्तियामुच्छा दुविहा प० तं० कोहे चेव माणे चेव ॥ ७५ ॥ दुविहा आराहणा प० तं० धम्मियाराहणा चेव केवलिआराहणा चेव । धम्मियाराहणा दुविहा प० तं० सुयधम्माराहणा चेव चरित्तधम्माराहणा चेव । केवलिआराहणा दुविहा प० तं० अंतकिरिया चेव कप्पविमाणोववत्तिया चेव ॥ ७६ ॥ दोतित्थयरा णीलुप्पलसमावण्णेणं प० तं० मुणिसुव्वए चेव, अरिट्ठणेमी चेव । दोतित्थयरा पियंगुसमावण्णेणं प० तं० मल्ली चेव पासे चेव । दोतित्थयरा पउमगोरा वण्णेणं, प० तं पउमप्पहे चेव वासुपुज्जे चेव । दोतित्थयरा चंदगोरा वण्णेणं प० तं० चंदप्पभे चेव पुप्फदंते चेव ॥७७॥ सच्चप्पवाय पुव्वस्सणं दुवे वत्थू पण्णत्ता। पुव्वभद्दवयाणक्खत्ते दुतारे प० उत्तरभद्दवयाणक्खत्ते दुतारे प०-एवं पुव्वफग्गुणी, उत्तरफग्गुणी ॥ ७८ ॥ अंतोणं मणुस्सखेत्तस्स दो समुद्दा, प० तं० लवणे चेव कालोदे चेव । दोचक्कवट्टी अपरिचत्तकामभोगा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणणरए णेरइयत्ताए उववण्णा तं० सुभूमे चेव बंभदत्ते चेव ॥ ७९ ॥ असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं देसूणाइं दोपलिओवमाइं ठिई प०, सोहम्मे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दोसागरोवमाइं ठिई प०, ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई प०, सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दोसागरोवमाइं ठिई प०, माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साइरेगाइं दोसागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥ ८० ॥ दोसु कप्पेसु कप्पत्थियाओ पण्णत्ताओ तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव । दोसु कप्पेसु देवा तेउलेस्सा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव । दोसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा प० तं० सोहम्मे चेव ईसाणे चेव । दोसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा प० तं० सणंकुमारे चेव, माहिंदे चेव । दोसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा प० तं० बंभलोए चेव, लंतए चेव । दोसु कप्पेसु देवा सद्दपरियारगा प० तं० महासुक्के चेव, सहस्सारे चेव । दोइंदा मणपरियारगा, प० तं० पाणए चेव, अच्चुए चेव ॥ ८१ ॥ जीवाणं दुट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं जहा—तसकायणिव्वत्तिए चेव, थावरकायणिव्वत्तिए चेव । एवं उवचिणिंसु वा, उवचिणंति वा, उवचिणिस्संति वा, बंधिंसु वा, बंधंति वा, बंधिस्संति वा, उदीरिंसु वा, उदीरेंति वा, उदीरिस्संति वा, वेदिंसु वा, वेदिंति वा, वेदिस्संति वा, णिज्जरिंसु वा, णिज्जरेंति

वा, णिज्जरिस्संति वा ॥ ८२ ॥दुपएसिया खंधा अणंता प० दुपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० एवं जाव दुगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ८३ ॥

तइयं ठाणं पढमो उद्देसो

तओ इंदा प० तं० णामिंदे-ठवणिंदे-दव्विंदे। तओ इंदा प० तं० णाणिंदे-दंसणिंदे-चरित्तिंदे, तओ इंदा प० तं देविंदे-असुरिंदे-मणुस्सिंदे ॥ १ ॥ तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिरए पोग्गलए परियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा, बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता वि अपरियाइत्ता वि एगा विउव्वणा, तिविहा विउव्वणा प० तं० अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा अब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा। तिविहा विउव्वणा प० तं० बाहिर-ब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले अपरियाइत्ता एगा विउव्वणा बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्तावि अपरियाइत्तावि एगा विउव्वणा ॥ २ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० कतिसंचिया, अकतिसंचिया अवत्तव्वगसंचिया एवमेगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया ॥ ३ ॥ तिविहा परियारणा प० तं० एगे देवे अण्णे देवे अण्णेसिं देवाणं देवीओ य अभिजुंजिय २ परियारेइ, अप्पणिज्जिआओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परियारेइ, एगे देवे णो अण्णेदेवे णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पणिज्जि-आओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पणा विउव्विय २ परिया-रेइ। एगे देवे णो अण्णेदेवे णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ, णो अप्पणिज्जियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ अप्पाणमेव अप्पाणं विउ-व्विय २ परियारेइ ॥ ४ ॥ तिविहे मेहुणे प० तं० दिव्वे माणुस्सए तिरिक्ख-जोणिए। तओ मेहुणं गच्छंति तं० देवा मणुस्सा तिरिक्खजोणिया। तओ मेहुणं सेवंति तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ ५ ॥ तिविहे जोगे प० तं० मणजोगे वयजोगे काय-जोगे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे पओगे प० तं० मणपओगे, वयपओगे, कायपओगे; जहा जोगो विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणि-याणं, तहा पओगेवि। तिविहे करणे प० तं० मणकरणे, वयकरणे, कायकरणे, एवं णेरइयाणं विगलिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे करणे पण्णत्ते तं० आरंभ-

करणे, संरंभकरणे, समारंभकरणे, णिरंतरं जाव वेमाणियाणं॥ ६ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउअत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसंवइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा, माहणं वा, अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभित्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पगरेंति। तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ। इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति ॥ ७ ॥ तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मंपगरेंति तं० पाणे अइवाइत्ता भवइ, मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलेत्ता णिंदेत्ता खिंसेत्ता गरिहित्ता अवमाणित्ता अण्णयरेणं अमणुण्णेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति, तिहिं ठाणेहिं जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति, तंजहा–णो पाणे अइवाइत्ता भवइ, णो मुसं वइत्ता भवइ, तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता मणुण्णेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता भवइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं जीवा सुहदीहाउयत्ताए कम्मं पगरेंति ॥८॥ तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ तं० मणगुत्ती, वयगुत्ती कायगुत्ती। संजयमणुस्साणं तओ गुत्तीओ प० तं० मण, वय, काय०। तओ अगुत्तीओ प० तं० मणअगुत्ती, वयअगुत्ती, कायअगुत्ती, एवं णेरइयाणं जाव० थणियकुमाराणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं असंजयमणुस्साणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं। तओ दंडा प० तं० मणदंडे, वयदंडे, कायदंडे णेरइयाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे, जाव कायदंडे, विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥९॥ तिविहा गरहा प० तं० मणसावेगे गरहइ, वयसावेगे गरहइ, कायसावेगे गरहइ, पावाणं कम्माणं अकरणयाए। अहवा गरहा तिविहा प० तं० दीहंवेगे अद्धं गरहइ, रहस्सं वेगे अद्धं गरहइ, कायंवेगे पडिसाहरइ पावाणं कम्माणं अकरणयाए। तिविहे पच्चक्खाणे प० तं० मणसावेगे पच्चक्खाइ, वयसावेगे पच्चक्खाइ, कायसावेगे पच्चक्खाइ, एवं जहा गरहा तहा पच्चक्खाणेवि दो आलावगा भाणियव्वा ॥१०॥ तओ रुक्खा, प० तं० पत्तोवए, पुप्फोवए, फलोवए, एवामेव तओ पुरिसजाया

प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे, पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे। तओ पुरिसजाया प० तं० णामपुरिसे, ठवणापुरिसे दव्वपुरिसे। तओ पुरिसजाया प० तं० णाणपुरिसे, दंसणपुरिसे, चरित्तपुरिसे, तओ पुरिसजाया प० तं० वेदपुरिसे, चिंधपुरिसे, अभिलावपुरिसे ॥ ११ ॥ तिविहा पुरिसा प० तं० उत्तमपुरिसा, मज्झिमपुरिसा जहण्णपुरिसा। उत्तमपुरिसा तिविहा प० तं० धम्मपुरिसा, भोगपुरिसा, कम्मपुरिसा। धम्मपुरिसा अरिहंता, भोगपुरिसा चक्कवट्टी, कम्मपुरिसा वासुदेवा। मज्झिमपुरिसा तिविहा—उग्गा भोगा राइण्णा। जहण्णपुरिसा तिविहा, प० तं० दासा, भयगा, भाइल्लगा ॥ १२ ॥ तिविहा मच्छा प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा। अंडया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा। पोयया मच्छा तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ॥ १३ ॥ तिविहा पक्खी प० तं० अंडया, पोयया, संमुच्छिमा। अंडया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा। पोयया पक्खी तिविहा प० तं० इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा, एवमेएणं अभिलावेणं उरपरिसप्पावि भाणियव्वा, भुजपरिसप्पा वि भाणियव्वा, एवं चेव ॥ १४ ॥ तिविहाओ इत्थीओ पण्णत्ताओ तं० तिरिक्खजोणित्थीओ, मणुस्सित्थीओ देवित्थीओ। तिरिक्खजोणित्थीओ तिविहाओ प० तं० जलचरीओ, थलचरीओ, खहचरीओ। मणुस्सित्थीओ तिविहाओ पण्णत्ताओ, तं० कम्मभूमियाओ, अकम्मभूमियाओ, अंतरदीवियाओ॥१५॥ तिविहा पुरिसा प० तं० तिरिक्खजोणियपुरिसा, मणुस्सपुरिसा, देवपुरिसा। तिरिक्खजोणियपुरिसा तिविहा प० तं० जलयरा, थलयरा, खहयरा। मणुस्सपुरिसा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया, अकम्मभूमिया अंतरदीवया॥१६॥ तिविहा णपुंसगा, प० तं० णेरइयणपुंसगा, तिरिक्खजोणियणपुंसगा मणुस्सणपुंसगा। तिरिक्खजोणियणपुंसगा तिविहा—जलयरा थलयरा खहयरा ॥१७॥ मणुस्सणपुंसगा तिविहा प० तं० कम्मभूमिया अकम्मभूमिया अंतरदीवया। तिविहा तिरिक्खजोणिया, इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ १८ ॥ णेरइयाणं तओ लेस्साओ प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा। असुरकुमाराणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा एवं जाव थणियकुमाराणं। एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वि तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वि तओ लेस्सा जहा णेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ संकिलिट्ठाओ प०

तं० कण्हणीलकाउलेस्सा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तओ लेस्साओ असंकिलिट्ठाओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा, एवं मणुस्साणवि। वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं, वेमाणियाणं तओ लेस्साओ प० तं० तेउपम्हसुक्कलेस्सा ॥ १९ ॥ तिहिं ठाणेहिं तारारूवे चलेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा, ठाणाओ वा ठाणं संकममाणे तारारूवे चलेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवे विज्जुयारं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे देवे विज्जुयारं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवे थणियसद्दं करेज्जा तं० विउव्वमाणे वा एवं जहा विज्जुयारं तहेव थणियसद्दंपि ॥ २० ॥ तिहिं ठाणेहिं लोगंधयारे सिया तंजहा–अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे। तिहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। तिहिं ठाणेहिं देवंधयारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे। तिहिं ठाणेहिं देवुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। तिहिं ठाणेहिं देवसण्णिवाए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु। एवं देवुक्कलिया, देवकहकहए। तिहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, एवं सामाणिया, तायत्तीसगा लोगपाला देवा अग्गमहिसीओ देवीओ परिसोववण्णगा देवा, अणियाहिवई देवा, आयरक्खा देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति। तिहिं ठाणेहिं देवा अब्भुट्ठेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव तं चेव, एवमासणाइं चलेज्जा, सीहणायं करेज्जा, चेलुक्खेवं करेज्जा। तिहिं ठाणेहिं देवाणं चेइय रुक्खा चलेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, जाव तं चेव। तिहिं ठाणेहिं लोगंतिया देवा माणुसं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु ॥ २१ ॥ तिण्हं दुप्पडियारं समणाउसो ! तंजहा–अम्मापिउणो भट्टिस्स धम्मायरियस्स, संपाओवि य णं केइ पुरिसे अम्मापियरं सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेत्ता, सुरभिणा गंधट्टएणं उव्वट्टित्ता, तिहिं उदगेहिं मज्जावेत्ता, सव्वालंकारविभूसिय करेत्ता, मणुण्णं थालीपा-

गसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भोयावेत्ता जावज्जीवं पिट्ठिवडिंसियाए परिवहेज्जा, तेणावि तस्स अम्मापिउस्स दुप्पडियारं भवइ। अहेणं से तं अम्मापियरं केवलिपण्णत्ते धम्मे आघवइत्ता पण्णवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ, तेणामेव तस्स अम्मापिउस्स सुप्पडियारं भवइ समणाउसो! केइ महच्चे दरिद्दं समुक्कसेज्जा तएणं से दरिद्दे समुक्किट्ठे समाणे पच्छा पुरं च णं विउलभोगसमिइसमण्णागए यावि विहरेज्जा, तएणं से महच्चे अण्णया कयाइं दरिद्दी हूए समाणे तस्स दरिद्दस्स अंतिए हव्वमागच्छेज्जा, तएणं से दरिद्दे तस्स भट्टिस्स सव्वस्समवि दलयमाणे तेणावि तस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं भट्टिं केवलिपण्णत्ते धम्मे आघवइत्ता पण्णवइत्ता परूवइत्ता ठावइत्ता भवइ, तेणामेव तस्स भट्टिस्स सुप्पडियारं भवइ। केइ तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियंमंगमवि आरियं जिणभासियं धम्मं सुवयणं सोच्चा णिसम्म कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववण्णे, तएणं से देवे तं धम्मायरियं दुब्भिक्खाओ वा देसाओ सुभिक्खं देसं साहरेज्जा, कंताराओ वा णिक्कंतारं करेज्जा, दीहकालिएणं वा रोगायंकेणं अभिभूयं समाणं विमोइज्जा, तेणावि तस्स धम्मायरियस्स दुप्पडियारं भवइ, अहेणं से तं धम्मायरियं केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भट्ठं समाणं भुज्जोवि केवलिपण्णत्ते धम्मे आघवइत्ता जाव ठावइत्ता भवइ तेणामेव तस्स धम्मायरियस्स सुप्पडियारं भवइ॥ २२॥ तिहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अणाइयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइवएज्जा, तंजहा–अणियाणयाए, दिट्ठिसंपण्णयाए, जोगवाहियाए॥ २३॥ तिविहा ओसप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा, एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ जाव दुसमदुसमा, तिविहा उस्सप्पिणी प० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा एवं छप्पिसमाओ भाणियव्वाओ, जाव सुसमसुसमा॥ २४॥ तिहिं ठाणेहिं अच्छिण्णे पोग्गले चलेज्जा तं० आहारिज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, विउव्वमाणे वा पोग्गले चलेज्जा, ठाणाओ ठाणं संकामेज्जमाणे वा पोग्गले चलेज्जा॥ २५॥ तिविहा उवही प० तं० कम्मोवही सरीरोवही बाहिरभंडमत्तोवही, एवं असुरकुमाराणं भाणियव्वं, एवं एगिंदियणेरइयवज्जं जाव वेमाणियाणं। अहवा तिविहा उवही पं० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया। एवं णेरइयाणं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं, तिविहे परिग्गहे प० तं० कम्मपरिग्गहे सरीरपरिग्गहे बाहिरभंडमत्तपरिग्गहे, एवं असुरकुमाराणं, एवं एगिंदियणेरइयवज्जं

जाव वेमाणियाणं, अहवा तिविहे परिग्गहे प० तं० सचित्ते अचित्ते मीसए एवं णेरइयाणं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ २६ ॥ तिविहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे वयपणिहाणे कायपणिहाणे एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, संजयमणुस्साणं तिविहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे वयसुप्पणिहाणे कायसुप्पणिहाणे, तिविहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे वयदुप्पणिहाणे कायदुप्पणिहाणे, एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ २७ ॥ तिविहा जोणी पण्णत्ता तं जहा–सीया उसिणा सीओसिणा। एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं तेउकाइयवज्जाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य। तिविहा जोणी प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया एवमेगिंदियाणं विगलिंदियाणं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य। तिविहा जोणी प० तं० संवुडा, वियडा, संवुडवियडा। तिविहा जोणी प० तं० कुम्मुण्णया संखावत्ता वंसीपत्तिया, कुम्मुण्णयाणं जोणी उत्तमपुरिसमाऊणं, कुम्मुण्णयाएणं जोणीए तिविहा उत्तमपुरिसा गब्भं वक्कमंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। संखावत्ताणं जोणी इत्थीरयणस्स संखावत्ताएणं जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, णो चेव णं णिप्फज्जंति। वंसीपत्तियाणं जोणी पिहज्जणस्स वंसीपत्तियाएणं जोणीए बहवे पिहज्जणे गब्भं वक्कमंति ॥ २८ ॥ तिविहा वणवणस्सइकाइया प० तं० संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया ॥ २९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेवासे तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे, एवं एरवएवि। जंबुदीवे दीवे महाविदेहवासे एगमेगे चक्कवट्टिविजए तओ तित्था प० तं० मागहे वरदामे पभासे, एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि पुक्खरवदीवड्ढपुरत्थिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि ॥ ३० ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमाए समाए तिण्णि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो होत्था। एवं ओसप्पिणीए णवरं प० आगमेस्साए उस्सप्पिणीए भविस्सइ। एवं धायइखंडे पुरत्थिमद्धेवि पच्चत्थिमद्धेवि। एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे पच्चत्थिमद्धेवि कालो भाणियव्वो ॥ ३१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए मणुया तिण्णि गाउआइं उड्ढं उच्चत्तेणं तिण्णिपलिओवमाइं परमाउं पालइत्था। एवं इमीसे ओसप्पिणीए

आगमेस्साए उस्सप्पिणीए। जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया तिण्णि गाउआई उड्ढं उच्चत्तेणं प० तिण्णिपलिओवमाइं परमाउं पालयंति। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ ३२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ वंसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे। एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु एगमेगाए ओसप्पिणीउस्सप्पिणीए तओ उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा तं० अरिहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेववासुदेवा, एवं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे। तओ अहाउयं पालेंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा। तओ मज्झिममाउयं पालयंति तं० अरिहंता चक्कवट्टी बलदेववासुदेवा ॥३३॥ बायरतेउकाइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि राइंदियाइं ठिई प०। बायरवाउकाइयाणं उक्कोसेणं तिण्णिवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता ॥३४॥ अह भंते। सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसिणं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं लंछियाणं मुद्दियाणं पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा !, जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णिसंवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ पविद्धंसइ विद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणी वोच्छेए प० ॥३५॥ दोच्चाए णं सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णिसागरोवमाइं ठिई प०। तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं तिण्णिसागरोवमाइं ठिई प०। पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिण्णिणिरयावाससयसहस्सा प०। तिसु णं पुढवीसु णेरइया उसिणं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० पढमाए दोच्चाए तच्चाए ॥३६॥ तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० अप्पइट्ठाणे णरए जंबुद्दीवे दीवे सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे। तओ लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णं णरए समयक्खेत्ते ईसिपब्भारापुढवी ॥३७॥ तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं प० तं० कालोदे, पुक्खरोदे, सयंभुरमणे, तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा प० तं० लवणे कालोदे सयंभुरमणे ॥३८॥ तओ लोए णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिपच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववज्जंति तं० रायाणो मंडलिया जे य महारंभा कोडुंबी। तओ लोए सुसीला सुव्वया सगुणा सम्मेरा सपच्चक्खाण-

पोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० रायाणो परिचत्तकामभोगा सेणावई पसत्थारो ॥३९॥ बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा तिवण्णा पण्णत्ता तं० किण्हा णीला लोहिया। आणयपाणयारणच्चुएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं तिण्णि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥४०॥ तओ पण्णत्तीओ कालेणं अहिज्जंति त० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती दीवसागरपण्णत्ती ॥ ४१ ॥

तइयं ठाणं बीओ उद्देसो

तिविहे लोगे पण्णत्ते तं० णामलोगे ठवणलोगे दव्वलोगे। तिविहे लोगे प० तं० णाणलोगे दंसणलोगे चरित्तलोगे। तिविहे लोगे प० तं० उड्ढलोगे अहोलोगे तिरियलोगे ॥ ४२ ॥ चमरस्सणं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, अब्भिंतरिया समिया मज्झमिया चंडा बाहिरया जाया। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सामाणियाणं देवाणं तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया जहेव चमरस्स, एवं तायत्तीसगाणवि, लोगपालाणं तुंबा तुडिया पव्वा एवं अग्गमहिसीण वि। बलिस्स वि एवं चेव जाव अग्गमहिसीणं। धरणस्स य सामाणियतायत्तीसगाणं च समिया चंडा जाया, लोगपालाणं अग्गमहिसीणं ईसा तुडिया दढरहा, जहा धरणस्स तहा सेसाणं भवणवासीणं, कालस्सणं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, त० ईसा तुडिया दढरहा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं वि एवं जाव गीयरइ गीयजसाणं चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो तओ परिसाओ, तुंबा तुडिया पव्वा, एवं सामाणियअग्गमहिसीणं, एवं सूरस्स वि, सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ तं० समिया चंडा जाया, एवं जहा चमरस्स जाव अग्गमहिसीणं, एवं जाव अच्चुयस्स लोगपालाणं ॥ ४५ ॥ तओ जामा प० तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, तिहिं जामेहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे, एवं जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा त० पढमे जामे मज्झिमे जामे पच्छिमे जामे। तओ वया प० तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए। तिहिं वएहिं आया केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए तं० पढमे वए मज्झिमे वए पच्छिमे वए, एसो चेव गमो णेयव्वो, जाव केवलणाणंति ॥ ४४ ॥ तिविहा बोही

प० तं० णाणबोही दंसणबोही चरित्तबोही। तिविहा बुद्धा प० तं० णाणबुद्धा दंसणबुद्धा चरित्तबुद्धा, एवं मोहे मूढा ॥ ४५ ॥ तिविहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिबद्धा, परलोगपडिबद्धा, दुहओ पडिबद्धा। तिविहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिबद्धा, मग्गओपडिबद्धा, उभओपडिबद्धा। तिविहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता, बुयावइत्ता। तिविहा पव्वज्जा पण्णत्ता तं० उवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा ॥ ४६ ॥ तओ णियंठा णोसण्णोवउत्ता प० तं० पुलाए णियंठे सिणाए। तओ णियंठा सण्णणोसण्णोवउत्ता प० तं० बउसे पडिसेवणाकुसीले कसायकुसीले ॥ ४७ ॥ तओ सेहभूमीओ पं० तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा, उक्कोसा छम्मासा, मज्झिमा चउमासा, जहण्णा सत्तराइंदिया ॥ ४८ ॥ तओ थेरभूमीओ पण्णत्ताओ तं० जाइथेरे सुयथेरे परियायथेरे। सट्ठिवासजाए समणे णिग्गंथे जाइथेरे, ठाणसमवायधरे णं समणे णिग्गंथे सुयथेरे, वीसवासपरियाए णं समणे णिग्गंथे परियायथेरे ॥ ४९ ॥ तओ पुरिसजाया प० सुमणे दुम्मणे णोसुमणेणोदुम्मणे। तओ पुरिसजाया प० तं० गंताणामेगे सुमणे भवइ गंताणामेगे दुम्मणे भवइ गंताणामेगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ। तओ पुरिसजाया प० तं० जामि एगे सुमणे भवइ, जामि एगे दुम्मणे भवइ, जामि एगे णोसुमणेणोदुम्मणे भवइ, एवं जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया पण्णत्ता तं० अगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जामि एगे सुमणे भवइ (३) तओ पुरिसजाया प० तं० ण जाइस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं आगंताणामेगे सुमणे भवइ (३) एमि एगे सुमणे भवइ, एस्सामि एगे सुमणे भवइ (३) एवं एएणं अभिलावेणं, गंता य अगंता य आगंता खलु तहा अणागंता। चिट्ठित्तमचिट्ठित्ता, णिसिइत्ता चेव णो चेव ॥१॥ हंता य अहंताय छिंदित्ता खलु तहा अछिंदित्ता बूइत्ता अबूइत्ता, भासित्ता चेव णो चेव ॥२॥ दच्चा य अदच्चा य, भुंजित्ता खलु तहा अभुंजित्ता, लंभित्ता अलंभित्ता, पिइत्ता चेव णो चेव ॥३॥ सुइत्ता असुइत्ता, जुज्झित्ता खलु तहा अजुज्झित्ता; जइत्ता अजइत्ता य, पराजिणित्ता चेव णो चेव ॥४॥ सद्दा रूवा गंधा, रसा य फासा तहेव ठाणा य; णिस्सीलस्स गरहिया, पसत्था पुण सीलवंतस्स ॥५॥ एवमेक्केक्के तिण्णितिण्णिउ आलावणा भाणियव्वा। सद्दं सुणेत्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) एवं सुणेमित्ति (३) सुणेस्सामित्ति ३ एवं असुणे-

त्ताणामेगे सुमणे भवइ (३) ण सुणेमि त्ति ३ ण सुणेस्सामित्ति ३ एवं रूवाइं गंधाइं रसाइं फासाइं इक्केक्के छ-छ आलावगा भाणियव्वा, एवं १२७ आलावगा भवंति ॥ ५० ॥ तओ ठाणा णिस्सीलस्स णिव्वयस्स णिग्गुणस्स णिम्मेरस्स णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासस्स गरहिया भवंति तं० अस्सिं लोगे गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तओ ठाणा सुसीलस्स सुव्वयस्स सगुणस्स समेरस्स सपच्चक्खाणपोसहोववासस्स पसत्था भवंति तं० अस्सिं लोगे पसत्थे भवइ उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ ॥ ५१ ॥ तिविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० इत्थी पुरिसा णपुंसगा । तिविहा सव्वजीवा प० तं० सम्मदिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्ममिच्छदिट्ठी य । अहवा तिविहा सव्वजीवा प० तं० पज्जत्तगा अपज्जत्तगा णोपज्जत्तगाणोअपज्जत्तगा । एवं सम्मदिट्ठिपरित्तापज्जत्तगसुहुमसण्णिभविया य ॥ ५२ ॥ तिविहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहीपइट्ठिया पुढवी । तओ दिसाओ प० तं० उड्ढा अहा तिरिया । तिहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तई तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं आगई वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभिगमे । तिहिं दिसाहिं जीवाणं अजीवाभिगमे प० तं० उड्ढाए अहाए तिरियाए, एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । एवं मणुस्साणवि ।।५३।। तिविहा तसा प० तं० तेउकाइया, वाउकाइया, उराला तसा पाणा । तिविहा थावरा प० तं० पुढविकाइया आउकाइया वणस्सइकाइया ।।५४।। तओ अच्छेज्जा प० तं० समए पएसे परमाणू; एवमभेज्जा अडज्झा अगिज्झा अणड्ढा अमज्झा अपएसा । तओ अविभाइमा प० तं० समए पएसे परमाणू ॥ ५८ ॥ अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी—किं भया पाणा समणाउसो ? गोयमाई समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं उवसंकमंति, उवसंकमित्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी णो खलु वयं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं जाणामो वा पासामो वा तं जइणं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं णो गिलायंति परिकहेत्तए तमिच्छामो णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं जाणित्तए । अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे गोयमाई समणे णिग्गंथे आमंतित्ता एवं वयासी, दुक्ख भया पाणा समणाउसो । से णं भंते ! दुक्खे केण कडे ? जीवेण कडे पमाएणं, से णं भंते ! दुक्खे कहं वेइज्जति ?

अप्पमाएणं ॥५६॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति, एवं भासेंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति कहण्णं समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ? तत्थ जासा कडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा कडा णो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा णो कज्जइ णो तं पुच्छंति, तत्थ जासा अकडा कज्जइ णो तं पुच्छंति, से एवं वत्तव्वं सिया ? अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं, जे ते एवमाहंसु मिच्छा, ते एवमाहंसु । अहं पुण एवमाइक्खामि एवं भासामि, एवं पण्णवेमि, एवं परूवेमि, किच्चं दुक्खं फुसं दुक्खं कज्जमाणं कडं दुक्खं कट्टु २ पाणा भूया जीवा सत्ता वेयणं वेयंति त्ति वत्तव्वं सिया ॥ ५७ ॥

तइयं ठाणं तइओ उद्देसो

तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा णो णिंदिज्जा णो गरहेज्जा णो विउट्टेज्जा णो विसोहेज्जा णो अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा णो अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जिज्जा तं० अकरिंसु वाहं करेमि वाहं करिस्सामि वाहं ॥ ५८ ॥ तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अविणए वा मे सिया । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा तं० कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसो वा मे परिहाइस्सइ पूयासक्कारे वा मे परिहाइस्सइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा णिंदेज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तंजहा माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० अमाइस्स णं अस्सिं लोए पसत्थे भवइ, उववाए पसत्थे भवइ आयाई पसत्था भवइ । तिहिं ठाणेहिं मायी मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए ।।५९॥ तओ पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे अत्थधरे तदुभयधरे ॥६०॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा तओ वत्थाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए भंगिए खोमिए । कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा तओ पायाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० लाउयपाए वा दारुपाए वा मट्टियापाए वा । तिहिं ठाणेहिं वत्थं धरेज्जा तं० हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परीसहवत्तियं ॥६१॥ तओ आयरक्खा प० तं० धम्मियाए

पडिचोयणाए पडिचोएत्ता भवइ तुसिणीए वा सिया उट्ठित्ता वा आयाए एगंतमंतम-वक्कमेज्जा ॥ ६२ ॥ णिग्गंथस्स णं गिलायमाणस्स कप्पंति तओ वियडदत्तीओ पडिगाहित्तए तं० उक्कोसा मज्झिमा जहण्णा ।।६३।। तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ, तं० सयं वा दट्ठुं सड्ढस्स वा णिसम्म तच्चं मोसं आउट्टइ चउत्थं णो आउट्टइ ।।६४।। तिविहा अणुण्णा प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए। तिविहा समणुण्णा प० तं० आयरियत्ताए उवज्झायत्ताए गणित्ताए, एवं उवसंपया एवं विजहणा।।६५॥ तिविहे वयणे प० तं० तव्वयणे तदण्णवयणे णो अवयणे। तिविहे अवयणे प० तं० णो तव्वयणे णो तदण्ण-वयणे अवयणे। तिविहे मणे प० तं० तम्मणे तयण्णमणे णो अमणे। तिविहे अमणे णो तंमणे णो तयण्णमणे अमणे ॥ ६६ ॥ तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया तं० तस्सिं च णं देसंसि वा पएसंसि वा णो बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, देवा णागा जक्खा भूया णो सम्म-माराहिता भवंति तत्थ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं अण्णं देसं साहरंति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं वाउकाए विहुणेइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अप्पवुट्ठिकाए सिया। तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया तं० तंसि च णं देसंसि वा पएसंसि वा बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्क-मंति विउक्कमंति, चयंति उववज्जंति, देवा णागा जक्खा भूया सम्ममाराहिता भवंति अण्णत्थ समुट्ठियं उदगपोग्गलं परिणयं वासिउकामं तं देसं साहरंति अब्भवद्दलगं च णं समुट्ठियं परिणयं वासिउकामं णो वाउकाओ विहुणेइ, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं महावुट्ठिकाए सिया ।।६७।। तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणो-ववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइप्पकप्पं पगरेइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे तस्स णं माणुस्सए पेम्मे वोच्छिण्णे दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे तस्स णमेवं भवइ इयण्हिं ण गच्छं मुहुत्तं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा

संजुत्ता भवंति इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तिहि ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुस्सलोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा, उवज्झाएइ वा पवत्तेइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एया रूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए तं गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि। अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ, एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा, तवस्सीइ वा, अइदुक्कर-दुक्करकारगे तं गच्छामि णं भगवंतं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि, पासंतु ता मे इमं एयारूवं दिव्वं देविड्ढिं, दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए॥ ६८॥ तओ ठाणाइं देवे पीहेज्जा तं० माणुस्सगं भवं, आरिए खेत्ते जम्मं, सुकुलपच्चायाइं॥ ६९॥ तिहिं ठाणेहिं देवे परितप्पेज्जा तं० अहो णं मए संते बले संते वीरिए संते पुरिसक्कार-परक्कमे खेमंसि सुभिक्खंसि आयरियउवज्झाएहिं विज्जमाणेहिं कल्लसरीरेणं णो बहुए सुए अहीए अहो णं मए इहलोगपडिबद्धेणं परलोगपरंमुहेणं विसयतिसिएणं णो दीहे सामण्णपरियाए अणुपालिए। अहो णं मए इड्ढिरससायगरुएणं भोगामिस-गिद्धेणं णो विसुद्धे चरित्ते फासिए इच्चेएहिं०॥७०॥ तिहिं ठाणेहिं देवे चइस्सामीत्ति जाणइ, तं० विमाणाभरणाइं णिप्पभाइं पासित्ता, कप्परुक्खगं मिलायमाणं पासित्ता अप्पणो तेयलेस्सं परिहायमाणिं जाणित्ता इच्चेएहिं०। तिहिं ठाणेहिं देवे उव्वेगमागच्छेज्जा तं०—अहो णं मए इमाओ एयारूवाओ दिव्वाओ देविड्ढिओ दिव्वाओ देवजुईओ, दिव्वाओ देवाणुभावाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ चइयव्वं

भविस्सइ । अहो णं मए माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं तप्पढमयाए आहारो आहारेयव्वो भविस्सइ । अहो णं मए कलमलजंबालाए असुईए उव्वेयणियाए भीमाए गब्भवसहीए वसियव्वं भविस्सइ । इच्चेएहिं तिहिं ठाणेहिं० ॥ ७१ ॥ तिसंठिया विमाणा प० तं० वट्टा तंसा चउरंसा । तत्थ णं जे ते वट्टविमाणा ते णं पुक्खरकण्णिया संठाणसंठिया सव्वओ समंता पागारपरिक्खित्ता एगदुवारा प० । तत्थ णं जे ते तंसविमाणा ते सिंघाडगसंठाणसंठिया दुहओ पागारपरिक्खित्ता एगओ वेइया परिक्खित्ता तिदुवारा प० । तत्थ णं जे ते चउरंसविमाणा ते णं अक्खाडगसंठाणसंठिया सव्वओ समंता वेइया परिक्खित्ता चउदुवारा प० । तिपइट्ठिया विमाणा प० तं० घणोदहिपइट्ठिया, घणवायपइट्ठिया, उवासंतरपइट्ठिया । तिविहा विमाणा प० तं० अवट्ठिया वेउव्विया परिजाणिया ॥ ७२ ॥ तिविहा णेरइया प० तं० सम्मादिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं । तओ दुग्गईओ पण्णत्ताओ तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई मणुयदुग्गई । तओ सुगईओ प० तं० सिद्धिसोग्गई देवसोग्गई मणुस्ससोग्गई । तओ दुग्गया प० तं० णेरइयदुग्गया तिरिक्खजोणियदुग्गया, मणुस्सदुग्गया । तओ सुगया प० तं० सिद्धसुगया देवसुगया मणुस्ससुगया ॥ ७३ ॥ चउत्थभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तं० उस्सेइमे संसेइमे चाउलधोवणे । छट्ठभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा—तिलोदए तुसोदए जवोदए । अट्ठमभत्तियस्स णं भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए तंजहा—आयामए सोवीरए सुद्धवियडे ॥ ७४ ॥ तिविहे उवहडे प० तं० फलीओवहडे सुद्धोवहडे संसट्ठोवहडे । तिविहे ओग्गहिए प० तं० जं च ओगिण्हइ जं च साहरइ जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ ७५ ॥ तिविहा ओमोयरिया प० तं० उवगरणोमोयरिया, भत्तपाणोमोयरिया, भावोमोयरिया । उवगरणोमोयरिया तिविहा प० तं० एगे वत्थे, एगे पाए चियत्तोवहिसाइज्जणया ॥७६॥ तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा अहियाए असुहाए अक्खमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० कूअणया, कक्करणया अवज्झाणया । तओ ठाणा णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भवंति, तं० अकूअणया अकक्करणया अणवज्झाणया

॥ ७७ ॥ तओ सल्ला प० तं० मायासल्ले णियाणसल्ले मिच्छादंसणसल्ले ॥ ७८ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संखित्तविउलतेउलेस्से भवइ तं० आयावणयाए खंतिखमाए अपाणगेणं तवोकम्मेणं ॥ ७९ ॥ तिमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पंति तओ दत्तीओ भोअणस्स पडिगाहित्तए तओ पाणगस्स। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेयसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० उम्मायं वा लभेज्जा, दीहकालियं वा रोयायंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा। एगराइयं भिक्खुपडिमं सम्ममणुपालेमाणस्स अणगारस्स तओ ठाणा हियाए सुभाए खमाए णिस्सेस्साए आणुगामियत्ताए भवंति तं० ओहिणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा मणपज्जवणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलणाणे वा से समुप्पज्जेज्जा ॥ ८० ॥ जंबुद्दीवे दीवे तओ कम्मभूमीओ प० तं० भरहे, एरवए, महाविदेहे। एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धे जाव पुक्खर-वर-दीवड्ढ-पच्चत्थिमद्धे ॥ ८१ ॥ तिविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे, मिच्छद्दंसणे, सम्ममिच्छद्दंसणे। तिविहा रुई प० तं० सम्मरुई, मिच्छरुई, सम्ममिच्छरुई। तिविहे पओगे प० तं० सम्मप्पओगे, मिच्छप्पओगे, सम्ममिच्छप्पओगे ॥ ८२ ॥ तिविहे ववसाए, प० तं० धम्मिए ववसाए अहम्मिए ववसाए, धम्मियाधम्मिए ववसाए। अहवा तिविहे ववसाए, प० तं० पच्चक्खे, पच्चइए, आणुगामिए। अहवा तिविहे ववसाए प० तं० इहलोइए, परलोइए, इहलोइयपरलोइए। इहलोइए ववसाए तिविहे प० तं० लोइए वेइए सामइए। लोइए ववसाए तिविहे प० तं० अत्थे धम्मे कामे। वेइए ववसाए तिविहे प० तं० रिउव्वेए जउव्वेए सामवेए। सामइए ववसाए तिविहे प० तं० णाणे दंसणे चरित्ते ॥८३॥ तिविहा अत्थजोणी प० तं० सामे दंडे भेए ॥ ८४ ॥ तिविहा पोग्गला प० तं० पओगपरिणया, मीसापरिणया, वीससापरिणया ॥ ८५ ॥ तिपइट्ठिया णरगा प० तं० पुढवीपइट्ठिया आगासपइट्ठिया आयपइट्ठिया। णेगमसंगहववहाराणं पुढवीपइट्ठिया, उज्जुसुयस्स आगासपइट्ठिया तिण्हं सद्दणयाणं आयपइट्ठिया ॥ ८६ ॥ तिविहे मिच्छत्ते प० तं० अकिरिया अविणए अण्णाणे। अकिरिया तिविहा प० तं० पओगकिरिया, समुदाणकिरिया अण्णाणकिरिया, पओगकिरिया तिविहा प० तं० मणपओगकिरिया वइपओगकिरिया कायपओगकिरिया। समुदाणकिरिया तिविहा

प० तं० अणंतरसमुदाणकिरिया, परंपरसमुदाणकिरिया तदुभयसमुदाणकिरिया। अण्णाणकिरिया तिविहा प० तं० मइअण्णाणकिरिया, सुयअण्णाणकिरिया, विभंगअण्णाणकिरिया। अविणए तिविहे प० तं० देसच्चाई, णिरालंबणया, णाणापेज्जदोसे। अण्णाणे तिविहे प० तं० देसअण्णाणे, सव्वअण्णाणे, भावअण्णाणे ॥ ८७ ॥ तिविहे धम्मे प० तं० सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे। तिविहे उवक्कमे प० तं० धम्मिए उवक्कमे, अहम्मिए उवक्कमे, धम्मियाधम्मिए उवक्कमे। अहवा तिविहे उवक्कमे प० तं० आओवक्कमे, परोवक्कमे, तदुभयोवक्कमे, एवं वेयावच्चे, अणुग्गहे, अणुसिट्ठि, उवालंभे, एवमिक्केक्के तिण्णि २ आलावगा जहेव उवक्कमे ॥८८॥ तिविहा कहा प० तं० अत्थकहा, धम्मकहा, कामकहा। तिविहे विणिच्छए प० तं० अत्थविणिच्छए धम्मविणिच्छए कामविणिच्छए ॥ ८९ ॥ तहारूवं णं भंते! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किं फला पज्जुवासणया? सवणफला, से णं भंते! सवणे किं फले? णाणफले, से णं भंते! णाणे किं फले? विण्णाण फले, एवमेएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा—"सवणे णाणे य विण्णाणे, पच्चक्खाणे य संजमे। अणण्हए तवे चेव, वोदाणे अकिरिय णिव्वाणे (१) जाव से णं भंते! अकिरिया किं फला? णिव्वाणफला, से णं भंते! णिव्वाणे किं फले? सिद्धिगइगमणपज्जवसाणफले पण्णत्ते समणाउसो! ॥ ९० ॥

तइयं ठाणं चउत्थो उद्देसो

पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ उवस्सया पडिलेहित्तए तं०—अहे आगमणगिहंसि वा, अहे वियडगिहंसि वा, अहे रुक्खमूलगिहंसि वा, एवमणुण्णवेत्तए, उवाइणित्तए। पडिमापडिवण्णस्स णं अणगारस्स कप्पंति तओ संथारगा पडिलेहित्तए तं० पुढवीसिला, कट्ठसिला, अहासंथडमेव, एवमणुण्णवित्तए उवाइणित्तए ॥९१॥ तिविहे काले प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए। तिविहे समए प० तं० तीए, पडुप्पण्णे, अणागए, एवं आवलिया, आणापाणू, थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते, जाव वाससयसहस्से पुव्वंगे, पुव्वे, जाव ओसप्पिणी। तिविहे पोग्गलपरियट्टे प० तं० तीए पडुप्पण्णे अणागए ॥ ९२ ॥ तिविहे वयणे प० तं०—एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० इत्थिवयणे, पुंवयणे, णपुंसगवयणे। अहवा तिविहे वयणे प० तं० तीयवयणे, पडुप्पण्णवयणे, अणागयवयणे

॥ ९३॥ तिविहा पण्णवणा प० तं० णाणपण्णवणा, दंसणपण्णवणा, चरित्तपण्णवणा। तिविहे सम्मे प० तं० णाणसम्मे, दंसणसम्मे, चरित्तसम्मे ॥ ९४॥ तिविहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए, उप्पायणोवघाए, एसणोवघाए, एवं विसोही ॥ ९५॥ तिविहा आराहणा प० तं० णाणाराहणा, दंसणाराहणा, चरित्ताराहणा। णाणाराहणा तिविहा प० तं० उक्कोसा, मज्झिमा, जहण्णा, एवं दंसणाराहणावि, चरित्ताराहणावि। तिविहे संकिलेसे प० तं० णाणसंकिलेसे, दंसणसंकिलेसे, चरित्त-संकिलेसे, एवं असंकिलेसे वि एवं अइक्कमे वि, वइक्कमे वि, अइयारे वि, अणायारे वि। तिण्हमइक्कमाणं आलोएज्जा, पडिक्कमेज्जा णिंदेज्जा, गरहिज्जा, जाव पडिवज्जिज्जा, तं० णाणाइक्कमस्स दंसणाइक्कमस्स, चरित्ताइक्कमस्स, एवं वइक्कमाणं, अइयाराणं, अणायाराणं ॥ ९६ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे, पडिक्कमणा-रिहे, तदुभयरिहे ॥ ९७ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हरिवासे देवकुरा। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्व-यस्स उत्तरेणं तओ अकम्मभूमीओ प० तं० उत्तरकुरा, रम्मगवासे, एरण्णवए। जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं तओ वासा प० तं० भरहे, हेमवए, हरि-वासे। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासा प० तं० रम्मगवासे, हेरण्णवए, एरवए। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते, महाहिमवंते, णिसढे। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं तओ वासहरपव्वया प० तं० णीलवंते, रुप्पी, सिहरी। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं तओ महादहा प० तं० पउमद्दहे, महापउमद्दहे, तिगिच्छिद्दहे, तत्थ णं तओ देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० सिरि, हिरी, धिई। एवं उत्तरेण वि, णवरं केसरिद्दहे, महापोंडरीयद्दहे, पोंड-रीयद्दहे, देवयाओ कित्ती, बुद्धी, लच्छी। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंताओ वासहरपव्वयाओ पउमद्दहाओ महादहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० गंगा सिंधू रोहियंसा। जंबूमंदरस्स उत्तरेणं सिहरीओ वासहरपव्वयाओ पोंडरीयद्दहाओ महाद्दहाओ तओ महाणईओ पवहंति तं० सुवण्णकूला रत्ता रत्तवई। जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० गाहावई, दहवई, पंकवई। जंबूमंदरस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंत-रणईओ प० तं० तत्तजला, मत्तजला, उम्मत्तजला। जंबूमंदरस्स पचत्थिमेणं

सीओदाए महाणईए दाहिणेणं तओ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा, सीहसोया, अंतोवाहिणी। जंबूमंदरस्स पचत्थिमेणं सीओदाए महाणईए उत्तरेणं तओ अंतरणईओ प० तं० उम्मिमालिणी, फेणमालिणी, गंभीरमालिणी। एवं धायइखंडे दीवे पुरत्थिमद्धेवि अकम्मभूमीओ आढवेत्ता जाव अंतरणईओत्ति, णिरवसेसं भाणियव्वं जाव पुक्खरवरदीवड्ढपचत्थिमद्धे तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ ९८ ॥ तिहिं ठाणेहिं देसे पुढवीए चलेज्जा तंजहा–अहेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उराला पोग्गला णिवतेज्जा, तएणं ते उराला पोग्गला णिवयमाणा देसं पुढवीए चलेज्जा, महोरए वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उम्मज्जणिमज्जियं करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा, णागसुवण्णाण वा संगामंसि वट्टमाणंसि देसं पुढवीए चलेज्जा, इच्चेएहिं०। तिहिं ठाणेहिं केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा तं० अहेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए गुप्पेज्जा, तएणं से घणवाए गुविए समाणे घणोदहिमेएज्जा, तएणं से घणोदही एइए समाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा, देवे वा महिड्ढिए जाव महेसक्खे तहारूवस्स समणस्स माणस्स वा इड्ढिं जुइं जसं बलं वीरियं पुरिसक्कारपरक्कमं उवदंसेमाणे केवलकप्पं पुढविं चालेज्जा, देवासुरसंगामंसि वा वट्टमाणंसि केवलकप्पा पुढवी चलेज्जा, इच्चेएहिं तिहिं० ॥ ९९ ॥ तिविहा देवा किब्बिसिया प० तं० तिपलिओवमट्ठिईया, तिसागरोवमट्ठिईया, तेरससागरोवमट्ठिईया। कहि णं भंते! तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थणं तिपलिओवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते! तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं, हेट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति। कहि णं भंते! तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति? उप्पिं बंभलोयस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतगे कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिईया देवा किब्बिसिया परिवसंति ॥ १०० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवाणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प०–सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भितरपरिसाए देवीणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प०। ईसाणस्सणं देविंदस्स देवरण्णो बाहिरपरिसाए देवीणं तिण्णिपलिओवमाइं ठिई प० ॥ १०१ ॥ तिविहे पायच्छित्ते प० तं० णाणपाय-

च्छित्ते, दंसणपायच्छित्ते, चरित्तपायच्छित्ते। तओ अणुग्घाइमा प० तं० हत्थ कम्मं करेमाणे, मेहुणं सेवेमाणे, राइभोयणं भुंजमाणे। तओ पारंचिया प० तं० दुट्ठे पारंचिए, पमत्ते पारंचिए, अण्णमण्णं करेमाणे पारंचिए। तओ अणवट्ठप्पा प० तं० साहम्मियाणं तेणं करेमाणे, अण्णधम्मियाणं तेणं करेमाणे, हत्थतालं दलयमाणे। तओ णो कप्पंति पव्वावेत्तए तं० पंडए, वाइए, कीवे, एवं मुंडावेत्तए, सिक्खावेत्तए, उवट्ठावेत्तए, संभुंजित्तए, संवासित्तए ॥ १०२ ॥ तओ अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसियपाहुडे। तओ कप्पंति वाइत्तए तं० विणीए अविगइपडिबद्धे विउसियपाहुडे ॥१०३॥ तओ दुसण्णप्पा प० तं० दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए। तओ सुसण्णप्पा प० तं० अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए ॥१०४॥ तओ मंडलिया पव्वया प० तं० माणुसुत्तरे कुंडलवरे रुयगवरे। तओ महइमहालया प० तं० जंबुद्दीवे दीवे मंदरे मंदरेसु, सयंभुरमणसमुद्दे समुद्देसु, बंभलोए कप्पे कप्पेसु ॥ १०५ ॥ तिविहा कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेदोवट्ठावणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई। अहवा तिविहा कप्पठिई प० तं० णिव्विट्ठकप्पठिई, जिण-कप्पठिई, थेरकप्पट्ठिई॥१०६॥णेरइयाणं तओ सरीरगा प० तं० वेउव्विए, तेयए, कम्मए। असुरकुमाराणं तओ सरीरगा प० एवं चेव एवं सव्वेसिं देवाणं। पुढवी-काइयाणं तओ सरीरगा प० तं० ओरालिए, तेयए, कम्मए। एवं वाउकाइयवज्जाणं जाव चउरिंदियाणं ॥ १०७ ॥ गुरुं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० आयरियपडि-णीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए। गइं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० इह-लोयपडिणीए, परलोयपडिणीए, दुहओलोयपडिणीए। समूहं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए। अणुकंपं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए। भावं पडुच्च तओ पडि-णीया प० तं० णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए। सुयं पडुच्च तओ पडिणीया प० तं० सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए ॥ १०८ ॥ तओ पितियंगा प० तं० अट्ठी, अट्ठिमिंजा, केसमंसुरोमणहे। तओ माउयंगा प० तं० मंसे, सोणिए, मत्थुलिंगे ॥ १०९ ॥ तिहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कया णं अहं अप्पं वा बहुयं वा सुयं अहिज्जिस्सामि ? कया णं अहं एकल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरिस्सामि ? कया णं अहं अपच्छिम-

मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंख-माणे विहरिस्सामि । एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ११० ॥ तिहिं ठाणेहिं समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० कयाणं अहं अप्पं वा बहुयं वा परिग्गहं परिचइस्सामि ? कयाणं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामि ? कयाणं अहं अपच्छिम-मारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंख-माणे विहरिस्सामि ? एवं समणसा सवयसा सकायसा पागडेमाणे समणोवासए महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ॥१११॥तिविहे पोग्गलपडिघाए प० तं० परमाणु-पोग्गले परमाणुपोग्गलं पप्प पडिहण्णिज्जा, लुक्खत्ताए वा पडिहण्णिज्जा, लोगंते वा पडिहण्णिज्जा ॥ ११२ ॥ तिविहे चक्खू प० तं० एगचक्खू, बिचक्खू, तिचक्खू । छउमत्थेणं मणुस्से एगचक्खू, देवे बिचक्खू, तहारूवे समणे वा माहणे वा उप्पण्णणाणदंसणधरे से णं तिचक्खुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ ११३ ॥ तिविहे अभि-समागमे प० तं० उड्ढं अहं तिरियं । जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जइ सेणं तप्पढमयाए उड्ढमभिसमेइ, तओ तिरियं तओ पच्छा अहे, अहोलोगेणं दुरभिगमे प० समणाउसो ॥ ११४ ॥ तिविहा इड्ढी प० तं० देविड्ढी-राइड्ढी-गणिड्ढी । देविड्ढी तिविहा प० तं० विमाणिड्ढी, विगुव्विणिड्ढी, परियारणिड्ढी । अहवा देविड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता मीसिया । राइड्ढी तिविहा प० तं० *रण्णो अइयाणिड्ढी, रण्णो णिज्जाणिड्ढी, रण्णो बलवाहणकोस*-कोट्ठागारिड्ढी । अहवा राइड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता, अचित्ता, मीसिया । गणिड्ढी तिविहा प० तं० णाणिड्ढी, दंसणिड्ढी, चरित्तिड्ढी । अहवा गणिड्ढी तिविहा प० तं० सचित्ता अचित्ता मीसिया ॥ ११५ ॥ तओ गारवा प० तं० इड्ढीगारवे, रसगारवे, सायागारवे । तिविहे करणे प० तं० धम्मिए करणे, अधम्मिए करणे, धम्मिया-धम्मिए करणे ॥ ११६ ॥ तिविहे भगवया धम्मे प० तं० सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए । जया सुअहिज्जियं भवइ, तया सुज्झाइयं भवइ, जया सुज्झाइयं भवइ तया सुतवस्सियं भवइ । से सुअहिज्जिए, सुज्झाइए, सुतवस्सिए सुयक्खाएणं भग-वया धम्मे पण्णत्ते ॥ ११७ ॥ तिविहा वावत्ती प० तं० जाणू, अजाणू, विति-गिच्छा, एवमज्झोववज्जणा परियावज्जणा ॥ ११८ ॥ तिविहे अंते प० तं०

लोगंते, वेयंते, समयंते ॥ ११९ ॥ तओ जिणा प० तं० ओहिणाणजिणे मण-पज्जवणाणजिणे, केवलणाणजिणे । तओ केवली प० तं० ओहिणाणकेवली, मण-पज्जवणाणकेवली, केवलणाणकेवली । तओ अरहा प० तं० ओहिणाणअरहा, मण-पज्जवणाणअरहा, केवलणाणअरहा ॥१२०॥ तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ प० तं० कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा । तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ प० तं० तेऊ-पम्ह-सुक्कलेस्सा । एवं दुग्गइगामिणीओ, सुगइगामिणीओ संकिलिट्ठाओ, असंकिलिट्ठाओ, अमणुण्णाओ, मणुण्णाओ, अविसुद्धाओ, विसुद्धाओ, अप्प-सत्थाओ, पसत्थाओ, सीअलुक्खाओ, णिद्धुण्हाओ ॥ १२१ ॥ तिविहे मरणे प० तं० बालमरणे, पंडियमरणे, बालपंडियमरणे । बालमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, संकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । पंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से, असंकिलिट्ठलेस्से, पज्जवजायलेस्से । बालपंडियमरणे तिविहे प० तं० ठिअलेस्से असंकिलिट्ठलेस्से अपज्जवजायलेस्से ॥ १२२ ॥ तओ ठाणा अव्ववसियस्स अहियाए, असुभाए, अखमाए, अणिस्सेसाए, अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए विति-गिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ, णो पत्तियइ, णो रोएइ, तं परीसहा अभिजुंजिय अभिजुंजिय अभिभवंति, णो से परीसहे अभि-जुंजिय अभिजुंजिय अभिभवइ; से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए पंचहिं महव्वएहिं संकिए जाव कलुससमावण्णे, पंचमहव्वयाइं णो सद्दहइ जाव णो से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए छहिं जीवणिकाएहिं जाव अभिभवइ । तओ ठाणा ववसियस्स हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए जाव णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ से परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे पंचहिं महव्वएहिं णिस्संकिए-णिक्कंखिए जाव, परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा अभिजुंजिय २ अभिभवंति, से णं जाव छहिं जीव-णिकाएहिं णिस्संकिए जाव परीसहे अभिजुंजिय २ अभिभवइ, णो तं परीसहा

अभिभुंजिय २ अभिभवंति ॥ १२३ ॥ एगमेगाणं पुढवी तिहिं वलएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता तंजहा—घणोदहिवलएणं, घणवायवलएणं, तणुवायवलएणं ॥ १२४ ॥ णेरइयाणं उक्कोसेणं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जंति एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं ॥१२५॥ खीणमोहस्सणं अरहओ तओ कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, अंतराइयं ॥ १२६ ॥ अभिईणक्खत्ते तितारे प० एवं सवणे अस्सिणी भरणी मगसिरे पूसे जेट्ठा ॥१२७॥ धम्माओ णं अरहाओ संती अरहा तिहिं सागरोवमेहिं तिचउब्भागं पलिओवमऊणएहिं वीइक्कंतेहिं समुप्पण्णे। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी। मल्लीणं अरहा तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवेत्ता जाव पव्वइए, एवं पासेवि। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तिण्णि सया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसण्णिवाईणं जिण इव अवितहवागरमाणाणं उक्कोसिया चउद्दसपुव्विसंपया हुत्था। तओ तित्थयरा चक्कवट्टी होत्था तं० संती कुंथू अरो॥ १२८ ॥ तओ गेविज्जविमाणपत्थडा प० तं० हिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे; मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे। हिट्ठिमगेविज्जविमाण पत्थडे तिविहे प० तं० हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हिट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे। मज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे तिविहे प० तं० मज्झिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे, मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे। उवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे, तिविहे प० तं० उवरिमहिट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे। उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ १२९ ॥ जीवाणं तिठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तंजहा—इत्थिणिव्वत्तिए, पुरिसणिव्वत्तिए णपुंसगणिव्वत्तिए, एवं चिणउवचिणबंधउदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥ १३० ॥ तिपएसिया खंधा अणंता पण्णत्ता। एवं जाव तिगुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ १३१ ॥ तिट्ठाणं समत्तं ॥

चउत्थं ठाणं पढमो उद्देसो

चत्तारि अंतकिरियाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा अंतकिरिया, अप्पकम्मपच्चायाए यावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिअं पव्व-

इए, संजमबहुले संवरबहुले समाहिबहुले लूहे तीरट्ठी उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्सणं णो तहप्पगारे तवे भवइ, णो तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए दीहेणं परियाएणं सिज्झइ, बुज्झइ मुचइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी पढमा अंतकिरिया। अहावरा दोचा अंतकिरिया, महाकम्मपचायाए यावि भवइ से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, संजमबहुले संवरबहुले·····जाव उवहाणवं दुक्खक्खवे तवस्सी तस्स णं तहप्पगारे तवे भवइ, तहप्पगारा वेयणा भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए णिरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ० जाव अंतं करेइ जहा से गयसूमाले अणगारे, दोचा अंतकिरिया। अहावरा तच्चा अंतकिरिया, महाकम्मपचायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए जहा दोचा, णवरं दीहेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा से सणंकुमारे राया चाउरंतचक्कवट्टी तच्चा अंतकिरिया। अहावरा चउत्था अंतकिरिया, अप्पकम्मपचायाएयावि भवइ, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए संजमबहुले जाव तस्स णं णो तहप्पगारे तवे भवइ णो तहप्पगारा वेयणा भवइ तहप्पगारे पुरिसजाए णिरुद्धेणं परियाएणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, जहा सा मरुदेवा भगवई, चउत्था अंतकिरिया ॥१॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णए, उण्णए णाममेगे पणए, पणए णाममेगे उण्णए, पणए णाममेगे पणए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णए, तहेव जाव पणए णाममेगे पणए। चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णयपरिणए, उण्णए णाममेगे पणयपरिणए, पणए णाममेगे उण्णयपरिणए, पणए णाममेगे पणयपरिणए। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णयपरिणए, चउभंगो। चत्तारि रुक्खा प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णय रूवे, तहेव चउभंगो, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णामं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उण्णए णाममेगे उण्णय मणे, उण्ण० एवं संकप्पे-पण्णे-दिट्ठी-सीलाचारे-ववहारे-परक्कमे-एगे पुरिसजाए पडिवक्खो णत्थि॥२॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू, उज्जूणाममेगे वंके, चउभंगो। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया, प० तं० उज्जूणाममेगे उज्जू ४ एवं जहा उण्णयपणएहिं गमो तहा उज्जुवंकेहिं वि भाणियव्वो, जाव परक्कमे ॥ ३ ॥ पडिमापडिवण्णस्सणं अण-

गारस्स कप्पंति चत्तारि भासाओ भासित्तए तं० जायणी पुच्छणी अणुण्णवणी पुट्ठस्स वागरणी। चत्तारिभासजाया प० तं० सच्चमेगं भासजायं बीयं मोसं तइयं सच्चमोसं चउत्थं असच्चमोसं ॥ ४ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे, सुद्धे णाममेगे असुद्धे, असुद्धे णाममेगे सुद्धे, असुद्धे णाममेगे असुद्धे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धे चउभंगो। एवं परिणयरूवे वत्था सपडिवक्खा ॥ ५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुद्धे णाममेगे सुद्धमणे चउभंगो, एवं संकप्पे जाव परक्कमे ॥६॥ चत्तारि सुया प०तं० अइजाए, अणुजाए, अवजाए, कुलिंगाले ॥ ७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सच्चे णाममेगे सच्चे, सच्चे णाममेगे असच्चे (४) एवं परिणए जाव परक्कमे ॥ ८ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० सुई णाममेगे सुई, सुई णाममेगे असुई, चउभंगो, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुई णाममेगे सुई चउभंगो, एवं जहेव सुद्धेणं वत्थेणं भणियं, तहेव सुइणावि जाव परक्कमे ॥ ९ ॥ चत्तारि कोरवा प० तं० अंबपलंबकोरवे, तालपलंबकोरवे, वल्लिपलंबकोरवे, मिंढविसाणकोरवे, एवामेव चत्तारि पुरिस जाया प० तं० अंबपलंबकोरवसमाणे, तालपलंबकोरवसमाणे, वल्लिपलंबकोरवसमाणे, मिंढविसाणकोरवसमाणे ॥१०॥ चत्तारि घुणा प० तं० तयक्खाए, छल्लिक्खाए, कट्ठक्खाए, सारक्खाए, एवामेव चत्तारि भिक्खायरा प० तं० तयक्खायसमाणे, जाव सारक्खायसमाणे, तयक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स सारक्खायसमाणे तवे प० सारक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स तयक्खायसमाणे तवे पण्णत्ते, छल्लिक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स कट्ठक्खायसमाणे तवे प० कट्ठक्खायसमाणस्स णं भिक्खागस्स छल्लिक्खायसमाणे तवे प० ॥ ११ ॥ चउव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया ॥ १२ ॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेवणं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि समुब्भूयं वेयणं वेयमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयलोगंसि णिरयपालेहिं भुज्जो भुज्जो अहिट्ठिज्जमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। अहुणोववण्णे णेरइए णिरयवेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिण्णंसि इच्छेज्जा० णो चेव णं संचाएइ, हव्वमागच्छि-

त्तए,एवं णिरयाउयंसि कम्मंसि अक्खीणंसि जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे णेरइए जाव णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥१३॥ कप्पंति णिग्गंथीणं चत्तारि संघाडीओ धारित्तए वा परिहरित्तए वा तं० एगं दुहत्थवित्थारं, दोतिहत्थवित्थारा, एगं चउहत्थवित्थारं ॥ १४॥ चत्तारि झाणा प० तं० अट्टे झाणे, रोद्दे झाणे, धम्मे झाणे, सुक्के झाणे। अट्टे झाणे चउव्विहे प० तं० अमणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, मणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ, परिजुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ। अट्टस्सणं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० कंदणया, सोयणया, तिप्पणया परिदेवणया। रोद्दे झाणे चउव्विहे प० तं० हिंसाणुबंधि, मोसाणुबंधि तेणाणुबंधि सारक्खणाणुबंधि। रुद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० ओसण्णदोसे, बहुलदोसे, अण्णाणदोसे आमरणंतदोसे। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० आणाविजए, अवायविजए, विवागविजए, संठाणविजए। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० आणारुई, णिसग्गरुई, सुत्तरुई, ओगाढरुई। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० वायणा, पडिपुच्छणा, परियट्टणा, अणुप्पेहा। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० एगाणुप्पेहा, अणिच्चाणुप्पेहा, असरणाणुप्पेहा, संसाराणुप्पेहा। सुक्केझाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प० तं० पुहुत्तवियक्के-सवियारी, एगत्तवियक्के अवियारी, सुहुमकिरिए अणियट्टी, समुच्छिण्णकिरिए अपडिवाई। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प० तं० अव्वहे असम्मोहे विवेगे विउस्सग्गे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प० तं० खंती मुत्ती मद्दवे अज्जवे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प० तं० अणंतवत्तियाणुप्पेहा, विपरिणामाणुप्पेहा, असुभाणुप्पेहा, अवायाणुप्पेहा ॥१५॥ चउव्विहा देवाणं ठिई प० तं० देवेणाममेगे, देवसिणाए णाममेगे, देवपुरोहिए णाममेगे, देवपज्जलणे णाममेगे ॥१६॥ चउव्विहे संवासे प० तं० देवणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, देवेणाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा, छवीणाममेगे छवीए सद्धिं संवासं गच्छेज्जा ॥१७॥ चत्तारि कसाया प० तं० कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं।

चउप्पइट्ठिए कोहे प० तं० आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अपइट्ठिए, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोभे वेमाणियाणं। चउहिं ठाणेहिं कोधुप्पत्ती सिया तं० खेत्तं पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहे वेमाणियाणं। चउव्विहे कोहे प० तं० अणंताणुबंधिकोहे, अपच्चक्खाणकोहे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, संजलणे कोहे, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। एवं जाव लोहे वेमाणियाणं। चउव्विहे कोहे पण्णत्ते, आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए, उवसंते, अणुवसंते, एवं णेरइयाणं, जाव वेमाणियाणं। एवं जाव लोभे, वेमाणियाणं ॥ १८ ॥ जीवा णं चउहिं ठाणेहिं अट्ठकम्मपगडीओ चिणिंसु तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं, एवं जाव वेमाणियाणं। एवं चिणंति एस दंडओ, एवं चिणिस्संति एस दंडओ, एवमेएणं तिण्णि दंडगा। एवं उवचिणिंसु, उवचिणंति, उवचिणिस्संति, बंधिंसु ३, उदीरिंसु ३ वेदेंसु ३, णिज्जरेंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति, जाव वेमाणियाणं एवमेक्किके पदे तिण्णि २ दंडगा भाणियव्वा, जाव णिज्जरिस्संति ॥१९॥ चत्तारि पडिमाओ प० तं० समाहिपडिमा, उवहाणपडिमा, विवेगपडिमा, विउस्सग्गपडिमा। चत्तारि पडिमाओ प० तं० भद्दा, सुभद्दा, महाभद्दा, सव्वओभद्दा। चत्तारि पडिमाओ प० तं० खुड्डियामोयपडिमा, महल्लियामोयपडिमा, जवमज्झा, वइरमज्झा ॥ २० ॥ चत्तारि अत्थिकाया अजीवकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, पोग्गलत्थिकाए। चत्तारि अत्थिकाया अरूविकाया प० तं० धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए ॥२१॥ चत्तारि फला प० तं० आमेणाममेगे आममहुरे, आमेणाममेगे पक्कमहुरे, पक्केणाममेगे आममहुरे, पक्केणाममेगे पक्कमहुरे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आमेणाममेगे आममहुरफलसमाणे, (४) ॥ २२ ॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० काउज्जुयया, भासुज्जुयया, भावुज्जुयया, अविसंवायणाजोगे। चउव्विहे मोसे प० तं०—कायअणुज्जुयया, भासअणुज्जुयया, भावअणुज्जुयया, विसंवादणाजोगे ॥ २३ ॥ चउव्विहे पणिहाणे प० तं० मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे, उवगरणपणिहाणे। एवं णेरइयाणं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं। चउव्विहे सुप्पणिहाणे प० तं० मणसुप्पणिहाणे जाव उवगरणसुप्पणिहाणे, एवं संजयमणुस्साणवि। चउव्विहे दुप्पणिहाणे प० तं० मणदुप्पणिहाणे जाव उवगरण

दु०, एवं पंचिंदियाणं जाव वेमाणियाणं ॥ २४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आवायभद्दए णाममेगे णो संवासभद्दए, संवासभद्दए णाममेगे णो आवायभद्दए, एगे आवायभद्दएवि संवासभद्दएवि, एगे णो आवायभद्दए णो संवासभद्दए। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं पासइ णो परस्स, परस्स णाममेगे वज्जं पासइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उदीरेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे वज्जं उवसामेइ णो परस्स ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अब्भुट्ठेइ णाममेगे णो अब्भुट्ठावेइ ४ एवं वंदइ णाममेगे णो वंदावेइ ४ एवं सक्कारेइ, सम्माणेइ ४ पूएइ वाएइ पडिपुच्छइ पुच्छइ वागरेइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुत्तधरे णाममेगे णो अत्थधरे, अत्थधरे णाममेगे णो सुत्तधरे, एगे सुत्तधरेवि अत्थधरेवि, एगे णो सुत्तधरे णो अत्थधरे ॥ २५ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चत्तारि लोगपाला प० तं० सोमे जमे वरुणे वेसमणे; एवं बलिस्सवि सोमे जमे वेसमणे वरुणे, धरणस्स कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले, एवं भूयाणंदस्स कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, वेणुदेवस्स चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, वेणुदालिस्स चित्ते विचित्ते विचित्तपक्खे चित्तपक्खे। हरिकंतस्स पभे सुप्पभे पभकंते सुप्पभकंते; हरिस्सहस्स पभे सुप्पभे सुप्पभकंते पभकंते; अग्गिसिहस्स तेऊ तेउसिहे तेउकंते तेउप्पभे, अग्गिमाणवस्स तेऊ तेउसिहे तेउप्पभे तेउकंते, पुण्णस्स रूए रूयंसे रूयकंते रूयप्पभे, विसिट्ठस्स रूए रूयंसे रूयप्पभे रूयकंते। जलकंतस्स जले जलरए जलकंते जलप्पभे। जलप्पहस्स जले जलरए जलप्पहे जलकंते। अमियगइस्स तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई। अमियवाहणस्स तुरियगई खिप्पगई सीहविक्कमगई सीहगई; वेलंबस्स काले महाकाले अंजणे रिट्ठे। पभंजणस्स काले महाकाले रिट्ठे अंजणे। घोसस्स आवत्ते वियावत्ते णंदियावत्ते महाणंदियावत्ते। महाघोसस्स आवत्ते वियावत्ते महाणंदियावत्ते णंदियावत्ते। सक्कस्स सोमे जमे वरुणे वेसमणे। ईसाणस्स सोमे जमे वेसमणे वरुणे, एवं एगंतरिया जाव अच्चुयस्स ॥२६॥ चउव्विहा वाउकुमारा प० तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे। चउव्विहा देवा प० तं० भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया विमाणवासी ॥ २७॥ चउव्विहे पमाणे प० तं० दव्वप्पमाणे खेत्तप्पमाणे कालप्पमाणे भावप्पमाणे ॥ २८॥ चत्तारि दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूया रूयंसा सुरूवा रूयावई। चत्तारि

विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० चित्ता चित्तकणगा सतेरा सोयामणी ॥२९॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो मज्झिमपरिसाए देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो मज्झिमपरिसाए देवीणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३० ॥ चउव्विहे संसारे दव्वसंसारे खेत्तसंसारे कालसंसारे भावसंसारे ॥ ३१ ॥ चउव्विहे दिट्ठिवाए प० तं० परिकम्मं सुत्ताइं पुव्वगए अणुजोगे ॥ ३२ ॥ चउव्विहे पायच्छित्ते, णाणपायच्छित्ते दंसणपायच्छित्ते चरित्तपायच्छित्ते । वियत्तकिच्चपायच्छित्ते चउव्विहे पायच्छित्ते, पडिसेवणापायच्छित्ते संजोयणापायच्छित्ते, आरोवणापायच्छित्ते, पलिउंचणापायच्छित्ते॥३३॥चउव्विहे काले प० तं० पमाणकाले अहाउयणिव्वत्तिकाले मरणकाले अद्धाकाले ॥ ३४ ॥ चउव्विहे पोग्गलपरिणामे,प० तं० वण्णपरिणामे गंधपरिणामे रसपरिणामे फासपरिणामे॥३५॥भरहेरवएसु णं वासेसु पुरिमपच्छिमवज्जा मज्झिमगा बावीसं अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवेंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, एवं मुसावायाओ, अदिण्णादाणाओ, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । सव्वेसु णं महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं ॥ ३६ ॥ चत्तारि दुग्गईओ प० तं० णेरइयदुग्गई, तिरिक्खजोणियदुग्गई,मणुस्सदुग्गई देवदुग्गई । चत्तारि सोग्गईओ प० तं० सिद्धसोग्गई,देवसोग्गई, मणुयसोगई, सुकुलपच्चायाई । चत्तारि दुग्गया प० तं० णेरइयदु० जाव देवदुग्गया । चत्तारि सुगया प० तं० सिद्धसुगया जाव सुकुलपच्चायाया ॥३७॥ पढमसमयजिणस्स णं चत्तारि कम्मंसा खीणा भवंति तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, मोहणिज्जं, अंतराइयं । उप्पण्णणाणदंसणधरेणं अरहा जिणे केवली चत्तारि कम्मंसे वेदेति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं । पढमसमयसिद्धस्स णं चत्तारि कम्मंसा जुगवं खिज्जंति तं० वेयणिज्जं आउयं णामं गोयं ॥ ३८ ॥ चउहिं ठाणेहिं हासुप्पत्ती सिया तं० पासेत्ता भासेत्ता सुणेत्ता संभरेत्ता ॥ ३९ ॥ चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरे पम्हंतरे लोहंतरे पत्थरंतरे, एवामेव इत्थीए वा पुरिसस्स वा, चउव्विहे अंतरे प० तं० कट्ठंतरसमाणे, पम्हंतरसमाणे, लोहंतरसमाणे, पत्थरंतरसमाणे ॥ ४० ॥ चत्तारि भयगा प० तं० दिवसभयए जत्ताभयए उच्चत्तभयए कब्बालभयए ॥ ४१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे

णो पच्छण्णपडिसेवी, पच्छण्णपडिसेवी, णाममेगे णो संपागडपडिसेवी, एगे संपागडपडिसेवीवि पच्छण्णपडिसेवीवि, एगे णो संपागडपडिसेवी णो पच्छण्णपडिसेवी ॥ ४२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, एवं जमस्स वरुणस्स वेसमणस्स। बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो, सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० मित्तगा सुभद्दा विज्जुया असणी, एवं जमस्स वेसमणस्स वरुणस्स। धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णोचत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, एवं जाव संखवालस्स। भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, एवं जाव सेलवालस्स, जहा धरणस्स एवं सव्वेसिं दाहिणिंदलोगपालाणं जाव घोसस्स जहा भूयाणंदस्स एवं जाव महाघोसस्स लोगपालाणं। कालस्स णं पिसाइंदस्स पिसायरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, एवं महाकालस्स वि। सुरूवस्स णं भूइंदस्स भूयरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा, एवं पडिरूवस्स वि, पुण्णभद्दस्स णं जक्खिंदस्स जक्खरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुण्णा बहुपुत्तिया उत्तमा तारगा, एवं माणिभद्दस्स वि। भीमस्स णं रक्खसिंदस्स रक्खसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पउमा वसुमई कणगा रयणप्पभा। एवं महाभीमस्स वि किण्णरस्स णं किण्णरिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० वडिंसा केउमई रइसेणा रइप्पभा, एवं किंपुरिसस्स वि सुपुरिसस्स णं किंपुरिसिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई, एवं महापुरिसस्स वि, अइकायस्स णं महोरगिंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० भुयगा भुयगवई महाकच्छा फुडा, एवं महाकायस्स वि, गीयरइस्स णं गंधव्विंदस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, एवं गीयजसस्स वि, चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा, एवं सूरस्स वि, णवरं सूरप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा। इंगालस्स णं महग्गहस्स चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया। एवं

सव्वेसिं महग्गहाणं जाव भावकेउस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० रोहिणी मयणा चित्ता सोमा, एवं जाव वेसमणस्स। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो चत्तारि अग्गमहिसीओ प० तं० पुढवी राई रयणी विज्जू एवं जाव वरुणस्स॥४३॥ चत्तारिगोरसविगईओ प० तं० खीरं दहिं सप्पिं णवणीयं, चत्तारि सिणेहविगईओ प० तं० तेल्लं घयं वसा णवणीयं, चत्तारि महाविगईओ प० तं० महुं मंसं मज्जं णवणीयं ॥ ४४॥ चत्तारि कूडागारा प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते, गुत्तेणाममेगे अगुत्ते, अगुत्ते णाममेगे गुत्ते, अगुत्ते णाममेगे अगुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गुत्तेणाममेगे गुत्ते ४। चत्तारि कूडागारसालाओ प०तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, गुत्ताणाममेगा अगुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा गुत्तदुवारा, अगुत्ता णाममेगा अगुत्तदुवारा, एवामेव चत्तारित्थीओ प० तं० गुत्ता णाममेगा गुत्तिंदिया, गुत्ता णाममेगा अगुत्तिंदिया ४ ॥४५॥ चउव्विहा ओगाहणा प० तं० दव्वोगाहणा खेत्तोगाहणा कालोगाहणा भावोगाहणा ॥ ४६ ॥ चत्तारि पण्णत्तीओ अंगबाहिरियाओ प० तं० चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्दीवपण्णत्ती, दीवसागरपण्णत्ती ॥ ४७ ॥

चउत्थं ठाणं बीओ उद्देसो

चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० कोहपडिसंलीणे माणपडिसंलीणे मायापडिसंलीणे लोभपडिसंलीणे। चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० कोहअपडिसंलीणे जाव लोभअपडिसंलीणे। चत्तारि पडिसंलीणा प० तं० मणपडिसंलीणे, वइपडिसंलीणे, कायपडिसंलीणे, इंदियपडिसंलीणे। चत्तारि अपडिसंलीणा प० तं० मणअपडिसंलीणे जाव इंदिय० ॥४८॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणे, दीणे णाममेगे अदीणे, अदीणे णाममेगे दीणे, अदीणे णाममेगे अदीणे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरिणए, दीणे णाममेगे अदीणपरिणए, अदीणे णाममेगे दीणपरिणए, अदीणे णाममेगे अदीणपरिणए। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणरूवे ४, एवं दीणमणे दीणसंकप्पे दीणपण्णे दीणदिट्ठी दीणसीलायारे दीणववहारे ४, चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणपरक्कमे, दीणे णाममेगे अदीणपरक्कमे ४, एवं सव्वेसिं चउभंगो भाणियव्वो। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दीणे णाममेगे दीणवित्ती ४, एवं दीणजाई दीणभासी, दीणोभासी। चत्तारि

पुरिसजाया पण्णत्ता तं० दीणे णाममेगे दीणसेवी ४। एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाए ४ एवं दीणे णाममेगे दीणपरियाले ४। सव्वत्थ चउभंगो ॥ ४९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जपरिणए ४ एवं अज्जरूवे ४ अज्जमणे ४ अज्जसंकप्पे ४ अज्ज-पण्णे ४ अज्जदिट्ठी ४ अज्जसीलायारे ४ अज्जववहारे ४ अज्जपरक्कमे ४ अज्ज-वित्ती ४ अज्जजाई ४ अज्जभासी ४ अज्ज ओभासी ४ अज्जसेवी ४ एवं अज्जपरियाए ४ अज्जपरियाले ४ एवं सत्तरस आलावगा, जहा दीणे णं भणिया तहा अज्जेणवि भाणियव्वा। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अज्जे णाममेगे अज्जभावे, अज्जे णाममेगे अणज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अज्जभावे, अणज्जे णाममेगे अणज्जभावे ॥ ५० ॥ चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूवसंपण्णे। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे, कुलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे, एगे जाइसंपण्णेवि, कुलसंपण्णेवि एगे णो जाइसंपण्णे णो कुलसंपण्णे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० जाइ-संपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४ चत्तारि उसभा प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कुलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। चत्तारि उसभा प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४ ॥५१॥ चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया पं० तं० भद्दे मंदे मिए संकिण्णे। चत्तारि हत्थी प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० भद्दे णाममेगे भद्दमणे, भद्दे णाममेगे मंदमणे, भद्दे णाममेगे

मियमणे, भद्दे णाममेगे संकिण्णमणे। चत्तारि हत्थी प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, मंदे णाममेगे मंदमणे, मंदे णाममेगे मियमणे, मंदे णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसज्ञाया प० तं० मंदे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, मिए णाममेगे मंदमणे, मिए णाममेगे मियमणे, मिए णाममेगे संकिण्णमणे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मिए णाममेगे भद्दमणे, तं चेव। चत्तारि हत्थी प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, संकिण्णे णाममेगे मंदमणे, संकिण्णे णाममेगे मियमणे, संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संकिण्णे णाममेगे भद्दमणे, तं चेव जाव संकिण्णे णाममेगे संकिण्णमणे। गाथा—मधुगुलियपिंगलक्खो, अणुपुव्वसुजायदीहणंगूलो; पुरओ उदग्गधीरो, सव्वंगसमाहिओ भद्दो ॥ ५२ ॥ (१) चलबहलविसमचम्मो थूलसिरो थूलएण पेएण; थूलणहदंतवालो, हरिपिंगललोयणो मंदो ॥ ५३ ॥ (२) तणुओ तणुयग्गीवो, तणयतओ तणुयदंतणहवालो; भीरू तत्थुव्विग्गो; तासी य भवे मिए णामं ॥ ५४ ॥ (३) एएसिं हत्थीणं, थोवं थोवं तु जो अणुहरइ हत्थी; रूवेण व सीलेण व, सो संकिण्णो त्ति णायव्वो ॥ ५५ ॥ (४) भद्दो मज्जइ सरए, मंदो उण मज्जए वसंतम्मि; मिउ मज्जइ हेमंते, संकिण्णो सव्वकालम्मि (५)॥५६॥ चत्तारि विकहाओ प० तं० इत्थिकहा भत्तकहा देसकहा रायकहा। इत्थिकहा चउव्विहा प० तं० इत्थीणं जाइकहा, इत्थीणं कुलकहा, इत्थीणं रूवकहा, इत्थीणं णेवत्थकहा। भत्तकहा चउव्विहा प० तं० भत्तस्स आवावकहा, भत्तस्स णिव्वावकहा, भत्तस्स आरंभकहा, भत्तस्स णिट्ठाणकहा। देसकहा चउव्विहा प० तं० देसविहिकहा, देसविकप्पकहा, देसच्छंदकहा, देसणेवत्थकहा। रायकहा चउव्विहा प० तं० रण्णो अइयाणकहा रण्णो णिज्जाणकहा, रण्णो बलवाहणकहा, रण्णो कोसकोट्ठागारकहा ॥५७॥ चउव्विहा धम्मकहा प० तं० अक्खेवणी विक्खेवणी संवेयणी णिव्वेयणी। अक्खेवणी कहा चउव्विहा प० तं० आयारऽक्खेवणी ववहारऽक्खेवणी पण्णत्तिऽक्खेवणी दिट्ठिवायअक्खेवणी। विक्खेवणी कहा चउव्विहा प० तं० ससमयं कहेइ, ससमयं कहेत्ता परसमयं कहेइ, परसमयं कहेत्ता ससमयं ठावइत्ता भवइ, सम्मावायं कहेइ, सम्मावायं कहेत्ता मिच्छावायं कहेइ, मिच्छावायं कहेत्ता सम्मावायं ठावइत्ता भवइ। संवेयणी कहा चउव्विहा प० तं०

इहलोगसंवेयणी परलोगसंवेयणी आयसरीरसंवेगणी परसरीरसंवेयणी। णिव्वेयणी कहा चउव्विहा प० तं० इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, इहलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा इहलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, परलोगे दुच्चिण्णा कम्मा परलोगे दुहफलविवागसंजुत्ता भवंति। इहलोगे सुचिण्णाकम्मा इहलोगे सुहफल-विवागसंजुत्ता भवंति,इहलोगे सुचिण्णा कम्मा परलोगे सुहफलविवागसंजुत्ता भवंति, एवं चउभंगो तहेव ॥ ५८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किसे, किसे णाममेगे दढे, दढे णाममेगे किसे, दढे णाममेगे दढे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किसे णाममेगे किससरीरे, किसे णाममेगे दढसरीरे, दढे णाममेगे किस-सरीरे, दढे णाममेगे दढसरीरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० किससरीरस्स णाम-मेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स, दढसरीरस्स णाममेगस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो किससरीरस्स, एगस्स किससरीरस्स वि णाणदंसणे समुप्पज्जइ दढसरी-रस्स वि, एगस्स णो किससरीस्स णाणदंसणे समुप्पज्जइ णो दढसरीरस्स।।५९।। चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा, णिग्गंथीण वा अस्सिं समयंसि अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउ-कामेवि णो समुप्पज्जेज्जा तं० अभिक्खणं अभिक्खणं इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं कहेत्ता भवइ, विवेगेणं विउसग्गेणं णो सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि णो धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स णो सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गं-थाण वा णिग्गंथीण वा जाव णो समुप्पज्जेज्जा। चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गं-थीण वा अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे समुप्पज्जेज्जा तं० इत्थिकहं भत्तकहं देसकहं रायकहं णो कहेत्ता भवइ, विवेगेण विउसग्गेणं सम्ममप्पाणं भावेत्ता भवइ, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरित्ता भवइ, फासुयस्स एसणिज्जस्स उंछस्स सामुदाणियस्स सम्मं गवेसइत्ता भवइ, इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा जाव समुप्पज्जेज्जा ।।६०।। णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं महापाडिवएहिं सज्झायं करेत्तए तं० आसाढपाडिवए इंदमहपाडिवए कत्तियपाडि-वए सुगिम्हपाडिवए। णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा चउहिं संझाहिं सज्झायं करेत्तए तं० पढमाए पच्छिमाए मज्झण्हे अड्ढरत्ते। कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गं-

थीण वा चाउक्कालं सज्झायं करेत्तए तं० पुव्वण्हे अवरण्हे पओसे पच्चूसे ॥६१॥ चउव्विहा लोगट्ठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए, वायपइट्ठिए उदही, उदहिपइट्ठिया पुढवी, पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ॥ ६२ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तहे णाममेगे णोतहे णाममेगे सोवत्थी णाममेगे पहाणे णाममेगे ॥ ६३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतकरे णाममेगे णो परंतकरे, परंतकरे णाममेगे णो आयंतकरे, एगे आयंतकरेवि परंतकरेवि, एगे णो आयंतकरे णो परंतकरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंतमे णाममेगे णो परंतमे परंतमे णाममेगे णो आयंतमे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंदमे णाममेगे णो परंदमे, परंदमे णाममेगे णो आयंदमे, एगे आयंदमेवि परंदमेवि, एगे णो आयंदमे णो परंदमे ॥ ६४ ॥ चउव्विहा गरहा प० तं० उवसंपज्जामित्ति एगा गरहा, वितिगिच्छामिति एगा गरहा, जं किंचिमिच्छामित्ति एगा गरहा, एवंपि पण्णत्ते एगा गरहा ॥ ६५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे अलमंथू भवइ णो परस्स, परस्स णाममेगे अलमंथू भवइ णो अप्पणो, एगे अप्पणोवि अलमंथू भवइ परस्सवि, एगे णो अप्पणो अलमंथू भवइ णो परस्स ॥ ६६ ॥ चत्तारि मग्गा प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू, उज्जू णाममेगे वंके, वंके णाममेगे उज्जू, वंके णाममेगे वंके। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उज्जू णाममेगे उज्जू ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमे, खेमे णाममेगे अखेमे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमे ४। चत्तारि मग्गा प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे, खेमे णाममेगे अखेमरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० खेमे णाममेगे खेमरूवे ४ ॥६७॥ चत्तारि संवुक्का प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते, वामे णाममेगे दाहिणावत्ते, दाहिणे णाममेगे वामावत्ते, दाहिणे णाममेगे दाहिणावत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४। चत्तारि धूमसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि अग्गिसिहाओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वायमंडलिया, प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। एवामेव चत्तारित्थिओ प० तं० वामा णाममेगा वामावत्ता ४। चत्तारि वणखंडा प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते

४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वामे णाममेगे वामावत्ते ४ ॥ ६८ ॥ चउहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं आलवमाणे वा संलवमाणे वा णाइक्कमइ, तं० पंथं पुच्छमाणे वा पंथं देसमाणे वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दलयमाणे वा, दलावेमाणे वा ॥ ६९ ॥ तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० तमेइ वा, तमुक्काएइ वा, अंधयारेइ वा, महंधयारेइ वा। तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० लोगंधयारेइ वा, लोगतमसेइ वा, देवंधयारेइ वा, देवतमसेइ वा। तमुक्कायस्स णं चत्तारि णामधेज्जा प० तं० वायफलिहेइ वा, वायफलिहखोभेइ वा, देवरण्णेइ वा, देववूहेइ वा। तमुक्काए णं चत्तारि कप्पे आवरित्ता चिट्ठइ तं० सोहम्मीसाणं सणंकुमारमाहिंदं ॥ ७० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० संपागडपडिसेवी णाममेगे, पच्छण्णपडिसेवी णाममेगे, पडुप्पण्णणंदी णाममेगे, णिस्सरणणंदी णाममेगे ॥ ७१ ॥ चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा णो पराजिणित्ता, पराजिणित्ता णाममेगा णो जइत्ता, एगा जइत्ता वि पराजिणित्तावि, एगा णो जइत्ता णो पराजिणित्ता। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे णो पराजिणित्ता ४। चत्तारि सेणाओ प० तं० जइत्ता णाममेगा जयइ, जइत्ता णाममेगा पराजिणइ पराजिणित्ता णाममेगा जयइ, पराजिणित्ता णाममेगा पराजिणइ, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जइत्ता णाममेगे जयइ ॥ ७२ ॥ चत्तारि केयणा प० तं० वंसीमूलकेयणए, मेंढविसाणकेयणए, गोमुत्तिकेयणए, अवलेहणियकेयणए। एवामेव चउव्विहा माया प० तं० वंसीमूलकेयणासमाणा जाव अवलेहणियाकेयणासमाणा, वंसीमूलकेयणासमाणं मायं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, मेंढविसाणकेयणासमाणं मायमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ गोमुत्तिअं जाव कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, अवलेहिणिया जाव देवेसु उववज्जइ ॥ ७३ ॥ चत्तारि थंभा प० तं० सेलथंभे अट्ठिथंभे दारुथंभे, तिणिसलयाथंभे; एवामेव चउव्विहे माणे प० तं० सेलथंभसमाणे जाव तिणिसलयाथंभसमाणे। सेलथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव तिणिसलयाथंभसमाणं माणं अणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ७४ ॥ चत्तारि वत्था प० तं० किमिरागरत्ते कद्दमरागरत्ते खंजणरागरत्ते हलिद्दरागरत्ते, एवामेव चउव्विहे लोभे प० तं० किमिरागरत्तवत्थ-

समाणे कद्दमरागरत्तवत्थसमाणे खंजणरागरत्तवत्थसमाणे हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणे, किमिरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, तहेव जाव हलिद्दरागरत्तवत्थसमाणं लोभमणुप्पविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ ॥ ७५ ॥ चउव्विहे संसारे प० तं० णेरइयसंसारे जाव देवसंसारे। चउव्विहे आउए प० तं० णेरइयआउए जाव देवाउए। चउव्विहे भवे प० तं० णेरइयभवे जाव देवभवे ॥ ७६ ॥ चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे। चउव्विहे आहारे प० तं० उवक्खरसंपण्णे, उवक्खडसंपण्णे, सभावसंपण्णे, परिजुसियसंपण्णे ॥ ७७ ॥ चउव्विहे बंधे प० तं० पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे। चउव्विहे उवक्कमे प० तं० बंधणोवक्कमे उदीरणोवक्कमे उवसमणोवक्कमे विप्परिणामणोवक्कमे। बंधणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइबंधणोवक्कमे ठिइबंधणोवक्कमे अणुभावबंधणोवक्कमे पएसबंधणोवक्कमे। उदीरणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउदीरणोवक्कमे ठिइउदीरणोवक्कमे अणुभावउदीरणोवक्कमे पएसउदीरणोवक्कमे। उवसामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइउवसामणोवक्कमे ठिइ-अणुभाव-पएसउवसामणोवक्कमे। विप्परिणामणोवक्कमे चउव्विहे प० तं० पगइठिइअणुभावपएसविप्परिणामणोवक्कमे। चउव्विहे अप्पाबहुए प० तं० पगइअप्पाबहुए ठिइअणुभावपएसअप्पाबहुए। चउव्विहे संकमे, पगइसंकमे ठिइअणुभावपएससंकमे। चउव्विहे णिधत्ते प० तं० पगइणिधत्ते, ठिइअणुभावपएसणिधत्ते। चउव्विहे णिगाइए प० तं० पगइणिगाइए, ठिइणिगाइए, अणुभावणिगाइए, पएसणिगाइए ॥ ७८ ॥ चत्तारि एक्का प० तं० दविए एक्कए माउयएक्कए पज्जयएक्कए संगहएक्कए। चत्तारि कई प० तं० दवियकई माउयकई पज्जवकई संगहकई। चत्तारि सव्वा प० तं० णामसव्वए ठवणसव्वए आएससव्वए णिरवसेससव्वए ॥ ७९ ॥ माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं चत्तारि कूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए सव्वरयणे रयणसंचए ॥ ८० ॥ जंबुद्दीवे २ भरहेरवएसु वासेसु तीयाए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबुद्दीवे २ भरहेरवए इमीसे ओसप्पिणीए दुसमसुसमाए समाए जहण्णपए णं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो हुत्था। जंबुद्दीवे दीवे जाव आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो भविस्सइ। जंबुद्दीवे दीवे

देवकुरुउत्तरकुरुवज्जाओ चत्तारि अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एरण्णवए हरि-वासे रम्मगवासे, चत्तारि वट्टवेयड्ढपव्वया प० तं० सद्दावई वियडावई गंधावई मालवंतपरियाए। तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिईया परि-वसंति तं० साई पभासे अरुणे पउमे। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहेवासे चउव्विहे प० तं० पुव्वविदेहे, अवरविदेहे, देवकुरा, उत्तरकुरा। सव्वेवि णं णिसढणीलवंतवास-हरपव्वया चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले। जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरकूले चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० चंद-पव्वए सूरपव्वए देवपव्वए णागपव्वए। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स चउसु विदिसासु चत्तारि वक्खारपव्वया प० तं० सोमणसे विज्जुप्पभे गंधमायणे माल-वंते। जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे जहण्णपए चत्तारि अरिहंता, चत्तारि चक्कवट्टी, चत्तारि बलदेवा, चत्तारि वासुदेवा, उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा। जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए चत्तारि वणा प० तं० भद्दसालवणे, णंदणवणे, सोमणसवणे, पंडगवणे। जंबूमंदरपव्वयपंडगवणे चत्तारि अभिसेगसिलाओ प० तं० पंडुकंबलसिला, अइपंडुकंबलसिला, रत्तकंबलसिला, अइरत्तकंबलसिला। मंदरचूलि-या णं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं पण्णत्ता। एवं धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धेवि कालं आइं करित्ता जाव मंदरचूलियत्ति। एवं जाव पुक्खरवरदीवपच्चत्थिमद्धे जाव मंदरचूलियत्ति, जंबूद्दीवगआवस्सगं तु कालाओ चूलिया जाव धायइसंडे पुक्खर-वरे य पुव्वावरे पासे। जंबूद्दीवस्स णं दीवस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए, ते णं दारा चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं प०, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिईया परिवसंति तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए॥ ८१॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयण-

सयाई ओगाहेत्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे आभासियदीवे वेसाणियदीवे णंगोलियदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति, एगरूया आभासिया वेसाणिया णंगोलिया। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० हयकण्णदीवे, गयकण्णदीवे गोकण्णदीवे सक्कुलिकण्णदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० हयकण्णा गयकण्णा गोकण्णा सक्कुलिकण्णा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं पंच पंच जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आयंसमुहदीवे मेंढमुहदीवे अओमुहदीवे गोमुहदीवे। तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा भाणियव्वा तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं छ छ जोयणसयाइं ओगाहेत्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसमुहदीवे हत्थिमुहदीवे सीहमुहदीवे वग्घमुहदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसिं णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं सत्त सत्त जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० आसकण्णदीवे हत्थिकण्णदीवे अकण्णदीवे कण्णपाउरणदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं अट्ठट्ठ जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० उक्कामुहदीवे मेहमुहदीवे विज्जुमुहदीवे विज्जुदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु मणुस्सा भाणियव्वा। तेसि णं दीवाणं चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं णव णव जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० घणदंतदीवे लट्ठदंतदीवे गूढदंतदीवे सुद्धदंतदीवे, तेसु णं दीवेसु चउव्विहा मणुस्सा परिवसंति तं० घणदंता लट्ठदंता गूढदंता सुद्धदंता। जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थणं चत्तारि अंतरदीवा प० तं० एगरूयदीवे सेसं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव सुद्धदंता ॥ ८२ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइजोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं महइमहालया महालिंजरसंठाणसंठिया चत्तारि महापायाला प० वलयामुहे केउए जूवए ईसरे, तत्थणं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव तं० पलिओवमट्ठिईया परिवसंति तं० काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥८३॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं आगा-

हित्ता एत्थणं चउण्हं वेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० गोथूभे उदय-भासे संखे दगसीमे, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिव-संति तं० गोथूमे सिवए संखे मणोसिलए। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयं-ताओ चउसु विदिसासु लवणसमुद्दं बायालीसं २ जोयणसहस्साइं ओगाहेत्ता एत्थणं चउण्हं अणुवेलंधरणागराईणं चत्तारि आवासपव्वया प० तं० कक्कोडए विज्जुप्पभे केलासे अरुणप्पभे। तत्थ णं चत्तारि महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिव-संति तं० कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥८४॥ लवणे णं समुद्दे चत्तारि चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, चत्तारि सूरिया तविंसु वा तवंति वा तवि-स्संति वा, चत्तारि कत्तियाओ जाव चत्तारि भरणीओ, चत्तारि अग्गी जाव चत्तारि जमा, चत्तारि अंगारया जाव चत्तारि भावकेऊ ॥ ८५ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स चत्तारि दारा प० तं० विजए वेजयंते जयंते अपराजिए। ते णं दारा णं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं पण्णत्ता, तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमठिईया परिवसंति विजए जाव अपराजिए ॥८६॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥८७॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बहिया चत्तारि भरहाइं चत्तारि एरवयाइं, एवं जहा सद्दुद्देसए तहेव णिरव-सेसं भाणियव्वं, जाव चत्तारि मंदरा चत्तारि मंदरचूलियाओ ॥ ८८ ॥ णंदीस-रवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउद्दिसिं चत्तारि अंजणगपव्वया प० तं० पुरत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए, पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए, ते णं अंजणगपव्वया चउरासीइजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयण-सहस्साइं विक्खंभेणं तदणंतरं च णं मायाए मायाए परिहाएमाणा परिहाएमाणा उवरिमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं प०, मूले इक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरिं तिण्णि २ जोयणसहस्साइं एगं च छावट्ठं जोयणसयं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वअंजणमया अच्छा जाव पडिरूवा। तेसि णं अंजणगपव्वयाणं उवरिं बहु-समरमणिज्जभूमिभागा प० तेसि णं बहुसमरमणिज्जभूमिभागाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि सिद्धायणा पण्णत्ता, ते णं सिद्धायणा एगं जोयणसयं आयामेणं

पण्णत्ता पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं बावत्तरि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, तेसिं सिद्धायय-णाणं चउदिसिं चैत्तारि दारा प० तं०—देवदारे असुरदारे णागदारे सुवण्णदारे, तेसुणं दारेसु चउव्विहा देवा परिवसंति तं० देवा असुरा णागा सुवण्णा, तेसिणं दाराणं पुरओ चत्तारि मुहमंडवा पं०, तेसिणं मुहमंडवाणं पुरओ चत्तारि पेच्छा-घरमंडवा प०, तेसिणं पेच्छाघरमंडवाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि वइरामया अक्खाडगा प०, तेसि णं वइरामयाणं अक्खाडगाणं बहुमज्झदेसभागे चत्तारि मणि-पेढियाओ प०, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि सीहासणा पण्णत्ता, तेसि णं सीहासणाणं उवरिं चत्तारि विजयदूसा पण्णता, तेसि णं विजयदूसगाणं बहु-मज्झदेसभागे चत्तारि वइरामया अंकुसा प० तेसु णं वइरामएसु अंकुसेसु चत्तारि कुंभिका मुत्तादामा प० ते णं कुंभिका मुत्तादामा पत्तेयं २ अण्णेहिं तदद्धउच्चत्त-पमाणमित्तेहिं चउहिं अद्धकुंभिकेहिं मुत्तादामेहिं, सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं पुरओ चत्तारि मणिपेढियाओ पण्णत्ताओ, तासि णं मणि-पेढियाणं उवरिं चत्तारि २ चेइयथूभा पण्णत्ता, तासि णं चेइयथूभाणं पत्तेयं २ चउद्दिसिं चत्तारि मणिपेढियाओ प० तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि जिण-पडिमाओ सव्वरयणामईओ संपलियंकणिसण्णाओ थूभाभिमुहाओ चिट्ठंति तं० रिसभा वद्धमाणा चंदाणणा वारिसेणा, तेसि णं चेइयथूभा णं पुरओ चत्तारि मणि-पेढियाओ प० तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि चेइयरुक्खा प०, तेसि णं चेइयरुक्खा णं पुरओ चत्तारि मणिपेढियाओ प०, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि महिंदज्झया प०, तेसि णं महिंदज्झयाणं पुरओ चत्तारि २ णंदाओ पुक्ख-रणीओ प० तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउदिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं दाहिणओ होइ सत्तवण्णवणं; अवरेण चंपगवणं, चूयवणं उत्तरे पासे (१) तत्थ णं जे से पुरत्थि-मिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदुत्तरा णंदा आणंदा णंदिवद्धणा, ताओ णंदाओ पुक्खरिणीओ एगं जोयणसय-सहस्सं आयामेणं पण्णासं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं, तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा प० तेसिणं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ चत्तारि तोरणा प० तं० पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं

उत्तरेणं, तासिणं पुक्खरणीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि वणखंडा प० तं० पुरओ दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, पुव्वेणं असोगवणं जाव चूयवणं उत्तरे पासे। तासिणं पुक्खरणीणं बहुमज्झदेसभाए चत्तारि दहिमुहगपव्वया प०, ते णं दहिमुहगपव्वया चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्समुव्वेहेणं, सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसेजोयणसए परिक्खेवेणं सव्वरयणामाया अच्छा जाव पडिरूवा। तेसि णं दहिमुहगपव्वयाणं उवरिं बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा पण्णत्ता, सेसं जहेव अंजणगपव्वयाणं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव चूयवणं उत्तरेपासे। तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले अंजणगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० भद्दा विसाला कुमुया पोंडरीगिणी। ताओ णंदाओ पुक्खरणीओ एगं जोयणसयसहस्सं सेसं तं चेव जाव दहिमुहगपव्वया जाव वणखंडा। तत्थणं जे से पच्चत्थिमिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदिसेणा अमोहा गोथूमा सुदंसणा, सेसं तं चेव, तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव सिद्धायणा जाव वणखंडा। तत्थणं जे से उत्तरिल्ले अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारि णंदाओ पुक्खरणीओ प० तं० विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, ताओ णं पुक्खरिणीओ एगं जोयण सयसहस्सं तं चेव पमाणं तहेव दहिमुहगपव्वया, तहेव सिद्धायणा जाव वणखंडा। णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्कवालविक्खंभस्स बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रइकरगपव्वया प० तं० उत्तरपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए, ते णं रइकरगपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं, सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया, दसजोयणसहस्साइं विक्खंभेणं, एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं जे से उत्तरपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ पण्णत्ताओ तं० णंदुत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा। कण्हाए कण्हराईए रामाए रामरक्खियाए। तत्थ णं जे से दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि राय-

हाणीओ प० तं० समणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा, पउमाए सिवाए सईए अंजूए। तत्थणं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिं सक्कस्स-देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० भूया भूयवडिंसा गोथूभा सुदंसणा, अमलाए अच्छराए णवमियाए रोहिणीए। तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्सणं चउद्दिसिमीसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं० रयणा रयणुच्चया सव्वरयणा रयणसंचया। वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंधराए॥ ८९॥ चउव्विहे सच्चे प० तं० णामसच्चे ठवणसच्चे दव्वसच्चे भावसच्चे॥९०॥ आजीवियाणं चउव्विहे तवे प० तं० उग्गतवे घोरतवे रसणिज्जूहणया जिब्भिंदियपडिसंलीणया॥ ९१॥ चउव्विहे संजमे प० तं० मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे उवगरणसंजमे। चउव्विहे चियाए प० तं० मणचियाए वइचियाए कायचियाए उवगरणचियाए। चउव्विहा अकिंचणया प० तं० मणअकिंचणया वइअकिंचणया कायअकिंचणया उवगरणअकिंचणया॥ ९२॥

चउत्थं ठाणं तइओ उद्देसो

चत्तारि राईओ प० तं० पव्वयराई पुढविराई वालुयराई उदगराई। एवामेव चउव्विहे कोहे प० तं० पव्वयराइसमाणे पुढविराइसमाणे वालुयराइसमाणे उदगराइसमाणे। पव्वयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, पुढविराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, वालुयराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ मणुस्सेसु उववज्जइ, उदगराइसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ। चत्तारि उदगा प० तं० कद्दमोदए खंजणोदए वालुओदए सेलोदए, एवामेव चउव्विहे भावे प० तं० कद्दमोदगसमाणे खंजणोदगसमाणे वालुओदगसमाणे सेलोदगसमाणे। कद्दमोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ एवं जाव सेलोदगसमाणं भावमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ देवेसु उववज्जइ॥९३॥ चत्तारि पक्खी प० तं० रुयसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे, रूवसंपण्णे णाममेगे णो रुयसंपण्णे, एगे रुयसंपण्णे वि रूवसंपण्णे वि, एगे णो रुयसंपण्णे णो रूवसंपण्णे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रुयसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४॥९४॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, पत्तियं करेमित्ति एगे अप्पत्तियं करेइ, अप्पत्तियं करेमित्ति एगे पत्तियं करेइ, अप्पत्तियं करेमित्ति एगे अप्पत्तियं करेइ। चत्तारि पुरिसजाया प०

तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं करेइ णो परस्स, परस्स णाममेगे पत्तियं करेइ णो अप्पणो ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, पत्तियं पवेसामित्ति एगे अप्पत्तियं पवेसेइ, अप्पत्तियं पवेसामित्ति एगे पत्तियं पवेसेइ, अप्पत्तियं पवेसामित्ति एगे अप्पत्तियं पवेसेइ। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अप्पणो णाममेगे पत्तियं पवेसेइ णो परस्स ४॥ ९५॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० पत्तोवए पुप्फोवए फलोवए छायोवए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पत्तो वा रुक्खसमाणे पुप्फो वा रुक्खसमाणे फलो वा रुक्खसमाणे छायो वा रुक्खसमाणे ॥९६॥ भारं णं वहमाणस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ णं अंसाओ अंसं साहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे पण्णत्ते, जत्थ वि य णं उच्चारं वा पासवणं वा परिठावेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं आवकहाए चिट्ठइ जाव आसासे प०। एवामेव समणोवासगस्स चत्तारि आसासा प० तं० जत्थ वि य णं सीलव्वयगुणव्वयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासाइं पडिवज्जइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं सामाइयं देसावगासियं सम्ममणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेइ तत्थ वि य से एगे आसासे प०, जत्थ वि य णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाजूसणाजूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालमणवकंखमाणे विहरइ तत्थ वि य से एगे आसासे प० ॥ ९७॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उदिओदिए णाममेगे, उदियत्थमिए णाममेगे, अत्थमिओदिए णाममेगे, अत्थमियत्थमिए णाममेगे। भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी णं उदिओदिए, बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी उदियत्थमिए, हरिएसबलेणमणगारे अत्थमिओदिए, काले णं सोयरिए अत्थमियत्थमिए ॥९८॥ चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुम्मे तेयोए दावरजुम्मे कलिओए। णेरइयाणं चत्तारि जुंमा प० तं० कडजुंमे जाव कलिओए, एवमसुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, एवं पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइ बेंदियाणं तेंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं वाणमंतरजोइसियाणं वेमाणियाणं सव्वेसिं जहा णेरइयाणं ॥ ९९॥ चत्तारि सूरा प० तं० खंतिसूरे तवसूरे दाणसूरे जुद्धसूरे,

खंतिसूरा अरिहंता तवसूरा अणगारा; दाणसूरे वेसमणे जुद्धसूरे वासुदेवे ॥१००॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उच्चे णाममेगे उच्चच्छंदे उच्चे णाममेगे णीयच्छंदे णीए णाममेगे उच्चच्छंदे णीए णाममेगे णीयच्छंदे ॥ १०१ ॥ असुरकुमाराणं चत्तारि लेस्सा प० तं० कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा, एवं जाव थणियकुमाराणं एवं पुढविकाइयाणं आउवणस्सइकाइयाणं वाणमंतराणं सव्वेसिं जहा असुरकुमाराणं ॥ १०२ ॥ चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते जुत्ते णाममेगे अजुत्ते अजुत्ते णाममेगे जुत्ते अजुत्ते णाममेगे अजुत्ते, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए, जुत्ते णाममेगे अजुत्तपरिणए ४, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तपरिणए ४ । चत्तारि जाणा प० तं जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे जुत्ते णाममेगे अजुत्तरूवे ४, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तरूवे ४ । चत्तारि जाणा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्तसोभे ४ । चत्तारि जुग्गा प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४, एवं जहा जाणेण चत्तारि आलावगा तहा जुग्गेणवि पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया जाव सोभेत्ति । चत्तारि सारही प० तं० जोयावइत्ता णाममेगे णो विजोयावइत्ता, विजोयावइत्ता णाममेगे णो जोयावइत्ता, एगे जोयावइत्तावि विजोयावइत्तावि, एगे णो जोयावइत्ता णो विजोयावइत्ता, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ । चत्तारि हया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवं जुत्तपरिणए जुत्तरूवे जुत्तसोभे सव्वेसिं पडिवक्खो पुरिसजाया । चत्तारि गया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४ । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जुत्ते णाममेगे जुत्ते ४, एवं जहा हयाणं तहा गयाणवि भाणियव्वं पडिवक्खो तहेव पुरिसजाया । चत्तारि जुग्गारिया प० तं० पंथजाई णाममेगे णो उप्पहजाई उप्पहजाई णाममेगे णो पंथजाई एगे पंथजाई वि उप्पहजाई वि एगे णो पंथजाई णो उप्पहजाई । एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ ॥ १०३ ॥ चत्तारि पुप्फा प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो गंधसंपण्णे गंधसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे एगे रूवसंपण्णेवि गंधसंपण्णेवि एगे णो रूवसंपण्णे णो गंधसंपण्णे । एवामेव

चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो सीलसंपण्णे ४ ॥१०४॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे, कुलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे बलसंपण्णे णाममेगे णो जाइसंपण्णे ४, एवं जाईए रूवेण य चत्तारि आलावगा, एवं जाईए सुएण य ४, एवं जाईए सीलेण ४ एवं जाईए चरित्तेण ४। एवं कुलेण बलेण ४, कुलेण रूवेण ४, कुलेण सुएण ४, कुलेण सीलेण ४, कुलेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बलसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४, एवं बलेण सुएण ४, एवं बलेण सीलेण ४, एवं बलेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो सुयसंपण्णे ४, एवं रूवेण सीलेण ४, रूवेण चरित्तेण ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सुयसंपण्णे णाममेगे णो सील-संपण्णे ४, एवं सुएण चरित्तेण य ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीलसंपण्णे णाममेगे णो चरित्तसंपण्णे ४। एए इक्कवीसं भंगा भाणियव्वा ॥१०५॥ चत्तारि फला प० तं० आमलगमहुरे मुद्दियामहुरे खीरमहुरे खंडमहुरे, एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० आमलगमहुरफलसमाणे जाव खंडमहुरफलसमाणे ॥ १०६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयवेयावच्चकरे णाममेगे णो परवेयावच्चकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० करेइ णाममेगे वेयावच्चं णो पडिच्छइ, पडिच्छइ णाम-मेगे वेयावच्चं णो करेइ ४ ॥१०७॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे, माणकरे णाममेगे णो अट्ठकरे, एगे अट्ठकरेवि माणकरेवि, एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणट्ठकरे णाममेगे णो माणकरे ४। च० पु० जा० प० तं० गणसंगहकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गणसोभकरे णाममेगे णो माणकरे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० गण-सोहिकरे णाममेगे णो माणकरे ४ ॥१०८॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० रूवं णाम-मेगे जहइ णो धम्मं धम्मं णाममेगे जहइ णो रूवं एगे रूवंपि जहइ धम्मंपि जहइ, एगे णो रूवं जहइ णो धम्मं। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० धम्मं णाममेगे जहइ णो गणसंठिइं ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पियधम्मे णाममेगे णो दढधम्मे, दढधम्मे णाममेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मेवि दढधम्मेवि एगे णो पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ १०९ ॥ चत्तारि आयरिया प० तं० पव्वावणायरिए णाममेगे णो

उवट्ठावणायरिए, उवट्ठावणायरिए णाममेगे णो पव्वावणायरिए, एगे पव्वावणायरिएवि उवट्ठावणायरिएवि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवट्ठावणायरिए, धम्मायरिए। चत्तारि आयरिया प० तं० उद्देसणायरिए णाममेगे णो वायणायरिए ४ धम्मायरिए ॥ ११० ॥ चत्तारि अंतेवासी प० तं० पव्वावणंतेवासी णाममेगे णो उवट्ठावणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी। चत्तारि अंतेवासी प० तं० उद्देसणंतेवासी णाममेगे णो वायणंतेवासी ४ धम्मंतेवासी॥ १११ ॥ चत्तारि णिग्गंथा प० तं० रायणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, राइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे महाकम्मे महाकिरिए अणायावी असमिए धम्मस्स अणाराहए भवइ, ओमराइणिए समणे णिग्गंथे अप्पकम्मे अप्पकिरिए आयावी समिए धम्मस्स आराहए भवइ। चत्तारि णिग्गंथीओ प० तं० राइणिया समणी णिग्गंथी ४ एवं चेव। चत्तारि समणोवासगा प० तं० रायणिए समणोवासए महाकम्मे ४ तहेव। चत्तारि समणोवासियाओ प० तं० रायणिया समणोवासिया महाकम्मा तहेव चत्तारि गमा ॥ ११२ ॥ चत्तारि समणोवासगा प० तं० अम्मापिइसमाणे भाइसमाणे मित्तसमाणे सवत्तिसमाणे। चत्तारि समणोवासगा प० तं० अद्दागसमाणे पडागसमाणे खाणुसमाणे खरकंटयसमाणे ॥ ११३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स समणोवासगाणं सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प०॥११४॥ चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे से णं माणुस्सए कामभोगे णो आढाइ णो परियाणाइ णो अट्ठं बंधइ णो णियाणं पगरेइ, णो ठिइपगप्पं पगरेइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए पेमे वोच्छिण्णे दिव्वे संकंते भवइ, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं एवं भवइ, इयण्हिं गच्छं मुहुत्तेणं गच्छं तेणं कालेणमप्पाउया मणुस्सा कालधम्मुणा संजुत्ता भवंति, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु मुच्छिए ४ तस्स णं माणुस्सए गंधे पडिकूले पडिलोमे यावि भवइ, उड्ढंपि य णं माणुस्सए गंधे जाव चत्तारिपंचजोयणसयाइं हव्वमागच्छइ ४ इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा

माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए॥११५॥चउहिं ठाणेहिं अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए संचाएइ हव्वमागच्छित्तए तं० अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु दिव्वेसु कामभोगेसु अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि खलु मम माणुस्सए भवे आयरिएइ वा उवज्झाएइ वा पवत्तीइ वा थेरेइ वा गणीइ वा गणहरेइ वा गणावच्छेएइ वा जेसिं पभावेणं मए इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं० गच्छामि णं ते भगवंते वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ एस णं माणुस्सए भवे णाणीइ वा तवस्सीइ वा अइदुक्करदुक्करकारए तं गच्छामि णं ते भगवंतं वंदामि जाव पज्जुवासामि, अहुणोववण्णे देवे जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा तं गच्छामि णं तेसिमंतियं पाउब्भवामि पासंतु ता मे इममेयारूवं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं लद्धं पत्तं अभिसमण्णागयं, अहुणोववण्णे देवे देवलोएसु जाव अणज्झोववण्णे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम माणुस्सए भवे मित्तेइ वा सहीइ वा सुहीइ वा सहाएइ वा संगइए वा तेसिं च णं अम्हे अण्णमण्णस्स संगारे पडिसुए भवइ, जो मे पुव्विं चयइ से संबोहियव्वे इच्चेएहिं जाव संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ॥११६॥ चउहिं ठाणेहिं लोगंधगारे सिया तं० अरिहंतेहिं वोच्छिज्जमाणेहिं, अरिहंतपण्णत्ते धम्मे वोच्छिज्जमाणे पुव्वगए वोच्छिज्जमाणे जायतेए वोच्छिज्जमाणे। चउहिं ठाणेहिं लोगुज्जोए सिया तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं, अरिहंतेहिं पव्वयमाणेहिं, अरिहंताणं णाणुप्पायमहिमासु, अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु, एवं देवंधगारे देवुज्जोए देवसण्णिवाए देवुक्कलियाए देवकहकहए। चउहिं ठाणेहिं देविंदा माणुसं लोगं हव्वमागच्छंति, एवं जहा तिठाणे जाव लोगंतिया देवा माणुस्सं लोगं हव्वमागच्छेज्जा तं० अरिहंतेहिं जायमाणेहिं जाव अरिहंताणं परिणिव्वाणमहिमासु ॥११७॥ चत्तारि दुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, णिग्गंथं पावयणं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे मणं उच्चावयं

णियच्छइ विणिघायमावज्जइ पढमा दुहसेज्जा। अहावरा दोच्चा दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सएणं लाभेणं णो तुस्सइ परस्स लाभमासाएइ पीहेइ पत्थेइ अभिलसइ परस्स लाभमासाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ विणिघायमावज्जइ दोच्चा दुहसेज्जा। अहावरा तच्चा दुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए दिव्वे माणुस्सए कामभोगे आसाएइ जाव अभिलसइ दिव्वे माणुस्सए कामभोए आसाएमाणे जाव अभिलसमाणे मणं उच्चावयं णियच्छइ, विणिघायमावज्जइ तच्चा दुहसेज्जा। अहावरा चउत्था दुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जया णं अहमगारवासमावसामि तया णमहं संवाहणपरिमद्दणगायब्भंगगाउच्छोलणाइं लभामि जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तप्पभिइं च णं अहं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं णो लभामि से णं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं आसाएइ जाव अभिलसइ से णं संवाहण जाव गाउच्छोलणाइं आसाएमाणे जाव मणं उच्चावयं णियच्छइ विणिघायमावज्जइ चउत्था दुहसेज्जा ॥ ११८ ॥

चत्तारि सुहसेज्जाओ प० तं० तत्थ खलु इमा पढमा सुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए णिव्वितिगिच्छिए, णो भेदसमावण्णे णो कलुससमावण्णे णिग्गंथं पावयणं सद्दहइ पत्तियइ रोएइ णिग्गंथं पावयणं सद्दहमाणे पत्तियमाणे रोएमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ, णो विणिघायमावज्जइ पढमा सुहसेज्जा। अहावरा दोच्चा सुहसेज्जा से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सएणं लाभेणं तुस्सइ, परस्स लाभं णो आसाएइ, णो पीहेइ, णो पत्थेइ, णो अभिलसइ, परस्स लाभमणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, दोच्चा सुहसेज्जा। अहावरा तच्चा सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दिव्वमाणुस्सए कामभोगे णो आसाएइ जाव णो अभिलसइ, दिव्वमाणुस्सए कामभोगे अणासाएमाणे जाव अणभिलसमाणे णो मणं उच्चावयं णियच्छइ णो विणिघायमावज्जइ, तच्चा सुहसेज्जा। अहावरा चउत्था सुहसेज्जा, से णं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तस्स णमेवं भवइ जइ ताव अरिहंता भगवंता हट्ठा आरोग्गा बलिया कल्लसरीरा अण्णयराइं ओरालाइं कल्लाणाइं विउलाइं पयत्ताइं पग्गहियाइं महाणुभागाइं कम्मक्खयकारणाइं तवोकम्माइं पडिवज्जंति

किमंग पुण अहं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं णो सम्मं सहामि खमामि तिति-क्खेमि अहियासेमि, ममं च णं अब्भोवगमिओवक्कमियं वेयणं सम्ममसहमाणस्स अक्खममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ, ममं च णं अब्भोवगमिओ जाव सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ, चउत्था सुह-सेज्जा ॥ ११९ ॥ चत्तारि अवायणिज्जा प० तं० अविणीए, विगइपडिबद्धे, अविओसवियपाहुडे, माई । चत्तारि वायणिज्जा प० तं० विणीए, अविगइपडिबद्धे विओसवियपाहुडे, अमाई ॥ १२० ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयंभरे णाममेगे णो परंभरे, परंभरे णाममेगे णो आयंभरे, एगे आयंभरेवि परंभरेवि, एगे णो आयंभरे णो परंभरे ॥ १२१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाम-मेगे दुग्गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गए, सुग्गए णाममेगे दुग्गए, सुग्गए णाममेगे सुग्गए । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुव्वए, दुग्गए णाममेगे सुव्वए, सुग्गए णाममेगे दुव्वए, सुग्गए णाममेगे सुव्वए । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुप्पडियाणंदे, दुग्गए णाममेगे सुप्पडियाणंदे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइगामी, दुग्गए णाममेगे सुग्गइगामी ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० दुग्गए णाममेगे दुग्गइं गए, दुग्गए णाममेगे सुग्गइं गए ॥१२२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमे, तमे णाममेगे जोई, जोई णाममेगे तमे, जोई णाममेगे जोई । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबले, तमे णाममेगे जोईबले, जोई णाममेगे तमबले, जोई णाममेगे जोईबले । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० तमे णाममेगे तमबलपलज्जणे, तमे णाममेगे जोईबलपल-ज्जणे ४ ॥१२३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परि-ण्णायसण्णे, परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे, एगे परिण्णायकम्मेवि परि-ण्णायसण्णेवि, एगे णो परिण्णायकम्मे णो परिण्णायसण्णे । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायकम्मे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायकम्मे ४ । चत्तारि पुरिसजाया प० तं० परिण्णायसण्णे णाममेगे णो परिण्णायगिहावासे, परिण्णायगिहावासे णाममेगे णो परिण्णायसण्णे ४ ॥ १२४ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० इहत्थे णाममेगे णो परत्थे, परत्थे णाममेगे णो इहत्थे ४ ।

चत्तारि पुरिसजाया प० तं० एगेणं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, एगेणं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ एगेणं हायइ, दोहिं णाममेगे वड्ढइ दोहिं हायइ ॥१२५॥ चत्तारि कंथगा प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, आइण्णे णाममेगे खलुंके, खलुंके णाममेगे आइण्णे, खलुंके णाममेगे खलुंके। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णे, चउभंगो। चत्तारि कंथगा प० तं आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, आइण्णे णाममेगे खलुंकत्ताए विहरइ ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आइण्णे णाममेगे आइण्णत्ताए विहरइ, चउभंगो। चत्तारि पकंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो कुलसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे चउभंगो। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो बलसंपण्णे ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंण्णे णाममेगे णो रूवसंपण्णे ४। चत्तारि कंथगा प० तं० जाइसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० जाइसंपण्णे ४। एवं कुलसंपण्णेण य बलसंपण्णे य ४। कुलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४। कुलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४। एवं बलसंपण्णेण य रूवसंपण्णेण य ४। बलसंपण्णेण य जयसंपण्णेण य ४। सव्वत्थ पुरिसजाया पडिवक्खो, चत्तारि कंथगा प० तं० रूवसंपण्णे णाममेगे णो जयसंपण्णे ४। एवामेव चत्तारि पुरिस० ॥ १२६ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीहत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीहत्ताए विहरइ, सीयालत्ताए णाममेगे णिक्खंते सीयालत्ताए विहरइ ॥१२७॥ चत्तारि लोगे समा प० तं० अपइट्ठाणे णरए, जंबुद्दीवे दीवे, पालए जाणविमाणे, सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे। चत्तारि लोगे समा सपक्खिं सपडिदिसिं प० तं० सीमंतए णरए समयक्खेत्ते उडुविमाणे ईसीपब्भारा पुढवी ॥१२८॥ उड्ढलोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० पुढविकाइया आउवणस्सइका० उराला तसा पाणा। अहे लोए णं चत्तारि बिसरीरा प० तं० एवं चेव एवं तिरियलोए वि ४॥ १२९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते ॥१३०॥ चत्तारि सेज्जपडिमाओ

प०, चत्तारि वत्थपडिमाओ प०, चत्तारि पायपडिमाओ प०, चत्तारि ठाणपडि-माओ प० ॥ १३१ ॥ चत्तारि सरीरगा जीवफुडा प० तं० वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए; चत्तारि सरीरगा कम्मुम्मीसगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए ॥ १३२ ॥ चउहिं अत्थिकाएहिं लोगे फुडे प० तं० धम्म-त्थिकाएणं अधम्मत्थिकाएणं जीवत्थिकाएणं पुग्गलत्थिकाएणं । चउहिं बायर-काएहिं उववज्जमाणेहिं लोगे फुडे प० तं० पुढविकाइएहिं आउकाइएहिं वाउवण-स्सइकाइएहिं । चत्तारि पएसग्गेणं तुल्ला प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए लोगागासे एगजीवे। चउण्हमेगसरीरं णो सुपस्सं भवइ तं० पुढविआउतेउवणस्सइ-काइयाणं ॥ १३३ ॥ चत्तारि इंदियत्था पुट्ठा वेदेंति तं० सोइंदियत्थे घाणिंदियत्थे जिब्भिंदियत्थे फासिंदियत्थे ॥ १३४ ॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा य पोग्गला य णो संचाएंति बहिया लोगंता गमणयाए तं० गइअभावेणं णिरुवग्गहयाए लुक्खत्ताए लोगाणुभावेणं ॥ १३५ ॥ चउव्विहे णाए प० तं० आहरणे आहरणतद्देसे आहर-णतद्दोसे उवण्णासोवणए । आहरणे चउव्विहे प० तं० अवाए उवाए ठवणाकम्मे पडुप्पण्णविणासी । आहरणतद्देसे चउव्विहे प० तं० अणुसिट्ठी उवालंभे पुच्छा णिस्सावयणे । आहारणतद्दोसे चउव्विहे प० तं० अधम्मजुत्ते पडिलोमे अंतोवणीए दुरुवणीए । उवण्णासोवणए चउव्विहे प० तं० तव्वत्थुए तदण्णवत्थुए पडिणिभे हेऊ ॥ १३६ ॥ चउव्विहे हेऊ प० तं० जावए थावए वंसए लूसए । अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे । अहवा हेऊ चउव्विहे प० तं० अत्थित्तं अत्थि सो हेऊ अत्थित्तं णत्थि सो हेऊ णत्थित्तं अत्थि सो हेऊ णत्थित्तं णत्थि सो हेऊ ॥ १३७ ॥ चउव्विहे संखाणे प० तं० परिकम्मं ववहारे रज्जू रासी ॥ १३८ ॥ अहोलोए णं चत्तारि अंधयारं करेंति तं० णरगा णेरइया पावाइं कम्माइं असुभा पोग्गला । तिरियलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० चंदा सूरा मणी जोई । उड्ढलोए णं चत्तारि उज्जोयं करेंति तं० देवा देवीओ विमाणा आभरणा ॥ १३९ ॥

चउत्थं ठाणं चउत्थो उद्देसो

चत्तारि पसप्पगा प० तं० अणुप्पण्णाणं भोगाणं उप्पाएत्ता एगे पसप्पए, पुव्वुप्पण्णाणं भोगाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए, अणुप्पण्णाणं सोक्खाणं उप्पाइत्ता एगे पसप्पए पुव्वुप्पण्णाणं सोक्खाणं अविप्पओगेणं एगे पसप्पए ॥ १४० ॥ णेरइ-

याणं चउव्विहे आहारे प० तं० इंगालोवमे मुम्मुरोवमे सीयले हिमसीयले। तिरिक्खजोणियाणं चउव्विहे आहारे प० तं० कंकोवमे विलोवमे पाणमंसोवमे पुत्तमंसोवमे। मणुस्साणं चउव्विहे आहारे प० तं० असणे पाणे खाइमे साइमे। देवाणं चउव्विहे आहारे प० तं० वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते ॥ १४१ ॥ चत्तारि जाइआसीविसा प० तं० विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे। विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते! केवइए विसए प० ? पभूणं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए, विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं संपत्तीए करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा। मंडुक्कजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा। उरगजाइआसीविसस्स पुच्छा, पभूणं उरगजाइआसीविसे जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं सेसं तं चेव जाव करिस्संति वा। मणुस्सजाइआसीविसपुच्छा, पभूणं मणुस्सजाइआसीविसे समयक्खेत्तपमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिणयं विसट्टमाणिं करेत्तए विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं जाव करिस्संति वा ॥ १४२ ॥ चउव्विहे वाही प० तं० वाइए पित्तिए सिंभिए सण्णिवाइए। चउव्विहा तिगिच्छा प० तं० विज्जो ओसहाइं आउरे परियारए। चत्तारि तिगिच्छगा प० तं० आयतिगिच्छए णाममेगे णो परतिगिच्छए, परतिगिच्छए णाममेगे णो आयतिगिच्छए जाव चउभंगो ॥१४३॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणपरिमासी, वणपरिमासी णाममेगे णो वणकरे, एगे वणकरेवि वणपरिमासीवि, एगे णो वणकरे णो वणपरिमासी। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसारक्खी ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० वणकरे णाममेगे णो वणसंरोही ४ ॥ १४४ ॥ चत्तारि वणा प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोसल्ले णाममेगे णो बाहिंसल्ले ४। चत्तारि वणा प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे, बाहिंदुट्ठे णाममेगे णो अंतोदुट्ठे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० अंतोदुट्ठे णाममेगे णो बाहिंदुट्ठे ४॥ १४५ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसे, सेयंसे णाममेगे पावंसे, पावंसे णाममेगे सेयंसे, पावंसे णाममेगे पावंसे। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं०

सेयंसेत्ति णाममेगे सेयंसेत्ति मण्णइ, सेयंसेत्ति णाममेगे पावंसेत्ति मण्णइ ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० सेयंसे णाममेगे सेयंसेत्ति सालिसए मण्णइ सेयंसे णाममेगे पावंसेत्ति सालिसए मण्णइ ४ ॥ १४६ ॥ चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो परिभावइत्ता, परिभावइत्ता णाममेगे णो आघवइत्ता ४। चत्तारि पु० प० तं० आघवइत्ता णाममेगे णो उंछजीविसंपण्णे, उंछजीविसंपण्णे णाममेगे णो आघवइत्ता ४ ॥ १४७ ॥ चउव्विहा रुक्खविगुव्वणा प० तं० पवालत्ताए पत्तत्ताए पुप्फत्ताए फलत्ताए ॥ १४८ ॥ चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियावाई वेणइयावाई। णेरइयाणं चत्तारि वाइसमोसरणा प० तं० किरियावाई, जाव वेणइयावाई। एवमसुरकुमाराणवि जाव थणियकुमाराणं, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं॥ १४९ ॥ चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता, वासित्ता णाममेगे णो गज्जित्ता, एगे गज्जित्तावि वासित्तावि, एगे णो गज्जित्ता णो वासित्ता। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो वासित्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता, विज्जुयाइत्ता णाममेगे णो गज्जित्ता ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० गज्जित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० वासित्ता णाममेगे णो विज्जुयाइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी, अकालवासी णाममेगे णो कालवासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० कालवासी णाममेगे णो अकालवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० खेत्तवासी णाममेगे णो अखेत्तवासी ४। चत्तारि मेहा प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता, णिम्मवइत्ता णाममेगे णो जणइत्ता ४। एवामेव चत्तारि अम्मापियरो प० तं० जणइत्ता णाममेगे णो णिम्मवइत्ता ४। चत्तारि मेहा प० तं० देसवासी णाममेगे णो सव्ववासी ४। एवामेव चत्तारि रायाणो प० तं० देसाहिवई णाममेगे णो सव्वाहिवई ४। चत्तारि मेहा प० तं० पुक्खलसंवट्टए पज्जुण्णे जीमूए जिम्हे। पुक्खलसंवट्टए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससहस्साइं भावेइ, पज्जुण्णे णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवाससयाइं भावेइ, जीमूए णं महामेहे एगेणं वासेणं दसवासाइं भावेइ, जिम्हे णं महामेहे बहूहिं वासेहिं एगं वासं भावेइ वा ण भावेइ वा ॥१५०॥ चत्तारि करंडगा प० तं० सोवागकरंडए वेसियाकरंडए गाहावइकरंडए

रायकरंडए। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० सोवागकरंडगसमाणे, वेसिया-करंडगसमाणे, गाहावइकरंडगसमाणे, रायकरंडगसमाणे ॥ १५१ ॥ चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरियाए साले णाममेगे एरंडपरियाए एरंडे णाममेगे० ४। चत्तारि रुक्खा प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। एवामेव चत्तारि आयरिया प० तं० साले णाममेगे सालपरिवारे ४। गाहा—साल-दुममज्झयारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए सुंदरसीसे मुणे-यव्वे (१) एरंडमज्झयारे जह साले णाम होइ दुमराया, इय सुंदरआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (२) सालदुममज्झयारे एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुल-आयरिए सुंदरसीसे मुणेयव्वे (३) एरंडमज्झयारे, एरंडे णाम होइ दुमराया, इय मंगुलआयरिए मंगुलसीसे मुणेयव्वे (४) ॥ १५२ ॥ चत्तारि मच्छा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी। एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी ॥१५३॥ चत्तारि गोला प० तं० मधुसित्थगोले जउगोले दारुगोले मट्टियागोले। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मधुसित्थगोलसमाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० अयगोले तउगोले तंब-गोले सीसगोले। एवामेव चत्तारि पु० प० तं० अयगोलसमाणे जाव सीसगोल-समाणे ४। चत्तारि गोला प० तं० हिरण्णगोले सुवण्णगोले रयणगोले वयरगोले, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० हिरण्णगोलसमाणे जाव वयरगोलसमाणे ॥ १५४ ॥ चत्तारि पत्ता प० तं० असिपत्ते करपत्ते खुरपत्ते कलंबचीरियापत्ते, एवामेव चत्तारि पु० प० तं० असिपत्तसमाणे जाव कलंबचीरियापत्तसमाणे ॥ १५५ ॥ चत्तारि कडा प० तं० सुंबकडे विदलकडे चम्मकडे कंबलकडे। एवा-मेव चत्तारि पु० प० तं० सुंबकडसमाणे जाव कंबलकडसमाणे ॥ १५६ ॥ चउ-व्विहा चउप्पया प० तं० एगखुरा दुखुरा गंडीपदा सणप्पदा। चउव्विहा पक्खी प० तं० चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी। चउव्विहा खुड्डपाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ १५७ ॥ चत्तारि पक्खी प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता परिवइत्ता णाममेगे णो णिवइत्ता एगे णिवइत्तावि परिवइत्तावि एगे णो णिवइत्ता णो परिवइत्ता,

एवामेव चत्तारि भिक्खागा प० तं० णिवइत्ता णाममेगे णो परिवइत्ता ४ ॥१५८॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिकट्ठे णाममेगे णिकट्ठे, णिकट्ठे णाममेगे अणिकट्ठे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० णिकट्ठे णाममेगे णिट्ठकप्पा णिकट्ठे णाममेगे अणिक्कट्ठप्पा ४। चत्तारि पु० प० तं० बुहे णाममेगे बुहे, बुहे णाममेगे अबुहे ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० बुहे णाममेगे बुहहियए ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० आयाणुकंपए णाममेगे णो पराणुकंपए ४ ॥ १५९ ॥ चउव्विहे संवासे प० तं० दिव्वे आसुरे रक्खसे माणुसे। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ असुरे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासँ गच्छइ असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे० ४। चउव्विहे संवासे प० तं० देवे णाममेगे देवीए सद्धिं संवासं गच्छइ, देवे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० असुरे णाममेगे असुरीए सद्धिं संवासं गच्छइ, असुरे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४। चउव्विहे संवासे प० तं० रक्खसे णाममेगे रक्खसीए सद्धिं संवासं गच्छइ, रक्खसे णाममेगे मणुस्सीए सद्धिं संवासं गच्छइ ४ ॥ १६० ॥ चउव्विहे अवद्धंसे प० तं० आसुरे आभिओगे संमोहे देवकिब्बिसे। चउहिं ठाणेहिं जीवा आसुरत्ताए कम्मं पकरेंति तं० कोवसीलयाए पाहुडसीलयाए संसत्ततवोकम्मेणं णिमित्ताजीवयाए। चउहिं ठाणेहिं जीवा आभिओगत्ताए कम्मं पगरेंति तं० अत्तुक्कोसेणं परपरिवाएणं भूइकम्मेणं कोउयकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा सम्मोहत्ताए कम्मं पगरेंति तं० उम्मग्गदेसणाए मग्गंतराएणं कामासंसपओगेणं भिज्जाणियाणकरणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवकिब्बिसियाए कम्मं पगरेंति तं० अरिहंताणं अवण्णं वयमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे ॥ १६१ ॥ चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० इहलोगपडिबद्धा परलोगपडिबद्धा दुहओलोगपडिबद्धा अप्पडिबद्धा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० पुरओपडिबद्धा

मग्गओपडिबद्धा दुहओपडिबद्धा अप्पडिबद्धा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० ओवायपव्वज्जा अक्खायपव्वज्जा संगारपव्वज्जा विहगगइपव्वज्जा। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० तुयावइत्ता पुयावइत्ता मोयावइत्ता परिपूयावइत्ता। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० णडखइया भडखइया सीहखइया सीयालक्खइया। चउव्विहा किसी प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया। एवामेव चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० वाविया परिवाविया णिंदिया परिणिंदिया। चउव्विहा पव्वज्जा प० तं० धण्णपुंजियसमाणा धण्णविरल्लियसमाणा धण्णविक्खित्तसमाणा धण्णसंकट्टियसमाणा ॥ १६२ ॥ चत्तारि सण्णाओ पण्णत्ताओ तं० आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउहिं ठाणेहिं आहारसण्णा समुप्पज्जइ तं० ओमकोट्ठयाए छुहावेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं भयसण्णा समुप्पज्जइ तं० हीणसत्तयाए भयवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं मेहुणसण्णा समुप्पज्जइ तं० चियमंससोणिययाए मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं। चउहिं ठाणेहिं परिग्गहसण्णा समुप्पज्जइ तं० अविमुत्तयाए लोभवेयणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मईए तदट्ठोवओगेणं ॥ १६३ ॥ चउव्विहा कामा प० तं० सिंगारा कलुणा बीभच्छा रोद्दा। सिंगारा कामा देवाणं कलुणा कामा मणुयाणं बीभच्छा कामा तिरिक्खजोणियाणं रोद्दा कामा णेरइयाणं ॥ १६४ ॥ चत्तारि उदगा प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदए उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदए, गंभीरे णाममेगे उत्ताणोदए गंभीरे णाममेगे गंभीरोदए, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए उत्ताणे णाममेगे गंभीरहियए ४। चत्तारि उदगा प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोदही, उत्ताणे णाममेगे गंभीरोदही ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणहियए ४। चत्तारि उदही प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी उत्ताणे णाममेगे गंभीरोभासी ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० उत्ताणे णाममेगे उत्ताणोभासी ४ ॥ १६५ ॥ चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरामित्ति एगे समुद्दं तरइ, समुद्दं तरामित्ति एगे गोप्पयं तरइ, गोप्पयं तरामित्ति

एगे ४। चत्तारि तरगा प० तं० समुद्दं तरित्ता णाममेगे समुद्दे विसीयइ, समुद्दं तरित्ता णाममेगे गोप्पए विसीयइ ४॥१६६॥ चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे पुण्णे णाममेगे तुच्छे तुच्छे णाममेगे पुण्णे तुच्छे णाममेगे तुच्छे, एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी, पुण्णे णाममेगे तुच्छोभासी ४; एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णोभासी ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे, पुण्णे णाममेगे तुच्छरूवे ४। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णे णाममेगे पुण्णरूवे ४। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे, पुण्णेवि एगे अवदले, तुच्छेवि एगे पियट्ठे, तुच्छेवि एगे अवदले। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे पियट्ठे ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ, पुण्णेवि एगे णो विस्संदइ, तुच्छेवि एगे विस्संदइ, तुच्छेवि एगे णो विस्संदइ। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया प० तं० पुण्णेवि एगे विस्संदइ ४ तहेव। चत्तारि कुंभा प० तं० भिण्णे जज्जरिए परिस्साई अपरिस्साई। एवामेव चउव्विहे चरित्ते प० तं० भिण्णे जाव अपरिस्साई। चत्तारि कुंभा प० तं० महुकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे महुकुंभे णाममेगे विसपिहाणे विसकुंभे णाममेगे महुप्पिहाणे विसकुंभे णाममेगे विसपिहाणे। एवामेव चत्तारि पुरिसजाया ४ हिययमपावमकलुसं जीहाऽवि य महुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ से महुकुंभे महुपिहाणे (१) हिययमपावमकलुसं, जीहाऽवि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से महुकुंभे विसपिहाणे (२) जं हिययं कलुसमयं जीहाऽवि य महुरभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे महुपिहाणे (३) जं हिययं कलुसमयं; जीहाऽवि य कडुयभासिणी णिच्चं, जंमि पुरिसंमि विज्जइ, से विसकुंभे विसपिहाणे (४)॥१६७॥ चउव्विहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुसा तिरिक्खजोणिया आयसंचेयणिज्जा। दिव्वा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० हासा पाओसा वीमंसा पुढोवेमाया। माणुसा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० हासा पाओसा वीमंसा कुसीलपडिसेवणया। तिरिक्खजोणिया उवसग्गा चउव्विहा प० तं० भया पदोसा आहारहेउं अवच्चलेणसारक्खणया। आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० घट्टणया पवडणया थंभणया लेसणया॥१६८॥ चउव्विहे कम्मे प० तं० सुभे णामं एगे सुभे, सुभे णाममेगे

असुभे, असुभे० ४। चउव्विहे कम्मे प० तं० सुभे णाममेगे सुभविवागे, सुभे णाममेगे असुभविवागे, असुभे णाममेगे सुभविवागे असुभे णाममेगे असुभविवागे। चउव्विहे कम्मे प० तं० पगडीकम्मे, ठिइकम्मे, अणुभावकम्मे, पदेसकम्मे।१६९। चउव्विहे संघे प०तं० समणा समणीओ सावगा सावियाओ।१७०। चउव्विहा बुद्धी प० तं० उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया पारिणामिया। चउव्विहा मई प० तं० उग्गहमई ईहामई अवाय-मई धारणामई। अहवा चउव्विहा मई प० तं० अरंजरोदगसमाणा, वियरोदगसमाणा सरोदगसमाणा सागरोदगसमाणा ॥ १७१ ॥ चउव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा। चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० मणजोगी वइजोगी कायजोगी अजोगी। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा अवेयगा। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी, केवलदंसणी। अहवा चउव्विहा सव्वजीवा प० तं० संजया असंजया संजयासंजया णोसंजया णोअसंजया ॥१७२॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मित्ते णाममेगे मित्ते, मित्ते णाममेगे अमित्ते, अमित्ते णाममेगे मित्ते, अमित्ते णाममेगे अमित्ते। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मित्ते णाममेगे मित्तरूवे चउभंगो॥ १७३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्ते, मुत्ते णाममेगे अमुत्ते ४। चत्तारि पुरिसजाया प० तं० मुत्ते णाममेगे मुत्तरूवे ४॥ १७४ ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणिया चउगइया चउआगइया प० तं० पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणा णेरइएहिंतो वा, तिरि-क्खजोणिएहिंतो वा, मणुस्सेहिंतो वा, देवेहिंतो वा उववज्जेज्जा। से चेव णं से पंचिंदि-यतिरिक्खजोणिए पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्तं विप्पजहमाणे णेरइयत्ताए वा जाव देवत्ताए वा उवागच्छेज्जा। मणुस्सा चउगइया चउआगइया एवं चेव मणुस्सावि ॥ १७५ ॥ बेइंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स चउव्विहे संजमे कज्जइ तं जिब्भा-मयाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, जिब्भामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, फासामयाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, फासामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ। बेइंदिया णं जीवा समारभमाणस्स चउव्विहे असंजमे कज्जइ तं० जिब्भाम-याओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ जिब्भामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ फासा-मयाओ सोक्खाओ ववरोवित्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥१७६॥ समद्दिट्ठियाणं णेरइयाणं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ तं० आरंभिया, परिग्गहिया

मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया। सम्मद्दिट्ठियाणमसुरकुमाराणं चत्तारि किरियाओ प० तं० एवं चेव। एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं॥१७७॥चउहिं ठाणेहिं संते गुणे णासेज्जा तं० कोहेणं पडिणिवेसेणं, अकयण्णुयाए, मिच्छत्ताहिणिवेसेणं। चउहिं ठाणेहिं संते गुणे दीवेज्जा तं० अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं,कज्जहेउं, कयपडिकइएइ वा। णेरइयाणं चउहिं ठाणेहिं सरीरुप्पत्ती सिया तं० कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं,एवं जाव वेमाणियाणं। णेरइयाणं चउठाणणिव्वत्तिए सरीरे प०तं० कोहणिव्वत्तिए जाव लोभणिव्वत्तिए, एवं जाव वेमाणियाणं। चत्तारि धम्मदारा प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे ॥१७८॥ चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताए कम्मं पकरेंति तं० महारंभयाए, महापरिग्गहयाए पंचिंदियवहेणं कुणिमाहारेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा तिरिक्खजोणियत्ताए कम्मं पगरेंति तं० माइल्लयाए णियडिल्लयाए अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं। चउहिं ठाणेहिं जीवा मणुस्सत्ताए कम्मं पगरेंति तं० पगइभद्दयाए पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरियाए। चउहिं ठाणेहिं जीवा देवाउयत्ताए कम्मं पगरेंति तं० सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकामणिज्जराए॥१७९॥चउव्विहे वज्जे प० तं० तते वितते घणे झुसिरे। चउव्विहे णट्टे प० तं० अंचिए रिभिए आरभडे भिसोले। चउव्विहे गेए प० तं० उक्खित्तए पत्तए मंदए रोविंदए। चउव्विहे मल्ले प० तं० गंथिमे वेढिमे पूरिमे संघाइमे। चउव्विहे अलंकारे प० तं० केसालंकारे वत्थालंकारे मल्लालंकारे आभरणालंकारे। चउव्विहे अभिणए प० तं० दिट्ठंतिए पाडंसुए सामंतोवायणिए लोगमज्झावसिए ॥१८०॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा चउवण्णा प० तं० णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किला। महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं चत्तारि रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता॥१८१॥ चत्तारि उदगगब्भा प० तं० उस्सा महिया सीया उसिणा, चत्तारि उदगगब्भा प० तं० हेमगा अब्भसंथडा सीओसिणा पंचरूविया। माहे उ हेमगा गब्भा फग्गुणे अब्भसंथडा, सीओसिणा उ चित्ते, वइसाहे पंचरूविया (१) चत्तारि मणुस्सीगब्भा प० तं० इत्थित्ताए पुरिसत्ताए णपुंसगत्ताए बिंबत्ताए। अप्पं सुक्कं बहुं ओयं इत्थी तत्थ पजायइ, अप्पं ओयं बहुं सुक्कं पुरिसो तत्थ पजायइ (१) दोण्हं पि रत्तसुक्काणं, तुल्लभावे णपुंसओ; इत्थीओयसमाओगे, बिंबं तत्थ पजायइ (२) ॥ १८२ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं

चत्तारि चूलियावत्थू प०, चउव्विहे कव्वे प० गज्जे पज्जे कत्थे गेए ॥१८३॥ णेरइयाणं चत्तारि समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए एवं वाउकाइयाणवि ॥१८४॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स चत्तारि सया चोद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसंणिवाईणं जिणो इव अवितहं वागरमाणाणं उक्कोसिया चउद्दसपुव्विसंपया हुत्था । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया हुत्था ॥१८५॥ हेट्ठिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प० तं० सोहम्मे ईसाणे सणंकुमारे माहिंदे । मज्झिल्ला चत्तारि कप्पा पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया प० तं० बंभलोए लंतए महासुक्के सहस्सारे । उवरिल्ला चत्तारि कप्पा अद्धचंदसंठाणसंठिया प०तं० आणए पाणए आरणे अच्चुए॥१८६॥चत्तारि समुद्दा पत्तेयरसा प०तं० लवणोदए वरुणोदए खीरोदए घओदए । चत्तारि आवत्ता प० तं० खरावत्ते उण्णयावत्ते गूढावत्ते अमिसावत्ते । एवामेव चत्तारि कसाया प० तं० खरावत्तसमाणे कोहे उण्णयावत्तसमाणे माणे, गूढावत्तसमाणा माया, अमिसावत्तसमाणे लोभे । खरावत्तसमाणं कोहमणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ, उण्णयावत्तसमाणं माणं एवं चेव गूढावत्तसमाणं मायमेवं चेव अमिसावत्तसमाणं लोभं अणुपविट्ठे जीवे कालं करेइ णेरइएसु उववज्जइ ॥ १८७ ॥ अणुराहा णक्खत्ते चउत्तारे प०, पुव्वासाढे एवं चेव । उत्तारासाढे एवं चेव ॥ १८८ ॥ जीवा णं चउट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए तिरिक्खजोणियणिव्वत्तिए मणुस्सणिव्वत्तिए देवणिव्वत्तिए । एवं उवचिणिंसु वा उवचिणंति वा उवचिणिस्संति वा एवं चिणउवचिणबंधोदीरवेय तह णिज्जरा चेव ॥१८९॥ चउप्पएसिया खंधा अणंता प०, चउप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प०, चउसमयठिईया पोग्गला अणंता प०, चउगुणकालगा पोग्गला अणंता जाव चउगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १९० ॥

पंचमं ठाणं पढमो उद्देसो

पंचमहव्वया प० तं० सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं, पंचाणुव्वया प० तं० थूलाओ पाणाइवायाओ

वेरमणं, थूलाओ मुसावायाओ वेरमणं, थूलाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, थूलाओ मेहुणाओ वेरमणं (सदारसंतोसे) इच्छापरिमाणे ॥ १ ॥ पंच वण्णा प० तं० किण्हा णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला। पंच रसा प०तं० तित्ता कडुया कसाया अंबिला महुरा। पंचकामगुणा प० तं० सद्दा रूवा गंधा रसा फासा। पंचहिं ठाणेहिं जीवा सज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं, एवं रज्जंति मुच्छंति गिज्झंति अज्झोववज्जंति। पंचहिं ठाणेहिं जीवा विणिघायमावज्जंति तं० सद्देहिं जाव फासेहिं। पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं अहियाए असुभाए अखमाए अणिस्सेस्साए अणाणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा, पंचठाणा सुपरिण्णाया जीवाणं हियाए सुभाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० सद्दा जाव फासा। पंच ठाणा अपरिण्णाया जीवाणं दुग्गइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा। पंचठाणा परिण्णाया जीवाणं सुग्गइगमणाए भवंति तं० सद्दा जाव फासा ॥ २ ॥ पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुग्गइं गच्छंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं। पंचहिं ठाणेहिं जीवा सोगइं गच्छंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं ॥ ३ ॥ पंच पडिमाओ प० तं० भद्दा सुभद्दा महाभद्दा सव्वओभद्दा भद्दुत्तरपडिमा ॥४॥ पंच थावरकाया प० तं० इंदे थावरकाए, बंभे थावरकाए सिप्पे थावरकाए संमई थावरकाए पायावच्चे थावरकाए। पंच थावरकायाहिवई प० तं० इंदे थावरकायाहिवई, जाव पायावच्चे थावरकायाहिवई ॥ ५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामेवि तप्पढमयाए खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, कुंथुरासिभूयं वा पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, महइमहालयं वा महोरगसरीरं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, देवं वा महिड्डियं जाव महेसक्खं पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, पुरेसु वा पोराणाइं महइमहालयाइं महाणिहाणाइं पहीणसामियाइं पहीणसेउयाइं पहीणगुत्तागाराइं उच्छिण्णसामियाइं उच्छिण्णसेउयाइं उच्छिण्णगुत्तागाराइं जाइं इमाइं गामागरणगरखेडकब्बडमंडबदोणमुहपट्टणासमसंबाहसंणिवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणेसु सुसाणसुण्णागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठावणभवणगिहेसु संणिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए खंभाएज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं ओहिदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए खंभाएज्जा ॥ ६ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिउकामे तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा तं० अप्पभूयं वा

पुढविं पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा सेसं तहेव जाव भवणगिहेसु संणिक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं वा पासित्ता तप्पढमयाए णो खंभाएज्जा, सेसं तहेव, इचेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णो खंभाएज्जा ॥ ७ ॥ णेरइयाणं सरीरगा पंचवण्णा पंचरसा प० तं० किण्हा जाव सुक्किल्ला तित्ता जाव महुरा, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ॥ ८ ॥ पंच सरीरगा प० तं० ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए। ओरालियसरीरे पंचवण्णे पंचरसे प० तं० किण्हे जाव सुक्किले, तित्ते जाव महुरे। एवं जाव कम्मगसरीरे, सव्वे वि णं बादरबोंदिधरा कलेवरा पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा ॥ ९ ॥ पंचहिं ठाणेहिं पुरिमपच्छिमगाणं जिणाणं दुग्गमं भवइ तं० दुआइक्खं दुविभज्जं दुपस्सं दुतितिक्खं दुरणुचरं। पंचहिं ठाणेहिं मज्झिमगाणं जिणाणं सुग्गमं भवइ तं० सुआइक्खं सुविभज्जं सुपस्सं सुतितिक्खं सुरणुचरं ॥१०॥ पंचठाणाइं समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णिच्चं वण्णियाइं णिच्चं कित्तियाइं णिच्चं बुइयाइं णिच्चं पसत्थाइं णिच्चमब्भणुण्णायाइं भवंति तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे। पंचठाणाइं समणेणं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ ११ ॥ पंचठाणाइं समणाणं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० उक्खित्तचरए णिक्खित्तचरए अंतचरए पंतचरए लूहचरए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अण्णायचरए अण्णवेलचरए मोणचरए संसट्ठकप्पिए तज्जायसंसट्ठकप्पिए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं उवणिहिए सुद्धेसणिए संखादत्तिए दिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० आयंबिलिए णिव्वियए पुरिमड्ढिए परिमियपिंडवाइए भिण्णपिंडवाइए। पंचठाणाइं जाव अब्भणुण्णायाइं भवंति तं० अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे। पंचठाणाइं जाव भवंति तं० अरसजीवी विरसजीवी अंतजीवी पंतजीवी लूहजीवी। पंचठाणाइं जाव भवंति तंजहा—ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए णेसज्जिए। पंचठाणाइं जाव भवंति तं० दंडायइए लगंडसाई आयावए अवाउडए अकंडूयए ॥ १२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए आयरियवेयावच्चं करेमाणे एवं उवज्झायवेयावच्चं थेरवेयावच्चं तवस्सिवेयावच्चं गिलाणवेयावच्चं करेमाणे। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ तं० अगिलाए सेहवेयावच्चं

करेमाणे, अगिलाए कुलवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए गणवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए संघवेयावच्चं करेमाणे, अगिलाए साहम्मियवेयावच्चं करेमाणे ॥ १३ ॥ पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सकिरियट्ठाणं पडिसेवित्ता भवइ पडिसेवित्ता णो आलोएइ आलोइत्ता णो पट्ठवेइ पट्ठवेत्ता णो णिव्विसइ जाइं इमाइं थेराणं ठिइपकप्पाइं भवंति ताइं अइयंचिय २ पडिसेवेइ से हंदहं पडिसेवामि किं मे थेरा करिस्संति । पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे साहम्मियं पारंचियं करेमाणे णाइक्कमइ तं० सकुले वसइ कुलस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ, गणे वसइ गणस्स भेयाए अब्भुट्ठेत्ता भवइ हिंसप्पेही छिद्दप्पेही अभिक्खणं अभिक्खणं पसिणायतणाइं पउंजित्ता भवइ । आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंचवुग्गहट्ठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आहाराइणियाए किइकम्मं णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेंति ते काले २ णो सम्ममणुप्पवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि गिलाणसेहवेयावच्चं णो सम्ममब्भुट्ठेत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि अणापुच्छियचारी यावि हवइ, णो आपुच्छियचारी । आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच अवुग्गहट्ठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए णं गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ एवमाहाराइणियाए सम्मं किइकम्मं पउंजित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारेंति ते काले २ सम्ममणुपवाइत्ता एवं गिलाणसेहवेयावच्चं सम्मं अब्भुट्ठित्ता भवइ, आयरियउवज्झाए णं गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, णो अणापुच्छियचारी ॥१४॥ पंच णिसिज्जाओ प० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया पलियंका अद्धपलियंका ॥१५॥ पंच अज्जवट्ठाणा प० तं० साहुअज्जवं साहुमद्दवं साहुलाघवं साहुखंती साहुमुत्ती ॥ १६ ॥ पंच विहा जोइसिया प० तं० चंदा सूरा गहा णक्खत्ता ताराओ ॥१७॥ पंच विहा देवा प० तं० भवियदव्वदेवा णरदेवा धम्मदेवा देवाहिदेवा भावदेवा ॥ १८ ॥ पंचविहा परियारणा प० तं० कायपरियारणा फासपरियारणा रूवपरियारणा सद्दपरियारणा मणपरियारणा ॥१९॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० काली राई रयणी विज्जू मेहा, बलिस्स णं वइरोय-

णिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच अग्गमहिसीओ प० तं० सुभा णिसुभा रंभा णिरंभा मयणा ॥ २० ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए । दुमे पायत्ताणियाहिवई सोदामे आसराया पीढाणियाहिवई कुंथू हत्थिराया कुंजराणियाहिवई लोहियक्खे महिसाणियाहिवई किण्णरे रहाणियाहिवई । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए । महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई महासोदामे आसराया पीढाणियाहिवई मालंकारे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महालोहिअक्खे महिसाणियाहिवई किंपुरिसे रहाणियाहिवई । धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए । भद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जसोधरे आसराया पीढाणियाहिवई सुदंसणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई णीलकंठे महिसाणियाहिवई आणंदे रहाणियाहिवई । भूयाणंदस्स णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव रहाणिए । दक्खे पायत्ताणियाहिवई सुग्गीवे आसराया पीढाणियाहिवई सुविक्कमे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई सेयकंठे महिसाणियाहिवई णंदुत्तरे रहाणियाहिवई । वेणुदेवस्स णं सुवण्णिंदस्स सुवण्णकुमाररण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए एवं जहा धरणस्स तहा वेणुदेवस्स वि । वेणुदालियस्स य जहा भूयाणंदस्स । जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स । जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो पंच संगामिया अणिया पंच संगामिया अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव उसभाणिए रहाणिए । हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई वाऊ आसराया पीढाणियाहिवई एरावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवई दामड्ढी उसभाणियाहिवई माढरे रहाणियाहिवई । ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो पंच संगामिया अणिया जाव पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए उसभाणिए रहाणिए । लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई महावाऊ आसराया पीढाणियाहिवई पुप्फदंते हत्थिराया कुंजराणियाहिवई महादामड्ढी उसभाणियाहिवई महामाढरे रहाणियाहिवई । जहा सक्कस्स

तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव आरणस्स। जहा ईसाणस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव अच्चुयस्स। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प०। ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भंतरपरिसाए देवीणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० ॥ २१ ॥ पंच विहा पडिहा प० तं० गइपडिहा ठिइपडिहा बंधणपडिहा भोगपडिहा बलवीरियपुरिसयारपरक्कमपडिहा ॥ २२ ॥ पंचविहे आजीवे प० तं० जाइआजीवे कुलाजीवे कम्माजीवे सिप्पाजीवे लिंगाजीवे ॥२३॥ पंच रायककुहा प० तं० खग्गं छत्तं उप्फेसं उवाणहाओ वालवीअणी ॥ २४ ॥ पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे णं उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तितिक्खेज्जा अहियासेज्जा तं० उदिण्णकम्मे खलु अयं पुरिसे उम्मत्तगभूए तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा अवहसइ वा णिच्छोडेइ वा णिब्भंछेइ वा बंधइ वा रुंभइ वा छविच्छेयं करेइ वा पमारं वा णेइ उद्दवेइ वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कंबलं वा पायपुच्छणमच्छिंदइ वा विच्छिंदइ वा भिंदइ वा अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं असहमाणस्स अखममाणस्स अतितिक्खमाणस्स अणहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे पावे कम्मे कज्जइ ममं च णं सम्मं सहमाणस्स जाव अहियासेमाणस्स किं मण्णे कज्जइ ? एगंतसो मे णिज्जरा कज्जइ इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं छउमत्थे उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २५ ॥ पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा तं० खित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे अक्कोसइ वा तहेव जाव अवहरइ वा दित्तचित्ते खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा जक्खाइट्ठे खलु अयं पुरिसे तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं तब्भववेयणिज्जे कम्मे उदिण्णे भवइ तेण मे एस पुरिसे जाव अवहरइ वा ममं च णं सम्मं सहमाणं खममाणं तितिक्खमाणं अहियासेमाणं पासित्ता बहवे अण्णे छउमत्था समणा णिग्गंथा उदिण्णे २ परिसहोवसग्गे एवं सम्मं सहिस्संति जाव अहियासिस्संति इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं केवली उदिण्णे परिसहोवसग्गे सम्मं सहेज्जा जाव अहियासेज्जा ॥ २६ ॥ पंच हेऊ प० तं० हेउं ण जाणइ हेउं ण पासइ हेउं

ण बुज्झइ हेउं णाभिगच्छइ हेउमण्णाणमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउं जाणइ जाव हेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच हेऊ प० तं० हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउं ण जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ । पंच अहेऊ प० तं० अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ॥ २७ ॥ केवलिस्स णं पंच अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए ॥ २८ ॥ पउमप्पहे णं अरहा पंच चित्ते हुत्था तं० चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते चित्ताहिं जाए चित्ताहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए चित्ताहिं अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे चित्ताहिं परिणिव्वुए । पुप्फदंते णं अरहा पंच मूले हुत्था तं० मूलेणं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते एवं चेव एवमेएणं अभिलावेणं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ—पउमप्पभस्स चित्ता मूले पुण होइ पुप्फदंतस्स; पुव्वाइं आसाढा सीयलस्सुत्तर विमलस्स भद्दवया (१) रेवइया अणंतजिणो पूसो धम्मस्स संतिणो भरणी, कुंथुस्स कत्तियाओ अरस्स तह रेवईओ य (२) मुणिसुव्वयस्स सवणो आसिणिं णमिणो य णेमिणो चित्ता, पासस्स विसाहाओ पंच य हत्थुत्तरे वीरो (३) समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे होत्था तं०—हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए, हत्थुत्तराहिं जाए, हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए, हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥२९॥

पंचमं ठाणं बीओ उद्देसो

णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा इमाओ उद्दिट्ठाओ गणियाओ वियंजियाओ पंच महण्णवाओ महाणईओ अंतो मासस्स दुक्खुत्तो वा, तिक्खुत्तो वा, उत्तरित्तए वा संतरित्तए वा तं० गंगा जउणा सरऊ एरावइ मही । पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा, दुब्भिक्खंसि वा, पव्वहेज्ज व णं कोई उदओघंसि वा एज्जमाणंसि, महया वा अणारिएसु । णो कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पढमपाउसंसि,

गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० भयंसि वा दुब्भिक्खंसि वा जाव महया वा अणारिएहिं । वासावासं पज्जोसवियाणं णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीणं वा गामाणुगामं दूइज्जित्तए, पंचहिं ठाणेहिं कप्पइ तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए आयरियउवज्झाया वा से वीसुंभेज्जा आयरियउवज्झायाणं वा बहिया वेयावच्चं करणयाए ॥ ३० ॥ पंच अणुग्घाइया प० तं० हत्थकम्मं करेमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे राइभोयणं भुंजमाणे सागारियपिंडं भुंजमाणे रायपिंडं भुंजमाणे । पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे रायंतेउरमणुपविसमाणे णाइक्कमइ तं० णगरं सिया सव्वओ समंता गुत्ते गुत्तदुवारे बहवे समणमाहणा णो संचाएंति भत्ताए वा पाणाए वा णिक्खमित्तए वा पविसित्तए वा तेसिं विण्णवणट्ठयाए रायंतेउरमणुपविसेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणमाणे रायंतेउरमणुपविसेज्जा हयस्स वा गयस्स वा दुट्ठस्स आगच्छमाणस्स भीए रायंतेउरमणुपविसेज्जा परो वा णं सहसा वा बलसा वा बाहाए गहाय रायंतेउरमणुपविसेज्जा बहिया व णं आरामगयं वा उज्जाणगयं वा रायंतेउरजणो सव्वओ समंता संपरिक्खिवित्ता णं णिविसेज्जा इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे जाव णाइक्कमइ ॥ ३१ ॥ पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं असंवसमाणी वि गब्भं धरेज्जा तं० इत्थी दुव्वियडा दुण्णिसण्णा सुक्कपोग्गले अहिट्ठेज्जा, सुक्कपोग्गलसंसिट्ठे व से वत्थे अंतो जोणीए अणुपविसेज्जा सयं वा सा सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा परो व से सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा सीओदगवियडेण वा से आयममाणीए सुक्कपोग्गले अणुपविसेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० अप्पत्तजोव्वणा अइक्कंतजोव्वणा जाइवंझा गेलण्णपुट्ठा दोमणंसिया इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० णिच्चोउया अणोउया वावण्णसोया वाविद्धसोया अणंगपडिसेविणी इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा । पंचहिं ठाणेहिं इत्थी पुरिसेण सद्धिं संवसमाणी वि गब्भं णो धरेज्जा तं० उउंमि णो णिगामपडिसेविणी यावि भवइ, समागया वा से सुक्कपोग्गला पडिविद्धंसंति उदिण्णे वा सेपित्तसोणिए पुरा वा देवकम्मणा पुत्तफले वा णो णिद्दिट्ठे भवइ इच्चेएहिं जाव णो धरेज्जा ॥ ३२ ॥ पंचहिं ठाणेहिं णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगयओ ठाणं

वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति तं० अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य एगं महं अगामियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविमणुपविट्ठा तत्थेगयओ ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणा णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा २ गामंसि वा णगरंसि वा जाव रायहाणिंसि वा वासं उवागया एगइया जत्थ उवस्सयं लभंति एगइया णो लभंति तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति अत्थेगइया णिग्गंथा णिग्गंथीओ य णागकुमारावासंसि वा सुवण्णकुमारावासंसि वा वासं उवागया तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, आमोसगा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ चीवरपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, जुवाणा दीसंति ते इच्छंति णिग्गंथीओ मेहुणपडियाए पडिगाहेत्तए तत्थेगयओ ठाणं वा जाव णाइक्कमंति, इच्चेएहिं पंचहिं ठाणेहिं जाव णाइक्कमंति। पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ तं० खित्तचित्ते समणे णिग्गंथे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ एवमेएणं गमएणं दित्तचित्ते जक्खाइट्ठे उम्मायपत्ते णिग्गंथीपव्वाइयए समणे णिग्गंथेहिं अविज्जमाणेहिं अचेलए सचेलियाहिं णिग्गंथीहिं सद्धिं संवसमाणे णाइक्कमइ ॥ २३ ॥ पंच आसवदारा प० तं० मिच्छत्तं अविरई पमाओ कसाया जोगा। पंच संवरदारा प० तं० सम्मत्तं विरई अपमाओ अकसाइत्तं अजोगित्तं। पंच दंडा प० तं० अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठिविपरियासियादंडे। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छादंसणवत्तिया। मिच्छद्दिट्ठिणेरइयाणं पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया एवं सव्वेसिं णिरंतरं जाव मिच्छादिट्ठियाणं वेमाणियाणं, णवरं विगलेंदिया मिच्छादिट्ठी ण भण्णंति, सेसं तहेव। पंच किरियाओ प० तं० काइया अहिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। णेरइयाणं पंच एवं चेव णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया णेरइयाणं पंच किरिया णिरंतरं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० दिट्ठिया पुट्ठिया पाडुच्चिया सामंतोवणिवाइया साहत्थिया, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। पंच किरियाओ प० तं० णेसत्थिया आणवणिया वेयारणिया अणाभोगवत्तिया अणवकंखवत्तिया, एवं जाव वेमाणियाणं। पंचकिरियाओ प० तं० पेज्जवत्तिया दोसवत्तिया पओगकिरिया समुदाणकिरिया ईरियाव-

हिया, एवं मणुस्साण वि, सेसाणं णत्थि ॥ ३४ ॥ पंच विहा परिण्णा प० तं० उवहिपरिण्णा उवस्सयपरिण्णा कसायपरिण्णा जोगपरिण्णा भत्तपाणपरिण्णा ॥ ३५ ॥ पंच विहे ववहारे प० तं० आगमे सुए आणा धारणा जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ आगमे सिया, जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा णो से तत्थ सुए सिया, एवं जाव जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा। इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, आगमेणं जाव जीएणं जहा २ से तत्थ आगमे जाव जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा से किमाहु भंते! आगमबलिया समणा णिग्गंथा! इच्चेयं पंच विहं ववहारं जया जया जहिं जहिं तया तया तहिं तहिं अणिस्सिओवस्सियं सम्मं ववहरमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ ३६ ॥ संजयमणुस्साणं सुत्ताणं पंच जागरा प० तं० सद्दा जाव फासा। संजयमणुस्साणं जागराणं पंच सुत्ता प०तं० सद्दा जाव फासा। असंजयमणुस्साणं सुत्ताणं वा जागराणं वा पंच जागरा प० तं० सद्दा जाव फासा ॥ ३७ ॥ पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं आइज्जंति तं० पाणाइवाएणं जाव परिग्गहेणं। पंचहिं ठाणेहिं जीवा रयं वमंति तं० पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं। पंचमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पंति पंचदत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पंचपाणगस्स ॥३८॥ पंच विहे उवघाए प० तं० उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए एसणोवघाए परिकम्मोवघाए परिहरणोवघाए। पंचविहा विसोही प० तं० उग्गमविसोही उप्पायणविसोही एसणाविसोही परिकम्मविसोही परिहरणविसोही। पंचहिं ठाणेहिं जीवा दुल्लभबोहियत्ताए कम्मं पगरेंति तं० अरिहंताणमवण्णं वयमाणे अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे चाउवण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे विविक्कतवबंभचेराणं देवाणं अवण्णं वयमाणे। पंचहिं ठाणेहिं जीवा सुलभबोहियत्ताए कम्मं पगरेंति, तं० अरिहंताणं वण्णं वयमाणे, जाव विविक्कतवबंभचेराणं देवाणं वण्णं वयमाणे ॥ ३९ ॥ पंच पडिसंलीणा प० तं० सोइंदियपडिसंलीणे जाव फासिंदियपडिसंलीणे। पंच अपडिसंलीणा प०तं० सोइंदियअपडिसंलीणे जाव फासिंदियअपडिसंलीणे। पंच विहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे। पंचविहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव फासिंदियअसंवरे ॥ ४० ॥ पंचविहे संजमे प० तं० सामाइयसंजमे छेदोवट्ठावणियसंजमे परिहार-

विसुद्धियसंजमे सुहुमसंपरायसंजमे अहक्खायचरित्तसंजमे। एगिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे। एगिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव वणस्सइकाइयअसंजमे। पंचिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० सोइंदियसंजमे जाव फासिंदियसंजमे। पंचिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ तं० सोइंदियअसंजमे जाव फासिंदियअसंजमे। सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं असमारभमाणस्स पंचविहे संजमे कज्जइ तं० एगिंदियसंजमे जाव पंचिंदियसंजमे। सव्वपाणभूयजीवसत्ता णं समारभमाणस्स पंचविहे असंजमे कज्जइ तं० एगिंदियअसंजमे जाव पंचिंदियअसंजमे ॥ ४१ ॥ पंचविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा ॥ ४२ ॥ पंचविहे आयारे प० तं० णाणायारे दंसणायारे चरित्तायारे तवायारे वीरियायारे। पंचविहे आयारपकप्पे प० तं० मासिए उग्घाइए मासिए अणुग्घाइए चउमासिए उग्घाइए चउमासिए अणुग्घाइए आरोवणा। आरोवणा पंचविहा प० तं० पट्ठविया ठविया कसिणा अकसिणा हाडहडा ॥ ४३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमे णं सीयाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते चित्तकूडे पम्हकूडे णलिणकूडे एगसेले। जंबूमंदरस्स पुरओ सीयाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे सोमणसे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० विज्जुप्पभे अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे। जंबूमंदरस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं पंच वक्खारपव्वया प० तं० चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए गंधमायणे। जंबूमंदरस्स दाहिणेणं देवकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० णिसहदहे देवकुरुदहे सूरदहे सुलसदहे विज्जुप्पहदहे। जंबूमंदरउत्तरेणं उत्तरकुराए कुराए पंचमहद्दहा प० तं० णीलवंतदहे उत्तरकुरुदहे चंददहे एरावणदहे मालवंतदहे। सव्वेवि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरं वा पव्वयंतेणं पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंचगाउयसयाइं उव्वेहेणं। धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धेणं मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं पंचवक्खारपव्वया प० तं० मालवंते एवं जहा जंबुद्दीवे तहा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे वक्खारा दहा य उच्चत्तं

भाणियव्वं । समयक्खेत्ते णं पंच भरहाइं पंच एरवयाइं एवं जहा चउट्ठाणे बिइय उद्देसे तहा एत्थवि भाणियव्वं जाव पंच मंदरा पंचमंदरचूलियाओ णवरं उसुयारा णत्थि ॥ ४४ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था बाहुबली णं अणगारे एवं चेव । बंभी णं अज्जा एवं चेव सुंदरीवि । पंचहिं ठाणेहिं सुत्ते वि बुज्झेज्जा तं० सद्देणं फासेणं भोयणपरिणामेणं णिद्दक्खएणं सुविणदंसणेणं । पंचहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ तं० णिग्गंथिं च णं अण्णयरे पसुजाइए वा पक्खीजाइए वा ओहाएज्जा तत्थ णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं दुग्गंसि वा विसमंसि वा पक्खलमाणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ णिग्गंथे णिग्गंथिं सेयंसि वा पंकंसि वा पणगंसि वा उदगंसि वा उक्कस्समाणिं वा उवुज्झमाणिं वा गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ । णिग्गंथे णिग्गंथिं णावं आरुहमाणे वा ओरुहमाणे वा णाइक्कमइ खित्तइत्तं जक्खाइट्ठं उम्मायपत्तं उवसग्गपत्तं साहिगरणं सपायच्छित्तं· जाव भत्तपाणपडियाइक्खियं अट्ठजायं वा णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ ॥ ४५ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि पंच अइसेसा प० तं० आयरियउवज्झाए अंतोउवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स उच्चारपासवणं विगिंचमाणे वा विसोहेमाणे वा णाइक्कमइ आयरियउवज्झाए पभू इच्छा वेयावडियं करेज्जा इच्छा णो करेज्जा आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा एगागी वसमाणे णाइक्कमइ । आयरियउवज्झाए बाहिं उवस्सयस्स एगराइं वा दुराइं वा वसमाणे णाइक्कमइ । पंचहिं ठाणेहिं आयरियउवज्झायस्स गणावक्कमणे प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ । आयरियउवज्झाए गणंसि अहारायणियाए किइकम्मं वेणइयं णो सम्मं पउंजित्ता भवइ । आयरियउवज्झाए गणंसि जे सुयपज्जवजाए धारिंति ते काले णो सम्ममणुपवाएत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि सगणियाए वा परगणियाए वा णिग्गंथीए बहिल्लेसे भवइ, मित्ते णाइगणे वा से गणाओ अवक्कमेज्जा तेसिं संगहोवग्गहट्ठयाए गणावक्कमणे

पण्णत्ते। पंच विहा इड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० अरहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा भावियप्पाणो-अणगारा ॥ ४६ ॥

पंचमं ठाणं तइओ उद्देसो

पंच अत्थिकाया प० तं० धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए। धम्मत्थिकाए अवण्णे अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे से समासओ पंचविहे प० तं० दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ। दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगं दव्वं खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ णासी ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइत्ति भुविं भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे य (१) अधम्मत्थिकाए अवण्णे एवं चेव णवरं गुणओ ठाणगुणे (२) आगासत्थिकाए अवण्णे एवं चेव णवरं खेत्तओ लोगालोगप्पमाणमित्ते गुणओ अवगाहणागुणे सेसं तं चेव (३) जीवत्थिकाए णं अवण्णे एवं चेव णवरं दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, अरूवी जीवे सासए, गुणओ उवओगगुणे, सेसं तं चेव (४) पोग्गलत्थिकाए पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए जाव दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोगपमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ णासी जाव णिच्चे भावओ वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ४७ ॥ पंच गईओ प० तं० णिरयगई तिरियगई मणुयगई देवगई सिद्धिगई। पंच इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे। पंच मुंडा प० तं०—सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, अहवा पंच मुंडा प० तं० कोहमुंडे, माणमुंडे, मायामुंडे, लोभमुंडे, सिरमुंडे ॥ ४८ ॥ अहे लोए णं पंच बायरा प० तं० पुढविकाइया आउ० वाउ० वणस्सइकाइया उराला तसा पाणा। उड्ढलोए णं पंच बायरा, एवं चेव, तिरियलोए णं पंच बायरा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया। पंच विहा बायरतेउकाइया प० तं० इंगाले जाले मुम्मुरे अच्ची अलाए। पंचविहा बादरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए विदिसिवाए। पंचविहा अचित्ता वाउकाइया प० तं० अक्कंते धंते पीलिए सरीराणुगए संमुच्छिमे ॥ ४९ ॥ पंच णियंठा प० तं० पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए। पुलाए पंच विहे प० तं०

णाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे। बउसे पंचविहे प० तं० आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे। कुसीले पंचविहे प० तं० णाणकुसीले दंसणकुसीले चरित्तकुसीले लिंगकुसीले अहासुहुमकुसीले णामं पंचमे। णियंठे पंचविहे प० तं० पढमसमयणियंठे अपढमसमयणियंठे चरिमसमयणियंठे अचरिमसमयणियंठे अहासुहुमणियंठे णामं पंचमे। सिणाए पंच विहे प० तं० अच्छवी असबले अकम्मंसे संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अपरिस्साई ॥५०॥ कप्पइ णिग्गंथाणं वा णिग्गंथीणं वा पंचवत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा तं० जंगिए भंगिए साणए पोत्तिए तिरीडपट्टए णामं पंचमए। कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पंच रयहरणाइं धारित्तए वा परिहरित्तए वा, तंजहा उण्णिए उट्टिए साणए पच्चापिच्चियए मुंजापिच्चिए णामं पंचमे ॥५१॥ धम्मं चरमाणस्स पंच णिस्साठाणा प० तं० छक्काए गणे राया गिहवई सरीरं। पंच णिही प० तं० पुत्तणिही मित्तणिही सिप्पणिही धणणिही धण्णणिही। पंचविहे सोए प० तं० पुढविसोए आउसोए तेउसोए मंतसोए बंभसोए। पंचठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवं असरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव परमाणुपोग्गलं। अहे लोए णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया प० तं० काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे। उड्ढलोए णं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाविमाणा प० तं० विजये वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे ॥५२॥ पंच पुरिसजाया प० तं० हिरिसत्ते हिरिमणसत्ते चलसत्ते थिरसत्ते उदयणसत्ते। पंच मच्छा प० तं० अणुसोयचारी पडिसोयचारी अंतचारी मज्झचारी सव्वचारी। एवामेव पंच भिक्खागा प० तं० अणुसोयचारी जाव सव्वचारी। पंच वणीमगा प०तं० अतिहिवणीमए किवणवणीमए माहणवणीमए साणवणीमए समणवणीमए। पंचहिं ठाणेहिं अचेलए पसत्थे भवइ तं० अप्पा पडिलेहा लाघविए पसत्थे रूवेवेसासिए तवे अणुण्णाए विउले इंदियणिग्गहे। पंच उक्कला प० तं० दंडुक्कले रज्जुक्कले तेणुक्कले देसुक्कले सव्वुक्कले। पंच समिईओ प० तं० इरियासमिई भासा जाव पारिठावणियासमिई ॥५३॥ पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०तं०

एगिंदिया जाव पंचिंदिया। एगिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० एगिंदिए एगिंदिएसु उववज्जमाणे एगिंदिएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से एगिंदिए एगिंदियत्तं विप्पजहमाणे एगिंदियत्ताए वा जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा। बेइंदिया पंचगइया पंचागइया एवं चेव। एवं जाव पंचिंदिया पंचगइया पंचागइया प० तं० पंचिंदिया जाव गच्छेज्जा ॥ ५४ ॥ पंचविहा सव्वजीवा प० तं० कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई। अहवा पंचविहा सव्वजीवा प० तं० णेरइया जाव देवा सिद्धा। अह भंते! कलमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईणपलिमंथगाणं एएसि णं धण्णाणं कुट्ठाउत्ताणं जहा सालीणं जाव केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पंच संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव तेण परं जोणीवोच्छेदे पण्णत्ते ॥५५॥ पंच संवच्छरा प० तं० णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिंचरसंवच्छरे। जुगसंवच्छरे पंचविहे प० तं० चंदे चंदे अभिवड्ढिए चंदे अभिवड्ढिए चेव। पमाणसंवच्छरे पंचविहे प० तं० णक्खत्ते चंदे उऊ आइच्चे अभिवड्ढिए। लक्खणसंवच्छरे पंचविहे प० तं० समगं णक्खत्ता जोगं जोयंति समगं उऊ परिणमंति; णच्चुण्हं णाइसीओ बहूदओ होइ णक्खत्ते (१) ससिसगलपुण्णमासी जोएइ विसमचारिणक्खत्ते कडुओ बहूदओ या तमाहु संवच्छरं चंदं(२)विसमं पवालिणो परिणमंति; अणुदूसु देंति पुप्फफलं; वासं ण सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं (३) पुढविदगाणं तु रसं पुप्फफलाणं तु देइ आदिच्चो; अप्पेण वि वासेणं सम्मं णिप्फज्जए सस्सं (४) आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमंति; पूरिंति रेणुथलयाइं, तमाहु अभिवड्ढियं जाण (५) ॥ ५६ ॥ पंचविहे जीवस्स णिज्जाणमग्गे प० तं० पाएहिं ऊरूहिं उरेणं सिरेणं सव्वंगेहिं। पाएहिं णिज्जाणमाणे णिरयगामी भवइ ऊरूहिं णिज्जाणमाणे तिरियगामी भवइ उरेणं णिज्जाणमाणे मणुयगामी भवइ सिरेणं णिज्जाणमाणे देवगामी भवइ सव्वंगेहिं णिज्जाणमाणे सिद्धिगइपज्जवसाणे पण्णत्ते। पंचविहे छेयणे प० तं० उप्पायच्छेयणे वियच्छेयणे बंधच्छेयणे पएसच्छेयणे दोधारच्छेयणे। पंचविहे आणंतरिए प०तं० उप्पायणंतरिए वियणंतरिए पएसाणंतरिए समयाणंतरिए सामण्णाणंतरिए। पंचविहे अणंते प० तं० णामणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए। अहवा पंचविहे अणंतए प० तं० एगओऽणंतए दुहओणंतए देस-

वित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५७ ॥ पंचविहे णाणे प० तं० आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे। पंचविहे णाणावरणिज्जे कम्मे प० तं० आभिणिबोहियणाणावरणिज्जे जाव केवलणाणावरणिज्जे। पंचविहे सज्झाए प० तं० वायणा पुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा। पंचविहे पच्चक्खाणे प० तं० सद्दहणसुद्धे विणयसुद्धे अणुभासणासुद्धे अणुपालणासुद्धे भावसुद्धे। पंचविहे पडिक्कमणे प० तं० आसवदारपडिक्कमणे मिच्छत्तपडिक्कमणे कसायपडिक्कमणे जोगपडिक्कमणे भावपडिक्कमणे। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं वाएज्जा तं० संगहट्ठयाए उवग्गहणट्ठयाए णिज्जरणट्ठयाए सुत्ते वा मे पज्जवयाए भविस्सइ सुत्तस्स वा अवोच्छित्तिणयट्ठयाए। पंचहिं ठाणेहिं सुत्तं सिक्खिज्जा तं० णाणट्ठयाए दंसणट्ठयाए चरित्तट्ठयाए वुग्गहविमोयणट्ठयाए अहत्थे वा भावे जाणिस्सामीति कट्टु। सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचवण्णा प०तं० किण्हा जाव सुक्किल्ला (१) सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु विमाणा पंचजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० (२) बंभलोगलंतएसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जसरीरगा उक्कोसेणं पंचरयणी उड्ढं उच्चत्तेणं प० (३) णेरइया णं पंचवण्णे पंचरसे पोग्गले बंधेंसु वा बंधंति वा बंधिस्संति वा तं० किण्हे जाव सुक्किल्ले, तित्ते जाव महुरे, एवं जाव वेमाणिया ॥ ५८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं गंगामहाणइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० जउणा सरऊ आदी कोसी मही (१) जंबूमंदरस्स दाहिणेणं सिंधुमहाणइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० सयद्दू विभासा वितत्था एरावई चंदभागा (२) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तामहाणइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० किण्हा महाकिण्हा णीला महाणीला महातीरा (३) जंबूमंदरस्स उत्तरेणं रत्तावइं महाणइं पंचमहाणईओ समप्पेंति तं० इंदा इंदसेणा सुसेणा वारिसेणा महाभोया (४) ॥५९॥ पंच तित्थयरा कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडा जाव पव्वइया तं० वासुपुज्जे मल्ली अरिट्ठणेमी पासे वीरे। चमरचंचाए रायहाणीए पंच सभा प० तं० सभासुहम्मा उववायसभा अभिसेयसभा अलंकारियसभा ववसायसभा। एगमेगे णं इंदट्ठाणे णं पंच सभाओ प० तं० सभासुहम्मा जाव ववसायसभा। पंच णक्खत्ता पंच तारा प० तं० धणिट्ठा रोहिणी पुणव्वसू हत्थो विसाहा। जीवा णं पंचट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० एगिंदियणिव्व-

त्तिए जाव पंचिंदियणिव्वत्तिए एवं चिण उवचिण बंध-उदीर-वेद-तह णिज्जरा चेव । पंचपएसिया खंधा अणंता प० । पंचपएसोगाढा पोग्गला अणंता प० जाव पंच गुणलुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ६०॥

छट्ठं ठाणं

छहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ गणं धारित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए, सच्चे पुरिसजाए, मेहावी पुरिसजाए, बहुस्सुए पुरिसजाए, सत्तिमं, अप्पाहिगरणे । छहिं ठाणेहिं णिग्गंथे णिग्गंथिं गिण्हमाणे वा अवलंबमाणे वा णाइक्कमइ, तं० खित्तचित्तं, दित्तचित्तं, जक्खाइट्ठं, उम्मायपत्तं, उवसग्गपत्तं, साहिगरणं ॥१॥ छहिं ठाणेहिं णिग्गंथा णिग्गंथीओ य साहम्मियं कालगयं समायरमाणा णाइक्कमंति तं० अंतोहिंतो वा बाहिं णीणेमाणा, बाहीहिंतो वा णिब्बाहिं णीणेमाणा, उवेहमाणा वा, उवासमाणा वा, अणुण्णवेमाणा वा, तुसिणीए वा संपव्वयमाणा ॥ २ ॥ छ ठाणाई छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायमधम्मत्थिकायमायासं जीवमसरीरपडिबद्धं परमाणुपोग्गलं सद्दं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे जाव सव्वभावेणं जाणइ पासइ धम्मत्थिकायं जाव सद्दं ॥ ३ ॥ छहिं ठाणेहिं सव्वजीवाणं णत्थि इड्ढीति वा जुत्तीति वा जसेइ वा बलेइ वा वीरिएइ वा पुरिसक्कार जाव परक्कमेइ वा तं० जीवं वा अजीवं करणयाए, अजीवं वा जीवं करणयाए, एगसमएणं वा दो भासाओ भासित्तए, सयं कडं वा कम्मं वेएमि वा मा वा वेएमि, परमाणुपोग्गलं वा छिंदित्तए वा, भिंदित्तए वा, अगणिकाएण वा समोदहित्तए, बहिया वा लोगंता गमणयाए ॥ ४ ॥ छज्जीवणिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ५ ॥ छ तारग्गहा प० तं० सुक्के, बुहे, बहस्सई, अंगारए, सणिचरे, केऊ ॥६॥ छव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया ॥ ७ ॥ पुढविकाइया छगइया छआगइया प० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव तसकाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, सो चेव णं से पुढविकाइए पुढविकाइयत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए वा जाव तसकाइयत्ताए वा गच्छेज्जा । आउकाइयावि छगइया छआगइया, एवं चेव जाव तसकाइया ॥ ८ ॥ छव्विहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी, अण्णाणी ॥ ९ ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० एगिंदिया जाव पंचिंदिया, अणिंदिया ॥ १० ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा प० तं० ओरा-

लियसरीरी, वेउव्वियसरीरी, आहारगसरीरी, तेअगसरीरी, कम्मगसरीरी, असरीरी ॥ ११ ॥ छव्विहा तणवणस्सइकाइया प० तं० अग्गबीया मूलबीया पोरबीया खंधबीया बीयरुहा संमुच्छिमा ॥ १२ ॥ छट्ठाणाइं सव्वजीवाणं णो सुलभाइं भवंति, तं० माणुस्सए भवे, आयरिए खित्ते जम्मं, सुकुले पच्चायाई, केवलिपण्णत्तस्स धम्मस्स सवणया, सुयस्स वा सद्दहणया, सद्दहियस्स वा पत्तियस्स वा रोइयस्स वा सम्मं काएणं फासणया ॥ १३ ॥ छ इंदियत्था प० तं० सोइंदियत्थे जाव फासिंदियत्थे णोइंदियत्थे ॥ १४ ॥ छव्विहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे णोइंदियसंवरे ॥ १५॥ छव्विहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे, जाव फासिंदियअसंवरे, णोइंदियअसंवरे ॥ १६ ॥ छव्विहे साए प० तं० सोइंदियसाए जाव णोइंदियसाए ॥ १७ ॥ छव्विहे असाए प० तं० सोइंदियअसाए, जाव णोइंदियअसाए ॥ १८ ॥ छव्विहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे, तदुभयारिहे, विवेगारिहे, विउस्सग्गारिहे, तवारिहे ॥ १९ ॥ छव्विहा मणुस्सा प० तं० जंबूदीवगा, धायइखंडदीवपुरत्थिमद्धगा, धायइखंडदीवपच्चत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धगा, पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धगा, अंतरदीवगा । अहवा छव्विहा मणुस्सा प० तं० संमुच्छिममणुस्सा, कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा; गब्भवक्कंतियमणुस्सा कम्मभूमिगा अकम्मभूमिगा अंतरदीवगा ॥ २० ॥ छव्विहा इड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० अरहंता, चक्कवट्टी, बलदेवा, वासुदेवा, चारणा, विज्जाहरा ॥ २१ ॥ छव्विहा अणिड्ढिमंता मणुस्सा प० तं० हेमवंतगा हेरण्णवंतगा हरिवंसगा रम्मगवंसगा कुरुवासिणो अंतरदीवगा ॥ २२ ॥ छव्विहा ओसप्पिणी प० तं० सुसमसुसमा जाव दुसमदुसमा । छव्विहा उस्सप्पिणी प० तं० दुसमदुसमा जाव सुसमसुसमा ॥ २३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु तीताए उस्सप्पिणी सुसमसुसमाए समाए मणुया छच्च धणुसहस्साइं उड्ढमुच्चत्तेणं हुत्था, छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालयित्था ॥ २४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव ॥ २५ ॥ जंबू० भरहेरवए आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए एवं चेव, जाव छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालइस्संति ॥ २६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरासु मणुया छधणुस्सहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० छच्च अद्धपलिओवमाइं परमाउं पालेंति ॥ २७ ॥

एवं धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे चत्तारि आलावगा जाव पुक्खरवरदीवड्डपच्चत्थिमद्धे चत्तारि आलावगा ॥ २८ ॥ छव्विहे संघयणे प० तं० वइरोसभणारायसंघयणे, उसभणारायसंघयणे, णारायसंघयणे, अद्धणारायसंघयणे, खीलियासंघयणे, छेवट्ठसंघयणे ॥ २९ ॥ छव्विहे संठाणे प० तं० समचउरंसे, णग्गोहपरिमंडले, साई, खुज्जे, वामणे, हुंडे ॥ ३० ॥ छट्ठाणा अणत्तवओ अहियाए असुभाए जाव अणाणुगामियत्ताए भवंति, तं० परियाए परियाले सुए तवे लाभे पूयासक्कारे॥३१॥छट्ठाणा अत्तवत्तो हियाए जाव आणुगामियत्ताए भवंति तं० परियाए जाव पूयासक्कारे ॥३२॥ छव्विहा जाइआरिया मणुस्सा प० तं० अंबट्ठा य कलंदा य वेदेहा वेदिगाइया; हरिया चुंचुणा चेव छप्पेया इब्भजाइओ ॥ ३३ ॥ छव्विहा कुलारिया मणुस्सा प० तं० उग्गा भोगा राइण्णा इक्खागा णाया कोरवा ॥३४॥ छव्विहा लोगट्ठिई प०तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही उदहिपइट्ठिया पुढवी पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा अजीवा जीवपइट्ठिया जीवा कम्मपइट्ठिया ॥ ३५ ॥ छद्दिसाओ प० तं० पाईणा पडीणा दाहिणा उईणा उड्ढा अहा ॥ ३६ ॥ छहिं दिसाहिं जीवाणं गई पवत्तइ तं० पाईणाए जाव अहाए एवमागई वक्कंती आहारे वुड्ढी णिवुड्ढी विगुव्वणा गइपरियाए समुग्घाए कालसंजोगे दंसणाभिगमे णाणाभिगमे जीवाभिगमे अजीवाभिगमे एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि ॥ ३७ ॥ छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारमाहारेमाणे णाइक्कमइ तं० वेयणवेयावच्चे ईरियट्ठाए य संजमट्ठाए, तह पाणवत्तियाए छट्ठं पुण धम्मचिंताए। छहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे आहारं वोच्छिंदमाणे णाइक्कमइ तं० आयंके उवसग्गे तितिक्खणे बंभचेरगुत्तीए पाणिदया तवहेउं सरीरवुच्छेयणट्ठाए ॥ ३८ ॥ छहिं ठाणेहिं आया उम्मायं पाउणेज्जा तं० अरहंताणमवण्णं वयमाणे, अरहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अवण्णं वयमाणे, आयरियउवज्झायाणमवण्णं वयमाणे, चाउव्वण्णस्स संघस्स अवण्णं वयमाणे, जक्खावेसेण चेव मोहणिज्जस्स चेव कम्मस्स उदएणं ॥ ३९ ॥ छव्विहे पमाए प० तं० मज्जपमाए णिद्दपमाए, विसयपमाए, कसायपमाए, जूयपमाए, पडिलेहणापमाए ॥ ४० ॥ छव्विहा पमायपडिलेहणा प० तं० आरभडा संमद्दा, वज्जेयव्वा य मोसली तइया, पप्फोडणा चउत्थी विक्खित्ता वेइया छट्ठी (१) छव्विहा अप्पमायपडिलेहणा प० तं० अणच्चावियं अवलियं,

अणाणुबंधि अमोसलिं चेव छप्पुरिमा णव खोडा पाणी पाणविसोहणी (२) ॥ ४१ ॥ छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं छ लेसाओ प० तं० कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । एवं मणुस्सदेवाण वि ॥ ४२ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४३ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो छ अग्गमहिसीओ प० ॥ ४४ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स मज्झिमपरिसाए देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ४५ ॥ छ दिसिकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूयवई रूवकंता रूयप्पभा । छ विज्जुकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया ॥ ४६ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० आला सक्का सतेरा सोयामणी इंदा घणविज्जुया । भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छ अग्गमहिसीओ प० तं० रूवा रूवंसा सुरूवा रूववई रूवकंता रूयप्पभा । जहा धरणस्स तहा सव्वेसिं दाहिणिल्लाणं जाव घोसस्स । जहा भूयाणंदस्स तहा सव्वेसिं उत्तरिल्लाणं जाव महाघोसस्स ॥ ४७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो छस्सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । एवं भूयाणंदस्स वि जाव महाघोसस्स ॥ ४८ ॥ छव्विहा उग्गहमई प० तं० खिप्पमोगिण्हइ बहुमोगिण्हइ बहुविधमोगिण्हइ धुवमोगिण्हइ अणिस्सियमोगिण्हइ असंदिद्धमोगिण्हइ ॥ ४९ ॥ छव्विहा ईहामई प० तं० खिप्पमीहइ, बहुमीहइ जाव असंदिद्धमीहइ ॥ ५० ॥ छव्विहा अवायमई प० तं० खिप्पमवेइ जाव असंदिद्धमवेइ । छव्विहा धारणा प० तं० बहुं धारेइ बहुविहं धारेइ पोराणं धारेइ दुद्धरं धारेइ अणिस्सियं धारेइ असंदिद्धं धारेइ ॥ ५१ ॥ छव्विहे बाहिरए तवे प० तं० अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसो पडिसंलीणया ॥ ५२ ॥ छव्विहे अब्भंतरिए तवे प० तं० पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ झाणं विउस्सग्गो ॥ ५३ ॥ छव्विहे विवाए प० तं० ओसक्कइत्ता उस्सक्कइत्ता अणुलोमइत्ता पडिलोमइत्ता भइत्ता भेलइत्ता ॥ ५४ ॥ छव्विहा खुड्डा पाणा प० तं० बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेउकाइया वाउकाइया ॥ ५५ ॥ छव्विहा गोयरचरिया प० तं० पेडा अद्धपेडा गोमुत्तिया पतंगवीहिया संबुक्कवट्टा गंतुंपच्चागया ॥ ५६ ॥ जंबुद्दीवे दीवे

मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणमिमीसे रयणप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंतमहाणिरया प०तं० लोले लोलुए उदड्ढे णिदड्ढे जरए पज्जरए ॥५७॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए छ अवक्कंता महाणिरया प० तं० आरे वारे मारे रोरे रोरुए खाडखडे ॥ ५८ ॥ बंभलोए णं कप्पे छ विमाणपत्थडा प० तं० अरए विरए णीरए णिम्मले वितिमिरे विसुद्धे ॥ ५९ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता पुव्वंभागा समखेत्ता तीसइमुहुत्ता प० तं० पुव्वाभद्दवया कत्तिया महा पुव्वाफग्गुणी मूलो पुव्वासाढा ॥ ६० ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता णत्तंभागा अवड्ढक्खेत्ता पण्णरसमुहुत्ता प० तं० सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा ॥ ६१ ॥ चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो छ णक्खत्ता उभयंभागा दिवड्ढखेत्ता पणयालीसमुहुत्ता प० तं० रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा उत्तराभद्दवया ॥ ६२ ॥ अभिचंदे णं कुलकरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ६३ ॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं महाराया हुत्था ॥ ६४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स छसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए अपराजियाणं संपया हुत्था ॥ ६५ ॥ वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ६६ ॥ चंदप्पभे णं अरहा छम्मासे छउमत्थे हुत्था ॥ ६७ ॥ तेइंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स छव्विहे संजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ घाणामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ जिब्भामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ एवं चेव फासामाओ वि ॥ ६८ ॥ तेइंदियाणं जीवाणं समारभमाणस्स छव्विहे असंजमे कज्जइ तं० घाणामाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ घाणामएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ जाव फासमएणं दुक्खेणं संजोगेत्ता भवइ ॥ ६९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ७० ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे ॥ ७१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे छव्वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी ॥ ७२ ॥ जंबूमंदरदाहिणे णं छ कूडा प० तं० चुल्लहिमवंतकूडे वेसमणकूडे महाहिमवंतकूडे वेरुलियकूडे णिसढकूडे रुयगकूडे ॥ ७३ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं छ कूडा प० तं० णीलवंतकूडे उवदंसणकूडे रुप्पिकूडे मणिकंचणकूडे सिहरिकूडे तिगिच्छकूडे ॥७४॥

जंबुद्दीवे दीवे छ महद्दहा प० तं० पउमद्दहे महापउमद्दहे तिगिच्छद्दहे केसरिद्दहे महापोंडरीयद्दहे पुंडरीयद्दहे ॥ ७५ ॥ तत्थ णं छ देवयाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमठिईयाओ परिवसंति तं० सिरी हिरी धिई कित्ती बुद्धी लच्छी ॥ ७६ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं छ महाणईओ प० तं० गंगा सिंधू रोहिया रोहियंसा हरी हरिकंता ॥७७॥ जंबूमंदरउत्तरे णं छ महाणईओ प० तं० णरकंता णारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई ॥ ७८ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमे णं सीयाए महाणईए उभयकूले छ अंतरणईओ प० तं० गाहावई दहावई पंकवई तत्तजला मत्तजला उम्मत्तजला ॥ ७९ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमे णं सीओयाए महाणईए उभयकूले छ अंतरणईओ प० तं० खीरोदा सीहसोया अंतोवाहिणी उम्मिमालिणी फेणमालिणी गंभीरमालिणी ॥ ८० ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं छ अकम्मभूमीओ प० तं० हेमवए एवं जहा जंबुद्दीवे २ तहा णई जाव अंतरणईओ जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे भाणियव्वं ॥८१॥ छ उऊ प० तं० पाउसे वरिसारत्ते सरए हेमंते वसंते गिम्हे ॥ ८२ ॥ छ ओमरत्ता प० तं० तइए पव्वे सत्तमे पव्वे एक्कारसमे पव्वे पण्णरसमे पव्वे एगूणवीसइमे पव्वे तेवीसइमे पव्वे ॥ ८३ ॥ छ अइरत्ता प० तं० चउत्थे पव्वे अट्ठमे पव्वे दुवालसमे पव्वे सोलसमे पव्वे वीसइमे पव्वे चउवीसइमे पव्वे ॥ ८४ ॥ आभिणिबोहियणाणस्स णं छव्विहे अत्थोग्गहे प० तं० सोइंदियत्थोग्गहे जाव णोइंदियत्थोग्गहे ॥ ८५ ॥ छव्विहे ओहिणाणे प० तं० आणुगामिए अणाणुगामिए वड्ढमाणए हीयमाणए पडिवाई अपडिवाई ॥ ८६ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा इमाइं छ अवयणाइं वइत्तए तं० अलियवयणे हीलियवयणे खिंसियवयणे फरुसवयणे गारत्थियवयणे विउसवियं वा पुणो उदीरित्तए ॥ ८७ ॥ छ कप्पस्स पत्थारा प० तं० पाणाइवायस्स वायं वयमाणे मुसावायस्स वायं वयमाणे अदिण्णादाणस्स वायं वयमाणे अविरइवायं वयमाणे अपुरिसवायं वयमाणे दासवायं वयमाणे इच्चेए छ कप्पस्स पत्थारे पत्थरेत्ता सम्ममपरिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते ॥ ८८ ॥ छ कप्पस्स पलिमंथू प० तं० कोकुइए संजमस्स पलिमंथू मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमंथू चक्खुलोलुए ईरियावहियाए पलिमंथू तितिणिए एसणागोयरस्स पलिमंथू इच्छालोभिए मुत्तिमग्गस्स पलिमंथू भिज्जाणिदाणकरणे मोक्खमग्गस्स पलिमंथू सव्वत्थ भगवया अणिदाणता पसत्था ॥ ८९ ॥ छव्विहा

कप्पठिई प० तं० सामाइयकप्पठिई छेओवट्ठावणियकप्पठिई णिव्विसमाणकप्पठिई णिव्विट्ठकप्पठिई जिणकप्पठिई थेरकप्पठिई ॥ ९० ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं मुंडे जाव पव्वइए ॥ ९१ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ॥ ९२ ॥ समणे भगवं महावीरे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ९३ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९४ ॥ सणंकुमारमाहिंदेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरगा उक्कोसेणं छ रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता ॥ ९५ ॥ छव्विहे भोयणपरिणामे प० तं० मणुण्णे रसिए पीणणिज्जे बिंहणिज्जे दीवणिज्जे [मयणिज्जे] दप्पणिज्जे ॥ ९६ ॥ छव्विहे विसपरिणामे प० तं० डक्के भुत्ते णिवइए मंसाणुसारी सोणियाणुसारी अट्ठिमिंजाणुसारी ॥९७॥ छव्विहे पट्ठे प० तं० संसयपट्ठे वुग्गहपट्ठे अणुजोगी अणुलोमे तहणाणे अतहणाणे ॥ ९८ ॥ चमरचंचा णं रायहाणी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ ९९ ॥ एगमेगे णं इंदट्ठाणे उक्कोसेणं छम्मासा विरहिए उववाएणं ॥ १०० ॥ अहेसत्तमा णं पुढवी उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥ १०१ ॥ सिद्धिगई णं उक्कोसेणं छम्मासा विरहिया उववाएणं ॥१०२॥ छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामणिधत्ताउए गइणामणिधत्ताउए ठिइणामणिधत्ताउए ओगाहणाणामणिधत्ताउए पएसणामणिधत्ताउए अणुभावणामणिधत्ताउए ॥ १०३ ॥ णेरइयाणं छव्विहे आउयबंधे प० तं० जाइणामणिधत्ताउए जाव अणुभावणामणिधत्ताउए एवं जाव वेमाणियाणं ॥ १०४ ॥ णेरइया णियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति, एवामेव असुरकुमारावि जाव थणियकुमारा, असंखेज्जवासाउया सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णियमं छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पगरेंति। असंखेज्जवासाउया सण्णिमणुस्सा णियमं जाव पगरेंति, वाणमंतरा जोइसवासिया वेमाणिया जहा णेरइया ॥ १०५ ॥ छव्विहे भावे प० तं० ओदइए उवसमिए खइए खयोवसमिए पारिणामिए संणिवाइए ॥ १०६ ॥ छव्विहे पडिक्कमणे प० तं० उच्चारपडिक्कमणे पासवणपडिक्कमणे इत्तरिए आवकहिए जंकिंचिमिच्छा सोमणंतिए ॥ १०७॥ कत्तियाणक्खत्ते छतारे प० ॥१०८॥ असिलेसाणक्खत्ते छत्तारे प० ॥ १०९ ॥ जीवा णं छट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए

चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० पुढविकाइयणिव्वत्तिए जाव तसकाय-णिव्वत्तिए एवं चिण-उवचिण-बंध-उदीर-वेय तह-णिज्जरा चेव ॥ ११० ॥ छप्पए-सिया णं खंधा अणंता प० ॥१११॥ छप्पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥११२॥ छसमयठिईया पोग्गला अणंता प० ॥११३॥ छगुणकालगा पोग्गला जाव छगुण-लुक्खा पोग्गला अणंता पण्णत्ता ॥ ११४ ॥

सत्तमं ठाणं

सत्तविहे गणावक्कमणे प० तं० सव्वधम्मा रोएमि एगइया रोएमि एगइया णो रोएमि सव्वधम्मा वितिगिच्छामि एगइया वितिगिच्छामि एगइया णो वितिगिच्छामि सव्वधम्मा जुहुणामि एगइया जुहुणामि एगइया णो जुहुणामि इच्छामि णं भंते ! एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए ॥ १ ॥ सत्तविहे विभंगणाणे प० तं० एगदिसिलोगाभिगमे, पंचदिसिलोगाभिगमे, किरियावरणे जीवे, मुदग्गे जीवे, अमुदग्गे जीवे, रूवी जीवे, सव्वमिणं जीवा, तत्थ खलु इमे पढमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंग-णाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाईणं वा पडिणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं वा जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे एग-दिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु पंचदिसिं लोगा-भिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु पढमे विभंगणाणे। अहावरे दोच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाईणं वा पडीणं वा दाहिणं वा उदीणं वा उड्ढं जाव सोहम्मे कप्पे तस्स णं एवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समु-प्पण्णे पंचदिसिं लोगाभिगमे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु एगदिसिं लोगाभिगमे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु दोच्चे विभंगणाणे। अहावरे तच्चे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्प-ज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ पाणे अइवाएमाणा, मुसं वएमाणे अदिण्णमादियमाणे मेहुणं पडिसेवमाणे परिग्गहं परिगिण्हमाणे, राइभोयणं भुंज-माणे वा पावं च णं कम्मं कीरमाणं णो पासइ तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे किरियावरणे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु णो किरियावरणे जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तच्चे

विभंगणाणे। अहावरे चउत्थे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं फुसिया फुरित्ता फुट्टित्ता विकुव्वित्ता णं विकुव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणसमुप्पण्णे मुदग्गे जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अमुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु चउत्थे विभंगणाणे। अहावरे पंचमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गलए अपरियाइत्ता पुढेगत्तं णाणत्तं जाव विउव्वित्ता णं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ अत्थि जाव समुप्पण्णे अमुदग्गे जीवे, संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु मुदग्गे जीवे, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, पंचमे विभंगणाणे। अहावरे छट्ठे विभंगणाणे, जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा जाव समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं देवामेव पासइ बाहिरब्भंतरए पोग्गले परियाइत्ता वा अपरियाइत्ता वा पुढेगत्तं णाणत्तं फुसेत्ता जाव विकुव्वित्ताणं चिट्ठित्तए तस्स णमेवं भवइ, अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे रूवी जीवे संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु अरूवी जीवे जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु छट्ठे विभंगणाणे। अहावरे सत्तमे विभंगणाणे जया णं तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा विभंगणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ सुहुमेणं वाउकाएणं फुडं पोग्गलकायं एयंतं वेयंतं चलंतं खुब्भंतं फंदंतं घट्टंतं उदीरेंतं तं तं भावं परिणमंतं तस्स णमेवं भवइ अत्थि णं मम अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, सव्वमिणं जीवा संतेगइया समणा वा माहणा वा एवमाहंसु जीवा चेव अजीवा चेव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु तस्स णमिमे चत्तारि जीवणिकाया णो सम्ममुवगया भवंति तंजहा-पुढविकाइया आऊ तेऊ वाउकाइया, इच्चेएहिं चउहिं जीवणिकाएहिं मिच्छादंडं पवत्तेइ, सत्तमे विभंगणाणे ॥२॥ सत्तविहे जोणिसंगहे प०तं० अंडया पोयया जराउया रसया संसेयया संमुच्छिमा उब्भिया। अंडया सत्तगइया सत्तागइया प० तं० अंडगे अंडगेसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा पोयएहिंतो वा जाव उब्भिएहिंतो वा उववज्जेज्जा से चेव णं से अंडए अंडगत्तं

विप्पजहमाणे अंडयत्ताए वा पोययत्ताए जाव उब्भियत्ताए वा गच्छेज्जा । पोयया सत्तगइया सत्तागइया, एवं चेव, सत्तण्हवि गइरागई भाणियव्वा जाव उब्भियत्ति ॥३॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त संगहठाणा प० तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जहा पंचट्ठाणे जाव आयरियउवज्झाए गणंसि आपुच्छियचारी यावि भवइ, णो अणापुच्छियचारी यावि भवइ आयरियउवज्झाए गणंसि अणुप्पण्णाइं उवगरणाइं सम्मं उप्पाइत्ता भवइ, आयरियउवज्झाए गणंसि पुव्वुप्पण्णाइं उवकरणाइं सम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवइ णो असम्मं सारक्खेत्ता संगोवित्ता भवइ ॥४॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त असंगहठाणा प०तं० आयरियउवज्झाए गणंसि आणं वा धारणं वा णो सम्मं पउंजित्ता भवइ, एवं जाव उवगरणाणं णो सम्मं सारक्खेत्ता संगोवेत्ता भवइ ॥ ५ ॥ सत्त पिंडेसणाओ प० ॥ ६ ॥ सत्तपाणेसणाओ प० ॥ ७ ॥ सत्त उग्गहपडिमाओ प० ॥ ८ ॥ सत्त सत्तिक्कया प० ॥ ९ ॥ सत्त महज्झयणा प० ॥ १० ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा एगूणपण्णयाए राइंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं (अहा अत्थं) जाव आराहिया यावि भवइ ॥११॥ अहे लोए णं सत्त पुढवीओ प०,सत्त घणोदहीओ प०, सत्त घणवाया प०, सत्त तणुवाया प०,सत्त उवासंतरा प०,एएसु णं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु तणुवाएसु सत्त घणवाया पइट्ठिया एएसु णं सत्तसु घणवाएसु सत्त घणोदही पइट्ठिया । एएसु णं सत्तसु घणोदहीसु पिंडलगपिहुणसंठाणसंठिआओ सत्त पुढवीओ प० तं० पढमा जाव सत्तमा । एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त णामधेज्जा प० तं० घम्मा वंसा सेला अंजणा रिट्ठा मघा माघवई । एयासि णं सत्तण्हं पुढवीणं सत्त गोत्ता प० तं० रयणप्पभा सक्करप्पभा वालुअप्पभा पंकप्पभा धूमप्पभा तमा तमतमा ॥ १२ ॥ सत्तविहा बायरवाउकाइया प० तं० पाईणवाए पडीणवाए दाहिणवाए उदीणवाए उड्ढवाए अहोवाए विदिसिवाए ॥ १३ ॥ सत्त संठाणा प० तं० दीहे रहस्से वट्टे तंसे चउरंसे पिहुले परिमंडले ॥ १४ ॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोगभए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए वेयणभए मरणभए असिलोगभए ॥ १५ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं छउमत्थं जाणेज्जा तं० पाणे अइवाएत्ता भवइ मुसं वइत्ता भवइ अदिण्णमाइत्ता भवइ सद्दफरिसरसरूव-

गंधे आसाएत्ता भवइ पूयासक्कारमणुवूहेत्ता भवइ इमं सावज्जंति पण्णवेत्ता पडि-सेवेत्ता भवइ णो जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ १६ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं केवली जाणेज्जा तं० णो पाणे अइवाएत्ता भवइ जाव जहावाई तहाकारी यावि भवइ ॥ १७ ॥ सत्त मूलगोत्ता प० तं० कासवा गोयमा वच्छा कोच्छा कोसिया मंडवा वासिट्ठा । जे कासवा ते सत्तविहा प० तं० ते कासवा ते संडेल्ला ते गोल्ला ते वाला ते मुंजइणो ते पव्वपेच्छइणो ते वरिसकण्हा । जे गोयमा ते सत्त विहा प० तं० ते गोयमा ते गग्गा ते भारद्दा ते अंगिरसा ते सक्कराभा ते भक्खराभा ते उदगत्ताभा। जे वच्छा ते सत्त विहा प० तं० ते वच्छा ते अग्गेया ते मित्तिया ते सामिलिणो ते सेलयया ते अट्ठिसेणा ते वीयकम्हा, जे कोच्छा ते सत्तविहा प० तं० ते कोच्छा ते मोग्गलायणा ते पिंगलायणा ते कोडीणा ते मंडलिणो ते हारिता ते सोमया। जे कोसिआ ते सत्त विहा प० तं० ते कोसिआ ते कच्चायणा ते सालंकायणा ते गोलि-कायणा ते पक्खिकायणा ते अग्गिच्चा ते लोहिया । जे मंडवा ते सत्तविहा प० तं० ते मंडवा ते अरिट्ठा ते समुया ते तेला ते एलावच्चा ते कंडिल्ला ते खारायणा। जे वासिट्ठा ते सत्तविहा प० तं० ते वासिट्ठा ते उंजायणा ते जारेकण्हा ते वग्घावच्चा ते कोडिण्णा ते सण्णी ते पारासरा ॥१८॥ सत्त मूलणया प०तं० णेगमे संगहे ववहारे उज्जुसुए सद्दे समभिरूढे एवंभूए ॥ १९ ॥ सत्त सरा प० तं० सज्जे रिसभे गंधारे मज्झिमे पंचमे सरे, धेवते चेव णिसादे सरा सत्त वियाहिया (१) एएसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरट्ठाणा प० तं०-सज्जं तु अग्गजिब्भाए उरेण रिसभं सरं, कण्ठुग्गएण गंधारं मज्झजिब्भाए मज्झिमं (२) णासाए पंचमं बूया दंतोट्ठेण य धेवयं, मुद्धाणेण य णेसायं सरठाणा वियाहिया (३) सत्त सरा जीवणिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मयूरो कुक्कुडो रिसहं सरं, हंसो णदइ गंधारं मज्झिमं तु गवेलगा (४) अह कुसुमसंभवे काले कोइला पंचमं सरं, छट्ठं च सारसा कोंचा णिसायं सत्तमं गया (५) सत्तसरा अजीवणिस्सिया प० तं० सज्जं रवइ मुइंगो गोमुही रिसभं सरं, संखो णदइ गंधारं मज्झिमं पुण झल्लरी (६) चउचलणपइट्ठाणा गोहिया पंचमं सरं, आडंबरो रेवइयं महाभेरी य सत्तमं (७) एएसि णं सत्त सराणं सत्त सरलक्खणा प० तं० सज्जेण लभइ वित्तिं कयं च ण विणस्सइ, गावो मित्ता य पुत्ता य णारीणं चेव वल्लभो (८) रिसभेण उ एसज्जं, सेणावच्चं धणाणि य; वत्थगंधम-लंकारं इत्थीओ सयणाणि य (९) गंधारे गीयजुत्तिण्णा वज्जवित्ती कलाहिया,

भवंति कइणो पण्णा जे अण्णे सत्थपारगा (१०) मज्झिमसरसंपण्णा भवंति सुह-जीविणो, खायई पीयई देई, मज्झिमं सरमस्सिओ (११) पंचमसरसंपण्णा भवंति पुढवीपई, सूरा संगहकत्तारो अणेगगणणायगा (१२) धेवयसरसंपण्णा भवंति कलहप्पिया; साउणिया वग्गुरिया सोयरिया मच्छबंधा य (१३) चंडाला मुट्ठिया सेया, जे अण्णे पावकम्मिणो; गोघातगा य जे चोरा, णिसायं सरमस्सिता (१४) एएसि णं सत्तण्हं सराणं तओ गामा प० तं० सज्जगामे मज्झिमगामे गंधारगामे। सज्जगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० मंगी कोरव्वीया हरीय रयणी य सार-कंता य, छट्ठी य सारसी णाम सुद्धसज्जा य सत्तमा (१५) मज्झिमगामस्स णं सत्त-मुच्छणाओ प० तं० उत्तरमंदा रयणी उत्तरा उत्तरासमा; आसोकंता य सोवीरा, अभिरू हवइ सत्तमा (१६) गंधारगामस्स णं सत्त मुच्छणाओ प० तं० णंदी य खुद्दिमा पूरिमा य चउत्थी य सुद्धगंधारा, उत्तरगंधारा वि य पंचमिया हवइ मुच्छा उ (१७) सुट्ठुत्तरमायामा सा छट्ठी णियमसो उ णायव्वा अह उत्तरायया कोडी-मायसा सत्तमी मुच्छा (१८) सत्त सराओ कओ संभवंति गेयस्स का भवइ जोणी? कइ समया उस्सासा कइ वा गेयस्स आगारा? (१९) सत्त सरा णाभीओ भवंति, गीयं च रुयजोणीयं; पायसमा ऊसासा तिण्णि य गेयस्स आगारा (२०) आइमिउ आरभंता समुव्वहंता य मज्झगारंमि; अवसाणे तज्जविंतो तिण्णि य गेयस्स आगारा (२१) छद्दोसे अट्ठगुणे तिण्णि य वित्ताइं दो य भणिईओ जाणाहिइ सो गाहिइ सुसिक्खिओ रंगमज्झम्मि (२२) भीतं दुतं रहस्सं गायंतो मा य गाहि उत्तालं, काकस्सरमणुणासं च होंति गेयस्स छद्दोसा (२३) पुण्णं रत्तं च अलंकियं च वत्तं तहा अविघुट्ठं; महुरं समं सुकुमारं अट्ठ गुणा होंति गेयस्स (२४) उरकंठसिरपसत्थं च गेज्जंते मउरिभिअपदबद्धं; समतालपडुक्खेवं सत्तसरसीहरं गीयं (२५) णिद्दोसं सारवंतं च हेउजुत्तमलंकियं, उवणीयं सोवयारं च मियं महुरमेव य (२६) सम-मद्धसमं चेव सव्वत्थ विसमं च जं, तिण्णि वित्तप्पयाराइं चउत्थं णोवलब्भइ (२७) सक्कया पागया चेव दुहा भणिईओ आहिया; सरमंडलम्मि गिज्जंते पसत्था इसि-भासिया (२८) केसी गायइ महुरं केसी गायइ खरं च रुक्खं च, केसी गायइ चउरं केसि विलंबं दुतं केसी? (२९) विस्सरं पुण केरिसी? सामा गायइ महुरं काली गायइ खरं च रुक्खं च गोरी गायइ चउरं, काण विलंबं दुयं अंधा (३०) विस्सरं पुण पिंगला। तंतिसमं तालसमं पादसमं लयसमं गहसमं च, णीससिऊससि-

वसमं संचारसमा सरा सत्त (३१) सत्त सरा य तओ गामा मुच्छणा एगवीसई ताणा एगूणवण्णासा समत्तं सरमंडलं (३२) ॥ २० ॥

सत्तविहे कायकिलेसे प० तं० ठाणाइए उक्कुडुयासणिए पडिमठाई वीरासणिए णेसज्जिए दंडाइए लगंडसाई ॥ २१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सत्तवासा प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवासे रम्मगवासे महाविदेहे ॥२२॥ जंबुद्दीवे २ सत्त वासहरपव्वया प० तं० चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसहे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे ॥ २३ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महाणईओ पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा रोहिया हिरी सीया णरकंता सुवण्णकूला रत्ता ॥ २४ ॥ जंबुद्दीवे २ सत्त महाणईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू रोहियंसा हरिकंता सीतोदा णारिकंता रुप्पकूला रत्तवई ॥ २५ ॥ धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा प० तं० भरहे जाव महाविदेहे। धायइसंडदीवपुरत्थिमे णं सत्त वासहरपव्वया प०तं० चुल्लहिमवंते जाव मंदरे। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महाणईओ पुरत्थाभिमुहीओ कालोयसमुद्दं समप्पेंति तं० गंगा जाव रत्ता। धायइसंडदीवपुरत्थिमद्धे णं सत्त महाणईओ पच्चत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति तं० सिंधू जाव रत्तवई। धायइसंडदीवे पच्चत्थिमद्धे णं सत्त वासा एवं चेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ लवणसमुद्दं समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं, सेसं तं चेव ॥ २६ ॥ पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धे णं सत्त वासा तहेव णवरं पुरत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समुद्दं समप्पेंति पच्चत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति सेसं तं चेव। एवं पच्चत्थिमद्धेवि णवरं पुरत्थाभिमुहीओ कालोदं समुद्दं समप्पेंति, पच्चत्थाभिमुहीओ पुक्खरोदं समप्पेंति, सव्वत्थ वासा वासहरपव्वया णईओ य भाणियव्वाणि ॥ २७॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा हुत्था, तंजहा मित्तदामे सुदामे य सुपासे य सयंपभे; विमलघोसे सुघोसे य महाघोसे य सत्तमे ॥ २८ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए सत्त कुलगरा हुत्था तं० पढमित्थ विमलवाहण चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे; तत्तो य पसेणइ पुण मरुदेवे चेव णाभी य (१) एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारियाओ हुत्था, तं० चंदजसा चंदकंता सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य; सिरिकंता मरुदेवी, कुलकरइत्थीण णामाइं (२) ॥ २९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा भविस्संति तं०

मित्तवाहण सुभोमे य सुप्पभे सयंपभे; दत्ते सहुमे [सुहे सुरुवे] सुबंधू य आगमे-स्सिण होक्खइ ॥ ३० ॥ विमलवाहणे णं कुलगरे सत्तविहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छिसु तं० मत्तंगया य भिंगा चित्तंगा चेव होंति चित्तरसा; मणियंगा य अणियणा सत्तमगा कप्परुक्खा य (१) ॥ ३१ ॥ सत्तविहा दंडणीई प० तं० हक्कारे मक्कारे धिक्कारे परिभासे मंडलबंधे चारए छविच्छेदे ॥ ३२ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त एगिंदियरयणा प० तं० चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे दंडरयणे असिरयणे मणिरयणे काकणिरयणे ॥ ३३ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स सत्त पंचिंदियरयणा प० तं० सेणावइरयणे गाहावइरयणे वड्ढइरयणे पुरोहियरयणे इत्थिरयणे, आसरयणे हत्थिरयणे ॥ ३४ ॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं दुसमं जाणेज्जा, तं० अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाधू पुज्जंति साधू ण पुज्जंति गुरूहिं जणो मिच्छं पडिवण्णो मणोदुहया वइदुहया ॥३५॥ सत्तहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं० अकाले ण वरिसइ काले वरिसइ असाधू ण पुज्जंति साधू पुज्जंति गुरूहिं जणो सम्मं पडिवण्णो मणोसुहया वइसुहया ॥ ३६ ॥ सत्तविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० णेरइया, तिरिक्खजोणिया, तिरिक्खजोणिणिओ, मणुस्सा, मणुस्सीओ, देवा देवीओ ॥ ३७ ॥ सत्तविहे आउभेदे प० तं० अज्झवसाणणिमित्ते, आहारे, वेयणा, पराघाए, फासे, आणापाणू, सत्तविहं भिज्जए आउं ॥ ३८ ॥ सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० पुढविकाइया आउतेउ-वाउ-वणस्सइ० तसकाइया अकाइया । अहवा सत्तविहा सव्वजीवा प० तं० कण्ह-लेसा जाव सुक्कलेसा अलेसा ॥ ३९ ॥ बंभदत्ते णं राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्त धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं सत्त य वाससयाइं परमाउं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ४० ॥ मल्ली णं अरहा अप्पसत्तमे मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तं० मल्ली विदेहरायवरक-ण्णया, पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, रुप्पी कुणालाहिवई, संखे कासीराया, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालराया ॥ ४१ ॥ सत्तविहे दंसणे प० तं० सम्मदंसणे मिच्छदंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे अचक्खुदंसणे ओहिदंसणे केवलदंसणे ॥ ४२ ॥ छउमत्थवीयरागे णं मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएइ, तं० णाणावरणिज्जं, दंसणावरणिज्जं, वेयणियं, आउयं, णामं, गोयमंतराइयं ॥ ४३ ॥ सत्त ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण याणइ ण पासइ,

तं० धम्मत्थिकायं, अधम्मत्थिकायं, आगासत्थिकायं, जीवं असरीरपडिबद्धं, परमाणुपोग्गलं, सद्दं, गंधं ॥ ४४ ॥ एयाणि चेव उप्पण्णणाणे जाव जाणइ पासइ, तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं ॥ ४५ ॥ समणे भगवं महावीरे वयरोसभणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ४६ ॥ सत्तविकहाओ प० तं० इत्थिकहा, भत्तकहा, देसकहा, रायकहा, मिउकालणिया, दंसणभेयणी, चरित्तभेयणी ॥ ४७ ॥ आयरियउवज्झायस्स णं गणंसि सत्त अइसेसा प० तं० आयरियउवज्झाए अंतो उवस्सयस्स पाए णिगिज्झिय २ पप्फोडेमाणे वा पमज्जेमाणे वा णाइक्कमइ एवं जहा पंचट्ठाणे जाव बाहिं उवस्सयस्स एगरायं वा दुरायं वा वसमाणे णाइक्कमइ उवगरणाइसेसे भत्तपाणाइसेसे ॥ ४८ ॥ सत्तविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव तसकाइयसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ४९ ॥ सत्त विहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे जाव तसकाइयअसंजमे, अजीवकायअसंजमे ॥ ५० ॥ सत्तविहे आरंभे प० तं० पुढविकाइयआरंभे जाव अजीवकायआरंभे एवमणारंभेवि एवं सारंभे वि एवमसारंभे वि एवं समारंभेवि एवं असमारंभेवि जाव अजीवकायअसमारंभे ॥ ५१ ॥ अह भंते! अयसिकुसुंभकोद्दवकंगुरालग(वराकोद्दूसगा)सणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं जाव पिहियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त संवच्छराइं, तेण परं जोणी पमिलायइ जाव जोणीवोच्छेदे प० ॥५२॥ बायरआउकाइयाणं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं ठिई प० ॥ ५३ ॥ तच्चाए णं वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं णेरइयाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ५४ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं सत्तसागरोवमाइं ठिई प० ॥५५॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५६ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५७ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सत्त अग्गमहिसीओ प० ॥ ५८ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ५९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं देवीणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६१ ॥ सोहम्मे कप्पे

परिग्गहियाणं देवीणं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ६२ ॥ सारस्सयमाइ-च्चाणं सत्त देवा सत्त देवसया प० ॥ ६३ ॥ गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा प० ॥ ६४ ॥ सणंकुमारे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६५ ॥ माहिंदे कप्पे उक्कोसेणं देवाणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६६ ॥ बंभलोए कप्पे जहण्णेणं देवाणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६७ ॥ बंभलोयलंतएसु णं कप्पेसु विमाणा सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ६८ ॥ भवणवासीणं देवाणं भवधारणिज्जा सरीरगा उक्कोसेणं सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० । एवं वाणमंतराणं एवं जोइसियाणं । सोहम्मीसाणेसु णं कप्पेसु देवाणं भवधारणिज्जगा सरीरा सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ६९ ॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त दीवा प० तं० । जंबुद्दीवे २ धायइसंडे दीवे पोक्खरवरे वरुणवरे खीरवरे घयवरे खोयवरे ॥७०॥ णंदीसरवरस्स णं दीवस्स अंतो सत्त समुद्दा प० तं० लवणे कालोए पुक्खरोदे वरुणोए खीरोदे घओदे खोओए ॥७१॥ सत्त सेढीओ प० तं० उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखुहा दुहओखुहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ॥७२॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए पीढाणिए कुंजराणिए महिसाणिए रहाणिए-णट्टाणिए गंधव्वाणिए दुमे पायत्ताणियाहिवई एवं जहा पंचट्ठाणे जाव किण्णरे रहाणियाहिवई रिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयरई गंधव्वाणियाहिवई । बलिस्स णं वइ-रोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए महद्दुमे पायत्ताणियाहिवई जाव किंपुरिसे रहाणियाहिवई महारिट्ठे णट्टाणियाहिवई गीयजसे गंधव्वाणियाहिवई । धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंध-व्वाणिए रुद्दसेणे पायत्ताणियाहिवई जाव आणंदे रहाणियाहिवई णंदणे णट्टाणिया-हिवई तेतली गंधव्वाणियाहिवई । भूयाणंदस्स सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए दक्खे पायत्ताणियाहिवई जाव णंदुत्तरे रहाणियाहिवई रई णट्टाणियाहिवई माणसे गंधव्वाणियाहिवई एवं जाव घोसमहा-घोसाणं णेयव्वं । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवई प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए हरिणेगमेसी पायत्ताणियाहिवई जाव माढरे रहाणियाहिवई सेए णट्टाणियाहिवई तुंबुरू गंधव्वा णियाहिवई । ईसाणस्स

णं देविंदस्स देवरण्णो सत्त अणिया सत्त अणियाहिवईणो प० तं० पायत्ताणिए जाव गंधव्वाणिए लहुपरक्कमे पायत्ताणियाहिवई जाव महासेए णट्टाणिया-हिवई रए गंधव्वाणियाहिवई सेसं जहा पंचट्ठाणे एवं जाव अच्चुयस्स वि णेयव्वं ॥७३–७४॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा जाव सत्तमा कच्छा। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो दुमस्स पायत्ताणियाहिवइस्स पढमाए कच्छाए चउसट्ठि देवसहस्सा प० जावइया पढमा कच्छा तब्बिगुणा दोच्चा कच्छा तब्बिगुणा तच्चा कच्छा एवं जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा। एवं बलिस्स वि णवरं महद्दुमे सट्ठिदेवसाहस्सिओ सेसं तं चेव। धरणस्स एवं चेव णवरं अट्ठावीसं देवसहस्सा सेसं तं चेव जहा धरणस्स एवं जाव महाघोसस्स णवरं पायत्ताणियाहिवई अण्णे ते पुव्वभणिया॥७५॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो हरिणेगमेसिस्स सत्त कच्छाओ प० तं० पढमा कच्छा एवं जहा चमरस्स तहा जाव अच्चुयस्स, णाणत्तं पायत्ताणियाहिवईणं ते पुव्वभणिया देवपरिमाणमिमं सक्कस्स चउरासीइं देवसहस्सा ईसाणस्स असीई देवसहस्साइं देवा इमाए गाहाए अणुगंतव्वा, 'चउरासीइ असीइ बावत्तरि सत्तरी य सट्ठीया; पण्णा चत्तालीसा तीसा वीसा दससहस्सा' (१) जाव अच्चुयस्स लहुपरक्कमस्स दसदेवसहस्सा जाव जावइया छट्ठा कच्छा तब्बिगुणा सत्तमा कच्छा॥ ७६॥ सत्तविहे वयणविकप्पे प० तं० आलावे, अणालावे, उल्लावे, अणुल्लावे, संलावे, पलावे विप्पलावे॥ ७७॥ सत्तविहे विणए प० तं० णाणविणए, दंसणविणए, चरित्तविणए, मणविणए, वइविणए, कायविणए, लोगोव-यारविणए॥ ७८॥ पसत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे अकि-रिए णिरुवक्केसे अणण्हकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकमणे॥ ७९॥ अप-सत्थमणविणए सत्तविहे प० तं० पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हकरे छविकरे भूयाभिसंकमणे॥८०॥ पसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० अपावए असावज्जे जाव अभूयाभिसंकमणे॥ ८१॥ अपसत्थवइविणए सत्तविहे प० तं० पावए, जाव भूयाभिसंकमणे॥ ८२॥ पसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं णिसीयणं आउत्तं तुअट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लं-घणं आउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया॥८३॥ अपसत्थकायविणए सत्तविहे प० तं० अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विंदियजोगजुंजणया॥८४॥ लोगोवयार-

विणए सत्तविहे प० तं० अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिइया अत्तगवेसणया देसकालण्णुया सव्वत्थेसु या पडिलोमया ॥ ८५ ॥ सत्त समुग्घाया प० तं० वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेजससमुग्घाए आहारगसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए। मणुस्साणं सत्त समुग्घाया प० एवं चेव ॥ ८६ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि सत्त पवयण-णिण्हगा प०तं० बहुरया जीवपएसिया अवत्तिया सामुच्छेइया दोकिरिया तेरासिया अबद्धिया। एएसि णं सत्तण्हं पवयणणिण्हगाणं सत्त धम्मायरिया हुत्था तं० जमाली तीसगुत्ते आसाढे आसमित्ते गंगे छलुए गोट्ठामाहिले। एएसि णं सत्तण्हं पवयण-णिण्हगाणं सत्त उप्पत्तिणगरा हुत्था तं० सावत्थी उसभपुरं सेयविया मिहिलउल्लु-गातीरं पुरिमंतरंजि दसपुरं णिण्हगउप्पत्तिणगराइं ॥ ८७ ॥ सायावेयणिज्जस्स कम्मस्स सत्तविहे अणुभावे प० तं० मणुण्णा सद्दा मणुण्णा रूवा जाव मणुण्णा फासा मणोसुहया वइसुहया ॥ ८८ ॥ असायावेयणिज्जस्स णं कम्मस्स सत्तविहे अणु-भावे प० तं० अमणुण्णा सद्दा जाव वइदुहया ॥ ८९ ॥ महाणक्खत्ते सत्ततारे प० ॥ ९० ॥ अभिईयाइया णं सत्तणक्खत्ता पुव्वदारिया प०तं० अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई। अस्सिणियाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया प० तं० अस्सिणी भरिणी कित्तिया रोहिणी मिगसिरे अद्दा पुणव्वसू। पुस्साइया णं सत्त णक्खत्ता अवरदारिया प० तं० पुस्सो असिलेसा मघा पुव्वा-फग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता। साइयाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया प० तं० साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा ॥ ९१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सोमणसे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे सोमणसे तह बोधव्वे मंगलावईकूडे, देवकुरु विमल कंचण, विसिट्ठकूडे य बोद्धव्वे ॥ ९२ ॥ जंबुद्दीवे दीवे गंधमायणे वक्खारपव्वए सत्त कूडा प० तं० सिद्धे य गंधमायण बोद्धव्वे गंधिलावईकूडे उत्तरकुरुफलिहे लोहियक्ख आणंदणे चेव ॥९३॥ बिइंदियाणं सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा प०॥९४॥जीवा णं सत्तट्ठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णेरइयणिव्वत्तिए जाव देवणिव्वत्तिए एवं चिण जाव णिज्जरा चेव ॥९५॥ सत्तपएसिया खंधा अणंता प० ॥९६॥ सत्त पएसोगाढा पोग्गला जाव सत्तगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥९७॥

अट्ठमं ठाणं

अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए तं० सड्ढी पुरिसजाए सच्चे पुरिसजाए मेहावी पुरिसजाए बहुस्सुए पुरिसजाए सत्तिमं अप्पाहिगरणे धिइमं वीरियसंपण्णे ॥१॥ अट्ठविहे जोणिसंगहे प० तं० अंडया पोयया जाव उब्भिया उववाइया । अंडया अट्ठगइया अट्ठागइया प० तं० अंडए अंडएसु उववज्जमाणे अंडएहिंतो वा जाव उववाइएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से अंडए अंडगत्तं विप्पजहमाणे अंडगत्ताए वा पोयगत्ताए वा जाव उववाइयत्ताए वा गच्छेज्जा । एवं पोययावि जराउयावि सेसाणं गइरागई णत्थि ॥ २ ॥ जीवा णं अट्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं० णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं णामं गोत्तं अंतराइयं । णेरइया णं अट्ठ कम्मपयडीओ चिणिंसु वा ३ एवं चेव, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ । जीवाणमट्ठकम्मपयडीओ उवचिणिंसु वा ३ एवं चेव एवं चिण-उवचिण-बंध-उदीर-वेय-तह-णिज्जरा चेव, एए छ चउवीसा दंडगा भाणियव्वा ॥ ३ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा णो पडिक्कमेज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा, तं० करिंसु वाऽहं करेमि वाऽहं करिस्सामि वाऽहं अकित्ती वा मे सिया अवण्णे वा मे सिया अविणए वा मे सिया कित्ती वा मे परिहाइस्सइ जसे वा मे परिहाइस्सइ, अट्ठहिं ठाणेहिं माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा तं० माइस्स णं अस्सिं लोए गरहिए भवइ उववाए गरहिए भवइ आयाई गरहिया भवइ एगमवि माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा एगमवि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा अत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु णो आलोएज्जा जाव णो पडिवज्जेज्जा णत्थि तस्स आराहणा बहुओवि माई मायं कट्टु आलोएज्जा जाव अत्थि तस्स आराहणा आयरियउवज्झायस्स वा मे अइसेसे णाणदंसणे समुप्पज्जेज्जा, से तं ममालोएज्जा माई णं एसे माई णं मायं कट्टु से जहा णामए अयागरेइ वा तंबागरेइ वा तउआगरेइ वा सीसागरेइ वा रुप्पागरेइ वा सुवण्णागरेइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा बुसागणीइ वा णलागणीइ वा दलागणीइ वा सोंडियालिच्छाणि वा भंडियालिच्छाणि वा गोलियालिच्छाणि वा कुंभारावाएइ वा कवेल्लुआवाएइ वा इट्टावाएइ

वा जंतवाडचुल्लीइ वा लोहारंबरिसाणि वा तत्ताणि समजोइभूयाणि किंसुकफुल्लसमाणाणि उक्कासहस्साइं विणिमुयमाणाइं २ जालासहस्साइं पमुंचमाणाइं इंगालसहस्साइं परिकिरमाणाइं अंतो २ झियायंति एवामेव माई मायं कट्टु अंतो २ झियाइ जइवि य णं अण्णे केइ वयंति तं पि य णं माई जाणइ अहमेसे अभिसंकिज्जामि २। माई णं मायं कट्टु अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तंजहा णो महिड्ढिएसु जाव णो दूरंगइएसु णो चिरट्ठिइएसु से णं तत्थ देवे भवइ णो महिड्ढिए जाव णो चिरट्ठिईए जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महारिहेणमासणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठंति मा बहुं देवे ! भासउ। से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति तं० अंतकुलाणि वा पंतकुलाणि वा तुच्छकुलाणि वा दरिद्दकुलाणि वा भिक्खागकुलाणि वा किवणकुलाणि वा तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ से णं तत्थ पुमे भवइ दुरूवे दुवण्णे दुग्गंधे दुरसे दुफासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अपियस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणपच्चायाए जाविय से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं णो आढाइ णो परिजाणाइ णो महरिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच जणा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति मा बहुं अज्जउत्तो ! भासउ। माई णं मायं कट्टु आलोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति तं० महिड्ढिएसु जाव चिरट्ठिइएसु से णं तत्थ देवे भवइ महिड्ढिए जाव चिरट्ठिईए हारविराइयवच्छे कडगतुडियथंभियभुए अंगयकुंडलमउडगंडतलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणे विचित्तवत्थाभरणे विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिए कल्लाणगपवरगंधमल्लाणुलेवणधरे भासुरबोंदी पलंबवणमालधरे दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं रसेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाएणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेस्साए दसदिसाओ उज्जोएमाणे पभासेमाणे महयाऽहयणट्टगीयवाइयतंती-

तलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ । जावि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ, सावि य णं आढाइ परिजाणाइ महारिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ भासंपि य से भासमाणस्स जाव चत्तारि पंच देवा अवुत्ता चेव अब्भुट्ठेंति बहुं देवे ! भासउ । से णं तओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चइत्ता इहेव माणुस्सए भवे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति, अड्ढाइं जाव बहुजणस्स अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाइ, से णं तत्थ पुमे भवइ सुरूवे सुवण्णे सुगंधे सुरसे सुफासे इट्ठे कंते जाव मणामे अहीणस्सरे जाव मणामस्सरे आदेज्जवयणे पच्चायाए जाऽवि य से तत्थ बाहिरब्भंतरिया परिसा भवइ सावि य णं आढाइ जाव बहुमज्जउत्ते ! भासउ ॥ ४ ॥ अट्ठविहे संवरे प० तं० सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मणसंवरे वइसंवरे कायसंवरे । अट्ठविहे असंवरे प० तं० सोइंदियअसंवरे जाव कायअसंवरे ॥ ५ ॥ अट्ठ फासा प० तं० कक्कडे मउए गरुए लहुए सीए उसिणे णिद्धे लुक्खे ॥ ६ ॥ अट्ठविहा लोगठिई प० तं० आगासपइट्ठिए वाए वायपइट्ठिए उदही एवं जहा छट्ठाणे जाव जीवा कम्मपइट्ठिया अजीवा जीवसंगहीया जीवा कम्मसंगहीया ॥ ७ ॥ अट्ठविहा गणिसंपया प० तं० आयारसंपया सुयसंपया सरीरसंपया वयणसंपया वायणासंपया मइसंपया पओगसंपया संगहपरिण्णाणाम अट्ठमा ॥ ८ ॥ एगमेगे णं महाणिही अट्ठचक्कवालपइट्ठाणे अट्ठट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९ ॥ अट्ठसमिईओ प० तं० इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपरिट्ठावणियासमिई मणसमिई वइसमिई कायसमिई ॥ १० ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणा पडिच्छित्तए तं० आयारवं आहारवं ववहारवं ओवीलए पकुव्वए अपरिस्साई णिज्जावए अवायदंसी ॥ ११ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोइत्तए तं० जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे विणयसंपण्णे णाणसंपण्णे दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे खंते दंते ॥ १२ ॥ अट्ठविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे ॥ १३ ॥ अट्ठ मयट्ठाणा प० तं० जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए ॥ १४ ॥ अट्ठ अकिरियावाई प० तं० एगावाई अणेगावाई मितवाई णिम्मितवाई सायवाई

समुच्छेयवाई णियावाई ण संति परलोगवाई ॥ १५ ॥ अट्ठविहे महाणिमित्ते प० तं० भोमे उप्पाए सुविणे अंतलिक्खे अंगे सरे लक्खणे वंजणे ॥ १६ ॥ अट्ठविहा वयणविभत्ती प० तं० णिद्देसे पढमा होइ बिइया उवएसणे; तइया करणंमि कया चउत्थी संपयावणे (१) पंचमी य अवायाणे छट्ठी सस्सामिवायणे; सत्तमी सण्णिहाणत्थे अट्ठमी आमंतणी भवे (२) तत्थ पढमा विभत्ती णिद्देसे सो इमो अहं वत्ति १–बिइया उण उवएसे भण कुण व इमं व तं वत्ति (३) तइया करणंमि कया णीयं च कयं च तेण व मए वा; हंदि णमो साहाए हवइ चउत्थी पयाणंमि (४) अवणे गिण्हसु तत्तो इत्तोत्ति व पंचमी अवादाणे; छट्ठी तस्स इमस्स व गयस्स वा सामिसंबंधे (५) हवइ पुण सत्तमीयं इमंमि आहारकालभावे य; आमंतणी भवे अट्ठमी उ जह हे जुवाणत्ति (६) ॥ १७ ॥ अट्ठ ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण याणइ ण पासइ तं० धम्मत्थिकायं जाव गंधं वायं, एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जाणइ पासइ जाव गंधं वायं ॥ १८ ॥ अट्ठविहे आउवेए प० तं० कुमारभिच्चे, कायतिगिच्छा, सालाई, सल्लहत्ता, जंगोली, भूयविज्जा, खारतंते, रसायणे ॥ १९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० पउमा सिवा सई अंजू अमला अच्छरा णवमिया रोहिणी ॥ २० ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० तं० कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा ॥२१॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ २२ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो अट्ठग्गमहिसीओ प० ॥ २३ ॥ अट्ठमहग्गहा प० तं० चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सई अंगारए सणिंचरे केऊ ॥ २४ ॥ अट्ठविहा तणवणस्सइकाइया प० तं० मूले कंदे खंधे तया साले पवाले पत्ते पुप्फे ॥ २५ ॥ चउरिंदिया णं जीवा असमारभमाणस्स अट्ठविहे संजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ ॥ २६ ॥ चउरिंदिया णं जीवा समारभमाणस्स अट्ठविहे असंजमे कज्जइ तं० चक्खुमाओ सोक्खाओ ववरोवेत्ता भवइ चक्खुमएणं दुक्खेणं संजोएत्ता भवइ एवं जाव फासामाओ सोक्खाओ० ॥ २७ ॥ अट्ठ सुहुमा प० तं० पाणसुहुमे

पणगसुहुमे बीयसुहुमे हरियसुहुमे पुप्फसुहुमे अंडसुहुमे लेणसुहुमे सिणेहसुहुमे ॥ २८ ॥ भरहस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठपुरिसजुगाइं अणुबद्धं सिद्धाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं तं० आइच्चजसे महाजसे अइबले महाबले तेयवीरिए कित्तवीरिए दंडवीरिए जलवीरिए ॥ २९ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा होत्था तं० सुभे अज्जघोसे वसिट्ठे बंभयारी सोमे सिरिधरे वीरिए भद्दजसे ॥ ३० ॥ अट्ठविहे दंसणे प० तं० सम्मद्दंसणे मिच्छद्दंसणे सम्मामिच्छदंसणे चक्खुदंसणे जाव केवलदंसणे सुविणदंसणे ॥ ३१ ॥ अट्ठविहे अद्धोवमिए प० तं० पलिओवमे सागरोवमे उस्सप्पिणी ओसप्पिणी पोग्गलपरियट्टे तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा ॥ ३२ ॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स जाव अट्ठमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकरभूमी दुवासपरियाए अंतमकासी ॥ ३३ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं अट्ठ रायाणो मुंडे भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वाविया तं० वीरंगय वीरजसे संजय एणिज्जए य रायरिसी, सेय सिवे उदायणे (तह संखे कासिवद्धणे) ॥ ३४ ॥ अट्ठविहे आहारे प० तं० मणुण्णे असणे पाणे खाइमे साइमे अमणुण्णे जाव साइमे ॥ ३५ ॥ उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठविमाणपत्थडे एत्थ णमक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ प० तं० पुरत्थिमेणं दो कण्हाईओ दाहिणेणं दो कण्हराईओ पचत्थिमेणं दो कण्हराईओ उत्तरेणं दो कण्हराईओ। पुरत्थिमा अब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दाहिणा अब्भंतरा कण्हराई पचत्थिमगं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पचत्थिमा अब्भंतरा कण्हराई उत्तरं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, उत्तरा अब्भंतरा कण्हराई पुरत्थिमं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पुरत्थिमपचत्थिमिल्लाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ छलंसाओ उत्तरदाहिणाओ बाहिराओ दो कण्हराईओ तंसाओ सव्वाओ वि णं अब्भंतरकण्हराईओ चउरंसाओ। एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठ णामधेज्जा प० तं० कण्हराईइ वा मेहराईइ वा मघाइ वा माघवईइ वा वायफलिहेइ वा वायपलिक्खोभेइ वा देवपलिहे वा देवपलिक्खोभेइ वा। एयासि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठलोगंतियविमाणा प० तं० अच्ची अच्चिमाली वइरोअणे पभंकरे चंदाभे सूराभे सुपइट्ठाभे अग्गिच्चाभे। एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतिया देवा प० तं० सारस्सयमाइच्चा

वण्ही वरुणा य गद्दतोया य, तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव बोधव्वा (१) एए सि णं अट्ठण्हं लोगंतियदेवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ३६ ॥ अट्ठ धम्मत्थिकायमज्झपएसा प० अट्ठ अहम्मत्थिकायमज्झपएसा एवं चेव अट्ठ आगासत्थिकायमज्झपएसा प० एवं चेव अट्ठ जीवमज्झपएसा प० ॥ ३७ ॥ अरहंता णं महापउमे अट्ठ रायाणो मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वावेस्सइ तं० पउमं पउमगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पउमद्धयं धणुद्धयं कणगरहं भरहं ॥ ३८ ॥ कण्हस्स णं वासुदेवस्स अट्ठ अग्गमहिसीओ अरहओ णं अरिट्ठ-णेमिस्स अंतिए मुंडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया सिद्धाओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणाओ तं० पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य जंबवई सच्चभामा रुप्पिणी कण्हअग्गमहिसीओ ॥ ३९ ॥ वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू अट्ठ चूलियावत्थू प० ॥ ४० ॥ अट्ठ गईओ प० तं० णिरयगई तिरियगई जाव सिद्धिगई गुरुगई पणोल्लणगई पब्भारगई ॥ ४१ ॥ गंगासिंधुरत्तारत्तवइदेवीणं दीवा अट्ठ २ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ४२ ॥ उक्कामुहमेहमुहविज्जु-मुहविज्जुदंतदीवाणं दीवा अट्ठ २ जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ४३ ॥ कालोदे णं समुद्दे अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ ४४ ॥ अब्भंतरपुक्खरद्धे णं अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० एवं बाहिर-पुक्खरद्धेवि ॥ ४५ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठ सोवण्णिए काकिणिरयणे छत्तले दुवालसंसिए अट्ठकण्णिए अधिकरणिसंठिए प० ॥ ४६ ॥ मागधस्स णं जोयणस्स अट्ठ धणुसहस्साइं णिधत्ते प० ॥ ४७ ॥ जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० ॥४८॥ कूडसामली णं अट्ठ जोयणाइं एवं चेव ॥४९॥ तिमिसगुहा णमट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं ॥ ५० ॥ खंडप्पवायगुहा णं अट्ठ जोय-णाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव ॥ ५१ ॥ जंबूमंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उभओ कूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० चित्तकूडे पम्हकूडे णलिण-कूडे एगसेले तिकूडे वेसमणकूडे अंजणे मायंजणे ॥ ५२ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उभओकूले अट्ठ वक्खारपव्वया प० तं० अंकावई पम्हावई आसीविसे सुहावहे चंदपव्वए सूरपव्वए णागपव्वए देवपव्वए ॥ ५३ ॥

जंबूमंदरपुत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० कच्छे सुकच्छे महाकच्छे कच्छगावई आवत्ते जाव पुक्खलावई ॥ ५४ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० वच्छे सुवच्छे जाव मंगलावई ॥५५॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० पम्हे जाव सलिलावई ॥ ५६ ॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ चक्कवट्टिविजया प० तं० कप्पे सुवप्पे जाव गंधिलावई ॥ ५७ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० खेमा खेमपुरी चेव जाव पुंडरीगिणी ॥ ५८ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणमट्ठ रायहाणीओ प० तं० सुसीमा कुंडला चेव जाव रयणसंचया ॥ ५९ ॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० आसपुरा जाव वीयसोगा ॥ ६० ॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ रायहाणीओ प० तं० विजया वेजयंती जाव अउज्झा ॥ ६१ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं उक्कोसपए अट्ठ अरिहंता अट्ठ चक्कवट्टी अट्ठ बलदेवा अट्ठ वासुदेवा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा ॥ ६२ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥६३॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं उक्कोसपए एवं चेव ॥ ६४ ॥ एवं उत्तरेणवि । जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा अट्ठ तिमिसगुहाओ अट्ठ खंडगप्पवायगुहाओ अट्ठ कयमालगा देवा अट्ठ णट्टमालगा देवा अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ अट्ठ उसभकूडपव्वया अट्ठ उसभकूडा देवा प० । जंबूमंदरपुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा एवं चेव जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० णवरमेत्थ रत्तारत्तावईओ तासिं चेव कुंडा ॥ ६५ ॥ जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं अट्ठ दीहवेयड्ढा जाव अट्ठ गंगाकुंडा अट्ठ सिंधुकुंडा अट्ठ गंगाओ अट्ठ सिंधूओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० । जंबूमंदरपचत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उत्तरेणं अट्ठदीहवेयड्ढा जाव अट्ठ णट्टमालगा देवा प० अट्ठ रत्तकुंडा अट्ठ रत्तावइकुंडा अट्ठ रत्ताओ जाव अट्ठ उसभकूडा देवा प० ॥६६॥ मंदरचूलिया णं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प०

॥ ६७ ॥ धायइसंडदीवे पुरत्थिमद्धेणं धायइरुक्खे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं प० एवं धायइरुक्खाओ आढवेत्ता सच्चेव जंबूदीववत्तव्वया भाणियव्वा जाव मंदरचूलियत्ति एवं पच्चत्थिमद्धेवि महाधायइरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति ॥ ६८ ॥ एवं पुक्खरवरदीवड्ढपुरत्थिमद्धेवि पउमरुक्खाओ आढवेत्ता जाव मंदरचूलियत्ति एवं पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धेवि महापउमरुक्खाओ जाव मंदरचूलियत्ति ॥६९॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरे पव्वए भद्दसालवणे अट्ठ दिसाहत्थिकूडा प० तं०— पउमुत्तर णीलवंते सुहत्थी अंजणागिरी, कुमुए य पलासए वडिंसे अट्ठमए रोयणागिरी ७० ॥ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥७१॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स दाहिणेणं महाहिमवंते वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे महाहिमवंते हिमवंत रोहिया हरीकूडे, हरिकंता हरिवासे वेरुलिए चेव कूडा उ ॥ ७२ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं रुप्पिमि वासहरपव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सिद्धे य रुप्पी रम्मग णरकंता बुद्धि रुप्पकूडे य, हिरण्णवए मणिकंचणे य रुप्पिमि कूडा उ ॥ ७३ ॥ जंबूमंदरपुरत्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं०—रिट्ठे तवणिज्ज कंचण रययं दिसासोत्थिए पलंबे य; अंजणे अंजणपुलए रुयगस्स पुरत्थिमे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०णंदुत्तरा य णंदा आणंदा णंदिवद्धणा, विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया ॥ ७४ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प०तं०—कणए कंचणे पउमे णलिणे ससि दिवायरे चेव, वेसमणे वेरुलिए रुयगस्स उ दाहिणे कूडा (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं० समाहारा सुप्पइण्णा सुप्पबुद्धा जसोहरा; लच्छिवई सेसवई चित्तगुत्ता वसुंधरा ॥ ७५ ॥ जंबूमंदरपच्चत्थिमेणं रुयगवरे पव्वए अट्ठ कूडा प० तं० सोत्थिए य अमोहे य हिमवं मंदरे तहा, रुअगे रुयगुत्तमे चंदे अट्ठमे य सुदंसणे (१) तत्थ णं अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंतिं तं०— इलादेवी सुरादेवी पुढवी पउमावई, एगणासा णवमिया सीया भद्दा य अट्ठमा ॥ ७६ ॥ जंबूमंदरउत्तररुअगवरे पव्वए अट्ठकूडा प० तं० रयणे रयणुच्चए या सव्वरयण रयणसंचए चेव, विजये य वेजयंते जयंते अपराजिए (१) तत्थ णं

अट्ठ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ महड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिईयाओ परिवसंति तं०–अलंबुसा मिवकेसी पोंडरिगी य वारुणी, आसा य सव्वगा चेव सिरी हिरी चेव उत्तराओ ॥ ७७ ॥ अट्ठ अहेलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं० भोगंकरा भोगवई सुभोगा भोगमालिणी; सुवच्छा वच्छमित्ता य, वारिसेणा बलाहगा (१) अट्ठ उड्ढलोगवत्थव्वाओ दिसाकुमारिमहत्तरियाओ प० तं०–मेघंकरा मेघवई सुमेधा मेघमालिणी, तोयधारा विचित्ता य पुप्फमाला अणिंदिता (२) ॥७८॥ अट्ठ कप्पा तिरियमिस्सोववण्णगा प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे ॥७९॥ एएसु णं अट्ठसु कप्पेसु अट्ठ इंदा प० तं० सक्के जाव सहस्सारे ॥ ८० ॥ एएसि णं अट्ठण्हं इंदाणं अट्ठ परियाणिया विमाणा प० तं० पालए पुप्फए सोमणसे सिरिवच्छे णंदावत्ते कामकमे पीइमणे विमले ॥८१॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा णं चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव अणुपालियावि भवइ ॥ ८२ ॥ अट्ठविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया एवं जाव अपढमसमयदेवा ॥ ८३ ॥ अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० णेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ मणुस्सा मणुस्सीओ देवा देवीओ सिद्धा ॥ ८४ ॥ अहवा अट्ठविहा सव्वजीवा प० तं० आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी ॥ ८५ ॥ अट्ठविहे संजमे प० तं० पढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, अपढमसमयसुहुमसंपरायसरागसंजमे, पढमसमयबादरसंपरायसंजमे, अपढमसमयबादरसंपरायसंजमे, पढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयउवसंतकसायवीयरायसंजमे, पढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे, अपढमसमयखीणकसायवीयरायसंजमे ॥८६॥ अट्ठपुढवीओ प०तं० रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा ईसिपब्भारा ॥८७॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाई बाहल्लेणं प० ॥ ८८ ॥ ईसिपब्भाराए णं पुढवीए अट्ठ णामधेज्जा प० तं० ईसीइ वा, ईसिपब्भाराइ वा, तणूइ वा, तणुतणूइ वा, सिद्धीइ वा, सिद्धालएइ वा, मुत्तीइ वा, मुत्तालएइ वा ॥ ८९ ॥ अट्ठहिं ठाणेहिं सम्मं संघडियव्वं जइयव्वं परक्कमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं भवइ, असुयाणं धम्माणं सम्मं सुणणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सुयाणं धम्माणं ओगिण्हणयाए उवधारणयाए अब्भुट्ठेयव्वं

भवइ, पावाणं कम्माणं संजमेणमकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, पोराणाणं कम्माणं तवसा विगिंचणयाए विसोहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, असंगिहीयपरियणस्स संगिण्हणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, सेहं आयारगोयरगहणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, गिलाणस्स अगिलाए वेयावच्चकरणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ, साहम्मियाणमधिकरणंसि उप्पण्णंसि तत्थ अणिस्सिओवस्सिओ अपक्खग्गाही मज्झत्थभावभूए कह णु साहम्मिया अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पतुमंतुमा उवसामणयाए अब्भुट्ठेयव्वं भवइ ॥९०॥ महासुक्कसहस्सारेसु णं कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९१ ॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स अट्ठसया वाईणं सदेवमणुयासुराए परिसाए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया हुत्था ॥ ९२ ॥ अट्ठसमइए केवलिसमुग्घाए प० तं० पढमे समए दंडं करेइ बीए समए कवाडं करेइ तइए समए मंथाणं करेइ चउत्थे समए लोगं पूरेइ पंचमे समए लोगं पडिसाहरइ छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ ॥ ९३ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं जाव आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया हुत्था ॥ ९४ ॥ अट्ठविहा वाणमंतरा देवा प० तं०—पिसाया भूया जक्खा रक्खसा किण्णरा किंपुरिसा महोरगा गंधव्वा ॥ ९५ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं वाणमंतरदेवाणं अट्ठचेइयरुक्खा प० तं०—कलंबो य पिसायाणं वडो जक्खाण चेइयं तुलसी भूयाणं भवे रक्खसाणं च कंडओ (१) असोओ किण्णराणं च किंपुरिसाण य चंपओ; णागरुक्खो भुयंगाणं गंधव्वाण य तेंदुओ (२) ॥ ९६ ॥ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठजोयणसए उड्ढबाहाए सूरविमाणे चारं चरइ ॥ ९७ ॥ अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति तं० कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा अणुराहा जेट्ठा ॥ ९८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०—सव्वेसिंपि दीवसमुद्दाणं दारा अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ९९ ॥ पुरिसवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जहण्णेणं अट्ठसंवच्छराइं बंधठिई प० ॥ १०० ॥ जसोकित्तीणामएणं कम्मस्स जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ताइं बंधठिई प० ॥ १०१ ॥ उच्चगोयस्स णं कम्मस्स एवं चेव ॥ १०२ ॥ तेइंदियाणमट्ठ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ १०३ ॥ जीवा णं अट्ठठाणणिव्वत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा चिणंति वा चिणिस्संति वा तं०—

पढमसमयणेरइयणिव्वत्तिए जाव अपढमसमयदेवणिव्वत्तिए एवं चिण-उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ १०४ ॥ अट्ठपएसिया खंधा अणंता प० ॥ १०५ ॥ अट्ठ पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ १०६ ॥ जाव अट्ठगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १०७ ॥

णवमं ठाणं

णवहिं ठाणेहिं समणे णिग्गंथे संभोइयं विसंभोइयं करेमाणे णाइक्कमइ तं०— आयरियपडिणीयं उवज्झायपडिणीयं थेरपडिणीयं कुल० गण० संघ० णाण० दंसण० चरित्तपडिणीयं ॥ १ ॥ णव बंभचेरा प० तं० सत्थपरिण्णा लोगविजओ जाव उवहाणसुयं महापरिण्णा ॥ २ ॥ णव बंभचेरगुत्तीओ प० तं० विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ णो इत्थिसंसत्ताइं णो पसुसंसत्ताइं णो पंडगसंसत्ताइं १ णो इत्थीणं कहं कहेत्ता २ णो इत्थिठाणाइं सेवित्ता भवइ ३ णो इत्थीणमिंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता णिज्झाइत्ता भवइ ४ णो पणीयरसभोई ५ णो पाणभोयणस्स अइमत्तं आहारए सया भवइ ६ णो पुव्वरयं पुव्वकीलियं समरेत्ता भवइ ७ णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो सिलोगाणुवाई ८ णो सायसोक्खपडिबद्धे यावि भवइ ९ ॥ ३ ॥ णव बंभचेरअगुत्तीओ प० तं० णो विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीसंसत्ताइं पसुसंसत्ताइं पंडगसंसत्ताइं इत्थीणं कहं कहेत्ता भवइ इत्थीणं ठाणाइं सेवित्ता भवइ इत्थीणं इंदियाइं जाव णिज्झाइत्ता भवइ पणीयरसभोई पाणभोयणस्स अइमायमाहारए सया भवइ पुव्वरयं पुव्वकीलियं सरित्ता भवइ सद्दाणुवाई रूवाणुवाई सिलोगाणुवाई जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ ॥ ४ ॥ अभिणंदणाओ णं अरहओ सुमई अरहा णवहिं सागरोवमकोडीसयसहस्सेहिं विइक्कंतेहिं समुप्पण्णे ॥ ५ ॥ णव सब्भावपयत्था प० तं० जीवा अजीवा पुण्णं पावो आसवो संवरो णिज्जरा बंधो मोक्खो ॥ ६ ॥ णवविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं० पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेइंदिया जाव पंचिंदियत्ति ॥ ७ ॥ पुढविकाइया णवगइया णव आगइया प० तं० पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जमाणे पुढविकाइएहिंतो वा जाव पंचिंदिएहिंतो वा उववज्जेज्जा, से चेव णं से पुढविकाइए पुढविकायत्तं विप्पजहमाणे पुढविकाइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए वा गच्छेज्जा । एवं आउकाइयावि पंचिंदियत्ति ॥ ८ ॥ णवविहा सव्वजीवा

प० तं० एगिंदिया बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया णेरइया पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिया मणुस्सा देवा सिद्धा ॥ ९ ॥ अहवा णवविहा सव्वजीवा प० तं० पढम-समयणेरइया अपढमसमयणेरइया जाव अपढमसमयदेवा सिद्धा ॥१०॥ णवविहा सव्वजीवोगाहणा प० तं० पुढविकाइओगाहणा आउ० जाव वणस्सइकाइओगाहणा बेइंदियोगाहणा तेइंदियोगाहणा चउरिंदियोगाहणा पंचिंदियोगाहणा ॥ ११ ॥ जीवा णं णवहिं ठाणेहिं संसारं वत्तिंसु वा वत्तंति वा वत्तिस्संति वा तं० पुढवि-काइयत्ताए जाव पंचिंदियत्ताए ॥ १२ ॥ णवहिं ठाणेहिं रोगुप्पत्ती सिया तं० अच्चासणाए अहियासणाए अइणिद्दाए अइजागरिएणं उच्चारणिरोहेणं पासवणणिरो-हेणं अद्धाणगमणेणं भोयणपडिकूलयाए इंदियत्थविकोवणयाए ॥ १३ ॥ णवविहे दरिसणावरणिज्जे कम्मे प० तं०—णिद्दा णिद्दाणिद्दा पयला पयलापयला थीणगिद्धी चक्खुदरिसणावरणे अचक्खुदरिसणावरणे ओहिदरिसणावरणे केवलदरिसणावरणे ॥ १४ ॥ अभिई णं णक्खत्ते साइरेगे णवमुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ ॥ १५ ॥ अभिईआइआ णं णवणक्खत्ता णं चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति तं०, अभिई सवणो धणिट्ठा जाव भरणी ॥ १६ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णवजोयणसयाइं उड्ढं अबाहाए उवरिल्ले ताराख्वे चारं चरइ ॥ १७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे णवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा पविसंति वा पवि-सिस्संति वा ॥ १८ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव बलदेव-वासुदेवपियरो हुत्था तं० पयावई य बंभे य रोद्दे सोमे सिवेइया, महासीहे अग्गि-सीहे दसरह णवमे य वसुदेवे (१) इत्तो आढत्तं जहा समवाये णिरवसेसं जाव एगा से गब्भवसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेणं ॥ १९ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साए उस्सप्पिणीए णवबलदेववासुदेवपियरो भविस्संति णव बलदेव-वासुदेवमायरो भविस्संति, एवं जहा समवाए णिरवसेसं जाव महाभीमसेणे सुग्गीवे य अपच्छिमे; एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं सव्वेवि चक्कजोही हम्मिहंती सचक्केहिं ॥ २० ॥ एगमेगे णं महाणिही णवणव जोयणाइं विक्खंभेणं प०। एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स णव महाणिहीओ प० तं० "णेसप्पे पंडुयए पिंगलए सव्वरयण महापउमे, काले य महाकाले माणवग महा-णिही संखे (१) णेसप्पंमि णिवेसा गामागरणगरपट्टणाणं च, दोणमुहमडंबाणं खंधाराणं गिहाणं च (२) गणियस्स य बीयाणं माणुम्माणस्स जं पमाणं च,

धण्णस्स य बीयाणं उप्पत्ती पंडुए भणिया (३) सव्वा आभरणविही पुरिसाणं जा य होइ महिलाणं, आसाण य हत्थीण य पिंगलगणिहिम्मि सा भणिया (४) रयणाइं सव्वरयणे चोद्दस पवराइं चक्कवट्टिस्स, उप्पज्जंति एगिंदियाइं पंचिंदियाइं च (५) वत्थाण य उप्पत्ती णिप्पत्ती चेव सव्वभत्तीणं, रंगाण य धोयाण य सव्वा एसा महापउमे (६) काले कालण्णाणं भव्वपुराणं च तीसु वासेसु; सिप्पसयं कम्माणि य, तिण्णि पयाए हियकराइं (७) लोहस्स य उप्पत्ती होइ महाकाले आगराणं च, रुप्पस्स सुवण्णस्स य मणिमोत्तिसिलप्पवालाणं (८) जोधाण य उप्पत्ती आवरणाणं च, पहरणाणं च, सव्वा य जुद्धणीई, माणवए दंडणीई य (९) णट्टविही णाडगविही, कव्वस्स चउव्विहस्स उप्पत्ती, संखे महाणिहिम्मी, तुडियंगाणं च सव्वेसिं (१०) चक्कट्ठपइट्ठाणा अट्ठुस्सेहा य णव य विक्खंभे, बारसदीहा मंजूससंठिया, जंहवीइ मुहे (११) वेरुलियमणिकवाडा कणगमया विविहरयणपडिपुण्णा, ससिसूरचक्कलक्खण अणुसमजुगबाहुवयणा य (१२) पलिओवमट्ठिईया णिहिसरिणामा य तेसु खलु देवा; जेसिं ते आवासा अक्किज्जा आहिवच्चा वा, (१३) एए ते णवणिहओ पभूयधणरयणसंचयसमिद्धा जे वसमुवगच्छंती सव्वेसिं चक्कवट्टीणं" (१४)॥ २१ ॥ णव विगईओ प० तं० खीरं दहिं णवणीयं सप्पि तेलं गुलो महुं मज्जं मंसं ॥ २२ ॥ णवसोयपरिस्सावा बोंदी प० तं० दो सोत्ता दो णेत्ता दो घाणा मुहं पोसे पाऊ ॥ २३ ॥ णवविहे पुण्णे प० तं० अण्णपुण्णे पाणपुण्णे वत्थपुण्णे लेणपुण्णे सयणपुण्णे मणपुण्णे वइपुण्णे कायपुण्णे णमोक्कारपुण्णे ॥ २४ ॥ णव पावस्सायतणा प० तं० पाणाइवाए मुसावाए जाव परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे ॥२५॥णवविहे पावसुयपसंगे प० तं० उप्पाए णिमित्ते मंते आइक्खिए तिगिच्छए, कला आवरणे अण्णाणे मिच्छापावयणेति य ॥ २६ ॥ णव णेउणिया वत्थू प० तं० संखाणे णिमित्ते काइए पोराणे पारिहत्थिए परपंडिए वाइए भूइकम्मे तिगिच्छए ॥ २७ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स णव गणा हुत्था तं० गोदासगणे उत्तरबलिस्सहगणे उद्देहगणे चारणगणे उद्दवाइयगणे विस्सवाइयगणे कामड्ढियगणे माणवगणे कोडियगणे ॥ २८ ॥ समणेणं भगवया महावीरेणं समणाणं णिग्गंथाणं णवकोडिपरिसुद्धे भिक्खे प० तं० ण हणइ ण हणावइ हणंतं णाणुजाणइ ण पयइ ण पयावेइ पयंतं णाणुजाणइ ण किणइ ण किणावेइ किणंतं णाणुजाणइ ॥ २९ ॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो णव अग्गमहिसीओ प० ॥३०॥ ईसाणस्स णं देविंदस्स देवरण्णो अग्गमहिसीणं णवपलि-

ओवमाइं ठिई प० ॥ ३१ ॥ ईसाणे कप्पे उक्कोसेणं देवीणं णव पलिओवमाइं ठिई प० ॥ ३२ ॥ णव देवणिकाया प० तं० "सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य तुसिया अव्वाबाह अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य" ॥ ३३ ॥ अव्वाबाहाणं देवाणं णव देवा णव देवसया प० ॥ ३४ ॥ एवं अग्गिच्चावि एवं रिट्ठावि ॥ ३५ ॥ णव गेवेज्जविमाणपत्थडा प० तं० हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे हेट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे मज्झिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणपत्थडे उवरिमउवरिमगेविज्जविमाणपत्थडे ॥ ३६ ॥ एएसि णं णवण्हं गेविज्जविमाणपत्थडाणं णव णामधिज्जा प० तं० भद्दे सुभद्दे सुजाए सोमणसे पियदरिसणे, सुदंसणे अमोहे य सुप्पबुद्धे जसोधरे ॥ ३७ ॥ णवविहे आउपरिणामे प० तं० गइपरिणामे गइबंधणपरिणामे ठिइपरिणामे ठिइबंधणपरिणामे उड्ढंगारवपरिणामे अहेगारवपरिणामे तिरियंगारवपरिणामे दीहंगारवपरिणामे रहस्संगारवपरिणामे ॥३८॥ णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एगासीए राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहिया यावि भवइ ॥ ३९ ॥ णवविहे पायच्छित्ते प० तं० आलोयणारिहे जाव मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे ॥ ४० ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं भरहे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे भरहे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, भरहे वेसमणे या भरहे कूडाण णामाइं ॥ ४१ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं णिसहे वासहरपव्वए णवकूडा प० तं० सिद्धे णिसहे हरिवास विदेह हरि धिइ असीओया, अवरविदेहे रुयगे णिसहे कूडाण णामाणि ॥ ४२ ॥ जंबूमंदरपव्वए णंदणवणे णव कूडा प० तं० णंदणे मंदरे चेव णिसहे हेमवए रयय रुयए य, सागरचित्ते वइरे बलकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ ४३ ॥ जंबूमालवंतवक्खारपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे य मालवंते, उत्तरकुरु कच्छ सागरे रयए, सीया तह पुण्णणामे हरिस्सहकूडे य बोद्धव्वे ॥ ४४ ॥ जंबू० कच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे कच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, कच्छे वेसमणे या कच्छे कूडाण णामाइं ॥ ४५ ॥ जंबू० सुकच्छे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे सुकच्छे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा; सुकच्छे वेसमणे या सुकच्छे कूडाण णामाइं ॥ ४६ ॥ एवं जाव पोक्खलावईमि दीहवेयड्ढे, एवं वच्छे दीहवेयड्ढे, एवं जाव

मंगलावईमि दीहवेयड्ढे ॥ ४७ ॥ जंबू० विज्जुप्पभे वक्खारपव्वए णव कूडा प० तं०—सिद्धे अ विज्जुणामे देवकुरा पम्ह कणग सोवत्थी, सीओयाए सजले हरिकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ ४८ ॥ जंबू० पम्हे दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं०—सिद्धे पम्हे खंडग माणी वेयड्ढ एवं चेव जाव सलिलावईमि दीहवेयड्ढे एवं वप्पे दीहवेयड्ढे एवं जाव गंधिलावईमि दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे गंधिल खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा; गंधिलावइ वेसमण कूडाणं होंति णामाइं (१) एवं सव्वेसु दीहवेयड्ढेसु दो कूडा सरिसणामगा सेसा ते चेव ॥ ४९ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं णीलवंते वासहरपव्वए णव कूडा प० तं० सिद्धे णीलवंत विदेहे सीया कित्ती य णारिकंता य, अवरविदेहे रम्मगकूडे उवदंसणे चेव ॥ ५० ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं एरवए दीहवेयड्ढे णव कूडा प० तं० सिद्धे रयणे खंडग माणी वेयड्ढ पुण्ण तिमिसगुहा, एरवए वेसमणे एरवए कूडणामाइं ॥ ५१ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणिए वज्जरिसहणारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए णव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ५२ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तित्थंसि णवहिं जीवेहिं तित्थयरणामगोत्ते कम्मे णिव्वत्तिए तं० सेणिएणं सुपासेणं उदाइणा पोट्टिलेणं अणगारेणं दढाउणा संखेणं सयएणं सुलसाए साविआए रेवईए ॥ ५३ ॥ एस णं अज्जो ! कण्हे वासुदेवे, रामे बलदेवे, उदए पेढालपुत्ते, पुट्टिले, सयए गाहावई, दारुए णियंठे, सच्चई णियंठीपुत्ते, साविअबुद्धे अंबडे परिव्वायए, अज्जाविणं सुपासा पासावच्चिज्जा, आगमेस्साए उस्सप्पिणीए चाउज्जामं धम्मं पण्णवइत्ता सिज्झिहिंति जाव अंतं काहिंति ॥ ५४ ॥ एस णं अज्जो ! सेणिए राया भिंभिसारे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सीमंतए णरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिईयंसि णिरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ से णं तत्थ णेरइए भविस्सइ काले कालोभासे जाव परमकिण्हे वण्णेणं से णं तत्थ वेयणं वेदिहिई उज्जलं जाव दुरहियासं से णं तओ णरयाओ उव्वट्टेत्ता आगमेस्साए उस्सप्पिणीए इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स कुलकरस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुमत्ताए पच्चायाहिइ तए णं सा भद्दा भारिया णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिंदिय सरीरं लक्खणवंजण० जाव सुरूवं दारगं पयाहिई जं रयणिं च णं से दारए पया-

हिई तं रयणि च णं सयदुवारे णयरे सब्भितरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिइ तए णं तस्स दारयस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव बारसाहे दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधिज्जं काहिंति जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे णयरे सब्भितरबाहिरए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वुट्ठे तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स णामधिज्जं महापउमे तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधिज्जं काहिंति महापउमेत्ति। तए णं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगं अट्ठवासजायगं जाणित्ता महया रायाभिसेएणं अभिसिंचिहिंति से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंतमलयमंदररायवण्णओ जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरिस्सइ तए णं तस्स महापउमस्स रण्णो अण्णया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति तं० पुण्णभद्दए माणिभद्दए तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहप्पभिइयो अण्णमण्णं सद्दावेहिंति एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रण्णो दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं करेंति तं० पुण्णभद्दे य माणिभद्दे य तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया! महापउमस्स रण्णो दोच्चेवि णामधेज्जे देवसेणे, तए णं तस्स महापउमस्स दोच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेइ २। तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो अण्णया कयाई सेयसंखतलविमलसण्णिकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिहिइ तए णं से देवसेणे राया तं सेयसंखतलविमलसण्णिकासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं णयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अइज्जाहि य णिज्जाहि य, तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवर जाव अण्णमण्णं सद्दावेहिंति २ एवं वइस्संति जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रण्णो सेयसंखतलविमलसण्णिकासे चउदंते हत्थिरयणे समुप्पण्णे तं होउ णं अम्हं देवाणुप्पिया! देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे विमलवाहणे, तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणे २। तए णं से विमलवाहणे राया तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं गुरुमहत्तरएहिं अब्भणुण्णाए समाणे उदुंमि सरए संबुद्धे अणुत्तरे मोक्खमग्गे पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं धण्णाहिं सिवाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीआहिं वग्गूहिं अभिणंदिज्जमाणे

अभिथुव्वमाणे य बहिया सुभूमिभागे उज्जाणे एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयाहिइ तस्स णं भगवंतस्स साइरेगाइं दुवालस वासाइं णिचं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केई उवसग्गा उप्पज्जंति तं० दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा ते उप्पण्णे सम्मं सहिस्सइ खमिस्सइ तितिक्खिस्सइ अहियासिस्सइ तए णं से भगवं इरियासमिए भासासमिए जाव गुत्तबंभयारी अममे अकिंचणे छिण्णगंथे णिरुवलेवे कंसपाईव मुक्कतोए जहा भावणाए जाव सुहुयहुयासणेइव तेयसा जलंते, कंसे संखे जीवे गगणे वाए य सारए सलिले, पुक्खरपत्ते कुम्मे विहगे खग्गे य भारंडे (१) कुंजर वसहे सीहे णगराया चेव सागरमक्खोभे चंदे सूरे कणगे वसुंधरा चेव सुहुयहुए (२) णत्थि णं तस्स भगवंतस्स कत्थइ पडिबंधे भवइ, से य पडिबंधे चउव्विहे प० तं०—अंडए वा पोयएइ वा उग्गहेइ वा पग्गहिएइ वा जं णं जं णं दिसं इच्छइ तं णं तं णं दिसं अपडिबद्धे सुइभूए लहुभूए अणप्पगंथे संजमेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरिस्सइ, तस्स णं भगवंतस्स अणुत्तरेणं णाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं चरित्तेणं एवं आलएणं विहारेणं अज्जवे मद्दवे लाघवे खंती मुत्ती गुत्ती सच्च संजम तवगुणसुचरियसोवचियफलपरिणिव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ। तए णं से भगवं अरहा जिणे भविस्सइ केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स परियागं जाणइ पासइ सव्वलोए सव्वजीवाणं आगइं गइं ठिइं चयणं उववायं तक्कं मणोमाणसियं भुत्तं कडं परिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं अरहा अरहस्स भागी तं तं कालं मणसवयसकाइए जोगे वट्टमाणाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावे जाणमाणे पासमाणे विहरइ। तए णं से भगवं तेणं अणुत्तरेणं केवलवरणाणदंसणेणं सदेवमणुयासुरलोगं अभिसमिच्चा समणाणं णिग्गंथाणं पंच महव्वयाइं सभावणाइं छच्च जीवणिकायधम्मं देसेमाणे विहरिस्सइ से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं एगे आरंभठाणे पण्णत्ते एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं एगं आरंभट्ठाणं पण्णवेहिइ, से जहाणामए अज्जो ! मए समणाणं णिग्गंथाणं दुविहे बंधणे प० तं० पेज्जबंधणे, दोसबंधणे, एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं दुविहं बंधणं पण्णवेहिइ तं० पेज्जबंधणं च दोसबंधणं च। से जहाणामए अज्जो ! मए

समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडा प० तं० मणदंडे ३ एवामेव महापउमेवि समणाणं णिग्गंथाणं तओ दंडे पण्णवेहिइ तं० मणोदंडं ३ से जहाणामए एएणं अभिलावेणं चत्तारि कसाया प० तं० कोहकसाए ४ पंच कामगुणे प० तं० सद्दे ५ छज्जीवणिकाया प० तं० पुढविकाइया जाव तसकाइया एवामेव जाव तसकाइया से जहाणामए एएणं अभिलावेणं सत्त भयट्ठाणा प० तं० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सत्त भयट्ठाणा पण्णवेहिइ, एवमट्ठ मयट्ठाणे, णव बंभचेरगुत्तीओ दसविहे समणधम्मे एवं जाव तेत्तीसमासायणाउत्ति। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं णग्गभावे मुंडभावे अण्हाणए अदंतवणे अच्छत्तए अणुवाहणए भूमिसेज्जा फलगसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोए बंभचेरवासे परघरपवेसे जाव लद्धावलद्धवित्तीओ प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं णग्गभावं जाव लद्धावलद्धवित्ती पण्णवेहिई। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मिएइ वा उद्देसिएइ वा मीसज्जाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइए कीए पामिच्चे अच्छेज्जे अणिसट्ठे अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्ते वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणभत्तेइ वा मूलभोयणेइ वा कंद० फल० बीय० हरियभोयणेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमे वि अरहा समणाणं० आहाकम्मियं वा जाव हरियभोयणं वा पडिसेहिस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइए सपडिक्कमणे अचेलए धम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं पंचमहव्वइयं जाव अचेलगं धम्मं पण्णवेहिई। से जहाणामए अज्जो! मए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे प० एवामेव महापउमेवि अरहा पंचाणुव्वइयं जाव सावगधम्मं पण्णवेस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मए समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा पडिसिद्धे एवामेव महापउमेवि अरहा समणाणं णिग्गंथाणं सेज्जायरपिंडेइ वा जाव पडिसेहिस्सइ। से जहाणामए अज्जो! मम णव गणा इगारस गणहरा, एवामेव महापउमस्स वि अरहओ णव गणा इगारस गणहरा भविस्संति। से जहाणामए अज्जो! अहं तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए दुवालस संवच्छराइं तेरस पक्खा छउमत्थपरियागं पाउणित्ता तेरसहिं पक्खेहिं ऊणगाइं तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता

बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिस्सं जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सं, एवा-मेव महापउमेवि अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता जाव पव्विहिइ दुवालस संवच्छराइं जाव बावत्तरिवासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिज्झिहिई जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिई, "जंसीलसमायारो अरहा तित्थंकरो महावीरो, तस्सीलसमायारो होइ उ अरहा महापउमे ॥ ५५ ॥

णव णक्खत्ता चंदस्स पच्छंभागा प० तं० अभिई सवणो धणिट्ठा रेवइ अस्सिणि मग्गसिर पूसो, हत्थो चित्ता य तहा पच्छंभागा णव हवंति ॥५६॥ आणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ ५७ ॥ विमलवाहणे णं कुलकरे णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था ॥ ५८ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए णं इमीसे ओसप्पिणीए णवहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं विईक्कंताहिं तित्थे पवत्तिए ॥ ५९ ॥ घणदंतलट्ठदंतगूढदंतसुद्धदंतदीवा णं दीवा णवणवजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० ॥ ६० ॥ सुक्कस्स णं महागहस्स णव वीहीओ प० तं०--हयवीही गयवीही णागवीही वसहवीही गोवीही उरगवीही अयवीही मियवीही वेसाणरवीही ॥६१॥ णवविहे णोकसायवेयणिज्जे कम्मे प० तं०—इत्थिवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए हासे रई अरई भये सोगे दुगुंछे ॥ ६२ ॥ चउरिंदियाणं णव जाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ६३ ॥ भुयगपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं णवजाइकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ ६४ ॥ जीवा णं णवट्ठाणणिवत्तिए पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ ॥ ६५ ॥ पुढविकाइयणिवत्तिए जाव पंचिंदियणिवत्तिए एवं चिण-उवचिण जाव णिज्जरा चेव ॥ ६६ ॥ णव पएसिया खंधा अणंता प० ॥ ६७ ॥ णव पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ ६८ ॥ जाव णव गुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ ६९ ॥

दसमं ठाणं

दसविहा लोगट्ठिई प० तं० जण्णं जीवा उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायंति, एवं एगा लोगट्ठिई प० १ जण्णं जीवाणं सया समियं पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० २ जण्णं जीवा सया समियं मोहणिज्जे पावे कम्मे कज्जइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ३ ण एवं भूयं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जं जीवा अजीवा भविस्संति अजीवा वा जीवा भविस्संति एवं एगा लोगट्ठिई प० ण एवं भूयं ३ जं तसा

पाणा वोच्छिज्जिस्संति थावरा पाणा वोच्छिज्जिस्संति तसा पाणा भविस्संति वा एवं पि एगा लोगट्ठिई प० ५ ण एवं भूयं वा ३ जं लोए अलोए भविस्सइ अलोए वा लोए भविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ६ ण एवं भूयं वा ३ जं लोए अलोए पविस्सइ अलोए वा लोए पविस्सइ एवं एगा लोगट्ठिई प० ७ जाव ताव लोए ताव ताव जीवा जाव ताव जीवा ताव ताव लोए एवं एगा लोगट्ठिई प० ८ जाव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए ताव ताव लोए जाव ताव लोए ताव ताव जीवाण य पोग्गलाण य गइपरियाए एवं एगा लोगट्ठिई प० ९ सव्वेसु वि णं लोगंतेसु अबद्ध-पासपुट्ठा पोग्गला लुक्खत्ताए कज्जंति जेणं जीवा य पोग्गला य णो संचायंति बहिया लोगंता गमणयाए एवं एगा लोगट्ठिई पण्णत्ता ॥ १ ॥ दसविहे सद्दे प० तं० णीहारि पिंडिमे लुक्खे भिण्णे जज्जरिए इय; दीहे रहस्से पुहत्ते य, काकणी खिंखि-णिस्सरे ॥ २ ॥ दस इंदियत्थातीता प० तं० देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिंसु देसेण वि एगे रूवाइं पासिंसु सव्वेण वि एगे रूवाइं पासिंसु एवं गंधाइं रसाइं फासाइं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेंसु ॥ ३ ॥ दस इंदियत्था पडुप्पण्णा प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणेंति, एवं जाव फासाइं। दस इंदियत्था अणागया प० तं०—देसेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति सव्वेण वि एगे सद्दाइं सुणिस्संति एवं जाव सव्वेण वि एगे फासाइं पडिसंवेदेस्संति ॥ ४ ॥ दसहिं ठाणेहिं अच्छिण्णे पोग्गले चलेज्जा तं०—आहारिज्ज-माणे वा चलेज्जा, परिणामेज्जमाणे वा चलेज्जा, उस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, णिस्ससिज्जमाणे वा चलेज्जा, वेदेज्जमाणे वा चलेज्जा, णिज्जरिज्जमाणे वा चलेज्जा, विउव्विज्जमाणे वा चलेज्जा, परियारिज्जमाणे वा चलेज्जा, जक्खाइट्ठे वा चलेज्जा, वायपरिग्गहे वा चलेज्जा ॥ ५ ॥ दसहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती सिया तं० मणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइमवहरिंसु अमणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं उवहरिंसु, मणुण्णाइं मे सद्दफरिसरसरूवगंधाइं अवहरइ, अमणुण्णाइं मे सद्दफरि-सजावगंधाइं उवहरइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव अवहरिस्सइ, अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिस्सइ, मणुण्णाइं मे सद्द जाव गंधाइं अवहरिंसु वा अवहरइ अवहरिस्सइ अमणुण्णाइं मे सद्द जाव उवहरिंसु वा उवहरइ उवहरिस्सइ, मणुण्णामणुण्णाइं सद्द जाव अवहरिंसु अवहरइ अवहरिस्सइ, उवहरिंसु उवहरइ उवहरिस्सइ अहं च णं

आयरियउवज्झायाणं सम्मं वट्टामि ममं च णं आयरियउवज्झाया मिच्छं पडिवण्णा ॥ ६ ॥ दसविहे संजमे प० तं० पुढविकाइयसंजमे जाव वणस्सइकाइयसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे ॥ ७ ॥ दसविहे असंजमे प० तं० पुढविकाइयअसंजमे, आउ० तेउ० वाउ० वणस्सइ० जाव अजीवकायअसंजमे ॥ ८ ॥ दसविहे संवरे प० तं०—सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे मण० वय० काय० उवकरण० सूचीकुसग्गसंवरे ॥ ९ ॥ दसविहे असंवरे प० तं०—सोइंदियअसंवरे जाव सूचीकुसग्गअसंवरे ॥ १० ॥ दसहिं ठाणेहिं अहमंतीइ थंभिज्जा तं०—जाइमएण वा कुलमएण वा जाव इस्सरियमएण वा णागसुवण्णा वा मे अंतियं हव्वमागच्छंति, पुरिसधम्माओ वा मे उत्तरिए अहोहिए णाणदंसणे समुप्पण्णे ॥ ११ ॥ दसविहा समाही प० तं०—पाणाइवायवेरमणे, मुसा० अदिण्णा० मेहुण० परिग्गह० इरियासमिई भासा० एसणा० आयाण० उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिई ॥ १२ ॥ दसविहा असमाही प० तं० पाणाइवाए जाव परिग्गहे, इरियाऽसमिई जाव उच्चार० ॥ १३ ॥ दसविहा पव्वज्जा प० तं०—छंदा रोसा परिजुण्णा सुविणा पडिस्सुया चेव सारणिया रोगिणिया अणाढिया देवसण्णत्ती वच्छाणुबंधिया ॥ १४ ॥ दसविहे समणधम्मे प० तं० खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभचेरवासे ॥ १५ ॥ दसविहे वेयावच्चे प० तं० आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सि० गिलाण० सेह० कुल० गण० संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे ॥ १६ ॥ दसविहे जीवपरिणामे प० तं० गइपरिणामे इंदियपरिणामे कसायपरिणामे लेस्सा० जोग० उवओग० णाण० दंसण० चरित्त० वेयपरिणामे ॥ १७ ॥ दसविहे अजीवपरिणामे प० तं० बंधणपरिणामे गइ० संठाण० भेद० वण्ण० रस० गंध० फास० अगुरुलहु० सद्दपरिणामे ॥ १८ ॥ दसविहे अंतलिक्खिए असज्झाइए प० तं०—उक्कावाए दिसिदाहे गज्जिए विज्जुए णिग्घाए जुयए जक्खालित्ते धूमिया महिया रयउग्घाए ॥ १९ ॥ दसविहे ओरालिए असज्झाइए प० तं०—अट्ठि मंसं सोणिए असुइसामंते सुसाणसामंते चंदोवराए सूरोवराए पडणे रायवुग्गहे उवस्सयस्स अंतो ओरालिए सरीरगे ॥ २० ॥ पंचिंदियाणं जीवाणं असमारभमाणस्स दसविहे संजमे कज्जइ तं०—सोयामयाओ सुक्खाओ अववरोवेत्ता भवइ, सोयामएणं दुक्खेणं असंजोगेत्ता भवइ, एवं जाव फासामएणं दुक्खेणं असंजोएत्ता भवइ,

एवं असंजमोवि भाणियव्वो ॥ २१ ॥ दससुहुमा प० तं—पाणसुहुमे, पणगसुहुमे जाव सिणेहसुहुमे, गणियसुहुमे, भंगसुहुमे ॥ २२ ॥ जंबूमंदरदाहिणेणं गंगासिंधु-महाणईओ दसमहाणईओ समप्पेंति तं० जउणा, सरऊ, आवी, कोसी, मही, सिंधू, विवच्छा, विभासा, एरावई, चंदभागा ॥ २३ ॥ जंबूमंदरउत्तरेणं रत्तारत्तवईओ महाणईओ दस महाणईओ समप्पेंति तं०—किण्हा, महाकिण्हा, णीला, महाणीला, तीरा, महातीरा, इंदा जाव महाभोगा ॥ २४ ॥ जंबुद्दीवे दीवे भरहे वासे दस रायहाणीओ प० तं० चंपा, महुरा, वाणारसी य, सावत्थी, तह य साएयं, हत्थि-णउर, कंपिल्लं, मिहिला, कोसंबि, रायगिहं ॥ २५ ॥ एयासु णं दस रायहाणीसु दस रायाणो मुंडा भवेत्ता जाव पव्वइया, तं०—भरहे, सगरो, मघवं, सणंकुमारो, संती, कुंथू, अरे, महापउमे, हरिसेणो, जयणामे ॥ २६ ॥ जंबूमंदरपव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दसजोय-णसयाइं विक्खंभेणं दसदसाइं जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० ॥ २७ ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहे-ट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं अट्ठ पएसिए रुयगे प० जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति तं० पुरत्थिमा, पुरत्थिमदाहिणा, दाहिणा, दाहिणपचत्थिमा, पच्चत्थिमा, पच्चत्थिमुत्तरा, उत्तरा, उत्तरपुरत्थिमा, उड्ढा, अहो ॥२८॥ एएसि णं दसण्हं दिसाणं दस णामधिज्जा, प० तं०—इंदा अग्गीइ जमा णेरई वारुणी य वायव्वा, सोमा ईसा-णावि य विमला य तमा य बोद्धव्वा ॥ २९ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयण-सहस्साइं गोतित्थविरहिए खेत्ते प० ॥ ३० ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयण-सहस्साइं उदगमाले पण्णत्ते ॥ ३१ ॥ सव्वेवि णं महापायाला दसदसाइं जोयण-सहस्साइं उव्वेहेणं प० मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाए सेढीए दसदसाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० उवरिं मुहमूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० तेसिं णं महापायालाणं कुड्डा सव्ववइरामया सव्व-त्थसमा दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० सव्वेवि णं खुद्दा पायाला दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं प० मूले दसदसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं बहुमज्झदेसभाए एगपएसियाए सेढीए दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० उवरिं मुहमूले दसदसाइं जोयणाइं विक्खं-भेणं प० तेसि णं खुड्डापायालाणं कुड्डा सव्ववइरामया सव्वत्थ समा दस जोयणाइं बाहल्लेणं प० ॥ ३२ ॥ धायइसंडगा णं मंदरा दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं धर-

णितले देसूणाइं दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ३३ ॥ पुक्खरवरदीवद्धगा णं मंदरा दस जोयण एवं चेव ॥ ३४ ॥ सव्वेवि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दसजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दसजोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ३५ ॥ जंबुद्दीवे दीवे दस खेत्ता प० तं० भरहे एरवए हेमवए हेरण्णवए हरिवस्से रम्मगवस्से पुव्वविदेहे अवरविदेहे देवकुरा उत्तरकुरा ॥ ३६ ॥ माणुसुत्तरे णं पव्वए मूले दस बावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ३७ ॥ सव्वेवि णं अंजणगपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ३८ ॥ सव्वेवि णं दहिमुहपव्वया दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा पल्लगसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ३९ ॥ सव्वेवि णं रइकरयपव्वया दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा झल्लरिसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ४० ॥ रुयगवरे णं पव्वए दस जोयणसयाइं उव्वेहेणं, मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं उवरिं दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०, एवं कुंडलवरेवि ॥ ४१ ॥ दसविहे दवियाणुओगे प० तं० दवियाणुओगे माउयाणुओगे एगट्ठियाणुओगे करणाणुओगे अप्पियणप्पिए भावियाभाविए बाहिराबाहिरे सासयासासए तहणाणे अतहणाणे ॥ ४२ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ४३ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो सोमप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प० ॥ ४४ ॥ चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो जमस्स महारण्णो जमप्पभे उप्पायपव्वए एवं चेव, एवं वरुणस्सवि, एवं वेसमणस्स वि ॥ ४५ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो रुयगिंदे उप्पायपव्वए मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं प० ॥ ४६ ॥ बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स सोमस्स एवं चेव । जहा चमरस्स लोगपालाणं तं चेव बलिस्स वि, ॥ ४७ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो धरणप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं ॥ ४८ ॥ धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कालवालस्स महारण्णो महाकालप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं एवं चेव, एवं

जाव सव्वपालस्स, एवं भूयाणंदस्स वि, एवं लोगपालाणं वि से जहा धरणस्स, एवं जाव थणियकुमाराणं सलोगपालाणं भाणियव्वं, सव्वेसिं उप्पायपव्वया भाणियव्वा सरिसणामगा ॥ ४९ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सक्कप्पभे उप्पायपव्वए दस जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेण दसगाउयसहस्साइं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० ॥ ५० ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो जहा सक्कस्स तहा सव्वेसिं लोगपालाणं सव्वेसिं च इंदाणं जाव अच्चुयत्ति सव्वेसिं पमाणमेगं ॥ ५१ ॥ बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० ॥ ५२ ॥ जलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं सरीरोगाहणा प० । उरपरिसप्पथलचरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं एवं चेव ॥ ५३ ॥ संभवाओ णं अरहाओ अभिणंदणे अरहा दसहिं सागरोवमकोडिसयसहस्सेहिं वइक्कंतेहिं समुप्पण्णे ॥ ५४ ॥ दसविहे अणंतए प० तं० णामाणंतए ठवणाणंतए दव्वाणंतए गणणाणंतए पएसाणंतए एगओणंतए दुहओणंतए देसवित्थाराणंतए सव्ववित्थाराणंतए सासयाणंतए ॥ ५५ ॥ उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू प० ॥ ५६ ॥ अत्थिणत्थिप्पवायपुव्वस्स णं दस चूलवत्थू प० ॥ ५७ ॥ दसविहा पडिसेवणा प० तं०—दप्प पमाय णाभोगे आउरे आवईसु य, संकिए सहसक्कारे भयप्पओसा य वीमंसा ॥ ५८ ॥ दस आलोयणा दोसा प० तं० आकंपइत्ता अणुमाणइत्ता जंदिट्ठं बायरं च सुहुमं वा, छण्णं सद्दाउलगं बहुजण अव्वत्त तस्सेवी ॥ ५९ ॥ दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसमालोएत्तए तं०—जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे एवं जहा अट्ठट्ठाणे जाव खंते दंते अमाई अपच्छाणुतावी ॥६०॥ दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए तं०—आयारवं अवहारवं जाव अवायदंसी पियधम्मे दढधम्मे ॥६१॥ दसविहे पायच्छित्ते प० तं०—आलोयणारिहे जाव अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे । ६२ ॥ दसविहे मिच्छत्ते प० तं०—अधम्मे धम्मसण्णा धम्मे अधम्मसण्णा उम्मग्गे मग्गसण्णा मग्गे उम्मग्गसण्णा अजीवेसु जीवसण्णा जीवेसु अजीवसण्णा असाहुसु साहुसण्णा साहुसु असाहुसण्णा अमुत्तेसु मुत्तसण्णा मुत्तेसु अमुत्तसण्णा ॥ ६३ ॥ चंदप्पभे णं अरहा दस पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ६४ ॥ धम्मे णं अरहा दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव-

प्पहीणे ॥ ६५ ॥ णमी णं अरहा दस वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे ॥ ६६ ॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दसवाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६७ ॥ णेमी णं अरहा दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जावप्पहीणे ॥ ६८ ॥ कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं दस य वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ ६९ ॥ दसविहा भवणवासी देवा प० तं०—असुरकुमारा जाव थणियकुमारा ॥ ७० ॥ एएसि णं दसविहाणं भवणवासीणं देवाणं दस चेइय रुक्खा प० तं०—असत्थ सत्तिवण्णे सामलि उंबर सिरीस दहिवण्णे, वंजुल पलास वप्पे तए य कणियाररुक्खे ॥ ७१ ॥ दसविहे सोक्खे प० तं०—आरोग्ग दीहमाउं अड्ढेज्जं काम भोग संतोसे; अत्थि सुहभोग णिक्खममेव तओ अणाबाहे ॥ ७२ ॥ दसविहे उवघाए प० तं०—उग्गमोवघाए उप्पायणोवघाए जह पंचठाणे जाव परिहरणोवघाए णाणोवघाए दंसणोवघाए चरित्तोवघाए अचियत्तोवघाए सारक्खणोवघाए ॥ ७३ ॥ दसविहा विसोही प० तं०—उग्गमविसोही उप्पायणविसोही जाव सारक्खणविसोही ॥ ७४ ॥ दसविहे संकिलेसे प० तं०—उवहिसंकिलेसे उवस्सयसंकिलेसे कसायसंकिलेसे भत्तपाणसंकिलेसे मणसंकिलेसे वइसंकिलेसे कायसंकिलेसे णाणसंकिलेसे दंसणसंकिलेसे चरित्तसंकिलेसे ॥ ७५ ॥ दसविहे असंकिलेसे प० तं० उवहिअसंकिलेसे जाव चरित्तअसंकिलेसे ॥ ७६ ॥ दसविहे बले प० तं०—सोइंदियबले जाव फासिंदियबले णाणबले दंसणबले चरित्तबले तवबले वीरियबले ॥ ७७ ॥ दसविहे सच्चे प० तं०—जणवय सम्मय ठवणा णामे रूवे पडुच्चसच्चे य, ववहार भाव जोगे दसमे ओवम्मसच्चे य ॥ ७८ ॥ दसविहे मोसे प० तं०—कोहे माणे माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य हास भए अक्खाइय उवघायणिस्सिए दसमे ॥ ७९ ॥ दसविहे सच्चामोसे प० तं० उप्पण्णमीसए विगयमीसए उप्पण्णविगयमीसए जीवमीसए अजीवमीसए जीवाजीवमीसए अणंतमीसए परित्तमीसए अद्धामीसए अद्धद्धामीसए ॥ ८० ॥ दिट्ठिवायस्स णं दस णामधेज्जा प० तं० दिट्ठिवाएइ वा हेउवाएइ वा भूयावाएइ वा तच्चावाएइ वा सम्मावाएइ वा धम्मावाएइ वा भासाविजएइ वा पुव्वगएइ वा अणुजोगगएइ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहेइ वा ॥ ८१ ॥ दसविहे सत्थे प० तं०—सत्थमग्गी विसं लोणं सिणेहो खार मंबिलं, दुप्पउत्तो मणो वाया काया

भावो य अविरई ॥ ८२ ॥ दसविहे दोसे प० तं०—तज्जायदोसे मइभंगदोसे पसत्थारदोसे परिहरणदोसे, सलक्खण कारण हेउदोसे संकामणं णिग्गह वत्थुदोसे ॥ ८३ ॥ दस विहे विसेसे प० तं–वत्थु तज्जायदोसे य दोसे एगट्ठिएइ य, कारणे य पडुप्पण्णे दोसे णिच्चे हि अट्ठमे; अत्तणा उवणीए य विसेसेइ य ते दस... ॥ ८४ ॥ दसविहे सुद्धावायाणुओगे प० तं०–चंकारे मंकारे पिंकारे सेयंकारे सायंकारे एगत्ते पुहुत्ते संजूहे संकामिए भिण्णे ॥ ८५ ॥ दसविहे दाणे प० तं० अणुकंपा संगहे चेव भये कालुणिएइ य; लज्जाए गारवेणं च, अहम्मे पुण सत्तमे। धम्मे य अट्ठमे वुत्ते काहीइ य कयंति य ॥ ८६ ॥ दसविहा गई प० तं०–णिरयगई, णिरयविग्गहगई, तिरियगई, तिरियविग्गहगई, एवं जाव सिद्धिगई, सिद्धिविग्गहगई ॥ ८७ ॥ दसमुंडा प० तं०–सोइंदियमुंडे जाव फासिंदियमुंडे, कोहमुंडे जाव लोभमुंडे दसमे सिरमुंडे ॥ ८८ ॥ दसविहे संखाणे प० तं०—परिकम्मं ववहारो रज्जु रासी कलासवण्णे य, जावंतावइ वग्गो घणो य तह वग्गवग्गो वि, कप्पो य ॥ ८९ ॥ दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०—अणागयमइक्कंतं कोडीसहियं णियंटियं चेव, सागारमणागारं, परिमाणकडं, णिरवसेसं, संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं दसविहं तु ॥ ९० ॥ दसविहा सामायारी प० तं०–इच्छा मिच्छा तहक्कारो आवस्सिया णिसीहिया, आपुच्छणा य पडिपुच्छा छंदणा य णिमंतणा, उवसंपया य काले सामायारी भवे दसविहा उ ॥ ९१ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे तं०–एगं च णं महाघोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे १ एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे २ एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ३ एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ४ एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ५ एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ६ एगं च णं महासागरं उम्मीवीचीसहस्सकलियं भुयाहिं तिण्णं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ७ एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ८ एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं णियएणमंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परि-

वेढियं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे ९ एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाओ उवरिं सीहासणवरगयमत्ताणं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धे १०। जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुमिणे पराजियं पासित्ता णं पडिबुद्धे तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किलपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्तपक्खगं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे ससमयपरसमइयं चित्तविचित्तं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ णिदंसेइ उवदंसेइ तं० आयारं जाव दिट्ठिवायं ३ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणा जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं—अगारधम्मं च अणगारधम्मं च ४ जं णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयं गोवग्गं सुमिणे जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्वण्णाइण्णे संघे तं०—समणा समणीओ सावगा सावियाओ ५ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ, तं०—भवणवासी वाणमंतरा जोइसवासी वेमाणवासी ६ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं उम्मीवीची जाव पडिबुद्धे तं णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाईए अणवदग्गे दीहमद्धे चाउरंतसंसारकंतारे तिण्णे ७ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे जाव समुप्पण्णे ८ जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे तं णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सदेवमणुयासुरे लोगे उराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा परिगुव्वंति इइ खलु समणे भगवं महावीरे इइ० ९ जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं जाव पडिबुद्धे तं णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ १० ॥ ९२ ॥ दसविहे सरागसम्मद्दंसणे प० तं०—णिसग्गुवएसरुई आणरुई सुत्तबीयरुइमेव, अभिगम वित्थाररुई किरिया संखेव धम्मरुई ॥ ९३ ॥ दससण्णाओ प० तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा कोहसण्णा माणसण्णा मायासण्णा लोहसण्णा लोगसण्णा ओहसण्णा

णेरइयाणं दस सण्णाओ एवं चेव । एवं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं २४ ॥ ९४ ॥ णेरइया णं दसविहं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति तं० सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं भयं सोगं जरं वाहिं ॥ ९५ ॥ दस ठाणाइं छउमत्थे णं सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ तं—धम्मत्थिकायं जाव वायं अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसण-धरे अरहा जाणइ पासइ जाव अयं सव्वदुक्खाणमंतं करेस्सइ वा ण वा करेस्सइ ॥ ९६ ॥ दस दसाओ प० तं०—कम्मविवागदसाओ, उवासगदसाओ, अंतगडद-साओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, आयारदसाओ, पण्हावागरणदसाओ, बंधदसाओ, दोगिद्धिदसाओ, दीहदसाओ, संखेवियदसाओ ॥ ९७ ॥ कम्मविवागदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—मियापुत्ते य गोत्तासे अंडे सगडेइ यावरे, माहणे णंदिसेणे य सोरियत्ति उदुंबरे १ सहसुद्दाहे आमलए कुमारे लेच्छई इइ २ ॥ ९८ ॥ उवासग-दसाणं दस अज्झयणा प० तं०—आणंदे कामदेवे अ गाहावइ चूलणीपिया, सुरादेवे चुल्लसयए गाहावइ कुंडकोलिए (१) सद्दालपुत्ते महासयए णंदिणीपिया सालइया-पिया ॥९९॥ अंतगडदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—णमि मायंगे सोमिले रामगुत्ते सुदंसणे चेव, जमाली य भगाली य किंकमे पल्लएइ य (१) फाले अंबडपुत्ते य एमेए दस आहिआ ॥ १०० ॥ अणुत्तरोववाइयदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—इसिदासे य धण्णे य सुणक्खत्ते य काइए इय, सट्ठाणे सालिभद्दे य आणंदे तेयली इय (१) दसण्णभद्दे अइमुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०१ ॥ आयारदसाणं दस अज्झ-यणा प० तं० वीसं असमाहिट्ठाणा एगवीसं सबला तेत्तीसं आसायणाओ अट्ठविहा गणिसंपया दस चित्तसमाहिट्ठाणा एगारसउवासगपडिमाओ बारस भिक्खुपडिमाओ पज्जोसवणाकप्पो तीसं मोहणिज्जट्ठाणा आजाइट्ठाणं ॥ १०२ ॥ पण्हावागरणदसाणं दस अज्झयणा प० तं० उवमा संखा इसिभासियाइं आयरियभासियाइं महावीर-भासियाइं खोमगपसिणाइं कोमलपसिणाइं अद्दागपसिणाइं अंगुट्ठपसिणाइं बाहुपसि-णाइं ॥ १०३ ॥ बंधदसाणं दस अज्झयणा प० तं०—बंधे य मोक्खे य देवद्धि दसारमंडलेवि य, आयरियविप्पडिवत्ती उवज्झायविप्पडिवत्ती भावणा विमुत्ती साओ कम्मे ॥ १०४ ॥ दोगेद्धिदसाणं दस अज्झयणा प० तं० वाए विवाए उव-वाए सुक्खित्ते कसिणे बायालीसं सुमिणे तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा हारे रामे गुत्ते एमेए दस आहिआ ॥ १०५ ॥ दीहदसाणं दस अज्झयणा प०

तं० चंदे सूरए सुक्के य सिरिदेवी पभावई दीवसमुद्दोववत्ती बहूपुत्ती मंदरेइ य थेरे संभूयविजए थेरे पम्ह ऊसासणीसासे ॥१०६॥ संखेवियदसाणं दस अज्झयणा प० तं० खुड्डियाविमाणपविभत्ती महल्लियाविमाणपविभत्ती अंगचूलिया वग्गचूलिया विवाहचूलिया अरुणोववाए वरुणोववाए गरुलोववाए वेलंधरोववाए वेसमणोववाए ॥ १०७ ॥ दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणीए दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणीए ॥ १०८ ॥ दसविहा णेरइया प० तं०— अणंतरोववण्णा परंपरोववण्णा अणंतरावगाढा परंपरावगाढा अणंतराहारगा परंपराहारगा अणंतरपज्जत्ता परंपरपज्जत्ता चरिमा अचरिमा एवं णिरंतरं जाव वेमाणिया ॥ १०९ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए दस णिरयावाससयसहस्सा प० ॥ ११० ॥ रयणप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ १११ ॥ चउत्थीए णं पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं णेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११२ ॥ पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए जहण्णेणं णेरइयाणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११३ ॥ असुरकुमाराणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११४ ॥ एवं जाव थणियकुमाराणं । बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११५ ॥ वाणमंतराणं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई प० ॥ ११६ ॥ बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११७ ॥ लंतए कप्पे देवाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ११८ ॥ दसहिं ठाणेहिं जीवा आगमेसिभद्दत्ताए कम्मं पगरेंति तं०— अणिदाणयाए, दिट्ठिसंपण्णयाए, जोगवाहियत्ताए, खंतिखमणयाए, जिइंदिययाए, अमाइल्लयाए, अपासत्थयाए, सुसामण्णयाए, पवयणवच्छल्लयाए, पवयणउब्भावणयाए ॥ ११९ ॥ दसविहे आसंसप्पओगे प० तं०—इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासंसप्पओगे, दुहओलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामासंसप्पओगे, भोगासंसप्पओगे, लाभासंसप्पओगे, पूयासंसप्पओगे, सक्कारासंसप्पओगे ॥ १२० ॥ दसविहे धम्मे प० तं—गामधम्मे, णगरधम्मे, रट्ठधम्मे, पासंडधम्मे कुलधम्मे, गणधम्मे, संघधम्मे, सुयधम्मे, चरित्तधम्मे, अत्थिकायधम्मे ॥ १२१ ॥ दसथेरा प० तं० गामथेरा, णगरथेरा, रट्ठथेरा, पसत्थारथेरा, कुलथेरा, गणथेरा, संघथेरा, जाइथेरा, सुअथेरा, परियायथेरा ॥ १२२ ॥ दसपुत्ता प० तं—अत्तए

खेत्तए दिण्णए विण्णए उरसे मोहरे सोंडीरे संबुद्धे उवयाइए धम्मंतेवासी ॥१२३॥ केवलिस्स णं दस अणुत्तरा प० तं० अणुत्तरे णाणे अणुत्तरे दंसणे अणुत्तरे चरित्ते अणुत्तरे तवे अणुत्तरे वीरिए अणुत्तरा खंती अणुत्तरा मुत्ती अणुत्तरे अज्जवे अणुत्तरे मद्दवे अणुत्तरे लाघवे ॥ १२४ ॥ समयखेत्ते णं दस कुराओ प० तं०— पंच देवकुराओ पंच उत्तरकुराओ तत्थ णं दस महइमहालया महादुमा प० तं– जंबू सुदंसणे धायइरुक्खे महाधायइरुक्खे पउमरुक्खे महापउमरुक्खे, पंच कूड-सामलीओ तत्थ णं दस देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति तं० अणाढिए जंबुद्दी-वाहिवई सुदंसणे पियदंसणे पोंडरीए महापोंडरीए पंच गरुला वेणुदेवा ॥ १२५ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं दुस्समं जाणेज्जा तं०—अकाले वरिसइ काले ण वरिसइ असाहू पुइज्जंति साहू ण पुइज्जंति गुरुसु जणो मिच्छं पडिवण्णो अमणुण्णा सद्दा जाव फासा ॥ १२६ ॥ दसहिं ठाणेहिं ओगाढं सुसमं जाणेज्जा तं०—अकाले ण वरिसइ तं चेव विवरीयं जाव मणुण्णा फासा ॥ १२७ ॥ सुसमसुसमाए णं समाए दस-विहा रुक्खा उवभोगत्ताए हव्वमागच्छंति तं० मत्तंगया य भिंगा तुडियंगा दीव जोइ चित्तंगा; चित्तरसा मणियंगा गेहागारा अणियणा य ॥ १२८ ॥ जंबूद्दीवे २ भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा हुत्था तं०—सयज्जले सयाऊ य अणंतसेणे य अमियसेणे य तक्कसेणे भीमसेणे महाभीमसेणे य सत्तमे (१) दढरहे दसरहे सयरहे ॥ १२९ ॥ जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आगमीसाए उस्सप्पिणीए दस कुलगरा भविस्संति तं०—सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे विमल-वाहणे संमुई पडिसुए दढधणू दसधणू सयधणू ॥ १३० ॥ जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० तं०– मालवंते चित्तकूडे विचित्तकूडे बंभकूडे जाव सोमणसे ॥ १३१ ॥ जंबूमंदरपच्च-त्थिमे णं सीओयाए महाणईए उभओ कूले दस वक्खारपव्वया प० तं०–विज्जु-प्पभे जाव गंधमायणे । एवं धायइसंडपुरत्थिमद्धेवि वक्खारा भाणियव्वा जाव पुक्खरवरदीवड्ढपच्चत्थिमद्धे ॥ १३२ ॥ दसकप्पा इंदाहिट्ठिया प० तं० सोहम्मे जाव सहस्सारे पाणए अच्चुए । एएसु णं दससु कप्पेसु दस इंदा प० तं०–सक्के ईसाणे जाव अच्चुए । एएसु णं दसण्हं इंदाणं दस परिजाणियविमाणा प० तं०– पालए पुप्फए जाव विमलवरे सव्वओभद्दे ॥१३३॥ दस दसमिया णं भिक्खुपडिमा णं एगेण राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं य भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहियावि

भवइ ॥ १३४ ॥ दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० तं०--पढमसमयएगिंदिया अपढमसमयएगिंदिया एवं जाव अपढमसमयपंचिंदिया ॥ १३५ ॥ दसविहा सव्वजीवा प० तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया बेंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया ॥ १३६ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा प० तं० पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया जाव अपढमसमयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ १३७ ॥ वाससयाउयस्स णं पुरिसस्स दस दसाओ प० तं०—बाला किड्डा य मंदा य बला पण्णा य हायणी, पवंचा पब्भारा य मुंमुही सावणी तहा ॥ १३८ ॥ दसविहा तणवणस्सइकाइया प० तं०—मूले कंदे जाव पुप्फे फले बीए ॥ १३९ ॥ सव्वओवि णं विज्जाहरसेढीओ दसदसजोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १४० ॥ सव्व-ओवि णं आभिओगसेढीओ दस दस जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ १४१ ॥ गेविज्जग-विमाणाणं दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १४२ ॥ दसहिं ठाणेहिं सह तेयसा भासं कुज्जा, तं० केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा से तं परियावेइ, से तं परियावित्ता तामेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चा-साएज्जा से य अच्चासाइए समाणे देवे, परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा से तं परि-यावेइ से तं २ तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए समाणे परिकुविए देवे य परिकुविए दुहओ पडिण्णा तस्स तेयं णिसिरेज्जा ते तं परियाविंति ते तं परियावेत्ता तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति ते फोडा भिण्णा समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए देवे परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति, ते फोडा भिण्णा समाणा तमेव सह तेयसा भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा से य अच्चासाइए परिकुविए देवेवि य परि-कुविए ते दुहओ पडिण्णा ते तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति, सेसं तहेव जाव भासं कुज्जा, केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएज्जा, से य अच्चासाइए परिकुविए तस्स तेयं णिसिरेज्जा, तत्थ फोडा संमुच्छंति ते फोडा भिज्जंति तत्थ पुला संमुच्छंति ते पुला भिज्जंति, ते पुला भिण्णा समाणा तामेव

सइ तेयसा भासं कुज्जा, एए तिण्णि आलावगा भाणियव्वा केइ तहारूवं समणं वा माहणं वा अच्चासाएमाणे तेयं णिसिरेज्जा से य तत्थ णो कम्मइ णो पकम्मइ अंचियं अंचियं करेइ करेत्ता आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता णं तओ पडिहए पडिणियत्तइ २ त्ता तमेव सरीरगमणुदहमाणे २ सह तेयसा भासं कुज्जा जहा वा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेतेए ॥ १४३ ॥ दस अच्छेरगा प० तं०—उवसग्ग गब्भहरणं इत्थीतित्थं अभाविया परिसा, कण्हस्स अवरकंका उत्तरणं चंदसूराणं (१) हरिवंसकुलुप्पत्ती चमरुप्पाओ य अट्ठसयसिद्धा, असंजएसु पूआ दसवि अणंतेण २ कालेण ॥ १४४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणे कंडे दसजोयणसयाइं बाहल्लेणं प० ॥१४५॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वयरे कंडे दस जोयणसयाइं बाहल्लेणं प० । एवं वेरुलिए लोहितक्खे मसारगल्ले हंसगब्भे पुलए सोगंधिए जोइरसे अंजणे अंजणपुलए रयए जायरूवे अंके फलिहे रिट्ठे जहा रयणे तहा सोलसविहा भाणियव्वा ॥ १४६ ॥ सव्वेवि णं दीवसमुद्दा दस-जोयणसयाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४७ ॥ सव्वेवि णं महादहा दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४८ ॥ सव्वेवि णं सलिलकुंडा दसजोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १४९ ॥ सीयासीओया णं महाणईओ मुहमूले दस दस जोयणाइं उव्वेहेणं प० ॥ १५० ॥ कत्तियाणक्खत्ते सव्वबाहिराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १५१ ॥ अणुराहा णक्खत्ते सव्वब्भंतराओ मंडलाओ दसमे मंडले चारं चरइ ॥ १५२ ॥ दस णक्खत्ता णाणस्स विद्धिकरा प० तं० मिगसिरमद्दा पुस्सो तिण्णि य पुव्वाइं मूलमस्सेसा, हत्थो चित्ता य तहा दस विद्धिकराइं णाणस्स ॥ १५३ ॥ चउप्पय-थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा प० उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्सा प० ॥ १५४ ॥ जीवा णं दसठाणणिव्वत्तिया पोग्गले पावकम्मत्ताए चिणिंसु वा ३ तंजहा—पढमसमयएगिंदियणिव्वत्तिए जाव फासिंदियणिव्वत्तिए, एवं चिण-उव-चिण-बंध-उदीर-वेय-तह णिज्जरा चेव ॥ १५५ ॥ दसपएसिया खंधा अणंता प० ॥ १५६ ॥ दस पएसोगाढा पोग्गला अणंता प० ॥ १५७ ॥ दससमयठिईया पोग्गला अणंता प० । दसगुणकालगा पोग्गला अणंता प० ॥ १५८ ॥ एवं वण्णेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं दसगुणलुक्खा पोग्गला अणंता प० ॥ १५९ ॥

॥ ठाणं समत्तं ॥

समवाओ

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं ॥ १ ॥ [इह खलु समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थयरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिसवरपुंडरीएणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगणाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोअगरेणं अभयदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं सरणदएणं जीवदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मणायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरणाणदंसणधरेणं वियट्टच्छउमेणं जिणेणं जावएणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वण्णुणा सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपाविउकामेणं इमे दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते, तं जहा—आयारे १ सूयगडे २ ठाणे ३ समवाए ४ विवाहपण्णत्ती ५ णायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अंतगडदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदसाओ ९ पण्हावागरणं १० विवागसुए ११ दिट्ठिवाए १२ ॥ २ ॥ तत्थ णं जे से चउत्थे अंगे समवाए त्ति आहिए तस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते—तं जहा] एगे आया, एगे अणाया, एगे दंडे, एगे अदंडे, एगा किरिआ, एगा अकिरिआ, एगे लोए, एगे अलोए, एगे धम्मे, एगे अधम्मे, एगे पुण्णे, एगे पावे, एगे बंधे, एगे मोक्खे, एगे आसवे एगे संवरे, एगा वेयणा, एगा णिज्जरा ॥ ३ ॥ जंबुद्दीवे दीवे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते । अप्पइट्ठाणे णरए एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते । पालए जाणविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते । सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते । अद्दाणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते । चित्ताणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते । सातिणक्खत्ते एगतारे पण्णत्ते ॥ ४ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता । दोच्चाए पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । असुरकुमाराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं साहियं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता । असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता ।

असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णिमणुयाणं अत्थेगइयाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। वाणमंतराणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। जोइसियाणं देवाणं उक्कोसेणं एगं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं जहण्णेणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साइरेगं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। जे देवा सागरं सुसागरं सागरकंतं भवं मणुं माणुसोत्तरं लोगहियं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगं सागरोवमं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा एगस्स अद्धमासस्स आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जे जीवा ते एगेणं भवग्गहणेणं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्व-दुक्खाण मंतं करिस्संति ॥५॥ १॥ दो दंडा पण्णत्ता, तं जहा–अट्ठादंडे चेव, अणट्ठा-दंडे चेव। दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा–जीवरासी चेव, अजीवरासी चेव। दुविहे बंधणे पण्णत्ते, तं जहा–रागबंधणे चेव, दोसबंधणे चेव। पुव्वाफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तराफग्गुणी णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। पुव्वाभद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते। उत्तरा-भद्दवया णक्खत्ते दुतारे पण्णत्ते इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइ-याणं णेरइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दुच्चाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइ-याणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दो पलिओ-वमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमारिंदवज्जियाणं भोमिज्जाणं देवाणं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचेंदियतिरिक्खजोणिआणं अत्थेगइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। असंखिज्जवासाउयगब्भवक्कंतियसण्णि-पंचिंदियमाणुस्साणं अत्थेगइयाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थे-गइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं दो साग-रोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता।

माहिंदे कप्पे देवाणं जहण्णेणं साहियाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। जे देवा सुभं सुभकंतं सुभवण्णं सुभगंधं सुभलेसं सुभफासं सोहम्मवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा दोण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं दोहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे दोहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २ ॥ तओ दंडा पण्णत्ता, तं जहा—मणदंडे, वइदंडे, कायदंडे। तओ गुत्तीओ पण्णत्ताओ, तं जहा—मणगुत्ती, वयगुत्ती, कायगुत्ती। तओ सल्ला पण्णत्ता, तं जहा—मायासल्ले णं, णियाणसल्ले णं, मिच्छादंसणसल्ले णं। तओ गारवा पण्णत्ता, तं जहा—इड्ढीगारवेणं, रसगारवे णं, सायागारवे णं। तओ विराहणा पण्णत्ता, तं जहा—णाणविराहणा, दंसणविराहणा, चरित्तविराहणा। मिगसिरणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। पुस्सणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। जेट्ठाणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अभीइणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। सवणणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। अस्सिणिणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। भरणीणक्खत्ते तितारे पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। दोच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। असंखिज्जवासाउयसण्णिगब्भवक्कंतियमणुस्साणं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई प०। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा आभंकरं पभंकरं आभंकरपभंकरं चंदं चंदावत्तं चंदप्पभं चंदकंतं चंदवण्णं चंदलेसं चंदज्झयं चंदसिंगं चंदसिट्ठं चंदकूडं चंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा तिण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं तिहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३ ॥ चत्तारि

कसाया प०, तं–कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए। चत्तारि झाणा प०, तं०—अट्टज्झाणे रुद्दज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे। चत्तारि विकहाओ प०, तं०—इत्थिकहा भत्तकहा रायकहा देसकहा। चत्तारि सण्णा प०, तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुणसण्णा परिग्गहसण्णा। चउव्विहे बंधे पण्णत्ते, तं०—पगइबंधे ठिइबंधे अणुभावबंधे पएसबंधे। चउगाउए जोयणे पण्णत्ते। अणुराहाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। पुव्वासाढाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। उत्तरासाढाणक्खत्ते चउतारे पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। जे देवा किट्ठिं सुकिट्ठिं किट्ठियावत्तं किट्ठिप्पभं किट्ठिजुत्तं किट्ठिवण्णं किट्ठिलेसं किट्ठिज्झयं किट्ठिसिंगं किट्ठिसिट्ठं किट्ठिकूडं किट्ठुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। ते णं देवा चउण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसिं देवाणं चउहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। अत्थेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ ४ ॥ पंच किरिया पण्णत्ता, तं०—काइया अहिगरणिया पाउसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया। पंचमहव्वया प० तं०—सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। पंच कामगुणा प०, तं०—सद्दा रूवा रसा गंधा फासा। पंच आसवदारा प० तं०—मिच्छत्तं अविरई पमाया कसाया जोगा। पंच संवरदारा प० तं०—सम्मत्तं विरई अप्पमत्तया अकसाया अजोगया। पंच णिज्जरट्ठाणा प० तं०—पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिण्णादाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं। पंच समिईओ पण्णत्ताओ, तं०—इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघा-

णजल्लपारिट्ठावणियासमिई । पंच अत्थिकाया प० तं०—धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए । रोहिणी णक्खत्ते पंचतारे प०। पुणव्वसुणक्खत्ते पंचतारे प० । हत्थणक्खत्ते पंचतारे प० । विसाहाणक्खत्ते पंचतारे प० । धणिट्ठाणक्खत्ते पंचतारे प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पंच पलिओवमाइं ठिई प० । तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पंचसागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पंचपलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंचपलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पंच सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा वायं सुवायं वायावत्तं वायप्पभं वायकंतं वायवण्णं वायलेसं वायज्झयं वायसिंगं वायसिट्ठं वायकूडं वाउत्तरवडिंसगं सूरं सुसूरं सूरावत्तं सूरप्पभं सूरकंतं सूरवण्णं सूरलेसं सूरज्झयं सूरसिंगं सूरसिट्ठं सूरकूडं सूरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पंच सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा पंचण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं पंचहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पंचहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ ५ ॥ छ लेसाओ प०, तं०—कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तेउलेसा पम्हलेसा सुक्कलेसा । छ जीवणिकाया प०, तं०—पुढविकाए आउकाए तेउकाए वाउकाए वणस्सइकाए तसकाए । छव्विहे बाहिरे तवोकम्मे प०, तं०—अणसणे ऊणोयरिया वित्तीसंखेवो रसपरिच्चाओ कायकिलेसो संलीणया। छव्विहे अब्भिंतरे तवोकम्मे प०, तं०—पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं उस्सग्गो । छ छाउमत्थिया समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए । छव्विहे अत्थुग्गहे पण्णत्ते, तं०—सोइंदियअत्थुग्गहे चक्खुइंदिय अत्थुग्गहे घाणिंदियअत्थुग्गहे जिब्भिंदियअत्थुग्गहे फासिंदियअत्थुग्गहे णोइंदियअत्थुग्गहे । कत्तियाणक्खत्ते छतारे प० । असिलेसाणक्खत्ते छतारे प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० । तच्चाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं

देवाणं छ पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सयंभु सयंभूरमण घोसं सुघोसं महाघोसं किट्ठिघोसं वीरं सुवीरं वीरगतं वीरसेणियं वीरावत्तं वीरप्पभं वीरकंतं वीरवण्णं वीरलेसं वीरज्झयं वीरसिंगं वीरसिट्ठं वीरकूडं वीरुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा छण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं छहिं वास-सहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥६॥ सत्त भयट्ठाणा प० तं० इहलोग-भए परलोगभए आदाणभए अकम्हाभए आजीवभए मरणभए असिलोगभए । सत्त समुग्घाया प० तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए तेयसमुग्घाए आहारसमुग्घाए केवलिसमुग्घाए । समणे भगवं महावीरे सत्त रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासहरपव्वया प० तं०—चुल्लहिमवंते महाहिमवंते णिसढे णीलवंते रुप्पी सिहरी मंदरे । इहेव जंबुद्दीवे दीवे सत्त वासा प०, तं०—भरहे हेमवए हरिवासे महाविदेहे रम्मए एरण्णवए एरवए । खीणमोहेणं भगवया मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ वेएई । महाणक्खत्ते सत्ततारे प० । कत्तिआइया सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिआ प० (अभियाइया सत्त णक्खत्ता) । महाइया सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिआ प० । अणुराहाइया सत्त णक्खत्ता अवरदारिआ प० । धणिट्ठाइया सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिआ प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । तच्चाए णं पुढवीए णेर-इयाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । चउत्थीए णं पुढवीए णेरइयाणं जहण्णेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई प० । सणंकुमारे कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं उक्कोसेणं सत्त-सागरो-वमाइं ठिई प० । माहिंदे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं सत्त साहिया सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा समं समप्पभं महापभं पभासं भासुरं विमलं कंचणकूडं सणंकुमारवडिंसगं

विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा सत्तण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णं सत्तहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ।। ७ ।। अट्ठ मयट्ठाणा प० तं०—जाइमए कुलमए बलमए रूवमए तवमए सुयमए लाभमए इस्सरियमए । अट्ठ पवयणमायाओ प० तं०—इरियासमिई भासासमिई एसणासमिई आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिई मणगुत्ती वइगुत्ती कायगुत्ती । वाणमंतराणं देवाणं चेइय रुक्खा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता । जंबू णं सुदंसणा अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । कूडसामली णं गरुलावासे अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । जंबु दीवस्स णं जगई अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । अट्ठसामइए केवलिसमुग्घाए प० तं०—पढमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए मंथंतराइं पूरेइ, पंचमे समए मंथंतराइं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ । पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणियस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था, तं०—सुभे य सुभघोसे य, वसिट्ठे बंभयारि य । सोमे सिरिधरे चेव, वीरभद्दे जसे इय (१) अट्ठ णक्खत्ता चंदेणं सद्धिं पमद्दं जोगं जोएंति, तं०—कत्तिया, रोहिणी, पुणव्वसू, महा, चित्ता, विसाहा, अणुराहा, जेट्ठा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा अच्चिं अच्चिमालिं वइरोयणं पभंकरं चंदाभं सूराभं सुपइट्ठाभं अग्गिच्चाभं रिट्ठाभं अरुणाभं अरुणुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठ सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा अट्ठण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे अट्ठहिं

भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति जाव अंतं करिस्संति ॥ ८ ॥ णव बंभचेर-गुत्तीओ पण्णत्ताओ तं०—णो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणि सिज्जासणाणि सेवित्ता भवइ, णो इत्थीणं कहं कहित्ता भवइ, णो इत्थीणं गणाइं सेवित्ता भवइ, णो इत्थीणं इंदियाणि मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता णिज्झाइत्ता भवइ, णो पणीयरसभोई, णो पाणभोयणस्स अइमायाए आहारइत्ता, णो इत्थीणं पुव्वरयाइं पुव्वकीलिआइं समरइत्ता भवइ, णो सद्दाणुवाई णो रूवाणुवाई णो गंधाणुवाई णो रसाणुवाई णो फासाणुवाई णो सिलोगाणुवाई, णो सायासोक्खपडिबद्धे यावि भवइ। णव बंभचेर-अगुत्तीओ पण्णत्ताओ तं०—इत्थीपसुपंडगसंसत्ताणं सिज्जासणाणं सेवणया जाव सायासुक्खपडिबद्धे यावि भवइ। णव बंभचेरा प०, तं०—सत्थपरिण्णा लोग-विजओ सीओसणिज्जं सम्मत्तं। आवंति धुय विमोहा [यणं] उवहाणसुयं म[हाप]रिण्णा। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए णव रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं हुत्था। अभीजि णक्खत्ते साइरेगे णव मुहुत्ते चंदेणं सद्धिं जोगं जोएइ। अभीजियाइया णव णक्खत्ता चंदस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति, तं०—अभीजि सवणो जाव भरणी। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णव जोयणसए उड्ढं अबाहाए उवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ। जंबुद्दीवे णं दीवे णवजोयणिया मच्छा पविसिंसु वा ३। विजयस्स णं दारस्स एगमेगाए बाहाए णव णव भोमा प०। वाणमंतराणं देवाणं सभाओ सुहम्माओ णव जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। दंसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स णव उत्तरपगडीओ प०, तं०—णिद्दा पयला णिद्दाणिद्दा पयलापयला थीणद्धी चक्खु-दंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। चउत्थीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं णव सागरोवमाइं ठिई प०। असुर-कुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं णव पलिओवमाइं ठिई प०। बंभलोए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं णव सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा पम्हं सुपम्हं पम्हावत्तं पम्हप्पभं पम्ह-कंतं पम्हवण्णं पम्हलेसं पम्हज्झयं पम्हसिंगं पम्हसिट्ठं पम्हकूडं पम्हुत्तरवडिंसगं सुज्जं सुसुज्जं सुज्जावत्तं सुज्जपभं सुज्जकंतं सुज्जवण्णं सुज्जलेसं सुज्जज्झयं सुज्जसिंगं सुज्ज-सिट्ठं सुज्जकूडं सुज्जुत्तरवडिंसगं रुइल्लं रुइल्लावत्तं रुइल्लप्पभं रुइल्लकंतं रुइल्लवण्णं रुइल्ललेसं रुइल्लज्झयं रुइल्लसिंगं रुइल्लसिट्ठं रुइल्लकूडं रुइल्लुत्तरवडिंसगं विमाणं

देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं णव सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा णवण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं णवहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे णवहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ।। ९ ।। दसविहे समण-धम्मे प०, तं०—खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे लाघवे सच्चे संजमे तवे चियाए बंभ-चेरवासे । दस चित्तसमाहिट्ठाणा प०, तं०—धम्मचिंता वा से असमुप्पण्णपुव्वा समुप्पज्जिज्जा सव्वं धम्मं जाणित्तए, सुमिणदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा अहातच्चं सुमिणं पासित्तए, सण्णिणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा पुव्व-भवे सुमरित्तए, देवदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं पासित्तए, ओहिणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं जाणित्तए, ओहिदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समु-प्पज्जिज्जा ओहिणा लोगं पासित्तए, मणपज्जवणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्प-ज्जिज्जा जाव मणोगए भावे जाणित्तए, केवलणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्प-ज्जिज्जा केवलं लोगं जाणित्तए, केवलदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जिज्जा केवलं लोयं पासित्तए, केवलिमरणं वा मरिज्जा सव्वदुक्खप्पहीणाए । मंदरे णं पव्वए मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं प० । अरहा णं अरिट्ठणेमी दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । कण्हे णं वासुदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । रामे णं बलदेवे दस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । दस णक्खत्ता णाणवुड्ढिकरा प० तं०— "मिगसिर अद्दा पुस्सो तिण्णि अ पुव्वा य मूलमस्सेसा । हत्थो चित्तो य तहा, दस वुड्ढिकराइं णाणस्स ।" अकम्मभूमियाणं मणुआणं दसविहा रुक्खा उवभोगत्ताए उवत्थिया प० तं०–" मत्तंगया य भिंगा, तुडिअंगा दीव जोइ चित्तंगा । चित्तरसा मणिअंगा, गेहागारा अणिगिणा य ॥ १ ॥" इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । इमीसे णं रयणप्प-भाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । चउत्थीए पुढवीए दस णिरयावाससयसहस्साइं प० । चउत्थीए पुढवीए णेरइयाणं अत्थे-गइयाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरईयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थे-गइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरिंदवज्जाणं भोमिज्जाणं देवाणं

अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बायरवणस्सइकाइयाणं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । वाणमंतराणं देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं दस पलिओवमाइं ठिई प० । बंभलोए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा घोसं सुघोसं महाघोसं णंदिघोसं सुसरं मणोरमं रम्मं रम्मगं रमणिज्जं मंगलावत्तं बंभलोगवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा दसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाण दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइआ भवसिद्धिआ जीवा जे दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १० ॥ एक्कारस उवासगपडिमाओ प० तं०—दंसणसावए, कयव्वयकम्मे, सामाइयकडे, पोसहोववासणिरए, दिया बंभयारी रत्ति परिमाणकडे, दिआ वि राओ वि बंभयारी असिणाई वियडभोई मोलिकडे, सचित्तपरिण्णाए, आरंभपरिण्णाए, पेसपरिण्णाए, उद्दिट्ठभत्तपरिण्णाए, समणभूए यावि भवइ समणाउसो ! लोगंताओ एक्कारसएहिं एक्कारेहिं जोयणसएहिं अबाहाए जोइसंते पण्णत्ते । जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स एक्कारसहिं एक्कवीसेहिं जोयणसएहिं अबाहाए जोइसे चारं चरइ । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स एक्कारस गणहरा हुत्था, तं०—इंदभूई अग्गिभूई वाउभूई विअत्ते सुहम्मे मंडिए मोरियपुत्ते अकंपिए अयलभाए मेअज्जे पभासे । मूले णक्खत्ते एक्कारसतारे प० । हेट्ठिमगेविज्जयाणं देवाणं एक्कारसमुत्तरं गेविज्जविमाणसतं भवइ त्ति मक्खायं । मंदरे णं पव्वए धरणितलाओ सिहरतले एक्कारसभागपरिहीणे उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा बंभं सुबंभं बंभावत्तं बंभप्पभं बंभकंतं बंभवण्णं बंभलेसं बंभज्झयं बंभसिंगं बंभसिट्ठं बंभ-

कूडं बंभुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) एक्कारस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा एक्कारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं एक्कारसण्हं वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ११ ॥ बारस भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—मासिया भिक्खुपडिमा, दोमासिया भिक्खुपडिमा, तिमासिया भिक्खुपडिमा, चउमासिया भिक्खुपडिमा, पंचमासिया भिक्खुपडिमा, छमासिया भिक्खुपडिमा, सत्तमासिया भिक्खुपडिमा, पढमा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, दोच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, तच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा, अहोराइया भिक्खुपडिमा, एगराइया भिक्खुपडिमा । दुवालसविहे संभोगे प० तं०—"उवहीसुयभत्तपाणे, अंजलीपग्गहे त्ति य । दायणे य णिकाए अ अब्भुट्ठाणेइ आवरे । कितिकम्मस्स य करणे, वेयावच्चकरणे इय । समोसरणं संणिसिज्जा य, कहाए य पबंधणे" । दुवालसावत्ते कितिकम्मे प०, तं०—"दुओणयं जहाजायं, कितिकम्मं बारसावयं । चउसिरं तिगुत्तं च, दुपवेसं एगणिक्खमणं"। विजया णं रायहाणी दुवालस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । रामे णं बलदेवे दुवालस वाससयाइं सव्वाउयं पालित्ता देवत्तं गए । मंदरस्स णं पव्वयस्स चूलिआ मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प० । जंबूदीवस्स णं दीवस्स वेइया मूले दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं प० । सव्वजहण्णिया राई दुवालसमुहुत्तिया प० । एवं दिवसोऽवि णायव्वो । सव्वट्ठसिद्धस्स णं महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थुभियग्गाओ दुवालस जोयणाइं उद्धं उप्पइआ ईसिपब्भारणामपुढवी प० । ईसिपब्भाराए णं पुढवीए दुवालस णामधेज्जा प०, तं०—ईसित्ति वा ईसिपब्भाराइ वा तणूइ वा तणूयतरि त्ति वा सिद्धित्ति वा सिद्धालए त्ति वा मुत्तीति वा मुत्तालए त्ति वा बंभे त्ति वा बंभवडिंसए त्ति वा लोकपरिपूरणे त्ति वा लोगग्गचूलिआइ वा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं बारस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए

कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा महिंदं महिंद-ज्झयं कंबुं कंबुग्गीवं पुंखं सुपुंखं महापुंखं पुंडं सुपुंडं महापुंडं णरिंदं णरिंदकंतं णरिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा बारसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं बारसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १२ ॥

तेरस किरियाठाणा प० तं०—अट्ठादंडे अणट्ठादंडे हिंसादंडे अकम्हादंडे दिट्ठि-विपरियासियादंडे मुसावायवत्तिए अदिण्णादाणवत्तिए अज्झत्थिए माणवत्तिए मित्तदोसवत्तिए मायावत्तिए लोभवत्तिए इरियावहिए णामं तेरसमे । सोहम्मी-साणेसु कप्पेसु तेरस विमाणपत्थडा प० । सोहम्मवडिंसगे णं विमाणे णं अद्ध-तेरसजोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । एवं ईसाणवडिंसगे वि । जल-यरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अद्धतेरसजाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्साइं प० । पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प० । गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तेरसविहे पओगे प० तं०—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चामोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चामोसवइपओगे असच्चामोस-वइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्विय-सरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे कम्मसरीरकायपओगे । सूर-मंडल जोयणेणं तेरसे (स)हिं एगसट्ठिभाग (गे) हिं जोयणस्स ऊणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थे-गइयाणं देवाणं तेरस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा वज्जं सुवज्जं वज्जावत्तं वज्जप्पभं वज्जकंतं वज्जवण्णं वज्जलेसं वज्जरूवं वज्जसिंगं वज्जसिट्ठं वज्जकूडं वज्जुत्तरवडिंसगं वइरं वइरा-वत्तं वइरप्पभं वइरकंतं वइरवण्णं वइरलेसं वइररूवं वइरसिंगं वइरसिट्ठं वइरकूडं वइरुत्तरवडिंसगं लोगं लोगावत्तं लोगप्पभं लोगकंतं लोगवण्णं लोगलेसं लोगरूवं

लोगसिंगं लोगसिट्ठं लोगकूडं लोगुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेरस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तेरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १३ ॥ चउद्दस भूअग्गामा प०, तं०—सुहुमा अपज्जत्तया सुहुमा पज्जत्तया बादरा अपज्जत्तया बादरा पज्जत्तया बेइंदिया अपज्जत्तया बेइंदिया पज्जत्तया तेंदिया अपज्जत्तया तेंदिया पज्जत्तया चउरिंदिया अपज्जत्तया चउरिंदिया पज्जत्तया पंचिंदिया असण्णिअपज्जत्तया पंचिंदिया असण्णिपज्जत्तया पंचिंदिया सण्णिअपज्जत्तया पंचिंदिया सण्णिपज्जत्तया । चउदस पुव्वा प० तं०—उप्पायपुव्वमग्गेणियं च तइयं च वीरियं पुव्वं । अत्थीणत्थि पवायं तत्तो णाणप्पवायं च ॥१॥ सच्चप्पवायपुव्वं तत्तो आयप्पवायपुव्वं च । कम्मप्पवायपुव्वं पच्चक्खाणं भवे णवमं ॥२॥ विज्जाअणुप्पवायं अवंझ पाणाउ बारसं पुव्वं । तत्तो किरियविसालं पुव्वं तह बिंदुसारं च ॥३॥ अग्गेणीअस्स णं पुव्वस्स चउद्दस वत्थू प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चउद्दस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था । कम्मविसोहिमग्गणं पडुच्च चउद्दस जीवट्ठाणा प०, तं०—मिच्छदिट्ठी सासायणसम्मदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी अविरयसम्मद्दिट्ठी विरयाविरए पमत्तसंजए अप्पमत्तसंजए णियट्टिबायरे अणियट्टिबायरे सुहुमसंपराए उवसामए वा खवए वा उवसंतमोहे खीणमोहे सजोगीकेवली अजोगीकेवली । भरहेरवयाओ णं जीवाओ चउद्दस-चउद्दस जोयणसहस्साइं चत्तारि य एगुत्तरे जोयणसए छच्च एगूणवीसे भागे जोयणस्स आयामेणं प० । एगमेगस्स णं रण्णो चउरंतचक्कवट्टिस्स चउद्दस रयणा प०, तं०—इत्थीरयणे सेणावइरयणे गाहावइरयणे पुरोहियरयणे वड्ढइरयणे आसरयणे हत्थिरयणे असिरयणे दंडरयणे चक्करयणे छत्तरयणे चम्मरयणे मणिरयणे कागिणिरयणे। जंबुद्दीवे णं दीवे चउद्दस महाणईओ पुव्वावरेणं लवणसमुद्दं समप्पेंति, तं०-गंगा सिंधू रोहिया रोहिअंसा हरी हरिकंता सीया सीओया णरकंता णारिकंता सुवण्णकूला रुप्पकूला रत्ता रत्तवई । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं

चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउद्दस पलिओवमाइं ठिई प० । लंतए कप्पे देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं जहण्णेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सिरिकंतं सिरिमहियं सिरिसोमणसं लंतयं काविट्ठं महिंदं महिंदकंतं महिंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा चउद्दसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउद्दसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउद्दसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १४ ॥

पण्णरस परमाहम्मिया प०, तं०—अंबे अंबरिसी चेव, सामे सबले त्ति यावरे । रुद्दोवरुद्दकाले य, महाकाले त्ति यावरे ॥ १ ॥ असिपत्ते धणु कुंभे, वालु वेयरणीति य । खरस्सरे महाघोसे, एए पण्णरसाहिआ ॥ २ ॥ णमी णं अरहा पण्णरस धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । धुवराहू णं बहुलपक्खस्स पाडिवए पण्णरसभागं पण्णरसभागेणं चंदस्स लेसं आवरेत्ताणं चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं बीआए दुभागं तइआए तिभागं चउत्थीए चउभागं पंचमीए पंचभागं छट्ठीए छभागं सत्तमीए सत्तभागं अट्ठमीए अट्ठभागं णवमीए णवभागं दसमीए दसभागं एक्कारसीए एक्कारसभागं बारसीए बारसभागं तेरसीए तेरसभागं चउद्दसीए चउद्दसभागं पण्णरसेसु पण्णरसभगं । तं चेव सुक्कपक्खस्स य उवदंसेमाणे २ चिट्ठइ, तं०—पढमाए पढमं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसभागं । छ णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता प०, तं०—सतभिसय भरणि अद्दा असलेसा साई तहा जेट्ठा । एए छण्णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजुत्ता ॥१॥ चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्तो दिवसो भवइ, एवं चेत्तासोएसु णं मासेसु पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ । विज्जाअणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पण्णरस वत्थू पण्णत्ता । मणूसाणं पण्णरसविहे पओगे प० तं जहा—सच्चमणपओगे मोसमणपओगे सच्चमोसमणपओगे असच्चामोसमणपओगे सच्चवइपओगे मोसवइपओगे सच्चमोसवइपओगे असच्चामोसवइपओगे ओरालियसरीरकायपओगे ओरालियमीससरीरकायपओगे वेउव्वियसरीरकायपओगे वेउव्वियमीससरीरकायपओगे आहारयसरीरकायपओगे आहारयमीससरीरकायपओगे कम्मयसरीरकायपओगे ।

इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं पण्णरस पलिओवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे अत्थेगइयाणं देवाणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा णंदं सुणंदं णंदावत्तं णंदप्पभं णंदकंतं णंदवण्णं णंदलेसं णंदज्झयं णंदसिंगं णंदसिट्ठं णंदकूडं णंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा पण्णरसण्हं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं पण्णरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पण्णरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १५ ॥ सोलसय गाहा सोलसगा प०, तं०—समए वेयालिए उवसग्गपरिण्णा इत्थीपरिण्णा णिरयविभत्ती महावीरथुई कुसीलपरिभासिए वीरिए धम्मे समाही मग्गे समोसरणे अहातहिए गंथे जमईए गाहासोलसमे सोलसगे । सोलस कसाया प०, तं०—अणंताणुबंधी कोहे, अणंताणुबंधी माणे, अणंताणुबंधी माया, अणंताणुबंधी लोभे, अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, पच्चक्खाणावरणे माणे, पच्चक्खाणावरणा माया, पच्चक्खाणावरणे लोभे, संजलणे कोहे, संजलणे माणे, संजलणे माया, संजलणे लोभे । मंदरस्स णं पव्वयस्स सोलस णामधेया पण्णत्ता, तं जहा—मंदर मेरु मणोरम, सुदंसण सयंपभे य गिरिराया । रयणुच्चय पियदंसण, मज्झे लोगस्स णाभी य ॥१॥ अत्थे अ सूरियावत्ते, सूरियावरणे त्ति य । उत्तरे य दिसाई य, वडिंसे इय सोलसमे ॥२॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपदा होत्था । आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं सोलस वत्थू पण्णत्ता । चमरबलीणं ऊवारियालेणे सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प० । लवणे णं समुद्दे सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । पंचमीए पुढवीए

अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सोलस पलिओवमाइं ठिई प० । महासुक्के कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा आवत्तं वियावत्तं णंदियावत्तं महाणंदियावत्तं अंकुसं अंकुसपलंबं भद्दं सुभद्दं महाभद्दं सव्वओभद्दं भद्दुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सोलस सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा सोलसहिं अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं सोलसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सोलसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १६ ॥ सत्तरसविहे असंजमे प०तं०—पुढविकायअसंजमे आउकायअसंजमे तेउकायअसंजमे वाउकायअसंजमे वणस्सइकायअसंजमे बेइंदियअसंजमे तेइंदियअसंजमे चउरिंदियअसंजमे पंचिंदियअसंजमे अजीवकायअसंजमे पेहाअसंजमे उवेहाअसंजमे अवहट्टुअसंजमे अप्पमज्जणाअसंजमे मणअसंजमे वइअसंजमे कायअसंजमे । सत्तरसविहे संजमे पण्णत्ते, तं०—पुढवीकायसंजमे आउकायसंजमे तेउकायसंजमे वाउकायसंजमे वणस्सइकायसंजमे बेइंदियसंजमे तेइंदियसंजमे चउरिंदियसंजमे पंचिंदियसंजमे अजीवकायसंजमे पेहासंजमे उवेहासंजमे अवहट्टुसंजमे पमज्जणासंजमे मणसंजमे वइसंजमे कायसंजमे । माणुसुत्तरे णं पव्वए सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वेसिं पि णं वेलंधरअणुवेलंधरणागराईणं आवासपव्वया सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । लवणे णं समुद्दे सत्तरस जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ साइरेगाइं सत्तरस जोयणसहस्साइं उड्ढं उप्पतित्ता तओ पच्छा चारणाणं तिरिया गई पवत्तइ । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो तिगिंछिकूडे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । बलिस्स णं असुरिंदस्स रुयगिंदे उप्पायपव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सत्तरसविहे मरणे प०, तं०—आवीईमरणे ओहिमरणे आयंतियमरणे वलायमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे बालमरणे पंडितमरणे बालपंडितमरणे छउमत्थमरणे

केवलिमरणे वेहासमरणे गिद्धपिट्ठमरणे भत्तपच्चक्खाणमरणे इंगिणिमरणे पाओवगमणमरणे। सुहुमसंपराए णं भगवं सुहुमसंपरायभावे वट्टमाणे सत्तरस कम्मपगडीओ णिबंधइ,तं०—आभिणिबोहियणाणावरणे सुयणाणावरणे ओहिणाणावरणे मणपज्जवणाणावरणे केवलणाणावरणे चक्खुदंसणावरणे अचक्खुदंसणावरणे ओहिदंसणावरणे केवलदंसणावरणे सायावेयणिज्जं जसोकित्तिणामं उच्चागोयं दाणंतरायं लाभंतरायं भोगंतरायं उवभोगंतरायं वीरियअंतरायं। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। पंचमीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तरस पलिओवमाइं ठिई प०। महासुक्के कप्पे देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सामाणं सुसामाणं महासामाणं पउमं महापउमं कुमुदं महाकुमुदं णलिणं महाणलिणं पोंडरीअं महापोंडरीअं सुक्कं महासुक्कं सीहं सीहकंतं सीहवीअं भाविअं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा सत्तरसहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तरसहिं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तरसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १७ ॥ अट्ठारसविहे बंभे प०, तं०—ओरालिए कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्णं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ ओरालिए कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, णो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, ओरालिए कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, णो वि यऽण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं मणेणं सेवइ, णो वि अण्णं मणेणं सेवावेइ, मणेणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं वायाए सेवइ, णो वि अण्णं वायाए सेवावेइ, वायाए सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ, दिव्वे कामभोगे णेव सयं काएणं सेवइ, णो वि अण्णं काएणं सेवावेइ, काएणं सेवंतं पि अण्णं ण समणुजाणाइ। अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स

अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था। समणेणं भगवया महावीरेण समणाण णिग्गंथाणं सखुड्डयवियत्ताणं अट्ठारस ठाणा प०, तं०—वयछक्कं कायछक्कं, अकप्पो गिहिभायणं; पलियंक णिसिज्जा य, सिणाणं सोभवज्जणं। १॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। बंभीए णं लिवीए अट्ठारसविहे लेखविहाणे प०, तं०—बंभी जवणी लियादोसा ऊरिया खरोट्टिया खरसाविया पहाराइया उच्चत्तरिया अक्खरपुट्टि (ट्ठिय) या भोगवयया वेणइया णिण्हइया अंकलिवि गणियलिवि गंधव्वलिवी [भूयलिवी] आदंसलिवी माहेसरीलिवी दामिलिवी बोलिंदिलिवी। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू प०। धूमप्पभाए णं पुढवीए अट्ठारसुत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं प०। पोसासाढेसु णं मासेसु सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ते दिवसे भवइ सइ उक्कोसेणं अट्ठारस मुहुत्ता राई भवइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं अट्ठारस पलिओवमाइं ठिई प०। सहस्सारे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। आणए कप्पे देवाणं अत्थेगइयाणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा कालं सुकालं महाकालं अंजणं रिट्ठं सालं समाणं दुमं महादुमं विसालं सुसालं पउमं पउमगुम्मं कुमुदं कुमुदगुम्मं णलिणं णलिणगुम्मं पुंडरीअं पुंडरीयगुम्मं सहस्सारवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं (उक्कोसेणं) अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा णं अट्ठारसेहिं अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं अट्ठारसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया (जीवा) जे अट्ठारसहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ १८ ॥ एगूणवीसं णायज्झयणा प० तं०—उक्खित्तणाए, संघाडे, अंडे, कुम्मे, य सेलए। तुंबे य रोहिणी, मल्ली, मागंदी, चंदिमाइ य ॥१॥ दावद्दवे, उदगणाए, मंडुक्के, तेत्तली इय। णंदिफले, अवरकंका, आइण्णे, सुंसमाइ य ॥ २ ॥ अवरे य पोंडरीए, णाए एगूणवीसमे। जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिआ उक्कोसेणं एगूणवीसं

जोयणसयाइं उड्ढमहो तवयंति । सुक्के णं महग्गहे अवरे णं उदिए समाणे एगूणवीसं णक्खत्ताइं समं चारं चरित्ता अवरेणं अत्थमणं उवागच्छइ । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स कलाओ एगूणवीसं छेयणाओ प० । एगूणवीसं तित्थयरा अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइआ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एगूणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । आणयकप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । पाणए कप्पे [अत्थेगइयाणं] देवाणं जहण्णेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा आणतं पाणतं णतं विणतं घणं सुसिरं इंदं इंदोकंतं इंदुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा एगूणवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगूणवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्संति ॥ १९ ॥ वीसं असमाहिठाणा प० तं०—दवदवचारि यावि भवइ, अपमज्जियचारि यावि भवइ, दुप्पमज्जियचारि यावि भवइ, अइरित्तसेज्जासणिए, राइणियपरिभासी, थेरोवघाइए, भूओवघाइए, संजलणे कोहणे, पिट्ठिमंसिए, अभिक्खणं अभिक्खणं ओहारइत्ता भवइ, णवाणं अधिकरणाणं अणुप्पण्णाणं उप्पाएत्ता भवइ, पोराणाणं अधिकरणाणं खामियविउसवियाणं पुणोदीरेत्ता भवइ, ससरक्खपाणिपाए, अकालसज्झायकारए यावि भवइ, कलहकरे, सद्दकरे, झंझकरे, सूरप्पमाणभोई, एसणाऽसमिए यावि भवइ । मुणिसुव्वए णं अरहा वीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वेऽविअ णं घणोदही वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ताओ । पाणयस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वीसं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । णपुंसयवेयणिज्जस्स णं कम्मस्स वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ बंधओ बंधठिई प० । पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प० । उस्सप्पिणिओसप्पिणिमंडले वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो पण्णत्तो । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० ।

छट्टीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुर-कुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । पाणते कप्पे देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । आरणे कप्पे देवाणं जहण्णेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सायं विसायं सुविसायं सिद्धत्थं उप्पलं भित्तिलं तिगिच्छं दिसासोवत्थियं पलंबं रुइलं पुप्फं सुपुप्फं पुप्फावत्तं पुप्फपभं पुप्फकंतं पुप्फवण्णं पुप्फलेसं पुप्फज्झयं पुप्फसिंगं पुप्फसिद्धं पुप्फुत्तरवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा वीसाए अद्ध-मासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं वीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे वीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्व-दुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २० ॥ एक्कवीसं सबला प० तं०—हत्थकम्मं करेमाणे सबले, मेहुणं पडिसेवमाणे सबले, राइभोयणं भुंजमाणे सबले, आहाकम्मं भुंजमाणे सबले, सागारियं पिंडं भुंजमाणे सबले, उद्देसियं कीयं वा पामिच्चं वा अच्छिज्जं वा अणिसिट्ठं वा आहट्टु दिज्जमाणं भुंजमाणे सबले, अभिक्खणं अभिक्खणं पडिया-इक्खेत्ता णं भुंजमाणे सबले, अंतो छण्हं मासाणं गणाओ गणं संकममाणे सबले, अंतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो मासस्स तओ माइठाणे सेवमाणे सबले, रायपिंडं भुंजमाणे सबले, आउट्टियाए पाणाइवायं करेमाणे सबले, आउ-ट्टियाए मुसावायं वयमाणे सबले, आउट्टियाए अदिण्णादाणं गिण्हमाणे सबले, आउट्टियाए अणंतरहियाए पुढवीए ठाणं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए ससणिद्धाए पुढवीए ससरक्खाए पुढवीए ठाणं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए चित्तमंताए पुढवीए चित्तमंताए सिलाए चित्त-मंताए लेलूए कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे सबीए सहरिए सउत्तिंगे पणगदगमट्टीमक्कडासंताणए तहप्पगारे ठाणं वा सिज्जं वा णिसीहियं वा चेएमाणे सबले, आउट्टियाए मूलभोयणं वा कंदभोयणं वा खंधभोयणं वा तया-भोयणं वा पवालभोयणं वा पत्तभोयणं वा पुप्फभोयणं वा फलभोयणं वा बीयभोयणं वा हरियभोयणं वा भुंजमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सबले, अंतो संवच्छरस्स दस माइठाणाइं सेवमाणे सबले, आउट्टियाए

सीओदयवियडवग्घारियहत्थेण वा ४ असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता भुंजमाणे सबले। णियट्टिबायरस्स णं खवियसत्तयस्स मोहणिज्जस्स कम्मस्स एक्कवीस कम्मंसा संतकम्मा प० तं जहा—अपच्चक्खाणकसाए कोहे, अपच्चक्खाणकसाए माणे, अपच्चक्खाणकसाए माया, अपच्चक्खाणकसाए लोभे, पच्चक्खाणावरणकसाए कोहे, पच्चक्खाणावरणकसाए माणे, पच्चक्खाणावरणकसाए माया, पच्चक्खाणावरणकसाए लोभे, संजलणकसाए कोहे, संजलणकसाए माणे, संजलणकसाए माया, संजलणकसाए लोभे, इत्थिवेए, पुंवेए, णपुंवेए, हासे, अरइ, रइ, भय, सोग, दुगुंछा। एकमेक्काए णं ओसप्पिणीए पंचमछट्ठाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं०—दूसमा दूसमदूसमा। एगमेगाए णं उस्सप्पिणीए पढमबिइयाओ समाओ एक्कवीसं एक्कवीसं वाससहस्साइं कालेणं प० तं०—दूसमदूसमाए दूसमाए य। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कवीसपलिओवमाइं ठिई प०। छट्ठीए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कवीससागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगवीसपलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कवीसं पलिओवमाइं ठिई प०। आरणे कप्पे देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अच्चुए कप्पे देवाणं जहण्णेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा सिरिवच्छं सिरिदामकंडं मल्लं किट्ठं चावोण्णयं अरण्णवडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा एक्कवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २१ ॥ बावीसं परीसहा प० तं जहा–दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, सीयपरीसहे, उसिणपरीसहे, दंसमसगपरीसहे, अचेलपरीसहे, अरइपरीसहे, इत्थीपरीसहे, चरियापरीसहे, णिसीहियापरीसहे, सिज्जापरीसहे अक्कोसपरीसहे, वहपरीसहे, जायणापरीसहे, अलाभपरीसहे, रोगपरीसहे, तणफासपरीसहे, जल्लपरीसहे, सक्कारपुरक्कारपरीसहे, पण्णापरीसहे, अण्णाणपरीसहे, दंसणपरीसहे। दिट्ठिवायस्स णं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए बावीसं सुत्ताइं अछि-

ण्णछेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए। बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासिअ-सुत्तपरिवाडीए। बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए। बावीसविहे पोग्गलपरिणामे प०तं०—कालवण्णपरिणामे, णीलवण्णपरिणामे, लोहियवण्णपरिणामे, हालिद्दवण्णपरिणामे, सुक्किल्लवण्णपरिणामे, सुब्भिगंधपरिणामे, दुब्भिगंधपरिणामे, तित्तरसपरिणामे, कडुयरसपरिणामे, कसायरसपरिणामे, अंबिलरसपरिणामे, महुर-रसपरिणामे, कक्खडफासपरिणामे, मउयफासपरिणामे, गुरुफासपरिणामे, लहुफास-परिणामे, सीयफासपरिणामे, उसिणफासपरिणामे, णिद्धफासपरिणामे, लुक्खफासपरि-णामे, अगुरुलहुफासपरिणामे, गुरुलहुफासपरिणामे। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढ-वीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। छट्टीए पुढवीए (णेरइयाणं) उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। अहेसत्तमाए पुढवीए [अत्थेगइयाणं] णेरइयाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थे-गइयाणं देवाणं बावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अच्चुए कप्पे देवाणं (उक्कोसेणं) बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा महियं विसूहियं विमलं पभासं वणमालं अच्चुय-वडिंसगं विमाणं देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा बावीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा उस्स-संति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं बावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बावीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति॥ २२॥ तेवीसं सुयगड-ज्झयणा प० तं०—समए, वेयालिए, उवसग्गपरिण्णा, थीपरिण्णा, णरयविभत्ती, महावीरथुई, कुसीलपरिभासिए, वीरिए, धम्मे, समाही, मग्गे, समोसरणे, आह-त्तहिए, गंथे, जमईए, गाथा, पुंडरीए, किरियाठाणा, आहारपरिण्णा, [अ] पच्चक्खाणकिरिया, अणगारसुयं, अद्दइज्जं, णालंदइज्जं। जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसाए जिणाणं सूरुग्गमणमुहुत्तंसि केवलवरणाण-दंसणे समुप्पण्णे। जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे णं ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थयरा पुव्वभवे एक्कारसंगिणो होत्था, तं जहा— अजित संभव अभिणंदण सुमई जाव

पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए चोद्दसपुव्वी होत्था । जंबुद्दीवे णं दीवे इमीसे ओसप्पिणीए तेवीसं तित्थयरा पुव्वभवे मंडलियरायाणो होत्था, तं जहा—अजित संभव अभिणंदण जाव पासो वद्धमाणो य, उसभे णं अरहा कोसलिए पुव्वभवे चक्कवट्टी होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहेसत्तमाए णं पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणाणं देवाणं अत्थेगइयाणं तेवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । हेट्ठिममज्झिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तेवीसाए अद्धमासाणं (मासेहिं) आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं तेवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥२३॥ चउव्वीसं देवाहिदेवा प० तं जहा—उसभअजितसंभवअभिणंदणसुमइपउमप्पहसुपासचंदप्पहसुविधिसीयलसिज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लीमुणिसुव्वयणमिणेमीपासवद्धमाणा । चुल्लहिमवंतसिहरीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ चउव्वीसं चउव्वीसं जोयणसहस्साइं णवबत्तीसे जोयणसए एगं अट्ठत्तीसइभागं जोयणस्स किंचि विसेसाहियाओ आयामेणं प० । चउवीसं देवठाणा सइंदया प० सेसा अहमिंदा अणिंदा अपुरोहिया । उत्तरायणगए णं सूरिए चउवीसंगुलियं पोरिसिछायं णिव्वत्तइत्ता णं णिअट्टइ । गंगासिंधूओ णं महाणईओ पवाहे साइरेगेणं चउवीसं कोसे वित्थारेणं प० । रत्तारत्तवईओ णं महाणईओ पवाहे साइरेगे चउवीसं कोसे वित्थारेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहेसत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं चउवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । हेट्ठिमउवरिमगेविज्जाणं देवाणं जहण्णेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा

हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं चउवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा चउवीसाए अद्धमासाणं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं चउवीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे चउवीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २४ ॥ पुरिमपच्छिमगाणं तित्थगराणं पंचजामस्स पणवीसं भावणाओ प० तं०—इरियासमिई, मणगुत्ती, वयगुत्ती, आलोयभायणभोयणं, आदाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिई, अणुवीइभासणया, कोहविवेगे, लोभविवेगे, भयविवेगे, हासविवेगे, उग्गहअणुण्णवणया, उग्गहसीमजाणणया, सयमेव उग्गहं अणुगिण्हणया, साहम्मियउग्गहं अणुण्णविय परिभुंजणया, साहारणभत्तपाणं अणुण्णविय पडिभुंजणया, इत्थीपसुपंडगसंसत्तगसयणासणवज्जणया, इत्थीकहविवज्जणया, इत्थीणं इंदियाणमालोयणवज्जणया, पुव्वरयपुव्वकीलियाणं अणणुसरणया, पणीताहारविवज्जणया, सोइंदियरागोवरई, चक्खिंदियरागोवरई, घाणिंदियरागोवरई, जिब्भिंदियरागोवरई, फासिंदियरागोवरई । मल्ली णं अरहा पणवीसं धणुइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सव्वेवि दीहवेयड्ढपव्वया पणवीसं जोयणाणि उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता पणवीसं पणवीसं गाउयाणि उव्विद्धेणं प० । दोच्चाए णं पुढवीए पणवीसं णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता । आयारस्स णं भगवओ सचूलिआयस्स पणवीसं अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—सत्थपरिण्णा लोगविजओ सीओसणीअ सम्मत्तं । आवंति धुय विमोह उवहाणसुयं महपरिण्णा । पिंडेसण सिज्जिरिआ भासज्झयणा य वत्थ पाएसा । उग्गहपडिमा सत्तिक्कसत्तया भावण विमुत्ती । णिसीहज्झयणं पणवीसइमं । मिच्छादिट्ठि विगलिंदिए णं अपज्जत्तए णं संकिलिट्ठपरिणामे णामस्स कम्मस्स पणवीसं उत्तरपयडीओ णिबंधइ तिरियगइणामं विगलिंदियजाइणामं ओरालियसरीरणामं तेअगसरीरणामं कम्मणसरीरणामं हुंडगसंठाणणामं ओरालियसरीरंगोवंगणामं छेवट्ठसंघयणणामं वण्णणामं गंधणामं रसणामं फासणामं तिरियाणुपुव्विणामं अगुरुलहुणामं उवघायणामं तसणामं बादरणामं अपज्जत्तयणामं पत्तेयसरीरणामं अथिरणामं असुभणामं दुभगणामं अणादेज्जणामं अजसोकित्तिणामं णिम्माणणामं । गंगासिंधूओ णं महाणईओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं दुहओ घडमुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं

पवाएण पडंति । रत्तारत्तवईओ णं महाणईओ पणवीसं गाउयाणि पुहुत्तेणं मकर (घड) मुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं पवाएण पडंति । लोगबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं पणवीसं पलिओ-वमाइं ठिई प० । मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जाणं देवाणं जहण्णेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा हेट्ठिमउवरिमगेवेज्जगविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं पणवीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा पणवीसाए अद्ध-मासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं पणवीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे पण-वीसाए भवग्गणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्व-दुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २५ ॥ छव्वीसं दसकप्पववहाराणं उद्देसणकाला प०, तं०— दस दसाणं छ कप्पस्स दस ववहारस्स । अभवसिद्धियाणं जीवाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स छव्वीसं कम्मंसा संतकम्मा प०, तं०—मिच्छत्तमोहणिज्जं सोलस कसाया इत्थीवेए पुरिसवेए णपुंसकवेए हासं अरइ रइ भयं सोगं दुगुंछा । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणे णं देवाणं अत्थेगइयाणं छव्वीसं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । मज्झिममज्झिमगेवेज्ज-याणं देवाणं जहण्णेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जय-विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं छव्वीसं सागरोवमाइं ठिइ प० । ते णं देवा छव्वीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं छव्वीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे छव्वीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥२६॥ सत्तावीसं अणगारगुणा प०तं०— पाणाइवायाओ वेरमणं, मुसावायाओ वेरमणं, अदिण्णदाणाओ वेरमणं, मेहुणाओ

वेरमणं, परिग्गहाओ वेरमणं, सोइंदियणिग्गहे, चक्खिंदियणिग्गहे, घाणिंदियणिग्गहे, जिब्भिंदियणिग्गहे, फासिंदियणिग्गहे, कोहविवेगे, माणविवेगे, मायाविवेगे, लोभविवेगे, भावसच्चे, करणसच्चे, जोगसच्चे, खमा, विरागया, मणसमाहरणया, वयसमाहरणया, कायसमाहरणया, णाणसंपण्णया, दंसणसंपण्णया, चरित्तसंपण्णया, वेयणअहियासणया, मारणंतियअहियासणया। जंबुद्दीवे दीवे अभिइवज्जेहिं सत्तावीसाए णक्खत्तेहिं संववहारे वट्टइ। एगमेगे णं णक्खत्तमासे सत्तावीसाहिं राइंदियाहिं राइंदियग्गेणं प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु विमाणपुढवी सत्तावीसं जोयणसयाइं बाहल्लेणं पण्णत्ता। वेयगसम्मत्तबंधोवरयस्स णं मोहणिज्जस्स कम्मस्स सत्तावीसं उत्तरपयडीओ संतकम्मंसा प०। सावणसुद्धसत्तमीसु णं सूरिए सत्तावीसंगुलियं पोरिसिच्छायं णिव्वत्तइत्ता णं दिवसखेत्तं णियट्टेमाणे रयणिखेत्तं अभिणिवड्ढमाणे चारं चरइ। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं सत्तावीसं पलिओवमाइं ठिई प०। मज्झिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा मज्झिममज्झिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा सत्तावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं सत्तावीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे सत्तावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति।२७।अट्ठावीसविहे आयारपकप्पे प०,तं०—मासिया आरोवणा, सपंचराईमासिया आरोवणा, सदसराइमासिया आरोवणा, (सपण्णरसराइमासिया आरोवणा, सवीसइराइमासिया आरोवणा, सपंचवीसराइमासिया आरोवणा) एवं चेव दोमासिया आरोवणा, सपंचराईदोमासिया आरोवणा, एवं तिमासिया आरोवणा, चउमासिया आरोवणा, उवघाइया आरोवणा, अणुवघाइया आरोवणा, कसिणा आरोवणा, अकसिणा आरोवणा, एतावताव आयारपकप्पे एतावताव आयरियव्वे। भवसिद्धियाणं जीवाणं अत्थेगइयाणं मोहणिज्जस्स कम्मस्स अट्ठा-

वीसं कम्मंसा संतकम्मा प० तं०—सम्मत्तवेयणिज्जं मिच्छत्तवेयणिज्जं सम्ममिच्छत्तवेयणिज्जं सोलस कसाया णव णोकसाया । आभिणिबोहियणाणे अट्ठावीसइविहे प० तं० सोइंदियअत्थावग्गहे, चक्खिदियअत्थावग्गहे, घाणिंदियअत्थावग्गहे, जिब्भिदियअत्थावग्गहे, फासिंदियअत्थावग्गहे, णोइंदियअत्थावग्गहे, सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे, सोइंदियईहा, चक्खिदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिदियईहा, फासिंदियईहा, णोइंदियईहा, सोइंदियावाए, चक्खिदियावाए, घाणिंदियावाए, जिब्भिदियावाए, फासिंदियावाए, णोइंदियावाए, सोइंदियधारणा, चक्खिदियधारणा, घाणिंदियधारणा, जिब्भिदियधारणा, फासिंदियधारणा, णोइंदियधारणा। ईसाणे णं कप्पे अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा प० । जीवे णं देवगइं बंधमाणे णामस्स कम्मस्स अट्ठावीसं उत्तरपयडीओ णिबंधइ, तं०—देवगइणामं, पंचिंदियजाइणामं, वेउव्वियसरीरणामं, तेययसरीरणामं, कम्मणसरीरणामं, समचउरंससंठाणणामं, वेउव्वियसरीरंगोवंगणामं, वण्णणामं, गंधणामं, रसणामं, फासणामं, देवाणुपुव्विणामं, अगुरुलहुणामं, उवघायणामं, पराघायणामं, उस्सासणामं पसत्थविहायोगइणामं, तसणामं, बायरणामं, पज्जत्तणामं, पत्तेयसरीरणामं, थिराथिराणं सुभासुभाणं (सुभगणामं, सुस्सरणामं), आएज्जाणाएज्जाणं दोण्हं अण्णयरं एगं णामं णिबंधइ, जसोकित्तिणामं, णिम्माणणामं । एवं चेव णेरइया वि, णाणत्तं अप्पसत्थविहायोगइणामं हुंडगसंठाणणामं, अथिरणामं, दुब्भगणामं, असुभणामं दुस्सरणामं, अणादिज्जणामं, अजसोकित्तीणामं, णिम्माणणामं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं अट्ठावीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० जे देवा मज्झिमउवरिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा अट्ठावीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं अट्ठावीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया

जीवा जे अट्ठावीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २८॥ एगूणतीसइविहे पावसुयपसंगे णं प० तं० भोमे, उप्पाए, सुमिणे, अंतरिक्खे, अंगे, सरे, वंजणे, लक्खणे, भोमे तिविहे प० तं०–सुत्ते वित्ती वत्तिए, एवं एक्केक्कं तिविहं, विकहाणुजोगे, विज्जाणुजोगे, मंताणुजोगे, जोगाणुजोगे, अण्णतित्थियपवत्ताणुजोगे । आसाढे णं मासे एगूणतीसराइंदियाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते । (एवं चेव) भद्दवए णं मासे । कत्तिए णं मासे । पोसे णं मासे । फग्गुणे णं मासे । वइसाहे णं मासे । चंददिणे णं एगूणतीसं मुहुत्ते साइरेगे मुहुत्तग्गेणं प० । जीवे णं पसत्थऽज्झवसाणजुत्ते भविए सम्मदिट्ठी तित्थकरणामसहियाओ णामस्स णियमा एगूणतीसं उत्तरपयडीओ णिबंधित्ता वेमाणिएसु देवेसु देवत्ताए उववज्जइ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं एगूणतीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिममज्झिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा एगूणतीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं एगूणतीसं वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एगूणतीसभवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ २९ ॥ तीसं मोहणीयठाणा प० तं० जे यावि तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिया । उदएणा कम्मा मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ १ ॥ सीसावेढेण जे केई आवेढेइ अभिक्खणं । तिव्वासुभसमायारे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २ ॥ पाणिणा संपिहित्ता णं, सोयमावरिय पाणिणं । अंतोणदंतं मारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३ ॥ जायतेयं समारब्भ, बहुं ओरुंभिया जणं । अंतोधूमेणं मारेई (ज्जा), महामोहं पकुव्वइ ॥ ४ ॥ सिरसम्मि जे पहणइ, उत्तमंगम्मि चेयसा । विभज्जमत्थयं फाले, महामोहं पकुव्वइ ॥५॥ पुणो पुणो पणिहिए, हणित्ता उवहसे जणं । फलेणं अदुवा दंडेणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ६ ॥ गूढायारी णिगूहिज्जा, मायं मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाई, महामोहं

पकुव्वइ ॥ ७ ॥ धंसेइ जो अभूएणं, अकम्मं अत्तकम्मुणा । अदुवा तुम कासित्ति, महामोहं पकुव्वइ ॥ ८ ॥ जाणमाणो परिसओ, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीणझंझे पुरिसे, महामोहं पकुव्वइ ॥ ९ ॥ अणायगस्स णयवं, दारे तस्सेव धंसिया । विउलं विक्खोभइत्ता णं, किच्चा णं पडिबाहिरं ॥ १० ॥ उवगसंतं पि झंपित्ता, पडिलोमाहिं वग्गुहिं । भोगभोगे वियारेई, महामोहं पकुव्वइ ॥ ११ ॥ अकुमारभूए जे केई, कुमारभूए त्ति हं वए । इत्थीहिं गिद्धे वसए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १२ ॥ अबंभयारी जे केई, बंभयारी त्ति हं वए । गद्दहेव्व गवां मज्झे, विस्सरं णयई णदं ॥ १३ ॥ अप्पणो अहिए बाले, मायामोसं बहुं भसे । इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ १४ ॥ जं णिस्सिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा । तस्स लुब्भइ वित्तम्मि, महामोहं पकुव्वइ ॥१५॥ ईसरेण अदुवा गामेणं, अणिसरे ईसरीकए । तस्स संपयहीणस्स, सिरी अतुलमागया ॥ १६ ॥ ईसादोसेण आइट्ठे, कलुसाविलचेयसे । जे अंतरायं चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १७ ॥ सप्पी जहा अंडउडं, भत्तारं जो विहिंसइ । सेणावइं पसत्थारं, महामोहं पकुव्वइ ॥ १८ ॥ जे णायगं च रट्ठस्स, णेयारं णिगमस्स वा । सेट्ठिं बहुरवं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९ ॥ बहुजणस्स णेयारं, दीवं ताणं च पाणिणं । एयारिसं णरं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २० ॥ उवट्ठियं, पडिविरयं, संजयं सुतवस्सियं । वुक्कम्म धम्माओ भंसेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥२१॥ तहेवाणंतणाणीणं, जिणाणं वरदंसिणं । तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२ ॥ णेयाइअस्स मग्गस्स, दुट्ठे अवयरई बहुं । तं तिप्पयंतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २३ ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुयं विणयं च गाहिए । ते चेव खिसई बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २४ ॥ आयरियउवज्झायाणं, सम्मं णो पडितप्पइ । अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २५ ॥ अबहुस्सुए य जे केई, सुएणं पविकत्थई । सज्झायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २६ ॥ अतवस्सीए य जे केई, तवेण पविकत्थइ । सव्वलोयपरे तेणे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २७ ॥ साहारणट्ठा जे केई, गिलाणम्मि उवट्ठिए । पभू ण कुणई किच्चं, मज्झं पि से ण कुव्वइ ॥२८॥ सढे णियडीपण्णाणे, कलुसाउलचेयसे । अप्पणो य अबोहीय, महामोहं पकुव्वइ ॥२९॥ जे कहाहिगरणाइं, संपउंजे पुणो पुणो । सव्वतित्थाण भेयाणं, महामोहं पकुव्वइ ॥३०॥ जे य आहम्मिए जोए, संपउंजे पुणो

पुणो । सहाहेउं सहीहेउं, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३१ ॥ जे य माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए । तेऽतिप्पयंतो आसयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३२ ॥ इड्ढी जुई जसो वण्णो, देवाणं बलवीरियं । तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३३ ॥ अपस्समाणो पस्सामि, देवे जक्खे य गुज्झगे । अण्णाणी जिणपूयट्ठी, महामोहं पकुव्वइ ॥ ३४ ॥ थेरे णं मंडियपुत्ते तीसं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । एगमेगे णं अहोरत्ते तीसमुहुत्ते मुहुत्तग्गेणं प० । एएसि णं तीसाए मुहुत्ताणं तीसं णामधेज्जा प०, तं०—रोद्दे, सत्ते, मित्ते, वाऊ, सुपीए, अभिचंदे, माहिंदे, पलंबे, बंभे, सच्चे, आणंदे, विजए, विस्ससेणे, पायावच्चे, उवसमे, ईसाणे, तट्ठे, भावियप्पा, वेसमणे, वरुणे, सतरिसभे, गंधव्वे, अग्गिवेसायणे, आतवे, आवत्ते, तट्ठवे, भूमहे, रिसभे, सव्वट्ठसिद्धे, रक्खसे । अरे णं अरहा तीसं धणु (णू) इं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । सहस्सारस्स णं देविंदस्स देवरण्णो तीसं सामाणियसाहस्सीओ प० । पासे णं अरहा तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । समणे भगवं महावीरे तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । रयणप्पभाए णं पुढवीए तीसं णिरयावाससयसहस्सा प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । उवरिमउवरिमगेवेज्जयाणं देवाणं जहण्णेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा उवरिममज्झिमगेवेज्जएसु विमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३० ॥ एक्कतीसं सिद्धाइगुणा पण्णत्ता, तं जहा—खीणे आभिणिबोहियणाणावरणे, खीणे सुयणाणावरणे, खीणे ओहिणाणावरणे, खीणे मणपज्जवणाणावरणे, खीणे केवलणाणावरणे, खीणे चक्खुदंसणावरणे, खीणे

अचक्खुदंसणावरणे, खीणे ओहिदंसणावरणे, खीणे केवलदंसणावरणे, खीणे णिद्दा, खीणे णिद्दाणिद्दा, खीणे पयला, खीणे पयलापयला, खीणे थीणद्धी, खीणे सायावेयणिज्जे, खीणे असायावेयणिज्जे, खीणे दंसणमोहणिज्जे खीणे चरित्तमोहणिज्जे, खीणे णेरइयाउए, खीणे तिरियाउए, खीणे मणुस्साउए, खीणे देवाउए, खीणे उच्चागोए, खीणे णियागोए, खीणे सुभणामे, खीणे असुभणामे, खीणे दाणंतराए, खीणे लाभंतराए, खीणे भोगंतराए, खीणे उवभोगंतराए, खीणे वीरियंतराए। मंदरे णं पव्वए धरणितले एक्कतीसं जोयणसहस्साइं छच्चेव तेवीसे जोयणसए किंचिदेसूणे परिक्खेवेणं प०। जया णं सूरिए सव्वबाहिरियं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स एक्कतीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहि य एक्कतीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए सट्ठिभागे जोयणस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ। अभिवड्ढिए णं मासे एक्कतीसं साइरेगाइं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते। आइच्चे णं मासे एक्कतीसं राइंदियाइं किंचि विसेसूणाइं राइंदियग्गेणं पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं एक्कतीसं पलिओवमाइं ठिई प०। विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। जे देवा उवरिमउवरिमगेवेज्जयविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं ठिई प०। ते णं देवा एक्कतीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा। तेसि णं देवाणं एक्कतीसं (स) वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे एक्कतीसेहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३१ ॥ बत्तीसं जोगसंगहा प०, तं०—आलोयण, णिरवलावे, आवईसु दढधम्मया। अणिस्सिओवहाणे य, सिक्खा णिप्पडिकम्मया ॥ १ ॥ अण्णाययया, अलोभे य, तितिक्खा अज्जवे सुई। सम्मदिट्ठी समाही य, आयारे विणओवए ॥ २ ॥ धिईमई य संवेगे, पणिही सुविहि संवरे। अत्तदोसोवसंहारे, सव्वकामविरत्तया ॥ ३ ॥ पच्चक्खाणे विउस्सग्गे, अप्पमाए लवालवे। झाणसंवरजोगे य, उदए मारणंतिए ॥ ४ ॥ संगाणं च परिण्णाया, पायच्छित्तकरणे वि य। आराहणा

य मरणंते, बत्तीसं जोगसंगहा ॥ ५ ॥ बत्तीसं देविंदा प०, तं०—चमरे बली धरणे भूयाणंदे जाव घोसे महाघोसे चंदे सूरे सक्के ईसाणे सणंकुमारे जाव पाणए अच्चुए । कुंथुस्स णं अरहओ बत्तीसहिया बत्तीसं जिणसया होत्था । सोहम्मे कप्पे बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प० । रेवइणक्खत्ते बत्तीसइतारे पण्णत्ते । बत्तीसतिविहे णट्टे पण्णत्ते । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । जे देवा विजयवेजयंतजयंतअपराजियविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अत्थेगइयाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा बत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा । तेसि णं देवाणं बत्तीसवाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे बत्तीसाए भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३२ ॥ तेत्तीसं आसायणाओ पण्णत्ताओ, तं०—सेहे राइणियस्स आसण्णं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स पुरओ गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स सपक्खं गंता भवइ आसायणा सेहस्स, सेहे राइणियस्स आसण्णं ठिच्चा भवइ आसायणा सेहस्स, जाव सेहे राइणियस्स आलवमाणस्स तत्थगए चेव पडिसुणित्ता भवइ आसायणा सेहस्स । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए एक्कमेक्कवाराए तेत्तीसं तेत्तीसं भोमा प० । महाविदेहे णं वासे तेत्तीसं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं विक्खंभेणं प० । जया णं सूरिए बाहिराणंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स पुरिसस्स तेत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं किंचिविसेसूणेहिं चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अत्थेगइयाणं णेरइयाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । अहे सत्तमाए पुढवीए कालमहाकालरोरुयमहारोरुएसु णेरइयाणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अप्पइट्ठाणणरए णेरइयाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । असुरकुमाराणं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं पलिओवमाइं ठिई प० । विजयवेजयंतजयंतअपराजिएसु विमाणेसु उक्कोसेणं

तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । जे देवा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववण्णा तेसि णं देवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । ते णं देवा तेत्तीसाए अद्धमासेहिं आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णिस्ससंति वा। तेसि णं देवाणं तेत्तीसाए वाससहस्सेहिं आहारट्ठे समुप्पज्जइ। संतेगइया भवसिद्धिया जीवा जे तेत्तीसं भवग्गहणेहिं सिज्झिस्संति बुज्झिस्संति मुच्चिस्संति परिणिव्वाइस्संति सव्वदुक्खाणमंतं करिस्संति ॥ ३३ ॥ चोत्तीसं बुद्धाइसेसा प० तं०–अवट्ठिए केसमंसुरोमणहे, णिरामया णिरुवलेवा गायलट्ठी, गोक्खीरपंडुरे मंससोणिए, पउमुप्पलगंधिए उस्सासणिस्सासे, पच्छण्णे आहारणीहारे अदिस्से मंसचक्खुणा, आगासगयं चक्कं, आगासगयं छत्तं, आगासगयाओ सेयवरचामराओ, आगासफालियामयं सपायपीढं सीहासणं, आगासगओ कुडभीसहस्सपरिमंडियाभिरामो इंदज्झओ पुरओ गच्छइ, जत्थ जत्थ विय णं अरहंता भगवंतो चिट्ठंति वा णिसीयंति वा तत्थ तत्थ वि य णं तक्खणादेव संछण्णपत्तपुप्फपल्लवसमाउलो सच्छत्तो सज्झओ सघंटो सपडागो असोगवरपायवो अभिसंजायइ, ईसिं पिट्ठओ मउडठाणंमि तेयमंडलं अभिसंजायइ अंधकारे वि य णं दस दिसाओ पभासेइ, बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे, अहोसिरा कंटया जायंति उऊ विवरीया सुहफासा भवंति, सीयलेणं सुहफासेणं सुरभिणा मारुएणं जोयणपरिमंडलं सव्वओ समंता संपमज्जिज्जइ, जुत्तफुसिएणं मेहेण य णिहयरयरेणूयं किज्जइ, जलथलयभासुरपभूएणं बिंटट्ठाइणा दसद्धवण्णेणं कुसुमेणं जाणुस्सेहप्पमाणमित्ते (अचित्ते) पुप्फोवयारे कज्जइ, अमणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं अवकरिसो भवइ, मणुण्णाणं सद्दफरिसरसरूवगंधाणं पाउब्भाओ भवइ, पच्चाहरओ वि य णं हिययगमणीओ जोयणणीहारी सरो, भगवं च णं अद्धमागहीए भासाए धम्ममाइक्खइ, सा वि य णं अद्धमागही भासा भासिज्जमाणी तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं दुप्पयचउप्पयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं अप्पणो हियसिवसुहयभासत्ताए परिणमइ, पुव्वबद्धवेरा वि य णं देवासुरणागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगा अरहओ पायमूले पसंतचित्तमाणसा धम्मं णिसामंति, अण्णउत्थियपावयणिया वि य णमागया वंदंति, आगया समाणा अरहओ पायमूले णिप्पडिवयणा हवंति, जओ जओ वि य णं अरहंतो भगवंतो विहरंति तओ तओ वि य णं जोयणपणवीसाए णं ईई ण भवइ, मारी ण भवइ, सचक्कं ण

भवइ, परचक्कं ण भवइ, अइवुट्ठी ण भवइ, अणावुट्ठी ण भवइ, दुब्भिक्खं ण भवइ, पुव्वुप्पण्णा वि य णं उप्पाइया वाही खिप्पमिव उवसमंति। जंबुद्दीवे णं दीवे चउत्तीसं चक्कवट्टिविजया प० तं०—बत्तीसं महाविदेहे दो भरहे एरवए। जंबुद्दीवे णं दीवे चोत्तीसं दीहवेयड्ढा प०। जंबुद्दीवे णं दीवे उक्कोसपए चोत्तीसं तित्थंकरा समुप्पज्जंति। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो चोत्तीसं भवणावाससयसहस्सा प०। पढमपंचमछट्ठीसत्तमासु चउसु पुढवीसु चोत्तीसं णिरयावाससयसहस्सा प० ॥३४॥ पणतीसं सच्चवयणाइसेसा प०। कुंथू णं अरहा पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। दत्ते णं वासुदेवे पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। णंदणे णं बलदेवे पणतीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सोहम्मे कप्पे सुहम्माए सभाए माणवए चेइयक्खंभे हेट्ठा उवरिं च अद्धतेरस २ जोयणाणि वज्जेत्ता मज्झे पणतीस जोयणेसु वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु जिण सकहाओ प०। बिइयचउत्थीसु दोसु पुढवीसु पणतीसं णिरयावाससयसहस्सा प० ॥ ३५॥ छत्तीसं उत्तरज्झयणा प० तं०—विणयसुयं, परीसहो, चाउरंगिज्जं, असंखयं, अकाममरणिज्जं पुरिसविज्जा, उरब्भिज्जं, काविलियं, णमिपव्वज्जा, दुमपत्तयं, बहुसुयपूया, हरिएसिज्जं, चित्तसंभूयं, उसूयारिज्जं, सभिक्खुगं, समाहिठाणाइं, पावसमणिज्जं, संजइज्जं, मियचारिया, अणाहपव्वज्जा, समुद्दपालिज्जं, रहणेमिज्जं, गोयमकेसिज्जं, समिईओ, जण्णइज्जं, सामायारी, खलुंकिज्जं, मोक्खमग्गगई, अप्पमाओ, तवोमग्गो, चरणविही, पमायठाणाइं कम्मपयडी, लेसज्झयणं, अणगारमग्गे, जीवाजीवविभत्ती य। चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा छत्तीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स छत्तीसं अज्जाणं साहस्सीओ होत्था। चेत्तासोएसु णं मासेसु सइ छत्तीसंगुलियं सूरिए पोरिसिछायं णिव्वत्तइ ॥ ३६ ॥ कुंथुस्स णं अरहओ सत्ततीसं गणा सत्ततीसं गणहरा होत्था। हेमवयहेरण्णवयाओ णं जीवाओ सत्ततीसं जोयणसहस्साइं छच्च चउसत्तरे जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचिविसेसूणाओ आयामेणं पण्णत्ताओ। सव्वासु णं विजयवेजयंतजयंतअपराजियासु रायहाणीसु पागारा सत्ततीसं सत्ततीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे सत्ततीसं उद्देसणकाला प०। कत्तियबहुलसत्तमीए णं सूरिए सत्ततीसंगुलियं पोरिसिछायं णिव्वत्तइत्ता णं चारं चरइ ॥ ३७॥ पासस्स

णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठतीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया होत्था। हेमवयएरण्णवईयाणं जीवाणं धणूपिट्ठे अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं सत्त य चत्ताले जोयणसए दस एगूणवीसइभागे जोयणस्स किंचिविसेसूणा परिक्खेवेणं पण्णत्ते। अत्थस्स णं पव्वयरण्णो बिइए कंडे अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए बिइए वग्गे अट्ठतीसं उद्देसणकाला प०॥ ३८॥ णमिस्स णं अरहओ एगूणचत्तालीसं आहोहियसया होत्था। समयखेत्ते एगूणचत्तालीसं कुलपव्वया प०, तं०—तीसं वासहरा, पंच मंदरा, चत्तारि उसुकारा। दोच्चचउत्थपंचमछट्ठसत्तमासु णं पंचसु पुढवीसु एगूणचत्तालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। णाणावरणिज्जस्स मोहणिज्जस्स गोत्तस्स आउयस्स एयासि णं चउण्हं कम्मपयडीणं एगूणचत्तालीसं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ॥ ३९॥ अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स चत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। मंदरचूलियाणं चत्तालीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ता। संती अरहा चत्तालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। भूयाणंदस्स णं णागकुमारस्स णागरण्णो चत्तालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। खुड्डियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे चत्तालीसं उद्देसणकाला प०। फग्गुणपुण्णिमासिणीए णं सूरिए चत्तालीसंगुलियं पोरिसीछायं णिव्वट्टइत्ता णं चारं चरइ। एवं कत्तियाए वि पुण्णिमाए। महासुक्के कप्पे चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा प०॥४०॥ णमिस्स णं अरहओ एक्कचत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। चउसु पुढवीसु एक्कचत्तालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०, तं०—रयणप्पभाए पंकप्पभाए तमाए तमतमाए। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पढमे वग्गे एक्कचत्तालीसं उद्देसणकाला प०॥ ४१॥ समणे भगवं महावीरे बायालीसं वासाइं साहियाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बायालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं चउद्दिसिं पि दओभासे संखोदयसीमे य। कालोए णं समुद्दे बायालीसं चंदा जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा बायालीसं सूरिया पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा। संमुच्छिमभुयपरिसप्पाणं उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं ठिई प०। णामकम्मे बायालीसविहे पण्णत्ते, तं जहा—गइणामे, जाइणामे, सरीरणामे, सरीरंगोवंगणामे, सरीरबंधणणामे, सरीरसंघायणणामे, संघयणणामे, संठाणणामे, वण्णणामे, गंधणामे,

रसणामे, फासणामे, अगुरुलहुयणामे, उवघायणामे, पराघायणामे, आणुपुव्वीणामे, उस्सासणामे, आयवणामे, उज्जोयणामे, विहगगइणामे, तसणामे, थावरणामे, सुहुमणामे, बायरणामे, पज्जत्तणामे, अपज्जत्तणामे, साहारणसरीरणामे, पत्तेयसरीरणामे, थिरणामे, अथिरणामे, सुभणामे, असुभणामे, सुभगणामे, दुब्भगणामे, सुस्सरणामे, दुस्सरणामे, आएज्जणामे, अणाएज्जणामे, जसोकित्तिणामे, अजसोकित्तिणामे, णिम्माणणामे, तित्थकरणामे। लवणे णं समुद्दे बायालीसं णागसाहस्सीओ अब्भिंतरियं वेलं धारंति। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए बिइए वग्गे बायालीसं उद्देसणकाला प०। एगमेगाए ओसप्पिणीए पंचमछट्ठीओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पण्णत्ता। एगमेगाए उस्सप्पिणीए पढमबीयाओ समाओ बायालीसं वाससहस्साइं कालेणं पण्णत्ता ॥ ४२ ॥ तेयालीसं कम्मविवागज्झयणा प०। पढमचउत्थपंचमासु पुढवीसु तेयालीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं तेयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि दगभासे संखे दयसीमे। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए तइए वग्गे तेयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४३ ॥ चोयालीसं अज्झयणा इसिभासिया दियलोगचुयाभासिया प०। विमलस्स अरहओ णं चउयालीसं पुरिसजुगाइं अणुपिट्ठिं सिद्धाइं जाव प्पहीणाइं। धरणस्स णं णागिंदस्स णागरण्णो चोयालीसं भवणावाससयसहस्सा प०। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए चउत्थे वग्गे चोयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४४ ॥ समयखेत्ते णं पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। सीमंतए णं णरए पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं उडुविमाणे वि। ईसिपब्भारा णं पुढवी एवं चेव। धम्मे णं अरहा पणयालीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। मंदरस्स णं पव्वयस्स चउद्दिसिं पि पणयालीसं-पणयालीसं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। सव्वे वि णं दिवड्ढखेत्तिया णक्खत्ता पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा–तिण्णेव उत्तराइं, पुणव्वसू, रोहिणी विसाहा य। एए छ णक्खत्ता, पणयालमुहुत्तसंजोगा। महालियाए णं विमाणपविभत्तीए पंचमे वग्गे पणयालीसं उद्देसणकाला प० ॥ ४५ ॥ दिट्ठिवायस्स णं छायालीसं माउयापया प०। बंभीए णं लिवीए छायालीसं माउयक्खरा प०। पभंजणस्स णं वाउकुमारिंदस्स छायालीसं भवणावाससयसहस्सा प० ॥ ४६ ॥

जया णं सूरिए सव्वब्भिंतरमंडलं उवसंकमित्ता णं चारं चरइ तया णं इहगयस्स मणूसस्स सत्तचत्तालीसं जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एक्कवीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुफासं हव्वमागच्छइ। थेरे णं अग्गिभूई सत्त-चत्तालीसं वासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ ४७ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अडयालीसं पट्टणसहस्सा प० । धम्मस्स णं अरहओ अडयालीसं गणा अडयालीसं गणहरा होत्था। सूरमंडले णं अडयालीसं एकसट्ठिभागे जोयणस्स विक्खंभेणं प० ॥ ४८ ॥ सत्तसत्तमियाए णं भिक्खुपडिमाए एगूणपण्णाए राइंदिएहिं छण्णउइभिक्खासएणं अहासुत्तं जाव आराहिया भवइ। देवकुरुउत्तरकुरुएसु णं मणुया एगूणपण्णा राइंदिएहिं संपण्ण-जोव्वणा भवंति। तेइंदियाणं उक्कोसेणं एगूणपण्णा राइंदिया ठिई प० ॥४९॥ मुणि-सुव्वयस्स णं अरहओ पंचासं अज्जियासाहस्सीओ होत्था। अणंते णं अरहा पण्णासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पुरिसुत्तमे णं वासुदेवे पण्णासं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढा मूले पण्णासं-पण्णासं जोयणाणि विक्खंभेणं प० । लंतए कप्पे पण्णासं विमाणावाससहस्सा प० । सव्वाओ णं तिमिस्सगुहाखंडगप्पवा-यगुहाओ पण्णासं-पण्णासं जोयणाइं आयामेणं प० । सव्वे वि णं कंचणगपव्वया सिहरतले पण्णासं-पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं प० ॥ ५० ॥ णवण्हं बंभचेराणं एकावण्णं उद्देसणकाला प० । चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो सभा सुहम्मा एकावण्णखंभसयसंणिविट्ठा प० । एवं चेव बलिस्स वि। सुप्पभे णं बलदेवे एकावण्णं वाससयसहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। दंसणावरण-णामाणं दोण्हं कम्माणं एकावण्णं उत्तरकम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ॥ ५१ ॥ मोह-णिज्जस्स णं कम्मस्स बावण्णं णामधेज्जा प०, तं०—कोहे, कोवे, रोसे, दोसे, अखमा, संजलणे, कलहे, चंडिक्के, भंडणे, विवाए, माणे, मदे, दप्पे, थंभे, अत्तुक्कोसे, गव्वे, परपरिवाए, अक्कोसे, अवक्कोसे (परिभवे), उण्णए, उण्णामे, माया, उवही, णियडी, वलए, गहणे, णूमे, कक्के, कुरुए, दंभे, कूडे, जिम्हे, किब्बिसे, अणायरणया, गूह-णया, वंचणया, पलिकुंचणया, साइजोगे, लोभे, इच्छा, मुच्छा, कंखा, गेही, तिण्हा, भिज्जा, अभिज्जा, कामासा, भोगासा, जीवियासा, मरणासा, णंदी, रागे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापा-यालस्स पचत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बावण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ।

एवं दगभासस्स णं केउगस्स संखस्स जूयगस्स दयसीमस्स ईसरस्स। णाणावर-णिज्जस्स णामस्स अंतरायस्स एएसि णं तिण्हं कम्मपयडीणं बावण्णं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ। सोहम्मसणंकुमारमाहिंदेसु तिसु कप्पेसु बावण्णं विमाणावाससयसहस्सा प०॥५२॥ देवकुरुउत्तरकुरुयाओ णं जीवाओ तेवण्णं तेवण्णं जोयणसहस्साइं साइरे-गाइं आयामेणं पण्णत्ताओ। महाहिमवंतरुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाओ तेवण्णं तेवण्णं जोयणसहस्साइं णव य एगतीसे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं पण्णत्ताओ। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तेवण्णं अणगारा संवच्छर-परियाया पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु देवत्ताए उववण्णा। संमुच्छिमउरपरिसप्पाणं उक्कोसेणं तेवण्णं वाससहस्सा ठिई प०॥५३॥ भरहेरवएसु णं वासेसु एगमेगाए उस्सप्पिणीए ओसप्पिणीए चउवण्णं चउवण्णं उत्तमपुरिसा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा, तं०—चउव्वीसं तित्थकरा बारस चक्क-वट्टी णव बलदेवा णव वासुदेवा। अरहा णं अरिट्ठणेमी चउवण्णं राइंदियाइं छउ-मत्थपरियायं पाउणित्ता जिणे जाए केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी। समणे भगवं महावीरे एगदिवसेणं एगणिसिज्जाए चउप्पण्णाइं वागरणाइं वागरित्था। अणंतस्स णं अरहओ चउप्पण्णं गणहरा होत्था॥५४॥ मल्लिस्स णं अरहओ [मल्ली णं अरहा] पणपण्णं वाससहस्साइं परमाउं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ विजयदारस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं पणपण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प०। एवं चउद्दिसिं पि विजयवेजयंतजयंत-अपराजियं ति। समणे भगवं महावीरे अंतिमराइयंसि पणपण्णं अज्झयणाइं कल्लाण-फलविवागाइं पणपण्णं अज्झयणाइं पावफलविवागाइं वागरित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे। पढमबिइयासु दोसु पुढवीसु पणपण्णं णिरयावाससयसहस्सा प०। दंसणा-वरणिज्जणामाउयाणं तिण्हं कम्मपयडीणं पणपण्णं उत्तरपयडीओ प०॥५५॥ जंबुद्दीवे णं दीवे छप्पण्णं णक्खत्ता चंदेण सद्धिं जोगं जोइंसु वा जोइंति वा जोइस्संति वा। विमलस्स णं अरहओ छप्पण्णं गणा छप्पण्णं गणहरा होत्था॥५६॥ तिण्हं गणिपिडगाणं आयारचूलियावज्जाणं सत्तावण्णं अज्झयणा प० तं०—आयारे सूयगडे ठाणे। गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं सत्तावण्णं जोयणसहस्साइं अबाहाए

अंतरे प० । एवं दगभासस्स केउयस्स य संखस्स य जूयस्स य दयसीमस्स ईस-रस्स य । मल्लिस्स णं अरहओ सत्तावण्णं मणपज्जवणाणिसया होत्था । महाहिमवंत-रुप्पीणं वासहरपव्वयाणं जीवाणं धणुपिट्ठं सत्तावण्णं सत्तावण्णं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेणउए जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं प० ॥ ५७ ॥ पढमदोच्चपंचमासु तिसु पुढवीसु अट्ठावण्णं णिरयावाससयसहस्सा प० । णाणावरणिज्जस्स वेयणियआउयणामअंतराइयस्स एएसि णं पंचण्हं कम्मपयडीणं अट्ठावण्णं उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ । गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ वलयामुहस्स महापायालस्स बहुमज्झदेसभाए एस णं अट्ठावण्णं जोयण-सहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउदिसिं पि णेयव्वं ॥ ५८ ॥ चंदस्स णं संवच्छरस्स एगमेगे उऊ एगूणसट्ठिं राइंदियाइं राइंदियग्गेणं प० । संभवे णं अरहा एगूणसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे जाव पव्वइए । मल्लिस्स णं अरहओ एगूणसट्ठिं ओहिणाणिसया होत्था ॥५९॥ एगमेगे णं मंडले सूरिए सट्ठिए सट्ठिए मुहुत्तेहिं संघाइए । लवणस्स णं समुद्दस्स सट्ठिं णागसाहस्सीओ अग्गोदयं धारेंति । विमले णं अरहा सट्ठिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स सट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । बंभस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सट्ठिं सामाणिय-साहस्सीओ पण्णत्ताओ । सोहम्मीसाणेसु दोसु कप्पेसु सट्ठिं विमाणावाससयसहस्सा प० ॥ ६० ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स रिउमासेणं मिज्जमाणस्स इगसट्ठिं उऊ-मासा प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पढमे कंडे इगसट्ठिजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चंदमंडले णं एगसट्ठिविभागविभाइए समंसे प० । एवं सूरस्स वि ॥ ६१ ॥ पंचसंवच्छरिए णं जुगे बासट्ठिं पुण्णिमाओ बावट्ठिं अमावसाओ पण्णत्ताओ । वासु-पुज्जस्स णं अरहओ बासट्ठिं गणा बासट्ठिं गणहरा होत्था । सुक्कपक्खस्स णं चंदे बासट्ठिं भागे दिवसे-दिवसे परिवड्ढइ, ते चेव बहुलपक्खे दिवसे-दिवसे परिहायइ । सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु पढमे पत्थडे पढमावलियाए एगमेगाए दिसाए बासट्ठिं बासट्ठिं विमाणा प० । सव्वे वेमाणियाणं बासट्ठिं विमाणपत्थडा पत्थडग्गेणं प० ॥ ६२ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए तेसट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं महारायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । हरिवासरम्मयवासेसु मणुस्सा तेसट्ठिए राइंदिएहिं संपत्तजोव्वणा भवंति । णिसढे णं पव्वए तेसट्ठिं सूरोदया प० । एवं

णीलवंते वि ॥ ६३ ॥ अट्ठट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव भवइ । चउसट्ठिं असुरकुमारावाससय-सहस्सा प० । चमरस्स णं रण्णो चउसट्ठिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सव्वे वि दहिमुहाणं पव्वया पल्लासंठाणसंठिया सव्वत्थ समा विक्खंभुस्सेहेणं चउसट्ठिं जोयणसहस्साइं प० । सोहम्मीसाणेसु बंभलोए य तिसु कप्पेसु चउसट्ठिं विमाणा-वाससयसहस्सा प० । सव्वस्स वि य णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चउसट्ठिलट्ठीए महग्घे मुत्तामणि(मए)हारे प० ॥ ६४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे पणसट्ठिं सूरमंडला प० । थेरे णं मोरियपुत्ते पणसट्ठिवासाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । सोहम्मवडिंसयस्स णं विमाणस्स एगमेगाए बाहाए पणसट्ठिं पणसट्ठिं भोमा प० ॥ ६५ ॥ दाहिणड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभा-सिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवेंति वा तविस्संति वा । उत्तरड्ढमाणुस्सखेत्ता णं छावट्ठिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा । छावट्ठिं सूरिया तविंसु वा तवेंति वा तविस्संति वा । सेज्जंसस्स णं अरहओ छावट्ठिं गणा छावट्ठिं गणहरा होत्था । आभिणिबोहियणाणस्स णं उक्को-सेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ ६६ ॥ पंचसंवच्छरियस्स णं जुगस्स णक्खत्त-मासेणं मिज्जमाणस्स सत्तसट्ठिं णक्खत्तमासा प० । हेमवयएरण्णवयाओ णं बाहाओ सत्तसट्ठिं सत्तसट्ठिं जोयणसयाइं पणपण्णाइं तिण्णि य भागा जोयणस्स आयामेणं प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोयमदीवस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तसट्ठिं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । सव्वेसिं पि णं णक्खत्ताणं सीमाविक्खंभे णं सत्तसट्ठिं भागं भइए समंसे प० ॥६७॥ धायइसंडे णं दीवे अडसट्ठिं चक्कवट्टिविजया अडसट्ठिं रायहाणीओ प०। उक्कोसपए अडसट्ठिं अरहंता समुप्पज्जिंसु वा समुप्पज्जंति वा समुप्पज्जिस्संति वा । एवं चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा । पुक्खर-वरदीवड्ढे णं अडसट्ठिं विजया एवं चेव जाव वासुदेवा । विमलस्स णं अरहओ अडसट्ठिं समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया होत्था ॥ ६८ ॥ समयखित्ते णं मंदरवज्जा एगूणसत्तरिं वासा वासहरपव्वया प० तं जहा—पणतीसं वासा तीसं वासहरा चत्तारि उसुयारा । मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोय-मदीवस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं एगूणसत्तरिं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मोहणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं कम्मपयडीणं एगूणसत्तरिं उत्तरपयडीओ पण्ण-

साओ ॥ ६९ ॥ समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे वइक्कंते सत्तरिएहिं राइंदिएहिं सेसेहिं वासावासं पज्जोसवेइ । पासे णं अरहा पुरिसादाणीए सत्तरिं वासाइं बहुपडिपुण्णाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । वासुपुज्जे णं अरहा सत्तरिं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । मोहणिज्जस्सणं कम्मस्स सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ अबाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मणिसेगे प० । माहिंदस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सत्तरिं सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ॥ ७० ॥ चउत्थस्स णं चंदसंवच्छरस्स हेमंताणं एक्कसत्तरीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं सव्वबाहिराओ मंडलाओ सूरिए आउट्टिं करेइ । वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स एक्कसत्तरिं पाहुडा प० । अजिते णं अरहा एक्कसत्तरिं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए । एवं सगरो वि राया चाउरंतचक्कवट्टी एक्कसत्तरिं पुव्व जाव पव्वइए त्ति ॥ ७१॥ बावत्तरिं सुवण्णकुमारावाससयसहस्सा प० । लवणस्स समुद्दस्स बावत्तरिं णागसाहस्सीओ बाहिरियं वेलं धारंति । समणे भगवं महावीरे बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । थेरे णं अयलभाया बावत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । अब्भिंतरपुक्खरद्धे णं बावत्तरिं चंदा पभासिंसु वा पभासंति वा पभासिस्संति वा, बावत्तरिं सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा । एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स बावत्तरिपुरवरसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । बावत्तरि कलाओ प० तं०—लेहं, गणियं, रूवं, णट्टं, गीयं, वाइयं, सरगयं, पुक्खरगयं, समतालं, जूयं, जणवायं, पोरेवच्चं, अट्ठावयं, दगमट्टियं, अण्णविहीं, पाणविहीं, वत्थविहीं, सयणविहीं, अज्जं, पहेलियं, मागहियं, गाहं, सिलोगं, गंधजुत्तिं, मधुसित्थं, आभरणविहीं, तरुणीपडिकम्मं, इत्थीलक्खणं पुरिसलक्खणं, हयलक्खणं, गयलक्खणं, गोणलक्खणं, कुक्कुडलक्खणं, मिंढयलक्खणं, चक्कलक्खणं, छत्तलक्खणं, दंडलक्खणं, असिलक्खणं, मणिलक्खणं, कागणिलक्खणं, चम्मलक्खणं, चंदलक्खणं, सूरचरियं, राहुचरियं, गहचरियं, सोभागकरं, दोभागकरं, विज्जागयं, मंतगयं, रहस्सगयं, सभासं, चारं, पडिचारं, वूहं, पडिवूहं, खंधावारमाणं, णगरमाणं, वत्थुमाणं, खंधावारणिवेसं, वत्थुणिवेसं, णगरणिवेसं, ईसत्थं, छरुप्पवायं, आससिक्खं, हत्थिसिक्खं, धणुव्वेयं, हिरण्णपागं सुवण्णपागं मणिपागं धातुपागं, बाहुजुद्धं दंडजुद्धं मुट्ठिजुद्धं अट्ठिजुद्धं जुद्धं णिजुद्धं जुद्धाइं जुद्धं, सुत्तखेडं णालियाखेडं, वट्टखेडं, धम्मखेडं, चम्मखेडं, पत्तच्छेज्जं, कडग-

च्छेज्जं, सजीवं णिज्जीवं, सउणरुयं। संमुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं बावत्तरिं वाससहस्साइं ठिई प०॥ ७२॥ हरिवासरम्मयवासयाओ णं जीवाओ तेवत्तरिं तेवत्तरिं जोयणसहस्साइं णव य एगुत्तरे जोयणसए सत्तरस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं प०। विजए णं बलदेवे तेवत्तरिं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे॥ ७३॥ थेरे णं अग्गिभूई गणहरे चोवत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। णिसहाओ णं वासहरपव्वयाओ तिगिच्छिओ णं दहाओ सीओयामहाणईओ चोवत्तरिं जोयणसयाइं साहियाइं उत्तराहिमुही पवहित्ता वइरामयाए जिब्भियाए चउजोयणायामाए पण्णासजोयणविक्खंभाए वइरतले कुंडे महया घडमुहपवत्तिएणं मुत्तावलिहारसंठाणसंठिएणं पवाएणं महया सद्देणं पवडइ। एवं सीया वि दक्खिणाहिमुही भाणियव्वा। चउत्थवज्जासु छसु पुढवीसु चोवत्तरिं णरयावाससयसहस्सा प०॥ ७४॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ पण्णत्तरिं जिणसया होत्था। सीयले णं अरहा पण्णत्तरिं पुव्वसहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। संती णं अरहा पण्णत्तरिंवाससहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए॥ ७५॥ छावत्तरिं विज्जुकुमारावाससयसहस्सा प०। एवं दीवदिसाउदहीणं, विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुगलयाणं, छावत्तरिं सयसहस्साइं॥ ७६॥ भरहे राया चाउरंतचक्कवट्टी सत्तहत्तरिं पुव्वसयसहस्साइं कुमारवासमज्झे वसित्ता महारायाभिसेयं संपत्ते। अंगवंसाओ णं सत्तहत्तरिं रायाणो मुंडे जाव पव्वइया। गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्तहत्तरिं देवसहस्सपरिवारा प०। एगमेगे णं मुहुत्ते सत्तहत्तरिं लवे लवग्गेणं प०॥७७॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणे महाराया अट्ठहत्तरीए सुवण्णकुमारदीवकुमारावाससयसहस्साणं आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महारायत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे विहरइ। थेरे णं अकंपिए अट्ठहत्तरिं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। उत्तरायणणियट्टे णं सूरिए पढमाओ मंडलाओ एगूणचत्तालीसइमे मंडले अट्ठहत्तरिं एगसट्ठिभाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढेत्ता णं चारं चरइ, एवं दक्खिणायणणियट्टे वि॥ ७८॥ वलयामुहस्स णं पायालस्स हिट्ठिल्लाओ चरमंताओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासिं जोयणस-

हस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं केउस्स वि जूयस्स वि ईसरस्स वि । छट्ठीए पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ छट्ठस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं एगूणासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । जंबुद्दीवस्स णं दीवस्स बारस्स य बारस्स य एस णं एगूणासीइं जोयणसहस्साइं साइरेगाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ७९ ॥ सेज्जंसे णं अरहा असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अयले णं बलदेवे असीइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । तिविट्ठे णं वासुदेवे असीइवाससयसहस्साइं महाराया होत्था । आउबहुले णं कंडे असीइ जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं प० । ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो असीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । जंबुद्दीवे णं दीवे असीउत्तरं जोयणसयं ओगाहेत्ता सूरिए उत्तरकट्ठोवगए पढमं उदयं करेइ ॥८०॥ णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एकासीइ राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं (भिक्खासएहिं) अहासुत्तं जाव आराहिया । कुंथुस्स णं अरहओ एकासीइं मणपज्जवणाणिसया होत्था । विवाहपण्णत्तीए एकासीइं महाजुम्मसया प० ॥ ८१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे बासीयं मंडलसयं जं सूरिए दुक्खुत्तो संकमित्ता णं चारं चरइ, तं जहा—णिक्खममाणे य पविसमाणे य । समणे भगवं महावीरे बासीए राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए । महाहिमवंतस्स णं वासहरपव्वयस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं बासीइं जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिस्स वि ॥ ८२ ॥ समणे भगवं महावीरे बासीइ राइंदिएहिं वीइक्कंतेहिं तेयासीइमे राइंदिए वट्टमाणे गब्भाओ गब्भं साहरिए । सीयलस्स णं अरहओ तेसीइं गणा तेसीइं गणहरा होत्था । थेरे णं मंडियपुत्ते तेसीइं वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । उसभे णं अरहा कोसलिए तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए । भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारमज्झे वसित्ता जिणे जाए केवली सव्वण्णू सव्वभावदरिसी ॥८३॥ चउरासीइ णिरयावाससयसहस्सा प० । उसभे णं अरहा कोसलिए चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । एवं भरहो बाहुबली बंभी सुंदरी । सिज्जंसे णं अरहा चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे । तिविट्ठे णं वासुदेवे चउरासीइं वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णो । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो

चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ पण्णत्ताओ । सव्वे वि णं बाहिरया मंदरा चउरासीइं चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । सव्वे वि णं अंजणगपव्वया चउरासीइं-चउरासीइं जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । हरिवासरम्मयवासियाणं जीवाणं धणुपिट्ठा चउरासीइं जोयणसहस्साइं सोलस जोयणाइं चत्तारि य भागा जोयणस्स परिक्खेवेणं प० । पंकबहुलस्स णं कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं चोरासीइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । विवाहपण्णत्तीए णं भगवईए चउरासीइं पयसहस्सा पदग्गेणं प० । चोरासीइं णागकुमारावाससयसहस्सा प० । चोरासीइं पइण्णगसहस्साइं पण्णत्ताइं । चोरासीइं जोणिप्पमुहसयसहस्सा प० । पुव्वाइयाणं सीसपहेलियापज्जवसाणाणं सट्ठाणट्ठाणंतराणं चोरासीए गुणकारे प० । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स चउरासीइ गणा चउरासीइ गहणरा होत्था । उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स उसभसेणपामोक्खाओ चउरासीइ समणसाहस्सीओ होत्था । सव्वे वि चउरासीइ विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ॥ ८४ ॥ आयारस्स णं भगवओ सचूलियागस्स पंचासीइ उद्देसणकाला प० । धायइसंडस्स णं मंदरा पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । रुयए णं मंडलियपव्वए पंचासीइ जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं प० । णंदणवणस्स णं हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं पंचासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८५ ॥ सुविहिस्स णं पुप्फदंतस्स अरहओ छलसीइ गणा छलसीइ गणहरा होत्था । सुपासस्स णं अरहओ छलसीइ वाइसया होत्था । दोच्चाए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभायाओ दोचस्स घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं छलसीइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ८६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पचत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । मंदरस्स णं पव्वयस्स दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ दगभासस्स आवासपव्वयस्स उत्तरिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं मंदरस्स पचत्थिमिल्लाओ चरमंताओ संखस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चेव मंदरस्स उत्तरिल्लाओ चरमंताओ दगसीमस्स आवासपव्वयस्स दाहिणिल्ले

चरमंते एस णं सत्तासीई जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । छण्हं कम्मपयडीणं आइमउवरिल्लवज्जाणं सत्तासीई उत्तरपयडीओ प० । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ सोगंधियस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्तासीइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ८७ ॥ एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स अट्ठासीइ अट्ठासीइ महग्गहा परिवारो प० । दिट्ठिवायस्स णं अट्ठासीइ सुत्ताइं पण्णत्ताइं, तं जहा—उज्जुसुयं परिणयापरिणयं एवं अट्ठासीइ सुत्ताणि भाणियव्वाणि जहा णंदीए । मंदरस्स णं पव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठासीइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउसु वि दिसासु णेयव्वं । बाहिराओ उत्तराओ णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीइ एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढेत्ता सूरिए चारं चरइ । दक्खिणकट्ठाओ णं सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे चोयालीसइमे मंडलगए अट्ठासीई एगसट्ठिभागे मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ ॥८८॥ उसभे णं अरहा कोसलिए इमीसे ओसप्पिणीए तइयाए सुसमदूसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । समणे भगवं महावीरे इमीसे ओसप्पिणीए चउत्थाए दूसमसुसमाए समाए पच्छिमे भागे एगूणणउइए अद्धमासेहिं सेसेहिं कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी एगूणणउई वाससयाइं महाराया होत्था संतिस्स णं अरहओ एगूणणउई अज्जासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जासंपया होत्था ॥ ८९ ॥ सीयले णं अरहा णउई धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । अजियस्स णं अरहओ णउई गणा णउई गणहरा होत्था । एवं संतिस्स वि । सयंभुस्स णं वासुदेवस्स णउइ वासाइं विजए होत्था । सव्वेसि णं वट्टवेयड्ढपव्वयाणं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ सोगंधियकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं णउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे प० ॥ ९० ॥ एकाणउई परवेयावच्चकम्मपडिमाओ पण्णत्ताओ । कालोए णं समुद्दे एकाणउई जोयणसयसहस्साइं साहियाइं परिक्खेवेणं प० । कुंथुस्स णं अरहओ एकाणउई आहोहियसया होत्था । आउयगोयवज्जाणं छण्हं कम्मपयडीणं एकाणउई उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ ॥९१॥ बाणउई पडिमाओ पण्णत्ताओ । थेरे णं इंदभूई

बाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे । मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झ-देसभायाओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं बाणउइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउण्हं वि आवासपव्वयाणं ॥ ९२ ॥ चंदप्पहस्स णं अरहओ तेणउई गणा तेणउई गणहरा होत्था । संतिस्स णं अरहओ तेणउई चउद्दसपुव्विसया होत्था । तेणउइ मंडलगए णं सूरिए अइवट्टमाणे वा णिवट्टमाणे वा समं अहोरत्तं विसमं करेइ ॥ ९३ ॥ णिसहणीलवंतियाओ णं जीवाओ चउ-णउइ जोयणसहस्साइं एक्कं छप्पण्णं जोयणसयं दोण्णि य एगूणवीसइभागे जोयणस्स आयामेणं प० । अजियस्स णं अरहओ चउणउइ ओहिणाणिसया होत्था ॥ ९४ ॥ सुपासस्स णं अरहओ पंचाणउइ गणा पंचाणउइ गणहरा होत्था । जंबुद्दीवस्स णं दीव-स्स चरमंताओ चउद्दिसिं लवणसमुद्दं पंचाणउइं पंचाणउइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता चत्तारि महापायालकलसा प० तं०—वलयामुहे केऊए जूयए ईसरे । लवणसमुद्दस्स उभओ पासं पि पंचाणउयं पंचाणउयं पदेसाओ उव्वेहुस्सेहपरिहाणीए प० । कुंथू णं अरहा पंचाणउइ वाससहस्साइं परमाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । थेरे णं मोरियपुत्ते पंचाणउइ वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे ॥ ९५ ॥ एगमेगस्स णं रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स छण्णउई छण्णउई गामकोडीओ होत्था । वाउकुमाराणं छण्णउइ भवणावाससयसहस्सा प० । ववहारिए णं दंडे छण्णउइ अंगुलाइं अंगुलमाणेणं । एवं धणू णालिया जुगे अक्खे मुसले वि हु । अब्भिंतरओ आइमुहुत्ते छण्णउइअंगुलछाए प० ॥ ९६ ॥ मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्चत्थिमि-ल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्ता-णउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं चउदिसिं पि । अट्ठण्हं कम्म-पयडीणं सत्ताणउइ उत्तरपयडीओ पण्णत्ताओ । हरिसेणे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी देसूणाइं सत्ताणउइ वाससयाइं अगारमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता णं जाव पव्वइए ॥ ९७ ॥ णंदणवणस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ पंडुयवणस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । मंदरस्स णं पव्वयस्स पच्च-त्थिमिल्लाओ चरमंताओ गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमिल्ले चरमंते एस णं अट्ठाणउइ जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० । एवं चउदिसिं पि । दाहिणभरह-द्धस्स णं धणुप्पिट्ठे अट्ठाणउइ जोयणसयाइं किंचूणाइं आयामेणं पण्णत्ते । उत्तराओ

णं कट्ठाओ सूरिए पढमं छम्मासं अयमाणे एगूणपण्णासइमे मंडलगए अट्ठाणउइ एकसट्ठिभागे मुहुत्तस्स दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ। दक्खिणाओ णं कट्ठाओ सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे एगूणपण्णासइमे मंडलगए अट्ठाणउइ एकसट्ठिभाए मुहुत्तस्स रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिणिवुड्ढित्ता णं सूरिए चारं चरइ। रेवईपढमजेट्ठापज्जवसाणाणं एगूणवीसाए णक्खत्ताणं अट्ठाणउइ ताराओ तारग्गेणं पण्णत्ताओ ॥ ९८ ॥ मंदरे णं पव्वए णवणउइ जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ते। णंदणवणस्स णं पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं दक्खिणिल्लाओ चरमंताओ उत्तरिल्ले चरमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। उत्तरे पढमे सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। दोच्चे सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। तइए सूरियमंडले णवणउइ जोयणसहस्साइं साहियाइं आयामविक्खंभेणं पण्णत्ते। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए अंजणस्स कंडस्स हेट्ठिल्लाओ चरमंताओ वाणमंतरभोमेज्जविहाराणं उवरिमंते एस णं णवणउइ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ ९९ ॥ दसदसमिया णं भिक्खुपडिमा एगेणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहिया वि भवइ। सयभिसया णक्खत्ते एक्कसयतारे पण्णत्ते। सुविही पुप्फदंते णं अरहा एगं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। पासे णं अरहा पुरिसादाणीए एक्कं वाससयं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे जाव प्पहीणे। एवं थेरे वि अज्जसुहम्मे। सव्वे वि णं दीहवेयड्ढपव्वया एगमेगं गाउयसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। सव्वे वि णं चुल्लहिमवंतसिहरीवासहरपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं प० एगमेगं गाउयसयं उव्वेहेणं प० एगमेगं जोयणसयं मूले विक्खंभेणं प० ॥ १०० ॥ चंदप्पभे णं अरहा दिवड्ढं धणुसयं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। आरणे कप्पे दिवड्ढं विमाणावाससयं प०। एवं अच्चुए वि ॥ १०१ ॥ सुपासे णं अरहा दो धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं महाहिमवंतरुप्पीवासहरपव्वया दो-दो जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० दो-दो गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। जंबुद्दीवे णं दीवे दो

कंचणपव्वयसया प० ॥ १०२ ॥ पउमप्पभे णं अरहा अड्डाइज्जाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। असुरकुमाराणं देवाणं पासायवडिंसगा अड्डाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०३ ॥ सुमई णं अरहा तिण्णि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। अरिट्ठणेमी णं अरहा तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए। वेमाणियाणं देवाणं विमाणपागारा तिण्णि तिण्णि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। समणस्स भगवओ महावीरस्स तिण्णि सयाणि चोद्दसपुव्वीणं होत्था। पंचधणुसइयस्स णं अंतिमसारीरियस्स सिद्धिगयस्स साइरेगाणि तिण्णि धणुसयाणि जीवप्पदेसोगाहणा प० ॥ १०४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसयाइं चोद्दसपुव्वीणं संपया होत्था। अभिणंदणे णं अरहा अद्धुट्ठाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०५ ॥ संभवे णं अरहा चत्तारि धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सव्वे वि णं णिसढणीलवंता वासहरपव्वया चत्तारि-चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वक्खारपव्वया णिसढणीलवंतवासहरपव्वयए णं चत्तारि चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि-चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं पण्णत्ते। आणयपाणएसु दोसु कप्पेसु चत्तारि विमाणसया प०। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स चत्तारि सया वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंसि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाइसंपया होत्था ॥१०६॥ अजिए णं अरहा अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सगरे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी अद्धपंचमाइं धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था ॥ १०७ ॥ सव्वे वि णं वक्खारपव्वया सीयासीओयाओ महाणईओ मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वासहरकूडा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था, मूले पंच-पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०। उसभे णं अरहा कोसलिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। सोमणसगंधमादणविज्जुप्पभमालवंताणं वक्खारपव्वयाणं मंदरपव्वयंतेणं पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच-पंच गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०। सव्वे वि णं वक्खारपव्वयकूडा हरिहरिस्सहकूडवज्जा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प०। सव्वे वि णं णंदणकूडा बलकूडवज्जा पंच-पंच जोयण-

सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच-पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प० । सोहम्मी-साणेसु कप्पेसु विमाणा पंच-पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० ॥ १०८ ॥ सणं-कुमारमाहिंदेसु कप्पेसु विमाणा छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । चुल्लहिमवंत-कूडस्स-णं उवरिल्लाओ चरमंताओ चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं छ जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं सिहरीकूडस्स वि । पासस्स णं अरहओ छ सया वाईणं सदेवमणुयासुरे लोए वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाई-संपया होत्था । अभिचंदे णं कूलगरे छ धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । वासुपुज्जे णं अरहा छहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥१०९॥ बंभलंतएसु कप्पेसु विमाणा सत्त-सत्त जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त जिणसया होत्था । समणस्स भगवओ महावीरस्स सत्त वेउव्वियसया होत्था । अरिट्ठणेमी णं अरहा सत्त वाससयाइं देसूणाइं केवलपरियागं पाउणित्ता सिद्धे बुद्धे जाव प्पहीणे । महाहिमवंतकूडस्स णं उवरिल्लाओ चरमंताओ महाहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स समधरणितले एस णं सत्त जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं रुप्पिकूडस्स वि ॥ ११० ॥ महासुक्कसहस्सारेसु दोसु कप्पेसु विमाणा अट्ठ जोयसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमे कंडे अट्ठसु जोयणसएसु वाणमंतरभोमेज्जविहारा प० । समणस्स णं भगवओ महा-वीरस्स अट्ठसया अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसि-भद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया होत्था। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठहिं जोयणसएहिं सूरिए चारं चरइ । अरहओ णं अरिट्ठणेमिस्स अट्ठ सयाइं वाईणं सदेवमणुयासुरंमि लोगंमि वाए अपराजियाणं उक्कोसिया वाईसंपया होत्था॥ १११ ॥आणयपाणयआरणअच्चुएसु कप्पेसु विमाणा णव-णव जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प० । णिसढकूडस्स णं उवरिल्लाओ सिहरतलाओ णिसढस्स वासहरपव्वयस्स समे धरणितले एस णं णव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । एवं णीलवंतकूडस्स वि । विमलवाहणे णं कुलगरे णं णव धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था । इमीसे णं रयणप्पभाए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ णवहिं जोयणसएहिं सव्वुवरिमे ताराख्वे चारं चरइ । णिसढस्स णं वासहरपव्वयस्स उव-रिल्लाओ सिहरतलाओ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए पढमस्स कंडस्स बहुमज्झदे-

सभाए एस णं णव जोयणसयाइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। एवं णीलवंतस्स वि ॥ ११२ ॥ सव्वे वि णं गेवेज्जविमाणे दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णत्ते। सव्वे वि णं जमगपव्वया दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस-दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प०, मूले दस-दस जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं प०। एवं चित्तविचित्तकूडा वि भाणियव्वा। सव्वे वि णं वट्टवेयड्ढपव्वया दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, दस-दस गाउयसयाइं उव्वेहेणं प० मूले दस-दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०, सव्वत्थ समा पल्लगसंठाणसंठिया प०। सव्वे वि णं हरिहरिस्सहकूडा वक्खारकूडवज्जा दस-दस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०, मूले दस-दस जोयणसयाइं विक्खंभेणं प०। एवं बलकूडा वि णंदणकूडवज्जा। अरहा वि अरिट्ठणेमी दस वाससयाइं सव्वाउयं पालइत्ता सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। पासस्स णं अरहओ दस सयाइं जिणाणं होत्था। पासस्स णं अरहओ दस अंतेवासीसयाइं कालगयाइं जाव सव्वदुक्खप्पहीणाइं। पउमद्दहपुंडरीयद्दहा य दस-दस जोयणसयाइं आयामेणं प० ॥ ११३ ॥ अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं विमाणा एक्कारस जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं प०। पासस्स णं अरहओ इक्कारस सयाइं वेउव्वियाणं होत्था ॥११४॥ महापउममहापुंडरीयदहाणं दो दो जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥११५॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए वइरकंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ लोहियक्खकंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं तिण्णि जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे प० ॥११६॥ तिगिच्छिकेसरिदहाणं चत्तारि-चत्तारि जोयणसहस्साइं आयामेणं पण्णत्ता ॥११७॥ धरणितले मंदरस्स णं पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए रुयगणाभीओ चउदिसिं पंच पंच जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे मंदरपव्वए पण्णत्ते ॥ ११८ ॥ सहस्सारे णं कप्पे छ विमाणावाससहस्सा प० ॥ ११९ ॥ इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणस्स कंडस्स उवरिल्लाओ चरमंताओ पुलगस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १२० ॥ हरिवासरम्मयाणं वासा अट्ठ जोयणसहस्साइं साइरेगाइं वित्थरेणं प० ॥ १२१ ॥ दाहिणड्ढभरहस्स णं जीवा पाईणपडीणायया दुहओ समुद्दं पुट्ठा णव जोयणसहस्साइं आयामेणं प० ॥१२२॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणसहस्साइं होत्था, मंदरे णं पव्वए धरणितले दस जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं पण्णत्ते ॥१२३॥ जंबूदीवे णं दीवे एगं जोयण-

सयसहस्सं आयामविक्खंभेणं प० ॥१२४॥ लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं प० ॥ १२५ ॥ पासस्स णं अरहओ तिण्णि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्साइं उक्कोसिया सावियासंपया होत्था ॥ १२६ ॥ धायइखंडे णं दीवे चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णत्ते ॥ १२७ ॥ लवणस्स णं समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं पंच जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥१२८॥ भरहे णं राया चाउरंतचक्कवट्टी छ पुव्वसयसहस्साइं रायमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १२९ ॥ जंबूदीवस्स णं दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ धायइखंडचक्कवालस्स पच्चत्थिमिल्ले चरमंते एस णं सत्त जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३० ॥ माहिंदे णं कप्पे अट्ठ विमाणावाससयसहस्साइं पण्णत्ताइं ॥१३१॥ अजियस्स णं अरहओ साइरेगाइं णव ओहिणाणिसहस्साइं होत्था ॥१३२॥ पुरिससीहे णं वासुदेवे दस वाससयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता पंचमाए पुढवीए णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥१३३॥ समणे भगवं महावीरे तित्थगरभवग्गहणाओ छट्ठे पोट्टिलभवग्गहणे एगं वासकोडिं सामण्णपरियागं पाउणित्ता सहस्सारे कप्पे सव्वट्ठविमाणे देवत्ताए उववण्णे ॥ १३४ ॥ उसभसिरिस्स भगवओ चरिमस्स य महावीरवद्धमाणस्स एगा सागरोवमकोडाकोडी अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १३५ ॥

गणिपिडग

दुवालसंगे गणिपिडगे पण्णत्ते, तं जहा—आयारे, सूयगडे, ठाणे, समवाए, विवाहपण्णत्ती, णायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुए, दिट्ठिवाए। से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं णिग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयट्ठाणगमणचंकमणपमाणजोगजुंजणभासासमिइगुत्तीसेज्जोवहिभत्तपाणउग्गमउप्पायणएसणाविसोहिसुद्धासुद्धग्गहणवयणियमतवोवहाणसुप्पसत्थमाहिज्जइ। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा—णाणायारे, दंसणायारे चरित्तायारे, तवायारे, विरियायारे। आयारस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे दो सुयक्खंधा, पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइं उद्देसणकाला, पंचासीइं समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा,

परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया । एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से त्तं आयारे ॥१३६॥ से किं तं सूयगडे ? सूयगडे णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, ससमयपरसमया सूइज्जंति, जीवा सूइज्जंति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जंति, लोगो सूइज्जंति, अलोगो सूइज्जंति, लोगालोगो सूइज्जंति । सूयगडे णं जीवाजीवपुण्णपावासवसंवरणिज्जरण-बंधमोक्खावसाणा पयत्था सूइज्जंति । समणाणं अचिरकालपव्वइयाणं कुसमयमोह-मोहमइमोहिआणं संदेहजायसहजबुद्धिपरिणामसंसइयाणं पावकरमलिणमइगुणविसोह-णत्थं असीयस्स किरियावाइयसयस्स चउरासीए अकिरियवाईणं सत्तट्ठीए अण्णा-णियवाईणं बत्तीसाए वेणइयवाईणं तिण्हं तेवट्ठीणं अण्णदिट्ठियसयाणं वूहं किच्चा ससमए ठाविज्जइ णाणादिट्ठंतवयणणिस्सारं सुट्ठु दरिसयंता विविहवित्थराणुगम-परमसब्भावगुणविसिट्ठा मोक्खपहोयारगा उदारा अण्णाणतमंधकारदुग्गेसु दीवभूया सोवाणा चेव सिद्धिसुगइगिहुत्तमस्स णिक्खोभणिप्पकंपा सुत्तत्था । सुयगडस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ । से णं अंगट्ठयाए दोच्चे अंगे दो सुयक्खंधा तेवीसं अज्झयणा तेत्तीसं उद्देसणकाला तेत्तीसं समुद्देसणकाला छत्तीसं पयसहस्साइं पय-ग्गेणं पण्णत्ताइं, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । से त्तं सूयगडे ॥ १३७ ॥ से किं तं ठाणे ? ठाणे णं ससमया ठाविज्जंति, परसमया ठाविज्जंति, ससमयपरसमया ठाविज्जंति, जीवा ठावि-ज्जंति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जंति, लोगा ठाविज्जंति अलोगा ठाविज्जंति, लोगालोगा ठाविज्जंति, ठाणेणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपयत्थाणं–सेला सलिला य समुद्दा, सूरभवणविमाणआगरणईओ । णिहिओ पुरिसज्जाया, सरा य गोत्ता य जोइसंचाला ॥ १ ॥ एक्कविहवत्तव्वयं दुविह जाव दसविहवत्तव्वयं जीवाण

पोग्गलाण य लोगट्ठाई च णं परूवणया आघविज्जंति। ठाणस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा, एक्कवीसं उद्देसणकाला, एक्कवीसं समुद्देसणकाला, बावत्तरिं पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ताइं। संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं ठाणे ॥ १३८॥ से किं तं समवाए? समवाए णं ससमया सूइज्जंति, परसमया सूइज्जंति, ससमयपरसमया सूइज्जंति, जाव लोगालोगा सूइज्जंति। समवाए णं एकाइयाणं एगट्ठाणं एगुत्तरियपरिवुड्ढीय, दुवालसंगस्स य गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समणुगाइज्जइ ठाणगसयस्स, बारसविहवित्थरस्स सुयणाणस्स जगजीवहियस्स भगवओ समासेणं समायारे आहिज्जइ। तत्थ य णाणाविहप्पगारा जीवाजीवा य वण्णिया वित्थरेण, अवरे वि य बहुविहा विसेसा णरगतिरियमणुयसुरगणाणं आहारुस्सासलेसाआवाससंखआययप्पमाणउववायचवणओगाहणोवहिवेयणविहाणउवओगजोगइंदियकसाय, विविहा य जीवजोणी, विक्खंभुस्सेहपरिरयप्पमाणं विहिविसेसा य मंदराईणं महीधराणं, कुलगरतित्थगरगणहराणं सम्मत्तभरहाहिवाण चक्कीणं चेव चक्कहरहलहराण य, वासाण य णिगमा य समाए। एए अण्णे य एवमाइ एत्थ वित्थरेणं अत्था समाहिज्जंति। समवायस्स णं परित्ता वायणा जाव से णं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे एगे अज्झयणे एगे सुयक्खंधे एगे उद्देसणकाले एगे समुद्देसणकाले एगे चउयाले पयसयसहस्से पयग्गेणं पण्णत्ते। संखेज्जाणि अक्खराणि जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं समवाए ॥१३९॥ से किं तं वियाहे? वियाहेणं ससमया वियाहिज्जंति परसमया वियाहिज्जंति ससमयपरसमया वियाहिज्जंति, जीवा वियाहिज्जंति अजीवा वियाहिज्जंति जीवाजीवा वियाहिज्जंति, लोगे वियाहिज्जइ अलोगे वियाहिज्जइ लोगालोगे वियाहिज्जइ। वियाहेणं णाणाविहसुरणरिंदरायरिसिविविहसंसइयपुच्छियाणं जिणेणं वित्थरेणं भासियाणं दव्वगुणखेत्तकालपज्जवपदेसपरिणामजहत्थियभावअणुगमणिक्खेवणयप्पमाणसुणिउणोवक्कमविविहप्प-

गारपगइपयासियाणं लोगालोगपयासियाणं संसारसमुद्दरुंदउत्तरणसमत्थाणं सुरवइ-संपूजियाणं भवियजणपयहिययाभिणंदियाणं तमरयविद्धंसणाणं सुदिट्ठदीवभूयईहा-मइबुद्धिवद्धणाणं छत्तीससहस्समणूणयाणं वागरणाणं दंसणाओ सुयत्थबहुविहप्पगारा सीसहियत्था य गुणहत्था। वियाहस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जा वेढा संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे एगे सुयक्खंधे एगे साइरेगे अज्झयणसए दस उद्देसगसहस्साइं दस समुद्देसगसहस्साइं छत्तीसं वागरणसहस्साइं चउरासीइं पयसहस्साइं पयग्गेणं प०। संखेज्जाइं अक्खराइं अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। से एवं आया से एवं णाया से एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं वियाहे।१४०। से किं तं णायाधम्मकहाओ? णायाधम्मकहासु णं णायाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढीविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायायाइं पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति जाव णायाधम्मकहासु णं पव्वइयाणं विणयकरणजिणसामिसासणवरे संजमपइण्णपालणधिइमइववसायदुब्बलाणं तवणियमतवोवहाणरणदुद्धरभरभग्गयणिस्सहयणिसिट्ठाणं घोरपरीसहपराजियाणं सहपारद्धरुद्धसिद्धालयमग्गणिग्गयाणं विसयसुहतुच्छआसावसदोसमुच्छियाणं विराहियचरित्तणाणदंसणजइगुणविविहप्पयारणिस्सारमुण्णयाणं संसारअपारदुक्खदुग्गइभवविविहपरंपरापवंचा। धीराण य जियपरिसहकसायसेण्णधिइधणियसंजमउच्छाहणिच्छियाणं आराहियणाणदंसणचरित्तजोगणिस्सल्लसुद्धसिद्धालयमग्गमभिमुहाणं सुरभवणविमाणसुक्खाइं अणोवमाइं भुत्तूण चिरं च भोगभोगाणि ताणि दिव्वाणि महरिहाणि तओ य कालक्कमचुयाणं जह य पुणो लद्धसिद्धिमग्गाणं अंतकिरिया। चलियाण य सदेवमाणुस्सधीरकरणकारणाणि बोधणअणुसासणाणि गुणदोसदरिसणाणि दिट्ठंते पच्चए य सोऊण लोगमुणिणो जहट्ठियसासणम्मि जरमरणणासणकरे आराहियसंजमा य सुरलोगपडिणियत्ता ओवेंति जह सासयं सिवं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। णाया-

धम्मकहासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुयक्खंधा एगूणवीसं अज्झयणा, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—चरिता य कप्पिया य, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइयासयाइं एगमेगाए अक्खाइयाए पंच-पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच-पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवमेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ अक्खाइयकोडीओ भवंतीति मक्खायाओ, एगूणतीसं उद्देसणकाला एगूणतीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा जाव चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं णायाधम्मकहाओ ॥ १४१ ॥ से किं तं उवासगदसाओ ? उवासगदसासु णं उवासयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा उवासयाणं सीलव्वयवेरमणगुणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणयाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणा पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। उवासगदसासु णं उवासयाणं रिद्धिविसेसा परिसा वित्थरधम्मसवणाणि बोहिलाभअभिगमसम्मत्तविसुद्धया थिरत्तं मूलगुणउत्तरगुणाइयारा ठिईविसेसा य बहुविसेसा पडिमाभिग्गहग्गहणपालणा उवसग्गाहियासणा णिरुवसग्गा य तवा य विचित्ता सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासा अपच्छिममारणंतिया य संलेहणाझोसणाहिं अप्पाणं जह य भावइत्ता बहूणि भत्ताणि अणसणाए य छेयइत्ता उववण्णा कप्पवरविमाणुत्तमेसु जह अणुभवंति सुरवरविमाणवरपोंडरीएसु सोक्खाइं अणोवमाइं कमेण भुत्तूण उत्तमाइं तओ आउक्खएणं चुया समाणा जह जिणमयंमि बोहिं लद्धूण य संजमुत्तमं तमरयोघविप्पमुक्का उवेंति जह अक्खयं सव्वदुक्खमोक्खं। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण य। उवासयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा दस उद्देसणकाला दससमुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता। संखेज्जाइं अक्खराइं जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं उवासगदसाओ ॥१४२॥ से किं तं अंतगडदसाओ ? अंतगडदसासु णं अंतगडाणं णगराइं

उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहा इहलोइयपरलोइयइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं पडिमाओ बहुविहाओ खमा अज्जवं मद्दवं च सोअं च सच्चसहियं सत्तरसविहो य संजमो उत्तमं च बंभं आकिंचणया तवो चियाओ समिइगुत्तीओ चेव तह अप्पमायजोगो सज्झायज्झाणाण य उत्तमाणं दोण्हं पि लक्खणाइं पत्ताण य संजमुत्तमं जियपरीसहाणं चउव्विहकम्मक्खयम्मि जह केवलस्स लंभो परियाओ जत्तिओ य जह पालिओ मुणिहिं पाओवगओ य जो जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेयइत्ता अंतगडो मुणिवरो तमरयोघविप्पमुक्को मोक्खसुहमणुत्तरं च पत्ता। एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थारेणं परूवेई। अंतगडदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ, से णं अंगट्ठयाए अट्ठमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा अट्ठ वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं प० संखेज्जा अक्खरा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं अंतगडदसाओ ॥१४३॥ से किं तं अणुत्तरोववाइयदसाओ? अणुत्तरोववाइयदसासु णं अणुत्तरोववाइयाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोगपरलोगइड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपाणपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं अणुत्तरोववाओ सुकुलपच्चायाया पुणो बोहिलाभो अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। अणुत्तरोववाइयदसासु णं तित्थकरसमोसरणाइं परमंगल्लजगहियाणि जिणाइसेसा य बहुविसेसा जिणसीसाणं चेव समणगणपवरगंधहत्थीणं थिरजसाणं परिसहसेण्णरिउबलपमद्दणाणं तवदित्तचरित्तणाणसम्मत्तसारविविहप्पगारवित्थरपसत्थगुणसंजुयाणं अणगारमहरिसीणं अणगारगुणाण वण्णओ उत्तमवरतवविसिट्ठणाणजोगजुत्ताणं जह य जगहियं भगवओ जारिसा इड्ढिविसेसा देवासुरमाणुसाणं परिसाणं पाउब्भावा य जिणसमीवं जह य उवासंति जिणवरं जह य परिकहंति धम्मं लोगगुरू अमरणरसुरगणाणं सोऊण य तस्स भासियं अवसेसकम्मविसयविरत्ता णरा जहा अब्भुवेंति धम्ममुरालं संजमं तवं चावि बहुविहप्पगारं जह बहूणि वासाणि अणुचरित्ता आराहियणाणदंसणचरित्तजोगा जिणवयणमणुगयमहियभासिया जिणवराण हियएणमणुण्णेत्ता जे य जहिं जत्तियाणि भत्ताणि छेयइत्ता लद्धूण य समाहि-

मुत्तमज्झाणजोगजुत्ता उववण्णा मुणिवरोत्तमा जह अणुत्तरेसु पावंति जह अणुत्तरं तत्थ विसयसोक्खं तओ य चुया कमेण काहिंति संजया जहा य अंतकिरियं एए अण्णे य एवमाइअत्था वित्थरेण। अणुत्तरोववाइयदसासु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए णवमे अंगे एगे सुयक्खंधे दस अज्झयणा तिण्णि वग्गा दस उद्देसणकाला दस समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पय-सयसहस्साइं पयग्गेणं प०। संखेज्जाणि अक्खराणि जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति। से त्तं अणुत्तरोववाइयदसाओ ॥१४४॥ से किं तं पण्हावागरणाणि? पण्हावागरणेसु णं अट्ठुत्तरं पसिणसयं अट्ठुत्तरं अपसिणसयं अट्ठुत्तरं पसिणापसिण-सयं विज्जाइसया णागसुवण्णेहिं सद्धिं दिव्वा संवाया आघविज्जंति। पण्हावागरणदसासु णं ससमयपरसमयपण्णवयपत्तेयबुद्धविविहत्थभासाभासियाणं अइसयगुणउवसमणाण-प्पगारआयरियभासियाणं वित्थरेणं वीरमहेसीहिं विविहवित्थरभासियाणं च जगहि-याणं अद्दागंगुट्ठबाहुअसिमणिखोमआइच्चमाइयाणं विविहमहापसिणविज्जामणपसिण-विज्जादेवयपयोगपहाणगुणप्पगासियाणं सब्भूयदुगुणप्पभावणरगणमइविम्हयकराणं अइसयमईयकालसमयदमसमतित्थकरुत्तमस्स ठिइकरणकारणाणं दुरहिगमदुरवगा-हस्स सव्वसव्वण्णुसम्मयस्स अबुहजणविबोहणकरस्स पच्चक्खयपच्चयकराणं पण्हाणं विविहगुणमहत्था जिणवरप्पणीया आघविज्जंति। पण्हावागरणेसु णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए दसमे अंगे एगे सुयक्खंधे पणयालीसं उद्देसणकाला पणयालीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाणि पय-सयसहस्साणि पयग्गेणं प०। संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा जाव चरणकरण-परूवणया आघविज्जंति। से त्तं पण्हावागरणाइं ॥ १४५ ॥ से किं तं विवागसुयं? विवागसुए णं सुक्कडदुक्कडाणं कम्माणं फलविवागे आघविज्जंति से समासओ दुविहे प०, तं०–दुहविवागे चेव सुहविवागे चेव। तत्थ णं दस दुहविवागाणि दस सुहविवा-गाणि। से किं तं दुहविवागाणि? दुहविवागेसु णं दुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ णगर-गमणाइं संसारपबंधे दुहपरंपराओ य आघविज्जंति। से त्तं दुहविवागाणि। से किं तं सुहविवागाणि? सुहविवागेसु सुहविवागाणं णगराइं उज्जाणाइं चेइयाइं वणसंडा रायाणो अम्मापियरो समोसरणाइं धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइय-

इड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइं परियाया पडिमाओ संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुलपच्चायाया पुण बोहिलाहा अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। दुहविवागेसु णं पाणाइवायअलियवयणचोरिक्ककरणपरदारमेहुणससंगयाए महतिव्वकसायइंदियप्पमायपावप्पओयअसुहज्झवसाणसंचियाणं कम्माणं पावयाणं पावअणुभागफलविवागा णिरयगइतिरिक्खजोणिबहुविहवसणसयपरंपरापबद्धाणं मणुयत्ते वि आगयाणं जहा पावकम्मसेसेण पावगा होंति फलविवागा वहवसणविणासणासाकण्णुट्ठंगुट्ठकरचरणनहच्छेयणजिब्भच्छेयण-अंजण-कडग्गिदाहणगय चलणमलणफालणउल्लंबणसूललयालउडलट्ठिभंजणतउसीसगतत्ततेल्लकलकलअहिसिंचण-कुंभिपागकंपणथिरबंधण-वेहवज्झ-कत्तणपइभयकरकरपल्लीवणादिदारुणाणि दुक्खाणि अणोवमाणि। बहुविविहपरंपराणुबद्धा ण मुच्चंति पावकम्मवल्लीए, अवेयइत्ता हु णत्थि मोक्खो तवेण धिइधणियबद्धकच्छेण सोहणं तस्स वावि हुज्जा। एत्तो य सुहविवागेसु णं सीलसंजमणियमगुणतवोवहाणेसु साहुसु सुविहिएसु अणुकंपासयप्पओगतिकालमइविसुद्धभत्तपाणाइं पययमणसा हियसुहणीसेसतिव्वपरिणामणिच्छियमई पयच्छिऊणं पयोगसुद्धाइं जह य णिव्वत्तेंति उ बोहिलाभं जह य परित्तीकरेंति णरणरयतिरियसुरगमणविउलपरियट्टअरइभयविसायसोगमिच्छत्तसेलसंकडं अण्णाणतमंधकारं चिक्खिल्लसुदुत्तारं जरमरणजोणिसंखुभियचक्कवालं सोलसकसायसावयपयंडचंडं अणाइयं अणवयग्गं संसारसागरमिणं। जह य णिबंधंति आउगं सुरगणेसु जह य अणुभवंति सुरगणविमाणसोक्खाणि अणोवमाणि तओ य कालंतरे चुयाणं इहेव णरलोगमागयाणं आउवपु वण्णरूव जाइकुल-जम्मआरोग्ग-बुद्धि-मेहाविसेसा मित्तजण-सयण-धणधण्णविभवसमिद्धसारसमुदयविसेसा बहुविहकामभोगुब्भवाण सोक्खाण सुहविवागोत्तमेसु अणुवरयपरंपराणुबद्धा असुभाणं सुभाणं चेव कम्माणं भासिआ बहुविहा विवागा विवागसुयम्मि भगवया जिणवरेण संवेगकारणत्था अण्णे वि य एवमाइया बहुविहा वित्थरेणं अत्थपरूवणया आघविज्जंति। विवागसुअस्स णं परित्ता वायणा संखेज्जा अणुओगदारा जाव संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए एक्कारसमे अंगे वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसणकाला वीसं समुद्देसणकाला संखेज्जाइं पयसयसहस्साइं पयग्गेणं पण्णत्ता। संखेज्जाणि अक्खराणि अणंता गमा

अणंता पज्जवा जाव एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति । से त्तं विवागसुए ॥ १४६ ॥ से किं तं दिट्ठिवाए ? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणया आघविज्जंति । से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तं जहा–परिकम्मं, सुत्ताइं, पुव्वगयं, अणुओगो, चूलिया । से किं तं परिकम्मे ? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तं जहा–सिद्धसेणियापरिकम्मे, मणुस्ससेणियापरिकम्मे, पुट्ठसेणियापरिकम्मे, ओगाहणसेणियापरिकम्मे, उवसंपज्जसेणियापरिकम्मे, विप्पजहसेणियापरिकम्मे, चुयाचुयसेणियापरिकम्मे । से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०–माउयापयाणि, एगट्ठियपयाणि, पाओट्ठपयाणि, आगासपयाणि, केउभूयं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूयं, पडिग्गहो, संसारपडिग्गहो, णंदावत्तं, सिद्धबद्धं, से त्तं सिद्धसेणियापरिकम्मे । से किं तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे ? मणुस्ससेणियापरिकम्मे चोद्दसविहे प०, तं०—ताइं चेव माउयापयाणि जाव णंदावत्तं मणुस्सबद्धं, से त्तं मणुस्ससेणियापरिकम्मे । अवसेसाइं परिकम्माइं पुट्ठाइयाइं एक्कारसविहाइं पण्णत्ताइं । इच्चेयाइं सत्त परिकम्माइं, छ ससमइयाइं सत्त आजीवियाइं, छ चउक्कणइयाइं सत्त तेरासियाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं सत्त परिकम्माइं तेसीति भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं परिकम्माइं । से किं तं सुत्ताइं ? सुत्ताइं अट्ठासीति भवंतीति मक्खायाइं, तं०—उज्जुगं परिणयापरिणयं बहुभंगियं विप्पचइयं [विण (ज) यचरियं] अणंतरं परंपरं समाणं संजूहं [मासाणं] संभिण्णं अहाच्चयं [अहव्वायं-णंदीए] सोवत्थियं (वत्तं यं) णंदावत्तं बहुलं पुट्ठापुट्ठं वियावत्तं एवंभूयं दुआवत्तं वत्तमाणप्पयं समभिरूढं सव्वओभद्दं पणामं [पस्सासं—णंदीए] दुपडिग्गहं । इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं छिण्णछेयणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं अछिण्णछेयणइयाइं आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं तिकणइयाइं तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेयाइं बावीसं सुत्ताइं चउक्कणइयाइं ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीति सुत्ताइं भवंतीति मक्खायाइं, से त्तं सुत्ताइं । से किं तं पुव्वगयं ? पुव्वगयं चउद्दसविहं पण्णत्तं, तं जहा–उप्पायपुव्वं, अग्गेणीयं, वीरियं, अत्थिणत्थिप्पवायं, णाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं अवंझं, पाणाऊ, किरियाविसालं, लोगबिंदुसारं । उप्पायपुव्वस्स णं दसवत्थू पण्णत्ता, चत्तारि चूलियावत्थू पण्णत्ता । अग्गेणियस्स

णं पुव्वस्स चोद्दसवत्थू प०, बारस चूलियावत्थू प०। वीरियप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठ वत्थू प०, अट्ठ चूलियावत्थू प०। अत्थिणत्थिप्पवायस्स णं पुव्वस्स अट्ठारस वत्थू प०, दस चूलियावत्थू प०। णाणप्पवायस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प०। सच्चप्पवायस्स णं पुव्वस्स दो वत्थू प०। आयप्पवायस्स णं पुव्वस्स सोलस वत्थू प०। कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू प०। पच्चक्खाणस्स णं पुव्वस्स वीसं वत्थू प०। विज्जाणुप्पवायस्स णं पुव्वस्स पणरस वत्थू प०। अवंझस्स णं पुव्वस्स बारस वत्थू प०। पाणाउस्स णं पुव्वस्स तेरस वत्थू प०। किरियाविसालस्स णं पुव्वस्स तीसं वत्थू प०। लोयबिंदुसारस्स णं पुव्वस्स पणवीसं वत्थू प०। "दस चोद्दस अट्ठट्ठारसेव बारस दुवे य वत्थूणि। सोलस तीसा वीसा पण्णरस अणुप्पवायम्मि॥ बारस एक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि। तीसा पुण तेरसमे चउदसमे पण्णवीसाओ। चत्तारि दुवालस अट्ठ चेव दस चेव चूलवत्थूणि। आइल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया णत्थि" से त्तं पुव्वगयं। से किं तं अणुओगे? अणुओगे दुविहे प०, तं० मूलपढमाणुओगे य गंडियाणुओगे य। से किं तं मूलपढमाणुओगे? एत्थ णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवलोगगमणाणि आउं चवणाणि जम्मणाणि य अभिसेया रायवरसिरीओ सीयाओ पव्वज्जाओ तवा य भत्ता केवलणाणुप्पाया य तित्थपवत्तणाणि य संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउं वण्णविभागो सीसा गणा गणहरा य अज्जा पवत्तणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं वावि परिमाणं जिणमणपज्जवओहिणाणसम्मत्तसुयणाणिणो य वाई अणुत्तरगई य जत्तिया सिद्धा पाओवगया य जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं छेयइत्ता अंतगडा मुणिवरुत्तमा तमरओघविप्पमुक्का सिद्धिपहमणुत्तरं च पत्ता, एए अण्णे य एवमाइया भावा मूलपढमाणुओगे कहिया आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं मूलपढमाणुओगे। से किं तं गंडियाणुओगे? गंडियाणुओगे अणेगविहे प०, तं०—कुलगरगंडियाओ तित्थगरगंडियाओ गणहरगंडियाओ चक्कहरगंडियाओ दसारगंडियाओ बलदेवगंडियाओ वासुदेवगंडियाओ हरिवंसगंडियाओ भद्दबाहुगंडियाओ तवोकम्मगंडियाओ चित्तंतरगंडियाओ उस्सप्पिणीगंडियाओ ओसप्पिणीगंडियाओ अमरणरतिरियणिरयगइगमणविविहपरियट्टणाणुओगे, एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति, से त्तं गंडियाणुओगे। से किं तं चूलियाओ? जण्णं आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलियाओ सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, से त्तं चूलियाओ। दिट्ठिवायस्स

णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा संखेज्जाओ पडिवत्तीओ संखेज्जाओ णिज्जुत्तीओ संखेज्जा सिलोगा संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए बारसमे अंगे एगे सुयक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखेज्जा वत्थू संखेज्जा चूलवत्थू संखेज्जा पाहुडा संखेज्जा पाहुडपाहुडा संखेज्जाओ पाहुडियाओ संखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ संखेज्जाणि पयसयसहस्साणि पयग्गेणं पण्णत्ता, संखेज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासया कडा णिबद्धा णिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति, एवं णाया एवं विण्णाया एवं चरणकरणपरूवणया आघविज्जंति, से त्तं दिट्ठिवाए, से त्तं दुवालसंगे गणिपिडगे।१४७। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णे काले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति, इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अतीतकाले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतसंसार-कंतारं वीईवइंसु, एवं पडुप्पण्णेऽवि, एवं अणागएऽवि। दुवालसंगे णं गणिपिडगे ण कयाइ णासी, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे। से जहा णामए पंच अत्थिकाया ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य, (अयला) धुवा णिइया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे ण कयाइ ण आसि, ण कयाइ णत्थि, ण कयाइ ण भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य (अयले) धुवे जाव अवट्ठिए णिच्चे। एत्थ णं दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा अणंता अभावा अणंता हेऊ अणंता अहेऊ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणंता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंता सिद्धा अणंता असिद्धा आघविज्जंति पण्णविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति णिदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति। एवं दुवालसंगं गणिपिडगं इति ॥१४८॥

जीवरासी अजीवरासी

दुवे रासी पण्णत्ता, तं जहा—जीवरासी अजीवरासी य। अजीवरासी दुविहा

पण्णत्ता, तं जहा—रूवी अजीवरासी अरूवी अजीवरासी य। से किं तं अरूवी अजीवरासी ? अरूवी अजीवरासी दसविहा पण्णत्ता तं जहा—धम्मत्थि-काए जाव अद्धासमए। रूवी अजीवरासी अणेगविहा प० जाव। से किं तं अणुत्तरोववाइआ ? अणुत्तरोववाइआ पंचविहा प० तं जहा–विजयवेजयंतजयंत-अपराजियसव्वट्ठसिद्धिया, से त्तं अणुत्तरोववाइआ, से त्तं पंचिंदियसंसारसमावण्ण-जीवरासी। दुविहा णेरइया प० तं० पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, एवं दंडओ भाणि-यव्वो जाव वेमाणिय त्ति। इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए केवइयं खेत्तं ओगाहेत्ता केवइया णिरयावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तर-जोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयण-सहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं तीसं णिरयावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खाया। ते णं णिरयावासा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा जाव असुभा णिरया असुभाओ णिरएसु वेयणाओ, एवं सत्त वि भाणियव्वाओ जं जासु जुज्जइ–आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं तहेव वीसं च। अट्ठा-रस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव बाहल्लं ॥ १ ॥ तीसा य पण्णवीसा पण्णरस दसेव सय-सहस्साइं। तिण्णेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा णरगा ॥ २ ॥ चउसट्ठी असुराणं चउ-रासीइं च होइ णागाणं। बावत्तरिं सुवण्णाणं वाउकुमाराण छण्णउई ॥ ३ ॥ दीव-दिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हं पि जुवलयाणं बावत्तरिमो य सयसहसा (स्सा) ॥ ४ ॥ बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो य सयसहस्सा। पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥५॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिण्णि। सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥ ६ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ७ ॥ दोच्चाए णं पुढवीए तच्चाए णं पुढवीए चउत्थीए पुढवीए पंचमीए पुढवीए छट्ठीए पुढ-वीए सत्तमाए पुढवीए गाहाहिं भाणियव्वा। सत्तमाए पुढवीए पुच्छा, गोयमा ! सत्तमाए पुढवीए अट्ठुत्तरजोयणसयसहस्साइं बाहल्लाए उवरि अद्धतेवण्णं जोयण-सहस्साइं ओगाहेत्ता हेट्ठा वि अद्धतेवण्णं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तिसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं सत्तमाए पुढवीए णेरइयाणं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया प० तं जहा--काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे णामं पंचमे। ते णं णिरया वट्टे य तंसा य अहे खुरप्पसंठाणसंठिया जाव असुभा णरगा असु-

भाओ णरएसु वेयणाओ ॥ १४९ ॥ केवइया णं भंते ! असुरकुमारावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहत्तरि जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभाए पुढवीए चउसट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा प० । ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा अहे पोक्खरकण्णियासंठाणसंठिया उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा अट्टालयचरियदारगोउरकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतमुसलमुसंढिसयग्घिपरिवारिया अउज्झा अडयालकोट्ठयरइया अडयालकयवणमाला लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिण्णपंचंगुलितला कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघेंतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सप्पभा समिरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । एवं जं जस्स कमई तं तस्स जं जं गाहाहिं भणियं तह चेव वण्णओ ॥ १५० ॥ केवइया णं भंते ! पुढविकाइयावासा प० गोयमा ! असंखेज्जा पुढवीकाइयावासा प० एवं जाव मणुस्स त्ति । केवइया णं भंते ! वाणमंतरावासा प० गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहेत्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जा णगरावाससयसहस्सा प०, ते णं भोमेज्जा णगरा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, एवं जहा भवणवासीणं तहेव णेयव्वा, णवरं पडागमालाउला सुरम्मा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥१५१॥ केवइया णं भंते ! जोइसियाणं विमाणावासा पण्णत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तणउयाइं जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दसुत्तरजोयणसयबाहल्ले तिरियं जोइसविसए जोइसियाणं देवाणं असंखेज्जा जोइसियविमाणावासा प०, ते णं जोइसियविमाणावासा अब्भुग्गयमूसियपहसिया विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागछत्ताइछत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियाया वियसियसयपत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता अंतो बाहिं च सण्हा तवणिज्जवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा अभि०॥ १५२ ॥ केवइया णं भंते !

वेमाणियावासा प० ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं वीइवइत्ता बहूणि जोयणाणि बहूणि जोयणसयाणि बहूणि जोयणसहस्साणि बहूणि जोयणसयसहस्साणि बहुइओ जोयणकोडीओ बहुइओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं वीइवइत्ता एत्थ णं विमाणियाणं देवाणं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुएसु गेवेज्जमणुत्तरेसु य चउरासीइं विमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खाया, ते णं विमाणा अच्चिमालिप्पभा भासरासिवण्णाभा अरया णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा घट्ठा मट्ठा णिप्पंका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा। सोहम्मे णं भंते! कप्पे केवइया विमाणावासा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं ईसाणाइसु अट्ठावीसं बारस अट्ठ चत्तारि एयाइं सयसहस्साइं पण्णासं चत्तालीसं छ एयाइं सहस्साइं आणए पाणए चत्तारि आरणच्चुए तिण्णि एयाणि सयाणि, एवं गाहाहिं भाणियव्वं ॥ १५३ ॥ णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । अपज्जत्तगाणं णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए एवं जाव विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एकत्तीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । सव्वट्ठे अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥ १५४ ॥ कइ णं भंते सरीरा प० ? गोयमा ! पंच सरीरा प०, तं०—ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ! गोयमा पंचविहे प०, तं०—एगिंदियओरालियसरीरे जाव गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलअसंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, एवं जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियपमाणं तहा णिरवसेसं, एवं जाव मणुस्से त्ति उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं ।

कइविहे णं भंते ! वेउव्वियसरीरे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते—एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य, एवं जाव सणंकुमारे आढत्तं जाव अणुत्तराणं भवधारणिज्जा जाव तेसिं रयणी-रयणी परिहायइ। आहारयसरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! एगाकारे प०। जइ एगाकारे प० किं मणुस्सआहारयसरीरे अमणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! मणुस्सआहारयसरीरे णो अमणुस्सआहारयसरीरे, एवं जइ मणुस्सआहारयसरीरे किं गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे ? गोयमा ! गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे णो संमुच्छिममणुस्सआहारयसरीरे। जइ गब्भवक्कंतियमणुस्सआहारयसरीरे किं कम्मभूमिगा० अकम्मभूमिगा० ? गोयमा ! कम्मभूमिगा० णो अकम्मभूमिगा०। जइ कम्मभूमिगा० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय०। जइ संखेज्जवासाउय० किं पज्जत्तय० अपज्जत्तय० ? गोयमा ! पज्जत्तय० णो अपज्जत्तय०। जइ पज्जत्तय० किं सम्मदिट्ठी० मिच्छदिट्ठी० सम्मामिच्छदिट्ठी० ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी० णो मिच्छदिट्ठी० णो सम्मामिच्छदिट्ठी०। जइ सम्मदिट्ठी० किं संजय० असंजय० संजयासंजय० ? गोयमा ! संजय० णो असंजय० णो संजयासंजय०। जइ संजय० किं पमत्तसंजय० अपमत्तसंजय० ? गोयमा ! पमत्तसंजय० णो अपमत्तसंजय०। जइ पमत्तसंजय० किं इड्ढिपत्त० अणिड्ढिपत्त० ? गोयमा ! इड्ढिपत्त० णो अणिड्ढिपत्त० वयणा विभाणियव्वा आहारयसरीरे समचउरंससंठाणसंठिए। आहारयसरीरस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं देसूणा रयणी उक्कोसेणं पडिपुण्णा रयणी। तेयासरीरे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०—एगिंदियतेयासरीरे बितिचउपंच० एवं जाव गेवेज्जस्स णं भंते ! देवस्स णं मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स समाणस्स के महालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं आयामेणं जहण्णेणं अहे जाव विज्जाहरसेढीओ उक्कोसेणं जाव अहोलोइयग्गामाओ, उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइं, तिरियं जाव मणुस्सखेत्तं, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। एवं कम्मयसरीरं भाणियव्वं ॥१५५॥
भेय विसयसंठाणे, अब्भिंतर बाहिरे य देसोही। ओहिस्स वुड्ढिहाणी, पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ १ ॥ १५६ ॥ कइविहे णं भंते ! ओही प० ? गोयमा ! दुविहा

प०—भवपच्चइए य खओवसमिए य, एवं सव्वं ओहिपयं भाणियव्वं ॥ १५७ ॥ सीया य दव्व सारीर साया तह वेयणा भवे दुक्खा। अब्भुवगमुवक्कमिया णिदाए चेव अणिदाए ॥ १ ॥ णेरइया णं भंते ! किं सीयं वेयणं वेयंति उसिणं वेयणं वेयंति सीओसिणं वेयणं वेयंति ? गोयमा ! णेरइया० एवं चेव वेयणापयं भाणियव्वं ॥ १५८ ॥ कइ णं भंते ! लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छ लेसाओ पण्णत्ताओ, तं जहा—किण्हा णीला काऊ तेऊ पम्हा सुक्का, एवं लेसापयं भाणियव्वं ॥ १५९ ॥ अणंतरा य आहारे, आहाराभोयणा इ य। पोग्गला णेव जाणंति, अज्झवसाणे य सम्मत्ते ॥ १ ॥ णेरइया णं भंते ! अणंतराहारा तओ णिव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विकुव्वणया ? हंता गोयमा ! एवं आहारपयं भाणियव्वं ॥ १६० ॥ कइविहे णं भंते ! आउगबंधे प० ? गोयमा ! छव्विहे आउगबंधे प०, तं जहा—जाइणामणिहत्ताउए गइणामणिहत्ताउए ठिइणामणिहत्ताउए पएसणामणिहत्ताउए अणुभागणामणिहत्ताउए ओगाहणाणामणिहत्ताउए। णेरइयाणं भंते ! कइविहे आउगबंधे प० ? गोयमा ! छव्विहे प०, तं जहा—जाइणामणिहत्ताउए गइणामणिहत्ताउए ठिइणामणिहत्ताउए पएसणामणिहत्ताउए अणुभागणामणिहत्ताउए ओगाहणाणामणिहत्ताउए। एवं जाव वेमाणियाणं ॥१६१॥ णिरयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ते, एवं तिरियगई मणुस्सगई देवगई। सिद्धिगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणयाए प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासे, एवं सिद्धिवज्जा उव्वट्टणा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णेरइया केवइयं कालं विरहिया उववाएणं ? एवं उववायदंडओ भाणियव्वो उव्वट्टणादंडओ य। णेरइया णं भंते ! जाइणामणिहत्ताउयं कइ आगरिसेहिं पगरंति ? गोयमा ! सिय १ सिय २ सिय ३ सिय ४ सिय ५ सिय ६ सिय ७ सिय ८ अट्ठहिं णो चेव णं णवहिं। एवं सेसाण वि आउगाणि जाव वेमाणिय त्ति ॥ १६२ ॥ कइविहे णं भंते ! संघयणे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे संघयणे पण्णत्ते, तं जहा—वइरोसभणारायसंघयणे रिसभणारायसंघयणे णारायसंघयणे अद्धणारायसंघयणे कीलियासंघयणे छेवट्ठसंघयणे। णेरइया णं भंते ! किंसंघयणी ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेव अट्ठि णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला

अणिट्ठा अकंता अप्पिया अणाएज्जा असुभा अमणुण्णा अमणामा अमणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति। असुरकुमाराणं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू जे पोग्गला इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणामा मणाभिरामा ते तेसिं असंघयणत्ताए परिणमंति, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढवीकाइया णं भंते! किंसंघयणी प० ? गोयमा! छेवट्ठसंघयणी प०, एवं जाव संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिय त्ति। गब्भवक्कंतिया छव्विहसंघयणी, संमुच्छिममणुस्सा छेवट्ठसंघयणी, गब्भवक्कंतियमणुस्सा छव्विहे संघयणे प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य ॥ १६३ ॥ कइविहे णं भंते! संठाणे पण्णत्ते ? गोयमा छव्विहे संठाणे पण्णत्ते, तं जहा—समचउरंसे १ णिग्गोहपरिमंडले २ साइए ३ वामणे ४ खुज्जे ५ हुंडे ६। णेरइया णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! हुंडसंठाणी प०। असुरकुमारा णं भंते! किंसंठाणी प० ? गोयमा! समचउरंससंठाणसंठिया प०, एवं जाव थणियकुमारा। पुढवी मसूरसंठाणा प०, आऊ थिबुयसंठाणा प०, तेऊ सूइकलावसंठाणा प०, वाऊ पडागासंठाणा प०, वणस्सई णाणासंठाणसंठिया प०, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिय-संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खा हुंडसंठाणा प०, गब्भवक्कंतिया छव्विहसंठाणा प०, संमुच्छिममणुस्सा हुंडसंठाणसंठिया प०, गब्भवक्कंतियाणं मणुस्साणं छव्विहा संठाणा प०। जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया वि ॥ १६४ ॥ कइविहे णं भंते! वेए पण्णत्ते ? गोयमा! तिविहे वेए प०, तं जहा—इत्थीवेए पुरिसवेए णपुंसगवेए। णेरइया णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया प० ? गोयमा! णो इत्थीवेया णो पुरिसवेया णपुंसगवेया प०। असुरकुमारा णं भंते! किं इत्थीवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया ? गोयमा! इत्थीवेया पुरिसवेया णो णपुंसगवेया, जाव थणियकुमारा, पुढवी-आऊ-तेऊ-वाऊ-वणस्सई बितिचउरिंदियसंमुच्छिमपंचिंदिय-तिरिक्खसंमुच्छिममणुस्सा णपुंसगवेया, गब्भवक्कंतियमणुस्सा पंचिंदियतिरिया य तिवेया, जहा असुरकुमारा तहा वाणमंतरा जोइसियवेमाणिया वि ॥ १६५ ॥

कुलगर-तित्थयराइ

ते णं काले णं ते णं समए णं कप्पस्स समोसरणं णेयव्वं, जाव गणहरा सावच्चा णिरवच्चा वोच्छिण्णा ॥१६६॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए उस्सप्पिणीए सत्त कुलगरा होत्था, तं०—मित्तदामे सुदामे य सयंपभे। विमलघोसे सुघोसे

य, महाघोसे य सत्तमे ॥ १ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे तीयाए ओसप्पिणीए दस कुलगरा होत्था, तं०—सयंजले सयाऊ य, अजियसेणे अणंतसेणे य। कज्ज-सेणे भीमसेणे, महाभीमसेणे य सत्तमे ॥ २ ॥ दढरहे दसरहे सयरहे ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए समाए सत्त कुलगरा होत्था, तं०—पढमेत्थ विमलवाहण [चक्खुम जसमं चउत्थमभिचंदे। तत्तो य पसेणईए मरुदेवे चेव णाभी य ॥ ३ ॥] एएसि णं सत्तण्हं कुलगराणं सत्त भारिया होत्था, तं०—चंदजसा चंदकंता [सुरूव पडिरूव चक्खुकंता य। सिरिकंता मरुदेवी कुलगरपत्तीण णामाइं ॥ ४ ॥] १६७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे णं ओसप्पिणीए चउवीसं तित्थयराणं पियरो होत्था, तं०—णाभी य जियसत्तू य [जियारी संवरे इय। मेहे धरे पइट्ठे य महसेणे य खत्तिए ॥५॥ सुग्गीवे दढरहे विण्हू वसुपुज्जे य खत्तिए। कयवम्मा सीहसेणे भाणू विस्ससेणे इय ॥६॥ सूरे सुदंसणे कुंभे, सुमित्तविजए समुद्दविजए य। राया य आससेणे य सिद्धत्थेच्चिय खत्तिए ॥ ७ ॥] उदितोदियकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहिं उववेया। तित्थप्पवत्तयाणं एए पियरो जिणवराणं ॥ ८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउ-वीसं तित्थयराणं मायरो होत्था, तं०—मरुदेवी विजया सेणा [सिद्धत्था मंगला सुसीमा य। पुहवी लक्खणा रामा णंदा विण्हू जया सामा ॥ ९ ॥ सुजसा सुव्वय अइरा सिरिया देवी पभावई पउमा। वप्पा सिवा य वामा तिसला देवी य जिण-माया ॥ १० ॥] १६८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउ-वीसं तित्थयरा होत्था, तं०—उसभ अजिय संभव अभिणंदण सुमइ पउमप्पह सुपास चंदप्पह सुविहि=पुप्फदंत सीयल सिज्जंस वासुपुज्ज विमल अणंत धम्म संति कुंथु अर मल्लि मुणिसुव्वय णमि णेमि पास वड्ढमाणे य ॥ १६९ ॥ एएसिं चउवी-साए तित्थयराणं चउव्वीसं पुव्वभवया णामधेया होत्था, तं०—पढमेत्थ वइर-णाभे विमले तह विमलवाहणे चेव। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह धम्ममित्ते य ॥ ११ ॥ सुंदरबाहु तह दीहबाहु जुगबाहू य लट्ठबाहू य। दिण्णे य इंददत्ते सुंदर माहिंदरे चेव ॥ १२ ॥ सीहरहे मेहरहे रुप्पी य सुदंसणे य बोद्धव्वे। तत्तो य णंदणे खलु सीहगिरी चेव वीसइमे ॥ १३ ॥ अदीणसत्तु संखे सुदंसणे णंदणे य बोद्धव्वे। ओसप्पिणीए एए तित्थयराणं तु पुव्वभवा ॥ १४ ॥ १७० ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं सीयाओ होत्था, तं जहा—सीया सुदंसणा सुप्पभा य सिद्धत्थ सुप्पसिद्धा य। विजया य वेजयंती जयंती अपराजिया चेव ॥ १५ ॥

अरुणप्पभ चंदप्पभ सूरप्पह अग्गि सुप्पभा चेव। विमला य पंचवण्णा सागरदत्ता य णागदत्ता य ॥ १६ ॥ अभयकर णिव्वुइकरा मणोरमा तह मणोहरा चेव। देव-कुरुत्तरकुरा विसाल चंदप्पभा सीया ॥ १७ ॥ एयाओ सीयाओ सव्वेसिं चेव जिणवरिंदाणं। सव्वजगवच्छलाणं सव्वोउयसुभाए छायाए ॥१८॥ पुव्विं उक्खित्ता माणुसेहिं साहट्ठु (ट्ठ) रोमकूवेहिं। पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंदणागिंदा ॥ १९ ॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी। सुरअसुरवंदियाणं वहंति सीयं जिणंदाणं ॥२०॥ पुरओ वहंति देवा णागा पुण दाहिणम्मि पासम्मि। पच्चत्थिमेण असुरा गरुला पुण उत्तरे पासे ॥ २१ ॥ उसभो य विणीयाए बार-वईए अरिट्ठवरणेमी। अवसेसा तित्थयरा णिक्खंता जम्मभूमीसु ॥ २२ ॥ सव्वे वि एगदूसेण [णिग्गया जिणवरा चउव्वीसं। ण य णाम अण्णलिंगे ण य गिहि-लिंगे कुलिंगे य ॥ २३ ॥] एक्को भगवं वीरो [पासो मल्ली य तिहि-तिहि सएहिं। भगवं पि वासुपुज्जो छहिं पुरिससएहिं णिक्खंतो ॥ २४ ॥] उग्गाणं भोगाणं राइण्णाणं [च खत्तियाणं च। चउहि सहस्सेहिं उसभो सेसा उ सहस्सपरिवारा ॥ २५ ॥] सुमइत्थ णिच्चभत्तेण [णिग्गओ वासुपुज्ज चोत्थेणं। पासो मल्ली य अट्ठ-मेण सेसा उ छट्ठेणं ॥ २६ ॥] एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पढमभिक्खादायारो होत्था, तं०—सिज्जंस बंभदत्ते सुरिंददत्ते य इंददत्ते य। पउमे य सोमदेवे माहिंदे तह सोमदत्ते य। पुस्से पुणव्वसू पुण्णणंद सुणंदे जये य विजये य। तत्तो य धम्मसीहे सुमित्त तह वग्गसीहे य ॥ २७ ॥ अपराजिय विस्ससेणे वीसइमे होइ उसभसेणे य। दिण्णे वरदत्ते धणे बहुले य आणुपुव्वीए ॥ २८ ॥ एए विसुद्धलेसा जिणवरभत्तीइ पंजलिउडा उ। तं कालं तं समयं पडि-लाभेई जिणवरिंदे ॥ २९ ॥ संवच्छरेण भिक्खा लद्धा उसभेण लोयणाहेण। सेसेहि बीयदिवसे लद्धाओ पढमभिक्खाओ ॥३०॥ उसभस्स पढमभिक्खा खोयरसो आसि लोगणाहस्स। सेसाणं परमण्णं अमियरसरसोवमं आसि ॥ ३१ ॥ सव्वेसिं पि जिणाणं जहियं लद्धाउ पढमभिक्खाउ। तहियं वसुधाराओ सरीरमेत्तीओ वुट्ठाओ ॥ ३२ ॥ १७१ ॥ एएसिं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउवीसं चेइयरुक्खा होत्था, तं०—णग्गोह सत्तिवण्णे साले पियए पियंगु छत्ताहे। सिरिसे य णागरुक्खे माली य पिलंक्खुरुक्खे य ॥३३॥ तिंदुग पाडल जंबू आसत्थे खलु तहेव दहिवण्णे। णंदीरुक्खे तिलए अंबयरुक्खे असोगे य ॥३४॥ चंपय बउले य तहा वेडसरुक्खे

धायईरुक्खे । साले य वद्धमाणस्स चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३५ ॥ बत्तीसं धणुयाइं चेइयरुक्खो य वद्धमाणस्स । णिच्चोउगो असोगो ओच्छण्णो सालरुक्खेणं ॥ ३६ ॥ तिण्णे व गाउआइं चेइयरुक्खो जिणस्स उसभस्स । सेसाणं पुण रुक्खा सरीरओ बारसगुणा उ ॥ ३७ ॥ सच्छत्ता सपडागा सवेइया तोरणेहिं उववेया । सुरअसुरगरुलमहिया चेइयरुक्खा जिणवराणं ॥ ३८ ॥ १७२ ॥ एएसिं चउवीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पढमसीसा होत्था, तं जहा—पढमेत्थ उसभसेणे बीइए पुण होइ सीहसेणे य । चारू य वज्जणाभे चमरे तह सुव्वय विदब्भे ॥ ३९ ॥ दिण्णे य वराहे पुण आणंदे गोथुभे सुहम्मे य । मंदर जसे अरिट्ठे चक्काह सयंभु कुंभे य ॥ ४० ॥ इंदे कुंभे य सुभे वरदत्ते दिण्ण इंदभूई य । उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सा जिणवराणं ॥ ४१ ॥१७३॥ एएसि णं चउवीसाए तित्थयराणं चउवीसं पढमसिस्सिणी होत्था, तं जहा—बंभी य फग्गु सामा अजिया कासवी रई सोमा । सुमणा वारुणि सुलसा धारणि धरणि य धरणिधरा ॥ ४२ ॥ पउमा सिवा सुयी तह अंजुया भावियप्पा य रक्खी य । बंधुवई पुप्फवई अज्जा अमिला य अहिया य ॥ ४३ ॥ जक्खिणी पुप्फचूला य चंदणऽज्जा य आहियाउ । उदितोदितकुलवंसा विसुद्धवंसा गुणेहि उववेया । तित्थप्पवत्तयाणं पढमा सिस्सी जिणवराणं ॥ ४४ ॥ १७४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारह चक्कवट्टिपियरो होत्था, तं जहा—उसभे सुमित्ते विजए समुद्दविजए य आससेणे य । विस्ससेणे य सूरे सुदंसणे कत्तवीरिए चेव ॥ ४५ ॥ पउमुत्तरे महाहरी विजए राया तहेव य । बंभे बारसमे उत्ते पिउणामा चक्कवट्टीणं ॥ ४६ ॥ १७५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारस चक्कवट्टिमायरो होत्था, तं जहा—सुमंगला जसवई भद्दा सहदेवी अइरा सिरिदेवी । तारा जाला (जाला तारा) मेरा वप्पा चुल्लणि अपच्छिमा ॥ १७६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए बारस चक्कवट्टी होत्था, तं जहा—भरहो सगरो मघवं [सणंकुमारो य रायसद्दूलो । संती कुंथू य अरो हवइ सुभूमो य कोरव्वो ॥ ४७ ॥ णवमो य महापउमो हरिसेणो चेव रायसद्दूलो । जयणामो य णरवई, बारसमो बंभदत्तो य ॥ ४८ ॥] एएसिं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस इत्थिरयणा होत्था, तं जहा—पढमा होइ सुभद्दा भद्द सुणंदा जया य विजया य । किण्हसिरी सूरसिरी पउमसिरी वसुंधरा देवी ॥ ४९ ॥ लच्छिमई कुरुमई इत्थिरयणाण णामाइं ॥ १७७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे

ओसप्पिणीए णवबलदेवणववासुदेवपियरो होत्था, तं जहा—पयावई य बंभो [सोमो रुद्दो सिवो महसिवो य। अग्गिसिहो य दसरहो णवमो भणिओ य वसुदेवो ॥५०॥] जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव वासुदेवमायरो होत्था, तं जहा—मियावई उमा चेव पुहवी सीया य अम्मया। लच्छिमई सेसमई केकई देवई तहा ॥ ५१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णवबलदेव-मायरो होत्था, तं जहा—भद्दा तह सुभद्दा य सुप्पभा य सुदंसणा। विजया वेज-यंती य जयंती अपराजिया ॥ ५२ ॥ णवमीया रोहिणी य बलदेवाण मायरो ॥ १७८ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए णव दसारमंडला होत्था, तं जहा—उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी वचंसी जसंसी छायंसी कंता सोमा सुभगा पियदंसणा सुरूवा सुहसीलसुहाभिगमसव्व-जणणयणकंता ओहबला अइबला महाबला अणिहया अपराइया सत्तुमद्दणा रिपु-सहस्समाणमहणा साणुक्कोसा अमच्छरा अचवला अचंडा मियमंजुलपलावहसिय-गंभीरमधुरपडिपुण्णसच्चवयणा अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणपमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगा ससिसोमागारकंतपियदंसणा अमरि-सणा पयंडदंडप्पयारा(र)गंभीरदर(रि)सणिज्जा तालद्धओव्विद्धगरुलकेऊ महाधणु-विकट्टया महासत्तसायरा दुद्धरा धणुद्धरा धीरपुरिसा जुद्धकित्तिपुरिसा विउलकुल समुब्भवा महारयणविहाडगा अद्धभरहसामी सोमा रायकुलवंसतिलया अजिया अजियरहा हलमुसलकणगपाणी संखचक्कगयसत्तिणंदगधरा पवरुज्जलसुक्कंतविमल-गोत्थुभतिरीडधारी कुंडलउज्जोइयाणणा पुंडरीयणयणा एकावलिकंठलइयवच्छा सिरि-वच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउयसुरभिकुसुमरचितपलंबसोभंतकंतविकसंतविचित्तवर-मालरइयवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खणपसत्थसुंदरविरइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललिय-विक्कमविलसियगई सारयणवथणियमहुरगंभीरकुंचणिग्घोसदुंदुभिसरा कडिसुत्तग-णीलपीयकोसेज्जवाससा पवरदित्ततेया णरसीहा णरवई णरिंदा णरवसहा मरुयवसभ-कप्पा अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणा णीलगपीयगवसणा दुवे-दुवे रामकेसवा भायरो होत्था, तं जहा—तिविट्ठू जाव कण्हे अयले जाव रामे यावि अपच्छिमे ॥५३॥१७९॥ एए सि णं णवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया णव णामधेज्जा होत्था, तं० विस्सभूई पव्वयए धणदत्त समुद्ददत्त इसिवाले। पियमित्त ललियमित्ते पुणव्वसू गंगदत्ते य ॥ ५४ ॥ एयाइं णामाइं पुव्वभवे आसि वासुदेवाणं। एत्तो बलदेवाणं

जहक्कमं कित्तइस्सामि ॥ ५५ ॥ विसणंदी य सुबंधू सागरदत्ते असोगललिए य । वाराह धम्मसेणे अपराइय रायललिए य ॥ ५६ ॥ १८० ॥ एएसिं णवण्हं बलदेव-वासुदेवाणं पुव्वभविया णव धम्मायरिया होत्था, तं०—संभूय सुभद्द सुदंसणे य सेयंसे कण्ह गंगदत्ते य । सागरसमुद्दणामे दुमसेणे य णवमए ॥५७॥ एए धम्मा-यरिया कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं । पुव्वभवे एयासिं जत्थ णियाणाइं कासी य ॥ ५८ ॥ १८१ ॥ एएसिं णवण्हं वासुदेवाणं पुव्वभवे णव णियाणभूमिओ होत्था, तं०–महुरा य० हत्थिणापुरं च ॥ ५९ ॥ १८२ ॥ एएसि णं णवण्हं वासुदेवाणं णव णियाणकारणा होत्था, तं०—गावी जुवे जाव माउया इय ॥ ६० ॥ १८३ ॥ एएसिं णवण्हं वासुदेवाणं णव पडिसत्तू होत्था, तं०—अस्सग्गीवे जाव जरासंधे ॥ ६१ ॥ एए खलु पडिसत्तू जाव सचक्केहिं ॥ ६२ ॥ एक्को य सत्तमीए पंच य छट्ठीए पंचमी एक्को । एक्को य चउत्थीए कण्हो पुण तच्चपुढवीए ॥६३॥ अणिया-णकडा रामा [सव्वे वि य केसवा णियाणकडा । उड्ढंगामी रामा केसव सव्वे अहो-गामी ॥ ६४ ॥] अट्ठंतकडा रामा एगो पुण बंभलोयकप्पम्मि । एक्का से गब्भ-वसही सिज्झिस्सइ आगमिस्सेणं ॥ ६५ ॥ १८४ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे इमीसे ओसप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा होत्था, तं०—चंदाणणं सुचंदं अग्गीसेणं च णंदिसेणं च । इसिदिण्णं वय हारिं वंदिमो सोमचंदं च ॥६६॥ वंदामि जुत्तिसेणं अजियसेणं तहेव सिवसेणं । बुद्धं च देवसम्मं सययं णिक्खित्तसत्थं च ॥ ६७ ॥ असंजलं जिणवसहं वंदे य अणंतयं अमियणाणिं । उवसंतं च धुयरयं वंदे खलु गुत्तिसेणं च ॥ ६८ ॥ अइपासं च सुपासं देवेसरवंदियं च मरुदेवं । णिव्वाणगयं च ध(व)रं खीणदुहं सामकोट्ठं च॥६९॥जियरागमग्गिसेणं वंदे खीणरायमग्गिउत्तं च । वोक्कसियपिज्जदोसं वारिसेणं गयं सिद्धिं ॥ ७० ॥ १८५ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए भारहे वासे सत्त कुलगरा भविस्संति, तं०–मियवाहणे सुभूमे य सुप्पभे य सयंपभे । दत्ते सुहुमे सुबंधू य आगमिस्साण होक्खइ ॥७१॥ ॥ १८६ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए एरवए वासे दस कुल-गरा भविस्संति, तं०–विमलवाहणे सीमंकरे सीमंधरे खेमंकरे खेमंधरे दढधणू दसधणू सयधणू पडिसूई सुमइ त्ति ॥ १८७ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउवीसं तित्थयरा भविस्संति, तं०–महापउमे सूरदेवे, सुपासे य सयंपभे । सव्वाणुभूई अरहा, देवस्सुए य होक्खइ ॥ ७२ ॥ उदए

पेढालपुत्ते य, पोट्टिले सत (त्त) कित्ति य। मुणिसुव्वए य अरहा, सव्वभावविऊ जिणे ॥ ७३ ॥ अममे णिक्कसाए य, णिप्पुलाए य णिम्ममे। चित्तउत्ते समाही य, आगमिस्सेण होक्खइ ॥७४॥ संवरे (जसोहरे) अणियट्टी य, विजए विमले इय। देवोववाए अरहा, अणंतविजए इय ॥ ७५ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, भरहे वासम्मि केवली। आगमिस्सेण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ७६ ॥ १८८ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं पुव्वभविया चउव्वीसं णामधेज्जा भविस्संति, तं०— सेणिय सुपास उदए पोट्टिल्ल अणगार तह दढाऊ य। कत्तिय संखे य तहा णंद सुणंदे य सयए य ॥ ७७ ॥ बोद्धव्वा देवई य सच्चइ तह वासुदेव बलदेवे। रोहिणि सुलसा चेव तत्तो खलु रेवई चेव ॥ ७८ ॥ तत्तो हवइ सयाली बोद्धव्वे खलु तहा भयाली य। दीवायणे य कण्हे तत्तो खलु णारए चेव ॥ ७९ ॥ अंबड दारुमडे य साई बुद्धे य होइ बोद्धव्वे। भावीतित्थयराणं णामाइं पुव्वभवियाइं ॥ ८० ॥ १८९ ॥ एएसि णं चउव्वीसाए तित्थयराणं चउव्वीसं पियरो भविस्संति, चउव्वीसं मायरो भविस्संति, चउव्वीसं पढमसीसा भविस्संति, चउव्वीसं पढमसिस्सणीओ भविस्संति, चउव्वीसं पढमभिक्खादायगा भविस्संति, चउव्वीसं चेइयरुक्खा भविस्संति ॥ १९० ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, तं०—भरहे य दीहदंते गूढदंते य सुद्धदंते य। सिरिउत्ते सिरिभूई सिरिसोमे य सत्तमे ॥ ८१ ॥ पउमे य महापउमे विमलवाहणे विपुलवाहणे चेव। वरिट्ठे बारसमे वुत्ते आगमिसा भरहाहिवा ॥८२॥ एएसि णं बारसण्हं चक्कवट्टीणं बारस पियरो भविस्संति, बारस मायरो भविस्संति बारस इत्थीरयणा भविस्संति ॥ १९१ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए णव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं०— उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा ओयंसी तेयंसी एवं सो चेव वण्णओ भाणियव्वो जाव णीलगपीतगवसणा दुवे-दुवे राम-केसवा भायरो भविस्संति, तं जहा–णंदे य णंदमित्ते दीहबाहू तहा महाबाहू। अइबले महाबले बलभद्दे य सत्तमे ॥ ८३ ॥ दुविट्ठू य तिविट्ठू य आगमिस्साण वण्हिणो। जयंते विजए भद्दे सुप्पभे य सुदंसणे। आणंदे णंदणे पउमे संकरिसणे य अपच्छिमे ॥ ८४ ॥ १९२ ॥ एएसि णं णवण्हं बलदेववासुदेवाणं पुव्वभविया णव णामधेज्जा भविस्संति, णव धम्माय-

रिया भविस्संति, णव णियाणभूमीओ भविस्संति, णव णियाणकारणा भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, तं जहा–तिलए य लोहजंघे वइरजंघे य केसरी पहराए। अपराइए य भीमे महाभीमे य सुग्गीवे ॥ ८५ ॥ एए खलु पडिसत्तू कित्तीपुरिसाण वासुदेवाणं। सव्वे वि चक्कजोही हम्मिहिंति सचक्केहिं ॥ ८६ ॥ १९३ ॥ जंबुद्दीवे णं दीवे एरवए वासे आगमिस्साए उस्सप्पिणीए चउव्वीसं तित्थयरा भविस्संति, तं जहा—सुमंगले य सिद्धत्थे, णिव्वाणे य महाजसे। धम्मज्झए य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८७ ॥ सिरिचंदे पुप्फकेऊ, महाचंदे य केवली। सुयसागरे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८८ ॥ सिद्धत्थे पुण्णघोसे य, महाघोसे य केवली। सच्चसेणे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ८९ ॥ सूरसेणे य अरहा, महासेणे य केवली। सव्वाणंदे य अरहा, देवउत्ते य होक्खइ ॥ ९० ॥ सुपासे सुव्वए अरहा, अरहे य सुकोसले। अरहा अणंतविजए, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ९१ ॥ विमले उत्तरे अरहा, अरहा य महाबले। देवाणंदे य अरहा, आगमिस्साण होक्खइ ॥ ९२ ॥ एए वुत्ता चउव्वीसं, एरवयंमि केवली। आगमिस्साण होक्खंति, धम्मतित्थस्स देसगा ॥ ९३ ॥ १९४ ॥ बारस चक्कवट्टिणो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिपियरो भविस्संति, बारस चक्कवट्टिमायरो भविस्संति, बारस इत्थीरयणा भविस्संति। णव बलदेववासुदेवपियरो भविस्संति, णव वासुदेवमायरो भविस्संति, णव बलदेवमायरो भविस्संति, णव दसारमंडला भविस्संति, तं जहा–उत्तमपुरिसा मज्झिमपुरिसा पहाणपुरिसा जाव दुवे-दुवे रामकेसवा भायरो भविस्संति, णव पडिसत्तू भविस्संति, णव पुव्वभवणामधेज्जा, णव धम्मायरिया, णव णियाणभूमीओ, णव णियाणकारणा, आयाए एरवए आगमिस्साए भाणियव्वा। एवं दोसु वि आगमिस्साए भाणियव्वा ॥ १९५ ॥ इच्चेयं एवमाहिज्जंति, तं जहा–कुलगरवंसेइ य एवं तित्थयरवंसेइ य चक्कवट्टिवंसेइ य दसारवंसेइ य गणधरवंसेइ य इसिवंसेइ य जइवंसेइ य मुणिवंसेइ य। सुएइ वा सुअंगेइ वा सुयसमासेइ वा सुयखंधेइ वा समवाएइ वा संखेइ वा सम्मत्तमंगमक्खायं अज्झयणं त्ति बेमि ॥ १९६॥

॥ समवायं चउत्थमंगं समत्तं ॥

भगवई—विवाहपण्णत्ति

णमो अरिहंताणं णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं णमो उवज्झायाणं णमो लोए सव्वसाहूणं ॥१॥ णमो बंभीए लिवीए ॥२॥ णमो सुयस्स ॥३॥ रायगिह चलण दुक्खे कंखपओसे य पगइ पुढवीओ। जावंते णेरइए बाले गुरुए य चलणाओ ॥१॥ ते णं कालेणं तेणं समए णं रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ। तस्स णं रायगिहस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए गुणसिलए णामं चेइए होत्था, सेणिए राया, चिल्लणा देवी ॥ ४ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थयरे सहसंबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवरपुंडरीए पुरिसवरगंधहत्थीए लोगुत्तमे लोगणाहे लोगप्पईवे लोगपज्जोयगरे अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए धम्मदए धम्मदेसए धम्मसारही धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी अप्पडिहयवरणाणदंसणधरे वियट्टछउमे जिणे जाणए बुद्धे बोहए मुत्ते मोयए सव्वण्णू सव्वदरिसी सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपाविउकामे जाव समोसरणं ॥ ५ ॥ परिसा णिग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया ॥ ६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहणारायसंघयणे कणगपुलगणिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे ओराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेसे चोद्दसपुव्वी चउणाणोवगए सव्वक्खरसण्णिवाई समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ७ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पण्णसड्ढे उप्पण्णसंसए उप्पण्णकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले समुप्पण्णसड्ढे समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ २ त्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे

अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी–से णूणं भंते ! चलमाणे चलिए १, उदीरिज्जमाणे उदीरिए २, वेइज्जमाणे वेइए ३, पहिज्जमाणे पहीणे ४, छिज्जमाणे छिण्णे ५, भिज्जमाणे भिण्णे ६, दड्ढ (डज्झ) माणे दड्ढे ७, मिज्जमाणे मए ८, णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे ९ ? हंता, गोयमा ! चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे । एए णं भंते ! णव पया किं एगट्ठा णाणाघोसा णाणावंजणा उदाहु णाणट्ठा णाणाघोसा णाणावंजणा ? गोयमा ! चलमाणे चलिए १ उदीरिज्जमाणे उदीरिए २ वेइज्जमाणे वेइए ३ पहिज्जमाणे पहीणे ४ ते एए णं चत्तारि पया एगट्ठा णाणाघोसा णाणावंजणा उप्पण्णपक्खस्स, छिज्जमाणे छिण्णे भिज्जमाणे भिण्णे दड्ढ (डज्झ) माणे दड्ढे मिज्जमाणे मडे णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे, एए णं पंच पया णाणट्ठा णाणाघोसा णाणावंजणा विगयपक्खस्स ॥ ८ ॥ णेरइयाणं भंते ! केवइकालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० १ । णेरइयाणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ? जहा ऊसासपए २ । णेरइयाणं भंते ! आहारट्ठी ? जहा पण्णवणाए पढमए आहारुद्देसए तहा भाणियव्वं ३ । ठिई उस्सासाहारे किं, वाऽऽहारेंति सव्वओ वावि ? कइभागं सव्वाणि व ? कीस व भुज्जो परिणमंति ? ॥ १ ॥ ९ ॥ णेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १ ? आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया २ ? अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ३ ? अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ४ ? गोयमा ! णेरइयाणं पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १, आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया परिणमंति य २, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला णो परिणया परिणमिस्संति ३, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला णो परिणया णो परिणमिस्संति ४ ॥१०॥ णेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला चिया पुच्छा, जहा परिणया तहा चियावि । एवं चिया उवचिया उदीरिया वेइया णिज्जिण्णा, गाहा–परिणय चिया उवचिया उदीरिया वेइया य णिज्जिण्णा । एक्केक्कंमि पदंमि (मी) चउव्विहा पोग्गला होंति ॥१॥११॥ णेरइयाणं भंते ! कइविहा

पोग्गला भिज्जंति ? गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला भिज्जंति, तंजहा—अणू चेव बायरा चेव १। णेरइयाणं भंते ? कइविहा पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! आहारदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला चिज्जंति, तंजहा—अणू चेव बायरा चेव २। एवं उवचिज्जंति ३। णेर० क० पो० उदीरेंति ? गोयमा ! कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च दुविहे पोग्गले उदीरेंति, तंजहा—अणू चेव बायरा चेव। सेसावि एवं चेव भाणियव्वा, एवं वेदेंति ५ णिज्जरेंति ६ उयट्टिंसु ७ उव्वट्टेंति ८ उव्वट्टिस्संति ९ संकामिंसु १० संकामेंति ११ संकामिस्संति १२ णिहत्तिंसु १३ णिहत्तेंति १४ णिहत्तिस्संति १५ णिकायंसु १६ णिकायंति १७ णिकाइस्संति १८, सव्वेसुवि कम्मदव्ववग्गणमहिकिच्च। गाहा—भेइयचिया उवचिया उदीरिया वेइया य णिज्जिण्णा। उयट्टणसंकामणणिहत्तण णिकायणे तिविह कालो ॥१॥१२॥ णेरइयाणं भंते ! जे पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गेण्हंति ते किं तीयकालसमए गेण्हंति ? पडुप्पण्णकालसमए गेण्हंति ? अणा० का० समए गेण्हंति ? गोयमा ! णो तीयकालसमए गेण्हंति पडुप्पण्णकालसमए गेण्हंति णो अणा० समए गिण्हंति १। णेरइयाणं भंते ! जे पोग्गला तेयाकम्मत्ताए गहिए उदीरेंति ते किं तीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति पडुप्पण्णकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति ? गोयमा ! अतीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति णो पडुप्पण्णकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति णो गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति २, एवं वेदेंति ३ णिज्जरेंति ॥१३॥ णेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति ? गोयमा ! णो चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति १। णेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति ? गोयमा ! णो चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति २। एवं वेदेंति ३ उयट्टेंति ४ संकामेंति ५ णिहत्तेंति ६ णिकायेंति ७, सव्वेसु अचलियं णो चलियं। णेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं णिज्जरेंति अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ? गोयमा ! चलियं कम्मं णिज्जरेंति णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति ८। गाहा—बंधोदयवेदोयट्टसंकमे तह णिहत्तणणिकाये। अचलियं कम्मं तु भवे चलियं जीवाउ णिज्जरए ॥ १ ॥ १४॥ एवं ठिई आहारो य भाणियव्वो, ठिई—जहा ठिइपए तहा भाणियव्वा, सव्वजीवाणं

आहारोऽवि जहा पण्णवणाए पढमे आहारुद्देसए तहा भाणियव्वो, एत्तो आढत्तो–णेरइयाणं भंते ! आहारट्ठी ? जाव दुक्खत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति, गोयमा ! ०। असुरकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं। असुरकुमाराणं भंते ! केवइयं कालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं साइरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा पाणमंति वा। असुरकुमाराणं भंते ! आहारट्ठी ? हंता आहारट्ठी। असुरकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! असुरकुमाराणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तंजहा–आभोगणिव्वत्तिए य अणाभोगणिव्वत्तिए य। तत्थ णं जे से अणाभोगणिव्वत्तिए से अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ। तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए, से जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं साइरेगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। असुरकुमाराणं भंते ! किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खित्तकालभावपण्णवणागमेणं सेसं जहा णेरइयाणं जाव तेणं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति ? गोयमा ! सोइंदियत्ताए सुरूवत्ताए सुवण्णत्ताए ४ इट्ठत्ताए इच्छियत्ताए भिज्जियत्ताए उड्ढत्ताए णो अहत्ताए सुहत्ताए णो दुहत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति। असुरकुमाराणं पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया ? असुरकुमाराभिलावेणं जहा णेरइयाणं जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति। णागकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं। णागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पा० ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स आणमंति वा पा०। णागकुमाराणं भंते ! आहारट्ठी ? हंता आहारट्ठी। णागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! णागकुमाराणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तंजहा–आभोगणिव्वत्तिए य अणाभोगणिव्वत्तिए य। तत्थ णं जे से अणाभोगणिव्वत्तिए से अणुसमयमविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरेंति। एवं सुवण्णकुमारावि जाव थणियकुमाराणं ति। पुढविक्काइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-

मुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं। पुढविक्काइया केवइकालस्स आणमंति वा पा० ? गो० वेमाय० आणमंति वा पा०, पुढविक्काइयाणं आहारट्ठी ? हंता आहारट्ठी। पुढविक्काइयाणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, पुढविक्काइया किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ जहा णेरइयाणं जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउद्दिसिं सिय पंचदिसिं, वण्णओ कालणीलपीतलोहियहालिद्दसुक्किल्लाणि, गंधओ सुरभिगंध २ रसओ तित्त ५ फासओ कक्खड ८ सेसं तहेव। णाणत्तं कइभागं आहारेंति ? कइभागं फासाइंति ? गोयमा ! असंखिज्जइभागं आहारेंति अणंतभागं फासाइंति जाव तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति ? गोयमा ! फासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा णेरयाणं जाव णो अचलियं कम्मं णिज्जरंति। एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, णवरं ठिई वण्णेयव्वा जाव (इया) जस्स, उस्सासो वेमायाए। बेइंदियाणं ठिई भाणियव्वा ऊसासो वेमायाए। बेइंदियाणं आहारे पुच्छा, गोयमा ! आभोगणिव्वत्तिए य अणाभोगणिव्वत्तिए य तहेव। तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं असंखेज्जसमए अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, सेसं तहेव जाव अणंतभागं आसायंति। बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं सव्वे आहारेंति णो सव्वे आहारेंति ? गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तंजहा–लोमाहारे पक्खेवाहारे य। जे पोग्गले लोमाहारत्ताए गिण्हंति ते सव्वे अपरिसेसिए आहारेंति, जे पोग्गले पक्खेवाहारत्ताए गिण्हंति तेसिणं पोग्गलाणं असंखिज्जइभागं आहारेंति अणेगाइं च णं भागसहस्साइं अणासाइज्जमाणाइं अफासिज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति। एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणं अफासाइज्जमाणाण य कयरे-कयरे अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुग्गला अणासाइज्जमाणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा। बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पुग्गला कीसत्ताए भुज्जो-२ परिणमंति ? गोयमा ! जिब्भिंदियफासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति। बेइंदियाणं भंते ! पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया तहेव जाव चलियं कम्मं णिज्जरंति। तेइंदियचउरिंदियाणं णाणत्तं ठिइए जाव णेगाइं च णं भागसहस्साइं अणाघाइज्जमाणाइं

अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति। एएसिणं भंते! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणाइं ३ पुच्छा। गोयमा! सव्वत्थोवा पोग्गला अणाघाइज्जमाणा अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा। तेइंदियाणं घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियवेमायाए भुज्जो २ परिणमंति। चउरिंदियाणं चक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ठिई भणिऊणं ऊसासो वेमायाए, आहारो अणाभोगणिव्वत्तिए अणुसमयं अविरहिओ, आभोगणिव्वत्तओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स, सेसं जहा चउरिंदियाणं जाव चलियं कम्मं णिज्जरेंति। एवं मणुस्साणवि, णवरं आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स सोइंदियवेमायत्ताए भुज्जो-भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा चउरिंदियाणं, तहेव जाव णिज्जरेंति। वाणमंतराणं ठिईए णाणत्तं, परिणमंति अवसेसं जहा णागकुमाराणं, एवं जोइसियाणवि, णवरं उस्सासोजहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि मुहुत्तपुहुत्तस्स, आहारो जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि दिवसपुहुत्तस्स, सेसं तहेव। वेमाणियाणं ठिई भाणियव्वा ओहिया, ऊसासो जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं, आहारो आभोगणिव्वत्तिओ जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं, सेसं चलियाइयं तहेव जाव णिज्जरेंति ॥१५॥ जीवा णं भंते! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अणारंभा? गोयमा! अत्थेगइया जीवा आयारंभावि परारंभावि तदुभयारंभावि णो अणारंभा। अत्थेगइया जीवा णो आयारंभा णो परारंभा णो तदुभयारंभा अणारंभा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—अत्थेगइया जीवा आयारंभावि? एवं पडिउच्चारेयव्वं। गोयमा! जीवा दुविहा पण्णत्ता तंजहा—संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा। सिद्धा णं णो आयारंभा जाव अणारम्भा। तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संजया य असंजया य। तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पमत्तसंजया य अप्पमत्तसंजया य। तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया ते णं णो आयारंभा णो परारंभा जाव अणारंभा। तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया ते सुहं जोगं पडुच्च णो आयारंभा णो परारंभा जाव अणारंभा, असुभं जोगं पडुच्च आयारंभावि जाव णो अणारंभा। तत्थ णं जे ते

असंजया ते अविरइं पडुच्च आयारंभावि जाव णो अणारंभा। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया जीवा जाव अणारंभा। णेरइयाणं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अणारंभा ? गोयमा ! णेरइया आयारंभावि जाव णो अणारंभा। से केणट्ठेणं भंते एवं वुच्चइ ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव णो अणारंभा। एवं जाव असुरकुमाराणवि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, णवरं सिद्धविरहिया भाणियव्वा। वाणमंतरा जाव वेमाणिया जहा णेरइया। सलेस्सा जहा ओहिया, कण्हलेसस्स णीललेसस्स काउलेसस्स जहा ओहिया जीवा, णवरं पमत्तअप्पमत्ता ण भाणियव्वा, तेउलेसस्स पम्हलेसस्स सुक्कलेसस्स जहा ओहिया जीवा, णवरं सिद्धा ण भाणियव्वा ॥ १६ ॥ इहभविए भंते ! णाणे परभविए णाणे तदुभयभविए णाणे ? गोयमा ! इहभविएवि णाणे परभविएवि णाणे तदुभयभविएवि णाणे। दंसणंपि एवमेव। इहभविए भंते ! चरित्ते परभविए चरित्ते तदुभयभविए चरित्ते ? गोयमा ! इहभविए चरित्ते णो परभविए चरित्ते णो तदुभयभविए चरित्ते। एवं तवे संजमे ॥१७॥ असंवुडे णं भंते ! अणगारे किं सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं जाव णो अंतं करेइ ? गोयमा ! असंवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ हस्सकालठिइयाओ दीहकालट्ठिइयाओ पकरेइ मंदाणुभावाओ तिव्वाणुभावाओ पकरेइ अप्पपएसग्गाओ बहुप्पएसग्गाओ पकरेइ आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय णो बंधइ अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं भुज्जो-भुज्जो उवचिणाइ अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! असंवुडे अणगारे णो सिज्झइ ५। संवुडे णं भंते ! अणगारे सिज्झइ ५ ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! संवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ दीहकालठिईयाओ हस्सकालट्ठिइयाओ पकरेइ तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ बहुप्पएसग्गाओ अप्पपएसग्गाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं ण बंधइ, अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं णो भुज्जो-भुज्जो उवचिणाइ, अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीइ-

वयइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–संवुडे अणगारे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ १८ ॥ जीवे णं भंते ! अस्संजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ? गोयमा ! अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए णो देवे सिया। से केणट्ठेणं जाव इओ चुए पेच्चा अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए णो देवे सिया ? गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरणगरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसण्णिवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकामसीतातवदंसमसगअण्हाणगसेयजल्लमलपंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पाणं परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। केरिसाणं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए–इहं मणुस्सलोगंमि असोगवणे इ वा सत्तवण्णवणे इ वा चंपयवणे इ वा चूयवणे इ वा तिलगवणे इ वा लाउयवणे इ वा णिग्गोहवणे इ वा छत्तोहवणे इ वा असणवणे इ वा सणवणे इ वा अयसिवणे इ वा कुसुंभवणे इ वा सिद्धत्थवणे इ वा बंधुजीवगवणे इ वा, णिच्चं कुसुमियमाइय-लवइयथवइयगुलइय-गुच्छियजमलिय-जुवलियविणमियपणमियसुविभत्तपिंडिमंजरिवडेंसगधरे सिरीए अईव-अईव उवसोभेमाणे-उवसोभेमाणे चिट्ठइ, एवामेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएहिं उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएहिं बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तद्देवीहि य आइण्णा वितिकिण्णा उवत्थडा संथडा फुडा अवगाढगाढसिरीए अईव-अईव उवसोभेमाणा-उवसोभेमाणा चिट्ठंति, एरिसगाणं गोयमा ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा प०, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–जीवे णं असंजए जाव देवे सिया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदइत्ता णमंसइत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १९ ॥ **पढमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

रायगिहे णगरे समोसरणं, परिसा णिग्गया जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं णो वेएइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं णो वेएइ ? गोयमा ! उदिण्णं वेएइ अणुदिण्णं णो वेएइ, से तेणट्ठे एवं वुच्चइ–अत्थेगइयं वेएइ

अत्थेगइयं णो वेएइ, एवं चउव्वीसदंडएणं जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएन्ति ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएन्ति अत्थेगइयं णो वेएन्ति। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! उदिण्णं वेएन्ति णो अणुदिण्णं वेएन्ति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया। जीवे णं भंते ! सयंकडं आउयं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं णो वेएइ जहा दुक्खेणं दो दंडगा तहा आउएणवि दो दंडगा एगत्तपुहुत्तिया, एगत्तेणं जाव वेमाणिया पुहुत्तेणवि तहेव ॥ २० ॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा सव्वे समुस्सासणीससासा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइया णो सव्वे समाहारा णो सव्वे समसरीरा णो सव्वे समुस्सासणिस्सासा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा प०, तंजहा–महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति बहुतराए पोग्गले परिणामेंति बहुतराए पोग्गले उस्ससंति बहुतराए पोग्गले णीससंति अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामेंति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं णी०, तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पुग्गले आहारेंति अप्पतराए पुग्गले परिणामेंति अप्पतराए पोग्गले उस्ससंति अप्पतराए पोग्गले णीससंति आहच्च आहारेंति आहच्च परिणामेंति आहच्च उस्ससंति आहच्च णीससंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–णेरइया णो सव्वे समाहारा जाव णो सव्वे समुस्सासणिस्सासा। णेरइया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पुव्वोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य। तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं अप्पकम्मतरागा। तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ०। णेरइया णं भंते ! सव्वे समवण्णा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं तहेव ? गोयमा ! जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं विसुद्धवण्णतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अविसुद्धवण्णतरागा तहेव से तेणट्ठेणं एवं० । णेरइया णं भंते ! सव्वे समलेस्सा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं, जाव णो सव्वे समलेस्सा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा प०, तंजहा–पुव्वोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य। तत्थ णं जे पुव्वोववण्णगा ते णं विसुद्धलेस्सतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अविसुद्धलेस्सतरागा, से तेणट्ठेणं। णेरइया० णं भंते ! सव्वे समवेयणा ? गोयमा !

णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सण्णिभूया य असण्णिभूया य। तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते णं महावेयणा, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ०। णेरइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया तिविहा प०, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी। तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी तेसि णं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–आरंभिया १ परि० २ माया० ३ अप्पच्च० ४, तत्थ णं जे ते मिच्छदिट्ठी तेसि णं पंच किरियाओ कज्जंति तं०–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, एवं सम्मामिच्छादिट्ठीणंपि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ०। णेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया सव्वे समोववण्णगा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया चउव्विहा प०, तंजहा–अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा १ अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा २ अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा ३ अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा ४ से तेणट्ठेणं गोयमा ! ०। असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा ? जहा णेरइया तहा भाणियव्वा, णवरं कम्मवण्णलेस्साओ परिवण्णेयव्वाओ, पुव्वोववण्णगा महाकम्मतरागा अविसुद्धवण्णतरागा अविसुद्धलेसतरागा, पच्छोववण्णगा पसत्था, सेसं तहेव, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविक्काइयाणं आहारकम्मवण्णलेस्सा जहा णेरइयाणं। पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ? हंता समवेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! समवेयणा ? गोयमा ! पुढवीकाइया सव्वे असण्णी असण्णिभूया अणिदाए वेयणं वेदेंति से तेणट्ठेणं। पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? हंता समकिरिया। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे माई-मिच्छादिट्ठी ताणं णियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं समाउया समोववण्णगा, जहा णेरइया तहा भाणियव्वा. जहा पुढविक्काइया तहा जाव चउरिंदिया। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया णाणत्तं किरियासु, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गो०, णो ति०। से केणट्ठेणं ? गो० पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तिविहा प०, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी। तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते दुविहा प०, तंजहा–अस्संजया य संजया-

संजया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिणं तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया, असंजयाणं चत्तारि, मिच्छादिट्ठीणं पंच, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पंच। मणुस्सा जहा णेरइया णाणत्तं जे महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति आहच्च आहारेंति। जे अप्पसरीरा ते अप्पतराए पोग्गले आहारेंति अभिक्खणं आहारेंति सेसं जहा णेरइयाणं जाव वेयणा। मणुस्सा णं भंते! सव्वे समकिरिया? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं? गोयमा! मणुस्सा तिविहा प० तंजहा—सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी। तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा प०, तंजहा—संजया अस्संजया संजयासंजया य। तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा प०, तंजहा—सरागसंजया य वीयरागसंजया य। तत्थ णं जे ते वीयरागसंजया ते णं अकिरिया। तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा—पमत्तसंजया य अपमत्तसंजया य। तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया तेसिणं एगा मायावत्तिया किरिया कज्जइ, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसिणं दो किरियाओ कज्जंति, तं०—आरंभिया य मायावत्तिया य। तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिणं आइल्लाओ तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३। अस्संजयाणं चत्तारि किरियाओ कज्जंति—आरं० १ परि० २ मायावत्तिया ३ अप्पच्च० ४। मिच्छादिट्ठी णं पंच—आरंभि० १ परि० २ माया० ३ अप्पच्च० ४ मिच्छादंसण० ५। सम्मामिच्छदिट्ठीणं पंच ५। वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा णवरं वेयणाए णाणत्तं—मायिमिच्छादिट्ठीउववण्णगा य अप्पवेयणतरा अमायिसम्मदिट्ठीउववण्णगा य महावेयणतरागा भाणियव्वा, जोइसवेमाणिया। सलेस्सा णं भंते! णेरइया सव्वे समाहारगा? ओहिया णं सलेस्साणं सुक्कलेस्साणं, एएसि णं तिण्हं एक्को गमो, कण्हलेस्साणं णीललेस्साणंपि एक्को गमो णवरं वेयणाए मायिमिच्छादिट्ठीउववण्णगा य अमायिसम्मदिट्ठीउवव० भाणियव्वा। मणुस्सा किरियासु सरागवीयरागपमत्तापमत्ता ण भाणियव्वा। काउलेसाएवि एसेव गमो, णवरं णेरइए जहा ओहिए दंडए तहा भाणियव्वा, तेउलेस्सा पम्हलेस्सा जस्स अत्थि जहा ओहिओ दंडओ तहा भाणियव्वा णवरं मणुस्सा सरागा वीयरागा य ण भाणियव्वा। गाहा—दुक्खाउए उदिण्णे आहारे कम्मवण्णलेस्सा य। समवेयण-

समकिरिया समाउए चेव बोद्धव्वा ॥ १ ॥ २१ ॥ कइ णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पण्णत्ता, तंजहा–लेसाणं बीयओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव इड्ढी ॥ २२ ॥ जीवस्स णं भंते ! तीतद्धाए आदिट्ठस्स कइविहे संसारसंचिट्ठणकाले प० ? गोयमा ! चउव्विहे संसारसंचिट्ठणकाले प० तंजहा–णेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले तिरिक्ख० मणुस्स० देवसंसारसंचिट्ठण-काले य पण्णत्ते । णेरइयसंचिट्ठणकाले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–सुण्णकाले असुण्णकाले मिस्सकाले । तिरिक्खजोणिय-संसार पुच्छा ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–असुण्णकाले य मिस्सकाले य। मणुस्साण य देवाण य जहा णेरइया णं । एयस्स णं भंते ! णेरइयसंसार-संचिट्ठणकालस्स सुण्णकालस्स असुण्णकालस्स मीसकालस्स य कयरे-कयरेहिंतो अप्पा वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्व०असुण्णकाले मिस्सकाले अणंतगुणे सुण्णकाले अणंतगुणे । तिरि० जो० भंते ! सव्व० असुण्ण-काले मिस्सकाले अणंतगुणे । मणुस्सदेवाण य जहा णेरइयाणं । एयस्स णं भंते ! णेरइयस्स संसारसंचिट्ठणकालस्स जाव देवसंसारसंचिट्ठण जाव विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे मणुस्ससंसारसंचिट्ठणकाले, णेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, देवसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिए अणंतगुणे ॥२३॥ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइया करेज्जा अत्थेगइया णो करेज्जा, अंतकिरियापयं णेयव्वं ॥२४॥ अह भंते ! असंजय-भवियदव्वदेवाणं १ अविराहियसंजमाणं २ विराहियसं० ३ अविराहियसंजमा-संज० ४ विराहियसंजमासं० ५ असण्णीणं ६ तावसाणं ७ कंदप्पियाणं ८ चरग-परिव्वायगाणं ९ किब्बिसियाणं १० तेरिच्छियाणं ११ आजीवियाणं १२ आभि-ओगियाणं १३ सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं १४ एएसि णं देवलोगेसु उववज्ज-माणाणं कस्स कहिं उववाए पण्णत्ते ? गोयमा ! अस्संजयभवियदव्वदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेविज्जएसु १, अविराहियसंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे विमाणे २, विराहियसंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे ३, अविराहियसंजमासंजमाणं जह० सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे ४, विराहियसंजमासं० जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं जोइसिएसु ५, असण्णीणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्को-

सेणं वाणमंतरेसु ६, अवसेसा सव्वे जह० भवणवा० उक्कोसगं वोच्छामि–तावसाणं जोइसिएसु, कंदप्पियाणं सोहम्मे कप्पे, चरगपरिव्वायगाणं बंभलोए कप्पे, किब्बिसियाणं लंतगे कप्पे, तेरिच्छियाणं सहस्सारे कप्पे, आजीवियाणं अच्चुए कप्पे, आभिओगियाणं अच्चुए कप्पे, सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं उवरिमगेवेज्जएसु १४ ॥ २५ ॥ कइविहे णं भंते ! असण्णिआउए पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे असण्णिआउए पण्णत्ते, तंजहा—णेरइयअसण्णिआउए तिरिक्ख० मणुस्स० देव० । असण्णी णं भंते ! जीवे किं णेरइयाउयं पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयं पकरेइ ? हंता गोयमा ! णेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयंपि पकरेइ । णेरइयाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, मणुस्साउएवि एवं चेव, देवाउयं जहा णेरइया । एयस्स णं भंते ! णेरइयअसण्णिआउयस्स तिरि० मणु० देवअसण्णिआउयस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वथोवे देवअसण्णिआउए, मणुस्स० असंखेज्जगुणे, तिरिय० असंखेज्जगुणे, णेरइय० असंखेज्जगुणे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २६ ॥

पढमं सयं तइओ उद्देसो

जीवाणं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ? हंता कडे । से भंते ! किं देसेणं देसे कडे ? १ देसेणं सव्वे कडे ? २ सव्वेणं देसे कडे ? ३ सव्वेणं सव्वे कडे ? ४ गोयमा ! णो देसेणं देसे कडे १ णो देसेणं सव्वे कडे २ णो सव्वेणं देसे कडे ३ सव्वेणं सव्वे कडे ४ । णेरइया णं भंते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ? हंता कडे जाव सव्वेणं सव्वे कडे ४ । एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ भाणियव्वो ॥ २७ ॥ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं करिंसु ? हंता करिंसु । तं भंते ! किं देसेणं देसं करिंसु ? एएणं अभिलावेणं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं । एवं करेंति, एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं, एवं करेस्संति, एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं । एवं चिए चिणिंसु चिणंति चिणिस्संति, उवचिए उवचिणिंसु उवचिणंति उवचिणिस्संति, उदीरेंसु उदीरेंति उदीरिस्संति, वेदिंसु वेदेंति वेदिस्संति, णिज्जरेंसु णिज्जरेंति णिज्जरिस्संति । गाहा—कडचिया उवचिया उदीरिया वेदिया य णिज्जिण्णा । आदिइए चउभेदा तियभेदा

तिण्णि ॥ १ ॥ २८ ॥ जीवा णं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ? हंता वेदेंति । कहण्णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ? गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेदसमावण्णा कलुससमावण्णा, एवं खलु जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ॥ २६ ॥ से णूणं भंते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ? हंता गोयमा ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ॥ ३० ॥ से णूणं भंते ! एवं मणं धारेमाणे एवं पकरेमाणे एवं चिट्ठेमाणे एवं संवरेमाणे आणाए आराहए भवइ ? हंता गोयमा ! एवं मणं धारेमाणे जाव भवइ ॥ ३१ ॥ से णूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ ? हंता गोयमा ! जाव परिणमइ । जण्णं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ, तं किं पयोगसा वीससा ? गोयमा ! पयोगसावि तं वीससावि तं । जहा ते भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा ते णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ ? जहा ते णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ तहा ते अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ? हंता गोयमा ! जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा मे णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ, जहा मे णत्थित्तं णत्थित्ते परिणमइ तहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ । से णूणं भंते ! अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ? जहा परिणमइ दो आलावगा तहा से इह गमणिज्जेणवि दो आलावगा भाणियव्वा जाव जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ॥ ३२ ॥ जहा ते भंते ! एत्थं गमणिज्जं तहा ते इहं गमणिज्जं जहा ते इहं गमणिज्जं तहा ते एत्थं गमणिज्जं ? हंता ! गोयमा ! जहा मे एत्थं गमणिज्जं जाव तहा मे एत्थं (इहं) गमणिज्जं ॥ ३३ ॥ जीवाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ? हंता ! बंधंति । कहं णं भंते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ? गोयमा ! पमादपच्चया जोगणिमित्तं च । से णं भंते ! पमाए किंपवहे ? गोयमा ! जोगप्पवहे । से णं भंते ! जोए किंपवहे ? गोयमा ! वीरियप्पवहे । से णं भंते वीरिए किंपवहे ? गोयमा ! सरीरप्पवहे । से णं भंते ! सरीरे किंपवहे ? गोयमा ! जीवप्पवहे । एवं सति अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ॥ ३४ ॥ से णूणं भंते ! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ ? हंता ! गोयमा ! अप्पणा चेव तं चेव उच्चारेयव्वं ३ । जं तं भंते ! अप्पणा

चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहेइ अप्पणा चेव संवरेइ तं किं उदिण्णं उदीरेइ १ अणुदिण्णं उदीरेइ २ अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ उदयाणंतर-पच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४ ? गोयमा ! णो उदिण्णं उदीरेइ १ णो अणुदिण्णं उदीरेइ २ अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ णो उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४ । जं तं भंते ! अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ तं किं उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिण्णं उदीरणा-भवियं क० उदी० ? उदाहु तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदी० ? गोयमा ! तं० उट्ठाणेणवि कम्मे० बले० वीरिए० पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अणुदिण्णं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, णो तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कार० अणुदिण्णं उदी० भ० क० उदी० । एवं सति अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा । से णूणं भंते ! अप्पणा चेव उवसामेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ ? हंता गोयमा ! एत्थ वि तहेव भाणियव्वं, णवरं अणुदिण्णं उवसामेइ सेसा पडि-सेहेयव्वा तिण्णि । जं तं भंते ! अणुदिण्णं उवसामेइ तं किं उट्ठाणेणं जाव पुरि-सक्कारपरक्कमेइ वा, से णूणं भंते ! अप्पणा चेव वेएइ अप्पणा चेव गरहइ ? एत्थवि सच्चेव परिवाडी, णवरं उदिण्णं वेएइ णो अणुदिण्णं वेएइ, एवं जाव पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा । से णूणं भंते ! अप्पणा चेव णिज्जरेइ अप्पणा चेव गरहइ, एत्थवि सच्चेव परिवाडी णवरं उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं णिज्ज-रेइ एवं जाव परक्कमेइ वा ॥ ३५ ॥ णेरइयाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएंति ? जहा ओहिया जीवा तहा णेरइया, जाव थणियकुमारा । पुढ-विक्काइयाणं भंते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति ? हंता वेइंति । कहण्णं भंते ! पुढविक्का० कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ? गोयमा ! तेसिणं जीवाणं णो एवं तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वई ति वा—अम्हे णं कंखा-मोहणिज्जं कम्मं वेएमो, वेएंति पुण ते । से णूणं भंते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ? सेसं तं चेव, जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा । एवं जाव चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा ओहिया जीवा ॥ ३६ ॥ अत्थि णं भंते ! समणावि णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएंति ?

हंता अत्थि। कहण्णं भंते ! समणा-णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएंति ? गोयमा ! तेहिं२णाणंतरेहिं दंसणंतरेहिं चरित्तंतरेहिं लिंगंतरेहिं पवयणंतरेहिं पावयणंतरेहिं कप्पंतरेहिं मग्गंतरेहिं मयंतरेहिं भंगंतरेहिं णयंतरेहिं णियमंतरेहिं पमाणंतरेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेयसमावण्णा कलुससमावण्णा, एवं खलु समणा-णिग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति। से णूणं भंते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ? हंता गोयमा ! तमेव सच्चं णीसंकं, एवं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा सेवं भंते ! सेवं भंते !॥३७॥

पढमं सयं चउत्थो उद्देसो

कइ णं भंते ! कम्मप्पयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पयडीओ पण्णत्ताओ, कम्मपयडीए पढमो उद्देसो णेयव्वो जाव अणुभागो सम्मत्तो। गाहा- कइ पयडी कह बंधइ कइहिं व ठाणेहिं बंधइ पयडी ? कइ वेएइ य पयडी अणुभागो कइविहो कस्स ? ॥१॥३८॥ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिण्णेणं उवट्ठाएज्जा ? हंता उवट्ठाएज्जा। से भंते ! किं वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा। जइ वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा किं बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा। जीवे णं भंते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिण्णेणं अवक्कमेज्जा ? हंता अवक्कमेज्जा, से भंते ! जाव बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा ३ ? गोयमा ! बालवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा णो पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा सिय बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा। जहा उदिण्णेणं दो आलावगा तहा उवसंतेणवि दो आलावगा भाणियव्वा, णवरं उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा बालपंडियवीरियत्ताए। से भंते ! किं आयाए अवक्कमइ ? अणायाए अवक्कमइ ? गोयमा ! आयाए अवक्कमइ णो अणायाए अवक्कमइ, मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे। से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! पुव्विं से एयं एवं रोयइ इयाणिं से एयं एवं णो रोयइ एयं एवं खलु एवं॥३९॥से णूणं भंते ! णेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणूसस्स वा देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे णत्थि

तस्स अवेइत्ता मोक्खो ? हंता गोयमा ! णेरइयस्स वा तिरिक्ख० मणू० देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे णत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयस्स वा जाव मोक्खो ? एवं खलु मए गोयमा ! दुविहे कम्मे पण्णत्ते, तंजहा–पएसकम्मे य अणुभागकम्मे य । तत्थ णं जं तं पएसकम्मं तं णियमा वेएइ । तत्थ णं जं तं अणुभागकम्मं तं अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं णो वेएइ । णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया इमं कम्मं अयं जीवे अब्भोवगमियाए वेयणाए वेदिस्सइ इमं कम्मं अयं जीवे उवक्कमियाए वेयणाए वेदिस्सइ, अहाकम्मं अहाणिकरणं जहा जहा तं भगवया दिट्ठं तहा तहा तं विप्परिणमिस्सतीति । से तेणट्ठेणं गोयमा ! णेरइयस्स वा ४ जाव मोक्खो ॥ ४० ॥ एस णं भंते ! पोग्गले अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! एस णं पोग्गले अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया । एस णं भंते ! पोग्गले पडुप्पण्णसासयं समयं भवतीति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं । एस णं भंते ! पोग्गले अणागयमणंतं सासयं समयं भविस्सई वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं । एवं खंधेणवि तिण्णि आलावगा, एवं जीवेणवि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा ॥ ४१ ॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति केवलेणं संजमेणं केवलेणं संवरेणं केवलेणं बंभचेरवासेणं केवलाहिं पवयणमाईहिं सिज्झिसु बुज्झिसु जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव अंतं करेंसु ? गोयमा ! जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पण्णणाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु०, पडुप्पण्णेऽवि एवं चेव णवरं सिज्झंति भाणियव्वं । अणागएवि एवं चेव, णवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं । जहा छउमत्थो तहा आहोहिओवि तहा परमाहोहिओऽवि तिण्णि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा । केवली णं भंते ! मणूसे अतीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेंसु ? हंता सिज्झिसु जाव अंतं करेंसु । एए तिण्णि आलावगा भाणियव्वा छउमत्थस्स जहा णवरं सिज्झिसु सिज्झंति सिज्झिस्संति । से णूणं भंते ! अतीतमणंतं सासयं समयं

पडुप्पण्णं वा सासयं समयं अणागयमणंतं वा सासयं समयं जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पण्णणाणदंसणधरा अरहा जिणा केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेस्संति वा ? हंता गोयमा ! अतीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेस्संति वा। से णूणं भंते ! उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४२॥

पढमं सयं पंचमो उद्देसो

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव तमतमा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए कइ णिरयावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! तीसं णिरयावाससयसहस्सा प०। गाहा–तीसा य पण्णवीसा पण्णरस दसेव या सयसहस्सा। तिण्णेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा णिरया ॥१॥ केवइया णं भंते ? असुरकुमारावाससयसहस्सा प० ? एवं–चउसट्ठी असुराणं चउरासीई य होइ णागाणं। बावत्तरिं सुवण्णाणं वाउकुमाराण छण्णउई ॥१॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हंपि जुयलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥२॥ केवइया णं भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा पुढविक्काइयावाससयसहस्सा प०, जाव असंखिज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा प०। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०, एवं–बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो सयसहस्सा। पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥१॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिण्णि। सत्त विमाणसयाइं चउसुवि एएसु कप्पेसु ॥२॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं सयं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥३॥ ४३॥ पुढवी ट्ठिइ ओगाहणसरीरसंघयणमेव संठाणे। लेस्सा दिट्ठी णाणे जोगुवओगे य दस ठाणा ॥१॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि णेरइयाणं केवइया ठिइठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा ठिइठाणा

प०, तंजहा–जहण्णिया ठिई समयाहिया जहण्णिया ठिई दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया जहण्णिया ठिई तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि जहण्णियाए ठिईए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता? गोयमा! सव्वेवि ताव होज्जा कोहोवउत्ता १. अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य २, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य ३, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ते य ४, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ता य ५, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ते य ६, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ता य ७। अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य १ कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ता य २, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ते य ३, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य ४ एवं कोहमाणलोभेणवि चउ ४, एवं कोहमायालोभेणवि चउ ४ एवं १२, पच्छा माणेण मायाए लोभेण कोहो भइयव्वो, ते कोहं अमुंचता ८, एवं सत्तावीसं भंगा णेयव्वा। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि समयाहियाए जहण्णट्ठिईए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता? गोयमा! कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य लोभोवउत्ते य, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ता य लोभोवउत्ता य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ता य एवं असीइ भंगा णेयव्वा, एवं जाव संखिज्जसमयाहिया ठिई असंखेज्जसमयाहियाए ठिईए तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा ॥४४॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि णेरइयाणं केवइया ओगाहणाठाणा पण्णत्ता? गोयमा! असंखेज्जा ओगाहणाठाणा पण्णत्ता, तंजहा–जहण्णिया ओगाहणा, पएसाहिया जहण्णिया ओगाहणा, दुप्पएसाहिया जहण्णिया ओगाहणा जाव असंखिज्जपएसाहिया जहण्णिया ओगाहणा, तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि जहण्णियाए ओगाहणाए वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता? असीइभंगा भाणियव्वा जाव संखिज्जपएसाहिया जहण्णिया

ओगाहणा, असंखेज्जपएसाहियाए जहण्णियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं तप्पाउग्गु-क्कोसियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं णेरइयाणं दोसुवि सत्तावीसं भंगा । इमीसे णं भंते ! रयण० जाव एगमेगंसि णिरयावासंसि णेरइयाणं कइ सरीरया पण्णत्ता? गोयमा ! तिण्णि सरीरया पण्णत्ता, तंजहा—वेउव्विए तेयए कम्मए । इमीसे णं भंते ! जाव वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एएणं गमएणं तिण्णि सरीरा भाणियव्वा । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जाव णेरइयाणं सरीरया किं संघयणी पण्णत्ता ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं अस्संघयणी, णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारूणि जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुहा अमणुण्णा अमणामा, एएसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति । इमीसे णं भंते ! जाव छण्हं संघयणाणं असंघयणे वट्टमाणाणं णेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभा जाव सरीरिया किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—भवधार-णिज्जा य उत्तरविउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पण्णत्ता । इमीसे णं जाव हुंडसंठाणे वट्टमाणा णेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ता ? गोयमा ! एगा काउलेस्सा पण्णत्ता । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव काउलेस्साए वट्टमाणा सत्तावीसं भंगा ॥ ४५ ॥ इमीसे णं जाव किं सम्मदिट्ठी मिच्छा-दिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? तिण्णिवि । इमीसे णं जाव सम्मद्दंसणे वट्टमाणा णेरइया सत्तावीसं भंगा, एवं मिच्छादंसणेवि । सम्मामिच्छादंसणे असीइ भंगा । इमीसे णं भंते ! जाव किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि तिण्णि णाणाइं णियमा, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । इमीसे णं भंते ! जाव आभिणिबोहियणाणे वट्टमाणा सत्तावीसं भंगा, एवं तिण्णि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भाणियव्वाइं । इमीसे णं जाव किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? तिण्णिवि । इमीसे णं जाव मणजोए वट्टमाणा कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा । एवं वइजोए एवं कायजोए । इमीसे णं जाव णेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारो-वउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि । इमीसे णं जाव सागारोवओगे वट्टमाणा किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा । एवं अणागारोवउ-

त्तावि सत्तावीसं भंगा । एवं सत्तवि पुढवीओ णेयव्वाओ, णाणत्तं लेसासु । गाहा— काऊ य दोसु तइयाए मीसिया णीलिया चउत्थीए । पंचमियाए मीसा कण्हा तत्तो परमकण्हा ॥ १ ॥ ४६ ॥ चउसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावाससय-सहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमाराणं केवइया ठिइठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा ठिइठाणा प० जहण्णिया ठिई जहा णेरइया तहा, णवरं पडिलोमा भंगा भाणियव्वा—सव्वेवि ताव होज्ज लोभोवउत्ता, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ते य, अहवा लोभोवउत्ता य मायावउत्ता य, एएणं गमेणं णेयव्वं जाव थणियकुमाराणं, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं ॥ ४७ ॥ असं-खेज्जेसु णं भंते ! पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविक्काइयाणं केवइया ठिइठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा ठिइठाणा प०, तंजहा—जहण्णिया ठिई जाव तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई । असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविक्काइयावासंसि जहण्णि-याए ठिइए वट्टमाणा पुढविक्काइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ? गोयमा ! कोहोवउत्तावि माणोवउत्तावि मायोवउत्तावि लोभो-वउत्तावि, एवं पुढविक्काइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं, णवरं तेउलेस्साए असीइ भंगा । एवं आउक्काइयावि । तेउक्काइयवाउक्काइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं । वणस्सइकाइया जहा पुढविक्काइया ॥ ४८ ॥ बेइंदिय-तेइंदियचउ-रिंदियाणं जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइं चेव, णवरं अब्भहिया सम्मत्ते आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे य, एएहिं असीइभंगा, जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं सत्तावीसं भंगा तेसु ठाणेसु सव्वेसु अभंगयं । पंचिंदियतिरि-क्खजोणिया जहा णेरइया तहा भाणियव्वा, णवरं जेहिं सत्तावीसं भंगा तेहिं अभंगयं कायव्वं जत्थ असीइ तत्थ असीइं चेव । मणुस्साणवि जेहिं ठाणेहिं णेरइयाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं मणुस्साणवि असीइभंगा भाणियव्वा । जेसु ठाणेसु सत्तावीसा तेसु अभंगयं, णवरं मणुस्साणं अब्भहियं जहण्णिया ठिई आहा-रएय असीइ भंगा । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं जं जस्स, जाव अणुत्तरा । सेवं भंते ! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥४९॥

पढमं सयं छट्ठो उद्देसो

जावइयाओ य णं भंते ! उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्व-

मागच्छइ अत्थमंतेविय णं सूरिए तावइयाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ ? हंता ! गोयमा ! जावइयाओ णं उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ अत्थमंतेवि सूरिए जाव हव्वमागच्छइ । जावइयण्णं भंते ! खित्तं उदयंते सूरिए आयवेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ, अत्थमंतेविय णं सूरिए तावइयं चेव खित्तं आयवेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ? हंता गोयमा ! जावइयण्णं खेत्तं जाव पभासेइ । तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासेइ अपुट्ठं ओभासेइ ? जाव छद्दिसिं ओभासेइ, एवं उज्जोवेइ तवेइ पभासेइ, जाव णियमा छद्दिसिं । से णूणं भंते ! सव्वंति सव्वावंति फुसमाणकालसमयंसि जावइयं खेत्तं फुसइ तावइयं फुसमाणे पुट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता ! गोयमा ! सव्वंति जाव वत्तव्वं सिया। तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव णियमा छद्दिसिं ॥ ५० ॥ लोयंते भंते ! अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ? हंता गोयमा ! लोयंते अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ३ । तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ । दीवंते भंते ! सागरंतं फुसइ सागरंतेवि दीवंतं फुसइ ? हंता जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ । एवं एएणं अभिलावेणं उदयंते पोयंतं फुसइ छिद्दंते दूसंतं छायंते आयवंतं जाव णियमा छद्दिसिं फुसइ ॥५१॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि । सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं । सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ? गोयमा ! कडा कज्जइ णो अकडा कज्जइ। सा भंते ! किं अत्तकडा कज्जइ परकडा कज्जइ तदुभयकडा कज्जइ ? गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ णो परकडा कज्जइ णो तदुभयकडा कज्जइ । सा भंते ! किं आणुपुव्वि कडा कज्जइ अणाणुपुव्वि कडा कज्जइ ? गोयमा ! आणुपुव्वि कडा कज्जइ णो अणाणुपुव्वि कडा कज्जइ, जा य कडा कज्जइ जा य कज्जिस्सइ सव्वा सा आणुपुव्वि कडा णो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्वं सिया । अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइवायकिरिया कज्जइ ? हंता अत्थि । सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ जाव णियमा छद्दिसिं कज्जइ । सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ? तं चेव जाव णो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्वं सिया। जहा णेरइया तहा

एगिंदियवज्जा भाणियव्वा जाव वेमाणिया । एगिंदिया जहा जीवा तहा भाणियव्वा । जहा पाणाइवाए तहा मुसावाए तहा अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले । एवं एए अट्ठारस, चउवीसं दंडगा भाणियव्वा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं जाव विहरइ ॥ ५२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी रोहे णामं अणगारे पगइभद्दए पगइमउए पगइविणीए पगइउवसंते पगइपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपण्णे अल्लीणे भद्दए विणीए समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से रोहे णामं अणगारे जायसड्ढे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–पुव्विं भंते ! लोए पच्छा अलोए पुव्विं अलोए पच्छा लोए ? रोहा ! लोए य अलोए य पुव्विंपेते पच्छापेते दोवि एए सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! पुव्विं भंते ! जीवा पच्छा अजीवा पुव्विं अजीवा पच्छा जीवा ? जहेव लोए य अलोए य तहेव जीवा य अजीवा य, एवं भवसिद्धिया य अभवसिद्धिया य सिद्धी असिद्धी सिद्धा असिद्धा । पुव्विं भंते ! अंडए पच्छा कुक्कुडी पुव्विं कुक्कुडी पच्छा अंडए ? रोहा ! से णं अंडए कओ ? भयवं ! कुक्कुडीओ। सा णं कुक्कुडी कओ ? भंते ! अंडयाओ । एवामेव रोहा ! से य अंडए सा य कुक्कुडी, पुव्विंपेते पच्छापेते दुवे ते सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! पुव्विं भंते ! लोयंते पच्छा अलोयंते पुव्विं अलोयंते पच्छा लोयंते ? रोहा ! लोयंते य अलोयंते य जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! पुव्विं भंते ! लोयंते पच्छा सत्तमे उवासंतरे पुच्छा । रोहा ! लोयंते य सत्तमे उवासंतरे पुव्विंपि दोवि एए जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! एवं लोयंते य सत्तमे य तणुवाए, एवं घणवाए घणोदही सत्तमा पुढवी, एवं लोयंते एक्केक्केणं संजोएयव्वे इमेहिं ठाणेहिं–तंजहा–उवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । णेरइयाई अत्थिय समया कम्माइं लेस्साओ ॥ १ ॥ दिट्ठी दंसण णाणा सण्ण सरीरा य जोग उवओगे । दव्वपएसा पज्जव अद्धा किं पुव्विं लोयंते ? ॥ २ ॥ पुव्विं भंते ! लोयंते पच्छा सव्वद्धा ? जहा लोयंतेणं संजोइया सव्वे ठाणा एए एवं अलोयंतेणवि संजोएयव्वा सव्वे । पुव्विं भंते ! सत्तमे उवासंतरे पच्छा सत्तमे तणुवाए ? एवं सत्तमं उवासंतरं सव्वेहिं समं संजोएयव्वं जाव सव्वद्धाए । पुव्विं भंते !

सत्तमे तणुवाए पच्छा सत्तमे घणवाए ? एयंपि तहेव णेयव्वं जाव सव्वद्धा, एवं उवरिल्लं एक्केक्कं संजोयंतेणं जो जो हिट्ठिल्लो तं तं छड्डुंतेणं णेयव्वं जाव अईयअणागयद्धा पच्छा सव्वद्धा जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५३ ॥ भंते त्ति ! भगवं गोयमे समणं जाव एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! लोयट्ठिई प० ? गोयमा ! अट्ठविहा लोयट्ठिई प०, तंजहा–आगासपइट्ठिए वाए १ वायपइट्ठिए उवही २ उदहीपइट्ठिया पुढवी ३ पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ४ अजीवा जीवपइट्ठिया ५ जीवा कम्मपइट्ठिया ६ अजीवा जीवसंगहिया ७ जीवा कम्मसंगहिया ८ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?–अट्ठविहा जाव जीवा कम्मसंगहिया ? गोयमा ! से जहाणामए–केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ वत्थिमाडोवित्ता उप्पिं सितं बंधइ २ मज्झेणं गंठिं बंधइ २ उवरिल्लं गंठिं मुयइ २ उवरिल्लं देसं वामेइ २ उवरिल्लं देसं वामेत्ता उवरिल्लं देसं आउयायस्स पूरेइ २ उप्पिं सितं बंधइ २ मज्झिल्लं गंठिं मुयइ । से णूणं गोयमा ! से आउयाए तस्स वाउयायस्स उप्पिं उवरिमतले चिट्ठइ ? हंता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं जाव जीवा कम्मसंगहिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ २ कडीए बंधइ २ अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि ओगाहेज्जा, से णूणं गोयमा ! से पुरिसे तस्स आउयायस्स उवरिमतले चिट्ठइ ? हंता चिट्ठइ, एवं वा अट्ठविहा लोयट्ठिई पण्णत्ता जाव जीवा कम्मसंगहिया ॥ ५४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवा य पोग्गला य अण्णमण्णबद्धा अण्णमण्णपुट्ठा अण्णमण्णमोगाढा अण्णमण्णसिणेहपडिबद्धा अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता ! अत्थि । से केणट्ठेणं भंते ! जाव चिट्ठंति ? गोयमा ! से जहाणामए–हरदे सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठइ, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरदंसि एगं महं णावं सयासवं सयछिड्डं ओगाहेज्जा, से णूणं गोयमा ! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ ? हंता चिट्ठइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! अत्थि णं जीवा य जाव चिट्ठंति ॥ ५५ ॥ अत्थि णं भंते ! सया समियं सुहुमे सिणेहकाए पवडइ ? हंता अत्थि । से भंते ! किं उड्ढे पवडइ अहे पवडइ तिरिए पवडइ ? गोयमा ! उड्ढेवि पवडइ अहेवि पवडइ तिरिएवि पवडइ । जहा से बायरे आउयाए अण्णमण्णसमाउत्ते

चिरंपि दीहकालं चिट्ठइ तहा णं सेवि ! णो इणट्ठे, समट्ठे, से णं खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥१॥५६॥

पढमं सयं सत्तमो उद्देसो

णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं उववज्जइ, देसेणं सव्वं उववज्जइ, सव्वेणं देसं उववज्जइ, सव्वेणं सव्वं उववज्जइ ? गोयमा ! णो देसेणं देसं उववज्जइ णो देसेणं सव्वं उववज्जइ णो सव्वेणं देसं उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ । जहा णेरइए एवं जाव वेमाणिए ॥१॥५७॥ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ १ देसेणं सव्वं आहारेइ २ सव्वेणं देसं आहारेइ ३ सव्वेणं सव्वं आहारेइ ? ४, गोयमा ! णो देसेणं देसं आहारेइ णो देसेणं सव्वं आहारेइ सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ । एवं जाव वेमाणिए २ । णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो उववट्टमाणे किं देसेणं देसं उववट्टइ ? जहा उववज्जमाणे तहेव उववट्टमाणेऽवि दंडगो भाणियव्वो ३ । णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो उववट्टमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ तहेव जाव सव्वेण वा देसं आहारेइ ? सव्वेण वा सव्वं आ० १, एवं जाव वेमाणिए ४ । णेरइ० भंते! णेर० उववण्णे किं देसेणं देसं उववण्णे ? एसोऽवि तहेव जाव सव्वेणं सव्वं उववण्णे ? जहा उववज्जमाणे उववट्टमाणे य चत्तारि दंडगा तहा उववण्णेणं उववट्टेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, सव्वेणं सव्वं उववण्णे सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ, एएणं अभिलावेणं उववण्णेवि उववट्टेणवि णेयव्वं ८ । णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जमाणे किं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ ? १ अद्धेणं सव्वं उववज्जइ ? २ सव्वेणं अद्धं उववज्जइ ? ३ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ ० ? ४, जहा पढमिल्लेणं अट्ठ दंडगा तहा अद्धेणवि अट्ठ दंडगा भाणियव्वा, णवरं जहिं देसेणं देसं उववज्जइ तहिं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ इइ भाणियव्वं, एवं णाणत्तं, एए सव्वेवि सोलस-दंडगा भाणियव्वा ॥५८॥ जीवे णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णए अविग्गहगइसमावण्णए ? गोयमा ! सिय विग्गहगइसमावण्णए सिय अविग्गहगइसमावण्णए, एवं जाव वेमाणिए । जीवा णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णया अविग्गहगइसमावण्णया ? गोयमा ! विग्गहगइसमावण्णगावि अविग्गहगइसमाव-

ण्णगावि। णेरइया णं भंते ! किं विग्गहगइसमावण्णया अविग्गहगइसमावण्णया ? गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्ज अविग्गहगइसमावण्णगा १। अहवा अविग्गहगइसमावण्णगा य विग्गहगइसमावण्णगे य २ अहवा अविग्गहगइसमावण्णगा य विग्गहगइसमावण्णगा य ३। एवं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ ५९ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए महज्जुईए महब्बले महायसे महासुक्खे महाणुभावे अविउक्कंतियं चयमाणे किंचिकालं हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परिसहवत्तियं आहारं णो आहारेइ, अहे णं आहारेइ, आहारिज्जमाणे आहारिए परिणामिज्जमाणे परिणामिए पहीणे य आउए भवइ जत्थ उववज्जइ तमाउयं पडिसंवेएइ, तंजहा–तिरिक्खजोणियाउयं वा मणुस्साउयं वा ? हंता गोयमा ! देवे णं महिड्ढिए जाव मणुस्साउयं वा ॥ ६० ॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं सइंदिए वक्कमइ अणिंदिए वक्कमइ ? गोयमा ! सिय सइंदिए वक्कमइ सिय अणिंदिए वक्कमइ। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! दव्विंदियाइं पडुच्च अणिंदिए वक्कमइ भाविंदियाइं पडुच्च सइंदिए वक्कमइ, से तेणट्ठेणं०। जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं ससरीरी वक्कमइ असरीरी वक्कमइ ? गोयमा ! सिय ससरीरी व० सिय असरीरी वक्कमइ, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! ओरालियवेउव्वियआहारयाइं पडुच्च असरीरी व० तेयाकम्मा० प० सस० वक्क० से तेणट्ठेणं गोयमा !०। जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे तप्पढमयाए किमाहारमाहारेइ ? गोयमा ! माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं कलुसं किब्बिसं तप्पढमयाए आहारमाहारेइ। जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे किमाहारमाहारेइ? गोयमा ! जं से माया णाणाविहाओ रसविगईओ आहारमाहारेइ तदेक्कदेसेणं ओयमाहारेइ। जीवस्स णं भंते ! गब्भगयस्स समाणस्स अत्थि उच्चारेइ वा पासवणेइ वा खेलेइ वा सिंघाणेइ वा वंतेइ वा पित्तेइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जमाहारेइ तं चिणाइ तं सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठिअट्ठिमिंजकेसमंसुरोमणहत्ताए, से तेणट्ठेणं०। जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे सव्वओ आहारेइ सव्वओ परिणामेइ सव्वओ उस्ससइ सव्वओ णिस्ससइ अभिक्खणं आहारेइ अभिक्खणं परिणामेइ

अभिक्खणं उस्ससइ अभिक्खणं णिस्ससइ आहच्च आहारेइ आहच्च परिणामेइ आहच्च उस्ससइ आहच्च णीससइ। माउजीवरसहरणी पुत्तजीवरसहरणी माउजीवपडिबद्धा पुत्तजीवं फुडा तम्हा आहारेइ तम्हा परिणामेइ, अवरावि य णं पुत्तजीवपडिबद्धा माउजीवफुडा तम्हा चिणाइ तम्हा उवचिणाइ से तेणट्ठेणं० जाव णो पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए। कइ णं भंते! माइयंगा प०? गोयमा! तओ माइयंगा प०, तंजहा—मंसे सोणिए मत्थुलुंगे। कइ णं भंते! पिइयंगा प०? गोयमा! तओ पिइयंगा प०, तंजहा—अट्ठि अट्ठिमिंजा केसमंसुरोमणहे। अम्मापिइए णं भंते! सरीरए केवइयं कालं संचिट्ठइ? गोयमा! जावइयं से कालं भवधारणिज्जे सरीरए अव्वावण्णे भवइ एवतियं कालं संचिट्ठइ, अहे णं समए-समए वोक्कसिज्जमाणे २ चरमकालसमयंसि वोच्छिण्णे भवइ ॥ ६१ ॥ जीवे णं भंते! गब्भगए समाणे णेरइएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं? गोयमा! से णं सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए पराणीएणं आगयं सोच्चा णिसम्म पएसे णिच्छुभइ णि० २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ समो० २ चाउरंगिणिं सेण्णं विउव्वइ चाउरंगिणीसेणं विउव्वेत्ता चाउरंगिणीए सेणाए पराणीएणं सद्धिं संगामं संगामेइ, से णं जीवे अत्थकामए रज्जकामए भोगकामए कामकामए अत्थकंखिए रज्जकंखिए भोगकंखिए कामकंखिए अत्थपिवासिए रज्जपिवासिए भोगपिवासिए कामपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए, एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज णेरइएसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा। जीवे णं भंते! गब्भगए समाणे देवलोगेसु उववज्जेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं? गोयमा! से णं सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म तओ भवइ संवेगजायसड्ढे तिव्वधम्माणुरागरत्ते, से णं जीवे धम्मकामए पुण्णकामए सग्गकामए मोक्खकामए धम्मकंखिए पुण्णकंखिए सग्गमोक्खकं० धम्मपिवासिए पुण्णसग्गमोक्खपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे

तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणा-भाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करे० देवलो० उव०, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ०। जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे उत्ताणए वा पासिल्लए वा अंबखुज्जए वा अच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा णिसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा माऊए सुयमाणीए सुवइ जागरमाणीए जागरइ सुहियाए सुहिए भवइ दुहियाए दुहिए भवइ? हंता गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जाव दुहियाए दुहिए भवइ । अहे णं पसवणकालसमयंसि सीसेण वा पाएहिं वा आगच्छइ सममागच्छइ तिरियमागच्छइ विणिहायमावज्जइ । वण्णवज्झाणि य से कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं णिहत्ताइं कडाइं पट्ठवियाइं अभिणिविट्ठाइं अभिसमण्णागयाइं उदिण्णाइं णो उवसंताइं भवंति तओ भवइ दुरूवे दुव्वण्णे दुग्गंधे दुरसे दुप्फासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुण्णे अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अप्पियसरे असुभस्सरे अमणुण्णस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ वण्णवज्झाणि य से कम्माइं णो बद्धाइं पसत्थं णेयव्वं जाव आदेज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६२ ॥

पढमं सयं अट्ठमो उद्देसो

रायगिहे समोसरणं जाव एवं वयासी–एगंतबाले णं भंते ! मणूसे किं णेरइयाउयं पकरेइ तिरिक्ख० मणु० देवा० पक० ? णेरइयाउयं किच्चा णेरइएसु उव० तिरियाउयं कि० तिरिएसु उवव० मणुस्साउयं किच्चा मणुस्से० उव० देवाउ० कि० देवलोएसु उववज्जइ? गोयमा ! एगंतबाले णं मणुस्से णेरइयाउयंपि पकरेइ तिरि० मणु० देवाउयंपि पकरेइ णेरइयाउयंपि किच्चा णेरइएसु उव० तिरि० मणु० देवाउयं किच्चा तिरि० मणु० देवलोएसु उववज्जइ ॥ ६३ ॥ एगंतपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं णेर० पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवलोएसु उवव० ? गोयमा! एगंतपंडिए णं मणुस्से आउयं सिय पकरेइ सिय णो पकरेइ,जइ पकरेइ णो णेरइया० पकरेइ णो तिरि० णो मणु०, देवाउयं पकरेइ । णो णेरइयाउयं किच्चा णेर० उव० णो तिरि० णो मणुस्स०, देवाउयं किच्चा देवेसु उव० । से केणट्ठेणं जाव देवा० किच्चा देवेसु उववज्जइ ? गोयमा ! एगंतपंडियस्स णं मणुस्सस्स केवलमेव दो गईओ पण्णायंति, तंजहा–अंतकिरिया चेव कप्पोववत्तिया चेव,

से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ। बालपंडिए णं भंते! मणुस्से किं णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ। से केणट्ठेणं जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ? गोयमा ! बालपंडिए णं मणुस्से तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म देसं उवरमइ देसं णो उवरमइ देसं पच्चक्खाइ देसं णो पच्चक्खाइ, से तेणट्ठेणं देसोवरमदेसपच्चक्खाणेणं णो णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव देवेसु उववज्जइ ॥६४॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा १ दहंसि वा २ उदगंसि वा ३ दवियंसि वा ४ वलयंसि वा ५ णूमंसि वा ६ गहणंसि वा ७ गहणविदुग्गंसि वा ८ पव्वयंसि वा ९ पव्वयविदुग्गंसि वा १० वणंसि वा ११ वणविदुग्गंसि वा १२ मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाए मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए कूडपासं उद्दाइ, तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए पण्णत्ते ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे कच्छंसि वा १० (१२) जाव कूडपासं उद्दाइ तावं च णं से पुरिसे सिय तिकि० सिय चउ० सिय पंच०। से केणट्ठेणं सिय ति० सिय च० सिय पं० ? गोयमा ! जे भविए उद्दवणयाए णो बंधणयाए णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए तिहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि मारणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव पंचकिरिए ॥६५॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय २ अगणिकायं णिस्सरइ तावं च णं से भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकि० सिय पंच०। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जे भविए उस्सवणयाए तिहिं, उस्सवणयाएवि णिस्सिरणयाएवि णो दहणयाए चउहिं, जे भविए उस्सवणयाएवि णिस्सिरणयाएवि दहणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेण० गोयमा! ॥६६॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवित्तीए

मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अण्णयरस्स मियस्स वहाए उसुं णिसिरइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जे भविए णिस्सिरणयाए णो विद्धंसणयाएवि णो मारणयाए तिहिं, जे भविए णिस्सिरणयाएवि विद्धंसणयाएवि णो मारणयाए चउहिं, जे भविए णिस्सिरणयाएवि वि० मा० तावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ॥ ६७ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव अण्णयरस्स मियस्स वहाए आययकण्णाययं उसुं आयामेत्ता चिट्ठिज्जा, अण्णयरे पुरिसे मग्गओ आगम्म सयपाणिणा असिणा सीसं छिंदेज्जा से य उसुं ताए चेव पुव्वायामणयाए तं मियं विंधेज्जा से णं भंते ! पुरिसे किं मियवेरेणं पुट्ठे पुरिसवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा ! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव से पुरिसवेरेणं पुट्ठे ? से णूणं गोयमा ! कज्जमाणे कडे संधिज्जमाणे संधिए णिव्वत्तिज्जमाणे णिव्वत्तिए णिसिरिज्जमाणे णिसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता भगवं ! कज्जमाणे कडे जाव णिसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे । अंतो छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, बाहिं छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥ ६८ ॥ पुरिसे णं भंते ! पुरिसं सत्तीए समभिधंसेज्जा सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदेज्जा तओ णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तं पुरिसं सत्तीए अभिसंधेइ सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणि० जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, आसण्णवहएण य अणवकंखवत्तिएणं पुरिसवेरेणं पुट्ठे ॥ ६९ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया सरित्तया सरिव्वया सरिसभंडमत्तोवगरणा अण्णमण्णेणं सद्धिं संगामं संगामेंति, तत्थ णं एगे पुरिसे पराइणइ एगे पुरिसे पराइज्जइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ । से केणट्ठेणं जाव पराइज्जइ ? गोयमा ! जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं णो बद्धाइं णो पुट्ठाइं जाव णो अभिसमण्णागयाइं

णो उदिण्णाइं उवसंताइं भवंति से णं पराइणइ। जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं बद्धाइं जाव-उदिण्णाइं णो उवसंताइं भवंति से णं पुरिसे पराइज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ ॥ ७० ॥ जीवा णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ? गोयमा ! सवीरियावि अवीरियावि। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य। तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अवीरिया। तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य। तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया। तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सवीरियावि अवीरियावि। णेरइया णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ? गोयमा ! णेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जेसि णं णेरइयाणं अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ते णं णेरइया लद्धिवीरिएणवि सवीरिया करणवीरिएणवि सवीरिया, जेसि णं णेरइयाणं णत्थि उट्ठाणे जाव परक्कमे ते णं णेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया, से तेणट्ठेणं०। जहा णेरइया एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया। मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, णवरं सिद्धवज्जा भाणियव्वा। वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा णेरइया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ७१ ॥

पढमं सयं णवमो उद्देसो

कहण्णं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवाएणं मुसावाएणं अदिण्णा० मेहुण० परि० कोह० माण० माया० लोभ० पे० दोस० कलह० अब्भक्खाण० पेसुण्ण० रइअरइ० परपरिवाय० मायामोसमिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति। कहण्णं भंते ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं एवं खलु गोयमा ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छन्ति। एवं संसारं आउली करेंति, एवं परित्तीकरेंति दीहीकरेंति हस्सीकरेंति एवं

अणुपरियट्टंति एवं वीइवयंति–पसत्था चत्तारि अप्पसत्था चत्तारि ॥७२॥ सत्तमे णं भंते ! ओवासंतरे किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ? गोयमा ! णो गुरुए णो लहुए णो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए । सत्तमे णं भंते ! तणुवाए किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ? गोयमा ! णो गुरुए णो लहुए गुरुयलहुए णो अगुरुयलहुए । एवं सत्तमे घणवाए सत्तमे घणोदही सत्तमा पुढवी । उवासंतराइं सव्वाइं जहा सत्तमे ओवासंतरे, (सेसा) जहा तणुवाए, एवं–ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । णेरइया णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुयलहुया ? गोयमा ! णो गुरुया णो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च णो गुरुया णो लहुया गुरुयलहुया णो अगुरुयलहुया, जीवं च कम्मणं च पडुच्च णो गुरुया णो लहुया णो गुरुयलहुया अगुरुयलहुया, से तेणट्ठेणं एवं जाव वेमाणिया, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं सरीरेहिं । धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए चउत्थपएणं । पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ? गोयमा ! णो गुरुए णो लहुए गुरुयलहुएवि अगुरुयलहुएवि । से केणट्ठेणं? गोयमा! गुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च णो गुरुए णो लहुए गुरुयलहुए णो अगुरुयलहुए, अगुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च णो गुरुए णो लहुए णो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए । समया कम्माणि य चउत्थपएणं । कण्हलेसा णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुयलहुया? गोयमा ! णो गुरुया णो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! दव्वलेसं पडुच्च तइयपएणं भावलेस्सं पडुच्च चउत्थपएणं । एवं जाव सुक्कलेसा । दिट्ठीदंसणणाणअण्णाणसण्णा चउत्थपएणं णेयव्वाओ । हेट्ठिल्ला चत्तारि सरीरा णायव्वा तइयपएणं, कम्मय चउत्थयपएणं, मणजोगो वइजोगो चउत्थएणं पएणं, कायजोगो तइएणं पएणं सागारोवओगो अणागारोवओगो चउत्थएणं पएणं सव्वदव्वा सव्वपएसा सव्वपज्जवा जहा पोग्गलत्थिकाओ,तीयद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा चउत्थएणं पएणं॥७३॥ से णूणं भंते ! लाघवियं अप्पिच्छा अमुच्छा अगेही अपडिबद्धया समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ? हंता गोयमा ! लाघवियं जाव पसत्थं । से णूणं भंते ! अकोहत्तं अमाणत्तं अमायत्तं अलोभत्तं समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ? हंता गोयमा ! अकोहत्तं अमाणत्तं जाव पसत्थं । से णूणं भंते ! कंखापदोसे खीणे समणे णिग्गंथे अंतकरे भवइ अंतिमसरीरिए वा ? बहुमोहेवि

य णं पुव्विं विहरित्ता अह पच्छा संवुडे कालं करेइ तओ पच्छा सिज्झइ ३ जाव अंतं करेइ ? हंता गोयमा ! कंखापदोसे खीणे जाव अंतं करेइ ॥७४॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति एवं भासेंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति-एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेइ तंजहा-इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, जं समयं इहभवियाउयं पकरेइ तं समयं परभवियाउयं पकरेइ, जं समयं परभवियाउयं पकरेइ तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, इहभवियाउयस्स पकरणयाए परभवियाउयं पकरेइ परभवियाउयस्स पकरणयाए इहभवियाउयं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेइ, तं०-इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, से कहमेयं भंते ! एवं ? खलु गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेइ, तं०-इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पकरेइ णो तं समयं परभवियाउयं पकरेइ, जं समयं परभवियाउयं पकरेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, इहभवियाउयस्स पकरणयाए णो परभवियाउयं पकरेइ पभवियाउयस्स पकरणयाए णो इहभवियाउयं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेइ, तं०-इहभवियाउयं वा, परभवियाउयं वा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥७५॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे कालासवेसियपुत्ते णामं अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवंते एवं वयासी-थेरा सामाइयं ण याणंति थेरा सामाइयस्स अट्ठं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संजमं ण याणंति थेरा संजमस्स अट्ठं ण याणंति थेरा संवरं ण याणंति थेरा संवरस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विवेगं ण याणंति थेरा विवेगस्स अट्ठं ण याणंति थेरा विउस्सग्गं ण याणंति थेरा विउस्सग्गस्स अट्ठं ण याणंति ६। तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी-जाणामो णं अज्जो ! सामाइयं जाणामो णं अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठं। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे ते थेरे भगवंते एवं वयासी-जइ णं अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं जाणह सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठं

किं भे अज्जो ! सामाइए किं भे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे ? जाव किं भे विउस्सग्गस्स अट्ठे ? तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–आया णे अज्जो ? सामाइए आया णे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी–'जइ भे अज्जो ! आया सामाइए आया सामाइयस्स अट्ठे एवं जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे अवहट्टु कोहमाणमायालोभे किमट्ठं अज्जो ! गरहह ? कालास० संजमट्ठयाए, से भंते ! किं गरहा संजमे अगरहा संजमे ? कालास० गरहा संजमे णो अगरहासंजमे, गरहावि य णं सव्वं दोसं पविणेइ सव्वं बालियं परिण्णाए एवं खु णे आया संजमे उवहिए भवइ, एवं खु णे आया संजमे उवचिए भवइ, एवं खु णे आया संजमे उवट्ठिए भवइ एत्थ णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे संबुद्धे थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–एएसि णं भंते ! पयाणं पुव्विं अण्णाणयाए असवणयाए अबोहियाए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं अस्सुयाणं असुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अव्वोच्छिण्णाणं अणिज्जूढाणं अणुवधारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहिए णो पत्तिइए णो रोइए इयाणिं भंते ! एएसिं पयाणं जाणणयाए सवणयाए बोहीए अभिगमेणं दिट्ठाणं सुयाणं मुयाणं विण्णायाणं वोगडाणं वोच्छिण्णाणं णिज्जूढाणं उवधारियाणं एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेयं से जहेयं तुब्भे वदह। तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–सद्दहाहि अज्जो ! पत्तियाहि अज्जो ! रोएहि अज्जो ! से जहेयं अम्हे वदामो । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंतो वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामो धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तए णं से कालसवेसियपुत्ते अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुंडभावे अण्हाणयं-अदंतधुवणयं अच्छत्तयं अणोवाहणयं भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोओ बंभचेरवासो परघरप्पवेसो लद्धावलद्धी उच्चावया गामकंटगा बावीसं परिसहोवसग्गा अहियासिज्जंति तमट्ठं आराहेइ २ चरिमेहिं उस्सासणीसासेहिं सिद्धे

बुद्धे मुक्के परिणिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे ॥७६॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—से णूणं भंते ! सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य समं चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ? हंता गोयमा ! सेट्ठियस्स य जाव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! गोयमा ! अविरइं पडुच्च से तेण० गोयमा ! एवं वुच्चइ—सेट्ठियस्स य तणु० जाव कज्जइ ॥७७॥ आहाकम्मं णं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ किं उवचिणाइ ? गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पयडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ जाव अणुपरियट्टइ । से केणट्ठेणं जाव अणुपरियट्टइ ? गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आयाए धम्मं अइक्कमइ आयाए धम्मं अइक्कममाणे पुढविक्कायं णावकंखइ जाव तसकायं णावकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारमाहारेइ तेवि जीवे णावकंखइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ जाव अणुपरियट्टइ । फासुएसणिज्जं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ जाव उवचिणाइ ? गोयमा ! फासुएसणिज्जं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ जहा संवुडे णं णवरं आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय णो बंधइ सेसं तहेव जाव वीईवयइ । से केणट्ठेणं जाव वीईवयइ ? गोयमा ! फासुएसणिज्जं भुंजमाणे समणे णिग्गंथे आयाए धम्मं णो अइक्कमइ, आयाए धम्मं अणइक्कममाणे पुढविक्काइयं अवकंखइ जाव तसकायं अवकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारेइ तेऽवि जीवे अवकंखइ से तेणट्ठेणं जाव वीईवयइ ॥७८॥ से णूणं भंते ! अथिरे पलोट्टइ णो थिरे पलोट्टइ अथिरे भज्जइ णो थिरे भज्जइ सासए बालए बालियत्तं असासयं सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं ? हंता गोयमा ! अथिरे पलोट्टइ जाव पंडियत्तं असासयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥७९॥

पढमं सयं दसमो उद्देसो

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति—एवं खलु चलमाणे अचलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ ण साहणंति, कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ ण साहणंति ? दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं णत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ ण

साहणंति, तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, कम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति? तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवइ एगयओवि दिवड्ढे पर० पो० भवइ। तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव चत्तारि पंचपरमाणु पो० एगयओ साहणंति एगयओ साहणित्ता दुक्खत्ताए कज्जंति, दुक्खेवि य णं से सासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य। पुव्विं भासा-भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीइक्कंतं च णं भासिया भासा। जा सा पुव्विं भासा-भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा भासासमयवीइक्कंतं च णं भासिया भासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा? अभासओ णं सा भासा णो खलु सा भासओ भासा। पुव्विं किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा, जा सा पुव्विं किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा किरियासमयवीइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा सा किं करणओ दुक्खा अकरणओ दुक्खा? अकरणओ णं सा दुक्खा णो खलु सा करणओ दुक्खा। सेवं वत्तव्वं सिया–अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणभूयजीवसत्ता वेयणं वेदंतीति वत्तव्वं सिया। से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदणं वेदेंति, वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु। अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि, एवं खलु चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे। दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति कम्हा? दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति? दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ सा०, ते भिज्जमाणा दुहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ पर० पोग्गले एगयओ प० पोग्गले भवंति। तिण्णि परमा० एगयओ साह०, कम्हा? तिण्णि परमाणुपोग्गले एग० सा०? तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव

चत्तारिपंचपरमाणुपो० एगयओ साहणंति २ खंधत्ताए कज्जंति, खंधेवि य णं से असासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य । पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीइक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा। जा सा पुव्विं भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीइक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ? भासओ णं भासा णो खलु सा अभासओ भासा । पुव्विं किरिया अदुक्खा जहा भासा तहा भाणियव्वा। किरियावि जाव करणओ णं सा दुक्खा णो खलु सा अकरणओ दुक्खा, सेवं वत्तव्वं सिया—किच्चं फुसं दुक्खं कज्जमाणकडं दुक्खं कट्टु २ पाण-भूयजीवसत्ता वेदेणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया ।। ८० ।। अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—इरियावहियं च संपराइयं च, [जं समयं इरियावहियं पकरेइ तं समयं संपराइयं पकरेइ, जं समयं संपराइयं पकरेइ तं समयं इरियावहियं पकरेइ, इरियावहियाए पकरणताए संपराइयं पकरेइ संपराइपकरणयाए इरियावहियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—इरियावहियं च संपराइयं च । से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति तं चेव जाव जे ते एवमाहंसु, मिच्छा से एवमाहंसु अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४—एवं खलु एगे जीवे एगसमए एक्कं किरियं पकरेइ] परउत्थियवत्तव्वं णेयव्वं । ससमयवत्तव्वयाए णेयव्वं जाव इरियावहियं संपराइयं वा ।।८१।। णिरयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । एवं वक्कंतीपयं भाणियव्वं णिरवसेसं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ।। ८२ ।।

पढमं सयं समत्तं

।। बीयं सयं पढमो उद्देसो ।।

गाहा—ऊसासखंदए वि य १ समुग्घाय २ पुढवि ३ दिय ४ अण्णउत्थिभासा ५ य । देवा य ६ चमरचंचा ७ समय ८ खित्त ९ त्थिकाय १० बीयसए ।। १ ।। ८३ ।। तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था,

वण्णओ, सामी समोसढे परिसा णिग्गया धम्मो कहिओ पडिगया परिसा। तेणं कालेणं २ जेट्ठे अंतेवासी जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–जे इमे भंते! बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा णीसासं वा जाणामो पासामो, जे इमे पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया एगिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा णिस्सासं वा ण याणामो ण पासामो, एएसि णं भंते! जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा? हंता गोयमा! एएवि य णं जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा णीससंति वा ॥ ८४ ॥ किण्णं भंते! जीवा आण० पा० उ० णी० ? गोयमा! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ णं असंखपएसोगाढाइं कालओ अण्णयरट्ठिईयाइं भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा, जाइं भावओ वण्णमंताइं आण० पाण० ऊस० णीस० ताइं किं एगवण्णाइं आणमंति पाणमंति ऊस० णीस० ? आहारगमो णेयव्वो जाव तिचउपंचदिसिं। किण्णं भंते! णेरइया आ० पा० उ० णी० तं चेव जाव णियमा छद्दिसिं आ० पा० उ० णी० जीवा एगिंदिया वाघाया य णिव्वाघाया य भाणियव्वा, सेसा णियमा छद्दिसिं। वाउयाए णं भंते! वाउयाए चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा? हंता गोयमा! वाउयाए णं जाव णीससंति वा ॥८५॥ वाउयाए णं भंते! वाउयाए चेव अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चायाइ? हंता गोयमा! जाव पच्चायाइ। से भंते किं पुट्ठे उद्दाइ अपुट्ठे उद्दाइ? गोयमा! पुट्ठे उद्दाइ णो अपुट्ठे उद्दाइ। से भंते! किं ससरीरी णिक्खमइ असरीरी णिक्खमइ? गोयमा! सिय ससरीरी णिक्खमइ सिय असरीरी णिक्खमइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सिय ससरीरी णिक्खमइ सिय असरीरी णिक्खमइ? गोयमा! वाउकायस्स णं चत्तारि सरीरया पण्णत्ता, तंजहा–ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए। ओरालियवेउव्वियाइं विप्पजहाय तेयकम्मएहिं णिक्खमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–सिय ससरीरी सिय असरीरी णिक्खमइ ॥ ८६ ॥ मडाई णं भंते! णियंठे णो णिरुद्धभवे णो णिरुद्धभवपवंचे णो पहीणसंसारे णो पहीणसंसारवेयणिज्जे णो वोच्छिण्णसंसारे णो वोच्छिण्णसंसारवेयणिज्जे णो णिट्ठियट्ठे

णो णिट्ठियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ? हंता गोयमा! मडाई णं णियंठे जाव पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ॥८७॥ से णं भंते! किं वत्तव्वं सिया ? गोयमा! पाणेइ वत्तव्वं सिया भूतेति वत्तव्वं सिया जीवेत्ति वत्तव्वं० सत्तेत्ति वत्तव्वं० विण्णुत्ति वत्तव्वं० वेएति वत्तव्वं सिया पाणे भूए जीवे सत्ते विण्णू वेएत्ति वत्तव्वं सिया। से केणट्ठेणं भंते! पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेएति वत्तव्वं सिया? गोयमा! जम्हा आ० पा० उ० णी० तम्हा पाणेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा भूए भवइ भविस्सइ य तम्हा भूएति वत्तव्वं सिया, जम्हा जीवे जीवइ जीवत्तं आउयं च कम्मं उवजीवइ तम्हा जीवेति वत्तव्वं सिया, जम्हा सत्ते सुहासुहेहिं कम्मेहिं तम्हा सत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा तित्तकडुयकसाय-अंबिलमहुरे रसे जाणइ तम्हा विण्णुत्ति वत्तव्वं सिया, वेदेइ य सुहदुक्खं तम्हा वेएति वत्तव्वं सिया। से तेणट्ठेणं जाव पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेएति वत्तव्वं सिया ॥ ८८ ॥ मडाई णं भंते! णियंठे णिरुद्धभवे णिरुद्धभवपवंचे जाव णिट्ठियट्ठकरणिज्जे णो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ? हंता गोयमा! मडाई णं णियंठे जाव णो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ से णं भंते! किंति वत्तव्वं सिया ? गोयमा! सिद्धेति वत्तव्वं सिया बुद्धेत्ति वत्तव्वं सिया मुत्तेत्ति वत्तव्वं० पारगएत्ति व० परंपरगएत्ति व० सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिणिव्वुडे अंतकडे सव्वदुक्खप्पहीणेत्ति वत्तव्वं सिया, सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ८९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ णगराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं कयंगलाणामं णगरी होत्था वण्णओ। तीसे णं कयंगलाए णगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए छत्तपलासए णामं चेइए होत्था वण्णओ, तए णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्ण-णाणदंसणधरे जाव समोसरणं परिसा णिग्गच्छइ। तीसे णं कयंगलाए णगरीए अदूरसामंते सावत्थी णामं णयरी होत्था वण्णओ। तत्थ णं सावत्थीए णयरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायगे परिवसइ रिउव्वेदजजुव्वेदसामवेदअहव्वणवेदइतिहासपंचमाणं णिग्घंटुछट्ठाणं चउण्हं वेदाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं सारए वारए धारए पारए सडंगवी सट्ठितंत-

वित्थारए संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे णिरुत्ते जोइसामयणे अण्णेसु य बहुसु बंभण्णएसु परिव्वायएसु य णयेसु सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था। तत्थ णं सावत्थीए णयरीए पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए परिवसइ। तए णं से पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए अण्णया कयाइं जेणेव खंदए कच्चायणस्स-गोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ खंदगं कच्चायणस्सगोत्तं इणमक्खेवं पुच्छे—मागहा! किं सअंते लोए अणंते लोए १ सअंते जीवे अणंते जीवे २ सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी ३ सअंते सिद्धे अणंते सिद्धे ४ केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायइ वा ५ ? एतावं ताव आयक्खाहि वुच्चमाणे एवं। तए णं से खंदए कच्चा० गोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसालीसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए विइगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे णो संचाएइ पिंगलयस्स णियंठस्स वेसालियसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाइउं, तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं से पिंगले णियंठे वेसालीसावए खंदयं कच्चायणस्स-गोत्तं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छे—मागहा! किं सअंते लोए जाव केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायइ वा ? एतावं ताव आइक्खाहि वुच्चमाणे एवं, तए णं से खंदए कच्चा० गोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसाली-सावएणं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए विइ-गिच्छिए भेदसमावण्णे कलुसमावण्णे णो संचाएइ पिंगलयस्स णियंठस्स वेसालि-सावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाउं तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव महापहेसु महया जणसंमद्दे इ वा जणवूहे इ वा परिसा णिग्गच्छइ। तए णं तस्स खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—एवं खलु समणे भगवं महावीरे कयंगलाए णयरीए बहियाछत्तपलासए चेइए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि। सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणित्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासित्ता इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं पुच्छित्तएत्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ जेणेव परिव्वायावसहे तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता तिदंडं च कुंडियं च कंचणियं च करोडियं च भिसियं च केसरियं च छण्णालयं च अंकुसयं च पवित्तयं च गणेत्तियं च छत्तयं च वाहणाओ य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य गेण्हइ गेण्हइत्ता परिव्वायावसहाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमइत्ता तिदंडकुंडियकंचणियकरोडियभिसियकेसरियछण्णालय-अंकुसयपवित्तयगणेत्तियहत्थगए छत्तोवाहणसंजुत्ते धाउरत्तवत्थपरिहिए सावत्थीए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छइत्ता जेणेव कयंगला णयरी जेणेव छत्तपलासए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी—दच्छिसि णं गोयमा ! पुव्वसंगइयं । कहं भंते ! खंदयं णाम, से काहं वा किहं वा केवच्चिरेण वा ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं २ सावत्थीणामं णयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए णयरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायए परिवसइ तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, से तं अदूरागए बहुसंपत्ते अद्धाणपडिवण्णे अंतरापहे वट्टइ । अज्जेव णं दच्छिसि गोयमा ! भंतेत्ति ! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—पहू णं भंते ! खंदए कच्चायणस्सगोत्ते देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? हंता पभू । जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तं देसं हव्वमागए । तए णं भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं अदूरआगयं जाणित्ता खिप्पामेव अब्भुट्ठेइ २ खिप्पामेव पच्चुवगच्छइ २ जेणेव खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी—हे खंदया ! सागयं खंदया ! सुसागयं खंदया ! अणुरागयं खंदया ! सागयमणुरागयं खंदया ! से णूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए णयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए—मागहा ! किं सअंते लोए अणंते लोए ? एवं तं चेव जाव जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए । से णूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । तए णं से खंदए कच्चा० भगवं गोयमं एवं वयासी—से केस णं गोयमा ! तहारूवे णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए ? जओ णं तुमं जाणसि ? तए णं से भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी—एवं खलु

खंदया ! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे उप्पण्णणाण-दंसणधरे अरहा जिणे केवली तीयपच्चुप्पण्णमणागयवियाणए सव्वण्णू सव्वदरिसी जेणं ममं एस अट्ठे तव ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं अहं जाणामि खंदया ! तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–गच्छामो णं गोयमा ! तव धम्मायरियं धम्मोवएसयं समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से भगवं गोयमे खंदएणं कच्चायणस्सगोत्तेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे वियट्टभोई यावि होत्था । तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोइस्स सरीरयं ओरालं सिंगारं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं अणलंकियविभूसियं लक्खणवंजणगुणोववेयं सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोइस्स सरीरयं ओरालं जाव अईव २ उवसोभेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेइ जाव पज्जुवासइ । खंदयाइ ! समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चाय० एवं वयासी–से णूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए णयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए मागहा ! किं सअंते लोए अणंते लोए एवं तं चेव जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से णूणं खंदया ! अयमट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, जेविय ते खंदया ! अयमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–किं सअंते लोए अणंते लोए ? तस्सवि य णं अयमट्ठे–एवं खलु मए खंदया ! चउव्विहे लोए पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ । दव्वओ णं एगे लोए सअंते १, खेत्तओ णं लोए असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं प० अत्थि पुण सअंते २, कालओ णं लोए ण कयाइ ण आसी ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ भविंसु य भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, णत्थि पुण से अंते ३, भावओ णं लोए अणंता वण्णपज्जवा गंध० रस० फासपज्जवा अणंता

संठाणपज्जवा अणंता गरुयलहुयपज्जवा अणंता अगरुयलहुयपज्जवा, णत्थि पुण से अंते ४। सेत्तं खंदया ! दव्वओ लोए सअंते खेत्तओ लोए सअंते कालओ लोए अणंते भावओ लोए अणंते। जेवि य ते खंदया ! जाव सअंते जीवे अणंते जीवे, तस्सवि य णं अयमट्ठे–एवं खलु जाव दव्वओ णं एगे जीवे सअंते, खेत्तओ णं जीवे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे अत्थि पुण से अंते, कालओ णं जीवे ण कयाइ ण आसी जाव णिच्चे णत्थि पुण से अंते, भावओ णं जीवे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणप० अणंता चारित्तप० अणंता गरुयलहुय पज्जवा अणंता अगुरुलहुयप० णत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ जीवे सअंते खेत्तओ जीवे सअंते कालओ जीवे अणंते भावओ जीवे अणंते। जेवि य ते खंदया पुच्छा [इमेयारूवे चिंतिए जाव सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी, तस्सवि य णं अयमट्ठे खंदया !–मए एवं खलु चउव्विहा सिद्धी प०, तं०–दव्वओ ४। दव्वओ णं एगा सिद्धी] सअंता खेत्तओ णं सिद्धी पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च जोयणसयसहस्साइं तीसं च जोयणसहस्साइं दोण्णि य अउणापण्णजोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धी ण कयाइ ण आसी० भावओ य जहा लोयस्स तहा भाणियव्वा, तत्थ दव्वओ सिद्धी सअंता खे० सिद्धी सअंता का० सिद्धी अणंता भावओ सिद्धी अणंता। जेवि य ते खंदया ! जाव किं अणंते सिद्धे तं चेव जाव दव्वओ णं एगे सिद्धे सअंते, खे० सिद्धे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धे साइए अपज्जवसिए णत्थि पुण से अंते, भा० सिद्धे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणपज्जवा जाव अणंता अगुरुलहुयप० णत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ सिद्धे सअंते खेत्तओ सिद्धे सअंते का० सिद्धे अणंते भा० सिद्धे अणंते। जेवि य ते खंदया ! इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायइ वा ? तस्सवि य णं अयमट्ठे एवं खलु खंदया ! मए दुविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा–बालमरणे य पंडियमरणे य। से किं तं बालमरणे ? बालमरणे दुवालसविहे प०, तं० बलयमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे गिरिपडणे तरुपडणे जलप्पवेसे जलणप्प० विसभक्खणे सत्थोवाडणे वेहाणसे गिद्धपट्ठे। इच्चेतेणं खंदया ! दुवालसविहेणं बालमरणेणं मरमाणे जीवे

अणंतेहिं णेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं संजोएइ तिरियमणुदेव० अणाइयं च णं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, सेत्तं मरमाणे वड्ढइ २, सेत्तं बालमरणे। से किं तं पंडियमरणे ? २ दुविहे प०, तं० पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य। से किं तं पाओवगमणे ? २ दुविहे प०, तं०—णीहारिमे य अणीहारिमे य णियमा अप्पडिक्कमे, सेत्तं पाओवगमणे। से किं तं भत्त-पच्चक्खाणे ? २ दुविहे प०, तं०—णीहारिमे य अणीहारिमे य णियमा सपडि-क्कमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे। इच्चेएणं खंदया ! दुविहेणं पंडियमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं णेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं विसंजोएइ जाव वीईवयइ, सेत्तं मरमाणे हायइ, सेत्तं पंडियमरणे। इच्चेएणं खंदया ! दुविहेणं मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायइ वा॥ ९० ॥ एत्थ णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए केवलिपण्णत्तं धम्मं णिसामेत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं। तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स तीसे य महइमहा-लियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ, धम्मकहा भाणियव्वा। तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आया-हिणं पयाहिणं करेइ २ एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, पत्ति-यामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं पा०, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छिय-मेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वदह त्ति कट्टु समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ उत्तरपुरत्थिमं दिसीभायं अवक्कमइ २ तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेइत्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी—आलित्ते णं भंते ! लोए पलित्ते णं भंते ! लोए आ० प० भं० लो० जरामरणेण य, से जहाणामए—केइ गाहावई आगारंसि झियायमाणंसि जे से तत्थ भंडे भवइ अप्पभारे मोल्लगरुए तं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्क-मइ, एस मे णित्थारिए समाणे पच्छा पुरा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ, एवामेव देवाणुप्पिया ! मज्झवि आया एगे भंडे

इट्ठे कंते पिए मणुण्णे मणामे थेज्जे वेस्सासिए संमए बहुमए अणुमए भंड-करंडगसमाणे मा णं सीयं मा णं उण्हं मा णं खुहा मा णं पिवासा मा णं चोरा मा णं वाला मा णं दंसा मा णं मसगा मा णं वाइयपित्तियसेंभियसंणिवाइय-विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतु त्ति कट्टु एस मे णित्थारिए समाणे परलोयस्स हियाए सुहाए खमाए णीसेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं सयमेव सेहावियं सयमेव सिक्खावियं सयमेव आयारगोयरं विणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तियं धम्ममाइक्खियं । तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ, एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं एवं णिसीइयव्वं एवं तुयट्टियव्वं एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं एवं उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वं, अस्सिं च णं अट्ठे णो किंचिवि पमाइयव्वं । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ तह णिसीयइ तह तुयट्टइ तह भुंजइ तह भासइ तह उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमेइ, अस्सिं च णं अट्ठे णो पमायइ । तए णं से खंदए कच्चाय० अणगारे जाए इरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए उच्चारपासवण-खेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिए मणसमिए वयसमिए कायसमिए मणगुत्ते वइगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तबंभयारी चाई लज्जू धण्णे खंतिखमे जिइंदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से सुसामण्णरए दंते इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ ॥ ६१ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे कयंगलाओ णयरीओ छत्तपलासयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खु-पडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठ जाव णमंसित्ता मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ । तए णं

से खंदए अणगारे मासियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं काएण फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ पूरेइ किट्टेइ अणुपालेइ आणाए आराहेइ संमं काएण फासित्ता जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं जाव णमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं, तं चेव । एवं तेमासियं चाउम्मासियं पंचछसत्तमा०, पढमं सत्तराइंदियं दोच्चं सत्तराइंदियं तच्चं सत्तराइंदियं अहोराइंदियं एगरा० । तए णं से खंदए अणगारे एगराइंदियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे० तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं म० जाव णमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे जाव णमंसित्ता गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तं०–पढमं मासं चउत्थंचउत्थेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेण य । एवं दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेण य, एवं तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं चउत्थं मासं दसमंदसमेणं पंचमं मासं बारसमंबारसमेणं छट्ठं मासं चउद्दसमंचउद्दसमेणं सत्तमं मासं सोलसमं २ अट्ठमं मासं अट्ठारसमं २ णवमं मासं बीसइमं २ दसमं मासं बावीसं २ एक्कारसमं मासं चउव्वीसइमं २ बारसमं मासंछव्वीसइमं २ तेरसमं मासं अट्ठावीसइमं २ चउद्दसमं मासं तीसइमं २ पण्णरसमं मासं बत्तीसइमं २ सोलसमं मासं चोत्तीसइमं २ अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं । तए णं से खंदए अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं अहाकप्पं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरेइ । तए णं से खंदए अणगारे तेणं ओरालेणं विउलेणं

पयत्तेणं पग्गहिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धण्णेणं मंगल्लेणं सस्सिरीएणं उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं उदारेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के लुक्खे णिम्मंसे अट्ठिचम्मावणद्धे किडिकिडियाभूए किसे धमणिसंतए जाए यावि होत्था, जीवंजीवेण गच्छइ जीवंजीवेण चिट्ठइ भासं भासित्तावि गिलाइ भासं भासमाणे गिलाइ भासं भासिस्सामीइ गिलायइ, से जहा णामए–कट्ठसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्ततिलभंडगसगडिया इ वा एरंडकट्ठसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव खंदएवि अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिए तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणेविव भासरासिपडिच्छण्णे तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥ ६२ ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे णयरे जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया । तए णं तस्स खंदयस्स अण० अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं ओरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाए जीवंजीवेणं गच्छामि जीवंजीवेणं चिट्ठामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहंपि ससद्दं गच्छामि ससद्दं चिट्ठामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिल्लियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोयप्पकासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसे कमलागरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता मेहघणसण्णिगासं देवसण्णिवायं पुढवीसिलावट्टयं पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरित्ता दब्भसंथारोवगयस्स संलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए त्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भग० जाव पज्जुवासइ । खंदयाइ ! समणे भगवं महावीरे खंदयं अणगारं एवं वयासी–

से णूणं तव खंदया ! पुव्वरत्तावरत्तकालस० जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं तवेणं ओरालेणं विउलेणं तं चेव जाव कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए त्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से णूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ॥ ६३ ॥ तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महा० तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ जाव णमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता समणा य समणीओ यं खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहेइ मेहघणसण्णिगासं देवसण्णिवायं पुढविसिलावट्टयं पडिलेहेइ २ उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ दब्भसंथारयं संथरइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकणिसण्णे करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी—णमोऽत्थु णं अरहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ म० जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इहगए, पासउ मे भयवं तत्थगए इहगयं ति कट्टु वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—पुव्विंपि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए जावज्जीवाए इयाणिंपि य णं समणस्स भ० म० अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि, एवं सव्वं असणं पाणं खा० सा० चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव फुसंतु त्ति कट्टु एयंपि णं चरिमेहिं उस्सासणीसासेहिं वोसिरामि त्ति कट्टु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरइ । तए णं से खंदए अण० समणस्स भ० म० तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ॥ ६४ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो खंदयं अण० कालगयं जाणित्ता परिणिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २

पत्तचीवराणि गिण्हंति २ विपुलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ जेणेव समणे भगवं म० तेणेव उवा० समणं भगवं म० वंदंति णमंसंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए णामं अणगारे पगइभद्दए पगइविणीए पगइउवसते पगइपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपण्णे अल्लीणे भद्दए विणीए, से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवित्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं तं चेव णिरवसेसं जाव आणुपुव्वीए कालगए इमे य से आयारभंडए। भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं म० वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए णामं अग० कालमासे कालं किच्चा कहिं गए? कहिं उववण्णे? गोयमाइ! समणे भगवं महा० भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा! मम अंतेवासी खंदए णामं अणगारे पगइभ० जाव से णं मए अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता तं चेव सव्वं अविसेसियं णेयव्वं जाव आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तस्स णं खंदयस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०। से णं भंते! खंदए, देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ? कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ ॥६५॥ खंदओ समत्तो ॥

बीयं सयं बीओ उद्देसो

कइ णं भंते! समुग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! सत्त समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा–वेयणासमुग्घाए एवं समुग्घायपयं छाउमत्थियसमुग्घायवज्जं भाणियव्वं, जाव वेमाणियाणं कसायसमुग्घाया अप्पाबहुयं। अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो केवलिसमुग्घाए जाव सासयमणागयद्धं चिट्ठंति? समुग्घायपयं णेयव्वं ॥६६॥

बीयं सयं तइओ उद्देसो

कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? जीवाभिगमे णेरइयाणं जो बिइओ

उद्देसो सो णेयव्वो, पुढवि ओगाहित्ता णिरया संठाणमेव बाहल्लं। [विक्खंभपरिक्खेवो वण्णो गंधो य फासो य ॥ १ ॥] जाव किं सव्वपाणा उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ॥९७॥ पुढवी उद्देसो ॥

बीयं सयं चउत्थो उद्देसो

कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचिंदिया पण्णत्ता, तंजहा– पढमिल्लो इंदियउद्देसो णेयव्वो, संठाणं बाहल्लं पोहत्तं जाव अलोगो ॥९८॥ इंदियउद्देसो ॥

बीयं सयं पंचमो उद्देसो

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति, तंजहा– एवं खलु णियंठे कालगए समाणे देवब्भूएणं अप्पाणेणं से णं तत्थ णो अण्णे देवे णो अण्णेसिं देवाणं देवीओ अहिजुंजिय २ परियारेइ १ णो अप्पणिच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३ एगेवि य णं जीवे एगेणं समएणं दो वेदे वेएइ, तंजहा–इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च, एवं परउत्थियवत्तव्वया णेयव्वा जाव इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च। से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव इत्थिवेयं च पुरिसवेयं च, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु। अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि भा० प० परू०–एवं खलु णियंठे कालगए समाणे अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति महिड्डिएसु जाव महाणुभागेसु दूरगईसु चिरट्ठिईएसु। से णं तत्थ देवे भवइ महिड्डिए जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे जाव पडिरूवे। से णं तत्थ अण्णे देवे अण्णेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ १ अप्पणिच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ णो अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३, एगेविय णं जीवे एगेणं समएणं एगं वेयं वेएइ, तंजहा–इत्थिवेयं वा पुरिसवेयं वा, जं समयं इत्थिवेयं वेएइ णो तं समयं पुरिसवेयं वेएइ जं समयं पुरिसवेयं वेएइ णो तं समयं इत्थिवेयं वेएइ, इत्थिवेयस्स उदएणं णो पुरिसवेयं वेएइ, पुरिसवेयस्स उदएणं णो इत्थिवेयं वेएइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं वेयं वेएइ, तंजहा–इत्थीवेयं वा पुरिसवेयं वा,

इत्थी इत्थिवेएणं उदिण्णेणं पुरिसं पत्थेइ, पुरिसो पुरिसवेएणं उदिण्णेणं इत्थिं पत्थेइ, दोवि ते अण्णमण्णं पत्थेंति, तंजहा–इत्थी वा पुरिसं पुरिसे वा इत्थिं ॥ ९९ ॥ उदगगब्भे णं भंते ! उदगगब्भेत्ति कालओ केविच्चरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा । तिरिक्खजोणियगब्भे णं भंते ! तिरिक्खजोणियगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठ संवच्छराइं । मणुस्सीगब्भे णं भंते ! मणुस्सीगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं ॥ १०० ॥ कायभवत्थे णं भंते ! कायभवत्थेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं चउव्वीसं संवच्छराइं ॥१०१॥ मणुस्सपंचेंदियतिरिक्खजोणियबीए णं भंते ! जोणियब्भूए केवइयं कालं संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ॥ १०२॥ एगजीवे णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइयाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ ? गोयमा ! जहण्णेणं इक्कस्स वा दोण्हं वा तिण्हं वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तस्स जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ ॥ १०३ ॥ एगजीवस्स णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइया जीवा पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयसहस्सपुहुत्तं जीवा णं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जाव हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! इत्थीए य पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणीए मेहुणवत्तिए णामं संजोए समुप्पज्जइ, ते दुहओ सिणेहं संचिणंति २ तत्थ णं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयसहस्सपुहुत्तं जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छंति ॥ १०४ ॥ मेहुणे णं भंते ! सेवमाणस्स केरिसिए असंजमे कज्जइ ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे रूयणालियं वा बूरणालियं वा तत्तेणं कणएणं समभिधंसेज्जा एरिसए णं गोयमा ! मेहुणं सेवमाणस्स असंजमे कज्जइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरइ ॥ १०५ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ णयराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं २ तुंगिया णामं णयरी होत्था वण्णओ, तीसे णं तुंगियाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए पुप्फवइए णामं चेइए होत्था, वण्णओ । तत्थ णं तुंगियाए णयरीए बहवे समणोवासया परिवसंति अड्ढा

दित्ता वित्थिण्णविपुलभवणसयणासणजाणवाहणाइण्णा बहुधणबहुजायरूवरयया आयोगपयोगसंपउत्ता विच्छड्डियविपुलभत्तपाणा बहुदासीदासगोमहिसगवेलयप्पभूया बहुजणस्स अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरणिज्जरकिरियाहिकरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जदेवासुरणागसुवण्णजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं णिग्गंथाओ पावयणाओ अणतिक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया णिक्कंखिया णिव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो ! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंतेउरघरप्पवेसा' बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं, चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे णिग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणेणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेण य पडिलाभेमाणा अहापडिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०६ ॥

तेणं कालेणं २ पासवच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुलसंपण्णा बलसंपण्णा रूवसंपण्णा विणयसंपण्णा णाणसंपण्णा दंसणसंपण्णा चरित्तसंपण्णा लज्जासंपण्णा लाघवसंपण्णा ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियलोहा जियणिद्दा जिइंदिया जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का जाव कुत्तियावणभूया बहुस्सुया बहुपरिवारा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा अहाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव तुंगिया णयरी जेणेव पुप्फवईए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १०७ ॥

तए णं तुंगियाए णयरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु जाव एगदिसाभिमुहा णिज्जायंति । तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा जाव सद्दावेंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं थेराणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ? जाव गहणयाए ? तं गच्छामो णं देवा-

णुंगिया ! थेरे भगवंते वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयं णं इह भवे वा परभवे वा जाव आणुगामियत्ताए भविस्सईतिकट्टु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय मंगल-पायच्छित्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवराइं परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सएहिं २ गेहेहिंतो पडिणिक्ख-मंति २ त्ता एगयओ मेलायंति २ पायविहारचारेणं तुंगियाए णयरीए मज्झं-मज्झेणं णिग्गच्छंति २ जेणेव पुप्फवइए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ थेरे भगवंते पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए १ अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए २ एगसाडिएणं उत्तरासंगकरणेणं ३ चक्खु-प्फासे अंजलिप्पग्गहेणं ४ मणसो एगत्तीकरणेणं ५ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जु-वासणाए पज्जुवासंति ॥ १०८ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महइमहालियाए चाउज्जामं धम्मं परिकहेंति जहा केसिसामिस्स जाव समणोवासियत्ताए आणाए आराहए भवंति जाव धम्मो कहिओ। तए णं ते समणोवासया थेराणं भगवंताणं अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ तुट्ठ जाव हयहियया तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जुवास-णाए पज्जुवासंति २ एवं वयासी—संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे णं भंते ! किंफले ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वयासी—संजमे णं अज्जो ! अणण्हयफले तवे वोदाणफले। तए णं ते समणोवासया थेरे भगवंते एवं वयासी—जइ णं भंते ! संजमे अणण्हयफले तवे वोदाणफले किंपत्तियं णं भंते ! देवा देवलोएसु उववज्जंति ? तत्थ णं कालियपुत्ते णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं मेहिले णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—पुव्वसंजमेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उव-वज्जंति। तत्थ णं आणंदरक्खिए णामं थेरे ते समणोवासए एवं वयासी—कम्मि-याए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति। तत्थ णं कासवे णामं थेरे ते सम-णोवासए एवं वयासी—संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति। पुव्व-तवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उव-वज्जंति। सच्चे णं एस अट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए। तए णं ते सम-

णोवासया थेरेहिं भगवंतेहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठा थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति २ पसिणाइं पुच्छंति २ अट्ठाइं उवादियंति २ उट्ठाइ उट्ठेति २ थेरे भगवंते तिक्खुत्तो वंदंति णमंसंति २ थेराणं भगवं० अंतियाओ पुप्फवइयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं ते थेरा अण्णया कयाइं तुंगियाओ पुप्फवइचेइयाओ पडिणिग्गच्छंति २ बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥ १०६ ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे णामं णयरे जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूईणामं अणगारे जाव संखित्तविउलतेयलेस्से छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे जाव विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ बीयाए पोरिसीए झाणं झियायइ तइयाए पोरिसीए अतुरियमचवलमसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ २ भायणाइं वत्थाइं पडिलेहइ २ भायणाइं पमज्जइ २ भायणाइं उग्गाहेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमणपारणगंसि रायगिहे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं। तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ अतुरियमचवलमसंभंते जुगंतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रियं सोहेमाणे २ जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ रायगिहे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियं अडइ। तए णं से भगवं गोयमे रायगिहे ण० जाव अडमाणे बहुजणसद्दं णिसामेइ—एवं खलु देवाणुप्पिया! तुंगियाए णयरीए बहिया पुप्फवईए चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया—संजमे णं भंते! किंफले? तवे णं भंते! किंफले? तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वयासी—संजमे णं अज्जो! अणण्हयफले तवे वोदाणफले तं चेव जाव पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए। से कहमेयं मण्णे एवं? तए णं समणे० गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसड्ढे जाव

समुप्पण्णकोउहल्ले अहापज्जत्तं समुदाणं गेण्हइ २ रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ २ अतुरियं जाव सोहेमाणे जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवा० सम० भ० महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ एसणमणेसणं आलोएइ २ भत्तपाणं पडिदंसेइ २ समणं भ० महावीरं जाव एवं वयासी–एवं खलु भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे रायगिहे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसद्दं णिसामेमि एवं खलु देवा० तुंगियाए णयरीए बहिया पुप्फवईए चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया–संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे किंफले ? तं चेव जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए। तं पभू णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अप्पभू ? समिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु असमिया ? आउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए ? उदाहु अणाउज्जिया ? पलिउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अपलिउज्जिया ? पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ? पभू णं गोयमा ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेत्तए, णो चेव णं अप्पभू, तह चेव णेयव्वं अवसेसियं जाव पभू, समियं आउज्जिया पलिउज्जिया जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, अहंपि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति, कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ॥ ११० ॥ तहारूवं णं भंते ! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा ? गोयमा ! सवणफला। से णं भंते ! सवणे किंफले ? णाणफले से णं भंते ! णाणे किंफले ? विण्णाणफले। से णं भंते ! विण्णाणे किंफले ?

पच्चक्खाणफले। से णं भंते! पच्चक्खाणे किंफले? संजमफले। से णं भंते! संजमे किंफले? अणण्हयफले, एवं अणण्हए तवफले, तवे वोदाणफले, वोदाणे अकिरियाफले। से णं भंते! अकिरिया किं फला? सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा! गाहा—सवणे णाणे य विण्णाणे पच्चक्खाणे य संजमे। अणण्हए तवे चेव वोदाणे अकिरिया सिद्धी ॥ १॥ १११ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति—एवं खलु रायगिहस्स णयरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अघे पण्णत्ते अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं णाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं बहवे ओराला बलाहया संसेयंति सम्मुच्छंति वासंति तव्वइरित्ते य णं सया समियं उसिणे २ आउकाए अभिणिस्सवइ। से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवं परूवेंति मिच्छं ते एवमाइक्खंति जाव सव्वं णेयव्वं जाव, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि भा० प० प० एवं खलु रायगिहस्स णयरस्स बहिया वेभारपव्वयस्स अदूरसामंते, एत्थ णं महातवोवतीरप्पभवे णामं पासवणे पण्णत्ते पंचधणुसयाइं आयामविक्खंभेणं णाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासाइए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे तत्थ णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति तव्वइरित्तेवि य णं सया समियं उसिणे २ आउयाए अभिणिस्सवइ, एस णं गोयमा! महातवोवतीरप्पभवे पासवणे एस णं गोयमा! महातवोवतीरप्पभवस्स पासवणस्स अट्ठे पण्णत्ते। सेवं भंते २ त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ ॥११२॥

बीयं सयं छट्ठो उद्देसो

से णूणं भंते! मण्णामी ति ओहारिणी भासा? एवं भासापयं भाणियव्वं ॥११३॥

बीयं सयं सत्तमो उद्देसो

कइविहा णं भंते! देवा प०? गोयमा! चउव्विहा देवा प०, तंजहा—भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया। कहि णं भंते! भवणवासीणं देवाणं ठाणा प०? गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जहा ठाणपदे देवाणं वत्त-

व्वया सा भाणियव्वा, णवरं भवणा प०, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, एवं सव्वं भाणियव्वं जाव सिद्धगंडिया समत्ता–कप्पाण पइट्ठाणं बाहुल्लुच्चत्त-मेव संठाणं। जीवाभिगमे जाव वेमाणिउद्देसो भाणियव्वो सव्वो ॥ ११४ ॥

बीयं सयं अट्ठमो उद्देसो

कहि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सभा सुहम्मा प० ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तिगिच्छियकूडे णामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते, सत्तरसएक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं गोथू-भस्स आवासपव्वयस्स पमाणेणं णेयव्वं णवरं उवरिल्लं पमाणं मज्झे भाणि यव्वं [मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं मज्झे चत्तारि चउवीसे जोयणसए विक्खंभेणं उवरिं सत्ततेवीसे जोयणसए विक्खंभेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं दोण्णि य बत्तीसुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं मज्झे एगं जोयण-सहस्सं तिण्णि य इगयाले जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं उवरिं दोण्णि य जोयणसहस्साइं दोण्णि य छलसीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं] जाव मूले वित्थडे मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले मज्झे वरवइरविग्गहिए महा-मउंदसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे। से णं एगाए पउमवर-वेइयाए एगेणं वणसंडेण य सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते पउमवरवेइयाए वण-संडस्स य वण्णओ। तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स उप्पिं बहुसमर-मणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते वण्णओ। तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पण्णत्ते, अड्ढाइज्जाइं जोयण-सयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, पासायवण्णओ उल्लोय-भूमिवण्णओ अट्ठ जोयणाइं मणिपेढिया चमरस्स सीहासणं सपरिवारं भाणि-यव्वं। तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स दाहिणेणं छक्कोडिसए पणवण्णं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदए समुद्दे तिरियं वीइ-वइत्ता अहे रयणप्पभाए पुढवीए चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा णामं रायहाणी प० एगं

जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवप्पमाणं, पागारो दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं उवरिं अद्धतेरसजोयणा कविसीसगा अद्धजोयणआयामं कोसं विक्खंभेणं देसूणं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं एगमेगाए बाहाए पंच २ दारसया अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं २५० उड्ढं उच्चत्तेणं १२५ अद्धं विक्खंभेणं उवरियलेणं सोलसजोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पण्णासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउयजोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं सव्वप्पमाणं वेमाणियप्पमाणस्स अद्धं णेयव्वं, सभा सुहम्मा, उत्तरपुरत्थिमेणं जिणघरं तओ उववायसभा हरओ अभिसेय० अलंकारो जहा विजयस्स। उववाओ संकप्पो अभिसेयविभूसणा य,ववसाओ। अच्चणिय सिद्धायण गमो वि य चमरपरिवार इड्ढत्तं ॥ ११५ ॥

बीयं सयं णवमो उद्देसो

किमिदं भंते ! समयखेत्तेत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! अड्ढाइज्जा दीवा दो य समुद्दा एस णं एवइए समयखेत्तेति पवुच्चइ । तत्थ णं अयं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरे एवं जीवाभिगमवत्तव्वया णेयव्वा जाव अब्भितरं पुक्खरद्धं जोइसविहूणं ॥११६॥

बीयं सयं दसमो उद्देसो

कइ णं भंते ! अत्थिकाया प० ? गोयमा ! पंच अत्थिकाया प०, तंजहा—धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए । धम्मत्थिकाए णं भंते ! कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे ? गोयमा ! अवण्णे अगंधे अरसे अफासे अरूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ। दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगे दव्वे, खेत्तओ णं लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ ण आसि ण कयाइ णत्थि जाव णिच्चे, भावओ अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे। अहम्मत्थिकाएवि एवं चेव, णवरं गुणओ ठाणगुणे। आगासत्थिकाएवि एवं चेव, णवरं खेत्तओ णं आगासत्थिकाए लोयालोयप्पमाणमेत्ते अणंते चेव जाव गुणओ अवगाहणागुणे। जीवत्थिकाए णं भंते ! कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे ? गोयमा ! अवण्णे जाव अरूवी

जीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ जाव गुणओ, दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं जीवदव्वाइं, खेत्तओ लोगप्पमाणमेत्ते कालओ ण कयाइ ण आसि जाव णिच्चे, भावओ पुण अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ उवओगगुणे। पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! कइवण्णे कइगंधे० रसे० फासे ? गोयमा ! पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोयप्पमाणमेत्ते, कालओ ण कयाइ ण आसि जाव णिच्चे, भावओ वण्णमंते गंध० रस० फासमंते, गुणओ गहणगुणे ॥ ११७ ॥ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपएसे धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। एवं दोण्णिवि तिण्णिवि चत्तारि वि पंच छ सत्त अट्ठ णव दस संखेज्जा। असंखेज्जा भंते ! धम्मत्थिकायप्पएसा धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एगपएसूणवि य णं भंते ! धम्मत्थिकाए २ त्ति वत्तव्वं सिया ? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? एगे धम्मत्थिकायपएसे णो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपएसूणेवि य णं धम्मत्थिकाए णो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ? से णूणं गोयमा ! खंडे चक्के सगले चक्के ? भगवं ! णो खंडे चक्के सगले चक्के, एवं छत्ते चम्मे दंडे दूसे आउहे मोयए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—एगे धम्मत्थिकायपएसे णो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपएसूणेवि य णं धम्मत्थिकाए णो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया। से किंखाइए णं भंते ! धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! असंखेज्जा धम्मत्थिकायपएसा ते सव्वे कसिणा पडिपुण्णा णिरवसेसा एगगहणगहिया एस णं गोयमा ! धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया। एवं अहम्मत्थिकाएवि, आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायावि एवं चेव, णवरं तिण्हंपि पएसा अणंता भाणियव्वा, सेसं तं चेव ॥ ११८ ॥ जीवे णं भंते ! उट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे आयभावेणं जीवभावं उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! जीवे णं सउट्ठाणे जाव उवदंसेतीति वत्तव्वं सिया। से केणट्ठेणं जाव वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! जीवे णं अणंताणं आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं एवं सुयणाणपज्जवाणं ओहि

णाणपज्जवाणं मणपज्जवणाणप० केवलणाणप० मइअण्णाणप० सुयअण्णाणप० विभंगणाणपज्जवाणं चक्खुदंसणप० अचक्खुदंसणप० ओहिदंसणप० केवलदंसणप० उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे । से एएणट्ठेणं एवं वुच्चइ-गोयमा ! जीवे णं सउट्ठाणे जाव वत्तव्वं सिया ॥ ११९ ॥ कइविहे णं भंते ! आगासे पण्णत्ते? गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तंजहा-लोयागासे य अलोयागासे य । लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवप्पएसा ? गोयमा ! जीवावि जीवदेसावि जीवप्पएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवप्पएसावि, जे जीवा ते णियमा एगिंदिया बेंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवप्पएसा ते णियमा एगिंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा । जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-रूवी य अरूवी य, जे रूवी ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा-खंधा खंधदेसा खंधपएसा परमाणुपोग्गला । जे अरूवी ते पंचविहा पण्णत्ता-धम्मत्थिकाए णो धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा अधम्मत्थिकाए णो अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पएसा, अद्धासमए ॥१२०॥ अलोयागासे णं भंते ! किं जीवा ? पुच्छा तह चेव, गोयमा ! णो जीवा जाव णो अजीवप्पएसा एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुयलहुए अणंतेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासे अणंतभागूणे ॥ १२१ ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए पण्णत्ते ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव फुसित्ता णं चिट्ठइ । एवं अहम्मत्थिकाए लोयागासे जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए पंचवि एक्काभिलावा ॥१२२॥ अहोलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं फुसइ ? गोयमा ! साइरेगं अद्धं फुसइ । तिरियलोए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जइभागं फुसइ । उड्ढलोए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! देसूणं अद्धं फुसइ ॥१२३॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ ? असंखेज्जइभागं फुसइ ? संखिज्जे भागे फुसइ ? असंखेज्जे भागे फुसइ ? सव्वं फुसइ ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागं फुसइ असंखेज्जइभागं फुसइ णो संखेज्जे णो असंखेज्जे णो सव्वं फुसइ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए घणोदही धम्मत्थिकायस्स पुच्छा, किं संखेज्जइभागं फुसइ ? जहा रयणप्पभा तहा घणोदहिघण-

वायतणुवायावि। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ असंखेज्जइभागं फुसइ जाव सव्वं फुसइ ? गोयमा ! संखेज्जइभागं फुसइ णो असंखेज्जइभागं फुसइ णो संखेज्जे० णो असंखेज्जे० णो सव्वं फुसइ, उवासंतराइं सव्वाइं। जहा रयणप्पभाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया, एवं जाव अहेसत्तमाए, जंबुद्दीवाइया दीवा लवणसमुद्दाइया समुद्दा, एवं सोहम्मे कप्पे जाव ईसीपब्भारापुढवीए, एए सव्वेऽवि असंखेज्जइभागं फुसइ, सेसा पडिसेहियव्वा। एवं अधम्मत्थिकाए, लोयागासेवि। गाहा—पुढवोदहीघणतणूकप्पा गेवेज्जणुत्तरा सिद्धी। संखेज्जइभागं अंतरेसु सेसा असंखेज्जा ॥ १ ॥ १२४ ॥

बीयं सयं समत्तं

॥ तइयं सयं पढमो उद्देसो ॥

गाहा—केरिसविउव्वणा चमर किरिय जाणित्थि णगर पाला य। अहिवइ इंदियपरिसा तइयम्मि सए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मोया णामं णयरी होत्था, वण्णओ। तीसे णं मोयाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागे णं णंदणे णामं चेइए होत्था, वण्णओ। तेणं कालेणं २ सामी समोसढे, परिसा णिग्गच्छइ पडिगया परिसा। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स दोच्चे अंतेवासी अग्गिभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरराया केमहिड्ढिए ? केमहज्जुईए ? केमहाबले ? केमहायसे ? केमहासोक्खे ? केमहाणुभागे ? केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! चमरे णं असुरिंदे असुरराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं जाव विहरइ, एवं महिड्ढिए जाव महाणुभागे, एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए से जहाणामए—जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया, एवामेव गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ संखेज्जाइं जोयणाइं उड्ढं दंडं णिसिरइ, तंजहा—रयणाणं जाव रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ अहासुहुमे पोग्गले परि-

घाएइ २ दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २, पभूणं गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं विइकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढाऽवगाढं करेत्तए । अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे विइकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए । एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा विकुव्वइ वा विकुव्विस्सइ वा ॥ १२५ ॥ जइ णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्डिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो सामाणिया देवा केमहिड्डिया जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ? गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो सामाणिया देवा महिड्डिया जाव महाणुभागा, ते णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियाणं साणं २ अग्गमहिसीणं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति, एवं महिड्डिया जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए । से जहाणामए-जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा णाभी अरयाउत्ता सिया एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगे सामाणियदेवे वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ पभू णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगे सामाणियदेवे केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं विइकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए, अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगे सामाणियदेवे तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे विइकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए । एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो एगमेगस्स सामाणियदेवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा विकुव्वइ वा विकुव्विस्सइ वा । जइ णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो सामाणिया देवा एवं महिड्डिया जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसया देवा केमहिड्डिया ? तायत्तीसया देवा जहा सामाणिया तहा णेयव्वा, लोयपाला

तहेव, णवरं संखेज्जा दीवसमुद्दा भाणियव्वा, बहुहिं असुरकुमारेहिं २ आइण्णे जाव विउव्विस्संति वा। जइ णं भंते! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो लोगपाला देवा एवंमहिड्ढिया जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुररण्णो अग्गमहिसीओ देवीओ केमहिड्ढियाओ जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए? गोयमा! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो अग्गमहिसीओ महिड्ढियाओ जाव महाणुभागाओ, ताओ णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ महत्तरियाणं साणं २ परिसाणं जाव एमहिड्ढियाओ अण्णं जहा लोगपालाणं अपरिसेसं ॥१२६॥ सेवं भंते! २ त्ति भगवं दोच्चे गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ जेणेव तच्चे गोयमे वायुभूइअणगारे तेणेव उवागच्छइ २ तच्चं गोयमं वायुभूइं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया एवं महिड्ढिए तं चेव एवं सव्वं अपुट्ठवागरणं णेयव्वं अपरिसेसियं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता। तए णं से तच्चे गोयमे वायुभूई अणगारे दोच्चस्स गोयमस्स अग्गिभूइस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स भा० प० परू० एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—एवं खलु भंते! दोच्चे गोयमे अग्गिभूइअणगारे ममं एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ—एवं खलु गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं एवं तं चेव सव्वं अपरिसेसं भाणियव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता। से कहमेयं भंते! एवं? गोयमाइ! समणे भगवं महावीरे तच्चं गोयमं वाउभूइं अणगारं एवं वयासी—जण्णं गोयमा! दोच्चे गो० अग्गिभूइअणगारे तव एवमाइक्खइ ४—एवं खलु गोयमा! चमरे ३ महिड्ढिए एवं तं चेव सव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं गोयमा! एवमाइक्खामि भा० प० परू०, एवं खलु गोयमा! चमरे ३ जाव महिड्ढिए सो चेव बिइओ गमो भाणियव्वो जाव अग्गमहिसीओ, सच्चे णं एसमट्ठे। सेवं भंते २ त्ति तच्चे गोयमे! वायुभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ जेणेव दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ दोच्चं गो० अग्गिभूइं अणगारं वंदइ णमंसइ २ एयमट्ठं सम्मं

विणएणं भुज्जो २ खामेइ ॥ १२७ ॥ तए णं से तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे दोच्चेणं गोयमेणं अग्गिभूइणामेणं अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–जइ णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एवं महिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए बली णं भंते ! वइरोयणिंदे वइरोयणराया केमहिड्ढिए जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ? गोयमा ! बली णं वइरोयणिंदे वइरोयणराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा चमरस्स तहा बलियस्सवि णेयव्वं, णवरं साइरेगं केवलकप्पं जंबुद्दीवंत्ति भाणियव्वं, सेसं तं चेव णिरवसेसं णेयव्वं, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं भवणेहिं सामाणिएहिं, सेवं भंते ! २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूई जाव विहरइ। भंते ! त्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ २ एवं वयासी–जइ णं भंते ! बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, धरणे णं भंते ! णागकुमारिंदे णागकुमारराया केमहिड्ढिए जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ? गोयमा ! धरणे णं णागकुमारिंदे णागकुमारराया एमहिड्ढिए जाव से णं तत्थ चोयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउव्वीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च जाव विहरइ, एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए से जहाणामए–जुवइं जुवाणे जाव पभू केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ जाव तिरियं संखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं णागकुमारेहिं जाव विउव्विस्संति वा, सामाणिया तायत्तीसलोगपालगा अग्गमहिसीओ य तहेव, जहा चमरस्स एवं धरणे णं णागकुमारराया महिड्ढिए जाव एवइयं जहा चमरे तहा धरणेऽवि, णवरं संखेज्जे दीवसमुद्दे भाणियव्वं, एवं जाव थणियकुमारा वाणमंतरा जोइसियावि, णवरं दाहिणिल्ले सव्वे अग्गिभूई पुच्छइ, उत्तरिल्ले सव्वे वाउभूई पुच्छइ। भंतेत्ति ! भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूई अणगारे समणं भगवं म० वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–जइ णं भंते ! जोइसिंदे जोइसराया एवं महिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव केव-

इयं च णं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! सक्के णं देविंदे देवराया महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं जाव चउण्हं चउरासीणं आयरक्ख (देव) साहस्सीणं अण्णेसि च जाव विहरइ, एवंमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, एवं जहेव चमरस्स तहेव भाणियव्वं, णवरं दो केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अवसेसं तं चेव, एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते णं बुइए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्वइ वा विउव्विस्सइ वा ॥१२८॥ जइ णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ॥ एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी तीसए णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिभत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सयंसि विमाणंसि उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सामाणियदेवत्ताए उववण्णे, तए णं तीसए देवे अहुणोववण्णमेत्ते समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ तंजहा–आहारपज्जत्तीए सरीर० इंदिय० आणपाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए, तए णं तं तीसयं देवं पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गयं समाणं सामाणियपरिसोववण्णया देवा करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धाविंति २ एवं वयासी–अहो णं देवाणुप्पिए ! दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, जारिसिया णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया, जारिसिया णं (सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया तारिसिया णं) देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया । से णं भंते ! तीसए देवे केमहिड्ढिए जाव केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ सयस्स विमाणस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिसीणं

सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य जाव विहरइ, एवंमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, से जहाणामए जुवई जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा जहेव सक्कस्स तहेव जाव एस णं गोयमा ! तीसयस्स देवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा ३ । जइ णं भंते ! तीसए देवे महिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो अवसेसा सामाणिया देवा केमहिड्ढिया ? तहेव सव्वं जाव एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो एगमेगस्स सामाणियस्स देवस्स इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा तायत्तीसा य लोगपालअग्गमहिसीणं जहेव चमरस्स णवरं दो केवलकप्पे जंबूद्दीवे २ अण्णं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति दोच्चे गोयमे जाव विहरइ ॥१२९॥ भंतेत्ति ! भगवं तच्चे गोयमे वाउभूई अणगारे समणं भगवं जाव एवं वयासी—जइ णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए ? एवं तहेव, णवरं साहिए दो केवलकप्पे जंबूद्दीवे २ अवसेसं तहेव ॥ १३० ॥ जइ णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया एमहिड्ढिए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए। एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुरुदत्तपुत्ते णामं पगइभद्दए जाव विणीए अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं पारणए आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे बहुपडिपुण्णे छम्मासे सामण्णपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे सयंसि विमाणंसि जा तीसए वत्तव्वया सा सव्वेव अपरिसेसा कुरुदत्तपुत्तेवि, णवरं साइरेगे दो केवलकप्पे जंबूद्दीवे २, अवसेसं तं चेव, एवं सामाणियतायत्तीसलोगपालअग्गमहिसीणं जाव एस णं गोयमा ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो एवं एगमेगाए अग्गमहिसीए देवीए अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा ३-॥ १३१ ॥ एवं सणंकुमारेवि, णवरं चत्तारि केवलकप्पे जंबूद्दीवे २ अदुत्तरं च णं तिरियमसंखेज्जे,

एवं सामाणियतायत्तीसलोगपालअग्गमहिसीणं असंखेज्जे दीवसमुद्दे सव्वे विउव्वंति, सणंकुमाराओ आरद्धा उवरिल्ला लोगपाला सव्वेवि असंखेज्जे दीवसमुद्दे विउव्वंति। एवं माहिंदेवि, णवरं साइरेगे चत्तारि केवलकप्पे जंबुद्दीवे २, एवं बंभलोएवि, णवरं अट्ठ केवलकप्पे, एवं लंतएवि, णवरं साइरेगे अट्ठ केवलकप्पे, महासुक्के सोलस केवलकप्पे, सहस्सारे साइरेगे सोलस, एवं पाणएवि, णवरं बत्तीसं केवल०, एवं अच्चुएवि णवरं साइरेगे बत्तीसं केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ अण्णं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ जाव विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ मोयाओ णयरीओ णंदणाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १३२ ॥ तेणं कालेणं तेणं० रायगिहे णामं णयरे होत्था, वण्णओ, जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं २ ईसाणे देविंदे देवराया सूलपाणी वसहवाहणे उत्तरड्ढलोगाहिवई अट्ठावीसविमाणावाससयसहस्साहिवई अरयंबरवत्थधरे आलइयमालमउडे णवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे जहेव रायप्पसेणइज्जे जाव दिव्वं देविड्ढि जाव जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंतेत्ति! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–अहो णं भंते! ईसाणे देविंदे देवराया महिड्ढिए ईसाणस्स णं भंते! सा दिव्वा देविड्ढी कहिं गया कहिं अणुपविट्ठा? गोयमा! सरीरं गया २। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ सरीरं गया? २, गोयमा! से जहाणामए–कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवाया णिवायगंभीरा तीसे णं कूडागारसालाए जाव कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो। ईसाणेणं भंते! देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभागे किण्णा लद्धे किण्णा पत्ते किण्णा अभिसमण्णागए? के वा एस आसि पुव्वभवे किंणामए वा किंगोत्ते वा कयरंसि वा गामंसि वा णयरंसि वा जाव संणिवेसंसि वा किं वा सुच्चा किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा किच्चा किं वा समायरित्ता कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म? जण्णं ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया? एवं खलु गोयमा!

तेणं कालेणं २ इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे तामलित्ती णामं णयरी होत्था, वण्णओ। तत्थ णं तामलित्तीए णयरीए तामली णामं मोरियपुत्ते गाहावई होत्था, अड्ढे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था। तए णं तस्स मोरियपुत्तस्स तामलित्तस्स गाहावइस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणफलवित्तिविसेसो जेणाहं हिरण्णेणं वड्ढामि सुवण्णेणं वड्ढामि धणेणं वड्ढामि धण्णेणं वड्ढामि पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि विउलधणकणग-रयण-मणिमोत्तिय-संखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जेणं अईव २ अभिवड्ढामि, तं किण्णं अहं पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं जाव कडाणं कम्माणं एगंतसोक्खयं उवेहेमाणे विहरामि? तं जाव ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अईव २ अभिवड्ढामि जावं च णं मे मित्तणाइणियगसंबंधिपरियणो आढाइ परियाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं विणएणं पज्जुवासइ तावता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं करेत्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणं आमंतेत्ता तं मित्तणाइणियगसंबंधिपरियणं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइणियगसंबंधिपरियणस्स पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता तं मित्तणाइणियगसंबंधिपरियणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए, पव्वइएऽवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढंबाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तए, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुभित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं गहाय तामलित्तीए णयरीए उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्ता सुद्धोयणं पडिग्गाहेत्ता तं तिसत्तक्खुत्तो उदएणं पक्खालेत्ता तओ पच्छा आहारं आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं करेइ २ विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्ख-

ठावेइ २ तओ पच्छा ण्हाए कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सुद्धप्पा-वेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे भोयण-वेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तए णं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरि-जणेणं सद्धि तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणे वीसाएमाणे परि-भाएमाणे परिभुंजेमाणे विहरइ । जिमियभुत्तुत्तरागएऽवि य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए तं मित्तं जाव परियणं विउलेणं असणपाण ४—पुप्फवत्थगंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेइ २ तस्सेव मित्तणाइ जाव परियणस्स पुरओ जेट्ठं पुत्तं कुटुंबे ठावेइ २ त्ता तं मित्त-णाइ-णियग-सयण-संबंधि-परियणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए, पव्वइएवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ—कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव आहारित्तएत्तिकट्टु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता जावज्जी-वाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय तामलित्तीए णयरीए उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ २ सुद्धोयणं पडिग्गाहेइ २ तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेइ, तओ पच्छा आहारं आहारेइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—पाणामा पव्वज्जा ? गोयमा ! पाणामाए णं पव्वज्जाए पव्वइए समाणे जं जत्थ पासइ इंदं वा खंदं वा रुद्दं वा सिवं वा वेसमणं वा अज्जं वा कोट्टकिरियं वा रायं वा जाव सत्थवाहं वा काकं वा साणं वा पाणं वा उच्चं पासइ उच्चं पणामं करेइ णीयं पासइ णीयं पणामं करेइ, जं जहा पासइ तस्स तहा पणामं करेइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—पाणामा पव्वज्जा ॥ १३३ ॥ तए णं से तामली मोरियपुत्ते तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए यावि होत्था, तए णं तस्स तामलिस्स बालतवस्सिस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं इमेणं ओरा-लेणं विउलेणं जाव उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए, तं अत्थि जा मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिस-

क्कारपरक्कमे तावता मे सेयं कल्लं जाव जलंते तामलित्तीए णयरीए विट्ठा-भट्ठे य पासंडत्थे य गिहत्थे य पुव्वसंगतिए य पच्छासंगतिए य परियायसंगतिए य आपुच्छित्ता तामलित्तीए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छित्ता पाउगं कुंडिय-माइयं उवगरणं दारुमयं च पडिग्गहयं एगंते एडेइ एडित्ता तामलित्तीए णयरीए उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए णियत्तणियमंडलं आलिहइ आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणव-कंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संहेपेत्ता कल्लं जाव जलंते जाव आपुच्छइ २ तामलित्तीए एगंते एडेइ जाव जलंते जाव भत्तपाणपडि-याइक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे। तेणं कालेणं २ बलिचंचारायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुर-कुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं ओहिणा आहोएंति २ अण्ण-मण्णं सद्दावेंति २ एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हे य णं देवाणुप्पिया! इंदाहीणा इंदाहिट्ठिया इंदाहीण-कज्जा अयं च णं देवाणुप्पिया! तामली बालतवस्सी तामलित्तीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए णियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणा-झूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं तामलिं बालतवस्सिं बलिचंचाए रायहाणीए ठिइपकप्पं पकरावेत्तएत्ति-कट्टु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ बलिचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ जेणेव रुयगिंदे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छंति २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विकुव्वंति, ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए दिव्वाए उद्धुयाए देवगइए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती णयरी जेणेव तामली मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तामलिस्स बालतवस्सिस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं बत्तीस-विहं णट्टविहिं उवदंसेंति २ तामलिं बालतवस्सिं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति वंदंति णमंसंति २ एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे बलि-चंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारादेवा य देवीओ य देवाणुप्पियं वंदामो

णमंसामो जाव पज्जुवासामो, अम्हाणं देवाणुप्पिया ! बलिचंचा रायहाणी अणिदा अपुरोहिया अम्हेऽवि य णं देवाणुप्पिया ! इंदाहीणा इंदाहिट्ठिया इंदाहीणकज्जा तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणिं आढाह परियाणह सुमरह अट्ठं बंधह णियाणं पकरेह ठिइपकप्पं पकरेह, तए णं तुब्भे कालमासे कालं किच्चा बलिचंचारायहाणीए उववज्जिस्सह, तए णं तुब्भे अम्हं इंदा भविस्सह, तए णं तुब्भे अम्हेहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरिस्सह। तए णं से तामली बालतवस्सी तेहिं बलिचंचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एवं वुत्ते समाणे एयमट्ठं णो आढाइ णो परियाणेइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं मोरियपुत्तं दोच्चंपि तच्चंपि तिक्खुत्तो आयाहिणप्पयाहिणं करेंति २ जाव अम्हं च णं देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणी अणिदा जाव ठिइपकप्पं पकरेह जाव दोच्चंपि तच्चंपि, एवं वुत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिणा बालतवस्सिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ १३४ ॥

तेणं कालेणं २ ईसाणे कप्पे अणिंदे अपुरोहिए यावि होत्था। तए णं से तामली बालतवस्सी बहुपडिपुण्णाइं सट्ठिं वाससहस्साइं परियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सवीसं भत्तसयं अणसणाए छेदित्ता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्तीए ओगाहणाए ईसाणदेविंदविरहकालसमयंसि ईसाणदेविंदत्ताए उववण्णे। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया अहुणोववण्णे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा—आहारप० जाव भासामणपज्जत्तीए। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं कालगयं जाणित्ता ईसाणे य कप्पे देविंदत्ताए उववण्णं पासित्ता आसुरुत्ता कुविया चंडिक्किया मिसिमिसेमाणा बलिचंचाराय० मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती णयरी जेणेव तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरए तेणेव उवागच्छंति वामे पाए सुंबेणं बंधंति २

तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुहंति २ तामलित्तीए णयरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर-चउम्मुहमहापहपहेसु आकड्ढविकड्ढि करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी–केस णं भो ! से तामली बालतव० सयंगहियलिंगे पाणामाए पव्व-ज्जाए पव्वइए ? केस णं भो ! से ईसाणे कप्पे ईसाणे देविंदे देवराया ? तिकट्टु तामलिस्स बालतव० सरीरयं हीलंति णिंदंति खिंसंति गरिहिंति अवमण्णंति तज्जंति तालेंति परिवहेंति पव्वहेंति आकड्ढविकड्ढि करेंति हीलेत्ता जाव आकड्ढ-विकड्ढि करेत्ता एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥१३५॥ तए णं ते ईसाणकप्पवासी बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य बलिचंचा-रायहाणिवत्थव्वएहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलिज्जमाणं णिंदिज्जमाणं जाव आकड्ढविकड्ढि कीर-माणं पासंति २ आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव ईसाणे देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छंति २ करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलि कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलि-चंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिए काल-गए जाणित्ता ईसाणे कप्पे इंदत्ताए उववण्णे पासेत्ता आसुरुत्ता जाव एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेसिं ईसाणकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तत्थेव सय-णिज्जवरगए तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु बलिचंचारायहाणिं अहे सप-क्खिं सपडिदिसिं समभिलोएइ। तए णं सा बलिचंचारायहाणी ईसाणेणं देवि-देणं देवरण्णा अहे सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोइया समाणी तेणं दिव्वप्पभा-वेणं इंगालब्भूया मुम्मुरब्भूया छारियब्भूया तत्तकवेल्लकब्भूया तत्ता समजोइ-ब्भूया जाया यावि होत्था। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुर-कुमारा देवा य देवीओ य तं बलिचंचं रायहाणिं इंगालब्भूयं जाव समजोइ-ब्भूयं पासंति २ भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया सव्वओ समंता आधावेंति परिधावेंति २ अण्णमण्णस्स कायं समतुरंगेमाणा २ चिट्ठंति। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसा-णं देविंदं देवरायं परिकुवियं जाणित्ता ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो तं दिव्वं

देविड्ढि दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणा सव्वे सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धाविंति २ एवं वयासी--अहो णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया तं दिव्वा णं देवाणुप्पियाणं दिव्वा देविड्ढी जाव लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया तं खामेमो णं देवाणुप्पिया ! खमंतु णं देवाणुप्पिया ! खमंतु मरिहंतु णं देवाणुप्पिया ! णाइ भुज्जो २ एवंकरणयाएत्तिकट्टु एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति । तएणं से ईसाणे देविंदे देवराया तेहिं बलिचंचारायहाणिवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामिए समाणे तं दिव्वं देविड्ढि जाव तेयलेस्सं पडिसाहरइ । तप्पभिइं च णं गोयमा ! ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं आढंति जाव पज्जुवासंति, ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठंति। एवं खलु गोयमा ! ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया । ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! साइरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गो० ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ १३६ ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो विमाणेहिंतो ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो विमाणा ईसिं उच्चयरा चेव ईसिं उण्णयतरा चेव ईसाणस्स वा देविंदस्स देवरण्णो विमाणेहिंतो सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो विमाणा णीययरा चेव ईसिं णिण्णयरा चेव ? हंता ! गोयमा ! सक्कस्स तं चेव सव्वं णेयव्वं । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! से जहाणामए-करयले सिया देसे उच्चे देसे उण्णए देसे णीए देसे णिण्णे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जाव ईसिं णिण्णयरा चेव ॥ १३७ ॥ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए ? हंता पभू। से णं भंते ! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ? गोयमा ! आढायमाणे पभू णो अणाढायमाणे पभू। पभू णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवित्तए ?

हंता पभू । से भंते ! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू ? गोयमा ! आढायमाणेवि पभू अणाढायमाणेवि पभू । पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणं देविंदं देवरायं सपक्खि सपडिदिसिं समभिलोइत्तए ? जहा पाउब्भवणा तहा दोवि आलावगा णेयव्वा । पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ? हंता ! पभू जहा पाउब्भवणा । अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं किच्चाइं करणिज्जाइं समुप्पज्जंति ? हंता ! अत्थि । से कहमियाणिं पकरेंति ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवइ, ईसाणे वा देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवइ, इति भो ! सक्का देविंदा देवराया दाहिणड्ढलोगाहिवई ! इति भो ! ईसाणा देविंदा देवराया उत्तरड्ढलोगाहिवई ! इति भो ! २ त्ति ते अण्णमण्णस्स किच्चाइं करणिज्जाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ १३८ ॥ अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं विवादा समुप्पज्जंति ? हंता ! अत्थि । से कहमियाणिं पकरेंति ? गोयमा ! ताहे चेव णं ते सक्कीसाणा देविंदा देवरायाणो सणंकुमारं देविंदं देवरायं मणसीकरेंति, तए णं से सणंकुमारे देविंदे देवराया तेहिं सक्कीसाणेहिं देविंदेहिं देवराईहिं मणसीकए समाणे खिप्पामेव सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं अंतियं पाउब्भवइ, जं से वयइ तस्स आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठंति ॥ १३९ ॥ सणंकुमारे णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छदिट्ठी परित्तसंसारए अणंतसंसारए सुलभबोहिए दुल्लभबोहिए आराहए विराहए चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सणंकुमारे णं देविंदे देवराया भवसिद्धिए णो अभवसिद्धिए, एवं सम्मद्दिट्ठी परित्तसंसारए सुलभबोहिए आराहए चरिमे पसत्थं णेयव्वं । से केणट्ठेणं भंते ! ? गोयमा ! सणंकुमारे देविंदे देवराया बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए णिस्सेयसिए हियसुहणिस्सेसकामए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सणंकुमारे णं भवसिद्धिए जाव णो अचरिमे । सणंकुमारस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्त सागरोवमाणि ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उव-

वज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। सेवं भंते ! सेवं भंते ! । गाहाओ–छट्ठट्ठममासो, अद्धमासो वासाइं अट्ठ छम्मासा। तीसगकुरुदत्ताणं तवभत्तपरिण्णपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणाणं पाउब्भव पेच्छणा य संलावे। किंचि विवादुप्पत्ती सणंकुमारे य भवियव्वं (त्तं) ॥ २ ॥ मोया समत्ता ॥

तइयं सयं बीओ उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव णट्टविहिं उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। भंतेत्ति ! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि णं भंते ! ईसिपब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। से कहिं खाइ णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए, एवं असुरकुमारदेववत्तव्वया जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति। अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए ? हंता अत्थि। केवइयं च णं पभू ! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्चं पुण पुढविं गया य गमिस्संति य। किं पत्तियण्णं भंते ! असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइयस्स वा वेदणउवसामणयाए, एवं खलु असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य। अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ? हंता अत्थि। केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा णंदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्संति य। किं पत्तियण्णं भंते ! असुरकुमारा देवा णंदिस्सरवरदीवं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहेसु वा णिक्खमणमहेसु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परिणिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु असुर-

कुमारा देवा णंदिस्सरवरदीवं गया य गमिस्संति य। अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? हंता ! अत्थि। केवइयं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गइविसए ? गोयमा ! जावऽच्चुए कप्पे सोहम्मं पुण कप्पं गया य गमिस्संति य। किं पत्तियण्णं भंते ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! तेसि णं देवाणं भवपच्चइयवेराणुबंधे, ते णं देवा विकुव्वेमाणा परियारेमाणा वा आयरक्खे देवे वित्तासेंति अहालहुस्सगाइं रयणाइं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमंति। अत्थि णं भंते ! तेसिं देवाणं अहालहुस्सगाइं रयणाइं ? हंता अत्थि। से कहमियाणिं पकरेंति ? तओ से पच्छा कायं पव्वहंति। पभू णं भंते ! असुरकुमारा देवा तत्थ गया चेव समाणा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं तओ पडिनियत्तंति २ त्ता इहमागच्छंति २ जइ णं ताओ अच्छराओ आढायंति परियाणंति पभू णं ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए अहण्णं ताओ अच्छराओ णो आढायंति णो परियाणंति णो णं पभू ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए। एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ॥ १४१ ॥ केवइकालस्स णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ? गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणीहिं अणंताहिं अवसप्पिणीहिं समइक्कंताहिं, अत्थि णं एस भावे लोयच्छेरयभूए समुप्पज्जइ जण्णं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो। किं णिस्साए णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ? गोयमा ! से जहाणामए-इह सबरा इ वा बब्बरा इ वा टंकणा इ वा भुत्तुया इ वा पल्हया इ वा पुलिंदा इ वा एगं महं रण्णं वा गड्डं वा खड्डं वा दुग्गं वा दरिं वा विसमं वा पव्वयं वा णीसाए सुमहल्लमवि आसबलं वा हत्थिबलं वा जोहबलं वा धणुबलं वा आगलेंति, एवामेव असुरकुमारावि देवा, णण्णत्थ अरिहंते वा अरिहंत चेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पणो णिस्साए उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो। सव्वेवि णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, महिड्ढिया णं असुरकुमारा

देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । एसवि णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया उड्ढं उप्पइयपुव्वि जाव सोहम्मो कप्पो ? हंता गोयमा ! २। अहो णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया महिड्ढिए महज्जुईए जाव कहिं पविट्ठा ? कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ॥ १४२॥ चमरेणं भंते ! असुरिंदेणं असुररण्णा सा दिव्वा देविड्ढी तं चेव जाव किण्णा लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले णामं संणिवेसे होत्था, वण्णओ। तत्थ णं बेभेले संणिवेसे पूरणे णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे दित्ते जहा तामलिस्स वत्तव्वया तहा णेयव्वा, णवरं चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं करेत्ता जाव विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं गहाय मुंडे भवित्ता दाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए पव्वइएऽवि य णं समाणे तं चेव; जाव आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ त्ता सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं गहाय बेभेले सण्णिवेसे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडेत्ता जं मे पढमे पुडए पडइ कप्पइ मे तं पंथे पहियाणं दलइत्तए जं मे दोच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं कागसुणयाणं दलइत्तए जं मे तच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं मच्छकच्छभाणं दलइत्तए जं मे चउत्थे पुडए पडइ कप्पइ मे तं अप्पणा आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए तं चेव णिरवसेसं जाव जं मे(से) चउत्थे पुडए पडइ तं अप्पणा आहारं आहारेइ। तए णं से पूरणे बालतवस्सी तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं तं चेव जाव बेभेलस्स सण्णिवेसस्स मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ पाउयं कुंडियमाईयं उवगरणं चउप्पुडयं च दारुमयं पडिग्गहयं एगंतमंते एडेइ २ बेभेलस्स सण्णिवेसस्स दाहिणपुरत्थिमे दिसीभागे अद्धणियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं णिवण्णे। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! छउमत्थकालियाए एक्कारसवासपरियाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सुंसुमारपुरे णयरे जेणेव असोयवणसंडे उज्जाणे जेणेव असोयवरपायवे जेणेव पुढविसिलावट्टए तेणेव उवागच्छामि २ असोगवरपाय-

यस्स हेट्ठा पुढविसिलावट्टयंसि अट्ठमभत्तं परिगिण्हामि, दोवि पाए साहट्टु वग्घारियपाणी एगपोग्गलणिविट्ठदिट्ठी अणिमिसणयणे ईसिपब्भारगएणं काएणं अहापणिहिएहिं गत्तेहिं सव्विंदिएहिं गुत्तेहिं एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि। तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था। तए णं से पूरणे बालतवस्सी बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं परियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए उववायसभाए जाव इंदत्ताए उववण्णे। तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया अहुणोववण्णे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ तंजहा--आहारपज्जत्तीए जाव भास-मणपज्जत्तीए तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गए समाणे उड्ढं वीससाए ओहिणा आभोएइ जाव सोहम्मो कप्पो, पासइ य तत्थ सक्कं देविंदं देवरायं मघवं पाकसासणं सयक्कतुं सहस्सक्खं वज्जपाणिं पुरंदरं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सक्कंसि सीहासणंसि जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था--केस णं एस अपत्थिय पत्थए दुरंतपंतलक्खणे हिरिसिरिपरिवज्जिए हीणपुण्णचाउद्दसे जण्णं ममं इमाए एयारूवाए दिव्वाए देविड्ढीए जाव दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए उप्पिं अप्पुस्सुए दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ २ सामाणियपरिसोववण्णए देवे सद्दावेइ २ एवं वयासी--केस णं एस देवाणुप्पिया अपत्थियपत्थए जाव भुंजमाणे विहरइ ? तए णं ते सामाणियपरिसोववण्णगा देवा चमरेणं असुरिंदेणं असुररण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी--एस णं देवाणुप्पिया! सक्के देविंदे देवराया जाव विहरइ। तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तेसिं सामाणियपरिसोववण्णगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे ते सामाणियपरिसोववण्णए देवे एवं वयासी--अण्णे खलु भो! से सक्के देविंदे देवराया अण्णे खलु भो! से चमरे असुरिंदे असुरराया, महिड्ढिए खलु भो! से सक्के देविंदे देवराया,

अप्पिड्ढीए खलु भो ! से चमरे असुरिंदे असुरराया, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाइत्तए त्तिकट्टु उसिणे उसिणब्भूए जाए यावि होत्था। तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया ओहिं पउंजइ २ ममं ओहिणा आभोएइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ भारहेवासे सुंसुमारपुरे णयरे असोगवणसंडे उज्जाणे असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलावट्टयंसि अट्ठमभत्तं पडिगिण्हित्ता एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं णीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाइत्तए त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ सयणिज्जाओ अब्भुट्टेइ २ त्ता देवदूसं परिहेइ २ उववायसभाए पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं णिग्गच्छइ, जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव चोप्पाले पहरणकोसे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फलिहरयणं परामुसइ २ एगे अबीए फलिहरयणमायाए महया अमरिसं वहमाणे चमरचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ जेणेव तिगिच्छिकूडे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव पुढविसिलावट्टए जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ जाव णमंसित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भं णीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासाइत्तए त्तिकट्टु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ एगं महं घोरं घोरागारं भीमं भीमागारं भासुरं भयाणीयं गंभीरं उत्तासणयं कालड्ढरत्तमासरासिसंकासं जोयणसयसाहस्सीयं महाबोंदिं विउव्वइ २ अप्फोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ हयहेसियं करेइ २ हत्थिगुलगुलाइयं करेइ २ रहघणघणाइयं करेइ २ पायदद्दरगं करेइ २ भूमिचवेडयं दलयइ २ सीहणादं णदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिवइं छिंदइ २ वामं भुयं ऊसवेइ २ दाहिणहत्थपदेसिणीए य अंगुट्ठणहेण य वितिरिच्छमुहं विडंबेइ २ महया २ सद्देणं कलकलरवं करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाए उड्ढं वेहासं उप्पइए, खोभंते चेव अहेलोयं कंपेमाणे च मेयणितलं आकट्टं (साकड्ढं) तेव तिरियलोयं फोडेमाणे व अंबरतलं कत्थइ गज्जंते कत्थइ विज्जुयायंते कत्थइ वासं वासमाणे गाओ

कत्थइ रउग्धायं पकरेमाणे कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे वाणमंतरदेवे वित्ता-सेमाणे जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहरयणं अंबरतलंसि वियड्ढमाणे २ विउब्भाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सोहम्मवडेंसए विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एगं पायं पउमवरवेइयाए करेइ एगं पायं सभाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सद्देणं तिक्खुत्तो इंदकीलं आउडेइ २ एवं वयासी—कहि णं भो ! सक्के देविंदे देवराया ? कहि णं ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ? जाव कहि णं ताओ चत्तारि चउरासीईओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ ? कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ ? अज्ज हणामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज मम अवसाओ अच्छराओ वसमुवणमंतुत्तिकट्टु तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं फरुसं गिरं णिसिरइ । तए णं से सक्के देविंदे देवराया तं अणिट्ठं जाव अमणामं अस्सुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडि णिडाले साहट्टु चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वयासी—हं भो ! चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थियपत्थया ! जाव हीणपुण्णचाउद्दसा ! अज्ज ण भवसि णाहि ते सुहमत्थीतिकट्टु तत्थेव सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ २ तं जलंतं फुडंतं तडतडंतं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणं जालासहस्साइं पमुंचमाणं इंगालसहस्साइं पविक्खिरमाणं २ फुलिंगजालामालासहस्सेहिं चक्खुविक्खेवदिट्ठिपडिघायं पि पकरेमाणं हुयवहअइरेगतेयदिप्पंतं जइणवेगं फुल्लकिंसुयसमाणं महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो वहाए वज्जं णिसिरइ । तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तं जलंतं जाव भयंकरं वज्जमभिमुहं आवयमाणं पासइ पासइत्ता झियाइ पिहाइ झियाइत्ता पिहाइत्ता तहेव संभग्गमउडविडए सालंबहत्थाभरणे उड्ढंपाए अहोसिरे कक्खागयसेयंपि व विणिम्मुयमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव जंबुद्दीवे २ जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भीए भयगग्गरसरे भगवं सरणमिति वुयमाणे ममं दोण्हवि पायाणं अंतरंसि झत्तिवेगेण समोवडिए ॥ १४३ ॥ तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे

अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया णो खलु समत्थे चमरे असुरिंदे असुरराया णो खलु विसए चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अप्पणो णिस्साए उड्ढं उप्पइत्ता जाव सोहम्मो कप्पो, णण्णत्थ अरिहंते वा अरहंत चेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पणो णीसाए उड्ढं उप्पयइ जाव सोहम्मो कप्पो। तं महादुक्खं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं अणगाराण य अच्चासायणाएत्तिकट्टु ओहिं पउंजइ २ ममं ओहिणा आभोएइ २ हा हा अहो हतोऽहमंसित्तिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए देवगईए वज्जस्स वीहिं अणुगच्छमाणे २ तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरइ, अवियाइं मे गोयमा! मुट्ठिवाएणं केसग्गे वीइत्था ॥ १४४ ॥ तए णं से सक्के देविंदे देवराया वज्जं पडिसाहरित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–एवं खलु भंते! अहं तुब्भं णीसाए चमरेणं असुरिंदेणं असुररण्णा सयमेव अच्चासाइए, तए णं मए परिकुविएणं समाणेणं चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो वहाए वज्जे णिसिट्ठे, तए णं ममं इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तहेव जाव ओहिं पउंजामि देवाणुप्पिए ओहिणा आभोएमि हा हा अहो हओमीतिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव देवाणुप्पिए तेणेव उवागच्छामि देवाणुप्पियाणं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरामि वज्जपडिसाहरणट्ठयाए णं इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु णं देवाणुप्पिया! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया! णाइभुज्जो एवं पकरणयाएत्तिकट्टु ममं वंदइ णमंसइ २ उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ वामेणं पादेणं तिक्खुत्तो भूमिं दलेइ २ चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वयासी–मुक्कोऽसि णं भो चमरा! असुरिंदा! असुरराया! समणस्स भगवओ महावीरस्स पभावेणं णाहि ते दाणिं ममाओ भयमत्थीतिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १४५॥ भंतेत्ति! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ २ एवं वयासी–देवे णं भंते! महिड्ढिए महज्जुईए जाव महाणुभागे पुव्वामेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्टित्ता णं गिण्हित्तए? हंता पभू। से केणट्ठेणं

भंते ! जाव गेण्हित्तए ? गोयमा ! पोग्गले णं खित्ते समाणे पुव्वामेव सिग्घगई भवित्ता तओ पच्छा मंदगई भवइ। देवे णं महिड्डिए पुव्विंपि पच्छावि सीहे सीहगई चेव तुरिए तुरियगई चेव, से तेणट्ठेणं जाव पभू गेण्हित्तए। जइ णं भंते ! देवे महिड्डिए जाव अणुपरियट्टित्ता णं गेण्हित्तए कम्हा णं भंते ! सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा (राया) चमरे असुरिंदे असुरराया णो संचाएइ साहत्थिं गेण्हित्तए ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गइविसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव उड्ढं गइविसए अप्पे २ चेव मंदे-मंदे चेव वेमाणियाणं देवाणं उड्ढं गइविसए सीहे-सीहे चेव तुरिए-तुरिए चेव अहे गइविसए अप्पे-अप्पे चेव मंदे-मंदे चेव, जावइयं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया उड्ढं उप्पयइ एक्केणं समएणं तं वज्जे दोहिं, जं वज्जे दोहिं तं चमरे तिहिं, सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो उड्ढलोयकंडए अहेलोयकंडए संखेज्जगुणे, जावइयं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया अहे उवयइ एक्केणं समएणं तं सक्के दोहिं जं सक्के दोहिं तं वज्जे तिहिं, सव्वत्थोवे चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अहेलोयकंडए उड्ढलोयकंडए संखेज्जगुणे। एवं खलु गोयमा ! सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा चमरे असुरिंदे असुरराया णो संचाएइ साहत्थिं गेण्हित्तए। सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो उड्ढं अहे तिरियं च गइविसयस्स कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया अहे उवयइ एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ उड्ढं संखेज्जे भागे गच्छइ। चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो उड्ढं अहे तिरियं च गइविसयस्स कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया उड्ढं उप्पयइ एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ अहे संखेज्जे भागे गच्छइ। वज्जं जहा सक्कस्स देविंदस्स तहेव णवरं विसेसाहियं कायव्वं। सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो उवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो उड्ढं उप्पयणकाले उवयणकाले संखेज्जगुणे। चमरस्सवि जहा सक्कस्स णवरं

सव्वत्थोवे उवयणकाले उप्पयणकाले संखेज्जगुणे। वज्जस्स पुच्छा, गोयमा! सव्वत्थोवे उप्पयणकाले उवयणकाले विसेसाहिए। एयस्स णं भंते! वज्जस्स वज्जाहिवइस्स चमरस्स य असुरिंदस्स असुररण्णो उवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा ४? गोयमा! सक्कस्स य उप्पयणकाले चमरस्स य उवयणकाले एए णं दोण्णिवि तुल्ला सव्वत्थोवा, सक्कस्स य उवयणकाले वज्जस्स य उप्पयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले संखेज्जगुणे चमरस्स य उप्पयणकाले वज्जस्स य उवयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले विसेसाहिए ॥ १४६ ॥ तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया वज्जभयविप्पमुक्के सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा महया अवमाणेणं अवमाणिए समाणे चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि ओहयमणसंकप्पे चिंतासोयसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठीए झियाइ। तए णं तं चमरं असुरिंदं असुररायं सामाणियपरिसोववण्णया देवा ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासंति २ करयल जाव एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह? तए णं से चमरे असुरिंदे असुर० ते सामाणियपरिसोववण्णए देवे एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मए समणं भगवं महावीरं णीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासाइए, तए णं तेणं परिकुविएणं समाणेणं ममं वहाए वज्जे णिसिट्ठे तं भद्दण्णं भवतु देवाणुप्पिया! समणस्स भगवओ महावीरस्स जस्स म्हि पभावेणं अकिट्ठे अव्वहिए अपरिताविए इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि। तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव सव्विड्ढीए जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते! मए तुब्भं णीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासाइए जाव तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पियाणं जस्स म्हि पभावेणं अकिट्ठे जाव विहरामि तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता जाव बत्तीसइबद्धं णट्टविहिं उवदंसेइ २ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। एवं खलु गोयमा! चमरेणं असुरिंदेणं असुररण्णा सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा

पत्ता जाव अभिसमण्णागया, ठिई सागरोवमं, महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ १४७ ॥ किं पत्तियं णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ? गोयमा ! तेसि णं देवाणं अहुणोववण्णगाण वा चरिमभवत्थाण वा इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जइ–अहो णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमण्णागया जारिसिया णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया जारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा जाव अभिसमण्णागया तारिसिया णं अम्हेहिवि जाव अभिसमण्णागया, तं गच्छामो णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियं पाउब्भवामो पासामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं पासउ ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं, तं जाणामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं जाणउ ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं। एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ १४८ ॥ चमरो समत्तो ॥

तइयं सयं तइओ उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव अंतेवासी मंडियपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–कइ णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? मंडियपुत्ता ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–काइया अहिगरणिया पाओसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया । काइया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ? मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–अणुवरयकायकिरिया य दुप्पउत्तकायकिरिया य । अहिगरणिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ? मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–संजोयणाहिगरणकिरिया य णिव्वत्तणाहिगरणकिरिया य । पाओसिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ? मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–जीवपाओसिया य अजीव पाओसिया य । पारियावणिया णं भंते ! किरिया कइविहा प० ? मंडियपुत्ता ! दुविहा प०, तंजहा–सहत्थपारियावणिया य परहत्थपारियावणिया य । पाणाइवाय-

किरिया णं भंते ! पाणाइवायकिरिया कइविहा प० ? मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सहत्थपा० परहत्थपा० किरिया य ॥१४६॥ पुव्विं भंते ! किरिया पच्छा वेयणा पुव्विं वेयणा पच्छा किरिया ? मंडियपुत्ता ! पुव्विं किरिया पच्छा वेयणा, णो पुव्विं वेयणा पच्छा किरिया ॥ १५० ॥ अत्थि णं भंते ! समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कहं णं भंते ! समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ? मंडियपुत्ता ! पमायपच्चया जोगणिमित्तं च, एवं खलु समणाणं णिग्गंथाणं किरिया कज्जइ ॥ १५१ ॥ जीवे णं भंते ! सया समियं एयइ वेयइ चलइ फंदइ घट्टइ खुब्भइ उदीरइ तं तं भावं परिणमइ ? हंता ! मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं एयइ जाव तं तं भावं परिणमइ । जावं च णं भंते ! से जीवे सया समियं जाव परिणमइ तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जावं च णं से जीवे सया समियं जाव अंते अंतकिरिया ण भवइ ? मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समियं जाव परिणमइ तावं च णं से जीवे आरंभइ सारंभइ समारंभइ आरंभे वट्टइ सारंभे वट्टइ समारंभे वट्टइ आरंभमाणे सारंभमाणे समारंभमाणे आरंभे वट्टमाणे सारंभे वट्टमाणे समारंभे वट्टमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खावणयाए सोयावणयाए जूरावणयाए तिप्पावणयाए पिट्टावणयाए परियावणयाए वट्टइ । से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ–जावं च णं से जीवे सया समियं एयइ जाव परिणमइ तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया ण भवइ । जीवे णं भंते ! सया समियं णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ ? हंता मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं जाव णो परिणमइ । जावं च णं भंते ! से जीवे णो एयइ जाव णो तं तं भावं परिणमइ तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ ? हंता ! जाव भवइ । से केणट्ठेणं भंते ! जाव भवइ ? मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयइ जाव णो परिणमइ तावं च णं से जीवे णो आरंभइ णो सारंभइ णो समारंभइ णो आरंभे वट्टइ णो सारंभे वट्टइ णो समारंभे वट्टइ अणारंभमाणे असारंभमाणे असमारंभमाणे आरंभे अवट्टमाणे सारंभे अवट्टमाणे समारंभे अवट्टमाणे बहूणं पाणाणं ४ अदुक्खावणयाए जाव अपरियावणयाए

वट्टइ । से जहाणामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से णूणं मंडियपुत्ता ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ ? हंता ! मसमसाविज्जइ ? से जहाणामए-केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदयबिंदुं पक्खिवेज्जा, से णूणं मंडियपुत्ता ! से उदयबिंदू तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ ? हंता ! विद्धंसमागच्छइ । से जहाणामए हरए सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठइ ? हंता चिट्ठइ, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सयासवं सयच्छिद्दं ओगाहेज्जा से णूणं मंडियपुत्ता ! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरेमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ ? हंता ! चिट्ठइ, अहे णं केइ पुरिसे तीसे णावाए सव्वओ समंता आसवदाराइं पिहेइ २ णावाउस्सिंचणएणं उदयं उस्सिंचिज्जा से णूणं मंडियपुत्ता ! सा णावा तंसि उदयंसि उस्सिंचिज्जंसि समाणंसि खिप्पामेव उड्ढं उदाइ ? हंता ! उदाइ, एवामेव मंडियपुत्ता ! अत्तत्तासंवुडस्स अणगारस्स इरियासमियस्स जाव गुत्तबंभयारिस्स आउत्तं गच्छमाणस्स चिट्ठमाणस्स णिसीयमाणस्स तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणं गेण्हमाणस्स णिक्खिवमाणस्स जाव चक्खुपम्हणिवायमवि वेमाया सुहुमा इरियावहिया किरिया कज्जइ, सा पढमसमयबद्धपुट्ठा बिइयसमयवेइया तइयसमयणिज्जरिया सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेइया णिज्जिण्णा सेयकाले अकम्मं वावि भवइ, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ-जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयइ जाव अंते अंतकिरिया भवइ ॥ १५२ ॥ पमत्तसंजयस्स णं भंते ! पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ? मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धा। अप्पमत्तसंजयस्स णं भंते ! अप्पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं अप्पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ? मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० पुव्वकोडी देसूणा, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धं । सेवं भंते ! २ त्ति भगवं मंडियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १५३ ॥ भंते ! त्ति भगवं

गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ त्ता एवं वयासी—कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु अइरेयं वड्ढइ वा हायइ वा ? जहा जीवाभिगमे लवणसमुद्दवत्तव्वया णेयव्वा जाव लोयट्ठिई, लोयाणुभावे । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ । किरिया समत्ता ॥ १५४॥

तइयं सयं चउत्थो उद्देसो

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए देवं पासइ णो जाणं पासइ १ अत्थेगइए जाणं पासइ णो देवं पासइ २ अत्थेगइए देवंपि पासइ जाणंपि पासइ ३ अत्थेगइए णो देवं पासइ णो जाणं पासइ ४ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देविं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! एवं चेव । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं सदेवीयं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए देवं सदेवीयं पासइ णो जाणं पासइ, एएणं अभिलावेणं चत्तारि भंगा । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं अंतो पासइ बाहिं पासइ ? चउभंगो । एवं किं मूलं पासइ कंदं पा० ? चउभंगो । मूलं पा० खंधं पा० ? चउभंगो । एवं मूलेणं बीजं संजोएयव्वं । एवं कंदेणवि समं संजोएयव्वं जाव बीयं, एवं जाव पुप्फेण समं बीयं संजोएयव्वं । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं फलं पा० बीयं पा० ? चउभंगो ॥ १५५ ॥ पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं इत्थिरूवं वा पुरिसरूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूवं वा एवं जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, वाउक्काए णं विकुव्वमाणे एगं महं पडागासंठियं रूवं विकुव्वइ । पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं पडागासंठियं रूवं विउव्वित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? हंता ! पभू । से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ ? गोयमा ! आयड्ढीए ग० णो परिड्ढीए ग० । जहा आयड्ढीए एवं आयकम्मुणावि आयप्पओगेणवि भाणियव्वं । से भंते ! किं ऊसिओदयं गच्छइ पयोदयं ग० ? गोयमा ! ऊसिओदयंपि ग० पयोदयंपि ग० । से भंते ! किं एगओपडागं गच्छइ दुहओपडागं गच्छइ ? गोयमा ! एगओपडागं गच्छइ णो दुहओपडागं गच्छइ । से णं भंते ! किं वाउकाए पडागा ? गोयमा ! वाउकाए

णं से णो खलु सा पडागा ॥ १५६ ॥ पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा परिणामेत्तए ? हंता ! पभू । पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? हंता ! पभू । से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ ? गोयमा ! णो आयड्ढीए गच्छइ, परिड्ढीए ग० । एवं णो आयकम्मुणा परकम्मुणा णो आयप्पओगेणं परप्पओगेणं ऊसिओदयं वा गच्छइ पयोदयं वा गच्छइ । से भंते ! किं बलाहए इत्थी ? गोयमा ! बलाहए णं से णो खलु सा इत्थी । एवं पुरिसे आसे हत्थी । पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं जाणरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? जहा इत्थिरूवं तहा भाणियव्वं । णवरं एगओचक्कवालंपि दुहओचक्कवालं पि गच्छइ भाणियव्वं, जुग्गगिल्लिथिल्लिसीयासंदमाणियाणं तहेव ॥ १५७॥ जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! किंलेसेसु उववज्जइ ? गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं०—कण्हलेसेसु वा णीललेसेसु वा काउलेसेसु वा, एवं जस्स जा लेस्सा सा तस्स भाणियव्वा जाव जीवे णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए ? पुच्छा, गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं०—तेउलेस्सेसु । जीवे णं भंते ! जे भविए वेमाणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किंलेस्सेसु उववज्जइ ? गोयमा ! जल्लेस्साइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तं० तेउलेस्सेसु वा पम्हलेसेसु वा सुक्कलेसेसु वा ॥ १५८ ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा ? हंता ! पभू । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता जावइयाइं रायगिहे णयरे रूवाइं एवइयाइं विकुव्वित्ता वेभारं पव्वयं अंतो अणुप्पविसित्ता पभू समं वा विसमं करेत्तए विसमं वा समं करेत्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं चेव बिइओऽवि आलावगो णवरं परियाइत्ता पभू । से भंते ! किं माई विकुव्वइ अमाई विकुव्वइ ? गोयमा ! माई विकुव्वइ णो अमाई विकुव्वइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो अमाई विकुव्वइ ? गोयमा ! माई णं पणीयं पाणभोयणं

भोच्चा २ वामेइ तस्स णं तेणं पणीएणं पाणभोयणेणं अट्ठि-अट्ठिमिंजा बहली-भवंति पयणुए मंससोणिए भवइ, जेविय से अहाबायरा पोग्गला तेविय से परिणमंति, तं जहा-सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठिअट्ठिमिजकेसमंसुरोमणहत्ताए सुक्कत्ताए सोणियत्ताए, अमाई णं लूहं पाणभोयणं भोच्चा २ णो वामेइ, तस्स णं तेणं लूहेणं पाणभोयणेणं अट्ठि-अट्ठिमिजा० पयणु भवंति बहले मंससोणिए, जेविय से अहाबायरा पोग्गला तेविय से परिणमंति, तंजहा—उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए, से तेणट्ठेणं जाव णो अमाई विकुव्वइ। माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा। अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ १५६ ॥

तइय सयं पंचमो उद्देसो

अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं इत्थीरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए? णो इ०। अणगारे णं भंते! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगं महं इत्थीरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए? हंता! पभू। अणगारे णं भंते! भावि० केवइयाइं पभू इत्थिरूवाइं विकुव्वित्तए? गोयमा! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ जाव पभू णं गोयमा! अणगारे णं भावियप्पा केवलकप्पं जंबुद्दीवं बहूहिं इत्थिरूवेहिं आइण्णं वितिकिण्णं जाव एस णं गोयमा! अणगारस्स भावि० अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विंसु वा ३, एवं परिवाडीए णेयव्वं जाव संदमाणिया। से जहाणामए केइ पुरिसे असिचम्मपायं गहाय गच्छेज्जा एवामेव अणगारेवि भावियप्पा असिचम्मपायहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पइज्जा? हंता! उप्पइज्जा। अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवइयाइं पभू असिचम्मपायहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए? गोयमा! से जहाणामए-जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विउव्विंसु वा ३। से जहाणामए केइ पुरिसे एगओपडागं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एगओपडागाहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा? हंता

गोयमा ! उप्पएज्जा। अणगारे णं भंते ? भावियप्पा केवइयाइं पभू एगओ-पडागाहत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ? एवं चेव जाव विकुव्विसु वा ३। एवं दुहओपडागंपि। से जहाणामए-केइ पुरिसे एगओजण्णोवइयं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अण० भा० एगओजण्णोवइयकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता ! उप्पएज्जा। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू एग-ओजण्णोवइयकिच्चगयाइं रूवाइं विकुव्वित्तए ? तं चेव जाव विकुव्विसु वा ३, एवं दुहओजण्णोवइयंपि। से जहाणामए-केइ पुरिसे एगओपल्हत्थियं काउं चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा० एवं चेव जाव विकुव्विसु वा ३ एवं दुहओ पल्हत्थियं पि। से जहाणामए केइ पुरिसे एगओपलियंकं काउं चिट्ठेज्जा० ? तं चेव जाव विकुव्विसु वा ३ एवं दुहओपलियंकं पि। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं आसरूवं वा हत्थिरूवं वा सीहरूवं वा वग्घवगदीवियअच्छतरच्छपरासररूवं वा अभिजुंजित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे। अणगारे णं एवं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू। अणगारे णं भंते ! भा० एगं महं आसरूवं वा अभिजुंजित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? हंता ! पभू। से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ ? गोयमा ! आयड्ढीए गच्छइ णो परिड्ढीए। एवं आयकम्मुणा णो परकम्मुणा आयप्पओगेणं णो परप्पओगेणं उस्सिओदयं वा गच्छइ पयोदयं वा गच्छइ। से णं भंते ! किं अणगारे आसे ? गोयमा ! अणगारे णं से णो खलु से आसे। एवं जाव परासररूवं वा। से भंते ! किं माई विकुव्वइ अमाई विकुव्वइ ? गोयमा ! माई विकुव्वइ णो अमाई विकुव्वइ। माई णं भंते ! तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जइ ? गोयमा ! अण्णयरेसु आभि-योगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ। अमाई णं भंते ! तस्स ठाणस्स आलोइय-पडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जइ ? गोयमा ! अण्णयरेसु अणाभिओगेसु देव-लोएसु देवत्ताए उववज्जइ। सेवं भंते ! २ त्ति, गाहा-इत्थीअसीपडागा जण्णोवइए य होइ बोद्धव्वे। पल्हत्थियपलियंके अभिओगविकुव्वणा माई ॥ १ ॥ १६० ॥

तइयं सयं छट्ठो उद्देसो

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छद्दिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्विय-लद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसिं णयरिं समोहए समोहणित्ता रायगिहे णयरे

रूवाइं जाणइ पासइ ? हंता ! जाणइ पासइ। से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अण्णहाभावं जा० पा० ? गोयमा ! णो तहाभावं जाणइ पा० अण्णहाभावं जा० पा०। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णो तहाभावं जा० पा० अण्णहाभावं जाणइ पा० ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ–एवं खलु अहं रायगिहे णयरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव पासइ। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी जाव रायगिहे णयरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणइ पासइ ? हंता ! जाणइ पासइ। तं चेव जाव तस्स णं एवं भवइ–एवं खलु अहं वाणारसीए णयरीए समोहए २ रायगिहे णयरे रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव अण्णहाभावं जाणइ पासइ। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसिं णयरिं रायगिहं च णयरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए २ वाणारसिं णयरिं रायगिहं च णयरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ? हंता ! जाणइ पासइ। से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अण्णहाभावं जाणइ पा० ? गोयमा ! णो तहाभावं जाणइ पासइ अण्णहाभावं जाणइ पासइ। से केणट्ठेणं जाव पासइ ? गोयमा ! तस्स खलु एवं भवइ एस खलु वाणारसी णयरी एस खलु रायगिहे णयरे एस खलु अंतरा एगे महं जणवयवग्गे णो खलु एस महं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी विभंगणाणलद्धी इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, से से दंसणे विवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव पासइ। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिणाणलद्धीए रायगिहं णयरं समोहए २ वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणइ पासइ ? हंता ! जा० पा०। से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अण्णहाभावं जाणइ पासइ ? गोयमा ! तहाभावं जाणइ पासइ णो अण्णहाभावं जाणइ पासइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ–एवं खलु अहं रायगिहे णयरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए णयरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे अविवच्चासे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ, बीओ आलावगो एवं चेव णवरं वाणारसीए णयरीए

समोहणा णेयव्वा रायगिहे णयरे रूवाइं जाणइ पासइ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिणाणलद्धीए रायगिहं णयरं वाणारसिं णयरिं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए २ रायगिहं णयरं वाणारसिं च णयरिं तं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ? हंता ! जा० पा० । से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अण्णहाभावं जाणइ पासइ ? गोयमा ! तहाभावं जाणइ पा०, णो अण्णहाभावं जा० पा० । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ–णो खलु एस रायगिहे णयरे णो खलु एस वाणारसी णयरी णो खलु एस अंतरा एगे जणवयवग्गे एस खलु ममं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी ओहिणाणलद्धी इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए से से दंसणे अविवच्चासे भवइ से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तहाभावं जाणइ पासइ णो अण्णहाभावं जाणइ पासइ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं गामरूवं वा णयररूवं वा जाव सण्णिवेसरूवं वा विकुव्वित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं बिइओवि आलावगो, णवरं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू गामरूवाइं विकुव्वित्तए ? गोयमा ! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३ एवं जाव सण्णिवेसरूवं वा ॥१६१॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो कइ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि चउसट्ठीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, ते णं आयरक्खा वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे, एवं सव्वेसिं इंदाणं जस्स जत्तिया आयरक्खा भाणियव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६२॥

तइयं सयं सत्तमो उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कइ लोगपाला पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि लोगपाला प०, तंजहा–सोमे जमे वरुणे वेसमणे । एएसि णं भंते ! चउण्हं लोगपालाणं कइ विमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि विमाणा प०, तंजहा–संझप्पभे वरसिट्ठे सयंजले वग्गू । कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स

महारण्णो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं जाव पंच वडिंसया पण्णत्ता, तंजहा—असोयवडेंसए सत्तवण्णवडेंसए चंपयवडेंसए चूयवडेंसए मज्झे सोहम्मवडेंसए। तस्स णं सोहम्म वडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असखेज्जाइं जोयणाइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं उयालीसं जोयणसयसहस्साइं बावण्णं च सहस्साइं अट्ठ य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं प० जा सूरियाभविमाणस्स वत्तव्वया सा अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अभिसेओ णवरं सोमो देवो। संझप्पभस्स णं महाविमाणस्स अहे सपक्खि सपडिदिसिं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सोमा णामं रायहाणी पण्णत्ता एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबुद्दीवपमाणा, वेमाणियाणं पमाणस्स अद्धं णेयव्वं जाव उवरियलेणं सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पण्णासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउए जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते, पासायाणं चत्तारि परिवाडीओ णेयव्वाओ सेसा णत्थि। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो इमे देवा आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा—सोमकाइयाइ वा सोमदेवयकाइयाइ वा विज्जुकुमारा विज्जुकुमारीओ अग्गिकुमारा अग्गिकुमारीओ वाउकुमारा वाउकुमारीओ चंदा सूरा गहा णक्खत्ता तारारूवा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठंति। जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तं जहा—गहदंडाइ वा गहमुसलाइ वा गहगज्जियाइ वा, एवं गहजुद्धाइ वा गहसिंघाडगाइ वा गहावसव्वाइ वा अब्भाइ वा अब्भरुक्खाइ वा संझाइ वा गंधव्वणयराइ वा उक्कापायाइ वा दिसीदाहाइ वा गज्जियाइ वा विज्जुयाइ वा पंसुवुट्ठीइ वा जूवेइ वा जक्खालित्तएत्ति वा धूमियाइ वा महियाइ वा रउग्घाएइ वा चंदोवरागाइ वा सूरोवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणू-

इ वा उदगमच्छकपिहसियअमोहपाईणवायाइ वा पडीणवायाइ वा जाव संवट्टयवायाइ वा गामदाहाइ वा जाव सण्णिवेसदाहाइ वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुलक्खया वसणब्भूया अणारिया जे यावण्णे तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो अण्णाया अदिट्ठा असुया अमुया अविण्णाया तेसिं वा सोमकाइयाणं देवाणं। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तं जहा-इंगालए वियालए लोहियक्खे सणिच्चरे चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सई राहू। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सत्तिभागं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव महाणुभागे सोमे महाराया॥ १६३॥ कहि णं भंते! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते? गोयमा! सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स दाहिणेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीइवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं जहा सोमस्स विमाणं तहा जाव अभिसेओ रायहाणी तहेव जाव पासायपंतीओ। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो इमे देवा आणा० जाव चिट्ठंति, तं जहा-जमकाइयाइ वा जमदेवकाइयाइ वा पेयकाइयाइ वा पेयदेवयकाइयाइ वा असुरकुमारा असुरकुमारीओ कंदप्पा णिरयवाला आभिओगा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो आणाए जाव चिट्ठंति। जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा-डिंबाइ वा डमराइ वा कलहाइ वा बोलाइ वा खाराइ वा महाजुद्धाइ वा महासंगामाइ वा महासत्थणिवडणाइ वा एवं महापुरिसणिवडणाइ वा महारुहिरणिवडणाइ वा दुब्भूयाइ वा कुलरोगाइ वा गामरोगाइ वा मंडलरोगाइ वा णयररोगाइ वा सीसवेयणाइ वा अच्छिवेयणाइ वा कण्णणहदंतवेयणाइ वा इंदग्गहाइ वा खंदग्गहाइ वा कुमारग्गहा जक्खग्गहा० भूयग्गहा० एगाहियाइ वा बेयाहियाइ वा तेयाहियाइ वा चाउत्थहियाइ वा उव्वेयगाइ वा कासा० सासाइ वा सोसेइ वा जराइ वा दाहा० कच्छकोहाइ वा अजीरया पंडुरोगा हरिसाइ वा भगंदराइ वा हियय-

सूलाइ वा मत्थयसू० जोणिसू० पाससू० कुच्छिसू० गाममारीइ वा णयर० खेड० कब्बड० दोणमुह० मडंब० पट्टण० आसम० संवाह० संणिवेसमारीइ वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुलक्खया वसणब्भूयमणारिया जे यावण्णे तहप्पगारा ण ते सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो अण्णाया० ५ तेसिं वा जमकाइयाणं देवाणं ॥ १६४ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तंजहा—अंबे १ अंबरिसे चेव २, सामे ३ सबलेत्ति यावरे ४ । रुद्दो ५—वरुद्दे ६ काले ७ य, महाकालेत्ति यावरे ८ ॥ १ ॥ असिपत्ते ९ धणू १० कुंभे ११ (असी य असिपत्ते कुंभे) वालू १२ वेयरणीइ य १३ । खरस्सरे १४ महाघोरे १५, एए पण्णरसाहिया ॥ २ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारण्णो सत्तिभागं पलिओवमं ठिई प०, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्डिए जाव जमे महाराया ॥ १६५ ॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो सयंजले णामं महाविमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स पच्चत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जहा सोमस्स तहा विमाणरायहाणीओ भाणियव्वा जाव पासायवडिंसया णवरं णाम-णाणत्तं । सक्कस्स णं वरुणस्स महारण्णो इमे देवा आणा० जाव चिट्ठंति, तं०—वरुणकाइयाइ वा वरुणदेवयकाइयाइ वा णागकुमारा णागकुमारीओ उदहि-कुमारा उदहिकुमारीओ थणियकुमारा थणियकुमारीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति । जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा—अइवासाइ वा मंदवासाइ वा सुवुट्ठीइ वा दुव्वुट्ठीइ वा उदब्भेयाइ वा उदप्पीलाइ वा उदवाहाइ वा पव्वाहाइ वा गाम-वाहाइ वा जाव सण्णिवेसवाहाइ वा पाणक्खया जाव तेसिं वा वरुणकाइयाणं देवाणं । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो जाव अहावच्चा-भिण्णाया होत्था, तंजहा—कक्कोडए कद्दमए अंजणे संखवालए पुंडे, पलासे मोए जए दहिमुहे अयंपुले कायरिए । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वरुणस्स महारण्णो देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्डिए जाव वरुणे महाराया ॥ १६६ ॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो वग्गू णामं महाविमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स

उत्तरेणं जहा सोमस्स विमाणरायहाणिवत्तव्वया तहा णेयव्वा जाव पासायव-डेंसया । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो इमे देवा आणा-उववायवयणणिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा–वेसमणकाइयाइ वा वेसमणदेवयकाइयाइ वा सुवण्णकुमारा सुवण्णकुमारीओ दीवकुमारा दीवकुमारीओ दिसाकुमारा दिसा-कुमारीओ वाणमंतरा वाणमंतरीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति । जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्प-ज्जंति, तंजहा–अयागराइ वा तउयागराइ वा तंबागराइ वा एवं सीसागराइ वा हिरण्ण० सुवण्ण० रयण० वयरागराइ वा वसुहाराइ वा हिरण्णवासाइ वा सुवण्णवासाइ वा रयण० वइर० आभरण० पत्त० पुप्फ० फल० बीय० मल्ल० वण्ण० चुण्ण० गंध० वत्थवासाइ वा हिरण्णवुट्ठीइ वा सु० र० व० आ० प० पु० फ० बी० म० व० चुण्ण० गंधवुट्ठी० वत्थवुट्ठीइ वा भायणवुट्ठीइ वा खीरवुट्ठीइ वा सुयालाइ वा दुक्कालाइ वा अप्पग्घाइ वा महग्घाइ वा सुभि-क्खाइ वा दुभिक्खाइ वा कयविक्कयाइ वा सण्णिहियाइ वा संणिचयाइ वा णिहीइ वा णिहाणाइ वा चिरपोराणाइं पहीणसामियाइ वा पहीणसेउयाइ वा [पहीणमग्गाणि वा] पहीणगोत्तागाराइ वा उच्छिण्णसामियाइ वा उच्छिण्ण-सेउयाइ वा उच्छिण्णगोत्तागाराइ वा सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-चउम्मुह महापह-पहेसु णगरणिद्धमणेसु वा सुसाण-गिरि-कंदर-संति सेलो-वट्ठाण-भवणगिहेसु संणिक्खित्ताइं चिट्ठंति, ण ताइं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो ण अण्णायाइं अदिट्ठाइं असुयाइं अमुयाइं अविण्णायाइं तेसिं वा वेसमणकाइयाणं देवाणं । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महा-रण्णो इमे देवा अहावच्चाभिण्णाया होत्था, तंजहा–पुण्णभद्दे माणिभद्दे सालि-भद्दे सुमणभद्दे चक्के रक्खे पुण्णरक्खे सव्वाणे [पव्वाणे] सव्वजसे सव्वकामे समिद्धे अमोहे असंगे । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरण्णो वेसमणस्स महारण्णो दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एमहिड्ढिए जाव वेसमणे महाराया । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६७॥

तइयं सयं अट्ठमो उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–असुरकुमाराणं भंते !

देवाणं कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति ? गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—चमरे असुरिंदे असुरराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे। णागकुमाराणं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—धरणेणं णागकुमारिंदे णागकुमारराया कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले भूयाणंदे णागकुमारिंदे णागकुमारराया कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले । जहा णागकुमारिंदाणं एयाए वत्तव्वयाए णेयव्वं एवं इमाणं णेयव्वं, सुवण्णकुमाराणं वेणुदेवे वेणुदाली चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे, विज्जुकुमाराणं हरिक्कते हरिस्सहे पभे १ सुप्पभे २ पभकंते ३ सुप्पभकंते ४, अग्गिकुमाराणं अग्गिसीहे अग्गिमाणवे तेऊ तेउसीहे तेउकंते तेउप्पभे, दीवकुमाराणं पुण्णविसिट्ठरूयरूयंसरूयकंत रूयप्पभा, उदहिकुमाराणं जलकंतजलप्पभ-जलजलरूयजलकंतजलप्पभा, दिसाकुमाराणं अमियगई अमियवाहणे तुरियगई खिप्पगई सीहगई सीहविक्कमगई, वाउकुमाराणं वेलंबपभंजणकाल-महाकालअंजणरिट्ठा, थणियकुमाराणं घोसमहाघोसआवत्तवियावत्तणंदियावत्त-महाणंदियावत्ता, एवं भाणियव्वं जहा असुरकुमाराणं। सो० १ का० २ चि० ३ प्प० ४ ते० ५ रु० ६ ज० ७ तु० ८ का० ९ आ० १० सोमे य महाकाले, चित्तप्पभ तेउ तह रुए चेव। जल तह तुरियगई य काले आउत्त पढमा उ। पिसायकुमाराणं पुच्छा ? गोयमा ! दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—काले य महाकाले सुरूवपडिरूव पुण्णभद्दे य। अमरवई माणिभद्दे भीमे य तहा महाभीमे ॥ १ ॥ किंणरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे। अइकाय महाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥ २ ॥ एए वाणमंतराणं देवाणं। जोइसियाणं देवाणं दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—चंदे य सूरे य। सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति ? गोयमा ! दस देवा जाव विहरंति, तंजहा—सक्के देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, ईसाणे देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एसा वत्तव्वया सव्वेसुवि कप्पेसु, एए चेव भाणियव्वा, जे य इंदा ते य भाणियव्वा। सेवं भंते ! २त्ति ॥ १६८ ॥

तइयं सयं णवमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—कइविहे णं भंते ! इंदियविसए पण्णत्ते ?

गोयमा ! पंचविहे इंदियविसए पण्णत्ते, तं०-सोइंदियविसए० जीवाभिगमे जोइसियउद्देसो णेयव्वो अपरिसेसो । से० २ त्ति ॥१६९॥

तइयं सयं दसमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी-चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-समिया चंडा जाया, एवं जहाणुपुव्वीए जावऽच्चुओ कप्पो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥१७०॥

तइयं सयं समत्तं

॥ चउत्थं सयं पढमो बीओ तइओ चउत्थो उद्देसो ॥

चत्तारि विमाणेहिं चत्तारि य होंति रायहाणीहिं । णेरइए लेस्साहिय दस उद्देसा चउत्थसए ॥ १ ॥ रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी-ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कइ लोगपाला प० ? गोयमा ! चत्तारि लोगपाला प०, तंजहा-सोमे जमे वेसमणे वरुणे । एएसि णं भंते ! लोगपालाणं कइ विमाणा प०? गोयमा ! चत्तारि विमाणा प०, तंजहा-सुमणे सव्वओभद्दे वग्गू सुवग्गू । कहि णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो सुमणे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते, तत्थ णं जाव पंचवडेंसया प०, तंजहा-अंकवडेंसए फलिहवडेंसए रयणवडेंसए जायरूववडेंसए मज्झे ईसाणवडेंसए । तस्स णं ईसाणवडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरत्थिमेणं तिरियमसंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीईवइत्ता एत्थ णं ईसाणस्स ३ सोमस्स २ सुमणे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरसजोयण० जहा सक्कस्स वत्तव्वया तइयसए तहा ईसाणस्सवि जाव अच्चणिया समत्ता । चउण्हवि लोगपालाणं विमाणे २ उद्देसओ, चउसुवि विमाणेसु चत्तारि उद्देसा अपरिसेसा, णवरं ठिईए णाणत्तं-आदिदुय तिभागूणा पलिया धणयस्स होंति दो चेव । दो सतिभागा वरुणेपलियमहावच्चदेवाणं ॥१॥ १७१ ॥

चउत्थं सयं पंचमो छट्ठो सत्तमो अट्ठमो उद्देसो

रायहाणीसुवि चत्तारि उद्देसा भाणियव्वा जाव एवंमहिड्ढिए जाव वरुणे महाराया ॥ १७२ ॥

चउत्थं सयं णवमो उद्देसो

णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जइ अणेरइए णेरइएसु उववज्जइ ? पण्णवणाए लेस्सापए तइओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव णाणाइं ॥ १७३ ॥

चउत्थं सयं दसमो उद्देसो

से णूणं भंते ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए एवं चउत्थो उद्देसओ पण्णवणाए चेव लेस्सापए णेयव्वो जाव—परिणामवण्णरस-गंधसुद्धअपसत्थसंकिलिट्ठुण्हा । गइपरिणामपएसोगाहणवग्गणाठाणमप्पबहुं ॥ १ ॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १७४ ॥

चउत्थं सयं समत्तं

॥ पंचमं सयं पढमो उद्देसो ॥

चंप(चंपाए)रवि १ अणिल २ गंठिय ३ सद्दे ४ छउमाउ ५–६ एयण ७ णियंठे ८ । रायगिहं ९ चंपाचंदिमा १० य दस पंचमंमि सए ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था, वण्णओ । तीसे णं चंपाए णयरीए पुण्णभद्दे णामं चेइए होत्था, वण्णओ । सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव एवं वयासी—जंबूद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीणपाईणमुग्गच्छ पाईणदाहिणमागच्छंति, पाईण-दाहिणमुग्गच्छ दाहिणपडीणमागच्छंति, दाहिणपडीणमुग्गच्छ पडीणउदीणमा-गच्छंति, पडीणउदीणं उग्गच्छ उदीचिपाईणमागच्छंति ? हंता ! गोयमा ! जंबूद्दीवे णं दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जाव उदीचिपाईणमागच्छंति ॥ १७५ ॥ जया णं भंते ! जंबूद्दीवे २ दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तया णं उत्त-रड्ढेवि दिवसे भवइ, जया णं उत्तरड्ढेवि दिवसे भवइ तया णं जंबूदीवे २ मंदर-स्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ ? हंता गोयमा ! जया णं

जंबूद्दीवे २ दाहिणड्ढेवि दिवसे जाव राई भवइ। जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणवि दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं दिवसे भवइ तया णं जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं राई भवइ ? हंता गोयमा ! जया णं जंबू० मंदरपुरत्थिमेणं दिवसे जाव राई भवइ। जया णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जया णं उत्तरड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ ? हंता गोयमा ! जया णं जंबू० जाव दुवालसमुहुत्ता राई भवइ। जया णं जंबू० मंदरस्स पुरत्थिमेणं उक्कोसए अट्ठारस जाव तया णं जंबूदीवे २ पच्चत्थिमेणवि उक्को० अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं भंते ! जंबूद्दीवे २ उत्तर० दुवालसमुहुत्ता जाव राई भवइ ? हंता गोयमा ! जाव भवइ। जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जया णं उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं साइरेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ ? हंता गोयमा ! जया णं जंबू० जाव राई भवइ। जया णं भंते ! जंबूदीवे २ पुरत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ जया णं पच्चत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं जंबू० २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तर-दाहिणेणं साइरेगा दुवालसमुहुत्ता राई भवइ ? हंता गोयमा ! जाव भवइ। एवं एएणं कमेणं ओसारेयव्वं सत्तरसमुहुत्ते दिवसे तेरसमुहुत्ता राई भवइ सत्तरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा तेरसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ते दिवसे चोद्दसमुहुत्ता राई सोलसमुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगचउद्दसमुहुत्ता राई पण्णरसमुहुत्ते दिवसे पण्णरसमुहुत्ता राई पण्णरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा पण्णरसमुहुत्ता राई चोद्दसमुहुत्ते दिवसे सोलसमुहुत्ता राई चोद्दसमुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा सोलसमुहुत्ता राई तेरसमुहुत्ते दिवसे सत्तरसमुहुत्ता राई तेरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे साइरेगा सत्तरसमुहुत्ता राई। जया णं जंबू० दाहिणड्ढे जहण्णए दुवालस-

मुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि, जया णं उत्तरड्ढे तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ ? हंता गोयमा ! एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव राई भवइ। जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणवि० तया णं जंबू० मंदरस्स उत्तरदाहिणेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ ? हंता गोयमा ! जाव राई भवइ ॥१६७॥ जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ जया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडसमयंसि वासाणं प० स० प० ? हंता गोयमा ! जया णं जंबू० २ दाहिणड्ढे वासाणं प० स० पडिवज्जइ तह चेव जाव पडिवज्जइ। जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स० पुरत्थिमेणं वासाणं पढमे स० पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ, जया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जाव मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं अणंतरपच्छाकडसमयंसि वासाणं प० स० पडिवण्णे भवइ ? हंता गोयमा ! जया णं जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं, एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव पडिवण्णे भवइ। एवं जहा समएणं अभिलावो भणिओ वासाणं तहा आवलियाएवि २ भाणियव्वो, आणापाणुणवि ३ थोवेणवि ४ लवेणवि ५ मुहुत्तेणवि ६ अहोरत्तेणवि ७ पक्खेणवि ८ मासेणवि ९ उउणावि १०, एएसिं सव्वेसिं जहा समयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो। जया णं भंते ! जंबू० दाहिणड्ढे हेमंताणं पढमे समए पडिवज्जइ जहेव वासाणं अभिलावो तहेव हेमंताणवि २० गिम्हाणवि ३० भाणियव्वो जाव उऊए, एवं तिण्णिवि, एएसिं तीसं आलावगा भाणियव्वा। जया णं भंते ! जंबू० मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जहा समएणं अभिलावो तहेव अयणेणवि भाणियव्वो जाव अणंतरपच्छाकडसमयंसि पढमे अयणे पडिवण्णे भवइ। जहा अयणेणं अभिलावो तहा संवच्छरेणवि भाणियव्वो जुएणवि वाससएणवि वाससहस्सेणवि वाससयसहस्सेणवि पुव्वंगेणवि पुव्वेणवि तुडियंगेणवि तुडिएणवि, एवं पुव्वे २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले पउमे २ णलिणे २ अच्छ(अत्थि)णिउरे २ अउए २ णउए २ पउए २ चूलिया

२ सीसपहेलिया २ पलिओवमेणवि सागरोवमेणवि भाणियव्वो। जया णं भंते! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढेवि पडिवज्जइ तया णं जंबू दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणवि णेवत्थि ओसप्पिणी णेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पण्णत्ते ? समणाउसो ! हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं जाव समणाउसो ! जहा ओसप्पिणीए आलावओ भणिओ एवं उस्सप्पिणीएवि भाणियव्वो ॥ १७७ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ० जच्चेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव सव्वा अपरिसेसिया लवणसमुद्दस्सवि भाणियव्वा,' णवरं अभिलावो इमो णेयव्वो–जया णं भंते ! लवणे समुद्दे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तं चेव जाव तया णं लवणे समुद्दे पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ। एएणं अभिलावेणं णेयव्वं। जया णं भंते ! लवणसमुद्दे दाहिणड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढे पढमा ओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं लवणसमुद्दे पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं णेवत्थि ओसप्पिणी जाव समणाउसो ! ? हंता गोयमा ! जाव समणाउसो !। धायइसंडे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ० जहेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव धायइसंडस्सवि भाणियव्वा, णवरं इमेणं अभिलावेणं सव्वे आलावगा भाणियव्वा। जया णं भंते ! धायइसंडे दीवे दाहिणड्ढे दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि जया णं उत्तरड्ढेवि तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं राई भवइ ? हंता गोयमा ! एवं चेव जाव राई भवइ। जया णं भंते ! धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरत्थिमेणं दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणवि, जया णं पच्चत्थिमेणवि तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं उत्तरेणं दाहिणेणं राई भवइ ? हंता गोयमा ! जाव भवइ। एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं जाव जया णं भंते ! दाहिणड्ढे पढमा ओस० तया णं उत्तरड्ढे जया णं उत्तरड्ढे तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं णत्थि ओस० जाव समणाउसो ! ? हंता गोयमा ! जाव समणाउसो ! जहा लवणसमुद्दस्स वत्तव्वया तहा कालोदस्सवि भाणियव्वा, णवरं कालोदस्स णामं भाणियव्वं। अब्भितरपुक्खरद्धे णं भंते ! सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ०

जहेव धायइसंडस्स वत्तव्वया तहेव अब्भितरपुक्खरद्धस्सवि भाणियव्वा णवरं अभिलावो जाव जाणेयव्वो जाव तया णं अब्भितरपुक्खरद्धे मंदराणं पुरत्थिम-पच्चत्थिमेणं णेवत्थि ओस० णेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पण्णत्ते समणाउसो ! सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १७८ ॥

पंचमं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी--अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि। अत्थि णं भंते ! पुरत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि। एवं पच्चत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं दाहिणपुरत्थिमेणं, दाहिणपच्चत्थिमे णं उत्तरपच्चत्थिमे णं। जया णं भंते ! पुरत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं पुरेवाया जया णं पच्चत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया तया णं पुरत्थिमेणवि ? हंता गोयमा ! जया णं पुरत्थिमेणं तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं जया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं तया णं पुरत्थिमेणवि ईसिं, एवं दिसासु विदिसासु । अत्थि णं भंते ! दीविच्चया ईसिं ? हंता ! अत्थि। अत्थि णं भंते ! सामुद्दया ईसिं ? हंता ! अत्थि। जया णं भंते ! दीविच्चया ईसिं तया णं सामुद्दयावि ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं तया णं दीविच्चयावि ईसिं ? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जया णं दीविच्चया ईसिं णो णं तया सामुद्दया ईसिं जया णं सामुद्दया ईसिं णो णं तया दीविच्चया ईसिं ? गोयमा ! तेसि णं वायाणं अण्णमण्णस्स विवच्चासेणं लवणे समुद्दे वेलं णाइक्कमइ से तेणट्ठेणं जाव वाया वायंति। अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ? हंता ! अत्थि। कया णं भंते ! ईसिं जाव वायंति ? गोयमा! जया णं वाउयाए अहारियं रियंति तया णं ईसिं जाव वायंति। अत्थि णं भंते! ईसिं० ? हंता ! अत्थि। कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था० ? गोयमा ! जया णं वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तया णं ईसिं जाव वायंति। अत्थि णं भंते ! ईसिं० ? हंता अत्थि। कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्था० ? गोयमा ! जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा

तदुभयस्स वा अट्ठाए वाउकायं उदीरेंति तया णं ईसिं पुरेवाया जाव वायंति । वाउयाए णं भंते ! वाउयायं चेव आणमंति पाण० ? जहा खंदए तहा चत्तारि आलावगा णेयव्वा अणेगसयसहस्स० पुट्ठे उद्दाइ ससरीरी णिक्खमइ ॥१७९॥ अह भंते ! ओदणे कुम्मासे सुरा एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया ? गोयमा! ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च वणस्सइ-जीवसरीरा तओ पच्छा सत्थाईया सत्थपरिणामिया अगणिज्झामिया अगणि-ज्झूसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया, सुराए य जे दवे दव्वे एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च आउजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिकायसरीरा इ वत्तव्वं सिया । अहण्णं भंते ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया एए णं किंसरीरा इ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया, एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च पुढवी-जीवसरीरा तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिजीवसरीरा इ वत्तव्वं सिया । अहण्णं भंते ! अट्ठी अट्ठिज्झामे चम्मे चम्मज्झामे रोमे २ सिंगे २ खुरे २ णहे २ एए णं किंसरीरा इ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! अट्ठी चम्मे रोमे सिंगे खुरे णहे एए णं तसपाणजीवसरीरा अट्ठिज्झामे चम्मज्झामे रोमज्झामे सिंग० खुर० णहज्झामे एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च तसपाणजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थाईया जाव अगणिजीव० त्ति वत्तव्वं सिया । अह भंते ! इंगाले छारिए भुसे गोमए-एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! इंगाले छारिए भुसे गोमए-एए णं पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियजीवसरीरप्पओगपरि-णामियावि जाव पंचिंदियजीवसरीरप्पओगपरिणामियावि तओ पच्छा सत्था-ईया जाव अगणिजीवसरीरा इ वत्तव्वं सिया ॥१८०॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णत्ते ? एवं णेयव्वं जाव लोगट्ठिई लोगाणुभावे, सेवं भंते ! २ त्ति भगवं जाव विहरइ ॥ १८१ ॥

पंचमं सयं तइओ उद्देसो

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति भा० प० एवं प० से जहाणामए जालगंठिया सिया आणुपुव्विगढिया अणंतरगढिया परंपरगढिया अण्णमण्ण-गढिया अण्णमण्णगरुयत्ताए अण्णमण्णभारियत्ताए अण्णमण्णगरुयसंभारियत्ताए

अण्णमण्णघडत्ताए जाव चिट्ठइ। एवामेव बहूणं जीवाणं बहूसु आजाइसहस्सेसु बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति, एगेऽविय णं जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पडिसंवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं च परभवियाउयं च। जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ जाव से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं ते अण्णउत्थिया तं चेव जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु तं मिच्छा, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि से जहाणामए जालगंठिया सिया जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति, एवामेव एगमेगस्स जीवस्स बहूहिं आजाइसहस्सेहिं बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति, एगेऽविय णं जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ णो तं समयं पर० पडिसंवेदेइ जं समयं प० णो तं समयं इहभवियाउयं प०, इहभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए णो परभवियाउयं पडिसंवेदेइ परभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए णो इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं प० तंजहा–इहभ० वा परभ० वा ॥१८२॥ जीवे णं भंते! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किं साउए संकमइ णिराउए संकमइ? गोयमा! साउए संकमइ णो णिराउए संकमइ। से णं भंते! आउए कहिं कडे कहिं समाइण्णे? गोयमा! पुरिमे भवे कडे पुरिमे भवे समाइण्णे। एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ। से णूणं भंते! जे जं भविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तंजहा–णेरइयाउयं वा जाव देवाउयं वा? हंता गोयमा! जे जं भविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तंजहा–णेरइयाउयं वा तिरि० मणू० देवाउयं वा, णेरइयाउयं पकरेमाणे सत्तविहं पकरेइ, तंजहा–रयणप्पभा पुढविणेरइयाउयं वा जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयाउयं वा, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे पंचविहं पकरेइ, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियाउयं वा, भेदो सव्वो भाणियव्वो, मणुस्साउयं दुविहं, देवाउयं चउव्विहं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥१८३॥

पंचमं सयं चउत्थो उद्देसो

छउमत्थे णं भंते! मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–संखसद्दाणि वा सिंगस० संखियस० खरमुहीस० पोयास० परिपिरियास० पणवस०

पडहस० भंभास० होरंभस० भेरिसद्दाणि वा झल्लरीस० दुंदुहिस० तयाणि वा वितयाणि वा घणाणि वा झुसिराणि वा ? हंता गोयमा ! छउमत्थे णं मणूसे आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तंजहा—संखसद्दाणि वा जाव झुसिराणि वा। ताइं भंते ! किं पुट्ठाइं सुणेइ अपुट्ठाइं सुणेइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं सुणेइ णो अपुट्ठाइं सुणेइ, जाव णियमा छद्दिसिं सुणेइ। छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ? गोयमा ! आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ णो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ। जहा णं भंते ! छउमत्थे मणुस्से आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ णो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ तहा णं भंते ! केवली मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ? गोयमा ! केवली णं आरगयं वा पारगयं वा सव्वदूरमूलमणंतियं सद्दं जाणेइ पासेइ। से केणट्ठेणं तं चेव केवली णं आरगयं वा पारगयं वा जाव पासइ ? गोयमा ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जा० एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढं अहे मियंपि जा० अमियं पि जा० सव्वं जाणइ केवली सव्वं पासइ केवली सव्वओ जाणइ पासइ सव्वकालं जा० पा० सव्वभावे जाणइ केवली सव्वभावे पासइ केवली। अणंते णाणे केवलिस्स अणंते दंसणे केवलिस्स णिव्वुडे णाणे केवलिस्स णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेणट्ठेणं जाव पासइ ॥१८४॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ? हंता ! हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा। जहा णं भंते ! छउमत्थे मणुस्से हसेज्ज जाव उस्सु० तहा णं केवलीवि हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो णं तहा केवली हसेज्ज वा जाव उस्सुयाएज्ज वा ? गोयमा ! जण्णं जीवा चरित्तमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं हसंति वा उस्सुयायंति वा से णं केवलिस्स णत्थि, से तेणट्ठेणं जाव णो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा। जीवे णं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा। णेरइए णं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, जीवा णं भंते ! हसमाणा वा उस्सुयायमाणा वा कइ कम्मपयडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा अहवा सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि,

अट्ठवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य । एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो । छउमत्थे णं भंते ! मणूसे णिद्दाएज्ज वा पयला-एज्ज वा ? हंता ! णिद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा । जहा हसेज्ज वा तहा णवरं दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं णिद्दायंति वा पयलायंति वा, से णं केव-लिस्स णत्थि, अण्णं तं चेव । जीवे णं भंते ! णिद्दायमाणे वा पयलायमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ॥ १८५ ॥ हरी णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कदूए इत्थीगब्भं संहरमाणे किं गब्भाओ गब्भं साहरइ १ गब्भाओ जोणिं साहरइ २ जोणीओ गब्भं साहरइ ३ जोणीओ जोणिं साहरइ ४ ? गोयमा ! णो गब्भाओ गब्भं साहरइ णो गब्भाओ जोणिं साहरइ णो जोणीओ जोणिं साहरइ परामुसिय २ अव्वाबाहेणं अव्वाबाहं जोणीओ गब्भं साहरइ । पभू णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कस्स णं दूए इत्थीगब्भं णहसिरंसि वा रोमकूवंसि वा साहरित्तए वा णीहरित्तए वा ? हंता ! पभू, णो चेव णं तस्स गब्भस्स किंचिवि आबाहं वा विबाहं वा उप्पाएज्जा छविच्छेदं पुण करेज्जा, एसुहुमं च णं साहरिज्ज वा णीहरिज्ज वा ॥ १८६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए । तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे अण्णया कयाइ महा-वुट्ठिकायंसि णिवयमाणंसि कक्खपडिग्गहरयहरणमायाए बहिया संपट्ठिए विहा-राए । तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे वाहयं वहमाणं पासइ २ मट्टियाए पालिं बंधइ २ णाविया मे २ णाविओविव णावमयं पडिग्गहयं उदगंसि कट्टु पव्वाह-माणे २ अभिरमइ, तं च थेरा अद्दक्खु, जेणेव समणे भगवं० तेणेव उवागच्छंति २ एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे से णं भंते ! अइमुत्ते कुमारसमणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिइ जाव अंतं करे-हिइ ? अज्जो त्ति ! समणे भगवं महावीरे ते थेरे एवं वयासी—एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगइभद्दए जाव विणीए से णं अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ, तं मा णं अज्जो ! तुब्भे अइमुत्तं कुमारसमणं हीलेह णिंदह खिंसह गरहह अवमण्णह, तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हह अगिलाए

उवगिण्हह अगिलाए भत्तेणं पाणेणं विणएणं वेयावडियं करेह, अइमुत्ते णं कुमारसमणे अंतकरे चेव अंतिमसरीरिए चेव । तए णं ते थेरा भगवंतो समणेणं भगवया म० एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयावडियं करेंति ॥१८७॥ तेणं कालेणं २ महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्डिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया, तए णं ते देवा समणं भगवं महावीरं मणसा चेव वंदंति णमंसंति मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं पुच्छंति–कइ णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासीसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ? तए णं समणे भगवं महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा पुट्ठे तेसिं देवाणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! ममं सत्त अंतेवासीसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति । तए णं ते देवा समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति २ त्ता मणसा चेव सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव अदूरसामंते उड्ढंजाणू जाव विहरइ । तए णं तस्स भगवओ गोयमस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था, एवं खलु दो देवा महिड्डिया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया तं णो खलु अहं ते देवे जाणामि कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ वा कस्स वा अत्थस्स अट्ठाए इहं हव्वमागया ? तं गच्छामि णं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि इमाइं च णं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामित्ति कट्टु एवं संपेहेइ २ उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महा० जाव पज्जुवासइ । गोयमाई ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–से णूणं तव गोयमा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव हव्वमागए से णूणं गोयमा ! अत्थे समत्थे ? हंता ! अत्थि, तं गच्छाहि णं गोयमा ! एए चेव देवा इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेहिंति । तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए

समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ जेणेव ते देवा तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं ते देवा भगवं गोयमं एज्जमाणं पासंति २ हट्ठा जाव हय-हियया खिप्पामेव अब्भुट्ठेंति २ खिप्पामेव पच्चुवागच्छंति २ जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी—एवं खलु भंते! अम्हे महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्डिया जाव पाउब्भूया तए णं अम्हे समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो २ मणसा चेव इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छामो—कइ णं भंते! देवाणुप्पियाणं अंतेवासीसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति? तए णं समणे भगवं महा-वीरे अम्हेहिं मणसा पुट्ठे अम्हं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेइ—एवं खलु देवाणु० मम सत्त अंतेवासीसयाइं जाव अंतं करेहिंति, तए णं अम्हे सम-णेणं भगवया महावीरेणं मणसा चेव पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो २ जाव पज्जुवासा-मोत्तिकट्टु भगवं गोयमं वंदंति णमंसंति २ जामेव दिसिं पाउ० तामेव दिसिं प० ॥ १८८॥ भंतेत्ति! भगवं गोयमे समणं जाव एवं वयासी—देवा णं भंते! संजयाइ वत्तव्वं सिया? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे अब्भक्खाणमेयं। देवा णं भंते! असंजया इ वत्तव्वं सिया? गोयमा! णो इणट्ठे० णिट्ठुरवयणमेयं। देवा णं भंते! संजयासंजया इ वत्तव्वं सिया? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, असब्भूयमेयं देवाणं। से किं खाई णं भंते! देवा इ वत्तव्वं सिया? गोयमा! देवा णं णोसंजयाइ वत्तव्वं सिया ॥१८९॥ देवा णं भंते! कयराए भासाए भासंति? कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ? गोयमा! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सावि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ ॥ १९० ॥ केवली णं भंते! अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ? हंता! गोयमा! जाणइ पासइ। जहा णं भंते! केवली अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ तहा णं छउमत्थेवि अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणइ पासइ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, सोच्चा जाणइ, पासइ, पमा-णओ वा। से किं तं सोच्चा? सोच्चा णं केवलिस्स वा केवलिसावयस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासियाए वा केवलि उवासगस्स वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्प-

विवयउवासियाए वा से तं सोच्चा ॥ १६१ ॥ से किं तं पमाणे ? पमाणे चउव्विहे प० तंजहा–पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे, जहा अणुओगदारे तहा णेयव्वं पमाणं जाव तेण परं णो अत्तागमे णो अणंतरागमे परंपरागमे ॥ १६२ ॥ केवली णं भंते ! चरिमकम्मं वा चरिमणिज्जरं वा जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ । जहा णं भंते ! केवली चरिमकम्मं वा जहा णं अंतकरेणं आलावगो तहा चरिमकम्मेणवि अपरिसेसिओ णेयव्वो ॥१६३॥ केवली णं भंते ! पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ? हंता ! धारेज्जा । जहा णं भंते ! केवली पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ते णं वेमाणिया देवा जाणंति पासंति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति पा० अत्थेगइया ण जाणंति ण पा० । से केणट्ठेणं जाव ण जाणंति ण पासंति ? गोयमा ! वेमाणिया देवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा ते ण जाणंति ण पासंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा ते णं जाणंति पासंति । से केणट्ठेणं एवं वु० अमाई सम्मदिट्ठी जाव पा० ? गोयमा ! अमाई सम्मदिट्ठी दुविहा पण्णत्ता–अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य, तत्थ अणंतरोववण्णगा ण जा० परंपरोववण्णगा जाणंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं० परंपरोववण्णगा जाव जाणंति ? गोयमा ! परंपरोववण्णगा दुविहा पण्णत्ता–पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, पज्जत्ता जा० अपज्जत्ता ण जा०, एवं अणंतरपरंपरपज्जत्तअपज्जत्ता य उवउत्ता अणुवउत्ता, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जा० पा० से तेणट्ठेणं त चेव ॥ १६४ ॥ पभू णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा इहगएणं केवलिणा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ? हंता ! पभू । से केणट्ठेणं जाव पभू णं अणुत्तरोववाइया देवा जाव करेत्तए ? गोयमा ! जण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा कारणं वा वागरणं वा पुच्छंति तण्णं इहगए केवली अट्ठं वा जाव वागरणं वा वागरेइ से तेणट्ठेणं । जण्णं भंते ! इहगए चेव केवली अट्ठं वा जाव वागरेइ तण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा जा० पा० ? हंता ! जाणंति पासंति । से केणट्ठेणं जाव पासंति ? गोयमा ! तेसि णं देवाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ भवंति से तेण-

ट्ठेणं जण्णं इहगए केवली जाव पा० ॥ १९५॥ अणुत्तरोववाइया णं भंते ! देवा किं उदिण्णमोहा उवसंतमोहा खीणमोहा ? गोयमा ! णो उदिण्णमोहा उवसंतमोहा णो खीणमोहा ॥१९६॥ केवली णं भंते ! आयाणेहिं जा० पा० ? गोयमा ! णो इणट्ठे स० । से केणट्ठेणं जाव केवली णं आयाणेहिं ण जाणइ ण पासइ ? गोयमा ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जा० जाव णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेण० ॥१९७॥ केवली णं भंते ! अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा ओगाहित्ता णं चिट्ठइ पभू णं भंते ! केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव ओगाहित्ता णं चिट्ठित्तए ? गोयमा ! णो इ० । से केणट्ठेणं भंते ! जाव केवली णं अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठित्तए ? गो० ! केवलिस्स णं वीरियसजोगसद्दव्वयाए चलाइं उवकरणाइं भवंति, चलोवगरणट्ठयाए य णं केवली अस्सिं समयंसि जेसु आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठइ णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव जाव चिट्ठित्तए, से तेणट्ठेणं जाव वुच्चइ-केवली णं अस्सिं समयंसि जाव चिट्ठित्तए ॥ १९८ ॥ पभू णं भंते ! चोद्दसपुव्वी घडाओ घडसहस्सं पडाओ पडसहस्सं कडाओ २ रहाओ २ छत्ताओ छत्तसहस्सं दंडाओ दंडसहस्सं अभिणिव्वट्टेत्ता उवदंसेत्तए ? हंता ! पभू । से केणट्ठेणं पभू चउद्दसपुव्वी जाव उवदंसेत्तए ? गोयमा ! चउद्दसपुव्विस्स णं अणंताइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाणाइं लद्धाइं पत्ताइं अभिसमण्णागयाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ १९९ ॥

पंचमं सयं पंचमो उद्देसो

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं० जहा पढमसए चउत्थुद्देसे आलावगा तहा णेयव्वा जाव अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ २०० ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति । से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदेंति जे ते एव-

माहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं अत्थेगइया ? तं चेव उच्चारेयव्वं, गोयमा ! जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेयणं वेदेंति, जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा णो तहा वेयणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं तहेव । णेरइया णं भंते ! किं एवंभूयं वेयणं वेदेंति अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! णेरइया णं एवंभूयंपि वेयणं वेदेंति अणेवंभूयंपि वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं तं चेव ? गोयमा ! जे णं णेरइया जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति ते णं णेरइया एवंभूयं वेयणं वेदेंति जे णं णेरइया जहा कडा कम्मा णो तहा वेयणं वेदेंति ते णं णेरइया अणेवंभूयं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया । संसारमंडलं णेयव्वं ॥ २०१ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! इह भारहे वासे इमीसे ओस०कइ कुलगरा होत्था ? गोयमा ! सत्त एवं तित्थयरा तित्थयरमायरो पियरो पढमा सिस्सिणीओ चक्कवट्टीमायरो पियरो इत्थिरयणं बलदेवा वासुदेवा वासुदेवमायरो पियरो, एएसिं पडिसत्तू जहा समवाए णामपरिवाडीए तहा णेयव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २०२ ॥

पंचमं सयं छट्ठो उद्देसो

कहण्णं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं, तंजहा—पाणे अइवाएत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता, एवं खलु जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । कहण्णं भंते ! जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं—णो पाणे अइवाइत्ता णो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । कहण्णं भंते ! जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! पाणे अइवाइत्ता मुसं वइत्ता

तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलित्ता णिंदित्ता खिंसित्ता गरहित्ता अवमण्णित्ता अण्णयरेणं अमणुण्णेणं अपीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति । कहण्णं भंते ! जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! णो पाणे अइवाइत्ता णो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता अण्णयरेणं मणुण्णेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ॥ २०३ ॥ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा तस्स णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ परिग्गहिया० माया० अप० मिच्छा० ? गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ परि० माया० अपच्च० मिच्छादंसणकिरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ । अह से भंडे अभिसमण्णागए भवइ, तओ से पच्छा सव्वाओ ताओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! तं भंडं विक्किणमाणस्स कइए भंडं साइज्जेज्जा भंडे य से अणुवणीए सिया । गाहावइस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ कइयस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ गोयमा ! गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणिया मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ, कइयस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स जाव भंडे से उवणीए सिया कइयस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ० ? गाहावइस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! कइयस्स ताओ भंडाओ हेट्ठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति मिच्छादंसणकिरिया भयणाए, गाहावइस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति । गाहावइस्स णं भंते ! भंडं जाव धणे य से अणुवणीए सिया एवंपि जहा भंडे उवणीए तहा णेयव्वं चउत्थो आलावगो, धणे से उवणीए सिया जहा पढमो आलावगो भंडे य से अणुवणीए सिया तहा णेयव्वो पढमचउत्थाणं एक्को गमो बिइयतइयाणं एक्को गमो । अगणिकाए णं भंते ! अहुणोज्जलिए समाणे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव भवइ, अहे णं समए २ वोक्कसिज्जमाणे २

चरिमकालसमयंसि इंगालब्भूए मुम्मुरब्भूए छारियब्भूए तओ पच्छा अप्प-कम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव भवइ ? हंता गोयमा ! अगणिकाए णं अहुणोज्जलिए समाणे तं चेव ॥२०४॥ पुरिसे णं भंते ! धणुं परामुसइ परामुसित्ता उसुं परामुसइ २ ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ आययकण्णाययं उसुं करेत्ता उड्ढं वेहासं उसुं उव्विहइ २ तओ णं से उसुं उड्ढं वेहासं उव्विहिए समाणे जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणइ वत्तेइ लेस्सेइ संघाएइ संघट्टेइ परियावेइ किलामेइ ठाणाओ ठाणं संकामेइ जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे धणुं परामुसइ २ जाव उव्विहइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवाय-किरीयाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू णिव्व-त्तिए तेऽवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे(ट्ठा)एवं धणु-पुट्ठे पंचहिं, किरियाहिं, जीवा पंचहिं, ण्हारू पंचहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं ॥२०५॥ अहे णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुय-संभारियत्ताए अहे वीससाए पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू णिव्वत्तिए तेवि जीवा चउहिं किरियाहिं, धणुपुट्ठे चउहिं, जीवा चउहिं, ण्हारू चउहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले ण्हारू पंचहिं, जेवि य से जीवा अहे पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ २०६ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा णाभी अरगाउत्ता सिया एवामेव जाव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइण्णे मणुयलोए मणुस्सेहिं । से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव मणुस्सेहिं जे ते एवमाहंसु मिच्छा०, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवामेव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइण्णे णिरयलोए णेरइएहिं ॥ २०७ ॥ णेरइया णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ? जहा जीवाभिगमे आला-

वगो तहा णेयव्वो जाव दुरहियासे ॥ २०८ ॥ आहाकम्मं अणवज्जेत्ति मणं पहारेत्ता भवइ, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ–अत्थि तस्स आराहणा। एएणं गमेणं णेयव्वं–कीयगडं ठवियं रइयं कंतारभत्तं दुब्भिक्खभत्तं वद्दलियाभत्तं गिलाणभत्तं सेज्जायरपिंडं रायपिंडं। आहाकम्मं अणवज्जेत्ति बहुजणस्स मज्झे भासित्ता सयमेव परिभुंजित्ता भवइ से णं तस्स ठाणस्स जाव अत्थि तस्स आराहणा। एयंपि तह चेव जाव रायपिंडं। आहाकम्मं अणवज्जेत्ति अण्णमण्णस्स अणुप्पदावइत्ता भवइ, से णं तस्स एयं तह चेव जाव रायपिंडं। आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति बहुजणमज्झे पण्णवइत्ता भवइ से णं तस्स जाव– अत्थि आराहणा जाव रायपिंडं ॥२०९॥ आयरियउवज्झाए णं भंते ! सविसयंसि गणं अगिलाए संगिण्हमाणे अगिलाए उवगिण्हमाणे कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ ॥२१०॥ जे णं भंते ! परं अलिएणं असब्भूएणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं कहप्पगारा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! जे णं परं अलिएणं असंतवयणेणं अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाइ तस्स णं तहप्पगारा चेव कम्मा कज्जंति, जत्थेव णं अभिसमागच्छइ तत्थेव णं पडिसंवेदेइ तओ से पच्छा वेदेइ। सेवं भंते ! २ त्ति ॥२११॥

पंचमं सयं सत्तमो उद्देसो

परमाणुपोग्गले णं भंते ! एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ वेयइ जाव परिणमइ सिय णो एयइ जाव णो परिणमइ। दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ जाव परिणमइ ? गोयमा ! सिय एयइ जाव परिणमइ सिय णो एयइ जाव णो परिणमइ, सिय देसे एयइ देसे णो एयइ। तिप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ० ? गोयमा ! सिय एयइ सिय णो एयइ, सिय देसे एयइ णो देसे एयइ सिय देसे एयइ णो देसा एयंति सिय देसा एयंति णो देसे एयइ। चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयइ० ? गोयमा ! सिय एयइ सिय णो एयइ सिय देसे एयइ णो देसे एयइ सिय देसे एयइ णो देसा एयंति सिय देसा एयंति णो देसे एयइ सिय देसा एयंति णो देसा एयंति जहा चउप्पएसिओ तहा पंचपएसिओ तहा जाव अणंतपएसिओ ॥२१२॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ? हंता ! ओगा-

हेज्जा ! से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ। एवं जाव असंखेज्जपएसिओ। अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ? हंता ! ओगाहेज्जा। से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? गोयमा ! अत्थेगइए छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा अत्थेगइए णो छिज्जेज्ज वा णो भिज्जेज्ज वा। एवं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं तहिं णवरं झियाएज्जा भाणियव्वं, एवं पुक्खलसंवट्टगस्स महामेहस्स मज्झंमज्झेणं तहिं उल्ले सिया, एवं गंगाए महाणईए पडिसोयं हव्वमागच्छेज्जा तहिं विणिहायमावज्जेज्जा, उदगावत्तं वा उदगबिंदुं वा वा ओगाहेज्जा से णं तत्थ परियावज्जेज्जा ॥२१३॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सअड्ढे समज्झे सपएसे ? उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपएसे ? गोयमा ! अणड्ढे अमज्झे अपएसे णो सअड्ढे णो समज्झे णो सपएसे। दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे समज्झे सपएसे उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपएसे ? गोयमा ! सअड्ढे अमज्झे सपएसे णो अणड्ढे णो समज्झे णो अपएसे। तिप्पएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा ? गोयमा ! अणड्ढे समज्झे सपएसे णो सअड्ढे णो अमज्झे णो अपएसे। जहा दुप्पएसिओ तहा जे समा ते भाणियव्वा, जे विसमा ते जहा तिप्पएसिओ तहा भाणियव्वा। संखेज्जपएसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे ६ ? गोयमा ! सिय सअड्ढे अमज्झे सपएसे सिय अणड्ढे समज्झे सपएसे जहा संखेज्जपएसिओऽवि तहा असंखेज्जपएसिओवि, अणंतपएसिओ वि ॥२१४॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! परमाणुपोग्गलं फुसमाणे किं देसेणं देसं फुसइ १ देसेणं देसे फुसइ २ देसेणं सव्वं फुसइ ३ देसेहिं देसं फुसइ ४ देसेहिं देसे फुसइ ५ देसेहिं सव्वं फुसइ ६ सव्वेणं देसं फुसइ ७ सव्वेणं देसे फुसइ ८ सव्वेणं सव्वं फुसइ ९ ? गोयमा ! णो देसेणं देसं फुसइ णो देसेणं देसे फुसइ णो देसेणं सव्वं फुसइ णो देसेहिं देसं फुसइ णो देसेहिं देसे फुसइ णो देसेहिं सव्वं फुसइ णो सव्वेणं देसं फुसइ णो सव्वेणं देसे फुसइ सव्वेणं सव्वं फुसइ। एवं परमाणुपोग्गले दुप्पएसियं फुसमाणे सत्तमणवमेहिं फुसइ, परमाणुपोग्गले तिप्पएसियं फुसमाणे णिप्पच्छिमएहिं तिहिं फु०, जहा परमाणुपोग्गले तिप्पएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसिओ। दुप्पएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा ? तइयणवमेहिं फुसइ, दुप्पएसिओ दुप्पएसियं

फुसमाणो पढमतइयसत्तमणवमेहिं फुसइ, दुप्पएसिओ तिप्पएसियं फुसमाणो आइल्लएहि य पच्छिल्लएहि य तिहिं फुसइ, मज्झिमएहिं तिहिं विपडिसेहेयव्वं, दुप्पएसिओ जहा तिप्पएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसियं। तिपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, तइयछट्ठणवमेहिं फुसइ, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढमएणं तइएणं चउत्थछट्ठसत्तमणव-मेहिं फुसइ, तिपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो सव्वेसुवि ठाणेसु फुसइ, जहा तिपएसिओ तिपएसियं फुसाविओ एवं तिप्पएसिओ जाव अणंतपएसिएणं संजो-एयव्वो, जहा तिपएसिओ एवं जाव अणंतपएसिओ भाणियव्वो ॥ २१५ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपएसोगाढे णं भंते ! पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे अण्णंमि वा ठाणे कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जह० एगं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एगपएसोगाढे णं भंते ! पोग्गले णिरेए कालओ केव-च्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एगगुणकालए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० एगं समयं उ० असंखेज्जं कालं एवं जाव अणंतगुण-कालए, एवं वण्णगंधरसफास० जाव अणंतगुणलुक्खे, एवं सुहुमपरिणए पोग्गले एवं बायरपरिणए पोग्गले। सद्दपरिणए णं भंते ! पोग्गले कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! ज० एगं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं। असद्दपरि-णए जहा एगगुणकालए। परमाणुपोग्गलस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते ! खंधस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ। एगपएसोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स सेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। एगपए-सोगाढस्स णं भंते ! पोग्गलस्स णिरेयस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे। वण्णगंधरसफाससुहुमपरिणयबायरपरिणयाणं एएसिं

जं चेव संचिट्ठणा तं चेव अंतरंपि भाणियव्वं । सद्दपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । असद्दपरिणयस्स णं भंते ! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं ॥ २१६ ॥ एयस्स णं भंते ! दव्वट्ठाणाउयस्स खेत्तट्ठाणाउयस्स ओगाहणट्ठाणाउयस्स भावट्ठाणाउयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे खेत्तट्ठाणाउए ओगाहणट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे दव्वट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे भावट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे—खेत्तोगाहणदव्वे भावट्ठाणाउयं च अप्पबहुं । खेत्ते सव्वत्थोवे सेसा ठाणा असंखेज्जगुणा ॥ १ ॥ २१७॥ णेरइया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा ? गोयमा ! णेरइया सारंभा सपरिग्गहा णो अणारंभा णो अपरिग्गहा । से केणट्ठेणं जाव अपरिग्गहा ? गोयमा ! णेरइया णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परि० भ०, से तेणट्ठेणं तं चेव । असुरकुमारा णं भंते ! किं सारंभा ४ ? पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमारा सारंभा सपरिग्गहा णो अणारंभा अप० । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! असुरकुमारा णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति भवणा परि० भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणियाओ परिग्गहिया भवंति आसणसयणभंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति से तेणट्ठेणं तहेव एवं जाव थणियकुमारा । एगिंदिया जहा णेरइया । बेइंदिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा ? तं चेव जाव सरीरा परिग्गहिया भवंति बाहिरिया भंडमत्तोवगरणा परि० भवंति सचित्ताचित्त० जाव भवंति एवं जाव चउरिंदिया । पंचेंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! ० तं चेव जाव कम्मा परि० भवंति टंका कूडा सेला सिहरी पब्भारा परिग्गहिया भवंति जलथलबिलगुहलेणा परिग्गहिया भवंति उज्झरणिज्झरचिल्ललपल्ललवप्पिणा परिग्गहिया भवंति अगडतडागदहणईओ वाविपुक्खरिणीदीहिया गुंजालिया सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतियाओ परिग्गहियाओ भवंति आरामुज्जाणा काणणा

वणा वणसंडा वणराईओ परिग्गहियाओ भवंति देवउल-सभ-पव-थूभ-खाइय-परिखाओ परिग्गहियाओ भवंति पागारअट्टालगचरियदारगोपुरा परिग्गहिया भवंति पासायघरसरणलेणआवणा परिग्गहिया भवंति सिंघाडगतिगचउक्क-चच्चरचउम्मुहमहापहा परिग्गहिया भवंति सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लि-सीयसंदमाणियाओ परिग्गहियाओ भवंति लोहीलोहकडाहकडुच्छया परिग्गहिया भवंति भवणा परिग्गहिया भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिआ तिरिक्खजोणिणीओ आसणसयणखंडभडसचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति से तेणट्ठेणं० । जहा तिरिक्खजोणिया तहा मणुस्सावि भाणियव्वा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा भवणवासी तहा णेयव्वा ॥२१८॥ पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा–हेउं जाणइ हेउं पासइ हेउं बुज्झइ हेउं अभिसमागच्छइ हेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच हेऊ प०, तंजहा–हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ । पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा–हेउं ण जाणइ जाव हेउं अण्णाणमरणं मरइ । पंच हेऊ पण्णत्ता, तंजहा–हेउणा ण जाणइ जाव हेउणा अण्णाणमरणं मरइ । पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा–अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ । पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा–अहेउणा जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ । पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा–अहेउं ण जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ । पंच अहेऊ पण्णत्ता, तंजहा–अहेउणा ण जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥२१९॥

पंचमं सयं अट्ठमो उद्देसो

तेणं कालेणं २ जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी णारयपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विहरइ । तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी णियंठिपुत्ते णामं अण० पगइभद्दए जाव विहरइ, तए णं से णियंठिपुत्ते अण० जेणामेव णारयपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ णारयपुत्तं अण० एवं वयासी–सव्वा पोग्गला ते अज्जो ! किं सअड्ढा समज्झा सपएसा उदाहु अणड्ढा अमज्झा अपएसा ? अज्जो ! त्ति णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी–सव्वपोग्गला मे अज्जो ! सअड्ढा समज्झा सपएसा णो अणड्ढा अमज्झा अपएसा । तए णं से णियंठिपुत्ते अणगारे णारयपुत्तं अ० एवं वयासी–जइ णं ते अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा णो

अणड्ढा अमज्झा अपएसा किं दव्वादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा णो अणड्ढा अमज्झा अपएसा ? खेत्तादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा तह चेव, कालादेसेणं तं चेव, भावादेसेणं तं चेव ? तए णं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी–दव्वादेसे· णवि मे अज्जो ! सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा णो अणड्ढा अमज्झा अपएसा खेत्तादेसेणवि सव्वे पोग्गला सअड्ढा तह चेव कालादेसेणवि, तं चेव भावादेसेण वि । तए णं से णियंठिपुत्ते अण० णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी– जइ णं अज्जो ! दव्वादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा णो अणड्ढा अमज्झा अपएसा, एवं ते परमाणुपोग्गलेवि सअड्ढे समज्झे सपएसे णो अणड्ढे अमज्झे अपएसे, जइ णं अज्जो ! खेत्तादेसेणवि सव्वपोग्गला सअड्ढा ३ जाव एवं ते एगपएसोगाढेवि पोग्गले सअड्ढे समज्झे सपएसे, जइ णं अज्जो ! कालादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एवं ते एगसमयठिईएवि पोग्गले सअड्ढे ३ तं चेव, जइ णं अज्जो ! भावादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एवं ते एगगुणकालएवि पोग्गले सअ० ३ तं चेव, अह ते एवं ण भवइ तो जं वयसि दव्वादेसेणवि सव्व· पोग्गला सअ० ३ णो अणड्ढा अमज्झा अपएसा एवं खेत्तादेसेणवि काला० भावादेसेणवि तण्णं मिच्छा । तए णं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अ० एवं वयासी–णो खलु एवं देवा० एयमट्ठं जाणामो पासामो, जइ णं देवा० णो गिलायंति परिकहित्तए तं इच्छामि णं देवा० अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म जाणित्तए । तए णं से णियंठिपुत्ते अणगारे णारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी–दव्वादेसेणवि मे अज्जो ! सव्वे पोग्गला सपएसावि अप्पएसावि अणंता खेत्तादेसेणवि एवं चेव कालादेसेणवि भावादेसेणवि एवं चेव । जे दव्वओ अप· एसे से खेत्तओ णियमा अपएसे कालओ सिय सपएसे सिय अपएसे भावओ सिय सपएसे सिय अपएसे । जे खेत्तओ अपएसे से दव्वओ सिय सपएसे सिय अपएसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए । जहा खेत्तओ एवं कालओ भावओ । जे दव्वओ सपएसे से खेत्तओ सिय सपएसे सिय अपएसे, एवं कालओ भावओवि । जे खेत्तओ सपएसे से दव्वओ णियमा सपएसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए जहा दव्वओ तहा कालओ भावओवि । एएसि णं

भंते ! पोग्गलाणं दव्वादेसेणं खेत्तादेसेणं कालादेसेणं भावादेसेणं सपएसाण य अपएसाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? णारयपुत्ता ! सव्वत्थोवा पोग्गला भावादेसेणं अपएसा कालादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं अपएसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं चेव सपएसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं सपएसा विसेसाहिया कालादेसेणं सपएसा विसेसाहिया भावादेसेणं सपएसा विसेसाहिया । तए णं से णारयपुत्ते अणगारे णियंठिपुत्तं अणगारं वंदइ णमंसइ णियंठिपुत्तं अणगारं वंदित्ता णमंसित्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ २२० ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी--जीवा णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ? गोयमा ! जीवा णो वड्ढंति णो हायंति अवट्ठिया । णेरइया णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ? गोयमा ! णेरइया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि । जहा णेरइया एवं जाव वेमाणिया । सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा वड्ढंति णो हायंति अवट्ठियावि । जीवा णं भंते ! केवइयं कालं अवट्ठिया ? गोयमा ! सव्वद्धं । णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढंति ? गोयमा ! ज० एगं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं हायंति वा । णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं अवट्ठिया ? गोयमा! जहण्णेणं एगं समयं उक्को० चउव्वीसं मुहुत्ता, एवं सत्तसुवि पुढवीसु वड्ढंति हायंति भाणियव्वं णवरं अवट्ठिएसु इमं णाणत्तं, तंजहा--रयणप्पभाए पुढवीए अडयालीसं मुहुत्ता सक्कर० चोद्दस राइंदियाइं वालु० मासं पंक० दो मासा धूम० चत्तारि मासा तमाए अट्ठ मासा तमतमाए बारस मासा । असुरकुमारावि वड्ढंति हायंति जहा णेरइया, अवट्ठिया जह० एक्कं समयं उक्को० अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता । एवं दसविहावि, एगिंदिया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि, एएहिं तिहिवि जहण्णेणं एक्कं समयं उक्को० आवलियाए असंखेज्जइभागं । बेइंदिया वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठिया ज० एक्कं समयं उक्को० दो अंतोमुहुत्ता । एवं जाव चउरिंदिया, अवसेसा सव्वे वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठियाणं णाणत्तं इमं, तं०--संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं दो अंतोमुहुत्ता, गब्भवक्कंतियाणं चउव्वीसं मुहुत्ता, समुच्छिममणुस्साणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता, गब्भवक्कंतियमणुस्साणं चउव्वीसं मुहुत्ता, वाणमंतरजोइससोहम्मीसाणेसु अट्ठचत्तालीसं

मुहुत्ता, सणंकुमारे अट्ठारस राइंदियाइं चत्तालीस य मुहुत्ता, माहिंदे चउवीसं राइंदियाइं वीस य मु०, बंभलोए पंचचत्तालीसं राइंदियाइं, लंतए णउइ राइंदियाइं, महासुक्के सट्ठिं राइंदियसयं, सहस्सारे दो राइंदियसयाइं, आणयपाणयाणं संखेज्जा मासा, आरणच्चुयाणं संखेज्जाइं वासाइं, एवं गेवेज्जदेवाणं विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं असंखेज्जाइं वाससहस्साइं, सव्वट्ठसिद्धे य पलिओवमस्स संखेज्जइभागो, एवं भाणियव्वं, वड्ढंति हायंति जह० एक्कं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं, अवट्ठियाणं जं भणियं। सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढंति ? गोयमा ! जह० एक्कं समयं उक्को० अट्ठ समया। केवइयं कालं अवट्ठिया ? गोयमा ! जह० एक्कसमयं उक्को० छम्मासा। जीवा णं भंते ! किं सोवचया सावचया सोवचयसावचया णिरुवचयणिरवचया ? गोयमा ! जीवा णो सोवचया णो सावचया णो सोवचयसावचया णिरुवचयणिरवचया। एगिंदिया तइयपए, सेसा जीवा चउहिं पएहिं भाणियव्वा। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा सोवचया णो सावचया णो सोवचयसावचया णिरुवचयणिरवचया। जीवा णं भंते ! केवइयं कालं णिरुवचयणिरवचया ? गोयमा ! सव्वद्धं। णेरइया णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ? गोयमा ! जह० एक्कं समयं उ० आवलियाए असंखेज्जइभागं। केवइयं कालं सावचया ? एवं चेव। केवइयं कालं सोवचयसावचया ? एवं चेव। केवइयं कालं णिरुवचयणिरवचया ? गोयमा ! ज० एक्कं समयं उक्को० बारसमु० एगिंदिया सव्वे सोवचयसावचया सव्वद्धं सेसा सव्वे सोवचयावि सावचयावि सोवचयसावचयावि णिरुवचयणिरवचयावि जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं अवट्ठिएहिं वक्कंतिकालो भाणियव्वो। सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं सोवचया ? गोयमा ! जह० एक्कं समयं उक्को० अट्ठ समया। केवइयं कालं णिरुवचयणिरवचया ? जह० एक्कं समयं उ० छम्मासा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥२२१॥

पंचमं सयं णवमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–किमियं भंते ! णयरं रायगिहंति पवुच्चइ ? किं पुढवी णयरं रायगिहंति पवुच्चइ, आऊ णयरं रायगिहंति पवुच्चइ ? जाव वणस्सई ? जहा एयणुद्देसए पंचिंदियतिरिक्खजोणि-

याणं वत्तव्वया तहा भाणियव्वा जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं णयरं रायगिहंति पवुच्चइ ? गोयमा ! पुढवीवि णयरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं णयरं रायगिहंति पवुच्चइ । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! पुढवी जीवाइय अजीवाइय णयरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं जीवाइय अजीवाइय णयरं रायगिहंति पवुच्चइ से तेणट्ठेणं तं चेव ॥ २२२ ॥ से णूणं भंते ! दिया उज्जोए राइं अंधयारे ? हंता गोयमा ! जाव अंधयारे । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! दिया सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे राइं असुभा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं । णेरइयाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ? गोयमा ! णेरइयाणं णो उज्जोए अंधयारे । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइयाणं असुभा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं । असुरकुमाराणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ? गोयमा ! असुरकुमाराणं उज्जोए णो अंधयारे । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! असुरकुमाराणं सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठे णं जाव एवं वुच्चइ, जाव थणियकुमाराणं । पुढविक्काइया जाव तेइंदिया जहा णेरइया । चउरिंदियाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ? गोयमा ! उज्जोएवि अंधयारेवि । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! चउरिंदियाणं सुभासुभा य पोग्गला सुभासुभे य पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं जाव मणुस्साणं । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ २२३ ॥ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं तत्थगयाणं एवं पण्णायए तं०–समयाइ वा आवलियाइ वा जाव ओसप्पिणीइ वा उस्सप्पिणीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव समयाइ वा आवलियाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा ? गोयमा ! इहं तेसिं माणं इहं तेसिं पमाणं इहं तेसिं पण्णायए, तंजहा–समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा, से तेणट्ठेणं जाव णो एवं पण्णायए, तंजहा–समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा । एवं जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं । अत्थि णं भंते ! मणुस्साणं इहगयाणं एवं पण्णायइ, तंजहा–समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा ? हंता ! अत्थि । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! इहं तेसिं माणं इहं तेसिं पमाणं, इहं चेव तेसिं एवं पण्णायए, तंजहा–समयाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा से तेण० । वाणमंतरजोइसवेमाणिया णं जहा णेरइयाणं ॥ २२४ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जेणेव

समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी—से णूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया उप्पज्जिसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा विगच्छिसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा परित्ता राइंदिया उप्पज्जिसु वा ३ विगच्छिसु वा ३ ? हंता अज्जो ! असंखेज्जे लोए अणंता राइंदिया तं चेव । से केणट्ठेणं जाव विगच्छिस्संति वा ? से णूणं भे अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणिएणं सासए लोए बुइए अणाइए अणवदग्गे परित्ते परिवुडे हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पि विसाले अहे पलियंकसंठिए मज्झे वरवइरविग्गहिए उप्पि उद्धमुइंगाकारसंठिए तेंसि च णं सासयंसि लोगंसि अणादियंसि अणवदग्गंसि परित्तंसि परिवुडंसि हेट्ठा विच्छिण्णंसि मज्झे संखित्तंसि उप्पि विसालंसि अहे पलियंकसंठियंसि मज्झे वरवइरविग्गहियंसि उप्पि उद्धमुइंगाकारसंठियंसि अणंता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ णिलीयंति परित्ता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ णिलीयंति से णूणं भूए उप्पण्णे विगए परिणए अजीवेहिं लोक्कइ पलोक्कइ, जे लोक्कइ से लोए ? हंता भगवं ! से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ असंखेज्जे तं चेव । तप्पभिइं च णं ते पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणंति सव्वण्णु सव्वदरिसिं । तए णं ते थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति २ एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सप्पडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाव चरिमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा अत्थेगइया देवा देवलोएसु उववण्णा ॥२२५॥ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवासीवाणमंतरजोइसियवेमाणियभेएणं, भवणवासी दसविहा वाणमंतरा अट्ठविहा जोइसिया पंचविहा वेमाणिया दुविहा । गाहा—किमियं रायगिहंति य उज्जोए अंधयार समए य । पासंतिवासि पुच्छा राइंदिय देवलोगा य ॥१॥ सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २२६ ॥

पंचमं सयं दसमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी जहा पढमिल्लो उद्देसओ

तहा णेयव्वो एसोवि, णवरं-चंदिमा भाणियव्वा ॥ २२७ ॥

पंचमं सयं समत्तं

॥ छट्ठं सयं पढमो उद्देसो ॥

गाहा—वेयण १ आहार २ महस्सवे य ३ सपएस ४ तमुयाए ५ भविए। ६ साली ७ पुढवी ८ कम्म ९ अण्णउत्थि १० दस छट्ठगंमि सए ॥ १ ॥ से णूणं भंते ! जे महावेयणे से महाणिज्जरे जे महाणिज्जरे से महावेयणे ? महावेयणस्स य अप्पवेयणस्स य से सेए जे पसत्थणिज्जराए ? हंता गोयमा ! जे महावेयणे एवं चेव। छट्ठसत्तमासु णं भंते ! पुढवीसु णेरइया महावेयणा ? हंता ! महावेयणा। ते णं भंते ! समणेहिंतो णिग्गंथेहिंतो महाणिज्जरतरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जे महावेयणे जाव पसत्थणिज्जराए ? गोयमा ! से जहाणामए दुवे वत्था सिया, एगे वत्थे कद्दमरागरत्ते एगे वत्थे खंजणरागरत्ते एएसि णं गोयमा ! दोण्हं वत्थाणं कयरे वत्थे दुद्धोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुपरिकम्मतराए चेव कयरे वा वत्थे सुद्धोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, जे वा से वत्थे कद्दमरागरत्ते जे वा से वत्थे खंजणरागरत्ते ? भगवं ! तत्थ णं जे से वत्थे कद्दमरागरत्ते से णं वत्थे दुद्धोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुप्परिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं सिलिट्ठीकयाइं खिलीभूयाइं भवंति संपगाढंपि य णं ते वेयणं वेएमाणा णो महाणिज्जरा णो महापज्जवसाणा भवंति। से जहा वा केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया २ सद्देणं महया २ घोसेणं महया २ परंपराघाएणं णो संचाएइ तीसे अहिगरणीए केई अहाबायरे पोग्गले परिसाडित्तए एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं जाव णो महापज्जवसाणा भवंति। भगवं ! तत्थ जे से वत्थे खंजणरागरत्ते से णं वत्थे सुद्धोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं णिट्ठियाइं कडाइं विप्परिणामियाइं खिप्पामेव विद्धत्थाइं भवंति, जावइयं तावइयंपि णं ते वेयणं वेएमाणा महाणिज्जरा महापज्जवसाणा भवंति, से जहाणामए-केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि

पक्खिवेज्जा से णूणं गोयमा ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जइ ? हंता मसमसाविज्जइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहाणामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदु जाव हंता ! विद्धंसमागच्छइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेणं जे महावेयणे से महाणिज्जरे जाव णिज्जराए ॥२२८॥ कइविहे णं भंते! करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे । णेरइयाणं भंते ! कइविहे करणे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ४ एवं पंचिंदियाणं सव्वेसिं चउव्विहे करणे पण्णत्ते । एगिंदियाणं दुविहे–कायकरणे य कम्मकरणे य, विगलेंदियाणं तिविहे-वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे । णेरइयाणं भंते ! किं करणओ असायं वेयणं वेयंति अकरणओ असायं वेयणं वेयंति ? गोयमा ! णेरइयाणं करणओ असायं वेयणं वेयंति णो अकरणओ असायं वेयणं वेयंति । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइयाणं चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चेएणं चउव्विहेणं असुभेणं करणेणं णेरइया करणओ असायं वेयणं वेयंति णो अकरणओ, से तेणट्ठेणं । असुरकुमाराणं किं करणओ अकरणओ ? गोयमा ! करणओ णो अकरणओ से केणट्ठेणं ? गोयमा ! असुरकुमाराणं चउव्विहे करणे पण्णत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे इच्चेएणं सुभेणं करणेणं असुरकुमाराणं करणओ सायं वेयणं वेयंति णो अकरणओ, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढवीकाइयाणं एवामेव पुच्छा, णवरं–इच्चेएणं सुभासुभेणं करणेणं पुढविक्काइया करणओ वेमायाए वेयणं वेयंति णो अकरणओ । ओरालियसरीरा सव्वे सुभासुभेणं वेमायाए । देवा सुभेणं सायं वेयणं वेयंति ॥२२९॥ जीवा णं भंते ! किं महावेयणा महाणिज्जरा १ महावेयणा अप्पणिज्जरा २ अप्पवेयणा महाणिज्जरा १ अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ४ ? गोयमा ! अत्थेगइया जीवा महावेयणा महाणिज्जरा १ अत्थेगइया जीवा महावेयणा अप्पणिज्जरा २ अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा महाणिज्जरा ३ अत्थेगइया जीवा अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ४ । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! पडिमापडिवण्णए

अणगारे महावेयणे महाणिज्जरे छट्ठसत्तमासु पुढवीसु णेरइया महावेयणा अप्प-णिज्जरा सेलेसिं-पडिवण्णए अणगारे अप्पवेयणे महाणिज्जरे अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा । सेवं भंते ! २ त्ति ।। महावेयणे य वत्थे कद्दम-खंजणकए य अहिगरणी । तणहत्थे य कवल्ले करण-महावेयणा जीवा ।।१।। ।।२३०।। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ।

छट्ठं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहं णयरं जाव एवं वयासी–आहारुद्देसो जो पण्णवणाए सो सव्वो णिरवसेसो णेयव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ।।२३१।।

छट्ठं सयं तइओ उद्देसो

बहुकम्मवत्थपोग्गलपयोगसावीससा य साईए । कम्मट्ठिईत्थिसंजय सम्म-द्दिट्ठी य सण्णी य ।।१।। भविए दंसण पज्जत्ते भासयपरित्ते णाणजोगे य । उवओगाहारगसुहुमचरिमबंधे य अप्पबहुं ।।२।। से णूणं भंते ! महाकम्मस्स महाकिरियस्स महासवस्स महावेयणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति सव्वओ पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं पोग्गला बज्झंति सया समियं पोग्गला चिज्जंति सया समियं पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं तस्स आया दुरूवत्ताए दुवण्णत्ताए दुगंधत्ताए दुरसत्ताए दुफासत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंत० अप्पिय० असुभ० अमणुण्ण० अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अभिज्झिय-त्ताए अहत्ताए णो उड्ढत्ताए दुक्खत्ताए णो सुहत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ? हंता गोयमा ! महाकम्मस्स तं चेव । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! से जहाणामए–वत्थस्स अहयस्स वा धोयस्स वा तंतुग्गयस्स वा आणुपुव्वीए परिभुज्जमाणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति जाव परिणमंति से तेण-ट्ठेणं । से णूणं भंते ! अप्पकम्मस्स अप्पकिरियस्स अप्पासवस्स अप्पवेयण-स्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति सव्वओ पोग्गला विद्धंसंति सव्वओ पोग्गला परिविद्धंसंति सया समियं पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति विद्धंसंति परिविद्धंसंति सया समियं च णं तस्स आया सुरू-वत्ताए पसत्थं णेयव्वं जाव सुहत्ताए णो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ? हंता गोयमा ! जाव परिणमंति । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! से जहाणामए

वत्थस्स जल्लियस्स वा पंकियस्स वा मइल्लियस्स वा रइल्लियस्स वा आणु-पुव्वीए परिकम्मिज्जमाणस्स सुद्धेणं वारिणा धोवेमाणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं ॥२३२॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं पओगसा वीससा ? गोयमा ! पओगसावि वीससावि । जहा णं भंते ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए पओगसावि वीससावि तहा णं जीवाणं कम्मोवचए किं पओगसा वीससा ? गोयमा ! पओगसा णो वीससा । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! जीवाणं तिविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा–मणप्पओगे वइ० का०, इच्चे-एणं तिविहेणं पओगेणं जीवाणं कम्मोवचए पओगसा णो वीससा, एवं सव्वेसिं पंचेंदियाणं तिविहे पओगे भाणियव्वे । पुढवीकाइयाणं एगविहेणं पओगेणं एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, विगलिंदियाणं दुविहे पओगे पण्णत्ते, तंजहा–वइपओगे कायपओगे य, इच्चेएणं दुविहेणं पओगेणं कम्मोवचए पओगसा णो वीससा, से तेणट्ठेणं जाव णो वीससा एवं जस्स जो पओगो जाव वेमाणियाणं ॥ २३३ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं साइए सपज्जवसिए १ साइए अपज्जवसिए २ अणाइए सपज्ज० ३ अणा० अप० ४ ? गोयमा ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए साइए सपज्जवसिए णो साइए अप० णो अणा० स० णो अणा० अप० । जहा णं भंते ! वत्थस्स पोग्गलोवचए साइए सपज्ज० णो साइए अप० णो अणा० सप० णो अणा० अप० तहा णं जीवाणं कम्मोवचए पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइयाणं जीवाणं कम्मोवचए साइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए सपज्जवसिए अत्थे० अणाइए अपज्जवसिए णो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अप० । से केण० ? गोयमा ! इरियावहियाबंधयस्स कम्मो-वचए साइए सप० भवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए सपज्जवसिए अभव-सिद्धियस्स कम्मोवचए अणाइए अपज्जवसिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थे० जीवाणं कम्मोवचए साइए णो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए साइए अपज्जवसिए । वत्थे णं भंते ! किं साइए सपज्जवसिए चउभंगो ? गोयमा ! वत्थे साइए सपज्जवसिए अवसेसा तिण्णिवि पडिसेहेयव्वा । जहा णं भंते ! वत्थे साइए सपज्जवसिए णो साइए अपज्ज० णो अणाइए सप० णो अणाइए अपज्जवसिए तहा णं जीवाणं किं साइया सपज्जवसिया ? चउ-भंगो पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया साइया सपज्जवसिया चत्तारिवि भाणि-

यव्वा। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा गइरागइं पडुच्च साइया सपज्जवसिया सिद्धा गइं पडुच्च साइया अपज्ज-वसिया, भवसिद्धिया लद्धिं पडुच्च अणाइया सपज्जवसिया अभवसिद्धिया संसारं पडुच्च अणाइया अपज्जवसिया, से तेणट्ठेणं ॥ २३४ ॥ कइ णं भंते ! कम्मप्पयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पयडीओ प०, तंजहा— णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधठिई प० ? गोयमा ! जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा अबाहूणिया कम्मट्ठिई—कम्मणिसेओ, एवं दरिसणावरणिज्जंपि, वेयणिज्जं जह० दो समया उक्को० जहा णाणावरणिज्जं, मोहणिज्जं जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० सत्तरि-सागरोवमकोडाकोडीओ, सत्त य वाससहस्साणि अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिई— कम्मणिसेओ, आउयं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिभागमब्भहियाणि, कम्मट्ठिई—कम्मणिसेओ, णामगोयाणं जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ता उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ दोण्णि य वाससहस्साणि अबाहा, अबाहूणिया कम्मट्ठिई—कम्मणिसेओ, अंतराइयं जहा णाणावरणिज्जं ॥ २३५ ॥ णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ णपुं-सओ बंधइ ? णोइत्थी णोपुरिसो णोणपुंसओ बंधइ ? गोयमा ! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि बंधइ णपुंसओवि बंधइ णोइत्थी णोपुरिसो णोणपुंसओ सिय बंधइ सिय णो बंधइ एवं आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पयडीओ। आउयं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ णपुंसओ बंधइ ? पुच्छा, गोयमा ! इत्थी सिय बंधइ सिय णो बंधइ, एवं तिण्णिवि भाणियव्वा, णोइत्थी णोपुरिसो णोणपुंसओ ण बंधइ। णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं संजए बंधइ अस्संजए बंधइ संज-यासंजए बंधइ णोसंजएणोअसंजएणोसंजयासंजए बंधइ ? गोयमा ! संजए सिय बंधइ सिय णो बंधइ अस्संजए बंधइ संजयासंजएवि बंधइ णोसंजएणोअसंजएणो-संजयासंजए ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ सत्तवि। आउए हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ। णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सम्मदिट्ठी बंधइ मिच्छादिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी सिय बंधइ सिय णो बंधइ मिच्छदिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ, एवं आउ-

यवज्जाओ सत्तवि, आउए हेट्ठिल्ला दो भयणाए सम्मामिच्छदिट्ठी ण बंधइ। णाणावरणिज्जं किं सण्णी बंधइ असण्णी बंधइ णोसण्णीणोअसण्णी बंधइ? गोयमा! सण्णी सिय बंधइ सिय णो बंधइ असण्णी बंधइ णोसण्णीणोअसण्णी ण बंधइ, एवं वेयणिज्जाउयवज्जाओ छ कम्मप्पयडीओ, वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला दो बंधंति, उवरिल्ले भयणाए, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्ले ण बंधइ। णाणावरणिज्जं कम्मं किं भवसिद्धिए बंधइ अभवसिद्धिए बंधइ णोभवसिद्धिएणोअभवसिद्धिए बंधइ? गोयमा! भवसिद्धिए भयणाए अभवसिद्धिए बंधइ णोभवसिद्धिएणोअभवसिद्धिए ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ सत्तवि, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ। णाणावरणिज्जं किं चक्खुदंसणी बंधइ अचक्खुदंस० ओहिदंस० केवलदं०? गोयमा! हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला तिण्णि बंधंति केवलदंसणी भयणाए। णाणावरणिज्जं कम्मं किं पज्जत्तओ बंधइ अपज्जत्तओ बंधइ णोपज्जत्तएणोअपज्जत्तए बंधइ? गोयमा! पज्जत्तए भयणाए, अपज्जत्तए बंधइ, णोपज्जत्तएणोअपज्जत्तए ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ, आउयं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ। णाणावरणिज्जं किं भासए बंधइ अभासए०? गोयमा! दोवि भयणाए, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेयणिज्जं भासए बंधइ अभासए भयणाए। णाणावरणिज्जं किं परित्ते बंधइ अपरित्ते बंधइ णोपरित्तेणोअपरित्ते बंधइ? गोयमा! परित्ते भयणाए अपरित्ते बंधइ णोपरित्तेणोअपरित्ते ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पयडीओ, आउयं परित्तोवि अपरित्तोवि भयणाए, णोपरित्तोणोअपरित्तो ण बंधइ। णाणावरणिज्जं कम्मं किं आभिणिबोहियणाणी बंधइ सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी केवलणाणी बं०? गोयमा! हेट्ठिल्ला चत्तारि भयणाए केवलणाणी ण बंधइ, एवं वेयणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला चत्तारि बंधंति केवलणाणी भयणाए। णाणावरणिज्जं किं मइअण्णाणी बंधइ सुय० विभंग०? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्तवि बंधंति, आउयं भयणाए। णाणावरणिज्जं किं मणजोगी बंधइ वय० काय० अयोगी बंधइ? गोयमा! हेट्ठिल्ला तिण्णि भयणाए अजोगी ण बंधइ, एवं वेयणिज्जवज्जाओ, वेयणिज्जं हेट्ठिल्ला बंधंति अजोगी ण बंधइ। णाणा-

वरणिज्जं किं सागारोवउत्ते बंधइ अणागारोवउत्ते बंधइ ? गोयमा ! अट्ठसुवि भयणाए । णाणावरणिज्जं किं आहारए बंधइ अणाहारए बंधइ ? गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेयणिज्जाउयवज्जाणं छण्हं, वेयणिज्जं आहारए बंधइ अणाहारए भयणाए, आउए आहारए भयणाए, अणाहारए ण बंधइ । णाणावरणिज्जं किं सुहुमे बंधइ बायरे बंधइ णोसुहुमेणोबायरे बंधइ ? गोयमा ! सुहुमे बंधइ बायरे भयणाए णोसुहुमेणोबायरे ण बंधइ, एवं आउयवज्जाओ सत्तवि, आउए सुहुमे बायरे भयणाए णोसुहुमेणोबायरे ण बंधइ । णाणावरणिज्जं किं चरिमे अचरिमे बं० ? गोयमा ! अट्ठवि भयणाए ॥ २३६ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं इत्थिवेयगाणं पुरिसवेयगाणं णपुंसगवेयगाणं अवेयगाण य कयरे कयरे अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेयगा इत्थिवेयगा संखेज्जगुणा अवेयगा अणंतगुणा णपुंसगवेयगा अणंतगुणा । एएसिं सव्वेसिं पयाणं अप्पबहुगाइं उच्चारेयव्वाइं जाव सव्वत्थोवा जीव अचरिमा चरिमा अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २३७ ॥

छट्ठं सयं चउत्थो उद्देसो

जीवे णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसे अपएसे ? गोयमा ! णियमा सपएसे । णेरइए णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसे अपएसे ? गोयमा ! सिय सपएसे सिय अपएसे, एवं जाव सिद्धे । जीवा णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसा अपएसा ? गोयमा ! णियमा सपएसा । णेरइया णं भंते ! कालादेसेणं किं सपएसा अपएसा ? गोयमा !, सव्वेवि ताव होज्जा सपएसा १ अहवा सपएसा य अपएसे य २ अहवा सपएसा य अपएसा य ३ एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया णं भंते ! किं सपएसा अपएसा ? गोयमा ! सपएसावि अपएसावि एवं जाव वणस्सइकाइया, सेसा जहा णेरइया तहा जाव सिद्धा । आहारगाणं जीवेगेंदियवज्जो तियभंगो, अणाहारगाणं जीवेगिंदियवज्जा छब्भंगा एवं भाणियव्वा—सपएसा वा १ अपएसा वा १ अपएसा वा २ अहवा सपएसे य अपएसे य ३ अहवा सपएसे य अपएसा य ४ अहवा सपएसा य अपएसे य ५ अहवा सपएसा य अपएसा य ६, सिद्धेहिं तियभंगो, भवसिद्धिया अभवसिद्धिया जहा ओहिया, णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिया जीवसिद्धेहिं तियभंगो, सण्णीहिं जीवाइओ तियभंगो, असण्णीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, णेरइय-

देवमणुएहिं छब्भंगो, णोसण्णिणोअसण्णिजीवमणुयसिद्धेहिं तियभंगो सलेसा जहा ओहिया। कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा जहा आहारओ णवरं जस्स अत्थि एयाओ, तेउलेस्साए जीवाइओ तियभंगो, णवरं पुढविक्काइएसु आउवणस्सईसु छब्भंगा, पम्हलेस्ससुक्कलेस्साए जीवाइओ तियभंगो, अलेसेहिं जीवसिद्धेहिं तियभंगो मणुएसु छब्भंगा, सम्मद्दिट्ठीहिं जीवाइओ तियभंगो, विगलिंदिएसु छब्भंगा, मिच्छदिट्ठीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, सम्मामिच्छदिट्ठीहिं छब्भंगा, संजएहिं जीवाइओ तियभंगो, असंजएहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, संजयासंजएहिं तियभंगो जीवाइओ, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजयजीवसिद्धेहिं तियभंगो, सकसाईहिं जीवाइओ तियभंगो, एगिंदिएसु अभंगयं, कोहकसाईहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, देवेहिं छब्भंगा, माणकसाई मायाकसाई जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, णेरइयदेवेहिं छब्भंगा, लोभकसाईहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, णेरइएसु छब्भंगा, अकसाईजीवमणुएहिं सिद्धेहिं तियभंगो, ओहियणाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे जीवाइओ तियभंगो, विगलिंदिएहिं छब्भंगा, ओहिणाणे मण० केवलणाणे जीवाइओ तियभंगो, ओहिए अण्णाणे मइअण्णाणे सुयअण्णाणे एगिंदियवज्जो तियभंगो, विभंगणाणे जीवाइओ तियभंगो, सजोगी जहा ओहिओ, मणजोगी वयजोगी कायजोगी जीवाइओ तियभंगो णवरं कायजोगी एगिंदिया तेसु अभंगयं, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्त-अणागारोवउत्तेहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, सवेयगा य जहा सकसाई, इत्थिवेयगपुरिसवेयगणपुंसगवेयगेसु जीवाइओ तियभंगो, णवरं णवुंसगवेदे एगिंदिएसु अभंगयं, अवेयगा जहा अकसाई, ससरीरी जहा ओहिओ, ओरालियवेउव्वियसरीराणं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, आहारगसरीरे जीवमणुएसु छब्भंगा, तेयगकम्मगाणं जहा ओहिया, असरीरेहिं जीवसिद्धेहिं तियभंगो, आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणपज्जत्तीए जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, भासामणपज्जत्तीए जहा सण्णी, आहारअपज्जत्तीए जहा अणाहारगा, सरीरअपज्जत्तीए इंदियअपज्जत्तीए आणापाणअपज्जत्तीए जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, णेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा, भासामणअपज्जत्तीए जीवाइओ तियभंगो, णेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा। गाहा—सपएसा आहारगभवियसण्णिलेस्सा दिट्ठी संजयकसाए। णाणे जोगुवओगे वेदे

य सरीरपज्जत्ती ॥ १ ॥२३८॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ? गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि । सव्वजीवाणं एवं पुच्छा, गोयमा ! णेरइया अपच्चक्खाणी जाव चउरिंदिया, सेसा दो पडिसेहेयव्वा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया णो पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि, मणुस्सा तिण्णिवि, सेसा जहा णेरइया । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं जाणंति अपच्चक्खाणं जाणंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं जाणंति ? गोयमा ! जे पंचेंदिया ते तिण्णिवि जाणंति अवसेसा पच्चक्खाणं ण जाणंति ३ । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं कुव्वंति अपच्चक्खाणं कुव्वंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं कुव्वंति ? जहा ओहिओ तहा कुव्वणा । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया अपच्चक्खाणणि० पच्चक्खाणापच्चक्खाणणि० ? गोयमा ! जीवा य वेमाणिया य पच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया तिण्णिवि अवसेसा अपच्चक्खाणणिव्वत्तियाउया । पच्चक्खाणं १ जाणइ २ कुव्वइ ३ तिण्णेव आउणिव्वत्ती ४ । सपएसुद्देसंमि य एमेए दंडगा चउरो ॥ १ ॥ २३९ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ।

छट्ठं सयं पंचमो उद्देसो

किमियं भंते ! तमुक्काएत्ति पव्वुच्चइ किं पुढवी तमुक्काएत्ति पव्वुच्चइ आऊ तमुक्काएत्ति पव्वुच्चइ ? गोयमा ! णो पुढवी तमुक्काएत्ति पव्वुच्चइ आऊ तमुक्काएत्ति पव्वुच्चइ । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! पुढविकाए णं अत्थेगइए सुभे देसं पकासेइ अत्थेगइए देसं णो पकासेइ, से तेणट्ठेणं । तमुक्काए णं भंते ! कहिं समुट्ठिए कहिं संणिट्ठिए ? गोयमा ! जंबुद्दीवस्स २ बहिया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साणि ओगाहित्ता उवरिल्लाओ जलंताओ एगपएसियाए सेढीए एत्थ णं तमुक्काए समुट्ठिए, सत्तरस-एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उप्पइत्ता तओ पच्छा तिरियं पवित्थरमाणे २ सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदे चत्तारिवि कप्पे आवरित्ता णं उड्ढंपि य णं जाव बंभलोए कप्पे रिट्ठविमाणपत्थडं संपत्ते एत्थ णं तमुक्काए णं संणिट्ठिए । तमुक्काए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! अहे मल्लगमूलसंठिए उप्पिं कुक्कुडग-

पंजरगसंठिए पण्णत्ते । तमुक्काए णं भंते ! केवइयं विक्खंभेणं केवइयं परिक्खे-वेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—संखेज्जवित्थडे य असंखेज्ज-वित्थडे य, तत्थ णं जे से संखेज्जवित्थडे से णं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं प० तत्थ णं जे से असं-खेज्जवित्थडे से णं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयण-सहस्साइं परिक्खेवेणं प० । तमुक्काए णं भंते ! केमहालए प० ? गोयमा ! अयं णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतराए जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते । देवे णं महिड्डिए जाव महाणुभावे इणामेव २ त्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तक्खुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छिज्जा से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव देवगईए वीईवयमाणे २ जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे वीईवएज्जा अत्थेगइयं तमुक्कायं वीई-वएज्जा अत्थेगइयं णो तमुक्कायं वीईवएज्जा, एमहालए णं गोयमा ! तमुक्काए पण्णत्ते । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गेहाइ वा गेहावणाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गामाइ वा जाव संणिवेसाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए उराला बलाहया संसेयंति संमु-च्छंति वासं वासंति ? हंता ! अत्थि । तं भंते ! किं देवो पकरेइ असुरो पकरेइ णागो पकरेइ ? गोयमा ! देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णागोवि पकरेइ । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बायरे थणियसद्दे बायरे विज्जुए ? हंता ! अत्थि । तं भंते ! किं देवो पकरेइ ३ ? तिण्णिवि पकरेंति । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए बायरे पुढविकाए बायरे अगणिकाए ? णो इणट्ठे समट्ठे णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदिमसूरियगहगणणक्खत्त-तारारूवा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पलियस्सओ पुण अत्थि । अत्थि णं भंते ! तमुक्काए चंदाभाइ वा सूराभाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, कादूसणिया पुण सा । तमुक्काए णं भंते ! केरिसए वण्णएणं पण्णत्ते ? गोयमा ! काले कालाव-भासे गंभीरलोमहरिसजणणे भीमे उत्तासणए परमकिण्हे वण्णेणं पण्णत्ते; देवेवि णं अत्थेगइए जे णं तप्पढमयाए पासित्ता णं खुभाएज्जा अहे णं अभिसमा-गच्छेज्जा तओ पच्छा सीहं २ तुरियं २ खिप्पामेव वीईवएज्जा । तमुक्कायस्स णं भंते ! कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! तेरस णामधेज्जा पण्णत्ता,

तंजहा–तमेइ वा तमुक्काएइ वा अंधकारेइ वा महंधकारेइ वा लोगंधकारेइ वा लोगतमिसेइ वा देवंधकारेइ वा देवतमिसेइ वा देवरण्णेइ वा देववूहेइ वा देवफलिहेइ वा देवपडिक्खोभेइ वा अरुणोदएइ वा समुद्दे। तमुक्काए णं भंते! किं पुढविपरिणामे आउपरिणामे जीवपरिणामे पोग्गलपरिणामे? गोयमा! णो पुढविपरिणामे आउपरिणामेवि जीवपरिणामेवि पोग्गलपरिणामेवि। तमुक्काए णं भंते! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता पुढविकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए उववण्णपुव्वा? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतक्खुत्तो णो चेव णं बायरपुढविकाइयत्ताए बायरअगणिकाइयत्ताए वा ॥ २४० ॥ कइ णं भंते! कण्हराईओ पण्णत्ताओ? गोयमा अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ। कहि णं भंते! एयाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ? गोयमा! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हिट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे, एत्थ णं अक्खाडगसमचउरंससंठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हराईओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पुरत्थिमेणं दो पच्चत्थिमेणं दो दाहिणेणं दो उत्तरेणं दो, पुरत्थिमब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हराइं पुट्ठा दाहिणब्भंतरा कण्हराई पच्चत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा पच्चत्थिमब्भंतरा कण्हराई उत्तरबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा उत्तरमब्भंतरा कण्हराई पुरत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, दो पुरत्थिमपच्चत्थिमाओ बाहिराओ कण्हराईओ छलंसाओ दो उत्तरदाहिणबाहिराओ कण्हराईओ तंसाओ दो पुरत्थिमपच्चत्थिमाओ अब्भिंतराओ कण्हराईओ चउरंसाओ दो उत्तरदाहिणओ अब्भिंतराओ कण्हराईओ चउरंसाओ 'पुव्वावरा छलंसा तंसा पुण दाहिणुत्तरा बज्झा। अब्भंतर चउरंसा सव्वावि य कण्हराईओ ॥ १ ॥' कण्हराईओ णं भंते! केवइयं आयामेणं केवइयं विक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामेणं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ। कण्हराईओ णं भंते! केमहालियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव अद्धमासं वीईवएज्जा अत्थेगइयं कण्हराइं वीईवएज्जा अत्थेगइयं कण्हराइं णो वीईवएज्जा एमहालियाओ णं गोयमा! कण्हराईओ पण्णत्ताओ। अत्थि णं भंते! कण्हराईसु गेहाइ वा गेहावणाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! कण्हराईसु गामाइ वा० ? णो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते! कण्ह० उराला बलाहया संसेयंति ३? हंता अत्थि। तं भंते! किं देवो प० ३? गो० देवो

पकरेइ णो असुरो णो णागो प०। अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु बायरे थणियसद्दे० जहा उराला तहा। अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु बायरे आउकाए बायरे अगणिकाए बायरे वणप्फइकाए ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं। अत्थि णं कण्ह० चंदिमसूरिय ४ ? णो इण०। अत्थि णं कण्ह० चंदाभाइ वा २ ? णो इणट्ठे समट्ठे। कण्हराईओ णं भंते ! केरिसियाओ वण्णेणं पण्णत्ताओ ? गोयमा ! कालाओ जाव खिप्पामेव वीईवएज्जा। कण्हराईओ णं भंते ! कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठ णामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा–कण्हराईइ वा मेहराईइ वा मघाइ वा माघवईइ वा वायफलिहाइ वा वायपलिक्खोभाइ वा देवफलिहाइ वा देवपलिक्खोभाइ वा। कण्हराईओ णं भंते ! किं पुढविपरिणामाओ आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओ पोग्गलपरिणामाओ ? गोयमा ! पुढविपरिणामाओ णो आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओवि पोग्गलपरिणामाओवि। कण्हराईसु णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता० उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो णो चेव णं बायरआउकाइयत्ताए बायरअगणिकाइयत्ताए वा बायरवणप्फइकाइयत्ताए वा ॥ २४१ ॥ एएसि णं अट्ठण्हं कण्हराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा पण्णत्ता, तंजहा–१ अच्ची २ अच्चिमाली ३ वइरोयणे ४ पभंकरे ५ चंदाभे ६ सूराभे ७ सुक्काभे ८ सुपइट्ठाभे ९ मज्झे रिट्ठाभे। कहि णं भंते ! अच्चिविमाणे प० ? गोयमा ! उत्तर-पुरत्थिमेणं। कहि णं भंते ! अच्चिमाली विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पुरत्थिमेणं, एवं परिवाडीए णेयव्वं जाव कहि णं भंते ! रिट्ठे विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! बहुमज्झदेसभाए। एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतियदेवा परिवसंति, तंजहा–सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य। तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥१॥ कहि णं भंते ! सारस्सया देवा परिवसंति ? गोयमा ! अच्चिम्मि विमाणे परिवसंति। कहि णं भंते ! आइच्चा देवा परिवसंति ? गोयमा ! अच्चिमालिम्मि विमाणे, एवं णेयव्वं जहाणुपुव्वीए जाव कहि णं भंते ! रिट्ठा देवा परिवसंति ? गोयमा ! रिट्ठम्मि विमाणे। सारस्सयमाइच्चाणं भंते ! देवाणं कइ देवा कइ देवसया पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्त देवा सत्त देवसया परिवारो पण्णत्तो, वण्हीवरुणाणं देवाणं चउद्दस देवा चउद्दस देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो, गद्दतोय-तुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो, अवसेसाणं णव देवा णव

देवसया परिवारो पण्णत्तो-'पढमजुगलम्मि सत्तओ सयाणि बीयंमि चउद्दस-सहस्सा । तइए सत्तसहस्सा णव चेव सयाणि सेसेसु ॥ १ ॥' लोगंतियविमाणा णं भंते ! किंपइट्ठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! वाउपइट्ठिया प०, एवं णेयव्वं-'विमाणाणं पइट्ठाणं बाहुल्लुच्चत्तमेव संठाणं।' बंभलोयवत्तव्वया णेयव्वा जहा जीवाभिगमे देवुद्देसए जाव हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतक्खुत्तो । णो चेव णं देवित्ताए लोगंतियविमाणेसु । लोगंतियविमाणेसु णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठ सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । लोगंतियविमाणेहिंतो णं भंते ! केवइयं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयण-सहस्साइं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २४२ ॥

छट्ठं सयं छट्ठो उद्देसो

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव तमतमा । रयणप्पभाईणं आवासा भाणियव्वा जाव अहेसत्तमाए, एवं जे जत्तिया आवासा ते भाणियव्वा जाव कइ णं भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, तंजहा-विजए जाव सव्वट्ठसिद्धे ॥ २४३ ॥ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससय-सहस्सेसु अण्णयरंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिणियत्तइ, तओ पडिणियत्तित्ता इहमागच्छइ २ दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरया-वाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जित्तए, तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा एवं जाव अहेसत्तमा पुढवी । जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए चउ-सट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि असुरकुमारावासंसि असुर-कुमारत्ताए उववज्जित्तए जहा णेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा । जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए असंखेज्जेसु पुढवि-

काइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं केवइयं गच्छेज्जा केवइयं पाउणेज्जा ? गोयमा ! लोयंतं गच्छेज्जा लोयंतं पाउणिज्जा। से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा अत्थेगइए तओ पडिणियत्तइ २ त्ता इह हव्वमागच्छइ २ त्ता दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्तं वा संखेज्जइभागमेत्तं वा वालग्गं वा वालग्गपुहुत्तं वा एवं लिक्खं जूयं जवं अंगुलं जाव जोयणकोडिं वा जोयणकोडाकोडिं वा संखेज्जेसु वा असंखेज्जेसु वा जोयणसहस्सेसु लोगंते वा एगपएसियं सेढिं मोत्तूण असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जेत्ता तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा, जहा पुरत्थिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढे अहे, जहा पुढविकाइया तहा एगिंदियाणं सव्वेसिं, एक्केक्कस्स छ आलावगा भाणियव्वा। जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता जे भविए असंखेज्जेसु बेइंदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि बेइंदियावासंसि बेइंदियत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! तत्थगए चेव ? जहा णेरइया, एवं जाव अणुत्तरोववाइया। जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाविमाणेसु अण्णयरंसि अणुत्तरविमाणंसि अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! तत्थगए चेव ? तं चेव जाव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २४४॥

छट्ठं सयं सत्तमो उद्देसो

अह भंते ! सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसि णं धण्णाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं उल्लित्ताणं लित्ताणं पिहियाणं मुद्दियाणं लंछियाणं केवइयं कालं जोणी संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ तेण परं जोणी पविद्धंसइ तेण परं बीए अबीए भवइ तेण परं जोणीवोच्छेए पण्णत्ते समणाउसो ! । अह भंते ! कलायमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसईण-

पलिमंथगमाईणं एएसि णं धण्णाणं जहा सालीणं तहा एयाणिवि, णवरं पंच संवच्छराइं, सेसं तं चेव। अह भंते! अयसिकुसुंभगकोद्दवकंगुवरगरालगकोदूसगसणसरिसवमूलगबीयमाईणं एएसि णं धण्णाणं, एयाणिवि तहेव, णवरं सत्त संवच्छराइं, सेसं तं चेव ॥ २४५ ॥ एगमेगस्स णं भंते! मुहुत्तस्स केवइया ऊसासद्धा वियाहिया? गोयमा! असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जा आवलिया ऊसासो संखेज्जा आवलिया णिस्सासो–हट्ठस्स अणवगल्लस्स, णिरुवकिट्ठस्स जंतुणो। एगे ऊसासणीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चइ ॥ १ ॥ सत्त पाणूणि से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे। लवाणं सत्तहत्तरिए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥ २ ॥ तिण्णि सहस्सा सत्त य सयाइं तेवत्तरिं च ऊसासा। एस मुहुत्तो दिट्ठो सव्वेहिं अणंतणाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसमुहुत्तो अहोरत्तो, पण्णरस अहोरत्ता पक्खो, दो पक्खा मासे, दो मासा उऊ, तिण्णि उउए अयणे, दो अयणे संवच्छरे, पंचसंवच्छरिए जुगे, वीसं जुगाइं वाससयं, दस वाससयाइं वाससहस्सं, सयं वाससहस्साणं वाससयसहस्सं, चउरासीइं वाससयसहस्साणि से एगे पुव्वंगे, चउरासीइं पुव्वंगसयसहस्साइं से एगे पुव्वे, एवं २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले २ पउमे २ णलिणे २ अत्थणिउरे २ अउए २ पउए य २ णउए य २ चूलिया २ सीसपहेलिया २ एताव ताव गणिए एताव ताव गणियस्स विसए, तेण परं? उवमिए। से किं तं उवमिए? २ दुविहे पण्णत्ते तंजहा–पलिओवमे य सागरोवमे य, से किं तं पलिओवमे? से किं तं सागरोवमे?। सत्थेण सुतिक्खेणवि छेत्तुं भेत्तुं च जं किर ण सक्का। तं परमाणुं सिद्धा वयंति आइं पमाणाणं ॥१॥ अणंताणं परमाणुपोग्गलाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हियाइ वा सण्हसण्हियाइ वा उड्ढरेणूइ वा तसरेणूइ वा रहरेणूइ वा वालग्गेइ वा लिक्खाइ वा जूयाइ वा जवमज्झेइ वा अंगुलेइ वा, अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया, अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्ढरेणू, अट्ठ उड्ढरेणूओ सा एगा तसरेणू, अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू, अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरुउत्तरकुरुगाणं मणूसाणं वालग्गे, एवं हरिवासरम्मगहेमवयएरण्णवयाणं पुव्वविदेहाणं मणूसाणं अट्ठ वालग्गा सा एगा लिक्खा, अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया, अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे, अट्ठ जवमज्झाओ से एगे अंगुले, एएणं अंगुल-

पमाणेणं छ अंगुलाणि पाओ, बारस अंगुलाइं विहत्थी, चउव्वीसं अंगुलाइं रयणी अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी, छण्णउइ अंगुलाणि से एगे दंडेइ वा धणूइ वा जूएइ वा णालियाइ वा अक्खेइ वा मुसलेइ वा, एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणु-सहस्साइं गाउयं, चत्तारि गाउयाइं जोयणं, एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयाम-विक्खंभेणं जोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं तं तिउणं सविसेसं परिरएणं से णं एगाहियबेयाहियतेयाहिय उक्कोसं सत्तरत्तप्परूढाणं संमट्ठे संणिचिए भरिए वालग्गकोडीणं ते णं वालग्गे णो अग्गी दहेज्जा णो वाऊ हरेज्जा णो कुत्थेज्जा णो परिविद्धंसेज्जा णो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं वास-सए २ एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे णीरए णिम्मले णिट्ठिए णिल्लेवे अवहडे विसुद्धे भवइ, से पलिओवमे। गाहा—एएसिं पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया। तं सागरोवमस्स उ एक्कस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएणं सागरोवमपमाणेणं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसम-सुसमा १ तिण्णिसागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा २ दो सागरोवमकोडा-कोडीओ कालो सुसमदुसमा ३ एगा सागरोवमकोडाकोडी बायालीसाए वास-सहस्सेहिं ऊणिया कालो दुसमसुसमा ४ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमा ५ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा ६। पुणरवि उस्सप्पिणीए एक्क-वीसं वाससहस्साइं कालो दुसमदुसमा १ एक्कवीसं वाससहस्साइं जाव चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा, दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी वीसं सागरोवम-कोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी उस्सप्पिणी य ॥ २४६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे होत्था ? गोयमा ! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे होत्था, से जहाणामए—आलिंगपुक्खरेइ वा एवं उत्तरकुरुवत्तव्वया णेयव्वा जाव आसयंति सयंति तीसे णं समाए भारहे वासे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे उराला कुद्दाला जाव कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला जाव छव्विहा मणुस्सा अणु-सज्जित्था प०, तं०—पम्हगंधा १ मियगंधा २ अममा ३ तेयली ४ सहा ५ सणिचारी ६। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २४७ ॥

छट्ठं सयं अट्ठमो उद्देसो

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—रयणप्पभा जाव ईसिप्पब्भारा । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे गेहाइ वा गेहावणाइ वा० ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए अहे गामाइ वा जाव संणिवेसाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे उराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति ? हंता ! अत्थि, तिण्णिवि पकरेंति देवोवि पकरेइ असुरोवि प० णागोवि प० । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० बायरे थणियसद्दे ? हंता ! अत्थि, तिण्णिवि पकरेंति । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० अहे बायरे अगणिकाए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ विग्गह-गइसमावण्णएणं । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयण० अहे चंदिम जाव तारारूवा ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चंदाभाइ वा २ ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोच्चाएवि पुढवीए भाणियव्वं, एवं तच्चा-एवि भाणियव्वं, णवरं देवोवि पकरेइ असुरोवि पकरेइ णो णागो पकरेइ, एवं चउत्थाएवि एवं णवरं देवो एक्को पकरेइ णो असुरो० णो णागो पकरेइ, एवं हेट्ठिल्लासु सव्वासु देवो एक्को पकरेइ । अत्थि णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं अहे गेहाइ वा २ ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! उराला बलाहया ? हंता ! अत्थि, देवो पकरेइ असुरोवि पकरेइ णो णाओ पकरेइ, एवं थणियसद्देवि । अत्थि णं भंते ! बायरे पुढविकाए बायरे अगणिकाए ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ विग्गहगइसमावण्णएणं । अत्थि णं भंते ! चंदिम० ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! गामाइ वा० ? णो इणट्ठे स० । अत्थि णं भंते ! चंदाभाइ वा २ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं सणंकुमार-माहिंदेसु णवरं देवो एगो पकरेइ । एवं बंभलोएवि । एवं बंभलोगस्स उवरिं सव्वहिं देवो पकरेइ, पुच्छियव्वो य, बायरे आउकाए बायरे अगणिकाए बायरे वणस्सइकाए अण्णं तं चेव । गाहा—तमुकाए कप्पपणए अगणी पुढवी य अगणि पुढवीसु । आऊतेउवणस्सइ कप्पुवरिमकण्हराईसु ॥ १ ॥ २४८ ॥ कइविहे णं भंते ! आउयबंधए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहा आउयबंधा पण्णत्ता, तंजहा—जाइणामणिहत्ताउए १ गइणामणिहत्ताउए २ ठिइणामणिहत्ताउए ३ ओगा-

हणाणामणिहत्ताउए ४ पएसणामणिहत्ताउए ५ अणुभागणामणिहत्ताउए ६ दंडओ जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिहत्ता जाव अणुभागणामणिहत्ता ? गोयमा ! जाइणामणिहत्तावि जाव अणुभागणामणिहत्तावि दंडओ जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिहत्ताउया जाव अणुभागणामणिहत्ताउया ? गोयमा ! जाइणामणिहत्ताउयावि जाव अणुभागणामणिहत्ताउयावि, दंडओ जाव वेमाणियाणं। एवं एए दुवालस दंडगा भाणियव्वा। जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिहत्ता १ जाइणामणिहत्ताउया २ ? जीवा णं भंते ! किं जाइणामणिउत्ता ३ जाइणामणिउत्ताउया ४ जाइगोयणिहत्ता ५ जाइगोयणिहत्ताउया ६ जाइगोयणिउत्ता ७ जाइगोयणिउत्ताउया ८ जाइणामगोयणिहत्ता ९ जाइणामगोयणिहत्ताउया १० जाइणामगोयणिउत्ता ११ ? जीवा णं भंते ! किं जाइणामगोयणिउत्ताउया १२ जाव अणुभागणामगोयणिउत्ताउया ? गोयमा ! जाइणामगोयणिउत्ताउयावि जाव अणुभागणामगोयणिउत्ताउयावि दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥ २४९ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किं उस्सिओदए पत्थडोदए खुभियजले अखुभियजले ? गोयमा ! लवणे णं समुद्दे ऊसिओदए णो पत्थडोदए खुभियजले णो अखुभियजले एत्तो आढत्तं जहा जीवाभिगमे जाव से तेण० गोयमा ! बाहिरया णं दीवसमुद्दा पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठंति संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा दुगुणा दुगुणप्पमाणओ जाव अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा सयंभूरमणपज्जवसाणा पण्णत्ता समणाउसो !। दीवसमुद्दा णं भंते ! केवइया णामधेज्जेहिं पण्णत्ता ? गोयमा ! जावइया लोए सुभा णामा सुभा रूवा सुभा गंधा सुभा रसा सुभा फासा एवइया णं दीवसमुद्दा णामधेज्जेहिं पण्णत्ता, एवं णेयव्वा सुभा णामा उद्धारो परिणामो सव्वजीवाणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २५० ॥

छट्ठं सयं णवमो उद्देसो

जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मप्पयडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, बंधुद्देसो पण्णवणाए णेयव्वो ॥ २५१ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं विउव्वित्तए ? गोयमा ! णो

इणट्ठे० । देवे णं भंते ! बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ? हंता ! पभू । से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ? गोयमा ! णो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, णो अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, एवं एएणं गमेणं जाव एगवण्णं एगरूवं १ एगवण्णं अणेगरूवं २ अणेगवण्णं एगरूवं ३ अणेगवण्णं अणेगरूवं ४ चउभंगो । देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालयं पोग्गलं णीलगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए णीलगं पोग्गलं वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, परियाइत्ता पभू । से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले० तं चेव णवरं परिणामेइत्ति भाणियव्वं, एवं कालगपोग्गलं लोहियपोग्गलत्ताए, एवं कालएणं जाव सुक्किलं, एवं णीलएणं जाव सुक्किललं, एवं लोहियपोग्गलं जाव सुक्किलत्ताए, एवं हालिद्दएणं जाव सुक्किलं, तं–एवं एयाए परिवाडीए गंधरसफास० कक्खडफासपोग्गलं मउयफासपोग्गलत्ताए २ एवं दो दो गरुयलहुय २ सीयउसिण २ णिद्धलुक्ख २, वण्णाई सव्वत्थ परिणामेइ, आलावगा दो दो पोग्गले अपरियाइत्ता परियाइत्ता ॥२५२॥ अविसुद्धलेसे णं भंते ! देवे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं देविं अण्णयरं जाणइ पासइ १ ? णो इणट्ठे०, एवं अविसुद्धलेसे देवे असमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३, २ । अविसुद्धलेसे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३, ३ । अविसुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३, ४ । अविसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३, ५ । अविसुद्धलेसे समोहया० विसुद्धलेसं देवं ३, ६ ॥ विसुद्धलेसे असमो० अविसुद्धलेसं देवं ३ १ । विसुद्धलेसे असमोहएणं विसुद्धलेसं देवं ३, २ । विसुद्धलेसे णं भंते ! देवे समोहएणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ० ?, हंता ! जाणइ० । एवं विसुद्ध० समो० विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ ? हंता ! जाणइ ४ । विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अविसुद्धलेसं देवं ३, ५ । विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं विसुद्धलेसं देवं ३, ६ । एवं हेट्ठिल्लएहिं अट्ठहिं ण जाणइ ण पासइ उवरिल्लएहिं चउहिं जाणइ पासइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २५३ ॥

छट्ठं सयं दसमो उद्देसो

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति जावइया रायगिहे णयरे जीवा एवइयाणं जीवाणं णो चक्किया केइ सुहं वा दुहं वा जाव कोलट्ठिगमायमवि णिप्फावमायमवि कलमायमवि मासमायमवि मुग्गमायमवि जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिणिवट्टेत्ता उवदंसित्तए। से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि सव्वलोएवि य णं सव्वजीवाणं णो चक्किया केइ सुहं वा तं चेव जाव उवदंसित्तए। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव विसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते, देवे णं महिड्ढिए जाव महाणुभागे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गगं गहाय तं अवद्दालेइ तं अवद्दालेत्ता जाव इणामेव कट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, से णूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे ?, हंता ! फुडे, चक्किया णं गोयमा ! केइ तेसिं घाणपोग्गलाणं कोलट्ठियामायमवि जाव उवदंसित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे। से तेणट्ठेणं जाव उवदंसेत्तए ॥२५४॥ जीवे णं भंते ! जीवे २ जीवे ? गोयमा ! जीवे ताव णियमा जीवे जीवेवि णियमा जीवे। जीवे णं भंते ! णेरइए णेरइए जीवे ? गोयमा ! णेरइए ताव णियमा जीवे जीवे पुण सिय णेरइए सिय अणेरइए। जीवे णं भंते ! असुरकुमारे असुरकुमारे जीवे ? गोयमा ! असुरकुमारे ताव णियमा जीवे जीवे पुण सिय असुरकुमारे सिय णो असुरकुमारे। एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं। जीवइ भंते ! जीवे जीवे जीवइ ? गोयमा ! जीवइ ताव णियमा जीवे जीवे पुण सिय जीवइ सिय णो जीवइ। जीवइ भंते ! णेरइए २ जीवइ ? गोयमा ! णेरइए ताव णियमा जीवइ २ पुण सिय णेरइए सिय अणेरइए, एवं दंडओ णेयव्वो जाव वेमाणियाणं। भवसिद्धिए णं भंते ! णेरइए २ भवसिद्धिए ? गोयमा ! भवसिद्धिए सिय णेरइए सिय अणेरइए णेरइएऽविय सिय भवसिद्धिए सिय अभवसिद्धिए, एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं ॥२५५॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति एवं खलु सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति। से कहमेयं भंते ! एवं ?

गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतसायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं। से केणट्ठेणं ? गोयमा ! णेरइया एगंत-दुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया एगंतसायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं, पुढविक्काइया जाव मणुस्सा वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं, से तेणट्ठेणं० ॥ २५६ ॥ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ते किं आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति परंपरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ? गोयमा ! आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्त-मायाए आहारेंति णो अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति णो परं-परखेत्तोगाढे, जहा णेरइया तहा जाव वेमाणियाणं दंडओ ॥ २५७ ॥ केवली णं भंते ! आयाणेहिं जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे० । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ जाव णिव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेणट्ठेणं० । गाहा–जीवाण य सुहं दुक्खं जीवे जीवइ तहेव भविया य । एगंतदुक्खं वेयण अत्तमाया य केवली ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २५८ ॥

॥ छट्ठं सयं समत्तं ॥

॥ सत्तमं सयं पढमो उद्देसो ॥

गाहा—आहार १ विरइ २ थावर ३ जीवा ४ पक्खी य ५ आउ ६ अणगारे ७ । छउमत्थ ८ असंवुड ९ अण्णउत्थि १० दस सत्तमंमि सए ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! कं समयमणाहारए भवइ ? गोयमा ! पढमे समए सिय आहारए सिय अणाहारए बिइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए तइए समए सिय आहारए सिय अणाहारए चउत्थे समए णियमा आहारए, एवं दंडओ, जीवा य एगिंदिया य चउत्थे समए सेसा तइए समए । जीवे णं भंते ! कं समयं सव्वप्पाहारए भवइ ?

गोयमा ! पढमसमयोववण्णए वा चरमसमए भवत्थे वा, एत्थ णं जीवे णं सव्वप्पाहारए भवइ, दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ॥ २५९ ॥ किं संठिए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठगसंठिएलोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिण्णे जाव उप्पिं उड्ढमुइंगागारसंठिए, तंसि च णं सासयंसि लोगंसि हेट्ठा विच्छिण्णंसि जाव उप्पिं उड्ढमुइंगागारसंठियंसि उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जीवेवि जाणइ पासइ अजीवेवि जाणइ पासइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥ २६० ॥ समणोवासयस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! णो इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं जाव संपराइया ? गोयमा ! समणोवासयस्स णं सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स आया अहिगरणी भवइ आयाहिगरणवत्तियं च णं तस्स णो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया ॥ २६१ ॥ समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव तसपाणसमारंभे पच्चक्खाए भवइ पुढविसमारंभे अपच्चक्खाए भवइ से य पुढविं खणमाणेऽण्णयरं तसं पाणं विहिंसेज्जा, से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु से तस्स अइवायाए आउट्टइ । समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव वणस्सइसमारंभे पच्चक्खाए से य पुढविं खणमाणे अण्णयरस्स रुक्खस्स मूलं छिंदेज्जा से णं भंते ! तं वयं अइचरइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तस्स अइवायाए आउट्टइ ॥ २६२ ॥ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे किं लब्भइ ? गोयमा ! समणोवासए णं तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समाहिं उप्पाएइ, समाहिकारएणं तमेव समाहिं पडिलभइ । समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे किं चयइ ? गोयमा ! जीवियं चयइ दुच्चयं चयइ दुक्करं करेइ दुल्लहं लहइ बोहिं बुज्झइ तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥२६३॥ अत्थि णं भंते ! अकम्मस्स गई पण्णायइ ? हंता ! अत्थि । कहण्णं भंते ! अकम्मस्स गई पण्णायइ ? गोयमा ! णिस्संगयाए णिरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए णिरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० । कहण्णं भंते ! णिस्संगयाए णिरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए णिरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अक-

म्मस्स गई पण्णायइ ? से जहाणामए-केइ पुरिसे सुक्कं तुंबं णिच्छिड्डं णिरुवहयं आणुपुव्वीए परिकम्मेमाणे २ दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं लिंपइ २ उण्हे दलयइ भूइं २ सुक्कं समाणं अत्थाहमतारमपोरसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा, से णूणं गोयमा ! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवाणं गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुसंभारियत्ताए सलिलतलमइवइत्ता अहे धरणितलपइट्ठाणे भवइ ? हंता ! भवइ, अहे णं से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवाणं परिक्खएणं धरणितलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ ? हंता ! भवइ, एवं खलु गोयमा ! णिस्संगयाए णिरंगणयाए गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पण्णायइ । कहण्णं भंते ! बंधणछेयणयाए अकम्मस्स गई प० ? गोयमा ! से जहाणामए-कलसिंबलियाइ वा मुग्गसिंबलियाइ वा माससिंबलियाइ वा सिंबलिसिंबलियाइ वा एरंडमिंजियाइ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी फुडित्ता णं एगंतमंतं गच्छइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहण्णं भंते ! णिरंधणयाए अकम्मस्स गई प० ? गोयमा ? से जहाणामए-धूमस्स इंधणविप्पमुक्कस्स उड्ढं वीससाए णिव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! ० । कहण्णं भंते ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ? गोयमा ! से जहाणामए कंडस्स कोदंडविप्पमुक्कस्स लक्खाभिमुही णिव्वाघाएणं गई पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प०, एवं खलु गोयमा ! णीसंगयाए णिरंगणयाए जाव पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गई प० ॥ २६४ ॥ दुक्खी भंते ! दुक्खेणं फुडे, अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ? गोयमा ! दुक्खी दुक्खेणं फुडे णो अदुक्खी दुक्खेणं फुडे । दुक्खी णं भंते ! णेरइए दुक्खेणं फुडे अदुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे ? गोयमा ! दुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे णो अदुक्खी णेरइए दुक्खेणं फुडे, एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं । एवं पंच दंडगा णेयव्वा-दुक्खी दुक्खेणं फुडे १ दुक्खी दुक्खं परियायइ २ दुक्खी दुक्खं उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्खं वेएइ ४ दुक्खी दुक्खं णिज्जरेइ ५ ॥ २६५ ॥ अणगारस्स णं भंते ! अणाउत्तं गच्छमाणस्स वा चिट्ठमाणस्स वा णिसीयमाणस्स वा तुयट्टमाणस्स वा अणाउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा णिक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ? किं इरियावहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ? गो० ! णो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जस्स

णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिण्णा भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ णो संपराइया किरिया कज्जइ, जस्स णं कोहमाणमायालोभा अवोच्छिण्णा भवंति तस्स णं संपराइया किरिया कज्जइ णो इरियावहिया०, अहासुत्तं रीयमाणस्स इरियावहिया किरिया कज्जइ उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं उस्सुत्तमेव रियइ, से तेणट्ठेणं० ॥ २६६ ॥ अह भंते ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिग्गाहित्ता मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे आहारं आहारेइ एस णं गोयमा ! सइंगाले पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिग्गाहित्ता महया २ अप्पत्तियकोहकिलामं करेमाणे आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! सधूमे पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथे वा २ जाव पडिग्गाहेत्ता गुणुप्पायणहेऊं अण्णदव्वेण सद्धिं संजोएत्ता आहारमाहारेइ, एस णं गोयमा ! संजोयणादोसदुट्ठे पाणभोयणे, एस णं गोयमा ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते । अह भंते ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा जाव पडिग्गाहेत्ता अमुच्छिए जाव आहारेइ एस णं गोयमा ! वीतिंगाले पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता णो महया अप्पत्तियं जाव आहारेइ, एसं णं गोयमा ! वीयधूमे पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पडिग्गाहेत्ता जहालद्धं तहा आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! संजोयणादोसविप्पमुक्के पाणभोयणे, एस णं गोयमा ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते ॥ २६७ ॥ अह भंते ! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? गो० ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणं ४ अणुग्गए सूरिए पडिग्गाहित्ता उग्गए सूरिए आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! खेत्ताइक्कंते पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथो वा २ जाव साइमं पढमाए पोरिसीए पडिग्गाहेत्ता पच्छिमं पोरिसिं उवायणावेत्ता आहारं आहारेइ एस णं गोयमा ! कालाइक्कंते पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथो वा २ जाव साइमं पडिग्गाहित्ता परं अद्धजोयणमेराए वीइक्कमावइत्ता आहारमाहा-

रेइ एस णं गोयमा ! मग्गाइक्कंते पाणभोयणे, जे णं णिग्गंथो वा णिग्गंथी वा फासुएसणिज्जं जाव साइमं पडिग्गाहित्ता परं बत्तीसाए कुक्कुडिअंडगपमाण-मेत्ताणं कवलाणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! पमाणाइक्कंते पाणभोयणे, अट्ठकुक्कुडिअंडगपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अप्पाहारे दुवालसकुक्कुडि-अंडगपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अवड्ढोमोयरिया सोलस कुक्कुडि-अंडगपमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे दुभागप्पत्ते चउव्वीसं कुक्कुडिअंडग-पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे ओमोयरिए बत्तीसं कुक्कुडिअंडगपमाण-मेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे पमाणपत्ते, एत्तो एक्केणवि घासेणं ऊणगं आहार-माहारेमाणे समणे णिग्गंथे णो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, एस णं गोयमा ! खेत्ताइक्कंतस्स कालाइक्कंतस्स मग्गाइक्कंतस्स पमाणाइक्कंतस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पण्णत्ते ॥ २७८ ॥ अह भंते ! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स एसियस्स वेसियस्स सामुदाणियस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? गोयमा ! जे णं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा णिक्खित्तसत्थमुसले ववगयमालावण्णगविलेवणे ववगयचुयचइयचत्तदेहं जीवविप्पजढं अकयमकारियमसंकप्पियमणाहूयमकीयकड-मणुद्दिट्ठं णवकोडीपरिसुद्धं दसदोसविप्पमुक्कं उग्गमुप्पायणेसणासुपरिसुद्धं वीतिंगालं वीयधूमं संजोयणादोसविप्पमुक्कं असुरसुरं अचवचवं अदुयमविलं-बियं अपरिसाडि अक्खोवंजणवणाणुलेवणभूयं संजमजायामायावत्तियं संजम-भारवहणट्ठयाए बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! सत्थाईयस्स सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २६९ ॥

सत्तमं सयं बीओ उद्देसो

से णूणं भंते ! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चक्खाय-मिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ ? गोयमा ! सव्व-पाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सिय सुपच्चक्खायं भवइ सिय दुपच्चक्खायं भवइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ ? गोयमा ! जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स णो एवं अभिसमण्णागयं भवइ इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्च-

क्खायमिति वयमाणस्स णो सुपच्चक्खायं भवइ दुपच्चक्खायं भवइ, एवं खलु से दुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे णो सच्चं भासं भासइ मोसं भासं भासइ, एवं खलु से मुसावाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं असंजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले यावि भवइ। जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स एवं अभिसमण्णागयं भवइ–इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणस्स सुपच्चक्खायं भवइ णो दुपच्चक्खायं भवइ। एवं खलु से सुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे सच्चं भासं भासइ णो मोसं भासं भासइ, एवं खलु से सच्चवाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंतपंडिए यावि भवइ। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चक्खायं भवइ ॥ २७० ॥ कइविहे णं भंते ! पच्चक्खाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पच्चक्खाणे पण्णत्ते, तंजहा–मूलगुणपच्चक्खाणे य उत्तरगुणपच्चक्खाणे य। मूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे य देसमूलगुणपच्चक्खाणे य। सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं। देसमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं। उत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे य देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे य। सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दसविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणागय १ मइक्कंतं २ कोडीसहियं ३ णियंटियं ४ चेव। सागार ५ मणागारं ६ परिमाणकडं ७ णिरवसेसं ८ ॥ १ ॥ सा केयं ९ चेव अद्धाए १० पच्चक्खाणं भवे दसहा। देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा–दिसिव्वयं १ उवभोगपरिभोगपरिमाणं २ अणत्थदंडवेरमणं ३ सामाइयं ४ देसावगासियं ५ पोसहोववासो ६ अतिहिसंविभागो ७

अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाराहणया ॥ २७१ ॥ जीवा णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ? गोयमा ! जीवा मूलगुणपच्चक्खाणीवि उत्तरगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । णेरइया णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी० पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो मूलगुणपच्चक्खाणी णो उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया । एएसि णं भंते ! जीवाणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं उत्तरगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पंचेंदियतिरिक्खजोणिया मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! मणुस्साणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं० पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी संखेज्जगुणा, अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । जीवा णं भंते ! किं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ? गोयमा ! जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीवि देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि । णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी णो देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया । पंचेंदियतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! पंचेंदियतिरिक्ख० णो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा णेरइया । एएसि णं भंते ! जीवाणं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीणं देसमूलगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा । एवं अप्पाबहुगाणि तिण्णिवि जहा पढमिल्लए दंडए, णवरं सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा । जीवा णं भंते ! किं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणी देसुत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ? गोयमा ! जीवा सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणीवि तिण्णिवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया

मणुस्सा य एवं चेव, सेसा अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया। एएसि णं भंते! जीवाणं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणीणं० अप्पाबहुगाणि, तिण्णिवि जहा पढमे दंडए जाव मणूसाणं। जीवा णं भंते! किं संजया असंजया संजयासंजया? गोयमा! जीवा संजयावि असंजयावि संजयासंजयावि, एवं जहेव पण्णवणाए तहेव भाणियव्वं जाव वेमाणिया, अप्पाबहुगं तहेव तिण्हवि भाणियव्वं। जीवा णं भंते! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी? गोयमा! जीवा पच्चक्खाणीवि एवं तिण्णिवि, एवं मणुस्सावि तिण्णिवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया आइल्लविरहिया सेसा सव्वे अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया। एएसि णं भंते! जीवाणं पच्चक्खाणीणं जावं विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सव्वत्थोवा पच्चक्खाणापच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा, मणुस्सा सव्वत्थोवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा ॥ २७२ ॥ जीवा णं भंते! किं सासया असासया? गोयमा! जीवा सिय सासया सिय असासया। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-जीवा सिय सासया सिय असासया? गोयमा! दव्वट्ठयाए सासया भावट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-जाव सिय असासया। णेरइया णं भंते! किं सासया असासया? एवं जहा जीवा तहा णेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया जाव सिय सासया सिय असासया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ २७३ ॥

सत्तमं सयं तइओ उद्देसो

वणस्सइकाइया णं भंते! किं कालं सव्वप्पाहारगा वा सव्वमहाहारगा वा भवंति? गोयमा! पाउसवरिसारत्तेसु णं एत्थ णं वणस्सइकाइया सव्वमहाहारगा भवंति तयाणंतरं च णं सरए, तयाणंतरं च णं हेमंते, तयाणंतरं च णं वसंते, तयाणंतरं च णं गिम्हे, गिम्हासु णं वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति। जइ णं भंते! गिम्हासु वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति; कम्हा णं भंते! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव-अईव उवसोभेमाणा-उवसोभेमाणा चिट्ठंति? गोयमा! गिम्हासु णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य वणस्सइकाइय-

त्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, एवं खलु गोयमा ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया जाव चिट्ठंति ॥ २७४ ॥ से णूणं भंते ! मूला मूलजीवफुडा कंदा कंदजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा ? हंता गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा । जइ णं भंते ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा कम्हा णं भंते ! वणस्सइकाइया आहारेंति कम्हा परिणामेंति ? गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा पुढवीजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति, कंदा कंदजीवफुडा मूलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति, एवं जाव बीया बीयजीवफुडा फलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति ॥ २७५ ॥ अह भंते ! आलुए मूलए सिंगबेरे हिरिली सिरिली सिस्सिरिली किट्ठिया छिरिया छीरिविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खेलूडे अद्दए भद्दमुत्था पिंडहलिद्दा लोही णीहू थीहू थिरुगा मुग्गपण्णी अस्सकण्णी सीहकण्णी सीहंढी मुसुंढी जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते अणंतजीवा विविहसत्ता ? हंता गोयमा ! आलुए मूलए जाव अणंतजीवा विविहसत्ता ॥ २७६ ॥ सिय भंते ! कण्हलेसे णेरइए अप्पकम्मतराए णीललेसे णेरइए महाकम्मतराए ? हंता ! सिया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–कण्हलेसे णेरइए अप्पकम्मतराए णीललेसे णेरइए महाकम्मतराए ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए । सिय भंते ! णीललेसे णेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे णेरइए महाकम्मतराए ? हंता ! सिया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णीललेसे णेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे णेरइए महाकम्मतराए ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए । एवं असुरकुमारेवि, णवरं तेउलेसा अब्भहिया एवं जाव वेमाणिया, जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिया भाणियव्वाओ, जोइसियस्स ण भण्णइ, जाव सिय भंते ! पम्हलेसे वेमाणिए अप्पकम्मतराए सुक्कलेसे वेमाणिए महाकम्मतराए ? हंता ! सिया । से केणट्ठेणं० ? सेसं जहा णेरइयस्स जाव महाकम्मतराए ॥ २७७ ॥ से णूणं भंते ! जा वेयणा सा णिज्जरा जा णिज्जरा सा वेयणा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जा वेयणा ण सा णिज्जरा जा णिज्जरा ण सा वेयणा ? गोयमा ! कम्म वेयणा णोकम्म णिज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ण सा वेयणा । णेरइयाणं भंते ! जा वेयणा सा णिज्जरा जा णिज्जरा सा वेयणा ? गोयमा ! णो

इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइयाणं जा वेयणा ण सा णिज्जरा जा णिज्जरा ण सा वेयणा ? गोयमा ! णेरइयाणं कम्म वेयणा णोकम्म णिज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव ण सा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं । से णूणं भंते ! जं वेदेंसु तं णिज्जरिंसु जं णिज्जरिंसु तं वेदेंसु ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जं वेदेंसु णो तं णिज्जरेंसु जं णिज्जरेंसु णो तं वेदेंसु ? गोयमा ! कम्मं वेदेंसु णोकम्मं णिज्जरिंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो तं वेदेंसु । णेरइया णं भंते ! जं वेदेंसु तं णिज्जरिंसु ? एवं णेरइयावि एवं जाव वेमाणिया । से णूणं भंते ! जं वेदेंति तं णिज्जरेंति जं णिज्जरिंति तं वेदेंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो तं वेदेंति ? गोयमा ! कम्मं वेदेंति णोकम्मं णिज्जरेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो तं वेदेंति, एवं णेरइयावि जाव वेमाणिया । से णूणं भंते ! जं वेदिस्संति तं णिज्जरिस्संति जं णिज्जरिस्संति तं वेदिस्संति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव णो तं वेदिस्संति ? गोयमा ! कम्मं वेदिस्संति णोकम्मं णिज्जरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव णो तं णिज्जरिस्संति, एवं णेरइयावि जाव वेमाणिया । से णूणं भंते ! जे वेयणासमए से णिज्जरासमए जे णिज्जरासमए से वेयणासमए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जे वेयणासमए ण से णिज्जरासमए जे णिज्जरासमए ण से वेयणासमए ? गोयमा ! जं समयं वेदेंति णो तं समयं णिज्जरेंति जं समयं णिज्जरेंति णो तं समयं वेदेंति, अण्णम्मि समए वेदेंति अण्णम्मि समए णिज्जरेंति अण्णे से वेयणासमए अण्णे से णिज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव ण से वेयणासमए ण से णिज्जरासमए । णेरइयाणं भंते ! जे वेयणासमए से णिज्जरासमए जे णिज्जरासमए से वेयणासमए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइयाणं जे वेयणासमए ण से णिज्जरासमए जे णिज्जरासमए ण से वेयणासमए ? गोयमा ! णेरइया णं जं समयं वेदेंति णो तं समयं णिज्जरेंति जं समयं णिज्जरेंति णो तं समयं वेदेंति अण्णम्मि समए वेदेंति अण्णम्मि समए णिज्जरेंति अण्णे से वेयणासमए अण्णे से णिज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव ण से वेयणासमए एवं जाव वेमाणिया ॥२७८॥ णेरइया णं भंते ! किं सासया असासया ? गोयमा ! सिय

सासया सिय असासया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइया सिय सासया सिय असासया ? गोयमा ! अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए सासया वोच्छित्तिणयट्ठयाए असासया । से तेणट्ठेणं जाव सिय सासया सिय असासया, एवं जाव वेमाणिया जाव सिय असासया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२७९॥

सत्तमं सयं चउत्थो उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता, तंजहा–पुढविकाइया एवं जहा जीवाभिगमे जाव सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा । जीवा छव्विह पुढवी जीवाण ठिई भवट्ठिई काए । णिल्लेवण अणगारे किरिया सम्मत्तमिच्छत्ता ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२८०॥

सत्तमं सयं पंचमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते, तंजहा–अंडया पोयया संमुच्छिमा, एवं जहा जीवाभिगमे जाव णो चेव णं ते विमाणे वीईवएज्जा । एवमहालयाणं गोयमा ! ते विमाणा पण्णत्ता । 'जोणीसंगह लेसा दिट्ठी णाणे य जोग उवओगे । उववायठिइसमुग्घायचवणजाईकुलविहीओ' ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २८१ ॥

सत्तमं सयं छट्ठो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए णेरइयाउयं पकरेइ उववज्जमाणे णेरइयाउयं पकरेइ उववण्णे णेरइयाउयं पकरेइ ? गोयमा ! इहगए णेरइयाउयं पकरेइ णो उववज्जमाणे णेरइयाउयं पकरेइ णो उववण्णे णेरइयाउयं पकरेइ, एवं असुरकुमारेसुवि एवं जाव वेमाणिएसु । जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववज्जमाणे णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववण्णे णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ ? गोयमा ! णो इहगए णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववज्जमाणे णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववण्णेवि

णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, एवं जाव वेमाणिएसु। जीवे णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं इहगए महावेयणे उववज्जमाणे महावेयणे उववण्णे महावेयणे? गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे णं उववण्णे भवइ तओ पच्छा एगंतदुक्खं वेयणं वेयइ आहच्च सायं। जीवे णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे उववज्जमाणे सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे अहे णं उववण्णे भवइ तओ पच्छा एगंतसायं वेयणं वेएइ आहच्च असायं, एवं जाव थणियकुमारेसु। जीवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, एवं उववज्जमाणेवि, अहे णं उववण्णे भवइ तओ पच्छा वेमायाए वेयणं वेएइ, एवं जाव मणुस्सेसु, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा असुरकुमारेसु ॥ २८२ ॥ जीवा णं भंते ! किं आभोगणिव्वत्तियाउया अणाभोगणिव्वत्तियाउया ? गोयमा ! णो आभोगणिव्वत्तियाउया अणाभोगणिव्वत्तियाउया एवं णेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ २८३ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? [गोयमा !] हंता ! अत्थि। कहण्णं भंते ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति। अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं। अत्थि णं भंते ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? हंता ! अत्थि। कहण्णं भंते ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! पाणाइवायवेरमणं जाव परिग्गहवेरमणेणं कोहविवेगेणं जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति। अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं ॥ २८४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? हंता ! अत्थि। कहण्णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए जीवाणुकंपयाए सत्ताणुकंपयाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए

अतिप्पणयाए अपिट्टणयाए अपरियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेय- णिज्जा कम्मा कज्जंति । एवं णेरइयाण वि, एवं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? हंता अत्थि । कहण्णं भंते! जीवा णं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्टणयाए परपरियावणयाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं असायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति, एवं णेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ २८५ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दुसमदुस- माए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ ? गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए कोलाहलभूए समया- णुभावेण य णं खरफरुसधूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया संवट्टगा य वाहिंति, इह अभिक्खं २ धूमाहिंति य दिसा समंता रउस्सला रेणु- कलुसतमपडलणिरालोगा समयलुक्खयाए य णं अहियं चंदा सीयं मोच्छंति अहियं सूरिया तवइस्संति अदुत्तरं च णं अभिक्खणं बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्टमेहा अग्गिमेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणिमेहा अपिवणिज्जोदगा (अजवणिज्जोदया) वाहिरोगवेयणोदीरणापरिणामसलिला अमणुण्णपाणियगा चंडाणिलपहयतिक्खधारानिवायपउरवासं वासिहिंति । जे णं भारहे वासे गामा- गरणगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमगयं जणवयं चउप्पयगवेलए खहयरे य पक्खिसंघे गामारण्णपयारणिरए तसे य पाणे बहुप्पगारे रुक्खगुच्छगुम्मलय- वल्लितणपव्वगहरियोसहिपवालंकुरमाइए य तणवणस्सइकाइए विद्धंसेहिंति, पव्वयगिरिडोंगरउत्थलभट्ठिमाइए य वेयड्ढगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिल- बिलगड्डदुग्गविसमं णिण्णुण्णयाइं च गंगासिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति । तीसे णं भंते ! समाए भरहवासस्स भूमीए केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ ? गोयमा ! भूमी भविस्सइ इंगालब्भूया मुम्मुरब्भूया छारियभूया तत्तकवेल्लयभूया तत्तसमजोइभूया धूलिबहुला रेणुबहुला पंकबहुला पणगबहुला चलणिबहुला बहूणं धरणिगोयराणं सत्ताणं दुण्णिक्कमा यावि भविस्सइ ॥२८६॥ तीसे णं भंते ! समाए भारहे वासे मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ ? गोयमा ! मणुया भविस्संति दुरूवा दुवण्णा दुगंधा दुरसा दुफासा अणिट्ठा अकंता जाव अम-

णामा हीणस्सरा दीणस्सरा अणिट्ठस्सरा जाव अमणामस्सरा अणादेज्जवयणपच्चा-याया णिल्लज्जा कूडकवडकलहवहबंधवेरणिरया मज्जयाइवकमप्पहाणा अकज्ज-णिच्चुज्जया गुरुणियोयविणयरहिया य विकलरूवा परूढणहकेसमंसुरोमा काला खरफरुसझामवण्णा फुट्टसिरा कविलपलियकेसा बहुण्हारु [णि] संपिणद्धदुद्दंसणि-ज्जरूवा संकुडियवलीतरंगपरिवेढियंगमंगा जरापरिणयव्व थेरगणरा पविरल-परिसडियदंतसेढी उब्भडघडमुहा विसमणयणा वंकणासा वंगवलीविगयभेसण-मुहा कच्छुकसराभिभूया खरतिक्खणहकंडूइयविक्खयतणू दद्दुकिडिभसिज्झ-फुडियफरुसच्छवी चित्तलंगा टोलागइविसमसंधिबंधणउक्कुडुअट्ठिगविभत्तदुब्ब-लकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा कुट्ठाणासणकुसेज्जकुभोइणो असुइणो अणेग-वाहिपरिपीलियंगमंगा खलंतविब्भलगई णिरुच्छाहा सत्तपरिवज्जिया विगय-चिट्ठणट्ठतेया अभिक्खणं सीयउण्हखरफरुसवायविज्झडिया मलिणपंसुरयगुंडि-यंगमंगा बहुकोहमाणमाया बहुलोभा असुहदुक्खभागी उस्सण्णं धम्मसण्णसम्म-त्तपरिब्भट्ठा उक्कोसेणं रयणिप्पमाणमेत्ता सोलसवीसइवासपरमाउसो पुत्तणत्तु-परियालपणयबहुला गंगासिंधूओ महाणईओ वेयड्ढं च पव्वयं णिस्साए बावत्तरिं णिओया बीयं बीयामेत्ता बिलवासिणो भविस्संति । ते णं भंते ! मणुया कमाहार-माहारेहिंति ? गोयमा ! ते णं कालेणं तेणं समए णं गंगासिंधूओ महाणईओ रहपहवित्थराओ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति सेवि य णं जले बहु-मच्छकच्छभाइण्णे णो चेव णं आउबहुले भविस्सइ । तए णं ते मणुया सूरुग्गमणमुहु-त्तंसि य सूरत्थमणमुहुत्तंसि य बिलेहिंतो णिद्धाहिंति णिद्धाइत्ता मच्छकच्छभे थलाइं गाहेहिंति गाहेत्ता सीयायवतत्तएहिं मच्छकच्छएहिं एक्कवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति । ते णं भंते ! मणुया णिस्सीला णिग्गुणा णिम्मेरा णिप्पच्चक्खाण-पोसहोववासा उस्सण्णं मंसाहारा, मच्छाहारा खोद्दाहारा कुणि-माहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ? गोयमा! उस्सण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति । ते णं भंते ! सीहा वग्घा वगा दीविया अच्छा तरच्छा परच्छा परस्सरा णिस्सीला तहेव जाव कहिं उववज्जि-हिंति ? गोयमा ! उस्सण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति । ते णं भंते ! ढंका कंका विलका मद्दुगा सिही णिस्सीला तहेव जाव उस्सण्णं णरगतिरिक्ख जोणिएसु उववज्जिहिंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २८७ ॥

सत्तमं सयं सत्तमो उद्देसो

संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स आउत्तं गच्छमाणस्स जाव आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा णिक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ णो संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–संवुडस्स णं जाव संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिण्णा भवंति तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, तहेव जाव उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं अहासुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो संपराइया किरिया कज्जइ ॥ २८८ ॥ रूवी भंते ! कामा अरूवी कामा ? गोयमा ! रूवी कामा णो अरूवी कामा । सचित्ता भंते ! कामा अचित्ता कामा ? गोयमा ! सचित्तावि कामा अचित्तावि कामा । जीवा भंते ! कामा अजीवा कामा ? गोयमा ! जीवावि कामा अजीवावि कामा । जीवाणं भंते ! कामा अजीवाणं कामा ? गोयमा ! जीवाणं कामा णो अजीवाणं कामा । कइविहा णं भंते ! कामा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा कामा पण्णत्ता, तंजहा–सद्दा य रूवा य । रूवी भंते ! भोगा अरूवी भोगा ? गोयमा ! रूवी भोगा णो अरूवी भोगा । सचित्ता भंते ! भोगा अचित्ता भोगा ? गोयमा ! सचित्तावि भोगा अचित्तावि भोगा । जीवा भंते ! भोगा अजीवा भोगा ? गोयमा ! जीवावि भोगा अजीवावि भोगा । जीवाणं भंते ! भोगा अजीवाणं भोगा ? गोयमा ! जीवाणं भोगा णो अजीवाणं भोगा । कइविहा णं भंते ! भोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा भोगा पण्णत्ता, तंजहा–गंधा रसा फासा । कइविहा णं भंते ! कामभोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा कामभोगा पण्णत्ता, तंजहा–सद्दा रूवा गंधा रसा फासा । जीवा णं भंते ! किं कामी भोगी ? गोयमा ! जीवा कामीवि भोगीवि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवा कामीवि भोगीवि ? गोयमा ! सोइंदियचक्खिंदियाइं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव भोगीवि ।

णेरइया णं भंते ! किं कामी भोगी ? एवं चेव एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया णो कामी भोगी । से केणट्ठेणं जाव भोगी ? गोयमा ! फासिंदियं पडुच्च से तेणट्ठेणं जाव भोगी, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया एवं चेव णवरं जिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, तेइंदियावि एवं चेव णवरं घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी। चउरिंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! चउरिंदिया कामीवि भोगीवि। से केणट्ठेणं जाव भोगीवि ? गोयमा ! चक्खिंदियं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं जाव भोगीवि, अवसेसा जहा जीवा जाव वेमाणिया । एएसि णं भंते ! जीवाणं कामभोगीणं णोकामीणं णोभोगीणं भोगीण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा कामभोगी णोकामी णोभोगी अणंतगुणा भोगी अणंतगुणा ॥२८९॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे जे भविए अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जित्तए, से णूणं भंते ! से खीणभोगी णो पभू उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ? से णूणं भंते ! एयमट्ठं एवं वयह ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, पभू णं से उट्ठाणेणवि कम्मेणवि बलेणवि वीरिएणवि पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अण्णयराइं विपुलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, तम्हा भोगी भोगे परिच्चयमाणे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ । आहोहिए णं भंते ! मणुस्से जे भविए अण्णयरेसु देवलोएसु एवं चेव जहा छउमत्थे जाव महापज्जवसाणे भवइ । परमाहोहिए णं भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव अंतं करेत्तए । से णूणं भंते ! से खीणभोगी सेसं जहा छउमत्थस्स । केवली णं भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं एवं जहा परमाहोहिए जाव महापज्जवसाणे भवइ ॥ २९० ॥ जे इमे भंते ! असण्णिणो पाणा, तंजहा–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य एगइया तसा, एए णं अंधा मूढा तमंपविट्ठा तमपडलमोहजालपडिच्छण्णा अकामणिकरणं वेयणं वेदंतीति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! जे इमे असण्णिणो पाणा पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य जाव वेयणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया । अत्थि णं भंते ! पभूवि अकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ? हंता गोयमा !

अत्थि। कहण्णं भंते ! पभूवि अकामणिकरणं वेयणं वेदेंति? गोयमा ! जे णं णो पभू विणा पईवेणं अंधकारंसि रूवाइं पासित्तए जे णं णो पभू पुरओ रूवाइं अणिज्झाइत्ता णं पासित्तए जे णं णो पभू मग्गओ रूवाइं अणवयक्खित्ता णं पासित्तए जे णं णो पभू पासओ रूवाइं अणवलोइत्ता णं पासित्तए जे णं णो पभू उड्ढं रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए जे णं णो पभू अहे रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए एस णं गोयमा ! पभूवि अकामणिकरणं वेयणं वेदेंति। अत्थि णं भंते ! पभूवि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ? हंता ! अत्थि। कहण्णं भंते ! पभूवि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! जे णं णो पभू समुद्दस्स पारं गमित्तए जे णं णो पभू समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासित्तए जे णं णो पभू देवलोगं गमित्तए जे णं णो पभू देवलोगगयाइं रूवाइं पासित्तए एस णं गोयमा ! पभूवि पकामणिकरणं वेयणं वेदेंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२९१॥

सत्तमं सयं अट्ठमो उद्देसो

छउमत्थे णं भंते !' मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं एवं जहा पढमसए चउत्थे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव अलमत्थु० ॥२९२॥ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ? हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुड्डियं वा महालियं वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समे चेव जीवे ॥२९३॥ णेरइयाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे जे य कज्जइ जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे जे णिज्जिण्णे से सुहे ? हंता गोयमा ! णेरइयाणं पावे कम्मे जाव सुहे, एवं जाव वेमाणियाणं ॥२९४॥ कइ णं भंते ! सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ, पण्णत्ताओ, तंजहा–आहारसण्णा १ भयसण्णा २ मेहुणसण्णा ३ परिग्गहसण्णा ४ कोहसण्णा ५ माणसण्णा ६ मायासण्णा ७ लोभसण्णा ८ लोगसण्णा ९ ओहसण्णा १०, एवं जाव वेमाणियाणं। णेरइया दसविहं वेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं जरं दाहं भयं सोगं ॥२९५॥ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ? हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य जाव कज्जइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जइ ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं

जाव कज्जइ ॥ २९६ ॥ आहाकम्मण्णं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ ? किं पक-रेइ ? किं चिणाइ ? किं उवचिणाइ ? एवं जहा पढमे सए णवमे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २९७ ॥

सत्तमं सयं णवमो उद्देसो

असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं विउव्वित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगवण्णं एगरूवं जाव हंता ! पभू । से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ? गोयमा ! इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ णो तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ णो अण्णत्थ-गए पोग्गले जाव विउव्वइ, एवं एगवण्णं अणेगरूवं चउभंगो जहा छट्ठसए णवमे उद्देसए तहा इहा वि भाणियव्वं, णवरं अणगारे इहगयं इहगए चेव पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ, सेसं तं चेव जाव लुक्खपोग्गलं णिद्धपोग्गलत्ताए परि-णामेत्तए ? हंता ! पभू, से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता जाव णो अण्णत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ॥ २९८ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया महासिलाकंटए संगामे । महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ? गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते जइत्था, णवमल्लई णवलेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो पराजइत्था । तए णं से कोणिए राया महासिलाकंटगं संगामं उवट्ठियं जाणित्ता कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेह हयगयरहजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेह २ त्ता मम एयमा-णत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा कोणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव अंजलिं कट्टु एवं सामी ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ खिप्पामेव छेयायरियोवएसमइकप्पणाविकप्पेहिं सुणिउणेहिं एवं जहा उववाइए जाव भीमं संगामियं अउज्झं उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेंति हयगय जाव सण्णाहेंति २ जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता करयल० कूणियस्स रण्णो तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति । तए

णं से कूणिए राया जेणेव मज्जणघरं तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणघरं अणुप्पविसइ मज्जणघरं अणुप्पविसित्ता ण्हाए कयबलिकम्मे कय-कोउय-मंगल-पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए सण्णद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलिय-सरासणपट्टिए पिणद्धगेवेज्ज विमलवरबद्धचिंधपट्टे गहियाउह पहरणे सकोरिंट-मल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामरबालवीइयंगे मंगलजयसद्दकयालोए एवं जहा उववाइए जाव उवागच्छित्ता उदाइं हत्थिरायं दुरूढे। तए णं से कूणिए राया हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जहा उववाइए जाव सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं-उद्धुव्वमाणीहिं हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महया भडचडगरविंदपरिक्खित्ते जेणेव महासिलाकंटए संगामे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता महासिलाकंटयं संगामं ओयाए। पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एगं महं अभेज्जकवयं वइरपडिरूवगं विउ-व्वित्ता णं चिट्ठइ। एवं खलु दो इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा—देविंदे य मणुइंदे य, एगहत्थिणा वि णं पभू कूणिए राया पराजिणित्तए। तए णं से कूणिए राया महासिलाकंटयं संगामं संगामेमाणे णव मल्लई णव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो हयमहियपवरवीरघाइयविवडियचिंधद्धयपडागे किच्छ-पाणगए दिसो दिसिं पडिसेहित्था। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ महासिला-कंटए संगामे? गोयमा! महासिलाकंटए णं संगामे वट्टमाणे जे तत्थ आसे वा हत्थी वा जोहे वा सारही वा तणेण वा पत्तेण वा कट्ठेण वा सक्कराए वा अभिहम्मइ सव्वे से जाणइ महासिलाए अहं अभिहए म० २, से तेणट्ठेणं गोयमा! महासिलाकंटए संगामे। महासिलाकंटए णं भंते! संगामे वट्टमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ? गोयमा! चउरासीइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ। ते णं भंते! मणुया णिस्सीला जाव णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा रुट्ठा परिकुविया समरवहिया अणुवसंता कालमासे कालं किच्चा कहिं गया कहिं उववण्णा? गोयमा! उस्सण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववण्णा ॥२६९॥

णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया रहमुसले संगामे, रहमुसले णं भंते! संगामे वट्टमाणे के जइत्था? के पराजइत्था? गोयमा! वज्जी विदेहपुत्ते चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया जइत्था णव मल्लई णव लेच्छई पराजइत्था। तए णं से कूणिए राया रहमुसलं संगामं उवट्ठियं

सेसं जहा महासिलाकंटए णवरं भूयाणंदे हत्थिराया जाव रहमुसलं संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया, एवं तहेव जाव चिट्ठंति, मग्गओ य से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एगं महं आयसं किढिणपडिरूवगं विउव्वित्ता णं चिट्ठइ। एवं खलु तओ इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा—देविंदे य मणुइंदे य असुरिंदे य, एगहत्थिणावि णं पभू कूणिए राया जइत्तए तहेव जाव दिसोदिसिं पडिसेहित्था। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ रहमुसले संगामे? गोयमा! रहमुसले णं संगामे वट्टमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणारोहए समुसले महया जणक्खयं जणवहं जणप्पमद्दं जणसंवट्टकप्पं रुहिरकद्दमं करेमाणे सव्वओ समंता परिधावित्था से तेणट्ठेणं जाव रहमुसले संगामे। रहमुसले णं भंते! संगामे वट्टमाणे कइ जणसयसाहस्सीओ वहियाओ? गोयमा! छण्णउइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ। ते णं भंते! मणुया णिस्सीला जाव उववण्णा? गोयमा! तत्थ णं दस साहस्सीओ एगाए मच्छीए कुच्छिंसि उववण्णाओ, एगे देवलोगेसु उववण्णे, एगे सुकुले पच्चायाए, अवसेसा उस्सण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववण्णा॥ ३००॥ कम्हा णं भंते! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रण्णो साहेज्जं दलइत्था? गोयमा! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसंगइए चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परियायसंगइए, एवं खलु गोयमा! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रण्णो साहिज्जं दलइत्था॥ ३०१॥ बहुजणे णं भंते! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ एवं खलु बहवे मणुस्सा अण्णयरेसु उच्चावएसु संगामेसु अभिमुहा चेव पहया समाणा कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। से कहमेयं भंते! एवं? गोयमा! जण्णं से बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव उववत्तारो भवंति जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि—एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं वेसाली णामं णयरी होत्था, वण्णओ, तत्थ णं वेसालीए णयरीए वरुणे णामं णागणत्तुए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से वरुणे णागणत्तुए अण्णया कयाइ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभि-

ओगेणं रहमुसले संगामे आणत्ते समाणे छट्ठभत्तिए अट्ठमभत्तं अणुवट्टेइ अट्ठमभत्तं अणुवट्टेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठावेह हयगयरहपवर० जाव सण्णाहेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सच्छत्तं सज्झयं जाव उवट्ठावेंति हयगयरह जाव सण्णाहेंति २ जेणेव वरुणे णागणत्तुए जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से वरुणे णागणत्तुए जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ जहा कूणिओ जाव पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए सण्णद्धबद्धे सकोरेंटमल्लदामेणं जाव धरिज्जमाणेणं अणेगगणणायग जाव दूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ २ हयगयरह जाव संपरिवुडे महया भडचडगर० जाव परिक्खित्ते जेणेव रहमुसले संगामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहमुसलं संगामं ओयाए। तए णं से वरुणे णागणत्तुए रहमुसलं संगामं ओयाए समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ—कप्पइ मे रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स जे पुव्विं पहणइ से पडिहणित्तए अवसेसे णो कप्पइ त्ति, अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ अभिगेण्हित्ता रहमुसलं संगामं संगामेइ। तए णं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स एगे पुरिसे सरिसए सरिसत्तए सरिसव्वए सरिसभंडमत्तोवगरणे रहेणं पडिरहं हव्वमागए। तए णं से पुरिसे वरुणं णागणत्तुयं एवं वयासी—पहण भो वरुणा ! णागणत्तुया ! प० २। तए णं से वरुणे णागणत्तुए तं पुरिसं एवं वयासी—णो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया ! पुव्विं अहयस्स पहणित्तए, तुमं चेव णं पुव्विं पहणाहि। तए णं से पुरिसे वरुणेणं णागणत्तुएणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ २ उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आययकण्णाययं उसुं करेइ आययकण्णाययं उसुं करेत्ता वरुणं णागणत्तुयं गाढप्पहारी करेइ। तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता आययकण्णाययं उसुं करेइ आययकण्णाययं० २ तं पुरिसं एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवेइ। तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए

समाणे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमिति कट्टु तुरए णिगिण्हइ तुरए णिगिण्हित्ता रहं परावत्तेइ रहं परावत्तित्ता रहमुसलाओ संगामाओ पडिणिक्खमइ २ एगंतमंतं अवक्कमइ एगंतमंतं अवक्कमित्ता तुरए णिगिण्हइ २ रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ पच्चोरुहित्ता तुरए मोएइ तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता [पुरत्थाभिमुहे दुरूहइ दब्भसं० २] पुरत्थाभिमुहे संपलियंकणिसण्णे करयल जाव कट्टु एवं वयासी—णमोत्थु णं अरिहंताणं जाव संपत्ताणं णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे से भगवं तत्थगए जाव वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी—पुव्विंपि णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए एवं जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए, इयाणिं पि णं अहं तस्सेव भगवओ महावीरस्स अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए एवं जहा खंदओ जाव एयंपि णं चरमेहिं ऊसासणीसासेहिं वोसिरामि त्ति कट्टु सण्णाहपट्टं मुयइ सण्णाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए। तए णं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स एगे पियबालवयंसए रहमुसलं संगामं संगामेमाणे एगेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले जाव अधारणिज्जमिति कट्टु वरुणं णागणत्तुयं रहमुसलाओ संगामाओ पडिणिक्खममाणं पासइ पासित्ता तुरए णिगेण्हइ तुरए णिगेण्हित्ता जहा वरुणे जाव तुरए विसज्जेइ पडसंथारगं दुरूहइ पडसंथारगं दुरूहित्ता पुरत्थाभिमुहे जाव अंजलि कट्टु एवं वयासी—जाइं णं भंते ! मम पियबालवयंसस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स सीलाइं वयाइं गुणाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणपोसहोववासाइं ताइं णं ममंपि भवंतुत्तिकट्टु सण्णाहपट्टं मुयइ २ सल्लुद्धरणं करेइ सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपुव्वीए कालगए। तए णं तं वरुणं णागणत्तुयं कालगयं जाणित्ता अहासण्णिहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगंधोदगवासे वुट्ठे दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाडिए दिव्वे य गीयगंधव्वणिणाए कए यावि होत्था। तए णं तस्स वरुणस्स णागणत्तुयस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ

जाव परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! बहवे मणुस्सा जाव उववत्तारो भवंति ॥ ३०२ ॥ वरुणे णं भंते ! णागणत्तुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? गोयमा ! सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं वरुणस्स वि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! वरुणे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ । वरुणस्स णं भंते ! णागणत्तुयस्स पियबालवयंसए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? गोयमा ! सुकुले पच्चायाए । से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव अंतं काहिइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३०३ ॥

सत्तमं सयं दसमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ, गुणसिलए चेइए वण्णओ, जाव पुढविसिलापट्टओ वण्णओ । तस्स णं गुणसिलयस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति, तंजहा–कालोयाई सेलोयाई सेवालोयाई उदए णामुदए णम्मुदए अण्णवालए सेलवालए संखवालए सुहत्थी गाहावई । तए णं तेसिं अण्णउत्थियाणं अण्णया कयाइं एगयओ समुवागयाणं सण्णिविट्ठाणं सण्णिसण्णाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पण्णवेइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तत्थ णं समणे णायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पण्णवेइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं, पोग्गलत्थिकायं, एगं च णं समणे णायपुत्ते जीवत्थिकायं अरूविकायं जीवकायं पण्णवेइ, तत्थ णं समणे णायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अरूविकाए पण्णवेइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवत्थिकायं, एगं च णं समणे णायपुत्ते पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पण्णवेइ, से कहमेयं मण्णे एवं ? तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव गुणसिलए चेइए समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स

भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं एवं जहा बिइयसए णियंठुद्देसए जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्त-पाणं पडिग्गाहित्ता रायगिहाओ जाव अतुरियमचवलमसंभंतं जाव रियं सोहे-माणे-सोहेमाणे तेसिं अण्णउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीइवयइ। तए णं ते अण्ण-उत्थिया भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीइवयमाणं पासंति पासेत्ता अण्णमण्णं सद्दावेंति अण्णमण्णं सद्दावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमा कहा अविप्पकडा अयं च णं गोयमे अम्हं अदूरसामंतेणं वीइवयइ तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं गोयमं एयमट्ठं पुच्छित्तए त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता ते भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पण्णवेइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तं चेव जाव रूविकायं अजीवकायं पण्णवेइ से कहमेयं भंते! गोयमा! एवं? तए णं से भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–णो खलु वयं देवाणुप्पिया! अत्थिभावं णत्थि त्ति वयामो णत्थिभावं अत्थित्ति वयामो, अम्हे णं देवाणुप्पिया! सव्वं अत्थिभावं अत्थित्ति वयामो सव्वं णत्थिभावं णत्थित्ति वयामो, तं चेयसा खलु तुब्भे देवाणुप्पिया! एयमट्ठं सयमेव पच्चुवेक्खह त्तिकट्टु ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–एवं २, जेणेव गुण-सिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे एवं जहा णियंठुद्देसए जाव भत्त-पाणं पडिदंसेइ भत्तपाणं पडिदंसेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे महाकहापडिवण्णे यावि होत्था, कालोदाई य तं देसं हव्वमागए, कालोदाईति समणे भगवं महावीरे कालोदाइं एवं वयासी–से णूणं कालोदाई! अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सण्णिविट्ठाणं तहेव जाव से कहमेयं मण्णे एवं? से णूणं कालोदाई! अट्ठे समट्ठे? हंता! अत्थि। तं सच्चे णं एसमट्ठे कालोदाई! अहं पंचत्थिकायं पण्णवेमि, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं, तत्थ णं अहं चत्तारि अत्थिकाए अजीवत्थिकाए अजीवत्ताए पण्णवेमि तहेव जाव एगं च णं अहं पोग्गलत्थिकायं रूविकायं पण्णवेमि। तए णं से कालोदाई समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–एयंसि णं भंते! धम्म-

त्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि अरूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा १ सइत्तए वा २ चिट्ठइत्तए वा ३ णिसीइत्तए वा ४ तुयट्टित्तए वा ५ ? णो इणट्ठे० कालोदाई ! एयंसि णं पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा । एयंसि णं भंते ! पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावकम्मफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ? णो इणट्ठे समट्ठे । कालोदाई ! एयंसि णं जीवत्थिकायंसि अरूविकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ? हंता ! कज्जंति । एत्थ णं से कालोदाई संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं धम्मं णिसामेत्तए एवं जहा खंदए तहेव पव्वइए तहेव एक्कारस अंगाई जाव विहरइ ॥ ३०४ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे गुणसिलए णामं चेइए होत्था । तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ जाव समोसढे० परिसा पडिगया, तए णं से कालोदाई अणगारे अण्णया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ? हंता ! अत्थि । कहण्णं भंते ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ? कालोदाई ! से जहाणामए केइ पुरिसे मणुण्णं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं विससंमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे परि०दुरूवत्ताए दुगंधत्ताए जहा महासवए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा वि परिणममाणे २ दुरूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति । अत्थि णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाणफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ? हंता ! अत्थि । कहण्णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ? कालोदाई ! से जहाणामए केइ पुरिसे मणुण्णं थालीपा-

गसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं ओसहमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा तस्स णं भोयणस्स आवाए णो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए सुवण्णत्ताए जाव सुहत्ताए णो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे तस्स णं आवाए णो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए जाव णो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ । एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ॥३०५॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया जाव सरिसभंडमत्तोवगरणा अण्णमण्णेणं सद्धिं अगणिकायं समारंभंति तत्थ णं एगे पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ एगे पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ, एएसि णं भंते ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव कयरे वा पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव ? जे वा से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ जे वा से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ ? कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–तत्थ णं जे से पुरिसे जाव अप्पवेयणतराए चेव ? कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे बहुतरायं पुढविक्कायं समारंभइ बहुतरायं आउक्कायं समारंभइ अप्पतरायं तेउकायं समारंभइ बहुतरायं वाउकायं समारंभइ बहुतरायं वणस्सइकायं समारंभइ बहुतरायं तसकायं समारंभइ । तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं णिव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पतरायं पुढविक्कायं समारंभइ अप्पतरायं आउक्कायं समारंभइ बहुतरायं तेउक्कायं समारंभइ अप्पतरायं वाउक्कायं समारंभइ अप्पतरायं वणस्सइकायं समारंभइ अप्पतरायं तसकायं समारंभइ, से तेणट्ठेणं कालोदाई ! जाव अप्पवेयणतराए चेव ॥ ३०६ ॥ अत्थि णं भंते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति उज्जोवेंति तवेंति पभासेंति ? हंता ! अत्थि । कयरे णं भंते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति ? कालोदाई ! कुद्धस्स अणगारस्स तेयलेस्सा णिसट्ठा समाणी दूरं गया दूरं णिवयइ देसं गया देसं णिवयइ जहिं-जहिं च णं सा णिवयइ तहिं-तहिं च णं ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासंति, एएणं कालोदाई ! ते अचित्तावि

पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति। तए णं से कालोदाई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे जहा पढमसए कालासवेसियपुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। सेवं भंते! २ त्ति ॥३०७॥

सत्तमं सयं समत्तं

॥ अट्ठमं सयं पढमो उद्देसो ॥

गाहा—पोग्गल १ आसीविस २ रुक्ख ३ किरिय ४ आजीव ५ फासुय ६ मदत्ते ७। पडिणीय ८ बंध ९ आराहणा य १० दस अट्ठमंमि सए ॥१॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—कइविहा णं भंते! पोग्गला पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा पोग्गला पण्णत्ता, तंजहा—पओगपरिणया मीससापरिणया वीससापरिणया ॥३०८॥ पओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—एगिंदियपओगपरिणया बेइंदियपओगपरिणया जाव पंचिंदियपओगपरिणया। एगिंदियपओगपरिणया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? गोयमा पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—पुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया। पुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिया णं भंते! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया बायरपुढविक्काइयएगिंदियपओगपरिणया य, आउक्काइयएगिंदियपओगपरिणया एवं चेव, एवं दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइयएगिंदियपओगपरिणया य। बेइंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! अणेगविहा पण्णत्ता, एवं तेइंदियचउरिंदियपओगपरिणयावि। पंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—णेरइयपंचिंदियपओगपरिणया तिरिक्ख० एवं मणुस्स० देवपंचिंदिय०। णेरइयपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा—रयणप्पभापुढविणेरइयपंचिंदियपओगपरिणया वि जाव अहेसत्तमपुढविणेरइयपंचिंदियपओगपरिणया वि। तिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय० थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय० खहयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय०। जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा—संमुच्छिमजल-

यर०, गब्भवक्कंतियजलयर० । थलयरतिरिक्ख०पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—चउप्पयथलयर० परिसप्पथलयर० । चउप्पयथलयर० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—संमुच्छिमचउप्पयथलयर० गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयर० । एवं एएणं अभिलावेणं परिसप्पा दुविहा प०, तंजहा—उरपरिसप्पा य भुयपरिसप्पा य, उरपरिसप्पा दुविहा प०, तंजहा—संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य, एवं भुयपरिसप्पा वि, एवं खहयरा वि । मणुस्सपंचिंदियपओग० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—संमुच्छिममणुस्स० गब्भवक्कंतियमणुस्स० । देवपंचिंदियपओग० पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवासिदेवपंचिंदियपओग० एवं जाव वेमाणिया । भवणवासिदेवपंचिंदिय० पुच्छा, गोयमा ! दसविहा प०, तंजहा—असुरकुमार० जाव थणियकुमार० । एवं एएणं अभिलावेणं अट्ठविहा वाणमंतरा पिसाया जाव गंधव्वा, जोइसिया पंचविहा प०, तंजहा—चंदविमाणजोइसिया जाव ताराविमाणजोइसियदेवा०, वेमाणिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—कप्पोववण्णग० कप्पाईयगवेमाणिया, कप्पोवगा दुवालसविहा पण्णत्ता, तंजहा—सोहम्मकप्पोवग० जाव अच्चुयकप्पोवणगवेमाणिया । कप्पाईयग० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—गेवेज्जकप्पाईयवे० अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवे०, गेवेज्जकप्पाईयग० णवविहा पण्णत्ता, तंजहा—हेट्ठिम २ गेवेज्जगकप्पाईयग० जाव उवरिम २ गेविज्जगकप्पाईय० । अणुत्तरोववाइयकप्पाईयगवेमाणियदेवपंचिंदियपओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—विजयअणुत्तरोववाइय० जाव परिणया जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयदेवपंचिंदिय जाव परिणया । सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा— [केइ अपज्जत्तगं पढमं भणंति पच्छा पज्जत्तगं] पज्जत्तगसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य अपज्जत्तगसुहुमपुढविकाइय जाव परिणया य, बायरपुढविकाइयएगिंदिय० एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एक्केक्का दुविहा पोग्गला—सुहुमा य बायरा य, पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य भाणियव्वा । बेइंदियपओगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगबेइंदियपओगपरिणया य अपज्जत्तग जाव परिणया य, एवं तेइंदिया वि एवं चउरिंदिया वि । रयणप्पभापुढविणेरइय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—पज्जत्तगरयणप्पभापुढवि जाव परिणया य अपज्जत्तग जाव

परिणया य, एवं जाव अहेसत्तमा। संमुच्छिमजलयरतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तग० अपज्जत्तग०, एवं गब्भवक्कंतिया वि, संमुच्छिमचउप्पयथलयर० वि एवं चेव, एवं गब्भवक्कंतिया वि, एवं जाव संमुच्छिमखहयर० गब्भवक्कंतिया य, एक्केक्के पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। संमुच्छिममणुस्सपंचिदिय० पुच्छा, गोयमा! एगविहा प०, अपज्जत्तगा चेव। गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिदिय० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प० तंजहा-पज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि। असुरकुमारभवणवासिदेवाणं पुच्छा, गोयमा! दुविहा प०, तंजहा-पज्जत्तगअसुरकुमार० अपज्जत्तगअसुर०, एवं जाव थणियकुमारा पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य। एवं एएणं अभिलावेणं दुयएणं भेएणं पिसाया जाव गंधव्वा, चंदा जाव ताराविमाणा सोहम्मकप्पोवगा जाव अच्चुओ, हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जकप्पाईय० जाव उवरिमउवरिमगेविज्ज०, एवं विजयअणुत्तरो० जाव अपराजिय०, सव्वट्ठसिद्धकप्पाईय० पुच्छा, गोयमा! दुविहा प० तंजहा-पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० अपज्जत्तगसव्वट्ठ० जाव परिणया वि, २ दंडगा। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुम० जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया एवं जाव चउरिंदिया पज्जत्ता, णवरं जे पज्जत्ताबायरवाउकाइयएगिंदियपओगपरिणया ते ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, सेसं तं चेव। जे अपज्जत्तरयणप्पभापुढविणेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते वेउव्वियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया, एवं पज्जत्तगा वि, एवं जाव अहेसत्तमा। जे अपज्जत्तगसंमुच्छिमजलयर जाव परिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया एवं पज्जत्तगा वि, गब्भवक्कंतिय अपज्जत्तगा एवं चेव, पज्जत्तगा णं एवं चेव, णवरं सरीरगाणि चत्तारि जहा बायरवाउक्काइयाणं पज्जत्तगाणं, एवं जहा जलयरेसु चत्तारि आलावगा भणिया एवं चउप्पयउरपरिसप्पभुयपरिसप्पखहयरेसुवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा। जे संमुच्छिममणुसपंचिंदियपओगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया, एवं गब्भवक्कंतियावि अपज्जत्तगा, पज्जत्तगावि एवं चेव, णवरं सरीरगाणि पंच भाणियव्वाणि। जे अपज्जत्ता असुरकुमारभवणवासि जहा णेरइया तहेव,

एवं पज्जत्तगावि, एवं दुयएणं भेएणं जाव थणियकुमारा, एवं पिसाया जाव गंधव्वा, चंदा जाव ताराविमाणा, एवं सोहम्मकप्पो० जाव अच्चुओ हेट्ठिम २ गेवेज्जग जाव उवरिम २ गेवज्जग, विजयअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्धअणु० एक्केक्केणं दुयओ भेओ भाणियव्वो जाव जे पज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया, दंडगा ३। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदिय पओगपरिणया ते फासिंदिय-पओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइया एवं चेव, जे अपज्जत्ता बायर-पुढविक्काइया एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं चउक्कएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइया। जे अपज्जत्ता बेइंदियपओगपरिणया ते जिब्भिंदियफासिंदियपओग-परिणया जे पज्जत्ता बेइंदिया एवं चेव, एवं जाव चउरिंदिया णवरं एक्केक्कं इंदियं वड्ढेयव्वं। जे अपज्जत्ता रयणप्पभापुढविणेरइयपंचिंदियपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियपओगपरिणया, एवं पज्जत्त-गावि, एवं सव्वे भाणियव्वा, तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवा जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव परिणया ४। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरप्पओग-परिणया ते फासिंदियपओगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुम० एवं चेव, बायर-अपज्जत्ता एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं एएणं अभिलावेणं जस्स जइ इंदियाणि सरीराणि य ताणि भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते सोइंदियचक्खिंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ५। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदिय-पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि णील० लोहिय० हालिद्द० सुक्किल्ल०, गंधओ सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, रसओ तित्तरस-परिणयावि कडुयरसपरिणयावि कसायरसप० अंबिलरसप० महुररसप०, फासओ कक्खडफासपरि० जाव लुक्खफासपरि०, संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणयावि वट्ट-तंस-चउरंस-आयय-संठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए णेयव्वं जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ६। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढवि० एगिंदियओरालियतेयाकम्मासरीरपओगपरिणया ते

वण्णओ कालवण्णपरि० जाव आययसंठाणपरि०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए णेयव्वं जस्स जइ सरीराणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासरीरप्पओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ७। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइयएगिंदियफासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ इंदियाणि तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० देवपंचिंदियसोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि ८। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविक्काइयएगिंदियओरालियतेयाकम्माफासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव आयसंठाणप०, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि० एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ सरीराणि इंदियाणि य तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मासोइंदिय जाव फासिंदियपओगपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरि० जाव आययसंठाणपरिणयावि, एवं एए णव दंडगा ९॥३०९॥ मीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—एगिंदियमीसापरिणया जाव पंचिंदियमीसापरिणया। एगिंदियमीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? एवं जहा पओगपरिणएहिं णव दंडगा भणिया एवं मीसापरिणएहिं वि णव दंडगा भाणियव्वा, तहेव सव्वं णिरवसेसं, णवरं अभिलावो मीसापरिणया भाणियव्वं, सेसं तं चेव, जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० जाव आययसंठाणपरिणयावि ॥ ३१० ॥ वीससापरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—वण्णपरिणया गंधपरिणया रसपरिणया फासपरिणया संठाणपरिणया। जे वण्णपरिणया ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—कालवण्णपरिणया जाव सुक्किल्लवण्णपरिणया, जे गंधपरिणया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, एवं जहा पण्णवणाए तहेव णिरवसेसं जाव जे संठाणओ आययसंठाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि ॥ ३११ ॥ एगे भंते ! दव्वे किं पओगपरिणए मीसा-

परिणए वीससापरिणए ? गोयमा ! पओगपरिणए वा मीसापरिणए वा वीससापरिणए वा। जइ पओगपरिणए किं मणप्पओगपरिणए वइप्पओगपरिणए कायप्पओगपरिणए ? गोयमा ! मणप्पओगपरिणए वा वइप्पओगपरिणए वा कायप्पओगपरिणए वा। जइ मणप्पओगपरिणए किं सच्चमणप्पओगपरिणए मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्पओ० असच्चामोसमणप्पओ० ? गोयमा ! सच्चमणप्पओगपरिणए वा मोसमणप्पओग० सच्चामोसमणप्प० असच्चामोसमणप्प०वा। जइ सच्चमणप्पओगप० किं आरंभसच्चमणप्पओ०अणारंभसच्चमणप्पओगपरि० सारंभसच्चमणप्पओग० असारंभसच्चमण० समारंभसच्चमणप्पओगपरि० असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए ? गोयमा ! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणए वा। जइ मोसमणप्पओगपरिणए किं आरंभमोसमणप्पओगपरिणए वा ? एवं जहा सच्चेणं तहा मोसेण वि, एवं सच्चामोसमणप्पओगेणवि, एवं असच्चामोसमणप्पओगेणवि । जइ वइप्पओगपरिणए किं सच्चवइप्पओगपरिणए मोसवइप्पओगपरिणए ? एवं जहा मणप्पओगपरिणए तहा वइप्पओगपरिणएवि जाव असमारंभवइप्पओगपरिणए वा । जइ कायप्पओगपरिणए किं ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ओरालियमीसासरीरकायप्पओ० वेउव्वियसरीरकायप्पओ० वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए आहारगसरीरकायप्पओगपरिणए आहारगमीसासरीरकायप्पओगपरिणए कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए ? गोयमा ! ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा जाव कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए वा। जइ ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए एवं जाव पंचिंदियओरालिय जाव परि० ? गोयमा ! एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए वा बेइंदिय जाव परिणए वा जाव पंचिंदिय जाव परिणए वा। जइ एगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ? जाव वणस्सइकाइयएगिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ? गोयमा ! पुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए वा जाव वणस्सइकाइयएगिंदिय जाव परिणए वा । जइ पुढविक्काइयएगिंदियओरालियसरीर जाव परिणए किं सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए बायरपुढविक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ? गोयमा ! सुहुमपुढविक्काइयएगिंदिय जाव

परिणए वा बायरपुढविक्काइय जाव परिणए वा, जइ सुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए किं पज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए अपज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए ? गोयमा ! पज्जत्तसुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए वा अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइय जाव परिणए वा, एवं बायरावि, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं चउक्कओ भेओ, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दुयओ भेओ पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। जइ पंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए किं तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए ? गोयमा ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए वा । जइ तिरिक्खजोणिय जाव परिणए किं जलयरतिरिक्खजोणिय जाव परिणए थलयरखहयर० एवं चउक्कओ भेओ जाव खहयराणं । जइ मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए किं संमुच्छिममणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए ? गोयमा ! दोसुवि। जइ गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए किं पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरकायप्पओगपरिणए ? गोयमा ! पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा अपज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा १। जइ ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए बेइंदिय जाव परिणए जाव पंचेंदियओरालिय जाव परिणए ? गोयमा ! एगिंदियओरालिय एवं जहा ओरालियसरीरकायप्पओगपरिणएणं आलावगो भणिओ तहा ओरालियमीसासरीरकायप्पओगपरिणएणवि आलावगो भाणियव्वो, णवरं बायरवाउक्काइयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियगब्भवक्कंतियमणुस्साणं एएसि णं पज्जत्तापज्जत्तगाणं सेसाणं अपज्जत्तगाणं २। जइ वेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियवेउव्वियसरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदियवेउव्वियसरीर जाव परिणए ? गोयमा ! एगिंदिय जाव परिणए वा पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदिय जाव परिणए किं वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए अवाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ? गोयमा ! वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए णो अवाउक्काइय जाव परिणए, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरं भणियं तहा इहवि भाणियव्वं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरकायप्प-

ओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध० कायप्पओगपरिणए वा ३। जइ वेउ-व्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए जाव पंचिदियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ? एवं जहा वेउव्वियं तहा वेउ-व्वियमीसगंपि, णवरं देवणेरइयाणं अपज्जत्तगाणं सेसाणं पज्जत्तगाणं तहेव जाव णो पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो० जाव पओग० अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु-त्तरोववाइयदेवपंचिंदियवेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगपरिणए ४। जइ आहा-रगसरीरकायप्पओगपरिणए किं मणुस्साहारगसरीरकायप्पओगपरिणए अमणु-स्साहारग जाव प० ? एवं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्तपमत्तसंजय-सम्मद्दिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउय जाव परिणए णो अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजय-सम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव प० ५। जइ आहारगमीसासरीरकाय-प्पओगप० किं मणुस्साहारगमीसासरीर० ? एवं जहा आहारगं तहेव मीस-गंपि णिरवसेसं भाणियव्वं ६। जइ कम्मासरीरकायप्पओगप० किं एगिंदिय-कम्मासरीरकायप्पओगप० जाव पंचिंदियकम्मासरीर जाव प० ? गोयमा ! एगिंदियकम्मासरीरकायप्पओ० एवं जहा ओगाहणसंठाणे कम्मगस्स भेओ तहेव इहावि जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मा-सरीरकायप्पओगपरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणु० जाव परिणए वा ७। जइ मीसापरिणए किं मणमीसापरिणए वइमीसापरिणए कायमीसापरिणए ? गोयमा ! मणमीसापरिणए वा वइमीसा० वा कायमीसापरिणए वा। जइ मण-मीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए मोसमणमीसापरिणए ? जहा पओग-परिणए तहा मीसापरिणएवि भाणियव्वं णिरवसेसं जाव पज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियकम्मासरीरमीसापरिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठ-सिद्धअणु० जाव कम्मासरीरमीसापरिणए वा। जइ वीससापरिणए किं वण्ण-परिणए गंधपरिणए रसपरिणए फासपरिणए संठाणपरिणए ? गोयमा ! वण्ण-परिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा, जइ वण्णपरिणए किं कालवण्णपरिणए णील जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए ? गोयमा ! कालवण्णपरिणए वा जाव सुक्किल्लवण्णपरिणए वा। जइ गंधपरि-णए किं सुब्भिगंधपरिणए दुब्भिगंधपरिणए ? गोयमा ! सुब्भिगंधपरिणए वा दुब्भिगंधपरिणए वा। जइ रसपरिणए किं तित्तरसपरिणए ५, पुच्छा, गोयमा !

तित्तरसपरिणए वा जाव महुररसपरिणए वा, जइ फासपरिणए किं कक्खडफास-परिणए जाव लुक्खफासपरिणए ? गोयमा ! कक्खडफासपरिणए वा जाव लुक्खफासपरिणए वा, जइ संठाणपरिणए पुच्छा, गोयमा ! परिमंडलसंठाणपरिणए वा जाव आययसंठाणपरिणए वा॥३१२॥दो भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसापरिणया वीससापरिणया ? गोयमा ! पओगपरिणया वा १ मीसापरिणया वा २ वीससापरिणया वा ३ अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए ४ अहवेगे पओगप० एगे वीससापरि० ५ अहवा एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए एवं ६ । जइ पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओग० कायप्पओगपरिणया ? गोयमा ! मणप्पओ० वइप्पओगप० कायप्पओगपरिणया वा अहवेगे मणप्पओगप० एगे वइप्पओगप० अहवेगे मणप्पओगपरिणए एगे कायप०, अह वेगे वइप्पओगप० एगे कायप्पओगपरि०, जइ मणप्पओगप० किं सच्चमणप्पओगप० ४ ? गोयमा ! सच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पओगप० वा १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे मोसमणप्पओगपरिणए १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए २ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे असच्चामोसमणप्पओगपरिणए ३ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे सच्चामोसमणप्पओगप० ४ अहवा एगे मोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप० ५ अहवा एगे सच्चामोसमणप्पओगप० एगे असच्चामोसमणप्पओगप० ६ । जइ सच्चमणप्पओगप० किं आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया जाव असमारंभसच्चमणप्पओगप० ? गोयमा ! आरंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असमारंभसच्चमणप्पओगपरिणया वा, अहवा एगे आरंभसच्चमणप्पओगप० एगे अणारंभसच्चमणप्पओगप० एवं एएणं गमएणं दुयसंजोएणं णेयव्वं, सव्वे संजोगा जत्थ जत्तिया उट्ठेंति ते भाणियव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धगइ । जइ मीसाप० किं मणमीसाप० ? एवं मीसापरि० वि । जइ वीससापरिणया किं वण्णपरिणया गंधप० ? एवं वीससापरिणयावि जाव अहवा एगे चउरंससंठाणपरि० एगे आययसंठाणपरिणए वा । तिण्णि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया मीसाप० वीससाप० ? गोयमा ! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा । अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसाप० १ अहवेगे पओगपरिणए दो वीससाप० २ अहवा दो पओगपरिणया एगे

मीससापरिणए ३ अहवा दो पओगप० एगे वीससाप० ४ अहवा एगे मीसापरिणए दो वीससाप० ५ अहवा दो मीससाप० एगे वीससाप० ६ अहवा एगे पओगप० एगे मीसापरि० एगे वीससाप० ७। जइ पओगप० किं मणप्पओगपरिणया वइप्पओगप० कायप्पओगप० ? गोयमा ! मणप्पओगपरिणया वा एवं एक्कगसंजोगो दुयासंजोगो तियासंजोगो भाणियव्वो। जइ मणप्पओगपरि० किं सच्चमणप्पओगपरिणया ४ ? गोयमा ! सच्चमणप्पओगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पओगपरिणया वा ४, अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए दो मोसमणप्पओगपरिणयावा, एवं दुयासंजोगो तियासंजोगो भाणियव्वो, एत्थवि तहेव जाव अहवा एगे तंससंठाणपरिणए वा एगे चउरंससंठाणपरिणए वा एगे आययसंठाणपरिणए वा। चत्तारि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया ३ ? गोयमा ! पओगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा, अहवा एगे पओगपरिणए तिण्णि मीसापरिणया १ अहवा एगे पओगपरिणए तिण्णि वीससापरिणया २ अहवा दो पओगपरिणया दो मीसापरिणया ३ अहवा दो पओगपरिणया दो वीससापरिणया ४ अहवा तिण्णि पओगपरिणया एगे मीससापरिणए ५ अहवा तिण्णि पओगपरिणया एगे वीससापरिणए ६ अहवा एगे मीससापरिणए तिण्णि वीससापरिणया ७ अहवा दो मीसापरिणया दो वीससापरिणया ८ अहवा तिण्णि मीसापरिणया एगे वीससापरिणए ९ अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसा परिणए दो वीससा परिणया १ अहवा एगे पओगपरिणए दो मीसापरिणया एगे वीससापरिणए २ अहवा दो पओगपरिणया एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए ३। जइ पओगपरिणया किं मणप्पओगपरिणया ३ ? एवं एएणं कमेणं पंच छ सत्त जाव दस संखेज्जा असंखेज्जा अणंता य दव्वा भाणियव्वा दुयासंजोएणं तियासंजोएणं जाव दससंजोएणं बारससंजोएणं उवजुंजिऊणं जत्थ जत्तिया संजोगा उट्ठेंति ते सव्वे भाणियव्वा, एए पुण जहा णवमसए पवेसणए भणिहामो तहा उवजुंजिऊण भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अणंता एवं चेव, णवरं एक्कं पयं अब्भहियं, जाव अहवा अणंता परिमंडलसंठाणपरिणया जाव अणंता आययसंठाणपरिणया ॥ ३१३ ॥ एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं पओगपरिणयाणं मीसापरिणयाणं वीससापरिणयाणं य

कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला पओगपरिणया मीसापरिणया अणंतगुणा वीससापरिणया अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३१४ ॥

अट्ठमं सयं बीओ उद्देसो

कइविहा णं भंते ! आसीविसा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा आसीविसा पण्णत्ता, तंजहा—जाइआसीविसा य कम्मआसीविसा य । जाइआसीविसा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तंजहा—विच्छुयजाइआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजाइआसीविसे मणुस्सजाइआसीविसे । विच्छुयजाइआसीविसस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! पभू णं विच्छुयजाइआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं विसट्टमाणं पकरेत्तए, विसए से विसट्ठयाए णो चेव णं संपत्तीए करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा १ । मंडुक्कजाइआसीविसपुच्छा, गोयमा ! पभू णं मंडुक्कजाइआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा २ । एवं उरगजाइआसीविसस्सवि णवरं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा ३, मणुस्सजाइआसीविसस्सवि एवं चेव णवरं समयखेत्तप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा ४ । जइ कम्मआसीविसे किं णेरइयकम्मआसीविसे तिरिक्खजोणियकम्मआसीविसे मणुस्सकम्मआसीविसे देवकम्मआसीविसे ? गोयमा ! णो णेरइयकम्मासीविसे तिरिक्खजोणियकम्मासीविसेवि मणुस्सकम्मा० देवकम्मासी०, जइ तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ? गोयमा ! णो एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव णो चउरिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे, पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे । जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ? एवं जहा वेउव्वियसरीरस्स भेओ जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे णो अपज्जत्तासंखेज्जवासाउय जाव कम्मासीविसे । जइ मणुस्सकम्मासीविसे किं संमुच्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे ? गोयमा ! णो संमु-

च्छिममणुस्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे एवं जहा वेउव्वियसरीरं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमिगगब्भवक्कंतियमणूसकम्मासीविसे णो अपज्जत्ता जाव कम्मासीविसे। जइ देवकम्मासीविसे किं भवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव वेमाणियदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! भवणवासिदेवकम्मासीविसे वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, जइ भवणवासिदेवकम्मासीविसे किं असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव थणियकुमार जाव कम्मासीविसे ? गोयमा ! असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसेवि जाव थणियकुमार० आसीविसेवि, जइ असुरकुमार जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! णो पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे,एवं थणियकुमाराणं। जइ वाणमंतरदेवकम्मासीविसे किं पिसायवाणमंतर० एवं सव्वेसिपि अपज्जत्तगाणं, जोइसियाणं सव्वेसिं अपज्जत्तगाणं । जइ वेमाणियदेवकम्मासीविसे किं कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे कप्पाईयवेमाणियदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे णो कप्पाईयवेमाणियदेवकम्मासीविसे, जइ कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे किं सोहम्मकप्पोव० जाव कम्मासीविसे जाव अच्चुयकप्पोवग जाव कम्मासीविसे ? गोयमा ! सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, णो आणयकप्पोवग० जाव णो अच्चुयकप्पोवगवेमाणियदेव०, जइ सोहम्मकप्पोवग जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तसोहम्मकप्पोवग वेमाणिय० अपज्जत्तगसोहम्मक० ? गोयमा ! णो पज्जत्तसोहम्मकप्पोवगवेमाणिय० अपज्जत्तसोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, एवं जाव णो पज्जत्तसहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, अपज्जत्तसहस्सारकप्पोवग जाव कम्मासीविसे ॥३१५॥ दस ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं ण जाणइ ण पासइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं १ अधम्मत्थिकायं २ आगासत्थिकायं ३ जीवं असरीरपडिबद्धं ४ परमाणुपोग्गलं ५ सद्दं ६ गंधं ७ वायं ८ अयं जिणे भविस्सइ ण वा भविस्सइ ९ अयं सव्वदुक्खाणं अंतं करिस्सइ ण वा करेस्सइ १०। एयाणि चेव उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली

सव्वभावेणं जाणइ पासइ, तंजहा—धम्मत्थिकायं जाव करेस्सइ ण वा करेस्सइ ॥ ३१६ ॥ कइविहे णं भंते ! णाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे णाणे पण्णत्ते, तंजहा—आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे । से किं तं आभिणिबोहियणाणे ? आभिणिबोहियणाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—उग्गहो ईहा अवाओ धारणा, एवं जहा रायप्पसेणइज्जे णाणाणं भेओ तहेव इह भाणियव्वो जाव सेत्तं केवलणाणे । अण्णाणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—मइअण्णाणे सुयअण्णाणे विभंगणाणे । से किं तं मइअण्णाणे ? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—उग्गहो जाव धारणा । से किं तं उग्गहे ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य, एवं जहेव आभिणिबोहियणाणं तहेव, णवरं एगट्ठियवज्जं जाव णोइंदियधारणा, सेत्तं धारणा सेत्तं मइअण्णाणे । से किं तं सुयअण्णाणे ? २ जं इमं अण्णाणिएहिं मिच्छादिट्ठिएहिं जहा णंदीए जाव चत्तारि वेया संगोवंगा, सेत्तं सुयअण्णाणे । से किं तं विभंगणाणे ? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—गामसंठिए णयरसंठिए जाव संणिवेससंठिए दीवसंठिए समुद्दसंठिए वाससंठिए वासहरसंठिए पव्वयसंठिए रुक्खसंठिए थुभसंठिए हयसंठिए गवसंठिए णरसंठिए किंणरसंठिए किंपुरिससंठिए महोरगसंठिए गंधव्वसंठिए उसभसंठिए पसुपसयविहगवाणरणाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । जीवा णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! जीवा णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थेगइया दुण्णाणी अत्थेगइया तिण्णाणी अत्थेगइया चउणाणी अत्थेगइया एगणाणी । जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य, जे तिण्णाणी ते अभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी अहवा आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी, जे एगणाणी ते णियमा केवलणाणी । जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी अत्थेगइया तिअण्णाणी, जे दुअण्णाणी ते मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, जे तिअण्णाणी ते मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी । णेरइया णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि । जे णाणी ते णियमा तिण्णाणी, तंजहा—आभिणिबोहि० सुयणाणी ओहिणाणी, जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी अत्थेगइया तिअण्णाणी, एवं तिण्णि अण्णाणि भयणाए । असुरकुमारा णं भंते ! किं णाणी अण्णाणी ? जहेव णेरइया तहेव तिण्णि

णाणाणि णियमा, तिण्णि अण्णाणाणि भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविक्काइया णं भंते किं! णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी, जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी--मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, एवं जाव वणस्सइकाइया। बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा दुण्णाणी, तंजहा--आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य, जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी तं०--मइ अण्णाणी सुयअण्णाणी, एवं तेइंदियचउरिंदियावि। पंचिंदियतिरिक्खजो० पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थे० दुण्णाणी अत्थे० तिण्णाणी एवं तिण्णि णाणाणि तिण्णि अण्णाणाणि य भयणाए। मणुस्सा जहा जीवा तहेव पंच णाणाणि तिण्णि अण्णाणि भयणाए। वाणमंतरा जहा णे० जोइसियवेमाणियाणं तिण्णि णाणाणि तिण्णि अण्णाणाणि णियमा। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, णियमा एगणाणी केवलणाणी ॥३१७॥ णिरयगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, तिण्णि णाणाइं णियमा तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। तिरियगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! दो णाणा दो अण्णाणा णियमा। मणुस्सगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! तिण्णि णाणाइं भयणाए दो अण्णाणाइं णियमा, देवगइया जहा णिरयगइया। सिद्धगइया णं भंते ! जीवा किं णाणी ? जहा सिद्धा। सइंदिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। एगिंदिया णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा पुढविकाइया, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दो णाणा दो अण्णाणा णियमा। पंचिंदिया जहा सइंदिया। अणिंदिया णं भंते ! जीवा किं णाणी० ! जहा सिद्धा। सकाइया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया णो णाणी अण्णाणी णियमा दुअण्णाणी, तंजहा--मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, तसकाइया जहा सकाइया। अकाइया णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा सिद्धा ३। सुहुमा णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा पुढविक्काइया। बायरा णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा सकाइया। णोसुहुमाणोबायरा णं भंते ! जीवा० जहा सिद्धा ४। पज्जत्ता णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? जहा सका-

इया। पज्जत्ता णं भंते! णेरइया किं णाणी० ? तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमा जहा णेरइआ एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया जहा एगिंदिया, एवं जाव चउरिंदिया। पज्जत्ता णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णाणी अण्णाणी ? तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए। मणुस्सा जहा सकाइया। वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया जहा णेरइया। अपज्जत्ता णं भंते! जीवा किं णाणी० ? तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए। अपज्जत्ता णं भंते! णेरइया किं णाणी अण्णाणी ? तिण्णि णाणा णियमा तिण्णि अण्णाणा भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया जहा एगिंदिया। बेइंदियाणं पुच्छा, दो णाणा दो अण्णाणा णियमा, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। अपज्जत्तगा णं भंते! मणुस्सा किं णाणी अण्णाणी ? तिण्णि णाणाइं भयणाए दो अण्णाणाइं णियमा। वाणमंतरा जहा णेरइया, अपज्जत्तगाणं जोइसियवेमाणियाणं तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमा। णोपज्जत्तगणोअपज्जत्तगा णं भंते! जीवा किं णाणी० ? जहा सिद्धा ५। णिरयभवत्था णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? जहा णिरयगइया। तिरियभवत्था णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए। मणुस्सभवत्था णं० जहा सकाइया। देवभवत्था णं भंते! जहा णिरयभवत्था। अभवत्था जहा सिद्धा ६। भवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं णाणी० ? जहा सकाइया। अभवसिद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! णो णाणी अण्णाणी तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। णो भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया णं भंते! जीवा० जहा सिद्धा ७। सण्णीणं पुच्छा, जहा सइंदिया, असण्णी जहा बेइंदिया, णोसण्णीणोअसण्णी जहा सिद्धा ८॥३१८॥ कइविहा णं भंते! लद्धी पण्णत्ता ? गोयमा! दसविहा लद्धी प०, तंजहा—णाणलद्धी १ दंसणलद्धी २ चरित्तलद्धी ३ चरित्ताचरित्तलद्धी ४ दाणलद्धी ५ लाभलद्धी ६ भोगलद्धी ७ उवभोगलद्धी ८ वीरियलद्धी ९ इंदियलद्धी १०। णाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! पंचविहा प०, तंजहा—आभिणिबोहियणाणलद्धी जाव केवलणाणलद्धी। अण्णाणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! तिविहा प०, तंजहा—मइअण्णाणलद्धी सुयअण्णाणलद्धी विभंगणाणलद्धी। दंसणलद्धी णं भंते! कइविहा प० ? गोयमा! तिविहा प०, तंजहा—

सम्मद्दंसणलद्धी मिच्छादंसणलद्धी सम्मामिच्छादंसणलद्धी । चरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प० तंजहा–सामाइयचरित्तलद्धी छेदोवट्ठावणियचरित्तलद्धी परिहारविसुद्धचरित्तलद्धी सुहुमसंपरायचरित्तलद्धी अहक्खायचरित्तलद्धी । चरित्ताचरित्तलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! एगागारा प०, एवं जाव उवभोगलद्धी एगागारा प० । वीरियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! तिविहा प०, तंजहा–बालवीरियलद्धी पंडियवीरियलद्धी बालपंडियवीरियलद्धी । इंदियलद्धी णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा–सोइंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी । णाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, अत्थेगइया दुण्णाणी, एवं पंच णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी अत्थेगइया दुअण्णाणी अण्णाणाइं भयणाए । आभिणिबोहियणाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, अत्थेगइया दुण्णाणी चत्तारि णाणाइं भयणाए । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा एगणाणी केवलणाणी, जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । एवं सुयणाणलद्धियावि, तस्स अलद्धियावि जहा आभिणिबोहियणाणस्स लद्धिया । ओहिणाणलद्धियाणं पुच्छा ? गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, अत्थेगइया तिण्णाणी अत्थेगइया चउणाणी, जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुय० ओहि०मणपज्जवणाणी । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी० ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि । एवं ओहिणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । मणपज्जवणाणलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, अत्थेगइया तिण्णाणी अत्थेगइया चउणाणी, जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए । केवलणाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ?

गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, णियमा एगणाणी केवलणाणी। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, केवलणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। अण्णाणलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, पंच णाणाइं भयणाए जहा अण्णाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअण्णाणस्स सुयअण्णाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा। विभंगणाणलद्धियाणं तिण्णि अण्णाणाइं णियमा, तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए दो अण्णाणाइं णियमा। दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाइं भयणाए। तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! तस्स अलद्धिया णत्थि। सम्मदंसणलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। मिच्छादंसणलद्धिया णं भंते ! पुच्छा, णो णाणी अण्णाणी, तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि य अण्णाइं भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया य जहा मिच्छादंसणलद्धिया अलद्धिया तहेव भाणियव्वा। चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! पंच णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए। सामाइयचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी० केवलवज्जाइं चत्तारि णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए, एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा, णवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच णाणाइं भ०। चरित्ताचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, अत्थेगइया दुण्णाणी अत्थेगइया तिण्णाणी, जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य, जे तिण्णाणी ते आभि० सुयणाणी ओहिणाणी, तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए ४। दाणलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, तस्स अ० पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अण्णाणी, णियमा एगणाणी केवलणाणी। एवं जाव वीरियस्स लद्धि अलिद्धी य भाणियव्वा। बालवीरियलद्धियाणं तिण्णि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, तस्स

अलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए। पंडियवीरियलद्धियाणं पंच णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवणाणवज्जाइं णाणाइं अण्णाणाणि तिण्णि य भयणाए। बालपंडियवीरियलद्धिया णं भंते! जीवा० तिण्णि णाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। इंदियलद्धिया णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी? गोयमा! चत्तारि णाणाइं तिण्णि य अण्णाणाइं भयणाए। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! णाणी णो अण्णाणी णियमा एगणाणी केवलणाणी। सोइंदियलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थेगइया दुण्णाणी अत्थेगइया एगणाणी जे दुण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी, जे एगणाणी ते केवलणाणी; जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी, तंजहा—मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य। चक्खिदियघाणिंदियलद्धियाणं अलद्धियाण य जहेव सोइंदियलद्धिया अलद्धिया य। जिब्भिंदियलद्धियाणं चत्तारि णाणाइं तिण्णि य अण्णाणाणि भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा एगणाणी केवलणाणी, जे अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी, तंजहा—मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य। फासिंदियलद्धियाणं अलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ॥३१९॥ सागारोवउत्ता णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी? पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। आभिणिबोहियणाणसागारोवउत्ता णं भंते! चत्तारि णाणाइं भयणाए। एवं सुयणाणसागारोवउत्तावि। ओहिणाणसागारोवउत्ता जहा ओहिणाणलद्धिया, मणपज्जवणाणसागारोवउत्ता जहा मणपज्जवणाणलद्धिया, केवलणाणसागारोवउत्ता जहा केवलणाणलद्धिया, मइअण्णाणसागारोवउत्ताणं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, एवं सुयअण्णाणसागारोवउत्तावि, विभंगणाणसागारोवउत्ताणं तिण्णि अण्णाणाइं णियमा। अणागारोवउत्ता णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी? पंच णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। एवं चक्खुदंसणअचक्खुदंसणअणागारोवउत्तावि, णवरं चत्तारि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए। ओहिदंसणअणागारोवउत्ताणं पुच्छा, गोयमा! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थेगइया तिण्णाणी अत्थेगइया चउणाणी, जे तिण्णाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी, जे अण्णाणी ते णियमा तिअण्णाणी, तंजहा—मइअण्णाणी सुय-

अण्णाणी विभंगणाणी, केवलदंसणअणागारोवउत्ता जहा केवलणाणलद्धिया। सजोगी णं भंते! जीवा किं णाणी० ? जहा सकाइया, एवं मणजोगी वइजोगी कायजोगीवि, अजोगी जहा सिद्धा। सलेस्सा णं भंते! जीवा किं णाणी० ? जहा सकाइया। कण्हलेस्सा णं भंते! ०जहा सइंदिया, एवं जाव पम्हलेसा, सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा, अलेस्सा जहा सिद्धा। सकसाई णं भंते! जहा सइंदिया, एवं जाव लोहकसाई। अकसाई णं भंते! ० ?पंच णाणाइं भयणाए। सवेयगा णं भंते! जहा सइंदिया, एवं इत्थिवेयगावि, एवं पुरिसवेयगावि, एवं णपुंसगवे०, अवेयगा जहा अकसाई। आहारगा णं भंते! जीवा० ? जहा सकसाई णवरं केवलणाणंपि, अणाहारगा णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? मणपज्जवणाणवज्जाइं णाणाइं अण्णाणाणि य तिण्णि भयणाए॥ ३२०॥ आभिणिबोहियणाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा! से समासओ चउव्विहे प०, तंजहा—दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ। दव्वओ णं आभिणिबोहियणाणी आएसेणं सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, खेत्तओ णं आभिणिबोहियणाणी आएसेणं सव्वखेत्तं जाणइ पासइ, एवं कालओवि, एवं भावओवि। सुयणाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते ?गोयमा! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयणाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, एवं खेत्तओवि कालओवि, भावओ णं सुयणाणी उवउत्ते सव्वभावे जाणइ पासइ। ओहिणाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते? गोयमा! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ ४, दव्वओ णं ओहिणाणी रूविदव्वाइं जाणइ पासइ जहा णंदीए जाव भावओ। मणपज्जवणाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ ४, दव्वओ णं उज्जुमई अणंते अणंतपएसिए जहा णंदीए जाव भावओ। केवलणाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं केवलणाणी सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ एवं जाव भावओ। मइअण्णाणस्स णं भंते! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ। दव्वओ णं मइअण्णाणी मइअण्णाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ मइअण्णाणी मइअण्णाणपरिगए भावे

जाणइ पासइ। सुयअण्णाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयअण्णाणी सुयअण्णाणपरिगयाइं दव्वाइं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ, एवं खेत्तओ कालओ, भावओ णं सुयअण्णाणी सुयअण्णाणपरिगए भावे आघवेइ तं चेव। विभंगणाणस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ ४, दव्वओ णं विभंगणाणी विभंगणाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ णं विभंगणाणी विभंगणाणपरिगए भावे जाणइ पासइ ॥ ३२१ ॥ णाणी णं भंते ! णाणीति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! णाणी दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—साइए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं। आभिणिबोहियणाणी णं भंते ! आभिणिबोहिय० एवं णाणी आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी। अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी, एएसिं दसण्हवि संचिट्ठणा जहा कायठिईए। अंतरं सव्वं जहा जीवाभिगमे। अप्पाबहुगाणि तिण्णि जहा बहुवत्तव्वयाए। केवइया णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता आभिणिबोहियणाणपज्जवा पण्णत्ता। केवइया णं भंते ! सुयणाणपज्जवा प० ? एवं चेव एवं जाव केवलणाणस्स। एवं मइअण्णाणस्स सुयअण्णाणस्स, केवइया णं भंते ! विभंगणाणपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता विभंगणाणपज्जवा प०। एएसि णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं सुयणाण० ओहिणाण० मणपज्जवणाण० केवलणाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवणाणपज्जवा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा सुयणाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियणाणपज्जवा अणंतगुणा केवलणाणपज्जवा अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! मइअण्णाणपज्जवाणं सुयअण्णाण० विभंगणाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा विभंगणाणपज्जवा सुयअण्णाणपज्जवा अणंतगुणा मइअण्णाणपज्जवा अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं जाव केवलणाणप० मइअण्णाणप० सुयअण्णाणप० विभंगणाणप० कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवणाणपज्जवा विभंगणाणपज्जवा अणंतगुणा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा

सुयअण्णाणपज्जवा अणंतगुणा सुयणाणपज्जवा विसेसाहिया मइअण्णाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियणाणपज्जवा विसेसाहिया केवलणाणपज्जवा अणंतगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३२२॥

अट्ठमं सयं तइओ उद्देसो

कइविहा णं भंते! रुक्खा पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा रुक्खा प०, तंजहा–संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया। से किं तं संखेज्जजीविया? संखेज्ज० अणेगविहा प०, तंजहा–ताले तमाले तक्कलि तेयलि जहा पण्णवणाए जाव णालिएरी, जे यावण्णे तहप्पगारा, सेत्तं संखेज्जजीविया। से किं तं असंखेज्जजीविया? असंखेज्जजीविया दुविहा प०, तंजहा–एगट्ठिया य बहुबीयगा य। से किं तं एगट्ठिया? २ अणेगविहा प०, तंजहा–णिबंबजंबू० एवं जहा पण्णवणाए जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं असंखेज्जजीविया। से किं तं अणंतजीविया? अणंतजीविया अणेगविहा प०, तं०–आलुए मूलए सिंगबेरे, एवं जहा सत्तमसए जाव सीउण्हे सिउंढी मुसुंढी, जे यावण्णे त०, सेत्तं अणंतजीविया॥३२३॥ अह भंते! कुम्मे कुम्मावलिया गोहे गोहावलिया गोणा गोणावलिया मणुस्से मणुस्सावलिया महिसे महिसावलिया एएसि णं दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिण्णाणं जे अंतरा तेवि णं तेहिं जीवपएसेहिं फुडा? हंता! फुडा। पुरिसे णं भंते! अंतरे हत्थेण वा पाएण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा कलिंचेण वा आमुसमाणे वा संमुसमाणे वा आलिहमाणे विलिहमाणे वा अण्णयरेणं वा तिक्खेणं सत्थजाएणं आच्छिंदमाणे वा विच्छिंदमाणे वा अगणिकाएणं वा समोडहमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा विबाहं वा उप्पायइ छविच्छेदं वा करेइ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं संकमइ॥ ३२४॥ कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा पुढवि-ईसिपब्भारा। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा? चरिमपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा? गोयमा! चरिमावि अचरिमावि। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गो० ॥ ३२५॥

अट्ठमं सयं चउत्थो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–काइया अहिगरणिया, एवं किरियापयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे० ॥ ३२६ ॥

अट्ठमं सयं पंचमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–आजीविया णं भंते ! थेरे भगवंते एवं वयासी–समणोवासयस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा से णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ परायगं भंडं अणुगवेसइ ? गोयमा ! सयं भंडं अणुगवेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ। तस्स णं भंते ! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवइ ? हंता ! भवइ। से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ–णो मे हिरण्णे णो मे सुवण्णे णो मे कंसे णो मे दूसे णो मे विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाईए संतसारसावएज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिण्णाए भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सयं भंडं अणुगवेसइ णो परायगं भंडं अणुगवेसइ। समणोवासयस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छमाणस्स केइ जायं चरेज्जा से णं भंते ! किं जायं चरइ अजायं चरइ ? गोयमा ! जायं चरइ णो अजायं चरइ। तस्स णं भंते ! तेहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ ? हंता ! भवइ। से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जायं चरइ णो अजायं चरइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ–णो मे माया णो मे पिया णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया णो मे सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिण्णे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो अजायं चरइ ॥३२७॥ समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते ! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेइ ? गोयमा ! तीयं पडिक्कमइ पडुप्पण्णं संवरेइ अणागयं पच्चक्खाइ। तीयं पडिक्कममाणे किं तिविहं

तिविहेणं पडिक्कमइ १ तिविहं दुविहेणं पडिक्कमइ २ तिविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ३ दुविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ४ दुविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ६ एगविहं तिविहेणं पडिक्कमइ ७ एगविहं दुविहेणं पडिक्कमइ ८ एगविहं एगविहेणं पडिक्कमइ ९ ? गोयमा ! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमइ तिविहं दुविहेणं वा पडिक्कमइ तं चेव जाव एगविहं वा एगविहेणं पडिक्कमइ । तिविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे ण करेइ ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, तिविहं दुविहेणं पडि० ण क० ण का० करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा ण करेइ ण का० करेंतं णाणुजाणइ मणसा कायसा ३, अहवा ण करेइ ३ वयसा कायसा ४, तिविहं एगविहेणं पडि० ण करेइ ३ मणसा ५, अहवा ण करेइ ३ वयसा ६, अहवा ण करेइ ३ कायसा ७, दुविहं ति० प० ण करेइ ण का० मणसा वयसा कायसा ८, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९ अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, दु० दु० प० ण क० ण का० म० व० ११, अहवा णं क० ण का० म० कायसा १२, अहवा ण क० ण का० वयसा कायसा १५, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ वयसा कायसा १६, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा १७, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा कायसा १८, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ वयसा कायसा १९, दुविहं एक्कविहेणं पडिक्कममाणे ण करेइ ण कारवेइ मणसा २० अहवा ण करेइ ण कारवेइ वयसा २१, अहवा ण करेइ ण कारवेइ कायसा २२, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा २३, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ वयसा २४, अहवा ण करेइ करेंतं णाणुजाणइ कायसा २५, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ मणसा २६, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ वयसा २७, अहवा ण कारवेइ करेंतं णाणुजाणइ कायसा २८, एगविहं तिविहेणं पडि० ण करेइ मणसा वयसा कायसा २९, अहवा ण कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंतं णाणुजाणइ मणसा ३. ३१, एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे ण करेइ मणसा वयसा ३२, अहवा ण करेइ मणसा कायसा ३३, अहवा ण करेइ वयसा

कायसा ३४, अहवा ण कारवेइ मणसा वयसा ३५, अहवा ण कारवेइ मणसा कायसा ३६, अहवा ण कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं णाणुजाणइ मणसा कायसा ३९, अहवा करेंतं णाणुजाणइ वयसा कायसा ४० एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे ण करेइ मणसा ४१, अहवा ण करेइ वयसा ४२, अहवा ण करेइ कायसा ४३, अहवा ण कारवेइ मणसा ४४, अहवा ण कारवेइ वयसा ४५, अहवा ण कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेंतं णाणुजाणइ मणसा ४७ अहवा करेंतं णाणुजाणइ वयसा ४८, अहवा करेंतं णाणुजाणइ कायसा ४९। पडुप्पण्णं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ ? एवं जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपण्णं भंगा भणिया एवं संवरमाणेणवि एगूणपण्णं भंगा भाणियव्वा। अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ ? एवं ते चेव भंगा एगूणपण्णं भाणियव्वा जाव अहवा करेंतं णाणुजाणइ कायसा। समणोवासयस्स णं भंते! पुव्वामेव थूलए मुसावाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते! पच्छा पच्चाइक्खमाणे० एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं तहा मुसावायस्सवि भाणियव्वं। एवं अदिण्णादाणस्सवि, एवं थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेंतं णाणुजाणइ कायसा। एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति, णो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति ॥ ३२८ ॥ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्दवइत्ता आहारमाहारेंति तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति, तंजहा–ताले, १ तालपलंबे, २ उव्विहे, ३ संविहे, ४ अवविहे, ५ उदए, ६ णामुदए, ७ णम्मुदए, ८ अणुवालए, ९ संखवालए, १० अयंपुले, ११ कायरिए, १२, इच्चेए दुवालस आजीवियोवासगा अरिहंतदेवयागा अम्मापिउसुस्सूसगा पंचफलपडिक्कंता तंजहा उंबरेहिं, वडेहिं, बोरेहिं, सतरेहिं, पिलंखूहिं, पलंडुलहसुणकंदमूलविवज्जगा अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिण्णेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं चि (वि) त्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएवि ताव एवं इच्छंति, किमंग! पुण जे इमे समणोवासगा भवंति जेसिं णो कप्पंति इमाइं पण्णरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेंतं वा अण्णं समणुजाणेत्तए तंजहा–इंगालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे,

भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, केसवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, णिल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलायपरिसोसणया, असईपोसणया, इच्चेए समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजाइया भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ॥ ३२९ ॥ कइविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा प०, तंजहा–भवणवासिवाणमंतरजोइसवेमाणिया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥३३० ॥

अट्ठमं सयं छट्ठो उद्देसो

समणोवासयस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ? गोयमा ! एगंतसो से णिज्जरा कज्जइ णत्थि य से पावे कम्मे कज्जइ । समणोवासयस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाण जाव पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ? गोयमा ! बहुतरिया से णिज्जरा कज्जइ अप्पतराए से पावे कम्मे कज्जइ । समणोवासयस्स णं भंते ! तहारूवं असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मं फासुएण वा अफासुएण वा एसणिज्जेण वा अणेसणिज्जेण वा असणपाण जाव किं कज्जइ ? गोयमा ! एगंतसो से पावे कम्मे कज्जइ णत्थि से काइ णिज्जरा कज्जइ ॥ ३३१ ॥ णिग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ दोहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा–एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तत्थेव अणुप्पदायव्वे सिया णो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तं णो अप्पणा भुंजेज्जा णो अण्णेसिं दावए एगंते अणावाए अचित्ते बहुफासुए थंडिल्ले पडिलेहेत्ता पमज्जित्ता परिट्ठावेयव्वे सिया । णिग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ तिहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा–एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि दो थेराणं दलयाहि, से य ते पडिग्गाहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसेयव्वा सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवणिमंतेज्जा णवरं एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि णव थेराणं दलयाहि सेसं तं चेव जाव

परिट्ठावेयव्वे सिया। णिग्गंथं च णं गाहावइकुलं जाव केइ दोहिं पडिग्गहेहिं उवणिमंतेज्जा एगं आउसो! अप्पणा पडिभुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि। से य तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं णो अप्पणा पडिभुंजेज्जा णो अण्णेसिं दावए सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया, एवं जाव दसहिं पडिग्गहेहिं, एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया एवं गोच्छगरयहरणचोलपट्टगकंबललट्ठिसंथारग-वत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवणिमंतेज्जा जाव परिट्ठा-वेयव्वे सिया॥ ३३२॥ णिग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं भवइ–इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि विउट्टामि विसोहेमि अकरणयाए अब्भुट्ठेमि अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ पच्छा थेराणं अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए णो विराहए १। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए णो विराहए २, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए णो विरा-हए ३, से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए णो विराहए ४, से य संपट्ठिए संपत्ते थेरा य अमुहा सिया से णं भंते! किं आराहए विराहए? गोयमा! आराहए णो विराहए, से य संपट्ठिए संपत्ते अप्पणा य० एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं। णिग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खंतेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवइ– इहेव ताव अहं० एवं एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव णो विराहए। णिग्गंथेण य गामाणुगामं दूइज्जमाणेणं अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडि-सेविए तस्स णं एवं भवइ इहेव ताव अहं० एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव णो विराहए। णिग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अण्णयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि तओ पच्छा पव-

त्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा णं भंते ! किं आराहिया विराहिया ? गोयमा ! आराहिया णो विराहिया, सा य संपट्ठिया जहा णिग्गंथस्स तिण्णि गमा भणिया एवं णिग्गंथीएवि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया णो विराहिया। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–आराहए णो विराहए ? गोयमा ! से जहा णामए–केइ पुरिसे एगं महं उण्णालोमं वा गयलोमं वा सणलोमं वा कप्पासलोमं वा तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा से णूणं गोयमा ! छिज्जमाणे छिण्णे पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते डज्झमाणे दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता भगवं ! छिज्जमाणे छिण्णे जाव दड्ढेत्ति वत्तव्वं सिया। से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहयं वा धोयं वा तंतुग्गयं वा मंजिट्ठादोणीए पक्खिवेज्जा से णूणं गोयमा ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता भगवं ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-आराहए णो विराहए ।। ३३३ ।। पईवस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं पईवे झियाइ लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले झियाइ पईवचंपए झियाइ जोई झियाइ ? गोयमा ! णो पईवे झियाइ जाव णो पईवचंपए झियाइ, जोई झियाइ। अगारस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं अगारे झियाइ कुड्डा झियाइ कडणा झि० धारणा झि० बलहरणे झि० वंसा० झि० मल्ला झि० वग्गा झियाइ छित्तरा झियाइ छाणे झियाइ जोई झियाइ ? गोयमा ! णो अगारे झियाइ णो कुड्डा झियाइ जाव णो छाणे झियाइं, जोई झियाइ ।। ३३४ ।। जीवे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए। णेरइए णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए। असुरकुमारे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिए ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए। णेरइए णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिए ? एवं एसो जहा पढमो दंडओ तहा इमोवि अपरिसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवा णं

भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया । णेरइया णं भंते ! ओरालियसरीराओ कइकिरिया ? एवं एसोवि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो, जाव वेमाणिया, णवरं मणुस्सा जहा जीवा । जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि अकिरियावि । णेरइया णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणुस्सा जहा जीवा । जीवे णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए । णेरइए णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे, एवं जहा ओरालियसरीरेणं चत्तारि दंडगा भणिया तहा वेउव्वियसरीरेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, णवरं पंचमकिरिया ण भण्णइ, सेसं तं चेव, एवं जहा वेउव्वियं तहा आहारगंपि तेयगंपि कम्मगंपि भाणियव्वं, एक्केक्के चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भंते ! कम्मगसरीरेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३३५॥

अट्ठमं सयं सत्तमो उद्देसो

तेणं कालेणं २ रायगिहे णयरे वण्णओ, गुणसिलए चेइए वण्णओ, जाव पुढविसिलावट्टओ, तस्स णं गुणसिलयस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति । तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुलसंपण्णा जहा बिइयसए जाव जीवियासमरणभयविप्पमुक्का समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति । तए णं ते अण्णउत्थिया जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरयअप्पडिहय जहा सत्तमसए बिइए उद्देसए जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो !

अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! अदिण्णं गेण्हह अदिण्णं भुंजह अदिण्णं साइज्जह, तए णं ते तुब्भे अदिण्णं गेण्हमाणा अदिण्णं भुंजमाणा अदिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय-अविरय जाव एगंत बाला यावि भवह । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्ण-उत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ? अम्हे अदिण्णं गेण्हामो अदिण्णं भुंजामो अदिण्णं साइज्जामो, जएणं अम्हे अदिण्णं गेण्हमाणा जाव अदिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुम्हा णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिण्णे पडिग्गाहेज्जमाणे अपडिग्गहिए णिस्सिरिज्जमाणे अणिसिट्ठे, तुब्भे णं अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरिज्जा, गाहावइस्स णं तं णो खलु तं तुब्भं तए णं तुब्भे अदिण्णं गेण्हह जाव अदिण्णं साइज्जह, तए णं तुब्भे अदिण्णं गेण्हमाणा जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–णो खलु अज्जो ! अम्हे अदिण्णं गिण्हामो अदिण्णं भुंजामो अदिण्णं साइज्जामो अम्हे णं अज्जो ! दिण्णं गेण्हामो दिण्णं भुंजामो दिण्णं साइज्जामो, तएणं अम्हे दिण्णं गेण्हमाणा दिण्णं भुंजमाणा दिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहय जहा सत्तमसए जाव एगंतपंडिया यावि भवामो । तएणं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! तुम्हे दिण्णं गेण्हह जाव दिण्णं साइज्जह, जएणं तुब्भे दिण्णं गेण्हमाणा जाव एगंतपंडिया यावि भवह ? तएणं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–अम्हे णं अज्जो ! दिज्ज-माणे दिण्णे पडिग्गाहेज्जमाणे पडिग्गहिए णिस्सिरिज्जमाणे णिसिट्ठे । अम्हे णं अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरेज्जा अम्हाणं तं णो खलु तं गाहावइस्स, तएणं अम्हे दिण्णं गेण्हामो दिण्णं भुंजामो दिण्णं साइज्जामो तएणं अम्हे दिण्णं गेण्हमाणा जाव दिण्णं साइज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो । तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे

तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—तुब्भे णं अज्जो ! अदिण्णं गेण्हह ३, तए णं तुब्भे अदिण्णं गे० जाव एगंत० । तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी—केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिण्णं गेण्हामो जाव एगंतबा० ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—तुब्भे णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिण्णे तं चेव जाव गाहावइस्स णं तं णो खलु तं तुब्भं, तए णं तुब्भे अदिण्णं गेण्हह, तं चेव जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भ० एवं व०—तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबा० भवह । तए णं ते थेरा भ० ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी—तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह अभिहणह वत्तेह लेसेह संघाएह संघट्टेह परियावेह किलामेह उद्दवेह तएणं तुब्भे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—णो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चामो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं वा जोयं वा रीयं वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो पएसं पएसेणं वयामो तेणं अम्हे देसं देसेणं वयमाणा पएसं पएसेणं वयमाणा णो पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, तएणं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो । तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंत बाला यावि भवह । तए णं ते अण्णउत्थिया थेरे भगवंते एवं वयासी—केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उवद्दवेह, तए णं तुब्भे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते अण्णउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी—तुब्भे णं अज्जो ! गम्ममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं णयरं संपाविउकामे असंपत्ते । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अण्णउत्थिए

एवं वयासी—णो खलु अज्जो ! अम्हे गम्ममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं णयरं जाव असंपत्ते, अम्हे णं अज्जो ! गम्ममाणे गए वीइक्कमिज्जमाणे वीइक्कंते रायगिहं णयरं संपाविउकामे संपत्ते तुब्भे णं अप्पणा चेव गम्ममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीइक्कंते रायगिहं णयरं जाव असंपत्ते। तए णं ते थेरा भगवंतो अण्णउत्थिए एवं पडिहणंति पडिहणित्ता गइप्पवायणामं अज्झयणं पण्णवइंसु ॥ ३३६ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पण्णत्ते, तंजहा—पयोगगई, ततगई, बंधणछेयणगई, उववायगई, विहायगई। एत्तो आरब्भ पयोगपयं णिरवसेसं भाणियव्वं, जाव सेत्तं विहायगई। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३३७ ॥

अट्ठमं सयं अट्ठमो उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी—गुरूणं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—आयरियपडिणीए, उवज्झायपडिणीए, थेरपडिणीए। गइं णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—इहलोगपडिणीए, परलोगपडिणीए, दुहओलोगपडिणीए। समूहण्णं भंते ! पडुच्च कइ पडिणीया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—कुलपडिणीए, गणपडिणीए, संघपडिणीए। अणुकंपं भंते ! पडुच्च पुच्छा ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—तवस्सिपडिणीए, गिलाणपडिणीए, सेहपडिणीए। सुयण्णं भंते ! पडुच्च पुच्छा ? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—सुत्तपडिणीए, अत्थपडिणीए, तदुभयपडिणीए। भावं णं भंते ! पडुच्च पुच्छा? गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा—णाणपडिणीए, दंसणपडिणीए, चरित्तपडिणीए ॥३३८॥ कइविहे णं भंते ! ववहारे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे ववहारे पण्णत्ते, तंजहा—आगमे, सुयं, आणा, धारणा, जीए। जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुए सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ

धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा। इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, तंजहा–आगमेणं, सुएणं, आणाए, धारणाए, जीएणं, जहा २ से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा। से किमाहु भंते ! आगमबलिया समणा णिग्गंथा इच्चेयं पंचविहं ववहारं जया २ जहिं २ तहा २ तहिं २ अणिस्सिओवस्सियं सम्मं ववहरमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥३३९॥ कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तंजहा–इरियावहियबंधे य संपराइयबंधे य। इरियावहियण्णं भंते ! कम्मं किं णेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ तिरिक्खजोणिणी बंधइ मणुस्सो बंधइ मणुस्सी बंधइ देवो बंधइ देवी बंधइ ? गोयमा ! णो णेरइओ बंधइ णो तिरिक्खजोणिओ बंधइ णो तिरिक्खजोणिणी बंधइ णो देवो बंधइ णो देवी बंधइ, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च मणुस्सा य मणुस्सीओ य बंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च मणुस्सो वा बंधइ १ मणुस्सी वा बंधइ २ मणुस्सा वा बंधंति ३ मणुस्सीओ वा बंधंति ४ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य बंधइ ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य बंधंति ६ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य बंधइ ७ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य बंधंति। तं भंते ! किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ णपुंसगो बंधइ, इत्थीओ बंधंति पुरिसा बंधंति णपुंसगा बंधंति, णोइत्थिणोपुरिसोणोणपुंसओ बंधइ ? गोयमा ! णो इत्थी बंधइ णो पुरिसो बंधइ जाव णो णपुंसगा बंधइ, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च अवगयवेया बंधंति, पडिवज्जमाणए पडुच्च अवगयवेओ वा बंधइ अवगयवेया वा बंधंति। जइ भंते ! अवगयवेओ वा बंधइ अवगयवेया वा बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ १ पुरिसपच्छाकडो बंधइ २ णपुंसगपच्छाकडो बंधइ ३ इत्थीपच्छाकडा बंधंति ४ पुरिसपच्छाकडा बंधंति ५ णपुंसगपच्छाकडा बंधंति ६ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडा य बंधंति, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडो य बंधइ, उदाहु इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य बंधंति, उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ४ उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ४ उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ८, एवं एए छव्वीसं भंगा २६ जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसप० णपुंसगप० बंधंति ?

गोयमा ! इत्थिपच्छाकडोवि बंधइ १ पुरिसपच्छाकडोवि बंधइ २ णपुंसगपच्छाकडोवि बंधइ ३ इत्थीपच्छाकडावि बंधंति ४ पुरिसपच्छाकडावि बंधंति ५ णपुंसगपच्छाकडावि बंधंति ६ अहवा इत्थीपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधइ ७ एवं एए चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य णपुंसगपच्छाकडा य बंधंति । तं भंते ! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २ बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३ बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४ ण बंधी बंधइ बंधिस्सइ ५ ण बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ ६ ण बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ७ ण बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ८ ? गोयमा ! भवागरिसं पडुच्च अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगइए ण बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ, गहणागरिसं पडुच्च अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, एवं जाव अत्थेगइए ण बंधी बंधइ बंधिस्सइ, णो चेव णं ण बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, अत्थेगइए ण बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए ण बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ । तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ साइयं अपज्जवसियं बंधइ अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ ? गोयमा ! साइयं सपज्जवसियं बंधइ णो साइयं अपज्जवसियं बंधइ णो अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ णो अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ । तं भंते ! किं देसेणं देसं बंधइ देसेणं सव्वं बंधइ सव्वेणं देसं बंधइ सव्वेणं सव्वं बंधइ ? गोयमा ! णो देसेणं देसं बंधइ णो देसेणं सव्वं बंधइ णो सव्वेणं देसं बंधइ सव्वेणं सव्वं बंधइ ॥ ३४० ॥ संपराइयण्णं भंते ! कम्मं किं णेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ जाव देवी बंधइ ? गोयमा ! णेरइओवि बंधइ तिरिक्खजोणिओवि बंधइ तिरिक्खजोणिणीवि बंधइ मणुस्सोवि बंधइ मणुस्सीवि बंधइ देवोवि बंधइ देवीवि बंधइ । तं भंते ! किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ तहेव जाव णोइत्थीणोपुरिसोणोणपुंसओ बंधइ ? गोयमा ! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि बंधइ जाव णपुंसगावि बंधंति अहवेए य अवगयवेओ य बंधइ अहवेए य अवगयवेया य बंधंति । जइ भंते ! अवगयवेओ य बंधइ अवगयवेया य बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ पुरिसपच्छाकडो बंधइ ? एवं जहेव इरियावहियाबंधगस्स तहेव णिरवसेसं जाव अहवा इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य णपुंसगपच्छाकडा य बंधंति । तं भंते ! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १

बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २ बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३ बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २ अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३ अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ । तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! साइयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं वा अपज्जवसियं बंधइ णो चेव णं साइयं अपज्जवसियं बंधइ । तं भंते ! किं देसेणं देसं बंधइ० एवं जहेव इरियावहियाबंधगस्स जाव सव्वेणं सव्वं बंधइ ॥ ३४१ ॥ कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? तंजहा–णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । कइ णं भंते ! परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीसं परीसहा प०, तंजहा–दिगिंछापरीसहे, पिवासापरीसहे, जाव दंसणपरीसहे । एए णं भंते ! बावीसं परीसहा कइसु कम्मपयडीसु समोयरंति ? गोयमा ! चउसु कम्मपयडीसु समोयरंति, तंजहा–णाणावरणिज्जे, वेयणिज्जे, मोहणिज्जे, अंतराइए । णाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! दो परीसहा समोयरंति, तं०–पण्णापरीसहे णाणपरीसहे य । वेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा समोयरंति, तंजहा–पंचेव आणुपुव्वी चरिया सेज्जा वहे य रोगे य । तणफास जल्लमेव य एक्कारस वेयणिज्जंमि ॥ १ ॥ दंसणमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एगे दंसणपरीसहे समोयरइ । चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! सत्त परीसहा समोयरंति, तंजहा–अरई अचेल इत्थी णिसीहिया जायणा य अक्कोसे । सक्कारपुरक्कारे चरित्तमोहंमि सत्तेए ॥ १ ॥ अंतराइए णं भंते ! कम्मे कइ परीसहा समोयरंति ? गोयमा ! एगे अलाभपरीसहे समोयरइ । सत्तविहबंधगस्स णं भंते ! कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, बीसं पुण वेएइ, जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ, जं समयं चरियापरीसहं वेएइ णो तं समयं णिसीहियापरीसहं वेएइ जं समयं णिसीहियापरीसहं वेएइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेएइ । एवं अट्ठविहबंधगस्सवि । छव्विहबंधगस्स णं भंते !

सरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोद्दस परीसहा पण्णत्ता बारस पुण वेएइ, जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ, जं समयं चरियापरीसहं वेएइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेएइ। एक्कविहबंधगस्स णं भंते ! वीयरागछउमत्थस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं चेव जहेव छव्विहबंधगस्स। एगविहबंधगस्स णं भंते ! सजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, णव पुण वेएइ, सेसं जहा छव्विहबंधगस्स। अबंधगस्स णं भंते ! अजोगिभवत्थकेवलिस्स कइ परीसहा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, णव पुण वेएइ, जं समयं सीयपरीसहं वेएइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेएइ जं समयं उसिणपरीसहं वेएइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेएइ, जं समयं चरियापरीसहं वेएइ णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेएइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेएइ ॥ ३४२ ॥ जंबूद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य तं चेव जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं ? हंता गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमण जाव उच्चत्तेणं। जइ णं भंते ! जंबुद्दीवे २ सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झंतिय० अत्थमणमुहुत्तंसि जाव उच्चत्तेणं से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ? गोयमा ! लेसापडिघाएणं उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति लेसाभितावेणं मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति लेसापडिघाएणं अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमण जाव दीसंति। जंबूद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पण्णं खेत्तं गच्छंति अणागयं खेत्तं गच्छंति ?

गोयमा ! णो तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पण्णं खेत्तं गच्छंति णो अणागयं खेत्तं गच्छंति। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पण्णं खेत्तं ओभासंति अणागयं खेत्तं ओभासंति ? गोयमा ! णो तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पण्णं खेत्तं ओभासंति णो अणागयं खेत्तं ओभासंति। तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासंति अपुट्ठं ओभासंति ? गोयमा ! पुट्ठं ओभासंति णो अपुट्ठं ओभासंति जाव णियमा छद्दिसिं। जंबूदीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं उज्जोवेंति ? एवं चेव जाव णियमा छद्दिसिं, एवं तवेंति एवं भासंति जाव णियमा छद्दिसिं। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरियाणं किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पण्णे खेत्ते किरिया कज्जइ अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ? गोयमा ! णो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पण्णे खेत्ते किरिया कज्जइ णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ। सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ णो अपुट्ठा कज्जइ जाव णियमा छद्दिसिं। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया केवइयं खेत्तं उड्ढं तवंति केवइयं खेत्तं अहो तवंति केवइयं खेत्तं तिरियं तवंति ? गोयमा ! एगं जोयणसयं उड्ढं तवंति अट्ठारस जोयणसयाइं अहे तवंति सीयालीसं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेवट्ठे जोयणसए एक्कवीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स तिरियं तवंति। अंतो णं भंते ! माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जे चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवा ते णं भंते ! देवा किं उड्ढोववण्णगा ? जहा जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं जाव उक्कोसेणं छम्मासा। बहिया णं भंते ! माणुसुत्तरस्स जहा जीवाभिगमे जाव इंदट्ठाणे णं भंते ! केवइयं कालं उववाएणं विरहिए पण्णत्ते ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३४३ ॥

अट्ठमं सयं णवमो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे बंधे पण्णत्ते, तंजहा– पओगबंधे य वीससाबंधे य ॥ ३४४ ॥ वीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–साईयवीससाबंधे य अणाईयवीससाबंधे य। अणाईयवीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा– धम्मत्थिकायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधे, अधम्मत्थिकायअण्णमण्ण-

अणाईयवीससाबंधे, आगासत्थिकायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधे । धम्मत्थि-कायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधे णो सव्वबंधे, एवं अधम्मत्थिकायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधेवि, एव-मागासत्थिकायअण्णमण्णअणाईयवीससाबंधेवि । धम्मत्थिकायअण्णमण्णअणाईय-वीससाबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वद्धं, एवं अध-म्मत्थिकाए, एवं आगासत्थिकाए वि । साईयवीससाबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—बंधणपच्चइए, भायणपच्चइए परिणामपच्चइए । से किं तं बंधणपच्चइए ? २ जण्णं परमाणुपोग्गला दुप्पएसिया तिप्पएसिया जाव दसपएसिया संखेज्जा पएसिया असंखेज्ज-पएसिया, अणंतपएसियाणं खंधाणं वेमायणिद्धयाए वेमायलुक्खयाए वेमायणिद्ध-लुक्खयाए बंधणपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं एक्कं समयं उक्को-सेणं असंखेज्जं कालं, सेत्तं बंधणपच्चइए । से किं तं भायणपच्चइए ? भायणपच्चइए जण्णं जुण्णसुराजुण्णगुलजुण्णतंदुलाणं भायणपच्चएइएणं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं भायण-पच्चइए । से किं तं परिणामपच्चइए ? परिणामपच्चइए जण्णं अब्भाणं अब्भरुक्खाणं जहा तइयसए जाव अमोहाणं परिणामपच्चइए णं बंधे समुप्प-ज्जइ जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सेत्तं परिणामपच्चइए, सेत्तं साईयवीससाबंधे, सेत्तं वीससाबंधे ॥ ३४५ ॥ से किं तं पओगबंधे ? पओग-बंधे तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाईए वा अपज्जवसिए, साईए वा अपज्जवसिए, साईए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से अणाईए अपज्जवसिए से णं अट्ठण्हं जीवमज्झपएसाणं । तत्थवि णं तिण्हं २ अणाईए अपज्जवसिए सेसाणं साईए, तत्थ णं जे से साईए अपज्जवसिए से णं सिद्धाणं, तत्थ णं जे से साईए सपज्जवसिए से णं चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—आलावणबंधे, अल्लियावणबंधे, सरीरबंधे, सरीरप्पओगबंधे । से किं तं आलावणबंधे ? आलावणबंधे जण्णं तणभाराण वा कट्ठभाराण वा पत्तभाराण वा पलालभाराण वा वेल्लभाराण वा वेत्तलयावागवरत्तरज्जुवल्लिकुसदब्भमाईएहिं आलावणबंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं आलावणबंधे । से किं तं अल्लियावणबंधे ? अल्लियावणबंधे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—लेसणाबंधे, उच्चयबंधे, समुच्चयबंधे, साहणणाबंधे । से किं तं लेसणाबंधे ? लेसणाबंधे

जण्णं कुट्टा णं कोट्टिमाणं खंभाणं पासायाणं कट्ठाणं चम्माणं घडाणं पडाणं कडाणं छुहाचिक्खिल्लसिलेस्सलक्खमहुसित्थमाइएहिं लेसणएहिं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं लेसणाबंधे। से किं तं उच्चयबंधे ? उच्चयबंधे जण्णं तणरासीण वा, कट्ठरासीण वा, पत्तरासीण वा, तुसरासीण वा भुसरासीण वा गोमयरासीण वा अवगररासीण वा उच्चत्तेणं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं उच्चयबंधे। से किं तं समुच्चयबंधे ? समुच्चयबंधे जण्णं अगडतडागणईदहवावीपुक्खरिणीदीहियाणं गुंजालियाणं सराणं सरपंतियाणं सरसरपंतियाणं बिलपंतियाणं देवकुलसभप्पवथूभखाइयाणं फरिहाणं पागारट्टालगचरियदारगोपुरतोरणाणं पासायघरसरणलेणआवणाणं सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहमाईणं छुहाचिक्खिल्लसिलेससमुच्चएणं बंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं समुच्चयबंधे। से किं तं साहणणाबंधे ? साहणणाबंधे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–देससाहणणाबंधे य सव्वसाहणणाबंधे य। से किं तं देससाहणणाबंधे ? देससाहणणाबंधे जण्णं सगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसीयसंदमाणियलोहीलोहकडाहकडुच्छुयआसणसयणखंभभंडमत्तोवगरणमाईणं देससाहणणाबंधे समुप्पज्जइ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं देससाहणणाबंधे। से किं तं सव्वसाहणणाबंधे ? सव्वसाहणणाबंधे से णं खीरोदगमाईणं, सेत्तं सव्वसाहणणाबंधे, सेत्तं साहणणाबंधे, सेत्तं अल्लियावणबंधे ॥ ३४६ ॥ से किं तं सरीरबंधे ? सरीरबंधे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–पुव्वप्पओगपच्चइए य पडुप्पण्णपओगपच्चइए य। से किं तं पुव्वप्पओगपच्चइए पुव्वपओगपच्चइए जण्णं णेरइयाणं संसारत्थाणं सव्वजीवाणं तत्थ २ तेसु २ कारणेसु समोहणमाणाणं जीवप्पएसाणं बंधे समुप्पज्जइ सेत्तं पुव्वप्पओगपच्चइए। से किं तं पडुप्पण्णप्पओगपच्चइए ? २ जण्णं केवलणाणिस्स अणगारस्स केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स ताओ समुग्घायाओ पडिणियत्तमाणस्स अंतरा मंथे वट्टमाणस्स तेयाकम्माणं बंधे समुप्पज्जइ किं कारणं ? ताहे से पएसा एगत्तीगया भवंति, सेत्तं पडुप्पण्णप्पओगपच्चइए, सेत्तं सरीरबंधे। से किं तं सरीरप्पओगबंधे ? सरीरप्पओगबंधे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–ओरालियसरीर-

प्पओगबंधे, वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे, आहारगसरीरप्पओगबंधे, तेयासरीरप्पओगबंधे, कम्मासरीरप्पओगबंधे। ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे बेइंदियओ० जाव पंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे। एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—पुढविक्काइयएगिंदिय० एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे ओरालियसरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तगब्भवक्कंतियमणुस्स जाव बंधे य। ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमायपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च ओरालियसरीरप्पओगणामकम्मस्स उदएणं ओरालियसरीरप्पओगबंधे। एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? एवं चेव, पुढविक्काइयएगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एवं बेइंदिया, एवं तेइंदिया, एवं चउरिंदिया। तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? एवं चेव, मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमायपच्चया जाव आउयं च पडुच्च मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगणामकम्मस्स उदएणं। ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? गोयमा! देसबंधेवि सव्वबंधेवि। एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? एवं चेव, एवं पुढविक्काइया, एवं जाव मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे? गोयमा! देसबंधेवि सव्वबंधेवि। ओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं समयऊणाइं। एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयऊणाइं पुढविक्काइयएगिंदियपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वास-

सहस्साइं समयऊणाइं, एवं सव्वेसिं सव्वबंधो एक्कं समयं, देसबंधो जेसिं णत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयऊणा कायव्वा, जेसिं पुण अत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं देसबंधो जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयऊणा कायव्वा जाव मणुस्साणं देसबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं समयऊणाइं । ओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडिसमयाहियाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं तिसमयाहियाइं । एगिंदियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । पुढविक्काइयएगिंदियपुच्छा गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तिण्णि समया, जहा पुढविक्काइयाणं एवं जाव चउरिंदियाणं वाउक्काइयवज्जाणं, णवरं सव्वबंधंतरं उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समयाहिया कायव्वा, वाउक्काइयाणं सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं तिण्णि वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी समयाहिया, देसबंधंतरं जहा एगिंदियाणं तहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, एवं मणुस्साणवि णिरवसेसं भाणियव्वं जाव उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । जीवस्स णं भंते ! एगिंदियत्ते णोएगिंदियत्ते पुणरवि एगिंदियत्ते एगिंदियओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं दो खुड्डाइं भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं । जीवस्स णं भंते ! पुढविक्काइयत्ते णोपुढविक्काइयत्ते पुणरवि पुढविक्काइयत्ते पुढविक्काइयएगिंदिय ओरालियसरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं

जहण्णेणं दो खुड्डाइं भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा असंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा ते णं पोग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो, देसबंधंतरं जहण्णेणं खुड्डागभवग्गहणं समयाहियं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, जहा पुढविक्काइयाणं एवं वणस्सइकाइयवज्जाणं जाव मणुस्साणं, वणस्सइकाइयाणं दोण्णि खुड्डाइं, एवं चेव उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा, एवं देसबंधंतरंपि उक्कोसेणं पुढविकालो। एएसि णं भंते ! जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा, अबंधगा विसेसाहिया, देसबंधगा असंखेज्जगुणा ॥ ३४७ ॥ वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य। जइ एगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे किं वाउक्काइयएगिंदियसरीरप्पओगबंधे य अवाउक्काइयएगिंदिय० एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरभेओ तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्तासव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तासव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव पओगबंधे य। वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा लद्धिं वा पडुच्च वेउव्वियसरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे। वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए एवं चेव जाव लद्धिं पडुच्च वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय जाव बंधे। रयणप्पभापुढविणेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा पडुच्च रयणप्पभापुढवि जाव बंधे, एवं जाव अहेसत्तमाए। तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा ! वीरिय० जाव जहा वाउक्काइयाणं, मणुस्सपंचिंदियवेउव्वियसरीरप्पओग० पुच्छा, एवं चेव, असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्विय जाव बंधे, जहा रयणप्पभापुढविणेरइयाणं एवं जाव थणिय-

कुमारा, एवं वाणमंतरा, एवं जोइसिया, एवं सोहम्मकप्पोवया वेमाणिया एवं जाव अच्चुयगेवेज्जकप्पाईयवेमाणिया अणुत्तरोववाइयकप्पाईय-वेमाणिया एवं चेव । वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि, वाउक्काइयएगिंदिय० एवं चेव, रयणप्पभापुढविणेरइया एवं चेव एवं जाव अणुत्तरोववाइया । वेउव्वियसरीर-प्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं दो समया, देसबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं । वाउक्काइयएगिंदियवेउव्विय पुच्छा? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । रयणप्पभा पुढविणेरइयपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं दसवाससहस्साइं तिसमयऊणाइं, उक्कोसेणं सागरोवमं समयऊणं, एवं जाव अहे सत्तमा णवरं देसबंधे जस्स जा जहण्णिया ठिई सा तिसमयऊणा कायव्वा जाव उक्कोसा सा समयऊणा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं । असुरकुमारणागकुमार जाव अणुत्तरोववाइयाणं जहा णेरइयाणं णवरं जस्स जा ठिई सा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयाणं सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं तिसमय-ऊणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयऊणाइं । वेउव्वियसरीरप्प-ओगबंधंतरं णं भंते ? कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, एवं देसबंधंतरंपि । वाउक्काइयवेउव्वियसरीरपुच्छा ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असं-खेज्जइभागं, एवं देसबंधंतरंपि । तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीर-प्पओगबंधंतरं पुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं, एवं देसबंधंतरंपि, एवं मणुस्सस्सवि । जीवस्स णं भंते ! वाउकाइयत्ते णोवाउकाइयत्ते पुणरवि वाउकाइयत्ते वाउकाइयएगिंदियवेउव्विय-पुच्छा ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं देसबंधंतरंपि । जीवस्स णं भंते ! रयणप्पभापुढविणेरइयत्ते णोरयणप्पभापुढवि० पुच्छा ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं

अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहण्णेणं, अंतोमुहुत्तं-उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अहेसत्तमाए, णवरं जा जस्स ठिई जहण्णिया सा सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव। पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साण य जहा वाउक्काइयाणं। असुरकुमार-णागकुमार जाव सहस्सारदेवाणं एएसिं जहा रयणप्पभापुढविणेरइयाणं णवरं सव्वबंधंतरं जस्स जा ठिई जहण्णिया सा अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव। जीवस्स णं भंते! आणयदेवत्ते णोआणयदेवत्ते०पुच्छा? गोयमा! सव्व-बंधंतरं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अच्चुए णवरं जस्स जा ठिई सा सव्वबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा सेसं तं चेव। गेवेज्जकप्पाईयापुच्छा? गोयमा! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्स-इकालो। जीवस्स णं भंते! अणुत्तरोववाइयपुच्छा? गोयमा! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं, देसबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरो-वमाइं। एएसि णं भंते! जीवाणं वेउव्वियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा असंखेज्जगुणा, अबंधगा अणंतगुणा। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! एगागारे पण्णत्ते। जइ एगागारे पण्णत्ते किं मणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे अमणुस्साहा-रगसरीरप्पओगबंधे? गोयमा! मणुस्साहारगसरीरप्पओगबंधे णो अमणुस्सा-हारगसरीरप्पओगबंधे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढि-पत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठिपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमियगब्भवक्कंतियमणु-स्साहारगसरीरप्पओगबंधे, णो अणिड्ढिपत्तपमत्त जाव आहारगसरीरप्पओगबंधे। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरिय-सजोगसद्दव्वयाए जाव लद्धिं वा पडुच्च आहारगसरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएण आहारगसरीरप्पओगबंधे। आहारगसरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं

देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि । आहारगसरीरप्पओग-बंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं । आहारगसरीरप्पओग-बंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोया अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं देसबंधंतरंपि । एएसि णं भंते ! जीवाणं आहारगसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारग-सरीरस्स सव्वबंधगा, देसबंधगा संखेज्जगुणा, अबंधगा अणंतगुणा ३ ॥३४८॥ तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–एगिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे य बेइंदिय० तेइंदिय० जाव पंचिंदियतेया-सरीरप्पओगबंधे य । एगिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा ओगाहणसंठाणे जाव पज्जत्तासव्व-ट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियतेयासरीरप्पओगबंधे य अपज्जत्तासव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव बंधे य । तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं च पडुच्च तेयासरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं तेयासरीरप्पओगबंधे । तेया-सरीरप्पओगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधे णो सव्वबंधे । तेयासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए । तेयासरीरप्पओगबंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अणा-इयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं । एएसि णं भंते ! जीवाणं तेयासरीरस्स देसबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा तेयासरीर-स्स अबंधगा, देसबंधगा अणंतगुणा ४ ॥ ३४९ ॥ कम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्ठविहे पण्णत्ते, तंजहा–णाणावरणिज्ज-कम्मासरीप्पओगबंधे जाव अंतराइयकम्मासरीरप्पओगबंधे । णाणावरणिज्ज-

कम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते कस्स ! कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! णाणपडि-णीययाए णाणणिण्हवणयाए, णाणंतराएणं, णाणप्पओसेणं, णाणच्चासायणयाए, णाणविसंवायणाजोगेणं णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उद-एणं णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे । दरिसणावरणिज्जकम्मासरीरप्प-ओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! दंसणपडिणीययाए एवं जहा णाणावरणिज्जं णवरं दंसणणाम घेत्तव्वं जाव दंसणविसंवायणाजोगेणं दरिसणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं जाव पओगबंधे । सायावेयणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए एवं जहा सत्तमसए दसमोद्देसए जाव अपरियावणयाए सायावेयणिज्जकम्मासरीप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं सायावेयणिज्जकम्मा जाव बंधे । असायावेयणिज्जपुच्छा? गोयमा ! परदुक्खण-याए परसोयणयाए जहा सत्तमसए दसमोद्देसए जाव परियावणयाए असायावेय-णिज्जकम्मा जाव पओगबंधे । मोहणिज्जकम्मासरीरप्पओगपुच्छा ? गोयमा ! तिव्वकोहयाए, तिव्वमाणयाए, तिव्वमाययाए, तिव्वलोहयाए, तिव्वदंसणमोह-णिज्जयाए, तिव्वचरित्तमोहणिज्जयाए, मोहणिज्जकम्मासरीरप्पओग जाव पओगबंधे । णेरइयाउयकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! पुच्छा ? गोयमा ! महारंभयाए, महापरिग्गहयाए, कुणिमाहारेणं, पंचिंदियवहेणं, णेरइयाउयकम्मा-सरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं णेरइयाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे । तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीरप्पओगपुच्छा? गोयमा! माइल्लयाए, णियडिल्ल-याए, अलियवयणेणं, कूडतुलकूडमाणेणं, तिरिक्खजोणियाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे । मणुस्सआउयकम्मासरीरपुच्छा ? गोयमा ! पगइभद्दयाए, पगइवि-णीययाए, साणुक्कोसयाए, अमच्छरियाए, मणुस्साउयकम्मा जाव पओगबंधे । देवाउयकम्मासरीरपुच्छा ? गोयमा ! सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं, बालतवो-कम्मेणं, अकामणिज्जराए, देवाउयकम्मासरीर जाव पओगबंधे । सुभणाम-कम्मासरीरपुच्छा ? गोयमा ! काउज्जुययाए, भावुज्जुययाए, भासुज्जुययाए, अविसंवायणाजोगेणं, सुभणामकम्मासरीर जाव पओगबंधे । असुभणामकम्मासरी-रपुच्छा ? गोयमा ! कायअणुज्जुययाए, भावअणुज्जुययाए, भासअणुज्जुययाए,

विसंवायणाजोगेणं असुभणामकम्मा जाव पओगबंधे । उच्चागोयकम्मासरीर-पुच्छा ? गोयमा ! जाइअमएणं, कुलअमएणं, बलअमएणं, रूवअमएणं, तवअम-एणं सुयअमएणं, लाभअमएणं, इस्सरियअमएणं, उच्चागोयकम्मासरीर जाव पओगबंधे । णीयागोयकम्मासरीरपुच्छा ? गोयमा ! जाइमएणं, कुलमएणं, बल-मएणं, जाव इस्सरियमएणं, णीयागोयकम्मासरीर जाव पओगबंधे । अंतराइय-कम्मासरीरपुच्छा? गोयमा ! दाणंतराएणं, लाभंतराएणं, भोगंतराएणं, उवभोगं-तराएणं, वीरियंतराएणं, अंतराइयकम्मासरीरप्पओगणामाए कम्मस्स उदएणं, अंतराइयकम्मासरीरप्पओगबंधे। णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे ? गोयमा ! देसबंधे णो सव्वबंधे, एवं जाव अंतराइय-कम्मा० । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! णाणा० दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए सपज्जवसिए अणा-इए अपज्जवसिए, एवं जहा तेयगस्स संचिट्ठणा तहेव एवं जाव अंतराइयकम्म-स्स । णाणावरणिज्जकम्मासरीरप्पओगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अणाइयस्स एवं जहा तेयगसरीरस्स अंतरं तहेव एवं जाव अंतराइयस्स । एएसि णं भंते ! जीवाणं णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स देसबंध-गाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव अप्पाबहुगं जहा तेयगस्स, एवं आउयवज्जं जाव अंतराइयस्स । आउयस्स पुच्छा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आउयस्स कम्मस्स देसबंधगा, अबंधगा संखेज्जगुणा ५ ॥ ३५० ॥ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए? गोयमा ! णो बंधए अबंधए, आहारगसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए अबंधए, तेयासरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! बंधए णो अबंधए, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए णो सव्व-बंधए, कम्मासरीरस्स किं बंधए अबंधए ? जहेव तेयगस्स जाव देसबंधए णो सव्वबंधए । जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! वेउ-व्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए अबंधए, एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ? वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए अबंधए, आहारगसरीरस्स एवं चेव

तेयगस्स कम्मगस्स य जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं जाव देसबंधए णो सव्वबंधए। जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए, अबंधए एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स । जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! णो बंधए अबंधए, एवं वेउव्वियस्सवि, तेयाकम्माणं जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं । जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स० एवं जहा आहारगसरीरस्स सव्वबंधेणं भणियं तहा देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स। जस्स णं भंते ! तेयासरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! बंधए वा अबंधए वा, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए वा सव्वबंधए वा, वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? एवं चेव, एवं आहारगसरीरस्सवि, कम्मगसरीरस्स किं बंधए अबंधए ? गोयमा ! बंधए णो अबंधए, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ? गोयमा ! देसबंधए णो सव्वबंधए । जस्स णं भंते ! कम्मगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स० जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणिया तहा कम्मगस्सवि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स जाव देसबंधए णो सव्वबंधए ॥ ३५१ ॥ एएसि णं भंते ! सव्वजीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मासरीरगाणं देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा १ तस्स चेव देसबंधगा संखेज्जगुणा २ वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा असंखेज्जगुणा ३ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ४ तेयाकम्मगाणं दुण्हवि तुल्ला अबंधगा अणंतगुणा ५ ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा अणंतगुणा ६ तस्स चेव अबंधगा विसेसाहिया ७ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ८ तेयाकम्मगाणं देसबंधगा विसेसाहिया ९ वेउव्वियसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया १० आहारगसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया ११ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५२ ॥

अट्ठमं सयं दसमो उद्देसो

रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी–अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति

जाव एवं परूवेंति–एवं खलु सीलं सेयं, सुयं सेयं, सुयं सेयं सीलं सेयं। से कह-मेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि, एवं खलु मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता तंजहा–सीलसंपण्णे णामं एगे णो सुयसंपण्णे १ सुयसंपण्णे णामं एगे णो सीलसंपण्णे २ एगे सीलसंपण्णेवि सुयसंपण्णेवि ३ एगे णो सीलसंपण्णे णो सुयसंपण्णे ४। तत्थ णं जे से पढमे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं असुयवं, उवरए अविण्णायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से दोच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं सुयवं, अणुवरए विण्णायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देस-विराहए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से तच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं सुयवं, उवरए विण्णायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वाराहए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से चउत्थे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं असुयवं, अणुवरए अवि-ण्णायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वविराहए पण्णत्ते ॥३५३॥ कइ-विहा णं भंते ! आराहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तंजहा–णाणाराहणा दंसणाराहणा चरित्ताराहणा। णाणाराहणा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता–उक्कोसिया मज्झिमा जहण्णा। दंसणाराहणा णं भंते ! कइविहा प० ? एवं चेव तिविहावि। एवं चरित्ताराह-णावि। जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा ? गोयमा ! जस्स उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स दंसणाराहणा उक्कोसिया वा अजहण्ण-उक्कोसिया वा, जस्स पुण उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स णाणाराहणा उक्कोसा वा जहण्णा वा अजहण्णमणुक्कोसा वा। जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणा-राहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सु-क्कोसिया णाणाराहणा ? जहा उक्कोसिया णाणाराहणा य दंसणाराहणा य भणिया तहा उक्कोसिया णाणाराहणा य चरित्ताराहणा य भाणियव्वा। जस्स णं भंते ! उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा जस्सुक्को-सिया चरित्ताराहणा तस्सस्सुक्कोसिया दंसणाराहणा ? गोयमा ! जस्स उक्को-सिया दंसणाराहणा तस्स चरित्ताराहणा उक्कोसा वा जहण्णा वा अजहण्ण-

मणुक्कोसा वा जस्स पुण उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स दंसणाराहणा णियमा उक्कोसा। उक्कोसियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ, अत्थेगइए कप्पोवएसु वा कप्पाईएसु वा उववज्जइ। उक्कोसियं णं भंते ! दंसणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? एवं चेव। उक्कोसियं णं भंते ! चरित्ताराहणं आराहेत्ता० ? एवं चेव णवरं अत्थेगइए कप्पाईएसु उववज्जइ। मज्झिमियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ तच्चं पुण भवग्गहणं णाइक्कमइ। मज्झिम्मियं णं भंते ! दंसणाराहणं आराहेत्ता० एवं चेव, एवं मज्झिमियं चरित्ताराहणंपि। जहण्णियण्णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कइहिं भवग्गहणेहिं सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? गोयमा ! अत्थेगइए तच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ सत्तभवग्गहणाइं पुण णाइक्कमइ, एवं दंसणाराहणंपि, एवं चरित्ताराहणंपि ॥ ३५४ ॥ कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते, तंजहा—वण्णपरिणामे १ गंधप० २ रसप० ३ फासप० ४ संठाणप० ५। वण्णपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—कालवण्णपरिणामे जाव सुक्किल्लवण्णपरिणामे, एवं एएणं अभिलावेणं गंधपरिणामे दुविहे, रसपरिणामे पंचविहे, फासपरिणामे अट्ठविहे। संठाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आययसंठाणपरिणामे ॥३५५॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे किं दव्वं १ दव्वदेसे २ दव्वाइं ३ दव्वदेसा ४ उदाहु दव्वं च दव्वदेसे य ५ उदाहु दव्वं च दव्वदेसा य ६ उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसे य ७ उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसा य ८ ? गोयमा ! सिय दव्वं सिय दव्वदेसे णो दव्वाइं णो दव्वदेसा णो दव्वं च दव्वदेसे य जाव णो दव्वाइं च दव्वदेसा य। दो भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ सिय दव्वाइं ३ सिय दव्वदेसा ४ सिय

दव्वं च दव्वदेसे य ५ णो दव्वं च दव्वदेसा य ६ सेसा पडिसेहेयव्वा । तिण्णि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे० ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ एवं सत्त भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसे य णो दव्वाइं च दव्वदेसा य । चत्तारि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं० ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ अट्ठवि भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ८ । जहा चत्तारि भणिया एवं पंच छ सत्त जाव संखेज्जा असंखेज्जा । अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं०? एवं चेव जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ।।३५६।। केवइया णं भंते ! लोयागासपएसा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा लोयागासपएसा प०। एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स केवइया जीवपएसा प० ? गोयमा ! जावइया लोयागासपएसा एगमेगस्स णं जीवस्स एवइया जीवपएसा पण्णत्ता ।। ३५७ ।। कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । णेरइयाणं भंते ! कइ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ, एवं सव्वजीवाणं अट्ठ कम्मपयडीओ ठावेयव्वाओ जाव वेमाणियाणं । णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प० ? गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेया प०। णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइया अविभागपलिच्छेया प० ? गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेया प०। एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं पुच्छा ? गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेया प० एवं जहा णाणावरणिज्जस्स अविभागपलिच्छेया भणिया तहा अट्ठण्हवि कम्मपयडीणं भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं अंतराइयस्स। एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेढिय परिवेढिए ? गोयमा ! सिय आवेढियपरिवेढिए सिय णो आवेढियपरिवेढिए, जइ आवेढियपरिवेढिए णियमा अणंतेहिं । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेएहिं आवेढिय परिवेढिए ? गोयमा ! णियमं अणंतेहिं, जहा णेरइयस्स एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं मणूसस्स जहा जीवस्स । एगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं० एवं जहेव णाणावरणिज्जस्स तहेव दंडगो भाणि-

यव्वो जाव वेमाणियस्स, एवं जाव अंतराइयस्स भाणियव्वं, णवरं वेयणिज्जस्स आउयस्स णामस्स गोयस्स एएसिं चउण्हवि कम्माणं मणूसस्स जहा णेरइयस्स तहा भाणियव्वं सेसं तं चेव ॥ ३५८ ॥ जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं जस्स दंसणावरणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्सणं णाणावरणिज्जं तस्स दंसणावरणिज्जं णियमा अत्थि, जस्सणं दरिसणावरणिज्जं तस्सवि णाणावरणिज्जं णियमा अत्थि। जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्स णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं णियमा अत्थि, जस्स पुण वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि। जस्स णं भंते ! णाणवरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ? गोयमा ! जस्स णाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं णियमा अत्थि। जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स आउयं० ? एवं जहा वेयणिज्जेण समं भणियं तहा आउएणवि समं भाणियव्वं, एवं णामेणवि एवं गोएणवि समं, अंतराइएण समं जहा दरिसणावरणिज्जेण समं तहेव णियमा परोप्परं भाणियव्वाणि १। जस्स णं भंते ! दरिसणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं ? जहा णाणावरणिज्जं उवरिमेहिं सत्तहिं कम्मेहिं समं भणियं तहा दरिसणावरणिज्जंपि उवरिमेहिं छहिं कम्मेहिं समं भाणियव्वं जाव अंतराइएणं २। जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं ? गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं णियमा अत्थि। जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स आउयं० ? एवं एयाणि परोप्परं णियमा, जहा आउएण समं एवं णामेणवि गोएणवि समं भाणियव्वं। जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं णियमा अत्थि ३। जस्स णं भंते ! मोहणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स मोहणिज्जं ? गोयमा ! जस्स मोहणिज्जं तस्स आउयं णियमा अत्थि, जस्स पुण आउयं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय णत्थि, एवं णामं

गोयं अंतराइयं च भाणियव्वं ४। जस्स णं भंते! आउयं तस्स णामं० ?पुच्छा, गोयमा! दोवि परोप्परं णियमं, एवं गोत्तेणवि समं भाणियव्वं। जस्स णं भंते! आउयं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा! जस्स आउयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स आउयं णियमा अत्थि ५। जस्स णं भंते! णामं तस्स गोयं जस्स गोयं तस्स णामं ? गोयमा! जस्स णामं तस्स णियमा गोयं, जस्स गोयं तस्स णियमा णामं, गोयमा! दोवि एए परोप्परं णियमा अत्थि। जस्स णं भंते! णामं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा! जस्स णामं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स णामं णियमा अत्थि ६। जस्स णं भंते! गोयं तस्स अंतराइयं० ? पुच्छा, गोयमा! जस्स गोयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स गोयं णियमा अत्थि ७॥ ३५९॥ जीवे णं भंते! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा! जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि ? गोयमा! से जहाणामए छत्तेणं छत्ती, दंडेणं दंडी, घडेणं घडी, पडेणं पडी, करेणं करी, एवामेव गोयमा ? जीवेवि सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च पोग्गली, जीवं पडुच्च पोग्गले, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गले वि। णेरइए णं भंते ? किं पोग्गली० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए णवरं जस्स जइ इंदियाइं तस्स तइ भाणियव्वाइं। सिद्धे णं भंते! किं पोग्गली पोग्गले ? गोयमा! णो पोग्गली पोग्गले। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव पोग्गले ? गोयमा! जीवं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ सिद्धे णो पोग्गली पोग्गले। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ३६०॥

अट्ठमं सयं समत्तं

॥ णवमं सयं पढमो उद्देसो ॥

जंबुद्दीवे १ जोइस २ अंतरदीवा ३० असोच्च ३१ गंगेय ३२। कुंडग्गामे ३३ पुरिसे ३४ णवमंमि सए चउत्तीसा॥ १॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मिहिला णामं णयरी होत्था वण्णओ, माणिभद्दे चेइए वण्णओ, सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव भगवं गोयमे पज्जुवासमाणे एवं वयासी—कहि णं भंते! जंबुद्दीवे

दीवे ? किंसंठिए णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे ? एवं जंबुद्दीवपण्णत्ती भाणियव्वा जाव एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ चोद्दस सलिला सयसहस्सा छप्पण्णं च सहस्सा भवंतीतिमक्खाया । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६१ ॥

णवमं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी-जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्संति वा ? एवं जहा जीवाभिगमे जाव-'एगं च सयसहस्सं तेत्तीसं खलु भवे सहस्साइं । णव य सया पण्णासा तारागणकोडिकोडीणं ॥१॥'सोभं सोभिंसु सोभिंति सोभिस्संति । लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा ?एवं जहा जीवाभिगमे जाव ताराओ । धायइसंडे कालोदे पुक्खरवरे अब्भिंतरपुक्खरद्धे मणुस्सखेत्ते, एएसु सव्वेसु जहा जीवाभिगमे जाव-' एगससीपरिवारो तारागणकोडिकोडीणं । पुक्खरद्धे णं भंते ! समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु वा ३ ? एवं सव्वेसु दीवसमुद्देसु जोइसियाणं भाणियव्वं जाव सयंभूरमणे जाव सोभं सोभिंसु वा सोभिंति वा सोभिस्संति वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६२ ॥

णवमं सयं ३-३० उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी-कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं उत्तरपुरत्थिमे णं तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते, तं गोयमा ! तिण्णि जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं णवएगूणवण्णे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि पमाणं वण्णओ य, एवं एएणं कमेणं एवं जहा जीवाभिगमे जाव सुद्धदंतदीवे जाव देवलोगपरिग्गहा णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो ! एवं अट्ठावीसंपि अंतरदीवा सएणं २ आयामविक्खंभेणं भाणियव्वा, णवरं दीवे २ उद्देसओ, एवं सव्वेवि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६३ ॥

णवमं सयं एगतीसइमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा केवलिसावगस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्ज सवणयाए। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–असोच्चा णं जाव णो लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्ज सवणयाए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–तं चेव जाव णो लभेज्ज सवणयाए। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं बोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो बुज्झेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो बुज्झेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं णो पव्वएज्जा। से केणट्ठेणं जाव णो पव्वएज्जा ? गोयमा ! जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ

से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव मुंडे भवित्ता जाव णो पव्वएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णो पव्वएज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो आवसेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव णो आवसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो आवसेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं णो संजमेज्जा। से केणट्ठेणं जाव णो संजमेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलेणं सजमेणं संजमेज्जा, जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव णो संजमेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए णो संजमेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलेणं संवरेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं जाव णो संवरेज्जा। से केणट्ठेणं जाव णो संवरेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा, जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव णो संवरेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो संवरेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियणाणं णो उप्पाडेज्जा। से केणट्ठेणं जाव णो उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं आभिणिबोहियणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, जस्स णं आभि-

णिबोहियणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियणाणं णो उप्पाडेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो उप्पाडेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलं सुयणाणं उप्पाडेज्जा ? एवं जहा आभिणिबोहियणाणस्स वत्तव्वया भणिया तहा सुयणाणस्सवि भाणियव्वा, णवरं सुयणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे। एवं चेव केवलं ओहिणाणं भाणियव्वं, णवरं ओहिणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे, एवं केवलं मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा, णवरं मणपज्जवणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलणाणं उप्पाडेज्जा ? एवं चेव णवरं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए भाणियव्वे, सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा जाव केवलं मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा केवलणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा, अत्थेगइए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, अत्थेगइए जाव णो पव्वएज्जा, अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलं बंभचेरवासं णो आवसेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा, अत्थेगइए केवलेणं संजमेणं णो संजमेज्जा, एवं संवरेणवि, अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए जाव णो उप्पाडेज्जा, एवं जाव मणपज्जवणाणं, अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं तं चेव जाव अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ १ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ २ जस्स णं

धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ ३ एवं चरित्तावरणिज्जाणं ४ जयणावरणिज्जाणं ५ अज्झवसाणावरणिज्जाणं ६ आभिणिबोहियणाणावरणिज्जाणं ७ जाव मणपज्जवणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवई १० जस्स णं केवलणाणावरणिज्जाणं जाव खए णो कडे भवइ ११ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा, जस्स णं णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं धम्मंतराइयाणं एवं जाव जस्स णं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा ॥३६४॥ तस्स णं भंते ! छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए पगइउवसंतयाए पगइपयणुकोहमाणमायालोभयाए मिउमद्दवसंपण्णयाए अल्लीणयाए भद्दयाए विणीययाए अण्णया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं २ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे णामं अण्णाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं जाणइ पासइ, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं जीवेवि जाणइ अजीवेवि जाणइ पासंडत्थे सारंभे सपरिग्गहे संकिलिस्समाणेवि जाणइ विसुज्झमाणेवि जाणइ से णं पुव्वामेव सम्मत्तं पडिवज्जइ सम्मत्तं पडिवज्जित्ता समणधम्मं रोएइ समणधम्मं रोएत्ता चरित्तं पडिवज्जइ चरित्तं पडिवज्जित्ता लिंगं पडिवज्जइ, तस्स णं तेहिं मिच्छत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ सम्मद्दंसणपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ से विब्भंगे अण्णाणे सम्मत्तपरिग्गहिए खिप्पामेव ओही परावत्तइ ॥३६५॥ से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तंजहा—तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए । से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाणेसु होज्जा । से णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी होज्जा णो अजोगी होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मण-

जोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा ? गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा । से णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि संघयणे होज्जा ? गोयमा ! वइरोसहणारायसंघयणे होज्जा । से णं भंते कयरंमि संठाणे होज्जा ? गोयमा ! छण्हं संठाणाणं अण्णयरे संठाणे होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि उच्चत्ते होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्त रयणीए उक्कोसेणं पंचधणुसइए होज्जा । से णं भंते ! कयरंमि आउए होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगट्ठवासाउए उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउए होज्जा । से णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा णपुंसगवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा णो णपुंसगवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा । से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा । तस्स णं भंते ! केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प० । ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था णो अप्पसत्था । से णं भंते ! तेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं वड्ढमाणेहिं अणंतेहिं णेरइयभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं तिरिक्खजोणिय जाव विसंजोएइ अणंतेहिं मणुस्सभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं देवभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ, जाओवि य से इमाओ णेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवगइणामाओ चत्तारि उत्तरपयडीओ तासिं च णं उवग्गहिए अणंताणुबंधी कोहमाणमायालोभे खवेइ अणं० २ त्ता अपच्चक्खाणकसाए कोहमाणमायालोभे खवेइ अप० २ त्ता पच्चक्खाणावरणकोहमाणमायालोभे खवेइ पच्च० २ त्ता संजलणकोहमाणमायालोभे खवेइ संज० २ त्ता पंचविहं णाणावरणिज्जं णवविहं दरिसणावरणिज्जं पंचविहमंतराइयं तालमत्थकडं च णं मोहणिज्जं कट्टु कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जइ ॥ ३६६ ॥ से णं भंते !

केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ एगणाएण वा एगवागरणेण वा। से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, उवएसं पुण करेज्जा, से णं भंते ! सिज्झइ जाव अंतं करेइ ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ ॥३६७॥ से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा अहो होज्जा तिरियं होज्जा ? गोयमा ! उड्ढं वा होज्जा अहे वा होज्जा तिरियं वा होज्जा, उड्ढं होज्जमाणे सद्दावइवियडावइगंधावइमाल-वंतपरियाएसु वट्टवेयड्ढपव्वएसु होज्जा, साहरणं पडुच्च सोमणसवणे वा पंडग-वणे वा होज्जा. अहे होज्जमाणे गड्डाए वा दरीए वा होज्जा, साहरणं पडुच्च पायाले वा भवणे वा होज्जा, तिरियं होज्जमाणे पण्णरससु कम्मभूमीसु होज्जा, साहरणं पडुच्च अड्ढाइज्ज दीवसमुद्द तदेक्कदेसभाए होज्जा। ते णं भंते ! एग-समए णं केवइया होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं दस, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, अत्थेगइए असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव णो लभेज्ज सवणयाए जाव अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा ॥३६८॥ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए ? गोयमा ! सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगइए केवलिपण्णत्तं धम्मं एवं जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया सा चेव सोच्चाएवि भाणियव्वा, णवरं अभिलावो सोच्चेत्ति, सेसं तं चेव णिरवसेसं जाव जस्स णं मणपज्जवणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं केवलणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं सोच्चा केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा। तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभद्दयाए तहेव जाव गवेसणं करेमाणस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ, से णं तेणं ओहिणाणेणं समु-प्पण्णेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खण्डाइं जाणइ पासइ। से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेस्सासु होज्जा, तंजहा—कण्हलेसाए जाव सुक्कलेसाए। से णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु

होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे आभि० सुय० ओहि० मणपज्जवणाणेसु होज्जा। से णं भंते! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा? एवं जोगो उवओगो संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च, एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि। से णं भंते! किं सवेयए०? पुच्छा, गोयमा! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा। जइ अवेयए होज्जा किं उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा? गोयमा! णो उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा। जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा णपुंसगवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा? पुच्छा, गोयमा! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा। से णं भंते! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा? गोयमा! सकसाई वा होज्जा अकसाई वा होज्जा। जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा? गोयमा! णो उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा। जइ सकसाई होज्जा से णं भंते! कइसु कसाएसु होज्जा? गोयमा! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एक्कंमि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगंमि होज्जमाणे एगंमि संजलणे लोभे होज्जा। तस्स णं भंते! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता? गोयमा! असंखेज्जा, एवं जहा असोच्चाए तहेव जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जइ। से णं भंते! केवलिपण्णत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा? हंता गोयमा! आघवेज्ज वा पण्णवेज्ज वा परूवेज्ज वा। से णं भंते! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता गोयमा! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा। तस्स णं भंते! सिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा, तस्स णं भंते! पसिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा? हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा। से णं भंते! सिज्झइ बुज्झइ जाव अंतं करेइ? हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ। तस्स णं भंते! सिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेंति? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेंति। तस्स णं भंते! पसिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेंति? एवं चेव जाव अंतं करेंति। से णं भंते! किं उड्ढं होज्जा? जहेव असोच्चाए जाव तदेक्कदेसभाए होज्जा। ते णं भंते! एगसमए णं केवइया होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं

एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं १०८। से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलिउवासियाए वा जाव अत्थेगइए केवलणाणं उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए केवलणाणं णो उप्पाडेज्जा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३६९॥

णवमं सयं बत्तीसइमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णयरे होत्था वण्णओ, दूइपलासे चेइए सामी समोसढे, परिसा णिग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे गंगेए णामं अणगारे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति णिरंतरं णेरइया उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि णेरइया उववज्जंति णिरंतरंपि णेरइया उववज्जंति। संतरं भंते ! असुरकुमारा उववज्जंति णिरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति ? गंगेया ! संतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति णिरंतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा। संतरं भंते ! पुढविक्काइया उववज्जंति णिरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति ? गंगेया ! णो संतरं पुढविक्काइया उववज्जंति णिरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया एए जहा णेरइया ॥३७०॥ संतरं भंते ! णेरइया उव्वट्टंति णिरंतरं णेरइया उव्वट्टंति ? गंगेया ! संतरंपि णेरइया उव्वट्टंति णिरंतरंपि णेरइया उव्वट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा। संतरं भंते ! पुढविक्काइया उव्वट्टंति० ? पुच्छा, गंगेया ! णो संतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति णिरंतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति, एवं जाव वणस्सइकाइया णो संतरं णिरंतरं उव्वट्टंति। संतरं भंते ! बेइंदिया उव्वट्टंति णिरंतरं बेइंदिया उव्वट्टंति ? गंगेया ! संतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति णिरंतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति, एवं जाव वाणमंतरा, संतरं भंते ! जोइसिया चयंति० ? पुच्छा, गंगेया ! संतरंपि जोइसिया चयंति णिरंतरंपि जोइसिया चयंति, एवं जाव वेमाणिया वि ॥३७१॥ कइविहे णं भंते ! पवेसणए प० ? गंगेया ! चउव्विहे पवेसणए पण्णत्ते तंजहा–णेरइयपवेसणए, तिरिक्खजोणियपवेसणए, मणुस्सपवेसणए, देवपवेसणए। णेरइयपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गंगेया ! सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा–

रयणप्पभापुढविणेरइयपवेसणए जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयपवेसणए। एगे णं भंते ! णेरइए णेरइयपवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा। दो भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव एगे रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, एवं एक्केक्का पुढवी छड्डेयव्वा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा। तिण्णि भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ एवं जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया तहा सव्वपुढवीणं भाणियव्वा जाव अहवा दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, ४-४-३-३-२-२-१-१ (४२) अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा २ जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा ७ एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १० जाव

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १७ जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २० जाव अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २३ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्प० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २४ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २५ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २६ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा २७ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २८ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २९ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५। चत्तारि भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा ० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए तिण्णि सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिण्णि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिण्णि अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा तिण्णि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा तिण्णि रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८, अहवा एगे सक्करप्पभाए तिण्णि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं जहेव

रयणप्पभाए उवरिमाहिं समं चारियं तहा सक्करप्पभाए वि उवरिमाहिं समं-चारेयव्वं ५, एवं एक्केक्काए समं चारियव्वं जाव अहवा तिण्णि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२–६–६–३ (६३) अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर० दो पंक० होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० होज्जा, एवं जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० दो पंक० होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुय० दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ एवं एएणं गमएणं जहा तिण्हं तियसंजोगे तहा भाणियव्वो जाव अहवा दो धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १०५ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे धूमप्पभाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ हवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण० एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा १७ अहवा एगे रयणं० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे रयण० एगे पंक० एगे तमाए एगे

अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे रयण० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहे-सत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्प-भाए होज्जा २१ एवं जहा रयणप्पभाए उवरिमाओ पुढवीओ चारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाओ चारियव्वाओ जाव अहवा एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहे-सत्तमाए होज्जा ३५। पंच भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहे-सत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० तिण्णि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए तिण्णि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिण्णि रयण० दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहेसत्तमाए होज्जा अहवा चत्तारि रयण० एगे सक्कर० होज्जा एवं जाव अहवा चत्तारि रयण० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्कर० चत्तारि वालुय० होज्जा एवं जहा रयण० समं - उवरिमपुढवीओ चारियाओ तहा सक्कर० वि समं चारेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं एक्केक्काए समं चारेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिण्णि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० तिण्णि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुय-प्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहे-सत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिण्णि सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० तिण्णि सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० दो सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव दो रयण० दो

सक्कर० एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिण्णि रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिण्णि रयण० एगे सक्कर० एगे अहे-सत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० तिण्णि पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा चउण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि तिया-संजोगो भाणियव्वो णवरं तत्थ एगो संचारिज्जइ इह दोण्णि सेसं तं चेव जाव अहवा तिण्णि धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० दो वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० दो वालुय० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८, अहवा एगे रयण० दो सक्करप्पभाए एगे वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० एगे वालुय० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एग अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर०एगे पंक० दो धूमप्पभाए होज्जा एवं जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि चउक्कसंजोगो भाणियव्वो, णवरं अब्भहियं एगो संचारेयव्वो, एवं जाव अहवा दो पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूमप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे तमाए एगे अहे-सत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे धूम० एगे तमाए

एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयण० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे तमाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्कर० जाव एगे पंक० एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा एगे सक्कर० जाव एगे पंक० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २१। छःभंते ! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० पंच सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयण० पंच वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० पंच अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयण० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिण्णि रयण० तिण्णि सक्करप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं दुयासंजोगो तहा छण्हवि भाणियव्वो णवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव अहवा पंच तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि वालुय० होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० तिण्णि वालुय० होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा छण्हवि भाणियव्वो णवरं एक्को अहिओ उच्चारेयव्वो, सेसं तं चेव ३४, चउक्कसंजोगोवि तहेव, पंचगसंजोगोवि तहेव, णवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव पच्छिमो भंगो अहवा दो वालुय० एगे पंक० एगे धूम० एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे तमाए होज्जा १ अहवा एगे रयण० जाव एगे धूम० एगे अहेसत्तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयण० जाव एगे पंक०

एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयण० जाव एगे वालुय० एगे धूम० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० एगे पंक० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयण० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७। सत्त भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयण० वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयण० छ सक्कर० होज्जा एवं एएणं कमेणं जहा छण्हं दुयासंजोगो तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं णवरं एगो अब्भहिओ संचारिज्जइ, सेसं तं चेव, तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो छक्कसंजोगो य छण्हं जहा तहा सत्तण्हवि भाणियव्वं, णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव छक्कगसंजोगो अहवा दो सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा। अट्ठ भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयण० वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० सत्त सक्कर० होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव छक्कसंजोगो य जहा सत्तण्हं भणिओ तहा अट्ठण्हवि भाणियव्वो णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव जाव छक्कसंजोगस्स अहवा तिण्णि सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० जाव एगे तमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० जाव दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं संचारेयव्वं जाव अहवा दो रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा। णव भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयण० होज्जा० ? पुच्छा, गंगेया ! रयण० वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयण० अट्ठ सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा अट्ठण्हं भणियं तहा णवण्हंपि भाणियव्वं णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो, सेसं तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा तिण्णि रयण० एगे सक्कर० एगे वालुय० जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा। दस भंते ! णेरइया णेरइयपवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया ! रयण० वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० णव सक्कर० होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तसंजोगो य जहा णवण्हं णवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा चत्तारि रयण० एगे सक्कर० जाव एगे अहेसत्त-

माए होज्जा। संखेज्जा भंते! णेरइया णेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा, गंगेया! रयण० वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० होज्जा एवं जाव अहवा दो रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिण्णि रयण० संखेज्जा सक्कर० होज्जा एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा दस रयण० संखेज्जा सक्कर० होज्जा एवं जाव अहवा दस रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्कर० संखेज्जा वालुय० होज्जा एवं जहा रयणप्पभा उवरिमपुढवीहिं समं चारिया एवं सक्करप्पभावि उवरिमपुढवीहिं समं चारेयव्वा, एवं एक्केक्का पुढवी उवरिमपुढवीहिं समं चारेयव्वा जाव अहवा संखेज्जा तमाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० संखेज्जा वालुय० होज्जा अहवा एगे रयण० एगे सक्कर० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० दो सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० तिण्णि सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० संखेज्जा वालुय० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिण्णि रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं एक्केक्को रयणप्पभाए संचारियव्वो जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा सक्कर० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयण० एगे वालुय० संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयण० दो वालुय० संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं तियासंजोगो चउक्कसंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा दसण्हं तहेव भाणियव्वो पच्छिमो आलावगो सत्तसंजोगस्स अहवा संखेज्जा रयण० संखेज्जा

सक्कर० जाव संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा। असंखेज्जा भंते ! णेरइया णेरइय-प्पवेसणएणं पविसमाणा० पुच्छा ? गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहे-सत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयण० असंखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा, एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा संखेज्जाणं भणिओ तहा असंखेज्जाणवि भाणियव्वो, णवरं असंखेज्जाओ अब्भहिओ भाणियव्वो, सेसं तं चेव जाव सत्तग-संजोगस्स पच्छिमो आलावगो अहवा असंखेज्जा रयण० असंखेज्जा सक्कर० जाव असंखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा । उक्कोसेणं भंते ! णेरइया णेरइयप्पवेस-णएणं० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव रयणप्पभाए होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा एवं जाव अहवा रयण० य सक्कर-प्पभाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० वालुय० पंकप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयण० वालुय० अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० पंकप्पभाए धूमाए होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा तिण्हं तियासंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा १५ अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए वालुय० पंकप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुय० धूमप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्प-भाए सक्करप्पभाए वालुय० य अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० सक्कर० पंक० धूमप्पभाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० धूम० तमाए अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण० सक्कर० वालुय० पंक० धूमप्पभाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पभाए जाव पंक० तमाए य होज्जा २ अहवा रयण० जाव पंकप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० सक्कर० वालुय० धूम० तमाए य होज्जा ४ एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा पंचण्हं पंचगसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयण० पंकप्पभाए य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा अहवा रयण० सक्कर० जाव धूमप्पभाए तमाए य होज्जा १ अहवा रयण० जाव धूम० अहेसत्तमाए य होज्जा २ अहवा रयण० सक्कर० जाव पंक० तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयण० सक्कर० वालुय० धूमप्पभाए

तमाए अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयण० सक्कर० पंक० जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयण० वालुय० जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ६ अहवा रयणप्पभा० य सक्कर० य जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ७। एयस्स णं भंते ! रयणप्पभापुढविणेरइयपवेसणगस्स सक्करप्पभापुढवि० जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयपवेसणगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे अहेसत्तमापुढविणेरइयपवेसणए, तमापुढविणेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे, एवं पडिलोमगं जाव रयणप्पभापुढविणेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे।३७२। तिरिक्खजोणियपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गंगेया ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए। एगे भंते ! तिरिक्खजोणिए तिरिक्खजोणियपवेसणएणं पविसमाणे किं एगिंदिएसु होज्जा जाव पंचिंदिएसु होज्जा ? गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा। दो भंते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा, अहवा एगे एगिंदिएसु होज्जा एगे बेइंदिएसु होज्जा एवं जहा णेरइयपवेसणए तहा तिरिक्खजोणियपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जा। उक्कोसा भंते ! तिरिक्खजोणिया० पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव एगिंदिएसु होज्जा अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य होज्जा, एवं जहा णेरइया चारिया तहा तिरिक्खजोणियावि चारेयव्वा, एगिंदिया अमुयंतेसु दुयासंजोगो तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो उवउंजिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु य बेइंदिएसु य जाव पंचिंदिएसु य होज्जा। एयस्स णं भंते ! एगिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गंगेया ! सव्वत्थोवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणए, चउरिंदियतिरिक्खजोणिय० विसेसाहिए, तेइंदिय० विसेसाहिए, बेइंदिय० विसेसाहिए, एगिंदियतिरिक्ख० विसेसाहिए ॥३७३॥ मणुस्सपवेसणए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गंगेया ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–संमुच्छिममणुस्सपवेसणए य गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए य। एगे भंते ! मणुस्से मणुस्सपवेसणएणं पविसमाणे किं संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ? गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा। दो भंते ! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा

होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा णेरइयपवेसणए तहा मणुस्सपवेसणएवि भाणियव्वे जाव दस। संखेज्जा भंते! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा दो संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं एक्केक्कं उस्सारितेसु जाव अहवा संखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा। असंखेज्जा भंते! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा, अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु दो गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं जाव असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा। उक्कोसा भंते! मणुस्सा० पुच्छा, गंगेया! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा संमुच्छिममणुस्सेसु य गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु य होज्जा। एयस्स णं भंते! संमुच्छिममणुस्सपवेसणगस्स गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गंगेया! सव्वत्थोवे गब्भवक्कंतियमणुस्सपवेसणए, संमुच्छिममणुस्सपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७४ ॥ देवपवेसणए णं भंते! कइविहे पण्णत्ते? गंगेया! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—भवणवासिदेवपवेसणए जाव वेमाणियदेवपवेसणए। एगे भंते! देवे देवपवेसणएणं पविसमाणे किं भवणवासीसु होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु होज्जा? गंगेया! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा। दो भंते! देवा देवपवेसणएणं० पुच्छा, गंगेया! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु वा होज्जा अहवा एगे भवणवासीसु एगे वाणमंतरेसु होज्जा एवं जहा तिरिक्खजोणियपवेसणए तहा देवपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्ज त्ति। उक्कोसा भंते!० पुच्छा, गंगेया! सव्वेवि ताव जोइसिएसु होज्जा अहवा जोइसियभवणवासीसु य होज्जा अहवा जोइसियवाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसियवेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य वाणमंतरेसु य वेमा-

णिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा। एयस्स णं भंते! भवणवासिदेवपवेसणगस्स वाणमंतरदेवपवेसणगस्स जोइसियदेवपवेसणगस्स वेमाणियदेवपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गंगेया! सव्वत्थोवे वेमाणियदेवपवेसणए, भवणवासिदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे, वाणमंतरदेवपवेसणए असंखेज्जगुणे, जोइसियदेवपवेसणए संखेज्जगुणे ॥ ३७५ ॥ एयस्स णं भंते! णेरइय पवेसणगस्स तिरिक्ख० मणुस्स० देवपवेसणगस्स कयरे कयरे जाव विसेसाहिया वा? गंगेया! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए, णेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे, देवपवेसणए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणियपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥ ३७६ ॥ संतरं भंते! णेरइया उववज्जंति णिरंतरं णेरइया उववज्जंति संतरं असुरकुमारा उववज्जंति णिरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति जाव संतरं वेमाणिया उववज्जंति णिरंतरं वेमाणिया उववज्जंति संतरं णेरइया उव्वट्टंति णिरंतरं णेरइया उव्वट्टंति जाव संतरं वाणमंतरा उव्वट्टंति णिरंतरं वाणमंतरा उव्वट्टंति संतरं जोइसिया चयंति णिरंतरं जोइसिया चयंति संतरं वेमाणिया चयंति णिरंतरं वेमाणिया चयंति? गंगेया! संतरंपि णेरइया उववज्जंति णिरंतरंपि णेरइया उववज्जंति जाव संतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति णिरंतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति णो संतरं पुढविक्काइया उववज्जंति णिरंतरं पुढविक्काइया उववज्जंति एवं जाव वणस्सइक्काइया सेसा जहा णेरइया जाव संतरंपि वेमाणिया उववज्जंति णिरंतरंपि वेमाणिया उववज्जंति, संतरंपि णेरइया उव्वट्टंति णिरंतरंपि णेरइया उव्वट्टंति० एवं जाव थणियकुमारा णो संतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति णिरंतरं पुढविक्काइया उव्वट्टंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा णेरइया, णवरं जोइसियवेमाणिया चयंति अभिलावो, जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति णिरंतरंपि वेमाणिया चयंति। सओ भंते! णेरइया उववज्जंति असओ भंते! णेरइया उववज्जंति? गंगेया! सओ णेरइया उववज्जंति णो असओ णेरइया उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया। सओ भंते! णेरइया उव्वट्टंति असओ णेरइया उव्वट्टंति? गंगेया! सओ णेरइया उव्वट्टंति णो असओ णेरइया उव्वट्टंति, एवं जाव वेमाणिया णवरं जोइसियवेमाणिएसु चयंति भाणियव्वं। सओ भंते! णेरइया उववज्जंति असओ भंते! णेर-

इया उववज्जंति सओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति असओ वेमाणिया उववज्जंति सओ णेरइया उव्वट्टंति असओ णेरइया उव्वट्टंति सओ असुरकुमारा उव्वट्टंति जाव सओ वेमाणिया चयंति असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सओ णेरइया उववज्जंति णो असओ णेरइया उववज्जंति सओ असुरकुमारा उववज्जंति णो असओ असुरकुमारा उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया उववज्जंति णो असओ वेमाणिया उववज्जंति, सओ णेरइया उव्वट्टंति णो असओ णेरइया उव्वट्टंति जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सओ णेरइया उववज्जंति णो असओ णेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति ? से णूणं भे ! गंगेया ! पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं सासए लोए वुइए अणाईए अणवयग्गे जहा पंचमसए जाव जे लोक्कइ से लोए, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति। सयं भंते ! एए एवं जाणह उदाहु असयं, असोच्चा एए एवं जाणह उदाहु सोच्चा, सओ णेरइया उववज्जंति णो असओ णेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! सयं एए एवं जाणामि णो असयं, असोच्चा एए एवं जाणामि णो सोच्चा सओ णेरइया उववज्जंति णो असओ णेरइया उववज्जंति जाव सओ वेमाणिया चयंति णो असओ वेमाणिया चयंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव णो असओ वेमाणिया चयंति ? गंगेया ! केवली णं पुरत्थिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ दाहिणेणं एवं जहा सद्दुद्देसए जाव णिव्वुडे णाणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव णो असओ वेमाणिया चयंति। सयं भंते ! णेरइया णेरइएसु उववज्जंति असयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति ? गंगेया ! सयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति णो असयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुसंभारियत्ताए असुभाणं कम्माणं उदएणं असुभाणं कम्माणं विवागेणं असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति णो असयं णेरइया णेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति। सयं भंते ! असुरकुमारा० पुच्छा ? गंगेया ! सयं

असुरकुमारा जाव उववज्जंति णो असयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति । से केणट्ठेणं तं चेव जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मोवसमेणं कम्मविगईए कम्मविसोहीए कम्मविसुद्धीए सुभाणं कम्माणं उदएणं सुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति णो असयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति, एवं जाव थणियकुमारा । सयं भंते ! पुढविक्काइया० पुच्छा ? गंगेया ! सयं पुढविक्काइया जाव उववज्जंति णो असयं जाव उववज्जंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ? गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुसंभारियत्ताए सुभासुभाणं कम्माणं उदएणं सुभासुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभासुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं पुढविक्काइया जाव उववज्जंति णो असयं पुढविक्काइया जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति, एवं जाव मणुस्सा । वाणमंतर-जोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ सयं वेमाणिया जाव उववज्जंति णो असयं वेमाणिया जाव उववज्जंति ॥ ३७७ ॥ तप्पभिइं च णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वण्णू सव्वदरिसी, तए णं से गंगेए अणगारे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं एवं जहा कालासवेसियपुत्ते अणगारे तहेव भाणियव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३७८॥

णवमं सयं तेत्तीसइमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं माहणकुंडग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, बहुसालए चेइए वण्णओ, तत्थ णं माहणकुंडग्गामे णयरे उसभदत्ते णामं माहणे परिवसइ अड्ढे दित्ते वित्ते जाव अपरिभूए रिउव्वेयजजुव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जहा खंदओ जाव अण्णेसु य बहुसु बंभण्णएसु णएसु सुपरिणिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे उवलद्धपुण्णपावे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तस्स णं उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदा णामं माहणी होत्था, सुकुमालपाणिपाया जाव पियदंसणा सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा

जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ। तए णं से उसभदत्ते माहणे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठ जाव हियए जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवाणंदं माहणिं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिए! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिए! जाव तहारूवाणं अरिहंताणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए, एगस्सवि आरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिए! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयण्णं इहभवे य परभवे य हियाए सुहाए खमाए णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्टु उसभदत्तस्स माहणस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ। तए णं से उसभदत्ते माहणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइयसमखुरवालिहाणसमलिहियसिंगेहिं जंबूणयामयकलावजुत्तपरिविसिट्ठेहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुयपवरकंचणणत्थपग्गहोग्गहियएहिं णीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणज्जुवाणएहिं णाणामणिरयणघंटियाजालपरिगयं सुजायजुगजोत्तरज्जुयजुगपसत्थसुविरइयणिम्मियं पवरलक्खणोववेयं धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया करयल जाव एवं सामी! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव लहुकरणजुत्त जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेत्ता जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति। तए णं से उसभदत्ते माहणे ण्हाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ साओ गिहाओ पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे। तए णं सा देवाणंदा माहणी अंतो अंतेउरंसि ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ता किंच वरपायपत्तणेउरमणिमेहला-

हारविरइयउचियकडगखुड्डायएकावलीकंठसुत्तउरत्थगेवेज्जसोणिसुत्तगणाणाम-मणिरयणभूसणविराइयंगी चीणंसुयवत्थपवरपरिहिया दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जा सव्वोउयसुरभिकुसुमवरियसिरया वरचंदणवंदिया वराभरणभूसियंगी कालागुरुधूवधूविया सिरिसमाणवेसा जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा बहूहिं खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणियाहिं वडहियाहिं बब्बरियाहिं पओसियाहिं ईसिगणियाहिं जोण्हियाहिं चारुगणियाहिं पल्हवियाहिं ल्हासियाहिं लउसियाहिं आरबीहिं दमिलीहिं सिंघलीहिं पुलिंदीहिं पुक्खलीहिं बहूलीहिं मुरुंडीहिं सबरीहिं पारसीहिं णाणादेसीहिं विदेसपरिपिंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहिं सदेसणेवत्थगहियवेसाहिं कुसलाहिं विणीयाहि य चेडियाचक्कवालवरिसधरथेरकंचुइज्जमहत्तरगवंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ णिग्गच्छइ अंतेउराओ णिग्गच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा । तए णं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे समाणे णियगपरियालसंपरिवुडे माहणकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छइत्ता जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता छत्ताईए तित्थयराइसए पासइ छ० २ त्ता धम्मियं जाणप्पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ ध० २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए एवं जहा बिइयसए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासइ । तए णं सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुज्जाहिं जाव महत्तरगवंदपरिक्खित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविमोयणयाए, विणयोणयाए गायलट्ठीए, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं, मणस्स एगत्तीभावकरणेणं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता उसभदत्तं माहणं पुरओ कट्टु ठिया चेव सपरिवारा सुस्सूसमाणी णमंसमाणी अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा जाव पज्जुवासइ ॥ ३७९ ॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी आगय-

पण्हुया पप्फुयलोयणा संवरियवलयबाहा कंचुयपरिक्खित्तिया धाराहयकलं-बगंपिवसमूसवियरोमकूवा समणं भगवं महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमं-सइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–किण्णं भंते ! एसा देवाणंदा माहणी आगयपण्हुया तं चेव जाव रोमकूवा देवाणुप्पियं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ? गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! देवाणंदा माहणी मम अम्मगा, अहण्णं देवाणंदाए माहणीए अत्तए, तए णं सा देवाणंदा माहणी तेणं पुव्वपुत्तसिणेहाणुराएणं आगयपण्हुया जाव समूस-वियरोमकूवा ममं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ॥ ३८० ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदाए माहणीए तीसे य महइमहालियाए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया। तए णं से उसभदत्ते माहणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वयह त्ति कट्टु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ उत्तरपु० २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ सयमे० २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे० २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी–आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जराए मरणेण य, एवं एएणं कमेणं जहा खंदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइ-याइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसम जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ मासि० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ सट्ठिं० २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव तमट्ठं आराहेइ तमट्ठं आराहेत्ता जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। तए णं सा देवाणंदा माहणी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! एवं जहा उसभदत्तो तहेव जाव धम्ममाइक्खियं। तए णं समणे

भगवं महावीरे देवाणंदं माहणिं सयमेयं पव्वावेइ सय० २ त्ता सयमेव अज्ज-चंदणाए अज्जाए सीसिणित्ताए दलयइ। तए णं सा अज्जचंदणा अज्जा देवा-णंदं माहणिं सयमेव मुंडावेइ सयमेव सेहावेइ एवं जहेव उसभदत्तो तहेव अज्ज-चंदणाए अज्जाए इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ जाव संजमेणं संजमेइ। तए णं सा देवाणंदा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतियं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं तं चेव जाव सव्वदुक्खप्पहीणा ॥ ३८१ ॥ तस्स णं माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, तत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे णयरे जमाली णामं खत्तियकुमारे परिवसइ अड्ढे दित्ते जाव अपरिभूए उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं बत्तीसइबद्धेहिं णाडएहिं णाणाविहवर-तरुणीसंपउत्तेहिं उवणच्चिज्जमाणे-उवणच्चिज्जमाणे उवगिज्जमाणे २ उव-लालिज्जमाणे २ पाउसवासारत्तसरयहेमंतवसंतगिम्हपज्जंते छप्पिउऊ जहा विभवेणं माणमाणे २ कालं गालेमाणे इट्ठे सद्दफरिसरसरूवगंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। तए णं खत्तियकुंडग्गामे णयरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चर जाव बहुजणसद्देइ वा जहा उववाइए जाव एवं पण्ण-वेइ एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहा-पडिरूवं जाव विहरइ, तं महप्फलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं जहा उववाइए जाव एगाभिमुहे खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए एवं जहा उववाइए जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जाव जणसण्णिवायं वा सुणमाणस्स वा पासमाणस्स वा अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था– किण्णं अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा मुगुंदमहेइ वा णागमहेइ वा जक्खमहेइ वा भूयमहेइ वा कूवमहेइ वा तडागमहेइ वा णई-महेइ वा दहमहेइ वा पव्वयमहेइ वा रुक्खमहेइ वा चेइयमहेइ वा थूभमहेइ वा जण्णं एए बहवे उग्गा भोगा राइण्णा इक्खागा णाया कोरव्वा खत्तिया खत्तियपुत्ता भडा भडपुत्ता जहा उववाइए जाव सत्थवाहप्पभिइओ

ण्हाया कयबलिकम्मा जहा उववाइए जाव णिग्गच्छंति ? एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ कंचु० २ त्ता एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहेइ वा जाव णिग्गच्छंति ? तए णं से कंचुइज्जपुरिसे जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल० जमालि खत्तियकुमारं जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे णयरे इंदमहेइ वा जाव णिग्गच्छंति, एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज समणे भगवं महावीरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स णयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरइ, तए णं एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव णिग्गच्छंति । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावइत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता ण्हाए कयबलिकम्मे जाव उववाइए परिसावण्णओ तहा भाणियव्वं जाव चंदणोक्किण्णगायसरीरे सव्वालंकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ मज्जणघराओ पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ चाउ० २ त्ता सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडकरपहकरवंदपरिक्खित्ते खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए णिगिण्हेइ २ त्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहा० त्ता पुप्फतंबोलाउहमाइयं वाहणाओ य विसज्जेइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ उत्तरासंगं करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए अंजलिमउलियहत्थे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तीसे

य महइमहालियाए इसि० जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वयह, जं णवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि। तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं ॥३८२॥

तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता तमेव चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ दुरूहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता सकोरंट० जाव धरिज्जमाणेणं महया भडचडगर जाव परिक्खित्ते जेणेव खत्तियकुंडग्गामे णयरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए णिगिण्हइ तुरए णिगिण्हित्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अम्मापियरो जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे णिसंते, से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–धण्णेसि णं तुमं जाया ! कयत्थेसि णं तुमं जाया ! कयपुण्णेसि णं तुमं जाया ! कयलक्खणेसि णं तुमं जाया ! जण्णं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे णिसंते से वि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरूइए। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु मए अम्मयाओ ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे णिसंते जाव अभिरुइए, तए णं अहं अम्मयाओ ! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणेणं तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए

समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुण्णं अमणामं असुयपुव्वं गिरं सोच्चा णिसम्म सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगत्ता सोगभरपवेवियंगमंगी णित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्गदुब्बलसरीरलावण्णसुण्णणिच्छाया गयसिरीया पसिढिलभूसणपडंतखुण्णियसंचुण्णियधवलवलयपब्भट्ठउत्तरिज्जा मुच्छावसणट्ठचेयगुरुई सुकुमालविकिण्णकेसहत्था परसुणियत्तव्व चंपगलया णिव्वत्तमहे व्व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि धसत्ति सव्वंगेहिं संणिवडिया। तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ससंभमोवत्तियाए तुरियं कंचण-भिंगार-मुहविणिग्गय-सीयल-विमलजलधारपरिसिंचमाणणिव्वावियगायलट्ठी उक्खेवयतालियंटवीयणगजणियवाएणं सफुसिएणं अंतेउरपरिजणेणं आसासिया समाणी रोयमाणी कंदमाणी सोयमाणी विलवमाणी जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी—तुमंसि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुण्णे मणामे थेज्जे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे रयणे रयणब्भूए जीविऊसविए हिययणंदिजणणे उंबरपुप्फमिव दुल्लहे सवणयाए किमंग! पुण पासणयाए, तं णो खलु जाया! अम्हे इच्छामो तुब्भं खणमवि विप्पओगं, तं अच्छाहि ताव जाया! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि णिरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मयाओ! जण्णं तुब्भे मम एवं वयह तुमंसि णं जाया! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते तं चेव जाव पव्वइहिसि। एवं खलु अम्मयाओ! माणुस्सए भवे अणेगजाइजरामरणरोगसारीरमाणसपकामदुक्खवेयणवसणसओवद्दवाभिभूए अधुवे अणिइए असासए संझब्भरागसरिसे जलबुब्बुयसमाणे कुसग्गजलबिंदुसण्णिभे सुविणगदंसणोवमे विज्जुलयाचंचले अणिच्चे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सविप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ अम्मयाओ! के पुव्विं गमणयाए के पच्छा गमणयाए? तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए। तए णं

तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमं च ते जाया ! सरीरगं पविसिट्ठरूवलक्खणवंजणगुणोववेयं उत्तमबलवीरियसत्तजुत्तं विण्णाणवियक्खणं ससोहग्गगुणसमुस्सियं अभिजायमहक्खमं विविहवाहिरोगरहियं निरुवहयउदत्तलट्ठंपंचिंदियपडुपढमजोव्वणत्थं अणेगउत्तमगुणेहिं संजुत्तं तं अणुहोहि ताव जाया ! णियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे, तओ पच्छा अणुभूयणियगसरीररूवसोहग्गजोव्वणगुणे अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि णिरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मयाओ ! जण्णं तुब्भे ममं एवं वयह—इमं च णं ते जाया ! सरीरगं तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सगं सरीरं दुक्खाययणं विविहवाहिसयसंणिकेयं अट्ठियकट्ठुट्ठियं छिराण्हारुजालओणद्धसंपिणद्धं मट्टियभंडं व दुब्बलं असुइसंकिलिट्ठं अणिट्ठवियसव्वकालसंठप्पयं जराकुणिमजज्जरघरं व सडणपडणविद्धंसणधम्मं पुव्विं वा पच्छा वा अवस्सं विप्पजहियव्वं भविस्सइ, से केस णं जाणइ, अम्मयाओ ! के पुव्विं तं चेव जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमाओ य ते जाया ! विउलकुलबालियाओ सरिसियाओ सरित्तयाओ सरिव्वयाओ सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाओ सरिसएहिंतो कुलेहिंतो आणिएल्लियाओ कलाकुसलसव्वकाललालियसुहोचियाओ मद्दवगुणजुत्तणिउणविणओवयारपंडियवियक्खणाओ मंजुलमियमहुरभणियविहसियविप्पेक्खियगइविलासचिट्ठियविसारयाओ, अविकलकुलसीलसालिणीओ विसुद्धकुलवंससंताणतंतुवद्धणप्पगब्भुब्भवपभाविणीओ मणाणुकूलहियइच्छियाओ अट्ठ तुज्झ गुणवल्लहाओ उत्तमाओ णिच्चं भावाणुरत्तसव्वंगसुंदरीओ भारियाओ, तं भुंजाहि ताव जाया ! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी विसयविगयवोच्छिण्णकोउहल्ले अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मयाओ ! जण्णं तुब्भे मम एयं वयह इमाओ ते जाया ! विउलकुल जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सया कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा

उच्चारपासवणखेलसिंघाणगवंतपित्तपूयसुक्कसोणियसमुब्भवा अमणुण्णदुरूव-मुत्तपूइयपूरीसपूण्णा मयगंधुस्सासअसुभणिस्सासउव्वेयणगा बीभच्छा अप्प-कालिया लहुसगा कलमलाहियासदुक्खबहुजणसाहारणा परिकिलेसकिच्छदुक्ख-सज्झा अबुहजणणिसेविया सया साहुगरहणिज्जा अणंतसंसारवद्धणा कडुयफल-विवागा चुडल्लिव्व अमुच्चमाणदुक्खाणुबंधिणो सिद्धिगमणविग्घा, से केस णं जाणइ अम्मयाओ! के पुव्वि गमणयाए के पच्छा गमणयाए ? तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमे य ते जाया ! अज्जयपज्जयपिउपज्जयागए सुबहु हिरण्णे य सुवण्णे य कंसे य दूसे य विउलधणकणग जाव संतसारसावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं तं अणुहोहि ताव जाया ! विउले माणुस्सए इड्ढिसक्कारसमुदए, तओ पच्छा अणुहूयकल्लाणे वड्ढियकुलवंसतंतु जाव पव्वइहिसि। तए णं से जमाली खत्तिय-कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मयाओ ! जण्णं तुब्भे ममं एवं वयह—इमं च ते जाया ! अज्जयपज्जय जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मयाओ ! हिरण्णे य सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए मच्चुसाहिए दाइयसाहिए अग्गिसामण्णे अधुवे अणिइए असासए पुव्वि वा पच्छा वा अवस्सविप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ तं चेव जाव पव्वइत्तए। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मयाओ जाहे णो संचाएंति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णव-णाहि य आघवेत्तए वा पण्णवेत्तए वा सण्णवेत्तए वा विण्णवेत्तए वा ताहे विसय-पडिकूलाहिं संजमभयउव्वेयणकराहिं पण्णवणाहिं पण्णवेमाणा एवं वयासी—एवं खलु जाया ! णिग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले जहा आवस्सए जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति अहीव एगंतदिट्ठीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव णिस्साए गंगा वा महाणई पडिसोयगमणयाए महासमुद्दो वा भुयाहिं दुत्तरो तिक्खं कमियव्वं गरुयं लंबेयव्वं असिधारगं वयं चरियव्वं, णो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं णिग्गंथाणं आहाकम्मि-एइ वा उद्देसिएइ वा मिस्सजाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइएइ वा कीएइ वा पामिच्चेइ वा अच्छेज्जेइ वा अणिसट्ठेइ वा अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ

वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्तेइ वा वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणगभत्तेइ वा सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा मूलभोयणेइ वा कंदभोयणेइ वा फलभोयणेइ वा बीयभोयणेइ वा हरियभोयणेइ वा भुत्तए वा पायए वा, तुमंसि च णं जाया ! सुहसमुचिए णो चेव णं दुहसमुचिए णालं सीयं णालं उण्हं णालं खुहा णालं पिवासा णालं चोरा णालं वाला णालं दंसा णालं मसगा णालं वाइयपित्तिय-संभियसण्णिवाइए विविहे रोगायंके परीस्सहोवसग्गे उदिण्णे अहियासेत्तए, तं णो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुब्भं खणमवि विप्पओगं तं अच्छाहि ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्व-इहिसि । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–तहावि णं तं अम्मयाओ ! जण्णं तुब्भे ममं एवं वयह–एवं खलु जाया ! णिग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म-याओ ! णिग्गंथे पावयणे कीवाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडि-बद्धाणं परलोगपरंमुहाणं विसयतिसियाणं दुरणुचरे पागयजणस्स, धीरस्स णिच्छियस्स ववसियस्स णो खलु एत्थं किंचिवि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महा-वीरस्स जाव पव्वइत्तए । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो जाहे णो संचाएंति विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य ४ आघवेत्तए वा जाव विण्णवेत्तए वा ताहे अकामाइं चेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स णिक्खमणं अणुमण्णित्था ॥ ३८३ ॥ तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! खत्तियकुंडग्गामं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसियसंमज्जिओवलित्तं जहा उववाइए जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से जमा-लिस्स खत्तियकुमारस्स पिया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावइत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विपुलं णिक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव पच्चप्पिणंति । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो सीहा-सणवरंसि पुरत्थाभिमुहं णिसीयावेंति णिसीयावेत्ता अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वि-

इड्ढीए जाव रवेणं महया-महया णिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचंति णिक्खमणा-भिसेएणं अभिसिंचित्ता करयल जाव जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएण वद्धावेत्ता एवं वयासी–भण जाया ! किं देमो किं पयच्छामो किणा वा ते अट्ठो ? तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–इच्छामि णं अम्मयाओ ! कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणिउं कासवगं च सद्दाविउं। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिरिघराओ तिण्णि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणेह सयसहस्सेणं कासवगं सद्दावेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सिरिघराओ तिण्णि सयसहस्साइं तहेव जाव कासवगं सद्दावेंति। तए णं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दा-विए समाणे हट्ठे तुट्ठे ण्हाए कयबलिकम्मे जाव सरीरे जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता करयल० जमा-लिस्स खत्तियकुमारस्स पियरं जएणं विजएणं वद्धावेइ जएणं विजएणं वद्धा-वित्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं मए करणिज्जं ? तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कासवगं एवं वयासी–तुमं देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे णिक्खमणपओगे अग्ग-केसे पडिकप्पेहि। तए णं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे करयल जाव एवं सामी ! तहत्ताणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ सुरभिणा० २ त्ता सुद्धाए अट्ठपडलाए पोत्तीए मुहं बंधइ मुहं बंधित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे णिक्खमणपओगे अग्गकेसे कप्पेइ। तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ अग्गकेसे पडिच्छित्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेत्ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं मल्लेहिं अच्चेइ २ त्ता सुद्धवत्थेणं बंधेइ सुद्धवत्थेणं बंधित्ता रयणकरंडगंसि पक्खिवइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिण्णमुत्तावलिप्पगासाइं सुयविओगदूसहाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ एवं वयासी–एस णं अम्हं जमा-

लिस्स खत्तियकुमारस्स बहूसु तिहीसु य पव्वणीसु य उस्सवेसु य जण्णेसु य छणेसु य अपच्छिमे दरिसणे भविस्सई तिकट्टु ऊसीसगमूले ठवेइ । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति २ त्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेंति सीयापीयएहिं कलसेहिं ण्हावेत्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेंति सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेत्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपंति गायाइं अणुलिंपित्ता णासाणिस्सासवायवोज्झं चक्खुहरं वण्णफरिसजुत्तं हयलालापेलवाइरेगं धवलं कणगखचियंतकम्मं महरिहं हंसलक्खणपडसाडगं परिहिंति २ त्ता हारं पिणद्धेंति २ त्ता अद्धहारं पिणद्धेंति २ त्ता० एवं जहा सूरियाभस्स अलंकारो तहेव जाव चित्तं रयणसंकडुक्कडं मउडं पिणद्धेंति, किं बहुणा गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिवअलंकियविभूसियं करेंति । तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखंभसयसण्णिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं जहा रायप्पसेणइज्जे विमाणवण्णओ जाव मणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे केसालंकारेणं वत्थालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकारिए समाणे पडिपुण्णालंकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ सीहासणाओ अब्भुट्ठेत्ता सीयं अणुप्पयाहिणीकरेमाणे सीयं दुरूहइ २त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ण्हाया कयबलि० जाव सरीरा हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सीयं अणुप्पयाहिणीकरेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणवरंसि संणिसण्णा, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मधाई ण्हाया जाव सरीरा रयहरणं पडिग्गहं च गहाय सीयं अणुप्पयाहिणी करेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स वामे पासे भद्दासणवरंसि संणिसण्णा । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगय जाव रूवजोव्वणविलासकलिया सुंदरथण० हिम-

रययकुमुयकुंदेंदुप्पगासं सकोरेंटमल्लदामं धवलं आयवत्तं गहाय सलीलं उवरि धारेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं तस्स जमालिस्स उभओपासिं दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारु जाव कलियाओ णाणामणिकणगरयणविमलमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाओ चिल्लियाओ संखंककुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसंणिकासाओ धवलाओ चामराओ गहाय सलीलं वीयमाणीओ-वीयमाणीओ चिट्ठंति। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया सेयरययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहामुहाकिइसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणपुरत्थिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया चित्तकणगदंडं तालवेंटं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ को० २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सरिसयं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयं एगाभरणवसणगहियणिज्जोयं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सद्दावेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सरिसयं सरित्तयं जाव सद्दावेंति। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ० ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ता एगाभरणवसणगहियणिज्जोया जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छंति ते० २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी—संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं अम्हेहिं करणिज्जं। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कोडुंबियवरतरुणसहस्संपि एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ण्हाया कयबलिकम्मा जाव गहियणिज्जोया जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स जाव पडिसुणेत्ता ण्हाया जाव गहियणिज्जोया जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहंति। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तं०—सोत्थिय सिरिवच्छ जाव दप्पणा, तयाणंतरं च णं पुण्णकलसंभिंगारं जहा उववाइए जाव गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, एवं जहा उववाइए तहेव भाणियव्वं जाव आलोयं च करेमाणा जय २ सद्दं च पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तयाणंतरं च णं बहवे उग्गा भोगा

जहा उववाइए जाव महापुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ य मग्गओ य पासओ य अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया ण्हाए कयबलिकम्मे जाव विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणे २ हय-गयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महया भडचड-गर जाव परिक्खित्ते जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ अणुगच्छइ। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ महं आसा आसवरा उभओ पासिं णागा णागवरा पिट्ठओ रहा रहसंगेल्ली। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अब्भुग्गयभिंगारे परिग्गहियतालियंटे ऊसवियसेयछत्ते पवीइयसेयचामरवाल-वीयणीए सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं। तयाणंतरं च णं बहवे लट्ठीग्गाहा कुंतग्गाहा जाव पुत्थयग्गाहा जाव वीणग्गाहा। तयाणंतरं च णं अट्ठसयं गयाणं अट्ठसयं तुरयाणं अट्ठसयं रहाणं। तयाणंतरं च णं लउडअसिकोंतहत्थाणं बहूणं पायत्ताणीणं पुरओ संपट्ठियं। तयाणंतरं च णं बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ पुरओ संपट्ठिया जाव णाइयरवेणं खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स खत्तियकुंडग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छमाणस्स सिंघाडगतिय-चउक्क जाव पहेसु बहवे अत्थत्थिया जहा उववाइए जाव अभिणंदंता य अभि-त्थुणंता य एवं वयासी—जय-जय णंदा! धम्मेणं, जय-जय णंदा! तवेणं, जय-जय णंदा! भद्दं ते अभग्गेहिं णाणदंसणचरित्तमुत्तमेहिं अजियाइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं जियविग्घोऽवि य वसाहि तं देव! सिद्धिमज्झे णिहणाहि य रागदोसमल्ले तवेणं धिइधणियबद्धकच्छे मद्दाहि य अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो हराहि आराहणपडागं च धीर! तेलो-क्करंगमज्झे पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलं च णाणं गच्छ य मोक्खं परं पयं जिणवरोवइट्ठेणं सिद्धिमग्गेणं अकुडिलेणं हंता परीसहचमूं अभिभविय गाम-कंटकोवसग्गाणं धम्मे ते किं बहुला अविग्घमत्थुत्तिकट्टु अभिणंदंति य अभि-थुणंति य। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे णयणमालासहस्सेहिं पिच्छिज्ज-माणे २ एवं जहा उववाइए कूणिओ जाव णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे णयरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवाग-

च्छित्ता छत्ताईए तित्थगराइसए पासइ पासित्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं ठवेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! जमाली खत्तियकुमारे अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग ! पुण पासणयाए ? से जहाणामए–उप्पलेइ वा पउमेइ वा जाव सहस्सपत्तेइ वा पंके जाए जले संवुड्ढे णोवलिप्पइ पंकरएणं णोवलिप्पइ जलरएणं एवामेव जमालीवि खत्तियकुमारे कामेहिं जाए भोगेहिं संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएणं णोवलिप्पइ भोगरएणं णोवलिप्पइ मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरिजणेणं, एस णं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गे भीए जम्मणमरणेणं इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए, तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं अम्हे सीसभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सीसभिक्खं । तए णं समणे० ३ जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ । तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छइ पडिच्छित्ता हारवारि जाव विणिम्मुयमाणी २ जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–घडियव्वं जाया ! जइयव्वं जाया ! परक्कमियव्वं जाया ! अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वंति कट्टु जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता एवं जहा उसभदत्तो तहेव पव्वइओ णवरं पंचहिं पुरिससएहिं सद्धिं तहेव जाव सव्वं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ३८४ ॥ तए णं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव

उवागच्छइत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो आढाइ णो परिजाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं जाव विहरित्तए। तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था वण्णओ, कोट्ठए चेइए वण्णओ जाव वण-संडस्स, तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था वण्णओ, पुण्णभद्दे चेइए वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ। तए णं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइ पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी णयरी जेणेव कोट्ठए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपा णयरी जेणेव पुण्णभद्दे चेइए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ अहा० २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अंतेहि य पंतेहि य लूहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य सीयएहि य पाणभोयणेहिं अण्णया कयाइ सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले विउले पगाढे कक्कसे कडुए चंडे दुक्खे दुग्गे तिव्वे दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतिए यावि विहरइ। तए णं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे णिग्गंथे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम सेज्जसंथारगं संथरेह। तए णं ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति पडिसुणेत्ता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासंथारगं संथरेंति। तए

णं से जमाली अणगारे बलियतरं वेयणाए अभिभूए समाणे दोच्चंपि समणे णिग्गंथे सद्दावेइ २ त्ता दोच्चंपि एवं वयासी–ममण्णं देवाणुप्पिया ! सेज्जासंथारए किं कडे कज्जइ ? (एवं वुत्ते समाणे समणा णिग्गंथा बिंति–भो सामी! कीरइ) तए णं ते समणा णिग्गंथा जमालिं अणगारं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पियाणं सेज्जासंथारए कडे कज्जइ। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जण्णं समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे तं णं मिच्छा इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए जम्हा णं सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए तम्हा चलमाणेवि अचलिए जाव णिज्जरिज्जमाणेवि अणिज्जिण्णे, एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता समणे णिग्गंथे सद्दावेइ समणे णिग्गंथे सद्दावेत्ता एवं वयासी–जण्णं देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए तं चेव सव्वं जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिण्णे। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स अत्थेगइया समणा णिग्गंथा एयमट्ठं सद्दहंति पत्तियंति रोयंति, अत्थेगइया समणा णिग्गंथा एयमट्ठं णो सद्दहंति ३, तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं सद्दहंति ३ ते णं जमालिं चेव अणगारं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति, तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति णो पत्तियंति णो रोयंति ते णं जमालिस्स अणगारस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा जेणेव चंपाणयरी जेणेव पुण्णभद्दे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति णमंसंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति ॥ ३८५॥ तए णं से जमाली अणगारे अण्णया कयाइ ताओ रोगायंकाओ विप्पमुक्के हट्ठे तुट्ठे जाए, अरोए बलियसरीरे सावत्थीओ णयरीओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपाणयरी जेणेव पुण्णभद्दे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ

महावीरस्स अदूरेसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–जहा णं देवाणुप्पियाणं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था भवेत्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंता णो खलु अहं तहा चेव छउमत्थे भवित्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंते अहण्णं उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कंते। तए णं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं एवं वयासी–णो खलु जमाली! केवलिस्स णाणे वा दंसणे वा सेलंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवरिज्जइ वा णिवारिज्जइ वा, जइ णं तुमं जमाली! उप्पण्णणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कंते तो णं इमाइं दो वागरणाइं वागरेहि–सासए लोए जमाली! असासए लोए जमाली! सासए जीवे जमाली! असासए जीवे जमाली! तए णं से जमाली अणगारे भगवया गोयमेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए जाव कलुससमावण्णे जाए यावि होत्था, णो संचाएइ भगवओ गोयमस्स किंचिवि पमोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीए संचिट्ठइ। जमालीइ! समणे भगवं महावीरे जमालिं अणगारं एवं वयासी–अत्थि णं जमाली! ममं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था जे णं पभू एयं वागरणं वागरित्तए जहा णं अहं, णो चेव णं एयप्पगारं भासं भासित्तए जहा णं तुमं, सासए लोए जमाली! जण्ण कयाइ णासि ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवे णिइए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, असासए लोए जमाली! जं ओसप्पिणी भवित्ता उस्सप्पिणी भवइ उस्सप्पिणी भवित्ता ओसप्पिणी भवइ, सासए जीवे जमाली! जं ण कयाइ णासी जाव णिच्चे, असासए जीवे जमाली! जण्णं णेरइए भवित्ता तिरिक्खजोणिए भवइ तिरिक्खजोणिए भवित्ता मणुस्से भवइ मणुस्से भवित्ता देवे भवइ। तए णं से जमाली अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे दोच्चंपि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमइ दोच्चंपि आयाए अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ अ० २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २

त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमठिईएसु देवकिब्बिसिएसु देवेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववण्णे ॥३८६॥ तए णं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं कालगयं जाणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से जमाली णामं अणगारे से णं तया मम एवं आइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहई ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ दोच्चंपि ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमइ २ त्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं तं चेव जाव देवकिब्बिसियत्ताए उववण्णे ॥३८७॥ कइविहा णं भंते ! देवकिब्बिसिया प० ? गोयमा ! तिविहा देवकिब्बिसिया प०, तंजहा–तिपलिओवमट्ठिइया तिसागरोवमट्ठिइया तेरससागरोवमट्ठिइया। कहिं णं भंते ! तिपलिओवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति। कहिं णं भंते ! तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हिट्ठिं सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया परिवसंति। कहिं णं भंते ! तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्बिसिया देवा परिवसंति। देवकिब्बिसिया णं भंते ! केसु कम्मादाणेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववत्तारो भवंति ? गोयमा ! जे इमे जीवा आयरियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया संघपडिणीया आयरियउवज्झायाणं अयसकरा अवण्णकरा अकित्तिकरा बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं च ३ वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवकिब्बिसिएसु देवकिब्बिसियत्ताए उववत्तारो भवंति, तंजहा–तिपलिओवमट्ठिइएसु वा तिसागरोवमट्ठिइएसु वा तेरससागरोवमट्ठिइएसु वा। देवकिब्बिसिया

णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! जाव चत्तारि पंच णेरइय-तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अणाईयं अणवयग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति। जमाली णं भंते ! अणगारे अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे तुच्छाहारे अरसजीवी विरसजीवी जाव तुच्छजीवी उवसंतजीवी पसंतजीवी विवित्तजीवी ? हंता गोयमा ! जमाली णं अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी। जइ णं भंते ! जमाली अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी कम्हा णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरससागरोवमट्ठिइएसु देवकिब्बि-सिएसु देवेसु देवकिब्बिसियत्ताए उववण्णे ? गोयमा ! जमाली णं अणगारे आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए जाव वुप्पाएमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ तीसं० २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे जाव उववण्णे ॥ ३८८ ॥ जमाली णं भंते ! देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! चत्तारि पंच तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३८९ ॥

णवमं सयं चोत्तीसइमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी—पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसं हणइ णोपुरिसं हणइ ? गोयमा ! पुरिसंपि हणइ णोपुरिसंपि हणइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ णोपुरिसंपि हणइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं पुरिसं हणामि से णं एगं पुरिसं हणमाणे अणेगजीवा हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ णोपुरिसंपि हणइ। पुरिसे णं भंते ! आसं हणमाणे किं आसं हणइ णोआसे हणइ ? गोयमा ! आसंपि हणइ णोआसेवि हणइ। से केणट्ठेणं ? अट्ठो तहेव, एवं हत्थि सीहं वग्घं जाव चिल्ललगं। पुरिसे णं भंते ! अण्णयरं

तसपाणे हणमाणे किं अण्णयरं तसपाणं हणइ णोअण्णयरे तसपाणे हणइ ? गोयमा ! अण्णयरंपि तसपाणं हणइ णोअण्णयरेवि तसे पाणे हणइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अण्णयरंपि तसं पाणं हणइ णोअण्णयरेवि तसे पाणे हणइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं अण्णयरं तसं पाणं हणामि से णं एगं अण्णयरं तसं पाणं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव, एए सव्वेवि एक्कगमा । पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ णोइसिं हणइ ? गोयमा ! इसिंपि हणइ णोइसिंपि हणइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णोइसिंपि हणइ ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं इसिं हणामि, से णं एगं इसिं हणमाणे अणंते जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं णिक्खेवओ । पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसवेरेणं पुट्ठे णोपुरिसवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा ! णियमं ताव पुरिसवेरेणं पुट्ठे, अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेण य पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेहि य पुट्ठे, एवं आसं एवं जाव चिल्ललगं जाव अहवा चिल्ललगवेरेण य णोचिल्ललगवेरेहि य पुट्ठे। पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिवेरेणं पुट्ठे णोइसिवेरेणं पुट्ठे ? गोयमा ! णियमा इसिवेरेण य णोइसिवेरेहि य पुट्ठे ॥३६०॥ पुढविक्काइया णं भंते ! पुढविक्काइयं चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ? हंता गोयमा ! पुढविक्काइए पुढविक्काइयं चेव आणमंति वा जाव णीससंति वा । पुढविक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं आणमंति वा जाव णीससंति वा ? हंता गोयमा ! पुढविक्काइए आउक्काइयं आणमंति वा जाव णीससंति वा, एवं तेउक्काइयं वाउक्काइयं एवं वणस्सइकाइयं । आउक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमंति वा पाणमंति वा० ? एवं चेव, आउक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं चेव आणमंति वा० ? एवं चेव, एवं तेउवाउवणस्सइकाइयं । तेउक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं आणमंति वा० ? एवं जाव वणस्सइकाइए णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणमंति वा० ? तहेव । पुढविक्काइए णं भंते ! पुढविक्काइयं चेव आणममाणे वा पाणममाणे वा ऊससमाणे वा णीससमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । पुढविक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं आणममाणे वा० ? एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइयं, एवं आउकाइएणवि सव्वेविभाणियव्वा, एवं

तेउक्काइएणवि, एवं वाउक्काइएणवि, जाव वणस्सइकाइए णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणममाणे वा० ? पुच्छा, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ॥३६१॥ वाउक्काइए णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । एवं कंदं एवं जाव मूलं, बीयं पचालेमाणे वा० पुच्छा ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३६२ ॥

णवमं सयं समत्तं

॥ दसमं सयं पढमो उद्देसो ॥

गाहा—दिसि १ संवुडअणगारे २ आइड्ढी ३ सामहत्थि ४ देवि ५ सभा ६ । उत्तरअंतरदीवा २८ दसमंमि सयंमि चउत्तीसा ॥ ३४ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—किमियं भंते ! पाईणत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! जीवा चेव अजीवा चेव । किमियं भंते ! पडीणत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! एवं चेव, एवं दाहिणा, एवं उदीणा, एवं उड्ढा, एवं अहोवि । कइ णं भंते ! दिसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस दिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पुरत्थिमा १ पुरत्थिमदाहिणा २ दाहिणा ३ दाहिणपच्चत्थिमा ४ पच्चत्थिमा ५ पच्चत्थिमुत्तरा ६ उत्तरा ७ उत्तरपुरत्थिमा ८ उड्ढा ९ अहो १० । एयासि णं भंते ! दसण्हं दिसाणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! दस णामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा—इंदा १ अग्गेई २ जमा य ३ णेरई ४ वारुणी य ५ वायव्वा ६, सोमा ७ ईसाणी य ८ विमला य ९ तमा य १० बोद्धव्वा । इंदा णं भंते ! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ? गोयमा ! जीवावि ३ तं चेव जाव अजीवपएसावि, जे जीवा ते णियमा एगिंदिया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपएसा ते णियमा एगिंदियपएसा बेइंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा, जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—खंधा १ खंधदेसा २ खंधपएसा ३ परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा—णोधम्म-

त्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, णोअधम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पएसा, णोआगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थिकायस्स पएसा, अद्धासमए। अग्गेई णं भंते ! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा० ?पुच्छा, गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि १ जीवपएसावि २ अजीवावि १ अजीवदेसावि २ अजीवपएसावि ३, जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसा २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ अहवा एगिंदियदेसा य तेइंदियस्स य देसे एवं चेव तियभंगो भाणियव्वो एवं जाव अणिंदियाणं तियभंगो, जे जीवपएसा ते णियमा एगिंदियपएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा एवं आइल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं, जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–खंधा जाव परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा–णोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा एवं अधम्मत्थिकायस्सवि जाव आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए। विदिसासु णत्थि जीवा देसे भंगो य होइ सव्वत्थ। जमा णं भंते ! दिसा किं जीवा० ? जहा इंदा तहेव णिरवसेसा, णेरई य जहा अग्गेई, वारुणी जहा इंदा, वायव्वा जहा अग्गेई, सोमा जहा इंदा, ईसाणी जहा अग्गेई, विमलाए जीवा जहा अग्गेई, अजीवा जहा इंदा, एवं तमाएवि, णवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ ण भण्णइ ॥ ३९३ ॥ कइ णं भंते ! सरीरा पण्णत्ता ? गोयमा पंच सरीरा पण्णत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए। ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? एवं ओगाहणसंठाणं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अप्पाबहुगंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ३९४ ॥

दसमं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स वीईपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं णिज्झायमाणस्स मग्गओ रूवाइं अवयक्खमाणस्स पासओ रूवाइं अवलोएमाणस्स उड्ढं रूवाइं ओलोएमाणस्स अहे रूवाइं आलोएमाणस्स तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?

गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स वीईपंथे ठिच्चा जाव तस्स णं णो इरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ संवुडस्स० जाव संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा एवं जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव से णं उस्सुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया किरिया कज्जइ। संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स अवीईपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं णिज्झायमाणस्स जाव तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ ? पुच्छा, गोयमा ! संवुड० जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ णो संपराइया किरिया कज्जइ। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जहा सत्तमे सए पढमोद्देसए जाव से णं अहासुत्तमेव रीयइ से तेणट्ठेणं जाव णो संपराइया किरिया कज्जइ ॥३९५॥ कइविहा णं भंते ! जोणी प० ? गोयमा ! तिविहा जोणी प०, तंजहा–सीया उसिणा सीओसिणा, एवं जोणीपयं णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ ३९६ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा प० ? गोयमा ! तिविहा वेयणा प०, तंजहा–सीया उसिणा सीओसिणा, एवं वेयणापयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेयणं वेयंति सुहं वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहं वेयणं वेयंति ? गोयमा ! दुक्खंपि वेयणं वेयंति सुहंपि वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहंपि वेयणं वेयंति ॥ ३९७ ॥ मासियण्णं भंते ! भिक्खुपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स णिच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे, एवं मासिया भिक्खुपडिमा णिरवसेसा भाणियव्वा जहा दसाहिं जाव आराहिया भवइ ॥३९८॥ भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा। भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ पच्छावि णं अहं चरिमकालसमयंसि एयस्स ठाणस्स आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते जाव णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा। भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ–जइ ताव समणोवासगावि कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति किमंग! पुण अहं अणपण्णियदेवत्तणंपि णो लभिस्सामित्ति कट्टु से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय-

पडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइय-पडिक्कंते करेइ अत्थि तस्स आराहणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥३९९॥

दसमं सयं तइयो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–आइड्ढीए णं भंते ! देवे जाव चत्तारि पंच देवावासंतराइं वीइक्कंते तेण परं परिड्ढीए ? हंता गोयमा ! आइड्ढीए णं तं चेव, एवं असुरकुमारेवि, णवरं असुरकुमारावासंतराइं सेसं तं चेव, एवं एएणं कमेणं जाव थणियकुमारे, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जाव तेण परं परिड्ढीए । अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे से महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । समिड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीइवएज्जा । से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहित्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्ता पभू णो अविमोहेत्ता पभू । से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा णो पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा । महिड्ढिए णं भंते ! देवे अप्पिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा । से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहेत्ता पभू ? गोयमा ! विमोहेत्तावि पभू अविमोहेत्तावि पभू । से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ? गोयमा ! पुव्विं वा विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वा वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा । अप्पिड्ढिए णं भंते ! असुरकुमारे महिड्ढियस्स असुरकुमारस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं असुरकुमारेणवि तिण्णि आलावगा भाणियव्वा जहा ओहिएणं देवेणं भणिया, एवं जाव थणियकुमारेणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएणं एवं चेव । अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे । समिड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं० ? एवं तहेव देवेण य देवीए य दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाए । अप्पिड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं एवं एसोवि तइओ दंडओ भाणियव्वो जाव महिड्ढिया वेमाणिणी अप्पिड्ढियस्स वेमाणियस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा । अप्पिड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइ-

वएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं समिड्ढिया देवी समिड्ढियाए देवीए तहेव, महिड्ढियावि देवी अप्पिड्ढियाए देवीए तहेव, एवं एक्केक्के तिण्णि २ आलावगा भाणियव्वा जाव महिड्ढिया णं भंते ! वेमाणिणी अप्पिड्ढियाए वेमाणिणीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? हंता वीइवएज्जा। सा भंते ! किं विमोहित्ता पभू०? तहेव जाव पुव्विं वा वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा एए चत्तारि दंडगा ॥४००॥ आसस्स णं भंते ! धावमाणस्स किं खुखुत्ति करेइ ? गोयमा ! आसस्स णं धावमाणस्स हिययस्स य जगयस्स य अंतरा एत्थ णं कब्बडए णामं वाए संमुच्छइ जे णं आसस्स धावमाणस्स खुखुत्ति करेइ ॥४०१॥ अह भंते ! आसइस्सामो सइस्सामो चिट्ठिस्साओ णिसीइस्सामो तुयट्टिस्सामो, आमंतणी आणवणी जायणी तह पुच्छणी य पण्णवणी। पच्चक्खाणी भासा भासा इच्छाणुलोमा य ॥१॥ अणभिग्गहिया भासा भासा य अभिग्गहंमि बोद्धव्वा। संसयकरणी भासा वोयडमव्वोयडा चेव ॥२॥ पण्णवणी णं एसा भासा ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! आसइस्सामो तं चेव जाव ण एसा भासा मोसा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४०२॥

दसमं सयं चउत्थो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, दूइपलासए चेइए, सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सामहत्थी णामं अणगारे पगइभद्दए जहा रोहे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ। तए णं से सामहत्थी अणगारे जायसड्ढे जाव उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठेत्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता भगवं गोयमं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? एवं खलु सामहत्थी ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे कायंदी णामं णयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं कायंदीए णयरीए तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्ध-

पुण्णपावा जाव विहरंति। तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया पुव्वि उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी भवित्ता तओ पच्छा पासत्था पासत्थविहारी ओसण्णा ओसण्णविहारी कुसीला कुसीलविहारी अहाच्छंदा अहाच्छंदविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झुसेंति अत्ताणं झूसेत्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगदेवत्ताए उववण्णा। जप्पभिइं च णं भंते ! कायंदगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगदेवत्ताए उववण्णा तप्पभिइं च णं भंते ! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? तए णं भगवं गोयमे सामहत्थिणा अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता सामहत्थिणा अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तप्पभिइं च णं एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं खलु गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए णामधेज्जे पण्णत्ते, जं ण कयाइ णासी ण कयाइ ण भवइ ण कयाइ ण भविस्सइ जाव णिच्चे अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए अण्णे चयंति अण्णे उववज्जंति। अत्थि णं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ बलिस्स वइरोयणिंदस्स जाव तायत्तीसगा देवा २ ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बिभेले णामं संणिवेसे होत्था वण्णओ, तत्थ णं बिभेले संणिवेसे जहा चमरस्स जाव उववण्णा। जप्पभिइं च णं भंते ! ते बिभेलगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया बलिस्स वइरोयणिंदस्स सेसं तं चेव जाव णिच्चे अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए अण्णे चयंति अण्णे उववज्जंति। अत्थि णं भंते ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स णाग-

कुमाररण्णो तायत्तीसगा देवा २ ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं जाव तायत्तीसगा देवा २ ? गोयमा ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए णामधेज्जे पण्णत्ते जं ण कयाइ णासी जाव अण्णे चयंति अण्णे उववज्जंति, एवं भूयाणंदस्सवि, एवं जाव महाघोसस्स। अत्थि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो० पुच्छा ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! जाव तायत्तीसगा देवा २ ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पालासए णामं संणिवेसे होत्था वण्णओ, तत्थ णं पालासए सण्णिवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया जहा चमरस्स जाव विहरंति। तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया पुव्विंपि पच्छावि उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी बहूइं वासाइं समणोवासग-परियागं पाउणंति पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेंति झूसित्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ त्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा जाव उववण्णा, जप्पभिइं च णं भंते ! पालासिगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया सेसं जहा चमरस्स जाव अण्णे उववज्जंति। अत्थि णं भंते ! ईसाणस्स० ? एवं जहा सक्कस्स णवरं चंपाए णयरीए जाव उववण्णा, जप्पभिइं च णं भंते ! चंपिज्जा तायत्तीसं सहाया सेसं तं चेव जाव अण्णे उववज्जंति। अत्थि णं भंते ! सणंकुमारस्स देविंदस्स देवरण्णो० पुच्छा? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं ? जहा धरणस्स तहेव एवं जाव पाणयस्स एवं अच्चुयस्स जाव अण्णे उववज्जंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४०३॥

दसमं सयं पंचमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे गुणसिलए चेइए जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा जहा अट्ठमे सए सत्तमुद्देसए जाव विहरंति। तए णं ते थेरा भगवंतो जायसड्ढा जायसंसया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं वयासी—चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमार-रण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—काली राई रयणी विज्जू मेहा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देवि-सहस्सा परिवारो पण्णत्तो। पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा देवी अण्णाइं अट्ठट्ठ-

देवीसहस्साइं परियारं विउव्वित्तए? एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तालीसं देवीसहस्सा, से त्तं तुडिए। पभू णं भंते! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-णो पभू चमरे असुरिंदे चमरचंचाए रायहाणीए जाव विहरित्तए? अज्जो! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए माणवए चेइयखंभे वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु बहूओ जिणसकहाओ संणिक्खित्ताओ चिट्ठंति, जाओ णं चमरस्स ३ अण्णेसिं च बहूणं असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य अच्चणिज्जाओ ३, पूयणिज्जाओ ३ कल्लाणं ४ पज्जुवासणिज्जाओ भवंति तेसिं पणिहाए णो पभू, से तेणट्ठेणं अज्जो! एवं वुच्चइ-णो पभू चमरे असुरिंदे जाव राया चमरचंचाए जाव विहरित्तए। पभू णं अज्जो! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अण्णेहिं य बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय जाव भुंजमाणे विहरित्तए? केवलं परियारिड्ढीए णो चेव णं मेहुणवत्तियं ॥ ४०४ ॥ चमरस्स णं भंते! असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ? अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं परिवारे पण्णत्ते, पभू णं ताओ एगमेगाए देवीए अण्णं एगमेगं देविसहस्सं परियारं विउव्वित्तए? एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तारि देविसहस्सा, सेत्तं तुडिए। पभू णं भंते! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो सोमे महाराया सोमाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि तुडिएणं अवसेसं जहा चमरस्स, णवरं परियारो जहा सूरियाभस्स, सेसं तं चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं। चमरस्स णं भंते! जाव रण्णो जमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ? एवं चेव णवरं जमाए रायहाणीए सेसं जहा सोमस्स, एवं वरुणस्सवि, णवरं वरुणाए रायहाणीए, एवं वेसमणस्सवि णवरं वेसमणाए रायहाणीए सेसं तं चेव जाव मेहुणवत्तियं। बलिस्स णं भंते! वइरोयणिंदस्स पुच्छा? अज्जो! पंच अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-सुभा णिसुंभा रंभा

णिरंभा मयणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ० सेसं जहा चमरस्स, णवरं बलिचंचाए रायहाणीए परियारो जहा मोउद्देसए, सेसं तं चेव जाव मेहुणवत्तियं। बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–मीणगा सुभद्दा विजया असणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए० सेसं जहा चमरस्स, एवं जाव वेसमणस्स। धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–इला सुक्का सतारा सोयामिणी इंदा घणविज्जुया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए छ छ देविसहस्सा परिवारो पण्णत्ता। पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा देवी अण्णाइं छ छ देविसहस्साइं परियारं विउव्वित्तए ? एवामेव सपुव्वावरेणं छत्तीसाइं देविसहस्साइं, सेसं तुडिए। पभू णं भंते ! धरणे ? सेसं तं चेव, णवरं धरणाए रायहाणीए धरणंसि सीहासणंसि सओ परिवारो सेसं तं चेव। धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स कालवालस्स लोगपालस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा चमरस्स लोगपालाणं, एवं सेसाणं तिण्हवि। भूयाणंदस्स णं भंते ! पुच्छा? अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रूया रूयंसा सुरूया रूयगावई रूयकंता रूयप्पभा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए० अवसेसं जहा धरणस्स। भूयाणंदस्स णं भंते ! णागवित्तस्स पुच्छा ? अज्जो ! चत्तारिअग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा चमरलोगपालाणं एवं सेसाणं तिण्हवि लोगपालाणं, जे दाहिणिल्ला इंदा तेसिं जहा धरणिंदस्स, लोगपालाणवि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाणं, उत्तरिल्लाणं इंदाणं जहा भूयाणंदस्स, लोगपालाणवि तेसिं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणं, णवरं इंदाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, परियारो जहा तइयसए पढमे उद्देसए, लोगपालाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, परिवारो जहा चमरस्स लोगपालाणं। कालस्स णं भंते ! पिसायिंदस्स पिसायरण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, तत्थ णं

एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं सेसं जहा चमरलोगपालाणं, परिवारो तहेव, णवरं कालाए रायहाणीए कालंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं महाकालस्सवि। सुरूवस्स णं भंते ! भूइंदस्स भूयरण्णो पुच्छा ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रूववई बहुरूवा सुरूवा सुभगा, तत्थ णं एगमेगा सेसं जहा कालस्स, एवं पडिरूवस्सवि। पुण्णभद्दस्स णं भंते ! जक्खिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पुण्णा बहुपुत्तिया उत्तमा तारया, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स, एवं माणिभद्दस्सवि। भीमस्स णं भंते ! रक्खसिंदस्स पुच्छा ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पउमा पउमावई कणगा रयणप्पभा, तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं जहा कालस्स। एवं महाभीमस्सवि। किण्णरस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–वडेंसा केउमई रइसेणा रइप्पिया, तत्थ णं सेसं तं चेव, एवं किंपुरिसस्सवि। सप्पुरिसस्स णं पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रोहिणी णवमिया हिरी पुप्फवई, तत्थ णं एगमेगा देवी सेसं तं चेव, एवं महापुरिसस्सवि। अइकायस्स णं पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–भुयंगा भुयंगवई महाकच्छा फुडा, तत्थ णं०, सेसं तं चेव, एवं महाकायस्सवि। गीयरइस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा–सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, तत्थ णं०, सेसं तं चेव, एवं गीयजसस्सवि, सव्वेसिं एएसिं जहा कालस्स, णवरं सरिसणामियाओ रायहाणीओ सीहासणाणि य, सेसं तं चेव। चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा, एवं जहा जीवाभिगमे जोइसियउद्देसए तहेव, सूरस्सवि सूरप्पभा आयवाभा अच्चिमाली पभंकरा, सेसं तं चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं। इंगालस्स णं भंते ! महग्गहस्स कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेसं तं चेव जहा चंदस्स, णवरं इंगालवडेंसए विमाणे इंगालगंसि सीहासणंसि सेसं तं चेव, एवं वियालगस्सवि, एवं अट्ठासीईएवि महागहाणं भाणियव्वं जाव भावकेउस्स, णवरं वडेंसगा सीहासणाणि य सरिसणामगाणि, सेसं तं चेव। सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो पुच्छा ? अज्जो ! अट्ठ अग्ग-

महिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पउमा सिवा सेया अंजू अमला अच्छरा णवमिया रोहिणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सोलस-सोलस देविसहस्सा परिवारो पण्णत्तो। पभू णं ताओ एगमेगा देवी अण्णाइं सोलस २ देविसहस्सपरियारं विउव्वित्तए ? एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठावीसुत्तरं देविसयसहस्सं परियारं विउव्विसए, सेत्तं तुडिए। पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धि सेसं जहा चमरस्स णवरं परिवारो जहा मोउद्देसए। सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा ? अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—रोहिणी मयणा चित्ता सोमा तत्थ णं एगमेगा० सेसं जहा चमरलोगपालाणं, णवरं सयंपभे विमाणे सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं जाव वेसमणस्स, णवरं विमाणाइं जहा तइयसए। ईसाणस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! अट्ठ अग्गमहिसीओ प०, तंजहा—कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए० सेसं जहा सक्कस्स। ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारण्णो कइ अग्गमहिसीओ पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ प०, तंजहा—पुढवी राई रयणी विज्जू, तत्थ णं० सेसं जहा सक्कस्स लोगपालाणं, एवं जाव वरुणस्स, णवरं विमाणा जहा चउत्थसए, सेसं तं चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥४०५॥

दसमं सयं छट्ठो उद्देसो

कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पंच वडेंसगा पण्णत्ता, तंजहा—असोगवडेंसए जाव मज्झे सोहम्मवडेंसए, से णं सोहम्मवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं—एवं जह सूरियाभे तहेव माणं तहेव उववाओ। सक्कस्स य अभिसेओ तहेव जह सूरियाभस्स ॥ १ ॥ अलंकार अच्चणिया तहेव जाव आयरक्खत्ति, दो सागरोवमाइं ठिई। सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढिए जाव के महासोक्खे ? गोयमा ! महिड्ढिए जाव महासोक्खे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं जाव विहरइ, एवं-

महिड्ढिए जाव महासोक्खे सक्के देविंदे देवराया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥४०६॥

दसमं सयं ७–३४ उद्देसा

कहिण्णं भंते ! उत्तरिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? एवं जहा जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं जाव सुद्धदंतदीवोत्ति, एए अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ४०७ ॥

दसमं सयं समत्तं

॥ एक्कारसं सयं पढमो उद्देसो ॥

उप्पल १ सालु २ पलासे ३ कुंभी ४ णाली य ५ पउम ६ कण्णी ७ य। णलिण ८ सिव ९ लोग १० काला ११ लभिय १२ दस दो य एक्कारे ॥१॥ उववाओ १ परिमाणं २ अवहारु ३ च्चत्त ४ बंध ५ वेए ६ य। उदए ७ उदीरणाए ८ लेसा ९ दिट्ठी १० य णाणे ११ य ॥ १ ॥ जोगु १२ वओगे १३ वण्ण १४ रसमाई १५ ऊसासगे १६ य आहारे १७। विरई १८ किरिया १९ बंधे २० सण्ण २१ कसायि २२ त्थि २३ बंधे २४ य ॥ २ ॥ सण्णि २५ दिय २६अणुबंधे २७ संवेहा २८ हार २९ ठिइ ३० समुग्घाए ३१। चयणं ३२ मूलाईसु य उववाओ ३३ सव्वजीवाणं ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—उप्पले णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ? गोयमा ! एगजीवे णो अणेगजीवे, तेण परं जे अण्णे जीवा उववज्जंति ते णं णो एगजीवा अणेगजीवा। ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खमणुस्सदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति मणुस्सेहिंतो० देवेहिंतोवि उववज्जंति, एवं उववाओ भाणियव्वो जहा वक्कंतीए वणस्सइकाइयाइयाणं जाव ईसाणेत्ति १। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति २। ते णं भंते ! जीवा समए २ अवहीरमाणा २ केवइयकालेणं अवहीरंति ? गोयमा ! ते णं असंखेज्जा समए २ अवहीरमाणा २ असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणि अवहीरंति णो चेव णं अवहिया सिया ३। तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ?

गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं ४। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा ? गोयमा ! णो अबंधगा बंधए वा बंधगा वा । एवं जाव अंतराइयस्स, णवरं आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! बंधए वा अबंधए वा बंधगा वा अबंधगा वा अहवा बंधए य अबंधए य अहवा बंधए य अबंधगा य अहवा बंधगा य अबंधए य अहवा बंधगा य अबंधगा य ८ एए अट्ठ भंगा ५। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेयगा अवेयगा ? गोयमा ! णो अवेयगा वेयए वा वेयगा वा एवं जाव अंतराइयस्स। ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा ? गोयमा ! सायावेयए वा असायावेयए वा अट्ठ भंगा ६। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदई अणुदई ? गोयमा ! अणुदई उदई वा उदइणो वा, एवं जाव अंतराइयस्स ७। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदीरगा० ? गोयमा ! णो अणुदीरगा उदीरए वा उदीरगा वा, एवं जाव अंतराइयस्स, णवरं वेयणिज्जाउएसु अट्ठ भंगा ८। ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा तेउलेसा ? गोयमा ! कण्हलेसे वा जाव तेउलेसे वा कण्हलेस्सा वा णीललेस्सा वा काउलेसा वा तेउलेस्सा वा अहवा कण्हलेसे य णील-लेस्से य एवं एए दुयासंजोगतियासंजोगचउक्कसंजोगेणं असीई भंगा भवंति ९। ते णं भंते ! जीवा किं सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी वा मिच्छादिट्ठिणो वा १०। ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी वा अण्णाणिणो वा ११। ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी वा कायजोगिणो वा १२। ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा अणागारोवउत्ते वा अट्ठ भंगा १३। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा कइवण्णा कइगंधा कइरसा कइफासा प० ? गोयमा ! पंच-वण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा प०, ते पुण अप्पणा अवण्णा अगंधा अरसा अफासा प० १४—१५॥ ते णं भंते ! जीवा किं उस्सासा णिस्सासा णो उस्सासणिस्सासा ? गोयमा ! उस्सासए वा १ णिस्सासए वा २ णो उस्सासए णिस्सासए वा ३ उस्सासगा वा ४ णिस्सासगा वा ५ णो उस्सासणीसासगा वा ६

अहवा उस्सासए य णिस्सासए य ४ अहवा उस्सासए य णो उस्सासणिस्सासए य ४ अहवा णिस्सासए य णो उस्सासणिस्सासए य ४ अहवा ऊसासए य णीसासए य णो उस्सासणिस्सासए य अट्ठ भंगा, एए छव्वीसं भंगा भवंति १६। ते णं भंते ! जीवा किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! णो अणाहारगा आहारए वा अणाहारए वा एवं अट्ठ भंगा १७। ते णं भंते ! जीवा किं विरया अविरया विरयाविरया ? गोयमा ! णो विरया णो विरयाविरया अविरए वा अविरया वा १८। ते णं भंते ! जीवा किं सकिरिया अकिरिया? गोयमा ! णो अकिरिया सकिरिए वा सकिरिया वा १९। ते णं भंते ! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा अट्ठ भंगा २०। ते णं भंते ! जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता भयसण्णोवउत्ता मेहुणसण्णोवउत्ता परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसण्णोवउत्ता वा असीई भंगा २१। ते णं भंते ! जीवा किं कोहकसाई माणकसाई मायाकसाई लोभकसाई ? गोयमा ! कोहकसाई वा असीई भंगा २२। ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयए वा णपुंसगवेयगा वा २३। ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेयबंधगा पुरिसवेयबंधगा णपुंसगवेयबंधगा ? गोयमा ! इत्थिवेयबंधए वा पुरिसवेयबंधए वा णपुंसगवेयबंधए वा, छव्वीसं भंगा २४। ते णं भंते ! जीवा किं सण्णी असण्णी ? गोयमा ! णो सण्णी असण्णी वा असण्णिणो वा २५। ते णं भंते ! जीवा किं सइंदिया अणिंदिया ? गोयमा ! णो अणिंदिया सइंदिए वा सइंदिया वा २६। से णं भंते ! उप्पलजीवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं २७। से णं भंते ! उप्पलजीवे पुढविजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। से णं भंते ! उप्पलजीवे आउजीवे० एवं चेव एवं जहा पुढविजीवे भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे। से णं भंते ! उप्पलजीवे से वणस्सइजीवे से पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, काला-

देसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं तरुकालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा। से णं भंते ! उप्पलजीवे बेइंदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एवं तेइंदियजीवि, एवं चउरिंदियजीवेवि। से णं भंते ! उप्पलजीवे पंचेंदियतिरिक्खजोणियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति पुच्छा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ताइं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्ताइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एवं मणुस्सेणवि समं जाव एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २८। ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा आहारुद्देसए वणस्सइकाइयाणं आहारो तहेव जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति णवरं णियमा छद्दिसिं सेसं तं चेव २९। तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ३०। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, तंजहा—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए ३१। ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ३२। ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं णेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए उव्वट्टणाए वणस्सइकाइयाणं तहा भाणियव्वं। अह भंते ! सव्वपाणा सव्वभूया सव्वजीवा सव्वसत्ता उप्पलमूलत्ताए उप्पलकंदत्ताए उप्पलणालत्ताए उप्पलपत्तत्ताए उप्पलकेसरत्ताए उप्पलकण्णियत्ताए उप्पलथिभुगत्ताए उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ३३ ॥४०८॥

एक्कारसं सयं २–८ उद्देसा

सालुए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ? गोयमा ! एगजीवे, एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अणंतखुत्तो, णवरं

सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४०९॥ ११-२॥ पलासे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा, णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहुत्ता, देवा एएसु ण उववज्जंति। लेसासु ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेसा णीललेसा काउलेसा० ? गोयमा! कण्हलेस्से वा णीललेस्से वा काउलेस्से वा छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति ॥४१०॥ ११-३॥ कुंभिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं जहा पलासुद्देसए तहा भाणियव्वे, णवरं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४११॥ ११-४॥ णालिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं कुंभिउद्देसगवत्तव्वया णिरवसेसं भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४१२॥ ११-५॥ पउमे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४१३॥ ११-६॥ कण्णिए णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे० ? एवं चेव णिरवसेसं भाणियव्वं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४१४॥ ११-७॥ णलिणे णं भंते! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे? एवं चेव णिरवसेसं जाव अणंतखुत्तो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४१५॥

एक्कारसं सयं णवमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं हत्थिणापुरस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागे एत्थ णं सहसंबवणे णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे णंदणवणसंणिगासे सुहसीयलच्छाए मणोरमे साउप्फले अकंटए पासाईए जाव पडिरूवे। तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे सिवे णामं राया होत्था महयाहिमवंत० वण्णओ। तस्स णं सिवस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया वण्णओ। तस्स णं सिवस्स रण्णो पुत्ते धारिणीए अत्तए सिवभद्दए णामं कुमारे होत्था सुकुमाल० जहा सूरियकंते जाव पच्चुवेक्खमाणे पच्चुवेक्खमाणे विहरइ। तए णं तस्स

सिवस्स रण्णो अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि रज्जधुरं चिंतेमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं जहा तामलिस्स जाव पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि रज्जेणं वड्ढामि एवं रट्ठेणं बलेणं वाहणेणं कोसेणं कोट्ठागारेणं पुरेणं अंतेउरेणं वड्ढामि विपुलधणकणगरयण जाव संतसारसावएज्जेणं अईव २ अभिवड्ढामि, तं किण्णं अहं पुरा पोराणाणं जाव एगंतसोक्खयं उव्वेहमाणे विहरामि ? तं जाव ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि तं चेव जाव अभिवड्ढामि जाव मे सामंतरायाणोवि वसे वट्टंति ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं घडावेत्ता सिवभद्दं कुमारं रज्जे ठावेत्ता तं सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूले वाणपत्था तावसा भवंति, तं०-होत्तिया पोत्तिया कोत्तिया जण्णई सड्ढई थालई हुंबउट्ठा दंतुक्खलिया उम्मज्जगा संमज्जगा णिम्मज्जगा संपक्खाला उद्धकंडूयगा अहोकडूयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा संखधमगा कूलधमगा मियलुद्धया हत्थितावसा जलाभिसेयकढिणगाया अंबुवासिणो वाउवासिणो जलवासिणो चेलवासिणो अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा पत्ताहारा तयाहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूलतयपंडुपत्तपुप्फफलाहारा उद्दंडगा रुक्खमूलिया बिलवासिणो वक्क (ल) वासिणो दिसापोक्खिणो आयावणाहिं पंचग्गितावेहिं इंगालसोल्लियंपिव कंदुसोल्लियंपिव कट्ठसोल्लियंपिव जाव अप्पाणं करेमाणा विहरंति। तत्थ णं जे ते दिसापोक्खियतावसा तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइत्तए, पव्वइएवि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि-कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरित्तएत्तिकट्टु, एवं संपेहेइ संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते सुबहुं लोहीलोह जाव घडावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! हत्थिणापुरं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं आसिय जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति। तए णं से सिवे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सिवभद्दस्स कुमारस्स महत्थं ३ विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव उवट्ठवेंति। तए णं से सिवे राया अणेगगण-

णायगदंडणायग जाव संधिपाल सद्धिं संपरिवुडे सिवभद्दं कुमारं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं णिसीयावेइ २ त्ता अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेइ पम्ह० २ त्ता सरसेणं गोसीसेणं एवं जहेव जमालिस्स अलंकारो तहेव जाव कप्परुक्खगंपिव अलंकियविभूसियं करेइ २ त्ता करयल जाव कट्टु सिवभद्दं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं एवं जाव उववाइए कूणियस्स जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे हत्थिणापुरस्स णयरस्स अण्णेसिं च बहूणं गामागरणयर जाव विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति। तए णं से सिवभद्दे कुमारे राया जाए महया हिमवंत० वण्णओ जाव विहरइ। तए णं से सिवे राया अण्णया कयाइं सोहणंसि तिहिकरणदिवसमुहुत्तणक्खत्तंसि विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ उवक्खडावेत्ता मित्तणाइणियग जाव परिजणं रायाणो य खत्तिए य आमंतेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव सरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तेणं मित्तणाइणियगसयण जाव परिजणेणं राएहि य खत्तिएहि य सद्धिं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं एवं जहा तामली जाव सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तं मित्तणाइणियग जाव परिजणं रायाणो य खत्तिए य सिवभद्दं च रायाणं आपुच्छइ आपुच्छित्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडगं गहाय जे इमे गंगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवंति तं चेव जाव तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइए, पव्वइएऽविय णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं तं चेव जाव अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता पढमं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तए णं से सिवे रायरिसी पढमछट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीए पच्चोरुहइ आयावणभूमीए पच्चोरुहित्ता वागलवत्थणियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता किढिणसंकाइयगं गिण्हइ गिण्हित्ता पुरत्थिमं दिसिं पोक्खेइ पुरत्थिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं रायरिसिं अभि० २, जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्ति कट्टु

पुरत्थिमं दिसं पसरइ पुर० २ त्ता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं गेण्हइ २ त्ता किढिणसंकाइयं भरेइ किढि० २ त्ता दब्भे य कुसे य समिहाओ य पत्तामोडं च गेण्हेइ २ त्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता किढिणसंकाइयगं ठवेइ किढि० २ त्ता वेइं वड्ढेइ २ त्ता उवलेवण संमज्जणं करेइ उ० २ त्ता दब्भसगब्भकलसाहत्थगए जेणेव गंगा महाणई तेणेव उवागच्छइ गंगामहाणइं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता जलकीडं करेइ २ त्ता जलाभिसेयं करेइ २ त्ता आयंते चोक्खे परमसुइभूए देवयपिइकयकज्जे दब्भसगब्भकलसाहत्थगए गंगाओ महाणईओ पच्चुत्तरइ २ त्ता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता दब्भेहि य कुसेहि य वालुयाएहि य वेइं रएइ वेइं रएत्ता सरएणं अरणिं महेइ सर० २ त्ता अग्गिं पाडेइ २ त्ता अग्गिं संधुक्केइ २ त्ता समिहाकट्ठाइं पक्खिवइ समिहाकट्ठाइं पक्खिवित्ता अग्गिं उज्जालेइ अग्गिं उज्जालेत्ता—'अग्गिस्स दाहिणे पासे, सत्तंगाइं समादहे।' तं०—सकहं वक्कलं ठाणं, सिज्जा भंडं कमंडलुं ॥ १ ॥ दंडदारुं तहप्पाणं अहे ताइं समादहे। महुणा य घएण य तंदुलेहि य अग्गिं हुणइ, अग्गिं हुणित्ता चरुं साहेइ, चरुं साहेत्ता बलिं वइस्सदेवं करेइ बलिं वइस्सदेवं करेत्ता अतिहिपूयं करेइ अतिहिपूयं करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ। तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चे छट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावण० २ त्ता एवं जहा पढमपारणगं णवरं दाहिणगं दिसं पोक्खेइ २ त्ता दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं तं चेव जाव आहारमाहारेइ। तए णं से सिवे रायरिसी तच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से सिवे रायरिसी सेसं तं चेव णवरं पच्चत्थिमं दिसं पोक्खेइ पच्चत्थिमाए दिसाए वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं तं चेव जाव आहारमाहारेइ। तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ। तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थछट्ठक्खमण एवं तं चेव णवरं उत्तरं दिसं पोक्खेइ उत्तराए दिसाए वेसमणे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं० सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ ॥ ४१६ ॥ तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं जाव आयावेमाणस्स

पगइभद्दयाए जाव विणीययाए अण्णया कयाइ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स विभंगे णामं अण्णाणे समुप्पण्णे, से णं तेणं विभंगणाणेणं समुप्पण्णेणं पासइ अस्सि लोए सत्त दीवे सत्त समुद्दे तेण परं ण जाणइ, ण पासइ, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—अत्थि णं ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे एवं खलु अस्सि लोए सत्त दीवा सत्त समुद्दा तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता वागलवत्थणियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छुयं जाव भंडगं किढिणसंकाइयं च गेण्हइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडणिक्खेवं करेइ २ त्ता हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेई—अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, एवं खलु अस्सि लोए जाव दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ—एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ—अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य से कहमेयं मण्णे एवं ? । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा जाव पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जहा बिइयसए णियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्दं णिसामेइ बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ जाव एवं परूवेइ—एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ—अत्थि णं देवाणुप्पिया ! तं चेव जाव वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं मण्णे एवं ? तए णं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म जायसड्ढे जहा णियंठुद्देसए जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी—जण्णं गोयमा ! से बहुजणे अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव भंडणिक्खेवं करेइ हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग० तं चेव जाव वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तं चेव सव्वं

भाणियव्वं जाव तेण परं वोच्छिण्णा दीवा य समुद्दा य तण्णं मिच्छा। अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा एवं जहा जीवाभिगमे जाव सयंभूरमणसमुद्दपज्जवसाणा अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा पण्णत्ता समणाउसो ! अत्थि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे दव्वाइं सवण्णाइंपि अवण्णाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अण्णमण्णबद्धाइं अण्णमण्णपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि। अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे दव्वाइं सवण्णाइंपि अवण्णाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अण्णमण्णबद्धाइं अण्णमण्णपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि। अत्थि णं भंते ! धायइसंडे दीवे दव्वाइं सवण्णाइंपि० एवं चेव, एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे जाव हंता अत्थि। तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया, तए णं हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–जण्णं देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुद्दा य, तं णो इणट्ठे समट्ठे, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु एयस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं तं चेव जाव भंडणिक्खेवं करेइ भंडणिक्खेवं करेत्ता हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडग जाव समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म जाव समुद्दा य, तण्णं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ०–एवं खलु जंबुद्दीवाईया दीवा लवणाईया समुद्दा तं चेव जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा पण्णत्ता समणाउसो ! तए णं से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावण्णे कलुससमावण्णे जाए यावि होत्था, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कंखियस्स जाव कलुससमावण्णस्स से विभंगे अण्णाणे खिप्पामेव परिवडिए। तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सहसंबवणे

उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि, एयं णे इहभवे य परभवे य जाव भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाह जाव किढिणसंकाइयं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिणिक्खमइ ताव० २ त्ता परिवडियविब्भंगे हत्थिणापुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आणाए आराहए भवइ। तए णं से सिवे रायरिसी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म जहा खंदओ जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहं जाव किढिणसंकाइयं च एगंते एडेइ एडित्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमे० २ त्ता समणं भगवं महावीरं एवं जहेव उसभदत्तो तहेव पव्वइओ तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ तहेव सव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ४१७ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि संघयणे सिज्झंति ? गोयमा वइरोसभणारायसंघयणे सिज्झंति, एवं जहेव उववाइए तहेव संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च परिवसणा, एवं सिद्धिगंडिया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुहोंति सासयं सिद्धा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥४१८॥

एक्कारसं सयं दसमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—कइविहे णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे लोए पण्णत्ते, तंजहा—दव्वलोए, खेत्तलोए, काललोए, भावलोए। खेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—अहोलोयखेत्तलोए १ तिरियलोयखेत्तलोए २ उड्ढलोयखेत्तलोए ३। अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा—

रयणप्पभापुढविअहेलोयखेत्तलोए जाव अहेसत्तमापुढविअहेलोयखेत्तलोए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जविहे पण्णत्ते, तंजहा—जंबुद्दीवे २ तिरियलोयखेत्तलोए जाव सयंभूरमणसमुद्दे तिरियलोयखेत्तलोए । उड्ढलोयखेत्तलोए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे पण्णत्ते, तंजहा— सोहम्मकप्पउड्ढलोयखेत्तलोए जाव अच्चुयकप्प० उड्ढलोयखेत्तलोए गेवेज्जविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए अणुत्तरविमाणउड्ढलोयखेत्तलोए ईसिपब्भारपुढविउड्ढलोयखेत्तलोए । अहेलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! तप्पागारसंठिए पण्णत्ते । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते । उड्ढलोयखेत्तलोय० पुच्छा, गोयमा ! उड्ढमुइंगाकारसंठिए पण्णत्ते । लोए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठगसंठिए लोए पण्णत्ते, तंजहा—हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमुद्देसए जाव अंतं करेइ । अलोए णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झुसिरगोलसंठिए पण्णत्ते । अहेलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा० ? एवं जहा इंदा दिसा तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अद्धासमए । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा० ? एवं चेव उड्ढलोयखेत्तलोएवि, णवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ णत्थि । लोए णं भंते ! किं जीवा० ? जहा बिइयसए अत्थिउद्देसए लोयागासे, णवरं अरूवी सत्तविहा जाव अहम्मत्थिकायस्स पएसा णो आगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए, सेसं तं चेव । अलोए णं भंते ! किं जीवा० ? एवं जहा अत्थिकायउद्देसए अलोयागासे तहेव णिरवसेसं जाव अणंतभागूणे । अहेलोयखेत्तलोयस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ? गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि । जे जीवदेसा ते णियमा एगिंदियदेसा १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदिएसु जाव अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियाण य देसा, जे जीवपएसा ते णियमा एगिंदियपएसा १ अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा २ अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा ३ एवं आइल्लविरहिओ

जाव पंचिंदिएसु अणिंदिएसु तियभंगो, जे अजीवा ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, रूवी तहेव, जे अरूवी अजीवा ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–णो धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे १ धम्मत्थिकायस्स पएसे २ एवं अहम्मत्थिकायस्सवि ४ अद्धासमए ५। तिरियलोयखेत्तलोयस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे किं जीवा० ? एवं जहा अहोलोयखेत्तलोयस्स तहेव, एवं उड्ढलोयखेत्तलोयस्सवि, णवरं अद्धासमओ णत्थि, अरूवी चउव्विहा लोयस्स जहा अहेलोयखेत्तलोयस्स एगंमि आगासपएसे। अलोयस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे० पुच्छा, गोयमा ! णो जीवा णो जीवदेसा तं चेव जाव अणंतेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासस्स अणंतभागूणे। दव्वओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंताइं जीवदव्वाइं अणंताइं अजीवदव्वाइं अणंता जीवाजीवदव्वा एवं तिरियलोयखेत्तलोएवि, एवं उड्ढलोयखेत्तलोएवि, दव्वओ णं अलोए णेवत्थि जीवदव्वा णेवत्थि अजीवदव्वा णेवत्थि जीवाजीवदव्वा एगे अजीवदव्वदेसे जाव सव्वागासस्स अणंतभागूणे। कालओ णं अहेलोयखेत्तलोए ण कयाइ णासि जाव णिच्चे एवं जाव अलोए। भावओ णं अहेलोयखेत्तलोए अणंता वण्णपज्जवा जहा खंदए जाव अणंता अगुरुयलहुयपज्जवा एवं जाव लोए, भावओ णं अलोए णेवत्थि वण्णपज्जवा जाव णेवत्थि अगुरुयलहुयपज्जवा एगे अजीवदव्वदेसे जाव अणंतभागूणे ॥ ४१९ ॥ लोए णं भंते ! केमहालए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीव० जाव परिक्खेवेणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं छ देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा जंबुद्दीवे २ मंदरे पव्वए मंदरचूलियं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठेज्जा, अहे णं चत्तारि दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ चत्तारि बलिपिंडे गहाय जंबुद्दीवस्स २ चउसुवि दिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा ते चत्तारि बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहे पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा ! तओ एगमेगे देवे ते चत्तारि बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा ! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए एवं दाहिणाभिमुहे एवं पच्चत्थाभिमुहे एवं उत्तराभिमुहे एवं उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं

तस्स दारगस्स आउए पहीणे भवइ णो चेव णं जाव संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स अट्ठिमिंजा पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आसत्तमेवि कुलवंसे पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स णामगोएवि पहीणे भवइ णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तेसि णं भंते ! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए गोयमा ! गए बहुए णो अगए बहुए, गयाउ से अगए असंखेज्जइभागे अगयाउ से गए असंखेज्जगुणे, लोए णं गोयमा ! एमहालए पण्णत्ते । अलोए णं भंते ! केमहालए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयण्णं समयखेत्ते पणयालीसं जोयण-सयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं जहा खंदए जाव परिक्खेवेणं, तेणं कालेणं तेणं समएणं दस देवा महिड्ढिया तहेव जाव संपरिक्खित्ताणं संचिट्ठेज्जा, अहे णं अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स चउसुवि दिसासु चउसुवि विदिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा ते अट्ठ बलिपिंडे जमगसमगं बहियाभिमुहीओ पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा ! तओ एगमेगे देवे ते अट्ठ बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा ! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए लोगंते ठिच्चा असब्भावपट्ठवणाए एगे देवे पुरत्थाभिमुहे पयाए एगे देवे दाहिणपुरत्थाभिमुहे पयाए एवं जाव उत्तर-पुरत्थाभिमुहे पयाए एगे देवे उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए, तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससयसहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा आलोयंतं संपाउणंति, तं चेव जाव तेसि णं भंते ! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए ? गोयमा ! णो गए बहुए अगए बहुए, गयाउ से अगए अणंतगुणे अगयाउ से गए अणंतभागे, अलोए णं गोयमा ! एमहालए पण्णत्ते ॥ ४२० ॥ लोयस्स णं भंते ! एगंमि आगास-पएसे जे एगिंदियपएसा जाव पंचिंदियपएसा अणिंदियपएसा अण्णमण्णबद्धा अण्णमण्णपुट्ठा जाव अण्णमण्णसमभरघडत्ताए चिट्ठंति? अत्थि णं भंते ! अण्ण-मण्णस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायंति छविच्छेदं वा करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ लोयस्स णं एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव चिट्ठंति णत्थि णं भंते ! अण्णमण्णस्स किंचि आबाहं वा जाव करेंति ? गोयमा ! से जहाणामए णट्टिया सिया सिंगारागारचारुवेसा

जाव कलिया रंगट्ठाणंसि जणसयाउलंसि जणसयसहस्साउलंसि बत्तीसइविहस्स णट्टस्स अण्णयरं णट्टविहिं उवदंसेज्जा। से णूणं गोयमा! ते पेच्छगा तं णट्टियं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएंति ? हंता समभिलोएंति, ताओ णं गोयमा! दिट्ठीओ तंसि णट्टियंसि सव्वओ समंता सण्णिपडियाओ ? हंता सण्णिपडियाओ, अत्थि णं गोयमा! ताओ दिट्ठीओ तीसे णट्टियाए किंचिवि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, अहवा सा णट्टिया तासि दिट्ठीणं किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, ताओ वा दिट्ठीओ अण्णमण्णाए दिट्ठीए किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ तं चेव जाव छविच्छेदं वा करेंति ॥४२१॥ लोयस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे जहण्णपए जीवपएसाणं उक्कोसपए जीवपएसाणं सव्वजीवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा! सव्वत्थोवा लोयस्स एगंमि आगासपएसे जहण्णपए जीवपएसा, सव्वजीवा असंखेज्जगुणा, उक्कोसपए जीवपएसा विसेसाहिया। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४२२॥

एक्कारसं सयं एक्कारसमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, दूइपलासे चेइए वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तत्थ णं वाणियग्गामे णयरे सुदंसणे णामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे ण्हाए कय जाव पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ साओ गिहाओ पडिणिक्खमित्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं पायविहारचारेणं महया पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ते वाणियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव दूइपलासे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तं०—सच्चित्ताणं दव्वाणं जहा उसभदत्तो जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स सेट्ठिस्स तीसे य महइमहालियाए जाव आराहए भवइ। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं

धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! काले पण्णत्ते ? सुदंसणा ! चउव्विहे काले पण्णत्ते, तंजहा–पमाणकाले १ अहाउणिव्वत्तिकाले २ मरणकाले ३ अद्धाकाले ४। से किं तं पमाणकाले ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–दिवसप्पमाणकाले १ राइप्पमाणकाले य २, चउपोरिसिए दिवसे चउपोरिसिया राई भवइ ॥४२३॥ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ। जया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी-परिहायमाणी जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? जया णं जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, तया णं कइभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी २ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीससयभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जया णं जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीससयभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी-परिवड्ढमाणी उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ। कया णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ कया वा जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ? सुदंसणा ! जया णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ जहण्णिया तिमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ, जया णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्तिया राई भवइ जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ जहण्णिया तिमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ। कया णं भंते ! उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ कया वा उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ? सुदंसणा ! आसाढपुण्णिमाए उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, पोसस्स पुण्णिमाए णं उक्कोसिया अट्ठा-

रसमुहुत्ता राई भवइ जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ। अत्थि णं भंते! दिवसा य राईओ य समा चेव भवंति? हंता! अत्थि। कया णं भंते! दिवसा य राईओ य समा चेव भवंति? सुदंसणा! चित्तासोयपुण्णिमासु णं एत्थ णं दिवसा य राईओ य समा चेव भवंति, पण्णरसमुहुत्ते दिवसे पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ चउभागमुहुत्तभागूणा चउमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, सेत्तं पमाणकाले ॥४२४॥ से किं तं अहाउणिव्वत्तिकाले? अहाउणिव्वत्तिकाले जण्णं जेणं णेरइएण वा तिरिक्खजोणिएण वा मणुस्सेण वा देवेण वा अहाउयं णिव्वत्तियं सेत्तं पालेमाणे अहाउणिव्वत्तिकाले। से किं तं मरणकाले? २ जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, सेत्तं मरणकाले। से किं तं अद्धाकाले? अद्धाकाले अणेगविहे पण्णत्ते, से णं समयट्ठयाए आवलियट्ठयाए जाव उस्सप्पिणीट्ठयाए। एस णं सुदंसणा! अद्धा दोहारच्छेएणं छिज्जमाणी जाहे विभागं णो हव्वमागच्छइ सेत्तं समए, समयट्ठयाए असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जाओ आवलियाओ जहा सालिउद्देसए जाव सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परिमाणं। एएहि णं भंते! पलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं? सुदंसणा! एएहिं पलिओवमसागरोवमेहिं णेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्स देवाणं आउयाइं मविज्जंति ॥ ४२५ ॥ णेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? एवं ठिइपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० ॥४२६॥ अत्थि णं भंते! एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थि णं एएसि णं पलिओवमसागरोवमाणं जाव अवचएइ वा? एवं खलु सुदंसणा! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, सहसंबवणे उज्जाणे वण्णओ, तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे बले णामं राया होत्था वण्णओ, तस्स णं बलस्स रण्णो पभावई णामं देवी होत्था सुकुमाल० वण्णओ जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी अण्णया कयाइ तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भिंतरओ सचित्तकम्मे बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे विचित्तउल्लोयचिल्लियतले मणिरयणपणासियंधयारे बहुसमसुविभत्तदेसभाए पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धयाभिरामे सुगंधि-

वरगंधिए गंधवट्टिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ विब्बोयणे दुहओ उण्णए मज्झेणयगंभीरे गंगापुलिणवालुयउद्दालसालिसए उवचियखोमियदुगुल्लपट्टपडिच्छायणे सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरणवणीयतूलफासे सुगंधवरकुसुमचुण्णसयणोवयारकलिए अद्धरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ अयमेयारूवं ओरालं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा हाररययखीरसागरससंककिरणदगरयरययमहासेलपंडुरतरोरुरमणिज्जपेच्छणिज्जं थिरलट्ठपउट्ठवट्टपीवरसुसिलिट्ठविसिट्ठतिक्खदाढाविडंबियमुहं परिकम्मियजच्चकमलकोमलमाइयसोहंतलट्ठउट्ठं रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहं मूसागयपवरकणगताविय-आवत्तायंतवट्टतडिविमलसरिसणयणं विसालपीवरोरुपडिपुण्णविउलखंधं मिउविसयसुहुमलक्खणपसत्थविच्छिण्णकेसरसडोवसोहियं ऊसियसुणिम्मियसुजायअप्फोडियलंगूलं सोमं सोमाकारं लीलायंतं जंभायंतं णहयलाओ ओवयमाणं णिययवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा। तए णं सा पभावई देवी अयमेयारूवं ओरालं जाव सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हियया धाराहयकलंबपुप्फगंपिव समूससियरोमकूवा तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव बलस्स रण्णो सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं ओरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धण्णाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं मियमहुरमंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी-संलवमाणी पडिबोहेइ पडिबोहेत्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयइ णिसीइत्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणी २ एवं वयासी—एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगण० तं चेव जाव णियगवयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणुप्पिया! एयस्स ओरालस्स जाव महासुविणस्स के मण्णे कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ? तए णं से बले राया पभावईए देवीए अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए धाराहयणीवसुरभिकुसुमचंचुमालइय-

तणुय ऊसवियरोमकूवे तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता ईहं पविसइ ईहं पवि-
सित्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविण्णाणेणं तस्स सुविणस्स अत्थो-
ग्गहणं करेइ तस्स० २ त्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव मंगल्लाहिं
मियमहुरसस्सिरीयाहिं संलवमाणे २ एवं वयासी–ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे
दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव सस्सिरीए णं तुमे देवी !
सुविणे दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारए णं तुमे देवी ! सुविणे
दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए ! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणु-
प्पिए ! रज्जलाभो देवाणुप्पिए ! एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! णवण्हं मासाणं
बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणराइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीवं कुल-
पव्वयं कुलवडेंसयं कुलतिलगं कुलकित्तिकरं कुलणंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं
कुलपायवं कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरं
जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं देवकुमारसमप्पभं दारगं पयाहिसी।
सेऽवि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते
सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्णविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ, तं उराले
णं तुमे देवी ! सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगल्लकारए णं तुमे देवी !
सुविणे दिट्ठेत्तिकट्टु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं दोच्चंपि तच्चंपि
अणुबूहइ। तए णं सा पभावई देवी बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा
णिसम्म हट्ठतुट्ठ० करयल जाव एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया ! तहमेयं
देवाणुप्पिया ! अवितहमेयं देवाणुप्पिया ! असंदिद्धमेयं देवाणुप्पिया !
इच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! पडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियपडिच्छियमेयं
देवाणुप्पिया ! से जहेयं तुज्झे वयहत्तिकट्टु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ पडि-
च्छित्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिरयणभत्तिचित्ताओ
भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए
सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयणिज्जंसि णिसीयइ
णिसीइत्ता एवं वयासी–मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुविणे अण्णेहिं पाव-
सुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइत्तिकट्टु देवगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं मंगल्लाहिं
धम्मियाहिं कहाहिं सुविणजागरियं पडिजागरमाणी २ विहरइ। तए णं से
बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो

देवाणुप्पिया ! अज्ज सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदयसित्त-सुइय-संमज्जिओवलित्तं सुगंधवरपंचवण्णपुप्फोवयारकलियं कालागुरुपवरकुंदुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं करेह य करावेह य करेत्ता करावेत्ता सीहासणं रयावेह सीहासणं रयावेत्ता ममेयं जाव पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से बले राया पच्चूसकालसमयंसि सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ पायपीढाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणुपविसइ जहा उववाइए तहेव अट्टणसाला तहेव मज्जणघरे जाव ससिव्व पियदंसणे णरवई मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णिसीयइ णिसीइत्ता अप्पणो उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थगकयमंगलोवयाराइं रयावेइ रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामंते णाणामणिरयणमंडियं अहियपेच्छणिज्जं महग्घ वरपट्टणुग्गयं सण्हपट्टबहुभत्तिसयचित्तताणं ईहामियउसभ जाव भत्तिचित्तं अब्भिंतरियं जवणियं अंछावेइ अंछावेत्ता णाणामणिरयणभत्तिचित्तं अत्थरयमउयमसूरगोत्थयं सेयवत्थपच्चुत्थुयं अंगसुहफासयं सुमउयं पभावईए देवीए भद्दासणं रयावेइ रयावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अट्ठंगमहाणिमित्तसुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुविणलक्खणपाढए सद्दावेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता बलस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमंति पडिणिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं चवलं चंडं वेइयं हत्थिणापुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव तेसिं सुविणलक्खणपाढगाणं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता ते सुविणलक्खणपाढए सद्दावेंति । तए णं ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रण्णो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठा ण्हाया कय जाव सरीरा सिद्धत्थगहरियालियाकयमंगलमुद्धाणा सएहिं-सएहिं गिहेहिंतो णिग्गच्छंति स० २ त्ता हत्थिणापुरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव बलस्स रण्णो भवणवरवडेंसए तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता भवणवरवडेंसगपडिदुवारंसि एगओ मिलंति एगओ मिलित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल० बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति । तए णं ते सुविण-

लक्खणपाढगा बलेणं रण्णा वंदिय-पूइय-सक्कारिय-सम्माणिया समाणा पत्तेयं पत्तेयं पुव्वण्णत्थेसु भद्दासणेसु णिसीयंति। तए णं से बले राया पभावइं देविं जवणियंतरियं ठावेइ ठावेत्ता पुप्फफल पडिपुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुविण-लक्खणपाढए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि वासघरंसि जाव सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तण्णं देवाणु-प्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव के मण्णे कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? तए णं ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० तं सुविणं ओगिण्हंति ओगिण्हंत्ता ईहं अणुप्पविसंति अणुप्पविसित्ता तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेंति तस्स०२ त्ता अण्णमण्णेणं सद्धिं संचालेंति २ त्ता तस्स सुविणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा बलस्स रण्णो पुरओ सुविणसत्थाइं उच्चारेमाणा २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरिं सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिया ! तित्थयरमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा तित्थयरंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, तंजहा–गयवसहसीहअभिसेयदामससि-दिणयरं झयं कुंभं। पउमसरसागरविमाणभवणरयणुच्चयसिहिं च १४॥१॥ वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुवि-णाणं अण्णयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसि णं चउदसण्हं महासुविणाणं अण्णयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति। इमे य णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए एगे महा-सुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगल्लकारए णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिया ! भोग० पुत्त० रज्जलाभो देवाणुप्पिया ! एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव वीइक्कंताणं तुम्हं कुलकेउं जाव दारगं पयाहिइ, सेऽविय णं दारए उम्मुक्क-बालभावे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले

णं देवाणुप्पिया ! पभावईए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउयकल्लाण जाव दिट्ठे । तए णं से बले राया सुविणलक्खणपाढगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ करयल जाव कट्टु ते सुविणलक्खणपाढगे एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया ! जाव से जहेयं तुब्भे वयहत्तिकट्टु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ तं० २ त्ता सुविणलक्खणपाढए विउलेणं असणपाणखाइमसाइमपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ पडिविसज्जेत्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता जेणेव पभावई देवी तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणे संलवमाणे एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए ! सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिए ! तित्थयरमायरो वा तं चेव जाव अण्णयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति, इमे य णं तुमे देवाणुप्पिए ! एगे महासुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे जाव दिट्ठेत्तिकट्टु पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव दोच्चंपि तच्चंपि अणुबूहइ । तए णं सा पभावई देवी बलस्स रण्णो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० करयल जाव एवं वयासी–एयमेयं देवाणुप्पिया ! जाव तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ. तं सुविणं सम्मं पडिच्छित्ता बलेणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिरयणभत्तिचित्त जाव अब्भुट्ठेइ अतुरियमचवल जाव गईए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयं भवणमणुपविट्ठा । तए णं सा पभावई देवी ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सव्वालंकारविभूसिया तं गब्भं णाइसीएहिं णाइउण्हेहिं णाइतित्तेहिं णाइकडुएहिं णाइकसाएहिं णाइअंबिलेहिं णाइमहुरेहिं उउभयमाणसुहेहिं भायणच्छायणगंधमल्लेहिं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थं गब्भपोसणं तं देसे य काले य आहारमाहारेमाणी विवित्तमउएहिं सयणासणेहिं पइरिक्कसुहाए मणाणुकूलाए विहारभूमीए पसत्थदोहला संपुण्णदोहला सम्माणियदोहला अविमाणियदोहला वोच्छिण्णदोहला विणीयदोहला ववगयरोगसोगमोहभयपरित्तासा तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ । तए णं सा पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणराइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं

अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरं लक्खणवंजणगुणोववेयं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं दारयं पयाया। तए णं तीसे पभावईए देवीए अंगपडियारियाओ पभावइं देविं पसूयं जाणेत्ता जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! पभावई देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाया तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पियट्टयाए पियं णिवेदेमो पियं भे भवउ। तए णं से बले राया अंगपडियारियाणं अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव धाराहयणीव जाव रोमकूवे तासिं अंगपडियारियाणं मउडवज्जं जहामालियं ओमोयं दलयइ २ त्ता सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं भिंगारं च गिण्हइ गिण्हित्ता मत्थए धोवइ धोवित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ पीइदाणं दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ॥ ४२७॥ तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हत्थिणापुरे णयरे चारगसोहणं करेह चारग० २ त्ता माणुम्माणवड्ढणं करेह मा० २ त्ता हत्थिणापुरं णयरं सब्भितरबाहिरियं आसियसंमज्जिओवलित्तं जाव करेह य कारवेह य करेत्ता य कारवेत्ता य जूयसहस्सं वा चक्कसहस्सं वा पूयामहामहिमसक्कारं वा उस्सवेह २ त्ता ममेयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा बलेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से बले राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तं चेव जाव मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोदंडिमं अधरिमं गणियावरणाडइज्जकलियं अणेगतालाचराणुचरियं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं पमुइयपक्कीलियं सपुरजणजाणवयं दसदिवसे ठिइवडियं करेइ। तए णं से बले राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छमाणे य पडिच्छावेमाणे य एवं विहरइ। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं करेइ, तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेइ, छट्ठे दिवसे जागरियं करेइ, एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते णिव्वत्ते असुइजायकम्म-

करणे संपत्ते बारसाहदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता जहा सिवो जाव खत्तिए य आमंतेंति २ त्ता तओ पच्छा ण्हाया तं चेव जाव सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ तस्सेव मित्तणाइ जाव राईण य खत्तियाण य पुरओ अज्जयपज्जयपिउपज्जयागयं बहुपुरिसपरंपरप्परूढं कुलाणुरूवं कुल-सरिसं कुलसंताणतंतुवद्धणकरं अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं इमे दारए बलस्स रण्णो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगस्स णामधेज्जं महब्बले, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेंति महब्बलेत्ति। तए णं से महब्बले दारए पंच० धाईपरिग्गहिए, तंजहा–खीरधाईए एवं जहा दढपइण्णे जाव णिव्वायणिव्वा-घायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं तस्स महब्बलस्स दारगस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठिइवडियं वा चंदसूरदंसावणियं वा जागरियं वा णामकरणं वा परंगामणं वा पयचंकमणं वा जेमावणं वा पिंडवद्धणं वा पजंपावणं वा कण्ण-वेहणं वा संवच्छरपडिलेहणं वा चोलोयणगं च उवणयणं च अण्णाणि य बहूणि गब्भाहाणजम्मणमाइयाइं कोउयाइं करेंति। तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मा-पियरो साइरेगट्ठवासगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणणक्खत्तमुहुत्तंसि० एवं जहा दढप्पइण्णे जाव अलंभोगसमत्थे जाए यावि होत्था। तए णं तं महब्बलं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जाव अलं भोगसमत्थं विजाणित्ता अम्मापियरो अट्ठ पासायवडेंसए करेंति अब्भुग्गयमूसियपहसिए इव वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पडिरूवे, तेसिं णं पासायवडेंसगाणं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं भवणं कारेंति अणेगखंभसयसंणिविट्ठं वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छाघरमंडवंसि जाव पडिरूवे ॥ ४२८ ॥ तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो अण्णया कयाइ सोभणंसि तिहिकरणदिवसणक्खत्तमुहुत्तंसि ण्हायं कयबलिकम्मं कयकोउ-यमंगलपायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं पमक्खणगण्हाणगीयवाइयपसाहणट्ठं-गतिलग कंकणअविहववहुउवणीयं मंगलसुजंपिएहि य वरकोउयमंगलोवयारकय-संतिकम्मं सरिसियाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोव-वेयाणं विणीयाणं कयकोउयमंगलपायच्छित्ताणं सरिसएहिं रायकुलेहिंतो आणि-ल्लियाणं अट्ठण्हं रायवरकण्णाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु। तए णं तस्स महाबलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं पीइदाणं दलयंति तं०–अट्ठ

हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ अट्ठ मउडे मउडप्पवरे अट्ठ कुंडलजुए कुंडलजुयप्पवरे अट्ठ हारे हारप्पवरे अट्ठ अद्धहारे अद्धहारप्पवरे अट्ठ एगावलीओ एगावलिप्पवराओ एवं मुत्तावलीओ एवं कणगावलीओ एवं रयणावलीओ अट्ठ कडगजोए कडगजोयप्पवरे एवं तुडियजोए अट्ठ खोमजुयलाइं खोमजुयलप्पवराइं एवं वडगजुयलाइं एवं पट्टजुयलाइं एवं दुगुल्लजुयलाइं अट्ठ सिरीओ अट्ठ हिरीओ एवं धिईओ कित्तीओ बुद्धीओ लच्छीओ अट्ठ णंदाइं अट्ठ भद्दाइं अट्ठ तले तलप्पवरे सव्वरयणामए णियगवरभवणकेऊ अट्ठ झए झयप्पवरे अट्ठ वए वयप्पवरे दसगोसाहस्सिएणं वएणं अट्ठ णाडगाइं णाडगप्पवराइं बत्तीसबद्धेणं णाडएणं अट्ठ आसे आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए अट्ठ जाणाइं जाणप्पवराइं अट्ठ जुगाइं जुगप्पवराइं एवं सिबियाओ एवं संदमाणीओ एवं गिल्लीओ थिल्लीओ अट्ठ वियडजाणाइं वियडजाणप्पवराइं अट्ठ रहे पारिजाणिए अट्ठ रहे संगामिए अट्ठ आसे आसप्पवरे अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे अट्ठ गामे गामप्पवरे दसकुलसाहस्सिएणं गामेणं अट्ठ दासे दासप्पवरे एवं चेव दासीओ एवं किंकरे एवं कंचुइज्जे एवं वरिसधरे एवं महत्तरए अट्ठ सोवण्णिए ओलंबणदीवे अट्ठ रुप्पामए ओलंबणदीवे अट्ठ सुवण्णरुप्पामए ओलंबणदीवे अट्ठ सोवण्णिए उक्कंचणदीवे एवं चेव तिण्णिवि, अट्ठ सोवण्णिए पंजरदीवे एवं चेव तिण्णिवि, अट्ठ सोवण्णिए थाले अट्ठ रुप्पामए थाले अट्ठ सुवण्णरुप्पामए थाले अट्ठ सोवण्णियाओ पत्तीओ ३ अट्ठ सोवण्णियाइं थासयाइं ३ अट्ठ सोवण्णियाइं मल्लगाइं ३ अट्ठ सोवण्णियाओ तलियाओ ३ अट्ठ सोवण्णियाओ कविचियाओ ३ अट्ठ सोवण्णिए अवएडए ३ अट्ठ सोवण्णियाओ अवयक्काओ ३ अट्ठ सोवण्णिए पायपीढए ३ अट्ठ सोवण्णियाओ भिसियाओ ३ अट्ठ सोवण्णियाओ करोडियाओ ३ अट्ठ सोवण्णिए पल्लंके ३ अट्ठ सोवण्णियाओ पडिसेज्जाओ ३ अट्ठ हंसासणाइं अट्ठ कोंचासणाइं एवं गरुलासणाइं उण्णयासणाइं पणयासणाइं दीहासणाइं भद्दासणाइं पक्खासणाइं मगरासणाइं अट्ठ पउमासणाइं अट्ठ दिसासोवत्थियासणाइं अट्ठ तेल्लसमुग्गे जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठ सरिसवसमुग्गे अट्ठ खुज्जाओ जहा उववाइए जाव अट्ठ पारिसीओ अट्ठ छत्ते अट्ठ छत्तधारीओ चेडीओ अट्ठ चामराओ अट्ठ चामरधारीओ चेडीओ अट्ठ तालियंटे अट्ठ तालियंटधारीओ चेडीओ अट्ठ करोडियाधारीओ चेडीओ

अट्ठ खीरधाईओ जाव अट्ठ अंकधाईओ अट्ठ अंगमद्दियाओ अट्ठ उम्मद्दियाओ अट्ठ ण्हावियाओ अट्ठ पसाहियाओ अट्ठ वण्णगपेसीओ अट्ठ चुण्णगपेसीओ अट्ठ कोट्ठागारीओ अट्ठ दवकारीओ अट्ठ उवत्थाणियाओ अट्ठ णाडइज्जाओ अट्ठ कोडुंबिणीओ अट्ठ महाणसिणीओ अट्ठ भंडागारिणीओ अट्ठ अ(ब्भा)ज्झाधारिणीओ अट्ठ पुप्फधारिणीओ अट्ठ पाणिधारिणीओ अट्ठ बलिकारीओ अट्ठ सेज्जाकारीओ अट्ठ अब्भिंतरियाओ पडिहारीओ अट्ठ बाहिरियाओ पडिहारीओ अट्ठ मालाकारीओ अट्ठ पेसणकारीओ अण्णं वा सुबहुं हिरण्णं वा सुवण्णं वा कंसं वा दूसं वा विउलधणकणग जाव संतसारसावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तए णं से महब्बले कुमारे एगमेगाए भज्जाए एगमेगं हिरण्णकोडिं दलयइ एगमेगं सुवण्णकोडिं दलयइ एगमेगं मउडं मउडप्पवरं दलयइ एवं तं चेव सव्वं जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयइ अण्णं वा सुबहुं हिरण्णं वा सुवण्णं वा जाव परिभाएउं। तए णं से महब्बले कुमारे उप्पिं पासायवरगए जहा जमाली जाव विहरइ ॥४२६॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पओप्पए धम्मघोसे णामं अणगारे जाइसंपण्णे वण्णओ जहा केसिसामिस्स जाव पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं हत्थिणापुरे णयरे सिंघाडगतिय जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं तस्स महब्बलस्स कुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जणवूहं वा एवं जहा जमाली तहेव चिंता तहेव कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ, कंचुइज्जपुरिसोवि तहेव अक्खाइ, णवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमणगहियविणिच्छए करयल जाव णिग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे णामं अणगारे सेसं तं चेव जाव सोवि तहेव रहवरेणं णिग्गच्छइ, धम्मकहा जहा केसिसामिस्स, सोवि तहेव अम्मापियरो आपुच्छइ, णवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए तहेव वुत्तपडिवुत्तया णवरं इमाओ य ते जाया विउलरायकुलबालियाओ कला० सेसं तं चेव जाव ताहे अकामाइं चेव महब्बलकुमारं एवं वयासी—तं इच्छामो ते जाया! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए, तए

णं से महब्बले कुमारे अम्मापियराणं वयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा सिवभद्दस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्वो जाव अभिसिंचइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं महब्बलं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावित्ता एवं वयासी—भण जाया! किं देमो किं पयच्छामो? सेसं जहा जमालिस्स तहेव जाव तए णं से महब्बले अणगारे धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जहा अम्मडो जाव बंभलोए कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं महब्बलस्सवि देवस्स दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, से णं तुमं सुदंसणा! बंभलोए कप्पे दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव वाणियग्गामे णयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाए ॥४३०॥ तए णं तुमे सुदंसणा! उम्मुक्कबालभावेणं विण्णायपरिणयमेत्तेणं जोव्वणगमणुप्पत्तेणं तहारूवाणं थेराणं अंतियं केवलिपण्णत्ते धम्मे णिसंते, सेऽविय धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए तं सुट्ठु णं तुमं सुदंसणा! इयाणिं पकरेसि। से तेणट्ठेणं सुदंसणा! एवं वुच्चइ—अत्थि णं एएसिं पलिओवमसागरोवमाणं खएइ वा अवचएइ वा। तए णं तस्स सुदंसणस्स सेट्ठिस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सण्णीपुव्वजाईसरणे समुप्पण्णे एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वभवे दुगुणाणीयसड्ढसंवेगे आणंदंसुपुण्णणयणे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आ० २ वंदइ णमंसइ वं० २ एवं वयासी—एवमेयं भंते! जाव से जहेयं तुज्झे वयहत्तिकट्टु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, णवरं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ, बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, सेसं तं चेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥४३१॥

एक्कारसं सयं बारसमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी होत्था वण्णओ, संखवणे चेइए वण्णओ, तत्थ णं आलभियाए णयरीए बहवे इसिभद्दपुत्तपामोक्खा समणोवासया परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति। तए णं तेसिं समणोवासयाणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं समुवागयाणं संणि(समु)विट्ठाणं सण्णिसण्णाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–देवलोएसु णं अज्जा! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? तए णं से इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवट्ठिइगहियट्ठे ते समणोवासए एवं वयासी–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव दससमयाहिया संखेज्जसमयाहिया असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य। तए णं ते समणोवासया इसिभद्दपुत्तस्स समणोवासगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति णो पत्तियंति णो रोयंति एयमट्ठं असद्दहमाणा अपत्तियमाणा अरोयमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ ४३२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा एवं जहा तुंगिउद्देसए जाव पज्जुवासंति। तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महइ० धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ। तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेंति उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु भंते! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए अम्हं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य, से कहमेयं भंते! एवं? अज्जोत्ति! समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी–जण्णं अज्जो! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तुब्भं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता तेण परं समयाहिया

जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे, अहं पुण अज्जो ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं जह-ण्णेणं दस वाससहस्साइं तं चेव जाव तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य सच्चे णं एसमट्ठे । तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जेणेव इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता इसिभद्दपुत्तं समणोवासगं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति । तए णं ते समणोवासया पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियाइ-यंति अ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ॥४३३॥ भंतेत्ति ! भगवं गोयमे समणं भगवं महा-वीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! इसिभद्दपुत्ते णं समणोवासए बहूहिं सीलव्वयगुण-व्वयवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ ब० २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेहिइ मा० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेहिइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलि-ओवमाइं ठिई प०, तत्थ णं इसिभद्दपुत्तस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई भविस्सइ । से णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥४३४॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ आलभियाओ णयरीओ संखवणाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्ख-मित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं संखवणे णामं चेइए होत्था वण्णओ, तस्स णं संखवणस्स चेइयस्स अदूरसामंते पोग्गले णामं परिव्वायए परिवसइ रिउ-व्वेयजजुव्वेय जाव णएसु सुपरिणिट्ठिए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव आयावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स पोग्गलस्स छट्ठंछट्ठेणं

जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जहा सिवस्स जाव विब्भंगे णामं अण्णाणे समुप्पण्णे। से णं तेणं विब्भंगेणं अण्णाणेणं समुप्पण्णेणं बंभलोए कप्पे देवाणं ठिइं जाणइ पासइ। तए णं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—अत्थि णं ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिई प०, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं दससागरोवमाइं ठिई प०, तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य, एवं संपेहेइ २ त्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तिदंडकुंडिया जाव धाउरत्ताओ य गेण्हइ २ त्ता जेणेव आलभिया णयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंडणिक्खेवं भं० २ त्ता आलभियाए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ—अत्थि णं देवाणुप्पिया! ममं अइसेसे णाणदंसणे समुप्पण्णे, देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं तहेव जाव वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य। तए णं आलभियाए णयरीए एएणं अभिलावेणं जहा सिवस्स तं चेव जाव से कहमेयं मण्णे एवं? सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, भगवं गोयमे तहेव भिक्खायरियाए तहेव बहुजणसद्दं णिसामेइ तहेव बहुजणसद्दं णिसामेत्ता तहेव सव्वं भाणियव्वं जाव अहं पुण गोयमा! एवं आइक्खामि एवं भासामि जाव परूवेमि—देवलोएसु णं देवाणं जहण्णेणं दस वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तेण परं वोच्छिण्णा देवा य देवलोगा य। अत्थि णं भंते! सोहम्मे कप्पे दव्वाइं सवण्णाइंपि अवण्णाइंपि तहेव जाव हंता अत्थि, एवं ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुए, एवं गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसु वि ईसिपब्भाराएवि जाव हंता अत्थि। तए णं सा महइमहालिया जाव पडिगया। तए णं आलभियाए णयरीए सिंघाडगतिय० अवसेसं जहा सिवस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे णवरं तिदंडकुंडियं जाव धाउरत्तवत्थपरिहिए परिवडियविब्भंगे आलंभियं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ जाव उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता तिदंडं कुंडियं च जहा खंदओ जाव पव्वइओ सेसं जहा सिवस्स जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुभवंति सासयं सिद्धा। सेवं भंते! २ त्ति॥४३५॥

एक्कारसं सयं समत्तं

बारसमं सयं पढमो उद्देसो

संखे १ जयंति २ पुढवी ३ पोग्गल ४ अइवाय ५ राहु ३ लोगे य ७। णागे य ८ देव ९ आया १० बारसमसए दसुद्देसा ॥१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णयरी होत्था वण्णओ, कोट्ठए चेइए वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए णयरीए बहवे संखप्पामोक्खा समणोवासया परिवसंति, अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति। तस्स णं संखस्स समणोवासगस्स उप्पला णामं भारिया होत्था, सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरइ। तत्थ णं सावत्थीए णयरीए पोक्खली णामं समणोवासए परिवसइ अड्ढे अभिगय जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ। तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए जहा आलभियाए जाव पज्जुवासंति, तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महइ० धम्मकहा जाव परिसा पडिगया। तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छंति २ त्ता अट्ठाइं परियाइयंति अ० २ त्ता उट्ठाए उट्ठेंति उ० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सावत्थी णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥४३६॥ तए णं से संखे समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह, तए णं अम्हे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विस्साएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणा विहरिस्सामो। तएणं ते समणोवासया संखस्स समणोवासगस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति। तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु मे सेयं तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणस्स ४ पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, सेयं खलु मे पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगयमालावण्णगविलेवणस्स णिक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अबिइयस्स दब्भसंथारोवगयस्स पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव सावत्थी णयरी

जेणेव सए गिहे जेणेव उप्पला समणोवासिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलं समणोवासियं आपुच्छइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं अणुपविसइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ पो० २ उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ उ० २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ दब्भ० त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ। तए णं ते समणोवासया जेणेव सावत्थी णयरी जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता अण्णमण्णं सद्दावेंति अ० २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असणपाणखाइमसाइमे उवक्खडाविए, संखे य णं समणोवासए णो हव्वमागच्छइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं संखं समणोवासयं सद्दावेत्तए। तए णं से पोक्खली समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी–अच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सुणिव्वुया वीसत्था अहण्णं संखं समणोवासयं सद्दावेमित्तिकट्टु तेसिं समणोवासगाणं अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सावत्थीए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखस्स समणोवासगस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संखस्स समणोवासगस्स गिहं अणुपविट्ठे। तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता पोक्खलिं समणोवासयं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता आसणेणं उवणिमंतेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं? तए णं से पोक्खली समणोवासए उप्पलं समणोवासियं एवं वयासी–कहिण्णं देवाणुप्पिए! संखे समणोवासए? तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव विहरइ। तए णं से पोक्खली समणोवासए जेणेव पोसहसाला जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गमणागमणाए पडिक्कमइ ग० त्ता संखं समणोवासयं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हेहिं से विउले असण जाव साइमे उवक्खडाविए तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणा जाव पडिजागरमाणा विहरामो। तए णं से संखे समणोवासए पोक्खलिं समणोवासयं एवं वयासी–णो खलु कप्पइ देवाणु-

प्पिया ! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणस्स जाव पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, कप्पइ मे पोसहसालाए पोसहियस्स जाव विहरित्तए, तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुब्भे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा जाव विहरह। तए णं से पोक्खली समणोवासए संखस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सावत्थिं णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव ते समणोवासया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते समणोवासए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव विहरइ, तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुब्भे विउलं असणपाणखाइमसाइमं जाव विहरह, संखे णं समणोवासए णो हव्वमागच्छइ'। तए णं ते समणोवासया तं विउलं असणं ४ आसाएमाणा जाव विहरंति। तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता तओ पडिणियत्तस्स पक्खियं पोसहं पारित्तए त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमित्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं णयरिं मज्झंमज्झेणं जाव पज्जुवासइ। अभिगमो णत्थि। तए णं ते समवाणोसया कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सरीरा सएहिं-सएहिं गेहेहिंतो पडिणिक्खमंति २ त्ता स० एगयओ मिलायंति २ त्ता सेसं जहा पढमं जाव पज्जुवासंति। तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ। तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता संखं समणोवासयं एवं वयासी–तुमं देवाणुप्पिया ! हिज्जो अम्हे अप्पणा चेव एवं वयासी–तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं जाव विहरिस्सामो, तए णं तुमं पोसहसालाए जाव विहरिए तं सुट्ठुणं तुमं देवाणुप्पिया ! अम्हं हीलसि। अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी–मा णं अज्जो ! तुब्भे संखं समणोवासयं हीलह णिंदह खिंसह गरहह

अवमण्णइ, संखे णं समणोवासए पियधम्मे चेव दढधम्मे चेव सुदक्खुजागरियं जागरिए ।। ४३७ ।। भंतेत्ति ! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! जागरिया प० ? गोयमा ! तिविहा जागरिया प०, तंजहा–बुद्धजागरिया, अबुद्धजागरिया, सुदक्खुजागरिया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया प०, तंजहा–बुद्धजागरिया १ अबुद्धजागरिया २ सुदक्खुजागरिया ३ ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पण्णणाणदंसणधरा जहा खंदए जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी एए णं बुद्धा बुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया भासासमिया जाव गुत्तबंभयारी एए णं अबुद्धा अबुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे समणोवासया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति एए णं सुदक्खुजागरियं जागरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया जाव सुदक्खुजागरिया ।। ४३८ ।। तए णं से संखे समणोवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमं० एवं वयासी–कोहवसट्टे णं भंते ! जीवे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ किं उवचिणाइ ? संखा ! कोहवसट्टे णं जीवे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ एवं जहा पढमसए असंवुडस्स अणगारस्स जाव अणुपरियट्टइ । माणवसट्टे णं भंते ! जीवे एवं चेव । एवं मायावसट्टेवि, एवं लोभवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ । तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीया तत्था तसिया संसारभउव्विग्गा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता संखं समणोवासयं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति । तए णं ते समणोवासया सेसं जहा आलभियाए जाव पडिगया । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते ! संखे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं सेसं जहा इसिभद्दपुत्तस्स जाव अंतं काहिइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ।। ४३९ ।।

बारसमं सयं बीओ उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं कोसंबी णामं णयरी होत्था वण्णओ, चंदोवतरणे चेइए वण्णओ, तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स

रण्णो पोत्ते सयाणीयस्स रण्णो पुत्ते चेडगस्स रण्णो णत्तुए मियावईए देवीए अत्तए जयंतीए समणोवासियाए भत्तिज्जए उदायणे णामं राया होत्था वण्णओ, तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो सुण्हा सयाणीयस्स रण्णो भज्जा चेडगस्स रण्णो धूया उदायणस्स रण्णो माया जयंतीए समणोवासियाए भाउज्जा मियावई णामं देवी होत्था वण्णओ सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया जाव विहरइ। तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सहस्साणीयस्स रण्णो धूया सयाणीयस्स रण्णो भगिणी उदायणस्स रण्णो पिउच्छा मियावईए देवीए णणंदा वेयालीसावयाणं अरहंताणं पुव्वसिज्जायरी जयंती णामं समणोवासिया होत्था सुकुमाल जाव सुरूवा अभिगय जाव विहरइ ॥ ४४० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! कोसंबिं णयरिं सब्भिंतरबाहिरियं० एवं जहा कूणिओ तहेव सव्वं जाव पज्जुवासइ। तए णं सा जयंती समणोवासिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठतुट्ठा जेणेव मियावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियावइं देविं एवं वयासी–एवं जहा णवमसए उसभदत्तो जाव भविस्सइ। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए जहा देवाणंदा जाव पडिसुणेइ। तए णं सा मियावई देवी कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइय जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सरीरा बहूहिं खुज्जाहिं जाव अंतेउराओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव दुरूढा। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा समाणी णियगपरियाल० जहा उसभदत्तो जाव धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ। तए णं सा मियावई देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं बहूहिं खुज्जाहिं जहा देवाणंदा जाव वंदइ णमंसइ उदायणं रायं पुरओ कट्टु ठिइया चेव जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रण्णो मियावईए देवीए जयंतीए समणोवासियाए तीसे य महइ० जाव धम्मं परिकहेइ जाव परिसा पडिगया उदायणे पडिगए मियावई देवीवि पडिगया॥ ४४१ ॥

तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कहण्णं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति ? जयंती ! पाणाइ-वाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति एवं जहा पढमसए जाव वीईवयंति । भवसिद्धियत्तणं भंते ! जीवाणं किं सभावओ परिणामओ ? जयंती ! सभावओ णो परिणामओ । सव्वेवि णं भंते ! भव-सिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति ? हंता जयंती ! सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति । जइ णं भंते ! सव्वेवि भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति तम्हा णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणं खाइएणं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति णो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भवस्सइ ? जयंती ! से जहाणामए सव्वागास-सेढी सिया अणाइया अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा णं परमाणुपोग्गलमेत्तेहिं खंडेहिं समए २ अवहीरमाणी २ अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहिया सिया, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ–सव्वेवि णं भव-सिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति णो चेव णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ । सुत्तत्तं भंते ! साहू जागरियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जाव साहू ? जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिट्ठा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपलज्जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, एए णं जीवा सुत्ता समाणा णो बहूणं पाणभूयजीवसत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्टंति, एए णं जीवा सुत्ता समाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा णो बहूहिं अहम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एएसिं जीवाणं सुत्तत्तं साहू । जयंती ! जे इमे जीवा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, एए णं जीवा जागरा समाणा बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टंति, ते णं जीवा जागरमाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा बहूहिं धम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा जागरमाणा

धम्मजागरियाए अप्पाणं जागरइत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू । बलियत्तं भंते ! साहू, दुब्बलियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं बलियत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव साहू ? जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू, एए णं जीवा एवं जहा सुत्तस्स तहा दुब्बलियस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, बलियस्स जहा जागरस्स तहा भाणियव्वं जाव संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं बलियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू । दक्खत्तं भंते ! साहू आलसियत्तं साहू ? जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं दक्खत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं आलसियत्तं साहू । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू ? जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं आलसियत्तं साहू, एए णं जीवा आलसा समाणा णो बहूणं जहा सुत्ता तहा आलसा भाणियव्वा, जहा जागरा तहा दक्खा भाणियव्वा जाव संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा दक्खा समाणा बहूहिं आयरियवेयावच्चेहिं उवज्झाय० थेर० तवस्सि० गिलाणवेयावच्चेहि सेहवेयावच्चेहिं कुलवेयावच्चेहिं गणवेयावच्चेहिं संघवेयावच्चेहिं साहम्मियवेयावच्चेहिं अत्ताणं संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं दक्खत्तं साहू, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव साहू । सोइंदियवसट्टे णं भंते ! जीवे किं बंधइ ? एवं जहा कोहवसट्टे तहेव जाव अणुपरियट्टइ । एवं चक्खिंदियवसट्टेवि, एवं जाव फासिंदियवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ । तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा सेसं जहा देवाणंदाए तहेव पव्वइया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥४४२॥

बारसमं सयं तइओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पढमा दोच्चा जाव सत्तमा । पढमा णं भंते ! पुढवी किंणामा किंगोत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! घम्मा णामेणं रयणप्पभा गोत्तेणं, एवं जहा जीवाभिगमे पढमो णेरइयउद्देसओ सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पाबहुगंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४४३॥

बारसमं सयं चउत्थो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–दो भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति एगयओ साहण्णित्ता किं भवइ ? गोयमा ! दुप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा कज्जइ एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ। तिण्णि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति २ त्ता किं भवइ ? गोयमा ! तिपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति। चत्तारि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति० पुच्छा, गोयमा ! चउपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवंति। पंच भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! पंचपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पंचहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णिपरमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे पंच परमाणुपोग्गला भवंति। छब्भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! छप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा तिण्णि दुपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवंति एगयओ दो दुप्पएसिया खंधा भवंति,

पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवंति। सत्त भंते! परमाणु-पोग्गला० पुच्छा, गोयमा! सत्तपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव सत्तहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ, अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले, एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एग-यओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणु-पोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, सत्तहा कज्जमाणे सत्त परमाणुपोग्गला भवंति। अट्ठ भंते! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा! अट्ठपएसिए खंधे भवइ जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा दो चउप्प-एसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवंति एग-यओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुणोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि-परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दोण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ

दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ अट्ठहा कज्जमाणे अट्ठ परमाणुपोग्गला भवंति । णव भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! जाव णवविहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ, एवं एक्केक्कं संचारेंतेहिं जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा तिण्णि तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिण्णि दुप्पएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एग-

यओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ तिण्णि दुप्पएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, णवहा कज्जमाणे णव परमाणुपोग्गला भवंति। दस भंते ! परमाणुपोग्गला० पुच्छा, गोयमा ! जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ णवपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ एवं एक्केक्कं संचारेयव्वंति जाव अहवा दो पंचपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउप्पएसिए० एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो तिपएसिया खंधा० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ तिपएसिए० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिण्णि तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा० एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा

एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणु० एग० दो दुपएसिया खंधा एग० चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे० एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिण्णि दुपएसिया० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा पंच दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिण्णि दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, णवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोग्गला भवंति। संखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति एगयओ साहण्णित्ता किं भवइ? गोयमा! संखेज्जपएसिए खंधे भवइ से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्ज-

पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दसपएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ तिण्णि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा चत्तारि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं एएणं कमेणं पंचगसंजोगोवि भाणियव्वो जाव णवगसंजोगो, दसहा कज्जमाणे एगयओ णव परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए० एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ, एवं एएणं कमेणं एक्केक्को पूरेयव्वो जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ णव संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा दस संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे संखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। असंखेज्जा णं भंते! परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति २ त्ता किं भवइ? गोयमा! असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि असंखेज्जहावि कज्जइ,

दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए० एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिण्णि असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं चउक्कगसंजोगो जाव दसगसंजोगो एए जहेव संखेज्जपएसियस्स णवरं असंखेज्जयं एगं अहिगं भाणियव्वं जाव अहवा दस असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ संखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा दसपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्ज-पएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवइ अहवा संखेज्जा असंखेज्ज-पएसिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे असंखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति। अणंता णं भंते ! परमाणुपोग्गला जाव किं भवइ ? गोयमा ! अणंत-पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव दसहावि संखेज्जहा असंखेज्जहा अणंतहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एग-यओ अणंतपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा दो अणंतपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए० एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए०

एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए० एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा तिण्णि अणंतपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ एवं चउक्कसंजोगो जाव असंखेज्जगसंजोगो, एए सव्वे जहेव असंखेज्जाणं भणिया तहेव अणंताणवि भाणियव्वा णवरं एक्कं अणंतगं अब्भहियं भाणियव्वं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा संखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ असंखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ असंखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ जाव अहवा एगयओ असंखेज्जा संखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ असंखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा असंखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, अणंतहा कज्जमाणे अणंता परमाणुपोग्गला भवंति ॥४४४॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं साहणणाभेयाणुवाएणं अणंताणंता पोग्गलपरियट्टा समणुगंतव्वा भवंतीति मक्खाया ? हंता गोयमा ! एएसि णं परमाणुपोग्गलाणं साहणणाभेयाणु जाव मक्खाया । कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, तंजहा–ओरालियपोग्गलपरियट्टे वेउव्विय० तेयापोग्गलपरियट्टे कम्मापोग्गलपरियट्टे मणपोग्गलपरियट्टे वइपोग्गलपरियट्टे आणापाणुपोग्गलपरियट्टे । णेरइयाणं भंते ! कइविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, तंजहा–ओरालियपोग्गलपरियट्टे वेउव्वियपोग्गलपरियट्टे जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टे, एवं जाव वेमाणियाणं । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरेक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि जस्सऽत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा

तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते! असुरकुमारस्स केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियस्स। एगमेगस्स णं भंते! णेरइयस्स केवइया वेउव्वियपोग्गल-परियट्टा अतीया ? गोयमा! अणंता, एवं जहेव ओरालियपोग्गलपरियट्टा तहेव वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि भाणियव्वा, एवं जाव वेमाणियस्स एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टा, एए एगत्तिया सत्त दंडगा भवंति। णेरइयाणं भंते! केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा! अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टा वेमाणियाणं, एवं एए पोहत्तिया सत्त-चउव्वीसइ दंडगा। एगमेगस्स णं भंते! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया ओरा-लियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? गोयमा! णत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? णत्थि एक्कोवि, एगमेगस्स णं भंते! णेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया ओरा-लियपोग्गलपरियट्टा० ? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स णं भंते! णेरइयस्स पुढविक्काइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरि-यट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि जस्सत्थि तस्स जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते। एगमेगस्स णं भंते! असुरकुमारस्स णेरइयत्ते केवइया अतीया ओरालियपोग्गलपरियट्टा ? एवं जहा णेरइयस्स वत्तव्वया भणिया तहा असुरकुमारस्सवि भाणियव्वा जाव वेमाणियत्ते, एवं जाव थणियकुमारस्स, एवं पुढविकाइयस्सवि, एवं जाव वेमाणियस्स, सव्वेसिं एक्को गमो। एगमेगस्स णं भंते! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? एगुत्तरिया जाव अणंता, एवं जाव थणियकुमारत्ते। पुढविकाइयत्ते पुच्छा, णत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? णत्थि एक्कोवि, एवं जत्थ वेउव्वियसरीरं अत्थि तत्थ एगुत्तरिओ जत्थ णत्थि तत्थ जहा पुढविकाइयत्ते तहा भाणियव्वं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। तेयापोग्गल-परियट्टा कम्मापोग्गलपरियट्टा य सव्वत्थ एगुत्तरिया भाणियव्वा, मणपोग्गल-परियट्टा सव्वेसु पंचिंदिएसु एगुत्तरिया, विगलिंदिएसु णत्थि, वइपोग्गलपरि-

यट्टा एवं चेव, णवरं एगिंदिएसु णत्थि भाणियव्वा। आणापाणुपोग्गलपरियट्टा सव्वत्थ एगुत्तरिया जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते । णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? णत्थि एक्कोवि, केवइया पुरक्खडा ? णत्थि एक्कोवि, एवं जाव थणियकुमारत्ते । पुढविकाइयत्ते पुच्छा, गोयमा ! अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता, एवं जाव मणुस्सत्ते वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा णेरइयत्ते एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवं सत्तवि पोग्गलपरियट्टा भाणियव्वा, जत्थ अत्थि तत्थ अतीयावि पुरक्खडावि अणंता भाणियव्वा, जत्थ णत्थि तत्थ दोवि णत्थि भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते केवइया आणापाणुपोग्गलपरियट्टा अतीया ? अणंता, केवइया पुरक्खडा ? अणंता ॥ ४४५ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–ओरालियपोग्गलपरियट्टे २ ? गोयमा ! जण्णं जीवेणं ओरालियसरीरे वट्टमाणेणं ओरालियसरीरपाउग्गाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं णिविट्ठाइं अभिणिविट्ठाइं अभिसमण्णागयाइं परियाइयाइं परिणामियाइं णिज्जिण्णाइं णिसिरियाइं णिसिट्ठाइं भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ओरालियपोग्गलपरियट्टे २, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि णवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणेणं वेउव्वियसरीरप्पाउग्गाइं सेसं तं चेव सव्वं एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टे, णवरं आणापाणुपाउग्गाइं सव्वदव्वाइं आणापाणुत्ताए सेसं तं चेव । ओरालियपोग्गलपरियट्टे णं भंते ! केवइकालस्स णिव्वत्तिज्जइ ? गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं एवइकालस्स णिव्वत्तिज्जइ, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि, एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टेवि । एयस्स णं भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्टणिव्वत्तणाकालस्स वेउव्वियपोग्गल० जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टणिव्वत्तणाकालस्स कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मगपोग्गलपरियट्टणिव्वत्तणाकाले, तेयापोग्गलपरियट्टणिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे, ओरालियपोग्गलपरियट्ट० अणंतगुणे, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणे, मणपोग्गल० अणंतगुणे, वइपोग्गल० अणंतगुणे, वेउव्वियपोग्गलपरियट्टणिव्वत्तणाकाले अणंतगुणे ॥ ४४६ ॥ एएसि णं भंते ! ओरालियपोग्गलपरियट्टाणं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेउव्वियपोग्गलपरियट्टा, वइ-

पोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा, मणपोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा, आणापाणुपोग्गल० अणंतगुणा, ओरालियपोग्गल० अणंतगुणा, तेयापोग्गल० अणंतगुणा, कम्मगपोग्गल० अणंतगुणा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं जाव विहरइ ॥४४७॥

बारसमं सयं पंचमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे, एस णं कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवण्णे दुगंधे पंचरसे चउफासे पण्णत्ते। अह भंते ! कोहे १ कोवे २ रोसे ३ दोसे ४ अखमा ५ संजलणे ६ कलहे ७ चंडिक्के ८ भंडणे ९ विवाए १०, एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते। अह भंते ! माणे मए दप्पे थंभे गव्वे अत्तुक्कोसे परपरिवाए उक्कासे अवक्कासे उण्णए उण्णामे दुण्णामे १२, एस णं कइवण्णे ४ प० ? गोयमा ! पंचवण्णे जहा कोहे तहेव। अह भंते ! माया उवही णियडी वलए गहणे णूमे कक्के कुरूए जिम्हे किब्बिसे १० आयरणया गूहणया वंचणया पलिउंचणया साइजोगे य १५, एस णं कइवण्णे ४ प० ? गोयमा ! पंचवण्णे जहेव कोहे। अह भंते ! लोभे इच्छा मुच्छा कंखा गेही तण्हा भिज्झा अभिज्झा आसासणया पत्थणया १० लालप्पणया कामासा भोगासा जीवियासा मरणासा णंदिरागे १६, एस णं कइवण्णे ४ प० ? गोयमा ! जहेव कोहे। अह भंते ! पेज्जे दोसे कलहे जाव मिच्छादंसणसल्ले एस णं कइवण्णे ४ प० ? जहेव कोहे तहेव जाव चउफासे ॥४४८॥ अह भंते ! पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे, कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे एस णं कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! अवण्णे अगंधे अरसे अफासे पण्णत्ते। अह भंते ! उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया परिणामिया एस णं कइवण्णा ४ प० ? तं चेव जाव अफासा पण्णत्ता। अह भंते ! उग्गहे ईहा अवाए धारणा एस णं कइवण्णा ४ प० ? एवं चेव जाव अफासा पण्णत्ता। अह भंते ! उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे एस णं कइवण्णे ४ प० ? तं चेव जाव अफासे पण्णत्ते। सत्तमे णं भंते ! उवासंतरे कइवण्णे ४ प० ? एवं चेव जाव अफासे पण्णत्ते। सत्तमे णं भंते ! तणुवाए कइवण्णे ४ प० ? जहा पाणाइवाए, णवरं अट्ठफासे पण्णत्ते, एवं जहा सत्तमे तणुवाए तहा

सत्तमे घणवाए घणोदही पुढवी, छट्ठे उवासंतरे अवण्णे, तणुवाए जाव छट्ठो पुढवी एयाइं अट्ठ फासाइं, एवं जहा सत्तमाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया तहा जाव पढमाए पुढवीए भाणियव्वं, जंबुद्दीवे २ जाव सयंभुरमणे समुद्दे, सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारा पुढवी, णेरइयवासा जाव वेमामाणियावासा एयाणि सव्वाणि अट्ठफासाणि। णेरइया णं भंते! कइवण्णा जाव कइफासा पण्णत्ता? गोयमा! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च पंचवण्णा पंचरसा दुगंधा चउफासा पण्णत्ता, जीवं पडुच्च अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा! ओरालियतेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च जहा णेरइयाणं, जीवं पडुच्च तहेव, एवं जाव चउरिंदिया, णवरं वाउक्काइया ओरालियवेउव्वियतेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, सेसं जहा णेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा वाउक्काइया। मणुस्साणं पुच्छा, ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगाइं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं जीवं च पडुच्च जहा णेरइयाणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया, धम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए एए सव्वे अवण्णा णवरं पोग्गलत्थिकाए पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे पण्णत्ते, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए एयाणि चउफासाणि। कण्हलेस्सा णं भंते! कइवण्णा० पुच्छा? गोयमा! दव्वलेसं पडुच्च पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, भावलेसं पडुच्च अवण्णा ४, एवं जाव सुक्कलेस्सा, सम्मदिट्ठी ३ चक्खुदंसणे ४ आभिणिबोहियणाणे ५ जाव विभंगणाणे आहारसण्णा जाव परिग्गहसण्णा एयाणि अवण्णाणि ४, ओरालियसरीरे जाव तेयगसरीरे एयाणि अट्ठफासाणि, कम्मगसरीरे चउफासे, मणजोगे वइजोगे य चउफासे, कायजोगे अट्ठफासे, सागारोवओगे य अणागारोवओगे य अवण्णा। सव्वदव्वा णं भंते? कइवण्णा० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवण्णा जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा पंचवण्णा जाव चउफासा पण्णत्ता अत्थेगइया सव्वदव्वा एगवण्णा एगगंधा एगरसा दुफासा पण्णत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता, एवं सव्वपएसावि सव्वपज्जवावि, तीयद्धा अवण्णा जाव अफासा पण्णत्ता, एवं अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि ॥ ४४९ ॥ जीवे णं भंते! गब्भं वक्कममाणे कइवण्णं कइगंधं कइरसं कइफासं परिणामं परिण॰

मइ ? गोयमा ! पंचवण्णं पंचरसं दुगंधं अट्ठफासं परिणामं परिणमइ ॥४५०॥ कम्मओ णं भंते ! जीवे णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ कम्मओ णं जए णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ ? हंता गोयमा ! कम्मओ णं तं चेव जाव परिणमइ णोअकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ । सेवं भंते ! २त्ति ॥४५१॥

बारसमं सयं छट्ठो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—बहुजणे णं भंते ! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ—एवं खलु राहू चंदं गेण्हइ एवं० २ । से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं से बहुजणे णं अण्णमण्णस्स जाव मिच्छं ते एवमाहंसु । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं परूवेमि—एवं खलु राहू देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे वरवत्थधरे वरमल्लधरे वरगंधधरे वराभरणधारी, राहुस्स णं देवस्स णव णामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा—सिंघाडए १ जडिलए २ खंभए [खत्तए] ३ खरए ४ दद्दुरे ५ मगरे ६ मच्छे ७ कच्छभे ८ कण्हसप्पे ९, राहुस्स णं देवस्स विमाणा पंचवण्णा पण्णत्ता, तंजहा—किण्हा णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला अत्थि कालए राहुविमाणे खंजणवण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि णीलए राहुविमाणे लाउयवण्णाभे प० अत्थि लोहिए राहुविमाणे मंजिट्ठ-वण्णाभे प० अत्थि पीयए राहुविमाणे हालिद्दवण्णाभे पण्णत्ते, अत्थि सुक्किल्लए राहुविमाणे भासरासिवण्णाभे पण्णत्ते । जया णं राहू आगच्छ-माणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पुरत्थिमेणं आवरेत्ता णं पच्चत्थिमेणं वीईवयइ, तया णं पुरत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ पच्च-त्थिमेणं राहू, जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पच्चत्थिमेणं आवरेत्ताणं पुरत्थिमेणं वीईवयइ, तया णं पच्चत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ पुरत्थिमेणं राहू, एवं जहा पुरत्थिमेणं पच्चत्थिमेण य दो आलावगा भणिया तहा दाहिणेणं उत्तरेण य दो आला-वगा भाणियव्वा, एवं उत्तरपुरत्थिमेणं दाहिणपच्चत्थिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा, एवं दाहिणपुरत्थिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेण य दो आलावगा भाणि-यव्वा एवं चेव जाव तया णं उत्तरपच्चत्थिमेणं चंदे उवदंसेइ दाहिणपुरत्थिमेणं राहू, जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति—एवं

खलु राहू चंदं गेण्हइ एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेस्सं आवरेत्ताणं पासेणं वीईवयइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति-एवं खलु चंदेणं राहुस्स कुच्छी भिण्णा एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेस्सं आवरेत्ताणं पच्चोसक्कइ तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति-एवं खलु राहुणा चंदे वंते एवं०, जया णं राहू आगच्छमाणे वा जाव परियारेमाणे वा चंदलेस्सं अहे सपक्खि सपडिदिसिं आवरेत्ताणं चिट्ठइ, तया णं मणुस्सलोए मणुस्सा वयंति--एवं खलु राहुणा चंदे घत्थे एवं०। कइविहे णं भंते ! राहू पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे राहू पण्णत्ते, तंजहा-धुवराहू य पव्वराहू य, तत्थ णं जे से धुवराहू से णं बहुलपक्खस्स पाडिवए पण्णरसइभागेणं पण्णरसइभागं चंदस्स लेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठइ, तंजहा--पढमाए-पढमं भागं बिइयाए बिइयं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसमं भागं, चरिमसमए चंदे रत्ते भवइ अवसेसे समए चंदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तमेव सुक्कपक्खस्स उवदंसेमाणे २ चिट्ठइ पढमाए पढमं भागं जाव पण्णरसेसु पण्णरसमं भागं, चरिमसमए चंदे विरत्ते भवइ अवसेसे समए चंदे रत्ते वा विरत्ते वा भवइ, तत्थ णं जे से पव्वराहू से जहण्णेणं छण्हं मासाणं उक्कोसेणं बायालीसाए मासाणं चंदस्स, अडयालीसाए संवच्छराणं सूरस्स ॥४५२॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-चंदे ससी २ ? गोयमा ! चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरण्णो मियंके विमाणे कंता देवा कंताओ देवीओ कंताइं आसणसयणखंभभंडमत्तोवगरणाइं अप्पणावि य णं चंदे जोइसिंदे जोइसराया सोमे कंते सुभए पियदंसणे सुरूवे से तेणट्ठेणं जाव ससी ॥४५३॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ--सूरे आइच्चे सूरे० ? गोयमा ! सूराइया णं समयाइ वा आवलियाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा अवसप्पिणीइ वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव आइच्चे० २ ॥४५४॥ चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो कइ अग्गमहिसीओ पण्णत्ताओ ? जहा दसमसए जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं । सूरस्सवि तहेव । चंदिमसूरिया णं भंते ! जोइसिंदा जोइसरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! -से जहाणामए केइ पुरिसे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थे पढमजोव्वणुट्ठाणबलत्थाए भारियाए सद्धिं अचिरवत्तविवाहकज्जे अत्थगवेसणयाए सोलसवासविप्पवासिए से णं तओ लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे पुणरवि णियगगिहं हव्वमागए ण्हाए

कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए मणुण्णं थाली-पागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं भोयणं भुत्ते समाणे तंसि तारिसगंसि वासघरंसि वण्णओ महब्बले कुमारे जाव सयणोवयारकलिए ताए तारिसियाए भारियाए सिंगारागारचारुवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुकूलाए सद्धिं इट्ठे सद्दे फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विह-रेज्जा, से णं गोयमा ! पुरिसे विउसमणकालसमयंसि केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? ओरालं समणाओ ! तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स कामभोगेहिंतो वाणमंतराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, वाणमंतराणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, असुरिंदवज्जियाणं भवणवासियाणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरकुमाराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, असुरकुमाराणं देवाणं कामभोगेहिंतो गहगणणक्खत्ततारारूवाणं जोइसियाणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतरा चेव कामभोगा, गहगणणक्खत्त० जाव कामभोगेहिंतो चंदिमसूरियाणं जोइसियाणं जोइसराईणं एत्तो अणंतगुण-विसिट्ठतरा चेव कामभोगा, चंदिमसूरिया णं गोयमा ! जोइसिंदा जोइसरायाणो एरिसे कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव विहरइ ॥ ४५५ ॥

बारसमं सयं सत्तमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी—केमहालए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! महइमहालए लोए पण्णत्ते, पुरत्थिमेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ दाहिणेणं असंखेज्जाओ एवं चेव, एवं पच्चत्थिमेणवि, एवं उत्तरेणवि, एवं उड्ढंपि, अहे असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयाम-विक्खंभेणं । एयंसि णं भंते ! एमहालयंसि लोगंसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गल-मेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वावि ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एयंसि णं एमहालयंसि लोगंसि णत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वावि ? गोयमा ! से जहाणामए—केइ पुरिसे अयासयस्स एगं महं अयावयं करेज्जा, से णं तत्थ जहण्णेणं एक्कं वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं

अयासहस्सं पक्खिवेज्जा, ताओ णं तत्थ पउरगोयराओ पउरपाणियाओ जह-ण्णेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे परिवसेज्जा, अत्थि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केई परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणएण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिएण वा चम्मेहिं वा रोमेहिं वा सिंगेहिं वा खुरेहिं वा णहेहिं वा अणवक्कंतपुव्वे भवइ ? भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे । होज्जावि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केई परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा जाव णहेहिं वा अणवक्कंतपुव्वे णो चेव णं एयंसि एमहालयंसि लोगंसि लोगस्स य सासयं भावं संसारस्स य अणाइभावं जीवस्स य णिच्चभावं कम्मबहुत्तं जम्मणमरणबाहुल्लं च पडुच्च णत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा ण मए वावि, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव ण मए वावि ॥ ४५६ ॥ कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्ण-त्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ जहा पढमसए पंचमउद्देसए तहेव आवासा ठावेयव्वा जाव अणुत्तरविमाणेत्ति जाव अपराजिए सव्वट्ठ-सिद्धे । अयण्णं भंते ! जीवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि णिरयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए णरगत्ताए णेरइयत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंत-खुत्तो । सव्वजीवा वि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरया-वाससयसहस्सेसु तं चेव जाव अणंतखुत्तो । अयण्णं भंते ! जीवे सक्करप्पभाए पुढवीए पणवीसाए एवं जहा रयणप्पभाए तहेव दो आलावगा भाणियव्वा, एवं जाव धूमप्पभाए । अयण्णं भंते ! जीवे तमाए पुढवीए पंचूणे णिरयावास-सयसहस्से एगमेगंसि सेसं तं चेव, अयण्णं भंते ! जीवे अहेसत्तमाए पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालएसु महाणिरएसु एगमेगंसि णिरयावासंसि सेसं जहा रयणप्पभाए । अयण्णं भंते ! जीवे चउसट्ठीए असुरकुमारावाससय-सहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि पुढविक्काइयत्ताए जाव वणस्सइ-काइयत्ताए देवत्ताए देवित्ताए आसणसयणभंडमत्तोवगरणत्ताए उववण्ण-पुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारेसु, णाणत्तं आवासेसु, आवासा पुव्वभणिया । अयण्णं भंते !

जीवे असंखेज्जेसु पुढविक्काइयावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविक्काइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव वणस्सइकाइएसु । अयण्णं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु बेंदियावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि बेंदियावासंसि पुढविक्काइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए बेइंदियत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवावि णं एवं चेव, एवं जाव मणुस्सेसु, णवरं तेइंदिएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए तेइंदियत्ताए चउरिंदिएसु चउरिंदियत्ताए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ताए मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए सेसं जहा बेंदियाणं, वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणेसु य जहा असुरकुमाराणं । अयण्णं भंते ! जीवे सणंकुमारे कप्पे बारससु विमाणावाससयसहस्सेसु एगमेगंसि वेमाणियावासंसि पुढविकाइयत्ताए सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव अणंतखुत्तो, णो चेव णं देवीत्ताए, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव आणयपाणएसु, एवं आरणच्चुएसुवि । अयण्णं भंते ! जीवे तिसुवि अट्ठारसुत्तरेसु गेविज्जविमाणावाससएसु एवं चेव । अयण्णं भंते ! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि अणुत्तरविमाणंसि पुढवि० तहेव जाव अणंतखुत्तो, णो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए वा एवं सव्वजीवावि । अयण्णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं माइत्ताए पिइत्ताए भाइत्ताए भगिणित्ताए भज्जत्ताए पुत्तत्ताए धूयत्ताए सुण्हत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो । सव्वजीवावि णं भंते ! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो । अयण्णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं अरित्ताए वेरियत्ताए घायगत्ताए वहगत्ताए पडिणीयत्ताए पच्चामित्तत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो । सव्वजीवावि णं भंते ! एवं चेव, अयण्णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं रायत्ताए जुवरायत्ताए जाव सत्थवाहत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! असइं जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवाणं एवं चेव । अयण्णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं दासत्ताए पेसत्ताए भयगत्ताए भाइल्लगत्ताए भोगपुरिसत्ताए सीसत्ताए वेसत्ताए उववण्णपुव्वे ? हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५७ ॥

बारसमं सयं अट्ठमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे अणंतरं चयं चइत्ता बिसरीरेसु णागेसु उववज्जेज्जा ? हंता गोयमा ! उववज्जेज्जा, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए संणिहियपाडिहेरे यावि भवेज्जा ? हंता भवेज्जा। से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सिज्झेज्जा बुज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा ? हंता सिज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा। देवे णं भंते ! महिड्ढिए एवं चेव जाव बिसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा, एवं चेव जहा णागाणं। देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव बिसरीरेसु रुक्खेसु उववज्जेज्जा ? हंता उववज्जेज्जा, एवं चेव, णवरं इमं णाणत्तं जाव सण्णिहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भवेज्जा ? हंता भवेज्जा, सेसं तं चेव जाव अंतं करेज्जा ॥ ४५८ ॥ अह भंते ! गोलंगूलवसभे कुक्कुडवसभे मंडुक्कवसभे एए णं णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जेज्जा ? समणे भगवं महावीरे वागरेइ–उववज्जमाणे उववण्णेत्ति वत्तव्वं सिया। अह भंते ! सीहे वग्घे जहा उस्सप्पिणी उद्देसए जाव परस्सरे एए णं णिस्सीला एवं चेव जाव वत्तव्वं सिया। अह भंते ! ढंके कंके विलए मग्गुए सिखीए, एए णं णिस्सीला० सेसं तं चेव जाव वत्तव्वं सिया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४५९ ॥

बारसमं सयं णवमो उद्देसो

कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा–भवियदव्वदेवा १ णरदेवा २ धम्मदेवा ३ देवाहिदेवा ४ भावदेवा ५। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–भवियदव्वदेवा-भवियदव्वदेवा ? गोयमा ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णरदेवा-णरदेवा ? गोयमा ! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्टी उप्पण्णसमत्तचक्करयणप्पहाणा णवणिहिपइणो समिद्धकोसा बत्तीसं रायवरसहस्साणुयायमग्गा सागरवरमेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा से तेणट्ठेणं जाव णरदेवा २। से

केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–धम्मदेवा-धम्मदेवा ? गोयमा ! जे इमे अणगारा भगवंतो इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी से तेणट्ठेणं जाव धम्मदेवा २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–देवाहिदेवा-देवाहिदेवा ? गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पण्णणाणदंसणधरा जाव सव्वदरिसी से तेणट्ठेणं जाव देवाहिदेवा २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–भावदेवा-भावदेवा ? गोयमा ! जे इमे भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा देवगइणामगोयाइं कम्माइं वेदेंति से तेणट्ठेणं जाव भावदेवा २॥४६०॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्स० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति, भेओ जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, णवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगसव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति। णरदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइए० पुच्छा, गोयमा ! णेरइएहिंतो उववज्जंति णो तिरि० णो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति। जइ णेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति णो सक्कर० जाव णो अहेसत्तमापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति। जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति वाणमंतर० एवं सव्वदेवेसु उववाएयव्वा वक्कंतीभेएणं जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति। धम्मदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो० ? एवं वक्कंतीभेएणं सव्वेसु उववाएयव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, णवरं तमा अहेसत्तमाए तेउवाउअसंखेज्जवासाउयअकम्मभूमियअंतरदीवगवज्जेसु। देवाहिदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति पुच्छा, गोयमा ! णेरइएहिंतो उववज्जंति णो तिरि० णो मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति। जइ णेरइएहिंतो ? एवं तिसु पुढवीसु उववज्जंति सेसाओ खोडेयव्वाओ। जइ देवेहिंतो० वेमाणिएसु सव्वेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, सेसा खोडेयव्वा। भावदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए भवणवासीणं उववाओ तहा भाणियव्वो॥४६१॥ भवियदव्वदेवाणं

भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। णरदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं सत्त वाससयाइं उक्कोसेणं चउरासीई पुव्वसयसहस्साइं। धम्मदेवाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी। देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं बावत्तरिं वासाइं उक्कोसेणं चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं। भावदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ॥ ४३२ ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवं वा जाव पंचिंदियरूवं वा पुहुत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवाणि वा जाव पंचिंदियरूवाणि वा ताइं संखेज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा संबद्धाणि वा असंबद्धाणि वा सरिसाणि वा असरिसाणि वा विउव्वंति विउव्वित्ता तओ पच्छा अप्पणो जहिच्छियाइं कज्जाइं करेंति, एवं णरदेवावि, एवं धम्मदेवावि। देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए णो चेव णं संपत्तीए विउव्विंसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा। भावदेवाणं पुच्छा, जहा भवियदव्वदेवा ॥४६३॥ भवियदव्वदेवाणं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं णेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जंति णो तिरि० णो मणु० देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति सव्वदेवेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति। णरदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा ! णेरइएसु उववज्जंति णो तिरि० णो मणु० णो देवेसु उववज्जंति, जइ णेरइएसु उववज्जंति० सत्तसुवि पुढवीसु उववज्जंति। धम्मदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जंति णो तिरि० णो मणु० देवसु उववज्जंति। जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा ! णो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति णो वाणमंतर० णो जोइसिय० वेमाणियदेवेसु उववज्जंति, सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति। देवाहिदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! सिज्झंति जाव अंतं करेंति। भावदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, जहा वक्कंतीए

असुरकुमाराणं उव्वट्टणा तहा भाणियव्वा। भवियदव्वदेवे णं भंते! भविय-दव्वदेवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, एवं जहेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणावि जाव भावदेवस्स, णवरं धम्मदेवस्स जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी। भविय-दव्वदेवस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं दसवास-सहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो। णर-देवाणं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं उक्कोसेणं अणंतं कालं अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। धम्मदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। देवाहिदेवाणं पुच्छा, गोयमा! णत्थि अंतरं। भावदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो। एएसि णं भंते! भवियदव्वदेवाणं णरदेवाणं जाव भावदेवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा णरदेवा, देवाहिदेवा संखेज्जगुणा, धम्मदेवा संखेज्ज-गुणा, भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा, भावदेवा असंखेज्जगुणा॥४६४॥ एएसि णं भंते! भावदेवाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव अच्चुयगाणं गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा, उवरिम-गेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा, मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा, अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे भावदेवा संखेज्ज-गुणा एवं जहा जीवाभिगमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोइसिया भाव-देवा असंखेज्जगुणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥४६५॥

बारसमं सयं दसमो उद्देसो

कइविहा णं भंते! आया पण्णत्ता? गोयमा! अट्ठविहा आया पण्णत्ता, तंजहा—दवियाया कसायाया जोगाया उवओगाया णाणाया दंसणाया चरित्ताया वीरियाया। जस्स णं भंते! दवियाया तस्स कसायाया जस्स कसायाया तस्स दवियाया? गोयमा! जस्स दवियाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण कसायाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि। जस्स णं भंते! दवियाया तस्स जोगाया? एवं जहा दवियाया कसायाया भणिया तहा दवि-

याया जोगाया भाणियव्वा। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स उवओगाया एवं सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स उवओगाया णियमं अत्थि, जस्सवि उवओगाया तस्सवि दवियाया णियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स पुण णाणाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स दंसणाया णियमं अत्थि, जस्सवि दंसणाया तस्स दवियाया णियमं अत्थि, जस्स दवियाया तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्स दवियाया णियमं अत्थि, एवं वीरियायाएवि समं। जस्स णं भंते ! कसायाया तस्स जोगाया पुच्छा, गोयमा ! जस्स कसायाया तस्स जोगाया णियमं अत्थि, जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय णत्थि, एवं उवओगायाएवि समं कसायाया णेयव्वा, कसासाया य णाणाया य परोप्परं दोवि भइयव्वाओ, जहा कसायाया य उवओगाया य तहा कसायाया य दंसणाया य कसायाया य चरित्ताया य दोवि परोप्परं भइयव्वाओ, जहा कसायाया य जोगाया य तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ, एवं जहा कसायाए वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाएवि उवरिमाहिं समं भाणियव्वाओ। जहा दवियायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवओगायाएवि उवरिल्लाहिं समं भाणियव्वा। जस्स णाणाया तस्स दंसणाया णियमं अत्थि, जस्स पुण दंसणाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स णाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण चरित्ताया तस्स णाणाया णियमं अत्थि, णाणाया वीरियाया दोवि परोप्परं भयणाए। जस्स दंसणाया तस्स उवरिमाओ दोवि भयणाए, जस्स पुण ताओ तस्स दंसणाया णियमं अत्थि। जस्स चरित्ताया तस्स वीरियाया णियमं अत्थि, जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय णत्थि। एयासि णं भंते ! दवियायाणं कसायायाणं जाव वीरियायाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ, णाणायाओ अणंतगुणाओ, कसायायाओ अणंतगुणाओ, जोगायाओ विसेसाहियाओ, वीरियायाओ विसेसाहियाओ; उवओगदवियदंसणायाओ तिण्णिवि तुल्लाओ विसेसाहियाओ ॥४६६॥ आया भंते ! णाणे अण्णाणे ? गोयमा ! आया सिय णाणे सिय अण्णाणे, णाणे पुण णियमं आया। आया भंते ! णेरइयाणं णाणे अण्णे णेरइयाणं णाणे ? गोयमा ! आया णेरइयाणं सिय णाणे सिय अण्णाणे, णाणे पुण

से णियमं आया, एवं जाव थणियकुमाराणं । आया भंते ! पुढविकाइयाणं अण्णाणे अण्णे पुढविकाइयाणं अण्णाणे ? गोयमा ! आया पुढविकाइयाणं णियमं अण्णाणे अण्णाणेवि णियमं आया, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियतेइंदिय जाव वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं । आया भंते ! दंसणे अण्णे दंसणे ? गोयमा ! आया णियमं दंसणे दंसणेवि णियमं आया । आया भंते ! णेरइयाणं दंसणे अण्णे णेरइयाणं दंसणे ? गोयमा ! आया णेरइयाणं णियमं दंसणे दंसणेवि से णियमं आया, एवं जाव वेमाणियाणं णिरंतरं दंडओ ॥४६७॥ आया भंते ! रयणप्पभापुढवी अण्णा रयणप्पभापुढवी ? गोयमा ! रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय णो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–रयणप्पभापुढवी सिय आया सिय णो आया सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं रयणप्पभापुढवी आयाइ य णो आयाइ य, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव णो आयाइ य । आया भंते ! सक्करप्पभापुढवी जहा रयणप्पभापुढवी तहा सक्करप्पभावि एवं जाव अहे सत्तमा । आया भंते ! सोहम्मकप्पे पुच्छा, गोयमा ! सोहम्मे कप्पे सिय आया सिय णो आया जाव णो आयाइ य । से केणट्ठेणं भंते ! जाव णो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया, परस्स आइट्ठे णो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव णो आयाइ य, एवं जाव अच्चुए कप्पे । आया भंते ! गेविज्जविमाणे अण्णे गेविज्जविमाणे ? एवं जहा रयणप्पभापुढवी तहेव, एवं अणुत्तरविमाणावि, एवं ईसिपब्भारावि । आया भंते ! परमाणुपोग्गले अण्णे परमाणुपोग्गले ? एवं जहा सोहम्मे कप्पे तहा परमाणुपोग्गलेवि भाणियव्वे । आया भंते ! दुपएसिए खंधे अण्णे दुपएसिए खंधे ? गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय आया १ सिय णो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ सिय आया य णो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ५ सिय णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ६ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं तं चेव जाव णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे णो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे

अवत्तव्वं दुपएसिए खंधे आयाइ य णो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भाव-पज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे दुप्पएसिए खंधे आया य णो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ५ देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ६, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव णो आयाइ य। आया भंते! तिप-एसिएं खंधे अण्णे तिपएसिए खंधे? गोयमा! तिपएसिए खंधे सिय आया १ सिय णो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ सिय आया य णो आया य ४ सिय आया य णो आयाओ य ५ सिय आयाओ य णो आया य ६ सिय आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ७ सिय आया य अव-त्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ८ सिय आयाओं य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ९ सिय णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १० सिय णो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ११ सिय णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १२ सिय आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १३। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव सिय आया य णो आया य अव-त्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य? गोयमा! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे णो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णो आया य ४ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठा असब्भावपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य णो आयाओ य ५ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य णो आया य ६ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ९, एए तिण्णि भंगा, देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णो आया

य आवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १० देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे णो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य ११ देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १२ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–तिपएसिए खंधे सिय आया तं चेव जाव णो आयाइ य। आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे अण्णे० पुच्छा, गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय आया १ सिय णो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ सिय आया य णो आया य ४, ४–७ सिय आया य अवत्तव्वं ४, ८–१२ सिय णो आया य अवत्तव्वं ४, १२–१५ सिय आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १६ सिय आया य णो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य १७ सिय आया य णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १८ सिय आयाओ य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य १९। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय आया य णो आया य अवत्तव्वं तं चेव अट्ठे पडि-उच्चारेयव्वं ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे णो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे चउभंगो, सब्भावपज्जवेणं तदु-भएण य चउभंगो असब्भावेणं तदुभएण य चउभंगो, देसे आइट्ठे सब्भाव-पज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पए-सिए खंधे आया य णो आया य अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य, देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खंधे आया य णो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य णो आयाओ य १७ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य णो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य णोआयाइ य १८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आयाओ य णोआया य अवत्तव्वं

आयाइ य णो आयाइ य १९, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–चउप्पएसिए खंधे सिय आया सिय णो आया सिय अवत्तव्वं णिक्खेवे ते चेव भंगा उच्चारे-यव्वा जाव णो आयाइ य । आया भंते ! पंचपएसिए खंधे अण्णे पंचपएसिए खंधे ? गोयमा ! पंचपएसिए खंधे सिय आया १ सिय णो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य णो आयाइ य ३ सिय आया य णो आया य ४ सिय आयाय अवत्तव्वं ४ णो आयाय अवत्तव्वेण य तियगसंजोगे एक्को ण पडइ । से केणट्ठेणं भंते ! तं चेव पडिउच्चारेयव्वं ? गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे णो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे एवं दुयगसंजोगे सव्वे पडंति तियगसंजोगे एक्को ण पडइ । छप्पएसियस्स सव्वे पडंति जहा छप्पएसिए एवं जाव अणंतपएसिए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ४६८ ॥

बारसमं सयं समत्तं

तेरसमं सयं पढमो उद्देसो

पुढवी १ देव २ मणंतर ३ पुढवी ४ आहारमेव ५ उववाए ६ । भासा ७ कम्म ८ अणगारे केयाघडिया ९ समुग्घाए १० । रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं णिरयावाससय-सहस्सा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति १ ? केवइया काउलेस्सा उववज्जंति २ ? केवइया कण्हपक्खिया उववज्जंति ३ ? केवइया सुक्कपक्खिया उववज्जंति ४ ? केवइया सण्णी उववज्जंति ५ ? केवइया असण्णी उववज्जंति ६ ? केवइया भवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ७ ? केवइया अभवसिद्धिया जीवा उववज्जंति ८ ? केव-इया आभिणिबोहियणाणी उववज्जंति ९ ? केवइया सुयणाणी उववज्जंति १० ? केवइया ओहिणाणी उववज्जंति ११ ? केवइया मइअण्णाणी उव-

वज्जंति १२ ? केवइया सुयअण्णाणी उववज्जंति १३ ?केवइया विभंगणाणी उववज्जंति १४ ? केवइया चक्खुदंसणी उववज्जंति १५ ? केवइया अचक्खुदंसणी उववज्जंति १६ ? केवइया ओहिदंसणी उववज्जंति १७ ? केवइया आहारसण्णोवउत्ता उववज्जंति १८ ? केवइया भयसण्णोवउत्ता उववज्जंति १९ ? केवइया मेहुणसण्णोवउत्ता उववज्जंति २० ? केवइया परिग्गहसण्णोवउत्ता उववज्जंति २१ ? केवइया इत्थिवेयगा उववज्जंति २२ ? केवइया पुरिसवेयगा उववज्जंति २३ ? केवइया णपुंसगवेयगा उववज्जंति २४ ? केवइया कोहकसाई उववज्जंति २५ जाव केवइया लोभकसाई उववज्जंति २८ ? केवइया सोइंदियउवउत्ता उववज्जंति २९ जाव केवइया फासिंदियोवउत्ता उववज्जंति ३३ ? केवइया णोइंदियोवउत्ता उववज्जंति ३४ ? केवइया मणजोगी उववज्जंति ३५ ? केवइया वइजोगी उववज्जंति ३६ ? केवइया कायजोगी उववज्जंति ३७ ? केवइया सागारोवउत्ता उववज्जंति ३८ ? केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ३९ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णेरइया उववज्जंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उववज्जंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा कण्हपक्खिया उववज्जंति,एवं सुक्कपक्खियावि, एवं सण्णीवि, एवं असण्णीवि, एवं भवसिद्धिया एवं अभवसिद्धिया, आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी एवं चेव, चक्खुदंसणी ण उववज्जंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खुदंसणी उववज्जंति, एवं ओहिदंसणीवि, एवं आहारसण्णोवउत्तावि जाव परिग्गहसण्णोवउत्तावि, इत्थीवेयगा ण उववज्जंति पुरिसवेयगावि ण उववज्जंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णपुंसगवेयगा उववज्जंति, एवं कोहकसाई जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता ण उववज्जंति एवं जाव फासिंदिओवउत्ता ण उववज्जंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णोइंदिओवउत्ता उववज्जंति, मणजोगी ण उववज्जंति, एवं वइजोगीवि, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उववज्जंति, एवं सागारोवउत्तावि

एवं अणागारोवउत्तावि। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उववट्टंति, केवइया काउलेस्सा उववट्टंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उव्वट्टंति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णेरइया उववट्टंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा काउलेस्सा उव्वट्टंति, एवं जाव सण्णी, असण्णी ण उव्वट्टंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा भवसिद्धिया उव्वट्टंति एवं जाव सुयअण्णाणी विभंगणाणी ण उववट्टंति, चक्खुदंसणी ण उव्वट्टंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अचक्खुदंसणी उव्वट्टंति, एवं जाव लोभकसाई, सोइंदियउवउत्ता ण उव्वट्टंति एवं जाव फासिंदियोवउत्ता ण उव्वट्टंति, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा णोइंदियोवउत्ता उव्वट्टंति, मणजोगी ण उव्वट्टंति एवं वइजोगीवि, जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा कायजोगी उव्वट्टंति, एवं सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु केवइया णेरइया पण्णत्ता ? केवइया काउलेस्सा प० जाव केवइया अणागारोवउत्ता पण्णत्ता ? केवइया अणंतरोववण्णगा पण्णत्ता १ ? केवइया परंपरोववण्णगा पण्णत्ता २ ? केवइया अणंतरोवगाढा पण्णत्ता ३ ? केवइया परंपरोवगाढा प० ४ ? केवइया अणंतराहारा प० ५ ? केवइया परंपराहारा प० ६ ? केवइया अणंतरपज्जत्ता प० ७ ? केवइया परंपरपज्जत्ता पण्णत्ता ८ ? केवइया चरिमा प० ९ ? केवइया अचरिमा प० १० ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु संखेज्जा णेरइया प०, संखेज्जा काउलेस्सा प०, एवं जाव संखेज्जा सण्णी प०, असण्णी सिय अत्थि सिय णत्थि जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा प०, संखेज्जा भवसिद्धिया प०, एवं जाव संखेज्जा परिग्गहसण्णोवउत्ता प०, इत्थिवेयगा णत्थि पुरिसवेयगा णत्थि, संखेज्जा णपुंसगवेयगा प०, एवं कोहकसाईवि, माणकसाई जहा असण्णी, एवं जाव लोभकसाई, संखेज्जा सोइंदियोवउत्ता प०, एवं जाव फासिंदियोवउत्ता, णोइंदियोवउत्ता जहा असण्णी, संखेज्जा

मणजोगी प०। एवं जाव अणागारोवउत्ता, अणंतरोववण्णगा सिय अत्थि सिय णत्थि जइ अत्थि जहा असण्णी, संखेज्जा परंपरोववण्णगा प०, एवं जहा अणंतरोववण्णगा तहा अणंतरोवगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्जत्तगा चरिमा, परंपरोवगाढगा जाव अचरिमा जहा परंपरोववण्णगा। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु णरएसु एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति जाव केवइया अणागारोवउत्ता उववज्जंति ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु असंखेज्जवित्थडेसु णरएसु एगसमएणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं असंखेज्जा णेरइया उववज्जंति, एवं जहेव संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा, तहा असंखेज्जवित्थडेसु वि तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं असंखेज्जा भाणियव्वा सेसं तं चेव जाव असंखेज्जा अचरिमा प०, णवरं संखेज्जवित्थडेसुवि असंखेज्जवित्थडेसुवि ओहिणाणी ओहिदंसणी य संखेज्जा उव्वट्टावेयव्वा, सेसं तं चेव। सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए केवइया णिरयावास० पुच्छा, गोयमा ! पणवीसं णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा ? असंखेज्जवित्थडा ? एवं जहा रयणप्पभाए तहा सक्करप्पभाएवि णवरं असण्णी तिसुवि गमएसु ण भण्णइ, सेसं तं चेव। वालुयप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! पण्णरस णिरयावाससयसहस्सा प०, सेसं जहा सक्करप्पभाए णाणत्तं लेसासु लेसाओ जहा पढमसए। पंकप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! दस णिरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा सक्करप्पभाए णवरं ओहिणाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्टंति, सेसं तं चेव। धूमप्पभाए णं पुच्छा, गोयमा ! तिण्णि णिरयावाससयसहस्सा एवं जहा पंकप्पभाए। तमाए णं भंते ! पुढवीए केवइया णिरयावास० पुच्छा, गोयमा ! एगे पंचूणे णिरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, सेसं जहा पंकप्पभाए। अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए कइ अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरा जाव अपइट्ठाणे, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महइमहालया जाव महाणिरएसु संखेज्जवित्थडे णरए एगसमएणं केवइया णेरइया उववज्जंति ? एवं जहा पंकप्पभाए णवरं तिसु णाणेसु ण उववज्जंति ण उव्वट्टंति, पण्णत्तएसु तहेव अत्थि, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि

णवरं असंखेज्जा भाणियव्वा ॥४६९॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु किं सम्मद्दिट्ठी णेरइया उववज्जंति मिच्छदिट्ठी णेरइया उववज्जंति सम्मामिच्छदिट्ठी णेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि णेरइया उववज्जंति, मिच्छादिट्ठीवि णेरइया उववज्जंति, णो सम्मामिच्छदिट्ठी णेरइया उववज्जंति। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु णरएसु किं सम्मदिट्ठी णेरइया उव्वट्टंति ? एवं चेव। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडा णरगा किं सम्मद्दिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया सम्मामिच्छदिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया वा ? गोयमा ! सम्मद्दिट्ठीहिवि णेरइएहिं अविरहिया मिच्छादिट्ठीहिवि णेरइएहिं अविरहिया, सम्मामिच्छादिट्ठीहिं णेरइएहिं अविरहिया विरहिया वा, एवं असंखेज्जवित्थडेसु वि तिण्णि गमगा भाणियव्वा एवं सक्करप्पभाएवि, एवं जाव तमाएवि। अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु जाव संखेज्जवित्थडेसु णरए किं सम्मद्दिट्ठी णेरइया पुच्छा, गोयमा ! सम्मद्दिट्ठी णेरइया ण उववज्जंति, मिच्छादिट्ठी णेरइया उववज्जंति, सम्मामिच्छदिट्ठी णेरइया ण उववज्जंति, एवं उव्वट्टंतिवि, अविरहिए जहेव रयणप्पभाए, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिण्णि गमगा॥ ४७०॥ से णूणं भंते ! कण्हलेस्से णीललेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति, हंता, गोयमा ! कण्हलेस्से जाव उववज्जंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ कण्हलेस्से जाव उववज्जंति? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु २ कण्हलेसं परिणमइ २ त्ता कण्हलेसेसु णेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति। से णूणं भंते ! कण्हलेस्से जाव सुक्कलेस्से भवित्ता णीललेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति ? हंता गोयमा ! जाव उववज्जंति, से केणट्ठेणं जाव उववज्जंति ? गोयमा ! लेस्सट्ठाणेसु संकिलिस्समाणेसु वा विसुज्झमाणेसु णीललेस्सं परिणमइ २ त्ता णीललेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उववज्जंति। से णूणं भंते ! कण्हलेस्से णीललेस्से जाव भवित्ता काउलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जंति? एवं जहा णीललेस्साए तहा काउलेस्साएवि भाणियव्वा जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति॥ ४७१॥

तेरसमं सयं बीओ उद्देसो

कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा देवा पण्णत्ता, तंजहा–भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया । भवणवासी णं भंते ! देवा कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तंजहा–असुरकुमारा एवं भेओ जहा बिइयसए देवुद्देसए जाव अपराजिया सव्वट्ठसिद्धगा । केवइया णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! चोसट्ठिं असुरकुमारा-वाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा ? असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि । चोसट्ठीए णं भंते ! असुर-कुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु एगसमएणं केवइया असुरकुमारा उववज्जंति जाव केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति केवइया कण्ह पक्खिया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए तहेव पुच्छा, तहेव वागरणं, णवरं दोहिं वेदेहिं उववज्जंति,णपुंसगवेयगा ण उववज्जंति, सेसं तं चेव, उव्वट्टंतगावि तहेव णवरं असण्णी उव्वट्टंति, ओहिणाणी ओहिदंसणी य ण उव्वट्टंति, सेसं तं चेव पण्णत्तएसु तहेव णवरं संखेज्जगा इत्थिवेयगा पण्णत्ता, एवं पुरिसवेयगा वि, णपुंसगवेयगा णत्थि, कोहकसाई सिय अत्थि सिय णत्थि जइ अत्थि जह-ण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा पण्णत्ता, एवं माण माया संखेज्जा लोभकसाई पण्णत्ता, सेसं तं चेव तिसुवि गमएसु संखेज्जवित्थडेसु चत्तारि लेस्साओ भाणियव्वाओ, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि णवरं तिसुवि गम-एसु असंखेज्जा भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अचरिमा पण्णत्ता । केवइया णं भंते ! णागकुमारावास० एवं जाव थणियकुमारावास णवरं जत्थ जत्तिया भवणा । केवइया णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरावाससयसहस्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडा णो असंखेज्जवित्थडा । संखेज्जेसु णं भंते ! वाणमंतरावाससयसहस्सेसु एगसमएणं केवइया वाणमंतरा उव-वज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा तहेव भाणियव्वा वाणमंतराणवि तिण्णि गमगा । केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणा-वाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसह-स्सा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा० ? एवं जहा वाणमंतराणं

तहा जोइसियाणंवि तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं एगा तेउलेस्सा, उववज्जं-तेसु पण्णत्तेसु य असण्णी णत्थि, सेसं तं चेव । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखे-ज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, सोहम्मे णं भंते ! कप्पे बत्तीसाए विमाणा-वाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु विमाणेसु एगसमएणं केवइया सोहम्मगा देवा उववज्जंति केवइया तेउलेस्सा उववज्जंति ? एवं जहा जोइसियाणं तिण्णि गमगा तहेव तिण्णि गमगा भाणियव्वा, णवरं तिसुवि संखेज्जा भाणियव्वा, ओहिणाणी ओहिदंसणी य चयावेयव्वा, सेसं तं चेव । असंखेज्जवित्थडेसु एवं चेव तिण्णि गमगा णवरं तिसुवि गमएसु असंखेज्जा भाणियव्वा, ओहिणाणी य ओहिदंसणी य संखेज्जा चयंति, सेसं तं चेव, एवं जहा सोहम्मे वत्तव्वया भणिया तहा ईसाणेवि छ गमगा भाणियव्वा, सणंकुमारेवि एवं चेव णवरं इत्थीवेयगा ण उववज्जंति पण्णत्तेसु य ण भण्णंति, असण्णी तिसुवि गमएसु ण भण्णंति, सेसं तं चेव, एवं जाव सहस्सारे, णाणत्तं विमाणेसु लेस्सासु य सेसं तं चेव । आणयपाणएसु णं भंते ! कप्पेसु केवइया विमाणावाससया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि विमाणावाससया पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडावि असंखेज्जवित्थडावि, एवं संखेज्जवित्थडेसु तिण्णि गमगा जहा सहस्सारे असंखेज्जवित्थडेसु उववज्जंतेसु य चयंतेसु य एवं चेव संखेज्जा भाणियव्वा पण्णत्तेसु असंखेज्जा णवरं णोइंदियोवउत्ता अणंतरोववण्णगा अणंतरोगाढगा अणंतराहारगा अणंतरपज्ज-त्तगा य एएसिं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा प०, सेसा असंखेज्जा भाणियव्वा । आरणच्चुएसु एवं चेव जहा आणयपाणएसु णाणत्तं विमाणेसु, एवं गेवेज्जगावि । कइ णं भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, ते णं भंते ! किं संखेज्जवित्थडा असंखेज्जवित्थडा ? गोयमा ! संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, पंचसु णं भंते ! अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे विमाणे एगसमएणं केवइया अणु-त्तरोववाइया देवा उववज्जंति केवइया सुक्कलेस्सा उववज्जंति पुच्छा तहेव, गोयमा ! पंचसु णं अणुत्तरविमाणेसु संखेज्जवित्थडे अणुत्तरविमाणे एगसमएणं

जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा अणुत्तरोववाइया देवा उववज्जंति, एवं जहा गेवेज्जविमाणेसु संखेज्जवित्थडेसु णवरं किण्हपक्खिया अभवसिद्धिया तिसु अण्णाणेसु एए ण उववज्जंति ण चयंति णवि पण्णत्तएसु भाणियव्वा अचरिमावि खोडिज्जंति जाव संखेज्जा चरिमा प०, सेसं तं चेव, असंखेज्जवित्थडेसुवि एए ण भण्णंति णवरं अचरिमा अत्थि, सेसं जहा गेवेज्जएसु असंखेज्जवित्थडेसु जाव असंखेज्जा अचरिमा प० । चोसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावाससयसहस्सेसु संखेज्जवित्थडेसु असुरकुमारावासेसु किं सम्मद्दिट्ठी असुरकुमारा उववज्जंति मिच्छादिट्ठी एवं जहा रयणप्पभाए तिण्णि आलावगा भणिया तहा भाणियव्वा, एवं असंखेज्जवित्थडेसुवि तिण्णि गमगा, एवं जाव गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसु एवं चेव, णवरं तिसुवि आलावएसु मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी य ण भण्णंति, सेसं तं चेव । से णूणं भंते ! कण्हलेस्से णील जाव सुक्कलेस्से भवित्ता कण्हलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति ? हंता गोयमा ! एवं जहेव णेरइएसु पढमे उद्देसए तहेव भाणियव्वं, णीललेसाएवि जहेव णेरइयाणं, जहा णीललेस्साए एवं जाव पम्हलेस्सेसु सुक्कलेस्सेसु एवं चेव, णवरं लेस्सट्ठाणेसु विसुज्झमाणेसु २ सुक्कलेस्सं परिणमइ २ त्ता सुक्कलेस्सेसु देवेसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति । सेवं भंते! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४७२ ॥

तेरसमं सयं तइओ उद्देसो

णेरइया णं भंते ! अणंतराहारा तओ णिव्वत्तणया एवं परियारणापयं णिरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४७३ ॥

तेरसमं सयं चउत्थो उद्देसो

कइ णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा । अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया जाव अपइट्ठाणे, ते णं णरगा छट्ठीए तमाए पुढवीए णरएहिंतो महंततरा चेव १ महाविच्छिण्णतरा चेव २ महावासतरा चेव ३ महापइरिक्कतरा चेव ४ णो तहा महापवेसणतरा चेव १ णो आइण्णतरा चेव २ णो आउलतरा चेव ३ णो अणो (मा) यणतरा चेव ४, तेसु णं णरएसु णेर-

इया छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव १ महाकिरियतरा चेव २ महासवतरा चेव ३ महावेयणतरा चेव ४ णो तहा अप्पकम्मतरा चेव १ णो अप्पकिरियतरा चेव,२ णो अप्पासवतरा चेव ३ णो अप्पवेयणतरा चेव४अप्पिड्डियतरा चेव १ अप्पजुइयतरा चेव २ णो तहा महिड्डियतरा चेव १ णो महाजुइयतरा चेव २। छट्ठीए णं तमाए पुढवीए एगे पंचूणे णिरयावाससयसहस्से पण्णत्ते, ते णं णरगा अहेसत्तमाए पुढवीए णरइएहिंतो णो तहा महत्तरा चेव महाविच्छिण्णतरा चेव ४, महप्पवेसणतरा चेव आइण्णतरा चेव ४, तेसु णं णरएसु णेरइया अहेसत्तमाए पुढवीए णेरइएहिंतो अप्पकम्मतरा चेव अप्पकिरियतरा चेव ४ णो तहा महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव ४ महिड्डियतरा चेव महाजुइयतरा चेव, णो तहा अप्पिड्डियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव। छट्ठीए णं तमाए पुढवीए णरगा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए णरइएहिंतो महत्तरा चेव ४ णो तहा महप्पवेसणतरा चेव ४, तेसु णं णरएसु णेरइया पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए णेरइएहिंतो महाकम्मतरा चेव ४ णो तहा अप्पकम्मतरा चेव ४ अप्पिड्डियतरा चेव २ णो तहा महिड्डियतरा चेव २, पंचमाए णं धूमप्पभाए पुढवीए तिण्णि णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, एवं जहा छट्ठीए भणिया एवं सत्तवि पुढवीओ परोप्परं भण्णंति जाव रयणप्पभंति जाव णो तहा महिड्डियतरा चेव अप्पजुइयतरा चेव ॥ ४७४॥ रयणप्पभापुढविणेरइया णं भंते ! केरिसयं पुढविफासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेरइया, एवं आउफासं एवं जाव वणस्सइफासं ॥ ४७५ ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी दोच्चं सक्करप्पभं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं सव्वखुड्डिया सव्वंतेसु० एवं जहा जीवाजीवाभिगमे बिइए णेरइयउद्देसए ॥ ४७६ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया० एवं जहा णेरइयउद्देसए जाव अहेसत्तमाए ॥ ४७७ ॥ कहि णं भंते ! लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ! गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरस्स असंखेज्जइभागं ओगाहेत्ता एत्थ णं लोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते। कहि णं भंते ! अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उवासंतरस्स साइरेगं अद्धं ओगाहित्ता एत्थ णं अहेलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते। कहि णं

भंते ! उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! उप्पिं सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं हेट्ठिं बंभलोए कप्पे रिट्ठविमाणे पत्थडे एत्थ णं उड्ढलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते। कहि णं भंते ! तिरियलोगस्स आयाममज्झे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स बहुमज्झदेसभाए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं तिरियलोगस्स मज्झे अट्ठपएसिए रुयए पण्णत्ते, जओ णं इमाओ दस दिसाओ पवहंति, तंजहा–पुरत्थिमा पुरत्थिमदाहिणा एवं जहा दसमसए णामधेज्जंति ॥४७८॥ इंदा णं भंते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसुत्तरा कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! इंदा णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा दुपएसाइया दुपएसुत्तरा लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया, अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया, अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, लोगं पडुच्च मुरजसंठिया, अलोगं पडुच्च सगडुद्धिसंठिया पण्णत्ता। अग्गेई णं भंते ! दिसा किमाइया किंपवहा कइपएसाइया कइपएसविच्छिण्णा कइपएसिया किंपज्जवसिया किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! अग्गेई णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा एगपएसाइया एगपएसविच्छिण्णा अणुत्तरा लोगं पडुच्च असंखेज्जपएसिया अलोगं पडुच्च अणंतपएसिया, लोगं पडुच्च साइया सपज्जवसिया अलोगं पडुच्च साइया अपज्जवसिया, छिण्णमुत्तावलियसंठिया पण्णत्ता। जमा जहा इंदा, णेरुई जहा अग्गेई, एवं जहा इंदा तहा दिसाओ चत्तारि, जहा अग्गेई तहा चत्तारिवि विदिसाओ। विमला णं भंते ! दिसा किमाइया० पुच्छा जहा अग्गेईए, गोयमा ! विमला णं दिसा रुयगाइया रुयगप्पवहा चउप्पएसाइया दुपएसविच्छिण्णा अणुत्तरा लोगं पडुच्च सेसं जहा अग्गेईए णवरं रुयगसंठिया पण्णत्ता, एवं तमावि ॥४७९॥ किमियं भंते ! लोएत्ति पवुच्चइ ? गोयमा ! पंचत्थिकाया, एस णं एवइए लोएत्ति पवुच्चइ, तंजहा–धम्मत्थिकाए अहम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए। धम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं जीवाणं आगमणगमणभासुम्मेसमणजोगा वइजोगा कायजोगा जे यावण्णे तहप्पगारा चला भावा सव्वे ते धम्मत्थिकाए पवत्तंति, गइलक्खणे णं धम्मत्थिकाए। अहम्मत्थिकाएणं भंते ! जीवाणं किं पवत्तइ ? गोयमा ! अहम्मत्थिकाएणं जीवाणं ठाणणिसीयणतुयट्टण मणस्स

य एगत्तीभावकरणया जे यावण्णे तहप्पगारा थिरा भावा सव्वे ते अहम्मत्थि-काए पवत्तंति, ठाणलक्खणे णं अहम्मत्थिकाए। आगासत्थिकाएणं भंते! जीवाणं अजीवाण य किं पवत्तइ? गोयमा! आगासत्थिकाएणं जीवदव्वाण य अजीवदव्वाण य भायणभूए—एगेणवि से पुण्णे दोहिवि पुण्णे सयंपि माएज्जा। कोडिसएणवि पुण्णे कोडिसहस्संपि माएज्जा ॥ १ ॥ अवगाहणालक्खणे णं आगासत्थिकाए। जीवत्थिकाएणं भंते! जीवाणं किं पवत्तइ? गोयमा! जीवत्थिकाएणं जीवे अणंताणं आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं अणंताणं सुयणाण-पज्जवाणं एवं जहा बिइयसए अत्थिकायउद्देसए जाव उवओगं गच्छइ, उव-ओगलक्खणे णं जीवे। पोग्गलत्थिकाए णं पुच्छा, गोयमा! पोग्गलत्थिकाएणं जीवाणं ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मए सोइंदियचक्खिदियघाणिंदिय-जिब्भिंदियफासिंदियमणजोगवइजोगकायजोगआणापाणूणं च गहणं पवत्तइ, गहण-लक्खणे णं पोग्गलत्थिकाए ॥ ४८० ॥ एगे भंते! धम्मत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! जहण्णपए तिहिं उक्कोसपए छहिं। केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! जहण्णपए चउहिं उक्कोस-पए सत्तहिं। केवइएहिं आगासत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! सत्तहिं। केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! अणंतेहिं। केवइएहिं पोग्गल-त्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! अणंतेहिं। केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे? सिय पुट्ठे सिय णो पुट्ठे जइ पुट्ठे णियमं अणंतेहिं। एगे भंते! अहम्मत्थि-कायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! जहण्णपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं। केवइएहिं अहम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! जहण्णपए तिहिं उक्कोसपए छहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स। एगे भंते! आगास-त्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? गोयमा! सिय पुट्ठे सिय णो पुट्ठे, जइ पुट्ठे जहण्णपए एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिवि। केवइएहिं आगासत्थि-काय०? गोयमा! छहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे? सिय पुट्ठे सिय णो पुट्ठे, जइ पुट्ठे णियमं अणंतेहिं। एवं पोग्गलत्थिकायपएसेहिवि अद्धासमएहिवि ॥ ४८१ ॥ एगे भंते! जीवत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थि-काय० पुच्छा, जहण्णपए चउहिं उक्कोसपए सत्तहिं, एवं अहम्मत्थिकायपए-

सेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय० ? सत्तहिं । केवइएहिं जीवत्थि० ? सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एगे भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसे केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं० ? एवं जहेव जीवत्थिकायस्स । दो भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहण्णपए छहिं उक्कोसपए बारसहिं, एवं अहम्मत्थिकायप्पएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थिकाय० ? बारसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । तिण्णि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहण्णपए अट्ठहिं उक्कोसपए सत्तरसहिं । एवं अहम्मत्थिकायपएसेहिंवि । केवइएहिं आगासत्थि० ? सत्तरसहिं, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । एवं एएणं गमेणं भाणियव्वं जाव दस, णवरं जहण्णपए दोण्णि पक्खिवियव्वा उक्कोसपए पंच । चत्तारि पोग्गलत्थिकायपएसे० जहण्णपए दसहिं उक्कोसपए बावीसाए, पंच पोग्गलत्थिकाय० जहण्णपए बारसहिं उक्कोसपए सत्तावीसाए, छ पोग्गल० जहण्णपए चोद्दसहिं उक्कोसेणं बत्तीसाए, सत्त पोग्गल० जहण्णेणं सोलसहिं उक्कोसपए सत्ततीसाए, अट्ठ पोग्गल० जहण्णपए अट्ठारसहिं उक्कोसेणं बायालीसाए, णव पोग्गल० जहण्णपए वीसाए उक्कोसपए सीयालीसाए, दस पोग्गल० जहण्णपए बावीसाए उक्कोसपए बावण्णाए । आगासत्थिकायस्स सव्वत्थ उक्कोसगं भाणियव्वं । संखेज्जा णं भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठा ? जहण्णपए तेणेव संखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं अधम्मत्थिकाएहिं ? एवं चेव, केवइएहिं आगासत्थिकाय० तेणेव संखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं केवइएहिं पोग्गलत्थिकाय० ? अणंतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं ? सिय पुट्ठे सिय णो पुट्ठे जाव अणंतेहिं । असंखेज्जा भंते ! पोग्गलत्थिकायप्पएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? जहण्णपए तेणेव असंखेज्जएणं दुगुणेणं दुरूवाहिएणं, उक्कोसपए तेणेव असंखेज्जएणं पंचगुणेणं दुरूवाहिएणं सेसं जहा संखेज्जाणं जाव णियमं अणंतेहिं । अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा केवइएहिं धम्मत्थिकाय० एवं जहा असंखेज्जा तहा अणंतावि णिरवसेसं । एगे भंते ! अद्धासमए केवइएहिं धम्मत्थिकायपएसेहिं पुट्ठे ? सत्तहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? एवं चेव, एवं आगासत्थिकायपएसेहिवि, केवइएहिं जीवत्थिकाय० ? अणंतेहिं,

एवं जाव अद्धासमएहिं । धम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकायप्पए-सेहिं पुट्ठे ? णत्थि एक्केणवि, केवइएहिं अधम्मत्थिकायप्पएसेहिं ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं आगासत्थिकायप० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं जीवत्थिकायपएसेहिं ? अणंतेहिं, केवइएहिं पोग्गलत्थिकायपएसेहिं० ? अणंतेहिं, केवइएहिं अद्धासमएहिं ? सिय पुट्ठे सिय णो पुट्ठे, जइ पुट्ठे णियमा अणंतेहिं । अहम्मत्थिकाए णं भंते ! केवइएहिं धम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जेहिं, केवइएहिं अहम्मत्थि० ? णत्थि एक्केणवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं एएणं गमएणं सव्वेवि सट्ठाणए णत्थि एक्केणवि पुट्ठा, परट्ठाणए आइल्लएहिं तिहिं असंखेज्जेहिं भाणियव्वं, पच्छिल्लएसु तिसु अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइएहिं अद्धासमएहिं पुट्ठे ? णत्थि एक्केणवि । जत्थ णं भंते ! एगे धम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायप्पएसा ओगाढा ? णत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकायप्पएसा ओगाढा ? एक्को, केवइया आगासत्थिकाय० ? एक्को, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, केवइया पोग्गलत्थिकाय० ? अणंता, केवइया अद्धासमया ? सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा जइ ओगाढा अणंता । जत्थ णं भंते ! एगे अहम्मत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया अहम्मत्थि० ? णत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे आगासत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा, जइ ओगाढा एक्को, एवं अहम्मत्थिकायपएसावि, केवइया आगासत्थिकाय० ? णत्थि एक्कोवि, केवइया जीवत्थि० ? सिय ओगाढा सिय णो ओगाढा, जइ ओगाढा अणंता, एवं जाव अद्धासमया । जत्थ णं भंते ! एगे जीवत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, एवं अहम्मत्थिकायपएसावि, एवं आगासत्थिकायपएसावि, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! एगे पोग्गलत्थिकायपएसे ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एवं जहा जीवत्थिकायपएसे तहेव णिरवसेसं । जत्थ णं भंते ! दो पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय एक्को सिय दोण्णि, एवं अहम्मत्थिकायस्सवि, एवं आगासत्थिकायस्सवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स । जत्थ णं भंते ! तिण्णि पोग्गलत्थिकायपएसा ओगाढा तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? सिय एक्को सिय दोण्णि

सिय तिण्णि, एवं अहम्मत्थिकायस्सवि, एवं आगासत्थिकायस्सवि,सेसं जहेव दोण्हं, एवं एक्केक्को वड्ढियव्वो पएसो आइल्लएहिं तिहिं अत्थिकाएहिं, सेसेहिं जहेव दोण्हं जाव दसण्हं सिय एक्को सिय दोण्णि सिय तिण्णि जाव सिय दस, संखेज्जाणं सिय एक्को सिय दोण्णि जाव सिय दस सिय संखेज्जा, असंखेज्जाणं सिय एक्को जाव सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, जहा असंखेज्जा एवं अणंतावि। जत्थ णं भंते ! एगे अद्धासमए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया अहम्मत्थिकाय० ? एक्को, केवइया आगासत्थिकाय० ? एक्को, केवइया जीवत्थि० ? अणंता, एवं जाव अद्धासमया। जत्थ णं भंते ! धम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकायपएसा ओगाढा ? णत्थि एक्कोवि, केवइया अहम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जा, केवइया आगासत्थि० ? असंखेज्जा, केवइया जीवत्थिकाय० ? अणंता, एवं जाव अद्धासमया। जत्थ णं भंते ! अहम्मत्थिकाए ओगाढे तत्थ केवइया धम्मत्थिकाय० ? असंखेज्जा, केवइया अहम्मत्थिका० ? णत्थि एक्कोवि, सेसं जहा धम्मत्थिकायस्स, एवं सव्वे सट्ठाणे णत्थि एक्कोवि भाणियव्वं, परट्ठाणे आइल्लगा तिण्णि असंखेज्जा भाणियव्वा, पच्छिल्लगा तिण्णि अणंता भाणियव्वा जाव अद्धासमओत्ति जाव केवइया अद्धासमया ओगाढा ? णत्थि एक्कोवि ।।४८२।। जत्थ णं भंते ! एगे पुढविकाइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढविक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया आउक्काइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया तेउकाइया ओगाढा ? असंखेज्जा, केवइया वाउकाइया ओगाढा ?असंखेज्जा, केवइया वणस्सइकाइया ओगाढा ? अणंता, जत्थ णं भंते ! एगे आउक्काइए ओगाढे तत्थ णं केवइया पुढवि० ? असंखेज्जा, केवइया आउ० ? असंखेज्जा, एवं जहेव पुढविक्काइयाणं वत्तव्वया तहेव सव्वेसिं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वणस्सइकाइयाणं जाव केवइया वणस्सइकाइया ओगाढा ? अणंता ।।४८३।। एयंसि णं भंते ! धम्मत्थिकाय० अधम्मत्थिकाय० आगासत्थिकायंसि चक्किया केई आसइत्तए वा सइत्तए वा चिट्ठित्तए वा णिसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एयंसि णं धम्मत्थि० जाव आगासत्थिकायंसि णो चक्किया केई आसइत्तए वा जाव ओगाढा ? गोयमा ! से जहाणामए—कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा जहा रायप्प-

सेणइज्जे जाव दुवारवयणाइं पिहेइ दु० २ त्ता तीसे कूडागारसालाए बहुमज्झदेसभाए जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं पईवसहस्सं पलीवेज्जा, से णूणं गोयमा ! ताओ पईवलेस्साओ अण्णमण्णसंबद्धाओ अण्णमण्णपुट्ठाओ जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता चिट्ठंति, चक्किया णं गोयमा ! केई तासु पईवलेस्सासु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता पुण तत्थ जीवा ओगाढा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव ओगाढा ॥ ४८४ ॥ कहि णं भंते ! लोए बहुसमे, कहि णं भंते ! लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिमहेट्ठिल्लेसु खुड्डगपयरेसु एत्थ णं लोए बहुसमे एत्थ णं लोए सव्वविग्गहिए पण्णत्ते । कहि णं भंते ! विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! विग्गहकंडए एत्थ णं विग्गहविग्गहिए लोए पण्णत्ते ॥ ४८५ ॥ किंसंठिए भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! सुपइट्ठियसंठिए लोए पण्णत्ते, हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमुद्देसे जाव अंतं करेइ । एयस्स णं भंते ! अहेलोयस्स तिरियलोयस्स उड्ढलोयस्स य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे तिरियलोए, उड्ढलोए असंखेज्जगुणे, अहेलोए विसेसाहिए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४८६ ॥

तेरसमं सयं पंचमो उद्देसो

णेरइया णं भंते ! किं सचित्ताहारा अचित्ताहारा मीसाहारा ? गोयमा ! णो सचित्ताहारा अचित्ताहारा णो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा पढमो णेरइयउद्देसओ णिरवसेसो भाणियव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४८७ ॥

तेरसमं सयं छट्ठो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—संतरं भंते ! णेरइया उववज्जंति, णिरंतरं णेरइया उववज्जंति ? गोयमा ! संतरंपि णेरइया उववज्जंति, णिरंतरंपि णेरइया उववज्जंति, एवं असुरकुमारावि, एवं जहा गंगेए तहेव दो दंडगा जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति णिरंतरंपि वेमाणिया चयंति ॥ ४८८ ॥ कहि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो चमरचंचा णामं आवासे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे एवं जहा बिइयसए सभाउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव अपरिसेसा णेयव्वा, णवरं

इमं णाणत्तं जाव तिगिच्छकूडस्स उप्पायपव्वयस्स चमरचंचाए रायहाणीए चमरचंचस्स आवासपव्वयस्स अण्णेसिं च बहूणं सेसं तं चेव जाव तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचि विसेसाहिया परिक्खेवेणं, तीसे णं चमरचंचाए रायहाणीए दाहिणपच्चत्थिमेणं छक्कोडिसए पणपण्णं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदगसमुद्दं तिरियं वीईवइत्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचे णामं आवासे पण्णत्ते, चउरासीइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं दो जोयणसयसहस्सा पण्णट्ठिं च सहस्साइं छच्चबत्तीसे जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं, से णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, से णं पागारे दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं, एवं चमरचंचाए रायहाणीए वत्तव्वया भाणियव्वा सभाविहूणा जाव चत्तारि पासायपंतीओ। चमरे णं भंते! असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचे आवासे वसहिं उवेइ? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणं खाइ णं अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ चमरचंचे आवासे २? गोयमा! से जहाणामए-इहं मणुस्सलोगंसि उवगारियलेणाइ वा उज्जाणियलेणाइ वा णिज्जाणियलेणाइ वा वारिधारियलेणाइ वा तत्थ णं बहवे मणुस्सा य मणुस्सीओ य आसयंति सयंति जहा रायप्पसेणइज्जे जाव कल्लाणफलवित्तिविसेसं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, अण्णत्थ पुण वसहिं उवेंति, एवामेव गोयमा! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचे आवासे केवलं किड्डारइपत्तियं अण्णत्थ पुण वसहिं उवेइ, से तेणट्ठेणं जाव आवासे। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥४८९॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयराओ गुणसिलाओ जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था वण्णओ, पुण्णभद्दे चेइए वण्णओ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव विहरमाणे जेणेव चंपा णयरी जेणेव पुण्णभद्दे चेइए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सिंधुसोवीरेसु जणवएसु वीइभए णामं णयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं वीइभयस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं मियवणे णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय० वण्णओ, तत्थ णं वीइभए णयरे उदायणे णाम राया होत्था महया वण्णओ, तस्स णं उदायणस्स रण्णो प(उमा)भावई णामं देवी होत्था सुकुमाल० वण्णओ, तस्स

णं उदायणस्स रण्णो पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए अभीइणामं कुमारे होत्था सुकुमाल जहा सिवभद्दे जाव पच्चुवेक्खमाणे विहरइ, तस्स णं उदायणस्स रण्णो णियए भायणेज्जे केसीणामं कुमारे होत्था सुकुमाल जाव सुरूवे। से णं उदायणे राया सिंधुसोवीरप्पामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं, वीइभयप्पामोक्खाणं तिण्हं तेसट्ठीणं णगरागरसयाणं, महसेणप्पामोक्खाणं दसण्हं राईणं बद्धमउडाणं विइण्णछत्तचामरवालवीयणाणं अण्णेसिं च बहूणं राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईणं आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए णं से उदायणे राया अण्णया कयाइ जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जहा संखे जाव विहरइ। तए णं तस्स उदायणस्स रण्णो पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–धण्णा णं ते गामागरणयरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंबाहसण्णिवेसा जत्थ णं समणे भगवं महावीरे विहरइ, धण्णा णं ते राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ जे णं समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति जाव पज्जुवासंति, जइ णं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव विहरमाणे इहमागच्छेज्जा इह समोसरेज्जा, इहेव वीइभयस्स णयरस्स बहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा जाव विहरेज्जा, तो णं अहं समणं भगवं महावीरं वंदेज्जा णमंसेज्जा जाव पज्जुवासेज्जा। तत्थ णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रण्णो अयमेयारूवं अज्झत्थियं जाव समुप्पण्णं वियाणित्ता चंपाओ णयरीओ पुण्णभद्दाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव विहरमाणे जेणेव सिंधुसोवीरे जणवए जेणेव वीइभए णयरे जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव विहरइ। तए णं वीइभए णयरे सिंघाडग जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वीइभयं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं जहा कूणिओ उववाइए जाव पज्जुवासइ, पभावईपामोक्खाओ देवीओ तहेव जाव पज्जुवासंति, धम्मकहा। तए णं से उदायणे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे-उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव णमंसित्ता एवं वयासी–एवमेयं भंते!

तहमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे वयहत्तिकट्टु जं णवरं देवाणुप्पिया ! अभीइकुमारं रज्जे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं । तए णं से उदायणे राया समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता तमेव आभिसेक्कं हत्थिं दुरूहइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ मियवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव वीइभए णयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तस्स उदायणस्स रण्णो अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था--एवं खलु अभीइकुमारे ममं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए, तं जइ णं अहं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता जाव पव्वयामि तो णं अभीइकुमारे रज्जे य रट्ठे य जाव जणवए य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे अणाईयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्सइ, तं णो खलु मे सेयं अभीइकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, सेयं खलु मे णियगं भाइणेज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव वीइभए णयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वीइभयं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गेहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आभिसेक्कं हत्थिं ठवेइ आभि० २ त्ता आभिसेक्काओ हत्थीओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णिसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी--खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! वीइभयं णयरं सब्भिंतरबाहिरियं जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से उदायणे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी--खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! केसिस्स कुमारस्स महत्थं ३ एवं रायाभिसेओ जहा सिवभद्दस्स कुमारस्स तहेव भाणियव्वो जाव परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडे सिंधुसोवीरपामोक्खाणं सोलसण्हं जणवयाणं, वीइभयपामोक्खाणं तिण्णि तेसट्ठीणं णयरागरसयाणं, महसेणपामोक्खाणं दसण्हं राईणं अण्णेसिं च बहूणं राईसर जाव कारेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति । तए णं से केसीकुमारे राया जाए महया जाव विहरइ । तए णं से उदायणे राया केसिं रायाणं आपुच्छइ । तए णं से केसीराया कोडुंबियपुरिसे

सट्टावेइ एवं जहा जमालिस्स तहेव सब्भिंतरबाहिरियं तहेव जाव णिक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेइ। तए णं से केसीराया अणेगगणणायग जाव संपरिवुडे उदायणं रायं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णिसीयावेइ २ त्ता अट्ठसएणं सोवण्णियाणं० एवं जहा जमालिस्स जाव एवं वयासी–भण सामी ! किं देमो किं पयच्छामो किणा वा ते अट्ठो ? तए णं से उदायणे राया केसिं रायं एवं वयासी–इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! कुत्तियावणाओ० एवं जहा जमालिस्स णवरं पउमावई अग्गकेसे पडिच्छइ पियविप्पओगदूसहा । तए णं से केसी राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेइ दो० २ त्ता उदायणं रायं सेयापीयएहिं कलसेहिं० सेसं जहा जमालिस्स जाव सण्णिसण्णे तहेव अम्मधाई णवरं पउमावई हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सेसं तं चेव जाव सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं तं चेव जाव पउमावई पडिच्छइ जाव घडियव्वं सामी ! जाव णो पमाएयव्वंतिकट्टु केसी राया पउमावई य समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जाव पडिगया । तए णं से उदायणे राया सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ ४६० ॥ तए णं तस्स अभीइकुमारस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं उदायणस्स पुत्ते पभावईए देवीए अत्तए, तए णं से उदायणे राया ममं अवहाय णियगं भायणिज्जं केसिकुमारं रज्जे ठावेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइए, इमेणं एयारूवेणं महया अप्पत्तिएणं मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे अंतेउरपरियालसंपरिवुडे सभंडमत्तोवगरणमायाए वीइभयाओ णयराओ णिग्गच्छइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपा णयरी जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कूणियं रायं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तत्थवि णं से विउलभोगसमिइसमण्णागए यावि होत्था। तए णं से अभीइकुमारे समणोवासए यावि होत्था, अभिगय जाव विहरइ, उदायणंमि रायरिसिंमि समणुबद्धवेरे यावि होत्था । तेणं कालेणं तेणं समएणं इमीसे रयणप्पभाए

पुढवीए णिरयपरिसामंतेसु चो(य)सट्ठिं असुरकुमारावाससयसहस्सा पण्णत्ता, तए णं से अभीइकुमारे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेएइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए णिरयपरिसामंतेसु चोसट्ठीए आयावा जाव सहस्सेसु अण्णयरंसि आयावा असुरकुमारावासंसि आयावा असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णो, तत्थ णं अत्थेगइयाणं आयावगाणं असुरकुमाराणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई प०, तत्थ णं अभीइस्सवि देवस्स एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता। से णं भंते! अभीइदेवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ४६१॥

तेरसमं सयं सत्तमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—आया भंते! भासा अण्णा भासा? गोयमा! णो आया भासा अण्णा भासा, रूविं भंते! भासा अरूविं भासा? गोयमा! रूविं भासा णो अरूविं भासा। सचित्ता भंते! भासा अचित्ता भासा? गोयमा! णो सचित्ता भासा अचित्ता भासा। जीवा भंते! भासा अजीवा भासा? गोयमा! णो जीवा भासा अजीवा भासा। जीवाणं भंते! भासा अजीवाणं भासा? गोयमा! जीवाणं भासा णो अजीवाणं भासा। पुव्विं भंते! भासा भासिज्जमाणी भासा भासासमयवीइक्कंता भासा? गोयमा! णो पुव्विं भासा भासिज्जमाणी भासा णो भासासमयवीइक्कंता भासा। पुव्विं भंते! भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ? गोयमा! णो पुव्विं भासा भिज्जइ, भासिज्जमाणी भासा भिज्जइ, णो भासासमयवीइक्कंता भासा भिज्जइ। कइविहा णं भंते! भासा पण्णत्ता? गोयमा! चउव्विहा भासा पण्णत्ता, तंजहा—सच्चा, मोसा, सच्चामोसा, असच्चामोसा॥ ४६२॥ आया भंते! मणे अण्णे मणे? गोयमा! णो आया मणे अण्णे मणे, जहा भासा तहा मणेवि जाव णो अजीवाणं मणे। पुव्विं भंते! मणे मणिज्जमाणे मणे०? एवं जहेव भासा। पुव्विं भंते! मणे भिज्जइ, मणिज्जमाणे मणे भिज्जइ, मणसमयवीइक्कंते मणे भिज्जइ? एवं जहेव

भासा। कइविहे णं भंते ! मणे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे मणे पण्णत्ते, तंजहा–सच्चे जाव असच्चामोसे ॥४६३॥ आया भंते ! काए अण्णे काए ? गोयमा ! आयावि काए अण्णेवि काए। रूविं भंते ! काए अरूविं काए ? गोयमा ! रूविंवि काए अरूविंवि काए, एवं एक्केक्के पुच्छा, गोयमा ! सचित्ते वि काए अचित्तेवि काए, जीवेवि काए अजीवेवि काए, जीवाणवि काए अजीवाणवि काए। पुव्विं भंते ! काए पुच्छा, गोयमा ! पुव्विंवि काए काइज्ज-माणेवि काए कायसमयवीइक्कंतेवि काए। पुव्विं भंते ! काए भिज्जइ पुच्छा, गोयमा ! पुव्विंवि काए भिज्जइ काइज्जमाणेवि काए भिज्जइ, कायसमय-वीइक्कंतेविकाए भिज्जइ। कइविहे णं भंते ! काए पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्त-विहे काए पण्णत्ते, तंजहा–ओरालिए ओरालियमीसए वेउव्विए वेउव्वियमीसए आहारए आहारगमीसए कम्मए ॥४६४॥ कइविहे णं भंते ! मरणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा–आवीचियमरणे ओहिमरणे आइंतिय-मरणे बालमरणे पंडियमरणे। आवीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वावीचियमरणे खेत्तावीचियमरणे काला-वीचियमरणे भवावीचियमरणे भावावीचियमरणे। दव्वावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–णेरइयदव्वावीचिय-मरणे, तिरिक्खजोणियदव्वावीचियमरणे, मणुस्सदव्वावीचियमरणे, देवदव्वा-वीचियमरणे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयदव्वावीचियमरणे णेर-इयदव्वावीचियमरणे ? गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइएदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं णेरइयाउयत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं णिविट्ठाइं अभि-णिविट्ठाइं अभिसमण्णागयाइं भवंति ताइं दव्वाइं आवीचियं अणुसमयं णिरंतरं मरंति त्तिकट्टु से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–णेरइयदव्वावीचियमरणे, एवं जाव देवदव्वावीचियमरणे। खेत्तावीचियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–णेरइयखेत्तावीचियमरणे जाव देवखेत्ता-वीचियमरणे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयखेत्तावीचियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयखेत्ते वट्टमाणा जाइं दव्वाइं णेरइयाउयत्ताए एवं जहेव दव्वावीचियमरणे तहेव खेत्तावीचियमरणेवि, एवं जाव भावावीचिय-मरणे। ओहिमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वोहिमरणे खेत्तोहिमरणे जाव भावोहिमरणे। दव्वोहिमरणे णं भंते !

कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–णेरइयदव्वोहिमरणे जाव देवदव्वोहिमरणे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयदव्वोहिमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जण्णं णेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव दव्वोहिमरणे, एवं तिरिक्खजोणिय० मणुस्स० देवदव्वोहिमरणेवि, एवं एएणं गमेणं खेत्तोहिमरणेवि कालोहिमरणेवि भवोहिमरणेवि भावोहिमरणेवि। आइंतियमरणे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तं०–दव्वाइंतियमरणे खेत्ताइंतियमरणे जाव भावाइंतियमरणे। दव्वाइंतियमरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे प०, तं०–णेरइयदव्वाइंतियमरणे जाव देवदव्वाइंतियमरणे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयदव्वाइंतियमरणे २ ? गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा जाइं दव्वाइं संपयं मरंति जे णं णेरइया ताइं दव्वाइं अणागए काले णो पुणोवि मरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव मरणे, एवं तिरिक्ख० मणुस्स० देवाइंतियमरणे, एवं खेत्ताइंतियमरणेवि, एवं जाव भावाइंतियमरणेवि। बालमरणे णं भंते ! कइविहे प०? गोयमा ! दुवालसविहे प०, तं०–वलयमरणे जहा खंदए जाव गिद्धपिट्ठे। पंडियमरणे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य। पाओवगमणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०–णीहारिमे य अणीहारिमे य जाव णियमं अपडिकम्मे। भत्तपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे प० ? एवं तं चेव णवरं णियमं सपडिकम्मे। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४६५ ॥

तेरसमं सयं अट्ठमो उद्देसो

कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ, एवं बंधट्ठिइउद्देसो भाणियव्वो णिरवसेसो जहा पण्णवणाए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ४६६ ॥

तेरसमं सयं णवमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–से जहाणामए केइ पुरिसे केयाघडियं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा केयाघडियाकिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं

उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! जाव समुप्पएज्जा । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवइयाइं पभू केयाघडियाकिच्चहत्थगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ? गोयमा ! से जहाणामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे एवं जहा तइयसए पंचमुद्देसए जाव णो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्विति वा विउव्विस्संति वा । से जहाणामए केइ पुरिसे हिरण्णपेलं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा हिरण्णपेलहत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं० ? सेसं तं चेव, एवं सुवण्णपेलं, एवं रयणपेलं वइरपेलं वत्थपेलं आभरणपेलं, एवं वियलकिड्डुं सुंबकिड्डुं चम्मकिड्डुं कंबलकिड्डुं, एवं अयभारं तंबभारं तउयभारं सीसगभारं हिरण्णभारं सुवण्णभारं वइरभारं । से जहाणामए--वग्गुली सिया दोवि पाए उल्लंबिया २ उड्ढंपाया अहोसिरा चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वग्गुलीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं० एवं जण्णोवइयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव विउव्विस्संति वा । से जहाणामए जलोया सिया उदगंसि कायं उव्विहिया २ गच्छेज्जा, एवामेव सेसं जहा वग्गुलीए । से जहाणामए बीयंबीयगसउणे सिया दोवि पाए समतुरंगेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे० सेसं तं चेव । से जहाणामए पक्खिविरालए सिया रुक्खाओ रुक्खं डेवेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे सेसं तं चेव । से जहाणामए जीवंजीवगसउणे सिया दोवि पाए समतुरंगेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे सेसं तं चेव । से जहाणामए हंसे सिया तीराओ तीरं अभिरममाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारे हंसकिच्चगएणं अप्पाणेणं सेसं तं चेव । से जहाणामए समुद्दवायसए सिया वीईओ वीइं डेवेमाणे २ गच्छेज्जा, एवामेव तहेव । से जहाणामए केइ पुरिसे चक्कं गहाय गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा चक्ककिच्चहत्थगएणं अप्पाणेणं सेसं जहा केयाघडियाए, एवं छत्तं, एवं चमरं । से जहाणामए केइ पुरिसे रयणं गहाय गच्छेज्जा, एवं चेव, एवं वइरं वेरुलियं जाव रिट्ठं, एवं उप्पलहत्थगं पउमहत्थगं कुमुदहत्थगं, एवं जाव से जहाणामए केइ पुरिसे सहस्सपत्तगं गहाय गच्छेज्जा, एवं चेव । से जहाणामए केइ पुरिसे भिसं अवद्दालिय २ गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भिसकिच्चगएणं अप्पाणेणं तं चेव । से जहाणामए मुणालिया सिया उदगंसि कायं उम्मज्जिय २ चिट्ठिज्जा, एवामेव सेसं जहा वग्गुलीए । से जहाणामए वणसंडे सिया--किण्हे किण्होभासे जाव णिकुरुंब-

भूए पासाईए ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वणसंडकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा, सेसं तं चेव। से जहाणामए पुक्खरिणी सिया—चउक्कोणा समतीरा अणुपुव्वसुजाय जाव सद्दुण्णइयमहुरसरणाइया पासाईया ४, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा पोक्खरिणीकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा? हंता उप्पएज्जा। अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवइयाइं पभू पोक्खरिणीकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए, सेसं तं चेव जाव विउव्विस्संति वा। से भंते! किं माई विउव्वइ अमाई विउव्वइ? गोयमा! माई विउव्वइ णो अमाई विउव्वइ, माई णं तस्स ठाणस्स अणालोइय० एवं जहा तइयसए चउत्थुद्देसए जाव अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥४९७॥

तेरसमं सयं दसमो उद्देसो

कइ णं भंते! छाउमत्थियसमुग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा—वेयणासमुग्घाए एवं छाउमत्थियसमुग्घाया णेयव्वा जहा पण्णवणाए जाव आहारगसमुग्घाएत्ति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥४९८॥

॥ तेरसमं सयं समत्तं ॥

चोद्दसमं सयं पढमो उद्देसो

चर १ उम्माय २ सरीरे ३ पोग्गल ४ अगणी ५ तहा किमाहारे ६। संसिट्ठ ७ मंतरे खलु ८ अणगारे ९ केवली चेव १० ॥१॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अणगारे णं भंते! भावियप्पा चरमं देवावासं वीइक्कंते परमं देवावासमसंपत्ते एत्थ णं अंतरा कालं करेज्जा, तस्स णं भंते! कहिं गई कहिं उववाए पण्णत्ते? गोयमा! जे से तत्थ परियस्सओ तल्लेसा देवावासा तहिं तस्स गई तहिं तस्स उववाए पण्णत्ते, से य तत्थगए विराहेज्जा कम्मलेस्सामेव पडिपडइ, से य तत्थ गए णो विराहेज्जा तामेव लेस्सं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। अणगारे णं भंते! भावियप्पा चरमं असुरकुमारावासं वीइक्कंते परमं असुरकुमारा० एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारावासं जोइसियावासं, एवं वेमाणियावासं जाव विहरइ ॥४९९॥ णेरइयाणं भंते! कहं सीहा गई कहं

सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहाणामए-केइ पुरिसे तरुणे बलवं जुगवं जाव णिउणसिप्पोवगए आउंटियं बाहं पसारेज्जा पसारियं वा बाहं आउंटेज्जा, विक्खिण्णं वा मुट्ठिं साहरेज्जा साहरियं वा मुट्ठिं विक्खिरेज्जा, उम्मिसियं वा अच्छि णिम्मिसेज्जा णिम्मिसियं वा अच्छि उम्मिसेज्जा, भवे एयारूवे ? णो इणट्ठे समट्ठे, णेरइया णं एगसमएण वा दुसमएण वा तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, णेरइयाणं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते, एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिंदियाणं चउसमइए विग्गहे भाणियव्वे, सेसं तं चेव ॥ ५०० ॥ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरोववण्णगा परंपरोववण्णगा अणंतरपरंपरअणुववण्णगा ? गोयमा ! णेरइया अणंतरोववण्णगावि परंपरोववण्णगावि अणंतरपरंपरअणुववण्णगावि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अणंतरपरंपरअणुववण्णगावि ? गोयमा ! जे णं णेरइया पढमसमयोववण्णगा ते णं णेरइया अणंतरोववण्णगा, जे णं णेरइया अपढमसमयोववण्णगा ते णं णेरइया परंपरोववण्णगा, जे णं णेरइया विग्गहगइसमावण्णगा ते णं णेरइया अणंतरपरंपरअणुववण्णगा, से तेणट्ठेणं जाव अणुववण्णगावि, एवं णिरंतरं जाव वेमाणिया १। अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्ख० मणुस्स० देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयंपकरेंति । परंपरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति, मणुस्साउयंपि पकरेंति, णो देवाउयं पकरेंति । अणंतरपरंपरअणुववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति, एवं जाव वेमाणिया, णवरं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य परंपरोववण्णगा चत्तारिवि आउयाइं पकरेंति, सेसं तं चेव २। णेरइया णं भंते ! किं अणंतरणिग्गया परंपरणिग्गया अणंतरपरंपरअणिग्गया ? गोयमा ! णेरइया णं अणंतरणिग्गयावि जाव अणंतरपरंपरअणिग्गयावि। से केणट्ठेणं भंते ! जाव अणिग्गयावि ? गोयमा ! जे णं णेरइया पढमसमयणिग्गया ते णं णेरइया अणंतरणिग्गया, जे णं णेरइया अपढमसमयणिग्गया ते णं णेरइया परंपरणिग्गया, जे णं णेरइया विग्गहगइसमावण्णगा ते णं णेरइया अणंतरपरंपर-

अणिग्गया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अणिग्गयावि, एवं जाव वेमाणिया ३। अणंतरणिग्गया णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति जाव देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति। परंपरणिग्गया णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णेरइयाउयंपि पकरेंति जाव देवाउयंपि पकरेंति। अणंतरपरंपरअणिग्गया णं भंते ! णेरइया पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणिया ४। णेरइया णं भंते ! किं अणंतरखेदोववण्णगा परंपरखेदोववण्णगा अणंतरपरंपरखेदाणुववण्णगा ? गोयमा ! णेरइया० एवं एएणं अभिलावेणं तं चेव चत्तारि दंडगा भाणियव्वा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५०१ ॥

चोद्दसमं सयं बीओ उद्देसो

कइविहे णं भंते ! उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा–जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं, तत्थ णं जे से जक्खावेसे से णं सुहवेयणतराए चेव सुहविमोयणतराए चेव, तत्थ णं जे से मोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं से णं दुहवेयणतराए चेव दुहविमोयणतराए चेव। णेरइयाणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा–जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–णेरइयाणं दुविहे उम्माए पण्णत्ते, तंजहा–जक्खावेसे य मोहणिज्जस्स य कम्मस्स उदएणं ? गोयमा ! देवे वा से असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खाएसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा कम्मस्स उदएणं मोहणिज्जं उम्मायं पाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उदएणं। असुरकुमाराणं भंते ! कइविहे उम्माए पण्णत्ते ? एवं जहेव णेरइयाणं णवरं देवे वा से महिड्ढियतराए असुभे पोग्गले पक्खिवेज्जा, से णं तेसिं असुभाणं पोग्गलाणं पक्खिवणयाए जक्खाएसं उम्मायं पाउणेज्जा, मोहणिज्जस्स वा सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं जाव उदएणं, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविक्काइयाणं जाव मणुस्साणं एएसिं जहा णेरइयाणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ५०२ ॥ अत्थि णं भंते !

पज्जण्णे कालवासी वुट्ठिकायं पकरेइ ? हंता अत्थि। जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकायं काउकामे भवइ से कहमियाणि पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया अब्भितरपरिसए देवे सद्दावेइ, तए णं ते अब्भितरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा मज्झिमपरिसए देवे सद्दावेंति, तए णं ते मज्झिमपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरपरिसए देवे सद्दावेंति, तए णं ते बाहिरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा बाहिरबाहिरगे देवे सद्दावेंति, तए णं ते बाहिरबाहिरगा देवा सद्दाविया समाणा आभिओगिए देवे सद्दावेंति, तए णं ते जाव सद्दाविया समाणा वुट्ठिकाइए देवे सद्दावेंति, तए णं ते वुट्ठिकाइया देवा सद्दाविया समाणा वुट्ठिकायं पकरेंति, एवं खलु गोयमा ! सक्के देविंदे देवराया वुट्ठिकायं पकरेइ। अत्थि णं भंते ! असुरकुमारावि देवा वुट्ठिकायं पकरेंति ? हंता अत्थि। किं पत्तियण्णं भंते ! असुरकुमारा देवा वुट्ठिकायं पकरेंति ? गोयमा ! जे इमे अरहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहिमासु वा, णिक्खमणमहिमासु वा णाणुप्पायमहिमासु वा परिणिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारावि देवा वुट्ठिकायं पकरेंति, एवं णागकुमारावि, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ५०३ ॥ जाहे णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं काउकामे भवइ से कहमियाणि पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से ईसाणे देविंदे देवराया अब्भितरपरिसए देवे सद्दावेइ, तए णं ते अब्भितरपरिसगा देवा सद्दाविया समाणा एवं जहेव सक्कस्स जाव तए णं ते आभिओगिया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्काइए देवे सद्दावेंति, तए णं ते तमुक्काइया देवा सद्दाविया समाणा तमुक्कायं पकरेंति, एवं खलु गोयमा ! ईसाणे देविंदे देवराया तमुक्कायं पकरेइ। अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराविं देवा तमुक्कायं पकरेंति? हंता अत्थि। किं पत्तियण्णं भंते ! असुरकुमारा देवा तमुक्कायं पकरेंति ? गोयमा ! किड्डारइपत्तियं वा पडिणीयविमोहणट्ठयाए वा गुत्तीसारक्खणहेउं वा अप्पणो वा सरीरपच्छायणट्ठयाए, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमाराविं देवा तमुक्कायं पकरेंति, एवं जाव वेमाणिया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५०४ ॥

चोद्दसमं सयं तइओ उद्देसो

देवे णं भंते ! महाकाए महासरीरे अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीइवएज्जा ? गोयमा ! दुविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा–माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य, तत्थ णं जे से माइमिच्छादिट्ठिउववण्णए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ २ त्ता णो वंदइ णो णमंसइ णो सक्कारेइ णो सम्माणेइ णो कल्लाणं मंगलं देवयं जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा, तत्थ णं जे से अमाइसम्मद्दिट्ठिउववण्णए देवे से णं अणगारं भावियप्पाणं पासइ पासित्ता वंदइ णमंसइ जाव पज्जुवासइ, से णं अणगारस्स भावियप्पणो मज्झंमज्झेणं णो वीईवएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव णो वीईवएज्जा। असुरकुमारे णं भंते ! महाकाए महासरीरे एवं चेव, एवं देवदंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणिए॥ ५०५॥ अत्थि णं भंते! णेरइयाणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा किइकम्मेइ वा अब्भुट्ठाणेइ वा अंजलिपग्गहेइ वा आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पदाणेइ वा इंतस्स पच्चुग्गच्छणया ठियस्स पज्जुवासणया गच्छंतस्स पडिसंसाहणया ? णो इणट्ठे समट्ठे। अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जाव पडिसंसाहणया ? हंता अत्थि, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइयाणं जाव चउरिंदियाणं एएसिं जहा णेरइयाणं। अत्थि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सक्कारेइ वा जाव पडिसंसाहणया ? हंता अत्थि; णो चेव णं आसणाभिग्गहेइ वा आसणाणुप्पयाणेइ वा, मणुस्साणं जाव वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं॥ ५०६॥ अप्पिड्ढिए णं भंते ! देवे महिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, समिड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीईवएज्जा। से णं भंते ! किं सत्थेणं अक्कमित्ता पभू अणक्कमित्ता पभू ? गोयमा ! अक्कमित्ता पभू णो अणक्कमित्ता पभू। से णं भंते ! किं पुव्विं सत्थेणं अक्कमित्ता पच्छा वीईवएज्जा, पुव्विं वीईवएज्जा पच्छा सत्थेणं अक्कमेज्जा ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा दसमसए आइड्ढीउद्देसए तहेव णिरवसेसं चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव

महिड्डिया वेमाणिणी अप्पिड्डियाए वेमाणिणीए ॥ ५०७ ॥ रयणप्पभापुढविणेरइया णं भंते ! केरिसयं पोग्गलपरिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेरइया, एवं वेयणापरिणामं, एवं जहा जीवाभिगमे बिइए णेरइयउद्देसए जाव अहेसत्तमापुढविणेरइया णं भंते ! केरिसयं परिग्गहसण्णापरिणामं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५०८ ॥

चोद्दसमं सयं चउत्थो उद्देसो

एस णं भंते ! पोग्गले तीयमणंतं सासयं समयं लुक्खी समयं अलुक्खी समयं लुक्खी वा अलुक्खी वा ? पुव्विं च णं करणेणं अणेगवण्णं अणेगरूवं परिणामं परिणमइ ? अह से परिणामे णिज्जिण्णे भवइ तओ पच्छा एगवण्णे एगरूवे सिया ? हंता गोयमा ! एस णं पोग्गले तीयं तं चेव जाव एगरूवे सिया । एस णं भंते ! पोग्गले पडुप्पण्णं सासयं समयं० ? एवं चेव, एवं अणागयमणंतंपि । एस णं भंते ! खंधे तीयमणंतं० ? एवं चेव, खंधेवि जहा पोग्गले ॥ ५०९ ॥ एस णं भंते ! जीवे तीयमणंतं सासयं समयं दुक्खी समयं अदुक्खी समयं दुक्खी वा अदुक्खी वा ? पुव्विं च णं करणेणं अणेगभावं अणेगभूयं परिणामं परिणमइ, अह से वेयणिज्जे णिज्जिण्णे भवइ तओ पच्छा एगभावे एगभूए सिया ? हंता गोयमा ! एस णं जीवे जाव एगभूए सिया, एवं पडुप्पण्णं सासयं समयं, एवं अणागयमणंतं सासयं समयं ॥ ५१० ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सासए असासए ? गोयमा ! सिय सासए सिय असासए । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सिय सासए सिय असासए ? गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासए, वण्णपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासए, से तेणट्ठेणं जाव सिय सासए सिय असासए ॥ ५११ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! दव्वादेसेणं णो चरिमे अचरिमे, खेत्तादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, कालादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, भावादेसेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे ॥ ५१२ ॥ कइविहे णं भंते ! परिणामे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे परिणामे पण्णत्ते, तंजहा–जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य, एवं परिणामपयं णिरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५१३ ॥

चोद्दसमं सयं पंचमो उद्देसो

णेरइए णं भंते ! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा ? गोयमा !

अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा? गोयमा! णेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावण्णए णेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा। से णं तत्थ झियाएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावण्णए णेरइए से णं अगणिकायस्स मज्झं-मज्झेणं णो वीईवएज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो वीईवएज्जा। असुरकुमारे णं भंते! अगणिकायस्स० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। से केणट्ठेणं जाव णो वीईवएज्जा? गोयमा! असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तं०–विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य, तत्थ णं जे से विग्गहगइसमावण्णए असुरकुमारे से णं एवं जहेव णेरइए जाव कमइ, तत्थ णं जे से अविग्गहगइसमावण्णए असुरकुमारे से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झं-मज्झेणं वीईवएज्जा, अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, से तेणट्ठेणं एवं जाव थणियकुमारे। एगिंदिया जहा णेरइया। बेइंदिया णं भंते! अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं जहा असुरकुमारे तहा बेइंदिएवि, णवरं जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा? हंता झियाएज्जा, सेसं तं चेव एवं जाव चउरिंदिए। पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! अगणिकाय० पुच्छा, गोयमा! अत्थेगइए वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। से केणट्ठेणं०? गोयमा! पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गह-गइसमावण्णगा य, विग्गहगइसमावण्णए जहेव णेरइए जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, अविग्गहगइसमावण्णगा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–इड्ढिप्पत्ता य अणिड्ढिप्पत्ता य, तत्थ णं जे से इड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीईवएज्जा। जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, तत्थ णं जे से अणिड्ढिप्पत्ते पंचिंदियतिरिक्खजोणिए से णं अत्थेगइए अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं वीईवएज्जा अत्थेगइए णो वीई-वएज्जा, जे णं वीईवएज्जा से णं तत्थ झियाएज्जा? हंता झियाएज्जा, से

तेणट्ठेणं जाव णो वीईवएज्जा, एवं मणुस्सेवि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥५१४॥ णेरइया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–अणिट्ठा सद्दा अणिट्ठा रूवा अणिट्ठा गंधा अणिट्ठा रसा अणिट्ठा फासा अणिट्ठा गई अणिट्ठा ठिई अणिट्ठे लावण्णे अणिट्ठे जसोकित्ती अणिट्ठे उट्ठाण-कम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे। असुरकुमारा दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–इट्ठा सद्दा इट्ठा रूवा जाव इट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरियपुरिस-क्कारपरक्कमे, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविक्काइया छट्ठाणाइं पच्चणुब्भव-माणा विहरंति, तं०–इट्ठाणिट्ठा फासा इट्ठाणिट्ठा गई एवं जाव परक्कमे, एवं जाव वणस्सइकाइया। बेइंदिया सत्तट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–इट्ठाणिट्ठा रसा सेसं जहा एगिंदियाणं। तेइंदिया अट्ठट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं०–इट्ठाणिट्ठा गंधा सेसं जहा बेइंदियाणं। चउरिंदिया णवट्ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तं०–इट्ठाणिट्ठा रूवा सेसं जहा तेइंदियाणं। पंचिं-दियतिरिक्खजोणिया दस ठाणाइं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति, तंजहा–इट्ठाणिट्ठा सद्दा जाव परक्कमे, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुर-कुमारा ॥५१५॥ देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू तिरियपव्वयं वा तिरियभित्तिं वा उल्लंघेत्तए वा पल्लंघेत्तए वा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। देवे णं भंते! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू तिरिय जाव पल्लंघेत्तए वा? हंता पभू। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥५१६॥

चोद्दसमं सयं छट्ठो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–णेरइया णं भंते! किमाहारा किंपरिणामा किंजोणिया किंठिईया पण्णत्ता? गोयमा! णेरइया णं पोग्गलाहारा पोग्गल-परिणामा पोग्गलजोणिया पोग्गलट्ठिईया कम्मोवगा कम्मणियाणा कम्मट्ठिईया कम्मुणामेव विप्परियासमेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥५१७॥ णेरइया णं भंते! किं वीचिदव्वाइं आहारेंति अवीचिदव्वाइं आहारेंति? गोयमा! णेर-इया वीचिदव्वाइंपि आहारेंति अवीचिदव्वाइंपि आहारेंति। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ णेरइया वीचि० त चेव जाव आहारेंति? गोयमा! जे णं णेर-इया एगपएसूणाइंपि दव्वाइं आहारेंति ते णं णेरइया वीचिदव्वाइं आहारेंति,

जे णं णेरइया पडिपुण्णाइं दव्वाइं आहारेंति ते णं णेरइया अवीचिदव्वाइं आहारेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव आहारेंति, एवं जाव वेमाणिया आहारेंति ॥५१८॥ जाहे णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजिउंकामे भवइ से कहमियाणिं पकरेइ ? गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया एगं महं णेमिपडिरूवगं विउव्वइ, एगं जोयणसयसहस्सं आयाम-विक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं जाव अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहियं परि-क्खेवेणं, तस्स णं णेमिपडिरूवगस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फासे, तस्स णं णेमिपडिरूवगस्स बहुमज्झदेसभागे तत्थ णं महं एगं पासायवडिंसगं विउव्वइ पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, अब्भुग्गयमूसिय० वण्णओ जाव पडिरूवं, तस्स णं पासाय-वडिंसगस्स उल्लोए पउमलयाभत्तिचित्ते जाव पडिरूवे, तस्स णं पासायवडिं-सगस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभाए जाव मणीणं फासो, मणिपेढिया अट्ठ-जोयणिया जहा वेमाणियाणं, तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं महं एगे देवसयणिज्जे विउव्वइ सयणिज्जवण्णओ जाव पडिरूवे, तत्थ णं से सक्के देविंदे देवराया अट्ठहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहि य अणिएहिं णट्टाणिएण य गंधव्वाणि-एण य सद्धिं महयाहयणट्ट जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ । जाहे ईसाणे देविंदे देवराया दिव्वाइं० जहा सक्के तहा ईसाणेवि णिरवसेसं, एवं सणंकुमारेवि, णवरं पासायवडिंसओ छ जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं तिण्णि जोयणसयाइं विक्खंभेणं, मणिपेढिया तहेव अट्ठजोयणिया, तीसे णं मणिपेढि-याए उवरिं एत्थ णं महेगं सीहासणं विउव्वइ सपरिवारं भाणियव्वं, तत्थ णं सणंकुमारे देविंदे देवराया बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव चउहिं बाव-त्तरीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहि य बहूहिं सणंकुमारकप्पवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महया जाव विहरइ । एवं जहा सणंकुमारे तहा जाव पाणओ अच्चुओ, णवरं जो जस्स परिवारो सो तस्स भाणियव्वो, पासायउच्चत्तं जं सएसु २ कप्पेसु विमाणाणं उच्चत्तं अद्धद्धं वित्थारो जाव अच्चुयस्स णवजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धपंचमाइं जोयणसयाइं विक्खं-भेणं, तत्थ णं गोयमा ! अच्चुए देविंदे देवराया दसहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव विहरइ, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५१९ ॥

चोद्दसमं सयं सत्तमो उद्देसो

रायगिहे जाव परिसा पडिगया, गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं आमंतेत्ता एवं वयासी-चिरसंसिट्ठोऽसि मे गोयमा ! चिरसंथुओऽसि मे गोयमा ! चिरपरिचिओऽसि मे गोयमा ! चिरजुसिओऽसि मे गोयमा ! चिराणुगओऽसि मे गोयमा ! चिराणुवत्तीसि मे गोयमा ! अणंतरं देवलोए अणंतरं माणुस्सए भवे किं परं मरणा कायस्स भेया इओ चुया दोवि तुल्ला एगट्ठा अविसेसमणाणत्ता भविस्सामो ॥५२०॥ जहा णं भंते ! वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइयावि देवा एयमट्ठं जाणंति पासंति ? हंता गोयमा ! जहा णं वयं एयमट्ठं जाणामो पासामो तहा णं अणुत्तरोववाइयावि देवा एयमट्ठं जाणंति पासंति । से केणट्ठेणं जाव पासंति ? गोयमा ! अणुत्तरोववाइयाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमण्णागयाओ भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव पासंति ॥५२१॥ कइविहे णं भंते ! तुल्लए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे तुल्लए पण्णत्ते, तंजहा–दव्वतुल्लए, खेत्ततुल्लए, कालतुल्लए, भवतुल्लए, भावतुल्लए, संठाणतुल्लए । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ दव्वतुल्लए २ ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वओ तुल्ले, परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलवइरित्तस्स दव्वओ णो तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, दुपएसिए खंधे दुपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं जाव दसपएसिए, तुल्लसंखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वओ तुल्ले, तुल्लसंखेज्जपएसिए खंधे तुल्लसंखेज्जपएसियवइरित्तस्स खंधस्स दव्वओ णो तुल्ले, एवं तुल्लअसंखेज्जपएसिए वि, एवं तुल्लअणंतपएसिएवि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ दव्वतुल्लए २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ खेत्ततुल्लए २ ? गोयमा ! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स खेत्तओ तुल्ले, एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढवइरित्तस्स पोग्गलस्स खेत्तओ णो तुल्ले, एवं जाव दसपएसोगाढे, तुल्लसंखेज्जपएसोगाढे एवं तुल्लअसंखेज्जपएसोगाढेवि, से तेणट्ठेणं जाव खेत्ततुल्लए २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ कालतुल्लए २ ? गोयमा ! एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयस्स पोग्गलस्स कालओ तुल्ले, एगसमयठिईए पोग्गले एगसमयठिईयवइरित्तस्स पोग्गलस्स कालओ णोतुल्ले, एवं जाव दससमय-

ट्ठिइए, तुल्लसंखेज्जसमयठिईए एवं चेव, एवं तुल्लअसंखेज्जसमयट्ठिईएवि, से तेण-ट्ठेणं जाव काल तुल्लए २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भवतुल्लए २ ? गोयमा ! णेरइए णेरइयस्स भवट्ठयाए तुल्ले, णेरइए णेरइयवइरित्तस्स भवट्ठयाए णो तुल्ले, तिरिक्खजोणिए एवं चेव, एवं मणुस्सेवि, एवं देवेवि, से तेणट्ठेणं जाव भव-तुल्लए २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भावतुल्लए भावतुल्लए ? गोयमा ! एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालयस्स पोग्गलस्स भावओ तुल्ले, एगगुणकालए पोग्गले एगगुणकालावइरित्तस्स पोग्गलस्स भावओ णो तुल्ले, एवं जाव दस-गुणकालए, एवं तुल्लसंखेज्जगुणकालए पोग्गले, एवं तुल्लअसंखेज्जगुणकालएवि, एवं तुल्लअणंतगुणकालएवि, जहा कालए एवं णीलए लोहियए हालिद्दए सुक्किल्लए, एवं सुब्भिगंधे, एवं दुब्भिगंधे, एवं तित्ते जाव महुरे, एवं कक्खडे जाव लुक्खे, उदइए भावे उदइयस्स भावस्स भावओ तुल्ले, उदइए भावे उद-इयभाववइरित्तस्स भावस्स भावओ णो तुल्ले, एवं उवसमिएवि, खइए० खओ-वसमिए० पारिणामिए० सण्णिवाइए भावे सण्णिवाइयस्स भावस्स, भावओ तुल्ले, सण्णिवाइए भावे सण्णिवाइयभाववइरित्तस्स भावस्स भावओ णो तुल्ले, से तेण-ट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ भावतुल्लए २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ संठाणतुल्लए २ ? गोयमा ! परिमंडले संठाणे परिमंडलस्स संठाणस्स संठाणओ तुल्ले, परिमंडलसंठाणे परिमंडलसंठाणवइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ णो तुल्ले, एवं वट्टे तंसे चउरंसे आयए, समचउरंससंठाणे समचउरंसस्स संठाणस्स संठा-णओ तुल्ले, समचउरंसे संठाणे समचउरंससंठाणवइरित्तस्स संठाणस्स संठाणओ णो तुल्ले, एवं परिमंडले, एवं जाव हुंडे, से तेणट्ठेणं जाव संठाणतुल्लए २ ॥ ५२२ ॥ भत्तपच्चक्खायए णं भंते ! अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे आहारमाहारेइ अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए अगिद्धे जाव अणज्झोववण्णे आहारमाहारेइ ? हंता गोयमा ! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे तं चेव, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भत्तपच्चक्खायए णं तं चेव, गोयमा ! भत्तपच्चक्खायए णं अणगारे मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे आहारे भवइ, अहे णं वीससाए कालं करेइ तओ पच्छा अमुच्छिए जाव आहारे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव आहारमाहारेइ ॥ ५२३ ॥ अत्थि णं भंते ! लव-सत्तमा देवा २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ लवसत्तमा देवा २ ? गोयमा ! से जहाणामए—केइ पुरिसे तरुणे जाव णिउणसिप्पोवगए

सालीण वा वीहीण वा गोधूमाण वा जवाण वा जवजवाण वा पक्काणं परियाताणं हरियाणं हरियकंडाणं तिक्खेणं णवपज्जणएणं असिअएणं पडिसाहरिया २ पडिसंखिविया २ जाव इणामेव २ त्तिकट्टु सत्तलवए लुएज्जा, जइ णं गोयमा ! तेसिं देवाणं एवइयं कालं आउए पहुप्पए तो णं ते देवा तेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झंता जाव अंतं करेंता, से तेणट्ठेणं जाव लवसत्तमा देवा लवसत्तमा देवा ॥ ५२४ ॥ अत्थि णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा २ ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अणुत्तरोववाइया देवा २ ? गोयमा ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं अणुत्तरा सद्दा अणुत्तरा रूवा जाव अणुत्तरा फासा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अणुत्तरोववाइया देवा २ । अणुत्तरोववाइया णं भंते ! देवा केवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववण्णा ? गोयमा ! जावइयं छट्ठभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइएणं कम्मावसेसेणं अणुत्तरोववाइय देवा देवत्ताए उववण्णा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५२५ ॥

चोद्दसमं सयं अट्ठमो उद्देसो

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए य पुढवीए केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए वालुयप्पभाए य पुढवीए केवइयं० ? एवं चेव, एवं जाव तमाए अहेसत्तमाए य । अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए जोइसियस्स य केवइयं पुच्छा, गोयमा ! सत्तणउए जोयणसए अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, जोइसियस्स णं भंते सोहम्मीसाणाण य कप्पाणं केवइयं पुच्छा ? गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयण जाव अंतरे पण्णत्ते, सोहम्मीसाणाणं भंते ! सणंकुमारमाहिंदाण य केवइयं० ? एवं चेव, सणंकुमारमाहिंदाणं भंते ! बंभलोगस्स कप्पस्स य केवइयं० ? एवं चेव, बंभलोगस्स णं भंते ! लंतगस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एवं चेव, लंतगस्स णं भंते ! महासुक्कस्स य कप्पस्स केवइयं० ? एवं चेव, एवं महासुक्कस्स य कप्पस्स सहस्सारस्स य, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं, एवं आणयपाणयाणं य कप्पाणं आरणच्चुयाण य कप्पाणं, एवं आरणच्चुयाणं गेविज्जविमाणाण

य, एवं गेवेज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य। अणुत्तरविमाणाणं भंते ! ईसिपब्भाराए य पुढवीए केवइयं० पुच्छा, गोयमा ! दुवालसजोयणे अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। ईसिपब्भाराए णं भंते ! पुढवीए अलोगस्स य केवइए अबाहाए० पुच्छा, गोयमा ! देसूणं जोयणं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥५२६॥ एस णं भंते ! सालरुक्खे उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिज्जालाभिहए कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव रायगिहे णयरे सालरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवंदियपूइयसक्कारियसम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सण्णिहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिए यावि भविस्सइ, से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गमिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। एस णं भंते ! साललट्ठिया उण्हाभिहया तण्हाभिहया दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले महेसरिए णयरीए सामलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, सा णं तत्थ अच्चियवंदियपूइय जाव लाउल्लोइयमहिया यावि भविस्सइ। से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सेसं जहा सालरुक्खस्स जाव अंतं काहिइ। एस णं भंते ! उंबरलट्ठिया उण्हाभिहया ३ कालमासे कालं किच्चा जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पाडलिपुत्ते णयरे पाडलिरुक्खत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अच्चियवंदिय जाव भविस्सइ, से णं भंते ! तओहिंतोअणंतरं उव्वट्टित्ता सेसं तं चेव जाव अंतं काहिइ ॥५२७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अम्मडस्स परिव्वायगस्स सत्त अंतेवासीसया गिम्हकालसमयंसि एवं जहा उववाइए जाव आराहगा ॥५२८॥ बहुजणे णं भंते ! अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४ एवं खलु अम्मडे परिव्वायए कंपिल्लपुरे णयरे घरसए एवं जहा उववाइए अम्मडस्स वत्तव्वया जाव दढप्पइण्णो अंतं काहिइ ॥ ५२९ ॥ अत्थि णं भंते ! अव्वाबाहा देवा अव्वाबाहा देवा ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अव्वाबाहा देवा २ ? गोयमा ! पभू णं एगमेगे अव्वाबाहे देवे एगमेगस्स पुरिसस्स एगमेगंसि अच्छिपत्तंसि दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं बत्तीसइविहं णट्टविहिं उवदंसेत्तए, णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ छविच्छेदं वा करेइ, एसुहुमं

च णं उवदंसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव अव्वाबाहा देवा २ ॥ ५३० ॥ पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया पुरिसस्स सीसं सपाणिणा असिणा छिंदित्ता कमंडलुंमि पक्खिवित्तए ? हंता पभू, से कहमिदाणिं पकरेइ ? गोयमा ! छिंदिया छिंदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, भिंदिया भिंदिया च णं वा पक्खिवेज्जा, कोट्टिया कोट्टिया च णं वा पक्खिवेज्जा, चुण्णिया-चुण्णिया च णं वा पक्खिवेज्जा, तओ पच्छा खिप्पामेव पडिसंघाएज्जा, णो चेव णं तस्स पुरिसस्स किंचिवि आवाहं वा वाबाहं वा उप्पाएज्जा, छविच्छेदं पुण करेइ, एसुहुमं च णं पक्खिवेज्जा ॥ ५३१ ॥ अत्थि णं भंते ! जंभया देवा जंभया देवा ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जंभया देवा जंभया देवा ? गोयमा ! जंभगा णं देवा णिच्चं पमुइयपक्कीलिया कंदप्परइमोहणसीला जे णं ते देवे कुद्धे पासेज्जा से णं पुरिसे महंतं अयसं पाउणिज्जा, जे णं ते देवे तुट्ठे पासेज्जा से णं महंतं जसं पाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–जंभगा देवा २। कइविहा णं भंते ! जंभगा देवा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता, तंजहा–अण्णजंभगा पाणजंभगा वत्थजंभगा लेणजंभगा सयणजंभगा पुप्फजंभगा फलजंभगा पुप्फ-फल जंभगा विज्जाजंभगा अवियत्तजंभगा, जंभगा णं भंते ! देवा कहिं वसहिं उवेंति ? गोयमा ! सव्वेसु चेव दीहवेयड्ढेसु चित्तविचित्तजमगपव्वएसु कंचणपव्वएसु य एत्थ णं जंभगा देवा वसहिं उवेंति । जंभगा णं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५३२ ॥

चोद्दसमं सयं णवमो उद्देसो

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अप्पणो कम्मलेस्सं ण जाणइ ण पासइ तं पुण जीवं सरूविं सकम्मलेस्सं जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! अणगारे णं भावियप्पा अप्पणो जाव पासइ। अत्थि णं भंते ! सरूवीवि सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासंति ४ ? हंता अत्थि । कयरे णं भंते ! सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति ? गोयमा ! जाओ इमाओ चंदिमसूरियाणं देवाणं विमाणेहिंतो लेस्साओ बहिया अभिणिस्सडाओ ताओ ओभासेंति जाव पभासेंति एवं एएणं गोयमा ! ते सरूवी सकम्मलेस्सा पोग्गला ओभासेंति ४ ॥ ५३३ ॥ णेरइयाणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला ? गोयमा ! णो अत्ता पोग्गला अणत्ता पोग्गला, असुरकुमाराणं भंते ! किं अत्ता पोग्गला

अणत्ता पोग्गल ? गोयमा ! अत्ता पोग्गला णो अणत्ता पोग्गला, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! अत्तावि पोग्गला अणत्तावि पोग्गला, एवं जाव मणुस्साणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं। णेरइयाणं भंते ! किं इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला ? गोयमा ! णो इट्ठा पोग्गला अणिट्ठा पोग्गला, जहा अत्ता भणिया एवं इट्ठावि कंतावि पियावि मणुण्णावि भाणियव्वा एवं पंच दंडगा। देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्सं विउव्वित्ता पभू भासासहस्सं भासित्तए ? हंता पभू। सा णं भंते ! किं एगा भासा भासासहस्सं ? गोयमा ! एगा णं सा भासा णो खलु तं भासासहस्सं ॥ ५३४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे अचिरुग्गयं बालसूरियं जासुमणाकुसुमपुंजप्पगासं लोहितगं पासइ पासित्ता जायसड्ढे जाव समुप्पण्णकोउहल्ले जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी—किमिदं भंते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स अट्ठे ? गोयमा ! सुभे सूरिए, सुभे सूरियस्स अट्ठे। किमिदं भंते ! सूरिए किमिदं भंते ! सूरियस्स पभा ? एवं चेव छाया, एवं लेस्सा ॥ ५३५ ॥ जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा णिग्गंथा विहरंति एए णं कस्स तेयलेस्सं वीईवयंति ? गोयमा ! मासपरियाए समणे णिग्गंथे वाणमंतराणं देवाणं तेयलेस्सं वीईवयइ, दुमासपरियाए समणे णिग्गंथे असुरिंदवज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं तेयलेस्सं वीईवयइ, एवं एएणं अभिलावेणं तिमासपरियाए समणे णिग्गंथे असुरकुमाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, चउम्मासपरियाए समणे णिग्गंथे गहगणणक्खत्ततारारूवाणं जोइसियाणं देवाणं तेयलेस्सं वीईवयइ, पंचमासपरियाए य समणे णिग्गंथे चंदिमसूरियाणं जोइसिंदाणं जोइसराईणं तेयलेस्सं वीईवयइ, छम्मासपरियाए समणे णिग्गंथे सोहम्मीसाणाणं देवाणं० सत्तमासपरियाए० सणंकुमारमाहिंदाणं देवाणं० अट्ठमासपरियाए समणे णिग्गंथे बंभलोगलंतगाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, णवमासपरियाए समणे णिग्गंथे महासुक्कसहस्साराणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, दसमासपरियाए समणे णिग्गंथे आणयपाणयआरणच्चुयाणं देवाणं० एक्कारसमासपरियाए समणे णिग्गंथे गेवेज्जगाणं देवाणं० बारसमासपरियाए समणे णिग्गंथे अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं तेयलेस्सं वीइवयइ, तेण परं सुक्के सुक्काभिजाए

भवित्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५३६ ॥

चोद्दसमं सयं दसमो उद्देसो

केवली णं भंते ! छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, जहा णं भंते ! केवली छउमत्थं जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि छउमत्थं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ । केवली णं भंते ! आहोहियं जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं परमाहोहियं, एवं केवलिं एवं सिद्धं जाव जहा णं भंते ! केवली सिद्धं जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि सिद्धं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ । केवली णं भंते ! भासेज्ज वा वागरेज्जा वा ? हंता भासेज्ज वा वागरेज्ज वा, जहा णं भंते ! केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा तहा णं सिद्धेवि भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जहा णं केवली भासेज्ज वा वागरेज्ज वा णो तहा णं सिद्धे भासेज्ज वा वागरेज्ज वा ? गोयमा ! केवली णं सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे, सिद्धे णं अणुट्ठाणे जाव अपुरिसक्कारपरक्कमे, से तेणट्ठेणं जाव णो वागरेज्ज वा । केवली णं भंते ! उम्मिसेज्ज वा णिम्मिसेज्ज वा ? हंता गोयमा ! उम्मिसेज्ज वा णिम्मिसेज्ज वा एवं चेव, एवं आउट्टेज्ज वा पसारेज्ज वा, एवं ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएज्जा, केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता गोयमा ! जाणइ पासइ। जहा णं भंते ! केवली इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ तहा णं सिद्धेवि इमं रयणप्पभं पुढविं रयणप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ । केवली णं भंते ! सक्करप्पभं पुढविं सक्करप्पभापुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं जाव अहेसत्तमं । केवली णं भंते ! सोहम्मं कप्पं सोहम्मकप्पेति जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ, एवं चेव एवं ईसाणं एवं जाव अच्चुयं, केवली णं भंते ! गेवेज्जविमाणं गेवेज्जविमाणेति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेवि । केवली णं भंते ! ईसिपब्भारं पुढविं ईसिपब्भारपुढवीति जाणइ पासइ ? एवं चेव । केवली णं भंते ! परमाणुपोग्गलं परमाणुपोग्गलेत्ति जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं दुपएसियं खंधं एवं जाव जहा णं

भंते ! केवली अणंतपएसियं खंधं अणंतपएसिए खंधेत्ति जाणइ-पासइ तहा णं सिद्धेवि अणंतपएसियं खंधं जाव पासइ ? हंता जाणइ-पासइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५३७ ॥

॥ चोद्दसमं सयं समत्तं ॥

पण्णरसमं सयं

णमो सुयदेवयाए भगवईए । तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णामं णयरी होत्था वण्णओ, तीसे णं सावत्थीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए तत्थ णं कोट्ठए णामं चेइए होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए णयरीए हालाहला णामं कुंभकारी आजीविओवासिया परिवसइ, अड्ढा जाव अपरिभूया आजीवियसमयंसि लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठि-मिंजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो ! आजीवियसमए अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठेत्ति आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं गोसाले मंखलिपुत्ते चउव्वीसवासपरियाए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारा-वणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अण्णया कयाइ इमे छ दिसाचरा अंतियं पाउब्भ-वित्था, तंजहा—साणे कलंदे कणियारे अच्छिदे अग्गिवेसायणे अज्जुणे गोमायुपुत्ते । तए णं ते छ दिसाचरा अट्ठविहं पुव्वगयं मग्गदसमं सएहिं २ मइदंसणेहिं णिज्जूहंति स० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं उवट्ठाइंसु, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महाणिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणं सव्वेसिं पाणाणं सव्वेसिं भूयाणं सव्वेसिं जीवाणं सव्वेसिं सत्ताणं इमाइं छ अणइक्कमणिज्जाइं वागरणाइं वागरेइ, तं०—लाभं अलाभं सुहं दुक्खं जीवियं मरणं तहा । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तेणं अट्ठंगस्स महाणिमित्तस्स केणइ उल्लोयमेत्तेणंसावत्थीए णयरीए अजिणे जिणप्पलावी अणरहा अरहप्पलावी अकेवली केवलिप्पलावी असव्वण्णू सव्वण्णुप्पलावी अजिणे जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ ॥ ५३८ ॥

तए णं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एव-माइक्खइ जाव एवं परूवेइ—एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मण्णे एवं ? तेणं

कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव छट्ठछट्ठेणं एवं जहा बिइयसए णियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्दं णिसामेइ, बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं मण्णे एवं ? तए णं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म जाव जायसड्ढे जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–एवं खलु अहं भंते ! छट्ठं तं चेव जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? तं इच्छामि णं भंते ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स उट्ठाणपरियाणियं परिकहियं । गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–जण्णं गोयमा ! से बहुजणे अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४ एवं खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ तण्णं मिच्छा । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु एयस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखलिणामं मंखे पिया होत्था, तस्स णं मंखलिस्स मंखस्स भद्दा णामं भारिया होत्था सुकुमाल जाव पडिरूवा, तए णं सा भद्दा भारिया अण्णया कयाइ गुव्विणी यावि होत्था, तेणं कालेणं तेणं समएणं सरवणे णामं सण्णिवेसे होत्था रिद्धत्थिमिय० जाव सण्णिभप्पगासे पासाईए ४, तत्थ णं सरवणे सण्णिवेसे गोबहुले णामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था, तस्स णं गोबहुलस्स माहणस्स गोसाला यावि होत्था, तए णं से मंखलीमंखे अण्णया कयाइ भद्दाए भारियाए गुव्विणीए सद्धिं चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सरवणे सण्णिवेसे जेणेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि भंडणिक्खेवं करेइ भंड० २ त्ता सरवणे सण्णिवेसे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, वसहीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणे अण्णत्थ वसहिं अलभमाणे तस्सेव गोबहुलस्स माहणस्स गोसालाए एगदेसंसि वासावासं उवागए, तए णं सा भद्दा भारिया

णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइं दियाणं वीइक्कंताणं सुकुमाल जाव पडिरूवं दारगं पयाया । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव बारसमे दिवसे अयमेया-रूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं इमे दारए गोब-हुलस्स माहणस्स गोसालाए जाए, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स णामधेज्जं गोसाले गोस लेत्ति,तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेंति गोसालेति। तए णं से गोसाले दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणु-प्पत्ते सयमेव पडिएक्कं चित्तफलगं करेइ २ त्ता चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ५३९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता अम्मापिईहिं देवत्तगएहिं एवं जहा भाव-णाए जाव एगं देवदूसमादाय मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । तए णं अहं गोयमा ! पढमं वासं अद्धमासंअद्धमासेणं खममाणे अट्ठियगामं णिस्साए पढमं अंतरावासं वासावासं उवागए, दोच्चणं वासं मासंमासेणं खम-माणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव णालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि ते० २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हामि अहा० २ त्ता तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासा-वासं उवागए । तए णं अहं गोयमा ! पढमं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विह-रामि । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते चित्तफलगहत्थगए मंखत्तणेणं अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव दूइज्जमाणे जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव णालिंदा बाहिरिया जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता तंतुवाय-सालाए एगदेसंसि भंडणिक्खेवं करेइ भं० २ त्ता रायगिहे णयरे उच्चणीय जाव अण्णत्थ कत्थवि वसहिं अलभमाणे तीसे य तंतुवायसालाए एगदेसंसि वासा-वासं उवागए जत्थेव णं अहं गोयमा ! तए णं अहं गोयमा ! पढममासक्ख-मणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि तंतु० २ त्ता णालिंदाबाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता रायगिहे णयरे उच्चणीय जाव अडमाणे विजयस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से विजए गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ खि० २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ मुओयइ पा०२त्ता

एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता अंजलिमउलियहत्थे ममं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता ममं वंदइ णमंसइ वं०२ त्ता ममं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभिस्सामित्ति· कट्टु तुट्ठे पडिलाभेमाणेवि तुट्ठे पडिलाभिए वि तुट्ठे, तए णं तस्स विजयस्स गाहावइस्स तेणं दव्वसुद्धेणं दायगसुद्धेणं पडिगाहगसुद्धेणं तिविहेणं तिकरणसुद्धेणं दाणेणं मए पडिलाभिए समाणे देवाउए णिबद्धे संसारे परित्तीकए गिहंसि य से इमाइं पंच दिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तंजहा—वसुधारा वुट्ठा १ दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए २ चेलुक्खेवे कए ३ आहयाओ देवदुंदुभीओ ४ अंतरावि य णं आगासे अहो दाणे २ त्ति घुट्ठे ५। तए णं रायगिहे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ—धण्णे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयत्थे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयपुण्णे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कयलक्खणे णं देवाणुप्पिया! विजए गाहावई, कया णं लोया देवाणुप्पिया! विजयस्स गाहावइस्स, सुलद्धे णं देवाणुप्पिया! माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स जस्स णं गिहंसि तहारूवे साहु साहुरूवे पडिलाभिए समाणे इमाइं पंच दिव्वाइं पाउब्भूयाइं, तंजहा—वसुहारा वुट्ठा जाव अहो दाणे २ घुट्ठे, तं धण्णेणं० कयपुण्णे० कयलक्खणे० कया णं लोया० सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले विजयस्स गाहावइस्स विजय० २। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोउहल्ले जेणेव विजयस्स गाहावइस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासइ विजयस्स गाहावइस्स गिहंसि वसुहारं वुट्ठं दसद्धवण्णं कुसुमं णिवडियं ममं च णं विजयस्स गाहावइस्स गिहाओ पडिणिक्खममाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिणं करेइ २ त्ता ममं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता ममं एवं वयासी—तुब्भे णं भंते! ममं धम्मायरिया अहण्णं तुब्भं धम्मंतेवासी, तए णं अहं गोयमा! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं णो आढामि णो परिजाणामि तुसिणीए संचिट्ठामि। तए णं अहं गोयमा! रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छामि २ त्ता दोच्चं मासखमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि, तए णं अहं गोयमा! दोच्चं मासक्खमण·

पारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि तं० २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झं-मज्झेणं जेणेव रायगिहे णयरे जाव अडमाणे आणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणु-प्पविट्ठे, तए णं से आणंदे गाहावई ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता एवं जहेव विजयस्स, णवरं ममं विउलाए खज्जगविहीए पडिलाभेस्सामीत्ति तुट्ठे सेसं तं चेव जाव तच्चं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि। तए णं अहं गोयमा! तच्चं मासक्खमणपारणगंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि तं० २ त्ता तहेव जाव अडमाणे सुणंदस्स गाहावइस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से सुणंदे गाहावई एवं जहेव विजयगाहावई, णवरं ममं सव्वकामगुणिएणं भोयणेणं पडिलाभेइ सेसं तं चेव जाव चउत्थं मासक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि। तीसे णं णालंदाए बाहिरियाए अदूरसामंते एत्थ णं कोल्लाए णामं सण्णिवेसे होत्था सण्णिवेस० वण्णओ, तत्थ णं कोल्लाए संणिवेसे बहुले णामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए रिउव्वेय जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था, तए णं से बहुले माहणे कत्तियचाउम्मासियपाडिवगंसि विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमण्णेणं माहणे आयामेत्था, तए णं अहं गोयमा! चउत्थमासक्खमणपारण-गंसि तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमामि २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छामि २ त्ता जेणेव कोल्लाए संणिवेसे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता कोल्लाए सण्णिवेसे उच्चणीय जाव अडमाणे बहुलस्स माहणस्स गिहं अणुप्पविट्ठे, तए णं से बहुले माहणे ममं एज्जमाणं तहेव जाव ममं विउलेणं महुघयसंजुत्तेणं परमण्णेणं पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे सेसं जहा विजयस्स जाव बहु० २। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं तंतुवायसालाए अपासमाणे रायगिहे णयरे सब्भिंतरबाहिरियाए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं कत्थवि सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा अलभमाणे जेणेव तंतुवायसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता साडियाओ य पाडियाओ य कुंडियाओ य वाहणाओ य चित्तफलगं च माहणे आयामेइ आयामेत्ता सउत्तरोट्ठं मुंडं कारेइ स० २ त्ता तंतुवायसालाओ पडिणिक्खमइ तं० २ त्ता णालंदं बाहिरियं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लागसण्णिवेसे तेणेव उवागच्छइ, तए णं तस्स कोल्लागस्स संणिवेसस्स बहिया बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–धण्णे णं देवाणुप्पिया! बहुले माहणे तं चेव जाव जीवियफले बहु-

लस्स माहणस्स ब० २, तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जारिसिया णं मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महा-रस्स इड्ढी जुई जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसम-ण्णागए, णो खलु अत्थि तारिसिया णं अण्णस्स कस्सइ तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा इड्ढी जुई जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, तं णिस्संदिद्धं च णं एत्थ ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे भविस्सईतिकट्टु कोल्लागसण्णिवेसे सब्भितरबाहिरिए ममं सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ, ममं सव्वओ जाव करेमाणे कोल्लागसंणिवेसस्स बहिया पणियभूमीए मए सद्धिं अभिसमण्णागए, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हट्ठतुट्ठे ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव णमंसित्ता एवं वयासी–तुब्भे णं भंते! ममं धम्मायरिया अहण्णं तुब्भं अंतेवासी, तए णं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेमि, तएणं अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलि-पुत्तेणं सद्धिं पणियभूमीए छव्वासाइं लाभं अलाभं सुहं दुक्खं सक्कारम-सक्कारं पच्चणुब्भवमाणे अणिच्चजागरियं विहरित्था ॥ ५४० ॥ तए णं अहं गोयमा ! अण्णया कयाइ पढमसरदकालसमयंसि अप्पवुट्ठिकायंसि गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं सिद्धत्थगामाओ णयराओ कुम्मगामं णयरं संपट्ठिए विहा-राए, तस्स णं सिद्धत्थगामस्स णयरस्स कुम्मगामस्स णयरस्स य अंतरा एत्थ णं महं एगे तिलथंभए पत्तिए पुप्फिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते तं तिलथंभगं पासइ २ त्ता ममं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एस णं भंते ! तिल-थंभए किं णिप्फज्जिस्सइ णो णिप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दा-इत्ता २ कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ? तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–गोसाला ! एस णं तिलथंभए णिप्फज्जिस्सइ णो ण णिप्फज्जिस्सइ, एए य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाइस्संति, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं आइक्खमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहाय अयण्णं मिच्छावाई भवउ-त्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव से तिलथंभए

तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं तिलथंभगं सलेट्ठुयायं चेव उप्पाडेइ २ त्ता एगंते एडेइ, तक्खणमेत्तं च णं गोयमा ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव पतणतणाएइ २ त्ता खिप्पामेव पविज्जुयाइ २ त्ता खिप्पामेव णच्चोदगं णाइमट्टियं पविरलपप्फुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सलिलोदगं वासं वासइ, जेणं से तिलथंभए आसत्थे वीसत्थए पच्चायाए तत्थेव बद्धमूले तत्थेव पइट्ठिए, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ तस्सेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया ।। ५४१ ।। तए णं अहं गोयमा ! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं सद्धिं जेणेव कुम्मगामे णयरे तेणेव उवागच्छामि, तए णं तस्स कुंमग्गामस्स णयरस्स बहिया वेसियायणे णामं बालतवस्सी छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, आइच्चतेयतवियाओ य से छप्पदीओ सव्वओ समंता अभिणिस्सवंति पाणभूयजीवसत्तदयट्ठयाए च णं पडियाओ २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चोरुहेइ । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवंसि पासइ २ त्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ ममं० २ त्ता जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वेसियायणं बालतवंसि एवं वयासी–किं भवं मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए ? तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं णो आढाइ णो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते वेसियायणं बालतवंसि दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किं भवं मुणी मुणिए जाव सेज्जायरए ? तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० २ त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहण्णइ तेयासमुग्घाएणं समोहणित्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरइ । तए णं अहं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स उसिणतेयपडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा अहं सीयलियं तेयलेस्सं णिसिरामि, जाए सा ममं सीयलियाए तेयलेस्साए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स साउसिणा तेयलेस्सा पडिहया । तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी ममं सीयलियाए तेयलेस्साए साउसिणं तेयलेस्सं

पडिहयं जाणित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकीरमाणं पासित्ता साउसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ साउ० २ त्ता ममं एवं वयासी–से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं ! तए णं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी–किण्णं भंते ! एस जूयासिज्जायरए तुब्भे एवं वयासी–से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं ! तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–तुमं णं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं पाससि पासित्ता ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कसि जेणेव वेसियायणे बालतवस्सी तेणेव उवागच्छसि ते० २ त्ता वेसियायणं बालतवस्सिं एवं वयासी–किं भवं मुणी मुणिए उदाहु जूयासेज्जायरए ? तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी तव एयमट्ठं णो आढाइ णो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं तुमं गोसाला ! वेसियायणं बालतवस्सिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किं भवं मुणी मुणिए जाव जूयासेज्जायरए ? तए णं से वेसियायणे बालतवस्सी तुमं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव पच्चोसक्कइ २ त्ता तव वहाए सरीरगंसि तेयलेस्सं णिस्सिरइ, तए णं अहं गोसाला ! तव अणुकंपणट्ठयाए वेसियायणस्स बालतवस्सिस्स उसिणतेयपडिसाहरणट्ठयाए एत्थ णं अंतरा सीयलियं तेयलेस्सं णिसिरामि जाव पडिहयं जाणित्ता तव य सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकीरमाणं पासित्ता साउसिणं तेयलेस्सं पडिसाहरइ सा० २ त्ता ममं एवं वयासी–से गयमेयं भगवं ! गयगयमेयं भगवं ! तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं अंतियाओ एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीए जाव संजायभए ममं वंदइ णमंसइ ममं वं० २ त्ता एवं वयासी–कहण्णं भंते ! संखित्तविउलतेयलेस्से भवइ ? तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–जे णं गोसाला ! एगाए सणहाए कुम्मास-पिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ, से णं अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउल-तेयलेस्से भवइ, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एयमट्ठं सम्मं विणएणं पडिसुणेइ ॥ ५४२ ॥ तए णं अहं गोयमा ! अण्णया कयाइ गोसालेणं मंखलि-पुत्तेणं सद्धिं कुम्मगामाओ णयराओ सिद्धत्थग्गामं णयरं संपट्ठिए विहाराए, जाहे य मो तं देसं हव्वमागया जत्थ णं से तिलथंभए तए णं से गोसाले मंखलि-पुत्ते ममं एवं वयासी–तुज्झे णं भंते ! तया ममं एवं आइक्खह जाव एवं

परूवेह–गोसाला ! एस णं तिलथंभए णिप्फज्जिस्सइ णो ण णिप्फज्जिस्सइ तं चेव जाव पच्चायाइस्संति तण्णं मिच्छा। इमं च णं पच्चक्खमेव वीसइ एस णं से तिलथंभए णो णिप्फण्णे अणिप्फण्णमेव ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ णो एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया। तए णं अहं गोयमा ! गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–तुमं णं गोसाला ! तया ममं एवं आइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहसि णो पत्तियसि णो रोयसि, एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे ममं पणिहाए अयण्णं मिच्छावाई भवउत्तिकट्टु ममं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कसि २ त्ता जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छसि २ त्ता जाव एगंतमंते एडेसि, तक्खणमेत्तं गोसाला ! दिव्वे अब्भवद्दलए पाउब्भूए, तए णं से दिव्वे अब्भवद्दलए खिप्पामेव तं चेव जाव तस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया। तं एस णं गोसाला ! से तिलथंभए णिप्फण्णे णो अणिप्फण्णमेव, ते य सत्त तिलपुप्फजीवा उद्दाइत्ता २ एयस्स चेव तिलथंभगस्स एगाए तिलसंगलियाए सत्त तिला पच्चायाया, एवं खलु गोसाला ! वणस्सइकाइया पउट्टपरिहारं परिहरंति। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे जाव अरोएमाणे जेणेव से तिलथंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताओ तिलथंभयाओ तं तिलसंगलियं खुड्डइ खुड्डित्ता करयलंसि सत्त तिले पप्फोडेइ। तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स ते सत्त तिले गणमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु सव्वजीवावि पउट्टपरिहारं परिहरंति। एस णं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स पउट्टे, एस णं गोयमा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मम अंतियाओ आयाए अवक्कमणे प० ॥ ५४३ ॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते एगाए सणहाए कुम्मासपिंडियाए एगेण य वियडासएणं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अंतो छण्हं मासाणं संखित्तविउलतेयलेस्से जाए ॥ ५४४ ॥ तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अण्णया कयाइ इमे छद्दिसाचरा अंतियं पाउब्भवित्या तं०–साणे तं चेव सव्वं जाव अजिणे जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं णो खलु गोयमा ! गोसाले

मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ। तए णं सा महइ-महालिया महच्चपरिसा जहा सिवे जाव पडिगया। तए णं सावत्थीए णय-रीए सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णस्स जाव परूवेइ—जण्णं देवाणुप्पिया! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ तं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ—एवं खलु तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स मंखली णामं मंखे पिया होत्था, तए णं तस्स मंखलिस्स एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव अजिणे जिणप्पलावी जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं णो खलु गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, गोसाले मंखलिपुत्ते अजिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, समणे भगवं महा-वीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसि-मिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावणभूमीओ पच्चोरुहइत्ता सावत्थि णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवा-गच्छइ उवागच्छित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि आजीवियसंघ-संपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे एवं वावि विहरइ ॥५४५॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंदे णामं थेरे पगइभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से आणंदे थेरे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरि-सीए एवं जहा गोयमसामी तहेव आपुच्छइ, तहेव जाव उच्चणीयमज्झिम० जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी—एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं उवमियं णिसामेहि। तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलि-पुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आणंदं थेरं एवं वयासी—एवं खलु आणंदा! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चा-वया वणिया अत्थत्थी अत्थलुद्धा अत्थगवेसी अत्थकंखिया अत्थपिवासा

अत्थगवेसणयाए णाणाविहविउलपणियभंडमायाए सगडीसागडेणं सुबहुं भत्त-पाणपत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं अणोहियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठा। तए णं तेसिं वणियाणं तीसे अगामियाए अणोहियाए छिण्णा-वायाए दीहमद्धाए अडवीए किंचि देसं अणुप्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे २ खीणे। तए णं ते वणिया खीणोदगा समाणा तण्हाए परिब्भवमाणा अण्णमण्णे सद्दावेंति अण्ण० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए किंचि देसं अणु-प्पत्ताणं समाणाणं से पुव्वगहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुंजेमाणे २ खीणे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेत्तएत्तिकट्टु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति अण्ण० २ त्ता तीसेणं अगामियाए जाव अडवीए उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेंति, उदगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा एगं महं वणसंडं आसाएंति, किण्हं किण्होभासं जाव णिकुरंबभूयं पासाईयं जाव पडिरूवं, तस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगं वम्मीयं आसाएंति, तस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ अभिणि-सढाओ तिरियं सुसंपग्गहियाओ अहे पण्णगद्धरूवाओ पण्णगद्धसंठाणसंठियाओ पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ। तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठ० अण्णमण्णं सद्दावेंति अ० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमीसे अगामियाए जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणेहिं इमे वणसंडे आसाइए किण्हे किण्होभासे० इमस्स णं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए इमे वम्मीए आसाइए, इमस्स णं वम्मीयस्स चत्तारि वप्पुओ अब्भुग्गयाओ जाव पडिरूवाओ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदित्तए, अवि-याइं ओरालं उदगरयणं अस्साएस्सामो। तए णं ते वणिया अण्णमण्णस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता तस्स वम्मीयस्स पढमं वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं पत्थं जच्चं तणुयं फालियवण्णाभं उरालं उदगरयणं आसाएंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा पाणियं पिबंति २ त्ता वाहणाइं पज्जेंति वा० २ त्ता भायणाइं भरेंति भा० २ त्ता दोच्चंपि अण्णमण्णं एवं वयासी–एवं खलु देवा-णुप्पिया! अम्हेहिं इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उद-

गरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवियाइं एत्थ ओरालं सुवण्णरयणं अस्साएस्सामो। तए णं ते वणिया अण्णमण्णस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता तस्स वम्मीयस्स दोच्चंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ अच्छं जच्चं तावणिज्जं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं सुवण्णरयणं अस्साएंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता तच्चंपि अण्णमण्णं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, दोच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले सुवण्णरयणे अस्साइए, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स तच्चंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवियाइं एत्थं ओरालं मणिरयणं अस्साएस्सामो। तए णं ते वणिया अण्णमण्णस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता तस्स वम्मीयस्स तच्चंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ विमलं णिम्मलं णित्तलं णिक्कल्लं महत्थं महग्घं महरिहं ओरालं मणिरयणं अस्साएंति, तए णं ते वणिया हट्ठतुट्ठा भायणाइं भरेंति भा० २ त्ता पवहणाइं भरेंति २ त्ता चउत्थंपि अण्णमण्णं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे अस्साइए, दोच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले सुवण्णरयणे अस्साइए, तच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले मणिरयणे अस्साइए। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदित्तए, अवियाइं उत्तमं महग्घं महरिहं ओरालं वइररयणं अस्साएस्सामो। तए णं तेसिं वणियाणं एगे वणिए हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए णिस्सेयसिए हियसुहणिस्सेसकामए ते वणिए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हे इमस्स वम्मीयस्स पढमाए वप्पाए भिण्णाए ओराले उदगरयणे जाव तच्चाए वप्पाए भिण्णाए ओराले मणिरयणे अस्साइए, तं होउ अलाहि पज्जत्तं णे एसा चउत्थी वप्पा मा भिज्जउ, चउत्थी णं वप्पा सउवसग्गा यावि होत्था। तए णं ते वणिया तस्स वणियस्स हियकामगस्स सुहकामगस्स जाव हियसुहणिस्सेसकामगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति जाव णो रोयंति, एयमट्ठं असद्दहमाणा जाव अरोएमाणा तस्स वम्मीयस्स चउत्थंपि वप्पिं भिंदंति, ते णं तत्थ उग्गविसं चंडविसं घोरविसं महाविसं

अइकायमहाकायं मसिमूसाकालगं णयणविसरोसपुण्णं अंजणपुंजणिगरप्पगासं रत्तच्छं जमलजुयलचंचलचलंतजीहं धरणितलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडुल-कक्खडविकडफडाडोयकरणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमेंतघोसं अणागलिय-चंडतिव्वरोसं समुहिं तुरियं चवलं धमंतं दिट्ठिविसं सप्पं संघट्टेंति। तए णं से दिट्ठिविसे सप्पे तेहिं वणिएहिं संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सणियं २ उट्ठेइ २ त्ता सरसरसरस्स वम्मीयस्स सिहरतलं दुरुहइ सि० २ त्ता आइच्चं णिज्झाइ आ० २ त्ता ते वणिए अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएइ। तए णं ते वणिया तेणं दिट्ठिविसेणं सप्पेणं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोइया समाणा खिप्पामेव सभंडमत्तोवगरण-मायाए एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासी कया यावि होत्था। तत्थ णं जे से वणिए तेसिं वणियाणं हियकामए जाव हियसुहणिस्सेसकामए से णं अणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोवगरणमायाए णियगं णयरं साहिए। एवामेव आणंदा! तववि धम्मा-यरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं णायपुत्तेणं ओराले परियाए अस्साइए, ओराला कित्तिवण्णसद्दसिलोगा सदेवमणुयासुरे लोए पुव्वंति गुव्वंति थुव्वंति इति खलु समणे भगवं महावीरे इति० २, तं जइ मे से अज्ज किंचिवि वदइ, तो णं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेमि जहा वा वालेणं ते वणिया, तुमं च णं आणंदा! सारक्खामि संगोवामि जहा वा से वणिए तेसिं वणियाणं हिय-कामए जाव णिस्सेसकामए अणुकंपियाए देवयाए सभंडमत्तोव० जाव साहिए, तं गच्छ णं तुमं आणंदा! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स णाय-पुत्तस्स एयमट्ठं परिकहेहि। तए णं से आणंदे थेरे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे भीए जाव संजायभए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सिग्घं तुरियं सावत्थि णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी--एवं खलु अहं भंते! छट्ठक्खमणपारणगंसि तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे सावत्थीए णयरीए उच्चणीय जाव अडमाणे हालाहलाए कुंभकारीए जाव वीईवयामि, तए णं गोसाले मंखलिपुत्ते ममं हालाहलाए जाव पासित्ता एवं वयासी--एहि ताव आणंदा! इओ एगं महं

उवमियं णिसामेहि, तए णं अहं गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छामि, तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते ममं एवं वयासी—एवं खलु आणंदा ! इओ चिराईयाए अद्धाए केइ उच्चावया वणिया एवं तं चेव सव्वं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णियगं णयरं साहिए तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! तव धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स जाव परिकहेहि ॥ ५४६ ॥ तं पभू णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेत्तए, विसए णं भंते ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स जाव करेत्तए, समत्थे णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए ? पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! गोसालस्स जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! गोसाले जाव करेत्तए, णो चेव णं अरिहंते भगवंते, परियावणियं पुण करेज्जा, जावइएणं आणंदा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अणगाराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अणगारा भगवंतो, जावइएणं आणंदा ! अणगाराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए थेराणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण थेरा भगवंतो, जावइएणं आणंदा! थेराणं भगवंताणं तवतेए एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव तवतेए अरिहंताणं भगवंताणं, खंतिखमा पुण अरहंता भगवंतो, तं पभू णं आणंदा ! गोसाले मंखलिपुत्ते तवेणं तेएणं जाव करेत्तए, विसए णं आणंदा ! जाव करेत्तए, समत्थे णं आणंदा ! जाव करेत्तए, णो चेव णं अरिहंते भगवंते, पारियावणियं पुण करेज्जा ॥ ५४७ ॥ तं गच्छ णं तुमं आणंदा ! गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेहि—मा णं अज्जो ! तुब्भं केई गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ, धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेउ, धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेउ, गोसाले णं मंखलिपुत्ते समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णे । तए णं से आणंदे थेरे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव गोयमाइसमणा णिग्गंथा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोयमाइसमणे णिग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अज्जो ! छट्ठक्खमणपारणगंसि समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सावत्थीए णयरीए उच्चणीय० तं चेव सव्वं जाव णायपुत्तस्स

एयमट्ठं परिकहेहि, तं मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएउ जाव मिच्छं विप्पडिवण्णे ॥ ५४८ ॥ जावं च णं आणंदे थेरे गोयमाईणं समणाणं णिग्गंथाणं एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे महया अमरिसं वहमाणे सिग्घं तुरियं जाव सावत्थिं णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–सुट्ठु णं आउसो ! कासवा ! ममं एवं वयासी साहू णं आउसो ! कासवा ! ममं एवं वयासी–गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासी गोसाले० २, जे णं गोसाले मंखलिपुत्ते तव धम्मंतेवासी से णं सुक्के सुक्काभिजाइए भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववण्णे, अहण्णं उदाई णामं कुंडियायणीए अज्जुणस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अ० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि गो० २ त्ता इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, जेवि आइं आउसो ! कासवा ! अम्हं समयंसि केइ सिज्झिसु वा सिज्झंति वा सिज्झिस्संति वा सव्वे ते चउरासीइं महाकप्पसयसहस्साइं सत्त दिव्वे सत्त संजूहे सत्त सण्णिगब्भे सत्त पउट्टपरिहारे पंच कम्मणिसयसहस्साइं सट्ठिं च सहस्साइं छच्च सए तिण्णि य कम्मंसे अणुपुव्वेणं खवइत्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से जहा वा गंगा महाणई जओ पवूढा जहिं वा पज्जुवत्थिया एस णं अद्धपंचजोयणसयाइं आयामेणं अद्धजोयणं विक्खंभेणं पंच धणुसयाइं उव्वेहेणं एएणं गंगापमाणेणं सत्त गंगाओ सा एगा महागंगा, सत्त महागंगाओ सा एगा साईणगंगा, सत्त साईणगंगाओ सा एगा मच्चुगंगा, सत्त मच्चुगंगाओ सा एगा लोहियगंगा सत्त लोहियगंगाओ सा एगा आवईगंगा, सत्त आवईगंगाओ सा एगा परमावई, एवामेव सपुव्वावरेणं एगं गंगासयसहस्सं सत्तर सहस्सा छच्चगुणपण्णं गंगासया भवंतीति मक्खाया, तासिं दुविहे उद्धारे पण्णत्ते, तंजहा–सुहुमबोंदिकलेवरे चेव बायरबोंदिकलेवरे चेव, तत्थ णं जे से सुहुमबोंदिकलेवरे से ठप्पे, तत्थ णं जे से बायरबोंदिकलेवरे तओ णं वाससए २ गए २

एगमेगं गंगावालुयं अवहाय जावइएणं कालेणं से कोट्ठे खीणे णीरए णिल्लेवे णिट्ठिए भवइ, सेत्तं सरे सरप्पमाणे, एएणं सरप्पमाणेणं तिण्णि सरसयसाहस्सीओ से एगे महाकप्पे, चउरासीइं महाकप्पसयसहस्साइं से एगे महामाणसे, अणंताओ संजूहाओ जीवे चयं चइत्ता उवरिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता पढमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे जाव विहरित्ता ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ जाव चईत्ता दोच्चे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हेट्ठिल्ले माणसे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं जाव चइत्ता तच्चे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता उवरिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता चउत्थे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मज्झिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता पंचमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता हिट्ठिल्ले माणुसुत्तरे संजूहे देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता छट्ठे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता बंभलोगे णामं से कप्पे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे जहा ठाणपए जाव पंच वडेंसगा प०, तंजहा-असोगवडेंसए जाव पडिरूवा, से णं तत्थ देवे उववज्जइ, से णं तत्थ दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोग जाव चइत्ता सत्तमे सण्णिगब्भे जीवे पच्चायाइ, से णं तत्थ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण जाव वीइक्कंताणं सुकुमालगभद्दलए मिउकुंडलकुंचियकेसए मट्ठगंडतलकण्णपीढए देवकुमारसमप्पभए दारए पयायइ, से णं अहं कासवा ! तए णं अहं आउसो ! कासवा ! कोमारियाए पव्वज्जाए कोमारएणं बंभचेरवासेणं अविद्धकण्णए चेव संखाणं पडिलभामि सं० २ त्ता इमे सत्त पउट्टपरिहारे परिहरामि, तंजहा—एणेज्जस्स, मल्लरामस्स, मंडियस्स, रोहस्स, भारद्दाइस्स, अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स, गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स, तत्थ णं जे से पढमे पउट्टपरिहारे से णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया मंडियकुच्छिसि

चेइयंसि उदाइस्स कुंडियायणस्स सरीरं विप्पजहामि उदा० २ त्ता एणेज्जगस्स सरीरगं अणुप्पविसामि एणे० २ त्ता बावीसं वासाइं पढमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से दोच्चे पउट्टपरिहारे से णं उद्दंडपुरस्स णयरस्स बहिया चंदोयरणंसि चेइयंसि एणेज्जगस्स सरीरगं विप्पजहामि २ त्ता मल्ल-रामस्स सरीरगं अणुप्पविसामि मल्ल० २ त्ता एकवीसं वासाइं दोच्चं पउट्ट-परिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से तच्चे पउट्टपरिहारे से णं चंपाए णयरीए बहिया अंगमंदिरंमि चेइयंसि मल्लरामस्स सरीरगं विप्पजहामि मल्ल० २ त्ता मंडियस्स सरीरगं अणुप्पविस्सामि मंडि० २ त्ता वीसं वासाइं तच्चं पउट्ट-परिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से चउत्थे पउट्टपरिहारे से णं वाणारसीए णयरीए बहिया काममहावणंसि चेइयंसि मंडियस्स सरीरगं विप्पजहामि मंडि० २ त्ता रोहस्स सरीरगं अणुप्पविसामि रोह० २ त्ता एकूणवीसं वासाइं चउत्थं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से पंचमे पउट्टपरिहारे से णं आलभियाए णयरीए बहिया पत्तकालगंसि चेइयंसि रोहस्स सरीरगं विप्पजहामि रोह० २ त्ता भारद्दाइस्स सरीरगं अणुप्पविसामि भा० २ त्ता अट्ठारस वासाइं पंचमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से छट्ठे पउट्टपरिहारे से णं वेसालीए णयरीए बहिया कोंडियायणंसि चेइयंसि भारद्दाइस्स सरीरगं विप्पजहामि भा० २ त्ता अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं अणुप्पविसामि अ० २ त्ता सत्तरस वासाइं छट्ठं पउट्टपरिहारं परिहरामि, तत्थ णं जे से सत्तमे पउट्ट-परिहारे से णं इहेव सावत्थीए णयरीए हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अज्जुणगस्स गोयमपुत्तस्स सरीरगं विप्पजहामि अज्जुणगस्स० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अलं थिरं धुवं धारणिज्जं सीयसहं उण्हसहं खुहासहं विविह-दंसमसगपरीसहोवसग्गसहं थिरसंघयणंतिकट्टु तं अणुप्पविसामि २ त्ता तं सोलस वासाइं इमं सत्तमं पउट्टपरिहारं परिहरामि, एवामेव आउसो! कासवा! एगेणं तेत्तीसेणं वाससएणं सत्त पउट्टपरिहारा परिहरिया भवंतीति मक्खाया, तं सुट्ठु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी—साहु णं आउसो! कासवा! ममं एवं वयासी—गोसाले मंखलिपुत्ते ममं धम्मंतेवासित्ति गोसाले० २ ॥५४९॥

तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी—गोसाला! से जहाणामए तेणए सिया गामेल्लएहिं परब्भमाणे २ कत्थ य गड्डं वा दरिं वा

दुग्गं वा णिण्णं वा पव्वयं वा विसमं वा अणस्साएमाणे एगेण महं उण्णालोमेण वा सणलोमेण वा कप्पासपम्हेण वा तणसूएण वा अत्ताणं आवरेत्ताणं चिट्ठेज्जा, से णं अणावरिए आवरियमिति अप्पाणं मण्णइ, अप्पच्छण्णे य पच्छण्णमिति अप्पाणं मण्णइ, अणिलुक्के णिलुक्कमिति अप्पाणं मण्णइ, अपलाए पलायमिति अप्पाणं मण्णइ, एवामेव तुमंपि गोसाला ! अणण्णे संते अण्णमिति अप्पाणं उपलभसि, तं मा एवं गोसाला ! णारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा ॥५५०॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उच्चा० २ त्ता उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेइ उद्धंसेत्ता उच्चावयाहिं णिब्भंछणाहिं णिब्भंछेइ उ० २ त्ता उच्चावयाहिं णिच्छोडणाहिं णिच्छोडेइ उ० २ त्ता एवं वयासी-णट्ठेसि कयाइ, विणट्ठेसि कयाइ, भट्ठेसि कयाइ, णट्ठविणट्ठभट्ठेसि कयाइ, अज्ज ण भवसि णाहि ते ममाहितो सुहमत्थि ॥ ५५१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं एयमट्ठं असद्दहमाणे उट्ठाए उट्ठेइ उ० त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी--जेवि ताव गोसाला ! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतियं एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं णिसामेइ सेवि ताव तं वंदइ णमंसइ जाव कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ, किमंग पुण तुमं गोसाला ! भगवया चेव पव्वाविए, भगवया चेव मुंडाविए, भगवया चेव सेहाविए, भगवया चेव सिक्खाविए, भगवया चेव बहुस्सुईकए, भगवओ चेव मिच्छं विप्पडिवण्णे, तं मा एवं गोसाला ! णारिहसि गोसाला ! सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइणामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव भासरासिं करेइ । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सव्वाणुभूइं अणगारं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं जाव भासरासिं करेत्ता-दोच्चंपि समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ जाव सुहं णत्थि । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी कोसलजाणवए सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए धम्मायरियाणुरागेणं जहा

सव्वाणुभूई तहेव जाव सच्चेव ते सा छाया णो अण्णा। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुणक्खत्तेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ सुणक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेइ। तए णं से सुणक्खत्ते अणगारे गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ स० २ त्ता समणा य समणीओ य खामेइ सम० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सुणक्खत्तं अणगारं तवेणं तेएणं परितावेत्ता तच्चंपि समणं भगवं महावीरं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ सव्वं तं चेव जाव सुहं णत्थि। तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी—जेवि ताव गोसाला! तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा तं चेव जाव पज्जुवासइ, किमंग पुण गोसाला! तुमं मए चेव पव्वाविए जाव मए चेव बहुस्सुईकए मम चेव मिच्छं विप्पडिवण्णे? तं मा एवं गोसाला! जाव णो अण्णा। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ५ तेयासमुग्घाएणं समोहण्णइ तेया० २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्कइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरइ, से जहाणामए वाउक्कलियाइ वा वायमंडलियाइ वा सेलंसि वा कुड्डंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवरिज्जमाणी वा णिवारिज्जमाणी वा सा णं तत्थ णो कमइ णो पक्कमइ, एवामेव गोसालस्सवि मंखलिपुत्तस्स तवे तेए समणस्स भगवओ महावीरस्स वहाए सरीरगंसि णिसिट्ठे समाणे से णं तत्थ णो कमइ णो पक्कमइ, अंचियंचिं करेइ अंचि० २ त्ता आयाहिणं पयाहिणं करेइ आ० २ त्ता उड्ढं वेहासं उप्पइए, से णं तओ पडिहए, पडिणियत्ते समाणे तमेव गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं अणुडहमाणे २ अंतो २ अणुप्पविट्ठे। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सएणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे समणं भगवं महावीरं एवं वयासी—तुमं णं आउसो! कासवा! मम तवेणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि। तए णं समणे भगवं महावीरे गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी—णो खलु अहं गोसाला! तव तवेणं तेएणं अण्णाइट्ठे

समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करिस्सामि, अहण्णं अण्णाइं सोलस वासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि। तुमं णं गोसाला ! अप्पणा चेव सएणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे जाव छउमत्थे चेव कालं करिस्ससि। तए णं सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सावत्थीए णयरीए बहिया कोट्ठए चेइए दुवे जिणा संलवंति, एगे एवं वयंति–तुमं पुव्वि कालं करिस्ससि एगे एवं वयंति तुमं पुव्वि कालं करिस्ससि, तत्थ णं के पुण सम्मावाई के पुण मिच्छावाई ? तत्थ णं जे से अहप्पहाणे जणे से वयइ–समणे भगवं महावीरे सम्मावाई गोसाले मंखलिपुत्ते मिच्छावाई। अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी–अज्जो ! से जहाणामए तणरासीइ वा कट्ठरासीइ वा पत्तरासीइ वा तयारासीइ वा तुसरासीइ वा भुसरासीइ वा गोमयरासीइ वा अवकररासीइ वा अगणिज्झामिए अगणिज्झूसिए अगणिपरिणामिए हयतेए गयतेए णट्ठतेए भट्ठतेए लुत्ततेए विणट्ठतेए जाव एवामेव गोसाले मंखलिपुत्ते ममं वहाए सरीरगंसि तेयं णिसिरित्ता हयतेए गयतेए जाव विणट्ठतेए जाए, तं छंदेणं अज्जो ! तुब्भे गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएह धम्मि० २ त्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेह धम्मि० २ त्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेह धम्मि० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य वागरणेहि य कारणेहि य णिप्पट्ठपसिणवागरणं करेह। तए णं ते समणा णिग्गंथा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएंति ध० २ त्ता धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारेंति ध० २ त्ता धम्मिएणं पडोयारेणं पडोयारेंति ध० २ त्ता अट्ठेहि य हेऊहि य कारणेहि य जाव वागरणं करेंति। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते समणेहिं णिग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोइज्जमाणे जाव णिप्पट्ठपसिणवागरणे कीरमाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे णो संचाएइ समणाणं णिग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएत्तए छविच्छेदं वा करेत्तए। तए णं ते आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं समणेहिं णिग्गंथेहिं धम्मियाए पडिचोयणाए पडिचोएज्जमाणं धम्मियाए पडिसारणाए पडिसारिज्जमाणं धम्मिएणं पडोयारेणं पडोया-

रिज्जमाणं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव कीरमाणं आसुरुत्तं जाव मिसिमिसेमाणं समणाणं णिग्गंथाणं सरीरगस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा छविच्छेदं वा अकरेमाणं पासंसि २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमंति आयाए अवक्कमित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं० वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति, अत्थेगइया आजीविया थेरा गोसालं चेव मंखलिपुत्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते जस्सट्ठाए हव्वमागए तमट्ठं असाहेमाणे रुंदाइं पलोएमाणे दीहुण्हाइं णीससमाणे दाढियाए लोमाए लुंचमाणे अवडुं कंडूयमाणे पुयलिपप्फोडेमाणे हत्थे विणिद्धुणमाणे दोहिवि पाएहिं भूमिं कोट्टेमाणे हाहा अहो! हओऽहमस्सीतिकट्टु समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सावत्थी णयरी जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणगं पियमाणे अभिक्खणं गायमाणे अभिक्खणं णच्चमाणे अभिक्खणं हालाहलाए कुंभकारीए अंजलिकम्मं करेमाणे सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ॥ ५५२॥ अज्जोत्ति! समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी–जावइएणं अज्जो! गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं ममं वहाए सरीरगंसि तेए णिसट्ठे से णं अलाहि पज्जत्ते सोलसण्हं जणवयाणं, तं०–अंगाणं वंगाणं मगहाणं मलयाणं मालवगाणं अच्छाणं वच्छाणं कोच्छाणं पाढाणं लाढाणं वज्जीणं मोलीणं कासीणं कोसलाणं अवाहाणं सुंभुत्तराणं घायाए वहाए उच्छादणयाए भासीकरणयाए, जंपि य अज्जो! गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए मज्जपाणं पियमाणे अभिक्खणं जाव अंजलिकम्मं करेमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं अट्ठ चरिमाइं पण्णवेइ, तंजहा–चरिमे पाणे, चरिमे गेए, चरिमे णट्टे, चरिमे अंजलिकम्मे, चरिमे पोक्खलसंवट्टए महामेहे, चरिमे सेयणए गंधहत्थी, चरिमे महासिलाकंटए संगामे, अहं च णं इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थयरे सिज्झिस्सं जाव अंतं करेस्संति,

जंपि य अज्जो ! गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टियापाणएणं आयंचणिउदएणं गायाइं परिसिंचमाणे विहरइ, तस्सवि य णं वज्जस्स पच्छादणट्ठयाए इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पण्णवेइ । से किं तं पाणए ? पाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—गोपुट्ठए, हत्थमद्दियए, आयवतत्तए, सिलापब्भट्ठए, सेत्तं पाणए । से किं तं अपाणए ? अपाणए चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—थालपाणए, तयापाणए सिंबलिपाणए सुद्धपाणए । से किं तं थालपाणए ? २ जण्णं दाथालगं वा दावारगं वा दाकुंभगं वा दाकलसं वा सीयलगं उल्लगं हत्थेहिं परामुसइ ण य पाणियं पियइ, सेत्तं थालपाणए । से किं तं तयापाणए ? २ जण्णं अंबं वा अंबाडगं वा जहा पओगपए जाव बोरं वा तिंदुरुयं वा तरुणगं वा आमगं वा आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा ण य पाणियं पियइ, सेत्तं तयापाणए । से किं तं सिंबलिपाणए ? २ जण्णं कलसंगलियं वा मुग्गसंगलियं वा माससंगलियं वा सिंबलिसंगलियं वा तरुणियं आमियं आसगंसि आवीलेइ वा पवीलेइ वा ण य पाणियं पियइ, सेत्तं सिंबलिपाणए । से किं तं सुद्धपाणए ? सुद्धपाणए जण्णं छम्मासे सुद्धखाइमं खाइ दो मासे पुढविसंथारोवगए दो मासे कट्ठसंथारोवगए दो मासे दब्भसंथारोवगए, तस्स णं बहुपडिपुण्णाणं छण्हं मासाणं अंतिमराईए इमे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा अंतियं पाउब्भवंति, तं०—पुण्णभद्दे य माणिभद्दे य । तए णं ते देवा सीयलएहिं उल्लएहिं हत्थेहिं गायाइं परामुसंति, जे णं ते देवे साइज्जइ से णं आसीविसत्ताए कम्मं पकरेइ, जे णं ते देवे णो साइज्जइ तस्स णं संसि सरीरगंसि अगणिकाए संभवइ, से णं सएणं तेएणं सरीरगं झामेइ स० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ, सेत्तं सुद्धपाणए । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए अयंपुले णामं आजीवियओवासए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए जहा हालाहला जाव आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियओवासगस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता ? तए णं तस्स अयंपुलस्स आजीवियओवासगस्स दोच्चंपि अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी इहेव सावत्थीए णयरीए हालाहलाए कुंभकारीए

कुंभकारावणंसि आजीवियसंघसंपरिवुडे आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते गोसालं मंखलिपुत्तं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूवं वागरणं वागरित्तए त्ति कट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता कल्लं जाव जलंते ण्हाए कय० जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ सा० २ त्ता पायविहारचारेणं सावत्थिं णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगयं जाव अंजलिकम्मं करेमाणं सीयलएणं मट्टिया जाव गायाइं परिसिंचमाणं पासइ २ त्ता लज्जिए विलिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ। तए णं ते आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं लज्जियं जाव पच्चोसक्कमाणं पासेइ २ त्ता एवं वयासी–एहि ताव अयंपुला! एतओ। तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीवियथेरेहिं एवं वुत्ते समाणे जेणेव आजीविया थेरा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता आजीविए थेरे वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ। अयंपुलाइ! आजीविया थेरा अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी–से णूणं ते अयंपुला! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता? तए णं तव अयंपुला! दोच्चंपि अयमेया० तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव सावत्थिं णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणे जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से णूणं ते अयंपुला! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। जंपि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणंसि अंबकूणगहत्थगए जाव अंजलिं करेमाणे विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं अट्ठ चरिमाइं पण्णवेइ, तं०–चरिमे पाणे जाव अंतं करेस्सइ, जंपि य अयंपुला! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते सीयलएणं मट्टिया जाव विहरइ, तत्थवि णं भगवं इमाइं चत्तारि पाणगाइं चत्तारि अपाणगाइं पण्णवेइ, से किं तं पाणए? पाणए जाव तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ, तं गच्छह णं तुमं अयंपुला! एस चेव तव धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते इमं एयारूवं वागरणं वागरेहिति। तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए आजीविएहिं थेरेहिं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ०२

त्ता जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंबकूणगएडावणट्ठयाए एगंतमंते संगारं कुव्वंति । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते आजीवियाणं थेराणं संगारं पडिच्छइ २ त्ता अंबकूणगं एगंतमंते एडेइ । तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए जेणेव गोसाले मंखलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता गोसालं मंखलिपुत्तं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ । अयंपुलाइ ! गोसाले मंखलिपुत्ते अयंपुलं आजीवियोवासगं एवं वयासी–से णूणं अयंपुला ! पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि जाव जेणेव ममं अंतियं तेणेव हव्वमागए, से णूणं अयंपुला ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, तं णो खलु एस अंबकूणए अंबचोयए णं एसे, किंसंठिया हल्ला पण्णत्ता ? वंसीमूलसंठिया हल्ला पण्णत्ता । वीणं वाएहि रे वीरगा ! वी० २ । तए णं से अयंपुले आजीवियोवासए गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं इमं एयारूवं वागरणं वागरिए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता पसिणाइं पुच्छइ २ त्ता अट्ठाइं परियादियइ अ० त्ता उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता गोसालं मंखलिपुत्तं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए । तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते अप्पणो मरणं आभोएइ २ त्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेह सु० २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाईए गायाइं लूहेह गा० २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपह स० २ त्ता महरिहं हंसलक्खणं पडसाडगं णियंसेह मह० २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेह स० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहेह पुरि० त्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु महया-महया सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरित्ता इमीसे ओसप्पिणीए चउवीसाए तित्थयराणं चरिमे तित्थयरे सिद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे, इड्ढीसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स णीहरणं करेह । तए णं ते आजीविया थेरा गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति ॥ ५५३ ॥

तए णं तस्स गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सत्तरत्तंसि परिणममाणंसि पडिलद्धसम्मत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, अहं णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समण-

घायए समणमारए समणपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए अवण्ण-कारए अकित्तिकारए बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहरित्ता सएणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो सत्तरत्तस्स पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउ-मत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिण-सद्दं पगासेमाणे विहरइ, एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता आजीविए थेरे सद्दावेइ आ० २ त्ता उच्चावयसवहसाविए पकरेइ उच्चा० २ त्ता एवं वयासी–णो खलु अहं जिणे जिणप्पलावी जाव पगासेमाणे विहरइ, अहण्णं गोसाले मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सं, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव जिणसद्दं पगासेमाणे विहरइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं कालगयं जाणित्ता वामे पाए सुंबेणं बंधह बा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभह ति० २ त्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–णो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरिए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, महया अणिड्ढीअसक्कारसमुदएणं ममं सरीरगस्स णीहरणं करेज्जाह, एवं वदित्ता कालगए ॥ ५५४ ॥ तए णं आजीविया थेरा गोसालं मंखलिपुत्तं कालगयं जाणित्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवाराइं पिहेंति दु० २ त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स बहुमज्झदेसभाए सावत्थि णयरिं आलिहंति सा० २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं वामे पाए सुंबेणं बंधंति बा० २ त्ता तिक्खुत्तो मुहे उट्ठुभंति २ त्ता सावत्थीए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु आकड्ढविकड्ढिं करेमाणा णीयं २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पिया ! गोसाले मंखलिपुत्ते जिणे जिणप्पलावी जाव विहरए, एस णं गोसाले चेव मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, समणे भगवं महावीरे जिणे जिणप्पलावी जाव विहरइ, सवहपडिमोक्खणगं करेंति स० २ त्ता दोच्चंपि पूयासक्कारथिरीकरणट्ठयाए गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स वामाओ पायाओ सुंबं मुयंति सु० त्ता हालाहलाए कुंभकारीए कुंभकारावणस्स दुवारवयणाइं अवगुणंति २ त्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगं सुरभिणा

गंधोदएणं ण्हाणेंति तं चेव जाव महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स सरीरगस्स णीहरणं करेंति ॥ ५५५ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ सावत्थीओ णयरीओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं मेंढियगामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं मेंढियगामस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं सालकोट्ठए णामं चेइए होत्था वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तस्स णं सालकोट्ठगस्स चेइयस्स अदूरसामंते एत्थ णं महेगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव णिकुरंबभूए पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ । तत्थ णं मेंढियगामे णयरे रेवई णामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया, तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव मेंढियगामे णयरे जेणेव सालकोट्ठए चेइए जाव परिसा पडिगया । तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउले रोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव दुरहियासे पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरइ, अवियाइं लोहियवच्चाइंपि पकरेइ, चाउवण्णं वागरेइ–एवं खलु समणे भगवं महावीरे गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए छउमत्थे चेव कालं करिस्सइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सीहे णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मालुयाकच्छगस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ जाव विहरइ । तए णं तस्स सीहस्स अणगारस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु ममं धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स सरीरगंसि विउलेरोगायंके पाउब्भूए उज्जले जाव छउमत्थे चेव कालं करेस्सइ, वदिस्संति य णं अण्णतित्थिया छउमत्थे चेव कालगए, इमेणं एयारूवेणं महया मणोमाणसिएणं दुक्खेणं अभिभूए समाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आया० २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अंतो २ अणुप्पविसइ मालुया० २ त्ता महया २ सद्देणं कुहुकुहुस्स परुण्णे । अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अज्जो ! ममं अंतेवासी सीहे

णामं अणगारे पगइभद्दए तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव परुण्णे, तं गच्छह णं अज्जो ! तुब्भे सीहं अणगारं सद्दह । तए णं ते समणा णिग्गंथा समणेणं भग॰ वया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं॰२ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमंति सा॰ २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सीहं अणगारं एवं वयासी–सीहा ! धम्मायरिया सद्दावेंति। तए णं से सीहे अणगारे समणेहिं णिग्गंथेहिं सद्धिं मालुयाकच्छयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सालकोट्ठए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं २ जाव पज्जुवासइ । सीहाइ ! समणे भगवं महावीरे सीहं अणगारं एवं वयासी–से णूणं ते सीहा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अयमेयारूवे जाव परुण्णे, से णूणं ते सीहा ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि, तं णो खलु अहं सीहा ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स तवेणं तेएणं अण्णाइट्ठे समाणे अंतो छण्हं मासाणं जाव कालं करेस्सं, अहण्णं अण्णाइं अद्धसोलसवासाइं जिणे सुहत्थी विहरिस्सामि । तं गच्छह णं तुमं सीहा ! मेंढियगामं णयरं रेवईए गाहावइणीए गिहे, तत्थ णं रेवईए गाहावइणीए ममं अट्ठाए दुवे कवोयसरीरा उवक्खडिया तेहिं णो अट्ठो अत्थि से अण्णे पारियासिए मज्जारकडए कुक्कुडमंसए तमाहराहि एएणं अट्ठो । तए णं से सीहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता अतुरियमचवलमसंभंतं मुहपोत्तियं पडिलेहेइ मु॰ २ त्ता जहा गोयमसामी जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं॰ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ सालकोट्ठयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता अतुरिय जाव जेणेव मेंढियगामे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मेंढियगामं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव रेवईए गाहावइणीए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रेवईए गाहावइणीए गिहं अणुप्पविट्ठे । तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ॰ खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सीहं अणगारं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ स॰ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं॰ वंदइ णमंसइ वं॰ २ त्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमणप्पओयणं ? तए णं से सीहे

अणगारे रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी—एवं खलु तुमे देवाणुप्पिए ! समणस्स भगवओ महावीरस्स अट्ठाए दुवे कवोयसरीरा उवक्खडिया तेहिं णो अट्ठो, अत्थि ते अण्णे पारियासिए मज्जारकडए कुक्कुडमंसए एयमाहराहि तेणं अट्ठो। तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहं अणगारं एवं वयासी—केस णं सीहा ! से णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं तुमं जाणासि ? एवं जहा खंदए जाव जओ णं अहं जाणामि। तए णं सा रेवई गाहावइणी सीहस्स अणगारस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पत्तगं मोएइ पत्तगं मोएत्ता जेणेव सीहे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहस्स अणगारस्स पडिग्गहगंसि तं सव्वं सम्मं णिस्सिरइ। तए णं तीए रेवईए गाहावइणीए तेणं दव्वसुद्धेणं जाव दाणेणं सीहे अणगारे पडिलाभिए समाणे देवाउए णिबद्धे जहा विजयस्स जाव जम्मजीवियफले रेवईए गाहावइणीए रेवईए गाहावइणीए। तए णं से सीहे अणगारे रेवईए गाहावइणीए गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता मेंढियगामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ णिग्गच्छइत्ता जहा गोयमसामी जाव भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स पाणिंसि तं सव्वं सम्मं णिस्सिरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं सरीरकोट्ठगंसि पक्खिवइ। तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स तमाहारं आहारियस्स समाणस्स से विउले रोगायंके खिप्पामेव उवसमं पत्ते हट्ठे जाए आरोग्गे बलियसरीरे तुट्ठा समणा तुट्ठाओ समणीओ तुट्ठा सावया तुट्ठाओ सावियाओ तुट्ठा देवा तुट्ठाओ देवीओ सदेवमणुयासुरे लोए तुट्ठे हट्ठे जाए समणे भगवं महावीरे हट्ठे० २॥ ५५६॥ भंतेत्ति! भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते ! तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे कहिं गए कहिं उववण्णे ? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी पाईणजाणवए सव्वाणुभूई णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं भासरासीकए समाणे उड्ढं चंदिमसूरिय जाव बंभलंतकमहासुक्के कप्पे वीईवइत्ता सहस्सारे कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइ-

याणं देवाणं अट्ठारस्स सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सव्वाणुभूइस्सवि देवस्स अट्ठारस्स सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, सेणं सव्वाणुभूई देवे ताओ देव· लोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कोसलजाणवए सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं भंते ! तया गोसालेणं मंखलि· पुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी सुणक्खत्ते णामं अणगारे पगइ· भद्दए जाव विणीए, से णं तया गोसालेणं मंखलिपुत्तेणं तवेणं तेएणं परिताविए समाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता समणा य समणीओ य खामेइ २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरिय जाव आणयपाणयारणकप्पे वीईवइत्ता अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं सुणक्खत्तस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं सेसं जहा सव्वाणुभूइस्स जाव अंतं काहिइ ॥५५७॥एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले णामं मंखलिपुत्ते से णं भंते ! गोसाले मंखलिपुत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से गोसाले णामं मंखलिपुत्ते समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसुरिय जाव अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं गोसालस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिई प० । से णं भंते ! गोसाले देवे ताओ देव· लोगाओ आउक्खएणं ३ जाव कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबूदीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे संमुइस्स रण्णो भद्दाए भारियाए कुच्छिसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव वीइक्कंताणं जाव सुरूवे दारए पयाहिइ । जं रयणिं च णं से दारए जाइहिइ तं रयणिं च णं सयदुवारे णयरे सब्भिंतरबाहिरिए भारग्गसो य कुंभग्गसो य पउमवासे य रयणवासे य वासे वासिहिइ । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते जाव संपत्ते बारसाह·

दिवसे अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं काहिंति-जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि जायंसि समाणंसि सयदुवारे णयरे सब्भिंतरबाहिरिए जाव रयणवासे वुट्ठे, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स णामधेज्जं महापउमे-महापउमे, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेहिंति महापउमेत्ति। तए णं तं महापउमं दारगं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणदिवसणक्खत्तमुहुत्तंसि महया २ रायाभिसेगेणं अभिसिंचेहिंति, से णं तत्थ राया भविस्सइ महया हिमवंतमहंत० वण्णओ जाव विहरिस्सइ। तए णं तस्स महापउमस्स रण्णो अण्णया कयाइ दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा सेणाकम्मं काहिंति, तं०-पुण्णभद्दे य माणिभद्दे य। तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिईओ अण्णमण्णं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता एवं वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रण्णो दो देवा महिड्ढिया जाव सेणाकम्मं करेंति तं०-पुण्णभद्दे य माणिभद्दे य, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं महापउमस्स रण्णो दोच्चेवि णामधेज्जे देवसेणे २, तए णं तस्स महापउमस्स रण्णो दोच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ देवसेणेत्ति। तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो अण्णया कयाइ सेए संखतलविमलसण्णिगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पज्जिस्सइ, तए णं से देवसेणे राया तं सेयं संखतलविमलसण्णिगासं चउद्दंतं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे सयदुवारं णयरं मज्झंमज्झेणं अभिक्खणं २ अइजाहिइ य णिज्जाहिइ य, तए णं सयदुवारे णयरे बहवे राईसर जाव पभिईओ अण्णमण्णं सद्दावेहिंति अ० २ त्ता वदेहिंति-जम्हा णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रण्णो सेए संखतलसण्णिगासे चउद्दंते हत्थिरयणे समुप्पण्णे, तं होउ णं देवाणुप्पिया! अम्हं देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे विमलवाहणे २. तए णं तस्स देवसेणस्स रण्णो तच्चेवि णामधेज्जे भविस्सइ विमलवाहणेत्ति। तए णं से विमलवाहणे राया अण्णया कयाइ समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवज्जिहिइ, अप्पेगइए आउसेहिइ, अप्पेगइए अवहसिहिइ, अप्पेगइए णिच्छोडेहिइ, अप्पेगइए णिब्भत्थेहिइ, अप्पेगइए बंधेहिइ, अप्पेगइए णिरुंभेहिइ, अप्पेगइयाणं छविच्छेदं करेहिइ, अप्पेगइए पमारेहिइ, अप्पेगइयाणं उद्दवेहिइ, अप्पेगइयाणं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं आच्छिंदिहिइ विच्छिंदिहिइ भिंदिहिइ अवहरिहिइ, अप्पेगइयाणं भत्तपाणं वोच्छिंदिहिइ, अप्पेगइए णिण-

घरे करेहिइ, अप्पेगइए णिव्विसए करेहिइ। तएणं सयदुवारे णयरे बहवे राईसर जाव वदिहिंति–एवं खलु देवाणुप्पिया! विमलवाहणे राया समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णे, अप्पेगइए आउसइ जाव णिव्विसए करेइ, तं णो खलु देवाणुप्पिया! एयं अम्हं सेयं, णो खलु एयं विमलवाहणस्स रण्णो सेयं, णो खलु एयं रज्जस्स वा रट्ठस्स वा बलस्स वा वाहणस्स वा पुरस्स वा अंतेउरस्स वा जणवयस्स वा सेयं जण्णं विमलवाहणे राया समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णे, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं विमलवाहणं रायं एयमट्ठं विण्णवित्तए त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अ० २ त्ता जेणेव विमलवाहणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं विमलवाहणं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति ज० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! समणेहिं णिग्गंथेहिं मिच्छं विप्पडिवण्णा, अप्पेगइए आउस्संति जाव अप्पेगइए णिव्विसए करेंति, तं णो खलु एयं देवाणुप्पियाणं सेयं, णो खलु एयं अम्हं सेयं, णो खलु एयं रज्जस्स वा जाव जणवयस्स वा सेयं जं णं देवाणुप्पिया! समणेहिं णिग्गंथेहिंमिच्छं विप्पडिवण्णा, तं विरमंतु णं देवाणुप्पिया! एयस्स अट्ठस्स अकरणयाए। तए णं से विमलवाहणे राया तेहिं बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं एयमट्ठं विण्णत्ते समाणे णो धम्मोत्ति णो तवोत्ति मिच्छाविणएणं एयमट्ठं पडिसुणेहिइ। तस्स णं सयदुवारस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं सुभूमिभागे णामं उज्जाणे भविस्सइ सव्वोउय० वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं विमलस्स अरहओ पउप्पए सुमंगले णामं अणगारे जाइसंपण्णे जहा धम्मघोसस्स वण्णओ जाव संखित्तविउलतेयलेस्से तिण्णाणोवगए सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ। तए णं से विमलवाहणे राया अण्णया कयाइ रहचरियं काउं णिज्जाहिइ। तए णं से विमलवाहणे राया सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते रहचरियं करेमाणे सुमंगलं अणगारं छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणं पासिहिइ २ त्ता आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं रहसिरेणं णोल्लावेहिइ। तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता दोच्चंपि उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव आयावेमाणे विहरिस्सइ। तए णं से विमलवाहणे राया

सुमंगलं अणगारं दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ । तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा दोच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे सणियं २ उट्ठेहिइ २ त्ता ओहिं पउंजेहिइ २ त्ता विमलवाहणस्स रण्णो तीतद्धं ओहिणा आभोएहिए २ त्ता विमलवाहणं रायं एवं वइहिइ–णो खलु तुमं विमलवाहणे राया, णो खलु तुमं देवसेणे राया, णो खलु तुमं महापउमे राया, तुमण्णं इओ तच्चे भवग्गहणे गोसाले णामं मंखलिपुत्ते होत्था, समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तं जइ ते तया सव्वाणुभूइणा अणगारेणं पभुणावि होऊणं सम्मं सहियं खमियं तितिक्खियं अहियासियं, जइ ते तया सुणक्खत्तेणं अणगारेणं पभुणावि होऊणं जाव अहियासियं, जइ ते तया समणेणं भगवया महावीरेणं पभुणावि जाव अहियासियं। तं णो खलु ते अहं तहा सम्मं सहिस्सं जाव अहियासिस्सं, अहं ते णवरं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं एगाहच्चं कूडाहच्चं भासरासिं करेज्जामि । तए णं से विमलवाहणे राया सुमंगलेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे सुमंगलं अणगारं तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लावेहिइ । तए णं से सुमंगले अणगारे विमलवाहणेणं रण्णा तच्चंपि रहसिरेणं णोल्लाविए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आ० त्ता तेयासमुग्घाएणं समोहण्णिहिइ तेया० २ त्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसक्किहिइ सत्तट्ठ० २ त्ता विमलवाहणं रायं सहयं सरहं ससारहियं तवेणं तेएणं जाव भासरासिं करेहिइ । सुमंगले णं भंते ! अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करेत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! सुमंगले णं अणगारे विमलवाहणं रायं सहयं जाव भासरासिं करेत्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालस जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणिहिइ बहू० २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए जाव छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते उड्ढं चंदिमसूरिय जाव गेविज्जविमाणावाससयं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं देवाणं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०, तत्थ णं सुमंगलस्सवि देवस्स अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प० । से णं भंते ! सुमंगले देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ ॥ ५५८ ॥ विमलवाहणे णं भंते ! राया सुमंग-

लेणं अणगारेणं सद्धिं जाव भासरासीकए समाणे कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! विमलवाहणे णं राया सुमंगलेणं अणगारेणं सद्धिं जाव भासरासीकए समाणे अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे दाह जाव दोच्चंपि छट्ठीए तमाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि इत्थियासु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता उरएसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि पंचमाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि उरएसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि जाव उव्वट्टित्ता सीहेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे तहेव जाव कालं किच्चा दोच्चंपि चउत्थीए पंकप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सीहेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उक्कोसकाल जाव उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि तच्चाए वालुय० जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि पक्खीसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता सिरीसवेसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि दोच्चाए सक्करप्पभाए जाव उव्वट्टित्ता दोच्चंपि सिरीसवेसु उववज्जिहिइ जाव किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ जाव उव्वट्टित्ता सण्णीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा असण्णीसु उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता जाइं इमाइं खहचरविहाणाइं भवंति, तं०—चम्मपक्खीणं, लोमपक्खीणं, समुग्गपक्खीणं, विययपक्खीणं, तेसु अणेगसयसहस्स-

खुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव २ भुज्जो २ पच्चायाहिइ, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे दाह-वक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा जाइं इमाइं भुयपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं०—गोहाणं णउलाणं जहा पण्णवणापए जाव जाहगाणं चउप्पाइआणं, तेसु अणेगसय-सहस्सखुत्तो सेसं जहा खहचराणं जाव किच्चा जाइं इमाइं उरपरिसप्पविहाणाइं भवंति, तं०—अहीणं अयगराणं आसालियाणं महोरगाणं, तेसु अणेगसयसहस्स-खुत्तो जाव किच्चा जाइं इमाइं चउप्पयविहाणाइं भवंति, तं०—एगखुराणं दुखु-राणं गंडीपयाणं सणहपयाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं जलयरविहाणाइं भवंति, तं०—मच्छाणं कच्छभाणं जाव सुंसुमाराणं, तेसु अणेग-सयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं चउरिंदियविहाणाइं भवंति, तं०—अंधि-याणं पोत्तियाणं जहा पण्णवणापए जाव गोमयकीडाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०—उवचियाणं जाव हत्थिसोंडाणं, तेसु अणेग जाव किच्चा जाइं इमाइं बेइंदियविहाणाइं भवंति, तं०—पुलाकिमियाणं जाव समुद्दलिक्खाणं, तेसु अणेगसय जाव किच्चा जाइं इमाइं वणस्सइविहाणाइं भवंति, तं०—रुक्खाणं गुच्छाणं जाव कुहणाणं, तेसु अणेगसय जाव पच्चायाइस्सइ, उस्सण्णं च णं कडुयरुक्खेसु कडुयवल्लीसु सव्व-त्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं वाउक्काइयविहाणाइं भवंति, तंजहा—पाईणवायाणं जाव सुद्धवायाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं तेउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०—इंगालाणं जाव सूरकंतमणिणिस्सि-याणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव किच्चा जाइं इमाइं आउक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०—उस्साणं जाव खातोदगाणं, तेसु अणेगसयसहस्स जाव पच्चायाइ-स्सइ, उस्सण्णं च णं खारोदएसु खातोदएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा जाइं इमाइं पुढविक्काइयविहाणाइं भवंति, तं०—पुढवीणं सक्कराणं जाव सूरकंताणं, तेसु अणेगसय जाव पच्चायाहिइ, उस्सण्णं च णं खरबायर-पुढविक्काइएसु, सव्वत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा रायगिहे णयरे बाहिं खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा दोच्चंपि रायगिहे णयरे अंतो खरियत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थवि णं सत्थवज्झे जाव किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले सण्णिवेसे माहणकुलंसि दारि-यत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं जोव्वण-

गमणुप्पत्तं पडिरूवएणं सुक्केणं पडिरूवएणं विणएणं पडिरूवयस्स भत्तारस्स भारियत्ताए दलइस्संति, सा णं तस्स भारिया भविस्सइ इट्ठा कंता जाव अणुमया भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया चेलपेडा इव सुसंपरिग्गहिया रयणकरंडओ विव सुसारक्खिया सुसंगोविया मा णं सीयं मा णं उण्हं जाव परिस्सहोवसग्गा फुसंतु। तए णं सा दारिया अण्णया कयाइ गुव्विणी ससुरकुलाओ कुलघरं णिज्जमाणी अंतरा दवग्गिजालाभिहया कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु अग्गिकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ माणुस्सं० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ के० २ त्ता केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइहिइ, तत्थवि य णं विराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु असुरकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं तं चेव जाव तत्थवि णं विराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा दाहिणिल्लेसु णागकुमारेसु देवेसु देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता एवं एएणं अभिलावेणं दाहिणिल्लेसु सुवण्णकुमारेसु एवं विज्जुकुमारेसु एवं अग्गिकुमारवज्जं जाव दाहिणिल्लेसु थणियकुमारेसु से णं तओ जाव उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव विराहियसामण्णे जोइसिएसु देवेसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ जाव अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ, केवलं बोहिं बुज्झिहिइ, तत्थवि णं अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, सेणं तओ० चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ० तत्थवि णं अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो एवं जहा सणंकुमारे तहा बंभलोए महासुक्के आणए आरणे, से णं तओ जाव अविराहियसामण्णे कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओहिंतो अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं इमाइं कुलाइं भवंति—अड्ढाइं जाव अपरिभूयाइं, तहप्पगारेसु कुलेसु पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, एवं जहा उववाइए दढप्पइण्णवत्तव्वया सच्चेव वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ।

तए णं से दढप्पइण्णे केवली अप्पणो तीतद्धं आभोएहिइ अप्प० २ त्ता समणे णिग्गंथे सद्दाविहिइ सम० २ त्ता एवं वदिहिइ–एवं खलु अहं अज्जो ! इओ चिराईयाए अद्धाए गोसाले णामं मंखलिपुत्ते होत्था समणघायए जाव छउमत्थे चेव कालगए, तम्मूलगं च णं अहं अज्जो ! अणाईयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिए। तं मा णं अज्जो ! तुब्भं केइ भवउ आयरियपडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए अवण्णकारए अकित्तिकारए, मा णं सेऽवि एव चेव अणाईयं अणवदग्गं जाव संसारकंतारं अणुपरियट्टिहिइ जहा णं अहं। तए णं ते समणा णिग्गंथा दढप्पइण्णस्स केवलिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीया तत्था तसिया संसारभयउव्विग्गा दढप्पइण्णं केवलिं वंदिहिंति णमंसिहिंति वं० २ त्ता तस्स ठाणस्स आलोइएहिंति णिंदिहिंति जाव पडिवज्जिहिंति। तए णं से दढप्पइण्णे केवली बहूइं वासाइं केवलपरियागं पाउणिहिइ बहूइं० २ त्ता अप्पणो आउसेसं जाणित्ता भत्तं पच्चक्खाहिइ, एवं जहा उववाइए जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५५९ ॥

पण्णरसमं सयं समत्तं

॥ सोलसमं सयं पढमो उद्देसो ॥

अहिगरणि जरा कम्मे जावइयं गंगदत्त सुमिणे य। उवओग लोग बलि ओहि दीव उदही दिसा थणिया ॥ १ ॥ चउद्दस० सोलससे। तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! अहिगरणिंसि वाउयाए वक्कमइ ? हंता अत्थि। से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाइ ? अपुट्ठे उद्दाइ ? *गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ णो अपुट्ठे उद्दाइ। से भंते ! किं ससरीरी णिक्खमइ असरीरी णिक्खमइ ?* एवं जहा खंदए जाव से तेणट्ठेणं जाव णो असरीरी णिक्खमइ ॥५६०॥ इंगालकारियाए णं भंते ! अगणिकाए केवइयं कालं संचिट्ठइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि राइंदियाइं, अण्णेऽवि तत्थ वाउयाए वक्कमइ, ण विणा वाउयाएणं अगणिकाए उज्जलइ ॥५६१॥ पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहमाणे वा पव्विहमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठंसि अयोमएणं संडासएणं उव्विहिइ वा पव्विहिइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव

पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपि य णं जीवाणं सरीरेहिंतो अए णिव्वत्तिए अयकोट्ठे णिव्वत्तिए संडासए णिव्वत्तिए इंगाला णिव्वत्तिया इंगालकड्ढिणी णिव्वत्तिया भत्था णिव्वत्तिया तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। पुरिसे णं भंते ! अयं अयकोट्ठाओ अयोमएणं संडासएणं गहाय अहिगरणिंसि उक्खिव्वमाणे वा णिक्खिव्वमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे अयं अयकोट्ठाओ जाव णिक्खिवइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो अयो णिव्वत्तिए संडासए णिव्वत्तिए चम्मेट्ठे णिव्वत्तिए मुट्ठिए णिव्वत्तिए अहिगरणी णिव्वत्तिया अहिगरणिखोडी णिव्वत्तिया उदगदोणी णिव्वत्तिया अहिगरणसाला णिव्वत्तिया तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ ५६२ ॥ जीवे णं भंते ! किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—जीवे अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि। णेरइए णं भंते ! किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि, एवं जहेव जीवे तहेव णेरइएवि, एवं णिरंतरं जाव वेमाणिए। जीवे णं भंते ! किं साहिगरणी णिरहिगरणी ? गोयमा ! साहिगरणी णो णिरहिगरणी। से केणट्ठेणं पुच्छा। गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव णो णिरहिगरणी, एवं जाव वेमाणिए। जीवे णं भंते ! किं आयाहिगरणी पराहिगरणी तदुभयाहिगरणी ? गोयमा ! आयाहिगरणीवि पराहिगरणीवि तदुभयाहिगरणीवि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव तदुभयाहिगरणीवि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयाहिगरणीवि, एवं जाव वेमाणिए। जीवाणं भंते ! अहिगरणे किं आयप्पओगणिव्वत्तिए परप्पओगणिव्वत्तिए तदुभयप्पओगणिव्वत्तिए ? गोयमा ! आयप्पओगणिव्वत्तिएवि परप्पओगणिव्वत्तिएवि तदुभयप्पओगणिव्वत्तिएवि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव तदुभयप्पओगणिव्वत्तिएवि, एवं जाव वेमाणियाणं ॥५६३॥ कइ णं भंते ! सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तं०—ओरालिए जाव कम्मए। कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पण्णत्ता,

तंजहा–सोइंदिए जाव फासिंदिए। कइविहे णं भंते ! जोए पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोए पण्णत्ते, तंजहा–मणजोए वइजोए कायजोए। जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अहिगरणीवि अहिगरणंपि ? गोयमा ! अविरइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि। पुढविकाइए णं भंते ! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं चेव, एवं जाव मणुस्से। एवं वेउव्वियसरीरंपि, णवरं जस्स अत्थि। जीवे णं भंते ! आहारगसरीरं णिव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी० पुच्छा, गोयमा ! अहिगरणीवि अहिगरणंपि। से केणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि ? गोयमा ! पमायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव अहिगरणंपि, एवं मणुस्सेवि, तेयासरीरं जहा ओरालियं, णवरं सव्वजीवाणं भाणियव्वं, एवं कम्मगसरीरंपि। जीवे णं भंते ! सोइंदियं णिव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव ओरालियसरीरं तहेव सोइंदियंपि भाणियव्वं, णवरं जस्स अत्थि सोइंदियं, एवं चक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाणवि, णवरं जाणियव्वं जस्स जं अत्थि। जीवे णं भंते ! मणजोगं णिव्वत्तेमाणे किं अहिगरणी अहिगरणं ? एवं जहेव सोइंदियं तहेव णिरवसेसं, वइजोगो एवं चेव, णवरं एगिंदियवज्जाणं, एवं कायजोगोवि, णवरं सव्वजीवाणं जाव वेमाणिए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५६४॥

सोलसमं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! जीवाणं जरावि सोगेवि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव सोगेवि ? गोयमा ! जे णं जीवा सारीरं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं जरा, जे णं जीवा माणसं वेयणं वेदेंति तेसि णं जीवाणं सोगे, से तेणट्ठेणं जाव सोगेवि, एवं णेरइयाणवि, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं भंते ! किं जरा सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं जरा णो सोगे। से केणट्ठेणं जाव णो सोगे ? गोयमा ! पुढविकाइया णं सारीरं वेयणं वेदेंति णो माणसं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं जाव णो सोगे, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं जहा जीवाणं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते ! २ त्ति जाव पज्जुवासइ ॥५६५॥ तेणं कालेणं तेणं

समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे जाव भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहा ईसाणे तइयसए तहेव सक्केवि णवरं आभिओगे ण सद्दावेइ हरी पायत्ताणियाहिवई, सुघोसा घंटा, पालओ विमाणकारी पालगं विमाणं, उत्तरिल्ले णिज्जाणमग्गे, दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरपव्वए सेसं तं चेव जाव णामगं सावेत्ता पज्जुवासइ, धम्मकहा जाव परिसा पडिगया। तए णं से सक्के देविंदे देवराया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० त्ता एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! उग्गहे पण्णत्ते ? सक्का ! पंचविहे उग्गहे पण्णत्ते, तंजहा–देविंदोग्गहे रायोग्गहे, गाहावइउग्गहे, सागारियउग्गहे, साहम्मियउग्गहे । जे इमे भंते ! अज्जत्ताए समणा णिग्गंथा विहरंति, एएसि णं अहं उग्गहं अणुजाणामीतिकट्टु समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–जं णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया तुब्भे णं एवं वदइ सच्चे णं एसमट्ठे ? हंता सच्चे ॥ ५६६ ॥ सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सम्मावाई मिच्छावाई ? गोयमा ! सम्मावाई णो मिच्छावाई । सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सच्चं भासं भासइ, मोसं भासं भासइ, सच्चामोसं भासं भासइ, असच्चामोसं भासं भासइ ? गोयमा ! सच्चंपि भासं भासइ जाव असच्चामोसंपि भासं भासइ। सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं सावज्जं भासं भासइ अणवज्जं भासं भासइ ? गोयमा ! सावज्जंपि भासं भासइ अणवज्जंपि भासं भासइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–सावज्जंपि जाव अणवज्जंपि भासं भासइ ? गोयमा ! जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं अणिजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया सावज्जं भासं भासइ, जाहे णं सक्के देविंदे देवराया सुहुमकायं णिजूहित्ताणं भासं भासइ ताहे णं सक्के देविंदे देवराया अणवज्जं भासं भासइ, से तेणट्ठेणं जाव भासइ। सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठिए मिच्छादिट्ठिए० एवं जहा मोउद्देसए सणंकुमारे जाव णो अचरिमे ॥ ५६७ ॥ जीवाणं भंते ! किं चेयकडा कम्मा

कज्जंति अचेयकडा कम्मा कज्जंति ? गोयमा ! जीवाणं चेयकडा कम्मा कज्जंति णो अचेयकडा कम्मा कज्जंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जंति ? गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला, बोंदिचिया पोग्गला, कलेवरचिया पोग्गला तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो ! दुट्ठाणेसु दुसेज्जासु दुण्णिसीहियासु तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो ! आयंके से वहाए होइ संकप्पे से वहाए होइ मरणंते से वहाए होइ तहा २ णं ते पोग्गला परिणमंति णत्थि अचेयकडा कम्मा समणाउसो ! से तेणट्ठेणं जाव कम्मा कज्जंति, एवं णेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५६८ ॥

सोलसमं सयं तइओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं जाव वेमाणियाणं । जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कइ कम्मपयडीओ वेदेइ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ, एवं जहा पण्णवणाए वेयावेउद्देसओ सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो, वेदाबंधोवि तहेव, बंधावेदोवि तहेव, बंधाबंधोवि तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियाणंति । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५६९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयतीरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं उल्लुयतीरस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं एगजंबुए णामं चेइए होत्था वण्णओ, तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव एगजंबुए समोसढे जाव परिसा पडिगया । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं जाव आयावेमाणस्स तस्स णं पुरत्थिमेणं अवड्ढं दिवसं णो कप्पइ हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, पच्चत्थिमेणं से अवड्ढं दिवसं कप्पइ हत्थं वा पायं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा, तस्स णं अंसियाओ लंबंति, तं च वेज्जे अदक्खु ईसिं पाडेइ २ त्ता अंसियाओ

छिंदेज्जा, से णूणं भंते ! जे छिंदइ तस्स किरिया कज्जइ, जस्स छिज्जइ णो तस्स किरिया कज्जइ णण्णत्थेगेणं धम्मंतराइएणं ? हंता गोयमा ! जे छिंदइ जाव धम्मंतराइएणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५७० ॥

सोलसमं सयं चउत्थो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–जावइयण्णं भंते ! अण्णगिलायए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइयाणं वासेण वा वासेहिं वा वाससएहिं वा खवयंति? णो इणट्ठे समट्ठे। जावइयण्णं भंते ! चउत्थभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससएण वा वाससएहिं वा वाससहस्सेहिं वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, जावइयण्णं भंते ! छट्ठभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससहस्सेण वा वाससहस्सेहिं वा वाससयसहस्सेहिं वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। जावइयण्णं भंते ! अट्ठमभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वाससयसहस्सेण वा वाससयसहस्सेहिं वा वासकोडीए वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। जावइयण्णं भंते ! दसमभत्तिए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वासकोडीए वा वासकोडीहिं वा वासकोडाकोडीए वा खवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जावइयं अण्णगिलायए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ एवइयं कम्मं णरएसु णेरइया वासेण वा वासेहिं वा वाससएण वा णो खवयंति, जावइयं चउत्थभत्तिए एवं तं चेव पुव्वभणियं उच्चारेयव्वं जाव वासकोडाकोडीए वा णो खवयंति ? गोयमा ! से जहाणामए–केइ पुरिसे जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिलतयावलितरंगसंपिणद्धगत्ते पविरलपरिसडियदंतसेढी उण्हाभिहए तण्हाभिहए आउरे झुंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते एगं महं कोसंबगंडियं सुक्कं जडिलं गंठिल्लं चिक्कणं वाइद्धं अपत्तियं मुंडेण परसुणा अवक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे महंताइं २ सद्दाइं करेइ णो महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! णेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं एवं जहा छट्ठसए जाव णो महापज्जवसाणा भवंति। से जहाणामए–केइ पुरिसे अहिगरणिं आउडेमाणे महया जाव णो महापज्जवसाणा भवंति। से जहाणामए–केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव

मेहावी णिउणसिप्पोवगए एगं महं सामलिगंडियं उल्लं अजडिलं अगंठिल्लं अचिक्कणं अवाइद्धं सपत्तियं तिक्खेण परसुणा अक्कमेज्जा, तए णं से पुरिसे णो महंताइं २ सद्दाइं करेइ, महंताइं २ दलाइं अवद्दालेइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं णिग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं णिट्ठियाइं कयाइं जाव खिप्पामेव परिविद्धत्थाइं भवंति, जावइयं तावइयं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थगं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, एवं जहा छट्ठसए तहा अयोकवल्लेवि जाव महापज्जवसाणा भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जावइयं अण्णगिलायए समणे णिग्गंथे कम्मं णिज्जरेइ तं चेव जाव वासकोडाकोडीए वा णो खवयंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५७१ ॥

सोलसमं सयं पंचमो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं उल्लुयतीरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, एगजंबुए चेइए वण्णओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी एवं जहेव बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ जाव जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी–देवे णं भंते ! महिड्ढिए *जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू आगमित्तए ? णो इणट्ठे* समट्ठे। देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू आगमित्तए ? हंता पभू। देवे णं भंते ! महिड्ढिए एवं एएणं अभिलावेणं गमित्तए २, एवं भासित्तए वा वागरित्तए वा ३, उम्मिसावेत्तए वा णिम्मिसावेत्तए वा ४, आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ५, ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेइत्तए वा ६, एवं विउव्वित्तए वा ७, एवं परियारावेत्तए वा ८ जाव हंता पभू, इमाइं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ इमाइं० २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ संभंतिय० २ त्ता तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरूहइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५७२ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अण्णया णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं वंदइ णमंसइ सक्कारेइ जाव पज्जुवासइ, किण्णं भंते ! अज्ज सक्के देविंदे देवराया देवाणुप्पियं अट्ठ

उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतियवंदणएणं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए ? गोयमादि ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे दो देवा महिड्ढिया जाव महेसक्खा एगविमाणंसि देवत्ताए उववण्णा, तं०–माइमिच्छदिट्ठिउववण्णए य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णए य, तए णं से माइमिच्छदिट्ठिउववण्णए देवे तं अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला णो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला णो परिणया अपरिणया, तए णं से अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णए देवे तं माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया णो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया णो अपरिणया। तं माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगं देवं एवं पडिहणइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता ममं ओहिणा आभोएइ ममं० २ त्ता अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयतीरे णयरे जेणेव एगजंबुए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता इमं एयारूवं वागरणं पुच्छित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता चउहिवि सामाणियसाहस्सीहिं परियारो जहा सूरियाभस्स जाव णिग्घोसणाइयरवेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव उल्लुयतीरे णयरे जेणेव एगजंबुए चेइए जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से सक्के देविंदे देवराया तस्स देवस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणे ममं अट्ठ उक्खित्तपसिणवागरणाइं पुच्छइ २ त्ता संभंतिय० जाव पडिगए ॥५७३॥ जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से देवे तं देसं हव्वमागए। तए णं से देवे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु भंते ! महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे एगे माइमिच्छदिट्ठिउववण्णए देवे ममं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला णो परिणया अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला णो परिणया अपरिणया, तए णं अहं तं माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगं देवं एवं वयासी–परिणममाणा पोग्गला परिणया णो अपरिणया, परिणमंतीति पोग्गला परिणया णो अपरिणया, से कहमेयं भंते ! एवं ?

गंगदत्तादि ! समणे भगवं महावीरे गंगदत्तं देवं एवं वयासी–अहंपि णं गंगदत्ता ! एवमाइक्खामि ४–परिणममाणा पोग्गला जाव णो अपरिणया सच्चमेसे अट्ठे। तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे गंगदत्तस्स देवस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ जाव आराहए भवइ। तए णं से गंगदत्ते देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहण्णं भंते ! गंगदत्ते देवे किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए ? एवं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइ-विहं णट्टविहिं उवदंसेइ २ त्ता जाव तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५७४ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई जाव अणुप्पविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणुप्पविट्ठा कूडागारसालादिट्ठंतो जाव सरीरं अणुप्पविट्ठा। अहो णं भंते ! गंगदत्ते देवे महिड्ढिए जाव महेसक्खे। गंगदत्तेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई किण्णा लद्धा जाव जं णं गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया ? गोयमादि ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणापुरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, सहसंबवणे उज्जाणे वण्णओ, तत्थ णं हत्थिणापुरे णयरे गंगदत्ते णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जाव सव्वण्णू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव पकड्ढिज्जमाणेणं २ सीसगणसंपरि-वुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं जाव जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरइ, परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ। तए णं से गंगदत्ते गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव कयबलि जाव सरीरे साओ गिहाओ पडि-णिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव मुणिसुव्वए अरहा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव तिविहाए पज्जुवास-णाए पज्जुवासइ। तए णं मुणिसुव्वए अरहा गंगदत्तस्स गाहावइस्स तीसे य महइ

जाव परिसा पडिगया। तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वदह, जं णवरं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं। तए णं से गंगदत्ते गाहावई मुणिसुव्वएणं अरहया एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० मुणिसुव्वयं अरहं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियाओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विउलं असणं पाणं जाव उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाइणियग जाव आमंतेइ आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जहा पूरणे जाव जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेइ, तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहइ पुरिससह० २ त्ता मित्तणाइणियग जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेणं य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं हत्थिणापुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ एवं जहा उदायणे जाव सयमेव आभरणे उमुयइ स० २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ स०२ त्ता जेणेव मुणिसुव्वए अरहा एवं जहेव उदायणे तहेव पव्वइए, तहेव एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव मासियाए संलेहणाए सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेइ सट्ठि भत्ताइं० २ त्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा महासुक्के कप्पे महासामाणे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि जाव गंगदत्तदेवत्ताए उववण्णे। तए णं से गंगदत्ते देवे अहुणोववण्णमेत्तए समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जत्तीए जाव भासामणपज्जत्तीए, एवं खलु गोयमा ! गंगदत्तेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया। गंगदत्तस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्तरस सागरोवमाइं ठिई प० । गंगदत्ते णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५७५ ॥

सोलसमं सयं छट्ठो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! सुविणदंसणे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे सुविणदंसणे पण्णत्ते, तंजहा–अहातच्चे पयाणे चितासुविणे तव्विवरीए अव्वत्तदंसणे । सुत्ते णं भंते ! सुविणं पासइ, जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ ? गोयमा ! णो सुत्ते सुविणं पासइ णो जागरे सुविणं पासइ, सुत्तजागरे सुविणं पासइ । जीवा णं भंते ! किं सुत्ता जागरा सुत्तजागरा ? गोयमा ! जीवा सुत्तावि जागरावि सुत्तजागरावि । णेरइया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा! णेरइया सुत्ता णो जागरा णो सुत्तजागरा, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सुत्ता० पुच्छा, गोयमा ! सुत्ता णो जागरा सुत्तजागरावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया ॥ ५७६ ॥ संवुडे णं भंते ! सुविणं पासइ असंवुडे सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ ? गोयमा ! संवुडेवि सुविणं पासइ, असंवुडेवि सुविणं पासइ, संवुडासंवुडे वि सुविणं पासइ, संवुडे सुविणं पासइ अहातच्चं पासइ, असंवुडे सुविणं पासइ तहा वा तं होज्जा अण्णहा वा तं होज्जा, संवुडासंवुडे सुविणं पासइ एवं चेव । जीवा णं भंते ! किं संवुडा असंवुडा संवुडासंवुडा ? गोयमा ! जीवा संवुडावि असंवुडावि संवुडासंवुडावि, एवं जहेव सुत्ताणं दंडओ तहेव भाणियव्वो । कइ णं भंते ! सुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बायालीसं सुविणा पण्णत्ता । कइ णं भंते ! महासुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं महासुविणा पण्णत्ता । कइ णं भंते ! सव्वसुविणा पण्णत्ता ? गोयमा ! बावत्तरिं सव्वसुविणा पण्णत्ता । तित्थयरमायरो णं भंते ! तित्थयरंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! तित्थयरमायरो णं तित्थयरंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झति, तं०–गयउसभसीहअभिसेय जाव सिहिं च । चक्कवट्टिमायरो णं भंते ! चक्कवट्टिंसि गब्भं वक्कममाणंसि कइ महासुमिणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति ? गोयमा ! चक्कवट्टिमायरो चक्कवट्टिंसि जाव वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं एवं जहा तित्थयरमायरो जाव सिहिं च । वासुदेवमायरो णं पुच्छा, गोयमा ! वासुदेवमायरो

जाव वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे सत्त महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । बलदेवमायरो पुच्छा, गोयमा ! बलदेवमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अण्णयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति । मंडलियमायरो णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! मंडलियमायरो जाव एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अण्णयरं एगं महासुविणं जाव पडिबुज्झंति ॥ ५७७ ॥ समणे भगवं महावीरे छउमत्थकालियाए अंतिमराइयंसि इमे दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तं०–एगं च णं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे १, एगं च णं महं सुक्किलपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे २, एगं च णं महं चित्तविचित्तपक्खगं पुंसकोइलगं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ३, एगं च णं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ४, एगं च णं महं सेयं गोवग्गं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ५, एगं च णं महं पउमसरं सव्वओ समंता कुसुमियं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ६, एगं च णं महं सागरं उम्मीवीईसहस्सकलियं भुयाहिं तिण्णं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ७, एगं च णं महं दिणयरं तेयसा जलंतं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ८, एगं च णं महं हरिवेरुलियवण्णाभेणं णियगेणं अंतेणं माणुसुत्तरं पव्वयं सव्वओ समंता आवेढियं परिवेढियं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे ९, एगं च णं महं मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए उवरिं सीहासणवरगयं अप्पाणं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे १० । जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं घोररूवदित्तधरं तालपिसायं सुविणे पराजियं पासित्ताणं पडिबुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं मोहणिज्जे कम्मे मूलाओ उग्घाइए १, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सुक्किल्ल जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सुक्कज्झाणोवगए विहरइ २, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं चित्तविचित्त जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे विचित्तं ससमयपरसमइयं दुवालसंगं गणिपिडगं आघवेइ पण्णवेइ परूवेइ दंसेइ णिदंसेइ उवदंसेइ, तंजहा–आयारं सूयगडं जाव दिट्ठिवायं ३, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दामदुगं सव्वरयणामयं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे दुविहं धम्मं पण्णवेइ, तं०–आगारधम्मं वा अणागारधम्मं वा ४, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सेयगोवग्गं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउव्व-

ण्णाइण्णे समणसंघे तं०—समणा समणीओ सावया सावियाओ ५, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं पउमसरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे चउव्विहे देवे पण्णवेइ, तं०—भवणवासी वाणमंतरे जोइसिए वेमाणिए ६, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं सागरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणेणं भगवया महावीरेणं अणाईए अणवदग्गे जाव संसारकंतारे तिण्णे ७, जण्णं समणे भगवं महावीरे एगं महं दिणयरं जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अणंते अणुत्तरे णिव्वाघाए णिरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ८, जण्णं समणे जाव वीरे एगं महं हरिवेरुलिय जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणस्स भगवओ महावीरस्स ओराला कित्तिवण्णसद्दसिलोया सदेवमणुयासुरे लोए परिभमंति—इति खलु समणे भगवं महावीरे इति खलु समणे भगवं महावीरे ९, जण्णं समणे भगवं महावीरे मंदरे पव्वए मंदरचूलियाए जाव पडिबुद्धे, तण्णं समणे भगवं महावीरे सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए केवलीपण्णत्तं धम्मं आघवेइ जाव उवदंसेइ ॥ ५७८ ॥ इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हयपंतिं वा गयपंतिं वा जाव वसभपंतिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं दामिणिं पाईणपडीणाययं दुहओ समुद्दे पुट्ठं पासमाणे पासइ, संवेल्लेमाणे संवेल्लेइ, संवेल्लियमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं रज्जुं पाईणपडीणाययं दुहओ लोगंते पुट्ठं पासमाणे पासइ, छिंदमाणे छिंदइ, छिण्णमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं किण्हसुत्तगं वा जाव सुक्किल्लसुत्तगं वा पासमाणे पासइ, उग्गोवेमाणे उग्गोवेइ, उग्गोवियमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं अयरासिं वा तंबरासिं वा तउयरासिं वा सीसगरासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं करेइ। इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं हिरण्णरासिं वा सुवण्णरासिं वा रयणरासिं वा वइररासिं वा पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव अंतं

करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं तणरासिं वा जहा तेयणिसग्गे जाव अवकररासिं वा पासमाणे पासइ, विक्खिरमाणे विक्खिरइ, विकिण्णमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सरथंभं वा वीरणथंभं वा वंसीमूलथंभं वा वल्लीमूलथंभं वा पासमाणे पासइ, उम्मूलेमाणे उम्मूलेइ, उम्मूलियमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं खीरकुंभं वा दहिकुंभं वा घयकुंभं वा महुकुंभं वा पासमाणे पासइ, उप्पाडेमाणे उप्पाडेइ, उप्पाडियमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं सुरावियडकुंभं वा सोवीरवियडकुंभं वा तेल्लकुंभं वा वसाकुंभं वा पासमाणे पासइ, भिंदमाणे भिंदइ, भिण्णमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, दोच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं पउमसरं कुसुमियं पासमाणे पासइ, ओगाहेमाणे ओगाहेइ, ओगाढमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं सागरं उम्मीवीई जाव कलियं पासमाणे पासइ, तरमाणे तरइ, तिण्णमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा जाव सुविणंते एगं महं भवणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, अणुप्पविसमाणे अणुप्पविसइ, अणुप्पविट्ठमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ । इत्थी वा पुरिसे वा सुविणंते एगं महं विमाणं सव्वरयणामयं पासमाणे पासइ, दुरूहमाणे दुरूहइ, दुरूढमिइ अप्पाणं मण्णइ, तक्खणामेव बुज्झइ, तेणेव जाव अंतं करेइ ॥५७९॥

अह भंते ! कोट्ठपुडाण वा जाव केयईपुडाण वा अणुवायंसि उब्भिज्जमाणाण वा जाव ठाणाओ वा ठाणं संकामिज्जमाणाणं किं कोट्ठे वाइ जाव केयई वाइ ? गोयमा ! णो कोट्ठे वाइ जाव णो केयई वाइ, घाणसहगया पोग्गला वाइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५८०॥

सोलसमं सयं सत्तमो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! उवओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते, एवं जहा उवओगपयं पण्णवणाए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, पासणयापयं च णिरवसेसं णेयव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५८१॥

सोलसमं सयं अट्ठमो उद्देसो

केमहालए णं भंते ! लोए पण्णत्ते ? गोयमा ! महइमहालए जहा बारसमसए तहेव जाव असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं । लोगस्स णं भंते ! पुरत्थिमिल्ले चरिमंते किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवप्पएसा ? गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि । जे जीवदेसा ते णियमं एगिंदियदेसा य अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे एवं जहा दसमसए अग्गेई दिसा तहेव, णवरं देसेसु अणिंदियाणं आइल्लविरहिओ । जे अरूवी अजीवा ते छव्विहा, अद्धासमओ णत्थि, सेसं तं चेव सव्वं णिरवसेसं । लोगस्स णं भंते ! दाहिणिल्ले चरिमंते किं जीवा० ? एवं चेव, एवं पच्चत्थिमिल्लेवि, एवं उत्तरिल्लेवि । लोगस्स णं भंते ! उवरिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि । जे जीवदेसा ते णियमं एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियस्स य देसे, अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, जे जीवप्पएसा ते णियमं एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियस्स पएसा य अहवा एगिंदियप्पएसा य अणिंदियप्पएसा य बेइंदियाण य पएसा, एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदियाणं, अजीवा जहा दसमसए तमाए तहेव णिरवसेसं । लोगस्स णं भंते ! हेट्ठिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि जीवप्पएसावि जाव अजीवप्पएसावि जे जीवदेसा ते णियमं एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा, एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं पएसा, आइल्लविरहिओ सव्वेसिं जहा पुरत्थिमिल्ले चरिमंते तहेव, अजीवा जहेव उवरिल्ले चरिमंते तहेव । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते किं जीवा० पुच्छा, गोयमा ! णो जीवा एवं जहेव लोगस्स तहेव चत्तारिवि चरिमंता जाव उत्तरिल्ले, उवरिल्ले तहेव जहा दसमसए विमला दिसा तहेव णिरवसेसं, हेट्ठिल्ले चरिमंते जहेव लोगस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते तहेव, णवरं देसे पंचिंदिएसु तियभंगोत्ति सेसं तं चेव, एवं जहा रयणप्पभाए चत्तारि चरि-

मंता भणिया एवं सक्करप्पभाएवि उवरिमहेट्ठिल्ला जहा रयणप्पभाए हेट्ठिल्ले, एवं जाव अहे सत्तमाए, एवं सोहम्मस्सवि जाव अच्चुयस्स, गेविज्जविमाणाणं एवं चेव, णवरं उवरिमहेट्ठिल्लेसु चरिमंतेसु देवेसु पंचिंदियाणवि मज्झिल्लविरहिओ चेव सेसं तहेव, एवं जहा गेवेज्जविमाणा तहा अणुत्तरविमाणावि, ईसिप्पब्भारावि ॥ ५८२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ पच्चत्थिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, पच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ पुरत्थिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणिल्लाओ चरिमंताओ उत्तरिल्लं जाव गच्छइ, उत्तरिल्लाओ चरिमंताओ दाहिणिल्लं चरिमंतं जाव गच्छइ, उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्लं चरिमंतं जाव एवं गच्छइ, हेट्ठिल्लाओ चरिमंताओ उवरिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छइ ? हंता गोयमा ! परमाणुपोग्गले णं लोगस्स पुरत्थिमिल्लं तं चेव जाव उवरिल्लं चरिमंतं गच्छइ ॥ ५८३ ॥ पुरिसे णं भंते ! वासं वासइ णो वासइत्ति हत्थं वा पायं वा बाहुं वा ऊरुं वा आउंटावेमाणे वा पसारेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे वासं वासइ वासं णो वासईइ हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेइ वा पसारेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे ॥ ५८४ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव ऊरुं वा आउंटावेत्तए वा पसारेत्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे लोगंते ठिच्चा णो पभू अलोगंसि हत्थं वा जाव पसारेत्तए वा ? गोयमा ! जीवाणं आहारोवचिया पोग्गला बोंदिचिया पोग्गला कलेवरचिया पोग्गला पोग्गलामेव पप्प जीवाण य अजीवाण य गइपरियाए आहिज्जइ, अलोए णं णेवत्थि जीवा णेवत्थि पोग्गला से तेणट्ठेणं जाव पसारेत्तए वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥५८५॥

सोलसमं सयं णवमो उद्देसो

कहिण्णं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो सभा सुहम्मा प० ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं तिरियमसंखेज्जे जहेव चमरस्स जाव बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो रुयगिंदे णामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते, सत्तरस एक्कवीसे

जोयणसए एवं पमाणं जहेव तिगिच्छिकूडस्स पासायवडिंसगस्सवि तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं बलिस्स परियारेणं अट्ठो तहेव, णवरं रुयगिंदप्पभाइं ३ सेसं तं चेव जाव बलिचंचाए रायहाणीए अण्णेसिं च जाव रुयगिंदस्स णं उप्पायपव्वयस्स उत्तरेणं छक्कोडिसए तहेव जाव चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो बलिचंचा णामं रायहाणी प० एगं जोयणसयसहस्सं पमाणं तहेव उववाओ जाव आयरक्खा सव्वं तहेव णिरवसेसं, णवरं साइरेगं सागरोवमं ठिई प०, सेसं तं चेव जाव बली वइरोयणिंदे बली० २। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ।५८६।

सोलसमं सयं दसमो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! ओही पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहा ओही प०, तं०–ओहीपयं णिरवसेसं भाणियव्वं। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ५८७॥

सोलसमं सयं ११–१४ उद्देसा

दीवकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समुस्सासणिस्सासा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए दीवकुमाराणं वत्तव्वया तहेव जाव समाउया समुस्सासणिस्सासा। एवं णागावि, दीवकुमाराणं भंते ! कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पण्णत्ताओ, तंजहा–कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दीवकुमारा तेउलेस्सा, काउलेस्सा असंखेज्ज गुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! दीवकुमाराणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पिड्डिया वा महिड्डिया वा ? गोयमा ! कण्हलेस्साहिंतो णीललेस्सा महिड्डिया जाव सव्वमहिड्डिया तेउलेस्सा। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ १६ ॥ ११ ॥ उदहिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १२ ॥ एवं दिसाकुमारावि। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ १६ ॥ १३ ॥ एवं थणियकुमारावि। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५८८ ॥

सोलसमं सयं समत्तं

सत्तरसमं सयं पढमो उद्देसो

णमो सुयदेवयाए भगवईए। कुंजर १ संजय २ सेलेसि ३ किरिय ४ ईसाण ५ पुढवि ६–७ दग ८–९ वाऊ १०–११। एगिंदिय १२ णाग १३ सुवण्ण १४ विज्जु १५ वाउ १६ ऽग्गि १७ सत्तरसे ॥ १॥ रायगिहे जाव एवं वयासी– उदाई णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरायत्ताए उववण्णे ? गोयमा ! असुरकुमारेहिंतो देवेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता उदाइहत्थिरायत्ताए उववण्णे। उदाई णं भंते ! हत्थिराया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवमट्ठिइयंसि णिरयावासंसि णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ। से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। भूयाणंदे णं भंते ! हत्थिराया कओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता भूयाणंदे हत्थिरायत्ताए० एवं जहेव उदाई जाव अंतं काहिइ ॥ ५८९॥ पुरिसे णं भंते ! तालमारुहइ ता० २ त्ता तालाओ तालफलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालमारुहइ तालमारुहित्ता तालाओ तालफलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो ताले णिव्वत्तिए तालफले णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। अहे णं भंते ! से तालफले अप्पणो गरुयत्ताए जाव पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तए णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तालप्फले अप्पणो गरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तले णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिंपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो तालप्फले णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। पुरिसे णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कइकिरिए ? गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे रुक्खस्स मूलं पचालेइ वा पवाडेइ वा तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव

पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए तेविय णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। अहे णं भंते! से मूले अप्पणो गरुयत्ताए जाव जीवियाओ ववरोवेइ तओ णं भंते! से पुरिसे कइकिरिए? गोयमा! जावं च णं से मूले अप्पणो जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेविय णं से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे वट्टंति तेवि णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। पुरिसे णं भंते! रुक्खस्स कंदं पाचलेइ०? गोयमा! जावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए जाव बीए णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा। अहे णं भंते! से कंदे अप्पणो जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो मूले णिव्वत्तिए खंधे णिव्वत्तिए जाव चउहिं पुट्ठा, जेसिपिय णं जीवाणं सरीरेहिंतो कंदे णिव्वत्तिए तेवि णं जीवा पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा, जेवि य से जीवा अहे वीससाए पच्चोवयमाणस्स जाव पंचहिं पुट्ठा जहा कंदे एवं जाव बीयं ॥ ५९० ॥ कइ णं भंते! सरीरगा पण्णत्ता? गोयमा! पंच सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए। कइ णं भंते! इंदिया प०? गोयमा! पंच इंदिया प०, तं०–सोइंदिए जाव फासिंदिए। कइविहे णं भंते! जोए प०? गोयमा! तिविहे जोए प०, तं०–मणजोए वइजोए कायजोए। जीवे णं भंते! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणे कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, एवं पुढविक्काइएवि, एवं जाव मणुस्से। जीवा णं भंते! ओरालियसरीरं णिव्वत्तेमाणा कइकिरिया? गोयमा! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि, एवं पुढविकाइयावि, एवं जाव मणुस्सा, एवं वेउव्वियसरीरेणवि दो दंडगा णवरं जस्स अत्थि वेउव्वियं, एवं जाव कम्मगसरीरं, एवं सोइंदियं जाव फासिंदियं, एवं मणजोगं वइजोगं कायजोगं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं, एए एगत्तपुहुत्तेणं छव्वीसं दंडगा ॥ ५९१ ॥ कइविहे णं भंते!

भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे भावे प०, तं०–उदइए उवसमिए जाव सण्णिवाइए। से किं तं उदइए भावे ? उदइए भावे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–उदए य उदयणिप्फण्णे य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अणुओगदारे छण्णामं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव से तं सण्णिवाइए भावे। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ५९२ ॥

सत्तरसमं सयं बीओ उद्देसो

से णूणं भंते ! संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे धम्मे ठिए, असंजयअविरयअपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अहम्मे ठिए, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए ? हंता गोयमा ! संजयविरय जाव धम्माधम्मे ठिए। एएसि णं भंते ! धम्मंसि वा अहम्मंसि वा धम्माधम्मंसि वा चक्किया केइ आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणं खाइ अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव धम्माधम्मे ठिए ? गोयमा ! संजयविरय जाव पावकम्मे धम्मे ठिए धम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, असंजय जाव पावकम्मे अहम्मे ठिए अहम्मं चेव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, संजयासंजए धम्माधम्मे ठिए धम्माधम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, से तेणट्ठेणं जाव धम्माधम्मे ठिए। जीवा णं भंते ! किं धम्मे ठिया अहम्मे ठिया धम्माधम्मे ठिया ? गोयमा ! जीवा धम्मेवि ठिया अहम्मेवि ठिया धम्माधम्मेवि ठिया। णेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, णो धम्माधम्मे ठिया, एवं जाव चउरिंदियाणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो धम्मे ठिया, अहम्मे ठिया, धम्माधम्मेवि ठिया, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया ॥ ५९३ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति–एवं खलु समणा पंडिया समणोवासया बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे अणिक्खित्ते से णं एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया। से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु समणा पंडिया, समणोवासया बालपंडिया, जस्स णं एगपाणाएवि दंडे णिक्खित्ते से णं णो एगंतबालेत्ति वत्तव्वं सिया। जीवा णं भंते ! किं बाला पंडिया बालपंडिया ?

गोयमा ! जीवा बालावि पंडियावि बालपंडियावि। णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! णेरइया बाला णो पंडिया णो बालपंडिया, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया बाला णो पंडिया बालपंडियावि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया।५६४। अण्णउत्थिया णं भंते! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति–एवं खलु पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अण्णे जीवाया, पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अण्णे जीवाया, उप्पत्तियाए जाव पारिणामियाए वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अण्णे जीवाया, उग्गहे ईहा अवाए धारणाए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, उट्ठाणे जाव परक्कमे वट्टमाणस्स जाव जीवाया, णेरइयत्ते तिरिक्खमणुस्सदेवत्ते वट्टमाणस्स जाव जीवाया, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए वट्टमाणस्स जाव जीवाया, एवं कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए ३, एवं चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियणाणे ५, मइअण्णाणे ३, आहारसण्णाए ४, एवं ओरालियसरीरे ५, एवं मणजोए ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे वट्टमाणस्स अण्णे जीवे अण्णे जीवाया । से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया जाव अणागारोवओगे वट्टमाणस्स सच्चेव जीवे सच्चेव जीवाया ॥ ५६५ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पुव्वामेव रूवी भवित्ता पभू अरूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–देवे णं जाव णो पभू अरूविं विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि, अहमेयं पासामि, अहमेयं बुज्झामि, अहमेयं अभिसमण्णागच्छामि, मए एयं णायं, मए एयं दिट्ठं, मम एयं बुद्धं, मए एयं अभिसमण्णागयं–जण्णं तहागयस्स जीवस्स सरूविस्स सकम्मस्स सरागस्स सवेयस्स समोहस्स सलेसस्सस ससरीरस्स ताओ सरीराओ अविप्पमुक्कस्स एवं पण्णायइ, तंजहा–कालत्ते वा जाव सुक्किल्लत्ते वा, सुब्भिगंधत्ते वा दुब्भिगंधत्ते वा, तित्तत्ते वा जाव महुरत्ते वा, कक्खडत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव चिट्ठित्तए । सच्चेव णं भंते ! से जीवे पुव्वामेव अरूवी भवित्ता पभू रूविं

विउव्वित्ताणं चिट्ठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए ? गोयमा ! अहमेयं जाणामि जाव जण्णं तहागयस्स जीवस्स अरूविस्स अकम्मस्स अरागस्स अवेयस्स अमोहस्स अलेसस्स असरीरस्स ताओ सरीराओ विप्पमुक्कस्स णो एवं पण्णायइ, तं०—कालत्ते वा जाव लुक्खत्ते वा, से तेणट्ठेणं जाव चिट्ठित्तए वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥५६६॥

सत्तरसमं सयं तइओ उद्देसो

सेलेसिं पडिवण्णए णं भंते ! अणगारे सया समियं एयइ वेयइ जाव तं तं भावं परिणमइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थेगेणं परप्पओगेणं । कइविहा णं भंते ! एयणा प० ? गोयमा ! पंचविहा एयणा प०, तंजहा—दव्वेयणा खेत्तेयणा कालेयणा भवेयणा भावेयणा । दव्वेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तंजहा—णेरइयदव्वेयणा, तिरिक्खदव्वेयणा, मणुस्सदव्वेयणा, देवदव्वेयणा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—णेरइयदव्वेयणा २ ? गोयमा ! जण्णं णेरइया णेरइयदव्वे वट्टिंसु वा वट्टंति वा वट्टिस्संति वा ते णं तत्थ णेरइया णेरइयदव्वे वट्टमाणा णेरइयदव्वेयणं एइंसु वा एयंति वा एइस्संति वा, से तेणट्ठेणं जाव दव्वेयणा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—तिरिक्खजोणियदव्वेयणा २ ? एवं चेव, णवरं तिरिक्खजोणियदव्वे० भाणियव्वं, सेसं तं चेव, एवं जाव देवदव्वेयणा । खेत्तेयणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! चउव्विहा प०, तं०—णेरइयखेत्तेयणा जाव देवखेत्तेयणा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ णेरइयखेत्तेयणा २ ? एवं चेव, णवरं णेरइयखेत्तेयणा भाणियव्वा, एवं जाव देवखेत्तेयणा, एवं कालेयणावि, एवं भवेयणावि, एवं भावेयणा वि, एवं जाव देवभावेयणा ॥५६७॥ कइविहा णं भंते ! चलणा प० ? गोयमा ! तिविहा चलणा प०, तं०—सरीरचलणा इंदियचलणा जोगचलणा । सरीरचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०—ओरालियसरीरचलणा जाव कम्मगसरीरचलणा । इंदियचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तंजहा—सोइंदियचलणा जाव फासिंदियचलणा । जोगचलणा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! तिविहा प०, तं०—मणजोगचलणा वइजोगचलणा कायजोगचलणा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—ओरालियसरीरचलणा २ ? गोयमा ! जं णं जीवा ओरालियसरीरे वट्टमाणा ओरालियसरीरप्पाओगाइं दव्वाइं ओरा-

लियसरीरत्ताए परिणामेमाणा ओरालियसरीरचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव ओरालियसरीरचलणा २। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ वेउव्वियसरीरचलणा २ ?एवं चेव, णवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा एवं जाव कम्मगसरीरचलणा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सोइंदियचलणा २ ? गोयमा ! जण्णं जीवा सोइंदिए वट्टमाणा सोइंदियप्पाओगाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए परिणामेमाणा सोइंदियचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव सोइंदियचलणा २, एवं जाव फासिंदियचलणा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ मणजोगचलणा २ ? गोयमा ! जण्णं जीवा मणजोए वट्टमाणा मणजोगप्पाओगाइं दव्वाइं मणजोगत्ताए परिणामेमाणा मणजोगचलणं चलिंसु वा चलंति वा चलिस्संति वा से तेणट्ठेणं जाव मणजोगचलणा २ एवं वइजोगचलणावि, एवं कायजोगचलणावि ॥ ५९८ ॥ अह भंते ! संवेगे णिव्वेए गुरुसाहम्मियसुस्सूसणया आलोयणया णिंदणया गरहणया खमावणया सुयसहायया विउसमणया भावे अप्पडिबद्धया विणिवट्टणया विवित्तसयणासणसेवणया सोइंदियसंवरे जाव फासिंदियसंवरे जोगपच्चक्खाणे सरीरपच्चक्खाणे कसायपच्चक्खाणे संभोगपच्चक्खाणे उवहिपच्चक्खाणे भत्तपच्चक्खाणे खमा विरागया भावसच्चे जोगसच्चे करणसच्चे मणसमण्णाहरणया वइसमण्णाहरणया कायसमण्णाहरणया कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे णाणसंपण्णया दंसणसंपण्णया चरित्तसंपण्णया वेयणअहियासणया मारणंतियअहियासणया एए णं भंते ! पया किंपज्जवसाणफला पण्णत्ता ? समणाउसो ! गोयमा ! संवेगे णिव्वेए जाव मारणंतियअहियासणया एए णं सिद्धिपज्जवसाणफला प० समणाउसो ! सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ५९९ ॥

सत्तरसमं सयं चउत्थो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे जाव एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता अत्थि। सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ णो अपुट्ठा कज्जइ, एवं जहा पढमसए छट्ठुद्देसए जाव णो अणाणुपुव्विकडात्ति वत्तव्वं सिया, एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं जीवाणं एगिंदियाण य णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसाणं णियमं छद्दिसिं। अत्थि णं भंते !

जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जइ? हंता अत्थि। सा भंते! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जहा पाणाइवाएणं दंडओ एवं मुसावाएणवि, एवं अदिण्णादाणेणवि मेहुणेणवि परिग्गहेणवि, एवं एए पंच दंडगा ५। जं समयण्णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? एवं तहेव जाव वत्तव्वं सिया जाव वेमाणियाणं, एवं जाव परिग्गहेणं, एवं एएवि पंच दंडगा १०। जं देसेणं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ? एवं चेव जाव परिग्गहेणं, एए वि पंच दंडगा १५। जं पएसं णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ एवं तहेव दण्डओ, एवं जाव परिग्गहेणं २० एवं एए वीसं दंडगा ॥ ६०० ॥ जीवाणं भंते ! किं अत्तकडे दुक्खे, परकडे दुक्खे, तदुभयकडे दुक्खे ? गोयमा ! अत्तकडे दुक्खे, णो परकडे दुक्खे, णो तदुभयकडे दुक्खे, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते ! किं अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, परकडं दुक्खं वेदेंति, तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति ? गोयमा ! अत्तकडं दुक्खं वेदेंति, णो परकडं दुक्खं वेदेंति, णो तदुभयकडं दुक्खं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवाणं भंते ! कि अत्तकडा वेयणा, परकडा वेयणा, तदुभयकडा वेयणा ? गोयमा ! अत्तकडा वेयणा, णो परकडा वेयणा, णो तदुभयकडा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते ! किं अत्तकडं वेयणं वेदेंति, परकडं वेयणं वेदेंति, तदुभयकडं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! जीवा अत्तकडं वेयणं वेदेंति, णो परकडं वेयणं वेदेंति, णो तदुभयकडं वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६०१ ॥

सत्तरसमं सयं पंचमो उद्देसो

कहि णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो सभा सुहम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरिय० जहा ठाणपए जाव मज्झे ईसाणवडिंसए महाविमाणे से णं ईसाणवडिंसए महाविमाणे अद्धतेरस-जोयणसयसहस्साइं० एवं जहा दसमसए सक्कविमाणवत्तव्वया सा इहवि ईसाणस्स निरवसेसा भाणियव्वा जाव आयरक्खत्ति, ठिई साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव जाव ईसाणे देविंदे देवराया २। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६०२ ॥

सत्तरसमं सयं ६–१७ उद्देसा

पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्वि उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्वि वा संपाउणित्ता पच्छा उवज्जेज्जा ? गोयमा ! पुव्वि वा उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, पुव्वि वा संपाउणित्ता पच्छा उववज्जेज्जा । से केणट्ठेणं जाव पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा ! पुढविक्काइयाणं तओ समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेणं वा समोहणइ सव्वेण वा समोहणइ, देसेणं समोहणमाणे पुव्वि संपाउणित्ता पच्छा उववज्जिज्जा, सव्वेणं समोहणमाणे पुव्वि उववज्जित्ता पच्छा संपाउणेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा । पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव समोहए २ त्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढवि० एवं चेव ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुयगेविज्जविमाणे, अणुत्तरविमाणे ईसिप्पब्भाराए य एवं चेव । पुढविक्काइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढवि० एवं जहा रयणप्पभाए पुढविक्काइओ उववाइओ एवं सक्करप्पभाएवि पुढविक्काइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहे सत्तमाए समोहए ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति १७·६ ॥ ६०३ ॥ पुढविक्काइए णं भंते ! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्वि० सेसं तं चेव जहा रयणप्पभाए पुढविकाइओ सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए ताव उववाइओ एवं सोहम्मपुढविकाइओवि सत्तसुवि पुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए, एवं जहा सोहम्मपुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढविकाइओ सव्वपुढवीसु उववाएयव्वो जाव अहे सत्तमाए । सेवं भंते ! २ त्ति १७·७॥६०४॥ आउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा पुढविक्काइओ तहा आउकाइओवि सव्वकप्पेसु जाव ईसिप्पब्भाराए तहेव उववाएयव्वो, एवं जहा रय-

णप्पभाआउकाइओ उववाइओ तहा जाव अहेसत्तमापुढविआउ काइओ उववाएयव्वो जाव ईसिप्पब्भाराए। सेवं भंते ! २ त्ति १७-८ ॥६०५॥ आउक्काइए णं भंते ! सोहम्मे कप्पे समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव एवं जाव अहे सत्तमाए जहा सोहम्मआउक्काइओ एवं जाव ईसिप्पब्भारा-आउक्काइओ जाव अहे सत्तमाए उववाएयव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति (१७-९) ॥ ६०६ ॥ वाउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं जहा पुढविक्काइओ तहा वाउक्काइओवि णवरं वाउक्काइयाणं चत्तारि समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणमाणे देसेण वा समो० सेसं तं चेव जाव अहे सत्तमाए समोहओ ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति (१७-१०) ॥६०७॥ वाउक्काइए णं भंते ! सोहम्मे कप्पे समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणवाए तणुवाए घणवायवलएसु तणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव एवं जहा सोहम्मे वाउक्काइओ सत्तसुवि पुढवीसु उववाइओ एवं जाव ईसिप्पब्भाराए वाउक्काइओ अहे सत्तमाए जाव उववाएयव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति (१७-११) ॥ ६०८ ॥ एगिंदिया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा एवं जहा पढमसए बिइयउद्देसए पुढविक्काइयाणं वत्तव्वया भणिया सा चेव एगिंदियाणं इह भाणियव्वा जाव समाउया समोववण्णगा। एगिंदियाणं भंते ! कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०—कण्हलेस्सा जाव तेउलेस्सा। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदियाणं तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्सा इड्ढी जहेव दीवकुमाराणं। सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१२) ॥ ६०९ ॥ णागकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा जहा सोलसमसए दीवकुमारउद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव इड्ढीति। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ (१७-१३) ॥ ६१० ॥ सुवण्णकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१४) ॥ ६११ ॥ विज्जुकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१५) ॥ ६१२ ॥ वाउ-

कुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति (१७-१६) ॥ ६१३॥ अग्गिकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति (१७-१७) ॥ ६१४॥

सत्तरसमं सयं समत्तं

॥ अट्ठारसमं सयं पढमो उद्देसो ॥

पढमे १ विसाह २ मायंदिए य ३ पाणाइवाय ४ असुरे य ५ । गुल ६ केवलि ७ अणगारे ८ भविए ९ तह सोमिलऽट्ठारसे १० ॥ १॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! णो पढमे अपढमे, एवं णेरइए जाव वेमाणिए । सिद्धे णं भंते ! सिद्धभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! पढमे णो अपढमे । जीवा णं भंते ! जीवभावेणं किं पढमा अपढमा ? गोयमा ! णो पढमा अपढमा, एवं जाव वेमाणिए १ । सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा ! पढमा णो अपढमा । आहारए णं भंते ! जीवे आहारभावेणं किं पढमे अपढमे ? गोयमा ! णो पढमे अपढमे, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिए एवं. चेव । अणाहारए णं भंते ! जीवे अणाहारभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे । णेरइए णं भंते० ! एवं णेरइए जाव वेमाणिए णो पढमे अपढमे, सिद्धे पढमे णो अपढमे । अणाहारगा णं भंते ! जीवा अणाहारभावेणं पुच्छा, गोयमा ! पढमावि अपढमावि, णेरइया जाव वेमाणिया णो पढमा अपढमा, सिद्धा पढमा णो अपढमा, एक्केक्के पुच्छा भाणियव्वा २ । भवसिद्धिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, एवं अभवसिद्धिएवि, णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिए णं भंते ! जीवे णोभव० पुच्छा, गोयमा ! पढमे णो अपढमे, णोभवसिद्धिय-णोअभवसिद्धिए णं भंते ! सिद्धा णोभ० अभव०, एवं चेव पुहुत्तेणवि दोण्हवि । सण्णी णं भंते ! जीवे सण्णिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! णो पढमे अपढमे, एवं विगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेणवि ३ । असण्णी एवं चेव एगत्तपुहुत्तेणं णवरं जाव वाणमंतरा, णोसण्णीणोअसण्णी जीवे मणुस्से-सिद्धे पढमे णो अपढमे, एवं पुहुत्तेणवि ४ । सलेस्से णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहा आहारए एवं पुहुत्तेणवि, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा एवं चेव णवरं जस्स जा लेस्सा अत्थि । अलेस्से णं जीवमणुस्ससिद्धे जहा णोसण्णीणोअसण्णी

५। सम्मदिट्ठिए णं भंते ! जीवे सम्मदिट्ठिभावेणं किं पढमे पुच्छा, गोयमा ! सिय पढमे सिय अपढमे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, सिद्धे पढमे णो अपढमे, पुहुत्तिया जीवा पढमावि अपढमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा पढमा णो अपढमा, मिच्छादिट्ठिए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारगा, सम्मामिच्छादिट्ठि एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, णवरं जस्स अत्थि सम्मामिच्छत्तं ६। संजए जीवे मणुस्से य एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, असंजए जहा आहारए, संजयासंजए जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सा एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, णोसंजएणोअसंजएणोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमे णो अपढमे ७। सकसाई कोहकसाई जाव लोभकसाई एए एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, अकसाई जीवे सिय पढमे सिय अपढमे, एवं मणुस्सेवि, सिद्धे पढमे णो अपढमे, पुहुत्तेणं जीवा मणुस्सा पढमावि अपढमावि, सिद्धा पढमा णो अपढमा ८। णाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मदिट्ठी, आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी एगत्तपुहुत्तेणं एव चेव, णवरं जस्स जं अत्थि, केवलणाणी जीवे मणुस्से सिद्धे य एगत्तपुहुत्तेणं पढमा णो अपढमा। अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए ९। सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, णवरं जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जीवमणुस्ससिद्धा एगत्तपुहुत्तेणं पढमा णो अपढमा १०। सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता एगत्तपुहुत्तेणं जहा अणाहारए ११। सवेदगो जाव णपुंसगवेदगो एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए णवरं जस्स जो वेदो अत्थि, अवेदओ एगत्तपुहुत्तेणं तिसुवि पएसु जहा अकसाई १२। ससरीरी जहा आहारए, एवं जाव कम्मगसरीरी जस्स जं अत्थि सरीरं, णवरं आहारगसरीरी एगत्तपुहुत्तेणं जहा सम्मद्दिट्ठी, असरीरी जीवो सिद्धो एगत्तपुहुत्तेणं पढमो णो अपढमो १३। पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं अपज्जत्तीहिं एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारए, णवरं जस्स जा अत्थि जाव वेमाणिया णो पढमा अपढमा १४। इमा लक्खणगाहा—जो जेण पत्तपुव्वो भावो सो तेण अपढमो होइ। सेसेसु होइ पढमो अपत्तपुव्वेसु भावेसु ॥१॥ जीवे णं भंते ! जीवभावेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! णो चरिमे अचरिमे। णेरइए णं भंते ! णेरइयभावेणं पुच्छा, गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे। जीवाणं पुच्छा,

गोयमा ! जीवा णो चरिमा अचरिमा, णेरइया चरिमावि अचरिमावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा १। आहारए सव्वत्थ एगत्तेणं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि, अणाहारओ जीवो सिद्धो य एगत्तेणवि पहुत्तेणवि णो चरिमो अचरिमो, सेसट्ठाणेसु एगत्तपुहुत्तेणं जहा आहारओ २। भवसिद्धीओ जीवपए एगत्तपुहुत्तेणं चरिमे णो अचरिमे, सेसट्ठाणेसु जहा आहारओ। अभवसिद्धीओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं णो चरिमे अचरिमे, णोभवसिद्धीय-णोअभवसिद्धीय जीवा सिद्धा य एगत्तपुहुत्तेणं जहा अभवसिद्धीओ ३। सण्णी जहा आहारओ, एवं असण्णीवि, णोसण्णीणोअसण्णी जीवपए सिद्धपए य अचरिमो, मणुस्सपए चरिमो एगत्तपुहुत्तेणं ४। सलेस्सो जाव सुक्कलेस्सो जहा आहारओ णवरं जस्स जा अत्थि, अलेस्सो जहा णोसण्णीअसण्णी ५। सम्मदिट्ठी जहा अणाहारओ, मिच्छादिट्ठी जहा आहारओ, सम्मामिच्छादिट्ठी एगिंदियविगलिंदियवज्जं सिय चरिमे सिय अचरिमे, पुहुत्तेणं चरिमावि अचरिमावि ६। संजओ जीवो मणुस्सो य जहा आहारओ, असंजओवि तहेव, संजयासंजओवि तहेव, णवरं जस्स जं अत्थि, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजय जहा णोभवसिद्धीयणोअभवसिद्धीओ ७। सकसाई जाव लोभकसाई सव्वट्ठाणेसु जहा आहारओ, अकसाई जीवपए सिद्धपए य णो चरिमो अचरिमो, मणुस्सपए सिय चरिमो सिय अचरिमो ८। णाणी जहा सम्मदिट्ठी सव्वत्थ आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी जहा आहारओ णवरं जस्स जं अत्थि, केवलणाणी जहा णोसण्णीणोअसण्णी, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा आहारओ ९। सजोगी जाव कायजोगी जहा आहारओ जस्स जो जोगो अत्थि, अजोगी जहा णोसण्णीणोअसण्णी १०। सागारोवउत्तो अणागारोवउत्तो य जहा अणाहारओ ११। सवेदओ जाव णपुंसगवेदओ जहा आहारओ, अवेदओ जहा अकसाई १२। ससरीरी जाव कम्मगसरीरी जहा आहारओ णवरं जस्स जं अत्थि, असरीरी जहा णोभवसिद्धीयणोअभवसिद्धीय १३। पंचहिं पज्जत्तीहिं पंचहिं अपज्जत्तीहिं जहा आहारओ सव्वत्थ एगत्तपुहुत्तेणं दंडगा भाणियव्वा १४। *इमा लक्खणगाहा जो जं पाविहिइ पुणो भावं सो तेण अचरिमो होइ। अच्चंतविओगो जस्स जेण भावेण सो चरिमो* ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६१५ ॥

अट्ठारसमं सयं बीओ उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं विसाहा णामं णयरी होत्था वण्णओ, बहुपुत्तिए चेइए वण्णओ, सामी समोसढे जाव पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे एवं जहा सोलसमसए बिइयउद्देसए तहेव दिव्वेणं जाणविमाणेणं आगओ णवरं एत्थ आभिओगावि अत्थि जाव बत्तीसइविहं णट्टविहिं उवदंसेइ २ त्ता जाव पडिगए। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–जहा तइयसए ईसाणस्स तहेव कूडागारदिट्ठंतो तहेव पुव्वभवपुच्छा जाव अभिसमण्णागया ? गोयमादि ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे णामं णयरे होत्था वण्णओ, सहसंबवणे उज्जाणे वण्णओ, तत्थ णं हत्थिणाउरे णयरे कत्तिए णामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए णेगमपढमासणिए णेगमट्ठसहस्सस्स बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य कोडुंबेसु य एवं जहा रायप्पसेणइज्जे चित्ते जाव चक्खुभूए णेगमट्ठसहस्सस्स सयस्स य कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव कारेमाणे पालेमाणे य समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा आइगरे जहा सोलसमसए तहेव जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं से कत्तिए सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ० एवं जहा एक्कारसमसए सुदंसणे तहेव णिग्गओ जाव पज्जुवासइ। तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियस्स सेट्ठिस्स धम्मकहा जाव परिसा पडिगया। तए णं से कत्तिए सेट्ठी मुणिसुव्वयस्स जाव णिसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए उट्ठेइ उ० २ त्ता मुणिसुव्वयं जाव एवं वयासी–एवमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुज्झे वदह जं णवरं देवाणुप्पिया ! णेगमट्ठसहस्सं आपुच्छामि जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं पव्वयामि, अहासुहं जाव मा पडिबंधं। तए णं से कत्तिए सेट्ठी जाव पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणापुरे णयरे जेणेव सए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता णेगमट्ठसहस्सं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं धम्मे णिसंते सेवि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं अहं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गे जाव पव्वयामि, तं तुज्झे णं देवा-

णुप्पिया ! किं करेह किं ववसह किं भे हियइच्छिए किं भे सामत्थे ? तए णं तं णेगमट्ठसहस्संपि तं कत्तियं सेट्ठिं एवं वयासी–जइ णं देवाणुप्पिया ! संसार-भयउव्विग्गा भीया जाव पव्वइस्संति अम्हं देवाणुप्पिया ! किं अण्णे आलंबणे वा आहारे वा पडिबंधे वा ? अम्हेवि णं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पिएहिं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतियं मुंडा भवित्ता अगाराओ जाव पव्वयामो। तए णं से कत्तिए सेट्ठी तं णेगमट्ठसहस्सं एवं वयासी–जइ णं देवाणुप्पिया ! संसारभयउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं मए सद्धिं मुणिसुव्वय० जाव पव्वयह तं गच्छह णं तुज्झे देवाणुप्पिया ! सएसु गिहेसु विउलं असणं जाव उवक्खडावेह मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंबे ठावेह जेट्ठ० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते आपुच्छह २ त्ता पुरिससहस्स-वाहिणीओ सीयाओ दुरूहह पु० २ त्ता मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकालपरिहीणं चेव ममं अंतियं पाउब्भवह। तए णं ते णेगमट्ठसहस्संपि कत्तियस्स सेट्ठिस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव साइं-साइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विपुलं असणं जाव उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइ जाव तस्सेव मित्तणाइ जाव पुरओ जेट्ठपुत्ते कुडुंबे ठावेंति जेट्ठपुत्ते० २ त्ता तं मित्तणाइ जाव जेट्ठपुत्ते य आपुच्छंति जेट्ठ० २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहंति २ त्ता मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेहि य समणुगम्ममाणमग्गा सव्विड्ढीए जाव रवेणं अकाल-परिहीणं चेव कत्तियस्स सेट्ठियस्स अंतियं पाउब्भवंति। तए णं से कत्तिए सेट्ठी विपुलं असणं ४ जहा गंगदत्तो जाव मित्तणाइ जाव परिजणेणं जेट्ठपुत्तेणं णेग-मट्ठसहस्सेण य समणुगम्ममाणमग्गे सव्विड्ढीए जाव रवेणं हत्थिणापुरं णयरं मज्झंमज्झेणं जहा गंगदत्तो जाव आलित्ते णं भंते ! लोए पलित्ते णं भंते ! लोए आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जाव अणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं भंते ! णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं जाव धम्ममाइक्खियं, तए णं मुणिसुव्वए अरहा कत्तियं सेट्ठिं णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममाइक्खइ, एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं जाव संजमियव्वं। तए णं से कत्तिए सेट्ठी णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं मुणिसुव्वयस्स अरहओ इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जइ, तमा-

णाए तहा गच्छइ जाव संजमेइ। तए णं से कत्तिए सेट्ठी णेगमट्ठसहस्सेणं सद्धिं अणगारे जाए ईरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी। तए णं से कत्तिए अणगारे मुणि-सुव्वयस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ सा० २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे बहुपडि-पुण्णाइं दुवालस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेइ मा० २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ स० २ त्ता आलोइय-पडिक्कंते जाव कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे उववाय-सभाए देवसयणिज्जंसि जाव सक्के देविंदत्ताए उववण्णे। तए णं से सक्के देविंदे देवराया अहुणोववण्णे सेसं जहा गंगदत्तस्स जाव अंतं काहिइ, णवरं ठिई दो सागरोवमाइं, सेसं तं सेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति॥ ६१६॥

अट्ठारसमं सयं तइओ उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ, गुणसिलए चेइए वण्णओ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव अंतेवासी मागंदियपुत्ते णामं अणगारे पगइभद्दए जहा मंडियपुत्ते जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—से णूणं भंते! काउलेस्से पुढवि-काइए काउलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुसं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ के० २ त्ता तओ पच्छा सिज्झइ जाव अंतं करेइ? हंता मागंदियपुत्ता! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ। से णूणं भंते! काउलेस्से आउकाइए काउलेस्सेहिंतो आउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता माणुस्सं विग्गहं लभइ मा० २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झइ जाव अंतं करेइ? हंता मागंदियपुत्ता! जाव अंतं करेइ। से णूणं भंते! काउलेस्से वणस्सइकाइए एवं चेव जाव अंतं करेइ, सेवं भंते! २ त्ति मागंदियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं जाव णमंसित्ता जेणेव समणे णिग्गंथे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणे णिग्गंथे एवं वयासी—एवं खलु अज्जो! काउलेस्से पुढविकाइए तहेव जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो! काउलेस्से वणस्सइकाइए जाव अंतं करेइ। तए णं ते समणा णिग्गंथा मागंदियपुत्तस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति ३ एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव समणे भगवं महावीरे

तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु भंते ! मागंदियपुत्ते अणगारे अम्हं एवमाइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु० वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ। से कहमेयं भंते ! एवं ? अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे ते समणे णिग्गंथे आमंतेत्ता एवं वयासी-जण्णं अज्जो ! मागंदियपुत्ते अणगारे तुज्झे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ-एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से आउक्काइए जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! काउलेस्से वणस्सइकाइएवि जाव अंतं करेइ, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं अज्जो ! एवमाइक्खामि ४-एवं खलु अज्जो ! कण्हलेस्से पुढविकाइए कण्हलेस्सेहिंतो पुढविकाइएहिंतो जाव अंतं करेइ, एवं खलु अज्जो ! णीललेस्से पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं काउलेस्सेवि जहा पुढविकाइए जाव अंतं करेइ, एवं आउकाइएवि, एवं वणस्सइकाइएवि, सच्चे णं एसमट्ठे। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति समणा णिग्गंथा समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जेणेव मागंदियपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मागंदियपुत्तं अणगारं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ॥ ६१७ ॥ तए णं से मागंदियपुत्ते अणगारे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ ते० २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो सव्वं कम्मं वेएमाणस्स सव्वं कम्मं णिज्जरेमाणस्स सव्वं मारं मरमाणस्स सव्वं सरीरं विप्पजहमाणस्स चरिमं कम्मं वेएमाणस्स चरिमं कम्मं णिज्जरेमाणस्स चरिमं मारं मरमाणस्स चरिमं सरीरं विप्पजहमाणस्स मारणंतियं कम्मं वेएमाणस्स मारणंतियं कम्मं णिज्जरेमाणस्स मारणंतियं मारं मरमाणंतिस्स मारणंतियं सरीरं विप्पजहमाणस्स जे चरिमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला प०, समणाउसो ! सव्वं लोगंपिणं ते उग्गाहित्ताणं चिट्ठंति ? हंता मागंदियपुत्ता ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव ओगाहित्ताणं चिट्ठंति। छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा एवं जहा इंदियउद्देसए पढमे जाव वेमाणिया जाव तत्थ

णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति पासंति आहारेंति, से तेणट्ठेणं णिक्खेवो भाणियव्वोत्ति ण पासंति आहारेंति, णेरइया णं भंते ! णिज्जरापोग्गला ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं । मणुस्सा णं भंते ! णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेंति उदाहु ण जाणंति ण पासंति ण आहारेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति ३ अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेंति ? गोयमा ! मणुस्सा दुविहा प०, तंजहा–सण्णिभूया य असण्णिभूया य, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते दुविहा प०, तं०–उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते जाणंति ३, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया ण जाणंति २ आहारेंति, अत्थेगइया जाणंति ३ वाणमंतरजोइसिया जहा णेरइया । वेमाणिया णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति ६ ? गोयमा ! जहा मणुस्सा णवरं वेमाणिया दुविहा प०, तं०–माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य तत्थ, णं जे ते माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा ते दुविहा प०, तं०–अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य, तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णा ते दुविहा प०, तं०–पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा प०, तं०–उवउत्ता य अणुवउत्ता य, तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति २ आहारेंति ॥ ६१८ ॥ कइविहे णं भंते ! बंधे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे बंधे प०, तं०–दव्वबंधे य भावबंधे य । दव्वबंधे णं भंते ! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे प०, तं०–पओगबंधे य वीससाबंधे य । वीससाबंधे णं भंते ! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे प०, तं०–साईयवीससाबंधे य अणाईयवीससाबंधे य । पओगबंधे णं भंते ! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे प०, तं०–सिढिलबंधणबंधे य धणियबंधणबंधे य । भावबंधे णं भंते ! कइविहे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे प०, तं०–

मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य। णेरइयाणं भंते ! कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे भावबंधे प०, तं०–मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं। णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे भावबंधे प०, तं०–मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य। णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे भावबंधे प० ? मागंदियपुत्ता ! दुविहे भावबंधे प०, तं०–मूलपगडिबंधे य उत्तरपगडिबंधे य, एवं जाव वेमाणियाणं, जहा णाणावरणिज्जेणं दंडओ भणिओ एवं जाव अंतराइएणं भाणियव्वो ॥ ६१९ ॥ जीवाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स केइ णाणत्ते ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जीवाणं पावे कम्मे जे य कडे जाव जे य कज्जिस्सइ अत्थि याइ तस्स णाणत्ते ? मागंदियपुत्ता ! से जहाणामए–केइ पुरिसे धणुं परामुसइ २ त्ता उसुं परामुसइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता आययकण्णाययं उसुं करेइ आ० २ त्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ से णूणं मागंदियपुत्ता ! तस्स उसुस्स उड्ढं वेहासं उव्वीढस्स समाणस्स एयइवि णाणत्तं जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं ? हंता भगवं ! एयइवि णाणत्तं जाव परिणमइवि णाणत्तं, से तेणट्ठेणं मागंदियपुत्ता ! एवं वुच्चइ जाव तं तं भावं परिणमइवि णाणत्तं। णेरइयाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ६२० ॥ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति तेसि णं भंते ! पोग्गलाणं सेयकालंसि कइभागं आहारेंति कइभागं णिज्जरेंति ? मागंदियपुत्ता ! असंखेज्जइभागं आहारेंति अणंतभागं णिज्जरेंति। चक्किया णं भंते ! केइ तेसु णिज्जरापोग्गलेसु आसइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, अणाहरणमेयं बुइयं समणाउसो ! एवं जाव वेमाणियाणं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥६२१॥

अट्ठारसमं सयं चउत्थो उद्देसो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव भगवं गोयमे एवं वयासी–अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे मुसावाय० जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणे, पुढविक्काइए जाव वणस्सइकाइए, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवे असरीरपडिबद्धे परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवण्णए अणगारे सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा

जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवाए-जाव एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य अत्थेगइया जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, अत्थेगइया जीवाणं जाव णो हव्वमागच्छंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-पाणाइवाए जाव णो हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पुढविकाइए जाव वणस्सइकाइए, सव्वे य बायरबोंदिधरा कलेवरा एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव परमाणुपोग्गले सेलेसिं पडिवण्णए अणगारे एए णं दुविहा जीवदव्वा य अजीवदव्वा य जीवाणं परिभोगत्ताए णो हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं जाव णो हव्वमागच्छंति ॥६२२॥ कइ णं भंते ! कसाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, तं०-कसायपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जाव णिज्जरिस्संति लोभेणं । कइ णं भंते ! जुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि जुम्मा पण्णत्ता, तं०-कडजुम्मे तेओगे दावरजुम्मे कलिओगे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं कडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं तेओगे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए सेत्तं दावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं कलिओगे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव कलिओगे । णेरइयाणं भंते ! किं कडजुम्मा, तेओगा, दावरजुम्मा, कलिओगा ? गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्मा, उक्कोसपए तेओगा, अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव थणियकुमारा । वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णपए अपया उक्कोसपए य अपया अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा । बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्मा, उक्कोसपए दावरजुम्मा, अजहण्णमणुक्कोसपए सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, एवं जाव चउरिंदिया, सेसा एगिंदिया जहा बेइंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया सिद्धा जहा वणस्सइकाइया । इत्थीओ णं भंते ! किं कडजुम्माओ० पुच्छा, गोयमा ! जहण्णपए कडजुम्माओ, उक्कोसपए कडजुम्माओ, अजहण्णमणुक्को-

सयए सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं असुरकुमारित्थीओवि जाव थणियकुमारइत्थीओवि, एवं तिरिक्खजोणियइत्थीओवि, एवं मणुस्सइत्थीओवि, एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणियदेवइत्थीओ ॥ ६२३ ॥ जावइयाणं भंते ! वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा ? हंता गोयमा ! जावइया वरा अंधगवण्हिणो जीवा तावइया परा अंधगवण्हिणो जीवा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६२४ ॥

अट्ठारसमं सयं पंचमो उद्देसो

दो भंते ! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णा तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे पासाईए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे, एगे असुरकुमारे देवे से णं णो पासाईए णो दरिसणिज्जे णो अभिरूवे, णो पडिरूवे, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०—वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं पासाईए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से अवेउव्वियसरीरे असुरकुमारे देवे से णं णो पासाईए जाव णो पडिरूवे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—तत्थ णं जे से वेउव्वियसरीरे तं चेव जाव णो पडिरूवे ? गोयमा ! से जहाणामए—इहं मणुयलोगंसि दुवे पुरिसा भवंति, एगे पुरिसे अलंकियविभूसिए, एगे पुरिसे अणलंकियविभूसिए एएसि णं गोयमा ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे पुरिसे पासाईए जाव पडिरूवे, कयरे पुरिसे णो पासाईए जाव णो पडिरूवे, जे वा से पुरिसे अलंकियविभूसिए जे वा से पुरिसे अणलंकियविभूसिए ? भगवं ! तत्थ जे से पुरिसे अलंकियविभूसिए से णं पुरिसे पासाईए जाव पडिरूवे, तत्थ णं जे से पुरिसे अणलंकियविभूसिए से णं पुरिसे णो पासाईए जाव णो पडिरूवे, से तेणट्ठेणं जाव णो पडिरूवे । दो भंते ! णागकुमारा देवा एगंसि णागकुमारावासंसि एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव ॥ ६२५ ॥ दो भंते ! णेरइया एगंसि णेरइयावासंसि णेरइयत्ताए उववण्णा, तत्थ णं एगे णेरइए महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, एगे णेरइए अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! णेरइया दुविहा प०, तं०—माइमिच्छादिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य, तत्थणं जे से

माइमिच्छदिट्ठिउववण्णए णेरइए से णं महाकम्मतराए चेव जाव महावेयण-तराए चेव, तत्थ णं जे से अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णए णेरइए से णं अप्पकम्म-तराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव। दो भंते ! असुरकुमारा एवं चेव, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिया ॥ ६२६॥ णेरइए णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए, से णं भंते ! कयरं आउयं पडिसंवेदेइ ? गोयमा ! णेरइयाउयं पडिसंवेदेइ, पंचिंदियति-रिक्खजोणियाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं मणुस्सेसुवि, णवरं मणुस्साउए से पुरओ कडे चिट्ठइ। असुरकुमारा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमाराउयं पडिसंवेदेइ, पुढविकाइयाउए से पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जो जहिं भविओ उववज्जि-त्तए तस्स तं पुरओ कडं चिट्ठइ, जत्थ ठिओ तं पडिसंवेदेइ जाव वेमाणिए, णवरं पुढविकाइए पुढविकाइएसु उववज्जइ पुढविकाइयाउयं पडिसंवेदेइ, अण्णे य से पुढविक्काइयाउए पुरओ कडे चिट्ठइ, एवं जाव मणुस्सो सट्ठाणे उववाएयव्वो परट्ठाणे तहेव ॥ ६२७ ॥ दो भंते ! असुरकुमारा एगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारदेवत्ताए उववण्णा, तत्थ णं एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सा-मिइ उज्जुयं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामिइ वंकं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ तं तहा विउव्वइ, एगे असुरकुमारे देवे उज्जुयं विउव्विस्सामिइ वंकं विउव्वइ, वंकं विउव्विस्सामिइ उज्जुयं विउव्वइ, जं जहा इच्छइ णो तं तहा विउव्वइ, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! असुरकुमारा देवा दुविहा प०, तं०—माइ-मिच्छदिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य, तत्थ णं जे से माइ-मिच्छदिट्ठिउववण्णए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामिइ वंकं विउव्वइ जाव णो तं तहा विउव्वइ, तत्थ णं जे से अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णए असुरकुमारे देवे से णं उज्जुयं विउव्विस्सामिइ उज्जुयं विउव्वइ जाव तं तहा विउव्वइ। दो भंते ! णागकुमारा एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारा, वाण-मंतरजोइसियवेमाणिया एवं चेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६२८ ॥

अट्ठारसमं सयं छट्ठो उद्देसो

फाणियगुले णं भंते ! कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! एत्थ णं दो णया भवंति, तं०—णिच्छइयणए य वावहारियणए य,

वावहारियणयस्स गोड्डे फाणियगुले, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णे दुगंधे पंचरसे अट्ठफासे प० । भमरे णं भंते ! कइवण्णे० पुच्छा, गोयमा ! एत्थ णं दो णया भवंति, तं०–णिच्छइयणए य वावहारियणए य, वावहारियणयस्स कालए भमरे, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णे जाव अट्ठफासे प० । सुयपिच्छे णं भंते ! कइवण्णे० प० ? एवं चेव, णवरं वावहारियणयस्स णीलए सुयपिच्छे, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णे सेसं तं चेव, एवं एएणं अभिलावेणं लोहिया मंजिट्ठिया, पीतिया हालिद्दा, सुक्किल्लए संखे, सुब्भिगंधे कोट्ठे, दुब्भिगंधे मयगसरीरे, तित्ते णिंबे, कडुया सुंठी, कसाए कविट्ठे, अंबा अंबिलिया, महुरे खंडे, कक्खडे वइरे, मउए णवणीए, गरुए अए, लहुए उलुयपत्ते, सीए हिमे, उसिणे अगणिकाए, णिद्धे तेल्ले । छारिया णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! एत्थ दो णया भवंति, तं०–णिच्छइयणए य वावहारियणए य, वावहारियणयस्स लुक्खा छारिया, णेच्छइयणयस्स पंचवण्णा जाव अट्ठफासा प० ॥ ६२९ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कइवण्णे जाव कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगवण्णे एगगंधे एगरसे दुफासे पण्णत्ते । दुपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवण्णे सिय दुवण्णे, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे सिय दुरसे, सिय दुफासे सिय तिफासे सिय चउफासे पण्णत्ते । एवं तिपएसिएवि, णवरं सिय एगवण्णे सिय दुवण्णे सिय तिवण्णे, एवं रसेसुवि, सेसं जहा दुपएसियस्स, एवं चउप्पएसिएवि । णवरं सिय एगवण्णे जाव सिय चउवण्णे, एवं रसेसुवि, सेसं तं चेव, एवं पंचपएसिएवि, णवरं सिय एगवण्णे जाव सिय पंचवण्णे, एवं रसेसुवि, गंधफासा तहेव, जहा पंचपएसिओ एवं जाव असंखेज्जपएसिओ । सुहुमपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे० ? जहा पंचपएसिए तहेव णिरवसेसं । बायरपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे० पुच्छा गोयमा ! सिय एगवण्णे जाव सिय पंचवण्णे, सिय एगगंधे सिय दुगंधे, सिय एगरसे जाव सिय पंचरसे, सिय चउफासे जाव सिय अट्ठफासे प० । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६३० ॥

अट्ठारसमं सयं सत्तमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति–एवं खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, एवं खलु केवली जक्खाए-

सेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०—मोसं वा सच्चामोसं वा, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४–णो खलु केवली जक्खाएसेणं आइस्सइ, णो खलु केवली जक्खाएसेणं आइट्ठे समाणे आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०—मोसं वा सच्चामोसं वा। केवली णं असावज्जाओ अपरोवघाइयाओ आहच्च दो भासाओ भासइ, तं०—सच्चं वा असच्चामोसं वा ॥६३१॥ कइविहे णं भंते ! उवही पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे उवही प०, तं०—कम्मोवही, सरीरोवही, बाहिरभंडमत्तोवगरणोवही। णेरइयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! दुविहे उवही प०, तं०—कम्मोवही य सरीरोवही य, सेसाणं तिविहे उवही एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं, एगिंदियाणं दुविहे उवही प०, तंजहा—कम्मोवही य सरीरोवही य। कइविहे णं भंते ! उवही प० ? गोयमा ! तिविहे उवही प०, तंजहा—सचित्ते, अचित्ते, मीसए, एवं णेरइयाणवि, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! परिग्गहे प० ? गोयमा ! तिविहे परिग्गहे प०, तं०—कम्मपरिग्गहे, सरीरपरिग्गहे, बाहिरभंडमत्तोवगरणपरिग्गहे। णेरइयाणं भंते० ! एवं जहा उवहिणा दो दंडगा भणिया तहेव परिग्गहेणवि दो दंडगा भाणियव्वा। कइविहे णं भंते ! पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे पणिहाणे प०, तं०—मणपणिहाणे, वइपणिहाणे, कायपणिहाणे। णेरइयाणं भंते ! कइविहे पणिहाणे प० ? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगे कायपणिहाणे प०, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं। बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! दुविहे पणिहाणे प०, तं०—वइपडिहाणे य कायपणिहाणे य, एवं जाव चउरिंदियाणं, सेसाणं तिविहेवि जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! दुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे दुप्पणिहाणे प०, तं०—मणदुप्पणिहाणे, वइदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, जहेव पणिहाणेणं दंडगो भणिओ तहेव दुप्पणिहाणेणवि भाणियव्वो। कइविहे णं भंते ! सुप्पणिहाणे प० ? गोयमा ! तिविहे सुप्पणिहाणे प०, तंजहा—मणसुप्पणिहाणे, वइसुप्पणिहाणे, कायसुप्पणिहाणे। मणुस्साणं भंते ! कइविहे सुप्पणिहाणे प० ? एवं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६३२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे गुणसिलए चेइए वण्णओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तस्स णं गुणसिलस्स

चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति, तंजहा—कालोदाई सेलोदाई एवं जहा सत्तमसए अण्णउत्थियउद्देसए जाव से कहमेयं मण्णे एवं ? तत्थ णं रायगिहे णयरे मद्दुए णामं समणोवासए परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासइ। तए णं मद्दुए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ स० २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं णयरं जाव णिग्गच्छइ २ त्ता तेसिं अण्णउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं ते अण्णउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासंति २ त्ता अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमा कहा अविउप्पकडा इमं च णं मद्दुए समणोवासए अम्हं अदूरसामंतेणं वीईवयइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं मद्दुयं समणोवासयं एयमट्ठं पुच्छित्तएत्तिकट्टु अण्णमण्णस्स अंतियं एयमट्ठं पडिसुणेंति अण्णमण्णस्स० २ त्ता जेणेव मद्दुए समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी—एवं खलु मद्दुया ! तव धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पण्णवेइ जहा सत्तमे सए अण्णउत्थियउद्देसए जाव से कहमेयं मद्दुया ! एवं ? तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—जइ कज्जं कज्जइ जाणामो पासामो, अहे कज्जं ण कज्जइ ण जाणामो ण पासामो। तए णं ते अण्णउत्थिया मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी—केस णं तुमं मद्दुया ! समणोवासगाणं भवसि, जे णं तुमं एयमट्ठं ण जाणसि ण पाससि? तए णं से मद्दुए समणोवासए ते अण्णउत्थिए एवं वयासी—अत्थि णं आउसो ! वाउयाए वाइ ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! वाउयायस्स वायमाणस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! घाणसहगया पोग्गला ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! घाणसहगयाणं पोग्गलाणं रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! अरणिसहगए अगणिकाए ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! अरणिसहगयस्स अगणिकायस्स रूवं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ! समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, अत्थि

णं आउसो ! देवलोगगयाइं रूवाइं ? हंता अत्थि, तुब्भे णं आउसो ? देवलोगगयाइं रूवाइं पासह ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवामेव आउसो ! अहं वा तुब्भे वा अण्णो वा छउमत्थो जइ जो जं ण जाणइ ण पासइ तं सव्वं ण भवइ एवं भे सुबहुए लोए ण भविस्सईतिकट्टु ते अण्णउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभि० जाव पज्जुवासइ। मद्दुयाई ! समणे भगवं महावीरे मद्दुयं समणोवासयं एवं वयासी–सुट्ठु णं मद्दुया ! तुमं ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं मद्दुया ! तुमं ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, जे णं मद्दुया ! अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा अण्णायं अदिट्ठं अस्सुयं अमयं अविण्णायं बहुजणमज्झे आघवेइ पण्णवेइ जाव उवदंसेइ, से णं अरिहंताणं आसायणाए वट्टइ, अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, केवलीणं आसायणाए वट्टइ, केवलिपण्णत्तस्स धम्मस्स आसायणाए वट्टइ, तं सुट्ठु णं तुमं मद्दुया ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं मद्दुया ! जाव एवं वयासी। तए णं मद्दुए समणोवासए समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे मद्दुयस्स समणोवासगस्स तीसे य जाव परिसा पडिगया। तए णं मद्दुए समणोवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव णिसम्म हट्ठतुट्ठे पसिणाइं पुच्छइ पुच्छित्ता अट्ठाइं परियाइयइ परियाइइत्ता उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते ! मद्दुए समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं जाव पव्वइत्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं जहेव संखे तहेव अरुणाभे जाव अंतं काहिइ ॥ ६३३॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे रूवसहस्सं विउव्वित्ता पभू अण्णमण्णेणं सद्धिं संगामं संगामेत्तए ? हंता पभू। ताओ णं भंते ! बोंदीओ किं एगजीवफुडाओ अणेगजीवफुडाओ ? गोयमा ! एगजीवफुडाओ णो अणेगजीवफुडाओ, तेसि णं भंते ! बोंदीणं अंतरा किं एगजीवफुडा अणेगजीवफुडा ? गोयमा ! एगजीवफुडा णो अणेगजीवफुडा। पुरिसे णं भंते ! अंतरेणं हत्थेण वा एवं

जहा अट्ठमसए तइए उद्देसए जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६३४॥ अत्थि णं भंते ! देवासुराणं संगामे २ ? हंता अत्थि। देवासुरेसु णं भंते ! संगामेसु वट्टमाणेसु किण्णं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ ? गोयमा जण्णं ते देवा तणं वा कट्ठं वा पत्तं वा सक्करं वा परामुसंति तं(णं)तं तेसिं देवाणं पहरणरयणत्ताए परिणमइ, जहेव देवाणं तहेव असुरकुमाराणं ? णो इणट्ठे समट्ठे, असुरकुमाराणं देवाणं णिच्चं विउव्विया पहरणरयणा प० ॥ ६३५॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महेसक्खे पभू लवणसमुद्दं अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छित्तए ? हंता पभू। देवे णं भंते ! महिड्ढिए एवं धायइसंडं दीवं जाव हंता पभू, एवं जाव रुयगवरं दीवं जाव हंता पभू, ते णं परं वीईवएज्जा णो चेव णं अणुपरियट्टेज्जा ॥ ६३६॥ अत्थि णं भंते ! देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति ? हंता अत्थि। अत्थि णं भंते ! देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति ? हंता अत्थि। अत्थि णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? हंता अत्थि। कयरे णं भंते ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा जाव पंचहिं वाससएहिं खवयंति, कयरे णं भंते ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, कयरे णं भंते ! ते देवा जाव पंचहि वाससयसहस्सेहिं खवयंति ? गोयमा ! वाणमंतरा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससएणं खवयंति, असुरिंदवज्जिया भवणवासी देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससएहिं खवयंति, असुरकुमारा णं देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससएहिं खवयंति, गहणक्खत्ततारारूवा जोइसिया देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वास जाव खवयंति, चंदिमसूरिया जोइसिंदा जोइसरायाणो अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससएहिं खवयंति, सोहम्मीसाणगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वाससहस्सेणं खवयंति, सणंकुमारमाहिंदगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एवं एएणं अभिलावेणं बंभलोगलंतगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, महासुक्कसहस्सारगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, आणयपाणयआरणअच्चुयगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे एगेणं वास-

सयसहस्सेणं खवयंति, मज्झिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे दोहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, उवरिमगेवेज्जगा देवा अणंते कम्मंसे तिहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, विजयवेजयंतजयंतअपराजियगा देवा अणंते कम्मंसे चउहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, सव्वट्ठसिद्धगा देवा अणंते कम्मंसे पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति, एएणं गोयमा ! ते देवा जे अणंते कम्मंसे जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तिहिं वा उक्कोसेणं पंचहिं वाससएहिं खवयंति, एएणं गोयमा ! ते देवा जाव पंचहिं वाससहस्सेहिं खवयंति, एएणट्ठेणं गोयमा ! ते देवा जाव पंचहिं वाससयसहस्सेहिं खवयंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६३७ ॥

अट्ठारसमं सयं अट्ठमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो पुरओ दुहओ जुगमायाए पेहाए रीयं रीयमाणस्स पायस्स अहे कुक्कुडपोए वा वट्टापोए वा कुलिंगच्छाए वा परियावज्जेज्जा, तस्स णं भंते ! किं इरियावहिया किरिया कज्जइ, संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! अणगारस्स णं भावियप्पणो जाव तस्स णं इरियावहिया किरिया कज्जइ, णो संपराइया किरिया कज्जइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? जहा सत्तमसए संवुडुद्देसए जाव अट्ठो णिक्खित्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जाव विहरइ ॥ ६३८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव पुढविसिलापट्टए, तस्स णं गुणसिलस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अण्णउत्थिया परिवसंति, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ । तए णं ते अण्णउत्थिया जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छइत्ता भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–से केणं कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो ? तए णं ते अण्णउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह अभिहणह जाव उवद्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं भगवं गोयमे ते

अण्णउत्थिए एवं वयासी–णो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेमो, जाव उद्दवेमो, अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं च जोयं च रीयं च पडुच्च दिस्सा २ पदिस्सा २ वयामो, तए णं अम्हे दिस्सा-दिस्सा वयमाणा पदिस्सा २ वयमाणा णो पाणे पेच्चेमो जाव णो उद्दवेमो, तए णं अम्हे पाणे अपेच्चेमाणा जाव अणोद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतपंडिया यावि भवामो। तुब्भे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं ते अण्णउत्थिया भगवं गोयमं एवं वयासी–केणं कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव भवामो ? तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पाणे पेच्चेह जाव उद्दवेह, तए णं तुब्भे पाणे पेच्चेमाणा जाव उद्दवेमाणा तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवह । तए णं भगवं गोयमे ते अण्णउत्थिए एवं पडिहणइ एवं पडिहणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ । गोयमाई ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, अत्थि णं गोयमा ! ममं बहवे अंतेवासी समणा णिग्गंथा छउमत्था जे णं णो पभू एयं वागरणं वागरेत्तए जहा णं तुमं तं सुट्ठु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी, साहु णं तुमं गोयमा ! ते अण्णउत्थिए एवं वयासी ॥ ६३९ ॥ तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ० समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं किं जाणइ पासइ उदाहु ण जाणइ ण पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए जाणइ ण पासइ, अत्थेगइए ण जाणइ ण पासइ । छउमत्थे णं भंते ! मणूसे दुपएसियं खंधं किं जाणइ पासइ ? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसियं। छउमत्थे णं भंते ! मणूसे अणंतपएसियं खंधं किं पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए जाणइ पासइ १, अत्थेगइए जाणइ ण पासइ २, अत्थेगइए ण जाणइ पासइ ३, अत्थेगइए ण जाणइ ण पासइ ४ । आहोहिए णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं० जहा छउमत्थे एवं आहोहिएवि जाव अणंतपएसियं । परमाहोहिए णं भंते ! मणूसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ ? णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–परमाहो-

हिए णं मणूसे परमाणुपोग्गलं जं समयं जाणइ णो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ णो तं समयं जाणइ ? गोयमा ! सागारे से णाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव णो तं समयं जाणइ, एवं जाव अणंतपएसियं। केवली णं भंते ! मणुस्से परमाणुपोग्गलं जहा परमाहोहिए तहा केवलीवि जाव अणंतपएसियं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६०४॥

अट्ठारसमं सयं णवमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी-अत्थि णं भंते ! भवियदव्वणेरइया २ ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-भवियदव्वणेरइया २ ? गोयमा ! जे भविए पंचिदियतिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा णेरइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, एवं जाव थणियकुमाराणं। अत्थि णं भंते ! भवियदव्वपुढविकाइया २ ? हंता अत्थि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं० ? गोयमा ! जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से तेणट्ठेणं, आउक्काइयवणस्सइकाइयाणं एवं चेव उववाओ, तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाण य जे भविए तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं जे भविए णेरइए वा तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवे वा पंचिदियतिरिक्खजोणिए(वा)सु उववज्जित्तए एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइया। भवियदव्वणेरइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी। भवियदव्वअसुरकुमारस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा !' जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, एवं जाव थणियकुमारस्स। भवियदव्वपुढविकाइयस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, एवं आउक्काइयस्सवि, तेउवाऊ जहा णेरइयस्स, वणस्सइकाइयस्स जहा पुढविकाइयस्स, बेइंदियस्स तेइंदियस्स चउरिंदियस्स जहा णेरइयस्स, पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं मणुस्सावि, वाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स जहा असुरकुमारस्स। सेवं भंते ! २ त्ति ॥६४१॥

अट्ठारसमं सयं दसमो उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी-अणगारे णं भंते ! भावियप्पा असिधारं वा

खुरधारं वा ओगाहेज्जा ? हंता ओगाहेज्जा। से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, णो खलु तत्थ सत्थं कमइ, एवं जहा पंचमसए परमाणुपोग्गलवत्तव्वया जाव अणगारे णं भंते ! भावियप्पा उदावत्तं वा जाव णो खलु तत्थ सत्थं कमइ ॥ ६४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वा परमाणुपोग्गलेणं फुडे ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले वाउयाएणं फुडे णो वाउयाए परमाणुपोग्गलेणं फुडे। दुपएसिए णं भंते ! खंधे वाउयाएणं० एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपएसिए। अणंतपएसिए णं भंते ! खंधे वाउयाए० पुच्छा, गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे वाउयाएणं फुडे वाउयाए अणंतपएसिएणं खंधेणं सिय फुडे सिय णो फुडे। वत्थी णं भंते ! वाउयाएणं फुडे वाउयाए वत्थिणा फुडे ? गोयमा ! वत्थी वाउयाएणं फुडे णो वाउयाए वत्थिणा फुडे ॥ ६४३ ॥ अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे दव्वाइं वण्णओ कालणीललोहियहालिद्दसुक्किल्लाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं, फासओ कक्खडमउयगरुयलहुयसीयउसिणणिद्धलुक्खाइं, अण्णमण्णबद्धाइं अण्णमण्णपुट्ठाइं जाव अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए। अत्थि णं भंते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे० एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे जाव बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६४४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, दूइपलासए चेइए वण्णओ, तत्थ णं वाणियगामे णयरे सोमिले णामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए, रिउव्वेय जाव सुपरिणिट्ठिए पंचण्हं खंडियसयाणं सयस्स कुडुंबस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ। तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु समणे णायपुत्ते पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं जाव इहमागए जाव दूइपलासए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणस्स णायपुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्ठाइं जाव वागरणाइं वागरेहिइ तओ णं वंदीहामि

णमंसीहामि जाव पज्जुवासीहामि, अह मे से अट्ठाइं जाव वागरणाइं णो वागरेहिइ तो णं एएहिं चेव अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य णिप्पट्ठ-पसिणवागरणं करेस्सामित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए जाव सरीरे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं एगेणं खंडियसएणं सद्धिं संपरिवुडे वाणियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव दूइपलासए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं ते भंते ! अव्वाबाहं ते भंते ! फासुयविहारं ते भंते ! ? सोमिला ! जत्तावि मे, जवणिज्जंपि मे, अव्वाबाहंपि मे, फासुयविहारंपि मे। किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तवणियमसंजमसज्झायज्झाणावस्सयमाइएसु जोगेसु जयणा सेत्तं जत्ता। किं ते भंते ! जवणिज्जं ? सोमिला ! जवणिज्जे दुविहे प०, तं०–इंदियजवणिज्जे य णोइंदियजवणिज्जे य। से किं तं इंदियजवणिज्जे ? इंदियजवणिज्जे जं मे सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं णिरुवहयाइं वसे वट्टंति सेत्तं इंदियजवणिज्जे। से किं तं णोइंदियजवणिज्जे ? २ जं मे कोहमाणमायालोभा वोच्छिण्णा णो उदीरेंति सेत्तं णोइंदियजवणिज्जे, सेत्तं जवणिज्जे। से किं ते भंते ! अव्वाबाहं ? सोमिला ! जं मे वाइयपित्तियसिंभियसण्णिवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता णो उदीरेंति सेत्तं अव्वाबाहं। किं ते भंते ! फासुयविहारं ? सोमिला ! जण्णं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु फासुएसणिज्जं पीढफलगसेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेत्तं फासुयविहारं। सरिसवा ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! सरिसवा भक्खेयावि अभक्खेयावि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सरिसवा मे भक्खेयावि अभक्खेयावि ? से णूणं ते सोमिला ! बंभण्णएसु णएसु दुविहा सरिसवा पण्णत्ता, तं०–मित्तसरिसवा य धण्णसरिसवा य, तत्थ णं जे ते मित्तसरिसवा ते तिविहा प०, तं०–सहजायया सहवड्ढियया सहपंसुकीलियया, ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धण्णसरिसवा ते दुविहा प०, तं०–सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा प०, तं०–एसणिज्जा य

अणेसणिज्जा, य तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा प०, तं०–जाइया य अजाइया य, तत्थ णं जे ते अजाइया ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा प०, तं०–लद्धा य अलद्धा य, तत्थ णं जे ते अलद्धा ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते लद्धा ते णं समणाणं णिग्गंथाणं भक्खेया, से तेणट्ठेणं सोमिला ! एवं वुच्चइ–जाव अभक्खेयावि । मासा ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! मासा मे भक्खेयावि अभक्खेयावि । से केण ट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ? से णूणं ते सोमिला ! बंभण्णएसु णएसु दुविहा मासा प०, तं०–दव्वमासा य कालमासा य, तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं सावणाईया आसाढपज्जवसाणा दुवालस प०, तं०–सावणे भद्दवए आसोए कत्तिए मग्गसिरे पोसे माहे फागुणे चेत्ते वइसाहे जेट्ठामूले आसाढे, तेणं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते दव्वमासा ते दुविहा प०, तं०–अत्थमासा य धण्णमासा य, तत्थ णं जे ते अत्थमासा ते दुविहा प०, तं०–सुवण्णमासा य रुप्पमासा य, ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धण्णमासा ते दुविहा प०, तं०–सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य, एवं जहा धण्णसरिसवा जाव से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि । कुलत्था ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सोमिला ! कुलत्था मे भक्खेयावि अभक्खेयावि । से केणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ? से णूणं ते सोमिला ! बंभण्णएसु णएसु दुविहा कुलत्था प०, तं०–इत्थिकुलत्था य धण्णकुलत्था य, तत्थ णं जे ते इत्थिकुलत्था ते तिविहा प०, तंजहा–कुलकण्णयाइ वा कुलवहूयाइ वा कुलमाउयाइ वा, ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धण्णकुलत्था एवं जहा धण्णसरिसवा, से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेयावि ॥ ६४५ ॥ एगे भवं दुवे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविए भवं ? सोमिला ! एगेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जाव भविएवि अहं ? सोमिला ! दव्वट्ठयाए एगे अहं, णाणदंसणट्ठयाए दुविहे अहं, पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएवि अहं अवट्ठिएवि अहं, उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं, से तेणट्ठेणं जाव भविएवि अहं । एत्थ णं से सोमिले माहणे संबुद्धे । तए णं से समणं भगवं महावीरं जहा खंदओ जाव से जहेयं तुब्भे वदह जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतियं बहवे राईसर० एवं

जहा रायप्पसेणइज्जे चित्तो जाव दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पडिगए। तए णं से सोमिले माहणे समणोवासए जाए अभिगयजीवा० जाव विहरइ। भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–पभू णं भंते! सोमिले माहणे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता० जहेव संखे तहेव णिरवसेसं जाव अंतं काहिइ। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ६४६ ॥

अट्ठारसमं सयं समत्तं

॥ एगूणवीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

लेस्सा य १ गब्भ २ पुढवी ३ महासवा ४ चरम ५ दीव ६ भवणा ७ य। णिव्वत्ति ८ करण ९ वणचरसुरा य १० एगूणवीसइमे ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते! लेस्साओ पण्णत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–एवं जहा पण्णवणाए चउत्थो लेसुद्देसओ भाणियव्वो णिरवसेसो। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६४७ ॥

एगूणवीसइमं सयं बीओ उद्देसो

कइ णं भंते! लेस्साओ प०? एवं जहा पण्णवणाए गब्भुद्देसो सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति (१९–२) ॥ ६४८ ॥

एगूणवीसइमं सयं तइओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी–सिय भंते! जाव चत्तारि पंच पुढविक्काइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति? णो इणट्ठे समट्ठे, पुढविक्काइयाणं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयं सरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति १। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ प०? गोयमा! चत्तारि लेस्साओ प०, तं०–कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउलेस्सा, तेउलेस्सा २। ते णं भंते! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी? गोयमा! णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी ३। ते णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी? गोयमा! णो णाणी अण्णाणी, णियमा दुअण्णाणी तं०–मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य ४। ते णं भंते! जीवा

किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी, णो वइजोगी, कायजोगी ५। ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ६। ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा पण्णवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति ७। ते णं भंते ! जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं णो आहारेंति तं णो चिज्जंति, चिण्णे वा से उद्दाइ पलिसप्पइ वा ? हंता गोयमा ! ते णं जीवा जमाहारेंति तं चिज्जंति, जं णो जाव पलिसप्पइ वा ८। तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णाइ वा पण्णाइ वा मणोइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, आहारेंति पुण ते ९। तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते १०। ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति, मुसावाए अदिण्णादाणे जाव मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति ? गोयमा ! पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, जेसिपि णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिंपि णं जीवाणं णो विण्णाए णाणत्ते ११। ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ तहा भाणियव्वो १२। तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं १३। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइसमुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए। ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि मरंति, असमोहयावि मरंति। ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? एवं उव्वट्टणा जहा वक्कंतीए १४। सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच आउक्काइया एगयओ साहारणं सरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति एवं जो पुढविकाइयाणं गमो सो चेव भाणियव्वो जाव उव्वट्टंति, णवरं ठिई सत्तवाससहस्साइं उक्कोसेणं सेसं तं चेव। सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच तेउक्काइया एवं चेव णवरं उववाओ ठिई उव्वट्टणा य जहा पण्णवणाए सेसं तं चेव। वाउकाइयाणं एवं चेव णाणत्तं णवरं चत्तारि समुग्घाया। सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच वणस्सइ-

काइया पुच्छा, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अणंता वणस्सइकाइया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति एग० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सेसं जहा तेउकाइयाणं जाव उव्वट्टंति, णवरं आहारो णियमं छद्दिसिं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव ॥ ६४९ ॥ एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं आउतेउवाउवणस्सइकाइयाणं सुहुमाणं बायराणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं जाव जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमणिओयस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा १, सुहुमवाउक्काइयस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा २, सुहुमतेउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३, सुहुमआउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४, सुहुमपुढवि-अपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ५, बायरवाउकाइयस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ६, बायरतेउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ७, बायरआउअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ८, बायरपुढविकाइयअपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ९, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स बायरणिओयस्स एएसि णं पज्जत्तगाणं एएसि णं अपज्जत्तगाणं जहण्णिया ओगाहणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १०–११, सुहुमणिओयस्सपज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १२, तस्सेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १४, सुहुमवाउकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा १५, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १६, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया १७, एवं सुहुमतेउक्काइयस्स विसे० १८–१९–२० एवं सुहुमआउक्काइयस्सवि २१–२२–२३ एवं सुहुमपुढविकाइयस्स विसेसाहिया २४–२५–२६ एवं बायरवाउकाइयस्स विसेसाहिया २७–२८–२९ एवं बायरतेउक्काइयस्स विसेसाहिया ३०–३१–३२ एवं बायरआउकाइयस्स विसेसाहिया ३३–३४–३५ एवं बायरपुढविकाइयस्स विसेसाहिया ३६–३७–३८ सव्वेसिं तिविहेणं गमेणं भाणियव्वं, बायरणिओयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ३९, तस्स चेव

अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ४०, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया ४१, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयस्स पज्जत्तगस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४२, तस्स चेव अपज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४३, तस्स चेव पज्जत्तगस्स उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ४४ ॥ ६५० ॥ एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्वसुहुमे वणस्सइकाइए सव्वसुहुमतराए १। एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! वाउक्काइए सव्वसुहुमे वाउक्काइए सव्वसुहुमतराए २। एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वसुहुमे तेउक्काए सव्वसुहुमतराए ३। एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स कयरे काए सव्वसुहुमे कयरे काए सव्वसुहुमतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वसुहुमे आउक्काए सव्वसुहुमतराए ४। एयस्स णं भंते ! पुढविक्काइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स वणस्सइकाइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! वणस्सइकाइए सव्वबादरे वणस्सइकाइए सव्वबादरतराए १। एयस्स णं भंते ! पुढविकाइयस्स आउक्काइयस्स तेउक्काइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! पुढविक्काए सव्वबादरे पुढविक्काए सव्वबादरतराए २। एयस्स णं भंते ! आउक्काइयस्स तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! आउक्काए सव्वबादरे आउक्काए सव्वबादरतराए ३। एयस्स णं भंते ! तेउकाइयस्स वाउक्काइयस्स कयरे काए सव्वबादरे कयरे काए सव्वबादरतराए ? गोयमा ! तेउक्काए सव्वबादरे तेउक्काए सव्वबादरतराए ४। केमहालए णं भंते ! पुढविसरीरे पण्णत्ते ? गोयमा ! अणंताणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमवाउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमवाउसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमतेउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमतेउकाइयसरीराणं जावइया

सरीरा से एगे सुहुमे आउसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमआउक्काइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे सुहुमे पुढविसरीरे, असंखेज्जाणं सुहुमपुढविकाइयसरीराणं जावइया सरीरा से एगे बायरवाउसरीरे असंखेज्जाणं बायरवाउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरतेउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरतेउकाइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरआउसरीरे, असंखेज्जाणं बायरआउक्काइयाणं जावइया सरीरा से एगे बायरपुढविसरीरे, एमहालए णं गोयमा ! पुढविसरीरे पण्णत्ते ॥६५१॥ पुढविकाइयस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! से जहाणामए रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स वण्णगपेसिया तरुणी बलवं जुगवं जुवाणी अप्पायंका वण्णओ जाव णिउणसिप्पोवगया णवरं चम्मेट्ठदुहणमुट्ठियसमाहयणिचियगत्तकाया ण भण्णइ, सेसं तं चेव जाव णिउणसिप्पोवगया तिक्खाए वइरामईए सण्हकरणीए तिक्खेणं वइरामएणं वट्टावरएणं एगं महं पुढविकाइयं जउगोलासमाणं गहाय पडिसाहरिय २ पडिसंखिविय २ जाव इणामेवत्तिकट्टु तिसत्तक्खुत्तो उप्पीसेज्जा, तत्थ णं गोयमा ! अत्थेगइया पुढविक्काइया आलिद्धा, अत्थेगइया पुढविक्काइया णो आलिद्धा, अत्थेगइया संघट्टिया, अत्थेगइया णो संघट्टिया, अत्थेगइया परियाविया, अत्थेगइया णो परियाविया, अत्थेगइया उद्दविया, अत्थेगइया णो उद्दविया, अत्थेगइया पिट्ठा, अत्थेगइया णो पिट्ठा, पुढविकाइयस्स णं गोयमा ! एमहालिया सरीरोगाहणा प० । पुढविकाइए णं भंते ! अक्कंते समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? गोयमा ! से जहाणामए–केइ पुरिसे तरुणे बलवं जाव णिउणसिप्पोवगए एगं पुरिसं जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव दुब्बलं किलंतं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहणिज्जा, से णं गोयमा ! पुरिसे तेणं पुरिसेणं जमलपाणिणा मुद्धाणंसि अभिहए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ ? अणिट्ठं समणाउसो ! तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स वेयणाहिंतो पुढविकाइए अक्कंते समाणे एत्तो अणिट्ठतरियं चेव अकंततरियं चेव जाव अमणामतरियं चेव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । आउयाए णं भंते ! संघट्टिए समाणे केरिसियं वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ । गोयमा ! जहा पुढविकाइए एवं चेव, एवं तेउयाएवि, एवं वाउयाएवि, एवं वणस्सइकाएवि जाव विहरइ । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५२ ॥

एगूणवीसइमं सयं चउत्थो उद्देसो

सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे १। सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा ? हंता सिया २। सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ३। सिय भंते ! णेरइया महासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ४। सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ५। सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ६। सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ७। सिय भंते ! णेरइया महासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ८। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ९। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १०। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे ११। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा महाकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १२। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १३। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया महावेयणा अप्पणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १४। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १५। सिय भंते ! णेरइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे १६, एए सोलस भंगा। सिय भंते ! असुरकुमारा महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं चउत्थो भंगो भाणियव्वो, सेसा पण्णरस भंगा खोडेयव्वा, एवं जाव थणियकुमारा। सिय भंते ! पुढविक्काइया महासवा महाकिरिया महावेयणा महाणिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव सिय भंते ! पुढविक्काइया अप्पासवा अप्पकिरिया अप्पवेयणा अप्पणिज्जरा ? हंता सिया, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५३ ॥

एगूणवीसइमं सयं पंचमो उद्देसो

अत्थि णं भंते ! चरिमावि णेरइया परमावि णेरइया ? हंता अत्थि । से णूणं भंते ! चरिमेहिंतो णेरइएहिंतो परमा णेरइया महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो वा णेरइएहिंतो चरमा णेरइया अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेयणतराए चेव ? हंता गोयमा ! चरमेहिंतो णेरइएहिंतो परमा जाव महावेयणतराए चेव, परमेहिंतो णेरइएहिंतो चरमा णेरइया जाव अप्पवेयणतरा चेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव ? गोयमा ! ठिइं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव अप्पवेयणतरा चेव । अत्थि णं भंते ! चरमावि असुरकुमारा परमावि असुरकुमारा ? एवं चेव, णवरं विवरीयं भाणियव्वं, परमा अप्पकम्मा, चरमा महाकम्मा, सेसं तं चेव जाव थणियकुमारा ताव एवमेव, पुढविकाइया जाव मणुस्सा एए जहा णेरइया, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ६५४ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा प० ? गोयमा ! दुविहा वेयणा प०, तं०—णिदा य अणिदा य । णेरइया णं भंते ! किं णिदायं वेयणं वेदेंति अणिदायं वेयणं वेदेंति० ? जहा पण्णवणाए जाव वेमाणियत्ति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥६५५॥

एगूणवीसइमं सयं छट्ठो उद्देसो

कहि णं भंते ! दीवसमुद्दा, केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा, किंसंठिया णं भंते ! दीवसमुद्दा ? एवं जहा जीवाभिगमे दीवसमुद्दुद्देसो सो चेव इहवि जोइसियमंडिउद्देसगवज्जो भाणियव्वो जाव परिणामो जीवउववाओ जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६५६ ॥

एगूणवीसइमं सयं सत्तमो उद्देसो

केवइया णं भंते ! असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! चउसट्ठि असुरकुमारभवणावाससयसहस्सा प० । ते णं भंते ! किमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा, तत्थ णं बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, सासया णं ते भवणा दव्वट्ठयाए, वण्णपज्जवेहिं जाव फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव थणिय-

कुमारावासा। केवइया णं भंते ! वाणमंतरभोमेज्जणयरावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा वाणमंतरभोमेज्जणयरावाससयसहस्सा प०। ते णं भंते ! किंमया प० ? सेसं तं चेव। केवइया णं भंते ! जोइसियविमाणावाससयसहस्सा पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा प०। ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वफालिहामया अच्छा, सेसं तं चेव। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा प० ? गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा प०। ते णं भंते ! किंमया प० ? गोयमा ! सव्वरयणामया अच्छा, सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणा, णवरं जाणियव्वा जत्थ जत्तिया भवणा विमाणा वा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६५७ ॥

एगूणवीसइमं सयं अट्ठमो उद्देसो

कइविहा णं भंते ! जीवणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा जीवणिव्वत्ती प०, तं०—एगिंदियजीवणिव्वत्ती जाव पंचिंदियजीवणिव्वत्ती। एगिंदियजीवणिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! पंचविहा प०, तं०—पुढविक्काइयएगिंदियजीवणिव्वत्ती जाव वणस्सइकाइयएगिंदियजीवणिव्वत्ती, पुढविकाइयएगिंदियजीवणिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—सुहुमपुढविकाइयएगिंदियजीवणिव्वत्ती य बायरपुढविकाइयएगिंदियजीवणिव्वत्ती य, एवं एएणं अभिलावेणं भेओ जहा वड्डगबंधो तेयगसरीरस्स जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणियदेवपंचिंदियजीवणिव्वत्ती णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—पज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवणिव्वत्ती य अपज्जत्तगसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदियजीवणिव्वत्ती य। कइविहा णं भंते ! कम्मणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! अट्ठविहा कम्मणिव्वत्ती प०, तं०—णाणावरणिज्जकम्मणिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मणिव्वत्ती। णेरइयाणं भंते ! कइविहा कम्मणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! अट्ठविहा कम्मणिव्वत्ती प०, तं०—णाणावरणिज्जकम्मणिव्वत्ती जाव अंतराइयकम्मणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! सरीरणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सरीरणिव्वत्ती प०, तं०—ओरालियसरीरणिव्वत्ती जाव कम्मगसरीरणिव्वत्ती। णेरइयाणं भंते ! ० एवं

चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं णायव्वं जस्स जइ सरीराणि। कइविहा णं भंते ! सव्विंदियणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा सव्विंदियणिव्वत्ती प०, तं०–सोइंदियणिव्वत्ती जाव फासिंदियणिव्वत्ती, एवं जाव णेरइया जाव थणियकुमारा णं। पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा फासिंदियणिव्वत्ती प०, एवं जस्स जइ इंदियाणि जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! भासाणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा भासाणिव्वत्ती प०, तं०–सच्चभासाणिव्वत्ती, मोसभासाणिव्वत्ती, सच्चामोसभासाणिव्वत्ती, असच्चामोसभासाणिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जस्स जा भासा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! मणणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा मणणिव्वत्ती प०, तं०–सच्चमणणिव्वत्ती जाव असच्चामोसमणणिव्वत्ती, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! कसायणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा कसायणिव्वत्ती प०, तं–कोहकसायणिव्वत्ती जाव लोभकसायणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! वण्णणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! पंचविहा वण्णणिव्वत्ती प०, तं०–कालवण्णणिव्वत्ती जाव सुक्किल्लवण्णणिव्वत्ती, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं, एवं गंधणिव्वत्ती दुविहा जाव वेमाणियाणं, रसणिव्वत्ती पंचविहा जाव वेमाणियाणं, फासणिव्वत्ती अट्ठविहा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! संठाणणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा संठाणणिव्वत्ती प०, तं०–समचउरंससंठाणणिव्वत्ती जाव हुंडसंठाणणिव्वत्ती। णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा हुंडसंठाणणिव्वत्ती प०। असुरकुमाराणं पुच्छा, गोयमा ! एगा समचउरंससंठाणणिव्वत्ती प०, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! एगा मसूरचंदसंठाणणिव्वत्ती प०, एवं जस्स जं संठाणं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! सण्णाणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! चउव्विहा सण्णाणिव्वत्ती प०, तं०–आहारसण्णाणिव्वत्ती जाव परिग्गहसण्णाणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते ! लेस्साणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! छव्विहा लेस्साणिव्वत्ती प०, तं०–कण्हलेस्साणिव्वत्ती जाव सुक्कलेस्साणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ लेस्साओ तस्स तत्तिया भाणियव्वा। कइविहा णं भंते ! दिट्ठिणिव्वत्ती प० ? गोयमा ! तिविहा दिट्ठिणिव्वत्ती प०, तंजहा–सम्मादिट्ठिणिव्वत्ती, मिच्छादिट्ठिणिव्वत्ती, सम्मामिच्छादिट्ठि-

णिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहा दिट्ठी। कइविहा णं भंते! णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता? गोयमा! पंचविहा णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तं०– आभिणिबोहियणाणणिव्वत्ती जाव केवलणाणणिव्वत्ती, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ णाणा। कइविहा णं भंते! अण्णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा अण्णाणणिव्वत्ती पण्णत्ता, तंजहा–मइअण्णाणणिव्वत्ती, सुयअण्णाणणिव्वत्ती, विभंगणाणणिव्वत्ती, एवं जस्स जइ अण्णाणा जाव वेमाणियाणं। कइविहा णं भंते! जोगणिव्वत्ती पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा जोगणिव्वत्ती पण्णत्ता, तंजहा–मणजोगणिव्वत्ती, वइजोगणिव्वत्ती, कायजोगणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइविहो जोगो। कइविहा णं भंते! उवओगणिव्वत्ती प०? गोयमा! दुविहा उवओगणिव्वत्ती प०, तं०– सागारोवओगणिव्वत्ती अणागारोवओगणिव्वत्ती, एवं जाव वेमाणियाणं। संगहगाहा–जीवाणं णिव्वत्ती कम्मप्पगडी सरीरणिव्वत्ती। सव्विंदियणिव्वत्ती भासा य मणे कसाया य ॥ १ ॥ वण्णे गंधे रसे फासे संठाणविही य होइ बोद्धव्वो। लेस्सा दिट्ठी णाणे उवओगे चेव जोगे य ॥ २ ॥ सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६५८ ॥

एगूणवीसइमं सयं णवमो उद्देसो

कइविहे णं भंते! करणे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे करणे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वकरणे, खेत्तकरणे, कालकरणे भवकरणे, भावकरणे। णेरइयाणं भंते! कइविहे करणे प०? गोयमा! पंचविहे करणे प०, तं०–दव्वकरणे जाव भावकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते! सरीरकरणे प०? गोयमा! पंचविहे सरीरकरणे पण्णत्ते, तंजहा–ओरालियसरीरकरणे जाव कम्मगसरीरकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ सरीराणि। कइविहे णं भंते! इंदियकरणे प०? गोयमा! पंचविहे इंदियकरणे प०, तंजहा–सोइंदियकरणे जाव फासिंदियकरणे, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जइ इंदियाइं, एवं एएणं कमेणं भासाकरणे चउव्विहे, मणकरणे चउव्विहे, कसायकरणे चउव्विहे, समुग्घायकरणे सत्तविहे, सण्णाकरणे चउव्विहे, लेस्साकरणे छव्विहे, दिट्ठिकरणे तिविहे, वेयकरणे तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–इत्थिवेयकरणे, पुरिसवेयकरणे, णपुंसगवेयकरणे, एए सव्वे णेरइयाई दंडगा जाव वेमाणियाणं, जस्स जं अत्थि तं तस्स सव्वं भाणियव्वं। कइविहे णं भंते! पाणाइवायकरणे प०? गोयमा!

पंचविहे पाणाइवायकरणे प०, तं०—एगिंदियपाणाइवायकरणे जाव पंचिंदियपाणाइवायकरणे, एवं णिरवसेसं जाव वेमाणियाणं। कइविहे णं भंते ! पोग्गलकरणे प० ? गोयमा ! पंचविहे पोग्गलकरणे प०, तं०—वण्णकरणे, गंधकरणे, रसकरणे, फासकरणे, संठाणकरणे। वण्णकरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा—कालवण्णकरणे जाव सुक्किल्लवण्णकरणे, एवं भेदो, गंधकरणे दुविहे, रसकरणे पंचविहे, फासकरणे अट्ठविहे। संठाणकरणे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा—परिमंडलसंठाणकरणे जाव आययसंठाणकरणे। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६५९ ॥

एगूणवीसइमं सयं दसमो उद्देसो

वाणमंतराणं भंते ! सव्वे समाहारा० एवं जहा सोलसमसए दीवकुमारुद्देसओ जाव अप्पिड्ढियत्ति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६६० ॥

एगूणवीसइमं सयं समत्तं

॥ वीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

बेइंदिय १ मागासे २ पाणवहे ३ उवचए ४ य परमाणू ५। अंतर ६ बंधे ७ भूमी ८ चारण ९ सोवक्कमा जीवा १० ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच बेइंदिया एगयओ साहारणसरीरं बंधंति २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, बेइंदिया णं पत्तेयाहारा पत्तेयपरिणामा पत्तेयसरीरं बंधंति प० २ त्ता तओ पच्छा आहारेंति वा परिणामेंति वा सरीरं वा बंधंति। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! तओ लेस्साओ प०, तं०—कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा, एवं जहा एगूणवीसइमे सए तेउक्काइयाणं जाव उव्वट्टंति, णवरं सम्मदिट्ठीवि मिच्छदिट्ठीवि, णो सम्मामिच्छदिट्ठी, दो णाणा दो अण्णाणा णियमं, णो मणजोगी, वइजोगीवि काइजोगीवि, आहारो णियमं छद्दिसिं। तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णाइ वा पण्णाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे रसे इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो ? णो इणट्ठे समट्ठे, पडिसंवेदेंति पुण ते, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारससंवच्छराइं, सेसं तं चेव, एवं तेइंदियावि, एवं चउरिंदियावि, णाणत्तं इंदिएसु ठिईए य

सेसं तं चेव ठिई जहा पण्णवणाए। सिय भंते ! जाव चत्तारि पंच पंचिंदिया एगयओ साहारणसरीरं० एवं जहा बेइंदियाणं णवरं छल्लेस्साओ, दिट्ठी तिविहावि, चत्तारि णाणा, तिण्णि अण्णाणा भयणाए, तिविहो जोगो। तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णाइ वा पण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सण्णाइ वा पण्णाइ वा मणेइ वा वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, अत्थेगइयाणं णो एवं सण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं आहारमाहारेमो, आहारेंति पुण ते, तेसि णं भंते ! जीवाणं एवं सण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे, इट्ठाणिट्ठे रूवे, इट्ठाणिट्ठे गंधे, इट्ठाणिट्ठे रसे, इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं एवं सण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, अत्थेगइयाणं णो एवं सण्णाइ वा पण्णाइ वा जाव वईइ वा अम्हे णं इट्ठाणिट्ठे सद्दे जाव इट्ठाणिट्ठे फासे पडिसंवेदेमो, पडिसंवेदेंति पुण ते, ते णं भंते ! जीवा किं पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति० ? गोयमा ! अत्थेगइया पाणाइवाएवि उवक्खाइज्जंति जाव मिच्छादंसणसल्लेवि उवक्खाइज्जंति, अत्थेगइया णो पाणाइवाए उवक्खाइज्जंति णो मुसावाए उवक्खाइज्जंति जाव णो मिच्छादंसणसल्ले उवक्खाइज्जंति, जेसिं पि णं जीवाणं ते जीवा एवमाहिज्जंति तेसिंपि णं जीवाणं अत्थेगइयाणं विण्णाए णाणत्ते, अत्थेगइयाणं णो विण्णाए णाणत्ते, उववाओ सव्वओ जाव सव्वट्ठसिद्धाओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, छस्समुग्घाया केवलिवज्जा, उव्वट्टणा सव्वत्थ गच्छंति जाव सव्वट्ठसिद्धं ति, सेसं जहा बेइंदियाणं। एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जाव पंचिंदियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, बेइंदिया विसेसाहिया। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥६६१॥

वीसइमं सयं बीओ उद्देसो

कइविहे णं भंते ! आगासे प० ? गोयमा ! दुविहे आगासे प०, तं०—लोयागासे य अलोयागासे य। लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा० ? एवं जहा बिइयसए अत्थिउद्देसे तए चेव इहवि भाणियव्वं, णवरं अभिलावो जाव धम्मत्थिकाए णं भंते ! केमहालए प० ? गोयमा ! लोए लोयमेत्ते

लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव ओगाहित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव पोग्गलत्थिकाए। अहेलोए णं भंते! धम्मत्थिकायस्स केवइयं ओगाढे? गोयमा! साइरेगं अद्धं ओगाढे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा बिइयसए जाव ईसिप्पब्भारा णं भंते! पुढवी लोयागासस्स किं संखेज्जइभागं ओगाढा० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जइभागं ओगाढा, असंखेज्जइभागं ओगाढा, णो संखेज्जे भागे ओगाढा, णो असंखेज्जे भागे ओगाढा, णो सव्वलोयं ओगाढा, सेसं तं चेव ॥६६२॥

धम्मत्थिकायस्स णं भंते! केवइया अभिवयणा प०? गोयमा! अणेगा अभिवयणा प०, तंजहा–धम्मेइ वा धम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवायवेरमणेइ वा मुसावायवेरमणेइ वा एवं जाव परिग्गहवेरमणेइ वा कोहविवेगेइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेइ वा इरियासमिईइ वा भासासमिईइ वा एसणासमिईइ वा आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिईइ वा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिईइ वा मणगुत्तीइ वा वइगुत्तीइ वा कायगुत्तीइ वा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते धम्मत्थिकायस्स अभिवयणा। अहम्मत्थिकायस्स णं भंते! केवइया अभिवयणा प०? गोयमा! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–अधम्मेइ वा अधम्मत्थिकाएइ वा पाणाइवाएइ वा जाव मिच्छादंसणसल्लेइ वा इरियाअसमिईइ वा जाव उच्चारपासवण जाव पारिट्ठावणियाअसमिईइ वा मणअगुत्तीइ वा वइअगुत्तीइ वा कायअगुत्तीइ वा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते अहम्मत्थिकायस्स अभिवयणा। आगासत्थिकायस्स णं पुच्छा, गोयमा! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–आगासेइ वा आगासत्थिकाएइ वा गगणेइ वा णभेइ वा समेइ वा विसमेइ वा खहेइ वा विहेइ वा वीईइ वा विवरेइ वा अंबरेइ वा अंबरसेइ वा छिड्डेइ वा झुसिरेइ वा मग्गेइ वा विमुहेइ वा अद्देइ वा वियद्देइ वा आधारेइ वा वोमेइ वा भायणेइ वा अंतरिक्खेइ वा सामेइ वा उवासंतरेइ वा अगमेइ वा फलिहेइ वा अणंतेइ वा जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते आगासत्थिकायस्स अभिवयणा। जीवत्थिकायस्स णं भंते! केवइया अभिवयणा प०? गोयमा! अणेगा अभिवयणा प०, तं०–जीवेइ वा जीवत्थिकाएइ वा पाणेइ वा भूएइ वा सत्तेइ वा विण्णूइ वा चेयाइ वा जेयाइ वा आयाइ वा रंगणेइ वा हिंडुएइ वा पोग्गलेइ वा माणवेइ वा कत्ताइ वा विकत्ताइ वा जएइ वा जंतूइ वा जोणीइ वा सयंभूइ वा ससरीरीइ वा णायएइ वा अंतरप्पाइ वा

जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते जाव अभिवयणा प० । पोग्गलत्थिकायस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! अणेगा अभिवयणा प०, तं०—पोग्गलेइ वा पोग्गलत्थिकाएइ वा परमाणुपोग्गलेइ वा दुपएसिएइ वा तिपएसिएइ वा जाव असंखेज्जपएसिएइ वा अणंतपएसिएइ वा खंधे जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते पोग्गलत्थिकायस्स अभिवयणा प० । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६६३ ॥

वीसइमं सयं तइओ उद्देसो

अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए जाव मिच्छादंसणसल्ले, पाणाइवायवेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, उप्पत्तिया जाव पारिणामिया, उग्गहे जाव धारणा, उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे, णेरइयत्ते असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए, कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, सम्मदिट्ठी ३, चक्खुदंसणे ४, आभिणिबोहियणाणे जाव विभंगणाणे, आहारसण्णा ४, ओरालियसरीरे ५, मणजोगे ३, सागारोवओगे अणागारोवओगे जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ? हंता गोयमा ! पाणाइवाए जाव सव्वे ते णण्णत्थ आयाए परिणमंति ॥६६४॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कइवण्णं कइगंधं० एवं जहा बारसमसए पंचमुद्देसए जाव कम्मओ णं जए णो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६६५ ॥

वीसइमं सयं चउत्थो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! इंदियउवचए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियउवचए प०, तं०—सोइंदियउवचए एवं बिइओ इंदियउद्देसओ णिरवसेसो भाणियव्वो जहा पण्णवणाए । सेवं भंते ! २ त्ति भयवं गोयमे जाव विहरइ ॥६६६॥

वीसइमं सयं पंचमो उद्देसो

परमाणुपोग्गले णं भंते ! कइवण्णे कइगंधे कइरसे कइफासे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगवण्णे एगगंधे एगरसे दुफासे पण्णत्ते, तंजहा—जइ एगवण्णे सिय कालए सिय णीलए सिय लोहिए सिय हालिद्दए सिय सुक्किल्लए, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ एगरसे सिय तित्ते सिय कडुए सिय कसाए सिय अंबिले सिय महुरे, जइ दुफासे सिय सीए य णिद्धे य १, सिय सीए य

लुक्खे य २, सिय उसिणे य णिद्धे य ३, सिय उसिणे य लुक्खे य ४। चुप्पएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे० ? एवं जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते। जइ एगवण्णे सिय कालए जाव सिय सुक्किल्लए, जइ दुवण्णे सिय कालए य णीलए य १, सिय कालए य लोहियए य २, सिय कालए य हालिद्दए य ३, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय णीलए य लोहियए य ५, सिय णीलए य हालिद्दए य ६, सिय णीलए य सुक्किल्लए य ७, सिय लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय लोहियए य सुक्किल्लए य ९, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दुयासंजोगे दस भंगा। जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे। जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य, रसेसु जहा वण्णेसु, जइ दुफासे सिय सीए य णिद्धे य एवं जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे २, सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे ३, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, एए णव भंगा फासेसु। तिपएसिए णं भंते ! खंधे कइवण्णे० जहा अट्ठारसमसए छट्ठुद्देसे जाव चउफासे प०, जइ एगवण्णे सिय कालए जाव सुक्किल्लए ५, जइ दुवण्णे सिय कालए य सिय णीलए य १, सिय कालए य णीलगा य २, सिय कालगा य णीलए य ३, सिय कालए य लोहियए य १, सिय कालए य लोहियगा य २, सिय कालगा य लोहियए य ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं ३, सिय णीलए य लोहियए य एत्थंपि भंगा ३, एवं हालिद्दएणवि समं भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय लोहियए य हालिद्दए य भंगा ३, एवं सुक्किल्लएणवि समं भंगा ३, सिय हालिद्दए य सुक्किलए य भंगा ३, एवं सव्वे ते दस दुयासंजोगा भंगा तीसं भवंति, जइ तिवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य १, सिय कालए य णीलए य हालिद्दए य २, सिय कालए य णीलए य सुक्किलए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य लोहियए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, सिय णीलए य लोहियए य हालिद्दए य ७, सिय णीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य ८, सिय णीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ९, सिय लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १०, एवं एए दस तियासंजोगा। जइ एग-

गंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य भंगा ३। रसा जहा वण्णा। जइ दुफासे सिय सीए य णिद्धे य एवं जहेव दुपएसियस्स तहेव चत्तारि भंगा, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि भंगा तिण्णि ६, सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिण्णि ९, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे भंगा तिण्णि एवं १२, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसा लुक्खा ५, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसे लुक्खे ६, देसा सिया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ७, देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे ९, एवं एए तिपएसिए फासेसु पणवीसं भंगा। चउप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवण्णे० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते, जइ एगवण्णे सिय कालए य जाव सुक्किल्लए य ५, जइ दुवण्णे सिय कालए य णीलए य १, सिय कालए य णीलगा य २, सिय कालगा य णीलए य ३, सिय कालगा य णीलगा य ४, सिय कालए य लोहियए य एत्थवि चत्तारि भंगा ४, सिय कालए य हालिद्दए य ४, सिय कालए य सुक्किल्लए य ४, सिय णीलए य लोहियए य ४, सिय णीलए य हालिद्दए य ४, सिय णीलए य सुक्किल्लए य ४, सिय लोहियए य हालिद्दए य ४, सिय लोहियए य सुक्किल्लए य ४, सिय हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, एवं एए दस दुयासंजोया भंगा पुण चत्तालीसं ४०, जइ तिवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य २, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य ३, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य, एए णं चत्तारि भंगा, एवं कालणीलहालिद्दएहिं भंगा ४, कालणीलसुक्किल्ल० ४, काललोहियहालिद्द० ४, काललोहियसुक्किल्ल० ४, कालहालिद्दसुक्किल्ल० णीललोहियहालिद्दगाणं भंगा ४, णीललोहियसुक्किल्ल० ४, णीलहालिद्द-सुक्किल्ल० ४, लोहियहालिद्दसुक्किल्लगाणं भंगा ४, एवं एए दसतियासंजोगा एक्केक्के संजोए चत्तारि भंगा, सव्वे ते चत्तालीसं भंगा ४०। जइ चउवण्णे

सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य २, सिय कालए य णीलए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, एवमेए चउक्कगसंजोए पंच भंगा, एए सव्वे णउइ भंगा, जइ एगगंधे सिय सुब्भिगंधे सिय दुब्भिगंधे, जइ दुगंधे सुब्भिगंधे य दुब्भिगंधे य। रसा जहा वण्णा। जइ दुफासे जहेव परमाणुपोग्गले ४, जइ तिफासे सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे सीए देसा णिद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं भंगा ४, सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए तिफासे सोलस भंगा, जइ चउफासे देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसे लुक्खे ३, देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसा लुक्खा ४, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे ५, देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसा लुक्खा ६, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसे लुक्खे ७, देसे सीए देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा ८, देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ९, एवं एए चउफासे सोलस भंगा भाणियव्वा जाव देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा, सव्वे एए फासेसु छत्तीसं भंगा। पंचपएसिए णं भंते! खंधे कइवण्णे० जहा अट्ठारसमसए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवण्णे एगवण्णदुवण्णा जहेव चउप्पएसिए, जइ तिवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य २, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य ३, सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य ४, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य ५, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य ६, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य ७, सिय कालए य णीलए य हालिद्दए य एत्थवि सत्त भंगा ७, एवं कालगणीलगसुक्किल्लएसु सत्त भंगा ७, कालगलोहियहालिद्देसु ७, कालगलोहियसुक्किल्लेसु ७, कालगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, णीलगलोहियहालिद्देसु ७, णीलगलोहियसुक्किल्लेसु सत्त भंगा ७, णीलगहालिद्दसुक्किल्लेसु ७, लोहियहालिद्दसुक्किल्लेसुवि सत्त भंगा ७, एवमेए तियासंजोएणं सत्तरि भंगा, जइ चउवण्णे

सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दगे य ३, सिय कालए य णीलगा य लोहियगे य हालिद्दगे य ४, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य ५, एए पंच भंगा, सिय कालए य णीलए य लोहियए य सुक्किल्लए य एत्थवि पंच भंगा, एवं कालगणीलगहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, कालगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा ५, णीलगलोहियहालिद्दसुक्किल्लएसुवि पंच भंगा, एवमेए चउक्कगसंजोएणं पणवीसं भंगा, जइ पंचवण्णे कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य सव्वमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कपंचगसंजोएणं ईयालं भंगसयं भवइ। गंधा जहा चउप्पएसियस्स। रसा जहा वण्णा। फासा जहा चउप्पएसियस्स। छप्पएसिए णं भंते! खंधे कइवण्णे० ? एवं जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते, जइ एगवण्णे एगवण्णदुवण्णा जहा पंचपएसियस्स, जइ तिवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य एवं जहेव पंचपएसियस्स सत्त भंगा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य ७, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य ८, एए अट्ठ भंगा, एवमेए दस तियासंजोगा एक्केक्कए संजोगे अट्ठ भंगा, एवं सव्वेवि तियगसंजोगे असीइ भंगा। जइ चउवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य ४, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ५, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य ६, सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य ७, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य ८, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य ९, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य १०, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य ११, एए एक्कारस भंगा, एवमेव पंचचउक्कासंजोगा कायव्वा, एक्केक्कसंजोए एक्कारस भंगा, सव्वेते चउक्कगसंजोएणं पणपण्णं भंगा। जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य

सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ४, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ६, एवं एए छब्भंगा भाणियव्वा, एवमेए सव्वेवि एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेसु छासीयं भंगसयं भवइ। गंधा जहा पंचपएसियस्स। रसा जहा एयस्सेव वण्णा फासा जहा चउप्पएसियस्स। सत्तपएसिए णं भंते! खंधे कइवण्णे० ? जहा पंचपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवण्णे एवं एगवण्णदुवण्णतिवण्णा जहा छप्पएसियस्स, जइ चउवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य ३, एवमेए चउक्कगसंजोगेणं पण्णरस भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य १५, एवमेए पंचचउक्कसंजोगा णेयव्वा एक्केक्के संजोए पण्णरस भंगा, सव्वमेए पंचसत्तरि भंगा भवंति। जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य ४, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ५, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ६, सिय कालए य णीलए य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ७, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ८, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य ९, सिय कालए य णीलगा य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १०, सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य ११, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १२, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य १३, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १४, सिय कालगा य णीलए य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १५, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, एए सोलस भंगा, एवं सव्वमेए

एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेणं दो सोलस भंगसया भवंति, गंधा जहा चउप्पएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वण्णा, फासा जहा चउप्पएसियस्स । अट्ठपएसिए णं भंते ! खंधे० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवण्णे जहा सत्तपएसियस्स जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवण्णे एवं एगवण्णदुवण्णतिवण्णा जहेव सत्तपएसिए, जइ चउवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य २, एवं जहेव सत्तपएसिए जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगे य १५, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य १६, एए सोलस भंगा, एवमेए पंच चउक्कसंजोगा, एवमेए असीइ भंगा ८०, जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य, एवं एएणं कमेणं भंगा चारेयव्वा जाव सिय कालए य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १५, एसो पण्णरसमो भंगो, सियकालगा य णीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १६, सिय कालगा य णीलगे य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य १७, सिय कालगा य णीलए य लोहियए य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य १८, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लगा य १९, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २०, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २१, सिय कालगा य णीलगे य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य २२, सिय कालगा य णीलगा य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २३, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगे य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २४, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगे य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य २५, सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दए य सुक्किल्लए य २६, एए पंचसंजोएणं छव्वीसं भंगा भवंति, एवामेव सपुव्वावरेणं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोगेहिं दो एक्कतीसं भंगसया भवंति, गंधा जहा सत्तपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वण्णा, फासा जहा चउप्पएसियस्स । णवपएसियस्स पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवण्णे जहा अट्ठपएसिए जाव सिय चउफासे प०, जइ एगवण्णे एगवण्णदुवण्णतिवण्णचउवण्णा जहेव अट्ठपएसियस्स, जइ पंचवण्णे सिय कालए य णीलए

य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लए य १, सिय कालए य णीलए य लोहियए य हालिद्दए य सुक्किल्लगा य २, एवं परिवाडीए एक्कतीसं भंगा भाणियव्वा जाव सिय कालगा य णीलगा य लोहियगा य हालिद्दगा य सुक्किल्लए य ३१, एए एक्कत्तीसं भंगा एवं एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएहिं दो छत्तीसा भंगसया भवंति, गंधा जहा अट्ठपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वण्णा, फासा जहा चउपएसियस्स। दसपएसिए णं भंते ! खंधे० पुच्छा, गोयमा ! सिय एगवण्णे जहा णवपएसिए जाव सिय चउफासे पण्णत्ते, जइ एगवण्णे एगवण्णदुवण्णतिवण्णचउवण्णा जहेव णवपएसियस्स, पंचवण्णेवि तहेव णवरं बत्तीसइमो भंगो भण्णइ, एवमेए एक्कगदुयगतियगचउक्कगपंचगसंजोएसु दोण्णि सत्ततीसा भंगसया भवंति, गंधा जहा णवपएसियस्स, रसा जहा एयस्स चेव वण्णा, फासा जहा चउप्पएसियस्स। जहा दसपएसिओ एवं संखेज्जपएसिओवि, एवं असंखेज्जपएसिओवि, सुहुमपरिणओवि अणंतपएसिओवि एवं चेव ॥ ६६७॥ बायरपरिणए णं भंते ! अणंतपएसिए खंधे कइवण्णे० ? एवं जहा अट्ठारसमसए जाव सिय अट्ठफासे प०, वण्णगंधरसा जहा दसपएसियस्स, जइ चउफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे २, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ५, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे ६, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे ७, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे ८, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे ९, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १०, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे ११, सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १२, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे १३, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे सीए सव्वे लुक्खे १४, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे णिद्धे १५, सव्वे मउए सव्वे लहुए सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे १६, एए सोलस भंगा। जइ पंचफासे सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे सीए देसा णिद्धा देसे लुक्खे ३, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे

सीए देसा णिद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे। ४ एवं एए कक्खडेणं सोलस भंगा। सव्वे मउए सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, एवं मउएणवि समं सोलस भंगा, एवं बत्तीसं भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे णिद्धे देसे सीए देसे उसिणे ४, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए सव्वे लुक्खे देसे सीए देसे उसिणे ४, एए बत्तीसं भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे गरुए देसे लहुए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, सव्वे गरुए सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए ४, एत्थवि बत्तीसं भंगा, एवं सव्वेते पंचफासे अट्ठावीसं भंगसयं भवइ। जइ छप्फासे सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसा लुक्खा २, एवं जाव सव्वे कक्खडे सव्वे गरुए देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा १६, एए सोलस भंगा। सव्वे कक्खडे सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे गरुए, देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, सव्वे मउए सव्वे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एत्थवि सोलस भंगा, एए चउसट्ठि भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे सीए देसे गरुए देसे लहुए देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे मउए सव्वे उसिणे देसा गरुया देसा लहुया देसा णिद्धा देसा लुक्खा एत्थवि चउसट्ठि भंगा, सव्वे कक्खडे सव्वे णिद्धे देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे मउए सव्वे लुक्खे देसा गरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा १६, एए चउसट्ठि भंगा, सव्वे गरुए सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं जाव सव्वे लहुए सव्वे उसिणे देसा कक्खडा देसा णिद्धा देसा मउया देसा लुक्खा, एए चउसट्ठि भंगा, सव्वे गरुए सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे जाव सव्वे लहुए सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा सीया देसा उसिणा, एए चउसट्ठि भंगा, सव्वे सीए सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए जाव सव्वे उसिणे सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा गरुया देसा लहुया, एवमेए चउसट्ठि भंगा, सव्वे ते छप्फासे

तिण्णिचउरासीया भंगसया भवंति ३८४। जइ सत्तफासे सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे १, सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसा णिद्धा देसा लुक्खा ४, सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसे लहुए देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे, सव्वेते सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसे गरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं गरुएणं एगत्तेणं लहुएणं पुहुत्तेणं एएवि सोलस भंगा, सव्वे कक्खडे देसा गरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, सव्वे कक्खडे देसा गरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा भाणियव्वा, एवमेए चउसट्ठि भंगा कक्खडेणं समं, सव्वे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे। एवं मउएणवि समं चउसट्ठि भंगा भाणियव्वा, सव्वे गरुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं गरुएणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे लहुए देसे कक्खडे देसे मउए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं लहुएणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे सीए देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं सीएणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे उसिणे देसे कक्खडे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे णिद्धे देसे लुक्खे एवं उसिणेणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे णिद्धे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं णिद्धेणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, सव्वे लुक्खे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे एवं लुक्खेणवि समं चउसट्ठि भंगा कायव्वा जाव सव्वे लुक्खे देसा कक्खडा देसा मउया देसा गरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा, एवं सत्तफासे पंचबारसुत्तरा भंगसया भवंति। जइ अट्ठफासे देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसे सीए देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए

देसा सीया देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसे लहुए देसा सीया देसा उसिणा देसे णिद्धे देसे लुक्खे ४, एए चत्तारि चउक्का सोलस भंगा, देसे कक्खडे देसे मउए देसे गरुए देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे, एवं एए गरुएणं एगत्तएणं लहुएणं पुहत्तएणं सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गरुया देसे लहुए देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, देसे कक्खडे देसे मउए देसा गरुया देसा लहुया देसे सीए देसे उसिणे देसे णिद्धे देसे लुक्खे एएवि सोलस भंगा कायव्वा, सव्वेऽवि ते चउसट्ठि भंगा कक्खडमउएहिं एगत्तएहिं, ताहे कक्खडेणं एगत्तएणं मउएणं पुहत्तेणं एए चउसट्ठि भंगा कायव्वा ताहे कक्खडेणं पुहत्तएणं मउएणं एगत्तएणं चउसट्ठि भंगा कायव्वा, ताहे एएहिं चेव दोहिवि पुहुत्तेहिं चउसट्ठि भंगा कायव्वा जाव, देसा कक्खडा देसा मउया देसा गरुया देसा लहुया देसा सीया देसा उसिणा देसा णिद्धा देसा लुक्खा एसो अपच्छिमो भंगो, सव्वेते अट्ठफासे दो छप्पण्णा भंगसया भवंति। एवं एए बायरपरिणए अणंतपएसिए खंधे सव्वेसु संजोएसु बारस छण्णउया भंगसया भवंति ॥ ६६८॥ कइविहे णं भंते! परमाणू प० ? गोयमा! चउव्विहे परमाणू प०, तं०—दव्वपरमाणू, खेत्तपरमाणू, कालपरमाणू, भावपरमाणू। दव्वपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०—अच्छेज्जे अभेज्जे, अडज्झे, अगेज्झे। खेत्तपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०—अणद्धे, अमज्झे, अपएसे, अविभाइमे। कालपरमाणू पुच्छा, गोयमा! चउव्विहे प०, तं०—अवण्णे, अगंधे, अरसे, अफासे। भावपरमाणू णं भंते! कइविहे प० ? गोयमा! चउव्विहे प०, तं०—वण्णमंते, गंधमंते, रसमंते, फासमंते। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ६६९॥

वीसइमं सयं छट्ठो उद्देसो

पुढविक्काइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा पुव्विं आहारित्ता पच्छा उववज्जेज्जा ? गोयमा! पुव्विं वा उववज्जित्ता० एवं जहा सत्तरसमसए छट्ठुद्देसे जाव से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—पुव्विं वा जाव उववज्जेज्जा

णवरं तेहिं संपाउणेज्जा इमेहिं आहारो भण्णइ सेसं तं चेव । पुढविक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए ईसाणे कप्पे पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो । पुढविक्काइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए वालुयप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सोहम्मे जाव ईसिप्पब्भाराए, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए समाणे जे भविए सोहम्मे कप्पे जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो । पुढविक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुढविक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! किं पुव्विं उववज्जित्ता पच्छा आहारेज्जा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव णिक्खेवओ । पुढविक्काइए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए एवं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं सणंकुमारमाहिंदाणं बंभलोगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए समोहणित्ता पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो, एवं बंभलोगस्स लंतगस्स य कप्पस्स अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं लंतगस्स महासुक्कस्स कप्पस्स य अंतरा समोहए पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं महासुक्कस्स सहस्सारस्स य कप्पस्स अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं सहस्सारस्स आणयपाणयकप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आणयपाणयाणं आरणअच्चुयाण य कप्पाणं अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं आरणअच्चुयाणं गेवेज्जविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं गेवेज्जविमाणाणं अणुत्तरविमाणाण य अंतरा पुणरवि जाव अहेसत्तमाए, एवं अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुणरवि जाव अहेसत्तमाए उववाएयव्वो ॥ ६७० ॥ आउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए सक्करप्पभाए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं जहा पुढविकाइयस्स जाव से तेणट्ठेणं, एवं पढमदोच्चाणं अंतरा समोहए जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो, एवं एएणं कमेणं जाव तमाए अहेसत्तमाए य पुढवीए अंतरा समोहए २ त्ता जाव ईसिप्पब्भाराए उववाएयव्वो

आउक्काइयत्ताए, आउयाए णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं सणंकुमारमाहिंदाण य कप्पाणं अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहि(२)-वलएसु आउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए सेसं तं चेव एवं एएहिं चेव अंतरा समोहओ जाव अहेसत्तमाए पुढवीए घणोदहिवलएसु आउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो, एवं जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए जाव अहेसत्तमाए घणोदहिवलएसु उववाएयव्वो ॥ ६७१ ॥ वाउक्काइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए सक्करप्पभाए पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए सोहम्मे कप्पे वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए एवं जहा सत्तरसमसए वाउक्काइयउद्देसए तहा इहवि, णवरं अंतरेसु समोहणा णेयव्वा सेसं तं चेव जाव अणुत्तरविमाणाणं ईसिप्पब्भाराए य पुढवीए अंतरा समोहए समोहणित्ता जे भविए घणवायतणुवाए घणवायतणुवायवलएसु वाउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए, सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ६७२ ॥

वीसइमं सयं सत्तमो उद्देसो

कइविहे णं भंते ! बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प०, तं०-जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे । णेरइयाणं भंते ! कइविहे बंधे प० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं । णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प०, तं०-जीवप्पओगबंधे, अणंतरबंधे, परंपरबंधे । णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स कइविहे बंधे प० ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव अंतराइयस्स । णाणावरणिज्जोदयस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं णेरइयाणवि एवं जाव वेमाणियाणं एवं जाव अंतराइयउदयस्स। इत्थीवेयस्स णं भंते ! कइविहे बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प० एवं चेव । असुरकुमाराणं भंते ! इत्थीवेयस्स कइविहे बंधे प०? गोयमा ! तिविहे बंधे प० एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स इत्थिवेओ अत्थि, एवं पुरिसवेयस्सवि, एवं णपुंसगवेयस्सवि जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स जो अत्थि वेओ । दंसणमोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स कइविहे बंधे प० ? एवं चेव णिरंतरं जाव वेमाणियाणं, एवं चरित्तमोहणिज्जस्सवि जाव वेमाणियाणं, एवं

एएणं कमेणं ओरालियसरीरस्स जाव कम्मगसरीरस्स, आहारसण्णाए जाव परिग्गहसण्णाए, कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए, सम्मदिट्ठीए मिच्छादिट्ठीए सम्मामिच्छादिट्ठीए, आभिणिबोहियणाणस्स जाव केवलणाणस्स, मइअण्णाणस्स सुयअण्णाणस्स विभंगणाणस्स, एवं आभिणिबोहियणाणविसयस्स णं भंते ! कइविहे बंधे प० जाव केवलणाणविसयस्स मइअण्णाणविसयस्स सुयअण्णाणविसयस्स विभंगणाणविसयस्स एएसिं सव्वेसिं पयाणं तिविहे बंधे प०, सव्वेवेते चउव्वीसं दंडगा भाणियव्वा, णवरं जाणियव्वं जस्स जइ अत्थि जाव वेमाणियाणं भंते ! विभंगणाणविसयस्स कइविहे बंधे प० ? गोयमा ! तिविहे बंधे प०, तं०—जीवप्पओगबंधे, अणंतरबधे, परंपरबधे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६७३ ॥

वीसइमं सयं अट्ठमो उद्देसो

कइ णं भंते ! कम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! पण्णरस कम्मभूमीओ प०, तं०—पंच भरहाइं, पंच एरवयाइं, पंच महाविदेहाइं । कइ णं भंते ! अकम्मभूमीओ प० ? गोयमा ! तीसं अकम्मभूमीओ प०, तं०—पंच हेमवयाइं, पंच हेरण्णवयाइं, पंच हरिवासाइं, पंच रम्मगवासाइं, पंच देवकुराइं, पंच उत्तरकुराइं । एयासु णं भंते ! तीसासु अकम्मभूमीसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । एएसु णं भंते ! पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु अत्थि उस्सप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा ? हंता अत्थि, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु०, णेवत्थि उस्सप्पिणी णेवत्थि ओसप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले प० समणाउसो ! ॥ ६७४ ॥ एएसु णं भंते ! पंचसु महाविदेहेसु अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पण्णवयंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, एएसु णं पंचसु भरहेसु पंचसु एरवएसु पुरिमपच्छिमगा दुवे अरिहंता भगवंतो पंचमहव्वइयं पंचाणुव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं पण्णवयंति, अवसेसा णं अरिहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति, एएसु णं पंचसु महाविदेहेसु अरहंता भगवंतो चाउज्जामं धम्मं पण्णवयंति । जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ तित्थगरा प० ? गोयमा ! चउव्वीसं तित्थगरा पण्णत्ता, तं०—उसभअजियसंभवअभिणंदणसुमइसुप्पभसुपाससिसिपुप्फदंतसीयलसेज्जंसवासुपुज्जविमलअणंतधम्मसंतिकुंथुअरमल्लिमुणिसुव्वयणमिणेमिपासवद्ध-

माणा २४ ॥ ६७५ ॥ एएसि णं भंते ! चउवीसाए तित्थगराणं कइ जिणंतरा प० ? गोयमा ! तेवीसं जिणंतरा प० । एएसि णं भंते ! तेवीसाए जिणंतरेसु कस्स कहिं कालियसुयस्स वोच्छेदे प० ? गोयमा ! एएसु णं तेवीसाए जिणंतरेसु पुरिमपच्छिमएसु अट्ठसु २ जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स अवोच्छेदे प०, मज्झिमएसु सत्तसु जिणंतरेसु एत्थ णं कालियसुयस्स वोच्छेदे प०, सव्वत्थवि णं वोच्छिण्णे दिट्ठिवाए ॥ ६७६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ । जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एगं वाससहस्सं पुव्वगए अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए अवसेसाणं तित्थगराणं केवइयं कालं पुव्वगए अणुसज्जित्था ? गोयमा ! अत्थेगइयाणं संखेज्जं कालं अत्थेगइयाणं असंखेज्जं कालं ॥ ६७७ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए ममं एगवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥६७८॥ जहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए देवाणुप्पियाणं एक्कवीसं वाससहस्साइं तित्थे अणुसज्जिस्सइ तहा णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स केवइयं कालं तित्थे अणुसज्जिस्सइ ? गोयमा ! जावइए णं उसभस्स अरहओ कोसलियस्स जिणपरियाए एवइयाइं संखेज्जाइं आगमेस्साणं चरिमतित्थगरस्स तित्थे अणुसज्जिस्सइ ॥ ६७९ ॥ तित्थं भंते ! तित्थं तित्थगरे तित्थं ? गोयमा ! अरहा ताव णियमं तित्थगरे, तित्थं पुण चाउवण्णाइण्णे समणसंघे, तं०—समणा समणीओ सावया सावियाओ ॥ ६८० ॥ पवयणं भंते ! पवयणं पावयणी पवयणं ? गोयमा ! अरहा ताव णियमं पावयणी, पवयणं पुण दुवालसंगे गणिपिडगे, तं०—आयारो जाव दिट्ठीवाओ । जे इमे भंते ! उग्गा भोगा राइण्णा इक्खागा णाया कोरवा एए णं अस्सिं धम्मे ओगाहंति अस्सिं० २ त्ता अट्ठविहं कम्मरयमलं पवाहेंति पवाहित्ता तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता गोयमा ! जे इमे उग्गा भोगा तं चेव जाव अंतं

करेंति, अत्थेगइया अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति। कइविहा णं भंते! देवलोया प०? गोयमा! चउव्विहा देवलोया प०, तं०–भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया। सेवं भंते! २ त्ति॥ ६८१॥

वीसइमं सयं णवमो उद्देसो

कइविहा णं भंते! चारणा प०? गोयमा! दुविहा चारणा पण्णत्ता, तंजहा–विज्जाचारणा य जंघाचारणा य। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–विज्जाचारणा-विज्जाचारणा? गोयमा! तस्स णं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं विज्जाए उत्तरगुणलद्धिं खममाणस्स विज्जाचारणलद्धी णामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव विज्जाचारणा २। विज्जाचारणस्स णं भंते! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! अयण्णं जंबूद्दीवे दीवे जाव किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं देवे णं महिड्ढिए जाव महेसक्खे जाव इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबूद्दीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिक्खुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, विज्जाचारणस्स णं गोयमा! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते। विज्जाचारणस्स णं भंते! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं माणुसुत्तरे पव्वए समोसरणं करेइ करेत्ता चेइयाइं वंदइ २ त्ता बिइएणं उप्पाएणं णंदीसरवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता तओ पडिणियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ २ त्ता इह चेइयाइं वंदइ, विज्जाचारणस्स णं गोयमा! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते। विज्जाचारणस्स णं भंते! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते? गोयमा! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं णंदणवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता बिइएणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता तओ पडिणियत्तइ २ त्ता इहमागच्छइ, २ त्ता इह चेइयाइं वंदइ, विज्जाचारणस्स णं गोयमा! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा॥ ६८२॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–जंघाचारणा २? गोयमा! तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाण-

स्स जंघाचारणलद्धी णामं लद्धी समुप्पज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव जंघाचारणा २। जंघाचारणस्स णं भंते ! कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे दीवे एवं जहेव विज्जाचारणस्स णवरं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए पण्णत्ते, सेसं तं चेव। जंघाचारणस्स णं भंते ! तिरियं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं रुयगवरे दीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता तओ पडिणियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं णंदीसरवरदीवे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता इहमागच्छइ २ त्ता इह चेइयाइं वंदइ, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! तिरियं एवइए गइविसए पण्णत्ते। जंघाचारणस्स णं भंते ! उड्ढं केवइए गइविसए पण्णत्ते ? गोयमा ! से णं इओ एगेणं उप्पाएणं पंडगवणे समोसरणं करेइ करेत्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता तओ पडिणियत्तमाणे बिइएणं उप्पाएणं णंदणवणे समोसरणं करेइ २ त्ता तहिं चेइयाइं वंदइ २ त्ता इहमागच्छइ २ त्ता इह चेइयाइं वंदइ, जंघाचारणस्स णं गोयमा ! उड्ढं एवइए गइविसए पण्णत्ते, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ णत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६८३॥

वीसइमं सयं दसमो उद्देसो

जीवा णं भंते ! किं सोवक्कमाउया णिरुवक्कमाउया ? गोयमा ! जीवा सोवक्कमाउयावि णिरुवक्कमाउयावि। णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! णेरइया णो सोवक्कमाउया णिरुवक्कमाउया, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया जहा जीवा, एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया ॥ ६८४॥ णेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उववज्जंति, परोवक्कमेणं उववज्जंति, णिरुवक्कमेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आओवक्कमेणवि उववज्जंति, परोवक्कमेणवि उववज्जंति, णिरुवक्कमेणवि उववज्जंति, एवं जाव वेमाणियाणं। णेरइया णं भंते ! किं आओवक्कमेणं उव्वट्टंति, परोवक्कमेणं उव्वट्टंति, णिरुवक्कमेणं उव्वट्टंति ? गोयमा ! णो आओवक्कमेणं उव्वट्टंति, णो परोवक्कमेणं उव्वट्टंति, णिरुवक्कमेणं उव्वट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा,

पुढविकाइया जाव मणुस्सा तिसु उव्वट्टंति, सेसा जहा णेरइया णवरं जोइसिय-वेमाणिया चयंति । णेरइया णं भंते ! किं आइड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति ? गोयमा ! आइड्ढीए उववज्जंति णो परिड्ढीए उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया णं । णेरइया णं भंते ! किं आइड्ढीए उव्वट्टंति परिड्ढीए उव्वट्टंति ? गोयमा ! आइड्ढीए उव्वट्टंति णो परिड्ढीए उव्वट्टंति, एवं जाव वेमाणिया, णवरं जोइसियवेमाणिया चयंतीइ अभिलावो। णेरइया णं भंते ! किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति ? गोयमा ! आयकम्मुणा उववज्जंति णो परकम्मुणा उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि । णेरइया णं भंते ! किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति ? गोयमा ! आयप्पओगेणं उववज्जंति णो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं उव्वट्टणादंडओवि ॥ ६८५ ॥ णेरइया णं भंते ! किं कइसंचिया अकइसंचिया अवत्तव्वगसंचिया ? गोयमा ! णेरइया कइसंचियावि अकइसंचियावि अवत्तव्वगसंचिय वि। से केणट्ठेणं जाव अवत्तव्वगसंचियावि ? गोयमा ! जे णं णेरइया संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया कइ-संचिया, जे णं णेरइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया अकइ-संचिया, जे णं णेरइया एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया अवत्तव्वग-संचिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अवत्तव्वगसंचियावि, एवं जाव थणिय-कुमारा । पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया णो कइसंचिया अकइ-संचिया णो अवत्तव्वगसंचिया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव णो अवत्तव्वगसंचिया ? गोयमा ! पुढविकाइया असंखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति से तेणट्ठेणं जाव णो अवत्तव्वगसंचिया, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया । सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा कइसंचिया णो अकइसंचिया अवत्तव्वगसंचियावि । से केणट्ठेणं भंते ! जाव अवत्तव्वग-संचियावि ? गोयमा ! जे णं सिद्धा संखेज्जएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा कइसंचिया, जे णं सिद्धा एक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा अवत्तव्वगसंचिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अवत्तव्वगसंचियावि । एएसि णं भंते ! णेरइयाणं कइसंचियाणं अकइसंचियाणं अवत्तव्वगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा णेरइया अवत्तव्वगसंचिया, कइ-

संचिया संखेज्जगुणा, अकइसंचिया असंखेज्जगुणा, एवं एगिंदियवज्जाणं जाव वेमाणियाणं अप्पाबहुगं, एगिंदियाणं णत्थि अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते ! सिद्धाणं कइसंचियाणं अवत्तव्वगसंचियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा कइसंचिया, अवत्तव्वगसंचिया संखेज्जगुणा। णेरइया णं भंते ! किं छक्कसमज्जिया १, णोछक्कसमज्जिया २, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहि समज्जिया ४, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया ५ ? गोयमा ! णेरइया छक्कसमज्जियावि १, णोछक्कसमज्जियावि २, छक्केण य णोछक्केण य समज्जियावि ३, छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियावि ५। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-णेरइया छक्कसमज्जियावि जाव छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं णेरइया छक्कएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्कसमज्जिया १, जे णं णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोछक्कसमज्जिया २, जे णं णेरइया एगेणं छक्कएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया ३, जे णं णेरइया णेगेहिं छक्केहिं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केहिं समज्जिया ४, जे णं णेरइया णेगेहिं छक्केहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविक्काइया णो छक्कसमज्जिया १, णो णोछक्कसमज्जिया २, णो छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया ३, छक्केहिं समज्जियावि ४, छक्केहिं य णोछक्केण य समज्जियावि ५। से केणट्ठेणं भंते ! जाव समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं पुढविक्काइया णेगेहिं छक्कएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविक्काइया छक्केहिं समज्जिया, जे णं पुढविक्काइया णेगेहिं छक्कएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं पंचएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविक्काइया छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा णेरइया। एएसि णं भंते ! णेरइयाणं छक्कसमज्जियाणं णोछक्क-

समज्जियाणं छक्केण य णोछक्केण य समज्जियाणं छक्केहि य समज्जियाणं छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा णेरइया छक्कसमज्जिया, णोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केहि य समज्जिया असंखेज्जगुणा, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा। एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं छक्केहिं समज्जियाणं छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविक्काइया छक्केहिं समज्जिया, छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, बेइंदियाणं जाव वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं। एएसि णं भंते ! सिद्धाणं छक्कसमज्जियाणं णोछक्कसमज्जियाणं जाव छक्केहि य णोछक्केण य समज्जियाण य कयरे-कयरे जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा छक्केहि य णोछक्केण य समज्जिया, छक्केहिं समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्केण य णोछक्केण य समज्जिया संखेज्जगुणा, छक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा, णोछक्कसमज्जिया संखेज्जगुणा। णेरइया णं भंते ! किं बारससमज्जिया १, णोबारससमज्जिया २, बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया ३, बारसएहिं समज्जिया ४, बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया ५ ? गोयमा ! णेरइया बारससमज्जियावि जाव बारसएहि य णोबारसएण य समज्जियावि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं जाव समज्जियावि ? गोयमा ! जे णं णेरइया बारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारससमज्जिया १, जे णं णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोबारससमज्जिया २, जे णं णेरइया बारसएणं पवेसणएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया ३, जे णं णेरइया णेगेहिं बारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं णेरइया बारसएहिं समज्जिया ४, जे णं णेरइया णेगेहिं बारसएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणिय-

कुमारा। पुढविक्काइयाणं पुच्छा, गोयमा! पुढविक्काइया णो बारससमज्जिया १, णो णोबारससमज्जिया २, णो बारसएण य णोबारसएण य समज्जिया ३, बारसएहिं समज्जिया ४, बारसएहि य णो बारसएण य समज्जियावि ५। से केणट्ठेणं भंते! जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं पुढविक्काइया णेगेहिं बारसएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं पुढविक्काइया बारसएहिं समज्जिया, जे णं पुढविक्काइया णेगेहिं बारसएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं एक्कारसएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं पुढविक्काइया बारसएहि य णोबारसएण य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव सिद्धा जहा णेरइया। एएसि णं भंते! णेरइयाणं बारससमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं णवरं बारसाभिलावो, सेसं तं चेव। णेरइया णं भंते! किं चुलसीइसमज्जिया १, णोचुलसीइसमज्जिया २, चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया ३ चुलसीईहिं समज्जिया ४, चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया ५? गोयमा! णेरइया चुलसीइसमज्जियावि जाव चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जियावि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जाव समज्जियावि? गोयमा! जे णं णेरइया चुलसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीइसमज्जिया १, जे णं णेरइया जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइपवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया णोचुलसीइसमज्जिया २, जे णं णेरइया चुलसीइएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया ३, जे णं णेरइया णेगेहिं चुलसीईएहिं पवेसणगं पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईएहिं समज्जिया ४, जे णं णेरइया णेगेहिं चुलसीईएहिं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा जाव उक्कोसेणं तेसीइएणं जाव पविसंति ते णं णेरइया चुलसीईहि य णोचुलसीईए य समज्जिया ५, से तेणट्ठेणं जाव समज्जियावि, एवं जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया तहेव पच्छिल्लएहिं दोहिं २ णवरं अभिलावो चुलसीईओ भंगो, एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया जाव वेमाणिया जहा णेरइया। सिद्धाणं पुच्छा, गोयमा! सिद्धा चुलसीइसमज्जियावि १, णोचुलसीइसमज्जियावि २, चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जियावि ३, णो चुल-

सीईहिं समज्जिया ४, णो चुलसीईहिं य णोचुलसीईए य समज्जिया ५। से केणट्ठेणं भंते !-जाव समज्जिया ? गोयमा ! जे णं सिद्धा चुलसीईएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा णोचुलसीइसमज्जिया, जे णं सिद्धा चुलसीइएणं अण्णेण य जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं तेसीइएणं पवेसणएणं पविसंति ते णं सिद्धा चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया, से तेणट्ठेणं जाव समज्जिया। एएसि णं भंते ! णेरइयाणं चुलसीइसमज्जियाणं णोचुलसीइसमज्जियाणं० सव्वेसिं अप्पाबहुगं जहा छक्कसमज्जियाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं अभिलावो चुलसीईओ। एएसि णं भंते ! सिद्धाणं चुलसीइसमज्जियाणं णोचुलसीइसमज्जियाणं चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जियाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सिद्धा चुलसीईए य णोचुलसीईए य समज्जिया, चुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा, णोचुलसीइसमज्जिया अणंतगुणा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ६८६ ॥

वीसइमं सयं समत्तं

॥ एगवीसइमं सयं पढमो वग्गो पढमो उद्देसो ॥

सालि कल अयसि वंसे इक्खू दब्भे य अब्भ तुलसी य। अट्ठेए दस वग्गा असीइं पुण होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवाणं एएसि णं भंते ! जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो० ? जहा वक्कंतीए तहेव उववाओ णवरं देववज्जं। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, अवहारो जहा उप्पलुद्देसए। तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा ? जहा उप्पलुद्देसए, एवं वेएवि उदएवि उदीरणाएवि। ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेस्सा णीललेस्सा

काउलेस्सा छव्वीसं भंगा, दिट्ठी जाव इंदिया जहा उप्पलुद्देसए। ते णं भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। से णं भंते ! साली-वीही-गोधूम जाव जवजवगमूलगजीवे पुढवीजीवे पुणरवि साली-वीही जाव जवजवग-मूलगजीवे केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? एवं जहा उप्पलुद्देसए, एएणं अभिलावेणं जाव मणुस्सजीवे, आहारो जहा उप्पलुद्देसे ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, समुग्घायसमोहया उव्वट्टणा य जहा उप्पलुद्देसे। अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता साली-वीही जाव जवजवगमूलगजीवत्ताए उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंत-खुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति॥ ६८७॥

एगवीसइमं सयं पढमो वग्गो २-१० उद्देसा

अह भंते ! साली-वीही जाव जवजवाणं एएसि णं जे जीवा कंदत्ताए वक्क-मंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति एवं कंदाहिगारेण सो चेव मूलु-द्देसो अपरिसेसो भाणियव्वो जाव असइं अदुवा अणंतखुत्तो। सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-२)। एवं खंधेवि उद्देसओ णेयव्वो (२१-१-३)। एवं तयाएवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-४)। सालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-५)। पवालेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-६)। पत्तेवि उद्देसो भाणियव्वो (२१-१-७)। एए सत्तवि उद्देसगा अपरिसेसं जहा मूले तहा णेयव्वा। एवं पुप्फेवि उद्देसओ णवरं देवा उववज्जंति जहा उप्पलुद्देसे चत्तारि लेस्साओ असीइ भंगा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं अंगुलपुहुत्तं सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति (२१-१-८)। जहा पुप्फे एवं फलेवि उद्देसओ अपरिसेसो भाणियव्वो (२१-१-९)। एवं बीएवि उद्देसओ (२१-१-१०) एए दस उद्देसगा॥ २१-१॥

एगवीसइमं सयं २–८ वग्गा

अह भंते ! कलायमसूरतिलमुग्गमासणिप्फावकुलत्थआलिसंदगसइण-पलिमंथगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं मूलादीया दस उद्देसगा भाणियव्वा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव। बिइओ वग्गो समत्तो॥ २१-२॥ अह भंते ! अयसिकुसुंभ-

कोद्दवकंगुरालगतुवरीकोदूसासणसरिसवमूलगबीयाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं णिरवसेसं तहेव भाणियव्वं । तइओ वग्गो समत्तो ॥ २१-३ ॥ अह भंते ! वंसवेणुकणककक्कावंसचारुवंसदंडाकुडाविमाचंडावेणुयाकल्लाणीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा जहेव सालीणं, णवरं देवो सव्वत्थवि ण उववज्जइ, तिण्णि लेस्साओ, सव्वत्थवि छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव । चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २१-४ ॥ अह भंते ! उक्खुइक्खुवाडियावीरणाइक्कडभमाससुंठिसत्तवेत्त तिमिरसयपोरगणलाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं जहेव वंसवग्गो तहेव एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा, णवरं खंधुद्देसे देवा उववज्जइ, चत्तारि लेस्साओ सेसं तं चेव । पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २१-५ ॥ अह भंते ! सेडियभंडियदब्भकोंतियदब्भकुसव्वगपोइदतालअज्जुण-आसाढगरोहियंसमुतवखीरभुसएरिंडकुरुभकुंदकरवरसुंठविभंगुमहुवयणथुरगसिप्पियसुंकलितणाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा णिरवसेसं जहेव वंसवग्गो । छट्ठो वग्गो समत्तो ॥२१-६॥ अह भंते ! अब्भरुहवोयाणहरितगतंदुलेज्जगतणवत्थुलचोरगमज्जारयाईचिल्लियालक्कवगपिप्पलियदव्विसोत्थिकसायमंडुविकमूलगसरिसव - अंबिलसागजिवंतगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव वंसवग्गो । सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ २१-७ ॥ अह भंते ! तुलसीकण्हदलफणेज्जाअज्जाचूयणाचोराजीराबमणामरुयाइंदीवरसयपुप्फाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एत्थवि दस उद्देसगा णिरवसेसं जहा वंसाणं । अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ २१-८ ॥ एवं एएसु अट्ठसु वग्गेसु असीइं उद्देसगा भवंति ॥६८८॥

एक्कवीसइमं सयं समत्तं

॥ बावीसइमं सयं १-६ वग्गा ॥

तालेपट्ठियबहुबीयगा य गुच्छा य गुम्म वल्ली य । छद्दस वग्गा एए सट्ठि पुण होंति उद्देसा ॥१॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—अह भंते ! तालतमालतक्कलितेतलिसालसरलासारकल्लाणं जाव केयइकवलिकंदलीचम्मरुक्खगुंतरुक्खहिंगुरुक्खलवंगरुक्खपूयफलखज्जूरिणालिएरीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए

वक्कमंति ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जहेव सालीणं णवरं इमं णाणत्तं–मूले कंदे खंधे तयाए साले य एएसु पंचसु उद्देसएसु देवो ण उववज्जइ, तिण्णि लेस्साओ,ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं दसवाससहस्साइं, उवरिल्लेसु पंचसु उद्देसएसु देवो उववज्जइ चत्तारि लेस्साओ, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, ओगाहणा मूले कंदे धणुहपुहुत्तं, खंधे तयाए साले य गाउयपुहुत्तं, पवाले पत्ते धणुहपुहुत्तं, पुप्फे हत्थपुहुत्तं, फले बीए य अंगुलपुहुत्तं, सव्वेसिं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं सेसं जहा सालीणं, एवं एए दस उद्देसगा। पढमो वग्गो समत्तो ॥२२-१॥ अह भंते ! णिबंबजंबुकोसंबतालअंकोल्लपीलुसेलुसल्लइमोयइमालुयबउलपलास-करंज-पुत्तंजीवग-रिट्ठबहेडगहरियगभल्लाय-उंबरियखीरणि-धायइपियालपूइयणिवायगसेण्हयपासियसीसवअयसिपुण्णागणागरुक्खसीवण्णअसोगाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा णिरवसेसं जहा तालवग्गो। बिइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-२ ॥ अह भंते ! अत्थियतिंदुयबोरकविट्ठ-अंबाडगमाउलिंगबिल्लआमलगफणसदाडिमआसत्थउंबरवडणग्गोहणंदिरुक्खपिप्पलिसतरपिलक्खुरुक्खकाउंबरियकुच्छुंभरियदेवदालितिलगलउयछत्तोहसिरीससत्तवण्णदहिवण्णलोद्धधव-चंदण-अज्जुणणीवकुडगकलंबाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति ते णं भंते ! एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयं। तइओ वग्गो समत्तो ॥ २२-३ ॥ अह भंते ! वाइंगणिअल्लइपोंडइ एवं जहा पण्णवणाए गाहाणुसारेणं णेयव्वं जाव गंजपाडलावासिअंकोल्लाणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा तालवग्गसरिसा णेयव्वा जाव बीयत्ति णिरवसेसं जहा वंसवग्गो। चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २२-४ ॥ अह भंते ! सिरियकाणवणालियकोरंटगबंधुजीवगमणोज्जा जहा पण्णवणाए पढमपए गाहाणुसारेणं जाव णलणीय कुंदमहाजाईणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा णिरवसेसं जहा सालीणं। पंचमो वग्गो समत्तो ॥ २२-५ ॥ अह भंते ! पूसफलिकालिंगीतुंबीतउसीएलावालुंकी एवं पयाणि छिंदियव्वाणि पण्णवण्णागाहाणुसारेणं जहा तालवग्गे जाव दधिफोल्लइकाकलिसोक्कलिअक्कबोंदीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्क-

मंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा जाव तालवग्गो, णवरं–फलउद्देसे ओगाहणाए जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, ठिई सव्वत्थ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव। छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ २२-६ ॥ एवं छसुवि वग्गेसु सट्ठिं उद्देसगा भवंति ॥ ६८६ ॥

बावीसइमं सयं समत्तं

॥ तेवीसइमं सयं १–५ वग्गा ॥

णमो सुयदेवयाए भगवईए। आलुय लोही अवया पाढी तह मासवण्णिवल्ली य। पंचेए वसवग्गा पण्णासं होंति उद्देसा ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! आलुयमूलगसिंगबेरहलिद्दरुरुकंडरियजारुच्छीरबिरालिकिट्ठिकुंदुकण्हकडसुमहुपयलइमहुसिंगिणिरुहासप्पसुगंधाछिण्णरुहाबीयरुहाण एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं मूलादीया दस उद्देसगा कायव्वा वंसवग्गसरिसा णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, अवहारो–गोयमा ! ते णं समए २ अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणीहिं उस्सप्पिणीहिं एवइकालेणं अवहीरंति णो चेव णं अवहरिया सिया, ठिई जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव। पढमो वग्गो समत्तो ॥२३-१॥ अह भंते ! लोहीणीहूथीहुथिवगाअस्सकण्णीसीहकण्णीसीउंढीमुसंढीणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए वक्कमंति एवं एत्थवि दस उद्देसगा जहेव आलुयवग्गे, णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति। बिइओ वग्गो समत्तो ॥२३-२॥ अह भंते ! आयकायकुहुणकुंदुरुक्कउव्वेहलियासफासज्जाछत्तावंसाणियकुमाराणं एएसि णं जे जीवा मूलत्ताए एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा णिरवसेसं जहा आलुवग्गो णवरं ओगाहणा तालवग्गसरिसा,सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति। तइओ वग्गो समत्तो ॥ २३-३ ॥ अह भंते ! पाढामियवालुंकिमहुररसारावल्लिपउमामोंढरिदंतिचंडीणं एएसि णं जे जीवा मूल० एवं एत्थवि मूलादीया दस उद्देसगा आलुयवग्गसरिसा णवरं ओगाहणा जहा वल्लीणं, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति। चउत्थो वग्गो समत्तो ॥ २३-४ ॥ अह भंते ! मासपण्णीमुग्गपण्णीजीव-सरिसवकएणुयकाओलि-खीरकाकोलिभंगिणीहिकिमिरासिभद्दमुच्छणंगलइपओयकिणापउलपाढेहरेणुयालोहीणं एएसि णं जे जीवा मूल०

एवं एत्थवि दस उद्देसगा णिरवसेसं आलुयवग्गसरिसा। पंचमो वग्गो समत्तो। ॥ २३-५ ॥ एवं एत्थ पंचसुवि वग्गेसु पण्णासं उद्देसगा भाणियव्वा, सव्वत्थ देवा ण उववज्जंति, तिण्णि लेस्साओ। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ६९० ॥

तेवीसइमं सयं समत्तं

॥ चउवीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

उववायपरीमाणं संघयणुच्चत्तमेव संठाणं। लेस्सा दिट्ठी णाणे अण्णाणे जोग उवओगे ॥ १ ॥ सण्णाकसायइंदियसमुग्घाया वेयणा य वेए य। आउं अज्झवसाणा अणुबंधो कायसंवेहो ॥ २ ॥ जीवपए जीवपए जीवाणं दंडगंमि उद्देसो। चउवीसइमंमि सए चउव्वीसं होंति उद्देसा ॥३॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—णेरइया णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति, किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति,मणुस्सेहिंतो उववज्जंति,देवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति, णो देवेहिंतो उववज्जंति। जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, बेइंदियतिरिक्ख-जोणिएहिंतो० तेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! णो एगिंदियतिरिक्ख-जोणिएहिंतो उववज्जंति, णो बेइंदिय० णो तेइंदिय० णो चउरिंदिय० पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति। जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उवव-ज्जंति किं सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, असण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए-हिंतो उववज्जंति असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति। जइ असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति थलचरेहिंतो उववज्जंति खहचरेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! जलचरेहिंतो उववज्जंति, थलचरेहिंतोवि उववज्जंति, खहचरेहिंतोवि उववज्जंति। जइ जलचर-थलचर-खहचरेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अप-ज्जत्तएहिंतो उववज्जंति। पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा?

गोयमा ! एगाए रयणप्पभाए पुढवीए उववज्जेज्जा। पज्जत्ताअसण्णि-पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिई-एसु उववज्जेज्जा १। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असं-खेज्जा वा उववज्जंति २। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छेवट्ठसंघयणी प० ३। तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरो-गाहणा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयण-सहस्सं ४। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिया पण्णत्ता ५। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! तिण्णि लेस्साओ प०, तं०—कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा ६। ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी ७। ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी णियमा दुअण्णाणी तं०—मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य ८-९। ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! णो मणजोगी वइजोगीवि काय-जोगीवि १०। ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ११। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि सण्णाओ प०, तं०—आहारसण्णा भयसण्णा मेहुण-सण्णा परिग्गहसण्णा १२। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ कसाया प० ? गोयमा ! चत्तारि कसाया प०, तं०—कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोभकसाए १३। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ इंदिया प० ? गोयमा ! पंचिंदिया प०, तं०—सोइंदिए चक्खिदिए जाव फासिंदिए १४। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! तओ समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए कसाय-समुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए १५। ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असाया-वेयगा ? गोयमा ! सायावेयगावि असायावेयगावि १६। ते णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा ? गोयमा ! णो इत्थीवेयगा णो

पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा १७। तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी १८। तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०। ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्थावि अप्पसत्थावि १९। से णं भंते ! पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी २०। से णं भंते ! पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए रयणप्पभापुढवीणेरइए पुणरवि पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २१। पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहण्णकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं सच्चेव वत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा जाव अणुबंधोत्ति। से णं भंते ! पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविणेरइए जहण्णकाल० २ पुणरवि पज्जत्तअसण्णि जाव गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइय कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २। पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० अवसेसं तं चेव जाव अणुबंधो। से णं भंते ! पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभापुढविणेरइए उक्कोस पुणरवि पज्जत्ता जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं

कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिअब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ३। जहण्णकालट्ठिईयपज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया० सेसं तं चेव णवरं इमाइं तिण्णि णाणत्ताइं–आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य, जहण्णेणं ठिई अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं। तेसि णं भंते! जीवाणं केवइया अज्झवसाणा प०? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा प०। ते णं भंते! किं पसत्था अप्पसत्था? गोयमा! णो पसत्था अप्पसत्था, अणुबंधो अंतोमुहुत्तं, सेसं तं चेव। से णं भंते! जहण्णकालट्ठिईय पज्जत्ताअसण्णिपंचिंदिय० रयणप्पभा जाव करेज्जा? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ४। जहण्णकालट्ठिईयपज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए जहण्णकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा० सेसं तं चेव ताइं चेव तिण्णि णाणत्ताइं जाव से णं भंते! जहण्णकालट्ठिईयपज्जत्त जाव जोणिए जहण्णकालट्ठिईयरयणप्पभा० पुणरवि जाव गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणवि दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ५। जहण्णकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणियाणं भंते! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा० अवसेसं तं चेव ताइं चेव तिण्णि णाणत्ताइं जाव से णं भंते! जह-

ण्णकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तमब्भहियं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्ताअसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल० जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं०अवसेसं जहेव ओहियगमएणं तहेव अणुगंतव्वं, णवरं–इमाइं दोण्णि णाणत्ताइं–ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, अवसेसं तं चेव। से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तअसण्णि जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव–गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं जाव करेज्जा ७। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त०तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जहण्णकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते !० सेसं तं चेव जहा सत्तमगमए जाव–से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईय जाव तिरिक्खजोणिए जहण्णकालट्ठिईयरयणप्पभा जाव करेज्जा ? गोयमा! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणवि पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया एवइयं जाव करेज्जा ८। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईएसु रयणप्पभा जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकाल जाव उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं० सेसं जहा सत्तमगमए जाव से णं भंते ! उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिईयरयणप्पभ जाव करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमस्स

असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडीए अब्भहियं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव गइरागइं करेज्जा ६। एवं एए ओहिया तिण्णि गमगा ३, जहण्णकालट्ठिईएसु तिण्णि गमगा ६, उक्कोसकालट्ठिईएसु तिण्णि गमगा ९, सव्वेते णव गमगा भवंति ॥ ६९२-२॥ जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्ख जाव उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति णो असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय जाव उववज्जंति। जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचरेहिंतो उववज्जंति पुच्छा, गोयमा ! जलचरेहिंतो उववज्जंति जहा असण्णी जाव पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति। पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तंजहा—रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? जहेव असण्णी। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प० ? गोयमा ! छव्विहसंघयणी प०, तं०—वइरोसभणारायसंघयणी उसभणारायसंघयणी जाव छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहेव असण्णीणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! छव्विहसंठिया प०, तंजहा—समचउरंसा णिग्गोहा जाव हुंडा। तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेस्साओ प० ? गोयमा ! छल्लेस्साओ पण्णत्ताओ, तंजहा—कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा, दिट्ठी तिविहावि, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि सेसं जहा असण्णीणं जाव अणुबंधो, णवरं पंच समुग्घाया आइल्लगा, वेदो तिविहोवि, अवसेसं तं चेव जाव—से णं भंते ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए रयणप्पभा जाव करेज्जा ?

गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा १ । पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव जे भविए जहण्णकाल जाव से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा० एवं सो चेव पढमो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो सो चेव पढमगमो णेयव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ३ । जहण्णकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढवि जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा० अवसेसो सो चेव गमओ णवरं इमाइं अट्ठ णाणत्ताइं—सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुहपुहुत्तं, लेस्साओ तिण्णि आदिल्लाओ, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी दो अण्णाणा णियमं, समुग्घाया आदिल्ला तिण्णि, आउं अज्झवसाणा अणुबंधो य जहेव असण्णीणं अवसेसं जहा पढमगमए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ४ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! ०एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं एवइयं

जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते !० एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए रयणप्पभापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा अवसेसो परिमाणादीओ भवादेसपज्जवसाणो एएसिं चेव पढमो गमओ णेयव्वो णवरं ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० सो चेव सत्तमो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं जाव करेज्जा ८। उक्कोसकालट्ठिईयपज्जत्त जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए उक्कोसकालट्ठिईय जाव उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० सो चेव सत्तमो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ९। एवं एए णव गमगा उक्खेवणिक्खेवओ णवसुवि जहेव असण्णीणं ॥ ६९३ ॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं० एवं जहेव

रयणप्पभाए उववज्जंतगस्स लद्धी सच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारससागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं रयणप्पभापुढविगमसरिसा णववि गमगा भाणियव्वा णवरं सव्वगमएसुवि णेरइयट्ठिईसंवेहेसु सागरोवमा भाणियव्वा एवं जाव छट्ठपुढविति, णवरं णेरइयठिई जा जत्थ पुढवीए जहण्णुक्कोसिया सा तेणं चेव कमेणं चउग्गुणा कायव्वा, वालुयप्पभाए पुढवीए अट्ठावीसं सागरोवमाइं चउगुणिया भवंति, पंकप्पभाए चत्तालीसं, धूमप्पभाए अट्ठसट्ठिं, तमाए अट्ठासीइं, संघयणाइं वालुयप्पभाए पंचविहसंघयणी तं०—वइरोसहणारायसंघयणी जाव कीलियासंघयणी, पंकप्पभाए चउव्विहसंघयणी, धूमप्पभाए तिविहसंघयणी, तमाए दुविहसंघयणी तं०—वइरोसहणारायसंघयणी य उसभणारायसंघयणी य, सेसं तं चेव। पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव तिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए अहेसत्तमाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० एवं जहेव रयणप्पभाए णव गमगा लद्धीवि सच्चेव णवरं वइरोसभणारायसंघयणी, इत्थिवेयगा ण उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं कालादेसोवि तहेव जाव चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव रयणप्पभापुढविजहण्णकालट्ठिईयवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, णवरं पढमसंघयणं णो इत्थिवेयगा, भवादेसेणं जह-

णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एवं सो चेव चउत्थो गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव कालादेसोत्ति ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जहण्णेणं बावीससागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! ० अवसेसा सच्चेव सत्तमपुढविपढमगमगवत्तव्वया भाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, णवरं ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव लद्धी संवेहोवि तहेव सत्तमगमगसरिसो ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव लद्धी जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा जाव करेज्जा ॥ ६९४ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति। जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति? गोयमा! संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उ० णो असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति, जइ संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति अपज्जत्त जाव उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति। पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते! जे

भविए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! कइसु पुढवीसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! सत्तसु पुढवीसु उववज्जेज्जा, तं०-रयणप्पभाए जाव अहेसत्तमाए । पज्जत्त-संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए रयणप्पभाए पुढवीए णेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, संघयणा छ, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं, एवं सेसं जहा सण्णिपंचिंदिय-तिरिक्खजोणियाणं जाव भवादेसोत्ति, णवरं चत्तारि णाणा तिण्णि अण्णाणा भयणाए, छ समुग्घाया केवलिवज्जा, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मास-पुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भ-हियाइं एवइयं जाव करेज्जा १। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एव-इयं जाव करेज्जा २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया णवरं इमाइं पंच णाण-त्ताइं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणवि अंगुलपुहुत्तं, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए, पंच समुग्घाया आइल्ला, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणवि मासपुहुत्तं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरो-वमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ४। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया चउत्थगमगसरिसा णेयव्वा णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तालीसं वाससहस्साइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव गमगो णवरं कालादेसेणं

जहण्णेणं सागरोवमं मासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं मासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमओ णेयव्वो णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुसयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्व-कोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्व-कोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्व-कोडीओ चत्तालीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं जाव करेज्जा ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव सत्तमगमगवत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं एगं सागरोवमं पुव्वकोडीए अब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं जाव करेज्जा ९ ॥६९५॥ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणूस्से णं भंते! जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए णेरइएसु जाव उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकाल जाव उवव-ज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिसागरोवमट्ठिई-एसु उववज्जेज्जा, ते णं भंते!० एवं सो चेव रयणप्पभापुढविगमओ णेयव्वो णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं, ठिई जह-ण्णेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव जाव भवा-देसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं सागरोवमं वासपुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं बारस सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १, एवं एसा ओहिएसु तिसु गमएसु मणूसस्स लद्धी णाणत्तं णेरइयट्ठिई कालादेसेणं संवेहं च जाणेज्जा ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्स वि तिसुवि गमएसु एस चेव लद्धी णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहण्णेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा ओहियाणं संवेहो सव्वो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ४-५-६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं-सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुसयाइं ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, सेसं जहा

पढमगमए णवरं णेरइयट्ठिइं कायसंवेहं च जाणेज्जा ९, एवं जाव छट्ठपुढवी णवरं तच्चाए आढवेत्ता एक्केक्कं संघयणं परिहायइ जहेव तिरिक्खजोणियाणं कालादेसोवि तहेव णवरं मणुस्सट्ठिई भाणियव्वा । पज्जत्तसंखेज्ज-वासाउयसण्णिमणुस्सेणं भंते! जे भविए अहेसत्तमापुढविणेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं बावीसं सागरो-वमट्ठिईएसु उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं ० अवसेसो सो चेव सक्करप्पभापुढविगमओ णेयव्वो णवरं पढमं संघयणं इत्थिवेयगा ण उववज्जंति सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवा-देसेणं दो भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्त-मब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं जाव करेज्जा १ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं णेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं संवेहं च जाणेज्जा ३ । सो चेव अप्पणा जहण्णकाल-ट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं रयणिपुहुत्तं उक्कोसेणवि रयणिपुहुत्तं, ठिई जहण्णेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणवि वासपुहुत्तं एवं अणुबंधोवि, संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ६ । सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु एस चेव वत्तव्वया णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुह-सयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि णव-सुवि एएसु गमएसु णेरइयट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ भवग्गहणाइं दोण्णि जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ९ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥६९९॥

चउवीसइमं सयं बीओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—असुरकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्से० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो देवेहिंतो

उववज्जंति, एवं जहेव णेरइयउद्देसए जाव–पज्जत्तअसण्णिपंचिंदियतिरिक्ख-जोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय-कालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्को-सेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा एवं रयणप्पभागमगसरिसा णववि गमा भाणियव्वा णवरं–जाहे अप्पणा जह-ण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे अज्झवसाणा पसत्था णो अप्पसत्था तिसुवि गमएसु अवसेसं तं चेव ९ । जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उव-वज्जंति । असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं तिपलिओ-वमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, वइ-रोसभणारायसंघयणी, ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं छ गाउयाइं, समचउरंससंठाणसंठिया प०, चत्तारि लेस्साओ आइल्लाओ, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अण्णाणी णियमं दुअण्णाणी मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सण्णाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, तिण्णि समुग्घाया आइल्लगा, समोह-यावि मरंति असमोहयावि मरंति, वेयणा दुविहावि सायावेयगावि असाया-वेयगावि, वेदो दुविहोवि इत्थिवेयगावि पुरिसवेयगावि णो णपुंसगवेयगा, ठिई जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहेव ठिई, कायसंवेहो भवादेसेणं दो भवग्गह-णाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १ । सो चेव जहण्णकाल-ट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओ-वमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा एस चेव वत्तव्वया

णवरं ठिई से जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओ-वमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्प-लिओवमाइं एवइयं० सेसं तं चेव ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जे-ज्जा। ते णं भंते! अवसेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, णवरं—ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं धणुसहस्सं, ठिई जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी उक्कोसेणवि साइरेगा पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं० ४। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ५। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उव-वण्णो जहण्णेणं साइरेगपुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि साइरेगपुव्वकोडीआउ-एसु उववज्जेज्जा सेसं तं चेव, णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगाओ दो पुव्व-कोडीओ उक्कोसेणवि साइरेगाओ दो पुव्वकोडीओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमगमगो भाणियव्वो णवरं ठिई जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं उक्कोसेणं वि तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं दसहिं वास-सहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छ पलिओवमाइं एवइयं० ७। सो चेव जहण्ण-कालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं असुरकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया णवरं—कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं०९। जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय जाव उववज्जंति किं जलचर० एवं जाव—पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय तिरिक्खजोणिए णं भंते! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्स-ट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं एवं एएसिं रयणप्पभपुढविगमगसरिसा णव गमगा णेयव्वा, णवरं जाहे अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु इमं णाणत्तं—चत्तारि लेस्साओ अज्झवसाणा पसत्था णो अप्पसत्था सेसं तं चेव, संवेहो साइरेगेण

सागरोवमेण कायव्वो ९। जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उ०, असण्णिमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उ० णो असण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति । जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति असंखेज्जवासाउय जाव उववज्जंति । असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा एवं असंखेज्जवासाउयतिरिक्खजोणियसरिसा आइल्ला तिण्णि गमगा णेयव्वा, णवरं सरीरोगाहणा पढमबिइएसु गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं सेसं तं चेव, तइयगमे ओगाहणा जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिण्णि गाउयाइं सेसं जहेव तिरिक्खजोणियाणं ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि जहण्णकालट्ठिईयतिरिक्खजोणियसरिसा तिण्णि गमगा भाणियव्वा, णवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहण्णेणं साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि साइरेगाइं पंचधणुहसयाइं सेसं तं चेव ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि ते चेव पच्छिल्लगा तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं सरीरोगाहणा तिसुवि गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिण्णि गाउयाइं, अवसेसं तं चेव ९। जइ संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्ज० जाव उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज० । पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं साइरेगसागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा० एवं जहेव एएसिं रयणप्पभाए उववज्जमाणाणं णव गमगा तहेव इहवि णव गमगा भाणियव्वा, णवरं संवेहो साइरेगेण सागरोवमेण कायव्वो, सेसं तं चेव ९। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९७ ॥

चउवीसइमं सयं तइओ उद्देसो

रायगिहे जाव एवं वयासी—णागकुमारा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति

किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरि० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उववज्जंति णो देवेहिंतो उववज्जंति । जइ तिरिक्खजोणि० एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया तहा एएसि वि जाव असण्णित्ति । जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय असंखेज्जवासाउय०जाव उववज्जंति । असंखेज्जवासाउयसण्णि पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिई० ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदुपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा अवसेसो सो चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स गमगो भाणियव्वो जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं जाव करेज्जा १ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो तस्सवि एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं देसूणाइं चत्तारि पलिओवमाइं उक्कोसेणं देसूणाइं पंच पलिओवमाइं एवइयं० ३ । सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि तिसुवि गमएसु जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जहण्णकालट्ठिईयस्स तहेव णिरवसेसं ६ । सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ तस्सवि तहेव तिण्णि गमगा जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव ९ । जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय जाव किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउय०,अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० णो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय० । पज्जत्तसंखेज्जवासाउय०, जाव जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स वत्तव्वया तहेव इहवि णवसुवि गमएसु, णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ । जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणु० असण्णिमणु० ?

गोयमा ! सण्णिमणुस्से० णो असण्णिमणुस्से० जहा असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स जाव–असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु एवं जहेव असंखे-ज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं णागकुमारेसु आइल्ला तिण्णि गमगा तहेव इमस्सवि, णवरं पढमबिइएसु गमएसु सरीरोगाहणा जहण्णेणं साइरेगाइं पंच-धणुहसयाइं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, तइयगमे ओगाहणा जहण्णेणं देसूणाइं दो गाउयाइं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं सेसं तं चेव ३ । सो चेव अप्पणा जह-ण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव णिरवसेसं ६ । सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ तस्स तिसुवि गमएसु जहा तस्स चेव उक्कोसकालट्ठिईयस्स असुरकुमारेसु उवव-ज्जमाणस्स णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९ । जइ संखेज्जवासाउयसण्णिमणु० किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्ज० णो अपज्जत्तसंखेज्ज० । पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए णागकुमारेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं देसूणदोपलिओवमट्ठिईएसु उ० एवं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स सच्चेव लद्धी णिरवसेसा णवसु गमएसु णवरं णागकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ६९८ ॥

चउवीसइमं सयं ४-११ उद्देसा

अवसेसा सुवण्णकुमाराई जाव थणियकुमारा एए अट्ठवि उद्देसगा जहेव णागकुमाराणं तहेव णिरवसेसा भाणियव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ॥६९९॥

चउवीसइमं सयं दुवालसमो उद्देसो

पुढविक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उवव-ज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० मणु० देवेहिंतोवि उववज्जंति । जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० किं एगिंदियतिरिक्खजोणिए० एवं जहा वक्कंतीए उववाओ जाव–जइ बायर-पुढविक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबायर जाव

उववज्जंति अपज्जत्तबायरपुढवि जाव उ०? गोयमा ! पज्जत्तबायरपुढवि० अपज्जत्तबायरपुढवि जाव उववज्जंति । पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, मसूरचंदसंठिया, चत्तारि लेस्साओ, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णो णाणी अण्णाणी दो अण्णाणा णियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सण्णाओ, चत्तारि कसाया, एगे फासिंदिए पण्णत्ते, तिण्णि समुग्घाया, वेयणा दुविहा, णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि अणुबंधो जहा ठिई १। से णं भंते ! पुढविक्काइए पुणरवि पुढविकाइएत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गइरागइं करेज्जा ? गोयमा ! भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं एवइयं जाव करेज्जा १ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु एवं चेव वत्तव्वया णिरवसेसा २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु सेसं तं चेव जाव अणुबंधोत्ति, णवरं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जेज्जा, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावत्तरिं वाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं कालं जाव करेज्जा ३ । सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ सो चेव पढमिल्लओ गमओ भाणियव्वो णवरं लेस्साओ तिण्णि, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुबंधो जहा ठिई, सेसं तं चेव ४ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो सच्चेव चउत्थगमगवत्तव्वया भाणियव्वा ५ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव

वत्तव्वया णवरं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा जाव भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एवं तइयगमगसरिसो णिरवसेसो भाणियव्वो णवरं अप्पणा से ठिई जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्साइं ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एवं जहा सत्तमगमगो जाव भवादेसो, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणवि बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु एस चेव सत्तमगमगवत्तव्वया जाणियव्वा जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं चोयालीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणं छावत्तरिवाससहस्सुत्तरं सयसहस्सं एवइयं० ९। जइ आउक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सुहुमआउ० बादरआउ०? एवं चउक्कओ भेदो भाणियव्वो जहा पुढविक्काइयाणं। आउक्काइएणं भंते! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा ९, णवरं थिबुगबिंदुसंठिए, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त वाससहस्साइं, एवं अणुबंधोवि एवं तिसुवि गमएसु, ठिई संवेहो तइयछट्ठसत्तमट्ठमणवमगमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, सेसेसु चउसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं०, छट्ठे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, सत्तमे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं सत्त वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरवाससयसहस्सं एवइयं०, अट्ठमे गमए कालादेसेणं जहण्णेणं सत्त वाससहस्साइं

अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, णवमे गमए भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एगूणतीसं वाससहस्साइं उक्कोसेणं सोलसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं०, एवं णवसुवि गमएसु आउक्काइयठिई जाणियव्वा ९। जइ तेउक्काइएहिंतो उववज्जंति०? तेउक्काइयाणवि एस चेव वत्तव्वया णवरं णवसुवि गमएसु तिण्णि लेस्साओ तेउक्काइयाणं सुईकलावसंठिया ठिई जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं बारसहिं राइंदिएहिं अब्भहियाइं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९। जइ वाउक्काइएहिंतो उववज्जंति०? वाउक्काइयाणवि एवं चेव णव गमगा जहेव तेउक्काइयाणं णवरं पडागासंठिया प० संवेहो वाससहस्सेहिं कायव्वो तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं एगं वाससयसहस्सं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो। जइ वणस्सइकाइएहिंतो उववज्जंति०? वणस्सइकाइयाणं आउकाइयगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा णवरं णाणासंठिया सरीरोगाहणा पढमएसु पच्छिल्लएसु य तिसु गमएसु जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं मज्झिल्लएसु तिसु तहेव जहा पुढविकाइयाणं संवेहो ठिई य जाणियव्वा तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठावीसुत्तरं वाससयसहस्सं एवइयं एवं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ॥ ७०० ॥ जइ बेइंदिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तबेइंदिएहिंतोवि उववज्जंति। बेइंदिए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं बावीसवाससहस्सट्ठिईएसु। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, छेवट्ठसंघयणी, ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, हुंडसंठिया, तिण्णि लेस्साओ, सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा दो अण्णाणा णियमं,

णो मणजोगी वइजोगीवि कायजोगीवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सण्णाओ, चत्तारि कसाया, दो इंदिया प०, तं०—जिब्भिदिए य फासिंदिए य, तिण्णि समुग्घाया सेसं जहा पुढविक्काइयाणं णवरं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवइयं० १। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया सव्वा २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव बेइंदियस्स लद्धी णवरं भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ तस्सवि एस चेव वत्तव्वया तिसुवि गमएसु णवरं इमाइं सत्त णाणत्ताइं सरीरोगाहणा जहा पुढविकाइयाणं, णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो अण्णाणा णियमं, णो मणजोगी णो वइजोगी कायजोगी, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अज्झवसाणा अप्पसत्था, अणुबंधो जहा ठिई, संवेहो तहेव आइल्लेसु दोसु गमएसु तइयगमए भवादेसो तहेव अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एयस्सवि ओहियगमगसरिसा तिण्णि गमगा भाणियव्वा णवरं तिसुवि गमएसु ठिई जहण्णेणं बारस संवच्छराइं उक्कोसेणवि बारस संवच्छराइं, एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं जाव णवमे गमए जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं बारसहिं संवच्छरेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं अडयालीसाए संवच्छरेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९। जइ तेइंदिएहिंतो उववज्जंति०? एवं चेव णव गमगा भाणियव्वा णवरं आइल्लेसु तिसुवि गमएसु सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, तिण्णि इंदियाइं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं, तइयगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं

अट्ठासीइं वाससहस्साइं छण्णउइं राइंदियसयमब्भहियाइं एवइयं०, मज्झिमा तिण्णि गमगा तहेव पच्छिमावि तिण्णि गमगा तहेव णवरं ठिई जहण्णेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं उक्कोसेणवि एगूणपण्णं राइंदियाइं संवेहो उवजुंजिऊण भाणियव्वो ९। जइ चउरिंदिएहिंतो उववज्जंति एवं चेव चउरिंदियाणवि णव गमगा भाणियव्वा णवरं एएसु चेव ठाणेसु णाणत्ता भाणियव्वा सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छम्मासा एवं अणुबंधोवि, चत्तारि इंदियाइं सेसं तं चेव जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं वाससहस्साइं छहिं मासेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं अट्ठासीइं वाससहस्साइं चउवीसाए मासेहिं अब्भहियाइं एवइयं० ९। जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए० ? गोयमा ! सण्णिपंचिंदिय०, असण्णिपंचिंदिय०। जइ असण्णिपंचिंदिय जाव उ० किं जलचरेहिंतो उववज्जंति जाव किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति अपज्जत्तएहिंतोवि उववज्जंति। असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं। ते णं भंते ! जीवा० एवं जहेव बेइंदियस्स ओहियगमए लद्धी तहेव णवरं सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, पंचिंदिया, ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं० णवसुवि गमएसु कायसंवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं, णवरं मज्झिमएसु तिसु गमएसु जहेव बेइंदियस्स पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहा एयस्स चेव पढमगमएसु, णवरं ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव जाव णवम गमएसु जहण्णेणं पुव्वकोडी बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं कालं सेवेज्जा० ९। जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणि० जाव उ० किं

संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ० । जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं जलचरेहिंतो सेसं जहा असण्णीणं जाव–ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स सण्णिपंचिंदियस्स तहेव इहवि, णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तहेव जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ अट्ठासीईए वाससहस्सेहिं अब्भहियाओ एवइयं०, एवं संवेहो णवसुवि गमएसु जहा असण्णीणं तहेव णिरवसेसं लद्धी से आइल्लएसु तिसुवि गमएसु एस चेव मज्झिल्लएसुवि तिसुवि गमएसु एस चेव णवरं इमाइं णव णाणत्ताइं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, तिण्णि लेस्साओ, मिच्छादिट्ठी, दो अण्णाणा, कायजोगी, तिण्णि समुग्घाया, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पसत्था अज्झवसाणा, अणुबंधो जहा ठिई सेसं तं चेव, पच्छिल्लएसु तिसुवि गमएसु जहेव पढमगमए णवरं ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तं चेव ९ ॥ ७०१ ॥ जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतो उ० ? गोयमा ! सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति असण्णिमणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति । असण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु० से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु एवं जहा असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जहण्णकालट्ठिईयस्स तिण्णि गमगा तहा एयस्सवि ओहिया तिण्णि गमगा भाणियव्वा तहेव णिरवसेसा सेसा छ णं भण्णंति १ । जइ सण्णिमणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउय० असंखेज्जवासाउय जाव उ० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय जाव उ० । जइ संखेज्जवासाउय जाव उ० किं पज्जत्त० अपज्जत्त० ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउय० अपज्जत्तसंखेज्जवासा जाव उ० । सण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्सट्ठिईएसु । ते णं भंते ! जीवा एवं जहेव रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स तहेव तिसुवि गमएसु लद्धी णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को-

सेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधो, संवेहो णवसु गमएसु जहेव सण्णिपंचिंदियस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु लद्धी जहेव सण्णिपंचिंदियस्स म० सेसं तं चेव णिरवसेसं, पच्छिल्ला तिण्णि गमगा जहा एयस्स चेव ओहिया गमगा णवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंचधणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तहेव णवरं पच्छिल्लएसु गमएसु संखेज्जा उववज्जंति णो असंखेज्जा उववज्जंति। जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति। जइ भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उ०? गोयमा! असुरकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति जाव थणियकुमारभवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति। असुरकुमारे णं भंते! जे भविए पुढविक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई। ते णं भंते! जीवा पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंघयणी प०? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी जाव परिणमंति। तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा? गोयमा! दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प०? गोयमा! दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते समचउरंससंठाणसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाणसंठिया प०, लेस्साओ चत्तारि, दिट्ठी तिविहावि, तिण्णि णाणा णियमं, तिण्णि अण्णाणा भयणाए, जोगो तिविहोवि, उवओगो दुविहोवि, चत्तारि सण्णाओ, चत्तारि कसाया, पंच इंदिया, पंच समुग्घाया, वेयणा दुविहावि, इत्थिवेयगावि पुरिसवेयगावि णो णपुंसगवेयगा, ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं अज्झ-

वसाणा असंखेज्जा पसत्थावि अप्पसत्थावि, अणुबंधो जहा ठिई, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं णववि गमा णेयव्वा णवरं मज्झिल्लएसु पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु असुरकुमाराणं ठिइविसेसो जाणियव्वो सेसा ओहिया चेव लद्धी कायसंवेहं च जाणेज्जा, सव्वत्थ दो भवग्गहणाइं जाव णवमगमए कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं उक्कोसेणवि साइरेगं सागरोवमं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं० ६। णागकुमारे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु एस चेव वत्तव्वया जाव भवादेसोत्ति, णवरं ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं, एवं णववि गमगा असुरकुमारगमगसरिसा णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमाराणं। जइ वाणमंतरेहिंतो उववज्जंति किं पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर० ? गोयमा ! पिसायवाणमंतर० जाव गंधव्ववाणमंतर०। वाणमंतरदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु० एएसिपि असुरकुमारगमगसरिसा णव गमगा भाणियव्वा, णवरं ठिई कालादेसं च जाणेज्जा, ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमं सेसं तहेव। जइ जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति किं चंदविमाणजोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति जाव ताराविमाण जोइसियदेवेहिंतो उ० ? गोयमा ! चंदविमाण जाव उ० जाव ताराविमाण जाव उ०। जोइसियदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविक्काइएसु लद्धी जहा असुरकुमाराणं णवरं एगा तेउलेस्सा प०, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमं, ठिई जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं एवं अणुबंधोवि, कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्सेणं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा। जइ वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं कप्पोववण्णगवेमाणिय० कप्पाईयवेमाणिएहिंतो उ० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० णो कप्पाईयवेमा-

णिय जाव उ०। जइ कप्पोववण्णग जाव उ० किं सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० जाव अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ० ? गोयमा ! सोहम्मकप्पोववण्णगवेमाणिय० ईसाणकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ०, णो सणंकुमार जाव णो अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय जाव उ०। सोहम्मदेवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय० एवं जहा जोइसियस्स गमगो णवरं ठिई अणुबंधो य जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं बावीसाए वाससहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं० एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा, णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा। ईसाणदेवे णं भंते ! जे भविए एवं ईसाणदेवेणवि णव गमगा भाणियव्वा णवरं ठिई अणुबंधो जहण्णेणं साइरेगं पलिओवमं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०२ ॥

चउवीसइमं सयं तेरसमो उद्देसो

आउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव पुढविक्काइय उद्देसए जाव–पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए आउक्काइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्तवाससहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एवं पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो भाणियव्वो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०३ ॥

चउवीसइमं सयं चोद्दसमो उद्देसो

तेउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव पुढविक्काइयउद्देसगसरिसो उद्देसो भाणियव्वो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, देवेहिंतो ण उववज्जंति, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ७०४ ॥

चउवीसइमं सयं पण्णरसमो उद्देसो

वाउक्काइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं जहेव तेउक्काइयउद्देसओ तहेव णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०५ ॥

चउवीसइमं सयं सोलसमो उद्देसो

वणस्सइकाइया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं पुढविक्काइय-

सरिसो उद्देसो णवरं जाहे वणस्सइकाइओ वणस्सइकाइएसु उववज्जंति ताहे पढमबिइयचउत्थपंचमेसु गमएसु परिमाणं अणुसमयं अविरहियं अणंता उववज्जंति, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं एवइयं०, सेसा पंच गमा अट्ठभवग्गहणिया तहेव णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०६ ॥

चउवीसइमं सयं १७—१९ उद्देसा

बेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति जाव पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए बेइंदिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० सच्चेव पुढविकाइयस्स लद्धी जाव कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं एवइयं०, एवं तेसु चेव चउसु गमएसु संवेहो सेसेसु पंचसु तहेव अट्ठ भवा। एवं जाव चउरिंदिएणं समं चउसु संखेज्जा भवा, पंचसु अट्ठ भवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु समं तहेव अट्ठ भवा, देवेसु चेव ण उववज्जंति, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते ! २ त्ति॥ ७०७ ॥२४—१७॥ तेइंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? एवं तेइंदियाणं जहेव बेइंदियाणं उद्देसो णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, तेउक्काइएसु समं तइयगमे उक्कोसेणं अट्ठुत्तराइं बेराइंदियसयाइं बेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं अडयालीसं संवच्छराइं छण्णउयराइंदियसयमब्भहियाइं तेइंदिएहिं समं तइयगमे उक्कोसेणं बाणउयाइं तिण्णि राइंदियसयाइं एवं सव्वत्थ जाणेज्जा जाव सण्णिमणुस्सत्ति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७०८ ॥ २४—१८ ॥ चउरिंदिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? जहा तेइंदियाणं उद्देसओ तहेव चउरिंदियाणवि णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥७०९॥ २४—१९ ॥

चउवीसइमं सयं वीसइमो उद्देसो

पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइ०तिरिक्ख०मणु०देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइएहिंतोवि उववज्जंति तिरिक्ख० मणुस्सेहिंतोवि उ०देवेहिंतोवि उववज्जंति। जइ णेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविणेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढवि-

णेरइएहिंतोवि उववज्जंति। रयणप्पभापुढविणेरइए णं भंते ! जे भविए पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? एवं जहा असुरकुमाराणं वत्तव्वया णवरं संघयणे पोग्गला अणिट्ठा अकंता जाव परिणमंति, ओगाहणा दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि रयणीओ छच्चंगुलाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ। तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा किंसंठिया प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया प०, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया प०, एगा काउलेस्सा प०, समुग्घाया चत्तारि, णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा, ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं सागरोवमं एवं अणुबंधोवि, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु अवसेसं तहेव, णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं तहेव उक्कोसेणं चत्तारि सागरोवमाइं चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं० २, एवं सेसावि सत्त गमगा भाणियव्वा जहेव णेरइयउद्देसए सण्णिपंचिंदिएहिं समं, णेरइयाणं मज्झिमएसु य तिसुवि गमएसु पच्छिमएसु तिसुवि गमएसु ठिइणाणत्तं भवइ, सेसं तं चेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९। सक्करप्पभापुढविणेरइए णं भंते ! जे भविए० एवं जहा रयणप्पभाए णव गमगा तहेव सक्करप्पभाएवि, णवरं सरीरोगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमं, ठिई अणुबंधा पुव्वभणिया, एवं णववि गमगा उवजुंजिऊण भाणियव्वा, एवं जाव छट्ठपुढवी, णवरं ओगाहणा-लेस्सा-ठिई-अणुबंधो संवेहो य जाणियव्वा। अहेसत्तमापुढवीणेरइए णं भंते ! जे भविए० एवं चेव णव गमगा, णवरं ओगाहणा-लेस्सा-ठिई-अणुबंधा जाणियव्वा, संवेहो भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गह-

णाइं उक्कोसेणं छब्भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, आइल्लएसु छसुवि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, पच्छिल्लएसु तिसु गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, लद्धी णवसुवि गमएसु जहा पढमगमए णवरं ठिईविसेसो कालादेसो य बिइयगमएसु जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, तइयगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, चउत्थगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, पंचमगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, छट्ठगमए जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, सत्तमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं, अट्ठमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाइं, णवमगमए जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६। जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उ० एवं उववाओ जहा पुढविकाइयउद्देसए जाव-पुढविकाइए णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! जीवा० एवं परिमाणाईया अणुबंधपज्जवसाणा जच्चेव अप्पणो सट्ठाणे वत्तव्वया सच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसुवि उववज्जमाणस्स भाणियव्वा णवरं णवसुवि गमएसु परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, भवादेसेणवि णवसुवि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भव-

ग्गहणाइ, सेसं तं चेव, कालादेसेणं उभओ ठिईए करेज्जा। जइ आउक्काइएहिंतो उववज्जंति एवं आउक्काइयाणवि एवं जाव चउरिंदिया उववाएयव्वा, णवरं सव्वत्थ अप्पणो लद्धी भाणियव्वा, णवसुवि गमएसु भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं उभओ ठिइं करेज्जा-सव्वेसिं सव्वगमएसु, जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणाणं लद्धी तहेव सव्वत्थ ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सण्णिपंचिंदिय० असण्णिपंचिंदिय०, भेओ जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स जाव—असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उवव० । ते णं भंते ! ०अवसेसं जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स असण्णिस्स तहेव णिरवसेसं जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० १, बिइयगमए एस चेव लद्धी णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असण्णिस्स तहेव णिरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! ० अवसेसं जहा एयस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहा इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ४। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अट्ठ अंतोमुहुत्ता एवइयं० ५।

सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पुव्वकोडिआउएसु उक्कोसेणवि पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जाणेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं एवइयं० ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया जहा सत्तमगमए णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ एवइयं० ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, एवं जहा रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स असण्णिस्स णवमगमए तहेव णिरवसेसं जाव कालादेसोत्ति, णवरं परिमाणं जहा एयस्सेव तइयगमे, सेसं तं चेव ९। जइ सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संखेज्जवासा० असंखेज्जवासा० ? गोयमा ! संखेज्ज० णो असंखेज्ज०। जइ संखेज्जवासाउय जाव किं पज्जत्तसंखेज्ज० अपज्जत्तसंखेज्ज० ? दोसुवि। संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! अवसेसं जहा एयस्स चेव सण्णिस्स रयणप्पभाए उववज्जमाणस्स पढमगमए, णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तं चेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडी पुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० १। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, एस चेव वत्तव्वया णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं सेसं तं

चेव जाव अणुबंधोत्ति, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, लद्धी से जहा एयस्स चेव सण्णिपंचिंदियस्स पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स मज्झिल्लएसु तिसु गमएसु सच्चेव इहवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु कायव्वा, संवेहो जहेव एत्थ चेव असण्णिस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ जहा पढमगमए णवरं ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु अवसेसं तं चेव, णवरं परिमाणं ओगाहणा य जहा एयस्सेव तइयगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९। जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सण्णिमणु० असण्णिमणु०? गोयमा! सण्णिमणु०, असण्णिमणु०। असण्णिमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइकाल०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जंति, लद्धी से तिसुवि गमएसु जहेव पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स संवेहो जहा एत्थ चेव असण्णिपंचिंदियस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो। जइ सण्णिमणुस्स० किं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्स० असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्स०? गोयमा! संखेज्जवासाउय० णो असंखेज्जवासाउय०। जइ संखेज्ज० किं पज्जत्त० अपज्जत्त०? गोयमा! पज्जत्त० अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय०। सण्णिमणुस्से णं भंते! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते! ० लद्धी से जहा एयस्सेव सण्णिमणुस्सस्स पुढविक्काइएसु उववज्ज-

माणस्स पढमगमए जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं १। सो-चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तिपलिओवमट्ठिईएसु सच्चेव वत्तव्वया णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलपुहुत्तं उक्कोसेणं पंच धणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं मासपुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी एवं अणुबंधोवि, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं मासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ३। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ जहा सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स मज्झिमेसु तिसु गमएसु वत्तव्वया भणिया सच्चेव एयस्सवि मज्झिमेसु तिसु गमएसु णिरवसेसा भाणियव्वा, णवरं परिमाणं उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सच्चेव पढमगमगवत्तव्वया णवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंच धणुहसयाइं, ठिई अणुबंधो जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० ७। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तमब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पुव्वकोडीओ चउहिं अंतोमुहुत्तेहिं अब्भहियाओ ८। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओवमाइं, एस चेव लद्धी जहेव सत्तमगमए, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ९। जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर०जोइसिय०वेमाणियदेवेहिंतो उ०? गोयमा! भवणवासिदेवेहिंतो उ० जाव वेमाणियदेवेहिंतोवि उ०। जइ भवणवासिदेवेहिंतो किं असुरकुमारभवण० जाव थणियकुमारभवण० ? गोयमा!

असुरकुमार० जाव थणियकुमारभवण०। असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइय०? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, असुरकुमाराणं लद्धी णवसुवि गमएसु जहा पुढविक्काइएसु उववज्जमाणस्स एवं जाव ईसाणदेवस्स तहेव लद्धी भवादेसेणं सव्वत्थ अट्ठ भवग्गहणाइं उक्कोसेणं जहण्णेणं दोण्णि भवग्गहणाइं, ठिइं संवेहं च सव्वत्थ जाणेज्जा ९। णागकुमारे णं भंते ! जे भविए० एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव थणियकुमारे ९। जइ वाणमंतरेहिंतो उ० किं पिसाय० तहेव जाव वाणमंतरे णं भंते! जे भविए० पंचिंदियतिरिक्ख०एवं चेव णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९। जइ जोइसिय० उववाओ तहेव जाव जोइसिए णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्ख० एस चेव वत्तव्वया जहा पुढविक्काइयउद्देसए भवग्गहणाइं णवसुवि गमएसु अट्ठ जाव कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तमब्भहियं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं चउहि य वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं णवसुवि गमएसुवि णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ९। जइ वेमाणियदेवे० किं कप्पोववण्णग० कप्पाईयवेमाणिय० ? गोयमा ! कप्पोववण्णगवेमाणिय० णो कप्पाईयवेमाणिय०। जइ कप्पोववण्णग० जाव सहस्सारकप्पोववण्णगवेमाणियदेवेहिंतोवि उववज्जंति, णो आणय जाव णो अच्चुयकप्पोववण्णगवेमाणिय०। सोहम्मदेवे णं भंते ! जे भविए पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्त० उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु सेसं जहेव पुढविक्काइयउद्देसए णवसुवि गमएसु णवरं णवसुवि गमएसु जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं, ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा। एवं ईसाणदेवेवि, एवं एएणं कमेणं अवसेसावि जाव सहस्सारदेवेसु उववाएयव्वा णवरं ओगाहणा जहा ओगाहणासंठाणे, लेस्सा सणंकुमारमाहिंदबंभलोएसु एगा पम्हलेस्सा सेसाणं एगा सुक्कलेस्सा, वेदे णो इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णो णपुंसगवेयगा, आउअणुबंधा जहा ठिइपए सेसं जहेव ईसाणगाणं कायसंवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७१०॥

चउवीसइमं सयं एगवीसइमो उद्देसो

मणुस्सा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति–किं णेरइएहिंतो उववज्जंति

जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइएहिंतोवि उववज्जंति जाव देवेहिंतोवि उववज्जंति, एवं उववाओ जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए जाव तमापुढविणेरइएहिंतोवि उववज्जंति णो अहेसत्तमापुढविणेरइहिंतो उववज्जंति। रयणप्पभापुढविणेरइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु अवसेसा वत्तव्वया जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जंतस्स तहेव णवरं परिमाणे जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जहा तहिं अंतोमुहुत्तेहिं तहा इहं मासपुहुत्तेहिं संवेहं करेज्जा सेसं तं चेव ९। जहा रयणप्पभाए वत्तव्वया तहा सक्करप्पभाएवि वत्तव्वया णवरं जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडि०, ओगाहणालेस्साणाणट्ठिई-अणुबंधसंवेहं-णाणत्तं च जाणेज्जा जहेव तिरिक्खजोणियउद्देसए एवं जाव तमापुढविणेरइए ९। जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एगिंदियतिरिक्खजोणिए० भेदो जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए णवरं तेउवाऊ पडिसेहेयव्वा, सेसं तं चेव जाव-पुढविक्काइए णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउएसु उववज्जेज्जा। ते णं भंते ! जीवा० एवं जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जमाणस्स पुढविक्काइयस्स वत्तव्वया सा चेव इहवि उववज्जमाणस्स भाणियव्वा णवसुवि गमएसु, णवरं तइयछट्ठणवमेसु गमएसु परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, जाहे अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे पढमगमए अज्झवसाणा पसत्थावि अप्पसत्थावि, बिइयगमए अप्पसत्था, तइयगमए पसत्था भवंति सेसं तं चेव णिरवसेसं ९। जइ आउक्काइए एवं आउक्काइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, एवं जाव चउरिंदियाणवि, असण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिया सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिया असण्णिमणुस्ससण्णिमणुस्सा य एए सव्वेवि जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए तहेव भाणियव्वा, णवरं एयाणि चेव परिमाणअज्झवसाणणाणत्ताणि जाणिज्जा, पुढविकाइयस्स एत्थ चेव उद्देसए भणियाणि, सेसं तहेव णिरवसेसं। जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं

भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति वाणमंतर० जोइसिय० वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! भवणवासि०जाव वेमाणिय० उ० । जइ भवण०किं असुर० जाव थणिय० ? गोयमा ! असुर०जाव थणिय० । असुरकुमारे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं मासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जेज्जा, एवं जच्चेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए वत्तव्वया सच्चेव एत्थवि भाणियव्वा, णवरं जहा तहिं जहण्णगं अंतोमुहुत्तट्ठिईएसु तहा इहं मासपुहुत्तट्ठिईएसु, परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव ईसाणदेवोत्ति, एयाणि चेव णाणत्ताणि सणंकुमारादीया जाव सहस्सारोत्ति जहेव पंचिंदियतिरिक्खजोणियउद्देसए, णवरं परिमाणं जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, उववाओ जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउएसु उववज्जंति, सेसं तं चेव संवेहं वासपुहुत्तं पुव्वकोडीसु करेज्जा । सणंकुमारे ठिई चउगुणिया अट्ठावीसं सागरोवमा भवंति, माहिंदे ताणि चेव साइरेगाणि, बम्हलोए चत्तालीसं, लंतए छप्पण्णं, महासुक्के अट्ठसट्ठिं, सहस्सारे बावत्तरिं सागरोवमाइं एसा उक्कोसा ठिई भणिया जहण्णट्ठिइंपि चउ गुणेज्जा ९ । आणयदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्कोसेणं पुव्वकोडिठिईएसु० । ते णं भंते ! एवं जहेव सहस्सारदेवाणं वत्तव्वया णवरं ओगाहणा-ठिई-अणुबंधे य जाणेज्जा, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं छ भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावण्णं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं०, एवं णववि गमगा, णवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव अच्चुयदेवो, णवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा, पाणयदेवस्स ठिई तिगुणिया सट्ठिं सागरोवमाइं, आरणगस्स तेवट्ठिं सागरोवमाइं, अच्चुयदेवस्स छावट्ठिं सागरोवमाइं। जइ कप्पाईयवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं गेवेज्जकप्पाईय० अणुत्तरोववाइयकप्पाईय जाव उ० ? गोयमा ! गेवेज्ज०अणुत्तरोववाइय० । जइ गेवेज्ज० किं हेट्ठिम २ गेविज्जगकप्पाईय० जाव उवरिम २ गेवेज्ज० ? गोयमा !

हेट्ठिम २ गेवेज्ज०जाव उवरिम २ गेवेज्ज० । गेवेज्जगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं वासपुहुत्तट्ठिईएसु उक्कोसेणं पुव्वकोडिट्ठिईएसु, अवसेसं जहा आणयदेवस्स वत्तव्वया णवरं ओगाहणा० गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं दो रयणीओ संठाणं, गोयमा ! एगे भवधारणिज्जे सरीरए से समचउरंससंठाणसंठिए प०, पंच समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए जाव तेयगसमुग्घाए णो चेव णं वेउव्वियतेयगसमुग्घाएहिंतो समोहंणिसु वा समोहणंति वा समोहणिस्संति वा ठिई अणुबंधो जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव, कालादेसेणं जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेणउइं सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसेसुवि अट्ठगमएसु णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ६ । जइ अणुत्तरोववाइयकप्पाईयवेमाणिय जाव उ० किं विजयअणुत्तरोववाइय० वेजयंतअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्ध० ? गोयमा ! विजयअणुत्तरोववाइय० जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय० । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? एवं जहेव गेवेज्जगदेवाणं णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं एगा रयणी, सम्मदिट्ठी णो मिच्छदिट्ठी, णो सम्मामिच्छदिट्ठी, णाणी णो अण्णाणी णियमं तिण्णाणी तं०—आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, ठिई जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, सेसं तं चेव, भवादेसेणं जहण्णेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं चत्तारि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा णवरं ठिइं अणुबंधं संवेहं च जाणेज्जा सेसं तं चेव। सव्वट्ठसिद्धगदेवे णं भंते ! जे भविए मणुस्सेसु उववज्जित्तए सा चेव विजयाइदेववत्तव्वया भाणियव्वा णवरं ठिई अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, भवादेसेणं दो भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० १ ।

सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं एवइयं० २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया, णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीए अब्भहियाइं एवइयं० ३, एए चेव तिण्णि गमगा सेसा ण भण्णंति। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ७११ ॥

चउवीसइमं सयं बावीसइमो उद्देसो

वाणमंतरा णं भंते! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख०? एवं जहेव णागकुमारउद्देसए असण्णी तहेव णिरवसेसं। जइ सण्णिपंचिंदिय० जाव असंखेज्जवासाउय० सण्णिपंचिंदिय० जे भविए वाणमंतर० से णं भंते! केवइ०? गोयमा! जहण्णेणं दसवाससहस्सट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमट्ठिईएसु सेसं तं चेव जहा णागकुमारउद्देसए जाव कालादेसेणं जहण्णेणं साइरेगा पुव्वकोडी दसहिं वाससहस्सेहिं अब्भहिया उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं०१। सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहेव णागकुमाराणं बिइयगमे वत्तव्वया २। सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई से जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, संवेहो जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं० ३। मज्झिमगमगा तिण्णिवि जहेव णागकुमारेसु पच्छिमेसु तिसु गमएसु तं चेव जहा णागकुमारुद्देसए णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, संखेज्जवासाउय तहेव णवरं ठिई अणुबंधो संवेहं च उभओ ठिईए जाणेज्जा। जइ मणुस्स० असंखेज्जवासाउयाणं जहेव णागकुमाराणं उद्देसए तहेव वत्तव्वया णवरं तइयगमए ठिई जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं सेसं तहेव, संवेहो से जहा एत्थ चेव उद्देसए असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियाणं, संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से जहेव णागकुमारुद्देसए णवरं वाणमंतरे ठिइं संवेहं च जाणेज्जा। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥७१२॥

चउवीसइमं सयं तेवीसइमो उद्देसो

जोइसिया णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइए० भेदो जाव सण्णि-पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति णो असण्णिपंचिंदियतिरिक्ख० । जइ सण्णि० किं संखेज्ज० असंखेज्ज० ? गोयमा ! संखेज्जवासाउय० असंखेज्ज-वासाउय जाव उ० । असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइ० ? गोयमा ! जह-ण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणं पलिओवमवाससयसहस्सट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसं जहा असुरकुमारुद्देसए णवरं–ठिई जहण्णेणं अट्ठभाग-पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव, णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससयसहस्समब्भहियाइं एवइयं० १ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उ०, एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जाणेज्जा २ । सो चेव उक्कोसकाल-ट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं पलिओवमं वास-सयसहस्समब्भहियं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, एवं अणुबंधोवि, काला-देसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं दोहिं वाससयसहस्सेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं वाससयसहस्समब्भहियाइं ३ । सो चेव अप्पणा जहण्ण-कालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा उक्को-सेणवि अट्ठभागपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते ! जीवा एगसमए एस चेव वत्तव्वया णवरं ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं अट्ठारसधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं उक्कोसेणवि अट्ठभाग-पलिओवमं, एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो अट्ठभागपलि-ओवमाइं उक्कोसेणवि दो अट्ठभागपलिओवमाइं एवइयं० जहण्णकालट्ठिईयस्स एस चेव एक्को गमो ६ । सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ सा चेव ओहिया वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि, सेसं तं चेव, एवं पच्छिमा तिण्णि गमगा णेयव्वा णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एए सत्त गमगा । जइ संखेज्जवासाउय-सण्णिपंचिंदिय० संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव

णववि गमा भाणियव्वा णवरं जोइसियठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं । जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति० भेदो तहेव जाव असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए जोइसिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! एवं जहा असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियस्स जोइसिएसु चेव उववज्जमाणस्स सत्त गमगा तहेव मणुस्साणवि णवरं ओगाहणाविसेसो पढमेसु तिसु गमएसु ओगाहणा जहण्णेणं साइरेगाइं णव धणुहसयाइं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, मज्झिमगमए जहण्णेणं साइरेगाइं णव धणुहसयाइं उक्कोसेणवि साइरेगाइं णव धणुहसयाइं पच्छिमेसु तिसुवि गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिण्णि गाउयाइं, सेसं तहेव णिरवसेसं जाव संवेहोत्ति । जइ संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से० संखेज्जवासाउयाणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव गमगा भाणियव्वा, णवरं जोइसियठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव णिरवसेसं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७१३ ॥

चउवीसइमं सयं चउवीसइमो उद्देसो

सोहम्मदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति० ? भेदो जहा जोइसियउद्देसए, असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सोहम्मगदेवेसु उववज्जित्तए से णं भंते ! केवइकाल० ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उ० उक्कोसेणं तिपलिओवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा । ते णं भंते !० अवसेसं जहा जोइसिएसु उववज्जमाणस्स णवरं सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणीवि अण्णाणीवि दो णाणा दो अण्णाणा णियमं, ठिई जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं एवं अणुबंधोवि सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं छप्पलिओवमाइं एवइयं० १ । सो चेव जहण्णकालट्ठिईएसु उववण्णो एस चेव वत्तव्वया णवरं कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं चत्तारि पलिओवमाइं एवइयं० २ । सो चेव उक्कोसकालट्ठिईएसु उववण्णो जहण्णेणं तिपलिओव० उक्कोसेणवि तिपलिओव० एस चेव वत्तव्वया णवरं ठिई जहण्णेणं तिण्णि पलिओवमाइं उक्कोसेणवि तिण्णि पलिओवमाइं सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं छप्पलिओवमाइं उक्कोसेणवि छप्पलिओवमाइं एवइयं० ३ । सो चेव

अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ जहण्णेणं पलिओवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि पलिओवमट्ठिईएसु एस चेव वत्तव्वया णवरं ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं दो गाउयाइं, ठिई जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणवि पलिओवमं सेसं तहेव, कालादेसेणं जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणंपि दो पलिओवमाइं एवइयं० ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ आइल्लगमग सरिसा तिण्णि गमगा णेयव्वा णवरं ठिइं कालादेसं च जाणेज्जा ९। जइ संखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदिय० संखेज्जवासाउयस्स जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणस्स तहेव णववि गमगा, णवरं-ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो सम्मामिच्छादिट्ठी, दो णाणा दो अण्णाणा णियमं सेसं तं चेव। जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति० भेदो जहेव जोइसिएसु उववज्जमाणस्स जाव असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जित्तए एवं जहेव असंखेज्जवासाउयस्स सण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स सोहम्मे कप्पे उववज्जमाणस्स तहेव सत्त गमगा णवरं आइल्लएसु दोसु गमएसु ओगाहणा जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, तइयगमे जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिण्णि गाउयाइं, चउत्थगमए जहण्णेणं गाउयं उक्कोसेणवि गाउयं, पच्छिमएसु तिसु गमएसु जहण्णेणं तिण्णि गाउयाइं उक्कोसेणवि तिण्णि गाउयाइं सेसं तहेव णिरवसेसं ९। जइ संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सेहिंतो० एवं संखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्साणं जहेव असुरकुमारेसु उववज्जमाणाणं तहेव णव गमगा भाणियव्वा णवरं सोहम्मदेवट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ९। ईसाणदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० ईसाणदेवाणं एस चेव सोहम्मगदेवसरिसा वत्तव्वया णवरं असंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जेसु ठाणेसु सोहम्मे उववज्जमाणस्स पलिओवमठिई तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं पलिओवमं कायव्वं, चउत्थगमे ओगाहणा जहण्णेणं धणुहपुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगाइं दो गाउयाइं, सेसं तहेव ९। असंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्सवि तहेव ठिई जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स असंखेज्जवासाउयस्स ओगाहणावि जेसु ठाणेसु गाउयं तेसु ठाणेसु इहं साइरेगं गाउयं, सेसं तहेव ९। संखेज्जवासाउयाणं तिरिक्खजोणियाणं

मणुस्साण य जहेव सोहम्मेसु उववज्जमाणाणं तहेव णिरवसेसं णववि गमगा णवरं ईसाणठिइं संवेहं च जाणेज्जा ६ । सणंकुमारदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहा सक्करप्पभापुढविणेरइयाणं जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिपंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! जे भविए सणंकुमारदेवेसु उववज्जित्तए अवसेसा परिमाणाईया भवादेसपज्जवसाणा सच्चेव वत्तव्वया भाणियव्वा जहा सोहम्मे उववज्जमाणस्स णवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, जाहे य अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ भवइ ताहे तिसुवि गमएसु पंच लेस्साओ आइल्लाओ कायव्वाओ, सेसं तं चेव ६ । जइ मणुस्सेहिंतो उववज्जंति० मणुस्साणं जहेव सक्करप्पभाए उववज्जमाणाणं तहेव णववि गमा भाणियव्वा णवरं सणंकुमारट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ६ । माहिंदगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० जहा सणंकुमारदेवाणं वत्तव्वया तहा माहिंदगदेवाणवि भाणियव्वा, णवरं माहिंदगदेवाणं ठिई साइरेगा भाणियव्वा सच्चेव, एवं बंभलोगदेवाणवि वत्तव्वया णवरं बंभलोगट्ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, एवं जाव सहस्सारो, णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, लतगाईणं जहण्णकालट्ठिईयस्स तिरिक्खजोणियस्स तिसुवि गमएसु छप्पि लेस्साओ कायव्वाओ, संघयणाइं बंभलोगलंतएसु पंच आइल्लगाणि, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि, तिरिक्खजोणियाणवि मणुस्साणवि, सेसं तं चेव ६ । आणयदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहा सहस्सारे देवाणं णवरं तिरिक्खजोणिया खोडेयव्वा जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयसण्णिमणुस्से णं भंते ! जे भविए आणयदेवेसु उववज्जित्तए० मणुस्साणं वत्तव्वया जहेव सहस्सारेसु उववज्जमाणाणं णवरं तिण्णि संघयणाणि सेसं तहेव जाव अणुबंधो भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं सत्त भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं सत्तावण्णं सागरोवमाइं चउहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं०, एवं सेसावि अट्ठ गमगा भाणियव्वा णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, सेसं तं चेव ६ । एवं जाव अच्चुयदेवा, णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा ६ । चउसुवि संघयणा तिण्णि आणयाईसु । गेवेज्जगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया णवरं दो संघयणा, ठिइं संवेहं च जाणेज्जा । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० एस चेव वत्तव्वया णिरवसेसा

जाव अणुबंधोत्ति, णवरं पढमं संघयणं, सेसं तहेव, भवादेसेणं जहण्णेणं तिण्णि भवग्गहणाइं उक्कोसेणं पंच भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणं छावट्ठि सागरोवमाइं तिहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० एवं सेसावि अट्ठगमगा भाणियव्वा, णवरं ठिइं संवेहं च जाणेज्जा, मणूसे लद्धी णवसुवि गमएसु जहा गेवेज्जेसु उववज्जमाणस्स णवरं पढमं संघयणं। सव्वट्ठगसिद्धगदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति० उववाओ जहेव विजयाईणं जाव से णं भंते ! केवइयकालट्ठिईएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमट्ठिईएसु उववज्जेज्जा, अवसेसा जहा विजयाईसु उववज्जंताणं णवरं भवादेसेणं तिण्णि भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं वासपुहुत्तेहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं० ६। सो चेव अप्पणा जहण्णकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया णवरं ओगाहणाठिईओ रयणिपुहुत्तवासपुहुत्ताणि सेसं तहेव, संवेहं च जाणेज्जा ६। सो चेव अप्पणा उक्कोसकालट्ठिईओ जाओ एस चेव वत्तव्वया णवरं ओगाहणा जहण्णेणं पंच धणुहसयाइं उक्कोसेणवि पंचधणुहसयाइं, ठिई जहण्णेणं पुव्वकोडी उक्कोसेणवि पुव्वकोडी, सेसं तहेव जाव भवादेसोत्ति, कालादेसेणं जहण्णेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं उक्कोसेणवि तेत्तीसं सागरोवमाइं दोहिं पुव्वकोडीहिं अब्भहियाइं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गइरागइं करेज्जा, एए तिण्णि गमगा सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं। सेवं भंते ! २ त्ति भगवं गोयमे जाव विहरइ ॥७१४॥

चउवीसइमं सयं समत्तं

॥ पंचवीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

लेस्साय १ दव्व २ संठाण ३ जुम्म ४ पज्जव ५ णियंठ ६ समणा य ७ ओहे ८ भविया ६ भविए १० सम्मा ११ मिच्छे य १२ उद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी—कइ णं भंते ! लेस्साओ प० ? गोयमा ! छल्लेस्साओ प०, तं०—कण्हलेस्सा जहा पढमसए बिइए उद्देसए तहेव लेस्साविभागो अप्पाबहुगं च जाव चउव्विहाणं देवाणं चउव्विहाणं देवीणं मीसगं अप्पाबहुगंति ॥७१५॥ कइविहा णं भंते ! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउद्दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०, तं०—सुहुम-

अपज्जत्तगा १, सुहुमपज्जत्तगा २, बायरअपज्जत्तगा ३, बायरपज्जत्तगा ४, बेइंदिया अपज्जत्तगा ५, बेइंदिया पज्जत्तगा ६, एवं तेइंदिया ८, एवं चउरिंदिया १०, असण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा ११, असण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा १२, सण्णिपंचिंदिया अपज्जत्तगा १३, सण्णिपंचिंदिया पज्जत्तगा १४। एएसि णं चउद्दसविहाणं संसारसमावण्णगाणं जीवाणं जहण्णुक्कोसगस्स जोगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए १, बायरस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे २, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ३, एवं तेइंदियस्स ४, एवं चउरिंदियस्स ५, असण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ६, सण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ७, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ८, बायरस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ९, सुहुमस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १०, बायरस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ११, सुहुमस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १२, बायरस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे १४, एवं तेइंदियस्सवि १५, एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे १८, बेइंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे १९, एवं तेइंदियस्सवि २०, एवं चउरिंदियस्सवि २१, एवं जाव सण्णिपंचिंदियस्स अपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २३, बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २४, एवं तेइंदियस्सवि पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २५, चउरिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २६, असण्णिपंचिंदियपज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २७, एवं सण्णिपंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ॥ २८ ॥७१६॥ दो भंते ! णेरइया पढमसमयोववण्णगा किं समजोगी किं विसमजोगी ? गोयमा ! सिय समजोगी सिय विसमजोगी । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–सिय समजोगी सिय विसमजोगी ? गोयमा ! आहारयाओ वा से अणाहारए अणाहारयाओ वा से आहारए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्ज-

गुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागम-ब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा, से तेणट्ठेणं जाव सिय समजोगी सिय विसमजोगी, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७१७ ॥ कइविहे णं भंते ! जोए प० ? गोयमा ! पण्णरसविहे जोए प०, तं०—सच्चमणजोए मोसमणजोए सच्चामोसमणजोए असच्चामोसमणजोए सच्चवइजोए मोसवइजोए सच्चामोसवइजोए असच्चामोसवइजोए ओरालियसरीरकायजोए ओरालियमीसासरीरकायजोए वेउव्वियसरीरकायजोए वेउव्वियमीसासरीरकायजोए आहारगसरीरकायजोए आहारगमीसासरीरकायजोए कम्मासरीरकायजोए १५। एयस्स णं भंते ! पण्णरसविहस्स जहण्णुक्कोसगस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मगसरीरस्स जहण्णए जोए १। ओरालियमीसगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे २। वेउव्वियमीसगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ३। ओरालियसरीरस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ४। वेउव्वियसरीरस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ५, कम्मगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ६, आहारगमीसगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ७, तस्स चेव उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ८, ओरालियमीसगस्स वेउव्वियमीसगस्स एएसि णं उक्कोसए जोए दोण्हवि तुल्ले असंखेज्जगुणे ९-१०, असच्चामोसमणजोगस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे ११, आहारगसरीरस्स जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे १२, तिविहस्स मणजोगस्स चउव्विहस्स वइजोगस्स एएसि णं सत्तण्हवि तुल्ले जहण्णए जोए असंखेज्जगुणे १९, आहारगसरीरस्स उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे २०, ओरालियसरीरस्स वेउव्वियसरीरस्स चउव्विहस्स य मणजोगस्स चउव्विहस्स य वइजोगस्स एएसि णं दसण्हवि तुल्ले उक्कोसए जोए असंखेज्जगुणे ३०। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ७१८ ॥

पंचवीसइमं सयं बीओ उद्देसो

कइविहा णं भंते ! दव्वा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा दव्वा प०, तं०—जीवदव्वा य अजीवदव्वा य। अजीवदव्वा णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—रूविअजीवदव्वा य अरूविअजीवदव्वा य, एवं एएणं अभिलावेणं जहा अजीवपज्जवा जाव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—ते णं णो

संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता। जीवदव्वा णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जीवदव्वा णं णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! असंखेज्जा णेरइया जाव असंखेज्जा वाउक्काइया, अणंता वणस्सइकाइया, असंखेज्जा बेइंदिया एवं जाव वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से तेणट्ठेणं जाव अणंता ॥७१९॥ जीवदव्वाणं भंते ! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीवदव्वाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति णो अजीवदव्वाणं जीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जाव हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जीवदव्वा णं अजीवदव्वे परियाइयंति अजीव० २ त्ता ओरालियं वेउव्वियं आहारगं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं मणजोगं वइजोगं कायजोगं आणापाणुत्तं च णिव्वत्तयंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छंति। णेरइयाणं भंते ! अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति अजीवदव्वाणं णेरइया परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! णेरइयाणं अजीवदव्वा परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति णो अजीवदव्वाणं णेरइया जाव हव्वमागच्छंति। से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! णेरइयाणं अजीवदव्वे परियाइयंति अ०२ त्ता वेउव्वियं तेयगं कम्मगं सोइंदियं जाव फासिंदियं आणापाणुत्तं च णिव्वत्तियंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ०, एवं जाव वेमाणिया णवरं सरीरइंदियजोगा भाणियव्वा जस्स जे अत्थि ॥ ७२० ॥ से णूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंताइं दव्वाइं आगासे भइयव्वाइं ? हंता गोयमा ! असंखेज्जे लोए जाव भइयव्वाइं। लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं। लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे कइदिसिं पोग्गला छिज्जंति ? एवं चेव, एवं उवचिज्जंति एवं अवचिज्जंति ॥७२१॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं ओरालियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! ठियाइंपि गेण्हइ अठियाइंपि गेण्हइ। ताइं भंते ! किं दव्वओ गेण्हइ खेत्तओ गेण्हइ कालओ गेण्हइ भावओ गेण्हइ ? गोयमा ! दव्वओवि गेण्हइ खेत्तओवि गेण्हइ कालओवि गेण्हइ भावओवि

गेण्हइ, ताइं दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं एवं जहा पण्णवणाए पढमे आहारुद्देसए जाव णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं। जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं वेउव्वियसरीरत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ अठियाइं गेण्हइ ? एवं चेव णवरं णियमं छद्दिसिं, एवं आहारगसरीरत्ताएवि। जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं तेयगसरीरत्ताए गेण्हइ पुच्छा, गोयमा ! ठियाइं गेण्हइ णो अठियाइं गेण्हइ सेसं जहा ओरालियसरीरस्स कम्मगसरीरे एवं चेव एवं जाव भावओवि गेण्हइ। जाइं दव्वाइं दव्वओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गेण्हइ दुपएसियाइं गेण्हइ ? एवं जहा भासापए जाव आणुपुव्वि गेण्हइ णो अणाणुपुव्वि गेण्हइ। ताइं भंते ! कइदिसिं गेण्हइ ? गोयमा ! णिव्वाघाएणं जहा ओरालियस्स। जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सोइंदियत्ताए गेण्हइ ? जहा वेउव्वियसरीरं एवं जाव जिब्भिंदियत्ताए फासिंदियत्ताए जहा ओरालियसरीरं मणजोगत्ताए जहा कम्मगसरीरं णवरं णियमं छद्दिसिं एवं वइजोगत्ताएवि कायजोगत्ताएवि जहा ओरालियसरीरस्स। जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं आणापाणुत्ताए गेण्हइ जहेव ओरालियसरीरत्ताए जाव सिय पंचदिसिं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति। केइ चउवीसदंडएणं एयाणि पयाणि भण्णंति जस्स जं अत्थि ॥ ७२२ ॥

पंचवीसइमं सयं तइओ उद्देसो

कइ णं भंते ! संठाणा प० ? गोयमा ! छ संठाणा प०, तं०—परिमंडले वट्टे तंसे चउरंसे आयए अणित्थंथे। परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता वट्टा णं भंते ! संठाणा० एवं चेव, एवं जाव अणित्थंथा, एवं पएसट्ठयाएवि, एवं दव्वट्ठपएसट्ठयाएवि। एएसि णं भंते ! परिमंडलवट्टतंसचउरंसआयतअणित्थंथाणं संठाणाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परिमंडलसंठाणा दव्वट्ठयाए, वट्टा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, चउरंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, तंसा संठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, आययसंठाणा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, जहा दव्वट्ठयाए तहा पए-

सट्ठयाएवि जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडला संठाणा दव्वट्ठयाए सो चेव गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणित्थंथेहिंतो संठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए परिमंडला संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, वट्टा संठाणा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, सो चेव पएसट्ठयाए गमओ भाणियव्वो जाव अणित्थंथा संठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ॥ ७२३ ॥ कइ णं भंते ! संठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा प०, तं०—परिमंडले जाव आयए । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता। वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० ? एवं चेव, एवं जाव आयया । सक्करप्पभाए णं भंते ! पुढवीए परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं जाव अहेसत्तमाए । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे परिमंडला संठाणा एवं चेव, एवं जाव अच्चुए । गेवेज्जगविमाणाणं भंते ! परिमंडलसंठाणा एवं चेव, एवं अणुत्तरविमाणेसुवि, एवं ईसिप्पब्भाराएवि । जत्थ णं भंते ! एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? एवं चेव, एवं जाव आयया । जत्थ णं भंते ! एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ परिमंडला संठाणा० ? एवं चेव, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा। जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे परिमंडले संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडलसंठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता, एवं चेव, एवं जाव आयया। जत्थ णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एगे वट्टे संठाणे जवमज्झे तत्थ णं परिमंडला संठाणा किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता, वट्टा संठाणा एवं चेव, एवं जाव आयया, एवं पुणरवि एक्केक्केणं संठाणेणं पंचवि चारेयव्वा जहेव हेट्ठिल्ला जाव आयएणं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं

कप्पेसुवि जाव ईसिप्पब्भाराए पुढवीए ॥७२४॥ वट्टे णं भंते ! संठाणे कइ-पएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा ! वट्टे संठाणे दुविहे प०, तं०—घणवट्टे य पयरवट्टे य, तत्थ णं जे से पयरवट्टे से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पंचपएसिए पंचपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपए-सिए असंखेज्जपएसोगाढे, तत्थ णं जे से घणवट्टे से दुविहे प०, तं०—ओयपए-सिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तपएसिए सत्तपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बत्तीसपएसिए बत्तीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०। तंसे णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा ! तंसे णं संठाणे दुविहे प०, तं०—घणतंसे य पयरतंसे य, तत्थ णं जे से पयरतंसे से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्म-पएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपए-सिए से जहण्णेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असं-खेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से घणतंसे से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पणतीसपएसिए पण-तीसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव। चउरंसे णं भंते ! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा ! चउरंसे संठाणे दुविहे प० भेदो जहेव वट्टस्स जाव तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं णवपएसिए णव-पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे प०, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं चउप्पएसिए चउप्पएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत-पएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से घणचउरंसे दुविहे प०, तंजहा—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं सत्तावीसइपएसिए सत्तावीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपए-सिए से जहण्णेणं अट्ठपएसिए अट्ठपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए

तहेव। आयए णं भंते ! संठाणे कइपएसिए कइपएसोगाढे प० ? गोयमा ! आयए णं संठाणे तिविहे प०, तं०—सेढिआयए पयरायए घणायए, तत्थ णं जे से सेढिआयए से दुविहे प०,तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं तिपएसिए तिपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं दुपएसिए दुपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तं चेव, तत्थ णं जे से पयरायए से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पण्णरसपएसिए पण्णरसपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं छप्पएसिए छप्पएसोगाढे उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से घणायए से दुविहे प०, तं०—ओयपएसिए य जुम्मपएसिए य, तत्थ णं जे से ओयपएसिए से जहण्णेणं पणयालीसपएसिए पणयालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव, तत्थ णं जे से जुम्मपएसिए से जहण्णेणं बारसपएसिए बारसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंत० तहेव। परिमंडले णं भंते ! संठाणे कइपएसिए० पुच्छा, गोयमा ! परिमंडले णं संठाणे दुविहे प० तं०—घणपरिमंडले य पयरपरिमंडले य, तत्थ णं जे से पयरपरिमंडले से जहण्णेणं वीसइपएसिए वीसइपएसोगाढे उक्कोसेणं अणंतपएसिए तहेव, तत्थ णं जे से घण परिमंडले से जहण्णेणं चत्तालीसपएसिए चत्तालीसपएसोगाढे प०, उक्कोसेणं अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे पण्णत्ते॥७२५॥ परिमंडले णं भंते ! संठाणे दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावरजुम्मे कलिओए ? गोयमा ! णो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए, वट्टे णं भंते ! संठाणे दव्वट्ठयाए एवं चेव एवं जाव आयए। परिमंडला णं भंते ! संठाणा दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा तेओगा दावरजुम्मा कलिओगा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा सिय तेओगा सिय दावरजुम्मा सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव आयया। परिमंडले णं भंते ! संठाणे पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे सिय तेओगे सिय दावरजुम्मे सिय कलिओगे, एवं जाव आयए, परिमंडला णं भंते ! संठाणा पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि तेओगावि दावरजुम्मावि

कलिओगावि, एवं जाव आयया । परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्म-पएसोगाढे जाव कलिओगपएसोगाढे ? गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग-पएसोगाढे णो दावरजुम्मपएसोगाढे णो कलिओगपएसोगाढे । वट्टे णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्म० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओग-पएसोगाढे णो दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे । तंसे णं भंते ! संठाणे पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय-दावरजुम्मपएसोगाढे णो कलिओगपएसोगाढे । चउरंसे णं भंते ! संठाणे जहा वट्टे तहा चउरंसेवि । आयए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपए-सोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपएसोगाढा तेओगपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओगपएसोगाढा णो दावरजुम्मपए-सोगाढा णो कलिओगपएसोगाढा । वट्टा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मपए-सोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावरजुम्म० णो कलिओग०, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि तेओगपए-सोगाढा वि णो दावरजुम्मपएसोगाढा कलिओगपएसोगाढावि, तंसा णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्म० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावरजुम्म० णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपए-सोगाढावि तेओगपएसोगाढावि णो दावरजुम्मपएसोगाढा णो कलिओगपए-सोगाढा । चउरंसा जहा वट्टा । आयया णं भंते ! संठाणा पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओगपएसोगाढा णो दावरजुम्मपए-सोगाढा णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि । परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं कडजुम्मसमयठिईए तेओगसमयठिईए दावरजुम्मसमयठिईए कलिओगसमयठिईए ? गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयठिईए जाव सिय कलिओगसमयठिईए, एवं जाव आयए । परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया, विहाणा-देसेणं कडजुम्मसमयठिईयावि जाव कलिओगसमयठिईयावि, एवं जाव आयया । परिमंडले णं भंते ! संठाणे कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे जाव कलिओगे ?

गोयमा ! सिय कडजुम्मे एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ठिईए एवं णीलवण्ण-पज्जवेहिं, एवं पंचहिं वण्णेहिं दोहिं गंधेहिं, पंचहिं रसेहिं, अट्ठहिं फासेहिं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं। सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा! णो संखेज्जाओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ। पाईणपडीणाय-याओ णं भंते! सेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ ३ एवं चेव, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। लोगागाससेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखे-ज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ? गोयमा ! णो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ णो अणं-ताओ। पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! लोगागाससेढीओ दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ० एवं चेव, एवं दाहिणुत्तराययाओवि एवं उड्ढमहाययाओवि। अलोगागास-सेढीओ णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं संखेज्जाओ असंखेज्जाओ अणंताओ ? गोयमा! णो संखेज्जाओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं उड्ढमहाययाओवि। सेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ० जहा दव्वट्ठयाए तहा पएसट्ठयाएवि जाव उड्ढमहाययाओवि सव्वाओ अणंताओ। लोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए किं संखेज्जाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ णो अणंताओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, एवं चेव उड्ढमहाययाओवि णो संखेज्जाओ असंखेज्जाओ णो अणंताओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते ! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणं-ताओ। पाईणपडीणाययाओ णं भंते ! अलोया० पुच्छा, गोयमा ! णो संखे-ज्जाओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ, एवं दाहिणुत्तराययाओवि। उड्ढमहाययाओ पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ॥७२७॥ सेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ १, साइयाओ अपज्जवसि-याओ २, अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४ ? गोयमा ! णो साइयाओ सपज्जवसियाओ, णो साइयाओ अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ। लोगागाससेढीओ णं भंते ! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, गोयमा ! साइयाओ सपज्जवसियाओ, णो साइयाओ, अपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ सपज्जवसियाओ, णो अणाइयाओ अपज्जवसियाओ, एवं जाव

उड्ढमहाययाओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते! किं साइयाओ सपज्जवसियाओ० पुच्छा, - गोयमा! सिय साइयाओ सपज्जवसियाओ १, सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ २, सिय अणाइयाओ सपज्जवसियाओ ३, सिय अणाइयाओ अपज्जवसियाओ ४, पाईणपडीणाययाओ दाहिणुत्तराययाओ य एवं चेव, णवरं णो साइयाओ सपज्जवसियाओ सिय साइयाओ अपज्जवसियाओ सेसं तं चेव, उड्ढमहाययाओ जहा ओहियाओ तहेव चउभंगो। सेढीओ णं भंते! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्माओ तेओयाओ० पुच्छा, गोयमा! कडजुम्माओ णो तेओयाओ णो दावरजुम्माओ णो कलिओगाओ, एवं जाव उड्ढमहाययाओ, लोगागाससेढीओ एवं चेव, एवं अलोगागाससेढीओवि। सेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए किं कडजुम्माओ० पुच्छा, एवं चेव एवं जाव उड्ढमहाययाओ। लोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्माओ णो तेओयाओ सिय दावरजुम्माओ णो कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि दाहिणुत्तराययाओवि। उड्ढमहाययाओ णं० पुच्छा, गोयमा! कडजुम्माओ णो तेओयाओ णो दावरजुम्माओ णो कलिओगाओ। अलोगागाससेढीओ णं भंते! पएसट्ठयाए पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्माओ जाव सिय कलिओगाओ, एवं पाईणपडीणाययाओवि, एवं दाहिणुत्तराययाओवि, उड्ढमहाययाओवि एवं चेव, णवरं णो कलिओगाओ, सेसं तं चेव ॥ ७२७ ॥ कइ णं भंते! सेढीओ प० ? गोयमा! सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—उज्जुआयया एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला। परमाणुपोग्गलाणं भंते! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? गोयमा! अणुसेढिं गई पवत्तइ णो विसेढिं गई पवत्तइ। दुपएसियाणं भंते! खंधाणं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं। णेरइयाणं भंते! किं अणुसेढिं गई पवत्तइ विसेढिं गई पवत्तइ ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ७२९ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए केवइया णिरयावाससयसहस्सा प० ? गोयमा! तीसं णिरयावाससयसहस्सा प०, एवं जहा पढमसए पंचमुद्देसए जाव अणुत्तरविमाणत्ति ॥ ७३० ॥ कइविहे णं भंते! गणिपिडए प० ? गोयमा! दुवालसंगे गणिपिडए प०, तं०— आयारो जाव दिट्ठिवाओ। से किं तं आयारो ? आयारे णं समणाणं णिग्गंथाणं

आयारगोयर० एवं अंगपरूवणा भाणियव्वा जहा णंदीए जाव-सुत्तत्थो खलु पढमो बीओ णिज्जुत्तिमीसिओ भणिओ। तइओ य णिरवसेसो एस विही होइ अणुओगे॥ १॥ ७३१॥ एएसि णं भंते! णेरइयाणं जाव देवाणं सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे २ हिंतो० पुच्छा, गोयमा! अप्पाबहुयं जहा बहुवत्तव्वयाए अट्ठगइसमासअप्पाबहुगं च। एएसि णं भंते! सइंदियाणं एगिंदियाणं जाव अणिंदियाण य कयरे०? एयंपि जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव ओहियं पयं भाणियव्वं, सकाइयअप्पाबहुगं तहेव ओहियं भाणियव्वं। एएसि णं भंते! जीवाणं पोग्गलाणं जाव सव्वपज्जवाण य कयरे २ जाव बहुवत्तव्वयाए। एएसि णं भंते! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अबंधगाणं जहा बहुवत्तव्वयाए जाव आउयस्स कम्मस्स अबंधगा विसेसाहिया। सेवं भंते! २ त्ति॥ ७३२॥

पंचवीसइमं सयं चउत्थो उद्देसो

कइ णं भंते! जुम्मा पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि जुम्मा प०, तं०—कडजुम्मे जाव कलिओगे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—चत्तारि जुम्मा, प०—कडजुम्मे जाव कलिओगे एवं जहा अट्ठारसमसए चउत्थे उद्देसए तहेव जाव से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ। णेरइयाणं भंते! कइ जुम्मा प०? गोयमा! चत्तारि जुम्मा प०, तंजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—णेरइयाणं चत्तारि जुम्मा प०, तं०—कडजुम्मे अट्ठो तहेव, एवं जाव वाउकाइयाणं। वणस्सइकाइयाणं पुच्छा, गोयमा! वणस्सइकाइया सिय कडजुम्मा सिय तेओया सिय दावरजुम्मा सिय कलिओया। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—वणस्सइकाइया जाव कलिओगा? गोयमा! उववायं पडुच्च, से तेणट्ठेणं तं चेव, बेइंदियाणं जहा णेरइयाणं, एवं जाव वेमाणियाणं, सिद्धाणं जहा वणस्सइकाइयाणं। कइविहा णं भंते! सव्वदव्वा प०? गोयमा! छव्विहा सव्वदव्वा प०, तंजहा—धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए जाव अद्धासमए। धम्मत्थिकाए णं भंते! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे जाव कलिओगे? गोयमा! णो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि। जीवत्थिकाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे णो कलिओए। पोग्गलत्थिकाए णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, अद्धासमए जहा जीवत्थिकाए। धम्मत्थिकाए णं भंते! पए-

सट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा. गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे णो कलिओए, एवं जाव अद्धासमए। एएसि णं भंते ! धम्मत्थिकायअहम्मत्थिकाय जाव अद्धासमयाणं दव्वट्ठयाए० एएसि णं अप्पाबहुगं जहा बहुवत्तव्वयाए तहेव णिरवसेसं। धम्मत्थिकाए णं भंते ! किं ओगाढे अणोगाढे ? गोयमा ! ओगाढे णो अणोगाढे। जइ ओगाढे किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! णो संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे णो अणंतपएसोगाढे। जइ असंखेज्जपएसोगाढे किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० णो दावरजुम्म० णो कलिओगपएसोगाढे, एवं अहम्मत्थिकाएवि, एवं आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए अद्धासमए एवं चेव। इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी किं ओगाढा अणोगाढा जहेव धम्मत्थिकाए एवं जाव अहेसत्तमा, सोहम्मे एवं चेव, एवं जाव ईसिप्पब्भारापुढवी ॥७३३॥ जीवे णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे कलिओगे, एवं णेरइएवि, एवं जाव सिद्धे। जीवा णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा। णेरइया णं भंते ! दव्वट्ठयाए पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव सिद्धा। जीवे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए। सिद्धे णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे। जीवा णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं णेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा ॥७३४॥ जीवे

णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे० एवं जाव सिद्धे । जीवा णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावर० णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि । णेरइया णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मपएसोगाढा जाव सिय कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि, एवं एगिंदियसिद्धवज्जा सव्वेवि, सिद्धा एगिंदिया य जहा जीवा । जीवे णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मसमयट्ठिईए णो तेओग० णो दावर० णो कलिओगसमयट्ठिईए । णेरइए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मसमयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धे जहा जीवे । जीवा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मसमयट्ठिईया णो तेओग० णो दावरजुम्म० णो कलिओगसमयट्ठिईया । णेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईयावि विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि, एवं जाव वेमाणिया, सिद्धा जहा जीवा ॥७३५॥ जीवे णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च णो कडजुम्मे जाव णो कलिओगे, सरीरपएसे पडुच्च सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं जाव वेमाणिए, सिद्धो चेव ण पुच्छिज्जइ । जीवा णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! जीवपएसे पडुच्च ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि णो कडजुम्मा जाव णो कलिओगा, सरीरपएसे पडुच्च ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं जाव वेमाणिया, एवं णीलवण्णपज्जवेहिं दंडओ भाणियव्वो एगत्तपुहत्तेणं एवं जाव लुक्खफासपज्जवेहिं । जीवे णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिए । जीवा णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्मावि जाव कलिओगावि, एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया, एवं सुय-

णाणपज्जवेहिवि, ओहिणाणपज्जवेहिवि एवं चेव, णवरं विगलिंदियाणं णत्थि ओहिणाणं, मणपज्जवणाणं पि एवं चेव, णवरं जीवाणं मणुस्साण य, सेसाणं णत्थि । जीवे णं भंते ! केवलणाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओगे णो दावरजुम्मे णो कलिओगे, एवं मणुस्सेवि, एवं सिद्धेवि । जीवा णं भंते ! केवलणाण० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा, एवं मणुस्सावि, एवं सिद्धावि । जीवे णं भंते ! मइअण्णाणपज्जवेहिं किं कडजुम्मे०? जहा आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तहेव दो दंडगा, एवं सुयअण्णाणपज्जवेहिवि, एवं विभंगणाणपज्जवेहिवि । चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणपज्जवेहिवि एवं चेव, णवरं जस्स जं अत्थि तं भाणियव्वं, केवलदंसणपज्जवेहिं जहा केवलणाणपज्जवेहिं ॥ ७३६ ॥ कइ णं भंते ! सरीरगा प० ? गोयमा ! पंच सरीरगा प०, तं०—ओरालिए जाव कम्मए, एत्थं सरीरगपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जहा पण्णवणाए ॥ ७३७ ॥ जीवा णं भंते ! किं सेया णिरेया ? गोयमा ! जीवा सेयावि णिरेयावि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—जीवा सेयावि णिरयावि ? गोयमा ! जीवा दुविहा प०, तंजहा—संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं दुविहा प०, तंजहा—अणंतरसिद्धा य परंपरसिद्धा य, तत्थ णं जे ते परंपरसिद्धा ते णं णिरेया, तत्थ णं जे ते अणंतरसिद्धा ते णं सेया । ते णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! णो देसेया सव्वेया, तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा प०, तंजहा—सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवण्णगा ते णं णिरेया, तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवण्णगा ते णं सेया । ते णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसेयावि सव्वेयावि, से तेणट्ठेणं जाव णिरेयावि । णेरइया णं भंते ! किं देसेया सव्वेया ? गोयमा ! देसेयावि सव्वेयावि । से केणट्ठेणं जाव सव्वेयावि ? गोयमा ! णेरइया दुविहा प०, तं०—विग्गहगइसमावण्णगा य अविग्गहगइसमावण्णगा य, तत्थ णं जे ते विग्गहगइसमावण्णगा ते णं सव्वेया, तत्थ णं जे ते अविग्गहगइसमावण्णगा ते णं देसेया, से तेणट्ठेणं जाव सव्वेयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ ७३८ ॥ परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो

असंखेज्जा अणंता, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा। एगपएसोगाढा णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जपए-सोगाढा। एगसमयट्ठिईया णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा०? एवं चेव, एवं जाव असंखेज्जसमयट्ठिईया। एगगुणकालगा णं भंते! पोग्गला किं संखेज्जा०? एवं चेव, एवं जाव अणंतगुणकालगा, एवं अवसेसावि वण्णगंधरसफासा णेयव्वा जाव अणंतगुणलुक्खत्ति। एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! दुपएसिएहिंतो खंधेहिंतो परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! दुपएसियाणं तिपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो बहुया? गोयमा! तिपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दुपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया एवं एएणं गमएणं जाव दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो णवपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! दसपएसि० पुच्छा, गोयमा! दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! संखेज्ज० पुच्छा, गोयमा! संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! असंखेज्जपएसि०, पुच्छा, गोयमा! अणंतपए-सिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! परमाणुपोग्गलाणं दुपएसियाण य खंधाणं पएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो बहुया? गोयमा! परमाणुपोग्गलेहिंतो दुपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं एएणं गमएणं जाव णवपएसिएहिंतो खंधेहिंतो दसपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया, एवं सव्वत्थ पुच्छियव्वं, दसपएसिएहिंतो खंधेहिंतो संखेज्जपएसिया खंधा पए-सट्ठयाए बहुया। संखेज्जपएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठ-याए बहुया, एएसि णं भंते! असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा! अणंत-पएसिएहिंतो खंधेहिंतो असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए बहुया। एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! दुपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो एग-पएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं एएणं गमएणं तिपएसोगाढे-हिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया जाव दसपए-सोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो णवपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया,

एएसि णं भंते ! दसपए० पुच्छा, गोयमा ! दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, पुच्छा सव्वत्थ भाणियव्वा । एएसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं दुपएसोगाढाण य पोग्गलाणं पएसट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव णवपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए विसेसाहिया, दसपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया, संखेज्जपएसोगाढेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए बहुया । एएसि णं भंते ! एगसमयट्ठिईयाणं दुसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए जहा ओगाहणाए वत्तव्वया एवं ठिईएवि । एएसि णं भंते ! एगगुणकालयाणं दुगुणकालयाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए एएसि णं जहा परमाणुपोग्गलाईणं तहेव वत्तव्वया णिरवसेसा, एवं सव्वेसिं वण्णगंधरसाणं । एएसि णं भंते ! एगगुणकक्खडाणं दुगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! एगगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दुगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, एवं जाव णवगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो दसगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए विसेसाहिया, दसगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, संखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, असंखेज्जगुणकक्खडेहिंतो पोग्गलेहिंतो अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए बहुया, एवं पएसट्ठयाए सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, जहा कक्खडा एवं मउयगरुयलहुयावि, सीयउसिणणिद्धलुक्खा जहा वण्णा ॥ ७३६ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्ठयाए, परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए अणंतगुणा, संखे-

ज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसिया खंधा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए--सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा, परमाणुपोग्गला दव्वट्ठ-पएसट्ठयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्ज-गुणा असंखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखे-ज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्जपए-सोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखे-ज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा,पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला अपएस-ट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा एगपएसो-गाढा पोग्गला दव्वट्ठअपएसट्ठयाए, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखे-ज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्व-ट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! एगसमयट्ठिईयाणं संखेज्जसमयट्ठिईयाणं असंखेज्जसमयट्ठिईयाण य पोग्गलाणं०? जहा ओगाहणाए तहा ठिईएवि भाणियव्वं अप्पाबहुगं। एएसि णं भंते! एगगुणकालगाणं संखेज्जगुणकालगाणं असंखेज्जगुणकालगाणं अणंतगुणकाल-गाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए० एएसि जहा परमाणुपोग्गलाणं अप्पाबहुगं तहा एएसिपि अप्पाबहुगं, एवं सेसाणवि वण्ण-गंधरसाणं। एएसि णं भंते! एगगुणकक्खडाणं संखेज्जगुणकक्खडाणं असंखेज्ज-गुणकक्खडाणं अणंतगुणकक्खडाण य पोग्गलाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठ-पएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा एगगुण-कक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्ज-गुणा, असंखेज्जगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, पएसट्ठयाए एवं चेव णवरं संखेज्जगुण-कक्खडा पोग्गला पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठ-याए सव्वत्थोवा एगगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठपएसट्ठयाए, संखेज्जगुणकक्खडा

पोग्गला दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जगुण-कक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, अणंतगुणकक्खडा पोग्गला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा एवं मउयगरुयलहुयाणवि अप्पाबहुयं, सीयउसिणणिद्धलुक्खाणं जहा वण्णाणं तहेव ॥ ७४० ॥ परमाणु पोग्गले णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मे तेओए दावर-जुम्मे कलिओए ? गोयमा ! णो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए, एवं जाव अणंतपएसिए खंधे। परमाणुपोग्गला णं भंते ! दव्वट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा, एवं जाव अणंतपएसिया खंधा। परमाणुपोग्गले णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मे० पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे कलिओए। दुपएसिए पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मे णो तेओए दावरजुम्मे णो कलिओए, तिपएसिए पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मे तेओए णो दावरजुम्मे णो कलिओए। चउप्पएसिए पुच्छा, गोयमा ! कडजुम्मे णो तेओए णो दावरजुम्मे णो कलिओए, पंचपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, छप्पएसिए जहा दुप्पएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा चउप्पएसिए, णवपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, दसपएसिए जहा दुपएसिए। संखेज्जपएसिए णं भंते ! पोग्गले पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे, एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंतपएसिएवि। परमाणुपोग्गला णं भंते ! पएसट्ठयाए किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा कलिओगा। दुप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा णो तेओगा सिय दावरजुम्मा णो कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा णो तेओगा दावरजुम्मा णो कलिओगा। तिपए-सियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मा तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा। चउप्पए-सियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणवि विहाणादेसेणवि कडजुम्मा णो तेओगा णो दावरजुम्मा णो कलिओगा, पंचपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, छप्पएसिया जहा दुप्पएसिया, सत्तपएसिया जहा तिपएसिया, अट्ठपएसिया जहा चउप्प-एसिया, णवपएसिया जहा परमाणुपोग्गला, दसपएसिया जहा दुपएसिया।

संखेज्जपएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा, विहाणादेसेणं कडजुम्माविं जाव कलिओगावि, एवं असंखेज्जपए-सियावि अणंतपएसियावि । परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढे० पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० णो दावरजुम्म० कलिओगपएसोगाढे । दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे णो तेओग० सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे । तिपएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! णो कडजुम्मपएसोगाढे सिय तेओगपएसोगाढे सिय दावरजुम्मपएसोगाढे सिय कलिओगपएसोगाढे ३ । चउप्पएसिए णं पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्मपएसोगाढे जाव सिय कलिओगपएसोगाढे ४, एवं जाव अणंतपएसिए । परमाणुपोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मपएसोगाढा० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावर० णो कलि-ओग०, विहाणादेसेणं णो कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावर० कलिओ-गपएसोगाढा । दुप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावर० णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्म-पएसोगाढा णो तेओगपएसोगाढा दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसो-गाढावि । तिप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो णो तेओग० णो दावर० णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं णो कडजुम्म-पएसोगाढा तेओगपएसोगाढावि दावरजुम्मपएसोगाढावि कलिओगपएसोगाढावि ३ । चउप्पएसियाणं पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं कडजुम्मपएसोगाढा णो तेओग० णो दावर० णो कलिओगपएसोगाढा, विहाणादेसेणं कडजुम्मपए-सोगाढावि जाव कलिओगपएसोगाढावि एवं जाव अणंतपएसिया । परमाणु-पोग्गले णं भंते ! किं कडजुम्मसमयट्ठिईए० पुच्छा, गोयमा ! सिय कडजुम्म-समयट्ठिईए जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईए, एवं जाव अणंतपएसिए । परमाणु-पोग्गला णं भंते ! किं कडजुम्मसमयठिईया० पुच्छा, गोयमा ! ओघादेसेणं सिय कडजुम्मसमयट्ठिईया जाव सिय कलिओगसमयट्ठिईया ४, विहाणादेसेणं कडजुम्मसमयट्ठिईयावि जाव कलिओगसमयट्ठिईयावि ४, एवं जाव अणंत-पएसिया । परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालवण्णपज्जवेहिं किं कडजुम्मे तेओगे? जहा ठिईए वत्तव्वया एवं वण्णेसुवि सव्वेसु गंधेसुवि एवं चेव, रसेसुवि जाव

महुरो रसोत्ति। अणंतपएसिए णं भंते! खंधे कक्खडफासपज्जवेहिं किं कड-जुम्मे० पुच्छा, गोयमा! सिय कडजुम्मे जाव सिय कलिओगे। अणंतपएसिया णं भंते! खंधा कक्खडफासपज्जवेहिं किं कडजुम्मा० पुच्छा, गोयमा! ओघा-देसेणं सिय कडजुम्मा जाव सिय कलिओगा ४, विहाणादेसेणं कडजुम्माबि जाव कलिओगावि ४, एवं मउयगरुयलहुयावि भाणियव्वा, सीयउसिणणिद्ध-लुक्खा जहा वण्णा ॥ ७४१ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं सड्ढे अणड्ढे? गोयमा! णो सड्ढे अणड्ढे। दुपएसिए णं पुच्छा, गोयमा! सड्ढे णो अणड्ढे, तिपएसिए जहा परमाणुपोग्गले, चउप्पएसिए जहा दुपएसिए, पंचपएसिए जहा तिपएसिए, छप्पएसिए जहा दुपएसिए, सत्तपएसिए जहा तिपएसिए, अट्ठपएसिए जहा दुपएसिए, णवपएसिए जहा तिपएसिए, दसपएसिए जहा दुपएसिए। संखेज्जपएसिए णं भंते! खंधे-पुच्छा, गोयमा! सिय सड्ढे सिय अणड्ढे एवं असंखेज्जपएसिएवि, एवं अणंत-पएसिएवि। परमाणुपोग्गला णं भंते! किं सड्ढा अणड्ढा? गोयमा! सड्ढा वा अणड्ढा वा, एवं जाव अणंतपएसिया ॥ ७४२ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते! किं सेए णिरेए? गोयमा! सिय सेए सिय णिरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! किं सेया णिरेया? गोयमा! सेयावि णिरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते! सेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलि-याए असंखेज्जइभागं। परमाणुपोग्गले णं भंते! णिरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! सेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं। परमाणुपोग्गला णं भंते! णिरेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गलस्स णं भंते! सेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। णिरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपए-

सियस्स णं भंते ! खंधस्स सेयस्स पुच्छा, गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतंकालं। णिरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स। परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं। णिरेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सेयाणं णिरेयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सेया, णिरेया असंखेज्जगुणा एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं। एएसि णं भंते ! अणंतपएसियाणं खंधाणं सेयाणं णिरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा णिरेया, सेया अणंतगुणा। एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्ज-पएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं सेयाणं णिरेयाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाअणंत-पएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए १, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ४, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठ-याए असंखेज्जगुणा ५, परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, पएसट्ठयाए एवं चेव णवरं परमाणु-पोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव, दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, परमाणुपोग्गला सेया दव्वट्ठ-अपएसट्ठयाए अणंतगुणा ५, संखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए-असंखेज्जगुणा ६, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा सेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, परमाणु-

पोग्गला णिरेया दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १०, संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १२, असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १३, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४। परमाणुपोग्गले णं भंते! किं देसेए सव्वेए णिरेए? गोयमा! णो देसेए सिय सव्वेए सिय णिरेए। दुपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा, गोयमा! सिय देसेए सिय सव्वेए सिय णिरेए, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! किं देसेया सव्वेया णिरेया? गोयमा! णो देसेया सव्वेयावि णिरेयावि। दुपएसिया णं भंते! खंधा पुच्छा, गोयमा! देसेयावि सव्वेयावि णिरेयावि, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गले णं भंते! सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं। णिरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसिए णं भंते! खंधे देसेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं। सव्वेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं। णिरेए कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिए। परमाणुपोग्गला णं भंते! सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं। णिरेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं। दुप्पएसिया णं भंते! खंधा देसेया कालओ केवच्चिरं होंति? गोयमा! सव्वद्धं। सव्वेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं। णिरेया कालओ केवच्चिरं होंति? सव्वद्धं, एवं जाव अणंतपएसिया। परमाणुपोग्गलस्स णं भंते! सव्वेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं एवं चेव। णिरेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। दुपएसियस्स णं भंते! खंधस्स देसेयस्स केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं। सव्वेयस्स केवइयं कालं०? एवं चेव जहा

देसेयस्स । णिरेयस्स केवइयं कालं० ? सट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, परट्ठाणंतरं पडुच्च जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसियस्स । परमाणुपोग्गलाणं भंते ! सव्वेयाणं केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! णत्थि अंतरं । णिरेयाणं केव- इयं० ? णत्थि अंतरं । दुपएसियाणं भंते ! खंधाणं देसेयाणं केवइयं कालं० ? णत्थि अंतरं । सव्वेयाणं केवइयं काल० ? णत्थि अंतरं । णिरेयाणं केवइयं काल० ? णत्थि अंतरं, एवं जाव अणंतपएसियाणं । एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं सव्वेयाणं णिरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा परमाणुपोग्गला सव्वेया, णिरेया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! दुपएसि- याणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं णिरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा दुपएसिया खंधा सव्वेया, देसेया असंखेज्जगुणा, णिरेया असंखेज्जगुणा, एवं जाव असंखेज्जपएसियाणं खंधाणं । एएसि णं भंते ! अणंत- पएसियाणं खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं णिरेयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया, णिरेया अणंतगुणा, देसेया अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपएसियाणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाण य खंधाणं देसेयाणं सव्वेयाणं णिरेयाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, अणंत- पएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा २, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्ज- गुणा ४, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ५ परमाणु- पोग्गलासव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ६, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्व- ट्ठयाए असंखेज्जगुणा ७, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखे- ज्जगुणा ८, परमाणु पोग्गला णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, संखेज्जप- एसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा १०, असंखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा अणंतपए- सिया एवं पएसट्ठयाएवि णवरं परमाणुपोग्गला अपएसट्ठयाए भाणियव्वा, संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा सेसं तं चेव,

दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए १, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा २ अणंतपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ३, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ४, अणंतपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ५, ते चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणा ६, असंखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए अणंतगुणा ७, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ८, संखेज्जपएसिया खंधा सव्वेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा ९, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १०, परमाणुपोग्गला सव्वेया दव्वट्ठअपएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ११, संखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १२, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १३, असंखेज्जपएसिया खंधा देसेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १४, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा १५, परमाणुपोग्गला णिरेया दव्वट्ठअपएट्ठयाए असंखेज्जगुणा १६, संखेज्जपएसिया खंधा णिरेया दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा १७, ते चेव पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा १८, असंखेज्जपएसिया णिरेया दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा १९, ते चेव पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा २० ॥ ७४३ ॥ कइ णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ धम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । कइ णं भंते ! अहम्मत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! एवं चेव, कइ णं भंते ! आगासत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? एवं चेव । कइ णं भंते ! जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० ? गोयमा ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा प० । एए णं भंते ! अट्ठ जीवत्थिकायस्स मज्झपएसा कइसु आगासपएसेसु ओगाहंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कंसि वा दोहिं वा तिहिं वा चउहिं वा पंचहिं वा छहिं वा उक्कोसेणं अट्ठसु, णो चेव णं सत्तसु । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७४४ ॥

पंचवीसइमं सयं पंचमो उद्देसो

कइविहा णं भंते ! पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पज्जवा प०, तं०—जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य, पज्जवपयं णिरवसेसं भाणियव्वं जहा पण्णवणाए ॥ ७४५ ॥ आवलियाणं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! णो संखेज्जा समया असंखेज्जा समया णो अणंता समया । आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव । थोवे णं

भंते ! किं संखेज्जा० ? एवं चेव एवं लवेवि मुहुत्तेवि, एवं अहोरत्तेवि, एवं पक्खे मासे उऊ अयणे संवच्छरे जुगे वाससए वाससहस्से वाससयसहस्से पुव्वंगे पुव्वे तुडियंगे तुडिए अडडंगे अडडे अववंगे अववे हूहुअंगे हुहुए उप्पलंगे उप्पले पउमंगे पउमे णलिणंगे णलिणे अच्छिणि पूरंगे अच्छिणिपूरे अउयंगे अउए णउयंगे णउए पउयंगे पउए चूलियंगे चूलिए सीसपहेलियंगे सीसपहेलिया पलिओवमे सागरोवमे ओसप्पिणी एवं उस्सप्पिणीवि । पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! किं संखेज्जा समया असंखेज्जा समया अणंता समया ? गोयमा ! णो संखेज्जा समया णो असंखेज्जा समया अणंता समया, एवं तीयद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा । आवलियाओ णं भंते ! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा समया सिय असंखेज्जा समया सिय अणंता समया । आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, एवं चेव, थोवाणं भंते ! किं संखेज्जा समया ३ ?एवं चेव एवं जाव ओस्सप्पिणीओत्ति । पोग्गलपरियट्टाणं भंते ! किं संखेज्जा समया० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जा समया णो असंखेज्जा समया अणंता समया । आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ णो अणंताओ आवलियाओ, एवं थोवेवि, एवं जाव सीसप्पहेलियत्ति । पलिओवमे णं भंते ! किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ असंखेज्जाओ आवलियाओ णो अणंताओ आवलियाओ, एवं सागरोवमेवि, एवं ओसप्पिणीवि उस्सप्पिणीवि । पोग्गलपरियट्टे पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव सव्वद्धा । आणापाणूणं भंते ! किं संखेज्जाओ आवलियाओ० पुच्छा, गोयमा ! सिय संखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ सिय अणंताओ, एवं जाव सीसप्पहेलियाओ, पलिओवमाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ सिय असंखेज्जाओ आवलियाओ सिय अणंताओ आवलियाओ, एवं जाव उस्सप्पिणीओत्ति । पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जाओ आवलियाओ णो असंखेज्जाओ आवलियाओ अणंताओ आवलियाओ । थोवे णं भंते ! किं संखेज्जाओ आणापाणूओ असंखेज्जाओ जहा आवलियाए वत्तव्वया एवं आणापाणूओवि णिरवसेसा, एवं एएणं गमएणं जाव सीसप्पहेलिया भाणियव्वा । सागरोवमे णं भंते ! किं संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा ! संखेज्जा पलि०

मोवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा णो अणंता पलिओवमा, एवं ओसप्पिणीएवि उस्सप्पिणीएवि। पोग्गलपरियट्टे णं–पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा, एवं जाव सव्वद्धा। सागरोवमाणं भंते! किं संखेज्जा पलिओवमा० पुच्छा, गोयमा! सिय संखेज्जा पलिओवमा सिय असंखेज्जा पलिओवमा सिय अणंता पलिओवमा, एवं जाव ओसप्पिणीवि उस्सप्पिणीवि। पोग्गलपरियट्टाणं पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जा पलिओवमा णो असंखेज्जा पलिओवमा अणंता पलिओवमा। ओसप्पिणी णं भंते! किं संखेज्जा सागरोवमा जहा पलिओवमस्स वत्तव्वया तहा सागरोवमस्सवि। पोग्गलपरियट्टे णं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ, एवं जाव सव्वद्धा। पोग्गलपरियट्टाणं भंते! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ णो असंखेज्जाओ अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ। तीयद्धाणं भंते! किं संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जा पोग्गलपरियट्टा णो असंखेज्जा अणंता पोग्गलपरियट्टा, एवं अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि ॥ ७४६ ॥ अणागयद्धाणं भंते! किं संखेज्जाओ तीयद्धाओ असंखेज्जाओ० अणंताओ० ? गोयमा! णो संखेज्जाओ तीयद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीयद्धाओ णो अणंताओ तीयद्धाओ, अणागयद्धा णं तीयद्धाओ समयाहिया, तीयद्धा णं अणागयद्धाओ समयऊणा। सव्वद्धाणं भंते! किं संखेज्जाओ० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ तीयद्धाओ णो असंखेज्जाओ तीयद्धाओ णो अणंताओ तीयद्धाओ, सव्वद्धा णं तीयद्धाओ साइरेगदुगुणा तीयद्धा णं सव्वद्धाओ थोवूणए अद्धे। सव्वद्धाणं भंते! किं संखेज्जाओ अणागयद्धाओ० पुच्छा, गोयमा! णो संखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो असंखेज्जाओ अणागयद्धाओ णो अणंताओ अणागयद्धाओ, सव्वद्धा णं अणागयद्धाओ थोवूणगदुगुणा अणागयद्धा णं सव्वद्धाओ साइरेगे अद्धे ॥७४७॥ कइविहा णं भंते! णिओया प० ? गोयमा! दुविहा णिओया प०, तं०–णिओया य णिओयजीवा य। णिओया णं भंते! कइविहा प०? गोयमा! दुविहा प०, तंजहा–सुहुमणिओया य बायरणिओया य, एवं णिओया भाणियव्वा जहा

जीवाभिगमे तहेव णिरवसेसं ॥ ७४८ ॥ कइविहे णं भंते ! णामे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे णामे पण्णत्ते, तंजहा—उदइए जाव सण्णिवाइए । से किं तं उदइए णामे ? उदइए णामे दुविहे प०, तं०—उदइए य उदयणिप्फण्णे य, एवं जहा सत्तरसमसए पढमे उद्देसए भावो तहेव इहवि, णवरं इमं णामणाणत्तं, सेसं तहेव जाव सण्णिवाइए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ७४९ ॥

पंचवीसइमं सयं छट्ठो उद्देसो

पण्णव १ वेय २ रागे ३ कप्प ४ चरित्त ५ पडिसेवणा ६ णाणे ७ । तित्थे ८ लिंग ९ सरीरे १० खेत्ते ११ काले १२ गइ १३ संजम १४ णिगासे १५ ॥ १ ॥ जोगु १६ वओग १७ कसाए १८ लेसा १९ परिणाम २० बंध २१ वेदे य २२ । कम्मोदीरण २३ उवसंपजहण्ण २४ सण्णा य २५ आहारे २६ ॥२॥ भव २७ आगरिसे २८ कालं २९ तरे य ३० समुग्घाय ३१ खेत्त ३२ फुसणा य ३३ । भावे ३४ परिमाणे ३५ विय अप्पाबहुयं ३६ णियंठाणं ३७ ॥ ३ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी—कइ णं भंते ! णियंठा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच णियंठा प०, तं०—पुलाए बउसे कुसीले णियंठे सिणाए । पुलाए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०—णाणपुलाए दंसणपुलाए चरित्तपुलाए लिंगपुलाए अहासुहुमपुलाए णामं पंचमे । बउसे णं भंते ! कइविहे प०? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०—आभोगबउसे अणाभोगबउसे संवुडबउसे असंवुडबउसे अहासुहुमबउसे णामं पंचमे । कुसीले णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! दुविहे प०, तं०—पडिसेवणाकुसीले य, कसायकुसीले य । पडिसेवणाकुसीले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०—णाणपडिसेवणाकुसीले दंसणपडिसेवणाकुसीले चरित्तपडिसेवणाकुसीले लिंगपडिसेवणाकुसीले अहासुहुमपडिसेवणाकुसीले णामं पंचमे । कसायकुसीले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते गोयमा ! पंचविहे प०, तं—णाणकसायकुसीले दंसणकसायकुसीले चरित्तकसायकुसीले लिंगकसायकुसीले अहासुहुमकसायकुसीले णामं पंचमे । णियंठे णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तंजहा—पढमसमयणियंठे अपढमसमयणियंठे चरिमसमयणियंठे अचरिमसमयणियंठे अहासुहुमणियंठे णामं पंचमे । सिणाए णं भंते ! कइविहे प० ? गोयमा ! पंचविहे प०, तं०—अच्छवी १, असबले २,

अकम्मंसे ३, संसुद्धणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली ४, अपरिस्सावी ५।१। पुलाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा। जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! णो इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा। बउसे णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए होज्जा णो अवेयए होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा पुरिसवेयए होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए होज्जा ? गोयमा ! इत्थिवेयए वा होज्जा पुरिसवेयए वा होज्जा पुरिसणपुंसगवेयए वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं भंते ! किं सवेयए होज्जा॰ पुच्छा, गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा। जइ अवेयए होज्जा किं उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा ? गोयमा ! उवसंतवेयए वा होज्जा खीणवेयए वा होज्जा, जइ सवेयए होज्जा किं इत्थिवेयए होज्जा॰ पुच्छा, गोयमा ! तिसुवि जहा बउसो। णियंठे णं भंते ! किं सवेयए॰ पुच्छा, गोयमा ! णो सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा। जइ अवेयए होज्जा किं उवसंत॰ पुच्छा, गोयमा ! उवसंतवेयए वा होज्जा खीणवेयए वा होज्जा। सिणाए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा॰ ? जहा णियंठे तहा सिणाएवि, णवरं णो उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा २ ॥७५०॥ पुलाए णं भंते ! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा णो वीयरागे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते ! किं सरागे होज्जा॰ पुच्छा, गोयमा ! णो सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा। जइ वीयरागे होज्जा किं उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसायवीयरागे वा होज्जा खीणकसायवीयरागे वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, णवरं णो उवसंतकसायवीयरागे होज्जा खीणकसायवीयरागे होज्जा ३ ॥७५१॥ पुलाए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा, एवं जाव सिणाए। पुलाए णं भंते ! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पाईए होज्जा ? गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा, णो कप्पाईए होज्जा। बउसे णं—पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा णो कप्पाईए होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा थेरकप्पे वा होज्जा

कप्पाईए वा होज्जा । णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! णो जिणकप्पे होज्जा णो थेरकप्पे होज्जा कप्पाईए होज्जा, एवं सिणाएवि ४ ॥७५२॥ पुलाए णं भंते ! किं सामाइयसंजमे होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे होज्जा परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा ? गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा छेओवट्ठावणियसंजमे वा होज्जा णो परिहारविसुद्धियसंजमे होज्जा णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! सामाइयसंजमे वा होज्जा जाव सुहुमसंपरायसंजमे वा होज्जा णो अहक्खायसंजमे होज्जा । णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! णो सामाइयसंजमे होज्जा जाव णो सुहुमसंपरायसंजमे होज्जा अहक्खायसंजमे होज्जा, एवं सिणाएवि ५ ॥७८३॥ पुलाए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा, अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा । जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! मूलगुणपडिसेवए वा होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए वा होज्जा, मूलगुणपडिसेवमाणे पंचण्हं आसवाणं अण्णयरं पडिसेवेज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अण्णयरं पडिसेवेज्जा । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! पडिसेवए होज्जा णो अपडिसेवए होज्जा । जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! णो मूलगुणपडिसेवए होज्जा उत्तरगुणपडिसेवए होज्जा, उत्तरगुणपडिसेवमाणे दसविहस्स पच्चक्खाणस्स अण्णयरं पडिसेवेज्जा, पडिसेवणाकुसीले जहा पुलाए । कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! णो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं णियंठेवि, एवं सिणाएवि ६ ॥७५४॥ पुलाए णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा होज्जा, दोसु होमाणे दोसु आभिणिबोहियणाणे सुअणाणे होज्जा, तिसु होमाणे तिसु आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा होज्जा, दोसु होमाणे दोसु आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे होज्जा, तिसु होमाणे तिसु आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाणेसु होज्जा अहवा तिसु होमाणे आभिणिबोहियणाणसुयणाणमणपज्जवणाणेसु होज्जा, चउसु होमाणे

चउसु आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाणमणपज्जवणाणेसु होज्जा, एवं णियंठेवि। सिणाए णं-पुच्छा, गोयमा ! एगंमि केवलणाणे होज्जा ॥ ७५५ ॥ पुलाए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं णवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं, उक्कोसेणं णव पुव्वाइं अहिज्जेज्जा । बउसे-पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा । एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, एवं णियंठेवि । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! सुयवइरित्ते होज्जा ७ ॥ ७५६ ॥ पुलाए णं भंते ! किं तित्थे होज्जा अतित्थे होज्जा ? गोयमा ! तित्थे होज्जा णो अतित्थे होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा। जइ अतित्थे होज्जा किं तित्थयरे होज्जा पत्तेयबुद्धे होज्जा ? गोयमा ! तित्थयरे वा होज्जा पत्तेयबुद्धे वा होज्जा, एवं णियंठेवि, एवं सिणाएवि ८ ॥७५७॥ पुलाए णं भंते ! किं सलिंगे होज्जा अण्णलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा ? गोयमा ! दव्वलिंगं पडुच्च सलिंगे वा होज्जा अण्णलिंगे वा होज्जा गिहिलिंगे वा होज्जा, भावलिंगं पडुच्च णियमा सलिंगे होज्जा, एवं जाव सिणाए ९ ॥ ७५८ ॥ पुलाए णं भंते ! कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा । बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा, तिसु होमाणे तिसु ओरालियतेयाकम्मएसु होज्जा, चउसु होमाणे चउसु ओरालियवेउव्वियतेयाकम्मएसु होज्जा, पंचसु होमाणे पंचसु ओरालियवेउव्वियआहारगतेयाकम्मएसु होज्जा, णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ ॥ १० ॥ ७५९ ॥ पुलाए णं भंते ! किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए होज्जा, साहरणं पडुच्च कम्मभूमीए वा होज्जा अकम्मभूमीए वा होज्जा, एवं जाव सिणाए ॥ ११ ॥ ७६० ॥

पुलाए णं भंते ! किं ओसप्पिणिकाले होज्जा उस्सप्पिणिकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणि काले वा होज्जा ? गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा । जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले होज्जा १, सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले होज्जा ४, दूसमाकाले होज्जा ५, दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, १, णो सुसमाकाले होज्जा २, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ३, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ४, णो दूसमाकाले होज्जा ५, णो दूसमदूसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च 'णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दूसमसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा । जइ उस्सप्पिणिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा दूसमाकाले होज्जा दूसमसुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले होज्जा सुसमसुसमाकाले होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, दूसमाकाले वा होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा १, दूसमाकाले होज्जा २, दूसमसुसमाकाले वा होज्जा ३, सुसमदूसमाकाले वा होज्जा ४, णो सुसमाकाले होज्जा ५, णो सुसमसुसमाकाले होज्जा ६ । जइ णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमापलिभागे होज्जा सुसमापलिभागे होज्जा सुसमदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा णो सुसमापलिभागे होज्जा णो सुसमदूसमापलिभागे होज्जा दूसमसुसमापलिभागे होज्जा । बउसे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले वा होज्जा । जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा किं सुसमसुसमाकाले० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च णो सुसमसुसमाकाले होज्जा णो सुसमाकाले होज्जा सुसमदूसमाकाले वा होज्जा दुस्समसुसमाकाले वा होज्जा दूसमाकाले वा होज्जा णो दूसमदूसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अण्णयरे समाकाले होज्जा । जइ उस्सप्पि-

णिकाले होज्जा किं दूसमदूसमाकाले होज्जा ६ पुच्छा, गोयमा ! जम्मणं पडुच्च णो दुस्समदुस्समाकाले होज्जा जहेव पुलाए, संतिभावं पडुच्च णो दूसमदूसमाकाले होज्जा णो दूसमाकाले होज्जा एवं संतिभावेणवि जहा पुलाए जाव णो सुसमसुसमाकाले होज्जा, साहरणं पडुच्च अण्णयरे समाकाले होज्जा । जइ णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा० पुच्छा, गोयमा ! जम्मणसंतिभावं पडुच्च णो सुसमसुसमापलिभागे होज्जा जहेव पुलाए जाव दूसमसुसमापलिभागे होज्जा, साहरणं पडुच्च अण्णयरे पलिभागे होज्जा, जहा बउसे एवं पडिसेवणाकुसीले वि, एवं कसायकुसीलेवि, णियंठो सिणाओ य जहा पुलाओ, णवरं एएसिं अब्भहियं साहरणं भाणियव्वं, सेसं तं चेव १२ ॥ ७६१ ॥ पुलाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ । देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसियवेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उ० णो वाणमंतरेसु उ० णो जोइसिएसु उ० वेमाणिएसु उववज्जेज्जा, वेमाणिएसु उववज्जमाणे जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे उववज्जेज्जा, बउसे णं एवं चेव णवरं उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे, पडिसेवणाकुसीले जहा बउसे, कसायकुसीले जहा पुलाए, णवरं उक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा, णियंठे णं भंते ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिएसु उववज्जमाणे अजहण्णमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा । सिणाए णं भंते ! कालगए समाणे कं गइं गच्छइ ? गोयमा ! सिद्धिगइं गच्छइ । पुलाए णं भंते ! देवेसु उववज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा, तायत्तीसगत्ताए उववज्जेज्जा लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए उववज्जेज्जा सामाणियत्ताए उववज्जेज्जा तायत्तीसगत्ताए वा उववज्जेज्जा लोगपालगत्ताए उववज्जेज्जा णो अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उववज्जेज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च इंदत्ताए वा उववज्जेज्जा जाव अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उववज्जेज्जा । णियंठे पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च णो इंदत्ताए उववज्जेजा जाव णो लोगपालत्ताए उववज्जेज्जा अहमिंदत्ताए उववज्जेज्जा, विराहणं पडुच्च अण्णयरेसु उववज्जेज्जा ।

पुलागस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठारससागरोवमाइं। बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि । कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । णियंठस्स पुच्छा, गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं १३ ॥ ७६२ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव कसायकुसीलस्स । णियंठस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प०, एवं सिणायस्सवि । एएसि णं भंते ! पुलागबउसपडिसेवणाकसायकुसीलणियंठसिणायाणं संजमट्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे णियंठस्स सिणायस्स य एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, पुलागस्स णं संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, बउसस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, कसायकुसीलस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७६३ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव सिणायस्स । पुलाए णं भंते ! पुलागस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे १, सिय तुल्ले २, सिय अब्भहिए ३, जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा । पुलाए णं भंते ! बउसस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए अणंतगुणहीणे, एवं पडिसेवणाकुसीलस्सवि, कसायकुसीलेण समं छट्ठाणवडिए जहेव सट्ठाणे, णियंठस्स जहा बउसस्स, एवं सिणायस्सवि । बउसे णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ?गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए । बउसे णं भंते ! बउसस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए, जइ हीणे छट्ठाणवडिए । बउसे णं भंते ! पडि-

सेवणाकुसीलस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे० ? छट्ठाण-वडिए, एवं कसायकुसीलस्सवि। बउसे णं भंते ! णियंठस्स परट्ठाणसण्णि-गासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंत-गुणहीणे, एवं सिणायस्सवि, पडिसेवणाकुसीलस्स एवं चेव बउसवत्तव्वया भाणियव्वा, कसायकुसीलस्स एस चेव बउसवत्तव्वया णवरं पुलाएणवि समं छट्ठाणवडिए। णियंठे णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्त-पज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं जाव कसायकुसीलस्स। णियंठे णं भंते ! णियंठस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं पुच्छा, गोयमा ! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए, एवं सिणायस्सवि। सिणाए णं भंते ! पुलागस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं एवं जहा णियंठस्स वत्तव्वया तहा सिणायस्सवि भाणियव्वा जाव–सिणाए णं भंते ! सिणायस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं पुच्छा, गोयमा ! णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए। एएसि णं भंते ! पुलागबउस-पडिसेवणाकुसीलकसाय-कुसीलणियंठसिणायाणं जहण्णुक्कोसगाणं चरित्तपज्ज-वाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! पुलागस्स कसायकुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, पुलागस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, बउसस्स पडिसेवणाकुसीलस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, बउसस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, पडिसेवणाकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, कसायकुसीलस्स उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, णियंठस्स सिणायस्स य एएसि णं अजहण्णमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा १५ ॥ ७६४ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी होज्जा णो अजोगी होज्जा। जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा ? गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा, एवं जाव णियंठे। सिणाए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सजोगी वा होज्जा अजोगी वा होज्जा, जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा सेसं जहा पुलागस्स १६ ॥ ७६५ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा, एवं जाव

सिणाए १७ ॥ ७६६ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा । जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु कोहमाणमायालोभेसु होज्जा, एवं बउसेवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले णं-पुच्छा, गोयमा ! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एगम्मि वा होज्जा, चउसु होमाणे चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा, तिसु होमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होमाणे संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगम्मि होमाणे एगम्मि संजलणलोभे होज्जा । णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! णो सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा । जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ? गोयमा ! उवसंतकसाई वा होज्जा खीणकसाई वा होज्जा, सिणाए एवं चेव, णवरं णो उवसंतकसाई होज्जा, खीणकसाई होज्जा १८ ॥ ७६७ ॥ पुलाए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तं०-तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए, एवं बउसस्सवि, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीले पुच्छा, गोयमा ! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा। जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! छसु लेस्सासु होज्जा, तं०-कण्हलेस्साए जाव सुक्कलेस्साए । णियंठे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सलेस्से होज्जा णो अलेस्से होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! एक्काए सुक्कलेस्साए होज्जा। सिणाए पुच्छा, गोयमा ! सलेस्से वा होज्जा अलेस्से वा होज्जा । जइ सलेस्से होज्जा से णं भंते ! कइसु लेस्सासु होज्जा ? गोयमा ! एगाए परमसुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७६८ ॥ पुलाए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले । णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा, णो हीयमाणपरिणामे होज्जा, अवट्ठियपरिणामे वा होज्जा, एवं सिणाएवि । पुलाए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं

समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं सत्त समया, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं भंते! केवइयं कालं वड्डमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं। केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। सिणाए णं भंते! केवइयं कालं वड्डमाणपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं। केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २०॥७६०॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ? गोयमा! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ। बउसे पुच्छा, गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, सत्त बंधमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधइ, अट्ठ बंधमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधइ, छ बंधमाणे आउयमोहणिज्जवज्जाओ छक्कम्मप्पगडीओ बंधइ। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! एगविहबंधए वा अबंधए वा, एगं बंधमाणे एगं वेयणिज्जं कम्मं बंधइ २१॥७७०॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ? गोयमा! णियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव कसायकुसीले। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! वेयणिज्जआउयणामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२॥७७१॥ पुलाए णं भंते! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ? गोयमा! आउयवेयणिज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पडिसेवणाकुसीले एवं चेव। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा!

सत्तविहउदीरए वा अट्ठविहउदीरए वा छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, सत्त उदीरेमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, अट्ठ उदीरेमाणे पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ। णियंठे–पुच्छा, गोयमा! पंचविहउदीरए वा दुविहउदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्जवज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! दुविहउदीरए वा अणुदीरए वा, दो उदीरेमाणे णामं च गोयं च उदीरेइ २३ ॥७७२॥ पुलाए णं भंते! पुलायत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ? गोयमा! पुलायत्तं जहइ कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ। बउसे णं भंते! बउसत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ? गोयमा! बउसत्तं जहइ पडिसेवणाकुसीलं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ। पडिसेवणाकुसीले णं भंते! पडिसेवणाकुसीलत्तं० पुच्छा, गोयमा! पडिसेवणाकुसीलत्तं जहइ बउसं वा कसायकुसीलं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ। कसायकुसीले णं पुच्छा, गोयमा! कसायकुसीलत्तं जहइ पुलायं वा बउसं वा पडिसेवणाकुसीलं वा णियंठं वा अस्संजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ। णियंठे णं पुच्छा, गोयमा! णियंठत्तं जहइ कसायकुसीलं वा सिणायं वा अस्संजमं वा उवसंपज्जइ। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! सिणायत्तं जहइ सिद्धिगइं उवसंपज्जइ २४ ॥ ७७३ ॥ पुलाए णं भंते! किं सण्णोवउत्ते होज्जा णोसण्णोवउत्ते होज्जा? गोयमा! णो सण्णोवउत्ते होज्जा। बउसे णं भंते! पुच्छा, गोयमा! सण्णोवउत्ते वा होज्जा णोसण्णोवउत्ते वा होज्जा, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि णियंठे सिणाए य जहा पुलाए २५ ॥ ७७४ ॥ पुलाए णं भंते! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा? गोयमा! आहारए होज्जा णो अणाहारए होज्जा, एवं जाव णियंठे। सिणाए णं पुच्छा, गोयमा! आहारए वा होज्जा अणाहारए वा होज्जा २६ ॥ ७७५ ॥ पुलाए णं भंते! कइ भवग्गहणाइं होज्जा? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिण्णि। बउसे णं पुच्छा, गोयमा! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं अट्ठ, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, एवं कसायकुसीलेवि, णियंठे जहा

पुलाए । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! एक्कं २७ ॥ ७७६ ॥ पुलागस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को उक्कोसेणं तिण्णि । बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को उक्कोसेणं सयग्गसो एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीले वि । णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्को उक्कोसेणं दोण्णि । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एक्को । पुलागस्स णं भंते ! णाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं सत्त । बउसस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं सहस्सग्गसो, एवं जाव कसायकुसीलस्स । णियंठस्स णं पुच्छा गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं पंच । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! णत्थि एक्कोवि २८ ॥ ७७७ ॥ पुलाए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं । बउसे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि, कसायकुसीलेवि । णियंठे णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । पुलाया णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । बउसा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव कसायकुसीला, णियंठा जहा पुलागा, सिणाया जहा बउसा २९ ॥ ७७८ ॥ पुलागस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं जाव णियंठस्स । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! णत्थि अंतरं । पुलायाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखेज्जाइं वासाइं । बउसा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णत्थि अंतरं, एवं जाव कसायकुसीलाणं । णियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सिणायाणं जहा बउसाणं ३० ॥ ७७९ ॥ पुलागस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तिण्णि समुग्घाया पण्णत्ता तंजहा—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए । बउसस्स णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! पंच समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए, एवं पडिसेवणा-

कुसीलेवि । कसायकुसीलस्स पुच्छा, गोयमा ! छ समुग्घाया प०, तं०–वेयणा-समुग्घाए जाव आहारगसमुग्घाए । णियंठस्स णं पुच्छा, गोयमा ! णत्थि एक्कोवि । सिणायस्स णं पुच्छा, गोयमा ! एगे केवलिसमुग्घाए प० ३१ ॥ ७८० ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा १, असंखेज्जइभागे होज्जा २, संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ३, असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ४, सव्वलोए होज्जा ५ ? गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, णो संखे-ज्जेसु भागेसु होज्जा, णो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, णो सव्वलोए होज्जा, एवं जाव णियंठे । सिणाए णं पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे होज्जा णो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, सव्वलोए वा होज्जा ३२ ॥ ७८१ ॥ पुलाए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ असंखेज्जइभागं फुसइ०? एवं जहा ओगाहणा भणिया तहा फुसणावि भाणियव्वा जाव सिणाए ३३ ॥७७२ ॥ पुलाए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा, एवं जाव कसायकुसीले । णियंठे पुच्छा, गोयमा ! उवसमिए वा भावे होज्जा खइए वा भावे होज्जा । सिणाए पुच्छा, गोयमा ! खइए भावे होज्जा ३४ ॥ ७८३ ॥ पुलाया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं । बउसा णं भंते ! एगसमएणं० पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि जइअत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, एवं पडिसेवणाकुसीलेवि । कसायकुसीलाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिसहस्सपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसहस्सपुहुत्तं । णियंठाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं बावट्ठं सयं–अट्ठसयं खवगाणं चउप्पण्णं उवसामगाणं, पुव्व-

पडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं। सिणायाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं। एएसि णं भंते ! पुलागबउसपडिसेवणाकुसीलकसायकुसीलणियंठसिणायाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा णियंठा, पुलाया संखेज्जगुणा, सिणाया संखेज्जगुणा, बउसा संखेज्जगुणा, पडिसेवणाकुसीला संखेज्जगुणा, कसायकुसीला संखेज्जगुणा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ७८४ ॥

पंचवीसइमं सयं सत्तमो उद्देसो

कइ णं भंते ! संजया प० ? गोयमा ! पंच संजया प०, तं०—सामाइयसंजए छेओवट्ठावणियसंजए परिहारविसुद्धियसंजए सुहुमसंपरायसंजए अहक्खायसंजए। सामाइयसंजए णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य, छेओवट्ठावणियसंजए णं पुच्छा, गोयमा ! दुविहे प०, तं०—साइयारे य णिरइयारे य। परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! दुविहे प०, तं०—णिव्विसमाणए य णिव्विट्ठकाइए य। सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा ! दुविहे प०, तं०—संकिलिस्समाणए य विसुद्धमाणए य। अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! दुविहे प०, तं०—छउमत्थे य केवली य। गाहाओ—सामाइयंमि उ कए चाउज्जामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेण फासयंतो सामाइयसंजओ स खलु ॥ १ ॥ छेत्तूण उ परियागं पोराणं जो ठवेइ अप्पाणं। धम्मंमि पंचजामे छेओवट्ठावणो स खलु ॥ २ ॥ परिहरइ जो विसुद्धं तु पंचजामं अणुत्तरं धम्मं। तिविहेणं फासयंतो परिहारियसंजओ स खलु ॥ ३ ॥ लोभाणु वेययंतो जो खलु उवसामओ व खवओ वा। सो सुहुम संपराओ अहखाया ऊणओ किंचि ॥ ४ ॥ उवसंते खीणंमि व जो खलु कम्मंमि मोहणिज्जंमि। छउमत्थो व जिणो वा अहखाओ संजओ स खलु ॥५॥ ७८५ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सवेयए होज्जा अवेयए होज्जा ? गोयमा ! सवेयए वा होज्जा अवेयए वा होज्जा, जइ सवेयए होज्जा० एवं जहा कसाय-

कुसीले तहेव णिरवसेसं, एवं छेदोवट्ठावणियसंजएवि, परिहारविसुद्धियसंजओ जहा पुलाओ, सुहुमसंपरायसंजओ अहक्खायसंजओ य जहा णियंठो २। सामाइयसंजए णं भंते ! किं सरागे होज्जा वीयरागे होज्जा ? गोयमा ! सरागे होज्जा णो वीयरागे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खायसंजए जहा णियंठे ३। सामाइयसंजए णं भंते ! किं ठियकप्पे होज्जा अट्ठियकप्पे होज्जा ? गोयमा ! ठियकप्पे वा होज्जा अट्ठियकप्पे वा होज्जा। छेदोवट्ठावणियसंजए पुच्छा, गोयमा ! ठियकप्पे होज्जा णो अट्ठियकप्पे होज्जा, एवं परिहारविसुद्धियसंजएवि, सेसा जहा सामाइयसंजए। सामाइयसंजए णं भंते! किं जिणकप्पे होज्जा थेरकप्पे होज्जा कप्पाईए होज्जा ? गोयमा ! जिणकप्पे वा होज्जा जहा कसायकुसीले तहेव, णिरवसेसं, छेदोवट्ठावणिओ परिहारविसुद्धिओ य जहा बउसो, सेसा जहा णियंठे ४॥ ७८६॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं पुलाए होज्जा बउसे जाव सिणाए होज्जा ? गोयमा ! पुलाए वा होज्जा बउसे जाव कसायकुसीले वा होज्जा, णो णियंठे होज्जा णो सिणाए होज्जा, एवं छेदोवट्ठावणिएवि। परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णो पुलाए णो बउसे पडिसेवणाकुसीले होज्जा, कसायकुसीले होज्जा, णो णियंठे होज्जा णो सिणाए होज्जा, एवं सुहुमसंपराएवि। अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! णो पुलाए होज्जा जाव णो कसायकुसीले होज्जा, णियंठे वा होज्जा सिणाए वा होज्जा ५। सामाइयसंजए णं भंते ! किं पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा ? गोयमा ! पडिसेवए वा होज्जा अपडिसेवए वा होज्जा, जइ पडिसेवए होज्जा किं मूलगुणपडिसेवए होज्जा० सेसं जहा पुलागस्स, जहा सामाइयसंजए एवं छेदोवट्ठावणिएवि। परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! णो पडिसेवए होज्जा अपडिसेवए होज्जा, एवं जाव अहक्खायसंजए ६। सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा णाणेसु होज्जा, एवं जहा कसायकुसीलस्स तहेव चत्तारि णाणाइं भयणाए, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजयस्स पंच णाणाइं भयणाए जहा णाणुद्देसए। सामाइयसंजए णं भंते ! केवइयं सुयं अहिज्जेज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि। परिहारविसुद्धियसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं णवमस्स पुव्वस्स तइयं आयारवत्थुं उक्को-

सेणं असंपुण्णाइं दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा, सुहुमसंपरायसंजए जहा सामाइय-संजए। अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ पवयणमायाओ उक्कोसेणं चउद्दस पुव्वाइं अहिज्जेज्जा सुयवइरित्ते वा होज्जा ७। सामाइयसंजए णं भंते! किं तित्थे होज्जा, अतित्थे होज्जा ? गोयमा तित्थे वा होज्जा अतित्थे वा होज्जा जहा कसायकुसीले, छेदोवट्ठावणिए परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ८। सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलिंगे होज्जा अण्णलिंगे होज्जा गिहिलिंगे होज्जा ? जहा पुलाए, एवं छेदोवट्ठावणिएवि। परिहारविसुद्धियसंजए णं भंते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! दव्वलिंगंपि भावलिंगंपि पडुच्च सलिंगे होज्जा णो अण्णलिंगे होज्जा णो गिहिलिंगे होज्जा, सेसा जहा सामाइयसंजए ९। सामाइयसंजए णं भंते ! कइसु सरीरेसु होज्जा ? गोयमा ! तिसु वा चउसु वा पंचसु वा होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, सेसा जहा पुलाए १०। सामाइयसंजए णं भंते ! किं कम्मभूमीए होज्जा अकम्मभूमीए होज्जा ? गोयमा ! जम्मणं संतिभावं च पडुच्च कम्मभूमीए होज्जा णो अकम्मभूमीए जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए य जहा पुलाए, सेसा जहा सामाइयसंजए ११॥ ७८७॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं ओसप्पिणीकाले होज्जा उस्सप्पिणीकाले होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले होज्जा? गोयमा ! ओसप्पिणीकाले जहा बउसे, एवं छेओवट्ठावणिएवि, णवरं जम्मणं संतिभावं च पडुच्च चउसुवि पलिभागेसु णत्थि, साहरणं पडुच्च अण्णयरे पलिभागे होज्जा, सेसं तं चेव। परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! ओसप्पिणिकाले वा होज्जा उस्सप्पिणिकाले वा होज्जा णोओसप्पिणिणोउस्सप्पिणिकाले णो होज्जा, जइ ओसप्पिणिकाले होज्जा जहा पुलाओ, उस्सप्पिणिकालेवि जहा पुलाओ, सुहुमसंपराइओ जहा णियंठो, एवं अहक्खाओवि १२॥७८८॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कालगए समाणे किं गइं गच्छइ ? गोयमा ! देवगइं गच्छइ, देवगइं गच्छमाणे किं भवणवासीसु उववज्जेज्जा वाणमंतरेसु उववज्जेज्जा जोइसिएसु उववज्जेज्जा वेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो भवणवासीसु उववज्जेज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेओवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा णियंठे। अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! एवं अहक्खायसंजएवि जाव अजहण्णमणुक्कोसेणं अणुत्तरविमाणेसु उववज्जेज्जा,

अत्थेगइए सिज्झइ जाव अंतं करेइ । सामाइयसंजए णं भंते ! देवलोगेसु उव-वज्जमाणे किं इंदत्ताए उववज्जइ पुच्छा, गोयमा ! अविराहणं पडुच्च एवं जहा कसायकुसीले एवं छेदोवट्ठावणिएवि । परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सेसा जहा णियंठे। सामाइयसंजयस्स णं भंते ! देवलोगेसु उववज्जमाणस्स केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जहण्णेणं दो पलिओवमाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं दो पलि-ओवमाइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, सेसाणं जहा णियंठस्स १३ ॥७८९॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया संजमट्ठाणा प० ? गोयमा ! असंखेज्जा संजमट्ठाणा प०, एवं जाव परिहारविसुद्धियस्स । सुहुमसंपरायसंजयस्स पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जा अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा प०। अहक्खाय संजयस्स पुच्छा, गोयमा ! एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमट्ठाणे प० । एएसि णं भंते ! सामाइय-छेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं संजमट्ठाणाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे अहक्खायसंजयस्स एगे अजहण्णमणुक्कोसए संजमट्ठाणे, सुहुमसंपरायसंजयस्स अंतोमुहुत्तिया संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, परिहारविसुद्धियसंजयस्स संजमट्ठाणा असंखेज्जगुणा, सामाइय-संजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं संजमट्ठाणा दोण्हवि तुल्ला असंखेज्जगुणा १४ ॥ ७९० ॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइया चरित्तपज्जवा प० ? गोयमा ! अणंता चरित्तपज्जवा प०, एवं जाव अहक्खायसंजयस्स । सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स सट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं किं हीणे तुल्ले अब्भहिए ? गोयमा ! सिय हीणे छट्ठाणवडिए । सामाइयसंजए णं भंते ! छेदोवट्ठावणियसंजयस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवेहिं० पुच्छा, गोयमा ! सिय हीणे छट्ठाणवडिए, एवं परिहारविसुद्धियस्सवि । सामाइयसंजए णं भंते ! सुहुमसंपरायसंजयस्स परट्ठाणसण्णिगासेणं चरित्तपज्जवे० पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, एवं अहक्खायसंजयस्सवि एवं छेदोवट्ठावणिएवि, हेट्ठिल्लेसु तिसुवि समं छट्ठाणवडिए, उवरिल्लेसु दोसु तहेव हीणे, जहा छेदोवट्ठावणिए तहा परिहारविसुद्धिएवि । सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा ! णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, एवं छेदोवट्ठावणिय परिहारविसुद्धिएसुवि समं,

सट्ठाणे सिय हीणे णो तुल्ले सिय अब्भहिए, जइहीणे अणंतगुणहीणे, अह (जइ) अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए । सुहुमसंपरायसंजयस्स अहक्खायसंजयस्स परट्ठाण० पुच्छा, गोयमा ! हीणे णो तुल्ले णो अब्भहिए, अणंतगुणहीणे, अहक्खाए हेट्ठिल्लाणं चउण्हवि णो हीणे णो तुल्ले अब्भहिए अणंतगुणमब्भहिए, सट्ठाणे णो हीणे तुल्ले णो अब्भहिए । एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहार-विसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं जहण्णुक्कोसगाणं चरित्तपज्जवाणं कयरे कयरे जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणिय-संजयस्स य एएसि णं जहण्णगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला सव्वत्थोवा, परि-हारविसुद्धियसंजयस्स जहण्णगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा, सामाइयसंजयस्स छेदोवट्ठावणियसंजयस्स य एएसि णं उक्कोसगा चरित्तपज्जवा दोण्हवि तुल्ला अणंतगुणा, सुहुमसंपरायसंजयस्स जहण्णगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा तस्स चेव उक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंत-गुणा, अहक्खायसंजयस्स अजहण्णमणुक्कोसगा चरित्तपज्जवा अणंतगुणा १५ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं सजोगी होज्जा अजोगी होज्जा ? गोयमा ! सजोगी जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपरायसंजए, अहक्खाए जहा सिणाए १६ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सागारोवउत्ते जहा पुलाए, एवं जाव अहक्खाए, णवरं सुहुमसंपराए सागारोवउत्ते होज्जा णो अणागारोवउत्ते होज्जा १७ । सामाइय-संजए णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ? गोयमा ! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा, जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परि-हारविसुद्धिए जहा पुलाए । सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! सकसाई होज्जा णो अकसाई होज्जा । जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कइसु कसाएसु होज्जा ? गोयमा ! एगम्मि संजलणलोभे होज्जा, अहक्खायसंजए जहा णियंठे १८ । सामाइयसंजए णं भंते ! किं सलेस्से होज्जा अलेस्से होज्जा ? गोयमा ! सलेस्से होज्जा जहा कसायकुसीले, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहा पुलाए, सुहुमसंपराए जहा णियंठे, अहक्खाए जहा सिणाए, णवरं जइ सलेस्से होज्जा एगाए सुक्कलेस्साए होज्जा १९ ॥ ७९१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा हीयमाणपरिणामे होज्जा अवट्ठियपरिणामे होज्जा ?

गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे होज्जा जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए। सुहुमसंपराय० पुच्छा, गोयमा ! वड्ढमाणपरिणामे वा होज्जा हीयमाणपरिणामे वा होज्जा णो अवट्ठियपरिणामे होज्जा, अहक्खाए जहा णियंठे। सामाइय-संजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं जहा पुलाए, एवं जाव परिहारविसुद्धिए। सुहुमसंपरायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। केवइयं कालं हीयमाणपरिणामे होज्जा एवं चेव। अहक्खायसंजए णं भंते ! केवइयं कालं वड्ढमाणपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, केवइयं कालं अवट्ठियपरिणामे होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी २० ॥ ७९२ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा एवं जहा बउसे, एवं जाव परिहारविसुद्धिए। सुहुमसंपरायसंजए पुच्छा, गोयमा ! आउयमोहणिज्जवज्जाओ छ कम्मप्पग-डीओ बंधइ, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २१ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेइ ? गोयमा ! णियमं अट्ठ कम्मप्पगडीओ वेदेइ, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खाए पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहवेयए वा चउव्विह-वेयए वा, सत्त वेदेमाणे मोहणिज्जवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ वेदेइ, चत्तारि वेदेमाणे वेयणिज्जआउयणामगोयाओ चत्तारि कम्मप्पगडीओ वेदेइ २२। सामाइयसंजए णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ ? गोयमा ! सत्तविह० जहा बउसो, एवं जाव परिहारविसुद्धिए। सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! छव्विहउदीरए वा पंचविहउदीरए वा, छ उदीरेमाणे आउयवेयणिज्ज-वज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ उदीरेइ, पंच उदीरेमाणे आउयवेयणिज्जमोहणिज्ज-वज्जाओ पंच कम्मप्पगडीओ उदीरेइ। अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! पंच-विहउदीरए वा दुविहउदीरए वा, अणुदीरए वा, पंच उदीरेमाणे आउय० सेसं जहा णियंठस्स २३ ॥ ७९३ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! सामाइयसंजयत्तं जहमाणे किं जहइ किं उवसंपज्जइ ? गोयमा ! सामाइयसंजयत्तं जहइ छेदो-वट्ठावणियसंजयं वा सुहुमसंपरायसंजयं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ। छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! छेदोवट्ठावणियसंजयत्तं जहइ

सामाइयसंजमं वा परिहारविसुद्धियसंजमं वा सुहुमसंपरायसंजमं वा असंजमं वा संजमासंजमं वा उवसंपज्जइ। परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! परिहारविसुद्धियसंजयत्तं जहइ छेदोवट्ठावणियसंजयत्तं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ। सुहुमसंपराए पुच्छा, गोयमा ! सुहुमसंपरायसंजयत्तं जहइ सामाइयसंजमं वा छेदोवट्ठावणियसंजमं वा अहक्खायसंजमं वा असंजमं वा उवसंपज्जइ। अहक्खायसंजए णं पुच्छा, गोयमा ! अहक्खायसंजयत्तं जहइ सुहुमसंपरायसंजमं वा असंजमं वा सिद्धिगइं वा उवसंपज्जइ २४ ॥ ७९४ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! किं सण्णोवउत्ते होज्जा णोसण्णोवउत्ते होज्जा ? गोयमा ! सण्णोवउत्ते होज्जा जहा बउसो, एवं जाव परिहारविसुद्धिए, सुहुमसंपराए अहक्खाए य जहा पुलाए २५। सामाइयसंजए णं भंते ! किं आहारए होज्जा अणाहारए होज्जा ? जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए, अहक्खायसंजए जहा सिणाए २६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कइ भवग्गहणाइं होज्जा ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं अट्ठ, एवं छेदोवट्ठावणिएवि। परिहारविसुद्धिए पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिण्णि, एवं जाव अहक्खाए २७ ॥७९५॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! एगभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहण्णेणं जहा बउसस्स छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं वीसपुहुत्तं परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं तिण्णि सुहुमसंपरायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं चत्तारि। अहक्खायस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं उक्कोसेणं दोण्णि। सामाइयसंजयस्स णं भंते ! णाणाभवग्गहणिया केवइया आगरिसा प० ? गोयमा ! जहा बउसे। छेदोवट्ठावणियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं उवरिं णवण्हं सयाणं अंतो सहस्सस्स, परिहारविसुद्धियस्स जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं सत्त, सुहुमसंपरायस्स जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं णव, अहक्खायस्स जहण्णेणं दोण्णि उक्कोसेणं पंच २८ ॥ ७९६ ॥ सामाइयसंजए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं णवहिं वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, एवं छेदोवट्ठावणिएवि, परिहारविसुद्धिए जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणएहिं एगूणतीसाए वासेहिं ऊणिया पुव्वकोडी, सुहुमसंपराए जहा णियंठे, अहक्खाए जहा सामाइयसंजए।

सामाइयसंजया णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होंति ? गोयमा ! सव्वद्धं। छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं उक्कोसेणं पण्णासं सागरोवमकोडिसयसहस्साइं। परिहारविसुद्धिएसु पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं देसूणाइं दो वाससयाइं उक्कोसेणं देसूणाओ दो पुव्वकोडीओ। सुहुमसंपरायसंजया णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, अहक्खायसंजया जहा सामाइयसंजया २६॥ सामाइयसंजयस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं जहा पुलागस्स एवं जाव अहक्खायसंजयस्स। सामाइयसंजयाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णत्थि अंतरं। छेदोवट्ठावणिय० पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं तेवट्ठि वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ। परिहारविसुद्धियस्स पुच्छा, गोयमा ! जहण्णेणं चउरासीइं वाससहस्साइं उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, सुहुमसंपरायाणं जहा णियंठाणं, अहक्खायाणं जहा सामाइयसंजयाणं ३०। सामाइयसंजयस्स णं भंते ! कइ समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! छ समुग्घाया पण्णत्ता, जहा कसायकुसीलस्स, एवं छेदोवट्ठावणियस्सवि, परिहारविसुद्धियस्स जहा पुलागस्स, सुहुमसंपरायस्स जहा णियंठस्स, अहक्खायस्स जहा सिणायस्स ३१। सामाइयसंजए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागे होज्जा असंखेज्जइभागे० पुच्छा, गोयमा ! णो संखेज्जइ० जहा पुलाए, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खायसंजए जहा सिणाए ३२। सामाइयसंजए णं भंते ! लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसइ जहेव होज्जा तहेव फुसइ ३३। सामाइयसंजए णं भंते ! कयरम्मि भावे होज्जा ? गोयमा ! खओवसमिए भावे होज्जा, एवं जाव सुहुमसंपराए। अहक्खायसंजए पुच्छा, गोयमा ! उवसमिए वा खइए वा भावे होज्जा ३४। सामाइयसंजया णं भंते ! एगसमएणं केवइया होज्जा ? गोयमा ! पडिवज्जमाणए य पडुच्च जहा कसायकुसीला तहेव णिरवसेसं। छेदोवट्ठावणिया पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयपुहुत्तं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं कोडिसयपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिसयपुहुत्तं, परिहारविसुद्धिया जहा पुलाया, सुहुमसंपराया जहा णियंठा। अहक्खायसंजयाणं पुच्छा, गोयमा ! पडिवज्जमाणए पडुच्च सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं बावट्ठसयं अट्ठुत्तरसयं

खवगाणं चउप्पण्णं उवसामगाणं, पुव्वपडिवण्णए पडुच्च जहण्णेणं कोडिपुहुत्तं उक्कोसेणवि कोडिपुहुत्तं। एएसि णं भंते ! सामाइयछेदोवट्ठावणियपरिहारविसुद्धियसुहुमसंपरायअहक्खायसंजयाणं कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमसंपरायसंजया, परिहारविसुद्धियसंजया संखेज्जगुणा, अहक्खायसंजया संखेज्जगुणा, छेदोवट्ठावणियसंजया संखेज्जगुणा, सामाइयसंजया संखेज्जगुणा ३६ ॥७९७॥ पडिसेवण दोसालोयणा य आलोयणारिहे चेव। तत्तो सामायारी पायच्छित्ते तवे चेव ॥१॥ कइविहा णं भंते ! पडिसेवणा प० ? गोयमा ! दसविहा पडिसेवणा प०, तं०—दप्प १ प्पमाद २ ऽणाभोगे ३, आउरे ४ आवती ५ ति य। संकिण्णे ६ सहसक्कारे ७ भय ८ प्पओसा ९ य वीमंसा १० ॥१॥ दस आलोयणादोसा प०, तंजहा—आकंपइत्ता १ अणुमाणइत्ता २ जं दिट्ठं ३ बायरं च ४ सुहुमं वा ५। छण्णं ६ सद्दाउलयं ७ बहुजण ८ अव्वत्त ९ तस्सेवी १० ॥२॥ दसहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ अत्तदोसं आलोइत्तए, तंजहा—जाइसंपण्णे १, कुलसंपण्णे २, विणयसंपण्णे ३, णाणसंपण्णे ४, दंसणसंपण्णे ५, चरित्तसंपण्णे ६, खंते ७, दंते ८, अमाई ९, अपच्छाणुतावी १०। अट्ठहिं ठाणेहिं संपण्णे अणगारे अरिहइ आलोयणं पडिच्छित्तए, तं०—आयारवं १, आहारवं २, ववहारवं ३, उव्वीलए ४, पकुव्वए ५, अपरिस्सावी ६, णिज्जवए ७, अवायदंसी ८ ॥७९८॥ दसविहा सामायारी प०, तंजहा—इच्छा १ मिच्छा २ तहक्कारे ३, आवस्सिया य ४, णिसीहिया ५। आपुच्छणा य ६, पडिपुच्छा ७, छंदणा य ८, णिमंतणा ९ ॥१॥ उवसंपया १० य काले, सामायारी भवे दसहा ॥७९९॥ दसविहे पायच्छित्ते प०, तं०—आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउसग्गारिहे तवारिहे छेदारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे ॥८००॥ दुविहे तवे पण्णत्ते, तंजहा—बाहिरए य अब्भितरए य। से किं तं बाहिरए तवे ? बाहिरए तवे छव्विहे प०, तं०—अणसणं ओमोयरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाओ कायकिलेसो पडिसंलीणया ॥ १ ॥ से किं तं अणसणे ? अणसणे दुविहे प०, तं—इत्तरिए य आवकहिए य। से किं तं इत्तरिए ? इत्तरिए अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—चउत्थे भत्ते छट्ठे भत्ते अट्ठमे भत्ते दसमे भत्ते दुवालसमे भत्ते चउद्दसमे भत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते तेमासिए भत्ते जाव छम्मासिए

भत्ते, सेत्तं इत्तरिए। से किं तं आवकहिए ? आवकहिए दुविहे प०, तंजहा—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य। से किं तं पाओवगमणे ? पाओवगमणे दुविहे प०, तं०—णीहारिमे य अणीहारिमे य णियमं अपडिक्कमे, से तं पाओवगमणे, से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ? भत्तपच्चक्खाणे दुविहे प०, तं०—णीहारिमे य अणीहारिमे य णियमं सपडिक्कमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे, सेत्तं आवकहिए, सेत्तं अणसणे। से किं तं ओमोयरिया ? ओमोयरिया दुविहा प०, तं०—दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य। से किं तं दव्वोमोयरिया ? दव्वोमोयरिया दुविहा प०, तं०—उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्तपाणदव्वोमोयरिया य। से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया ? उवगरणदव्वोमोयरिया तिविहा प०, तं०—एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया, सेत्तं उवगरणदव्वोमोयरिया। से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया ? भत्तपाणदव्वोमोयरिया अट्ठकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारं आहारेमाणे अप्पाहारे दुवालस० जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव णो पकामरसभोईति वत्तव्वं सिया, सेत्तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया, सेत्तं दव्वोमोयरिया। से किं तं भावोमोयरिया ? भावोमोयरिया अणेगविहा प०, तं०—अप्पकोहे जाव अप्पलोभे अप्पसद्दे अप्पझंझे अप्पतुमंतुमे, सेत्तं भावोमोयरिया, सेत्तं ओमोयरिया। से किं तं भिक्खायरिया ? भिक्खायरिया अणेगविहा प०, तं०—दव्वाभिग्गहचरए जहा उववाइए जाव सुद्धेसणिए संखादत्तिए, सेत्तं भिक्खायरिया। से किं तं रसपरिच्चाए ? रसपरिच्चाए अणेगविहे प०, तं०—णिव्विगिइए पणीयरसविवज्जए जहा उववाइए जाव लूहाहारे, सेत्तं रसपरिच्चाए। से किं तं कायकिलेसे ? २ अणेगविहे प०, तं०—ठाणाईए उक्कुडुयासणिए जहा उववाइए जाव सव्वगायपडिकम्मविभूसविप्पमुक्के, सेत्तं कायकिलेसे। से किं तं पडिसंलीणया ? पडिसंलीणया चउव्विहा प०, तं०—इंदियपडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणासणसेवणया। से किं तं इंदियपडिसंलीणया ? इंदियपडिसंलीणया पंचविहा प०, तं०—सोइंदियविसयप्पयारणिरोहो वा सोइंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो चक्खिदियविसय० एवं जाव फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा फासिंदियविसयप्पत्तेसु वा अत्थेसु रागदोसविणिग्गहो, सेत्तं इंदियपडिसंलीणया। से किं तं कसायपडिसंलीणया ? कसायपडिसंलीणया चउव्विहा प०, तं०—कोहोदयणिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं एवं जाव लोभोदयणिरोहो वा उदयप्पत्तस्स वा लोभस्स

विफलीकरणं, सेत्तं कसायपडिसंलीणया। से किं तं जोगपडिसंलीणया? जोग-पडिसंलीणया तिविहा प०,तं०—मणजोगप० वइजोगप० कायजोगपडिसंलीणया। से किं तं मणजोगपडिसंलीणया? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलमणणिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा मणस्स वा एगत्तीभावकरणं। से किं तं वइजोगपडि-संलीणया? २ तिविहा प०, तं०—अकुसलवइणिरोहो वा कुसलवइउदीरणं वा वईए वा एगत्तीभावकरणं। से किं तं कायपडिसंलीणया? कायपडिसंलीणया जण्णं सुसमाहियपसंतसाहरियपाणिपाए कुम्मो इव गुत्तिदिए अल्लीणे-पल्लीणे चिट्ठइ, सेत्तं कायपडिसंलीणया, सेत्तं जोगपडिसंलीणया। से किं तं विवित्त-सयणासणसेवणया? विवित्तसयणासणसेवणया जण्णं आरामेसु वा उज्जाणेसु वा जहा सोमिलुद्देसए जाव सेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, सेत्तं विवित्त-सयणासणसेवणया, सेत्तं पडिसंलीणया, सेत्तं बाहिरए तवे १। से किं तं अब्भितरए तवे? अब्भितरए तवे छव्विहे प०, तं०—पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं विउसग्गो। से किं तं पायच्छित्ते? पायच्छित्ते दसविहे प०, तंजहा—आलोयणारिहे जाव पारंचियारिहे, सेत्तं पायच्छित्ते। से किं तं विणए? विणए सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा—णाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोगोवयारविणए। से किं तं णाणविणए? णाणविणए पंचविहे प०, तंजहा—आभिणिबोहियणाणविणए जाव केवलणाणविणए, सेत्तं णाणविणए। से किं तं दंसणविणए? दंसणविणए दुविहे प०, तं०—सुस्सूसणा-विणए य अणच्चासायणाविणए य। से किं तं सुस्सूसणाविणए? सुस्सूसणा-विणए अणेगविहे प०, तं०—सक्कारेइ वा सम्माणेइ वा जहा चउद्दसमसए तइए उद्देसए जाव पडिसंसाहणया, सेत्तं सुस्सूसणाविणए। से किं तं अणच्चा-सायणाविणए? अणच्चासायणाविणए पणयालीसइविहे प०, तं०—अरिहंताणं अणच्चासायणया अरिहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया आयरियाणं अणच्चासायणया उवज्झायाणं अणच्चासायणया थेराणं अणच्चासायणया कुल-स्स अणच्चासायणया गणस्स अणच्चासायणया संघस्स अणच्चासायणया किरि-याए अणच्चासायणया संभोगस्स अणच्चासायणया आभिणिबोहियणाणस्स अण-च्चासायणया जाव केवलणाणस्स अणच्चासायणया १५, एएसिं चेव भत्तिबहु-माणेणं एएसिं चेव वण्णसंजलणया, सेत्तं अणच्चासायणयाविणए, सेत्तं

दंसणविणए। से किं तं चरित्तविणए? चरित्तविणए पंचविहे पण्णत्ता, तं०–सामाइयचरित्तविणए जाव अहक्खायचरित्तविणए, सेत्तं चरित्तविणए। से किं तं मणविणए? मणविणए दुविहे प०, तं०–पसत्थमणविणए य अप्पसत्थमणविणए य। से किं तं पसत्थमणविणए? पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तंजहा–अपावए असावज्जे अकिरिए णिरुवक्केसे अणण्हयकरे अच्छविकरे अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थमणविणए। से किं तं अप्पसत्थमणविणए? अप्पसत्थमणविणए सत्तविहे प०, तं०–पावए सावज्जे सकिरिए सउवक्केसे अण्हयकरे छविकरे भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थमणविणए, सेत्तं मणविणए। से किं तं वइविणए? वइविणए दुविहे प०, तं०–पसत्थवइविणए य अप्पसत्थवइविणए य। से किं तं पसत्थवइविणए? पसत्थवइविणए सत्तविहे पण्णत्ता, तंजहा–अपावए असावज्जे जाव अभूयाभिसंकणे, सेत्तं पसत्थवइविणए। से किं तं अप्पसत्थवइविणए? अप्पसत्थवइविणए सत्तविहे पण्णत्ता, तंजहा–पावए सावज्जे जाव भूयाभिसंकणे, सेत्तं अप्पसत्थवइविणए, सेत्तं वइविणए। से किं तं कायविणए? कायविणए दुविहे पण्णत्ता, तंजहा–पसत्थकायविणए य अप्पसत्थकायविणए य। से किं तं पसत्थकायविणए? पसत्थकायविणए सत्तविहे पण्णत्ता, तंजहा–आउत्तं गमणं आउत्तं ठाणं आउत्तं णिसीयणं आउत्तं तुयट्टणं आउत्तं उल्लंघणं आउत्तं पल्लंघणं आउत्तं सव्विदियजोगजुंजणया, सेत्तं पसत्थकायविणए। से किं तं अप्पसत्थकायविणए? अप्पसत्थकायविणए सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा–अणाउत्तं गमणं जाव अणाउत्तं सव्विदियजोगजुंजणया, सेत्तं अप्पसत्थकायविणए, सेत्तं कायविणए। से किं तं लोगोवयारविणए? लोगोवयारविणए सत्तविहे प०, तं–अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेऊं कयपडिकइया अत्तगवेसणया देसकालण्णया सव्वत्थेसु अप्पडिलोमया, सेत्तं लोगोवयारविणए, सेत्तं विणए। से किं तं वेयावच्चे? वेयावच्चे दसविहे प०, तं०–आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे थेरवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे सेहवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे, सेत्तं वेयावच्चे। से किं तं सज्झाए? सज्झाए पंचविहे प०, तं०–वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, सेत्तं सज्झाए॥ ८०१॥ से किं तं झाणे? झाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–अट्टे झाणे रोद्दे झाणे धम्मे झाणे

सुक्के झाणे । अट्टे झाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—अमणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ १, मणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ २, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगसइसमण्णागए यावि भवइ ३, परिज्झुसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगसइसमण्णाए यावि भवइ ४। अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०—कंदणया सोयणया तिप्पणया परिदेवणया १। रोद्दे झाणे चउव्विहे प०, तं०—हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेयाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रोद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०—ओसण्णदोसे बहुलदोसे अण्णाणदोसे आमरणांतदोसे २। धम्मे झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—आणाविजए अवायविजए विवागविजए संठाणविजए। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०, तं०—आणारुई णिसग्गरुई सुत्तरुई ओगाढरुई। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०—वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा धम्मकहा। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प०, तं०—एगत्ताणुप्पेहा अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा ३। सुक्के झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे प०, तं०—पुहुत्तवियक्के सवियारी १, एगंतवियक्के अवियारी २, सुहुमकिरिए अणियट्टी ३, समुच्छिण्णकिरिए अप्पडिवाई ४। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा प०,तं०—खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा प०, तं०—अव्वहे असंमोहे विवेगे विउग्गे। सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ प०, तं०—अणंतवत्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा असुभाणुप्पेहा अवायाणुप्पेहा ४, सेत्तं झाणे॥ ८०२॥ से किं तं विउसग्गे? विउसग्गे दुविहे प०, तं—दव्वविउसग्गे य भावविउसग्गे य। से किं तं दव्वविउसग्गे? दव्वविउसग्गे चउव्विहे प०, तं०—गणविउसग्गे सरीरविउसग्गे उवहिविउसग्गे भत्तपाणविउसग्गे, सेत्तं दव्वविउसग्गे। से किं तं भावविउसग्गे? भावविउसग्गे तिविहे प०, तं०—कसायविउसग्गे संसारविउसग्गे कम्मविउसग्गे। से किं तं कसायविउसग्गे? कसायविउसग्गे चउव्विहे प०, तं०—कोहविउसग्गे माणविउसग्गे मायाविउसग्गे लोभविउसग्गे, सेत्तं कसायविउसग्गे। से किं तं संसारविउसग्गे? संसारविउसग्गे चउव्विहे प०, तं०—णेरइयसंसारविउसग्गे जाव देवसंसारविउसग्गे, सेत्तं संसारविउसग्गे। से किं तं कम्मविउसग्गे? कम्मविउसग्गे अट्ठविहे प०,तं०—णाणावर-

णिज्जकम्मविउसग्गे जाव अंतराइयकम्मविउसग्गे, सेत्तं कम्मविउसग्गे सेत्तं भावविउसग्गे, सेत्तं अब्भितरए तवे। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ८०३ ॥

पंचवीसइमं सयं ८–१२ उद्देसा

रायगिहे जाव एवं वयासी–णेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहाणामए पवए पवमाणे अज्झवसाणणिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं ठाणं विप्पजहित्ता पुरिमं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ एवामेव एएवि जीवा पवओविव पवमाणा अज्झवसाणणिव्वत्तिएणं करणोवाएणं सेयकाले तं भवं विप्पजहित्ता पुरिमं भवं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति। तेसि णं भंते! जीवाणं कहं सीहा गई कहं सीहे गइविसए प०? गोयमा! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे बलवं एवं जहा चउद्दसमसए पढमुद्देसए जाव तिसमएण वा विग्गहेणं उववज्जंति, तेसि णं जीवाणं तहा सीहा गई तहा सीहे गइविसए प०। ते णं भंते! जीवा कहं परभवियाउयं पकरेंति? गोयमा! अज्झवसाणजोगणिव्वत्तिएणं करणोवाएणं एवं खलु ते जीवा परभवियाउं पकरेंति। तेसि णं भंते! जीवाणं कहं गई पवत्तइ? गोयमा! आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं, एवं खलु तेसिं जीवाणं गई पवत्तइ। ते णं भंते! जीवा किं आइड्ढीए उववज्जंति परिड्ढीए उववज्जंति? गोयमा! आइड्ढीए उववज्जंति णो परिड्ढीए उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा किं आयकम्मुणा उववज्जंति परकम्मुणा उववज्जंति? गोयमा! आयकम्मुणा उववज्जंति णो परकम्मुणा उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा किं आयप्पओगेणं उववज्जंति परप्पओगेणं उववज्जंति? गोयमा! आयप्पओगेणं उववज्जंति णो परप्पओगेणं उववज्जंति। असुरकुमारा णं भंते! कहं उववज्जंति? जहा णेरइया तहेव णिरवसेसं जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं एगिंदियवज्जा जाव वेमाणिया, एगिंदिया तं चेव णवरं चउसमइओ विग्गहो, सेसं तं चेव। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८०४ ॥ २५। ८॥ भवसिद्धियणेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहाणामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८०५ ॥ २५। ९॥ अभवसिद्धियणेरइया णं भंते! कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहाणामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं जाव वेमाणिए। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८०६ ॥ २५। १०॥

सम्मदिट्ठिणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव एवं एगिंदियवज्जं जाव वेमाणिया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥८०७॥२५।११॥ मिच्छादिट्ठिणेरइया णं भंते ! कहं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए–पवए पवमाणे अवसेसं तं चेव, एवं जाव वेमाणिए। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८०८॥

पंचवीसइमं सयं समत्तं

॥ छवीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

णमो सुयदेवयाए भगवईए। जीवा १ य लेस्स २ पक्खिय ३ दिट्ठी ४ अण्णाण ५ णाण ६ सण्णाओ ७। वेय ८ कसाए ९ उवओग १० जोग ११ एक्कारसवि ठाणा ॥१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी– जीवे णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २, बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३, बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ १, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ २, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४–१ ॥ सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ, बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए एवं चउभंगो। कण्हलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ एवं जाव पम्हलेस्से सव्वत्थ पढमबिइया भंगा। सुक्कलेस्से जहा सलेस्से तहेव चउभंगो। अलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ २। कण्हपक्खिए णं भंते ! जीवे पावं कम्मं० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सुक्कपक्खिए णं भंते ! जीवे पुच्छा, गोयमा ! चउभंगो भाणियव्वो ॥८०९॥ सम्मदिट्ठीणं चत्तारि भंगा, मिच्छादिट्ठीणं पढमबिइया भंगा, सम्मामिच्छादिट्ठीणं एवं चेव। णाणीणं चत्तारि भंगा, आभिणिबोहियणाणीणं जाव मणपज्जवणाणीणं चत्तारि भंगा, केवलणाणीणं चरिमो भंगो जहा अलेस्साणं ५। अण्णाणीणं पढमबिइया, एवं मइअण्णाणीणं सुयअण्णाणीणं विभंगणाणीणवि ६। आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताणं पढमबिइया णोसण्णोवउत्ताणं चत्तारि ७। सवेयगाणं पढम-

बिइया, एवं इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगावि, अवेयगाणं चत्तारि सकसाईणं चत्तारि, कोहकसाईणं पढमबिइया भंगा, एवं माणकसाइस्सवि मायाकसाइस्सवि लोभकसाइस्सवि चत्तारि भंगा। अकसाई णं भंते ! जीवे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ ३, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४। सजोगिस्स चउभंगो, एवं मणजोगिस्सवि वइजोगिस्सवि कायजोगिस्सवि, अजोगिस्स चरिमो। सागारोवउत्ते चत्तारि, अणगारोवउत्तेवि चत्तारि भंगा ११ ॥ ८१० ॥ णेरइए णं भंते ! पावं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया १। सलेस्से णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं० एवं चेव, एवं कण्हलेस्सेवि णीललेस्सेवि काउलेस्सेवि, एवं कण्हपक्खिए सुक्कपक्खिए, सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, णाणी आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी आहारसण्णोवउत्ते जाव परिग्गहसण्णोवउत्ते, सवेयए जाव णपुंसगवेयए, सकसाई जाव लोभकसाई, सजोगी मणजोगी वइजोगी कायजोगी सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते, एएसु सव्वेसु पएसु पढमबिइया भंगा भाणियव्वा, एवं असुरकुमारस्सवि वत्तव्वया भाणियव्वा णवरं तेउलेस्सा इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा य अब्भहिया णपुंसगवेयगा ण भण्णंति सेसं तं चेव सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, एवं जाव थणियकुमारस्स, एवं पुढविकाइयस्सवि आउकाइयस्सवि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्सवि सव्वत्थवि पढमबिइया भंगा णवरं जस्स जा लेस्सा दिट्ठी णाणं अण्णाणं वेदो जोगो य अत्थि तं तस्स भाणियव्वं सेसं तहेव, मणूसस्स जच्चेव जीवपए वत्तव्वया सच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा, वाणमंतरस्स जहा असुरकुमारस्स, जोइसियस्स वेमाणियस्स एवं चेव णवरं लेस्साओ जाणियव्वाओ, सेसं तहेव भाणियव्वं ॥ ८११ ॥ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ एवं जहेव पावकम्मस्स वत्तव्वया तहेव णाणावरणिज्जस्सवि भाणियव्वा णवरं जीवपए मणुस्सपए य सकसाई जाव लोभकसाइंमि य पढमबिइया भंगा अवसेसं तं चेव जाव वेमाणिया, एवं दरिसणावरणिज्जेणवि दंडगो भाणियव्वो णिरवसेसो। जीवे णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ

१, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ ३, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ ४, सलेस्सेवि एवं चेव तइयविहूणा भंगा, कण्हलेस्से जाव पम्हलेस्से पढमबिइया भंगा, सुक्कलेस्से तइयविहूणा भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो, कण्हपक्खिए पढमबिइया भंगा, सुक्कपक्खिया तइयविहूणा, एवं सम्मदिट्ठिस्सवि, मिच्छादिट्ठिस्स सम्मामिच्छादिट्ठिस्स य पढमबिइया, णाणिस्स तइयविहूणा, आभिणिबोहियणाणी जाव मणपज्जवणाणी पढमबिइया, केवलणाणी तइयविहूणा, एवं णोसण्णोवउत्ते अवेयए अकसाई सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते एएसु तइयविहूणा, अजोगिम्मि य चरिमो, सेसेसु पढमबिइया। णेरइए णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ० एवं णेरइया जाव वेमाणियत्ति जस्स जं अत्थि सव्वत्थवि पढमबिइया, णवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं किं बंधी बंधइ० जहेव पावं कम्मं तहेव मोहणिज्जंपि णिरवसेसं जाव वेमाणिए ॥ ८१२ ॥ जीवे णं भंते ! आउयं कम्मं किं बंधी बंधइ० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी चउभंगो, सेसस्से जाव सुक्कलेस्से चत्तारि भंगा, अलेस्से चरिमो भंगो। कण्हपक्खिए णं पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, सुक्कपक्खिए सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी चत्तारि भंगा। सम्मामिच्छादिट्ठी पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ, णाणी जाव ओहिणाणी चत्तारि भंगा। मणपज्जवणाणी पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ ण बंधिस्सइ, केवलणाणे चरिमो भंगो, एवं एएणं कमेणं णोसण्णोवउत्ते बिइयविहूणा जहेव मणपज्जवणाणे, अवेयए अकसाई य तइयचउत्था जहेव सम्मामिच्छत्ते, अजोगिम्मि चरिमो, सेसेसु पएसु चत्तारि भंगा जाव अणागारोवउत्ते। णेरइए णं भंते ! आउयं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए चत्तारि भंगा एवं सव्वत्थवि णेरइयाणं चत्तारि भंगा णवरं कण्हलेस्से कण्हपक्खिए य पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्था, असुरकुमारे एवं चेव, णवरं कण्हलेस्सेवि चत्तारि भंगा भाणियव्वा सेसं जहा णेरइयाणं एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविक्काइयाणं सव्वत्थवि चत्तारि भंगा, णवरं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा। तेउलेस्से पुच्छा, गोयमा ! बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ, सेसेसु सव्वत्थ चत्तारि भंगा, एवं आउक्काइयवणस्सइकाइयाणवि णिरवसेसं, तेउक्काइयवाउक्काइयाणं

सव्वत्थवि पढमतइया भंगा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणंपि सव्वत्थवि पढम-तइया भंगा, णवरं सम्मत्ते णाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे तइओ भंगो। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हपक्खिए पढमतइया भंगा, सम्मामिच्छत्ते तइयचउत्थो भंगो, सम्मत्ते णाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे एएसु पंचसुवि पएसु बिइयविहूणा भंगा, सेसेसु चत्तारि भंगा, मणुस्साणं जहा जीवाणं, णवरं सम्मत्ते ओहिए णाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे एएसु बिइयविहूणा भंगा, सेसं तं चेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, णामं गोयं अंतरायं च एयाणि जहा णाणावरणिज्जं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ८१३ ॥

छवीसइमं सयं बीओ उद्देसो

अणंतरोववण्णए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा तहेव, गोयमा ! अत्थेगइए बंधी पढमबिइया भंगा। सलेस्से णं भंते ! अणंतरोववण्णए णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! पढमबिइया भंगा, एवं खलु सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, णवरं सम्मामिच्छत्तं मणजोगो वइजोगो य ण पुच्छिज्जइ, एवं जाव थणियकुमाराणं, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वइजोगो ण भण्णइ, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणंपि सम्मामिच्छत्तं ओहिणाणं विभंगणाणं मणजोगो वइजोगो एयाणि पंच पयाणि ण भण्णंति। मणुस्साणं अलेस्ससम्मामिच्छमणपज्जवणाणकेवलणाणविभंगणाणणोसण्णोवउत्त-अवेयग-अकसाई-मण-जोग वइजोगअजोगी एयाणि एक्कारस पयाणि ण भण्णंति, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं तहेव ते तिण्णि ण भण्णंति, सव्वेसिं जाणि सेसाणि ठाणाणि सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, एगिंदियाणं सव्वत्थ पढमबिइया भंगा, जहा पावे एवं णाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं आउयवज्जेसु जाव अंतराइए दंडओ। अणंतरोववण्णए णं भंते ! णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ। सलेस्से णं भंते ! अणंतरोववण्णए णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी० ? एवं चेव तइओ भंगो, एवं जाव अणागारोवउत्ते, सव्वत्थवि तइओ भंगो, एवं मणुस्सवज्जं जाव वेमाणियाणं, मणुस्साणं सव्वत्थ तइयचउत्था भंगा, णवरं कण्हपक्खिएसु तइओ भंगो सव्वेसिं णाणत्ताइं ताइं चेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८१४ ॥

छवीसइमं सयं तइओ उद्देसो

परंपरोववण्णए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए पढमबिइया, एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव परंपरोववण्णएहिवि उद्देसओ भाणियव्वो णेरइयाइओ तहेव णवदंडगसंगहिओ, अट्ठण्हवि कम्मप्पगडीणं जा जस्स कम्मस्स वत्तव्वया सा तस्स अहीणमइरित्ता णेयव्वा जाव वेमाणिया अणागारोवउत्ता। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८१५ ॥

छवीसइमं सयं ४–११ उद्देसा

अणंतरोगाढए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए० एवं जहेव अणंतरोववण्णएहिं णवदंडगसंगहिओ उद्देसओ भणिओ तहेव अणंतरोगाढएहिवि अहीणमइरित्तो भाणियव्वो णेरइयाईए जाव वेमाणिए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ २६–४ ॥ परंपरोगाढए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो सो चेव णिरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २६–५ ॥ अणंतराहारए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव अणंतरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २६–६ ॥ परंपराहारए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥२६–७॥ अणंतरपज्जत्तए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव अणंतरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ २६–८ ॥ परंपरपज्जत्तए णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥२६–९॥ चरिमे णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव परंपरोववण्णएहिं उद्देसो तहेव चरिमेहिं णिरवसेसं। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ २६–१० ॥ अचरिमे णं भंते ! णेरइए पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइए एवं जहेव पढमोद्देसए तहेव पढमबिइया भंगा भाणियव्वा सव्वत्थ जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं। अचरिमे णं भंते ! मणूसे पावं कम्मं किं बंधी० पुच्छा,

गोयमा ! अत्थेगइए बंधी बंधइ बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी बंधइ ण बंधिस्सइ, अत्थेगइए बंधी ण बंधइ बंधिस्सइ । सलेस्से णं भंते ! अचरिमे मणुस्से पावं कम्मं किं बंधी० ? एवं चेव तिण्णि भंगा चरिमविहूणा भाणियव्वा एवं जहेव पढमुद्देसे, णवरं जेसु तत्थ वीससु चत्तारि भंगा तेसु इह आदिल्ला तिण्णि भंगा भाणियव्वा चरिमभंगवज्जा, अलेस्से केवलणाणी य अजोगी य एए तिण्णिवि ण पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा णेरइए । अचरिमे णं भंते ! णेरइए णाणावरणिज्जं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! एवं जहेव पावं णवरं मणुस्सेसु सकसाईसु लोभकसाईसु य पढमबिइया भंगा, सेसा अट्ठारस चरिमविहूणा सेसं तहेव जाव वेमाणियाणं, दरिसणावरणिज्जंपि एवं चेव णिरवसेसं, वेयणिज्जे सव्वत्थवि पढमबिइया भंगा जाव वेमाणियाणं णवरं मणुस्सेसु अलेस्से केवली अजोगी य णत्थि । अचरिमे णं भंते ! णेरइए मोहणिज्जं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! जहेव पावं तहेव णिरवसेसं जाव वेमाणिए । अचरिमे णं भंते ! णेरइए आउयं कम्मं किं बंधी० पुच्छा, गोयमा ! पढमबिइया भंगा, एवं सव्वपएसुवि, णेरइयाणं पढमतइया भंगा णवरं सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविक्काइयआउक्काइयवणस्सइकाइयाणं तेउलेस्साए तइओ भंगो सेसेसु पएसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, तेउकाइयवाउक्काइयाणं सव्वत्थ पढमतइया भंगा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं एवं चेव णवरं सम्मत्ते ओहिणाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे एएसु चउसुवि ठाणेसु तइओ भंगो, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं सम्मामिच्छत्ते तइओ भंगो, सेसेसु पएसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, मणुस्साणं सम्मामिच्छत्ते अवेयए अकसाइम्मि य तइओ भंगो, अलेस्स केवलणाण अजोगी य ण पुच्छिज्जंति, सेसपएसु सव्वत्थ पढमतइया भंगा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया । णामं गोयं अंतराइयं च जहेव णाणावरणिज्जं तहेव णिरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१६ ॥

छवीसइमं सयं समत्तं

॥ सत्तवीसइमं सयं १–११ उद्देसा ॥

जीवे णं भंते ! पावं कम्मं किं करिंसु करेंति करिस्संति १, करिंसु करेंति

ण करिस्संति २, करिंसु ण करेंति करिस्संति ३, करिंसु ण करेंति ण करिस्संति ४ ? गोयमा ! अत्थेगइए करिंसु करेंति करिस्संति १, अत्थेगइए करिंसु करेंति ण करिस्संति २, अत्थेगइए करिंसु ण करेंति करिस्संति ३, अत्थेगइए करिंसु ण करेंति ण करिस्संति ४ । सलेस्से णं भंते ! जीवे पावं कम्मं एवं एएणं अभिलावेणं जच्चेव बंधिसए वत्तव्वया सच्चेव णिरवसेसा भाणियव्वा, तहेव णवदंडगसंगहिया एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥ ८१७ ॥

सत्तवीसइमं सयं समत्तं

॥ अट्ठावीसइमं सयं १-११ उद्देसा ॥

जीवा णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा १ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य णेरइएसु य होज्जा २ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ३ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य देवेसु य होज्जा ४ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य णेरइएसु य मणुस्सेसु य होज्जा ५ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य णेरइएसु य देवेसु य होज्जा ६ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ७ अहवा तिरिक्खजोणिएसु य णेरइएसु य मणुस्सेसु य देवेसु य होज्जा ८ । सलेस्सा णं भंते ! जीवा पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? एवं चेव, एवं कण्हलेस्सा जाव अलेस्सा, कण्हपक्खिया सुक्कपक्खिया एवं जाव अणागारोवउत्ता । णेरइया णं भंते ! पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जत्ति एवं चेव अट्ठ भंगा भाणियव्वा, एवं सव्वत्थ अट्ठ भंगा, एवं जाव अणागारोवउत्तावि, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं णाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं जाव अंतराइएणं, एवं एए जीवाईया वेमाणियपज्जवसाणा णव दंडगा भवंति । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८१८ ॥ २८ । १ ॥ अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया पावं कम्मं कहिं समज्जिणिंसु कहिं समायरिंसु ? गोयमा ! सव्वेवि ताव तिरिक्खजोणिएसु होज्जा, एवं एत्थवि अट्ठ भंगा, एवं अणंतरोववण्णगाणं णेरइयाईणं जस्स जं अत्थि लेस्साईयं अणागारोवओगपज्जवसाणं तं सव्वं एयाए भयणाए भाणियव्वं जाव वेमाणियाणं, णवरं अणंतरेसु जे परिहरियव्वा ते जहा बंधिसए तहा इहंपि, एवं णाणावरणिज्जेणवि दंडओ एवं जाव अंतराइएणं णिरवसेसं, एसोवि णवदंडग-

संगहिओ उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते ! २ त्ति ॥८१८॥२८।२॥ एवं एएणं कमेणं जहेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी तहेव इहंपि अट्ठसु भंगेसु णेयव्वा णवरं जाणियव्वं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं जाव अचरिमुद्देसो। सव्वेवि एए एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥८१९॥

अट्ठावीसइमं सयं समत्तं

॥ एगूणतीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

जीवा णं भंते ! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु १, समायं पट्ठविसु विसमायं णिट्ठविसु २, विसमायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु ३, विसमायं पट्ठविसु विसमायं णिट्ठविसु ४ ? गोयमा ! अत्थेगइया समायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु जाव अत्थेगइया विसमायं पट्ठविसु विसमायं णिट्ठविसु। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया समायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु, तं चेव ? गोयमा ! जीवा चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा १, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा २, अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा ३, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा ४, तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविसु विसमायं णिट्ठविसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं विसमायं पट्ठविसु विसमायं णिट्ठविसु, से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव। सलेस्सा णं भंते ! जीवा पावं कम्मं एवं चेव, एवं सव्वट्ठाणेसुवि जाव अणागारोवउत्ता, एए सव्वेवि पया एयाए वत्तव्वयाए भाणियव्वा। णेरइया णं भंते ! पावं कम्मं किं समायं पट्ठविसु समायं णिट्ठविसु० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया समायं पट्ठविसु एवं जहेव जीवाणं तहेव भाणियव्वं जाव अणागारोवउत्ता, एवं जाव वेमाणियाणं जस्स जं अत्थि तं एएणं चेव कमेणं भाणियव्वं जहा पावेण दंडओ, एवं एएणं कमेणं अट्ठसुवि कम्मप्पगडीसु अट्ठ दंडगा भाणियव्वा जीवाईया वेमाणियपज्जवसाणा, एसो णवदंडगसंगहिओ पढमो उद्देसओ भाणियव्वो। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥८२०॥

एगूणतीसइमं सयं २-११उद्देसा

अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया पावं कम्मं किं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु० पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया समायं पट्ठविंसु तं चेव, गोयमा ! अणंतरोववण्णगा णेरइया दुविहा प०, तं०–अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा, तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु समायं णिट्ठविंसु, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं पावं कम्मं समायं पट्ठविंसु विसमायं णिट्ठविंसु, से तेणट्ठेणं तं चेव । सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया पावं कम्मं एवं चेव, एवं जाव अणागारोवउत्ता, एवं असुरकुमारावि एवं जाव वेमाणिया णवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, एवं णाणावरणिज्जेणवि दंडओ, एवं णिरवसेसं जाव अंतराइएणं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८२१ ॥ २९–२ ॥ एवं एएणं गमएणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगपरिवाडी सच्चेव इहवि भाणियव्वा जाव अचरिमोत्ति, अणंतरउद्देसगाणं चउण्हवि एक्का वत्तव्वया सेसाणं सत्तण्हं एक्का ॥८२२॥

एगूणतीसइमं सयं समत्तं

॥ तीसइमं सयं पढमो उद्देसो ॥

कइ णं भंते ! समोसरणा प० ? गोयमा ! चत्तारि समोसरणा पण्णत्ता, तंजहा–किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई । जीवा णं भंते ! किं किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई ? गोयमा ! जीवा किरियावाईवि अकिरियावाईवि अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि अकिरियावाईवि अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि, एवं जाव सुक्कलेस्सा । अलेस्सा णं भंते ! जीवा पुच्छा, गोयमा ! किरियावाई णो अकिरियावाई णो अण्णाणियवाई णो वेणइयवाई । कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! णो किरियावाई अकिरियावाई अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मदिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी

जहा कण्हपक्खिया। सम्मामिच्छादिट्ठीणं पुच्छा, गोयमा ! णो किरियावाई णो अकिरियावाई अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि, णाणी जाव केवलणाणी जहा अलेस्से, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया, आहारसण्णो-वउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता जहा सलेस्सा, णोसण्णोवउत्ता जहा अलेस्सा, सवेयगा जाव णपुंसगवेयगा जहा सलेस्सा, अवेयगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा, सजोगी जाव काय-जोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा। णेरइया णं भंते ! किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरिया-वाईवि जाव वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! णेरइया किं किरियावाई० ? एवं चेव, एवं जाव काउलेस्सा, कण्हपक्खिया किरियाविवज्जिया, एवं एएणं कमेणं जच्चेव जीवाणं वत्तव्वया सच्चेव णेरइयाणवि वत्तव्वया जाव अणागा-रोवउत्ता णवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं सेसं ण भण्णइ, जहा णेरइया एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया णं भंते ! किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! णो किरियावाई अकिरियावाईवि अण्णाणियवाईवि णो वेणइयवाई, एवं पुढ-विकाइयाणं जं अत्थि तत्थ सव्वत्थवि एयाइं दो मज्झिल्लाइं समोसरणाइं जाव अणागारोवउत्तावि, एवं जाव चउरिंदियाणं सव्वट्ठाणेसु एयाइं चेव मज्झिल्ल-गाइं दो समोसरणाइं, सम्मत्तणाणेहिवि एयाणि चेव मज्झिल्लगाइं दो समो-सरणाइं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा जीवा णवरं जं अत्थि तं भाणियव्वं, मणुस्सा जहा जीवा तहेव णिरवसेसं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुर-कुमारा। किरियावाई णं भंते ! जीवा किं णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्ख-जोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयं पकरेंति देवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेंति। जइ देवाउयं पकरेंति किं भवणवासिदेवाउयं पकरेंति जाव वेमाणियदेवाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णो भवणवासिदेवाउयं पकरेंति णो वाणमंतरदेवाउयं पकरेंति णो जोइसियदेवाउयं पकरेंति वेमाणियदेवाउयं पक-रेंति। अकिरियावाई णं भंते ! जीवा किं णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! णेरइयाउयंपि पकरेंति जाव देवाउयंपि पकरेंति, एवं अण्णा-णियवाईवि वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइया-

उयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं एवं जहेव जीवा तहेव सलेस्साvि चउहिवि समोसरणेहिं भाणियव्वा । कण्हलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयं पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई य चत्तारिवि आउयाइं पकरेंति, एवं णीललेस्सावि काउलेस्सावि । तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेंति, जइ देवाउयं पकरेंति तहेव । तेउलेस्सा णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेंति, एवं अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि, जहा तेउलेस्सा एवं पम्हलेस्सावि सुक्कलेस्सावि णेयव्वा । अलेस्सा णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्ख० मणुस्स० णो देवाउयं पकरेंति । कण्हपक्खिया णं भंते ! जीवा अकिरियावाई किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णेरइयाउयंपि पकरेंति एवं चउव्विहंपि, एवं अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा । सम्मदिट्ठी णं भंते ! जीवा किरियावाई किं णेरइयाउयं पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेंति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया । सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते ! जीवा अण्णाणियवाई किं णेरइयाउयं० जहा अलेस्सा, एवं वेणइयवाईवि, णाणी आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य ओहिणाणी य जहा सम्मदिट्ठी । मणपज्जवणाणी णं भंते ! किं० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्ख० णो मणुस्साउयं पकरेंति देवाउयं पकरेंति । जइ देवाउयं पकरेंति किं भवणवासि० पुच्छा, गोयमा ! णो भवणवासिदेवाउयं पकरेंति णो वाणमंतर० णो जोइसिय० वेमाणियदेवाउयं पकरेंति, केवलणाणी जहा अलेस्सा, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया, सण्णासु चउसुवि जहा सलेस्सा, णोसण्णोवउत्ता जहा मणपज्जवणाणी, सवेयगा जाव णपुंसगवेयगा जहा सलेस्सा, अवेयगा जहा अलेस्सा, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा अलेस्सा,

सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा अलेस्सा, सागारोवउत्ता य अणागारोवउत्ता य जहा सलेस्सा ॥ ८२३ ॥ किरियावाई णं भंते ! णेरइया किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयं पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति। अकिरियावाई णं भंते! णेरइया पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, एवं अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! णेरइया किरियावाई किं णेरइयाउयं० एवं सव्वेवि णेरइया जे किरियावाई ते मणुस्साउयं एगं पकरेंति, जे अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई ते सव्वट्ठाणेसुवि णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, णवरं सम्मामिच्छत्ते उवरिल्लेहिं दोहिवि समोसरणेहिं ण किंचिवि पकरेंति जहेव जीवपए, एवं जाव थणियकुमारा जहेव णेरइया । अकिरियावाई णं भंते ! पुढविक्काइया पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति मणुस्साउयं पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, एवं अण्णाणियवाईवि । सलेस्सा णं भंते ! एवं जं जं पयं अत्थि पुढविकाइयाणं तहिं २ मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु एवं चेव दुविहं आउयं पकरेंति णवरं तेउलेस्साए ण किंपि पकरेंति, एवं आउक्काइयाणवि, एवं वणस्सइकाइयाणवि, तेउकाइया वाउकाइया सव्वट्ठाणेसु मज्झिमेसु दोसु समोसरणेसु णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेंति णो मणुस्साउयं पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जहा पुढविकाइयाणं णवरं सम्मत्तणाणेसु ण एक्कंपि आउयं पकरेंति । किरियावाई णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा! जहा मणपज्जवणाणी, अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई य चउव्विहंपि पकरेंति, जहा ओहिया तहा सलेस्सावि । कण्हलेस्सा णं भंते ! किरियावाई पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरिक्ख० णो मणुस्साउयं पकरेंति णो देवाउयं पकरेंति, अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई चउव्विहंपि पकरेंति, जहा कण्हलेस्सा एवं णीललेस्सावि काउलेस्सावि, तेउलेस्सा जहा सलेस्सा, णवरं अकिरियावाई अण्णाणियवाई वेणइयवाई य णो णेरइयाउयं पकरेंति तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेंति मणुस्साउयंपि पकरेंति देवाउयंपि पकरेंति, एवं पम्हलेस्सावि, एवं

सुक्कलेस्सावि भाणियव्वा, कण्हपक्खिया तिहिं समोसरणेहिं चउव्विहंपि आउयं पकरेंति, सुक्कपक्खिया जहा सलेस्सा, सम्मद्दिट्ठी जहा मणपज्जवणाणी तहेव वेमाणियाउयं पकरेंति, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी ण य एक्कंपि आउयं पकरेंति जहेव णेरइया, णाणी जाव ओहिणाणी जहा सम्मद्दिट्ठी, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया, सेसा जाव अणागारोवउत्ता सव्वे जहा सलेस्सा तहा चेव भाणियव्वा, जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वत्तव्वया भणिया एवं मणुस्साणवि वत्तव्वया भाणियव्वा, णवरं मणपज्जवणाणी णोसण्णोवउत्ता य जहा सम्मद्दिट्ठी तिरिक्खजोणिया तहेव भाणियव्वा, अलेस्सा केवलणाणी अवेदगा अकसाई अजोगी य एए एक्कंपि आउयं ण पकरेंति, जहा ओहिया जीवा सेसं तं चेव, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा। किरियावाई णं भंते! जीवा किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया? गोयमा! भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया। अकिरियावाई णं भंते! जीवा किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा! भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अण्णाणियवाईवि, वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा! भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया। सलेस्सा णं भंते! जीवा अकिरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा! भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि, एवं अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि जहा सलेस्सा, एवं जाव सुक्कलेस्सा। अलेस्सा णं भंते! जीवा किरियावाई किं भवसिद्धिया पुच्छा, गोयमा! भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेणं कण्हपक्खिया तिसुवि समोसरणेसु भयणाए, सुक्कपक्खिया चउसुवि समोसरणेसु भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, सम्मद्दिट्ठी जहा अलेस्सा, मिच्छादिट्ठी जहा कण्हपक्खिया, सम्मामिच्छादिट्ठी दोसुवि समोसरणेसु जहा अलेस्सा, णाणी जाव केवलणाणी भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, अण्णाणी जाव विभंगणाणी जहा कण्हपक्खिया, सण्णासु चउसुवि जहा सलेस्सा, णोसण्णोवउत्ता जहा सम्मद्दिट्ठी, सवेदगा जाव णपुंसगवेदगा जहा सलेस्सा, अवेदगा जहा सम्मद्दिट्ठी, सकसाई जाव लोभकसाई जहा सलेस्सा, अकसाई जहा सम्मद्दिट्ठी, सजोगी जाव कायजोगी जहा सलेस्सा, अजोगी जहा सम्मद्दिट्ठी, सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता जहा सलेस्सा, एवं णेरइयावि भाणियव्वा णवरं णायव्वं जं अत्थि, एवं असुर-

कुमारावि जाव थणियकुमारा, पुढविक्काइया सव्वट्ठाणेसुवि मज्झिल्लेसु दोसुवि समोसरणेसु भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदियतेइंदियचउरिंदिया एवं चेव णवरं सम्मत्ते ओहिणाणे आभिणिबोहियणाणे सुयणाणे एएसु चेव दोसु मज्झिमेसु समोसरणेसु भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, सेसं तं चेव, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया णवरं णायव्वं जं अत्थि, मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८२४ ॥

तीसइमं सयं बीओ उद्देसो

अणंतरोववण्णगा णं भंते ! णेरइया किं किरियावाई० पुच्छा, गोयमा ! किरियावाईवि जाव वेणइयवाईवि, सलेस्सा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं किरियावाई०एवं चेव, एवं जहेव पढमुद्देसे णेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा, णवरं जं जस्स अत्थि अणंतरोववण्णगाणं णेरइयाणं तं तस्स भाणियव्वं, एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं अणंतरोववण्णगाणं जं जहिं अत्थि तं तहिं भाणियव्वं। किरियावाई णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं णेरइयाउयं पकरेंति० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति णो तिरि० णो मणु० णो देवाउयं पकरेंति, एवं अकिरियावाईवि अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववण्णगा णेरइया किं णेरइयाउयं० पुच्छा, गोयमा ! णो णेरइयाउयं पकरेंति जाव णो देवाउयं पकरेंति, एवं जाव वेमाणिया, एवं सव्वट्ठाणेसुवि अणंतरोववण्णगा णेरइया ण किंचिवि आउयं पकरेंति जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणिया णवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं। किरियावाई णं भंते ! अणंतरोववण्णगा णेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा! भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया। अकिरियावाई णं पुच्छा, गोयमा ! भवसिद्धियावि, अभवसिद्धियावि, एवं अण्णाणियवाईवि वेणइयवाईवि। सलेस्सा णं भंते ! किरियावाई अणंतरोववण्णगा णेरइया किं भवसिद्धिया अभवसिद्धिया ? गोयमा ! भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिए उद्देसए णेरइयाणं वत्तव्वया भणिया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव अणागारोवउत्तत्ति, एवं जाव वेमाणियाणं णवरं जं जस्स अत्थि तं तस्स भाणियव्वं, इमं

से लक्खणं–जे किरियावाई सुक्कपक्खिया सम्मामिच्छदिट्ठिया एए सव्वे भवसिद्धिया णो अभवसिद्धिया, सेसा सव्वे भवसिद्धियावि अभवसिद्धियावि। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ८२५ ॥ ॥ ३०–२ ॥ परंपरोववण्णगा णं भंते! णेरइया किं किरियावाई० एवं जहेव ओहिओ उद्देसओ तहेव परंपरोववण्णएसुवि णेरइयाईओ तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं तहेव तियदंडगसंगहिओ। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥ ८२६ ॥ ३०–३ ॥ एवं एएणं कमेणं जच्चेव बंधिसए उद्देसगाणं परिवाडी सच्चेव इहंपि जाव अचरिमो उद्देसओ, णवरं अणंतरा चत्तारिवि एक्कगमगा, परंपरा चत्तारिवि एक्कगमएणं, एवं चरिमावि, अचरिमावि एवं चेव णवरं अलेस्सो केवली अजोगी ण भण्णइ, सेसं तहेव। सेवं भंते! २ त्ति। एए एक्कारसवि उद्देसगा ॥ ८२७ ॥

तीसइमं सयं समत्तं

॥इक्कतीसइमं सयं १–२८ उद्देसा॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–कइ णं भंते! खुड्डाग जुम्मा प०? गोयमा! चत्तारि खुड्डाग जुम्मा प०, तं०–कडजुम्मे १, तेओगे २, दावरजुम्मे ३, कलिओगे ४, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ चत्तारि खुड्डाग जुम्मा प० तं०–कडजुम्मे जाव कलिओगे? गोयमा! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकडजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागतेओगे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागदावरजुम्मे, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं खुड्डागकलिओगे, से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे। खुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति एवं णेरइयाणं उववाओ जहा वक्कंतीए तहा भाणियव्वो। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा कहं उववज्जंति? गोयमा! से जहाणामए पवए पवमाणे अज्झवसाण० एवं जहा पंचवीसइमे सए अट्ठमुद्देसए णेरइयाणं वत्तव्वया तहेव इहवि भाणियव्वा जाव आयप्पओगेणं उववज्जंति णो परप्पओगेणं उववज्जंति। रयणप्पभापुढविखुड्डागकडजुम्म-

णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहा ओहियणेरइयाणं वत्तव्वया सच्चेव रयणप्पभाएवि भाणियव्वा जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति, एवं सक्करप्पभाएवि, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं उववाओ जहा वक्कंतीए, असण्णी खलु पढमं दोच्चं व सरीसवा तइय पक्खी । गाहाए । उववाएयव्वा, सेसं तहेव । खुड्डागतेओग–णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं णेरइएहिंतो०? उववाओ जहा वक्कंतीए, ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा ! तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्मस्स, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागदावर-जुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव खुड्डागकडजुम्मे णवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए । खुड्डागकलिओगणेरइया णं भंते ! कओ उव-वज्जंति० ? एवं जहेव खुड्डागकडजुम्मे णवरं परिमाणं एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, सेसं तं चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ।। ८२८ ।। ३१–१ ।। कण्हलेस्स-खुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव जहा ओहि-यगमो जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति, णवरं उववाओ जहा वक्कंतीए, धूमप्पभापुढविणेरइया णं सेसं तहेव, धूमप्पभापुढविकण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्म-णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव णिरवसेसं, एवं तमाएवि एवं अहेसत्तमाएवि, णवरं उववाओ सव्वत्थ जहा वक्कंतीए । कण्हलेस्सखुड्डाग-तेओगणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव णवरं तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तहेव एवं जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागदावरजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उव-वज्जंति० ? एवं चेव णवरं दो वा छ वा दस वा चउद्दस वा सेसं तं चेव, एवं धूमप्पभाएवि जाव अहेसत्तमाएवि । कण्हलेस्सखुड्डागकलिओगणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव णवरं एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा सेसं तं चेव, एवं धूमप्पभाएवि तमाएवि अहेसत्त-माएवि । सेवं भंते ! २ त्ति ।। ८२९ ।। ३१–२ ।। णीललेस्सखुड्डागकडजुम्म-

णेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० एवं जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मा णवरं उववाओ जो वालुयप्पभाए सेसं तं चेव, वालुयप्पभापुढविणीललेस्सखुड्डागकडजुम्मणेरइया एवं चेव, एवं पंकप्पभाएवि, एवं धूमप्पभाएवि, एवं चउसुवि जुम्मेसु णवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हलेस्सउद्देसए। सेसं तहेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८३० ॥ ३१–३ ॥ काउलेस्सखुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव कण्हलेस्सखुड्डागकडजुम्मणेरइया णवरं उववाओ जो रयणप्पभाए सेसं तहेव। रयणप्पभापुढविकाउलेस्सखुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव, एवं सक्करप्पभाएवि, एवं वालुयप्पभाएवि, एवं चउसुवि जुम्मेसु, णवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं जहा कण्हलेस्सउद्देसए सेसं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८३१ ॥ ३१–४ ॥ भवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं णेरइए० ? एवं जहेव ओहिओ गमओ तहेव णिरवसेसं जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति। रयणप्पभापुढविभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते !०? एवं चेव णिरवसेसं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं भवसिद्धियखुड्डागतेओगणेरइयावि। एवं जाव कलिओगत्ति, णवरं परिमाणं जाणियव्वं, परिमाणं पुव्वभणियं जहा पढमुद्देसए। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८३२ ॥ ३१–५ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियखुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव ओहिओ कण्हलेस्सउद्देसओ तहेव णिरवसेसं चउसुवि जुम्मेसु भाणियव्वो जाव अहेसत्तमपुढविकण्हलेस्सखुड्डागकलिओगणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? तहेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८३३ ॥ ३१–६ ॥ णीललेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव भाणियव्वा जहा ओहिए णीललेस्सउद्देसए। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ८३४ ॥ ३१–७ ॥ काउलेस्सभवसिद्धिया चउसुवि जुम्मेसु तहेव उववाएयव्वा जहेव ओहिए काउलेस्सउद्देसए। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८३५ ॥ ३१–८ ॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि उद्देसगा भणिया एवं अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव काउलेस्सउद्देसओत्ति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८३६ ॥ ३१–१२ ॥ एवं सम्मद्दिट्ठीहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा, णवरं सम्मद्दिट्ठी पढमबितिएसु दोसुवि उद्देसगेसु अहेसत्तमापुढवीए ण उववाएयव्वो, सेसं तं चेव।

सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८३७ ॥३१–१६॥ मिच्छादिट्ठीहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहा भवसिद्धियाणं। सेवं भंते ! २ त्ति ॥८३८॥ ३१–२०॥ एवं कण्हपक्खिएहिवि लेस्सासंजुत्तेहिं चत्तारि उद्देसगा कायव्वा जहेव भवसिद्धिएहिं। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८३९ ॥ ३१–२४ ॥ सुक्कपक्खिएहिं एवं चेव चत्तारि उद्देसगा भाणियव्वा जाव वालुयप्पभापुढविकाउलेस्ससुक्कपक्खियखुड्डागकलिओगणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? तहेव जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥८४० ॥ ३१–२८ ॥ सव्वेवि एए अट्ठावीसं उद्देसगा।

इक्कतीसइमं सयं समत्तं

॥ बत्तीसइमं सयं १–२८ उद्देसा ॥

खुड्डागकडजुम्मणेरइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति किं णेरइएसु उववज्जंति ? तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति० उव्वट्टणा जहा वक्कंतीए। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उव्वट्टंति ? गोयमा! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्टंति, ते णं भंते ! जीवा कहं उव्वट्टंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए एवं तहेव, एवं सो चेव गमओ जाव आयप्पओगेणं उव्वट्टंति णो परप्पओगेणं उव्वट्टंति, रयणप्पभापुढविखुड्डागकडजुम्म० एवं रयणप्पभाएवि एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं खुड्डागतेओगखुड्डागदावरजुम्मखुड्डागकलिओगा णवरं परिमाणं जाणियव्वं, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८४१ ॥ ३२–१ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्मणेरइया० एवं एएणं कमेणं जहेव उववायसए अट्ठावीसं उद्देसगा भणिया तहेव उव्वट्टणासएवि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा णिरवसेसा णवरं उव्वट्टंतित्ति अभिलावो भाणियव्वो, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ॥ ८४२ ॥

बत्तीसइमं सयं समत्तं

॥ तेत्तीसइमं सयं–एगिंदियं सयं ॥

कइविहा णं भंते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, तं०–पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। पुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ?

गोयमा ! दुविहा प०, तं०—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, सुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य। बायरपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! एवं चेव, एवं आउक्काइयावि चउक्कएणं भेएणं भाणियव्वा एवं जाव वणस्सइकाइया। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तंजहा—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। अपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! एवं चेव८। पज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं चेव ८, एवं एएणं कमेणं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणंति। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि, सत्त बंधमाणा आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधंति अट्ठ बंधमाणा पडिपुण्णाओ अट्ठ कम्मप्पगडीओ बंधंति। पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? एवं चेव, एवं सव्वे जाव—पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? एवं चेव। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, सोइंदियवज्झं चक्खिदियवज्झं घाणिंदियवज्झं जिब्भिंदियवज्झं इत्थिवेयवज्झं पुरिसवेयवज्झं, एवं चउक्कएणं भेदेणं जाव पज्जत्तबायरवणस्सइकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! एवं चेव चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८४३ ॥ ३३-१-१ ॥ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववण्णगा एगिंदिया प०, तं०—पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया, अणंतरोववण्णगा णं भंते ! पुढविक्काइया कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य, एवं दुपएणं भेएणं जाव वणस्सइकाइया। अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। अणंतरोववण्णगबायरपुढवि-

काइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं जाव अणंतरोववण्णगबायर-वणस्सइकाइयाणंति। अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ बंधंति, एवं जाव अणंतरोववण्णगबायरवणस्सइकाइयत्ति। अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तं०—णाणावरणिज्जं तहेव जाव पुरिसवेयवज्जं, एवं जाव अणंतरोववण्णगबायरवणस्सइकाइयत्ति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८४४ ॥३३-१-२॥ कइविहा णं भंते ! परंपरोववण्णगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववण्णगा एगिंदिया प०, तं०—पुढविकाइया एवं चउक्कओ भेओ जहा ओहियउद्देसए। परंपरोववण्णगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियउद्देसए तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव चउद्दस वेदेंति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८४५ ॥ ३३-१-३॥ अणंतरोगाढा जहा अणंतरोववण्णगा ४ ॥ परंपरोगाढा जहा परंपरोववण्णगा ५ ॥ अणंतराहारगा जहा अणंतरोववण्णगा ६ ॥ परंपराहारगा जहा परंपरोववण्णगा ७॥ अणंतरपज्जत्तगा जहा अणंतरोववण्णगा ८॥ परंपरपज्जत्तगा जहा परंपरोववण्णगा ९ ॥ चरिमावि जहा परंपरोववण्णगा तहेव १० ॥ एवं अचरिमावि ११ ॥ एवं एए एक्कारस उद्देसगा। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८४६ ॥ पढमं एगिंदियसयं समत्तं ॥१॥ कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता, तंजहा—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया। कण्हलेस्सा णं भंते ! पुढविकाइया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा— सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य। कण्हलेस्सा णं भंते ! सुहुमपुढविकाइया कइविहा प० ? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं चउक्कभेओ जहेव ओहिए उद्देसए जाव वणस्सइकाइयत्ति। कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं चेव एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसए तहेव पण्णत्ताओ तहेव बंधंति तहेव वेदेंति। सेवं भंते ! २ त्ति। कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोव-

वण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया एवं एएणं अभिलावेणं तहेव दुयओ भेओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । अणंतरोववण्णगकण्हलेस्ससुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहिओ अणंतरोववण्णगाणं उद्देसओ तहेव जाव वेदेंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । कइविहा णं भंते ! परंपरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववण्णगा कण्हलेस्सा एगिंदिया पण्णत्ता, तंजहा—पुढविकाइया एवं एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । परंपरोववण्णगकण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ परंपरोववण्णगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिएगिंदियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहेव कण्हलेस्ससएवि भाणियव्वा जाव अचरिमचरिमकण्हलेस्सा एगिंदिया ।। ८४७ ।। बिइयं एगिंदियसयं समत्तं ।। २ ।। जहा कण्हलेस्सेहिं भणियं एवं णीललेस्सेहिवि सयं भाणियव्वं । सेवं भंते ! २ त्ति । तइयं एगिंदियसयं समत्तं ।। ३ ।। एवं काउलेस्सेहिवि सयं भाणियव्वं णवरं काउलेस्सेत्ति अभिलावो भाणियव्वो । चउत्थं एगिंदियसयं समत्तं ।। ४ ।। कइविहा णं भंते ! भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । भवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमिल्लगं एगिंदियसयं तहेव भवसिद्धियसयंपि भाणियव्वं, उद्देसगपरिवाडी तहेव जाव अचरिमोत्ति । सेवं भंते ! २ त्ति । पंचमं एगिंदियसयं समत्तं ।। ५ ।। कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया । कण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य । कण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एवं बायरावि, एवं एएणं अभिलावेणं तहेव चउक्कओ भेओ भाणियव्वो, कण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव

ओहिउद्देसए तहेव जाव वेदेंति। कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्स। भवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववण्णगा० जाव वणस्सइकाइया। अणंतरोववण्णगकण्हलेस्सभवसिद्धियपुढविकाइया णं भंते ! कइविहा प० ? गोयमा ! दुविहा प०, तं०—सुहुमपुढविकाइया (य बायरपुढविकाइया य) एवं दुयओ भेओ । अणंतरोववण्णगकण्हलेस्सभवसिद्धियसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ प० ? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ अणंतरोववण्णगउद्देसओ तहेव जाव वेदेंति, एवं एएणं अभिलावेणं एक्कारसवि उद्देसगा तहेव भाणियव्वा जहा ओहियसए जाव अचरिमोत्ति। छट्ठं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ६ ॥ जहा कण्हलेस्सभवसिद्धिएहिं सयं भणियं एवं णीललेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं भाणियव्वं । सत्तमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ७ ॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धिएहिवि सयं । अट्ठमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ८ ॥ कइविहा णं भंते ! अभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अभवसिद्धिया एगिंदिया प०, तं०—पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया एवं जहेव भवसिद्धियसयं भणियं णवरं णव उद्देसगा चरिमअचरिमउद्देसगवज्जा सेसं तहेव । णवमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ ९ ॥ एवं कण्हलेस्सअभवसिद्धियएगिंदियसयंपि । दसमं एगिंदियसयं समत्तं ॥ १० ॥ णीललेस्सअभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं ॥११॥ काउलेस्सअभवसिद्धियसयं, एवं चत्तारिवि अभवसिद्धियसयाणि णव २ उद्देसगा भवंति, एवं एयाणि बारस एगिंदियसयाणि भवंति ॥ ८४८ ॥

तेत्तीसइमं सयं समत्तं

॥ चोत्तीसइमं सयं—एगिंदियसेढि सयं ॥

कइविहा णं भंते ! एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा एगिंदिया प०, तं०—पुढविक्काइया जाव वणस्सइकाइया, एवं एएणं चेव चउक्कएणं भेएणं भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइया, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उव-

वज्जेज्जा, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एगसमइएण वा दुसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०—उज्जुआयया सेढी एगओवंका दुहओवंका एगओखहा दुहओखहा चक्कवाला अद्धचक्कवाला ७, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव उववज्जेज्जा। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा सेसं तं चेव जाव से तेणट्ठेणं जाव विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते बायरपुढविकाइएसु अपज्जत्तएसु उववाएयव्वो, ताहे तेसु चेव पज्जत्तएसु ४, एवं आउक्काइएसुवि चत्तारि आलावगा सुहुमेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं बायरेहिं अपज्जत्तएहिं ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो ४, एवं चेव सुहुमतेउकाइएहिवि अपज्जत्तएहिं १, ताहे पज्जत्तएहिं उववाएयव्वो २, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? सेसं तं चेव, एवं पज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववाएयव्वो ४, वाउक्काइएसु सुहुमबायरेसु जहा आउक्काइएसु उववाइओ तहा उववाएयव्वो ४, एवं वणस्सइकाइएसुवि २०। पज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०? एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइओवि पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहणावेत्ता एएणं चेव कमेणं एएसु चेव वीससु ठाणेसु उववाएयव्वो जाव बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसुवि ४०, एवं अपज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ६०, एवं पज्जत्तबायरपुढविकाइओवि ८०, एवं आउकाइओवि चउसुवि गमएसु पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए एयाए चेव वत्तव्वयाए एएसु चेव वीसइठाणेसु उववाएयव्वो १६०, सुहुमतेउकाइओवि अपज्जत्तओ पज्जत्तओ य एएसु चेव वीससु ठाणेसु उववाए-

यव्वो। अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जं भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा सेसं तहेव जाव से तेणट्ठेणं० एवं पुढविकाइएसु चउविहेसुवि उववाएयव्वो, एवं आउकाइएसु चउविहेसुवि, तेउकाइएसु सुहुमेसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य एवं चेव उववाएयव्वो, अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! मणुस्सखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए मणुस्सखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं०सेसं तं चेव, एवं पज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताएवि उववाएयव्वो,वाउकाइयत्ताए य वणस्सइकाइयत्ताए य जहा पुढविकाइएसु तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वो, एवं पज्जत्तबायरतेउक्काइओवि समयखेत्ते समोहणावेत्ता एएसु चेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो जहेव अपज्जत्तओ उववाइओ, एवं सव्वत्थवि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते उववाएयव्वा समोहणावेयव्वावि २४०, वाउक्काइया वणस्सइकाइया य जहा पुढविकाइया तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वा जाव पज्जत्ता ४००। बायरवणस्सइकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पज्जत्तबायरवणस्सइकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं० सेसं तहेव जाव से तेणट्ठेणं०, अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं० सेसं तहेव णिरवसेसं, एवं जहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमते सव्वपएसुवि समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया जे य समयखेत्ते समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाइया एवं एएणं चेव कमेणं पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य समोहया पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं, एवं एएणं गमएणं दाहिणिल्ले चरिमंते (समयखेत्ते य) समोहयाणं उत्तरिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाओ एवं चेव उत्तरिल्ले चरिमंते-समयखेत्ते य समोहया दाहिणिल्ले चरिमंते समयखेत्ते य उववाएयव्वा तेणेव गमएणं, अपज्जत्तसुहुम-

पुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए सक्करप्पभाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए० एवं जहेव रयणप्पभाए जाव से तेणट्ठेणं एवं एएणं कमेणं जाव पज्जत्तएसु सुहुमतेउकाइएसु । अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! सक्करप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइ-समइएणं पुच्छा, गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं भंते !० पुच्छा, एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं०, एवं पज्जत्तएसुवि बायरतेउक्काइएसु, सेसं जहा रयणप्पभाए, जेऽवि बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य समयखेत्ते समोहणित्ता दोच्चाए पुढवीए पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते पुढविकाइएसु चउव्विहेसु आउक्काइएसु चउव्विहेसु तेउकाइएसु दुविहेसु वाउकाइएसु चउव्विहेसु वण-स्सइकाइएसु चउव्विहेसु उववज्जंति तेऽवि एवं चेव दुसमइएण वा तिसमइ-एण वा विग्गहेणं उववाएयव्वा, बायरतेउक्काइया अपज्जत्तगा य पज्जत्तगा य जाहे तेसु चेव उववज्जंति ताहे जहेव रयणप्पभाए तहेव एगसमइयदुसमइय-तिसमइयविग्गहा भाणियव्वा सेसं जहेव रयणप्पभाए तहेव णिरवसेसं, जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया एवं जाव अहेसत्तमाए भाणियव्वा ॥८४६॥

अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुम-पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जे-ज्जा ? गोयमा ! तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उव-वज्जेज्जा ? गोयमा ! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए एगपयरंसि अणुसेढीए उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसेढीए उववज्जित्तए से णं

चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा, एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताएवि, एवं जाव पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! अहोलोग जाव समोहणित्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं०? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तं०–उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं०, एवं पज्जत्तएसुवि बायरतेउकाइएसुवि उववाएयव्वो, वाउक्काइयवणस्सइकाइयत्ताए चउक्कएणं भेएणं जहा आउक्काइयत्ताए तहेव उववाएयव्वो २०, एवं जहा अपज्जत्तसुहुमपुढविक्काइयस्स गमओ भणिओ एवं पज्जत्तसुहुमपुढविकाइयस्सवि भाणियव्वो तहेव वीसाए ठाणेसु उववाएयव्वो ४०। अहोलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहणित्ता एवं बायरपुढविकाइयस्सवि अपज्जत्तगस्स य भाणियव्वं ८०, एवं आउक्काइयस्स चउव्विहस्सवि भाणियव्वं १६०, सुहुमतेउक्काइयस्स दुविहस्सवि एवं चेव २००। अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं० अट्ठो जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ एवं जाव अपज्जत्तबायरतेउकाइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए उड्ढलोयखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते पज्जत्तसुहुमतेउकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! सेसं तं चेव। अपज्जत्तबायरतेउक्काइए णं भंते ! समयखेत्ते समोहए २ त्ता जे भविए समयखेत्ते अपज्जत्तबायरतेउक्काइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं० अट्ठो जहेव रयणप्पभाए तहेव सत्त सेढीओ, एवं पज्जत्तबायरतेउकाइयत्ताएवि, वाउकाइएसु वणस्सइकाइएसु य जहा पुढविकाइएसु उववाइएओ तहेव चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वो, एवं

पज्जत्तबायरतेउकाइओवि एएसु चेव ठाणेसु उववाएयव्वो, वाउक्काइयवणस्सइकाइयाणं जहेव पुढविकाइयत्ते उववाइओ तहेव भाणियव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! उड्ढलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहए समोहणित्ता जे भविए अहेलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं० ? एवं उड्ढलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते समोहयाणं अहेलोगखेत्तणालीए बाहिरिल्ले खेत्ते उववज्जयाणं सो चेव गमओ णिरवसेसो भाणियव्वो जाव बायरवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ बायरवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु उववाइओ। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—एगसमइएण वा जाव उववज्जेज्जा ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ प०, तंजहा—उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, उज्जुआययाए सेढीए उववज्जमाणे एगसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढिं उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसेढिं उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जेज्जा, एवं अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइओ लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमपुढविकाइएसु सुहुमआउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमतेउक्काइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य सुहुमवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु बायरवाउकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु सुहुमवणस्सइकाइएसु अपज्जत्तएसु पज्जत्तएसु य बारससुवि ठाणेसु एएणं चेव कमेणं भाणियव्वो, सुहुमपुढविक्काइओ पज्जत्तओ एवं चेव णिरवसेसो बारससुवि ठाणेसु उववाएयव्वो २४, एवं एएणं गमएणं जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव भाणियव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे

भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? एवं खलु गोयमा ! मए सत्त सेढीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–उज्जुआयया जाव अद्धचक्कवाला, एगओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे दुसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा दुहओवंकाए सेढीए उववज्जमाणे जे भविए एगपयरंसि अणुसेढीओ उववज्जित्तए से णं तिसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा जे भविए विसेढिं उववज्जित्तए से णं चउसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा से तेणट्ठेणं गोयमा !०, एवं एएणं गमएणं पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए दाहिणिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव, सव्वेसिं दुसमइओ तिसमइओ चउसमइओ विग्गहो भाणियव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! कइसमइएणं विग्गहेणं उववज्जेज्जा ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं उववज्जेज्जा। से केणट्ठेणं० ? एवं जहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहया पुरत्थिमिल्ले चेव चरिमंते उववाइया तहेव पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहया पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वा सव्वे। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए लोगस्स उत्तरिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! एवं जहा पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहओ दाहिणिल्ले चरिमंते उववाइओ तहा पुरत्थिमिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! लोगस्स दाहिणिल्ले चरिमंते समोहए समोहणित्ता जे भविए लोगस्स दाहिणिल्ले चेव चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए० एवं जहा पुरत्थिमिल्ले समोहओ पुरत्थिमिल्ले चेव उववाइओ तहेव दाहिणिल्ले समोहए दाहिणिल्ले चेव उववाएयव्वो, तहेव णिरवसेसं जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्तओ सुहुमवणस्सइकाइएसु चेव पज्जत्तएसु दाहिणिल्ले चरिमंते उववाइओ एवं दाहिणिल्ले समोहओ पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो णवरं दुसमइय-

तिसमइयचउसमइयविग्गहो सेसं तहेव, दाहिणिल्ले समोहओ उत्तरिल्ले चरिमंते उववाएयव्वो जहेव सट्ठाणे तहेव एगसमइयदुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो पुरत्थिमिल्ले जहा पच्चत्थिमिल्ले तहेव दुसमइयतिसमइयचउसमइयविग्गहो, पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते समोहयाणं पच्चत्थिमिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तहेव, पुरत्थिमिल्ले जहा सट्ठाणे, दाहिणिल्ले एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तं चेव, उत्तरिल्ले समोहयाणं उत्तरिल्ले चेव उववज्जमाणाणं जहेव सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाणं पुरत्थिमिल्ले उववज्जमाणाणं एवं चेव णवरं एगसमइओ विग्गहो णत्थि, उत्तरिल्ले समोहयाणं दाहिणिल्ले उववज्जमाणाणं जहा सट्ठाणे, उत्तरिल्ले समोहयाणं पच्चत्थिमिल्ले उववज्जमाणाणं एगसमइओ विग्गहो णत्थि, सेसं तहेव जाव सुहुमवणस्सइकाइओ पज्जत्ताओ सुहुमवणस्सइकाइएसु पज्जत्तएसु चेव। कहिण्णं भंते ! बायरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु जहा ठाणपए जाव सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोगपरियावण्णा प० समणाउसो ! अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ प०, तं०-णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं चउक्कएणं भेएणं जहेव एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगावि अट्ठविहबंधगावि जहा एगिंदियसएसु जाव पज्जत्ता बायरवणस्सइकाइया। अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया णं भंते ! कइ कम्मपगडीओ वेदेंति ? गोयमा ! चउद्दस कम्मप्पगडीओ वेदेंति, तंजहा-णाणावरणिज्जं जहा एगिंदियसएसु जाव पुरिसवेयवज्झं एवं जाव बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं। एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति० ? जहा वक्कंतीए पुढविक्काइयाणं उववाओ। एगिंदियाणं भंते ! कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! चत्तारि समुग्घाया प०, तंजहा-वेयणासमुग्घाए जाव वेउव्वियसमुग्घाए। एगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ?

गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! एगिंदिया चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा १, अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा २, अत्थेगइया विसमाउया समोववण्णगा ३, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववण्णगा ४। तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति १, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति २, तत्थ णं जे ते विसमाउया समोववण्णगा ते णं वेमायट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ३, तत्थ णं जे ते विसमाउया विसमोववण्णगा ते णं वेमायट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ४। से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५०॥ ३४-१-१॥ कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा अणंतरोववण्णगा एगिंदिया पण्णत्ता, तंजहा-पुढविकाइया दुयाभेओ जहा एगिंदियसएसु जाव बायरवणस्सइकाइया य। कहिण्णं भंते ! अणंतरोववण्णगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु, तं०-रयणप्पभाए जहा ठाणपए जाव दीवेसु समुद्देसु एत्थ णं अणंतरोववण्णगाणं बायरपुढविकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता, उववाएणं सव्वलोए समुग्घाएणं सव्वलोए सट्ठाणेणं लोगस्स असंखेज्जइभागे, अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइया एगविहा अविसेसमणाणत्ता सव्वलोए परियावण्णा पण्णत्ता, समणाउसो ! एवं एएणं कमेणं सव्वे एगिंदिया भाणियव्वा, सट्ठाणाइं सव्वेसिं जहा ठाणपए तेसिं पज्जत्तगाणं बायराणं उववायसमुग्घायसट्ठाणाणि जहा तेसिं चेव अपज्जत्तगाणं बायराणं, सुहुमाणं सव्वेसिं जहा पुढविकाइयाणं भणिया तहेव भाणियव्वा जाव वणस्सइकाइयत्ति। अणंतरोववण्णगसुहुमपुढविकाइयाणं भंते ! कइ कम्मप्पगडीओ प० ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ एवं जहा एगिंदियसएसु अणंतरोववण्णगउद्देसए तहेव पण्णत्ताओ तहेव बंधंति तहेव वेदेंति जाव अणंतरोववण्णगा बायरवणस्सइकाइया। अणंतरोववण्णगएगिंदिया णं भंते ! कओ

उववज्जंति०? जहेव ओहिए उद्देसओ भणिओ तहेव। अणंतरोववण्णगएगिंदियाणं भंते!- कइ समुग्घाया प० ? गोयमा ! दोण्णि समुग्घाया प०, तं०—वेयणासमुग्घाए य कसायसमुग्घाए य। अणंतरोववण्णगएगिंदिया णं भंते ! किं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति पुच्छा तहेव ? गोयमा ! अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति अत्थेगइया तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति। से केणट्ठेणं भंते ! जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति ? गोयमा ! अणंतरोववण्णगा एगिंदिया दुविहा प०, तं०—अत्थेगइया समाउया समोववण्णगा अत्थेगइया समाउया विसमोववण्णगा, तत्थ णं जे ते समाउया समोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया तुल्लविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, तत्थ णं जे ते समाउया विसमोववण्णगा ते णं तुल्लट्ठिईया वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति, से तेणट्ठेणं जाव वेमायविसेसाहियं कम्मं पकरेंति। सेवं भंते! २ त्ति ॥८५१॥ ३४-१-२॥ कइविहा णं भंते ! परंपरोववण्णगा एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववण्णगा एगिंदिया प०, तं०—पुढविक्काइया भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति । परंपरोववण्णगअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले चरिमंते समोहए २ त्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव पच्चत्थिमिल्ले चरिमंते अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए०? एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमो उद्देसओ जाव लोगचरिमंतोत्ति। कहिण्णं भंते ! परंपरोववण्णगबायरपुढविकाइयाणं ठाणा प० ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्ठसु पुढवीसु एवं एएणं अभिलावेणं जहा पढमे उद्देसए जाव तुल्लट्ठिईयत्ति। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३४-१-३ ॥ एवं सेसावि अट्ठ उद्देसगा जाव अचरिमोत्ति, णवरं अणंतरा अणंतरसरिसा परंपरा परंपरसरिसा चरिमा य अचरिमा य एवं चेव, एवं एए एक्कारस उद्देसगा ॥८५२॥ ३४-१-११॥ पढमं एगिंदियसेढिसयं समत्तं। कइविहा णं भंते ! कण्हलेस्सा एगिंदिया प० ?गोयमा! पंचविहा कण्हलेस्सा एगिंदिया प० भेओ चउक्कओ जहा कण्हलेस्सएगिंदियसए जाव वणस्सइकाइयत्ति। कण्हलेस्सअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए पुरत्थिमिल्ले एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिउद्देसओ जाव लोगचरिमंतेत्ति सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु चेव उववाएयव्वो। कहिण्णं भंते ! कण्हलेस्सअपज्जत्तगबायरपुढविकाइ-

याणं ठाणा प० ? गोयमा ! एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियउद्देसओ जाव तुल्लट्ठिईयत्ति। सेवं भंते ! २ त्ति। एवं एएणं अभिलावेणं जहेव पढमं सेढिसयं तहेव एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा ॥ ३४–२–११ ॥ बिइयं एगिंदियसेढिसयं समत्तं। एवं णीललेस्सेहिवि तइयं सयं। काउलेस्सेहिवि सयं, एवं चेव चउत्थं सयं। भवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं पंचमं समत्तं। कइविहा णं भंते! कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प० ? एवं जहेव ओहियउद्देसओ। कइविहा णं भंते ! अणंतरोववण्णगा कण्हलेस्सा भवसिद्धिया एगिंदिया प० जहेव अणंतरोववण्णगउद्देसओ ओहिओ तहेव। कइविहा णं भंते ! परंपरोववण्णगकण्हलेस्सभवसिद्धिया एगिंदिया प० ? गोयमा ! पंचविहा परंपरोववण्णगकण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिया प० ओहिओ भेओ चउक्कओ जाव वणस्सइकाइयत्ति। परंपरोववण्णगकण्हलेस्सभवसिद्धियअपज्जत्तसुहुमपुढविकाइए णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए एवं एएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव लोयचरिमंतेत्ति, सव्वत्थ कण्हलेस्सेसु भवसिद्धिएसु उववाएयव्वो। कहिण्णं भंते ! परंपरोववण्णकण्हलेस्सभवसिद्धियपज्जत्तबायरपुढविकाइयाणं ठाणा प०? एवंएएणं अभिलावेणं जहेव ओहिओ उद्देसओ जाव तुल्लट्ठिईयत्ति, एवं एएणं अभिलावेणं कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि तहेव एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, छट्ठं सयं समत्तं। णीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएसु सत्तमं सयं समत्तं। एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं अट्ठमं सयं। जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाणि एवं अभवसिद्धिएहिवि चत्तारि सयाणि भाणियव्वाणि, णवरं चरिमअचरिमवज्जा णव उद्देसगा भाणियव्वा, सेसं तं चेव, एवं एयाइं बारस एगिंदियसेढीसयाइं भाणियव्वाइं। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ८५३ ॥

चोतीसइमं सयं समत्तं

॥ पणतीसइमं सयं–एगिंदियमहाजुम्मसयं ॥

कइ णं भंते ! महाजुम्मा पण्णत्ता ? गोयमा ! सोलस महाजुम्मा प०, तं०–कडजुम्मकडजुम्मे १, कडजुम्मतेओगे २, कडजुम्मदावरजुम्मे ३, कडजुम्मकलिओगे ४, तेओगकडजुम्मे ५, तेओगतेओगे ६, तेओगदावरजुम्मे ७, तेओगकलिओगे ८, दावरजुम्मकडजुम्मे ९, दावरजुम्मतेओगे १०, दावरजुम्मदावरजुम्मे ११, दावरजुम्मकलिओगे १२, कलिओगकडजुम्मे १३, कलिओग-

तेओगे १४, कलिओगदावरजुम्मे १५, कलिओगकलिओगे १६। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–सोलस महाजुम्मा प०, तं०–कडजुम्मकडजुम्मे जाव कलिओगकलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेऽवि कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मकडजुम्मे १, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मतेओए २, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मदावरजुम्मे ३, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कडजुम्मा सेत्तं कडजुम्मकलिओगे ४, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगकडजुम्मे ५, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगतेओगे ६, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगदावरजुम्मे ७, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया तेओगा सेत्तं तेओगकलिओगे ८, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकडजुम्मे ९, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मतेओए १०, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मदावरजुम्मे ११, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया दावरजुम्मा सेत्तं दावरजुम्मकलिओए १२, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकडजुम्मे १३, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे तिपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगतेओए १४, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे दुपज्जवसिए जे णं

तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगदावरजुम्मे १५, जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए जे णं तस्स रासिस्स अवहारसमया कलिओगा सेत्तं कलिओगकलिओगे १६। से तेणट्ठेणं जाव कलिओगकलिओगे ॥८५४॥ कडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति किं णेरइएहिंतो जहा उप्पलुद्देसए तहा उववाओ। ते णं भंते! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति? गोयमा! सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति। ते णं भंते! जीवा समए समए पुच्छा, गोयमा! ते णं अणंता समए समए अवहीरमाणा २ अणंताहिं ओसप्पिणी-उस्सप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहरिया सिया, उच्चत्तं जहा उप्पलु-द्देसए। ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा? गोयमा! बंधगा णो अबंधगा, एवं सव्वेसिं आउयवज्जाणं, आउयस्स बंधगा वा अबंधगा वा। ते णं भंते! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स वेयगा पुच्छा, गोयमा! वेयगा णो अवेयगा, एवं सव्वेसिं। ते णं भंते! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा पुच्छा, गोयमा! सायावेयगा वा असायावेयगा वा, एवं उप्पलुद्देसगपरिवाडी, सव्वेसिं कम्माणं उदई णो अणुदई, छण्हं कम्माणं उदी-रगा णो अणुदीरगा, वेयणिज्जाउयाणं उदीरगा वा अणुदीरगा वा। ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेस्सा पुच्छा, गोयमा! कण्हलेस्सा वा णीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेस्सा वा, णो सम्मदिट्ठी णो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी, णो णाणी अण्णाणी णियमं दुअण्णाणी तं०—मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, णो मणजोगी णो वइजोगी, कायजोगी, सागारोवउत्ता वा अणागारोवउत्ता वा। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरा कइवण्णा जहा उप्पलुद्देसए सव्वत्थ पुच्छा, गोयमा! जहा उप्पलुद्देसए ऊसासगा वा णीसासगा वा णो उस्सासणीसासगा वा, आहा-रगा वा अणाहारगा वा, णो विरया अविरया णो विरयाविरया, सकिरिया णो अकिरिया, सत्तविहबंधगा वा अट्ठविहबंधगा वा, आहारसण्णोवउत्ता वा जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वा, कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा, णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा, इत्थिवेयबंधगा वा, पुरिसवेयबंधगा वा णपुंसग-वेयबंधगा वा, णो सण्णी असण्णी, सइंदिया णो अणिंदिया। ते णं भंते! कड-जुम्मकडजुम्मएगिंदिया कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं

समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं-अणंता ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ वणस्सइ-काइयकालो, संवेहो ण भण्णइ, आहारो जहा उप्पलुद्देसए णवरं णिव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं सेसं तहेव, ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, समुग्घाया आइल्ला चत्तारि, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति उव्वट्टणा जहा उप्पलुद्देसए। अह भंते ! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता कडजुम्म २ एगिंदियत्ताए उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो। कडजुम्मतेओयएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव। ते णं भंते ! जीवा एगसमए० पुच्छा, गोयमा ! एगूणवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, सेसं जहा कडजुम्मकडजुम्माणं जाव अणंतखुत्तो। कडजुम्मदावरजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ तहेव। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं पुच्छा, गोयमा ! अट्ठारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो। कडजुम्मकलिओगएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ तहेव परिमाणं सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, तेओगकडजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ तहेव परिमाणं बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो। तेओयतेओयएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं एएसु सोलससु महाजुम्मेसु एक्को गमओ णवरं परिमाणे णाणत्तं तेओयदावरजुम्मेसु परिमाणं चउद्दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, तेओगकलिओगेसु तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मकडजुम्मेसु अट्ठ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मतेओगेसु एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मदावरजुम्मेसु दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, दावरजुम्मकलिओगेसु णव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगकडजुम्मेसु चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगतेओगेसु सत्त वा संखेज्जा

वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति, कलिओगदावरजुम्मेसु छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति । कलिओग २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ तहेव परिमाणं पंच वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५५ ॥ ॥ ३५-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? गोयमा ! तहेव एवं जहेव पढमो उद्देसओ तहेव सोलसखुत्तो बिइओवि भाणियव्वो, तहेव सव्वं णवरं इमाणि दस णाणत्ताणि—ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, आउयकम्मस्स णो बंधगा अबंधगा आउयस्स णो उदीरगा अणुदीरगा, णो उस्सासगा णो णिस्सासगा णो उस्सासणिस्सासगा, सत्तविहबंधगा णो अट्ठविहबंधगा । ते णं भंते ! पढमसमयकडजुम्म २-एगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! एक्कं समयं, एवं ठिईएवि, समुग्घाया आइल्ला दोण्णि, समोहया ण पुच्छिज्जंति उव्वट्टणा ण पुच्छिज्जइ, सेसं तहेव सव्वं णिरवसेसं, सोलससुवि गमएसु जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८५६ ॥ ३५-१-२ ॥ अपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एसो जहा पढमुद्देसो सोलसहिवि जुम्मेसु तहेव णेयव्वो जाव कलिओगकलिओगत्ताए जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-३ ॥ चरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहेव पढमसमयउद्देसओ णवरं देवा ण उववज्जंति तेउलेस्सा ण पुच्छिज्जंति, सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ ! त्ति ॥ ३५-१-४ ॥ अचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा अपढमसमयउद्देसो तहेव णिरवसेसो भाणियव्वो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-५ ॥ पढमपढमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव णिरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-६ ॥ पढमअपढमसमयकडजुम्मकडजुम्मएगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव भाणियव्वो । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-७ ॥ पढमचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा चरिमुद्देसओ तहेव णिरवसेसं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ३५-१-८ ॥ पढमअचरिमसमयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ?

जहा (पढमुद्देसओ) बीओ उद्देसओ तहेव णिरवसेसं। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ३५-१-९॥ चरिम२समयकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? जहा चउत्थो उद्देसओ तहेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥३५-१-१०॥ चरिमअचरिमसमयकडजुम्म२एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ तहेव णिरवसेसं। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरइ ॥३५-१-११॥ एवं एए एक्कारस उद्देसगा, पढमो तइओ पंचमओ य सरिसगमा सेसा अट्ठ सरिसगमगा, णवरं चउत्थे छट्ठे अट्ठमे दसमे य देवा ण उववज्जंति, तेउलेस्सा णत्थि ॥ ८५७ ॥ पणतीसइमे सए पढमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? गोयमा! उववाओ तहेव एवं जहा ओहिउद्देसए णवरं इमं णाणत्तं। ते णं भंते! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा। ते णं भंते! कण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं, एवं ठिईएवि, सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलसवि जुम्मा भाणियव्वा। सेवं भंते! २ त्ति ॥३५-२-१॥ पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? जहा पढमसमयउद्देसओ णवरं—ते णं भंते! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा, सेसं तहेव। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति ॥ ३५-२-२॥ एवं जहा ओहियसए एक्कारस उद्देसगा भणिया तहा कण्हलेस्ससएवि एक्कारस उद्देसगा भाणियव्वा, पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमगा सेसा अट्ठवि सरिसगमगा णवरं चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु उववाओ णत्थि देवस्स। सेवं भंते! २ त्ति ॥ ३५ इमे सए बिइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥२॥ एवं णीललेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं एक्कारस उद्देसगा तहेव। सेवं भंते! २ त्ति। तइयं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्सेहिवि सयं कण्हलेस्ससयसरिसं। सेवं भंते! २ त्ति। चउत्थं एगिंदियमहाजुम्मसयं ॥४॥ भवसिद्धियकडजुम्म २ एगिंदिया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? जहा ओहियसयं तहेव णवरं एक्कारससुवि उद्देसएसु। अह भंते! सव्वपाणा जाव सव्वसत्ता भवसिद्धियकडजुम्म२एगिंदियत्ताए उववण्णपुव्वा ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव। सेवं भंते! २ त्ति। पंचम एगिं-

दियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥५॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म२एगिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं कण्हलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं बिइय-सयकण्हलेस्ससरिसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । छट्ठं एगिंदिय-महाजुम्मसयं समत्तं ॥६॥ एवं णीललेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि सयं । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । सत्तमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥७॥ एवं काउलेस्सभवसिद्धियएगिंदिएहिवि तहेव एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, एवं एयाणि चत्तारि भवसिद्धियसयाणि, चउसुवि सएसु सव्वे पाणा जाव उववण्णपुव्वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । अट्ठमं एगिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥८॥ जहा भवसिद्धिएहिं चत्तारि सयाइं भणियाइं एवं अभवसिद्धिए-हिवि चत्तारि सयाणि लेस्सासंजुत्ताणि भाणियव्वाणि, सव्वे पाणा तहेव णो इणट्ठे समट्ठे, एवं एयाइं बारस एगिंदियमहाजुम्मसयाइं भवंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥८५८॥

पणतीसइमं सयं समत्तं

॥ छत्तीसइमं सयं–बेइंदियमहाजुम्मसयं ॥

कडजुम्म२बेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ जहा वक्कं-तीए, परिमाणं सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, अवहारो जहा उप्पलुद्देसए, ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं बारस जोयणाइं, एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमुद्देसए तहेव णवरं तिण्णि लेस्साओ देवा ण उववज्जंति सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा णो सम्मामिच्छा-दिट्ठी णाणी वा अण्णाणी वा णो मणजोगी वइजोगी वा कायजोगी वा । ते भंते ! कडजुम्म२बेइंदिया कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं, आहारो णियमं छद्दिसिं, तिण्णिसमुग्घाया सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ बेइंदियमहाजुम्म-सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥३६–१–१॥ पढमसमयकडजुम्म२बेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं जहा एगिंदियमहाजुम्माणं पढमसमयउद्देसए दस णाणत्ताइं ताइं चेव दस इहवि, एक्कारसमं इमं णाणत्तं–णो मणजोगी णो

वइजोगी कायजोगी सेसं जहा बेइंदियाणं चेव पढमुद्देसए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । एवं एएवि जहा एगिंदियमहाजुम्मेसु एक्कारस उद्देसगा तहेव भाणियव्वा णवरं चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु सम्मत्तणाणाणि ण भण्णंति, जहेव एगिंदिएसु पढमो तइओ पंचमो य एक्कगमा सेसा अट्ठ एक्कगमा ॥ ३६ इमे सए पढमं बेइंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥ कण्हलेस्सकडजुम्म२बेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव कण्हलेस्सेसुवि एक्कारसउद्देसगसंजुत्तं सयं, णवरं लेस्सा संचिट्ठणा ठिई जहा एगिंदियकण्हलेस्साणं । बिइयं बेइंदियसयं समत्तं ॥२॥ एवं णीललेस्सेहिवि सयं । तइयं सयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्सेहिवि, चउत्थं सयं समत्तं ॥ ४ ॥ भवसिद्धियकडजुम्म२बेइंदिया णं भंते ! एवं भवसिद्धियसयावि चत्तारि तेणेव पुव्वगमएणं णेयव्वा णवरं सव्वे पाणा० णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तहेव ओहियसयाणि चत्तारि । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । छत्तीसइमे सए अट्ठमं सयं समत्तं ॥ ८ ॥ जहा भवसिद्धियसयाणि चत्तारि एवं अभवसिद्धियसयाणि चत्तारि भाणियव्वाणि णवरं सम्मत्तणाणाणि सव्वेहिं णत्थि, सेसं तं चेव, एयाणि बारस बेइंदियमहाजुम्मसयाणि भवंति । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८५९ ॥ बेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥

छत्तीसइमं सयं समत्तं

॥ सत्ततीसइमं सयं ॥

कडजुम्म२तेइंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं तेइंदिएसुवि बारस सया कायव्वा बेइंदियसयसरिसा णवरं–ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं, ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं एगूणपण्णं राइंदियाइं, सेसं तहेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८६० ॥ तेइंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **सत्ततीसइमं सयं समत्तं ॥**

॥ अट्ठतीसइमं सयं ॥

चउरिंदिएहिवि एवं चेव बारस सया कायव्वा णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सेसं जहा बेइंदियाणं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ८६१ ॥ चउरिंदियमहाजुम्मसया समत्ता ॥ १२ ॥ **अट्ठतीसइमं सयं समत्तं ॥**

।। एगूणयालीसइमं सयं ।।

कडजुम्म२असण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा बेइंदियाणं तहेव असण्णिसुवि बारस सया कायव्वा णवरं ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं पुव्वकोडी सेसं जहा बेइंदियाणं । सेवं भंते ! २ त्ति ।। ८६२ ।। असण्णिपंचिंदियमहाजुम्मसया समत्ता ।। १२ ।।

एगूणयालीसइमं सयं समत्तं

।। चत्तालीसइमं सयं—सण्णिपंचिंदियमहाजुम्म सयं ।।

कडजुम्म२सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ चउसुवि गईसु, संखेज्जवासाउयअसंखेज्जवासाउयपज्जत्तअपज्जत्तएसु य ण कओवि पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, परिमाणं अवहारो ओगाहणा य जहा असण्णिपंचिंदियाणं, वेयणिज्जवज्जाणं सत्तण्हं पगडीणं बंधगा वा अबंधगा वा, वेयणिज्जस्स बंधगा णो अबंधगा, मोहणिज्जस्स वेयगा वा अवेयगा वा सेसाणं सत्तण्हवि वेयगा णो अवेयगा, सायावेयगा वा असायावेयगा वा, मोहणिज्जस्स उदई वा अणुदई वा सेसाणं सत्तण्हवि उदई णो अणुदई, णामस्स गोयस्स य उदीरगा णो अणुदीरगा सेसाणं छण्हवि उदीरगा वा अणुदीरगा वा, कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा सम्मामिच्छादिट्ठी वा, णाणी वा अण्णाणी वा मणजोगी वा वइजोगी कायजोगी, उवओगो वण्णमाई उस्सासगा वा णीसासगा वा आहारगा य जहा एगिंदियाणं, विरया य अविरया य विरयाविरया य, सकिरिया णो अकिरिया । ते णं भंते ! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा छव्विहबंधगा एगविहबंधगा वा ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा जाव एगविहबंधगा वा । ते णं भंते ! जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता णोसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! आहारसण्णोवउत्ता वा जाव णोसण्णोवउत्ता वा, सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा कोहकसाई वा जाव लोभकसाई वा अकसाई वा, इत्थीवेयगा वा पुरिसवेयगा वा णपुंसगवेयगा वा अवेयगा वा, इत्थीवेयबंधगा वा पुरिसवेयबंधगा वा णपुंसगवेयबंधगा

वा अबंधगा वा, सण्णी णो असण्णी, सइंदिया णो अणिंदिया, संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं, आहारो तहेव जाव णियमं छद्दिसिं, ठिई जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, छ समुग्घाया आइल्लगा मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, उव्वट्टणा जहेव उववाओ ण कत्थइ पडिसेहो जाव अणुत्तरविमाणत्ति, अह भंते ! सव्वपाणा जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु भाणियव्वं जाव अणंतखुत्तो, णवरं-परिमाणं जहा बेइंदियाणं सेसं तहेव । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४०-१-१ ॥ पढमसमयकडजुम्म२सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ परिमाणं आहारो जहा एएसिं चेव पढमोद्देसए ओगाहणा बंधो वेयो वेयणा उदई उदीरगा य जहा बेइंदियाणं पढमसमइयाणं तहेव कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा, सेसं जहा बेइंदियाणं पढमसमइयाणं जाव अणंतखुत्तो णवरं इत्थिवेयगा वा पुरिसवेयगा वा णपुंसगवेयगा वा सण्णिणो असण्णिणो सेसं तहेव एवं सोलससुवि जुम्मेसु परिमाणं तहेव सव्वं । सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४०-१-२ ॥ एवं एत्थवि एक्कारस उद्देसगा तहेव, पढमो तइओ पंचमो य सरिसगमगा सेसा अट्ठवि सरिसगमगा, चउत्थछट्ठअट्ठमदसमेसु णत्थि विसेसो कायव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८६३ ॥ चत्तालीसइमे सए पढमं सण्णिपंचिंदियमहाजुम्मसयं समत्तं ॥ १ ॥

कण्हलेस्सकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? तहेव जहा पढमुद्देसओ सण्णीणं, णवरं बंधो वेओ उदई उदीरणा लेस्सा बंधगसण्णा-कसायवेयबंधगा य एयाणि जहा बेइंदियाणं, कण्हलेस्साणं वेओ तिविहो अवेयगा णत्थि संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं एवं ठिईएवि णवरं-ठिईए अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं ण भण्णंति सेसं जहा एएसिं चेव पढमे उद्देसए जाव अणंतखुत्तो । एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । पढमसमयकण्हलेस्सकडजुम्म२ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? जहा सण्णिपंचिंदियपढमसमयउद्देसए तहेव णिरवसेसं णवरं-ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा सेसं तं चेव, एवं सोलससुवि जुम्मेसु । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । एवं एएवि एक्कारस उद्देसगा कण्हलेस्ससए, पढमतइयपंचमा सरिसगमगा

सेसा अट्ठवि एक्क(सरिस)गमगा । सेवं भंते २ त्ति । बिइयं सयं समत्तं ॥२॥ एवं णीललेस्सेसुवि सयं, णवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसु उद्देसएसु, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । तइयं सयं समत्तं ॥३॥ एवं काउलेस्ससयंपि, णवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, एवं तिसुवि उद्देसएसु, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । चउत्थं सयं ॥ ४॥ एवं तेउलेस्सेसुवि सयं, णवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमब्भहियाइं एवं ठिईएवि णवरं णोसण्णोवउत्ता वा, एवं तिसुवि (गमएसु) उद्देसएसु सेसं तं चेव । सेवं भंते !२ त्ति । पंचमं सयं ॥५॥ जहा तेउलेस्सासयं तहा पम्हलेस्सासयंपि णवरं संचिट्ठणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, एवं ठिईएवि, णवरं अंतोमुहुत्तं ण भण्णइ सेसं तहेव, एवं एएसु पंचसु सएसु जहा कण्हलेस्सासए गमओ तहा णेयव्वो जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति । छट्ठं सयं समत्तं ॥६॥ सुक्कलेस्ससयं जहा ओहियसयं णवरं संचिट्ठणा ठिई य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तहेव जाव अणंतखुत्तो । सेवं भंते ! २ त्ति । सत्तमं सयं समत्तं ॥७॥ भवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा पढमं सण्णिसयं तहा णेयव्वं भवसिद्धियाभिलावेणं णवरं सव्वपाणा०? णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । अट्ठमं सयं समत्तं ॥ ८ ॥ कण्हलेस्सभवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओहियकण्हलेस्ससयं । सेवं भंते! २ त्ति । णवमं सयं ॥ ९॥ एवं णीललेस्सभवसिद्धिएवि सयं । सेवं भंते ! २ त्ति । दसमं सयं ॥१०॥ एवं जहा ओहियाणि सण्णिपंचिदियाणं सत्त सयाणि भणियाणि एवं भवसिद्धिएहिवि सत्त सयाणि कायव्वाणि, णवरं सत्तसुवि सएसु सव्वपाणा जाव णो इणट्ठे समट्ठे, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति । भवसिद्धियसया समत्ता । चउद्दसमं सयं समत्तं ॥१४॥ अभवसिद्धियकडजुम्म२ सण्णिपंचिदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ तहेव अणुत्तरविमाणवज्जो परिमाणं अवहारो उच्चत्तं बंधो वेओ वेयणं उदओ उदीरणा य जहा कण्हलेस्ससए कण्हलेस्सा वा जाव सुक्कलेस्सा वा णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी

णो सम्मामिच्छाविट्ठी णो णाणी अण्णाणी एवं जहा कण्हलेस्ससए णवरं णो विरया अविरया णो विरयाविरया संचिट्ठणा ठिई य जहा ओहिउद्देसए समुग्घाया आइल्लगा पंच उव्वट्टणा तहेव अणुत्तरविमाणवज्जं सव्वपाणा० णो इणट्ठे समट्ठे सेसं जहा कण्हलेस्ससए जाव अणंतखुत्तो, एवं सोलससुवि जुम्मेसु। सेवं भंते !२ त्ति। पढमसमयअभवसिद्धियकडजुम्म २ सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा सण्णीणं पढमसमयउद्देसए तहेव णवरं सम्मत्तं सम्मामिच्छत्तं णाणं च सव्वत्थ णत्थि सेसं तहेव। सेवं भंते! २त्ति। एवं एत्थ वि एक्कारस उद्देसगा कायव्वा पढमतइयपंचमा एक्कगमा सेसा अट्ठवि एक्क गमा। सेवं भंते! २ त्ति। पढमं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं समत्तं। चत्तालीसइमे सए पण्णरसमं सयं समत्तं॥१५॥कण्हलेस्सअभवसिद्धियकडजुम्म२सण्णिपंचिंदिया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा एएसिं चेव ओहियसयं तहा कण्हलेस्ससयंपि णवरं ते णं भंते ! जीवा कण्हलेस्सा ? हंता कण्हलेस्सा ठिई संचिट्ठणा य जहा कण्हलेस्ससए सेसं तं चेव। सेवं भंते ! २ त्ति। बिइयं अभवसिद्धियमहाजुम्मसयं। चत्तालीसइमे सए सोलसमं सयं समत्तं॥१६॥ एवं छहिवि लेस्साहिं छ सया कायव्वा जहा कण्हलेस्ससयं णवरं संचिट्ठणा ठिई य जहेव ओहियसए तहेव भाणियव्वा, णवरं सुक्कलेस्साए उक्कोसेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, ठिई एवं चेव णवरं अंतोमुहुत्तं णत्थि जहण्णगं तहेव सव्वत्थ सम्मत्तणाणाणि णत्थि विरई विरयाविरई अणुत्तरविमाणोववत्ति एयाणि णत्थि, सव्वपाणा० णो इणट्ठे समट्ठे। सेवं भंते ! २ त्ति। एवं एयाणि सत्त अभवसिद्धियमहाजुम्मसयाइं भवंति। सेवं भंते ! २ त्ति। एवं एयाणि एक्कवीसं सण्णिमहाजुम्मसयाणि। सव्वाणिवि एक्कासीइमहाजुम्मसया समत्ता ॥ ८६४ ॥

चत्तालीसइमं सयं समत्तं

॥ इक्कचत्तालीसइमं सयं—रासीजुम्म सयं ॥

कइ णं भंते ! रासीजुम्मा प०? गोयमा ! चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता, तंजहा—कडजुम्मे जाव कलिओगे। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—चत्तारि रासीजुम्मा पण्णत्ता तं०—कडजुम्मे जाव कलिओगे ? गोयमा ! जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे चउपज्जवसिए सेत्तं रासीजुम्मकडजुम्मे, एवं जाव जे णं रासी चउक्कएणं अवहारेणं अवहीरमाणे एगपज्जवसिए सेत्तं

रासीजुम्मकलिओगे, से तेणट्ठेणं जाव कलिओगे । रासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? उववाओ जहा वक्कंतीए । ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा सोलस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । ते णं भंते ! जीवा किं संतरं उववज्जंति णिरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरंपि उववज्जंति णिरंतरंपि उववज्जंति, संतरं उववज्जमाणा जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अंतरं कट्टु उववज्जंति, णिरंतरं उववज्जमाणा जहण्णेणं दो समया उक्कोसेणं असंखेज्जा समया अणुसमयं अविरहियं णिरंतरं उववज्जंति। ते णं भंते ! जीवा जं समयं कडजुम्मा तं समयं तेओगा जं समयं तेओगा तं समयं कडजुम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे। जं समयं कडजुम्मा तं समयं दावरजुम्मा जं समयं दावरजुम्मा तं समयं कडजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे । जं समयं कडजुम्मा तं समयं कलिओगा जंसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे। ते णं भंते ! जीवा कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! से जहाणामए पवए पवमाणे एवं जहा उववायसए जाव णो परप्पओगेणं उववज्जंति। ते णं भंते ! जीवा किं आयजसेणं उववज्जंति आयअजसेणं उववज्जंति ? गोयमा ! णो आयजसेणं उववज्जंति आयअजसेणं उववज्जंति । जइ आयअजसेणं उववज्जंति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! णो आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति । जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा णो अलेस्सा । जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया णो अकिरिया । जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे । रासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहेव णेरइया तहेव णिरवसेसं एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णवरं वणस्सइकाइया जाव असंखेज्जा वा अणंता वा उववज्जंति सेसं तं चेव, मणुस्सावि एवं चेव जाव णो आयजसेणं उववज्जंति आयअजसेणं उववज्जंति । जइ आयअजसेणं उववज्जंति किं आयजसं उवजीवंति आयअजसं उवजीवंति ? गोयमा ! आयजसंपि उवजीवंति आयअजसंपि उवजीवंति । जइ आयजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्साधि अलेस्साधि । जइ अलेस्सा किं सकि-

रिया अकिरिया ? गोयमा ! णो सकिरिया अकिरिया । जइ अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? हंता सिज्झंति जाव अंतं करेंति। जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया णो अकिरिया। जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? गोयमा ! अत्थेगइया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति अत्थेगइया णो तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति । जइ आयअजसं उवजीवंति किं सलेस्सा अलेस्सा ? गोयमा ! सलेस्सा णो अलेस्सा। जइ सलेस्सा किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! सकिरिया णो अकिरिया । जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया । सेवं भंते ! २त्ति । इक्कचत्तालीसइमे रासीजुम्मसए पढमो उद्देसो ॥ ४१–१ ॥ राजीजुम्मतेओयणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव उद्देसओ भाणियव्वो णवरं परिमाणं तिण्णि वा सत्त वा एक्कारस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, संतरं तहेव। ते णं भंते ! जीवा जंसमयं तेओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं तेओगा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । जंसमयं तेओया तंसमयं दावरजुम्मा, जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं तेओया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं कलिओगेणवि समं, सेसं तं चेव जाव वेमाणिया णवरं उववाओ सव्वेसिं जहा वक्कंतीए। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१–२ ॥ रासीजुम्मदावरजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव उद्देसओ णवरं परिमाणं दो वा छ वा दस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति संवेहो । ते णं भंते ! जीवा जंसमयं दावरजुम्मा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं दावरजुम्मा ? णो इणट्ठे समट्ठे, एवं तेओएणवि समं, एवं कलिओगेणवि समं, सेसं जहा पढमुद्देसए जाव वेमाणिया। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१–३ ॥ रासीजुम्मकलिओगणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति० ? एवं चेव णवरं परिमाणं एक्को वा पंच वा णव वा तेरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति संवेहो। ते णं भंते ! जीवा जंसमयं कलिओगा तंसमयं कडजुम्मा जंसमयं कडजुम्मा तंसमयं कलिओगा ? णो इणट्ठे समट्ठे एवं तेओएणवि समं, एवं दावरजुम्मेणवि समं, सेसं जहा पढमुद्देसए एवं जाव

वेमाणिया । सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-४।। कण्हलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? उववाओ जहा धूमप्पभाए सेसं जहा पढमुद्देसए, असुरकुमाराणं तहेव एवं जाव वाणमंतराणं मणुस्साणवि जहेव णेरइयाणं आयअजसं उवजीवंति अलेस्सा अकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति एवं ण भाणियव्वं सेसं जहा पढमुद्देसए । सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-५।। कण्हलेस्सतेओए- हिवि एवं चेव उद्देसओ, सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-६।। कण्हलेस्सदावरजुम्मेहिं- एवं चेव उद्देसओ । सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-७।। कण्हलेस्सकलिओएहिवि एवं चेव उद्देसओ परिमाणं संवेहो य जहा ओहिएसु उद्देसएसु । सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-८।। जहा कण्हलेस्सेहिं एवं णीललेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा भाणि- यव्वा णिरवसेसा, णवरं णेरइयाणं उववाओ जहा वालुयप्पभाए, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २ त्ति ।। ४१-१२ ।। काउलेस्सेहिवि एवं चेव चत्तारि उद्देसगा कायव्वा णवरं णेरइयाणं उववाओ जहा रयणप्पभाए, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! २त्ति ।।४१-१६।। तेउलेस्सरासीजुम्मकडजुम्मअसुरकुमारा णं भंते ! कओ उव- वज्जंति०? एवं चेव णवरं जेसु तेउलेस्सा अत्थि तेसु भाणियव्वं, एवं एएवि कण्हलेस्सासरिसा चत्तारि उद्देसगा कायव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति ।। ४१-२० ।। एवं पम्हलेस्साएवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणु- स्साणं वेमाणियाण य एएसिं पम्हलेस्सा, सेसाणं णत्थि । सेवं भंते ! २ त्ति । ।। ४१-२४ ।। जहा पम्हलेस्साए एवं सुक्कलेस्साएवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा णवरं मणुस्साणं गमओ जहा ओहिउद्देसएसु सेसं तं चेव, एवं एए छसु लेस्सासु चउव्वीसं उद्देसगा ओहिया चत्तारि, सव्वे ते अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ।।४१-२८।। भवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मणेर- इया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा ओहिया पढमगा चत्तारि उद्देसगा तहेव णिरवसेसं एए चत्तारि उद्देसगा । सेवं भंते ! २ त्ति ।।४१-३२।। कण्ह- लेस्सभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा कण्हलेस्साए चत्तारि उद्देसगा भवंति तहा इमेवि भवसिद्धियकण्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ।।४१-३६।। एवं णीललेस्सभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा कायव्वा ।। ४१-४० ।। एवं काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ।। ४१- ४४ ।। तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ओहियसरिसा ।।४१-४८।। पम्हलेस्से-

हिंवि चत्तारि उद्देसगा ॥ ४१-५२॥ सुक्कलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा ओहिय-सरिसा। एवं एएवि भवसिद्धिएहिवि अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति । सेवं भंते ! २ त्ति ॥४१-५६॥ अभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? जहा पढमो उद्देसओ णवरं मणुस्सा णेरइया य सरिसा भाणियव्वा, सेसं तहेव। सेवं भंते ! २ त्ति। एवं चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा। कण्हलेस्सअभवसिद्धियरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं चेव चत्तारि उद्देसगा। एवं णीललेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा एवं काउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा एवं तेउलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा पम्हलेस्सेहिवि चत्तारि उद्देसगा सुक्कलेस्सअभवसिद्धिएहिवि चत्तारि उद्देसगा, एवं एएसु अट्ठावीसाए वि अभवसिद्धियउद्देसएसु मणुस्सा णेरइयगमेणं णेयव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति । एवं एएवि अट्ठावीसं उद्देसगा ॥ ४१-८४ ॥ सम्मदिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं जहा पढमो उद्देसओ एवं चउसुवि जुम्मेसु चत्तारि उद्देसगा भवसिद्धियसरिसा कायव्वा । सेवं भंते ! २ त्ति। कण्हलेस्ससम्मादिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते! कओ उववज्जंति० ? एएवि कण्हलेस्ससरिसा चत्तारिवि उद्देसगा कायव्वा, एवं सम्मदिट्ठीसुवि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ ॥ ४१-११२ ॥ मिच्छादिट्ठीरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं एत्थवि मिच्छादिट्ठीअभिलावेणं अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥४१-१४० ॥ कण्हपक्खियरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं एत्थवि अभवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा कायव्वा। सेवं भंते ! २ त्ति ॥ ४१-१६८ ॥ सुक्कपक्खियरासीजुम्मकडजुम्मणेरइया णं भंते ! कओ उववज्जंति०? एवं एत्थवि भवसिद्धियसरिसा अट्ठावीसं उद्देसगा भवंति, एवं एए सव्वेवि छण्णउयं उद्देसगसयं भवंति रासीजुम्मसयं जाव सुक्कलेस्सा सुक्कपक्खियरासीजुम्मकलिओगवेमाणिया जाव जइ सकिरिया तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? णो इणट्ठे समट्ठे। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ ८६५॥ ॥४१-१९६॥ भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—एव-

मेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते ! सच्चे णं एसमट्ठे जे णं तुब्भे वयह त्ति कट्टु अपूइवयणा खलु अरिहंता भगवंतो, समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ८६६ ॥

इक्कचत्तालीसइमं रासीजुम्मसयं समत्तं

॥ परिसेसो ॥

सव्वाए भगवईए अट्ठतीसं सयं सयाणं १३८ उद्देसगाणं १९२५ । चुलसीय सयसहस्सा पयाण पवरवरणाणदंसीहिं । भावाभावमणंता पण्णत्ता एत्थमंगंमि ॥ १ ॥ तवणियमविणयवेलो जयइ सया णाणविमलविउलजलो । हेउसयविउलवेगो संघसमुद्दो गुणविसालो ॥ २ ॥ णमो गोयमाईणं गणहराणं, णमो भगवईए विवाहपण्णत्तीए, णमो दुवालसंगस्स गणिपिडगस्स ॥ गाहा–कुम्मसुसंठियचलणा, अमलियकोरंटबेंटसंकासा । सुयदेवया भगवई मम मइतिमिरं पणासेउ ॥१॥ पणत्तीए आइमाणं अट्ठण्हं सयाणं दो दो उद्देसगा उद्दिसिज्जंति णवरं चउत्थे सए पढमदिवसे अट्ठ बिइयदिवसे दो उद्देसगा उद्दिसिज्जंति, णवमाओ सयाओ आरद्धं जावइयं-जावइयं एइ तावइयं-तावइयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ उक्कोसेणं सयंपि एगदिवसेणं मज्झिमेणं दोहिं दिवसेहिं सयं जहण्णेणं तिहिं दिवसेहिं सयं एवं जाव वीसइमं सयं, णवरं गोसालो एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ जइ ठिओ एगेण चेव आयंबिलेण् अणुण्णवइ अह्ण्णं ठिओ आयंबिलेणं छट्ठेणं अणुण्णवइ, एक्कवीसबावीसतेवीसइमाइं सयाइं एक्केक्कदिवसेणं उद्दिसिज्जंति, चउवीसइमं सयं दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, पंचवीसइमं दोहिं दिवसेहिं छ छ उद्देसगा, बंधिसयाइं अट्ठसयाइं एगेणं दिवसेणं सेढिसयाइं बारस एगेणं एगिंदियमहाजुम्मसयाइं बारस एगेणं एवं बेइंदियाणं बारस तेइंदियाणं बारस चउरिंदियाणं बारस एगेण असण्णिपंचिंदियाणं बारस सण्णिपंचिंदियमहाजुम्मसयाइं एक्कवीसं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जंति रासीजुम्मसयं एगदिवसेणं उद्दिसिज्जइ । गाहाओ-वियसियअरविंदकरा णासियतिमिरा सुयाहिया देवी । मज्झंपि देउ मेहं बुहविबुहणमंसिया णिच्चं

॥ १ ॥ सुयदेवयाए पणमिमो जीए पसाएण सिक्खियं णाणं । अण्णं पवयण देवी संतिकरी तं णमंसामि ॥ २ ॥ सुयदेवया य जक्खो कुंभधरो बंभसंति वेरोट्टा । विज्जा य अंतहुंडी देउ अविग्घं लिहंतस्स ॥ ३ ॥ ८६७ ॥

॥ सिरिविवाहपण्णत्ती समत्ता ॥

॥ पंचमं अंगं समत्तं ॥

णायाधम्मकहाओ

पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था। वण्णओ ॥१॥ तीसे णं चंपाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए (एत्थ णं) पुण्णभद्दे णामं चेइए होत्था। वण्णओ ॥२॥ तत्थ णं चंपाए णयरीए कोणिए णामं राया होत्था। वण्णओ ॥३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे णामं थेरे जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलरूवविणयणाणदंसणचरित्तलाघवसंपण्णे ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोहे जिइंदिए जियणिद्दे जियपरीसहे जीवियासामरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे एवं करणचरणणिग्गहणिच्छयअज्जवमद्दवलाघवखंतिगुत्तिमुत्तिविज्जामंतबंभ (चेर) वयणयणियमसच्चसोयणाणदंसणचारित्तप्पहाणे उ(ओ)राले घोरे घोरव्वए घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलते(य)उलेसे चोद्दसपुव्वी चउणाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपा णयरी जेणेव पुण्णभद्दे चेइए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥४॥ तए णं चंपाए णयरीए परिसा णिग्गया। कोणिओ णिग्गओ। धम्मो कहिओ। परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अणगारस्स जेट्ठे अंतेवासी अज्ज जंबू णामं अणगारे कासवगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से अज्जजंबूणामे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले उप्पण्णसड्ढे उप्पण्णसंसए उप्पण्णकोउहल्ले समुप्पण्णसड्ढे समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता जेणामेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जसुहम्मे थेरे तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता अज्जसुहम्मस्स थेरस्स

णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे पंजलिउडे विणएणं पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसुत्तमेणं पुरिससीहेणं पुरिसवरपुंडरीएणं पुरिसवरगंधहत्थिणा लोगुत्तमेणं लोगणाहेणं लोगहिएणं लोगपईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरणदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं बोहिदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मणायगेणं धम्मसारहिणा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरणाणदंसणधरेणं वियट्टछउमेणं जिणेणं जा(व)णएणं तिण्णेणं तारएणं बुद्धेणं बोहएणं मुत्तेणं मोयगेणं सव्वण्णेणं सव्वदरिसिणा सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तियं सासयं ठाणमुवगएणं पंचमस्स अंगस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, छट्ठस्स णं अंगस्स णं भंते ! णायाधम्मकहाणं के अट्ठे पण्णत्ते ? जंबुत्ति अज्जसुहम्मे थेरे अज्जजंबूणामं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता, तंजहा—णायाणि य धम्मकहाओ य । जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता तंजहा—णायाणि य धम्मकहाओ य । पढमस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं एगूणवीसं अज्झयणा पण्णत्ता, तंजहा—उक्खित्तणाए संघाडे अंडे कुम्मे य सेलगे । तुंबे य रोहिणी मल्ली मायंदी चंदिमाइय ।।१।। दावद्दवे उदगणाए मंडुक्के तेयली वि य । णंदीफले अवरकंका आइण्णे सुंसुमाइ य ।। २ ।।अवरे य पुंडरीए णायए एगूणवीसइमे ।।५।। जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं णायाणं एगूणवीसा अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—उक्खित्तणाए जाव पुंडरीए (त्ति) य, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे रायगिहे णामं णयरे होत्था । वण्णओ। गुणसिलए चेइए । वण्णओ । तत्थ णं रायगिहे णयरे सेणिए णामं राया होत्था । महया हिमवंत० वण्णओ । तस्स णं सेणियस्स रण्णो णंदा णामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया वण्णओ ।। ६ ।। तस्स णं सेणियस्स पुत्ते णंदाए देवीए अत्तए अभए णामं कुमारे होत्था अहीणपंचिंदियसरीरे जाव सुरूवे सामदंडभेयउवप्पयाणणीइसुप्पउत्तणयविहिण्णू ईहावूहमग्गणगवेसणअत्थसत्थमइविसारए

उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए सेणियस्स रण्णो बहुसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य मंतेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य णिच्छएसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमाणं आहारे आलंबणं चक्खू मेढीभूए पमाणभूए आहारभूए आलंबणभूए चक्खुभूए सव्वकज्जेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए विइण्णवियारे रज्जधुरचिंतए यावि होत्था। सेणियस्स रण्णो रज्जं च रट्ठं च कोसं च कोट्ठागारं च बलं च वाहणं च पुरं च अंतेउरं च सयमेव समु(वे) पेक्खमाणे २ विहरइ ॥७॥ तस्स णं सेणियस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था जाव सेणियस्स रण्णो इट्ठा जाव विहरइ ॥८॥ तए णं सा धारिणी देवी अण्णया कयाइ तंसि तारिसगंसि छक्कट्ठगलट्ठमट्ठसंठियखंभुग्गयपवरवरसालभंजियउज्जलमणिकणगरयणथूभियविडंकजालद्धचंदणिज्जूहकंतरकणयालिचंदसालियाविभत्तिकलिए सरसच्छधाऊवलवण्णरइए बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे अब्भिंतरओ पसत्तसुविलिहियचित्तकम्मे णाणाविहपंचवण्णमणिरयणकोट्टिमतले पउमलयाफुल्लवल्लिवरपुप्फजाइउल्लोयचित्तियतले चं (वं)दणवरकणगकलससु(वि)णिम्मियपडिपूजियसरसपउमसोहंतदारभाए पयरगलंबंतमणिमुत्तदामसुविरइयदारसोहे सुगंधवरकुसुममउयपम्हलसयणोवयारमणहिययणिव्वुइयरे कप्पूरलवंगमलयचंदणकालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवडज्झंतसुरभिमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामे सुगंधवरगंधिए गंधवट्टिभूए मणिकिरणपणासियंधयारे किं बहुणा? जुइगुणेहिं सुरवरविमाणवेलं(बिय)वरघरए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ बिब्बोयणे दुहओ उण्णए मज्झे णयगंभीरे गंगापुलिणवालुयाउद्दालसालिसए उयचियखोमदुगुल्लपट्टपडि (च्छण्णे) च्छयणे अत्थरयमलयणवतयकुसत्तलिंबसीहकेसरपच्चुत्थए सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरणवणीयतुल्लफासे पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी ओहीरमाणी एगं महं सत्तुस्सेहं रययकूडसण्णिहं णहयलंसि सोमं सोमागारं लीलायंतं जंभा-(यंतं) यमाणं मुहमतिगयं गयं पासित्ता णं पडिबुद्धा। तए णं सा धारिणी देवी अयमेयारूवं उरालं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुमिणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठा चित्तमाणंदिया पीइमणा परमसोमणस्सिया हरिसवसविसप्पमाणहियया धाराहयकलंबपुप्फगं पिव समूससियरोमकूवा तं सुमिणं ओगिण्हइ २ त्ता सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता

अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणामेव से सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धण्णाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं हिययगमणिज्जाहिं हिययपल्हायणिज्जाहिं मियमहुररिभियगंभीर-सस्सिरीयाहिं गिराहिं संलवमाणी २ पडिबोहेइ २ त्ता सेणिएणं रण्णा अब्भ-णुण्णाया समाणी णाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयइ २ त्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु सेणियं रायं एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! अज्ज तंसि तारि-सगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए जाव णियगवयणमइवयंतं गयं सुमिणे पासित्ता णं पडिबुद्धा । तं एयस्स णं देवाणुप्पिया ! उरालस्स जाव सुमिणस्स के मण्णे कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ?॥९॥ तए णं से सेणिए राया धारिणीए देवीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए धारा-हयणीवसुरभिकुसुमचुंचुमालइयतणू ऊससियरोमकूवे तं सुमिणं उग्गिण्हइ २ त्ता ईहं पविसइ २ त्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविण्णाणेणं तस्स सुमिणस्स अत्थोग्गहं करेइ २ त्ता धारिणिं देविं ताहिं जाव हिययपल्हायणि-ज्जाहिं मिउमहुररिभियगंभीरसस्सिरीयाहिं वग्गूहिं अणुवूहेमाणे २ एवं वयासी–उराले णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे देवाणु-प्पिए ! सुमिणे दिट्ठे, सिवे धण्णे मंगल्ले सस्सिरीए णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणे दिट्ठे, आरोग्गतुट्ठिदीहाउयकल्लाणमंगलकारए णं तुमे देवी ! सुमिणे दिट्ठे, अत्थलाभो ते देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो ते देवाणुप्पिए ! रज्जलाभो भोगलाभो सोक्खलाभो ते देवाणुप्पिए ! एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! णवण्हं मासाणं बहुपडि-पुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीवं कुलपव्वयं कुलवडिंसयं कुलतिलयं कुलकित्तिकरं कुलवित्तिकरं कुलणंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं कुलपायवं कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं जाव दारयं पयाहिसि । से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णाय परिणयमेत्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्णविपुलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ । तं उराले णं तुमे देवी ! सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणकारए णं तुमे देवी ! सुमिणे दिट्ठे त्ति कट्टु भुज्जो २ अणुवूहेइ ॥१०॥ तए णं सा धारिणी देवी

सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा जाव हियया करयलपरिग्गहियं जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया! तहमेयं देवाणुप्पिया! अवितहमेयं असंदिद्धमेयं इच्छियमेयं देवाणुप्पिया! पडिच्छियमेयं इच्छियपडिच्छियमेयं सच्चे णं एसमट्ठे जं णं तुब्भे वयह त्ति कट्टु तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता सेणिएणं रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी णाणामणिकणगरयणभत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयंसि सयणिज्जंसि णिसीयइ २ त्ता एवं वयासी–मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुमिणे अण्णेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिहित्ति कट्टु देवयगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं धम्मियाहिं कहाहिं सुमिणजागरियं पडिजागरमाणी २ विहरइ ॥११॥ तए णं से सेणिए राया पच्चूसकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! बाहिरियं उवट्ठाणसालं अज्ज सविसेसं परमरम्मं गंधोदगसित्तसुइयसम्मज्जिओवलित्तं पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्क तुरुक्कधूवडज्झंतमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करित्ता य कारवित्ता य ए(व)यमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागबंधुजीवगपारावयचलणणयणपरहुयसुरत्तलोयणजासुमणकुसुमजलियजलणतवणिज्जकलसहिंगुलयणिगररूवाइरेगरेहंतसस्सिरीए दिवा(ग)यरे अहकमेण उदिए तस्स दिण(कर)करपरंपरावयारपारद्धंमि अंधयारे बालायवकुंकुमेण खइयव्व जीवलोए लोयणविसयाणुयासविगसंतविसददंसियंमि लोए कमलागरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणुपविसइ २ त्ता अणेगवायामजोगवग्गणवामद्दणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परिस्संते सयपागसहस्सपागेहिं सुगंधवरतेल्लमाइएहिं पीणणिज्जेहिं दीवणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विहंणिज्जेहिं सव्विंदियगायपल्हायणिज्जेहिं अब्भंगएहिं अब्भंगिए समाणे तेल्लचम्मंसि पडिपुण्णपाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं दक्खेहिं पट्ठेहिं

कुसलेहिं मेहावीहिं णिउणेहिं णिउणसिप्पोवगएहिं जियपरिस्समेहिं अब्भंगण-परिमद्दणुव्वलणकरणगुणणिम्माएहिं अट्ठिसुहाए मंससुहाए तयासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए संबाहणाए संबाहिए समाणे अवगयपरिस्समे णरिंदे अट्टण-सालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता स(मु)मं(त)त्तजालाभिरामे विचित्तमणिरयण-कोट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवंसि णाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि ण्हाणपीढंसि सुहणिसण्णे सुहोदएहिं पुप्फोदएहिं गंधोदएहिं सुद्धोदएहिं य पुणो पुणो कल्ला-णगपवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं बहुविहेहिं कल्लाणगपवर-मज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगंधकासाईयलूहियंगे अहयसुमहग्घदूसरयणसुसंवुए सरससुरभिगोसीसचंदणाणुलित्तगत्ते सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तसुकयसोहे पि(ण)णिद्धगेविज्जे अंगुलेज्जगललियंगयललियकयाभरणे णाणामणिकडगतुडियथंभियभुए अहिय-रूवसस्सिरीए कुंडलुज्जोइयाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालं-बपलंबमाणसुकयपडउत्तरिज्जे मुद्दियापिंगलंगुलीए, णाणामणिकणगरयणविमल-महरिह-णिउणोवियमिसिमिसंतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थआविद्ध-वीरवलए, किं बहुणा? कप्परुक्खए चेव सुअलंकियविभूसिए णरिंदे सकोरंटमल्ल-दामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं (उभओ) चउचामरवालवीइयंगे मंगलजयसद्द-कयालोए अणेगगणणायगदंडणायगराईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियमंतिमहामंति-गणगदोवारियअमच्चचेडपीढमद्दणगरणिगमसेट्ठिसेणावइसत्थवाहदूयसंधिवाल-सद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहणिग्गए विव गहगणदिप्पंतरिक्खतारागणाण मज्झे ससि व्व पियदंसणे णरवई मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णि-सण्णे। तए णं से सेणिए राया अप्पणो अदूरसामंते उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थमंगलोवयारकयसंतिकम्माइं रया-वेइ २ त्ता (अप्पणो अदूरसामंते) णाणामणिरयणमंडियं अहियपेच्छणिज्जरूवं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हबहुभत्तिसयचित्त(ट्ठा)ठाणं ईहामियउसभतुरयणरमगर-विहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं सुखचियवर-कणगपवरपेरंतदेसभागं अब्भितरियं जवणियं अंछावेइ २ त्ता अ(च्छ)त्थरगमउ-

अमसूरगउच्छइयं धवलवत्थपच्चत्थुयं विसिट्ठं अंगसुहफासयं सुमउयं धारिणीए देवीए भद्दासणं रयावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अट्ठंगमहाणिमित्तसुत्तत्थपाढए विविहसत्थकुसले सुमिणपाढए सद्दावेह २ त्ता एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति २ त्ता सेणियस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सुमिणपाढगगिहाणि तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सुमिणपाढए सद्दावेंति । तए णं ते सुमिणपाढगा सेणियस्स रण्णो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया ण्हाया कयबलिकम्मा जाव पायच्छित्ता अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा हरियालियसिद्धत्थयकयमुद्धाणा सएहिं सएहिं गिहेहिंतो पडिणिक्खमंति २ त्ता रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सेणियस्स रण्णो भवणवडेंसगदुवारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगयओ मिलायंति २ त्ता सेणियस्स रण्णो भवणवडिंसगदुवारेणं अणुपविसंति २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति, सेणिएणं रण्णा अच्चियवंदियपूइयमाणियसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेयं २ पुव्वण्णत्थेसु भद्दासणेसु णिसीयंति । तए णं सेणिए राया जवणियंतरियं धारिणिं देविं ठवेइ २ त्ता पुप्फफलपडिपुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुमिणपाढए एवं वयासी एवं खलु देवाणुप्पिया ! धारिणी देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि जाव महासुमिणं पासित्ता णं पडिबुद्धा, तं एयस्स णं देवाणुप्पिया ! उरालस्स जाव सस्सिरीयस्स महासुमिणस्स के भण्णे कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? । तए णं ते सुमिणपाढगा सेणियस्स रण्णो अंतिए एयमट्ठं सोच्चाणिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया तं सुमिणं सम्मं ओगिण्हंति २ त्ता ईहं अणुपविसंति २ त्ता अण्णमण्णेण सद्धिं संचालेंति २ त्ता तस्स सुमिणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा सेणियस्स रण्णो पुरओ सुमिणसत्थाइं उच्चारेमाणा २ एवं वयासी—एवं खलु अम्हे सामी ! सुमिणसत्थंसि बायालीसं सुमिणा तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा दिट्ठा । तत्थ णं सामी ! अरहंतमायरो वा चक्कवट्टिमायरो

वा अरहंतंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुमिणाणं इमे चउद्दसमहासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति तंजहा–गयवसहसीहअभिसेयदामससिदिणयरं झयं कुंभं। पउमसरसागरविमाणभवणरयणुच्चयसिहिं च।१। वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अण्णयरे सत्त महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति। बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अण्णयरे चत्तारि महासुमिणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति। मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुमिणाणं अण्णयरं एगं महासुमिणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति। इमे य (णं) सामी ! धारिणीए देवीए एगे महासुमिणे दिट्ठे। तं उराले णं सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारए णं सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे। अत्थलाभो सामी ! सोक्खलाभो सामी ! भोगलाभो सामी ! पुत्तलाभो रज्जलाभो, एवं खलु सामी ! धारिणी देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाहिइ। से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिण्णविउलबलवाहणे रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा। तं उराले णं सामी ! धारिणीए देवीए सुमिणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव दिट्ठे–त्तिकट्टु भुज्जो भुज्जो अणुवूहेंति। तए णं सेणिए राया तेसिं सुमिणपाढगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियए करयल जाव एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया! जाव जं णं तुब्भे वयह–त्तिकट्टु तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता ते सुमिणपाढए विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सेणिए राया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए ! सुमिणसत्थंसि बायालीसं सुमिणा तीसं महासुमिणा जाव एगं महासुमिणं जाव भुज्जो २ अणुवूहेइ। तए णं सा धारिणी देवी सेणियस्स रण्णो अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियया तं सुमिणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता जेणेव सए वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाया कयबलि-

कम्मा जाव विपुलाइं जाव विहरइ ॥१२॥ तए णं तीसे धारिणीए देवीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु तइए मासे वट्टमाणे तस्स गब्भस्स दोहलकालसमयंसि अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउब्भवित्था--धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ संपुण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ णं ताओ० कयपुण्णाओ कयलक्खणाओ कयविहवाओ सुलद्धे णं तासिं माणुस्सए जम्मजीवियफले जाओ णं मेहेसु अब्भुग्गएसु अब्भुज्जएसु अब्भुण्णएसु अब्भुट्ठिएसु सगज्जिएसु सविज्जुएसु सफुसिएसु सथणिएसु धंतधोयरुप्पपट्टअंकसंखचंदकुंदसालिपिट्ठरासिसमप्पभेसु चिउरहरियालभेयचंपगसणकोरंटसरिस(य)वपउमरयसमप्पभेसु लक्खारससरसरत्तकिंसुयजासुमणरत्तबंधुजीवगजाइहिंगुलयसरसकुंकुमउरब्भससरुहिरइंदगोवगसमप्पभेसु बरहिणणीलगुलियसुगचासपिच्छभिंगपत्तसासगणीलुप्पलणियरणवसिरीसकुसुमणवसद्दलसमप्पभेसु जच्चंजणभिंगभेयरिट्ठगभमरावलिगवलगुलियकज्जलसमप्पभेसु फुरंतविज्जुयसगज्जिएसु वायवसविपुलगगणचवलपरिसक्किरेसु णिम्मलवरवारिधारापयलियपयंडमारुयसमाहयसमोत्थरंतउवरिउवरितुरियवासं पवासिएसु धारापहकरणिवायणिव्वाविय मेइणितले हरिय(ग)गणकंचुए पल्लविय पायवगणेसु वल्लिवियाणेसु पसरिएसु उण्णएसु सोहग्गमुवागएसु (णगेसु णएसु वा) वेभारगिरिप्पवायतडकडगविमुक्केसु उज्झरेसु तुरियपहावियपल्लोट्टफेणाउलं सकलुसं जलं वहंतीसु गिरिणईसु सज्जज्जुणणीवकुडय कंदलसिलिंधकलिएसु उववणेसु मेहरसियहट्ठतुट्ठचिट्ठियहरिसवसपमुक्ककंठकेकारवं मुयंतेसु बरहिणेसु उउवसमयजणियतरुणसहयरिपणच्चिएसु णवसुरभिसिलिंधकुडयकंदलकलंबगंधद्धणिं मुयंतेसु उववणेसु परहुयरुयरिभियसंकुलेसु उद्दा(यं)इंतरत्तइंदगोवयथोवयकारुण्णविलविएसु ओणयतणमंडिएसु दद्दुरपयंपिएसु संपिडियदरियभमरमहुयरिपहकरपरिलिंतमत्तछप्पयकुसुमासवलोलमहुरगुंजंतदेसभाएसु उववणेसु परिसामियचंदसूरगहगणपणट्ठणक्खत्ततारगपहे इंदाउहबद्धचिंधपट्टंसि अंबरतले उड्डीणबलागपंतिसोहंतमेहविंदे कारंडगचक्कवायकलहंसउस्सुयकरे संपत्ते पाउसंमि काले ण्हायाओ कयबलिकम्माओ कयकोउयमंगल-पायच्छित्ताओ किं ते वरपायपत्तणेउरमणिमेहलहाररइयओवियकडगखुड्डयविचित्तवरवलयथंभियभुयाओ कुंडलउज्जोवियाणणाओ रयणभूसियं(गा)गीओ णासाणीसासवायवोज्झं चक्खुहरं वण्णफरिससंजुत्तं हयलालापेलवाइरेयं धवलकणयखचियंतकम्मं आगासफलिहसरिसप्पभं अंसुयं पवर परिहियाओ

दुगुल्लसुकुमालउत्तरिज्जाओ सव्वोउयसुरभिकुसुमपवरमल्लसोहियसिराओ-कालागरुधूवधूवियाओ सिरीसमाणवेसाओ सेयणयगंधहत्थिरयणं दुरूढाओ समाणीओ सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चंदप्पभवइरवेरुलिय-विमलदंडसंखकुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसण्णिगासचउचामरवालवीजियंगीओ सेणिएणं रण्णा सद्धिं हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुगच्छमाणीओ चाउ-रंगिणीए सेणाए महया हयाणीएणं गयाणीएणं रहाणीएणं पायत्ताणीएणं सव्वड्ढीए सव्वज्जुईए जाव णिग्घोसणाइयरवेणं रायगिहं णयरं सिंघाडग-तियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु आसित्तसित्तसुइयसंमज्जिओवलित्तं जाव सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं अवलोएमाणीओ णागरजणेणं अभिणंदिज्जमाणीओ गुच्छलयारुक्खगुम्मवल्लिगुच्छओच्छाइयं सुरम्मं वेभारगिरिकडगपायमूलं सव्वओ समंता आहिंडेमाणीओ २ दोहलं विणियंति। तं जइ णं अहमवि मेहेसु अब्भुग्गएसु जाव दोहलं विणिज्जामि ॥१३॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि असंपत्तदोहला असंपुण्णदोहला असंमाणिय-दोहला सुक्का भुक्खा णिम्मंसा ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा पमइलदुब्बला किलंता ओमंथियवयणणयणकमला पंडुइयमुही करयलमलियव्व चंपगमाला णित्तेया दीणविवण्णवयणा जहोचियपुप्फगंधमल्लालंकारहारं अणभिलसमाणी कीडारमणकिरियं च परिहावेमाणी दीणा दुम्मणा णिराणंदा भूमिगयदिट्ठीया ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं तीसे धारिणीए देवीए अंगपडिया-रियाओ अब्भितरियाओ दासचेडियाओ धारिणिं देविं ओलुग्गं जाव झियायमाणिं पासंति २ त्ता एवं वयासी–किण्णं तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि? तए णं सा धारिणी देवी ताहिं अंगपडियारियाहिं अब्भित-रियाहिं दासचेडियाहिं (य) एवं वुत्ता समाणी ताओ दासचेडियाओ णो आढाइ णो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं ताओ अंगपडियारियाओ अब्भितरियाओ दासचेडियाओ धारिणिं देविं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किण्णं तुमे देवाणुप्पिए! ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव झियायसि? तए णं सा धारिणी देवी ताहिं अंगपडियारियाहिं अब्भितरियाहिं दासचेडियाहिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ता समाणी णो आढाइ णो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरियाणमाणी तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं ताओ अंगपडिया-

रियाओ अब्भितरियाओ दासचेडियाओ धारिणीए देवीए अणाढाइज्जमाणीओ अपरिजाणिज्जमाणीओ तहेव संभंताओ समाणीओ धारिणीए देवीए अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल-परिग्गहियं जाव कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु सामी ! किंपि अज्ज धारिणी देवी ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणो-वगया झियायइ। तए णं से सेणिए राया तासिं अंगपडियारियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तहेव संभंते समाणे सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं जेणेव धारिणी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं ओलुग्गं ओलुग्गसरीरं जाव अट्ट-ज्झाणोवगयं झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं तुमं देवाणुप्पिए। ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायसि ? तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणी णो आढाइ जाव तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारिणिं देविं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–किण्णं तुमं देवाणुप्पिए ! ओलुग्गा जाव झियायसि ? तए णं सा धारिणी देवी सेणि-एणं रण्णा दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ता समाणी णो आढाइ णो परिजाणाइ तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया धारिणिं देविं सवहसावियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिए ! अहमेयस्स अट्ठस्स अणरिहे सवण-याए ता णं तुमं ममं अयमेयारूवं मणोमाणसियं दुक्खं रहस्सीकरेसि ? तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रण्णा सवहसाविया समाणी सेणियं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! मम तस्स उरालस्स जाव महासुमिणस्स तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहले पाउब्भूए–धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ कयत्थाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव वेभारगिरिपायमूलं आहिंडमाणीओ दोहलं विणिंति, तं जइ णं अहमवि जाव दोहलं विणिज्जामि। तए णं हं सामी। अयमेयारूवंसि अकालदोहलंसि अविणिज्जमाणंसि ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि। एएणं अहं कारणेणं सामी ! ओलुग्गा जाव अट्टज्झाणोवगया झियायामि। तए णं से सेणिए राया धारिणीए देवीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म धारिणिं देविं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिए ! ओलुग्गा जाव झियाहि, अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं तुब्भं अयमेयारूवस्स अकालदोहलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ त्तिकट्टु धारिणिं देविं इट्ठाहिं कंताहिं

पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे धारिणीए देवीए एयं अकालदोहलं बहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य वेणइयाहि य कम्मियाहि य पारिणामियाहि य चउव्विहाहिं बुद्धीहिं अणुचिंतेमाणे २ तस्स दोहलस्स आयं वा उवायं वा ठिइं वा उप्पत्तिं वा अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ ॥१४॥ तयाणंतरं च णं अभए कुमारे ण्हाए कयबलिकम्मे जाव सव्वालंकारविभूसिए पायवंदए पहारेत्थ गमणाए। तए णं से अभयकुमारे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—अण्णया ममं सेणिए राया एज्जमाणं पासइ पासित्ता आढाइ परियाणइ सक्कारेइ सम्माणेइ आलवइ संलवइ अद्धासणेणं उवणिमंतेइ मत्थयंसि अग्घाइ। इयाणिं ममं सेणिए राया णो आढाइ णो परियाणइ णो सक्कारेइ णो सम्माणेइ णो इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं ओरालाहिं वग्गूहिं आलवइ संलवइ णो अद्धासणेणं उवणिमंतेइ णो मत्थयंसि अग्घाइ किंपि ओहयमणसंकप्पे झियायइ। तं भवियव्वं णं एत्थ कारणेणं। तं सेयं खलु मे सेणियं रायं एयमट्ठं पुच्छित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं ताओ ! अण्णया ममं एज्जमाणं पासित्ता आढाह परियाणह जाव मत्थयंसि अग्घायह आसणेणं उवणिमंतेह, इयाणिं ताओ ! तुब्भे ममं णो आढाह जाव णो आसणेणं उवणिमंतेह किंपि ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह, तं भवियव्वं ताओ ! एत्थ कारणेणं, तओ तुब्भे मम ताओ ! एयं कारणं अगूहेमाणा असंकेमाणा अणिण्हवेमाणा अपच्छाएमाणा जहाभूयमवितहमसंदिद्धं एयमट्ठं आइक्खह। तए णं हं तस्स कारणस्स अंतगमणं गमिस्सामि। तए णं से सेणिए राया अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे अभयकुमारं एवं वयासी—एवं खलु पुत्ता ! तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए तस्स गब्भस्स दोसु मासेसु अइक्कंतेसु तइयमासे वट्टमाणे दोहलकालसमयंसि अयमेयारूवे दोहले पाउब्भवित्था—धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव विणिंति।

तए णं अहं पुत्ता ! धारिणीए देवीए तस्स अकालदोहलस्स बहूहिं आएहि य उवाएहिं जाव उप्पत्तिं अविंदमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियामि तुमं आगयंपि ण याणामि, तं एएणं कारणेणं अहं पुत्ता ! ओहयमणसंकप्पे जाव झियामि। तए णं से अभए कुमारे सेणियस्स रण्णो अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियए सेणियं रायं एवं वयासी—मा णं तुब्भे ताओ ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह। अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं मम चुल्ल० माउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवस्स अकालदोहलस्स मणोरहसंपत्ती भविस्सइ त्तिकट्टु सेणियं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव समासासेइ। तए णं सेणिए राया अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे जाव अभयं कुमारं सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता पडिविसज्जेइ ॥१५॥ तए णं से अभए कुमारे सक्कारिए सम्माणिए पडिविसज्जिए समाणे सेणियस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणे णिसण्णे। तए णं तस्स अभयकुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—णो खलु सक्का माणुस्सएणं उवाएणं मम चुल्लमाउयाए धारि० णीए देवीए अकालदोहलमणोरहसंपत्तिं करित्तए णण्णत्थ दिव्वेणं उवाएणं। अत्थि णं मज्झ सोहम्मकप्पवासी पुव्वसंगइए देवे महिड्ढिए जाव महासोक्खे। तं सेयं खलु मम पोसहसालाए पोसहियस्स बंभयारिस्स उम्मुक्कमणिसुवण्णस्स ववगयमालावण्णगविलेवणस्स णिक्खित्तसत्थमुसलस्स एगस्स अबीयस्स दब्भ-संथारोवगयस्स अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता पुव्वसंगइयं देवं मणसीकरेमाणस्स विहरित्तए। तए णं पुव्वसंगइए देवे मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवे अकालमेहेसु दोहलं विणेहिइ, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ २ त्ता उच्चार-पासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरू-हइ २ त्ता अट्ठमभत्तं पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पुव्वसंगइयं देवं मणसीकरेमाणे २ चिट्ठइ। तए णं तस्स अभयकुमारस्स अट्ठम-भत्ते परिणममाणे पुव्वसंगइयस्स देवस्स आसणं चलइ। तए णं पुव्वसंगइए सोहम्मकप्पवासी देवे आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ। तए णं तस्स पुव्वसंगइयस्स देवस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु मम पुव्वसंगइए जंबूद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे रायगिहे णयरे

पोसहसालाए पोसहिए अभए णामं कुमारे अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता णं मम मणसी-करेमाणे २ चिट्ठइ । तं सेयं खलु मम अभयस्स कुमारस्स अंतिए पाउब्भवित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्विय-समुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं णिसिरइ, तंजहा–रय-णाणं वइराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसगब्भाणं पुलगाणं सोगंधियाणं जोइरसाणं अंकाणं अंजणाणं रयणाणं जायरूवाणं अंजणपुलगाणं फलिहाणं रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पोग्गले परि-गिण्हइ २ त्ता अभयकुमारमणुकंपमाणे देवे पुव्वभवजणियणेहपीइबहुमाणजाय-सोगे तओ विमाणवरपुंडरीयाओ रयणुत्तमाओ धरणियलगमणतुरियसंजणिय-गमणपयारो वाघुण्णिय-विमल-कणग-पयरग-वडिंसगमउडुक्कडाडोवदंसणिज्जो अणेगमणि-कणगरयणपहकरपरिमंडिय-भत्तिचित्त-विणिउत्त (मणुगुण) गमण-गजणियहरिसे पेंखोलमाणवरललियकुंडलुज्जलिय-वयणगुणजणियसोमरूवे उदिओ विव कोमुदीणिसाए सणिच्छरंगारकुज्जलियमज्झभागत्थे णयणाणंदो सरयचंदो दिव्वोसहिपज्जलुज्जलियदंसणाभिरामो उउलच्छिसमत्तजाय-सोहे पइट्ठगंधुद्धुयाभिरामे मेरुरिव णगवरो विउव्वियविचित्तवेसे दीवसमु-द्दाणं असंखपरिमाणणामधेज्जाणं मज्झयारेणं वीइवयमाणो उज्जोयंतो पभाए विमलाए जीवलोयं रायगिहं पुरवरं च अभयस्स य तस्स पासं ओवयइ दिव्वरूवधारी ॥१६॥ तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवण्णे दसद्धवण्णाइं सखिं-खिणियाइं पवर वत्थाइं परिहिए। एक्को ताव एसो गमो । अण्णोऽवि गमो–ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए सीहाए उद्धयाए जयणाए छेयाए दिव्वाए देवगईए जेणामेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणामेव दाहिणद्धभरहे राय-गिहे णयरे पोसहसालाए अभए कुमारे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अंत-लिक्खपडिवण्णे दसद्धवण्णाइं सखिंखिणियाइं पवरवत्थाइं परिहिए अभयं कुमारं एवं वयासी–अहं णं देवाणुप्पिया ! पुव्वसंगइए सोहम्मकप्पवासी देवे महड्डिए जं णं तुमं पोसहसालाए अट्ठमभत्तं पगिण्हित्ता णं ममं मणसीकरेमाणे २ चिट्ठसि, तं एस णं देवाणुप्पिया ! अहं इहं हव्वमागए । संदिसाहि णं देवाणुप्पिया ! किं करेमि किं दलामि किं पयच्छामि किं वा ते हियइच्छियं ? । तए णं से अभए कुमारे तं पुव्वसंगइयं देवं अंतलिक्खपडिवण्णं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पोसहं पारेइ २ त्ता करयल जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम

चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवे अकालदोहले पाउब्भूए-धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ तहेव पुव्वगमेणं जाव विणिज्जामि। तं णं तुमं देवाणुप्पिया! मम चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवं अकालदोहलं विणेहि। तए णं से देवे अभएणं कुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे अभयं कुमारं एवं वयासी-तुमं णं देवाणुप्पिया! सुणिव्वुयवीसत्थे अच्छाहि, अहं णं तव चुल्लमाउयाए धारिणीए देवीए अयमेयारूवं दोहलं विणेमित्तिकट्टु अभयस्स कुमारस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता उत्तरपुरत्थिमे णं वेभारपव्वए वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं णिस्सरइ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता खिप्पामेव सगज्जइयं सविज्जुयं सफुसियं तं पंचवण्णमेहणिणाओवसोहियं दिव्वं पाउससिरिं विउव्वइ २ त्ता जेणेव अभए कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अभयं कुमारं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! मए तव पियट्ठयाए सगज्जिया सफुसिया सविज्जुया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया, तं विणेउ णं देवाणुप्पिया! तव चुल्लमाउया धारिणी देवी अयमेयारूवं अकालदोहलं। तए णं से अभए कुमारे तस्स पुव्वसंगइयस्स सोहम्मकप्पवासिस्स देवस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे सयाओ भवणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणामेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी-एवं खलु ताओ! मम पुव्वसंगइएणं सोहम्मकप्पवासिणा देवेणं खिप्पामेव सगज्जिया सविज्जुया (सफुसिया) पंचवण्णमेहणिणाओवसोभिया दिव्वा पाउससिरी विउव्विया। तं विणेउ णं मम चुल्लमाउया धारिणी देवी अकालदोहलं। तए णं से सेणिए राया अभयस्स कुमारस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायगिहं णयरं सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर० आसित्तसित्त जाव सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करित्ता य कारवित्ता य मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हयगयरहजोहपवरकलियं चाउरंगिणिं सेण्णं सण्णाहेह सेयणयं च गंधहत्थिं परिकप्पेह। तेवि तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया जेणेव

धारिणी देवी तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता धारिणिं देविं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए ! सगज्जिया जाव पाउससिरी पाउब्भूया, तं णं तुमं देवाणुप्पिए ! एयं अकालदोहलं विणेहि। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणी हट्ठतुट्ठा जेणामेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुप्पविसइ २ त्ता अंतो अंतेउरंसि ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ता किं ते वरपायपत्तणेउर जाव आगासफालियसमप्पभं अंसुयं णियत्था सेयणयं गंधहत्थिं दुरूढा समाणी अमयमहियफेणपुंजसण्णिगासाहिं सेयचामरवालवीयणीहिं वीइज्जमाणी २ संपत्थिया। तए णं से सेणिए राया ण्हाए कयबलिकम्मे जाव सस्सिरीए हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामराहिं वीइज्जमाणे धारिणीदेविं पिट्ठओ अणुगच्छइ। तए णं सा धारिणी देवी सेणिएणं रण्णा हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुगम्ममाणमग्गा हयगयरहजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा महया भडचडगरवंदपरिक्खित्ता सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए जाव दुंदुभिणिग्घोसणाइयरवेणं रायगिहे णयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर जाव महापहेसु णागरजणेणं अभिणंदिज्जमाणी २ जेणामेव वेभारगिरिपव्वए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता वेभारगिरिकडगतडपायमूले आरामेसु य उज्जाणेसु य काणणेसु य वणेसु य वणसंडेसु य रुक्खेसु य गुच्छेसु य गुम्मेसु य लयासु य वल्लीसु य कंदरासु य दरीसु य चुण्ढीसु य दहेसु य कच्छेसु य णईसु य संगमेसु य विवरएसु य अच्छमाणी य पेच्छमाणी य मज्जमाणी य पत्ताणि य पुप्फाणि य फलाणि य पल्लवाणि य गिण्हमाणी य माणेमाणी य अग्घायमाणी य परिभुंजमाणी य परिभाएमाणी य वेभारगिरिपायमूले दोहलं विणेमाणी सव्वओ समंता आहिंडइ। तए णं सा धारिणी देवी (तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियदोहला) विणीयदोहला संपुण्णदोहला संपण्णदोहला जाया यावि होत्था। तए णं सा धारिणी देवी सेयणयगंधहत्थिं दूरूढा समाणी सेणिएणं हत्थिखंधवरगएणं पिट्ठओ २ समणुगम्ममाणमग्गा हयगय जाव र(हे)वेणं जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता विउलाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं जाव विहरइ॥१७॥ तए णं से अभए कुमारे जेणामेव पोसहसाला तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता पुव्वसंगइयं देवं सक्कारेइ

सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से देवे सगज्जियं पंचवण्णमेहोव-सोहियं दिव्वं पाउससिरिं पडिसाहरइ २ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥१८॥ तए णं सा धारिणी देवी तंसि अकालदोहलंसि विणीयंसि सम्माणियदोहला तस्स गब्भस्स अणुकंपणट्ठाए जयं चिट्ठइ जयं आसयइ जयं सुवइ आहारं पि य णं आहारेमाणी णाइतित्तं णाइकडुयं णाइकसायं णाइ-अंबिलं णाइमहुरं जं तस्स गब्भस्स हियं मियं पत्थयं देसे य काले य आहारं आहारेमाणी णाइचिंतं णाइसोयं (णाइदेण्णं) णाइमोहं णाइभयं णाइपरित्तासं ववगयचिंतासोयमोहभयपरित्तासा उउभयमाणसुहेहिं भोयणच्छायणगंधमल्ला-लंकारेहिं तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ ॥१९॥ तए णं सा धारिणी देवी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं वीइक्कंताणं अद्धरत्तकाल-समयंसि सुकुमालपाणिपायं जाव सव्वंगसुंदरं दारगं पयाया। तए णं ताओ अंगपडियारियाओ धारिणिं देविं णवण्हं मासाणं जाव दारगं पयायं पासंति २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! धारिणी देवी णवण्हं मासाणं जाव दारगं पयाया, तं णं अम्हे देवाणुप्पियाणं पियं णिवेएमो पियं भे भवउ। तए णं से सेणिए राया तासिं अंगपडियारियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० ताओ अंगपडियारियाओ महुरेहिं वयणेहिं विउलेण य पुप्फ-गंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ सं० २ त्ता मत्थयधोयाओ करेइ पुत्ताणु-पुत्तियं वित्तिं कप्पेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से सेणिए राया (पच्चूस-कालसमयंसि) कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायगिहं णयरं आसिय जाव परिगीयं करेह २ त्ता चारगपरि-सोहणं करेह २ त्ता माणुम्माणवद्धणं करेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से सेणिए राया अट्ठारससेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! रायगिहे णयरे अब्भिंतरबाहि-रिए उस्सुक्कं उक्करं अभडप्पवेसं अदंडिमकुदंडिमं अधरिमं अधारणिज्जं अणु-द्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं गणियावरणाडइज्जकलियं अणेगतालायराणुचरियं पमुइयपक्कीलियाभिरामं जहारिहं ठिइवडियं दसदिवसियं करेह २ त्ता एय-

माणत्तियं पच्चप्पिणह तेवि करेंति २ तहेव पच्चप्पिणंति । तए णं से सेणिए राया बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे सइएहि य साहस्सिएहि य सयसाहस्सिएहि य जाएहि य दाएहि य भाएहि य दलयमाणे २ पडिच्छेमाणे २ एवं च णं विहरइ । तए णं तस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता बिइयदिवसे जागरियं करेंति २ त्ता तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेंति २ त्ता एवामेव णिव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहदिवसे विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ त्ता मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरिजणं बलं च बहवे गणणायगदंडणायग जाव आमंतेंति तओ पच्छा ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय जाव सव्वालंकारविभूसिया महइमहालयंसि भोयणमंडवंसि तं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं मित्तणाइ० गणणायग जाव सद्धिं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभाएमाणा परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागयावि य णं समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणं बलं च बहवे गणणायग जाव विपुलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता एवं वयासी–जम्हा णं अम्हं इमस्स दारगस्स गब्भत्थस्स चेव समाणस्स अकालमेहेसु दोहले पाउब्भूए तं होउ णं अम्हं दारए मेहे णामेणं मेहकुमारे । तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति मेहेइ । तए णं से मेहे कुमारे पंचधाईपरिग्गहिए तंजहा–खीरधाईए मंडणधाईए मज्जणधाईए कीलावणधाईए अंकधाईए अण्णाहि य बहूहि खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणिवडभिबब्बरिबउसिजोणियपल्हवियईसिणिय धोरुगिणिलासियलउसियदमिलिसिंहलिआरबिपुलिंदिपक्कणिबहलिमुरुंडिसबरिपारसीहिं णाणादेसीहिं विदेसपरिमंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियवियाणियाहिं सदेसणेवत्थगहियवेसाहिं णिउणकुसलाहिं विणीयाहिं चेडियाचक्कवालवरिसधरकंचुइज्जमहयरगवंदपरिक्खित्ते हत्थाओ हत्थं साहरिज्जमाणे अंकाओ अंकं परिभुज्जमाणे परिगिज्जमाणे उवलालिज्जमाणे रम्मंसि मणिकोट्टिमतलंसि परिमिज्जमाणे २ णिव्वायणिव्वाघायंसि गिरिकंदरमल्लीणेव चंपगपायवे सुहंसुहेणं वड्ढइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं णामकरणं च पजेमणगं च एवं चंकमणगं च चोलोवणयं च महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं करिंसु ।

तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो साइरेगट्ठवासजायगं चेव गब्भट्ठमे वासे सोहणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेंति । तए णं से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खावेइ तंजहा–लेहं गणियं रूवं णट्टं गीयं वाइयं सरगयं पोक्खरगयं समतालं जूयं जणवायं पासयं अट्ठावयं पोरेकच्चं दगमट्टियं अण्णविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं अज्जं पहेलियं मागहियं गाहं गीइयं सिलोयं हिरण्णजुत्तिं सुवण्णजुत्तिं चुण्णजुत्तिं आभरणविहिं तरुणीपडिकम्मं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं कुक्कुडलक्खणं छत्तलक्खणं दंडलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कागिणिलक्खणं वत्थुविज्जं खंधारमाणं णगरमाणं वूहं पडिवूहं चारं पडिचारं चक्कवूहं गरुलवूहं सगडवूहं जुद्धं णिजुद्धं जुद्धाइजुद्धं अट्ठिजुद्धं मट्ठिजुद्धं बाहुजुद्धं लयाजुद्धं ईसत्थं छरुप्पवायं धणुव्वेयं हिरण्णपागं सुवण्णपागं सुत्तखेडं वट्टखेडं णालियाखेडं पत्तच्छेज्जं कडगच्छेज्जं सज्जीवं णिज्जीवं सउणरुयं ति ॥२०॥ तए णं से कलायरिए मेहं कुमारं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्ज-वसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहावेइ सिक्खा-वेइ सेहावित्ता सिक्खावित्ता अम्मापिऊणं उवणेइ । तए णं मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो तं कलायरियं महुरेहिं वयणेहिं विउलेणं वत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता पडिविसज्जेंति ॥२१॥ तए णं से मेहे कुमारे बावत्तरिकलापंडिए णवंगसुत्तपडि-बोहिए अट्ठारसविहिप्पगारदेसीभासाविसारए गीयरई गंधव्वणट्टकुसले हयजोही गयजोही रहजोही बाहुजोही बाहुप्पमद्दी अलंभोगसमत्थे साहसिए वियालचारी जाए यावि होत्था ॥२२॥ तए णं तस्स मेहकुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं बावत्तरिकलापंडियं जाव वियालचारिं जायं पासंति २ त्ता अट्ठ पासायवडिंसए कारेंति अब्भुग्गयमूसिय पहसिए विव मणिकणगरयणभत्तिचित्ते वाउद्धुयविजय-वेजयंतीपडागाछत्ताइच्छत्तकलिए तुंगे गगणतलमभिलंघमाणसिहरे जालंतर-रयणपंजरुम्मिल्लियव्व मणिकणगथूभियाए वियसियसयपत्तपुंडरीए तिलयरय-णद्धयचंदच्चिए णाणामणिमयदामालंकिए अंतो बहिं च सण्हे तवणिज्जरुइल-वालुयापत्थरे सुहफासे सस्सिरीयरूवे पासाईए जाव पडिरूवे । एगं च णं महं

भवणं कारेंति अणेगखंभसयसण्णिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं अब्भुग्गयसुकय-वइरवेइयातोरण-वररइयसालभंजियासुसिलिट्ठ-विसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थ-वेरुलिय-खंभणाणामणिकणगरयणखचियउज्जलं बहुसमसुविभत्तणिचियरमणिज्जभूमिभागं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं खंभुग्गयवयरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहर-जमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं कंचणमणिरयणथूभियागं णाणाविहपंचवण्णघंटापडागपरिमंडियग्गसिहरं धवलमिरीचिकवयं विणिम्मुयंतं लाउल्लोइयमहियं जाव गंधवट्टिभूयं पासाईयं दरिसणिज्जं अभिरूवं पडिरूवं ॥२३॥ तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं सोहणंसि तिहिकरणणक्खत्तमुहुत्तंसि सरिसियाणं सरिसव्वयाणं सरित्तयाणं सरिस-लावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं सरिसएहिंतो रायकुलेहिंतो आणियल्लियाणं पसाहणट्ठंगअविहववहुओवयणमंगलसुजंपिएहिं अट्ठहिं रायवरकण्णाहिं सद्धिं एग-दिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु। तए णं तस्स मेहस्स अम्मापियरो इमं एयारूवं पीइदाणं दलयंति—अट्ठ हिरण्णकोडीओ अट्ठ सुवण्णकोडीओ गाहाणुसारेण भाणि-यव्वं जाव पेसणकारियाओ अण्णं च विपुलं धणकणगरयणमणिमोत्तिय-संखसिलप्पवालरत्तरयणसंतसारसावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं। तए णं से मेहे कुमारे एगमेगाए भारियाए एगमेगं हिरण्णकोडिं दलयइ एगमेगं सुवण्णकोडिं दलयइ जाव एग-मेगं पेसणकारिं दलयइ अण्णं च विउलं धणकणग जाव परिभाएउं दलयइ। तए णं से मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं वरतरुणि-संपउत्तेहिं बत्तीसइबद्धएहिं णाडएहिं उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ सद्दफरिसरसरूवगंधविउले माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥२४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणु-गामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणामेव रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए जाव विहरइ। तए णं (से) रायगिहे णयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चर० महया बहुजणसद्दे इ वा जाव बहवे उग्गा भोगा जाव रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं एगदिसिं एगाभिमुहा णिग्गच्छंति, इमं च णं मेहे कुमारे उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुयंगमत्थएहिं जाव माणुस्सए कामभोगे भुंजमाणे रायमग्गं च

आलोएमाणे २ एवं च णं विहरइ । तए णं से मेहे कुमारे ते बहवे उग्गे भोगे जाव एगदिसाभिमुहे णिग्गच्छमाणे पासइ २ त्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—किण्णं भो देवाणुप्पिया ! अज्ज रायगिहे णयरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा एवं रुद्दसिववेसमणणागजक्खभूयणईतलायरुक्खचेइयपव्वयउज्जाणगिरिजत्ताइ वा जओ णं बहवे उग्गा भोगा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा णिग्गच्छंति । तए णं से कंचुइज्जपुरिसे समणस्स भगवओ महावीरस्स गहियागमणपवित्तीए मेहं कुमारं एवं वयासी—णो खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज रायगिहे णयरे इंदमहेइ वा जाव गिरिजत्ताइ वा जं णं एए उग्गा जाव एगदिसिं एगाभिमुहा णिग्गच्छंति एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे इहमागए इह संपत्ते इह समोसढे इह चेव रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ ।।२५।। तए णं से मेहे कुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चाणिसम्म हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह तहत्ति उवणेंति। तए णं से मेहे ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिए चाउग्घंटं आसरहं दुरूढे समाणे सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडगरविंदपरियालसंपरिवुडे रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणामेव गुणसिलए चेइए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स छत्ताइछत्तं पडागाइपडागं विज्जाहरचारणे जंभए य देवे ओवयमाणे उप्पयमाणे पासइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए, एगसाडियं उत्तरासंगकरणेणं, चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं, मणसो एगत्तीकरणेणं । जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे पंजलिउडे अभिमुहे विणएणं पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे मेहस्स कुमारस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए मज्झगए विचित्तं धम्ममाइक्खइ जहा जीवा बज्झंति मुच्चंति जह य संकिलिस्संति, धम्मकहा भाणियव्वा जाव परिसा पडिगया ।।२६।। तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ-

तुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० त्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं एवं पत्तियामि णं रोएमि णं अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं अवितहमेयं इच्छियमेयं पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते ! से जहेव तं तुब्भे वयह जं णवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि तओ पच्छा मुंडे भवित्ता णं पव्वइस्सामि। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे कुमारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणामेव चाउग्घंटे आसरहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ २ त्ता महया भडचडगरपहकरेणं रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं जेणामेव सए भवणे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटाओ आसरहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणामेव अम्मापियरो तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं पायवडणं करेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे णिसंते सेवि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं तस्स मेहस्स अम्मापियरो एवं वयासी–धण्णोसि तुमं जाया ! संपुण्णोसि० कयत्थोसि० कयलक्खणोसि तुमं जाया ! जण्णं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे णिसंते, से वि य ते धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे णिसंते, से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता णं अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। तए णं सा धारिणी देवी तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुण्णं अमणामं असुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा णिसम्म इमेणं एयारूवेणं मणोमाणसिएणं महया पुत्तदुक्खेणं अभिभूया समाणी सेयागयरोमकूवपगलंतविलीणगाया सोयभरपवेवियंगी णित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खणओलुग्गदुब्बलसरीरा लावण्णसुण्णणिच्छायगयसिरीया पसिढिलभूसणपडंतखुम्मियसंचुण्णियधवलवलयपब्भट्ठउत्तरिज्जा सूमालविकिण्णकेसहत्था मुच्छावसणट्ठचेयगरुई परसुणियत्तव्व चंपगलया णिव्वत्तमहेव्व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति पडिया। तए णं सा धारिणी देवी

ससंभमोवत्तियाए तुरियं कंचणभिंगारमुहविणिग्गयसीयलजलविमलधाराए परिसिंचमाणा णिव्वावियगायलट्ठी उक्खेवणतालविंटवीयणगजणियवाएणं सफुसिएणं अंतेउरपरियणेणं आसासिया समाणी मुत्तावलिसण्णिगासपवडंत-अंसुधाराहिं सिंचमाणी पओहरे कलुणविमणदीणा रोयमाणी कंदमाणी तिप्प-माणी सोयमाणी विलवमाणी मेहं कुमारं एवं वयासी–तुमं सि णं जाया ! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुण्णे मणामे थेज्जे वेसासिए सम्मए बहुमए अणुमए भंडकरंडगसमाणे रयणे रयणभूए जीवियउस्सासए हिययाणंदजणणे उंबरपुप्फं व दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए, णो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो खणमवि विप्पओगं सहित्तए, तं भुंजाहि ताव जाया ! विपुले माणुस्सए काम-भोगे जाव ताव वयं जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं परिणयवए वड्ढियकुलवंसतंतुकज्जंमि णिरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्ससि ॥२७॥ तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरो एवं वयासी–तहेव णं तं अम्मयाओ ! जहेव णं तुम्हे ममं एवं वयह–तुमं सि णं जाया ! अम्हं एगे पुत्ते तं चेव जाव णिरावयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सए भवे अधुवे अणियए असासए वसण-सउवद्दवाभिभूए विज्जुलयाचंचले अणिच्चे जलबुब्बुयसमाणे कुसग्गजलबिंदु-सण्णिभे संझब्भरागसरिसे सुविणदंसणोवमे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुरं च णं अवस्सविप्पजहणिज्जे, से के णं जाणइ अम्मयाओ ! के पुव्वि गमणाए के पच्छा गमणाए ? तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए । तए णं तं मेहं कुमारं अम्मा-पियरो एवं वयासी इमाओ ते जाया ! सरिसियाओ सरित्तयाओ सरिव्वयाओ सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाओ सरिसेहिंतो रायकुलेहिंतो आणियल्लि-याओ भारियाओ, तं भुंजाहि णं जाया ! एयाहिं सद्धिं विउले माणुस्सए काम-भोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी–तहेव णं अम्मयाओ ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह- इमाओ ते जाया ! सरिसियाओ जाव समणस्स पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ ! माणुस्सगा कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्ता-

सवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा दुरुस्सासणीसासा दुरूयमुत्तपुरीसपूय-बहुपडिपुण्णा उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणगवंतपित्तसुक्कसोणियसंभवा अधुवा अणियया असासया सडणपडणविद्धंसणधम्मा पच्छा पुरं च णं अवस्स विप्पजहणिज्जा, से के णं अम्मयाओ ! जाणइ के पुव्वि गमणाए के पच्छा गमणाए ? तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! जाव पव्वइत्तए । तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–इमे ते जाया ! अज्जयपज्जयपिउपज्जयागए सुबहु हिरण्णे य सुवण्णे य कंसे य दूसे य मणिमोत्तिय संखसिलप्पवालरत्तरयण-संतसारसावएज्जे य अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पगामं दाउं पगामं भोत्तुं पगामं परिभाएउं, तं अणुहोहि ताव जाव जाया ! विपुलं माणुस्सगं इड्ढि-सक्कारसमुदयं, तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जाव पव्वइस्ससि । तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरं एवं वयासी–तहेव णं अम्मयाओ ! जं णं तं वयह–इमे ते जाया ! अज्जगपज्जगपिउपज्जयागए जाव तओ पच्छा अणुभूयकल्लाणे जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ ! हिरण्णे य सुवण्णे य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए दाइय-साहिए मच्चुसाहिए अग्गिसामण्णे जाव मच्चुसामण्णे सडणपडणविद्धंसणधम्मे पच्छा पुरं च णं अवस्सविप्पजहणिज्जे, से के णं जाणइ अम्मयाओ ! के पुव्वि जाव गमणाए ? तं इच्छामि णं जाव पव्वइत्तए । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो जाहे णो संचाएंति मेहं कुमारं बहूहिं विसयाणुलोमाहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णवणाहि य आघवित्तए वा पण्णवित्तए वा सण्णवित्तए वा विण्णवित्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजमभउव्वेयकारियाहिं पण्णवणाहिं पण्णवेमाणा एवं वयासी–एस णं जाया ! णिग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवलिए पडिपुण्णे णेयाउए संसुद्धे सल्लगत्तणे सिद्धिमग्गे मुत्तिमग्गे णिज्जाणमग्गे णिव्वाणमग्गे सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे अहीव एगंतदिट्ठीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया इव जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव णिरस्साए गंगा इव महाणई पडिसोयगमणाए महासमुद्दो इव भुयाहिं दुत्तरे तिक्खं चंकमियव्वं गरुअं लंबेयव्वं असिधारव्वयं चरियव्वं । णो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं णिग्गं-थाणं आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा कीयगडे वा ठविए वा रइयए वा दुब्भि-क्खभत्ते वा कंतारभत्ते वा वद्दलियाभत्ते वा गिलाणभत्ते वा मूलभोयणे वा कंद-भोयणे वा फलभोयणे वा बीयभोयणे वा हरियभोयणे वा भोत्तए वा पायए

वा। तुमं च णं जाया! सुहसमुचिए णो चेव णं दुहसमुचिए णालं सीयं णालं उण्हं णालं खुहं णालं पिवासं णालं वाइयपित्तियसिंभियसण्णिवाइयविविहे रोगायंके उच्चावए गामकंटए बावीसं परीसहोवसग्गे उदिण्णे सम्मं अहियासित्तए। भुंजाहि ताव जाया! माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे अम्मापियरं एवं वयासी–तहेव णं तं अम्मयाओ! जं णं तुब्भे ममं एवं वयह–एस णं जाया! णिग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे पुणरवि तं चेव जाव तओ पच्छा भुत्तभोगी समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइस्ससि, एवं खलु अम्मयाओ! णिग्गंथे पावयणे कीवाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोगपडिबद्धाणं परलोगणिप्पिवासाणं दुरणुचरे पाययजणस्स णो चेव णं धीरस्स णिच्छियस्स ववसियस्स एत्थ किं दुक्करं करणयाए? तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए ॥२८॥ तए णं तं मेहं कुमारं अम्मापियरो जाहे णो संचाइंति बहूहिं विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि विण्णवणाहि य आघवित्तए वा पण्णवित्तए वा सण्णवित्तए वा विण्णवित्तए वा ताहे अका(मए)माइं चेव मेहं कुमारं एवं वयासी–इच्छामो ताव जाया! एगदिवसमवि ते रायसिरिं पासित्तए। तए णं से मेहे कुमारे अम्मापियरमणुवत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! मेहस्स कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा-जाव तेवि तहेव उवट्ठवेंति। तए णं से सेणिए राया बहूहिं गणणायगदंडणायगेहि य जाव संपरिवुडे मेहं कुमारं अट्ठसएणं सोवण्णियाणं कलसाणं एवं रुप्पमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमयाणं कलसाणं मणिमयाणं कलसाणं सुवण्णमणिमयाणं कलसाणं रुप्पमणिमयाणं कलसाणं सुवण्णरुप्पमणिमयाणं कलसाणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वोदएहिं सव्वमट्टियाहिं सव्वपुप्फेहिं सव्वगंधेहिं सव्वमल्लेहिं सव्वोसहीहि य सिद्धत्थएहि य सव्विड्ढीए सव्वज्जुईए सव्वबलेणं जाव दुंदुभिणिग्घोसणाइयरवेणं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी–जय २ णंदा! जय २ भद्दा! जय-णंदा!०

भद्दं ते अजियं जिणेहि जियं पालयाहि जियमज्झे वसाहि अजियं जिणेहि सत्तु-पक्खं जियं च पालेहि मित्तपक्खं जाव भरहो इव मणुयाणं रायगिहस्स णगरस्स अण्णेसिं च बहूणं गामागरणगर जाव सण्णिवेसाणं आहेवच्चं जाव विहराहि त्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति। तए णं से मेहे राया जाए महया जाव विहरइ। तए णं तस्स मेहस्स रण्णो अम्मापियरो एवं वयासी—भण जाया! किं दलयामो किं पयच्छामो किं वा ते हियइच्छिए सामत्थे (मंते)?, तए णं से मेहे राया अम्मा-पियरो एवं वयासी—इच्छामि णं अम्मयाओ! कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्गहं च (आणियं) उवणेह कासवयं च सद्दावेह। तए णं से सेणिए राया कोडुं-बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सिरि-घराओ तिण्णि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं पडिग्गहं च उवणेह सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सिरिघराओ तिण्णि सयसहस्साइं गहाय कुत्तियावणाओ दोहिं सयसहस्सेहिं रयहरणं पडिग्गहं च उवणेंति सयसहस्सेणं कासवयं सद्दावेंति। तए णं से कासवए तेहिं कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए ण्हाए कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सुद्धप्पा-वेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेणियं रायं करयलमंजलिं कट्टु एवं वयासी—संदिसह णं देवाणुप्पिया! जं मए करणिज्जं। तएणं से सेणिए राया कासवयं एवं वयासी—गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया! सुरभिणा गंधोदएणं णिक्के हत्थपाए पक्खालेहि सेयाए चउप्फालाए पोत्तीए मुहं बंधित्ता मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे णिक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पेहि। तए णं से कास-वए सेणिएणं रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए जाव पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपाए पक्खालेइ २ त्ता सुद्धवत्थेणं मुहं बंधइ २ त्ता परेणं जत्तेणं मेहस्स कुमारस्स चउरंगुलवज्जे णिक्खमणपाउग्गे अग्गकेसे कप्पइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया महरिहेणं हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्ग-केसे पडिच्छइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ २ त्ता सरसेणं गोसीस-चंदणेणं चच्चाओ दलयइ २ त्ता सेयाए पोत्तीए बंधइ २ त्ता रयणसमुग्गयंसि पक्खिवइ २ त्ता मंजूसाए पक्खिवइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिण्णमुत्ता-

वलिप्पगासाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ रोयमाणी २ कंदमाणी २ विलवमाणी २ एवं वयासी–एस णं अम्हं मेहस्स कुमारस्स अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पव्वेसु य तिहीसु य छणेसु य जण्णेसु य पव्वणीसु य अपच्छिमे दरिसणे भविस्सइ त्ति कट्टु उस्सीसामूले ठवेइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति मेहं कुमारं दोच्चंपि तच्चंपि सेयपीयएहिं कलसेहिं ण्हावेंति २त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाइयाए गायाइं लूहेंति २ त्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपंति २ त्ता णासाणीसासवायवोज्झं जाव हंसलक्खणं पडगसाडगं णियंसेंति २ त्ता हारं पिणद्धेंति २ त्ता अद्धहारं पिणद्धेंति २ त्ता एगावलिं मुत्तावलिं कणगावलिं रयणावलिं पालंबं पायपलंबं कडगाइं तुडियाइं केऊराइं अंगयाइं दसमुद्दियाणंतयं कडिसुत्तयं कुंडलाइं चूडामणि रयणुक्कडं मउडं पिणद्धेंति २ त्ता दिव्वं सुमणदामं पिणद्धेंति २ त्ता दद्दरमलयसुगंधिए गंधे पिणद्धेंति । तए णं तं मेहं कुमारं गंठिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अलंकियविभूसियं करेंति । तए णं से सेणिए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखंभसयसण्णिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं ईहामियउसभतुरयणरमगरविहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं घंटावलिमहुरमणहरसरं सुभकंतदरिसणिज्जं णिउणोवियमिसिमिसिंतमणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं अब्भुग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजंतजुत्तं पिव अच्चीसहस्समालणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेस्सं सुहफासं सस्सिरीयरूवं सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं पुरिससहस्सवाहिणीं सीयं उवट्ठवेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा हट्ठतुट्ठ जाव उवट्ठवेंति । तए णं से मेहे कुमारे सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स माया ण्हाया कयबलिकम्मा जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणंसि णिसीयइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अंबधाई रयहरणं च पडिग्गहगं च गहाय सीयं दुरुहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स वामे पासे भद्दासणंसि णिसीयइ । तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसियभणियचेट्ठियविलाससंलावुल्लावणिउणजुत्तो-

वयारकुसला आमेलगजमलजुयल-वट्टियअब्भुण्णयपीणरइयसंठिय-पओहरा हिम-रययकुंदेंदुपगासं सकोरेंटमल्लदामधवलं आयवत्तं गहाय सलील ओहारेमाणी २ चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स दुवे वरतरुणीओ सिंगारागारचारु-वेसाओ जाव कुसलाओ सीयं दुरूहंति २ त्ता मेहस्स कुमारस्स उभओ पासिं णाणा-मणिकणगरयणमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाओ चिल्लियाओ सुहुमवर-दीहवालाओ संखकुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसण्णिगासाओ चामराओ गहाय सलीलं ओहारेमाणीओ २ चिट्ठंति। तए णं तस्स मेहकुमारस्स एगा वरतरुणी सिंगारा जाव कुसला सीयं जाव दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमारस्स पुरओ पुरत्थि-मेणं चंदप्पभवइरवेरुलियविमलदंडं तालविंटं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स एगा वरतरुणी जाव सुरूवा सीयं दुरूहइ २ त्ता मेहस्स कुमा-रस्स पुव्वदक्खिणेणं सेयं रययामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगयमहामुहाकितिसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दा-वेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं एगाभरणगहियणिज्जोयाणं कोडुंबियवरतरुणाणं सहस्सं सद्दावेह जाव सद्दावेंति। तए णं ते कोडुंबियवरतरुणपुरिसा सेणियस्स रण्णो कोडुंबिय-पुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठा ण्हाया जाव एगाभरणगहियणिज्जोया जेणा-मेव सेणिए राया तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता सेणियं रायं एवं वयासी—संदि-सह णं देवाणुप्पिया! जं णं अम्हेहिं करणिज्जं। तए णं से सेणिए राया तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणीं सीयं परिवहेह। तए णं तं कोडुंबियवरतरुणसहस्सं सेणिएणं रण्णा एवं वुत्तं संतं हट्ठं तुट्ठं तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं परिवहइ। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूढस्स इमे अट्ठट्ठमंगलया तप्पढमयाए पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा—सोत्थिय-सिरिवच्छ-णंदियावत्त-वद्धमाणग-भद्दासण-कलस-मच्छ-दप्पण जाव बहवे अत्थ-त्थिया जाव ताहिं इट्ठाहिं जाव अणवरयं अभिणंदंता य अभिथुणंता य एवं वयासी—जय २ णंदा! जय २ भद्दा! जयजयणंदा! भद्दं ते अजियाइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं जियविग्घोऽविय वसाहि तं देव! सिद्धिमज्झे णिहणाहि रागदोसमल्ले तवेणं धिइधणियबद्धकच्छे मद्दाहि य अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलं णाणं गच्छ य मोक्खं

परमं पयं सासयं च अयलं हंता परीसहचमूणं अभीओ परीसहोवसग्गाणं धम्मे ते अविग्घं भवउ-त्तिकट्टु पुणो २ मंगलजय २ सद्दं पउंजंति । तए णं से मेहे कुमारे रायगिहस्स णयरस्स मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव गुणसिलए चेइए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ ॥२९॥ तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो मेहं कुमारं पुरओ कट्टु जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एस णं देवाणुप्पिया ! मेहे कुमारे अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव जीवियऊसासए हिययणंदिजणए उंबरपुप्फं पिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण दरिसणयाए ? से जहाणामए उप्पलेइ वा पउमेइ वा कुमुदेइ वा पंके जाए जले संवड्ढिए णोवलिप्पइ पंकरएणं णोवलिप्पइ जलरएणं एवामेव मेहे कुमारे कामेसु जाए भोगेसु संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएणं णोवलिप्पइ भोगरएणं, एस णं देवाणुप्पिया ! संसार-भउव्विग्गे भीए जम्मण-जर-मरणाणं इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए । अम्हे णं देवाणुप्पियाणं सिस्सभिक्खं दलयामो । पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सिस्सभिक्खं । तए णं से समणे भगवं महावीरे मेहस्स कुमारस्स अम्मापिऊहिं एवं वुत्ते समाणे एयमट्ठं सम्मं पडिसुणेइ । तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ । तए णं से तस्स मेहकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छइ २ त्ता हारवारिधारसिंदुवारछिण्णमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूणि विणिम्मुयमाणी २ रोयमाणी २ कंदमाणी २ विलवमाणी २ एवं वयासी-जइयव्वं जाया ! घडियव्वं जाया ! परक्कमियव्वं जाया ! अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं, अम्हंपि णं एमेव मग्गे भवउ-त्तिकट्टु मेहस्स कुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥३०॥ तए णं मेहे कुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते

णं भंते ! लोए जराए मरणेण य । से जहाणामए केइ गाहावई अगारंसि झियाय-माणंसि जे तत्थ भंडे भवइ अप्पभारे मोल्लगुरुए तं गहाय आयाए एगंतं अवक्कमइ–एस मे णित्थारिए समाणे पच्छा पुरा य(लोए) हियाए सुहाए खमाए णिस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ–एवामेव ममवि एगे आयाभंडे इट्ठे कंते पिए मणुण्णे मणामे एस मे णित्थारिए समाणे संसारवोच्छेयकरे भविस्सइ तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाहिं सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं सेहावियं सिक्खावियं सयमेव आयारगोयरविणयवेणइयचरणकरणजायामायावत्तियं धम्ममाइक्खियं। तए णं समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं सयमेव पव्वावेइ सयमेव आयार जाव धम्ममाइक्खइ–एवं देवाणुप्पिया !' गंतव्वं चिट्ठियव्वं णिसीयव्वं तुयट्टियव्वं भुंजियव्वं भासियव्वं एवं उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वं अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं । तए णं से मेहे कुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं णिसम्म सम्मं पडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ जाव उट्ठाए उट्ठाय पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमइ ॥३१॥ जं दिवसं च णं मेहे कुमारे मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तस्स णं दिवसस्स पच्चावरण्हकालसमयंसि समणाणं णिग्गंथाणं अहाराइणियाए सेज्जासंथारएसु विभज्जमाणेसु मेहकुमारस्स दारमूले सेज्जासंथारए जाए यावि होत्था । तए णं समणा णिग्गंथा पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए परियट्टणाए धम्माणुजोगचिंताए य उच्चारस्स य पासवणस्स य अइगच्छमाणा य णिग्गच्छमाणा य अप्पेगइया मेहं कुमारं हत्थेहिं संघट्टेंति एवं पाएहिं सीसे पोट्टे कायंसि अप्पेगइया ओलंडेंति अप्पेगइया पोलंडेंति अप्पेगइया पायरयरेणुगुंडियं करेंति । एवं महालियं च णं रयणिं मेहे कुमारे णो संचाएइ खणमवि अच्छिं णिमीलित्तए। तए णं तस्स मेहस्स कुमारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं सेणियस्स रण्णो पुत्ते धारिणीए देवीए अत्तए मेहे जाव सवणयाए, तं जया णं अहं अगारमज्झे वसामि तया णं मम समणा णिग्गंथा आढायंति परिजाणंति सक्कारेंति सम्माणेंति अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं आइक्खंति इट्ठाहिं कंताहिं वग्गूहिं आलवेंति संलवेंति, जप्पभिइं च णं अहं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए तप्पभिइं च णं ममं समणा णो आढायंति जाव णो संलवेंति, अदुत्तरं च णं मम समणा णिग्गंथा राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए पुच्छणाए जाव महालियं च णं रत्तिं

णो संचाएमि अच्छि णिमिल्लावेत्तए, तं सेयं खलु मज्झं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव-तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं आपुच्छित्ता पुणरवि अगार-मज्झे वसित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ अट्टदुहट्टवसट्टमाणसगए णिरयपडिरूवं च णं तं रयणिं खवेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए सुविमलाए रयणीए जाव तेयसा जलंते जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ ॥३२॥ तए णं मेहाइ समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं एवं वयासी–से णूणं तुमं मेहा ! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि समणेहिं णिग्गंथेहिं वायणाए पुच्छणाए जाव महालियं च णं राइं णो संचाएसि मुहुत्तमवि अच्छि णिमिल्ला-वेत्तए, तए णं तुब्भे मेहा ! इमे एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जया णं अहं अगारमज्झे वसामि तया णं मम समणा णिग्गंथा आढायंति जाव संलवेंति, जप्पभिइं च णं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि तप्पभिइं च णं मम समणा णो आढायंति जाव णो (परियाणंति) संलवेंति अदु-त्तरं च णं मम समणा णिग्गंथा राओ अप्पेगइया वायणाए जाव पायरयरेणु-गुंडियं करेंति, तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए समणं भगवं महावीरं आपुच्छित्ता पुणरवि अगारमज्झे आवसित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ त्ता अट्ट-दुहट्टवसट्टमाणसे जाव रयणिं खवेसि २ त्ता जेणामेव अहं तेणामेव हव्वमागए, से णूणं मेहा ! एस अट्ठे समट्ठे ? हंता अट्ठे समट्ठे। एवं खलु मेहा ! तुमं इओ तच्चे अईए भवग्गहणे वेयड्ढगिरिपायमूले वणयरेहिं णिव्वत्तियणामधेज्जे सेए संखदलउज्जलविमलणिम्मलदहिघणगोखीरफेणरयणियरप्पयासे सत्तुस्सेहे णवायए दसपरिणाहे सत्तंगपतिट्ठिए सोमे समिए सुरूवे पुरओ उदग्गे समूसि-यसिरे सुहासणे पिट्ठओ वराहे अइयाकुच्छी अच्छिद्दकुच्छी अलंबकुच्छी पलंब-लंबोदराहरकरे धणुपट्ठागिइविसिट्ठपुट्ठे अल्लीणपमाणजुत्तवट्टियपीवरगत्तावरे अल्लीणपमाणजुत्तपुच्छे पडिपुण्णसुचारुकुम्मचलणे पंडुरसुविसुद्धणिद्धणिरुवह-यविंसतिणहे छद्दंते सुमेरुप्पभे णामं हत्थिराया होत्था। तत्थ णं तुमं मेहा ! बहूहिं हत्थीहि हत्थिणियाहि य लोट्टएहि य लोट्टियाहि य कलभेहि य कलभियाहि य सद्धिं संपरिवुडे हत्थिसहस्सणायए देसए पागट्ठी पट्ठवए जूहवई वंदपरियट्टए अण्णेसिं च बहूणं एकल्लाणं हत्थिकलभाणं आहेवच्चं

जाव विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! णिच्चप्पमत्ते सइं पललिए कंदप्परई मोहणसीले अवितण्हे कामभोगतिसिए बहूहिं हत्थीहि य जाव संपरिवुडे वेयड्ढ-गिरिपायमूले गिरीसु य दरीसु य कुहरेसु य कंदरासु य उज्झरेसु य णिज्झरेसु य य वियरएसु य गड्डासु य पल्लवेसु य चिल्ललेसु य कडगेसु य कडयपल्ललेसु य तडीसु य वियडीसु य टंकेसु य कूडेसु य सिहरेसु य पब्भारेसु य मंचेसु य मालेसु य काणणेसु य वणेसु य वणसंडेसु य वणराईसु य णईसु य णईकच्छेसु य जूहेसु य संगमेसु य वावीसु य पोक्खरिणीसु य दीहियासु य गुंजालियासु य सरेसु य सरपंतियासु य सरसरपंतियासु य वणयरेहिं दिण्णवियारे बहूहिं हत्थीहि य जाव सद्धिं संपरिवुडे बहुविहतरुपल्लवपउरपाणियतणे णिब्भए णिरुव्विग्गे सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! अण्णया कयाइ पाउसवरिसारत्तसरयहेमंतवसंतेसु कमेण पंचसु उऊसु समइक्कंतेसु गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूलमासे पायव-घंससमुट्ठिएणं सुक्कतणपत्तकयवरमारुयसंजोगदीविएणं महाभयंकरेणं हुयवहेणं वणदवजालासंपलित्तेसु वणंतेसु धूमाउलासु दिसासु महावायवेगेणं संघट्टिएसु छिण्णजालेसु आवयमाणेसु पोल्लरुक्खेसु अंतो-अंतो झियायमाणेसु मयकुहिय-विणट्ठकिमियकद्दमणईवियरगज्झीणपाणीयंतेसु वणंतेसु भिंगारकदीणकंदिय-रवेसु खरफरुसअणिट्ठरिट्ठवाहीत्तविद्दुमग्गेसु दुमेसु तण्हावसमुक्कपक्खपयडिय-जिब्भतालुयअसंपुडियतुंडपक्खिसंघेसु ससंतेसु गिम्हउम्हउण्हवायखरफरुसचंड-मारुयसुक्कतणपत्तकयवरवाउलिभमंतदित्तसंभंतसावयाउलमिगतण्हाबद्धचिंध-पट्टेसु गिरिवरेसु संवट्टिएसु तत्थमियपसवसरीसिवेसु अवदालियवयणविवर-णिल्लालियग्गजीहे महंततुंबइयपुण्णकण्णे संकुचियथोरपीवरकरे ऊसियणंगूले पीणाइयविरसरडियसद्देणं फोडयंतेव अंबरतलं पायदद्दरएणं कंपयंतेव मेइ-णितलं विणिम्मुयमाणे य सीयारं सव्वओ समंता वल्लिवियाणाइं छिंदमाणे रुक्खसहस्साइं तत्थ सुबहूणि णोल्लायंते विणट्ठरट्ठेव्व णरवरिंदे वायाइ-द्धेव्व पोए मंडलवाएव्व परिब्भमंते अभिक्खणं २ लिंडणियरं पमुंचमाणे २ बहूहिं हत्थीहि य जाव सद्धिं दिसोदिसिं विप्पलाइत्था। तत्थ णं तुमं मेहा ! जुण्णे जराजज्जरियदेहे आउरे झंझिए पिवासिए दुब्बले किलंते णट्ठसुइए मूढ-दिसाए सयाओ जूहाओ विप्पहूणे वणदवजालापारद्धे उण्हेण य तण्हाए य छुहाए य परब्भाहए समाणे भीए तत्थे तसिए उव्विग्गे संजायभए सव्वओ

समंता आधावमाणे परिधावमाणे एगं च णं महं सरं अप्पोदयं पंकबहुलं अतित्थेणं पाणियपाए उइण्णो। तत्थ णं तुमं मेहा ! तीरमइगए पाणियं असंपत्ते अंतरा चेव सेयंसि विसण्णे। तत्थ णं तुमं मेहा ! पाणियं पाइस्सामि त्तिकट्टु हत्थं पसारेसि, से वि य ते हत्थे उदगं ण पावइ। तए णं तुमं मेहा ! पुणरवि कायं पच्चुद्धरिस्सामि-त्तिकट्टु बलियतरायं पंकंसि खुत्ते। तए णं तुमं मेहा ! अण्णया कयाइ एगे चिरणिज्जूढे गयवरजुवाणए सगाओ जूहाओ करचरणदंतमुसलप्पहारेहिं विप्परद्धे समाणे तं चेव महद्दहं पाणी (यं पाएउं) यपाए समोयरेइ। तए णं से कलभए तुमं पासइ २ त्ता तं पुव्ववेरं सुमरइ २ त्ता आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे जेणेव तुमं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुमं तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं तिक्खुत्तो पिट्ठओ उच्छुभइ २ त्ता पुव्ववेरं णिज्जाएइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे पाणियं पियइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तव मेहा ! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भवित्था उज्जला विउला तिउला कक्खडा जाव दुरहियासा पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरित्था। तए णं तुमं मेहा ! तं उज्जलं जाव दुरहियासं सत्तराइंदियं वेयणं वेदेसि सवीसं वाससयं परमाउं पालइत्ता अट्टवसट्टदुहट्टे कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे गंगाए महाणईए दाहिणे कूले विंझगिरिपायमूले एगेणं मत्तवरगंधहत्थिणा एगाए गयवरकरेणूए कुच्छिंसि गयकलभए जणिए। तए णं सा गयकलभिया णवण्हं मासाणं वसंतमासम्मि तुमं पयाया। तए णं तुमं मेहा ! गब्भवासाओ विप्पमुक्के समाणे गयकलभए यावि होत्था रत्तुप्पलरत्तसूमालए जासुमणारत्तपारिजातयलक्खारससरसकुंकुमसंझब्भरागवण्णे इट्ठे णिययस्स जूहवइणो गणि (या) यारकणेरुकोत्थहत्थी अणेगहत्थियसयसंपरिवुडे रम्मेसु गिरिकाणणेसु सुहंसुहेणं विहरसि। तए णं तुमं मेहा ! उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते जूहवइणा कालधम्मुणा संजुत्तेणं तं जूहं सयमेव पडिवज्जसि। तए णं तुमं मेहा ! वणयरेहिं णिव्वत्तियणामधेज्जे जाव चउदंते मेरुप्पभे हत्थिरयणे होत्था। तत्थ णं तुमं मेहा ! सत्तंगपइट्ठिए तहेव जाव पडिरूवे। तत्थ णं तुमं मेहा ! सत्तसइयस्स जूहस्स आहेवच्चं जाव अभिरमेत्था। तए णं तुमं अण्णया कयाइ गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूले वणदवजालापलित्तेसु वणंतेसु सुधूमाउलासु दिसासु जाव मंडलवाएव्व परिब्भमंते भीए तत्थे जाव संजायभए बहूहिं हत्थीहि य जाव कलभियाहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्वओ

समंता दिसोदिसिं विप्पलाइत्था । तए णं तव मेहा ! तं वणदवं पासित्ता अय- मेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था--कहिं णं मण्णे मए अयमेयारूवे अग्गि- संभवे अणुभूयपुव्वे ? तए णं तव मेहा ! लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं अज्झ- वसाणेणं सोहणेणं सुभेणं परिणामेणं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापूहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सण्णिपुव्वे जाईसरणे समुप्पज्जित्था । तए णं तुमं मेहा ! एयमट्ठं सम्मं अभिसमेसि--एवं खलु मया अईए दोच्चे भवग्गहणे इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले जाव तत्थ णं महया अयमेयारूवे अग्गिसंभवे समणुभूए । तए णं तुमं मेहा ! तस्सेव दिवसस्स पच्चावरण्हकाल- समयंसि णियएणं जूहेणं सद्धिं समण्णागए यावि होत्था । तए णं तुमं मेहा ! सत्तुस्सेहे जाव सण्णिजाइस्सरणे चउद्दंते मेरुप्पभे णामं हत्थी होत्था । तए णं तुज्झं मेहा ! अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था--तं सेयं खलु मम इयाणिं गंगाए महाणईए दाहिणिल्लंसि कूलंसि विंझगिरिपायमूले दवग्गिसं(ताण) जायकारणट्ठा सएणं जूहेणं (महइ)महालयं मंडलं घाइत्तए--त्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ त्ता सुहंसुहेणं विहरसि । तए णं तुमं मेहा ! अण्णया कयाइ पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि सण्णिवइयंसि गंगाए महाणईए अदूरसामंते बहूहिं हत्थीहिं जाव कलभियाहि य सत्तहि य हत्थिसएहिं संपरिवुडे एगं महं जोयणपरिमंडलं महइमहालयं मंडलं घाएसि जं तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कंटए वा लया वा वल्ली वा खाणुं वा रुक्खे वा खुवे वा तं सव्वं तिक्खुत्तो आहुणिय २ पाएणं उद्धवेसि हत्थेणं गेण्हसि एगंते एडेसि । तए णं तुमं मेहा ! तस्सेव मंडलस्स अदूरसामंते गंगाए महाणईए दाहिणिल्ले कूले विंझगिरिपायमूले गिरीसु य जाव विहरसि । तए णं तुमं मेहा ! अण्णया कयाइ मज्झिमए वरिसारत्तंसि महा- वुट्ठिकायंसि सण्णिवइयंसि जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता दोच्चंपि मंडलं घाएसि, एवं चरिमवासारत्तंसि महावुट्ठिकायंसि सण्णिवइयमाणंसि जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तच्चंपि मंडलघायं करेसि जं तत्थ तणं वा जाव सुहंसुहेणं विहरसि । अह मेहा ! तुमं गइंदभावम्मि वट्टमाणो कमेणं णलिणिवणविवहणगरे हेमंते कुंदलोद्धउद्धततुसारपउरम्मि अइक्कंते अहि- णवे गिम्हसमयंसि पत्ते वियट्टमाणे वणेसु वणकरेणुविविहदिण्णकयपंसुवघाओ तुमं उउयकुसुमकयचामरकण्णपूरपरिमंडियाभिरामो मयवसविगसंत कडतड-

किलिण्णगंधमदवारिणा सुरभिजणियगंधो करेणुपरिवारिओ उउसमत्तजणिय-सोहो काले दिणयरकरपयंडे परिसोसियतरुवरसिहरभीमतरदंसणिज्जे भिंगार-रवंतभेरवरवे णाणाविहपत्तकट्ठतणकयवरुद्धुतपइमारुयाइद्धणहयलदुमगणे वाउ-लियादारुणतरे तण्हावसदोसदूसियभमंतविविहसावयसमाउले भीमदरिसणिज्जे वट्टंते दारुणम्मि गिम्हे मारुयवसपसरपसरियवियंभिएणं अब्भहियभीमभेरव-रवप्पगारेणं महुधारापडियसित्तउद्धायमाण धगधगंतसद्दुद्धुएणं दित्ततर-सफुलिंगेणं धूममालाउलेणं सावयसयंतकरणेणं अब्भहियवणदवेणं जालालो-वियणिरुद्धधूमंधकारभीओ आयवालोयमहंततुंबइयपुण्णकण्णो आकुंचियथोर-पीवरकरो भयवसभयंतदित्तणयणो वेगेण महामेहोव्व पवणोल्लियमहल्लरूवो जेणेव कओ ते (ण) पुरा दवग्गिभयभीयहियएणं अवगयतणप्पएसरुक्खो रुक्खोद्देसो दवग्गिसंताणकारणट्ठा(ए)जेणेव मंडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। एक्को ताव एस गमो। तए णं तुमं मेहा! अण्णया कयाइं कमेणं पंचसु उऊसु समइक्कंतेसु गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूले मासे पायवसंघससमुट्ठिएणं जाव संव-ट्टिएसु मियपसुपक्खिसरीसिवेसु दिसोदिसिं विप्पलायमाणेसु तेहिं बहूहिं हत्थीहि य सद्धिं जेणेव (से) मंडले तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तत्थ णं अण्णे बहवे सीहा य वग्घा य विगा य दीविया य अच्छा य तरच्छा य पारासरा य सरभा य सियाला विराला सुणहा कोला ससा कोकंतिया चित्ता चिल्लला पुव्वपविट्ठा अग्गिभय-विद्दुया एगयओ बिलधम्मेणं चिट्ठंति। तए णं तुमं मेहा! जेणेव से मंडले तेणेव उवागच्छसि २ त्ता तेहिं बहूहिं सीहेहिं जाव चिल्ललेहि य एगयओ बिलधम्मेणं चिट्ठसि। तए णं तुमं मेहा! पाएणं गत्तं कंडुइस्सामीतिकट्टु पाए उक्खित्ते, तंसि च णं अंतरंसि अण्णेहिं बलवंतेहिं सत्तेहिं पणोलिज्ज-माणे २ ससए अणुप्पविट्ठे। तए णं तुमं मेहा! गायं कंडुइत्ता पुण-रवि पायं पडिणिक्खमिस्सामि त्तिकट्टु तं ससयं अणुपविट्ठं पाससि २ त्ता पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए जीवाणुकंपयाए सत्ताणुकंपयाए से पाए अंतरा चेव संधारिए णो चेव णं णिक्खित्ते। तए णं तुमं मेहा! ताए पाणाणुकंपयाए जाव सत्ताणुकंपयाए संसारे परित्तीकए माणुस्साउए णिबद्धे। तए णं से वण-दवे अड्ढाइज्जाइं राइंदियाइं तं वणं झामेइ २ त्ता णिट्ठिए उवरए उवसंते विज्झाए यावि होत्था। तए णं ते बहवे सीहा य जाव चिल्लला यतं वण-

दवं णिट्ठियं जाव विज्झायं पासंति २ त्ता अग्गिभयविप्पमुक्का तण्हाए य छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मंडलाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता सव्वओ समंता विप्पसरित्था । तए णं ते बहवे हत्थी जाव छुहाए य परब्भाहया समाणा तओ मंडलाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता दिसोदिसिं विप्पसरित्था । तए णं तुमं मेहा ! जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिलवलितयापिणिद्धगत्ते दुब्बले किलंते जुंजिए पिवासिए अत्थामे अबले अपरक्कमे अचंकमणो वा ठाणुखंडे वेगेण विप्पसरिस्सामि त्तिकट्टु पाए पसारेमाणे विज्जुहए विव रययगिरिपब्भारे धरणितलंसि सव्वंगेहिं सण्णिवइए । तए णं तव मेहा ! सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दाहवक्कंतीए यावि विहरसि । तए णं तुमं मेहा ! तं उज्जलं जाव दुरहियासं तिण्णि राइंदियाइं वेयणं वेएमाणे विहरित्ता एगं वाससयं परमाउं पालइत्ता इहेव जंबूद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे णयरे सेणियस्स रण्णो धारिणीए देवीए कुच्छिसि कुमारत्ताए पच्चायाए ॥३३॥ तए णं तुमं मेहा ! आणुपुव्वेणं गब्भवासाओ णिक्खंते समाणे उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते मम अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए । तं जइ जाव तुमे मेहा ! तिरिक्खजोणियभावमुवगएणं अपडिलद्धसम्मत्तरयणलंभेणं से पाए पाणाणुकंपयाए जाव अंतरा चेव संधारिए णो चेव णं णिक्खित्ते किमंग पुण तुमं मेहा ! इयाणिं विपुलकुलसमुब्भवेणं णिरुवहयसरीर दंतलद्धपंचिंदिएणं एवं उट्ठाणबलवीरियपुरिसगारपरक्कमसंजुत्तेणं मम अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे समणाणं णिग्गंथाणं राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि वायणाए जाव धम्माणुओगचिंताए य उच्चारस्स वा पासवणस्स वा अइगच्छमाणाण य णिग्गच्छमाणाण य हत्थसंघट्टणाणि य पायसंघट्टणाणि य जाव रयरेणुगुंडणाणि य णो सम्मं सहसि खमसि तितिक्खसि अहियासेसि ? तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म सुभेहिं परिणामेहिं पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापूहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सण्णिपुव्वे जाईसरणे समुप्पण्णे एयमट्ठं सम्मं अभिसमेइ । तए णं से मेहे कुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं संभारियपुव्वजाईसरणे दुगुणाणीयसंवेगे आणंदयंसुपुण्णमुहे हरिसवसेणं धाराहयकयंबकं पिव समूससिय-

रोमकूवे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अज्जप्प-भिई णं भंते ! मम दो अच्छीणि मोत्तूणं अवसेसे काए समणाणं णिग्गंथाणं णिसट्ठे त्तिकट्टु पुणरवि समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! इयाणिं दोच्चंपि सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं जाव सयमेव आयारगोयरं जायामायावत्तियं धम्ममाइक्खह । तए णं समणे भगवं महावीरे मेहं कुमारं सयमेव पव्वावेइ जाव जायामायावत्तियं धम्ममाइक्खइ–एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं एवं णिसीयव्वं एवं तुयट्टियव्वं एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं उट्ठाय २ पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं संजमेणं संजमियव्वं । तए णं से मेहे समणस्स भगवओ महावीरस्स अयमेयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता तह चिट्ठइ जाव संजमेणं संजमइ । तए णं से मेहे अणगारे जाए इरियासमिए अणगारवण्णओ भाणियव्वो । तए णं से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए तहा-(एया) रूवाणं थेराणं सामाइयमाइयाणि एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ णयराओ गुणसिलयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ।।३४।। तए णं से मेहे अणगारे अण्णया कयाइ समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह । तए णं से मेहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, मासियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ सम्मं काएणं फासेत्ता पालित्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह । जहा पढमाए अभिलावो तहा दोच्चाए तच्चाए चउत्थाए पंचमाए छम्मासियाए सत्तमासियाए पढमसत्तराइंदियाए दोच्चं सत्तराइंदियाए तइयं सत्तराइंदियाए अहोराइंदियाएवि एगराइंदियाएवि । तए

णं से मेहे अणगारे बारस भिक्खुपडिमाओ सम्मं काएणं फासेत्ता पालेत्ता सोभेत्ता तीरेत्ता किट्टेत्ता पुणरवि वंदइ णमंसइ वं० त्ता एवं वयासी--इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से मेहे अणगारे पढमं मासं चउत्थंचउत्थेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं०। तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं०। चउत्थं मासं दसमंदसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। पंचमंमासं दुवालसमंदुवालसमेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं। एवं खलु एएणं अभिलावेणं छट्ठे चोद्दसमं २ सत्तमे सोलसमं २ अट्ठमे अट्ठारसमं २ णवमे वीसइमं २ दसमे बावीसइमं २ एक्कारसमे चउव्वीसइमं २ बारसमे छव्वीसइमं २ तेरसमे अट्ठावीसइमं २ चोद्दसमे तीसइमं २ पंचदसमे बत्तीसइमं २ सोलसमे (मासे) चउत्तीसइमं २ अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए (णं) सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेण य अवाउडएण य। तए णं से मेहे अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोभेइ तीरेइ किट्टेइ अहासुत्तं अहाकप्पं जाव किट्टेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ॥३५॥ तए णं से मेहे अणगारे तेणं उरालेणं विपुलेणं सस्सिरीएणं पयत्तेणं पग्गहिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धण्णेणं मंगल्लेणं उदग्गेणं उदारएणं उत्तमेणं महाणुभावेणं तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे लुक्खे णिम्मंसे णिस्सोणिए किडिकिडियाभूए अट्ठिचम्मावणद्धे किसे धमणिसंतए जाए यावि होत्था, जीवंजीवेणं गच्छइ जीवंजीवेणं चिट्ठइ भासं भासित्ता गिलायइ भासं भासमाणे गिलायइ भासं भासिस्सामित्ति गिलायइ। से जहाणामए इंगालसगडियाइ वा कट्ठसगडियाइ वा पत्तसगडियाइ वा तिलसगडियाइ वा एरंडकट्ठसगडियाइ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव मेहे अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचिए

तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणे इव भासरासिपरिच्छण्णे तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अईव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणु-गामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणामेव रायगिहे णयरे जेणामेव गुण-सिलए चेइए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं उगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं तस्स मेहस्स अणगारस्स राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं तहेव जाव भासं भासिस्सा-मित्ति गिलामि, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे सद्धा धिई संवेगे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कार-परक्कमे सद्धा धिई संवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महा-वीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ताव मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलंते(सूरे)समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता समणेणं भगवया महा-वीरेणं अब्भणुण्णायस्स समाणस्स सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहित्ता गोयमाइए समणे णिग्गंथे णिग्गंथीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं कडाईहिं थेरेहिं सद्धिं विउलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता सयमेव मेहघणसण्णिगासं पुढविसिलापट्टयं पडि-लेहित्ता संलेहणाझूसणा(ए)झूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ । मे(हेत्ति)हाइ समणे भगवं महावीरे मेहं अणगारं एवं वयासी– से णूणं तव मेहा ! राओ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागर-माणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं उरा-लेणं जाव जेणेव अहं तेणेव हव्वमागए । से णूणं मेहा ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह । तए णं से मेहे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता

वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता गोयमाइ समणे णिग्गंथे णिग्गंथीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं कडाईहिं थेरेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेहघणसण्णिगासं पुढविसिलापट्टयं पडिलेहेइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहे २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकणिसण्णे करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी---णमोत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, णमोत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे भगवं तत्थगए इहगयं-तिकट्टु वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-पुव्विं पि य णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे माणे माया लोहे पेज्जे दोसे कलहे अब्भक्खाणे पेसुण्णे परपरिवाए अरइरइ मायामोसे मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए। इयाणिं पि णं अहं तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि सव्वं असणपाणखाइमसाइमं चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए। जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतीतिकट्टु एयं पि य णं चरमेहिं ऊसासणीसासेहिं वोसिरामि त्तिकट्टु संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं ते थेरा भगवंतो मेहस्स अणगारस्स अगिलाए वेयावडियं करेंति। तए णं से मेहे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवरिसाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेएत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते आणुपुव्वेणं कालगए। तए णं ते थेरा भगवंतो मेहं अणगारं आणुपुव्वेणं कालगयं पासेंति २ त्ता परिणिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ त्ता मेहस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता विउलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ त्ता जेणामेव गुणसिलए चेइए जेणामेव समणे भगवं महावीरे तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए। से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे गोयमाइए समणे णिग्गंथे

णिग्गंथीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विउलं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता सयमेव मेहघणसण्णिगासं पुढविसिलं (पट्टयं) पडिलेहेइ २ त्ता भत्तपाणपडियाइक्खिए अणुपुव्वेणं कालगए। एस णं देवाणुप्पिया ! मेहस्स अणगारस्स आयारभंडए ॥३६॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं०२ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी मेहे णामं अणगारे, से णं भंते ! मेहे अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववण्णे ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! मम अंतेवासी मेहे णामं अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए, से णं तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बारस भिक्खुपडिमाओ गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं काएणं फासेत्ता जाव किट्टेत्ता मए अब्भणुण्णाए समाणे गोयमाइ थेरे खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं जाव विउलं पव्वयं दुरूहइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारोवगए सयमेव पंचमहव्वए उच्चारेइ बारस वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते उद्धियसल्ले समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिमसूरगहगणणक्खत्ततारारूवाणं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहूइं जोयणकोडीओ बहूइं जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगमहासुक्कसहस्साराणयपाणयारणच्चुए तिण्णि य अट्ठारसुत्तरे गेवेज्जविमा(ण)णावाससए वीइवइत्ता विजए महाविमाणे देवत्ताए उववण्णे। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं मेहस्सवि देवस्स तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। एस णं भंते ! मेहे देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं अप्पोपालंभणिमित्तं पढमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ३७ ॥ गाहा–महुरेहिं णिउणेहिं वयणेहिं चोययंति आयरिया। सीसे कहिंचि खलिए जह मेहमुणि महावीरो ॥१॥

॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

संघाडे णामं बीयं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते बिइयस्स णं भंते ! णायज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ। तस्स णं रायगिहस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए गुणसिलए णामं चेइए होत्था वण्णओ। तस्स णं गुणसिलयस्स चेइयस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे (पडिय) जिण्णुज्जाणे यावि होत्था विणट्ठदेवउले परिसडियतोरणघरे णाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिवच्छच्छाइए अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था। तस्स णं जिण्णुज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे भग्गकूवए यावि होत्था। तस्स णं भग्गकूवस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए यावि होत्था किण्हे किण्होभासे जाव रम्मे महामेहणिउरंबभूए बहूहिं रुक्खेहि य गुच्छेहि य गुम्मेहि य लयाहि य वल्लीहि य तणेहि य कुसेहि य खाणुएहि य संछण्णे पलिच्छण्णे अंतो झुसिरे बाहिं गंभीरे अणेगवालसयसंकणिज्जे यावि होत्था ॥ ३८ ॥ तत्थ णं रायगिहे णयरे धण्णे णामं सत्थवाहे अड्ढे दित्ते जाव विउलभत्तपाणे। तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स भद्दा णामं भारिया होत्था सुकुमालपाणिपाया अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगी ससिसोमागारा कंता पियदंसणा सुरूवा करयलपरिमियतिवलियमज्झा कुंडलुल्लिहियगंडलेहा कोमुइरयणियरपडिपुण्णसोमवयणा सिंगारागारचारुवेसा जाव पडिरूवा वंझा अवियाउरी जाणुकोप्परमाया यावि होत्था ॥ ३९ ॥ तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पंथए णामं दासचेडे होत्था सव्वंगसुंदरंगे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था। तए णं से धण्णे सत्थवाहे रायगिहे णयरे बहूणं णगरणिगमसेट्ठिसत्थवाहाणं अट्ठारसण्ह य सेणिप्पसेणीणं बहुसु कज्जेसु य कुडुंबेसु य मंतेसु य जाव चक्खुभूए यावि होत्था णियगस्स वि य णं कुडुंबस्स बहुसु (य) कज्जेसु जाव चक्खुभूए यावि होत्था ॥ ४० ॥ तत्थ णं रायगिहे णयरे विजए णामं तक्करे होत्था पावे चंडालरूवे भीमतररुद्दकम्मे आरुसियदित्तरत्तणयणे खरफरुसमहल्लविगयबीभच्छदाढिए असंपुडियउट्ठे उद्धुयपइण्णलंबंतमुद्धए भमरराहुवण्णे णिरणुक्कोसे णिरणुतावे दारुणे

पइभए णिसंसइए णिरणुकंपे अहिव्व एगंतदिट्ठि खुरेव एगंतधाराए गिद्धेव आमिसतल्लिच्छे अग्गिमिव सव्वभक्खे जलमिव सव्वगाही उक्कंचणवंचण-मायाणियडिकूडकवडसाइसंपओगबहुले चिरणगरविणट्ठदुट्ठसीलायारचरित्ते जूयप्पसंगी मज्जप्पसंगी भोज्जप्पसंगी मंसप्पसंगी दारुणे हिययदारए साहसिए संधिच्छेयए उवहिए विस्संभघाई आलीयगतित्थभेयलहुहत्थसंपउत्ते परस्स दव्व-हरणंमि णिच्चं अणुबद्धे तिव्ववेरे रायगिहस्स णगरस्स बहूणि अइगमणाणि य णिग्गमणाणि य दाराणि य अवदाराणि य छिंडिओ य खंडीओ य णगर-णिद्धमणाणि य संघट्टणाणि य णिव्वट्टणाणि य जूवखलयाणि य पाणागाराणि य वेसागाराणि य तद्दारट्ठाणाणि य तक्करट्ठाणाणि य तक्करघराणि य सिंगाड-गाणि य तियाणि य चउक्काणि य चच्चराणि य णागघराणि य भूयघराणि य जक्खदेउलाणि य सभाणि य पवाणि य पणियसालाणि य सुण्णघराणि य आभोएमाणे २ मग्गमाणे गवेसमाणे बहुजणस्स छिद्देसु य विसमेसु य विहुरेसु य वसणेसु य अब्भुदएसु य उस्सवेसु य पसवेसु य तिहीसु य छणेसु य जण्णेसु य पव्वणीसु य मत्तपमत्तस्स य वक्खित्तस्स य वाउलस्स य सुहियस्स य दुहियस्स य विदेसत्थस्स य विप्पवसियस्स य मग्गं च छिद्दं च विरहं च अंतरं च मग्गमाणे गवेसमाणे एवं च णं विहरइ, बहिया वि य णं रायगिहस्स णगरस्स आरामेसु य उज्जाणेसु य वाविपोक्खरणीदीहियागुंजालिया सरेसु य सरपंतिसु य सरसरपंतियासु य जिण्णुज्जाणेसु य भग्गकूवएसु य मालुयाकच्छएसु य सुसाणेसु य गिरिकंदरलेणउवट्ठाणेसु य बहुजणस्स छिद्देसु य जाव एवं च णं विहरइ ॥४१॥ तए णं तीसे भद्दाए भारियाए अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्त-कालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समु-प्पज्जित्था—अहं धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं बहूणि वासाणि सद्दफरिसरसगंध-रूवाणि माणुस्सगाइं कामभोगाइं पच्चणुब्भवमाणी विहरामि णो चेव णं अहं दारगं वा दारिगं वा पयायामि । तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव सुलद्धे णं माणुस्सए जम्मजीवियफले तासिं अम्मयाणं जासिं मण्णे णियगकुच्छिसंभू-याइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावगाइं मम्मणपयंपियाइं थणमूलकक्खदेसभागं अभिसरमाणाइं मुद्धयाइं थणयं पिबंति तओ य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊणं उच्छंगे णिवेसियाइं देंति समुल्लावए पिए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्प-

भणिए। तं णं अहं अधण्णा अपुण्णा अलक्खणा अकयपुण्णा एत्तो एगमवि ण पत्ता। तं सेयं मम कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते धण्णं सत्थवाहं आपुच्छित्ता धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुण्णाया समाणी सुबहुं विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं गहाय बहूहिं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरि-जणमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा जाइं इमाइं रायगिहस्स णयरस्स बहिया णागाणि य भूयाणि य जक्खाणि य इंदाणि य खंदाणि य रुद्दाणि य सेवाणि य वेसम-णाणि य तत्थ णं बहूणं णागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य महरिहं पुप्फच्चणियं करेत्ता जाणुपायपडियाए एवं वइत्तए–जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं वा दारिगं वा पयायामि तो णं अहं तुब्भं जायं च दायं च भायं च अक्ख-यणिहिं च अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं उवाइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणामेव धण्णे सत्थवाहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं सद्धिं बहूइं वासाइं जाव देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए, तं णं अहं अहण्णा अपुण्णा अकयलक्खणा एत्तो एगमवि ण पत्ता, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी विपुलं असणं ४ जाव अणुवड्ढेमि उवाइयं करेत्तए। तए णं धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारियं एवं वयासी–ममं पि य णं खलु देवाणुप्पिए! एस चेव मणोरहे–कहं णं तुमं दारगं वा दारियं वा पयाएज्जसि? भद्दाए सत्थवाहीए एयमट्ठं अणुजाणइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुण्णाया समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुबहुं पुप्फ जाव मल्लालंकारं ठवेइ २ त्ता पुक्खरिणिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ जलकीडं करेइ २ त्ता ण्हाया कयबलिकम्मा उल्लपडसाडिगा जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हइ २ त्ता पुक्खरिणीओ पच्चोरुहइ २ त्ता तं सुबहुं पुप्फवत्थ-गंधमल्लं गेण्हइ २ त्ता जेणामेव णागघरए य जाव वेसमणघरए य तेणा-मेव उवागच्छइ २ त्ता तत्थ णं णागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य आलोए पणामं करेइ ईसिं पच्चुण्णमइ २ त्ता लोमहत्थगं परामुसइ २ त्ता

णागपडिमाओ य जाव वेसमणपडिमाओ य लोमहत्थेणं पमज्जइ उदगधाराए अब्भुक्खेइ २ त्ता पम्हलसुकुमालाए गंधकासाईए गायाइं लूहेइ २ त्ता महरिहं वत्थारुहणं च मल्लारुहणं च गंधारुहणं च चुण्णारुहणं च वण्णारुहणं च करेइ २ त्ता जाव धूवं डहइ २ त्ता जण्णुपायपडिया पंजलिउडा एवं वयासी–जइ णं अहं दारगं वा दारियं वा पयायामि तो णं अहं जायं च जाव अणुवड्ढेमि त्तिकट्टु उवाइयं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विपुलं असणं ४ आसाएमाणी जाव विहरइ जिमिया जाव सुइभूया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागया। अदुत्तरं च णं भद्दा सत्थवाही चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु विपुलं असणं ४ उवक्खडेइ २ त्ता बहवे णागा य जाव वेसमणा य उवायमाणी णमंसमाणी जाव एवं च णं विहरइ ॥४२॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही अण्णया कयाइ केणइ कालंतरेणं आवण्णसत्ता जाया यावि होत्था। तए णं तीसे भद्दाए सत्थवाहीए दोसु मासेसु वीइक्कंतेसु तइए मासे वट्टमाणे इमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव कयलक्खणाओ णं ताओ अम्मयाओ जाओ णं विउलं असणं ४ सुबहुयं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं गहाय मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणमहिलियाहिं य सद्धिं संपरिवुडाओ रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणीं ओगाहेंति २ त्ता ण्हायाओ कयबलिकम्माओ सव्वालंकारविभूसियाओ विपुलं असणं ४ आसाएमाणीओ जाव पडिभुंजेमाणीओ दोहलं विणेंति। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम तस्स गब्भस्स जाव विणेंति, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी जाव विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णेणं सत्थवाहेणं अब्भणुण्णाया समाणी हट्ठतुट्ठा जाव विपुलं असणं ४ जाव ण्हाया जाव उल्लपडसाडगा जेणेव णागघरए जाव धूवं डहइ २ त्ता पणामं करेइ २ त्ता जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ। तए णं ताओ मित्तणाइ जाव णगरमहिलाओ भद्दं सत्थवाहिं सव्वालंकारविभूसियं करेंति। तए णं सा भद्दा सत्थवाही ताहिं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणणगरमहिलियाहिं सद्धिं तं विपुलं असणं ४ जाव परिभुंज-

माणी य दोहलं विणेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं सा भद्दा सत्थवाही संपुण्णडोहला जाव तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाण य राइंदियाणं सुकुमालपाणिपायं जाव दारगं पयाया। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे जायकम्मं करेंति २ त्ता तहेव जाव विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता तहेव मित्तणाइणियग० भोयावेत्ता अयमेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं इमे दारए बहूणं णागपडिमाण य जाव वेसमणपडिमाण य उवाइयलद्धे णं तं होउ णं अम्हं इमे दारए देवदिण्णे णामेणं। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेंति देवदिण्णेत्ति। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो जायं च दायं च भायं च अक्खयणिहिं च अणुवड्ढेंति ॥४३॥ तए णं से पंथए दासचेडए देवदिण्णस्स दारगस्स बालग्गाही जाए, देवदिण्णं दारयं कडीए गेण्हइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य दारएहि य दारियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे अभिरममाणे अभिरमइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही अण्णया कयाइं देवदिण्णं दारयं ण्हायं कयबलिकम्मं कयकोउय-मंगल-पायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पंथयस्स दासचेडयस्स हत्थयंसि दलयइ। तए णं से पंथए दासचेडए भद्दाए सत्थवाहीए हत्थाओ देवदिण्णं दारगं कडीए गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य डिंभियाहि य जाव कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिण्णं दारगं एगंते ठावेइ २ त्ता बहूहिं डिंभएहि य जाव कुमारियाहिं य सद्धिं संपरिवुडे पमत्ते यावि होत्था विहरइ। इमं च णं विजए तक्करे रायगिहस्स णयरस्स बहूणि दाराणि य अवदाराणि य तहेव जाव आभोएमाणे मग्गेमाणे गवेसमाणे जेणेव देवदिण्णे दारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिण्णं दारगं सव्वालंकारविभूसियं पासइ २ त्ता देवदिण्णस्स दारगस्स आभरणालंकारेसु मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववण्णे पंथयं दासचेडं पमत्तं पासइ २ त्ता दिसालोयं करेइ २ त्ता देवदिण्णं दारगं गेण्हइ २ त्ता कक्खंसि अल्लियावेइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता सिग्घं तुरियं चवलं वेइयं रायगिहस्स णगरस्स अवदारेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव जिण्णुज्जाणे

जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिण्णं दारयं जीवियाओ ववरोवेइ २ त्ता आभरणालंकारं गेण्हइ २ त्ता देवदिण्णस्स दारगस्स सरीरगं णिप्पाणं णिच्चेट्ठं जीवियविप्पजढं भग्गकूवए पक्खिवइ २ त्ता जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मालुयाकच्छयं अणुप्पविसइ २ त्ता णिच्चले णिप्फंदे तुसिणीए दिवसं खिवेमाणे चिट्ठइ ॥ ४४ ॥ तए णं से पंथए दासचेडे तओ मुहुत्तंतरस्स जेणेव देवदिण्णे दारए ठविए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवदिण्णं दारगं तंसि ठाणंसि अपासमाणे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे देवदिण्णस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता देवदिण्णस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा पउत्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! भद्दा सत्थवाही देवदिण्णं दारयं ण्हायं जाव मम हत्थंसि दलयइ । तए णं अहं देवदिण्णं दारयं कडीए गिण्हामि जाव मग्गणगवेसणं करेमि । तं ण णज्जइ णं सामी ! देवदिण्णे दारए केणइ हए वा अवहिए वा अवखित्ते वा पायवडिए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं णिवेदेइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथयस्स दासचेडयस्स एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तेण य महया पुत्तसोएणाभिभूए समाणे प रसुणियत्ते व चंपगपायवे धसत्ति धरणीयलंसि सव्वंगेहिं सण्णिवइए । तए णं से धण्णे सत्थवाहे तओ मुहुत्तंतरस्स आसत्थे पच्छागयपाणे देवदिण्णस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ देवदिण्णस्स दारगस्स कत्थइ सुइं वा खुइं वा पउत्तिं वा अलभमाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता महत्थं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता जेणेव णगरगुत्तिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए देवदिण्णे णामं दारए इट्ठे जाव उंबरपुप्फंपिव दुल्लहे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए ? तए णं सा भद्दा देवदिण्णं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पंथगस्स हत्थे दलाइ जाव पायवडिए तं मम णिवेदेइ । तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! देवदिण्णस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं कयं । तए णं ते णगरगोत्तिया धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा सण्णद्धबद्धवम्मियकवया उप्पीलियसरासणपट्टिया जाव गहियाउहपहरणा धण्णेणं सत्थवाहेणं सद्धिं

रायगिहस्स णगरस्स बहूणि अइगमणाणि य जाव पवासु य मग्गणगवेसणं करेमाणा रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव जिण्णुज्जाणे जेणेव भग्गकूवए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता देवदिण्णस्स दारगस्स सरीरगं णिप्पाणं णिच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा अहो अकज्जमिति कट्टु देवदिण्णं दारगं भग्गकूवाओ उत्तारेंति २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थे दलयंति ॥ ४५ ॥ तए णं ते णगरगुत्तिया विजयस्स तक्करस्स पयमग्गमणुगच्छमाणा जेणेव मालुयाकच्छए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मालुयाकच्छयं अणुप्पविसंति २ त्ता विजयं तक्करं ससक्खं सहोढं सगेवेज्जं जीवग्गाहं गेण्हंति २ त्ता अट्ठिमुट्ठिजाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्तं करेंति २ त्ता अवउडा बंधणं करेंति २ त्ता देवदिण्णस्स दारगस्स आभरणं गेण्हंति २ त्ता विजयस्स तक्करस्स गीवाए बंधंति २ त्ता मालुयाकच्छयाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहं णयरं अणुप्पविसंति २ त्ता रायगिहे णयरे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु कसप्पहारे य लयापहारे य छिवापहारे य णिवाएमाणा २ छारं च धूलिं च कयवरं च उवरिं पक्किरमाणा २ महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा एवं वयंति–एस णं देवाणुप्पिया ! विजए णामं तक्करे जाव गिद्धे विव आमिसभक्खी बालघायए बालमारए, तं णो खलु देवाणुप्पिया ! एयस्स केइ राया वा रायपुत्ते वा रायमच्चे वा अवरज्झइ एत्थट्ठे अप्पणो सयाइं कम्माइं अवरज्झंतित्तिकट्टु जेणामेव चारगसाला तेणामेव उवागच्छंति २ त्ता हडिबंधणं करेंति २ त्ता भत्तपाणणिरोहं करेंति २त्ता तिसंझं कसप्पहारे य जाव णिवाएमाणा २ विहरंति। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं रोयमाणे जाव विलवमाणे देवदिण्णस्स दारगस्स सरीरस्स महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं णिहरणं करेइ २ त्ता बहूइं लोइयाइं मयगकिच्चाइं करेइ २ त्ता केणइ कालंतरेणं अवगयसोए जाए यावि होत्था ॥४६॥ तए णं से धण्णे सत्थवाहे अण्णया कयाइं लहुसयंसि रायावराहंसि संपलत्ते जाए यावि होत्था। तए णं ते णगरगुत्तिया धण्णं सत्थवाहं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चारगे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चारगं अणुप्पवेसंति २ त्ता विजएणं तक्करेणं सद्धिं एगयओ हडिबंधणं करेंति। तए णं सा भद्दा भारिया कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडेइ

२ त्ता भोयणपिडए करेइ २ त्ता भायणाइं पक्खिवइ २ त्ता लंछियमुद्दियं करेइ २ त्ता एगं च सुरभिवारिपडिपुण्णं दगवारयं करेइ २ त्ता पंथयं दासचेडं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छ णं तुमं देवाणुप्पिया ! इमं विपुलं असणं ४ गहाय चारगसालाए धण्णस्स सत्थवाहस्स उवणेहि। तए णं से पंथए भद्दाए सत्थवाहीए एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे तं भोयणपिडगं तं च सुरभिवरवारिपडि-पुण्णं दगवारयं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता रायगिहं णगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव चारगसाला जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भोयणपिडयं ठावेइ २ त्ता उल्लंछेइ २ त्ता भायणाइं गेण्हइ २ त्ता भाय-णाइं धोवेइ २ त्ता हत्थसोयं दलयइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं तेणं विपुलेणं अस-णेणं ४ परिवेसइ। तए णं से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया ! ममं एयाओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी–अवियाइं अहं विजया। एयं विपुलं असणं ४ कागाणं वा सुणगाणं वा दलएज्जा उक्कुरुडियाए वा णं छड्डेज्जा णो चेव णं तव पुत्तघायगस्स पुत्तमारगस्स अरिस्स वेरियस्स पडिणी-यस्स पच्चामित्तस्स एत्तो विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेज्जामि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तं विपुलं असणं ४ आहारेइ २ त्ता तं पंथयं पडिविसज्जेइ। तए णं से पंथए दासचेडे तं भोयणपिडगं गिण्हइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स तं विपुलं असणं ४ आहारियस्स समाणस्स उच्चारपासवणे णं उव्वाहित्था तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव विजया ! एगंतमवक्कमामो जेणं अहं उच्चारपासवणं परिट्ठवेमि। तए णं से विजए तक्करे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–तुब्भं देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ आहारियस्स अत्थि उच्चारे वा पासवणे वा, ममं णं देवाणुप्पिया ! इमेहिं बहूहिं कसप्प-हारेहि य जाव लयापहारेहि य तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणस्स णत्थि केइ उच्चारे वा पासवणे वा, तं छंदेणं तुमं देवाणुप्पिया ! एगंते अवक्कमित्ता उच्चारपासवणं परिट्ठवेहि। तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजएणं तक्करेणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे मुहुत्तंतरस्स बलिय-तरागं उच्चारपासवणेणं उव्वाहिज्जमाणे विजयं तक्करं एवं वयासी–एहि ताव

विजया ! जाव अवक्कमामो । तए णं से विजए धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–जइ णं तुमं देवाणुप्पिया ! ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेहि तओऽहं तुमेहिं सद्धिं एगंतं अवक्कमामि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयं एवं वयासी–अहं णं तुब्भं ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करिस्सामि । तए णं से विजए धण्णस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं से विजए धण्णेणं सद्धिं एगंते अवक्कमइ उच्चारपासवणं परिट्ठवेइ आयंते चोक्खे परम-सुइभूए तमेव ठाणं उवसंकमित्ताणं विहरइ । तए णं सा भद्दा कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ जाव परिवेसेइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंथयं दासचेडं विसज्जेइ । तए णं से पंथए भोयणपिडयं गहाय चार-गाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव भद्दा भारिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भद्दं सत्थवाहिणिं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिए ! धण्णे सत्थवाहे तव पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेइ ॥४७॥ तए णं सा भद्दा सत्थ-वाही पंथयस्स दासचेडयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ता रुट्ठा जाव मिसिमिसेमाणी धण्णस्स सत्थवाहस्स पओसमावज्जइ । तए णं से धण्णे सत्थ-वाहे अण्णया कयाइं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणेणं सएण य अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पाणं मोयावेइ २ त्ता चारगसालाओ पडिणिक्खमइ पडि-णिक्खमित्ता जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अलं-कारियकम्मं करेइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अह-धोयमट्टियं गेण्हइ २ त्ता पोक्खरिणीं ओगाहइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता ण्हाए कयबलिकम्मे जाव रायगिहं णगरं अणुप्पविसइ २ त्ता रायगिहस्स णगरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तं धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासित्ता रायगिहे णयरे बहवे णियगसेट्ठिसत्थवाहपभिइओ आढंति परिजाणंति सक्कारेंति सम्माणेंति अब्भुट्ठेंति सरीरकुसलं पुच्छंति । तए णं से धण्णे सत्थवाहे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ । जावि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा–दासाइ वा पेस्साइ वा भियगाइ वा भाइल्लगाइ वा से वि य णं धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासइ २ त्ता पायवडियाए खेमकुसलं

पुच्छंति। जावि य से तत्थ अब्भंतरिया परिसा भवइ तंजहा–मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भइणीइ वा सावि य णं धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कंठाकंठियं अवयासिय बाहप्पमोक्खणं करेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे जेणेव भद्दा भारिया तेणेव उवागच्छइ। तए णं सा भद्दा धण्णं सत्थवाहं एज्जमाणं पासइ २ त्ता णो आढाइ णो परियाणाइ अणाढायमाणी अपरिजाणमाणी तुसिणीया परम्मुही संचिट्ठइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे भद्दं भारियं एवं वयासी–किं णं तुब्भं देवाणुप्पिए! ण तुट्ठी वा ण हरिसे वा णाणंदे वा जं मए सएणं अत्थसारेणं रायकज्जाओ अप्पाणं विमोइए। तए णं सा भद्दा धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–कहं णं देवाणुप्पिया! मम तुट्ठी वा जाव आणंदे वा भविस्सइ? जेणं तुमं मम पुत्तघायगस्स जाव पच्चामित्तस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागं करेसि। तए णं से धण्णे भद्दं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पिए! धम्मोत्ति वा तवोत्ति वा कयपडिकइयाइ वा लोगजत्ताइ वा णायएइ वा घाडिएइ वा सहाएइ वा सुहित्ति वा ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागे कए णण्णत्थ सरीर-चिंताए। तए णं सा भद्दा धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठा जाव आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कंठाकंठिं अवयासेइ खेमकुसलं पुच्छइ २ त्ता ण्हाया जाव पायच्छित्ता विपुलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ। तए णं से विजए तक्करे चारगसालाए तेहिं बंधेहिं वहेहिं कसप्पहारेहि य जाव तण्हाए य छुहाए य परब्भवमाणे कालमासे कालं किच्चा णरएसु णेरइयत्ताए उववण्णे। से णं तत्थ णेरइए जाए काले कालोभासे जाव वेयणं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। से णं तओ उव्वट्टित्ता अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टिस्सइ। एवामेव जंबू! जे णं अम्हं णिग्गंथो वा णिग्गंथी वा आयरियउवज्झायाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए समाणे विपुलमणिमोत्तियधणकणगरयणसारेणं लुब्भइ से वि (य) एवं चेव ॥४८॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा णामं थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुलसंपण्णा जाव पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा जाव जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव गुणसिलए चेइए जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति। परिसा णिग्गया धम्मो कहिओ। तए णं तस्स धण्णस्स

सत्थवाहस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा इहमागया इह संपत्ता, तं इच्छामि णं थेरे भगवंते वंदामि णमंसामि ण्हाए जाव सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए पायविहारचारेणं जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ णमंसइ । तए णं थेरा धण्णस्स विचित्तं धम्ममाइक्खंति । तए णं से धण्णे सत्थवाहे धम्मं सोच्चा एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथे पावयणे जाव पव्वइए जाव बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता भत्तं पच्चक्खाइत्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । तत्थ णं धण्णस्स देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई प० । से णं धण्णे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ठिइक्खएणं भवक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ ।। ४९ ।। जहा णं जंबू ! धण्णेणं सत्थवाहेणं णो धम्मोत्ति वा जाव विजयस्स तक्करस्स ताओ विपुलाओ असणाओ ४ संविभागे कए णण्णत्थ सरीरसारक्खणट्ठाए एवामेव जंबू ! जे णं अम्हं णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा जाव पव्वइए समाणे ववगयण्हाणुमद्दणपुप्फगंधमल्लालंकारविभूसे इमस्स ओरालियसरीरस्स णो वण्णहेउं वा रूवहेउं वा (बल) विसयहेउं वा (तं विपुलं) असणं ४ आहारमाहारेइ णण्णत्थ णाणदंसणचरित्ताणं वहणयाए से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं (बहूणं) समणीणं (बहूणं) सावगाण य सावियाण य अच्चणिज्जे जाव पज्जुवासणिज्जे भवइ । परलोए वि य णं णो बहूणि हत्थच्छेयणाणि य कण्णच्छेयणाणि य णासाछेयणाणि य एवं हिययउप्पायणाणि य वसणुप्पायणाणि य उल्लंबणाणि य पाविहिइ अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं जाव वीईवइस्सइ जहा व से धण्णे सत्थवाहे । एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं दोच्चस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ।।५०।। गाहा–
सिवसाहणेसु आहारविरहिओ जं ण वट्टए देहो । तम्हा धण्णोव्व विजयं साहू तं तेण पोसेज्जा ।।१।।

।। बीयं अज्झयणं समत्तं ।।

अंडे णामं तच्चं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं दोच्चस्स अज्झयणस्स णायाधम्मकहाणं अयमट्ठे पण्णत्ते तइअस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं चंपाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभाए णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे सुरम्मे णंदणवणे इव सुहसुरभिसीयलच्छायाए समणुबद्धे । तस्स णं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उत्तरओ एगदेसंमि मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं एगा वणमऊरी दो पुट्ठे परियागए पिट्ठुंडीपंडुरे णिव्वणे णिरुवहए भिण्णमुट्ठिप्पमाणे मऊरी अंडए पसवइ २ त्ता सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी संविट्ठेमाणी विहरइ । तत्थ णं चंपाए णयरीए दुवे सत्थवाहदारगा परिवसंति तंजहा–जिणदत्तपुत्ते य सागरदत्तपुत्ते य सहजायया सहवड्ढियया सहपंसुकीलियया सहदारदरिसी अण्णमण्णमणुरत्तया अण्णमण्णमणुव्वयया अण्णमण्णच्छंदाणुवत्तया अण्णमण्णहियइच्छियकारया अण्णमण्णेसु गिहेसु किच्चाइं करणिज्जाइं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥५१॥ तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अण्णया कयाइं एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सण्णिसण्णाणं सण्णिविट्ठाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–जण्णं देवाणुप्पिया ! अम्हं सुहं वा दुक्खं वा पव्वज्जा वा विदेसगमणं वा समुप्पज्जइ तं णं अम्हेहिं एगयओ समेच्चा णित्थरियव्वं–तिकट्टु अण्णमण्णमेयारूवं संगारं पडिसुणेंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५२॥ तत्थ णं चंपाए णयरीए देवदत्ता णामं गणिया परिवसइ अड्ढा जाव भत्तपाणा चउसट्ठिकलापंडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया अउणत्तीसं विसेसे रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा बत्तीसपुरिसोवयारकुसला णवंगसुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसिय जाव ऊसियज्झया सहस्सलंभा विदिण्णछत्तचामरबालवीयणिया कण्णीरहप्पयाया यावि होत्था बहूणं गणियासहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ । तए णं तेसिं सत्थवाहदारगाणं अण्णया कयाइं पुव्वावरण्हकालसमयंसि जिमियभुत्तुत्तरागयाणं समाणाणं आयंताणं चोक्खाणं परमसुइभूयाणं सुहासणवरगयाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडा-

वेला तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं गहाय देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणाणं विहरित्तए- त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता कल्लं पाउब्भूए कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ उवक्खडेह २ त्ता तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फं गहाय जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव णंदापुक्खरिणी तेणामेव उवागच्छह २ त्ता णंदाए पोक्खरिणीए अदूरसामंते थूणामंडवं आहणह २ त्ता आसियसम्मज्जिओवलित्तं सुगंध जाव कलियं करेह २ त्ता अम्हे पडिवालेमाणा २ चिट्ठह जाव चिट्ठंति । तए णं [ते] सत्थवाहदारगा दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी— खिप्पामेव लहुकरणजुत्तजोइयं समखुरवालिहाण-समलिहियतिक्खग्गसिंगएहिं रययामयघंटसुत्तरज्जुपवरकंचणखचियणत्थपग्गहोवग्गहिएहिं णीलुप्पलकयामेल-एहिं पवरगोणजुवाणएहिं णाणामणिरयणकंचणघंटियाजालपरिक्खित्तं पवर-लक्खणोववेयं जुत्तमेव पवहणं उवणेह । ते वि तहेव उवणेंति । तए णं ते सत्थवाह-दारगा ण्हाया जाव अप्पमहग्घाभरणालंकिय सरीरा पवहणं दुरूहंति २ त्ता जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए गिहं अणुप्पविसंति । तए णं सा देवदत्ता गणिया [ते] सत्थ-वाहदारए एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता ते सत्थवाहदारए एवं वयासी—संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमिहागमणप्पओयणं । तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्तं गणियं एवं वयासी—इच्छामो णं देवाणुप्पिए ! तुम्हेहिं सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्तए । तए णं सा देवदत्ता तेसिं सत्थवाहदारगाणं एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया कयबलिकम्मा किं ते पवर जाव सिरिसमाणवेसा जेणेव सत्थवाहदारगा तेणेव समागया । तए णं ते सत्थ-वाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं जाणं दुरूहंति २ त्ता चंपाए णयरीए मज्झं-मज्झेणं जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे जेणेव णंदापोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पवहणाओ पच्चोरुहंति २ त्ता णंदापोक्खरिणीं ओगाहेंति २ त्ता जल-मज्जणं करेंति जलकीडं करेंति ण्हाया देवदत्ताए सद्धिं पच्चुत्तरंति जेणेव थूणा-मंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थूणामंडवं अणुप्पविसंति २ त्ता सव्वालंकार-

विभूसिया आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया देवदत्ताए सद्धिं तं विपुलं असणं ४ धूवपुप्फगंधवत्थं आसाएमाणा वीसाएमाणा (परिभाएमाणा) परिभुंजेमाणा एवं च णं विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा देवदत्ताए सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं कामभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ ५३ ॥ तए णं ते सत्थवाहदारगा पुव्वावरण्हकालसमयंसि देवदत्ताए गणियाए सद्धिं थूणामंडवाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता हत्थसंगेल्लीए सुभूमिभागे बहुसु आलिघरएसु य कयलीघरेसु य लयाघरएसु य अच्छणघरएसु य पेच्छणघरएसु य पसाहणघरएसु य मोहणघरएसु य सालघरएसु य जालघरएसु य कुसुमघरएसु य उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ ५४ ॥ तए णं ते सत्थवाहदारगा जेणेव से मालुयाकच्छए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं सा वणमऊरी ते सत्थवाहदारए एज्जमाणे पासइ पासित्ता भीया तत्था० महया-महया सद्देणं केकारवं विणिम्मुयमाणी विणिम्मुयमाणी मालुयाकच्छाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता एगंसि रुक्खडालयंसि ठिच्चा ते सत्थवाहदारए मालुयाकच्छयं च अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ चिट्ठइ । तए णं ते सत्थवाहदारगा अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—जहा णं देवाणुप्पिया ! एसा वणमऊरी अम्हे एज्जमाणे पासित्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा पलाया महया २ सद्देणं जाव अम्हे मालुयाकच्छयं च पेच्छमाणी २ चिट्ठइ तं भवियव्वमेत्थ कारणेणं तिकट्टु मालुयाकच्छयं अंतो अणुपविसंति २ त्ता तत्थ णं दो पुट्ठे परियागए जाव पासित्ता अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमे वणमऊरीअंडए साणं जाइमंताणं कुक्कुडियाणं अंडएसु (अ) पक्खिवावित्तए । तए णं ताओ जाइमंताओ कुक्कुडियाओ ताए अंडए सए य अंडए सएणं पक्खवाएणं सारक्खमाणीओ संगोवेमाणीओ विहरिस्संति । तए णं अम्हं एत्थं दो कीलावणगा मऊरपोयगा भविस्संति—त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सए सए दासचेडए सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! इमे अंडए गहाय सगाणं जाइमंताणं कुक्कुडीणं अंडएसु पक्खिवह जाव ते वि पक्खिवेंति । तए णं ते सत्थवाहदारगा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरित्ता तमेव जाणं दुरूढा समाणा जेणेव चंपा णयरी जेणेव देवदत्ताए गणियाए गिहे तेणेव उवा-

गच्छंति २ त्ता देवदत्ताए गिहं अणुप्पविसंति २ त्ता देवदत्ताए गणियाए विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयंति २ त्ता सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता देवदत्ताए गिहाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था ॥५५॥ तए णं जे से सागरदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए से णं कल्लं जाव जलंते जेणेव से वणमऊरी-अंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंसि मऊरीअंडयंसि संकिए कंखिए वितिगिच्छ-समावण्णे भेयसमावण्णे कलुससमावण्णे किण्णं ममं एत्थ कीलावणए मऊरी-पोयए भविस्सइ उदाहु णो भविस्सइ—त्तिकट्टु तं मऊरीअंडयं अभिक्खणं २ उव्वत्तेइ परियत्तेइ आसारेइ संसारेइ चालेइ फंदेइ घट्टेइ खोभेइ अभिक्खणं २ कण्णमूलंसि टिट्टियावेइ। तए णं से मऊरीअंडए अभिक्खणं २ उव्वत्तिज्जमाणे जाव टिट्टियावेज्जमाणे पोच्चडे जाए यावि होत्था। तए णं से सागरदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए अण्णया कयाइं जेणेव से मऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं मऊरीअंडयं पोच्चडमेव पासइ २ त्ता अहो णं ममं एत्थ कीलावणए मऊरी-पोयए ण जाए—त्तिकट्टु ओहयमण जाव झियायइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंचमह-व्वएसु जाव छज्जीवणिकाएसु णिग्गंथे पावयणे संकिए जाव कलुससमावण्णे से णं इह भवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावगाणं साविगाणं हीलणिज्जे णिंदणिज्जे खिसणिज्जे गरहणिज्जे परिभवणिज्जे परलोए विय णं आगच्छइ बहूणि दंडणाणि य जाव अणुपरियट्टइ ॥५६॥ तए णं से जिणदत्तपुत्ते जेणेव से मऊरीअंडए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तंसि मऊरी-अंडयंसि णिस्संकिए सुव्वत्तए णं मम एत्थ कीलावणए मऊरीपोयए भविस्सइ—त्तिकट्टु तं मऊरीअंडयं अभिक्खणं २ णो उव्वत्तेइ जाव णो टिट्टि-यावेइ। तए णं से मऊरीअंडए अणुव्वत्तिज्जमाणे जाव अटिट्टियाविज्जमाणे तेणं कालेणं तेणं समएणं उब्भिण्णे मऊरीपोयए एत्थ जाए। तए णं से जिणदत्तपुत्ते तं मऊरीपोययं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे मऊरपोसए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भेणं देवाणुप्पिया! इमं मऊरपोययं बहूहिं मऊरपोसण-पाओग्गेहिं दव्वेहिं अणुपुव्वेणं सारक्खमाणा संगोवेमाणा संवड्ढेह णट्टुल्लगं च सिक्खावेह। तए णं ते मऊरपोसगा जिणदत्तस्स पुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति

२ त्ता तं मऊरपोयगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं मऊरपोयगं जाव णट्टुल्लगं सिक्खावेंति। तए णं से मऊरपोयए उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुपत्ते लक्खणवंजणगुणोववेए माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णपक्खपेहुणकलावे विचित्तपिच्छसतचंदए णीलकंठए णच्चणसीलए एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए अणेगाइं णट्टुल्लगसयाइं केकारवसयाणि य करेमाणे विहरइ। तए णं ते मऊरपोसगा तं मऊरपोयगं उम्मुक्क जाव करेमाणं पासित्ता णं तं मऊरपोयगं गेण्हंति २ त्ता जिणदत्तस्स पुत्तस्स उवणेंति। तए णं से जिणदत्तपुत्ते सत्थवाहदारए मऊरपोयगं उम्मुक्क जाव करेमाणं पासित्ता हट्ठतुट्ठे तेसिं विपुलं जीवियारिहं पीइदाणं जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से मऊरपोयए जिणदत्तपुत्तेणं एगाए चप्पुडियाए कयाए समाणीए णंगोलाभंगसिरोधरे सेयावंगे अवयारियपइण्णपक्खे उक्खित्तचंदकाइयकलावे केक्काइयसयाणि विमुच्चमाणे णच्चइ। तए णं से जिणदत्तपुत्ते तेणं मऊरपोयएणं चंपाए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु स (इ) एहि य साहस्सिएहि य सयसाहस्सिएहि य पणिएहि य जयं करेमाणे विहरइ। एवामेव समणाउसो! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ पव्वइए समाणे पंचमहव्वएसु छज्जीवणिकाएसु णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिए णिक्कंखिए णिव्वितिगिच्छे से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीइवइस्सइ। एवं खलु जंबू! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं णायाणं तच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्तेत्ति बेमि ॥५७॥ गाहाओ–जिणवरभासियभावेसु भावसच्चेसु भावओ मइमं। णो कुज्जा संदेहं संदेहोऽणत्थहेउत्ति ॥१॥ णिस्संदेहत्तं पुण गुणहेउं जं तओ तयं कज्जं। एत्थं दो सिट्ठिसुया अंडयगाही उदाहरणं ॥२॥ कत्थइ मइदुब्बल्लेण तव्विहायरियविरहओ वा वि। णेयगहणत्तणेणं णाणावरणोदएणं च ॥३॥ हेऊदाहरणासंभवे य सइ सुट्ठु जं ण बुज्झिज्जा। सव्वण्णुमयमवितहं तहावि इइ चिंतए मइमं ॥ ४ ॥ अणुवकयपराणुग्गहपरायणा जं जिणा जगप्पवरा। जियरागदोसमोहा य णण्णहावाइणो तेण ॥५॥

॥ तच्चं अज्झयणं समत्तं ॥

कुम्मे णामं चउत्थं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं ३ णायाणं तच्चस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स णं णायाणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी णामं णयरी होत्था वण्णओ । तीसे णं वाणारसीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए गंगाए महाणईए मयंगतीरद्दहे णामं दहे होत्था अणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजले अच्छविमलसलिलपलिच्छण्णे संछण्णपत्त-पुप्फपलासे बहुउप्पलपउमकुमुयणलिणसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्त-सहस्सपत्तकेसरपुप्फोवचिए पासाईए०४। तत्थ णं बहूणं मच्छाण य कच्छभाण य गाहाण य मगराण य सुंसुमाराण य सइयाण य साहस्सियाण य सयसाहस्सि-याण य जूहाइं णिब्भयाइं णिरुव्विग्गाइं सुहंसुहेणं अभिरममाणाइं २ विहरंति । तस्स णं मयंगतीरद्दहस्स अदूरसामंते एत्थ णं महं एगे मालुयाकच्छए होत्था वण्णओ । तत्थ णं दुवे पावसियालगा परिवसंति पावा चंडा रुद्दा तल्लिच्छा साहसिया लोहियपाणी आमिसत्थी आमिसाहारा आमिसप्पिया आमिसलोला आमिसं गवेसमाणा रत्तिं वियालचारिणो दिया पच्छण्णं चावि चिट्ठंति । तए णं ताओ मयंगतीरद्दहाओ अण्णया कयाइं सूरियंसि चिरत्थमियंसि लुलियाए संझाए पविरलमाणुसंसि णिसंतपडिणिसंतंसि समाणंसि दुवे कुम्मगा आहारत्थी आहारं गवेसमाणा सणियं २ उत्तरंति तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं सव्वओ समंता परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति । तयाणंतरं च णं ते पावसियालगा आहारत्थी जाव आहारं गवेसमाणा मालुयाकच्छयाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव मयंगतीरद्दहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्सेव मयंगतीरद्दहस्स परिपेरंतेणं परिघोलेमाणा २ वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति तए णं ते पावसियाला ते कुम्मए पासंति २ त्ता जेणेव ते कुम्मए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं ते कुम्मगा ते पावसियालए एज्जमाणे पासंति २ त्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया हत्थे य पाए य गीवाए य सएहिं २ काएहिं साहरंति २त्ता णिच्चला णिप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति । तए णं ते पावसियालगा जेणेव ते कुम्मगा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते कुम्मगा सव्वओ समंता उव्वत्तेंति परियत्तेंति आसारेंति संसारेंति चालेंति घट्टेंति फंदेंति खोभेंति णहेहिं आलुंपंति दंतेहि य अवक्खोडेंति णो चेव णं संचाएंति तेसिं कुम्मगाणं सरीरस्स आबाहं

वा पबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएत्तए छविच्छेयं वा करेत्तए । तए णं ते पाव-सियालगा एए कुम्मए दोच्चंपि तच्चंपि सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव णो चेव णं संचाएंति करेत्तए ताहे संता तंता परितंता णिव्विण्णा समाणा सणियं २ पच्चोसक्केंति एगंतमवक्कमंति २ त्ता णिच्चला णिप्फंदा तुसिणीया संचिट्ठंति। तत्थ णं एगे कुम्मगे ते पावसियालए चिरंगए दूरंगए जाणित्ता सणियं २ एगं पायं णिच्छुभइ । तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं सणियं २ एगं पायं णीणियं पासंति २ त्ता (ताए उक्किट्ठाए गईए) सिग्घं चवलं तुरियं चंडं जइणं वेगियं जेणेव से कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तस्स णं कुम्मगस्स तं पायं णखेहिं आलुंपंति दंतेहिं अक्खोडेंति तओ पच्छा मंसं च सोणियं च आहारेंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव णो चेव णं संचाएंति करेत्तए ताहे दोच्चंपि अवक्कमंति एवं चत्तारि वि पाया जाव सणियं २ गीवं णीणेइ । तए णं ते पावसियालगा तेणं कुम्मएणं गीवं णीणियं पासंति २ त्ता सिग्घं चवलं ४ णहेहिं दंतेहिं कवालं विहाडेंति २ त्ता तं कुम्मगं जीवियाओ ववरोवेंति २ त्ता मंसं च सोणियं च आहारेंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ आयरियउवज्झायाणं अंतिए पव्वइए समाणे पंच य से इंदिया अगुत्ता भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे परलो वि य णं आगच्छइ बहूणं दंडणाणं जाव अणुपरियट्टइ जहा (व) से कुम्मए अगुत्तिंदिए। तए णं ते पावसियालगा जेणेव से दोच्चे कुम्मए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं कुम्मगं सव्वओ समंता उव्वत्तेंति जाव दंतेहिं अक्खुडेंति जाव करेत्तए। तए णं ते पावसियालगा दोच्चंपि तच्चंपि जाव णो संचाएंति तस्स कुम्म-गस्स किंचि आबाहं वा विबाहं वा जाव छविच्छेयं वा करेत्तए ताहे संता तंता परितंता णिव्विण्णा समाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडि-गया। तए णं से कुम्मए ते पावसियालए चिरंगए दूरगए जाणित्ता सणियं २ गीवं णेणेइ २ त्ता दिसावलोयं करेइ २ त्ता जमगसमगं चत्तारि वि पाए णीणेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए कुम्मगईए वीईवयमाणे २ जेणेव मयंगतीर-द्दहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं अभिसमण्णागए यावि होत्था। एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं समणो वा समणी वा पंच (य) से इंदियाइं गुत्ताइं भवंति जाव जहा (उ) व से

कुम्मए गुत्तिंदिए। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं चउत्थस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्तेत्ति बेमि ॥ ५५ ॥ गाहाउ–विसएसु इंदिआइं रुंभंता रागदोसणिम्मुक्का। पावंति णिव्वुइसुहं कुम्मुव्व मयंगदहसोक्खं ॥१॥ अवरे उ अणत्थपरंपरा उ पावेंति पावकम्मवसा। संसारसागरगया गोमाउग्गसियकुम्मोव्व ॥२॥

॥ चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

सेलगे णामं पंचमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं चउत्थस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पंचमस्स णं भंते ! णायज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई णामं णयरी होत्था पाईणपडीणायया उदीणदाहिणवित्थिण्णा णवजोयणवित्थिण्णा दुवालसजोयणायामा धणवइमइणिम्माया चामीयरपवरपागारा णाणामणिपंचवण्णकविसीसगसोहिया अलयापुरिसंकासा पमुइयपक्कीलिया पच्चक्खं देवलोयभूया। तीसे णं बारवईए णयरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए रेवयगे णाम पव्वए होत्था तुंगे गगणतलमणुलिहंतसिहरे णाणाविहगुच्छगुम्मलयावल्लिपरिगए हंसमिगमयूरकोंचसारसचक्कवागमयणसालकोइलकुलोववेए अणेगतडकडगवियरउज्झर (य) पवायपब्भारसिहरपउरे अच्छरगणदेवसंघचारणविज्जाहरमिहुणसंविच्चिण्णे णिच्चच्छणए दसारवरवीरपुरिसतेलोक्कबलवगाणं सोमे सुभगे पियदंसणे सुरूवे पासाईए ४। तस्स णं रेवयगस्स अदूरसामंते एत्थ णं णंदणवणे णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे णंदणवणप्पगासे पासाईए ४। तस्स णं उज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए सुरप्पिए णामं जक्खाययणे होत्था दिव्वे वण्णओ। तत्थ णं बारवईए णयरीए कण्हे णामं वासुदेवे राया परिवसइ। से णं तत्थ समुद्दविजयपामोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपामोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं उग्गसेणपामोक्खाणं सोलसण्हं राईसहस्साणं पज्जुण्णपामोक्खाणं अद्धुट्ठाणं कुमारकोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुद्दंतसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एक्कवीसाए वीरसाहस्सीणं महासेणपामोक्खाणं छप्पण्णाए बलवगसाहस्सीणं रुप्पिणीपामोक्खाणं बत्तीसाए महिलासाहस्सीणं अणंगसेणापामो-

वलाणं अणेगाणं गणियासाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं ईसरतलवर जाव सत्थ-वाहपभिईणं वेयड्ढगिरिसागरपेरंतस्स य दाहिणड्ढभरहस्स य बारवईए णयरीए आहेवच्चं जाव पालेमाणे विहरइ ॥५९॥ तस्स णं बारवईए णयरी थावच्चा णामं गाहावइणी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया। तीसे णं थावच्चाए गाहावइणीए पुत्ते थावच्चापुत्ते णामं सत्थवाहदारए होत्था सुकुमालपाणिपाए जाव सुरूवे। तए णं सा थावच्चा गाहावइणी तं दारयं साइरेगअट्ठवासजाययं जाणित्ता सोहणंसि तिहिकरणणक्खत्तमुहुत्तंसि कला-यरियस्स उवणेइ जाव भोगसमत्थं जाणित्ता बत्तीसाए इब्भकुलबालियाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेइ बत्तीसओ दाओ जाव बत्तीसाए इब्भकुलबालियाहिं सद्धिं विपुले सद्दफरिसरसरूववण्णगंधे जाव भुंजमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी सो चेव वण्णओ दसधणुस्सेहे णीलुप्पलगवलगुलिय-अयसिकुसुमप्पगासे अट्ठारसहिं समणसाहस्सीहिं चत्तालीसाए अज्जियासाह-स्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव बारवई णगरी जेणेव रेवयगपव्वए जेणेव णंदणवणे उज्जाणे जेणेव सुरप्पियस्स जक्खस्स जक्खा-ययणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। परिसा णिग्गया धम्मो कहिओ। तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सभाए सुह-म्माए मेघोघरसियं गंभीरमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेह। तए णं ते कोडुंबिय-पुरिसा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव मत्थए अंजलिं कट्टु एवं सामी! तह त्ति जाव पडिसुणेंति २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव कोमुइया भेरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं मेघोघरसियं गंभीरमहुरसद्दं कोमुइयं भेरिं तालेंति। तओ णिद्धमहुरगंभीरपडिसुएणं पिव सारइएणं बलाहएणं (पिव) अणुरसियं भेरीए। तए णं तीसे कोमुइयाए भेरीया तालियाए समाणीए बारवईए णयरीए णवजोयणविच्छिण्णाए दुवालसजोयणायामाए सिंघाडगतियचउक्कचच्चरकंदरदरी (य) विवरकुहरगिरिसिहरनगरगोउर-पासायदुवारभवणदेउलपडिस्सुयासयसहस्ससंकुलं (सद्दं) करेमाणे बारवईए

णयरीए सब्भितरबाहिरियं सव्वओ समंता से सद्दे विप्पसरित्था। तए णं बारवईए णयरीए णवजोयणवित्थिण्णाए बारसजोयणायामाए समुद्दविजय-पामोक्खा दस दसारा जाव गणियासहस्साइं कोमुईयाए भेरीए सद्दं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा जाव ण्हाया आविद्धवग्घारियमल्लदामकलावा अहयवत्थ-चंदणोविकिण्णगायसरीरा अप्पेगइया हयगया एवं गयगया रहसीयासंदमाणीगया अप्पेगइया पायविहारचारेणं पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता कण्हस्स वासुदेवस्स अंतियं पाउब्भवित्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे जाव अंतियं पाउब्भवमाणे पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउरंगिणिं सेणं सज्जेह विजयं च गंधहत्थिं उवट्ठवेह। तेवि तहत्ति उवट्ठवेंति जाव पज्जुवासंति ॥६०॥ थावच्चापुत्ते वि णिग्गए जहा मेहे तहेव धम्मं सोच्चा णिसम्म जेणेव थावच्चा गाहावइणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ जहा मेहस्स तहा चेव णिवेयणा जाहे णो संचाएइ विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहि आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण्णवणाहि य आघवित्तए वा ४ ताहे अकामिया चेव थावच्चापुत्तस्स णिक्खमणमणुमण्णित्था (णवरं णिक्खमणाभिसेयं पासामो, तए णं से थावच्चापुत्ते तुसिणीए संचिट्ठइ) तए णं सा थावच्चा आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता महत्थं महग्घं महरिहं रायरिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता मित्त जाव संपरिवुडा जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स भवणवरपडिदुवारदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पडिहारदेसिएणं मग्गेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं ४ पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम एगे पुत्ते थावच्चापुत्ते णामं दारए इट्ठे जाव से णं संसारभउव्विग्गे (भीए) इच्छइ अरहओ अरिट्ठणेमिस्स जाव पव्वइत्तए। अहं णं णिक्खमण-सक्कारं करेमि। इच्छामि णं देवाणुप्पिया! थावच्चापुत्तस्स णिक्खममाणस्स छत्तमउडचामराओ य विदिण्णाओ। तए णं कण्हे वासुदेवे थावच्चागाहावइणिं एवं वयासी–अच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिए! सुणिव्वुया वीसत्था। अहं णं सय-मेव थावच्चापुत्तस्स दारगस्स णिक्खमणसक्कारं करिस्सामि। तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगिणीए सेणाए विजयं हत्थिरयणं दुरूढे समाणे जेणेव थावच्चाए

गाहावइणीए भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्तं एवं वयासी–मा णं तुमे देवाणुप्पिया ! मुंडे भवित्ता पव्वयाहि, भुंजाहि णं देवाणुप्पिया ! विउले माणुस्सए कामभोगे मम बाहुच्छायापरिग्गहिए, केवलं देवाणुप्पियस्स अहं णो संचाएमि वाउकायं उवरिमेणं गच्छमाणं णिवारित्तए, अण्णे णं देवाणुप्पियस्स जं किंचि(वि) आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएइ तं सव्वं णिवारेमि। तए णं से थावच्चापुत्ते कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जइ णं तुमं देवाणुप्पिया ! मम जीवियंतकरणं मच्चुं एज्जमाणं णिवारेसि जरं वा सरीररूवविणासिणिं सरीरं अइवयमाणिं णिवारेसि तए णं अहं तव बाहुच्छायापरिग्गहिए विउले माणुस्सए कामभोगे भुंजमाणे विहरामि। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे थावच्चापुत्तं एवं वयासी–एए णं देवाणुप्पिया ! दुरइक्कमणिज्जा, णो खलु सक्का सुबलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा णिवारित्तए णण्णत्थ अप्पणो कम्मक्खएणं। तए णं से थावच्चापुत्ते कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जइ णं एए दुरइक्कमणिज्जा णो खलु सक्का सुबलिएणावि देवेण वा दाणवेण वा णिवारित्तए णण्णत्थ अप्पणो कम्मक्खएणं तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! अण्णाणमिच्छत्तअविरइकसायसंचियस्स अत्तणो कम्मक्खयं करित्तए। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तेणं एवं वुत्ते समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं देवाणुप्पिया ! बारवईए णयरीए सिंघाडगतिग जाव पहेसु हत्थिखंधवरगया महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ उग्घोसणं करेह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! थावच्चापुत्ते संसारभउव्विग्गे भीए जम्मणजरमरणाणं इच्छइ अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए मुंडे भवित्ता पव्वइत्तए, तं जो खलु देवाणुप्पिया राया वा जुवराया वा देवी वा कुमारे वा ईसरे वा तलवरे वा कोडुंबियमाडंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहे वा थावच्चापुत्तं पव्वयंतमणुपव्वयइ तस्स णं कण्हे वासुदेवे अणुजाणइ पच्छाउरस्स वि य से मित्तणाइणियगसंबंधिपरिजणस्स जोग खेमं वट्टमाणं पडिवहइ–त्तिकट्टु घोसणं घोसेह जाव घोसंति। तए णं थावच्चापुत्तस्स अणुराएणं पुरिससहस्सं णिक्खमणाभिमुहं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं पत्तेयं २ पुरिससहस्सवाहिणीसु सिवियासु दुरूढं समाणं मित्तणाइपरिवुडं थावच्चापुत्तस्स अंतियं पाउब्भूयं। तए णं से कण्हे वासुदेवे पुरिस-

सहस्सं अंतियं पाउब्भवमाणं पासइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–जहा मेहस्स णिक्खमणाभिसेओ तहेव सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ जाव अरहओ अरिट्ठणेमिस्स छत्ताइच्छत्तं पडागाइपडागं पासइ २ त्ता विज्जाहरचारणे जाव पासित्ता सी (सिवि) याओ पच्चोरुहइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे थावच्चापुत्तं पुरओ काउं जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी सव्वं तं चेव जाव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ। तए णं सा थावच्चा गाहावइणी हंसलक्खणेणं पडगसाडएणं आभरणमल्लालंकारे पडिच्छइ हारवारिधारछिण्णमुत्तावलिप्पगासाइं अंसूणि विणिम्मुंचमाणी २ एवं वयासी–जइयव्वं जाया! घडियव्वं जाया! परिक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च णं अट्ठे णो पमाएयव्वं। जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से थावच्चापुत्ते पुरिससहस्सेहिं सद्धिं सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ जाव पव्वइए। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारे जाए इरियासमिए भासासमिए जाव विहरइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अरहओ अरिट्ठणेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं जाव चउत्थेणं विहरइ। तए णं अरिहा अरिट्ठणेमी थावच्चापुत्तस्स अणगारस्स तं इब्भाइयं अणगारसहस्सं सीसत्ताए दलयइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अण्णया कयाइं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं०२ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे अणगारसहस्सेणं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया!। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारसहस्सेणं सद्धिं तेणं उरालेणं उ (द) ग्गेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सेलगपुरे णामं णगरे होत्था। सुभूमिभागे उज्जाणे। सेलए राया, पउमावई देवी, मंडुए कुमारे जुवराया। तस्स णं सेलगस्स पंथगपामोक्खा पंच मंतिसया होत्था उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए उववेया रज्जधुरं चिंतयंति। थावच्चापुत्ते सेलगपुरे समोसढे। राया णिग्गए धम्मकहा। धम्मं सोच्चा जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइया तहा णं अहं णो संचाएमि पव्वइत्तए। अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव समणोवासए जाव अहिगयजीवाजीवे जाव अप्पाणं

भावेमाणे विहरइ । पंथगपामोक्खा पंच मंतिसया य समणोवासया जाया थावच्चापुत्ते बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सोगंधिया णामं णयरी होत्था वण्णओ । णीलासोए उज्जाणे वण्णओ । तत्थ णं सोगंधियाए णयरीए सुदंसणे णामं णयरसेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । तेणं कालेणं तेणं समएणं सुए णामं परिव्वायए होत्था रिउव्वेयजजुव्वेयसामवेयअथव्वणवेयसट्ठितंतकुसले संखसमए लद्धट्ठे पंचजमपंचणियमजुत्तं सोयमूलयं दसप्पयारं परिव्वायगधम्मं दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणे पण्णवेमाणे धाउरत्तवत्थपवरपरिहिए तिदंडकुंडियछत्तछण्णालयअंकुसपवित्तयकेसरिहत्थगए परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव सोगंधिया णयरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहंसि भंडगणिक्खेवं करेइ २ त्ता संखसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं सोगंधियाए णयरीए सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ– एवं खलु सुए परिव्वायए इहमागए जाव विहरइ । परिसा णिग्गया । सुदंसणो वि णिग्गए । तए णं से सुए परिव्वायए तीसे परिसाए सुदंसणस्स य अण्णेसिं च बहूणं संखाणं परिकहेइ–एवं खलु सुदंसणा ! अम्हं सोयमूलए धम्मे पण्णत्ते । से वि य सोए दुविहे पण्णत्ते तंजहा–दव्वसोए य भावसोए य । दव्वसोए य उदएणं मट्टियाए य । भावसोए दब्भेहि य मंतेहि य । जं णं अम्हं देवाणुप्पिया ! किंचि असुई भवइ तं सव्वं स (ज्जो)-ज्जपुढवीए आलिप्पइ तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा पक्खालिज्जइ तओ तं असुई सुई भवइ । एवं खलु जीवा जलाभिसेयपूयप्पाणो अविग्घेणं सग्गं गच्छंति । तए णं से सुदंसणे सुयस्स अंतिए धम्मं सोच्चा हट्ठे सुयस्स अंतियं सोयमूलयं धम्मं गेण्हइ २ त्ता परिव्वायए विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे जाव विहरइ । तए णं से सुए परिव्वायए सोगंधियाओ णयरीओ णिग्गच्छइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं थावच्चापुत्तस्स समोसरणं । परिसा णिग्गया । सुदंसणो वि णिग्गए थावच्चापुत्तं वंदइ णमंसइ वं० २ एवं वयासी–तुम्हाणं किंमूलए धम्मे पण्णत्ते ? । तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणेणं एवं वुत्ते समाणे सुदंसणं एवं वयासी–सुदंसणा ! विणयमूले धम्मे पण्णत्ते । से वि य विणए

दुविहे पण्णत्ते तंजहा–अगारविणए य अणगारविणए य। तत्थ णं जे से अगारविणए से णं पंच अणुव्वयाइं सत्त सिक्खावयाइं एक्कारस उवासगपडिमाओ। तत्थ णं जे से अणगारविणए से णं पंच महव्वयाइं तंजहा–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं सव्वाओ राइभोयणाओ वेरमणं जाव मिच्छादंसणसल्लाओ वेरमणं दसविहे पच्चक्खाणे बारस भिक्खुपडिमाओ इच्चेएणं दुविहेणं विणयमूलएणं धम्मेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ खवेत्ता लोयग्गपइट्ठाणे भवंति। तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणं एवं वयासी–तुब्भे णं सुदंसणा! किंमूलए धम्मे पण्णत्ते? अम्हाणं देवाणुप्पिया! सोयमूले धम्मे पण्णत्ते जाव सग्गं गच्छंति। तए णं थावच्चापुत्ते सुदंसणं एवं वयासी–सुदंसणा! से जहाणामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं रुहिरेण चेव धोवेज्जा तए णं सुदंसणा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेण चेव पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि काइ सोही? णो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव सुदंसणा! तुब्भंपि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं णत्थि सोही जहा तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं चेव पक्खालिज्जमाणस्स णत्थि सोही। सुदंसणा! से जहाणामए केइ पुरिसे एगं महं रुहिरकयं वत्थं सज्जियाखारेणं अणुलिंपइ २ त्ता पयणं आरुहेइ २ त्ता उण्हं गाहेइ २ त्ता तओ पच्छा सुद्धेण वारिणा धोवेज्जा से णूणं सुदंसणा! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स सज्जियाखारेणं अणुलित्तस्स पयणं आरुहियस्स उण्हं गाहियस्स सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स सोही भवइ? हंता भवइ। एवामेव सुदंसणा! अम्हंपि पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अत्थि सोही जहा वि तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स जाव सुद्धेणं वारिणा पक्खालिज्जमाणस्स अत्थि सोही। तत्थ णं (से) सुदंसणे संबुद्धे थावच्चापुत्तं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते! धम्मं सोच्चा जाणित्तए जाव समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ। तए णं तस्स सुयस्स परिव्वायगस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु सुदंसणेणं सोयधम्मं विप्पजहाय विणयमूले धम्मे पडिवण्णे। तं सेयं खलु मम सुदंसणस्स दिट्ठिं वामेत्तए पुणरवि सोयमूलए धम्मे आघवित्तए त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं जेणेव सोगंधिया णयरी जेणेव परि-

व्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता परिव्वायगावसहंसि भंडणिक्खेवं करेइ २ त्ता धाउरत्तवत्थं [पवर] परिहिए पविरलपरिव्वायगेणं सद्धिं संपरिवुडे परिव्वायगावसहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सोगंधियाए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सुदंसणस्स गिहे जेणेव सुदंसणे तेणेव उवागच्छइ। तए णं से सुदंसणे तं सुयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता णो अब्भुट्ठेइ णो पच्चुग्गच्छइ णो आढाइ णो परियाणाइ णो वंदइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं से सुए परिव्वायए सुदंसणं अणब्भुट्ठियं पासित्ता एवं वयासी—तुमं णं सुदंसणा! अण्णया ममं एज्जमाणं पासित्ता अब्भुट्ठेसि जाव वंदसि, इयाणिं सुदंसणा! तुमं ममं एज्जमाणं पासित्ता जाव णो वंदसि, तं कस्स णं तुमे सुदंसणा! इमेयारूवे विणयमूले धम्मे पडिवण्णे?। तए णं से सुदंसणे सुएणं परिव्वायएणं एवं वुत्ते समाणे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता करयल जाव सुयं परिव्वायगं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतेवासी थावच्चापुत्ते णामं अणगारे जाव इहमागए इह चेव णीलासोए उज्जाणे विहरइ, तस्स णं अंतिए विणयमूले धम्मे पडिवण्णे। तए णं से सुए परिव्वायए सुदंसणं एवं वयासी—तं गच्छामो णं सुदंसणा! तव धम्मायरियस्स थावच्चापुत्तस्स अंतियं पाउब्भवामो इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छामो। तं जइ णं मे से इमाइं अट्ठाइं जाव वागरेइ तओ णं अहं वंदामि णमंसामि। अह मे से इमाइं अट्ठाइं जाव णो से वागरेइ तओ णं अहं एएहिं चेव अट्ठेहिं हेऊहिं णिप्पट्ठपसिणवागरणं करिस्सामि। तए णं से सुए परिव्वायगसहस्सेणं सुदंसणेण य सेट्ठिणा सद्धिं जेणेव णीलासोए उज्जाणे जेणेव थावच्चापुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थावच्चापुत्तं एवं वयासी—जत्ता ते भंते! जवणिज्जं ते अव्वाबाहं पि ते फासुयं विहारं ते?। तए णं से थावच्चापुत्ते सुएणं परिव्वायगेणं एवं वुत्ते समाणे सुयं परिव्वायगं एवं वयासी—सुया! जत्तावि मे जवणिज्जंपि मे अव्वाबाहंपि मे फासुय विहारंपि मे। तए णं से सुए थावच्चापुत्तं एवं वयासी—किं भंते! जत्ता? सुया! जं णं मम णाणदंसणचरित्ततवसंजममाइएहिं जोएहिं जोयणा से तं जत्ता। से किं तं भंते! जवणिज्जं? सुया! जवणिज्जे दुविहे पण्णत्ते तंजहा—इंदियजवणिज्जे य णो इंदियजवणिज्जे य। से किं तं इंदिय-

जवणिज्जं ? सुया ! जं णं ममं सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं णिरुवहयाइं वसे वट्टंति से तं इंदियजवणिज्जं । से किं तं णोइंदियजवणिज्जे ? सुया ! जं णं कोहमाणमायालोभा खीणा उवसंता णो उदयंति से तं णोइंदियजवणिज्जे । से किं तं भंते ! अव्वाबाहं ? सुया ! जं णं मम वाइयपित्तियसिंभियसण्णिवाइया विविहा रोगायंका णो उदीरेंति से तं अव्वाबाहं । से किं तं भंते ! फासुयविहारं ? सुया ! जं णं आरामेसु उज्जाणेसु दे(व) उलेसु सभासु पव्वासु इत्थीपसुपंडगविवज्जियासु वसहीसु पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथारयं ओगिण्हित्ताणं विहरामि से तं फासुयविहारं । सरिसवया ते भंते ! किं भक्खेया अभक्खेया ? सुया ! सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइसरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि ? सुया ! सरिसवया दुविहा पणत्ता तंजहा–मित्तसरिसवया य धण्णसरिसवया य । तत्थ णं जे ते मित्तसरिसवया ते तिविहा पण्णत्ता तंजहा–सहजायया सहवड्डियया सहपंसुकीलियया ते णं समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया, तत्थ णं जे ते धण्णसरिसवया ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा–सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य । तत्थ णं जे ते असत्थपरिणया ते समणाणं णिग्गंथाणं अभक्खेया। तत्थ णं जे ते सत्थपरिणया ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा–फासुया य अफासुया य। अफासुया णं सुया ! णो भक्खेया। तत्थ णं जे ते फासुया ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा–जाइया य अजाइया य । तत्थ णं जे ते अजाइया ते अभक्खेया । तत्थ णं जे ते जाइया ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा–एसणिज्जा य अणेसणिज्जा य। तत्थ णं जे ते अणेसणिज्जा ते णं अभक्खेया । तत्थ णं जे ते एसणिज्जा ते दुविहा पण्णत्ता तंजहा–लद्धा य अलद्धा य । तत्थ णं जे ते अलद्धा ते अभक्खेया । तत्थ णं जे ते लद्धा ते णिग्गंथाणं भक्खेया । एएणं अट्ठेणं सुया ! एवं वुच्चइ-सरिसवया भक्खेयावि अभक्खेयावि । एवं कुलत्थावि भाणियव्वा णवरं इमं णाणत्तं–इत्थिकुलत्था य धण्णकुलत्था य । इत्थिकुलत्था तिविहा पण्णत्ता तंजहा–कुलवहुया य कुलमाउया इ य कुलधूया इ य । धण्णकुलत्था तहेव । एवं मासा वि णवरं इमं णाणत्तं–मासा तिविहा पण्णत्ता तंजहा–कालमासा य अत्थमासा य धण्णमासा य । तत्थ णं जे ते कालमासा ते णं दुवालसविहा पण्णत्ता तंजहा–सावणे जाव आसाढे, ते णं अभक्खेया । अत्थमासा

दुविहा प० तं० हिरण्णमासा य सुवण्णमासा य, ते णं अभक्खेया। धण्णमासा तहेव। एगे भवं दुवे भवं अणेगे भवं अक्खए भवं अव्वए भवं अवट्ठिए भवं अणेगभूयभावभविएवि भवं ? सुया ! एगेवि अहं दुवेवि अहं जाव अणेगभूयभावभविएवि अहं। से केणट्ठेणं भंते ! एगेवि अहं जाव सुया ! दव्वट्ठयाए एगे [वि] अहं णाणदंसणट्ठयाए दुवेवि अहं पएसट्ठयाए अक्खएवि अहं अव्वएहि अहं अवट्ठिएवि अहं उवओगट्ठयाए अणेगभूयभावभविएवि अहं। एत्थ णं से सुए संबुद्धे थावच्चापुत्तं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! तुब्भे ! अंतिए केवलिपण्णत्तं धम्मं णिसामित्तए। धम्मकहा भाणियव्वा। तए णं से सुए परिव्वायए थावच्चापुत्तस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म एवं वयासी—इच्छामि णं भंते ! परिव्वायगसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! जाव उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए तिदंडयं जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ त्ता सयमेव सिहं उप्पाडेइ २ त्ता जेणेव थावच्चापुत्ते जाव मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ। तए णं थावच्चापुत्ते सुयस्स अणगार सहस्सं सीसत्ताए वियरइ। तए णं थावच्चापुत्ते सोगंधियाओ णयरीओ णीलासोयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तए णं से थावच्चापुत्ते अणगारसहस्सेणं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव पुंडरीए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुंडरीयं पव्वयं सणियं २ दुरूहइ २ त्ता मेघघणसण्णिगासं देवसण्णिवायं पुढविसिलापट्टयं जाव पाओवगमणं णुवण्णे। तए णं से थावच्चापुत्ते बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए सद्धिं भत्ताइं अणसणाए जाव केवलवरणाणदंसणं समुप्पाडेत्ता तओ पच्छा सिद्धे जाव प्पहीणे ॥६२॥ तए णं से सुए अण्णया कयाइं जेणेव सेलगपुरे णगरे जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे समोसरणं परिसा णिग्गया सेलओ णिगच्छइ धम्मं सोच्चा जं णवरं देवाणुप्पिया ! पंथगपामोक्खाइं पंच मंतिसयाइं आपुच्छामि मंडुयं च कुमारं रज्जे ठावेमि तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं से सेलए राया सेलगपुरं णगरं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता सीहासणं सण्णिसण्णे । तए णं से सेलए राया पंथगपामोक्खे पंच मंतिसए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए सुयस्स अंतिए धम्मे णिसंते से वि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, अहं णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गे जाव पव्वयामि, तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! किं करेह किं ववसह किं वा (ते) भे हियइच्छिए सामत्थे ? तए णं ते पंथगपामोक्खा सेलगं रायं एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसार० जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया ! किमण्णे आहारे वा आलंबे वा अम्हे वि य णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा जाव पव्वयामो, जहा णं देवाणुप्पिया ! अम्हं बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य जाव तहा णं पव्वइयाण वि समाणाणं बहूसु जाव चक्खुभूए । तए णं से सेलगे पंथगपामोक्खे पंच मंतिसए एवं वयासी–जइ णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे संसार० जाव पव्वयह तं गच्छह णं देवाणुप्पिया ! सएसु २ कुडुंबेसु जेट्ठेपुत्ते कुडुंबमज्झे ठावेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूढा समाणा मम अंतियं पाउब्भवह (त्ति) तेवि तहेव पाउब्भवंति । तए णं से सेलए राया पंच मंतिसयाइं पाउब्भवमाणाइं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! मंडुयस्स कुमारस्स महत्थं जाव रायाभिसेयं उवट्ठवेह० अभिसिंचइ जाव राया जाए (जाव) विहरइ । तए णं से सेलए मंडुयं रायं आपुच्छइ । तए णं से मंडुए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव सेलगपुरं णयरं आसिय जाव गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य क० २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं से मंडुए दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव सेलगस्स रण्णो महत्थं जाव णिक्खमणाभिसेयं जहेव मेहस्स तहेव णवरं पउमावई देवी अग्गकेसे पडिच्छइ सव्वेवि पडिग्गहं गहाय सीयं दुरूहंति अवसेसं तहेव जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ । तए णं से सुए सेलगस्स अणगारस्स ताइं पंथगपामोक्खाइं पंच अणगारसयाइं सीसत्ताए वियरइ । तए णं से सुए अण्णया कयाइं सेलगपुराओ णगराओ सुभूमिभागाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से सुए अणगारे अण्णया कयाइं तेणं अणगारसहस्सेणं

सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं विहरमाणे जेणेव पुंडरीय-पव्वए जाव सिद्धे ॥६३॥ तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य तुच्छेहि य लूहेहि य अरसेहि य विरसेहि य सीएहि य उण्हेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य णिच्चं पाणभोयणेहि य पयइसुकुमालस्स सुहोचियस्स सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा कंडुय-दाहपित्तज्जरपरिगयसरीरे यावि विहरइ। तए णं से सेलए तेणं रोयायंकेणं सुक्के भुक्खे जाए यावि होत्था । तए णं से सेलए अण्णया कयाइं पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव जेणेव सुभूमिभागे जाव विहरइ । परिसा णिग्गया मंडुओऽवि णिग्गओ सेलगं अणगारं जाव वंदइ णमंसइ २ त्ता पज्जुवासइ । तए णं से मंडुए राया सेलगस्स अणगारस्स सरीरगं सुक्कं भुक्खं जाव सव्वाबाहं सरोगं पासइ २ त्ता एवं वयासी-अहं णं भंते ! तुब्भं अहापवित्तेहिं तेगिच्छिएहिं अहापवत्तेणं ओसहभेसज्जेणं भत्तपाणेणं तिगिच्छं आउंटावेमि । तुब्भ णं भंते ! मम जाणसालासु समोसरह फासुअं एसणिज्जं पीढफलग-सेज्जासंथारगं ओगिण्हित्ताणं विहरह । तए णं से सेलए अणगारे मंडुयस्स रण्णो एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ । तए णं से मंडुए सेलगं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए णं से सेलए कल्लं जाव जलंते सभंडमत्तोवगरणमायाए पंथगपामोक्खेहिं पंचहिं अणगार सएहिं सद्धिं सेलगपुरमणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव मंडुयस्स जाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फासुयं पीढ जाव विहरइ । तए णं से मंडुए (राया) तिगिच्छिए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! सेलगस्स फासुएसणिज्जेणं जाव तेगिच्छं आउट्टेह । तए णं तिगिच्छया मंडुएणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा सेलगस्स अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जभत्तपाणेहिं तिगिच्छं आउट्टेंति मज्जपाणयं च उवदिसंति । तए णं तस्स सेलगस्स अहापवत्तेहिं जाव मज्जपाणएण य से रोगायंके उवसंते जाए यावि होत्था हट्ठे मल्लसरीरे जाए ववगयरोगायंके । तए णं से सेलए तंसि रोयायंकंसि उवसंतंसि समाणंसि तंसि विपुलंसि असणंसि ४ मज्जपाणए य मुच्छिए गढिए गिद्धे अज्झोववण्णे ओसण्णे ओसण्णविहारी एवं पासत्थे २ कुसीले २ पमत्ते २ संसत्ते २ उउबद्धपीढफलगसेज्जासंथारए पमत्ते यावि विहरइ णो

संचाएइ फासुएसणिज्जं पीढ-फलग-सेज्जा-संथारयं पच्चप्पिणित्ता मंडुयं च रायं आपुच्छित्ता बहिया जाव विहरित्तए ॥६४॥ तए णं तेसिं पंथगवज्जाणं पंचण्हं अणगारसयाणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं जाव पुव्वरत्तावरत्त-कालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणाणं अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समु-प्पज्जित्था–एवं खलु सेलए रायरिसी चइत्ता रज्जं जाव पव्वइए विउले (णं) असणे ४ मज्जपाणए य मुच्छिए णो संचाएइ जाव विहरित्तए। णो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! समणाणं जाव पमत्ताणं विहरित्तए। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं कल्लं सेलगं रायरिसिं आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढफलग-सेज्जासंथारयं पच्चप्पिणित्ता सेलगस्स अणगारस्स पंथयं अणगारं वेयावच्चकरं ठवेत्ता बहिया अब्भुज्जएणं जाव विहरित्तए। एवं संपेहेंति २ त्ता कल्लं जेणेव सेलएरायरिसी० आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढफलग जाव पच्चप्पिणंति २ त्ता पंथयं अणगारं वेयावच्चकरं ठावेंति २ त्ता बहिया जाव विहरंति ॥६५॥ तए णं से पंथए सेलगस्स २ सेज्जासंथारउच्चारपासवणखेल्लसिंघाणमत्त-ओसह-भेसज्जभत्तपाणएणं अगिलाए विणएणं वेयावडियं करेइ। तए णं से सेलए अण्णया कयाइ कत्तियचाउम्मासियंसि विउलं असणं ४ आहारमाहारिए सुबहुं च मज्जपाणयं पीए पुव्वावरण्हकालसमयंसि सुहप्पसुत्ते। तए णं से पंथए कत्तिय-चाउम्मासियंसि कयकाउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमणं पडिक्कंते चाउम्मासियं पडिक्कमिउं कामे सेलगं रायरिसिं खामणट्ठयाए सीसेणं पाएसु संघट्टेइ। तए णं से सेलए पंथएणं सीसेणं पाएसु संघट्टिए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उट्ठेइ २ त्ता एवं वयासी–से केस णं भो ! एस अपत्थियपत्थिए जाव वज्जिए जे णं ममं सुहपसुत्तं पाएसु संघट्टेइ ? तए णं से पंथए सेलएणं एवं वुत्ते समाणे भीए तत्थे तसिए करयल जाव कट्टु एवं वयासी–अहं णं भंते ! पंथए कयकाउस्सग्गे देवसियं पडिक्कमणं पडिक्कंते चाउम्मासियं पडिक्कंते चाउम्मासियं खामेमाणे देवाणुप्पियं वंदमाणे सीसेणं पाएसु संघट्टेमि। तं खामेमि णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! खमंतु मे अवराहं तुमं णं देवाणुप्पिया ! णाइभुज्जो एवं करणयाए–त्तिकट्टु सेलयं अणगारं एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेइ। तए णं तस्स सेलगस्स रायरिसिस्स पंथएणं एवं वुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं रज्जं च जाव ओसण्णो

जाव उउबद्धपीढ० विहरामि। तं णो खलु कप्पइ समणाणं २ पासत्थाणं जाव विहरित्तए। तं सेयं खलु मे कल्लं मंडुयं रायं आपुच्छित्ता पाडिहारियं पीढ-फलगसेज्जासंथारयं पच्चप्पिणित्ता पंथएणं अणगारेणं सद्धिं बहिया अब्भुज्जएणं जाव जणवयविहारेणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव विहरइ ॥६६॥ एवामेव समणाउसो ! जाव णिग्गंथो वा २ ओसण्णे जाव संथारए पमत्ते विहरइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे संसारो भाणियव्वो। तए णं ते पंथगवज्जा पंच अणगारसया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—[एवं खलु] सेलए रायरिसी पंथएणं बहिया जाव विहरइ। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं सेलगं (रायरिसिं) उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेंति २ त्ता सेलगं रायरिसिं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति ॥६७॥ तए णं (ते सेलयपामोक्खा) से सेलए रायरिसि पंथगपामोक्खा पंच अणगारसया बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव पुंडरीयपव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जहेव थावच्चापुत्ते तहेव सिद्धा ४। एवामेव समणाउसो ! जो णिग्गंथो वा २ जाव विहरिस्सइ। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं पंचमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥७८॥ गाहा—सिढिलियसंजमकज्जावि होइउं उज्जमंति जइ पच्छा। संवेगाओ तो सेलउव्व आराहया होंति ॥१॥

॥ पंचम अज्झयणं समत्तं ॥

तुंबे णामं छट्ठं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पंचमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते छट्ठस्स णं भंते ! णायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं परिसा णिग्गया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे अदूरसामंते जाव सुक्कज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से इंदभूई जायसड्ढे जाव एवं वयासी—कहं णं भंते ! जीवा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे एगं महं सुक्कं तुंबं णिच्छिड्डं णिरुवहयं दब्भेहि य कुसेहि

य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेणं लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सुक्कं समाणं दोच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टियालेवेणं लिंपइ २ त्ता उण्हे दलयइ २ त्ता सुक्कं समाणं तच्चंपि दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ त्ता मट्टिया-लेवेणं लिंपइ। एवं खलु एएणं उवाएणं अंतरा वेढेमाणे अंतरा लिंपमाणे अंतरा सुक्कवेमाणे जाव अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं आलिंपइ २ त्ता अत्थाहमतार-मपोरिसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा। से णूणं गोयमा! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुययाए भारिययाए गुरुयभारिययाए उप्पिं सलिलमइवइत्ता अहे धरणियलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवावि पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ समज्जिणंति तासिं गरुययाए भारिययाए गरुयभारिययाए कालमासे कालं किच्चा धरणियलमइवइत्ता अहे णरगतलपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा गुरुयत्तं हव्वमागच्छंति। अहण्णं गोयमा! से तुंबे तंसि पढमिल्लुगंसि मट्टियालेवंसि तिण्णंसि कुहियंसि परिसडियंसि ईसिं धरणियलाओ उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। तयाणंतरं (च णं) दोच्चंपि मट्टियालेवे जाव उप्पइत्ताणं चिट्ठइ। एवं खलु एएणं उवाएणं तेसु अट्ठसु मट्टियालेवेसु तिण्णेसु जाव विमुक्कबंधणे अहे धरणियलमइवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ। एवामेव गोयमा! जीवा पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसणसल्लवेरमणेणं अणुपुव्वेणं अट्ठकम्मपगडीओ खवेत्ता गगणतलमुप्पइत्ता उप्पिं लोयग्गपइट्ठाणा भवंति। एवं खलु गोयमा! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥६६॥ गाहाउ–जह मिउलेवालित्तं गरुयं तुंबं अहो वयइ एवं। आसवकयकम्मगुरू जीवा वच्चंति अहरगइं ॥१॥ तं चेव तव्विमुक्कं जलोवरिं ठाइ जायलहुभावं। जह तह कम्मविमुक्का लोय-ग्गपइट्ठिया होंति ॥२॥

॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

रोहिणी णामं सत्तमं अज्झयणं

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते सत्तमस्स णं भंते! णायज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू!

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था । सुभूमिभागे उज्जाणे । तत्थ णं रायगिहे णयरे धण्णे णामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । भद्दा भारिया-अहीणपंचिंदियसरीरा जाव सुरूवा । तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए भारियाए अत्तया चत्तारि सत्थवाहदारगा होत्था तंजहा–धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए । तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स चउण्हं पुत्ताणं भारियाओ चत्तारि सुण्हाओ होत्था तंजहा–उज्झिया भोगवइया रक्खइया रोहिणिया । तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं रायगिहे णयरे बहूणं ईसरतलवर जाव पभिईणं सयस्स कुडुंबस्स बहुसु कज्जेसु य कारणे (करणिज्जे) सु य कोडुंबेसु य मंतणेसु य गुज्झेसु रहस्सेसु णिच्छएसु ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे मेढी पमाणे आहारे आलंबणे चक्खू मेढी-पमाणभूए सव्वकज्जवट्टाए । तं ण णज्जइ जं मए गयंसि वा चुयंसि वा मयंसि वा भग्गंसि वा लुग्गंसि वा सडियंसि वा पडियंसि वा विदेसत्थंसि वा विप्पवसियंसि वा इमस्स कुडुंबस्स किं मण्णे आहारे वा आलंबे वा पडिबंधे वा भविस्सइ । तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता मित्तणाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेत्ता तं मित्तणाइणियगसयण० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गं विपुलेणं असणेणं ४ धूवपुप्फवत्थगंध जाव सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइ चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए पंच २ सालि-अक्खए दलइत्ता जाणामि ताव का किहं वा सारक्खेइ वा संगोवेइ वा संवड्ढेइ वा ? एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव मित्तणाइ० चउण्हं सुण्हाणं कुलघरवग्गं आमंतेइ २ त्ता विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ तओ पच्छा ण्हाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए मित्तणाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गेणं सद्धिं तं विपुलं असणं ४ जाव सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता तस्सेव मित्तणाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेट्ठा सुण्हा उज्झिइया तं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं णं पुत्ता ! मम हत्थाओ इमे पंच सालिअक्खए गेण्हाहि २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खमाणी संगोवेमाणी विहराहि । जया णं अहं पुत्ता ! तुमं इमे पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच

सालिअक्खए पडिदिज्जाएज्जासि त्तिकट्टु सुण्हाए हत्थे दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ तए णं सा उज्झिया धण्णस्स तह त्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता धण्णस्स सत्थवाहस्स हत्थाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता एगंतमवक्कमइ एगंतमवक्कमियाए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि बहवे पल्ला सालीणं पडिपुण्णा चिट्ठंति, तं जया णं ममं ताओ इमे पंच सालिअक्खए जाएस्सइ तया णं अहं पल्लंतराओ अण्णे पंच सालिअक्खए गहाय दाहामि-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअक्खए एगंते एडेइ २ त्ता सकम्मसंजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं भोगवइयाए वि णवरं सा छोल्लेइ २ त्ता अणुगिलइ २ त्ता सकम्मसंजुत्ता जाया यावि होत्था। एवं रक्खिया वि णवरं गेण्हइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु ममं ताओ इमस्स मित्तणाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ सद्दावेत्ता एवं वयासी-तुमं णं पुत्ता! मम हत्थाओ जाव पडिदिज्जाएज्जासि-त्तिकट्टु मम हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयइ, तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं-तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता ते पंच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे बंधइ २ त्ता रयणकरंडियाए पक्खिवेइ २ त्ता ऊसीसामूले ठावेइ २ त्ता तिसंझं पडिजागर-माणी २ विहरइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे तस्सेव मित्त जाव चउत्थि रोहि-णीयं सुण्हं सद्दावेइ २ त्ता जाव तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं तं सेयं खलु मम एए पंच सालिअक्खए सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए संवड्ढेमाणीए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कुलघरपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणु-प्पिया! एए पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि णिवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेह २ त्ता इमे पंचसालि-अक्खए वावेह २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयणिहए करेह २ त्ता वाडि-पक्खेवं करेह २ त्ता सारक्खमाणा संगोवेमाणा अणुपुव्वेणं संवड्ढेह। तए णं ते कोडुंबिया रोहिणीए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता ते पंच सालिअक्खए गेण्हंति २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खंति संगोविंति विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया पढम-पाउसंसि महावुट्ठिकायंसि णिवइयंसि समाणंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते पंच सालिअक्खए ववंति २ त्ता दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयणिहए करेंति २ त्ता वाडिपरिक्खेवं करेंति २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खेमाणा संगोवेमाणा संवड्ढेमाणा विहरंति। तए णं ते साली अक्खए अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा

संगोविज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा साली जाया किण्हा किण्होभासा जाव णिउरंबभूया पासाईया ४। तए णं ते साली पत्तिया वत्तिया गब्भिया पसूया आगयगंधा खीराइया बद्धफला पक्का परियागया सल्लइया पत्तइया हरियपव्वकंडा जाया यावि होत्था। तए णं ते कोडुंबिया ते साली पत्तिए जाव सल्लइएपत्तइए जाणित्ता तिक्खेहिं णवपज्जणएहिं असिग्रएहिं लुणंति २ त्ता करयलमलिए करेंति २ त्ता पुणंति। तत्थ णं चोक्खाणं सूइयाणं अखंडाणं अफोडियाणं छड्डुछड्डापूयाणं सालीणं मागहए पत्थए जाए। तए णं ते कोडुंबिया ते साली णवएसु घडएसु पक्खिवंति २ त्ता उवलिंपंति २ त्ता लंछियमुद्दिए करेंति २ त्ता कोट्ठागारस्स एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खेमाणा संगोवेमाणा विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया दोच्चंसि वासारत्तंसि पढमपाउसंसि महावुट्ठिकायंसि णिवइयंसि खुड्डागं केयारं सुपरिकम्मियं करेंति २ त्ता ते साली ववंति दोच्चंपि तच्चंपि उक्खयणिहए जाव लुणंति जाव चलणतलमलिए करेंति २ त्ता पुणंति। तत्थ णं बहवे सालीणं कुडवा मुरला जाव एगदेसंसि ठावेंति २ त्ता सारक्खेमाणा० विहरंति। तए णं ते कोडुंबिया तच्चंसि वासारत्तंसि महावुट्ठिकायंसि णिवइयंसि बहवे केयारे सुपरिकम्मिए जाव लुणंति २ त्ता संवहंति २ त्ता खलयं करेंति २ त्ता मलेंति जाव बहवे कुंभा जाया। तए णं ते कोडुंबिया साली कोट्ठागारंसि पक्खिवंति जाव विहरंति। चउत्थे वासारत्ते बहवे कुंभसया जाया। तए णं तस्स धण्णस्स पंचमयंसि संवच्छरंसि परिणममाणंसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु मम इओ अईए पंचमे संवच्छरे चउण्हं सुण्हाणं परिक्खणट्ठयाए ते पंच २ सालिअक्खया हत्थे दिण्णा, तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते पंच सालिअक्खए परिजाइत्तए जाव जाणामि ताव काए किह सारक्खिया वा संगोविया वा संवड्ढिया जाव त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते विपुलं असणं ४ मित्तणाइणियग० चउण्हं य सुण्हाणं कुलघरवग्गं जाव सम्माणित्ता तस्सेव मित्त० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ जेट्ठं उज्झियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु अहं पुत्ता! इओ अईए पंचमंसि संवच्छरंसि इमस्स मित्त० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ तव हत्थंसि पंच सालिअक्खए दलयामि जया णं अहं पुत्ता! एए पंच सालिअक्खए जाएज्जा तया णं तुमं मम इमे पंच सालिअक्खए पडिदिज्जाएसि—त्तिकट्टु तं हत्थंसि दलयामि। से णूणं पुत्ता!

मट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । तं णं [तुमं] पुत्ता ! मम ते सालिअक्खए पडिणिज्जाएहि । तए णं सा उज्झिया एयमट्ठं धण्णस्स पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव कोट्ठागारं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पल्लाओ पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-एए णं ते पंच सालिअक्खए-त्तिकट्टु धण्णस्स हत्थंसि ते पंच सालिअक्खए दलयइ । तए णं धण्णे उज्झियं सवहसावियं करेइ २ त्ता एवं वयासी-किं णं पुत्ता ! (एए) ते चेव पंच सालिअक्खए उदाहु अण्णे ?, तए णं उज्झिया धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-एवं खलु तुब्भे ताओ ! इओ अईए पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्तणाइ० चउण्ह य जाव विहराहि । तए णं अहं तुब्भं एयमट्ठं पडिसुणेमि २ त्ता ते पंच सालिअक्खए गेण्हामि एगंतमवक्कमामि । तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एवं खलु तायाणं कोट्ठागारंसि जाव सकम्मसंजुत्ता, तं णो खलु ताओ ! ते चेव पंच सालिअक्खए एए णं अण्णे। तए णं से धण्णे उज्झियाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे उज्झिइयं तस्स मित्तणाइ० चउण्हं सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स य पुरओ तस्स कुलघरस्स छारुज्झियं च छाणुज्झियं च कयवरुज्झियं च समु (संपु) च्छियं च सम्मज्जिअं च पाउवदाइं च ण्हाणोवदाइं च बाहिरपेसणकारिं ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ जाव पव्वइए पंच य से महव्वयाइं उज्झियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे जाव अणुपरियट्टइस्सइ जहा सा उज्झिया । एवं भोगवइयावि णवरं तस्स कुलघरस्स कंडितियं च कोट्टंतियं च पीसंतियं च एवं रुच्चंतियं च रंधंतियं च परिवेसंतियं च परिभायंतियं च अब्भिंतरियं च पेसणकारिं महाणसिणिं ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं समणो वा २ पंच य से महव्वयाइं फोडियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे ४ जाव जहा व सा भोगवइया । एवं रक्खिइयावि णवरं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मंजूसं विहाडेइ २ त्ता रयणकरंडगाओ ते पंच सालिअक्खए गेण्हइ २ त्ता जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंच सालिअक्खए धण्णस्स हत्थे दलयइ । तए णं से धण्णे स० रक्खिइयं एवं वयासी-किं णं पुत्ता ! ते चेव एए पंच सालिअक्खए उदाहु अण्णे त्ति ? तए णं रक्खिइया धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी-ते चेव ताओ ! एए पंच सालि-

अक्खया णो अण्णे । कहं णं पुत्ता ? एवं खलु ताओ ! तुब्भे इओ पंचमंमि संवच्छरे जाव भवियव्वं एत्थ कारणेणं–तिकट्टु ते पंच सालिअक्खए सुद्धे वत्थे जाव तिसंझं पडिजागरमाणी यावि विहरामि । तओ एएणं कारणेणं ताओ ! ते चेव ते पंच सालिअक्खए णो अण्णे । तए णं से धण्णे रक्खियाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा हट्ठतुट्ठे तस्स कुलघरस्स हिरण्णस्स य कंसदूस-विपुलधण जाव सावएज्जस्स य भंडागारिणि ठवेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पंच य से महव्वयाइं रक्खियाइं भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव जहा सा रक्खिया । रोहिणियावि एवं चेव णवरं तुब्भे ताओ ! मम सुबहुयं सगडीसागडं दलाहि जेणं अहं तुब्भं ते पंच सालिअक्खए पडिणिज्जाएमि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे रोहिणि एवं वयासी–कहं णं तुमं मम पुत्ता ! ते पंच सालिअक्खए सगडसागडेणं णिज्जाइस्ससि ?। तए णं सा रोहिणी धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु ताओ ! इओ तुब्भे पंचमे संवच्छरे इमस्स मित्त जाव बहवे कुंभसया जाया तेणेव कमेणं, एवं खलु ताओ ! तुब्भे ते पंच सालिअक्खए सगडीसागडेणं णिज्जाएमि । तए णं से धण्णे सत्थवाहे रोहिणीयाए सुबहुयं सगडीसागडं दलयइ । तए णं रोहिणी सुबहुं सगडीसागडं गहाय जेणेव सए कुलघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोट्ठागारे विहाडेइ २ त्ता पल्ले उब्भिंदइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता रायगिहं णगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ । तए णं राय-गिहे णयरे सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णं एवमाइक्खइ ४–धण्णे णं देवा-णुप्पिया ! धण्णे सत्थवाहे जस्स णं रोहिणीया सुण्हा(जीए ण)पंच सालिअक्खए सगडसागडिएणं णिज्जाएइ । तए णं से धण्णे सत्थवाहे ते पंच सालिअक्खए सगडीसागडेणं णिज्जाइए पासइ २ त्ता हट्ठ जाव पडिच्छइ २ त्ता तस्सेव मित्तणाइ० चउण्ह य सुण्हाणं कुलघरवग्गस्स पुरओ रोहिणीयं सुण्हं तस्स कुलघरस्स बहुसु कज्जेसु य जाव रहस्सेसु य आपुच्छणिज्जं जाव वट्टावियं पमाणभूयं ठावेइ । एवामेव समणाउसो ! जाव पंच [से] महव्वया संवड्ढिया भवंति से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं जाव वीईवइस्सइ जहा व सा रोहिणीया । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥७०॥ गाहाओ–जह सेट्ठी

तह गुरुणो जह णाइजणो तहा समणसंघो । जह बहुया तह भव्वा जह सालि-कणा तह वयाइं ॥१॥ जह सा उज्झियणामा उज्झियसाली जहत्थमभिहाणा । पेसणगारित्तेणं असंखदुक्खक्खणी जाया ॥२॥ तह भव्वो जो कोई संघसमक्खं गुरुविदिण्णाइं । पडिवज्जिउं समुज्झइ महव्वयाइं महामोहा ॥३॥ सो इह चेव भवंमी जणाण धिक्कारभायणं होइ । परलोए उ दुहत्तो णाणाजोणीसु संचरइ ॥४॥ जह वा सा भोगवई जहत्थणामोवभुत्तसालिकणा । पेसणविसेस-कारित्तणेण पत्ता दुहं चेव ॥ ५ ॥ तह जो महव्वयाइं उवभुंजइ जीवियत्ति पालितो । आहाराइसु सत्तो चत्तो सिवसाहणिच्छाए ॥६॥ सो एत्थ जहिच्छाए पावइ आहारमाइ लिंगित्ति । विउसाण णाइपुज्जो परलोयम्मी दुही चेव॥७॥ जह वा रक्खियवहुया रक्खियसालीकणा जहत्थक्खा । परिजणमण्णा जाया भोगसुहाइं च संपत्ता ॥८॥ तह जो जीवो सम्मं पडिवज्जित्ता महव्वए पंच । पालेइ णिरइयारे पमायलेसंपि वज्जेंतो ॥९॥ सो अप्पहिएक्करई इहलोयंमिवि विऊहिं पणयपओ । एगंतसुही जायइ परम्मि मोक्खंपि पावेइ ॥१०॥ जह रोहिणी उ सुण्हा रोवियसाली जहत्थमभिहाणा । वड्ढित्ता सालिकणे पत्ता सव्वस्स सामित्तं ॥११॥ तह जो भव्वो पाविय वयाइं पालेइ अप्पणा सम्मं । अण्णेसिवि भव्वाणं देइ अणेगेसिं हियहेउं ॥१२॥ सो इह संघपहाणो जुग-प्पहाणेत्ति लहइ संसद्दं । अप्पपरेसिं कल्लाणकारओ गोयमपहुव्व ॥१३॥ तित्थस्स वुड्ढिकारी अक्खेवणओ कुतित्थियाईणं । विउसणरसेवियकमो कमेण सिद्धिंपि पावेइ ॥१४॥ **सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥**

मल्ली णामं अट्ठमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते अट्ठमस्स णं भंते ! के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं णिसढस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं सीओयाए महाणईए दाहिणेणं सुहावहस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं सलिलावई णामं विजए पण्णत्ते । तत्थ णं सलिलावईविजए वीयसोगा णामं रायहाणी पण्णत्ता णवजोयणवित्थिण्णा जाव पच्चक्खं देवलोगभूया । तीसे णं

वीयसोगाए रायहाणीए उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए इंदकुंभे णामं उज्जाणे । तत्थ णं वीयसोगाए रायहाणीए बले णामं राया । तस्सेव धारिणीपामोक्खं देवि-सहस्सं उवरोहे होत्था । तए णं सा धारिणी देवी अण्णया कयाइ सीहं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा जाव महब्बले णामं दारए जाए उम्मुक्क जाव भोगसमत्थे। तए णं तं महब्बलं अम्मापियरो सरिसियाणं कमलसिरीपामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकण्णासयाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति । पंच पासायसया पंचसओ दाओ जाव विहरइ । थेरागमणं इंदकुंभे उज्जाणे समोसढा । परिसा णिग्गया । बलो वि णिग्गओ । धम्मं सोच्चा णिसम्म जं णवरं महब्बलं कुमारं रज्जे ठावेमि जाव एक्कारसंगवी बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता जेणेव चारुपव्वए मासिएणं भत्तेणं सिद्धे। तए णं सा कमलसिरी अण्णया कयाइ सीहं सुमिणे (पासित्ताणं पडिबुद्धा) जाव बलभद्दो कुमारो जाओ जुवराया यावि होत्था । तस्स णं महब्बलस्स रण्णो इमे छप्पियबालवयंसगा रायाणो होत्था तंजहा-अयले धरणे पूरणे वसू वेसमणे अभिचंदे सहजायया जाव संहिच्चाए णित्थरियव्वे त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं इंदकुंभे उज्जाणे थेरा समोसढा । परिसा णिग्गया । महब्बले णं धम्मं सोच्चा० जं णवरं छप्पियबालवयंसए आपुच्छामि बलभद्दं च कुमारं रज्जे ठावेमि जाव छप्पियबालवयंसए आपुच्छइ । तए णं ते छप्पिय० महब्बलं रायं एवं वयासी-जइ णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे पव्वयह अम्हं के अण्णे आहारे वा जाव पव्वयामो । तए णं से महब्बले राया ते छप्पिय० एवं वयासी-जइ णं तुब्भे मए सद्धिं जाव पव्वयह तो णं गच्छह जेट्ठे पुत्ते सएहिं २ रज्जेहिं ठावेह पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूढा जाव पाउब्भवंति । तए णं से महब्बले राया छप्पियबालवयंसए पाउब्भूए पासइ २ त्ता हट्ठ तुट्ठे कोडुंबियपुरिसे० बलभद्दस्स रायाभिसेओ जाव आपुच्छइ। तए णं से महब्बले जाव महया इड्ढीए पव्वइए एक्कारसअंगाइं० बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ । तए णं तेसिं महब्बलपामोक्खाणं सत्तण्हं अणगाराणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेया-रूवे मिहो-कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था-जं णं अम्हं देवाणुप्पिया ! एगे तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं णं अम्हेहिं सव्वेहिं तवोकम्मं उवसंप-ज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता बहूहिं

चउत्थ जाव विहरंति । तए णं से महब्बले अणगारे इमेणं कारणेणं इत्थि॰णामगोयं कम्मं णिव्वत्तेंसु–जइ णं ते महब्बलवज्जा छ अणगारा चउत्थं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । जइ णं ते महब्बलवज्जा [छ] अणगारा छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तओ से महब्बले अणगारे अट्ठमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । एवं (अह) अट्ठमं तो दसमं अह दसमं तो दुवालसं । इमेहि य णं वीसाएहि य कारणेहिं आसेवियबहुलीकएहिं तित्थयरणामगोयं कम्मं णिव्वत्तिंसु तंजहा–अरहंतसिद्ध पवयणगुरुथेरबहुस्सुए तवस्सीसुं । वच्छल्लया य तेसिं अभिक्ख णाणोवओगे य ॥१॥ दंसणविणए आवस्सए य सीलव्वए णिरइया (रं)रो । खणलवतवच्चियाए वेयावच्चे समाही य ॥२॥ अप्पुव्वणाणगहणे सुयभत्ती पवयणे पभावणया । एएहिं कारणेहिं तित्थयरत्तं लहइ (जीओ) सो उ ॥३॥ तए णं ते महब्बल॰पामोक्खा सत्त अणगारा मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति जाव एगराइयं भि॰ उव॰ । तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डागं सीहणिक्कीलियं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति तंजहा–चउत्थं करेंति २ त्ता सव्वकामगुणियं पारेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता अट्ठा॰रसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता वीसइमं करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता वीसइमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता अट्ठारसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता सोलसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता चोद्दसमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता दुवालसमं करेंति २ त्ता अट्ठमं करेंति २ त्ता दसमं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता अट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति २ त्ता छट्ठं करेंति २ त्ता चउत्थं करेंति सव्वत्थ सव्वकाम॰गुणिएणं पारेंति । एवं खलु एसा खुड्डागसीहणिक्कीलियस्स तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी छहिं मासेहिं सत्तहि य अहोरत्तेहि य अहासुत्ता जाव आराहिया भवइ । तयाणंतरं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेंति णवरं विगइवज्जं पारेंति । एवं तच्चा वि परिवाडी णवरं पारणए अलेवाडं पारेंति । एवं चउ॰

त्थावि परिवाडी णवरं पारणए आयंबिलेण पारेंति। तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा खुड्डागं सीहणिक्कीलियं तवोकम्मं दोहिं संवच्छरेहिं अट्ठावीसाए अहोरत्तेहिं अहासुत्तं जाव आणाए आराहेत्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति वं०२ त्ता एवं वयासी–इच्छामो णं भंते! महालयं सीहणिक्कीलियं (तवोकम्मं०) तहेव जहा खुड्डागं णवरं चोत्तीसइमाओ णियत्तए एगाए परिवाडीए कालो एगेणं संवच्छरेणं छहिं मासेहिं अट्ठारसहि य अहोरत्तेहिं समप्पेइ। सव्वंपि सीहणिक्कीलियं छहिं वासेहिं दोहि य मासेहिं बारसहि य अहोरत्तेहिं समप्पेइ। तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा महालयं सीहणिक्कीलियं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव थेरे भगवंते तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता बहूणि चउत्थ जाव विहरंति। तए णं ते महब्बलपामोक्खा सत्त अणगारा तेणं उरालेणं सुक्का भुक्खा जहा खंदओ णवरं थेरे आपुच्छित्ता चारुपव्वयं (सणियं) दुरूहंति जाव दोमासियाए संलेहणाए सवीसं भत्तसयं (अणसणं) चउरासीइं वाससयसहस्साइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ त्ता चुलसीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जयंते विमाणे देवत्ताए उववण्णा ॥७१॥ तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं महब्बलवज्जाणं छण्हं देवाणं देसूणाइं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई। महब्बलस्स देवस्स पडिपुण्णाइं बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई प०। तए णं ते महब्बलवज्जा छप्पिय देवा जयंताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे विसुद्धपिइमाइवंसेसु रायकुलेसु पत्तेयं २ कुमारत्ताए पच्चायाया(सी) तंजहा–पडिबुद्धी इक्खागराया, चंदच्छाए अंगराया, संखे कासिराया, रुप्पी कुणालाहिवई, अदीणसत्तू कुरुराया, जियसत्तू पंचालाहिवई। तए णं से महब्बले देवे तिहिं णाणेहिं समग्गे उच्चट्ठाण(ट्ठि) गएसु गहेसु सोमासु दिसासु वितिमिरासु विसुद्धासु जइएसु सउणेसु पयाहिणाणुकूलंसि भूमिसप्पिंसि मारुयंसि पवायंसि णिप्फण्णसस्समेइणीयंसि कालंसि पमुइयपक्कीलिएसु जणएसु अद्धरत्तकालसमयंसि अस्सिणीणक्खत्तेणं जोगमुवागएणं जे से हेमंताणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे फग्गुणसुद्धे तस्स णं फग्गुणसुद्धस्स चउत्थिपक्खेणं जयंताओ विमाणाओ बत्तीसं सागरोवमट्ठिइयाओ अणंतरं चयं

चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए रायहाणीए कुंभगस्स रण्णो पभावईए देवीए कुच्छिंसि आहारवक्कंतीए भववक्कंतीए सरीरवक्कंतीए गब्भत्ताए वक्कते। तं रयणिं च णं चोद्दस महासुमिणा वण्णओ। भत्तार-कहणं सुमिणपाढगपुच्छा जाव विहरइ। तए णं तीसे पभावईए देवीए तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमेयारूवे डोहले पाउब्भूए—धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाओ णं जलथलयभासुरप्पभूएणं दसद्धवण्णेणं मल्लेणं अत्थुयपच्चत्थुयंसि सयणिज्जंसि सण्णिसण्णाओ संणिवण्णाओ य विहरंति एगं च महं सिरिदामगंडं पाडलमल्लियचंपगअसोगपुण्णागणागमरुयगदमणगअणोज्जकोज्जय पउरं परमसुहफासदरिसणिज्जं महया गंधद्धणिं मुयंतं अग्घायमाणीओ डोहलं विणेंति। तए णं तीसे पभावईए देवीए इमं एयारूवं डोहलं पाउब्भूयं पासित्ता अहासण्णिहिया वाणमंतरा देवा खिप्पामेव जलथलय जाव दसद्धवण्णमल्लं कुंभग्गसो य भारग्गसो य कुंभगस्स रण्णो भवणंसि साहरंति एगं च णं महं-सिरिदामगंडं जाव गंधद्धणिं मुयंतं उवणेंति। तए णं सा पभावई देवी जलथलय जाव मल्लेणं दोहलं विणेइ। तए णं सा पभावई देवी पसत्थदोहला जाव विहरइ। तए णं सा पभावई देवी णवण्हं मासाणं अद्धट्ठमाण य रत्तिंदियाणं जे से हेमंताणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे मग्गसिरसुद्धे तस्स णं एक्कारसीए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अस्सिणीणक्खत्तेणं उच्चट्ठाणगएसु गहेसु जाव पमुइयपक्कीलिएसु जणवएसु आरोयारोयं एगूणवीसइमं तित्थयरं पयाया ॥७२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अहो लोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीओ मयहरीयाओ जहा जंबुद्दीवपण्णत्तीए जम्मणं सव्वं णवरं मिहिलाए कुंभस्स पभावईए देवीए अभिलावो संजोएयव्वो जाव णंदीसरवरे दीवे महिमा। तया णं कुंभए राया बहूहिं भवणवईहिं ४ तित्थयर (जम्मणाभिसेयं) जायकम्मं जाव णामकरणं-जम्हा णं अम्हे इमीए दारियाए माऊए मल्लसयणीज्जंसि डोहले विणीए तं होउ णं णामेणं मल्ली जहा महब्बले जाव परिवड्ढिया—सा वड्ढई भगवई दियलोयचुया अणोवमसिरीया। दासीदासपरिवुडा परिकिण्णा पीढमद्देहिं ॥१॥ असियसिरया सुणयणा बिंबोट्ठी धवलदंतपंतीया। वरकमलकोमलंगी फुल्लुप्पलगंधणीसासा ॥७३॥ तए णं सा मल्ली विदेहरायवरकण्णा उम्मुक्कबालभावा जाव रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य अईव २ उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि

होत्था। तए णं सा मल्ली देसूणवाससयजाया ते छप्पिय रायाणो विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी २ विहरइ तंजहा–पडिबुद्धि जाव जियसत्तुं पंचालाहिवई। तए णं सा मल्ली कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! असोगवणियाए एगं महं मोहणघरं करेह अणेगखंभसयसण्णिविट्ठं। तस्स णं मोहणघरस्स बहुमज्झदेसभाए छ गब्भघरए करेह। तेसि णं गब्भघरगाणं बहुमज्झदेसभाए जालघरयं करेह। तस्स णं जालघरयस्स बहुमज्झ॰देसभाए मणिपेढियं करेह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं (सा) मल्ली मणिपेढियाए उवरिं अप्पणो सरिसियं सरित्तयं सरिव्वयं सरिसलावण्णजोव्वणगुणोववेयं कणगामइं मत्थयच्छिड्डं पउमुप्पलपिहाणं पडिमं करेइ २ त्ता जं विउलं असणं ४ आहारेइ तओ मणुण्णाओ असणाओ ४ कल्लाकल्लिं एगमेगं पिंडं गहाय तीसे कणगामईए मत्थयछिड्डाए जाव पडिमाए मत्थयंसि पक्खिवमाणी २ विहरइ। तए णं तीसे कणगामईए जाव मत्थयछिड्डाए पडिमाए एगमेगंसि पिंडे पक्खिप्प॰माणे २ तओ गंधे पाउब्भवइ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव एत्तो अणिट्ठतराए अमणामतराए [चेव] ॥७४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कोसला णामं जणवए। तत्थ णं सागेए णामं णयरे। तस्स णं उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं (महं एगे) महेगे णागघरए होत्था दिव्वे सच्चे सच्चोवाए संणिहियपाडिहेरे। तत्थ णं सागेए णयरे पडिबुद्धी णामं इक्खागुराया परिवसइ पउमावई देवी सुबुद्धी अमच्चे सामदंड॰। तए णं पउमावईए देवीए अण्णया कयाइं णागजण्णए यावि होत्था। तए णं सा पउमावई णागजण्णमुवट्ठियं जाणित्ता जेणेव पडिबुद्धी॰ करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु सामी! मम कल्लं णागजण्णए (यावि) भविस्सइ, तं इच्छामि णं सामी! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी णागजण्णयं गमित्तए, तुब्भेवि णं सामी! मम णागजण्णयंसि समोसरह। तए णं पडिबुद्धी पउमावईए देवीए एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं पउमावई पडिबुद्धिणा रण्णा अब्भणुण्णाया समाणी हट्ठतुट्ठा जाव कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम कल्लं णागजण्णए भविस्सइ। तं तुब्भे मालागारे सद्दावेह २ त्ता एवं वयह–एवं खलु पउमावईए देवीए कल्लं णागजण्णए भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया! जलथलय॰ दसद्धवण्णं मल्लं णागघरयंसि साहरह एगं च णं महं सिरिदामगंडं उवणेह। तए णं जलथलय॰

दसद्धवण्णेणं मल्लेणं णाणाविहभत्तिसुविरइयं हंसमियमयूरकोंचसारसचक्कवाय-मयणसालकोइलकुलोववेयं ईहामिय जाव भत्तिचित्तं महग्घं महरिहं विउलं पुप्फमंडवं विरएह। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए एगं महं सिरिदामगंडं जाव गंध-द्धणिं मुयंतं उल्लोयंसि ओलंबेह २ त्ता पउमावइं देविं पडिवालेमाणा २ चिट्ठह। तए णं ते कोडुंबिया जाव चिट्ठंति। तए णं सा पउमावई देवी कल्लं० कोडुं-बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सागेयं णयरं सब्भितरबाहिरियं आसियसम्मज्जिओवलित्तं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा पउमावई देवी दोच्चंपि कोडुंबिय जाव खिप्पामेव लहुकरणजुत्तं जाव जुत्ता-मेव (उवट्ठवेह, तए णं तेवि तहेव) उवट्ठवेंति। तए णं सा पउमावई अंतो अंतेउरंसि ण्हाया जाव धम्मियं जाणं दुरूढा। तए णं सा पउमावई णियग-परिवालसंपरिवुडा सागेयं णयरं मज्झंमज्झेणं णिज्जइ २ त्ता जेणेव पुक्खरणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोक्खरणिं ओगाहइ २ त्ता जलमज्जणं जाव परम-सुइभूया उल्लपडसाडया जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हइ २ त्ता जेणेव णाग-घरए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं पउमावईए दासचेडीओ बहूओ पुप्फ-पडलगहत्थगयाओ धूयकडुच्छुगहत्थगयाओ पिट्ठओ समणुगच्छंति। तए णं पउमा-वई सव्विड्ढीए जेणेव णागघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता णागघरयं अणुप्प-विसइ २ त्ता लोमहत्थगं जाव धूवं डहइ २ त्ता पडिबुद्धिं (रायं) पडिवाले-माणी २ चिट्ठइ। तए णं पडिबुद्धी (राया) ण्हाए हत्थिखंधवरगए सकोरंट जाव सेयवरचामराहिं (महया) हयगयरहजोहमहयाभडचडगरपहकरेहिं सागेयं णगरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव णागघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता आलोए पणामं करेइ २ त्ता पुप्फमंडवं अणुपविसइ २ त्ता पासइ तं एगं महं सिरिदामगंडं। तए णं पडिबुद्धी तं सिरिदामगंडं सुइरं कालं णिरिक्खइ २ त्ता तंसि सिरिदामगंडंसि जायविम्हए सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया! मम दोच्चेणं बहूणि गामा-गर जाव सण्णिवेसाइं आहिंडसि बहूणि राईसर जाव गिहाइं अणुपविससि, तं अत्थि णं तुमे कहिंचि एरिसए सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे पउमा-वईए देवीए सिरिदामगंडे? तए णं सुबुद्धी पडिबुद्धिं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! अहं अण्णया कयाइं तुब्भं दोच्चेणं मिहिलं रायहाणिं गए। तत्थ

णं भए कुंभगस्स रण्णो धूयाए पउमावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए संवच्छरपडि-लेहणगंसि दिव्वे सिरिदामगंडे दिट्ठपुव्वे। तस्स णं सिरिदामगंडस्स इमे पउमा-वईए देवीए सिरिदामगंडे सयसहस्सइमंपि कलं ण अग्घइ। तए णं पडिबुद्धी राया सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-केरिसिया णं देवाणुप्पिया! मल्ली विदेह-रायवरकण्णा जस्स णं संवच्छरपडिलेहणगंसि सिरिदामगंडस्स पउमावईए देवीए सिरिदामगंडे सयसहस्सइमंपि कलं ण अग्घइ?। तए णं सुबुद्धी पडिबुद्धिं इक्खागरायं एवं वयासी-एवं खलु सामी! मल्ली विदेहरायवरकण्णगा सुपइट्ठियकुम्मुण्णयचारुचरणा वण्णओ। तए णं पडिबुद्धी राया सुबुद्धिस्स अमच्चस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म सिरिदामगंडजणियहासे दूयं सद्दा-वेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छाहि णं तुमं देवाणुप्पिया! मिहिलं रायहाणिं, तत्थ णं कुंभगस्स रण्णो धूयं पमावईए देवीए अत्तियं मल्लिं विदेहरायवर-कण्णगं मम भारियत्ताए वरेहि जइ वि य णं सा सयं रज्जसुंका। तए णं से दूए पडिबुद्धिणा रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे पडिसुणेइ पडिसुणेत्ता जेणेव सए गिहे जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं पडिकप्पावेइ २ त्ता दुरूढे जाव हयगयमहयाभडचडगरेणं साएयाओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव विदेहजणवए जेणेव मिहिला रायहाणी तेणेव पहा-रेत्थ गमणाए ॥७५॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अंग णामं जणवए होत्था तत्थ णं चंपा णामं णयरी होत्था। तत्थ णं चंपाए णयरीए चंदच्छाए अंगराया होत्था। तत्थ णं चंपाए णयरीए अरहण्णगपामोक्खा बहवे संजत्ता णावावाणियगा परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया। तए णं से अरहण्णगे समणोवासए यावि होत्था अहिगयजीवाजीवे वण्णओ। तए णं तेसिं अरहण्णगपामोक्खाणं संजत्ता-णावावाणियगाणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेयारूवे मिहोकहा समुल्ला (संला)वे समुप्पज्जित्था-सेयं खलु अम्हं गणिमं च धरिमं च मेज्जं च पारिच्छेज्जं च भंडगं गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए-त्तिकट्टु अण्णमण्णं एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता गणिमं च ४ गेण्हंति २ त्ता सगडिसाग-डियं च सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स ४ भंडगस्स सगडिसागडियं भरेंति २ त्ता सोहणंसि तिहिकरणणक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति मित्तणाइ० भोयणवेलाए भुंजावेंति जाव आपुच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं जोयंति २ त्ता

चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ ता जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगडीसागडियं मोयंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता गणिमस्स जाव चउव्विहस्स भंडगस्स भरेंति तंदुलाण य समियस्स य तेल्लस्स य घयस्स य गुलस्स य गोरसस्स य उदयस्स य उदयभायणाण य ओसहाण य भेसज्जाण य तणस्स य कट्ठस्स य आवरणाण य पहरणाण य अण्णेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं दव्वाणं पोयवहणं भरेंति २ त्ता सोहणंसि तिहिकरण-णक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ मित्तणाइ० आपुच्छंति २ त्ता जेणेव पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति। तए णं तेसिं अरहण्णग जाव वाणिय-गाणं जाव परियणो जावताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिणंदंता य अभिसंथुण-माणा य एवं वयासी–अज्ज ! ताय ! भाय ! माउल ! भाइणेज्ज ! भगवया समुद्देणं अभिरक्खिज्जमाणा २ चिरं जीवह भद्दं च भे पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे णियगं घरं हव्वमागए पासामोत्तिकट्टु ताहिं सोमाहिं णिद्धाहिं दीहाहिं सप्पिवासाहिं पप्पुयाहिं दिट्ठीहिं णिरीक्खमाणा मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठंति। तओ समाणिएसु पुप्फबलिकम्मेसु दिण्णेसु सरसरत्तचंदणदद्दरपंचंगुलितलेसु अणुक्खित्तंसि धूवंसि पूइएसु समुद्दवाएसु संसारियासु वलयबाहासु ऊसिएसु सिएसु झयग्गेसु पडुप्पवाइएसु तूरेसु जइएसु सव्वसउणेसु गहिएसु रायवरसास-णेसु महया उक्किट्ठसीहणाय जाव रवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयंपिव मेइणिं करेमाणा एगदिसिं जाव वाणियगा णावं दुरूढा। तओ पुस्समाणवो वक्कमुदाहु–हं भो ! सव्वेसिमवि अत्थसिद्धी उवट्ठियाइं कल्लाणाइं पडिहयाइं सव्वपावाइं जुत्तो पूसो विजओ मुहुत्तो अयं देसकालो। तओ पुस्समाणएणं वक्केमुदाहिए हट्ठतुट्ठे कुच्छिधारकण्णधारगब्भिज्जसंजत्ताणावावाणियगा वावारिंसु तं णावं पुण्णुच्छंगं पुण्णमुहिं बंधणेहिंतो मुंचंति। तए णं सा णावा विमुक्कबंधणा पवण-बलसमाहया ऊसियसिया विततपक्खा इव गरुड(ल)जुवई गंगासलिलतिक्ख-सोयवेगेहिं संखुब्भमाणी २ उम्मीतरंगमालासहस्साइं समइच्छमाणी २ कइवएहिं अहोरत्तेहिं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढा। तए णं तेसिं अरहण्णग-पामोक्खाणं संजत्ताणावावाणियगाणं लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगा-ढाणं समाणाणं बहूइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा–अकाले गज्जिए अकाले विज्जुए अकाले थणियसद्दे अभिक्खणं २ आगासे देवयाओ णच्चंति, एगं च णं महं पिसायरूवं पासंति तालजंघं दिवं गयाहिं बाहाहिं मसिमूसगमहिसकालगं

भरियमेहवण्णं लंबोट्ठं णिग्गयग्गदंतं णिल्लालियजमलजुयलजीहं आऊसियवयण-गंडदेसं चीणचि(पिड)मिढणासियं विगयभुग्गभुमयं खज्जोयगदित्तचक्खुरागं उत्तासणगं विसालवच्छं विसालकुच्छिं पलंबकुच्छिं पहसियपयलियपयडियगत्तं पणच्चमाणं अप्फोडंतं अभिवयंतं अभिगज्जंतं बहुसो २ अट्टट्टहासे विणिम्मुयंतं नीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासं खुरधारं असिं गहाय अभिमुहमावयमाणं पासंति । तए णं ते अरहण्णगवज्जा संजत्ताणावावाणियगा एगं च णं महं ताल-पिसायं (पासंति) पासित्ता तालजंघं दिवंगयाहिं बाहाहिं फुट्टसिरं भमरणिगर-वरमासरासिमहिसकालगं भरियमेहवण्णं सुप्पणहं फालसरिसजीहं लंबोट्ठं धवलवट्टअसिलिट्ठतिक्खथिरपीणकुडिलदाढोवगूढवयणं विकोसियधारासिजुयल-समसरिसतणुयचंचलगलंतरसलोलचवलफुरुफुरेंतणिल्लालियग्गजीहं अवय-च्छियमहल्लविगयबीभच्छलालपगलंतरत्ततालुयं हिंगुलुयसगब्भकंदरबिलं व अंजणगिरिस्स अग्गिजालुग्गिलंतवयणं आऊसियअक्खचम्मउइट्ठगंडदेसं चीण-चि(पिड)मिढवंकभग्गणासं रोसागयधमधमेंतमारुयणिट्ठुरखरफरुसझुसिरं ओभु-ग्गणासियपुडं घाडुब्भडरइयभीसणमुहं उद्धमुहकण्णसक्कुलियमहंतविगयलोम-संखालगलंबंतचलियकण्णं पिंगलदिप्पंतलोयणं भिउडितडि(य)णिडालं णरसिर-मालपरिणद्धचिंधं विचित्तगोणससुबद्धपरिकरं अवहोलंतपुप्फुयायंतसप्पविच्छुय-गोधुंदरनउलसरडविरइयविचित्तवेयच्छमालियागं भोगकूरकण्हसप्पधमधमेंतलंबं-तकण्णपूरं मज्जारसियाललइयखंधं दित्तघुघुयंतघूयकयकुंतलसिरं घंटारवेण भीमं भयंकरं कायरजणहिययफोडणं दित्तमट्टट्टहासं विणिम्मुयंतं वसारुहिरपूयमंसमल-मलिणपोच्चडतणुं उत्तासणयं विसालवच्छं पेच्छंता भिण्णणहमुहणयणकण्ण-वरवग्घचित्तकत्तीणिवसणं सरसरुहिरगयचम्मवियय‌ऊसवियबाहुजुयलं ताहि य खरफरुसअसिणिद्धअणिट्ठदित्तअसुभअप्पियअकंतवग्गूहि य तज्जयंतं पासंति तं तालपिसायरूवं एज्जमाणं पासंति २ त्ता भीया संजायभया अण्णमण्णस्स कायं समतुरंगेमाणा २ बहूणं इंदाण य खंदाण य रुद्दसिववेसमणणागाणं भूयाण य जक्खाण य अज्जकोट्टकिरियाण य बहूणि उवाइयसयाणि ओवाइय-माणा २ चिट्ठंति । तए णं से अरहण्णए समणोवासए तं दिव्वं पिसायरूवं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अचलिए असंभंते अणाउले अणुव्विग्गे अभिण्णमुहरागणयणवण्णे अदीणविमणमाणसे पोयवहणस्स एगदेसंसि वत्थं तेणं

भूमिं पमज्जइ २ त्ता ठाणं ठाइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी—णमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं, जइ णं अहं एत्तो उवसग्गाओ मुंचामि तो मे कप्पइ पारित्तए, अह णं एत्तो उवसग्गाओ ण मुंचामि तो मे तहा पच्चक्खा- एयव्वे—त्ति कट्टु सागारं भत्तं पच्चक्खाइ। तए णं से पिसायरूवे जेणेव अरहण्णए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहण्णगं एवं वयासी—हं भो! अरहण्णगा! अपत्थियपत्थिया! जाव परिवज्जिया! णो खलु कप्पइ तव सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणे पोसहोववासइं चालित्तए वा एवं खोभे- त्तए वा खंडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परिच्चइत्तए वा। तं जइ णं तुमं सीलव्वयं जाव ण परिच्चयसि तो ते अहं एयं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गेण्हामि २ त्ता सत्तट्ठतलप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उव्विहामि २ त्ता अंतो- जलंसि णिच्छोलेमि जेणं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे असमाहिपत्ते अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तए णं से अरहण्णए समणोवासए तं देवं मणसा चेव एवं वयासी—अहं णं देवाणुप्पिया! अरहण्णए णामं समणोवासए अहिगयजीवाजीवे, णो खलु अहं सक्का केणइ देवेण वा जाव णिग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामेत्तए वा, तुमं णं जा सद्धा तं करेहि—त्तिकट्टु अभीए जाव अभिण्णमुहरागणयणवण्णे अदीणविमणमाणसे णिच्चले णिप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहण्णगं समणोवासगं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी—हं भो अरहण्णगा! जाव अदीणविमण- माणसे णिच्चले णिप्फंदे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से दिव्वे पिसायरूवे अरहण्णगं धम्मज्झाणोवगयं पासइ २ त्ता बलियतरागं आसु- रुत्ते तं पोयवहणं दोहिं अंगुलियाहिं गिण्हइ २ त्ता सत्तट्ठतलाइं जाव अरह- ण्णगं एवं वयासी—हं भो अरहण्णगा! अपत्थियपत्थिया! णो खलु कप्पइ तव सीलव्वय तहेव जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से पिसायरूवे अरहण्णगं जाहे णो संचाएइ णिग्गंथाओ० चालित्तए वा ०ताहे उवसंते जाव णिव्विण्णे तं पोयवहणं सणियं २ उवरिं जलस्स ठवेइ २ त्ता तं दिव्वं पिसाय- रूवं पडिसाहरइ २ त्ता दिव्वं देवरूवं विउव्वइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवण्णे सखिंखिणियाइं जाव परिहिए अरहण्णगं समणोवासगं एवं वयासी—हं भो अर- हण्णगा! धण्णोऽसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले जस्स णं तव

णिग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया, एवं खलु देवाणुप्पिया ! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिसए विमाणे सभाए सुहम्माए बहूणं देवाणं मज्झगए महया २ सद्देणं एवं आइक्खइ ४-एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे चंपाए णयरीए अरहण्णए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे णो खलु सक्का केणइ देवेण वा दाणवेण वा ६ णिग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा जाव विपरिणामित्तए वा । तए णं अहं देवाणुप्पिया ! सक्कस्स देविंदस्स णो एयमट्ठं सद्दहामि० । तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०-गच्छामि णं अरहण्णयस्स अंतियं पाउब्भवामि जाणामि ताव अहं अरहण्णगं किं पियधम्मे णो पियधम्मे, दढधम्मे णो दढधम्मे, सीलव्वयगुणे किं चालेइ जाव परिच्चयइ णो परिच्चयइ-त्तिकट्टु एवं संपेहेमि २ त्ता ओहिं पउंजामि २ त्ता देवाणुप्पियं ओहिणा आभोएमि २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं २ उत्तरवेउव्वियं० ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव लवणसमुद्दे जेणेव देवाणुप्पिया तेणेव उवागच्छामि २ त्ता देवाणुप्पियाणं उवसग्गं करेमि णो चेव णं देवाणुप्पिया भीया वा०, तं जं णं सक्के देविंदे देवराया एवं वयइ सच्चे णं एसमट्ठे तं दिट्ठे णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए । तं खामेमि णं देवाणुप्पिया ! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया ! णाइभुज्जो २ एवं करणयाए-त्तिकट्टु पंजलिउडे पायवडिए एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेइ २ त्ता अरहण्णगस्स य दुवे कुंडलजुयले दलयइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥७६॥ तए णं से अरहण्णए णिरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ । तए णं ते अरहण्णगपामोक्खा जाव वाणियगा दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयं लंबेंति २ त्ता सगडिसागडं सज्जेंति २ त्ता तं गणिमं च ४ सगडि० संकामेंति २ त्ता सगडी० जोएंति २ त्ता जेणेव मिहिला० तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए बहिया अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए तं महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायारिहं पाहुडं कुंडलजुयलं च गेण्हंति २ त्ता मिहिलाए रायहाणीए अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव महत्थं दिव्वं कुंडलजुयलं उवणेंति । तए णं कुंभए राया तेसिं संजत्तगाणं जाव पडिच्छइ २ त्ता मल्लिं

विदेहरायवरकण्णं सद्दावेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं मल्लीए विदेह॰ रायवरकण्णगाए पिणद्धेइ पिणेद्धेत्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कुंभए राया ते अरहण्णगपामोक्खे जाव वाणियगे विपुलेणं असण वत्थगंधमल्ला॰ लंकारेणं जाव उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता रायमग्गमोगाढेइ आवासे वियरइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं अरहण्णगसंजत्तगा जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भंडववहरणं करेंति २ त्ता पडिभंडं गेण्हंति २ त्ता सगडी॰ भरेंति जेणेव गंभीरए पोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता भंडं संकामेंति दक्खिणाणु॰ जेणेव चंपापोयट्ठाणे तेणेव पोयं लंबेंति २ त्ता सगडी॰.सज्जेंति २ त्ता तं गणिमं ४ सगडी॰ संकामेंति जाव महत्थं पाहुडं दिव्वं च कुंडलजुयलं गेण्हंति २ त्ता जेणेव चंदच्छाए अंगराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं महत्थं जाव उवणेंति । तए णं चंदच्छाए अंगराया तं दिव्वं महत्थं च कुंडलजुयलं पडिच्छइ २ त्ता ते अरह॰ ण्णगपामोक्खे एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! बहूणि गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेहिं ओगाहेह, तं अत्थियाइं भे केइ कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे ?। तए णं ते अरहण्णगपामोक्खा चंदच्छायं अंगरायं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! अम्हे इहेव चंपाए णयरीए अरहण्णग॰ पामोक्खा बहवे संजत्तगाणावावाणियगा परिवसामो । तए णं अम्हे अण्णया कयाइ गणिमं च ४ तहेव अहीण(म)अइरित्तं जाव कुंभगस्स रण्णो उवणेमो। तए णं से कुंभए मल्लीए विदेहरायवरकण्णाए तं दिव्वं कुंडलजुयलं पिणद्धेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तं एस णं सामी ! अम्हेहिं कुंभगरायभवणंसि मल्ली विदेहरायवरकण्णा अच्छेरए दिट्ठे । तं णो खलु अण्णा कावि तारिसिया देवकण्णा वा जाव जारिसिया णं मल्ली विदेहरायवरकण्णा। तए णं चंदच्छाए (ते) अरहण्णगपामोक्खे सक्कारेइ सम्माणेइ स॰ २ त्ता [उस्सुंकं वियरइ] पडिविसज्जेइ । तए णं चंदच्छाए वाणियगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जइ वि य णं सा सयं रज्जसुक्का । तए णं से दूए हट्ठ जाव पहारेत्थ गमणाए २ ॥७७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला णामं जणवए॰ होत्था । तत्थ णं सावत्थी णामं णयरी होत्था । तत्थ णं रुप्पी कुणालाहिवई णामं राया होत्था । तस्स णं रुप्पिस्स धूया धारिणीए देवीए अत्तया सुबाहु णामं दारिया होत्था सुकुमाल जाव रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा

उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तीसे णं सुबाहुए दारियाए अण्णया चाउम्मासियमज्जणए जाए यावि होत्था। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुबाहुए दारियाए चाउम्मासियमज्जणयं उवट्ठियं जाणइ जाणइत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सुबाहुए दारियाए कल्लं चाउम्मासियमज्जणए भविस्सइ। तं कल्लं तुब्भे णं रायमग्गमोगाढंसि (चउक्कंसि) मंडवंसि जलथलयदसद्धवण्णमल्लं साहरेह जाव सिरिदामगंडे ओलइंति। तए णं से रुप्पी कुणालाहिवई सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! रायमग्गमोगाढंसि पुप्फमंडवंसि णाणाविहपंचवण्णेहिं तंदुलेहिं णयरं आलिहह तस्स बहुमज्झदेसभाए पट्टयं रएह जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से रुप्पी कुणलाहिवई हत्थिखंधवरगए चाउरंगिणीए सेणाए महया भडचडगर जाव अंतेउरपरियालसंपरिवुडे सुबाहुं दारियं पुरओ कट्टु जेणेव रायमग्गे जेणेव पुप्फमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पुप्फमंडवे अणुप्पविसइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे। तए णं ताओ अंतेउरियाओ सुबाहुं दारियं पट्टयंसि दुरूहेंति २ त्ता सेयापीयएहिं कलसेहिं ण्हाणेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता पिउणो पायवंदिउं उवणेंति। तए णं सुबाहू दारिया जेणेव रुप्पी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पायग्गहणं करेइ। तए णं से रुप्पी राया सुबाहुं दारियं अंके णिवेसेइ २ त्ता सुबाहुए दारियाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य जाव विम्हिए (जायविम्हए) वरिसधरं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया! मम दोच्चेणं बहूणि गामागरणगरगिहाणि अणुप्पविससि, तं अत्थियाइं ते कस्सइ रण्णो वा ईसरस्स वा कहिंचि एयारिसए मज्जणए दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमीसे सुबाहुदारियाए मज्जणए? तए णं से वरिसधरे रुप्पि करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु सामी! अहं अण्णया तुब्भेणं दोच्चेणं मिहिलं गए, तत्थ णं मए कुंभगस्स रण्णो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए विदेहरायवरकण्णगाए मज्जणए दिट्ठे, तस्स णं मज्जणगस्स इमे सुबाहुएदारियाए मज्जणए सयसहस्सइमंपि कलं ण अग्घेइ। तए णं से रुप्पी राया वरिसधरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म (सेसं तहेव) मज्जणगजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव जेणेव मिहिला णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए (३)॥७८॥ तेणं

कालेणं तेणं समएणं कासी णामं जणवए होत्था । तत्थ णं वाणारसी णामं णयरी होत्था । तत्थ णं संखे णामं कासीराया होत्था । तए णं तीसे मल्लीए वि० अण्णया कयाइं तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए यावि होत्था । तए णं से कुंभए राया सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! इमस्स दिव्वस्स कुंडलजुयस्स संधिं संघाडेह । तए णं सा सुवण्णगारसेणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुवण्णगारभिसियासु णिवेसेइ २ त्ता बहूहिं आएहि य जाव परिणामेमाणा इच्छंति तस्स दिव्वस्स कुंडलजुयलस्स संधिं घडित्तए णो चेव णं संचाएइ संघडित्तए । तए णं सा सुवण्णगारसेणी जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु सामी ! अज्ज तुब्भे अम्हे सद्दावेह जाव संधिं संघाडेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं अम्हे तं दिव्वं कुंडलजुयलं गेण्हामो जेणेव सुवण्णगारभिसियाओ जाव णो संचाएमो संघाडित्तए । तए णं अम्हे सामी ! एयस्स दिव्वस्स कुंडलस्स अण्णं सरिसयं कुंडलजुयलं घडेमो । तए णं से कुंभए राया तीसे सुवण्णगारसेणीए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते ४ तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु एवं वयासी–(से के)केस णं तुब्भे कलायाणं भवह ? जे णं तुब्भे इमस्स [दिव्वस्स] कुंडलजुयलस्स णो संचाएह संधिं संघाडित्तए ?ते सुवण्णगारे णिव्विसए आणवेइ । तए णं ते सुवण्णगारा कुंभेणं रण्णा णिव्विसया आणत्ता समाणा जेणेव साइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सभंडमत्तोवगरणमायाओ मिहिलाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिक्खमंति २ त्ता विदेहस्स जणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कासी जणवए जेणेव वाणारसी णयरी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अग्गुज्जाणंसि सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति २ त्ता वाणारसीए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखे कासीराया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति २ त्ता (पाहुडं पुरओ ठावेंति २ त्ता संखरायं) एवं वयासी–अम्हे णं सामी ! मिहिलाओ णयरीओ कुंभएणं रण्णा णिव्विसया आणत्ता समाणा इहं हव्वमागया, तं इच्छामो णं सामी ! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिया णिब्भया णिरुव्विग्गा सुहंसुहेणं परिवसिउं । तए णं संखे कासीराया ते सुवण्णगारे एवं

वयासी–किं णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! कुंभएणं रण्णा णिव्विसया आणत्ता ? तए णं ते सुवण्णगारा संखं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! कुंभगस्स रण्णो धूयाए पभावईए देवीए अत्तयाए मल्लीए कुंडलजुयलस्स संधी विसंघडिए। तए णं से कुंभए सुवण्णगारसेणिं सद्दावेइ जाव णिव्विसया आणत्ता। तं एएणं कारणेणं सामी ! अम्हे कुंभएणं णिव्विसया आणत्ता। तए णं से संखे सुवण्णगारे एवं वयासी–केरिसिया णं देवाणुप्पिया ! कुंभगस्स धूया पभावईदेवीए अत्तया मल्ली विदेहरायवरकण्णा ? तए णं ते सुवण्णगारा संखं रायं एवं वयासी–णो खलु सामी ! अण्णा कावि तारिसिया देवकण्णा वा जाव जारिसिया णं मल्ली विदेहवररायकण्णा। तए णं से संखे कुंडल (जुअल)जणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव तहेव पहारेत्थ गमणाए (४) ॥७६॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुरुजणवए होत्था। हत्थिणाउरे णयरे। अदीणसत्तू णामं राया होत्था जाव विहरइ। तत्थ णं मिहिलाए [तस्स णं] कुंभगस्स पुत्ते पभावईए अत्तए मल्लीए अणु(मग्ग)जायए मल्लदिण्णए णामं कुमारे जाव जुवराया यावि होत्था। तए णं मल्लदिण्णे कुमारे अण्णया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे मम पमदवणंसि एगं महं चित्तसभं करेह अणेग जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से मल्लदिण्णे चित्तगरसेणिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! चित्तसभं हावभावविलासविब्बोयकलिएहिं रूवेहिं चित्तेह जाव पच्चप्पिणह। तए णं सा चित्तगरसेणी तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सयाइं गिहाइं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तूलियाओ वण्णए य गेण्हइ २ त्ता जेणेव चित्तसभा तेणेव (उवागच्छइ २ त्ता) अणुप्पविसइ २ त्ता भूमिभागे विरयइ २ त्ता भूमिं सज्जेइ २ त्ता चित्तसभं हावभाव जाव चित्तेउं पयत्ता यावि होत्था। तए णं एगस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया–जस्स णं दुपयस्स वा चउपयस्स वा अपयस्स वा एगदेसमवि पासइ तस्स णं देसाणुसारेणं तयाणुरूवं णिव्वत्तेइ। तए णं से चित्तगरदारए मल्लीए जवणियंतरियाए जालंतरेण पायंगुट्ठं पासइ। तए णं तस्स (णं) चित्तगरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–सेयं खलु मम मल्लीए वि० पायंगुट्ठाणुसारेणं सरिसगं जाव गुणोववेयं रूवं णिव्वत्तित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता भूमिभागं सज्जेइ २ त्ता मल्लीए वि०

पायंगुट्ठाणुसारेणं जाव णिव्वत्तेइ । तए णं सा चित्तगरसेणी चित्तसभं जाव हावभावे चित्तेइ २ त्ता जेणेव मल्लदिण्णे कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं मल्लदिण्णे चित्तगरसेणिं सक्कारेइ २ ० विपुलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं मल्लदिण्णे कुमारे अण्णया ण्हाए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे अम्मधाईए सद्धिं जेणेव चित्तसभा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चित्तसभं अणुप्पविसइ २ त्ता हावभावविलासविब्बोयकलियाइं रूवाइं पासमाणे २ जेणेव मल्लीए वि० । तयाणुरूवे णिव्वत्तिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से मल्लदिण्णे कुमारे मल्लीए वि० तयाणुरूवं णिव्वत्तियं पासइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-एस णं मल्ली वि० त्तिकट्टु लज्जिए वीडिए वि (अडे)ड्डे सणियं २ पच्चोसक्कइ । तए णं [तं] मल्लदिण्णं अम्मधाई सणियं २ पच्चोसक्कंतं पासित्ता एवं वयासी-किण्णं तुमं पुत्ता ! लज्जिए वीडिए विड्डे सणियं २ पच्चोसक्कसि ? तए णं से मल्लदिण्णे अम्मधाइं एवं वयासी-जुत्तं णं अम्मो ! मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवयभूयाए लज्जणिज्जाए मम चित्तगरणिव्वत्तियं अणुपविसित्तए ? तए णं अम्मधाई मल्लदिण्णं कुमारं एवं वयासी-णो खलु पुत्ता ! एस मल्ली, एस णं मल्लीए विदे० चित्तगरएणं तयाणुरूवे णिव्वत्तिए । तए णं से मल्लदिण्णे अम्मधाईए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते ४ एवं वयासी-केस णं भो ! से चित्तगरए अपत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जे णं मम जेट्ठाए भगिणीए गुरुदेवयभूयाए जाव णिव्वत्तिए-त्तिकट्टु तं चित्तगरं वज्झं आणवेइ । तए णं सा चित्तगरस्सेणी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जेणेव मल्लदिण्णे कुमारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु सामी ! तस्स चित्तगरस्स इमेयारूवा चित्तगरलद्धी लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया-जस्स णं दुपयस्स वा जाव णिव्वत्तेइ, तं मा णं सामी ! तुब्भे तं चित्तगरं वज्झं आणवेह, तं तुब्भे णं सामी ! तस्स चित्तगरस्स अण्णं तयाणुरूवं दंडं णिव्वत्तेह । तए णं से मल्लदिण्णे तस्स चित्तगरस्स संडासगं छिंदावेइ २ त्ता णिव्विसयं आणवेइ । तए णं से चित्तगरए मल्लदिण्णेणं णिव्विसए आणत्ते समाणे सभंडमत्तोवगरणमायाए मिहिलाओ णयरीओ णिक्खमइ २ त्ता विदेहं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुरुजणवए जेणेव हत्थिणाउरे णयरे जेणेव अदीणसत्तू राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भंड-

णिक्खेवं करेइ २ त्ता चित्तफलगं सज्जेइ २ त्ता मल्लीए विदे० पायंगुट्ठाणुसारेण रूवं णिव्वत्तेइ २ त्ता कक्खंतरंसि छुब्भइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हइ २ त्ता हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव अदीणसत्तू राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता पाहुडं उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं सामी ! मिहिलाओ रायहाणीओ कुंभगस्स रण्णो पुत्तेणं पभावईए देवीए अत्तएणं मल्लदिण्णेणं कुमारेणं णिव्विसए आणत्ते समाणे इह हव्वमागए तं इच्छामि णं सामी ! तुब्भं बाहुच्छायापरिग्गहिए जाव परिवसित्तए। तए णं से अदीणसत्तू राया तं चित्तगरदारयं एवं वयासी–किण्णं तुमं देवाणुप्पिया ! मल्लदिण्णेणं णिव्विसए आणत्ते ? तए णं से चित्तगरदारए अदीणसत्तु रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! मल्लदिण्णे कुमारे अण्णया कयाई चित्तगरसेणि सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम चित्तसभं० तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव मम संडासगं छिंदावेइ २ त्ता णिव्विसयं आणवेइ, तं एवं खलु [अहं] सामी ! मल्लदिण्णेणं कुमारेणं णिव्विसए आणत्ते। तए णं अदीणसत्तू राया तं चित्तगरं एवं वयासी–से केरिसए णं देवाणुप्पिया ! तुमे मल्लीए वि० तहाणुरूवे रूवे णिव्वत्तिए ? तए णं से चित्तगरे कक्खंतराओ चित्तफलयं णीणेइ २ त्ता अदीणसत्तुस्स उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं सामी ! मल्लीए वि० तयाणुरूवस्स रूवस्स केइ आगारभावपडोयारे णिव्वत्तिए, णो खलु सक्का केणइ देवेण वा जाव मल्लीए विदेहरायवरकण्णाए तयाणुरूवे रूवे णिव्वत्तित्तए। तए णं (से) अदीणसत्तू (राया) पडिरूवजणियहासे दूयं, सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तहेव जाव पहारेत्थ गमणाए(५) ॥८०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पंचाले जणवए। कंपिल्लेपुरे णयरे। जियसत्तू णामं राया पंचालाहिवई। तस्स णं जियसत्तुस्स धारिणीपामोक्खं देविसहस्सं ओरोहे होत्था। तत्थ णं मिहिलाए चोक्खा णामं परिव्वाइया रिउव्वेय जाव (सु)परिणिट्ठिया यावि होत्था। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मिहिलाए बहूणं राईसर जाव सत्थवाहपभिईणं पुरओ दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणी पण्णवेमाणी परूवेमाणी उवदंसेमाणी विहरइ। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया अण्णया कयाइं तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ य गेण्हइ २ त्ता परिव्वाइगावसहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पवि-

रलपरिव्वाइया सद्धिं संपरिवुडा मिहिलं रायहाणिं मज्झंमज्झेणं जेणेव कुंभगस्स रण्णो भवणे जेणेव कण्णंतेउरे जेणेव मल्ली वि० तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उदयपरिफासियाए दब्भोवरिपच्चत्थुयाए भिसियाए णिसियइ २ त्ता मल्लीए वि० पुरओ दाणधम्मं च जाव विहरइ। तए णं मल्ली वि० चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी–तुब्भे णं चोक्खे ! किंमूलए धम्मे पण्णत्ते ? तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लिं वि० एवं वयासी–अम्हं णं देवाणुप्पिए ! सोयमूलए धम्मे पण्णत्ते, जं णं अम्हं किंचि असुई भवइ तं णं उदएण य मट्टियाए जाव अविग्घेणं सग्गं गच्छामो। तए णं मल्ली वि० चोक्खं परिव्वाइयं एवं वयासी–चोक्खा ! से जहाणामए केई पुरिसे रुहिरकयं वत्थं रुहिरेण चेव धोवेज्जा अत्थि णं चोक्खा ! तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं धोव्वमाणस्स काई सोही ? णो इणट्ठे समट्ठे। एवामेव चोक्खा ! तुब्भे णं पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं णत्थि काई सोही जहा व तस्स रुहिरकयस्स वत्थस्स रुहिरेणं चेव धोव्वमाणस्स। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया मल्लीए वि० एवं वुत्ता समाणा संकिया कंखिया विइगिच्छिया भेयसमावण्णा जाया यावि होत्था मल्लीए वि० णो संचाएइ किंचिवि पामोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीया संचिट्ठइ। तए णं तं चोक्खं मल्लीए बहुओ दासचेडीओ हीलेंति णिंदंति खिसंति गरहंति अप्पेगइया हेरुयालंति अप्पेगइया मुहमक्कडिया करेंति अप्पेगइया वग्घाडीओ करेंति अप्पेगइया तज्जमाणीओ (क० अ०) तालेमाणीओ (क० अ०) णिच्छुभंति। तए णं सा चोक्खा मल्लीए विदेहरायवरकण्णाए दासचेडियाहिं हीलिज्जमाणी जाव गरहिज्जमाणी आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणी मल्लीए विदेहरायवरकण्णाए पओसमावज्जइ भिसियं गेण्हइ २ त्ता कण्णंतेउराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता मिहिलाओ णिग्गच्छइ २ त्ता परिव्वाइया संपरिवुडा जेणेव पंचालजणवए जेणेव कंपिल्लपुरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूणं राईसर जाव परूवेमाणी विहरइ। तए णं से जियसत्तू अण्णया कयाइ अंतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे एवं जाव विहरइ। तए णं सा चोक्खा परिव्वाइयासंपरिवुडा जेणेव जियसत्तुस्स रण्णो भवणे जेणेव जियसत्तू तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अणुपविसइ २ त्ता जियसत्तुं जएणं विजएणं वद्धावेइ। तए णं से जियसत्तू चोक्खं परिव्वाइयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ

अब्भुट्ठेइत्ता चोक्खं परिव्वाइयं सक्कारेइ २ ० आसणेणं उवणिमंतेइ । तए णं सा चोक्खा उदगपरिफासियाए जाव भिसियाए णिविसइ जियसत्तुं रायं रज्जे य जाव अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ । तए णं सा चोक्खा जियसत्तुस्स रण्णो दाणधम्मं च जाव विहरइ । तए णं से जियसत्तू अप्पणो ओरोहंसि जाव विम्हिए(जायविम्हए)चोक्खं(परिव्वाइयं)एवं वयासी-तुमं णं देवाणुप्पिया ! बहूणि गामागर जाव(अडह)आहिंडसि बहूण य राईसरगिहाइं अणुप्पविससि, तं अत्थियाइं ते कस्सवि रण्णो वा जाव एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं इमे मह उवरोहे ? तए णं सा चोक्खा परिव्वाइया जियसत्तुं (रायं) एवं वयासी-ईसिं अवहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी-(एवं च)सरिसए णं तुमं देवाणुप्पिया ! तस्स अगडदद्दुरस्स । केस णं देवाणुप्पिए ! से अगड-दद्दुरे ? जियसत्तू ! से जहाणामए अगडदद्दुरे सिया, से णं तत्थ जाए तत्थेव वुड्ढे अण्णं अगडं वा तलागं वा दहं वा सरं वा सागरं वा अपासमाणे चेवं मण्णइ-अयं सेव अगडे वा जाव सागरे वा । तए णं तं कूवं अण्णे सामुद्दए दद्दुरे हव्वमागए । तए णं से कूवदद्दुरे तं सामुद्ददद्दुरं एवं वयासी-से केस णं तुमं देवाणुप्पिया ! कत्तो वा इह हव्वमागए ? तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूवदद्दुरं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अहं सामुद्दए दद्दुरे । तए णं से कूवदद्दुरे तं सामुद्दयं दद्दुरं एवं वयासी-केमहालए णं देवाणुप्पिया ! से समुद्दे ! तए णं से सामुद्दए दद्दुरे तं कूवदद्दुरे एवं वयासी-महालए णं देवाणुप्पिया ! समुद्दे । तए णं से कूवदद्दुरे पाएणं लीहं कड्ढेइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया !, से समुद्दे ? णो इणट्ठे समट्ठे, महालए णं से समुद्दे । तए णं से कूवदद्दुरे पुरत्थिमिल्लाओ तीराओ उप्फिडित्ताणं [पच्चत्थिमिल्लं तीरं] गच्छइ २ त्ता एवं वयासी-एमहालए णं देवाणुप्पिया ! से समुद्दे ? णो इणट्ठे समट्ठे(तहेव)। एवामेव तुमंपि जियसत्तू अण्णेसिं बहूणं राईसर जाव सत्थवाहपभिईणं भज्जं वा भगिणिं वा धूयं वा सुण्हं वा अपासमाणे जाणेसि जारिसए मम चेव णं ओरोहे तारिसए णो अण्णस्स । तं एवं खलु जियसत्तू ! मिहिलाए णयरीए कुंभगस्स धूया पभावईए अत्तिया मल्लीणामं विदेहरायवरकण्णा रूवेण य जुव्वणेण य जाव णो खलु अण्णा काइ देव-कण्णा वा जारिसिया मल्ली । विदेहवररायकण्णाए छिण्णस्स वि पायंगुट्ठगस्स इमे तव ओरोहे सयसहस्सइमंपि कलं ण अग्घइ-त्तिकट्टु जामेव दिसं पाउब्भूया

तामेव दिसं पडिगया । तए णं से जियसत्तू परिव्वाइयाजणियहासे दूयं सद्दावेइ जाव पहारेत्थ गमणाए (६) ॥८१॥ तए णं तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं छप्पि(य)दूयगा जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलाए अग्गुज्जाणंसि पत्तेयं २ खंधावारणिवेसं करेंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पत्तेयं २ करयल जाव साणं २ राईणं वयणाइं णिवेदेंति । तए णं से कुंभए राया तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ते जाव तिवलियं भिउडिं (णिडाले साहट्टु) एवं वयासी–ण देमि णं अहं तुब्भं मल्लिं विदे० त्तिकट्टु ते छप्पि दूए असक्कारिय असम्माणिय अवदारेणं णिच्छुभावेइ । तए णं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया कुंभएणं रण्णा असक्कारिया असम्माणिया अवद्दारेणं णिच्छुभाविया समाणा जेणेव सगा २ जाणवया जेणेव सयाइं २ णगराइं जेणेव सगा २ रायाणो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु सामी ! अम्हे जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं दूया जमगसमगं चेव जेणेव मिहिला जाव अवदारेणं णिच्छुभावेइ । तं ण देइ णं सामी ! कुंभए मल्लिं विदेहरायवरकण्णं । साणं २ राईणं एयमट्ठं णिवेदिंति । तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ता ४ अण्णमण्णस्स दूयसंपेसणं करेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं छण्हं राईणं दूया जमगसमगं चेव जाव णिच्छूढा । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! (अम्हं) कुंभगस्स जत्तं गेण्हित्तए–त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया सण्णद्धा हत्थिखंधवरगया सकोरंटमल्लदामा जाव सेयवरचामराहिं० महयाहयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं सएहिं २ णगरेहिंतो जाव णिग्गच्छंति २ त्ता एगयओ मिलायंति (२ त्ता) जेणेव मिहिला तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं कुंभए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे बलवाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव (भो देवाणुप्पिया !) हय जाव सेण्णं सण्णाहेह जाव पच्चप्पिणंति । तए णं कुंभए (राया) ण्हाए सण्णद्धे हत्थिखंधवरगए जाव सेयवरचामराहिं महया० मिहिलं रायहाणिं मज्झंमज्झेणं णिज्जाइ णिज्जाइत्ता विदेहजणवयं

मज्झंमज्झेणं जेणेव देसअंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता खंधावारणिवेसं करेइ २ त्ता जियसत्तूपामोक्खा छप्पि य रायाणो पडिवालेमाणे जुज्झसज्जे पडिचिट्ठइ। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा छप्पि य रायाणो जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभएणं रण्णा सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो कुंभयं रायं हयमहियपवरवीरघाइयणिवडियचिंधद्धयप्पडागं किच्छप्पाणोवगयं दिसोदिसिं पडिसेहिंति। तए णं से कुंभए राया जियसत्तु-पामोक्खेहिं छहिं राईहिं हयमहिय जाव पडिसेहिए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए जाव अधारणिज्जमितिकट्टु सिग्घं तुरियं जाव वेइयं जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मिहिलं अणुपविसइ २ त्ता मिहिलाए दुवाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो जेणेव मिहिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता मिहिलं रायहाणिं णिस्संचारं णिरुच्चारं सव्वओ समंता ओरुंभित्ताणं चिट्ठंति। तए णं से कुंभए राया मिहिलं रायहाणिं रुद्धं जाणित्ता अब्भंतरियाए उवट्ठाणसालाए सीहासणवरगए तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं छिद्दाणि य विवराणि य मम्माणि य अलभमाणे बहूहिं आएहि य उवाएहि य उप्पत्तियाहि य ४ बुद्धीहिं परिणामेमाणे २ किंचि आयं वा उवायं वा अलभमाणे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। इमं च णं मल्ली विदे० ण्हाया जाव बहूहिं खुज्जाहिं परिवुडा जेणेव कुंभए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पायग्गहणं करेइ। तए णं कुंभए राया मल्लिं विदे० णो आढाइ णो परियाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं मल्ली विदे० कुंभगं रायं एवं वयासी—तुब्भे णं ताओ! अण्णया ममं एज्जमाणं जाव णिवेसेह, किण्णं तुब्भं अज्ज ओहय जाव झियायह? तए णं कुंभए मल्लिं विदे० एवं वयासी—एवं खलु पुत्ता! तव कज्जे जियसत्तुपामोक्खेहिं छहिं राईहिं दूया संपेसिया। ते णं मए असक्कारिया जाव णिच्छूढा। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा तेसिं दूयाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा परिकुविया समाणा मिहिलं रायहाणिं णिस्संचारं जाव चिट्ठंति। तए णं अहं पुत्ता! तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं अंतराणि अलभमाणे जाव झियामि। तए णं सा मल्ली विदे० कुंभयं रायं एवं वयासी—मा णं तुब्भे ताओ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह तुब्भे णं ताओ! तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं पत्तेयं २ रहसियं दूय-

संपेसे करेह एगमेगं एवं वयह–तव देमि मल्लिं विदे० तिकट्टु संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि णिसंतपडिणिसंतंसि पत्तेयं २ मिहिलं रायहाणिं अणुप्पवेसेह २ त्ता गब्भघरएसु अणुप्पविसेह मिहिलाए रायहाणीए दुवाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठह। तए णं कुंभए राया एवं तं चेव जाव पवेसेइ रोहसज्जे चिट्ठइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि य रायाणो कल्लं पाउब्भूया जाव [जलंते] जालंतरेहिं कणगमयं मत्थयछिड्डं पउमुप्पलपिहाणं पडिमं पासंति एस णं मल्ली विदे० तिकट्टु मल्लीए विदे० रूवे य जोव्वणे य लावण्णे य मुच्छिया गिद्धा जाव अज्झोववण्णा अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणा २ चिट्ठंति। तए णं सा मल्ली विदे० ण्हाया जाव पायच्छित्ता सव्वालंकारविभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता जेणेव जालघरए जेणेव कणगपडिमा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तीसे कणगपडिमाए मत्थयाओ तं पउमं अवणेइ। तए णं गंधे णिद्धावइ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव असुभतराए चेव। तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा ते णं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता परम्मुहा चिट्ठंति। तए णं सा मल्ली विदे० ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी–किं णं तुब्भं देवाणुप्पिया! सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं जाव परम्मुहा चिट्ठह? तए णं ते जियसत्तूपामोक्खा मल्लिं विदे० एवं वयंति–एवं खलु देवाणुप्पिए! अम्हे इमेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ जाव चिट्ठामो। तए णं मल्ली विदे० ते जियसत्तूपामोक्खे एवं वयासी–जइ ताव देवाणुप्पिया! इमीसे कणग जाव पडिमाए कल्लाकल्लिं ताओ मणुण्णाओ असणाओ ४ एगमेगे पिंडे पक्खिप्पमाणे २ इमेयारूवे असुभे पोग्गलपरिणामे इमस्स पुण ओरालियसरीरस्स खेलासवस्स वंतासवस्स पित्तासवस्स सुक्कासवस्स सोणियपूयासवस्स दुरूव(रुय)ऊसासणीसासस्स दुरूवमुत्तपुइयपुरीसपुण्णस्स सडण जाव धम्मस्स केरिसए[य]परिणामे भविस्सइ? तं मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया! माणुस्सएसु कामभोगेसु सज्जह रज्जह गिज्झह मुज्झह अज्झोववज्जह। एवं खलु देवाणुप्पिया! तुम्हे (अम्हे) इमाओ तच्चे भवग्गहणे अवरविदेहवासे सलिलावइंसि विजए वीयसोगाए रायहाणीए महब्बलपामोक्खा सत्तवियबालवयंसया रायाणो होत्था सहजाया जाव पव्वइया। तए णं अहं देवाणुप्पिया! इमेणं कारणेणं इत्थीणामगोयं कम्मं णिव्वत्तेमि–जइ णं तुब्भं चउत्थं उव-

संपज्जित्ताणं विहरह तए णं अहं छट्ठं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि सेसं तहेव सव्वं। तए णं तुब्भे देवाणुप्पिया! कालमासे कालं किच्चा जयंते विमाणे उववण्णा। तत्थ णं तु तुब्भे देसूणाइं बत्तीसाइं सागरोवमाइं ठिई। तए णं तुब्भे ताओ देवलोयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ जाव साइं २ रज्जाइं उवसंपज्जित्ताणं विहरह। तए णं अहं देवाणुप्पिया! ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं जाव दारियत्ताए पच्चायाया। किं थ तयं पम्हुट्ठं जं थ तया भो! जयंत पवरंमि। वुत्था समयणिबद्धं देवा तं संभरह जाइं ॥१॥ तए णं तेसिं जियसत्तुपामोक्खाणं छण्हं राईणं मल्लीए विदे० अंतिए एयमट्ठं सोच्चा २ सुभेणं परिणामेणं पसत्थेणं अज्झवसाणेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहावूह जाव सण्णिजाईसरणे समुप्पण्णे एयमट्ठं सम्मं अभिसमागच्छंति। तए णं मल्ली अरहा जियसत्तुपामोक्खे छप्पि रायाणो समुप्पण्णजाईसरणे जाणित्ता गब्भघराणं दाराइं विहाडावेइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति। तए णं महब्बलपामोक्खा सत्त वि य बालवयंसा एगयओ अभिसमण्णागया(या)वि होत्था। तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे छप्पि य रायाणो एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा जाव पव्वयामि, तं तुब्भे णं किं करेह किं ववसह(जाव) किं भे हियसामत्थे? तए णं जियसत्तुपामोक्खा छ० रा० मल्लिं अरहं एवं वयासी–जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! संसार जाव पव्वयह अम्हाणं देवाणुप्पिया! के अण्णे आलंबणे वा आहारे वा पडिबंधे वा? जह चेव णं देवाणुप्पिया! तुब्भे अम्हे इओ तच्चे भवग्गहणे बहूसु कज्जेसु य मेढीपमाणं जाव धम्मधुरा होत्था तहा चेव णं देवाणुप्पिया! इण्हिंपि जाव भविस्सह। अम्हे वियणं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा जाव भीया जम्मणमरणाणं देवाणुप्पियाणं सद्धिं मुंडा भवित्ता जाव पव्वयाओ। तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे एवं वयासी–(जं)जइ णं तुब्भे संसार जाव मए सद्धिं पव्वयह तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सएहिं २ रज्जेहिं जेट्ठे पुत्ते रज्जे ठावेह २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ दुरूहह (दुरूढा समाणा) मम अंतियं पाउब्भवह। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा मल्लिस्स अरहओ एयमट्ठं पडिसुणेंति। तए णं मल्ली अरहा ते जियसत्तुपामोक्खे गहाय जेणेव

कुंभए(राया)तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कुंभगस्स पाएसु पाडेइ। तए ण कुंभए (राया) ते जियसत्तुपामोक्खा विउलेणं असणेणं ४ पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ जाव पडिविसज्जेइ। तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा कुंभएणं रण्णा विसज्जिया समाणा जेणेव साइं २ रज्जाइं जेणेव णगराइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सगाइं [२] रज्जाइं उवसंपज्जित्ता[णं] विहरंति। तए णं मल्ली अरहा संवच्छरावसाणे णिक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ ॥८०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्कस्स आसणं चलइ। तए णं सक्के देविंदे देवराया आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता मल्लिं अरहं ओहिणा आभोएइ २ त्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु जंबुद्दीवे २ भारहे वासे मिहिलाए कुंभगस्स रण्णो मल्ली अरहा णिक्खमिस्सामित्ति मणं पहारेइ। तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पण्णमणागयाणं सक्काणं (३) अरहंताणं भगवंताणं णिक्खममाणाणं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलित्तए तंजहा–तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ। असिइं च सयसहस्सा इंदा दलयंति अरहाणं ॥१॥ एवं संपेहेइ २ त्ता वेसमणं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जाव असीइं च सयसहस्साइं दलइत्तए, तं गच्छह णं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे मिहिलाए कुंभगभवणंसि इमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहराहि २ त्ता खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि। तए णं से वेसमणे देवे सक्केणं देविंदेणं ० एवं वुत्ते समाणे हट्ठ० करयल जाव पडिसुणेइ २ त्ता जंभए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवं २ भारहं वासं मिहिलं रायहाणिं कुंभगस्स रण्णो भवणंसि तिण्णेव य कोडिसया अट्ठासीयं च कोडीओ असियं च सयसहस्साइं अयमेयारूवं अत्थसंपयाणं साहरह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते जंभगा देवा वेसमणेण जाव सुणेत्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विउव्वंति २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा जेणेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रण्णो भवणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता कुंभगस्स रण्णो भवणंसि तिण्णि कोडिसया जाव साहरंति २ त्ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से वेसमणे देवे जेणेव सक्के ३ तेणेव

उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव पच्चप्पिणइ । तए णं मल्ली अरहा कल्लाकल्लि जाव मागहओ पायरासो त्ति बहूणं सणाहाण य अणाहाण य पंथियाण य पहियाण य करोडियाण य कप्पडियाण य एगमेगं हिरण्णकोडिं अट्ठ य अणूणाइं सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलयइ । तए णं से कुंभए राया मिहिलाए रायहाणीए तत्थ २ तहिं २ देसे २ बहूओ महाणससालाओ करेइ । तत्थ णं बहवे मणुया दिण्णभइभत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति ० जे जहा आगच्छंति तंजहा–पंथिया वा पहिया वा करोडिया वा कप्पडिया वा पासंडत्था वा गिहत्था वा तस्स य तहा आसत्थस्स वीसत्थस्स सुहासणवरगयस्स तं विउलं असणं ४ परिभाएमाणा परिवेसेमाणा विहरंति । तए णं मिहिलाए सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कुंभगस्स रण्णो भवणंसि सव्वकामगुणियं किमिच्छियं विपुलं असणं ४ बहूणं समणाण य जाव परिवेसिज्जइ । वरवरिया घोसिज्जइ किमिच्छियं दिज्जए बहुविहीयं । सुरअसुरदेवदाणवणरिंदमहियाण णिक्खमणे ॥ १ ॥ तए णं मल्ली अरहा संवच्छरेणं तिण्णि कोडिसया अट्ठासीइं च होंति कोडीओ असिइं च सयसहस्साइं इमेयारूवं अत्थसंपयाणं दलइत्ता णिक्खमामित्ति मणं पहारेइ ॥८३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं लोगंतिया देवा बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणपत्थडे सएहिं २ विमाणेहिं सएहिं २ पासायवडिंसएहिं पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य बहूहिं लोगंतिएहिं देवेहिं सद्धिं संपरिवुडा महयाहयणट्टगीयवाइय जाव रवेणं भुंजमाणा विहरंति तंजहा–सारस्सयमाइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य । तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥१॥ तए णं तेसिं लोयंतियाणं देवाणं पत्तेयं २ आसणाइं चलंति तहेव जाव अरहंताणं णिक्खममाणाणं संबोहणं करेत्तए–त्ति तं गच्छामो णं अम्हे वि मल्लिस्स अरहओ संबोहणं करेमि–त्तिकट्टु एवं संपेहेंति २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभायं० वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति ० संखिज्जाइं जोयणाइं एवं जहा जंभगा जाव जेणेव मिहिला रायहाणी जेणेव कुंभगस्स रण्णो भवणे जेणेव मल्ली अरहा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अंतलिक्खपडिवण्णा सखिंखिणियाइं जाव वत्थाइं पवरपरिहिया करयल जाव ताहिं इट्ठाहिं जाव एवं वयासी–बुज्झाहि भगवं !

लोगणाहा ! पवत्तेहि धम्मतित्थं जीवाणं हियसुहणिस्सेयसकरं भविस्सइ-त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयंति० मल्लिं अरहं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं मल्ली अरहा तेहिं लोगंतिएहिं देवेहिं संबोहिए समाणे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं कुंभए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं [कलसाणं] जाव भोमेज्जाणं (ति) अण्णं च महत्थं जाव तित्थयराभिसेयं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति। तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे जाव अच्चुयपज्जवसाणा आगया। तए णं सक्के (३) आभि-ओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं (कलसाणं) जाव अण्णं च तं विपुलं उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति। तेवि कलसा ते चेव कलसे अणुपविट्ठा। तए णं से सक्के देविंदे देवराया कुंभए य राया मल्लिं अरहं सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहं णिवेसेइ अट्ठसहस्सेणं सोवण्णियाणं जाव अभि-सिंचंति। तए णं मल्लिस्स भगवओ अभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा मिहिलं च सब्भितरं बाहिरियं जाव सव्वओ समंता परिधावंति। तए णं कुंभए राया दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं जाव सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव मणोरमं सीयं उवट्ठवेह ते वि उवट्ठवेंति। तए णं सक्के (३) आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव अणेगखंभ जाव मणोरमं सीयं उवट्ठवेह जाव सावि सीया तं चेव सीयं अणुप्पविट्ठा। तए णं मल्ली अरहा सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव मणो-रमा सीया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मणोरमं सीयं अणुपयाहिणीकरेमाणा मणो-रमं सीयं दुरूहइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे। तए णं कुंभए (राया) अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ण्हाया जाव सव्वालंकारविभूसिया मल्लिस्स सीयं परिवहह जाव परिवहंति। तए णं सक्के ३ मणोरमाए [सीयाए] दक्खिणिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ। ईसाणे उत्तरिल्लं उवरिल्लं बाहं गेण्हइ। चमरे दाहिणिल्लं हेट्ठिल्लं बली उत्तरिल्लं हेट्ठिल्लं अवसेसा देवा जहारिहं मणोरमं सीयं परिवहंति-पुव्विं उक्खित्ता माणुस्सेहिं(तो)सा हट्ठरोमकूवेहिं। पच्छा वहंति सीयं असुरिंदसुरिंद-

णागेंदा ॥१॥ चलचवलकुंडलधरा सच्छंदविउव्वियाभरणधारी । देविंददाणविंदा वहंति सीयं जिणिंदस्स ॥२॥ तए णं मल्लिस्स अरहओ मणोरमं सीयं दुरूढस्स एमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए एवं णिग्गमो जहा जमालिस्स । तए णं मल्लिस्स अरहओ णिक्खममाणस्स अप्पेगइया देवा मिहिलं आसिय जाव अब्भिंतरवासविहिगाहा जाव परिधावंति । तए णं मल्ली अरहा जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ० आभरणालंकारं० पभावई पडिच्छइ । तए णं मल्ली अरहा सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ । तए णं सक्के ३ मल्लिस्स केसे पडिच्छइ (२ त्ता) खीरोदगसमुद्दे साहर(पक्खिव)इ । तए णं मल्ली अरहा णमोऽत्थु णं सिद्धाणंतिकट्टु सामाइय(च)चारित्तं पडिवज्जइ । जं समयं च णं मल्ली अरहा चरित्तं पडिवज्जइ तं समयं च णं देवाणं माणुसाण य णिग्घोसे तुरियणिणाए गीयवाइयणिग्घोसे य सक्कस्सवयणसंदेसेणं णिलुक्के यावि होत्था । जं समयं च णं मल्ली अरहा सामाइयं चारित्तं पडिवण्णे तं समयं च णं मल्लिस्स अरहओ माणुसधम्माओ उत्तरिए मणपज्जवणाणे समुप्पण्णे । मल्ली णं अरहा जे से हेमंताणं दोच्चे मासे चउत्थे पक्खे पोससुद्धे तस्स णं पोससुद्धस्स एक्कारसीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं अस्सिणीहिं णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं तिहिं इत्थीसएहिं अब्भिंतरियाए परिसाए तिहिं पुरिससएहिं बाहिरियाए परिसाए सद्धिं मुंडे भवित्ता पव्वइए । मल्लि अरहं इमे अट्ठ णायकुमारा अणुपव्वइंसु तंजहा-णंदे य णंदिमित्ते सुमित्त बलमित्त भाणुमित्ते य । अमरवइ अमरसेणे महसेणे चेव अट्ठमए ॥१॥ तए णं (से) ते भवणवई ४ मल्लिस्स अरहओ णिक्खमणमहिमं करेंति २ त्ता जेणेव णंदीस(रव)रे ० अट्ठाहियं करेंति जाव पडिगया । तए णं मल्ली अरहा जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वा (पच्चा) वरण्हकालसमयंसि असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहासणवरगयस्स सुहेणं परिणामेणं (पसत्थेहिं अज्झवसाणेहिं) पसत्थाहिं लेसाहिं (विसुज्झमाणीहिं) तयावरणकम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते जाव केवल[वर]णाणदंसणे समुप्पण्णे ॥८४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सव्वदेवाणं आसणाइं चलंति समोसढा सुणेंति अट्ठाहिय महिमा० णंदीसरे [जाव] जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । कुंभए वि णिग्गच्छइ । तए णं ते जियसत्तुपामोक्खा छप्पि य रायाणो जेट्ठपुत्ते रज्जे

ठावेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीयाओ दुरूढा सव्विड्ढीए जेणेव मल्ली अरहा जाव पज्जुवासंति । तए णं मल्ली अरहा तीसे महइमहालियाए कुंभगस्स रण्णो तेसिं च जियसत्तुपामोक्खाणं धम्मं [परि]कहेइ । परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । कुंभए समणोवासए जाए पडिगए पभावई य । तए णं जियसत्तुपामोक्खा छप्पि रायाणो धम्मं सोच्चा आलित्तए णं भंते ! जाव पव्वइया [जाव] चोद्दसपुव्विणो अणंते केवले सिद्धा । तए णं मल्ली अरहा सहसंबवणाओ णिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । मल्लिस्स णं (अरहओ) भिसगपामोक्खा अट्ठावीसं गणा अट्ठावीसं गणहरा होत्था । मल्लिस्स णं अरहओ चत्तालीसं समणसाहस्सीओ उक्को० । बंधुमईपामोक्खाओ पणपण्णं अज्जियासाहस्सीओ उक्को० ।सावयाणं एगा सयसाहस्सी चुलसीइं सहस्सा ० सावियाणं तिण्णि सयसाहस्सीओ पण्णट्ठिं च सहस्सा छस्सया चोद्दसपुव्वीणं वीससया ओहिणाणीणं बत्तीसं सया केवलणाणीणं पणतीसं सया वेउव्वियाणं अट्ठसया मणपज्जवणाणीणं चोद्दससया वाईणं वीसं सया अणुत्तरोववाइयाणं । मल्लिस्स [णं] अरहओ दुविहा अंतगडभूमी होत्था तंजहा—जुयंतकरभूमी परियायंतकरभूमी य जाव वीसइमाओ पुरिसजुगाओं जुयंतकरभूमी दुवासपरियाए अंतमकासी । मल्ली णं अरहा पणुवीसं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णेणं पियंगुसमे समचउरंससंठाणे वज्जरिसहणारायसंघयणे मज्झदेसे सुहंसुहेणं विहरित्ता जेणेव सम्मेए पव्वए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता संमेयसेलसिहरे पाओवगमणुवन्नण्णे । मल्ली णं अरहा एगं वाससयं अगारवासमज्झे पणपण्णं वाससहस्साइं वाससयऊणाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता पणपण्णं वाससहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जे से गिम्हाणं पढमे मासे दोच्चे पक्खे चित्तसुद्धे तस्स णं चेत्तसुद्धस्स चउत्थीए भरणीए णक्खत्तेणं अद्धरत्तकालसमयंसि पंचहिं अज्जियासएहिं अब्भितरियाए परिसाए पंचहिं अणगारसएहिं बाहिरियाए परिसाए मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं वग्घारियपाणी खीणे वेयणिज्जे आउए णामे गोए सिद्धे । एवं परिणिव्वाणमहिमा भाणियव्वा जहा जंबुद्दीवपण्णत्तीए णंदीसरे अट्ठाहियाओ पडिगयाओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं अट्ठमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते–त्तिबेमि ॥८५॥ गाहाउ–उग्गतवसंजमवओ पगिट्ठफलसाहगस्सवि जियस्स । धम्मविसएवि सुहुमावि होइ माया

अणत्थाय ॥१॥ जह मल्लिस्स महाबलभवंमि तित्थयरणामबंधेऽवि । तवविसय-थेवमाया जाया जुवइत्तहेउत्ति ॥२॥ अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

मायंदी णामं णवमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते णवमस्स णं भंते ! णायज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी । पुण्णभद्दे चेइए । तत्थ णं माकंदी णामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए। तस्स णं भद्दा णामं भारिया होत्था। तीसे णं भद्दाए अत्तया दुवे सत्थवाहदारया होत्था तंजहा–जिणपालिए य जिणरक्खिए य । तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं अण्णया कयाइ एगयओ सहियाणं इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु अम्हे लवणसमुद्दं पोयवहणेणं एक्कारसवारा ओगाढा सव्वत्थ वि य णं लद्धट्ठा कयकज्जा अणहसमग्गा पुणरवि णिययघरं हव्वमागया । तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! दुवालसमंपि लवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए–त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अम्हे अम्मयाओ ! एक्कारस वारा तं चेव जाव णिययं घरं हव्वमागया, तं इच्छामो णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा दुवालसमंलवणसमुद्दं पोयवहणेणं ओगाहित्तए । तए णं ते मागंदियदारए अम्मापियरो एवं वयासी–इमे ते जाया ! अज्जग जाव परिभाएत्तए, तं अणुहोह ताव जाया ! विउले माणुस्सए इड्ढीसक्कारसमुदए, किं भे सपच्चवाएणं णिरालंबणेणं लवणसमुद्दोत्तारेणं ? एवं खलु पुत्ता ! दुवालसमी जत्ता सोवसग्गा यावि भवइ, तं मा णं तुब्भे दुवे पुत्ता ! दुवालसमंपि लवण जाव ओगाहेह, मा हु तुब्भं सरीरस्स वावत्ती भविस्सइ । तए णं [ते] मागंदियदारगा अम्मापियरो दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु अम्हे अम्मयाओ ! एक्कारस वारा लवण जाव ओगाहित्तए । तए णं ते मागंदियदारए अम्मापियरो जाहे णो संचाएंति बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य आघवित्तए वा पण्णवित्तए वा ताहे अकामा चेव एयमट्ठं अणुजाणित्था । तए णं ते मागंदियदारगा अम्मापिऊहिं अब्भणुण्णाया समाणा गणिमं च धरिमं च

मेज्जं च पारिच्छेज्जं च जहा अरहण्णगस्स जाव लवणसमुद्दं बहूइं जोयण-सयाइं ओगाढा ॥८६॥ तए णं तेसिं मागंदियदारगाणं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढाणं समाणाणं अणेगाइं उप्पाइयसयाइं पाउब्भूयाइं तंजहा–अकाले गज्जियं जाव थणियसद्दे कालियवाए तत्थ समुट्ठिए। तए णं सा णावा तेणं कालिय-वाएणं आहुणिज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ संखोभिज्जमाणी २ सलिल-तिक्खवेगेहिं आयट्टिज्जमाणी २ कोट्टिमंसि करतलाहए विव तिंदूसए तत्थेव २ ओवयमाणी य उप्पयमाणी य उप्पयमाणी–विव धरणीयलाओ सिद्धविज्जा विज्जाहरकण्णगा ओवयमाणी विव गगणतलाओ भट्ठविज्जा विज्जाहरकण्णगा विपलायमाणी विव महागरुलवेगवित्तासिया भुयगवरकण्णगा धावमाणी विव महाजणरसियसद्दवित्तत्था ठाणभट्ठा आसकिसोरी णिगुंजमाणी विव गुरुजण-दिट्ठावराहा सुयणकुलकण्णगा घुम्ममाणी विव वीचीपहारसयतालिया गलिय-लंबणा विव गगणतलाओ रोयमाणी विव सलिलगंठिविप्पइरमाणघोर-सुवाएहिं णववहू उवरयभत्तुया विलवमाणी विव परचक्करायाभिरोहिया परममहब्भयाभिद्दुया महापुरवरी झायमाणी विव कवडच्छोम[ण]पओगजुत्ता जोगपरिव्वाइया णिसासमाणी विव महाकंतारविणिग्गयपरिस्संता परिणयवया अम्मया सोयमाणी विव तवचरणखीणपरिभोगा चयणकाले देववरवहू संचुण्णिय-कट्ठकूवरा भग्गमेढिमोडियसहस्समाला सूलाइयवंकपरिमासा फलहंतरतडतडेंत-फुट्टंतसंधिवियलंतलोहकीलिया सव्वंगवियंभिया परिसडियरज्जुविसरंतसव्वगत्ता आमगमल्लगभूया अकयपुण्णजणमणोरहो विव चिंतिज्जमाणगुरुई हाहाकयकण्ण-धारणावियवाणियगजणकम्मगारविलविया णाणाविहरयणपणियसंपुण्णा बहूहिं पुरिससएहिं रोयमाणेहिं कंदमाणेहिं सोयमाणेहिं तिप्पमाणेहिं विलवमाणेहिं एगं महं अंतोजलगयं गिरिसिहरमासायइत्ता संभग्गकूवतोरणा मोडियझयदंडा वलयसयखंडिया करकरस्स तत्थेव विद्दवं उवगया। तए णं तीए णावाए भिज्ज-माणीए [ते] बहवे पुरिसा विपुलपडियभंडमायाए अंतोजलंमि णिमज्जावि यावि होत्था। तए णं ते मागंदियदारगा छेया दक्खा पत्तट्ठा कुसला मेहावी णिउण-सिप्पोवगया बहुसु पोयवहणसंपराएसु कयकरणा लद्धविजया अमूढा अमूढहत्था एगं महं फलगखंडं आसादेंति। जंसि च णं पएसंसि से पोयवहणे विवण्णे तंसि च णं पएसंसि एगे महं रयणद्दीवे णामं दीवे होत्था अणेगाइं जोयणाइं आयाम-विक्खंभेणं अणेगाइं जोयणाइं परिक्खेवेणं णाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए

पासाईए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। तस्स णं बहुमज्झदेसभाए तत्थ णं महं एगे पासायवडेंसए होत्था अब्भुग्गयमूसिय जाव सस्सिरी(मू)यरूवे पासाईए ४। तत्थ णं पासायवडेंसए रयणदीवदेवया णामं देवया परिवसइ पावा चंडा रुद्दा खुद्दा साहसिया। तस्स णं पासायवडेंसयस्स चउद्दिसिं चत्तारि वणसंडा किण्हा किण्होभासा। तए णं ते मागंदियदारगा तेणं फलयखंडेणं उवुज्झमाणा २ रयणदीवंतेणं संवुढा यावि होत्था। तए णं ते मागंदियदारगा थाहं लभंति २ त्ता मुहुत्तंतरं आससंति २ त्ता फलगखंडं विसज्जेंति २ त्ता रयणदीवं उत्तरंति २ त्ता फलाणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता फलाइं गेण्हंति २ त्ता आहारेंति २ त्ता णालिएराणं मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता णालिएराइं फोडेंति २ त्ता णालिएरतेल्लेणं अण्णमण्णस्स गायाइं अब्भंगेंति २ त्ता पोक्खरणीओ ओगाहिंति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाव पच्चुत्तरंति २ त्ता पुढविसिलापट्टयंसि णिसीयंति २ आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया चंपा णयरिं अम्मापिउआपुच्छणं च लवणसमुद्दोत्तारणं च कालियवायसमुत्थणं च पोयवहणविवत्तिं च फलयखंडस्स आसायणं च रयणदीवुत्तारं च अणुचिंतेमाणा २ ओहयमणसंकप्पा जाव झियायेंति। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मागंदियदारए ओहिणा आभोएइ आभोएत्ता असिफलगवग्गहत्था सत्तट्ठतलप्पमाणं उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए वीईवयमाणी २ जेणेव मागंदियदारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आसुरुत्ता [ते] मागंदियदारए खरफरुसणिट्ठुरवयणेहिं एवं वयासी–हं भो मार्कंदियदारया! अपत्थियपत्थिया! जइ णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरह तो भे अत्थि जीवियं, अहण्णं तुब्भे मए सद्धिं विउलाइं ० णो विहरह तो भे इमेणं णीलुप्पलगवलगुलिय जाव खुरधारेणं असिणा रत्तगंडमंसुयाइं माउयाहिं उवसोहियाइं तालफलाणीव सीसाइं एगंते एडेमि। तए णं ते मागंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीया करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–जण्णं देवाणुप्पिया! वइस्सइ तस्स आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठिस्सामो। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मागंदियदारए गेण्हइ २ त्ता जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असुभपोग्गलावहारं करेइ २ त्ता सुभपोग्गलपक्खेवं करेइ २ त्ता [तओ] पच्छा तेहिं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं

भुंजमाणी विहरइ कल्लाकल्लिं च अमयफलाइं उवणेइ ॥ ८७ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा लवणसमुद्दे तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टियव्वे त्ति जं किंचि तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कयवरं वा असुइं पूइयं दुरभिगंधमचोक्खं सव्वं आहुणिय २ तिसत्तखुत्तो एगंते एडेयव्वं तिकट्टु णिउत्ता। तए णं सा रयणदीवदेवया ते मागंदियदारए एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा तं चेव जाव णिउत्ता। तं जाव अहं देवाणुप्पिया! लवणसमुद्दे जाव एडेमि ताव तुब्भे इहेव पासायवडेंसए सुहंसुहेणं अभिरममाणा चिट्ठह। जइ णं तुब्भे एयंसि अंतरंसि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे पुरत्थिमिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा-पाउसे य वासारत्ते य। तत्थ उ कंदलसिलिंधदंतो णिउरवरपुप्फपीवरकरो। कुडयज्जुणणीवसुरभिदाणो पाउसउऊ-गयवरो साहीणो ॥१॥ तत्थ य-सुरगोवमणिविचित्तो दद्दुरकुलरसियउज्झररवो। बरहिणविंदपरिणद्धसिहरो वासारत्तो उऊपव्वओ साहीणो ॥२॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बहुसु वावीसु य जाव सरसरपंतियासु य बहुसु आलीघरएसु य मालीघरएसु य जाव कुसुमघरएसु य सुहंसुहेणं अभिरममाणा २ विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे एत्थ वि उव्विग्गा वा उस्सुया वा उप्पुया वा भविज्जाह तो णं तुब्भे उत्तरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा-सरदो य हेमंतो य। तत्थ उ सणसत्तिवण्णकउ(हो)ओ णीलुप्पलपउमणलिणसिंगो। सारसचक्कवायरवियघोसो सरयउऊ-गोवई साहीणो ॥१॥ तत्थ य सियकुंदधवलजोण्हो कुसुमियलोद्धवणसंडमंडलतलो। तुसारदगधारपीवरकरो हेमंतउऊससी सया साहीणो ॥२॥ तत्थ णं तुब्भे देवाणुप्पिया! वावीसु य जाव विहरेज्जाह। जइ णं तुब्भे तत्थ वि उव्विग्गा वा जाव उप्पुया वा भवेज्जाह तो णं तुब्भे अवरिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह। तत्थ णं दो उऊ सया साहीणा तंजहा-वसंते य गिम्हे य। तत्थ उ सहकारचारुहारो किंसुयकण्णियारासोगमउडो। ऊसियतिलगबउलायवत्तो वसंतउऊ-णरवई साहीणो ॥१॥ तत्थ य पाडलसिरीससलिलो मलियावासंतियधवलवेलो सीयलसुरभिअणिलमगरचरिओ गिम्हउऊसागरो साहीणो ॥२॥ तत्थ णं बहूसु जाव विहरेज्जाह।

अहणं तुब्भे देवाणुप्पिया ! तत्थ वि उव्विग्गा (वा) उस्सुया (वा उप्पुया वा) भवेज्जाह तओ तुब्भे जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छेज्जाह ममं पडिवालेमाणा २ चिट्ठेज्जाह । मा णं तुब्भे दक्खिणिल्लं वणसंडं गच्छेज्जाह । तत्थ णं महं एगे उग्गविसे चंडविसे घोरविसे अइकाय महाकाए जहा तेयनिसग्गे मसिमहिसमूसाकालए णयणविसरोसपुण्णे अंजणपुंजणियरप्पगासे रत्तच्छे जमलजुयलचंचलचलंतजीहे धरणियलवेणिभूए उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्खडवियडफडाडोवकरणदच्छे लोगाहारधम्ममाणधमधमेंतघोसे अणागलियचंडतिव्वरोसे समुहिंतुरियं चवलं धमधमंतदिट्ठीविसे सप्पे य परिवसइ। मा णं तुब्भं सरीरगस्स वावत्ती भविस्सइ । ते मागंदियदारए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहण्णइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टेउं पयत्ता यावि होत्था ॥८८॥ तए णं ते मागंदियदारया तओ मुहुत्तंतरस्स पासायवडेंसए सइं वा रइं वा धिइं वा अलभमाणा अण्णमण्णं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवया अम्हे एवं वयासी—एवं खलु अहं सक्कवयणसंदेसेणं सुट्ठिएणं लवणाहिवइणा जाव वावत्ती भविस्सइ । तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! पुरत्थिमिल्ले वणसंडं गमित्तए । अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य जाव विहरंति । तए णं ते मागंदियदारगा तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव उत्तरिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तत्थ णं वावीसु य जाव आलीघरएसु य विहरंति । तए णं ते मागंदियदारया तत्थ वि सइं वा जाव अलभमाणा जेणेव पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव विहरंति । तए णं ते मागंदियदारगा तत्थवि सइं वा जाव अलभमाणा अण्णमण्णं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे रयणदीवदेवया एवं वयासी—एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! सक्कस्स वयणसंदेसेणं सुट्ठिएण लवणाहिवइणा जाव मा णं तुब्भं सरीरगस्स वावत्ती भविस्सइ । तं भवियव्वं एत्थ कारणेणं । तं सेयं खलु अम्हं दक्खिणिल्लं वणसंडं गमित्तए—त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं गंधे णिद्धाइ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव अणिट्ठतराए चेव । तए णं ते

मागंदियदारया तेणं असुभेणं गंधेणं अभिभूया समाणा सएहिं २ उत्तरिज्जेहिं आसाइं पिहेंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वणसंडे तेणेव उवागया। तत्थ णं महं एगं आघयणं पासंति अट्ठियरासिसयसंकुलं भीमदरिसणिज्जं एगं च तत्थ सूलाइयं पुरिसं कलुणाइं कट्ठाइं विस्सराइं कुव्वमाणं पासंति २ त्ता भीया जाव संजायभया जेणेव से सूलाइए पुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी—एस णं देवाणुप्पिया! कस्स आघयणे तुमं च णं के कओ वा इहं हव्वमागए केण वा इमेयारूवं आवयं पाविए? तए णं से सूलाइए पुरिसे (ते) मागंदियदारए एवं वयासी—एस णं देवाणुप्पिया! रयणदीवदेवयाए आघयणे। अहं णं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवाओ दीवाओ भारहाओ वासाओ कागंदीए आसवाणियए विपुलं पणियभंडमायाए पोयवहणेणं लवणसमुद्दं ओयाए। तए णं अहं पोयवहणविवत्तीए णिब्बुडुभंडसारे एगं फलगखंडं आसाएमि। तए णं अहं उवुज्झमाणे २ रयणदीवंतेणं संवूढे। तए णं सा रयणदीवदेवया ममं ओहिणा पासइ २ त्ता ममं गेण्हइ २ त्ता मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ। तए णं सा रयणदीवदेवया अण्णया कयाइ अहालहुसगंसि अवराहंसि परिकुविया समाणी ममं एयारूवं आवयं पावेइ तं ण णज्जइ णं देवाणुप्पिया! तुम्हं पि इमेसिं सरीरगाणं का मण्णे आवई भविस्सइ? तए णं ते मागंदियदारगा तस्स सूलाइयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म बलियतरं भीया जाव संजायभया सूलाइयं पुरिसं एवं वयासी—कहं णं देवाणुप्पिया! अम्हे रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं णित्थरिज्जामो? तए णं से सूलाइए पुरिसे ते मागंदियदारगे एवं वयासी—एस णं देवाणुप्पिया! पुरत्थिमिल्ले वणसंडे सेलगस्स जक्खस्स जक्खाययणे सेलए णामं आसरूवधारी जक्खे परिवसइ। तए णं से सेलए जक्खे चोद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु आगयसमए पत्तसमए महया २ सद्देणं एवं वयइ—कं तारयामि? कं पालयामि? तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! पुरत्थिमिल्लं वणसंडं सेलगस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणियं करेह २ त्ता जण्णुपायवडिया पंजलिउडा विणएणं पज्जुवासमाणा विहर (चिट्ठ) ह। जाहे णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वएज्जा- कं तारयामि? कं पालयामि? ताहे तुब्भे (एवं) वयह—अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि। सेलए भे जक्खे परं रयणदीवदेवयाए

हत्थाओ साहत्थिं णित्थारेज्जा। अण्णहा मे ण याणामि इमेसिं सरीरगाणं का मण्णे आवई भविस्सइ ॥८९॥ तए णं ते मागंदियदारगा तस्स सूलाइयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म सिग्घं चंडं चवलं तुरियं वेइयं जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जेणेव पोक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोक्खरिणिं ओगाहें (गाहं) ति २ त्ता जलमज्जणं करेंति २ त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव गेण्हंति २ त्ता जेणेव सेलगस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता आलोए पणामं करेंति २ त्ता महरिहं पुप्फच्चणियं करेंति २ त्ता जण्णुपायवडिया सुस्सूसमाणा णमंसमाणा पज्जुवासंति। तए णं से सेलए जक्खे आगयसमए पत्तसमए एवं वयासी—कं तारयामि ? कं पालयामि ? तए णं ते मागंदियदारगा उट्ठाए उट्ठेंति करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी—अम्हे तारयाहि अम्हे पालयाहि। तए णं से सेलए जक्खे ते मागंदियदारए एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुब्भं मए सद्धिं लवणसमुद्देणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणाणं सा रयणदीवदेवया पावा चंडा रुद्दा साहसिया बहूहिं खरएहि य मउएहि य अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गं करेहिइ। तं जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं आढाह वा परियाणह वा अवयक्खह वा तो भे अहं पिट्ठाओ विधुणामि। अह णं तुब्भे रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं णो आढाह णो परियाणह णो अवयक्खह तो भे रयणदीवदेवयाए हत्थाओ साहत्थिं णित्थारेमि। तए णं ते मागंदियदारगा सेलगं जक्खं एवं वयासी—जं णं देवाणुप्पिया ! वइस्संति तस्स णं उववायवयणणिद्देसे चिट्ठिस्सामो। तए णं से सेलए जक्खे उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं णिस्सरइ दोच्चंपि तच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता एगं महं आसरूवं विउव्वइ २ त्ता ते मागंदियदारए एवं वयासी—हं भो मागंदियदारया ! आरुह णं देवाणुप्पिया ! मम पिट्ठंसि। तए णं ते मागंदियदारया हट्ठ० सेलगस्स जक्खस्स पणामं करेंति २ त्ता सेलगस्स पिट्ठिं दुरूढा। तए णं से सेलए ते मागंदियदारए दुरूढे जाणित्ता सत्तट्ठतालप्पमाणमेत्ताइं उड्ढं वेहासं उप्पयइ २ त्ता य ताए उक्किट्ठाए तुरियाए [चवलाए चंडाए दिव्वाए] देवयाए देवगईए लवणसमुद्दं

मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव चंपा णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ ६० ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया लवणसमुद्दं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टइ जं तत्थ तणं वा जाव एडेइ २ त्ता जेणेव पासायवडेंसए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते मागंदियदारया पासायवडेंसए अपासमाणी जेणेव पुरत्थिमिल्ले वणसंडे जाव सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता तेसिं मागंदियदारगाणं कत्थइ सुइं वा ३ अलभमाणी जेणेव उत्तरिल्ले (वणसंडे) एवं चेव पच्चत्थिमिल्ले वि जाव अपासमाणी ओहिं पउंजइ ० ते मागंदियदारए सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ पासइ २ त्ता आसुरुत्ता असिखेडगं गेण्हइ २ त्ता सत्तट्ठ जाव उप्पयइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जेणेव मागंदियदारगा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–हं भो मागंदियदारगा ! अपत्थियपत्थिया ! किण्णं तुब्भे जाणह ममं विप्पजहाय सेलएणं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणा ? तं एवमवि गए जइ णं तुब्भे ममं अवयक्खह तो भे अत्थि जीवियं, अह णं णावयक्खह तो भे इमेणं णीलुप्पलगवल जाव एडेमि । तए णं ते मागंदियदारगा रयणदीवदेवयाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म अभीया अतत्था अणुव्विग्गा अक्खुभिया असंभंता रयणदीवदेवयाए एयमट्ठं णो आढंति णो परियाणंति णो अवयक्खंति अणाढायमाणा अपरियाणमाणा अणवयक्खमाणा सेलएणं जक्खेणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयंति । तए णं सा रयणदीवदेवया ते मागंदियदारया जाहे णो संचाएइ बहूहिं पडिलोमेहि य उवसग्गेहि य चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा लोभित्तए वा ताहे महुरेहि य सिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य उवसग्गेउं पयत्ता यावि होत्था–हं भो मागंदियदारगा ! जइ णं तुब्भेहिं देवाणुप्पिया ! मए सद्धिं हसियाणि य रमियाणि य ललियाणि य कीलियाणि य हिंडियाणि य मोहियाणि य ताहे णं तुब्भे सव्वाइं अगणेमाणा ममं विप्पजहाय सेलएणं सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयह । तए णं सा रयणदीवदेवया जिणरक्खियस्स मणं ओहिणा आभोएइ २ त्ता एवं वयासी–णिच्चंपि य णं अहं जिणपालियस्स अणिट्ठा ५ । णिच्चं मम जिणपालए अणिट्ठे ५ । णिच्चंपि य णं अहं जिणरक्खियस्स इट्ठा ५ । णिच्चंपि य णं ममं जिणरक्खिए इट्ठे ५ । जइ णं ममं जिणपालिए रोयमाणिं कंदमाणिं सोयमाणिं

तिप्पमाणिं विलवमाणिं णावयक्खइ किण्णं तुमं[पि]जिणरक्खिया ! ममं रोय-माणिं जाव णावयक्खयि ? तए णं-सा पवररयणदीवस्स देवया ओहिणा(उ) जिणरक्खियस्स मणं । णाऊण वधणिमित्तं उवरि मागंदियदारगाणं दोण्हंपि ॥१॥ दोसकलिया सललियं णाणाविहचुण्णवाससीसं दिव्वं । घाणमण-णिव्वुइकरं सव्वोउयसुरभिकुसुमवुट्ठिं पमुंचमाणी ॥२॥ णाणामणिकणगरयण-घंटियखिंखिणिणेऊरमेहलभूसणरवेणं । दिसाओ विदिसाओ पूरयंती वयणमिणं बेइ सा सकलुसा ॥३॥ होल वसुल गोल णाह दइत पिय रमण कंत सामिय णिग्घिण णित्थक्क । थि(छि)ण्ण णिक्किव अकयण्णुय सिढिलभाव णिल्लज्ज लुक्ख अकलुणजिणरक्खिय मज्झं हिययरक्खगा ॥४॥ ण हु जुज्जसि एक्कियं अणाहं अबंधवं तुज्झ चलणओवायकारियं उज्झिउमह(ध)ण्णं । गुणसंकर ! अहं तुमे विहूणा ण समत्था(वि)जीविउं खणंपि ॥५॥ इमस्स उ अणेगझसमगरविविध-सावयसयाउलघरस्स । रयणागरस्स मज्झे अप्पाणं वहेमि तुज्झ पुरओ एहि णियत्ताहि जइ सि कुविओ खमाहि एक्कावराहं मे ॥६॥ तुज्झ य विगयघण-विमलससिमंडलगारसस्सिरीयं सारयणवकमलकुमुदकुवलयविमलदलणिकर-सरिसणिभणयणं । वयणं पिवासागयाए सद्धा मे पेच्छिउं जे अवलोएहि ता इओ ममं णाह जा ते पेच्छामि वयणकमलं ॥७॥ एवं सप्पणयसरलमहुराइं पुणो २ कलुणाइं वयणाइं जंपमाणी सा पावा मग्गओ समण्णेइ पावहियया ॥८॥ तए णं से जिणरक्खिए चलमणे तेणेव भूसणरवेणं कण्णसुहमणोहरेणं तेहि य सप्पणयसरलमहुरभणिएहिं संजायविउणराए रयणदीवस्स देवयाए तीसे सुंदरथणजहणवयणकरचरणणयणलावण्णरूवजोवण्णसिरिं च दिव्वं सरभसउ-वगूहियाइं(जाति) बिब्बोयविलसियाणि य विहसियसकडक्खदिट्ठिणिस्ससिय-मलियउवललिय(ठि)थियगमणपणयखिज्जियपासाइयाणि य सरमाणे राग-मोहियमई अवसे कम्मवसगए अवयक्खइ मग्गओ सविलियं । तए णं जिण-रक्खियं समुप्पण्णकलुणभावं मच्चुगलत्थल्लणोल्लियमइं अवयक्खंतं तहेव जक्खे (य) उ सेलए जाणिऊण सणियं २ उव्विहइ णियगपिट्ठाहि विगयस(त्थं)ड्ढे । तए णं सा रयणदीवदेवया णिस्संसा कलुणं जिणरक्खियं सकलुसा सेलग-पिट्ठाहि उवयंतं-दास ! मओसि त्ति जंपमाणी अप्पत्तं सागरसलिलं गेण्हिय बाहाहिं आरसंतं उड्ढं उव्विहइ अंबरतले ओवयमाणं च मंडलग्गेण

पडिच्छित्ता णीलुप्पलगवलअयसिप्पगासेण असिवरेणं खंडाखंडिं करेइ २ त्ता तत्थ विलवमाणं तस्स य सरसवहियस्स घेत्तूण अंगमंगाइं सरुहिराइं उक्खित्त-बलिं चउद्दिसिं करेइ सा पंजली पहिट्ठा ॥६१॥ एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अंतिए पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभोगे आसायइ पत्थयइ पीहेइ अभिलसइ से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं जाव संसारं अणुपरियट्टिस्सइ जहा वा से जिणरक्खिए । छलिओ अवयक्खंतो णिरावयक्खो गओ अविग्घेणं । तम्हा पवयणसारे णिरावयक्खेण भवियव्वं ॥१॥ भोगे अवयक्खंता पडंति संसारसायरे घोरे । भोगेहिं णिरवयक्खा तरंति संसारकंतारं ॥ २ ॥ ६२ ॥ तए णं सा रयणदीवदेवया जेणेव जिणपालिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूहिं अणुलोमेहि य पडिलोमेहि य खरमहुरसिंगारेहि य कलुणेहि य उवसग्गेहि य जाहे णो संचाएइ चालित्तए वा खोभित्तए वा विप्परिणामित्तए वा ताहे संता तंता परितंता णिव्विण्णा समाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं से सेलए जक्खे जिणपालिएण सद्धिं लवणसमुद्दं मज्झं-मज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव चंपा णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चंपाए णयरीए अग्गुज्जाणंसि जिणपालियं पट्ठाओ ओयारेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! चंपा णयरी दीसइ त्तिकट्टु जिणपालियं आपुच्छइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥६३॥ तए णं जिणपालिए चंपं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अम्मापिऊणं रोयमाणे जाव विलवमाणे जिणरक्खियवावत्तिं णिवेदेइ । तए णं जिणपालिए अम्मापियरो मित्तणाइ जाव परियणेणं सद्धिं रोयमाणाइं बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेंति २ त्ता कालेणं विगयसोया जाया । तए णं जिणपालियं अण्णया कयाइ सुहासणवरगयं अम्मापियरो एवं वयासी–कहण्णं पुत्ता ! जिणरक्खिए कालगए ? तए णं से जिणपालिए अम्मापिऊणं लवणसमुद्दोत्तारं च कालियवायसमुत्थणं [च] पोयवहणविवत्तिं च फलहखंडआसायणं च रयणदीवुत्तारं च रयणदीवदेवया गिहं च भोगविभूइं च रयणदीवदेवयाअप्पाहणं च सूलाइयपुरिसदरिसणं च सेलगजक्खआरुहणं च रयणदीवदेवयाउवसग्गं च जिणरक्खियविवत्तिं च लवणसमुद्दउत्तरणं च चंपागमणं च सेलगजक्खआपुच्छणं

च जहाभूयमवितहमसंदिद्धं परिकहेइ । तए णं जिणपालिए जाव अप्पसोगे जाव विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ।।६४।। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसढे जाव धम्मं सोच्चा पव्वइए एक्कारसंगवी मासिएणं भत्तेणं जाव सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववण्णे दो सागरोवमाइं ठिई प० । महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । एवामेव समणाउसो ! जाव माणुस्सए कामभोगे णो पुणरवि आसाइ से णं जाव वीईवइस्सइ जहा व से जिणपालिए । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ।।६५।। गाहाओ—जह रयणदीवदेवी तह एत्थं अविरई महापावा । जह लाहत्थी वणिया तह सुहकामा इहं जीवा ।।१।। जह तेहिं भीएहिं दिट्ठो आघायमंडले पुरिसो । संसारदुक्खभीया पासंति तहेव धम्मकहं ।।२।। जह तेण तेसि कहिया देवी दुक्खाण कारणं घोरं । तत्तो च्चिय णित्थारो सेलगजक्खाओ णण्णत्तो ।।३।। तह धम्मकही भव्वाण साहए दिट्ठअविरइसहावो । सयलदुहहेउभूओ विसया विरयंति जीवाणं ।। ४ ।। सत्ताणं दुहत्ताणं सरणं चरणं जिणिंदपण्णत्तं । आणंदरूवणिव्वाणसाहणं तह य देसेइ ।। ५ ।। जह तेसिं तरियव्वो रुद्दसमुद्दो तहेव संसारो । जह तेसि सगिहगमणं णिव्वाणगमो तहा एत्थं ।। ६ ।। जह सेलगपिट्ठाओ भट्ठो देवीइ मोहियमईओ । सावयसहस्सपउरम्मि सायरे पाविओ णिहणं ।। ७ ।। तह अविरईइ णडिओ चरणचुओ दुक्खसावयाइण्णे । णिवडइ अपारसंसारसायरे दारुणसरूवे ।। ८ ।। जह देवीए अक्खोहो पत्तो सट्ठाण जीवियसुहाइं । तह चरणट्ठिओ साहू अक्खोहो जाइ णिव्वाणं ।। ९ ।।

।। णवमं अज्झयणं समत्तं ।।

चंदिमा णामं दसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० णवमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दसमस्स० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे सामी समोसढे । गोयमसामी एवं वयासी—कहण्णं भंते ! जीवा वड्ढंति वा हायंति वा ? गोयमा ! से जहाणामए बहुलपक्खस्स पाडिवयाचंदे पुण्णिमाचंदं पणिहाय हीणे वण्णेणं हीणे सोम्मयाए हीणे णिद्ध-

याए हीणे कंतीए एवं दित्तीए जुत्तीए छायाए पभाए ओयाए लेस्साए मंड-लेणं। तयाणंतरं च णं बीयाचंदे ,पाडिवयं चंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। तयाणंतरं च णं तइयाचंदे बीयाचंदं पणिहाय हीणतराए वण्णेणं जाव मंडलेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ जाव अमाव-स्साचंदे चाउद्दसिचंदं पणिहाय णट्ठे वण्णेणं जाव णट्ठे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे हीणे खंतीए एवं मुत्तीए गुत्तीए अज्जवेणं मद्दवेणं लाघवेणं सच्चेणं तवेणं चियाए अकिंचणयाए बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं हीणे हीणतराए खंतीए जाव हीणतराए बंभचेरवासेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिहायमाणे २ णट्ठे खंतीए जाव णट्ठे बंभचेरवासेणं। से जहा वा सुक्कपक्खस्स पडिवयाचंदे अमावसाचंदं पणिहाय अहिए वण्णेणं जाव अहिए मंडलेणं। तयाणंतरं च णं बीयाचंदे पडिवयाचंदं पणिहाय अहिययराए वण्णेणं जाव अहिययराए मंडलेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिवड्ढेमाणे २ जाव पुण्णिमाचंदे चाउद्दसिं चंदं पणिहाय पडिपुण्णे वण्णेणं जाव पडिपुण्णे मंडलेणं। एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे अहिए खंतीए जाव बंभचेरवासेणं। तयाणंतरं च णं अहिययराए खंतीए जाव बंभचेरवासेणं। एवं खलु एएणं कमेणं परिवड्ढेमाणे २ जाव पडिपुण्णे बंभचेरवासेणं। एवं खलु जीवा वड्ढंति वा हायंति वा। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं० दसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि ॥ ६९ ॥ गाहाओ–जह चंदो तह साहू राहुवरोहो जहा तह पमाओ। वण्णाई गुणगणो जह तहा खमाई समणधम्मो ॥१॥ पुण्णो वि पइदिणं जह हायंतो सव्वहा ससी णस्से। तह पुण्णचरित्तोऽवि हु कुसीलसंसग्गिमाईहिं ॥२॥ जणियपमाओ साहू हायंतो पइदिणं खमाईहिं। जायइ णट्ठचरित्तो तत्तो दुक्खाइं पावेइ ॥३॥ हीणगुणो वि हु होउं सुहगुरुजोगाइजणियसंवेगो। पुण्णसरूवो जायइ विवड्ढमाणो ससहरोव्व ॥४॥ **दसमं अज्झयणं समत्तं ॥**

दावद्दवे णामं एक्कारसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० दसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते एक्का-रसमस्स ० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव गोयमे (समणं ३) एवं वयासी–कहं णं भंते ! जीवा आराहगा

वा विराहगा वा भवंति ? गोयमा ! से जहाणामए एगंसि समुद्दकूलंसि दाव-
द्दवा णामं रुक्खा पण्णत्ता किण्हा जाव णिउरुंबभूया पत्तिया पुप्फिया फलिया
हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । जया णं दीवि-
च्चगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं बहवे
दावद्दवा रुक्खा पत्तिया जाव चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा जुण्णा
झोडा परिसडियपंडुपत्तपुप्फफला सुक्करुक्खओ विव मिलायमाणा २ चिट्ठंति ।
एवामेव समणाउसो ! जे अम्हं णिग्गंथो वा २ जाव पव्वइए समाणे बहूणं
समणाणं ४ सम्मं सहइ जाव अहियासेइ बहूणं अण्णउत्थियाणं बहूणं गिहत्थाणं
णो सम्मं सहइ जाव णो अहियासेइ एस णं मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते
समणाउसो ! जया णं सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया
वायंति तया णं बहवे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा जाव मिलायमाणा २
चिट्ठंति । अप्पेगइया दावद्दवा रुक्खा पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २
चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ जाव पव्वइए
समाणे बहूणं अण्णउत्थियगिहत्थाणं सम्मं सहइ बहूणं समणाणं ४ णो सम्मं
सहइ एस णं मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते समणाउसो ! जया णं णो
दीविच्चगा णो सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया जाव महावाया वायंति
तए णं सव्वे दावद्दवा रुक्खा जुण्णा झोडा ० । एवामेव समणाउसो ! जाव
पव्वइए समाणे बहूणं समणाणं ४ बहूणं अण्णउत्थियगिहत्थाणं णो सम्मं
सहइ एस णं मए पुरिसे सव्वविराहए पण्णत्ते समणाउसो ! जया णं दीविच्चगा
वि सामुद्दगा वि ईसिं पुरेवाया पच्छावाया जाव वायंति तया णं सव्वे दाव-
द्दवा रुक्खा पत्तिया जाव चिट्ठंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं पव्व-
इए समाणे बहूणं समणाणं ४ बहूणं अण्णउत्थियगिहत्थाणं सम्मं सहइ एस णं
मए पुरिसे सव्वआराहए पण्णत्ते (समणाउसो !) । एवं खलु गोयमा ! जीवा
आराहगा वा विराहगा वा भवंति । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महा-
वीरेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥९७॥ गाहाओ--
जह दावद्दवतरुवणमेवं साहू जहेव दीविच्चा । वाया तह समणाइयसपक्खवय-
णाइं दुसहाइं ॥१॥ जह सामुद्दयवाया तहऽण्णतित्थाइकडुयवयणाइं । कुसुमाइ-
संपया जह सिवमग्गाराहणा तह उ ॥२॥ जह कुसुमाइविणासो सिवमग्ग-

विराहणा तहा णेया । जह दीववाउजोगे बहू इड्ढी ईसि य अणिड्ढी ॥३॥ तह साहम्मियवयणाण सहमाणाराहणा भवे बहुया । इयराणमसहणे पुण सिवमग्गविराहणा थोवा ॥४॥ जह जलहिवाउजोगे थेविड्ढी बहुयरा यऽणिड्ढी य । तह परपक्खक्खमणे आराहणमीसि बहु य यरं ॥५॥ जह उभयवाउविरहे सव्वा तरुसंपया विणट्ठ त्ति । अणिमित्तोभयमच्छररूवे विराहणा तह य ॥६॥ जह उभयवाउजोगे सव्वसमिड्ढी वणस्स संजाया । तह उभयवयणसहणे सिवमग्गाराहणा वुत्ता ॥७॥ ता पुण्णसमणधम्माराहणचित्तो सया महासत्तो । सव्वेण वि कीरंतं सहेज्ज सव्वं पि पडिकूलं ॥८॥

॥ एक्कारसमं अज्झयणं समत्तं ॥

उदगणाए णामं बारसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते बारसमस्स णं ० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णाम णयरी । पुण्णभद्दे चेइए । जियसत्तू राया । धारिणी देवी । अदीणसत्तू णामं कुमारे जुवराया वि होत्था । सुबुद्धी अमच्चे जाव रज्जधुराचिंतए समणोवासए । तीसे णं चंपाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमेणं एगे फरिहोदए यावि होत्था, मेयवसारुहिरमंसपूयपडलपोच्चडे मयगकलेवरसंछण्णे अमणुण्णे वण्णेणं जाव फासेणं से जहाणामए अहिमडेइ वा गोमडेइ वा जाव मयकुहियविणट्ठकिमिणवावण्णदुरभिगंधे किमिजालाउले संसत्ते असुइविगयबीभच्छदरिसणिज्जे । भवेयारूवे सिया ? णो इणट्ठे समट्ठे । एत्तो अणिट्ठतराए चेव जाव गंधेणं पण्णत्ते ॥९८॥ तए णं से जियसत्तू राया अण्णया कयाइ ण्हाए कयबलिकम्मे जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे बहूहिं ईसर जाव सत्थवाहपभिईहिं सद्धिं [भोयणमंडवंसि] भोयणवेलाए सुहासणवरगए विउलं असणं ४ जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए जाव सुइभूए तंसि विपुलंसि असणंसि ४ जाव जायविम्हए ते बहवे ईसर जाव पभिईए एवं वयासी—अहो णं देवाणुप्पिया ! इमे मणुण्णे असणं ४ वण्णेणं उववेए जाव फासेणं उववेए अस्सायणिज्जे विस्सायणिज्जे पीणणिज्जे दीवणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे बिंहणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे । तए णं ते बहवे ईसर जाव पभियओ जियसत्तुं

एवं वयासी-तहेव णं सामी ! जण्णं तुब्भे वयह-अहो णं इमे मणुण्णे असणे ४ वण्णेणं उववेए जाव पल्हायणिज्जे । तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी ! इमे मणुण्णे असणे ४ जाव पल्हायणिज्जे । तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स रण्णो एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे मणुण्णे तं चेव जाव पल्हायणिज्जे । तए णं (जियसत्तुणा) से सुबुद्धी अमच्चे दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे जियसत्तुं रायं एवं वयासी-णो खलु सामी ! अहं एयंसि मणुण्णंसि असणंसि ४ केइ विम्हए । एवं खलु सामी ! सुब्भिसद्दा वि पोग्गला दुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति दुब्भिसद्दा वि पोग्गला सुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति । सुरूवा वि पोग्गला दुरूवत्ताए परिणमंति दुरूवा वि पोग्गला सुरूवत्ताए परिणमंति । सुब्भिगंधा वि पोग्गला दुब्भिगंधत्ताए परिणमंति दुब्भिगंधा वि पोग्गला सुब्भिगंधत्ताए परिणमंति । सुरसा वि पोग्गला दुरसत्ताए परिणमंति । दुरसा वि पोग्गला सुरसत्ताए परिणमंति । सुहफासा वि पोग्गला दुहफासत्ताए परिणमंति दुहफासा वि पोग्गला सुहफासत्ताए परिणमंति । पओगवीससापरिणया वि य णं सामी ! पोग्गला पण्णत्ता । तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिस्स अमच्चस्स एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो आढाइ णो परियाणइ तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं से जियसत्तू अण्णया कयाइ ण्हाए आसखंधवरगए महयाभडचडगरह आसवाहणियाए णिज्जायमाणे तस्स फरिहोदगस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । तए णं जियसत्तू राया तस्स फरिहोदगस्स असुभेणं गंधेणं अभिभूए समाणे सएणं उत्तरिज्जगेणं आसगं पिहेइ एगंतं अवक्कमइ २ त्ता बहवे ईसर जाव पभिइओ एवं वयासी-अहो णं देवाणुप्पिया ! इमे फरिहोदए अमणुण्णे वण्णेणं ४ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव । तए णं ते बहवे राईसर जाव पभियओ एवं वयासी-तहेव णं तं सामी ! जं णं तुब्भे एवं वयह-अहो णं इमे फरिहोदए अमणुण्णे वण्णेणं ४ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव अमणामतराए चेव । तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी-अहो णं सुबुद्धी! इमे फरिहोदए अमणुण्णे वण्णेणं ४ से जहाणामए अहिमडेइ वा जाव अम-

णामतराए चेव । तए णं से सुबुद्धी अमच्चे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं से जियसत्तू राया सुबुद्धिं अमच्चं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–अहो णं तं चेव । तए णं से सुबुद्धी अमच्चे जियसत्तुणा रण्णा दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे एवं वयासी–णो खलु सामी ! अम्हं एयंसि फरिहोदगंसि केइ विम्हए । एवं खलु सामी ! सुब्भिसद्दा वि पोग्गला दुब्भिसद्दत्ताए परिणमंति तं चेव जाव पओगवीससापरिणया वि य णं सामी ! पोग्गला पण्णत्ता । तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! अप्पाणं च परं च तदुभयं च बहूहि य असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेण य वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे विहराहि । तए णं सुबुद्धिस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–अहो णं जियसत्तू संते तच्चे तहिए अवितहे सब्भूए जिणपण्णत्ते भावे णो उवलभइ । तं सेयं खलु मम जियसत्तुस्स रण्णो संताणं तच्चाणं तहियाणं अवितहाणं सब्भूयाणं जिणपण्णत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवाइणावेत्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता पच्चइएहिं पुरिसेहिं सद्धिं अंतरावणाओ णवए घडए य पडए य पगेण्हइ २ त्ता संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि णिसंतपडिणिसंतंसि जेणेव फरिहोदए तेणेव उवागए २ त्ता तं फरिहोदगं गेण्हावेइ २ त्ता णवएसु घडएसु गालावेइ २ त्ता णवएसु घडएसु पक्खिवावेइ २ त्ता सज्जखारं पक्खिवावेइ लंछियमुद्दिए करावेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ परिवसावेत्ता दोच्चंपि णवएसु घडएसु गालावेइ गालावेत्ता णवएसु घडएसु पक्खिवावेइ पक्खिवावेत्ता सज्जक्खारं पक्खिवावेइ २ त्ता लंछियमुद्दिए कारवेइ २ त्ता सत्तरत्तं परिवसावेइ २ त्ता तच्चंपि णवएसु घडएसु जाव संवसावेइ । एवं खलु एएणं उवाएणं अंतरा गलावेमाणे अंतरा पक्खिवावेमाणे अंतरा य विपरिवसावेमाणे २ सत्तसत्त य राइंदियाइं विपरिवसावेइ । तए णं से फरिहोदए सत्तमंसि सत्तयंसि परिणममाणंसि उदगरयणे जाए यावि होत्था अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फलिहवण्णाभे वण्णेणं उववेए ४ आसायणिज्जे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे । तए णं सुबुद्धी अमच्चे जेणेव से उदगरयणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयलंसि आसादेइ २ त्ता तं उदगरयणं वण्णेणं उववेयं ४ आसायणिज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जं जाणित्ता हट्ठतुट्ठे बहूहिं उदगसंभारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रण्णो पाणियघरियं सद्दावेइ २

त्ता एवं वयासी–तुमं च णं देवाणुप्पिया ! इमं उदगरयणं गेण्हाहि २ त्ता जियसत्तुस्स रण्णो भोयणवेलाए उवणेज्जासि । तए णं से पाणियघरिए सुबुद्धिस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता तं उदगरयणं गिण्हाइ २ त्ता जियसत्तुस्स रण्णो भोयणवेलाए उवट्ठवेइ । तए णं से जियसत्तू राया तं विपुलं असणं ४ आसाएमाणे जाव विहरइ जिमियभुत्तुत्तरायया वि य णं जाव परमसुइभूए तंसि उदगरयणे जायविम्हए ते बहवे राईसर जाव एवं वयासी–अहो णं देवाणुप्पिया ! इमे उदगरयणे अच्छे जाव सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे । तए णं ते बहवे राईसर जाव एवं वयासी–तहेव णं सामी ! जण्णं तुब्भे वयह जाव एवं चेव पल्हायणिज्जे । तए णं जियसत्तू राया पाणियघरियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! उदगरयणे कओ आसाइए ? तए णं से पाणियघरिए जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी ! मए उदगरयणे सुबुद्धिस्स अंतियाओ आसाइए । तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–अहो णं सुबुद्धी ! केणं कारणेणं अहं तव अणिट्ठे ५ जेणं तुमं मम कल्लाकल्लिं भोयणवेलाए इमं उदगरयणं ण उवट्ठवेसि ? तं एस (तए) णं तुमे देवाणुप्पिया ! उदगरयणे कओ उवलद्धे ? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एस णं सामी ! से फरिहोदए । तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–केणं कारणेणं सुबुद्धी ! एस से फरिहोदए ? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! तुम्हे तया मम एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहह तए णं मम इमेयारूवे अज्झत्थिए०–अहो णं जियसत्तू संते जाव भावे णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ । तं सेयं खलु मम जियसत्तुस्स रण्णो संताणं जाव सब्भूयाणं जिणपण्णत्ताणं भावाणं अभिगमणट्ठयाए एयमट्ठं उवाइणावेत्तए । एवं संपेहेमि २ त्ता तं चेव जाव पाणियघरियं सद्दावेमि २ त्ता एवं वदामि–तुमं णं देवाणुप्पिया ! उदगरयणं जियसत्तुस्स रण्णो भोयणवेलाए उवणेहि । तं एएणं कारणेणं सामी ! एस से फरिहोदए । तए णं जियसत्तू राया सुबुद्धिस्स (अमच्चस्स) एवमाइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहइ ३ असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोयमाणे अब्भितरट्ठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अंतरावणाओ णव घडए पडए य गेण्हह जाव उदगसंहारणिज्जेहिं दव्वेहिं संभारेह ।

तेवि तहेव संभारेंति २ त्ता जियसत्तुस्स उवणेंति। तए णं से जियसत्तू राया तं उदगरयणं करयलंसि आसाएइ आसायणिज्जं जाव सव्विंदियगायपल्हाय- णिज्जं जाणित्ता सुबुद्धिं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–सुबुद्धी ! एए णं तुमे संता तच्चा जाव सब्भूया भावा कओ उवलद्धा ? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–एए णं सामी ! मए संता जाव भावा जिणवयणाओ उवलद्धा। तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! तव अंतिए जिणवयणं णिसामित्तए । तए णं सुबुद्धी जियसत्तुस्स विचित्तं केवलिपण्णत्तं चाउज्जामं धम्मं परिकहेइ तमाइक्खइ जहा जीवा बज्झंति जाव पंचाणुव्वयाइं । तए णं जियसत्तू सुबुद्धिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० सुबुद्धिं अमच्चं एवं वयासी–सद्दहामि णं देवाणुप्पिया ! णिग्गंथं पावयणं ३ जाव से जहेयं तुब्भे वयह । तं इच्छामि णं तव अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं से जियसत्तू सुबुद्धिस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ । तए णं जियसत्तू समणोवासए जाए अभिगयजीवा- जीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं। जियसत्तू राया सुबुद्धी य णिग्गच्छइ । सुबुद्धी धम्मं सोच्चा जं णवरं जियसत्तुं आपुच्छामि जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं सुबुद्धी जेणेव जियसत्तू तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु सामी ! मए थेराणं अंतिए धम्मे णिसंते । से वि य धम्मे इच्छिय पडिच्छिए ३। तए णं अहं सामी ! संसारभउव्विग्गे भीए जाव इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भ- णुण्णाए स० जाव पव्वइत्तए । तए णं जियसत्तू सुबुद्धिं एवं वयासी–अच्छसु ताव देवाणुप्पिया ! कइवयाइं वासाइं उरालाइं जाव भुंजमाणा तओ पच्छा एगयओ थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइस्सामो । तए णं सुबुद्धी जिय- सत्तुस्स रण्णो एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं तस्स जियसत्तुस्स रण्णो सुबुद्धिणा सद्धिं विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव पच्चणुब्भवमाणस्स दुवालस वासाइं वीइ- क्कताइं । तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं । तए णं जियसत्तू धम्मं सोच्चा एवं जं णवरं देवाणुप्पिया ! सुबुद्धिं आमंतेमि जेट्ठपुत्तं रज्जे ठवेमि तए णं तुब्भं जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं जियसत्तू

राया जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबुद्धिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु मए थेराणं जाव पव्वज्जामि, तुमं णं किं करेसि ? तए णं सुबुद्धी जियसत्तुं एवं वयासी–जाव के अण्णे आहारे वा जाव पव्वयामि तं जइ णं देवाणुप्पिया ! जाव पव्वयह। गच्छह णं देवाणुप्पिया ! जेट्ठपुत्तं च कुडुंबे ठावेहि २ त्ता सीयं दुरुहित्ताणं ममं अंतिए सीया जाव पाउब्भवइ। तए णं सु० जाव पाउब्भवइ तए णं जियसत्तू कोडुंबिय-पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अदीणसत्तू-स्स कुमारस्स रायाभिसेयं उवट्ठवेह जाव अभिसिंचंति जाव पव्वइए। तए णं जियसत्तू एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूणि वासाणि परियाओ पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे। तए णं सुबुद्धी एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि जाव सिद्धे। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि ॥ ९९ ॥

गाहा–मिच्छत्तमोहियमणा पावपसत्तावि पाणिणो विगुणा। फरिहोदगं व गुणिणो हवंति वरगुरुपसायाओ ॥ १ ॥

॥ बारसमं अज्झयणं समत्तं ॥

मंडुक्के णामं तेरसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं बारसमस्स णा० अयमट्ठे पण्णत्ते तेरसमस्स णं भंते ! णाय० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे ० गुणसिलए चेइए समोसरणं। परिसा णिग्गया। तेणं कालेणं तेणं समएणं सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए दद्दुरंसि सीहासणंसि दद्दुरे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं अग्ग-महिसीहिं सपरिसाहिं एवं जहा सुरियाभो जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणो विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ जाव णट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगए जहा सूरियाभे। भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–अहो णं भंते ! दद्दुरे देवे महि-ड्ढिए ६। दद्दुरस्स णं भंते ! देवस्स सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया ? कहिं अणुपविट्ठा ? गोयमा ! सरीरं गया सरीरं अणुपविट्ठा कूडागारदिट्ठंतो।

दद्दुरेणं भंते ! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी ३ किण्णा लद्धा जाव अभिसमण्णा-गया ? एवं खलु गोयमा ! इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे रायगिहे गुणसिलए चेइए सेणिए राया। तत्थ णं रायगिहे णंदे णामं मणियारसेट्ठी परिवसइ अड्ढे दित्ते०। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! समोसढे परिसा णिग्गया सेणिए वि राया णिग्गए। तए णं से णंदे मणियारसेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए पायचारेणं जाव पज्जुवासइ। णंदे धम्मं सोच्चा समणोवासए जाए। तए णं अहं रायगिहाओ पडिणिक्खंते बहिया जणवयविहारं विहरामि। तए णं से णंदे मणियारसेट्ठी अण्णया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणाए य अणणुसासणाए य असुस्सूसणाए य सम्मत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ मिच्छत्त-पज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ मिच्छत्तं विप्पडिवण्णे जाए यावि होत्था। तए णं णंदे मणियारसेट्ठी अण्णया [कयाइ] गिम्हकालसमयंसि जेट्ठामूलंसि मासंसि अट्ठमभत्तं परिगेण्हइ २ त्ता पोसहसालाए जाव विहरइ। तए णं णंदस्स अट्ठम-भत्तंसि परिणममाणंसि तण्हाए छुहाए य अभिभूयस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–धण्णा णं ते जाव ईसरपभियओ, जेसिं णं रायगिहस्स बहिया बहूओ वावीओ पोक्खरणीओ जाव सरसरपंतियाओ जत्थ णं बहुजणो ण्हाइ य पियइ य पाणियं च संवहइ। तं सेयं खलु ममं कल्लं (पाउ०) सेणियं रायं आपुच्छित्ता रायगिहस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए वेब्भारपव्वयस्स अदूरसामंते वत्थुपाढगरोइयंसि भूमिभागंसि (जाव) णंदं पोक्खरिणिं खणावेत्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउब्भाए जाव पोसहं पारेइ २ त्ता ण्हाए कयबलिकम्मे मित्तणाइ जाव संपरिवुडे महत्थं जाव पाहुडं रायारिहं गेण्हइ २ त्ता जेणेव सेणिए राया तेणेव उवागच्छइ जाव पाहुडं उवट्ठवेइ २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं सामी ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे रायगिहस्स बहिया जाव खणावेत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं से णंदे सेणिएणं रण्णा अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठे रायगिहं [णगरं] मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता वत्थुपाढयरोइयंसि भूमिभागंसि णंदं पोक्खरणिं खणाविउं पयत्ते यावि होत्था। तए णं सा णंदा पोक्खरणी अणुपुव्वेणं खणमाणा २ पोक्खरणी जाया यावि होत्था चाउक्कोणा समतीरा अणुपुव्वसुजायवप्पसीयलजला संछण्णपत्तबिस-मुणाला बहुउप्पलपउमकुमुदणलिणिसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्त-

सहस्सपत्तपफुल्लकेसरोववेया परिहत्थ-भमंत-मत्तछप्पय-अणेगसउणगण-मिहुण-वियरियसद्दुण्णइयमहुरसरणाइया पासाईया ४ । तए णं से णंदे मणियारसेट्ठी णंदाए पोक्खरिणीए चउद्दिसिं चत्तारि वणसंडे रोवावेइ । तए णं ते वणसंडा अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा य संवड्ढियमाणा य से वणसंडा जाया किण्हा जाव णिकुरंबभूया पत्तिया पुप्फिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति । तए णं णंदे पुरत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं चित्तसभं करावेइ [२] अणेगखंभसयसंणिविट्ठं पासाइयं ४ । तत्थ णं बहूणि किण्हाणि य जाव सुक्किलाणि य कट्ठकम्माणि य पोत्थकम्माणि य चित्त० लिप्प० गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइम० उवदंसिज्जमाणाइं २ चिट्ठंति । तत्थ णं बहूणि आसणाणि य सयणाणि य अत्थुयपच्चत्थुयाइं चिट्ठंति । तत्थ णं बहवे णडा य णट्टा य जाव दिण्णभइभत्तवेयणा तालायरकम्मं करेमाणा विहरंति । रायगिहविणिग्गओ य तत्थ बहूजणो तेसु पुव्वण्णत्थेसु आसणसयणेसु संणिसण्णो य संतुयट्टो य सुणमाणो य साहेमाणो य सासोमाणो य सुहंसुहेणं विहरइ । तए णं णंदे दाहिणिल्ले वणसंडे एगं महं महाणससालं करावेइ अणेयखंभ जाव पडिरूवं । तत्थ णं बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा विउलं असणं ४ उवक्खडेंति बहूणं समणमाहणअतिहीकिवणवणीमगाणं परिभाएमाणा २ विहरंति । तए णं णंदे मणियारसेट्ठी पच्चत्थिमिल्ले वणसंडे एगं महं तेगिच्छियसालं करावेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं । तत्थ णं बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाणुया य जाणुयपुत्ता य कुसला य कुसलपुत्ता य दिण्णभइभत्तवेयणा बहूणं वाहियाणं य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य तेइच्छकम्मं करेमाणा विहरंति । अण्णे य एत्थ बहवे पुरिसा दिण्णभइ० तेसिं बहूणं वाहियाण य रोगि० गिला० दुब्बलाण य ओसहभेसज्जभत्तपाणेणं पडियारकम्मं करेमाणा विहरंति । तए णं णंदे उत्तरिल्ले वणसंडे एगं महं अलंकारियसभं करेइ अणेगखंभसय जाव पडिरूवं । तत्थ णं बहवे अलंकारियपुरिसामणुस्सा दिण्णभइभत्तवेयणा बहूणं समणाण य अणाहाण य गिलाणाण य रोगियाण य दुब्बलाण य अलंकारियकम्मं करेमाणा २ विहरंति । तए णं तीए णंदाए पोक्खरिणीए बहवे सणाहा य अणाहा य पंथिया य पहिया य करोडिया य (कारिया य) तणहारा पत्तहारा कट्ठहारा अप्पेगइया ण्हायंति अप्पेगइया पाणियं पियंति अप्पे-

गइया पाणियं संवहंति अप्पेगइया विसज्जियसेयजल्लमलपरिस्समणिद्दखुप्पि-वासा सुहंसुहेणं विहरंति। रायगिहविणिग्गओ वि जत्थ बहुजणो किं ते जलरमण-विविहमज्जण-कयलिलयाघरय-कुसुमसत्थरय-अणेगसउणगण-रुयरि-भियसंकुलेसु सुहंसुहेणं अभिरममाणो २ विहरइ। तए णं णंदाए पोक्खरिणीए बहुजणो ण्हायमाणो य पीयमाणो य पाणियं च संवहमाणो य अण्णमण्णं एवं वयासी–धण्णे णं देवाणुप्पिया! णंदे मणियारसेट्ठी कयत्थे जाव जम्मजीवियफले जस्स णं इमेयारूवा णंदा पोक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले तं चेव सव्वं चउसु वि वणसंडेसु जाव रायगिहविणिग्गओ जत्थ बहुजणो आसणेसु य सयणेसु य सण्णिसण्णो य संतुयट्टो य पेच्छमाणो य साहे-माणो य सुहंसुहेणं विहरइ। तं धण्णे कयत्थे [कयलक्खणे] कयपुण्णे० कया णं लोया! सुलद्धे माणुस्सए जम्मजीवियफले णंदस्स मणियारस्स। तए णं राय-गिहे सिंघाडग जाव बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–धण्णे णं देवा-णुप्पिया! णंदे मणियारे सो चेव गमओ जाव सुहंसुहेणं विहरइ। तए णं से णंदे मणियारे बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे धाराहयकलं-बगं पिव समूससियरोमकूवे परं सायासोक्खमणुभवमाणे विहरइ ॥१००॥ तए णं तस्स णंदस्स मणियारसेट्ठिस्स अण्णया कयाइ सरीरगंसि सोलस-रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे कासे जरे दाहे कुच्छिसूले भगंदरे। अरिसा अजीरए दिट्ठिमुद्धसूले अगारए॥१॥ अच्छिवेयणा कण्णवेयणा कंडू दउदरे कोढे॥ तए णं से णंदे मणियारसेट्ठी सोलसहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! रायगिहे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! णंदस्स मणियार (सेट्ठि) स्स सरीरगंसि सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे जाव कोढे। तं जो णं इच्छइ देवाणुप्पिया! वेज्जो वा वेज्जपुत्तो वा जाणुओ वा २ कुसलो वा २ णंदस्स मणियारस्स तेसिं च णं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामेत्तए तस्स णं दे०! णंदे मणियारे विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ–त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि घोसणं घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह तेवि तहेव पच्चप्पिणंति। तए णं रायगिहे इमेयारूवं घोसणं सोच्चा णिसम्म बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य

जाव कुसलपुत्ता य सत्थकोसहत्थगया य कोसगपायहत्थगया य सिलियाहत्थगया य गुलियाहत्थगया य ओसहभेसज्जहत्थगया य सएहिं २ गिहेहिंतो णिक्खमंति २ त्ता रायगिहं मज्झंमज्झेणं जेणेव णंदस्स मणियारसेट्ठिस्स गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता णंदस्स मणियारस्स सरीरं पासंति २ तेसिं रोयायंकाणं णियाणं पुच्छंति २ त्ता णंदस्स मणियारस्स बहूहिं उव्वलणेहि य उव्वट्टणेहि सिणेहपाणेहि य वमणेहि य विरेयणेहि य सेयणेहि य अवदहणेहि य अवण्हाणेहि य अणुवासणेहि य वत्थिकम्मेहि य णिरूहेहि य सिरावेहेहि य तच्छणाहि य पच्छणाहि य सिरावेढेहि य तप्पणाहि य पुडवाएहि य छल्लीहि य वल्लीहि य मूलेहि य कंदेहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य बीएहि य सिलियाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेसज्जेहि य इच्छंति तेसिं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए णो चेव णं संचाएंति उवसामेत्तए। तए णं ते बहवे वेज्जा य ६ जाहे णो संचाएंति तेसिं सोलसण्हं रोयायंकाणं एगमवि रोयायंकं उवसामित्तए ताहे संता तंता जाव पडिगया। तए णं णंदे तेहिं सोलसेहिं रोयायंकेहिं अभिभूए समाणे णंदाए पोक्खरिणीए मुच्छिए ४ तिरिक्खजोणिएहिं णिबद्धाउए बद्धपएसिए अट्टदुहट्टवसट्टे कालमासे कालं किच्चा णंदाए पोक्खरिणीए ददुरीए कुच्छिंसि ददुरत्ताए उववण्णे। तए णं णंदे ददुरे गब्भाओ विणिम्मुक्के समाणे उम्मुक्कबालभावे विण्णायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते णंदाए पोक्खरिणीए अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं णंदाए पोक्खरिणीए बहुजणे ण्हायमाणो य पियमाणो य पाणियं च संवहमाणो य अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४-धण्णे णं देवाणुप्पिया! णंदे मणियारे जस्स णं इमेयारूवा णंदा पुक्खरिणी चाउक्कोणा जाव पडिरूवा जस्स णं पुरत्थिमिल्ले वणसंडे चित्तसभा अणेगखंभ० तहेव चत्तारि सहाओ जाव जम्मजीवियफले। तए णं तस्स ददुरस्स तं अभिक्खणं २ बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म इमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था-से कहिं मण्णे मए इमेयारूवे सद्दे णिसंतपुव्वे--त्तिकट्टु सुभेणं परिणामेणं जाव जाईसरणे समुप्पण्णे पुव्वजाइं सम्मं समागच्छइ। तए णं तस्स ददुरस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु अहं इहेव रायगिहे णयरे णंदे णामं मणियारे अड्ढे०। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे इह समोसढे। तए णं समणस्स ३ अंतिए पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए

जाव पडिवण्णे। तए णं अहं अण्णया कयाइ असाहुदंसणेण य जाव मिच्छत्तं विप्पडिवण्णे तए णं अहं अण्णया कयाई गिम्हे कालसमयंसि जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरामि–एवं जहेव चिंता आपुच्छणा णंदापुक्खरिणी वणसंडा सहाओ तं चेव सव्वं जाव णंदाए पोक्ख० दद्दुरत्ताए उववण्णे। तं अहो णं अहं अहण्णे अपुण्णे अकयपुण्णे णिग्गंथाओ पावयणाओ णट्ठे भट्ठे परिब्भट्ठे। तं सेयं खलु ममं सयमेव पुव्वपडिवण्णाइं पंचाणुव्वयाइं० उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता पुव्वपडिवण्णाइं पंचाणुव्वयाइं जाव आरुहेइ २ त्ता इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे जावज्जीवं छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए। छट्ठस्स वि य णं पारणगंसि कप्पइ मे णंदाए पोक्खरिणीए परिपेरंतेसु फासुएणं ण्हाणोदएणं उम्मद्दणोलोलियाहि य वित्तिं कप्पेमाणस्स विहरित्तए। इमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा! गुणसिलए चेइए समोसढे परिसा णिग्गया। तए णं णंदाए पुक्खरिणीए बहुजणो ण्हाय० ३ अण्णमण्णं ० जाव समणे ३ इहेव गुणसिलए चेएइ समोसढे। तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! समणं ३ वंदामो जाव पज्जुवासामो। एयं मे इहभवे परभवे य हियाए जाव आणुगामियत्ताए भविस्सइ। तए णं तस्स दद्दुरस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे ३ ० समोसढे। तं गच्छामि णं वंदामि ०। एवं संपेहेइ २ त्ता णंदाओ पुक्खरिणीओ सणियं २ उत्तरेइ २ त्ता जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए ५ दद्दुरगईए वीईवयमाणे जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। इमं च णं सेणिए राया भंभसारे ण्हाए कयकोउय जाव सव्वालंकारविभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामरा० हयगयरह० महया भडचडगर० चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे मम पायवंदए हव्वमागच्छइ। तए णं से दद्दुरे सेणियस्स रण्णो एगेणं आसकिसोरएणं वामपाएणं अक्कंते समाणे अंतणिग्घाइए कए यावि होत्था। तए णं से दद्दुरे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमि–तिकट्टु एगंतमवक्कमइ ० करयल जाव एवं वयासी–णमोत्थुणं अरहंताणं (भगवंताणं) जाव संपत्ताणं। णमोत्थुणं सम-

णस्स ३ मम धम्मायरियस्स जाव संपाविउकामस्स । पुव्विंपि य णं मए समणस्स ३ अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए। तं इयाणिंपि तस्सेव अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव सव्वं परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवं सव्वं असणं ४ पच्चक्खामि जावज्जीवं जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं जाव मा फुसंतु एयंपि णं चरिमेहिं ऊसासेहिं वोसिरामि–त्तिकट्टु । तए णं से दद्दुरे कालमासे कालं किच्चा जाव सोहम्मे कप्पे दद्दुरवडिंसए विमाणे उववायसभाए दद्दुरदेवत्ताए उववण्णे । एवं खलु गोयमा ! दद्दुरेणं सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा ३ । दद्दुरस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं दद्दुरे देवे० महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि ॥ १०१ ॥ गाहाउ–संपण्णगुणोवि जओ सुसाहुसंसग्गिवज्जिओ पायं । पावइ गुणपरिहाणिं दद्दुरजीवोव्व मणियारो ॥१॥ तित्थयरवंदणत्थं चलिओ भावेण पावए सग्गं । जह दद्दुरदेवेणं पत्तं वेमाणियसुरत्तं ॥२॥ **तेरसमं अज्झयणं समत्तं ॥**

तेयली णामं चोद्दसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं तेरसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चोद्दसमस्स ० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं तेयलिपुरं णामं णयरं । पमयवणे उज्जाणे । कणगरहे राया । तस्स णं कणगरहस्स पउमावई देवी । तस्स णं कणगरहस्स रण्णो तेयलिपुत्ते णामं अमच्चे सामदंड० तत्थ णं तेयलिपुरे कलादे णामं मूसियारदारए होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं भद्दा णामं भारिया । तस्स णं कलायस्स मूसियारदारयस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला णामं दारिया होत्था रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा । तए णं सा पोट्टिला दारिया अण्णया कयाइ ण्हाया सव्वालंकारविभूसिया चेडियाचक्कवालसंपरिवुडा उप्पिं पासायवरगया आगासतलगंसि कणगमएणं तिंदूसएणं कीलमाणी २ विहरइ । इमं च णं तेयलिपुत्ते अमच्चे ण्हाए आसखंधवरगए महया भडचडगरआसवाहणियाए णिज्जाय-

माणे कलायस्स मूसियारदारगस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । तए णं से तेयलिपुत्ते अमच्चे मूसियारदारगगिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे २ पोट्टिलं दारियं उप्पिं पासायवरगयं आगासतलगंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणीं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए दारियाए रूवे य ३ जाव अज्झोववण्णे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! कस्स दारिया किंणामधेज्जा वा ? तए णं कोडुंबियपुरिसे तेयलिपुत्तं एवं वयासी–एस णं सामी ! कलायस्स मूसियारदारयस्स धूया भद्दाए अत्तया पोट्टिला णामं दारिया रूवेण य जाव सरीरा । तए णं से तेयलिपुत्ते आसवाहणियाओ पडिणियत्ते समाणे अब्भिंतरठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! कलायस्स २ धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं मम भारियत्ताए वरेह । तए णं ते अब्भिंतरठाणिज्जा पुरिसा तेयलिणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठ० करयल० तहत्ति जेणेव कलायस्स २ गिहे तेणेव उवागया । तए णं से कलाए मूसियारदारए पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता आसणेणं उवणिमंतेइ २ त्ता आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमणपओयणं ? तए णं ते अब्भिंतरठाणिज्जा पुरिसा कलायं २ एवं वयासी–अम्हे णं देवाणुप्पिया ! तव धूयं भद्दाए अत्तयं पोट्टिलं दारियं तेयलिपुत्तस्स भारियत्ताए वरेमो, तं जइ णं जाणसि देवाणुप्पिया ! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं पोट्टिला दारिया तेयलिपुत्तस्स, ता भण देवाणुप्पिया ! किं दलामो सुक्कं ? तए णं कलाए २ ते अब्भिंतरठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी–एस चेव णं देवाणुप्पिया ! मम सुक्के जण्णं तेयलिपुत्ते मम दारियाणिमित्तेणं अणुग्गहं करेइ । ते ठाणिज्जे पुरिसे विपुलेणं असणेणं ४ पुप्फवत्थ जाव मल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ० पडिविसज्जेइ । तए णं कलायस्स मूसियारदारगस्स गिहाओ पडिणियत्तंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एयमट्ठं णिवेयंति । तए णं कलाए २ अण्णया कयाइं सोहणंसि तिहि [करण] णक्खत्तमुहुत्तंसि पोट्टिलं दारियं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं सीयं दुरूहइ दुरूहित्ता मित्तणाइसंपरिवुडे साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सव्विड्ढीए ४ तेयलिपुरं णयरं

मज्झंमज्झेणं जेणेव तेयलिस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ० पोट्टिलं दारियं तेयलि-पुत्तस्स सयमेव भारियत्ताए दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं दारियं भारियत्ताए उवणीयं पासइ २ त्ता पोट्टिलाए सद्धिं पट्टयं दुरूहइ २ त्ता सेयापीएहिं कलसेहिं अप्पाणं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ २ त्ता पोट्टिलाए भारियाए मित्तणाइ जाव परिजणं विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पुप्फ [वत्थ] जाव पडिविसज्जेइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए भारियाए अणुरत्ते अविरत्ते उरालाइं जाव विहरइ ॥१०२॥ तए णं से कणगरहे राया रज्जे य रट्ठे य बले य वाहणे य कोसे य कोट्ठागारे य अंतेउरे य मुच्छिए ४ जाए २ पुत्ते वियंगेइ। अप्पेगइयाणं हत्थंगुलियाओ छिंदइ अप्पेगइयाणं हत्थंगुट्ठए छिंदइ। एवं पायंगुलियाओ पायंगुट्ठए वि कण्णसक्कुलीए वि णासापुडाइं फालेइ अंगमंगाइं वियंगेइ। तए णं तीसे पउमावईए देवीए अण्णया [कयाइ] पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पज्जित्था—एवं खलु कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगेइ जाव अंगमंगाइं वियंगेइ। तं जइ णं अहं दारयं पयायामि सेयं खलु मम तं दारगं कणगरहस्स रहस्सि[य] यं चेव सारक्खमाणीए संगोवेमाणीए विहरित्तए—त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तेयलि-पुत्तं अमच्चं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! कणगरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। तं जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारगं पयायामि तए णं तुमं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे संवड्ढेहि। तए णं से दारए उम्मुक्कबालभावे [जाव] जोव्वणगमणुप्पत्ते तव य मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ। तए णं से तेयलिपुत्ते पउमावईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता पडिगए। तए णं पउमावई य देवी पोट्टिला य अमच्ची सममेव गब्भं गेण्हंति सममेव परिवहंति (सममेव गब्भं परिवड्ढंति)। तए णं सा पउमावई णवण्हं मासाणं जाव पियदंसणं सुरूवं दारगं पयाया। जं रयणिं च णं पउमावई देवी दारयं पयाया तं रयणिं च णं पोट्टिला वि अमच्ची णवण्हं मासाणं विणिहायमावण्णं दारियं पयाया। तए णं सा पउमावई देवी अम्मधाइं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमे अम्मो! तेयलि-पुत्तगिहे तेयलिपुत्तं रहस्सिययं चेव सद्दावेह। तए णं सा अम्मधाई तहत्ति पडिसुणेइ २ त्ता अंतेउरस्स अवदारेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव तेयलिस्स

गिहे जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! पउमावई देवी सद्दावेइ। तए णं तेयलिपुत्ते अम्मधाईए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे अम्मधाईए सद्धिं साओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता अंतेउरस्स अवदारेणं रहस्सियय चेव अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं मए कायव्वं। तए णं पउमावई देवी तेयलिपुत्तं एवं वयासी-एवं खलु कणगरहे राया जाव वियंगेइ। अहं च णं देवाणुप्पिया! दारगं पयाया। तं तुमं णं देवाणुप्पिया! तं (एयं) दारगं गेण्हाहि जाव तव मम य भिक्खाभायणे भविस्सइ-त्तिकट्टु तेयलिपुत्तस्स हत्थे दलयइ। तए णं तेयलिपुत्ते पउमावईए हत्थाओ दारगं गेण्हइ उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स रहस्सिययं अवदारेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव पोट्टिला भारिया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता पोट्टिलं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! कणगरहे राया रज्जे य जाव वियंगेइ। अयं च णं दारए कणगरहस्स पुत्ते पउमावईए अत्तए। (तेणं) तण्णं तुमं देवाणुप्पिए! इमं दारगं कणगरहस्स रहस्सिययं चेव अणुपुव्वेणं सारक्खाहि य संगोवेहि य संवड्ढेहि य। तए णं एस दारए उम्मुक्कबालभावे तव य मम य पउमावईए य आहारे भविस्सइ-त्तिकट्टु पोट्टिलाए पासे णिक्खिवइ [२] पोट्टिलाओ पासाओ तं विणिहायमावण्णियं दारियं गेण्हइ २ त्ता उत्तरिज्जेणं पिहेइ २ त्ता अंतेउरस्स अवदारेणं अणुप्पविसइ २ जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमावईए देवीए पासे ठावेइ जाव पडिणिग्गए। तए णं तीसे पउमावईए अंगपडियारियाओ पउमावइं देविं विणिहायमावण्णियं (च) दारियं पयायं पासंति २ त्ता जेणेव कणगरहे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु सामी! पउमावई देवी मएल्लियं दारियं पयाया। तए णं कणगरहे राया तीसे मएल्लियाए दारियाए णीहरणं करेइ बहू (णि) इं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ २ कालेणं विगयसोए जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते कल्ले कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव चारगसोहणं जाव ठिइपडियं जम्हा णं अम्हं एस दारए कणगरहस्स रज्जे जाए तं होउ णं दारए णामेणं कणगज्झए जाव अलंभोगसमत्थे जाए ॥१०३॥ तए णं सा पोट्टिला

अण्णया कयाइ तेयलिपुत्तस्स अणिट्ठा ६ जाया यावि होत्था णेच्छइ(य)णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलाए णामगोत्तमवि सवणयाए किंपुण दं(दरि)सणं वा परिभोगं वा ? तए णं तीसे पोट्टिलाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं तेयलिस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाया। णेच्छइ णं तेयलिपुत्ते मम णामं जाव परिभोगं वा ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ उवक्खडावेहि २ त्ता बहूणं समणमाहण जाव वणीमगाणं देयमाणी य दवावेमाणी य विहराहि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तेणं अमच्चेणं एवं वृत्ता समाणा हट्ठ० तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कल्लाकल्लिं महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दवावेमाणी विहरइ ॥१०४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ णामं अज्जाओ ईरियासमियाओ जाव गुत्तबंभयारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरिवाराओ पुव्वाणुपुव्विं [चरमाणीओ] जेणामेव तेयलिपुरे णयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हंति २ त्ता संजमेण तवसा अप्पाणं भावेमाणीओ विहरंति। तए णं तासिं सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जाव अडमाणीओ तेयलिस्स गिहं अणुपविट्ठाओ। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ० वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता विपुलं असणं ४ पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं अज्जाओ! तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव दंसणं वा परिभोगं वा, तं तुब्भे णं अज्जाओ सिक्खियाओ बहुणायाओ बहुपढियाओ बहूणि गामागर जाव आहिंडह बहूणं राईसर जाव गिहाइं अणुपविसह, तं अत्थियाइं भे अज्जाओ! केइ कहिंचि चुण्णजोए वा मंतजोगे वा कम्मणजोए वा हियउड्डावणे वा काउड्डावणे वा आभिओगिए वा वसीकरणे वा कोउयकम्मे वा भूइकम्मे वा मूले [वा] कंदे [वा] छल्ली वल्ली सिलिया वा गुलिया वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धपुव्वे जेणाहं तेयलिपुत्तस्स पुणरवि इट्ठा ५ भवेज्जामि? तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए एवं वुत्ताओ समाणीओ दोवि कण्णे ठाइंति २ त्ता पोट्टिलं एवं वयासी–अम्हे णं

देवाणुप्पिए ! समणीओ णिग्गंथीओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ। णो खलु कप्पइ अम्हं एयप्पयारं कण्णेहि वि णिसामेत्तए किमंग पुण उवदिसित्तए वा आयरित्तए वा ? अम्हे णं तव देवाणुप्पिया ! विचित्तं केवलिपण्णत्तं धम्मं पडिकहिज्जामो। तए णं सा पोट्टिला ताओ अज्जाओ एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जाओ ! तुम्हं अंतिए केवलिपण्णत्तं धम्मं णिसामित्तए। तए णं ताओ अज्जाओ पोट्टिलाए विचित्तं धम्मं परिकहेंति। तए णं सा पोट्टिला धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ ! णिग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव धम्मं पडिवज्जित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं सा पोट्टिला तासिं अज्जाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव धम्मं पडिवज्जइ ताओ अज्जाओ वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सा पोट्टिला समणोवासिया जाया जाव पडिलाभेमाणी विहरइ ॥१०५॥ तए णं तीसे पोट्टिलाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए०-एवं खलु अहं तेयलिपुत्तस्स पुव्विं इट्ठा ५ आसि इयाणिं अणिट्ठा ५ जाव परिभोगं वा, तं सेयं खलु मम सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए पव्वइत्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउ० जेणेव तेयलिपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए धम्मे णिसंते जाव अब्भणुण्णाया पव्वइत्तए। तए णं तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी-एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! मुंडा पव्वइया समाणी कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जिहिसि, तं जइ णं तुमं देवाणुप्पिए ! ममं ताओ देवलोयाओ आगम्म केवलिपण्णत्ते धम्मे बोहिहि तो हं विसज्जेमि, अह णं तुमं ममं ण संबोहेसि तो ते ण विसज्जेमि। तए णं सा पोट्टिला तेयलिपुत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं तेयलिपुत्ते विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाइ जाव आमंतेइ जाव सम्माणेइ २ पोट्टिलं ण्हायं जाव पुरिससहस्सवाहणीयं सीयं दुरूहित्ता मित्तणाइ जाव [सं] परिवुडे सव्विड्ढिए जाव रवेणं तेयलिपुरस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव सुव्वयाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पोट्टिलं पुरओ-कट्टु जेणेव सुव्वया अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया !

मम पोट्टिला भारिया इट्ठा ५ एस णं संसारभउव्विग्गा जाव पव्वइ-त्तए, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सिस्सिणिभिक्खं दलयामि । अहासुहं मा पडिबंधं करेह । तए णं सा पोट्टिला सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ० उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–आलित्ते णं भंते ! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव एक्कारस अंगाइं बहूणि वासाणि सामण्ण-परियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाइं आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववण्णा ।।१०६।। तए णं से कणगरहे राया अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था । तए णं ते राईसर जाव णीहरणं करेंति २ त्ता अण्णमण्णं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य जाव पुत्ते वियंगित्था । अम्हे णं देवाणुप्पिया ! रायाहीणा रायाहिट्ठिया रायाहीणकज्जा । अयं च णं तेयली अमच्चे कणगरहस्स रण्णो सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु लद्धपच्चए दिण्णवियारे सव्वकज्जवट्टावए यावि होत्था । सेयं खलु अम्हं तेयलिपुत्तं अमच्चं कुमारं जाइत्तए–त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव तेयलिपुत्ते अमच्चे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेयलिपुत्तं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कणगरहे राया रज्जे य रट्ठे य जाव वियंगेइ, अम्हे (य) णं देवाणुप्पिया ! रायहीणा जाव रायहीणकज्जा, तुमं च णं देवाणुप्पिया ! कणगरहस्स रण्णो सव्वट्ठाणेसु जाव रज्जधुराचिंतए (होत्था) तं जइ णं देवाणुप्पिया ! अत्थि केइ कुमारे रायलक्खणसंपण्णे अभि-सेयारिहे तण्णं तुमं अम्हं दलाहि जाणं अम्हे महया २ रायाभिसेएणं अभि-सिंचामो । तए णं तेयलिपुत्ते तेसिं ईसर जाव एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता कणगज्झयं कुमारं ण्हायं जाव सस्सिरीयं करेइ २ त्ता तेसिं ईसर जाव उवणेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! कणगरहस्स रण्णो पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए कणगज्झए णामं कुमारे अभिसेयारिहे रायलक्खणसंपण्णे मए कणगरह-स्स रण्णो रहस्सिययं संवड्ढिए, एयं णं तुब्भे महया २ रायाभिसेणं अभिसिंचह । सव्वं च तेसिं उट्ठाणपरियावणियं परिकहेइ । तए णं ते ईसर जाव कणगज्झयं

कुमारं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचंति । तए णं से कणगज्झए कुमारे राया जाए महयाहिमवंतमलय० वण्णओ जाव रज्जं पसासेमाणे विहरइ । तए णं सा पउमावई देवी कणगज्झयं रायं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं पुत्ता ! तव रज्जे जाव अंतेउरे य तुमं च तेयलिपुत्तस्स अमच्चस्स पहावेणं, तं तुमं णं तेयलिपुत्तं अमच्चं आढाहि परिजाणाहि सक्कारेहि सम्माणेहि इंतं अब्भुट्ठेहि ठियं पज्जुवासाहि वच्चंतं पडिसंसाहेहि अद्धासणेणं उवणिमंतेहि भोगं च से अणुवड्ढेहि । तए णं से कणगज्झए पउमावईए देवीए तहत्ति वयणं पडिसुणेइ जाव भोगं च से संवड्ढेइ ॥१०७॥ तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अभिक्खणं २ केवलिपण्णत्ते धम्मे संबोहेइ णो चेव णं से तेयलिपुत्ते संबुज्झइ । तए णं तस्स पोट्टिलदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०–एवं खलु कणगज्झए राया तेयलिपुत्तं आढाइ जाव भोगं च संवड्ढेइ । तए णं से तेयलीपुत्ते अभिक्खणं २ संबोहिज्जमाणे वि धम्मे णो संबुज्झइ । तं सेयं खलु कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणामेत्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कणगज्झयं तेयलिपुत्ताओ विप्परिणामेइ । तए णं तेयलिपुत्ते कल्लं ण्हाए जाव पायच्छित्ते आसखंधवरगए बहूहिं पुरिसेहिं [सद्धिं] संपरिवुडे साओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कणगज्झए राया तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तेयलिपुत्तं अमच्चं जे जहा बहवे राईसरतलवर जाव पभियओ पासंति ते तहेव आढायंति परियाणंति अब्भुट्ठेंति २ त्ता अंजलिपरिग्गहं करेंति इट्ठाहिं कंताहिं जाव वग्गूहिं आलवेमाणा य संलवमाणा य पुरओ य पिट्ठओ य पासओ य मग्गओ य समणुगच्छंति । तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव कणगज्झए तेणेव उवागच्छइ । तए णं से कणगज्झए तेयलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ २ त्ता णो आढाइ णो परियाणाइ णो अब्भुट्ठेइ अणाढायमाणे ३ परम्मुहे संचिट्ठइ । तए णं से तेयलिपुत्ते कणगज्झयस्स रण्णो अंजलिं करेइ । तए णं से कणगज्झए राया अणाढायमाणे तुसिणीए परम्मुहे संचिट्ठइ । तए णं तेयलिपुत्ते कणगज्झयं विप्परिणयं जाणित्ता भीए जाव संजायभए एवं वयासी–रुट्ठे णं मम कणगज्झए राया । हीणे णं मम कणगज्झए राया । अवज्झाए णं कणगज्झए (राया) । तं ण णज्जइ णं मम केणइ कुमारेण मारेहिइ–त्तिकट्टु भीए तत्थे (य) जाव सणियं २ पच्चोसक्केइ २ त्ता तमेव आसखंधं दुरूहेइ २ त्ता

तेयलिपुरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तेयलि० पुत्तं जे जहा ईसर जाव पासंति ते तहा णो आढायंति णो परियाणंति णो अब्भुट्ठेंति णो अंजलिं० इट्ठाहिं जाव णो संलवंति णो पुरओ य पिट्ठओ य पासओ (य मग्गओ य) समणुगच्छंति। तए णं तेयलिपुत्ते जेणेव सए गिहे तेणेव उवा- गच्छइ। जा वि य से तत्थ बाहिरिया परिसा भवइ तंजहा–दासेइ वा पेसेइ वा भाइल्लएइ वा सा वि य णं णो आढाइ ३। जा वि य से अब्भितरिया परिसा भवइ तंजहा–पियाइ वा मायाइ वा जाव सुण्हाइ वा सा वि य णं णो आढाइ ३ तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव वासघरे जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणिज्जंसि णिसीयइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं सयाओ गिहाओ णिग्गच्छामि तं चेव जाव अब्भितरिया परिसा णो आढाइ णो परियाणाइ णो अब्भुट्ठेइ। तं सेयं खलु मम अप्पाणं जीवियाओ ववरोवित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता तालउडं विसं आसगंसि पक्खिवइ, से य विसे णो संकमइ। तए णं से तेयलिपुत्ते[अमच्चे] णीलुप्पल जाव असिं खंधेसि ओहरइ, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला। तए णं से तेयलिपुत्ते जेणेव असोगवणिया तेणेव उवा- गच्छइ २ पासगं गीवाए बंधइ २ त्ता रुक्खं दुरूहइ २ त्ता पासं रुक्खे बंधइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से रज्जू छिण्णा। तए णं से तेयलिपुत्ते महइ- महालयं सिलं गीवाए बंधइ २ त्ता अत्थाहमतारमपोरिसियंसि उदगंसि अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि से थाहे जाए। तए णं से तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडंसि अगणि- कायं पक्खिवइ २ त्ता अप्पाणं मुयइ, तत्थ वि य से अगणिकाए विज्झाए तए णं से तेयलिपुत्ते एवं वयासी–सद्धेयं खलु भो समणा वयंति, सद्धेयं खलु भो माहणा वयंति, सद्धेयं खलु भो समणा माहणा वयंति, अहं एगो असद्धेयं वयामि, एवं खलु अहं सह पुत्तेहिं अपुत्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ ? सह मित्तेहिं अमित्ते, को मेदं सद्दहिस्सइ ? एवं अत्थेणं दारेणं दासेहिं (पेसेहिं) परिजणेणं एवं खलु तेयलिपुत्तेणं अमच्चेणं कणगज्झएणं रण्णा अवज्झाएणं समाणेणं तेयलीपुत्तेणं अमच्चेणं तालपुडगे विसे आसगंसि पक्खित्ते, से वि य णो संक- मइ, को मेयं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्ते णीलुप्पल जाव खंधंसि ओहरिए, तत्थ वि य से धारा ओपल्ला, को मेदं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्तस्स पासगं गीवाए बंधेत्ता जाव रज्जू छिण्णा, को मेदं सद्दहिस्सइ ? तेयलिपुत्ते महासिलयं जाव बंधित्ता अत्थाह जाव उदगंसि अप्पा मुक्के, तत्थ वि य णं थाहे

जाए, को मेयं सद्दहिस्सइ? तेयलिपुत्ते सुक्कंसि तणकूडे अग्गी विज्झाए, को मेयं सद्दहिस्सइ? ओहयमणसंकप्पे जाव झियाइ। तए णं से पोट्टिले देवे पोट्टिलारूवं विउव्वइ २ त्ता तेयलिपुत्तस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वयासी–हं भो तेयलिपुत्ता! पुरओ पवाए पिट्ठओ हत्थिभयं दुहओ अचक्खुफासे मज्झे सराणि वरिसयं(पतं)ति, गामे पलित्ते रण्णे झियाइ रण्णे पलित्ते गामे झियाइ, आउसो तेयलिपुत्ता! कओ वयामो? तए णं से तेयलिपुत्ते पोट्टिलं एवं वयासी–भीयस्स खलु भो! पव्वज्जा सरणं, उक्कंठियस्स सदेसगमणं छुहियस्स अण्णं तिसियस्स पाणं आउरस्स भेसज्जं माइयस्स रहस्सं अभिजुत्तस्स पच्चयकरणं अद्धाणपरिसंतस्स वाहणगमणं तरिउकामस्स पवहणं किच्चं परं अभिओजिउकामस्स सहायकिच्चं, खंतस्स दंतस्स जिइंदियस्स एत्तो एगमवि ण भवइ। तए णं से पोट्टिले देवे तेयलिपुत्तं अमच्चं एवं वयासी–सुट्ठु णं तुमं तेयलिपुत्ता! एयमट्ठं आयाणिहि त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ १०८ ॥ तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स सुभेणं परिणामेणं जाईसरणे समुप्पण्णे। तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए० समुप्पण्णे–एवं खलु अहं इहेव जंबुद्दीवे २ महाविदेहे वासे पोक्खलावईविजए पोंडरीगिणीए रायहाणीए महापउमे णामं राया होत्था। तए णं (अ)हं थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव चोद्दसपुव्वाइं ० बहूणि वासाणि सामण्णपरियाए पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए महासुक्के कप्पे देवे। तए णं हं ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं इहेव तेयलिपुरे तेयलिस्स अमच्चस्स भद्दाए भारियाए दारगत्ताए पच्चायाए। तं सेयं खलु मम पुव्वदिट्ठाइं महव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए। एवं संपेहेइ २ त्ता सयमेव महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता जेणेव पमयवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टयंसि सुहणिसण्णस्स अणुचिंतेमाणस्स पुव्वाहीयाइं सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं सयमेव अभिसमण्णागयाइं। तए णं तस्स तेयलिपुत्तस्स अणगारस्स सुभेणं परिणामेणं जाव तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं कम्मरयविकरणकरं अपुव्वकरणं पविट्ठस्स केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे ॥१०९॥ तए णं तेयलिपुरे णयरे अहासण्णिहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं देवीहि य देवदुंदुभीओ समाहयाओ दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए दिव्वे गीयगंधव्वणिणाए कए यावि

होत्था । तए णं से कणगज्झए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे एवं वयासी— एवं खलु तेयलिपुत्ते मए अवज्झाए मुंडे भवित्ता पव्वइए तं गच्छामि णं तेयलि-पुत्तं अणगारं वंदामि णमंसामि वं० २ त्ता एयमट्ठं विणएणं भुज्जो २ खामेमि। एवं संपेहेइ २ त्ता ण्हाए चाउरंगिणीए सेणाए जेणेव पमयवणे उज्जाणे जेणेव तेयलिपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेयलिपुत्तं अणगारं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एयमट्ठं च[णं] विणएणं भुज्जो २ खामेइ [२] णच्चासण्णे जाव पज्जुवासइ । तए णं से तेयलिपुत्ते अणगारे कणगज्झयस्स रण्णो तीसे य महइ-महालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ । तए णं से कणगज्झए राया तेयलिपुत्तस्स केवलिस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं सावग-धम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणोवासए जाए जाव अहिगयजीवाजीवे । तए णं तेयलिपुत्ते केवली बहूणि वासाणि केवलिपरियागं पाउणित्ता जाव सिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं चोद्दसमस्स णायज्झय-णस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥११०॥ गाहा—जाव ण दुक्खं पत्ता माणब्भंसं च पाणिणो पायं । ताव ण धम्मं गेण्हंति भावओ तेयलिसुउव्व ॥१॥

॥ चोद्दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

णंदीफले णामं पण्णरसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० चोद्दसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पण्णरसमस्स णं ० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं सम-एणं चंपा णामं णयरी होत्था पुण्णभद्दे चेइए जियसत्तू राया । तत्थ णं चंपाए णयरीए ध(०)णे णामं सत्थवाहे होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए । तीसे णं चंपाए णयरीए उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए अहिच्छत्ता णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमिय-समिद्धा वण्णओ । तत्थ णं अहिच्छत्ताए णयरीए कणगकेऊ णामं राया होत्था महया वण्णओ । तए णं तस्स धण्णस्स सत्थवाहस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—सेयं खलु मम विपुलं पणियभंडमायाए अहिच्छत्तं णयरिं वाणिज्जाए गमित्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता गणिमं च ४ चउव्विहं भंडं गेण्हइ० सगडीसागडं सज्जेइ २ त्ता सगडीसागडं भरेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ

२ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! चंपाए सिंघाडग जाव पहेसु [एवं वयह–]एवं खलु देवाणुप्पिया ! धणे सत्थवाहे विपुले पणिय० इच्छइ अहिच्छत्तं णयरिं वाणिज्जाए गमित्तए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! चरए वा चीरिए वा चम्मखंडिए वा भिच्छुंडे वा पंडुरगे वा गोयमे वा गोवतीए वा गिहिधम्मे वा गिहिधम्मचिंतए वा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगरत्तपडणिग्गंथप्पभिइपासंडत्थे वा गिहत्थे वा तस्स णं धण्णेणं सद्धिं अहिच्छत्तं णयरिं गच्छइ तस्स णं धणे अच्छत्तगस्स छत्तगं दलायइ अणुवाहणस्स उवाहणाउ दलयइ अकुंडियस्स कुंडियं दलयइ अपत्थयणस्स पत्थयणं दलयइ अपक्खेवगस्स पक्खेवं दलयइ अंतरा वि य से पडियस्स वा भग्गलुग्गसाहेज्जं दलयइ सुहंसुहेण य णं अहिच्छत्तं संपावेइ–त्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि घोसेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव एवं वयासी–हंदि सुणंतु भगवंतो चंपाणयरीवत्थव्वा बहवे चरगा य जाव पच्चप्पिणंति । तए णं (से) तेसिं कोडुंबिय (घोस) पुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सुच्चा चंपाए णयरीए बहवे चरगा य जाव गिहत्था य जेणेव धणे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति । तए णं धणे सत्थवाहे तेसिं चरगाण य जाव गिहत्थाण य अच्छत्तगस्स छत्तं दलयइ जाव पत्थयणं दलाइ २ एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! चंपाए णयरीए बहिया अग्गुज्जाणंसि ममं पडिवालेमाणा चिट्ठह । तए णं ते चरगा य० धणेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा जाव चिट्ठंति । तए णं धणे सत्थवाहे सोहणंसि तिहिकरणणक्खत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाई आमंतेइ २ त्ता भोयणं भोयावेइ २ त्ता आपुच्छइ २त्ता सगडीसागडं जोयावेइ २ त्ता चंपाणयरीओ णिग्गच्छइ० णाइविप्पगिट्ठेहिं अद्धाणेहिं वसमाणे २ सुहेहिं वसहिपायरासेहिं अंगं जणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव देसग्गं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ २ त्ता सत्थणिवेसं करेइ २ त्ता कोडुंबिय पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम सत्थणिवेसंसि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! इमीसे आगामियाए छिण्णावायाए दीहमद्धाए अडवीए बहुमज्झदेसभाए (एत्थ णं) बहवे णंदिफला णामं रुक्खा पण्णत्ता किण्हा जाव पत्तिया पुप्फिया फलिया हरिया रेरिज्जमाणा सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा चिट्ठंति

मणुण्णा वण्णेणं ४ जाव मणुण्णा फासेणं मणुण्णा छायाए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! तेसिं णंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद० तयपत्तपुप्फफलबीयाणि वा हरियाणि वा आहारेइ छायाए वा वीसमइ तस्स णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेंति । तं मा णं देवाणुप्पिया ! केइ तेसिं णंदिफलाणं मूलाणि वा जाव छायाए वा वीसमउ मा णं सेऽवि अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जिस्सइ । तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! अण्णेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव हरियाणि य आहारेह छायासु वीसमह त्ति घोसणं घोसेह जाव पच्चप्पिणंति । तए णं धणे सत्थवाहे सगडीसागडं जोएइ २ त्ता जेणेव णंदिफला रुक्खा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं णंदिफलाणं अदूरसामंते सत्थणिवेसं करेइ करेत्ता दोच्चंपि तच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम सत्थणिवेसंसि महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एए णं देवाणुप्पिया ! ते णंदिफला [रुक्खा] किण्हा जाव मणुण्णा छायाए । तं जो णं देवाणुप्पिया ! एएसिं णंदिफलाणं रुक्खाणं मूलाणि वा कंद० पुप्फतयापत्तफलाणि जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेइ । तं मा णं तुब्भे जाव दूरं दूरेणं परिहरमाणा वीसमह मा णं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविस्संति अण्णेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमह–त्तिकट्टु घोसणं जाव पच्चप्पिणंति । तत्थ णं अत्थेगइया पुरिसा धणस्स सत्थवाहस्स एयमट्ठं सद्दहंति जाव रोयंति एयमट्ठं सद्दहमाणा ३ तेसिं णंदिफलाणं दूरं दूरेणं परिहरमाणा २ अण्णेसिं रुक्खाणं मूलाणि य जाव वीसमंति । तेसि णं आवाए णो भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा २ सुहरूवत्ताए ५ भुज्जो २ परिणमंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ जाव पंचसु कामगुणेसु णो सज्जेइ णो रज्जेइ से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे परलोए णो आगच्छइ जाव वीईवइस्सइ–जहा व ते पुरिसा । तत्थ णं जे से अप्पेगइया पुरिसा धणस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति ३ धणस्स एयमट्ठं असद्दहमाणा ३ जेणेव ते णंदिफला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसिं णंदिफलाणं मूलाणि य जाव वीसमंति तेसि णं आवाए भद्दए भवइ तओ पच्छा परिणममाणा जाव ववरोवेंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा २ पव्वइए पंचसु कामगुणेसु सज्जइ जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व ते पुरिसा । तए णं से धणे सगडी-

सागडं जोयावेइ २ त्ता जेणेव अहिच्छत्ता णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहिच्छत्ताए णयरीए बहिया अग्गुज्जाणे सत्थणिवेसं करेइ २ त्ता सगडीसागडं मोयावेइ। तए णं से धणे सत्थवाहे महत्थं ३ रायारिहं पाहुडं गेण्हइ २ त्ता बहुपुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे अहिच्छत्तं णयरं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं ३ पाहुडं उवणेइ। तए णं से कणगकेऊ राया हट्ठतुट्ठ० धणस्स सत्थवाहस्स तं महत्थं ३ जाव पडिच्छइ २ त्ता धण्णं सत्थवाहं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता पडिविसज्जेइ भंडविणिमयं करेइ २ त्ता पडिभंडं गेण्हइ २ त्ता सुहंसुहेणं जेणेव चंपा णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मित्तणाइअभिसमण्णागए विपुलाइं माणुस्सगाइं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं। धणे धम्मं सोच्चा जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता जाव पव्वइए सामाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि जाव मासियाए संलेहणाए० जाव अण्णयरेसु देवत्ताए उववण्णे महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं करेहिइ। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं पण्णरसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥१११॥ गाहाओ–चंपा इव मणुयगई धण्णोव्व भयवं जिणो दएक्करसो। अहिछत्ताणयरिसमं इह णिव्वाणं मुणेयव्वं ॥१॥ घोसणया इव तित्थंकरस्स सिवमग्गदेसणमहग्घं। चरगाइणोव्व इत्थं सिवसुहकामा जिया बहवे ॥२॥ णंदिफलाइ व्व इहं सिवपहपडिवण्णगाण विसया उ। तब्भक्खणाओ मरणं जह तह विसएहिं संसारो ॥३॥ तव्वज्जणेण जह इट्ठपुरगमो विसयवज्जणेण तहा। परमाणंदणिबंधणसिवपुरगमणं मुणेयव्वं ॥४॥ **पण्णरसमं अज्झयणं समत्तं** ॥

अमरकंका णामं सोलसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं ३ जाव संपत्तेणं पण्णरसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते सोलसमस्स णं भंते ! णायज्झयणस्स ० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था। तीसे णं चंपाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सुभूमिभागे णामं उज्जाणे होत्था। तत्थ णं चंपाए णयरीए तओ माहणा भायरो परिवसंति तंजहा–सोमे

सोमदत्ते सोमभूई अड्ढा जाव अपरिभूया रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय जाव सुपरिणिट्ठिया । तेसि णं माहणाणं तओ भारियाओ होत्था तंजहा- णागसिरी भूयसिरी जक्खसिरी सुकुमाल जाव तेसि णं माहणाणं इट्ठाओ विपुले माणुस्सए जाव विहरंति । तए णं तेसिं माहणाणं अण्णया कयाइ एगयओ समुवागयाणं जाव इमेयारूवे मिहोकहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था—एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं इमे विउले धणे जाव सावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं । तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! अण्णमण्णस्स गिहेसु कल्लाकल्लिं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडेउं २ परिभुंजेमाणाणं विहरित्तए । अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति कल्लाकल्लिं अण्णमण्णस्स गिहेसु विपुलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता परिभुंजेमाणा विहरंति । तए णं तीसे णागसिरीए माहणीए अण्णया [कयाइ] भोयणवारए जाए यावि होत्था । तए णं सा णागसिरी विपुलं असणं ४ उवक्खडेवेइ २ त्ता एगं महं सालइयं तित्तालाउयं बहुसंभारसंजुत्तं णेहावगाढं उवक्खडावेइ एगं बिंदुयं करयलंसि आसाएइ २ तं खारं कडुयं अखज्जं(अभोज्जं) विसब्भूयं जाणित्ता एवं वयासी—धिरत्थु णं मम णागसिरीए अधण्णाए अपुण्णाए दूभगाए दूभगसत्ताए दूभगणिबोलियाए जीए णं मए सालइए बहुसंभारसंभिए णेहावगाढे उवक्खडिए सुबहुदव्वक्खए(णं) णेहक्खए य कए । तं जइ णं ममं जाउयाओ जाणिस्संति तो णं मम खिंसिस्संति । तं जाव ताव ममं जाउयाओ ण जाणंति ताव मम सेयं एयं सालइयं तित्तालाउयं बहुसंभारणेहकयं एगंते गोवेत्तए अण्णं सालइयं महुरालाउयं जाव णेहावगाढं उवक्खडेत्तए । एवं संपेहेइ २ त्ता तं सालइयं जाव गोवेइ २ अण्ण सालइयं महुरालाउयं उवक्खडेइ २ तेसिं माहणाणं ण्हायाणं जाव सुहासणवरगयाणं तं विपुलं असणं ४ परिवेसेइ । तए णं ते माहणा जिमियभुत्तुत्तरागया समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया सकम्मसंपउत्ता जाया यावि होत्था । तए णं ताओ माहणीओ ण्हायाओ जाव विभूसियाओ तं विपुलं असणं ४ आहारेंति २ त्ता जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सकम्मसंपउत्ताओ जायाओ ॥ ११२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा णाम थेरा जाव बहुपरिवारा जेणेव चंपा णामं णयरी जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता

अहापडिरूवं जाव विहरंति। परिसा णिग्गया। धम्मो कहिओ। परिसा पडिगया। तए णं तेसिं धम्मघोसाणं थेराणं अंतेवासी धम्मरुई णामं अणगारे ओराले जाव तेउलेस्से मासं मासेणं खममाणे विहरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे मासखमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ २ त्ता बीयाए पोरिसीए एवं जहा गोयमसामी तहेव उग्गाहेइ २ त्ता तहेव धम्मघोसं थेरं आपुच्छइ जाव चंपाए णयरीए उच्चणीयमज्झिमकुलाइं जाव अडमाणे जेणेव णागसिरीए माहणीए गिहे तेणेव अणुपविट्ठे। तए णं सा णागसिरी माहणी धम्मरुइं एज्जमाणं पासइ २ त्ता तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहु० णेहावगाढस्स एड(णिसिर) णट्ठयाए हट्ठतुट्ठा [उट्ठाए] उट्ठेइ २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं च बहुणे(हं) हावगाढं धम्मरुइस्स अणगारस्स पडिग्गहंसि सव्वमेव णिसिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहापज्जत्तमितिकट्टु णागसिरीए माहणीए गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सुभूमिभागे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छइ २] धम्मघोसस्स अदूरसामंते अण्णपाणं पडि(दंसे)लेहेइ २ त्ता अण्णपाणं करयलंसि पडिदंसेइ। तए णं ते धम्मघोसा थेरा तस्स सालइयस्स णेहावगाढस्स गंधेणं अभिभूया समाणा तओ सालइयाओ णेहावगाढाओ एगं बिंदुगं गहाय करयलंसि आसादेंति तित्तगं खारं कडुयं अखज्जं अभोज्जं विसभूयं जाणित्ता धम्मरुइं अणगारं एवं वयासी--जइ णं तुमं देवाणुप्पिया! एयं सालइयं जाव णेहावगाढं आहारेसि तो णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तं मा णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं जाव आहारेसि मा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। तं गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! इमं सालइयं एगंतमणावाए अचित्ते थंडिले परिट्ठवेहि २ त्ता अण्णं फासुयं एसणिज्जं असणं ४ पडिगाहेत्ता आहारं आहारेहि। तए णं से धम्मरुई अणगारे धम्मघोसेणं थेरेणं एवं वुत्ते समाणे धम्मघोसस्स थेरस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सुभूमिभागओ उज्जाणाओ अदूरसामंते थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता तओ सालइयाओ एगं बिंदुगं गेहइ २ त्ता थंडिलंसि णिसिरइ। तए णं तस्स सालइयस्स तित्तकडुयस्स बहुणेहावगाढस्स गंधेणं बहुणि पिपीलिगासहस्साणि

पाउब्भू० जा जहा य णं पिपीलिगा आहारेइ सा तहा अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जइ । तए णं तस्स धम्मरुइस्स अणगारस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए०—जइ ताव इमस्स सालइयस्स जाव एगंमि बिंदुगंमि पक्खित्तंमि अणेगाइं पिपीलिगासहस्साइं ववरोविज्जंति तं जइ णं अहं एयं सालइयं थंडिल्लंसि सव्वं णिसिरामि (तए) तो णं बहूणं पाणाणं ४ वहकरणं भविस्सइ । तं सेयं खलु मम एयं सालइयं जाव णेहावगाढं सयमेव आहारेत्तए मम चेव एएणं सरीरेणं णिज्जाउ—त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता मुहपोत्तियं २ पडिलेहेइ २ त्ता ससीसोवरियं कायं पमज्जेइ २ त्ता तं सालइयं तित्तकडुयं बहुणेहावगाढं बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं सव्वं सरीरकोट्ठंसि पक्खिवइ । तए णं तस्स धम्मरुइस्स तं सालइयं जाव णेहावगाढं आहारियस्स समाणस्स मुहुत्तंतरेणं परिणममाणंसि सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा । तए णं से धम्मरुई अणगारे अथामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु आयारभंडगं एगंते ठवेइ २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथारेइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता पुरत्थाभिमुहे संपलियंकणिसण्णे करयलपरिग्गहियं एवं वयासी—णमोत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं णमोत्थुणं धम्मघोसाणं थेराणं मम धम्मायरियाणं धम्मोवएसगाणं पुव्विं पि णं मए धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव परिग्गहे इयाणिं पि णं अहं तेसिं चेव भगवंताणं अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जाव परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जहा खंदओ जाव चरिमेहिं उस्सासेहिं 'वोसिरामि—त्तिकट्टु आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालगए । तए णं ते धम्मघोसा थेरा धम्मरुइं अणगारं चिरंगयं जाणित्ता समणे णिग्गंथे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! धम्मरुइस्स अणगारस्स मासखमणपारणगंसि सालइयस्स जाव णेहावगाढस्स णिसिरणट्ठयाए बहिया णिग्गए चिरा[वे]इ, तं गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेह । तए णं ते समणा णिग्गंथा जाव पडिसुणेंति २ त्ता धम्मघोसाणं थेराणं अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणा जेणेव थंडिल्लं तेणेव उवागच्छंति २ त्ता धम्मरुइस्स अणगारस्स सरीरगं णिप्पाणं णिच्चेट्ठं जीवविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा ! अहो ! अकज्जमि-

तिकट्टु धम्मरुइस्स अणगारस्स परिणिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति० धम्म-रुइस्स आयारभंडगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव धम्मघोसा थेरा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता गमणागमणं पडिक्कमंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अम्हे तुब्भं अंतियाओ पडिणिक्खमामो २ त्ता सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स परिपेरंतेणं धम्मरुइस्स अणगारस्स सव्वं जाव करेमाणे जेणेव थंडिल्ले तेणेव उवागच्छामो जाव इहं हव्वमागया, तं कालगए णं भंते ! धम्मरुई अणगारे इमे से आयारभंडए। तए णं ते धम्मघोसा थेरा पुव्वगए उवओगं गच्छंति २ त्ता समणे णिग्गंथे णिग्गंथीओ य सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अज्जो ! मम अंतेवासी धम्मरुई णाम अणगारे पगइभद्दए जाव विणीए मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं जाव णागसिरीए माहणीए गिहे अणुपविट्ठे। तए णं सा णागसिरी माहणी जाव णिसिरइ। तए णं से धम्मरुई अणगारे अहापज्जत्तमितिकट्टु जाव कालं अणवकंखमाणे विहरइ। से णं धम्मरुई अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं सोहम्म जाव सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववण्णे। तत्थ णं अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं धम्मरुइस्स वि देवस्स तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। से णं धम्मरुई देवे ताओ देवलोगाओ जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥११३॥ तं धिरत्थु णं अज्जो ! णागसिरीए माहणीए अधण्णाए अपुण्णाए जाव णिंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू साहूरूवे धम्मरुई अणगारे मासखमणपारणगंसि सालइएणं जाव गाढेणं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते समणा णिग्गंथा धम्मघोसाणं थेराणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म चंपाए सिंघाडग-तिग जाव बहुजणस्स एवमाइक्खंति ४—धिरत्थु णं देवाणुप्पिया ! णागसिरीए माहणीए जाव णिंबोलियाए जाए णं तहारूवे साहू साहूरूवे सालइएणं जीवियाओ ववरोविए। तए णं तेसिं समणाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ—धिरत्थु णं णागसिरीए माहणीए जाव जीवियाओ ववरोविए। तए णं ते माहणा चंपाए णयरीए बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव णागसिरी माहणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता णागसिरिं माहणिं एवं वयासी—

हं भो णागसिरी ! अपत्थियपत्थिए ! दुरंतपंतलक्खणे ! हीणपुण्णचाउद्दसे ! धिरत्थु णं तव अधण्णाए अपुण्णाए जाव णिबोलियाए जाए णं तुमे तहारूवे साहू साहुरूवे मासखमणपारणगंसि सालइएणं जाव ववरोविए उच्चावयाहिं अक्कोसणाहिं अक्कोसंति उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसेंति उच्चावयाहिं णिब्भत्थणाहिं णिब्भत्थंति उच्चावयाहिं णिच्छोडणाहिं णिच्छोडेंति तज्जेंति तालेंति तज्जेत्ता तालेत्ता सयाओ गिहाओ णिच्छुभंति । तए णं सा णागसिरी सयाओ गिहाओ णिच्छूढा समाणी चंपाए णयरीए सिंघाडगतियचउक्कचच्चर-चउम्मुहमहापहपहेसु बहुजणेणं हीलिज्जमाणी खिसिज्जमाणी णिंदिज्जमाणी गर-हिज्जमाणी तज्जिज्जमाणी पव्वहिज्जमाणी धिक्कारिज्जमाणी थुक्कारिज्जमाणी कत्थइ ठाणं वा णिलयं वा अलभमाणी २ दंडीखंडणिवसणा खंडमल्लयखंडघड-गहत्थगया फुट्टहडाहडसीसा मच्छियाचडगरेणं अण्णिज्जमाणमग्गा गेहंगिहेणं देहं-बलियाए वित्तिं कप्पेमाणी विहरइ । तए णं तीसे णागसिरीए माहणाए तब्भवंसि चेव सोलस रोयायंका पाउब्भूया तंजहा–सासे कासे जोणिसूले जाव कोढे । तए णं सा णागसिरी माहणी सोलसहिं रोगायंकेहिं अभिभूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोवमट्ठिइएसु णर-एसु णेरइयत्ताए उववण्णा । सा णं तओऽणंतरं उव्वट्टित्ता मच्छेसु उववण्णा । तत्थ णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए कालमासे कालं किच्चा अहेसत्तमीए पुढवीए उक्कोसाए तित्तीससागरोवमट्ठिईएसु णेरइएसु उववण्णा । सा णं तओऽणंतरं उव्वट्टित्ता दोच्चंपि मच्छेसु उववज्जइ । तत्थ वि य णं सत्थवज्झा दाहवक्कंतीए दोच्चंपि अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसं तेत्तीससागरोवमट्ठिइएसु णेरइएसु उववज्जइ । सा णं तओहिंतो जाव उव्वट्टित्ता तच्चंपि मच्छेसु उववण्णा । तत्थ वि य णं सत्थवज्झा जाव कालमासे कालं किच्चा दोच्चंपि छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं ० । तओऽणंतरं उव्वट्टित्ता उरएसु एवं जहा गोसाले तहा णेयव्वं जाव रयणप्पभाए [पुढवीओ उव्वट्टित्ता] सत्तसु उववण्णा । तओ उव्व-ट्टित्ता जाव इमाइं खहयरविहाणाइं जाव अदुत्तरं च णं खरबायरपुढविकाइय-त्ताए तेसु अणेगसयसहस्सखुत्तो ॥११४॥ सा णं तओऽणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए णयरीए सागरदत्तस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिसि दारियत्ताए पच्चायाया । तए णं सा भद्दा सत्थवाही

णवण्हं मासाणं दारियं पयाया सुकुमालकोमलियं गयतालुयसमाणं। तीसेदारियाए णिव्वत्ते बारसाहियाए अम्मापियरो इमं एयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति–जम्हा णं अम्हं एसा दारिया सुकुमाला गयतालुयसमाणा तं होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए णामधेज्जे सुकुमालिया २। तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो णामधेज्जं करेंति सूमालियत्ति। तए णं सा सूमालिया दारिया पंचधाईपरिग्गहिया तंजहा–खीरधाईए जाव गिरिकंदरमल्लीणा इव चंपकलया णिव्वाए णिव्वाघायंसि जाव परिवड्ढइ। तए णं सा सूमालिया दारिया उम्मुक्कबालभावा रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था ॥११५॥ तत्थ णं चंपाए णयरीए जिणदत्ते णामं सत्थवाहे अड्ढे०। तस्स णं जिणदत्तस्स भद्दा भारिया सूमाला इट्ठा जाव माणुस्सए कामभोए पच्चणुभवमाणा विहरइ। तस्स णं जिणदत्तस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए अत्तए सागरए णामं दारए सुकुमाले जाव सूरूवे। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे अण्णया कयाइ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता सागरदत्तस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। इमं च णं सूमालिया दारिया ण्हाया चेडियासंघपरिवुडा उप्पिं आगासतलगंसि कणगतेंदूसएणं कीलमाणी २ विहरइ। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे सूमालियं दारियं पासइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए रूवे य ३ जायविम्हए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! कस्स दारिया किं वा णामधेज्जं से? तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जिणदत्तेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ० करयल जाव एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! सागरदत्तस्स स० धूया भद्दाए अत्तया सूमालिया णामं दारिया सुकुमालपाणिपाया जाव उक्किट्ठा। तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे तेसिं कोडुंबियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाए जाव मित्तणाइपरिवुडे चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ। तए णं सागरदत्ते सत्थवाहे जिणदत्तं स० एज्जमाणं पासइ २ त्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता आसणेणं उवणिमंतेइ २ त्ता आसत्थं वीसत्थं सुहासणवरगयं एवं वयासी–भण देवाणुप्पिया! किमागमणपओयणं? तए णं से जिणदत्ते सत्थवाहे सागरदत्तं सत्थवाहं एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तव धूयं भद्दाए अत्तियं सूमालियं सागरस्स भारियत्ताए

वरेमि। जइ णं जाणह देवाणुप्पिया ! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो ता दिज्जउ णं सूमालिया सागर[दारग]स्स। तए णं देवाणुप्पिया ! किं दलयामो सुंकं सूमालियाए ? तए णं से सागरदत्ते स० जिणदत्तं स० एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सूमालिया दारिया मम एगा एगजाया इट्ठा ५ जाव किमंग पुण पासणयाए। तं णो खलु अहं इच्छामि सूमालियाए दारियाए खणमवि विप्पओगं। तं जइ णं देवाणुप्पिया ! सागरदारए मम घरजामाउए भवइ तो णं अहं सागरस्स दारगस्स सूमालियं दलयामि। तए णं से जिणदत्ते स० सागरदत्तेणं स० एवं वुत्ते समाणे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदारगं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता ! सागरदत्ते स० मम एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सूमालिया दारिया इट्ठा तं चेव, तं जइ णं सागरदारए मम घरजामाउए भवइ ता दलयामि। तए णं से सागरए दारए जिणदत्तेणं स० एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए। तए णं जिणदत्ते स० अण्णया कयाइ सोहणंसि तिहिकरणे विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाई आमंतेइ जाव सम्माणेत्ता सागरं दारगं ण्हायं जाव सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सीयं दुरूहावेइ २ त्ता मित्तणाइ जाव संपरिवुडे सव्विड्ढीए सयाओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता चंपा णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सागरदत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता सागरं दारगं सागरदत्तस्स स० उवणेइ। तए णं से सागरदत्ते स० विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता जाव सम्माणेत्ता सागरं दारगं सूमालियाए दारियाए सद्धिं पट्टयंसि दुरूहावेइ २ त्ता सेयापीतएहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता होमं करावेइ २ त्ता सागरं दारयं सूमालियाए दारियाए पाणिं गेण्हावेइ ॥ ११६ ॥ तए णं सागरदारए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं पाणिफासं पडिसंवेदेइ से जहाणामए असिपत्तेइ वा जाव मुम्मुरेइ वा एत्तो अणिट्ठतराए चेव पाणिफासं संवेदेइ। तए णं से सागरए अकामए अवसव्वसे तं मुहुत्तमित्तं संचिट्ठइ। तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे सागरस्स दारगस्स अम्मापियरो मित्तणाइ विपुलं असणं ४ पुप्फवत्थ जाव सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ। तए णं सागरए दारए सूमालियाए सद्धिं जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिगंसि णिवज्जइ। तए णं से सागरए

दारए सूमालियाए दारियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ से जहाणामए असिपत्तेइ वा जाव अमणामयरागं चेव अंगफासं पच्चणुब्भवमाणे विहरइ। तए णं से सागरए दारए सूमालियाए दारियाए अंगफासं असहमाणे अवसव्वसे मुहुत्तमित्त संचिट्ठइ। तए णं से सागरदारए सूमालियं दारियं सुहपसुत्तं जाणित्ता सूमालियाए दारियाए पासाओ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयणीयंसि णिवज्जइ। तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा समाणी पइंवया पइमणुरत्ता पइं पासे अपस्समाणी तलिमाउ उट्ठेइ २ त्ता जेणेव से सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरस्स पासे णुवज्जइ। तए णं से सागरदारए सूमालियाए दारियाए दोच्चंपि इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ जाव अकामए अवसव्वसे मुहुत्तमेत्तं संचिट्ठइ। तए णं से सागरदारए सूमालियं दारियं सुहपसुत्तं जाणित्ता सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता वासघरस्स दारं विहाडेइ २ त्ता मारामुक्के विव काए जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥११७॥ तए णं सूमालिया दारिया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा पइंवया जाव अपासमाणी सयणिज्जाओ उट्ठेइ सागरस्स दारगस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेमाणी २ वासघरस्स दारं विहाडियं पासइ २ त्ता एवं वयासी—गए णं से सागरए—त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं सा भद्दा सत्थवाही कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिए! वहुवरस्स मुहधोवणियं उवणेहि। तए णं सा दासचेडी भद्दाए एवं वुत्ता समाणी एयमट्ठं तहत्ति पडिसुणेइ २ मुहधोवणियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ० सूमालियं दारियं जाव झियायमाणिं पासइ २ त्ता एवं वयासी—किण्णं तुमं देवाणुप्पिए! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि? तए णं सा सूमालिया दारिया तं दासचेडीयं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! सागरए दारए मम सुहपसुत्तं जाणित्ता मम पासाओ उट्ठेइ २ त्ता वासघरदुवारं अवगुण्डइ जाव पडिगए। तए णं (हं)तओ(अहं)मुहुत्तंतरस्स जाव विहाडियं पासामि २ गए णं से सागरए—त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायामि। तए णं सा दासचेडी सूमालियाए दारियाए एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरदत्ते सत्थ० तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तस्स एयमट्ठं णिवेदेइ। तए णं से सागरदत्ते दासचेडीए

अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते० जेणेव जिणदत्तसत्थवाहगिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जिणदत्तं स० एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया ! एवं जुत्तं वा पत्तं वा कुलाणुरूवं वा कुलसरिसं वा जण्णं सागरदारए सूमालियं दारियं अदिट्ठदोसं पइवयं विप्पजहाय इहमागओ ? बहूहिं खिज्जणियाहि य रुंटणियाहि य उवालभइ । तए णं जिणदत्ते सागरदत्तस्स सत्थ०एयमट्ठं सोच्चा जेणेव सागरए दारए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरयं दारयं एवं वयासी–दुट्ठु णं पुत्ता ! तुमे कयं सागरदत्तस्स गिहाओ इहं हव्वमागए, तेणं तं गच्छह णं तुमं पुत्ता ! एवमवि गए सागरदत्तस्स गिहे । तए णं से सागरए जिणदत्तं एवं वयासी–अवि याइं अहं ताओ ! गिरिपडणं वा तरुपडणं वा मरुप्पवायं वा जलप्पवेसं वा जलणप्पवेसं वा विसभक्खणं वा सत्थोवाडणं वा वेहाणसं वा गिद्धपिट्ठं वा पव्वज्जं वा विदेसगमणं वा अब्भुवगच्छिज्जामि णो खलु अहं सागरदत्तस्स गिहं गच्छिज्जा । तए णं से सागरदत्ते सत्थ० कुड्डंतरिए सागरस्स एयमट्ठं णिसामेइ २ त्ता लज्जिए विलीए विड्डे जिणदत्तस्स सत्थ० गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुकुमालियं दारियं सद्दावेइ २ त्ता अंके णिवेसेइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं तव पुत्ता ! सागरएणं दारएणं मुक्का ? अहं णं तुमं तस्स दाहामि जस्स णं तुमं इट्ठा जाव मणामा भविस्ससित्ति सूमालियं दारियं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं समासासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे अण्णया उप्पिं आगासतलगंसि सुहणिसण्णे रायमग्गं ओलोएमाणे २ चिट्ठइ । तए णं से सागरदत्ते एगं महं दमगपुरिसं पासइ, दंडिखंडणिवसणं खंडगमल्लगखंडघडगहत्थगयं मच्छियासहस्सेहिं जाव अण्णिज्जमाणमग्गं । तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! एयं दमगपुरिसं विपुलेणं असण ४ पलोभेह ० गिहं अणुप्पवेसेह २ त्ता खंडगमल्लगं खंडघडगं च से एगंते एडेह २ त्ता अलंकारियकम्मं कारेह २ त्ता ण्हायं कयबलिकम्मं जाव विभूसियं करेह २ त्ता मणुण्णं असणं ४ भोयावेह ० मम अंतियं उवणेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव से दमगपुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं दमगं असण ४ उवप्पलोभेंति २ त्ता सयं गिहं अणुप्पवेसिंति २ त्ता तं खंडगमल्लगं खंडगघडगं च तस्स दमग-

पुरिसस्स एगंते एडेंति। तए णं से दमगे तंसि खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि य (एगंते) एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे तस्स दमगपुरिसस्स तं महया २ आरसियसद्दं सोच्चा णिसम्म कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया! एस दमगपुरिसे महया २ सद्देणं आरसइ? तए णं ते कोडुंबियपुरिसा एवं वयासी–एस णं सामी! तंसि खंडमल्लगंसि खंडघडगंसि (एगंते) य एडिज्जमाणंसि महया २ सद्देणं आरसइ। तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी–मा णं तुब्भे देवाणुप्पिया! एयस्स दमगस्स तं खंड जाव एडेह पासे ठवेह जहा णं पत्तियं भवइ। तेवि तहेव ठविंति तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तस्स दमगस्स अलंकारियकम्मं करेंति २ त्ता सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेंति अब्भंगिए समाणे सुरभिगंधुव्वट्टणेणं गायं उव्वट्टिंति उव्वट्टित्ता उसिणोदगगंधोदएणं ण्हाणेंति सीओदगेणं ण्हाणेंति० पम्हलसुकुमालगंधकासाईए गायाइं लूहेंति २ त्ता हंसलक्खणं पट्टसाडगं परिहेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता विपुलं असणं ४ भोयावेंति २ त्ता सागरदत्तस्स उवणेंति। तए णं [से] सागरदत्ते [२] सूमालियं दारियं ण्हायं जाव सव्वालंकारविभूसियं करित्ता तं दमगपुरिसं एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! मम धूया इट्ठा ५ एयं णं अहं तव भारियत्ताए दलयामि भद्दियाए भद्दओ भविज्जासि। तए णं से दमगपुरिसे सागरदत्तस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता सूमालियाए दारियाए सद्धिं वासघरं अणुपविसइ सूमालियाए दारियाए सद्धिं तलिगंसि णिवज्जइ। तए णं से दमगपुरिसे सूमालियाए इमं एयारूवं अंगफासं पडिसंवेदेइ सेसं जहा सागरस्स जाव सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता वासघराओ णिग्गच्छइ २ त्ता खंडमल्लगं खंडघडं च गहाय मारामुक्के विव काए जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा सूमालिया जाव गए णं से दमगपुरिसे–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ ॥११८॥ तए णं सा भद्दा कल्लं पाउप्पभायाए दासचेडिं सद्दावेइ २ एवं वयासी जाव सागरदत्तस्स एयमट्ठं णिवेदेइ। तए णं से सागरदत्ते तहेव संभंते समाणे जेणेव वासघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूमालियं दारियं अंके णिवेसेइ २ त्ता एवं वयासी–अहो णं तुमं पुत्ता! पुरापोराणाणं जाव पच्चणुब्भवमाणी

विहरसि, तं मा णं तुमं पुत्ता ! ओहयमणसंकप्पा जाव झियाहि, तुमं णं पुत्ता ! मम महाणसंसि विपुलं असणं ४ जहा पोट्टिला जाव परिभाए‑माणी विहराहि। तए णं सा सूमालिया दारिया एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता महाणसंसि विपुलं असणं ४ जाव दलमाणी विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं गोवालियाओ अज्जाओ बहुस्सुयाओ एवं जहेव तेयलिणाए सुव्वयाओ तहेव समोसढ्ढाओ तहेव संघाडओ जाव अणुपविट्ठे तहेव जाव सूमालिया पडि‑लाभित्ता एवं वयासी—एवं खलु अज्जाओ ! अहं सागरस्स अणिट्ठा जाव अम‑णामा, णेच्छइ णं सागरए दारए मम णामं वा जाव परिभोगं वा, जस्स-जस्स वि य णं दिज्जामि तस्स-तस्स वि य णं अणिट्ठा जाव अमणामा भवामि, तुब्भे य णं अज्जाओ ! बहुणायाओ एवं जहा पोट्टिला जाव उवलद्धे जेणं अहं सागरस्स दारगस्स इट्ठा कंता जाव भवेज्जामि। अज्जाओ तहेव भणंति तहेव साविया जाया तहेव चिंता तहेव सागरदत्तं स० आपुच्छइ जाव गोवा‑लियाणं अंतिए पव्वइया। तए णं सा सूमालिया अज्जा जाया ईरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अण्णया कयाइ जेणेव गोवालियाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—इच्छामि णं अज्जाओ ! तुब्भेहिं अब्भणु‑ण्णाया समाणी चंपाओ बाहिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठं‑छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं सूराभिमुही आयावेमाणी विहरित्तए। तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं एवं वयासी—अम्हे णं अज्जे ! समणीओ णिग्गंथीओ ईरियासमियाओ जाव गुत्तबंभचारिणीओ, णो खलु अम्हं कप्पइ बहिया गामस्स वा जाव सण्णिवेसस्स वा छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरित्तए, कप्पइ णं अम्हं अंतो उवस्सयस्स वइपरिक्खित्तस्स संघाडिबद्धियाए णं समतल‑पइयाए आयावित्तए। तए णं सा सूमालिया गोवालियाए अज्जाए एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तियइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स अदूरसामंते छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरइ ॥११६॥ तत्थ णं चंपाए ललिया णाम गोट्ठी परिवसइ णरवइदिण्ण(वि)पयारा अम्मापिइणियय‑णिप्पिवासा वेसविहारकयणिकेया णाणाविहअविणयप्पहाणा अड्ढा जाव अपरि‑भूया। तत्थ णं चंपाए ० देवदत्ता णामं गणिया होत्था सुकुमाला जहा अंड‑

णाए । तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए अण्णया [कयाइ] पंच गोट्ठिल्लगपुरिसा देवदत्ताए गणियाए सद्धिं सुभूमिभागस्स उज्जाणस्स उज्जाणसिरिं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति । तत्थ णं एगे गोट्ठिल्लगपुरिसे देवदत्तं गणियं उच्छंगे धरेइ एगे पिट्ठओ आयवत्तं धरेइ एगे पुप्फपूरयं रएइ एगे पाए रएइ एगे चामरुक्खेवं करेइ । तए णं सा सूमालिया अज्जा देवदत्तं गणियं तेहिं पंचहिं गोट्ठिल्लपुरिसेहिं सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणिं पासइ २ त्ता इमेयारूवे संकप्पे समुप्पज्जित्था–अहो णं इमा इत्थिया पुरापोराणाणं कम्माणं जाव विहरइ । तं जइ णं केइ इमस्स सुचरियस्स तवणियमबंभचेरवासस्स कल्लाणे फलवित्तिविसेसे अत्थि तो णं अहमवि आगमिस्सेणं भवग्गहणेणं इमेयारूवाइं उरालाइं जाव विहरिज्जामि–त्तिकट्टु णियाणं करेइ २ त्ता आयावणभूमिओ पच्चोरुहइ ॥१२०॥ तए णं सा सूमालिया अज्जा सरीरबउसा जाया यावि होत्था अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतराइं धोवेइ कक्खंतराइं धोवेइ गोज्झंतराइं धोवेइ जत्थ णं ठाणं वा सेज्जं वा णिसीहियं वा चेएइ तत्थ वि य णं पुव्वामेव उदएणं अब्भुक्खइत्ता तओ पच्छा ठाणं वा ३ चेएइ । तए णं ताओ गोवालियाओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं एवं वयासी–एवं खलु देवा० ! अज्जे ! अम्हे समणीओ णिग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव बंभचेरधारिणीओ, णो खलु कप्पइ अम्हं सरीरबाउसियाए होत्तए, तुमं च णं अज्जे ! सरीरबाउसिया अभिक्खणं २ हत्थे धोवेसि जाव चेएसि, तं तुमं णं देवाणुप्पिए ! एय[त]स्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं सूमालियाणं गोवालियाणं अज्जाणं एयमट्ठं णो आढाइ णो परिजाणइ अणाढायमाणी अपरिजाणमाणी विहरइ । तए णं ताओ अज्जाओ सूमालियं अज्जं अभिक्खणं २ अभिहीलंति जाव परिभवंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं णिवारेंति। तए णं तीसे सूमालियाए समणीहिं णिग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए जाव वारिज्जमाणी इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जया णं अहं अगारवासमज्झे वसामि तया णं अहं अप्पवसा । जया णं अहं मुंडे भवित्ता पव्वइया तया णं अहं परवसा । पुव्विं च णं ममं समणीओ आढायंति इयाणिं णो आढायंति। तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए गोवालियाणं अंतियाओ पडिणिक्खमित्ता पाडिएक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता

कल्लं पा० गोवालियाणं अज्जाणं अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पाडिएक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं सा सूमालिया अज्जा अणोहट्टिया अणिवारिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव चेएइ तत्थ वि य णं पासत्था पासत्थविहारीणी ओसण्णा २ कुसीला २ संसत्ता २ बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ अद्धमासियाए संलेहणाए तस्स ठाणस्स अणालोइयअपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे अण्णयरंसि विमाणंसि देवगणियत्ताए उववण्णा। तत्थेगइयाणं देवीणं णवपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। तत्थ णं सूमालियाए देवीए णवपलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥१२१॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे णामं णयरे होत्था वण्णओ। तत्थ णं दुवए णामं राया होत्था वण्णओ। तस्स णं चुलणी देवी धट्ठज्जुणे कुमारे जुवराया। तए णं सा सूमालिया देवी ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे पंचालेसु जणवएसु कंपिल्लपुरे णयरे दुवयस्स रण्णो चुलणीए देवीए कुच्छिंसि दारियत्ताए पच्चायाया। तए णं सा चुलणी देवी णवण्हं मासाणं जाव दारियं पयाया। तए णं तीसे दारियाए णिव्वत्तबारसाहियाए इमं एयारूवं० णामं०— जम्हा णं एसा दारिया दुवयस्स रण्णो धूया चुलणीए देवीए अत्तया तं होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए णामधिज्जे दोवई। तए णं तीसे अम्मापियरो इमं एयारूवं गुण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति दोवई तए णं सा दोवई दारिया पंचधाइपरिग्गहिया जाव गिरिकंदरमल्लीण इव चंपगलया णिवायणिव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं सा दोवई देवी रायवरकण्णा उम्मुक्कबालभावा जाव उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था। तए णं तं दोवइं रायवरकण्णं अण्णया कयाइ अंतेउरियाओ ण्हायं जाव विभूसियं करेंति २ त्ता दुवयस्स रण्णो पायवंदिउं पेसंति। तए णं सा दोवई २ जेणेव दुवए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दुवयस्स रण्णो पायग्गहणं करेइ। तए णं से दुवए राया दोवइं दारियं अंके णिवेसेइ २ त्ता दोवईए २ रूवेण य ३ जायविम्हए दोवइं २ एवं वयासी—जस्स णं अहं [तुमं] पुत्ता ! रायस्स वा जुवरायस्स वा भारियत्ताए सयमेव दलइस्सामि तत्थ णं तुमं सुहिया वा दुहिया वा भविज्जासि। तए णं मम जावज्जीवाए हिययडाहे भविस्सइ। तं णं अहं

तव पुत्ता ! अज्जयाए सयंवरं विरयामि । अज्जयाए णं तुमं दिण्णं सयंवरा । जं णं तुमं सयमेव रायं वा जुवरायं वा वरेहिसि से णं तव भत्तारे भविस्सइत्तिकट्टु ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता पडिविसज्जेइ ॥१२२॥ तए णं से दुवए राया दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! बारवइं णयरिं । तत्थ णं तुमं कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपामोक्खे दस दसारे बलदेवपामोक्खे पंच महावीरे उग्गसेणपामोक्खे सोलस रायसहस्से पज्जुण्णपामोक्खाओ अद्धट्ठाओ कुमारकोडीओ संबपामोक्खाओ सट्ठिं दुद्दंतसाहस्सीओ वीरसेणपामोक्खाओ इक्कवीसं वीरपुरिससाहस्सीओ महासेणपामोक्खाओ छप्पण्णं बलवगसाहस्सीओ अण्णे य बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहपभिइओ करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेहि २ त्ता एवं वयाहि—एवं खलु देवाणुप्पिया ! कंपिल्लपुरे णयरे दुवयस्स रण्णो धूयाए चुलणीए देवीए अत्तयाए धट्ठज्जुणकुमारस्स भगिणीए दोवईए राय० सयंवरे भविस्सइ । तं णं तुब्भे देवा० ! दुवयं रायं अणुगिण्हेमाणा अकालपरिहीणं चेव कंपिल्लपुरे णयरे समोसरह । तए णं से दूए करयल जाव कट्टु दुवयस्स रण्णो एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति । तए णं से दूए ण्हाए जाव सरीरे चाउग्घंटं आसरहं दुरुहइ २ त्ता बहूहिं पुरिसेहिं सण्णद्ध जाव गहियाऽऽउहपहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे कंपिल्लपुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ० पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव बारवई णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बारवइं णयरिं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव कण्हस्स वासुदेवस्स बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पायविहारचारेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हं वासुदेवं समुद्दविजयपामोक्खे य दस दसारे जाव बलवगसाहस्सीओ करयल तं चेव जाव समोसरह । तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे जाव

हियए तं दूयं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए सामुदाइयं भेरिं तालेहि । तए णं से कोडुंबियपुरिसे करयल जाव कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सभाए सुहम्माए सामुदाइया भेरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सामुदाइयं भेरिं महया २ सद्देणं तालेइ । तए णं ताए सामुदाइयाए भेरीए तालियाए समाणीए समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव महासेणपामोक्खाओ छप्पण्णं बलवगसाहस्सीओ ण्हाया जाव विभूसिया जहाविभवइड्डिसक्कारसमुदएणं अप्पेगइया जाव पायविहारचारेणं जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव कण्हं वासुदेवं जएणं विजएणं वद्धावेंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह हयगय जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे जाव अंजणगिरिकूडसण्णिभं गयवइं णरवई दुरूढे । तए णं से कण्हे वासुदेवे समुद्दविजयपामोक्खेहिं दसहिं दसारेहिं जाव अणंगसेणापामोक्खाहिं अणेगाहिं गणियासाहस्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेणं बारवइं णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव देसप्पंते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचालजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कंपिल्लपुरे णयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से दुवए राया दोच्चं दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छ [ह] णं तुमं देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरं णयरं, तत्थ णं तुमं पंडुरायं सपुत्तयं जुहिट्ठिल्लं भीमसेणं अज्जुणं णउलं सहदेवं दुज्जोहणं भाइसयसमग्गं गंगेयं विदुरं दोणं जयद्दहं सउणीं कीवं आसत्थामं करयल जाव कट्टु तहेव समोसरह । तए णं से दूए एवं वयासी– जहा वासुदेवे णवरं भेरी णत्थि जाव जेणेव कंपिल्लपुरे णयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । एएणेव कमेणं तच्चं दूयं चंपाणयरिं, तत्थ णं तुमं कण्हं अंगरायं सेल्लं णंदिरायं करयल तहेव जाव समोसरह । चउत्थं दूयं सुत्तिमइं णयरिं, तत्थ णं तुमं सिसुपालं दमघोससुयं पंचभाइसयसंपरिवुडं करयल तहेव जाव समोसरह । पंचमगं दूयं हत्थिसीसणयरं तत्थ णं तुमं दमदंतं रायं करयल तहेव जाव समोसरह । छट्ठं दूयं

महुरं णयरिं, तत्थ णं तुमं धरं रायं करयल जाव समोसरह। सत्तमं दूयं राय-गिहं णयरं, तत्थ णं तुमं सहदेवं जरा सिंधुसुयं करयल जाव समोसरह। अट्ठमं दूयं कोडिण्णं णयरं। तत्थ णं तुमं रुप्पि भेसगसुयं करयल तहेव जाव समोसरह। णवमं दूयं विराटं णयरं तत्थ णं तुमं कीयगं भाउसयसमग्गं कर-यल जाव समोसरह। दसमं दूयं अवसेसेसु (य) गामागरणगरेसु अणेगाइं रायसहस्साइं जाव समोसरह। तए णं से दूए तहेव णिग्गच्छइ जेणेव गामागर जाव समोसरह। तए णं ताइं अणेगाइं रायसहस्साइं तस्स दूयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० तं दूयं सक्कारेंति सम्माणेंति स० २ त्ता पडिविसज्जिंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा पत्तेयं २ ण्हाया सण्णद्ध हत्थिखंधवरगयाहयगयरह० महया भडचडगररहपहकर० सएहिं २ णयरेहिंतो अभिणिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पंचाले जणवए तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥१२३॥ तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! कंपिल्लपुरे णयरे बहिया गंगाए महाणईए अदूरसामंते एगं महं सयंवरमंडवं करेह अणेगखंभसयसण्णि-विट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे करेह। ते वि करेत्ता पच्चप्पि-णंति। तए णं से दुवए राया वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आगमं जाणेत्ता पत्तेयं २ हत्थिखंध जाव परिवुडे अग्घं च पज्जं च गहाय सव्विड्ढीए कंपिल्लपुराओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ताइं वासुदेवपामोक्खाइं अग्घेण य पज्जेण य सक्का-रेइ सम्माणेइ स० २ त्ता तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं पत्तेयं २ आवासे वियरइ। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति २ हत्थि-खंधाहिंतो पच्चोरुहंति २ त्ता पत्तेयं २ खंधावारणिवेसं करेंति २ त्ता सएसु २ आवासेसु अणुप्पविसंति २ त्ता सएसु २ आवासेसु य आसणेसु य सयणेसु य सण्णिसण्णा य संतुयट्टा य बहूहिं गंधव्वेहि य णाडएहि य उवगिज्जमाणा य उवणच्चिज्जमाणा य विहरंति। तए णं से दुवए राया कंपिल्लपुरं णयरं अणु-प्पविसइ २ त्ता विपुलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ

२ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ सुरं च मज्जं च मंसं च सीधुं च पसण्णं च सुबहुपुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च वासुदेव-पामोक्खाणं रायसहस्साणं आवासेसु साहरह। ते वि साहरंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा तं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव पसण्णं च आसाए-माणा ४ विहरंति जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा आयंता चोक्खा जाव सुहासणवरगया बहूहिं गंधव्वेहिं जाव विहरंति। तए णं से दुवए राया पुव्वावर-ण्हकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमे देवाणु-प्पिया ! कंपिल्लपुरे सिंघाडग जाव पहेसु वासुदेवपामोक्खाण य रायसहस्साणं आवासेसु हत्थिखंधवरगया महया २ सद्देणं जाव उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! कल्लं पाउप्पभायाए दुवयस्स रण्णो धूयाए चुलणीए देवीए अत्तयाए धट्ठज्जुणसस्स भगिणीए दोवईए रा० सयंवरे भविस्सइ। तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! दुवयं रायाणं अणुगिण्हेमाणा ण्हाया जाव विभूसिया हत्थिखंधवर-गया सकोरेंट० सेयवरचामर० हयगयरह० महया भडचडगरेणं जाव परिक्खित्ता जेणेव सयंवरमंडवे तेणेव उवागच्छह २ त्ता पत्तेयं णामंकेसु आसणेसु णिसीयह २ त्ता दोवइं रा० पडिवालेमाणा २ चिट्ठह घोसणं घोसेह २ मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबिया तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से दुवए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सयंवरमंडवं आसियसंमज्जिओवलित्तं सुगंधवरगंधियं पंचवण्णपुप्फपुंजोवयार-कलियं कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं मंचाइमंचकलियं करेह कारवेह करेत्ता कारवेत्ता वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं पत्तेयं २ णामंकाइं (कियाइं) आसणाइं अत्थुयपच्चत्थुयाइं रएह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह तेवि जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा कल्लं पाउ०ण्हाया जाव विभूसिया हत्थिखंधवरगया सकोरेंट० सेयवरचामरहिं हयगय जाव परिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं जेणेव सयंवरे-मंडवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अणुप्पविसंति २ त्ता पत्तेयं २ णामंकेसु णिसीयंति दोवइं रायवरकण्णं पडिवालेमाणा चिट्ठंति। तए णं से दुवए राया कल्लं ण्हाए जाव विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट० हयगय० कंपिल्ल-पुरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ० जेणेव सयंवरामंडवे जेणेव वासुदेवपामोक्खा

बहवे रायसहस्सा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं करयल जाव वद्धावेत्ता कण्हस्स वासुदेवस्स सेयवरचामरं गहाय उववीयमाणे चिट्ठइ ॥ १२४ ॥ तए णं सा दोवई रायवरकण्णा जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउयमंगलपायच्छित्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिया जिणपडिमाणं अच्चणं करेइ २ त्ता जेणेव अंतेउरे तेणेव उवागच्छइ । तए णं तं दोवइं रा० अंतेउरियाओ सव्वालंकारविभूसियं करेंति, किं ते ? वरपायपत्तणेउरा जाव चेडियाचक्कवालमयहरगविंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए सद्धिं चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ । तए णं से धट्ठज्जुणे कुमारे दोवईए रायवरकण्णाए सारत्थं करेइ । तए णं सा दोवई २ कंपिल्लपुरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सयंवरमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठवेइ रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता किड्डावियाए लेहियाए सद्धिं सयंवरमंडवं अणुपविसइ करयल जाव तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायवरसहस्साणं पणामं करेइ । तए णं सा दोवई रा० एगं महं सिरिदामगंडं किं ते ? पाडलमल्लियचंपय जाव सत्तच्छयाईहिं गंधद्धणिं मुयंतं परमसुहफासं दरिसणिज्जं गेण्हइ । तए णं सा किड्डाविया जाव सुरूवा जाव वामहत्थेणं चिल्लगं दप्पणं गहेऊण सललियं दप्पणसंकंतबिंबसंदंसिए य से दाहिणेणं हत्थेणं दरिसिए पवररायसीहे फुडविसयविसुद्धरिभियगंभीरमहुरभणिया सा तेसिं सव्वेसिं पत्थिवाणं अम्मापिऊणं वंससत्तसामत्थगोत्तविक्कंतिकंतिबहुविहआगममाहप्परूवजोव्वणगुणलावण्णकुलसीलजाणिया कित्तणं करेइ । पढमं ताव वण्हिपुंगवाणं दसदसार [वर] वीरपुरिसाणं तेलोक्कबलवगाणं सत्तुसयसहस्समाणावमद्दगाणं भवसिद्धिपवरपुंडरीयाणं चिल्लगाणं बलवीरियरूवजोव्वणलावण्णकित्तिया कित्तणं करेइ । तओ पुणो उग्गसेणमाईणं जायवाणं भणइ य सोहग्गरूवकलिए वरेहि वरपुरिसगंधहत्थीणं जो हु ते होइ हिययदइओ । तए णं सा दोवई रायवरकण्णगा बहूणं रायवरसहस्साणं मज्झंमज्झेणं समइच्छमाणि २ पुव्वकयणियाणेणं चोइज्जमाणी २ जेणेव पंच पंडवा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते पंच पंडवे तेणं दसद्धवण्णेणं कुसुमदामेणं आवेढियपरिवेढियं करेइ २ त्ता एवं वयासी—एए णं मए पंच पंडवा वरिया । तए णं तेसिं(ताइं)वासुदेवपामोक्खाणं बहूणि रायसहस्साणि महया २ सद्देणं उग्घो-

सेमाणाइं २ एवं वयंति–सुवरियं खलु भो ! दोवइए रायवरकण्णाए त्ति-कट्टु सयंवरमंडवाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति। तए णं धट्ठज्जुण्णेकुमारे पंच पंडवे दोवइं रायवरकण्णं चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ २ त्ता कंपिल्लपुरं मज्झंमज्झेणं जाव सयं भवणं अणुपविसइ। तए णं दुवए राया पंच पंडवे दोवइं राय० पट्टयं दुरूहेइ २ त्ता सेयपीयएहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता अग्गिहोमं कारवेइ पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य पाणिग्गहणं करावेइ। तए णं से दुवए राया दोवईए रा० इमं एयारूवं पीइदाणं दलयइ तंजहा–अट्ठ हिरण्णकोडीओ जाव अट्ठ पेसणकारीओ दासचेडीओ अण्णं च विपुलं धणकणग जाव दलयइ। तए णं से दुवए राया ताइं वासुदेवपामोक्खाइं विपुलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंध जाव पडिविसज्जेइ ॥१३५॥ तए णं से पंडू राया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे णयरे पंचण्हं पंडवाणं दोवईए य देवीए कल्लाणकरे भविस्सइ, तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! ममं अणुगिण्हमाणा अकालपरिहीणं समोसरह। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा पत्तेयं २ जाव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से पंडू राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे पंचण्हं पंडवाणं पंच पासायवडिंसए कारेह अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ जाव पडिरूवे। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा पडिसुणेंति जाव करावेंति। तए णं से पंडुए राया पंचहिं पंडवेहिं दोवईए देवीए सद्धिं हयगयसंपरिवुडे कंपिल्लपुराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव हत्थिणाउरे तेणेव उवागए। तए णं से पंडुराया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं आगमणं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरस्स णयरस्स बहिया वासुदेवपामोक्खाणं बहूणं रायसहस्साणं आवासे कारेह अणेगखंभसय० तहेव जाव पच्चप्पिणंति। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव हत्थिणाउरे णयरे तेणेव उवागच्छंति। तए णं से पंडूराया तेसिं वासुदेवपामोक्खाणं आगमणं जाणित्ता हट्ठतुट्ठे ण्हाए कयबलिकम्मे जहा दुवए जाव जहारिहं आवासे दलयइ। तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा जेणेव सया २ आवासा तेणेव उवागच्छंति ० तहेव जाव विहरंति। तए णं से पंडू राया हत्थिणाउरं णयरं अणुपविसइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–तुब्भे णं

देवाणुप्पिया ! विपुलं असणं ४ तहेव जाव उवणेंति । तए णं ते वासुदेवपामोक्खा बहवे रायसहस्सा ण्हाया कयबलिकम्मा तं विपुलं असणं ४ तहेव जाव विहरंति । तए णं से पंडूराया [ते] पंचपंडवे दोवइं च देविं पट्टयं दुरूहेइ २ त्ता सीयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ त्ता कल्लाणकारं करेइ २ त्ता ते वासुदेवपामोक्खे बहवे रायसहस्से विपुलेणं असण ४ पुप्फवत्थेणं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं ताइं वासुदेवपामोक्खाइं बहूहिं जाव पडिगयाइं ॥ १२६ ॥ तए णं ते पंच पंडवा दोवईए देवीए (सद्धिं अंतो अंतेउरपरियाल) सद्धिं कल्लाकल्लिं वारंवारेणं ओरालाइं भोगभोगाइं जाव विहरंति । तए णं से पंडू राया अण्णया कयाइं पंचहिं पंडवेहिं कोंतीए देवीए दोवईए य सद्धिं अंतोअंतेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे सीहासणवरगए यावि विहरइ । इमं च णं कच्छुल्लणारए दंसणेणं अइभद्दए विणीए अंतो २ य कलुसहियए मज्झत्थोवत्थिए य अल्लीणसोमपियदंसणे सुरूवे अमइलसगलपरिहिए कालमियचम्मउत्तरासंगरइयवत्थे दण्डकमण्डलुहत्थे जडामउडदित्तसिरए जण्णोवइयगणेत्तियमुंजमेहलावागलधरे हत्थकयकच्छभीए पियगंधव्वे धरणिगोयरप्पहाणे संवरणावरणओवय (णउ) प्पयणिलेसणीसु य संकामणिअभिओगपण्णत्तिगमणीथंभणीसु य बहूसु विज्जाहरीसु विज्जासु विस्सुयजसे इट्ठे रामस्स य केसवस्स य पज्जुण्णपईवसंबअणिरुद्धणिसढउम्मुयसारणगयसुमुहदुम्मुहाईणं जायवाणं अद्धट्ठाण कुमारकोडीणं हिययदइए संथवए कलहजुद्धकोलाहलप्पिए भंडणाभिलासी बहूसु य समरसयसंपराएसु दंसणरए समंतओ कलहं सदक्खिणं अणुगवेसमाणे असमाहिकरे दसारवरवीरपुरिसतेलोक्कबलगवगाणं आमंतेऊण तं भगवइं ए(प)क्कमणिं गगणगमणदच्छं उप्पइओ गगणमभिलंघयंतो गामागरणगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणसंवाहसहस्समंडियं थिमियमेइणीतलं वसुहं ओलोइंतो रम्मं हत्थिणाउरं उवागए पंडुरायभवणंसि अइवेगेण समोवइए । तए णं से पंडू राया कच्छुल्लणारयं एज्जमाणं पासइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं कुंतीए य देवीए सद्धिं आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता कच्छुल्लणारयं सत्तट्ठपयाइं पच्चुग्गच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता महरिहेणं आसणेणं उवणिमंतेइ । तए णं से कच्छुल्लणारए उदगपरिफोसियाए दब्भोवरिपच्चत्थुयाए भिसियाए णिसीयइ २ त्ता पंडुरायं रज्जे जाव

अंतेउरे य कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं से पंडुराया कोंती देवी पंच य पंडवा कच्छुल्लणारयं आढंति जाव पज्जुवासंति। तए णं सा दोवई देवी कच्छुल्लणारयं अस्संजयं अविरयं अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मं–त्तिकट्टु णो आढाइ णो परियाणइ णो अब्भुट्ठेइ णो पज्जुवासइ ॥ १२७ ॥ तए णं तस्स कच्छुल्लणारयस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–अहो णं दोवई देवी रूवेण य जाव लावण्णेण य पंचहिं पंडवेहिं अणुब(वत्थ)द्धा समाणी ममं णो आढाइ जाव णो पज्जुवासइ। तं सेयं खलु मम दोवईए देवीए विप्पियं करित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता पंडुयरायं आपुच्छइ २ त्ता उप्पयणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव विज्जाहरगईए लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं पुरत्थाभिमुहे वीइवइउं पयत्ते यावि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धदाहिणड्ढभरहवासे अमरकंका णाम रायहाणी होत्था। तत्थ णं अमरकंकाए रायहाणीए पउमणाभे णामं राया होत्था महया हिमवंत वण्णओ। तस्स णं पउमणाभस्स रण्णो सत्त देवीसयाइं ओरोहे होत्था। तस्स णं पउमणाभस्स रण्णो सुणाभे णामं पुत्ते जुवराया यावि होत्था। तए णं से पउमणाभे राया अंतोअंतेउरंसि ओरोहसंपरिवुडे सीहासणवरगए विहरइ। तए णं से कच्छुल्लणारए जेणेव अमरकंका रायहाणी जेणेव पउमणाभस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमणाभस्स रण्णो भवणंसि झत्तिवेगेणं समोवइए। तए णं से पउमणाभे राया कच्छुल्लणारयं एज्जमाणं पासइ पासित्ता आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता अग्घेणं जाव आसणेणं उवणिमंतेइ। तए णं से कच्छुल्लणारए उदयपरिफोसियाए दब्भोवरिपच्चत्थुयाए भिसियाए णिसीयइ जाव कुसलोदंतं आपुच्छइ। तए णं से पउमणाभे राया णियगओरोहे जायविम्हए कच्छुल्लणारयं एवं वयासी–तुब्भं देवाणुप्पिया! बहूणि गामाणि जाव गेहाइं अणुपविससि, तं अत्थि याइं ते कहिंचि देवाणुप्पिया! एरिसए ओरोहे दिट्ठपुव्वे जारिसए णं मम ओरोहे? तए णं से कच्छुल्लणारए पउमणाभेणं रण्णा एवं वुत्ते समाणे ईसिं विहसियं करेइ २ त्ता एवं वयासी–सरिसे णं तुमं पउमणाभा! तस्स अगडदद्दुरस्स। के णं देवाणुप्पिया! से अगडदद्दुरे? एवं जहा मल्लिणाए। एवं देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे णयरे दुपयस्स रण्णो धूया

चुलणीए देवीए अत्तया पंडुस्स सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी रूवेण य जाव उक्किट्ठसरीरा। दोवईए णं देवीए छिण्णस्सवि पायंगुट्ठयस्स अयं तव ओरोहे सइमंपि कलं ण अग्घइ–त्तिकट्टु पउमणाभं आपुच्छइ ० जाव पडिगए। तए णं से पउमणाभे राया कच्छुल्लणारयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म दोवईए देवीए रूवे य ३ मुच्छिए ४ ० जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं जाव पुव्वसंगइयं देवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे जाव उक्किट्ठसरीरा, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! दोवइं देविं इहमाणियं। तए णं पुव्वसंगइए देवे पउमणाभं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पिया! एयं भूयं वा भव्वं वा भविस्सं वा जण्णं दोवई देवी पंचपंडवे मोत्तूण अण्णेणं पुरिसेणं सद्धिं ओरालाइं जाव विहरिस्सइ। तहावि य णं अहं तव पियट्ठयाए दोवइं देविं इहं हव्वमाणेमि–त्तिकट्टु पउमणाभं आपुच्छइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव हत्थिणाउरे णयरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणाउरे णयरे जुहिट्ठिल्ले राया दोवईए देवीए सद्धिं उप्पिं आगासतलंसि सुहप्पसुत्ते यावि होत्था। तए णं से पुव्वसंगइए देवे जेणेव जुहिट्ठिल्ले राया जेणेव दोवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोवईए देवीए ओसोवणियं दलयइ २ त्ता दोवइं देविं गिण्हइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव अमरकंका जेणेव पउमणाभस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पउमणाभस्स भवणंसि असोगवणियाए दोवइं देविं ठावेइ २ त्ता ओसोवणिं अवहरइ २ त्ता जेणेव पउमणाभे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया! मए हत्थिणाउराओ दोवई देवी इह हव्वमाणीया तव असोगवणियाए चिट्ठइ। अओ परं तुमं जाणसि–त्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं सा दोवई देवी तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धा समाणी तं भवणं असोगवणियं च अपच्चभिजाणमाणी एवं वयासी–णो खलु अम्हं एसे सए भवणे णो खलु एसा अम्हं सगा असोगवणिया। तं ण णज्जइ णं अहं केणई देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किण्णरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा अण्णस्स रण्णो असोगवणियं साहरिय–त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा जाव झियायइ। तए णं से पउमणाभे राया ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जेणेव दोवई

देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता दोवतीं देवीं ओहय ० जाव झियायमाणीं पासइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं तुमं देवाणुप्पिए ! ओहय जाव झियाहि ? एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! मम पुव्वसंगइएणं देवेणं जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणापुराओ णयराओ जुहिट्ठिल्लस्स रण्णो भवणाओ साहरिया, तं माणं तुमं देवाणुप्पिए ! ओहय० जाव झियाहि, तुमं णं मए सद्धिं विपुलाइं भोगभोगाइं जाव विहराहि । तए णं सा दोवई देवी पउमणाभं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बारवईए णयरीए कण्हे णामं वासुदेवे ममप्पियभाउए परिवसइ, तं जइ णं से छण्हं मासाणं ममं कूवं णो हव्वमागच्छइ तए णं अहं देवाणुप्पिया ! जं तुमं वदसि तस्स आणाओवायवयणणिद्देसे चिट्ठिस्सामि । तए णं से पउमणाभे दोवईए एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता दोवइं देविं कण्णंतेउरे ठवेइ । तए णं सा दोवई देवी छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ॥१२८॥

तए णं से जुहुट्ठिल्ले राया तओ मुहुत्तंतरस्स पडिबुद्धे समाणे दोवइं देविं पासे अपासमाणो सयणिज्जाओ उट्ठेइ २ त्ता दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा खुइं वा पवत्तिं वा अलभमाणे जेणेव पंडू राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंडू रायं एवं वयासी–एवं खलु ताओ ! मम आगासतलगंसि सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी ण णज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किण्णरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा णिया वा अवक्खित्ता वा ? तं इच्छामि णं ताओ ! दोवईए देवीए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं क(रित्तए)यं । तए णं से पंडू राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! हत्थिणाउरे णयरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! जुहिट्ठिल्लस्स रण्णो आगासतलगंसि सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी ण णज्जइ केणइ देवेण वा दाणवेण वा किंपुरिसेण वा किण्णरेण वा महोरगेण वा गंधव्वेण वा हिया वा णिया वा अक्खित्ता वा, तं जो णं देवाणुप्पिया ! दोवईए देवीए सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा परिकहेइ तस्स णं पंडू राया विउलं अत्थसंपयाणं (दाणं) दलयइ–त्तिकट्टु घोसणं घोसावेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए

णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति । तए णं से पंडूराया दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव अलभमाणे कोंतीं देविं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! बारवइं णयरिं कण्हस्स वासुदेवस्स एयमट्ठं णिवेदेहि । कण्हे णं परं वासुदेवे दोवईए देवीए मग्गणगवेसणं करेज्जा अण्णहा ण णज्जइ दोवईए देवीए सुइं वा खुइं वा पवित्तिं वा उवलभेज्जा । तए णं सा कोंती देवी पंडुरण्णा एवं वुत्ता समाणी जाव पडिसुणेइ २ त्ता ण्हाया कयबलिकम्मा हत्थिखंधवरगया हत्थिणाउरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता कुरुजणवयं मज्झंमज्झेणं जेणेव सुरट्ठाजणवए जेणेव बारवई णयरी जेणेव अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! जेणेव (बारवई ण०) बारवइं णयरिं अणुपविसह २ त्ता कण्हं वासुदेवं करयल० एवं वयह–एवं खलु सामी ! तुब्भं पिउच्छा कोंती देवी हत्थिणाउराओ णयराओ इहं हव्वमागया तुब्भं दंसणं कंखइ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव कहेंति। तए णं कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे हत्थिखंधवरगए हयगय० बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव कोंती देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिखंधाओ पच्चोरुहइ २ त्ता कोंतीए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता कोंतीए देवीए सद्धिं हत्थिखंधं दुरूहइ २ त्ता बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयं गिहं अणुप्पविसइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोंतीं देविं ण्हायं कयबलिकम्मं जिमियभुत्तुत्तरागयं जाव सुहासणवरगयं एवं वयासी–संदिसउ णं पिउच्छा ! किमागमणपओयणं ? तए णं सा कोंती देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता ! हत्थिणाउरे णयरे जुहिट्ठिल्लस्स रण्णो आगासतलए सुहपसुत्तस्स पासाओ दोवई देवी ण णज्जइ केणइ अवहिया जाव अवक्खित्ता वा, तं इच्छामि णं पुत्ता ! दोवईए देवीए मग्गणगवेसणं कयं । तए णं से कण्हे वासुदेवे कोंतीं पिउच्छिं एवं वयासी–जं णवरं पिउच्छा ! दोवईए देवीए कत्थइ सुइं वा जाव लभामि तो णं अहं पायालाओ वा भवणाओ वा अद्धभरहाओ वा समंतओ दोवइं (देविं) साहत्थिं उवणेमि–त्तिकट्टु कोंतीं पिउच्छिं सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं सा कोंती देवी कण्हेणं वासुदेवेणं पडिविसज्जिया समाणी

जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! बारवइं णयरिं एवं जहा पंडू तहा घोसणं घोसावेइ जाव पच्चप्पिणंति पंडुस्स जहा तए णं से कण्हे वासुदेवे अण्णया अंतोअंतेउरगए ओरोहे जाव विहरइ। इमं च णं कच्छुल्लणारए जाव समोवइए जाव णिसीइत्ता कण्हं वासुदेवं कुसलोदंतं पुच्छइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं णारयं एवं वयासी–तुमं णं देवाणुप्पिया! बहूणि गामागर जाव अणुपविससि, तं अत्थि-याइं ते कहिंचि दोवईए देवीए सुई वा जाव उवलद्धा? तए णं से कच्छुल्लणारए कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अण्णया धायईसंडे दीवे पुरत्थिमद्धं दाहिणड्ढभरहवासं अवरकंकारायहाणिं गए, तत्थ णं मए पउमणाभस्स रण्णो भवणंसि दोवई देवी जारिसिया दिट्ठपुव्वा यावि होत्था। तए णं कण्हे वासुदेवे कच्छुल्लं एवं वयासी–तुब्भं चेव णं देवाणुप्पिया! ए(यं)वं पुव्वकम्मं। तए णं से कच्छुल्लणारए कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे उप्पयणिं विज्जं आवाहेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तए णं से कण्हे वासुदेवे दूयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया! हत्थिणाउरं पंडुस्स रण्णो एयमट्ठं णिवेदेहि–एवं खलु देवाणुप्पिया! धायइसंडे दीवे पुरच्छिमद्धे अवरकंकाए रायहाणीए पउमणाभभवणंसि दोवईए देवीए पउत्ती उवलद्धा। तं गच्छंतु पंच पंडवा चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडा पुरत्थिमवेयालीए ममं पडिवालेमाणा चिट्ठंतु। तए णं से दूए जाव भणइ (जाव) पडिवालेमाणा चिट्ठइ। तेवि जाव चिट्ठंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! सण्णाहियं भेरिं तालेह। तेवि तालेंति। तए णं तीसे सण्णाहियाए भेरीए सद्दं सोच्चा समुद्दविजयपामोक्खा दस दसारा जाव छप्पण्णं बलवयसाहस्सीओ सण्णद्धबद्ध जाव गहियाउहपहरणा अप्पेगइया हयगया (अप्पेगइया) गयगया जाव वग्गुरापरिक्खित्ता जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे हत्थिखंधवरगए सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धारिज्जमाणेणं सेयवर० हयगय० महया भडचडगरपहकरेणं बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ० जेणेव पुरत्थिमवेयाली

तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं एगयओ मिलइ २ त्ता खंधा-वारणिवेसं करेइ २ त्ता पोसहसालं अणुप्पविसइ २ त्ता सुट्ठियं देवं मणसि-करेमाणे २ चिट्ठइ। तए णं कण्हस्स वासुदेवस्स अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि सुट्ठिओ जाव आगओ –भण देवाणुप्पिया ! जं मए कायव्वं। तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं देवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! दोवई देवी जाव पउमणाभस्स भवणंसि साहरिया, तण्णं तुमं देवाणुप्पिया ! मम पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं वियरेहि जण्णं अहं अवर-कंकारायहाणिं दोवईए कूवं गच्छामि। तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–किण्हं देवाणुप्पिया ! जहा चेव पउमणाभस्स रण्णो पुव्वसंगइएणं देवेणं दोवई जाव संहरिया तहा चेव दोवइं देविं धायईसंडाओ दीवाओ भार-हाओ जाव हत्थिणाउरं साहरामि उदाहु पउमणाभं रायं सपुरबलवाहणं लवण-समुद्दे पक्खिवामि ? तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं देवं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! जाव साहराहि, तुमं णं देवाणुप्पिया ! मम लवणसमुद्दे पंचहिं पंडहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं मग्गं वियराहि, सयमेव णं अहं दोवईए कूवं गच्छामि। तए णं से सुट्ठिए देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं होउ। पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठस्स छण्हं रहाणं लवणसमुद्दे मग्गं विय-रइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे चाउरंगिणी सेणं पडिविसज्जेइ २ त्ता पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ २ त्ता जेणेव अवरकंका रायहाणी जेणेव अवरकंकाए रायहाणीए अग्गुज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता दारुयं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! अवरकंकारायहाणिं अणुप्पविसाहि २ त्ता पउम-णाभस्स रण्णो वामेणं पाएणं पायपीढं अक्कमित्ता कुंतग्गेणं लेहं पणामेहि तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु आसुरुत्ते रुट्ठे कुद्धे कुविए चंडिक्किए एवं व०–हं भो पउमणाभा! अपत्थियपत्थिया! दुरंतपंतलक्खणा! हीणपुण्णचाउद्दसा! सिरीहिरिधीपरिवज्जिया ! अज्ज ण भवसि किण्णं तुमं ण याणासि कण्हस्स वासुदेवस्स भगिणिं दोवइं देविं इहं हव्वमाणमाणे ? तं एयमवि गए पच्च-प्पिणाहि णं तुमं दोवइं देविं कण्हस्स वासुदेवस्स अहव णं जुद्धसज्जे णिग्गच्छाहि एस णं कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे दोवईए देवीए कूवं हव्व-

मागए । तए णं से दारुए सारही कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे (जाव) पडिसुणेइ २ त्ता अवरकंकं रायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव पउमणाभे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–एस णं सामी ! मम विणयपडिवत्ती इमा अप्पणा मम सामिस्स समुहाणत्ति–त्तिकट्टु आसुरुत्ते वामपाएणं पायपीढं अ(णु)वक्कमइ २ त्ता कोंतग्गेणं लेहं पणामइ ० जाव कूवं हव्वमागए । तए णं से पउमणाभे दारुएणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते तिवलिं भिउडिं णिडाले साहट्टु एवं वयासी–णो अप्पिणामि णं अहं देवाणुप्पिया ! कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं । एस णं अहं सयमेव जुज्झसज्जो णिग्गच्छामि–त्तिकट्टु दारुयं सारहिं एवं वयासी–केवलं भो ! रायसत्थेसु दूये अवज्झे–त्तिकट्टु असक्कारिय असम्माणिय अवदारेणं णिच्छुभावेइ । तए णं से दारुए सारही पउमणाभेणं असक्कारिय जाव णिच्छूढे समाणे जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव कण्हं जाव एवं वयासी–एवं खलु अहं सामी ! तुब्भं वयणेणं जाव णिच्छुभावेइ । तए णं से पउमणाभे बलवाउयं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह । तयाणंतरं च णं छेयायरियउवदेसमइविकप्पणाविगप्पेहिं जाव उवणेंति । तए णं से पउमणाहे सण्णद्ध० अभिसेयं दुरूहइ २ त्ता हयगय जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमणाभं रायाणं एज्जमाणं पासइ २ त्ता ते पंच पंडवे एवं वयासी–हं भो दारगा ! किण्णं तुब्भे पउमणाभेणं सद्धिं जुज्झिहिह उयाहु पेच्छिहिह ? तए णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–अम्हे णं सामी ! जुज्झामो तुब्भे पेच्छह तए णं ते पंच-पंडवे सण्णद्ध जाव पहरणा रहे दुरूहंति २ त्ता जेणेव पउमणाभे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी–अम्हे पउमणाभे वा राय–त्तिकट्टु पउमणाभेणं सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था । तए णं से पउमणाभे राया ते पंच-पंडवे खिप्पामेव हयमहियपवरविवडियचिंधद्धयपडागा जाव दिसोदिसिं पडिसेहेइ । तए णं ते पंच पंडवा पउमणाभेणं रण्णा हयमहियपवरविवडिय जाव पडिसेहिया समाणा अत्थामा जाव अधारणिज्जमि त्तिकट्टु जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छंति । तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी- कहण्णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! पउमणाभेण रण्णा सद्धिं संपलग्गा ? तए

णं ते पंच-पंडवा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा सण्णद्ध० रहे दुरूहामो २ त्ता जेणेव पउमणाभे जाव पडिसेहेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे ते पंच-पंडवे एवं वयासी—जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! एवं वयंता—अम्हे णो पउमणाभे रायत्तिकट्टु पउमणाभेणं सद्धिं संपलग्गंता तो णं तुब्भे णो पउमणाभे हयमहियपवर जाव पडिसेहंते तं पेच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! अहं णो पउमणाभे रायत्तिकट्टु पउमणाभेणं रण्णा सद्धिं जुज्झामि रहं दुरूहइ २ त्ता जेणेव पउमणाभे राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेयं गोखीरहारधवलं तणसोल्लियसिंदुवारकुंदेंदुसण्णिगासं णिययस्स बलस्स हरिसजणणं रिउसेण्णविणासकरं पंचजण्णं संखं परामुसइ २ त्ता मुहवायपूरियं करेइ । तए णं तस्स पउमणाहस्स तेणं संखसद्देणं बलतिभाए हए जाव पडिसेहिए । तए णं से कण्हे वासुदेवे धणुं परामुसइ वेढो धणुं पूरेइ २ त्ता धणुसद्दं करेइ । तए णं तस्स पउमणाभस्स दोच्चे बलतिभाए तेणं धणुसद्देणं हयमहिय जाव पडिसेहिए । तए णं से पउमणाभे राया तिभागबलावसेसे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कम्मे अधारणिज्जमित्तिकट्टु सिग्घं तुरियं जेणेव अवरकंका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अवरकंकं रायहाणिं अणुपविसइ २ त्ता दाराइं पिहेइ २ त्ता रोहसज्जे चिट्ठइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव अवरकंका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ एगं महं णरसीहरूवं विउव्वइ २ त्ता महया-महया सद्देणं पायदद्दरियं करेइ । तए णं (से) कण्हेणं वासुदेवेणं महया-महया सद्देणं पायदद्दरएणं कएणं समाणेणं अवरकंका रायहाणी संभग्गपागारगो(पु) उराट्टालयचरियतोरणपल्हत्थियपवरभवणसिरिघरा सर(र)सरस्स धरणियले सण्णिवइया । तए णं से पउमणाभे राया अवरकंकं रायहाणिं संभग्ग जाव पासित्ता भीए दोवइं देविं सरणं उवेइ । तए णं सा दोवई देवी पउमणाभं रायं एवं वयासी—किण्णं तुमं देवाणुप्पिया ! ण जाणसि कण्हस्स वासुदेवस्स उत्तमपुरिसस्स विप्पियं करेमाणे ममं इह हव्वमाणेसि ? तं एवमवि गए-गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! ण्हाए उल्लपडसाडए ओ(अव)चूलगवत्थणियत्थे अंतेउरपरियालसंपरिवुडे अग्गाइं वराइं रयणाइं गहाय ममं पुरओ काउं कण्हं वासुदेवं करयल ० पायवडिए सरणं उवेहि, पणिवइयवच्छला णं देवाणुप्पिया !

उत्तमपुरिसा। तए णं से पउमणाभे दोवईए देवीए एयमट्ठं पडिसुणेइ पडिसुणेत्ता ण्हाए जाव सरणं उवेइ उवेत्ता करयल जाव एवं वयासी–दिट्ठा णं देवाणुप्पियाणं इड्ढी जाव परक्कमे। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! जाव खमंतु णं जाव णाहं भुज्जो २ एवं करणयाए–त्तिकट्टु पंजलिउडे पायवडिए कण्हस्स वासुदेवस्स दोवइं देविं साहत्थि उवणेइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमणाभं एवं वयासी–हं भो पउमणाभा! अप्पत्थियपत्थिया ४ किण्णं तुमं ण जाणसि मम भगिणिं दोवइं देविं इह हव्वमाणमाणे? तं एवमवि गए णत्थि ते ममाहिंतो इयाणिं भयमत्थि-त्तिकट्टु पउमणाभं पडिविसज्जेइ० दोवइं देविं गेण्हइ २ त्ता रहं दुरूहेइ २ त्ता जेणेव पंच पंडवा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पंचण्हं पंडवाणं दोवइं देविं साहत्थि उवणेइ। तए णं से कण्हे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥१२९॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं धायइसंडे दीवे पुरत्थिमद्धे भारहे वासे चंपा णामं णयरी होत्था। पुण्णभद्दे णामं चेइए। तत्थ णं चंपाए णयरीए कविले णामं वासुदेवे राया होत्था महया हिमवंत० वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं मुणिसुव्वए अरहा चंपाए पुण्णभद्दे समोसढे। कविले वासुदेवे धम्मं सुणेइ। तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयस्स अरहओ अंतिए धम्मं सुणेमाणे कण्हस्स वासुदेवस्स संख सद्दं सुणेइ। तए णं तस्स कविलस्स वासुदेवस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पज्जित्था–किं मण्णे धायइसंडे दीवे भारहे वासे दोच्चे वासुदेवे समुप्पण्णे? जस्स णं अयं संखसद्दे ममं पिव मुहवायपूरिए वियंभइ? कविले वासुदेवे सद्दाइं सुणेइ। मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी–से णूणं ते कविला वासुदेवा! ममं अंतिए धम्मं णिसामेमाणस्स संखसद्दं आकण्णित्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए–किं मण्णे जाव वियंभइ। से णूणं कविला वासुदेवा! अयमट्ठे समट्ठे? हंता! अत्थि। तं णो खलु कविला! एवं भूयं वा भवइ वा भविस्सइ वा जण्णं एगखेत्ते एगजुगे एगसमए दुवे अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जिंति वा उप्पज्जिस्संति वा। एवं खलु वासुदेवा! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ हत्थिणाउराओ णयराओ पंडुस्स रण्णो सुण्हा पंचण्हं पंडवाणं भारिया दोवई देवी तव पउम-

णाभस्स रण्णो पुव्वसंगइएणं देवेणं अवरकंकं णयरिं साहरिया । तए णं से कण्हे वासुदेवे पंचहिं पंडवेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे छहिं रहेहिं अवरकंकं रायहाणिं दोवईए देवीए कूवं हव्वमागए । तए णं तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स पउमणाभेणं रण्णा सद्धिं संगामं संगामेमाणस्स अयं संखसद्दे तव मुहवाया० इव इट्ठे कंते इहे वियंभइ । तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–गच्छामि णं अहं भंते ! कण्हं वासुदेवं उत्तमपुरिसं मम सरिसपुरिसं पासामि । तए णं मुणिसुव्वए अरहा कविलं वासुदेवं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पिया ! एवं भूयं वा ३ जण्णं अरहंता वा अरहंतं पासंति चक्कवट्टी वा चक्कवट्टिं पासंति बलदेवा वा बलदेवं पासंति वासुदेवा वा वासुदेवं पासंति । तहवि य णं तुमं कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणस्स सेयापीयाइं धयग्गाइं पासिहिसि । तए णं से कविले वासुदेवे मुणिसुव्वयं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता हत्थिखंधं दुरुहइ २ त्ता सिग्घं २ जेणेव वेलाउले तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कण्हस्स वासुदेवस्स लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणस्स सेयापीयाहिं धयग्गाइं पासइ २ त्ता एवं वयइ–एस णं मम सरिसपुरिसे उत्तम-पुरिसे कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीईवयइ–त्तिकट्टु पंचयण्णं संखं परामुसइ २ मुहवायपूरियं करेइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे कविलस्स वासुदेवस्स संखसद्दं आयण्णेइ २ त्ता पंचयण्णं जाव पूरियं करेइ । तए णं दोवि वासुदेवा संखसद्दसामायारिं करेंति । तए णं से कविले वासुदेवे जेणेव अवरकंका तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अवरकंकं रायहाणिं संभग्गतोरणं जाव पासइ २ त्ता पउम-णाभं एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया ! एसा अवरकंका संभग्ग जाव सण्णि-वइया ? तए णं से पउमणाभे कविलं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! जंबुद्दीवाओ २ भारहाओ वासाओ इहं हव्वमागम्म कण्हेणं वासुदेवेणं तुब्भे परिभूय अवरकंका जाव सण्णिवाडिया । तए णं से कविले वासुदेवे पउम-णाभस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा पउमणाभं एवं वयासी–हं भो पउमणाभा ! अपत्थियपत्थिया ५ किण्णं तुमं ण जाणसि मम सरिसपुरिसस्स कण्हस्स वासु-देवस्स विप्पियं करेमाणे ? आसुरुत्ते जाव पउमणाभं णिव्विसयं आणवेइ पउमणाभस्स पुत्तं अवरकंकाए रायहाणीए महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ जाव पडिगए ॥१३०॥ तए णं से कण्हे वासुदेवे लवणसमुद्दं मज्झंमज्झेणं वीई-

वयइ गंगं उवागए ते पंच पंडवे एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! गंगा महाणइं उत्तरह जाव ताव अहं सुट्ठियं लवणाहिवइं पासामि। तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं २ एवं वुत्ता समाणा जेणेव गंगा महाणई तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एगट्ठियाए णावाए मग्गणगवेसणं करेंति २ त्ता एगट्ठियाए णावाए गंगं महाणइं उत्तरंति २ त्ता अण्णमण्णं एवं वयंति–पहू णं देवाणुप्पिया ! कण्हे वासुदेवे गंगं महाणइं बाहाहिं उत्तरित्तए उदाहु णो पहू उत्तरित्तए–त्तिकट्टु एगट्ठियाओ णावाओ णूमेंति २ त्ता मुसंति २ त्ता कण्हं वासुदेवं पडिवालेमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं पासइ २ त्ता जेणेव गंगा महाणई तेणेव उवागच्छइ २ त्ता एगट्ठियाए सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता एगट्ठियं अपासमाणे एगाए बाहाए रहं सतुरगं ससारहिं गेण्हइ एगाए बाहाए गंगं महाणइं बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वित्थिण्णं उत्तरिउं पयत्ते यावि होत्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे गंगाए महाणईए बहुमज्झदेसभागं संपत्ते समाणे संते तंते परितंते बद्धसेए जाए यावि होत्था। तए णं तस्स कण्हस्स वासुदेवस्स इमेएयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अहो णं पंचवा महाबलवगा जेहिं गंगामहाणई बा(ब)सट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च वित्थिण्णा बाहाहिं उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं णं पंचहिं पंडवेहिं पउमणामे राया हयमहिय जाव णो पडिसेहिए। तए णं गंगादेवी कण्हस्स वासुदेवस्स इमं एयारूवं अज्झत्थियं जाव जाणित्ता थाहं वियरइ। तए णं से कण्हे वासुदेवे मुहुत्तंतरं समासासइ २ त्ता गंगं महाणइं बासट्ठिं जाव उत्तरइ २ त्ता जेणेव पंच-पंडवा तेणेव उवागच्छइ० पंच पंडवे एवं वयासी–अहो णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! महाबलवगा जेहणं तुब्भेहिं गंगामहाणई बासट्ठिं जाव उत्तिण्णा, इच्छंतएहिं णं तुब्भेहिं पउमणाहे जाव णो पडिसेहिए। तए णं ते पंच पंडवा कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ता समाणा कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे तुब्भेहिं विसज्जिया समाणा जेणेव गंगा महाणई तेणेव उवागच्छामो २ त्ता एगट्ठियाए मग्गणगवेसणं तं चेव जाव णूमेमो तुब्भे पडिवालेमाणा चिट्ठामो। तए णं से कण्हे वासुदेवे तेसिं पंचण्हं पंडवाणं एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव तिवलियं एवं वयासी–अहो णं जया मए लवणसमुद्दं दुवे जोयणसयसह(स्सा)स्सवित्थिण्णं वीईवइत्ता पउमणाभं हयमहिय

जाव पडिसेहित्ता अवरकंका संभग्ग० दोवई साहत्थिं उवणीया तया णं-तुब्भेहिं मम माहप्पं ण विण्णायं इयाणिं जाणिस्सह–त्तिकट्टु लोहदंडं परामुसइ पंचण्हं पंडवाणं रहे चूरेइ २ त्ता णिव्विसए आणवेइ २ त्ता तत्थ णं रहमद्दणे णामं कोडे णिविट्ठे। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव सए खंधावारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सएणं खंधावारेणं सद्धिं अभिसमण्णागए यावि होत्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे जेणेव बारवई णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अणुप्पविसइ ॥१३१॥ तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव हत्थिणाउरे णयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जेणेव पंडू राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु ताओ! अम्हे कण्हेणं णिव्विसया आणत्ता। तए णं पंडू राया ते पंच पंडवे एवं वयासी–कहण्णं पुत्ता! तुब्भे कण्हेणं वासुदेवेणं णिव्विसया आणत्ता? तए णं ते पंच-पंडवा पंडुरायं एवं वयासी–एवं खलु ताओ! अम्हे अवरकंकाओ पडिणियत्ता लवणसमुद्दं दोण्णि जोयणसयसहस्साइं वीईवइ(त्ता)त्था। तए णं से कण्हे वासुदेवे अम्हे एवं वयइ–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! गंगा महाणइं उत्तरह जाव (चिट्ठह) ताव अहं एवं तहेव जाव चिट्ठामो। तए णं से कण्हे वासुदेवे सुट्ठियं लवणाहिवइं दट्ठूण तं चेव सव्वं णवरं कण्हस्स चिंता ण (वुज्झइ) जुज्ज [वूच्च]इ जाव अम्हे णिव्विसए आणवेइ। तए णं से पंडूराया ते पंच-पंडवे एवं वयासी–दुट्ठु णं (तुमं) पुत्ता! कयं कण्हस्स वासुदेवस्स विप्पियं करेमाणेहिं। तए णं से पंडू-राया कोंतिं देविं सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–गच्छ णं तुमं देवाणुप्पिया! बारवइं कण्हस्स वासुदेवस्स णिवेएहि–एवं खलु देवाणुप्पिया! तु(मे)म्हे पंच-पंडवा णिव्विसया आणत्ता, तुमं च णं देवाणुप्पिया! दाहिणड्ढभरहस्स सामी, तं संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! ते पंच-पंडवा कयरं दिसिं(देसं)वा विदिसिं वा गच्छंतु?। तए णं सा कोंती पंडुणा एवं वुत्ता समाणी हत्थिखंधं दुरूहइ ० जहा हेट्ठा जाव संदिसंतु णं पिउच्छा! किमागमणपओयणं। तए णं सा कोंती कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु (तुमे) पुत्ता! पंच-पंडवा णिव्विसया आणत्ता तुमं च णं दाहिणड्ढभरहस्स जाव विदिसिं वा गच्छंतु? तए णं से कण्हे वासुदेवे कोंतिं देविं एवं वयासी–अपूईवयणा णं पिउच्छा! उत्तमपुरिसा वासुदेवा बलदेवा चक्कवट्टी। तं गच्छंतु णं देवाणु०! पंच-पंडवा दाहिणिल्लं वेयालिं तत्थ पंडुमहुरं णिवेसंतु मम अदिट्ठुसेवगा भवंतु–त्तिकट्टु कोंतिं देविं

सक्कारेइ सम्माणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं सा कोंती देवी जाव पंडुस्स एयमट्ठं णिवेएइ । तए णं पंडू राया पंचपंडवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे पुत्ता ! दाहिणिल्लं वेयालिं, तत्थ णं तुब्भे पंडुमहुरं णिवेसेह । तए णं ते पंच पंडवा पंडुस्स रण्णो जाव तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता सबलवाहणा हयगय० हत्थिणाउराओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव दक्खिणिल्ले वेयाली तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पंडुमहुरं णयरिं णिवेसेइ २ त्ता तत्थ णं ते विपुल-भोगसमिइसमण्णागया यावि होत्था ॥१३२॥ तए णं सा दोवई देवी अण्णया कयाइ आवण्णसत्ता जाया यावि होत्था । तए णं सा दोवई देवी णवण्हं मासाणं जाव सुरूवं दारगं पयाया सूमालं णिव्वत्तबारसाहस्स इमं एयारूवं—जम्हा णं अम्हं एस दारए पंचण्हं पंडवाणं पुत्ते दोवईए देवीए अत्तए तं होउ अम्हं णं इमस्स दारगस्स णामधेज्जं पंडुसेणे । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेज्जं करेइ पंडुसेणत्ति । बावत्तरिं कलाओ जाव अलंभोगसमत्थे जाए जुवराया जाव विहरइ । थेरा समोसढा परिसा णिग्गया । पंडवा णिग्गया धम्मं सोच्चा एवं वयासी—जं णवरं देवाणुप्पिया ! दोवइं देविं आपुच्छामो पंडुसेणं च कुमारं रज्जे ठावेमो तओ पच्छा देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वयाओ । अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं ते पंच-पंडवा जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता दोवइं देविं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिए ! अम्हेहिं थेराणं अंतिए धम्मे णिसंते जाव पव्वयाओ, तुमं णं देवाणुप्पिए ! किं करेसि ? तए णं सा दोवई देवी ते पंच-पंडवे एवं वयासी—जइ णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गा जाव पव्वयह मम के अण्णे आलंबे वा जाव भविस्सइ ? अहं पि य णं संसारभउव्विग्गा देवाणुप्पिएहिं सद्धिं पव्वइस्सामि । तए णं ते पंच-पंडवा० पंडुसेणस्स अभिसेओ जाव राया जाए जाव रज्जं पसाहेमाणे विहरइ । तए णं ते पंच-पंडवा दोवई य देवी अण्णया कयाइं पंडुसेणं रायाणं आपुच्छंति । तए णं से पंडुसेणे राया कोडुं-बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो ! देवाणुप्पिया ! णिक्ख-मणाभिसेयं जाव उवट्ठवेह पुरिससहस्सवाहिणीओ सिवियाओ उवट्ठवेह जाव पच्चोरुहंति जेणेव थेरा जाव आलित्ते णं जाव समणा जाया चोद्दस्स पुव्वाइं अहिज्जंति २ त्ता बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं

अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥१३३॥ तए णं सा दोवई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ जाव पव्वइया सुव्वयाए अज्जाए सिस्सिणीयत्ताए दलयइ एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ० बहूणि वासाणि छट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं जाव विहरइ ॥१३४॥ तए णं थेरा भगवंतो अण्णया कयाई पंडुमहुराओ णयरीओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति । तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी जेणेव सुरट्ठाजणवए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुरट्ठाजणवयंसि संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अरहा अरिट्ठणेमी सुरट्ठाजणवए जाव विहरइ । तए णं से (ते) जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अरहा अरिट्ठणेमी पुव्वाणुपुव्वि जाव विहरइ, तं सेयं खलु अम्हं थेरा आपुच्छित्ता अरहं अरिट्ठणेमिं वंदणाए गमित्तए । अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामो णं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा अरहं अरिट्ठणेमिं जाव गमित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अणगारा थेरेहिं अब्भणुण्णाया समाणा थेरे भगवंते वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता थेराणं अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता मासंमासेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं गामाणुगामं दूइज्जमाणा जाव जेणेव हत्थकप्पे णयरे तेणेव उवागच्छंति० हत्थकप्पस्स बहिया सहसंबवणे उज्जाणे जाव विहरंति । तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा मासक्खमणपारणए पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेंति बीयाए एवं जहा गोयमसामी णवरं जुहिट्ठिल्लं आपुच्छंति जाव अडमाणा बहुजणसद्दं णिसामेंति–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अरहा अरिट्ठणेमी उज्जिंतसेलसिहरे मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं पंचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं कालगए जाव पहीणे । तए णं ते जुहिट्ठिल्लवज्जा चत्तारि अणगारा बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा हत्थकप्पाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव जुहिट्ठिल्ले अणगारे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता भत्तपाणं पच्चुवेक्खंति २ त्ता गमणागमणस्स पडिक्कमंति २ त्ता एसणमणेसणं आलोएंति २ त्ता भत्तपाणं पडिदंसेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु

देवाणुप्पिया ! जाव कालगए । तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया ! इमं पुव्व-गहियं भत्तपाणं परिट्ठवेत्ता सेत्तुंजं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्तए संलेहणाए-झूसणाझूसियाणं कालं अणवकंखमाणाणं विहरित्तए–त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एय-मट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता तं पुव्वगहियं भत्तपाणं एगंते परिट्ठवेंति २ त्ता जेणेव सेत्तुंजे पव्वए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सेत्तुंजं पव्वयं सणियं २ दुरूहंति ० जाव कालं अणवकंखमाणा विहरंति । तए णं ते जुहिट्ठिल्लपामोक्खा पंच अण-गारा सामाइयमाइयाइं चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जित्ता बहूणि वासाणि सामण्ण-परियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसित्ता जस्सट्ठाए किरइ णग्गभावे जाव तमट्ठमाराहेंति २ त्ता अणंते जाव केवलवर-णाणदंसणे समुप्पण्णे जाव सिद्धा ॥१३५॥ तए णं सा दोवई अज्जा सुव्वयाणं अज्जियाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूणि वासाणि सा०मासि-याए संलेहणाए आलोइयपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा बंभलोए उववण्णा । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं दुवइ-(य)स्स [वि] देवस्स दस-सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! दुवए देवे तओ जाव महाविदेहे वासे जाव अंतं काहिइ । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सोलसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥१३६॥ गाहाउ–सुबहुं पि तवकिलेसो णियाणदोसेण दूसिओ संतो । ण सिवाय दोवईए जह किल सुकुमालियाजम्मे ॥१॥ अमणुण्णमभत्तीए पत्ते दाणं भवे अणत्थाय । जह कडुयतुंबदाणं णागसिरिभवंमि दोवईए ॥२॥

॥ सोलसमं अज्झयणं समत्तं ॥

आइण्णे णामं सत्तरसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० सोलसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते सत्तर-समस्स ० णायज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबु ! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिसीसे णामं णयरे होत्था वण्णओ । तत्थ णं कणगकेऊ णामं राया होत्था वण्णओ । तत्थ णं हत्थिसीसे णयरे बहवे संजुत्ता-णावावाणियगा परि-वसंति अड्ढा जाव बहूजणस्स अपरिभूया यावि होत्था । तए णं तेसिं संजुत्ताणा-

वावाणियगाणं अण्णया कयाइ एगयओ (सहियाणं) जहा अरहण्णओ(ए) जाव लवणसमुद्दं अणेगाइं जोयणसयाइं ओगाढा यावि होत्था। तए णं तेसिं जाव बहूणि उप्पाइयसयाइं जहा मागंदियदारगाणं जाव कालियवाए य तत्थ समुत्थिए। तए णं सा णावा तेणं कालियवाएणं आघोलि(घुणि)ज्जमाणी २ संचालिज्जमाणी २ संखोहिज्जमाणी २ तत्थेव परिभमइ। तए णं से णिज्जामए णट्ठमईए णट्ठसुईए णट्ठसण्णे मूढदिसाभाए जाए यावि होत्था ण जाणइ कयरं (देसं वा) दिसं वा विदिसं वा पोयवहणे अवहिए-त्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। तए णं ते बहवे कुच्छिधारा य कण्णधारा य गब्भि(ब्भे)ल्लगा य संजुत्ताणावावाणियगा य जेणेव से णिज्जामए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एवं वयासी-किण्णं तुमं देवाणुप्पिया! ओहयमणसंकप्पा जाव झियायसि? तए णं से णिज्जामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! णट्ठमईए जाव अवहिएत्तिकट्टु तओ ओहयमणसंकप्पे जाव झियामि। तए णं ते कण्णधारा तस्स णिज्जामयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म भीया० ण्हाया कयबलिकम्मा करयल बहूणं इंदाण य खंदाण य जहा मल्लिणाए जाव उवायमाणा २ चिट्ठंति। तए णं से णिज्जामए तओ मुहुत्तंतरस्स लद्धमईए ३ अमूढदिसाभाए जाए यावि होत्था। तए णं से णिज्जामए ते बहवे कुच्छिधारा य ४ एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! लद्धमईए जाव अमूढदिसाभाए जाए। अम्हे णं देवाणुप्पिया! कालियदीवंतेणं संवूढा। एस णं कालियदीवे आलोक्कइ। तए णं ते कुच्छिधारा य ४ तस्स णिज्जामगस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा हट्ठतुट्ठा पयक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव कालीयदीवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तरंति। तत्थ णं बहवे हिरण्णागरे य सुवण्णागरे य रयणागरे य वइरागरे य बहवे तत्थ आसे पासंति किं ते? हरिरेणुसोणिसुत्तगा आइण्णवेढो। तए णं ते आसा ते वाणियए पासंति तेसिं गंधं अग्घायंति ० भीया तत्था उव्विग्गा उव्विग्गमणा तओ अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति। ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतणपाणिया णिब्भया णिरुव्विग्गा सुहंसुहेणं विहरंति। तए णं ते संजुत्ताणावावाणियगा अण्णमण्णं एवं वयासी-किण्हं अम्हे देवाणुप्पिया! आसेहिं? इमे णं बहवे हिरण्णागरा य सुवण्णागरा य रयणागरा य वइरागरा य। तं सेयं खलु अम्हं हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य

रयणस्स य वइरस्स य पोयवहणं भरित्तए—त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता हिरण्णस्स य सुवण्णस्स य रयणस्स य वइरस्स य तणस्स य कट्ठस्स य अण्णस्स य पाणियस्स य पोयवहणं भरेंति २ त्ता पयक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरपोयवहणपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ पोयवहयणं लंबेंति २ त्ता सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तं हिरण्णं जाव वइरं च एगट्ठियाहिं पोयवहणाओ संचारेंति २ त्ता सगडीसागडं संजोइंति० जेणेव हत्थिसीसए णयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता हत्थिसीसयस्स णयरस्स बहिया अग्गुज्जाणे सत्थणिवेसं करेंति २ त्ता सगडीसागडं मोएंति २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं गेण्हंति २ त्ता हत्थिसीसं च णयरं अणुप्पविसंति २ त्ता जेणेव से कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव उवणेंति । तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजुत्ताणावावाणियगाणं तं महत्थं जाव पडिच्छइ २ ते संजुत्ताणावावाणियगा एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! गामागर जाव आहिंडह लवणसमुद्दं च अभिक्खणं २ पोयवहणेणं ओगाह(हे)ह, तं अत्थियाइं केइ भे कहिंचि अच्छेरए दिट्ठपुव्वे ? । तए णं ते संजुत्ताणावावाणियगा कणगकेउं एवं वयासी—एवं खलु अम्हे देवाणुप्पिया ! इहेव हत्थिसीसे णयरे परिवसामो तं चेव जाव कालियदीवंतेणं संछूढा । तत्थ णं बहवे हिरण्णागरा य जाव बहवे तत्थ आसे किं ते ? हरिरेणु जाव अणेगाइं जोयणाइं उब्भमंति । तए णं सामी ! अम्हेहिं कालियदीवे ते आसा अच्छेरए दिट्ठपुव्वे । तए णं से कणगकेऊ तेसिं संजुत्तगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा ते संजुत्तए एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! मम कोडुंबियपुरिसेहिं सद्धिं कालियदीवाओ ते आसे आणेह । तए णं ते संजुत्तावाणियगा कणगकेउं एवं वयासी—एवं सामित्ति कट्टु आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेंति । तए णं से कणगकेऊ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! संजुत्तएहिं (णावावाणियएहिं) सद्धिं कालियदीवाओ मम आसे आणेह । तेवि पडिसुणेंति । तए णं ते कोडुंबिय० सगडीसागडं सज्जेंति २ त्ता तत्थ णं बहूणं वीणाण य वल्लकीण य भामरीण य कच्छभीण य भंभाण य छब्भामरीण य विचित्तवीणाण य अण्णेसिं च बहूणं सोइंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता बहूणं किण्हाण य जाव सुक्किलाण य कट्ठकम्माण य ४ गंथिमाण य ४ जाव संघाइमाण य अण्णेसिं च बहूणं चक्खिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता

बहूणं कोट्ठपुडाण य केयइपुडाण य जाव अण्णेसिं च बहूणं घाणिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता बहुस्स खंडस्स य गुलस्स य सक्कराए य मच्छंडियाए य पुप्फुत्तरपउमुत्तर० अण्णेसिं च जिब्भिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं सगडीसागडं भरेंति २ त्ता अण्णेसिं च बहूणं कोयवया(वा)ण य कंबलाण य पावरणा(वारा)ण य णवतयाण य मलयाण य मसूराण य सिलावट्टाण य जाव हंसगब्भाण य अण्णेसिं च फासिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं जाव भरेंति २ त्ता सगडी-सागडं जोएंति २ त्ता जेणेव गंभीरए पोयट्ठाणे तेणेव उवागच्छंति० सगडी-सागडं मोएंति २ त्ता पोयवहणं सज्जेंति २ त्ता तेसिं उक्किट्ठाणं सद्द-फरिसरसरूवगंधाणं कट्ठस्स य तणस्स य पाणियस्स य तंदुलाण य समियस्स य गोरसस्स य जाव अण्णेसिं च बहूणं पोयवहणपाउग्गाणं पोयवहणं भरेंति २ त्ता दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव कालियदीवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता ताइं उक्किट्ठाइं सद्दफरिसरसरूवगंधाइं एगट्ठियाहिं कालियदीवं उत्तारेंति २ त्ता जहिं जहिं च णं ते आसा आसयंति वा सयंति वा चिट्ठंति वा तुयट्टंति वा तहिं २ च णं ते कोडुंबियपुरिसा ताओ वीणाओ य जाव विचित्त-वीणाओ य अण्णाणि बहूणि सोइंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि समुद्दो(दी)रेमाणा चिट्ठंति तेसिं च परिपेरंतेणं पासए ठवेंति० णिच्चला णिप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ जत्थ ते आसा आसयंति वा जाव तुयट्टंति तत्थ २ णं ते कोडुंबिया बहूणि किण्हाणि य ५ कट्ठकम्माणि य जाव संघाइमाणि य अण्णाणि य बहूणि चक्खिंदियपाउग्गाणि य दव्वाणि ठवेंति तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति २ त्ता णिच्चला णिप्फंदा तुसिणीया चिट्ठंति। जत्थ २ ते आसा आसयंति ४ तत्थ तत्थ णं ते कोडुंबियपुरिसा तेसिं बहूणं कोट्ठपुडाण य अण्णेसिं च घाणिंदियपाउ-ग्गाणं दव्वाणं पुंजे य णियरे य करेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंते जाव चिट्ठंति। जत्थ णं ते आसा आसयंति ४ तत्थ-तत्थ गुलस्स जाव अण्णेसिं च बहूणं जिब्भिंदियपाउग्गाणं दव्वाणं पुंजे य णियरे य करेंति २ त्ता वियरए खणंति २ त्ता गुलपाणगस्स खंडपाणगस्स पोरपाणगस्स अण्णेसिं च बहूणं-पाणगाणं वियरे भरेंति २ त्ता तेसिं परिपेरंतेणं पासए ठवेंति जाव चिट्ठंति। जहिं जहिं च णं ते आसा आस० तहिं तहिं च णं ते बहवे कोयवया जाव सिलावट्टया अण्णाणि य फासिंदियपाउग्गाइं अत्थुयपच्चत्थुयाइं ठवेंति २ त्ता तेसिं

परिपेरंतेणं जाव चिट्ठंति । तए णं ते आसा जेणेव ते उक्किट्ठा सद्दफरिस-रसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति० । तत्थ णं अत्थेगइया आसा अपुव्वा णं इमे सद्दफरिसरसरूवगंधा तिकट्टु तेसु उक्किट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगंधेसु अमुच्छिया ४ तेसिं उक्किट्ठाणं सद्द जाव गंधाणं दूरदूरेणं अवक्कमंति ते णं तत्थ पउरगोयरा पउरतणपाणिया णिब्भया णिरुव्विग्गा सुहंसुहेणं विहरंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा णिग्गंथी वा सद्दफरिसरसरूवगंधा णो सज्जइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ अच्चणिज्जे जाव वीईवइस्सइ ॥ १३७ ॥

तत्थ णं अत्थेगइया आसा जेणेव उक्किट्ठा सद्दफरिसरसरूवगंधा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तेसु उक्किट्ठेसु सद्देसु ५ मुच्छिया जाव अज्झोववण्णा आसेविउं पयत्ता यावि होत्था । तए णं ते आसा ते उक्किट्ठे सद्दे ५ आसेवमाणा तेहिं बहूहिं कूडेहि य पासेहि य गलएसु य पाएसु य बज्झंति । तए णं ते कोडुंबिया ते आसे गिण्हंति २ त्ता एगट्ठियाहिं पोयवहणे संचारेंति २ त्ता तणस्स कट्ठस्स जाव भरेंति । तए णं ते संजुत्ता (णावा-वाणियगा) दक्खिणाणुकूलेणं वाएणं जेणेव गंभीरपोयपट्टणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पोयवहणं लंबेंति २ त्ता ते आसे उत्तारेंति २ त्ता जेणेव हत्थिसीसे णयरे जेणेव कणगकेऊ राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव वद्धावेंति० ते आसे उवणेंति । तए णं से कणगकेऊ राया तेसिं संजुत्ता-वाणियगाणं उस्सुक्कं वियरइ २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडि-विसज्जेइ । तए णं से कणगकेऊ राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ । तए णं से कणगकेऊ राया आसमद्दए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम आसे विणएह । तए णं ते आसमद्दगा तहत्ति पडिसुणेंति २ त्ता ते आसे बहूहिं मुहबंधेहि य कण्ण-बंधेहि य णासाबंधेहि य वालबंधेहि य खुरबंधेहि य कडगबंधेहि य खलिण-बंधेहि य अहिलाणबंधेहि य पडियाणेहि य अंकणाहि य (वेलप्पहारेहि य) वित्तप्पहारेहि य लयप्पहारेहि य कसप्पहारेहि य छिवप्पहारेहि य विणयंति० कणगकेउस्स रण्णो उवणेंति । तए णं से कणगकेऊ ते आसमद्दए सक्कारेइ २ पडिविसज्जेइ । तए णं ते आसा बहूहिं मुहबंधेहि य जाव छिवप्पहारेहि य बहूणि सारीरमाणसाइं दुक्खाइं पावेंति । एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो

वा णिग्गंथी वा पव्वइए समाणे इट्ठेसु सद्दफरिसरसरूवगंधेसु सज्जइ रज्जइ गिज्झइ मुज्झइ अज्झोववज्जइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं जाव साविगाण य हीलणिज्जे जाव अणुपरियट्टिस्सइ । गाहा—कलरिभिय-महुरतंतीतलतालवंसककुहाभिरामेसु । सद्देसु रज्जमाणा रमंति सोइंदियवसट्टा ॥ १ ॥ सोइंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो । दीविगरुयमसहंतो वहबंधं तित्तिरो पत्तो ॥ २ ॥ थणजहणवयणकरचरण-णयणगव्विय-विलासियगईसु । रूवेसु रज्जमाणा रमंति चक्खिंदियवसट्टा ॥ ३ ॥ चक्खिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो । जं जलणंमि जलंते पडइ पयंगो अबुद्धीओ ॥ ४ ॥ अगरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु । गंधेसु रज्जमाणा रमंति घाणिंदियवसट्टा ॥ ५ ॥ घाणिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो । जं ओसहिगंधेणं बिलाओ णिद्धावई उरगो ॥ ६ ॥ तित्तकडुयं कसायं महुरं बहुखज्जपेज्जलेज्झेसु । आसायंमि उ गिद्धा रमंति जिब्भिं-दियवसट्टा ॥ ७ ॥ जिब्भिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो । जं गललग्गुक्खित्तो फुरइ थलविरेल्लिओ मच्छो ॥ ८ ॥ उउभयमाणसुहेसु य सविभवहिययमणणिव्वुइकरेसु । फासेसु रज्जमाणा रमंति फासिंदियवसट्टा ॥ ९ ॥ फासिंदियदुद्दंतत्तणस्स अह एत्तिओ हवइ दोसो । जं खणइ मत्थयं कुंजरस्स लोहंकुसो तिक्खो ॥ १० ॥ कलरिभियमहुरतंतीतलतालवंसककुहा-भिरामेसु । सद्देसु जे ण गिद्धा वसट्टमरणं ण ते मरए ॥११॥ थणजहणवयण-करचरणणयणगव्वियविलासियगईसु । रूवेसु जे ण रत्ता वसट्टमरणं ण ते मरए ॥ १२ ॥ अगरुवरपवरधूवणउउयमल्लाणुलेवणविहीसु । गंधेसु जे ण गिद्धा वसट्टमरणं ण ते मरए ॥ १३ ॥ तित्तकडुयं कसायं महुरं बहुखज्जपेज्ज-लेज्झेसु । आसायंमि ण गिद्धा वसट्टमरणं ण ते मरए ॥ १४ ॥ उउभय-माणसुहेसु य सविभवहिययमण-णिव्वुइकरेसु । फासेसु जे ण गिद्धा वसट्टमरणं ण ते मरए ॥ १५ ॥ सद्देसु य भद्दयपावएसु सोयविसयं उवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया ण होयव्वं ॥ १६ ॥ रूवेसु य भद्दयपावएसु चक्खु-विसयं उवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया ण होयव्वं ॥ १७ ॥ गंधेसु य भद्दयपावएसु घाणविसयमुवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व सम-णेण सया ण होयव्वं ॥ १८ ॥ रसेसु य भद्दयपावएसु जिब्भविसयमुवगएसु ।

तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया ण होयव्वं ॥ १९ ॥ फासेसु य भद्दयपाव-एसु कायविसयमुवगएसु । तुट्ठेण व रुट्ठेण व समणेण सया ण होयव्वं ॥ २० ॥ एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तरसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ १३८ ॥ गाहाओ—— जह सो कालियदीवो अणुवमसोक्खो तहेव जइधम्मो । जह आसा तह साहू वणियव्वऽणुकूलकारिजणा ॥ १ ॥ जह सद्दाइअगिद्धा पत्ता णो पासबंधणं आसा । तह विसएसु अगिद्धा बज्झंति ण कम्मणा साहू ॥ २ ॥ जह सच्छंद-विहारो आसाणं तह य इह वरमुणीणं । जरमरणाइं विवज्जिय संपत्ताणंद-णिव्वाणं ॥ ३ ॥ जह सद्दाइसु गिद्धा बद्धा आसा तहेव विसयरया । पावेंति कम्मबंधं परमासुहकारणं घोरं ॥ ४ ॥ जह ते कालियदीवा णीया अण्णत्थ दुहगणं पत्ता । तह धम्मपरिब्भट्ठा अधम्मपत्ता इहं जीवा ॥५॥ पावेंति कम्म-णरवइवसया संसारवाहयालीए । आसप्पमद्दएहि व णेरइयाईहिं दुक्खाइं ॥६॥

॥ सत्तरसमं अज्झयणं समत्तं ॥

सुंसमा णामं अट्ठारसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० सत्तरसमस्स (णायज्झयणस्स) अयमट्ठे पण्णत्ते अट्ठारसमस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ । तत्थ णं धण्णे णामं सत्थवाहे भद्दा भारिया । तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स पुत्ता भद्दाए अत्तया पंच सत्थवाहदारगा होत्था तंजहा—धणे धणपाले धणदेवे धणगोवे धणरक्खिए । तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स धूया भद्दाए अत्तया पंचण्हं पुत्ताणं अणुमग्गजा-इया संसुमा णामं दारिया होत्था सूमालपाणिपाया । तस्स णं धण्णस्स सत्थवाहस्स चिलाए णामं दासचेडे होत्था अहीणपंचिंदियसरीरे मंसोवचिए बालकीलावणकुसले यावि होत्था । तए णं से दासचेडे संसुमाए दारियाए बालग्गाहे जाए यावि होत्था संसुमं दारियं कडीए गिण्हइ २ त्ता बहूहिं दार-एहि य दारियाहि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं अभिरममाणे २ विहरइ । तए णं से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूणं दार-

याण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ एवं वट्टए आडोलियाओ तिंदूसए पोत्तुल्लए साडोल्लए, अप्पेगइयाणं आभरणमल्लालंकारं अवहरइ अप्पेगइए आउसइ एवं अवहसइ णिच्छोडेइ णिब्भच्छेइ तज्जेइ अप्पेगइए तालेइ। तए णं ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य ५ साणं साणं अम्मापिऊणं णिवेदेंति। तए णं तेसिं बहूणं दारगाण य ६ अम्मापियरो जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता धण्णं सत्थवाहं बहूहिं खिज्जणियाहि य रुंटणाहि य उवालंभणाहि य खिज्जमाणा य रुंटमाणा य उवालंभेमाणा य धण्णस्स स० एयमट्ठं णिवेदेंति। तए णं से धण्णे सत्थवाहे चिलायं दासचेडं एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो णिवारेइ णो चेव णं चिलाए दासचेडे उवरमई। तए णं से चिलाए दासचेडे तेसिं बहूणं दारगाण य ६ अप्पेगइयाणं खुल्लए अवहरइ जाव तालेइ। तए णं ते बहवे दारगा य ६ रोयमाणा य जाव अम्मापिऊणं णिवेदेंति। तए णं ते आसुरुत्ता ५ जेणेव धण्णे सत्थवाहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता बहूहिं खिज्जणाहि य जाव एयमट्ठं णिवेदेंति। तए णं से धण्णे २ बहूणं दारगाणं ६ अम्मापिऊणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा आसुरुत्ते चिलायं दासचेडं उच्चावयाहिं आउसणाहिं आउसइ उद्धंसइ णिब्भच्छेइ णिच्छोडेइ तज्जेइ उच्चावयाहिं तालणाहिं तालेइ साओ गिहाओ णिच्छुभइ ॥१३६॥ तए णं से चिलाए दासचेडे साओ गिहाओ णिच्छूढे समाणे रायगिहे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु देवकुलेसु य सभासु य पवासु य जूयखलएसु य वेसाघरएसु य पाणघरएसु य सुहंसुहेणं परिवट्टइ। तए णं से चिलाए दासचेडे अणोहट्टिए अणिवारिए सच्छंदमई सइरप्पयारी मज्जप्पसंगी चोज्जप्पसंगी (मंस०) जूयप्पसंगी वेसप्पसंगी परदारप्पसंगी जाए यावि होत्था। तए णं रायगिहस्स णयरस्स अदूरसामंते दाहिणपुरत्थिमे दिसीभाए सीहगुहा णामं चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकडगको(डं)लंबसण्णिविट्ठा वंसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छिण्णसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा एगदुवारा अणेगखंडी विदितजण-णिग्गमप्पवेसा अब्भितरपाणिया सुदुल्लभजलपेरंता सुबहुस्सवि कूवियबलस्स आगयस्स दुप्पहंसा यावि होत्था। तत्थ णं सीहगुहाए चोरपल्लीए विजए णामं चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव अहम्मकेऊ समुट्ठिए बहुणगर-णिग्गयजसे सूरे दढप्पहारी साहसीए सद्दवेही। से णं तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाणं आहेवच्चं जाव विहरइ। तए णं से विजए

तक्करे (चोर) सेणावई बहूणं चोराण य पारदारियाण य गंठिभेयगाण य संधिच्छेयगाण य खत्तखणगाण य रायावगारीण य अणधारगाण य बालघायगाण य वीसंभघायगाण य जूयकाराण य खंडरक्खाण य अण्णेसिं च बहूणं छिण्णभिण्णबाहिराहयाणं कुडंगे यावि होत्था। तए णं से विजए (तक्करे) चोरसेणावई रायगिहस्स दाहिणपुरत्थिमं जणवयं बहूहिं गामघाएहि य णगरघाएहिं य गोग्गहणेहि य बंदिग्गहणेहि य पंथकुट्टणेहि य खत्तखणणेहि य उवीलेमाणे २ विद्धंसेमाणे २ णित्थाणं णिद्धणं करेमाणे विहरइ। तए णं से चिलाए दासचेडे रायगिहे णयरे बहूहिं अत्थाभिसंकीहि य चोज्जाभिसंकीहि य दाराभिसंकीहि य धणिएहि य जूइकरेहि य परब्भवमाणे २ रायगिहाओ णगरीओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सीहगुहा चोरपल्ली तेणेव उवागच्छइ २ त्ता विजयं चोरसेणावइं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। तए णं से चिलाए दासचेडे विजयस्स चोरसेणावइस्स अग्गे असिलट्ठिग्गाहे जाए यावि होत्था। जाहे वि य णं से विजए चोरसेणावई गामघायं वा जाव पंथकोट्टिं वा काउं वच्चइ ताहे वि य णं से चिलाए दासचेडे सुबहुंपि (हु) कूवियबलं हयमहिय जाव पडिसेहेइ [२] पुणरवि लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे सीहगुहं चोरपल्लिं हव्वमागच्छइ। तए णं से विजए चोरसेणावई चिलायं तक्करं बहूओ चोरविज्जाओ य चोरमंते य चोरमायाओ य चोरणिगडीओ य सिक्खावेइ। तए णं से विजए चोरसेणावई अण्णया कयाइं कालधम्मुणा संजुत्ते यावि होत्था। तए णं ताइं पंच-चोरसयाइं विजयस्स चोरसेणावइस्स महया २ इड्ढीसक्कारसमुदएणं णीहरणं करेंति त्ता २ बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेंति २ त्ता जाव विगयसोया जाया यावि होत्था। तए णं ताइं पंचचोरसयाइं अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! विजए चोरसेणावई कालधम्मुणा संजुत्ते। अयं च णं चिलाए तक्करे विजएणं चोरसेणावइणा बहूओ चोरविज्जाओ य जाव सिक्खाविए। तं सेयं खलु अम्हं देवाणुप्पिया! चिलायं तक्करं सीहगुहाए चोरपल्लीए चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचित्तए—त्तिकट्टु अण्णमण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता चिलायं (तीए) सीहगुहाए [चोरपल्लीए] चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव विहरइ। तए णं से चिलाए चोरसेणावई चोरणायगे जाव कुडंगे यावि होत्था। से णं तत्थ सीहगुहाए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाण य एवं जहा विजओ तहेव सव्वं जाव

रायगिहस्स णयरस्स दाहिणपुरत्थिमिल्लं जणवयं जाव णित्थाणं णिद्धणं करेमाणे विहरइ ॥१४०॥ तए णं से चिलाए चोरसेणावई अण्णया कयाइ विपुलं असणं ४ उवक्खडावेत्ता ते पंच चोरसए आमंतेइ तओ पच्छा ण्हाए कयबलिकम्मे भोयण-मंडवंसि तेहिं पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं विपुलं असणं ४ सुरं च जाव पसण्णं च आसाएमाणे ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागए ते पंच चोरसए विपुलेणं धूवपुप्फगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! रायगिहे णयरे धण्णे णामं सत्थवाहे अड्ढे तस्स णं धूया भद्दाए अत्तया पंचण्हं पुत्ताणं अणुमग्गजाइया सुंसुमा णामं दारिया (यावि)होत्था अहीणा जाव सुरूवा, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! धण्णस्स सत्थवाहस्स गिहं विलुं-पामो, तुब्भं विपुले धणकणग जाव सिलप्पवाले ममं सुंसुमा दारिया। तए णं ते पंच चोरसया चिलायस्स० पडिसुणेंति। तए णं से चिलाए चोरसेणावई तेहिं पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्लचम्मं दुरूहइ २ पच्चावरण्हकालसमयंसि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं सण्णद्ध जाव गहियाउहपहरणा माइयगोमुहिएहिं फल-एहिं णि(क)क्किट्ठाहिं असिलट्ठीहिं अंसगएहिं तोणेहिं सज्जीवेहिं धणूहिं समु-क्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालियाहिं दीहाहिं ओसारियाहिं उरुघंटियाहिं छिप्प-तूरेहिं वज्जमाणेहिं महया २ उक्किट्ठसीहणाय (चोरकलकलरवं) जाव समुद्द-रवभूयं (पिव) करेमाणा सीहगुहाओ चोरपल्लीओ पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव रायगिहे णयरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता रायगिहस्स अदूरसामंते एगं महं गहणं अणुप्पविसंति २ त्ता दिवसं खवेमाणा चिट्ठंति। तए णं से चिलाए चोरसेणा-वई अद्धरत्तकालसमयंसि णिसंतपडिणिसंतंसि पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं माइय-गोमुहिएहिं फलएहिं जाव मूइयाहिं उरुघंटियाहिं जेणेव रायगिहे णयरे पुर-त्थिमिल्ले दुवारे तेणेव उवागच्छइ० उदगवत्थिं परामुसइ आयंते चोक्खे परमसुइभूए तालुग्घाडणिविज्जं आवाहेइ २ त्ता रायगिहस्स दुवारकवाडे उदएणं अच्छोडेइ २ त्ता कवाडं विहाडेइ २ त्ता रायगिहं अणुप्पविसइ २ त्ता महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणे २ एवं वयासी-एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! चिलाए णामं चोरसेणावई पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इहं हव्वमागए धण्णस्स सत्थवाहस्स गिहं घाउकामे। तं जो णं णवियाए माउयाए दुद्धं पाउकामे से णं णिग्गच्छउत्तिकट्टु जेणेव धण्णस्स सत्थवाहस्स गिहे तेणेव

उवागच्छइ २-त्ता धण्णस्स गिहं विहाडेइ। तए णं से धण्णे चिलाएणं चोरसेणावइणा पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं गिहं घाइज्जमाणं पासइ २ त्ता भीए तत्थे ४ पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं एगंतं अवक्कमइ। तए णं से चिलाए चोरसेणावई धण्णस्स सत्थवाहस्स गिहं घाएइ २ त्ता सुबहुं धणकणग जाव सावएज्जं संसुमं च दारियं गेण्हइ २ त्ता रायगिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सीहगुहा तेणेव पहारेत्थ गमणाए॥ १४१॥ तए णं से धण्णे सत्थवाहे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुबहुं धणकणगं संसुमं च दारियं अवहरियं जाणित्ता महत्थं ३ पाहुडं गहाय जेणेव णगरगुत्तिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं पाहुडं जाव उवणे(न्ति)इ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! चिलाए चोरसेणावई सीहगुहाओ चोरपल्लीओ इहं हव्वमागम्म पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं मम गिहं घाएत्ता सुबहुं धणकणगं संसुमं च दारियं गहाय जाव पडिगए, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! संसुमाए दारियाए कूवं गमित्तए, तुब्भे णं देवाणुप्पिया! से विपुले धणकणगे ममं संसुमा दारिया। तए णं ते णगरगुत्तिया धण्णस्स एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता सण्णद्ध जाव गहियाउहपहरणा महया २ उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं पिव करेमाणा रायगिहाओ णिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव चिलाए चोरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता चिलाएणं चोरसेणावइणा सद्धिं संपलग्गा यावि होत्था। तए णं ते णगरगुत्तिया चिलायं चोरसेणावइं हयमहिय जाव पडिसेहेंति। तए णं ते पंच-चोरसया णगरगुत्तिएहिं हयमहिय जाव पडिसेहिया समाणा तं विपुलं धणकणगं विच्छड्ढे(ड्डे)माणा य विप्पकिरेमाणा य सव्वओ समंता विप्पलाइत्था। तए णं ते णगरगुत्तिया तं विपुलं धणकणगं गेण्हंति २ त्ता जेणेव रायगिहे तेणेव उवागच्छंति। तए णं से चिलाए तं चोरसेण्णं तेहिं णगरगुत्तिएहिं हयमहिय जाव भीए तत्थे संसुमं दारियं गहाय एगं महं अगामियं दीहमद्धं अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं धण्णे सत्थवाहे संसुमं दारियं चिलाएणं अडवीमु(हिं)हं अवहीरमाणिं पासित्ताणं पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अप्पछट्ठे सण्णद्धबद्ध० चिलायस्स पयमग्गविहिं (अभिगच्छति) अणुगच्छमाणे अभिग (ज्जेमाणे) ज्जंते हक्कारेमाणे पुक्कारेमाणे अभितज्जेमाणे अभितासेमाणे पिट्ठओ अणुगच्छइ। तए णं से चिलाए तं धण्णं सत्थवाहं पंचहिं पुत्तेहिं (सद्धिं) अप्पछट्ठं सण्णद्धबद्धं समणुगच्छमाणं पासइ २ त्ता

अत्थामे ४ जाहे णो संचाएइ सुंसुमं दारियं णिव्वाहित्तए ताहे संते तंते परितंते णीलुप्पलं असिं परामुसइ २ त्ता सुंसुमाए दारियाए उत्तमंगं छिंदइ २ त्ता तं गहाय तं अगामियं अडविं अणुप्पविट्ठे। तए णं (से) चिलाए तीसे अगामियाए अडवीए तण्हाए (छुहाए) अभिभूए समाणे पम्हु(ह)ट्ठदिसाभाए सीहगुहं चोरपल्लिं असंपत्ते अंतरा चेव कालगए। एवामेव समणाउसो! जाव पव्वइए समाणे इमस्स ओरालियसरीरस्स वंतासवस्स जाव विद्धंसणधम्मस्स वण्णहेउं जाव आहारं आहारेइ से णं इहलोए चेव बहूणं समणाणं ४ हीलणिज्जे जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व से चिलाए तक्करे। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंचहिं पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं [तीसे अगामियाए सव्वओ समंता] परिधाडेमाणे २ (तण्हाए छुहाए य) संते तंते परितंते णो संचाएइ चिलायं चोर-सेणावइं साहत्थिं गिण्हित्तए। से णं तओ पडिणियत्तइ २ त्ता जेणेव सा सुंसुमा दारिया चिलाएणं जीवियाओ ववरोवि(ल्लि)या तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सुंसुमं दारियं चिलाएणं जीवियाओ ववरोवियं पासइ २ त्ता परसुणियत्तेव्व चंपग-पायवे। तए णं से धण्णे सत्थवाहे (पंचहिं पु०) अप्पछट्ठे आसत्थे कूवमाणे कंद-माणे विलवमाणे महया २ सद्देणं कुहुकुहुस्स परुण्णे सुचिरं कालं बाह(प्प)मोक्खं करेइ। तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंचहिं पुत्तेहिं अप्पछट्ठे चिलायं तीसे अगा-मियाए सव्वओ समंता परिधाडेमाणे तण्हाए छुहाए य परब्भं(रद्धं)ते समाणे तीसे अगामियाए अडवीए सव्वओ समंता उदगस्स मग्गणगवेसणं करेइ २ त्ता संते तंते परितंते णिव्विण्णे [समाणे] तीसे अगामियाए (अडवीए उदगस्स मग्गणगवेसणं करेमाणे णो चेव णं उदगं आसाएइ तए णं) उदगं अणासाए-माणे जेणेव सुंसुमा जीवियाओ ववरोविया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जेट्ठं पुत्तं धण्णे (स०) सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु पुत्ता! सुंसुमाए दारियाए अट्ठाए चिलायं तक्करं सव्वओ समंता परिधाडेमाणा तण्हाए छुहाए य अभि-भूया समाणा इमीसे अगामियाए अडवीए उदगस्स मग्गणगवेसणं करेमाणा णो चेव णं उदगं आसादेमो। तए णं उदगं अणासाएमाणा णो संचाएमो राय-गिहं संपावित्तए। तण्णं तुब्भे ममं देवाणुप्पिया! जीवियाओ ववरोवेह [मम] मंसं च सोणियं च आहारेह० तेणं आहारेणं अव (ट्ठि)थद्धा समाणा तओ पच्छा इमं अगामियं अडविं णित्थरिहिह रायगिहं च संपाविहह मित्तणाइ० अभि-समागच्छिहिह अत्थस्स य धम्मस्स य पुण्णस्स य आभागी भविस्सह। तए णं

से जेट्ठे पुत्ते धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ते समाणे धण्णं सत्थवाहं एवं वयासी–तुब्भे णं ताओ ! अम्हं पिया गुरुजणया देवयभूया ठावका पइट्ठावका संरक्खगा संगोवगा । तं कहण्णं अम्हे ताओ ! तुब्भे जीवियाओ ववरोवेमो तुब्भं णं मंसं च सोणियं च आहारेमो ? तं तुब्भे णं ताओ ! ममं जीवियाओ ववरोवेह मंसं च सोणियं च आहारेह अगामियं अडविं णित्थरह तं चेव सव्वं भणइ जाव अत्थस्स जाव आभागी भविस्सह । तए णं धण्णं सत्थवाहं दोच्चे पुत्ते एवं वयासी–मा णं ताओ ! अम्हे जेट्ठं भायरं गुरुदेवयं जीवियाओ ववरोवेमो, तुब्भे णं ताओ ! ममं जीवियाओ ववरोवेह जाव आभागी भविस्सह । एवं जाव पंचमे पुत्ते । तए णं से धण्णे सत्थवाहे पंचपुत्ताणं हियइच्छियं जाणित्ता ते पंच पुत्ते एवं वयासी–मा णं अम्हे पुत्ता ! एगमवि जीवियाओ ववरोवेमो । एस णं सुंसुमाए दारियाए सरीरए णिप्पाणे जाव जीवविप्पजढे । तं सेयं खलु पुत्ता ! अम्हं सुंसुमाए दारियाए मंसं च सोणियं च आहारेत्तए । तए णं अम्हे तेणं आहारेणं अवथद्धा समाणा रायगिहं संपाउणिस्सामो । तए णं ते पंच-पुत्ता धण्णेणं सत्थवाहेणं एवं वुत्ता समाणा एयमट्ठं पडिसुणेंति । तए णं धण्णे सत्थवाहे पंचहिं पुत्तेहिं सद्धिं अरणिं करेइ २ त्ता सरगं च करेइ २ त्ता सरएणं अरणिं महेइ २ त्ता अग्गिं पाडेइ २ त्ता अग्गिं संधुक्खेइ २ त्ता दारुयाइं प(रि)क्खेवेइ २ त्ता अग्गिं पज्जालेइ २ त्ता सुंसुमाए दारियाए मंसं च सोणियं च आहारेइ । तेणं आहारेणं अवयद्धा समाणा रायगिहं णयरिं संपत्ता मित्तणाइणियग० अभिसमण्णागया तस्स 'य विउलस्स धणकणगरयण जाव आभागी जाया (वि होत्था)। तए णं से धण्णे सत्थवाहे सुंसुमाए दारियाए बहूइं लोइयाइं जाव विगयसोए जाए यावि होत्था ।। १४२ ।। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे गुणसिलए चेइए समोसढे । (से) तए णं धण्णे सत्थवाहे संपत्ते धम्मं सोच्चा पव्वइए एक्कारसंगवी मासियाए संलेहणाए सोहम्मे उववण्णो महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ । जहा वि य णं जंबू ! धण्णेणं सत्थवाहेणं णो वण्णहेउं वा णो रूवहेउं वा णो बलहेउं वा णो विसयहेउं वा सुंसुमाए दारियाए मंससोणिए आहारिए णण्णत्थ एगाए रायगिहं संपावणट्ठयाए, एवामेव समणाउसो ! जो अम्हं णिग्गंथो वा णिग्गंथी

वा इमस्स ओरालियसरीरस्स वंतासवस्स पित्तासवस्स सुक्कासवस्स सोणियासवस्स जाव अवस्सं विप्पजहियव्वस्स णो वण्णहेउं वा णो रूवहेउं वा णो बलहेउं वा णो विसयहेउं वा आहारं आहारेइ पण्णत्थ एगाए सिद्धिगमणसंपावणट्ठयाए से णं इह-भवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं अच्चणिज्जे जाव वीईवइस्सइ । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठारसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि ॥ १४३ ॥ गाहाओ--जह सो चिलाइपुत्तो सुंसुमगिद्धो अकज्जपडिबद्धो । धणपारद्धो पत्तो महाडविं वसणसयकलियं ॥१॥ तह जीवो विसयसुहे लुद्धो काऊण पावकिरियाओ । कम्मवसेणं पावइ भवाडवीए महादुक्खं ॥२॥ धणसेट्ठी–विव गुरुणो पुत्ता इव साहवो भवो अडवी । सुयमंसमिवाहारो रायगिहं इह सिवं णेयं ॥३॥ जह अडविणयरणित्थरणपावणत्थं तएहिं सुयमंसं । भुत्तं तहेह साहू गुरूण आणाए आहारं ॥४॥ भवलंघणसिवपावणहेउं भुंजं(भुज्जं)ति ण उण गेहीए । वण्णबलरूवहेउं च भावियप्पा महासत्ता ॥५॥ **अट्ठारसमं अज्झयणं समत्तं ॥**

पुंडरीए णामं एगूणवीसइमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० अट्ठारसमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते एगूणवीसइमस्स(०)के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे पुव्वविदेहे सीयाए महाणईए उत्तरिल्ले कूले णीलवंतस्स दाहिणेणं उत्तरिल्लस्स सीयामुहवणसंडस्स पच्चत्थिमेणं एगसेलगस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं पुक्खलावई णामं विजए पण्णत्ते । तत्थ णं पुंडरिगिणी णामं रायहाणी पण्णत्ता णव जोयणवित्थिण्णा दुवालसजोयणायामा जाव पच्चक्खं देवलोयभूया पासाईया दरिसणीया अभिरूवा पडिरूवा । तीसे णं पुंडरिगिणीए णयरीए उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए णलिणिवणे णामं उज्जाणे होत्था वण्णओ। तत्थ णं पुंडरिगिणीए रायहाणीए महापउमे णामं राया होत्था । तस्स णं पउमावई णामं देवी होत्था । तस्स णं महापउमस्स रण्णो पुत्ता पउमावईए देवीए अत्तया दुवे कुमारा होत्था तं जहा–पुंडरीए य कंडरीए य सुकुमालपाणि-

राया। पुंडरीए जुवराया। तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरागमणं महापउमे राया णिग्गए, धम्मं सोच्चा पुंडरीयं रज्जे ठवेत्ता पव्वइए पुंडरीए राया जाए कंडरीए जुवराया। महापउमे अणगारे चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ, तए णं थेरा बहिया जणवयविहारं विहरंति। तए णं से महापउमे बहूणि वासाणि जाव सिद्धे ॥१४४॥ तए णं थेरा अण्णया कयाइ पुणरवि पुंडरिगिणीए रायहाणीए णलिणवणे उज्जाणे समोसढा। पुंडरीए राया णिग्गए। कंडरीए महाजणसद्दं सोच्चा जहा महब्बलो जाव पज्जुवासइ। थेरा धम्मं परिकहेंति पुंडरीए समणोवासए जाए जाव पडिगए। तए णं कंडरीए उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जाव से जहेयं तुब्भे वयह जं णवरं पुंडरीयं रायं आपुच्छामि तए णं जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिया! तए णं से कंडरीए जाव थेरे वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता [थेराणं] अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता तमेव चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ जाव पच्चोरुहइ जेणेव पुंडरीए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव पुंडरीयं एवं वयासी—एवं खलु देवा०! मए थेराणं अंतिए (जाव) धम्मे णिसंते से धम्मे अभिरुइए। तए णं देवा०! जाव पव्वइत्तए। तए णं से पुंडरीए कंडरीयं एवं वयासी—मा णं तुमं भाउ (देवाणुप्पि)या! इयाणिं मुंडे जाव पव्वयाहि, अहं णं तुमं महारायाभिसेएणं अभिसिंचामि। तए णं से कंडरीए पुंडरीयस्स रण्णो एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं पुंडरीए राया कंडरीयं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी जाव तुसिणीए संचिट्ठइ। तए णं पुंडरीए कंडरीयं कुमारं जाहे णो संचाएइ बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य ४ ताहे अकामए चेव एयमट्ठं अणुमण्णित्था जाव णिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचइ जाव थेराणं सीसभिक्खं दलयइ पव्वइए अणगारे जाए एक्कारसंगवी। तए णं थेरा भगवंतो अण्णया कयाइ पुंडरीगिणीओ णयरीओ णलिणिवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥१४५॥ तए णं तस्स कंडरीयस्स अणगारस्स तेहिं अंतेहि य पंतेहि य जहा सेलगस्स जाव दाहवक्कंतीए यावि विहरइ। तए णं थेरा अण्णया कयाइ जेणेव पोंडरीगिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता णलिणिवणे समोसढा। पुंडरीए णिग्गए धम्मं

सुणेइ। तए णं पुंडरीए राया धम्मं सोच्चा जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता कंडरीयस्स अणगारस्स सरीरगं सव्वाबाहं सरोगं पासइ २ त्ता जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवंते वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—अहण्णं भंते ! कंडरीयस्स अणगारस्स अहापवत्तेहिं ओसहभेसज्जेहिं जाव तिगिच्छं आ(उट्टा)उंटामि, तं तुब्भे णं भंते ! मम जाणसालासु समोसरह। तए णं थेरा भगवंतो पुंडरीयस्स पडिसुणेंति जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरंति। तए णं पुंडरीए राया जहा मंडुए सेलगस्स जाव बलियसरीरे जाए। तए णं थेरा भगवंतो पुंडरीयं रायं आपुच्छंति २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति। तए णं से कंडरीए ताओ रोयायंकाओ विप्पमुक्के समाणे तंसि मणुण्णंसि असणपाणखाइमसाइमंसि मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे णो संचाएइ पुंडरीयं आपुच्छित्ता बहिया अब्भुज्जएणं जणवयविहारं विहरित्तए तत्थेव ओसण्णे जाए। तए णं से पुंडरीए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव कंडरीए अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—धण्णेसि ! णं तुमं देवाणुप्पिया ! कयत्थे कयपुण्णे कयलक्खणे, सुलद्धे णं देवाणुप्पिया ! तव माणुस्सए जम्मजीवियफले जे णं तुमं रज्जं च जाव अंतेउरं च(वि)छ(ड्डुइ)ड्डेत्ता विगोवइत्ता जाव पव्वइए, अहण्णं अहण्णे अपुण्णे अकयपुण्णे रज्जे य जाव अंतउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए जाव अज्झोववण्णे णो संचाएमि जाव पव्वइत्तए, तं धण्णेसि णं तुमं देवाणुप्पिया ! जाव जीवियफले। तए णं से कंडरीए अणगारे पुंडरीयस्स एयमट्ठं णो आढाइ जाव संचिट्ठइ। तए णं से कंडरीए पोंडरीएणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे अकामए अवस्सवसे लज्जाए गारवेण य पुंडरीयं रायं आपुच्छइ २ त्ता थेरेहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ। तए णं से कंडरीए थेरेहिं सद्धिं किंचि कालं उग्गं उग्गेणं विहरइ तओ पच्छा समणत्तणपरितंते समणत्तण-णिव्विण्णे समणत्तण-णिब्भ(त्थि)च्छिए समणगुणमुक्कजोगी थेराणं अंतियाओ सणियं २ पच्चोसक्कइ २ त्ता जेणेव पुंडरिगिणी णयरी जेणेव पुंडरीयस्स भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवणियाए असोग-

वरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टगंसि णिसीयइ २ त्ता ओहयमणसंकप्पे जाव झियायमाणे संचिट्ठइ। तए णं तस्स पोंडरीयस्स अम्मधाई जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कंडरीयं अणगारं असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टगंसि ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासइ २ त्ता जेणेव पुंडरीए राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुंडरीयं रायं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! तव पिउ (य) भाउए कंडरीए अणगारे असोगवणियाए असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टे ओहयमणसंकप्पे जाव झियायइ। तए णं [से] पुंडरीए अम्मधाईए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तहेव संभंते समाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता अंतेउरपरियालसंपरिवुडे जेणेव असोगवणिया जाव कंडरीयं तिक्खुत्तो० एवं वयासी–धण्णेसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव पव्वइए, अहं णं अधण्णे[३] जाव पव्वइत्तए, तं धण्णेसि णं तुमं देवाणुप्पिया! जाव जीवियफले। तए णं कंडरीए पुंडरीएणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ दोच्चंपि तच्चंपि जाव चिट्ठइ। तए णं पुंडरीए कंडरीयं एवं वयासी–अट्ठो भंते! भोगेहिं? हंता! अट्ठो। तए णं से पुंडरीए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! कंडरीयस्स महत्थं जाव रायाभिसेयं उवट्ठवेह जाव रायाभिसेएणं अभिसिंचइ ॥ १४६ ॥ तए णं से पुंडरीए सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ सयमेव चाउज्जामं धम्मं पडिवज्जइ २ त्ता कंडरीयस्स संतियं आयारभंडयं गेण्हइ २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे थेरे वंदित्ता णमंसित्ता थेराणं अंतिए चाउज्जामं धम्मं उवसंपज्जित्ताणं तओ पच्छा आहारं आहारित्तए त्तिकट्टु इमं च एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हेत्ताणं पुंडरिगिणीए पडिणिक्खमइ २ त्ता पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे (जेणेव) थेरा भगवंतो तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ १४७ ॥ तए णं तस्स कंडरीयस्स रण्णो तं पणीयं पाणभोयणं आहारियस्स समाणस्स अइजागरिएण य अइभोयणप्पसंगेण य से आहारे णो सम्मं परिणमइ। तए णं तस्स कंडरीयस्स रण्णो तंसि आहारंसि अपरिणममाणंसि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला विउला पगाढा जाव दुरहियासा पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए यावि विहरइ। तए णं से कंडरीए राया रज्जे य रट्ठे य अंतेउरे य जाव अज्झोववण्णे अट्टदुहट्टवसट्टे अकामए अव-

स्सवसे कालमासे कालं किच्चा अहे सत्तमाए पुढवीए उक्कोसकालट्ठिइयंसि णरयंसि णेरइयत्ताए उववण्णे । एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे पुणरवि माणुस्सए कामभोगे आसाइए जाव अणुपरियट्टिस्सइ जहा व से कंडरीए राया ॥ १४८ ॥ तए णं से पुंडरीए अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता थेरे भगवते वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता थेराणं अंतिए दोच्चंपि चाउज्जामं धम्मं पडिवज्जइ छट्ठखमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ २ त्ता जाव अडमाणे सीयलुक्खं पाणभोयणं पडिगाहेइ २ त्ता अहापज्जत्तमितिकट्टु पडिणियत्तइ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ २ त्ता थेरेहिं भगवंतेहिं अब्भणुण्णाए समाणे अमुच्छिए ४ बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं तं फासुएसणिज्जं असणं ४ सरीरकोट्ठगंसि पक्खिवइ । तए णं तस्स पुंडरीयस्स अणगारस्स तं कालाइक्कंतं अरसं विरसं सीयलुक्खं पाणभोयणं आहारियस्स समाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स से आहारे णो सम्मं परिणमइ । तए णं तस्स पुंडरीयस्स अणगारस्स सरीरगंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुर-हियासा पित्तज्जरपरिगयसरीरे दाहवक्कंतीए विहरइ । तए णं से पुंडरीए अणगारे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे करयल जाव एवं वयासी—णमोत्थुणं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं । णमोत्थु णं थेराणं भगवंताणं मम धम्मायरियाणं धम्मोवएसयाणं । पुव्वि पि य णं मए थेराणं अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जाव मिच्छादंसणसल्लेणं पच्चक्खाए जाव आलोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा सव्वट्ठसिद्धे उववण्णे । तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं काहिइ। एवामेव समणाउसो ! जाव पव्वइए समाणे माणुस्सएहिं कामभोगेहिं णो सज्जइ णो रज्जइ जाव णो विप्पडिघायमावज्जइ से णं इहभवे चेव बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं अच्चणिज्जे वंदणिज्जे पूयणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्माणणिज्जे कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवास-णिज्जे—त्तिकट्टु परलोए वि य णं णो आगच्छइ बहूणि दंडणाणि य मुंडणाणि य तज्जणाणि य ता(ड)लणाणि य जाव चाउरंतं संसारकंतारं जाव वीईवइस्सइ जहा व से पुंडरीए अणगारे । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं

आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं जाव सिद्धिगइणामधेज्जं ठाणं संपत्तेणं एगूणवीसइमस्स णायज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते। एवं खलु जंबू! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव सिद्धिगइ-णामधेज्जं ठाणं संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स पढमस्स सुयक्खंधस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्ति बेमि। तस्स णं सुयक्खंधस्स एगूणवीसं अज्झयणाणि ए(क्क)गासरगाणि एगूणवीसाए दिवसेसु समप्पंति।१४६। गाहाउ—वाससहस्सं पि जई काऊणं संजमं सुविउलं पि। अंते किलिट्ठभावो ण विसुज्झइ कंडरीउव्व॥१॥ अप्पेण वि कालेणं केइ जहागहियसीलसामण्णा। साहिंति णिययकज्जं पुंडरीयमहारिसिव्व जहा॥२॥

॥ एगूणवीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥

॥ पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

बीओ सुयक्खंधो

पढमो वग्गो—कालो णामं पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णामं णयरे होत्था वण्णओ। तस्स णं रायगिहस्स (णयरस्स) बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए तत्थ णं गुण-सिलए चेइए णामं होत्था वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भग-वओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मा णामं थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुलसंपण्णा जाव चउद्दसपुव्वी चउणाणोवगया पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव रायगिहे णयरे जेणेव गुणसिलए चेइए जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति। परिसा णिग्गया धम्मो कहिओ, परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अणगारस्स अंतेवासी अज्ज जंबू णामं अणगारे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं (३) जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स पढमस्स सुयक्खंधस्स णायसुयाणं अयमट्ठे पण्णत्ते दोच्चस्स णं भंते! सुयक्खंधस्स धम्मकहाणं समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पण्णत्ता तंजहा—चमरस्स अग्गमहिसीणं पढमे वग्गे, बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो अग्गमहिसीणं बीए वग्गे,

असुरिंदवज्जियाणं दाहिणिल्लाणं इंदाणं अग्गमहिसीणं तईए वग्गे, उत्तरिल्लाणं असुरिंदवज्जियाणं भवणवासिइंदाणं अग्गमहिसीणं चउत्थे वग्गे, दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं पंचमे वग्गे, उत्तरिल्लाणं वाणमंतराणं इंदाणं अग्गमहिसीणं छट्ठे वग्गे, चंदस्स अग्गमहिसीणं सत्तमे वग्गे, सूरस्स अग्गमहिसीणं अट्ठमे वग्गे, सक्कस्स अग्गमहिसीणं णवमे वग्गे, ईसाणस्स (य) अग्गमहिसीणं दसमे वग्गे। जइ णं भंते! समणेणं० धम्मकहाणं दस वग्गा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! वग्गस्स समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा–काली राई रयणी विज्जू मेहा। जइ णं भंते! समणेणं० पढमस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया चेलणा देवी सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं काली णामं देवी चमरचंचाए रायहाणीए कालवडेंसगभवणे कालंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं मयहरियाहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णे य बहूहिं कालवडिंसयभवणवासीहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडा महयाहय जाव विहरइ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी २ पासइ। ए(त)त्थ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिया पीइमणा जाव (हय)हियया सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओमुयइ २ त्ता तित्थगराभिमुही सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणियलंसि णिहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणियलंसि णिवेसेइ(०) ईसिं पच्चुण्णमइ २ त्ता कडयतुडियथंभियाओ भुयाओ साहरइ २ त्ता करयल जाव कट्टु एवं वयासी–णमोत्थु णं अरहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं। णमोत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहग(ए)या पासउ मे समणे ३ तत्थ-गए इह गयं-तिकट्टु

वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहा णिसण्णा। तए णं तीसे कालीए देवीए इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था –सेयं खलु मे समणं ३ वंदित्ता जाव पज्जुवासित्तए–त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता आभिओगिए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! समणे ३ एवं जहा सूरियाभो तहेव आणत्तियं देइ जाव दिव्वं सुरवराभिगमणजोग्गं करेह २ त्ता जाव पच्चप्पिणह। तेवि तहेव करेत्ता जाव पच्चप्पिणंति। णवरं जोयणसहस्सविच्छिण्णं जाणं सेसं तहेव। तहेव णामगोयं साहेइ तहेव णट्टविहिं उवदंसेइ जाव पडिगया। भंतेत्ति! भगवं गोयमे समणं ३ वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कालीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ कहिं गया० ? कूडागारसालादिट्ठंतो। अहो णं भंते! काली देवी महिड्ढिया [३]। कालीए णं भंते! देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ किण्णा लद्धा किण्णा पत्ता किण्णा अभिसमण्णागया? एवं जहा सूरियाभस्स जाव एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे आमलकप्पा णामं णयरी होत्था वण्णओ। अंबसालवणे चेइए। जियसत्तू राया। तत्थ णं आमलकप्पाए णयरीए काले णामं गाहावई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए। तस्स णं कालस्स गाहावइस्स कालसिरी णामं भारिया होत्था सुकुमाल(पाणिपाया)जाव सुरूवा। तस्स णं काल(ग)स्स गाहावइस्स धूया कालसिरीए भारियाए अत्तया काली णामं दारिया होत्था वड्डा वड्डकुमारी जुण्णा जुण्णकुमारी पडियपुयत्थणी णिव्विण्णवरा वरपरिवज्जिया वि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जहा वद्धमाणसामी णवरं णवहत्थुस्सेहे सोलसहिं समणसाहस्सीहिं अट्ठत्तीसाए अज्जियासाहस्सीहिं सद्धिं संपरिवुडे जाव अंबसालवणे समोसढे। परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ। तए णं सा काली दारिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठ जाव हियया जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! पासे अरहा पुरिसादाणीए आइगरे जाव विहरइ, तं इच्छामि णं अम्मयाओ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी पासस्स [णं] अरहओ पुरिसादाणीयस्स पायवंदिया गमित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेहि। तए णं सा काली दारिया अम्मापिईहिं अब्भणुण्णाया समाणी हट्ठ जाव हियया

ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ता सुद्धप्पवेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवर परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा। तए णं सा काली दारिया धम्मियं जाणप्पवरं एवं जहा दोवई जाव तहा पज्जुवासइ। तए णं पासे अरहा पुरिसादाणीए कालीए दारियाए तीसे य महइमहालियाए परिसाए धम्मं कहेइ। तए णं सा काली दारिया पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियया पासं अरहं पुरिसादाणीयं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–सद्दहामि णं भंते! णिग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह जं णवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पिए!। तए णं सा काली दारिया पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया पासं अरहं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता तमेव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ २ त्ता पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतियाओ अंबसालवणाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव आमलकप्पा णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आमलकप्पं णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियं जाणप्पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरूहइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल[परिग्गहियं] जाव एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ! मए पासस्स अरहओ अंतिए धम्मे णिसंते, से वि य धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तए णं अहं अम्मयाओ! संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं इच्छामि णं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी पासस्स अरहओ अंतिए मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिए! मा पडिबंधं करेहि। तए णं से काले गाहावई विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त-णाइ-णियगसयणसंबंधिपरियणं आमंतेइ २ त्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव विपुलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ सम्माणेइ[२] तस्सेव मित्त-णाइ-णियगसयणसंबंधिपरियणस्स पुरओ कालियं दारियं सेयापीएहिं कलसेहिं ण्हावेइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणीयं सीयं दुरूहेइ २ त्ता मित्त णाइ-णियगसयणसंबंधि-

परियणेणं सद्धिं संपरिवुडा सव्विड्ढीए जाव रवेणं आमलकप्पं णयरिं मज्झं-मज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अंबसालवणे चेइए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता छत्ताइए तित्थगराइसए पासइ २ त्ता सीयं ठवेइ २ त्ता [कालियं दारियं सीयाओ पच्चोरुहइ। तए णं तं] कालियं दारियं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वंदंति णमंसंति वं० २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! काली दारिया अम्हं धूया इट्ठा कंता जाव किमंग पुण पासणयाए? एस णं देवाणुप्पिया! संसारभउव्विग्गा इच्छइ देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडा भवित्ता (णं) जाव पव्वइत्तए, तं एयं णं देवाणु-प्पियाणं सिस्सिणिभिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सिणि-भिक्खं। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं (करेह)। तए णं [सा] काली कुमारी पासं अरहं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्क-मइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव लोयं करेइ २ त्ता जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पासं अरहं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–आलित्ते णं भंते! लोए एवं जहा देवाणंदा जाव सयमेव पव्वाविउं। तए णं पासे अरहा पुरिसादाणीए कालिं सयमेव पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए दलयइ। तए णं सा पुप्फचूला अज्जा कालिं कुमारिं सयमेव पव्वावेइ जाव उवसंपज्जित्ताणं विह-रइ। तए णं सा काली अज्जा जाया इरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी। तए णं सा काली अज्जा पुप्फचूलाए अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्का-रस अंगाइं अहिज्जइ बहूहिं चउत्थ जाव विहरइ। तए णं सा काली अज्जा अण्णया कयाइ सरीरबाउसिया जाया यावि होत्था, अभिक्खणं २ हत्थे धो(व)-वेइ पाए धोवेइ सीसं धोवेइ मुहं धोवेइ थणंतरा(इं)णि धोवेइ कक्खंतराणि धोवेइ गुज्झंतराणि धोवेइ जत्थ-जत्थ वि य णं ठाणं वा सेज्जं वा णिसी-हियं वा चेएइ तं पुव्वामेव अब्भुक्खेत्ता तओ पच्छा आसयइ वा सयइ वा। तए णं सा पुप्फचूला अज्जा कालिं अज्जं एवं वयासी–णो खलु कप्पइ देवा-णुप्पिए! समणीणं णिग्गंथीणं सरीरबाउसियाणं होत्तए, तुमं च णं देवा-णुप्पिए! सरीबाउसिया जाया अभिक्खणं २ हत्थे धोवसि जाव आसयाहि वा सयाहि वा, तं तुमं देवाणुप्पिए! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पाय-

च्छित्तं पडिवज्जाहि । तए णं सा काली अज्जा पुप्फचूलाए अज्जाए एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीया संचिट्ठइ । तए णं ताओ पुप्फचूलाओ अज्जाओ कालिं अज्जं अभिक्खणं २ हीलेंति णिंदंति खिंसंति गरहंति अवमण्णंति अभिक्खणं २ एयमट्ठं णिवारेंति । तए णं तीसे कालीए अज्जाए समणीहिं णिग्गंथीहिं अभिक्खणं २ हीलिज्जमाणीए जाव वारिज्जमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अगारवासमज्झे वसित्था तया णं अहं सयंवसा । जप्पभिइं च णं अहं मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया तप्पभिइं च णं अहं परवसा जाया । तं सेयं खलु मम कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते पाडि(क्कि) क्कयं उवस्सयं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए-त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते पाडि(ए)क्कं उवस्सयं गिण्हइ तत्थ णं अणिवारिया अणोहट्टिया सच्छंदमई अभिक्खणं २ हत्थे धोवेइ जाव आसयइ वा सयइ वा । तए णं सा काली अज्जा पासत्था पासत्थविहारी ओसण्णा ओसण्णविहारी कुसीला कुसीलविहारी अहाछंदा अहाछंदविहारी संसत्ता संसत्तविहारी बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसेइ २ त्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेएइ २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअपडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए कालवडिंसए भवणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिया अंगुलस्स असंखेज्जाइ भागमेत्ताए ओगाहणाए कालीदेवित्ताए उववण्णा । तए णं सा काली देवी अहुणोववण्णा समाणी पंचविहाए पज्जत्तीए जहा सूरियाभो जाव भासामणपज्जत्तीए । तए णं सा काली देवी चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव अण्णेसिं च बहूणं कालवडेंसगभवणवासीणं असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ । एवं खलु गोयमा ! कालीए देवीए सा दिव्वा देविड्ढी ३ लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया । कालीए णं भंते ! देवीए केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ! गोयमा ! अड्ढाइज्जाइं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । काली णं भंते ! देवी ताओ देवलोगाओ अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ । एवं खलु जंबू !

समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स वग्गस्स पढमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ १५० ॥

॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

राई णामं बीयं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं० धम्मकहाणं पढमस्स वग्गस्स पढमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते बिइयस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं (३) जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं राई देवी चमरचंचाए रायहाणीए एवं जहा काली तहेव आगया णट्टविहिं उवदंसित्ता पडिगया । भंतेत्ति ! भगवं गोयमे पुव्वभवपुच्छा । एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा णयरी अंबसालवणे चेइए जियसत्तू राया राई गाहावई राईसिरी भारिया राई दारिया पासस्स समोसरणं राई दारिया जहेव काली तहेव णिक्खंता तहेव सरीरबाउसिया तं चेव सव्वं जाव अंतं काहिइ । एवं खलु जंबू ! बिइयज्झयणस्स णिक्खेवओ ॥ जइ णं भंते ! तइयज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए एवं जहेव राई तहेव रयणी वि णवरं आमलकप्पा णयरी रयणी गाहावई रयणसिरी भारिया रयणी दारिया सेसं तहेव जाव अंतं काहिइ । एवं विज्जूवि आमलकप्पा णयरी विज्जू गाहावई विज्जुसिरी भारिया विज्जू दारिया सेसं तहेव । एवं मेहा वि आमलकप्पाए णयरीए मेहे गाहावई मेहसिरी भारिया मेहा दारिया सेसं तहेव । एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स धम्मकहाणं वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ १५१ ॥

२–१० वग्गाणि

जइ णं भंते ! समणेणं० दोच्चस्स वग्गस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं० दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा तंजहा–सुंभा णिसुंभा रंभा णिरंभा मदणा । जइ णं भंते ! समणेणं० धम्मकहाणं दोच्चस्स वग्गस्स पंच अज्झयणा पण्णत्ता, दोच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स पढमज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं

खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुण-सिलए चेइए सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सुंभा देवी बलिचंचाए रायहाणीए सुंभवडेंसए भवणे सुंभंसि सीहासणंसि कालीगमएणं जाव णट्टविहिं उवदंसेत्ता जाव पडिगया । पुव्वभवपुच्छा । सावत्थी णयरी कोट्ठए चेइए जियसत्तू राया सुंभे गाहावई सुंभसिरी भारिया सुंभा दारिया सेसं जहा कालिए णवरं अद्धट्ठाइं पलिओवमाइं ठिई । एवं खलु जंबू ! णिक्खेवओ अज्झयणस्स । एवं सेसावि चत्तारि अज्झयणा सावत्थीए णवरं माया पिया सरिसणामया । एवं खलु जंबू ! णिक्खेवओ बिइयवग्गस्स ॥१५२॥ उक्खेवओ तइयवग्गस्स । एवं खलु जंबू ! समणेणं० तइयवग्गस्स चउपण्णं अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—पढमे अज्झयणे जाव चउपण्णइमे अज्झयणे । जइ णं भंते ! समणेणं० धम्मकहाणं तइयवग्गस्स चउप्पण्णज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुण-सिलए चेइए सामी समोसढे परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं इला देवी धरणीए रायहाणीए इलावडेंसए भवणे इलंसि सीहासणंमि एवं कालीगमएणं जाव णट्टविहिं उवदंसेत्ता पडिगया । पुव्वभवपुच्छा । वाणारसीए णयरीए काममहावणे चेइए इले गाहावई इलसिरी भारिया इला दारिया सेसं जहा कालीए णवरं धरणस्स अग्गमहिसित्ताए उववाओ साइरेगं अद्धपलिओवमं ठिई सेसं तहेव । एवं खलु जंबू ! णिक्खेवओ पढमज्झयणस्स । एवं कमा सते सोयामणी इंदा घणा विज्जुया-वि । सव्वाओ एयाओ धरणस्स अग्गमहिसीओ एव । एए छ अज्झयणा वेणुदेवस्स वि अविसेसिया भाणियव्वा, एवं जाव घोसस्स वि एए चेव छ अज्झयणा । एवमेते दाहिणिल्लाणं इंदाणं चउप्पण्णं अज्झयणा भवंति सव्वाओ वि वाणारसीए काममहावणे चेइए । तइयवग्गस्स णिक्खेवओ ॥ १५३ ॥ चउत्थस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! समणेणं० धम्मकहाणं चउत्थवग्गस्स चउप्पण्णं अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—पढमे अज्झयणे जाव चउप्पण्णइमे अज्झयणे । पढमस्स अज्झयणस्स उक्खेवओ । एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं रूय

देवी रूयाणंदा रायहाणी रूयगवडेंसए भवणे रूयगंसि सीहासणंसि जहा कालीए तहा णवरं पुव्वभवे चंपाए पुण्णभद्दे चेइए रूयगगाहावई रूयगसिरी भारिया रूया दारिया सेसं तहेव णवरं भूयाणंदअग्गमहिसित्ताए उववाओ देसूणं पलिओवमं ठिई। णिक्खेवओ। एवं खलु सुरूया वि रूयंसा वि रूयगावई वि रूयकंता वि रूयप्पभा वि। एयाओ चेव उत्तरिल्लाणं इंदाणं भाणियव्वाओ जाव महाघोसस्स। णिक्खेवओ चउत्थवग्गस्स ॥ १५४ ॥ पंचमवग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव बत्तीसं अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा–कमला कमलप्पभा चेव, उप्पला य सुदंसणा। रूववई बहुरूवा, सुरूवा सुभगा वि य ॥१॥ पुण्णा बहुपुत्तिया चेव, उत्तमा भारिया वि य। पउमा वसुमई चेव, कणगा कणगप्पभा ॥ २ ॥ वडेंसा केऊमई चेव, वइरसेणा रइप्पिया। रोहिणी णवमिया चेव, हिरी पुप्फवई(त्ति) वि य ॥३॥ भुयगा भुयगवई चेव, महाकच्छाऽपराइया। सुघोसा विमला चेव, सुस्सरा य सरस्सई ॥ ४ ॥ उक्खेवओ पढमज्झयणस्स। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं कमला देवी कमलाए रायहाणीए कमलवडेंसए भवणे कमलंसि सीहासणंसि सेसं जहा कालीए तहेव णवरं पुव्वभवे णागपुरे णयरे सहसंबवणे उज्जाणे कमलस्स गाहावइस्स कमलसिरीए भारियाए कमला दारिया पासस्स अंतिए णिक्खंता कालस्स पिसायकुमारिंदस्स अग्गमहिसी अद्धपलिओवमं ठिई। एवं सेसा वि अज्झयणा दाहिणिल्लाणं वाणमंतरिंदाणं भाणियव्वाओ (सव्वाओ) णागपुरे सहसंबवणे उज्जाणे मायापियरो धूया सरिसणामया ठिई अद्धपलिओवमं। पंचमो वग्गो समत्तो ॥ १५५ ॥ छट्ठो वि वग्गो पंचमवग्गसरिसो णवरं महाकायाईणं उत्तरिल्लाणं इंदाणं अग्गमहिसीओ। पुव्वभवे सागेय णयरे उत्तरकुरुउज्जाणे मायापियरो धूया सरिसणामया। सेसं तं चेव। छट्ठो वग्गो समत्तो ॥ १५६ ॥ सत्तमस्स वग्गस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! जाव चत्तारि अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा–सूरप्पभा आयवा अच्चिमाली पभंकरा। पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं सूरप्पभा देवी सूरंसि विमाणंसि सूरप्पभंसि सीहासणंसि सेसं जहा

कालीए तहा णवरं पुव्वभवो अरक्खुरीए णयरीए सूरप्पभस्स गाहावइस्स सूर-सिरीए भारियाए सूरप्पभा दारिया सूरस्स अग्गमहिसी ठिई अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिं अब्भहियं सेसं जहा कालीए। एवं सेसाओ वि सव्वाओ अरक्खुरीए णयरीए। सत्तमो वग्गो समत्तो ॥ १५७ ॥ अट्ठमस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! जाव चत्तारि अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—चंदप्पभा दोसि-णाभा अच्चिमाली पभंकरा। पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं चंदप्पभा देवी चंदप्पभंसि विमाणंसि चंदप्पभंसि सीहा-सणंसि सेसं जहा कालीए णवरं पुव्वभवे महुराए णयरीए भंडि(चंद)वडेंसए उज्जाणे चंदप्पभे गाहावई चंदसिरी भारिया चंदप्पभा दारिया चंदस्स अग्गम-हिसी ठिई अद्धपलिओवमं पण्णासाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं, सेसं जहा कालीए। एवं सेसाओ वि महुराए णयरीए मायापियरो(वि)धूया सरिसणामा। अट्ठमो वग्गो समत्तो ॥ १५८ ॥ णवमस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! जाव अट्ठ अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—पउमा सिवा सई अंजू रोहिणी णवमिया[इ य।] अयला अच्छरा ॥ पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं पउमावई देवी सोहम्मे कप्पे पउमवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए पउमंसि सीहासणंसि जहा कालीए एवं अट्ठ वि अज्झयणा कालीगमएणं णायव्वा णवरं सावत्थीए दोजणीओ हत्थिणाउरे दोजणीओ कंपिल्लपुरे दोजणीओ सागेय णयरे दोजणीओ पउमे पियरो विजया मायराओ सव्वाओ वि पासस्स अंतिए पव्वइयाओ सक्कस्स अग्गमहिसीओ ठिई सत्त पलिओवमाइं महाविदेहे वासे अंतं काहिंति। णवमो वग्गो समत्तो ॥ १५९ ॥ दसमस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! जाव अट्ठ अज्झयणा पण्णत्ता तंजहा—कण्हा य कण्हराई रामा तह रामरक्खिया वसूया। वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा चेव ईसाणे ॥ १ ॥ पढमज्झयणस्स उक्खेवओ। एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे समोसरणं जाव परिसा पज्जुवासइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं कण्हा देवी ईसाणे कप्पे कण्हवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए कण्हंसि सीहा-सणंसि सेसं जहा कालीए एवं अट्ठवि अज्झयणा कालीगमएणं णेयव्वा णवरं

पुव्वभवो वाणारसीए णयरीए दोजणीओ रायगिहे णयरे दोजणीओ सावत्थीए णयरीए दोजणीओ कोसंबीए णयरीए दोजणीओ रामे पिया धम्मा माया सव्वाओ वि पासस्स अरहओ अंतिए पव्वइयाओ पुप्फचूलाए अज्जाए सिस्सिणियत्ताए ईसाणस्स अग्गमहिसीओ ठिई णवपलिओवमाइं महाविदेहे वासे सिज्झिहिंति बुज्झिहिंति मुच्चिहिंति सव्वदुक्खाणं अंतं काहिंति । एवं खलु जंबू ! णिक्खेवओ दसमवग्गस्स । दसमो वग्गो समत्तो ॥ १६० ॥ एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थगरेणं सयंसंबुद्धेणं पुरिसोत्तमेणं [पुरिससीहेणं] जाव संपत्तेणं धम्मकहाणं अयमट्ठे पण्णत्ते । धम्मकहा सुयक्खंधो समत्तो । दसहिं वग्गेहिं णायाधम्मकहाओ समत्ताओ ॥ १६१ ॥ बीओ सुयक्खंधो समत्तो ॥

॥ णायाधम्मकहाओ समत्ताओ ॥

उवासगदसाओ

आणंदे णामं पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चम्पा णामं णयरी होत्था । वण्णओ । पुण्णभद्दे चेइए । वण्णओ ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मे समोसरिए जाव जम्बू पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं छट्ठस्स अंगस्स णायाधम्मकहाणं अयमट्ठे पण्णत्ते, सत्तमस्स णं भंते ! अंगस्स उवासगदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जम्बू ! समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तंजहा—आणंदे १, कामदेवे य २, गाहावइचुलणीपिया ३, सुरादेवे ४, चुल्लसयए ५, गाहावइकुंडकोलिए ६, सद्दालपुत्ते ७, महासयए ८, णंदिणीपिया ९, सालिहीपिया १० ॥२॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे णामं णयरे होत्था । वण्णओ । तस्स [णं] वाणियगामस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए दूइपलासए णामं चेइए । तत्थ णं वाणियगामे णयरे जियसत्तू राया होत्था । वण्णओ । तत्थ णं वाणियगामे आणंदे णामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । तस्स णं आणंदस्स गाहावइस्स चत्तारि हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दस-गोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । से णं आणंदे गाहावई बहूणं राईसर जाव सत्थ-वाहाणं बहूसु कज्जेसु य कारणेसु य मंतेसु कुडुंबेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य णिच्छएसु य ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे, सयस्सवि य णं कुडुंबस्स मेढी पमाणं आहारे आलंबणं चक्खू, मेढीभूए जाव सव्वकज्जवड्ढा-वए यावि होत्था । तस्स णं आणंदस्स गाहावइस्स सिवाणंदा णामं भारिया होत्था, अहीण जाव सुरूवा आणंदस्स गाहावइस्स इट्ठा आणंदेणं गाहावइणा

सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इट्ठा सद्द जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोए पच्चणु-भवमाणी विहरइ । तस्स णं वाणियगामस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए एत्थ णं कोल्लाए णामं सण्णिवेसे होत्था, रिद्धत्थिमिय जाव पासाईए (४)। तत्थ णं कोल्लाए सण्णिवेसे आणंदस्स गाहावइस्स बहुए मित्तणाइणियगसयण-संबंधिपरिजणे परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए । परिसा णिग्गया । कूणिए राया जहा तहा जियसत्तू णिग्गच्छइ (२ त्ता) जाव पज्जुवासइ । तए णं से आणंदे गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे जाव विहरइ, तं महाफलं [जाव] गच्छामि णं जाव पज्जुवासामि' एवं संपेहेइ संपेहित्ता ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्ख-मित्ता सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते पाय-विहारचारेणं वाणियगामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणामेव दूइपलासे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ णमंसइ जाव पज्जुवासइ। तए णं समणे भगवं महावीरे आणंदस्स गाहावइस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए जाव धम्मकहा, परिसा पडिगया, राया य गए ॥३॥ तए णं से आणंदे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी–'सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते !, तहमेयं भंते !, अवितहमेयं भंते !, इच्छियमेयं भंते !, पडिच्छियमेयं भंते !, इच्छियपडिच्छियमेयं भंते !, से जहेयं तुब्भे वयह' त्तिकट्टु जहा णं देवाणु-प्पियाणं अंतिए बहवे राईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियसेट्ठि(सेणावइ)सत्थ-वाहप्पभिइया मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया, णो खलु अहं तहा संचाएमि मुंडे जाव पव्वइत्तए, अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि । अहासुहं देवाणु-प्पिया ! मा पडिबंधं करेहि ॥ ४ ॥ तए णं से आणंदे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए तप्पढमयाए थूलगं पाणाइवायं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा' १ ।

तयाणंतरं च णं थूलगं मुसावायं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा' २। तयाणंतरं च णं थूलगं अदिण्णादाणं पच्चक्खाइ, 'जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा' ३। तयाणंतरं च णं सदारसंतोसिए परिमाणं करेइ, 'णण्णत्थएक्काए सिवणंदाए भारियाए, अवसेसं सव्वं मेहुणविहिं पच्चक्खा(इ)मि मणसा वयसा कायसा ४। तयाणंतरं च णं इच्छाविहिपरिमाणं करेमाणे हिरण्णसुवण्णविहिपरिमाणं करेइ, णण्णत्थ चउहिं हिरण्णकोडीहिं णिहाणपउत्ताहिं, चउहिं वुड्ढिपउत्ताहिं चउहिं पवित्थर-पउत्ताहिं, अवसेसं सव्वं हिरण्णसुवण्णविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं चउप्पयविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ चउहिं वएहिं दसगोसाहस्सिएणं वएणं, अवसेसं सव्वं चउप्पयविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं खेत्तवत्थुविहि-परिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ पंचहिं हलसएहिं णियत्तणसइएणं हलेणं अवसेसं सव्वं खेत्तवत्थुविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं सगडविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ पंचहिं सगडसएहिं दिसायत्तिएहिं, पंचहिं सगडसएहिं संवाहणिएहिं, अवसेसं सव्वं सगडविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं वाहणविहिपरि-माणं करेइ, 'णण्णत्थ चउहिं वाहणेहिं, दिसायत्तिएहिं चउहिं वाहणेहिं संवा-हणिएहिं, अवसेसं सव्वं वाहणविहिं पच्चक्खामि ३' ५। तयाणंतरं च णं उव-भोगपरिभोगविहिं पच्चक्खाएमाणे उल्लणियाविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगाए गंधकासाईए, अवसेसं सव्वं उल्लणियाविहिं पच्चक्खामि ३'। तया-णंतरं च णं दंतवणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं अल्ललट्ठीमहुएणं, अवसेसं दंतवणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं फलविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं खीरामलएणं, अवसेसं फलविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं अब्भंगणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ सयपागसहस्सपा-गेहिं तेल्लेहिं, अवसेसं अब्भंगणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं उव्वट्ट(ण)णाविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं सुरहिणा गंधट्टएणं, अव-सेसं उव्वट्टणाविहिं पच्चक्खामि ३,। तयाणंतरं च णं मज्जणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ अट्ठहिं उट्टिएहिं उदगस्स घडएहिं, अवसेसं मज्जणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं वत्थविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं

खोमजुयलेणं, अवसेसं वत्थविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं विलेवण-विहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ अगरुकुंकुमचन्दणमादिएहिं, अवसेसं विले-वणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं पुप्फविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं सुद्धपउमेणं मालइकुसुमदामेणं वा, अवसेसं पुप्फविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं आभरणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ मट्ठकण्णेज्जएहिं णाममुद्दाए य, अवसेसं आभरणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं धूवण-विहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ अगरुतुरुक्कधूवमाइएहिं, अवसेसं धूवणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं भोयणविहिपरिमाणं करेमाणे पेज्जविहि-परिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगाए कट्ठपेज्जाए अवसेसं पेज्जविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं भक्खविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेहिं घयपुण्णेहिं खंडखज्जएहिं वा, अवसेसं भक्खविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं ओदणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ कलमसालिओदणेणं, अवसेसं ओदण-विहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं सूवविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ कलायसूवेण वा मुग्गमाससूवेण वा, अवसेसं सूवविहिं पच्चक्खामि ३'। तया-णंतरं च णं घयविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ सारइएणं गोघयमण्डेणं, अवसेसं घयविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं सागविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ वत्थुसाएण वा तुंबसाएण वा सुत्थियसाएण वा मंडुक्कियसाएण वा अवसेसं सागविहिं पच्चक्खामि ३,। तयाणंतरं च णं माहुरयविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं पालंगामाहुरएणं अवसेसं माहुरयविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं जेमणविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ सेहंबदालियंबेहिं, अवसेसं जेमणविहिं पच्चक्खामि ३'। तयाणंतरं च णं पाणियविहिपरि-माणं करेइ, 'णण्णत्थ एगेणं अंतलिक्खोदएणं, अवसेसं पाणियविहिं पच्च-क्खामि ३,। तयाणंतरं च णं मुहवासविहिपरिमाणं करेइ, 'णण्णत्थ पंचसो-गन्धिएणं तम्बोलेणं अवसेस मुहवासविहिं पच्चक्खामि ३' ६। तयाणंतरं च णं चउव्विहं अणट्ठादण्डं पच्चक्खाइ, तंजहा—अवज्झाणायरियं पमायायरियं हिंसप्पयाणं पावकम्मोवएसे ३, ७ ॥ ५ ॥ इह खलु 'आणंदाइ ! समणे भगवं महावीरे आणंदं समणोवासगं एवं वयासी—"एवं खलु आणंदा ! समणोवास-एणं अभिगयजीवाजीवेणं जाव अणइक्कमणिज्जेणं सम्मत्तस्स पंच अइयारा

पेयाला जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—संका, कंखा, विइगिच्छा, परपासंड-पसंसा, परपासंडसंथवो । तयाणंतरं च णं थूलगस्स पाणाइवायवेरमणस्स समणोवाएणं पंच अइयारा पेयाला जाणियव्वा ण समायरिव्वा, तंजहा—बंधे, वहे, छविच्छेए, अइभारे, भत्तपाणवोच्छेए १ । तयाणंतरं च णं थूलगस्स मुसावायवेरमणस्स पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—सहसा-ब्भक्खाणे, रहसाब्भक्खाणे, सदारमंतभेए, मोसोवएसे, कूडलेहकरणे २ । तयाणंतरं च णं थूलगस्स अदिण्णादाणवेरमणस्स पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—तेणाहडे, तक्करप्पओगे, विरुद्धरज्जाइक्कमे, कूडतुल-कूडमाणे, तप्पडिरूवगववहारे ३ । तयाणंतरं च णं सदारसंतोसिए पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—इत्तरियपरिग्गहियागमणे अपरिग्गहियागमणे, अणंगकीडा, परविवाहकरणे कामभोगतिव्वाभिलासे ४ । तयाणंतरं च णं इच्छापरिमाणस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—खेत्तवत्थुपमाणाइक्कमे, हिरण्णसुवण्ण-पमाणाइक्कमे, दुपयचउप्पयपमाणाइक्कमे, धणधण्णपमाणाइक्कमे, कुविय-पमाणाइक्कमे ५ । तयाणंतरं च णं दिसिवयस्स पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—उड्ढदिसिपमाणाइक्कमे, अहोदिसिपमाणाइक्कमे, तिरियदिसिपमाणाइक्कमे, खेत्तवुड्ढी,सइअंतरद्धा ६ । तयाणंतरं च णं उवभोग-परिभोगे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—भोयणओ य कम्मओ य । तत्थ णं भोयणओ समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—सचित्ता-हारे, सचित्तपडिबद्धाहारे, अप्पउलिओसहिभक्खणया, दुप्पउलिओसहिभक्ख-णया, तुच्छोसहिभक्खणया । कम्मओ णं समणोवासएणं पण्णरस कम्मादाणाइं जाणियव्वाइं ण समायरियव्वाइं, तंजहा—इंगालकम्मे, वणकम्मे, साडीकम्मे, भाडीकम्मे, फोडीकम्मे, दंतवाणिज्जे, लक्खवाणिज्जे, रसवाणिज्जे, विस-वाणिज्जे, केसवाणिज्जे, जंतपीलणकम्मे, णिल्लंछणकम्मे, दवग्गिदावणया, सरदहतलावसोसणया, असईजणपोसणया ७ । तयाणंतरं च णं अणट्ठादण्डवेर-मणस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा—कंदप्पे, कुक्कुइए, मोहरिए, संजुत्ताहिगरणे, उवभोगपरिभोगाइरित्ते ८ । तया-णंतरं च णं सामाइयस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समा-

परियव्वा, तंजहा–मणदुप्पणिहाणे, वयदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, सामाइयस्स सइअकरणया, सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया ९। तयाणंतरं च णं देसावगासियस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा–आणवणप्पओगे, पेसवणप्पओगे, सद्दाणुवाए, रूवाणुवाए, बहिया पोग्गलपक्खेवे १०। तयाणंतरं च णं पोसहोववासस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा–अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियसिज्जासंथारे, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियसिज्जासंथारे, अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियउच्चारपासवणभूमी, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियउच्चारपासवणभूमी, पोसहोववासस्स सम्मं अणणुपालणया ११। तयाणंतरं च णं अहासंविभागस्स समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा–सचित्तणिक्खेवणया, सचित्तपिहणया, कालाइक्कमे, परो(र)ववदेसे, मच्छरिया १२। तयाणंतरं च णं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाराहणाए पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा–इहलोगासंसप्पओगे, परलोगासंसप्पओगे, जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामभोगासंसप्पओगे १३॥ ६॥ तए णं से आणंदे गाहावई समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं सावयधम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–णो खलु मे भंते ! कप्पइ अज्जप्पभिइं अण्णउत्थिए वा अण्णउत्थियदेवयाणि वा अण्णउत्थिय परिग्गहियाणि वा वंदित्तए वा णमंसित्तए वा, पुव्विं अणालत्तेणं आलवित्तए वा संलवित्तए वा, तेसिं असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दाउं वा अणुप्पदाउं वा, णण्णत्थ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभिओगेणं देवयाभिओगेणं गुरुणिग्गहेणं वित्तिकंतारेणं। कप्पइ मे समणे णिग्गंथे फासुएणं एसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुंछणेणं पीढफलगसिज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेण य पडिलाभेमाणस्स विहरित्तए' त्तिकट्टु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, अभिगिण्हित्ता पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठाइं आदियइ, आदिइत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ, वंदित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ दूइपलासाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव वाणियगामे णयरे जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सिवणंदं भारियं एवं वयासी–'एवं खलु देवाणुप्पिए !

मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे णिसंते, सेऽवि य धम्मे मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए, तं गच्छ णं तुमं देवाणुप्पिए ! समणं भगवं महावीरं वंदाहि जाव पज्जुवासाहि, समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जाहि' ॥ ७ ॥ तए णं सा सिवणंदा भारिया आणंदेणं समणोवासएणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ-तुट्ठा कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी–' खिप्पामेव लहुकरण जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं महावीरे सिवणंदाए तीसे य महइ जाव धम्मं कहेइ । तए णं सा सिवणंदा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव गिहिधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता तमेव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ, दुरूहित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥८॥ 'भंते'त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी– 'पहू णं भंते ! आणंदे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतिए मुण्डे जाव पव्वइ-त्तए ?' णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! आणंदे णं समणोवासए बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिइ, पाउणित्ता जाव सोहम्मे कप्पे अरुणे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिइ । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । तत्थ णं आणंदस्सऽवि समणोवासगस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ बहिया जाव विहरइ । तए णं से आणंदे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तए णं सा सिवणंदा भारिया समणोवासिया जाया जाव पडिलाभे-माणी विहरइ ॥ ९ ॥ तए णं तस्स आणंदस्स समणोवासगस्स उच्चावएहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छराइं वइक्कंताइं, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्टमाणस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–' एवं खलु अहं वाणियगामे णयरे बहूणं राईसर जाव सयस्सवि य णं कुडुम्बस्स जाव आधारे, तं एएणं विक्खेवेणं अहं णो संचाएमि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, तं सेयं खलु ममं कल्लं जाव जलंते विउलं असणं० जहा पूरणो जाव जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेत्ता तं मित्त

जाव जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता कोल्लाए सण्णिवेसे णायकुलंसि पोसहसालं पडि-लेहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए ' एवं संपेहेइ, संपेहित्ता कल्लं विउलं०, तहेव जिमियभुत्तुत्तरागए तं मित्त जाव विउलेणं पुप्फ ५ सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी–' एवं खलु पुत्ता ! अहं वाणियगामे बहूणं राईसर जहा चिंतियं जाव विहरित्तए, तं सेयं खलु मम इदाणिं तुमं सयस्स कुडुम्बस्स आलम्बणं ४ ठवेत्ता जाव विहरित्तए'। तए णं जेट्ठपुत्ते आणंदस्स समणोवासगस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडि-सुणेइ । तए णं से आणंदे समणोवासए तस्सेव मित्त जाव पुरओ जेट्ठपुत्तं कुडुम्बे ठवेइ, ठवेत्ता एवं वयासी–' मा णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे अज्जप्पभिइं केइ मम बहूसु कज्जेसु जाव आपुच्छउ वा पडिपुच्छउ वा, ममं अट्ठाए असणं वा ४ उवक्खडेउ वा उवकरेउ वा । तए णं से आणंदे समणोवासए जेट्ठ-पुत्तं मित्तणाइं आपुच्छइ, आपुच्छित्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडि-णिक्खमित्ता वाणियगामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव कोल्लाए सण्णिवेसे जेणेव णायकुले जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पोसहसालं पमज्जइ, पमज्जित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ, पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरइ, दब्भसंथारयं दुरूहइ, दुरूहित्ता पोसहसालाए पोसहिए दब्भसंथारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ॥ १० ॥ तए णं से आणंदे समणोवासए उवासग-पडिमाओ उवसम्पज्जित्ता णं विहरइ । पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएणं फासेइ पालेइ सोहेइ तीरेइ कित्तेइ आराहेइ । तए णं से आणंदे समणोवासए दोच्चं उवासगपडिमं, एवं तच्चं चउत्थं पंचमं छट्ठं सत्तमं अट्ठमं णवमं दसमं एक्कारसमं जाव आराहेइ ॥११॥ तए णं से आणंदे समणोवासए इमेणं एयारूवेणं उरा-लेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं तवोकम्मेणं सुक्के जाव किसे धमणिसंतए जाए । तए णं तस्स आणंदस्स समणोवासगस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्ता जाव धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयं अज्झत्थिए ५–एवं खलु अहं इमेणं जाव धमणिसंतए जाए, तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपर-

क्कमे सद्धाधिइसंवेगे, तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे सद्धाधिइसंवेगे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता-मे सेयं कल्लं जाव जलंते अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तए' एवं संपेहेइ, संपेहित्ता कल्लं पाउ जाव अपच्छिममारणंतिय जाव कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं तस्स आणंदस्स समणोवासगस्स अण्णया कयाइ सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तदावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ओहिणाणे समुप्पण्णे। पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पंचजोयणसयाइं खेत्तं जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेण य, उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवंतं वासधरपव्वयं जाणइ पासइ, उड्ढं जाव सोहम्मं कप्पं जाणइ पासइ, अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं णरयं चउरासीइवाससहस्सट्ठिइयं जाणइ पासइ ॥ १२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसरिए, परिसा णिग्गया जाव पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहणारायसंघयणे कणगपुलगणिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे घोरतवे महातवे उराले घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबम्भचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेउलेसे छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ, बिइयाए पोरिसीए झाणं झियाइ, तइयाए पोरिसीए अतुरियं अचवलं असम्भंते मुहपत्तिं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं पडिलेहेइ, २ त्ता भायणवत्थाइं, २ पमज्जइ, २ त्ता भायणाइं उग्गाहेइ, उग्गाहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—'इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए छट्ठक्खमणस्स पारणगंसि वाणियगामे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए'। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ दूइपलासाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ,

पडिणिक्खमित्ता अतुरियमचवलमसम्भंते जुगंतरपरिलोयणाए दिट्ठीए पुरओ ई(इ)रियं सोहेमाणे जेणेव वाणियगामे णयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता वाणियगामे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ। तए णं से भगवं गोयमे वाणियगामे णयरे जहा पण्णत्तीए तहा जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्तपाणं सम्मं पडिग्गाहेइ, पडिग्गाहित्ता वाणियगामाओ पडिणिग्गच्छइ पडिणिग्गच्छित्ता कोल्लायस्स सण्णिवेसस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे बहुजणसद्दं णिसामेइ। बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–'एवं खलु देवाणुप्पिया! समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी आणंदे णामं समणोवासए पोसहसालाए अपच्छिम जाव अणवकंख-माणे विहरइ'। तए णं तस्स गोयमस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म अयमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'तं गच्छामि णं आणंदं समणोवासयं पासामि' एवं संपेहेइ, संपेहित्ता जेणेव कोल्लाए सण्णिवेसे जेणेव आणंदे समणोवासए जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ। तए णं से आणंदे समणो-वासए भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठ जाव हियए भगवं गोयमं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–'एवं खलु भंते! अहं इमेणं उरालेणं जाव धमणिसंतए जाए, णो संचाएमि देवा-णुप्पियस्स अंतियं पाउब्भवित्ता णं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाए अभिवंदित्तए, तुब्भे णं भंते! इच्छाकारेणं अणभिओएणं इओ चेव एह, जा णं देवाणुप्पियाणं तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाएसु वंदामि णमंसामि' तए णं से भगवं गोयमे जेणेव आणंदे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ ॥ १३ ॥ तए णं से आणंदे समणोवासए भगवओ गोयमस्स तिक्खुत्तो मुद्धाणेणं पाएसु वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–'अत्थि णं भंते! गिहिणो गिहिमज्झावसंतस्स ओहिणाणे समुप्पज्जइ?' हंता अत्थि। जइ णं भंते! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, एवं खलु भंते! ममवि गिहिणो गिहिमज्झावसंतस्स ओहिणाणे समुप्पण्णे-पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे पंच जोयणसयाइं जाव लोलुयच्चुयं णरयं जाणामि पासामि। तए णं से भगवं गोयमे आणंदं समणोवासयं एवं वयासी–'अत्थि णं आणंदा! गिहिणो जाव समुप्पज्जइ, णो चेव णं एमहालए, तं णं तुमं

आणंदा ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव तवोकम्मं पडिवज्जाहि'। तए णं से आणंदे समणोवासए भगवं गोयमं एवं वयासी–'अत्थि णं भंते ! जिणवयणे संताणं तच्चाणं तहियाणं सब्भूयाणं भावाणं आलोइज्जइ जाव पडिवज्जिज्जइ ?' णो इणट्ठे समट्ठे । 'जइ णं भंते ! जिणवयणे संताणं जाव भावाणं णो आलोइज्जइ जाव तवोकम्मं णो पडिवज्जिज्जइ तं णं भंते ! तुब्भे चेव एयस्स ठाणस्स आलोएह जाव पडिवज्जह'। तए णं से भगवं गोयमे आणंदेणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए विइगिच्छासमावण्णे आणंदस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता जेणेव दूइपलासे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ, पडिक्कमित्ता एसणमणेसणं आलोएइ, आलोएत्ता भत्तपाणं पडिदंसेइ, पडिदंसित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–'एवं खलु भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए तं चेव सव्वं कहेइ जाव तए णं अहं संकिए ३ आणंदस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पडिणिक्खमामि, पडिणिक्खमित्ता जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, तं णं भंते ! किं आणंदेणं समणोवासएणं तस्स ठाणस्स आलोएयव्वं जाव पडिवज्जेयव्वं उदाहु मए ?' 'गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–'गोयमा ! तुमं चेव णं तस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि, आणंदं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेहि' । तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ, आणंदं च समणोवासयं एयमट्ठं खामेइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ १४ ॥ तए णं से आणंदे समणोवासए बहूहिं सीलव्वएहिं जाव अप्पाणं भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस य उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरच्छिमेणं अरुणे विमाणे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, तत्थ णं आणंदस्सवि देवस्स

चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । आणंदे णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ १५ ॥ णिक्खेवो ॥

॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

कामदेवे णामं बीयं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, दोच्चस्स णं भंते ! अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था । पुण्णभद्दे चेइए । जियसत्तू राया । कामदेवे गाहावइ। भद्दा भारिया । छ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, छ वुड्ढिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ । छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । (तेणं का० तेणं स० भगवं म०) समोसरणं । जहा आणंदो तहा णिग्गओ, तहेव सावयधम्मं पडिवज्जइ । सा चेव वत्तव्वया जाव जेट्ठपुत्तं मित्तणाइं (आपुच्छइ) आपुच्छित्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता जहा आणंदो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ॥ १६ ॥ तए णं तस्स कामदेवस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे मायी मिच्छद्दिट्ठी अंतियं पाउब्भूए । तए णं से देवे एगं महं पिसायरूवं विउव्वइ । तस्स णं देवस्स पिसायरूवस्स इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते–सीसं से गोकिलंजसठाणसंठियं, सालिभसेल्लसरिसा से केसा कविलतेएणं दिप्पमाणा, महल्लउट्टियाकभल्लसंठाणसंठियं णिडालं मुगुंसपुंछं व तस्स भुमगाओ फुग्गफुग्गाओ विगयबीभच्छदंसणाओ, सीसघडिविणिग्गयाइं अच्छीणि विगयबीभच्छदंसणाइं, कण्णा जह सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, उरब्भपुडसण्णिभा से णासा, झुसिरा जमलचुल्लीसंठाणसंठिया दोऽवि तस्स णासापुडया, घोडयपुंछं व तस्स मंसूइं कविलकविलाइं विगयबीभच्छदंसणाइं, उट्ठा उट्टस्स चेव लम्बा, फालसरिसा से दंता, जिब्भा जहा सुप्पकत्तरं चेव विगयबीभच्छदंसणिज्जा, हलकुद्दालसंठिया से हणुया, गल्लकडिल्लं च तस्स खड्डं फुट्टं कविलं फरुसं महल्लं, मुइंगाकारोवमे से खंधे, पुरवरकवाडोवमे से वच्छे, कोट्ठिया-

संठाणसंठिया दो वि तस्स बाहा, णिसापाहाणसंठाणसंठिया दोवि तस्स अग्ग-हत्था, णिसालोढसंठाणसंठियाओ हत्थेसु अंगुलीओ, सिप्पिपुडगसंठिया से णक्खा, ण्हावियपसेवओ व्व उरंसि लम्बंति दोऽवि तस्स थणया, पोट्टं अयकोट्ठओ व्व वट्टं, पाणकलंदसरिसा से णाही, सिक्कगसंठाणसंठिया से णेत्ते, किण्णपुडसंठाणसंठिया दोऽवि तस्स वसणा, जमलकोट्टियासंठाणसंठिया दोऽवि तस्स उरू, अज्जुणगुट्ठं व तस्स जाणूइं कुडिलकुडिलाइं विगय-बीभच्छदंसणाइं, जंघाओ कक्खडीओ लोमेहिं उवचियाओ, अहरीसंठाणसंठिया दोऽवि तस्स पाया, अहरीलोढसंठाणसंठियाओ पाएसु अंगुलीओ, सिप्पिपुड-संठिया से णक्खा, लडहमडहजाणुए विगयभग्गभुग्गभुमए अवदालियवयण-विवरणिल्लालियग्गजीहे सरडकयमालियाए उंदुरमालापरिणद्धसुकयचिंधे णउ-लकयकण्णपूरे सप्पकयवेगच्छे अप्फोडंते अभिगज्जंते भीममुक्कट्टहासे णाणा-विहपंचवण्णेहिं लोमेहिं उवचिए एगं महं णीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्प-गासं असिं खुरधारं गहाय जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आसुरत्ते रुट्ठे कुविए चण्डिक्किए मिसि-मिसीयमाणे कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा ! समणो-वासया ! अप्पत्थियपत्थिया दुरंतपंतलक्खणा हीणपुण्णचाउद्दसिया हिरि-सिरिधिइकित्तिपरिवज्जिया धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्ख-कामया धम्मकंखिया पुण्णकंखिया सग्गकंखिया मोक्खकंखिया धम्मपिवासिया पुण्णपिवासिया सग्गपिवासिया मोक्खपिवासिया णो खलु कप्पइ तव देवा-णुप्पिया ! जं सीलाइं वयाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणाइं पोसहोववासाइं चालित्तए वा खोभित्तए वा खंडित्तए वा भंजित्तए वा उज्झित्तए वा परि-च्चइत्तए वा, तं जइ णं तुमं अज्ज सीलाइं जाव पोसहोववासइं ण छड्डेसि ण भंजेसि तो ते अहं अज्ज इमेणं णीलुप्पल जाव असिणा खण्डाखण्डि करेमि, जहा णं तुमं देवाणुप्पिया ! अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरो-विज्जसि' । तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं पिसायरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचलिए असम्भंते तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ ॥ १७ ॥ तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवे सम-

णोवासयं अभीयं जाव धम्मज्झाणोवगयं विहरमाणं पासइ, पासित्ता दोच्चंपि तच्चंपि कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा ! समणोवासया ! अपत्थियपत्थिया जइ णं तुमं अज्ज जाव ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता आसुरुत्ते (५) तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु कामदेवं समणोवासयं णीलुप्पल जाव असिणा खण्डाखण्डिं करेइ। तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव दुरहियासं वेयणं सम्मं सहइ जाव अहियासेइ ॥ १८ ॥ तए णं से देवे पिसायरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता जाहे णो संचाएइ कामदेवं समणोवासयं णिग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे संते तंते परितंते सणियं-सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता दिव्वं पिसायरूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्वइ, सत्तंगपइट्ठियं सम्मं संठियं सुजायं पुरओ उदग्गं पिट्ठओ वराहं अयाकुच्छिं अलम्बकुच्छिं पलम्बलम्बोदराधरकरं अब्भुग्गयमउलमल्लियाविमलधवलदंतं कंचणकोसीपविट्ठदंतं आणामियचावललियसंविल्लियग्गसोण्डं कुम्मपडिपुण्णचलणं वीसइणक्खं अल्लीणपमाणजुत्तपुच्छं मत्तं मेहमिव गुलगुलेंतं मणपवणजइणवेगं दिव्वं हत्थिरूवं विउव्विइ, विउव्वित्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा ! समणोवासया ! तहेव भणइ जाव ण भंजेसि, तो ते अज्ज अहं सोण्डाए गिण्हामि, गिण्हित्ता पोसहसालाओ णीणेमि, णीणेत्ता उड्ढं वेहासं उव्विहामि, उव्विहित्ता तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं पडिच्छामि, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाएसु लोलेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि'। तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं हत्थिरूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता दोच्चंपि तच्चंपि कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा ! तहेव जाव सोऽवि विहरइ। तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं

समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता आसुरुत्ते ४ कामदेवं समणोवासयं सोण्डाए गिण्हइ, गिण्हित्ता उड्ढं वेहासं उव्विहइ, उव्विहित्ता तिक्खेहिं दंतमुसलेहिं पडिच्छइ, पडिच्छित्ता अहे धरणितलंसि तिक्खुत्तो पाएसु लोलेइ । तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ ॥ १९ ॥ तए णं से देवे हत्थिरूवे कामदेवं समणोवासयं जाहे णो संचाएइ जाव सणियं-सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता दिव्वं हत्थिरूवं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं सप्परूवं विउव्वइ—उग्गविसं चण्डविसं घोरविसं महाकायं मसीमूसाकालगं णयणविसरोसपुण्णं अंजणपुंजणिगरप्पगासं रत्तच्छं लोहियलोयणं जमलजुयल-चंचलजीहं धरणीयलवेणिभूयं उक्कडफुडकुडिलजडिलकक्कसवियडफडाडोव-करणदच्छं लोहागरधम्ममाणधमधमेंतघोसं अणागलियतिव्वचण्डरोसं सप्परूवं विउव्वइ, २ त्ता जेणेव पोसहसाला जेणेव कामदेवे समणोवासए तेणेव उवा-गच्छइ, उवागच्छित्ता कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी—'ह भो कामदेवा ! समणोवासया ! जाव ण भंजेसि तो ते अज्जेव अहं सरसरस्स कायं दुरुहामि, २ त्ता पच्छिमेणं भाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढेमि वेढेत्ता तिक्खाहिं विसपरिगयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव णिकुट्टेमि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवि-याओ ववरोविज्जसि' । तए णं से कामदेवे समणोवासए तेणं देवेणं सप्परूवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ, सोऽवि दोच्चंपि तच्चंपि भणइ, काम-देवोऽवि जाव विहरइ । तए णं से देवे सप्परूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता आसुरुत्ते ४ कामदेवस्स समणोवासयस्स सरसरस्स कायं दुरुहइ, दुरुहित्ता पच्छिमभाएणं तिक्खुत्तो गीवं वेढेइ, वेढेत्ता तिक्खाहिं विसपरि-गयाहिं दाढाहिं उरंसि चेव णिकुट्टेइ । तए णं से कामदेवे समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ ॥२०॥ तए णं से देवे सप्परूवे कामदेवं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता जाहे णो संचाएइ कामदेवं समणोवासयं णिग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे संते ३ सणियं-सणियं पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता दिव्वं सप्परूवं विप्पजहइ विप्पजहित्ता एगं महं दिव्वं देवरूवं विउव्वइ, हारविराइयवच्छं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं पासाईयं

दरिसणिज्जं अभिरूवं पडिरूवं दिव्वं देवरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता कामदेवस्स समणोवासयस्स पोसहसालं अणुप्पविसइ, अणुप्पविसित्ता अंतलिक्खपडिवण्णे सखिंखिणियाइं पंचवण्णाइं वत्थाइं पवरपरिहिए कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो कामदेवा ! समणोवासया ! धण्णे सि णं तुमं देवाणुप्पिया ! स(क)पुण्णे कयत्थे कयलक्खणे, सुलद्धे णं तव देवाणुप्पिया ! माणुस्सए जम्मजीवियफले, जस्स णं तव णिग्गंथे पावयणे इमेयारूवा पडिवत्ती लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया । एवं खलु देवाणुप्पिया ! सक्के देविंदे देवराया जाव सक्कंसि सीहासणंसि चउरासीईए सामाणियसाहस्सीणं जाव अण्णेसिं च बहूणं देवाण य देवीण य मज्झगए एवमाइक्खइ ४–एवं खलु देवा(०)! जम्बुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए णयरीए कामदेवे समणोवासए पोसहसालाए पोसहियबम्भचारी जाव दब्भसंथारोवगए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ, णो खलु से सक्का केणइ देवेण वा दाणवेण वा जाव गंधव्वेण वा णिग्गंथाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा । तए णं अहं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ इहं हव्वमागए, तं अहो णं देवाणुप्पिया ! इड्ढी ६ लद्धा ३, तं दिट्ठा णं देवाणुप्पिया ! इड्ढी जाव अभिसमण्णागया, तं खामेमि णं देवाणुप्पिया ! खमंतु मज्झ देवाणुप्पिया ! खंतुमरहंति णं देवाणुप्पिया ! णाइं भुज्जो करणयाए' त्ति कट्टु पायवडिए पंजलिउडे एयमट्ठं भुज्जो भुज्जो खामेइ, खामेत्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए । तए णं से कामदेवे समणोवासए णिरुवसग्गं तिकट्टु पडिमं पारेइ ॥२१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ । तए णं से कामदेवे समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे 'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, तं सेयं खलु मम समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता तओ पडिणियत्तस्स पोसहं पारित्तए' त्ति कट्टु एवं संपेहेइ संपेहित्ता सुद्धप्पावेसाइं वत्थाइं जाव अप्पमहग्घ जाव मणुस्सवग्गुरापरिक्खित्ते सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता चम्पं णयरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव पुण्णभद्दे चेइए जहा संखो जाव पज्जुवासइ । तए णं समणे भगवं

महावीरे कामदेवस्स समणोवासयस्स तीसे य जाव धम्मकहा समत्ता ॥ २२ ॥ कामदेवा इ ! समणे भगवं महावीरे कामदेवं समणोवासयं एवं वयासी-से णूणं कामदेवा ! तुब्भं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अंतिए पाउब्भूए, तए णं से देवे एगं महं दिव्वं पिसायरूवं विउव्वइ, विउव्वित्ता आसुरुत्ते ४ एगं महं णीलुप्पल-जाव असिं गहाय तुमं एवं वयासी-हं भो कामदेवा ! जाव जीवियाओ ववरोविज्जसि, तं तुमं तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरसि, एवं वण्णगरहिया तिण्णिवि उवसग्गा तहेव पडिउच्चारेयव्वा जाव देवो पडिगओ । से णूणं कामदेवा ! अट्ठे समट्ठे ? हंता, अत्थि । 'अज्जो ! इ समणे भगवं महावीरे बहवे समणे णिग्गंथे य णिग्गंथीओ य आमंतेत्ता एवं वयासी-जइ ताव अज्जो ! समणोवासगा गिहिणो गिहिमज्झावसंता दिव्व-माणुस्सतिरिक्खजोणिए उवसग्गे सम्मं सहंति जाव अहियासेंति, सक्का-पुणाइ अज्जो ! समणेहिं णिग्गंथेहिं दुवालसंगं गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं दिव्वमाणुस-तिरिक्खजोणिए सम्मं सहित्तए जाव अहियासित्तए । तओ ते बहवे समणा णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति । तए णं से कामदेवे समणोवासए हट्ठ जाव समणं भगवं महावीरं पसिणाइं पुच्छइ, अट्ठमादियइ, समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए । तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ चम्पाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्ख-मित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ २३ ॥ तए णं से कामदेवे समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तए णं से कामदेवे समणोवासए बहूहिं [सीलवएहिं] जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासेत्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववण्णे । तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, कामदेवस्सऽवि देवस्स चत्तारि पलिओ-वमाइं ठिई पण्णत्ता । से णं भंते ! कामदेवे ताओ देवलोगाओ आउ-क्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गमिहिइ, कहिं

उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (जाव सव्वदुक्खा०) ।। २४ ।। णिक्खेवो ।। **बीयं अज्झयणं समत्तं ।।**

चुलणीपिया णामं तइयं अज्झयणं

उक्खेवो तइयस्स अज्झयणस्स । एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी णामं णयरी (होत्था), कोट्ठए चेइए, जियसत्तू राया । तत्थ णं वाणारसीए णयरीए चुलणीपिया णामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे जाव अपरिभूए । सामा भारिया । अट्ठ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, अट्ठ वुड्ढिपउत्ताओ अट्ठ पवित्थरपउत्ताओ, अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं, जहा आणंदो राईसर जाव सव्वकज्जवड्ढावए यावि होत्था । सामी समोसड्ढे, परिसा णिग्गया, चुलणीपियावि जहा आणंदो तहा णिग्गओ, तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ । गोयमपुच्छा तहेव सेसं जहा कामदेवस्स जाव पोसहसालाए पोसहिए बम्भयारी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ।। २५ ।। तए णं तस्स चुलणीपियस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अंतियं पाउब्भूए । तए णं से देवे एगं (महं) णीलुप्पल जाव असिं गहाय चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया ! समणोवासया ! जहा कामदेवो जाव ण भंजसि तो ते अहं अज्ज जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मंससोल्ले करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि ।। २६ ।। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ । तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता दोच्चंपि तच्चंपि चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया ! समणोवासया ! तं चेव भणइ, सो जाव विहरइ । तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता आसुरुत्ते ५ चुलणीपियस्स समणोवासयस्स जेट्ठं पुत्तं गिहाओ णीणेइ, णीणेत्ता अग्गओ घाएइ, घाएत्ता तओ मंससोल्लए करेइ, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेइ, अद्दहेत्ता चुलणीपियस्स समणोवासयस्स गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचइ । तए

णं से चुलणीपिया समणोवासए तं उज्जलं जाव अहियासेइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता दोच्चंपि चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी—हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थियपत्थिया! जाव ण भंजसि तो ते अहं अज्ज मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, जहा जेट्ठं पुत्तं तहेव भणइ, तहेव करेइ। एवं तच्चं-पि कणीयसं जाव अहियासेइ ॥२७॥ तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता चउत्थं-पि चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी—"हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! अपत्थियपत्थिया ४ जइ णं तुमं जाव ण भंजसि तओ अहं अज्ज जा इमा तव माया भद्दा सत्थवाही देवयगुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया तं ते साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता तओ मंससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि"। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुलणीपियं समणोवासयं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता चुलणीपियं समणोवासयं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी—हं भो चुलणीपिया! समणोवासया! तहेव जाव ववरोविज्जसि। तए णं तस्स चुलणीपियस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ५—अहो णं इमे पुरिसे अणारिए अणारियबुद्धि अणारियाइं पावाइं कम्माइं समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेइ, णीणेत्ता मम अग्गओ घाएइ,घाएत्ता जहा कयं तहा चिंतेइ जाव गायं आयंचइ, जेणं ममं मज्झिमं पुत्तं साओ गिहाओ जाव सोणिएण य आयंचइ, जेणं ममं कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव आयंचइ, जाऽवि य णं इमा ममं माया भद्दा सत्थवाही देवयगुरुजणणी दुक्करदुक्करकारिया तंपि य णं इच्छइ साओ गिहाओ णीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उट्ठा(द्धा)इए, सेऽवि य आगासे उप्पइए, तेणं च खम्भे आसाइए, महया-महया सद्देणं कोलाहले कए। तए णं सा भद्दा सत्थवाही तं कोलाहलसद्दं सोच्चा णिसम्म जेणेव चुलणीपिया समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता

चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–किण्णं पुत्ता ! तुमं महया महया सद्देणं कोलाहले कए ? तए णं से चुलणीपिया समणोवासए अम्मयं भद्दं सत्थवाहिं एवं वयासी–एवं खलु अम्मो ! ण जाणामि, केवि पुरिसे आसुरुत्ते ५ एगं महं णीलुप्पल–जाव असिं गहाय ममं एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया ! समणोवासया ! अपत्थियपत्थिया ४ जइ णं तुमं जाव ववरोविज्जसि। (तए णं) अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव विहरमाणं पासइ, पासित्ता ममं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया ! समणोवासया ! तहेव जाव गायं आयंचइ। तए णं अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। एवं तहेव उच्चारेयव्वं सव्वं जाव कणीयसं जाव आयंचइ, अहं तं उज्जलं जाव अहियासेमि। तए णं से पुरिसे ममं अभीयं जाव पासइ, पासित्ता ममं चउत्थंपि एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया ! समणोवासया ! अपत्थियपत्थिया जाव ण भंजसि तो ते अज्ज जा इमा माया देवयगुरु जाव ववरोविज्जसि। तए णं अहं तेणं पुरिसेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरामि। तए णं से पुरिसे दोच्चंपि तच्चंपि ममं एवं वयासी–हं भो चुलणीपिया समणोवासया ! अज्ज जाव ववरोविज्जसि। तए णं तेणं पुरिसेणं दोच्चंपि तच्चंपि ममं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ५–अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ तहेव जाव कणीयसं जाव आयंचइ, तुब्भेऽवि य णं इच्छइ साओ गिहाओ णीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए, सेऽवि य आगासे उप्पइए, मएऽवि य खम्भे आसाइए, महया महया सद्देणं कोलाहले कए ॥ २८ ॥ तए णं सा भद्दा सत्थवाही चुलणीपियं समणोवासयं एवं वयासी–णो खलु केइ पुरिसे तव जाव कणीयसं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेइ, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएइ, एस णं केइ पुरिसे तव उवसग्गं करेइ, एस णं तुमे विदरिसणे दिट्ठे, तं णं तुमं इयाणिं भग्गव्वए भग्गणियमे भग्गपोसहे विहरसि, तं णं तुमं पुत्ता ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए अम्मगाए भद्दाए सत्थवाहीए तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव पडिवज्जइ ॥ २९ ॥ तए णं से चुलणी-

पिया समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, पढमं उवासगपडिमं अहासुत्तं जहा आणंदो जाव एक्कारसवि। तए णं से चुलणीपिया समणोवासए तेणं उरालेणं जहा कामदेवो जाव सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसगस्स महाविमाणस्स उत्तरपुरत्थिमेणं अरुणप्पभे विमाणे देवत्ताए उववण्णे। चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ५ ॥३०॥ णिक्खेवो।

॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥

सुरादेवे णामं चउत्थं अज्झयणं

उवखेवओ चउत्थस्स अज्झयणस्स। एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी णामं णयरी। कोट्ठए चेइए। जियसत्तू राया। सुरादेवे गाहावई, अड्ढे (जाव अपरिभूए)। छ हिरण्णकोडीओ जाव छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। धण्णा भारिया। सामी समोसढे। जहा आणंदो तहेव पडिवज्जइ गिहिधम्मं। जहा कामदेवो जाव समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ ॥ ३१ ॥ तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था। से देवे एगं महं णीलुप्पल जाव असिं गहाय सुरादेवं समणोवासयं एवं वयासी—हं भो सुरादेवा समणोवासया ! अपत्थियपत्थिया ४ जइ णं तुमं सीलाइं जाव ण भंजसि तो ते जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता पंच मंस सोल्लए करेमि, (२ त्ता) आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि, जहा णं तुमं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि। एवं मज्झिमयं, कणीयसं, एक्केक्के पंच सोल्लया, तहेव करेइ, जहा चुलणीपियस्स, णवरं एक्केक्के पंच सोल्लया। तए णं से देवे सुरादेवं समणोवासयं चउत्थं पि एवं वयासी—हं भो सुरादेवा ! समणोवासया ! अपत्थियपत्थिया ४ जाव ण परिच्चय(भंज)सि तो ते अज्ज सरीरंसि जमगसमगमेव सोलस रोगायंके पक्खिवामि, तंजहा—सासे, कासे जाव कोढे, जहा णं तुमं अट्टदुहट्ट जाव ववरोविज्जसि। तए णं से सुरादेवे समणोवासए जाव विहरइ। एवं देवो दोच्चंपि तच्चंपि भणइ जाव ववरोविज्जसि ॥ ३२ ॥

तए णं तस्स सुरादेवस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ (समु०)—अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जाव समायरइ, जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं जाव कणीयसं जाव आयचइ, जेऽवि य इमे सोलस रोगायंका तेऽवि य इच्छइ मम सरीरगंसि पक्खिवित्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए । सेऽवि य आगासे उप्पइए, तेण य खम्भे आसाइए, महया-महया सद्देणं कोलाहले कए ।। ३३ ।। तए णं सा धण्णा भारिया कोलाहलं सोच्चा णिसम्म जेणेव सुरादेवे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता एवं वयासी—किण्णं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं महया-महया सद्देणं कोलाहले कए ? तए णं से सुरादेवे समणोवासए धण्णं भारियं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिए ! केऽवि पुरिसे तहेव कहेइ जहा चुलणीपिया । धण्णाऽवि पडिभणइ—जाव कणीयसं, णो खलु देवाणुप्पिया ! तुब्भं केऽवि पुरिसे सरीरंसि जमगसमगं सोलस रोगायंके पक्खिवइ, एस णं केऽवि पुरिसे तुब्भं उवसग्गं करेइ, सेसं जहा चुलणीपियस्स तहा भणइ । एवं सेसं जहा चुलणीपियस्स णिरवसेसं जाव सोहम्मे कप्पे अरुणकंते विमाणे उववण्णे । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई, महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ५ ।।३४।। णिक्खेवो ।।

।। चउत्थं अज्झयणं समत्तं ।।

चुल्लसयए णामं पंचमं अज्झयणं

उक्खेवो पंचमस्स । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं आलभिया णामं णयरी । संखवणे उज्जाणे । जियसत्तू राया । चुल्लसयए गाहावई (परिवसइ), अड्ढे जाव छ हिरण्णकोडीओ जाव छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । बहुला भारिया । सामी समोसढे । जहा आणंदो तहा (धम्मं सोच्चा) गिहिधम्मं पडिवज्जइ, सेसं जहा कामदेवो जाव धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ।। ३५ ।। तए णं तस्स चुल्लसयगस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एगे देवे अंतियं जाव असिं गहाय एवं वयासी—हं भो चुल्लसयगा समणोवासया ! जाव ण भंजसि तो ते अज्ज जेट्ठं पुत्तं साओ गिहाओ णीणेमि, एवं जहा चुलणीपियं, णवरं एक्केक्के सत्त मंससोल्लया जाव कणीयसं जाव आयं-

चामि। तए णं से चुल्लसयए समणोवासए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुल्लसयगं समणोवासयं चउत्थंपि एवं वयासी—हं भो चुल्लसयगा! समणोवासया! जाव ण भंजसि तो ते अज्ज जाओ इमाओ छ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, छ वुड्ढिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ ताओ साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता आलभियाए णयरीए सिंघाडग जाव पहेसु सव्वओ समंता विप्पइरामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्टवसट्टे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविज्जसि ॥ ३६ ॥ तए णं से चुल्लसयए समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे चुल्लसयगं समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता दोच्चंपि तच्चंपि तहेव भणइ जाव ववरोविज्जसि। तए णं तस्स चुल्लसयगस्स तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्तस्स समाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए ५ 'अहो णं इमे पुरिसे अणारिए जहा चुलणीपिया तहा चिंतेइ जाव कणीयसं जाव आयंचइ, जाओऽवि य णं इमाओ ममं छ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ छ वुड्ढिपउत्ताओ छ पवित्थरपउत्ताओ ताओऽवि य णं इच्छइ ममं साओ गिहाओ णीणेत्ता आलभियाए णयरीए सिंघाडग—जाव विप्पइरित्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए त्तिकट्टु उद्धाइए जहा सुरादेवो तहेव भारिया पुच्छइ तहेव कहेइ। सेसं जहा चुलणीपियस्स जाव सोहम्मे कप्पे अरुणसिट्ठे विमाणे उववण्णे, चत्तारि पलिओवमाइं ठिई। सेसं तहेव जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ [५] ॥ ३७ ॥ णिक्खेवो ॥

॥ पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥

कुण्डकोलिए णामं छट्ठं अज्झयणं

छट्ठस्स उक्खेवओ। एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं कंपिल्लपुरे णयरे। सहसम्बवणे उज्जाणे। जियसत्तू राया। कुण्डकोलिए गाहावई। पूसा भारिया। छ हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, छ वुड्ढिपउत्ताओ, छ पवित्थरपउत्ताओ, छ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं। सामी समोसढे। जहा कामदेवो तहा सावयधम्मं पडिवज्जइ। सच्चेव वत्तव्वया जाव पडिलाभेमाणे विहरइ ॥ ३८ ॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए अण्णया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जेणेव पुढविसिलापट्टए तेणेव उवागच्छइ, उवा-

गच्छित्ता णाममुद्दगं च उत्तरिज्जगं च पुढवीसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ॥ ३९ ॥ तए णं तस्स कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था । तए णं से देवे णाममुद्दगं च उत्तरियं च पुढविसिलापट्टयाओ गेण्हइ, २ त्ता सखिंखिणि० अंतलिक्खपडिवण्णे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी–हं भो कुण्डकोलिया समणोवासया ! सुंदरी णं देवाणुप्पिया ! गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, णत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, णियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती, अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा, अणियया सव्वभावा ॥ ४० ॥ तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी–जइ णं देवा० ! सुंदरी गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती–णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव णियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती–अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तुमे णं देवा० ! इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवज्जुई दिव्वे देवाणुभावे किणा लद्धे, किणा पत्ते, किणा अभिसमण्णागए, किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेणं, उदाहु अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं ? तए णं से देवे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए इमेयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया । तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए तं देवं एवं वयासी–जइ णं देवा ! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया, जेसि णं जीवाणं णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, ते किं ण देवा ? अह णं देवा० ! तुमे इमा एयारूवा दिव्वा देविड्ढी ३ उट्ठाणेणं जाव परक्कमेणं लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया, तो जं वदसि–सुंदरी णं गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स धम्मपण्णत्ती, णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव णियया सव्वभावा, मंगुली णं समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ती–अत्थि उट्ठाणे इ वा जाव अणियया सव्वभावा, तं ते मिच्छा । तए णं से देवे कुण्डकोलिएणं समणोवासएणं एवं वुत्ते समाणे संकिए जाव कलुससमावण्णे णो संचाएइ कुण्डकोलियस्स समणोवास-

यस्स किंचि पामोक्खमाइक्खित्तए, णाममुद्दयं च उत्तरिज्जयं च पुढविसिलापट्टए ठवेइ, ठवेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे। तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे हट्ठ(तुट्ठे)जहा कामदेवो तहा णिग्गच्छइ जाव पज्जुवासइ। धम्मकहा ॥४१॥ 'कुण्डकोलियाइ! से समणे भगवं महावीरे कुण्डकोलियं समणोवासयं एवं वयासी—से णूणं कुण्डकोलिया! कल्लं तुब्भं पुव्वावरण्हकालसमयंसि असोग-वणियाए एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे णाममुद्दं च तहेव जाव पडिगए। से णूणं कुण्डकोलिया! अट्ठे समट्ठे? हंता अत्थि। तं धण्णे सि णं तुमं कुण्डकोलिया! जहा कामदेवो। 'अज्जोइ'! समणे भगवं महावीरे समणे णिग्गंथे य णिग्गंथीओ य आमंतित्ता एवं वयासी—जइ ताव अज्जो! गिहिणो गिहिमज्झावसंता णं अण्णउत्थिए अट्ठेहि य हेऊहि य पसिणेहि य कारणेहि य वागरणेहि य णिप्पट्ठपसिणवागरणे करेंति, सक्का पुणाइं अज्जो! समणेहिं णिग्गंथेहिं दुवालसंगं गणिपिडगं अहिज्जमाणेहिं अण्णउत्थिया अट्ठेहि य जाव णिप्पट्ठपसिणवागरणा करित्तए। तए णं समणा णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति। तए णं से कुण्डकोलिए समणोवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता पसिणाइं पुच्छइ, पुच्छित्ता अट्ठमादियइ, २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए। सामी बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥४२॥ तए णं तस्स कुण्डकोलियस्स समणोवासयस्स बहूहिं सील जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छराइं विइक्कंताइं, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्ट-माणस्स अण्णया कयाइ जहा कामदेवो तहा जेट्ठपुत्तं ठवेत्ता तहा पोसहसालाए जाव धम्मपण्णत्तिं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। एवं एक्कारस उवासगपडिमाओ, तहेव जाव सोहम्मे कप्पे अरुणज्झए विमाणे जाव अंतं काहिइ ॥४३॥ णिक्खेवो।

॥ छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥

सद्दालपुत्ते णामं सत्तमं अज्झयणं

सत्तमस्स उक्खेवो। पोलासपुरे णामं णयरे। सहस्संबवणे उज्जाणे। जिय-सत्तू राया। तत्थ णं पोलासपुरे णयरे सद्दालपुत्ते णामं कुंभकारे आजीविओ-

वासए परिवसइ, आजीवियसमयंसि लद्धट्ठे गहियट्ठे पुच्छियट्ठे विणिच्छियट्ठे अभिगयट्ठे अट्ठिमिंजपेमाणुरागरत्ते य, अयमाउसो ! आजीवियसमए अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठेत्ति आजीवियसमएणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एक्का हिरण्णकोडी णिहाणपउत्ता, एक्का वुड्ढिपउत्ता, एक्का पवित्थरपउत्ता, एक्के वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासयस्स अग्गिमित्ता णामं भारिया होत्था। तस्स णं सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पोलासपुरस्स णयरस्स बहिया पंच कुम्भकारावणसया होत्था। तत्थ णं बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं बहवे करए य वारए य पिहडए य घडए य अद्धघडए य कलसए य अलिंजरए य जम्बूलए य उट्टियाओ य करेंति। अण्णे य से बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं तेहिं बहूहिं करएहि य जाव उट्टियाहि य रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति ॥ ४४ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अण्णया कयाइ पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स अंतियं धम्मपण्णत्तिं उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवण्णे सखिंखिणियाइं जाव परिहिए सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी—एहिइ णं देवाणुप्पिया ! कल्लं इहं महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणधरे तीयपडुप्पण्णमणागयजाणए अरहा जिणे केवली सव्वण्णू सव्वदरिसी तेलोक्कवहियमहियपूइए सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स अच्चणिज्जे (पूयणिज्जे) वंदणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्माणणिज्जे कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं जाव पज्जुवासणिज्जे तच्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, तं णं तुमं वंदेज्जाहि जाव पज्जुवासेज्जाहि, पाडिहारिएणं पीढफलगसिज्जासंथारएणं उवणिमंतेज्जाहि, दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयइ वइत्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ॥४५॥ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तेणं देवेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे—'एवं खलु ममं धम्मायरिए धम्मोवएसए गोसाले मंखलिपुत्ते, से णं महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसंपयासम्पउत्ते, से णं कल्लं इहं

हव्यमागच्छिस्सइ । तए णं तं अहं वंदिस्सामि जाव पज्जुवासिस्सामि, पाडिहारिएणं जाव उवणिमंतिस्सामि' ॥ ४६ ॥ तए णं कल्लं जाव जलंते समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए । परिसा णिग्गया जाव पज्जुवासइ । तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे–'एवं खलु समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं, वंदामि जाव पज्जुवासामि' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता ण्हाए जाव पायच्छित्ते सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे मणुस्सवग्गुरापरिगए साओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, २ त्ता पोलासपुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव सहस्सम्बवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जाव पज्जुवासइ ॥ ४७ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तीसे य महइ जाव धम्मकहा समत्ता । 'सद्दालपुत्ता' इ ! समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासय एवं वयासी–'से णूणं सद्दालपुत्ता ! कल्लं तुमं पुव्वावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवणिया जाव विहरसि । तए णं तुब्भं एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था । तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवण्णे एवं वयासी–हं भो सद्दालपुत्ता ! तं चेव सव्वं जाव पज्जुवासिस्सामि' । से णूण सद्दालपुत्ता ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । (तं) णो खलु सद्दालपुत्ता । तेणं देवेणं गोसालं मंखलिपुत्तं पणिहाय एवं वुत्ते । तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासयस्स समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्तस्स समाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'एस णं समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव तच्चकम्मसम्पयासम्पउत्ते, तं सेयं खलु ममं समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता पाडिहारिएणं पीढफलग जाव उवणिमंतित्तए' एवं सम्पेहेइ संपेहित्ता उट्ठाए उट्ठेइ, उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एव वयासी–'एवं खलु भंते ! ममं पोलासपुरस्स णयरस्स बहिया पंच कुम्भकारावणसया । तत्थ णं तुब्भे पाडिहारियं पीढ जाव संथारयं ओगिण्हित्ताणं विहरइ' । तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स पंचकुम्भ-

कारावणसएसु फासुएसणिज्जं पाडिहारियं पीढफलग–जाव संथारयं ओगिण्हि-त्ताणं विहरइ ॥ ४८ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए अण्णया कयाइ वायाहययं कोलालभण्डं अंतो सालाहितो बहिया णीणेइ, णीणेत्ता आयवंसि दलयइ । तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी–'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे कओ?' तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–एस णं भंते! पुव्विं मट्टिया आसी, तओ पच्छा उदएणं णि(मि)गिज्जइ, २ त्ता छारेण य करिसेण य एगयओ मीसिज्जइ, २ त्ता चक्के आरोहिज्जइ, तओ बहवे करगा य जाव उट्टियाओ य कज्जंति । तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तं आजीविओ-वासयं एवं वयासी–'सद्दालपुत्ता! एस णं कोलालभण्डे किं उट्ठाणेणं जाव पुरि-सक्कारपरक्कमेणं कज्जति, उदाहु अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं कज्जति? तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–' भंते! अणुट्ठाणेणं जाव अपुरिसक्कारपरक्कमेणं णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा, णियया सव्वभावा' ॥ ४९ ॥ तए णं समणे भगवं महा-वीरे सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं एवं वयासी–'सद्दालपुत्ता! जइ णं तुब्भं केइ पुरिसे वायाहयं वा पक्केल्लयं वा कोलालभण्डं अवहरेज्जा वा विक्खिरेज्जा वा भिंदेज्जा वा अच्छिंदेज्जा वा परिट्ठवेज्जा वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरेज्जा, तस्स णं तुमं पुरिसस्स किं दण्डं वत्तेज्जासि?' भंते! अहं णं तं पुरिसं आओसेज्जा वा हणेज्जा वा बंधिज्जा वा महेज्जा वा तज्जेज्जा वा तालेज्जा वा णिच्छोडेज्जा वा णिब्भच्छेज्जा वा अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेज्जा । सद्दालपुत्ता! णो खलु तुब्भ केइ पुरिसे वायाहयं वा पक्केल्लयं वा कोलालभण्डं अवहरइ वा जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा भारियाए सद्धिं विउ-लाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, णो वा तुमं तं पुरिसं आओसेज्जसि वा हणेज्जसि वा जाव अकाले चेव जीवियाओ ववरोवेज्जसि, जइ णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव परक्कमे इ वा णियया सव्वभावा । अहं णं तुब्भं केइ पुरिसे वायाहयं जाव परिट्ठवेइ वा, अग्गिमित्ताए वा जाव विहरइ, तुमं वा तं पुरिसं आओसेसि वा जाव ववरोवेसि, तो जं वदसि णत्थि उट्ठाणे इ वा जाव णियया सव्व-

भावा तं ते मिच्छा। एत्थ णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए सम्बुद्धे ॥५०॥ तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–'इच्छामि णं भंते! तुब्भं अंतिए धम्मं णिसामेत्तए'। तए णं समणे भगवं महावीरे सद्दालपुत्तस्स आजीविओवासगस्स तीसे य जाव धम्मं परिकहेइ। तए णं से सद्दालपुत्ते आजीविओवासए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए जहा आणंदो तहा गिहिधम्मं पडिवज्जइ। णवरं एगा हिरण्णकोडी णिहाणपउत्ता, एगा हिरण्णकोडी वुड्ढिपउत्ता, एगा हिरण्णकोडी पवित्थरपउत्ता, एगे वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं, जाव समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता जेणेव पोलासपुरे णयरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता पोलासपुरं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव अग्गिमित्ता भारिया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता अग्गिमित्तं भारियं एवं वयासी–'एवं खलु देवाणुप्पिए! समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे, तं गच्छाहि णं तुमं समणं भगवं महावीरं वंदाहि जाव पज्जुवासाहि, समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जाहि' ॥५१॥ तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया सद्दालपुत्तस्स समणोवासगस्स 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ, सद्दावित्ता एवं वयासी–'खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! लहुकरणजुत्तजोइयं समखुरवालिहाणसमलिहियसिंगएहिं जम्बूणयामयकलावजोत्तपइविसिट्ठएहिं रययामयघण्टसुत्तरज्जुगवरकंचणखइयणत्थापग्गहोग्गहियएहिं णीलुप्पलकयामेलएहिं पवरगोणजुवाणएहिं णाणामणिकणगघण्टियाजालपरिगयं सुजायजुगजुत्तउज्जुगपसत्थसुविरइयणिम्मियं पवरलक्खणोववेयं जुत्तामेव धम्मियं जाणप्पवरं उवट्ठवेह, उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह'। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति ॥५२॥ तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया ण्हाया जाव पायच्छित्ता सुद्धप्पावेसाइं जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा धम्मियं जाणप्पवरं दुरुहइ, दुरुहित्ता पोलासपुरं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव सहस्सम्बवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ, पच्चोरुहित्ता

चेडियाचक्कवालपरिवुडा जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता तिक्खुत्तो जाव वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे जाव पंजलिउडा ठिइया चेव पज्जुवासइ ॥५३॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अग्गिमित्ताए तीसे य जाव धम्मं कहेइ। तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी–'सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं जाव से जहेयं तुब्भे वयह, जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव पव्वइया णो खलु अहं तहा संचाएमि देवाणुप्पियाणं अंतिए मुण्डा भवित्ता जाव अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि'। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह। तए णं सा अग्गिमित्ता भारिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहि(सावग)धम्मं पडिवज्जइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता तमेव धम्मियं जाणप्पवरं दुरुहइ, दुरुहित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ पोलासपुराओ णयराओ सहस्संबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥५४॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे–'एवं खलु सद्दालपुत्ते आजीवियसमयं वमित्ता समणाणं णिग्गंथाणं दिट्ठिं पडिवण्णे, तं गच्छामि णं सद्दालपुत्तं आजीविओवासयं समणाणं णिग्गंथाणं दिट्ठिं वामेत्ता पुणरवि आजीवियदिट्ठिं गेण्हावित्तए' त्तिकट्टु एवं संपेहेइ, संपेहित्ता आजीवियसंघसंपरिवुडे जेणेव पोलासपुरे णयरे जेणेव आजीवियसभा तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता आजीवियसभाए भण्डगणिक्खेवं करेइ, करेत्ता कइवएहिं आजीविएहिं सद्धिं जेणेव सद्दालपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मंखलिपुत्तं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता णो आढाइ, णो परिजाणइ, अणाढायमाणे अपरिजाणमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ ॥५५॥ तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तेणं समणोवासएणं अणाढाइज्जमाणे अपरिजाणिज्जमाणे पीढफलगसिज्जासंथारट्ठयाए समणस्स भगवओ महावीरस्स गुणकित्तणं करेमाणे सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी–

'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महामाहणे ?' तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–'के णं देवाणुप्पिया ! महामाहणे ?' तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी–'समणे भगवं महावीरे महामाहणे'। 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महामाहणे ?' 'एवं खलु सद्दालपुत्ता ! समणे भगवं महावीरे महामाहणे उप्पण्णणाणदंसणधरे जाव महियपूइए जाव तच्चकम्मसम्पयासंपउत्ते, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महामाहणे'। 'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महागोवे ?' 'के णं देवाणुप्पिया ! महागोवे ?' 'समणे भगवं महावीरे महागोवे' 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! जाव महागोवे ?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे णस्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्पमाणे धम्ममएणं दण्डेणं सारक्खमाणे संगोवेमाणे णिव्वाणमहावाडं साहत्थि सम्पावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महागोवे'। 'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महासत्थवाहे ?' 'के णं देवाणुप्पिया ! महासत्थवाहे ?' सद्दालपुत्ता ! समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे' 'से केणट्ठेणं (देवाणु० महासत्थवाहे) ?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे संसाराडवीए बहवे जीवे णस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे (उम्मग्गपडिवण्णे) धम्ममएणं पंथेणं सारक्खमाणे निव्वाणमहापट्टणाभिमुहे साहत्थि संपावेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महासत्थवाहे'। 'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महाधम्मकही ?' 'के णं देवाणुप्पिया ! महाधम्मकही ?' 'समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही' 'से केणट्ठेणं समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही ?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे महइमहालयंसि संसारंसि बहवे जीवे णस्समाणे विणस्समाणे खज्जमाणे छिज्जमाणे भिज्जमाणे लुप्पमाणे विलुप्पमाणे उम्मग्गपडिवण्णे सप्पहविप्पणट्ठे मिच्छत्तबलाभिभूए अट्ठविहकम्मतमपडलपडिच्छण्णे बहूहिं अट्ठेहि य जाव वागरणेहि य चाउरंताओ संसारकंताराओ साहत्थि णित्थारेइ, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महाधम्मकही'। 'आगए णं देवाणुप्पिया ! इहं महाणिज्जामए ?' से के णं

देवाणुप्पिया ! महाणिज्जामए ?' 'समणे भगवं महावीरे महाणिज्जामए'। 'से केणट्ठेणं०?' 'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे संसारमहासमुद्दे बहवे जीवे णस्समाणे विणस्समाणे जाव विलुप्पमाणे बुड्डमाणे णिबुड्डमाणे उप्पियमाणे धम्ममईए णावाए णिव्वाणतीराभिमुहे साहत्थि संपावेइ, से तेणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे महाणिज्जामए' ॥ ५६ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–'तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! इयच्छेया जाव इयणिउणा इयणयवादी इयउवएसलद्धा इयविण्णाणपत्ता, पभू णं तुब्भे मम धम्मायरिएणं धम्मोवएसएणं समणेणं भगवया महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए ?' 'णो इणट्ठे समट्ठे'। 'से केणट्ठेणं देवाणुप्पिया ! एवं वुच्चइ–णो खलु पभू तुब्भे मम धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए ?' 'सद्दालपुत्ता ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जुगवं जाव णिउणसिप्पोवगए एगं महं अयं वा एलयं वा सूयरं वा कुक्कुडं वा तित्तिरं वा वट्टयं वा लावयं वा कवोयं वा कविंजलं वा वायसं वा सेणयं वा हत्थंसि वा पायंसि वा खुरंसि वा पुच्छंसि वा पिच्छंसि वा सिंगंसि वा विसाणंसि वा रोमंसि वा जहिं-जहिं गिण्हइ तहिं-तहिं णिच्चलं णिप्फंदं धरेइ, एवामेव समणे भगवं महावीरे ममं बहूहिं अट्ठेहि य हेऊहि य जाव वागरणेहि य जहिं-जहिं गिण्हइ तहिं-तहिं णिप्पट्ठपसिणवागरणं करेइ, से तेणट्ठेणं सद्दालपुत्ता ! एवं वुच्चइ–णो खलु पभू अहं तव धम्मायरिएणं जाव महावीरेणं सद्धिं विवादं करेत्तए' ॥ ५७ ॥ तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए गोसालं मंखलिपुत्तं एवं वयासी–'जम्हा णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे मम धम्मायरियस्स जाव महावीरस्स संतेहिं तच्चेहिं तहिएहिं सब्भूएहिं भावेहिं गुणकित्तणं करेह तम्हा णं अहं तुब्भे पाडिहारिएणं पीढ जाव संथारएणं उवणिमंतेमि, णो चेव णं धम्मोत्ति वा तवोत्ति वा, तं गच्छह णं तुब्भे मम कुम्भारावणेसु पाडिहारियं पीढफलग जाव ओगिण्हित्ताणं विहरह'। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता कुम्भारावणेसु पाडिहारियं पीढ जाव ओगिण्हित्ता णं विहरइ। तए णं से गोसाले मंखलिपुत्ते सद्दालपुत्तं समणोवासयं जाहे णो संचाएइ बहूहिं आघवणाहि य पण्णवणाहि य सण्णवणाहि य विण-

वणाहि यं णिग्गन्थाओ पावयणाओ चालित्तए वा खोभित्तए वा विपरिणामित्तए वा ताहे संते तंते परितंते पोलासपुराओ णयराओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ५८ ॥ तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स बहूहिं सील०जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छरा वीइक्कंता, पण्णरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्टमाणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले जाव पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मपण्णत्ति उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भवित्था। तए णं से देवे एगं महं णीलुप्पल-जाव असिं गहाय सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी–जहा चुलणीपियस्स तहेव देवो उवसग्गं करेइ, णवरं एक्केक्के पुत्ते णव मंससोल्लए करेइ जाव कणीयसं घाएइ, घाइत्ता जाव आयञ्चइ। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे सद्दालपुत्तं समणोवासयं अभीयं जाव पासित्ता चउत्थंपि सद्दालपुत्तं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो सद्दालपुत्ता! समणोवासया! अपत्थियपत्थिया जाव ण भंजसि तओ ते जा इमा अग्गिमित्ता भारिया धम्मसहाइया धम्मविइज्जिया धम्माणुरागरत्ता समसुहदुक्खसहाइया तं साओ गिहाओ णीणेमि, णीणेत्ता तव अग्गओ घाएमि, घाएत्ता णव मंससोल्लए करेमि, करेत्ता आदाणभरियंसि कडाहयंसि अद्दहेमि, अद्दहेत्ता तव गायं मंसेण य सोणिएण य आयंचामि, जहा णं तुमं अट्टदुहट्ट जाव ववरोविज्जसि'। तए णं से सद्दालपुत्ते समणोवासए तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे अभीए जाव विहरइ। तए णं से देवे सद्दालपुत्तं समणोवासयं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वयासी–'हं भो सद्दालपुत्ता! समणोवासया! तं चेव भणइ। तए णं तस्स सद्दालपुत्तस्स समणोवासयस्स तेणं देवेणं दोच्चं-पि तच्चं-पि एवं वुत्तस्स समाणस्स अयं अज्झत्थिए ४ समुप्प(ज्जित्था)ण्णे। एवं जहा चुलणीपिया तहेव चिंतेइ–'जेणं ममं जेट्ठं पुत्तं, जेणं ममं मज्झिमयं पुत्तं, जेणं ममं कणीयसं पुत्तं जाव आयञ्चइ, जाऽवि य णं ममं इमा अग्गिमित्ता भारिया समसुहदुक्खसहाइया तं-पि य इच्छइ साओ गिहाओ णीणेत्ता मम अग्गओ घाएत्तए, तं सेयं खलु ममं एयं पुरिसं गिण्हित्तए' त्ति-कट्टु उद्धाइए जहा चुलणीपिया तहेव सव्वं भाणियव्वं, णवरं अग्गिमित्ता भारिया कोलाहलं सुणित्ता

भणइ, सेसं जहा चुलणिपिया वत्तव्वया, णवरं अरुणभूए विमाणे उववण्णे, जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (५) ॥ ५९ ॥ णिक्खेवो ॥

॥ सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

महासयए णाम अट्ठमं अज्झयणं

अट्ठमस्स उक्खेवओ । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे । गुणसिलए चेइए । सेणिए राया । तत्थ णं रायगिहे महासयए णामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे–जहा आणन्दो । णवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ णिहाणपउत्ताओ, अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ वुड्ढिपउत्ताओ, अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ पवित्थरपउत्ताओ, अट्ठ वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । तस्स णं महासयगस्स रेवईपामोक्खाओ तेरस भारियाओ होत्था, अहीण जाव सुरूवाओ । तस्स णं महासयगस्स रेवईए भारियाए कोल(ह)घरियाओ अट्ठ हिरण्णकोडीओ, अट्ठ-वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था । अवसेसाणं दुवालसण्हं भारियाणं कोलघरिया एगमेगा हिरण्णकोडी, एगमेगे य वए दसगोसाहस्सिएणं वएणं होत्था ॥६०॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे । परिसा णिग्गया । जहा आणन्दो तहा णिग्गच्छइ, तहेव सावयधम्मं पडिवज्जइ । णवरं अट्ठ हिरण्णकोडीओ सकंसाओ उच्चारेइ, अट्ठ वया, रेवईपामोक्खाहिं तेरसहिं भारियाहिं अवसेसं मेहुणविहिं पच्चक्खाइ, सेसं सव्वं तहेव । इमं च णं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कल्लाकल्लिं च णं कप्पइ मे बे दोणियाए कंसपाईए हिरण्णभरियाए संववहरित्तए । तए णं से महासयए समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, तए णं समणे भगवं महावीरे बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥६१॥ तए णं तीसे रेवईए गाहावइणीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुम्ब जाव इमेयारूवे अज्झत्थिए ४–'एवं खलु अहं इमासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं विघाएणं णो संचाएमि महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उरालाइं माणुस्सयाइं भोगभोगाइं भुञ्जमाणी विहरित्तए, तं सेयं खलु ममं एयाओ दुवालस-वि सवत्तियाओ अग्गिप्पओगेणं वा सत्थप्पओगेणं वा विसप्पओगेणं वा जीवियाओ ववरोवित्ता, एयासिं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयमेव उवसम्पज्जित्ता णं महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं

उरालाइं जाव विहरित्तए ' एवं सम्पेहेइ, संपेहित्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अंतराणि य छिद्दाणि य विवराणि य पडिजागरमाणी विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी अण्णया कयाइ तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं अंतरं जाणित्ता छ सवत्तीओ सत्थप्पओगेणं उद्दवेइ, उद्दवेत्ता छ सवत्तीओ विसप्पओगेणं उद्दवेइ उद्दवेत्ता तासिं दुवालसण्हं सवत्तीणं कोलघरियं एगमेगं हिरण्णकोडिं एगमेगं वयं सयमेव पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता महासयएणं समणोवासएणं सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया जाव अज्झोववण्णा बहुविहेहिं मंसेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च महुं च मेरगं च मज्जं च सीधुं च पसण्णं च आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६२ ॥ तए णं रायगिहे णयरे अण्णया कयाइ अमाघाए घुट्ठे यावि होत्था । तएणं सा रेवई गाहावइणी मंसलोलुया मंसेसु मुच्छिया ४ कोलघरिए पुरिसे सद्दावेइ, सद्दावेत्ता एवं वयासी–'तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! मम कोलघरिएहिंतो वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए उद्दवेह, उद्दवेत्ता ममं उवणेह । तए णं ते कोलघरिया पुरिसा रेवईए गाहावइणीए 'तह'त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति, पडिसुणेत्ता रेवईए गाहावइणीए कोलघरिएहिंतो वएहिंतो कल्लाकल्लिं दुवे दुवे गोणपोयए वहेंति, वहेत्ता रेवईए गाहावइणीए उवणेंति । तए णं सा रेवई गाहावइणी तेहिं गोणमंसेहिं सोल्लेहि य सुरं च ६ आसाएमाणी ४ विहरइ ॥ ६३ ॥ तए णं तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स बहूहिं सील जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छरा वइक्कंता । एवं तहेव जेट्ठ पुत्तं ठवेइ जाव पोसहसालाए धम्मपण्णत्ति उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तए णं सा रेवई गाहावइणी मत्ता लुलिया विइण्णकेसी उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मोहुम्मायजणणाइं सिंगारियाइं इत्थिभावाइं उवदंसेमाणी २ महासययं समणोवासयं एवं वयासी–'हं भो महासयगा ! समणोवासया ! धम्मकामया पुण्णकामया सग्गकामया मोक्खकामया धम्मकंखिया ४ धम्मपिवासिया ४ किण्णं तुब्भं देवाणुप्पिया ! धम्मेण वा पुण्णेण वा सग्गेण वा मोक्खेण वा ? जण्णं तुमं मए सद्धिं उरालाइं जाव भुंजमाणे णो विहरसि ?' । तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए

एयमट्ठं णो आढाइ, णो परियाणाइ, अणाढायमाणे अपरियाणमाणे तुसिणीए धम्मज्झाणोवगए विहरइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासययं समणोवासयं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–'हं भो! तं चेव भणइ, सोऽवि तहेव जाव अणाढायमाणे अपरियाणमाणे विहरइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासयएणं समणोवासएणं अणाढाइज्जमाणी अपरियाणिज्जमाणी जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥६४॥ तए णं से महासयए समणोवासए पढमं उवासगपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। पढमं अहासुत्तं जाव एक्कारसऽवि। तए णं से महासयए समणोवासए तेणं उरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाए। तए णं तस्स महासययस्स समणोवासयस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयं अज्झत्थिए ४–'एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं जहा आणंदो तहेव अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं तस्स महासयगस्स समणोवासगस्स सुभेणं अज्झवसाणेणं जाव खओवसमेणं ओहिणाणे समुप्पण्णे। पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दे जोयणसाहस्सियं खेत्तं जाणइ पासइ, एवं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं जाव चुल्लहिमवंतं वासहरपव्वयं जाणइ पासइ, अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुयं णरयं चउरासीइवाससहस्सट्ठियं जाणइ पासइ ॥६५॥ तए णं सा रेवई गाहावइणी अण्णया कयाइ मत्ता जाव उत्तरिज्जयं विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता महासययं तहेव भणइ, जाव दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–'हं भो तहेव। तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ४ ओहिं पउंजइ, पउंजित्ता ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–'हं भो रेवई! अपत्थियपत्थिए! ४ एवं खलु तुमं अंतो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभिभूया समाणी अट्टदुहट्टवसट्टा असमाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा अहे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुए णरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिइएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववज्जिहिसि'। तए णं सा रेवई गाहावइणी महासयएणं समणोवासएणं एवं वुत्ता समाणी एवं वयासी–'रुट्ठे णं ममं महासयए समणोवासए, हीणे णं ममं महासयए समणोवासए अवज्झाया णं अहं महा-

सयएणं समणोवासएणं, ण णज्जइ णं अहं केणवि कुमारेणं मारिज्जिस्सामि' त्तिकट्टु भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया सणियं २ पच्चोसक्कइ, पच्चोसक्कित्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता ओहय० जाव झियाइ। तए णं सा रेवई गाहावइणी अंतो सत्तरत्तस्स अलसएणं वाहिणा अभिभूया अट्टदुहट्टवसट्टा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए लोलुयच्चुए णरए चउरासीइवाससहस्सट्ठिइएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णा ॥ ६६॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे, समोसरणं, जाव परिसा पडिगया। 'गोयमा'इ! समणे भगवं महावीरे एवं वयासी–'एवं खलु गोयमा! इहेव रायगिहे णयरे ममं अंतेवासी महासयए णामं समणोवासए पोसहसालाए अपच्छिममारणंतियसंलेहणाए झूसियसरीरे भत्तपाणपडियाइक्खिए कालं अणवकंखमाणे विहरइ। तए णं तस्स महासयगस्स रेवई गाहावइणी मत्ता जाव विकड्ढमाणी २ जेणेव पोसहसाला जेणेव महासयए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता मोहुम्माय जाव एवं वयासी–तहेव जाव दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी–तए णं से महासयए समणोवासए रेवईए गाहावइणीए दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते ४ ओहिं पउंजइ पउंजित्ता ओहिणा आभोएइ, आभोएत्ता रेवइं गाहावइणिं एवं वयासी–जाव 'उववज्जिहिसि'। णो खलु कप्पइ गोयमा! समणोवासगस्स अपच्छिम जाव झूसियसरीरस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो संतेहिं तच्चेहिं तहिएहिं सब्भूएहिं अणिट्ठेहिं अकंतेहिं अप्पिएहिं अमणुण्णेहिं अमणामेहिं वागरणेहिं वागरित्तए, तं गच्छ णं देवाणुप्पिया! तुमं महासययं समणोवासयं एवं वयाहि–णो खलु देवाणुप्पिया! कप्पइ समणोवासगस्स अपच्छिम–जाव भत्तपाणपडियाइक्खियस्स परो संतेहिं जाव वागरित्तए। तुमे य णं देवाणुप्पिया! रेवई गाहावइणी संतेहिं ४ अणिट्ठेहिं ५ वागरणेहिं वागरिया, तं णं तुमं एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव जहारिहं च पायच्छित्तं पडिवज्जाहि। तए णं से भगवं गोयमे समणस्स भगवओ महावीरस्स 'तह' त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसइ, अणुपविसित्ता जेणेव महासयगस्स समणोवासयस्स गिहे जेणेव महासयए समणोवासए तेणेव उवागच्छइ। तए णं से महासयए समणोवासए भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ, पासित्ता हट्ठ जाव हियए भगवं गोयमं वंदइ णमंसइ। तए णं से भगवं गोयमे महासययं

समणोवासयं एवं वयासी–'एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ भासइ पण्णवेइ परूवेइ–णो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! समणोवासगस्स अपच्छिम जाव वागरित्तए, तुमे णं देवाणुप्पिया ! रेवई गाहावइणी संतेहिं जाव वागरिया, तं णं तुमं देवाणुप्पिया ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि जाव पडिवज्जाहि'। तए णं से महासयए समणोवासए भगवओ गोयमस्स 'तह' त्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ, पडिसुणेत्ता तस्स ठाणस्स आलोएइ जाव अहारिहं च पायच्छित्तं पडिवज्जइ । तए णं से भगवं गोयमे महासयगस्स समणोवासयस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता रायगिहं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ, णिग्गच्छित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ, वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ, पडिणिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥ ६७ ॥ तए णं से महासयए समणोवासए बहूहिं सील-जाव भावेत्ता वीसं वासाइं समणोवासयपरियायं पाउणित्ता एक्कारस उवासगपडिमाओ सम्मं काएणं फासित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणवडिंसए विमाणे देवत्ताए उववण्णे । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई । महाविदेहेवासे सिज्झिहिइ ॥ ६८ ॥ णिक्खेवो ॥

॥ अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

णंदिणीपिया णामं णवमं अज्झयणं

णवमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णयरी । कोट्ठए चेइए जियसत्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए णंदिणीपिया णामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे । चत्तारि हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वुड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ, चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । अस्सिणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणंदो तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ । सामी बहिया विहरइ ।

तए णं से णंदिणीपिया समणोवासए जाए जावविहरइ । तए णं तस्स णंदिणीपियस्स समणोवासयस्स बहूहिं सीलव्वयगुण० जाव भावेमाणस्स चोद्दस संवच्छराइं वइक्कंताइं । तहेव जेट्ठं पुत्तं ठवेइ, धम्मपण्णत्ति, वीसं वासाइं परियागं, णाणत्तं अरुणगवे विमाणे उववाओ । महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ ६९ ॥ णिक्खेवो ॥ णवमं अज्झयणं समत्तं ॥

सालिहीपिया णामं दसमं अज्झयणं

दसमस्स उक्खेवो । एवं खलु जम्बू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी णयरी । कोट्ठए चेइए । जियसत्तू राया । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए सालिहीपिया णामं गाहावई परिवसइ । अड्ढे दित्ते । चत्तारि हिरण्णकोडीओ णिहाणपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ वुड्ढिपउत्ताओ, चत्तारि हिरण्णकोडीओ पवित्थरपउत्ताओ । चत्तारि वया दसगोसाहस्सिएणं वएणं । फग्गुणी भारिया । सामी समोसढे । जहा आणंदो तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ, जहा कामदेवो तहा जेट्ठं पुत्तं ठवेत्ता पोसहसालाए समणस्स भगवओ महावीरस्स धम्मपण्णत्ति उवसम्पज्जित्ताणं विहरइ । णवरं णिरुवसग्गाओ एक्कारस-वि उवासगपडिमाओ तहेव भाणियव्वाओ । एवं कामदेवगमेणं णेयव्वं जाव सोहम्मे कप्पे अरुणकीले विमाणे देवत्ताए उववण्णे । चत्तारि पलिओवमाइं ठिई, महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ ७० ॥ दसमं अज्झयणं समत्तं ॥

दसण्ह-वि पणरसमे संवच्छरे वट्टमाणाणं चिंता । दसण्ह-वि वीसं वासाइं समणोवासयपरियाओ । एवं खलु जम्बू ! समणेणं जाव सम्पत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७१ ॥ उवासगदसाओ समत्ताओ । उवासगदसाणं सत्तमस्स अंगस्स एगो सुयखंधो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिस्सिज्जंति तओ सुयखंधो समुद्दिस्सिज्जइ अणुण्णविज्जइ दोसु दिवसेसु अंगं तहेव ॥

॥ उवासगदसाओ समत्ताओ ॥

अंतगडदसाओ

पढमो वग्गो—पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी हो० व०, तत्थ णं चं० ण० उ० दि० ए० पुण्णभद्दे णा० चेइए हो० वण्णओ, ती० चं० ण० को० णा० रा० हो० म० हि० व०, तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मे थेरे जाव पं० अ० स० सं० पु० च० गा० दु० सु० वि० जे० चं० ण० जे० पु० चे० ते० समोसरिए परिसा णिग्गया जाव पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्ज० जंबू जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं भ० म० आइगरेणं जाव संपत्तेणं सत्तमस्स अंगस्स उवासगदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते अट्ठमस्स णं भंते! अंगस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अट्ठ वग्गा पण्णत्ता, जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अट्ठ वग्गा पण्णत्ता, पढमस्स णं भंते! वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—'गोयम-समुद्द-सागर-गंभीरे चेव होइ थिमिए य। अयले कंपिल्ले खलु अक्खोभ-पसेणई विण्हू ॥ १ ॥' जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता (तं० गो० जाव वि०) पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई णामं णयरी होत्था, दुवालसजोयणायामा णवजोयणवित्थिण्णा धणवइमइणिम्मया चामीकरपागारा णाणामणिपंचवण्णकविसीसगपरिमंडिया

सुरम्मा अलकापुरिसंकासा पमुदियपक्कीलिया पच्चक्खं देवलोगभूया पासाईया ४, तीसे णं बारवईणयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं रेवयए णामं पव्वए होत्था तत्थ णं रेवयए पव्वए णंदणवणे णामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, सुरप्पिए णामं जक्खाययणे होत्था, पोराणे सेणं एगेणं वणसंडेणं असोगवरपायवे, तत्थ णं बारवईए णयरीए कण्हे णामं वासुदेवे राया परिवसइ महया० रायवण्णओ, से णं तत्थ समुद्दविजयपामोक्खाणं दसण्हं दसाराणं बलदेवपामोक्खाणं पंचण्हं महावीराणं पज्जुण्णपामोक्खाणं अद्धट्ठाणं कुमारकोडीणं संबपामोक्खाणं सट्ठीए दुद्दंतसाहस्सीणं महासेणपामोक्खाणं छप्पण्णाए बलवागसाहस्सीणं वीरसेणपामोक्खाणं एगवीसाए वीरसाहस्सीणं उग्गसेणपामोक्खाणं सोलसण्हं रायसाहस्सीणं रुप्पिणीपामोक्खाणं सोलसण्हं देवीसाहस्सीणं अणंगसेणा पामोक्खाणं अणेगाणं गणिया साहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं ईसर जाव सत्थवाहाणं बारवईए णयरीए अद्धभरहस्स य समंतस्स आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए णयरीए अंधगवण्ही णामं राया परिवसइ महया० रायवण्णओ। तस्स णं अंधगवण्हिस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था वण्णओ। तए णं सा धारिणी देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि (एवं) जहा महब्बले 'सुमिणदंसणकहणा जम्मं बालत्तणं कलाओ य। जोव्वणपाणिग्गहणं (कंता) कण्णा पासायभोगा य ॥ १ ॥' णवरं गोयमो णामेणं अट्ठण्हं रायवरकण्णाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेंति अट्ठट्ठओ दाओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी आदिकरे जाव विहरइ चउव्विहा देवा आगया कण्हेवि णिग्गए, तए णं तस्स गोयमस्स कुमारस्स ० जहा मेहे तहा णिग्गए धम्मं सोच्चा (णि०) जं णवरं देवाणुप्पिया! अम्मापियरो आपुच्छामि देवाणुप्पियाणं० एवं जहा मेहे जाव अणगारे जाए इरिया समिए जाव इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ, तए णं से गोयमे अ० अण्णया कयाइं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणे विहरइ, तएणं (से) अरहा अरिट्ठणेमी अण्णया कयाइं बारवईओणयरीओ णंदणवणाओ उ० पडिणिक्खमइ (२ त्ता) बहिया जणवयविहारं विहरइ, तए णं से गोयमे अणगारे अण्णया कयाइं जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवा-

गच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, एवं जहा खंदओ तहा बारस भिक्खुपडिमाओ फासेइ० गुणरयणंपि तवोकम्मं तहेव फासेइ णिरवसेसं जहा खंदओ तहा चिंतेइ तहा आपुच्छइ तहा थेरेहिं सद्धिं सेत्तुंजं दुरूहइ मासियाए संलेहणाए बारस वरिसाइं परियाए जाव सिद्धे (५) ॥ १ ॥ एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं पढमस्स वग्गस्स पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते। एवं जहा गोयमो तहा सेसा वण्ही पिया धारिणी माया समुद्दे सागरे गंभीरे थिमिए अयले कंपिल्ले अक्खोभे पसेणई विण्हू एए एगगमा, पढमो वग्गो समत्तो ॥ २ ॥

दोच्चो वग्गो

जइ दोच्चस्स वग्गस्स० उक्खेवओ, तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए णयरीए वण्ही पिया धारिणी माया–अक्खोभसागरे खलु समुद्दहिमवंत-अ(य)-चलणामे य । धरणे य पूरणे वि य अभिचंदे चेव अट्ठमए ॥ १ ॥ जहा पढमे वग्गे तहा सव्वे अट्ठ अज्झयणा, गुणरयणं तवोकम्मं, सोलस वासाइं परियाओ, सेत्तुंजे मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धा० ॥३॥

तच्चो वग्गो

जइ तच्चस्स० उक्खेवओ एवं खलु जंबू ! (स० जाव सं० अ० अं०) तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं० अणीयसेणे अणंतसेणे अजियसेणे अणिहयरिउ देवसेणे सत्तुसेणे सारणे गए सुमुहे दुम्मुहे कूवए दारुए अणादिट्ठी । जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं० तच्चस्स वग्गस्स अंतगडदसाणं तेरस अज्झयणा प० (तं० अ० जाव अ०) तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स पढम-अज्झयणस्स अंतगडदसाणं० के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं भद्दिलपुरे णामं णयरे होत्था (रि०) वण्णओ, तस्स णं भद्दिलपुरस्स ण० उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए सिरिवणे णामं उज्जाणे होत्था वण्णओ, जियसत्तू राया, तत्थ णं भद्दिल-

पुरे णयरे णागे णामं गाहावई होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए, तस्स णं णागस्स गाहावइस्स सुलसा णामं भारिया होत्था सुकुमाला जाव सुरुवा, तस्स णं णागस्स गाहावइस्स पुत्ते सुलसाए भारियाए अत्तए अणीयसे णामं कुमारे होत्था सुमाले जाव सुरुवे पंचधाइपरिक्खित्ते तं०–खीरधाई [०] जहा दढपइण्णे जाव गिरि० सुहसुहेणं परिवड्ढइ, तए णं अणियसं कुमारं साइरेगअट्ठवासजायं अम्मापियरो कलायरिय० जाव भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए णं तं अणीयसं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जाणेत्ता अम्मापियरो सरिसियाणं जाव बत्तीसाए इब्भ-वरकण्णगाणं एगदिवसे पाणिं गेण्हावेंति, तए णं से णागे गाहावई अणीयसस्स कुमारस्स इमं एयारूवं पीइदाणं दलयइ तं०–बत्तीसं हिरण्णकोडीओ० जहा महाबलस्स जाव उप्पिं पासायवरगए फुट्ट० विहरइ, तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी जाव समोसढे सिरिवणे उज्जाणे अहा जाव विहरइ परिसा णिग्गया, तए णं तस्स अणीयसस्स कु० तं (म०) जहा गोयमे तहा णवरं सामाइयमाइयाइं चोद्दस-पुव्वाइं अहिज्जइ बीसं वासाइं परियाओ सेसं तहेव जाव सेत्तुंजे पव्वए मासियाए संलेहणाए जाव सिद्धे (५)। एवं खलु जंबू! समणेणं० अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स पढम-अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, एवं जहा अणीयसे एवं सेसा-वि अणंतसेणे जाव सत्तु-सेणे छ-अज्झयणा एगगमा बत्तीसओ दाओ वीसं वासा परियाओ चोद्दस पु० सेत्तुंजे जाव सिद्धा ॥ छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥ ४ ॥ (ज० णं० मं० उ० स०) तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए णयरीए जहा पढमे णवरं वसुदेवे राया धारिणी देवी सीहो सुमिणे सारणे कुमारे पण्णासओ दाओ चोद्दस पुव्वा वीसं वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुंजे सिद्धे ॥५॥ जइ० उक्खेवओ अट्ठमस्स एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए णयरीए जहा पढमे जाव अरहा अरिट्ठणेमी सामी समोसढे। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतेवासी छ अणगारा भायरो सहोदरा होत्था सरिसया सरित्तया सरिव्वया णीलुप्पलगवलगुलियअयसिकुसुमप्पगासा सिरिव-च्छंकियवच्छा कुसुमकुंडलभद्दलया णलकुब्बरसमाणा, तए णं ते छ अण-गारा जं चेव दिवसं मुंडा भवेत्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया तं चेव दिवसं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामो णं

भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठं छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं ते छ अणगारा अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरंति। तए णं ते छ अणगारा अण्णया कयाइं छट्ठक्खमणपारणयंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेंति जहा गोयमो जाव इच्छामो णं भंते ! छट्ठक्खमणस्स पारणए तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा तिहिं संघाडएहिं बारवईए णयरीए जाव अडित्तए ? अहा सुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं छ अणगारा अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाया समाणा अरहं अरिट्ठणेमिं वंदंति णमंसंति वं० २ त्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियाओ सहस्संबवणाओ० पडिणिक्खमंति २ त्ता तिहिं संघाडएहिं अतुरियं जाव अडंति। तत्थ णं एगे संघाडए बारवईए णयरीए उच्च-णीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे वसुदेव-स्स रण्णो देवईए देवीए गेहे अणुपविट्ठे। तए णं सा देवई देवी ते अणगारे एज्जमाणे पासइ पासित्ता हट्ठ जाव हियया आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठपयाइं (अ० २ त्ता) तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहकेसराणं मोय-गाणं थालं भरेइ ते अणगारे पडिलाभेइ ० वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता पडि-विसज्जेइ, तयाणंतरं च णं दोच्चं संघाडए बारवईए (ण०) उच्च० जाव पडिविसज्जेइ। तयाणंतरं च णं तच्चे संघाडए बारवईए णयरीए उच्च जाव पडिलाभेइ २ त्ता एवं वयासी–किण्णं देवाणुप्पिया ! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए णयरीए दु० णवजोयण० पच्चक्खदेवलोगभूयाए समणा णिग्गंथा उच्च जाव अडमाणा भत्तपाणं णो लभंति ? जण्णं ताइं चेव कुलाइं भत्तपाणाए भुज्जो २ अणुप्पविसंति ? तए णं ते अणगारा देवइं देविं एवं वयासी–णो खलु देवा० ! कण्हस्स वासुदेवस्स इमीसे बारवईए णयरीए जाव देवलोगभूयाए समणा णिग्गंथा उच्च जाव अडमाणा भत्तपाणं णो लभंति णो चेव णं ताइं-ताइं कुलाइं दोच्चंपि तच्चंपि भत्तपाणाए अणुप्पविसंति। एवं खलु देवाणुप्पिए! अम्हे भद्दिलपुरे णयरे णागस्स गाहावइस्स पुत्ता सुलसाए भारियाए अत्तया छ भायरो सहोदरा सरिसया० जाव णलकुब्बरसमाणा अरहओ अरिट्ठणेमिस्स

अंतिए धम्मं सोच्चा-संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणमरणाणं मुंडा जाव पव्वइया, तए णं अम्हे जं चेव दिवसं पव्वइया तं चेव दिवसं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामो णमंसामो वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हामो-इच्छामो णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणा जाव अहासुहं०। तए णं अम्हे अरहओ अ० अब्भणुण्णाया समाणा जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं जाव विहरामो, तं अम्हे अज्ज छट्ठक्खमणपारणयंसि पढमाए पोरिसीए जाव अडमाणा तव गेहं अणुप्पविट्ठा, तं णो खलु देवाणुप्पिए ! ते चेव णं अम्हे, अम्हे णं अण्णे देवइं देविं एवं वदंति २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया। तए णं तीसे देवईए देवीए अयमेयारूवे, अज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे, एवं खलु अहं पोलासपुरे णयरे अइमुत्तेणं कुमारसमणेणं बालत्तणे वागरिया तुमण्णं देवाणुप्पिए ! अट्ठ पुत्ते पयाइस्ससि सरिसए जाव णलकुब्बरसमाणे णो चेव णं भरहे वासे अण्णाओ अम्मयाओ तारिसए पुत्ते पयाइस्संति तं णं मिच्छा, इमं णं पच्चक्खमेव दिस्सइ भरहे वासे अण्णाओवि अम्मयाओ खलु एरिसए जाव पुत्ते पयायाओ, तं गच्छामि णं अरहं अरिट्ठणेमिं वंदामि ण० वं० २ त्ता इमं च णं एयारूवं वागरणं पुच्छिस्सामि तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसा सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-लहुकरणजाणप्पवरं० जाव उवट्ठवेंति, जहा देवाणंदा जाव पज्जुवासइ। तए णं अरहा अरिट्ठणेमी देवइं देविं एवं वयासी-से णूणं तव देवई ! इमे छ अणगारे पासेत्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए० एवं खलु अहं पोलासपुरे णयरे अइमुत्तेणं तं चेव जाव णिग्गच्छसि २ त्ता जेणेव ममं अंतियं हव्वमागया से णूणं देवई ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि। एवं खलु देवाणुप्पिए ! तेणं कालेणं तेणं समएणं भद्दिलपुरे णयरे णागे णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे० तस्स णं णागस्स गाहावइस्स सुलसा णामं भारिया होत्था, सा सुलसा गाहावइणी बालत्तणे चेव णिमित्तिए वागरिया-एस णं दारिगा णिंदू भविस्सइ, तए णं सा सुलसा बालप्पभिइं चेव हरिणगमेसी देव भत्ता यावि होत्था, हरिणगमेसिस्स पडिमं करेइ २ त्ता कल्लाकल्लिं ण्हाया जाव पायच्छित्ता उल्लपडसाडया महरिहं पुप्फच्चणं करेइ २ त्ता जाणु पायपडिया पणामं करेइ, तओ पच्छा आहारेइ वा णीहारेइ वा (वरइ वा)। तए णं तीसे सुलसाए गाहावइणीए भत्तिबहुमाणसुस्सूसाए हरिणेगमेसीदेवे आराहिए यावि होत्था। तए णं से हरि-

णेगमेसी देवे सुलसाए गाहावइणीए अणुकंपणट्टयाए सुलसं गाहावइणिं तुमं च णं दो वि समउउयाओ करेइ, तए णं तुब्भे दो वि सममेव गब्भे गिण्हह सममेव गब्भे परिवहह सममेव दारए पयायह। तए णं सा सुलसा गाहावइणी विणिहायमावण्णे दारए पयायइ, तए णं से हरिणेगमेसी देवे सुलसाए अणुकंपणट्ठाए विणिहायमावण्णए दारए करयलसंपुडेणं गेण्हइ २ त्ता तव अंतियं साहरइ तं समयं च णं तुमंपि णवण्हं मासाणं० सुकुमालदारए पसवसि, जेवि य णं देवाणुप्पिए! तव पुत्ता तेवि य तव अंतियाओ करयलसंपुडेणं गेण्हइ २ त्ता सुलसाए गाहावइणीए अंतिए साहरइ, तं तव चेव णं देवई! एए पुत्ता णो चेव सुलसाए गाहावइणीए, तए णं सा देवई देवी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव ते छ अणगारा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ते छप्पि अणगारा वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता आगयपण्हुया पप्फुयलोयणा कंचुयपडिक्खित्तया दरियवलयबाहा धाराहयकलंबपुप्फगंपिव समूससियरोमकूवा ते छप्पि अणगारे अणिमिसाए दिट्ठीए पेहमाणी २ सुचिरं णिरिक्खइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव अरिहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता तमेव धम्मियं जाणं दुरुहइ २ त्ता जेणेव बारवई णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बारवइं णयरिं अणुप्पविसइ २ त्ता जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव सए वासघरे जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सयंसि सयणिज्जंसि णिसीयइ, तए णं तीसे देवईए देवीए अयं अज्झत्थिए ४ समुप्पण्णे—एवं खलु अहं सरिसए जाव णलकुब्बरसमाणे सत्त पुत्ते पयाया, णो चेव णं मए एगस्स वि बालत्तणए समुब्भूए, एस वि य णं कण्हे वासुदेवे छण्हं छण्हं मासाणं ममं अंतियं पायवंदए हव्वमागच्छइ, तं धण्णाओ णं ताओ अम्माओ जासिं मण्णे णियगकुच्छिसंभूयाइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावयाइं मंमणपजंपियाइं थणमूलकक्खदेसभागं अभिसरमाणाइं मुद्धयाइं पुणो य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊण उच्छंगि णिवेसियाइं देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो २ मंजुलप्पभणिए

अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो एगयरमवि ण पत्ता, ओहय० जाव झियायइ । इमं च णं कण्हे वासुदेवे ण्हाए जाव विभूसिए देवईए देवीए पायवंदए हव्वमागच्छइ. तए णं से कण्हे वासुदेवे देवइं देविं पासइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता देवइं देविं एवं वयासी–अण्णया णं अम्मो ! तुब्भे ममं पासेत्ता हट्ठ० जाव भवह, किण्णं अम्मो ! अज्ज तुब्भे ओहय० जाव झियायह ? तए णं सा देवई देवी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु अहं पुत्ता ! सरिसए जाव समाणे सत्त पुत्ते पयाया णो चेव णं मए एगस्स-वि बालत्तणे अणुब्भूए तुमं-पि य णं पुत्ता !, छण्हं २ मासाणं ममं अंतियं पायवंदए हव्वमागच्छसि तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव झियामि, तए णं से कण्हे वासुदेवे देवइं देविं एवं वयासी–मा णं तुब्भे अम्मो ! ओहय जाव झियायह अहण्णं तहा घत्तिस्सामि जहा णं ममं सहोदरे कणीयसे भाउए भविस्सई-त्तिकट्टु देवइं देविं ताहिं इट्ठाहिं (कं० जाव) वग्गूहिं समासासेइ (२) तओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जहा अभओ णवरं हरिणेगमेसिस्स अट्ठमभत्तं पगेण्हइ जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी–इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सहोदरं कणीयसं भाउयं विदिण्णं, तए णं से हरिणेगमेसी देवे कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–होहिइ णं देवाणुप्पिया ! तव देवलोयचुए सहोदरे कणीयसे भाउए से णं उम्मुक्क० जाव अणुप्पत्ते अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडे जाव पव्वइस्सइ, कण्हं वासुदेवं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वदइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए । तए णं से कण्हे वासुदेवे पोसहसालाओ पडिणि० जेणेव देवई देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता देवईए देवीए पायग्गहणं करेइ २ त्ता एवं वयासी–होहिइ णं अम्मो ! ममं सहोयरे कणीयसे भाउए त्तिकट्टु देवइं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव आसासेइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए । तए णं सा देवई देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि जाव सीहं सुमिणे पासेत्ता पडिबुद्धा जाव पाढया हट्ठतुट्ठ हियया (तं ग० सु०) परिवहइ, तए णं सा देवई देवी णवण्हं मासाणं जासुमणारत्तबंधुजीवयलक्खारससरसपारिजातकतरुणदिवायरसमप्पभं सव्वणयणकंतं सुकुमालं जाव सुरूवं गयतालुयसमाणं दारयं पयाया जम्मणं जहा मेहकुमारे जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए गयतालुसमाणे तं होउ णं अम्ह एयस्स दारगस्स

णामधेज्जे गयसुकुमाले २, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरे णामं करेंति गयसुकुमालेत्ति सेसं जहा मेहे जाव अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था। तत्थ णं बारवईए णयरीए सोमिले णामं माहणे परिवसइ अड्ढे रिउव्वेय जाव सुपरिणिट्ठिए यावि होत्था, तस्स सोमिलमाहणस्स सोमसिरी णामं माहणी होत्था, सूमाल०, तस्स णं सोमिलस्स मा० धूया सोमसिरीए माहणीए अत्तया सोमा णामं दारिया होत्था सुकुमाला जाव सुरूवा रूवेणं जाव लावण्णेणं उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि होत्था। तए णं सा सोमा दारिया अण्णया कयाइ ण्हाया जाव विभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव रायमग्गे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रायमग्गंसि कणगतिंदूसएणं कीलमाणी २ चिट्ठइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे परिसा णिग्गया। तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे ण्हाए जाव विभूसिए गयसुकुमालेणं कुमारेणं सद्धिं हत्थिखंध-वरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरेज्जमाणेणं से य वरचामराहिं उद्धुव्व-माणीहिं बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं अरहओ अरिट्ठणेमिस्स पायवंदए णिग्गच्छमाणे सोमं दारियं पासइ २ त्ता सोमाए दारियाए रूवेण य जोव्व-णेण य लावण्णेण य जाव विम्हिए। तए णं से कण्हे० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे–देवाणुप्पिया! सोमिलं माहणं जायित्ता सोमं दारियं गेण्हह २ त्ता कण्णंतेउरंसि पक्खिवह, तए णं एसा गयसुकुमालस्स कुमारस्स भारिया भविस्सइ। तए णं कोडुंबिय जाव पक्खिवंति, तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जाव पज्जुवासइ। तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स गयसुकुमालस्स कुमारस्स तीसे य धम्मकहाए कण्हे पडिगए, तए णं से गयसुकुमाले कु० अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं धम्मं सोच्चा जं णवरं अम्मापियरं आपुच्छामि जहा मेहो णवरं महिलियावज्जं जाव वड्ढियकुले। तए णं से कण्हे वासुदेवे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जेणेव गयसु-कुमाले–तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गयसुकुमालं० आलिंगइ २ त्ता उच्छंगे णिवे-सेइ २ त्ता एवं वयासी–तुमं ममं सहोयरे कणीयसे भाया तं मा णं तुमं देवाणु-प्पिया! इयाणिं अरहओ अ० अं० मुंडे जाव पव्वयाहि, अहण्णं तुमे बारवईए

णयरीए महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचिस्सामि। तए णं से गयसु-कुमाले कण्हेणं वासुदेवेणं एवं वुत्ते समाणे तुसिणीए संचिट्ठइ। तएणं तं गयसुकुमाले कण्हे वासुदेवं अम्मापियरो य दुच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया! माणुस्सया कामा खेलासवा जाव विप्पजहियव्वा भविस्संति, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए स० अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए जाव पव्वइत्तए। तए णं तं गयसुकुमालं कण्हे वासुदेवे अम्मापियरो य जाहे णो संचाए० बहुयाहिं अणुलोमाहिं जाव आघ-वित्तए ताहे अकामाइं चेव एवं वयासी-तं इच्छामो णं ते जाया! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए। णिक्खमणं जहा महाबलस्स जाव तमाणाए तहा जाव संजमइ। तए णं से गयसुकुमाले अणगारे जाए इरिया० जाव० गुत्तबंभयारी, तए णं से गयसुकुमाले अ० जं चेव दिवसं पव्वइए तस्सेव दिवसस्स पुव्वावर-ण्हकालसमयंसि जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठ-णेमिं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिणं० वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे महाकालंसि सुसाणंसि एग-राइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! तए णं से गयसुकुमाले अणगारे अरहया अरिट्ठणेमिणा अब्भणुण्णाए समाणे अरहं अरिट्ठ-णेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंति० सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव महाकाले सुसाणे तेणेव उवागए २ त्ता थंडिल्लं पडिलेहेइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता ईसिपब्भारगएणं काएणं जाव दोवि पाए साहट्टु एगराइं महापडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ। इमं च णं सोमिले माहणे सामिधेयस्स अट्ठाए बारवईओ णयरीओ बहिया पुव्वणिग्गए समिहाओ य दब्भे य कुसे य पत्तामोडं च गेण्हइ २ त्ता तओ पडिणियत्तइ २ त्ता महाकालस्स सुसाणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे २ संझाकालसमयंसि पविरलमणुस्संसि गयसुकुमालं अणगारं पासइ २ त्ता तं वेरं सरइ २ त्ता आसुरत्ते ५ एवं वयासी-एस णं भो! से गयसुकुमाले कुमारे अप्पत्थिय जाव परि-वज्जिए, जे णं मम धूयं सोमसिरीए भारियाए अत्तयं सोमं दारियं अदिट्ठदोस-पइयं कालवत्तिणिं विप्पजहेत्ता मुंडे जाव पव्वइए, तं सेयं खलु ममं गयसुकु-

मालस्स कुमारस्स वेरणिज्जायणं करेत्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता दिसापडिलेहणं करेइ २ त्ता सरसं मट्टियं गेण्हइ २ त्ता जेणेव गयसुकुमाले अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता गयसुकुमालस्स अणगारस्स मत्थए मट्टियाए पालिं बंधइ २ त्ता जलंतीओ चियगाओ फुल्लियकिंसुयसमाणे खइरंगारे कहल्लेणं गेण्हइ २ त्ता गयसुकुमालस्स अणगारस्स मत्थए पक्खिवइ २ त्ता भीए ५ तओ खिप्पामेव अवक्कमइ २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए । तए णं तस्स गयसुकुमालस्स अणगारस्स सरीरयंसि वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा । तए णं से गयसुकुमाले अणगारे सोमिलस्स माहणस्स मणसावि अप्पदुस्समाणे तं उज्जलं जाव अहियासेइ । तए णं तस्स गयसुकुमालस्स अणगारस्स तं उज्जलं जाव अहियासेमाणस्स सुभेणं परिणामेणं पसत्थज्झवसाणेणं तया वरणिज्जाणं कम्माणं खएणं कम्मरयविकिरणकरं अपुव्वकरणं अणुप्पविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पण्णे, तओ पच्छा सिद्धे जाव प्पहीणे । तत्थ णं अहासंणिहिएहिं देवेहिं सम्मं आराहियंतिकट्टु दिव्वे सुरभिगंधोदए वुट्ठे दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाडिए चेलुक्खेवे कए दिव्वे य गीयगंधव्वणिणाए कए यावि होत्था । तए णं से कण्हे वासुदेवे कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते ण्हाए जाव विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरेज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं महया भडचडगरपहकरवंदपरिक्खित्ते बारवइं णयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छमाणे एगं पुरिसं पासइ जुण्णं जराजज्जरियदेहं जाव किलंतं महइमहालयाओ इट्टगरासीओ एगमेगं इट्टगं गहाय बहियारत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पविसमाणं पासइ । तए णं से कण्हे वासुदेवे तस्स पुरिसस्स अणुकंपणट्ठाए हत्थिखंधवरगए चेव एगं इट्टगं गेण्हइ २ त्ता बहिया रत्थापहाओ अंतोगिहं अणुप्पवेसेइ । तए णं कण्हेणं वासुदेवेणं एगाए इट्टगाए गहियाए समाणीए अणेगेहिं पुरिससएहिं से महालए इट्टगस्स रासी बहिया रत्थापहाओ अंतोघरंसि अणुप्पवेसिए । तए णं से कण्हे वासुदेवे बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागए २ त्ता जाव वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता गयसुकुमालं अणगारं अपासमाणे अरहं अरिट्ठणेमिं

वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–कहि णं भंते ! से ममं सहोयरे कणीयसे भाया गयसुकुमाले अणगारे ? जण्णं अहं वंदामि णमंसामि ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–साहिए णं कण्हा ! गयसुकुमालेणं अणगारेणं अप्पणो अट्ठे । तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–कहण्णं भंते ! गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु कण्हा ! गयसुकुमालेणं अणगारेणं ममं कल्लं पुव्वावरण्हकालसमयंसि वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इच्छामि णं जाव उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तए ण तं गयसुकुमालं अणगारं एगे पुरिसे पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ४ जाव सिद्धे, तं एवं खलु कण्हा ! गयसुकुमालेणं अणगारेणं साहिए अप्पणो अट्ठे। तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–केस णं भंते ! से पुरिसे अपत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए ? जेणं ममं सहोयरं कणीयसे भायरं गयसुकुमालं अणगारं अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–मा णं कण्हा ! तुमं तस्स पुरिसस्स पदोसमावज्जाहि, एवं खलु कण्हा ! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स साहिज्जे दिण्णे, कहण्णं भंते ! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स णं साहेज्जे दिण्णे ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–से णूणं कण्हा ! तुमं ममं पायवंदए हव्वमागच्छमाणे बारवईए णयरीए एगं पुरिसं पाससि जाव अणुप्पविसिए, जहा णं कण्हा ! तुमं तस्स पुरिसस्स साहिज्जे दिण्णे एवामेव कण्हा ! तेणं पुरिसेणं गयसुकुमालस्स अणगारस्स अणेगभवसयसहस्ससंचियं कम्मं उदीरेमाणेणं बहुकम्मणिज्जरत्थं साहिज्जे दिण्णे । तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–से णं भंते ! पुरिसे मए कहं जाणियव्वे ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–जे णं कण्हा ! तुमं बारवईए णयरीए अणुपविसमाणं पासेत्ता ठियए चेव ठिइभेएणं कालं करिस्सइ तण्णं तुमं जाणेज्जासि एस णं से पुरिसे। तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव आभिसेयं हत्थिरयणं तेणेव उवागच्छइ २ त्ता हत्थिं दुरूहइ २ त्ता जेणेव बारवई णयरी जेणेव सए गिहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तस्स सोमिल-

माहणस्स कल्लं जाव जलंते अयमेयारूवे अब्भत्थिए ४ समुप्पण्णे—एवं खलु कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं पायवंदए णिग्गए तं णायमेयं अरहया विण्णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया सिट्ठमेयं अरहया भविस्सइ कण्हस्स वासुदेवस्स, तं ण णज्जइ णं कण्हे वासुदेवे ममं केणवि कुमारेणं मारिस्सइत्तिकट्टु भीए ४ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ, कण्हस्स वासुदेवस्स बारवइं णयरिं अणुप्पविसमाणस्स पुरओ सपक्खि सपडिदिसिं हव्वमागए। तए णं से सोमिले माहणे कण्हं वासुदेवं सहसा पासेत्ता भीए ४ ठियए चेव ठिइभेयं कालं करेइ धरणितलंसि सव्वंगेहिं धसत्ति संणिवडिए, तए णं से कण्हे वासुदेवे सोमिलं माहणं पासइ २ त्ता एवं वयासी—एस णं भो देवाणुप्पिया! से सोमिले माहणे अपत्थियपत्थिए जाव परिवज्जिए जेणं ममं सहोयरे कणीयसे भायरे गयसुकुमाले अणगारे अकाले चेव जीवियाओ ववरोविए त्तिकट्टु सोमिलं माहणं पाणेहिं कड्ढावेइ २ त्ता तं भूमिं पाणिएणं अब्भोक्खावेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए सयं गिहं अणुप्पविट्ठे। एवं खलु जंबू! जाव अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अट्ठमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ६ ॥ णवमस्स उक्खेवओ, एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए णयरीए जहा पढमए जाव विहरइ। तत्थ णं बारवईए—बलदेवे णामं राया होत्था वण्णओ, तस्स णं बलदेवस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था वण्णओ, तए णं सा धारिणी सीहं सुमिणे जहा गोयमे णवरं सुमुहे णामं कुमारे पण्णासं कण्णाओ पण्णासओ दाओ चोद्दसपुव्वाइं अहिज्जइ वीसं वासाइं परियाओ सेसं तं चेव जाव सेत्तुंजे सिद्धे णिक्खेवओ। एवं दुम्मुहेवि कूवदारए वि, तिण्णि वि बलदेवधारिणीसुया, दारुएवि एवं चेव, णवरं वसुदेवधारिणीसुए। एवं अणाहिट्ठी-वि वसुदेवधारिणीसुए, एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं तच्चस्स वग्गस्स तेरसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ७ ॥

चउत्थो वग्गो

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं...अं० तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते चउत्थस्स णं भं० व० अं० स० जाव सं० के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स अं० दस अज्झयणा

पण्णत्ता, तं०—जालिमयालिउवयालि पुरिससेणे य वारिसेणे य। पज्जुण्ण-संबअणिरुद्धे सच्चणेमी य दढणेमी य ॥ १ ॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भं० अज्झयणस्स स० जाव सं० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई णा० णयरी हो० तीसे जहा पढमे कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ, तत्थ णं बारवईए णगरीए वसुदेवे राया तस्स णं वसुदेवस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था वण्णओ जहा गोयमो णवरं जालिकुमारे पण्णासओ दाओ बारसंगी सोलस-वासा परियाओ सेसं जहा गोयमस्स जाव सेत्तुंजे सिद्धे। एवं मयाली उवयाली पुरिससेणे य वारिसेणे य। एवं पज्जुण्णे वि, णवरं कण्हे पिया रुप्पिणी माया। एवं संबे वि, णवरं जंबवई माया। एवं अणिरुद्धेवि, णवरं पज्जुण्णे पिया वेदब्भी माया। एवं सच्चणेमी, णवरं समुद्दविजए पिया सिवा माया, एवं दढणेमी वि, सव्वे एगगमा। चउत्थस्स वग्गस्स णिक्खेवओ ॥८॥

पंचमो वग्गो

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं चउत्थस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते पंचमस्स णं भं० वग्गस्स अंतगडदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—'पउमावई य गोरी गंधारी लक्खणा सुसीमा य। जंबवई सच्च-भामा रुप्पिणि मूलसिरी मूलदत्ता-वि ॥१॥ जइ णं भंते समणेणं जाव संपत्तेणं पंचमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई णयरी जहा पढमे जाव कण्हे वासुदेवे आहेवच्चं जाव विहरइ। तस्स णं कण्हस्स वासुदेवस्स पउ-मावई णामं देवी होत्था वण्णओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठणेमी समोसढे जाव विहरइ, कण्हे वासुदेवे णिग्गए जाव पज्जुवासइ, तए णं सा पउमावइ देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठ० जहा देवई जाव पज्जु-वासइ। तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हस्स वासुदेवस्स पउमावईए दे० य धम्मकहा परिसा पडिगया। तए णं कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमं-सइ वं० २ त्ता एवं वयासी इमीसे णं भंते ! बारवईए णयरीए णवजोयण० जाव देवलोगभूयाए किंमूलाए विणासे भविस्सइ ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठ-

णेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु कण्हा ! इमीसे बारवईए णयरीए–णवजोयण जाव० भूयाए सुरग्गिदीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ । तए णं कण्हस्स वासुदेवस्स अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म अ० एयं अब्भत्थिए ४–धण्णा णं ते जालिमयालिउ० पुरिससेणवारिसेणपज्जुण्णसंबअणिरुद्धदढणेमिसच्चणेमिप्पभियओ कुमारा जे णं चिच्चा हिरण्णं जाव परिभाएत्ता अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतियं मुंडा जाव पव्वइया, अहण्णं अधण्णे अकयपुण्णे रज्जे य जाव अंतेउरे य माणुस्सएसु य कामभोगेसु मुच्छिए ४ णो संचाएमि अरहओ अरिट्ठणेमिस्स जाव पव्वइत्तए । कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–से णूणं कण्हा ! तव अयमब्भत्थिए ४–धण्णा णं ते जाव पव्वइत्तए, से णूणं कण्हा ! अयमट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि । तं णो खलु कण्हा ! तं एवं भूयं वा भव्वं वा भविस्सइ वा जण्णं वासुदेवा चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइस्संति । से केणं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–ण एवं भूयं वा जाव पव्वइस्संति ? कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु कण्हा ! सव्वेवि य णं वासुदेवा पुव्वभवे णियाणकडा, से तेणट्ठेणं कण्हा ! एवं वुच्चइ–ण एवं भूयं० पव्वइस्संति । तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहं अरिट्ठणेमिं एवं वयासी–अहं णं भंते ! इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गमिस्सामि, कहिं उववज्जिस्सामि ? तए णं अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–एवं खलु कण्हा ! बारवईए णयरीए सुरग्गिदीवायण कुमार कोवणिद्दड्ढाए अम्मापिइणियगविप्पहूणे रामेणं बलदेवेणं सद्धिं दाहिणवेयालिं अभिमुहे जोहिट्ठिल्लपामोक्खाणं पंचण्हं पंडवाणं पंडुरायपुत्ताणं पासं पंडुमहुरं संपत्थिए कोसंबवणकाणणे णग्गोहवरपायवस्स अहे पुढविसिलापट्टए पीयवत्थपच्छाइयसरीरे जरकुमारेणं तिक्खेणं कोदंडविप्पमुक्केणं इसुणा वामे पाये विद्धे समाणे कालमासे कालं किच्चा तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए उज्जलिए णरए णेरइयत्ताए उववज्जिहिसि । तए णं कण्हे वासुदेवे अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म ओहय जाव झियाइ । कण्हाइ ! अरहा अरिट्ठणेमी कण्हं वासुदेवं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! ओहय जाव झियाहि, एवं खलु तुमं देवाणुप्पिया ! तच्चाओ पुढवीओ उज्जलियाओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबूद्दीवे

दीवे भारहे वासे आगमेसाए उस्सप्पिणीए पुंडेसु जणवएसु सयदुवारे णयरे बारसमे अममे णामं अरहा भविस्ससि, तत्थ तुमं बहूइं वासाइं केवलिपरियागं पाउणेत्ता सिज्झिहिसि ५। तए णं से कण्हे वासुदेवे अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० अप्फोडेइ २ त्ता वग्गइ २ त्ता तिवइं छिंदइ २ त्ता सीहणायं करेइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता तमेव अभिसेक्कं हत्थिरयणं दुरूहइ २ त्ता जेणेव बारवई णयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए, अभिसेयहत्थिरयणाओ पच्चोरुहइ० जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सए सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे णिसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! बारवईए णयरीए सिंघाडग० जाव उवघोसेमाणा एवं वयह—एवं खलु देवाणुप्पिया ! बारवईए णयरीए णवजोयण जाव भूयाए सुरग्गि-दीवायणमूलाए विणासे भविस्सइ, तं जो णं देवाणुप्पिया ! इच्छइ बारवईए णयरीए राया वा जुवराया वा ईसरे तलवरे माडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठी वा देवी वा कुमारो वा कुमारी वा अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए मुंडे जाव पव्व-इत्तए तं णं कण्हे वासुदेवे विसज्जेइ, पच्छातुरस्स वि य से अहापवित्तं वित्तिं अणुजाणइ महया इड्ढिसक्कारसमुदएण य से णिक्खमणं करेइ, दोच्चंपि तच्चंपि घोसणयं घोसेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबिय जाव पच्चप्पिणंति। तए णं सा पउमावई देवी अरहओ० अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० जाव हियया अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते ! णिग्गंथं पवयणं० से जहेयं तुब्भे वयह जं णवरं देवाणुप्पिया ! कण्हं वासुदेवं आपुच्छामि, तए णं अहं देवा० अंतिए मुंडा जाव पव्वयामि। अहासुहं देवाणुप्पि० ! मा पडिबंधं करेहि। तए णं सा पउमावई देवी धम्मियं जाणप्पवरं दुरूहइ २ त्ता जेणेव बारवई णयरी जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धम्मियाओ जाणाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव कण्हे वासुदेवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० अंजलिं कट्टु (कण्ह वा०) एवं वयासी—इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी अरहओ अरिट्ठणेमिस्स अंतिए मुंडा जाव पव्व०। अहासुहं०। तए णं से कण्हे वासु-देवे कोडुंबिए पु० सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो दे० पउमा-

वईए० महत्थं णिक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते जाव पच्चप्पिणंति। तए णं से कण्हे वासुदेवे पउमावइं देविं पट्टयंसि दुरूहेइ० अट्ठसएणं सोवण्णकलस जाव महाणिक्खमणाभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ २ त्ता पुरिससहस्सवाहिणिं सिवियं दुरूहावेइ २ त्ता बारवईए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव रेवयए पव्वए जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीयं ठवेइ० पउमावई देवी सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—एस णं भंते! मम अग्गमहिसी पउमावईणामं देवी इट्ठा कंता पिया मणुण्णा मणामा अभिरामा जाव किमंग पुण पासणयाए? तण्णं अहं देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं दलयामि पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया! सिस्सिणिभिक्खं। अहासुहं०। तए णं सा पउमावई० उत्तरपुरत्थिमे दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता सयमेव आभरणालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता जेणेव अरहा अरिट्ठणेमी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अरहं अरिट्ठणेमिं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—आलित्तेणं० जाव धम्ममाइक्खियं। तए णं अरहा अरिट्ठणेमी पउमावइं देविं सयमेव पव्वावेइ २ त्ता सयमेव मुंडावेइ सयमेव जक्खिणीए अज्जाए सिस्सिणिं दलयइ। तए णं सा जक्खिणी अज्जा पउमावइं देविं सयमेव पव्वा० जाव संजमियव्वं। तए णं सा पउमावई जाव संजमइ। तए णं सा पउमावई अज्जा जाया ईरियासमिया जाव गुत्तबंभयारिणी। तए णं सा पउमावई अज्जा जक्खिणीए अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमदसमदुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं० अप्पाणं भावेमाणी विहरइ। तए णं सा पउमावई अज्जा बहुपडिपुण्णाइं वीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसेइ २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव तमट्ठं आराहेइ चरिमुस्सासेहिं सिद्धा ५ ॥ ६ ॥ उ० य अ० तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवई ण० रेवयए उज्जाणे णंदणवणे तत्थ णं बारवईए णयरीए कण्हे वासुदेवे० तस्स णं कण्हस्स वासुदेवस्स गोरी देवी वण्णओ अरहा अ० समो-

सढे कण्हे णिग्गए गोरी जहा पउमावई तहा णिग्गया धम्मकहा परिसा पडि-गया, कण्हे-वि । तए णं सा गोरी जहा पउमावई तहा णिक्खंता जाव सिद्धा ५ । एवं गंधारी । लक्खणा । सुसीमा । जंबवई । सच्चभामा । रुप्पिणी । अट्ठवि पउमावई सरिसाओ अट्ठ अज्झयणा ॥ १० ॥ ..ण० तेणं कालेणं तेणं समएणं बारवईए णयरीए रेवयए प० णंदणवणे उ० कण्हे० तत्थ णं बारवईए णयरीए कण्हस्स वासुदेवस्स पुत्तए जंबवईए देवीए अत्तए संबे णामं कुमारे होत्था अहीण० तस्स णं संबस्स कुमारस्स मूलसिरी णामं भारिया होत्था वण्णओ,अरहा समोसढे कण्हे णिग्गए मूलसिरी-वि णिग्गया जहा पउमावई जं णवरं देवाणुप्पिया ! कण्हं वासुदेवं,आपुच्छामि जाव सिद्धा । एवं मूलदत्ता-वि पंचमो वग्गो ॥११॥

छट्ठो वग्गो

जइ णं भं० छट्ठमस्स उक्खेवओ णवरं सोलस अज्झयणा प०, तं—'मकाई किंकमे चेव मोग्गरपाणी य कासवे । खेमए धिइहरे चेव केलासे हरि-चंदणे ॥ १ ॥ वारत्तसुदंसणपुण्णभद्दसुमणभद्दसुपइट्ठे मेहे । अइमुत्ते य अलक्खे अज्झयणाणं तु सोलसयं ॥ २ ॥ जइ सोलस अज्झयणा प० पढमस्स अज्झयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया, तत्थ णं मकाई-णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महा-वीरे आइगरे गुणसिलए जाव विहरइ परिसा णिग्गया, तए णं से मकाई गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे जहा पण्णत्तीए गंगदत्ते तहेव इमोवि जेट्ठपुत्तं कुडुंबे ठवेत्ता पुरिससहस्सवाहिणीए सीयाए णिक्खंते जाव अणगारे जाए ईरियासमिए० तए णं से मकाई अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहा-रूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सेसं जहा खंदगस्स, गुणरयणं तवोकम्मं सोलसवासाइं परियाओ तहेव विउले सिद्धे । बी० उ० किंकमे-वि एवं चेव जाव विउले सिद्धे ॥१२॥ त० ए० ख० जं० तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे ण० गुणसिलए चेइए सेणिए राया चेल्लणादेवी वण्णओ, तत्थ णं रायगिहे णयरे अज्जुणए णामं मालागारे परिवसइ, अड्ढे०

जाव अपरिभूए, तस्स णं अज्जुणयस्स मालागारस्स बंधुमई-णामं भारिया होत्था सूमा० । तस्स णं अज्जुणयस्स मालागारस्स रायगिहस्स णयरस्स बहिया एत्थ णं महं एगे पुप्फारामे होत्था किण्हे जाव णिकुरंबभूए दसद्धवण्ण-कुसुमकुसुमिए पासाईए ४ । तस्स णं पुप्फारामस्स अदूरसामंते तत्थ णं अज्जुण-यस्स मालगारस्स अज्जय-पज्जयपिइपज्जयागए अणेगकुलपुरिसपरंपरागए मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था, पोराणे दिव्वे सच्चे जहा पुण्णभद्दे । तत्थ णं मोग्गरपाणिस्स पडिमा एगं महं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गहाय चिट्ठइ । तए णं से अज्जुणए मालागारे बालप्पभिइं चेव मोग्गरपाणि-जक्खस्स भत्ते यावि होत्था, कल्लाकल्लिं पच्छियपिडगाइं गेण्हइ २ त्ता रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव पुप्फारामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुप्फु-च्चयं करेइ २ त्ता अग्गाइं वराइं पुप्फाइं गहाइ २ त्ता जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्च-णयं करेइ २ त्ता जण्णुपायपडिए पणामं करेइ, तओ पच्छा रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ । तत्थ णं रायगिहे णयरे ललिया णामं गोट्ठी परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया जं कयसुकया यावि होत्था । तए णं रायगिहे णयरे अण्णया कयाइ पमोए घुट्ठे यावि होत्था । तए णं से अज्जुणए मालागारे कल्लं पभूयतराएहिं पुप्फेहिं कज्जमित्ति कट्टु पच्चूसकालसमयंसि बंधुमईए भारियाए सद्धिं पच्छियपिडयाइं गेण्हइ २ त्ता सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता राय-गिहं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुप्फारामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बंधुमईए भारियाए सद्धिं पुप्फुच्चयं करेइ । तए णं तीसे ललियाए गोट्ठीए छ गोट्ठिल्ला पुरिसा जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवा-गया अभिरममाणा चिट्ठंति । तए णं से अज्जुणए मालागारे बंधुमईए भारि-याए सद्धिं पुप्फुच्चयं करेइ० अग्गाइं वराइं पुप्फाइं गहाय जेणेव मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ । तए णं ते छ गोट्ठिल्ला पुरिसा अज्जुणयं मालागारं बंधुमईए भारियाए सद्धिं एज्जमाणं पासंति २ त्ता अण्णमण्णं एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! अज्जुणए मालागारे बंधुमईए भारियाए सद्धिं इह हव्वमागच्छइ तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं अज्जुणयं मालागारं अव-ओडयबंधणयं करेत्ता बंधुमईए भारियाए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणाणं

विहरित्तए त्तिकट्टु एयमट्ठं अण्णमण्णस्स पडिसुर्णेति २ त्ता कवाडंतरेसु णिलुक्कंति णिच्चला णिप्फंदा तुसिणीया पच्छण्णा चिट्ठंति । तए णं से अज्जुणए मालागारे बंधुमईए भारियाए सद्धिं जेणेव मोग्गरपाणिस्सजक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ० आलोए पणामं करेइ० महरिहं पुप्फच्चणं करेइ० जण्णुपायपडिए पणामं करेइ । तए णं छ गोट्ठिला पुरिसा दवदवस्स कवाडंतरेहिंतो णिग्गच्छंति २ त्ता अज्जुणयं मालागारं गेण्हंति २ त्ता अवओगडय बंधणं करेंति० बंधुमईए मालागारीए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । तए णं तस्स अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमज्झत्थिए ४(त०)–एवं खलु अहं बालप्पभिइं चेव मोग्गरपाणिस्स भगवओ कल्लाकल्लिं जाव वित्तिं कप्पेमाणे विहरामि, तं जइ णं मोग्गरपाणी जक्खे इह संणिहिए होंते से णं किं मम एयारूवं आवइं पावेज्जमाणं पासंते ? तं णत्थि णं मोग्गरपाणी जक्खे इह संणिहिए, सुव्वत्तं णं एस कट्ठे । तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे अज्जुणयस्स मालागारस्स अयमेयारूवं अज्झत्थियं जाव वियाणित्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरयं अणुप्पविसइ २ त्ता तडतडस्स बंधाइं छिंदइ, छिंदित्ता तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गेण्हइ २ त्ता ते इत्थिसत्तमे छ पुरिसे घाएइ । तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं अण्णाइट्ठे समाणे रायगिहस्स णगरस्स परिपेरंतेणं कल्लाकल्लिं इत्थिसत्तमे छ पुरिसे घाएमाणे विहरइ । तए णं रायगिहे णयरे सिंघाडग जाव महापहपहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४ एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा अण्णाइट्ठे समाणे रायगिहे णयरे बहिया इत्थिसत्तमे छ पुरिसे घायएमाणे विहरइ । तए णं से सेणिए राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे कोडुंबिय० सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्जुणए मालागारे जाव घाएमाणे जाव विहरइ तं मा णं तुब्भे केइ कट्ठस्स वा तणस्स वा पाणियस्स वा पुप्फफलाणं वा अट्ठाए सइरं णिग्गच्छइ मा णं तस्स सरीरयस्स वावत्ती भविस्सइत्तिकट्टु दोच्चंपि तच्चंपि घोसणयं घोसेह २ त्ता खिप्पामेव ममेयं पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबिय० जाव पच्चप्पिणंति । तत्थ णं रायगिहे णयरे सुदंसणे णामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे०, तए णं से सुदंसणे समणोवासए यावि होत्था अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं जाव समोसढे० विहरइ,

तए णं रायगिहे णयरे सिंघाडग बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव किमंग पुण विपुलस्स अट्ठस्स गहणयाए० तएणं तस्स सुदंसणस्स बहुजणस्स अंतिए एयं सोच्चा णिसम्म अयं अज्झत्थिए ४–एवं खलु समणे जाव विहरइ, तं गच्छामि णं० वंदामि०, एवं संपेहेइ २ त्ता जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवं खलु अम्मयाओ ! समणे जाव विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि ? तए णं तं सुदंसणं सेट्ठिं अम्मापियरो एवं वयासी–एवं खलु पुत्ता ! अज्जुणए मालागारे जाव घाएमाणे विहरइ, तं मा णं तुमं पुत्ता ! समणं भगवं महावीरं वंदए णिग्गच्छाहि, मा णं तव सरीरयस्स वावत्ती भविस्सइ, तुमण्णं इह गए चेव समणं भगवं महावीरं वंदाहि णमंसाहि। तए णं सुदंसणे सेट्ठी अम्मापियरं एवं वयासी–किण्णं अहं अम्मयाओ ! समणं भगवं महावीरं इहमागयं इह पत्तं इह समोसढं इह गए चेव वंदिस्सामि० ? तं गच्छामि णं अहं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे स० भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जु०। तए णं सुदंसणं सेट्ठिं अम्मापियरो जाहे णो संचाएंति बहूहिं आघवणाहिं ४ जाव पन्नवेत्तए ताहे अकामा चेव सुदंसणं एवं वयासी–अहासुहं देवा०। तए णं से सुदंसणे अम्मापिईहिं अब्भणुण्णाए समाणे ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं जाव सरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पायविहारचारेणं रायगिहं णगरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता मोग्गरपाणिस्स जक्खस्स जक्खाययणस्स अदूरसामंतेणं जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे सुदंसणं समणोवासयं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं २ पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ५ तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से सुदंसणे समणोवासए मोग्गरपाणिं जक्खं एज्जमाणं पासइ २ त्ता अभीए अतत्थे अणुव्विग्गे अक्खुभिए अचलिए असंभंते वत्थं तेणं भूमिं पमज्जइ २ त्ता करयल० एवं वयासी–णमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं णमोऽत्थु णं समणस्स जाव संपाविउकामस्स, पुव्विं च णं मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए थूलए मुसावाए थूलए अदिण्णादाणे सदारसंतोसे कए जावज्जीवाए इच्छापरिमाणे

कए जावज्जीवाए, तं इदाणिं-पि णं तस्सेव अंतियं सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए० मुसावायं० अदत्तादाणं० मेहुणं० परिग्गहं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं कोहं जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि जावज्जीवाए सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहं पि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जइ णं एत्तो उवसग्गाओ मुच्चिस्सामि तो मे कप्पइ पारेत्तए अहणं एत्तो उवसग्गाओ ण मुच्चिस्सामि तओ मे तहा पच्चक्खाए चेव त्तिकट्टु सागारं पडिमं पडिवज्जइ। तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं उल्लालेमाणे २ जेणेव सुदंसणे समणोवासए तेणेव उवागच्छ० णो चेव णं संचाएइ सुदंसणं समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए। तए णं से मोग्गरपाणी जक्खे सुदंसणं समणोवासयं सव्वओ समंताओ परिघोलेमाणे २ जाहे णो [चेव णं] संचाएइ सुदंसणं समणोवासयं तेयसा समभिपडित्तए ताहे सुदंसणस्स समणोवासयस्स पुरओ सपक्खि सपडिदिसिं ठिच्चा सुदंसणं समणोवासयं अणिमिसाए दिट्ठीए सुचिरं णिरिक्खइ २ त्ता अज्जुणयस्स मालागारस्स सरीरं विप्पजहाइ २ त्ता तं पलसहस्सणिप्फण्णं अयोमयं मोग्गरं गहाय जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए। तए णं से अज्जुणए मालागारे मोग्गरपाणिणा जक्खेणं विप्पमुक्के समाणे धसत्ति धरणियलंसि सव्वंगेहिं (सं) णिवडिए। तए णं से सुदंसणे समणोवासए णिरुवसग्गमितिकट्टु पडिमं पारेइ। तए णं से अज्जुणए मालागारे तओ मुहुत्तंतरेणं आसत्थे समाणे उट्ठेइ २ त्ता सुदंसणं समणोवासयं एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया! के कहिं वा संपत्थिया? तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणयं मालागारं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अहं सुदंसणे णामं समणोवासए अभिगयजीवाजीवे गुणसिलए चेइए समणं भगवं महावीरं वंदए संपत्थिए। तए णं से अज्जुणए मालागारे सुदंसणं समणोवासयं एवं वयासी–तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! अहमवि तुमए सद्धिं समणं भगवं महावीरं वंदित्तए जाव पज्जुवासित्तए? अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से सुदंसणे समणोवासए अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जुणएणं मालागारेणं सद्धिं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासइ। तए णं [से] समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स समणोवासगस्स अज्जुणयस्स माला-

गारस्स तीसे य० धम्मकहा०, सुदंसणे पडिगए। तए णं से अज्जुणए माला-गारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० सद्दहामि णं भंते! णिग्गंथं पावयणं जाव अब्भुट्ठेमि। अहासुहं०। तए णं से अज्जुणए मालागारे उत्तर० सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ करित्ता जाव अण-गारे जाए जाव विहरइ। तए णं से अज्जुणए अणगारे जं चेव दिवसं मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता इमं एयारूवं अभिग्गहं उग्गिण्हइ–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स विहरित्तए त्तिकट्टु अयमेया-रूवं अभिग्गहं ओगेण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए जाव विहरइ। तए णं से अज्जु-णए अणगारे छट्ठक्खमणपारणयंसि पढम पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी जाव अडइ। तए णं तं अज्जुणयं अणगारं रायगिहे णयरे उच्च० जाव अडमाणं बहवे इत्थिया य पुरिसा य डहरा य महल्ला य जुवाणा य एवं वयासी–इमे णं मे पिया मारिए माया मारिया भाया० भगिणी० भज्जा० पुत्ते० धूया० सुण्हा० इमेण मे अण्णयरे सयणसंबंधिपरियणे मारिए त्तिकट्टु अप्पेगइया अक्कोसंति अप्पेगइया हिलंति णिंदंति खिसंति गरिहंति तज्जेंति तालेंति। तए णं से अज्जुणए अणगारे तेहिं बहूहिं इत्थीहि य पुरिसेहि य डहरेहि य महल्लेहि य जुवाणएहि य आओसेज्जमाणे जाव तालेज्जमाणे तेसिं मणसावि अपउस्समाणे सम्मं सहइ सम्मं खमइ सम्मं तितिक्खइ सम्मं अहियासेइ सम्मं सहमाणे० रायगिहे णयरे उच्चणीय मज्झिमकुलाइं अडमाणे जइ भत्तं लभइ तो पाणं ण लभइ जइ पाणं लभइ तो भत्तं ण लभइ। तए णं से अज्जुणए अ० अदीणे अविमणे अकलुसे अणाइले अविसाई अपरिसंतजोगी अडइ २ त्ता रायगिहाओ णयराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव गुणसीलए चेइए जेणेव समणे भगवं महा-वीरे जहा गोयमसामी जाव पडिदंसेइ २ त्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भ-णुण्णाए समाणे अमुच्छिए ४ बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं तमाहारं आहारेइ, तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया क० राय० पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिं जण० विहरइ। तए णं से अज्जुणए अणगारे तेणं उरालेणं (वि०) पयत्तेणं पग्ग-हिएणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णे छम्मासे सामण्ण-परियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसेइ २ त्ता

तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेइ २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव सिद्धे ३ ॥१३॥ (उ० च० अ० ए० ख० जं०) तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए तत्थ णं सेणिए राया कासवे णामं गाहावई परिवसइ जहा मकाई, सोलस वासा परियाओ विपुले सिद्धे ४। एवं खेमएऽवि गाहावई णवरं कागंदी णयरी सोलस वासा परियाओ विपुले पव्वए सिद्धे ५। एवं धिइहरेवि गाहावई कागंदीए णयरीए सोलस वासा जाव विपुले सिद्धे ६। एवं केलासेवि गाहावई णवरं सागेए णयरे बारसवासाइं परियाओ विपुले सिद्धे ७, एवं हरिचंदणेवि गाहावई सागेए बारसवासा परियाओ विपुले सिद्धे ८। एवं वारत्तए वि गाहावई णवरं रायगिहे णयरे बारसवासा परियाओ विपुले सिद्धे ९। एवं सुदंसणे वि गाहावई णवरं वाणियगामे णयरे दूइपलासए चेइए पंचवासा परियाओ विपुले सिद्धे १०। एवं पुण्णभद्दे वि गाहावई वाणियगामे णयरे पंच वासा परियाओ विपुले सिद्धे ११। एवं सुमणभद्दे वि गाहावई सावत्थीए णयरीए बहुवासाइं परि० सिद्धे १२। एवं सुपइट्ठे वि गाहावई सावत्थीए णयरीए सत्तावीसं वासा परियाओ विपुले सिद्धे १३। एवं मेहे वि गाहावई रायगिहे णयरे बहूइं वासाइं परियाओ विपुले सिद्धे १४॥१४॥ (उ० प० अ० ए० व०ए०ख०जं०) तेणं कालेणं तेणं समएणं पोलासपुरे णयरे सिरिवणे उज्जाणे, तत्थ णं पोलासपुरे णयरे विजये णामं राया होत्था, तस्स णं विजयस्स रण्णो सिरीणामं देवी होत्था वण्णओ, तस्स णं विजयस्स रण्णो पुत्ते सिरीए देवीए अत्तए अइमुत्ते णामं कुमारे होत्था सूमाले०। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव सिरिवणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई जहा पण्णत्तीए जाव पोलासपुरे णयरे उच्च जाव अडइ। इमं च णं अइमुत्ते कुमारे ण्हाए जाव विभूसिए बहूहिं दारएहि य दारियाहि य डिंभएहि य डिंभियाहि य कुमारएहि य कुमारियाहि य सद्धिं संपरिवुडे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव इंदट्ठाणे तेणेव उवागए तेहिं बहूहिं दारएहि य ६ संपरिवुडे अभिरममाणे २ विहरइ। तए णं भगवं गोयमे पोलासपुरे णयरे उच्च जाव अडमाणे इंदट्ठाणस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ। तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीईवयमाणं पासइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागए २ त्ता भगवं गोयमं एवं

वयासी—के णं भंते ! तुब्मे ? किं वा अडह ? तए णं भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी—अम्हे णं देवाणुप्पिया ! समणा णिग्गंथा ईरियासमिया जाव गुत्त बंभयारी उच्च जाव अडामो । तए णं अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—एह णं भंते ! तुब्मे जण्णं अहं तुब्मं भिक्खं दवावेमी त्तिकट्टु भगवं गोयमं अंगुलीए गेण्हइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागए । तए णं सा सिरिदेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागया भगवं गोयमं तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहि० वंदइ० विउलेणं असण० जाव पडिविसज्जेइ । तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—कहि णं भंते ! तुब्मे परिवसह ? तए णं [से] भगवं गोयमे अइमुत्तं कुमारं एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए भगवं महावीरे आइगरे जाव संपाविउकामे इहेव पोलासपुरस्स णयरस्स बहिया सिरिवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उगिण्हित्ता संजमेणं जाव भावेमाणे विहरइ, तत्थ णं अम्हे परिवसामो । तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवं गोयमं एवं वयासी—गच्छामि णं भंते ! अहं तुब्भेहिं सद्धिं समणं भगवं महावीरं पायवंदए ? अहासुहं देवाणुप्पिया ! तए णं से अइमुत्ते कुमारे भगवया गोयमेणं सद्धिं जेणेव समणे भ० महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ जाव पज्जुवासइ । तए णं भगवं गोयमे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए जाव पडिदसेइ २ त्ता संजमेणं तव० विहरइ । तए णं समणे भगवं महावीरे अइमुत्तस्स कुमारस्स• तीसे य धम्मकहा, तए णं से अइमुत्ते कु० समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० जं णवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह । तए णं से अइमुत्ते कुमारे जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागए जाव पव्वइत्तए । अइ-मुत्तं कुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—बाले-सि ताव तुमं पुत्ता ! असंबुद्धे-सि० किं णं तुमं जाणासि धम्मं ? तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—एवं खलु अहं अम्मयाओ ! जं चेव जाणामि तं चेव ण जाणामि जं चेव ण जाणामि तं चेव जाणामि । तए णं तं अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो

एवं वयासी—कहं णं तुमं पुत्ता ! जं चेव जाणसि जाव तं चेव जाणसि ? तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—जाणामि अहं अम्मयाओ ! जहा जाएणं अवस्समरियव्वं ण जाणामि अहं अम्मयाओ ! काहे वा कहिं वा कहं वा केचिरेण वा ? ण जाणामि अहं अम्मयाओ ! केहिं कम्माययणेहिं जीवा णेरइयतिरिक्खजोणियमणुस्सदेवेसु उववज्जंति, जाणामि णं अम्मयाओ ! जहा सएहिं कम्माययणेहिं जीवा णेरइय० जाव उववज्जंति, एवं खलु अहं अम्मयाओ ! जं चेव जाणामि तं चेव ण जाणामि जं चेव ण जाणामि तं चेव जाणामि, तं इच्छामि णं अम्मयाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए जाव पव्वइत्तए। तए णं तं अइमुत्तं कुमारं अम्मापियरो जाहे णो संचाएंति बहूहिं आघव० तं इच्छामो ते जाया ! एगदिवसमवि रायसिरिं पासेत्तए। तए णं से अइमुत्ते कुमारे अम्मापिउवयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ अभिसेओ जहा महाबलस्स णिक्खमणं जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं गुणरयणं जाव विपुले सिद्धे १५। उ० सो० अ० ए० ख० जं० तेणंकालेणं तेणं समएणं वाणारसीए णयरीए काममहावणे चेइए तत्थ णं वाणारसीइए अलक्खे णामं राया होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे जाव विहरइ परिसा णिग्गया, तए णं से अलक्खे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे स० हट्ठतुट्ठ० जहा कूणिए जाव पज्जुवासइ धम्मकहा०। तए णं से अलक्खे राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए जहा उदायणे तहा णिक्खंते णवरं जेट्ठपुत्तं रज्जे अहिसिंचइ एक्कारस अंगाइं बहू वासा परियाओ जाव विपुले सिद्धे १६। एवं जंबू ! समणेणं जाव छट्ठमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥१५॥

सत्तमो वग्गो

जइ णं भंते ! सत्तमस्स वग्गस्स उक्खेवओ० जाव तेरस अज्झयणा पण्णत्ता तं०—णंदा तह णंदवई णंदोत्तर णंदिसेणिया चेव मरुया सुमरुया महमरुया मरुद्देवा य अट्ठमा ॥ १ ॥ भद्दा य सुभद्दा य सुजाया सुमणाइया । भूयदिण्णा य बोद्धव्वा सेणियभज्जाणं णामाइं ॥ २ ॥ जइ णं भंते !० तेरस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे

गुणसिलए चेइए सेणिए राया व०, तस्स णं सेणियस्स रण्णो णंदा णामं देवी होत्था वण्णओ,- सामी समोसढे परिसा णिग्गया। तए णं सा णंदा देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा स० जाव हट्ठ० कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता जाणं दुरुहइ जहा पउमावई जाव एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता वीसं वासाइं परियाओ जाव सिद्धा। एवं तेरसवि देवीओ णंदागमेण णेयव्वाओ णि० ॥ सत्तमो वग्गो समत्तो ॥१६॥

अट्ठमो वग्गो

जइ णं भंते ! अट्ठमस्स वग्गस्स उक्खेवओ जाव दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०-काली सुकाली महाकाली कण्हा सुकण्हा महाकण्हा। वीरकण्हा य बोधव्वा रामकण्हा तहेव य ॥ १ ॥ पिउसेणकण्हा णवमी दसमी महासेणकण्हा य। जइ० दस अज्झयणा० पढमस्स णं भं० अज्झयणस्स स० जाव सं० के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था पुण्णभद्दे चेइए, तत्थ णं चंपाए णयरीए कोणिए राया वण्णओ, तत्थ णं चंपाए णयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया काली णामं देवी होत्था वण्णओ जहा णंदा जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, बहूहिं चउत्थ० जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा काली अज्जा अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागया उवागच्छित्ता एवं वयासी—इच्छामि णं अज्जाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी रयणावलिं तवं उवसंपज्जेत्ताणं विहरेत्तए अहासुहं०। तए णं सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुण्णाया समाणी रयणावलिं त० उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं०—चउत्थं करेइ करेत्ता सव्वकामगुणियं पारेइ पारेत्ता छट्ठं करेइ करेत्ता सव्वकामगुणियं पारेइ २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्वकाम० २ चउत्थं करेइ २ सव्वकाम० छट्ठं करेइ २ सव्वकाम० २ अट्ठमं करेइ २ सव्वकाम० २ दसमं करेइ २ सव्वकाम० २ दुवालसमं करेइ २ सव्वकाम० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ बावीसइमं० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ अट्ठावीसइमं० २ सव्व० २ तीसइमं० २ सव्व० २ बत्तीसइमं० २ सव्व० २ चोत्तीसइमं० २ सव्व० २

चोत्तीसं छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ चोत्तीसइमं करेइ २ सव्व० २ बत्तीसं० २ सव्व० २ तीसं० २ सव्व० २ अट्ठावीसं० २ सव्व० २ छव्वीसं० २ सव्व० २ चउवीसं० २ सव्व० २ बावीसं० २ सव्व० २ वीसं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ बारसमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठ छट्ठाइं करेइ २ सव्व० २ अट्ठमं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं करेइ २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० एवं खलु एसा रयणावलीए तवोकम्मस्स पढमा परिवाडी एगेणं संवच्छरेणं तिहिं मासेहिं बावीसाए य अहोरत्तेहिं अहासुत्त जाव आराहिया भवइ। तयाणंतरं च णं दोच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ० एवं जहा पढमाए परिवाडिए तहा बीयाए वि णवरं सव्वपारणए विगइवज्जं पारेइ जाव आराहिया भवइ। तयाणंतरं च णं तच्चाए परिवाडीए चउत्थं करेइ करेत्ता अलेवाडं पारेइ सेसं तहेव, एवं चउत्था परिवाडी णवरं सव्वपारणए आयंबिलं पारेइ सेसं त चेव- 'पढमंमि सव्वकामं पारणयं बिइयए विगइवज्जं। तइयंमि अलेवाडं आयंबिलओ चउत्थंमि ॥ १ ॥' तए णं सा काली अज्जा रयणावली तवोकम्म पंचहिं संवच्छरेहिं दोहि य मासेहिं अट्ठावीसाए य दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता अज्जचंदणं अज्जं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ। तए णं सा काली अज्जा तेणं ओरालेणं जाव धमणिसंतया जाया यावि होत्था से जहा इंगाल० जाव सुहुयहुयासणे इव भासरासिपलिच्छण्णा तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अईव २ उवसोहेमाणी २ चिट्ठइ, तए णं तीसे कालीए अज्जाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकाले अयमज्झत्थिए जहा खंदयस्स चिंता जहा जाव जत्थि उट्ठा० ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलंते अज्जचंदणं अज्जं आपुच्छित्ता अज्जचंदणाए अज्जाए अब्भणुण्णायाए समाणीए संलेहणा-झूसणाझूसियाए भत्तपाणपडियाइक्खियाए कालं अणवकंखमाणीए विहरेत्तए त्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जचंदणं अज्जं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं अज्जो! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी संलेहणा० जाव विहरेत्तए, अहा-

सुहं० । तओ काली अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुण्णाया समाणी संलेहणा० जाव विहरइ। सा काली अज्जा अज्जचंदणाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव चरिमुस्सासणीसासेहिं सिद्धा ॥५॥ णिक्खेवओ ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥ १७ ॥ (उ० बि० अ० ए० स० अं०)

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा-णामं णयरी पुण्णभद्दे चेइए कोणिए राया, तत्थ णं सेणियस्स रण्णो भज्जा कोणियस्स रण्णो चुल्लमाउया सुकाली-णामं देवी होत्था जहा काली तहा सुकाली-वि णिक्खंता जाव बहूहिं चउत्थ-जाव भावेमाणी विहरइ । तए णं सा सुकाली अज्जा अण्णया कयाइ जेणेव अज्जचंदणा अज्जा जाव इच्छामि णं अज्जो ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी कणगावलीतवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, एवं जहा रयणावली तहा कणगावली वि, णवरं तिसु ठाणेसु अट्ठमाइं करेइ जहा रयणावलीए छट्ठाइं एक्काए परिवाडीए संवच्छरो पंच मासा बारस य अहोरत्ता चउण्हं पंच वरिसा णव मासा अट्ठारस दिवसा सेसं तहेव, णव वासा परियाओ जाव सिद्धा ॥ १८ ॥

एवं महाकाली-वि, णवरं खुड्डागं सीहणिक्कीलियं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०—चउत्थं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ चउत्थं करेइ २ सव्वका० २ अट्ठमं करेइ २ सव्वका० २ छट्ठं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० अट्ठमं० २ सव्व० २ दुवालसं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ चोद्दसं० २ दुवालसं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चोद्दसं० २ सव्व० २ अट्ठारसं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ वीस० २ सव्व० २ अट्ठार० २ सव्व० २ वीस० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठार० सव्व० २ चोद्दसं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ दुवालसं० २ सव्व० २ चोद्दसं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्वकामगुणियं पारेइ तहेव चत्तारि परिवाडीओ, एक्काए परिवाडीए छम्मासा सत्त य दिवसा, चउण्हं दो वरिसा अट्ठावीसा य

दिवसा जाव सिद्धा ॥ १९ ॥ एवं कण्हा वि णवरं महालयं सीहणिक्कीलियं तवोकम्मं जहेव खुड्डागं णवरं चोत्तीसइमं जाव णेयव्वं तहेव ऊसारेयव्वं, एक्काए वरिसं छम्मासा अट्ठारस य दिवसा, चउण्हं छव्वरिसा दो मासा बारस य अहोरत्ता, सेसं जहा कालीए जाव सिद्धा ॥ २० ॥ एवं सुकण्हा वि णवरं सत्तसत्तमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे सत्तए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स, दोच्चे सत्तए दो दो भोयणस्स दो दो पाणयस्स पडिगाहेइ, तच्चे सत्तए तिण्णि॰ चउत्थे॰ पंचमे॰ छ॰ सत्तमे सत्तए सत्त दत्तीओ भोयणस्स पडिग्गाहेइ सत्त पाणयस्स, एवं खलु एयं सत्तसत्तमियं भिक्खुपडिमं एगूणपण्णाए राइंदिएहिं एगेण य छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्ता जाव आराहेत्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवागया २ त्ता अज्जचंदणं अज्जं वंदइ णमंसइ वं॰ २ त्ता एवं वयासी--इच्छामि णं अज्जाओ ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेत्तए, अहासुहं॰। तए णं सा सुकण्हा अज्जा अज्जचंदणाए अब्भणुण्णाया समाणी अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे अट्ठए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स जाव अट्ठमे अट्ठए अट्ठट्ठ भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ अट्ठ पाणयस्स, एवं खलु एयं अट्ठट्ठमियं भिक्खुपडिमं चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव णवणवमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे णवए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स जाव णवमे णवए णवणव द॰ भो॰ पडि॰--णव २ पाणयस्स, एवं खलु णवणवमियं भिक्खुपडिमं एकासीई राइंदिएहिं चउहिं पंचोत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्ता जाव दसदसमियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, पढमे दसए एक्केक्कं भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ एक्केक्कं पाणयस्स जाव दसमे दसए दस २ भोयणस्स दत्तिं पडिगाहेइ दस २ पाण य स्स॰, एवं खलु एयं दसदसमियं भिक्खुपडिमं एक्केणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं जाव आराहेइ २ त्ता बहूहिं चउत्थ जाव मासद्धमासविविहतवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणी विहरइ, तए णं सा सुकण्हा अज्जा तेणं उरालेणं जाव सिद्धा ॥ णिक्खेवओ ॥ पंचम अज्झयणं ॥ २१ ॥ एवं महाकण्हा वि णवरं खुड्डागं सव्वओभद्दं पडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ (तं॰)

चउत्थं करेइ २ सव्वकामगुणियं पारेइ २ छट्ठं करेइ २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व २ छट्ठं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० एवं खलु एवं खुड्डागसव्वओभद्दस्स तवोकम्मस्स पढमं परिवाडिं तिहिं मासेहिं दसहिं दिवसेहिं अहासुत्तं जाव आराहित्ता दोच्चाए परियाडीए चउत्थं करेइ २ विगइवज्जं पारेइ २ जहा रयणावलीए तहा एत्थ-वि चत्तारि परिवाडीओ पारणा तहेव, चउण्हं कालो संवच्छरो मासो दस य दिवसा, सेसं तहेव जाव सिद्धा। णिक्खेवओ ॥ छट्ठं अज्झयणं ॥ २२ ॥ एवं वीर-कण्हा-वि णवरं महालयं सव्वओभद्दं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता-णं विहरइ, तं०— चउत्थं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ (प० लया) दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ (बिं० ल०) सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० छट्ठं २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चोद्द-सं० २ सव्व० २ (ति० ल०) अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ (च० ल०) चोद्दसं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ (पं० ल०) छट्ठं० सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ (छ०ल०) दुवाल० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व०

(स० ल०) एक्काए कालो अट्ठ मासा पंच य दिवसा चउण्हं दो वासा अट्ठ मासा बीसं दिवसा सेसं तहेव जाव सिद्धा ॥ २३ ॥ एवं रामकण्हा-वि णवरं भद्दोत्तरपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ तं०—दुवालसमं करेइ २ सव्व० चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ वीसइमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० अट्ठारसमं० २ सव्व० २ बीसइमं० २ सव्व० दुवालसमं० २ सव्व० चोद्दसमं० २ सव्व० २ बीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ बीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ बीसइमं० २ सव्व० २ दुवालसमं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० एक्काए कालो छम्मासा बीस य दिवसा, चउण्हं कालो दो वरिसा दो मासा बीस य दिवसा, सेसं तहेव जहा काली जाव सिद्धा ॥२४॥ एवं पिउसेणकण्हा वि णवरं मुत्तावलीतवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०—चउत्थं करेइ २ सव्व० २ छट्ठं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ दुवाल० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चोद्दसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ सोलसमं० २ सव्व० चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठारसमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ बीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ बावीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ चउवीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ छव्वीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ अट्ठावीसं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ तीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ सव्व० २ बत्तीसइमं० २ सव्व० २ चउत्थं० २ चोत्तीसइमं० २ सव्व० (२ त्ता च० २ त्ता स० २ त्ता व० २ त्ता) एवं तहेव ओसारेइ जाव चउत्थं करेइ २ त्ता सव्वकामगुणियं पारेइ, एक्काए कालो एक्कारस मासा पणरस य दिवसा चउण्हं तिण्णि वरिसा दस य मासा सेसं तहेव जाव सिद्धा ॥२५॥ एवं महा-सेणकण्हा वि, णवरं *आयंबिलवड्ढमाणं* तवोकम्मं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ, तं०—आयंबिलं करेइ २ चउत्थं करेइ २ बे आयंबिलाइं करेइ २ चउत्थं करेइ तिण्णि आयंबिलाइं करेइ २ चउत्थं० २ चत्तारि० २ चउत्थं० २ पंच० २

चउत्थं० २ छ० २ चउत्थं० २ एवं एकोत्तरियाए वड्ढीए आयंबिलाइं वड्ढंति चउत्थंतरियाइं जाव आयंबिलसयं करेइ २ चउत्थं करेइ। तए णं सा महासेण-कण्हा अज्जा आयंबिलवड्ढमाणं तवोकम्मं चोद्दसहिं वासेहिं तिहि य मासेहिं वीसहि य अहोरत्तेहिं अहासुत्तं जाव सम्मं काएणं फासेइ जाव आराहित्ता जेणेव अज्जचंदणा अज्जा तेणेव उवा० २ त्ता अ० अ० वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता बहूहिं चउत्थ जाव भावेमाणी विहरइ, तए णं सा महासेणकण्हा अज्जा तेणं उरालेणं जाव उवसोभेमाणी चिट्ठइ। तए णं तीसे महासेणकण्हाए अज्जाए अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकाले चिंता जहा खंदयस्स जाव अज्जचंदणं आपुच्छइ जाव संलेहणा० कालं अणवकंखमाणी विहरइ। तए णं सा महासेण-कण्हा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं सत्तरस वासाइं परियायं पालइत्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरइ जाव तमट्ठं आराहेइ आराहित्ता चरिमउस्सासणीसासेहिं सिद्धा बुद्धा०। अट्ठ य वासा आई एक्कोत्तरियाए जाव सत्तरस। एसो खलु परियाओ सेणिय-भज्जाणं णायव्वो ॥ १ ॥ एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आदि-गरेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते ॥२६॥ अंतगडदसाणं अंगस्स एगो सुयखंधो अट्ठवग्गा अट्ठसु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति, तत्थ पढमबिइयवग्गे दस दस (अट्ठ) उद्देसगा तइयवग्गे तेरस उद्देसगा चउत्थपंचमवग्गे दस दस उद्देसगा छट्ठवग्गे सोलस उद्देसगा सत्तमवग्गे तेरस उद्देसगा अट्ठमवग्गे दस उद्देसगा सेसं जहा णायधम्मकहाणं ॥२७॥

॥ अंतगडदसाओ समत्ताओ ॥

अणुत्तरोववाइयदसाओ

पढमो वग्गो

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे अज्जसुहम्मस्स समोसरणं परिसा णिग्गया जाव जंबू पज्जुवासइ एवं वयासी–जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अट्ठमस्स अंगस्स अंतगडदसाणं अयमट्ठे पण्णत्ते णवमस्स णं भंते! अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबू अणगारं एवं वयासी–एवं खलु जम्बू! समणेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं तिण्णि वग्गा पण्णत्ता। जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं तओ वग्गा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०–(गा०–) जालिमयालिउवयाली पुरिससेणे य वारिसेणे य, दीहदंते य लट्ठदंते य विहल्ले वेहा[य]से अभए इ य कुमारे। जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स णं भंते! अज्झयणस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे रिद्धत्थिमियसमिद्धे गुणसिलए चेइए सेणिए राया धारिणीदेवी सीहो सुमिणे जालीकुमारो जहा मेहो अट्ठट्ठओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० विहरइ। सामी समोसढे, सेणिओ णिग्गओ, जहा मेहो तहा जालीवि णिग्गओ तहेव णिक्खंतो जहा मेहो, एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, गुणरयणं तवोकम्मं एवं जा चेव खंदयस्स वत्तव्वया सा चेव चिंतणा आपुच्छणा थेरेहिं सद्धिं विपुलं तहेव दुरुहइ, णवरं सोलस वासाइं साम-

ण्णपरियागं पाउणित्ता कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदिम० सोहम्मीसाण जाव आरणच्चुए कप्पे णवयगेवेज्जविमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वीईवइत्ता विजयविमाणे देवत्ताए उववण्णे। तएणं ते थेरा भगवंतो जालिं अणगारं कालगयं जाणेत्ता परिणिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ त्ता पत्तचीवराइं गेण्हंति तहेव ओयरंति जाव इमे से आयारभंडए। भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी जाली णामं अणगारे पगइभद्दए से णं जाली अणगारे कालगए कहिं गए कहिं उववण्णे? एवं खलु गोयमा! मम अंतेवासी तहेव जहा खंदयस्स जाव कालं० उड्ढं चंदिम जाव विजय विमाणे देवत्ताए उववण्णे। जालिस्स णं भंते! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! बत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। से णं भंते! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं ३ कहिं गच्छिहिइ २? गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ (त्ता) एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स पढमज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते। एवं सेसाण वि अट्ठण्हं भाणियव्वं, णवरं (सत्त) छ धारिणीसुआ वेहल्लवेहा[य]सा चेल्लणाए (अ० णं०), आइल्लाणं पंचण्हं सोलस वासाइं सामण्णपरियाओ तिण्हं बारस वासाइं दोण्हं पंच वासाइं, आइल्लाणं पंचण्हं आणुपुव्वीए उववाओ विजए वेजयंते जयंते अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे, दीहदंते सव्वट्ठसिद्धे, उक्कमेणं सेसा, अभओ विजए, सेसं जहा पढमे, अभयस्स णाणत्तं, रायगिहे णयरे सेणिए राया णंदा देवी माया सेसं तहेव, एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥१॥ पढमो वग्गो समत्तो ॥

दोच्चो वग्गो

जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं पढमस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दोच्चस्स णं भंते! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—दीहसेणे महासेणे लट्ठदंते य गूढदंते य सुद्धदंते य हल्ले दुमे दुमसेणे महादुमसेणे य आहिए। सीहे य सीहसेणे य महासीहसेणे य आहिए, पुण्णसेणे य बोद्धव्वे

तेरसमे होइ अज्झयणे ॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स तेरस अज्झयणा प०, दोच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स पढमज्झयणस्स समणेणं ३ जाव संपत्तेणं के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया धारिणी देवी सीहो सुमिणे जहा जाली तहा जम्मं बालत्तणं कलाओ णवरं दीहसेणो कुमारो सच्चेव वत्तव्वया जहा जालिस्स जाव अंत काहिइ, एवं तेरसवि रायगिहे (ण०) सेणिओ पिया धारिणी माया तेरसण्ह वि सोलसवासा परियाओ, आणुपुव्वीए (उ०) विजए दोण्णि वेजयंते दोण्णि जयंते दोण्णि अपराजिए दोण्णि; सेसा महादुमसेणमाई पंच सव्वट्ठसिद्धे । एवं खलु जंबू ! समणेणं० अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, मासियाए संलेहणाए दोसु वि वग्गेसु ॥ बीओ वग्गो समत्तो ।

तच्चो वग्गो

जइ णं भंते !, समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं दोच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प० ? एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०–धण्णे य सुणक्खत्ते य, इसिदासे य आहिए । पेल्लए रामपुत्ते य, चंदिमा पिट्ठिमाइया ॥१॥ पेढालपुत्ते अणगारे, णवमे पुट्टिले वि य । वेहल्ले दसमे वुत्ते, इमेय दस (ए० अ०) आहिए ॥२॥ जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स दस अज्झयणा प० पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं काकंदी णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा सहस्संबवणे उज्जाणे सव्वोउय० जियसत्तू राया, तत्थ णं काकंदीए णयरीए भद्दा णामं सत्थवाही परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया, तीसे णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते धण्णे णामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे पंचधाईपरिग्गहिए तं०–खीरधाईए जहा महब्बले जाव बावत्तरिकलाओ अहीए जाव अलं-भोगसमत्थे जाए यावि होत्था, तए णं सा भद्दा सत्थवाही धण्णं दारयं उम्मुक्कबालभावं जाव

भोगसमत्थं यावि जाणित्ता बत्तीसं पासायवडिंसए कारेइ अब्भुग्गयमूसिए जाव तेसिं मज्झे भवणं अणेगखंभसयसंणिविट्ठं जाव बत्तीसाए इब्भवरकण्णगाणं एगदिवसेणं पाणिं गेण्हावेइ (२) बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासाय० फुट्टं० तेहिं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे० समोसढे परिसा णिग्गया राया जहा कोणिओ तहा जियसत्तू णिग्गओ, तए णं तस्स धण्णस्स तं महया (ज०) जहा जमाली तहा णिग्गओ, णवरं पायचारेणं जाव जं णवरं अम्मयं भद्दं सत्थवाहिं आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए जाव पव्वयामि जाव जहा जमाली तहा आपुच्छइ मुच्छिया वुत्तपडिवुत्तया जहा महब्बले जाव जाहे णो संचाएइ जहा थावच्चापुत्तो जियसत्तुं आपुच्छइ छत्तचामराओ० सयमेव जियसत्तू णिक्खमणं करेइ जहा थावच्चापुत्तस्स कण्हो जाव पव्वइए अणगारे जाए ईरियासमिए जाव गुत्तबंभयारी, तए णं से धण्णे अणगारे जं चेव दिवसं मुंडे भवित्ता जाव पव्वइए तं चेव दिवसं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी—एवं खलु इच्छामि णं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरित्तए छट्ठस्स वि-य णं पारणयंसि कप्पइ [मे] आयंबिलं पडिग्गहित्तए णो चेव णं अणायंबिलं तं-पि-य संसट्ठं णो चेव णं असंसट्ठं तं-पि-य णं उज्झियधम्मियं णो चेव णं अणुज्झियधम्मियं तं पि-य (णं) जं अण्णे बहवे समणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा णावकंखंति, अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबंधं करेह। तए णं से धण्णे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठ० जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से धण्णे अणगारे पढमछट्ठ(क)खमणपारणयंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी तहेव आपुच्छइ जाव जेणेव काकंदी णयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता काकंदीए णयरीए उच्च० जाव अडमाणे आयंबिलं [णो अणायंबिलं] जाव णावकंखंति, तए णं से धण्णे अणगारे ताए अब्भुज्जयाए पययाए पयत्ताए पग्गहियाए एसणाए एसमाणे जइ भत्तं लभइ तो पाणं ण लभइ अह पाणं लभइ तो भत्तं ण लभइ, तए णं से धण्णे अणगारे अदीणे अविमणे अकलुसे अविसाई अपरितंतजोगी जयणघडणजोगचरित्ते अहापज्जत्तं समुदाणं पडि-

गाहेइ २ त्ता काकंदीओ णयरीओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जहा गोयमे जाव पडि-दंसेइ। तए णं से धण्णे अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे अमुच्छिए जाव अणज्झोववण्णे बिलमिव पण्णगभूएणं अप्पाणेणं आहारं आहा० रेइ २ त्ता संजमेणं तवसा० विहरइ। तए णं समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ काकंदीओ णयरीओ सहसंबवणाओ उज्जाणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ। तए णं से धण्णे अणगारे समणस्स भग० वओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ अहिज्जित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से धण्णे अणगारे तेणं ओरालेणं जहा खंदओ जाव० चिट्ठइ। धण्णस्स णं अणगारस्स पायाणं अयमेयारूवे तवरूवलावण्णे होत्था, से जहा णामए सुक्क-छल्ली इ वा कट्ठपाउया इ वा जरग्गउवाहणा इ वा, एवामेव धण्णस्स अणगा० रस्स पाया सुक्का (लुक्खा) णिम्मंसा अट्ठिचम्मछिरत्ताए पण्णायंति णो चेव णं मंससोणियत्ताए। धण्णस्स णं अणगारस्स पायंगुलियाणं अयमेयारूवे० से जहाणामए कलसंगलिया इ वा मुग्गसं० माससंगलिया इ वा तरुणिया छिण्णा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी मिलायमाणी २ चिट्ठइ, एवामेव धण्णस्स अ० पायंगुलियाओ सुक्काओ जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स णं अ० जंघाणं अय० मेयारूवे० से जहा० काकजंघा इ वा कंकजंघा इ वा ढेणियालियाजंघा इ वा जाव सोणियत्ताए, धण्णस्सणं जाणू णं अयमेयारूवे० से जहा० कालीपोरे इ वा मयूरपोरे इ वा ढेणियालियापोरे इ वा एवं जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उरुस्स० जहाणामए सामकरेल्लेइ वा बोरिकरिल्लेइ वा सल्लइकरिल्लेइ वा सामलिकरिल्लेइ वा तरुणिए छि० उण्हे जाव चिट्ठइ एवामेव धण्णस्स उरू जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स कडिपत्तस्स इमेयारूवे० से जहा० उट्टपाए इ वा जरग्गपाए इ वा [महिसपाए इ वा] जाव सोणियत्ताए, धण्णस्स उदरभायणस्स अयमेयारूवे० से जहा० सुक्कदिए इ वा भज्जणयकभल्ले इ वा कट्ठकोलंबए इ वा, एवामेव उदरं सुक्कं० धण्णस्स पांसुलियकडयाणं इमेयारूवे० से जहा० थासयावली इ वा पाणावली इ वा मुंडावली इ वा०, धण्णस्स पिट्ठिकरंड० याणं अयमेयारूवे० से जहा० कण्णावली इ वा गोलावली इ वा वट्टयावली इ वा एवामेव०, धण्णस्स उरकडयस्स अयमेयारूवे० से जहा० चित्तकट्टरे इ

वा विग्रणपत्ते इ वा तालियंटपत्ते इ वा एवामेव०, धण्णस्स बाहाणं० से जहा॰ णामए समिसंगलिया इ वा बाहायासंगलिया इ वा अगत्थियसंगलिया इ वा॰ एवामेव० धण्णस्स हत्थाणं० से जहा० सुक्कछगणिया इ वा वडपत्ते इ वा पलासपत्ते इ वा, एवामेव० धण्णस्स हत्थंगुलियाणं० से जहा० कलसंगलिया इ वा मुग्गसं० माससंगलिया इ वा तरुणिया छिण्णा आयवे दिण्णा सुक्का समाणी एवामेव०, धण्णस्स गीवाए० से जहा० करगगीवा इ वा कुंडियागीवा इ वा उच्चट्ठवणए इ वा एवामेव० धण्णस्स णं हणुयाए० से जहा० लाउफले इ वा हकुवफले इ वा अंबगट्ठिया इ वा एवामेव०, धण्णस्स उट्ठाणं० से जहा० सुक्कजलोया इ वा सिलेसगुलिया इ वा अलत्तगुलिया इ वा एवामेव०, धण्णस्स जिब्भाए० से जहा० वडपत्ते इ वा पलासपत्ते इ वा (उंबर०) सागपत्ते इ वा एवामेव० धण्णस्स णासाए० से जहा० अंबगपेसिया इ वा अंबाडगपेसिया इ वा माउलिंगपेसिया इ वा तरुणिया एवामेव०, धण्णस्स अच्छीणं० से जहा० वीणाछिड्डे इ वा वद्धीसगछिड्डे इ वा पाभाइयतारिगा इ वा एवामेव० धण्णस्स कण्णाणं० से जहा० मूलाछल्लियाइ वा वालुंक० कारेल्लयच्छल्लीयाइ वा एवामेव० धण्णस्स अ० सीसस्स० से जहा० तरुणगलाउएइ वा तरुणग॰ एलालुएइ वा सिण्हालएइ वा तरुणए जाव चिट्ठइ, एवामेव धण्णस्स अण॰ गारस्स सीसं सुक्कं लुक्खं णिम्मंसं अट्ठिचम्मछिरत्ताए पण्णायइ णो चेव णं मंससोणियत्ताए, एवं सव्वत्थ, णवरं उदरभायणं कण्णा जीहा उट्ठा एएसिं अट्ठी ण भण्णइ चम्मछिरत्ताए पण्णायइत्ति भण्णइ, धण्णे णं अणगारे णं सुक्केणं भुक्खेणं पायजंघोरुणा विगयतडिकरालेणं कडिकडाहेणं पिट्ठमवस्सिएणं उदर॰ भायणेणं जोइज्जमाणेहिं पांसुलियकडएहिं अक्खसुत्तमालाइ वा गणिज्जमालाइ वा गणिज्जमाणेहिं पिट्ठिकरंडगसंधीहिं गंगातरंगभूएणं उरकडगदेसभाएणं सुक्कसप्पसमाणाहिं बाहाहिं सिढिलकडाली विव लंबं(चलं)तेहिं य अग्ग॰ हत्थेहिं कंपणवाइओविव वेवमाणीए सीसघडीए पव्वायवयणकमले उब्भडघड॰ मुहे उव्वुड्डणयणकोसे जीवंजीवेणं गच्छइ जीवंजीवेणं चिट्ठइ भासं भासिस्सामित्ति गिलाइ ३ से जहाणामए इंगालसगडियाइ वा जहा खंदओ तहा जाव हुयासणे इव भासरासिपलिच्छण्णे तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए (अ०) उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ॥३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सेणिए

राया, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसढे परिसा णिग्गया सेणिओ णिग्गए धम्मकहा परिसा पडिगया । तए णं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–इमासि णं भंते ! इंदभूइपामोक्खाणं चोद्दसण्हं समणसाहस्सीणं कयरे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्जरयराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! इमासिं इंदभूइपामोक्खाणं चोद्दसण्हं समणसाहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्जरयराए चेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ इमासिं जाव साहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए चेव महाणिज्जरयराए चेव ? एवं खलु सेणिया ! तेणं कालेणं तेणं समएणं कायंदी णामं णयरी होत्था० उप्पिं पासायवडिंसए विहरइ, तए णं अहं अण्णया कयाइ पुव्वाणुपुव्वीए चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव कायंदी णयरी जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागए [उवागमित्ता] अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हामि २ त्ता संजमेणं जाव विहरामि, परिसा णिग्गया, तहेव जाव पव्वइए जाव बिलमिव जाव आहारेइ। धण्णस्स णं अणगारस्स पादाणं सरीरवण्णओ सव्वो जाव उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं सेणिया ! एवं वुच्चइ–इमासिं चउदसण्हं समणसाहस्सीणं धण्णे अणगारे महादुक्करकारए महाणिज्जरयराए चेव । तए णं से सेणिए राया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ० समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव धण्णे अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता धण्णं अणगारं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ एवं वयासी–धण्णेऽसि णं तुमं देवाणुप्पिया ! सुपुण्णे० सुकयत्थे कयलक्खणे सुलद्धे णं देवाणुप्पिया ! तव माणुस्सए जम्मजीवियफले-त्तिकट्टु वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ॥४॥ तए णं तस्स धण्णस्स अणगारस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं० इमेयारूवे अज्झत्थिए० एवं खलु अहं इमेणं उरालेणं० जहा खंदओ तहेव चिंता आपुच्छणं थेरेहिं सद्धिं विउलं दुरूहइ मासिया संलेहणा णवमासा परियाओ

जाव कालमासे कालं किच्चा उढ्ढं चंदिम जाव णवयगेवेज्जविमाणपत्थडे उड्ढं दूरं वीईवइत्ता सव्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववण्णे। थेरा तहेव ओयरंति जाव इमे से आयारभंडए। भंतेत्ति ! भगवं गोयमे तहेव पुच्छइ जहा खंदयस्स भगवं वागरेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे उववण्णे। धण्णस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता। से णं भंते ! ताओ देवलोगाओ (आ० ३) कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ५। तं एवं खलु जंबू ! समणेणं जाव संपत्तेणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥५॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

जइ णं भंते ! ० उक्खेवओ एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं काकंदी णयरी जियसत्तू राया तत्थ णं काकंदीए णयरीए भद्दा-णामं सत्यवाही परिवसइ अड्ढा०, तीसे णं भद्दाए सत्थवाहीए पुत्ते सुणक्खत्ते णामं दारए होत्था अहीण० जाव सुरूवे पंचधाइपरिक्खित्ते जहा धण्णो तहा बत्तीसओ दाओ जाव उप्पिं पासायवडिंसए विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समोसरणं जहा धण्णे तहा सुणक्खत्ते वि णिग्गए जहा थावच्चापुत्तस्स तहा णिक्खमणं जाव अणगारे जाए ईरियासमिए जाव बंभयारी। तए णं से सुणक्खत्ते अणगारे जं चेव दिवसं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडे जाव पव्वइए तं चेव दिवसं अभिग्गहं तहेव जाव बिलमिव ० आहारेइ संजमेणं जाव विहरइ ० बहिया जणवयविहारं विहरइ एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से सुणक्खत्ते अ० तेणं ओरालेणं० जहा खंदओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सेणिए राया सामी समोसढे परिसा णिग्गया राया णिग्गओ धम्मकहा राया पडिगओ परिसा पडिगया। तए णं तस्स सुणक्खत्तस्स अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजा० जहा खंदयस्स बहू वासा परियाओ गोयमपुच्छा तहेव कहेइ जाव सव्वट्ठसिद्धे विमाणे देवत्ताए उववण्णे तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, से णं भंते ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ। बीयं अज्झयणं समत्तं ॥ एवं सुणक्खत्तगमेणं सेसा-वि अट्ठ भाणियव्वा, णवरं आणुपुव्वीए दोण्णि रायगिहे दोण्णि साएए दोण्णि वाणियग्गामे णवमो हत्थिणापुरे दसमो रायगिहे णवण्हं भद्दाओ जणणीओ णवण्ह-वि बत्तीसओ दाओ णवण्हं णिक्खमणं थावच्चापुत्तस्स सरिसं वेहल्लस्स॰

पिया करेइ छम्मासा वेहल्लए णव धण्णे सेसाणं बहू वासा मासं संलेहणा सव्वट्ठसिद्धे महाविदेहे सिज्झिस्संति । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं आइगरेणं तित्थयरेणं सयंसंबुद्धेणं लोगणाहेणं लोगप्पईवेणं लोगपज्जोयगरेणं अभयदएणं सरणदएणं चक्खुदएणं मग्गदएणं धम्मदएणं धम्मदेसएणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टिणा अप्पडिहयवरणाणदंसणधरेणं जिणेणं जाणएणं बुद्धेणं बोहएणं मुक्केणं मोयएणं तिण्णेणं तारएणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्तयं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपत्तेणं अणुत्तरोववाइयदसाणं तच्चस्स वग्गस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥६॥ अणुत्तरोववाइयदसाणामं णवममंगं समत्तं ॥ अणुत्तरोववाइयदसाणं एगो सुयखंधो तिण्णि वग्गा तिसु चेव दिवसेसु उ० तत्थ पढमे वग्गे दस उद्देसगा बिइए वग्गे तेरस उद्देसगा तइए वग्गे दस उद्देसगा सेसं जहा णायाधम्मकहाणं तहा णेयव्वं ॥ ७ ॥

॥ अणुत्तरोववाइयदसाओ समत्ताओ ॥

पण्हावागरणं

पढमो सुयक्खंधो

पढमं अज्झयणं

(तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था, पुण्णभद्दे चेइए असोगवरपायवे पुढविसिलापट्टए, तत्थ णं चंपाए णयरीए कोणिए णामं राया होत्था, धारिणी देवी, तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे णाम थेरे जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूवसंपण्णे विणयसंपण्णे णाणसंपण्णे दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे लज्जासंपण्णे लाघवसंपण्णे ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोभे जियणिद्दे जियइंदिए जियपरीसहे जीवियासमरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे मुत्तिप्पहाणे विज्जापहाणे मंतप्पहाणे बंभप्पहाणे वयप्पहाणे णयप्पहाणे णियमप्पहाणे सच्चप्पहाणे सोयप्पहाणे णाणप्पहाणे दंसणप्पहाणे चरित्तप्पहाणे चोद्दसपुव्वी चउणाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपा णयरी तेणेव उवागच्छइ जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजंबू णामं अणगारे कासवगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव संखित्तविपुलतेयलेस्से अज्जसुहम्मस्स थेरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू जाव संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ। तए णं से अज्जजंबू जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पण्णसड्ढे ३ संजायसड्ढे ३ समुप्पण्णसड्ढे ३ उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव अज्जसुहम्मे थेरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अज्जसुहम्मं थेरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता णच्चासण्णे णाइदूरे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं णवमस्स अंगस्स अणुत्तरोववाइयदसाणं अयमट्ठे प० दसमस्स णं भंते० अंगस्स पण्हा-

वागरणाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे प० ? जंबू ! दसमस्स अंगस्स समणेणं जाव संपत्तेणं दो सुयक्खंधा पण्णत्ता–आसवदारा य संवरदारा य। पढमस्स णं भंते ! सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता ? जम्बू ! पढमस्स णं सुयक्खंधस्स समणेणं जाव संपत्तेणं पंच अज्झयणा पण्णत्ता, दोच्चस्स णं भंते !० एवं चेव, एएसि णं भंते ! अण्हयसंवराणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? तए णं अज्जसुहम्मे थेरे जंबूणामेणं अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे जं० अणगारं एवं वयासी–)जंबू ! इणमो अण्हयसंवरविणिच्छयं पवयणस्स णिस्संदं। वोच्छामि णिच्छयत्थं सुहासियत्थं महेसीहिं ॥ १ ॥ पंचविहो पण्णत्तो जिणेहिं इह अण्हओ अणाईओ। हिंसामोसमदत्तं अब्बंभपरिग्गहं चेव ॥ २ ॥ जारिसओ जंणामा जह य कओ जारिसं फलं देइ। जेवि य करेंति पावा पाणवहं तं णिसामेह ॥ ३ ॥ पाणवहो णाम एस णिच्चं जिणेहिं भणिओ–पावो चंडो रुद्दो खुद्दो साहसिओ अणारिओ णिग्घिणो णिस्संसो महब्भओ पइभओ १० अइभओ बीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खो णिद्धम्मो णिप्पिवासो णिक्कलुणो णिरयवासगमणणिधणो २० मोहमहब्भयपयट्टओ मरणवेमणस्सो २२॥ पढमं अधम्मदारं ॥ १ ॥ तस्स य णामाणि इमाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा–पाणवहो १ उम्मूलणा सरीराओ २ अवीसंभो ३ हिंसविहिंसा ४ तहा अकिच्चं च ५ घायणा ६ मारणा य ७ वहणा ८ उद्दवणा ९ तिवायणा य १० आरंभसमारंभो ११ आउयकम्मस्सुवद्दवो भेयणिट्ठवणगालणा य संवट्टगसंखेवो १२ मच्चू १३ असंजमो १४ कडगमद्दणं १५ वोरमणं १६ परभवसंकामकारओ १७ दुग्गइप्पवाओ १८ पावकोवो य १९ पावलोभो २० छविच्छेओ २१ जीवियंतकरणो २२ भयंकरो २३ अणकरो य २४ वज्जो २५ परितावणअण्हओ २६ विणासो २७ णिज्जवणा २८ लुंपणा २९ गुणाणं विराहणत्ति ३० वि य तस्स एवमाईणि णामधेज्जाणि होंति तीसं पाणवहस्स कलुसस्स कडुयफलदेसगाइं ॥ २ ॥ तं च पुण करेंति केई पावा असंजया अविरया अणिहुयपरिणामदुप्पयोगी पाणवहं भयंकरं बहुविहं बहुप्पगारं परदुक्खुप्पायणप्पसत्ता इमेहिं तसथावरेहिं जीवेहिं पडिणिविट्ठा, किं ते ? पाठीणतिमितिमिंगिलअणेगझसविविहजाइमंडुक्कदुविहकच्छभणक्कमगरदुविहगाहदिलिवेढयमंडुयसीमागारपुलुयसुंसुमारबहुप्पगारजलयरविहाणाकए य एवमाई, कुरंगरुरुसरभचमरसंबरउरब्भससयपसयगोण रोहिय-

हयगयखरकरभखग्गवाणरगवयविगसियालकोलमज्जारकोलसुण (का)कसिरि-
यंदलगावत्तकोकंतिय-गोकण्णमियमहिस-वियग्घ-छगलदीविय-साण-तरच्छअच्छ-
भल्लसद्दुल-सीहचिल्लल-चउप्पयविहाणाकए य एवमाई, अयगरगोणसवराहि-
मउलिकाउदरदब्भपुप्फआसालियमहोरगोरगविहाणककए य एवमाई, छीरल-
सरंबसेह-सेल्लग-गोधुंदर-णउलसरड-जाहग-मुगुंसखाडहिल-वाउप्पइय-घरोलिय-
सिरीसिवगणे य एवमाई, कादंबक-बक-बलाकासारसआडासेतीयकुललवंजुल-
पारिप्पवकीवसउणदीवियहंसधत्तरिट्ठगभासकुलीकोसकुंचदगतुंडढेणियालगसूई-
मुहकविलपिंगलक्खगकारंडगचक्कवागउक्कोसगरुलपिंगुलसुयबरहिणमयणसाल-
णंदीमुह-णंदमाणग-कोरंग-भिंगारग-कोणालग-जीवंजीवग-तित्तिर-वट्टकलावक-
कपिंजलककवोतगपारेवगचिडिगढिंककुक्कुडवेसरमयूरगचउरगहयपोंडरीयसा-
लग (करकरग) चीरल्लसेणवायसविहगभेणासि चासवग्गुलिचम्मट्ठिलवितत-
पक्खिखहयरविहाणाकए य एवमाई, जलथलखगचारिणो उ पंचिंदिए पसुगणे
बियतियचउरिंदिए विविहे जीवे पियजीविए मरणदुक्खपडिकूले वराए हणंति
बहुसंकिलिट्ठकम्मा । इमेहिं विविहेहिं कारणेहिं, किं ते ? चम्मवसामंसमेय-
सोणियजगफिप्फिसमत्थु (लि) लुंगहिययंतपित्तफोफसदंतट्ठा अट्ठिमिजणहणयण-
कण्णण्हारुणिणक्कधमणिसिंगदाढिपिच्छविसविसाणवालहेउं, हिंसंति य भमर-
मधुकरिगणे रसेसु गिद्धा तहेव तेइंदिए सरीरोवकरणट्ठयाए किवणे बेइंदिए
बहवे वत्थोहरपरिमंडणट्ठा, अण्णेहि य एवमाइएहिं बहूहिं कारणसएहिं अबुहा
इह हिंसंति तसे पाणे इमे य एगिंदिए बहवे वराए तसे य अण्णे तदस्सिए चेव
तणुसरीरे समारंभंति अत्ताणे असरणे अणाहे अबंधवे कम्मणिगलबद्धे अकुसल-
परिणाममंदबुद्धिजणदुव्विजाणए पुढविमए पुढविसंसिए जलमए जलगए अण-
लाणिलतणवणस्सतिगणणिस्सिए य तम्मयतज्जिए चेव तदाहारे तप्परिणतवण्ण-
गंधरसफासबोंदिरूवे अचक्खुसे चक्खुसे य तसकाइए असंखे थावरकाए य
सुहुम-बायर-पत्तेयसरीर-णाम-साधारणे अणंते हणंति अविजाणओ य
परिजाणओ य जीवे इमेहिं विविहेहिं कारणेहिं, किं ते ? करिसणपोक्खरणी-
वाविवप्पिणिकूवसरतलागचितिवेतियखातियआरामविहारथूभपागारदारगोउर-
अट्टालगचरियासेतुसंकमपासायविकप्पभवणघरसरणलेणआवणचेतियदेवकुलचित्त-
सभापवाआयतणावसहभूमिघरमंडवाण य कए भायणभंडोवगरणस्स विविहस्स

य अट्ठाए पुढविं हिंसंति मंदबुद्धिया जलं च मज्जणयपाणभोयणवत्थधोवणसोयमाइएहिं पयणपयावणजलावणविदंसणेहिं अगणिं, सुप्पवियणतालयंटपेहुणमुहकरयलसागपत्तवत्थमाइएहिं अणिलं, अगारपरियारभक्खभोयणसयणासणफलगमुसलउक्खलततविततातोज्जवहणवाहणमंडव-विविह-भवण-तोरणविडंगदेवकुलजालयद्धचंदणिज्जूहग-चंदसालियवेतियणिस्सेणिदोणि-चंगेरिखील-मेढकसभापवावसहगंधमल्लाणुलेवण-अंबरजुयणंगल मइय-कुलिय-संदणसीयारहसगडजाणजोग्गअट्टालगचरिअदारगोपुरफलिहाजंतसूलियलउडमुसंढिसयग्घिबहुपहरणावरणुवक्खराण कए अण्णेहि य एवमाइएहिं बहूहिं कारणसएहिं हिंसंति ते तरुगणे भणिया भणिए य एवमाई। सत्ते सत्तपरिवज्जिया उवहणंति दढमूढा दारुणमई कोहा माणा माया लोभा हस्स-रई अरई सोय-वेयत्थी जीयकामत्थधम्महेउं सवसा अवसा अट्ठा अणट्ठाए य तसपाणे थावरे य हिंसंति मंदबुद्धी सवसा हणंति अवसा हणंति सवसा अवसा दुहओ हणंति अट्ठा हणंति अणट्ठा हणंति अट्ठा अणट्ठा दुहओ हणंति हस्सा हणंति वेरा हणंति रईय हणंति हस्सवेरारई य हणंति कुद्धा हणंति लुद्धा हणंति मुद्धा हणंति कुद्धा लुद्धा मुद्धा हणंति अत्था हणंति धम्मा हणंति कामा हणंति अत्था धम्मा कामा हणंति ॥३॥

कयरे ते ? जे ते सोयरिया मच्छबंधा साउणिया वाहा कूरकम्मा वाउरिया दीवियबंधणप्पओगतप्पगलजालवीरल्लगायसीदब्भवग्गुराकूडछेलिहत्थाहरिएसासाउणिया य वीदंसगपासहत्था वणचरगा लुद्धगा य महुघातपोतघाया एणीयारा पएणियारा सरदहदीहिअतलागपल्ललपरिगालणमलणसोत्तबंधणसलिलासयसोसगा विसगरस्स य दायगा उत्तणवल्लरदवग्गिणिद्दयपलीवका कूरकम्मकारी इमे य बहवे मिलक्खुजाई, के ते ? सकजवणसवरबब्बरगायमुरुंडोदभडगतित्तियपक्कणियकुलक्खगोडसीहलपारसकोंचंधदविल बिल्ललपुलिंदअरोसडोंबपोक्कणगंधहारगबहलीयजल्लरोममासबउसमलया चुंचुया य चूलिया कोंकणगामेतपण्हवमालवमहुरआभासियअणक्कचीणल्हासियखसखासिया णेहुरमरहट्ठमुट्ठियआरबडोबिलगकुहणकेकयहुणरोमगरुरुमरुगा चिलायविसयवासी य पावमतिणो जलयरथलयरसणप्फतोरगखहचरसंडासतोंडजीवोवघायजीवी सण्णी य असण्णिणो य पज्जत्ता असुभलेस्सपरिणामा एए अण्णे य एवमाई करेंति पाणाइवायकरणं पावा पावाभिगमा पावरुई पाणवहकयरई पाणवहरूवाणु-

ट्ठाणा पाणवहकहासु अभिरमंता तुट्ठा पावं करेत्तु होंति य बहुप्पगारं । तस्स य पावस्स फलविवागं अयाणमाणा वड्ढंति महब्भयं अविस्सामवेयणं दीहकालबहुदुक्खसंकडं णरयतिरिक्खजोणिं, इओ आउक्खए चुया असुभकम्मबहुला उववज्जंति णरएसु हुलितं महालएसु वयरामयकुड्डरुद्दणिस्संधिदारविरहियणिम्मद्दवभूमितलखरामरिसविसमणिरयघरचारएसु महोसिणसयापतत्तदुग्गंधविस्सउव्वेयजणगेसु बीभच्छदरिसणिज्जेसु णिच्चं हिमपडलसीयलेसु कालोभासेसु य भीमगंभीरलोमहरिसणेसु णिरभिरामेसु णिप्पडियारवाहिरोगजरापीलिएसु अतीवणिच्चंधकारतिमिस्सेसु पतिभएसु ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसेसु मेयवसामंसपडलपोच्चडपूयरुहिरुक्किण्णविलीणचिक्कणरसियावावण्णकुहियचिक्खल्लकद्दमेसु कुकूलाणलपलित्तजालमुम्मुरअसिक्खुरकरवत्तधारासुणिसितविच्छुयडंकणिवातोवम्मफरिसअतिदुस्सहेसु य अत्ताणासरणकडुयदुक्खपरितावणेसु अणुबद्धणिरंतरवेयणेसु जमपुरिससंकुलेसु । तत्थ य अंतोमुहुत्तलद्धिभवपच्चएणं णिव्वत्तेंति उ ते सरीरं हुंडं बीभच्छदरिसणिज्जं बीहणगं अट्ठिण्हारुणहरोमवज्जियं असुभ-गंध-दुक्खविसहं, ततो य पज्जत्तिमुवगया इंदिएहिं पंचहिं वेदेंति असुभाए वेयणाए उज्जलबलविउलउक्कडक्खरफरुसपयंडघोरबीहणगदारुणाए । किं ते ? कंदुमहाकुंभियपयणपउलणतवगतलणभट्ठभज्जणाणि य लोहकडाहुकड्ढणाणि य कोट्टबलिकरणकोट्टणाणि य सामलितिक्खग्गलोहकंटकअभिसरणपसारणाणि फालणविदालणाणि य अवकोडकबंधणाणि लट्ठिसयतालणाणि य गलगबलुल्लंबणाणि सूलग्गभेयणाणि य आएसपवंचणाणि खिंसणविमाणणाणि विघुट्ठपणिज्जणाणि वज्झसयमातिकाणि य एवं ते । पुव्वकम्मकयसंचयोवतत्ता णिरयग्गिमहग्गिसंपलित्ता गाढदुक्खं महब्भयं कक्कसं असायं सारीरं माणसं च तिव्वं दुविहं वेदेंति वेयणं पावकम्मकारी बहूणि पलिओवमसागरोवमाणि कलुणं पालेंति ते अहाउयं जमकाइयतासिता य सद्दं करेंति भीया, किं ते ? अविभायसामिभायबप्पताधजियवं मुय मे मरामि दुब्बलो वाहिपीलिओऽहं किं दाणिऽसि ? एवं दारुणो णिद्दय मा देहि मे पहारे उस्सासेतं मुहुत्तयं मे देहि पसायं करेहि मा रुस वीसमामि गेविज्जं मुयह मे मरामि, गाढं तण्हाइओ अहं देह पाणीयं हंता पिय इमं जलं विमलं सीयलंति घेत्तूण य णरयपाला तवियं तउयं से देंति कलसेण अंज-

लीसु दठ्ठूण य तं पवेवियंगोवंगा अंसुपगलंतपप्पुयच्छा छिण्णा तण्हाइयम्ह कलुणाणि जंपमाणा विप्पेक्खंता दिसोदिसिं अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहूणा विपलायंति य मिगा इव वेगेण भयुव्विग्गा, घेत्तूण बला पलायमाणाणं णिरणुकंपा मुहं विहाडेत्तुं लोहडंडेहिं कलकलं ण्हं वयणंमि छुभंति केइ जमकाइया हसंता, तेण दड्ढा संतो रसंति य भीमाइं विस्सराइं रुवंति य कलुणगाइं पारेवयगा व एवं पलवियविलावकलुणकंदियबहुरुण्णरुइयसद्दो परिदेवियरुद्धबद्धयणारयारवसंकुलो णीसट्ठो रसियभणियकुवियउक्कूइयणिरयपालतज्जिय गेण्हक्कम पहर छिंद भिंद उप्पाडेहुक्खणाहि कत्ताहि विकत्ताहि य भुज्जो हण विहण विच्छुभोच्छुब्भ आकड्ढ विकड्ढ किं ण जंपसि ? सराहि पावकम्माइं दुक्कयाइं एव वयणमहप्पगब्भो पडिसुयासद्दसंकुलो तासओ सया णिरयगोयराणं महाणगरडज्झमाणसरिसो णिग्घोसो सुच्चए अणिट्ठो तहियं णेरइयाणं जाइज्जंताणं जायणाहिं । किं ते ? असिवणदब्भवणजंतपत्थरसूइतलक्खारवाविकलकलंतवेयरणिकलंबवालुयाजलियगुहणिरुंभणउसिणोसिणकंटइल्लदुग्गमरहजोयणतत्तलोहमग्गगमणवाहणाणि, इमेहिं विविहेहिं आयुहेहिं किं ते ? मोग्गरमुसुंढिकरकयसत्तिहलगयमुसलचक्ककोंततोमरसूललउलभिंडिमालसद्धलपट्टिसचम्मेट्ठदुहणमुट्ठियअसिखेडगखग्गचावणारायकणगकप्पणिवासिपरसुटंकतिक्खणिम्मलअण्णेहिं य एवमाइएहिं असुभेहिं वेउव्विएहिं पहरणसएहिं अणुबद्धतिव्ववेरा परोप्परवेयणं उदीरेंति अभिहणंता । तत्थ य मोग्गरपहारचुण्णियमुसुंढिसंभग्गमहितदेहा जंतोवपीलणफुरंतकप्पिया केइत्थ सचम्मका विगत्ता णिम्मूलुल्लूणकण्णोट्ठणासिका छिण्णहत्थपाया असिकरकयतिक्खकोंतपरसुप्पहारफालियवासीसंतच्छितंगमंगा कलकलमाणखारपरिसित्तगाढडज्झंतगत्तकुंतग्गभिण्णजज्जरियसव्वदेहा विलोलंति महीतले (णिरयग्गजीहा) विसूणियंगमंगा। तत्थ य विगसुणगसियालकाकमज्जारसरभदीवियवियग्घगमद्दूलसीहदप्पियखुहाभिभूएहिं णिच्चकालमणसिएहिं घोरा-ऽऽ-रसमाणभीमरूवेहिं अक्कमित्ता दढदाढागाढडक्ककड्ढियसुतिक्खणहफालियउद्धदेहा विच्छिप्पंते समंतओ विमुक्कसंधिबंधणावियंगमंगा कंककुररगिद्धघोरकट्ठवायसगणेहि य पुणो खरथिरदढणक्खलोहतुंडेहिं ओवइत्ता पक्खाहयतिक्खणक्खविक्किण्णजिब्भंछियणयणणिद्दओलुग्गविगयवयणा, उक्कोसंता य उप्पयंता णिपतंता भमंता पुव्वकम्मो-

वयोवगया पच्छाणुसएण डज्झमाणा णिदंता पुरेकडाइं कम्माइं पावगाइं तहिं २ तारिसाणि ओसण्णचिक्कणाइं दुक्खाइं अणुभवित्ता तओ य आउक्खएणं उव्वट्टिया समाणा बहवे गच्छंति तिरियवसहिं दुक्खुत्तरं सुदारुणं जम्मणमरणजरावाहिपरियट्टणारहट्टं जलथलखहचरपरोप्परविहिंसणपवंचं इमं च जगपागडं वरागा दुक्खं पावेंति दीहकालं। किं ते? सीउण्हतण्हाखुहवेयणअप्पईकारअडविजम्मणणिच्चभउव्विग्गवासजग्गणवहबंधणताडणंकणणिवायणअट्ठिभंजणणासाभेयप्पहारदूमणछविच्छेयणअभिओगपावणकसंकुसारणिवायदमणाणि वाहणाणि य मायापिइविप्पयोगसोयपरिपीलणाणि य सत्थग्गिविसाभिघायगलगवलावलणमारणाणि य गलजालुच्छिप्पणाणि पउलण-विकप्पणाणि य जावज्जीविगबंधणाणि य पंजरणिरोहणाणि य सयूहणिद्धाडणाणि य धमणाणि य दोहणाणि य कुदंडगलबंधणाणि वाडगपरिवारणाणि य पंकजलणिमज्जणाणि य वारिप्पवेसणाणि य ओवायणिभंगविसमणिवडणदवग्गिजालदहणाई य। एवं ते दुक्खसयसंपलित्ता णरगाओ आगया इहं सावसेसकम्मा तिरिक्खपंचेंदिएसु पाविंति पावकारी कम्माणि पमायरागदोसबहुसंचियाइं अईव अस्सायकक्कसाइं। भमरमसगमच्छिमाइएसु य जाइकुलकोडिसयसहस्सेहिं णवहिं चउरिंदियाण तहिं-तहिं चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखेज्जकं भमंति णेरइयसमाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणचक्खुसहिया तहेव तेइंदिएसु कुंथुपिप्पीलियाअवधिकादिएसु य जाइकुलकोडिसयसहस्सेहिं अट्ठहिं अणूणएहिं तेइंदियाण तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखेज्जकं भमंति णेरइयसमाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणघाणसंपउत्ता (तहेव बेइंदिएसु) गंडूलयजलूयकिमियचंदणगमाइएसु य जाइकुलकोडिसयससहस्सेहिं सत्तहिं अणूणएहिं बेइंदियाण तहिं २ चेव जम्मणमरणाणि अणुहवंता कालं संखिज्जकं भमंति णेरइयसमाणतिव्वदुक्खा फरिसरसणसंपउत्ता। पत्ता एगिंदियत्तणंपि य पुढविजलजलणमारुयवणप्फइसुहुमबायरं च पज्जत्तमपज्जत्तं पत्तेयसरीरणामसाहारणं च पत्तेयसरीरजीविएसु य तत्थवि कालमसंखेज्जगं भमंति अणंतकालं च अणंतकाए फासिंदियभावसंपउत्ता दुक्खसमुदयं इमं अणिट्ठं पावंति पुणो २ तहिं २ चेव परभवतरुगणगहणे कोद्दालकुलियदालणसलिलमलणखुंभणरुंभणअणलाणिलविविहसत्थघट्टणपरोप्पराभिहणणमारणविराहणाणि य अकामकाइं

परप्पओगोदीरणाहि य कज्जपओयणेहि य पेस्सपसुणिमित्तं ओसहाहारमाइएहिं उक्खणणउक्कत्थणपयणकोट्टणपीसणपिट्टणभज्जणगालणआमोडणसडणफुडणभंजणछेयणतच्छणविलुंचणपत्तज्झोडणअग्गिदहणाइयाइं एवं ते भवपरंपरादुक्खसमणुबद्धा अडंति संसारबीहणकरे जीवा पाणाइवायणिरया अणंतकालं जेवि य इह माणुसत्तणं आगया कहिंचि णरगा उव्वट्टिया अधण्णा तेवि य दीसंति पायसो विकयविगलरूवा खुज्जा वडभा य वामणा य बहिरा काणा कुंटा पंगुला विउला य मूका य मंमणा य अंधयगा एगचक्खू विणिहयसचिल्लया वाहिरोगपीलिय-अप्पाउय-सत्थवज्झबाला कुलक्खणुक्किण्णदेहा दुब्बलकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा किविणा य हीणा हीणसत्ता णिच्चंसोक्खपरिवज्जिया असुहदुक्खभागी णरगाओ उव्वट्टिया इहं सावसेसकम्मा । एवं णरगं तिरिक्खजोणिं कुमाणुसत्तं च हिंडमाणा पावंति अणंताइं दुक्खाइं पावकारी एसो सो पाणवहस्स फलविवागो इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भयो बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चई, ण य अवेदयित्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरणामधेज्जो कहेसी य पाणवहस्स फलविवागं। एसो सो पाणवहो चंडो रुद्दो खुद्दो अणारिओ णिग्घिणो णिसंसो महब्भओ बीहणओ तासणओ अणज्जो उव्वेयणओ य णिरवयक्खो णिद्धम्मो णिप्पिवासो णिक्कलुणो णिरयवासगमणणिधणो मोहमहब्भयपवड्ढओ मरणवेमणस्सो पढमं अहम्मदारं समत्तंत्तिबेमि ॥ ४ ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

बीयं अज्झयणं

जंबू ! बिइयं च अलियवयणं लहुसगलहुचवलभणियं भयंकरं दुहकरं अयसकरं वेरकरगं अरइरइरागदोसमणसंकिलेसवियरणं अलियणियडिसाइजोयबहुलं णीयजणणिसेवियं णिस्संसं अप्पच्चयकारगं परमसाहुगरहणिज्जं परपीलाकारगं परमकिण्हलेस्ससहियं दुग्गइविणिवायवड्ढणं भवपुणब्भवकरं चिरपरिचियमणुगयं दुरंतं कित्तियं बिइयं अहम्मदारं ॥५॥ तस्स य णामाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा—अलियं १ सढं २ अणज्जं ३ मयामोसो ४ असंतकं ५ कूडकवडमवत्थुगं च ६ णिरत्थयमवत्थयं च ७ विद्देसगरहणिज्ज

८ अणुज्जुगं ९ कक्कणा य १० वंचणा य ११ मिच्छापच्छाकडं च १२ साई उ १३ उच्छण्णं १४ उक्कूलं च १५ अट्टं १६ अब्भक्खाणं च १७ किब्बिसं १८ वलयं १९ गहणं च २० मम्मणं च २१ णूमं २२ णियधी २३ अप्पच्चओ २४ असमओ २५ असच्चसंधत्तणं २६ विवक्खो २७ अवहीअं(आणाइ)यं २८ उवहिअसुद्धं २९ अवलोवोत्ति ३०, अवि य तस्स एयाणि एवमाईणि णामधेज्जाणि होंति तीसं सावज्जस्स अलियस्स वइजोगस्स अणेगाइं ॥ ६ ॥ तं च पुण वयंति केई अलियं पावा असंजया अविरया कवडकुडिलकडुयचडुलभावा कुद्धा लुद्धा भया य हस्सट्ठिया य सक्खी चोरा चारभडा खंडरक्खा जियजूईकरा य गहियगहणा कक्ककुरुगकारगा कुलिंगी उवहिया वाणियगा य कूडतुलकूडमाणी कुडकाहावणोवजीवी पडगारकलायकारुइज्जा वंचणपरा चारियचाडुयारणगरगुत्तियपरिचारगा दुट्ठवायिसूयकअणबलभणिया य पुव्वकालियवयणदच्छा साहसिया लहुस्सगा असच्चा गारविया असच्चट्ठावणाहिचित्ता उच्चच्छंदा अणिग्गहा अणियत्ता छंदेण मुक्कवाया भवंति अलियाहि जे अविरया । अवरे णत्थिगवाइणो वामलोकवाई भणंति णत्थि जीवो ण जाइ इह परे वा लोए ण य किंचिवि फुसइ पुण्णपावं णत्थि फलं सुकयदुक्कयाणं पंचमहाभूइयं सरीरं भासंति हे ! वायजोगजुत्तं, पंच य खंधे भणंति केई, मणं च मणजीविया वयंति, वाउजीवोत्ति एवमाहंसु, सरीरं साइयं सणिधणं इहभवे एगे भवे तस्स विप्पणासंमि सव्वणासोत्ति, एवं जंपंति मुसावाई, तम्हा दाणवयपोसहाणं तवसंजमबंभचेरकल्लाणमाइयाणं णत्थि फलं णवि य पाणवहअलियवयणं ण चेव चोरिक्ककरणपरदारसेवणं वा सपरिग्गहपावकम्मकरणं पि णत्थि किंचि ण णेरइयतिरियमणुयाण जोणी ण देवलोगो वा अत्थि ण य अत्थि सिद्धिगमणं अम्मापियरो णत्थि णवि अत्थि पुरिसकारो पच्चक्खाणमवि णत्थि णवि अत्थि कालमच्चू य अरिहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा णत्थि णेवत्थि केइ रिसओ धम्माधम्मफलं च णवि अत्थि किंचि बहुयं च थोवकं वा, तम्हा एवं विजाणिऊण जहा सुबहु इंदियाणुकूलेसु सव्वविसएसु वट्टह णत्थि काइ किरिया वा अकिरिया वा एवं भणंति णत्थिगवाइणो वामलोयवाई । इमंपि बिईयं कुदंसणं असब्भाववाइणो पण्णवेंति मूढा—संभूओ अंडकाओ लोको सयंभुणा सयं च णिम्मिओ, एवं एयं अलियं-पयावइणा इस्सरेण य कयंति केई,

एवं विण्हुमयं कसिणमेव य जगंति केई। एवमेगे वयंति मोसं एको आया अकारको वेदको य सुकयस्स दुक्कयस्स य करणाणि कारणाणि सव्वहा सव्वहिं च णिच्चो य णिक्किओ णिग्गुओ य अणुवलेवओत्ति-विय एवमाहसु असब्भावं, जंपि इहं किंचि जीवलोके दीसइ सुकयं वा दुकयं वा एयं जदिच्छाए वा सहावेण वावि दइवतप्पभावओ यावि भवइ, णत्थेत्थ किंचि कयगं तत्तं लक्खणविहाणणियतीए कारियं एवं केइ जंपंति इड्ढिरससायगारवपरा बहवे करणालसा परूवेंति धम्मवीमंसएण मोसं, अवरे अहम्मओ रायदुट्ठं अब्भक्खाणं भणंति–अलियं चोरोत्ति अचोरयं करेंतं डामरिउत्ति वि य एमेव उदासीणं दुस्सीलोत्ति य परदारं गच्छइत्ति मइलिंति सीलकलियं अयंपि गुरुतप्पओत्ति, अण्णे एमेव भणंति उवाहणंता मित्तकलत्ताइं सेवंति अयंपि लुत्तधम्मो इमोवि विस्संभ[वाइ]घायओ पावकम्मकारी अकम्मकारी अगम्मगामी अयं दुरप्पा बहुएसु य पावगेसु जुत्तोत्ति एवं जंपंति मच्छरी, भद्दके वा गुणकित्तिणेहपरलोगणिप्पिवासा, एवं ते अलियवयणदच्छा परदोसुप्पायणप्पसत्ता वेढेंति अक्खाइयबीएण अप्पाणं कम्मबंधणेण मुहरी असमिक्खियप्पलावा णिक्खेवे अवहरंति परस्स अत्थंमि गढियगिद्धा अभिजुंजंति य परं असंतएहिं लुद्धा य करेंति कूडसक्खित्तणं असच्चा अत्थालियं च कण्णालियं च भोमालियं च तह गवालियं च गरुयं भणंति अहरगइगमणं, अण्णंपि य जाइरूवकुलसीलपच्चयं मायाणिगुणं चवलपिसुणं परमट्ठभेयगम[स]संतकं विद्देसमणत्थकारकं पावकम्ममूलं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं अमुणियं णिल्लज्जं लोकगरहणिज्जं वहबंधपरिकिलेसबहुलं जरामरणदुक्खसोयणिम्मं असुद्धपरिणामसंकिलिट्ठं भणंति अलियाहिसंधिसणिविट्ठा असंतगुणुदीरया य संतगुणणासका य हिंसाभूओवघाइयं अलियसंपउत्ता वयणं सावज्जमकुसलं साहुगरहणिज्जं अधम्म जणणं भणंति अणभिगयपुण्णपावा, पुणोवि अधिकरणकिरियापवत्तका बहुविहं अणत्थं अवमद्दं अप्पणो परस्स य करेंति, एमेव जंपमाणा महिससूकरे य साहिंति घायगाणं ससयपसयरोहिए य साहिंति वागुराणं तित्तिरवट्टकलावके य कविंजलकवोयके य साहिंति साउणीणं झसमगरकच्छभे य साहिंति मच्छियाणं संखंके खुल्लए य साहिंति मगराणं अयगर-गोणस-मंडलि-दव्वीकरे मउली य साहिंति वालवीणं गोहा सेहग सल्लग-सरडगे य साहिंति लुद्धगाणं गयकुलवाणरकुले य साहिंति पासियाणं सुक-बरहिण-

मयणसाल-कोइल-हंसकुले सारसे य साहिंति पोसगाणं वधबंधजायणं च साहिंति गोम्मियाणं धणधण्णगवेलए य साहिंति तक्कराणं गामागरणगरपट्टणे य साहिंति चारियाणं पारघाइय-पंथघाइयाओ साहिंति य गंठिभेयाणं कयं च चोरियं णगर-गोत्तियाणं लंछणणिल्लंछणधमणदुहणपोसणवणणदवणवाहणाइयाइं साहिंति बहूणि गोमियाणं धातुमणिसिलप्पवालरयणागरे य साहिंति आगरीणं पुप्फविहिं फलविहिं च साहिंति मालियाणं अग्घमहुकोसए य साहिंति वणचराणं जंताइं विसाइं मूलकम्मं आहेवण-आविंधण-आभिओग-मंतोसहिप्पओगे चोरियपरदार-गमणबहुपावकम्मकरणं उक्खंधे गामघाइयाओ वणदहणतलागभेयणाणि बुद्धि-विसविणासणाणि वसीकरणमाइयाइं भयमरणकिलेसदोसजणणाणि भावबहुसंकि-लिट्ठमलिणाणि भूयघाओवघाइयाइं सच्चाइं पि ताइं हिंसगाइं वयणाइं उदाहरंति। पुट्ठा वा अपुट्ठा वा परतत्तियवावडा य असमिक्खियभासिणो उवदिसंति सहसा उट्टा गोणा गवया दमंतु परिणयवया अस्सा हत्थी गवेलग-कुक्कुडा य किज्जंतु किणावेध य विक्केह पयह य सयणस्स देह पियय दासि-दास-भयक-भाइल्लका य सिस्सा य पेसकजणो कम्मकरा य किंकरा य एए सयणपरिजणो य कीस अच्छंति ? भारिया भे करित्तु कम्मं गहणाइं वणाइं खेत्तखिलभूमिवल्लराइं उत्तणघणसंकडाइं डज्झंतु-सूडिज्जंतु य रुक्खा भिज्जंतु जंतभंडाइयस्स उवहिस्स कारणाए बहुविहस्स य अट्ठाए उच्छू दुज्जंतु पीलिज्जंतु य तिला पयावेह य इट्टकाउ मम घरट्ठयाए खेत्ताइं कसह कसावेह य लहुं गाम-आगर-णगर-खेड-कब्बडे णिवेसेह अडवीदेसेसु विउलसीमे पुप्फाणि य फलाणि य कंदमूलाइं कालपत्ताइं गेण्हेह करेह संचयं परिजणट्ठयाए साली वीही जवा य लुच्चंतु मलिज्जंतु उप्पणिज्जंतु य लहुं च पविसंतु य कोट्ठागारं अप्पमहउक्कोसगा य हंमंतु पोयसत्था सेणा णिज्जाउ जाउ डमरं घोरा वट्टंतु य संगामा पवहंतु य सगडवाहणाइं उवणयणं चोलगं विवाहो जण्णो अमुगम्मि उ होउ दिवसेसु करणेसु मुहुत्तेसु णक्खत्तेसु तिहिसु य अज्ज होउ ण्हवणं मुइयं बहुखज्जपि-ज्जकलियं कोतुकं विण्हावणकं संतिकम्माणि कुणह ससि-रवि-गहोवरागविसमेसु सज्जणपरियणस्स य णियकस्स य जीवियस्स परिरक्खणट्ठयाए पडिसीस-काइं च देह दह य सीसोवहारे विविहोसहि-मज्ज-मंस-भक्खण्ण-पाणमल्लाणु-

लेवणपईवजलि-उज्जलसुगंधिधूवावकारपुप्फफलसमिद्धे पायच्छित्ते करेह पाणाइ-वायकरणेणं बहुविहेणं विवरीउप्पायदुस्सुमिणपावसउणअसोमग्गहचरियअमंगल-णिमित्तपडिघायहेउं वित्तिच्छेयं करेह मा देह किंचि दाणं सुट्ठु हओ सुट्ठु हओ सुट्ठु छिण्णो भिण्णोत्ति उवदिसंता एवंविहं करेंति अलियं मणेण वायाए कम्मुणा य अकुसला अणज्जा अलियाणा अलियधम्मणिरया अलियासु कहासु अभिर-मंता तुट्ठा अलियं करेत्तु होंति य बहुप्पयारं ॥ ७ ॥ तस्स य अलियस्स फल-विवागं अयाणमाणा वड्ढेंति महब्भयं अविस्सामवेयणं दीहकालं बहुदुक्खसंकडं णरयतिरियजोणिं तेण य अलिएण समणुबद्धा आइद्धा पुणब्भवंधकारे भमंति भीमे दुग्गइवसहिमुवगया । ते य दीसंतिह दुग्गया दुरंता परवसा अत्थभोगपरिवज्जिया असुहिया फुडियच्छविबीभच्छविवण्णा खरफरुसविरत्त-ज्झामज्झुसिरा णिच्छाया लल्लविफलवाया असक्कयमसक्कया अगंधा अचेयणा दुभगा अकंता काकस्सरा हीणभिण्णघोसा विहिंसा जडबहिरंधया य मम्मणा अकंतविकयकरणा णीया णीयजणणिसेविणो लोगगरहणिज्जा भिच्चा अस-रिसजणस्स पेस्सा दुम्मेहा लोकवेदअज्झप्पसमयसुइवज्जिया णरा धम्मबुद्धि-वियला अलिएण य तेणं पडज्झमाणा असंतएण य अवमाणणपट्ठिमंसाहि-क्खेवपिसुणभेयणगुरुबंधवसयणमित्तवक्खारणाइयाइं अब्भक्खाणाइं बहुविहाइं पावेंति अमणोरमाइं हिययमणदूमकाइं जावज्जीवं दुरुद्धराइं अणिट्ठखरफरुस-वयण-तज्जण-णिब्भच्छण-दीणवयणविमणा कुभोयणा कुवाससा कुवसहीसु किलिस्संता णेव सुहं णेव णिव्वुइं उवलभंति अच्चंतविउलदुक्खसयसंपलित्ता । एसो सो अलियवयणस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, ण य अवेयइत्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति । एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरणामधेज्जो कहेसी य अलियवयणस्स फलविवागं एयं तं बिईयंपि अलिय-वयणं लहुसगलहुचवलभणियं भयंकरं दुहकरं अयसकरं वेरकरगं अरइरइराग-दोसमणसंकिलेसवियरणं अलियणियडिसाइजोगबहुलं णीयजणणिसेवियं णिस्संसं अप्पच्चयकारगं परमसाहुगरहणिज्जं परपीलाकारगं परमकण्हलेससहियं दुग्गइ-विणिवायवड्ढणं (भव) पुणब्भवकरं चिरपरिचियमणुगयं दुरंतं । बिइयं अधम्मदारं समत्तं ॥८॥ बीयं अज्झयणं समत्तं ॥

तइयं अज्झयणं

जंबू ! तइयं च अदिण्णादाणं हरदहमरणभयकलुसतासणपरसंतिगऽभेज्ज-लोभमूलं कालविसमसंसियं अहोऽच्छिण्णतण्हपत्थाणपत्थोइमइयं अकित्तिकरणं अणज्जं छिद्दमंतरविधुरवसणमग्गणउस्सवमत्तप्पमत्तपसुत्तवंचणक्खिवणघायण-पराणिहुयपरिणामतक्करजणबहुमयं अकलुणं रायपुरिसरक्खियं सया साहुगरहणिज्जं पियजणमित्तजणभेयविप्पीइकारकं रागदोसबहुलं पुणो य उप्पूरसमर-संगामडमरकलिकलहवेहकरणं दुग्गइविणिवायवड्डणं भवपुणब्भवकरं चिरपरि-चियमणुगयं दुरंतं । तइयं अधम्मदारं ॥ ९ ॥ तस्स य णामाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा—चोरिक्कं १ परहडं २ अदत्तं ३ कूरिकडं ४ परलाभो ५ असंजमो ६ परधणंमि गेही ७ लोलिक्कं ८ तक्करत्तणं ति य ९ अव-हारो १० हत्थलहुत्तणं ११ पावकम्मकरणं १२ तेणिक्कं १३ हरणविप्प-णासो १४ आदियणा १५ लुंपणा धणाणं १६ अप्पच्चओ १७ अवीलो १८ अक्खेवो १९ खेवो २० विक्खेवो २१ कूडया २२ कुलमसी य २३ कंखा २४ लालप्पणपत्थणा य २५ आससणाय वसणं २६ इच्छामुच्छा य २७ तण्हा-गेहि २८ णियडिकम्मं २९ अपरच्छंति ३० विय तस्स एयाणि एवमाईणि णाम-धेज्जाणि होंति तीसं अदिण्णादाणस्स पावकलिकलुसकम्मबहुलस्स अणेगाइं ॥ १० ॥ तं पुण करेंति चोरियं तक्करा परदव्वहरा छेया कयकरणलद्धलक्खा साहसिया लहुस्सगा अइमहिच्छलोभगच्छा दद्दरओवीलका य गेहिया अहि-मरा अणभंजकभग्गसंधिया रायदुट्ठकारी य विसयणिच्छूढलोकबज्झा उद्दो-हकगामघायगपुरघायगपंथघायगआलीवगतित्थभेया लहुहत्थसंपउत्ता जूइकरा खंडरक्खत्थीचोरपुरिसचोरसंधिच्छेया य गंथिभेयगपरधणहरणलोमावहार-अक्खेवी हडकारका णिम्मद्दगगूढचोरकगोचोरगअस्सचोरगदासिचोरा य एक-चोरा ओकड्डक-संपदायक-उंच्छिपक-सत्थघायक-बिल (चोरी) कोलीकारका य णिग्गाहविप्पलुंपगा बहुविहतेणिक्कहरणबुद्धी, एए अण्णे य एवमाई परस्स दव्वाहि जे अविरया। विउलबलपरिग्गहा य बहवे रायाणो परधणंमि गिद्धा सए व दव्वे असंतुट्ठा परविसए अहिहणंति ते लुद्धा परधणस्स कज्जे चउरंग (सम)-विभत्तबलसमग्गा णिच्छियवरजोहजुद्धसद्धियअहमहमिइदप्पिएहिं सेण्णेहिं संप-

रिवुडा पउमसगडसूइचक्कसागरगरुलवूहाइएहिं अणिएहिं उत्थरंता अभिभूय हरंति परधणाइं अवरे रणसीसलद्धलक्खा संगामंमि अइवयंति सण्णद्धबद्ध-परियरउप्पीलिय-चिंधपट्टगहियाउहपहरणा माढिवर-वम्मगुंडिया आविद्ध-जालिया कवयकंकडइया उरसिरमुहबद्धकंठतोणमाइयवरफलहरचियपहकर-सरहसखरचावकर-करंछिय-सुणिसियसरवरिसचडकरक-चमुयंत-घणचंडवेग-धारा-णिवायमग्गे अणेगधणुमंडलग्गसंधिता-उच्छलियसत्तिकणगवामकरगहियखेडग-णिम्मलणिक्किट्ठखग्गपहरंतकोंततोमरचक्कगयापरसुमुसललंगलसूललउलभिंड-मालासब्बलपट्टिसचम्मेट्ठदुघणमोट्ठियमोग्गरवरफलिहजंतपत्थरदुहणतोणकुवेणी-पीढकलियईलीपहरणमिलिमिलिमिलंतखिप्पंतविज्जुज्जलविरचियसमप्पहणभतले फुडपहरणे महारणसंखभेरिवरतूरपउरपडुपडहाहयणिणायगंभीरणंदियपक्खु-भियविउलघोसे हयगयरहजोहतुरियपसरियउद्धततमंधकारबहुले कायरणरणय-णहिययवाउलकरे विलुलियउक्कडवरमउडतिरीडकुंडलोडुदामाडोविया पागड-पडागउसियज्झयवेजयंतिचामरचलंतछत्तंधकारगम्भीरे हयहेसियहत्थिगुलुगुला-इयरहघणघणाइयपाइक्कहरहराइयअप्फोडियसीहणायछेलियविघुट्ठुक्कुट्ठकंठग-यसद्दभीमगज्जिए सयराहहसंतरुसंतकलकलरवे आसूणियवयणरुद्दभीमदसणा-धरोट्ठगाढदट्ठसप्पहारणुज्जयकरे अमरिसवसतिव्वरत्तणिद्दारितच्छे वेर-दिट्ठिकुद्धचिट्ठियतिवलीकुडिलभिउडिकयणिलाडे वहपरिणयणरसहस्सविक्कम-वियंभियबले वग्गंततुरगरहपहावियसमरभडा आवडियछेयलाघवपहारसा-धिया समूसवियबाहुजुयलं मुक्कट्टहासपुक्कंतबोलबहुले फलफलगावरणगहिय-गयवरपत्थितदरियभडखलपरोप्परपलग्गजुद्धगव्वियविउसियवरासिरोसतुरिय-अभिमुहपहरिंतछिण्णकरिकरविभंगियकरे अवइ[ट्ठ]द्धणिसुद्धभिण्णफालियपग-लियरुहिर-कयभूमि-कद्दमचिलिचिल्लपहे कुच्छिदालिय-गलितरुलितणिभेल्लं-तंतफुरुफुरंतऽविगलमम्माहयविकयगाढदिण्णपहारमुच्छितरुलंत-वेंभलविलावक-लुणे हयजोहभमंततुरगउद्दामभत्तकुंजरपरिसंकियजणणिव्वुक्कच्छिण्णधयभ-ग्गरहवरणट्ठसिरकरिकलेवराकिण्णपतितपहरणविकिण्णाभरणभूमिभागे णच्चं-तकबंधपउरभयंकरवायसपरिलेंतगिद्धमंडलभमंतच्छायंधकारगंभीरे वसुवसुह-विकंपियव्व पच्चक्खपिउवणं परमरुद्दबीहणगं दुप्पवेसतरगं अभिवयंति संगाम-

संकडं परधणं महंता। अवरे पाइक्कचोरसंघा सेणावइ-चोरवंद-पागड्डिका य अडवीदेसदुग्गवासी कालहरितरत्तपीतसुक्किल्लअणेगसयचिंध-पट्टबद्धा परविसए अभिहणंति लुद्धा धणस्स कज्जे रयणागरसागरं उम्मीसहस्समालाउलाकुलविओ-यपोतकलकलेंतकलियं पायालसहस्सवायवसवेगसलिलउद्धम्ममाणदगरयरयंधकारं वरफेणपउरधवलपुलंपुलसमुट्ठियट्टहासं मारुयविच्छुभमाणपाणियजलमालुप्पीलहु-लियं अवि य समंतओ खुभियलुलियखोखुब्भमाणपक्खलियचलियविउलजलचक्क-वालमहाणईवेगतुरिय-आपूरमाणगंभीरविउलआवत्तचवलभममाणगुप्पमाणुच्छ-लंतपच्चोणियत्तपाणियपधावियखरफरुसपचंडवाउलियसलिलफुट्टंतवीइकल्लोल-संकुलं महामगर-मच्छकच्छभोहार-गाहतिमिसुंसुमार-सावयसमाहय-समुद्धायमा-णकपूरघोरपउरं कायरजणहिययकंपणं घोरमारसंतं महब्भयं भयंकरं पइभयं उत्तासणगं अणोरपारं आगासं चेव णिरवलंबं उप्पाइयपवणधणियणोल्लियउव-रुवरितरंगदरियअइवेगवेगचक्खुपहमुच्छरंतकच्छइ-गंभीर-विउलगज्जिय-गुंजिय-णिग्घायगरुयणिवडियसुदीहणीहारिदूरसुच्चंतगंभीरधुगुधुगंतसद्दं पडिपहरुंभं-तजक्खरक्खसकुहंडपिसायरुसियतज्जायउवसग्गसहस्ससंकुलं बहूप्पाइयभूयं विर-चितबलिहोमधूवउवचारदिण्णरुधिरच्चणाकरणपयतजोगपययचरियं परियंत-जुगंतकालकप्पोवमं दुरंतं महाणईणईवईमहाभीमदरिसणिज्जं दुरणुच्चरं विसमप्पवेसं दुक्खुत्तारं दुरासयं लवणसलिलपुण्णं असियसियसमूसियगेहिं दच्छ (हत्थ)तरकेहिं वाहणेहिं अइवइत्ता समुद्दमज्झे हणंति गंतूण जणस्स-पोते परदव्वहरा णरा णिरणुकंपा णिरवयक्खा गामागरणगरखेडकब्बडमडंब-दोणमुहपट्टणासमणिगमजणवए ,य धणसमिद्धे हणंति थिरहियपछिण्णलज्जा बंदिग्गहगोग्गहे य गेण्हंति दारुणमई णिक्किवा णियं हणंति छिंदंति गेहसंधि णिक्खित्ताणि य हरंति धणधण्णदव्वजायाणि जणवयकुलाणं णिग्घिणमई परस्स दव्वाहिं जे अविरया। तहेव केई अदिण्णादाणं गवेसमाणा कालाकालेसु संचरंता चियकापज्जलियसरसदरदड्ढकयकलेवरे रुहिरलित्तवयणअखयखाइय-पीयडाइणिभमंतभ(य)यंकरं जंबुयखिखियंते घूयकयघोरसद्दे वेयालुट्ठियणिसुद्ध-कहकहियपहसियबीहणकणिरभिरामे अइदुब्भिगंधबीभच्छदरिसणिज्जे सुसा-णवणसुण्णघरलेणअंतरावणगिरिकंदरविसमसावयसमाकुलासु वसहीसु किलि-स्संता सीयातवसोसियसरीरा दड्ढच्छवी णिरयतिरियभवसंकडदुक्खसंभारवेयणि-

ज्जाणि पावकम्माणि संचिणंता दुल्लहभक्खणपाणभोयणा पिवासिया झुंझिया किलंता मंसकुणिमकंदमूलजंकिंचिकयाहारा उव्विग्गा उप्पुया असरणा अडवीवासं उवेंति वालसयसंकणिज्जं अयसकरा तक्करा भयंकरा कास हरामोत्ति अज्ज दव्वं इइ सामत्थं करेंति गुज्झं बहुयस्स जणस्स कज्जकरणेसु विग्घकरा मत्तपमत्तपसुत्तवीसत्थछिद्दघाती वसणब्भुदएसु हरणबुद्धी विगव्व रुहिरमहिया परेंति णरवइमज्जायमइक्कंता सज्जणजणदुगुंछिया सकम्मेहिं पावकम्मकारी असुभपरिणया य दुक्खभागी णिच्चाइलदुहमणिव्वुइमणा इहलोए चेव किलिस्संता परदव्वहरा णरा वसणसयसमावण्णा ॥११॥ तहेव केइ परस्स दव्वं गवेसमाणा गहिया य हया य बद्धरुद्धा य तुरियं अइधाडिया पुरवरं समप्पिया चोरग्गहचारभडचाडुकराण तेहि य कप्पडप्पहारणिद्दयआरक्खियखरफरुसवयणतज्जण-गलच्छल्लुच्छल्लणाहिं विमणा चारगवसहिं पवेसिया णिरयवसहिसरिसं तत्थवि गोम्मियप्पहार-दूमण-णिब्भच्छण-कडुयवयण-भेसणगभयाभिभूया अक्खित्तणियंसणा मलिणदंडिखंडणिवसणा उक्कोडालंच-पासमग्गणपरायणेहिं दुक्खसमुदीरणेहिं गोम्मियभडेहिं विविहेहिं बंधणेहिं, किं ते ? हडिणियडवालरज्जुयकुदंडगवरत्तलोहसंकलहत्थंदुयवज्झपट्टदामकणिक्कोडणेहिं अण्णेहिं य एवमाइएहिं गोम्मिकभंडोवकरणेहिं दुक्खसमुदीरणेहिं संकोडणमोडणाहिं बज्झंति मंदपुण्णा संपुडकवाडलोहपंजरभूमिघरणिरोहकूवचारगकीलगजूयचक्कविततबंधणखंभालणउद्धचलणबंधणविहम्मणाहि य विहेडयंता अवकोडकगाढउरसिरबद्धउद्धपूरियफुरंतउरकडगमोडणामेडणाहिं बद्धा य णीससंता सीसावेढऊरुयावलचप्पडगसंधिबंधणतत्तसलागसूइयाकोडणाणि तच्छणविमाणणाणि य खारकडुयतित्तणावणजायणाकारणसयाणि बहुयाणि पावियंता उरक्खोडीदिण्णगाढपेल्लणअट्ठिकसंभग्गसपंसुलीगा गलकालकलोहदंडउरउदरवत्थिपिट्ठि-परिपीलिया [मत्थं]च्छंतहिययसंचुण्णियंगमंगा आणत्तीकिंकरेहिं केइ अविराहियवेरिएहिं जमपुरिससण्णिहेहिं पहया ते तत्थ मंदपुण्णा चडवेलावज्झपट्टपाराइं छिवकसलतवरत्तणेत्तप्पहारसयतालियंगमंगा किवणा लंबंतचम्मवणवेयणविमुहियमणा घणकोट्टिमणियलजुयलसंकोडियमोडिया य कीरंति णिरुच्चारा एया अण्णा य एवमाईओ वेयणाओ पावा पावेंति अदंतिंदिया वसट्टा बहुमोहमोहिया परधणंमि लुद्धा फासिंदियविसयतिव्वगिद्धा इत्थिगयरूव-

सद्दरसगंधइट्ठरइमहिय भोगतण्हाइया य धणतोसगा गहिया य जे णरगणा। पुणरवि ते कम्मदुव्वियद्धा उवणीया रायकिंकराण तेसिं वहसत्थगपाढयाणं विलउलीकारकाणं लंचसयगेण्हगाणं कूडकवडमायाणियडिआयरणपणिहिवंचणविसारयाणं बहुविहअलियसयजंपकाणं परलोयपरम्मुहाणं णिरयगइगामियाणं तेहि य आणत्तजीयदंडा तुरियं उग्घाडिया पुरवरे सिंघाडगतियचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु वेत्तदंडलउडकट्ठलेट्ठुपत्थरपणालिपणोल्लिमुट्ठिलयापायपण्हिजाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्ता अट्ठारसकम्मकारणा जाइयंगमंगा कलुणा सुक्कोट्ठकंठगलकतालजीहा जायंता पाणीयं विगयजीवियासा तण्हाइया वरागा तं वि य ण लभंति वज्झपुरिसेहिं धाडियंता, तत्थ य खरफरुसपडहघट्टियकूडग्गहगाढरुट्ठणिसट्ठपरामुट्ठा वज्झकरकुडिजुयणियत्था सुरत्तकणवीरगहियविमुकुलकंठेगुणवज्झदूयआविद्ध-मल्लदामा मरणभयुप्पण्णसेयआयतणेहुत्तुपियकिलिण्णगत्ता चुण्णगुंडियसरीररयरेणुभरियकेसा कुसुंभगोविकण्णमुद्धया छिण्णजीवियासा घुण्णंता वज्झयाभीया तिलं-तिलं चेव छिज्जमाणा सरीरविक्किंत-लोहिओलित्ता कागणिमंसाणि खावियंता पावा खरफरुसएहिं तालिज्जमाणदेहा वातिगणरणारिसंपरिवुडा पेच्छिज्जंता य णगरजणेण वज्झणेवत्थिया पणेज्जंति णयरमज्झेण किवणकलुणा अत्ताणा असरणा अणाहा अबंधवा बंधुविप्पहीणा विपिक्खता दिसोदिसिं मरणभयुव्विग्गा आघायणपडिदुवारसंपाविया अधण्णा सूलग्गविलग्गभिण्णदेहा। ते य तत्थ कीरंति परिकप्पियंगमंगा उल्लंबिज्जंति रुक्खसालासु केइ कलुणाइं विलवमाणा अवरे चउरंगधणियबद्धा पव्वयकडगा पमुच्चंते दूरपातबहुविसमपत्थरसहा अण्णे य गयचलणमलणयणिम्मद्दिया कीरंति पावकारी अट्ठारसखंडिया य कीरंति मुंडपरसूहिं केइ उक्कत्तकण्णोट्ठणासा उप्पाडियणयणदसणवसणा जिब्भिंदियछिण्णकण्णसिरा पणिज्जंते छिज्जंते य असिणा णिव्विसया छिण्णहत्थपाया पमुच्चंते जावज्जीवबंधणा य कीरंति केइ परदव्वहरणलुद्धा कारग्गलणियलजुयलरुद्धा चारगाव हतसारा सयणविप्पमुक्का मित्तजणणिरक्खिया णिरासा बहुजणधिक्कारसद्दलज्जाइया अलज्जा अणुबद्धखुहापारद्धसीउण्हतण्हवेयणदुग्घट्टघट्टिया विवण्णमुहविच्छविया विहलमइलदुब्बला किलंता कासंता वाहिया य आमाभिभूयगत्ता परूढणहकेसमंसुरोमा छगमुत्तंमि णियगंमि खुत्ता तत्थेव मया अकामगा बंधिऊण पाएसु कड्डिया

खाइयाए छूढा तत्थ य वगसुणगसियालकोलमज्जारवंदसंदंसगतुंडपक्खिगण-विविहमुहसयलविलुत्तगत्ता कयविहंगा केइ किमिणो य कुहियदेहा अणिट्ठ-वयणेहिं सप्पमाणा सुट्ठु कयं जं मउत्ति पावो तुट्ठेणं जणेण हम्ममाणा लज्जा-वणगा य होंति सयणस्सवि य दीहकालं मया संता। पुणो परलोगसमावण्णा णरए गच्छंति णिरभिरामे अंगारपलित्तककप्पअच्चत्थसीयवेयणअस्साउदिण्ण-सययदुक्खसयसमभिद्दुए तओवि उव्वट्टिया समाणा पुणोवि पवज्जंति तिरिय-जोणिं तहिंपि णिरयोवमं अणुहवंति वेयणं, ते अणंतकालेण जइ णाम कहिं-पि मणुयभावं लभंति णेगेहिं णिरयगइगमणतिरियभवसयसहस्सपरियट्टेहिं तत्थवि य भवंतऽणारिया णीचकुलसमुप्पण्णा आरियजणेवि लोगवज्झा तिरिक्ख-भूया य अकुसला कामभोगतिसिया जहिं णिबंधंति णिरयवत्तणिभवप्पवंचकरण-पणोल्लि पुणोवि संसारावत्तणेममूले धम्मसुइविवज्जिया अणज्जा कूरा मिच्छत्त-सुइपवण्णा य होंति एगंतदंडरुइणो वेढेंता कोसिकारकीडोव्व अप्पगं अट्ठकम्म-तंतुघणबंधणेणं। एवं णरगतिरियणरअमरगमणपेरंतचक्कवालं जम्मजरामरण-करणगम्भीरदुक्खपक्खुभियपउरसलिलं संजोगवियोगवीचीचिंता-पसंगपसरियवह-बंधमहल्ल-विपुल-कल्लोल-कलुणविलवियलोभकलकलिंतबोलबहुलं अवमाणण-फेणं तिव्वखिंसणपुलंपुलप्पभूयरोगवेयणपराभवविणिवायफरुसधरिसणसमाव-डियकठिणकम्मपत्थरतरंगरंगंतणिच्चमच्चुभयतोयपट्ठं कसायपायालसंकुलं भवसयसहस्सजलसंचयं अणंतं उव्वेयणयं अणोरपारं महब्भयं भयंकरं पइभयं अपरिमियमहिच्छकलुसमइवाउवेगउद्धम्ममाणआसापिवासपायालकामरइरागदो-सबंधणबहुविहसंकप्पविपुलदगरयरयंधकारं मोहमहावत्तभोगभममाणगुप्पमा-णुच्छलंतबहुगब्भवासपच्चोणियत्तपाणियं पहावियवसणसमावण्णरुण्णचंडमारुय-समाहयामणुण्णवीचीवाकुलियभग्गफुट्टंतणिट्ठकल्लोलसंकुलजलं पमायबहुचंडदुट्ठ-सावयसमाहयउद्धायमाणगपूरघोरविद्धंसणत्थबहुलं अण्णाणभमंतमच्छपरिहत्थं अणिहुतिंदियमहामगरतुरियचरियखोखुब्भमाणसंतावणिच्चयचलंत चवलचंचल-अत्ताणाऽसरणपुव्वकयकम्मसंचयोदिण्णवज्जवेइज्जमाणदुहसयविपाकघुण्णंतजल-समूहं इड्ढिरससायगारवोहारगहियकम्मपडिबद्धसत्तकड्ढिज्जमाणणिरयतलहुत्त-सण्णविसण्णबहुलअरइरइभयविसायसोगमिच्छत्तसेलसंकडअणाइसंताणकम्मबंध-णकिलेसचिक्खिल्लसुदुत्तारं अमरणरतिरियणिरयगइगमणकुडिलपरियत्तविपुल-

वेलं हिंसालियअदत्तादाणमेहुणपरिग्गहारंभकरणकारावणाणुमोयणअट्ठविहअणि-ट्ठकम्मपिंडिय-गुरुभारक्कंत-दुग्गजलोघदूरपणोलिज्जमाण-उम्मग्गणिमग्गदुल्लभ-तलं सारीरमणोमयाणि दुक्खाणि उप्पियंता सायस्सायपरित्तावणमयं उब्बुड्ड-णिब्बुड्डयं करेंता चउरंतमहंतमणवयग्गं रुद्दं संसार-सागरं अट्ठियअणालंब-णमपइट्ठाणमप्पमेयं चुलसीइजोणिसयसहस्सगुविलं अणालोकमंधकारं अणंत-कालं णिच्चं उत्तत्थसुण्णभयसण्णसंपउत्ता वसंति उव्विग्गवासवसहिं। जहिं आउयं णिबंधंति पावकम्मकारी बंधवजणसयणमित्तपरिवज्जिया अणिट्ठा भवंति अणादेज्जदुव्विणीया कुठाणासणकुसेज्जकुभोयणा असुइणो कुसंघयणकुप्पमाण-कुसंठिया कुरूवा बहुकोहमाणमायालोभा बहुमोहा धम्मसण्णसम्मत्त परिब्भट्ठा दारिद्दोवद्दवाभिभूया णिच्चं परकम्मकारिणो जीवणत्थरहिया किविणा परपिंड-तक्कका दुक्खलद्धाहारा अरसविरसतुच्छकयकुच्छिपूरा परस्स पेच्छंता रिद्धि-सक्कारभोयणविसेससमुदयविहिं णिंदंता अप्पकं कयंतं च परिवयंता इह य पुरे-कडाइं कम्माइं पावगाइं विमणसो सोएण डज्झमाणा परिभूया होंति सत्तपरि-वज्जिया य छोभासिप्पकलासमयसत्थपरिवज्जिया जहाजायपसुभूया अवियत्ता णिच्चणीयकम्मोवजीविणो लोयकुच्छणिज्जा मोघमणोरहा णिरासबहुला आसापासपडिबद्धपाणा अत्थोपायाणकामसोक्खे य लोयसारे होंति अफलवंतका य सुट्ठुवि य उज्जमंता तद्दिवसुज्जुत्तकम्मकयदुक्खसंठवियसित्थपिंडसंचयपरा-पक्खीणदव्वसारा णिच्चं अधुवधणधण्णकोसपरिभोगविवज्जिया रहियकाम-भोगपरिभोगसव्वसोक्खा परसिरिभोगोवभोगणिस्साणमग्गणपरायणा वरागा अकामिकाए विणेंति दुक्खं णेव सुहं णेव णिव्वुइं उवलभंति अच्चंतविपुल-दुक्खसयसंपलित्ता परस्स दव्वेहिं जे अविरया। एसो सो अदिण्णादाणस्स फल-विवागो इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ, ण य अवेयइत्ता अत्थि उ मोक्खोत्ति, एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरणामधेज्जो कहेसी य अदिण्णादाणस्स फलविवागं, एयं तं तइयंपि अदिण्णादाणं हरदह-मरणभयकलुसतासणपरसंतिकभेज्जलोभमूलं एवं जाव चिरपरिगयमणुगयं दुरंतं। तइयं अहम्मदारं समत्तं त्तिबेमि ॥१२॥

॥ तइयं अज्झयणं समत्त ॥

चउत्थं अज्झयणं

जंबू ! अबंभं च चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोयस्स पत्थणिज्जं पंकपणयपासजालभूयं थीपुरिसणपुंसवेदचिंधं तवसंजमबंभचेरविग्घं भेयाययणबहुपमायमूलं कायरकापुरिससेवियं सुयणजणवज्जणिज्जं उड्ढणरयतिरियतिलोकपइट्ठाणं जरामरणरोगसोगबहुलं वधबंधविघायदुविघायं दंसणचरित्तमोहस्स हेउभूयं चिरपरिगयमणुगयं दुरंतं । चउत्थं अधम्मदारं ॥ १३ ॥ तस्स य णामाणि गोण्णाणि इमाणि होंति तीसं, तं०–अबंभं १ मेहुणं २ चरंतं ३ संसग्गि ४ सेवणाधिकारो ५ संकप्पो ६ बाहणापयाणं ७ दप्पो ८ मोहो ९ मणसंखोभो १० अणिग्गहो ११ वुग्गहो १२ विघाओ १३ विभंगो १४ विब्भमो १५ अधम्मो १६ असीलया १७ गामधम्मतित्ती १८ रई १९ रागचिंता २० कामभोगमारो २१ वेरं २२ रहस्सं २३ गुज्झं २४ बहुमाणो २५ बंभचेरविग्घो २६ वावत्ति २७ विराहणा २८ पसंगो २९ कामगुणोत्ति ३० विय तस्स एयाणि एवमाइणि णामधेज्जाणि होंति तीसं ॥ १४ ॥ तं च पुण णिसेवंति सुरगणा सअच्छरा मोहमोहियमई असुरभुयगगरुलविज्जुजलणदीवउदहिदिसिपवणथणिया १० अणवण्णियपणवण्णियइसिवाइयभूयवाइयकंदियमहाकंदियकूहंडपयंगदेवा ८ पिसायभूयजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसमहोरगगंधव्वा ८ तिरियजोइसविमाणवासिमणुयगणा जलयरथलयरखहयरा य मोहपडिबद्धचित्ता अवितण्हा कामभोगतिसिया तण्हाए बलवईए महईए समभिभूया गढिया य अइमुच्छिया अबंभे उस्सण्णा तामसेण भावेण अणुम्मुक्का दंसणचरित्तमोहस्स पंजरं पिव करेंति अण्णोऽण्णं सेवमाणा, भुज्जो असुरसुरतिरियमणुयभोगरइविहारसंपउत्ता य चक्कवट्टी सुरणरवइसक्कया सुरवरुव्व देवलोए भरहणगणगरणिगमजणवयपुरवरदोणमुहखेडकब्बडमडंबसंबाहपट्टणसहस्समंडियं थिमियमेयणियं एगच्छत्तं ससागरं भुंजिऊण वसुहं णरसीहा णरवई णरिंदा णरवसभा मरुयवसभकप्पा अब्भहियं रायतेयलच्छीए दिप्पमाणा सोमा रायवंसतिलगा रवि-ससि-संखवरचक्क-सोत्थिय-पडाग-जव-मच्छ-कुम्म-रहवरभगभवण-विमाण-तुरयतोरण-गोपुरमणिरयण-णंदियावत्त-मुसलणंगलसुरइयवरकप्परुक्ख-मिगवइभद्दासणसुरुवियूभवरमउडसरियकुंडलकुंजरवरवसभदीवमंदिरगरुलद्ध-

पइंदकेउदप्पणअट्ठावयचावबाणणक्खत्तमेहमेहलवीणाजुगछत्तदामदामिणि कमंडलुकमलघंटावरपोय-सूइसागर-कुमुदागर-मगरहारगागरणेउरणगणगरवइरकिण्णरमयूरवररायहंससारसचकोरचक्कवागमिहुणचामरखेडगपव्वीसगविपंचिवरतालियंटसिरियाभिसेयमेइणि-खग्गंकुसविमलकलस-भिंगारवद्धमाणग-पसत्थउत्तमविभत्तवरपुरिसलक्खणधरा बत्तीस वररायसहस्साणुजायमग्गा चउसट्ठिसहस्सपवरजुवतीण-णयणकंता रत्ताभा पउमपम्ह कोरंटगदाम-चंपकसुयवरकणकणिहसवण्णा सुजायसव्वंगसुंदरंगा महग्घ-वरपट्टणुग्गय विचित्तरागएणि पेणि णिम्मिय दुगुल्लवरचीणपट्ट कोसेज्ज-सोणीसुत्तक-विभूसियंगा-वरसुरभिगंध-वरचुण्णवासवरकुसुमभरिय-सिरया कप्पिय-छेयायरियसुकय रइतमालकडगंगय-तुडिय-पवरभूसण-पिणद्धदेहा एकावलिकंठसुरइयवच्छा पालंबपलंबमाणसुकयपडउत्तरिज्जमुद्दियापिंगलंगुलिया उज्जलणेवत्थरइयचेल्लगविरायमाणा तेएण दिवाकरोव्व दित्ता सारयणवत्थणियमहुरगंभीरणिद्धघोसा उप्पण्णसमत्तरयणचक्करयणप्पहाणा णवणिहिवइणो समिद्धकोसा चाउरंता चाउराहिं सेणाहिं समणुजाइज्जमाणमग्गा तुरगवई गयवई रहवई णरवई विपुलकुलवीसुयजसा सारयससिसकल-सोमवयणा सूरा तेलोक्कणिग्गयपभावलद्धसद्दा समत्तभरहाहिवा णरिंदा ससेलवण-काणणं च हिमवंत-सागरंतं धीरा भोत्तूण भरहवासं जियसत्तू पवररायसीहा पुव्वकडतवप्पभावा णिविट्ठसंचियसुहा अणेगवाससयमायुवंतो भज्जाहि य जणवयप्पहाणाहिं लालियंता अतुलसद्दफरिसरसरूवगंधे य अणुभवेत्ता तेवि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं। भुज्जो बलदेववासुदेवा य पवरपुरिसा महाबलपरक्कमा महाधणुवियट्टका महासत्तसागरा दुद्धरा धणुद्धरा णरवसभा रामकेसवा भायरो सपरिसा वसुदेवसमुद्दविजयमाइयदसाराणं पज्जुण्ण-पइव-संब-अणिरुद्ध-णिसहउम्मुय-सारण-गय-सुमुह दुम्मुहाईण जायवाणं अद्धुट्ठाणवि कुमारकोडीणं हिययदइया देवीए रोहिणीए देवीए देवकीए य आणंदहिययभावणंदणकरा सोलसरायवरसहस्साणुजायमग्गा सोलसदेवीसहस्सवरणयणहिययदइया णाणामणिकणग-रयण-मोत्तिय-पवाल-धण-धण्णसंचय-रिद्धि-समिद्धकोसा हय-गयरहसहस्ससामीगामागर-णगर-खेड-कब्बड-मडंब-दोणमुह-पट्टणासम-संबाहसहस्सथिमियणिव्वुयपमुइयजण-विविहसास-णिप्फज्जमाणमेइणि-सरस-रिय-तलाग-सेल-काणण-

आरामुज्जाणमणाभिरामपरिमंडियस्स दाणिड्ढवेयड्ढगिरिविभत्तस्स लवणजलहि-
परिगयस्स छव्विहकालगुणकामजुत्तस्स अद्धभरहस्स सामिका धीरकित्तिपुरिसा
ओहबला अइबला अणिहया अपराजियसत्तुमद्दणरिपुसहस्समाणमहणा साणु-
क्कोसा अमच्छरी अचवला अचंडा मियमंजुलपलावाहसियगंभीर-महुरभणिया
अब्भुवगयवच्छला सरण्णा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणपमाणपडिपुण्ण-
सुजायसव्वंगसुंदरंगा ससि-सोमागार-कंतपियदंसणा अमरिसणा पयंडडंडप्पयार-
गंभीरदरिसणिज्जा तालद्धउव्विद्धगरुलकेऊबलवगगज्जंतदरियदप्पियमुट्ठियचा-
णूरमूरगा रिट्ठवसभघाइणो केसरिमुहविप्फाडगा दरियणागदप्पमहणा जमलज्जु-
णभंजगा महासउणिपूयणारिवू कंसमउडमोडगा जरासंधमाणमहणा तेहि
य अविरलसमसहियचंदमंडलसमप्पभेहिं सूरमिरीयकवयं विणिम्मुयंतेहिं सप-
तिदंडेहिं आयवत्तेहिं धरिज्जंतेहिं विरायंता ताहि य पवरगिरिकुहरविहरणस-
मुट्ठियाहिं णिरुवहयचमरपच्छिमसरीरसंजाताहिं अमइलसियकमलविमुकुलुज्ज-
लियरययगिरिसिहरविमलससिकिरणसरिसकलहोयणिम्मलाहिं पवणाहयचवल-
चलियसललियपणच्चियवीइपसरियखीरोदगपवरसागरुप्पूरचंचलाहिं माणससरप-
सरपरिचियावासविसदवेसाहिं कणगगिरिसिहरसंसिताहिं उवाउप्पायचवलजयि-
णसिग्घवेगाहिं हंसवधूयाहिं चेव कलिया णाणामणिकणगमहरिहतवणिज्जुज्ज-
लविचित्तडंडाहिं सललियाहिं णरवइसिरिसमुदयप्पगासणकरीहिं वरपट्टणुग-
याहिं समिद्धरायकुलसेवियाहिं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूववसवासविसदगं-
धुद्धूयाभिरामाहिं चिल्लिकाहिं उभयोपासंपि चामराहिं उक्खिप्पमाणाहिं सुहसीत-
लवायवीइयंगा अजिया अजियरहा हलमुसलकणगपाणी संखचक्कगयसत्तिणंदग-
धरा पवरुज्जलसुकयविमलकोथूभतिरीडधारी कुंडलउज्जोवियाणणा पुंडरीय-
णयणा एगावलीकंठरइयवच्छा सिरिवच्छसुलंछणा वरजसा सव्वोउय-सुरभि-
कुसुमसुरइयपलंबसोहंतवियसंतचित्तवणमालरइयवच्छा अट्ठसयविभत्तलक्खण-
पसत्थसुंदरविराइयंगमंगा मत्तगयवरिंदललियविक्कमविलसियगई कडिसुत्तग-
णीलपीयकोसिज्जवाससा पवरदित्ततेया सारयणवथणियमहुरगंभीरणिद्धघोसा-
णरसीहा सीहविक्कमगई अत्थमियपवररायसीहा सोमा बारवइपुण्णचंदा पुव्वकय-
तवप्पभावा णिविट्ठसंचियसुहा अणेगवाससयमायुवंतो भज्जाहिं य जणवयप्पहा-
णाहिं लालियंता अतुलसद्दफरिसरसरूवगंधे अणुभवेत्ता ते-वि उवणमंति मरण-

धम्मं अवितत्ता कामाणं । भुज्जो मंडलिय-णरवरेंदा सबला सअंतेउरा सपरिसा सपुरोहिया-मच्चदंडणायगसेणावइमंतणीइकुसला णाणामणिरयणविपुलधण-धण्णसंचयणिही-समिद्धकोसा रज्जसिरिं विउलमणुभवित्ता विक्कोसंता बलेण मत्ता तेवि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं । भुज्जो उत्तरकुरु-देवकुरु-वणविवर-पायचारिणो णरगणा भोगुत्तमा भोगलक्खणधरा भोगसस्सिरीया पसत्थसोमपडिपुण्णरूवदरिसणिज्जा सुजायसव्वंगसुंदरंगा रत्तुप्पलपत्तकंतकर-चरणकोमलतला सुपइट्ठियकुम्मचारुचलणा अणुपुव्वसुसंहयंगुलीया उण्णयत-णुतंबणिद्धणखा संठियसुसिलिट्ठगूढगोंफा एणीकुरुविंदवत्तवट्टाणुपुव्विजंघा समुग्गणिसग्गगूढजाणू वरवारणमत्ततुल्लविक्कम-विलासियगई वरतुरग-सुजायगुज्झदेसा आइण्णहयव्व णिरुवलेवा पमुइयवरतुरगसीहअइरेगवट्टियकडी गंगावत्त-दाहिणावत्त तरंगभंगुर-रविकिरण-बोहियविकोसायंतपम्ह-गंभीरवियड णाभीसाहतसोणंद-मुसल-दप्पणणिगरियवरकणगच्छरुसरिस वरवइरवलियमज्झा उज्जुगसमसहियजच्चतणुकसिणणिद्धआदेज्जलडहसूमालमउयरोमराई झसविहग-सुजायपीणकुच्छी झसोयरा पम्हविगडणाभा संणतपासा संगयपासा सुंदरपासा सुजायपासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंडुयकणगरुयगणिम्मलसुज्जायणिरु-वहयदेहधारी कणगसिलातलपसत्थसमतलउवइयविच्छिण्णपिहुलवच्छा जुय-संणिभपीणरइयपीवरपउट्ठसंठियसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसुणिचियघणथिरसुबद्धसंधी पुरवरफलिहवट्टियभुया भुयईसरविउलभोगआयाणफलिउच्छूढदीहबाहू रत्तत-लोवइय-मउय-मंसल-सुजायलक्खण-पसत्थ-अच्छिद्दजालपाणी पीवरसुजाय-कोमलवरंगुली तंबतलिणसुइरुइलणिद्धणक्खा णिद्धपाणिलेहा चंदपाणिलेहा सूर-पाणिलेहा संखपाणिलेहा चक्कपाणिलेहा दिसासोवत्थियपाणिलेहा रविससिसंख-वरचक्कदिसासोवत्थियविभत्तसुविरइयपाणिलेहा वरमहिसवराहसीहसद्दूल-रिसह-णागवर-पडिपुण्णविउलखंधा चउरंगुलसुप्पमाण-कंबुवरसरिसगीवा अवट्ठियसुविभत्तचित्तमंसू उवचियमंसलपसत्थसद्दूलविपुलहणुया ओय-वियसिलप्पवालबिंबफलसंणिभाधरोट्ठा पंडुरससिसकलविमलसंखगोखीरफेणकुंद-दगरयमुणालियाधवलदंतसेढी अखंडदंता अप्फुडियदंता अविरलदंता सुणिद्धदंता सुजायदंता एगदंतसेढिव्व अणेगदंता हुयवहणिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततल-तालुजीहा गरुलायतउज्जुतुंगणासा अवदालियपोंडरीयणयणा कोकासियधवल-

पत्तलच्छा आणामियचावरुइल-किण्हब्भराजि-संठियसंगयायय-सुजायभुमगा अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुसवणा पीणमंसलकवोलदेसभागा अचिरुग्गयबाल-चंदसंठियमहाणिडाला उडुवतिरिव पडिपुण्णसोमवयणा छत्तागारुत्तमंगदेसा घण-णिचियसुबद्धलक्खणुण्णयकूडागारणिभपिंडियग्गसिरा हुयवहणिद्धंतधोयतत्त-तवणिज्जरत्तकेसंतकेसभूमी सामलीपोंडघणणिचियछोडियमिउविसतपसत्थसुहुम-लक्खण-सुगंधि-सुंदरभुयमोयग-भिंगणीलकज्जल-पहट्ठभमरगण-णिद्धणिगुरुंबणि-चियकुंचिय-पयाहिणावत्त-मुद्धसिरया सुजातसुविभत्तसंगयंगा लक्खणवंजण-गुणोववेया पसत्थबत्तीसलक्खणधरा हंसस्सरा कुंचस्सरा दुंदुभिस्सरा सीहस्सरा उज्जस्सरा मेघस्सरा सुस्सरा सुस्सरणिग्घोसा वज्जरिसहणारायसंघयणा समचउरंससंठाणसंठिया छायाउज्जोवियंगमंगा पसत्थच्छवी णिरातंका कंकग-हणी कवोयपरिणामा सउणिपोसपिट्ठंतरोरुपरिणया पउमुप्पलसरिसगं-धुस्साससुरभिवयणा अणुलोमवाउवेगा अवदायणिद्धकाला विग्गहियउण्णय-कुच्छी अमयरसफलाहारा तिगाउयसमूसिया तिपलिओवमट्ठिइया तिण्णि य पलिओवमाइं परमाउं पालयित्ता तेवि उवणमंति मरणधम्मं अवितत्ता कामाणं । पमयावि य तेसिं होंति सोम्मा सुजायसव्वंगसुंदरीओ पहाणमहिला-गुणेहिं जुत्ता अइकंत-विसप्पमाण-मउयसुकुमाल-कुम्मसंठियसिलिट्ठचलणा उज्जुमउयपीवरसुसाहतंगुलीओ अब्भुण्णयरइयतलिणतंबसुइणिद्धणखा रोमरहि-यवट्टसंठियअजहण्णपसत्थलक्खणअकोप्पजंघजुयला सुणिम्मियसुणिगूढजाणू मंसलपसत्थसुबद्धसंधी कयलीखंभाइरेकसंठियणिव्वणसुकुमालमउयकोमलअवि-रलसमसहियसुजायवट्टपीवरणिरंतरोरू अट्ठावयवीइपट्टसंठियपसत्थविच्छिण्ण-पिहुलसोणी वयणायामप्पमाणदुगुणियविसालमंसलसुबद्धजहणवरधारिणीओ वज्जविराइय-पसत्थलक्खणणिरोदरीओ तिवलिवलिय-तणुणमियमज्झियाओ उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणणिद्धआदेज्जलडहसुकुमालमउयसुविभत्तरोमरा-ईओ गंगावत्तगपदाहिणावत्ततरंगभंगरविकिरणतरुणबोहियआकोसायंतपउम-गंभीरवियडणाभी अणुब्भडपसत्थसुजायपीणकुच्छी सण्णयपासा सुजायपासा संगयपासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंडुयकणगरुयगणिम्मलसुजायणिरुव-हयगायलट्ठी कंचणकलसपमाणसमसहियलट्ठचुचुयआमेलगजमलजुयलवट्टिय-पओहराओ भुयंगअणुपुव्वतणुयगोपुच्छवट्टसमसहियणमियआदेज्जलडहबाहा तंब-

णहा मंसलग्गहत्था कोमलपीवरवरंगुलिया णिद्धपाणिलेहा ससिसूरसंखचक्कवर-सोत्थियविभत्तसुविरइयपाणिलेहा पीणुण्णयकक्खवत्थिप्पएसपडिपुण्णगलकवोला चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसगीवा मंसलसंठियपसत्थहणुया दालिमपुप्फप्प-गासपीवरपलंबकुंचियवराधरा सुंदरोत्तरोट्ठा दधिदगरयकुंदचंदवासंतिमउल-अच्छिद्दविमलदसणा रत्तुप्पलपउमपत्तसुकुमालतालुजीहा कणवीरमउलऽकुडिलऽ-ब्भुण्णय-उज्जुतुंगणासा सारयणवकमल-कुमुय-कुवलयदलणिगरसरिसलक्खण-पसत्थअजिम्हकंतणयणा आणामियचावरुइलकिण्हब्भराइसंगयसुजायतणुकसिण-णिद्धभुमगा अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुस्सवणा पीणमट्ठगंडलेहा चउरंगुल-विसालसमणिडाला कोमुइरयणिकरविमलपडिपुण्णसोमवदणा छत्तुण्णयउत्त-मंगा अकविलसुसिणिद्धदीहसिरया छत्तज्झयजूवथूभदामिणिकमंडलुकलसवावि-सोत्थिय-पडागजव-मच्छ-कुम्मरहवरमकरज्झय-अंक-थाल-अंकुस-अट्ठावयसुपइट्ठ-अमर-सिरियाभिसेय-तोरण-मेइणि-उदधिवर-पवरभवण-गिरिवर-वरायंस-सल-लियगयउसभ-सीह-चामर-पसत्थबत्तीसलक्खणधरीओ हंससरिच्छगईओ कोइल-महुरगिराओ कंता सव्वस्स अणुमयाओ ववगयवलिपलितवंगदुव्वण्णवाहिदोहग्ग-सोयमुक्काओ उच्चत्तेण य णराण थोवूणमूसियाओ सिंगारागारचारुवेसाओ सुंदर-थण-जहण-वयण-करचरण-णयणा लावण्णरूवजोव्वणगुणोववेया णंदणवण-विवरचारिणीओ-व्वअच्छराओ उत्तरकुरुमाणसच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिज्जि-याओ तिण्णि य पलिओवमाइं परमाउं पालइत्ता ताओऽवि उवणमंति मरण-धम्मं अवितित्ता कामाणं ॥१५॥ मेहुणसण्णासंपगिद्धा य मोहभरिया सत्थेहिं हणंति एक्कमेक्कं विसयविसउदीरएसु, अवरे परदारेहिं हम्मंति विसुणिया धणणासं सयणविप्पणासं च पाउणंति, परस्स दाराओ जे अविरया मेहुणसण्ण-संपगिद्धा य मोहभरिया अस्सा हत्थी गवा य महिसा मिगा य मारेंति एक्क-मेक्कं, मणुयगणा वाणरा य पक्खी य विरुज्झंति, मित्ताणि खिप्पं भवंति सत्तू समये धम्मे गणे य भिंदंति पारदारी, धम्मगुणरया य बंभयारी खणेण उल्लोट्टए चरित्ताओ जसमंतो सुव्वया य पावेंति अयसकित्तिं रोगत्ता वाहिया पवड्ढेंति रोयवाही, दुवे य लोया दुआराहगा भवंति--इहलोए चेव परलोए परस्स दाराओ जे अविरया, तहेव केइ परस्स दारं गवेसमाणा गहिया हया य बद्धरुद्धा य एवं जाव गच्छंति विउलमोहाभिभूयसण्णा । मेहुणमूलं च सुव्वए

तत्थ तत्थ वत्तपुव्वा संगामा जणक्खयकरा सीयाए दोवईए कए रुप्पिणीए पउमावईए ताराए कंचणाए रत्तसुभद्दाए अहिल्लियाए सुवण्णगुलियाए किण्णरीए सुरूवविज्जुमईए रोहिणीए य, अण्णेसु य एवमाइएसु बहवो महिलाकएसु सुव्वंति अइक्कंता संगामा गामधम्ममूला इहलोए ताव णट्ठा परलोएवि य णट्ठा महया मोहतिमिसंधयारे घोरे तसथावरसुहुमबायरेसु पज्जत्तमपज्जत्तसाहारणसरीरपत्तेयसरीरेसु य अंडजपोतजजराउयरसजसंसेइमसंमुच्छिमउब्भियउववाइएसु य णरयतिरियदेवमाणुसेसु जरामरणरोगसोगबहुले पलिओवमसागरोवमाइं अणाईयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति जीवा मोहवससण्णिविट्ठा। एसो सो अबंभस्स फलविवागो इहलोइओ परलोइओ य अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चई, ण य अवेयइत्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति। एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरणामधेज्जो कहेसी य अबंभस्स फलविवागं एयं तं अबंभंपि चउत्थं सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स पत्थणिज्जं एवं चिरपरिचियमणुगयं दुरंतं। चउत्थं अधम्मदारं समत्तंतिबेमि ॥ १६ ॥

॥ चउत्थं अज्झयणं समत्त ॥

पंचमं अज्झयणं

जंबू ! इत्तो परिग्गहो पंचमो उ णियमा णाणामणिकणगरयणमहरिहपरिमलसपुत्तदारपरिजणदासीदासभयगपेसहयगयगोमहिसउट्टखरअयगवेलगसीयासगडरहजाणजुग्गसंदणसयणासणवाहणकुवियधणधण्णपाणभोयणाच्छायणगंधमल्लभायणभवणविहिं चेव बहुविहीयं भरहं णगणगरणियमजणवयपुरवरदोणमुहखेडकब्बडमडंबसंबाहपट्टणसहस्सपरिमंडियं थिमियमेइणीयं एगच्छत्तं ससागरं भुंजिऊण वसुहं अपरिमियमणंततण्हमणुगयमहिच्छसारणिरयमूलो लोभकलिकसायमहक्खंधो चितासयणिचियविउलसालो गारवपविरल्लियग्गविडवो णियडितयापत्तपल्लवधरो पुप्फफलं जस्स कामभोगा आयासविसूरणाकलहपकंपियग्गसिहरो णरवइसंपूइओ बहुजणस्स हिययदइओ इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूओ चरिमं अहम्मदारं ॥ १७ ॥ तस्स य णामाणि इमाणि गोण्णाणि होंति तीसं, तंजहा—परिग्गहो १ संचयो २ चयो ३ उवचयो ४ णिहाणं ५

संभारो ६ संकरो ७ आयरो ८ पिंडो ९ दव्वसारो १० तहा महिच्छा ११ पडिबंधो १२ लोहप्पा १३ महद्दी १४ उवकरणं १५ संरक्खणा य १६ भारो १७ संपाउप्पायको १८ कलिकरंडो १९ पवित्थरो २० अणत्थो २१ संथवो २२ अगुत्ती २३ आयासो २४ अविओगो २५ अमुत्ती २६ तण्हा २७ अणत्थको २८ आसत्ती २९ असंतोसो त्ति वि य ३०, तस्स एयाणि एवमाईणि णामधेज्जाणि होंति तीसं ॥ १८ ॥ तं च पुण परिग्गहं ममायंति लोभघत्था भवणवरविमाणवासिणो परिग्गहरुई परिग्गहे विविहकरणबुद्धी देवणिकाया य असुर-भुयगगरुलविज्जुजलण-दीवउदहिदिसिपवणथणिय-अणवंणिय-पणवंणियइसिवाइयभूयवाइयकंदियमहाकंदियकुहंडपयंगदेवा पिसायभूयजक्खरक्खसकिंणरकिंपुरिसमहोरगगंधव्वा य तिरियवासी पंचविहा जोइसिया य देवा बहस्सईचंदसूरसुक्कसणिच्छरा राहुधूमकेउबुधा य अंगारका य तत्ततवणिज्जकणयवण्णा जे य गहा जोइसम्मि चारं चरंति केऊ य गइरईया अट्ठावीसइविहा य णक्खत्तदेवगणा णाणासंठाणसंठियाओ य तारगाओ ठियलेस्सा चारिणो य अविस्साममंडलगई उवरिचरा उड्ढलोगवासी दुविहा वेमाणिया य देवा सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलोगलंतकमहासुक्क-सहस्सार-आणय-पाणय-आरण-अच्चुया कप्पवरविमाणवासिणो सुरगणा गेवेज्जा अणुत्तरा दुविहा कप्पाईया विमाणवासी महिड्ढिया उत्तमा सुरवरा एवं च ते चउव्विहा सपरिसावि देवा ममायंति भवणवाहणजाणविमाणसयणासणाणि य णाणाविहवत्थभूसणाणि य पवरपहरणाणि य णाणामणिपंचवण्णदिव्वं च भायणविहिं णाणाविहकामरूवे वेउव्वियअच्छरगणसंघाते दीवसमुद्दे दिसाओ विदिसाओ चेइयाणि वणसंडे पव्वए य गामणगराणि य आरामुज्जाणकाणणाणि य कूवसरतलागवाविदीहियदेवकुलसभप्पववसहिमाइयाइं बहुकाइं कित्तणाणि य परिगेण्हित्ता परिग्गहं विपुलदव्वसारं देवावि सइंदगा ण तित्ति ण तुट्ठिं उवलभंति अच्चंतविउललोभाभिभूयसत्ता वासहरइक्खुगारवट्टपव्वय-कुंडलरुयगवर माणुसोत्तर-कालोदधिलवण-सलिलदहपइरइकर-अंजणकसेलदहिमुहऽवपातुप्पाय-कंचणकचित्तविचित्तजमक-वरसिहरकूडवासी वक्खारअकम्मभूमिसु सुविभत्तभागदेसासु कम्मभूमिसु, जेऽवि य णरा चाउरंतचक्कवट्टी वासुदेवा बलदेवा मंडलीया इस्सरा तलवरा सेणावई इब्भा सेट्ठी रट्ठिया पुरोहिया कुमारा दंडणायगा माडंबिया सत्थवाहा कोडुंबिया

अमच्चा एए अण्णे य एवमाई परिग्गहं संचिणंति अणंतं असरणं दुरंतं अधुव-मणिच्चं असासयं पावकम्मणेम्मं अवकिरियव्वं विणासमूलं वहबंधपरिकिलेस-बहुलं अणंतसंकिलेसकारणं, ते तं धणकणगरयणनिचयं पिंडिता चेव लोभघत्था संसारं अइवयंति सव्वदुक्खसंणिलयणं, परिग्गहस्सेव य अट्ठाए सिप्पसयं सिक्खए बहुजणो कलाओ य बावत्तरिं सुणिपुणाओ लेहाइयाओ सउणरुयावसा-णाओगणियप्पहाणाओ-चउसट्ठिं च महिलागुणे रइजणणे सिप्पसेवं असिमसि-किसिवाणिज्जं ववहारं अत्थसत्थईसत्थच्छरुप्पगयं विविहाओ य जोगजुंज-णाओ अण्णेसु एवमाइएसु बहूसु कारणसएसु जावज्जीवं णडिज्जए संचिणंति मंदबुद्धी परिग्गहस्सेव य अट्ठाए करंति पाणाण-वहकरणं अलियणियडिसाइ-संपओगे परदव्व-अभिज्जा सपरदारअभिगमणासेवणाए आयासविसूरणं कलह-भंडणवेराणि य अवमाणणविमाणणाओ इच्छामहिच्छप्पिवाससययतिसिया तण्हगेहिलोभघत्था अत्ताणा अणिग्गहिया करेंति कोहमाणमायालोभे अकित्त-णिज्जे परिग्गहे चेव होंति णियमा सल्ला दंडा य गारवा य कसाया सण्णा य कामगुण-अण्हगा य इंदियलेसाओ सयणसंपओगा सचित्ताचित्तमीसगाइं दव्वाइं अणंतकाइं इच्छंति परिघेत्तुं सदेवमणुयासुरम्मि लोए लोभपरिग्गहो जिणवरेहिं भणिओ णत्थि एरिसो पासो पडिबंधो अत्थि सव्वजीवाणं सव्वलोए ॥ १९ ॥ परलोगम्मि य णट्ठा तमं पविट्ठा महयामोहमोहियमई तिमिसंधयारे तसथावर-सुहुमबायरेसु पज्जत्तमपज्जत्तग एवं जाव परियट्टंति दीहमद्धं जीवा लोभवस-संणिविट्ठा । एसो सो परिग्गहस्स फलविवाओ इहलोइओ परलोइओ अप्पसुहो बहुदुक्खो महब्भओ बहुरयप्पगाढो दारुणो कक्कसो असाओ वाससहस्सेहिं मुच्चइ ण य अवेयइत्ता अत्थि हु मोक्खोत्ति, एवमाहंसु णायकुलणंदणो महप्पा जिणो उ वीरवरणामधेज्जो कहेसी य परिग्गहस्स फलविवागं । एसो सो परिग्गहो पंचमो उ णियमा णाणामणिकणगरयणमहरिह एवं जाव इमस्स मोक्खवरमोत्तिमग्गस्स फलिहभूयो चरिमं अधम्मदारं समत्तं । एएहिं पंचहिं असंवरेहिं रयमादि-णित्तु अणुसमयं । चउव्विहगइपेरंतं अणुपरियट्टंति संसारं ॥ १ ॥ सव्वगई पक्खंदे काहिंति अणंतए अकयपुण्णा । जे य ण सुणंति धम्मं सोऊण य जे पमायंति ॥ २ ॥ अणुसिट्ठंपि बहुविहं मिच्छादिट्ठीय जे णरा अहम्मा । बद्धणिकाइयकम्मा सुणेंति धम्मं ण य करेंति ॥ ३ ॥ किं सक्का काउं जे जं

णेच्छह ओसहं मुहा पाउं। जिणवयणं गुणमहुरं विरेयणं सव्वदुक्खाणं ॥४॥
पंचेव य उज्झिऊणं पंचेव य रक्खिऊण भावेण। कम्मरयविप्पमुक्का सिद्धिवर-मणुत्तरं जंति ॥ ५ ॥ २० ॥ **पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥**

बीयो सुयक्खंधो

पढमं अज्झयणं

जंबू ! एत्तो संवरदाराइं पंच वोच्छामि आणुपुव्वीए। जह भणियाणि भगवया सव्वदुहविमोक्खणट्ठाए ॥ १ ॥ पढमं होइ अहिंसा बिइयं सच्चवयणंति पण्णत्तं। दत्तमणुण्णाय संवरो य बंभचेरमपरिग्गहत्तं च ॥ २ ॥ तत्थ पढमं अहिंसा तसथावरसव्वभूयखेमकरी। तीसे सभावणाओ किंचि वोच्छं गुणुद्देसं ॥ ३ ॥ ताणि उ इमाणि सुव्वय ! महव्वयाइं लोयहियसव्वयाइं सुयसागर-देसियाइं तवसंजममहव्वयाइं सीलगुणवरव्वयाइं सच्चज्जवव्वयाइं णरय-तिरियमणुयदेवगइविवज्जगाइं सव्वजिणसासणगाइं कम्मरयविदारगाइं भव-सयविणासणगाइं दुहसयविमोयणगाइं सुहसयपवत्तणगाइं कापुरिसदुरुत्तराइं सप्पुरिसणिसेवियाइं णिव्वाणगमणमग्ग-सग्गप्पयाणयगाइं संवरदाराइं पंच कहियाणि उ भगवया। तत्थ पढमं अहिंसा जा सा सदेवमणुया-सुरस्स लोगस्स भवइ दीवो ताणं सरणं गई पइट्ठा णिव्वाणं १ णिव्वुई २ समाही ३ सत्ती ४ कित्ती ५ कंती ६ रई य ७ विरई य ८ सुयंग ९ तित्ती १० दया ११ विमुत्ती १२ खंती १३ सम्मत्ताराहणा १४ महंती १५ बोही १६ बुद्धी १७ धिई १८ समिद्धी १९ रिद्धी २० विद्धी २१ ठिई २२ पुट्ठी २३ णंदा २४ भद्दा २५ विसुद्धी २६ लद्धी २७ विसिट्ठदिट्ठी २८ कल्लाणं २९ मंगलं ३० पमोओ ३१ विभूई ३२ रक्खा ३३ सिद्धावासो ३४ अणासवो ३५ केवलीण ठाणं ३६ सिवं २७ समिई ३८ सीलं ३९ संजमोत्ति य ४० सीलपरिघरो ४१ संवरो य ४२ गुत्ती ४३ ववसाओ ४४ उस्सओ ४५ जण्णो ४६ आययणं ४७ जयणमप्पमाओ ४८-४९ अस्सासो ५० वीसासो ५१ अभओ ५२ सव्वस्सवि अमाघाओ ५३ चोक्खपवित्ता ५४-५५ सूई ५६ पूया ५७ विमल ५८ पभासा ५९ य णिम्मलयर ६० त्ति एवमाईणि णियय-

गुणणिम्मियाइं पज्जवणामाणि होंति अहिंसाए भगवईए ॥ २१ ॥ एसा सा भगवई अहिंसा जा सा भीयाण विव सरणं पक्खीणं विव गमणं तिसियाणं विव सलिलं खुहियाणं विव असणं समुद्दमज्झे व पोयवहणं चउप्पयाणं व आसमपयं दुहट्ठियाणं व ओसहिबलं अडवीमज्झे विसत्थगमणं एत्तो विसिट्ठतरिया अहिंसा जा सा पुढविजलअगणिमारुयवणस्सइबीयहरियजलयरथलयरखहयरतसथावरसव्वभूयखेमकरी, एसा भगवई अहिंसा जा सा अपरिमियणाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंयमणायगेहिं तित्थंकरेहिं सव्वजगजीववच्छलेहिं तिलोयमहिएहिं जिणचंदेहिं सुट्ठुदिट्ठा ओहिजिणेहिं विण्णाया उज्जुमईहिं विदिट्ठा विपुलमईहिं विविदिआ पुव्वधरेहिं अहीया वेउव्वीहिं पतिण्णा आभिणिबोहियणाणीहिं सुयणाणीहिं मणपज्जवणाणीहिं केवलणाणीहिं आमोसहिपत्तेहिं खेलोसहिपत्तेहिं जल्लोसहिपत्तेहिं विप्पोसहिपत्तेहिं सव्वोसहिपत्तेहिं बीयबुद्धीहिं कुट्ठबुद्धीहिं पयाणुसारीहिं संभिण्णसोएहिं सुयधरेहिं मणबलिएहिं वयबलिएहिं कायबलिएहिं णाणबलिएहिं दंसणबलिएहिं चरित्तबलिएहिं खीरासवेहिं महुआसवेहिं सप्पियासवेहिं अक्खीणमहाणसिएहिं चारणेहिं विज्जाहरेहिं चउत्थभत्तिएहिं एवं जाव छम्मासभत्तिएहिं उक्खित्तचरएहिं णिक्खित्तचरएहिं अंतचरएहिं पंतचरएहिं लूहचरएहिं समुदाणचरएहिं अण्णइलाएहिं मोणचरएहिं संसट्ठकप्पिएहिं तज्जायसंसट्ठकप्पिएहिं उवणिहिएहिं सुद्धेसणिएहिं संखादत्तिएहिं दिट्ठलाभिएहिं अदिट्ठलाभिएहिं पुट्ठलाभिएहिं आयंबिलिएहिं पुरिमड्ढिएहिं एक्कासणिएहिं णिव्विइएहिं भिण्णपिंडवाइएहिं परिमियपिंडवाइएहिं अंताहारेहिं पंताहारेहिं अरसाहारेहिं विरसाहारेहिं लूहाहारेहिं तुच्छाहारेहिं अंतजीवीहिं पंतजीवीहिं लूहजीवीहिं तुच्छजीवीहिं उवसंतजीवीहिं पसंतजीवीहिं विवित्तजीवीहिं अखीरमहुसप्पिएहिं अमज्जमंसासिएहिं ठाणाइएहिं पडिमट्ठाईहिं ठाणुक्कडिएहिं वीरासणिएहिं णेसज्जिएहिं डंडाइएहिं लगंडसाईहिं एगपासगेहिं आयावएहिं अप्पावएहिं अणिट्ठु[भ]एहिं अकंडुयएहिं धुयकेसमंसुलोमणखेहिं सव्वगायपडिकम्मविप्पमुक्केहिं समणुचिण्णा सुयधरविइयत्थकायबुद्धीहिं धीरमइबुद्धिणो य जे ते आसीविसउग्गतेयकप्पा णिच्छयववसायपज्जत्तकयमईया णिच्चं सज्झायज्झाणअणुबद्धधम्मज्झाणा पंचमहव्वयचरित्तजुत्ता समिया समिइसु समियपावा छव्विहजगवच्छला णिच्चमप्पमत्ता एएहिं अण्णेहि य जा सा

अणुपालिया भगवई। इमं च पुढविदगअगणिमारुयतरुगणतसथावरसव्वभूयसंजमदयट्ठयाए सुद्धं उंछं गवेसियव्वं अकयमकारियमणाहूयमणुद्दिट्ठं अकीयकडं नवहि य कोडीहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहिं विप्पमुक्कं उग्गमउप्पायणेसणासुद्धं ववगयचुयचावियचत्तदेहं च फासुयं च ण णिसज्जकहापओयणक्खासुओवणीयंति ण तिगिच्छामंतमूलभेसज्जकज्जहेउं ण लक्खणुप्पायसुमिणजोइसणिमित्तकहकप्पउत्तं णवि डंभणाए णवि रक्खणाए णवि सासणाए णवि डंभणरक्खणसासणाए भिक्खं गवेसियव्वं णवि वंदणाए णवि माणणाए णवि पूयणाए णवि वंदणमाणणपूयणाए भिक्खं गवेसियव्वं णवि हीलणाए णवि णिंदणाए णवि गरहणाए णवि हीलणणिंदणगरहणाए भिक्खं गवेसियव्वं णवि भेसणाए णवि तज्जणाए णवि तालणाए णवि भेसणतज्जणतालणाए भिक्खं गवेसियव्वं णवि गारवेणं णवि कुहणयाए णवि वणीमयाए णवि गारवकुहणवणीमयाए भिक्खं गवेसियव्वं णवि मित्तयाए णवि पत्थणाए णवि सेवणाए णवि मित्तपत्थणसेवणाए भिक्खं गवेसियव्वं अण्णाए अगढिए अदुट्ठे अदीणे अविमणे अकलुणे अविसाई अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपउत्ते भिक्खू भिक्खेसणाए णिरए, इमं च णं सव्वजीवरक्खणदयट्ठाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं णेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाण विउसमणं ॥ २२ ॥ तस्स-इमा पंच भावणाओ पढमस्स वयस्स होंति पाणाइवायवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए पढमं ठाणगमणगुणजोगजुंजणजुगंतरणिवाइयाए दिट्ठीए ईरियव्वं 'कीडपयंगतसथावरदयावरेण णिच्चं पुप्फफलतयपवालकंदमूलदगमट्टियबीयहरियपरिवज्जिएण सम्मं, एवं खलु सव्वपाणा ण हीलियव्वा ण णिंदियव्वा ण गरहियव्वा ण हिंसियव्वा ण छिंदियव्वा ण भिंदियव्वा ण वहेयव्वा ण भयं दुक्खं च किंचि लब्भा पावेउं एवं ईरियासमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठणिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू । बिइयं च मणेण पावएणं पावगं अहम्मियं दारुणं णिस्संसं वहबंध-परिकिलेसबहुलं भयमरणपरिकिलेससंकिलिट्ठं ण कयावि मणेण पावएणं पावगं किंचिवि झायव्वं एवं मणसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठणिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू । तइयं च वईए पावियाए पावगं ण किंचिवि भासियव्वं एवं वइसमिइजोगेण भाविओ भवइ

अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठणिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसओ संजओ सुसाहू। चउत्थं आहारएसणाए सुद्धं उंछं गवेसियव्वं अण्णाए अगढिए अदुसिट्ठे अदीणे अकलुणे अविसाई अपरितंतजोगी जयणघडणकरणचरियविणयगुणजोगसंपओगजुत्ते भिक्खू भिक्खेसणाए जुत्ते समुदाणेऊण भिक्खचरियं उंछं घेत्तूण आगओ गुरुजणस्स पासं गमणागमणाइयारे पडिक्कमणपडिक्कंते आलोयणदायणं च दाऊण गुरुजणस्स गुरुसंदिट्ठस्स वा जहोवएसं णिरइयारं च अप्पमत्तो, पुणरवि अणेसणाए पयओ पडिक्कमित्ता पसंते आसीणसुहणिसण्णे मुहुत्तमेत्तं च झाणसुहजोगणाणसज्झायगोवियमणे धम्ममणे अविमणे सुहमणे अविग्गहमणे समाहियमणे सद्धासंवेगणिज्जरमणे पवयणवच्छल्लभावियमणे उट्ठेऊण य पहट्ठतुट्ठे जहारायणियं णिमंतइत्ता य साहवे भावओ य विइण्णे य गुरुजणेणं उवविट्ठे संपमज्जिऊण ससीसं कायं तहा करयलं अमुच्छिए अगिद्धे अगढिए अगरहिए अणज्झोववण्णे अणाइले अलुद्धे अणत्तट्ठिए असुरसुरं अचवचवं अदुयमविलंबियं अपरिसाडिं आलोयभायणे जयं पयत्तेणं ववगयसंजोगमणिंगालं च विगयधूमं अक्खोवंजणवणाणुलेवणभूयं संजमजायामायाणिमित्तं संजमभारवहणट्ठयाए भुंजेज्जा पाणधारणट्ठयाए संजएण समियं एवं आहारसमिइजोगेणं भाविओ भवइ अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठणिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू। पंचमं आयाणणिक्खेवणसमिई पीढफलगसिज्जासंथारगवत्थपत्तकंबलदंडगरयहरणचोलपट्टगमुहपोत्तियपायपुंछणाई एयंपि संजमस्स उववूहणट्ठयाए वायातवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहियं परिहरियव्वं संजमेणं णिच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सययं णिक्खियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउवगरणं एवं आयाणभंडणिक्खेवणासमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा असबलमसंकिलिट्ठणिव्वणचरित्तभावणाए अहिंसए संजए सुसाहू। एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहिवि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धिइमया मइमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दोअपरिस्सावीअसंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुण्णाओ, एवं पढमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं आराहियं आणाए अणुपालियं भवइ, एवं णायमुणिणा भगवया पण्णवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं- सुदेसियं पसत्थं पढमं संवरदारं समत्तं तिबेमि ॥२३॥ ॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

बीयं अज्झयणं

जंबू ! बिइयं च सच्चवयणं सुद्धं सुइयं सिवं सुजायं सुभासियं सुव्वयं सुकहियं सुदिट्ठं सुपइट्ठियं सुपइट्ठियजसं सुसंजमियवयणबुइयं सुरवरणरवसभपवरबलवगसुविहियजणबहुमयं परमसाहुधम्मचरणं तवणियमपरिग्गहियं सुगइपहदेसगं च लोगुत्तमं वयमिणं विज्जाहरगगणगमणविज्जाणसाहकं सग्गमग्गसिद्धिपहदेसगं अवितहं तं सच्चं उज्जुयं अकुडिलं भूयत्थं अत्थओ विसुद्धं उज्जोयकरं पभासगं भवइ सव्वभावाण जीवलोए अविसंवाइ जहत्थमधुरं पच्चक्खं दइवयंव जं तं अच्छेरकारगं अवत्थंतरेसु बहुएसु माणुसाणं सच्चेण महासमुद्दमज्झेवि चिट्ठंति ण णिमज्जंति मूढाणियावि पोया सच्चेण य उदगसंभमंमिवि ण वुज्झइ ण य मरंति थाहं ते लभंति सच्चेण य अगणिसंभमंमिवि ण डज्झंति उज्जुगा मणूसा सच्चेण य तत्ततेल्लतउलोहसीसगाइं छिवंति धरेंति ण य डज्झंति मणूसा पव्वयकडकाहिं मुच्चंते ण य मरंति सच्चेण य परिग्गहिया असिपंजरगया समराओवि णिइंति अणहा य सच्चवाई वहबंधभियोगवेरघोरेहिं पमुच्चंति य अमित्तमज्झाहिं णिइंति अणहा य सच्चवाई सादेव्वाणि य देवयाओ करेंति सच्चवयणे रत्ताणं। तं सच्चं भगवं तित्थयरसुभासियं दसविहं चोद्दसपुव्वीहिं पाहुडत्थविइयं महरिसीण य समयप्पइण्णं देविंदणरिंदभासियत्थं वेमाणियसाहियं महत्थं मंतोसहिविज्जासाहणत्थं चारणगणसमणसिद्धविज्जं मणुयगणाणं वंदणिज्जं अमरगणाणं अच्चणिज्जं असुरगणाणं च पूयणिज्जं अणेगपासंडिपरिग्गहियं जं तं लोगंमि सारभूयं गंभीरतरं महासमुद्दाओ थिरयरगं मेरुपव्वयाओ सोमतरगं चंदमंडलाओ दित्तयरं सूरमंडलाओ विमलयरं सरयणहयलाओ सुरभियरं गंधमादणाओ जेविय लोगम्मि अपरिसेसा मंतजोगा जवा य विज्जा य जंभगा य अत्थाणि य सत्थाणि य सिक्खाओ य आगमा य सव्वाणिवि ताइं सच्चे पइट्ठियाइं, सच्चंपिय संजमस्स उवरोहकारगं किंचि ण वत्तव्वं हिंसासावज्जसंपउत्तं भेयविकहकारगं अणत्थवायकलहकारगं अणज्जं अववायविवायसंपउत्तं वेलंबं ओजधेज्जबहुलं णिल्लज्जं लोयगरहणिज्जं दुद्दिट्ठं दुस्सुयं अमुणियं अप्पणो थवणा परेसु णिंदा ण तंसि मेहावी ण तंसि धण्णो ण तंसि पियधम्मो ण तं कुलीणो ण तंसि दाणवई ण तंसि सूरो ण तंसि पडिरूवो ण तंसि लट्ठो ण

पंडिओ ण बहुस्सुओ णवि य तं तवस्सी ण यावि परलोगणिच्छियमईऽसि सव्वकालं जाइकुलरूववाहिरोगेण वावि जं होइ वज्जणिज्जं दुहओ उवयार-मइक्कंतं एवंविहं सच्चंपि ण वत्तव्वं । अह केरिसकं पुणाइ सच्चं तु भासियव्वं ? जं तं दव्वेहिं पज्जवेहि य गुणेहिं कम्मेहिं बहुविहेहिं सिप्पेहिं आगमेहि य णामक्खायणिवाउवसग्गतद्धियसमाससंधिपदहेउजोगियउणादिकिरियाविहाणधातुसरविभत्तिवण्णजुत्तं तिकल्लं दसविहंपि सच्चं जह भणियं तह य कम्मुणा होइ दुवालसविहा होइ भासा वयणंपि य होइ सोलसविहं, एवं अरहंतमणुण्णायं समिक्खियं संजएणं कालंमि य वत्तव्वं ॥ २४ ॥ इमं च अलियपिसुणफरुसकडुयचवलवयणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभाविकं आगमेसिभद्दं सुद्धं णेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणं विओसमणं । तस्स इमा पंच भावणाओ बिइयस्स वयस्स अलियवयणस्स वेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं सोऊणं संवरट्ठं परमट्ठं सुट्ठु जाणिऊण ण वेगियं ण तुरियं ण चवलं ण कडुयं ण फरुसं ण साहसं ण य परस्स पीलाकरं सच्चं च हियं च मियं च गाहगं च सुद्धं संगयमकाहलं च समिक्खियं संजएण कालंमि य वत्तव्वं एवं अणुवीइसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणणयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपुण्णो । बिइयं कोहो ण सेवियव्वो, कुद्धो चंडिक्किओ मणूसो अलियं भणेज्ज पिसुणं भणेज्ज फरुसं भणेज्ज अलियं पिसुणं फरुसं भणेज्ज कलहं करेज्जा वेरं करेज्जा विकहं करेज्जा कलहं वेरं विकहं करेज्जा सच्चं हणेज्ज सीलं हणेज्ज विणयं हणेज्ज सच्चं सीलं विणयं हणेज्ज वेसो हवेज्ज वत्थुं भवेज्ज गम्मो भवेज्ज वेसो वत्थुं गम्मो भवेज्ज एयं अण्णं च एवमाइयं भणेज्ज कोहग्गिसंपलित्तो तम्हा कोहो ण सेवियव्वो, एवं खंतीइ भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणणयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपण्णो । तइयं लोभो ण सेवियव्वो लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं खेत्तस्स व वत्थुस्स व कएण १ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं कित्तीए लोभस्स व कएण २ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं इड्ढीए व सोक्खस्स व कएण ३ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं भत्तस्स व पाणस्स व कएण ४ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं पीढस्स व फलगस्स व कएण ५ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सेज्जाए व संथारगस्स व कएण ६ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं वत्थस्स व पत्तस्स व कएण ७ लुद्धो

लोलो भणेज्ज अलियं कंबलस्स व पायपुंछणस्स य कएण ८ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं सीसस्स य सिस्सिणीए व कएण ९ लुद्धो लोलो भणेज्ज अलियं अण्णेसु य एवमाइसु बहुसुकारणसएसु, लुद्धो लोले भणेज्ज अलियं तम्हा लोभो ण सेवियव्वो, एवं मुत्तीए भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकर-चरणणयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपण्णो । चउत्थं ण भीइयव्वं भीयंखु भया अइंति लहुयं भीओ अबितिज्जओ मणूसो भीओ भूएहिं घिप्पइ भीओ अण्णं-विहु भेसेज्जा भीओ तवसंजमं वि हु मुएज्जा भीओ य भरं ण णित्थरेज्जा सप्पुरिसणिसेवियं च मग्गं भीओ ण समत्थो अणुचरिउं तम्हा ण भीइयव्वं । भयस्स वा वाहिस्स वा रोगस्स वा जराए वा मच्चुस्स वा अण्णस्स वा एवं धेज्जेण भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणणयणवयणो सूरो सच्च-ज्जवसंपण्णो । पंचमगं हासं ण सेवियव्वं अलियाइं असंतगाइं जंपंति हासइत्ता परपरिभवकारणं च हासं परपरिवायप्पियं च हासं परपीलाकारगं च हासं भेयविमुत्तिकारगं च हासं अण्णोण्णजणियं च होज्ज हासं अण्णोण्णगमणं च होज्ज मम्मं अण्णोण्णगमणं च होज्ज कम्मं कंदप्पाभियोगगमणं च होज्ज हासं आसुरियं किब्बिसत्तणं च जणेज्ज हासं तम्हा हासं ण सेवियव्वं एवं मोणेण भाविओ भवइ अंतरप्पा संजयकरचरणणयणवयणो सूरो सच्चज्जवसंपण्णो । एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहि वि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धिइमया मइमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो-सुद्धो-सव्वजिण-मणुण्णाओ, एवं बिइयं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं अणु-पालियं आणाए आराहियं भवइ । एवं णायमुणिणा भगवया पण्णवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं सुदेसियं पसत्थं बिइयं संवरदारं समत्तं तिबेमि ॥ २५ ॥ **बिइयं अज्झयणं समत्तं ॥**

तइयं अज्झयणं

जंबू ! दत्तमणुण्णायसंवरो णाम होइ तइयं सुव्वया ! महव्वयं गुणव्वयं परदव्वहरणपडिविरइकरणजुत्तं अपरिमियमणंततण्हाणुगयमहिच्छमणवयण-कलुसआयाणसुणिग्गहियं सुसंजमियमणोहत्थपायणिहुयं णिग्गंथंणिट्ठिगं णिरुत्तं

णिरासवं णिब्भयं विमुत्तं उत्तमणरवसभपवरबलवगसुविहियजणसंमतं परम-साहुधम्मचरणं जत्थ य गामागरणगरणिगमखेडकब्बडमडंबदोणमुहसंबाहपट्टणा-समगयं च किंचि दव्वं मणिमुत्तसिलप्पवालकंसदूसरययवरकणगरयणमाइं पडियं पम्हुट्ठं विप्पणट्ठं ण कप्पइ कस्सइ कहेउं वा गेण्हिउं वा अहिरण्ण-सुवण्णिकेण समलेट्ठुकंचणेणं अपरिग्गहसंवुडेणं लोगंमि विहरियव्वं, जंपिय होज्जाहि दव्वजायं खलगयं खेत्तगयं रण्णमंतरगयं वा किंचि पुप्फफल-तयप्पवाल-कंदमूल-तणकट्ठसक्कराइ अप्पं च बहुं च अणुं च थूलगं वा ण कप्पइ उग्गहंमि अदिण्णंमि गिण्हिउं जे हणि हणि उग्गहं अणुण्णविय गेण्हियव्वं वज्जेयव्वो[य] सव्वकालं अचियत्तघरप्पवेसो अचियत्तभत्तपाणं अचियत्तपीढफलगसेज्जासंथा-रगवत्थपत्तकंबलदंडगरयहरणणिसेज्जचोलपट्टगमुहपोत्तियपायपुंछणाइ-भायण-भंडोवहिउवगरणं परपरिवाओ परस्स दोसो परववएसेणं जं च गेण्हइ परस्स णासेइ जं च सुकयं दाणस्स य अंतराइयं दाणविप्पणासो पेसुण्णं चेव मच्छरियं च, जेविय पीढफलगसेज्जासंथारगवत्थपायकंबलदंडगरयहरणणिसेज्जचोलपट्टग-मुहपोत्तियपायपुंछणाइभायणभंडोवहिउवगरणं असंविभागी असंगहरुई तवतेणे य वइतेणे य रूवतेणे य आयारे चेव भावतेणे य सद्दकरे झंझकरे कलहकरे वेरकरे विकहकरे असमाहिकरे सया अप्पमाणभोई सययं अणुबद्धवेरे य णिच्च-रोसी से तारिसए णाराहए वयमिणं। अह केरिसए पुणाई आराहए वयमिणं ? जे से उवहिभत्तपाणसंगहणदाणकुसले अच्चंतबालदुब्बलगिलाणवुड्ढखवग-पवत्ति-आयरियउवज्झाए सेहे साहम्मिए तवस्सीकुलगणसंघचेइयट्ठे य णिज्जरट्ठी वेयावच्चं अणिस्सियं दसविहं बहुविहं करेइ, ण य अचियत्तस्स गिहं पविसइ ण य अचियत्तस्स गेण्हइ भत्तपाणं ण य अचियत्तस्स सेवइ पीढफलगसेज्जा-संथारगवत्थपायकंबल-दंडगरयहरणणिसेज्ज-चोलपट्टय-मुहपोत्तिय-पायपुंछणाइ-भायणभंडोवहिउवगरणं ण य परिवायं परस्स जंपइ ण यावि दोसे परस्स गेण्हइ परववएसेण वि ण किंचि गेण्हइ ण य विपरिणामेइ किंचि जणं ण यावि णासेइ दिण्णसुकयं दाऊण य काऊण य ण होइ पच्छाताविए संविभागसीले संगहोवग्गहकुसले से तारिसए आराहए वयमिणं, इमं च परदव्वहरणवेरमण-परिरक्खिणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसि-भद्दं सुद्धं णेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणं विओवसमणं, तस्स इमा

पंच भावणाओ तइयस्सवयस्स होंति परदव्वहरणवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए, पढमं देवकुलसभाप्पवावसहरुक्खमूलआरामकंदरागरगिरिगुहाकम्मउज्जाणजाणसालाकुवियसालामंडवसुण्णघरसुसाणलेणआवणे अण्णंमि य एवमाइयंमि दगमट्टियबीजहरियतसपाणअसंसत्ते अहाकडे फासुए विवत्ते पसत्थे उवस्सए होइ विहरियव्वं, आहाकम्मबहुले य जे से आसियसंमज्जियउस्सित्तसोहियछायणदूमणलिंपणअणुलिंपणजलणभंडचालणं अंतो बहिं च असंजमो जत्थ वट्टई संजयाण अट्ठा वज्जेयव्वो हु उवस्सओ से तारिसए सुत्तपडिकुट्ठे, एवं विवित्तवासवसहिसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अहिगरणकरणकारावणपावकम्मविरओ दत्तमणुण्णायओग्गहरुई । बिइयं आरामुज्जाणकाणणवणप्पदेसभागे जं किंचि इक्कडं व कठिणगं च जंतुगं च परामेरकुच्चकुसडब्भपलालमूयगवक्कयपुप्फ-फल-तयप्पवाल-कंद-मूल-तण-कट्ठसक्कराई गेण्हइ सेज्जोवहिस्स अट्ठा ण कप्पए उग्गहे अदिण्णंमि गेण्हिउं जे हणि हणि उग्गहं अणुण्णवियं गेण्हियव्वं एवं उग्गहसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अहिगरणकरणकारावणपावकम्मविरए दत्तमणुण्णायओग्गहरुई । तइयं पीढफलगसिज्जासंथारगट्ठयाए रुक्खा ण छिंदियव्वा ण छेयणेण भेयणेण सिज्जा कारियव्वा जस्सेव उवस्सए वसेज्ज सेज्जं तत्थेव गवेसेज्जा ण य विसमं समं करेज्जा ण णिवायपवायउस्सुगत्तं ण डंसमसगेसु खुभियव्वं अग्गी धूमो य ण कायव्वो एवं, संजमबहुले संवरबहुले संवुडबहुले समाहिबहुले धीरे काएण फासयंतो सययं अज्झप्पज्झाणजुत्ते समिए एगे चरेज्ज धम्मं, एवं सेज्जासमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अहिगरणकरणकारावणपावकम्मविरए दत्तमणुण्णायउग्गहरुई । चउत्थं साहारणपिंडपायलाभे भोत्तव्वं संजएणं समियं ण सायसूपाहियं ण खद्धं ण वेइयं ण तुरियं ण चवलं ण साहसं ण य परस्सपीलाकारसावज्जं तह भोत्तव्वं जह से तइयवयं ण सीयइ साहारणपिंडपायलाभे सुहुमं अदिण्णादाणवयणियमविरमणं एवं साहारणपिंडपायलाभे समिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अहिगरणकरणकारावणपावकम्मविरए दत्तमणुण्णायउग्गहरुई । पंचमगं साहम्मिए विणओ पउंजियव्वो उवगरणपारणासु विणओ पउंजियव्वो वायणपरियट्टणासु विणओ पउंजियव्वो दाणगहणपुच्छणासु विणओ पउंजियव्वो णिक्खमणपवेसणासु विणओ पउंजियव्वो अण्णेसु य एवमाइसु बहुसु कारणसएसु विणओ

पउंजियव्वो, विणओवि तवो तवोवि धम्मो तम्हा विणओ पउंजियव्वो गुरुसु साहुसु तवस्सीसु य, एवं विणएण भाविओ भवइ अंतरप्पा णिच्चं अहिगरणं-करणकारावणपावकम्मविरए दत्तमणुण्णायउग्गहरुई। एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुपणिहियं एवं जाव आघवियं सुदेसियं पसत्थं तइयं संवरदारं समत्तंतिबेमि ॥ २६ ॥ ॥ तइयं अज्झयणं समत्तं ॥

चउत्थं अज्झयणं

जंबू ! एत्तो य बंभचेरं उत्तमतवणियमणाणदंसणचरित्तसम्मत्त-विणयमूलं यमणियमगुणप्पहाणजुत्तं हिमवंतमहंततेयमंतं पसत्थगंभीरथिमि-यमज्झं अज्जवसाहुजणाचरियं मोक्खमग्गं विसुद्धसिद्धिगइणिलयं सासय-मव्वाबाहमपुणब्भवं पसत्थं सोमं सुभं सिवमयलमक्खयकरं जइवरसार-क्खियं सुचरियं सुभासियं णवरि मुणिवरेहिं महापुरिसधीरसूरधम्मिय-धिइमंताण य सया विसुद्धं सव्वं भव्वजणाणुचिण्णं णिस्संकियं णिब्भयं णित्तुसं णिरायासं णिरुवलेवं णिव्वुइघरं णियमणिप्पकंपं तवसंजममूलदलियणेम्मं पंचमहव्वयसुरक्खियं समिइगुत्तं झाणवरकवाडसुकयमज्झप्पदिण्णफलिहं संण-द्धोच्छइयदुग्गइपहं सुगइपहदेसगं च लोगुत्तमं च वयमिणं पउमसरतलागपालि-भूयं महासगडअरगतुंबभूयं महाविडिमरुक्खक्खंधभूयं महाणगरपागारकवाड-फलिहभूयं रज्जुपिणिद्धो व इंदकेऊ विसुद्धणेगगुणसंपिणद्धं जम्मि य भग्गंमि होइ सहसा सव्वं सभग्गमथियचुण्णियकुसल्लियंपल्लट्टपडियखंडियपरिसडिय-विणासियं विणयसीलतवणियमगुणसमूहं तं बंभं भगवंतं गहगणणक्खत्त-तारगाणं वा जहा उडुवई मणिमुत्तसिलप्पवालरत्तरयणागराणं च जहा समुद्दो वेरुलिओ चेव जहा मणीणं जहा मउडो चेव भूसणाणं वत्थाणं चेव खोमजुयलं अरविंदं चेव पुप्फजेट्ठं गोसीसं चेव चंदणाणं हिमवंतो चेव ओस-हीणं सीतोदा चेव णिण्णगाणं उदहीसु जहा सयंभुरमणो रुयगवरे चेव मंड-लियपव्वयाणं पवरे एरावण इव कुंजराणं सीहोव्व जहा मियाणं पवरे पव्व-गाणं चेव वेणुदेवे धरणो जहा पण्णगइंदराया कप्पाणं चेव बंभलोए सभासु य जहा भवे सुहम्मा ठिइसु लवसत्तमव्व पवरदाणाणं चेव अभयदाणं किमिरा चेव कंबलाणं संघयणे चेव वज्जरिसहे संठाणे चेव समचउरंसे झाणेसु य परम-

सुक्कज्झाणं णाणेसु य परमकेवलं तु पसिद्धं लेसासु य परमसुक्कलेस्सा तित्थयरे चेव जहा मुणीणं वासेसु जहा महाविदेहे गिरिराया चेव मंदरवरे वणेसु जहा णंदणवणं पवरं दुमेसु जहा जंबू सुदंसणा वीसुयजसा जीय णामेण य अयं दीवो, तुरगवई गयवई रहवई णरवई जह वीसुए चेव राया रहिए चेव जहा महारहगए, एवमणेगा गुणा अहीणा भवंति एगंमि बंभचेरे जंमि य आराहियंमि आराहियं वयमिणं सव्वं, सीलं तवो य विणओ य संजमो य खंती गुत्ती मुत्ती तहेव इहलोइयपारलोइयजसे य कित्ती य पच्चओ य, तम्हा णिहुयण बंभचेरं चरियव्वं सव्वओ विसुद्धं जावज्जीवाए जाव सेयट्ठिसंजउत्ति, एवं भणियं वयं भगवया। तं च इमं-पंचमहव्वयसुव्वयमूलं, समणमणाइलसाहुसुचिण्णं। वेरविरामणपज्जवसाणं, सव्वसमुद्दमहोदहितित्थं ॥ १ ॥ तित्थयरेहिं सुदेसियमग्गं, णरयतिरिच्छविवज्जियमग्गं। सव्वपवित्तिसुणिम्मियसारं, सिद्धिविमाणअवंगुयदारं ॥ २ ॥ देवणरिंदणमंसियपूयं सव्वजगुत्तममंगलमग्गं। दुद्धरिसं गुणणायगमेक्कं, मोक्खपहस्स वडिंसगभूयं ॥ ३ ॥ जेण सुद्धचरिएण भवइ सुबंभणो सुसमणो सुसाहू स इसी स मुणी स संजए स एव भिक्खू जो सुद्धं चरइ बंभचेरं। इमं च रइरागदोसमोहपवड्ढणकरं किमज्झपमायदोसपासत्थसीलकरणं अब्भंगणाणि य तेल्लमज्जणाणि य अभिक्खणं कक्खासीसकरचरणवयणधोवणसंबाहणगायकम्मपरिमद्दणाणुलेवणचुण्णवासधूवणसरीरपरिमंडणबाउसियकहसिय भणियणट्टगीयवाइयणडणट्टगजल्लमल्लपेच्छणवेलंबगं जाणिय सिंगारागाराणि य अण्णाणि य एवमाइयाणि तवसंजमबंभचेरघाओवघाइयाइं अणुचरमाणेणं बंभचेरं वज्जेयव्वाइं सव्वकालं, भावियव्वो भवइ य अंतरप्पा इमेहिं तवणियमसीलजोगेहिं णिच्चकालं। किं ते? अण्हाणगअदंतधावणसेयमलजल्लधारणं मूणवयकेसलोए य खमदमअचेलगखुप्पिवासलाघवसीउसिणकट्ठसेज्जाभूमिणिसेज्जापरघरपवेस-लद्धावलद्ध-माणावमाणणिंदणदंसमसगफासणियमतवगुणविणयमाइएहिं जहा से थिरतरगं होइ बंभचेरं इमं च अबंभचेरविरमणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं-अत्तहियं-पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं णेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणं विउसमणं। तस्स इमा पंच भावणाओ चउत्थं वयस्स होंति अबंभचेरवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए। पढमं सयणासणघरदुवारअंगणआगासगवक्खसालअभि-

लोयणपच्छत्रत्थुगपसाहणगण्हाणिगावकासा अवकासा जे य वेसियाणं अच्छंति य जत्थ इत्थियाओ अभिक्खणं मोहदोसरइरागवड्ढणीओ कहिंति य कहाओ बहुविहाओ तेऽवि हु वज्जणिज्जा इत्थिसंसत्तसंकिलिट्ठा अण्णेवि य एवमाई अवगासा ते हु वज्जणिज्जा जत्थ मणोविब्भमो वा भंगो वा भंसणा वा अट्टं रुद्दं च हुज्ज झाणं तं तं वज्जेज्ज वज्जभीरू अणाययणं अंतपंतवासी, एवमसंसत्तवासवसहीसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा आरयमणविरयगामधम्मे जिइंदिए बंभचेरगुत्ते। बिइयं णारीजणस्स मज्झे ण कहेयव्वा कहा विचित्ता विब्बोयविलाससंपउत्ता हाससिंगारलोइयकहव्व मोहजणणी ण आवाहविवाहवरकहाविव इत्थीणं वा सुभगदुभगकहा चउसट्ठिं च महिलागुणा ण वण्णदेसजाइकुलरूवणामणेवत्थपरिजणकहा इत्थियाणं अण्णावि य एवमाइयाओ कहाओ सिंगारकलुणाओ तवसंजमबंभचेरघाओवघाइयाओ अणुचरमाणेणं बंभचेरं ण कहेयव्वा ण सुणेयव्वा ण चिंतेयव्वा, एवं इत्थीकहविरइसमिइजोगेणं भाविओ भवइ अंतरप्पा आरयमणविरयगामधम्मे जिइंदिए बंभचेरगुत्ते। तईयं णारीणं हसियभणियं चेट्ठियविपेक्खियगइविलासकीलियं विब्बोइयणट्टगीयवाइयसरीर-संठाणवण्णकरचरणणयण-लावण्णरूव-जोव्वणपयोहराधरवत्थालंकारभूसणाणि य गुज्झोवगासियाइं अण्णाणि य एवमाइयाइं तवसंजम बंभचेरघाओवघाइयाइं अणुचरमाणेणं बंभचेरं ण चक्खुसा ण मणसा ण वयसा पत्थेयव्वाइं पावकम्माइं, एवं इत्थीरूवविरइसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा आरयमणविरयगामधम्मे जिइंदिए बंभचेरगुत्ते। चउत्थं पुव्वरयपुव्वकीलियपुव्वसंगंथगंथसंथुया जे ते आवाहविवाहचोल्लकेसु य तिहिसु जण्णेसु उस्सवेसु य सिंगारागारचारुवेसाहिं हावभावपललियविक्खेवविलाससालिणीहिं अणुकूलपेम्मिगाहिं सद्धिं अणुभूया सयणसंपओगा उउसुहवरकुसुमसुरभिचंदणसुगंधिवरवासधूवसुहफरिसवत्थभूसणगुणोववेया रमणिज्जाउज्जगेयपउरणडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंबगकहगपव्वग-लासग-आइक्खग-लंख-मंख-तूणइल्लतुंबवीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि महुरसरगीयसुस्सराइं अण्णाणि य एवमाइयाणि तवसंजमबंभचेरघाओवघाइयाइं अणुचरमाणेणं बंभचेरं णं ताइं समणेण लब्भा दट्ठुं ण कहेउं णवि सुमरिउं जे, एवं पुव्वरयपुव्वकीलियविरइसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा आरयमणविरयगामधम्मे जिइंदिए

बंभचेरगुत्ते । पंचमगं आहारपणीयणिद्धभोयणविवज्जए संजए सुसाहू ववगय-खीर-दहिसप्पिणवणीयतेल्ल-गुलखंडमच्छंडिगमहुमज्जमंसखज्जगविगइपरिचत्त-कयाहारे ण दप्पणं ण बहुसो ण णिइगं ण सायसूपाहियं ण खद्धं तहा भोत्तव्वं जहा से जायामाया य भवइ । ण य भवइ विब्भमो ण भंसणा य धम्मस्स, एवं पणीयाहारविरइसमिइजोगेण भाविओ भवइ अंतरप्पा आरयमणविरयगाम-धम्मे जिइंदिए बंभचेरगुत्ते । एवमिणं संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुपणिहियं इमेहिं पंचहिं वि कारणेहिं मणवयणकायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एसो जोगो णेयव्वो धिइमया मइमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुण्णाओ । एवं चउत्थं संवदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं आराहियं आणाए अणुपालियं भवइ, एवं णायमुणिणा भगवया पण्णवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं सुदेसियं पसत्थं, चउत्थं संवरदारं समत्तंतिबेमि ॥२७॥

॥ चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥

पंचमं अज्झयणं

जंबू ! अपरिग्गहसंवुडे य समणे आरंभपरिग्गहाओ विरए, विरए कोह-माणमायालोहा एगे असंजमे दो चेव रागदोसा तिण्णि य दंडगारवा य गुत्तीओ तिण्णि तिण्णि य विराहणाओ चत्तारि कसाया झाणसण्णाविकहा तहा य हुंति चउरो पंच य किरियाओ समिइइंदियमहव्वयाइं च छज्जीवणिकाया छच्च लेसाओ सत्त भया अट्ठ य मया णव चेव य बंभचेरवयगुत्ती दसप्पगारे य समण-धम्मे एकारस य उवासगाणं बारस य भिक्खुपडिमा किरियठाणा य भूयगामा परमाधम्मिया गाहासोलसया असंजमअबंभणायअसमाहिठाणा सबला परिसहा सूयगडज्झयणदेवभावणउद्देसगुणपकप्पपावसुयमोहणिज्जे सिद्धाइगुणा य जोग-संगहे तित्तीसा आसायणा सुरिंदा आदि एक्काइयं करेत्ता एक्कुत्तरियाए वड्ढीए तीसाओ जाव उ भवे तिगाहिया विरईपणिहीसु अविरईसु य एवमाइसु बहूसु ठाणेसु जिणपसत्थेसु अवितहेसु सासयभावेसु अवट्ठिएसु संकं कंखं णिराकरेत्ता सद्दहए सासणं भगवओ अणियाणे अगारवे अलुद्धे अमूढमण-वयणकायगुत्ते ॥२८॥ जो सो वीरवरवयणविरइपवित्थरबहुविहप्पयारो सम्मत्त-

विसुद्धमूलो धिइकंदो विणयवेइओ णिग्गयतिलोग्गविउलजसणिचियपीणपीवर-सुजायखंधो पंचमहव्वयविसालसालो भावणतयंतज्झाणसुभजोगणाणपल्लववरं-कुरधरो बहुगुणकुसुमसमिद्धो सीलसुगंधो अणण्हवफलो पुणो य मोक्खवरबीज-सारो मंदरगिरिसिहरचूलिआ इमस्स मोक्खवरमुत्तिमग्गस्स सिहरभूओ संवर-वरपायवो चरिमं संवरदारं। जत्थ ण कप्पइ गामागरणगरखेडकब्बडमंडबदोण-मुहपट्टणासमगयं च किंचि अप्पं व बहुं व अणुं व थूलं व तसथावरकायदव्वजायं मणसावि परिघेत्तुं ण हिरण्णसुवण्णखेत्तवत्थु ण दासीदासभयकपेसहयगयगवेलगं च ण जाणजुग्गसयणासणाइं ण छत्तगं ण कुंडिया ण उवाणहा ण पेहुणवीयणतालि-यंटगा ण यावि अयतउयतंबसीसगकंसरययजायरूवमणिमुत्ताहारपुडकसंखदंत-मणिसिंगसेलकायवरचेलचम्मपत्ताइं महरिहाइं परस्स अज्झोववायलोभजणणाइं परियड्ढिउं गुणवओ ण यावि पुप्फफलकंदमूलाइयाइं सणसत्तरसाइं सव्वधण्णाइं तिहिं वि जोगेहिं परिघेत्तुं ओसहभेसज्जभोयणट्ठयाए संजएणं, किं कारणं? अपरि-मियणाणदंसणधरेहिं सीलगुणविणयतवसंजमणायगेहिं तित्थयरेहिं सव्वजग-ज्जीववच्छलेहिं तिलोयमहिएहिं जिणवरिंदेहिं एस जोणी जंगमाणं दिट्ठा ण कप्पइ जोणिसमुच्छेदोत्ति तेण वज्जंति समणसीहा। जंपिय ओदण-कुम्मासगंजतप्पणमंथुभुज्जियपललसूपसक्कुलिवेढिमवरसरकचुण्णकोसगपिंडसि-हरिणिवट्टमोयगखीरदहिसप्पिणवणीयतेल्लगुलखंडमच्छंडियमहुमज्ज-मंस-खज्जग-वंजणविधिमाइयं पणीयं उवस्सए परघरे व रण्णे ण कप्पइ तंपि सण्णिहिं काउं सुविहियाणं, जंपिय उद्दिट्ठठवियरचियगपज्जवजायं पकिण्णपाउकरणपा-मिच्चं मीसकजायं कीयगडपाहुडं च दाणट्ठपुण्णपगडं समणवणीमगट्ठयाए व कयं पच्छाकम्मं पुरेकम्मं णिइकम्मं मक्खियं अइरित्तं मोहरं चेव सयग्गहमाहडं मट्टिओवलित्तं अच्छेज्जं चेव अणीसट्ठं जं तं तिहीसु जण्णेसु ऊसवेसु य अंतो व बहिं व होज्ज समणट्ठयाए ठवियं हिंसासावज्जसंपउत्तं ण कप्पइ तंपि-य परिघेत्तुं। अह केरिसयं पुणाइ कप्पइ? जं तं एक्कारसपिंडवायसुद्धं किणण-हणणपयणकयकारियाणुमोयणणवकोडीहिं सुपरिसुद्धं दसहि य दोसेहि विप्प-मुक्कं उग्गमउप्पायणेसणाए सुद्धं ववगयचुयचवियचत्तदेहं च फासुयं ववगय-संजोगमणिंगालं विगयधूमं छट्ठाणणिमित्तं छक्कायपरिरक्खणट्ठा हणि-हणि फासुएण भिक्खेण वट्टियव्वं, जंपि-य समणस्स सुविहियस्स उ रोगायंके बहुप्प-

कारंमि समुप्पण्णे वायाहिगपित्तसिंभअइरित्तकुविय-तह-सण्णिवायजाए व उदयपत्ते उज्जलबलविउल[तिउल]कक्खडपगाढदुक्खे असुभकडुयफरुसे चंडफलविवागे महब्भए जीवियंतकरणे सव्वसरीरपरितावणकरे ण कप्पइ तारिसे वि तह अप्पणो परस्स वा ओसहभेसज्जं भत्तपाणं च तंपि संणिहिकयं। जंपि य समणस्स सुविहियस्स तु पडिग्गहधारिस्स भवइ भायणभंडोवहिउवगरणं पडिग्गहो पायबंधणं पायकेसरिया पायठवणं च पडलाइं तिण्णेव रयत्ताणं च गोच्छओ तिण्णेव य पच्छागा रयोहरणचोलपट्टगमुहणंतगमाईयं एयंपि य संजमस्स उववूहणट्ठयाए वायायवदंसमसगसीयपरिरक्खणट्ठयाए उवगरणं रागदोसरहियं परिहरियव्वं संजएण णिच्चं पडिलेहणपप्फोडणपमज्जणाए अहो य राओ य अप्पमत्तेण होइ सययं णिक्खिवियव्वं च गिण्हियव्वं च भायणभंडोवहिउवगरणं, एवं से संजए विमुत्ते णिस्संगे णिप्परिग्गहरुई णिम्ममे णिण्णेहबंधणे सव्वपावविरए वासीचंदणसमाणकप्पे समतिणमणिमुत्तालेट्ठुकंचणे समे य माणावमाणणाए समियरए समियरागदोसे समिए समिईसु सम्मदिट्ठी समे य जे सव्वपाणभूएसु से हु समणे सुयधारए उज्जुए संजए स साहू सरणं सव्वभूयाणं सव्वजगवच्छले सच्चभासए य संसारंतट्ठिए य संसारसमुच्छिण्णे सययं मरणाणुपारए पारगे य सव्वेसिं संसयाणं पवयणमायाहिं अट्ठहिं अट्ठकम्मगंठीविमोयगे अट्ठमयमहणे ससमयकुसले य भवइ सुहदुक्खणिव्विसेसे अब्भितरबाहिरंमि सया तवोवहाणंमि य सुट्ठुज्जुए खंते दंते य हियणिरए ईरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयाणभंडमत्तणिक्खेवणासमिए उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपरिट्ठावणियासमिए मणगुत्ते वयगुत्ते कायगुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तबंभयारी चाई लज्जू धण्णे तवस्सी खंतिखमे जिइंदिए सोहिए अणियाणे अबहिल्लेस्से अममे अकिंचणे छिण्णगंथे णिरुवलेवे सुविमलवरकंसभायणं व मुक्कतोए संखे विव णिरंजणे विगयरायदोसमोहे कुम्मो इव इंदिएसु गुत्ते जच्चकंचणगं व जायरूवे पोक्खरपत्तं व णिरुवलेवे चंदो इव सोमभावयाए सूरोव्व दित्ततेए अचले जह मंदरे गिरिवरे अक्खोभे सागरो व्व थिमिए पुढवी-व सव्वफाससहे तवसा च्चिय भासरासिछण्णिव्व जायतेए जलियहुयासणो विव तेयसा जलंते गोसीसचंदणं पिव सीयले सुगंधे य हरयो विव समियभावे उग्घोसियसुणिम्मलं व आयंसमंडलतलं व पागडभावेण सुद्धभावे सोंडीरे कुंज-

रोव्व वसभेव जायथामे सीहे वा जहा मियाहिवे होइ दुप्पधरिसे सारयसलिलं व सुद्धहियए भारंडे चेव अप्पमत्ते खग्गिविसाणं व एगजाए खाणुं चेव उड्डकाए सुण्णागारेव्व अप्पडिकम्मे सुण्णागारावणस्संतो णिवायसरणप्पदीवज्झाणमिव णिप्पकंपे जहा खुरो चेव एगधारे जहा अही चेव एगदिट्ठी आगासं चेव णिरालंबे विहगे विव सव्वओ विप्पमुक्के कयपरणिलए जहा चेव उरए अप्पडिबद्धे अणिलोव्व जीवोव्व अप्पडिहयगई गामे गामे एगरायं णयरे णयरे य पंचरायं दूइज्जंते य जिइंदिए जियपरीसहे णिब्भओ विऊ सच्चित्ताचित्तमीसगेहिं दव्वेहिं विरायं गए संचयओ विरए मुत्ते लहुए णिरवकंखे जीवियमरणासविप्पमुक्के णिस्संधि णिव्वणं चरित्तं धीरे काएण फासयंते सययं अज्झप्पज्झाणजुत्ते णिहुए एगे चरेज्ज धम्मं। इमं च परिग्गहवेरमणपरिरक्खणट्ठयाए पावयणं भगवया सुकहियं अत्तहियं पेच्चाभावियं आगमेसिभद्दं सुद्धं णेयाउयं अकुडिलं अणुत्तरं सव्वदुक्खपावाणविओसमणं। तस्स इमा पंच भावणाओ चरिमस्स वयस्स होंति परिग्गहवेरमणरक्खणट्ठयाए—पढमं सोइंदिएण सोच्चा सद्दाइं मणुण्णभद्दगाइं, किं ते? वरमुरयमुइंगपणवदद्दुरकच्छभिवीणाविपंचीवल्लयिवद्धीसकसुघोसणंदिसूसरपरिवाइणि-वंस-तूणगपव्वग-तंती-तलताल-तुडियणिग्घोसगीयवाइयाइं णडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठिगवेलंबग-कहग-पवगलासग-आइक्खगलंखमंखतूणइल्लतुंबवीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि महुरसरगीयसुस्सराइं कंचीमेहलाकलावपत्तरगपहेरगपायजालगघंटियखिंखिणिरयणोरुजालियछुड्डियणेउरचलण-मालियकणगणियलजालभूसणसद्दाणि लीलचंकम्ममाण-णुदीरियाइं तरुणीजणहसियभणियकलरिभियमंजुलाइं गुणवयणाणि व बहूणि महुरजणभासियाइं अण्णेसु य एवमाइएसु सद्देसु मणुण्णभद्दएसु ण तेसु समणे ण सज्जियव्वं ण रज्जियव्वं ण गिज्झियव्वं ण मुज्झियव्वं ण विणिग्घायं आवज्जियव्वं ण लुभियव्वं ण तुसियव्वं ण हसियव्वं ण सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि सोइंदिएण सोच्चा सद्दाइं अमणुण्णपावगाइं, किं ते? अक्कोसफरुसखिंसणअवमाणणतज्जणणिब्भंछणदित्तवयणतासणउक्कूजियरुण्णरडियकंदियणिग्घुट्ठरसियकलुणविलवियाइं अण्णेसु य एवमाइएसु सद्देसु अमणुण्णपावएसु ण तेसु समणेण रूसियव्वं ण हीलियव्वं ण णिंदियव्वं ण खिंसियव्वं ण छिंदियव्वं ण भिंदियव्वं ण वहेयव्वं ण दुगुंछावत्तियाए लब्भा उप्पाएउं, एवं सोइंदियभावणाभाविओ भवइ अंतरप्पा मणुण्णा-

ऽमणुण्णसुब्भिदुब्भिरागदोसप्पणिहियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते संवुडे पणिहिइंदिए चरेज्ज धम्मं । बिइयं चक्खिदिएण पासिय रूवाणि मणुण्णाइं भद्दगाइं सचित्ताऽचित्तमीसगाइं कट्ठे पोत्थे य चित्तकम्मे लेप्पकम्मे सेले य दंतकम्मे य पंचहि वण्णेहि अणेगसंठाणसंठियाइं गंठिमवेढिमपूरिम-संघाइमाणि य मल्लाइं बहुविहाणि य अहियं णयणमणसुहयराइं वणसंडे पव्वए य गामागरणगराणि य खुद्दिय-पुक्खरिणि-वावी-दीहियगुंजालियसरसरपंतियसागरबिलपंतियखाइयणईसरतलागवप्पिणीफुल्लुप्पलपउमपरिमंडियाभिरामे अणेगसउणगणमिहुणविचरिए वरमंडवविविहभवणतोरण-चेइयदेवकुलसभप्पवावसहसुकयसयणासणसीयरहसयडजाणजुग्गसंदणणरणारिगणे य सोमपडिरूवदरिसणिज्जे अलंकियविभूसिए पुव्वकयतवप्पभावसोहग्गसंपउत्ते णडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंवगकहगपवगलासगआइक्खगलंखमंख-तूणइल्लतुंबवीणियतालायरपकरणाणि य बहूणि सुकरणाणि अण्णेसु य एवमाइएसु रूवेसु मणुण्णभद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं ण रज्जियव्वं जाव ण सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि चक्खिदिएण पासिय रूवाइं अमणुण्णपावगाइं, किं ते ? गंडिकोढिककुणिउदरिकच्छुल्लपइल्लकुज्जपंगुलवामणअंधिल्लगएगचक्खुविणिहयसप्पिसल्लगवाहिरोगपीलियं विगयाणि य मयगकलेवराणि सकिमिणकुहियं च दव्वरासिं अण्णेसु य एवमाइएसु अमणुण्णपावएसु ण तेसु समणेण रूसियव्वं जाव ण दुगुंछावत्तियावि लब्भा उप्पाएउं, एवं चक्खिदियभावणाभाविओ भवइ अंतरप्पा जाव चरेज्ज धम्मं । तइयं घाणिदिएण अग्घाइय गंधाइं मणुण्णभद्दगाइं, किं ते ? जलय-थलय-सरसपुप्फफलपाणभोयण-कुट्ठ-तगरपत्त-चोयदमणगमरुयएलारसपिक्कमंसि-गोसीससरसचंदणकप्पूर-लवंगअगरकुंकुमककोलउसीरसेयचंदणसुगंधसारंगजुत्तिवरधूववासे उउयपिंडिमणिहारिमगंधिएसु अण्णेसु य एवमाइएसु गंधेसु मणुण्णभद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं जाव ण सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि घाणिदिएण अग्घाइय गंधाणि अमणुण्णपावगाइं, किं ते ? अहिमडअस्समडहत्थिमडगोमडविगसुणगसियालमणुयमज्जारसीहदीवियमयकुहियविणट्ठकिविणबहुदुरभिगंधेसु अण्णेसु य एवमाइएसु गंधेसु अमणुण्णपावएसु ण तेसु समणेण रूसियव्वं जाव पणिहियपंचिदिए चरेज्ज धम्मं । चउत्थं जिब्भिदिएणसाइयरसाणि उ मणुण्णभद्दगाइं, किं

ते ? उग्गाहिमविविहपाणभोयणगुलकयखंडकयतेल्लघयकयभक्खेसु बहुविहेसु लवणरससंजुत्तेसु महुमंस-बहुप्पगारमज्जियणिट्ठाणगदालियंबसेहंबदुद्धदहिसरय-मज्जवरवारुणी-सीहु-काविसायणसायट्ठारसबहुप्पगारेसु भोयणेसु य मणुण्णवण्ण-गंधरस-फासबहुदव्वसंभिएसु अण्णेसु य एवमाइएसु रसेसु मणुण्णभद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं जाव ण सइं च मइं च तत्थ कुज्जा। पुणरवि जिब्भिदिएण साइय रसाइं अमणुण्णपावगाइं, किं ते ? अरसविरससीयलुक्खणिज्जप्पपाण-भोयणाइं दोसीणवावण्णकुहियपूइयअमणुण्णविणट्ठप्पसूयबहुदुब्भिगंधियाइं तित्त-कडुयकसायअंबिलरसलिंडणीरसाइं अण्णेसु य एवमाइएसु रसेसु अमणुण्णपाव-एसु ण तेसु समणेण रूसियव्वं जाव चरेज्ज धम्मं। पंचमगं फासिंदिएण फासिय फासाइं मणुण्णभद्दगाइं किं ते ? दगमंडवहारसेयचंदणसीयलविमलजलविविह-कुसुमसत्थरओसीरमुत्तियमुणालदोसिणा-पेहुण-उक्खेवगतालियंटवीयणगजणिय-सुहसीयले य पवणे गिम्हकाले सुहफासाणि य बहुणि सयणाणि आसणाणि य पाउरणगुणे य सिसिरकाले अंगारपयावणा य आयवणिद्धमउयसीयउसिणलहुया य जे उदुसुहफासा अंगसुहणिव्वुइकरा ते अण्णेसु य एवमाइएसु फासेसु मणुण्ण-भद्दएसु ण तेसु समणेण सज्जियव्वं ण रज्जियव्वं ण गिज्झियव्वं ण मुज्झियव्वं ण विणिग्घायं आवज्जियव्वं ण लुभियव्वं ण अज्झोववज्जियव्वं ण तूसियव्वं ण हसियव्वं ण सइं च मइं च तत्थ कुज्जा, पुणरवि फासिंदिएण फासिय फासाइं अमणुण्णपावगाइं, किं ते ? अणेगवहबंधतालणंकणअइभारारोवणए अंगभंजण-सूईणखप्पवेसगायपच्छणणलक्खारसखारतेल्लकलकलंततउयसीसग-काललोहसिं-चणहडिबंधणरज्जुणिगलसंकलहत्थंडुयकुंभिपागदहण-सीह पुच्छण-उब्बंधणसूल-भेयगयचलणमलणकरचरण-कण्णणासोट्ठसीसछेयणजिब्भंच्छेयण-वसणणयणहि-ययदंतभंजण-जोत्तलय-कसप्पहार-पायपण्हिजाणुपत्थरणिवाय-पीलण-कविकच्छु-अगणिविच्छुयडक्कवायातवदंसमसगणिवाए दुट्ठणिसज्जदुणिसीहियदुब्भिकक्खड-गुरुसीयउसिणलुक्खेसु बहुविहेसु अण्णेसु य एवमाइएसु फासेसु अमणुण्णपावएसु ण तेसु समणेण रूसियव्वं ण हीलियव्वं ण णिंदियव्वं ण खिंसियव्वं ण छिंदि-यव्वं ण भिंदियव्वं ण वहेयव्वं दुगुंछावत्तियं च लब्भा उप्पाएउं, एवं फासि-दियभावणाभाविओ भवइ अंतरप्पा मणुण्णामणुण्णसुब्भिदुब्भिरागदोसपणि-हियप्पा साहू मणवयणकायगुत्ते संवुडे पणिहिइंदिए चरिज्ज धम्मं। एवमिणं

संवरस्स दारं सम्मं संवरियं होइ सुप्पणिहियं इमेहिं पंचहि वि कारणेहिं मणवय-कायपरिरक्खिएहिं णिच्चं आमरणंतं च एस जोगो णेयव्वो धिइमया मइमया अणासवो अकलुसो अच्छिद्दो अपरिस्सावी असंकिलिट्ठो सुद्धो सव्वजिणमणुण्णाओ। एवं पंचमं संवरदारं फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं अणुपालियं आणाए आराहियं भवइ। एवं णायमुणिणा भगवया पण्णवियं परूवियं पसिद्धं सिद्धं सिद्धवरसासणमिणं आघवियं सुदेसियं पसत्थं पंचमं संवरदारं समत्तं तिबेमि। एयाइं वयाइं पंचवि सुव्वयमहव्वयाइं हेउसयविचित्तपुक्कलाइं कहियाइं अरिहंतसासणे पंच समासेण संवरा वित्थरेण उ पणवीसइसमियसहियसंवुडे सया जयणघडणसुविसुद्धदंसणे एए अणुचरियसंजए चरमसरीरधरे भविस्सतीति ॥२९॥ पण्हावागरणे णं एगो सुयक्खंधो दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति एगंतरेसु आयंबिलेसु णिरुद्धेसु आउत्तभत्तपाण-एणं अंगं जहा आयारस्स ॥ ३० ॥

॥ पण्हावागरणं सुत्तं समत्तं ॥

विवागसुयं

पढमो सुयक्खंधो

मियापुत्ते णामं पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णामं णयरी होत्था वण्णओ, पुण्णभद्दे चेइए ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अज्जसुहम्मे णामं अणगारे जाइसंपण्णे वण्णओ चउद्दसपुव्वी चउणाणोवगए पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं जाव जेणेव पुण्णभद्दे चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ, परिसा णिग्गया, धम्मं सोच्चा णिसम्म जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं अज्जसुहम्मस्स अंतेवासी अज्जजंबू णामं अणगारे सत्तुस्सेहे जहा गोयमसामी तहा जाव झाणकोट्ठोवगए विहरइ। तए णं अज्जजंबू णामं अणगारे जायसड्ढे जाव जेणेव अज्जसुहम्मे अणगारे तेणेव उवागए तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जुवासइ, [२] एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं दसमस्स अंगस्स पण्हावागरणाणं अयमट्ठे पण्णत्ते, एक्कारसमस्स णं भंते! अंगस्स विवागसुयस्स समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जंबू अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता, तं०—दुहविवागा य सुहविवागा य। जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं एक्कारसमस्स अंगस्स विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा पण्णत्ता, तं०—दुहविवागा य सुहविवागा य, पढमस्स णं भंते! सुयक्खंधस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता? तए णं अज्जसुहम्मे अणगारे जंबु अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! समणेणं० आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—'मियापुत्ते य उज्झियए अभग्ग सगडे बहस्सई णंदी। उंबर सोरियदत्ते य देवदत्ता य अंजू य ॥ १ ॥' जइ णं

भंते ! समणेणं० आइगरेणं तित्थगरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—मियापुत्ते य जाव अंजू य, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबु अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं मियग्गामे णामं णयरे होत्था वण्णओ, तस्स णं मियग्गामस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए चंदणपायवे णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय....वण्णओ। तत्थणं सुहम्मस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था चिराइए जहा पुण्णभद्दे। तत्थ णं मियग्गामे णयरे विजए णामं खत्तिए राया परिवसइ वण्णओ। तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स मियाणामं देवी होत्था, अहीण....वण्णओ। तस्स णं विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियाए देवीए अत्तए मियापुत्ते णामं दारए होत्था जाइअंधे जाइमूए जाइबहिरे जाइपंगुले य हुंडे य वायव्वे, णत्थि णं तस्स दारगस्स हत्था वा पाया वा कण्णा वा अच्छी वा णासा वा, केवलं से तेसिं अंगोवंगाणं आगिई आगिइमेत्ते। तए णं सा मियादेवी तं मियापुत्तं दारगं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहरइ ॥ २ ॥ तत्थ णं मियग्गामे णयरे एगे जाइअंधे पुरिसे परिवसइ, से णं एगेणं सचक्खुएणं पुरिसेणं पुरओ-दंडएणं पगड्डिज्जमाणे २ फुट्टहडाहडसीसे मच्छियाचडगरपहकरेणं अण्णिज्जमाणमग्गे मियग्गामे णयरे गेहे २ कालुणवडियाए वित्तिं कप्पेमाणे विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसरिए जाव परिसा णिग्गया। तए णं से विजए खत्तिए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जहा कूणिए तहा णिग्गए जाव पज्जुवासइ। तए णं से जाइअंधे पुरिसे तं महया जणसद्दं जाव सुणेत्ता तं पुरिसं एवं वयासी—किं णं देवाणुप्पिया ! अज्ज मियग्गामे णयरे इंदमहेइ वा जाव णिग्गच्छइ ? तए णं से पुरिसे तं जाइअंधपुरिसं एवं वयासी—णो खलु देवाणुप्पिया ! इंदमहेइ वा जाव णिग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे जाव विहरइ, तए णं एए जाव णिग्गच्छंति। तए णं से अंधपुरिसे तं पुरिसं एवं वयासी—गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! अम्हेवि समणं भगवं जाव पज्जुवासामो। तए णं से जाइअंधे पुरिसे तेणं पुरओ-दंडएणं [पुरिसेणं] पगड्डिज्जमाणे २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागए २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जाव पज्जवासइ। तए णं

समणे भगवं महावीरे विजयस्स खत्तियस्स तीसे य० धम्ममाइक्खइ जाव परिसा (जाव) पडिगया, विजए वि गए ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे तं जाइअंधपुरिसं पासइ २ त्ता जायसड्ढे जाव एवं वयासी-अत्थि णं भंते! केइ पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे? हंता अत्थि, कहि णं भंते! से पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारूवे? एवं खलु गोयमा! इहेव मियग्गामे णयरे विजयस्स खत्तियस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए मियापुत्ते णामं दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे, णत्थि णं तस्स दारगस्स जाव आगिइमेत्ते, तए णं सा मियादेवी जाव पडिजागरमाणी २ विहरइ। तए णं से भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-इच्छामि णं भंते! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मियापुत्तं दारयं पासित्तए। अहासुहं देवाणुप्पिया! तए णं से भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता अतुरियं जाव सोहेमाणे २ जेणेव मियग्गामे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं जेणेव मियाए देवीए गिहे तेणेव उवागच्छइ। तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ जाव एवं वयासी-संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! किमागमणप्पओयणं? तए णं से भगवं गोयमे मियादेविं एवं वयासी-अहं णं देवाणुप्पिए! तव पुत्तं पासिउं हव्वमागए। तए णं सा मियादेवी मियापुत्तस्स दारयस्स अणुमग्गजायए चत्तारि पुत्ते सव्वालंकारविभूसिए करेइ २ त्ता भगवओ गोयमस्स पाएसु पाडेइ २ त्ता एवं वयासी-एए णं भंते! मम पुत्ते पासह। तए णं से भगवं गोयमे मियं देविं एवं वयासी-णो खलु देवा० अहं एए तव पुत्ते पासिउं हव्वमागए, तत्थ णं जे से तव जेट्ठे पु०मियापुत्ते दारए जाइअंधे जाइअंधारूवे जं णं तुमं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहरसि तं णं अहं पासिउं हव्वमागए। तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी-से के णं गोयमा! से तहारूवे णाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एसमट्ठे मम ताव रहस्सिकए तुब्भं हव्वमक्खाए जओ णं तुब्भे जाणह? तए णं भगवं गोयमे मियं देविं एवं वयासी-एवं खलु

देवाणुप्पिए ! मम धम्मायरिए समणे भगवं महावीरे जाव जओ णं अहं जाणामि, जावं च णं मियादेवी भगवया गोयमेण सद्धिं एयमट्ठं संलवइ तावं च णं मियापुत्तस्स दारगस्स भत्तवेला जाया यावि होत्था। तए णं सा मियादेवी भगवं गोयमं एवं वयासी-तुब्भे णं भंते ! इहं चेव चिट्ठह जा णं अहं तुब्भं मियापुत्तं दारगं उवदंसेमित्तिकट्टु जेणेव भत्तपाणघरए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता वत्थपरियट्टयं करेइ २ त्ता कट्ठसगडियं गिण्हइ २ त्ता विउलस्स असणपाणखाइमसाइमस्स भरेइ २ त्ता तं कट्ठसगडियं अणुकड्ढमाणी २ जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भगवं गोयमं एवं वयासी-एह णं तुब्भे भंते ! मम अणुगच्छह जा णं अहं तुब्भं मियापुत्तं दारगं उवदंसेमि। तए णं से भगवं गोयमे मियादेविं पिट्ठओ समणुगच्छइ। तए णं सा मियादेवी तं कट्ठसगडियं अणुकड्ढमाणी २ जेणेव भूमिघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चउप्पुडेणं वत्थेणं मुहं बंधमाणी भगवं गोयमं एवं वयासी-तुब्भे वि णं भंते ! मुहपोत्तियाए मुहं बंधह तए णं से भगवं गोयमे मियादेवीए एवं वुत्ते समाणे मुहपोत्तियाए मुहं बंधेइ। तए णं सा मियादेवी परंमुही भूमिघरस्स दुवारं विहाडेइ, तए णं गंधे णिग्गच्छइ से जहाणामए अहिमडेइ वा (सप्पकडेवरे इ वा) जाव तओ वि य णं अणिट्ठतराए चेव जाव गंधे पण्णत्ते। तए णं से मियापुत्ते दारए तस्स विउलस्स असणपाणखाइमसाइमस्स गंधेणं अभिभूए समाणे तंसि विउलंसि असणपाणखाइमसाइमंसि मुच्छिए० तं विउलं असणं ४ आसएणं आहारेइ २ त्ता खिप्पामेव विद्धंसेइ २ त्ता तओ पच्छा पूयत्ताए य सोणियत्ताए य परिणामेइ तंपि य णं पूयं च सोणियं च आहारेइ। तए णं भगवओ गोयमस्स तं मियापुत्तं दारगं पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए ५ समुप्पज्जित्था-अहो णं इमे दारए पुरापोराणाणं दुच्चिण्णाणं दुप्पडिक्कंताणं असुभाणं पावाणं कडाणं कम्माणं पावगं फलवित्तिविसेसं पच्चणुभवमाणे विहरइ ण मे दिट्ठा णरगा वा णेरइया वा पच्चक्खं खलु अयं पुरिसे णरगपडिरूवियं वेयणं वेएइत्तिकट्टु मियं देविं आपुच्छइ २ त्ता मियाए देवीए गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता मियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु

अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मियग्गामं णयरं मज्झंमज्झेणं अणुप्पविसामि जेणेव मियाए देवीए गिहे तेणेव उवागए, तए णं सा मियादेवी ममं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठा तं चेव सव्वं जाव पूयं च सोणियं च आहारेइ, तए णं मम इमे अज्झत्थिए० समुप्पज्जित्था–अहो णं इमे दारए पुरा जाव विहरइ ॥ ४ ॥ से णं भंते ! पुरिसे पुव्वभवे के आसि ? किं-णामए वा किंगोए वा कयरंसि गामंसि वा णयरंसि वा ? किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा समायरित्ता केसिं वा पुरा जाव विहरइ ? गोयमाइ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सयदुवारे णामं णयरे होत्था रिद्धत्थमियसमिद्धे वण्णओ। तत्थ णं सयदुवारे णयरे धणवई णामं राया होत्था वण्णओ। तस्स णं सयदुवारस्स णयरस्स अदूरसामंते दाहिणपुरत्थिमे दिसीभाए विजयवद्धमाणे णामं खेडे होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धे। तस्स णं विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पंच गामसयाइं आभोए यावि होत्था, तत्थ णं विजयवद्धमाणे खेडे एक्काई णामं रट्ठकूडे होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। से णं एक्काई रट्ठकूडे विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पंचण्हं गामसयाणं आहेवच्चं जाव पालेमाणे विहरइ। तए णं से एक्काई र० विजयवद्धमाणस्स खेडस्स पंच गामसयाइं बहूहिं करेहि य भरेहि य विद्धीहि य उक्कोडाहि य पराभवेहि य देज्जेहि य भेज्जेहि य कुंतेहि य लंछपोसेहि य आलीवणेहि य पंथकोट्टेहि य ओवीलेमाणे २ विहम्मेमाणे २ तज्जेमाणे २ तालेमाणे २ णिद्धणे करेमाणे २ विहरइ। तए णं से एक्काई रट्ठकूडे विजयवद्धमाणस्स खेडस्स बहूणं राईसर-तलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहाणं अण्णेसिं च बहूणं गामेल्लग-पुरिसाणं बहुसु कज्जेसु य कारणेसु य मंतेसु य गुज्झेसु य णिच्छएसु य ववहारेसु य सुणमाणे भणइ ण सुणेमि असुणमाणे भणइ सुणेमि एवं पस्समाणे भासमाणे गिण्हमाणे जाणमाणे। तए णं से एक्काई रट्ठकूडे एयकम्मे एयप्पहाणे एयविज्जे एयसमायारे सुबहुं पावकम्मं कलिकलुसं समज्जिणमाणे विहरइ। तए णं तस्स एक्काइयस्स रट्ठकूडस्स अण्णया कयाइ सरीरगंसि जमगसमगमेव सोलस रोगायंका पाउब्भूया, तं०–सासे कासे जरे दाहे कुच्छिसूले भगंदरे। अरिसा अजीरए दिट्ठीमुद्धसूले अकारए ॥ १ ॥ अच्छिवेयणा कण्णवेयणा कंडू उयरे कोढे।

तए णं से एक्काई रट्ठकूडे सोलसहिं रोगायंकेहिं अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! विजयवद्धमाणे खेडे सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरमहापहपहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह– इहं खलु देवाणुप्पिया! एक्काईरट्ठकूडस्स सरीरगंसि सोलस-रोगायंका पाउब्भूया, तं०–सासे कासे जरे जाव कोढे, तं जो णं इच्छइ देवाणुप्पिया! वेज्जो वा वेज्जपुत्तो वा जाणुओ वा जाणुयपुत्तो वा तेगिच्छी वा तेगिच्छिपुत्तो वा एक्काईरट्ठकूडस्स तेसिं सोलसण्हं रोगायंकाणं एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए तस्स णं एक्काई रट्ठकूडे विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ, दोच्चंपि तच्चंपि उग्घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति। तए णं (से) विजयवद्धमाणे खेडे इमं एयारूवं उग्घोसणं सोच्चा णिसम्म बहवे वेज्जा य ६ सत्थकोसहत्थगया सएहिंतो २ गिहेहिंतो पडिणिक्खमंति २ त्ता विजयवद्धमाणस्स खेडस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव एक्काईरट्ठकूडस्स गिहे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता एक्काईरट्ठकूडस्स सरीरगं परामुसंति २ त्ता तेसिं रोगाणं णिदाणं पुच्छंति २ त्ता एक्काईरट्ठकूडस्स बहूहिं अब्भंगेहि य उव्वट्टणेहि य सिणेहपाणेहि य वमणेहि य विरेयणेहि य सेयणेहि य अवद्दहणाहि य अवण्हाणेहि य अणुवासणाहि य बत्थिकम्मेहि य णिरूहेहि य सिरावेहेहि य तच्छणेहि य पच्छणेहि य सिरोबत्थीहि य तप्पणाहि य पुडपागेहि य छल्लीहि य मूलेहि य कंदेहि य पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य बीएहि य सिलियाहि य गुलियाहि य ओसहेहि य भेसज्जेहि य इच्छंति तेसिं सोलसण्हं रोगायंकाणं एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए, णो चेव णं संचाएंति उवसामित्तए। तए णं ते बहवे वेज्जा य वेज्जपुत्ता य जाहे णो संचाएंति तेसिं सोलसण्हं रोगायंकाणं एगमवि रोगायंकं उवसामित्तए ताहे संता तंता परितंता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं एक्काईरट्ठकूडे वेज्जेहि य ६ पडियाइक्खिए परियारगपरिच्चत्ते णिव्विट्ठोसहभेसज्जे सोलसरोगायंकेहिं अभिभूए समाणे रज्जे य रट्ठे य जाव अंतेउरे य मुच्छिए रज्जं च रट्ठं च आसाएमाणे पत्थेमाणे पीहेमाणे अभिलसमाणे अट्टदुहट्टवसट्टे अड्ढाइज्जाइं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठिइएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे। से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव

मियगामे णयरे विजयस्स खत्तियस्स मियाए देवीए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उववण्णे। तए णं तीसे मियाए देवीए सरीरे वेयणा पाउब्भूया उज्जला जाव दुरहियासा, जप्पभिइं च णं मियापुत्ते दारए मियाए देवीए कुच्छिसि गब्भत्ताए उववण्णे तप्पभिइं च णं मियादेवी विजयस्स ख० अणिट्ठा अकंता अप्पिया अमणुण्णा अमणामा जाया यावि होत्था। तए णं तीसे मियाए देवीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियाए जागरमाणीए इमे एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं विजयस्स खत्तियस्स पुव्विं इट्ठा ६ धेज्जा वेसासिया अणुमया आसी, जप्पभिइं च णं मम इमे गब्भे कुच्छिसि गब्भत्ताए उववण्णे तप्पभिइं च णं अहं विजयस्स खत्तियस्स अणिट्ठा जाव अमणामा जाया यावि होत्था, णिच्छइ णं विजए खत्तिए मम णामं वा गोयं वा गिण्हित्तए वा किमंग पुण दंसणं वा परिभोगं वा, तं सेयं खलु मम एयं गब्भं बहूहिं गब्भसाडणाहि य पाडणाहि य गालणाहि य मारणाहि य साडित्तए वा ४, एवं संपेहेइ संपेहित्ता बहूणि खाराणि य कडुयाणि य तूवराणि य गब्भसाडणाणि य ४ खायमाणी य पीयमाणी य इच्छइ तं गब्भं साडित्तए वा ४ णो चेव णं से गब्भे सडइ वा ४। तए णं सा मियादेवी जाहे णो संचाएइ तं गब्भं साडित्तए वा ४ ताहे संता तंता परितंता अकामिया असयंवसा तं गब्भं दुहंदुहेणं परिवहइ, तस्स णं दारगस्स गब्भगयस्स चेव अट्ठणालीओ अब्भिंतरप्पवहाओ अट्ठणालीओ बाहिरप्पवहाओ अट्ठपूयप्पवहाओ अट्ठसोणियप्पवहाओ दुवे-दुवे कण्णंतरेसु दुवे-दुवे अच्छिअंतरेसु दुवे-दुवे णक्कंतरेसु दुवे-दुवे धमणिअंतरेसु अभिक्खणं अभिक्खणं पूयं च सोणियं च परिसवमाणीओ २ चेव चिट्ठंति। तस्स णं दारगस्स गब्भगयस्स चेव अग्गिए णामं वाही पाउब्भूए जे णं से दारए आहारेइ से णं खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ पूयत्ताए य सोणियत्ताए य परिणमइ, तंपि य से पूयं च सोणियं च आहारेइ। तए णं सा मियादेवी अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया जाइअंधे जाव आगिइमेत्ते। तए णं सा मियादेवी तं दारगं हुंडं अंधारूवं पासइ २ त्ता भीया ४ अम्मधाइं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-गच्छह णं देवाणुप्पिया! तुमं एयं दारगं एगंते उक्कुरुडियाए उज्झाहि। तए णं सा अम्मधाई मियादेवीए तहत्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव विजए खत्तिए तेणेव उवा-

गच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं.....एवं वयासी—एवं खलु सामी ! मियादेवी णवण्हं मासाणं.....जाव आगिइमेत्ते, तए णं सा मियादेवी तं हुंडं अंधारूवं पासइ २ त्ता भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया ममं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! एयं दारगं एगंते उक्कुरुडियाए उज्झाहि, तं संदिसह णं सामी ! तं दारगं अहं एगंते उज्झामि उदाहु मा ? तए णं से विजए खत्तिए तीसे अम्मधाईए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म तहेव संभंते उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता जेणेव मियादेवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मियादेविं एवं वयासी—देवाणुप्पिया ! तुब्भं पढमं गब्भे तं जइ णं तुमं एयं (दा०)एगंते उक्कुरुडियाए उज्झासि,(तो)तओ णं तुब्भं पया णो थिरा भविस्सइ, तो णं तुमं एयं दारगं रहस्सियगंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहराहि तो णं तुब्भं पया थिरा भविस्सइ। तए णं सा मियादेवी विजयस्स खत्तियस्स तहत्ति एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ २ त्ता तं दारगं रहस्सियंसि भूमिघरंसि रहस्सिएणं भत्तपाणेणं पडिजागरमाणी २ विहरइ, एवं खलु गोयमा ! मियापुत्ते दारए पुरापोराणाणं जाव पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ ५ ॥ मियापुत्ते णं भंते ! दारए इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गमिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! मियापुत्ते दारए छव्वीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले सीहकुलंसि सीहत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ सीहे भविस्सइ अहम्मिए जाव साहसिए सुबहुं पावं जाव समज्जिणइ २ त्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोससागरोवमट्ठिइएसु जाव उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता सिरीसवेसु उववज्जिहिइ, तत्थ णं कालं किच्चा दोच्चाए पुढवीए उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं......से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता पक्खीसु उववज्जिहिइ, तत्थ वि कालं किच्चा तच्चाए पुढवीए सत्त सागरोवमाइं...... से णं तओ सीहेसु य..... तयाणंतरं चोत्थीए उरगो पंचमी० इत्थी० छट्ठी० मणुया० अहेसत्तमाए, तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता से जाइं इमाइं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मच्छ-कच्छभगाहमगर-सुंसुमाराईणं अद्धतेरस जाइकुलकोडिजोणिपमुहसयसहस्साइं.......तत्थ णं एगमेगंसि जोणी विहाणंसि अणेगसयसहस्सखुत्तो

उद्दाइत्ता २ तत्थेव भुज्जो २ पच्चायाइस्सइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता.... चउप्पएसु उरपरिसप्पेसु भुयपरिसप्पेसु खहयरेसु चउरिंदिएसु तेइंदिएसु बेइंदिएसु वणप्फइएसु कडुयरुक्खेसु कडुयदुद्धिएसु वाउ० तेउ० आउ० पुढवी० अणेगसयसहस्सखुत्तो.....से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता सुपइट्ठपुरे णयरे गोणत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्क जाव अण्णया कयाइ पढमपाउसंसि गंगाए महाणईए खलीणमट्टियं खणमाणे तडीए पेल्लिए समाणे कालगए तत्थेव सुपइट्ठपुरे णयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाइस्सइ। से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे जाव जोव्वणगमणुप्पत्ते तहारूवाणं थेराणं अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सइ, से णं तत्थ अणगारे भविस्सइ इरियासमिए जाव बंभयारी, से णं तत्थ बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाइं कुलाइं भवंति अड्ढाइं.....जहा दढपइण्णे सा चेव वत्तव्वया कलाओ जाव सिज्झिहिइ ५। एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते त्तिबेमि ॥ ६ ॥

॥ पढमं अज्झयणं समत्तं ॥

उज्झियए णामं बीयं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते दोच्चस्स णं भंते ! अज्झयणस्स दुहविवागाणं समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे णामं णयरे होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धे । तस्स णं वाणियगामस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए दूईपलासे णामं उज्जाणे होत्था। तत्थ णं दूइपलासे सुहम्मस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था। तत्थ णं वाणियगामे मित्ते णामं राया होत्था वण्णओ। तस्स णं मित्तस्स रण्णो सिरी-णामं देवी होत्था वण्णओ । तत्थ णं वाणियगामे कामज्झया णामं गणिया होत्था अहीण जाव सुरूवा बावत्तरीकलापंडिया चउसट्ठिगणियागुणोववेया एगूणतीसविसेसे रममाणी एक्कवीसरइगुणप्पहाणा

बत्तीसपुरिसोवयारकुसला णवंगसुत्तपडिबोहिया अट्ठारसदेसीभासाविसारया सिंगारागारचारुवेसा गीयरइयगंधव्व-णट्टकुसला संगयगय० सुंदरथण० ऊसियज्झया सहस्सलंभा विदिण्णछत्तचामरवालवीयणीया कण्णीरहप्पयाया यावि होत्था, बहूणं गणियासहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ ७ ॥ तत्थ णं वाणियगामे विजयमित्ते णामं सत्थवाहे परिवसइ अड्ढे०, तस्स णं विजयमित्तस्स सुभद्दा णामं भारिया होत्था अहीण०, तस्स णं विजयमित्तस्स पुत्ते सुभद्दाए भारियाए अत्तए उज्झियए णामं दारए होत्था अहीण जाव सुरूवे। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे परिसा णिग्गया राया वि जहा कूणिओ तहा णिग्गओ धम्मो कहिओ परिसा पडिगया राया य गओ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे जाव लेसे छट्ठंछट्ठेणं जहा पण्णत्तीए पढम जाव जेणेव वाणियगामे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उच्चणीय········अडमाणे जेणेव रायमग्गे तेणेव ओगाढे, तत्थ णं बहवे हत्थी पासइ संणद्धबद्धवम्मियगुडिय उप्पीलियकच्छे उद्दामियघंटे णाणामणिरयणविविहगेवेज्जउत्तरकंचुइज्जे पडिकप्पिए झयपडागवरपंचामेलआरूढहत्थारोहे गहियाउहप्पहरणे अण्णे य तत्थ बहवे आसे पासइ संणद्धबद्धवम्मियगुडिए आविद्धगुडे ओसारियपक्खरे उत्तरकंचुइयओचूलमुहचंडाधरचामरथासगपरिमंडियकडिए आरूढअस्सारोहे गहियाउहप्पहरणे अण्णे य तत्थ बहवे पुरिसे पासइ संणद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरासणपट्टीए पिणद्धगेवेज्जे विमलवरबद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे, तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ अवओडयबंधणं उक्खित्तकण्णणासं णेहतुप्पियगत्तं वज्झकरकडिजुयणियत्थं कंठेगुणरत्तमल्लदामं चुण्णगुंडियगायं चुण्णयं वज्झपाणपीयं तिलं-तिलं चेव छिज्जमाणं कागणिमंसाइं खावियंतं पावं खक्खरसएहिं हम्ममाणं अणेग-णर-णारीसंपरिवुडं चच्चरे-चच्चरे खंडपडहएणं उग्घोसिज्जमाणं, इमं च णं एयारूवं उग्घोसणं पडिसुणेइ–णो खलु देवा० ! उज्झियगस्स दारगस्स केइ राया वा रायपुत्तो वा अवरज्झइ अप्पणो से सयाइं कम्माइं अवरज्झंति ॥ ८ ॥ तए णं से भगवओ गोयमस्स तं पुरिसं पासित्ता इमे अज्झत्थिए ५– अहो णं इमे पुरिसे जाव णिरयपडिरूवियं वेयणं वेएइत्तिकट्टु वाणिय-

गामे णयरे उच्चणीयमज्झिमकुलाइं अडमाणे अहापज्जत्तं समुदाणं गिण्हइ २ त्ता वाणियगामे णयरे मज्झंमज्झेणं जाव पडिदंसेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु अहं भंते! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे वाणियगामं जाव तहेव णिवेएइ। से णं भंते! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव पच्चणुभवमाणे विहरइ? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबूद्दीवे २ भारहे वासे हत्थिणाउरे णामं णयरे होत्था रिद्ध०। तत्थ णं हत्थिणाउरे णयरे सुणंदे णामं राया होत्था महया०, तत्थ णं हत्थिणाउरे णयरे बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे गोमंडवे होत्था अणेगखंभसयसण्णिविट्ठे पासाईए ४। तत्थ णं बहवे णयरगोरूवाणं सणाहा य अणाहा य णगरगाविओ य णगरवसभा य णगरबलीवद्दा य णगरपड्डयाओ य पउरतणपाणिया णिब्भया णिरुवसग्गा सुहं सुहेणं परिवसंति। तत्थ णं हत्थिणाउरे णयरे भीमे णामं कूडग्गाहे होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तस्स णं भीमस्स कूडग्गाहस्स उप्पला णामं भारिया होत्था अहीण०। तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अण्णया कयाइ आवण्णसत्ता जाया यावि होत्था। तए णं तीसे उप्पलाए कूडग्गाहिणीए तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ ४ जाव सुलद्धे जम्मजीवियफले जाओ णं बहूणं णगरगोरूवाणं सणाहाण य जाव वसभाण य ऊहेहि य थणेहि य वसणेहि य छेप्पाहि य ककुहेहि य वहेहि य कण्णेहि य अच्छीहि य णासाहि य जिब्भाहि य ओट्ठेहि य कंबलेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य परिसुक्केहि य लावणेहि य सुरं च महुं च मेरगं च जाइं च सीधुं च पसण्णं च आसाएमाणीओ विसाएमाणीओ परिभाएमाणीओ परिभुंजेमाणीओ दोहलं विणेंति, तं जइ णं अहमवि बहूणं णगर जाव विणिज्जामित्तिकट्टु तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि सुक्का भुक्खा णिम्मंसा ओलुग्गा ओलुग्गसरीरा णित्तेया दीणविमणवयणा पंडुल्लइयमुहा ओमंथियणयणवयणकमला जहोइयं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकाराहारं अपरिभुंजमाणी करयलमलिय-व्व कमलमाला ओहय जाव झियाइ। इमं च णं भीमे कूडग्गाहे जेणेव उप्पला कूडग्गाहिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ओहय जाव पासइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाण-

ष्पिए ! ओहय जाव झियासि ? तए णं सा उप्पला भारिया भीमं कूडग्गाहं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दोहले पाउब्भूए धण्णाणं ता० जाओ णं बहूणं गो० ऊहेहि य जाव लावणेहि य सुरं च ३ आसाएमाणीओ० दोहलं विणेंति, तए णं अहं देवाणुप्पिया ! तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि जाव झियामि। तए णं से भीमे कूडग्गाहे उप्पलं भारियं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिया ! ओहय० झियाहि, अहं णं तहा करिस्सामि जहा णं तव दोहलस्स संपत्ती भविस्सइ, ताहिं इट्ठाहिं ५ जाव वग्गूहिं समासासेइ। तए णं से भीमे कूडग्गाहे अद्धरत्तकालसमयंसि एगे अबीए संणद्ध जाव पहरणे सयाओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता हत्थिणाउरे णयरे मज्झंमज्झेणं जेणेव गोमंडवे तेणेव उवागए २ त्ता बहूणं णगरगोरूवाणं जाव वसभाण य अप्पेगइयाणं ऊहे छिंदइ जाव अप्पेगइयाणं कंबले छिंदए अप्पेगइयाणं अण्णमण्णाणं अंगोवंगाणं वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उप्पलाए कूडग्गाहिणीए उवणेइ। तए णं सा उप्पला भारिया तेहिं बहूहिं गोमंसेहिं य सोल्लेहि य सुरं च [५]आसाएमा० तं दोहलं विणेइ। तए णं सा उप्पला कूडग्गाहीणी संपुण्णदोहला संमाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छिण्णदोहला संपण्णदोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा उप्पला कूडग्गाहिणी अण्णया कयाइं णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया ॥ ६ ॥ तए णं तेणं दारएणं जाय-मेत्तेणं चेव महया महया सद्देणं विघुट्ठे विस्सरे आरसिए। तए णं तस्स दारगस्स आरसियसद्दं सोच्चा णिसम्म हत्थिणाउरे णयरे बहवे णगरगोरूवा जाव वसभा य भीया... उव्विग्गा सव्वओ समंता विप्पलाइत्था। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं णामधेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्हं इमेणं दारएणं जायमेत्तेणं चेव महया महया चिच्चीसद्देणं विघुट्ठे विस्सरे आरसिए तए णं एयस्स दारगस्स आरसियसद्दं सोच्चा णिसम्म हत्थिणाउरे बहवे णगरगोरूवा जाव भीया ४ सव्वओ समंता विप्पलाइत्था तम्हा णं होउ अम्हं दारए गोत्तासे णामेणं। तए णं से गोत्तासे दारए उम्मुक्कबालभा० जाए यावि होत्था। तए णं से भीमे कूडग्गाहे अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते। तए णं से गोत्तासे दारए बहूणं मित्त-णाइणियगसयणसंबंधिपरियणेणं सद्धिं संपरि-

वड्डे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे भीमस्स कूडग्गाहिस्स णीहरणं करेइ २ त्ता बहूइं लोइयमयकिच्चाइं करेइ। तए णं से सुणंदे राया गोत्तासं दारयं अण्णया कयाइ सयमेव कूडग्गाहत्ताए ठवेइ। तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गाहे जाए यावि होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तए णं से गोत्तासे दारए कूडग्गाहित्ताए कल्लाकल्लिं अद्धरत्तयकालसमयंसि एगे अबीए संणद्धबद्ध-कवए जाव गहियाउहप्पहरणे सयाओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव गोमंडवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता बहूणं णगरगोरूवाणं सणाहाण य जाव वियंगेइ २ त्ता जेणेव सए गेहे तेणेव उवागए। तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे तेहिं बहूहिं गोमंसेहि य सोल्लेहि य.... सुरं च ६ आसाएमाणे विसाएमाणे जाव विहरइ। तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे एयकम्मे....सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता पंचवाससयाइं परमाउयं पालइत्ता अट्टदुहट्टोवगए कालमासे कालं किच्चा दोच्चाए पुढवीए उक्कोसं तिसागरोवमठिइएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ १० ॥ तए णं सा विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दा णामं भारिया जायणिंदुया यावि होत्था जाया-जाया दारगा विणिहायमावज्जंति। तए णं से गोत्तासे कूडग्गाहे दोच्चाए पुढवीए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव वाणियगामे णयरे विजयमित्तस्स सत्थवाहस्स सुभद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववण्णे। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तं दारगं जायमेत्तयं चेव एगंते उक्कुरुडियाए उज्झावेइ उज्झावेत्ता दोच्चंपि गिण्हावेइ २ त्ता अणुपुव्वेणं सारक्खेमाणी संगोवेमाणी संवड्ढेइ। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो ठिइवडियं च चंदसूरदंसणं च जागरियं च महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं करेंति। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे णिव्वत्ते संपत्ते बारसमे दिवसे इममेयारूवं गोण्णं गुणणिप्फण्णं णामधेज्जं करेंति, जम्हा णं अम्हं इमे दारए जायमेत्तए चेव एगंते उक्कुरुडियाए उज्झिए तम्हा णं होउ अम्हं दारए उज्झियए णामेणं। तए णं से उज्झियए दारए पंचधाईपरिग्गहिए तं०—खीरधाईए १ मज्जणधाईए २ मंडणधाईए ३ कीलावणधाईए ४ अंकधाईए ५ जहा दढपइण्णे जाव णिव्वाघाए गिरिकंदर-मल्लीणे व चंपगपायवे सुहंसुहेणं विहरइ। तए णं से विजयमित्ते सत्थवाहे अण्णया कयाइ गणिमं च १ धरिमं च २ मेज्जं च ३ पारिच्छेज्जं च ४ चउव्विहं भंडगं

गहाय लवणसमुद्दं पोयवहणेण उवागए। तए णं से विजयमित्ते तत्थ लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए णिब्बुडुभंडसारे अत्ताणे असरणे कालधम्मुणा संजुत्ते। तए णं तं विजयमित्तं सत्थवाहं जे जहा बहवे ईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसत्थवाहा लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए छूढं णिब्बुडुभंडसारं कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेंति ते तहा हत्थणिक्खेवं च बाहिरभंडसारं च गहाय एगंतं अवक्कमंति। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही विजयमित्तं सत्थवाहं लवणसमुद्दे पोयविवत्तीए णिब्बुडु० कालधम्मुणा संजुत्तं सुणेइ २ त्ता महया पइसोएणं अप्फुण्णा समाणी परसुणियत्ताविव चंपगलया धस-त्ति धरणीयलंसि सव्वंगेहिं संणिवडिया। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही मुहुत्तंतरेण आसत्था समाणी बहूहिं मित्त जाव परिवुडा रोयमाणी कंदमाणी विलवमाणी विजयमित्तसत्थवाहस्स लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ। तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही अण्णया कयाइ लवणसमुद्दोत्तरणं च लच्छिविणासं च पोयविणासं च पइमरणं च अणुचिंतेमाणी २ कालधम्मुणा संजुत्ता॥ ११॥ तए णं ते णगरगुत्तिया सुभद्दं सत्थवाहिं कालगयं जाणित्ता उज्झियगं दारगं सयाओ गिहाओ णिच्छुभंति णिच्छुभित्ता तं गिहं अण्णस्स दलयंति। तए णं से उज्झियए दारए सयाओ गिहाओ णिच्छूढे समाणे वाणियगामे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु जूयखलएसु वेसियाघरेसु पाणागारेसु य सुहंसुहेणं परिवड्ढइ। तए णं से उज्झियए दारए अणोहट्टिए अणिवारिए सच्छंदमई सइरप्पयारे मज्जप्पसंगी चोरजूयवेसदारप्पसंगी जाए यावि होत्था। तए णं से उज्झियए अण्णया कयाइ कामज्झयाए गणियाए सद्धिं संपलग्गे जाए यावि होत्था, कामज्झयाए गणियाए सद्धिं विउलाइं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं तस्स विजयमित्तस्स रण्णो अण्णया कयाइ सिरीए देवीए जोणिसूले पाउब्भूए यावि होत्था, णो संचाएइ विजयमित्ते राया सिरीए देवीए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए। तए णं से विजयमित्ते राया अण्णया कयाइ उज्झियदारयं कामज्झयाए गणियाए गिहाओ णिच्छुभावेइ २ त्ता कामज्झयं गणियं अब्भितरियं ठावेइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं से उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए गिहाओ णिच्छुब्भेमाणे कामज्झयाए गणियाए मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे अण्णत्थ कत्थइ सुइं च रइं च धिइं च अविंदमाणे तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे

तदज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तयप्पियकरणे तब्भावणाभाविए कामज्झयाए गणि-याए बहूणि अंतराणि य छिद्दाणि य विवराणि य पडिजागरमाणे २ विहरइ। तए णं से उज्झियए दारए अण्णया कयाइ कामज्झयं गणियं अंतरं लभेइ २ कामज्झयाए गणियाए गिहं रहसियं अणुप्पविसइ २ त्ता कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। इमं च णं मित्ते राया ण्हाए कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए मणुस्सवागुरापरिक्खित्ते जेणेव कामज्झयाए गिहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता तत्थ णं उज्झियए दारए कामज्झयाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं जाव विहरमाणं पासइ २ त्ता आसुरुत्ते ४ तिवलियभिउडिं णिडाले साहट्टु उज्झियगं दारगं पुरिसेहिं गिण्हावेइ २ त्ता अट्ठिमुट्ठि-जाणुकोप्परपहारसंभग्गमहियगत्तं करेइ २ त्ता अवओडयबंधणं करेइ २ त्ता एएणं विहाणेणं वज्झं आणावेइ। एवं खलु गोयमा! उज्झियए दारए पुरा-पोराणाणं कम्माणं जाव पच्चणुभवमाणे विहरइ॥ १२॥ उज्झियए णं भंते! दारए इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहि० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! उज्झियए दारए पणवीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलीभिण्णे कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढगिरिपायमूले वाणरकुलंसि वाणरत्ताए उववज्जिहिइ। से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तिरियभोगेसु मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे जाए-जाए वाणरपेल्लए वहेइ तं एयकम्मे एयप्पहाणे एयविज्जे एयसमायारे कालमासे कालं किच्चा इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इंदपुरे णयरे गणियाकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तं दारयं अम्मापियरो जायमेत्तकं वद्धेहिंति णपुंसगकम्मं सिक्खावेहिंति। तए णं तस्स दारयस्स अम्मापियरो णिव्वत्तबारसाहस्स इमं एयारूवं णामधेज्जं करेहिंति तं०—होउ णं अम्हं इमे दारए पियसेणे णाम णपुंसए। तए णं से पियसेणे णपुं-सए उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुप्पत्ते विण्णयपरिणयमेत्ते रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठे उक्किट्ठसरीरे भविस्सइ। तए णं से पियसेणे णपुंसए इंदपुरे णयरे बहवे राईसर जाव पभियओ बहूहि य विज्जापओगेहि य मंतचुण्णेहि य हियउड्डावणेहि य णिण्हवणेहि य पण्हवणेहि य वसीकरणेहि य आभि-

ओगिएहि य अभिओगित्ता उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्सइ। तए णं से पियसेणे णपुंसए एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता एक्कवीसं वाससयं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, तओ सिरिसिवेसु संसारो तहेव जहा पढमो जाव पुढवी० से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे चंपाए णयरीए महिसत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ अण्णया कयाइ गोट्ठिल्लएहिं जीवियाओ ववरोविए समाणे तत्थेव चंपाए णयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तहारूवाणं थेराणं अंतिए केवलं बोहिं......अणगारे सोहम्मे कप्पे जहा पढमे जाव अंतं काहिइ। णिक्खेवो ॥ १३ ॥ ॥ बीयं अज्झयणं समत्तं ॥

अभग्गसेणे णामं तइयं अज्झयणं

तच्चस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं पुरिमताले णामं णयरे होत्था रिद्ध०। तस्स णं पुरिमतालस्स णयरस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं अमोहदंसणे उज्जाणे। तत्थ णं अमोहदंसिस्स जक्खस्स आययणे होत्था। तत्थ णं पुरिमताले ण० महाबले णामं राया होत्था। तत्थ णं पुरिमतालस्स णयरस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए देसप्पंते अडवी संठिया, एत्थ णं सालाडवी णामं चोरपल्ली होत्था विसमगिरिकंदरकोलंबसंणिविट्ठा वंसीकलंकपागारपरिक्खित्ता छिण्णसेलविसमप्पवायफरिहोवगूढा अब्भिंतरपाणीयासुदुल्लभजलपेरंता अणेगखंडी विदियजणदिण्णणिग्गमप्पवेसासुबहुयस्सवि कुवियस्स जणस्स दुप्पहंसा यावि होत्था। तत्थ णं सालाडवीए चोरपल्लीए विजए णामं चोरसेणावई परिवसइ अहम्मिए जाव लोहियपाणी बहुणयरणिग्गयजसे सूरे दढप्पहारे साहसिए सद्दवेही असिलट्ठिपढममल्ले, से णं तत्थ सालाडवीए चोरपल्लीए पंचण्हं चोरसयाणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥१४॥ तए णं से विजए चोरसेणावई बहूणं चोराण य पारदारियाण य गंठिभेयाण य संधिच्छेयाण य खंडपट्टाण य अण्णेसिं च बहूणं छिण्णभिण्णबाहिराहियाणं कुडंगे यावि होत्था, तए णं से विजए चोरसेणावई पुरिमतालस्स णयरस्स उत्तरपुरत्थिमिल्लं

जणवयं बहूहिं गामघाएहि य णगरघाएहिं य गोग्गहणेहि य बंदिग्गहणेहि य पंथकोट्टेहि य खत्तखणणेहि य ओवीलेमाणे २ विद्धंसेमाणे २ तज्जेमाणे २ तालेमाणे २ णित्थाणे णिद्धणे णिक्कणे करेमाणे विहरइ । महब्बलस्स रण्णो अभिक्खणं २ कप्पायं गेण्हइ । तस्स णं विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसिरी णामं भारिया होत्था अहीण० । तस्स णं विजयचोरसेणावइस्स पुत्ते खंदसिरीए भारियाए अत्तए अभग्गसेणे णामं दारए होत्था अहीणपुण्णपंचिंदियसरीरे विण्णयपरिणयमेत्ते जोव्वणगमणुपत्ते । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पुरिमताले णयरे समोसढे परिसा णिग्गया राया णिग्गओ धम्मो कहिओ परिसा राया य पडिगओ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी गोयमे जाव रायमग्गं समोगाढे, तत्थ णं बहवे हत्थी पासइ बहवे आसे पुरिसे सण्णद्धबद्धकवए, तेसिं णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ अवओडय जाव उग्घोसिज्जमाणं, तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा पढमंसि चच्चरंसि णिसीयावेंति २ त्ता अट्ठ चुल्लपिउए अग्गओ घाएंति २ त्ता कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुणं कागणिमंसाइं खावेंति खावेत्ता रुहिरप्पाणियं च पाएंति तयाणंतरं च णं दोच्चंसि चच्चरंसि अट्ठ चुल्लमाउयाओ अग्गओ घाएंति एवं तच्चे चच्चरे अट्ठ महापिउए चउत्थे अट्ठ महामाउयाओ पंचमे पुत्ते छट्ठे सुण्हा सत्तमे जामाउया अट्ठमे धूयाओ णवमे णत्तुया दसमे णत्तुईओ एक्कारसमे णत्तुयावई बारसमे णत्तुइणीओ तेरसमे पिउस्सियपइया चोद्दसमे पिउस्सियाओ पण्णरसमे माउसियापइया सोलसमे माउस्सियाओ सत्तरसमे मामियाओ अट्ठारसमे अवसेसं मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणं अग्गओ घाएंति २ त्ता कसप्पहारेहिं तालेमाणा २ कलुणं कागणिमंसाइं खावेंति २ रुहिरपाणियं च पाएंति ॥ १५ ॥ तए णं से भगवं गोयमे तं पुरिसं पासइ २ त्ता इमे एयारूवे अज्झत्थिए समुप्पण्णे जाव तहेव णिग्गए एवं वयासी—एवं खलु अहं णं भंते ! तं चेव जाव से णं भंते ! पुरिसे पुव्वभवे के आसी जाव विहरइ ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पुरिमताले णामं णयरे होत्था रिद्ध० । तत्थ णं पुरिमताले णयरे उदिओदिए णामं राया होत्था महया० । तत्थ णं पुरिमताले णिण्णए णामं अंडयवाणियए होत्था अड्ढे जाव अपरिभूए अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं णिण्णयस्स

अंडयवाणियस्स बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं कुद्दालियाओ य पत्थियपिडए य गिण्हंति २ त्ता पुरिमतालस्स णयरस्स परिपेरंतेसु बहवे काइ-अंडए य घूइअंडए य पारेवइ० टिट्टिभिअंडए य बगि अं० मयूरि० कुक्कुडि-अंडए य अण्णेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमाईणं अंडाइं गेण्हंति २ त्ता पत्थियपिडगाइं भरेंति २ जेणेव णिण्णए अंडवाणियए तेणेव उवागच्छंति २ त्ता णिण्णयस्स अंडवाणियस्स उवणेंति। तए णं तस्स णिण्णयस्स अंडवाणि-यस्स बहवे पुरिसा दिण्णभइ० बहवे काइअंडए य जाव कुक्कुडिअंडए य अण्णेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमाईणं अंडयए तवएसु य कवल्लीसु य कंडुएसु य भज्जणएसु य इंगालेसु य तलेंति भज्जेंति सोल्लेंति तलेंता भज्जंता सोल्लेंता रायमग्गे अंतरावणंसि अंडयपणिएणं वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति। अप्पणावि य णं से णिण्णए अंडवाणियए तेहिं बहूहिं काइअंडएहि य जाव कुक्कुडिअंडएहि य सोल्लेहि य तलिएहिं य भज्जिएहिं य सुरं च....आसाए-माणे विसाएमाणे विहरइ। तए णं से णिण्णए अंडवाणियए एयकम्मे ४ सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता एगं वाससहस्सं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा तच्चाए पुढवीए उक्कोससत्तसागरोवमठिइएसु णेरइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ १६ ॥ से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव सालाडवीए चोरपल्लीए विजयस्स चोरसेणावइस्स खंदसिरीए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववण्णे। तए णं तीसे खंदसिरीए भारियाए अण्णया कयाइ तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए–धण्णाओ णं ताओ अम्मयाo जाओ णं बहूहिं मित्त-णाइणियगसयणसंबंधिपरियणमहिलाहिं अण्णाहि य चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरि-वुडा ण्हाया कयबलिकम्मा जाव पायच्छित्ता सव्वालंकारविभूसिया विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं सुरं च म० च आसाएमाणी विसाएमाणी० विहरंति। जिमियभुत्तुत्तरागयाओ पुरिसणेवत्थिया संणद्धबद्ध जाव गहियाउहप्पहरणा-वरणाभरिएहिं फलएहिं णिक्किट्ठाहिं असीहिं अंसागएहिं तोणेहिं सजीवेहिं धणूहिं समुक्खित्तेहिं सरेहिं समुल्लालियाहिं दामाहिं लंबियाहि य ओसारियाहिं ऊरु-घंटाहिं छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं २ महया उक्किट्ठ जाव समुद्दरवभूयं पिव करे-माणीओ सालाडवीए चोरपल्लीए सव्वओ समंता ओलोएमाणीओ २ आहिंड-माणीओ २ दोहलं विणेंति। तं जइ णं अहंपि जाव दोहलं विणिज्जामि–त्ति-

कट्टु तंसि दोहलंसि अविणिज्जमाणंसि जाव झियाइ। तए णं से विजए चोर-सेणावई खंदसिरिभारियं ओहय जाव पासइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिया! ओहय जाव झियासि? तए णं सा खंदसिरी भा० विजयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! मम तिण्हं मासाणं जाव झियामि। तए णं से विजए चोरसेणावई खंदसिरीए भारियाए अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म खंदसिरिभारियं एवं वयासी–अहासुहं देवाणुप्पियस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ। तए णं सा खंदसिरीभारिया विजएणं चोरसेणावइणा अब्भणुण्णाया समाणी हट्ठ-तुट्ठ० बहूहिं मित्त जाव अण्णाहि य बहूहिं चोरमहिलाहिं सद्धिं संपरिवुडा ण्हाया जाव विभूसिया विउलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणी ४ विहरइ जिमियभुत्तुत्तरागया पुरिस-णेवत्था संणद्धबद्ध जाव आहिंडमाणी दोहलं विणेइ। तए णं सा खंदसिरिभारिया संपुण्णदोहला संमाणियदोहला विणीयदोहला वोच्छिण्णदोहला संपण्णदोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा खंदसिरी चोरसेणावइणी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं दारगं पयाया। तए णं से विजए चोरसेणावई तस्स दारगस्स महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं दसरत्तं ठिइवडियं करेइ। तए णं से विजए चोरसेणावई तस्स दारगस्स एक्कारसमे दिवसे विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ मित्त-णाइ० आमंतेइ २ त्ता जाव तस्सेव मित्त-णाइ० पुरओ एवं वयासी–जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि गब्भ-गयंसि समाणंसि इमे एयारूवे दोहले पाउब्भूए तम्हा णं होउ अम्हं दारए अभग्गसेणे णामेणं तए णं से अभग्गसेणे कुमारे पंचधाईए जाव परिवड्ढइ ॥१७॥

तए णं से अभग्गसेणे कुमारे उम्मुक्कबालभावे यावि होत्था अट्ठ दारियाओ जाव अट्ठओ दाओ...उप्पिंपासा०.....भुंजमाणे विहरइ। तए णं से विजए चोर-सेणावई अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते। तए णं से अभग्गसेणे कुमारे पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं संपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे विजयस्स चोरसेणावइस्स महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं णीहरणं करेइ २ त्ता बहूइं लोइ-याइं करेइ २ त्ता केणइ कालेणं अप्पसोए जाए यावि होत्था। तए णं ते पंच चोरसयाइं अण्णया कयाइ अभग्गसेणं कुमारं सालाडवीए चोरपल्लीए महया २ चोरसेणावइत्ताए अभिसिंचंति। तए णं से अभग्गसेणे कुमारे चोरसेणावई जाए अहम्मिए जाव कप्पायं गिण्हइ। तए णं ते जाणवया पुरिसा अभग्गसेणेणं

चोरसेणावइणा बहूगामघायावणाहिं ताविया समाणा अण्णमण्णं सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अभग्गसेणे चोरसेणावई पुरिमतालस्स णयरस्स उत्तरिल्लं जणवयं बहूहिं गामघाएहिं जाव णिद्धणं करेमाणे विहरइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले णयरे महाबलस्स रण्णो एयमट्ठं विण्णवित्तए । तए णं ते जाणवया पुरिसा एयमट्ठं अण्णमण्णेणं पडिसुणेंति २ त्ता महत्थं महग्घं महरिहं रायारिहं पाहुडं गिण्हेंति २ त्ता जेणेव पुरिमताले णयरे तेणेव उवाग० २ त्ता जेणेव महाबले राया तेणेव उवाग० २ त्ता महाबलस्स रण्णो तं महत्थं जाव पाहुडं उवणेंति २ करयल.....अंजलिं कट्टु महाबलं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी ! सालाडवीए चोरपल्लीए अभग्गसेणे चोरसेणावई अम्हे बहूहिं गामघाएहि य जाव णिद्धणे करेमाणे विहरइ, तं इच्छामि णं सामी ! तुज्झं बाहुच्छायापरिग्गहिया णिब्भया णिरुव्विग्गा सुहेणं परिवसित्तएत्तिकट्टु पायवडिया पंजलिउडा महाबलं रायं एयमट्ठं विण्णवेंति । तए णं से महाबले राया तेसिं जाणवयाणं पुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु दंडं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुमं देवाणुप्पिया ! सालाडविं चोरपल्लिं विलुंपाहि २ त्ता अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवग्गाहं गिण्हाहि २ त्ता ममं उवणेहि । तए णं से दंडे तहत्ति एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं से दंडे बहूहिं पुरिसेहिं संणद्धबद्ध जाव पहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे मग्गइएहिं फलएहिं जाव छिप्पतूरेणं वज्जमाणेणं महया जाव उक्किट्ठ जाव करेमाणे पुरिमतालं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव सालाडवी चोरपल्ली तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं तस्स अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स चारपुरिसा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा जेणेव सालाडवी चोरपल्ली जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले णयरे महाबलेणं रण्णा महाभडचडगरेणं दंडे आणत्ते–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सालाडविं चोरपल्लिं विलुंपाहि अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवग्गाहं गेण्हाहि २ त्ता ममं उवणेहि, तए णं से दंडे महयाभडचडगरेणं जेणेव सालाडवी चोरपल्ली तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणा-

वई तेसिं चारपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म पंचचोरसयाइं सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले णयरे महाबले जाव तेणेव पहारेत्थ गमणाए (आगए, तए णं से अभग्गसेणे ताइं पंचचोरसयाइं एवं वयासी—)तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं तं दंडं सालाडविं चोरपल्लिं असंपत्तं अंतरा चेव पडिसेहित्तए । तए णं ताइं पंचचोरसयाइं अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तहत्ति जाव पडिसुणेंति । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ २ त्ता पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं ण्हाए जाव पायच्छित्ते भोयणमंडवंसि तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ विहरइ । जिमियभुत्तुत्तरागए वि य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए पंचहिं चोरसएहिं सद्धिं अल्लं चम्मं दुरूहइ २ त्ता संणद्धबद्ध जाव पहरणेहिं मग्गइएहिं जाव रवेणं पच्चावरण्हकालसमयंसि सालाडवीओ चोरपल्लीओ णिग्गच्छइ २ त्ता विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपाणे तं दंडं पडिवालेमाणे चिट्ठइ । तए णं से दंडे जेणेव अभग्गसेणे चोरसेणावई तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अभग्गसेणेणं चोरसेणावइणा सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई तं दंडं खिप्पामेव हयमहिय जाव पडिसेहिइ । तए णं से दंडे अभग्गसेणेणं चोरसेणावइणा हय जाव पडिसेहिए समाणे अथामे अबले अवीरिए अपुरिसक्कारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु जेणेव पुरिमताले णयरे जेणेव महाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० एवं वयासी—एवं खलु सामी ! अभग्गसेणे चोरसेणावई विसमदुग्गगहणं ठिए गहियभत्तपाणिए णो खलु से सक्का केणइ सुबहुएणावि आसबलेण वा हत्थिबलेण वा जोहबलेण वा रहबलेण वा चाउरंगिणिं-पि० उरंउरेणं गिण्हित्तए ताहे सामेण य भेएण य उवप्पयाणेण य वीसंभमाणे उवयए यावि होत्था । जे वि य से अब्भिंतरगा सीसगभमा मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणं च विउलधणकणगरयणसंतसारसावएज्जेणं भिंदइ अभग्गसेणस्स य चोरसेणावइस्स अभिक्खणं २ महत्थाइं महग्घाइं महरिहाइं पाहुडाइं पेसेइ २ अभग्गसेणं चोरसेणावइं वीसंभमाणेइ ॥ १८ ॥ तए णं से महाबले राया अण्णया कयाइ पुरिमताले णयरे एगं महं महइमहालियं कूडागारसालं करेइ अणेगक्खंभसयसंणिविट्ठं पासाईयं दरसणिज्जं० । तए णं

से महाबले राया अण्णया कयाइ पुरिमताले णयरे उस्सुक्कं जाव दसरत्तं पमोयं उग्घोसावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सालाडवीए चोरपल्लीए तत्थ णं तुब्भे अभग्गसेणं चोर- सेणावइं करयल जाव एवं व०–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले णयरे महाबलस्स रण्णो उस्सुक्के जाव दसरत्ते पमोए उग्घोसिए तं किं णं देवाणु- प्पिया ! विउलं असणं ४ पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारे य इहं हव्वमाणिज्जउ उदाहु सयमेव गच्छित्ता ? तए णं ते कोडुंबियपुरिसा महाबलस्स रण्णो करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालाओ णयराओ पडि० णाइविकिट्ठेहिं अद्धाणेहिं सुहेहिं वसहिपायरासेहिं जेणेव सालाडवी चोरपल्ली तेणेव उवागच्छंति २ अभग्गसेणं चोरसेणावइं करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! पुरिमताले णयरे महाबलस्स रण्णो उस्सुक्के जाव उदाहु सयमेव गच्छित्ता ? तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई ते कोडुंबियपुरिसे एवं वयासी–अहं णं देवाणुप्पिया ! पुरिमतालणयरं सयमेव गच्छामि । ते कोडुंबियपुरिसे सक्का- रेइ······पडिविसज्जेइ । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्त जाव परिवुडे ण्हाए जाव सव्वालंकारविभूसिए सालाडवीओ चोरपल्लीओ पडिणिक्ख- मइ २ त्ता जेणेव पुरिमताले णयरे जेणेव महाबले राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल० महाबलं रायं जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता महत्थं जाव पाहुडं उवणेइ । तए णं से महाबले राया अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स तं महत्थं जाव पडिच्छइ, अभग्गसेणं चोरसेणावइं सक्कारेइ संमाणेइ पडिविसज्जेइ कूडा- गारसालं च से आवसहं दलयइ । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई महाबलेणं रण्णा विसज्जिए समाणे जेणेव कूडागारसाला तेणेव उवागच्छइ । तए णं से महाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह २ त्ता तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च अभग्गसेणस्स चोरसेणावइस्स कूडागारसालाए उवणेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव उवणेंति । तए णं से अभग्गसेणे चोरसेणावई बहूहिं मित्तणाइ जाव सद्धिं संपरिवुडे ण्हाए जाव विभूसिए तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणे ४ पमत्ते विहरइ । तए णं से महाबले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह

णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! पुरिमतालस्स णयरस्स दुवाराइं पिहे० अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवग्गाहं गिण्हह २ ममं उवणेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता पुरिमतालस्स णयरस्स दुवाराइं पिहेंति अभग्गसेणं चोरसेणावइं जीवगाहं गिण्हंति २ महाबलस्स रण्णो उवणेंति । तए णं से महाबले राया अभग्गसेणं चोरसेणावइं एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ । एवं खलु गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई पुरापोराणाणं जाव विहरइ । अभग्गसेणे णं भंते ! चोरसेणावई कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! अभग्गसेणे चोरसेणावई सत्ततीसं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलभिण्णे कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए उक्कोस.....णेरइएसु उववज्जिहिइ, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता.......एवं संसारो जहा पढमे जाव पुढवीए, तओ उव्वट्टित्ता वाणारसीए णयरीए सूयरत्ताए पच्चायाहिइ । से णं तत्थ सोयरिएहिं जीवियाओ ववरोविए समाणे तत्थेव वाणारसीए णयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ । से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे.....एवं जहा पढमे जाव अंतं काहिइ ।। णिक्खेवो ।। १६ ।। **तइयं अज्झयणं समत्तं ।।**

सगडे णामं चउत्थं अज्झयणं

जइ णं भंते ! .....चउत्थस्स उक्खेवो, एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं साहंजणी णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा । तीसे णं साहंजणीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए देवरमणे णामं उज्जाणे होत्था । तत्थ णं अमोहस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था पुराणे० । तत्थ णं साहंजणीए णयरीए महचंदे णामं राया होत्था महया० । तस्स णं महचंदस्स रण्णो सुसेणे णामं अमच्चे होत्था साममेयदंड०णिग्गहकुसले । तत्थ णं साहंजणीए णयरीए सुदरिसणा-णामं गणिया होत्था वण्णओ । तत्थ णं साहंजणीए णयरीए सुभद्दे णामं सत्थवाहे हो० परिवसइ अड्ढे० । तस्स णं सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दा णामं भारिया होत्था अहीण० । तस्स णं सुभद्दसत्थवाहस्स पुत्ते भद्दाए भारियाए सगडे णामं दारए होत्था अहीण० । तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं महावीरे...... समोसरणं परिसा राया य णिग्गए धम्मो कहिओ परिसा रा० पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं

समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जाव रायमग्गमोगाढे तत्थ णं हत्थी आसे पुरिसे.....तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं पासइ एगं सइत्थीयं पुरिसं अवओडयबंधणं उक्खित्त जाव घोसिज्जमाणं चिंता तहेव जाव भगवं वागरेइ, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे छगलपुरे णामं णयरे होत्था । तत्थ णं सीहगिरी णामं राया होत्था महया० । तत्थ णं छगलपुरे णयरे छणिए णामं छागलिए परिवसइ अड्ढे० अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे । तस्स णं छणियस्स छागलियस्स बहवे अयाण य एलयाण य रोज्झाण य वसभाण य ससयाण य सूयराण य पसयाण य सिंघाण य हरिणाण य मयूराण य महिसाण य सयबद्धाण य सहस्सबद्धाण य जूहाणि वाडगंसि संणिरुद्धाइं चिट्ठंति, अण्णे य तत्थ बहवे पुरिसा दिण्ण-भइभत्तवेयणा बहवे अए य जाव महिसे य सारक्खमाणा संगोवेमाणा चिट्ठंति, अण्णे य से बहवे पुरिसा अयाण य जाव गिहंसि संणिरुद्धा चिट्ठंति, अण्णे य से बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्तवेयणा बहवे अए य जाव सहस्(महि)से य जीवियाओ ववरोवेंति २ मंसाइं कप्पणिकप्पियाइं करेंति २ छणियस्स छागलियस्स उवणेंति, अण्णे य से बहवे पुरिसा ताइं बहूयाइं अयमंसाइं जाव महिसमंसाइं तवएसु य कवल्लीसु य कंदुएसु य भज्जणेसु य इंगालेसु य तलेंति य भज्जेंति य सोल्लेंति य० तओ रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति अप्पणा वि य णं से छणिए छागलिए तेहिं बहुवि० मंसेहिं जाव महिसमंसेहिं सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विहरइ । तए णं से छणिए छागलिए एयकम्मे....सुबहुं पावकम्मं कलिकलुसं समज्जिणित्ता सत्त-वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा चोत्थीए पुढवीए उक्कोसेणं दससाग-रोवमठिइएसु णेरइयत्ताए उववण्णे ॥ २० ॥ तए णं तस्स सुभद्द-सत्थवाहस्स भद्दा भारिया जायणिदुया यावि होत्था । जाया-जाया दारगा विणिहायमाव-ज्जंति । तए णं से छणिए छागलिए चोत्थीए पुढवीए अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव साहंजणीए णयरीए सुभद्दस्स सत्थवाहस्स भद्दाए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववण्णे । तए णं सा भद्दा सत्थवाही अण्णया कयाइ णवण्हं मासाणं बहुपडि-पुण्णाणं दारगं पयाया । तए णं तं दारगं अम्मापियरो जायमेत्तं चेव सगडस्स हेट्ठाओ ठावेंति० दोच्चंपि गिण्हावेंति अणुपुव्वेणं सारक्खेंति संगोवेंति संव-

इ्ढेंति जहा उज्झियए जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए जायमेत्ते चेव सगडस्स हेट्ठा ठाविए तम्हा णं होउ णं अम्हं एस दारए सगडे णामेणं, सेसं जहा उज्झि० यए सुभद्दे लवणसमुद्दे कालगए मायावि कालगया। से वि सयाओ गिहाओ णिच्छूढे। तए णं से सगडे दारए सयाओ गिहाओ णिच्छूढे समाणे सिंघाडग.... तहेव जाव सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था। तए णं से सुसेणे अमच्चे तं सगडं दारगं अण्णया कयाइ सुदरिसणाए गणियाए गिहाओ णिच्छु- भावेइ २ सुदरिसणियं गणियं अब्भितरियं ठावेइ २ त्ता सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं से सगडे दारए सुदरिसणाए गिहाओ णिच्छूढे समाणे अण्णत्थ कत्थवि सुइं वा...... अलभ० अण्णया कयाइ रहस्सियं सुदरिसणा-गेहं अणुप्पविसइ २ त्ता सुदरिसणाए सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। इमं च णं सुसेणे अमच्चे ण्हाए जाव विभूसिए मणुस्सवग्गुराए जेणेव सुदरिसणाए गणियाए गेहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सगडं दारयं सुदरिसणाए गणियाए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ पासित्ता आसुरुत्ते जाव मिसि- मिसेमाणे तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु सगडं दारयं पुरिसेहिं गिण्हा- वेइ २ अट्ठि जाव महियं करेइ २ अवओडयबंधणं करेइ २ त्ता जेणेव महचंदे राया तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता करयल जाव एवं वयासी–एवं खलु सामी! सगडे दारए ममं अंतेउरंसि अवरद्धे। तए णं से महचंदे राया सुसेणं अमच्चं एवं वयासी–तुमं चेव णं देवाणुप्पिया! सगडस्स दारगस्स दंडं णिवत्तेहि। तए णं से सुसेणे अमच्चे महचंदेणं रण्णा अब्भणुण्णाए० समाणे सगडं दारयं सुदरिसणं च गणियं एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ। तं एवं खलु गोयमा! सगडे दारए पुरापोराणाणं·····पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥२१॥ सगडे णं भंते! दारए कालगए कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ? सगडे णं दारए गोयमा! सत्तावण्णं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे एगं महं अयोमयं तत्तं समजोइभूयं इत्थिपडिमं अवयासाविए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ। से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता रायगिहे णयरे मातंगकुलंसि जुगलत्ताए पच्चायाहिइ। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णिव्वत्तबारसगस्स इमं एयारूवं गोण्णं

णामधेज्जं करिस्संति । तं होउ णं दार० सगडे णामेणं होउ णं दारिया सुदरिसणा णामेणं । तए णं से सगडे दारए उम्मुक्कबालभावे जोव्वण.....भविस्सइ । तए णं सा सुदरिसणावि दारिया उम्मुक्कबालभावा (विण्णय) जोव्वणगमणुप्पत्ता रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा यावि भविस्सइ । तए णं से सगडे दारए सुदरिसणाए रूवेण य जोव्वणेण य लावण्णेण य मुच्छिए ४ सुदरिसणाए भ०सद्धिं उरालाइं मा० भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्सइ । तए णं से सगडे दारए अण्णया कयाइ सयमेव कूडग्गाहित्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरिस्सइ । तए णं से सगडे दारए कूडग्गाहे भविस्सइ अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं जाव समज्जिणित्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णे । संसारो तहेव जाव पुढवीए । से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता वाणारसीए णयरीए मच्छत्ताए उववज्जिहिइ । से णं तत्थ णं मच्छबंधिएहिं वहिए तत्थेव वाणारसीए णयरीए सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ बोहिं बुद्धे० पव्व० सोहम्मे कप्पे.....महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ ॥ णिक्खेवो ॥२२॥ **चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥**

बहस्सइदत्ते णामं पंचमं अज्झयणं

जइ णं भंते !.......पंचमस्स अज्झयणस्स उक्खेवो । एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं कोसंबी णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमिय० बाहिं चंदोयरणे उज्जाणे, सेयभद्दे जक्खे । तत्थ णं कोसंबीए णयरीए सयाणीए णामं राया होत्था महया० । मियावई देवी । तस्स णं सयाणीयस्स पुत्ते मियादेवीए अत्तए उदायणे णामं कुमारे होत्था अहीण० जुवराया । तस्स णं उदायणस्स कुमारस्स पउमावई णामं देवी होत्था । तस्स णं सयाणीयस्स सोमदत्ते णामं पुरोहिए होत्था रिउवेय० । तस्स णं सोमदत्तस्स पुरोहियस्स वसुदत्ता णामं भारिया होत्था । तस्स णं सोमदत्तस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए बहस्सइदत्ते णामं दारए होत्था अहीण० । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे....... समोसरणं । तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे तहेव जाव रायमग्गमोगाढे तहेव पासइ हत्थी आसे पुरिसमज्झे पुरिसं चिंता तहेव पुच्छइ पुव्वभवं भगवं वागरेइ–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे

भारहेवासे सव्वओभद्दे णामं णयरे होत्था रिद्धत्थिमियसमि० । तत्थ णं सव्वओभद्दे णयरे जियसत्तू णामं राया हो० । तस्स णं जियसत्तुस्स रण्णो महेसरदत्ते णामं पुरोहिए होत्था रिउव्वेय जाव अथव्वणकुसले यावि होत्था । तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए जियसत्तुस्स रण्णो रज्जबलविवद्धणअट्ठयाए कल्लाकल्लिं एगमेगं माहणदारयं एगमेगं खत्तियदारयं एगमेगं वइस्सदारयं एगमेगं सुद्ददारयं गिण्हावेइ २ त्ता तेसिं जीवंतगाणं चेव हियउंडए गिण्हावेइ २ जियसत्तुस्स रण्णो संतिहोमं करेइ । तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठमीचाउद्दसीसु दुवे २ माहणखत्तियवइस्स सुद्दे चउण्हं मासाणं चत्तारि २ छण्हं मासाणं अट्ठ २ संवच्छरस्स सोलस २ जाहे जाहेवि य णं जियसत्तू राया परबलेणं अभिजुंजइ ताहे ताहेवि य णं से महेसरदत्ते पुरोहिए अट्ठसयं माहणदारगाणं अट्ठसयं खत्तियदारगाणं अट्ठसयं वइस्सदारगाणं अट्ठसयं सुद्ददारगाणं पुरिसेहिं गिण्हावेइ गिण्हावेत्ता तेसिं जीवंतगाणं चेव हियउंडीओ गिण्हावेइ २ त्ता जियसत्तुस्स रण्णो संतिहोमं करेइ तए णं से परबले खिप्पामेव विद्धंसिज्जइ वा पडिसेहिज्जइ वा ॥ २३ ॥ तए णं से महेसरदत्ते पुरोहिए एयकम्मे० सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता तीसं वाससयं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा पंचमीए पुढवीए उक्कोसेणं सत्तरससागरोवमट्ठिइए णरगे उववण्णे । से णं ताओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव कोसंबीए णयरीए सोमदत्तस्स पुरोहियस्स वसुदत्ताए भारियाए पुत्तत्ताए उववण्णे । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णिव्वत्तबारसाहस्स इयं एयारूवं णामधेज्जं करेंति । जम्हा णं अम्हं इमे दारए सोमदत्तस्स पुरोहियस्स पुत्ते वसुदत्ताए अत्तए तम्हा णं होउ अम्हं दारए बहस्सइदत्ते णामेणं । तए णं से बहस्सइदत्ते दारए पंचधाईपरिग्गहिए जाव परिवड्ढइ । तए णं से बहस्सइदत्ते उम्मुक्कबालभावे जोव्वण० विण्णय० होत्था । से णं उदायणस्स कुमारस्स पियबालवयस्सए यावि होत्था सहजायए सहवड्ढियए सहपंसुकीलियए । तए णं से सयाणीए राया अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते । तए णं से उदायणकुमारे बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहप्पभिईहिं सद्धिं संपरिवुडे रोयमाणे कंदमाणे विलवमाणे सयाणीयस्स रण्णो महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं णीहरणं करेइ २ बहूइं लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ । तए णं से बहवे राईसर जाव सत्थवाह० उदायणं कुमारं मह० रायाभिसेएणं अभिसिंचंति । तए णं से उदायणे कुमारे राया जाए महया० ।

तए णं से बहस्सइदत्ते दारए उदायणस्स रण्णो पुरोहियकम्मं करेमाणे सव्वट्ठाणेसु सव्वभूमियासु अंतेउरे य दिण्णवियारे जाए यावि होत्था। तए णं से बहस्सइदत्ते पुरोहिए उदायणस्स रण्णो अंतेउरंसि वेलासु य अवेलासु य काले य अकाले य राओ य वियाले य पविसमाणे अण्णया कयाइ पउमावईए देवीए सद्धिं संपलग्गे यावि होत्था पउमावईए देवीए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। इमं च णं उदायणे राया ण्हाए जाव विभूसिए जेणेव पउमावई देवी तेणेव उवागच्छइ २ बहस्सइदत्तं पुरोहियं पउमावईदेवीए सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ आसुरुत्ते.....तिवलियं भिउडिं णिडाले साहट्टु बहस्सइदत्तं पुरोहियं पुरिसेहिं गिण्हावेइ जाव एएणं विहाणेणं वज्झं आ०, एवं खलु गोयमा ! बहस्सइदत्ते पुरोहिए पुरापोराणाणं जाव विहरइ। बहस्सइदत्ते णं भंते ! दारए इओ कालगए समाणे कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! बहस्सइदत्ते णं दारए पुरोहिए चोसट्ठिं वासाइं परमाउयं पालइत्ता अज्जेव तिभागावसेसे दिवसे सूलीभिण्णे कए समाणे कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०, संसारो तहेव० पुढवी, तओ हत्थिणाउरे णयरे मियत्ताए पच्चायाइस्सइ, से णं तत्थ वाउरिएहिं वहिए समाणे तत्थेव हत्थिणाउरे णयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए० बोहिं० सोहम्मे कप्पे० महाविदेहे वासे सिज्झिहि०॥ णिक्खेवो॥ **पंचमं अज्झयणं समत्तं**॥

णंदिवद्धणे णामं छट्ठं अज्झयणं

जइ णं भंते !....छट्ठस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं महुरा णामं णयरी, भंडीरे उज्जाणे, सुदंसणे जक्खे, सिरिदामे राया, बंधुसिरी भारिया पुत्ते णंदिवद्धणे णा० कुमारे अहीं० जुवराया। तस्स णं सिरिदामस्स सुबंधू णामं अमच्चे होत्था सामदंड०। तस्स णं सुबन्धुस्स अमच्चस्स बहुमित्तपुत्ते णामं दारए होत्था अहीण० तस्स णं सिरिदामस्स रण्णो चित्ते णामं अलंकारिए होत्था, सिरिदामस्स रण्णो चित्तं बहुविहं अलंकारियकम्मं करेमाणे सव्वट्ठाणेसु य सव्वभूमियासु य दिण्णवियारे यावि होत्था। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा णिग्गया रायावि णिग्गओ जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं समण० जेट्ठे......जाव रायमग्ग-

मोग्गडे तहेव हत्थी आसे पुरिसे.....तेसिं च णं पुरिसाणं मज्झगयं एगं पुरिसं पासइ जाव णरणारीसंपरिवुडं। तए णं तं पुरिसं रायपुरिसा चच्चरंसि तत्तंसि अयोमयंसि समजोइभूयसीहासणंसि णिवेसावेंति, तयाणंतरं च णं पुरिसाणं मज्झगयं बहुविहं अयकलसेहिं तत्तेहिं समजोइभूएहिं अप्पेगइया तंबभरिएहिं अप्पेगइया तउयभरिएहिं अप्पेगइया सीसगभरिएहिं अप्पेगइया कलकलभरिएहिं अप्पेगइया खारतेल्लभरिएहिं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिं०, तयाणंतरं च णं तत्तं अयोमयं समजोइभूयं अयोमयसंडासएणं गहाय हारं पिणद्धंति। तयाणंतरं च णं अद्धहारं जाव पट्टं मउडं चिंता तहेव जाव वागरेइ–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहेवासे सीहपुरे णामं णयरे होत्था रिद्ध०। तत्थ णं सीहपुरे णयरे सीहरहे णामं राया होत्था। तस्स णं सीहरहस्स रण्णो दुज्जोहणे णामं चारगपालए होत्था अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स इमेयारूवे चारगभंडे होत्था– बहवे अयकुंडीओ अप्पेगइयाओ तंबभरियाओ अप्पेगइयाओ तउयभरियाओ अप्पेगइयाओ सीसगभरियाओ अप्पेगइया कलकलभरियाओ अप्पेगइयाओ खारतेल्लभरियाओ अगणिकायंसि अद्दहियाओ चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे उट्टियाओ अप्पेगइयाओ आसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ हत्थिमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ गोमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ महिसमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ उट्टमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ अयमुत्तभरियाओ अप्पेगइयाओ एल(य)मुत्तभरियाओ बहुपडिपुण्णाओ चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे हत्थंदुयाण य पायंदुयाण य हडीण य णियलाण य संकलाण य पुंजा य णिगरा य संणिक्खित्ता चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे वेणुलयाण य वेत्तलयाण य चिंचालयाण य छियाण य कसाण य वायरासीण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति, तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे सिलाण य लउडाण य मोग्गराण य कणंगराण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे तंताण य वरत्ताण य वागुरयाण य वालयसुत्तरज्जूण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे असिपत्ताण य करपत्ताण य खुरपत्ताण य कलंबचीरपत्ताण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति। तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे लोहखीलाण य कडसक्कराण य चम्मपट्टाण य अल्लपल्लाण

य पुंजा णिगरा चिट्ठंति । तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे सूईण य डंभणाण य कोट्टिल्लाण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति । तस्स णं दुज्जोहणस्स चारगपालगस्स बहवे पच्छा(सत्था)ण य पिप्पलाण य कुहाडाण य णहच्छेयणाण य दब्भतिणाण य पुंजा णिगरा चिट्ठंति । तए णं से दुज्जोहणे चारगपालए सीहरहस्स रण्णो बहवे चोरे य पारदारिए य गंठिभेए य रायावयारी य अण-धारए य बालघायए य विसंभघाए य जूयगरे य खंडपट्टे य पुरिसेहिं गिण्हा-वेइ २ त्ता उत्ताणए पाडेइ २ लोहदंडेणं मुहं विहाडेइ २ अप्पेगइए तत्ततंबं पज्जेइ अप्पेगइए तउयं पज्जेइ अप्पेगइए सीसगं पज्जेइ अप्पेगइए कलकलं पज्जेइ अप्पेगइए खारतेल्लं पज्जेइ अप्पेगइयाणं तेणं चेव अभिसेयगं करेइ । अप्पेगइए उत्ताणए पाडेइ २ आसमुत्तं पज्जेइ अप्पेगइए हत्थिमुत्तं पज्जेइ जाव एलमुत्तं पज्जेइ, अप्पेगइए हेट्ठामुहे पाडेइ, छडछडस्स वम्मावेइ, २ अप्पेगइ-याणं तेणं चेव ओवीलं दलयइ, अप्पेगइए हत्थं-दुयाइं बंधावेइ अप्पेगइए पायं-दुए बंधावेइ, अप्पेगइए हडिबंधणं करेइ अप्पेगइए णियडबंधणं करेइ अप्पेगइए संकलबंधणं करेइ, अप्पेगइए संकोडियमोडियए करेइ अप्पेगइए हत्थच्छिण्णए करेइ जाव सत्थोवाडिए करेइ, अप्पेगइए वेणुलयाहि य जाव वायरासीहि य हणावेइ, अप्पेगइए उत्ताणए कारवेइ २ उरे सिलं दलावेइ० तओ लउडं छुहा-वेइ २ त्ता पुरिसेहिं उक्कंपावेइ, अप्पेगइए तंतीहि य जाव सुत्तरज्जूहि य हत्थेसु य पाएसु य बंधावेइ अगडंसि उच्चूलयालगं पज्जेइ, अप्पेगइए असि-पत्तेहि य जाव कलंबचीरपत्तेहि य पच्छावेइ २ खारतेल्लेणं अब्भंगावेइ । अप्पे० णिलाडेसु य अवटूसु य कोप्परेसु य जाणूसु य खलुएसु य लोहकीलए य कडसक्काराओ य दवावेइ अलिए भंजावेइ । अप्पेगइए सूईओ य डंभणाणि य हत्थंगुलियासु य पायंगुलियासु य कोट्टिल्लएहि आउडावेइ २ त्ता भूमिं कंडूया-वेइ । अप्पेगइए सत्थेहि य जाव णहच्छेयणेहि य अंगं पच्छावेइ दब्भेहि य कुसेहि य ओल्लबद्धेहि य वेढावेइ २ आयवंसि दलयइ २ सुक्के समाणे चड-चडस्स उप्पाडेइ । तए णं से दुज्जोहणे चारगपालए एयकम्मे ४ सुबहुं पावकम्मं समज्जिणित्ता एगतीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोवमठिइएसु णेरइत्ताए उववण्णे ॥२५॥ से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव महुराए णयरीए सिरिदामस्स रण्णो बंधु-

सिरीए देवीए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उववण्णे । तए णं बंधुसिरी णवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव दारगं पयाया । तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णिव्वत्ते बारसाहे इमं एयारूवं णामधेज्जं करेंति होउ णं अम्हं दार० णंदिसेणे णामेणं । तए णं से णंदिसेणे कुमारे पंचधाईपरिवुडे जाव परिवड्ढइ । तए णं से णंदिसेणे कुमारे उम्मुक्कबालभावे जाव विहरइ जोव्व० जुवराया जाए यावि होत्था । तए णं से णंदिसेणे कुमारे रज्जे य जाव अंतेउरे य मुच्छिए इच्छइ सिरिदामं रायं जीवियाओ ववरोवित्तए सयमेव रज्जसिरिं कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए । तए णं से णंदिसेणे कुमारे सिरिदामस्स रण्णो बहूणि अंतराणि य छिद्दाणि य विवराणि य पडिजागरमाणे विहरइ । तए णं से णंदिसेणे कुमारे सिरिदामस्स रण्णो अंतरं अलभमाणे अण्णया कयाइ चित्तं अलंकारियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! सिरिदामस्स रण्णो सव्वट्ठाणेसु य सव्वभूमीसु य अंतेउरे य दिण्णवियारे सिरिदामस्स रण्णो अभिक्खणं २ अलंकारियं कम्मं करेमाणे विहरसि तं णं तु० देवाणुप्पिया ! सिरिदामस्स रण्णो अलंकारियं कम्मं करेमाणे गीवाए खुरं णिवेसेहि तो णं अहं तुम्हं अद्धरज्जयं करिस्सामि तुमं अम्हेहिं सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरिस्ससि । तए णं से चित्ते अलंकारिए णंदिसेणस्स कुमारस्स वयणं एयमट्ठं पडिसुणेइ । तए णं तस्स चित्तस्स अलंकारियस्स इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था—जइ णं मम सिरिदामे राया एयमट्ठं आगमेइ तए णं म० ण णज्जइ केणइ असुभेणं कुमारणेणं मारिस्सइत्तिकट्टु भी० जेणेव सिरिदामे राया तेणेव उवागच्छइ २ सिरिदामं रायं रहस्सियगं करयल० एवं वयासी—एवं खलु सामी ! णंदिसेणे कुमारे रज्जे य जाव मुच्छिए इच्छइ तुब्भे जीवियाओ ववरोवित्ता सयमेव रज्जसिरिं कारेमाणे पालेमाणे विहरित्तए । तए णं से सिरिदामे राया चित्तस्स अलंकारियस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म आसुरुत्ते जाव साहट्टु णंदिसेणं कुमारं पुरिसेहिं सद्धिं गिण्हावेइ, २ एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ । तं एवं खलु गोयमा ! णंदिसेणे (पुत्ते) जाव विहरइ, णंदिसेणे कुमारे इओ चुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! णंदिसेणे कुमारे सट्ठिं वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०, संसारो तहेव० तओ हत्थिणाउरे णयरे मच्छत्ताए

उववज्जिहिइ । से णं तत्थ मच्छिएहिं वहिए समाणे तत्थेव सेट्ठिकुले....बोहिं.... सोहम्मे कप्पे....महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ ॥ णिक्खेवो ॥२६॥ **छट्ठमं अज्झयणं समत्तं** ॥

उंबरदत्ते णामं सत्तमं अज्झयणं

जइ णं भंते !.....सत्तमस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं पाडलिसंडे णयरे, वणसंडे णामं उज्जाणे, ऊंबरदत्तो जक्खो । तत्थ णं पाडलिसंडे णयरे सिद्धत्थे राया । तत्थ णं पाडलिसंडे णयरे सागरदत्ते सत्थवाहे होत्था अड्ढे० गंगदत्ता भारिया । तस्स णं सागरदत्तस्स पुत्ते गंगदत्ताए भारियाए अत्तए उंबरदत्ते णामं दारए होत्था अहीण जाव पंचिंदियसरीरे । तेणं कालेणं तेणं स० समोसरणं जाव परिसा पडिगया । तेणं कालेणं तेणं समएणं भगवं गोयमे तहेव जेणेव पाडलिसंडे णयरे तेणेव उवागच्छइ २ पाडलिसंडं णयरं पुरत्थिमिल्लेणं दुवारेणं अणुप्पविसइ २ तत्थ णं पासइ एगं पुरिसं कच्छुल्लं कोढियं दोउयरियं भगंदरियं अरिसिल्लं कासिल्लं सासिल्लं सोगिलं सूयमुहं सूयहत्थं सूयपायं सडियहत्थंगुलियं सडियपायंगुलियं सडिकण्ण-णासियं रसियाए य पूइएण य थिविथिवितवणमुहकिमिउत्तयंतपगलंतपूयरुहिरं लालापगलंतकण्णणासं अभिक्खणं २ पूयकवले य रुहिरकवले य किमियकवले य वममाणं कट्ठाइं कलुणाइं वीसराइं कूयमाणं मच्छियाचडगरपहकरेणं अण्णिज्जमाणमग्गं फुट्टहडाहडसीसं दंडिखंडवसणं खंडमल्लगखंडघडहत्थगयं गेहे २ देहंबलियाए वित्तिं कप्पेमाणं पासइ, तया भगवं गोयमे ! उच्चणीय जाव अडइ २ अहापज्जत्तं० गिण्ह० पाड० पडिणिक्खमइ २ जेणेव समणे भगवं० भत्तपाणं आलोएइ भत्तपाणं पडिदंसेइ समणेणं.....अब्भणुण्णाए समाणे जाव बिलमिव पण्णगभूए अप्पाणेणं आहारमाहारेइ, संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से भगवं गोयमे दोच्चंपि छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं जाव पाडलिसंडं णयरं दाहिणिल्लेणं दुवारेणं अणुप्पविसइ तं चेव पुरिसं पासइ कच्छुल्लं तहेव जाव संजमेणं तवसा० विहरइ । तए णं से गोयमे त० छट्ठ० तहेव जाव पच्चत्थिमिल्लेणं दुवारेणं अणुपविसमाणे तं चेव पुरिसं कच्छुल्लं.....पास० चोत्थं पि छट्ठ उत्तरेणं इ० अज्झत्थिए समुप्पण्णे—अहो णं

इमे पुरिसे पुरापोराणाणं जाव एवं वयासी–एवं खलु अहं भंते ! छट्ठ० जाव रीयंते जेणेव पाडलिसंडे णयरे तेणेव उवागच्छामि २ त्ता पाड० पुरत्थिमिल्लेणं दुवारेणं अणुपविट्ठे, तत्थ णं एगं पुरिसं पासामि कच्छुल्लं जाव कप्पेमाणं० अहं दोच्चछ० पारणगंसि दाहिणिल्लेणं दुवारेणं..... तच्चछट्ठक्खमण० पच्चत्थिमेणं तहेव० अहं चोत्थछट्ठ० उत्तरदुवारेणं अणुप्पविसामि तं चेव पुरिसं पासामि कच्छुल्लं जाव वित्तिं कप्पेमा० विह० चिंता मम पुव्वभवपुच्छा० वागरेइ–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे विजयपुरे णामं णयरे होत्था रिद्ध० । तत्थ णं विजयपुरे णयरे कणगरहे णामं राया होत्था । तस्स णं कणगरहस्स रण्णो धण्णंतरी णामं वेज्जे होत्था अट्ठंगाउव्वेयपाढए, तं०–कुमारभिच्चं १ सालागे २ सल्लहत्ते ३ कायतिगिच्छा ४ जंगोले ५ भूयविज्जे ६ रसायणे ७ वाजीकरणे ८ सिवहत्थे सुहहत्थे लहुहत्थे । तए णं से धण्णंतरी वेज्जे विजयपुरे णयरे कणगरहस्स रण्णो अंतेउरे य अण्णेसिं च बहूणं राईसर जाव सत्थवाहाणं अण्णेसिं च बहूणं दुब्बलाण य गिलाणाण य वाहियाण य रोगियाण य अणाहाण य सणाहाण य समणाण य माहणाण य भिक्खुयाण य करोडियाण य कप्पडियाण य आउराण य अप्पेगइयाणं मच्छमंसाइं उवदेसेइ अप्पेगइयाणं कच्छपमंसाइं (उवदि०) अप्पेगइयाणं गाहमं० अप्पेगइयाणं मगरमं० अप्पेगइयाणं सुंसुमारमं० अप्पेगइयाणं अयमं० एवं एलय-रोज्झ-सूयर-मिग-ससय-गोमंस-महिसमंसाइं अप्पेगइयाणं तित्तरमंसाइं अप्पेगइयाणं वट्टक-लावक-कवोय-कुक्कुड-मयूरमंसाइं अण्णेसिं च बहूणं जलयरथलयरखहयरमाईणं मंसाइं उवदेसेइ अप्पणावि य णं से धण्णंतरी वेज्जे तेहिं बहूहिं मच्छमंसेहि य जाव मयूरमंसेहि य अण्णेहि य बहूहिं जलयरथलयरखहयरमंसेहि य सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे विसाएमाणे विहरइ । तए णं से धण्णंतरी वेज्जे एयकम्मे० सुबहुं पावं कम्मं समज्जिणित्ता बत्तीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोव० उववण्णे । तए णं सा गंगदत्ता भारिया जाय-णिंदुया यावि होत्था जाया-जाया दारगा विणिहायमावज्जंति । तए णं तीसे गंगदत्ताए सत्थवाहीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमा० अयं

अज्झत्थिए० समुप्पण्णे—एवं खलु अहं सागरदत्तेणं सत्थवाहेणं सद्धिं बहूइं वासाइं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरामि, णो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि। तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ सपुण्णाओ कयत्थाओ कयपु० कयलक्खणाओ सुलद्धे णं तासिं अम्मयाणं माणुस्सए जम्मजीवियफले जासिं मण्णे णियगकुच्छिसंभूयाइं थणदुद्धलुद्धयाइं महुरसमुल्लावगाइं मम्मणपजंपियाइं थणमूलकक्खदेसभागं अभिसरमाणयाइं मुद्धयाइं पुणो य कोमलकमलोवमेहिं हत्थेहिं गिण्हिऊण उच्छंगणिवेसियाइं देंति समुल्लावए सुमहुरे पुणो-पुणो मंजुलप्पभणिए। अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो एगमवि ण पत्ता, तं सेयं खलु मम कल्लं जाव जलंते सागरदत्तं सत्थवाहं आपुच्छित्ता सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं गहाय बहुमित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरियणमहिलाहिं सद्धिं पाडलिसंडाओ णयराओ पडिणिक्खमित्ता बहिया जेणेव उंबरदत्तस्स जक्खस्स जक्खायथणे तेणेव उवागच्छित्तए तत्थ णं उंबरदत्तस्स जक्खस्स महरिहं पुप्फच्चणं करित्ता जाणुपायवडियाए ओवायइत्तए—जइ णं अहं देवाणुप्पिया! दारयं वा दारियं वा पयामि तो णं अहं तुब्भं जायं च दायं च भायं च अक्खय-णिहिं च अणुवड्ढइस्सामित्तिकट्टु ओवाइयं उवाइणित्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणेव सागरदत्ते सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तं सत्थवाहं एवं वयासी—एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं सद्धिं जाव ण पत्ता, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाया जाव उवाइणित्तए। तए णं से सागरदत्ते स० गंगदत्तं भारियं एवं वयासी—ममंपि णं देवाणु० एस चेव मणोरहे कहं णं तुमं दारगं वा दारियं वा पयाएज्जसि? गंगदत्ताए भारियाए एयमट्ठं अणुजाणइ। तए णं सा गंगदत्ता भारिया सागरदत्तसत्थवाहेणं एयमट्ठं अब्भणुण्णाया समाणी सुबहुं पुप्फ जाव महिलाहिं सद्धिं सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता पाडलिसंडं णयरं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पुक्खरिणीए तीरे सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं ठवेइ २ त्ता पुक्खरिणिं ओगाहेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता जलकीडं करेइ २ त्ता ण्हाया कयबलिकम्मा जाव पायच्छित्ता उल्लपडसाडिया पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरइ २ त्ता तं पुप्फ० गिण्हइ २ त्ता जेणेव उंबरदत्तस्स जक्खस्स जक्खायथणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उंबर-

दत्तस्स जक्खस्स आलोए पणामं करेइ २ त्ता लोमहत्थं परामुसइ० उंबरदत्तं जक्खं लोमहत्थेणं पमज्जइ २ त्ता दगधाराए अब्भुक्खेइ २ त्ता पम्हल० गायल० ओलूहेइ २ त्ता सेयाइं वत्थाइं परिहेइ २ महरिहं पुप्फारुहणं वत्थारुहणं मल्लारुहणं गंधारुहणं चुण्णारुहणं करेइ २ त्ता धूवं डहइ २ जाणुपायवडिया एवं वयइ–जइ णं अहं देवाणुप्पिया ! दारगं वा दारियं वा पयामि तो णं..... जाव उवाइणइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से धण्णंतरी वेज्जे ताओ णरयाओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे पाडलिसंडे णयरे गंगदत्ताए भारियाए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववण्णे। तए णं तीसे गंगदत्ताए भारियाए तिण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अयमेयारूवे दोहले पाउब्भूए–धण्णाओ णं ताओ जाव फले जाओ णं विउलं असणं ४ उवक्खडावेंति २ त्ता बहूहिं जाव परिवुडाओ तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ पुप्फ जाव गहाय पाडलिसंडं णयरं मज्झंमज्झेणं पडिणिक्खमंति २ त्ता जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पुक्खरिणीं ओगाहेंति २ ण्हायाओ जाव पायच्छित्ताओ तं विउलं असणं ४ बहूहिं मित्तणाइजाव सद्धिं आसाएं०दोहलं विणेंति, एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं जाव जलंते जेणेव सागरदत्ते सत्थवाहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सागरदत्तं सत्थवाहं एवं वयासी–धण्णाओ णं ताओ.....जाव विणेंति तं इच्छामि णं जाव विणित्तए। तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे गंगदत्ताए भारियाए एयमट्ठं अणुजाणइ। तए णं सा गंगदत्ता सागरदत्तेणं सत्थवाहेणं अब्भणुण्णाया समाणी विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ सुबहुं पुप्फ० परिगिण्हावेइ २ बहूहिं जाव ण्हाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ता जेणेव उंबरदत्तस्स जक्खस्स आययणे जाव धूवं डहेइ० जेणेव पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ। तए णं ताओ मित्त जाव महिलाओ गंगदत्तं सत्थवाहिं सव्वालंकारविभूसियं करेंति। तए णं सा गंगदत्ता भारिया ताहिं मित्तणाईहिं अण्णाहिं बहूहिं णगरमहिलाहिं सद्धिं तं विउलं असणं ४ सुरं च ६......दोहलं विणेइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं सा गंगदत्ता सत्थवाही पसत्थ दोहला तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहइ। तए णं सा गंगदत्ता भारिया णवण्हं मासाणं जाव पयाया ठिइवडिया जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए उंबरदत्तस्स जक्खस्स ओवाइयलद्धए तं होउ णं दारए उंबरदत्ते

णामेणं। तए णं से उंबरदत्ते दारए पंचधाईपरिग्गहिए....परिवड्ढइ। तए णं से सागरदत्ते सत्थवाहे जहा विजयमित्ते जाव काल० गंगदत्ता वि.....उंबरदत्ते णिच्छूढे जहा उज्झियए। तए णं तस्स उंबरदत्तस्स दारगस्स अण्णया कयाइ सरीरगंसि जमगसमगमेव सोलस-रोगायंका पाउब्भूया, तं०—सासे कासे जाव कोढे। तए णं से उंबरदत्ते दारए सोलसहिं रोगायंकेहिं अभिभूए समाणे० जाव विहरइ। एवं खलु गोयमा! उंबरदत्ते दारए पुरापोराणाणं जाव पच्चणुभवमाणे विहरइ। तए णं से उंबरदत्ते कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! उंबरदत्ते दारए बावत्तरिं वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उवव०, संसारो तहेव जाव पुढवी, तओ हत्थिणाउरे णयरे कुक्कुडत्ताए पच्चायाहिइ गोट्ठिवहिए तत्थेव हत्थिणाउरे णयरे सेट्ठिकुलंसि उववज्जिहिइ बोहिं....सोहम्मे कप्पे....महाविदेहे वासे सिज्झिहि०। णिक्खेवो॥२७॥

॥ सत्तमं अज्झयणं समत्तं ॥

सोरियदत्ते णामं अट्ठमं अज्झयणं

जइ णं भंते! .....अट्ठमस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं सोरियपुरं णयरं सोरियवडिंसगं उज्जाणं सोरियो जक्खो सोरियदत्ते राया। तस्स णं सोरियपुरस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं एगे मच्छंधपाडए होत्था। तत्थ णं समुद्ददत्ते णामं मच्छंधे परिवसइ—अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तस्स णं समुद्ददत्तस्स समुद्ददत्ताणामं भारिया होत्था अहीण० पंचिंदियसरीरा। तस्स णं समुद्ददत्तस्स म० पुत्ते समुद्ददत्ताए भारियाए अत्तए सोरियदत्ते णामं दारए होत्था अहीण०। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समए० जेट्ठे सीसे जाव सोरियपुरे णयरे उच्चणीयमज्झिमाइं कुलाइं० अहापज्जत्तं समुदाणं गहाय सोरियपुराओ णयराओ पडिणिक्खमइ, २ तस्स मच्छंधपाडगस्स अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे महइमहालियाए मणुस्सपरिसाए मज्झगयं पासइ एगं पुरिसं सुक्कं भुक्खं णिम्मंसं अट्ठिचम्मावणद्धं किडिकिडियाभूयं णीलसाडगणियत्थं मच्छकंटएणं गलए अणुलग्गेणं कट्ठाइं कलुणाइं वीसराइं कूवेमाणं अभि-

क्खणं २ पूयकवले य रुहिरकवले य किमिकवले य वम्ममाणं पासइ, २ इमे-याख्वे अज्झत्थिए ५ पुरा-पोराणाणं जाव विहरइ, एवं सपेहेइ २ जेणेव समणे भगवं....जाव पुव्वभवपुच्छा जाव वागरणं-एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे णंदिपुरे णामं णयरे होत्था, मित्ते राया। तस्स णं मित्तस्स रण्णो सिरीए णामं महाणसिए होत्था, अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे। तस्स णं सिरीयस्स महाणसियस्स बहवे मच्छिया य वागुरिया य साउणिया य दिण्णभइभत्तवेयणा कल्लाकल्लिं बहवे सण्हमच्छा जाव पडागाइपडागे य अए य जाव महिसे य तित्तिरे य जाव मऊरे य जीवियाओ ववरोवेंति २ सिरियस्स महाणसियस्स उवणेंति, अण्णे य से बहवे तित्तिरा य जाव मऊरा य पंजरंसि संणिरुद्धा चिट्ठंति, अण्णे य बहवे पुरिसा दिण्णभइ-भत्तवेयणा ते बहवे तित्तिरे य जाव मऊरे य जीवियाओ चेव णिप्पंखेंति २ सिरियस्स महाणसियस्स उवणेंति। तए णं से सिरीए महाणसिए बहूणं जलयर-थलयरखहयराणं मंसाइं कप्पणिकप्पियाइं करेइ, तं०-सण्हखंडियाणि य वट्ट-खंडियाणि य दीहखंडियाणि य रहस्सखंडियाणि य हिमपक्काणि य जम्म प०(धम्म) वेग० मारुयपक्काणि य कालाणि य हेरंगाणि य महिट्ठाणि य आमलरसियाणि य मुद्दियारसियाणि य कविट्ठरसियाणि य दालिमरसियाणि य मच्छरसियाणि य तलियाणि य भज्जियाणि य सोल्लियाणि य उवक्खडावेइ २ त्ता अण्णे य बहवे मच्छरसे य एणेज्जरसे य तित्तिररसे य जाव मयूररसे य अण्णं च विउलं हरियसागं उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तस्स रण्णो भोयणमंडवंसि भोयणवेलाए उवणेइ अप्पणावि य णं से सिरीए महाणसिए ते० बहू० जलयर-थलयर-खहयरमंसेहिं च रसिएहिं य हरियसागेहिं य सोल्लेहिं य तलिएहिं य भज्जिएहिं य सुरं च ६ आसाएमाणे० विहरइ। तए णं से सिरीए महाणसिए एयकम्मे० सुबहुं पाव-कम्मं समज्जिणित्ता तेत्तीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए उववण्णे। तए णं सा समुद्ददत्ता भारिया णिंदू यावि होत्था जाया २ दारगा विणिहायमावज्जंति जहा गंगदत्ताए चिंता आपुच्छणा ओ-वाइयं दोहला जाव दारगं पयाया जाव जम्हा णं अम्हं इमे दारए सोरियस्स जक्खस्स ओवाइयलद्धे तम्हा णं होउ अम्हं दारए सोरियदत्ते णामेणं। तए णं से सोरियदत्ते दारए पंचधाई जाव उम्मुक्कबालभावे विण्णयपरिणयमित्ते

जोव्वण० होत्था । तए णं से समुद्ददत्ते अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते । तए णं से सोरियदत्ते दा० बहूहिं मित्तणाइ० रोयमा० समुद्ददत्तस्स णीहरणं करेइ लोइयाइं मयकिच्चाइं करेइ, अण्णया कयाइ सयमेव मच्छंधमहत्तरगत्तं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तए णं से सोरियदत्ते दारए मच्छंधे जाए अहम्मिए जाव दुप्पडियाणंदे । तए णं तस्स सोरियदत्तमच्छंधस्स बहवे पुरिसा दिण्णभइ० एगट्ठियाहिं जउणामहाणइं ओगाहेंति २ बहूहिं दहगलणेहि य दहमलणेहि य दहमद्दणेहि य दहमहणेहि य दहवहणेहि य दहपवहणेहि य मच्छंधुलेहि य पयंचुलेहि य पंचपुलेहि य जंभाहि य तिसराहि य भिसराहि य घिसराहि य विसराहि य हिल्लिरीहि य लल्लिरीहि य झिल्लिरीहि य जालेहि य गलेहि य कूडपासेहि य वक्कबंधेहि य सुत्तबंधेहि य वालबंधेहि य बहवे सण्हमच्छे य जाव पडागाइपडागे य गिण्हंति० एगट्ठियाओ (णावा) भरेंति० कूलं गाहेंति० मच्छखलए करेंति० आयवंसि दलयंति, अण्णे य से बहवे पुरिसा दिण्णभइभत्त-वेयणा आयवतत्तएहिं सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य रायमग्गंसि वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति, अप्पणावि य णं से सोरियदत्ते बहूहिं सण्हमच्छेहि य जाव पडा० सोल्लेहि य तलिएहि य भज्जिएहि य सुरं च ६ आसाएमाणे० विहरइ । तए णं तस्स सोरियदत्तस्स मच्छंधस्स अण्णया कयाइ ते मच्छसोल्ले तलिए य भज्जिए य आहारेमाणस्स मच्छकंटए गलए लग्गे यावि होत्था । तए णं से सोरियदत्तमच्छंधे महयाए वेयणाए अभिभूए समाणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तुम्हे देवाणुप्पिया ! सोरियपुरे णयरे सिंघाडग जाव पहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सोरियदत्तस्स मच्छकंटए गले लग्गे तं जो णं इच्छइ वेज्जो वा ६ सोरियमच्छि-यस्स मच्छकंटयं गलाओ णीहरित्तए तस्स णं सोरिय० विउलं अत्थसंपयाणं दलयइ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव उग्घोसेंति । तए णं ते बहवे वेज्जा य ६ इमेयारूवं उग्घोसणं उग्घोसिज्जमाणं णिसामेंति २ त्ता जेणेव सोरिय० गेहे जेणेव सोरियमच्छंधे तेणेव उवागच्छंति २ बहूहिं उप्पत्तिया० परिणम० माणा वमणेहि य छड्डणेहि य ओवीलणेहि य कवलग्गाहेहि य सल्लुद्धरणेहि य विसल्लकरणेहि य इच्छंति सोरियमच्छं० मच्छकंटयं गलाओ णीहरित्तए णो चेव णं संचाएंति णीहरित्तए वा विसोहित्तए वा, तए णं ते बहवे वेज्जा य ६

जाहे णो संचाएंति सोरिय० मच्छकंटगं गलाओ णीहरित्तए ताहे संता जाव जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं से सोरिय०म० विज्ज० पडियारणिव्विण्णे तेणं दुक्खेणं महया अभिभूए सुक्के जाव विहरइ। एवं खलु गोयमा! सोरियदत्ते पुरापोराणाणं जाव विहरइ। सोरिए णं भंते! मच्छंधे इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ? कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! सत्तरि-वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए०, संसारो तहेव पुढ० हत्थिणाउरे णयरे मच्छत्ताए उवव०, से णं तओ मच्छिएहिं जीवियाओ ववरोविए तत्थेव सेट्ठिकुलंसि......बो० सोहम्मे कप्पे.....महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ णिक्खेवो ॥ २८ ॥

॥ अट्ठमं अज्झयणं समत्तं ॥

देवदत्ता णामं णवमं अज्झयणं

जइ णं भंते!....उक्खेवो णवमस्स० एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रोहीडए णामं णयरे होत्था रिद्ध०। पुढविवडिंसए उज्जाणे, धरणो जक्खो, वेसमणदत्ते राया, सिरी देवी, पूसणंदी कुमारे जुवराया। तत्थ णं रोहीडए णयरे दत्ते णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे० कण्हसिरी भारिया। तस्स णं दत्तस्स धूया कण्हसिरीए अत्तया देवदत्ता णामं दारिया होत्था अहीण०जाव उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा। तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा०, तेणं कालेणं तेणं समए० जेट्ठे अंतेवासी छट्ठक्खमण.......तहेव जाव रायमग्ग-मोगाढे हत्थी आसे पुरिसे पासइ, तेसिं पुरिसाणं मज्झगयं पासइ एगं इत्थियं अवओडयबंधणं उक्खित्तकण्णणासं जाव सूले भिज्जमाणं पासइ, २ इमे अज्झ-त्थिए....तहेव णिग्गए जाव एवं वयासी—एस णं भंते! इत्थिया पुव्वभवे का आसी? एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सुपइट्ठे णामं णयरे होत्था रिद्ध०, महासेणे राया। तस्स णं महासेणस्स रण्णो धारिणीपामोक्खाणं देवीसहस्सं ओरोहे यावि होत्था। तस्स णं महासेण-स्स रण्णो पुत्ते धारिणीए देवीए अत्तए सीहसेणे णामं कुमारे होत्था अहीण० जुवराया। तए णं तस्स सीहसेणस्स कुमारस्स अम्मापियरो अण्णया कयाइ पंच पासायवडिंसयसयाइं करेंति अब्भुग्गय०। तए णं तस्स सीहसेणस्स कुमारस्स

अण्णया कयाइ सामापामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकण्णगसयाणं एगदिवसे पाणिं गिण्हाविसु पंचसयओ दाओ। तए णं से सीहसेणे कुमारे सामापामोक्खाहिं पंचसयाहिं देवीहिं सद्धिं उप्पिं जाव विहरइ। तए णं से महासेणे राया अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते णीहरणं....राया जाए महया०। तए णं से सीहसेणे राया सामाए देवीए मुच्छिए ४ अवसेसाओ देवीओ णो आढाइ णो परि-जाणाइ अणाढायमाणे अपरिजाणमाणे विहरइ। तए णं तासिं एगूणगाणं पंच-ण्हं देवीसयाणं एगूणाइं पंचमाईसयाइं इमीसे कहाए लद्धट्ठाइं समाणाइं एवं खलु सामी सीहसेणे राया सामाए देवीए मुच्छिए ४ अम्हं धूयाओ णो आढाइ णो परिजाणइ अणाढायमाणे अपरिजाणमाणे विहरइ, तं सेयं खलु अम्हं सामं देविं अग्गिपओगेण वा विसप्पओगेण वा सत्थप्पओगेण वा जीवियाओ ववरोवि-त्तए, एवं संपेहेंति २ सामाए देवीए अंतराणि य छिद्दाणि य विरहाणि य पडिजागरमाणीओ २ विहरंति। तए णं सा सामा देवी इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी एवं वयासी–एवं ख० मम पंचण्हं सवत्तीसयाणं पंचमाइसयाइं इमीसे कहाए लद्धट्ठाइं समाणाइं अण्णमण्णं एवं वयासी–एवं खलु सीहसेणे.....जाव पडिजागरमाणीओ विहरंति, तं ण णज्जइ णं मम केणइ कुमारेणं मारिस्स-तित्तिकट्टु भीया जाव जेणेव कोवघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता ओहय जाव झियाइ। तए णं से सीहसेणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जेणेव कोवघरए जेणेव सामा देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सामं देविं ओह० जाव पासइ २ त्ता एवं वयासी–किं णं तुमं देवाणुप्पिए! ओह० जाव झियासि? तए णं सा सामा देवी सीहसेणेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणी उप्फेणउप्फेणियं सीहसेणं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! मम एगूणगाणं पंचसवत्तीसयाणं एगूणपंच-माइसयाणं इमीसे कहाए लद्धट्ठाणं समाणा० अण्णमण्णे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु सीहसेणे राया सामाए देवीए उवरिं मुच्छिए ४ अम्हं धूयाओ णो आढाइ....जाव अंतराणि य छिद्दाणि० पडिजागरमाणीओ विहरंति तं ण णज्जइ० भीया जाव झियामि। तए णं से सीहसेणे राया सामं देविं एवं वयासी–मा णं तुमं देवाणुप्पिए! ओह० जाव झियाहि, अहं णं तहा जत्ति-हामि जहा णं तव णत्थि कत्तोवि सरीरस्स आबाहे वा पबाहे वा भविस्सइत्ति-कट्टु ताहिं इट्ठाहिं ६ समासासेइ २ तओ पडिणिक्खमइ २ त्ता कोडुंबिय-

पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! सुपइट्ठस्स णयरस्स बहिया एगं महं कूडागारसालं करेह अणेगक्खंभसयसंणिवि० पासा० ४ करेह २ त्ता ममं एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता सुपइट्ठणयरस्स बहिया पच्चत्थिमे दिसीविभाए एगं महं कूडागारसालं जाव करेंति अणेगक्खंभ० पासा० ४ जेणेव सीहसेणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति । तए णं से सीहसेणे राया अण्णया कयाइ एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणाइं पंचमाइसयाइं आमंतेइ । तए णं तासिं एगूणपंचदेवीसयाणं एगूणपंचमाइसयाइं सीहसेणेणं रण्णा आमंतियाइं समाणाइं सव्वालंकारविभूसियाइं जहाविभवेणं जेणेव सुपइट्ठे णयरे जेणेव सीहसेणे राया तेणेव उवागच्छंति । तए णं से सीहसेणे राया एगूणपंचण्हं देवीसयाणं एगूणगाणं पंचण्हं माइसयाणं कूडागारसालं आवासं दलयइ । तए णं से सीहसेणे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! विउलं असणं० उवणेह सुबहुं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारं च कूडागारसालं साहरह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव साहरेंति । तए णं तासिं एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणपंचमाइसयाइं सव्वालंकारविभूसिया० तं विउलं असणं ४ सुरं च ६ आसाएमाणा० गंधव्वेहि य णाडएहि य उवगीयमाणाइं २ विहरंति । तए णं से सीहसेणे राया अद्धरत्तकालसमयंसि बहूहिं पुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे जेणेव कूडागारसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कूडागारसालाए दुवाराइं पिहेइ २ कूडागारसालाए सव्वओ समंता अगणिकायं दलयइ । तए णं तासिं एगूणगाणं पंचण्हं देवीसयाणं एगूणगाइं पंचमाइसयाइं सीहरण्णा आलीवियाइं समाणाइं रोयमाणाइं ३ अत्ताणाइं असरणाइं *कालधम्मुणा संजुत्ताइं । तए णं से सीहसेणे राया एयकम्मे ४ सुबहुं पावकम्मं* समज्जिणित्ता चोत्तीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए पुढवीए उक्कोसेणं बावीससागरोवमट्ठिइए सुणेरइयत्ताए उववण्णे, से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव रोहीडए णयरे दत्तस्स सत्थवाहस्स कण्हसिरीए भारियाए कुच्छिंसि दारियत्ताए उववण्णे । तए णं सा कण्हसिरी णवण्हं मासाणं जाव दारियं पयाया सुकूमाल० सुरूवं । तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो णिव्वत्तबारसाहियाए विउलं असणं ४ जाव मित्त णाइ० णामधेज्जं

करेंति....तं होउ णं दारिया देवदत्ता णामेणं । तए णं सा देवदत्ता दारिया पंचधाईपरिग्गहिया जाव परिवड्ढइ । तए णं सा देवदत्ता दारिया उम्मुक्कबाल-भावा जोव्वणेण य रूवेण य लावण्णेण य जाव अई० उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा जाया यावि होत्था । तए णं सा देवदत्ता दारिया अण्णया कयाइ ण्हाया जाव विभूसिया बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ता उप्पिं आगासतलगंसि कणग-तिंदूसेणं कीलमाणी विहरइ । इमं च णं वेसमणदत्ते राया ण्हाए जाव पाय-च्छित्ते विभूसिए आसं दुरुहित्ता बहूहिं पुरिसेहिं सद्धिं संपरिवुडे आसवाहणि-याए णिज्जायमाणे दत्तस्स गाहावइस्स गिहस्स अदूरसामंतेणं वीईवयइ । तए णं से वेसमणे राया जाव वीईवयमाणे देवदत्तं दारियं उप्पिं आगासतलगंसि कणगतिंदूसेणं कीलमाणिं पासइ, देवदत्ताए दारियाए जोव्वणेण य रूवेण य लावण्णेण य जाव विम्हिए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—कस्स णं देवाणुप्पिया ! एसा दारिया किं वा णामधेज्जेणं ? तए णं ते कोडुंबिय-पुरिसा वेसमणरायं करयल० एवं वयासी—एस णं सामी ! दत्तस्स सत्थवाह-स्स धूया कण्हसिरीए भारियाए अत्तया देवदत्ता णामं दारिया जोव्वणेण य रूवेण य लावण्णेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा । तए णं से वेसमणे राया आसवाहणियाओ पडिणियत्ते समाणे अब्भिंतरठाणिज्जे पुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! दत्तस्स धूयं कण्हसिरीए भारियाए अत्तयं देवदत्तं दारियं पूसणंदिस्स जुवरण्णो भारियत्ताए वरेह, जइवि सा सयंरज्जसुक्का । तए णं ते अब्भिंतरठाणिज्जा पुरिसा वेसमणेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेंति २ त्ता ण्हाया जाव सुद्ध-प्पावेसाइं.....संपरिवुडा जेणेव दत्तस्स गिहे तेणेव उवागच्छित्था । तए णं से दत्ते सत्थवाहे ते पुरिसे एज्जमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठ पयाइं पच्चुग्गए आसणेणं उवणिमंतेइ २ त्ता ते पुरिसे आसत्थे वीसत्थे सुहासणवरगए एवं वयासी—संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किं आगमणप्प-ओयणं ? तए णं ते रायपुरिसा दत्तं सत्थवाहं एवं वयासी—अम्हे णं देवाणु-प्पिया ! तव धूयं कण्हसिरीए अत्तयं देवदत्तं दारियं पूसणंदिस्स जुवरण्णो भारियत्ताए वरेमो । तं जइ णं जाणासि देवाणुप्पिया ! जुत्तं वा पत्तं वा सलाहणिज्जं वा सरिसो वा संजोगो दिज्जउ णं देवदत्ता भारिया पूसणंदिस्स

जुवरण्णो, भण देवाणुप्पिया ! किं दलयामो सुक्कं ? तए णं से दत्ते ते अब्भितरठाणिज्जे पुरिसे एवं वयासी–एवं चेव णं देवाणुप्पिया ! मम सुक्कं जं णं वेसमणे राया मम दारियाए णिमित्तेणं अणुगिण्हइ, ते अब्भितर ठाणिज्ज-पुरिसे विउलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेइ० पडिविसज्जेइ । तए णं ते ठाणिज्जपुरिसा जेणेव वेसमणे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता वेसमणस्स रण्णो एयमट्ठं णिवेदेंति । तए णं से दत्ते गाहावई अण्णया कयाइ सोभणंसि तिहिकरणदिवसणक्खत्तमुहुत्तंसि विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्तणाइ० आमंतेइ ण्हाए जाव पायच्छित्ते सुहासणवरगए तेणं मित्त० सद्धिं संपरिवुडे तं विउलं असणं ४ आसाएमा० विहरइ जिमियभुत्तुत्तराग० आयंते ३ तं मित्त-णाइ-णियग० विउलगंधपुप्फ जाव अलंकारेणं सक्कारेइ० देवदत्तं दारियं ण्हायं जाव पायच्छित्ता विभूसियसरीरं पुरिससहस्सवाहिणीयं सीयं दुरुहेइ २ त्ता सुबहु-मित्त जाव सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं रोहीडयं णयरं मज्झं-मज्झेणं जेणेव वेसमणरण्णो गिहे जेणेव वेसमणे राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव बद्धावेइ २ त्ता वेसमणस्स रण्णो देवदत्तं दारियं उवणेइ । तए णं से वेसमणे राया देवदत्तं दारियं उवणीयं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ० विउलं असणं ४ उवक्खडावेइ २ त्ता मित्त-णाइ० आमंतेइ जाव सक्कारेइ० पूसणंदिकुमारं देवदत्तं च दारियं पट्टयं दुरुहेइ २ त्ता सेयापीएहिं कलसेहिं मज्जावेइ २ त्ता वरणेवत्थाइं करेइ २ त्ता अग्गिहोमं करेइ २ पूसणंदिकुमारं देवदत्ताए दारि-याए पाणिं गिण्हावेइ । तए णं से वेसमणे राया पूसणंदिकुमारस्स देवदत्तं दारियं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं पाणिग्गहणं करेइ २ देवदत्ताए दारियाए अम्मापियरो मित्त जाव परियणं च विउलेणं असण० वत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ संमाणेइ जाव पडिविसज्जेइ । तए णं से पूसणंदी कुमारे देवदत्ताए सद्धिं उप्पिं पासाय० फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं बत्ती० उवगिज्जमाणे जाव विहरइ । तए णं से वेसमणे राया अण्णया कयाइ कालधम्मुणा संजुत्ते णीहरणं जाव राया जाए । तए णं से पूसणंदी राया सिरीए देवीए मायाभत्तए यावि होत्था, कल्लाकल्लिं जेणेव सिरी देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिरीए देवीए पायवडणं करेइ २ सयपागसहस्सपागेहिं तेल्लेहिं अब्भिगावेइ अट्ठिसुहाए मंससुहाए तयासुहाए (चम्मसुहाए) रोमसुहाए

चउव्विहाए संवाहणाए संवाहावेइ २ सुरभिणा गंधवट्टएणं उव्वट्टावेइ २ तिहिं उदएहिं मज्जावेइ तं०–उसिणोदएणं सीओदएणं गंधोदएणं, २ विउलं असणं ४ भोयावेइ २ सिरीए देवीए ण्हायाए जाव पायच्छित्ताए जिमियभुत्तुरागयाए तए णं पच्छा ण्हाइ वा भुंजइ वा उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं तीसे देवदत्ताए देवीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए इमेयारूवे अज्झत्थिए ५ समुप्पण्णे–एवं खलु पूसणंदी राया सिरीए देवीए माइभत्ते जाव विहरइ तं एएणं वक्खेवेणं णो संचाएमि अहं पूसणंदिणा रण्णा सद्धिं उरालाइं० भुंजमाणी विहरित्तए तं सेयं खलु मम सिरिदेविं अग्गिपओगेण वा सत्थ० विस० मंतप्पओगेण वा जीवियाओ ववरोवित्तए २ त्ता पूसणंदिणा रण्णा सद्धिं उरालाइं भोगभोगाइं भुंजमाणीए विहरित्तए, एवं संपेहेइ २ त्ता सिरीए देवीए अंतराणि य ३ पडिजागरमाणी विहरइ। तए णं सा सिरी देवी अण्णया कयाइ मज्जाइया विरहियसयणिज्जंसि सुहपसुत्ता जाया यावि होत्था। इमं च णं देवदत्ता देवी जेणेव सिरी-देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिरीदेविं मज्जाइयं विरहियसयणिज्जंसि सुहपसुत्तं पासइ २ त्ता दिसालोयं करेइ २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता लोहदंडं परामुसइ २ त्ता लोहदंडं तावेइ २ तत्तं समजोइभूयं फुल्लकिंसुयसमाणं संडासएणं गहाय जेणेव सिरी-देवी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिरीए देवीए अवाणंसि पक्खिवइ। तए णं सा सिरी-देवी महया २ सद्देणं आरसित्ता कालधम्मुणा संजुत्ता। तए णं तीसे सिरीए देवीए दासचेडीओ आरसियसद्दं सोच्चा णिसम्म जेणेव सिरीदेवी तेणेव उवागच्छंति २ देवदत्तं देविं तओ अवक्कममाणिं पासंति २ त्ता जेणेव सिरी-देवी तेणेव उवागच्छंति २ सिरिं देविं णिप्पाणं णिच्चेट्ठं जीवियविप्पजढं पासंति २ त्ता हा हा! अहो! अकज्जमितिकट्टु रोयमाणीओ कंदमाणीओ विलवमाणीओ जेणेव पूसणंदी राया तेणेव उवागच्छंति २त्ता पूसणंदिं रायं एवं वयासी–एवं खलु सामी! सिरीदेवी देवदत्ताए देवीए अकाले चेव जीवियाओ ववरोविया। तए णं से पूसणंदी राया तासिं दासचेडीणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म महया माइसोएणं अप्फुण्णे समाणे परसुणियत्ते विव चंपगवरपायवे धसत्ति धरणीयलंसि सव्वंगेहिं संणिवडिए। तए णं से पूसणंदी राया मुहुत्तंतरेण आसत्थे वीसत्थे

समाणे बहूहिं राईसर जाव सत्थवाहेहिं मित्त जाव परियणेण य सद्धिं रोयमाणे ३ सिरीए देवीए महया इड्ढीए णीहरणं करेइ २ त्ता आसुरुत्ते० देवदत्तं देविं पुरिसेहिं गिण्हावे० एएणं विहाणेणं वज्झं आणवेइ । तं एवं खलु गोयमा ! देवदत्ता देवी पुरापुराणाणं.....विहरइ । देवदत्ता णं भंते ! देवी इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छि(मि)हि० कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! असीइं वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववण्णा संसारो वणस्सइ....तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता गंगपुरे णयरे हंसत्ताए पच्चायाहिइ, से णं तत्थ साउणिएहिं वहिए समाणे तत्थेव गंगपुरे णयरे सेट्ठिकु० बोहिं.....सोहम्मे......महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥ णिक्खेवो ॥ २९ ॥　॥ णवमं अज्झयणं समत्तं ॥

अंजू णामं दसमं अज्झयणं

जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं दसमस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वद्धमाणपुरे णामं णयरे होत्था, विजयवद्धमाणे उज्जाणे, माणिभद्दे जक्खे, विजयमित्ते राया, तत्थ णं धणदेवे णामं सत्थवाहे होत्था अड्ढे०, पियंगू णामं भारिया, अंजू दारिया जाव सरीरा, समोसरणं परिसा जाव पडिगया। तेणं कालेणं तेणं समएणं जेट्ठे जाव अडमाणे जाव विजयमित्तस्स रण्णो गिहस्स असोगवणियाए अदूरसामंतेणं वीईवयमाणे पासइ एगं इत्थियं सुक्कं भुक्खं णिम्मंसं किडिकिडियाभूयं अट्ठिचम्मावणद्धं णीलसाडगणियत्थं कट्ठाइं कलुणाइं वीसराइं कूवमाणं पासइ० चिंता तहेव जाव एवं वयासी—सा णं भंते ! इत्थिया पुव्वभवे का आसी ? वागरणं । एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इंदपुरे णामं णयरे होत्था । तत्थ णं इंददत्ते राया पुढवीसिरी णामं गणिया होत्था वण्णओ । तए णं सा पुढवीसिरी गणिया इंदपुरे णयरे बहवे राईसर जाव प्पभियओ बहूहिं चुण्णप्पओगेहिं य जाव आभिओगेत्ता उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ । तए णं सा पुढवीसिरी गणिया एयकम्मा ४ सुबहुं० समज्जिणित्ता पणतीसं वाससयाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा छट्ठीए उक्कोसेणं० णेरइयत्ताए उववण्णा । सा णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता इहेव वद्धमाणपुरे णयरे धणदेवस्स

सत्थवाहस्स पियंगुभारियाए कुच्छिंसि दारियत्ताए उववण्णा। तए णं सा पियंगुभारिया णवण्हं मासाणं.....दारियं पयाया, णामं अंजुसिरी, सेसं जहा देवदत्ताए। तए णं से विजए राया आसवाह० जहा वेसमणदत्ते तहा अंजुं पासइ णवरं अप्पणो अट्ठाए वरेइ जहा तेयली जाव अंजूए भारियाए सद्धिं उप्पिं जाव विहरइ। तए णं तीसे अंजूए देवीए अण्णया कयाइ जोणिसूले पाउब्भूए यावि होत्था। तए णं से विजए राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं देवाणुप्पिया! वद्धमाणपुरे णयरे सिंघाडग जाव एवं वयह–एवं खलु देवाणुप्पिया! विजय० अंजूए देवीए जोणिसूले पाउब्भूए जो णं इ० वेज्जो वा ६.....जाव उग्घोसेंति। तए णं ते बहवे वेज्जा० ६ इमं एयारूवं सोच्चा णिसम्म जेणेव विजए राया तेणेव उवागच्छंति० उप्पत्तियाहिं० परिणामेमाणा इच्छंति अंजूए देवीए जोणिसूलं उवसामित्तए णो संचाएंति उवसामित्तए। तए णं ते बहवे वेज्जा य ६ जाहे णो संचाएंति अंजू० जोणिसूलं उवसामित्तए ताहे संता तंता परितंता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया। तए णं सा अंजूदेवी ताए वेयणाए अभिभूया समाणी सुक्का भुक्खा णिम्मंसा कट्ठाइं कलुणाइं वीसराइं विलवइ। एवं खलु गोयमा! अंजूदेवी पुरापोराणाणं जाव विहरइ। अंजू णं भंते! देवी इओ कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! अंजू णं देवी णउइं वासाइं परमाउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयत्ताए उववज्जिहिइ, एवं संसारो जहा पढमे तहा णेयव्वं जाव वणस्सइ०, सा णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता सव्वओभद्दे णयरे मयूरत्ताए पच्चायाहिइ। से णं तत्थ साउणिएहिं वहिए समाणे तत्थेव सव्वओभद्दे णयरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाहिइ। से णं तत्थ उम्मुक्कबालभावे तहारूवाणं थेराणं० केवलं बोहिं बुज्झिहिइ पव्वज्जा सोहम्मे०। से णं ताओ देवलोगाओ आउक्खए० कहिं गच्छिहिइ० कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे जहा पढमे जाव सिज्झिहिइ जाव अंतं काहिइ। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते। सेवं भंते०॥ २०॥

॥ पढमो सुयक्खंधो समत्तो ॥

बीओ सुयक्खंधो

सुबाहू णामं पढमं अज्झयणं

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे णयरे गुणसिलए चेइए सुहम्मे समोसढे जंबू जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं दुहविवागाणं अयमट्ठे पण्णत्ते सुहविवागाणं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं०—(गा०) सुबाहू भद्दणंदी य सुजाए य सुवासवे। तहेव जिणदासे य धणवई य महब्बले ॥ १ ॥ भद्दणंदी महच्चंदे वरदत्ते तहेव य। जइ णं भंते! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता पढमस्स भंते! अज्झयणस्स सुहविवागाणं जाव संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते? तए णं से सुहम्मे अणगारे जंबुं अणगारं एवं वयासी—एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिसीसे णामं णयरे होत्था रिद्ध०। तस्स णं हत्थिसीसस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं पुप्फकरंडए णामं उज्जाणे होत्था सव्वोउय०। तत्थ णं कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खाययणे होत्था—दिव्वे। तत्थ णं हत्थिसीसे णयरे अदीणसत्तू णामं राया होत्था महया०। तस्स णं अदीणसत्तुस्स रण्णो धारिणीपामो० देवीसहस्सं ओरोहे यावि होत्था। तए णं सा धारिणी देवी अण्णया कयाइ तंसि तारिसगंसि वासघरंसि सीहं सुमिणे पासइ जहा मेहस्स जम्मणं तहा भाणियव्वं जाव सुबाहुकुमा० अलंभोगसम० जाणंति० पंचपासायवडिंसगसयाइं कारवेंति अब्भुग्गय० भवणं एवं जहा महाबलस्स रण्णो णवरं पुप्फचूलापामोक्खाणं पंचण्हं रायवरकण्णगसयाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हावेंति। तहेव पंचसइओ दाओ जाव उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं जाव विहरइ। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे समोसढे परिसा णिग्गया अदीणसत्तू जहा कोणिओ णिग्गओ सुबाहूवि जहा जमाली तहा रहेणं णिग्गए जाव धम्मो कहिओ राया परिसा पडिगया। तए णं से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ जाव एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते! णिग्गंथं पावयं० जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे राईसर जाव अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं

दुवालसविहं गिहिधम्मं पडि०, अहासुहं देवाणु०! मा पडिबंधं करेह। तए णं से सुबाहू समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवा० गिहिधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता तमेव० दुरूहइ २ जामेव०। तेणं कालेणं तेणं स० जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई जाव एवं वयासी–अहो णं भंते! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे कंते कंतरूवे पिए पियरूवे मणुण्णे २ मणामे २ सोमे सुभगे पियदंसणे सुरूवे बहुजणस्स वि य णं भंते! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे ५ सोमे ४ साहुजणस्स वि य णं भंते! सुबाहुकुमारे इट्ठे इट्ठरूवे ५ जाव सुरूवे सुबाहुणा भंते! कुमारेणं इमा एयारूवा उराला माणुस्सरिद्धी किण्णा लद्धा किण्णा पत्ता किण्णा अभिसमण्णागया? के वा एस आसी पुव्वभवे०। एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणाउरे णामं णयरे होत्था रिद्ध०। तत्थ णं हत्थिणाउरे णयरे सुमुहे णामं गाहावई परिवसइ अड्ढे०। तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसा णामं थेरा जाइसंपण्णा जाव पंचहिं समणसएहिं सद्धिं संपरिवुडा पुव्वाणुपुव्विं चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा जेणेव हत्थिणाउरे णयरे जेणेव सहस्संबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति। तेणं कालेणं तेणं समएणं धम्मघोसाणं थेराणं अंतेवासी सुदत्ते णामं अणगारे उराले जाव तेउलेस्से मासं मासेणं खममाणे विहरइ। तए णं से सुदत्ते णामं अणगारे मासक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ जहा गोयमसामी तहेव धम्मघोसे सुहम्मे थेरे आपुच्छइ जाव अडमाणे सुमुहस्स गाहावइस्स गेहे अणुप्पविट्ठे। तए णं से सुमुहे गाहावई सुदत्तं अणगारं एज्जमाणं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता सुदत्तं अणगारं सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव भत्तघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयहत्थेणं विउलेणं असणपा० पडिलाभिस्सामीति तुट्ठे……। तए णं तस्स सुमुहस्स गाहावइस्स तेणं दव्वसुद्धेणं…… तिविहेणं तिकरणसुद्धेणं सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे संसारे परित्तीकए मणुस्साउए णिबद्धे गेहंसि य से इमाइं पंचदिव्वाइं पाउब्भूयाइं तं०–वसुहारा वुट्ठा दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए चेलुक्खेवे कए आहयाओ देवदुंदुहीओ अंतरा वि

य णं आगासंसि अहो दाणमहो दाणं घु० हत्थिणाउरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अण्णमण्णस्स एवं आइक्खइ ४–धण्णे णं देवाणुप्पि० ! सुमुहे गाहाव० जाव तं धण्णे णं देवाणुप्पिया ! सुमुहे गाहाव० । तए णं से सुमुहे गाहावई बहूइं वाससयाइं आउयं पालइत्ता कालमासे कालं किच्चा इहेव हत्थिसीसे णयरे अदीणसत्तुस्स रण्णो धारिणीए देवीए कुच्छिंसि पुत्तत्ताए उववण्णे । तए णं सा धारिणी देवी सयणिज्जंसि सुत्तजाग० ओहीरमाणी २ तहेव सीहं पासइ सेसं तं चेव जाव उप्पिं पासा० विहरइ । तं एवं खलु गोयमा ! सुबाहुणा इमा एयारूवा माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता अभिसमण्णागया । पभू णं भंते ! सुबाहु-कुमारे देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? हंता पभू । तए णं से भगवं गोयमे समणं भगवं० वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से समणे भगवं महावीरे अण्णया कयाइ हत्थिसीसाओ णयराओ पुप्फकरंडयउज्जाणाओ कयवणमालपिय जक्खाय-यणाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ । तए णं से सुबाहु कुमारे समणोवासए जाए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरइ । तए णं से सुबाहुकुमारे अण्णया कयाइ चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जेणेव पोसह-साला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ २ त्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ त्ता दब्भसंथारं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारं दुरुहइ २ त्ता अट्ठम-भत्तं पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए अट्ठमभत्तिए पोसहं पडिजागरमाणे विहरइ । तए णं तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्म-जागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए ५–धण्णा णं ते गामागर-णगर जाव संणिवेसा जत्थ णं समणे भगवं महावीरे जाव विहरइ, धण्णा णं ते राईसरतलवर० जे णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए मुंडा जाव पव्व-यंति, धण्णा णं ते राईसरतलवर० जे णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव गिहिधम्मं पडिवज्जंति, धण्णा णं ते राईसर जाव जे णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सुणेंति, तं जइ णं समणे भगवं महावीरे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जाव विहरिज्जा तए णं अहं समणस्स भगवओ अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वएज्जा । तए णं समणे भगवं महावीरे सुबाहुस्स कुमारस्स इमं एयारूवं अज्झत्थियं जाव

वियाणित्ता पुव्वाणुपुव्विं जाव दूइज्जमाणे जेणेव हत्थिसीसे णयरे जेणेव पुप्फकरंडय उज्जाणे जेणेव कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ परिसा राया णिग्गया। तए णं तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स तं महया जहा पढमं तहा णिग्गओ, धम्मो कहिओ, परिसा राया पडिगया। तए णं से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ० जहा मेहे तहा अम्मापियरो आपुच्छइ णिक्खमणाभिसेओ तहेव जाव अणगारे जाए इरियासमिए जाव बंभयारी। तए णं से सुबाहू अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठमतवोविहाणेहिं अप्पाणं भावित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववण्णे। से णं ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता माणुस्सं विग्गहं लभिहिइ २ त्ता केवलं बोहिं बुज्झिहिइ २ त्ता तहारूवाणं थेराणं अंतिए मुंडे भवित्ता जाव पव्वइस्सइ, से णं तत्थ बहूइं वासाइं सामण्णं पाउणिहिइ आलोइयपडिक्कंते समाहि०काल० सणंकुमारे कप्पे देवत्ताए उवव०। से णं ताओ देवलोगाओ.....माणुस्सं पव्वज्जा बंभलोए माणुस्सं तओ महासुक्के तओ माणुस्सं आणए० देवे तओ माणुस्सं तओ आरणए देवे तओ माणुस्सं सव्वट्ठसिद्धे। से णं तओ अणंतरं उव्वट्टित्ता महाविदेहे वासे जाइं० अड्ढाइं.....जहा दढपइण्णे सिज्झिहिइ ५। एवं खलु जंबू! समणेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते ॥ ३१ ॥ **पढमं अज्झयणं समत्तं** ॥

भद्दणंदी णामं बीयं अज्झयणं

दोच्चस्स णं उक्खेवो एवं खलु जंबू! तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभपुरे णयरे, थूभकरंडे उज्जाणे, धण्णो जक्खो धणावहो राया सरस्सई देवी, सुमिणदंसणं कहणं जम्मणं बालत्तणं कलाओ, य जोव्वणं पाणिग्गहणं दाओ पासा० भोगा य। जहा सुबाहुस्स णवरं भद्दणंदी कुमारे सिरिदेवीपामोक्खाणं पंचस० सामीसमोसरणं,

सावगधम्मं....पुव्वपुच्छा महाविदेहे वासे पुंडरीकिणी णयरी विजयए कुमारे जुगबाहू तित्थयरे पडिलाभिए मणुस्साउए णिबद्धे इहं उप्पण्णे सेसं जहा सुबाहुस्स जाव महाविदेहे वासे सिज्झहिइ० ॥ **बीयं अज्झयणं समत्तं ॥**

सुजाए णामं तइयं अज्झयणं

तच्चस्स उक्खे० वीरपुरं णयरं मणोरमं उज्जाणं वीरकण्हमित्ते राया सिरी देवी सुजाए कुमारे बलसिरीपामो० पंचसयक० सामीसमोसरणं पुव्वभवपुच्छा उसुयारे णयरे उसभदत्ते गाहावई पुप्फदत्ते अणगारे पडिला० मणुस्साउए णिबद्धे इह उप्पण्णे जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहि० ॥

सुवासवे णामं चउत्थं अज्झयणं

चउत्थस्स उक्खे० विजयपुरं णयरं मणोरमं णंदणवणं उज्जाणं वासवदत्ते राया कण्हा देवी सुवासवे कुमारे भद्दापामोक्खाणं पंचस० जाव पुव्वभवे कोसंबी णयरी धणपाले राया वेसमणभद्दे अणगारे पडिलाभिए इह जाव सि० ॥

जिणदासे णामं पंचमं अज्झयणं

पंचमस्स उक्खे० सोगंधिया णयरी णीलासोए उज्जाणे अप्पडिहओ राया सुकण्णा देवी महचंदे कुमारे तस्स अरहदत्ता भारिया जिणदासो पुत्तो तित्थयरागमणं जिणदासपुव्वभवो मज्झमिया णयरी मेहरहो राया सुधम्मे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **पंचमं अज्झयणं समत्तं ॥**

धणवई णामं छट्ठं अज्झयणं

छट्ठस्स उक्खे० कणगपुरं णयरं सेयासोयं उज्जाणं पियचंदो राया सुभद्दा देवी वेसमणे कुमारे जुवराया सिरिदेवीपामो० पंचस० क० पाणिग्गहणं तित्थयरागमणं धणवई जुवरायपुत्ते जाव पुव्वभवो मणिवया णयरी मित्तो राया संभूति अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥ **छट्ठं अज्झयणं समत्तं ॥**

महब्बले णामं सत्तमं अज्झयणं

सत्तमस्स उक्खे० महापुरं णयरं रत्तासोगं उज्जाणं बले राया सुभद्दा देवी महब्बले कुमारे रत्तवईपामो० पंचस० क० पाणिग्गहणं तित्थयरागमणं जाव पुव्वभवो मणिपुरं णयरं णागदत्ते गाहावई इंदपुरे अणगारे पडिलाभिए जाव सि०।

भद्दणंदी णामं अट्ठमं अज्झयणं

अट्ठमस्स उक्खे० सुघोसं णयरं देवरमणं उज्जाणं अज्जुणो राया तत्तवई देवी भद्दणंदी कुमारे सिरिदेवीपामो० पंचस० जाव पुव्वभवे महाघोसे णयरे धम्मघोसे गाहावई धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥

महचंदे णामं णवमं अज्झयणं

णवमस्स उक्खे० चंपा णयरी पुण्णभद्दे उज्जाणे दत्ते राया दत्तवई देवी महचंदे कुमारे जुवराया सिरिकंतापामो० पंचस० क० जाव पुव्वभवो तिगिंछी णयरी जियसत्तू राया धम्मवीरिए अणगारे पडिलाभिए जाव सि० ॥

वरदत्ते णामं दसमं अज्झयणं

जति णं दसमस्स उक्खेवो एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं साएए णामं णयरे होत्था उत्तरकुरुउज्जाणे मित्तणंदी राया सिरिकंता देवी वरदत्ते कुमारे वरसेणापामो० पंच देवीसया तित्थयरागमणं सावगधम्मं..... पुव्वभवपुच्छा सयदुवारे णयरे विमलवाहणे राया धम्मरुई णामं अणगारं एज्जमाणं पासइ० पडिलाभिए समा० मणुस्साउए णिबद्धे इहं उप्पण्णे सेसं जहा सुबाहुस्स कुमारस्स चिंता जाव पव्वज्जा कप्पंतरिओ जाव सव्वट्ठसिद्धे तओ महाविदेहे जहा दढपइण्णो जाव सिज्झहिइ ५ । एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव संपत्तेणं सुहविवागाणं दसमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, सेवं भंते ! ०॥३२॥ **दसमं अज्झयणं समत्तं ॥ सुहवि० ॥**

॥ बीओ सुयक्खंधो समत्तो ॥

विवागसुयस्स दो सुयक्खंधा दुहविवागो य सुहविवागो य, तत्थ दुहविवागे दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति, एवं सुहविवागे-वि, सेसं जहा आयारस्स ॥ **विवागसुयं समत्तं ॥**

एक्कारस अंगाइं समत्ताइं

संघ के प्रकाशन

		मूल्य
१	मोक्षमार्ग ग्रन्थ	अप्राप्य
२	भगवती सूत्र भाग १	"
३	भगवती सूत्र भाग २	"
४	भगवती सूत्र भाग ३	"
५	भगवती सूत्र भाग ४	"
६	भगवती सूत्र भाग ५	"
७	भगवती सूत्र भाग ६	५–००
८	भगवती सूत्र भाग ७	७–००
९	उत्तराध्ययन सूत्र	अप्राप्य
१०	उववाइय सुत्त	"
११	जैन स्वाध्यायमाला	४–५०
१२	दशवैकालिक सूत्र	२–२५
१३	सिद्धस्तुति	०–७५
१४	स्त्री-प्रधान धर्म	अप्राप्य
१५	सुखविपाक सूत्र	०–५५
१६	कर्म-प्रकृति	०–२०
१७	सामायिक सूत्र	०–१५
१८	सूयगडांग सूत्र	अप्राप्य
१९	विनयचन्द चौबीसी	०–४०
२०	नन्दी सूत्र	अप्राप्य
२१	आलोचना पंचक	०–३५
२२	श्री उपासकदशांग सूत्र	४–००
२३	सम्यक्त्व-विमर्श (हिन्दी)	अप्राप्य

	मूल्य
२४ अंतगडदसा सूत्र	३–००
२५ प्रतिक्रमण सूत्र	०–४५
२६ संसार-तरणिका	१–२५
२७ तेतीस बोल	०–३५
२८ एक सौ दो बोल का बासठिया	०–१५
२९ गुणस्थान स्वरूप	०–२५
३० गति-आगति	०–१५
३१ प्रश्नव्याकरण सूत्र	७–००
३२ नव तत्त्व	१–२५
३३ पच्चीस बोल	अप्राप्य
३४ समर्थ समाधान भाग १	३–००
३५ समर्थ समाधान भाग २	अप्राप्य
३६ रजनीश दर्शन	अप्राप्य
३७ शिविर व्याख्यान	अप्राप्य
३८ मंगल-प्रभातिका	०–६०
३९ सार्थ सामायिक सूत्र	अप्राप्य
४० समिति-गुप्ति	०–२०
४१ स्तवन-तरंगिणी	अप्राप्य
४२ अणुत्तरोववाइयदसा सुत्त	०–५०
४३ तीर्थंकर पद प्राप्ति के उपाय	१–५०
४४ सम्यक्त्व-विमर्श (गुजराती)	अप्राप्य
४५ भवनाशिनी भावना	०–३०
४६ अंतकृत विवेचन	अप्राप्य
४७ तीर्थंकरों का लेखा	"
४८ जीव-धड़ा	०–२५
४९ लघुदण्डक	०–४०
५० महादण्डक	०–४०
५१ तीर्थंकर चरित्र भाग १	अप्राप्य

	मूल्य
५२ तीर्थंकर चरित्र भाग २	१०–००
५३ तीर्थंकर चरित्र भाग ३	९–००
५४ जैन सिद्धांत थोकसंग्रह भाग १, २	अप्राप्य
५५ आत्म-शुद्धि का मूल तत्त्वत्रयी	३–५०
५६ समकित के ६७ बोल	०–२०
५७ समर्थ समाधान भाग ३	३–५०
५८ अंगपविट्ठ सुत्ताणि भाग १	१४–००
५९ तत्त्व-पृच्छा	३–००
६० सामण्ण-सड्ढि धम्मो	१–००
६१ अंग पविट्ठ सुत्ताणि भाग २	२५–००